

प्रथम सहकरण

१९५९

मूल्य

सोलह रुपया

मुद्रक

प० पृथ्वीनाथ भार्गव

भागवत भूषण प्रसाद गायधाट वाराणसी

प्रकाशकीय

राष्ट्रभाषा हिन्दी की गौरव-वृद्धि और उसके साहित्य को विविध विषयों की उपयोगी पुस्तकों से समलकृत करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रशासन ने जो योजना बनायी थी, उसका एक लक्ष्य अन्यान्य भाषाओं के बहुमूल्य ग्रन्थों का अनुवाद हिन्दी में प्रकाशित करना भी रहा है। तदनुसार हिन्दी समिति के अभी तक के प्रकाशनों में कितनी ही अनूदित रचनाएँ निकल चुकी हैं तथा और भी कई प्रकाशनार्थ स्वीकृत की जा चुकी हैं। अंग्रेजी, फ्रेञ्च, ग्रीक आदि भाषाओं की तरह उर्दू, फारसी तथा अरबी में भी कितने ही ऐसे ग्रन्थ विद्यमान हैं जिनमें इतिहास, दर्शन, ज्योतिष आदि सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण सामग्री भरी पडी है। यह उर्दू-हिन्दी शब्दकोश इसी दृष्टि से प्रकाशित किया गया है जिससे उक्त ग्रन्थों को पढ़ने, समझने अथवा हिन्दी में उनका अनुवाद करने की इच्छा रखनेवालों को यथेष्ट सहायता मिल सके।

यह ग्रन्थ हिन्दी समिति ग्रन्थमाला का २१ वाँ पुष्प है। इसके रचयिता (स्वर्गीय) मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मद्दाह' अरबी, फ़ारसी, उर्दू, हिन्दी, संस्कृत, बंगला आदि भाषाओं के अच्छे जानकार और अनुभवी ग्रन्थकार थे। उन्होंने कई पुस्तकें लिखी हैं जिनमें कई कविता-संग्रह तथा तीन-चार अन्य कोश भी हैं। उनकी तुलना में यह कोश काफी बड़ा है और लेखक ने तीन-चार वर्ष के अनवरत परिश्रम के बाद इसे तैयार किया था। हिन्दी में इस तरह का कोई अच्छा उर्दू-हिन्दी कोश अभी तक प्रकाशित नहीं हुआ था। जो दो-तीन कोश निकले भी हैं, वे छोटे और अधूरे हैं तथा उनमें उर्दू के लेखकों द्वारा प्रयुक्त अरबी, फ़ारसी, तुर्की आदि के कठिन शब्द प्रायः नहीं मिलते। इसमें उनका विशेष रूप से संग्रह किया गया है और इसे अधिक से अधिक उपयोगी बनाने की चेष्टा की गयी है। खेद है कि श्रीमद्दाह अपनी कृति का प्रकाशन अपने जीवनकाल में न देख सके।

उर्दू में एक ही उच्चारण के लिए एकाधिक अक्षरों का प्रयोग होता है, जैसे—'त' के लिए ते और तोय, 'स' के लिए से, स्वाद और सीन, तथा 'ज' के लिए जे, जेह, जाल, जो आदि, इसीसे मूल शब्दों के साथ, कोष्ठक में, उनकी अक्षरी फारसी लिपि में भी दे दी गयी है, जिससे शुद्ध हिज्जे के सम्बन्ध में किसी तरह का भ्रम या सन्देह न होने पाये। आशा है, उर्दू साहित्य का अध्ययन करनेवाले हिन्दी-प्रेमियों तथा उर्दू से हिन्दी में अनुवाद करनेवालों और उर्दू-हिन्दी के सामान्य पाठकों के लिए भी यह शब्दकोश यथेष्ट रूप से उपयोगी प्रमाणित होगा।

भगवतीशरण सिंह
सचिव, हिन्दी समिति

प्राक्कथन

कोश लिखने का शौक मुझे पागलपन की हद तक शुरू से ही है। अब से १५-१६ वर्ष पहले इसका श्रीगणेश पाली-उर्दू शब्दकोश से हुआ। इसके पश्चात् हिन्दी-उर्दू, फिर संस्कृत-उर्दू, फिर अरबी, फ़ारसी, तुर्की-उर्दू के बड़े-बड़े कोश लिखे। सन् १९५० में मेरे जेल के साथी आदरणीय श्री नारायणप्रसादजी अरोड़ा ने कहा कि 'उर्दू साहित्य बड़ी तेजी से हिन्दी में लिप्यन्तरित हो रहा है, तुम एक उर्दू-हिन्दी-कोश केवल हिन्दी जाननेवालों के लिए हिन्दी लिपि में लिख दो।' बात अच्छी थी, बहुत पसन्द आयी और मैंने लिखना प्रारम्भ कर दिया। जब मैं उसे काफी लिख चुका तो अचानक ध्यान आया कि यदि किसी समय भारत से उर्दू लिपि खत्म हो गयी तो क्या होगा? भारत का सारा प्राचीन इतिहास फ़ारसी लिपि में है और एक समय उसका अनुवाद होना अनिवार्य है। ऐसी दशा में एक ऐसे कोश की आवश्यकता महसूस होगी, जो इस कठिनाई का समाधान कर सके, और हमें प्राचीन फ़ारसी ग्रन्थों का अनुवाद करने में कोई विशेष परिश्रम न करना पड़े, इसलिए मैंने फिर से अपना काम शुरू किया। अब दृष्टिकोण दूसरा था, इसलिए काम बहुत क्लिष्ट हो गया और एक वर्ष के बजाय उसमें साढ़े तीन साल लग गये।

अब यह पूर्ण रूप से मुकम्मल है और आशा है कि भविष्य में इस पर कुछ विशेष बढ़ाया न जा सकेगा।

अंग्रेजी में संसार की सारी भाषाओं के कोश मिलते हैं, यहाँ तक कि उन भाषाओं के शब्दकोश भी हैं, जो बहुत कम प्रचलित हैं, या बहुत थोड़े क्षेत्र में बोली जाती हैं।

भारत को भी यह सब करना है। यद्यपि अभी उसे स्वतन्त्र हुए बहुत कम समय बीता है, फिर भी उसे यह करना होगा। यदि मेरे जीवन ने कुछ और साथ दिया तो एक तुर्की-हिन्दी, एक आधुनिक अरबी-हिन्दी, एक आधुनिक फ़ारसी-हिन्दी कोश और लिखूँगा। इस समय तो मैं सारा जोर एक हिन्दी-हिन्दी कोश पर दे रहा हूँ, जिसकी बहुत अधिक आवश्यकता है, और वह है प्राचीन हिन्दी-शब्दों का संग्रह और उनका अर्थ जो चन्द्रवरदाई, सूर, जायसी, तुलसीदास, विहारी और अन्य प्रमुख कवियों ने अपनी रचनाओं में प्रयुक्त किये हैं, और जिनका कोई मुकम्मल ग्रन्थ नहीं है, यहाँ तक कि 'नागरी प्रचारिणी सभा' के शब्द-सागर में भी उनमें से बहुत-से शब्द नहीं हैं।

मैं अपना यह साहित्यिक परिश्रम माननीय श्री डाक्टर सम्पूर्णानन्दजी की सेवा में उपस्थित करते हुए गर्व महसूस करता हूँ, क्योंकि वह हमारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री ही नहीं हैं, बल्कि बड़े साहित्य-मर्मज्ञ, विद्वान् और सहृदय व्यक्ति हैं। मेरी उनसे यह भी प्रार्थना है कि वह ऐसे महत्त्वपूर्ण कामों के लिए भी एक रकम हर साल बजट में सुरक्षित कर दिया करें।

मुमकिन है, इन कामों को अभी लोग महत्त्व न दे, लेकिन समय आयेगा जब लोग इसकी कद्र करेंगे। मैंने यह काम उसी समय के लिए किया है।

उच्चारण की शुद्धता

किसी भाषा का मारा महत्त्व उसके शब्दों के शुद्ध उच्चारण में है। यदि उच्चारण अशुद्ध है तो बोलनेवाला कितना ही विद्वान् हो लो उसे जाहिल समजेंगे। शुद्ध उच्चारण तभी होगा, जब हम शब्द को शुद्ध रूप से लिखेंगे। यदि हम सम्बृत के शब्द 'सम्बद्ध' को 'नमबदव' लिख दें, तो यह शब्द भ्रष्टक बन जायगा। इसी प्रकार यदि हम उर्दू के शब्द 'फुज्ज' (विष्ठा) को 'फुत्त' (विद्वान् लो) लिख दें तो कितना बड़ा अन्त हो जायगा। इस कौम में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है।

हिन्दी में जो उर्दू के शब्द लिखे गये हैं या हिन्दी शब्दों में जो उर्दू के शब्द दिये गये हैं, उन सबका उच्चारण प्राप्त अशुद्ध है क्योंकि उनके लेखक ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है।

शब्द क्रम

शब्दों को जामुनिक टा में लिखा गया है और पहले अनुस्वारवाला अक्षर लिखा गया है। जैसे— हिन्दी में पहला शब्द 'ह'। परन्तु इस कौम में इस सम्बन्ध में शायद कुछ लागू क्रम में पड जाय कि 'जकार' तो अनुस्वार से है 'परन्तु इन्कार' अनुस्वार में नहीं है। बात यह है कि फारसी में 'ह' की ध्वनि 'ह' परन्तु अरबी में नहीं है। इच्छा लिखने से 'इकार' होता और अरबी के उच्चारण के अनुसार अशुद्ध होता, क्योंकि अरबी में यह शब्द 'इन्कार' है।

शब्दों की उर्दू लिपि

कुछ लोग यह भी सोचें कि हिन्दी में लिखने के पश्चात् शब्द का उर्दू अक्षरों में लिखने की आवश्यकता क्या थी? इनके विषय में प्रायः ही कि यह विवक्षित किया गया है। उर्दू में एक उच्चारण के कद-बद जतर ह जमे-म' के लिए तीन (ك-م-م), ज के लिए छ (ح-خ-ج-س-ش-ص), और ज, क ग त ह के लिए दा-दा है। ऐसी दशा में शब्द के साथ उर्दू लिखने लिखना अनिवाय हो गया।

'अमीर' शब्द उर्दू में पाच प्रकार से लिखा जाता है और सबका अर्थ अलग-अलग है। **امير** दुल्हा, **امير** निजबत, **امير** मालिक **امير** दुखर, **امير** मुखर, **امير** आर का गीरा, **امير** घूलि, **امير** मद। यदि ह शब्द के साथ उर्दू लिपि न हो तो बड़ी कठिनाई हो।

उच्चारण-भेद

एक इनकी बहान ही जावयज और ध्यान में रखनेवाली बात यह है कि सम्बृत में जहाँ एक अक्षर में दूसरा निज अक्षर लिखा है वहाँ प्रायः उस अक्षर का जिनमें दूसरा अक्षर लिखा है द्वित्व ही जाना है मगर फारसी या अरबी के अक्षरों में ऐसा कभी नहीं होता। जमे-म' का उच्चारण 'म' होगा परन्तु अरबी शब्द का उच्चारण 'म' होगा। अन्वय' का उच्चारण अन्वय होगा, परन्तु दुखा का उच्चारण 'दुखा' होगा। इसी तरह पशी का उच्चारण पन्शी' होगा, परन्तु जिनी का उच्चारण जिनी' होगा। इन्दी उच्चारण पर मारे का का अनुमान लगा तीगिए।

एक शब्द के कई उच्चारण

अरबी फारसी कौम में अनेक शब्द ऐसे हैं जिनके कद-बद उच्चारण हैं। इस कौम में उन मन्दा से लिखा गया है। मय हा जो शब्द अशुद्ध बात जान है वह अशुद्ध शब्द भी द लिखे गए हैं श्री-

वही उनके शुद्ध शब्द का हवाला दे दिया गया है। जो शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू या फारसी में शुद्ध मान लिये गये हैं उनकी व्याख्या भी कर दी गयी है।

एक विवशता

हिन्दी में 'ज' के नीचे बिन्दी देकर 'ज' बना लिया गया है और उससे जे, जाल, ज्वाद, जो का काम ले लिया गया है, परन्तु 'फारसी जे' (के लिए कोई ऐसा चिह्न) न मिल सका जो इसके उच्चारण की पूर्ति कर देता। 'फारसी जे' का उच्चारण अंग्रेजी शब्द 'treasury' के 'ज' की तरह है, पाठकगण उर्दू शब्द देखकर, इसका उच्चारण करें।

अलवत्ता 'ऐन' और 'अलिफ' का फर्क करने के लिए जहाँ 'ऐन' शब्द के बीच में आया है वहाँ (-' -) चिह्न लगाकर उसे प्रकट कर दिया है। जैसे—आ'ला (اعلى), मे'यार, (معيار) मा'कूल (معقول) इत्यादि।

मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मदाह' (अहमक)

सङ्केत-तालिका

अ० फा०—अरबी फारसी

अव्य०—अव्यय

इ०—इन्नानी

उ०—उर्दू

उदा०—उदाहरण, जैसे

क्रि०—क्रिया

ती० शु० है—तीनों शुद्ध है

तु०—तुर्की

तु० फा०—तुर्की फारसी

दे०—देखिए

दो० शु० है—दोनों शुद्ध है

पुं०—पुल्लिंग

प्रत्य०—प्रत्यय

फा०—फारसी

फा० अ०—फारसी अरबी

फा० तु०—फारसी तुर्की

बहु०—बहुवचन

व्या०—व्याकरण

लघु०—लघु रूप

वा०—वाक्य

वि०—विशेषण

स्त्री०—स्त्रीलिङ्ग

उर्दू-हिन्दी शब्द-कोश

अ

अंकाश्तः (انكاشته) फा वि-दे 'अगाश्त' जो अधिक शुद्ध है।
 अंकित (انكيت) फा पु-कोयला, जली हुई लकड़ी।
 अकुश (اکوش) फा पु-हाथीवान का आँकुस, अकुश।
 अकुस (انكس) फा पु-आँकुस, अकुश।
 अगल्यून (انگليرن) फा स्त्री-इजील, वाइविल, ईसाइयो का धार्मिक ग्रथ।
 अगारः (انگار) फा पु-रेखाचित्र, खाका, अधूरा चित्र, हिसाब-किताब का रजिस्टर, उपन्यास, कहानी, लेख, निगारिख, हर अधूरी वस्तु।
 अंगार (انگار) फा प्रत्य-सोवनेवाला, चाहनेवाला, जैसे 'सहूल अगार' सुगमता चाहनेवाला।
 अंगाश्तः (انكاشته) फा वि-जाना हुआ, समझा हुआ, ज्ञात।
 अगाश्तनी (انكاشتنی) फा वि-जानने योग्य, समझने योग्य।
 अंगिश्त (انگشت) फा पु-दे 'अकिश्त' दो शु है।
 अंगुजः (انگور) फा स्त्री-हींग, एक प्रसिद्ध गोद।
 अंगुज (انگور) फा पु-दे 'अकुस'।
 अगुल (انگله) फा पु-कुरते आदि का तुक्म, जिसमें घुडी डाली जाती है।
 अगुश्त (انگست) फा स्त्री-उँगली, अगुलि।
 अगुश्तनुमा (انگشت نوما) फा वि-प्रसिद्ध, मशहूर, कुख्यात, वदनाम। उर्दू में दूसरे अर्थ ही लिये जाते हैं।
 अंगुश्तनुमाई (انگشت نوماई) फा स्त्री-कुख्याति, वदनामी, अपयश, निंदा।
 अगुश्तपेच (انگشت پيچ) फा पु-वचन, प्रतिज्ञा, अहूद, दस्तावेज।
 अगुश्त वददाँ (انگشت وادندان) फा वि-जो अचभे के कारण दाँतो में उँगली दावकर रह गया हो, निरतब्ध, चकित।
 अगुश्तरी (انگشتری) फा स्त्री-मुद्रिका, अँगूठी।
 अगुश्तान (انگشته انه) फा पु-उँगली की रक्षा के लिए उस

पर पहना जानेवाला धातु आदि का खोल, अगुलित्राण।
 अगुश्ते जिन्हार (انگست زنهار) फा वि-पराजित, वशीभूत, मग्लूव।
 अंगुश्ते नर (انگشت نر) फा पु-अँगूठा, अगुष्ठ।
 अगुश्तो (انگشتو) फा पु-घी और शक्कर डालकर चूर की हुई रोटी, मलीदा, चूरमा।
 अगूर (انگور) फा पु-एक सुप्रसिद्ध फल, द्राक्षा, भरते हुए जखम के लाल दाने।
 अंगूरी (انگوری) फा वि-अगूर के रंग की (वस्तु), अगूर से बनी हुई, अंगूर से सबध रखनेवाली (वस्तु)। लाक्षणिक अर्थ में अगूर-निर्मित (मदिरा) भी।
 अंगेख्त (انگيخته) फा वि-उठाय़ा हुआ, उत्थापित, उभारा हुआ, उत्तेजित।
 अगेख्तनी (انگيختنی) फा वि-उठाने योग्य, उभारने योग्य।
 अंगेजः (انگيز) फा पु-कारण, सबव।
 अंगेज (انگيز) फा प्रत्य-उठानेवाला, उभारनेवाला, जैसे 'दद-अगेज' दद उठाने अर्थात् उत्पन्न करनेवाला, पीडा-जनक।
 अंगेजिदः (انگيزيد) फा वि-उठानेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजित करनेवाला।
 अंगेजिदः (انگيزيد) फा वि-उठाय़ा हुआ, उभारा हुआ, तेज किया हुआ।
 अंगेजिदनी (انگيزيدنی) फा वि-उठाने योग्य, उभारने योग्य, तेज करने योग्य।
 अंगोजः (انگور) फा स्त्री-दे 'अगुज', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु यह भी बोलते हैं।
 अग्वी (انگيبي) फा पु-मधु, शहद।
 अंज (انج) अ स्त्री-वकरी, अजा, हरिणी।
 अजव (انجب) अ वि-बहुत अधिक शुद्ध रक्तवाला, कुलीनतम, दासीपुत्र, लौडी-वच्चा।
 अजल (انجل) अ वि-बडी आँखोवाला, विशालनेत्र।
 अंजत (انجس) अ वि-बहुत अधिक अपवित्र, बहुत ही गदा।

अज्ञा (अज्ञ) अ वि-जिमक माये के दोना जार के बाल प गये हा।

अजाम (अजाम) का पु-परिणाम फर ननाजा जत जवार पुति तकमील।

अजामिब (अजामिब) का वि-अजाम पानेवाला पुण हानवाला ममाप्त हायेवाला सतम हानेवाला।

अजामीब (अजामीब) का वि-अजाम पाया हुआ पुरित, ममाप्त सतमगद।

अजार (अजार) अ स्त्री-नजर का बहु दष्टिया नजर।

अजास (अजास) अ स्त्री-नजिस का बहु जपविनगाए यर्गिया।

अजाब (अजाब) का वि-क्षण आहत खरमी पायज अभिभूत।

अजोर (अजोर) अ प-पु उच्चारण अजार।

अनुदान (अनुदान) अ पु-हाग का पेह हाग की रकन जा दवा के काम आता है।

अजूम (अजूम) अ प-नाम का बहु उद्घरण तारे।

अजूमन (अजूमन) का स्त्री-मभा मस्या इदार गाठी मदीफिउ ममिनि कभरा मध एमागिएण।

अजूमनआरा (अजूमनआरा) का वि-मभा की गोभा बलान वाग (वाली) सभा म अपना उपस्थिति म शीवदिकनस्रा, मभा म उपस्थित जम- बहु अजूमनआरा ह मदीफिल म रकावाकी मभा म सुगाभित।

अजूमनआराई (अजूमनआराई) का स्त्री-मभा की गोभा मझाना मभा में उपस्थिति।

अतर (अतर) अ पु-एक प्रकार की बनी मभा मरमगम।

अद (अद) का वि-अल्प यून धाडा कतिपय च।

अदक (अदक) का वि-अल्प यून कम धाडा।

अदर (अदर) का वि-भातर अतगत।

अदरह (अदरह) का पु-अल्पन का रूप द अल्पन।

अदरहन (अदरहन) का पु-भातर अतर अदर फ।

अदरहनी (अदरहनी) का वि-आगिन भातरी मातमिक कता।

अदर (अदर) का स्था-हियापण नमीहत।

अदरवा (अदरवा) का वि-एकवा एवा अधामम औघा उगिन परमान चरित हैगन क्षध।

अदर (अदर) अ वि-बद डाडो- का ऊ मर का एवा पद।

अदरलोव (अदरलोव) अ स्त्री-एक प्रगिद मानेवाली चिन्पिया बलक का दक मत्वगक।

अदरलम (अदरलम) अ पु-पूराम का एक रातु सन।

अदाइन (अदाइन) अ स्त्री-दावार पर किया जानेवाला लस रूपन कहील।

अदास्त (अदास्त) का वि-फवा हुआ, डाग हुआ।

अदास्तनी (अदास्तनी) का वि-फकने योग्य डालन याग्य।

अदाज (अदाज) का पु-अनुमान अनुमिति तरुमीना अटवल कियाम विचार मयाल, गकित तावत, माहन जुरत, नमूना बानगी चिह्न निगान, निरचय, इरान।

अदाज (अदाज) का पु-अनुमान अजाज, अटवल, झियात, गली पदति तज, हायभान माजो अजाजा (प्रत्य) फेचने वाला जम तीर अजाज तार चलानेवाला। तीरलाज भा प्रयुक्त जम- तिछी नजर स न दवा जागिके वितोर को कसे तीरदाज हा मोधा ता कर ले तीर को।

अदाजन (अदाजन) का वि-अनुमानत अदाज से अटवल से कियामन लगभग करीव करण।

अदाम (अदाम) का पु-गरीर दह जिस्म।

अदामी (अदामी) का पु-बह मुदर वस्त्र जो शरीर पर विलकुल ठीक हा।

अदामी निहानी (अदामी निहानी) का स्त्री-स्त्री की गुहाद्विप यानि भय फुज बरात स्त्री का गुप्ताग।

अदाय (अदाय) का पु-शेवारो पर ऐस करने की बरनी गिल माल।

अदार (अदार) का पु-कहानी आस्थायिका किस्मा।

अदीक (अदीक) का अव्य-आगा है उमद है।

अदीद (अदीद) का वि-वकित स्तन हैरान।

अदीदनी (अदीदनी) का वि-अचभे न याग्य।

अदुज (अदुज) का स्था-अज दा ग हा।

अदुही (अदुही) का वि-कुलित सेदप्रस्त, समगीन।

अदुह (अदुह) का वि-गपा हुआ पाता हुआ मग हुआ चनाया हुआ।

अदेग (अदेग) का पु-गका गुवहा भय सतग चिंता फिक।

अदेगनाक (अदेगनाक) का वि-चिन्ताजनन, तगगा नाक भयानक मगरनाक।

अदेग (अदेग) का प्रय-माचनवाला जम वप्रदग बुरारि माचनवाला। अभिगया मर-अग = गुभाभिगपी।

अदगिद (अदगिद) का वि-माचनवाला विचारन याग।

अदेगीद (अदेगीद) का वि-माचा हुआ विचारा हुआ।

अदेगीदनी (अदेगीदनी) का वि-माचने याग पाचनीय।

अदोहतः (اندوحتہ) फा. वि-कमाया हुआ, उपाजित, जमा किया हुआ, मंचित; धन, संपत्ति ।

अंदोहतनी (اندوحتلی) फा. वि-कमाने योग्य; जमा करने योग्य ।

अंदोह (اندوه) फा. पुं-व्लेग, दुःख, कष्ट, रंज ।

अंदोहर्गी (اندوہگرین) फा. वि-दुःखित, शोकान्वित, रजीदा ।

अंदोहनाफ (اندوہنای) फा. वि-शोकपूर्ण, रंज में डूबी हुई बात, शोकान्वित, विपादपूर्ण ।

अदजान (اندجان) फा. पुं-नूरान का एक नगर ।

अंबः (انمہ) फा. पु-एक प्रसिद्ध फल, आम्र, आम, रसाल ।

अवज (انسیج) अ. पु-दे 'अव' ।

अंबर (عمبر) अ. पु-एक प्रसिद्ध बहुमूल्य सुगंधित पदार्थ, जो मछली के मुख से द्रवित होता एक दवा में काम आता है ।

अंबरचः (عمبرچہ) अ. फा. स्त्री-दे 'अंबरी' ।

अंबरवारीस (امبرواریس) अ. स्त्री-एक खट्टा फल जो दवा में चलता है, जिस्कि ।

अंबरवेज (عمبرویج) अ. फा. वि-अंबर जैसी सुगंध फैलाने-वाला, अंबर छिड़कनेवाला ।

अंबरवेजी (عمبرویجی) अ. फा. स्त्री-अंबर छिड़कना, अंबर की सुगंध फैलाना ।

अंबरागी (عمبراگیں) अ. फा-वि दे 'अंबरी' ।

अंबरी (عمبریں) अ. फा. वि-जिसमें अंबर जैसी सुगंध हो, जो अंबर की सुगंध में बसा हो, जिसमें अंबर मिला हो ।

अंबरीनः (عمبرینہ) अ. फा. स्त्री-स्त्रियों की गले में पहनने की धुकधुकी ।

अंबरेसारा (عمبرسارا) अ. फा. पुं-वह अंबर जो विलकुल वैमेल हो, विशुद्ध अंबर । हृदयशक्तिवर्धक औषध-द्रव्य ।

अंबह (انہ) अ. वि-बहुत अधिक सूचना देनेवाला, बहुत अधिक चेतावनी देनेवाला ।

अवाग (انداغ) अ. स्त्री-सौत, एक पुरुष की दो स्त्रियों में से कोई एक जो दूसरी की सौत होती है ।

अवाज (انصار) फा. वि-भागीदार, साझेदार, शरीक, पार्टनर ।

अवाज (انصار) अ. पु- 'नवज' का वह उपाधियाँ, अल्काव ।

अवानः (انسانہ) फा. पु-मश्क जैसा एक चमड़े का पात्र जिसमें नाज भरा जाता है ।

अवान (انسان) फा. पु-कमाया हुआ चमड़ा, क्रूम, फकीर की चमड़े की झोली, छोटी मश्क, मश्कीज ।

अवानेतिपत (انسان نعط) फा. अ. पु-चमड़े का कुप्पा,

जिसमें वारुद अथवा मिट्टी का तेल भरकर शत्रु की सेना पर फेंकते थे ।

अंवानेवाद (انندان دان) फा. पु-लोहार की चमड़े की धौकनी ।

अंवार (اندار) अ. पु-ढेर, राशि, टाल ।

अंवारखानः (اندارخانہ) अ. फा. पु-वह गोदाम जहाँ माल का स्टॉक रहता है, मालगोदाम ।

अंबुरः (انبرہ) तु. पु-मन्नी, जिससे लोहार गर्म लोहा पकड़ते हैं ।

अंबुर (انبر) तु. पुं-दे 'अंबुर' ।

अंबुह (انہ) फा. पु- 'अवोह' का लघु दे 'अवोह' ।

अंबूवः (انبروہ) अ. पु-दे गु. उच्चारण 'उंबूव' ।

अंबोह (انبروہ) फा. पु-समुदाय, समूह, भीड़, जमाव, हुजूम ।

अंसफ (انصفا) फा. वि-बहुत अधिक न्याय करनेवाला ।

अंसव (انصب) अ. वि-बहुत मुनासिब, अत्युचित ।

अंसाव (انساب) अ. पु- 'नसव' का वह, वशावलियाँ, नसवनामे ।

अंसाव (انصاب) अ. पु- 'नसव' का वह आपत्तियाँ, दुःख-समूह, मुसीबत, मूर्तियाँ जो पूजी जाती हैं ।

अंसार (انصار) अ. पु- 'नस' का वह, सहायता करनेवाले, सहायकगण, मदीने के वह लोग जिन्होंने हजरत मुहम्मद साहब को और उनके साथियों को अपने घरों में ठहराया था और उनकी सहायता की थी ।

अंसारी (انصاری) अ. वि-अरब की असार जमाअत का व्यक्ति, असार का वंशज; आधुनिक समय में जुलाहों की उपाधि ।

अआजिम (اعظام) अ. पु- 'आजम' का वह, बड़े-बड़े लोग ।

अआजिम (اعاحم) अ. पु- 'आजम' का वह, गूंगे लोग ।

अआदी (اعادی) अ. पु- 'अदू' का वह शत्रुगण, दुश्मन लोग ।

अआली (اعالی) अ. पु- 'आला' का वह, ऊँचे और प्रतिष्ठित लोग ।

अइर्रजः (اعرہ) अ. पुं- 'अजीज' का वह, वंशवाले, नातेदार ।

अइन्नः (اعنہ) अ. पु- 'इवान' का वह, घोड़ों की लगामें ।

अइफः (اعفا) अ. पु-अफीफ का वह, इन्द्रियनिग्रही लोग, वे लोग जो पराई स्त्री की ओर आँख न उठाएँ ।

अइम्मः (اعمہ) अ. पु- 'इमाम' का वह, किसी कलाविशेष के आचार्य लोग ।

अइम्मः (اعسہ) अ. पु- 'अम' का वह, चचा लोग ।

अकक (عکک) अ. पु-उमस, तीस, गर्मी, ग्रीष्म ।

अकद (عقد) अ. पु-वात करने में जवान का लडखड़ाना, रस्ती में गाँठ पडना ।

अक्षर (عقد) अ पु-माता हाता स्थूल हाता चरवा चरना ।
 अक्षर (عقد) अ पु-रंग रास्ता गठितता म पहुंचन वाला स्थान जटिल ममस्या ।
 अक्षर (عقد) अ पु-राराण पाठ पाठ, पदचान वाग ।
 अक्षर (عقد) अ पु-हाण या चिबुक का माणपा ।
 अक्षर (عقد) अ पु-रंग की गाण गराव की तरछ होउ क पाता की गाण ।
 अक्षर [ल] (اول) अ वि-बहुन धाण अरल्प ।
 अक्षरलीपत (الكتاب) अ स्त्री-बिमी रंग का वह जनता जा दूसरा जनता का अपना कम हा अणमस्यक ।
 अक्षर (عقد) अ पु-वृषण हाता दु गाल हाता ।
 अक्षर (عقد) अ पु-गण का चक्र गारा और बुर स्वभाव का (अम कच्छना) हाता ।
 अकाइद (عائد) अ पु-अज्ञा का बहु अका धम विन्वाम ।
 अकाइ (عائد) अ पु-गण का वाइ गम पाठ वा वाइ गण्टर ।
 अकाइरी (عائد) अ स्त्री-अक्षर का बहु जगनी जनी वृत्त्या वनस्थानिया ।
 अकाइरी (عائد) अ पु-विश्व का बहु झूठी और सारहाण वार्ता ।
 अकानीम (اراسم) अ पु-उक्कूम का बहु ईसाई धमधय ।
 अकानीम सलास (اراسم سلاسه) अ पु-ईसाई धमधय की तीन महत्वपूर्ण पुस्तकें ।
 अकाबिर (الكبر) अ पु-अक्षर का धन प्रतिष्ठित जन बड़े लाण ।
 अकारिब (الادب) अ पु-अक्षर का बहु, समापवाटे रिन्नेगार स्वजन ।
 अकारिब (عبارت) अ पु-अक्षर का बहु बहून-म विच्छू ।
 अकारिम (الام) अ पु-अक्षर का बहु, पूय व्यक्ति श्रेष्ठ जन ।
 अकालीम (الواسم) अ पु-दक्षणीम का बहु बहून स रंग बहून स महदोष ।
 अकासिर (الكاسير) अ पु-विद्या का बहु, विद्या उपाधि रखनेवाग मज्ञान ।
 अकासी (الاصی) अ वि-अक्षर का बहु दूरवाटे ।
 अकिब (عقب) अ पु-एडी बेंटा पुत्र पाता बने का बटा ।
 अकिल (الكلمة) अ पु-एक बहून नी कराव फोन जिम जाविल भा बहते ह ।

अकाइ (عقد) अ पु-मुगमान बच्चा का मुडन जीर नामकरण सस्वार जिसमें बक्की की बुवाता हाती है ।
 अकाइ (عقد) अ पु-एक बहुमूल्य परपर जा बंद रण का हाता है । नजर बचाने क लिए माताए इस बच्चा क गल में पन्नाला ह । शि धरकने की बामारी में पन्नेने ग लाभ हाता है ।— अकाइ-मुग की तस्ना है ललेने शि भरा, गण म डाग ला इसका नजर-गुजर क लिए ।
 अकीद (عقيدة) अ पु-धम मत मधम श्रद्धा एतिवाग विन्वाग यवान ।
 अकीद (اكد) अ वि-गण मजबूत, पुहन ।
 अकीदत (عقيدت) अ स्त्री-श्रद्धा आस्था एनिकाण भरामा एनवाग निष्ठा ।
 अकीदत कण (عقيدت كمن) अ पा वि-श्रद्धावान श्रद्धाणु मातकिण ।
 अकीदतमद (عقيدت مد) अ पा वि-अकीदत कण ।
 अकीदत गिआर (عقيدت سعاد) अ वि-अकीदत कण ।
 अकीदत सज (عقيدت صنع) अ पा वि-अकीदत कण ।
 अकीब (عقب) अ वि-पाछ आनेवाला पीछे चरने वाला अनुगामी अनुकर्ता परा अनुयायी ।
 अकोम (عقمة) अ स्त्री-वाण बच्चा जिम स्त्री के सतान न हाती हा ।
 अकोम (عقمة) अ पु-वाण पुसप जिम पुसप के वाय में सतान उत्पान करने के बीटाणु न हा क्लीब नपुसक ।
 अकोर (عقور) अ वि-निराण नाउम्मान वांष, बच्चा ।
 अकोल (اكتله) अ स्त्री-गताने का चीज साच पचाव ।
 अकोल (عقوله) अ वि-अपनी जाति का नेता हर अक्ष चात्र श्रेष्ठतम बरगुजोण (स्त्री) पन्निगीन स्त्री बुद्धिमती आविल ।
 अकोल (عقوله) अ वि-बुद्धिमान अक्लमण ऊँट के पा वाधने की रस्मी ।
 अकोल (اكتل) अ वि-वाष तानेवाग हमवास सहभाजा ।
 अकुवत (عقوبت) अ स्त्री-यातना पीडा तक गीक पाप यातना अज्ञाव ।
 अकूर (عقور) अ वि-जिम कुत ने काट लिया हा इरान पन्नि ।
 अकुल (اكتل) अ वि-बहुत यागनेवाला बहुभगी ।
 अकअक (عقون) अ पु-एक प्रकार का बीजा जा बहून उउ उरता है ।

अवकः (أوك) अ. पु.—दे 'अकअक' ।
 अवकार (عقار) अ. पु.—उत्पत्ति, जगली जडी-बूटी ।
 अवकार (اکار) अ. पु.—कृपक, किसान; कूपकार, कुर्आ लोदनेवाला ।
 अवकालः (اکالہ) अ. वि.—बहुत ही अधिक खानेवाला, बहुत बड़ा पेट, अतिभोजी, अमिताहारी ।
 अवकाल (اکال) अ. वि.—बहुत खानेवाला, बहुभक्षी ।
 अवकास (عکاس) अ. वि.—छापाकार, फोटोग्राफर, चित्रकार, अक्स उतारनेवाला ।
 अवकासी (عکاسی) अ. स्त्री—छापाकर्म, फोटोग्राफी; चित्रकारी, अक्स उतारना, प्रतिलिपि, नकल, नकल ।
 अवचः (اتضح) तु. पु.—सोने-चांदी का छोटा टुकड़ा ।
 अवचाव (اکرب) अ. वि.—बहुत बड़ा झूठा, बहुत बड़ा पापी ।
 अवज्ञा (اتصلا) अ. वि.—बहुत बड़ा हुक्म देनेवाला; बहुत बड़ा काम करनेवाला ।
 अवज्ञियः (اتصیہ) अ. पु.—'कजा' का बहु, आज्ञाएँ, हुक्म ।
 अवज्ञा (اتطع) अ. वि.—जिसके हाथ कटे हो ।
 अकताअ (اقطاع) अ. पु.—'कत्अ' का बहु, जागीरे, परगने; प्रदेश, इलाके ।
 अकृताव (اقطاب) अ. पुं.—'कुत्व' का बहु, बड़े-बड़े महात्मा और बली ।
 अकृतार (اقطار) अ. पु.—'कत्र' का बहु, बूंदे; 'कुत्र' का बहु, किनारे ।
 अकृतार (اقطار) अ. पु.—'कुत्र' अथवा 'कुतुर' का बहु, किनारे; शिकारियों की ठाह ।
 अकृद (عقد) अ. पु.—विवाह, पाणिग्रहण, व्याह, ग्रथि, गाँठ, बचन, प्रतिज्ञा, अहद, निकाह ।
 अकृदर (اکدر) अ. वि.—बहुत गँदला, बहुत मैला ।
 अकृदस (اقدرس) अ. वि.—बहुत पवित्र, बहुत पाक, बहुत प्रतिष्ठित, बहुत बुजुर्ग, बहुत कल्याणकारी ।
 अकृदह (اقدرح) अ. वि.—बहुत खराब, निकृष्टतम; बहुत अधिक व्यग और कटाक्ष करनेवाला, बहुत दूषित ।
 अकृदाम (اقدرام) अ. पु.—कदम का बहु, बहुत से पाँव, चरण-समूह ।
 अकृदाह (اقدراح) अ. पु.—'कदह' का बहु पियाले ।
 अकृदे अनामिल (عقد اسمیل) अ. पु.—उँगलियों पर हिसाब लगाने की एक विधि ।
 अकृदे नसकी (عقد نسکیں) अ. फा. पु.—'मुताअ' शीयों की वह विवाह-पद्धति, जो थोड़े समय के लिए होती है ।
 अकृदे रवाँ (عقد رواں) अ. फा. पु.—दे 'अकृदे नसकी' ।
 अकृदे सानी (عقد سانی) अ. पु.—दूसरा व्याह, पुनर्विवाह ।

अकृदान (اکدان) अ. पु.—'किन' का बहु पद, आड़े ।
 अकृनाफ (اکداف) अ. पु.—'कन्फ' का बहु, किनारे, छोर; दिशाएँ, सिम्ते, त्राण-स्थान, पनाहगाहे ।
 अकृनुँ (اکدنوں) फा. अव्य०—दृढ, इस समय ।
 अकृफर (اکفر) अ. वि.—बहुत बड़ा काफिर, बहुत बड़ा नास्तिक, बहुत बड़ा विधर्मी ।
 अकृफा (اکفأ) अ. पु.—'कुपव' का बहु, बहुत से गोत्र, बहुत से खानदान ।
 अकृफा (اکفأ) अ. वि.—बहुत काफी, बहुत पर्याप्त ।
 अकृफाल (اقفال) अ. पु.—'कुफुल' का बहु, ताले ।
 अकृव (عقب) अ. वि.—किसी के पीछे आना, अनुगमन, अनुसरण ।
 अकृवर (اکبر) अ. वि.—महान्, अजीम; सबसे बड़ा, (पु) एक सुप्रसिद्ध मुगल सम्राट् ।
 अकृवल (اقبل) अ. वि.—बहुत काविल, बड़ा विद्वान्; भेगा, जिसे एक की दो चीजें दिखाई देती हो ।
 अकृवह (اقدمح) अ. वि.—निकृष्टतम, बहुत खराब ।
 अकृवाद (اکدان) अ. पु.—'कविद' का बहु, जिगर ।
 अकृमल (اکمل) अ. वि.—बहुत कामिल, पूर्णतम, सर्वाङ्ग-पूर्ण ।
 अकृमाम (اکسام) अ. पु.—आस्तीने, बीजों के ऊपर के गिलाफ ।
 अकृमिशः (اقمسه) अ. पु.—'कुमाश' का बहु, कपडे, वस्त्र-समूह ।
 अकृयाल (اقیال) अ. पु.—प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग, पूज्य व्यक्ति, बुजुर्ग लोग ।
 अकृयाल (اکیال) अ. पु.—'कैल' का बहु, नाज आदि नापने के पैमाने ।
 अकृ (عقد) अ. पु.—बोधपत्त, अनपत्य दोष ।
 अकृअ (اقوع) अ. वि.—गजा, खल्वाट ।
 अकृव (اقرب) अ. वि.—बहुत करीब, समीपतम, अति निकट ।
 अकृव (عقرب) अ. पु.—विच्छू, वृश्चिक, अलि, वृश्चिक राशि, बुर्ज अकृव ।
 अकृवी (عقربی) अ. वि.—विच्छू से सबध रखनेवाला, (पु) पद्मराग अर्थात् लाल का एक प्रकार, मणि विशेष, बदखशाँ के लाल सुप्रसिद्ध है ।
 अकृम (اکرم) अ. वि.—अति दानी, वदान्य, बहुत बड़ा सखी, अति प्रतिष्ठित, बड़ा बुजुर्ग ।
 अकृद (اقدر) अ. पु.—'किरद' का बहु, बदरो की टोली, बहुत-से बदर ।

अक्रान्त (अक्रान्त) अ पु-कन का बहु, युग-समूह त्व
जमाने ।

अक्राम (अक्राम) अ पु-करम का बहु कृपाएँ दयाएँ दान
बलिगों ।

अकास (अकास) अ पु-कूस का बहु राटियाँ, टिकिया
चपटा आकार की बटा टेन्ट ।

अकिया (अकिया) अ पु-इरीव का बहु स्वजनगण
अजीजा अकारिव ।

अकल (अकल) अ पु-याना भोजन करना ।

अकल (अकल) अ पु-बुद्धि या प्रज्ञा मया मूल-बुध
चतुरता होणापारा चिक्क तमीञ्ज ।

अकलम (अकलम) अ फा वि-बुद्धिमान मघावा
तज अकल वाला ।

अकलमदी (अकलमदी) अ फा स्त्री-बुद्धिमत्ता अकल
वाला शाना ।

अकले कुल (अकले कुल) अ पु-जिब्रौल फिरस्त (व्यग)
घामड मूख लाल बुक्कड ।

अकले सलीम (अकले सलीम) अ स्त्री-एसी बुद्धि जिगका
निश्चय सग ही ठोक और गात रहता हा सत्यनिश्चया
बुद्धि सन्बुद्धि सतुलित बुद्धि ।

अकव (अकव) अ पु-मदान खुला हुआ क्षत्र आंगन,
अजिर ।

अकवा (अकवा) अ वि-सजस बल्वान पराक्रमी महाबली,
वग आरावर ।

अकवात (अकवात) अ पु-कूत का बहु खुराक ।

अकवाव (अकवाव) अ पु-विना टाटा और पत्ते के लाट
लुटिया गडने (यगाय-बचल प्रकति वाला अस्थिर
बुद्धि) ।

अकवाम (अकवाम) अ पु-कौम का बहु कौम विरारिया
रालसमूह सलतनत जातियाँ जाते ।

अकवाल (अकवाल) अ पु-कौल का बहु किमी बडे व्यक्ति
या घमाचाय क कट्टे हुए प्रवचन ।

अकवास (अकवास) अ पु-कौम का बहु मनुष्य कमान ।
अकिवय (अकिवय) अ पु-इवी का बहु आरदार लाग
बलीजन बलवान व्यक्तित ।

अकस (अकस) अ पु-प्रतिबिब साया चित्र तसवीर
प्रत्युत विपरीत बरअकम ।

अकसर (अकसर) अ वि-बहुधा प्राय, उमूमन ।

अकसर (अकसर) अ वि-बहुत छाटा ह्रस्वतम अल्पतम
लघुतम ।

अकसरीयत (अकसरीयत) अ स्त्री-किता दग की बट जनता

जा दूसरा जनता का अगा अधिक हा बहुगस्तर ।

अकसरेज (अकसरेज) अ फा पु-एकसरे ।

अकसा (अकसा) अ वि-बहुत दूर, दूरवर्ती, अत का पहुँचा
हुआ ।

अकसा (अकसा) अ पु-नकारें छार, दूरियाँ ।

अकसाम (अकसाम) अ पु-किस्म का बहु, किस्म, प्रकार
कम का बहु गपय, सोगधे ।

अकिसम (अकिसम) अ पु-किस्म का बहु, किस्म
प्रकार ।

अकिसय (अकिसय) अ पु-कियाम का बहु, अटकते
अगाडे ।

अकसोतद (अकसोतद) अ पु-एक काव्यालकार जिसम
आधे मिथे में जा गाल लये जाते ह बाका जाय मिथ म
उन्ही को उलट दिया जाता है ।

अकहल (अकहल) अ वि-बह व्यक्तित जिसका पल्क
निकलने का स्थान काला हो जिमकी आँखें अजनसारहा ।

अक (अक) अ पु-भ्राता भाई ।

अकअक (अकअक) फा अन्य-वाह वाह खूब खूब उफ उफ
हा हा ।

अकफ (अकफ) अ वि-बहुत हल्का लघुतम ।

अकवात (अकवात) अ स्त्री-उलट का बहु बहिनै ।

अकस [सस] (अकस) वि-बहुत ही सास मुख्यतम ।

अकस [सस] (अकस) वि-बहुत ही समास अति कृपण
मन्वानूस ।

अकसमुल खसोस (अकसमुल खसोस) अ वि-सारे कृपणा
में सबम अधिक कृपण धनपिपाच ।

अकसमुल खसोस (अकसमुल खसोस) अ वि-सजस अधिक
मुख्य जा मुख्य ह उन सब में मुख्य मुख्यतम ।

अकिल्ला (अकिल्ला) अ पु-खलील का बहु मित्रगण दास्त
लाग यार सुहृदजन ।

अकिल्ला (अकिल्ला) अ पु-खसोस का बहु, कृपणगण
कनुस लाग ।

अकौ (अकौ) अ अव्य-भरा भाई ह भाई ।

अकौर (अकौर) अ पु-अत इकितवाम छार विनारा
मरण-काल मौत का समय । (वि) समाप्त छत ।

अकूद (अकूद) फा-गिभक उस्ता ।

अकूद (अकूद) फा पु-स्पृलिंग अग्निवण पतया
चिनगारी-मुन अय ! जुनून इक ! तुजे इगमें क्या
मिला ? अहसर' मा तह-साक जलया किया मुय ।

अकव (अकव) तु पु-साने या चाणी का कण या टुकटा द
अकव ।

अटज (اِطْج) अ पुं-ग्रहण, आदान, लेना; प्राप्ति, हुसूल, लब्धि ।

अटजम (اِطْجَم) अ पुं-नर साँप ।

अटजर (اِطْجَر) अ वि-गहरे हरे रंग का, हरा रंगा हुआ ।

अटजरीयत (اِطْجَرِيَّت) अ स्त्री-हरापन ।

अटज.खानः (اِطْجَرَخَان) फा पु-तवेला, अश्वशाला ।

अटजव (اِطْجَب) अ वि-बहुत बड़ा वक्ता, भाषण-पटु ।

अटतर (اِطْطَر) फा पु-तारा, मितारा, उड्डु, भाग्य, प्रारब्ध, किस्मत ।

अटतरशानास (اِطْطَرشَانَس) फा वि-ज्योतिषी, नजूमि ।

अटतरशुमारी (اِطْطَرشُمَارِي) फा स्त्री-तारे गिनना, तारे गिन-गिनकर रात काटना, बेचैनी में रात काटना, जैसे-"अल्ला रे ! शवे-हिज्र की अटतर-शुमारिया ! !"

अटतरे जौजा (اِطْطَرَجَوْجَا) फा अ पु-बुध ग्रह, उतारिद ।

अटतान (اِطْطَان) अ पु-'सतन' का बहु, दामाद लोग ।

अटदान (اِطْطَان) अ पु-'सिद्द' का बहु, मित्र लोग, प्रेमपात्र लोग ।

अटफश (اِطْطَفْش) अ. वि-जिसकी आँसे निर्वल हो, जो चुधा हो ।

अटवस (اِطْطَص) अ वि-बहुत ही खबीस, अत्यत दुष्ट, बहुत बड़ा पापी ।

अटवार (اِطْطَار) अ पु-'खवर' का बहु, खबरें, समाचार-पत्र ।

अटवार नवीस (اِطْطَار نَوِيس) अ फा वि.-पत्रकार, अटवार का एडीटर ।

अटवारी (اِطْطَارِي) अ वि-अटवार से सम्बन्धित; अटवार का ।

अटमः (اِطْطَم) अ पु-शूरी, शिकन, बल ।

अटम (اِطْطَم) अ पु-माथे की शिकन, ललाट बल, भौ की शिकन, अन्नू का बल ।

अटमस (اِطْطَمَس) अ. पु-तलवे का वह भाग जो भूमि से नहीं लगता ।

अटमरः (اِطْطَمَر) अ पु-'खिमर' का बहु., ओढनियाँ, चादरे ।

अट्याफ़ी (اِطْطَيَامِي) अ वि-वह भाई वहन, जिनके बाप अलग-अलग थीर माँ एक हो ।

अट्यार (اِطْطَار) अ पु-'खैर' का बहु, पुण्य-समूह, यश-समूह, भलाइयाँ, नेकियाँ ।

अट्यव (اِطْطَوَب) अ वि-निर्जन, वीरान, उर्दू छदशास्त्र में 'मफाईलुन्' में से 'म' और 'न' गिराकर 'फाईल' करके 'मफ्जुल' बनाना ।

अट्यम (اِطْطَم) अ वि.-जिसकी नाक कटी हो; उर्दू छद-शास्त्र में 'मफाडलुन्' में से 'म' गिराकर 'फाईलुन्' करके 'मफ्जुलुन्' बनाना ।

अट्यस (اِطْطَس) अ वि-गूंगा, जो न चोल सके न सुन सके ।

अट्यलकद् (اِطْطَلْكَد) फा. पु-झुनझुना, बच्चों को सिलाने का झुनझुना ।

अट्यलाफ (اِطْطَلَاَق) अ पु-'खुत्क का बहु, परन्तु उर्दू में एक-वचन के अर्थ में प्रयुक्त है, शिष्टाचार, खुशखुत्की ।

अट्यलाफ़ी (اِطْطَلَاَقِي) अ वि-अट्यलाफ सम्बन्धी, शिष्टाचार-सम्बन्धी ।

अट्यलाके आलिय. (اِطْطَلَاَقِ الْعَالِيَةِ) अ पु-सत्त्व गुण, अच्छे अट्यलाफ, उच्च कोटि का शिष्टाचार ।

अट्यलाके जमीमः (اِطْطَلَاَقِ دَمِيْمَةٍ) अ पु-दे 'अट्यलाके रदीय.' ।

अट्यलाके रदीयः (اِطْطَلَاَقِ رَدِيَةِ) अ पु-तमोगुण, दुरे अट्यलाफ ।

अट्यलात (اِطْطَلَاَط) अ पु-सिलत का बहु., धातुएँ, वात, पित्त, कफ और रक्त ।

अट्यलाफ (اِطْطَلَاَب) अ पु-'खलफ' का बहु., लडके, लडके पोते आदि ।

अट्यवाल (اِطْطَوَال) अ पु-'खाल' का बहु, खालू, वहनोई, मौसा; झडे, ध्वजाएँ ।

अट्यशम (اِطْطَشَم) अ वि.-जिसे सुगंध और दुर्गंध का अनुभव न हो ।

अट्यसम (اِطْطَصَم) अ वि-लवी नाकवाला ।

अगर (اِطْطَر) फा. अव्य-यदि, जो ।

अगरचे (اِطْطَرِجَه) फा अव्य-यद्यपि, गोकि ।

अगाइद (اِطْطَاغِد) अ पु-'अगोद' का बहु., अत्यत कोमल और मृदुल अगो वाली स्त्रियाँ, तन्व-झी, कृशा-झी, कोमला-झी ।

अगानिम (اِطْطَاغِنِم) अ पु-'गनम' का बहु, भेड़-बकरियाँ ।

अगानी (اِطْطَاغِنِي) अ पु-'उगिनय' का बहु, वह वाजे जो फूंककर न बजाये जायें, जैसे सितार, मृदंग आदि ।

अगिजयः (اِطْطَاغِيَس) अ स्त्री-'गिजा' का बहु, गिजाएँ, खाद्य पदार्थ ।

अगनाम (اِطْطَاغِنَام) अ पु-'गनम' का बहु, भेड़-बकरियाँ ।

अगिनया (اِطْطَاغِنِيَا) अ पु-गनी का बहु, घनाह्य लोग ।

अगफर (اِطْطَاغْفَر) अ वि-बड़ा छिपानेवाला ।

अगवर (اِطْطَاغْوَر) अ वि-धूसर, मटीला, खाकी रगवाला ।

अग्यार (اِطْطَاغْيَار) अ पु-'गैर' का बहु, अस्वजन, गैर लोग, प्रतिद्वंद्वी जन, रकीव लोग ।

अणव (अणव) अ वि-आश्चयजनक बहुत अणव, अणुभूत, विलक्षण।

अणव (अणव) अ पु-गरज का बहु इच्छाए स्वाहिन अमिप्राय, मनामिद स्वाध-समूह सुदगरजिया।

अणव (अणव) अ वि बहुत अणु, बहुत गलत अत्यत मूठ विचुल मिव्या।

अणव (अणव) अ वि-निश्चय यकीनी।

अणव (अणव) अ वि-यकीनी तौर पर करीम करीम अवश्य ही।

अणव (अणव) अ पु-बुरी-बुरा वसम।

अणव (अणव) अ पु-गलत का बहु अणुद्विया, शलतिपा, मृटिया भूले।

अणव (अणव) अ पु-गिल का बहु अपराधिया के गले में डाल जाने वाले तीक बहते हुए पानी।

अणव (अणव) अ पु-गुल का बहु छाटी पनी गाखाए डालिया।

अणव (अणव) अ पु-प्रसिद्ध खटास खटाई।

अणव (अणव) अ पु-बड़ा भाई अणव।

अणव (अणव) अ पु-बुरी बल निकन खाल की बुरी।

अणव (अणव) अ पु-दाता से काटना।

अणव (अणव) अ पु-जमीन से चिपकना।

अणव (अणव) अ पु-अणव-से।

अणव (अणव) अ पु-प्रभुत्व स्थापित करना गलब करना बार की वर्षा वेज बारिण।

अणव (अणव) अ वि-आदि स अणव गुरु से अलीर तक आखोपात नितात विलकुल।

अणव (अणव) अ वि-नाम से गया धाता अणव नपुसक वणीव नामद वकार व्यथ निकम्मा।

अणव (अणव) अ वि-स्वयम आप से आप ही आप स्वतः रुद व सुद।

अणव (अणव) अ वि-मनाहीन निश्चेष्ट वेमुध वेववर वेसु।

अणव (अणव) अ स्त्री-दुबलता कमजारी दुबलपन लगरी कुतात तनुता।

अणव (अणव) अ वि-विचिन अणुभूत अनोखा आश्चय अचमा।

अणव (अणव) अ पु-वह पुरुष जा स्त्री न रखता ही।

अणव (अणव) अ वि-बहुत ही विचित्र निहायत अजीव।

अणव (अणव) अ वि-वह चीज जो बचानी मात् हा कठ कठस्य मुलाप वरजवा।

अणव (अणव) अ पु-अत्यत, अधिक, बहुत पूवि। आम (अणव) अ पु-अणव का बहु, जगगत, बीह, एव प्रवार का खाना खाने स धवरा जाना, शाम का एक स्थान। अणव (अणव) अ पु-अणव के अतिरिक्त बाकी सत्तार, ईरान और तूरान, दाना, पान्य, (वि) मूक, गुगा जा वान सव।

अणव (अणव) अ स्त्री-प्रतिष्ठा, वजुगी, बडाई आण सम्मान, इच्छत यह गण उदु में 'अणव' है, दे अणव।

अणव (अणव) अ वि-जा अखी न हो, ईरानी, ईरान निवामी।

अणव (अणव) अ पु-अणव-न्यायत, पाप व अनुसार इसाफ स।

अणव (अणव) अ स्त्री-मस्य मरण मौन समय वान यस्त।

अणव (अणव) अ वि-श्रेष्ठतम बहुत ही गुअखव। खल (अणव) अ वि-अति नीक अणवतर, वणुत ही वमीना।

अणव (अणव) अ पु-अणव का बहु, पट्टे स्नायु-समूह। अणव (अणव) अ पु-जिसकी जघाए और दिनव दुवल-यतले हा।

अणव (अणव) अ वि-बह समय जिसकी गुहात न हो अनात् काल वह समय जब मण्टि की रचना हुई—दिल अणव स है कोई जाज स वडाई है?

अणव (अणव) अ वि-जो मौन व मुह में हा मरणासात।

अणव (अणव) अ वि-जिसकी मोठ जा गयी हो मतप्राय।

अणव (अणव) अ वि-अनादि काल से सबद्ध अनादि कालवाला मण्टि की रचना के समय हा।

अणव (अणव) अ वि-सिर से पाव तक आपादमस्तव सबधा नितात, विलकुल, नप से गिख तक पूणन।

अणव (अणव) अ वि-गीघ्न सुरत जल सहसा निसकोच वतअमूल चुस्त स्फटियुक्त फूर्तीला।

अणव (अणव) अ वि-नये सिरे स फिर स पुन। अणव (अणव) अ वि-असीम अपार, बहत् अत्यधिक, बहुत व्याप।

अणव (अणव) अ वि-उससे। अणव (अणव) अ स्त्री-अजान का लम्ब दे अजान।

अणव (अणव) अ पु-अणव-उन सवम स उनमें स।

अज्ञापेश (अज्ञापेश) फा वि—उससे पहले, तत्पूर्व ।
 अज्ञावाप्त (अज्ञावाप्त) फा वि.—उस समय से, उस वृत्त में ।
 अज्ञावाद (अज्ञावाद) अ फा. वि—उसके बाद, उसके पश्चात्, तत्पश्चात् ।
 अज्ञासू (अज्ञासू) फा वि—उस ओर से, उधर से ।
 अज्ञा (अज्ञा) अ स्त्री.—कष्ट, दुःख, अजीयत, यातना ।
 अज्ञा (अज्ञा) अ पु—मृत्युगोक, मातम, देवी आपत्ति पर धैर्य और उस पर दृढता ।
 अज्ञाइज (अज्ञाइज) अ पु—‘अजूज’ का बहु, बूढ़ी स्त्रियाँ ।
 अज्ञाइफ (अज्ञाइफ) अ पु—‘जैफ’ का बहु, मेहमान लोग, अतिथिगण ।
 अज्ञाइव (अज्ञाइव) अ पु—‘अजीव’ का बहु, विचित्रताएँ, अजीव वाते ।
 अज्ञाइव खानः (अज्ञाइव खानः) अ. फा पु—कौतुकालय, विचित्रालय, अद्भुतालय, अजायबघर ।
 अज्ञाइवात (अज्ञाइवात) अ. पु—‘अजाइव’ का बहु, चूँकि ‘अजाइव’ स्वयं बहुवचन हे इसलिए इसका बहु अशुद्ध है, परन्तु उर्दू में प्रचलित है ।
 अज्ञाइम (अज्ञाइम) अ. पु—‘अजीमत’ का बहु, वे मत्र और पाठ जो भूत, प्रेत आदि को वसा में करने या रोकने के लिए पढे जाते हैं, वीमार के अच्छा होने के लिए पढी जाने वाली दुआएँ ।
 अज्ञाइखानः (अज्ञाइखानः) अ फा पु—शोकगृह, मातमखाना, जहाँ कोई मर गया हो और उसका शोक मनाया जा रहा हो ।
 अज्ञाज (अज्ञाज) अ पु—धूल-मिट्टी, गर्द-गुवार ।
 अज्ञाजली (अज्ञाजली) अ पु—शैतान का नाम, जब वह फिरिस्ता था ।
 अज्ञादार (अज्ञादार) अ फा वि—जो किसी के मरने का शोक कर रहा हो, मातमदार, मुहर्रम में इमाम हुसैन का मातम मनानेवाला ।
 अज्ञादारी (अज्ञादारी) अ फा स्त्री—मृत्यु-शोक-काल, इसाम हुसैन का मातम मनाना, ता’जियादारी ।
 अज्ञान (अज्ञान) अ स्त्री—नमाज का बुलावा, नमाज की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते हैं ।
 अज्ञानिव (अज्ञानिव) अ पु—‘अजूनवी’ का बहु, अपरिचित लोग, वेगाने, अस्वजन, गैर ।
 अज्ञाव (अज्ञाव) अ पु—पापो का वह दंड जो यमलोक में मिलता है, पापकष्ट, यातना, पीडा, दुःख, तकलीफ ।
 अज्ञाबुल कन्न (अज्ञाबुल कन्न) अ पु—कन्न के भीतर का अजाव, जो मुसलमानों के मतानुसार ‘मुन्कर नकीर’ दो फिरिस्तो द्वारा होता है ।

अज्ञाबुलहून (अज्ञाबुलहून) अ पु—तिरस्कृत और अपमानित करने की यातना ।
 अज्ञाहोफ (अज्ञाहोफ) अ पु—‘अज्हाफ’ का बहु, जो ‘जिहाफ’ का बहु है, उर्दू छंदों के गणों के परिवर्तन ।
 अज्ञाहीर (अज्ञाहीर) अ पु—‘अज्हार’ का बहु, जो ‘जहर’, ‘जुहर’ और ‘जुह’ का बहु है, कलियाँ, बिन खिले फूल, अगूफे ।
 अजिज (अजिज) अ स्त्री—श्लोण, नितव, चूतड, दे ‘अजुज’, दोनो शुद्ध है ।
 अजिन्न (अजिन्न) अ पु—‘जनीन’ का बहु, वे वच्चे जो माँ के पेट में ही, भ्रूणसमूह ।
 अजिफ (अजिफ) अ वि—दुबला, लागर, कमजोर, कुशकाय ।
 अजिमः (अजिमः) अ पु—दुर्भिक्ष का कष्ट, कष्ट की सरती और तकलीफ ।
 अजिम्मः (अजिम्मः) अ पु—‘जिमाम’ का बहु, लगामे ।
 अजिल्लः (अजिल्लः) अ पु—‘जलील’ का बहु, बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन ।
 अजिल्लः (अजिल्लः) अ. पु—‘जलील’ का बहु अधम लोग, निकृष्ट लोग, कमीने लोग, नीच जन ।
 अजों (अजों) फा अव्य—इससे ।
 अजोममर (अजोममर) फा. अ. अव्य—इस कारण से, इस सदव से ।
 अजीज (अजीज) अ वि—नामदं, नपुंसक, वृत्तव ।
 अजीज (अजीज) अ वि—स्वजन, रिश्तेदार, प्रिय, प्यारा, रुचिकर, मर्गुव, अप्राप्य, कामयाब, मिल्क के प्राचीन वादशाहो की उपाधि ।—“मिलने से भी अजीज है मिलने की आर्जू, है वस्ल से जियाद मजा इतजार मे ॥”—(प्रिय के अर्थ में)
 अजीज तरीन (अजीज तरीन) अ फा वि—बहुत ही प्यारा, अजीज, बहुत अधिक पसद, प्रियतम ।
 अजीन (अजीन) अ वि—गुंघा हुआ, सना हुआ, खमीर ।
 अजीव (अजीव) अ वि—विचित्र, आश्चर्यजनक, अनुपम, अद्वितीय, वेमिस्ल, अनोखा, निराला ।
 अजीव तर (अजीव तर) अ फा वि—बहुत ही विचित्र; बहुत ही अनुपम, बहुत ही निराला, अति अद्भुत ।
 अजीबुलखिलकत (अजीबुलखिलकत) अ वि—जिसकी आकृति और बनावट विचित्र हो, विकटमूर्ति, जो प्राकृतिक रूप से विरुद्ध हो, अप्राकृतिक ।
 अजीवो गरीव (अजीवो गरीव) अ वि.—जिसमें बहुत-सी वाते ऐसी हो जो दूसरो में न हों, बहुत ही विचित्र ।
 अजीम (अजीम) अ वि—महान्, बहुत बड़ा, विशाल, विस्तृत ।

अजीमत (عزيمت) अ स्था-सन्त्य निश्चय, इराण
 तत्र मत्र अभिचार जाहू-गना भूता का वुलान और उह
 वरने आनि के लिए मत्र आदि का उच्चारण।
 अजामत टवा (عزيمت حوا) अ पा वि-वह व्यक्ति
 जा अभिचार और ताहू म भूत पैता का वुलाय।
 अजीमुल्नुस्स (عظيم النعمة) अ वि-बहुत बड़ डाल-डौर
 का गिराडाल महाकाय।
 अजीमुग्गान (عظيم السل) अ वि-बहुत बग, महान
 विगा- महामाय वर मनबवाला।
 अजीयत (الحيات) अ स्था-कष्ट यातना तत्रलाफ।
 अजीयत दह (الحيات دة) अ पा वि-कष्टलाया, पुण्याया
 तत्रलाफ दनेवाग।
 अजायत रता (الحيات رة) अ पा वि-द अजायत-ह।
 अजार (احمر) अ वि-श्रमिक मजदूर।
 अजार (عصير) अ वि-क्याव नपुमक नामद।
 अजोल (عجل) अ वि-पूर्विला चुल जल्वात्र आतुर।
 अजुद (عجود) अ पु-आण निनब कर्त्तग मुरान।
 अजुद (عجد) अ पु-मुंग वाहू बाजू।
 अजुद (عجود) अ स्था-अजुद।
 अजुद (عجود) अ स्त्री-यूना स्था बडा वह बडा नारी
 जिसम काम-वासना का अधिकय हा।
 अजुव (عجوبة) अ वि-अनाबी चाञ न उजुव गुद
 वहा है परतु उन्वा- दाना प्रार स बाग्न ह।
 अजुवत (عجوب) अ स्था-भयुगता गिठास रसाग्रपन
 पानी का स्वादिष्ठ हाता।
 अजुल (عجول) अ वि-बहुत गाग्रना करनवाला स्तय
 चनिन हैरान वह उटना जिनका वन्वा छा गया हा।
 अजरा (ار) अ अय-अरा का वहन रूप हमलिए
 दम कागण निर्माणे क्या।
 अजराफ (العصف) अ वि-बहुत जईक बहुत कमजार
 अति निबल।
 अजराफ (اصعق) अ पु-अफ का वहू दूने दाग्न।
 अस्का (الكل) अ वि-बहुत ही प्रतिभागाले वुत हा
 जहान कुगाग्रवुद्धि मवागी।
 अस्का (الكل) अ वि-बहुत हा पवित्र वुत ही पाक।
 अस्कार (ك) अ पु-जिन का वहू चर्चाए तस्किरे
 जप-तप वजीफ आदि।
 अस्किया (انكس) अ पु-अका का बहुवचन कुगाग्र वुद्धि
 बाल प्रतिभागाला लाय।
 अस्किया (انكس) अ पु-अका का वहू अति पवित्र गय
 पुण्यात्मा लोय वुजुग लाय।

अस्कर (السكر) अ वि-बहुत ही तीव्र मधवाला तजवू।
 अस्कास (الاصعق) अ पु-घाम व मुठे जिनमें सूधी गाला
 घास मिली हा जस्त यस्त वस्तु।
 अस्कासे अहनाम (احتم) अ पु-एम स्वान जिनका
 स्वान फ- टाक न बताया जा सके परागत-स्वाव।
 अस्ज (عز) अ पु-प्रभुत्व श्लवा।
 अस्ज वजल (عز وجل) अ वि-जा गालिब और महान
 हा इस्वर व नाम क साथ बालन ह।
 अस्जम (احرم) अ वि-जिमक हाय कटे हा।
 अस्जए तर्कीवी (احرام تركيبي) अ पु-ब मूल धातुग
 जिनम मिलकर कोई पत्र वना हा मयाजक पत्रय,
 उपादान तत्र।
 अस्जा (احرا) अ पु-जुज का वहू टुकटे ख- विसा
 पत्रय की मूल धातुएँ अथवा वस्तुएँ विसा नुस्ने की
 दवाएँ।
 अस्द (ارد) अ पा पु-समानता, नाहमबारी रता का
 खुर-रापन।
 अस्द (عسد) अ पु-एक राजा की हूमरे राजा का सहायता,
 सहायता मदद।
 अस्अ (احدع) अ वि-जिसकी नाफ या जिसक वान
 कटे हा।
 अस्वर (ارد) अ पु-अजगर, अजन्हा बहुत बडा साप।
 अस्वरदहा (ارودنهان) अ वि-जिसका मुह अजगर जसा
 हा जिसक मुह में जानर काई जिना न वके, जा आग
 बरसता हा।
 अस्वरहा (اردها) अ पु-अरुहा अजगर यह गत्र एक
 वचन है।
 अदल (احدل) अ पु-एक गिकारी चिडिया चय।
 अरुहा (اردها) अ पु-अरु अजगर।
 अरुहाद (احदान) अ पु-ज- का वहू पूवज, बाप-दाए
 पुराने लाय पुरने।
 अरुहाद (احदान) अ पु-जिन का वहू परस्पर विरोधी
 बीज।
 अज्ज (عجن) अ पु-गूधना समार करना।
 अज्ज (احلب) अ वि-दे अनवा।
 अज्जबी (احلبي) अ वि-अपरिचिन अनजान अस्वजन
 गर।
 अज्जना (احلان) अ पु-जु- का वहू सनाए फीजे।
 अज्जनाब (ازناب) अ पु-अनब का वहू पूछ दुम।
 अज्जनास (احلس) अ स्त्री-जिन का वहू जिनसे गले
 अनाज जिस प्रकार चाञ अज्जनाब साभा।

अजिन्हः (اجنحه) अ पु—'जनाह' का बहु., पक्ष, पर ।
 अजफ़ (عصف) अ पु—स्वयं भूखा रहकर अपना खाना दूसरे भूखे को खिलाना, विपत्ति में धैर्य रखना ।
 अजफ़र (اذافر) अ वि.—तीव्र सुगंध वाला, तेज वू वाला ।
 अजफ़र (اطفر) अ. वि.—बड़े-बड़े नखोवाला ।
 अजफ़ान (اجفان) अ पु—'जफ़न' का बहु., पपोटे, पलकें ।
 अजव (عذب) अ पु—मधुर, मीठा; स्वादिष्ट, मजेदार, मीठा पानी ।
 अजव (عضب) अ पु.—काटना, विच्छेदन, सज़ा, तलवार ।
 अजवीयत (عصبيت) अ स्त्री.—जवान की तेजी, बोलने की शक्ति, भाषण-पटुता ।
 अज्वुल लिसान (عرب اللسان) अ वि.—जिसकी वातो में रसीलापन हो, मधुरभाषी ।
 अज्वुल वयान (عذب العيان) अ वि.—दे 'अज्वुल लिसान' ।
 अजम (عزم) अ पु—संकल्प, निश्चय, इरादा, दृढ निश्चय, तहीद, इच्छा, स्वाहिया ।
 अजम (عجم) अ पु—अक्षर पर विद्वि रखना ।
 अजम (عظم) अ पु—हड्डी, अस्थि, श्रेष्ठता, पुनीतता, वुजुर्गी ।
 अजमईन (اجمعين) अ वि.—सब, सारे, तमाम, सपूर्ण ।
 अजमत (عظمت) अ स्त्री—माहात्म्य, महिमा, वुजुर्गी, महत्त्व, अहमीयत, सम्मान, आदर, इज्जत ।
 अजमविल जजम (عزم بالحرم) अ पु—दृढ संकल्प, दृढ निश्चय, पक्का इरादा ।
 अजमल (اجمل) अ. वि.—बहुत अधिक रूपवान्, सुदरतम ।
 अजमा (عجم) अ पु—गूंगा, मूक ।
 अजमात (عزمات) अ. पु.—'अजम' का फारसी बहु., इरादे, निश्चय ।
 अजमान (اجمان) अ पु—'जमन' का बहु., जमाने, युग ।
 अजमनः (اجمنة) अ पु—'जमान' का बहु., काल-समूह, जमाने ।
 अजयक (اصيق) अ वि.—बहुत अधिक सकुचित और तग ।
 अजयद (اجيد) अ वि.—बहुत ही उत्तम, बहुत ही उम्दा ।
 अज्या (اصيع) अ वि.—बहुत अधिक नष्ट करनेवाला, बहुत 'जाये' करनेवाला, हिन्दी में 'जाया' (नष्ट, बर्बाद) बहुत प्रचलित है ।
 अज्याफ़ (اصيفاف) अ पु—'जैफ' का बहु., मेहमान लोग, आगतुक जन ।
 अज्याल (اجيال) अ पु—'जैल' का बहु., दामन, बहुत से दामन ।
 अज्र (اجر) अ पु—प्रत्युपकार, भलाई का बदला, सत्कर्म-फल, सवाव ।

अज्रक (ازق) अ वि.—नीला, नीले रंग का ।
 अज्रब (اجر) अ. वि.—जिसे खाज का रोग हो ।
 अज्रा (اجر) अ स्त्री—अविवाहिता, कुमारी, सुदर गालो वाली, प्रकट, व्यक्त, कन्या राशि, वुर्जे सबुल., अरब की एक मुदरी जो 'वामिक' की प्रेमिका थी ।
 अज्राव (اجر) अ पु—'जर्व' का बहु., किस्में, प्रकार, सदृश, समान, अम्साल ।
 अज्राम (اجر) अ पु—'जिम' का बहु., पिण्डसमूह, यह शब्द आकाशीय पदार्थों अथवा बहुमूल्य रत्नों के लिए प्रयुक्त है ।
 अज्रार (اجر) अ पु—'जरर' का बहु., हानियाँ, नुकसानात ।
 अज्रल (عضله) अ पु—पुट्टा, स्नायु, नस ।
 अज्रल (عضل) अ पु—विधवा को दूसरा विवाह करने से रोकना ।
 अज्रल (عزل) अ पु—पदच्युत करना, मा'जूल करना, पद-च्युति, मा'जूली, बेकारी, निठल्लापन, मुअत्तली ।
 अज्रल (اجل) अ पु—उत्तेजित होना, उभरना ।
 अज्रला (اجلا) अ वि.—बहुत ही चमकदार, बहुत ही साफ ।
 अज्रला (اصلا) अ पु—'जिल्द' का बहु., जिले, मडल, पसलियाँ, भुजाएँ, रेखाएँ ।
 अज्रलाफ (اجلاف) अ पु—'जिल्फ' का बहु., कमीने लोग, नीच लोग ।
 अज्रलाम (اطلام) अ पु—'जुलमत' का बहु., अंधेरे, अधकार-समूह ।
 अज्रलीनस्व (عزل, نصب) अ पु—किसी को पद से हटाना और किसी को उराके स्थान पर नियुक्त करना ।
 अज्रव (عرو) अ पु—एक वस्तु को दूसरी वस्तु से सम्बन्धित करना, विपत्ति में धैर्य रखना ।
 अज्रव (احوف) अ वि.—जो बीच से खाली हो, सुपिर, खोखला, वह अरबी शब्द जिसके बीच का अक्षर 'अलिफ', 'वाव' या 'ये' हो ।
 अज्रवाज (ارواح) अ स्त्री—'जौज' का बहु., पत्नियाँ, स्त्रियाँ, भार्याएँ ।
 अज्रिवव (اجر) अ पु—'जवाव' का बहु., जवावात, उत्तर ।
 अज्रसाद (احساس) अ पु—'जसद' का बहु., देहे, शरीर ।
 अज्रसाम (احسام) अ पु—'जिस्म' का बहु., देहे, शरीर ।
 अज्रसुर (احسر) अ पु—'जस' का बहु., बहुत से पुल ।
 अज्रहर (اجر) अ वि.—जिसे दिन में न दिखाई देता हो, दिनाथ, रोजकोर ।
 अजहर (ازهر) अ वि.—यश और कीर्ति से मुख की उज्वलता, बहुत अधिक प्रकाशमान्, रौशनतर, मिस्र का प्राचीन विश्वविद्यालय, 'जामिअए अजहर' ।

अवहर (اظم) अ वि-बहुत अधिग स्पष्ट पट्टा ही गाण ।
 अवहर मिनगामस (اظم ومن لاس) अ वि-गूय से
 अधिग स्पष्ट और उच्च सवविधि मवना जाहिर ।
 अवहल (احهل) अ वि-बहुत अधिग जाहिर, मूलतम ।
 अवहा (اصحوا) अ स्त्री-बुवानी बरि ।
 अवहान (انها) अ पु-जह्न' का बहु प्रतिभाएँ जन् ।
 अतम (اتم) तु पु-गय का पति दूध पित्रनेवाली घाय
 का पति ।
 अतन (اتن) अ पु-उत्ता व पाना पान का स्थान ।
 अतब (عتبه) अ पु-गोयत गहोज गलान्त की लकनी
 या पर्यर बष्ट सन्ना रमन का एव जाहिर ।
 अतर (عتم) अ पु-तजना और मध्यमा या मध्यमा और
 अनामिका उगलिया व धाच का अतर ।
 अतब (عطب) अ पु-मरण हरावन वध ।
 अतम [मा] (ام) अ वि-नित्रुल पूरा मुनम्मल मवाग
 पूण गगुग ।
 अतन (عطل) अ स्त्री-विना भृगार की हूँ स्था विना
 विदावाला अथर ।
 अता (عاش) अ स्था-प्याग पिगामा तनगा ।
 अता (ات) तु पु-पित पिता जनक बाप ।
 अता (عطا) अ स्त्री-गान प्रदान बणिग पुरस्कार
 अनीय लिया हुआ दत्त ।
 अताई (عطى) अ नि-जिगन वाई कया या गुण नियम
 पूरक गुफ स न गावा हो वरन या ही मुन-मुनाकर या
 दत्त भावकर या किसी अनाग के पास रहकर धान-वदुन
 उन्टा-साया नाम प्राप्त कर लिया हा ।
 अताक (عطان) अ पु-गाम का अपने स्वामी व वधना
 से मुवत हाना ।
 अतान (اتان) अ स्त्री-गया गभी गधे की माना ।
 अतावुक (اتادك) तु पु-गुरु उस्ताल सरदार ।
 अताया (عطاما) अ पु-अनाय का बहु बणिग ।
 अतालिय (اطالنه) अ पु-इटली यूराप का एक प्रमिद्ध
 राष्ट्र ।
 अतालीक (اتالين) तु पु-गिभक उस्ताल गिगा के साथ
 साथ गिप्टता सम्मना और ध्यवहार निपटना आनि सिक्ताने
 वाला और चाल चान की दब रख करनेवाग गुन ।
 अतिव्या (اطما) अ पु-तबीव' का बहु, चिकित्सकगण
 हवीम लग ।
 अतीक (عتك) अ वि-पुरातन कनीम वधनमुक्त
 आजाद त्रेष्ठ गिरामी ।
 अतीक (عتك) अ वि-विद्यमान मौजूद उपस्थित

हागि तरार आमाग ।
 अतीक (عتك) अ स्था-वह म्नी जिगमें नगता,
 पातिप्रत्य जोर आगावारिता हो ।
 अतीक (عتك) अ प-अनुगान, बणिग प्रदान अता,
 पुरस्कार इनआम, उगहार, नाहगा ।
 अतीयात (عطلان) अ पु-जीय का बहु बणिगें
 अताएँ इआमात, साहसे ।
 अतील (عتل) अ वि-प्यागा तपित ।
 अतूफ (عتوفه) अ स्त्री-मुगाल जोर विग्न स्त्री ।
 अतूफ (عتوف) अ नि-दयागु महबवान वह ऊनी जा
 अपन वधव स बहुत स्नेह व वलला बिगमार का जाल ।
 अतूफत (عظوفت) अ स्था-अनुकपा अनुग्रह गफत्रत ।
 अतइम (اطعمه) अ पु-तजाम' का बहु साने, भाजन ।
 अतियया (اتيا) अ पु-उत्ती का बहु, भ्रमि और मुनि
 लाग गगावारी और घमनिष्ठ लाग ।
 अतगह (اتره) तु पु-गाही मट्ट में दूध पित्रनेवाली
 घाय का पति ।
 अतार (عطار) अ वि-सुगधरार इत्र बनान वधनवाला,
 आपधियाँ बेचनवाला एव मुगलमान महात्मा ।
 अतार (عطار) अ वि-साहसी गूर विलेर बलिष्ठ घाडा
 वह स्थान जिसम जा न लग ।
 अत्फ (عطف) अ पु-दृपा दया मिलाना, जाडना
 फिराना पेटना दागगाव बीच में 'बाव या नाई
 दूनरा अथर या सल लाकर उहें आपम में मिलाना ।
 अत्फाल (اطفال) अ पु-तिग का बहु बालकगण
 वच्चे लक्के ।
 अत्ब (عتب) अ पु-निग करना धाप करना ।
 अत्वाअ (اتواع) अ पु-तबा का बहु अनुकारी वग परवी
 करनेवाल ।
 अत्मक (اتك) तु स्त्री-राटी नान ।
 अतयब (اطيب) अ वि-बहुत जच्छी सुगधवाला ।
 अत्राक (اتراك) तु पु-तुक का बहु तुक लाग ।
 अत्राक (اتراک) अ पु-तरक का बहु गिगाएँ सिमते ।
 अत्राव (اتراب) अ स्त्री-तिग' का बहु समवयस्क पुरप
 या स्त्रिया ।
 अत्रिय (اترينه) अ स्त्री-सिवया ।
 अत्लस (اتلاس) अ स्त्री-एक बहुमूल्य रेशमी वस्त्र (प)
 स्वच्छ आकाग साफ आस्मान ।
 अत्लाल (اطلال) अ पु-पुरान और ध्वस्त मकान आनि
 के चिह्न ।
 अत्वार (اتوار) अ पु-तोर' का बहु आचरण, आ माल ।

अल्शान (عطس) अ वि—प्यासा, तृपित ।
 अत्सः (عطسة) अ स्त्री—झीक ।
 अत्हर (اطهر) अ वि—बहुत ही पवित्र, अत्यन्त पाक ।
 अद [ह] (أد) अ पुं—गिनना, गणना करना, शुमार करना ।
 अदक [क] (أدق) अ वि—बहुत ही क्लिष्ट, बहुत ही गूढ, रहस्यमय, बहुत ही सूक्ष्म, निहायत दकीक ।
 अदकचः (أدقحة) तु पु—पलग पर विछाने की कामदार चादर ।
 अदद (أدد) अ पु—सख्या, अक, तादाद, मात्रा ।
 अदन (أدين) अ पुं—यमन का एक द्वीप जहाँ का मोती प्रसिद्ध है ।
 अदब (أدب) अ पु—हर चीज का अदाजा और हृद को दृष्टि में रखना, शिष्टता, सभ्यता, तमीज, आदर, सत्कार, ताजीम, साहित्य, कला, लिट्रेचर, बुद्धि, विवेक ।
 अदव आमोज (أدب أمور) अ फा वि—अदव सिखानेवाला, अदव सीखनेवाला ।
 अदव नवाज (أدب نواز) अ फा पु—जो साहित्य का कद्रदान और साहित्यकारो का गुणग्राही हो ।
 अदवी (أدवी) अ वि—साहित्यिक, साहित्य सम्बन्धी, अदव से मुतअल्लिक ।
 अदवीयत (أدवीت) अ स्त्री—साहित्यिक प्रवाद, साहित्यिकता ।
 अदवीयात (أدवीيات) अ स्त्री—साहित्य सम्बन्धी पुस्तके आदि ।
 अदम (أدم) अ पु—यमलोक, परलोक, जहाँ मनुष्य मरकर जाता है, हीन, बिना, अभाव, फिक्दान ।
 अदम आवाद (أدم أवाद) अ फा पु—यमलोक, परलोक, अदम की वस्ती ।
 अदरनः (أدرن) तु पु—एडिरयानोपिल ।
 अदल [ल] (أدل) अ वि—बहुत ही मुदरलल, तर्कयुक्त, सगतियुक्त ।
 अदवात (أدوات) अ पु—अदात का बहु, आले, आलात, औजार, उपकरण-समूह ।
 अदा (أدا) फा स्त्री—हाव-भाव, अगभगी, नाजअदाज, पद्धति, तर्ज, प्रणाली ।
 अदा (أدا) अ पु—बेवाक करना, देना, चुकाना, बेवाक, परिगृह्य ।
 अदाइगी (أداइگی) अ फा स्त्री—बेवाकी, परिगृह्य ।
 अदाए कर्ज (أدا عقرض) अ पु—ऋण-शुद्धि, कर्ज की बेवाकी ।

अदाए खास (أدا عاص) फा अ स्त्री—पद्धति-विशेष, खास तर्ज ।
 अदाकार (أداكار) फा वि—अभिनेता, नट, ऐक्टर (पुरुष); अभिनेत्री, तारिका, लप्वा, ऐक्ट्रेस ।
 अदात (أداत) अ पु—औजार, आला, उपकरण ।
 अदानी (أدानी) अ पु—'अदना' का बहु, बहुत पासवाले, बहुत कमीने ।
 अदालत (أدالت) अ स्त्री—न्यायालय, कचहरी, न्याय, इसाफ ।
 अदालत पजोह (أدالت دروه) अ फा वि—न्यायनिष्ठ, मुसिफमिजाज ।
 अदालते आलियः (أدالت عالیه) अ स्त्री—उच्च न्यायालय, हाईकोर्ट ।
 अदालते खफीफः (أدالت خفیفه) अ स्त्री—अल्पवाद न्यायालय, स्माल काज कोर्ट ।
 अदालते दीवानी (أدالت دیوانی) अ फा स्त्री—व्यवहारालय, लेन-देन और रुपये-पैसेवाली कचहरी, व्यवहार-न्यायालय ।
 अदालते फौजदारी (أدالت فوجداری) अ फा स्त्री—दंड-न्यायालय, वह कचहरी जहाँ अपराधो के इस्तिगासे होते हैं ।
 अदालते मातहत (أدالت ماتहत) अ स्त्री—अधीन न्यायालय ।
 अदालते माल (أدالت مال) अ स्त्री—राजस्व न्यायालय, मालगुजारी, लगान और खेती सम्बन्धी कचहरी ।
 अदालते मुजाज (أدالت مستجار) अ स्त्री—अधिकृत न्यायालय, जिसे किसी मुआमले के सुनने और निर्णय करने का अधिकार हो ।
 अदालते मुराफअः (أدالت مرافعه) अ स्त्री—पुनर्विचारालय, अदालते अपील ।
 अदावत (أداوات) अ स्त्री—शत्रुता, वैर, दुश्मनी ।
 अदावतन (أداواتن) अ वि—अदावत से, शत्रुता से ।
 अदावत पेजः (أداوات بیسه) अ फा वि—जिसका काम हरेक से शत्रुता रखना हो, वैरवृत्त ।
 अदावते कल्बी (أداوات قلبی) अ स्त्री—हार्दिक वैर, दिली दुश्मनी, बहुत अधिक शत्रुता ।
 अदावते फित्री (أداوات فطری) अ स्त्री—पैदाइगी दुश्मनी, प्राकृतिक वैर, जैमी साँप और न्योले में ।
 अदाशनास (أداشناس) फा. वि—यह समझनेवाला कि इस समय उसका स्वामी क्या चाहता है, और क्या करना चाहिए, भालदर्शी ।

- अनासिर (عذاب) अ पु—'उमुर' का बहु, पंचभूत—आग, पानी, हवा, मिट्टी और आकाश ।
- अनीक (انطق) अ. वि—अद्भुत, आश्चर्यजनक, अजीबो-गरीब; मुन्दर, मनोरम, हमीन ।
- अनीद (عليل) अ वि—लड़ाकू, रंगरालू; उदु, मरकज ।
- अनीन (انين) अ. पु—चीराना, चिल्लाना ।
- अनीफ (عريف) अ वि—तीव्र, नेज; गुग्गुरा, कुग्गु, शगड़ाल, लडाक ।
- अनीस (انيس) अ वि—मित्र, सगा, दोस्त ।
- अनीसून (انيسون) अ. स्त्री—एक प्रकार की मौफ जो देवा में काम आती है ।
- अन्कदूत (عندوت) अ स्त्री—लूता, मफात्री ।
- अन्कदूतीयः (عندوتية) अ स्त्री—आंघ का चौथा पर्दा या पटल ।
- अन्कम (انكعم) अ वि—बहुत ही खराब, अत्यन्त निकम ।
- अन्का (عنتا) अ पु—एक प्रसिद्ध साहित्यिक पक्षी जो केवल कल्पित है, वह वस्तु जो अप्राप्य हो, लवी गर्दनवाली स्त्री ।
- अन्काव (عنتاب) अ पु.—'नक्व' का बहु, छिद्र-मगूह, बहुत से मुरास ।
- अन्कास (انكاس) अ. पु—'निकम' का बहु, लिखने की स्याहियाँ ।
- अन्कास (انكاص) अ पु—'नकम' का बहु, कमियाँ, नुटियाँ, अग्रद्वियाँ, दोप, ऐव ।
- अन्नाव (عنتاب) अ वि—अगूर बेचनेवाला ।
- अन्फ (عنف) अ पु—गुरदरापन, रसापन, रुखाई, बेरुखी, दे 'इन्फ' और 'उन्फ', तीनों शुद्ध हैं ।
- अन्फत (انفت) अ पु—घृणा और अवहेलना करना ।
- अन्फस (انفس) अ वि—बहुत ही नफीस, बहुत ही उत्तम, अत्यधिक सुन्दर ।
- अन्फास (انفاس) अ पु—'नफस' का बहु, मांसे ।
- अन्फखः (انفخه) अ पु—'नफख' का बहु, फूँके ।
- अन्फहः (انفحه) अ पु—पनीर माय, वह जमा दुग्ध जो नवजात शिशु-पशु को मारकर उसके मेदे से निकालते हैं ।
- अन्फुस (انفوس) अ पु—'नफस' का बहु, रूहे, आत्माएँ, व्यक्तिताएँ, जाते ।
- अन्मलः (انملا) अ स्त्री—'दे' 'अन्मिल' ।
- अन्मार (انमार) अ पु—'नम्र' का बहु, चीते ।
- अन्मिल. (انميلة) अ स्त्री—उँगली का सिरा, यह शब्द नौ प्रकार से आता है, परन्तु बोला यही जाता है, 'अलिफ' और 'मीम' पर जवर, जेर, पेश, तीनों आते हैं ।
- अन्मुलः (انمولا) अ स्त्री—'दे' 'अन्मिल' ।

- अन्वर (انوار) अ वि—बहुत अधिक चमकदार, उज्ज्वलतम ।
- अन्वाअ (انواع) अ पु—'नीअ' का बहु, प्रकार, किस्मे ।
- अन्वार (انوار) अ. पु—'नूर' का बहु, प्रकाशपुज, जममगाहटे, रोगनियाँ ।
- अन्हार (انهار) अ पुं—'नह' का बहु, नहरे, नदियाँ, चरणे ।
- अफ [फफ] (عفف) अ पुं—गतीत्व, पानिप्रत्य, इस्मत ।
- अफन (عفن) अ. पुं—मलिन होना, गदा होना ।
- अफरना (عفرونا) अ पु—फाट मानेवाला घेर, व्याघ्र ।
- अफा (عفا) अ पु—मरना, हलाक होना, नापद होना, जांग के पर्पोंटों की कालिमा ।
- अफाई (اعفاي) अ पु—'अफई' का बहु, काले साँप ।
- अफागिनः (اعفاله) अ पु—'अपमान' का बहु, अपमानी लोग, काबुली ।
- अफासिल (افاصل) अ. पु—'अपजल' का बहु, विद्वजन, पठित लोग, प्रतिष्ठित जन, वडे लोग ।
- अफाफ (عفاف) अ पु—मयम, पार्सीई, नतीत्व, इस्मत ।
- अफारीत (عفاريت) अ पु.—उफ्रीत का बहु, पिशाच-समूह, देव लोग ।
- अफिन (عفن) अ वि—दुर्गन्धयुक्त, बधूदार ।
- अफिन (عفن) अ वि.—बकठा, कमीला, बकठी चीज ।
- अफोफः (عفيفه) अ स्त्री—मती, माध्वी, पतिव्रता, वाइस्मत ।
- अफोफ (عفيف) अ वि—पत्नीव्रत, परस्त्रीविमुक्त, हूसरी स्त्री पर आँप न उठानेवाला ।
- अफील (افيل) अ पु—जवान ऊँट ।
- अफअफ (عفففف) अ अव्य—कुत्ते के भूँकने का शब्द ।
- अफआल (افعال) अ पु—'फैल' का बहु, कार्य-समूह, कृतियाँ, करतूत ।
- अफइद (افئدة) अ पु—'फुआद' का बहु, हृदय-समूह ।
- अफई (اعفای) अ पु—काला साँप, नाग ।
- अफकर (افقار) अ वि—बहुत ही फगाल, बहुत ही फकीर ।
- अफकार (افكار) अ पु—'फिकर' का बहु, फिके, चिताएँ, रचनाएँ, तसानीफ ।
- अफमंदः (افمندة) फा वि—फेका हुआ, गिराया हुआ ।
- अफमंदः सुम (افمندةسم) फा. वि—लाचार, दुखित, चलने-फिरने में विवश ।
- अफगदनी (افغندنی) फा वि—फेकने के योग्य, डालने के योग्य, गिराये जाने योग्य ।
- अफगाँ (افغان) फा. पु—'अपमान' का लघु, दे 'अपमान' ।
- अपमानः (افمانه) फा पु—भ्रूण, अधूरा बच्चा, वह बच्चा जो सात महीने से पूर्व उत्पन्न हो जाय ।

अपघान (اعبان) का पु—अफगानिस्तान का निवासा
अफगानी बाबुली।

अपघानिस्तान (ايم سندان) का पु—बाबुलिया का देश
बाबुल का मुल्क बाबुल का राष्ट्र।

अपघानी (ايماني) का वि—बाबुली अफगान।

अपघार (ايمار) का वि—पन घायल (प्रत्य) जम्म खाया
हुआ जैसे लिल अपघार जहमी लिलवाला।

अपडल (ايمصل) अ वि—बहुत ही बटिया उत्तमतर बहुत
अधिक बहून बयाता।

अफडलीयत (ايمصل) अ स्त्री—भीष्टता, बटप्पन, बढाद।

अपडह (ايمص) अ वि—बहुत ही नितित बहुत ही
बनाम कुम्यात।

अपडा (ايمار) का प्रत्य—बनानवाग जैसे होमल अपडा
उत्साह बनानेवाला।

अपडाइश (ايمارिश) का स्त्री—बढ़ि बढ़ती बयादती।

अपडाइशे नस्ल (ايمारिस سل) का स्त्री—मतान-बढ़ि
वशबढ़ि, नस्ल का बढना।

अपडाइशे हुस्न (ايمारिश حسن) का अ स्त्री—मौय्य
बढ़ि सुन्दरता का बढना।

अपिडय (ايمصه) अ स्त्री—पडा का बहु सुले स्थान।

अपडू (ايمارु) का वि—अत्यधिक प्रचुर बहुत ज्यागा
कुठ जोड प्राड टाट।

अपडूनी (ايمरु) का स्त्री—अधिकता प्रचुरता बढुतायत
ज्यागता।

अपडूर (ايمरु) अ पु—भतीजा भान पुत्र भानजा भगिनी
पुत्र।

अपडयाल (ايمवाल) अ पु—पीठ का बहु बहून से हाथी।

अपडाहल (ايمارुहله) का वि—उठायो हुआ ऊचा किया हुआ।

अपडाहलनी (ايمरुहله) का वि—उठाने योग्य ऊँचा
करन योग्य।

अपडाह (ايمरुह) का प्रत्य—उठानवाग 'उचा करनवाग'
जग सरअफाड मिर उचा करनवाला।

अपडाहिन् (ايمरुहिन्) का वि—उठानेवाला ऊचा करनवाग।

अपडाबीव (ايمरुबीव) का वि—उठायो हुआ वरुद किया
हुआ।

अपडाव (ايمरुव) अ प—प्र का बहु व्यक्तियों आत्मी।

अपडावत (ايمरुवते) का वि—उठायो हुआ ऊचा किया
हुआ वरुद किया हुआ।

अपडावनी (ايمरुवते) का वि—उठाने योग्य ऊचा
करने योग्य।

अपडास (ايمरुस) अ पु—परग का बहु पाग।

अफासियाव (ايمरुसغاب) का पु—तूरान का एक प्राचीन
शासक।

अफसे आब (ايمरुस آب) का पु—व धुलुले जो पानो
बरमत समय उठते ह।

अफोहल (ايمरुहले) का वि—जलाया हुआ, रीशन किया
हुआ नूद गुम्म में, उत्तेजित मुस्तहल।

अफोहलगी (ايمरुहले) का स्त्री—श्रेय रोप उत्तजना
उकमाहल रोगनी।

अफोहलनी (ايمरुहले) का वि—जलाने योग्य उत्तेजित
करन योग्य नूद करने योग्य।

अफोह (ايمरु) का प्रत्य—जलानवाग रीशन करनेवाला
उज्ज्वलकारी वदिकारी जमे—लिल अफोह लिल का
उज्ज्वल करनेवाला रीशन-अफोह-गाभावदिकारी।

अफाक (ايمरु) अ पु—फाक का बहु आवाग
समूह सब आस्मान।

अफाक (ايمरु) अ पु—फाक का बहु प्रातकाल के
उजाल।

अफव (ايم) अ पु—शमा मुआफी।

अफवाज (ايمواज) अ स्त्री—फौज का बहु फौज सेनाएँ।

अफवाह (ايمरुह) अ स्त्री—बहुवचन है परन्तु एकवचन
म प्रयुक्त होता है किन्तु जनश्रुति 'नेवाक्ति उन्ती
हुई गौहस्त।

अफवाहन (ايمरुह) अ वि—अफवाह के तीर पर उन्ती
उडत।

अफा (ايمरु) अ पु—पथिक का सामान।

अफा (ايمरु) का स्त्री—दिशयो के वाला अपवा
गागे पर छिक्ने का सुनहरा या रुपहला चूण
(प्रत्य) झाडवाला छिक्नेवाला जम—दस्त अफा
हाय बानेवाला।

अफाशर (ايمरुशर) तु पु—सुर्वो में निजिलवाग जाति
का एक गोत्र।

अफाशर (ايمरुशर) का पु—अफाशर।

अफाशर (ايمरुशर) का वि—निचाडा हुआ (पु) निचोडा
हुआ अरक आदि।

अफाशर अफूर (ايمरुशर) का पु—अफूर का निचोडा
हुआ अरक अफूर की मदिरा।

अफस (ايممص) अ पु—माडू माडूफत एव वनीपथि।

अफसर (ايمसर) अ पु—सकुल ताज फनाधिवारी आ
दार सररर अध्याग।

अफसरी (ايمसरी) अ स्त्री—फनाधिकार आगनाग
गता हुमा अध्यागता सरररी।

अफसह (افصح) अ. वि.—बहुत फसीह, जो बड़ी विद्वत्ता से वातचीत करता हो और बहुत अच्छे शब्द बोलता हो।
 अफसां (افسان) फा पु.—धार तेज करने का पत्थर, शाण, सान।
 अफसा (افسا) फा पुं—अभिचारक, मायावी, जादूगर।
 अफसान: (افسانه) फा. पु.—आख्यायिका, कहानी; उपन्यास, नाविल, लम्बा वृत्तान्त; मनगढ़त कहानी या हाल।
 अफसान:गो (افسانه گو) फा. वि.—कहानियाँ कहनेवाला, किस्स गो।
 अफसान: नवीस (افسانه نویسن) फा वि.—कहानियाँ लिखनेवाला, उपन्यास-लेखक।
 अफसान: निगार (افسانه نگار) फा. वि.—दे 'अफसान नवीस'।
 अफसार (افسار) फा पु.—घोड़े की वागदोर।
 अफसुर्द: (افسرد) फा वि.—जाड़े से ठिठरा हुआ, बुझा हुआ, ठंडा; खिन्न, उदास।
 अफसुर्द:दिल (افسرد دل) फा वि.—बुझे दिलवाला, खिन्नचित्त, उदास।
 अफसुर्द:दिली (افسرد دللی) फा स्त्री—दिल का बुझा होना, उदासी।
 अफसुर्द:गी (افسردگی) फा स्त्री—मलिनता, खिन्नता, उदासीनता, ठिठरापन, बेरीनकी, शोभाहीनता।
 अफसुर्द:नी (افسردنی) फा वि.—ठिठरने योग्य; मलिन होने योग्य।
 अफसू (افسون) फा. पु.—अभिचार, मायाकर्म, इन्द्रजाल, जादू।
 अफसूंगर (افسون گر) फा. वि.—अभिचारक, मायावी, जादूगर।
 अफसूंतराज (افسون طراز) फा. वि.—दे. 'अफसूंगर'।
 अफसून (افسون) फा. पु.—दे 'अफसू'।
 अफसून सामिरी (افسون سامیری) फा. अ पुं—'सामिरी' का जादू, बहुत सख्त जादू।
 अफसूस (افسوس) फा पु.—शोक, रज, पश्चात्ताप, खेद, पशेमानी।
 अफसूसनाक (افسوسناک) फा वि.—शोकजनक, रजदेह, अशुभ, मनहूस, दयनीय, काविले रहम।
 अब [व] (عاب) अ. पुं—बार-बार पानी पीना; मुँह भर-भर के खाना।
 अबद: (عبد) अ पु—'आविद' का बहु तपस्वी लोग।
 अबद (ابد) अ पु—वह समय जिसका अंत न ज्ञात

अबदन (ابدأ) अ. वि.—कदापि, हरगिज; नित्य, हमेशा।
 अबदी (ابدی) अ वि.—नित्य की, हमेशा की, सार्व-कालिक, दायमी।
 अबदीयत (ابدیت) अ. स्त्री.—नित्यता, हमेशगी; अनश्वरता, लाजवालीयत।
 अबदुल आबाद (ابدال آباد) अ पु—नित्यता, हमेशगी।
 अबवी (ابوی) अ वि.—बाप का, बाप संबंधी।
 अबस (عبدت) अ वि.—व्यर्थ, निरर्थक, फजूल, बेकार।
 अबस (عسس) अ. पुं—रखापन, बदमिजाजी, सूखा पेगाव-पाखाना।
 अबा (عبا) अ पु—लंबा चुगा, वस्त्र, लिवास।
 अबावील (ابوابیل) अ स्त्री—एक प्रसिद्ध काली और छोटी चिटिया, जो उजाउ मकानों में रहती है, भाडकी।
 अबिल (عبدی) अ. वि.—सुगंधित, खुशबूदार।
 अबीद (عبدید) अ पु—'अब्द' का बहु, ईश्वर के दास।
 अबीर (عبدیر) अ पु—एक प्रकार की सुगंधित गुलाबी बुकनी जो कपड़ों पर छिड़की जाती है।
 अबूर (عمور) अ पु—नई बकरी या भेड़; वह मनुष्य जिसका खतना न हुआ हो।
 अबूस (عموس) अ वि.—बदमिजाज और खुराँ व्यक्ति, रूखे स्वभाववाला।
 अब्द (عبد) अ वि.—बहुत अधिक दूर।
 अब्दाद (عبداد) अ पु—'बो'द का बहु, द्वारियाँ, फासिले।
 अब्दादे सलास: (عبداد ثلاثه) अ पु—तीन फासिले, लंबाई, चौड़ाई और मोटाई या ऊँचाई या गहराई।
 अब्दर: (عبدرة) अ पु—'बईर' का बहु, उष्ट्र-समूह, बहुत से ऊँट।
 अब्कर (عبدکر) अ पु.—शोरा, एक क्षार जिससे वारूद बनती है।
 अब्कर (عبدکر) अ पु—भूत-प्रेत और जिनो आदि का एक कल्पित नगर।
 अब्करी (عبدقوی) अ वि.—बहुत बढ़िया और अब्भुत वस्तु जिसे मनुष्य न बना सके, वल्कि जिसे जिनो या भूतो ने बनाया हो, उम्दा और नफीस कपड़ा, हर उत्तम और अब्भुत वस्तु।
 अब्का (عبدکلی) अ वि.—बहुत रोनेवाला।
 अब्कार (عبدکار) अ पु—'विक्र' का बहु, कुआँरियों, वृक्र. का बहु, सवेरे, प्रात काल के समय।
 अब्खर: (عبدخرد) अ पु—'बुखार' का बहु, धुएँ, भापे।
 अब्खर (عبدخرد) अ वि.—वह व्यक्ति जिसके मुँह से दुर्गंध

अखल (अخل) अ वि-बहुत अधिक बजूस दृषणतम ।
अजद (अجد) अ स्त्री-वणमाला, अलिफ वे अरबी
अरबी का वह नाम जिसमें हर अक्षर का मूल्य एक से
हजार तक नामग लिया गया है, और वह इस प्रकार

२३१ ५६०

है अजद (अحج) हजज (, १५) हुत्तो

१+१८ २+२०२+२+

(अحط) बलिमन (अलिमन) सअपस

१+१०+१०+१० २+०+२+०+२+०+१+०

(असह) परगत (असह) सम्बज

१+०+१०+१०+१० १+०+०+१०+०+१०+०

(असह) उरजज (असह) हजज

अनरा की सह्यता म लोका के मरने और पना हाने
का साल निकाला जाता है और कुछ लोग अपने बच्चा
का नाम भी इसी हिसाब से रखते हैं जिससे उनके नाम
का बय मा'म हो जाता है ।

अजदहवा (अजदहवा) अ फा वि-अलिफ वे पढने
वाला नौसिगिया ।

अजद (अजद) अ पु-बय का बहु अनाजा के बीज ।

अजद (अजद) अ पु-बय का बहु तरकारिया के
बीज ।

अजद (अजद) अ वि-अस्तम्ल तिनर बितर हुन्धा
ग्रस्त बन्हाल ।

अजदरी (अजदरी) अ स्त्री-अस्त-व्यस्तता गडबड कुव्य
बन्धा बन्धना राज्य-परिवहन इन्जिलाब ।

अजद (अजद) अ पु-गस सबक बन् भवत पिदाई ।

अजद (अजद) अ पु-बन् का बहु बहनस गरीर ।

अजदीयत (अजदीयत) अ स्त्री-गसता सर्वाभाव बन्गी,
ई-वर का दास होना ।

अजदुराहिम (अजदुराहिम) अ पु-रपे का दास जिमका
धम ईमान केवर रपया हा ।

अजदुल जिन्न (अजदुल जिन्न) अ पु-कादूस राग जिसम
रागी धनुष बरता है वि विनी ने उसका बला
घान लिया ।

अजदुल बल (अजदुल बल) अ पु-पर का वदा उदर
सवस्व पट ।

अजदा (अजदा) अ पु-इज का बहु वटे पुनगण ।

अजदाए अजान (अजदाए अजान) अ पु-समारवाल
दुनियावा अजरवाणी लाग, दुनियावा लाग ।

अजदाए जित (अजदाए जित) अ पु-एफ जातिवा
एव आयुवा समवयक ।

अजदाए यतन (अजदाए यतन) अ पु-वतनवाले, दशवाल ।

अजदीय (अजदीय) अ स्त्री-रिना का बहु बुनियावे नीव ।

अजदादान (अजदादान) अ पु-फारसकी वाडी का एक द्वीप ।

अजदास (अजदास) अ पु-एते स्वभाव वाला, व्याघ्र, गेर,
हजरत मुहम्मद साहब के बचा, अजदासी छलीफा इहा
से सम्बधित ह ।

अजदासिया (अजदासिया) अ पु-हजरत अजदास की सनात
वाल ।

अजदासी (अजदासी) अ वि-हजरत अजदास का बान
हजरत अजदास से सम्बधित एक फूज गुलाबीस ।

अजदय (अजदय) अ वि-बहुत सफे, धवलतम ।

अजदय (अजदय) अ वि-बहुत सुक बहुत सुकी पना
करेवाला ।

अजदात (अजदात) अ स्त्री-बत का बहु गर ।

अजद (अजद) अ पु-हाटे बण्डे म ऊपर वाला बण्डा
अक्षर का उलटा ।

अजद (अजद) फा पु-मेघ बलाहक वाल ।

अजद (अजद) अ पु-स्वण का फल बताना, ता'वीर बहना ।

अजद आलुद (अजद आलुद) फा वि-बादल से घिरा हुआ
मयाच्छान्ति ।

अजदक (अजदक) फा पु-अधक, एक प्रसिद्ध और बहुत ही
उपयोगी फारसी पातु ।

अजदक (अजदक) अ पु-अजक ।

अजदस (अजदस) अ वि-जिसे सफद काल का राग ह
सिधम ।

अजदर (अजदर) अ पु-वार का बहु कृपि मुनि लाग ।

अजदी (अजदी) फा स्त्री-अजद से सम्बधित एक क्षिति
और रगोन वागज जो प्राय जिला पर बतया जाना है

अजद (अजद) फा स्त्री-अज भकुटी भी ।

अजदकामी (अजदकामी) फा वि-जिसकी भाई धनुष बस
मेहरावर हा सुदर भौहीवाली हूनीना ।

अजदकामी (अजदकामी) फा वि-जिसकी भाई धनी हा
सुधुचित भू ।

अजदकामी (अजदकामी) फा अ पु-काणी घटा धनघार घटा

अजदकामी (अजदकामी) फा अ पु-अजदकामी ।

अजदकामी (अजदकामी) फा अ पु-अजद के महीन का बाल
जिसके लिए प्रसिद्ध है कि उसकी हर बूद मानी बत
जानी है ।

अजदकामी (अजदकामी) फा पु-अजदकामी का मेघ ।

अजदकामी (अजदकामी) अ पु-अजदकामी का बाल
मेघ, बताना का बाल ।

अल्लक (اللق) अ वि-चितकवरा, काला और सफेद;
चितकवरा घोड़ा, काला और सफेद घोड़ा।
अल्लह (الله) अ. वि.-भोला भाला; मूर्ख, वेवकूफ।
अल्लहाँ (اللهان) अ पु-‘अल्ल.’ का फारसी बहु, भोले-
भाले लोग, मूर्ख लोग।
अल्लही (اللهی) अ स्त्री-भोलापन, मूर्खता, नादानी।
अल्लूज (اللوح) फा स्त्री-सफेद शक्कर, शर्करा, मिस्त्री,
खड शर्करा।
अव्स (عص) अ पु.-रूखापन, तुश्शरूई, एक पैरा,
सीसवर।
अव्हर (عدهر) अ स्त्री-वह नर्गिस का फूल जिसके भीतर
पीलापन हो, वह व्यक्ति जिसके शरीर में मांस खूब हो।
अव्हा (الوهی) अ वि.-सुदरतम, जेवतर, मनोरम,
खुशनुमा।
अव्हार (استکار) अ पु-‘वह्ल’ का बहु, बहुत से समुद्र।
अम [म्म] (عم) अ पु.-चचा, पितृभ्राता।
अमल: (عمله) अ पु-कर्मचारीवर्ग, किसी संस्था या
कार्यालय के काम करनेवाले लोग।
अमल (عمل) अ पु-कार्य, कर्म काम, लोकाचार, तर्ज
अमल, संसार में अच्छा या बुरा किया हुआ काम, कृत्य;
कोई जप या वजीफा, मिस्मरेजम का अमल।
अमल (امل) अ स्त्री-आशा, आस, उम्मीद।
अमलखान: (عملخانه) अ पु-दीवानखान।
अमलदारो (عملداری) अ. फा स्त्री-शासन, सत्ता,
राज्याधिकार, हुकूमत।
अमलन (عملان) अ वि-अमल के तौर पर, कार्यान्वित
करके।
अमली (عملی) अ वि-कार्य सम्बन्धी, काम का, कर्म-
निष्ठ, कर्मठ, वाअमल।
अमलीयात (عملیات) अ पु-जत्र-मंत्र जो भूत-प्रेत आदि
के लिए प्रयुक्त होते हैं।
अमश (عش) अ पु-दृष्टि की निर्दलता, आँख से आँसू
बहना।
अमा (عسا) अ स्त्री-अघता, नाबीनाई, कुमार्ग, गुमराही,
हलका वादल, गहरा वादल।
अमाइद (عسائید) अ पु-‘अमीद’ का बहु, बड़े लोग,
प्रतिष्ठित लोग, उच्च पदाधिकारी लोग।
अमाइम (عسائم) अ पु-‘इमाम’ का बहु, पगडियॉ, साफे।
अमाकिन (امکان) अ. पु-‘मकान’ का बहु, बहुत से घर,
बहुत से मकान।
जमाजिद (امجاد) अ पु-‘अम्जद’ का बहु, प्रतिष्ठित जन,

पूज्य व्यक्ति, वुजुर्ग लोग।
अमान (امان) अ स्त्री-सुरक्षा, हिफाजत, पनाह, निर्भयता,
वेखौफी; शांति, सुकून।
अमानत (امانت) अ स्त्री.-न्यास, थाती, धरोहर, किसी
को कोई वस्तु सिपुर्द करना।
अमानतदार (امانتدار) अ फा. वि-जिसके पास कोई
धरोहर रखी हो, न्यासधारी, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।
अमानो (امانی) अ पु-‘उम्नीयत’ का बहु, आशाएँ,
आकाक्षाएँ, आर्जूएँ।
अमाम (امام) अ वि-सामने, प्रत्यक्ष।
अमारत (امارات) अ स्त्री.-चिह्न, निशान, लक्षण, अलामत।
अमारात (امارات) अ स्त्री.-‘अमारत’ का बहु, निशानात,
चिह्न, अलामते, लक्षण।
अमारिद (امارید) अ पु-‘अन्नद’ का बहु, वे डाढ़ी-भूँछ के
खूवसूरत लडके।
अमारी (اماری) अ स्त्री-हाथी का हौदा, अम्मारी।
अमासिल (اماسیل) अ पु-‘अम्सल’ का बहु, उदाहरण,
मिसाले।
अमीक (امیک) अ वि-अगाध, गहन, गभीर, गहरा,
डुवाऊ, सूक्ष्म, गूढ, दकीक।
अमीद (امید) अ. वि-प्रतिष्ठित, मुअज्जज, नेता, रहवर,
लीडर।
अमीन (امین) अ वि-न्यासधारी, अमानतदार, सत्य-
निष्ठ, ईमानदार।
अमीम (امیم) अ. वि.-व्यापक, आम, जो सबके लिए हो।
अमीर (امیر) अ वि-धनाढ्य, दौलतमंद, अध्यक्ष, सरदार;
लीडर, नेता, शासक, हाकिम।
अमीरजाद: (امیرزاده) अ फा वि-अमीर का लडका,
धनीपुत्र, आर्यपुत्र, शरीफजादा।
अमीरान: (امیران) अ फा. वि-अमीरो जैसा, रईसो
की तरह।
अमीरो (امیروی) अ स्त्री-श्रेष्ठता, वुजुर्गी; धनाढ्यता,
मालदारी, स्वामित्व, सरदारी।
अमीरल अस्कर (امیرالعسکر) अ पु-सेनापति, सिपह-
सालार, कमांडर।
अमीरल उमरा (امیرالامرا) अ पु-शाही जमाने की एक
बड़ी पदवी, अमीरो का अमीर, बहुत बड़ा अमीर।
अमीरल वहह (امیرالوحد) अ पु-नी-सेनापति, समुद्री
फौज का कमांडर।
अमीरे कारवाँ (امیر کاروان) अ फा पु-यात्रीदल का
अध्यक्ष।

अमोरे नह्य (अमर, نحل) अ पु-हृङ्ग अली यी उपाधि।

अमूद (عمود) अ पु-स्तम क्षमा बस्त्रपट सम गिन गि अछल सरलर तराड़ की मूठ रज यह खी रेखा जो दूमरी पना रेखा पर गिरकर ९० अंग का बाण बनाय।

अमूदी (عمودي) अ वि-अमू से सम्बन्धित अमू जगा।

अमूम (عموم) अ वि-गु उच्चारण उमूम।

अमूर (عمور) अ पु-दीता और मयूना के बा का माय।

अमूल (عمول) अ वि-बहुत अधिक काम करनेवाला।

अम (عم) अ पु-बचा बाप का भाई।

अमत्रक (عمق) अ पु-जख बा एक गायर।

अमत्रा (अमत्र) अ पु-मित्रा का बहु आन।

अम्विन (امكنه) अ पु-मकार का बहु मकारात।

अम्वज (امجد) अ वि-जयत पवित्र जयत बुजग।

अम्वजद (امجد) अ प-प्रतिष्ठित तन बुजग लाग।

अम्विज (امرحه) अ पु-मिजाज का बहु स्वभाव मिजाज।

अम्व (امب) अ पु-ऊचा भूमि दीवार आदि का पुना।

अम्वार (امطار) अ पु-मर का बहु बरसात बरसात के पानी।

अम्विज (امبعه) अ प-मवार का बहु माला अस्त्राव।

अम्व (عمد) अ पु-सकल इरा इरा स्वाहि।

अम्वद (عمدا) अ वि-समस्त-सूक्ष्मे हुए जान-सूक्ष्म नि-बयपूर्वक इरा के साथ।

अम्व (अम) अ पु-गाति सुवून सुव-चन आराम।

अम्व पसद (अम्व पसद) अ फा वि-अम्व का हामा गातिप्रिय जो यह चाहता है कि किसी प्रकार का पण न हो।

अम्व पसदा (अम्व पसदा) अ फा स्त्री-अम्व का हिमायत गातिप्रियता पण्डन न चाहना।

अम्व (अम्व) अ स्त्री-फफी बाप की बहन मनुष्या का समह।

अम्व (अम्व) अ प-अम्व का बहु फारसाम।

अम्वान (अम्व) अ पु-धाम का एक नगर।

अम्वार (अम्व) अ वि-भाप की ओर प्रवृत्त करनेवाला गुनाह की तराव देनवाला बहुत हुक्म करनेवाला।

अम्वार (अम्व) अ पु-जहाज का बरा।

अम्वारी (अम्वारी) अ स्त्री-हाथा का हीना।

अम्वया (अम्वया) अ स्त्री-जमी स्त्री।

अम्व (अम्व) अ पु-आत्म आना हुक्म कम बाप काम विषय मुआमल समस्या मतल।

अम्वद (अम्वद) फा पु-बिगा दाता-मूठ का मुन्दर लडका।

अम्वद परस्त (अम्वद परस्त) फा वि-गु-भया का बच बाब मुन्दर लडका से प्रेम करनेवाला।

अम्वद परस्ती (अम्वद परस्ती) फा स्त्री-गुदर लडका से प्रेम करना।

अम्वज (अम्वज) अ पु-मर का बहु राग-मह बहूत सराग।

अम्वज (अम्वज) अ स्त्री-भलाई उपवार नवी।

अम्वज (अम्वज) अ पु-आवला एत प्रतिद फा।

अम्वज (अम्वज) अ वि-चिन्ता मुग्यम समतल हमवार तम शाफ म।

अम्वज (अम्वज) अ पु-मिवा का बहु सम्पत्तिया जायगाद।

अम्वज (अम्वज) अ पु-मिवा का बहु बहुत समतल।

अम्वज (अम्वज) अ स्त्री-मौत्र का बहु मौत्र रहर तरग।

अम्वज (अम्वज) अ स्त्री-मौत्र का बहु मौत्र मनुए।

अम्वज (अम्वज) अ स्त्री-मौत्र का बहु मौत्र होना का गहा होनावाले।

अम्वज (अम्वज) अ पु-माल का बहु सम्पत्तिया धन समूह।

अम्वज (अम्वज) अ पु-माअ का बहु बहूत पानी।

अम्वज (अम्वज) अ पु-गत कल गबरा हुआ कल।

अम्वज (अम्वज) अ वि-मूय थष्ट बुशग।

अम्वज (अम्वज) अ पु-मिन् का बहु बड-ब-नार।

अम्वज (अम्वज) अ पु-ममल का बहु कानन लोकास्तिया मसल।

अम्वज (अम्वज) अ पु-मिगाल का बहु मिसाल उपाहरण।

अम्वज (अम्वज) अ वि-स्पष्ट जाहिर दष्टिगोचर इत गब्द का गुब्द उच्चारण इया है।

अम्वज (अम्वज) अ प-एमी पीडा जिमका चिन्ता न हो सने।

अम्वज (अम्वज) अ प-अयाग।

अम्वज (अम्वज) तु पु-म्याता पानपात्र चपक।

अम्वज (अम्वज) फा पु-महमूद का गुलाम का नाम जिन बह बहूत चाहता था—'त वो गजनी म लडप रही न धो खम है पु-अयाग म।' कवा।

अम्वज (अम्वज) अ पु-यद का बहु बहूत-ने हाथ बहूत सो भलाइया।

अयामा (ایام) अ वि—'ऐयिम' का बहु, विना पति की स्त्रियाँ, विना स्त्रियों के पुरुष।

अयार (ایار) फा पु—हमियों का एक महीना जो जेठ में पड़ता है।

अयार (ایار) अ. पुं—तोलना, चाँदी-सोने को कसौटी पर कसना, परख, जाँच।

अयाल (ایال) फा पु.—घोड़े की गर्दन के लड़े वाल, फारसी शब्द 'याल' है।

अयास (ایاس) फा पुं—'अयाज' का असली नाम।

अय्यार (ایار) अ वि—बहुत अधिक चालाक, धूर्त, वचक, छली, दे. 'ऐयार'।

अय्याश (ایاش) अ वि—भोग-विलास और अच्छे खाने-पीने का शौकीन, व्यभिचारी, दे. 'ऐयाश'।

अय्यूक (ایوک) अ पु—एक तारा जो बहुत तेज और प्रकाशमान होता है, दे. 'ऐयूक'।

अय्यूव (ایوب) अ. पु.—एक पैगम्बर जो बड़े ही धैर्यवान् थे, दे. 'ऐयूव'।

अरक (عرق) अ पु.—जल, दवाओं का खींचा हुआ पानी; मदिरा, शराब; पसीना।

अरक [कक] (ارق) अ वि—बहुत अधिक पतला, बहुत रकीक, बहुत अधिक सूक्ष्म, बारीकतर।

अरक (ارق) अ स्त्री.—अनिद्रा, बेखवाबी, जागरण, वेदारी।

अरक (اری) तु पु—कोट, दुर्ग, किला।

अरकगीर (عرقگیر) अ फा पु—अरक खींचने का भभका।

अरकची (عرقچین) अ फा पु—कुलाह जो पगडी के नीचे पहनी जाती है, पसीना पोछने का छोटा रुमाल।

अरकरेज (عرق‌ریز) अ फा वि—दास, सेवक, नौकर; लज्जा देनेवाला, लज्जित करनेवाला।

अरकीयः (عروقیه) अ पु—पसीना पोछने का छोटा रुमाल।

अरकवेहार (عرق‌دهار) अ फा पु—मदिरा, शराब।

अरचंद (ارچند) फा अव्य—हरचंद, अगरेचे।

अरज (عرض) अ पु—वह चीज जो दूसरी के सहारे कायम हो, जैसे—'रग' जो कपड़े के सहारे कायम होता है, वह उपरोग जो किसी बड़े रोग के कारण उत्पन्न हो जाय, जैसे—बुखार में सिर का दर्द।

अरज (عرض) अ पु—लँगडापन, लग।

अरफः (عروفه) अ पु—अरबी जिलहिज्ज महीने का नवाँ दिन, जिस रोज हज होता है।

अरफात (عروفاات) अ पुं—मक्के से नौ कोस पर वह मैदान जहाँ हाजी लोग हज के दिन एकत्र होते और दोपहर और शाम की नमाज पढ़ते हैं।

अरब (عرب) अ. पुं.—अरब देश; अरब का निवासी; अरब का व्यक्ति।

अरब नजाद (عرب‌نژاد) अ. वि.—अरब की नस्ल का, अरबी।

अरबिस्तान (عربستان) अ. फा. पु—अरब देश।

अरबी (عربی) अ वि.—अरब का निवासी, अरब का व्यक्ति; अरब से सम्बन्ध रखनेवाला, (स्त्री) अरबी भाषा।

अरबा (اربا) अ पुं—कोहनी से उँगलियों तक का हाथ।

अरस (ارس) फा. पु.—आज़रबाईजान का एक नगर और उसकी एक नदी।

अरस्तातालीस (ارسطاطاليس) अ पु—'अरस्तू'।

अरस्तू (ارسطو) अ. पु.—यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो ३८४-३२२ ईसा पूर्व हुआ है। यह अफ़लातून का शिष्य और सिकंदर का गुरु था।

अरा (ار) अ पु—चटयल मैदान, जहाँ न घास हो न पेड़; दरगाह, आश्रम।

अराइक (ارائک) अ पु—'अरीक.' का बहु., बहुत से तत्त, सिंहासन-समूह।

अराइज (ارائض) अ पु—'अर्जों' का बहु, अर्जियाँ, प्रार्थनाएँ।

अराइज नवीस (ارائص‌نویس) अ फा. वि—अर्जों लिखनेवाला।

अराइव (ارائب) अ. पु.—'इर्व' का बहु.।

अराइस (ارائس) अ पु—अरूस का बहु, बूल्हा; दुल्हने।

अराक (اراک) अ पु.—पीलू का पेड़; जमीन का टुकड़ा।

अराजिल (ارادل) अ पु—'अर्जल' का बहु, कमीने लोग।

अराजिल (اراحل) अ पु—'रजूल' का बहु, मनुष्य लोग, बहुत से आदमी।

अराजी (اراضی) अ स्त्री.—'अर्ज' का बहु, जमीने, भूमियाँ, खेतियाँ, खेतों की जमीनें।

अराजीफ (اراحیف) अ पु—'अर्जाफ' का बहु, व्यर्थ की बातें, बेहूदा लोग।

अरावः (ارابه) फा पु—गाड़ी, शकट, छकड़ा।

अरावः (عروابه) अ. पु.—दे 'अराव'।

अरावची (اراحچی) फा पु—गाड़ीवान, गाड़ी हाँकनेवाला।

अरामिल (ارامل) अ स्त्री—'अर्मल.' का बहु, विधवा स्त्रियाँ, विना स्त्रियों के पुरुष, विना पुरुष की स्त्रियाँ।

अराया (ارایا) अ पु—खजूर के पेड़ जो किसी गरीब व्यक्ति को फल खाने के लिए दे दिये गये हो।

अरिज (ارح) अ वि—हर वस्तु जो सुगंधित हो।

अरिश (اریش) अ वि—बुद्धिमान्, प्रतिभावान्, होशियार, प्रवीण, चतुर, पटु।

शरी (شری) अ पु-मयू, सहृद ।

शरीक (شریک) अ पु-मिहासन तह्व, सानमक ।

शरीक (شریک) अ पु-अभिमान, ग्व स्वभाव
तवापन अट्ट का वीहान ।

शरीक (شریک) अ पु-प्रायनापत्र दरस्वाप्त, पत्र
चिन्ता ।

शरीक गुडार (شریک گوار) अ फा वि-प्रायना करने
वाग प्रायना पत्र देनेवाला प्राचीं पत्र भेजनेवाला ।

शरीक निगार (شریک نیگار) अ फा वि-पत्र लिखनेवाला
पत्र-रखक ।

शरीक (شریک) अ वि-चोटा चीग चकल एक
साउ का बकरा ।

शरीक (شریک) अ वि-महवाननेवाला ।

शरीग (شریگ) अ पु-सापग छपर जहाज का डक ।

शरीग (شریگ) अ पु-सापग छपर अमूर की वेल
चगान की टट्टी ।

शरीत (شریت) अ पु-दूल्हा वर ।

शरीत (شریت) अ पु-चावल तहुल ।

शरीत (شریت) अ पु-पिगल छद्मास्त्र ।

शरीत (شریت) अ फा वि-शरीती ।

शरीती (شریتی) अ वि-जा पिगल गास्त्र का अच्छा
पावाहा ।

शरीत (شریت) अ वि-बहुत पहचानने वाला धयवान
सादिर ।

शरीत (شریت) अ स्त्री-वह स्त्री जो अपने पति को बहुत
प्यार करता हा वह स्त्री जिम उसका पति बहुत
चाहता हा प्रागप्रिया ।

शरीत (شریت) अ जय-दूल्हा वर नोग दुल्हन वपू ।

शरीत (شریت) अ स्त्री-मुडिया बौर बहाती ।

शरीती (شریتی) अ वि-विवाह गादी निकाह विवाह
सम्बधा ।

शरीत बिलाद (شریت بیلاد) अ पु-ऐसा नगर जो सब
नगरा में शरीत के समान हा ।

शरीत (شریت) अ पु-चीड का पड ।

शरीत (شریت) अ पु-काला साप जिमको पाठ पर सफ़ेद
चिहियां होता हा ।

शरीत (شریت) अ पु-खन' का बहु तमै मुतून सत्य
लाग मन्वर ।

शरीत दौलत (شریت دولت) अ पु-राय क प्रमुत
पनाधिकारा बडे-बड आहूंगार ।

शरीत सलतत (شریت سلطنت) अ पु-द शकाने दौलत' ।

शरीत हुकूमत (شریت حکومت) अ पु-शरीत अर्कान
दौलत ।

शरीत (شریत) अ पु-पत्र-ममूत सतूत ।

शरीत (شریत) अ पु-अरगन बाजा ।

शरीत (شریत) अ पु-अरगन बाजा ।

शरीत (شریत) अ पु-अरगन बाजा ।

शरीत (شریत) फा पु-अग्रवान' का लघु दे अग्रवान' ।

शरीत (شریत) फा पु-एक लाल फू लानगला प
एक लाल रग का फूत ।

शरीत (شریत) फा वि-लाल रग में रंगा हुआ
लाल सुव गिये माकिया क्या तवाना में पानी—
मये अग्रवाना मय अग्रवाना । —जिार ।

शरीत (شریत) फा पु-वीन का एक चित्रकार मानी क
चित्रा का जल्म मानी का नाम मानी अजय ।

शरीत (شریत) अ पु-एक बार जाहिर करना एक बार
सामने रखना ।

शरीत (شरीत) अ पु-दीमन एक कौडा ।

शरीत (شरीत) अ स्त्री-पथ्वी जमीन भूमि वसुधरा ।

शरीत (شरीत) अ स्त्री-प्रायना गुजारिग (पु) चौडाई
धरेल सामान ।

शरीत (شरीत) फा पु-मूल्य दाम वामत ।

शरीत (شरीत) फा पु-मूल्य, कीमत पद मतवा सुगव
सुगव अनुमान अटवल निदा हल ।

शरीत (شरीत) अ फा स्त्री-सना के गिनती करन
का स्थान ।

शरीत गुडार (شरीت گوار) अ फा वि-प्रायना करनेवाला
प्राचीं ।

शरीत (شरीत) अ फा स्त्री-प्रायना इतिजा
प्रायनापत्र दरस्वास्त ।

शरीत (شरीत) अ फा पु-बादागह' के सामने
प्रायनाप और प्राथिया का पग करन वाला व्यक्ति ।

शरीत (شरीत) फा वि-प्रतिष्ठित मान्य मुयस्बड,
सफ़ल वामयाव प्रतापी इक्वालमद ।

शरीत (شरीत) अ वि-बहुत ही नीच बहुत ही बनीना ।

शरीत (شरीत) अ वि-शरीती टांगावाला व्यक्ति बह धाग
जिसका एक पाव सफ़ेद हो ।

शरीत (شरीत) फा वि-सस्ता मडा कम दामा का । गिगता
देख के नगिस तो मजनु यह लग कहेने—चमन में चम—
लला का नजारा जितना शरीत है ।

शरीत (شरीत) फा वि-सस्ता बचनेवाला जो
बहुत कम लाभ पर सीग बच ।

अर्जाफरोशी (ارزافروشى) फा स्त्री—कम लाभ पर सौदा वेचना, सस्ता माल वेचना ।

अज्ञानी (ارزانی) फा स्त्री—सस्तापन, मंदा, बाजार भाव गिर जाना ।

अर्जालि (ارذال) अ पु—'रजील' का बहु, रजीले, नीच लोग, कमीने ।

अर्जी (عرضی) अ स्त्री—प्रार्थनापत्र, दरखास्त ।

अर्जी (ارضی) अ वि—भूमि सवधी, भौमिक; जमीन का ।

अर्जीदा'वा (عرضی دعوی) अ पु—वादपत्र, नालिश के व्यौरे का कागज ।

अर्जीन (ارضین) अ पु—'अर्ज' का बहु, जमीने ।

अर्जीर (ارزیو) अ पु—रोंगा, राँग, एक धातु ।

अर्जे उम्र (عرض عمر) अ स्त्री—दे 'अर्जे ह्यात' ।

अर्जे ह्यात (عرض حیات) अ स्त्री—जीवन के आनद, सासारिक सुख, सुख-चैन में जीवन व्यतीत करना ।

अर्तंग (ارتنگ) फा पु—चित्रकार का तस्ता जिस पर कागज रखकर वह चित्र खीचता है, मानी के चित्रो का सचय ।

अर्तजक (ارتجک) फा पु—विजली, विद्युत्, वर्क ।

अर्ताल (ارتال) अ पु—'रत्ल' का बहु, आध सेर के बाँट, शराब के ग्लास ।

अर्द (ارد) फा. पु—क्रोध, रोप, गुस्सा ।

अर्दशेर (اردشیر) फा पु—वहमन बिन इस्फद यार की उपाधि ।

अर्दुबेल (اردبیل) फा पु—एक नगर ।

अर्नब (ارنب) अ पु—शशक, खरहा, खरगोश ।

अर्फ (ارف) अ पु—सुगध, खुशबू, कभी-कभी दुर्गन्ध के लिए भी प्रयुक्त होता है ।

अर्फा' (ارفع) अ वि—बहुत ऊँचा, उच्चतम ।

अर्बईन (اربعین) अ वि—चालीस ।

अर्बजी (عربجی) अ पु—गाड़ीवान, दे अराबजी ।

अर्बदः (عربده) अ—कुस्वभाव, कुप्रकृति, आदतेवद, बुरा स्वभाव, लडाकापन, कलहप्रियता ।

अर्बदः खू (عربده خور) अ फा वि—झगडालू, जिसको स्वभाव से झगड़ा पसद हो, मा'शूक, प्रेमपात्र ।

अर्बदःजू (عربده جو) अ फा वि—झगडे'के लिए वहाने ढूँढनेवाला; प्रेमपात्र, माशूक ।

अर्बा' (اربع) अ वि—चार, चार की सख्या ।

अर्बा (عربا) अ पु—शुद्ध जाति का अरब, खालिस अरब ।

अर्बाअ (ارباع) अ पु—स्थान-समूह, मकामात, गृह-समूह, मकानात ।

अर्बानः (عربانه) अ पु—डफ, दाइर', बडी खँजरी ।

अर्बान (عربان) अ. पु—वैआन, अग्रिम धन, बयाना ।

अर्बाब (ارباب) अ. पु—'रब' का बहु, वाले, अहल ।

अर्बाबे अक्ल (ارباب عقل) अ. पु—बुद्धिवाले, मेघावीगण, अक्लमद लोग ।

अर्बाबे इल्म (ارباب علم) अ पु—विद्यावाले, विद्वज्जन, पढे-लिखे लोग ।

अर्बाबे कमाल (ارباب کمال) अ पु—गुणवान् लोग, हुनरमद लोग ।

अर्बाबे कलम (ارباب قلم) अ. पु—लेखकगण, लिखने-पढने का काम करनेवाले, साहित्यकार वर्ग, अदीब लोग ।

अर्बाबे फन (ارباب فن) अ पु—कलाकार लोग, शिल्पकार लोग, साहित्यकार लोग, विद्वज्जन ।

अर्बाबे वफा (ارباب وفا) अ. पु—प्रेमीजन, आशिक लोग; भक्तगण, फिदाई ।

अर्बाबे शुऊर (ارباب شعور) अ पु—शिष्टजन, तमीजदार लोग; बुद्धिमान् जन, अक्लमद लोग ।

अर्बाबे हुज्जत (ارباب حجت) अ. पु—न्यायशास्त्र जानने-वाले लोग, मतिक जाननेवाले, नैयायिक, मतिकी, तार्किक ।

अर्बाबे हुनर (ارباب هنر) अ. फा पु—दे 'अर्बाबे कमाल' अथवा 'अर्बाबे फन' ।

अर्बद (اربد) अ वि—जिसकी आँखे आयी हुई हो ।

अर्बन (ارمن) फा वि—एक देश, काकेशिया ।

अर्बनी (ارمنی) फा वि—अर्बन का निवासी, काकेशियन ।

अर्बान (ارمان) तु पु—इच्छा, खाहिश, उत्कठा, इश्ति-याक, लालसा, लालच ।

अर्मुगाँ (ارمغان) फा. पु—उपहार, पुरस्कार, तोहफा ।

अर्बावः (عرباره) अ पु—एक यत्र जिससे दुर्ग पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जाते हैं ।

अर्बाह (ارواح) अ पु—'रूह' का बहु, आत्माएँ, रूहे, फिरिश्ते, मलाइक ।

अर्शः (عروشه) अ पु—घर की छत, जहाज की छत ।

अर्श (عروس) अ पु—सिहासन, तख्त, आकाश, आसमान, सब आस्मानो से ऊपर का स्थान ।

अर्श (ارش) अ पु—गुद्ध, लडाई, झगडा, फसाद, फितना ।

अर्शद (ارشده) अ वि—सीधा रास्ता पानेवाला, वह शिष्य जिसपर गुरु ने सब से अधिक परिश्रम किया हो ।

अर्शा (عروشى) अ वि.—अर्श से सम्बन्ध रखनेवाला, अर्श पर रहनेवाला ।

अर्श आ'जम (عروش اعظم) अ पु—ईश्वर के सिहासन का स्थान ।

अर्थो सानी (عروش داسی) अ पु-दुर्सी, वह स्थान जहाँ धार है।

अस (عوصه) अ पु-श्रेय, मदान, समय, वक्त, अंतर फासिला अंतरज की विसात।

अस गाह (عوصه كاه) अ फा स्त्री-रणभेय, मदाने जग।

असए जय (عوصه جلیگ) अ फा पु-रणभूमि, युद्धक्षेत्र समरागण, मदाने जग।

असए जीस्त (عوصه بسبت) अ फा पु-जीवनकाल जिन्यो का जमाना।

असए दराख (عوصه دراز) अ फा पु-रवा समय दीघकाल।

असए हयात (عوصه حساب) अ पु-दे अमएजीस्त।

असए हथ (عوصه حسو) अ पु-नयामत का मगान जहाँ सब मुदें एकत्र हा।

असला (اسلان) तु पु-व्याघ्र, सिंह शेर दास गुलाम।
अहम (احم) अ वि-महादयालु, बहुत अधिक दया करनेवाला।

अक (عاق) अ स्त्री-जाक रक्तपा, जलौका जमा हुआ रक्त प्रेम या शत्रुता जा छुटे नहीं हर वह चीज जो चिपक जाय।

अलतवातुर (على الموالر) अ वि-निरतर, लगातार मुमलसल।

अल्द [ह] (الد) अ वि-बहुत ही शगडालू बलहप्रिय।

अल्दहवाम (على الدام) अ वि-नित्य सबदा सदा हमेशा, सतत।

अलददुलजिसाम (الد الخصام) अ पु-शत्रुओ स बहुत शगडा करनवाला।

अलन (علن) अ वि-प्रकट व्यक्त जाहिर।

अल्प असला (الما اسلان) तु पु-बटादुर चार तुकीं शासक की उपाधि।

अल्प (علف) अ स्त्री-घास हरी घास हरा चारा।

अल्प चार (علف چار) अ फा पु-चरागाह पशुओ के चरने का स्थान सजावार गोचर।

अल्म (الم) अ पु-दुख क्लेश रज गम।

अल्म (علم) अ पु-ध्वजा पताका झंडा प्रसिद्ध ख्याति प्राप्त पहाड।

अल्मअमेज (الم امجر) अ फा वि-शोकजनक दुःखप्रद रज बढ़ानेवाला।

अल्मदार (علمدار) अ फा वि-सना वं आग झंटा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक पताकिव।

अल्मनशह (الم شرح) अ वि-सबमें जाहिर सब विन्ति, सबमें फनी हुई बात।

अल्मनाक (الم ناک) अ फा वि-खदजनक बटप्रद, रगदेह।

अल्म बरदार (علم بردار) अ फा वि-झंटा उठानेवाला, सेना के आगे झंडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक।

अल्मोय (المعنه) अ पु-बटसूचक बात दुखात, टूजिडी, वह कहानी जिसका अंत शोचनमय हा।

अल्राम (على الرعم) अ वि-बरखिलाफ बरअवस।

अल्ल इत्तिसाल (على اولصال) अ वि-निरतर लगातार पदर प।

अल्ल इलाक (على الاطلاق) अ वि-नितात बतर्, बिल्कुल।

अल्ल ए'लान (على الاعلان) अ वि-बुलगाजाने, सुल्म खुला सब प्रकार स।

अल्लखुस (على الخصوص) अ वि-मुह्यत खासकर।

अल्लहाल (على الحال) अ वि-तथाप, तत्काल, इसी समय तुरत फौरन, सद्य।

अल्यो (على) अ पु-हजरत अली की वह सतान जा हजरत फासिमा से अतिरिक्त है।

अलस्त (الست) अ स्त्री-अलस्तु विरध्विकुम ज्ञानमला का संक्षेप, सृष्टि की उत्पत्ति के समय ईश्वरने कहा था क्या म तुम्हारा ईश्वर नहीं हूँ, तो सबने कहा था कि अवश्य तू हमारा ईश्वर है। अलस्त कहकर सृष्टिकाल भी मुराद लिया जाता है।

अलस्सबाह (على الصباح) अ वि-प्रातःकाल बहुत ठंके, मूह अंधर अलस्सुव भी प्रचलित है।

अलस्सबा (على اسوار) अ वि-बराबर-बराबर एक सा जितना एक को उतना ही सब को।

अला (ال) अ अव्य-सावधान! सबरदार! होशियार!

अला (علا) अ स्त्री-सम्मान बुजुर्गी, उच्चता बुद्धी।

अला (ال) फा अव्य-सावधान सूचक गज ए' जाय' है।

अला (على) अ अव्य-उपर, पर।

अलादक (على) अ पु-अलाक का बहु तअल्लुकात, सम्बध।

अलाक (علاوة) अ पु-सम्बध, लगाव प्रम ध्याहार, दोस्ती।

अलाच (الوجه) तु पु-धारीगार कपडा जा दुर्गा हा।

अलात (علا) अ पु-निहाई अहरन, जिस पर रखकर गम लोहा कूटा जाता है।

अलानिय (علائه) अ वि-स्पष्ट साफ तौर से सुल्म खुला प्रकार से, उपाधित रूप से साक्षणिक अथ ग-डके की चोट से।

अलामत (علامت) अ. स्त्री.—चिह्न, निशान, लक्षण, पहचान।
 अलामते इस्तियाज (علامت استیاج) अ स्त्री—विल्ला, सम्मान-सूचक चिह्न, पदक, बैज।
 अलामते बुलूग (علامت بلوغ) अ स्त्री—जवान होने का लक्षण या चिह्न।
 अलामते मर्दुमी (علامت مردومی) अ फा स्त्री—पुरुष होने का चिह्न या लक्षण।
 अलालत (علالت) अ स्त्री—रोग, बीमारी।
 अलाव: (اِلاو) अ अव्य.—दे. 'इलाव.' वही शुद्ध है, परतु उर्दू में अलाव. भी बोलते हैं, सिवा, सिवाय, अतिरिक्त।
 अलाहद: (علاحد) अ वि—पृथक्, अलग, जुदा।
 अला हाजल कियास (على هر الكیاس) अ अव्य—इस पर कियास करके, इस विचार के अनुसार।
 अलिफ (الف) अ पु—उर्दू वर्णमाला का पहला अक्षर, जो अ, इ और उ का काम देता है, चिह्न।
 अलिफ कामता (الف ثامتا) अ पुं—पलके; निगाह।
 अलिफे कूफी (الف كوفی) अ पु—टेढी वस्तु।
 अलिफे ताज्यान: (الف تاجیان) अ फा. पुं.—शरीर पर कोड़ा लगने का चिह्न।
 अली (على) अ वि—उच्च, ऊँचा, ईश्वर का एक नाम, हजरत मुहम्मद के दाभाद और चीथे खलीफा।
 अलीक: (علاقه) अ. पु—बोड़े को दाना खिलाने का तोवडा।
 अलीफ (الیف) अ वि—मित्र, सखा, दोस्त, एक जैसे स्वभाववाले, प्रेमपात्र, महवूव।
 अलीम (الیم) अ. वि.—कण्टजनक, दु खद, पीड़ा देनेवाला, दर्दनाक।
 अलीम (علیم) अ. वि.—सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, महाज्ञानी, ईश्वर का एक नाम।
 अलील (علیل) अ वि.—रोगी, बीमार, रुग्ण; दूषित मा'यूव।
 अलैहा (علیها) अ अव्य—उस पर (स्त्री-वाचक)।
 अलैहि (علیه) अ अव्य—उस पर (पुरुष-वाचक)।
 अलैहिम (علیهم) अ अव्य—उन सब पर (पुरुष-वाचक)।
 अलअजव (العجب) अ अव्य—आश्चर्य के समय बोलते हैं, कितने आश्चर्य की बात है।
 अलअजल (العجل) अ वा—जल्दी करो, शीघ्रता करो।
 अलअतश (العطش) अ अव्य—प्यास के समय बोलते हैं, हाय पानी, हाय पानी, हाय प्यास, हाय प्यास।
 अलअमान (الامان) अ. अव्य.—धवराहट के समय बोलते

हैं, वचाओ, वचाओ, त्राहि, त्राहि।
 अल्आन (الان) अ अव्य—इस समय; इसी समय, अभी; अभी तक, अब तक।
 अल्कत (القط) अ वि—समाप्त, इतिथी, वस, खत्म।
 अल्कन (الكن) अ वि—तोतला, तुतलाकर बोलनेवाला।
 अल्काव (القاب) अ पु—'लकव' का बहु, उपाधियाँ, खितावात, खत का अल्काव, प्रशस्ति।
 अल्काहिल (الكاهل) अ पु—सुस्त, प्रशात। बहल्काहिल = प्रशात महासागर, पैस्फिक ओशन।
 अल्किस्स: (القصة) अ अव्य.—किबहुना, किस्सा मुस्तसर, साराश यह कि।
 अल्खालुक (الخالق) तु पु—एक विशेष वस्त्र।
 अल्ग्रज (الغرض) अ अव्य—दे. 'अल्किस्स.'।
 अल्गयास (الغیاس) अ. अव्य—दे 'अल् अमान'।
 अल्च: (الچھ) तु पु—युद्ध में शत्रु से प्राप्त माल-अस्वाव और धन आदि।
 अल्जजाइर (الجزاير) अ पु—अल्जीरिया, अफ्रीका का एक देश।
 अल्जाम (الجم) अ वि—बहुत ही जरूरी, अत्यावश्यक, अनिवार्य।
 अल्जूअ (الجوع) अ. अव्य—भूख के समय कहते हैं, हाय भूख, हाय भूख, हाय रोटी, हाय रोटी।
 अल्तफ (الطف) अ वि—अत्यंत मृदुल, कोमल और मुलायम।
 अल्तमिश (التمش) तु स्त्री.—आगे चलनेवाली सेना; छ: की सख्या।
 अल्ताफ (الطاف) अ. पुं—'लुफ' का बहु, दयाएँ, कृपाएँ, मेहरवानियाँ।
 अल्तून (التون) तु पु—सुवर्ण, सोना।
 अल्प अर्सलॉ (الپ ارسالان) तु पु—दे. 'अल्प अर्सलॉ', दो शु है।
 अल्फ (الف) अ वि—हजार, सहस्र।
 अल्फाफ (الفاف) अ. पु.—आपस में लिपटे हुए वृक्ष।
 अल्वत्त: (الصدته) अ अव्य—अवश्य, जरूर, परतु, लेकिन।
 अल्वान (الدان) अ पु—'लवन' का बहु, दूध, बहुत से दूध।
 अल्वुर्ज (الدرج) अ पु—एक पहाड़।
 अल्मई (المعی) अ वि—वह व्यक्ति जिसकी राय सदा ही ठीक होती हो, जो बहुत ही प्रवीण और प्रतिभावान् हो।
 अल्मवद (المدد) अ अव्य—दुख के समय या भय के समय कहते हैं, सहायता करो, बचाओ।
 अल्मस्त (المست) फा वि—नशे में चूर, बहुत ही मस्त।

अलमान (المدائن) अ पु-दे 'अलमानिय'।
 अलमानिय (المدائن) अ स्त्री-जमनी, यूराप का एक
 प्रसिद्ध देश।
 अल्मास (الاس) का पु-द्वारा, एक परम मूल्यवान
 रत्न।
 अल मुहत्तस (المختص) अ अव्य-द अलकिस्स।
 अलम (الم) अ स्त्री-नितव कटिदास सुरांग।
 अलमूम (الموم) अ पु-आज, आज का दिन।
 अल्लाती (علائی) अ वि-वह भाई-बहन जा दूसरी माँ से
 हो मगर बाप एक ही।
 अल्लाफ (علاف) अ वि-पास बचनेवाला घसरा
 घसियारा।
 अल्लाम (علامه) अ वि-बहुत बड़ा विद्वान महापंडित
 जिसके इल्म की चाह न हो।
 अल्लाम (علم) अ वि-बहुत बड़ा विद्वान बहुविध।
 अल्लामो (علمی) अ वि-अल्लाम।
 अल्लाह (الله) अ पु-ईश्वर परमात्मा खुदा।
 अलबद (الوبد) का पु-हमदानम ईरान का एक पहाड़।
 अलवान (الوان) अ पु-लौन का बहु, बहुत संरग।
 अलवाह (الواح) अ पु-लौह का बहु तलित्वा पट्टिकाएँ।
 अलविय (الوصی) अ पु-लिबा का बहु शटे, ध्वजाएँ
 पताकाएँ।
 अलसग (الشمع) अ वि-जो जहोरा का गुद उच्चारण न कर
 सक र क स्थान पर ल और श क स्थान पर स वाल।
 अलसिन (السنة) अ स्त्री-लिसान का बहु जीभें,
 जिह्वाएँ भाषाएँ खबानें।
 अलहक (الحق) अ वि-सत्य सचमुच हकीकत में।
 अलहान (الحدان) अ पु-रहन का बहु आवाजें।
 अलहाल (الحدال) अ वि-तत्क्षण इसी समय तुरत
 फौरन।
 अलहासिल (الحداصل) अ अव्य-माराश यह कि खुगसा
 यह वि।
 अवा (اوا) अ पु-शृगाल सियास गाण्ड।
 अवाक (عواک) अ पु-आदक का बहु घटनाएँ
 बाधाएँ।
 अवाइद (عوايد) अ पु-आइस का बहु लौटनवाला,
 फिरनवाला मुनाफे लाभ शृपाएँ बदन सिन।
 अवाइल (اوايل) अ पु-अवल का बहु गुस्सात
 आरम्भ-काल।
 अवाकिब (عواکيب) अ पु-आकिब का बहु, नताजे, फल
 परिणाम।

अवातिफ (عواطف) अ पु-आतिफ का बहु शृपाएँ,
 अनुकृपाएँ भेहरवानिया।
 अवान (اوان) अ पु-समय, काल, वक्त।
 अवान (عوان) अ स्त्री-वह स्त्री जिसका पति जीवित
 ही, सुहागिन सधवा।
 अवानो (اوانی) अ पु-आनिय का बहु दरतन भंडे।
 अवाम (عوام) अ पु-आम का बहु साधारण जन, सब
 साधारण आम लोग।
 अवामिर (اوامير) अ पु-आमिर का बहु आदेश,
 हुक्म, जाना।
 अवामिल (عوامل) अ पु-आमिल का बहु, अमल करने
 वाले अरबी भाषा क कारक।
 अवामुनास (عوامالناس) अ पु-सबसाधारण जन
 साधारण, जनता अवाम।
 अवारात (عوارات) अ पु-अवार का बहु बुराईया
 दाप ऐव।
 अवारिज (اوارجه) का पु-हिस्साव का रजिस्टर, बही।
 अवारिज (عوارص) अ पु-आरिज का बहु बीमारिया,
 रोग-समुह।
 अवारिफ (عواريف) अ पु-आरिफ का बहु, पहचानन
 वाले उपकार करनेवाला सुगंधिया दस्ताश।
 अवालिम (عواالم) अ पु-आलम का बहु बहुत स ससाएँ,
 बहुत सी दुनियाएँ या दुनियाएँ।
 अवाली (عوالی) अ पु-आलिय का बहु ऊँचा वस्तुएँ।
 अवासिफ (عواصف) अ पु-आसिफ का बहु तेज हवा
 आंधिया।
 अवर (عور) अ वि-नुट्टात्मा, कर्वातितन।
 अवौल (عوايل) अ पु-राने क साथ आवाज।
 अवौस (عوصه) अ वि-शुद्ध कठिन मुश्किल।
 अवौस (عوصو) अ वि-कठिन मुश्किल।
 अवल (اول) अ वि-प्रथम पहला प्रमुख, खास, सब
 पहल।
 अवलन (اولاً) अ वि-पहले-पहल, सबसे पहले सधप्रथम।
 अव्वली (اولی) अ का वि-प्रथम पहला सबसे पहल
 वाला प्रमुख खास।
 अव्वलीयत (اولیبت) अ स्त्री-प्रथमता पहलापन,
 प्रथानता फौकियत।
 अय्या (عوا) अ पु-बहुत भूकनेवाला कुत्ता बूबा ऊँ,
 तरहवा नदाश।
 अय्वान (عوان) अ वि-आयाचारी जालिम धमा न
 करनेवाला, सख्त पकड करनवाला।

अब्जार: (عوار) अ वि—जिसका चित्त हट गया हो, बददिल ।
 अन्विदा (انود) अ पु—'वदीद' का बहु, मित्रगण, यार, दोस्त ।
 अशक [क] (اشق) अ वि—बहुत कठिन, बहुत मुश्किल ।
 अशक्त (عسقة) अ पु—किसी को बहुत चाहना, किसी चीज में चिपक जाना, 'इश्क' बहुप्रचलित ।
 अशज [ज] (اشج) अ वि—जिसका सर टूट गया हो, सर फटा ।
 अशद [द] (اشد) अ वि—बहुत सक्त, प्रचट, अति तीव्र ।
 अशम (عشم) अ स्त्री—सूखी रोटी ।
 अशर: (عشرة) अ पु—दस, दस की सख्या ।
 अशर [र] (اشو) अ वि—बहुत ही शरीर, बहुत ही धूर्त, अत्यधिक दुष्ट, बहुत ही पाजी ।
 अशर (عشر) अ. वि—दस, दस की सख्या ।
 अशरात (عشرات) अ पु.—दहाइयाँ, दस-दस के थोक ।
 अशल [ल] (اشل) अ वि—लुंझा, अपाहज, जिसके हाथ-पाँव काम न दें, अपग ।
 अशाइर (عشائر) अ पु—'अशीर' का बहु, स्वजनगण, अजीजदार, गोत्र या कुटुम्बवाले ।
 अशिक: (عشقة) अ पु—इश्कपेर्चा, एक प्रसिद्ध वेल ।
 अशिहा (اشدا) अ पु—'शदीद' का बहु, सख्ती और अनीति करनेवाले ।
 अशीक: (عشيقه) अ स्त्री—प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूका ।
 अशीयत (عشيت) अ स्त्री—रात्रि, रात, निशा ।
 अशीर: (عشيرة) अ. पुं—अजीज, स्वजन, नातेदार, घर-वाले, घर के लोग, वाल-बच्चे ।
 अशीर (عشير) अ वि—अजीज, स्वजन; पडोसी, प्रतिवेशी, वह व्यक्ति जो दूसरे किसी व्यक्ति के साथ रहन-सहन करता हो ।
 अशूक (عشوق) अ वि—बहुत अधिक प्रेम करनेवाला ।
 अशूर (عشور) अ पु—चुगी का भाडा या गुल्क ।
 अशूअ: (اشعة) अ स्त्री—'शुआअ' का बहु, किरणें, शुआएँ ।
 अशअरीय: (اشعريه) अ पु.—मुसलमानों का एक सप्रदाय जिसका मत है कि मनुष्य अच्छा-बुरा खुद करता है, ईश्वर का इसमें कोई हाथ नहीं होता ।
 अशअश (عشعش) अ अव्य—आश्चर्य, हैरत ।
 अशअर (اشعار) अ पु—'शेर' का बहु, बहुत-से शेर ।
 अशक (اشك) फा पु—अश्रु, आँसू ।
 अशक अफशाँ (اشك افشان) फा वि—दे 'अशक फिशाँ' ।
 अशक फिशाँ (اشك فشان) फा वि.—आँसू बहानेवाला,

अर्थात् रौनेवाला ।

अशकवार (اشك وار) फा वि—आँसू बरसानेवाला, अर्थात् रौनेवाला, "तेरी वफा पे जब से मुझको एतवार आया, तेरा ख्याल-अशकवार वार-वार आया ।"
 अशकर (اشقر) अ. वि—लाल और सफेद, घोडा जिसकी अयाल और पूँछ लाल हो; हर लाल वस्तु जिसमें पीलापन और कालापन हो ।
 अशकरेज (اشك يزر) फा वि.—दे 'अशक फिशाँ', अश्रुवर्षक ।
 अशकल (اشكل) अ वि—वह डोरी जिससे ऊँट की काठी कसते हैं, पशुओं के पाँव बाँधन की रस्सी ।
 अशकता (اشكوة) अ. वि—बहुत ही निर्दय, बहुत ही शकी ।
 अशकिया (اشكيا) अ. पु.—'शकी' का बहु, निर्दय और कठोर हृदयवाले ।
 अशकील (اشكيل) अ पु—वह घोडा जिसका सीवा हाथ और उलटा पाँव सफेद हो ।
 अशक़ास (اشكصاص) अ. पु.—'शक़स' का बहु, कई व्यक्ति, लोग ।
 अशक़ूस (اشكص) अ पु—'शक़स' का बहु, लोग ।
 अशक़रफ (اشكروف) फा वि—प्रतिष्ठित, पूज्य, महान्, अजीद, वुजुर्ग ।
 अशगल (اشغال) अ वि—बहुत अधिक काम में व्यस्त, बहुत अधिक मशगूल ।
 अशगाल (اشغال) अ पु—'शुगल' का बहु कामधधे, मशगले ।
 अशजा' (اشجع) अ वि.—बहुत ही वीर, बडा ही शूर, विक्रमी, बहादुरतरिन ।
 अशजार (اشجار) अ. पु—'शजर' का बहु, वृक्ष-समूह, पेड़ ।
 अशतात (اشتات) अ पु—'शतीत' का बहु, अस्त-व्यस्त और तितर-वितर चीजे ।
 अशताद (اشتان) फा पु.—ईरानी महीने की छव्वीसवी तारीख ।
 अशदक (اشدق) अ. वि—चीड़े दहानेवाला, जिसके मुँह का दहाना चौड़ा हो ।
 अशना' (اشنع) अ वि—निकृष्टतम, बहुत ही बुरा, बहुष ही खराब ।
 अशफा (اشفول) अ स्त्री—चमड़ा सीने की सुताली ।
 अशफा' (اشفع) अ वि—बहुत अधिक सुफारिश (सिफारिश) करनेवाला ।
 अशफाक (اشفاق) अ पु—'शफकत' का बहु, अनुकृपाएँ, कृपाएँ, शफकते ।
 अशवाक (اشواك) अ. पु—'शवक' का बहु, बहुत से जाल ।
 अशवाल (اشवाल) अ पु—'शिवल' का बहु, शेर के बच्चे ।

अलमान (المدائن) अ पु—अलमानिय ।
 अलमानिय (المانى) अ स्त्री—अमनी मूराप का एक
 प्रसिद्ध देग ।
 अल्मास (المدائن) फा पु—हीरा, एक परम मूल्यवान
 रत्न ।
 अल मुहत्तसर (المختص) अ अर्थ—द अन्विस्त ।
 अल्य (الملك) अ स्त्री—नितव कश्दिग मुरान ।
 अल्यीम (الدم) अ पु—आज आज का दिन ।
 अल्लाती (علاءى) अ वि—बह भाद-बहन जा दूसरा माँ स
 हा मगर बाप एक हा ।
 अल्लाफ (علاء) अ वि—घास वचनेवाला घसरा
 घसियारा ।
 अल्लाम (علاء) अ वि—बहुत बडा विद्वान महापट्टि
 जिमने इल्म की थाह न हा ।
 अल्लाम (علاء) अ वि—बहुत बडा विद्वान बहुविद्य ।
 अल्लामी (علاءى) अ वि—अल्लाम ।
 अल्लाह (الله) अ पु—ईश्वर परमात्मा खुदा ।
 अलवद (الوند) फा पु—हमदानम ईरान का एक पहाड ।
 अलवान (الوان) अ पु—‘गौन’ का बहु बहुतर सरग ।
 अलवाह (الواحد) अ पु—लौह’ का बहु तख्तियाँ पट्टिकाएँ ।
 अलविय (الوند) अ पु—लिका का बहु बडे ध्वजाए
 पताकाएँ ।
 अलसय (المدح) अ वि—जो अग्रा का गुद्ध उच्चारण न कर
 सक र’ क स्थान पर ल’ और ‘ग’ के स्थान पर स वाले ।
 अलसिन (السله) अ स्त्री—लिसान का बहु जीभें
 जिह्वाए भाषाएँ अवाने ।
 अलहक (الحص) अ वि—मध्वत सचमुच हकीकत में ।
 अलहान (الحدان) अ पु—रहन का बहु आवाजें ।
 अलहाल (الحدال) अ वि—उरण इसी समय, तुरत,
 फौरन ।
 अलहासिल (الحداصل) अ अर्थ—साराग यह कि सुलामा
 यह कि ।
 अवा (ا) अ पु—शृगाल सिपार, गाण्ड ।
 अवाइक (عواك) अ पु—आइक का बहु घटनाएँ
 बाघाए ।
 अवाइद (عوايد) अ पु—आइद’ का बहु, शौनेवाल,
 फिरनवाले मुनाफे राम कृपाएँ बदन सिल ।
 अवाइल (اروايل) अ पु—अवल का बहु गुस्जात
 आरभ-वाल ।
 अवाजिब (عوايب) अ पु—आजिब का बहु, नताजे, फल,
 परिणाम ।

अवातिक (عواطف) अ पु—आतिफ का बहु, कृपाए
 अनुकपाएँ मेहरबानिया ।
 अवान (اروان) अ पु—समय काल वचन ।
 अवान (عوان) अ स्त्री—बहु स्त्री जिगवा पति जीवित
 हा सुहागिन सघवा ।
 अवानी (اوانى) अ पु—जानिय का बहु बरतन भाडे ।
 अवाम (عوام) अ पु—आम’ का बहु साधारण जन सब
 साधारण आम लाग ।
 अवामिर (امير) अ पु—आमिर का बहु आदश,
 हुकम जाना ।
 अवामिल (عوامل) अ पु—आमिल का बहु, अमल करन
 वाणे अरबी भाषा क कारक ।
 अवामुनास (عواملالناس) अ पु—सबसाधारण, जन
 साधारण जनता अवाम ।
 अवारात (اروات) अ पु—अवार का बहु, बुरायाँ
 दाप ऐव ।
 अवारिज (اوراجه) फा पु—हिस्सव का रजिस्टर बही ।
 अवारिख (عوارى) अ पु—आरिख का बहु बीमारिया
 राग-समूह ।
 अवारिफ (عوارف) अ पु—आरिफ का बहु पहचानन
 वाले उपकार करनवाल सुनाधिया बहियाँ ।
 अवालिम (عواالم) अ पु—आल्म’ का बहु बहुत से सारा,
 बहुत सी दुनियाएँ या दुनियाएँ ।
 अवाली (عوالى) अ पु—आलिय का बहु ऊचा वस्तुएँ ।
 अवासिफ (عواصف) अ पु—आसिफ का बहु तेज हवाए
 आधियाँ ।
 अविर (عور) अ वि—दुष्टात्मा बदवातिन ।
 अविल (عويل) अ पु—राने के साथ जावाज ।
 अवीस (عوصه) अ वि—शुकर, कठिन मुश्किल ।
 अवीस (عومصر) अ वि—कठिन, मुश्किल ।
 अवल (ارل) अ वि—प्रथम पहला, प्रमुख नास, सबन
 पहल ।
 अवलन (ارل) अ वि—पहल-पहल सबसे पहल, सबप्रथम ।
 अवली (ارل) अ फा वि—प्रथम पहला सबसे पहले
 वाला प्रमुख नास ।
 अवलोयत (اولىب) अ स्त्री—प्रथमता पहलापन
 प्रधानता फौजियत ।
 अव्वा (عوا) अ पु—बहुत भूकनेवाला कुत्ता, बूढा बूढ,
 तरहवाँ नसबन ।
 अव्वान (عوان) अ वि—अत्याचारी जालिम क्षमा न
 करनेवाला, सख्त पकड करनवाला ।

अब्बार: (عوار) अ वि-जिसका चित्त हट गया हो, बददिल।
 अब्बिदा (ابن) अ पु-‘वदीद’ का बहु, मित्रगण, थार, दोस्त।
 अशक [बक] (اشق) अ वि-बहुत कठिन, बहुत मुश्किल।
 अशक (عشق) अ पु-किसी को बहुत चाहना, किसी चीज में चिपक जाना, ‘इश्क’ बहुप्रचलित।
 अशज [जज] (اشج) अ वि-जिसका सर टूट गया हो, सर फटा।
 अशद [द्] (اشد) अ. वि-बहुत सत्त, प्रचड, अति तीव्र।
 अशम (عشم) अ स्त्री-सूखी रोटी।
 अशर: (عشرة) अ पु-दस, दस की संख्या।
 अशर [र] (اشر) अ वि-बहुत ही शरीर, बहुत ही धूर्त, अत्यधिक दुष्ट, बहुत ही पाजी।
 अशर (عشر) अ वि-दस, दस की संख्या।
 अशरात (عشرات) अ पु-दहाइयाँ, दस-दस के थोक।
 अशल [ल्ल] (اشل) अ. वि-लुझा, अपाहज, जिसके हाथ-पाँव काम न दे, अपग।
 अशाइर (عشائر) अ. पु-‘अशीर’ का बहु, स्वजनगण, अजीजदार, गोत्र या कुटुम्बवाले।
 अशिक: (عشقة) अ पु-इश्कपेचाँ, एक प्रसिद्ध वेल।
 अशिहा (اشدا) अ पु-‘शदीद’ का बहु, सख्ती और अनीति करनेवाले।
 अशीक: (عشيقه) अ स्त्री-प्रेमिका, प्रेयसी, मा’शूका।
 अशीयत (عشियत) अ स्त्री-रात्रि, रात, निशा।
 अशीर: (عشيرة) अ. पु-अजीज, स्वजन, नातेदार, घर-वाले, घर-के लोग, वाल-बच्चे।
 अशीर (عشير) अ वि-अजीज, स्वजन, पड़ोसी, प्रतिवेशी, वह व्यक्ति जो दूसरे किसी व्यक्ति के साथ रहन-सहन करता हो।
 अशूक (عشوق) अ वि-बहुत अधिक प्रेम करनेवाला।
 अशूर (عسور) अ पु-चुगी का भाडा या शूक।
 अशूअ: (اشعأ) अ स्त्री-‘शुआअ’ का बहु, किरणें, शुआएँ।
 अशशरीय: (اشعريه) अ पु-मुसलमानों का एक संप्रदाय जिसका मत है कि मनुष्य अच्छा-बुरा खुद करता है, ईश्वर का इसमें कोई हाथ नहीं होता।
 अशश (عشعش) अ अव्य-आश्चर्य, हैरत।
 अशशार (اشعار) अ पु-‘शेर’ का बहु, बहुत-से शेर।
 अशक (اشك) फा पु-अश्रु, आँसू।
 अशक अपशाँ (اشك اشجان) फा वि-दे ‘अशक फिशाँ’।
 अशक फिशाँ (اشك فشان) फा वि-आँसू बहानेवाला,

अर्थात् रोनेवाला।

अशकवार (اشك وار) फा वि-आँसू बरसानेवाला, अर्थात् रोनेवाला, “तेरी वफा पे जब से मुझको एतवार आया, तेरा ख्याल-अशकवार बार-बार आया।”
 अशकर (اشقير) अ. वि-लाल और सफेद, घोडा जिसकी अयाल और पूँछ लाल हो; हर लाल वस्तु जिसमें पीलापन और कालापन हो।
 अशकरेज (اشك وجر) फा वि-दे ‘अशक फिशाँ’, अश्रुवर्षक।
 अशकल (اشكل) अ वि-बहुत डोरी जिससे ऊँट की काठी कसते हैं, पशुओं के पाँव बाँधन की रस्ती।
 अशका (اشقة) अ वि-बहुत ही निर्दय, बहुत ही शकी।
 अशकिया (اشقيا) अ पु-‘शकी’ का बहु, निर्दय और कठोर हृदयवाले।
 अशकील (اشكيل) अ पु-वह घोडा जिसका सीधा हाथ और उलटा पाँव सफेद हो।
 अशखास (اشخصاص) अ पु-‘शख्स’ का बहु, कई व्यक्ति, लोग।
 अशखुस (اشخصر) अ पु-‘शख्स’ का बहु, लोग।
 अशगर्फ (اشگروف) फा. वि-प्रतिष्ठित, पूज्य, महान्, अजीद, वुजुर्ग।
 अशगल (اشغال) अ वि-बहुत अधिक काम में व्यस्त, बहुत अधिक मशगूल।
 अशगाल (اشغال) अ पु-‘शुगल’ का बहु कामधे, मशगले।
 अशजा (اشجاع) अ वि-बहुत ही वीर, बडा ही शूर, विक्रमी, बहादुरतरीन।
 अशजार (اشجار) अ. पु-‘शजर’ का बहु, वृक्ष-समूह, पेड।
 अशतात (اشتات) अ पु-‘शतीत’ का बहु, अस्त-व्यस्त और तितर-वितर चीजे।
 अशताद (اشتمان) फा पु-ईरानी महीने की छव्वीसवी तारीख।
 अशदक (اشدق) अ वि-चीडे दहानेवाला, जिसके मुँह का दहाना चौड़ा हो।
 अशना (اشنع) अ. वि-निक्कटतम, बहुत ही बुरा, बहुत ही खराब।
 अशफा (اشفول) अ. स्त्री-चमडा सीने की सुताली।
 अशफा (اشمع) अ. वि-बहुत अधिक सुफारिश् (सिफारिश्) करनेवाला।
 अशफाक (اشفاق) अ पु-‘शफकत’ का बहु, अनुकपाएँ, कृपाएँ, शफकते।
 अशवाक (اشواك) अ पु-‘शवक’ का बहु, बहुत से जाल।
 अशवाल (اشمال) अ पु-‘शिवल’ का बहु, शेर के बच्चे।

अन्वाह (انواء) अ पु-गिबह का बहु मियालें, उताहरण।

अन्वाह (انواء) अ पु-गिबह और गिबह का बहु अनेक व्यक्ति लग बहुत से गिरा, बहुत से जिसम।

अन्वाया (انواء) अ स्त्री-गय का बहु वस्तुएँ, चाउँ।

अन्वाया (انواء) अ पु-गीय का बहु मित्रा व समूह, मित्रमन्त्र दास्ता के गिराह।

अन्वाय (انواء) अ पु-अस दहाई महरम व दस दिन महरम की दसवीं तारीख।

अन्वाय (انواء) अ वि-बहुत हा गरीफ बहुत हा प्रतिष्ठित बहुत अच्छे कुल का कुलानतम।

अन्वायी (انواء) अ स्त्री-स्वण-मुद्रा माहर अर्पण।

अन्वायल अन्वाय (انواء) अ वि-कुलीन जना म सबम कुलान कुलीनतम।

अन्वायल मन्वाय (انواء) अ वि-सारे प्राणि वग में सबम श्रेष्ठ मनुष्य आदमी।

अन्वाय (انواء) अ वि-नाक फग हुआ जिसकी नाक फटा हो।

अन्वाय (انواء) अ पु-शराफ का बहु शरीफ लग मज्जन लग अच्छे खानदानवा।

अन्वाय (انواء) अ पु-गरीर का बहु, घूत लोग दुष्टामा लग बुरे लग।

अन्वाय (انواء) अ पु-शराफ का बहु पाने का चाउँ मल मदिराएँ गारवें।

अन्वाय (انواء) अ पु-शराफ का बहु।

अन्वाय (انواء) अ वि-बहुत गात्रवाग बहुत गौवान।

अन्वाय (انواء) अ पु-शरीफ का बहु।

अन्वाय (انواء) अ वि-हूरवाली चाउँ जिगम सफेग अधिक हो सजा भाग जिसके सफद बाला म काउ बाल अधिक हा।

अन्वाय (انواء) अ वि-बहुत अधिक प्रसिद्ध बहुत मगहूर।

अन्वाय (انواء) अ वि-काली आँखा वाला पुष्प पागवान लिये हुए काग रग।

अन्वाय (انواء) अ वि-बहुत अधिक उकठा रखने वाला उत्तुव बन अधिक रुचिकर बहुत हा मगुव।

अन्वाय (انواء) अ स्त्री-व्याघ्रा सिहिना शरना।

अन्वाय (انواء) अ पु-गिह व्याघ्र गर।

अन्वायल (انواء) अ पु-अन्वाह का घेर हजरत अला की उपाधि।

अन्वाय (انواء) अ पु-बहुत अधिक सौंद सन्ध रज।

अन्वाय (انواء) अ पु-पन्था, स्नायु लड़क-बाल पुत्रादि

स्वजन लोग अजीबदार।

अन्वाय (انواء) अ पु-स्नायु पन्था।

अन्वाय (انواء) अ पु-अन्वाय का बहु लम्बे या गानेदार (पुष्प लग)।

अन्वाय (انواء) अ स्त्री-दूमर। की अन्वाय अन्वाय लागा का लाभ पहुँचाने की भावना पगपात उखलारा।

अन्वाय (انواء) अ वि-निपट बहरा बधिर।

अन्वाय (انواء) अ वि-बहुत हो आनन्द, प्रमुत्तित बहुत हा मगूर।

अन्वाय (انواء) अ पु-प्रभाव बिल्ल निगान गुण, तासार।

अन्वाय (انواء) अ पा वि-अमर डालनेवाला, प्रभावित करने वाला।

अन्वाय (انواء) अ पा स्त्री-अन्वाय डालना, प्रभावित करना।

अन्वाय (انواء) अ पा वि-जिस पर अन्वाय पग हा जा प्रभावित हुआ हा प्रभावित मुतअस्तिर।

अन्वाय (انواء) अ पा स्त्री-प्रभाव पडना मुतअस्तिर हाना।

अन्वाय (انواء) अ पु-मपु गहूर।

अन्वाय (انواء) अ स्त्री-नाव बुनियाफ।

अन्वाय (انواء) अ पु-नीतवाल, गहन रात म ग करनेवाला।

अन्वाय (انواء) अ वि-अत्यधिक गुड बहुत ही ठा बहुत ही सहा।

अन्वाय (انواء) अ अव्य-कराव है कि ऐसा हा यज्ञ निचय गायद।

अन्वाय (انواء) अ पु-हाय म पकडने की लकडा।

अन्वाय (انواء) अ पु-अस्तर का बहु, सनाएँ फीजे अन्वाय (انواء) अ पु-अस्तर का बहु, छाने लोग बक वाला।

अन्वाय (انواء) अ पु-उस्ताव का बहु गुरुक दिगकगण पढ़ानेवाला।

अन्वाय (انواء) अ पु-उस्तुवान का बहु छा सुतून।

अन्वाय (انواء) अ पु-उस्तूर का बहु बहानिय क्याएँ गायाएँ जिसम।

अन्वाय (انواء) अ पु-अस्तर का बहु, बहुत ही छफ लाग सयनिष्ठ।

अन्वाय (انواء) अ पु-अस्तर का बहु नीच ठा अयम लोग लापर लोग।

अन्वाय (انواء) अ पु-उस्त्रीय का बहु, चूल् के पाये

असाफीर (اصافير) अ पु—'उस्फूर' का बहु, गीरैयाँ, घरेलू चिड़ियाँ, चटकगण।
 असावे' (اصابع) अ. पु—'इस्वा' का बहु, उँगलियाँ।
 असामी (اسامی) अ पु—'अस्मा' का बहु, नामावली, नाम, किसान, किसी दुकानदार या महाजन से लेन-देन रखनेवाला।
 असामी (اسامی) अ. पु—पापी लोग, गुनाहगार लोग; अपराधी लोग, मुज्रिम (मुजरिम) लोग।
 असामीर (عصामير) अ पु—'उस्मूर' का बहु, बहुत से रहट, बहुत से डोल।
 असार (عسار) अ स्त्री—दरिद्रता, कगाली; फकीरी, साधूपन।
 असारून (اسارون) अ स्त्री—एक इकाई।
 असालत (اصالت) अ स्त्री—खरापन, असलियत, कुलीनता, शराफत।
 असालतन (اصالتاً) अ—स्वय, खुद, वराहे रास्त।
 असालीव (اسالیب) अ पु—'उस्लूव' का बहु, शैलियाँ, पद्धतियाँ, तर्जें।
 असाविर: (اساوير) अ पु—'अस्विर' का बहु, वाजूवद, एक कौम।
 असास: (اساس) अ पु—सामग्री, सामान; सपत्ति, धन-दौलत, पूँजी, सरमाया।
 असास (اساس) अ स्त्री—नीव, वुनियाद।
 असास (اساس) अ पु—सामान, असवाव।
 असासुल वंत (اساس الويت) अ पु—घर का सामान, गृहस्थी का सामान।
 असिर (عسیر) अ वि—कठिन, दुष्कर, दुश्वार।
 असिहहा (اصحاح) अ पु—'सहीह' का बहु, स्वस्थ लोग, तनदुरस्त लोग।
 असी (اسی) अ वि—दु खित, खेदित, गमगीन, म्लान।
 असीद: (عصيدة) अ पु—एक प्रकार का हलवा।
 असीफ (اصف) अ वि—दु खित, खेदग्रस्त, मलूल, रजीदा।
 असीव (عصيب) अ वि—पक्षपाती, तरफदार, स्वजन, आत्मीय जन, रिश्तेदार।
 असीम (اسيم) अ वि—पापी, गुनाहगार।
 असीर (عشير) अ पु—घूल, गर्द।
 असीर (عشير) अ पु—उच्च, बलद, अतरिक्ष, फज्राए वसीन, आकाश, आस्मान, ईश्वर; निष्केवल, जालिम।
 असीर (عشير) अ वि—बदी, कैदी, कारावासी।
 असीर (عصير) अ पु—निचोटा हुआ अरक, अगूर की मदिरा।

असीर (عسیر) अ वि—कठिन, दुष्कर, क्लिष्ट, मुश्किल।
 असील (اصیل) अ वि—कुलीन, शरीफ, खरा, उत्तम, अच्छे लोहे का अस्त्र।
 असूफ (عسوف) अ. वि.—कुमार्गगामी, बेराह, अनीति करनेवाला, अत्याचारी, दुराचारी, जालिम।
 असूफ (عصوف) अ पु—झक्कड, अधियाव, झझावात।
 असूम (عصوم) अ वि—बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।
 असूद (اسعد) अ वि—बहुत ही शुभ, बहुत ही मुवारक, अत्यधिक मांगलिक।
 अस्कफ (اسقف) अ वि—लंबा और कमर झुका पुरुष।
 अस्कर (عسکر) अ पु—सेना, फौज, एक नगर का नाम।
 अस्करी (عسکری) अ. वि—सैनिक, सिपाही।
 अस्करीय: (عسکریه) अ. स्त्री—फौजी खिदमत, सैन्य-सेवा।
 अस्कल (اسقل) अ वि—बहुत ही भारी, अति गुरु, गुरुतम।
 अस्कलान (عسقلان) अ पु—शाम का एक नगर।
 अस्काम (اسعام) अ पु—'मुक्म' का बहु, बुराइयाँ, त्रुटियाँ, खरावियाँ, बीमारियाँ, रोग-समूह।
 अस्काल (اسقال) अ पु—'सिक्ल' का बहु, बहुत से वोझ।
 अस्खिया (اسخيا) अ पु—'सखी' का बहु, सखी, दाता लोग, देनेवाले लोग।
 अस्गर (اصغر) अ वि—बहुत अधिक छोटा, सगीर (छोटा) का लघुरूप, लघुतर।
 अस्जद (عسجد) अ पु—सोना, चाँदी और रत्न।
 अस्जाअ (اسجاع) अ पु—'सज्ज' का बहु, मुकपफा वाते, ऐसी वाते जिनमे तुक हो, सतुकांत वाक्यावालि।
 अस्त (است) फा क्रि—अस्ति, है।
 अस्तल्ल (اصطلل) फा पु—तवेला, घुडसाल, अश्वशाला।
 अस्तर (استر) फा पु—खच्चर, अश्वतर; अन्न का उलटा, आस्तर।
 अस्ता' (استع) अ वि—बहुत ऊँचा, लवी गरदनवाला।
 अस्तार (استار) अ पु—'सत्र' का बहु, पर्दे।
 अस्तुखवाँ (استخوان) फा स्त्री—हड्डी, अस्थि।
 अस्दक (اصدق) अ वि—बहुत सच्चा, सत्यनिष्ठ।
 अस्दाद (اسداد) अ पु—'सद' का बहु, रूकावट, रोके।
 अरदाफ (اصداف) अ पु—'सदफ' का बहु, सीपियाँ, शुकितयाँ।
 अस्दिक्का (اصدقا) अ पु—'सदीक' का बहु, मित्र-समूह, सुहृद्-जन, दोस्त लोग।
 अस्ना (اسنا) अ अव्य—मध्य, बीच, दरमियान।
 अस्ना (اسنای) अ. वि—बहुत ऊँचा; बहुत उज्ज्वल।
 अस्नाद (اسناد) अ पु—'सनद' का बहु, ननदें, प्रमाणपत्र।

अस्नान (اسنان) अ पु-सिन' का बहु, दातावली, दात।
 अस्नाफ (اسناف) अ पु-सिफ का बहु, विस्में, प्रकार।
 अस्नाम (اسنام) अ पु-सनम' का बहु, मूर्तियाँ।
 अस्निय (اسنیه) अ स्त्री-सना' का बहु, स्तुतिया।
 अस्प (اسپ) का पु-अदव, वाजि हय, भोटक घाडा।
 अस्पगाल (اسپغول) का पु-ईसबगोल, एक प्रकार के दाने जा दवा में चलते ह।
 अस्पदुयानी (اسپدانی) का स्त्री-मुडदोड।
 अस्पर (اسپر) अ वि-पीला पीत, खद।
 अस्फल (اسفل) अ वि-बहुत नीचा, सबसे नीचा, बहुत अधम, वमीना।
 अस्फलुस्साफिकोजन (اسفلالساکنین) अ स्त्री-तरक का सातवाँ टवका।
 अस्फा (اسفلو) अ वि-बहुत स्वच्छ बहुत साफ निमल।
 अस्फाद (اسفاد) अ पु-सफ' का बहु, कदों जरीरें बलिया।
 अस्फार (اسفار) अ पु-सिफ का बहु बडे प्रथ सफ़ीर' का बहु, पथिक लोग दूत लाग सफर का बहु दिनों के प्रवाग।
 अस्फार (اسفار) अ पु-गिफ का बहु बिट्ट विदिया नुके।
 अस्फिया (اسفیا) अ पु-सफी का बहु पूज्य लोग बुजुग लोग शहिफ लोग बलीअल्लाह।
 अस्व (اسف) अ पु-स्नायु पठडा।
 अस्वक (اسفک) अ वि-सबसे आगे सबसे अब्वल।
 अस्वक (اسفک) अ पु-बडा तबू बडा लमा।
 अस्वाक (اسفک) अ पु-सवक' का बहु पुस्तक के पाठ।
 अस्वाघ (اسفغ) अ पु-सा' का बहु बहुत से रग।
 अस्वात (اسفط) अ पु-सिब' का बहु नाती पीते।
 अस्वाद (اسفد) अ पु-सव' का बहु कारण-नमूह वजह उपकरण सामान।
 अस्वावे खान (اسفاد خانه) अ फा पु-धर का सामान गह-सामग्री।
 अस्वाह (اسفاح) अ पु-सुबह का बहु, प्रात काल समूह सुवह।
 अस्मन (اسم) अ वि-बहुत मोटा बहुत चर्बाला।
 अस्लख (اسفخ) अ वि-गजा खल्वाट बहुत लाल।
 अस्लख (اسفخ) अ वि-बधिर बहरा।
 अस्मर (اسمر) अ वि-गोहूए रगवान।
 अस्मर (اسمراں) अ पु-गोहू गदुम गोपूम।
 अस्मा (اسما) अ पु-इस्म का बहु, नामावनी नामों की सूची।

अस्मा' (اسمع) अ वि-छाटे कानावाला।
 अस्माअ (اسماع) अ पु-समअ' का बहु, कान, बहुत से कान।
 अस्मा उर्रिजाल (اسم الریحال) अ पु-बडे-बडे लाग का नाम और उनकी कीतियों का वणन।
 अस्मान (اسمان) अ पु-समन का बहु, कीमते, मूल्य।
 अस्मार (اسمار) अ पु-समर का बहु पत्र, मवे।
 असायाफ (اسداف) अ पु-सिफ का बहु, तन्धार।
 अन्न (عصر) अ पु-समय, काल, वक्त, सूर्यास्त से पहले का समय इम समय की नमाअ।
 अन्न (انر) अ पु-तलवार के लोहे की धारिया, मुहम्मद साहब की ह्दीस का वणन।
 अत्ता' (اسرع) अ वि-बहुत तीघ्र बहुत जल्द बहुत तेज।
 अत्ता (اسر) अ पु-अमीर का बहु, कनी लोग कारावागी।
 अत्तान (عصرانه) अ फा पु-गाम को दी जानेवाली चाय आदि की दावत ऐट होम।
 अत्तार (اسرار) अ पु-सिर का बहु, मम भेरा राअ।
 अत्ते अतीक (عصرعتن) अ पु-प्राचीन काल, पुराना जमाना।
 अत्ते कदीम (عصرقدیم) अ पु-दे 'अन्न अतीक'।
 अत्ते जदीद (عصرجدید) अ पु-आधुनिक काल नवीन काल आजकल का मौजूदा जमाना।
 अत्ते नौ (عصرنو) अ फा पु-दे अन्न जदीद'।
 अत्ते हाबिर (عصر حاضر) अ पु-दे अत्ते जदीद।
 अस्ल (اسل) अ स्त्री-मूल जड आधार बुनियात सत्य सच यथाथ वाकई।
 अस्ल (اسل) अ पु-दाऊ का पेड।
 अस्लन (اسلن) अ वि-यथाथ वाकई, अस्ल में।
 अस्लम (اسلم) अ वि-बहुत ही सुरक्षित बिल्कुल महफूज बहुत ही सहिष्णु मुतहम्मिल।
 अस्लम (اسلم) अ वि-बूषा जिसके कान कटे हा कनकटा।
 अस्लह (اسلمح) अ वि-बहुत ही सदावारी परम पुढे बहुत ही उचित।
 अस्ला (اسلا) अ वि-क्यापि हरगिअ नितान्त बिठुल खरा भी।
 अस्ला (اسلمح) अ वि-खल्वाट गजा।
 अस्लाफ (اسلاف) अ पु-सलफ' का बहु पूबज पुरान बुजग पुरखा।
 अस्लाव (اسلاف) अ पु-सुम्ब' का बहु, जीस नुफ।

अस्लिहः (اسلحه) अ पु—'सिलाह' का बहु, अस्त्र-शस्त्र, हथियार।
 अस्लिहः खानः (اسلحه خانه) अ फा. पु—शस्त्रागार, अस्त्रशाला, आयुधागार, हथियारघर।
 अस्ली (اصلى) अ वि—जो नकली न हो, अकृत्रिम; सत्य, सच्चा, निष्पेवल, खालिस; यथार्थ, वाकई।
 अस्लीयत (اصليت) अ स्त्री—यथार्थता, वाकईयत; सत्यता, सच्चाई, वास्तविकता।
 अस्तुलुउसूल (اصل الاصول) अ पु—संपूर्ण नियमों की जड़, सवमे बड़ा नियम।
 अस्तुसूस (اصل السوس) अ स्त्री—एक पेड़ की जड़, मुलेठी।
 अस्व (عصو) अ पुं—छड़ी से मारना।
 अस्वद (اسود) अ वि—बहुत काला, काला, कृष्ण।
 अस्वदोअहमर (اسودواحمير) अ. पु—'ह्वश' और 'रूम' के देश।
 अस्वव (اصوب) अ. वि—बहुत ही ठीक, शुद्ध और सही।
 अस्वाक (اسواق) अ पु—'सूक' का बहु., बाजार, बहुत से बाजार।
 अस्वात (اصوات) अ स्त्री—'सीत' का बहु, आवाजे, ध्वनियाँ, स्वर-समूह।
 अस्वाव (اژواب) अ पु—'सीव' का बहु., वस्त्र-समूह, कपड़े।
 अस्वार (اسوار) अ पु—सवार, अश्वारोही।
 अस्वार (اژوار) अ पु—'सौर' का बहु, बहुत से बैल।
 अस्वालः (اسوله) अ पु—'सवाल' का बहु, बहुत से प्रश्न, प्रश्नावली, सवालात।
 अस्सार (عصار) अ पु—तैलकार, तेली, रौगनगर।
 अस्हल (اسهل) अ वि—बहुत ही सुगम, बहुत ही आसान।
 अस्हाव (اصحاب) अ पु—'साहिव' का बहु, साहिवान, हजरत मुहम्मद साहिव के सिहावी, वाले।
 अस्हावुराय (اصحاب الراي) अ पु—शुद्ध रायवाले, जिनकी राय हर विषय में ठीक होती हो।
 अस्हावुशिमाल (اصحاب الشيمال) अ पु—नरकवाले।
 अस्हाव कहफ (اصحاب كهف) अ पु—सात ईश्वरभक्त जो दक्यानुस वादशाह के अत्याचार के भय से एक गुहा में छिप रहे थे।
 अस्हावे फहम (اصحاب فهم) अ. पु—बुद्धिमान् लोग, समझदार लोग।
 अस्हावे फिक्र (اصحاب فكر) अ. पु—गौरो फिक्र करने-वाले लोग, चिंतनशील लोग।

अस्हावे मिक्कल (اصحاب مكدل) अ. पु—चेतकालुफ दोस्त, लँगोटिया यार दोस्त, बूजम फेड।
 अस्हार (اسحار) अ पु—'सहर' का बहु, सबेरे, प्रातःकाल।
 अहक [इक] (احق) अ वि.—जो बहुत अधिक हकदार हो।
 अहद (احد) अ वि—एक, एक की सख्या, (पु) ईश्वर, खुदा।
 अहम [म्म] (اهم) अ वि.—महत्वपूर्ण, जोरदार, वजनी, मुख्य, खास।
 अहम्मीयत (اهميت) अ स्त्री.—महत्ता, महिमा, वजन, मुख्यता, खुसूसियत।
 अहाली (اهالى) अ पु—'अह्ल' का बहु, लोग, अनेक व्यक्तित्व, बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन।
 अहासिन (احاسين) अ. पु—'अहसन' का बहु, अच्छे लोग, सज्जनगण, अच्छाइयाँ, खूबियाँ।
 अहिच्वा (احد) अ पु—'हवीव' का बहु, मित्रगण, यार-दोस्त।
 अहिल्लः (اهله) अ पु—'हिल्लाल' का बहु, नये चाँद।
 अहकम (احكم) अ. वि—बहुत बड़ा हाकिम, बहुत बड़ा शासक, बहुत अधिक दृढ़, बहुत मजबूत।
 अहकमुल हाकिमीन (احكم الحاكمين) अ पु—सारे हाकिमों का हाकिम, सारे शासकों का शासक अर्थात् ईश्वर।
 अहकाद (احقاد) अ पु—'हिकद' का बहु, द्वेष, कीने।
 अहकाम (احكام) अ पु—'हकम' का बहु, आज्ञाएँ, आदेश।
 अहजम (احزم) अ वि—बहुत अधिक प्रवीण, बहुत अधिक प्रतिभावान्, अत्यन्त निपुण।
 अहजान (احزان) अ पु—'हुज्ज' का बहु, खेद-समूह, बहुत से रज।
 अहजाव (احزاب) अ पु—'हिज्व' का बहु., दल, पार्टियाँ।
 अहजार (احجار) अ पु—'हजर' का बहु, पत्थर।
 अहद (احد) अ पु—प्रतिज्ञा, इकरार, वचन, कौल, युग, काल, जमाना, समय, वक्त।
 अहदनामः (احد نامہ) अ फा पु—प्रतिज्ञापत्र, इकरारनामा।
 अहदाक (احداق) अ पु—'हदक' का बहु, आँखों के ढेले।
 अहदी (احدى) अ वि—बहुत ही आलसी, बड़ा ही काहिल।
 अह्देअतीक (احد عتيق) अ पु—प्राचीन काल, पुराना जमाना।
 अह्देजवीद (احد جديد) अ पु—आधुनिक काल, नया जमाना।
 अह्देचरीं (احد زرين) अ. फा पु—स्वर्ण-युग, बहुत ही अच्छा जमाना, सुखद समय।

अह्ददे सग (عهد سنگ) अ फा पु—प्रस्तर-मुग, वह समय जब मनुष्य पत्थर के अस्त्र प्रयाग करता था।
 अह्ददे शखिर (عهد حاصر) अ पु—जापुनिक काल मौजूदा जमाना वतमान समय।
 अह्ददे हुकूमत (عهد حکومت) अ पु—गासन-काल, राय काल हुकूमत का जमाना।
 अहलफ (احلف) अ वि—जिससे घुटने एक ओर को घुंने हा और चलने में टकराएँ।
 अहफाद (احقاد) अ पु—हफ का बहु, नानी-माने नीकर चाकर।
 अहवाब (احباب) अ पु—हवीब का बहु, मित्र लाग, दास्त अहवाब।
 अहवार (احवार) अ पु—हिन का बहु बुद्धिमान् लोग, बतानिव लोग।
 अहमक (احمق) अ वि—बहुव ही मूख निपट अनाड़ी मूख बेअकफ़।
 अहमद (احمد) अ वि—खट्टा अमल।
 अहमर (احمر) अ वि—लाल सुन रत्न।
 अहमाल (احمال) अ पु—हमल का बहु बाप बहुत से बोल।
 अहयान (احदान) अ पु—हीन का बहु, काल-समूह, वक्त।
 अहयानन (احदानا) अ वि—कभी-कभी सहमा एवाएव इतिफाजन।
 अहरमन (احرمس) फा पु—ईरान के आठगणस्वा के मतानुसार बदा का खुदा।
 अहराम (احرام) अ पु—हरिम का बहु बहुत बूते लोग।
 अहरार (احوار) अ पु—हुर का बहु आजाद लोग।
 अहरफ (احرف) अ पु—हफ का बहु अणर-समूह, हुकफ।
 अहल (اهل) अ वि—योग्य पात्र मुस्तहक काल।
 अहलकार (اهلكار) अ फा पु—नमचारा सरकारी दफतर में काम करनेवाला व्यक्ति।
 अहलमद (اهل مد) अ पु—माल दावानी अथवा फौजगारा पायालया में काम करनेवाला एक नमचारी।
 अहला (احالي) अ वि—बहुत ही मीठा।
 अहलाम (احلام) अ पु—हुतुम या हुम का बहु स्वप्न समूह, दवाब।
 अहलिया (اهلية) अ स्त्री—यत्नी भार्या स्त्री जात।
 अहलियत (اهلييت) अ स्त्री—दे अहलायत दो गु ह।
 अहली (اهلي) अ वि—बडों का उल्टा पालनू पाठ।
 अहलीयत (اهلييت) अ स्त्री—योग्यता, जानिनीयत

पात्रता इस्तहकाब, नियुक्ता, हांगयारी।
 अहले अदम (اهل عدم) अ पु—यमलोक के निवासी, मृत व लोग जो मर चुके ह।
 अहले इलम (اهل علم) अ पु—विद्वान लोग, पंडित जन, आलिम लोग काफी पते लिखे लोग।
 अहले खर (اهل حمر) अ पु—ब लाग जो परोपकार में जा खोलकर खच करत ह, दानगील छाग।
 अहले जमी (اهل زمين) अ फा पु—ससारिक लोग पथी पर बसनेवाले लोग।
 अहले डिम्म (اهل ديمه) अ पु—वह घर मुस्लिम जो मुस्लिम राज्य में रहते ह।
 अहले बतन (اهل وطن) अ पु—दावासी, बतनवाले।
 अहले हक (اهل حق) अ पु—सत्यनिष्ठ लाग ईमानदार लोग, सच्चे लोग महारत्ना लाग।
 अहबज (اهل حج) अ वि—लबा-सजगा व्यक्ति, जतदनाड़ी करनेवाला मूख।
 अहबन (اهل بن) अ वि—बहुत आसान, बहुत सुगम।
 अहबल (اهل بل) अ वि—भंगा जिस एक वस्तु की दो वस्तुएँ लिखाई दें।
 अहवा (اهوا) अ स्त्री—हवा का बहु इच्छाए हवाहिन।
 अहवाल (احوال) अ पु—हाल का बहु, घटनाए, हालात समाचार, हाल समस्याए, मुआमले।
 अहवाल (اهوال) अ पु—हौल का बहु भय डर, खौफ।
 अहगा (احيا) अ पु—हसाव का बहु आंत, अंतर्दियाँ, पेट के भातर की सब चीजें, जिगर तिल्ली पातलाय और आने पीने सब।
 अहगाम (احسام) अ पु—हसाम का बहु, नीकर चाकर।
 अहसत (احسب) अ वि—साधु-साधु धन धन, बाह वाह।
 अहसन (احسن) अ वि—अति सुंदर बहुत हमीन अत्युचित बहुत मुनासिब अत्युत्तम, बहुत उम्दा।
 अहसने तरुबीम (احسن لموسم) अ पु—मानव गरोर जो ईश्वर की कारायरी का बेहदरीन नमूना है ईश्वरीय कृति का सर्वोत्तम कलापूण उगाहरण।

आ

आइव (ايدة) फा वि—आने वाला जो आने को ही भविष्य मुस्तकबिल।
 आइव (عائده) अ पु—मरम्परा रिवाज गुल्क, महदून लाम नका उपकार एहमान, प्रतिवार, बन्ना अनुकम्पा दवा।

आइद (عائد) अ वि—लौटनेवाला, पलटनेवाला, लागू होनेवाला, लगनेवाला ।
 आइनः (أئنه) फा पु—'आईन' का लघु दे 'आईन' ।
 आइन (عائنه) अ. वि.—सहायक, मददगार ।
 आइलः (عائلة) अ. पु—कुल, खानदान, वंश, अभिजन ।
 आइल (عائل) अ वि—सन्यासी, दरवेश, फकीर ।
 आइस (أئس) अ वि—निराश, नाउम्मीद ।
 आईनः (أئنه) फा पु—दर्पण, मुकुर, आदर्श, शीशा, (वि०) स्पष्ट, साफ ।
 आईनगर (أئنه گره) फा. वि—आईन' (आईना, शीशा) बनानेवाला, दर्पणकार ।
 आईनबंदी (أئنه بندی) फा स्त्री—किसी बड़े व्यक्ति के आगमन के समय या किसी बड़े उत्सव पर नगर की सड़को और बाजारो को झाड-फानूस से सजाना ।
 आईनः साज (أئنه سار) फा वि—'आईन गर' ।
 आईन (أئین) फा पु—विधान, कानून, नियम, कायदा, परम्परा, रवाज; व्यवहार, चलन; प्रणाली, पद्धति, तरीका, तर्ज ।
 आईनदाँ (أئین دان) फा. वि—कानून जाननेवाला, विधानज्ञ, वकील ।
 आईनबंदी (أئین بندی) फा स्त्री—कमरे में झाड आदि सजाना, फर्श में पत्थर आदि की जुड़ाई ।
 आईनसाज (أئین ساز) फा वि—विधान बनानेवाला, विधायक, विधान बनानेवाली परिपद्, विधायिका ।
 आईनी (أئینی) फा वि—कानूनी, वैधानिक, वैध ।
 आक[वक] (عاق) अ वि—वह व्यक्ति जिसे उसकी माता या पिता ने उद्दता के कारण बहिष्कृत कर दिया हो ।
 आक (أى) फा. प्रत्य—सम्बन्ध का वाक्य, जैसे 'खुराक' और 'सोजाक', (पु.) दोष, ऐव ।
 आकरकहाँ (عاقوقرحا) अ पु—एक जगली जड जो दवा में चलती है, अकरकरा ।
 आका (أنا) तु पु—स्वामी, प्रभु, मालिक, अध्यक्ष, सरदार ।
 आका (أكا) तु पु—बडा भाई, अग्रज ।
 आकासी (أكاسی) तु पु—दीवानखाने का दारोगा ।
 आकद (عائد) अ वि—ग्रथि लगानेवाला, गाँठ देनेवाला, वचन देनेवाला, प्रतिज्ञा करनेवाला ।
 आकफ (عاكف) अ वि—किसी जगह निवास करनेवाला, किसी चीज के चारो ओर फिरनेवाला, मस्जिद में तपस्या के लिए बैठनेवाला ।
 आकव (عاقب) अ. वि—किसी के पीछे आनेवाला, किसी की अनुपस्थिति में उसकी जगह काम करनेवाला ।

आकवत (عاقبت) अ स्त्री—यमलोक, आखिरत; परिणाम, अंजाम, अंत, अखीर । (आकवत)
 आकवत अंदेश (عاقبت اندیش) अ. फा. वि.—हर काम को उसका परिणाम सोचकर करनेवाला, परिणाम-शोची, परिणामदर्शी ।
 आकवत नाअंदेश (عاقبت نا اندیش) अ. फा. वि—जो कार्य के परिणाम से बेखबर (असावधान) रहकर काम करता हो, अपरिणामदर्शी ।
 आकवतवी (عاقبت ویں) अ फा वि—दे 'आकवत अदेश' ।
 आक़िर (عاقبر) अ. वि—नि संतान पुरुष; वांझ स्त्री; रेत का टीला जिस पर कोई चीज न होती हो ।
 आकिलः (عاقله) अ स्त्री—बुद्धिमती स्त्री; वह शक्ति जिससे पदार्थों का ज्ञान किया जा सके ।
 आकिल (عاقل) अ वि—बुद्धिमान्, मेधावी, अक़लमद; पहाडो पर भागने-फिरनेवाला हरिन ।
 आक़चः (أقچ) तु पु—रुपया; अश्रफी, स्वर्णमुद्रा, मोहर ।
 आख (أخ) फा अव्य.—वाह वाह, साधु साधु, (पु) शोर, कोलाहल, विलाप, रोना-धोना ।
 आखिज (أخبر) अ वि—पकडनेवाला, लेनेवाला, ग्रहणकर्ता, उद्धरणदाता ।
 आखिर (أخبر) अ वि—अंत, अखीर, पिछला, आखिरी, अतत, आखिरकार ।
 आखिरत (أخروت) अ स्त्री—परलोक, यमलोक, उक्व, अत, अखीर, परिणाम, नतीजा ।
 आखिरतवी (أخروت ویں) अ फा. वि—परिणामदर्शी, अतदर्शी, दूरदर्शी, अजाम पर दृष्टि रखनेवाला ।
 आखिरी (أخروی) अ वि—अंतिम, पिछला, अखीरी; निश्चित, कतई ।
 आखिरल अम्र (أخرو الامر) अ. वि—आखिर को, अंतत, आपातत, आखिरकार ।
 आखिरकार (أخرو کار) अ फा वि—दे० 'आखिरल अम्र' ।
 आखुंद (أخوند) तु पु—शिक्षक, पढानेवाला ।
 आखुर (أخورد) तु पु—अश्वशाला, मन्दुरा, तवेला, गोचर, चरागाह ।
 आखुरेसगी (أخورسنگی) तु फा पु—ऐसा स्थान जहाँ घास और हरियाली न हो ।
 आखोर (أخورد) तु पु—'आखुर' का विगड़ा हुआ रूप, कवाड, फुजूल सामान ।
 आहतः (أحذنه) फा. वि—खीचा हुआ, खससी, बधिया, बध्नि, मुक्कशून्य ।

आहत बेगी (احته بگی) का वि-बधिया करनेवाला ।
 आल्मोज (احسنج) अ पु-दे 'आह्योग ।
 आह्योग (احسنگ) का पु-विरोधी वस्तु उसुर, तत्व ।
 आगद (الغده) का वि-भरा हुआ, पूण ।
 आग्रस्त (اعشعه) का वि-सना हुआ, लयन हुआ ।
 आग्रस्त बह (اعسته نحو) का वि-खून म लथडा हुआ
 खून म लथपठ ।
 आग्रस्तए खू (اعسته حون) का वि-दे आग्रस्त बवू ।
 आगही (اگهی) का स्त्री-जागही का लघु रूप गान
 जानकारी सूचना इतिलाज परिचय पहचान ।
 आगा (اعا) तु पु-स्वामी, मालिक भ्राता भाई, कावुली
 अफगानी पठान ।
 आगाख (اعار) का पु-अनुष्ठान, प्रारम्भ, गृहजात,
 इन्विदा आदि ।
 आगाखिद (اعارخده) का वि-गुरु करनेवाला आरभ
 कर्ता ।
 आगाखोद (اعارخده) का वि-गुरु किया हुआ प्रारंभ ।
 आगाखेकार (اعारکار) का पु-वाम की घुह्रात,
 कार्यारभ सूत्रपात ।
 आगाखोद (اعارخده) का वि-गूषा हुआ माडा हुआ, गाना
 हुआ ।
 आगाल (اعال) का पु-जगल म भेड-वकरिया के सोने
 का सुरक्षित स्थान ।
 आगालोद (اعالنده) का वि-गमृता और युद्ध पर
 उत्तेजित किया हुआ ।
 आगाह (الگاه) का वि-गाव, जाना हुआ, सूचित मुताला
 परिचिन वाक्फि ।
 आगाही (اگهی) का स्त्री-पान, जानकारी सूचना
 इतिलाज परिचय जान-पहचान ।
 आगोसा (أموس) का उभ-अब काड गाद, बगल ।
 आगोसकुगा (اموش کسا) का वि-नीद फलाय हुए किमी
 को लिपटाने के लिए गोन् डाले हुए ।
 आउग (اوزگ) का पु-सूरी, बल गिकन ।
 आन (عاج) अ पु-हाथीर्गत हस्तित्त ।
 आउ (أر) का स्त्री-राम लालच हिस ।
 आउज (اوج) का पु-मस्ता, माटा और जग हुआ तिल ।
 आउज (اعجر) अ वि-अत्यंत विषय, बहुत ही लाचार ।
 आउमद (اوزمند) का वि-रामी लालची हरीस ।
 आउम (اعظم) अ वि-बहुत बडा महान् विगाल
 बसोत्र ।
 आउम (اعظم) अ वि-गूणा, मूक, जा बाल न सके ।

आउद (اوزد) का वि-सताया हुआ, पीडित, बिन,
 मलिन, अपसुर्दा, दुखित, रजीदा, रष्ट, नाराज ।
 आउद पुस्त (أزده دست) का वि-बुवडा, कुत्र,
 जिसकी पीठ में बूड हा ।
 आउद (اوزد) का पु-बहुत खाना, बहुभक्षण ।
 आउदगी (اوزدگی) का स्त्री-खिनता, उदासी, दुख
 रज राय, नाराजगी सताव ।
 आउदनी (اوزدنی) का वि-सताने के काविल, दुखित
 करने योग्य रष्ट करने माग्य ।
 आउम (ام) का पु-गाति सलाह कृपा, दया, लज्जा
 शम सम्मान इज्जत, प्रतिष्ठा बुजुर्गी ।
 आउमा (اعضا) अ पु-उडव का बहू, गरीर के अंग, हाथ,
 पाव सिर आदि ।
 आउमाईस (اعضای بسته) अ पु-धारीर के बह
 अवयव जो सवथेष्ट ह । जैसे-हृदय, जिगर, मस्तिष्क
 आदि ।
 आउमा (اوزما) का वि-स्वच्छद, स्वच्छाचारी निरकुग,
 आजाद ।
 आउमाखरी (اوزماخری) का स्त्री-स्वेच्छाचार, मन की
 मोज ।
 आउमादरी (أزما داری) का वि-स्वेच्छाचारी मनमोजी ।
 आउमाद (ازاد) का वि-स्वतंत्र स्वाधीन, बधनमक्त
 गुलुबलास निरकुग, खुदराए एक प्रकार के फत्रीर
 जा घम जादि के बघना से मुक्त होत ह रिहा कारामुक्त ।
 आउमाद तबज (ازاد طمع) का अ वि-दे 'आजा'
 मिजाज' ।
 आउमादमनिग (ازاد ملس) का वि-दे आजाद मिजाज' ।
 आउमादमिजाज (ازاد مزاج) का अ वि-मनमोजी स्वेच्छा
 चारी बह ध्यवित जिसके मन में जो भाये सो करे ।
 आउमादान (ازادان) का वि-स्वतंत्रतापूर्वक, आजागी
 के साथ, बे राक-टाक ।
 आउमादी (ازادی) का स्त्री-स्वतंत्रता खुदमुस्तारी
 निरकुगा खुदराई बधनमुक्ति सलामी ।
 आउमादीपसद (ازادی پسند) का वि-जिस स्वच्छा
 पसन् हो जो निरकुगा रहना चाहता हा, जो स्वतंत्रता
 चाहता हा जिने गुलामी पसद न हो ।
 आउमान (ازان) अ पु-उजुन' या 'उजुन' का बहु कान ।
 आउमान (أحام) अ पु-अजम का बहु वृक्षा के झुड पेग
 के समूह ।
 आउमार (ازار) का पु-राग, बीमारा अपपति, मुसीबत
 रोद, रज, दुव्यसन, लत । (प्रत्य०) दुव्य दनवाग,

सतानेवाला; जैसे, 'दिल आजार' हृदय को दुःख देनेवाला ।

आजार तलव (أُزْرَطْلَب) फा अ. वि—जिसे कटों में रहना अच्छा लगता हो, दुःखप्रिय ।

आजार देह (أُزْرَدَه) फा वि.—गूट देनेवाला, दुःखदायी ।

आजारिदः (أُزْرَادِي) फा. वि.—सतानेवाला, दुःख देनेवाला ।

आजारी (أُزْرَارِي) फा. वि.—रोगी, बीमार, अन्वस्य ।

आजारीदः (أُزْرَارِي) फा वि—सताया हुआ, दुःख पहुँचाया हुआ, पीड़ित, दुःखित ।

आजाल (أَحَال) अ पुं—'अजल' का बहु मीत के वयत, मृत्युएँ, मीत ।

आजिज (عَاجِر) अ. वि—निराश्रय, अमहाय; वेवसा, लाचार; ऊँचा हुआ, परीक्षान; विनम्र, चाकसार ।

आजिजी (عَاجِرِي) अ. स्त्री—अमहायता, वेवसा; ऊँचना; विनम्रता ।

आजिदः (أَحْدَد) फा स्त्री—तल की असमानता, सतह की नाहमवारी, रेती का खुदरापन ।

आजिम (عَازِم) अ. वि—इच्छा करनेवाला, इरादा करनेवाला ।

आजिर (أَجْر) अ वि—मजूरी (उजरत) देनेवाला ।

आजिलः (عَاجِلِي) अ. स्त्री—मर्त्यलोक, संसार, जिसमें विलंब न हो ।

आजिल (عَاجِل) अ वि—जल्दी करनेवाला, जल्दवाज, जल्दीवाली वस्तु, संसार, दुनिया ।

आजिल (أَحْل) अ वि—जिसमें विलव और देर हो, परलोक, उक्वा ।

आज्जीनः (أُزْجِي) फा. पु—छेनी, टाँकी, पत्थर आदि छीलने का यंत्र ।

आज्जीश (أَدِيْش) फा स्त्री—अग्नि, आग ।

आजूकः (أُزْجِي) फा पु—दे 'आजूक' ।

आजूर (أُزْر) फा पु.—ईरानियों का नवाँ महीना; स्फुल्लग, चिनगारी ।

आजूर (أَجْر) फा स्त्री.—पकी हुई ईंट ।

आजुदः (أُزْجِي) फा. वि—दे. 'आजुद' वही शुद्ध है ।

आजूकः (أُزْجِي) फा. पु—जीविका, रोजी, मआश, थोड़ी सी गिजा जिस से जीवन बना रहे ।

आजूर (أُزْر) फा वि—लालची, लोभी, हरीस ।

आजुदः (أُزْجِي) फा पु—झुर्री, बल, चीन, चिह्न, निशान; कोई नोकदार वस्तु चुभाना ।

आजमा' भाग्य की परीक्षा करनेवाला ।

आज्माइदः (أُزْمَائِدِي) फा. वि.—आजमानेवाला, परीक्षा करनेवाला ।

आज्माइश (أُزْمَائِش) फा. स्त्री.—परीक्षा, परख, जाँच ।

आज्मूदः (أُزْمُودِي) फा. वि—परखा हुआ, जाँचा हुआ, परीक्षित ।

आज्मूदःकार (أُزْمُودِي) फा. वि—अनुभवी, कार्यसिद्ध, बहुदर्शी, ताजिब कार (तजरवाकार) ।

आज्मूदनी (أُزْمُودِنِي) फा. वि.—परीक्षा के योग्य, परीक्षणीय, परखे जाने के लायिल ।

आज्मून (أُزْمُون) फा पु—जाँच, परीक्षा, इम्तिहान ।

आत (أَت) तु. पु—घोड़ा, अश्व ।

आतश (أَتَش) फा स्त्री—आग्न, अनल, वह्नि, कृयानु, आग ।

आतशअंगेज (أَتَشْأَنْجِي) फा. वि—आग भड़कानेवाला, उत्तेजित करनेवाला, आग जलानेवाला ।

आतशअफगन (أَتَشْأَفْغَنْ) फा. वि—आग फेरनेवाला, आग बरसानेवाला ।

आतशक (أَتَشْكَ) फा. स्त्री—गरमी का रोग, उपदंश ।

आतशकदः (أَتَشْكَدِي) फा पु—दे 'आतशखानः' ।

आतशकार (أَتَشْكَار) फा. वि—आतशवाज; रसोइया, वावरची ।

आतशखानः (أَتَشْخَانِي) फा पुं—वह स्थान जहाँ पूजा की आग रहती है, अग्निशाला, पारसियों की अग्निशाला जहाँ की आग कभी बुझती नहीं है; चूल्हा, भट्ठी; वह स्थान जहाँ चूल्हा या भट्ठी जलती हो ।

आतशखवार (أَتَشْخَوَار) फा पु.—आग खानेवाला, चकोर, कक्क, एक पक्षी जो चाँद का प्रेमी है ।

आतशगाह (أَتَشْكَاه) फा. स्त्री—दे. 'आतशखान' ।

आतशगीर (أَتَشْكَيْر) फा. वि.—आग पकड़ लेनेवाला, वह वस्तु या मादा जो तुरंत आग पकड़ ले, विस्फोटक, ज्वलनशील, जिस चीज से आग पकड़ी जाय, जैसे, चिमटा ।

आतशजदः (أَتَشْجَدِي) फा. वि.—जिसमें आग लग गयी हो, आग लगा हुआ; आग से जला हुआ, सोल्ता ।

आतशजदगी (أَتَشْجَدِي) फा. स्त्री—आग लगना, अग्निकांड ।

आतशजन्नः (أَتَشْجَنْ) फा. पु—चकमक पत्थर, चुबक; जिस चीज से आग फोडे ।

आतशजन्न (أَتَشْجَنْ) फा वि—आग लगानेवाला, 'कुक्नुस' पक्षी, जिसके गाने से आग लग जाती है ।

आतंगजर्वा (الشرجان) का वि-घुआँघार भाषण देने वाला, वाक्पूक, ध्यास्थान में आग बगानेवाला ।
 आतंग खेर पा (الشر ما) का वि-जिम्मेके पाँव के नीचे आग हो, बहुत ही बेताब आतुर ।
 आतंग तवम (الشر طمع) का अ वि-आतंग मिजाज ।
 आतंगताब (الشر تاب) का वि-आग से तपा हुआ आग जमी चमक खनेवाला ।
 आतंगदस्त (الشر دست) का वि-फुर्तीला तेज, चालाक ।
 आतंगदस्ती (الشر دستی) का स्त्री-फुर्ती, तेजी चालाकी प्रभुत्व गर्व ।
 आतंगदान (الشر दान) का पु-चूल्हा अगीठी भटठी ।
 आतंगदीद (الشر دید) का वि-आग पर सँका हुआ आग पर जला हुआ ।
 आतंगनफस (الشر نفس) का अ वि-जिमकी साँसे के साथ जाग निवले अघान प्रेमी दिलजला ।
 आतंगनफसी (الشر نفسی) का अ स्त्री-मास के साथ आग निकलना दिग् वा दण्ड होना प्रेमामिगि स हृत्प का जलना ।
 आतंगनाब (الشر نای) का वि-आग की तरह तम समाना हुआ आग से भरा हुआ ।
 आतंगपरस्त (الشر پرست) का वि-आग की पूजा करनेवाला अग्नि-पूजक ईरान का पारसी खरगुरत वा अनुयायी ।
 आतंगपरस्ती (الشر پرستی) का स्त्री-अग्निपूजा आग की परस्तिता ।
 आतंगपा (الشر ما) का वि-आतंग खेर पा' ।
 आतंगपार (الشر پار) का पु-अग्निक्वण चिनगारी अग्निखड अगारा ।
 आतंगबर्जा (الشر بجان) का वि-जिसने अदर आग ही आग हा अग्निगम प्रेमी अग्नि ।
 आतंगबाज (الشر باز) का पु-आतंगबाजा बनानेवाला बाग्द के सिन्धुने बनाने और बचनेवाला ।
 आतंगबाजी (الشر بازی) का स्त्री-बाग्द क किलौन बनाने का काम अग्निनाग बाग्द के किलाने ।
 आतंगमिजाज (الشر مزاج) का अ वि-जिमके स्वभाव में हँद स अधिक रोप हा फुडाता मुसल ।
 आतंगमिजाजी (الشر مزاجی) का अ स्त्री-स्वभाव का अधिक राप ।
 आतंगरग (الشر رگ) का वि-आग जसे रगवाला दहकता हुआ खूब लाल ।

आतंगी (السن) का वि-आग का आग का बना हुआ अग्निमय आग जगा लाल ।
 आतंगीरग (السن رخ) का वि-जिसना मुख आग जगा भभवा हो बतुल ही सुदर ।
 आतंगीं हखसार (السن خسار) का वि-जिमने गाल आग जम लाल हा ।
 आतंग अपसुव (السن اسه) का स्त्री-बुझी हुई आग ।
 आतंगे छामोश (الشر حاشی) का स्त्री-बुझी हुई आग दवा हुई आग ।
 आतंगे जिगर (الشر جگر) का स्त्री-हृदय की आग प्रेमामिगि ।
 आतंगेतर (الشر لبر) का स्त्री-बहती हुई आग गराव मन्दि ।
 आतंगे दह (الشر درون) का स्त्री-आतंगे जिगर ।
 आतंगे दिहकाँ (الشر دمهان) का स्त्री-वह आग वा इपव पाम फूम जगाने के लिए सेना म लगा दन ह ।
 आतंगे नुछुद (الشر سود) का अ स्त्री-वह आग जो हृत्त इन्हाहीम का जलाने क लिए नुछुद बाग्दह ने जल वापी थी ।
 आतंगे फारिस (الشر فارس) का स्त्री-वह जाग जा बरतुंग के समय स ईरान में जल रही थी जिने इस्लाम ने वुपाया ।
 आतंगे बेदूद (الشر بدود) का स्त्री-(धूम्रहीन अग्नि) मूम आगताव सूरज ।
 आतंगे महलूल (الشر متحلول) का अ स्त्री-पानी में हलकी हुई आग गराव मन्दि ।
 आतंगे सयाल (الشر سیال) का अ स्त्री-विषयी और बहती हुई आग गराव, मन्दि ।
 आतंगे मुद (الشر مرده) का स्त्री-बुझी हुई आग ।
 आतिफ (عاطف) अ वि-इपवा करनेवाला मेहरबान ।
 आतिकत (عاطف) अ स्त्री-इपवा, दया मेहरबानी ।
 आतिर (عاطر) अ वि-सुगधिय सुगधमय सुगध स प्रेम करनेवाला ।
 आतिग (الشر) का स्त्री-अग्नि आग आतिश भा दण्ड है मगर आतंग अधिक बालत ह ।
 आतूस (عاطوس) अ पु-छीक सानेवाला वस्तु हुलाग वह पानु या पना जिमका देखना जगकुन हाता है ।
 आदत (عادت) अ स्त्री-प्रकृति स्वभाव खरगुत व्यसन लत अभ्यास मक्क ।
 आदत (ادب) अ पु-अस्व, हयियार ।
 आदतन (عد دلتا-عادلة) अ वि-स्वभाव स आगुत स स्वभावत ।

आदम (أدم) अ. पुं—हज़त आदम जो सबसे पहले पुरुष थे, मूल पुरुष, मानव, मनुज, पुरुष, आदमी, इसान।
 आदमकद (أدمكد) अ. वि—दे 'कहेआदम'।
 आदमखोर (أدمخور) अ फा वि.—आदमी को खा जानेवाला, नरभक्षी, मानुपाशी।
 आदमगर (أدمगर) अ फा वि—दयालु, कृपालु, रहमदिल।
 आदमजाद (أدمजाद) अ फा पु—मनुष्य का पुत्र, मनुष्य, आदमी।
 आदमवेजार (أدمवेजार) अ फा वि—वह व्यक्ति जो मनुष्यों की संगत से घबराता हो।
 आदमी (أدمी) अ पु—मनुष्य, मानव, इसान, सम्भ, शिष्ट, मुहज्जब।
 आदमीजादः (أدمीजादः) अ फा. पु—आदमी की सतान, मनुष्य, आदमी।
 आदमीयत (أدمीयत) अ. स्त्री—मानवता, इसानियत, सम्पता, शिष्टता, तमीजदारी, सुशीलता, अह्लाक।
 आदमे आबी (أدم आबी) अ फा पु—पानी में रहनेवाला मनुष्य की आकृति का जानवर, जलमानुष।
 आदमे सहाई (أدم सहائی) अ पु—एक बड़ा बदर, वनमानुष, जगली आदमी, देहाती, उजहु, अक्खड।
 आदमे सानी (أدم सानी) अ पु—'हज़त नूह', तूफान के पश्चात् इन्ही से सतान चली है।
 आदल (أعدل) अ वि—बहुत अधिक न्याय करनेवाला।
 आदवा (أدوا) अ. पु—'अदू' का बहु शत्रु लोग, दुश्मन लोग।
 आदात (أادات) अ पु—'आदत' का बहु हथियार।
 आदात (أادات) अ स्त्री—'आदत' का बहु आदते, स्वभाव, प्रकृतियाँ।
 आदद (أعدد) अ पु—'अदद' का बहु सख्याएँ, गिनतियाँ, हिदसे।
 आदाव (أداب) अ पु—'अदव' का बहु प्रणाम, नमस्कार, तस्लीम, तरीके, ढंग; शिष्टाचार, तहजीब; सुशीलता, अह्लाक।
 आदावे फाजिलः (أداب واصله) अ पु—अच्छे स्वभाव, चार गुण—शूरता, सतीत्व, न्याय और विद्या।
 आदिल (أعدل) अ. वि—न्यायनिष्ठ, न्यायवान्, मुसिफ-मिजाज।
 आदी (أदी) अ वि—जिसे कुछ खाने या कुछ करने की लत पट गयी हो, अभ्यस्त, अनुसेवी, व्यसनी।
 आदीन. (أदीने) फा—शुक्रवार, जुमा।
 आदरफ़श (أدرفش) फा पु.—चमारो की सुताली (मूजा)।
 आनः (عانه) अ पु—उपस्थ, पेट, जेरेनाफ।

आनः (أنه) फा. प्रत्य—सम्बन्ध का वाक्य, जैसे, रोजाना, सालाना, (पु०) रुपये का सोलहवाँ भाग, एक आना।
 आन (آن) अ स्त्री—क्षण, पल, लम्हा।
 आन (آن) फा स्त्री—छटा, छवि, शोभा, टेक, वात, नाक; हाव-भाव, नाजोअदा।
 आनक (اعنق) अ वि—बड़ी गर्दनवाला।
 आनक आनक (آنک آنک) फा अव्य—वह वह दूरवर्ती।
 आनन फ आनन (آنانان) अ वि—तत्क्षण, तुरत, फौरन, फौरन ही, ज़रा सी देर में, वात की वात में, आनन फानन।
 आनश (اعمش) अ वि—छ उँगलियोवाला, छगा।
 आनाक (اعناق) अ स्त्री—'उनुक' का बहु, गर्दन, गले।
 आनात (آنا) अ. पु—'आन' का बहु. बहुत से समय, काल-समूह।
 आनिद (عاند) अ वि—शत्रु, दुश्मन, बैरी।
 आनिफ (عانف) अ वि—वशीभूत, मुत्तीअ, आज्ञाकारी, फर्मावरदार।
 आनियः (أنیه) अ. पु.—'इना' का बहु, बहुत से वरतन।
 आनिसः (أنسه) अ स्त्री—कुमारी, दोशीज।
 आनिस (أسس) अ. वि—स्नेह करनेवाला, प्रेमी, हिल जाने-वाला।
 आनी (عانی) अ वि—कैदी, बंदी, बहता हुआ खून।
 आनी (آنی) अ वि—क्षणिक, थोड़ी देर का; सामयिक, तात्कालिक, वक्ती।
 आनुक (آنک) फा पु—सीसा, एक धातु।
 आपा (آبا) तु स्त्री—बड़ी बहन, जीजी।
 आफ (عاف) अ वि—क्षमा करनेवाला, अपराध क्षमा करने-वाला।
 आफत (أوت) फा. स्त्री—आपत्ति, विपदा, मुसीबत, दुःख, कष्ट, तकलीफ, शामत।
 आफतजदः (أوتجده) फा वि—विपद्ग्रस्त, मुसीबत का मारा।
 आफतनसीव (أوتنصیب) फा अ. वि.—जिसके भाग्य में आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हो।
 आफतरसीदः (أوترسید) फा वि—दे 'आफतजद'।
 आफते नागहानो (أوت ناگاهانی) फा. स्त्री.—अचानक पड़नेवाली विपत्ति, देवात्यय, दैवी घटना।
 आफाक (أفاق) अ पु—'उफुक' का बहु उपाएँ, ससार, दुनिया।
 आफाफी (أفاقی) अ. वि—दुनियावाला, सासारिक।
 आफाके माइलः (أفاق مايله) अ पु—पृथ्वी का वह भाग जो खुदक है।

आफात (افات) का स्त्री 'आफत का बहु आपत्तियों, मुसीबतें।
 आफिदी (افندی) तु पु—श्रीमान, महोदय, जनाब।
 आफियत (عافیة) अ स्त्री—सुख, चन, आराम, शांति, सुकून नष्ट, स्वास्थ्य।
 आफियत केश (عافیت کیش) अ का वि—शांतिप्रिय, अमनपसंद।
 आफियत कोश (عافیت کوش) अ का वि—शांति के लिए प्रयत्न करनेवाला।
 आफियतगाह (عافیة گاه) अ का स्त्री—शांति का स्थान, जहाँ सुकून और शांति हो, एकांतवास।
 आफिल (افل) अ वि—नीचे जानेवाला ढांप हानेवाला।
 आफिलीन (افلین) अ पु—नीचे जानेवाला, ढांप हाने वाले, आफिल' का बहु।
 आपताब (اعتاب) का पु—एक प्रकार का लटा जिसमें दस्ता होता है।
 आपताब (اعتاب) का पु—सूय रवि दिनकर सूरज।
 आपताब आसार (اعتاب اسار) का अ वि—जिसमें सूय का प्रताप हो जिसमें सूय जसा जलाल हा।
 आपताबगीर (اعتاب گير) का पु—छज्जा, साइदान छतरी आतपक, छाया धूप रोकने के लिए ताना हुआ कपड़ा आदि।
 आपताबपरस्त (اعتاب پرست) का वि—सूरज की पूजा करनेवाला सूयपूजक निरगिट कुवलास।
 आपताबपरस्ती (اعتاب پرستی) का स्त्री—सूरज की पूजा सूय-पूजा रविभक्ति।
 आपताब सावार (اعتاب سوار) का वि—बहुत तड़के उठने वाला।
 आपताबी (اعتابی) का वि—धूप में खकर बनायी हुई ओषधि आदि सूरज का, सूरजमुची का फूल।
 आपताबे लये बाम (اعتاب لبام) का पु—डूबने के करीब सूरज, मरने के करीब पुरप, मरणासन्न।
 आपताबे सरे गाम (اعتاب سرغام) का पुं—सप्या समय का मूय डूबता हुआ सूरज, यह व्यक्ति जिसका सम्मान उठ जाय।
 आपताबे हजर (اعتاب حذر) अ का पु—महाप्रलय-वाल का मूय, जो बहुत निरत होगा।
 आपते (الرس) का अन्व—ययान् दायाग, साधु साधु।
 आपतेदी (الروسة) का वि—यग विद्या हुआ उत्पत्ति।
 आपतेदगार (الروسة گار) का वि—यग यत्नवाला, उत्पत्ति कर्ता, सप्या।

आफीदनी (افندی) का वि—पदा करने योग्य।
 आफोनिद (افونیلدی) का वि—छटा, उत्पत्तिकता खालिक, पग करनेवाला।
 आफोनिग (آفونیش) का स्त्री—उत्पत्ति, सप्टि, पदाङ्ग।
 आब (اب) का पु—जल, वारि, सलिल नीर आप पानी।
 आबकाम (انکامه) का पु—खट्टे पदाओं से बनाया हुआ पानी।
 आबकार (انکار) का वि—मदिरा बेचनेवाला, शराब का व्यवसाय करनेवाला, मद्य-व्यवसायी।
 आबकारी (انکاری) का स्त्री—मदिरा का व्यवसाय, मदिरा का विभाग, मद्य विभाग।
 आबकोर (انکور) अ वि—वह व्यक्ति जिसने दाने पानी म किसी का भाग न हो, बहुत ही रूपण भक्ताचूस।
 आबखान (آبخانه) का पु—पावान शौचग।
 आबखुर (آبخور) का पु—आबखुद।
 आबखुरद (انخورد) का पु—भाग्य, प्रारंभ किस्मत भाग, हिस्सा, वह तालाब जहा मनुष्य और पशु पानी पीये।
 आबखुरे (انخور) का स्त्री—वह भूमि जिसे जहाँ भी खाने थोड़ी दूर पर पाना निकल आये लहर तरंग मौर आबखुरे (انخور) का पु—पानी पीने का मिट्टी क पिचाला, कुल्हड़, पुरवा।
 आब यदिर (اب گودش) का स्त्री—जीविका रोजी, बरा राग जो देश विन्ग म फिरने और पानी बदलने के उत्पन्न हा।
 आबगीन (انگیله) का पु—बहुत ही बारीक काँच की बड़े पट की बोतल जा अब से कुछ पटले गराब और गुणव जल रखने के काम आती थी वातल, गीगा, बहुत ही नाजुक शीशा।
 आबगीर (انگیر) का पु—छाटा चालाब, तया, जूला, धा जलाय।
 आबजू (انجور) का स्त्री—नदी नहर, चश्मा।
 आबजोश (انجوش) का पु—गोरवा, रसा यन्त्री, गीठ का पानी, साग वाटर, मुल मुनबरा।
 आबबदा (انبدان) का पु—एक प्रकार का हल्का।
 आबबदरजू (انبدارجو) का स्त्री—सम्पत्ति, दोलत, सता, हुकूमत।
 आबबस्त (انبست) का पु—गौच बम के पश्चात पानी लेना, इस्तिजा करना।
 आबबस्ता (انبستان) का पु—आपताब, हल्काग लण।
 आबदार (اندار) का वि—चमकदार, उज्ज्वल चालाक, पानीदार, पानी पिलानेवाला।

आवदार खान: (آبادار خانہ) फा. पुं.—यह ठंडा स्थान जहाँ पिलाने के लिए पानी के घड़े आदि रखे जाते हैं।

आवदारी (آباداری) फा. स्त्री—चमक, आभा; शोभा, छटा, रौनक।

आवदीद: (آبادید) फा. वि.—जिसकी आँखों में आँसू भरे हों, सजलनयन, रज्जाना।

आव दुखद (آب درد) फा. पु.—यह रास्ता जिसके नीचे पानी हो; एक तंग मुँह का बर्तन जिसकी तली में छेद होते हैं।

आवदोज (آبادور) फा. वि.—पानी के अंदर का रास्ता, पानी के भीतर चलनेवाला पोत आदि।

आवनाए (آبناہ) फा. पु—पृथ्वी का वह तंग भाग जो दो समुद्रों को मिलाता हो, जलटमरमध्य।

आवपाशी (آبپاشی) फा. स्त्री—भूमि और रोती की सिंचाई, सेचन, सिंचन।

आवबाज (آببار) फा. वि—तैरनेवाला, तैराक, पैराक।

आवबाजी (آببازی) फा. स्त्री—तैरना, पानी में तैरना।

आवयान: (آبپاشانہ) फा पुं—सिंचाई का महसूल, जलकर।

आवयारी (آبپاشی) फा स्त्री—सिंचाई, आवपाशी।

आवरुख (آبروخ) फा. स्त्री—दे. 'आवर'।

आवरु (آبرو) फा. स्त्री—प्रतिष्ठा, इज्जत, सतीत्व, इस्मत, कीर्ति, यश, नेकनामी।

आवरुदार (آبرودار) फा. वि—प्रतिष्ठित, समानित, वाक्कृत, सती, साध्वी, इस्मत मभाव।

आवरुदेजी (آبرودیزی) फा स्त्री—मानहानि, इज्जत उतरना, सतीत्व-हरण, इस्मतदरी।

आवल: (آبلہ) फा पु—छाला, फफोला।

आवलए फिरंग (آبلہ فرنگ) अ पु—गर्मी रोग, आतशक, उपदश।

आवशनास (آبشماش) फा. वि—माँशी, मरलाह, कर्णधार; यह जाननेवाला कि समुद्र में कहाँ कितना पानी है।

आवशार (آبشار) फा पु—झरना, निर्झर, प्रपात।

आवसाल (آبسال) फा पु—वाग, वाटिका।

आवसालाँ (آبسالان) फा पु.—दे. 'आवसाल'।

आवा (آوا) अ पु—'अव' का बहु पूर्वज, वाप दादे, पुरखे।

आवाए जल्वी (آبائے علوی) अ पु—नी आकाश; सप्तग्रह।

आवाद (آباد) फा वि—जिसमें आवादी हो, वसित, वह जमीन जो बोई-जोती जाती हो, जहाँ चहल-पहल हो, गुलजार।

(बजर) इलाके को आवाद करे; वह किसान जो किसी परती भूमि को उपजाऊ बनाये।

आवादकारी (آبادکاری) फा. स्त्री.—किसी वीरान इलाके या देग को आवाद करना, किसी बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना।

आवादान (آبادان) फा वि—दे 'आवाद'।

आवादानी (آبادانی) फा स्त्री.—दे. 'आवादी'।

आवावी (آبادی) फा स्त्री.—वस्ती, बसा हुआ इलाका; चहल-पहल, रौनक।

आवान (آبان) फा. पु.—ईरानियों का एक महीना जो अगहन में पटना है।

आवार: (آباد) फा पु.—हिसाब, हिनाव-किताब।

आवार (آباد) अ पु—जला हुआ सीमा, सीसे का भस्म।

आविद: (آباد) अ स्त्री—तपस्विनी, इवादतगुजार स्त्री।

आविद (آباد) अ. वि—तपस्वी, इवादत करनेवाला पुरुष।

आविर (آباد) अ. वि.—पथिक, बटोही, राहगीर, नदी या पुल आदि को पार करनेवाला।

आविस्त: (آبسته) फा. स्त्री.—गर्भवती, गर्विणी, हामिला।

आविस्तनी (آبستنی) फा. वि.—गर्भवती, अतर्बत्नी, हामिला, पेट से।

आवी (آبی) फा. वि.—एक मेवा, विही, जल सम्बन्धी; जल का; पानी की मोटी रोटी जो पलीथन के बिना पकती है।

आ'बुद (آببد) अ. पु. 'अब्द' का बहु., सेवकगण, दास लौग।

आवे अंगूर (آب انگور) फा पु.—अंगूर का अरक, अंगूर का शीरा, अंगूर की मदिरा।

आवे अनार (آب انار) फा पु—अनार का अरक, अनार के अरक जैसी लाल मदिरा।

आवे आतशरंग (آب آتش رنگ) फा. पु—आग के रंग का पानी, अर्थात् शराव, मदिरा।

आवे आतशी (آب آتشی) फा पु—आग जैसा पानी, अर्थात् मदिरा, शराव।

आवे कमाँ (آب کسان) फा पु—धनुष का जोर।

आवे कौसर (آب کوشر) अ फा. पु—स्वर्ग के हीज का पानी।

आवे खंजर (آب خنجر) फा. पु.—खजर की धार, छुरी की धार।

आवे खिजर (آب خضر) फा अ पु—आवेहयात, अमृतजल।

आवे खक (آب خک) फा पु—खक का पानी।

शब्द गौहर (اب گوهر) का पु—मातियाविट, जल में पानी उतरने का रोग।
 शब्द जारी (اب جاری) अ का पु—बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल।
 शब्द जाविदा (اب جاويدان) का पु—आवे ह्यात अमत।
 शब्द जुलाल (اب زلال) अ का पु—नियरा हुआ पानी ठंडा पानी।
 शब्द तरव (اب طوب) का पु—मन्त्रि, गराव।
 शब्द बका (اب بقا) अ का पु—आवे ह्यात, मन्त्रि।
 शब्द बस्त (اب بستک) का पु—शाशा, बचि जमा हुआ पानी।
 शब्द मर्वादी (اب مروادی) अ का पु—मातियाविट का रोग।
 शब्द मुजमिद (اب مضميد) अ का पु—जमा हुआ पानी बिल्लू का पियाला।
 शब्द मुद (اب مرد) का पु—ठहरा हुआ पानी जा पाना बहता न हा स्थिर जल।
 शब्द रवाँ (اب روان) का पु—बहता हुआ पानी जारा पानी एक बारीक मलमल।
 शब्द शोर (اب شور) का पु—सारा पानी काला पानी अइमान।
 शब्द सियाह (اب سیاه) का पु—गहरा पानी मातियाविट।
 शब्द ह्यात (اب حیات) का अ पु—अमलजल, सुधा।
 शब्द हराम (اب حرام) का अ पु—मदिरा गराव।
 शब्द हवाँ (اب حیوان) का अ पु—दे आब ह्यात।
 शब्द गोिल (اب گوئل) का पु—मनुष्य का दाबों।
 शब्द गोताब (اب گوتاب) का स्त्री—चमक-इमक ठाठ-घाट गानोसोनत धूमधाम।
 शब्द गोदान (اب وادان) का पु—दाना पानी अन्न-जल जीविका राजी।
 शब्द गोरीषण (اب وریष) का अ पु—घातघीत में नमक मिच, चिकना चूपडा घातें।
 शब्द गोहवा (اب وخوا) का अ स्त्री—स्वास्थ्य क दष्टिकाण स विशी स्थान का पानी और वायु जलवायु।
 शब्द गोस (اب ولس) का पु—एक प्रसिद्ध काली लकडा जा बहू भारी हाती है।
 शब्द गो (اب و) का स्त्री—दवात मसिपात्र।
 शब्द गो (عام) अ वि—सुरव्यापक हम गार सप्तसाधारण, आम लाग जा मुख्य न हा गोज।
 शब्द गो (امده) का वि—आया हुआ अगल।
 शब्द गो (آمد) का स्त्री—आगमन आम जाय, आमानी

वह विचार जो मस्तिष्क में बिना सांच आया हा।
 आमद आमद (آمد آمد) का स्त्री—विनी क जागमन की धूमधाम विनी के आने का खबर।
 आमदनी (امدنی) का स्त्री—जाय, आम कमाई उत्पत्ति पत्तवार।
 आमदोलख (امدودرخ) का पु—आमना और लखा आय-व्यय।
 आमदोरफ्त (امدورفت) का स्त्री—आना-जाना यातायात।
 आमद (امدول) अ वि—अघा नत्रहान अथ।
 आमद (امدوان) अ पु—उमूक का बहु चवाप्यौ चौ-हादयाँ जीर उचादया या गहरादया।
 आमद (امراج) का पु—निगाता लक्ष्य।
 आमदजगह (امراجگه) का स्त्री—वह स्थान जिस तात्पर उमपर निशान लगाया जाय लक्ष्यस्थान हर्फ 'स्मित मरे सिवा तुजे काई मिला नहीं—आमाजगह-जोर बनाया किया मुझे।
 आमद (اماده) का वि—तत्पर, उद्यत, तयार अनुमत, राजी।
 आमदगी (امادگی) का स्त्री—तत्परता, मुत्सदी, अनुमति रखामदी।
 आमद (امصام) अ पु—अम का बहु चचा टाग।
 आमद (امدار) अ स्त्री—उमू का बहु उन्न अवस्थाए।
 आमद (امال) अ स्त्री—अमल का बहु आगए उम्मीत।
 आमद (امعال) अ पु—अमल का बहु काम, काय-समूह कृतियाँ कम-समूह आचार-व्यवहार जप-नप विद बज्जीफा आदि।
 आमदनाम (امعال نامه) अ का पु—वह पत्र जिस पर मनुष्य क अच्छ बुरे कम लिखे जात ह वह काफ़र जिसमें सरकारी नौकरा की कारगुआरियाँ या वर आमालियाँ लिखी जाती ह।
 आमद (اماس) का पु—सूजन शाय।
 आमद अद (اماس وده) का वि—सूजा हुआ, गाधित।
 आमदसिद (اماسلده) का वि—सूजनेवाला।
 आमदसीद (اماسلده) का वि—सूजा हुआ।
 आमिन (امینه) अ स्त्री—निभय स्त्री निर स्त्री हबत मुहम्मद साहब की श्री माताजी का नाम।
 आमिन (امین) अ वि—निभय निडर बेछोक सुरगिन, महफूज।
 आमियात (عامیانه) अ का वि—आम गंगा जहा बाजारिया जगा, अलील अगाट नाशाइस्ता।

आमिरः (عامر) अ. पु.—भरा हुआ, परिपूर्ण, आवाद करनेवाला, बसानेवाला ।
 आमिर (عامر) अ वि.—बसानेवाला, आवाद करनेवाला, आवाद, बसा हुआ, भरा हुआ, परिपूर्ण ।
 आमिर (أمير) अ वि.—हुकूम करनेवाला, शासक, हाकिम, डिक्टेटर, अधिनायक ।
 आमिरीयत (أميريت) अ स्त्री—शासन, हुकूमत, शस्त्री हुकूमत, डिक्टेटरी, अधिनायकता ।
 आमिलः (عامله) अ स्त्री—काम करनेवाली स्त्री, कार्य-कारिणी, विषय निर्धारिणी, मजिल्लसे आमिला ।
 आमिल (عامل) अ वि.—शासक, हुकूमराँ, पदाधिकारी, हाकिम, जो मिस्मिरेजम आदि का अमल करता हो, जो भूतप्रेत या जिन और परी उतारता हो ।
 आमिल (أمل) अ. वि.—इच्छुक, स्वाहिशमद, आशा करनेवाला, उम्मेदवार ।
 आमी (عامي) अ वि.—सामान्य व्यक्ति, साधारण जन, वाजारी आदमी, लोफर, नीच ।
 आमीन (أمين) अ अव्य.—एवमस्तु, तथास्तु ।
 आमुस्तः (أمسته) फा पु—दे 'आमोस्त', यह भी शुद्ध है ।
 आमूर्जगार (أمورجگار) फा वि—वर्षानेवाला, मोक्ष देनेवाला अर्थात् ईश्वर ।
 आमूर्जदः (أمورجد) फा वि—मोक्ष देनेवाला, वर्षानेवाला ।
 आमूर्जिश (أمورجش) फा स्त्री—मोक्ष, कल्याण, नजात, वस्त्रिश ।
 आमूर्जदः (أمورجد) फा. वि—मोक्षप्राप्त, वर्षा हुआ, नजात पाया हुआ ।
 आमूर्जदनी (أمورجدنی) फा वि—मोक्ष प्राप्त होने के योग्य, नजात पाने के काविल ।
 आमूलः (أمله) अ पु—आँवला, एक फल, आमलक ।
 आमूल (أمل) फा. पु—'माजिदरान' का एक नगर ।
 आमूदः (أمود) फा. वि—भरा हुआ, पूर्ण ।
 आमूदनी (أمودنی) फा वि.—भरने योग्य ।
 आमून (أمون) फा पु—ईरान और तूरान के बीच की एक नदी ।
 आमैतः (أميخته) फा वि.—मिला हुआ, मिलाया हुआ, कृत्रिम, मिलावट किया हुआ ।
 आमैतनी (أميختهنی) फा वि.—मिलाने योग्य; मिलने योग्य ।
 आमैग (أميغ) फा प्रत्य—दे 'आमेज' ।
 आमैज (أمير) फा. प्रत्य—मिलनेवाला, मिलानेवाला,

जैसे, 'रग आमेज'—रग मिलानेवाला ।
 आमैजगार (أميرگار) फा वि—सुशील, खुश अखलाक ।
 आमैजदः (أميرجد) फा वि—मिलनेवाला, मिलानेवाला ।
 आमैजिश (أميرش) फा स्त्री—मिलावट, उपाधि, मिलौनी ।
 आमैजदीदः (أميرجدید) फा वि—मिलानेवाला ।
 आमोस्तः (أموخته) फा पु—पढे हुए पाठ को फिर से पढना, उद्धरण; (वि.) पठित, पढा हुआ, सीखा हुआ ।
 आमोस्तनी (أموختهنی) फा वि—सीखने योग्य, सिखाने योग्य, पढने योग्य, पढाने योग्य ।
 आमोस्तगार (أمورجگار) फा वि—गिक्षक, सिखानेवाला; शिक्षार्थी, सीखनेवाला ।
 आमोस्तदः (أمورجد) फा स्त्री—सिखानेवाला, सीखनेवाला ।
 आमोस्तिश (أمورجش) फा स्त्री—शिक्षण, सिखाई, सीख ।
 आमोस्तदीदः (أمورجدید) फा वि—सीखा हुआ, सिखाया हुआ ।
 आमोस्तदीनी (أمورجدنی) फा वि—सीखने योग्य, सिखाने योग्य ।
 आमूमः (عامه) अ वि—सार्वजनिक, अवामी, सब जनता की, जैसे 'राए आमूम' अर्थात् सारी जनता का मत ।
 आमूमतुवास (عامته الداس) अ पु—सर्वसाधारण, जनसाधारण, आम जनता, अवाम ।
 आमूमतुलखलाइक (عامته الصلاحي) अ पु—सर्वसाधारण, अवाम, आम जनता ।
 आयंदः (آیدند) फा वि—आनेवाला, आगामी, भविष्य, मुस्तविबल, आगे चलकर, भविष्य मे ।
 आयंदगानो रविंदगाँ (آیدندگان و رویندگان) फा पु—आनेजानेवाले लोग ।
 आयत (آیت) अ स्त्री—चिह्न, निशान, कुरान का एक वाक्य, उस वाक्य के अत पर बना हुआ गोल चिह्न ।
 आयत (اعیط) अ वि—लची गर्दनवाला ।
 आयद (آید) अ वि—दे 'आइद', 'आयद' अशुद्ध है ।
 आयन (آین) अ वि—बड़ी-बड़ी आँखों वाला ।
 आया (آیا) फा अव्य—एक प्रश्नवाचक शब्द, क्या, किम्, जैसे 'आया आप वहाँ जायेंगे', क्या आप वहाँ जायेंगे ।
 आयात (آیات) अ स्त्री—'आयत' का बहु, कुरान की आयते ।
 आयान (آیان) फा पु—आनेवाला, आगमनकर्ता ।
 आमान (اعیان) अ पु—'ऐन' का बहु, बड़े-बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन, महान् व्यक्ति ।
 आयानी (آیانی) फा. स्त्री—'शिष्टता, सभ्यता, सुशीलता, गाइस्तगी; सुदरता, उत्तमता, अच्छाई ।

आधाना (إمداني) अ वि-संग एक म-वार का।
 आधुन (إधني) अ स्वा-ऐन का बहु उर्त।
 आर (أراد) अ पु-उज्वा, लाज शरत, धा, नकल
 फिन दान ऐव।
 आरब (أرح) अ वि-संग, पु।
 आरदन (أرادني) अ स्त्री-मुड़ समर लजई बा।
 आरण (أرض) अ पु-ईयान का एक पहलवान जा
 धनुविद्या में अन्त नियुत था।
 आरा (أرا) अ पु-संग-संगारनेवाला सजानेवाला जैसे 'जहा
 ल-प'—संगार का सजाने या संगारनेवाला जयवा वाला।
 आरा (أرا) अ स्त्री-पार का बहु उर्त मज।
 आराद (أرادني) अ वि-संगारनेवाला सजानेवाला।
 आरादन (أرض) अ स्त्री-संगारत सुजुज्वा।
 आराद (أرادني) अ पु-ह-ईयानी महाने का पहलवान
 रापउ।
 आराक (أراك) अ पु-स्वा और नरक के बीच का
 स्थान।
 आराब (أراب) अ पु-अरब लोग जो जल में डूबर
 उधर धूम-फिरकर जीवन व्यतीत कर रहे बन्दू ला।
 (पहल बन्दू बन्दन है परतु इतना एव-चन नहीं है।)
 आराबा (أرابي) अ पु-अरब जाति का व्यक्ति बन्दू।
 आराम (أرام) अ पु-राम का बहु हिरना क बन्दे।
 आराम (أرام) अ पु-मुज बन ऐय आन ह
 सुगा सुनता जासना।
 आरामकुसी (أرامكسي) अ स्त्री-बडा कुर्सी जिस पर
 छट छत्र है मुजबरी।
 आरामबाह (أراموا) अ वि-मुज बहनेवाला, काम
 घास अ चुरानेवाला।
 आरामगह (أرامگاه) अ स्त्री-ठहरने और आराम करने
 का स्थान, विश्रामालय धननागर, सान का स्थान
 स्वागह।
 आरामगल्ब (أرامگلب) अ वि-आराम चाहने
 यांग मुजुब्द आल्सा, बाहि।
 आरामगल्बी (أرامگلبی) अ स्त्री-मुज की चाह
 बाहिनी जालद पडे-ये-खाना और काम स जी चुपना।
 आरामनेह (أرامنه) अ वि-मुज दनवाला आराम पहुँ
 चानेवाला मुग-जी आराम पहुँचानेवाला वस्तु या काम।
 आरामनवर (أرامنवर) अ वि-आरामनवर।
 आरामनस्ता (أرامنستا) अ वि-आरामनह।
 आरामिन (أرامين) अ वि-आराम करवाना।
 आरामिन (أرامين) अ स्त्री-मुज, चैन, उहट।

आरामनार (أرامنار) अ वि-आराम किया हुआ विरने
 आराम किया हो।
 आरामेजा (أرامنار) अ पु-आ-का सुन प्रेमिका पुत्र।
 आराण (أراش) अ पु-बय का बहु, बहु स अण।
 आरास (أراس) अ पु-उस मा 'उस' का बहु बहु स
 उर।
 आरास्त (أراسته) अ वि-मुस्तजिबल, सजा हुआ (धर
 चाँ) शूगरिठ आभूषित चेंबर आदि स सजी ह
 (स्त्री)।
 आरास्त म (أراسته م) अ वि-बाल सेंबारे हुए, घोडा
 आदि गुये हुए।
 आरास्तगी (أراستگي) अ स्त्री-धर आँ का सजाउट
 स्वा आदि का शूगरिठ 'म तराँ।
 आरिब (أراب) अ पु-रा-वामारी ब्यावि आनप
 व्यन लउ।
 आरिब (أراب) अ पु-कपाल, गल, उज्जार बायक
 स्कान्ट डानेवाला।
 आरिज (أراج) अ वि-उपर को आर जानेवाला।
 आरिबी (أرابی) अ वि-अस्थापी, उर मुस्तजिबल,
 धाँक थाड दर बा।
 आरिख (أراخ) अ स्त्री-आरिख स्त्री, ब्रह्मना
 पहचाननेवाले।
 आरिख (أراخ) अ वि-आता जाननेवाला, परिचय
 वाकिक ब्रह्मनामा हक आगाह, सूझी।
 आरिख बिन्ताह (أراخه) अ वि-ई-वर का पहचान
 वाला ब्रह्मज्ञानी सुगा रसा, श्रुति मुनि बली।
 आरिफान (أرافان) अ वि-आरिफा जसा, सूझिमा
 जसा ब्रह्मानिना जसा श्रुतिया जसा।
 आरिफन (أرافن) अ स्त्री-जस्यामित्व नापाइगरी
 विज्ञा वस्तु का मागा हुआ हाना।
 आरिफन (أرافن) अ वि-पौडी दर क लिए माँगा हुआ।
 आरिफनी (أرافنی) अ वि-अस्थापी अन्पकारिफ,
 आरिबी मागी हुई वस्तु।
 आरी (أراي) अ वि-नग नन, वचिन मरूम द
 का एक प्रकार जो साया-साग हाता है और विरने
 अन्कार आदि कुछ नहीं हाते राजमरा को नस।
 आरे (أراي) अ स्त्री-हँ पी ही।
 आरोग (أراغ) अ स्त्री-उरार, उगार धूम।
 आरोगि (أراغی) अ वि-उधर लनेवांग।
 आरोग्यतुला (أراغی) अ स्त्री-सुडी उरार, अन्ती
 दगर, अम्बिका।

आजू (آزوی) फा. स्त्री—इच्छा, खाहिश, उत्कंठा, इरित-याक; आश्रय, सहारा; मनोकामना, दिली मुराद; आशा, उम्मीद।

आजूए खान (آزوی و خانم) फा. स्त्री—वह इच्छा जो पूरी न हो सके।

आजूए मुर्दः (آزوی و مرد) फा. स्त्री—मरी हुई आस, बुझी हुई आस, मृतेच्छा।

आजूए मुलाकात (آزوی و ملاقات) फा. अ. स्त्री.—मिलने की इच्छा; प्रेमिका से मिलन की इच्छा।

आजूए वस्ल (آزوی و وصل) फा. अ. स्त्री.—प्रेमिका से प्रेमी के मिलने की इच्छा।

आजूगाह (آزوی گاه) फा. स्त्री—वह स्थान जहाँ से कोई मनोकामना सिद्ध होने की आशा हो।

आजूमंद (آزوی مند) फा. वि—इच्छुक, अभिलाषी, स्वाहिशमद।

आजूमंदी (آزوی مندی) फा. स्त्री—इच्छा, अभिलाषा।

आद (آد) फा. पु—आटा, पिसा हुआ अन्न, चून।

आवी (آوی) फा. पु—शपताल, एक फल।

आलंग (آلنگ) तु. पु—चरागाह, हरियाली का मैदान, सव्जाजार।

आलः (آل) अ. पु—उपकरण, औजार।

आल (آل) अ. स्त्री—सतान, औलाद, बाल-बच्चे, वंशज, कुलवाले।

आल (آل) तु. वि—लाल, सुर्ख, रक्त।

आलएकार (آلکار) अ. फा. पु—काम करने का यंत्र, वह व्यक्ति जो किसी कार्य-सिद्धि में माध्यम हो, वह व्यक्ति जिससे हर काम लिया जा सके।

आलए कुशावर्जी (آلگه کشاوری) अ. फा. पु.—खेती के औजार।

आलए तनासुल (آلگه تذاصل) अ. पु.—शिश, लिंग।

आलए नक्वजनी (آلگه نقب زنی) अ. फा. पु—चोरो का सेव लगाने का यंत्र, सावर, सवरी।

आलए मोहलिक (آلگه مهلیک) अ. पु—वह हथियार जिससे हत्या हो सके, प्राणघातक शस्त्र।

आलए हर्व (آلگه حرب) अ. पु—लड़ाई का हथियार, युद्धास्त्र।

आलची (آلچی) तु. पु—लेनेवाला, वसूल करनेवाला।

आलत (آلت) अ. पु—शिश, लिंग।

आल तम्गा (آل تسغا) तु. पु—किसी को पुश्त दर पुश्त के लिए कोई जागीर दे देना।

आलन (آلن) अ. वि.—बहुत अधिक स्पष्ट।

आ'लम (آلیم) अ. वि.—बहुत अधिक जाननेवाला, सबसे अधिक जाननेवाला।

आलम (آلیم) अ. पु—जगत्, ससार, दुनिया, दशा, हालत।

आलम (آلم) अ. वि—बहुत अधिक कष्ट देनेवाला।

आलम अफ़ोज़ (آلیم افروز) अ. फा. वि—ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम आरा (آلیم آرا) अ. फा. वि.—ससार को सुसज्जित और शृगारित करनेवाला।

आलम आराई (آلیم آرائی) अ. फा. स्त्री—ससार की सजावट और शृगार।

आलम आश्कार (آلیم آشکار) अ. फा. वि—विश्व-विदित, ससार भर में जाहिर।

आलम आश्कारा (آلیم آشکارا) अ. फा. वि—दे. 'आलम आश्कार'।

आलम आश्ना (آلیم آشنا) अ. फा. वि—सारे ससार से परिचित, सब का मित्र; जिससे सारा ससार परिचित हो, सर्वप्रिय।

आलम आश्नाई (آلیم آشنائی) अ. फा. स्त्री—सारे ससार का परिचित होना, सारे संसार से परिचित होना।

आलमगीर (آلیم گیر) अ. फा. वि—विश्वव्यापी, ससार में फैला हुआ; विश्वविजयी, ससार को जीतनेवाला।

आलमताव (آلیم تاب) अ. फा. वि.—सारे ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम फरेव (آلیم فریب) अ. फा. वि.—विश्वमोहन, सारे ससार को मुग्ध करनेवाला।

आलमी (آلیمی) अ. वि—सासारिक, दुनियावी, ससार का निवासी, पूर्ण संसार का।

आलमे अज्जसाम (آلیم احسام) अ. पु—मर्त्यलोक, भूलोक, दुनिया।

आलमे अर्वाह (آلیم ارواح) अ. पु—आत्माओं के रहने का लोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे अलवी (آلیم علیوی) अ. पु—परलोक, स्वर्ग।

आलमे अस्वाव (آلیم اسداب) अ. पु—जहाँ हर कार्य के लिए कोई कारण अवश्य हो, जगत्, दुनिया।

आलमे आव (آلیم آب) अ. फा. पु—वह स्थान जहाँ पानी ही पानी हो, मद्यपान की अवस्था।

आलमे कुदुस (آلیم قدس) अ. पु—स्वर्ग, सुरलोक।

आलमे कौनोफसाद (آلیم کون و فساد) अ. पु—वह जगत् जहाँ चीजें पैदा होती और मिटती रहे, अर्थात् ससार।

आलमे खयाल (آلیم خیال) अ. पु—कल्पना-जगत्, ऐसी दुनिया जिसे केवल तसव्वुर ने बनाया हो।

आलमे लाक (عالم حاک) अ फा पु-भूलो मत्यलाक दुनिया ।

आलमे खवाव (عالم خواب) अ फा पु-स्वप्न-जगत वह स्थान जहा मनुष्य स्वप्न में पहुँच जाता है स्वप्न की अवस्था नीर की हालत ।

आलमे गब (عالم غیب) अ फा पु-परोप लाक वह जगत जो हम दिखाई नहीं पटता, अदृश्य जगत ।

आलमे जबरत (عالم حذوب) अ फा पु-ब्रह्मलोक आलम कुत्स वह लोक जहा ईश्वर ही ईश्वर माना है ।

अ लमे जावेद (عالم حاوید) अ फा पु-मित्यलाक जहाँ हृमेश रहना पड़े स्वग ।

आलमे जाहिर (عالم طاهر) अ फा पु-वह जगत जो दृष्टिगत रहना है ससार दुनिया ।

आलमे तसबुर (عالم تصور) अ फा पु-वह ससार जहा पेमी अपनी प्रमिका के ध्यान म पहुँच जाता है ।

आलमे तस्वीर (عالم تصویب) अ फा पु-स्त-घटा आर निश्चयता की अवस्था ।

आलमे नासूत (عالم ناسوت) अ फा पु-मत्यलोक मनुष्य लाक इहलाक दुनिया ।

आलमे फना (عالم فنا) अ फा पु-आलम फानी ।

आलमे फानी (عالم فانی) अ फा पु-नस्वर जगत वह लोक जिस नाम माना है अर्थात दुनिया ।

आलमे बका (عالم بکا) अ फा पु-वह लोक जिसना कभी नाश नहीं होता देवलाक परलाक स्वग ।

आलमे बखल (عالم بروج) अ फा पु-वह लाक जो स्वग जीर नरक क बीच म है ।

आलमे बाकी (عالم باکی) अ फा पु-दे जालम ववा ।

आलमे बाला (عالم بالا) अ फा पु-परलाक, देवलाक आवाग आस्थान समताक अराम ।

आलमे मलकूत (عالم ملکوت) अ फा पु-देवलाक जहा बंवल किरिस्त रहन ह ।

आलमे माना (عالم معانی) अ फा पु-वह अवस्था जिगवा अनुभव न किया जा सवे ।

आलमे मिताल (عالم مدال) अ फा पु-वह जगत जा परलाक क जतयन है जीर जिमम ससार का हर वस्तु ज्या की त्या मोजू है ।

आलमे रोया (عالم رویا) अ फा पु-आलम स्वान ।

आलमे सातूत (عالم ساروت) अ फा पु-ब्रह्मलोक जहाँ ईश्वर क मिका जीर कुछ नहीं माना ।

आलमे लोहो इलम (عالم لوح و علم) अ फा पु-अन वह लाक जहाँ ईश्वर का गिहासन है ।

आलमे वजद (عالم وجود) अ फा पु-जीवनावस्था अस्तित्व ।

आलमे गहद (عالم سهود) अ फा पु-वह जगत जिसमें हम मन कुछ दब सक, मत्यलाक, दुनिया ।

आलमे सिपली (عالم سمایی) अ फा पु-तुच्छ जगत, अधम लोक अर्थात ससार दुनिया ।

आलमे सुया (عالم صعوی) अ फा पु-मनुष्य का शरीर जिसमें सूक्ष्म रूप म वह सब कुछ है जो ससार म है ।

आलमे ह्यूलानी (عالم هویانی) अ फा पु-जगत ससार मत्यलोक दुनिया ।

आ ला (عالمی) अ बि-सबम अच्छा, सबधोठ उत्तम श्रेष्ठ, बढ़िया ।

आलाइग (الارض) फा स्वा-पेट क अदर का मल, पाप गुनाह ।

आलाईद (الامعة) फा बि-लथडा हुआ, सना हुआ ।

आलात (الاب) अ फा पु-आल का बहु औजार, उपकरण हथियार अस्त्र शस्त्र ।

आलाते जग (الاب حاکم) अ फा पु-लडाइ के हथियार, युद्धास्त्र आयुध ।

आलाते हब (الاب حوب) अ फा पु-दे जालति जग ।

आलाफ (الاب) अ फा पु-अल्प का बहु हड्डारा ।

आलाफ (اعلاف) अ फा पु-जल्प का बहु हरी घास ।

आलाम (الام) अ फा पु-अलम का बहु कष्ट-समूह हर प्रकार के दुख आपत्तियाँ मुभीवतें ।

आलाम (اعلام) अ फा पु-अलम का बहु सगारें नामावाली ।

आलामे रोडगार (الام درگزار) अ फा पु-सासारिक कष्ट दुनिया की आपत्तिया ।

आलिफ (الف) अ बि-स्नह करनेवाला ।

आलिमा (عالمه) अ स्त्री-विद्वान स्त्री विन्पी ।

जालिम (عالم) अ बि-विद्वान पंडित, कायिद नादा, जाननेवाला ।

आलिम (الم) अ बि-कष्ट देनेवाला दुसदायी ।

आलिमान (عالمه) अ फा बि-विद्वाना जसा जालिमा की तरह ।

आलिमुलशव (عالم العیب) अ बि-असर्थायी पराणवता, गव की बात जाननवाला ।

आलिमे कुल (عالم کل) अ बि-सब कुछ जाननवाला, सबन सबविद ।

आलिमे सब (عالم غیب) अ बि-दे जालिमुल गव ।

आलिमे बाअमल (عالم باعمل) अ फा पु-ऐसा विद्वान जिमका आचार व्यवहार विद्वाना जसा ह । उसने जो कुछ पढ़ा हो उसी क अनुसार उसका आचरण भी हो ।

आलिमे वे अमल (عالم بے عمل) अ फा पु—ऐसा विद्वान् जिसका आचरण विद्वानो से विरुद्ध हो, उसका आचरण पढे हुए से प्रतिकूल हो।
 आली (عالی) अ वि.—उच्च, बलद, श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया, विशाल, बडा; महान्, अजीम।
 आलीक़द्र (عالی قدر) अ वि—बहुत बडे मर्तवेवाला, महा-महिम।
 आली खानदान (عالی خاندان) अ फा वि—बहुत ऊँचे वशवाला, उच्चकुल, कुलीनतम।
 आली गुहर (عالی گهر) अ फा वि—दे. 'आली खानदान'।
 आली जनाव (عالی جناب) अ. फा वि—अत्रभवान् !, जनावे आली !, महामान्य, आलीजाह।
 आली जर्फ (عالی طرف) अ वि—बडे दिलवाला, जो प्रत्येक की दुरी-भली वाते सुनकर सहन करे, उच्चाशय, विशाल-हृदय, उदारमना।
 आलीजाह (عالی جاه) अ वि—बहुत बडे रत्नेवाला, महामान्य, बडे आदमियों का मवोधन-वाक्य।
 आलीतवार (عالی تدار) अ फा वि—दे 'आली खानदान'।
 आली दिमाग (عالی دماغ) अ. वि—बड़ी सूझ-बूझवाला, महाप्रज्ञ, उच्चबुद्धि, उदारधी।
 आलीनज़र (عالی نظر) अ वि—उच्चदृष्टि, बलद नज़र, उदाराशय, फराख़ दिल।
 आली नसब (عالی نسب) अ वि—दे. 'आली खानदान'।
 आली मकाम (عالی مقام) अ. वि.—द्वे आलीक़द्र।
 आली मनिश (عالی منش) अ फा वि—दे 'आली जर्फ'।
 आली मर्तवत (عالی مرتبت) अ वि—दे 'आलीक़द्र'।
 आली चक्रार (عالی وقار) अ वि—दे 'आली मर्तवत'।
 आलीशान (عالی شان) अ वि—महान्, भव्य, अजीमु-श्शान, बहुत बडे मर्तवेवाला, महामान्य।
 आली हिम्मत (عالی همت) अ वि—बडे हौसलेवाला, दिलावर, उच्चोत्साही, महासाहमी।
 आलीहौसल: (عالی حوصله) अ वि—दे 'आली हिम्मत'।
 आलुपत (العتة) फा वि—निरकुश, स्वच्छद, वेवाक।
 आलू (ألُو) फा पु—आलूबुखारा।
 आलूच: (ألُوچة) फा पु—एक मीठा मेवा।
 आलूद: (ألُوذة) फा वि—लिप्त, सना हुआ।
 आलूद: दामन (ألُوذة دامن) फा वि—अपराधी, दोषी, जिसका किसी जुर्म मे हाथ हो।
 आलूद (ألُوذ) फा वि—दे 'आलूद'।
 आलूदए इस्या (ألُوذة عصيان) फा अ वि—पाप से भरा हुआ, पापमय।

आलूदए मा'सियत (ألُوذة معصيت) फा. अ वि—दे. 'आलूदए इस्या'।
 आलूदगी (ألُوذگی) फा. स्त्री—अपवित्रता, नापाकी, किमी जुर्म मे शुमूलियत, पापलिप्तता, अपराध।
 आलू बुखारा (ألُوْبُخارا) फा. पु—एक मशहूर मेवा, आलूक।
 आले अवा (أل عدا) अ पु—हज़त फातिमा, हज़त अली और इमाम हसन और हुसैन।
 आवंग (آوینگ) फा पु—अलगनी।
 आवंद (آویند) फा पु.—वरतन, जर्फ।
 आव (آو) फा पु—पानी, आव।
 आवख (آوِخ) फा अब्य.—आह, हाय, उफ, वाह, खूब, अजीब, अद्भुत।
 आवज (آوِج) अ वि.—टैला, वक्र।
 आवर (آوِرو) अ वि—सौतेला भाई, काना, एक चद्रम, एक अंत का नाम, कौआ, काक।
 आवरिद: (آوِردة) फा वि.—लानेवाला, आक्रमण करने-वाला, हम्लाआवर।
 आवद: (آوِده) फा वि—लाया हुआ, (प्र.) किसी का खाम व्यक्ति, किसी का सिफारिशी, किसी का दलाल; एजेट।
 आवद (آوِرد) फा स्त्री—'आमद' का उलटा, वह विचार जो कविता मे सोच-साच कर लाया गया हो, मन्तिष्क मे तुरत न आया हो।
 आवदनी (آوِردنی) फा वि—लाने योग्य।
 आवा (آوا) फा स्त्री—'आवाज' का लघु, स्वर, शब्द, नाद, आवाज।
 आवाज़: (آوِاز) फा. पु—यशोध्वनि, कीर्ति की धूम, गुल्लत, नामवरी।
 आवाज़ (آوِاز) फा. स्त्री—स्वर, शब्द, नाद, ध्वनि, बोली।
 आवाज़े पा (آوِاز پيا) फा स्त्री—पाँव की आहट, पगध्वनि।
 आवाज़े वाज़गश्त (آوِاز وازگشت) फा स्त्री—प्रतिध्वनि, प्रतिगवद, प्रतिवाद, टकराकर लौटी हुई आवाज।
 आवान (آوِان) अ पु—'आन' का बहु बहुत से काल।
 आ'वान (آوِوان) अ पु—'औन' का बहु सहायकगण, मदद करनेवाले।
 आवार: (آوِار) फा वि—वदचलन, कदाचारी, दुश्चरित्र, बेकार धूमनेवाला, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला, जिसका किसी एक स्थान पर ठिकाना न हो, सचारजीवी।
 आवार: गर्द (آوِار گِرد) फा वि—व्यर्थ मे इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमणशील।

आवार गर्दी (آوارہ گردی) का स्त्री-व्यय में इधर-उधर घूमना।

आवार मन्दि (آوارہ منشی) का वि-वचन, मुसार्गी, व्यय भ्रमण करनेवाला आवारा गद।

आवार मिजाज (آوارہ مزاج) का ज वि-दे 'आवार मन्दि' दुःखप्रवृत्ति, दुःखशील।

आवार मिजाजी (आوارہ مزاجی) का स्त्री-बदचलनी, व्यय भ्रमण, आवारागर्दी।

आवार बतन (آوارہ باتن) का अ वि-जो अपना घर-घार छोड़कर परदेश में मारा फिर रहा हो, प्रवासी, परदेशी।

आवारगी (आوارگی) का स्त्री-बेकार इधर-उधर फिरना दुःखी आचार बदचलनी।

आविन (آوین) अ पु-अवान का बहु, समय और काल। आवेकत (आवेکت) का वि-रटका हुआ रटकाया हुआ।

आवेकतनी (आवेکتنی) का वि-रटकने या रटवाने या रटवाने का दुहा (आवेद) का पु-कान का दुहा लोख रटवन।

आवेज (आवेज) का प्रत्य-रटवन या रटवानेवाला जैसे लिखावेज दिख को रटवानेवाला अर्थात् सुन्दर।

आवेजए गोण (आवेजे गुण) का पु-कान का रटवन दुहा लालक।

आवेजद (आवेजेद) का वि-लिपनेवाला, रटकनेवाला लिपटानवाला, रटकानेवाला।

आवेजिन (आवेजेन) का स्त्री-लग डट, चला-ऊपरी गुन्धमत्वा हायापाई युद्ध लडाई।

आश (आश) का पु-बहपलला साथ पदाय जा पिया जा सवे पय।

आशपुज (आशपुज) का वि-रसोइया वायची। आशा (आशा) अ वि-रतीनी का रोगी, राशय गवकार।

आशाम (आशाम) का पु-चाव की पीच भोजन खराब खीर (प्रत्य) पीनेवाला जैसे मय आशाम नराव पानवाला मद्यप।

आशामिद (आशामिद) का वि-पानवाला। आशामीर (आशामिद) का वि-पिया हुना, जो पिया गया हो।

आशामीरनी (आशामिदनी) का वि-पीन या मय पय। आशिन (आशिन) अ वि-प्रमी अनुरागी, मुहिव व्यमनी स्त्री।

आशिन मिजाज (आशिन मिजाज) अ वि-जिसके स्वभाव में प्रेम अधिक हो, और जो हर सुंदर व्यक्ति से प्रेम करने के लिए तत्पर रहता हो प्रेमप्रवण।

आशिनान (आशिनान) अ का वि-प्रेमिया जसा, प्रेम

पूण, प्रेम के भावों से भरा हुआ।

आशिकी (आशिकी) अ स्त्री-प्रेम, अनुराग स्नेह, चाहत, इश्क।

आशिर (आशिर) अ वि-दसवीं, दसवीं भाग।

आशुप्त (आशुप्त) का वि-अस्त-व्यस्त तितर तितर आतुर व्याकुल परीसान।

आशुप्त खयाल (आशुप्त खयाल) का अ वि-जिमने विचार अस्त-व्यस्त हो, व्यस्तविचारवान प्रेमी, आशिक।

आशुप्त खातिर (आशुप्त खातिर) का अ वि-जिसका मन एकाग्र न हो उद्विग्नचित्त, जिसका दिल परेशान हो, प्रेमी।

आशुप्त तबअ (आशुप्त तबअ) का अ वि-दे 'आशुप्त खातिर'।

आशुप्त नवा (आशुप्त नवा) का वि-व्यय की भगवान करनेवाला, अनय भापी, प्रेमी।

आशुप्त धर्या (आशुप्त धर्या) का अ वि-दे 'आशुप्त नवा'।

आशुप्त मिजाज (आशुप्त मिजाज) का अ वि-जिसका दिल परेशान हो, उद्विग्नचित्त जिसका मन एकाग्र न हो, प्रेमी।

आशुप्त मू (आशुप्त मू) का वि-बाल बिलेरे हुए, सोव प्रस्त रजीदा, प्रमा।

आशुप्त रोखगार (आशुप्त रोखगार) का वि-समय जिसके प्रतिकूल हो दुखी, कालचक्र-प्रस्त।

आशुप्त सर (आशुप्त सर) का वि-जिसका सिर फिर गया हो विभिन्न, पागल प्रेमी।

आशुप्त हाल (आशुप्त हाल) का वि-कालचक्र-प्रस्त, हट भाग्य मुसाबत में फसा हुआ प्रेमी।

आशुप्तगा (आशुप्तगा) का स्त्री-उद्विग्नता, व्यग्रता, परेशानी बोललाह, बदहवासी।

आशुर (आशुर) अ पु-दे आशुरा। आशुरा (आशुरा) अ पु-मुहरम की दसवीं तारीख।

आगोब (आगोब) का पु-हलचल, उथल-धुथल उपग्रह चलवा, विप्लव, इन्जिलाव।

आगोब कद (आगोब कद) का पु-दे आगोब गाह। आगोबगाह (आगोबगाह) का स्त्री-हलचल और शग्ये फसाद का स्थान, अथवा ससार।

आगोबिद (आगोबिद) का वि-परेशान हालवाग, माहिर होनेवाला।

आगोबीद (आगोबीद) का वि-उद्विग्न व्याकुल परेशान मूय आयुक्त, प्ररेयत।

आशोबे आगही (آشوب آگهی) फा. पु.—माया-जाल, मोह-वधन, संसार के झगड़े ।
 आशोबे चश्म (آشوب چشم) फा पुं—आँखे दुखने का रोग, नेत्राभिष्यंद ।
 आशोबेदह्ल (آشوب دهر) फा. अ पुं.—सांसारिक उथल-पुथल, इन्किलावात ज़माना ।
 आशोबे रोजंगार (آشوب روزگار) फा. पु—दे. 'आशोबे दह्ल' भाग्यचक्र की उथल-पुथल ।
 आशोरदः (آشورده) फा वि—गूँवा हुआ, मिलाया हुआ, खमीर किया हुआ ।
 आस्कार (آشکار) फा. वि—दे 'आश्कारा' ।
 आश्कारा (آشکارا) फा वि—व्यक्त, प्रकट, जाहिर, स्पष्ट; साफ ।
 आश्ती (آشتی) फा स्त्री—मित्रता, दोस्ती, शांति, सुकून, सधि, सुलह ।
 आश्तीकोश (آشتی کوس) फा वि.—मित्रता के लिए कोशिश करनेवाला, शान्ति के लिए यत्नवान् ।
 आश्ती खू (آشتی خو) फा वि—जो स्वभावतः मित्रता और शांति चाहता हो, शांतप्रकृति ।
 आश्ती पसंद (آشتی پسند) फा. वि—जिसे शांति पसंद हो, जो अमन चाहता हो, जो मित्रता और सधि पसंद करता हो, शांतिप्रिय, सधिप्रेमी ।
 आश्ना (آشنا) फा पु—मित्र, सुहृद्, दोस्त, जार, उपपति, यार, परिचित, जानकार, वाकिफ ।
 आश्नाई (آشنائی) फा स्त्री—मैत्री, दोस्ती, नाजाइज सम्बन्ध, जारत्व ।
 आश्ना फरोशी (آشنا فروشی) फा स्त्री—मित्र की उसके मुँह पर प्रशंसा करना ।
 आश्ना रू (آشنا رو) फा. वि—जो सूरत पहचानता हो, सूरत आश्ना, मुखचर्या-निरीक्षक ।
 आश्ना सूरत (آشنا صورت) फा अ वि.—जिसकी शकल पहचानी हुई हो, जिसे पहले देखा हो, पर उससे परिचय न हो, परिचित-मुख ।
 आश्नाह (آشناه) फा स्त्री—तैरना, पैरना, पैराकी, तैराकी, (वि) तैरनेवाला, तैराक, पैराक ।
 आश्माली (آشمالی) फा. स्त्री—चापलूसी, चाटुकारिता, खुशामद ।
 आश्मियाँ (آشمایان) फा पु—घोमला, नीड़, कुलाय ।
 आश्मियानः (آشمایان) फा पुं—दे 'आश्मियाँ' ।
 आस (آس) फा स्त्री—चक्की, पेपणी, ताश, गजिफ ।
 आस (آس) अ. पु—एक पेड़ जिसके फल और पत्ते दवा मे

प्रयुक्त होते हैं ।
 आस [स्त] (عاس) अ पुं.—रात में पहरा और गश्त देने-वाला ।
 आसफ (آصف) अ पु—हजरत सुलेमान का वजीर जो बहुत ही बुद्धिमान् और निपुण था ।
 आसाँ (آسان) फा वि.—'आसान' का लघु, दे. आसान ।
 आसा (آسا) फा. अव्य—समान, तुल्य, वत्, सजा के अंत में आकर अर्थ देता है, जैसे—हवाव आसा, वुलवुले के सदृश ।
 आसाइंदः (آسائنده) फा. वि—आराम पानेवाला, सुख पाने-वाला ।
 आसाइश (آسائش) फा. स्त्री—सुख, चैन, आराम, सुगमता, सुविधा, सुहलत, समृद्धि, खुशहाली ।
 आसाईदः (آسائیده) फा वि—आराम पाया हुआ, जिसे सुख मिला हो ।
 आसाईदनी (آسائیدنی) फा. वि—सुख पाने योग्य ।
 आसान (آسان) फा. वि—सुगम, सरल, सुकर, सहज, सहल ।
 आसान पसंद (آسان پسند) फा वि—जो हर काम में सुविधा चाहता हो, परिश्रम या झंझट के काम से घबरानेवाला ।
 आसानी (آسانی) फा. स्त्री—सुविधा, सुगमता, सरलता, सुकरता, सुहलत ।
 आसानी पसंद (آسانی پسند) फा वि—दे. 'आसान पसंद' ।
 आसाब (اعصاب) अ पु—'असब' का बहु, पट्टे, स्नायु-समूह ।
 आसायश (آسایش) फा स्त्री—दे 'आसाइश', वही शुद्ध है ।
 आसार (آثار) अ पु—'असर' का बहु, लक्षण, अलामते, चिह्न, निशानात, दीवाल की चौड़ाई, पुरानी इमारतो के खडहर ।
 आसारस्सनादीद (آثارالصنادید) अ. पु—पूर्वजों की निशानियाँ ।
 आसारे कदीमः (آثار قدیمه) अ पु—पुरानी काविले यादगार इमारतो के अवशेष, भग्नावशेष ।
 आसारे कियामत (آثارقیامت) अ. पु.—महाप्रलय के लक्षण, कोई बहुत ही भयानक घटना होने के लक्षण ।
 आसाल (آصال) अ पु—'असील' का बहु, सव्याएँ, शाम के वक़्त ।
 आसास (آساس) अ पु—'असस्' का बहु, नीवें, बुनियादे ।
 आसिफ (عاصف) अ पु—आँधी, झंझकड़, लक्ष्य से हटने-वाला वाण; जिस दिन तेज आंधी चले, तेज उड़ने वाला शतुरमुर्ग ।

आसिम (عاصم) अ वि-अलग रखनेवाला, बाज रखने वाला पत्नीपुत्र पाकदामन ।
 आसिम (اسم) अ वि-पापी, पातरी गुनहगार ।
 आसिम (عالم) अ वि-दर लगानेवाला विन्ध करने वाला दीघसूत्री ।
 आसिय (اسم) अ स्त्री-फिरऔन की स्त्री का नाम ।
 आसिया (اسيا) फा स्त्री-चक्की पेपणी मुन जयनुने इन्क तुने इसमें क्या मिग-मानिद आसिया के घुमाया किया मुने ।
 आसियाए आब (اسيا آب) फा स्त्री-पानी स चलने वाला चक्की पनचक्की जल्पेपणी ।
 आसियाए बाद (اسيا باد) फा स्त्री-वायु के धग से चरनेवाली चक्की पवन चक्की पवन-पपणी ।
 आसिया जन (اسيا جن) फा पु-चक्की टाकने की छेनी ।
 आसियाब (اسيا ب) फा स्त्री-पानी की चक्की जल्पेपणी ।
 आसिल (اسيل) अ वि-राहद जमा करनेवाला, राहद निवालनेवाला (पु) जार स चलाया हुआ भाग ।
 आसी (اسي) अ वि-दुखित गमगीन बहु बध या हकीम जो रास्त में दुकान लगाता है उदू के एक मुविख्यात दार्शनिक शायर ।
 आसी (عاسي) अ वि-बहुत ही बूढ़ बढ़तम ।
 आसी (عاصي) अ वि-पातरी पापी पापाचारी गुनाहगार ।
 आसीम (اسم) फा वि-स्तत्र चकित गगदर आतुर, उड्डिन व्याकुल परेगा ।
 आसूद (اسود) फा वि-धनवान समझ खुगहाल सतुष्ट मुतमदन पेट भरा हुआ अभाया हुआ ।
 आसूद छातिर (اسود خاطر) फा अ वि-जिसका मन भर गया हो परितप्त ।
 आसूद दिल (اسود دل) फा वि-जिसे पूण सतोग प्राप्त हा जिसका मन अभाया हुआ हा ।
 आसूद हाउ (اسود حال) फा अ वि-धन पाय स परिलूण ।
 आसूदनी (اسودنگي) फा स्त्री-सतोग तपित इस्मीदान समदि धन-सपन्नता खुगहाली पेट भरा होता ।
 आसूदनी (اسودنگي) फा वि-आसू होने के आविड तुल्ल हाने योग्य ।
 आसेब (اسب) फा पु-वेग-बाया मूत प्रन जिन-गरा बाई बडा अनिट उत्र (सतरा) ।
 आतोबदर (اسب د) फा वि-जिन पर जिन या मूत का उत्र हो प्रेवसाया-रत भूताविड ।

आसेबे बाद (اسب باد) फा पु-बगूला वातधन, चत्रवात, वातावत, बवडर ।
 आस्तर (استر) फा पु-गोहरे कपडे म नाने वाला कपडा अस्तर ।
 आस्तां (استان) फा पु-चौबट दहलीज डयोड़ी, विनी श्दपि का आधम या कली की गानवाह ।
 आस्तान (استانه) फा पु-जास्ता, नमीव हो न सवी दोलते प्रदमवामी-अदब स चूम के हयत का आस्तान च ।
 आस्ताने यार (استان يار) फा पु-प्रेमिका के मवान की चौबट, प्रेमिका का निवामस्थान ।
 आस्तीं (استين) फा स्त्री-जास्तीन का लघु, दे 'आस्तीन' ।
 आस्तीन (استين) फा स्त्री-जुते अंगरखे या नोट का वह भाग जो बाह्य की छिपाता है ।
 आस्मां (اسمان) फा पु-आस्मान का लघु, दे 'आस्मा' ।
 आस्मां ब्रद (اسمان بدر) फा अ वि-बहुत ऊंची पदवी वाला, बहुत अधिक प्रतिष्ठित सर्वोच्च प्रतिष्ठित उच्चासनासीन ।
 आस्माजाह (اسمان جاه) फा वि-आस्मां कद्र ।
 आस्मां रत (اسمان رس) फा वि-आवाग तक पहुंचन वाला गगनस्पर्शी ।
 आस्मां रिफ्तत (اسمان رفعت) फा अ वि-आस्मां ब्रद ।
 आस्मां गिगाफ (اسمان گاب) फा वि-आकाश की पाड नेनेवाला गगनभरी ।
 आस्मां सर (اسمان سر) फा अ वि-आवाग पर उडनेवाला गगनभरी, गगनचारी आवागगामी ।
 आस्मान (اسمانه) फा पु-छत ।
 आस्मान (اسمان) फा पु-आकाग गगन अवर, नभ, ध्याम फलक, चत्र ।
 आहग (اهنگ) फा पु-सकल्प निरुचय इरादा, गान, राग नगम नमय काल वषत ।
 आहज (اهلج) अ पु-दे आहग ।
 आह (اه) फा स्त्री-हृदय स निरुचयवाग आतना, उरवाग हाय अस्ता ।
 आहक (اهك) फा पु-चूना जला हुआ परयर ।
 आहन (اهن) फा पु-राह लोह अय गटा ।
 आहन गर (اهن گر) फा वि-लोहार, लोहार अयरार ।

आहन खा (أهن, دا) फा पुं.—चुवक पत्थर, मक्कनातीस ।
 आहनीं (أهنين) फा वि.—लोहे का; लोहे का बना हुआ,
 लोहमय; लोहे जैसा ।
 आहनीं अरम (أهنين عوم) फा अ वि.—लोहे की तरह अटूट
 निश्चयवाला, वह व्यक्ति जो अपने सकल्प पर अटल रहे ।
 आहनी जिगर (أهنين حगर) फा. वि.—लोहे जैसे कठोर
 हृदयवाला, निर्दय, दयाशून्य, सगदिल, वीर ।
 आहनी (أهنی) फा. वि.—लोहे का, लोहे का बना हुआ ।
 आहरमन (أهرمن) फा. पु.—‘अहरमन’ पार्मियों का वदी का
 सुदा ।
 आहा (أها) फा. अव्य.—वाह-वाह, साधु-साधु ।
 आहाद (أهاد) अ पु.—‘अहद’ का बहु., दवाइयाँ ।
 आहार (أهار) फा. पु.—लेई, जिससे कागज आदि चिपकाते
 हैं; खाना, भोजन ।
 आहिर: (عاهره) अ. स्त्री—व्यभिचारिणी, कुलटा, जानिय. ।
 आहिर (عاهر) अ. वि.—व्यभिचारी, विपयी, जानी ।
 आहिल (أهل) अ पु.—जहाँ किसी के बाल-बच्चे हो ।
 आहिल (عاهل) अ. स्त्री.—वे शौहरवाली स्त्री; सम्राट्,
 महाराज, शहंशाह, जिसका कोई स्वामी न हो, जो अपना
 खुद मालिक हो, खुदमुस्तार ।
 आहिस्त: (أهسته) फा वि—मंद, धीमा, शनै. शनै, धीरे-
 धीरे ।
 आहिस्त:कार (أهسته کار) फा. वि—बहुत धीरे-धीरे काम
 करनेवाला, दीर्घसूत्री ।
 आहिस्त:खिराम (أهسته خرام) फा. वि—धीरे-धीरे
 चलनेवाला, मंदगामी, मृदुलगति, शनै गामी ।
 आहिस्त:रवी (أهسته روي) फा. स्त्री—धीरे-धीरे चलना ।
 आहिस्त:रौ (أهسته روي) फा. वि—धीरे-धीरे चलनेवाला,
 मंदगति, मंदगामी ।
 आहिस्तगी (أهستگی) फा स्त्री.—मंदता, धीमापन; मृदु-
 लता, मुलायमपन, गभीरता, धैर्य, मलानत, तहम्मूल ।
 आहू (أهو) फा पु—मृग, हरिण, हिरन, छिद्र, दोप, ऐव ।
 आहू ए रम खुर्व: (أهو, رم حوربه) फा पु—भागा हुआ
 हिरन ।
 आहूगीर (أهو كير) फा. वि—हिरन पकड़नेवाला, व्याध,
 छिद्रान्चेपी, दोप पकड़नेवाला, ऐवची ।
 आहूचश्म (أهو چشم) फा वि—हिरन-जैसी आँखोवाली
 सुन्दरी, मृगनयनी, मृगाक्षी, हिरन-जैसी आँखोवाला
 मनुष्य, मृगनयन ।
 आहूनिगाह (أهو نگاه) फा. वि—दे ‘आहूचदम’ ।
 आहूपरस्ती (أهو پرستی) फा. स्त्री—हिरन पकड़ने या

मारने का शौक, मृगया-प्रेम ।
 आहू वच: (أهو بجهه) फा पुं.—हिरन का वच्चा, मृग-
 शावक ।
 आहू वर: (أهو بره) फा पुं—दे ‘आहू वच:’ ।
 आहू शिकार (أهو شكار) फा वि—हिरन का शिकार करने-
 वाला, व्याध, वहेलिया; वडी-वड़ी आँखोवाली सुन्दरी, जो
 हिरनो को मुग्ध कर ले ।
 आहेस्त: (أهينخته) फा. वि.—लटकाया हुआ, खीचा हुआ ।
 आहेस्तनी (أهينختنی) फा. वि.—लटकाने के योग्य, खीचने
 योग्य, आकर्षणीय ।
 आहेचीद: (أهينيد) फा वि.—लटकाया हुआ, खीचा हुआ ।
 आहे नीम कश (أهينيم كش) फा. स्त्री.—वह आहू जो
 वदनामी के भय से खुलकर न खीची जाय, अर्धोच्छ्वास ।
 आहे नीम शवी (أهينيم شعی) फा. स्त्री—वह आहू जो
 आधी रात को जब सब सोते हैं खीची जाय, विरह की
 रात में खीची जानेवाली आहू ।
 आहोजारी (أهو زاری) फा स्त्री—रोना-धोना, रोना-पीटना,
 विलाप ।
 आहोवुका (أهو وکا) फा. अ. स्त्री—दे ‘आहोजारी’ ।

इ

इंजाज (انجار) अ. पुं—प्रतिज्ञा पूरी करना, प्रतिज्ञापूर्ति,
 वादा वफा करना, किसी की जरूरत पूरी करना ।
 इंजाज (انصاج) अ पु—यकाना, फल को पाल आदि द्वारा
 पकाना; शरीर की दूषित धातुओं को दवाओं द्वारा पकाकर
 इस काविल करना कि वे शरीर से निकाली जा सकें, दवाओं
 द्वारा गाढ़े माद्रे को पतला और पतले को गाढा करना ।
 इंजाम (انظام) अ. पु—सजाना, सँवारना, व्यवस्थित, करना
 क्रम से लगाना, विभूषित करना ।
 इंजार (انطار) अ पु—मोहलत देना, छुट्टी देना ।
 इंजार (انزار) अ पु—डराना, त्रास देना; डरना, खौफ
 खाना ।
 इंजाल (انزال) अ पु—नीचे उतरना; नीचे उतारना;
 स्त्री-प्रसंग अथवा स्वप्न में वीर्यपात होना ।
 इंजास (انحاس) अ. पु—अपवित्र करना, गदा करना ।
 इंजाह (انصاح) अ पु—इच्छा पूरी करना, हाजतवरारी
 करना, इच्छा पूरी होना ।
 इंजाहे मराम (انصاح مرام) अ. पु—मनोकामना सिद्ध
 होना, मनोरथपूर्ति, दिली मुराद वर आना ।
 इंजिजाव (انجواب) अ पु—जबब होना, आत्मसात् होना;
 आकृष्ट होना, खिचना ।

इतिबात (إصطاط) अ पु—दृढता, मजबूती, नियमबद्धता, बाकाइदगी।
 इतिमाद (إستعداد) अ पु—जम जाना, जमकर ठास होना, बस्त होना।
 इतिमाम (إستصाम) अ पु—जूड़ना सटना युक्त होना, मिश्रित होना, मिलना।
 इतिबाघ (إستبراع) अ पु—यथाय को छांत्कर अनत (झूठ, मिथ्या) की ओर झुक्ना।
 इजिला (إستح) अ पु—चमकना, प्रकाशमान होना, घर या दग से निकलना बादल का छटना कुछ का दूर होना।
 इजिलाब (إستح) अ पु—आकृष्ट होना, खिचना।
 इडिवा (إسترو) अ पु—एवात्वासी होना, गोग नगीनी करना एवान्त, गोग ठनहाई।
 इडिहाक (إسترو) अ पु—नष्ट होना, बरबाद होना, मर जाना हलक होना।
 इजोर (إستहर) अ पु—एक प्रतिद फल अजोर। (यह उच्चारण अगूढ़ है।)
 इजोल (إستحل) अ स्त्री—ईसाइया की मुख्य धार्मिक पुस्तक बाइबिल।
 इतिजाग (إستعاض) अ पु—उपर उठना बल होना समद होना, लुगटाल होना।
 इतिजा (إستع) अ पु—चुनना, चीनना स्वाकार करना कबूल करना।
 इतिजाअ (إستع) अ पु—मुह कर लेना, पराडमुख होना।
 इतिजाअ (إستع) अ पु—प्रतिना आदि भग करना।
 इतिजाद (إستعداد) अ पु—नक लेना मुस में से अनाज के दाने अलग करना जाचना परखना आलोचना करना, तनकीद करना आलोचना तनकीद।
 इतिजाफ (إستغ) अ पु—किसी वस्तु का घणास्पद होना।
 इतिजाम (إستغ) अ पु—दुस्मगी चुकाना बरगुद्धि बदी का बन्ना लेना, प्रत्यपकार।
 इतिजामान (إستغ) अ फा वि—इतिजाम स भरा हुना इतिजाम का ध्यान रखन हुए, गनुगपूष।
 इतिजाल (إستغال) अ पु—एक स्थान स दूसरे स्थान को जाना मरना मत्यु एक से दूसरे को पहुँचना।
 इतिजाअ (إستغ) अ पु—जमान का एक के पास से दूसरे की मिलकियत में चला जाना।
 इतिजाले इतिनी (إستغ) अ पु—छयाल का एक वार से दूसरी ओर जाना कुछ साचते हुए कुछ साचने लगना।
 इतिजाग (إستغ) अ पु—सागर शाना काँटा

निवालना, माचने स वाल उखेटना।

इतिकास (إستكاس) अ पु—उलटा हाना, औना होना, उलटा औया, अयोमुख।

इतिकास (إستك) अ पु—वादा पूरा न करना, प्रतिना भग करना।

इतिकास (إستك) अ पु—कम करना कम होना।

इतिखाब (إستخاب) अ पु—बहुता में से थोडा-सा छीं लेना चुनना, चीनना चुनाव निर्वाचन, एक्कान खतियौनी के किसी कागज की बाखात्रा नत्रल।

इतिखाने जुदागान (إستخاب) अ फा प—ऐसा चुनाव जो साम्प्रगयिक आधार पर हो अर्थात् जिसमें मुसलमान मुसलमाना को हिन्दू हिन्दुजा को ईनाई ईमादयो को वोट दें, पयक निर्वाचन।

इतवावे महलूत (إستحاب) अ पु—वह चुनाव जिसमें सब मिलकर वोट दें, सयुक्त निर्वाचन।

इतिजा (إستع) अ पु—किनी का अपना भेदी बनाना।

इतिजाअ (إستع) अ पु—उलटना, अस्त-व्यस्त होना इन्किलाव होना विप्लव होना।

इतिजाए सलतनत (إستع) अ पु—राय का उयल-मुयल होना मुक्त में इन्किलाव आना रायव्रति।

इतिजाब (إستع) अ पु—प्रतिष्ठित होना, सम्मानित होना धेठ होना।

इतिजाम (إستغ) अ पु—नाम का दुस्त हाना काम का दुस्त करना प्रवष करना बदीवेस्त करना प्रवष बनेवेस्त।

इतिजार (إستجار) अ पु—राह दखना प्रतीक्षा करना आस लगाना सहारा देखना प्रतीक्षा।

इतिजाह (إستجاه) अ पु—गाय भस आनि का किनी को साग मारना।

इतिदाब (إستداب) अ पु—किसा काम के लिए बुलाना अपना प्रतिनिधि बनाना प्रतिनिधित्व नियावत।

इतिजा (إستع) अ पु—नष्ट करना नष्ट होना।

इतिजा (إستع) अ पु—आग का बुनना चिराग का गल होना।

इतिजाअ (إستع) अ पु—राभ उठाना नफा हासिल करना।

इतिजाअ (إستع) अ पु—पेट फूलना अफारहाना किटी चीज में हवा भरना आनाह आमान।

इतिजाग (إستع) अ पु—मवशिया को रात में चरगाई में छाड देना बिना रखवाये के।

इतिजाअ (إستع) अ पु—छपना, मुद्रित होना, कीई

चिद या लेन दूसरी चीज पर जो का लो उठाना, यथावत्
 अवतरण, यत्नानुसंग निगान।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—एक दूसरे में मिलना, पुराना;
 पठित होना, मुताबिक होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—संगी करना, कपटे उठाना,
 कप में नै मुँद का फलन उतार देना, कपट चुराना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—नेतागनी देना, तनीत करना;
 नेतागनी, तनीत।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—किमी के सम्मनित होना; विरहित
 होना, (प्रत्य) अधिक या विरहित करनेवाला रीति 'मन्तव्य
 इतिहास' मन्तव्य वरानेवाला, 'मुक्त-इतिहास' आत्मवचनक।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—मुक्त होना, मान्य होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—नमस्ना का रूप होना; बहना,
 प्रवाहित होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—जाना, गमन करना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—लियाटा हुआ होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—तितर-वितर होना, अस्त-व्यस्त
 होना; अस्त-व्यस्तता, नाचड, धवराहट, परेशानी, बेचैनी,
 लिंगेन्द्रिय का ताड़ा होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—अपस्था ठीक करना, प्रवप
 दुरस्त करना; क्रमवत्त करना, तनीव देना, शौली, ढग,
 तरीग; प्रवंच, इतिजाम।
 इतिहास (إستबصار) अ पु—किमी लेन आदि की नकल लेना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—न्याय पाना, न्याय के अनुसार
 काम होना, आया-आधा होना, आधा पाना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—किसी वस्तु को किमी से सबंध
 धित करना; किसी पुस्तक आदि को किमी के नाम समर्पित
 करना; उद्दीकेशन, समर्पण।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—होना, उठ सड़ा होना, बरसा
 होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—मुगधित पदार्थ मूँपना, सुगंध
 लेना, सुधावू मूँपना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—वध का आगे चलना, लड़का
 उत्पन्न होना, वशवृद्धि।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—हित की बात सुनना, नसीहत
 मानना।
 इतिहास (إستبصار) अ स्त्री—पराकाष्ठा, आखिरी हृद, छोर,
 सिरा, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, चरम सीमा।
 इतिहास (إستبصار) अ वि—अत्यधिक, बहुत, आखिरी
 हृदवाला, अन्तवाला।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—फुसंत पाना, अवसर प्राप्त होना,

कावू पाना, वस में लाना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—कून करना, प्रस्थान करना;
 कून, प्रस्थान, उठना, गमन होना।
 इतिहास (إستبصار) अ. पा. वि.—हर काम को उगरी
 अंतिम सीमा में पसंद करनेवाला; श्रान्ति और हिंसा द्वारा
 देन में इन्कियाव गाने का मिश्रान्त माननेवाला।
 इतिहास (إستبصار) अ. पा. स्त्री—श्रान्ति द्वारा
 देन में इन्कियाव गाने का मिश्रान्त मानना; हर काम को
 उगरी अंतिम सीमा में पसंद करना।
 इतिहास (إستبصار) अ. पु—त्राके आदि में फुट जाना,
 बरबार हो जाना, धारत करना, लूटना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—रुंपना, हाँपना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—किमी दूसरे की कविता या लेन
 को पाना बगाना।
 इतिहास (إستبصار) अ. वि—आवश्यकता पडने
 पर, जब जरूरत हो तब।
 इतिहास (إستبصار) अ वि—मांगने के समय, जब मांगा
 जाय तब, एक प्रकार का श्रणपत्र जिगमे जिग समय
 मांगा जाय उसी समय गपया देना उदरी है।
 इतिहास (إستبصار) अ वि—जांच के समय, जांच
 के अनुसार।
 इतिहास (إستبصار) अ. वि—आम जनता की राय में,
 नर्वनाधारण के नजदीक।
 इतिहास (إستبصار) अ. वि—ईश्वर के नजदीक, मुदा के यहाँ।
 इतिहास (إستبصار) अ. वि—दे 'इदज्जुहरत'।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—डालना।
 इतिहास (إستبصار) अ. पु—कूटा जाना, कुटना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—दूर होना, दफा होना, निराकरण
 होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—चमडा पकाना और रेंगना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—धुसना, निकलना; किसी
 जगह मजबूती से खडा होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—घाव का भरना, क्षतपूर्ति।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—अभिप्राय, उद्देश, मकसद, विचार,
 खयाल।
 इतिहास (إستبصار) अ. पु—सामने आना, घटना का उपस्थित
 होना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—दर्ज होना, लिखा जाना, रजिस्टर
 आदि में लिखा जाना।
 इतिहास (إستبصار) अ पु—जीर्ण होना, पुराना होना;
 जीर्णता, पुरानापन, नष्ट होना।

इदिलाज (إدلاج) अ पु—साद निबल आना, पेट बढ जाना।
 इदिलाज (إدلاج) अ पु—उगल पडना।
 इदिलास (إدلاج) अ पु—गिर पडना।
 इदिसास (إدساس) अ पु—छुपना, छिपना, गुप्त होना,
 भिष्टी म छिपना।
 इबा (إسا) अ पु—सूचना देना, खबर देना।
 इबात (إنبات) अ पु—उपना, जमना उगाना।
 इबार (إندار) अ पु—राशि डेर गल्ला (जनाज) जमा
 करने का स्थान (जवार)।
 इबाह (إبहा) अ पु—जगाना बेजार करना साने से उठाना।
 इबिआस (إبعاب) अ पु—उत्थान उठना उत्तजिन
 होना, तेज होना।
 इबिया (إبعيا) अ पु—पान होना मुस्तहक होना, इच्छा
 होना अभिलषित।
 इबिसास (إبعساط) अ पु—सुलना गगुप्त होना आनन,
 हथ खुशी गुस्ताफी घटता।
 इबिसास (إبعثاب) अ पु—तिर बितर होना मुतगिर
 होना।
 इशा (إशा) अ स्त्री—लेव लिपना लिखना सहरीर
 करना साहित्य अबद उलतन करना आरभ करना।
 इशा अल्लाह (إشا إله) अ फा स्त्री—दे इना अल्लाह।
 इशाद (إشاد) अ पु—बकिता मुनाना गेर पना।
 इशा पर्दाज (إशा بردار) अ फा वि—नद-लेसक निवध
 कार नयनिगार साहित्यकार अबदी।
 इशा पर्दाजी (إशा برداری) अ फा स्त्री—मरमून निगारी
 निवध रचना।
 इनित्राक (إستقار) अ पु—फन जाना तबना शक होना,
 दरचना।
 इनिराह (إسراج) अ पु—हृदय का रल जाना, लिल
 या कुगार हा जाना बित की प्रसन्नता मसरन।
 इनिराहे इत्व (إسراج قلب) अ पु—हृदय का इम प्रकार
 बिस्वित हा जाना कि सारी परीण बातें पात हो जाये
 निय दुष्टि प्राप्त हो जाना दबी पान प्राप्त होना।
 इस (إس) अ पु—आग मनुष्यवग यह गब्द बहुवचन
 क अय म आता है परन्तु इसका एवबचन नहा है।
 इसा (إसा) अ पु—भुग देना।
 इसाह (إसान) अ पु—नियम और दस्तूर बताना, विगो
 चीज को ब्रायदे के अदर लाना।
 इसान (إसान) अ पु—मनुष्य आत्मा मानव जाति,
 मोए इसाना साम्य पिष्ट मुहबब सजन भगमानस,
 दरीय।

इसानी (إسانی) अ वि—मानवीय, आदमी का मनुष्य
 जसा, आदमी की तरह का।
 इसानीयत (إسانیات) अ स्त्रा—मानवता, आम्पियत
 सभ्यता, पिष्टता तमीजगरी।
 इसानिऐन (إسان عن) अ पु—आव की पुतली बनीनिका।
 इसाफ (إصاف) अ पु—न्याय, नीति, अल्ल।
 इसाफन (إصافان) अ वि—इसाफ स, यायत, याय के
 अनुमार।
 इसाफ पसद (إصاف پسند) अ फा वि—न्याय की बात
 नहनेवाला यायप्रिय पक्षपात न करनेवाला।
 इसाफ पसदी (إصاف پسندی) अ फा स्त्री—न्यायप्रियता
 याय की बात पसद करना, पक्षपात न करना।
 इसिबाब (إستباب) अ पु—पानी गिरना बहुत रोना।
 इसिदाअ (إصداع) अ पु—फटना बीच म नज हो जाना।
 इसिदाअ (إسداع) अ पु—बद होना रफ जाना, निवारण,
 छातिमा।
 इसिदादेजुम (إسداع الحرم) अ पु—जुमों का रन गाना
 चारियां उकतिपी आनि न होना।
 इसिवाग (إصداغ) अ पु—रग चढना रगीत होना रग
 जाना।
 इसिवाब (إصداغ) अ पु—पानी या किसी पतली चीज
 का रसना था टपवना।
 इसियाक (إسداع) अ पु—बहना प्रवाहित होना रवां होना।
 इसिराफ (إصراف) अ पु—फिरना, लोट जाना।
 इसिराम (إصرام) अ पु—बटना, बटवर अलग होना
 समाप्त होना पूरा होना प्रवध यवस्था, इतिजाम।
 इसिलाक (إسلاك) अ पु—एव चीज का दूसरी चीज म
 प्रवां करना घुमना।
 इसिलाव (إسلاف) अ पु—नष्ट होना जाए जाना, खो
 जाना गुम होना।
 इसिहार (إستحار) अ पु—पिना जाना।
 इसी (إسی) अ पु—मनुष्य, आत्मी, सीपी ओर दाहिना
 तरफ दरीर का भीतरी अवयव।
 इसाद (إعاد) अ पु—लोटनर आना वापस आना बहो
 हुई बात का फिर से कहना पुनरावति दुनराना।
 इसादत (إعادت) अ स्त्री—एयाण्ट।
 इसानत (إعانت) अ स्त्री—मान्यता, मन् सहयाण
 तजावन।
 इसानते मुअिमान (إعانت مضمونه) अ स्त्री—किनी
 अवध बाय में सहायता, विगो बाय में एगी मन्
 जा जुम हा।

इकितसाब्रे फन (اكتساب من) ज पु-कोई गिल्प या हुनर प्राप्त करना, फन सीखना।

इकितसाब्रे माल (اكتساب مाल) अ पु-इकितसाब्रे जर'।

इकितसाम (اكتسام) अ पु-वाटना तकसीम करना।

इकितसार (اكتسار) अ पु-जब-स्ती किसी स कोई काम लेना जब-स्ती।

इकितसार (اقتصار) अ पु-बम करना छोटा करना, एक चीज पर खडा होना ऐसी इबालत लिखना जिसमें शब्द बहुत हा और अर्थ कम हो।

इकितसास (اكتصاص) अ पु-खून का बट्ला लेना, प्रतिहिंसा करना।

इकितहाम (اكتصाम) अ पु-इस्तिफार करना, धारण करना किसी चीज में धुसना अत्याचार करना अपमानित करना जलील करना।

इकितहाल (اكتحवाल) अ पु-आँखा को अजनसार करना मुरमा लगाना।

इकदाम (اقدام) अ पु-किसा काम करने के इराते से आगे बढ़ना पात्रमा करना अग्रसरता पात्रमा।

इकदामे इत्ल (اقدام عقل) अ पु-मार डगने क लिए आगे बढ़ना कत् क लिए तयारी करना।

इकदाह (اقدام) अ पु-ऐव करना बुराई करना निन्दा करना निन्दा बणाई।

इकिश (اكتش) तु पु-प्रिया प्रयत्नी महबूब वह व्यक्ति जिसकी माँ हिंसाताना और बाप तुर्की हो वह धाना जिसकी माँ तुर्की और बाप अरबी हा।

इकना (اكتنا) अ पु-किसा व्यवसाय म पूजा लगाना व्यवसाय करना धन कमाना।

इकान (اكتان) अ पु-समाप आना पाठ पहुँचना, पाठ-भाग होना।

इकाम (اكتام) अ पु-सम्मान गलवार आव भगत प्रतिष्ठा श्रष्टता बूझगी।

इकका (اكتكا) अ पु-जाकि ए का एर दाप जिममें दो एमे अग्रा का बाकिमा होता है जा उच्चारण में ममापवर्ती होने ह जय 'सबा' (صباح) और सिपाह (سباه) इनमें एक बढ़ी है और एर 'छापी' है।

इककार (اكتكار) अ पु-जिन्दी आस्तिक का नास्तिक बजाना काठिर बजाना।

इकबाह (اكتباب) अ पु-और मुँह गिरना मुँह क बज गिरना।

इकबाल (اكتبال) अ पु-प्रजात क्षेत्र जगान, घोभाग,

खुशकिस्मती समझि फरादत स्वाहति इकार (इकरार)। इकबालमद (اكتبال مد) अ फा वि-प्रतापवान तजस्वी, जिमका इकबाल जोरा पर हो।

इकबालमदी (اكتبال مدنی) अ फा स्त्री-इकबाल का जोर, तज की प्रवल्ता।

इकबाली (اكتبالی) ज वि-इकगर करनेवाला इकरी जो अपराधी अपने अपराध का स्वीकार करे।

इकबालेजूम (اكتبال حرم) अ पु-अपराध करने और दापी होने का इकार स्वावाराकिन।

इकबाह (اقدام) अ पु-किसा वस्तु को विगाकर भाडा कर देना।

इकमाज (اقتماع) अ पु-साडना खड-खड करना।

इकमाल (اكتمال) अ पु-पूरा करना समाप्त करना खत करना।

इकमास (اقتماس) अ पु-गोता लगाना डुबकी मारना निमज्जना।

इकमाह (اقتماح) अ पु-आकाश की ओर इत प्रकार सिर उठाना कि आँखें पशु की ओर रहें।

इक्राअ (اقترا) अ पु-स्टारी डालना पाँसा फेंकना।

इक्राअ (اقترا) अ पु-उधार लेना कज लेना।

इक्रार (اقتار) अ पु-प्रतिना अहद वचन वाग स्वीहृति इबाल, सविग एपीमेंट।

इकारनाम (اقتارنامه) अ फा पु-प्रतिनापन अहनामा सविग एपीमेंट।

इकारे सालेह (اقتار صالح) अ पु-वह प्रतिना जा सब लि स की यर्गी हो, पक्षा निश्चय दइ प्रतिना।

इक्राग (اقترا) अ पु-निन्दा करना बणाई करना निन्दा बुराई।

इक्राह (اقتراه) अ पु-घणा नफरत पिन कराहट।

इकलाअ (اقتلاع) अ पु-उत्ताडना जड स उतेडना मट करना बरबाद करना सफाया करना।

इकली (اقتل) अ स्त्री-जिली' का मूजब (अरबाहट) कुजी ताली।

इकरीदित [दल] (اقتل مدس) अ स्त्री-ज्यामित रोगा गणित ज्यामद्री।

इकरीम (اقتلم) अ स्त्री-महाप बरँआ जम ए मन्व प्रग दगडा।

इकरीमिया (اقتلمیاء) अ स्त्री-रुपागणा, चाँगी का मल सानामगरी सान का मल।

इकलीमियाए जहबी (اقتلمیاء زعی) अ स्त्री-गोन का मन् सागामगरी।

इब्तीमियाए फिरजी (إبتیمیاة فیرضی) अ स्त्री-चांती का मेल, स्थापना।

इब्तील (إبتیل) अ पु-मुकुट, ताज; टोपी।

इब्तीलुलमलिक (إبتیل الملک) अ. पुं-एक बन्दरानि, पुरग, जस्तरक।

इब्बा (إبوا) अ पु-ताफिर का एक रोग जिसमें मे रती से पहले के अक्षर की भांति एतनी न हो। जैसे-गुल और किर का काफिया, इसमें 'ग' पर धंग है और 'द' पर खेर।

इब्सा (إبسا) अ पु-दूध का गठोर होना, निर्दय होना।

इब्ना (إبنا) अ. पु-अलग करना, उठाना, दूर करना; विनारे पहुँचाना।

इब्गाव (إبغاب) अ. पु-काटना, टुकड़े करना।

इब्नाम (إبनाम) अ पु-हिस्से करना, शायर गेना, वनम साना।

इब्गार (إبغار) अ-बहुत कहना; बहुत करना, बहुत साना, अधिकता, इफात (उफरात)।

इब्ताम (إبताम) अ. पु-खून के बरले में जान देना, हिमा के बदले हिमा, प्रतिहिमा।

इब्सीर (إبسیر) अ स्त्री-रसायन, कीमिया, (वि), अगोष, अचूक, जैसे दमे के लिए इब्सीर (अकनीर)।

इब्सीरी (إبسیری) अ वि-बीमियागर, रसायन नानेवाला।

इब्सन (إبسون) फा. स्त्री-एक काला रंगमो कपड़ा।

इब्दा (إبداة) अ पु-तलाग, तालाव, जलाशय।

इब्दान (إبدان) अ पुं-लेना, ग्रहण करना; वह तालाव में जगल में हो, वह जमीन जो राजा अपने लिए अलग कर ले।

इब्खार (إبखار) अ पु-अपने को जान जोखिम में गलना, खतरे में फँसाना।

इब्ख़ाव (إبختّاب) अ पु-बालों में सिखाव लगाना।

इब्ख़ाफ (إبختّاف) अ. पु-उचक लेना, उड़ा लेना।

इब्ख़ाम (إبختّام) अ. पु-समाप्त होना, खत्म होना, अन्त, समाप्ति।

इब्ख़ानाक (إبختّاناک) अ. पु-गला बंद होना, गला घुटना।

इब्ख़ानाकुरैहिम (إبختّاناک الرحیم) अ पु-स्त्रियों का मूर्छा रोग, हिस्टीरिया।

इब्ख़ाफा (إبختّافا) अ पु-गोपन, छिपाना, पोशीदा करना।

इब्ख़ाफार (إبختّافار) अ. पु-प्रतिज्ञा भंग करना।

इब्ख़ावार (إبختّافار) अ पु-खबर लेना, परीक्षा करना, परीक्षा, इन्तिहान।

इब्ख़ामार (إبختّافار) अ पु-खमीर उठाना, श्लोपधियो

आदि की पानी आदि में भिगोकर रखना ताकि सड़कर जगल समोर उठ जाये।

इब्ख़ियान (إبختّیان) अ पुं-अमानत में खियानत करना।

इब्ख़ियार (إبختّیار) अ. पुं-अधिकार, हक, सत्ता, हुकूमत, स्वामित्व, मालिकीयत।

इब्ख़ियारी (إبختّیاری) अ वि-जो अनिवार्य न हो, जो ख़ाजगी न हो।

इब्ख़ियारे समामत (إبختّیار سماعت) अ. पुं-मुकदमा मुग्ने का अधिकार।

इब्ख़ियाल (إبختّیال) अ पु-अवज्ञा, नाफरमानी, उद्दृष्टता, नरकतो; ध्यान रखना, रसाल करना।

इब्ख़िराअ (إبختّیراوع) अ पु-ऐनी चीज बनाना जो पहले न हो; आधिपत्य, ईजाद।

इब्ख़िराअत (إبختّیراعات) अ पु-नयी नयी ईजादे, नये नये आधिपत्य।

इब्ख़िराई (إبختّیراعی) अ. वि-ईजाद से सम्बन्धित; मनगड़त, फर्जी, कल्पित।

इब्ख़िराक (إبختّیراق) अ पु-फटना, विदीर्ण होना, फाजना, विदीर्ण करना।

इब्ख़िलाज (إبختّیلاج) अ पु-दिल की घटकन, हीलदिल।

इब्ख़िलाजे क़ल्ब (إبختّیلاج قلب) अ पु-दिल की घटकन, हृत्कम्प।

इब्ख़िलाजत (إبختّیلاط) अ पु-मैत्री, दोस्ती, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, चुबनालगन, चूमाचाटी।

इब्ख़िलाफ (إبختّیلاف) अ. पु-मतभेद, राय का इब्ख़िलाफ; वैमनस्य, रजिश, फूट, नाइस्तिफ़ाकी, भिन्नता, अलग-अलग होना।

इब्ख़िलाल (إبختّیلال) अ. पु-विघ्न, विकार, रालल; कुब्यवस्था, अस्त-व्यस्तता, गडबड़ी।

इब्ख़िलाले दिमाग (إبختّیلال دماغ) अ. पु-दे 'इब्ख़िलाले हवारा'।

इब्ख़िलाले हवास (إبختّیلال حواس) अ. पु-बुद्धि-विकार, मतिभ्रम, पागलपन, बुद्धि-विभ्रम।

इब्ख़िलास (إبختّیلاس) अ पु-उचक ले जाना।

इब्ख़िसाम (إبختّیصام) अ. पु-शत्रुता करना, दुश्मन होना।

इब्ख़िसार (إبختّیصار) अ पु-सक्षिप्त करना, कम करना, सक्षेप, कमी, बड़े मज्मून को काट-छाँटकर छोटा करना।

इब्ख़िसास (إبختّیصاص) अ. पु-विशेषता, मुख्यता, ख़ुसूसियत।

इब्ख़ाम (إبختّام) अ पु-सेवा करना, खिद्मत करना।

इब्ख़ा (إبختّा) अ पु-छिपाना, प्रकट न करना।

इल्फाए जुम (احفایہ حرم) अ पु-अपराध करने उस छिपाना जुम जाहिर न करना।

इल्फाए राउ (احفایہ راز) अ पा पु-अ छिपाना।

इल्फाए बार्दिवात (احفایہ واردات) अ पु-इल्फाए जुम'।

इल्फाफ (احفاف) अ पु-दूरता की दृष्टि में हट्का हाना खफीफ हाना।

इख्बार (اخبار) अ पु-खबर देना, सूचना देना जागूमा करना भेद बताना।

इहमार (احمار) अ पु-आग बुगाना।

इह्माज (احراج) अ पु-नारिज करना, निवार देना, बहिष्कार लख, व्यय।

इह्माजात (احراجات) अ पु-व्यय, लख।

इह्माज (احزاب) अ पु-बीरान करना, सुनसान करना, निजन करना नष्ट करना मिठाना छरार करना।

इह्लाक (احلك) अ पु-पुराना करना, पुराना हाना, पुरानापन।

इह्लास (احلاص) अ पु-निश्चलता निष्पटता खुल्लू सच्चा और निष्पट प्रेम।

इह्लासमद (احلاص ممد) अ पा वि-सच्चा और स्वायहान मित्र, खालिफ प्रमी।

इह्लासमदी (احلاص مدی) अ पा स्त्री-निस्वाय मित्रता सच्चा प्रेम।

इह्लवान (احوان) अ पु-अल का बहु भाई-बंधु बंधुत्व। इह्लवान्नाफातीन (احوان السفاطين) अ पु-गताना के भाई-बंधु खल और धूत लग।

इह्लवान्सफा (احوان الصفا) अ पु-सज्जन लग, भलेमानस।

इह्ला (احصا) अ पु-अडकाप निकालना खस्ती करना।

इह्लात (احزاب) अ स्त्री-लूटना, गारत करना दोडना, भागना, पीठे दोडना तजाबूव करना।

इह्लास (احساب) अ स्त्री-किसी दुखी की फ़र्क सुनना, किमा अयाय का याय करना।

इह्ला (احرا) अ पु-किसी को लपई पर उवसाना किसीका बख़ालाना बहवाना।

इह्ला (احصا) अ पु-बनमपासी करना, किसी की शरता पर नागिस न नना ध्याम न देना।

इह्ला (احवाल) अ पु-नखा कातना सूत कातना।

इह्ला (احصا) अ पु-किसी को गुस्स म लाना गुस्सा लाना।

इह्ला (احवाल) अ पु-सूय कातना।

इह्ला (احصا) अ पु-माग, मुनित, प्रफिरख।

इह्ला (احتماس) अ पु-बकी लपाना, गारा मारना, निमज्जन।

इह्ला (احتماب) अ पु-गावत करना, पीठ पाठ बुराई करना विगूनाता, चुगुलखारी।

इह्ला (احتراب) अ पु-परलमी हाना, मुसाफिर होना, अपने कुल स अलग स्त्री स ब्याह करना।

इह्ला (احتراب) अ पु-आव स पागो आनि पाना, खुल्लू बनाना।

इह्ला (احتماس) अ पु-हलचल, आलान।

इह्ला (احتماب) अ पु-किसी का माल शायब करना जबलरस्ती छान लना गत्व अपहरण, मापण।

इह्ला (احتمال) अ पु-स्नान करना, नहाना गुड करना, धोना, स्नान, गुसल।

इह्ला (احتمال) अ पु-मालगर बनाना, समझिगाली करना, निस्पह करना बेनिमाज बनाना।

इह्ला (احتمال) अ पु-मकनी आनि का भिनभिनाना।

इह्ला (احتمال) अ पु-बेहोप करना, अवत वर देना बेहोपी सनाहीनता।

इह्ला (احتمال) अ पु-किसा का कुमूर लगे हुए टाठ जाना चरमपासी करना दरगुजर चरमपासी।

इह्ला (احتمال) अ पु-निगा, तिरस्कार, बहुमती, विगूनाता चुगती।

इह्ला (احتمال) अ पु-वाल्ल फिरवर जाना, फग छाना।

इह्ला (احتمال) अ पु-उत्तेजित करना भन्वान उभारना बहुवाना, बख़ालाना।

इह्ला (احتمال) अ पु-वात बहुत बग-बगकर बहने अधियाफित मुवालाग ऐमी बान जिसका हान बुद्धि क अनुसार समब हो पर बनी हुई न हो डुबान गक करना बमान खार स खीचन।

इह्ला (احتمال) अ पु-सताना डुवा करना ज्पीडि करना।

इह्ला (احتمال) अ पु-अनोषी खोज लाना, नमी बाव करना परलगी हाना, मुसाफिर होना पानी स मय भरना।

इह्ला (احتمال) अ पु-मार डालना लालच करना, तावान लेना, हर्जना बसूल करना।

इह्ला (احتمال) अ पु-भाव बनाना महना खरलाना।

इह्ला (احتمال) अ पु-दरवाजा बंद करना मुकिल बनाना, बटिन मुकिल।

इरलात (إعلاط) अ पु—गलती करना, अशुद्धि करना; अशुद्धि, त्रुटि, गलती ।
 इस्लाम (إسلام) अ. पु—गुदमैथुन करना; गुदमैथुन, पुमैथुन, वालमैथुन, वच्च वाजी ।
 इस्लाल (إعلال) अ पु—अमानत मे खियानत करना, द्वेष रखना; खियानत, द्वेष, कीना ।
 इस्वा (إسوا) अ पु—वहकाना, वरगलाना, वहकाकर भगा ले जाना, विशेषत स्त्री को ।
 इश्शा (إفशा) अ पु—पर्दा डालना, आड करना, अधा करना, आँखे फोडना ।
 इसा (إعसा) अ पु—रात का नियत अधियारा होना ।
 इस्ना (إسना) अ पु—आमना-सामना, मुकाबला, समान, वरावर ।
 इस्ना (إسना) अ. अव्य—जब, जिस समय, आकस्मिक, अचानक ।
 इस्नाअत (إضاعت) अ. स्त्री—नष्ट करना, वरवाद करना, नाश, वरवादी ।
 इस्नाअत (إصاات) अ. स्त्री—चमकाना, रौशन करना, सुशोभित करना, खुशनुमा करना, खुशनुमाई ।
 इजाजत (إحازت) अ स्त्री—अनुमति, आज्ञा, परवानगी । आदेश, निर्देश, हुक्म ।
 इजाजतनामः (إحازتنامه) अ फा पु—आज्ञापत्र, अनुमति-पत्र, इस बात की लिखित आज्ञा कि अमुक व्यक्ति को अमुक काम करने का हक है ।
 इजाफः (إصافه) अ. पु—वृद्धि, बढ़ोतरी, उन्नति, तरक्की ।
 इजाफत (إضافت) अ स्त्री—सम्बन्ध, निस्वत, फार्सी शब्दो के नीचे ज़ेर की मात्रा, फार्सी मे छठे कारक का चिह्न ।
 इजावत (إحازت) अ. स्त्री—स्वीकृति, कुबूलियत, शौच, दस्त, पाखाना ।
 इजावत (إذابت) अ स्त्री—पिघलाना, पिघलाकर नर्म करना, धातु आदि को पिघलाना ।
 इजावते दुआ (إحازت دعا) अ स्त्री—ईश्वर से जो प्रार्थना की जाय उसका स्वीकृत होना, दुआ का कबूल होना ।
 इजाम (عظام) अ स्त्री—'अजम' का बहु, हड्डियाँ, (पु.) बडे लोग, प्रतिष्ठित जन ।
 इजारः (إحاز) अ पु—ठेका, एकाधिकार, ज़ोर, हक, सत्त्व ।
 इजारःदार (إحازدار) अ.फा वि—ठेकेदार, एकाधिकारी ।
 इजारःदारी (إحازداری) अ फा स्त्री—ठेकेदारी ।
 इजार (إزار) फा स्त्री—पाजामा ।
 इजार (إزار) अ. पु—गाल, कपोल, रखसार ।

इजारवंद (إزاربند) फा. पु—कमरबंद, नारा, पाजामा बाँधने का फीता आदि ।
 इजालः (عجاله) अ. पु.—हर वह चीज जो बहुत जल्द लायी गयी हो; शीघ्रता, जल्दी ।
 इजालः (إزالة) अ पु—निवारण, निराकरण, दफीआ; क्षतिपूर्ति, तलाफी ।
 इजालए मरज (إزالة مرض) अ. पु—रोग-निवारण, बीमारी का चला जाना ।
 इजालए हैसियते उफ़ी (إزالة حياءیت عرفی) अ पु—मानहानि, हत्के इज्जत ।
 इजालत (إزالت) अ. स्त्री—दे. 'इजाल' ।
 इजालत (عجالت) अ स्त्री—दे 'इजाल' ।
 इजालत (احالت) अ. स्त्री—बुमाना, फिराना, चक्कर देना; आग की बनेटी फिराना ।
 इजाहत (إزاحت) अ स्त्री—दूर करना, हटाना ।
 इज् (عز) अ स्त्री—इज्जत, सम्मान, सत्कार ।
 इज्आज (إزعاج) अ पु—हिलाना, निकालना, उठाना, लालची बनाना, किसी पर पाप लगाना ।
 इज्आन (إذعان) अ पु—आज्ञा-पालन, हुक्म मानना ।
 इज्आफ (إضعاف) अ पु—दुना करना, निर्बल करना ।
 इज्कार (إذکار) अ पु—जिक्र करना, चर्चा चलाना, किसी के बारे मे बातचीत करना ।
 इज्कर (إذکر) अ पु—एक ओपधि, सिरकडे की जड़ ।
 इज्ज (عجز) अ पु—नम्रता, विनीति, आजिजी; अस-मर्थता, बेवसी, कमजोरी, नाताकती ।
 इज्जत (عزت) अ स्त्री—सम्मान, आदर, आवभगत, प्रतिष्ठा, मान-मर्यादा, आवरू, सतीत्व, इस्मत, पद, पदवी, दर्जा ।
 इज्जत तलव (عزت طلب) अ वि—जो हर व्यक्ति से अपनी इज्जत कराना चाहता हो, मानेच्छुक ।
 इज्जतदार (عزت دار) अ फा वि—प्रतिष्ठित, मुअज्जज; कुलीन, शरीफ, सती, वाइस्मत ।
 इज्जा (إحزا) अ पु—जिज्या देना, बदला देना (नेकी का), नि स्पृह करना, वेनियाज करना ।
 इज्जास (إحصاص) अ पु—आलू बुखारा, एक प्रसिद्ध फल जो दवा के काम आता है ।
 इज्तिआद (إزلةعاد) अ पु—ऊँट का बहुत ज़ोर से वल-वलाना ।
 इज्तिजाअ (إصطجاع) अ पु—करवट से सोना ।
 इज्तिना (إحتما) अ पु—फल वीनना, मेवा चुनना ।
 इज्तिनाब (إحتناب) अ पु—दूर रहना, घृणा करना, घृणा, उपेक्षा, नफरत ।

इज्तिमा (اجتماع) अ पु—छांटना, चुनना पवित्र करना, पगद की चीजा में स सबसे अच्छी चीज को अलग करना।
 इज्तिमाअ (اجتماع) अ पु—सम्मेलन, काफ़रेंस, जनसमूह, भीड़ चद्र और मूय का एक राशि में होना, जिसमें चाँद दिनाई नहा पड़ता और यह समय अगुम माना जाता है।
 इज्तिमाई (اجتماعی) अ वि—सपका मिला-जुला, सामूहिक।
 इज्तिमाए जिह्न (اجتماع صدر) अ पु—दा परम्पर विरासी चीजा का एक जगह जमा हा जाना यह अद्यभव है, मिय्या याग।
 इज्तिमाए नबोवन (اجتماع نوبين) अ पु— इज्तिमाए जिह्न।
 इज्तिराब (اصطراب) अ पु—व्याकुलता वेचनी, वेठावी, आनुरता जल्दी जल्दनाउा व्यग्रता, यह इस्तिराय गोक ता बुलबुल का देविए—ओ चार्टा है गान में छल बहार का।
 इस्तिराम (اصطرام) अ पु—रपटें उठना गान बल्ल हाना।
 इस्तिरार (اصطرار) अ पु—आतुरता जल्दी वे इस्तिरारी।
 इस्तिरारी (اصطरاری) अ वि—बइस्तिराराणा आतुरता म।
 इतिहाब (احتماب) अ पु—प्रयन करना काशिग करना, रास्ता रूना जहा कुरान और ह्यीम का आदान ताफ न हा वहा अपनी राय स उचित रास्ता निकालना।
 इस्दिबाद (اداد) अ पु—आविश्य, वाहुरय, इफरात, जियान्ती।
 इस्दिबाद (اداد) अ पु—निगलना गान नीव उतारना।
 इस्दिबाज (ادادواج) अ पु—विवाह, निषा पाणिग्रहण।
 इस्दिहाम (ادادحाम) अ पु—भी जन-ममूह, जमाव।
 इस्नाय (اداب) अ पु—याप करना गुनाह करना।
 इज्नाय (احلاب) अ पु—स्नान न निय हाना मयुन क पदचात स्नान न करना।
 इज्फार (اطعار) अ पु—विजय प्राप्त करना जातना विजय पनह।
 इज्वार (احمار) अ पु—विषी स जयरन्ती कोई काम लेना।
 इज्माअ (احصاع) अ पु—विना एक बाल पर बहुमन हाना।
 इज्माए उम्मत (احصاع امت) अ पु—मारी जनता का बहुमत मुम माना का विना धामिर समस्या में बहुमत।
 इज्माम (احصाम) अ पु—थाट को सवारी के लिए सजाना।
 इज्मार (احصار) अ पु—विना वाक्य में नाम के स्थान पर सवनाम का प्रयाग।
 इज्मार इज्जल डिक् (احصار فعل دکر) अ पु—नाम आने से

पहू सवनाम लाना, यह दाप है।
 इज्माल (احصال) अ पु—सक्षेप इस्तिरार किसी लव वतात में स मुख्य-मुख्य बाणें लेकर उम बहुत कम करणा, यात सालकर न बहना।
 इज्माल (احصال) अ वि—संगिप्त रूप में मुल्लवर करव।
 इज्माली (احصالی) अ वि—सशप में संगिप्त, मुस्तसर।
 इज्माल (احصالی) अ पु—वमडा काटने का यत्र राणा।
 इज्मीर (احصیر) तु पु—नुकिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, इस्मरना, समरना।
 इज्मेहलाल (احصائل) अ पु—शिथिलता खिन्नता, श्रांति ग्लानि, अयमुन्गा।
 इज्मयूत (احصیوط) अ पु—वह व्यक्ति जिस मयुन के समय पाथाना हो जाने का राग हा।
 इज्जा (احزا) अ पु—संचालन अनुष्ठान, गुम्बात जारी करना, भोजना।
 इज्जाईल (احزازیل) अ पु—यमराज, धमराज, यमदूत प्राणातक मौत का फिरिदा मलकुलमीन।
 इज्जाए कार (احزا-کار) अ फा पु—किसी काय का मूवपात (आरम्भ) अनुष्ठान काम की गुम्बात।
 इज्जाय (احزاب) अ पु—अवना करना, हुकम न मानना, एफ स्थान पर टहरना सर झुकाना नर का माण पर छाना, तप्य करना, अधाना कित्ता का सण न होना, बमिस्त हाना, अनुपम हाना।
 इज्जाम (احزام) अ पु—आग जलाना।
 इज्जार (احزار) अ पु—हानि पुञ्चाना मुकसान देना, आघात करना चाप पहुँचाना।
 इज्जल (احصل) अ पु—गाय का बच्चा, बछणा।
 इज्जलत (احصلت) अ स्त्री—धाप्रता जल्दा, आतुरता जल्दनाउी (उजलत)।
 इज्जल (احصل) अ पु—फिमलना फिमलाना।
 इज्जलफ (احلاب) अ पु—अत्याचार करनेवाला खाली घडा हर वह वस्तु जा भातर से खाली हा।
 इज्जलाम (احلام) अ पु—अधकारमय हाना ताराफ होना।
 इज्जल (احلال) अ पु—थप्यता उत्तमता बुजुर्गी बभव गाना शोक्त।
 इज्जल (احلال) अ पु—विगी का दगमगाना।
 इज्जल (احلال) अ पु—विषी को कुमाय पर चलाय, गुमराट करना।
 इज्जल (احلال) अ पु—छाया डालना।
 इज्जल (احلاس) अ पु—विठाना, बठालना, 'यायालय में

हाकिम के बैठने का स्थान, हिंदी में इजलासा प्रचलित, कोर्ट, अदालत।

इज्हाक (اضحاک) अ. पु.—छलकना; घास जमना, हँसाना, ऐसी बात कहना जिसमें हँसी आये।

इज्हात (عزهاत) अ. पु.—नपुसक, वलीव, नामदं।

इज्हाफ (احصاف) अ. पु.—नुकसान करना; कोई वस्तु उडा लेना, पास आना, किसी के काम में शरीक होना।

इज्हाब (انهاب) अ. पु.—ले जाना, तेज करना, रवा करना, ऊपर से सोना चढाना, मुलम्मा करना।

इज्हाम (احصام) अ. पु.—रोकना, मना करना, मरने के करीब होना, मृतप्राय होना।

इज्हार (اطهار) अ. पु.—प्रकट होना या करना; न्यायालय में वादी-प्रतिवादी या साक्षी आदि का वयान।

इज्हार (ارهاار) अ. पु.—दीपक जलाना, चिराग रीशन करना।

इज्हार (احهار) अ. पु.—जोर से बोलना, व्यक्त करना, जाहिर करना।

इज्हाल (ازهاال) अ. पु.—गाफिल होना, सतर्क न होना, वेखवर होना।

इताअत (اطاعات) अ. स्त्री—आज्ञा-पालन, फर्माविरदारी; सेवा, खिदमत।

इताअत गुजार (اطاعات گوار) अ. फा वि—आज्ञाकारी, फर्माविरदार।

इताअतमंद (اطاعات مند) अ. फा वि—दे 'इताअत गुजार'।

इताअत शिआर (اطاعات شعار) अ. वि.—दे. 'इताअत गुजार'।

इताव (عتاد) अ. पु.—सामान, उपकरण; तैयारी।

इताव (عتاب) अ. पु.—कोप, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, गजव, "जाने क्या लिख गया था उन्हें मैं इताव में, कासिद की लाश आयी है खत के जवाब में।"

इतावत (اطارات) अ. स्त्री—सुगंधित करना, शीच में पानी लेना, शरीर को पवित्र करना, खुश करना, प्रसन्न करना।

इतावनामः (عتاب نامه) अ. फा पु.—वह पत्र जिसमें क्रोध प्रकट किया गया हो, कोप-पत्र।

इतारत (اطارات) अ. स्त्री—चिडिया आदि को उडाना।

इतालः (اطاله) अ. पु.—दे 'इतालत'।

इतालत (اطالت) अ. स्त्री—लवा करना, तवील करना।

इतालत (عطالت) अ. स्त्री—निठल्लापन, बेकारी।

इताहत (اطاحت) अ. स्त्री.—मार डालना, हलाक करना, डालना, भीतर करना।

इत्आम (اطعام) अ. पु.—खाना खिलाना, भोजन देना।

इत्तिआद (العتاد) अ. पु.—वचन देना, वादा करना।

इत्तिआव (العتاب) अ. पु.—दुःख में डालना, मुसीबत में फाँसना।

इत्तिका (العتا) अ. पुं—संयम, इद्रिय-निग्रह, पारसाई।

इत्तिका (العتا) अ. पु.—भरोसा करना, सहारा ढूँढना; भरोसा, सहारा।

इत्तिकान (العتان) अ. पु.—दृढता करना, मजबूती करना।

इत्तिकार (العتار) अ. पु.—धोसला बनाना।

इत्तिकाल (العتال) अ. पु.—भरोसा करना, सहारा पकड़ना।

इत्तिखाअ (العتان) अ. पु.—ग्रहण करना, लेना।

इत्तिजार (العتار) अ. पु.—व्यवसाय करना, व्यापार करना, तिजारती कारोवार करना।

इत्तिजाह (العتاح) अ. पु.—प्रकाशित होना, रीशन होना।

इत्तिफाक (العتاق) अ. पु.—संयोग, दैवयोग, अचानकपन; मैत्री, दोस्ती, एकता, इत्तिहाद; सहमति, राय का एक होना।

इत्तिफाकन (العتاقاً) अ. वि.—सहसा, अचानक, अकस्मात् यदृच्छया, दववशात्, अचानक।

इत्तिफाकात (العتاقات) अ. पुं—आकस्मिक होनेवाली घटनाएँ।

इत्तिफाकियः (العتاقية) अ. वि.—दे 'इत्तिफाकन'।

इत्तिफाकी (العتاقی) अ. वि.—आकस्मिक, नागहानी, संयुक्त, मिला-जुला, मुत्तहदा।

इत्तिवाअ (العتاع) अ. पु.—अनुकरण, पैरवी, धर्म या पथ का अनुसरण, मतानुगमन।

इत्तिलाअ (اطلاع) अ. स्त्री—सूचना, खबर, इत्तिला, इत्तला।

इत्तिलाअन (اطلاعاً) अ. वि.—इत्तिलाअ के लिए, सूचनार्थ।

इत्तिलाअनामः (اطلاع نامه) अ. फा पु.—वह पर्चा जिसमें इत्तिलाअ दर्ज हो, सूचनापत्र।

इत्तिलाई (اطلاعی) अ. वि.—सूचना से सवद्ध।

इत्तिसाअ (العتاع) अ. पु.—चौड़ा होना, विस्तृत होना, आँख का एक रोग।

इत्तिसाक (العتاق) अ. पु.—क्रमवद्ध करना, तर्तीव देना, इकट्ठा होना, एकत्र होना, ठीक होना।

इत्तिसाख (العتاخ) अ. पु.—मैला होना, दूषित होना।

इत्तिसाफ (العتاف) अ. पु.—प्रशंसा करना, तारीफ करना; किसी विशेष गुण का अधिकारी समझा जाना।

इत्तिसाम (العتام) अ. पु.—चिह्न बनाना, निशान करना; अकित करना, नक्श करना।

इत्तिसाल (العتال) अ. पु.—मिलना, एक जगह होना, बराबर होना, लगातार होना, मेल-मिलाप, निरतरता; क्रमशः।

इत्तिहाद (إحصاء) अ पु—एकत्व, एकता मेल मिलाप, मन्त्री, दोस्ती ।
 इत्तिहाबी (إحصائي) अ वि—परस्पर एकता और मन्त्री रखनेवाले वह राज्य जा परस्पर मित्र हा ।
 इत्तिहाफ (إحصاف) अ पु—भेंट नना तोहफा दना, उपहार भेंट, पुरस्कार, ताहफा ।
 इत्तिहाब (إتهاب) अ पु—किसी के नाम हिवा करना, बरदाना, वस्त्राग स्वीकार करना ।
 इत्तिहाम (إتهام) अ पु—आरोप लगाना इल्जाम दना, आरोप लाउन दोष ताहमम ।
 इत्तनाब (إتهان) अ पु—रखा करना, बाना, बात रबी चौडी करना ।
 इत्ता (إطاعا) अ पु—आग बुझाना, चिराग गुठ करना ।
 इत्ताल (إطعمال) अ पु—छोटा बच्चा होना गिगु होना ।
 इत्ताअ (إتعا) अ पु—अनुयायी होना परो हाना ।
 इत्ताव (إطعا) अ पु—दरवाजा भटना, किवाट बंद करना ।
 इत्ताव (إطعا) अ पु—खाना पकाना, बावरचीगरा करना ।
 इत्ताल (إتعا) अ पु—गभुता रखना दुसमनी रखना, ड्रेप बर गभुता अदावत मित्रता भग करना ।
 इत्ताअ (إتعا) अ पु—किता का लालच म डालना प्रलोभन दना ।
 इत्ताम (إتعا) अ पु—समाप्त करना खत्म करना समाप्ति पूति ।
 इत्तामे हुज्जत (إتعا حصم) अ पु—किसी का जासिरी तीर पर बुराई भलाई समाना देना ताकि फिर अगर वह काम करे ता उसकी जिम्मेदारी दूसरे पर न हा ।
 इत्मीनान (إتعا) अ पु—सुष्टि सतुष्टि सत्र विषयाम प्रथय यकीन सात्वना तगल्ली ।
 इत्मीनानी (إتعا) अ वि—इत्मीनानवाग ध्यकिन विदवस्त इत्मीनानवागी वात ।
 इत्मान (إتعا) अ पु—प्रवग करना भीतर जाना प्रवेग दाखिला ।
 इत्र (عطر) अ पु—सुगध सुगन्ध पुगपसार फूल का इत्र ।
 इत्र मागी (عطر اعم) अ पा वि—इत्र म बना हुआ ।
 इत्रत (عتر) अ स्त्री—सतान ओलाग स्वजन अडीज ।
 इत्रदान (عترदान) अ पा पु—इत्र रखने की पिठारी ।
 इत्रवेज (عطرवेज) अ पा वि—इत्र का महक फलानेवाला सुगध बग्यानेवाला ।
 इत्रा (إتعا) अ पु—किगी की प्रगछा बड़ा चढ़ावर करना ।
 इत्राअ (إتعا) अ पु—अतिठ करना, नगा करना ।

इत्राब (إتعا) अ पु—मट्टी म मिलाना, मट्टी में भर जाना, मालदार हाना ।
 इत्रास (إتعا) अ पु—ढ करना मजबूत बनाना बराबर करना ।
 इत्राह (إتعا) अ पु—नीव रखना, बुनियाद डालना डालना ।
 इत्रीफ (عطر) अ पु—शूर वीर, वहाडुर, महारथा, सफ शिव ।
 इत्रीफल (إتعا) अ पु—एक यूनानी अवलेह जिसमें हड, बहेग जावला होना है विकला का मुअरब ।
 इत्रीय (إتعا) अ पु—सिबया ।
 इत्रीयत (عطر) अ स्त्री—सुगध, खुसानू, इत्रपन ।
 इत्ताअ (إتعا) अ पु—बधनपुवत करना खालना, कटना जारी करना दस्त जाना, चरिताय हाना, गुताबिन्न हाना ।
 इत्ताफ (إتعا) अ पु—नट होना, बरवाड हाना, हठ हाना मारा जाना ।
 इत्ताफे जा (إتعا) अ पा पु—प्राणा का नाग, प्राणिया का घात ।
 इत्ताल (إتعا) अ पु—रखा करना, बाना ।
 इत्ताह (إतعا) अ पु—पवित्र करना पाक करना ।
 इत्ताम (إतعا) अ पु—सालन जिसस राटी रायी जागी है व्यजन ।
 इत्तामत (إतعا) अ स्त्री—नित्यता, शाश्वतता, हमगगा ।
 इत्तार (إتعا) अ पु—सस्था सभा, अजुमन कायलिय, दपतर विभाग, महकमा ।
 इत्तारए निजामी (إتعا) अ पु—सय विभाग, पौज महकमा ।
 इत्तारत (إतعا) अ स्त्री—सपादन एडोटीरी ।
 इत्तारिय (إतعا) अ पु—सपातवीय रग एडोटीरियल ।
 इत्ताक (إतعا) अ पु—वारीक करना कूटवर बग करना ।
 इत्ताखान (إتعا) अ पु—अलग होना, पृथक हाना ।
 इत्ताखाल (إतعا) अ पु—प्रवेश करना, दाखिल करना अदर र जाना रथा आदि जमा करना ।
 इत्तायाम (إتعا) अ पु—किता चीज को बें बचाय खाना पाड के मुह म लगाम दना किमी अगर का दूसरे अगर म मित्रवर एक हाना आगे ।
 इत्ताजान (إتعا) अ पु—डार की सर्पा हाना मंह की सर्पा लगना ।
 इहूत (عذب) अ स्त्री—गणना गिननी मुसलमाना म पति के मग्ने या तगड इन क वाग का वह समय जिसमें स्त्री

पुनर्विवाह नहीं कर सकती, वह समय सौ दिन का होता है।

इद्दिआ (إدعاء) अ पु.—दावा करना, इच्छा करना, दावा।

इद्दिआम (إدعاء) अ पु.—तकिया लगाना, सहारा लेना।

इद्दिकार (إدकार) अ पु.—याद करना, नसीहत पकडना।

इद्दिकार (إدकार) अ पु.—जमा करना, जखीरा करना।

इद्दिलाज (إدلاج) अ पु.—रात्रि का पिछला भाग बीतना।

इद्दिहान (إدधान) अ पु.—तेल चुपटना।

इद्दनाफ (إدनाف) अ पु.—सूरज (सूर्य) का अस्त होने के करीब होना।

इद्दवाज (إدवाज) अ पु.—किसी वस्तु को लपेटना।

इद्दवार (إدवार) अ पु.—दख्खता, निर्धनता, कगाली, तवाही, दुर्दशा।

इद्दमान (إدमान) अ पुं.—लोहलुहान होना, खून में तर होना।

इद्दमाक (إदماक) अ पु.—अगोचर वस्तुओं का अनुभव, गैर-महमूस चीजों की दर्यापत, ज्ञान, बोध, समझ-बूझ।

इद्दनाज (إदनाज) अ पु.—परस्पर लिपटना।

इद्दरार (إदरार) अ पु.—जारी होना, तेज वर्षा होना; वृत्ति, वजीफा, वार-वार पेशाव करना, वार-वार पुरस्कार और वख्शिज देना।

इद्दलाज (إदلاج) अ पुं.—रात में सैर करना, रात की सैर, रात्रि का पहला भाग बीतना।

इद्दहान (إدधान) अ पु.—खियानत करना, खियानत, फूट डालना।

इद्दहाम (إدहाम) अ पुं.—काला होना, सियाह होना।

इन्ब (عنب) अ पु.—अगूर, ब्राक्षा।

इन्बीय: (عنبه) अ पु.—आँख का एक पर्दा।

इन्बुस्सा'लव (عنب الدعلب) अ पु.—मकोय, एक प्रसिद्ध वनौपधि।

इन्ना (عنان) फा स्त्री—'इन्ान' का लघु, दे 'इन्ान', लगाम, वागडोर, अश्वपरिचालक सूत्र।

इन्ना गदिश (عنان گردس) फा स्त्री—घोड़े का कावा।

इन्नागीर (عنان گیر) फा वि—लगाम पकडकर सवार को रोक लेनेवाला, आगे बढ़ने न देनेवाला, चलते हुए काम में बाधा डालनेवाला, बाधक, मुजाहिम, निरोधक।

इन्ना गुसिस्त: (عنان گسسته) फा वि—जिस घोड़े की लगाम टूट गयी हो और वह इधर-उधर मारा-मारा फिर रहा हो, स्वच्छद, निरकुश, मुत्लकुल इन्ना।

इन्ना ताव (عنان تاب) फा वि—वह सधा हुआ घोड़ा जो लगाम के इशारे पर चले।

इना (إنا) अ पु—वरतन, जर्फ।

इनाअत (إنائت) अ. स्त्री—विलंब, देर, ढील, सुस्ती; आहिस्तगी, धीमापन।

इनाद (عناد) अ. पु.—गत्रुता, वैर, दुश्मनी, द्वेष, कीना।

इनान (عنان) अ स्त्री—घोड़े की लगाम, कविका।

इनाने हुकूमत (عنان حکومت) अ. स्त्री—हुकूमत की वागडोर, शासनसूत्र, शासन-तंत्र।

इनावत (إنابت) अ स्त्री—ईश्वर की ओर फिरना; वुरे कामों से अलग हो जाना, तौबा करना।

इनायत (عدايت) अ स्त्री—कृपा, दया, अनुकृपा, मेहरबानी, इरादा करना, दुख उठाना किसी के लिए।

इनायतनाम: (عدايت نامه) अ. फा पु—कृपापत्र, किसी दोस्त या बड़े आदमी के पत्र के लिए बोलते हैं।

इनारत (إنارت) अ स्त्री—आग जलाना, जलाना, प्रकाशित करना।

इनास (إناس) अ स्त्री—'उसा' का बहु, स्त्रियाँ, महिलाएँ, औरते।

इन्आम (إنعام) अ पु—पुरस्कार, वख्शिज, किसी काम के लिए उजरत के अलावा रुपया।

इन्इक्ताद (إنعقاد) अ. पु.—आयोजन, सभा आदि की व्यवस्था, होना, मनुअक़िद होना, आयोजित होना।

इन्इकास (إنعكاس) अ पु—परछाई पडना, प्रतिबिंबित होना, अक्स, प्रतिबिंब।

इन्इताफ (إنعطاف) अ पु—लौटना, फिरना, प्रवृत्त होना, रुजू होना, झुकना।

इन्इदाम (إنعدام) अ पु—नष्ट होना, ध्वस्त होना, मिट जाना।

इन्का (إنقا) अ पु—चुनना, बीनना।

इन्काज (إنقاد) अ पु—छुडाना, मुक्त कराना।

इन्कार (إنكار) अ पु—अस्वीकृति, न मानना, नामजूरी।

इन्कास (إنكاس) अ पु—औधा करना, उलटा करना, खोलना।

इन्कास (إنعاص) अ पु—कम करना, घटाना, नाकिस करना, अपूर्ण कर देना।

इन्किजा (إنقضا) अ पु—समय पूरा हो जाना, नियत समय का बीत जाना।

इन्किजाज (إنعماض) अ पु—ऊपर गिर पडना।

इन्किताअ (إنقطاع) अ. पु—कटना, विच्छिन्न होना, अलग-अलग होना।

इन्किवाज (إنعماض) अ पु—सिकुडना, मिचना, चित्त का मलिन और उदासीन होना, चिन्ता, आशंका।

इन्दिबाव (انداب) अ पु—मुह क बल गिरना, आपधिया की धूनी लेना ।

इन्दिमात्र (انتماع) अ पु—अपमानित और तिरस्कृत हाना, जलीले स्वार हाना ।

इन्दिमाद (انسان) अ पु—बगीभूत हाना, अधीन हाना सावे' हाना ।

इन्दिमाव (انقراض) अ पु—बटना टुकड़े हाना, समय का खत्म हाना, मूढ़त पूरी हाना ।

इन्दिमाव (انسلع) अ पु—उखडा हुआ होना, उखडना ।

इन्दिमाव (انسل) अ पु—उलट-मलट परिवर्तन काल चक्र समय का उलट-फेर राज्य-परिवर्तन प्राप्ति, शासन की टूटनी ।

इन्दिमावत (انساب) अ पु—रगावार इन्दिमाव ।

इन्दिमावी (انسابی) अ वि—इन्दिमाव लानेवाला वह व्यक्ति जो किसी वडे इन्दिमाव लाने की साजिश में गरीब हो ।

इन्दिमाव (انماع) अ पु—बादल खुल जाना अन्न छट जाना ।

इन्दिमाव (انشاب) अ पु—प्रकट होना जाहिर हाना खुलना पता चलना गवेयणा उहवीक ।

इन्दिमाव (انصاب) अ पु—मूर्ख को ग्रहण लगना सूयग्रहण होना ।

इन्दिमाव (انسام) अ पु—बटना विभक्त होना तकाम हाना तन्नीम विभाजन बटवारा ।

इन्दिमाव (انصا) अ पु—टूटकर टुकड़े-टुकड़े हाना ।

इन्दिमाव (انساد) अ पु—टूटना टुकड़े हाना नम्रता विनय लाकगारी ।

इन्दिमाव (انصراع) अ पु—बटना विच्छिन्न हाना ।

इन्दिमाव (انصراع) अ पु—बाधा खाना फरब में आ जाना ।

इन्दिमाव (انصصاص) अ पु—किमी गड के नीचे जट होना नीचे गिर पडना ।

इन्दिमाव (انصفا) अ पु—मकुचित होना लज्जित होना सजा सकाच छिपकत ।

इन्दिमाव (انصواب) अ पु—फटना टुकटना ।

इन्दिमाव (انصراط) अ पु—आधमिया में जाना किसी चीज में धूमना मुईम डारा डारना डारे में पियेया जाना ।

इन्दिमाव (انصرام) अ पु—ठीकना कम हा जाना ।

इन्दिमाव (انسلع) अ पु—नष्ट हाना बरबाद हाना बेधा हुई हवा का उखटना ।

इन्दिमाव (انسل) अ पु—बैठना बाधा जाना ।

इन्दिमाव (انسل) अ पु—नष्ट होना तराह हाना, नाश तवाही ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—शुभित हाना, खेद में होना, गमगोन हाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—डुबकी मारना, गोडा लगाना निमज्जन ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—बख लगाना, पेश लगाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ वि—कलीब नपुसक नामद ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—मनीर माय दे 'मनीर माय' ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—व्यय करना, मच करना जीविता दना राजी देना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—आरी करना भेजना प्रेषण खाना करना तलवार मारना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—रडाई में लूट का माल बांधना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—लज्जित हाना गर्मिदा होना किमी अमर से प्रभावित हाना, लज्जा मचाच क्षम ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—मुकत होना अदा होना छटना, अलग-अलग हाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—रिसना, टपटना निक्लना प्रकट होना, पीप बहना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—बादल छट जाना, फट जाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—टुकड़े-टुकड़े होना उखलत करना पदा करना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—खुलना विसृत होना डुराग होना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—फटना शिगापत हाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—अकला हाना तनहा होना ।

इन्दिमाव (انعام) अ वि—एक आत्मी का, व्यक्तिगत बयवितक गल्ली ।

इन्दिमाव (انعام) अ स्वा—जनेलापन बमिस्ती ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—फटना फट जाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—टूट जाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—बाद का निगय होना प्रसन्न हाना निगय प्रसल ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—गिकारी का गिकार के लिए आड में छिपना छिपना लुप्त होना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—मिन्नता दास्ती चापटूरी चाटुवारिटा अनुबधा दया मुक्ति पाना छुटकारा बराबर हाना एक-सा हाना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—आरी करना फिराना ।

इन्दिमाव (انعام) अ पु—खबर पहुँचाना सूचना देना ।

इन्हाव (انهاص) अ. पु.—लूटना, गारत करना ।
 इन्हिजाज़ (انهمضاص) अ. पुं.—टूटना, शिकस्त होना ।
 इन्हिज़ाम (انهمضام) अ. पु.—पचना, हजम होना ।
 इन्हिज़ाम (انهمضام) अ. पु.—पराजय होना, हारना; पराजय, शिकस्त ।
 इन्हितात (انحصاط) अ. पुं.—ह्रास होना, घटना; कमी, ह्रास ।
 इन्हितात (انحصات) अ. पुं.—पतझड़, खिजाँ ।
 इन्हिताम (انحصام) अ. पु.—शिकस्त होना, टूटना ।
 इन्हिदाव (انحصاد) अ. पु.—कुवडा होना, कुब्ज, कूबड ।
 इन्हिदाम (انهمصام) अ. पु.—मकान आदि का ध्वस्त होना, गिरना, बरबाद होना, वीरान होना, ध्वस, बरबादी ।
 इन्हिना (انحصا) अ. पु.—टेढा होना, झुकना, टेढ, झुकाव; कुब्जपन, कुवड़ापन ।
 इन्हिमाक (انهمصاى) अ. पुं.—तन्मयता, संलग्नता, तल्ली-
 नता, तनदिही, किसी कार्य में दत्तचित्त होना ।
 इन्हिमाम (انهمصام) अ. पु.—गलना, घुलना, पिघलना ।
 इन्हिराफ (انهمصراف) अ. पु.—एक ओर को फिर जाना; किसी की ओर से फिर जाना, अवज्ञाकारी हो जाना, अवहेलना, अनाज्ञा, अवज्ञा, नाफरमानी ।
 इन्हिलाल (انهمصلال) अ. पु.—विस्तृत होना; नष्ट होना, नापंद होना, तुच्छ होना, नाचीज होना ।
 इन्हिलाल (انهمصلال) अ. पु.—बहुत अधिक वर्षा होना, मूसलाधार पानी बरसना ।
 इन्हिसार (انهمصصار) अ. पु.—निर्भर होना, आश्रित होना, मुनहसिर होना, निर्भरता, दारोमदार ।
 इन्हिसार (انهمصसार) अ. पुं.—बाल झड़ जाना ।
 इफाक: (اواقه) अ. पु.—रोग का स्वास्थ्य की ओर परिवर्तन, आरोग्य-लाभ, फिर से होश में आना, सँभाल लेना, आरोग्योन्मुखता ।
 इफाकत (اواقه) अ. स्त्री—दे 'इफाक' ।
 इफाज: (اواقه) अ. पु.—मार डालना, हलाक करना ।
 इफाज: (اواقه) अ. पु.—यश पहुँचाना, फ़ैज पहुँचाना, बहुत अधिक दान करना ।
 इफाजत (اواقه) अ. पु.—दे 'इफाज' ।
 इफाद: (اواقه) अ. पुं.—लाभ पहुँचाना (विद्या आदि का, धन का नहीं) ।
 इफादत (اواقه) अ. स्त्री—दे 'इफाद' ।
 इफादी (اواقه) अ. वि.—ऐसी चीज जिससे ज्ञान की वृद्धि हो ।
 इफादीयत (اواقه) अ. स्त्री—लाभकारिता, उपादेयता, फाइदायदी ।

इफ़क (اواقه) अ. पु.—झूठ, मृपा, मिथ्या, असत्य; आरोप, लांछन, बोहतान, झूठा इल्जाम ।
 इफ़कार (اواقه) अ. पु.—विना दाना-पानी के होना, फ़ाके से होना, निर्जल व्रत रहना ।
 इफ़जाअ (اواقه) अ. पुं.—डराना, भय-प्रदर्शन, खौफ दिलाना ।
 इफ़जाल (اواقه) अ. पु.—कृपा, दया, अनुकंपा, करम; बढ़ाना, वृद्धि करना ।
 इफ़जाह (اواقه) अ. पु.—निन्दा करना, बदनाम करना; भर्त्सना करना, फ़जीह्वत करना ।
 इफ़ता (اواقه) अ. पु.—'फतवा' देना, यह बताना कि धर्म के अनुसार अमुक काम कैसा है ।
 इफ़तार (اواقه) अ. पुं.—रोजा खोलना, रोजा खोलने के लिए कुछ खाना या पीना ।
 इफ़तारी (اواقه) अ. स्त्री—रोजा खोलने की खाद्य सामग्री ।
 इफ़ितआल (اواقه) अ. पु.—आरोप, मिथ्या लांछन, बोहतान ।
 इफ़ितकाक (اواقه) अ. पुं—पृथक् होना, अलग होना, जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी ।
 इफ़ितकाद (اواقه) अ. पु.—अनुकंपा करना, मेहरबानी करना, अनुपस्थित करना, खो देना, खोजना, तलाश करना, खोई हुई वस्तु को ढूँढना, अन्वेषण ।
 इफ़ितकार (اواقه) अ. पु.—दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधुता, विनीति, आजिजी, तिरस्कृति, हवारी ।
 इफ़ितखार (اواقه) अ. पु.—गर्व, गौरव, मान, फख्र ।
 इफ़ितज़ाह (اواقه) अ. पु.—फ़जीह्वत करना, निन्दा करना, भर्त्सना करना, निन्दा, भर्त्सना, रुस्वाई ।
 इफ़िततान (اواقه) अ. पु.—झगड़ा खड़ा करना, ववडर बनाना, झगड़े में डाल देना ।
 इफ़ितताश (اواقه) अ. पुं—तपतीश करना, जाँच-पड़ताल करना, खोज लगाना ।
 इफ़ितताह (اواقه) अ. पु.—उदघाटन, अनुष्ठान, शुरुआत, खोलना, खुलना, प्रारम्भ करना ।
 इफ़ितताहीय: (اواقه) अ. पु.—संपादकीय लेख, अग्र लेख, एडीटोरियल ।
 इफ़ितदा (اواقه) अ. पु.—प्राणों के बदले माल देना, किसी के प्राण ले लेने पर उसके वारिसों को धन देकर राजी कर लेना ।
 इफ़ितरा (اواقه) अ. पु.—आरोप; लांछन, तोहमत ।
 इफ़ितराक (اواقه) अ. पु.—परस्पर एक दूसरे को अलग-अलग कर देना, फूट डालना, फूट, वैमनस्य ।
 इफ़ितरा पर्दाज़ (اواقه) अ. फा वि.—झूठा आरोप लगाने-

वाता झुठा आरोप लगाकर झगडा खडा कर देनेवाला।
 इतिहास (इतिहास) अ पू -गत निकालना दांत चमकाना।
 इतिहास (इतिहास) अ पू -निल्ला करना, बगमाइ करना,
 सात्र रना टाह लगाना।
 इतिहास (इतिहास) अ पू -किसी चिह्न में किसी वस्तु का
 पहचानना यात्रे पर चढ़ना गन्तव्यता मार डालना।
 इतिहास (इतिहास) अ पू -हृषित हाना मुग हाना गुनी
 मनाना।
 इपना (इपना) अ पू -नाश करना नष्ट करना, फना
 करना।
 इफान (इफान) अ पू -याग-याग लाना।
 इफत (इफत) अ स्त्री -सत्रात्व पातित्रय इम्मत अस्मत।
 इफत मजाब (इफत मजाब) अ वि -सना पतित्रया, बादस्मत्।
 इफत (इफत) अ पू -फिरगिम्तान यूराप इग्लिस्तान।
 इफती (इफती) अ वि -अश्रेष्ठ यूरापियन।
 इफत (इफत) अ स्त्री -प्राच्य वायुय वृत्तात क्यत।
 इफतो तमीत (इफतो तमीत) अ स्त्री -आधिक्य एव
 यूनता कमावेग याग-वृत्त धारतम्य यूनतधिव।
 इफा (इफा) अ पू -अधिक्य और यूनता विवाग्ता
 औरकमा।
 इफाह (इफाह) अ पू -हृषित करना प्रसन्न करना सुख
 करना।
 इफ्रीत (इफ्रीत) अ पू -राशस दव।
 इफलाज (इफलाज) अ पू -किसी अंग का मुत्र हा जाना
 फालिज गिरना।
 इफलाज (इफलाज) अ पू -वनहानता, कगात्री मुफलिनी।
 इफलाज (इफलाज) अ फा वि -दृष्टि नियत
 मुफलिज दृष्टिता स पीठिय नियनता स दुमी।
 इफलाज (इफलाज) अ फा स्त्री -दृष्टिता
 नियनता मुफलिज।
 इफलाह (इफलाह) अ पू -हित करना भलाई करना समष्टि
 सुगहानी मुक्ति मोन।
 इफला (इफला) अ पू -प्रकट करना जाहिर करना।
 इफलाएराब (इफलाएराब) अ फा पू -रहस्य का प्रकट हो
 जाना भेज सुज जाना।
 इफसाद (इफसाद) अ पू -उपद्रव करना प्रयाद करना नष्ट
 करना उबाह करना।
 इफहाम (इफहाम) अ पू -समझाना अच्छी तरह बताना
 बाज करना।
 इफहाम (इफहाम) अ पू -किसी का वाद विवाग् में उक्त
 द्वारा चुप कर देना।

इफहामो तज्जीम (इफहामो तज्जीम) अ पू -स्वय समझना
 और दूसरे का समझाना विचार विनिमय समझौते का
 बातचीत।
 इफहाग (इफहाग) अ पू -अज्ञानी यात्रे बनना, फुग
 बनना, अवाध्यवाद।
 इबा (इबा) अ स्त्री -अस्वाहृति इन्कार घणा भङ्गत पिन।
 इबाद (इबाद) अ पू -अज्ञ वा बहु, सबकयाग, दास लोप
 गुलाम।
 इबादत (इबादत) अ स्त्री -उपानना, आगमना पूना
 कयाग उप तपस्या।
 इबादतघान (इबादतघान) अ फा पू -इवान्तर करन का
 स्थान उपागना गह, मज्जिद मन्त्रि गिर्नी आनि।
 इबादतगाह (इबादतगाह) अ फा स्त्री -दे इवान्तरघान।
 इबादतगुवार (इबादतगुवार) अ फा वि -अज्ञ अधिक
 इवान्तर करनेवाला तपस्या तप गाल।
 इबात (इबात) अ स्त्री -अज्ञर विवाय, पगवना,
 इबात यत लभ अनुलेख इम्ला, लय तहृरार।
 इबात आराई (इबात आराई) अ फा स्त्री -यागदद,
 इबात में बना-बनाकर गाल लाना, लेख को अलकाफि
 स मुसम्मिद करना इबात को पुस्तकलुक बनाना
 लय लिखना।
 इबाहत (इबाहत) अ स्त्री -किसी खान-मान अथवा काग
 का घम के अनुसार विहित हाना मुवाह हाना।
 इबिल (इबिल) अ पू -अज्ञ उष्ट यह गाल बहुवचन।
 इबिल एकवचन नहा है।
 इबआद (इबआद) अ पू -दूर करना हयाना दूर फेंकना।
 इबना (इबना) अ पू -बाकी रखना, बचा लना।
 इबना (इबना) अ पू -रखाना, रदित करना।
 इबनार (इबनार) अ पू -प्रात काल, प्रमाव सवरा मुबह।
 इबन (इबन) अ स्त्री -वयन कय।
 इबना (इबना) अ पू -दर करना विलम्ब करना, डील डालन
 इबनाल (इबनाल) अ पू -मुठलाना, गलत ठहूराना सङ्ग
 करना, कर्ण करना खडन तर्दीद।
 इबतिआद (इबतिआद) अ पू -दूर हाना पय से हटना।
 इबतिआर (इबतिआर) अ पू -नया करना नवीन करना।
 इबतिआ (इबतिआ) अ पू -इच्छा करना चाहना चाँह
 इच्छा साहिदा।
 इबतिआल (इबतिआल) अ पू -अपव्यय फुल्लुखर्ची अग्नी
 लता फुल्लुखर्ची फल्लुखर्ची।
 इबतिआ (इबतिआ) अ स्त्री -प्रारम्भ आरम्भ, गुम्बार्द
 आनिवाल, इबतिआए जमाना।

इन्तिदाअन् (انتداعاً) अ वि.-आरम्भ में, पहले-पहल, शुरू-शुरू में ।
 इन्तिदाई (انتدای) अ वि.-प्रारम्भिक, प्राथमिक, आदिम, शुरू का, पहला ।
 इन्तिला (انتلا) अ पु.-परीक्षा, आजमाइया; दु स में डालना; दु स, कष्ट, मुसीबत ।
 इन्तिलाअ (انتلاع) अ पु.-निगलना, हलक में उतारना ।
 इन्तिलाल (انتلال) अ पु.-भीगना, तर होना ।
 इन्तिसाम (انتسام) अ पुं.-खिलना, प्रफुल्ल होना, हँसना, मुस्कराना ।
 इन्तिहाज (انتهاج) अ पु.-आनन्द, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी ।
 इन्तिहाल (انتهاال) अ पु.-रोना-धोना, रोना, गिडगिडाना ।
 इन्दा (اندا) अ पु.-प्रकट करना, जाहिर करना, उत्पन्न करना, पैदा करना ।
 इन्दाअ (انداع) अ पु.-ऐसी वस्तु बनाना जो बिलकुल नयी और अनोखी हो, आविष्कार करना ।
 इन्दाल (اندال) अ पु.-बदलना, एक अक्षर को दूसरे अक्षर से बदलना ।
 इन् (ان) अ पु.-पुत्र, बेटा ।
 इन्ः (انده) अ स्त्री-पुत्री, बेटी ।
 इन्ना (اننا) अ पु.-नीव डालना, बनाना ।
 इन्नुल अख (ان الاخ) अ पु.-भतीजा, भाई का लडका ।
 इन्नुल इस (ان العرس) अ पु.-नेवला, एक जगली जन्तु ।
 इन्नुल उख्त (ان الاحत) अ पु.-भानजा, वहन कालडका ।
 इन्नुल शैव (ان الغيب) अ पु.-वह लडका जिसके पिता का पता नहीं, जारज, दोगला, अज्ञातकुलशील ।
 इन्नुल लवून (ان اللبون) अ पु.-ऊँट का दूध पीता बच्चा ।
 इन्नुल वक़्त (ان الوقت) अ पु.-वह व्यक्ति जो अपने को समय के अनुसार ढाल ले, अवसरवादी ।
 इन्नुसवील (ان السبيل) अ पु.-पथिक, मुसाफिर, राहगीर ।
 इन्ने आवा (ان اول) अ पु.-शृगाल, गीदड, सियार ।
 इन्ने सुव्ह (ان الصبح) अ पु.-सूर्य, सूरज ।
 इन्नः (اندره) अ पु.-नाव या जहाज का महसूल, राहदारी का महसूल, नदी पार करना, खिराज ।
 इन्नः (اندره) अ स्त्री-मुई, सूची ।
 इन्नत (اندر) अ स्त्री.-वह मानसिक खेद जो किसी बड़े आदमी को बुरी अवस्था में या किसी अपराधी को कड़ी सज़ा या दैवी कष्ट में देखकर होता है ।
 इन्नत अगेज (اندره انگریز) अ फा वि.-इन्नत पैदा करनेवाली बात ।

इन्नतखेज (اندرت خدیو) अ. फा. वि.-ऐसी बात जिससे इन्नत पैदा हो ।
 इन्नतनाक (اندرت نای) अ. फा. वि.-इन्नत अंगेज; भयानक, भयंकर, बहुत सख्त ।
 इन्ना (انرا) अ पु.-वेजारी, उपेक्षा; रोगमुक्ति, शिफा, अदा करना, चुकता करना, पवित्र होना, शुद्ध होना, पाक होना ।
 इन्नाक (انراک) अ पु.-विजली गिराना, विजली का शाक लगना ।
 इन्नाज (انرار) अ पु.-प्रकट करना, जाहिर करना ।
 इन्नानी (انرانی) अ स्त्री-मुत्क शाम की एक प्राचीन भापा, इन्नी ।
 इन्नाम (انرام) अ पु.-दृढ़ करना, मजबूत करना, कष्ट देना, दृ प्तित करना, रस्मी बटना ।
 इन्नार (انرار) अ पु.-भलाई करना, बख्शिश करना, यश देना ।
 इन्नाहीम (انرا هیم) अ. पु.-एक पंगम्बर जिन्हें नम्रूद ने आग में जलाना चाहा था, परन्तु वह आग का समुद्र उनके लिए वाग बन गया ।
 इन्नी (اندری) अ स्त्री-दे 'इन्नानी' ।
 इन्नीक (اندریک) अ पु.-एक प्रकार का चमड़े का टोंटीदार लोटा, शराव का जग ।
 इन्नीज (اندریز) अ. पु.-खरा सोना और चाँदी ।
 इन्नीज (اندریج) अ स्त्री-छाछ बिलोने की रई, मथानी ।
 इन्नेशम (اندریشم) अ. पु.-रेशम, कौशेय, कच्चा रेशम, रेशम का कोया ।
 इन्ल (انل) अ. पु.-ऊँट, उष्ट्र, दे 'इविल', दोनो शुद्ध हैं ।
 इन्लाग (انلاخ) अ पु.-पहुँचाना, भेजना ।
 इन्लीस (انلیس) अ पु.-जो ईश्वर की दया से निराश हो, शैतान, दैत्य ।
 इन्त्तार (انصارد) अ पु.-देखना, आलोकन, अवलोकन ।
 इन्वहाम (انرام) अ पु.-चुपके से कहना, चुपके से छोड़ देना, द्वार बन्द करना, अँगूठा, निगूढता, क्लिष्टता, इगलाक ।
 इन्मा (انما) अ स्त्री-'अमत' का बहु, लौडियाँ, दासियाँ, कनीजे ।
 इन्मादः (انماده) अ पु.-स्तम्भ, सुतून ।
 इन्माद (انماد) अ पु.-इन्माद का बहु, खम्भे, सुतून ।
 इन्माम (انمامه) अ पु.-पगडी, उष्णीप, साफा ।
 इन्माम (انمام) अ पु.-नेता, अग्रसर, पेशवा, नमाज पढ़ानेवाला, जो नमाज में इन्मामत करे ।

इमामत (امام) अ स्था-नतत्व नवापन पावाफ
 नमाज पाना नमाज पान का नौकरी।
 इमामतपेग (امامت) अ पा वि-बहुव्यक्ति जा
 किसी मसजिद में नमाज पान कर जाविका चलाता हा।
 इमामिय (اماميه) अ वि-गाजा मुसलमान।
 इमामे नातिव (امام ناطق) अ पु-हजरत इमाम जा फर
 सालिह अभिभाषक इमाम उयगक-धमपुष्ट।
 इमारत (امارات) अ स्था-धनाढयता मागारा गामन
 राज्य हुकूमत हिदा म अमारत प्रचलिज अमार म
 भाववाचक सना बनी।
 इमारत (عمارة) अ स्त्री-मकान विगिय।
 इमाल (امالة) अ पु-फामों अथवा अरबी म बिना
 गज के अलिफ का य बना दना जस किताब का
 किताब कर दना।
 इमजान (امعان) अ पु-गहरी दलि डालना और स
 देखना सूब और करना गहरा सोचना।
 इमजान नजर (امعان نظر) अ पु-गहरी दलि गाहर
 नजर नूम दलि।
 इम्कान (امكان) अ पु-नभावना मुमकिन हाना हा
 सकन का भाव।
 इम्बा (امبا) अ प-आग्य जारा करता किसी वागज
 पर माहर और हस्ताकर करता।
 इम्ताज (امتاج) अ पु-लाभ पनुवाना।
 इम्तार (امتار) अ पु-गानी बरचना बपा हाना।
 इम्तिजाज (امتجاج) अ पु-रग उतर जाना रग फाका
 पज जाना।
 इम्तिजाज (امتجاج) अ पु-हडा स गुन निवालना।
 इम्तिजाज (امتجاج) अ पु-मिगना मिगित करना
 मिथण मिगवट।
 इम्तिदाद (امتداد) अ पु-बिचा हुआ हाना बाघता
 उम्बाई विस्तार।
 इम्तिगदे जमान (امتداد زمان) अ पु-अधिक समय बीत
 जाना बाघकालानता।
 इम्तिनाज (امتناء) अ पु-निघष प्रतिवष मनाहा।
 इम्तिनाए गराब (امتلاء سواب) अ प-मय निघष
 गराववनी।
 इम्तिनान (امتنان) अ पु-अच्छा अच्छी नमन दना ए
 मान एनना हुवन करना।
 इम्तिपाव (امتياز) अ पु-ग एक-नी चीज म म
 करना बिबन टमीज मुखता खुमूयियत एक का हुमरे
 पर टमीह परागा म विद्यायियों का अछ नम्बर रान

के फलस्वरूप डिस्टिक्शन विगप वाग्यता।
 इम्तिपावनाम (امتيازنامه) अ पा पु-लाग्यसु।
 इम्तिपावा (امتياز) अ वि-मुख खुनूमा विगप।
 इम्तिराग (امتياز) अ पु-उच्च रना छीनकर भागना।
 इम्तिला (امتلاء) अ पु-ग में अन्न का अधिक हो
 जाना वगहमी अजाण भर जाना आगमान अकार।
 इम्तिगत (امتياز) अ पु-वाला म कधी करना।
 इम्तिसाल (امتياز) अ पु-आना-गलन फर्मावगरी।
 इम्तिसाले अय (امتياز امر) अ पु-हुकम मानना आता
 पालन करना।
 इम्तिसाले हुकम (امتياز حکم) अ पु-इम्तिपाव अय।
 इम्तिसाल (امتياز) अ पु-नूसना चूपण।
 इम्तिहात (امتياز) अ पु-नाक साफ करना।
 इम्तिहान (امتياز) अ पु-गरागा जांच परख
 विद्यायिया का परीगा पगइ की जांच।
 इम्तिहान (امتياز) अ पु-अपमानित रखना।
 इम्तिहाल (امتياز) अ पु-माहलन रना छुटी दना।
 इम्बाद (امتداد) अ स्था-सहायता मग सहायण।
 इम्बावे बाहमी (امتداد باهمی) अ पा स्त्री-मिल जुल्लर
 काम करना सहकारिता।
 इम्बा (امتداد) अ पु-पट म अन्न का पचना खाना हुबम होना।
 इम्बात (امتداد) अ पु-आवाणी जनमख्या।
 इम्बात (امتداد) अ पु-गुजारा गुजरवाना।
 इम्बरोव (امتداد) अ पा वि-आज का आज के दिन का।
 इम्बरोव (امتداد) अ पा पु-आज अथ आज का दिन।
 इम्बल (امتداد) अ पु-नाम मबदूरी।
 इम्बा (امتداد) अ स्था-अगर विभास इवारत थकल
 अनुत्थ बहु इवारत जा बच्चा का फन्क लिखाय बिन
 लिखायी जानी है भरना।
 इम्बा (امتداد) अ पु-दरिद्रता कगाला फरीरी
 साधता।
 इम्बाक (امتداد) अ प-किसी को किना वस्तु का खर्च
 बनाना मालिक करना।
 इम्बाल (امتداد) अ पु-सित करना मुतूल करना।
 इम्बाल (امتداد) अ पु-येग गिरना भ्रूणपात।
 इम्बाह (امتداد) अ पु-नमकीन करना नमक मिलाता।
 इम्बाव (امتداد) अ स्था-आज की रात आज रात।
 इम्बा (امتداد) अ प-रात कर दना हाक बल अना
 अवस्था का परिवर्तित हाना।
 इम्बाल (امتداد) अ पा प-रम साक मौजूदा छाल।
 इम्बाल (امتداد) अ पु-नान-नाक काटना।

इम्मास (إمساس) अ. पु.—शर्मा करना, हृना; मर्दन, ममलना ।
 इम्हाल (إمهال) अ. पु.—मोहमान देना, नमय देना ।
 इम्हा (إمها) अ. पु.—प्रकट, व्यस्त, स्पष्ट, जाहिर (अर्था) ।
 इम्हाज (إمهاج) अ. स्त्री—ताण, न्धा पनाह ।
 इम्हादत (إمهادت) अ. स्त्री.—रोगी का हाल पूछने और उसे दान्म देने के लिए उनके पास जाना ।
 इम्हाव (إمهاव) अ. पुं—नापन आना, गैटना, प्रत्यागमन ।
 इम्हावीलहाव (إمهاवीلهاव) अ. पु.—आना-जाना, यानायात ।
 इम्हारिज (إمهاريج) अ. पु.—एलुजा, गुआरपाठा (गोबुआर) का मुत्ताया हुआ रग ।
 इम्हाल (إمहाल) अ. पु.—वाल-बच्चे (अयाह) ।
 इम्हालत (إمहालत) अ. स्त्री—रगमाली करना, निर्गक्षण; दट देना, मजा देना, जट-फटकार करना ।
 इम्हालत (إمहालत) अ. स्त्री—वाल-बच्चोंवाला होना ।
 इम्हास (إمهاस) अ. पुं—निगम होना, नाउम्मीद होना ।
 इम्हाम (إمهاम) अ. पु.—'आद' नाम की कौम का नगर; 'आद' नामक व्यक्ति का पिता, वह कृत्रिम स्वर्ग जो शहाद ने बनाया था, स्वर्ग, विहिस्त ।
 इम्हाभत (إمهاभत) अ. स्त्री—दिग्गाना, नुमाउय करना ।
 इम्हाक: (إمهاक) अ. पु.—पानी या कोई दूसरी पतली चीज गिराना ।
 इम्हाक (إمهاक) अ. पु.—पूर्वी जरव का एक देग, जिमकी राजधानी 'बगदाद' है ।
 इम्हाकत (إمهاकत) अ. स्त्री—दे. 'इम्हाक' ।
 इम्हाग: (إمهاग) अ. पु.—दे. 'इम्हागत' ।
 इम्हागत (إمهاगत) अ. पु.—मांगना, तलव करना ।
 इम्हाद. (إمهاद) अ. पु.—सकल्प, कस्द, निश्चय, तहैय; इच्छा, रवाहिय ।
 इम्हादत (إمهاदत) अ. स्त्री—श्रद्धा, आस्था, एतिकाद ।
 इम्हादत केश (إمهاदत كेश) अ. फा वि—श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मोतिकद; भक्त, नियाजमंद ।
 इम्हादतन (إمهاदतन) अ. वि—जान-बूझकर, कस्दन ।
 इम्हादतमंद (إمهاदतمند) अ. फा वि—दे. 'इम्हादतकेश' ।
 इम्हादी (إمهاदी) अ. वि—इम्हादे का, इम्हादे से सम्बन्धित ।
 इम्हावत (إمهاवत) अ. स्त्री—शक करना, सदेह करना; किसी को सदेह में डालना ।
 इम्हाहत (إمهاहत) अ. स्त्री—मरना, किसी चीज को बू सूंधना, अपवित्र होना, सुख देना; तृप्त होना ।
 इम्हाश (إمهاश) अ. पु.—दूसरे को कँपाना ।
 इम्हा (إمها) अ. स्त्री—स्नायु; पट्टा, रग ।

इम्हाज (إمهاج) अ. पु.—बच्चे का पेट में फिरना ।
 इम्हाम (إمهاम) अ. पु.—जान, लिखना ।
 इम्हास (إمهاस) अ. पु.—उछागना; बच्चे को खेल में लगाना, जट को भगाना ।
 इम्हासता (إمهاسता) अ. स्त्री.—वह दर्द जो चूतट में एमी तक उठता है, कुत्रग, गुफसो स्नायु-मूल, साइटिका, नर्वस पेन ।
 इम्हा (إمها) अ. पुं—टोलना करना, थिथिल करना, छोट देना ।
 इम्हास (إمهاस) अ. पु.—मस्ता करना, भाव गिराना ।
 इम्हाम (إمهاम) अ. पु.—अपमानित करना, जलील करना, नाक रगड़वाना ।
 इम्हा (إمها) अ. पु.—आगान्वित करना, फेरना, राने का रगम के करीब आना ।
 इम्हा (إمها) अ. पु.—मनाना, गजी करना ।
 इम्हाज (إمهاज) अ. पु.—रजूअ करना, आकृष्ट करना, मुनवज्जेह करना ।
 इम्हाअ (إمهاअ) अ. पु.—रत्री का बच्चे का दूध पिलाना ।
 इम्हाजद (إمهاजद) अ. पु.—कपन, कँपकँपाहट, थरथरी, लजिय ।
 इम्हाआद (إمهاआद) अ. पु.—कँपकँपी, कँपन, लर्जा, कँपना, बरथराना ।
 इम्हाकाज (إمهاकाज) अ. पु.—रगटना, मर्दन, भरोसा करना ।
 इम्हाकास (إمهاकास) अ. पु.—पेट में डोलना, बच्चे का पेट में हरकत करना ।
 इम्हाकाव (إمهاकाव) अ. पु.—पाप करना, किसी बुरे काम की शुरुआत करना, किसी चीज पर सवार होना ।
 इम्हाकाव (إمهاकाव) अ. पु.—आशा रखना, उम्मेद रखना ।
 इम्हाकावे गुनाह (إمهاकावे گناه) अ. फा पु.—पाप करना, गुनाह करना ।
 इम्हाकावे जुम (إمهاकावे حرم) अ. पु.—अपराध करना, कुसूर करना ।
 इम्हाकास (إمهاकास) अ. पु.—सस्ता खरीदना, भाव गिराकर मोल लेना ।
 इम्हाजा (إمهاजा) अ. पु.—आशा रखना, आशान्वित होना ।
 इम्हाजा (إمهاजा) अ. पु.—राजी होना, प्रसन्न होना; पसद करना ।
 इम्हाजाअ (إمهاजाअ) अ. पु.—लौटाना, फिराना ।
 इम्हाजाअ (إمهاजाअ) अ. पु.—बच्चे का स्त्री का दूध पीना ।
 इम्हाजाज (إمهاजाज) अ. पु.—हिलना, डोलना, कँपकँपाना, थरथराना ।
 इम्हाजाल (إمهاजाल) अ. पु.—विना सोचे तुरन्त ही किसी विषय पर बोलने लगना, विना सोचे तुरन्त ही कविता करना, किसी काम को तुरन्त ही कर देना ।

इतिजालन (إرتجال) अ वि-इतिजाल के तीर पर, फिलवदीह आगु गति से ।

इतिताम (إرتظام) अ पु-दलदल में पैंगना गिरफनार होना नीचे जाना कीचड में कोई चीज फकना ।

इतिदा (إرتداد) अ पु-चादर जोटना ।

इतिदाद (إرتداد) अ पु-धम-परिवतन अपना धम छोड कर दूसरे धम म चरा जाना ।

इतिकाम (إرتكاف) अ पु-ऊचा उठना वही सं निवलना गल्ला उठाना लगान देग की जाय ऊचाई ।

इतिकाम (إرتكاف) अ पु-साय देना, दास्ती निवाहना कोटनी का तबिया लगाना वाहनी पर टेक लगाना ।

इतिबाल (إرتباط) अ पु-एक चीज को दूसरी से बाधना मेल मिलाप मत्री दास्ती ।

इतिबाह (إرتباج) अ पु-व्यापार म व्याज लेना ।

इतिबाद (إرتباد) अ पु-मागना तलब करना दूटना खोज लगाना ।

इतिबाब (إرتباب) अ पु-शक म डालना शका में डालना ।

इतिबाश (إرتباش) अ पु-अवस्था वा अच्छा होना ।

इतिबाह (إرتबाह) अ पु-प्रसन होना हर्षित होना खुग होना ।

इतिशा (إرتशा) अ पु-रिखत लेना घूम लना उल्कीष ग्रहण ।

इतिशाक (إرتशाक) अ पु-चूसना ।

इतिसाम (إرتسام) अ पु-चित्रित करना चित्र बनाना ।

इतिहान (إرتهان) अ पु-रेहन की वस्तु अपने पास धरना गिरी रखना ।

इतिहाल (إرتحال) अ पु-किसी वस्तु को एक जगह से उठाना वही जाना प्रस्थान करना कूष करना ।

इविगद (إرتगद) का वि-चारो ओर चहुपाम चारा तरफ आम-गाम ।

इर्वा (إرتा) अ पु-मार डालना ।

इर्फान (إرتफان) अ पु-विवेक पान तमीज ब्रह्मज्ञान मा रिफ्त ।

इव (إرت) अ स्त्री-आवश्यकता जरूरत ।

इमन (إرتमन) अ पु-एक दंग वावेधिया ।

इमनी (إرتमनी) अ वि-इमन वा निवामी कारेधियन ।

इमगि (إرتमग) अ पु-दग मारना पाखाना निकल जाना ।

इमगि (إرتमग) अ पु-गम रेत से जलना ।

इर्वा (إرتा) अ पु-गानी देना मराव करना तप्त करना ।

इर्वा (إرتा) अ पु-सीधा रास्ता लियाना आना देना हुकम करना दीगा देना हियमत करना आना

हुकम, दीक्षा, पीर की हिदायत, धमगुफ का उपदेश ।

इर्शा (إرتशा) अ पु-कुहार पडना, धीमी बर्पा होना आँधू गिरना, गून टपकना ।

इस (إرت) अ स्त्री-किसी काम वा पुस्त दर पुस्त चलना मीरास, मूल, अमल राख वाकी बचा हुई वस्तु, परम्परा पूव प्रचलित मायता ।

इर्साद (إرتساد) अ पु-निरीक्षण, नियरानी करना, देखभाल करना ।

इर्सा (إرتसा) अ पु-प्रेषण भेजना भूलना, उपहार भट, तोहफा ।

इलल आन (إرتالان) अ जव्य-अब तक इम समय तक अब भी, अघापी ।

इला (إرت) अ स्त्री-भलाई, ज-छाई नवी नमत, निव्य पदाय ।

इलाक (إرتक) अ पु-क्षेत्र सकिल जग, मुलक प्रदेग, निव ।

इलाज (إرتाज) अ पु-उपचार चिकित्सा, दवा-दाह उपाय प्रयत्न तदवीर ।

इलाज पिबीर (إرتाज पबीर) अ फा वि-जो दवा कि वाकि हो साथ्य ।

इलाब (إرتाब) अ अय-अतिरिक्त मिवाय । हिती में जलावा प्रचलित है । (अलावा) ।

इलाह (إرتाह) अ पु-ईश्वर, जल्लाह खुदा ।

इलाहा (إرتाहा) अ अव्य-हे ईश्वर ए खुदा ।

इलाही (إرتाही) अ अय-मेरा ईश्वर मेरा सदा, ईश्वर, खुदा ।

इलाहीमात (إرتाहीमात) अ स्त्री-ब्रह्मज्ञान से सम्बंधित शास्त्रादि ।

इलाबा (إرتाबा) अ पु-खलना थोडा करना ।

इल्का (إرتका) अ पु-पहुंचाना डालना दबी गक्ति द्वारा अनायास मन म काई विचार उत्पन्न होना जिससे अनिष्ट से बचान जयवा इष्ट क ग्रहण की ओर सनेत हो ।

इल्मा (إرتमा) अ पु-डालना, फेंकना हटाना निवारण करना झुठलाना ।

इल्जा (إرتजा) अ पु-चुराई और पाप से बचना, अपन काम का ईश्वरेच्छा पर निभर कर देना ।

इल्जाक (إرتजाक) अ पु-चिपचना चिपकाना ।

इल्जाम (إرتजाम) अ पु-पाडे के मूँह में लगाम देना ।

इल्जाम (إرتजाम) अ पु-पाप अपराध जुम कोई बात अपन ऊपर वा दूसरे पर लाजिम कर देना ।

इल्जामात (إرتजामात) अ पु-इल्जाम वा बद्ध दाप-समूह यगुन ग अपराध जराइम ।

इल्ताफ (إلطف) अ पु—कृपा करना, दया करना, करम करना (लुत्फ का बहुवचन अल्ताफ) ।

इल्तिका (إلتىقا) अ पु—इकट्ठा होना, एक दूसरे में घुसना, एक दूसरे को देखना ।

इल्तिकात (إلتىقات) अ. पुं—चुनना, बीनना, चुनकर इकट्ठा करना ।

इल्तिकाम (إلتىكام) अ पु—कौर करना, निवाला करना ।
इल्तिजा (إلتىجا) अ स्त्री—प्रार्थना करना, दरखास्त करना, प्रार्थना, दरखास्त, दुहाई देना ।

इल्तिजाक (إلتىजाक) अ पु—चिपकना, सटना ।

इल्तिजाज (إلتىजाज) अ पु—लडना, युद्ध करना ।

इल्तिजाज (إلتىजाज) अ पु—स्वाद लेना, मजा चखना, आनंद लेना, लुत्फ उठाना ।

इल्तिजाम (إلتىजाम) अ पु—किसी कार्य को अपने ऊपर लाजिम और अनिवार्य कर लेना ।

इल्तिफात (إلتىफات) अ पु—कनखियो से देखना, कृपा, दया, तवज्जुह, प्रवृत्ति, प्रणय-कटाक्ष, कृपाकौर ।

इल्तिवास (إلتىवास) अ पु—एक-सा होना, सदृश होना, सदृशता, मुशावहत ।

इल्तिमाअ (إلتىमाअ) अ पु—चमकना, प्रकाशमान् होना ।

इल्तिमास (إلتىमास) अ स्त्री—प्रार्थना करना, सवाल करना, प्रार्थना, सवाल ।

इल्तियाअ (إلتىयाअ) अ पु—प्रेम की अग्नि से हृदय का दाह ।

इल्तियात (إلتىयात) अ पु—चिपकाना, मिलाना, जोडना ।

इल्तियाम (إلتىयाम) अ पु—घाव का भरना, जखम का अच्छा होना, परस्पर पैवस्त होना ।

इल्तिवा (إلتىवा) अ पु—लिपटना, मुलतवी होना, रुक जाना ।

इल्तिसाक (إلتىसाक) अ पु—चिपकना ।

इल्तिसाम (إلتىसाम) अ पु—किसी चीज को चूमना ।

इल्तिहा (إلتىहा) अ पु—दाढी निकलना ।

इल्तिहाफ (إلتىहाफ) अ पु—सिर से कपड़ा ओढना ।

इल्तिहाब (إلتىहाब) अ पु—आग का भडकना, आग का लपटें मारना ।

इल्फ (إلف) अ पु—अभ्यस्त होना, आदत पड जाना ।

इल्फाफ (إल्फाफ) अ पु—लपेटना ।

इल्वाय (إल्वाय) अ पु—वसना, ठहरना, मुकीम होना ।

इल्वास (إल्वास) अ पु—कपडे पहनना ।

इल्म (علم) अ. पु. विद्या, विज्ञान, ज्ञान, जानकारी, धित्य, दस्तकारी, कला, फन, बुद्धि, अक्ल; विवेक, यजर, शिक्षा, तालीम ।

इल्मदौं (علمدان) अ फा वि—विद्वान्, पंडित, आलिम, फाजिल ।

इल्मदोस्त (علمدوست) अ फा वि—विद्या से प्रेम करने-वाला, विद्वज्जनो की कद्र करनेवाला, गुणग्राही ।

इल्मी (علمی) अ वि—इल्म से सम्बन्धित, इल्म का; विद्वत्तापूर्ण, काविलाना ।

इल्मीयत (علمییت) अ स्त्री—विद्वत्ता, पांडित्य, काविलीयत, योग्यता ।

इल्मुत्तवारीख (علمالتواريخ) अ पु.—इतिहास विज्ञान, तारीख का इल्म ।

इल्मुन्निसा (علمالنساء) अ पु—कोकशास्त्र, कामशास्त्र ।

इल्मुल अल्लाक (علمالاحلاق) अ पु—नीतिशास्त्र ।

इल्मुल अगिजय: (علمالاعزیه) अ. पु.—आहार-विज्ञान, भोजन-विज्ञान ।

इल्मुल अज्जसाम (علمالاحسام) अ पु—शरीर-विज्ञान ।

इल्मुल अद्विय: (علمالادویه) अ पु—औषधि-विज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, ।

इल्मुल अफलाक (علمالافلاک) अ पु—अतरिक्ष-विज्ञान ।

इल्मुल अवदान (علمالانسان) अ पु—दे 'इल्मुलअज्जसाम' ।

इल्मुल अम्माज (علمالامراض) अ. पु.—रोग-निदान-शास्त्र ।

इल्मुल अर्वाह (علمالادواح) अ पु—प्रेतविद्या ।

इल्मुल अस्सिन: (علمالاسنة) अ पु—भाषा-विज्ञान ।

इल्मुल अश्जार (علمالاشجار) अ पु—वृक्षायुर्वेद, वनस्पति-शास्त्र, निघण्टु-विज्ञान ।

इल्मुल आ'जा (علمالاعضا) अ पु—शरीर-रचना-शास्त्र ।

इल्मुल इकितसाद (علمالاقتصاد) अ. पु.—अर्थशास्त्र ।

इल्मुल इतिका (علمالادقاق) अ पु—विकास-विज्ञान ।

इल्मुल इलाज (علمالعلاج) अ पु—चिकित्सा-शास्त्र ।

इल्मुल काविल: (علمالقادله) अ पु—धात्रीविद्या, दाय-गरी, रोगीपरिचर्या-विज्ञान ।

इल्मुल जराहत (علمالجراحات) अ पु—शल्यशास्त्र, शल्यविद्या ।

इल्मुल मिसाहत (علمالمساحات) अ पु.—ज्यामिति, क्षेत्रगणित, रेखागणित ।

इल्मुल हयात (علمالحیات) अ पु—जीव-विज्ञान ।

इल्मुल हैवान (علمالحیوان) अ. पु.—प्राणिशास्त्र ।

इल्मे अदव (علمادب) अ पु—साहित्य-शास्त्र ।

इल्मे अरुज (علمعروض) अ पु—पिंगल, छंद शास्त्र ।

इल्मे इंशा (علمإنشاء) अ. पु.—गद्य-रचना-शास्त्र ।

इल्मे इंसाफ (علمانصاف) अ. पु.—व्यवहार-शास्त्र ।

इल्मे इलाज (علمعلاج) अ प—दे. 'इल्मुलइलाज' ।

इल्मे इलाहीयात (علم الهیات) अ पू-द्वान शास्त्र ।
 इल्मे कलाम (علم کلام) अ पू-मामासा तक्शास्त्र ।
 इल्मे इफ्तिय (علم فقه) अ पू-अनुप्रास शास्त्र ।
 इल्मे कियाम (علم ریاضه) अ पू-सामुद्रिक-शास्त्र अगविद्या ।
 इल्मे कोमिया (علم کیمیا) अ पू-रमायन-शास्त्र ।
 इल्मे शय (علم طب) अ पू-परोस विद्या, भविष्य ज्ञान, परोस ज्ञान ।
 इल्मे जरासीम (علم جراحی) अ पू-काटविद्या कटिबी, कीटाणु विज्ञान ।
 इल्मे जिमादात (علم حسابات) अ पू-खनिज विज्ञान, धातु विद्या ।
 इल्मे तटलीक (علم لتعلیق) अ पू-सष्टि विज्ञान ।
 इल्मे तबकानुलअख (علم طبقات الارض) अ पू-भूगर्भ शास्त्र भूमिकी भूगर्भ विद्या ।
 इल्मे तबईयात (علم طبعیات) अ पू-प्रकृति विज्ञान विज्ञान शास्त्र ।
 इल्मे तमदुदन (علم تدوین) अ पू-नागरिक शास्त्र ।
 इल्मे तसबूफ (علم تصوف) अ पू-अध्ययन ब्रह्मविद्या ।
 इल्मे तख्तौर (علم لتختیر) अ पू-व्यतीकरण शास्त्र ।
 इल्मे तारीख (علم تاریخ) अ पू-दे इल्मुत्तारीख ।
 इल्मे तिजारत (علم لتجارت) अ पू-वाणिज्य शास्त्र ।
 इल्मे तिल्लिम (علم تلخیص) अ पू-भाजविद्या इद्रजाल ।
 इल्मे दस्तबीनी (علم دستبندی) अ फा पू-हस्त सामुद्रिक विद्या ।
 इल्मे दोन (علم دین) अ पू-धर्मशास्त्र ।
 इल्मे नफसीयात (علم نفسیات) अ पू-मनोविज्ञानशास्त्र मानसशास्त्र ।
 इल्मे नबातात (علم نباتات) अ पू-वनस्पति शास्त्र उदभिज शास्त्र ।
 इल्मे नुजूम (علم نجوم) अ पू-फलित ज्योतिष ज्योतिष विज्ञान ।
 इल्मे फलसफ (علم فلسفه) अ पू-विज्ञान साइस पदार्थ विज्ञान दशनशास्त्र वेदान्त ब्रह्मविद्या ।
 इल्मे बयान (علم بیان) अ पू-फसाहता बलागत वा हक वचन-मटुता भाषण-कौशल ।
 इल्मे मतिक् (علم منطق) अ पू-न्यायशास्त्र तक्शास्त्र तक्विद्या ।
 इल्मे माइल (علم معقول) अ पू-द्वानशास्त्र तक्शास्त्र ।
 इल्मे माइनीयात (علم معدنیات) अ पू-खनिज विज्ञान ।
 इल्मे मारिफत (علم معرّفه) अ पू-अध्ययन ज्ञान ।

इल्मे मुआगरत (علم معاشرت) अ पू-समाज-शास्त्र ।
 इल्मे मुनाजर (علم مذاکره) अ पू-शास्त्राय विज्ञान ।
 इल्मे मुसीकी (علم موسیقی) अ पू-संगीतशास्त्र, गान विद्या नाट्यशास्त्र ।
 इल्मे मोजूदात (علم موجودات) अ पू-सष्टि विज्ञान ।
 इल्मे रिपायत (علم ریاضت) अ पू-योगशास्त्र ।
 इल्मे रिपाओ (علم ریاضی) अ पू-गणितशास्त्र ।
 इल्मे रोमिया (علم رسمنا) अ पू-द्वजाल, जादूगरा ।
 इल्मे लदुनो (علم لدنی) अ पू-व्यतीकरण ज्ञान ।
 इल्मे लिसानोयात (علم لسانیات) अ पू-द इल्म अलिम ।
 इल्मे नौर (علم شعر) अ पू-काव्यशास्त्र ।
 इल्मे सनाअत (علم صناعت) अ पू-शिल्प-शास्त्र ।
 इल्मे सनाए (علم صنایع) अ पू-जलकाराणि-शास्त्र ।
 इल्मे तिपली (علم تغلی) अ पू-विद्याचिद्या भूत विद्या ।
 इल्मे तियासत (علم سیاست) अ पू-राजनीति-शास्त्र ।
 इल्मे सीमिया (علم سیمیا) अ पू-परकथ प्रबं विद्या ।
 इल्मे सेहत (علم صحّت) अ पू-स्वास्थ्य विज्ञान ।
 इल्मे हिविस (علم هیئت) अ पू-गणितशास्त्र जगशास्त्र ।
 इल्मे हैअत (علم هایت) अ पू-उगाल विज्ञान ।
 इलयास (علم ایس) अ पू-एक पगम्बर जो सदा जीवित रह्यो यह समुद्रो क सरक्षक ह ।
 इल (ال) अ पू-वचन प्रतिज्ञा पमान गरण अमान गणव सौमद ।
 इल्लत (علم) अ स्त्री-कारण हनु सबव राग धामारी दुव्यसन वुरील्लत, झण्ट ।
 इल्लतुल इल्ल (علم العلل) अ स्त्री-मूल कारण निदान सारे कारणा वा कारण ईश्वर, खुदा ।
 इल्लतुल मशाइख (علم المشایخ) अ स्त्री-भूवें लोपा वाला दुव्यसन गुशान व्यसन बुरा काम करान की लल भवेसिया ।
 इल्लते आपताव (علم آفتاب) अ स्त्री-बमल रोग, यखान ।
 इल्लते उबन (علم ابله) अ स्त्री-इल्लतुल मशाइख ।
 इल्लते राई (علم عالی) अ स्त्री-मूल कारण निदान अल्ल सबव जिस कारण के लिए कोई काम किया जाय ।
 इल्लते ताम्मा (علم نامه) अ स्त्री-पूरा कारण कामिल सबव ।
 इल्लते फाड़ले (علم فاضلی) अ स्त्री-किसी काय वा कारण, जस-मकान के लिए राज ।

- इल्लते सूरी (علمت صوری) अ स्त्री—जाहिरी इल्लत, जैसे—मकान का आकार ।
- इल्ला (إلا) अ. अव्यय—मगर, परन्तु; नहीं तो, वरना ।
- इल्लाक (إلصاق) अ. पु—चिपकाना ।
- इल्लाह (إلها) अ पु—झगड़े में जलना ।
- इल्लाहक (إلحاक) पु—मिलाना, जोटना, मूल पुस्तक में ऊपर से कुछ जोड़ देना, धोपक ।
- इल्लाहद (إلحد) अ पु—नाम्नाना, बेदीनी ।
- इल्लाहान (إلحدان) अ. पु—म्यर-माधुर्य, चुगआयाजी, गान, नम, अच्छी आवाज़, कठ-माधुर्य ।
- इल्लाहव (إلهاب) अ. पु—भाग भङ्कना, थोले उठना ।
- इल्लाहाम (إلहाम) अ पु—ईश्वर की ओर से हृदय में आयी हुई बात, देववाणी, आवागवाणी ।
- इल्लाहह (إلحاح) अ पु—गिड़गिड़ाना, आजिर्जा करना, घिघियाना, चुगामद, बिनती; गिड़गिड़हट ।
- इल्लाहोबारी (إلحاح زاری) अ फा स्त्री—रोना और गिड़गिड़ाना ।
- इवान (إوان) फा पु—ईवान, प्रासाद, महल ।
- इशक (إشک) तु पु—गधा, गदहा, खर ।
- इशा (إشأ) अ स्त्री—रात्रि, रात, रात का अँधेरा, रात की नमाज़ ।
- इशाअत (إشاعت) अ स्त्री—प्रचार, प्रसार, मुश्तहरी, सस्करण, एडीशन, प्रकटन, जुहर ।
- इशाकत (إشاکت) अ स्त्री—गड़ाना, चुभोना ।
- इशादत (إشادت) अ स्त्री—ऊँचे स्वर से पटना ।
- इशारः (إشارة) अ पु—सकेत, इगित, ईमा; तात्पर्य, मतलब ।
- इशारःबाजी (إشارة باری) अ.फा स्त्री—आपस में इशारे करना, सकेत करना ।
- इशारत (إشارة) अ स्त्री—दे 'इशार' ।
- इशारतन् (إشارة تان) अ.वि—सकेत से, इशारे में, सकेत करके ।
- इशारात (إشارات) अ पु—इशार का बहु, इशारे ।
- इश्आर (إشعار) अ पु—सचेत करना, सूचना देना, आगाह करना ।
- इश्आल (إشعال) अ पु—आग भडकाना ।
- इश्क (إشک) अ पु—प्रेम, अनुराग, आसक्ति, मोह, महव्वत, दुर्व्यसन, लत ।
- इश्कनः (إشکنه) अ पु—बढई का बर्मा ।
- इश्कबाज़ (إشک بار) अ फा वि—इश्क करनेवाला, प्रेमी ।
- इश्कबाजी (إشک باری) अ फा स्त्री—प्रेम-व्यवहार, इश्क करना ।

- इश्काल (إشکال) अ पु—कठिनाता, दुष्करता, दुश्चारी, कठिनाई ।
- इश्काल (إشکال) अ पु—ठोकर; फिसलन ।
- इश्के पेचा (إشک و پچه) अ फा पु—एक बेल, जो पेड़ों पर लिपट जाती है ।
- इश्के मजाजी (إشک محاربی) अ पु—मानव-प्रेम, भौतिक प्रेम, प्राणियों में प्रेम, नानात्मिक प्रेम ।
- इश्के हफीकी (إشک حقیقی) अ. पु—ईश्वर-प्रेम, ईश्वर-भक्ति, इश्के इलाही ।
- इश्तात (إشتات) अ पु—तितर-वितर करना ।
- इश्तआल (إشتعال) अ पु—उत्तेजना, भडकाना; जोरा दिलाकर मारकाट पर आमादा करना; लपट मारना, भडकना ।
- इश्तिका (إشتیقا) अ पु—उलाहना देना, गिला करना ।
- इश्तिकाफ (إشتیقاك) अ पु—लकड़ी आदि का चीरना, एक शब्द से दूसरा शब्द बनाना ।
- इश्तिकार (إشتیکار) अ पु—शिकायत करना, गिला करना ।
- इश्तिगाल (إشتیغال) अ पु—काम में लगना, मग्न होना; तन्मयता, सलग्नता, मुँह फेरना, बेजार होना ।
- इश्तिदाद (إشتیاد) अ पु—तीव्रता, प्रचंडता, तेजी; अत्याचार, जुलम ।
- इश्तिबाक (إشتیباک) अ पु—दोनों हाथों की उँगलियाँ एक दूसरे में पैवस्त करना, पेट की डालियों का एक दूसरे में गुँथना ।
- इश्तिवाह (إشتیواء) अ. पु—सदेह, शका, शक ।
- इश्तिमाल (إشتیصال) अ पुं—कई चीजों को मिलाकर एक करना ।
- इश्तिमालीयत (إشتیصالیة) अ स्त्री—मिलाकर एक करने का सिद्धांत ।
- इश्तिमाले आराजी (إشتیصال اراضی) अ पु—विभिन्न खेतों की भूमि को मिलाकर एक कर देना, चकवदी ।
- इश्तियाक (إشتیاق) अ. पु—बहुत अधिक शौक, उत्कठा, लालसा ।
- इश्तियाके मालायुताक (إشتیاق مبالا یطاق) अ. पु—ऐसी बढी हुई उत्कठा जो रोकी न जा सके, बहुत ही अधिक लालसा, अभिलाषा ।
- इश्तियाफ (إشتیاف) अ पु—समानित करना, सर बलद रखना ।
- इश्तिरा (إشترار) अ पु—मोल लेना, खरीदना ।
- इश्तिराक (إشتراک) अ पु—भागीदारी, साझा, समानता, मुसावात, साम्यवाद, कम्यूनिज्म ।

इतिहास (इतिहास) अ वि-यह मित्रात माननेवाला
वि दग क धन में सब वावर के भागागर ह, साम्यवादी।
इतिहासीयन (इतिहासीयन) अ स्त्री-साम्यवादी कम्पू
निसम।

इतिहास (इतिहास) अ पु-बाढा बन्ना शत लगाना।
इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-शुधा भूख, इच्छा, स्वादिता
रचि रगवत।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-सूडा भूख।
इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-सचा भूख
तज भूख।

इतिहास (इतिहास) अ पु-प्रचार प्रसार प्रापेगडा विना
पन मुनहरी का पचा मुनादी घोषणा।

इतिहास (इतिहास) अ वि-इतिहास द्वारा प्रसा
रित जसे-इतिहासी दवा बहु अपराधी जो भागा हुआ
हो और जिसके पकड़ने के लिए इतिहास जारी हो इतिहास
के सम्बन्धित।

इतिहास (इतिहास) का स्त्री-छीक विनाव।
इतिहास (इतिहास) अ पु-कृपा करना दया करना कृपा
दष्टि वाम डराना अस्काक भा प्रचलित।

इतिहास (इतिहास) अ पु-नेट भर सिलाना 'जवर'
ज' और 'विना' को इतना बगाना कि वह अल्प, ये और
वाव हो जाय जसे खर में 'न' क जवर को बगाने
दा खार' हा जाय।

इतिहास (इतिहास) अ पु-विधवा का अपने बच्चा के कारण
पुनर्विवाह न करना कृपा करना महत्वाना करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु-संग हाना मुख्य होना एक-सा
हाना।

इतिहास (इतिहास) का वि-छिड़क हुआ बखेरा हुआ।
इतिहास (इतिहास) अ पु-चिराय की ली का व' जाना
चिराय का तज जलना।

इतिहास (इतिहास) अ पु-सूचना सुधाना।
इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-मुख आन' धन आराम भाग
विलास का मुख ऐयागी रूप सुनी।

इतिहास (इतिहास) अ का वि-वह काय विनका
अव आनदमय हा।

इतिहास (इतिहास) अ का पु-रगभवन रगगाला
एगमह'।

इतिहास (इतिहास) अ का पु-इतिहास।
इतिहास (इतिहास) अ का स्त्री-इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ का स्त्री-वह मुख जा
आव प्राप्त हा अर्थात् सासातिक मुख।

इतिहास (इतिहास) अ का स्त्री-वह मुख जा वल
मिन्गा अर्थात् पारलौकिक मुख।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-वह मुख जा धमिक
हा थाडे दिना का मुख जर्मान सासातिक मुख।

इतिहास (इतिहास) अ पु-धमनना, उज्वल होना,
सुयोग्य के पदचान का समय।

इतिहास (इतिहास) अ वि-प्राचीन वानिका का वह रूप
अथवा यवित जा आत्मगत द्वारा दूर बठ हुए पञ्च
पाठन करता था। ये लोग यूनान देश के थे।

इतिहास (इतिहास) अ पु-ऊचा होना, ऊँचे पर बठना
विभी चीज की चोटी पर बठना वाक्त्रिहाना ऊपर से
दखना।

इतिहास (इतिहास) अ पु-बीस।

इतिहास (इतिहास) अ पु-सुदर स्त्रियों का हाव भाव।

इतिहास (इतिहास) अ का वि-दे इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ का स्त्री-इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ का वि-हाव भाव स लिल मा
लेनेवाला (वाली) नाजो जदाज दिवानेवाला (वाली)

इतिहास (इतिहास) अ का स्त्री-हाव भाव विवान क
भाव।

इतिहास (इतिहास) अ का वि-इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ का स्त्री-इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ का वि-इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ का स्त्री-इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ पु-अपने साथ बुराई करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु-नष्ट करना जाए करना त्यागना
छानना।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-बुराई बदी पाप गुनाह।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-सुनन क लिए कान लगाना।

इतिहास (इतिहास) अ पु-तकिया बालिंग उपधान।

इतिहास (इतिहास) अ पु-हैजे में मुखल हाना हैडा हो
जाना।

इतिहास (इतिहास) अ पु-सर बाधने की पट्टी।

इतिहास (इतिहास) अ पु-पट्टी।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-पहुच रमाई ठीक पान,
यथायथा हकीकत।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री-राय का ठीक और
गुद हाना।

इतिहास (इतिहास) अ पु-मक उठाने का तस्मा व' मुख।

इतिहास (इतिहास) अ पु-गुमावित करना भगलवादी
बगाना, मत्री दास्ती।

इस्आफ (اسعاف) अ पुं—इच्छा पूरी करना, काम निकाल देना, किसी का काम उनकी मशा के अनुसार कर देना।
 इस्कंदर (اسكندر) अ पु—मिकंदर, ग्रीकान का प्राचीन शासक।
 इस्कंदरीयः (اسكندرية) अ स्त्री—मिस्र देश का प्रसिद्ध बंदरगाह जिसे मिकंदर ने बनाया था।
 इस्कदार (اسكدار) फा पुं—ठाकिया, हरकारा; ठाक की चीकी।
 इस्का (اسقا) अ पु—पानी या शराब आदि पिलाना।
 इस्कात (اسقاط) अ पु—गिरना, उालना; पेट में बच्चा गिरना या गिराना।
 इस्कात (اسكات) अ पु—चुप कर देना, चुप कर देनेवाली बात करना।
 इस्काते हम्मल (استاط حمل) अ पु—स्त्री के पेट से बच्चा गिरना; गर्भपान, गर्भक्षय, गर्भस्राव।
 इस्कान (اسكان) अ पु—आति, मुकून; अक्षर को हल् करना।
 इस्काफ (اسكاف) अ पु—जूता बनानेवाला, मोची।
 इस्काल (ايقال) अ पु—भारी होना।
 इस्कान (اسكانه) अ पुं—छेद करने का बरमा।
 इस्कीबः (اسكيرة) अ पु—घोड़े की दुल्ती।
 इस्कील (استيل) अ पु—जगली पियाज।
 इस्गा (اسغ) अ पु—वात सुनने के लिए कान झुकाना।
 इस्गाब (اسغاب) अ पु—भूया होना।
 इस्जाअ (استجاع) अ पु—वातों में तुक वाले शब्द धोलना, मुकफा इवारत धोलना, सतुकान्त भाषण।
 इस्तबोल (استنبول) तु पु—यूरोपीय तुर्की की राजधानी, कुस्तुतीनिया।
 इस्त (است) अ पु—मलद्वार, गुदाद्वार, मक्अद का मूराख।
 इस्तखर (استخار-اصطخر) अ पु—तडाग, तालाब, ईरान का एक दुर्ग।
 इस्तत्रक (استترق) अ पु—एक बहुमूल्य रेशमी कपडा।
 इस्तव्ल (استवल) अ पु—अश्वशाला, घुटसाल, तवेला, 'अस्तवल' भी प्रचलित है। (अस्तव्ल)।
 इस्तम (استم) अ पु—अत्याचार, सितम।
 इस्ता (استا) फा स्त्री—प्रशसा, तारीफ।
 इस्ताज (استاج) अ पु—सूत लपेटने का अटेरन।
 इस्ताद (استاد) फा वि—सीधा खड़ा हुआ।
 इस्तादगी (استادگی) फा स्त्री—खड़े होने का भाव, खड़ापन, लिंगेंद्रिय का उत्थान।
 इस्तादनी (استادسی) फा वि—खड़े होने योग्य।
 इस्तारः (استار) अ पु—दे 'उस्तूर'।

इस्तार (استار) अ पु—छिपाना, गोपन, साढे चार मिसकाल या २० $\frac{1}{2}$ माशे का एक भार।
 इस्तिंजा (استنجا) अ पु—मूत्र या शौच के पश्चात् पानी लेना, आवदस्त।
 इस्तिंताक (استنطاق) अ पुं—वात पूछना; प्रश्न करना; 'बोलने की शक्ति चाहना।
 इस्तिंवात (استنداط) अ पु—वात में से वात निकालना, किसी वात में कोई निष्कर्ष निकालना।
 इस्तिंवाह (استنداه) अ पु—चेतावनी चाहना; सतर्कता ढूंढना।
 इस्तिंशाक (استمشاق) अ पु—नाक से हवा या पानी खींचना, नाक से दवा सुंकना, "नोज-स्पञ्ज"।
 इस्तिंसार (استنثار) अ पु—नाक छिनकना, नाक साफ करना, तितर-वितर करना।
 इस्तिंसार (استنصار) अ पु—सहायता चाहना, मदद मांगना।
 इस्तिआजत (استعاذت) अ स्त्री—त्राण चाहना, पनाह ढूंढना, शरणागति।
 इस्तिआदत (استعدادت) अ स्त्री—लौटाने की इच्छा करना।
 इस्तिआनत (استعانت) अ स्त्री—सहायता चाहना, मदद मांगना।
 इस्तिआरः (استعداد) अ पु—उधार लेना; शाइरी की परिभाषा में किसी अगोचर वस्तु को साकार मानकर उस से काम लेना जैसे—'सरे होश' होश का सिर और 'पाए फिक्र' फिक्र के पाँव, इसमें होश और फिक्र को आदमी मानकर उसके सिर और पैर बनाये हैं। 'काव्य में अमूर्त का मानवीकरण', रूपक।
 इस्तिआक (استكای) अ पु—दो कडी वस्तुओं की रगड़ से पैदा होनेवाली आवाज।
 इस्तिआनत (استكانت) अ स्त्री—नम्रता दिखाना, तिरस्कार करना, विनति, नम्रता, आजिजी।
 इस्तिआमत (استقامت) अ स्त्री—सीधा होना; दृढ़ होना, सिधाई, सरलता, दृढता, मजबूती।
 इस्तिक्ताब (استكتاب) अ पु—लिखना, लेखन; किसी चीज के लिखने को कहना।
 इस्तिक्दाम (استقدام) अ पुं—स्वागत करना, पेशवाई करना, आगे होना।
 इस्तिक्फाफ (استكفاف) अ पु—हाथ फैलाना।
 इस्तिक्वार (استكوار) अ पु—अपने को महान् जानना; अवज्ञा करना; आगे होने के लिए कहना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—आगे बढ़कर लना स्वागत करना, स्वागत के लिए आगे जाना, चाद सूरज का आमने सामने होना, यह पूणमासी की रात को होता है, भविष्य, मुस्तकिल

इतिहास (इतिहास) अ पु—गवेषणा करना, तलाश करना, अनुसरण करना परवी करना, कुछ बातों से कोई निष्पन्न निकालना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—उधार मागना, कर्ज चाहना, ऋण लेना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—ठहरना, रुकना शांत होना, प्रमाणित होना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—बार-बार मागना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—अपना हक (स्वत्व, अधिकार) मागना, हक साधित करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—धना करना, नकरत, नापसंद करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—अपन सहार खड़ा होना थाड़ा जानना दबता मजबूती विगी बात पर अल रहना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—विशा चीज के अत का पहचाना, बहुत अधिक इच्छा करना इपणता कजूसी प्रयत्न, आयास, कोशिश।

इतिहास (इतिहास) अ पु—अपनी ज्ञाता (निजी) वागिद स काई चीज या गुण प्राप्त करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—भाग करवाना बटवारे की इच्छा करना गपय छना कसम मिलवाया।

इतिहास (इतिहास) अ पु—रुम करने की इच्छा करना रुम करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—अधिकता चाहना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—विशी काय म दवी सग्यता चाहना पराप नाव की इच्छा करना विशी धार्मिक इति द्वारा यह जानना कि अमुक काम गुम है या अगुम।

इतिहास (इतिहास) अ पु—संवा करने की इच्छा करना नोकरी पानना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—लजा, शम सकोच नामत तिरस्कार छटकार।

इतिहास (इतिहास) अ पु—बाहर निकालना, निष्काशन निकालने की इच्छा करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—वधामुक्त करना छादना। इतिहास (इतिहास) अ पु—बा, नामिद प्रोवगरी का दाया, मरु की पुकार।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री—इतिहास। इतिहास (इतिहास) अ पु—निस्पृहता, अनिच्छा बिनया

इतिहास (इतिहास) अ पु—ईश्वर स पापा का द चाहना, मकित चाहना माय प्राप्ति की इच्छा करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—अपनी दशा में एया होना कि किसी का पतन चल, तमयता, उल्लोनी सलमता, इनहियाक, महवियत।

इतिहास (इतिहास) अ पु—आश्चय म डालना, अन बात करना, बहुत अधिक प्रगासा करना आश्चय हैर

इतिहास (इतिहास) अ पु—रौशनी पवडना प्रकाश हाना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—आना मागना इया चाहना।

इतिहास (इतिहास) अ स्त्री—प्रश्न का उत्तर प्राथना स्वीकार करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—अभिमान करना अ और उड़ता करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—प्रकाशमान करना रो करना।

इतिहास (इतिहास) अ पु—किमलाना। इतिहास (इतिहास) अ पु—अपनी आर लीचना म

वस्तु प्राप्त करना। इतिहास (इतिहास) अ पु—छाया डूढ़ना, छाया

जाना, विता की रक्षा में आना। इतिहास (इतिहास) अ पु—सहायता चाहना विनी

सहायक हाना, बलवान हाना बठ पटना। इतिहास (इतिहास) अ स्त्री—नामय्य, क्षी

मकरत, जार बल क्ववत। इतिहास (इतिहास) अ स्त्री—गाप न करने का

प्रतिना करना, तोवा करना। इतिहास (इतिहास) अ स्त्री—गवित्र करना सुगि

करना आनंद करना। इतिहास (इतिहास) अ पु—पे म छिप जाना, शयब

जाना। इतिहास (इतिहास) अ पु—विगी के बाहर आन

इच्छा करना विगी का भगाने की इच्छा करना नाम तवी।

इतिहास (इतिहास) अ पु—गूचना चाहना भाग पाने की इच्छा करना, गूचना इतिहास।

इतिहास (इतिहास) अ पु—धपन-मुक्त करना, छाडना, रिहा करना।

इस्तिदामत (استدامت) अ स्त्री—नित्यता चाहना, किसी कार्य के हमेशा होने की इच्छा करना ।

इस्तिदारत (استدارت) अ स्त्री—बधक होना, गिरी होना ।

इस्तिद्वा (استدعا) अ पु—प्रार्थना, निवेदन, दरखास्त, 'इस्तिदुआ' भी प्रचलित ।

इस्तिद्फाअ (استدفاع) अ पु—अपने से अलग करना, एक चीज को दूसरी चीज से अलग करना ।

इस्तिद्राक (استدراک) अ पु—समझने की इच्छा करना ।

इस्तिद्राज (استدراج) अ पु—बह करामात या चमत्कार जो किसी नास्तिक द्वारा प्रकट हो ।

इस्तिदलाल (استدلال) अ पु—प्रमाण चाहना, मुवूत माँगना, गवाह माँगना, दलील देना, तर्क करना; तर्क, दलील, प्रमाण, सुवूत ।

इस्तिनाअ (استداع) अ पु—भलाई करना, नेकी करना, फिरना, धूमना ।

इस्तिनाद (استداذ) अ पु—सहारा लगाना, सनद (प्रमाणपत्र) चाहना; प्रमाणित होना ।

इस्तिनावत (استدانت) अ स्त्री—किमी का प्रतिनिधित्व चाहना, नियावत चाहना ।

इस्तिनारत (استنارت) अ स्त्री—प्रकाशमान होना; दूसरे प्रकाशित पदार्थ से प्रकाश ग्रहण करना ।

इस्तिन्काअ (استنقاع) अ पु—सूखे मेवों आदि को पानी में भिगोर कर और हाथ से मलकर, निचोड़कर उनका रस लेना, नुकूअ ग्रहण करना ।

इस्तिन्काफ (استنكاف) अ पु—बुरा जानना, घृणा करना ।

इस्तिन्काज (استنكاض) अ पु—किसी के कपड़ों की तलाशी लेना, झाडा लेना, जामातलाशी ।

इस्तिन्कास (استنكاس) अ पु—जीवन की इच्छा करना, खून निकलना ।

इस्तिफ़ा (استفاه) अ पु—प्रतिष्ठा, वुजुर्गी, स्वीकार करना, लेना ।

इस्तिफाज: (استفاهه) अ पु—किसी का यश चाहना, फंज तलव करना ।

इस्तिफाजत (استفاهت) अ स्त्री—दे. 'इस्तिफाज' ।

इस्तिफाद: (استفاده) अ पु—किसी से लाभान्वित होना, नफा उठाना ।

इस्तिफादत (استفادت) अ स्त्री—दे. 'इस्तिफाद' ।

इस्तिफाफ (استفاف) अ पु—पवित्रवद्ध होना, सफ बाँधना ।

इस्तिफाफ (استفاف) अ पु—फकी फाँकना ।

इस्तिपता (استفتا) अ पु—मुपती से फ़तवा माँगना ।

इस्तिफ़ाग (استفراغ) अ पु—वमन करना, कै करना, उलटी करना; वमन, कै, उलटी; फुर्सत चाहना ।

इस्तिफ़सार (استفसार) अ पु—प्रश्न, सवाल, जिनासा, पूछताछ, दरयापत ।

इस्तिफ़हाम (استفهام) अ पु—किसी चीज को समझना चाहना, समझने की इच्छा करना; पूछना, सवाल करना ।

इस्तिफ़हमे इन्कारी (استفهام انکاری) अ पु—ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की अस्वीकृति प्रकट हो ।

इस्तिफ़हमे इकारी (استفهام اقرای) अ पु—ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की स्वीकृति प्रकट हो ।

इस्तिवाा (استصداغ) अ पु—चमडा रँगना, पानी में गोता देना, ईसाई धर्म में वपतिस्मा देना ।

इस्तिवार (استصدار) अ पु—धैर्य धरना, सन्न करना ।

इस्तिवाह (استصباح) अ पु—सवेरे की गराव पीना ।

इस्तिवाहत (استصاحت) अ स्त्री—धर्म विहित करना, उचित करना, हलाल करना, जायज करना, मुवाह करना ।

इस्तिव्आद (استدعاء) अ पु—दूर हटना, अलग होना, दूर जानना ।

इस्तिव्का (استدقا) अ पु—वाकी रखना, वाकी वचाना, शेष छोड़ देना ।

इस्तिव्ता (استدطا) अ पु—देर करना, ढील करना, विलव करना ।

इस्तिव्दाद (استددا) अ पु—अकेले किसी काम में लगना और किसी की बात न मानना, अत्याचार, जुल्म ।

इस्तिव्दा (استدرا) अ पु—दोप से अलग रहने की इच्छा, पवित्रता, शुद्धि ।

इस्तिव्शार (استدشاد) अ पु—अच्छी खबर पूछना, शुभ समाचार सुनने की इच्छा ।

इस्तिव्सार (استدصار) अ पु—दिव्य दृष्टि, बीनाई, वसारत, बुद्धिमत्ता, दानाई ।

इस्तिमाअ (استماع) अ पु—सुनना, श्रवण ।

इस्तिमालत (استمسالت) अ स्त्री—अपनी ओर आकृष्ट करना, अपने से राजी करना ।

इस्तिम्जाज (استمسراج) अ पु—अनुमति लेना, राय पूछना, 'आज्ञा, इजाजत, मर्जी, अनुमति' ।

इस्तिम्ताअ (استستناع) अ पु—लाभ-प्राप्ति की इच्छा करना, नफा चाहना, नफे की तलाश ।

इस्तिम्दाद (استمداد) अ पु—सहायता चाहना, मदद माँगना, सहायता, मदद ।

इस्तिम्ना (استمنا) अ पु-वीयपात करने की इच्छा, मनी खारिज करना।

इस्तिम्ना बिलयद (استمنا بالمد) अ पु-हायस इद्रिय संचालन करने वीयपात करना, हस्तमयुन हयलम।

इस्तिम्नार (استمراز) अ पु-नित्यता, हमगगी, निरतरता, लगातारपन तसलमुउ।

इस्तिम्नारी (استمरاری) अ वि-जो सप्ता के लिए हो स्थायी माशा अयात भूतकाल का एक प्रकार इस्तमरारी भी प्रचलित।

इस्तिम्साक (استمساکی) अ पु-रोकने की इच्छा करना राकना रोक निराध इकावट चगुल मारना।

इस्तिम्दाद (استمداد) अ पु-शिकार मारना शिकार खेलना शिकार आखेट।

इस्तिराक (استراک) अ पु-चोरी से छिपकर किसी की बात सुनना वनमुए लेना।

इस्तिराद (استراذ) अ पु-फिरना, पलटना।

इस्तिराहत (استراحت) अ स्त्री-सुख चाहना, आराम की इच्छा करना सुख वन विधाम आराम।

इस्तिर्हा (استرحا) अ पु-हीलाहा जाना शरीर के किसी अंग का ढाला और शिथिल हो जाना ढीलापन।

इस्तिर्हाए आसाव (استرحاء اعصاب) अ पु-पट्टो का बीजा पड जाना।

इस्तिर्हास (استرحاص) अ पु-जाने की आज्ञा लेना विदा लेना सस्ता माल लेना।

इस्तिर्हा (استرحا) अ पु-अनुमति लेना मर्जी पूछना राय अनुमति मर्जी।

इस्तिर्जा (استرحاء) अ पु-दो हुई चीज वापस मागना इना लिलाह पढना।

इस्तिर्दान (استردان) अ पु-लौटा लेना वापस माग लेना।

इस्तिर्हाब (استرهاب) अ पु-डराना भयभीत करना।

इस्तिस्लाम (استسلام) अ पु हाय या मुह से पत्थर चूमना।

इस्तिस्लाम (اصطلام) अ पु-अ से उल्लेखना उमूलन।

इस्तिस्लाह (اصطلاح) अ स्त्री-परस्पर सधि करना किसी गद का वह अय जा किमी शास्त्र विशय म किसी निम्नित भाव या उद्देश्य के लिए सबैत मान लिया गया हो परिभाषा।

इस्तिस्लाहत (اصطلاحات) अ स्त्री-परिभाषिक गदावली इस्तिस्लाही गपडा का मयमूआ।

इस्तिस्लाही (اصطلاحی) अ वि-पारिभाषिक परिभाषा वाला गप।

इस्तिस्ला (استلما) अ पु-नेट के बल लेटना चित लटना।

इस्तिस्लाह (استلوان) अ पु-स्वाद ग्रहण करना, मडा लेना, आनद लेना, लुत्फ उठाना।

इस्तिस्वा (استرو) अ पु-समानता बराबरी दापहर का समय मध्याह्न विपुवत रेखा भूमध्य रेखा, खते इस्तिस्वा।

इस्तिस्वार (استروار) अ पु-विजारत चाहना मत्री क पद की इच्छा करना।

इस्तिशार (استشار) अ पु-परामग करना सलह मागना करना।

इस्तिशारत (استشارت) अ स्त्री-इस्तिशार।

इस्तिशार (استشار) अ पु-मन ही मन में डरना।

इस्तिशफाअ (استشفاع) अ पु-सिफारिश चाहना अग गसा-याचना।

इस्तिश्माम (استشمام) अ पु-तूषना।

इस्तिश्हाद (استشهاد) अ पु-गवाही चाहना ग मागना, साणी-याचना।

इस्तिश्हादनाम (استشهادنامه) अ फा पु-प्रमाण सनद डिप्लोमा, सर्टिफिकेट।

इस्तिस्सा (استصا) अ पु-स्वास्थ्य चाहना।

इस्तिस्साद (استسعاد) अ पु-कृत्याण चाहना, भल चाहना, सहायता चाहना मदद चाहना।

इस्तिस्का (استسکا) अ पु-यानी मागना तप पिपासा प्यास वर्षा चाहना, जलघर, जलानर।

इस्तिस्काए खिककी (استسقاء ری) अ पु-बह जल जिसम सारा शरीर सूजकर भक्व जसा हो जाता है।

इस्तिस्काए तली (استسقاء طلی) अ पु-बह जल जिसमें केवल पट नक्कारे की भांति पूल जाता है।

इस्तिस्ना (استسنا) अ पु-बहुत म से किसी वस्तु न अग कर दना किमी व्यापक नियम म से किसी म मुक्ति अपवाद।

इस्तिस्मार (استسمار) अ पु-नेड के नीचे से भे चुनना फल चाहना।

इस्तिस्लाम (استسلام) अ पु-गाति चाहना क्षमा चाहना गदन झुकाना आना मानना।

इस्तिस्लाह (استصلاح) अ पु-परामग लेना, सप्ता पूछना।

इस्तिस्वाब (استصواب) अ पु-यथायता की तराश ठीक ठीक बात जानने की इच्छा स्वीकृति लेना।

इस्तिस्वाबे राए (استصواب را) अ पु-किना विषय म ठीक-ठीक राय जानना चाहना राय लेना, बोट लेना, मतदान।

इस्तिहाजः (استحاضة) अ पुं—मासिक धर्म अधिक मात्रा में आने का रोग, अति रज्ज्वाव, अत्यातं व ।
 इस्तिहानत (استهانت) अ स्त्री—अपमानित और तिरस्कृत जानना ।
 इस्तिहालः (استحالة) अ पु—किसी वस्तु की प्राप्ति असंभव होना, एक दशा से दूसरी दशा में जाना, बहाना करना ।
 इस्तिहालत (استحالات) अ स्त्री—दे. 'इस्तिहाल' ।
 इस्तीभाव (استیبعاب) अ पु—आदि से अंत तक सब ले लेना, किसी पुस्तक को आदि में अंत तक पढ़ना; जउ में उखेडना, उन्मूलन ।
 इस्तीजाव (استیجاب) अ पु—योग्य होना, पात्र होना, अधिकारी होना, मुस्तहक होना ।
 इस्तीनाफ (استیناف) अ पु—नये मिरे से आरंभ करना, गुरु से लेना, अपील ।
 इस्तीनास (استیناس) अ पु—किमी में प्रेम-व्यवहार करना, प्रेम, मुहब्बत; किमी बात की आवत पड जाना ।
 इस्तीफा (استیفا) अ पु—सब ले लेना; अपना पूरा हक लेना । दे० 'इस्तेफा' ।
 इस्तीला (استیلا) अ पु—किसी पर विजय पाना, किसी पर गालिब होना ।
 इस्तीलाद (استیلااد) अ पु—सतान होने की इच्छा करना ।
 इस्तीलाफ (استیلاف) अ पु—किसी से प्रेम की इच्छा करना ।
 इस्तीसाक (استیثاق) अ पुं—दृढता चाहना, मजबूत बनाने की इच्छा करना ।
 इस्तीसाल (استیصال) अ पु—जड से उखेड फेंकना, उन्मूलन, समूल विनाश ।
 इस्तेजाव (استیجاب) अ पु—आश्चर्य प्रकट करना, तअज्जुव करना, आश्चर्य, तअज्जुव ।
 इस्तेजाल (استیجال) अ पु—किसी बात में धीध्रता चाहना, दीडना, भागना, जल्दी करना ।
 इस्तेताफ (استعطاف) अ पु—दयादृष्टि चाहना, मेहरबानी चाहना, किसी का दिल मुट्ठी में लेना ।
 इस्तेदाद (استعداد) अ पु—योग्यता, पात्रता, काविलीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, किसी चीज से प्रभावित होने की योग्यता ।
 इस्तेफा (استعفا) अ पु—क्षमा चाहना, नौकरी का त्याग, त्यागपत्र, टर्मिनेशन आफ सर्विस ।
 इस्तेवाद (استعداد) अ पु—दास बनाना, गुलामी में लेना ।

इस्ते'माल (استعمال) अ पु—प्रयोग करना, वरतना; औपध आदि खाना, सेवन करना ।
 इस्ते'माश (استعماش) अ पु—दृष्टि कम हो जाना, आँख से कम नजर आना ।
 इस्ते'ला (استعلا) अ पु—ऊँचा होना, बलद होना; प्रतिष्ठित होना, बड़ा होना ।
 इस्ते'लाज (استعلاج) अ पु—चिकित्सा कराना, इलाज कराना, ग्वाल का कडा हो जाना ।
 इस्ते'लाम (استعلام) अ पु—सूचना चाहना, जानने की स्वाहिश ।
 इस्तेहकाक (استحکاک) अ पु—अपना हक माँगना, जाइज हक चाहना, हक साबित करना, हक, स्वत्व ।
 इस्तेहकाम (استحکام) अ पु—दृढता, मजबूती, स्थिरता, पायदारी ।
 इस्तेहकार (استحکاز) अ पु—अपमान करना, हकीर जानना, अपमान, हकारत, निदा, बुराई ।
 इस्तेहजा (استهجا) अ पु—हँसी उडाना, ठठोल करना; हँसी, मजाक, खिल्ली, मखोल ।
 इस्तेहजार (استحصار) अ पु—याद रखना, स्मरण रखना; किसी के सामने रहने की इच्छा, किमी को सामने रखने की इच्छा ।
 इस्तेहफाज (استحفاظ) अ पु—निरीक्षण करना, निगरानी करना, निगरानी, निरीक्षण ।
 इस्तेहवाव (استیحاب) अ पु—अच्छा जानना, पसंद करना ।
 इस्तेहमाम (استحسام) अ पु—हम्माम में नहाना, किसी चीज की भाप लेना ।
 इस्तेहलाफ (استحلاف) अ पु—शपथ लेना, कसम खिलाना ।
 इस्तेहलाल (استحلال) अ पु—नया चाँद देखना, बच्चे का पैदा होते समय रोना, व्यक्त होना, जाहिर होना ।
 इस्तेहसा (استحصا) अ पु—गिनना, शुमार करना, क्रमबद्ध करना, तर्तीब से लगाना ।
 इस्तेहसान (استحسان) अ पु—अच्छा जानना; पसंद करना, उपकार, भलाई ।
 इस्तेहसार (استحصار) अ पु—निर्भर करना, मुन्हसिर करना, गिनना, हिसाब करना ।
 इस्तेहसाल (استحصال) अ पु—प्राप्त करना, लेना, हासिल करना ।
 इस्तेहसाल विलजन्न (استحصال والحد) अ पु—जवरदस्ती छीनना, बलात् अपहरण ।

इस्वाक (اصداق) अ पु-किसी का बात की तस्दीक करना।
इस्ना अकार (انبا عسر) अ वि-बारह डोन्घा, बारह
इमाम।

इस्ना अगरी (انبا عسری) अ वि-बारह इमामा को
माननेवाला, शीखा।

इस्नाद (اسناد) अ पु-एक चीज को दूसरी चीज का
सहारा देना एक चीज का दूसरी चीज से सम्बन्ध जोड़ना
समझ देना।

इस्नात (اسنان) अ पु-जगल से दुग्ध जाने का राग गन्
बगल।

इस्पज (اسطیج) फा पु-एक मरा हुआ समुद्री कीड़ा
जा पानी सोपान के काम आता है।

इस्पद (اسپد) फा पु-एक तरह के दाने जो दवा में चलते
ह और नजर उतारने के लिए जलाय जाते ह काला दाना।

इस्परक (اسپرک) फा पु-एक घाम जिसमें कपड़ा रंगा
जाता था स्पक्का।

इस्पहबद (اسپهبد) फा पु-सेनापति सिपहगालार।

इस्पानाख (اسپاناخ) फा पु-पालक का साग।

इस्फज (اسفنج) अ पु-इस्फज।

इस्फज (اسفنج) अ पु-दे इस्फज।

इस्फल्मार (اسفندسار) फा पु-ईराक का एक बहुत
बड़ा नगर याग्राह जिसे रस्तम ने जधा करके मारा था।

इस्फदार (اسفندار) फा पु-ईरानी बारहवा महीना।

इस्फहान (اسفهان) फा पु-ईरान का एक प्राचीन और
प्रसिद्ध नगर।

इस्फानाष (اسفاناح) अ पु-गालक का साग द
इस्पानाख।

इस्फार (اسفار) अ पु-प्रवाणित होना रोगित हाना।

इस्फार (اسفار) अ पु-खरिद हाना कयात होना।

इस्फाह (اسفاح) अ पु-याचक के प्रदन को गठत जाना
मानववाले को कुछ न देना किसी वस्तु को फगाना।

इस्फारार (اسفردار) अ पु-पीला हाना पीगपन।

इस्फेदबाज (اسفندساج) अ पु-मरीजा के लिए बे मगाल
क मात का गारवा।

इस्फेदान (اسفنداج) अ पु-मफेग कागरी।

इस्वा (اصبع) अ पु-अंगुली उंगली।

इस्वाय (اسواع) अ पु-पूरा करना पूति करना, समाप्त
करना छरम करना।

इस्वात (الصاب) अ पु-प्रमाणित करना माकित करना।

इस्वाते अम (اصباة حرم) अ पु-अपराध गावित करना।

इस्वाल (اسवाल) अ पु-कपडे उतारना जारी करना।

इस्वाह (اصباح) अ पु-सवरा करना, एक दशास दूसरी
दशा में परिवर्तित हाना, सवेरे (तडवे) जाना।

इस्म (اسم) अ पु-नाम, पातक, गुनाह बनी बुराई।

इस्म (اسم) अ पु-नाम सना।

इस्मत (عصمت) अ स्त्री-सतीत्व, पानित्य, पाक,
दामनी, नानूस 'अस्मत' भी प्रचलित।

इस्मतवर (عصمتگر) अ फा वि-सतीत्व हरण करण
वाला, बलात्कारी।

इस्मतवरी (عصمتداری) अ फा स्त्री-मतात्व हरण
बलात्कार, आवरुदेजी।

इस्मत फरोग (عصمتفروغ) अ फा वि-अपना सतीत्व
बेचनेवाली-पुस्चली फाहिशा, गणिका, बेस्या,
बारागना।

इस्मत फरोशी (عصمتفروشی) अ फा स्त्री-स्वया
नेकर सतीत्व बेचना बेस्याकम, बेसा।

इस्मत मजाय (عصمتماي) अ वि-अपने सतीत्व को
रक्षा करनेवाली सती, माध्वी।

इस्मत मजावी (عصمتماوی) अ स्त्री-अपन सतीत्व
की रक्षा, सतीत्व पालन।

इस्माअ (اسماع) अ पु-मुनाता गाली बचना गाना
माना।

इस्मार (اسمار) अ पु-फगाना।

इस्मिद (اسمد) अ पु-मुग्गा एक पत्थर जिसका अवन
बनता है।

इस्मे आवम (اسم اعظم) अ पु-महामत्र।

इस्मे जामिद (اسم حامد) अ पु-वह सना जो किसी से
बनी न हा खडि।

इस्मे नकिर (اسم نكرو) अ पु-जातिवाचक मना।

इस्मे मारिक (اسم معروف) अ पु-व्यक्तिवाचक सना।

इसया (عصيان) अ पु-इसयान का लघु रूप दे इग्याव
पाप भेदे इसया से खियाह रहमना में जोग है म
नगामत-येग ह, मौला नगामत-योग है।

इसयाकार (عصيانكار) अ फा वि-पापजीवी, पाप म
जीवन व्यतीत करनेवाला पातकी।

इसयागिजार (عصيان سعادر) अ फा वि-इसयाकार।

इसयाव (عصيان) अ पु-नाम अप पातक, गुनाह
अवना नाफमानी।

इश्रा (اسرا) अ पु-रात्रि में यात्रा करना रात में रखा
करना।

इश्राईल (اسرائيل) अ पु-हजरत यूसुफ क पूय पिता
हजरत मायूष का नाम।

इलाईली (اسرائیلی) अ. वि.—हजरत याकूब के मत का अनुयायी, यहूदी।
 इलाफ (اسراف) अ पु.—आवश्यकता से अधिक व्यय, अपव्यय, फुजूलखर्च।
 इलाफ (اسراف) अ पु.—व्यय करना, खर्च करना; व्यय, खर्च।
 इलाफ़ील (اسرافیل) अ पुं.—वह फिरीश्ता जो कयामत में सूर फूँकेगा।
 इलाज़ (اسرار) अ पु.—छिपाना, गुप्त करना; भेद बताना, भेद, राज़।
 इलाज़ (اسرار) अ पु.—बार-बार कहना, हठ करना, जिद करना, हठ, जिद।
 इलाज़ (اسلاح) अ पु.—खाल उतारना, साल खीचना।
 इलाफ (اسلاف) अ पु.—आगे भेजना।
 इस्लाम (اسلام) अ. पु.—शांति चाहना; ईश्वराज्ञा के आगे सर झुकाना; इस्लाम धर्म।
 इस्लामी (اسلامی) अ वि.—इस्लाम धर्म सम्बन्धी, मुसलमानों का।
 इस्लामीयात (اسلامیات) अ स्त्री—इस्लामी साहित्य।
 इस्लाल (اسلال) अ पु.—बूँस देना, रिशवत देना, चोरी करना।
 इस्लाह (اصلاح) अ स्त्री—विगड़ी हुई अवस्था का सुधार, त्रुटियाँ दूर करना, शुद्धि, सशोधन, तर्मीम; काव्य या लेख की त्रुटियों की शुद्धि।
 इस्लाहात (اصلاحات) अ स्त्री—'इस्लाह' का बहु, 'इस्लाहे'।
 इस्लाही (اصلاحی) अ वि.—सुधार सम्बन्धी, शुद्ध किया हुआ।
 इस्हाक (اسحقاق) अ पु.—एक पैगम्बर, जो हजरत इब्राहीम के सुपुत्र थे।
 इस्हाब (اسهاب) अ पु.—बहुत बोलना; जगल में फिरना।
 इस्हाल (اسهال) अ पु.—दस्त, गौच, पतला, पाखाना; दस्तों की बीमारी, अतिसार।
 इहात (احاطه) अ पु.—घर, वेष्टन, चारदीवारी, प्राचीर, प्रदेश, इलाका, क्षेत्र, हल्का (अहाता)।
 इहानत (اهانت) अ स्त्री—अपमान, तिरस्कार, अनादर, वैज्जती; मानहानि, हल्के इज्जत।

ई

ई (این) फा अव्य—यह, यह वस्तु, यह व्यक्ति।
 ईचुनी (اینچینی) फा अव्य—इस प्रकार, ऐसे।
 ईना (اینان) फा अव्य—यह सब, 'ई' का बहु।
 ईहा (اینها) फा अव्य—यह सब, ई का बहु।
 ईआज़ (ایعاز) अ पु.—सकेत करना, इशारा करना, आदेश

देना, हुकम करना।
 ईआद (ایعاد) अ. पु.—वचन देना, वादा करना।
 ईआअ (ایقاع) अ पु.—घटित करना, वाकें करना; युद्ध में घनीटना।
 ईकाज़ (ایقضا) अ. पु.—नीद से उठाना, जगाना।
 ईकाद (ایقان) अ. पु.—चिराग जलाना, दिया वारना।
 ईकान (ایقان) अ पु.—निश्चय, यकीन, किसी बात पर दृढ़ विश्वास।
 ईकाफ (ایقاف) अ प.—ठहराना, रोकना; पदच्युत करना, मुअत्तल करना।
 ईकार (ایقار) अ पु.—बोज़ लाना, भारी करना।
 ईकाल (ایقال) अ पु.—खाना खिलाना, आलोचना करना।
 ईकास (ایقاص) अ पु.—जड़ से उखेड़ना।
 ईखाश (ایبخاش) अ पु.—खराब होना, दूषित होना।
 ईगार (ایغار) अ पु.—गरम करना, खीलाना, धौटाना।
 ईजा (ایزا) अ स्त्री—कष्ट देना, दुःख देना; कष्ट, पीड़ा, यातना, तकलीफ।
 ईजाज़ (ایجاز) अ पु.—सक्षिप्त करना, संक्षेप, इस्तिसार; बड़े लेख को छोटा करना।
 ईजाद (ایجاد) अ स्त्री—नयी बात पैदा करना, आविष्कार, इस्तिराअ।
 ईजाद (ایزاد) अ पु.—अधिकता, जियादती (यह शब्द इस अर्थ में अशुद्ध है)।
 ईजादेवंदः (ایجادبلده) अ फा स्त्री—मनगढत, कपोल-कल्पित।
 ईजादेही (ایزدھی) अ. फा स्त्री—कष्ट देना, दुःख पहुँचाना।
 ईज़ान (ایزان) अ पु.—सूचना देना, चेतावनी देना, आगाह करना, खबरदार करना।
 ईजाव (ایجاب) अ पु.—अनिवार्य करना, वाजिब करना।
 ईजावोकबूल (ایجاب وقبول) अ पु.—निकाह के समय, दूल्हा दुल्हन का एक दूसरे को स्वीकार करना।
 ईज़ार (ایجازار) अ पु.—किराए पर उठाना।
 ईज़ारसाँ (ایزارسان) अ फा वि.—कष्ट देनेवाला, दुःखदायी।
 ईज़ारसानी (ایزارسانی) अ फा स्त्री—कष्ट देना, दुःख देना, तकलीफ पहुँचाना।
 ईज़ाल (ایجبال) अ पु.—त्रासना, डराना, भयभीत करना।
 ईज़ास (ایجساس) अ पु.—मन में डरना, भयभीत होना।
 ईज़ाह (ایضاح) अ पु.—प्रकाशित करना, रीशन करना, स्पष्ट करना, वाजेह करना।

ईता (إِيتَا) अ पु-गांव स-रोस्ता काटिए वा एक दाप, जिसमें दो ग-को जो मानुप्राप्त न हा वार्द अतर या ग-बनाकर काफिया बनाना जस-उठ और 'गिर' स 'उठा' और गिरा बनाना ।

ईताअ (إِيتَا) अ पु-प-का वक्ष में पवना ।

ईताए धफी (إِيتَا) अ पु-ता की वह जिसमें जिसमें उसका गप ह-का हा, जसा कि ऊपर क उठाहण में लिय गय उठा और गिरा क काफिए ।

ईताए जली (إِيتَا) अ पु-ता की वह जिसमें जिसमें उसका दाप भारा हा जम खुगत' और वेत्तर' क काफिए जिनमें खुग' और वह' पर जो सानुप्राप्त नहा ह तर' बनाया गया है ।

ईतान (إِيتَان) अ पु-आगमन, जाना ।

ईतान (إِيتَان) अ पु-किमी दूसरी जगह वा अपना बतन बनाना प्रवास ।

ईतिनाक (إِيتِنَاك) अ पु-नय सिर से वार्द नाम करना ।

ईतिमान (إِيتِمَان) अ पु-अमानतगार बनाना ।

ईतिमार (إِيتِمَار) अ पु-परस्पर परामस करना आना पालन करना काम बनाना ।

ईतिनाक (إِيتِنَاك) अ पु-नमकना प्रकागमान हाना रोगन हाना ।

ईतिलाफ (إِيتِلَاف) अ पु-एकन हाना, एक जगह हाना म-जाल होना मित्रता दोस्त ।

ईद (عِد) अ स्त्री-हय आन-खुगी मुसलमाना वा एक त्यहार । यह ग-द (عِد) से बना है, अयात प्रतिवप आनेवाला ।

ईदगाह (عِدْغَاه) अ फा स्त्री-ई-की नमाज पढ़ने वा स्थान ।

ईदर (إِدْر) फा अन्य-इधर, अर यहा ।

ईदी (عِدِي) अ स्त्री-ई-स सम्बन्धित पानेवा-मूला को ई-का इनआम ।

ईदुल अबहा (عِدُولْ اَبْهَا) अ स्त्री-द इ-कुर्वी जो मास (دَوْلِ اَبْهَا) की दस तारीख वा होती है ।

ईदुल फित्र (عِدُولِ الْفِطْرِ) अ स्त्री-वह ई-जा राउ पूरेहाने की खुगी में मनायी जाती ह और जिसमें गिवया पवनी ह । यह तारीख पहली गबाल का हानी है ।

ईदे अबहा (عِدُولِ اَبْهَا) अ स्त्री-दे ई-कुर्वी ।

ईदे इन्-अ (عِدُولِ اَبْهَا) अ स्त्री-वह ई-जा हज की खुगी में मनाया जाती है और जिसमें कुर्वानी हानी है बकरीद ।

ईदे रमवा (عِدُولِ رَمَاف) अ स्त्री-दे ईदुल फित्र ।

ईदन (عِدْدِن) अ स्त्री-दाना ईदे, ई-और बकरा ।

ईन (عِن) अ स्त्री-एता वा बहु काली आना वागी स्त्रिया ।

ईनक (إِنْكَ) अ अन्य-यह, समीपवर्ती ।

ईनत (إِنْت) फा अन्य-मापु-सापु वाह-वाह, बाहा बहव अजीब ।

ईनी (إِنَان) फा अन्य-ईनी ।

ईनास (إِنَاف) अ पु-अम्मत होना आन प-जाना, जानना सुनना दमना ।

ईपा (إِ) अ पु-वचन पूरा करना प्रतिना पालन ।

ईपाअ (إِ) अ पु-उके का बालिय हाना ऊना हाना उठना ।

ईपाए अफ (إِ) अ पु-वचन या प्रतिना वा पालन ।

ईपाए कौल (إِ) अ पु-वात का पालन ।

ईपाए वा'द (إِ) अ पु-प्रतिना का पालन, वात निवाहना ।

ईपाए (إِ) अ पु-ऐफाग ।

ईफाल (إِ) अ पु-रागामुकु हाना जन्म जाना ।

ईबा (إِ) अ पु-सकत इगारा ।

ईबास (إِ) अ पु-सुधाना, खुन करना ।

ईमा (إِ) अ पु-ईमान का लघु दे ईमान ।

ईमा करोग (إِ) अ फा वि-ईमानो करनवाला इमान बचनेवाग ।

ईमा करोगी (إِ) अ फा स्त्री-ईमान बचनेवा वेईमाना करना ।

ईमा (إِ) अ पु-सकेन इगित इगारा ।

ईमान (إِ) अ पु-घम पर द-विश्वास घम मईह विश्वास यज्ञान पय पय अकीदा ।

ईमानदार (إِ) अ फा वि-जो घम में पक्ता ह घमनिष्ठ जो लेन-लेन में सच्चा हा व्यवहारनिष्ठ ।

ईमानदारा (إِ) अ फा वि-ईमानगरो जसा ईमानगरो वा ।

ईमानदारी (إِ) अ फा स्त्री-घमनिष्ठता, व्यवहारनिष्ठता ।

ईमान प्ररोग (إِ) अ फा वि-जा अपना ईमान बच द वेईमान गदारा ।

ईमान करोगी (إِ) अ फा स्त्री-ईमान बच दना वईमानो करना वेईमानो गदारी ।

ईमान बिल्ग्रव (إِ) अ पु-बिना दम बिछी बान पर विश्वास अन-ईदर पर निष्ठा ।

ईमाने कामिल (ایمان کامل) अ. पु.—गवका ईमान, पूर्ण धर्मविश्वास ।

ईयल (اییل) अ. पुं.—वारहसिगा, हरिण की एक जाति ।

ईयास (ایاس) अ. पुं.—निराश करना, नाउम्मीद करना ।

ईर (عیر) अ. पुं.—यात्रीदल, काफिला; हर जानवर जिस पर नाज लादा जाय ।

ईरा (ایران) फा पुं.—'ईरान' का लघु., दे 'ईरान' ।

ईरा (ایرا) अ पुं.—आग जलाना; चिमटे से आग निकालना ।

ईराक (ایراق) अ पु.—वृक्ष में से हरे पत्ते फूटना, कोपल निकलना ।

ईराद (ایراد) अ पुं.—लागू करना, वारिद करना; आपत्ति उपस्थित करना, एतराज करना ।

ईरान (ایران) फा पु—एशिया का एक प्रसिद्ध देश, फारस, फारस ।

ईरानी (ایرانی) फा. वि.—ईरान का निवासी, ईरान से सम्बन्धित ।

ईरास (ایراس) अ पुं—पेड के पत्ते पीले होना ।

ईरास (ایرات) अ पु—अपना उत्तराधिकारी बनाना; दाय (रिक्थ) देना, तरिक. पहुँचाना, किसी को शेष वस्तु देना ।

ईरान (ایرمان) अ पु.—जो वे बुलाये किसी दूसरे निम्न-वित्त व्यक्ति के साथ दावत में जाय, तुफली; लज्जा, धर्म, परचात्ताप, अफ़सोस ।

ईसा (ایرسا) अ. स्त्री—इद्रधनुष, धनक; सीसन की जड़ जो दवा में चलती है ।

ईल (اییل) तु पु—वर्ष, साल; वशीभूत, ताव'दार; मित्र, दोस्त, अनुकूल, मुआफिक ।

ईल (اییل) सु पु.—ईश्वर, खुदा ।

ईला (ایلا) अ पु—दान देना, बख़्शाना; पास होना, शपथ खाना ।

ईलाक़ात (ایلاقات) तु पु—नुक़ों के रहने के मकानात और उनकी खेतों की ज़मीन आदि ।

ईलाज (ایلاج) अ पु—एक वस्तु को दूसरी वस्तु के अन्दर घुसेडना ।

ईलाद (ایراد) अ पु—बच्चा पैदा करना, जनना ।

ईलाफ (ایلاف) अ पु—अभ्यस्त होना, आदी होना; रुष्ट होना, बेख़ार होना ।

ईलाम (ایلام) अ पु—डु खित करना, कण्ट देना ।

ईलिया (ایلیا) सु पुं—बहुत सच्चा ।

ईवा (ایوا) अ पु—वसाना, आवाद करना; स्थान देना, जगह देना ।

ईवान (ایوان) फा पु—प्रासाद, भवन, महल; परिपद, कौंसिल ।

ईवाने ज़ेरी (ایوان زیریں) फा पुं—निम्न सदन, लोअर हाउस ।

ईवाने वाला (ایوان والا) फा. पु—उच्च सदन, अपर हाउस ।

ईवाने शाही (ایوان شاهی) फा. पु—राजभवन, राजद्वार, शाही महल ।

ईशः (عیسه) अ पु—चैन और सुख का जीवन ।

ईश (ایش) अ. पु—गुप्तचर, जासूस ।

ईशाअ (ایشاع) अ पु.—पेड में कलियाँ निकलना ।

ईस (عیس) अ. पु—सफेद ऊँट, जिनकी सफेदी में लालिमा हो ।

ईस (عیصر) अ पुं—पेडों का झुंड; भीड, अंबोह ।

ईसवी (عیسوی) अ वि—हज़रत ईसा से सम्बन्धित वस्तु, जैसे—ईसवी सन् ।

ईसा (ایصا) अ पु—उत्तराधिकारी बनाना, अपने वाद अपना वारिस बनाना; उपदेश देना, वसीयत करना ।

ईसा (عیسوی) अ. पु—हज़रत ईसा, ईसा मसीह, ईसाई धर्म के स्स्थापक ।

ईसाई (عیسائی) अ. वि—हज़रत ईसा के धर्म का अनुयायी, ख्रिष्टीय, क्रिश्चियन ।

ईसाद (ایصان) अ. पु—पर्दा डालना, ढाँकना, छिपाना; दरवाजा बन्द करना ।

ईसानफस (عیسوی نفس) अ. वि.—जिसकी फूँक से मृतक प्राणी जी उठे, मुर्दों को जीवन प्रदान करनेवाला ।

ईसानफ़सी (عیسوی نفسی) अ स्त्री.—मृतक प्राणियों को जीवित करना, मुर्दे जिलाना ।

ईसार (ایثار) अ पु—दूसरे के हित के लिए अपना हित त्याग देना, स्वार्थत्याग ।

ईसार (ایسار) अ. पु—मालदार होना, धनवान् होना ।

ईसारपेशः (ایثارپیشه) अ फा वि.—जो दूसरो के लिए अपना हित सदा ही त्याग देता हो ।

ईसाल (ایصال) अ पु—पहुँचाना, भेजना ।

ईसाले सवाव (ایصال ثواب) अ पु—मुर्दों की रूह को कुरान पढने या खाना खिलाने का सवाव पहुँचाना ।

ईहाम (ایهام) अ पु—भ्रम, भ्रांति, वहम, एक अर्थालकार जिसमें ऐसा शब्द लाते हैं जिसके दो अर्थ होते हैं और पासवाला अर्थ छोड़कर दूरवाला अर्थ लगाते हैं ।

उ

उंबूवः (انموه) अ पु—टोटी, नली ।

उबूब (أوبوب) अ पु—उबूब का बहु, टाटिया, नलियाँ ।
 उस (أوس) अ पु—स्नेह प्रेम, मुहब्बत, लगाव, तअन्लुक ।
 उसा (أشئ) अ स्त्री—मादा स्त्री ।
 उसीयत (أست) अ स्त्री—स्नेह मुहब्बत, लगाव, तअन्लुक ।
 उसुर (أعصر) अ पु—आग, पानो हवा, मिट्टी, जिनस आदमी का शरीर बना है, तत्त्व, भूत ।
 उसुल (أعصل) अ पु—जगली पियाइ ।
 उकद (أعقد) अ पु—उकद' का बहु, प्रथिया, गाठें ।
 उकला (أعلا) अ पु—आकिल का बहु, बुद्धिमान जन ।
 उक़ाब (أعقاب) अ पु—नारुड एक शिकारी चिडिया ।
 उकाबीन (أعقابين) अ पु—लूहे के काट ।
 उकाबन (أعقابين) अ पु—दो लम्बी लकड़ियाँ जिन पर अपराधियों को लटकते थे ।
 उकार (أعقار) अ स्त्री—सन्ध्या गराव, एक प्रकार का लाल कपटा ।
 उकास (أعكاس) अ स्त्री—मकड़ी, लूता ।
 उक़ूर (أعقور) अ पु—माता पिता की अबहेलना और अचना ।
 उकूल (أعقول) अ स्त्री—अकल का बहु बुद्धिया अकल ।
 उक्कास (أعكاش) अ पु—मकड़ी लूता ।
 उकद (أعقد) अ पु—प्रथि गुथी गाँठ, जटिल समस्या पेचीदा मसला ।
 उकद कुसा (أعقدوكسا) अ फा वि—गाँठ खालनेवाला समस्या हल करनेवाला दुख निवारण करनेवाला ।
 उकदकुसाई (أعقدوكساى) अ फा स्त्री—गाँठ खालना समस्या हल करना, दुख भेटना ।
 उकदए ला यनहल (أعقد أولئصل) अ पु—ऐसा गाठ जो खुल न सके ऐसी समस्या जो हल न हो सक ।
 उकनू (أكلون) फा अव्य—अब इस समय ।
 उकनूम (أكلوم) अ पु—मूल जड ईसाई धर्म की एक किताब जो तीन महान ग्रथा में से है ।
 उकबा (أعقب) अ पु—परलोक यमलोक, आखिरत ।
 उकबान (أعقبان) अ पु—उकाब का बहु बहुत स उकाब गहड़-समूह ।
 उक़ (أعقوب) अ पु—वीक्षण ।
 उकल (أعقله) अ पु—बद, बाँध रोक रमल की एक गकल ।
 उकलीदिस (أعقلىدس) अ स्त्री—रेखागणित ज्यामिति ।
 उकहुवान (أعقوان) अ पु—एक वनस्पति बावून ।
 उह्त (أحس) अ स्त्री—बहन भगिनी ।
 उहदूद (أحدود) अ पु—जमीन की लम्बी-लम्बी दूरे और साहें ।

उछायी (أحزى) अ वि—परलोक सम्बन्धी, आखिरत का, आखिर का, अत का ।
 उछा (أحزى) अ स्त्री—आखिरी, अन्तिम ।
 उछुव्वत (أحزوت) अ स्त्री—भाईचारा, बधुत्व ।
 उछुल (أعزل) तु पु—लडका बालक ।
 उखलूत (أعوطله) अ पु—काई वस्तु या बात जिससे दूगम भ्रम म पड जाय, धोखा ।
 उखुब (أحوب) तु वि—विस्तृत, बुझाना ।
 उखमा (أعظم) अ पु—अजीम का बहु बड़े रंग प्रतिष्ठित जन ।
 उजाक (أوحاى) तु पु—चूल्हा अँगोठी ।
 उजास (أوحاع) तु पु—उजाक ।
 उजाज (أحاج) अ पु—खारा पानी, कच्चा नमक ।
 उजाद (أعصاد) अ पु—दरवाजे म बाबू की लकरी ।
 उजाब (أعصاب) अ पु—आश्चय विस्मय, तअज्जब ।
 उजाम (أعظام) अ पु—अजीम' का बहु, बड़े लोग म अनेक व्यक्ति ।
 उजाल (أعجاله) अ पु—बह वस्तु जो तुरन्त लाया जा सके ।
 उजालत (أعصالب) अ स्त्री—द उजाल ।
 उजुन (أرن) अ पु—वान कण ।
 उजूब (أعجوبه) अ वि—विश्वास, विचित्र, अल्प अजीबो गरीब ।
 उजूर (أحور) अ पु—मजदूरी पारिभ्रमिक ।
 उज्ज (أعج) अ पु—अण्डे का छापीन, आमन्ट ।
 उज्ज (أعج) अ पु—श्रीणि, कटिदेश, चूतड़ ।
 उरवा (أعروى) अ पु—अरब की एक प्राचीन मूर्ति जिन पूजा हाती थी ।
 उरवाम (أعظام) अ पु—अजीम का बहु बड़ रंग ।
 उरन (أرن) अ पु—वान कण दे उजुन दानो घड ह ।
 उज्व (أعصب) अ पु—अहवार, अभिमान गरूर ।
 उरम (أعمر) अ पु—निश्चय सकल्प इरादा, दे अम दानो शुद्ध ह ।
 उरम (أورم) तु पु—अमूर द्राक्षा ।
 उख (أعور) अ पु—आपत्ति एतराड विवगता, मजदूरी ।
 उखत (أحزوت) अ स्त्री—मजदूरी भति पारिभ्रमिक ।
 उखदार (أعزاد) अ फा वि—आपत्तिवर्ता एतराड करनेवाला वान्नी उखदारी करनवाला ।
 उखदारी (أعزارى) अ फा स्त्री—आपत्ति करना, उख लगाना किसी दूसरे क मुक़ाबले म अपने हक की सुरक्षा के लिए प्राथना करना ।
 उया (أحزوى) अ पु—वक्ति बड़ीफा ।

उज्जेजनाँ (عوروزنان) अ. फा पु—मासिक धर्म, हैज्र।
 उज्जेजलंग (عورولنگ) अ फा पुं—ऐसा उज्ज जिसे मानने में सदेह हो, झूठा उज्ज।
 उज्जलत (عزلت) अ स्त्री—बाल-बच्चों से विरक्त होकर ईश्वर-स्मरण में लगना; एकान्तवास करना; एकान्त, तन्हाई।
 उज्जलत (عجلت) अ स्त्री—शीघ्रता, जल्दी, इसका शुद्ध उच्चारण 'इज्जलत' है, परन्तु उर्दू में 'उज्जलत' ही बोलते हैं।
 उज्जलतगुज्जी (عزلتگوجی) अ फा. वि.—एकांतवासी, ससार के झगड़ों से विरक्त, गोशानशील।
 उज्जलतनशी (عزلتنشیں) अ फा वि—दे 'उज्जलतगुजी'।
 उज्जव (عصو) अ पु—अवयव, अंग, शरीर का कोई भाग।
 उज्जहकः (اصحوكه) अ वि—वह जिस पर सब हँसे, हास्यास्पद।
 उताकः (الواقه) तु—कलगी।
 उताक (الواق) तु—घर, गृह, मकान, कोठा, कमरा।
 उताग (الواغ) तु—दे 'उताक'।
 उतारिद (عطارد) अ पु—बुध ग्रह।
 उताश (عطاش) अ. स्त्री—प्यास की बीमारी, वह रोग जिसमें प्यास अधिक लगे।
 उतास (عطاس) अ स्त्री—छीके आने का रोग, छीक।
 उतुल [ल्ल] (عتل) अ पु—बहुत खानेवाला; कड़ी आवाज-वाला, अत्याचारी, कड़ा नैजा, मोटा बल्लम।
 उतुव्व (عتو) अ वि—अभिमान, गुरुर; उहड़ता, सरकशी; हृद से गुजर जाना, बहुत बूढ़ा हो जाना।
 उत्ती (عتی) अ. वि—दे 'उतुव्व'।
 उत्तू (الو) फा पुं—लोहे का ठप्पा जिसे गरम करके कपड़ा छापते हैं।
 उत्वः (عتنه) अ पु—अरब का एक व्यक्ति।
 उत्वा (عتدی) अ पु—आज्ञा, मर्जी।
 उत्रुज (الرح) अ पु—निम्बू, नीबू।
 उत्रुव्व (اطرووه) अ पु—वह वस्तु जो आनन्द दे, बाजा-गाजा आदि मनोरंजन के साधन।
 उत्रुश (اطروش) अ वि—बधिर, बहुरा।
 उल्लत (عطلت) अ स्त्री—निठल्लापन, बेकारी, काम का अभाव।
 उदवा (ادبا) अ पु—अदीब का बहु, साहित्यसेवी लोग, अदीब लोग।
 उदात (ادات) अ पुं—'आदी' का बहु, शत्रु लोग।
 उदूल (عدول) अ पु—अबजा, अबहेलना, नाफरमानी।

उदूलहवमी (عدولحکمی) अ. स्त्री—आज्ञा न मानना, आज्ञोल्लंघन, नाफरमानी।
 उदत (عدت) अ स्त्री—तत्परता, तैयारी; वनावट, साख्त।
 उदवः (ادوه) अ. पु—दूर का स्थान; नदी का किनारा, नदीतट।
 उदवान (عدوان) अ पु—शत्रुता, दुश्मनी; अत्याचार, जुलम।
 उनसा (انسا) अ. पु—'अनोस' का बहु, मित्रगण, दोस्त, अहवाव।
 उनास (اناس) अ. स्त्री—'उसा' का बहु, मादाएँ, स्त्रियाँ।
 उनास (اناس) अ पु.—लोग, जन-समूह (इस शब्द का एक-वचन नहीं है)।
 उनुक (عنق) अ स्त्री—गर्दन, ग्रीवा, गला।
 उनुस (انث) अ स्त्री—'उसा' का बहु, मादाएँ।
 उनूद (عدود) अ पु—सत्य के प्रतिकूल कार्य करना; युद्ध करना, लड़ना।
 उनूस (عنوس) अ. पु—लडकी का बालिग होकर विना पति के बहुत दिनों घर में बैठना।
 उन्क (عنق) अ. स्त्री—दे 'उनुक'; दोनों शुद्ध है।
 उन्नाव (عداب) अ पु—झरखेरी की तरह के फल जो दवा में काम आते हैं।
 उन्नावी (عدابی) अ. वि—उन्नाव जैसे रंगवाला, हलका वैगनी।
 उन्फ (عنق) अ पु—खुरापन, खुरदरापन; रुखाई, बेरुखी।
 उन्फुवान (عنقوان) अ. पु—प्रारम्भ, शुरुआत, युवावस्था का आरम्भ।
 उन्फुवाने शवाव (عنقوان شداب) अ. फा पु—जवानी की उठान, यौवनारम्भ।
 उन्मूजज (اسموجح) अ. पु—नमूना, वानगी।
 उन्वान (عنوان) अ. पु—शीर्षक, सुखी, शैली, पद्धति, तर्ज; प्रशस्ति, सरनामा, खत का अल्कावो आदाव, प्रस्तावना, दीवाचा, प्रयत्न, युक्ति, तदवीर।
 उफ (اف) अ अव्य.—हाय, ओह, आह, हा।
 उफुक (افق) अ पु—क्षितिज, वह स्थान जहाँ आकाश पृथ्वी से मिला हुआ जान पड़ता है।
 उफूनत (عقوننت) अ स्त्री.—दुर्गन्ध, बदबू; सड़ांध, सड़ने की दुर्गंध।
 उफूल (افول) अ पु—अस्त होना, डूबना।
 उफूसत (عصوصت) अ स्त्री—कसीलापन, बखटापन।
 उपताँ (امتان) फा. वि—गिरता-पड़ता।

उपनाद (اعناد) फा वि-गिरा हुआ, पना हुआ, दु खित, दलित मुसीबतजदा ।

उफताद (افتاد) फा स्त्री-आपत्ति विपत्ति, मुनीवत देवी आपत्ति, बला, कष्ट (कहर) ।

उफनादगी (افتانگی) फा स्त्री-गिरना, पना विपत्ति आपत्ति दुःख विनय आग्रिजी ।

उफनादनी (افتادی) फा वि-गिरने याप्य जो गिराया जा सके जो गिर सके ।

उबाव (عباب) अ पु-छुगरे के पेड़ का पत्ता, पानी की प्रचंड वाद बहुतायत भरा होना उँचाई शुरुआत ।

उबव्वत (ابوب) अ स्त्री-बाप होना पितरव ।

उबूदीयत (عمودیت) अ स्त्री-गमता बगनी ।

उबूर (عنور) अ स्त्री-नगी आदि का पार करना उतरना ।

उबूसत (عروسیت) अ स्त्री-तुम्ह रई मुह बनाना, विमुगता उफना ।

उबहूल (ابهل) अ पु-एक वनीपधि हाउबेर ।

उम (مم) अ स्त्री-माता माँ ।

उमम (امم) अ स्त्री-उम्मत का बहु उम्मतें विभिन्न धर्म-समुदाय ।

उमर (عمر) अ पु-मुसमाना के दूगरे खलीफा ।

उमरा (امرا) अ पु-अमीर का बहु धनवान लोग ।

उमीद (امید) फा स्त्री-उम्मीद ।

उमादवार (امداد) फा वि-उम्मीदवार ।

उमक (عمس) अ पु-गहरा गभीरता ।

उमद (عمد) अ पु-अमूद का बहु खभे ।

उमूम (عمو) अ पु-नाधारण आम ।

उमूमन (عموماً) अ वि-प्राय बहुधा अक्षर ।

उमूमो (عمومي) अ वि-सारजनिक अवामा जनसाधारण स सम्बन्ध रखनेवाला ।

उमूमोय (عمومیه) अ स्त्री-जनता पत्रिका ।

उमूमोयत (عمومیت) अ स्त्री-साधारणता (विशेषता का उलटा) ।

उमूमोयत (اموموت) अ स्त्री-माँ की ममता बाग-य ।

उमूर (امور) अ पु-अमूर का बहु काय-यम काम धर्मयापें मय ।

उमूराम्मा (امورامه) अ पु-जनसाधारण क हित सम्बन्धी काय ।

उमूर (عمدو) अ वि-उत्तम धष्ट, बढ़िया गुण मनारम विभागताय मा सम ।

उमूरगी (عمنگری) अ फा स्त्री-उपमत्ता बन्धियाय, गुणगता, गुणगुमाई, श्रेष्ठता, गरता ।

उम्नोयत (املعت) अ स्त्री-आगा आजू उम्मी, पू मिथ्या, उद्देग मकम पुस्तक का पाठ ।

उम्मा (امه) अ स्त्री-माता, जननी माँ ।

उम्मत (امت) अ स्त्री-किसी विशेष अवतार या परम्पर को माननेवाला समुदाय ।

उम्मत (امهت) अ स्त्री-माता मा, (केवल मान्य जाति की) ।

उम्मतहात (امهات) अ स्त्री-उम्मत का बहु, माताए ।

यह शब्द केवल मानवजाति के लिए प्रयुक्त होता है ।

उम्मतहातिसफली (امهات سفلی) अ स्त्री-पचभत अनासिर पथवी क तल ।

उम्मात (امات) अ स्त्री-उम्मा का बहु मानवजाति के अतिरिक्त दूसरी माताएँ ।

उम्मान (عمان) अ पु-अरब क गाम प्रदेग का एक नगर ।

उम्माल (عمال) अ पु-आमिल का बहु कर्मचारा क अमला ।

उम्मी (امی) अ वि-वह व्यक्ति जिसका पिता वा-यावस्था म मर जाय और जिसका कारण वह प-गिन व सके, वह व्यक्ति जा लिंगना-गना न जानता हा चाहे अपर वाप की छत्रछाया में जवान हुआ हा, मुम्मद साहब का एक क जिताने किसी स पढ़ा न या ।

उम्मीद (امید) फा स्त्री-आगा, आत उमी, इच्छा ध्वाहि उलका इतियाअ भरासा सहारा आनया ।

उम्मीदवार (امدادوار) फा वि-आगावित, आम ल्याय हुए नौकरी आदि का उम्मीदवार ।

उम्मुद्दिमाय (الدماغ) अ स्त्री-सर के भीतर भजा रहने का स्थान ।

उम्मुल उलूम (ام العلوم) अ स्त्री-व्याकरण ।

उम्मुल किताब (ام الکتاب) अ स्त्री-कुरान की पहली सूत 'फातिहा' ।

उम्मुल खबाइत (الخطاب) अ स्त्री-गारी बुराहों की माँ अयाय सरताय ।

उम्मुल जराम (الجزایم) अ स्त्री-सारे अपराधों की माँ, दण्डना, मुक्तिग्या ।

उम्मुत्ताबयान (اصحاب) अ स्त्री-दुर्वा का एक राय जमोया ।

उम्मेपोली (امهین) अ स्त्री-बबूल का पेड़ ।

उम्मेमिदम (امهدم) अ स्त्री-मोत की माँ, सारो दाता क ।

उम्मावद (امداد) अ स्त्री-वह गनी जियन आन रागी क सहाय के पुत्र या बन्धा का अय गिया हा ।

उमः (عمرة) अ पु—हज करनेवालों की एक एकादश, मक्के से तीन कोन पर 'तन्म' नामक स्थान पर नमाज पढ़कर वापस आकर, वाघे का नवाफ करते हैं।

उम्र (عمر) अ. स्त्री—आयु, अवस्था, निन।

उमून (عمون) अ पुं—'ऐन' का बहु चर्म, रीते, आंगे, नेन-नमूह।

उयूब (عوب) अ. पु—'ऐब' का बहु, बहुत से दोंप।

उयूल (عیول) अ. स्त्री—मन्यान, दरवेशी, फकीरी, निर्धनता।

उरफा (عروفا) अ पु—आग्नि का बहु, ब्रह्मजानी लोग, महात्मा लोग।

उराउः (عروا) अ. पु—बहु वस्तु जो यात्री विदेश से लाकर उपहार के तौर पर मित्रों को दे।

उरात (عرات) अ पु—'जारी' का बहु, नग्न लोग, नगे।

उरज (عروج) अ पु—उन्नति, तरफ़ी, ऊँचाई, वज्रों, उत्कर्ष, उत्थान, उठान।

उरुज (ارز) अ. पु—चावल।

उरस (عوس) अ पु—दे 'उम', दोनों मूढ है।

उरक (عروق) अ स्त्री—'ऊक' का बहु, रंग, नसे।

उरुज (عروض) अ पु—प्रवट होना, जाहिर होना, लागू होना, आरिज होना।

उरुफ (عروف) अ पु—किमी चीज से मुँह फेर लेना, दिल सदे हो जाना, उत्साह न रहना, लग्नाभाव।

उरेव (اریب) फा पुं—तिरछा, टेढ़ा; तिरछापन, टेढ़, वधता।

उरुं. (عروص) अ पु—साहम, हिम्मत; मीप, वहाना, वीच में डाला हुआ।

उरुं (اردى) तु स्त्री—मुर्गावी, एक प्रसिद्ध जल पक्षी।

उरुं परानी (اردى پدانی) तु फा स्त्री—ठडोल, उपहास, मसखरी।

उरुं (اردى) फा पु—ईरानी दूसरा महीना, बहार का महीना।

उरुंविह्वत (ارضى ديهشت) फा पु—दे 'उरुं'।

उरुं (اردو) तु पु—सेनावाग, छावनी, फौजी पठाव (स्त्री) उरुं भाषा।

उरुं मुअल्ला (اردو معالی) तु. अ स्त्री—बहु उरुं जो दिल्ली के किले में वेगमे बोलती थी, उच्च कोटि की उरुं भाषा।

उरुंवाजार (اردو بازار) तु. फा पु—सेनावास, छावनी, सदर बाजार।

उरुं (عرف) अ पु—मुख्य नाम के अतिरिक्त दूसरा छोटा नाम जो प्राय वचन में पड़ जाता है।

उरुंयत (عرویت) अ स्त्री—उरुं होना, उरुंवाला नाम।

उरुंयः (ارویه) अ. स्त्री—जोंप की जड़, निट्टा।

उरुं (ارمیه) मु. पु—उर्मिया का लघु, दे. 'उर्मिया'।

उरुंमिया (ارمیا) तु पुं—खिज का नाम।

उरुंज (ارمزی) फा. पुं—हर ईगनी महीने की पहली तारीख।

उरुं (عرویان) अ. वि—नग्न, नंगा; अश्लील, फोहवा।

उरुं नवीस (عرویان نویس) अ. फा वि—अश्लील लेख लिखनेवाला, फोहवा निगार।

उरुं निगार (عرویان نگار) अ फा. वि—दे. 'उरुं नवीस'।

उरुंनी (عرویانسی) अ स्त्री—नानता, नंगापन; अश्लीलता, फाकड़पन।

उरुंनीपसंद (عرویانسی پسند) अ फा वि—जिसे अश्लीलता पसंद हो।

उरुं (عروا) अ पु—हर चीज का किनारा; लंटे आदि का बरना, हत्वा।

उरुंतुलबुस्का (عروا الوستى) अ पु—प्रमाणित, दस्तावेज।

उरुं (عروس) अ. पु—ब्याह का राना; किसी मुमलमान ऋषि का वापिक उत्सव।

उरुं (الذک) तु पु—चरागाह, गौचर, सब्जाखार।

उरुं (علما) अ पु—'आलिम' का बहु., आलिम लोग, विद्वज्जन।

उरुं (علا) अ. स्त्री—उच्चता, बलदी; श्रेष्ठता, बुजुर्गी; उत्तमता, उदगी।

उरुं (أبق) तु. पु—गधा, गदहा, खर, रासभ।

उरुं (الأغ) तु पु—दे. 'उरुं'।

उरुं (الأجی) तु पु—जगली आदमियों की शोपड़ी जो वालों से बनायी जाती है।

उरुं (الغ) तु पु—बड़ा, श्रेष्ठ, महान्।

उरुं (اولو العروم) अ. वि—बड़ी हिम्मतवाला, साहसी, उच्चोत्साही।

उरुं (اولو الاحمصة) अ. पु—परोवाला, फिरिस्त।

उरुं (اولو الامر) अ वि—शासक, हुक्मरा, युग का महापुरुष।

उरुं (اولو الاداب) अ वि—बुद्धिमान्, अकलमद।

उरुं (علویان) अ फा पु—सैयद लोग, सादात।

उरुं (علو) अ पु—उच्चता, ऊँचाई, बलदी।

उरुं (اولوش) तु पु—अमीरों के आगे का बचा हुआ खाना जो नौकरों का हक होता है; किसी ऋषि मुनि के आगे का बचा हुआ खाना, जो प्रसाद के तौर पर खाया जाता है, तबरेक, प्रसाद, भोग।

उरुं (اولوس) तु पु—राष्ट्र, कौम, जाति, बरादरी, बिरादरी।

उल्लूक (علیوں) अ पृ -लटवना, मित्र रखना, गर्भाशय म
भ्रूण बनने के समय पुष्य के वीच के साथ स्त्री व रक्त का
जमना ।

उल्लूफ (علوفه) अ पृ -खुराक, भाजन, खाद्य पदार्थ,
सुदनी चीन्हा ।

उल्लूफ (الوف) अ पृ -अल्फ का बहु रहस्या हजारा ।

उल्लूम (علوم) अ पृ -इल्म का बहु, विद्याएँ शास्त्र समूह ।

उल्लूमेअक्ली (علوم عقلی) अ पृ -वे विद्याएँ जिनका
सम्बन्ध बुद्धि और तर्क से है ।

उल्लूमेनक्ली (علوم عقلی) अ पृ -वे विद्याएँ जिनका सम्बन्ध
बुद्धि से नहीं है बल्कि पुस्तक म लिखे हुए का मानने से
है जैसे—धर्म-सम्बन्धी विद्याएँ ।

उल्क (الکة) तु पृ -शेर राष्ट्र ।

उल्फत (الوف) अ स्त्री -प्रेम स्नह मुहब्बत ।

उलया (علما) अ स्त्री -आला का स्त्रीलिंग जैसे—पुराय
के लिए 'आला हज़त स्त्री के लिए उलया हज़त ।

उवस (اوصس) अ पृ -एक मुसलमान श्रेयि, जो यमन
देश के बरत गोत्र से थे ।

उवा (عش) अ पृ -नीट, घासला ।

उवाक (اوص) अ पृ -एक गाद जो देवा म काम आता है ।

उवाक (اوص) तु पृ -बिना दाग मूछ का सुंदर लम्बा
अंगद ।

उवुर (استور) फा पृ -उप्ट उट ।

उवुलूम (استلم) तु पृ -प्रचंडता तथी अत्याचार, जुल्म,
प्रभुत्व गलबा ।

उवान (اوصان) फा पृ -एक घास जिसस खाद बनता है ।

उव (عصه) अ पृ -एक वनोपधि जो रक्त शक्ति के
लिए प्रसिद्ध है ।

उव (عص) अ पृ -हरी घास ।

उव (عبر) अ वि -दमवी भाग दगम अण १^१ ।

उवअशीर (عبرعشیر) अ वि -दसवें का दसवा भाग
अर्थात् सौवें भाग १^१ - गताग ।

उव (عصوه) अ पृ -आग जो रात म दूर स निखाया
पटे छिपाकर काम करता ।

उववाक (اوصان) अ पृ -आगित्र का बहु प्रेमी लाग ।

उव(स्त) (عص) अ पृ -बडा पियाला बान्धिय ।

उवत (عصاف) अ पृ -आर्सा का बहु पापी लाग ।

उवाम (اوصامه) अ पृ -ध्यात्र गर एक सिहावी ।

उवतार (عصارة) अ पृ -बिस्ती पत्र व पत्ता आदि का
कुचल कर निनाला हुआ रस जो घूप या आग म जमा
लिया जाता है ।

उवतारा (اوصاروا) अ पृ -असीर का बहु, बदाजन बडी लाग
उवुर (عسر) अ स्त्री -दे 'उस, दाना शुद्ध ह ।

उवुफ (عصوف) अ पृ -वायु का बहुत वेग स चलना शक्त्
चलना ।

उवुल (اصول) अ पृ -'अस्ल का बहु, जडें सिद्धात समूह,
नियम, कायदे ।

उवुलन (اصولاً) अ वि -उमूल से, नियमानुसार ।

उवुली (اصولی) अ वि -मौलिक, आधारभूत द्युनिवादा ।

उवल (عصفه) अ पृ -मधुनानद एमनिस्तेरी की
रजत, वीय, मनी ।

उवउस (عصص) अ पृ -चूतन के बीच की हंडी
दुमगजा, मुस्त जीर आल्सी व्यक्ति ।

उवकफ (اصف) अ पृ -ईसादवी का धार्मिक गुरु पादरी ।

उवकफ आ'जम (اصف اعظم) अ पृ -सबस बग पादरी,
लाट पादरी ।

उवकुपफ (اصف) अ पृ -शेहलीज चौकट ।

उवकुर (اصفرة) अ पृ -छाटा पियाला, शकारा ।

उवकुज (اصفرجه) अ पृ -दे 'उवुर'

उवतार (اصفر) फा पृ -मही एक प्रसिद्ध जंतु ।

उवत (اصفه) फा पृ -खजूर की गुठली ।

उवता (اوصتا) फा पृ -प्राथिवा का एक धार्मिक ग्रथ ।

उवताव (اصتار) अ पृ -दे 'उवताद ।

उवताद (اصتاد) फा पृ -शिक्षक, अध्यापक कोई गित्य
आदि गित्यानेवाला चालाक, हौशियार ।

उवतादान (اصتادان) फा वि -उवतादा जसा, चालाकी का ।

उवतावी (اصتافي) फा वि -उवताद स सम्वा प्रत (स्त्री)
चालाकी धूतता ।

उवतुवस (اصتفيس) अ पृ -तत्त्व पचभूत उवुर ।

उवतुववा (اصتفوا) फा पृ -हडडी अस्थि ।

उवतुववादार (اصتفوا دار) फा वि -दुड़ मजबूत, स्थिर,
कायम ।

उवतुन (اصتن) अ पृ -रथूण सुतून सभा ।

उवतुर (اصفرة) फा पृ -हजामत बनाने का माई का छुत ।

उवतुव (اصتف) फा वि -मूंडा हुआ मुडित ।

उवतुलमि (اصطراب) अ पृ -एव यत्र निरतत वहा आदि
की पमादान हाता है ।

उवतुवान (اصطوار) अ पृ -रथूण सुतून राभ ।

उवतुवार (اصتوار) फा वि -दुड़ मजबूत स्थायी मरत
त्रिल ।

उवतुवारी (اصتواری) फा वि -दुवता मजबूती, स्थायिप
इस्तिफलाग ।

- उस्तर: (استور) अ पुं—कहानी, आख्यायिका, अप्साना ।
 उस्तूल (استول) अ पुं—युद्धपोत, जगी जहाज ।
 उस्पुश (اسدش) फा पुं—जूं, स्वेदज ।
 उस्फुर (عصفر) अ पुं—कुसुम का फूल ।
 उस्फुर (عصفور) अ पुं—चटक, गौरैया, एक प्रसिद्ध घरेलू चिड़िया ।
 उस्व: (عصه) अ. पुं—मनुष्यों का समूह जो बीस से चालीस तक हो ।
 उस्वूअ: (اسموعة) अ पुं—सप्ताह, हफ्ता ।
 उस्वूअ (اسموع) अ पुं—सप्ताह, हफ्ता, सात वार; सात दिन ।
 उस्मान (عثمان) अ. पुं—मुसलमानों के तीसरे खलीफा ।
 उस्मूर (عصمور) अ पुं—पानी का रहट; डोल ।
 उस्स: (عسره) अ पुं—दो 'उस्नत' ।
 उस्स (عسر) अ पुं कठिनाता, दुश्वारी ।
 उस्सत (عسرت) अ स्त्री—कठिनाता, दुष्करता, असुगमता, दुश्वारी; दरिद्रता, कगाली ।
 उस्सतजद: (عسرت زده) अ फा वि—दरिद्र, कगाल ।
 उस्सुव (اسر) अ पुं—सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसकी गोली बनती है ।
 उस्सुव (اسر) अ पुं—पद्धति, शैली, ढंग, आचरण, वजा; व्यवहार, तर्जअमल ।
 उस्सव: (اسوه) अ पुं—नेता, पेशवा, ऐसा आचरण जिसका अनुकरण कल्याणकर हो, जटिल समस्याओं को हल करनेवाला नेता ।
 उस्सवहसन: (اسوه حسنه) अ पुं—सदाचार, अच्छा आचरण ।
 उहूद (عهود) अ पुं—'अहद' का बहु, प्रतिज्ञाएँ, वचन, वादे ।
 उहूदस: (احدوثه) अ पुं—कहानी, आख्यान, किस्सा ।
 उहवत (اهبت) अ पुं—हथियार और सोमान ।

ऊ

- ऊ (او) फा अव्य—वह ।
 ऊक (عوق) अ पुं—'ऊज' का पिता ।
 ऊकिय: (اوقيه) अ पुं—आधी छटाँक से कुछ अधिक की एक तोल ।
 ऊकियानूस (اوقيانوس) अ पुं—अतलातिक महासागर ।
 ऊज (عوج) अ पुं—एक बहुत ही लम्बा व्यक्ति जो हजरत आदम के जमाने में पैदा हुआ और हजरत मूसा के जमाने तक रहा, साढ़े तीन हजार वरस की आयु पायी, इसके बाप

- का नाम 'ऊक' है । जो लोग 'ऊजविन उनुक' कहते हैं वे गलत कहते हैं; 'ऊजविन ऊक' कहना चाहिए ।
 ऊद (عود) अ पुं—एक सुगन्धित लकड़ी, अगर, एक बाजा, बवंत ।
 ऊदनवाज (عودنواز) अ फा पुं—बवंत बजानेवाला ।
 ऊदसाज (عودساز) अ फा वि.—बवंत बाजा बनानेवाला ।
 ऊदसोज (عودسور) अ फा. पुं—ऊद सुलगाने का पात्र, अगरदान ।
 ऊर (عور) फा. वि—नग्न, नंगा, वरहन ।
 ऊरी (عوری) फा वि—नग्नता, नगापन ।
 ऊस (عوس) अ स्त्री.—बकरी की एक जाति ।

ए

- ए (اے) फा. अव्य—ऐ, अयि, बुलाने का संबोधन, 'ए' ।
 एआद: (اعاد) अ. पुं—दोहराना, पुनरावृत्ति; लौटना, वापस आना ।
 एआदए शवाव (اعاد شدا) अ फा. पुं—युवावस्था की पुन वापसी, बूढ़े का जवान बनना ।
 एआनत (اعانت) अ स्त्री—सहायता, मदद ।
 एआनते मुज्रिमान: (اعانت مجرمانه) अ फा स्त्री—अपराध करने में सहायता, अवैध सहायता ।
 एजद (ایزد) फा पुं—ईश्वर, खुदा ।
 एजद परस्त (ایزد پرست) फा. वि.—आस्तिक, ईश्वरवादी, खुदा को माननेवाला ।
 एजदी (ایزدی) फा. वि—ईश्वरीय, ईश्वर का; ईश्वर-सम्बन्धी ।
 एजाज (اعجاز) अ पुं—चमत्कार, करामात; —“तेरे एजाज की है धूम जमाने भर में—मैं जो बच जाऊँ तो समझूँ कि मसीहाई है ।”
 एजाजे ईसवी (اعجاز عیسوی) अ पुं—मृतक प्राणियों को जीवित करने का चमत्कार ।
 एजाब (اعجاب) अ पुं—अभिमान करना, घमड करना, मान, हर्ष, घमड ।
 एजाज (اعجال) अ पुं—शीघ्रता करना, जल्दी करना ।
 एजाज (اعزاز) अ पुं—सम्मान, प्रतिष्ठा, इज्जत; राज्य या किसी बड़ी सभा की ओर से कोई महत्वपूर्ण काम संपुर्ण करके सम्मान ।
 एजाजी (اعزازی) अ वि—कोई काम जो सम्मान के लिए हो, अवैतनिक कार्य ।
 ए'ता (اعطا) अ पुं—देना, प्रदान करना, अता करना; वख्शिश, पुरस्कार ।

ए ताक (اعتاد) अ पु-गस का मुक्त करना, अपने बंधन से छाड़ना।

ए ताग (اعطاش) अ पु-प्यासा करना।

ए तिक्ताद (اعتقاد) अ पु-श्रद्धा आस्था, अज्ञी, प्रत्यय, विश्वास यज्ञीन।

ए तिक्ताक (اعتكاف) अ पु-एकांत में ईश्वर की तपस्या, एकांतवास गानानगानी।

ए तिवाज (اعتزاز) अ पु-प्रिय होना प्यारा होना अजाज होना।

ए तिशाम (اعتزام) अ पु-सकल्प करना, इरादा पक्का करना दत् प्रविण होना।

ए तिबार (اعتبراد) अ पु-उच्च करना, विवगता प्रकट करना उच्चकारी करना उच्च आपत्ति।

ए तिवाल (اعتवाल) अ पु-अलग होना एकांतवागी होना यह अजीबा होना वि मनुष्य अच्छे बुरे कर्मों का स्वयं ही कर्ता है ईश्वरकेटा का इशमै काइ प्रान नहीं।

ए तिवा (اعتदा) अ पु-अनीति करना जुलम करना।

ए तिगाल (اعتدाल) अ पु-गर्मों-सर्मी या तरा-मुक्ता में बराबर होना सतुलन बराबरी।

ए तिवा (اعتدا) अ पु-सहानुभूति करना हृदयों करना रोगा की दल रस करना, दया करना सहानुभूति सीमादारी दया कृपा।

ए तिनाज (اعتदान) अ पु-गल मिलना एक दूसरे क गत् में हाथ डालना।

ए तिमाद (اعتमान) अ पु-किसी चीज पर पीठ टेकना सहारा रना सहारा भरोसा विश्वास, यज्ञान।

ए तिवाल (اعتवाल) अ पु-काम करना।

ए तिपाक (اعتيا) अ पु-मना करना, बाज-रपना राकना।

ए तिवाज (اعتवास) अ पु-बन्ना रना बन्ना देना।

ए तिवास (اعتवास) अ पु-किसी पर कोई काम बठिन होना बठिनार्द म पडना।

ए तिवाज (اعتवास) अ पु-आपत्ति उच्च हस्वणप, दलगावी बाध में आ जाना।

ए तिवाज (اعتवास) अ पु-स्वाइति अगाइति दवार अन धराप का स्वीइति, इकाररुम।

ए तिवा (اعتدا) अ पु-उार उठना अँबा होना यत्न होना।

ए तिवाक (اعتكاف) अ पु-रना का पाथ घाना।

ए तिवाल (اعتवाल) अ पु-बीमार पडना, राग-धरा होना।

ए तिबार (اعتبار) अ पु-दिया वस्तु का हाथ-हाथ रना।

ए तिशाग (اعتشاش) अ पु-बाल-बच्चा क लिए बहूत धाना घाना रना।

ए तिसाक (اعتساب) अ पु-कुभाग पर चलना, अनीति करना जुलम करना।

ए तिताम (اعتصाम) अ पु-सयम इद्रियनिग्रह परहूतारो।

ए तिसार (اعتصار) अ पु-निवाड़ना।

ए तिसास (اعتساس) अ पु-रात का पहरा देना रात का गदत लगाना।

ए दाम (اعدام) अ पु-ध्वस्त करना बरबाद करना।

ए काक (اعجاب) अ पु-किसी का सयम नियम का पाव बनाना।

ए बक (اعجاب) तु पु-दास गुलाम एल्हा दूत, प्रमथ मांगूक।

ए मन (اعتراف) फा वि-आमन का इमाल सुनिभ महफूज अभय तिडर।

ए मनी (اعتملى) फा स्त्री-सुरसा हिफाजत भयहानज तिडरण।

ए मिन (اعتراف) फा वि-सुरक्षित अभय तिडर।

ए राज (اعراض) अ प-किसी की आर स म फ रना विमुक्तता, उपेक्षा प्रकट होना, बौडा चलना होना बकरा के दन्व का अठवाप निवाला रना भलाई करना।

ए राज (اعراض) अ पु-जबर्, जर और पा एल्ची (الطلى) तु पु-पत्रवाहक कासि सफीर।

ए सा (اعسا) अ पु-ऊचा करना, उठाना, प्रमथ फलाना।

ए सान (اعسان) अ पु-घापणा अभिनापन उपाप।

ए साम (اعلام) अ पु-गान कराना बताना जवाना।

ए साल (اعسال) अ पु-बीमार करना रागा बनाना।

ए वास (اعراض) अ पु-धनु पर काम मुक्ति कर देना गनु का बठिनार्द में डाल देना।

ए विवाज (اعوجاج) अ पु-टड़ा होना टड़ घबघा, एगी (اسان) फा मध्य-बहू लाग यहू सब।

ए गाग (اعسان) अ पु-दुगर क पर में हग इरा-ग बठना वि बहु घबघार पर छाकन भाग जाय।

ए तार (اعصار) अ पु-लक्ष्मी का बालिष होना धानस बरयन क करव होना।

एस्तान्गी (استانگى) फा वि-इस्ता, दाना गुड एस्तान्गी (استانگى) फा रना इस्तागनी, गुड ह।

एस्तादनी (ایستادانی) फा वि-दे 'इस्तादनी', दोनों शुद्ध है।

एहकाक (احقاق) अ पु-हक सावित करना; ठीक जानना।

एहकाके हक (احقاق حق) अ पु-अपना हक सावित करना, सच्ची बात सावित करना।

एहजान (احزان) अ पु-दु खित करना, गम में डालना।

एहजार (اهزار) अ पु-अश्लील बातें करना, फुह्रा बकना।

एहजार (اهزار) अ पु-बहुत बोलना, बहुत बातें करना; वाचालता, बकवास।

एहजार (احصار) अ पु-उपस्थित करना, हाजिर करना; घोड़े का दौड़ना।

एहतिकाक (اهتکای) अ. पुं-अपमान करना, अवहेलना करना, हल्क करना।

एहतिकान (اهتقان) अ पु-पिचकारी लगाना, इजकशन करना, हुक्म देना, इनेमा करना।

एहतिकार (اهتکار) अ पु-तिरस्कार करना, अपमानित करना।

एहतिकार (اهتکار) अ. पुं-इस विचार से अन्न सचित करना कि भाव तेज होने पर बेचा जायगा।

एहतिजाज (اهتجاج) अ पु-वाद-विवाद करना, हुज्जत करना, अपने किसी अहित के लिए अहितकर्ता से रोप प्रकट करना।

एहतिजाज (اهتجاج) अ पु-आनंद लेना, लुत्फ उठाना।

एहतिजाज (اهتजार) अ पु-झूमना, झूमकर मस्त होना।

एहतिजाम (اهتجام) अ पु-पछने लगवाना।

एहतिजार (اهتजार) अ. पु-सामने आना, हाजिर होना, मृत्यु का आना, नागरिक होना, घोड़ा दौड़ना।

एहतिदा (اهتدا) अ. पु-सन्मार्ग पाना, सीधा रास्ता प्राप्त होना।

एहतिवाल (اهتवाल) अ पु-सभा करना, सभा होना।

एहतिवाल (اهتवाल) अ पु-जाल से शिकार पकड़ना।

एहतिवास (اهتवास) अ पु-अवरोध, रुकना, बंद होना, निरोध, अवरोध, वदिश।

एहतिवासे तम्स (اهتवास طمس) अ पु-मासिकधर्म का रुक जाना।

एहतिवासे हैज (اهتवास حیض) अ. पु-दे. 'एहतिवासे तम्स'।

एहतिमाम (اهتسام) अ पु-प्रयोजन, इतिजाम, तत्त्वावधान, देख-रेख, निरीक्षण, निगरानी, वदीवस्त, प्रबन्ध।

एहतिमाल (اهتسال) अ पु-शका करना, शक करना, शका, सदेह, शुकहा।

एहतियाज (احتياج) अ. स्त्री-आवश्यकता, जरूरत; दरिद्रता, कगाली।

एहतियाज (احتیاج) अ पु-एकत्र होना, इकट्ठा होना, जमा होना।

एहतियात (احتیاط) अ. स्त्री-सावधानी, खबरदारी, चौकसी, होशयारी।

एहतियातन (احمیطاً) अ वि-एहतियात के तीर पर, सावधानी के रूप में।

एहतियाती (احتیاطی) अ वि-एहतियात सम्बन्धी, जिसमें एहतियात का ध्यान रहे।

एहतियाल (احتیال) अ पु-हीलावाजी करना, बहाने बनाना।

एहतिराक (احتراک) अ पु-जलना, चाँद और सूरज को छोटकर बाकी पाँच ग्रहों में से किसी एक का छिप जाना।

एहतिराज (احتراز) अ पु-परहेज करना, बचना, अलग रहना, घृणा करना, नफरत करना।

एहतिराम (اهترام) अ पु-समान करना, इज्जत करना, समान, आदर, इज्जत।

एहतिलाम (اهتلام) अ पु-सोते में वीर्यस्खलन होना; स्वप्न-दोष।

एहतिवा (اهتوا) अ पुं-चारों ओर से घेरना, इहाता करना।

एहतिशाम (اهتشام) अ पु-लज्जा करना, बहुत से नीकर चाकर वाला होना, वैभव, शानोशौकत।

एहतिसाव (اهتساب) अ पु-हिसाब करना, निपिद्ध वस्तुओं के खान-पान से रोकना।

एहदा (اهداء) अ पु-किसी को उपहार भेजना।

एहदार (اهداز) अ पु-किसी को किसी व्यक्ति की हत्या करने की आज्ञा देना; किसी का हक नष्ट करना।

एहदास (اهداس) अ पु-नयी बात निकालना, जिद्दत पैदा करना, आविष्कार।

एहमाल (اهمال) अ पु-भूल से छोड़ जाना, भूल जाना।

एहमाल (اهمال) अ पु-लादना, बोझ उठाना।

एहया (اهیا) अ पु-जीवित करना, प्राण दान देना, जिदा करना।

एहराक (اهراق) अ पु-जलाना।

एहराम (اهرام) अ पु-हाजियों का वस्त्र, दो चादरे जो बिना सिली हुई एक बाँधी और एक ओढ़ी जाती है।

एहराम (اهرام) अ पु-बहुत बूढ़ा होना, बहुत अधिक बुढ़ापा, परमबुद्धत्व।

एहलाक (اهلاک) अ पु—प्राण ले लना, मार डालना, हिंसा हलाक करना बध करना ।

एहलील (اهليلج) अ पु—मूत्र की मली, स्त्रा के दूध की मली ।

एहलीलज (اهليلج) अ पु—हरेला हड ।

एहसा (احصاء) अ पु—गणना करना गिनना सीमित करना, महदूद करना गिनती, गणना शुमार ।

एहसान (احسان) अ पु—उपकार, जाभार भलाई, नेकी ।

एहसान (احصان) अ पु—पुरुष का स्त्री की इच्छा करना स्त्री का पुरुष की इच्छा करना, गभवती होना, समयी हाना मजबूत करना घेरा डालना ।

एहसान नाशनस (احسان ناسداس) अ फा वि—अकृतन, कृतधन नमबहराम जा उपकार न माने ।

एहसा फरामोश (احسان فراموش) अ फा वि—कृतधन, नमबहराम, जा किसी का उपकार भूल जाय ।

एहसान फरोश (احسان فروش) अ फा वि—जो उपकार करके सबस कृता फिर ।

एहसानमद (احسان ملند) अ फा वि—कृतन, आभारी उपकार माननेवाला ।

एहसानमदी (احسان ملندی) अ फा स्त्री—कृतनता उपकार मानना ।

एहसान गनास (احسان سناس) अ फा वि—कृतन उपकार का पहचानलवाला ।

एहसार (احصاء) अ पु—गिनना शुमार करना घरे में लेना खुला रखना हज का न जाना ।

एहसास (احساس) अ पु—अनुभव, सबदन हिंस ध्यान खयाल पाना दखना ।

एहसासात (احساسات) अ पु—एहसास का बहुवचन ।

ऐ

ऐ (آء) अ अव्य—ए अधि हे ।

ऐक (عین) अ पु—राक रखना बाज रखना ।

ऐजन (ایضا) अ अव्य—जना पहल या ऊपर या बसा ही ।

ऐस (عسط) अ पु—गान का लया हाना ।

ऐताम (استام) अ पु—यताम का बहु अनाथ बच्चे ।

ऐन (عن) अ पु—नत्र नयन आँसु, छाटा नगा यात चरम सान तुप मिसल मथाय वास्तविन वाकर्द ।

ऐनक (عیلک) अ फा स्त्री—आत्मा लगाने का चामा उपनत्र ।

ऐना (عنا) अ स्त्री—सुर आँसुवाली स्त्री ।

ऐनदीक (عین الدیک) अ स्त्री—पुधकी ।

ऐनुलमास (عین احال) अ पु—मूलधन, अरल पूंजी ।

ऐनुलयकीन (عن العین) अ पु—यह विश्वास जा जाबा देखकर प्राप्त हा ।

ऐफाघ (افاغ) अ पु—पिशुन, चुगल, ऊधता हुआ, निद्रालु, धष्ट, शाख ।

ऐब (عبد) अ पु—चम का थला, कपडे रखन का पात्र, रहम्य का स्थान ।

ऐब (عبد) अ पु—दाप बुराई पाप गुनाह, ब्रिट, भूल अशुद्धि गलती ।

ऐबगो (عبد گو) अ फा वि—दाप बतानेवाला दाप निवालनवाला ।

ऐबजो (عبد جن) अ फा वि—दोप दून्नेवाला एब तलाश करनेवाला छिपावेपी ।

ऐबजू (عبد جو) अ फा वि—दोप दून्नेवाला छिद्रावेपी ।

ऐबतराश (عبد تراش) अ फा वि—ऐब लगानवाला, दापारापक दूढ-दूढकर ऐब निकालनवाला ।

ऐबदार (عبد دار) अ फा वि—दापयुक्त, दोपी जिसमें एब हा, खराब दयित धूत, पाजी ।

ऐबपोश (عبد پوش) अ फा वि—क्षापो छिपान वाला ऐबा पर पर्ना डालनेवाला, दापवाक ।

ऐबवी (عبد بن) अ फा वि—द ऐबजू ।

ऐबस (ایس) अ वि—बहुत अधिक सुदक, बहुत अधिक सुशकी बढानवाला ।

ऐम (ام) फा अव्य—अब, इस समय मिथ्या अतप ।

ऐम (عدم) अ पु—व्यासाहाना तप होने की इच्छाहाना ।

ऐम (ام) अ पु—सफद साप ।

ऐमन (امن) अ वि—बटा कल्याणकारी बहुत ही गुनाचित दाहनी आरवाला ।

ऐमान (امان) अ पु—अनेक शपथ करम तापत बल यमीन का बहु ।

ऐयाम (ایام) अ पु—यौम का बहु दिन-समूह ।

ऐयार (عیار) अ वि—बचक छली चालक ।

ऐयारान (عیارانه) अ फा वि—बचको जसा छलिया की भाति ।

ऐयारी (عیاری) अ स्त्री—बचकता छत्र चाणीकी ।

ऐयाश (عیاش) अ वि—व्यभिचारी विषय-रूप, जानी अच्छे खाने-पहने और आराम स रहन का नौकान ।

ऐयागान (عیاسانه) अ फा वि—ऐयागाना जमा ।

ऐयागी (عیاشی) अ स्त्री—व्यभिचार बिना अच्छा खाना-पहना और आराम छ रहना ।

ऐयिम (ایم) अ. वि -विना पति की स्त्री, विधवा, विना स्त्री का पुत्र, रँडुआ, विधुर।

ऐयूक (عیوق) अ पु -एक तेज और चमकदार तारा।

ऐयूब (ایوب) अ पु -एक पैगम्बर जो बड़े ही धैर्यवान् थे।

ऐर (ایر) अ पु -शिशु, लिंग।

ऐर (عیر) अ. पु -जगली गधा, गोरखर।

ऐल: (عیله) अ स्त्री -संन्यास, फकीरी।

ऐवान (ایوان) फा पु -प्रासाद, भवन, महल, राजप्रासाद, शाहीमहल; परिषद्, ससद, कौंसिल।

ऐवानेजेरी (ایوان زبیریں) फा. पु -निम्न सदन।

ऐवानेवाला (ایوان بالا) फा. पु -उच्च सदन।

ऐश (عیش) अ पु -भोगविलास, विषयवासना, व्यभिचार; खाने-पीने का सुख।

ऐशतलब (عیش طلب) अ फा वि -भोग-विलास का आनंद चाहनेवाला।

ऐशतलबी (عیش طلبی) अ फा स्त्री -भोगविलास के आनंद की इच्छा।

ऐशपरस्त (عیش پرست) अ फा वि -दे 'ऐयाश'।

ऐशपरस्ती (عیش پرستی) अ. फा. स्त्री -दे 'ऐयाशी'।

ऐशपसंद (عیش پسند) अ फा वि -दे 'ऐशतलब'।

ऐशपसदी (عیش پسندی) अ फा. स्त्री -दे 'ऐशतलबी'।

ऐशमंज़िल (عیش منزل) अ स्त्री -रंगभवन, रंगमहल, ऐश करने की जगह।

ऐशमहफिल (عیش محفل) अ स्त्री -दे 'ऐशमंज़िल'।

ऐशेरफत: (عیش رفتہ) अ फा पु -बीता हुआ सुख चैन, बीता हुआ सुख का समय।

ऐशोनशात (عیش و نشاط) अ पु -सुख चैन, भोगविलास, सब प्रकार के आनंद।

ऐस (عیث) अ पु -भेंड़िए का बकरियों के झुंड को नाश करना, विनाश, बरबादी।

ऐस (ایس) अ पु -निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।

ऐसर (ایسر) अ वि -बहुत सुगम, अति सरल, बहुत आसान।

ओ

ओ (از) फा अव्य -वह।

ओफताद: (اوقاتاد) फा वि -दे 'उफताद', दो शु हे।

ओफताद (اوقاتاد) फा स्त्री -दे 'उफताद', दो. शु हे।

ओफतादगी (اوقاتادگی) फा स्त्री -दे. 'उफतादगी', दो शु हे।

ओफतादनी (اوقاتادنی) फा वि -दे 'उफतादनी', दो शुद्ध हे।

ओस्ता (اوستا) फा पु -दे. 'उस्ता'।

ओस्ताद (اوستاد) फा पु -दे 'उस्ताद', दो शु हे।

ओस्तादान: (اوستادانہ) फा वि -दे. 'उस्तादान', दो. शु हे।

ओस्तादी (اوستادنی) फा. स्त्री -दे 'उस्तादी', दो शु हे।

ओहद: (عہدہ) अ पु -पद, दर्जा, पदवी, मर्तवा, पदाधिकार, अपसरी।

ओहद:दार (عہدہ دار) अ फा. वि -पदाधिकारी, अपसर।

ओहद:बरा (عہدہ برار) अ फा वि -जिम्मेदारी पूरी करनेवाला।

ओहद:बराई (عہدہ برائی) अ फा स्त्री -जिम्मेदारी की पूर्ति।

औ

औइय: (اوعیہ) अ पु -'विआ' का बहु, वरतन-भाडे।

औकर (اوقر) अ वि -वधिर, बहुरा।

औकस (اوقص) अ वि -छोटी गर्दनवाला, ऐसा माल जिसके बढ़ने पर जकात न देना पड़े।

औका' (اوقع) अ वि -कृपण, कजूस।

औकात (اوقات) अ पु -'वक्त' का बहु, समयावली (स्त्री.) प्रतिष्ठा, इज्जत, मान मर्यादा।

औकाफ (اوقاف) अ पु -'वक्फ' का बहु, वे जायदादे आदि जो समर्पित हैं, देवोत्तर सम्पत्तियाँ।

औज: (اوضہ) अ पु -क्रम, कोठा।

औज (اوج) अ पु -उच्चता, ऊँचाई, बलदी; उन्नति, तरक्की, प्रतिष्ठा, मान, बक्यत।

औज (عوج) अ पु -वक्रता, टेढापन।

औजह (اوضح) अ वि -अत्यंत स्पष्ट, बिलकुल साफ।

औजाअ (اوجاع) अ पु -मनुष्यों के समूह।

औजाअ (اوجاع) अ पु -'बजा' का बहु पीडाएँ, दर्द।

औजाअ (اوضاع) अ पु -'वजूअ' का बहु, तौर-तरीके।

औजान (اوزان) अ पु -'वज्ज' का बहु, तौलन के वाँट, तोलें।

औजार (اوزار) अ पु -'विज्ज' का बहु, उपकरण समूह, आलात, कारीगरो के यंत्र।

औताद (اوتاد) अ पु -'वतद' या 'वतिद' का बहु, खूंटियाँ, मेखें, खूंटे।

औतान (اوطان) अ पु -'वतन' का बहु जन्मभूमियाँ।

औतार (اوتار) अ पु -'वतर' का बहु, धनुषों की ज्याएँ, बाजे के तार।

औद (عود) अ पु—स्रोतना, वापसी पलटना ।
 औन (عن) अ वि—सहायक मददगार ।
 औफ (عوف) अ पु—आपत्ति आपदा, मुसीबत, कष्ट,
 दुःख तक्लीफ ।
 औफा (أوف) अ वि—अनुमूलन, बहुत मुआफिक ।
 औबाश (أوباش) अ पु—बोश का बहु, अपज्जन, साहज
 लोग, लोफर दुराचारी ।
 औबाशी (أوباشی) अ स्त्री—धूतता लपटता, गुह्यपन
 लाफरपन ।
 औरग (اورنگ) फा पु—राजसिंहासन तख्तशाही बुद्धि
 भक्ता दानाई ।
 औरगजेब (اورنگ جيب) फा वि—राजसिंहासन का शाभा,
 गासक हुकमरा एक मुगल सम्राट की उपाधि ।
 औरगनशी (اورنگ سن) फा वि—सिंहासनाखंड
 तख्तनशा ।
 औरगे जहाँ बानी (اورنگ جہاں بانی) फा पु—राजसिंहा
 सन, शाही तख्त ससार का राजसिंहासन ।
 और (عور) अ पु—बानापन एक जाट का होना ।
 औरत (عورت) अ स्त्री—स्त्री नारी महिला जाया
 भार्या पत्नी आरू मनुष्य या स्त्री के गुप्तांग हर वह चीज
 जिसके देखन स लज्जा जाय ।
 औराक (اوراق) अ पु—बरक का बहु पुस्तक के पन्ने
 कितार क बरक पडा क पत्त ।
 औरात (عورات) अ स्त्री—औरत का बहु स्त्रिया
 औरत मनुष्य या स्त्री के गुह्यांग ।
 औराद (اوراد) अ पु—विद्य का बहु जपनप चिन्तबजीफ ।
 औराम (اورام) अ पु—वरम का बहु सूजन वरम ।
 औरिद (اوريد) अ पु—वरीद का बहु रक्तवाहिना
 रग (नाडियाँ) ।
 और (عول) अ पु—पालन-यापण करना, रोटी कपडा
 दना दान वहिशास ।
 औरा (اورا) अ वि—बहुत बनिया अति उत्तम बहुत
 मुनासिब परभाचित ।
 औरातर (اورا تار) अ फा वि—उत्तमतर, बहुत उम्दा
 उच्चिनतर, मुनासिबतर ।
 औरातरून (اورا تارون) अ फा वि—बहुत ही उत्तम, बहुत
 ही उचित ।
 औराद (اوراد) अ पु—वरम का बहु सतान या-वस्त्रे ।
 औरिया (اوريا) अ पु—वस्त्री का बहु उत्तराधिकारी
 गण वारिसीन श्रधियगण वनी अल्लाह लाग ।
 औरग (اورنگ) फा स्त्री—अलगनी ।

औस (عوس) अ पु—बठिनता, दुःगवारी कठिनाई ।
 औसक (اوس) अ वि—बहुत ही मजबूत दुबलम ।
 औसत (اوسط) अ वि—मध्य बीच दरमियान, माध्यम
 दरमियानी, अनुपात, माय, एवरेज ।
 औसतन (اوسطان) अ वि—औसत क हिमाव स अनुपात
 के अनुसार ।
 औसतुल हाल (اوسط الحال) अ वि—ऐसा यक्ति जान
 बहुत अमीर हान व बहुत गराव मध्यवित्त ।
 औसा (اوسع) अ वि—बहुत अधिक विस्तृत बराअतर ।
 औसान (اوسان) अ पु—बमन का बटु, मूर्तियाँ बूत ।
 औसान (اوسان) अ पु—ह्वास हाग, सगा बुद्धि ।
 औसाफ (اوصاف) अ पु—वरम का बहु गुणममूठ
 खूबिया, अच्छाइया ।
 औसाफे हमीद (اوصاف حميد) अ पु—अच्छे और
 दृष्ट्य गुण सत्वगुण प्रशंसनाय शालीनता ।
 औसिया (اوصيا) अ पु—वसी का बहु रिक्वाधिकार
 उत्तराधिकारी वारिस राग ।
 औहद (اوحد) अ वि—अद्वितीय, यपाना, अनुपम ।
 औहाम (اوهام) अ पु—भ्रम का बहु, भातियाँ,
 मुगाल्ले, धावे ।

क

कज (كلو) अ पु—नाग, निधि सजाना ।
 कजफोर (كلفور) अ पु—बद्धा स्त्री बूनी औरत ।
 कजे मल्की (كلو مکتبی) अ पु—जमीन के भीतर दबा
 हुआ खजाना भूनिहित निधि ।
 कतर (قطر) अ पु—युत्र, सेतु बड़ी इमारत प्रासाद ।
 कतर (قطر) अ वि—ह्रस्व छाटा काताह ।
 कतूर (قطر) अ पु—एक प्रकार का काट जितने
 दामन छाते हान और जिनम काज बहुत हाते ह ।
 कद (كدة) फा वि—अकिन खुग हुआ त्रिखित लिखा
 हुआ पत्थर जाति पर खुदा हुआ ।
 कद (كدة) फा पु—नार्द खर्क ।
 कदकार (كدة کار) फा वि—बानी सान लकनी अथवा
 पत्थर पर बेल बूटे बनाने का काम करनवात्र ।
 कदकारी (كدة کاری) फा स्त्री—ब बेल बूट जा सान
 बानी लकनी अथवा पत्थर आदि पर बनने ह बल बूट
 बनाने का काम ।
 कद (كدة) अ स्त्री—सपेद दाना दार गवर शकरा ।
 कद (كدة) तु पु—गाव ग्राम देहात ।
 कद (كدة) फा स्त्री—कद, गवर, शकरा, खड ।

कंदखानः (قندخان) अ फा. पुं.—गडसाल, शकर बनाने का कारखाना ।

कंदील (کندیل) फा स्त्री—दीपक, चिराग; दे 'किंदील' ।

कंदूरी (کندوری) फा पु—राना खाने का कपड़ा, दस्तरखान ।

कंदूर (قندور) अ पु—हजरत अली का एक दास, जो उनका वटा भवत था ।

कंस (قنص) अ पु—शिकार खेलना; जाल लगाना ।

कंस (کمس) अ पु—घर आदि झाटना, झाड़ू देना ।

कअलची (قعلچی) तु पु—मीर शिकार, वह व्यक्ति जो वादशाहों के शिकार का प्रबंध करता है ।

कईद (قعد) अ वि—साथ बैठने-उठनेवाला, सभासद ।

कईर (قعیر) अ पु—अथाह, गहरा, अगाध ।

कऊर (قعوور) अ पु—गहरा, अथाह, गभीर ।

कख कख (کخ کخ) फा अव्य—छोछी, घृणावाचक शब्द, खिलखिल हँसने का शब्द ।

कचः (کچ) फा पु—छल्ला, उँगली में पहनने की विना नग की अँगूठी ।

कचकोल (کچکول) फा पु—भीख माँगने का पियाला, भिक्षापात्र, दे 'कजकोल' और 'कजकोल' ।

कजः (کج) फा पु—तालू का कौआ ।

कज (کج) फा वि—टेढ़ा, वक्र, तिर्छा ।

कज (کج) फा पु—कच्चा रेशम, अवरेगम, कज, वक्र, टेढ़ा ।

कज (کج) फा वि—दे 'कज' ।

कज अज़ल (کج عقل) अ फा वि—ऐसा व्यक्ति जिससे जो कुछ कहा जाय उसका उलटा समझे, वक्रमति, विपरीतवृद्धि ।

कज अल्लाक (کج احلاق) फा अ. वि—बेमुरव्वत, दु गील, खुरा, ख्वा ।

कज अदा (کج ادأ) फा वि—जिसमें शील-सकोच न हो, जो बहुत ही खुरा हो ।

कज अदाई (کج ادائی) फा स्त्री—शील-सकोच की हीनता, खुरापन ।

कज आज्जा (کج اعصا) फा अ वि—जिसके शरीर के अंग टेढ़े-मेढ़े हों, वक्रांग ।

कजक (کجک) फा पु—अकुश, आँकुस, हाथीवान का यत्र ।

कजक (کجک) फा पु—दे 'कजक' ।

कज कुलाह (کج کلاه) फा वि—टेढ़ी टोपी ओढ़नेवाला, प्रेमपात्र, मा'शूक, शासुक, राजा ।

कज कुलाही (کج کلاهی) फा स्त्री—बाँकापन, मा'शुकियत, राजापन ।

कजकोल (کجکول) फा पु—भीख माँगने का बर्तन, भिक्षापात्र, दे 'कचकोल' और 'कजकोल' ।

कज खुल्क (کج خلق) अ फा वि—दे. 'कज अल्लाक' ।

कज खुल्की (کج خلقی) अ. फा स्त्री—दु शीलता, खुरापन ।

कज जत्मः (کج زخمه) फा. वि—धूर्त, दगावाज ।

कज तव्व (کج طمع) फा. अ. वि—दे. 'कज मिजाज' ।

कजदुम (کج دهم) फा पु—विच्छू, वृश्चिक ।

कज निगाह (کج نگاه) फा वि—भेगा, जो टेढ़ी आँखें करके देखता हो, गुस्सेल, क्रुद्धात्मा ।

कज निगाही (کج نگاهی) फा. स्त्री—भेगपन, क्रोध ।

कज निहाद (کج نهدان) फा वि—दे. 'कज मिजाज' ।

कजफ (کج ف) अ पु—चटयल मैदान, लवा-चौडा मैदान ।

कज फहम (کج فهم) फा. अ वि—उलटी समझवाला, मूर्ख, वक्रवृद्धि ।

कज फहमी (کج فهمی) फा अ स्त्री—उलटी समझ, मूर्खता ।

कज वह्स (کج بحث) फा अ वि—उलटी सीधी बहस करनेवाला, मूर्खता का वाद-विवाद करनेवाला, कुतर्की ।

कज वह्सी (کج بحثی) फा अ स्त्री—उलटा सीधा वाद-विवाद, किसी की बात न मानकर केवल अपनी बात मनवाना ।

कजवाज (کج وارد) फा वि—लेन-देन में व्यवहार-कुशलता न करनेवाला, वदनीयत ।

कजवीं (کج دیدن) फा वि—केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखनेवाला ।

कजवीनी (کج دیدنی) फा स्त्री—केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखना ।

कजाम (کج ام) अ स्त्री—अधमता, नीचता, कमीनगी; अधम, नीच, कमीना; कमीने, नीच लोग ।

कज मज (کج مچ) फा वि—जिसकी जिह्वा वात करते समय लडखडाती हो, जो ठीक से वात न कर सके ।

कज मज जवाँ (کج مچ زبان) फा वि—जिसकी जीभ वाते करते समय लडखडाती हो; जिसे वात करने की तमीज न हो, मूर्ख ।

कज मज वयाँ (کج مچ زبان) फा अ वि—दे. 'कज-मज-जवाँ' ।

कजमदारो मरेज (کج مدارو مریز) फा वा—'टेढ़ा रखो और गिराओ मत' । ऐसी वात का आदेश जो असभव हो और हो न सके ।

कज मिजाज (کج مزاج) फा अ वि—जिसके स्वभाव में टेढ़ापन हो, जो सीधी-सादी वात में भी शका करे ।

कज रफतार (كج رفقار) फा वि-टेडी चाल चलनेवाला, बुरा आचरण करनेवाला अत्याचारी जालिम।
 कजरवी (كج زوی) फा स्त्री-टेडीचाच, दुराचार, अत्याचार, जुलम।
 कजरो (كج زور) फा वि-ते 'कज रफतार'।
 कजल (كج ل) अ पु-लग्नापन, बहुत अधिक लगेडापन।
 कजा (كج ا) अ स्त्री-आपेक्षेने मत्यु मौत, यायइसाफ जो इबादत अपने ठीक समय पर अ की गयी हो।
 कजा (كج ا) अ पु-निनका घान फूम आँख में तिनका पड जाना।
 कजाए कार (كج اے كار) अ फा वि-द कजारा'।
 कजाए मुअल्लक (كج اے معلق) अ स्त्री-वह मत्यु जो आचनक हो जमे पेड से गिर के जाकस्मिक मत्यु।
 कजाए मुब्रम (كج اے مبرم) अ स्त्री-वह मत्यु जा टल न सके निश्चित मत्यु।
 कजाए हाजत (كج اے حاجت) अ स्त्री शौचकम, पावाना, आकस्मिक आवश्यकता।
 कजाकव (كج اے كلكند) फा पु-एक प्रकार का कोर जिसमें कच्चा रोग स्पेटा जाता है जिसे उस पर तलवार जसर नहा करती।
 कजाया (كج اے صابا) अ पु-कजीय का बहु, हुनम खबरें गगडे।
 कजार (كج اے زار) अ फा वि-अचानक अनायास महमा अकस्मात नागहा।
 कजाय (كج اے كجاره) फा पु-ऊट का हौग जिसमें दाना आर जमी बटने ह।
 कजाय कजा (كج اے كجرا) अ अत्य-एमे और एमे या और या।
 कदिय (كج اے كور) अ वि-झूठा मिथ्याभापी।
 कदिर (كج اے كور) अ रि-आवित्र नापाक मलिन गण।
 कदिल (كج اے كورل) अ वि-लग्ना पगु।
 कजी (كج اے كجی) फा स्त्री-टेडान वयता।
 कजीन (كج اے كجین) तु पु-घाते की पावर।
 कजीव (كج اے كجیب) अ पु-ने की डारो गिल महन गिग।
 कजीम (كج اے كجیم) अ रि-शेषी जानवाग।
 कजीम (كج اے كجیم) अ पु-पाडे का गिने जानवाग जो शाय के समय शेष न बनवाग, धामाग।
 कजीम (كج اے كجیم) तु पु-घाते कजान'।
 कजीय (كج اے كجی) अ पु-आग हाप शाय आपनी शाय, व्यवहार, मुग्गा।

कस्तान (كج اے كستان) तु स्त्री-बडी डगची कडाही।
 कस्ताक (كج اے كستان) तु पु-छटेरा, डाकू दस्तु।
 कस्ताकी (كج اے كستانی) तु स्त्री-रूटमार डकती।
 कस्ताब (كج اے كراب) अ वि-बहुत बडा झूठा, अनगलभापी गप्पी, वाचाल सुवर।
 कस्तक (كج اے كراب) अ पु-पत्यर मारना गापी देना विली पर व्यभिचार या दुराचार का आराप लगाना।
 कस्तम (كج اے كرم) फा पु-बाई जो पानी के विनारे हा जाती है।
 कस्तम (كج اے كرم) अ पु-गुस्मा पी जाना, शोध के समय नान न करना।
 कस्तिक (كج اے كرك) फा पु-छाटा चानू।
 कजवीन (كج اے كروسی) फा पु-इराक अजम का एक नगर।
 कत (كج اے كط) अ पु-कलम की नाक काम की नाक बनाना।
 कतक (كج اے كتن) तु पु-बहु खदास जो आटे म मिलाने ह।
 कतखदा (كج اے كت حداد) फा वि-विवाहित अथवा विवाहिता, गहस्वामी घरवाला गहस्व।
 कतखदाई (كج اے كت حدادی) फा स्त्री-विवाह पाणिग्रहण व्याह शान्ति।
 कतखन (كج اے كطرن) अ फा पु-वह चीज जिम पर खबर कलम की कत लगाने ह।
 कतन (كج اے كطن) अ पु-गोना चूतणों के बीच की हड्डी, फा की पूछ की जड।
 कतम (كج اے كطم) अ पु-नामातुरता गहवत का जोर।
 कता (كج اے كتان) फा पु-अलसी अलमी का बीज, अलमी के पड के रेते से बना हुआ कपण।
 कता (كج اے كطا) अ पु-एक चिडिया जो पत्यर खाती है।
 कताइफ (كج اے كطائف) अ पु-कतीफ का बहु, मलमल की चारों मलमली कपडे।
 कताइब (كج اے كتائب) अ पु-कतीब का बहु सेतारों पीरें।
 कताम (كج اے كتام) अ पु-घूल मिट्टी गन्-गुवार।
 कताम (كج اے كتام) अ पु-छिपना गुप्त हाना।
 कतार (كج اے كطار) अ स्त्री-गुद गन् 'वितार' है परतु उदु म कतार ही बालते ह पवित्र पाति पगत।
 कतार दर कतार (كج اے كطار در كطار) अ फा वि-बन्त गी पवित्रपाम पवित्रपा बनावर बहुत अधिप।
 कतारीक (كج اے كطاریك) अ पु-मुद में मनिना का बोगग, बोलाहट गोर-गुग।
 कतिक (كج اے كتكف) अ पु-नपा, स्वध दाना।
 कतीम (كج اے كتیم) अ पु-भेड-बकरी या गाव भडों का रेपट।
 कतीम (كج اے كتیم) अ पु-कतीम।

कतीअत (قطيعت) अ स्त्री—जुदाई, विच्छेद; पृथक्ता, अलाहदगी, काटना।
 कतीन (كتين) अ वि—कम खानेवाला, पुरुष अथवा स्त्री।
 कतीफ़: (قطيعه) अ पु.—मखमल का कपडा।
 कतीव: (كتيبه) अ पु—सेना, फौज।
 कतीव (كتيب) अ वि—लिखित, लिखा हुआ।
 कतीर: (كتيرة) अ पु—एक प्रसिद्ध गोंद जो दवा के काम आता है, और जिसका अधिक खाना नपुसक बना देता है।
 कतील (كتيل) अ वि—जिसे मार डाला गया हो, पुरुष हो अथवा स्त्री, हत, वधित।
 कतूर (قطور) अ पु—पतली दवा जो कान या नाक में टपकायी जाती है।
 कतूर (قصور) अ वि—यखील, कजूस, कृपण।
 कत्अ: (قطعه) अ पु—खंड, टुकडा, जमीन का टुकडा, भूमिखंड, ता'दाद, मात्रा, जैसे—चार कत्अ कपडे, उर्दू अथवा फार्सी नज्म की एक किस्म जिममे राजल की तरह काफिए की पावदी होती है, और जिसमे कोई एक वात कही जाती है।
 कत्अ (قطع) अ स्त्री—काटना, पृथक् करना, विच्छेद; वेपभूपा, वजूअ, प्रकार, रग।
 कत्अन् (قطعاً) अ वि—कदापि, हरगिज, नितात, विलकुल।
 कत्ई (قطعى) अ वि—कदापि, हरगिज; नितात, विलकुल, अटल, मजबूत, अतिम, आखिरी।
 कत्ईयत (قطعييت) अ स्त्री—अतिमता, आखिरीपन, अटलपन।
 कत्ए तअल्लुक (قطع تعلق) अ पु—परस्पर मेल-मिलाप का खातिमा, सम्बन्ध-विच्छेद; विवाह-विच्छेद, तलाक, "कत्अ कीजिए न तअल्लुक हमसे, कुछ नहीं हे तो अदावत ही सही।"—गालिव।
 कत्तात (قتات) अ वि—निंदक, वदगो; पिशुन, चुगुल।
 कत्ताम: (قطامة) अ स्त्री—वह स्त्री जिसमे काम-वासना अधिक हो, स्त्रियों के लिए एक गाली, 'छिनाल'।
 कत्ताल: (قتاله) अ स्त्री—बहुत अधिक कतल करने वाली, प्रेयसी, प्रेमिका, माशूका।
 कत्ताल (قتال) अ वि—बहुत अधिक कतल करनेवाला, जल्लाद, प्रेमपात्र, माशूक।
 कत्फ (قطف) अ पु—फल आदि बीजना, मेवा चुनना।
 कत्फ (كتف) अ पु—कंधा, स्कन्ध, धीरे-धीरे चलना; दोनो हाथ पीछे बाँधना, कंधे का ऊँचा होना।
 कत्ब: (كتبه) अ पु—वह पत्थर जो किसी इमारत या कन्न पर लगाया जाता है, और जिसमे मकान आदि बनने का विवरण

या मरनेवाले का नाम और उसके मरने की तारीख आदि दी जाती है, शिलालेख, अतल्लेख, अभिलेख।
 कत्म (كتم) अ पु—छिपाव, गुप्ति, पोशीदगी।
 कत्मे अदम (كتم عدم) अ पु—वह स्थान जहाँ जीवात्मा उत्पत्ति से पहले रहती है।
 कत्त्र: (قطرة) अ पु—बिंदु, बूँद।
 कत्त्र:जान (قطرة زن) अ फा वि—बहुत शीघ्र चलने या दौड़नेवाला, शीघ्रगामी।
 कत्त्र:दुश्द (قطرة دود) अ फा पु—बादल, अभ्र, सूर्य, सूरज।
 कत्त्र (قطر) अ पु—वर्षा, वारिश।
 कत्त्रए अश्क (قطرة اشك) अ फा पु—आँसू की बूँद, अश्रुकण।
 कत्त्रए आब (قطرة آب) अ फा पु—पानी की बूँद, जलकण।
 कत्ल (قتل) अ पु—वध, हनन, हत्या, हिंसा, जान से मार डालना।
 कत्लगाह (قتلگاه) अ फा स्त्री—कत्ल करने का स्थान, वधस्थल, वधभूमि, वधगृह।
 कत्ला (قتلى) अ पु—'कतील' का बहु, कतल होनेवाले।
 कत्ले अम्द (قتل عمد) अ पु—जान-बूझकर हत्या, प्रयत्नित वध, वध करने के निश्चय से वध।
 कत्ले आम (قتل عام) अ पु—सर्वसाधारण का वध, अपराधी अनपराधी छोटे-बड़े पुरुष स्त्री सब की सिर से हत्या।
 कद: (كد) फा पु—घर, गृह, मकान, प्रत्यय रूप में—मदिरा + कद = आलय (मदिरालय—मैताना)।
 कद (كد) फा पु—दे 'कद'।
 कद [द] (قد) अ पु—डोल, आकार, कामत।
 कद [द] (كد) अ स्त्री—वैमनस्य, रजिश, द्वेष, कीना; प्रयत्न, परिश्रम, कोशिश।
 कदखुदा (كدخدا) फा वि—दे 'कतखुदा'।
 कदखुदाई (كدخدايى) फा स्त्री—दे 'कत खुदाई'।
 कदगन (قد عن) तु पु—मनाही का हुक्म, निषेधादेश, प्रतिवध, रोक, मनाही।
 कदगनची (قد غمحي) तु पु—रोकनेवाला, मना करनेवाला, निषेधक, प्रतिवधक।
 कदवानू (كدبانو) फा स्त्री—गृह-स्वामिनी, घर की मालिक, घर-गृहस्ती वाली स्त्री, महिला, खातून।
 कदम (قدم) अ पु—पद, पाँव, पैर, डग, एक कदम की दूरी।
 कदम व कदम (قدم قدم) अ फा वि—कदम से कदम मिलाकर, बराबर-बराबर, साथ-साथ।

कदमबाज (كدم باج) अ पा वि-तेज चलनवाग शीघ्र गति कर्म चात्र चनेवाग पाडा।
 कदमबोस (كدم بوس) अ पा वि-पाँव चूमनेवाग प चवन।
 कदमबोसी (كدم بوسی) अ पा स्त्री-पाँव चूमना प चवन क व्यक्ति की मुलावात।
 कदमरज (كدم راج) अ पा वि-पदापण करनवाग जानवाग पधारनवाला।
 कदमरजगी (كدم راجگی) अ पा स्त्री-पदापण जाना ताराफ लाना।
 कदर (كدر) अ स्त्री-आपेग हुबम परावापठा इतिहा अनुमान जगजा क्षति ताकत भाय तवनेर।
 कदर (كدر) अ स्त्री-अधरा तीरगी मलिनता भला पन।
 कदर (كدر) पा पु-केवड का पेड।
 कदरअदाज (كدر اداج) अ पा वि-ठीक निशाना लगान वाला लक्ष्यभदी गीघ्रभदी।
 कदरअदाजी (كدر اداژی) अ पा स्त्री-ठीक निगाना लगाना निगान का अचूक होना।
 कदह (كده) अ पु-पियाला चयर गराव पीन का जाम पान-पान पयपान प्रयय रूप म-म-मच-+ कदह प्याग पान (मधुपान मनुप्याला)।
 कदहकश (كده كاش) अ पा वि-शराबी मद्यप।
 कदहलवार (كده حوارج) अ पा वि-दे कदहकश।
 कदहनोग (كده نوس) अ पा वि-दे कदहकश।
 कदामत (كدامت) अ स्त्री-प्राचीनता पुरातत्व पुरानापन (समय वा)।
 कदामत परस्त (كدامت پرست) अ पा वि-जो पुरानी वाता को छाकर नयी बात ग्रहण न करे रुढ़िवादी प्राचीनतावादी।
 कदामत परस्ती (كدامت پرستی) अ पा स्त्री-पुरानी वाता का छाडकर नय खयालात वा ग्रहण न करना रुढ़िवाद प्राचीनतावादा।
 कदामत परसद (كدامت پسند) अ पा वि-दे कदामत परस्त।
 कदामत परसवी (كدامت پسلی) अ पा स्त्री-कदामत परस्ती।
 कदिर (كدر) अ वि-भला गला मलिन मनीला।
 कदवी (كدری) अ स्त्री-कटी-पीटी जमीन।
 कदवी (كدری) अ पु-मुखाया हुआ मास जिस पराकर खाते ह।

कदवीम (كدم) अ वि-पुरातन पुराना, जा आनि से हो अनादि बहुत प्तिना वा।
 कदवीमान (كدمسمانه) अ पा वि-पुराने समय वा पुराना जसा, कनीमी।
 कदवीमी (كدمی) अ वि-पुगना पुरातन पुराने समय वा।
 कदवीर (كدری) अ वि-मन्त्रि गला मदीग गल पीगीग।
 कदवीर (كدری) अ पु-गवितमान ताकतवर समय कदतवाग सवगन्तमान ईस्वर।
 कदवीस (كدمس) अ पु-मुक्ता माती।
 कदु (كدر) पा पु-लाकी तबी लौकी वा छाल जिनका पियाला आनि बनान ह पियाला।
 कदुअ (كدرع) अ वि-अयम नीच कमीना।
 कदुए हज्जाम (كدره حصام) अ पा पु-पलन लगानवाग वा पियाला जिससे वह खून खींचने ह परन्तु खोलनवान नाई का प्याला।
 कदुकग (كدر كاش) पा पु-लौकी आदि छीन का यत्र कदुकग।
 कदुद (كدرود) अ वि-विपत्ति उठानवाग व्यक्ति (पु) वह कुआ जिसम स पानी बडी कठिनता से निकले।
 कदुम (كدم) अ पु-कदुइयो का बगुला बार-बार आप आनवाला व्यक्ति।
 कदुस्त (كدرست) अ वि-तलवार लेकर सामना करनवाला व्यक्ति।
 कदुह (كده) अ पु-वह कुआ जिसम स हाथ मे पानी निकाल ल बहुत उथला कुआ।
 कदवेर (كدرور) पा पु-किस्तान कृपक गहन्वामी घरवाला गाँव का मुर्तिया पटल।
 कदो कामत (كدره کامت) अ पु-डोल-डोल कृग-कामत यार का समझा अधरी रात म धाके धोने म बहुत बाँगे लिए शहतीर के।
 कदो काबिश (كدره كاوش) पा स्त्री-दो घूष भाग-दो परिश्रम मेहनत।
 कदावर (كدرار) अ पा पु-वा-तडगा गिराडील।
 कदु आदम (كدر آدم) अ वि-मनुष्य की लवाई के बराबर वा।
 कदर (كدر) अ स्त्री-आदर सत्कार जावभगत सम्मान प्रतिष्ठा इज्जत मूल्य कीमत गुण की परख।
 कदरी (كدری) अ पा वि-गुण की कदर (कदर) पहचाननवाग गुण-ग्राहक गुणन।

कद्रदानी (قدردانی) अ फा स्त्री—गुण की कद्र पहचानना, गुण की परस्त्र।

कद्रशनास (قدرشناس) अ फा वि—दे 'कद्रदा'।

कद्रशनासी (قدرشناسی) अ फा स्त्री—दे 'कद्रदानी'।

कद्रे (قدری) फा. वि.—थोड़ा, जरा-भा, किमी कदर, किंचित्, किंचन, किंचिन्मान।

कदह (قدح) अ स्त्री—निंदा, हन्व, निरस्कार, अपमान, तहकीर।

कन (کن) फा. प्रत्य—खोदनेवाला, जैसे—'कानकन', कान खोदनेवाला।

कनफ (کنف) अ पु—किनारा, तरफ, छोर, दिशा, जानिव ओर, पनाह, रक्षा, त्राण।

कनव (کنب) अ पु—चटाई बनने की एक घाग, काम की अधिकता ने हाथों के छाले, हँसी में हाथा-पाई।

कनवात (کنوات) अ पु—'कनात' का बहु, पटी हुई नालियाँ, भाले, पीठ के वामे (रीठ) की हड्डियाँ।

कनस (کنس) अ पु—थोड़ी-सी कै।

कनाअत (کناعت) अ स्त्री—थोड़ी-सी चीज पर सतोप, भाग्यतुष्टि।

कनाअत गुजों (کناعت گویین) अ. फा वि—जो कुछ मिल जाय उसी पर प्रसन्नता से जीवन व्यतीत करनेवाला, भाग्यतुष्ट।

कनाअत शिआर (کناعت شیعار) अ वि—दे 'कनाअत गुजी'।

कनाइस (کنائس) अ पुं—'कनीस' का बहु, ईसाइयों के गिरजे।

कनात (کنات) अ पु—पटी हुई नाली; भाला, रीठ की हड्डी।

कनात (کنات) तु स्त्री—मोटे कपडे का पर्दा जिसकी दीवार खटी की जाती है।

कनादील (کنادیل) अ स्त्री—'किदील' का बहु, किदीले।

कनान (کنانه) अ वि—पुराना, जीर्ण, कोहन।

कनान (کنان) अ वि—दे 'कनान'।

कनार: (کناره) फा पु—तट, साहिल, छोर, सिरा; अत, अखीर, एकान्त, गोशा।

कनार:कश (کناره کشی) फा वि—पृथक्, अलग, निवृत्त, वेतअल्लुक, एकातवासी, गोजानगीन।

कनार:कशी (کناره کشی) फा स्त्री—पृथक्ता, अलहदगी, निवृत्ति, वेतअल्लुकी, एकातवास, गोजानशीनी।

कनार (کنار) फा पु—अक, क्रोड, गोद, किनार, छोर, तट, साहिल।

कानद: (کنده) फा वि—खोदनेवाला।

कनिश (کنش) फा. स्त्री—नीना, द्वेष, वैमनस्य, मनमुटाव।

कनीज (کنیج) फा. स्त्री—दागी, सेविका, लंडी, बांदी।

कनीजक (کنیجی) फा स्त्री—छोटी दासी।

कनीफ (کنیف) अ. पु.—शीचगृह, पाखाना, तलगृह, तहखाना, स्नानागार, गुस्लखाना।

कनीस: (کنیسه) अ. पुं—ईसाइयों का उपासना-गृह, गिरजा, दे 'किनीस'।

कनीस (کنیس) अ पु—शिकार, आखेट, मृगया।

कनूत (کنوط) अ वि—निराग, हुताग, नाउम्मीद।

कनूद (کنود) अ. वि—कृतघ्न, अकृतज्ञ, एहसान फरामोश।

कन्आं (کنعان) अ पु—'कन्आन' का लघु, देखो।

कन्आन (کنعان) अ पु—हजरत यूसुफ की जन्मभूमि।

कन्आनी (کنعانی) अ वि—'कन्आन' का निवासी, 'कन्आन' मे सम्बन्धित।

कनाद (کناد) अ पु—मिठाई बनानेवाला, हलवाई, शकर बनानेवाला।

कनादखान: (کنادخانه) अ फा पु—शकर का कारखाना, हलवाई की दुकान।

कनास (کناس) अ पुं—झाड़ू देनेवाला, मेहतर, भगी, फांसी देनेवाला, जल्लाद।

कन्फ (کنف) अ पु—देख-रेख करना, निगरानी करना; सहायता करना, फिर जाना, पलट जाना।

कन्फज (کنفر) अ स्त्री—दे शुद्ध शब्द 'कुन्फुज'।

कपंक (کپنگ) अ पु—कम्मल।

कपी (کپی) फा पु—बदर, शाखामृग, कपि, वानर।

कपनक (کپنگ) फा पु—कम्मल, कम्बल।

कफ: (کفه) फा पु—अवकुटी वाल जिसमे दाने हो।

कफ (کف) फा पु—फेन, झाग।

कफ [फफ] (کف) अ पु—पजा, हाथ का पजा, हथेली, करतल, उर्दू छद की परिभाषा मे सात अक्षरवाले 'गण' का अंतिम अक्षर गिराकर 'फाइलानु' से 'फाइलानु' और 'मुफाईलनु' से 'मुफाईलु' आदि बनाना—“पहचानिए तो, किसका यह नक्शे-कफे-पा है, अक्सीर उठा लाया दुश्मन की गली से मे।”—दाग।

कफ (کف) अ स्त्री—घास या तरकारी, जो सूखी हुई हो।

कफगीर (کفگیر) फा स्त्री—चमचा, डोई, एक प्रकार का छेददार चमचा।

कफच: (کفچه) फा. पु—कफगीर, डोई, चमचा, साँप का फन।

कफचए मार (کفچه مار) फा पु—साँप का फन, फण।

कफद (کفد) अ पु—पाँव की उँगलियों के बल चलना।

कफन (كفن) अ पु-मुर्दे का निया जानेवाला कपडा मतचल मतावरकवस्त्र ।

कफनदुरद (كفن درند) अ फा वि-ऐसा धून चोर जो मुर्दे का कफन भी न छोडे बहुत ही बेह्ममान कद्र म कफन निकालकर उमम अपना मच चलानेवाग ।

कफर (كفر) अ पु-बाकिर वा बहु बाकिर लाम ।

कफर (كفر) अ पु-धन का कम हाना, गरीर में माम का कम होना ।

कफल (كफल) अ पु-उपम्व नितब चूत ।

कफस (كفص) अ पु-पिजडा वितम कागमार कलवाता ।

कफसआना (كفص اسنا) अ फा वि-जिने पिजडे म रहने का अम्यास हा जा कारागार म रह चुवा हा ।

कफसे उमुरी (كفص عصورى) अ पु-पचभूत रपा पिजडा या पिजडा रपी पचभूत मनुष्य का गरीर प्राण का गरीर ।

कफर (كفر) अ पु-सिर के बल गिरना औंथा गिरना फिरना लीटाना ।

कफा (كفا) अ पु-गुद्दी सिर के पीछ का भाग ।

कफाक (كفالك) अ पु-अनुमान जगडा प्रतिनि की जीविका जा गुजर भर की ही ।

कफार (كفار) अ पु-बे सामन की रागी किना हरियांगी की भूमि ।

कफालत (كفالت) अ स्त्री-प्रतिभूति जमानत भरण पापण परवरिग ।

कफालतनाम (كفالت نامه) अ फा पु-प्रतिभूतिपत्र जमानतनामा ।

कफाहोर (كفاهد) फा पु-मुदर ओर प्रियमान मुख ।

कफोद (كفمد) फा वि-पटा हुआ तडका हुआ विगीण ।

कफोफ (كفوف) अ पु-सूखी हुई घाम ।

कफोर (كفور) अ पु-एक मी चवालीम गरईयब भूमि छियानब रतल का पमाना ।

कफोल (كفول) अ वि-प्रतिभू जामिन पापक पर वरिग कुनि ।

कफूर (كفور) अ वि-हुतपन अडता नागुवा ।

कफे दस्त (كف دست) फा पु-हथेली करतल ।

कफे पा (كف پا) फा पु-तलवा पतल ।

कफे मार (كف مار) फा पु-साप का फन ।

कफाड (كفاد) फा पु-बाकिया युरापाय हस का प्रदेग ।

कफा (كفا) फा वि-पटा हुआ विगीण ।

कफतार (كفتار) फा पु-बिज्जू मिली क ब वाला जतु जा मत मनुष्य का माम साडा है ।

कफाफ (كفاف) अ पु-चापी-माना ।

कफकार (كفكار) अ पु-विमा पाप स गडि के । जानवाला कृत्य प्रायचित्त ।

कफवाल (كفवाल) अ वि-बुफुल बनानेवाला ता वाला ।

कफवल खडीब (كف الحصب) अ पु-एक त

कफवल खडीब (كف حصب) अ पु-रगा हुआ

कफ (كف) अ पु-डिपाना गापन बग पिपा

कफा (كف) फा स्वा जूता पादुवा पत्राण

कफाकार (كفكار) फा वि-जूत बनानेवा मारनेवाला कफाकारी करनेवाग ।

कफाकारी (كفكارى) फा स्त्री-जूत बनाने जूत मारने का काम जूतवाजा ।

कफादोड (كفش در) फा वि-जूने गाँठनेवाला

कफादोडी (كفش دورى) फा स्त्री-जूने गाँठने क

कफसबरदार (كفش بردار) फा वि-जूने उ वहुत बडा भक्त वहुत बडा थडावान ।

कफावरदारी (كفش بردارى) फा स्त्री-जूने भक्ति थडा ।

कबक (كفك) तु पु-लौकी कदू ।

कबकअदाब (كفك ادا ب) तु फा वि-बहुत अच्छा वाज लक्ष्मणी निगानची निगाना लगानेवाल

कबकअदाबी (كفك ادا بى) तु फा स्त्री-अच्छा लगाना निगानावागी कदर अदाबी ।

कबकअफान (كفك افان) तु फा वि-बुबड ।

कबकअफानी (كفك افانى) तु फा स्त्री-अनाबी ।

कबद (كفد) अ स्त्री कठोरता सखी कठिना

कबद (كفد) अ पु-पेट की छंटेन जोर पीडा क प्रचलित ।

कबब (كفب) अ वि-पतली कमरवाग । हुगकटि ।

कबस (كفص) अ पु-अगारा अग्निखड दहक कायला ।

कबस (كفص) अ पु-गले म मुह के बल गिरना ।

कबा (كفا) अ स्त्री-गहारा रवा अगरवा गाउन ।

कबाहर (كفاهر) अ पु-कबीर का बहु बडे-बा महापातक ।

कबाइल (قبائل) अ पु—'कवील' का बहु, कवीले, कुटुंब, जरगे ।
 कबाइली (قبائلی) अ. वि—सरहदी, अफगानिस्तान की सरहद के निवासी ।
 कवाएह (قبایح) अ पु—'कवीह' का बहु, वुराइयाँ, खरावियाँ ।
 कवाचा (قباچا) फा पु—छोटी कवा ।
 कवादः (قباد) फा पु—बहुत नरम धनुष, लेजुम, जिसे पहलवान हिलाते हैं ।
 कवादोज (قبادور) अ फा. वि—कवा सीनेवाला, दर्जी ।
 कबावः (قباوه) अ पु—एक प्रसिद्ध बीज, तोमर के बीज ।
 कबाव (قباوب) अ पु—कीमे की तली हुई टिकियाँ अथवा सीख पर सेकी हुई नलियाँ ।
 कबावचीनी (قباوبچینی) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध बीज, शीतलचीनी ।
 कवालः (قواله) अ पु—जमानत करना, घर की विक्री की दस्तावेज, विक्री का कागज ।
 कवालःनवीस (قواله نویس) अ फा वि—कवाला लिखने-वाला, दस्तावेजे लिखनेवाला ।
 कवालःनवीसी (قواله نویسی) अ फा स्त्री—कवाले और दस्तावेजे लिखने का पेगा ।
 कबाह (قباوح) अ पु—निकृष्ट होना, खराब होना, बुरा होना ।
 कबाहत (قباوحت) अ स्त्री—बुराई, खराबी, अनिष्ट, आपत्ति, कठिनता, मुश्किल, बाधा, खलल ।
 कविद (قباد) अ पु—जिगर, कलेजा, यकृत ।
 कवीज (قباوض) अ वि—बहुत तेज चलनेवाला, शीघ्रगामी ।
 कवीदः (قباوده) फा वि—दुःखित, पीड़ित, रजीदा, मलिन, खिन्न, अपसुर्द ।
 कवीदःखातिर (قباوده خاطر) फा अ वि—मलिनचित्त, खिन्नमनस्क, अप्रसन्न, नाखुश, अपसुर्द ।
 कवीदगी (قباودگی) फा स्त्री—मलिनता, अपसुर्दगी, अप्रसन्नता, नाराजी ।
 कवीव (قباوب) अ वि—आँवे मुँह पडा हुआ, सिर के बल गिरा हुआ, अधोमुख ।
 कवीर. (قباور) अ पु—बडी स्त्री, बडा पाप, महापातक ।
 कवीर (قباور) अ वि—बडा, महान्, श्रेष्ठ, उत्तम, आँला ।
 कवील (قباوله) अ. पु—वश, गोत्र, खानदान, एक दल के धावमी ।
 कवील (قباول) अ पु—कवल करनेवाला, दल, समुदाय, गिरोह ।
 कवीस. (قباوسه) अ पु—कुआँ या नदी जो मट्टी से पट गयी

ही, सिर झुकाये हुए, परीशान, मलमास, लौद का महीना ।
 कवीह (قباوبه) अ वि—निकृष्ट, खराब; दूषित, बुरा; अप्रियदर्शन, वदनुमा ।
 कवीहसूरत (قباوبه صورت) अ वि—बुरी सूरत वाला, कुरूप, कदाकार ।
 कवुर्गः (قباوغه) तु पु—पार्श्व, पहलू, बगल; पार्श्वस्थि, पहलू की हड्डी ।
 कवूतर (قباوتر) फा पु—एक प्रसिद्ध चिडिया, कपोत, पारावत ।
 कवूतरखानः (قباوترخانه) फा पु—कवूतरो के रहने का कबुक, ऐसा स्थान जहाँ लोग आते-जाते रहते ही ।
 कवूतरदम (قباوتردم) फा पु—लंबा चुवन, खूब खीचकर लिया हुआ बोसा ।
 कवूतरपरपा (قباوتر پردا) फा पु—एक प्रकार का कवूतर जिसके पाँव में पर होते हैं और वह अच्छी तरह उड नहीं सकता ।
 कवूतरबाज (قباوتر باز) फा वि—कवूतर उडानेवाला, कवूतर पालनेवाला ।
 कवूतरबाजी (قباوتر بازی) फा स्त्री—कवूतर उडाने और पालने का काम, कपोत-त्रीडा ।
 कबूद (قباود) फा पु—हलका नीला रंग, हलके नीले रंग का ।
 कबूदी (قباودی) फा वि—नीले रंगवाला ।
 कबूल (قباول) अ वि—स्वीकृत, मंजूर; स्वीकृति, मजूरी, सवरे की ठडी हवा ।
 कबूलसूरत (قباول صورت) अ वि—प्रियदर्शन, जिसकी शकल अच्छी हो, सुंदर, हसीन, लावण्यानन, सुमुख, निर्दोषरूप ।
 कबूली (قباولی) अ स्त्री—चने की दाल का पुलाव या खिचडी ।
 कबूलीयत (قباولیت) अ स्त्री—स्वीकृति, अगीकार, मजूरी, मकानदार या जमींदार की तरफ से पट्टे या किराये की तसदीक की तहरीर ।
 कबूह (قباوح) अ वि—निकृष्ट, खराब, बुरा ।
 कक्क (قباک) फा पु—एक प्रसिद्ध पक्षी जो चाँद का प्रेमी है, चकोर ।
 कक्कव (قباکب) अ पु—पेट, जठर, उदर ।
 कक्काव (قباکاب) अ पु—लकडी का खडाऊँ, चट्टी; झूठ बोलना, स्त्री की भग जो बहुत बडी हो ।
 कक्के दरी (قباک دری) फा पु—पहाड़ी चकोर, जिसकी चाल बडी सुंदर होती है ।
 कक्क. (قباکسه) अ पु—अधिकार, इस्तियार, वश, क्रावू; मूठ, दस्ता; पकड, गिरिपत ।

कन्न (کنج) अ पु—'क'।
 कन्न (کنج) अ पु—बदहबमा कोष्ठबद्धता, सिक्तुन
 विचाव फक् गिरिपन जानाह, अजीण।
 कन्न ए कन्न (کنج) अ पु—द्व गकिन सुदाइ
 कृत्वत अधिवार काव् इम्नियार (अस्त्रियार)।
 कन्नदुल वुसूल (کنج الوصل) अ पु—प्राप्तियत्र रमाद
 वसूलयावा का सूचक अधिकारपत्र।
 कन्न रह (کنج روح) अ स्त्री—गरीर से प्राणा का
 निक्लना।
 कन्न (کنج) अ पु—अपमानित करना तिरस्कृत करना।
 कन्न (کنج) अ पु—जिगर पकृत दे कवि' वहा अधिक
 वाला जाना है।
 कन्नान (کنان) अ पु—एक पन् की तराजू बडा तराजू तन।
 कन्न (کنر) अ स्त्री—वह गन जिसमें मुसलमाना के गव गाडे
 जान ह गौर समाधि भवन।
 कन्नपरस्त (کنر درست) अ फा वि—मुसलमान महात्माआ
 की कन्न पर फूट चंगने दाप तलाने सफाई करने और
 चान्द आदि चंगनेवाला।
 कन्निस्तान (کنرستان) अ फा पु—जहा बहुत सी कन्न है
 जहाँ मुँदे गाँवे जान हा समाधि-भेद।
 कन्न (کنل) अ वि—पूव पहल।
 कन्न अन्न वक्त (کنل ارنوب) अ फा वि—समय स
 पहुँचे नियत समय से पूव।
 कन्नअर्बों (کنل ارنوب) अ फा वि—ससे पहले अब स
 पहल सतपूव।
 कन्नलवकअ (کنل الوصق) अ वि—बटना से पहल वाकए
 से पहल।
 कन्न (کنس) अ पु—मैंग सागावाली नर भे'।
 कन्न (کنس) अ पु—तुए का मिट्टी सपाटना गदन नीव
 उठवाना गवनून मारना रात में जाग्रमण करना।
 कन्नद (کنلد) फा स्त्री—फा पाग एक लम्बी रम्मा जिसक
 एव निरे पर गाह बधा रन्ती थी उगक द्वारा ऊँचा-ऊँचा
 दीवारा पर चढ़ा जा सवना था गाह जग विपक जाती है
 फिर बिनुना हो चार किया जाय वगै म नहीं छूटा
 त्रिम्मत की दवा सूवी टूनी नही कन्न—दान्दर
 हाय जय नि उव-याम रह गया।
 कन्नद अदाव (کنلد ادا) फा वि—वम' फक्तयाग।
 कन्नदे अक (کنلد ارنوب) फा स्त्री—दाग की कन्न' वग
 पाग।
 कन्न (کنم) फा वि—अग पुन धारा हीन विहीन विना।
 कन्न (کنم) अ वि—विना विनता बटुन अधिक।

कन्नअवल (کنم عئل) अ वि—वेवकूप नाममज्ञ अल्पधी।
 कन्न अन्न कन्न (کنم ارنوب) फा वि—वम से कन्न अधिक न हा
 ता इतना अवय।
 कन्नअस्त (کنم اصل) फा अ वि—अनुलीन वनस्प, अपम
 पामर नीच।
 कन्नआदार (کنم آزار) फा वि—जा अधिक न सताये वम
 दुख दनेवाला।
 कन्नआमेव (کنم امد) फा वि—जो लोग स मिलने-जुलने में
 वतरता हो जिसे मनुष्या की सगत पमद न हो रिख'
 नेचर'।
 कन्नइतिलात (کنم احمط) फा वि—द कन्न आमेव'।
 कन्नइयार (کنم عمار) फा अ वि—वह साना या चानी जा
 वगौगे पर खरा न उतरे खराव व्यथित।
 कन्नइल्म (کنم علم) फा अ वि—जिम विशा सम्ब' पा पान
 पम हा वम पन लिखा अल्पविद्य।
 कन्नउग्र (کنم عسر) फा अ वि—छानी आयुवाग
 बयावाल अल्पवयस्क कमगिन।
 कन्नउम्मी (کنم عمري) फा अ स्त्री—कमसिनी बायावस्था
 अल्पवय।
 कन्नओकत (کنم اركاب) फा अ वि—तिरस्कृत अनादृत
 वेकद।
 कन्नवद (کنم بدر) फा अ वि—दे वम ओकत'।
 कन्नकम (کنم کم) फा वि—थोडा धाना।
 कन्नकौगत (کنم کعب) फा अ वि—थोड मूसववाला
 सरता अल्प मूसव।
 कन्नकव (کنم کرج) फा वि—थाडा सच करनवाला अल्प
 व्यधी मितव्यधी।
 कन्नकबी (کنم کرجی) फा स्त्री—धाना सच करता
 विफायत निआरा बरतना मितव्यय।
 कन्नकाव (کنم کعبات) फा पु—एक प्रकार का बहुमूसव कपडा।
 कन्नकपूर (کنم کور) फा वि—वम सानेवाला, मिताहारी
 मिनभाजी स्वल्पाहारा।
 कन्नकरोरी (کنم کجوری) फा स्त्री—वम साना मिताहार।
 कन्नकवाव (کنم کجواب) फा वि—वम मानेवाग मितस्वाग।
 कन्नको (کنم کو) फा वि—वम बालनवाला वम बग
 बरनेवाग मिनभापा।
 कन्नकी (کنم کجی) तु स्त्री—वोग चावुक प्रती' पगौ
 छनी गौगे।
 कन्नकन (کنم کورن) फा वि—वम हिम्मावाला अल्पगारी।
 कन्नकर (کنم کورف) फा अ वि—आग्रा मुठ कमीन
 अतगर सग नदर।

कमजर्फी (कम طرفی) फा. अ स्त्री.—ओछापन, अनुदारता ।
 कमजोर (कمزور) फा. वि —दुर्बल, नाताकत, अशक्त ।
 कमजोरी (कمزوری) फा स्त्री —दुर्बलता, नाताकती, अशक्ति ।
 कमतर (کستبر) फा वि —बहुत कम, न्यूनतर ।
 कमतरिन (کستودین) फा वि —बहुत ही कम, न्यूनतम, इस शब्द का प्रयोग बोलनेवाला नम्रता दिखाने को अपने लिए भी करता है ।
 कमतवज्जूही (کم توجہی) फा अ स्त्री —स्व्यापन, दुःशीलता, उपेक्षा ।
 कमतालिई (کم طالعی) फा अ. स्त्री —भाग्य की खराबी, अभागापन ।
 कमनसीव (کم نصیب) फा अ वि —बदकिस्मत, हतभाग्य, मदभाग्य ।
 कमनसीवी (کم نصیبی) फा अ स्त्री.—किस्मत की खराबी, भाग्यहीनता ।
 कमनिगही (کم نگرہی) फा स्त्री —उपेक्षा, स्वापन, कृपणता, कजूमी ।
 कमनिगाही (کم نگاہی) फा स्त्री —दे 'कमनिगही' ।
 कमपाय. (کم پایہ) फा वि —जो पदवी और सम्मान में कम हो ।
 कमपायगी (کم پایگی) फा स्त्री —पदवी और मर्तबे में कम होना ।
 कमफहम (کم فهم) फा अ. वि —नासमझ, अल्पबुद्धि, बेअकल, मूर्ख ।
 कमफहमी (کم فهمی) फा अ स्त्री —समझ की कमी, बेअकली, मूर्खता ।
 कमफुसंत (کم فرصت) फा अ वि —जिसे काम की अधिकता से छुट्टी न मिले, अवकाशहीन ।
 कमफुसंतौ (کم فرصتی) फा अ स्त्री —छुट्टी न होना, अवकाशहीनता ।
 कमवक्त (کم بخت) फा वि —बदकिस्मत, हतभाग्य, गामत का मारा ।
 कमवक्तौ (کم بختی) फा स्त्री —भाग्य की खराबी, हतभाग्यता, अभागापन, गामत ।
 कमवीं (کم بین) फा वि —कम देखनेवाला, अल्पदृष्टि, अनुदार, तगनजर, अदूरदर्शी, आकित्त ना अदेश ।
 कमवीनी (کم بینی) फा स्त्री —कम देखना, दृष्टि की खराबी, अनुदारता, तगनजरी, अदूरदर्शिता, आकित्त नाअदेशी ।
 कममश्क (کم مشق) फा अ वि —जिसे किसी काम का बम्यास कम हो, नवाभ्यस्त, नौसिखिया ।
 कममश्की (کم مشقی) फा स्त्री —नवाभ्यास, नौसिखियापन ।

कममायः (کم مایہ) फा वि —थोड़ी पूंजीवाला, टुटपुंजिया; तुच्छ, नीच, कमीना ।
 कममायगी (کم مایگی) फा स्त्री —पूंजी की कमी, नीचता, कमीनगी ।
 कमयाव (کم یاب) फा. वि —जो बहुत कम मिल सके, दुष्प्राप्य, जो विलकुल न मिल सके, अप्राप्य ।
 कमयावी (کم یابی) फा स्त्री —किसी वस्तु का अभाव, कम मिलना अथवा विलकुल न मिलना ।
 कमर (کمر) फा स्त्री —कटि, लक, मध्यदेश ।
 कमर (کمر) अ पु —चाँद, चन्द्र, चद्रमा, राशि, राकेय ।
 कमर तलअत (کمر طلعت) अ वि —चाँद-जैनी प्रभा वाला या वाली, चन्द्रप्रभ, चन्द्रकान्त, चन्द्रप्रभा, चन्द्रकान्ता ।
 कमर दर अरुव (کمر در عقب) अ फा वि —चद्रमा का वृश्चिक राशि में होना, जो अत्यन्त अशुभ माना जाता है ।
 कमर पैकर (کمر پیکر) अ फा वि —चाँद जैसे शरीरवाला या वाली, चद्राग, चद्रागता ।
 कमरबंद (کمر بند) फा. पु —पाजामे आदि की डोरी, नाडा, इजारबद, नीवी, (वि) जो किसी काम के लिए कील-काँटे से लँस हो ।
 कमरबंदी (کمر بندگی) फा. स्त्री —किसी काम के लिए तैयारी, पुलिस आदि के सिपाहियों की कही दविश या आक्रमण के लिए वर्दी और हथियार आदि से दुस्त होकर कूच की तैयारी ।
 कमर वस्तः (کمر بستہ) फा वि —कमर बाँधे हुए, तैयार, कटिबद्ध, बद्धपरिकर ।
 कमर शिकस्तः (کمر شکستہ) फा वि.—जिसकी कमर टूट गयी हो, जिसका सहारा छिन गया हो ।
 कमरसी (کمر سی) फा. स्त्री —कमइल्मी, कम पडा-लिखा होना, विद्वत्ता का अभाव ।
 कमरी (کمری) अ वि —चाँद से सम्बन्ध रखनेवाला; चन्द्रमास, हिंदी या इस्लामी महीना जो चाँद के हिसाब से होता है, चांद्रमास ।
 कमरू (کمر رو) फा वि —बदसूरत, बुरी शकलवाला, कुरूप; जो किसी बड़े पद पर न जँचे ।
 कमरे कोह (کمر کوہ) फा स्त्री —पहाड़ का मध्य, पहाड़ की गुफा ।
 कमरेन (کمرین) अ पु —चाँद और सूरज, चन्द्र-सूर्य ।
 कमल (کمرل) अ पु —जूं पडना, कपडो या बालो में जुएँ हो जाना, पेट का बडा हो जाना ।
 कमसंज (کم سنج) फा वि —कम तोलनेवाला, डडी मारनेवाला ।

कमसजी (کم ساجی) का स्त्री—कम तालता, डही मारना तुलाकूट।
 कमसिन (کم سن) का अ वि—कम आयुवाला छाटी उम्र का, अल्पवयस्क अवयस्क नाबालिग।
 कमसिनी (کم سینی) का अ स्त्री—कमउम्री, बाल्यावस्था अल्पवय नाबालिगी अवयस्कता।
 कमसुजन (کم سجن) का वि—जो दातपीत कम करे मितभाषा अल्पवाणी कम बोलनेवाला।
 कमसुखनी (کم سخنی) का स्त्री—कम बालन, कम बात करना मितभाषण।
 कमहिम्मत (کم همت) का अ वि—जिसम साहस की कमी हो अल्पासाह अल्पसाहसी।
 कमहिम्मती (کم همتی) का अ स्त्री—साहस और हिम्मत की कमी साहसाभाव।
 कमहैसियत (کم حسیت) का अ वि—वेत्र अनागत अप्रतिष्ठित जिसकी आर्थिक दशा अच्छी न हो अबुलीन, बलनस्त।
 कमहौसल (کم حوصله) का अ वि—दे कमहिम्मत।
 कमहौसलगी (کم حوصلگی) का अ स्त्री—दे कम हिम्मती।
 कमहदुब (کم حدوب) अ पु—खापड़ी का पिछला भाग गुद्दी।
 कमा (کمان) का स्त्री—कमान का लघु दे कमान।
 कमाअदाज (کمان اداج) का वि—तीरदाज धनुधर।
 कमाअधू (کمان ادرو) का वि—जिसकी भौहें धनुष की तरह टेनी और मुदर हो अचित्तभ्र प्रेमिका प्रयसी मा'शूका।
 कमाकश (کمان کش) का वि—धनुधर तीरअदाज।
 कमांगर (کمان گر) का वि—धनुष बनानेवाला धनुष्कार।
 कमागीर (کمان گیر) का वि—धनुधर तीरदाज।
 कमांगुरोह (کمان گروعه) का स्त्री—गुलल जिसमें गुल्ला चलाते हैं।
 कमांजोल (کمان حوله) का पु—गल म पहना जानवाग चमड का सस्मा जिसमें कमान लटकानी जानी है कमा दान कुबनि।
 कमादार (کمان دار) का वि—धनुधर तीर चलानेवाला।
 कमापु'त (کمان سب) का वि—कुबडा कुत्र।
 कमाअदस्त (کمان دست) का वि—हाथ में कमान लिये हुए धनुष्पाणि।
 कमांवरदार (کمان بردار) का वि—धनुष लकर चग्न वाला धनुधर तीरअदाज।
 कमात (کمان) अ पु—कुडुरमुत्ता बरमात म पदा होने वाली खुबी।

कमान (کمانه) का पु—अल्हया की कमान जिमव वह बर्मा चलान ह।
 कमान (کمان) का स्त्री—धनुष, धनु धव, धवा तीर चलाने का यंत्र, कौस।
 कमानच (کمانچه) का पु—छापी कमान धनुही धनुष।
 कमानी (کمانی) का स्त्री—कमान की तरह शुकी क चाज अयवा पुर्जा।
 कमाने गतां (کمان سلطان) का स्त्री—इधनुष धनुष कौसे बुजह।
 कमानबगी (کمان بگی) अ वि—जसा चाहिए बग ययेट यथाचित।
 कमारी (کماناری) अ स्त्री—कुम्भा वा बहु कर्मिया।
 कमाल (کمال) अ पु—गुण खूबी बला फन शिप दस्तकारी विद्वत्ता काविलीयत, पूणता पूरापन, चालाकी धृतता अधिक बहुत।
 कमालत (کمالات) अ पु—कमाल का बहु, बहुतनी गुण बहुतनी खूबिया बहुत-स हुनर।
 कमाले फन (کمال فن) अ पु—किसी कला का जानवाप का पराकाष्ठा, बला नपुष्य।
 कमाहो (کمانه) अ वि—पूरी-पूरी ययट।
 कमां (کمان) अ पु—कमीन का लघु दे कमीन।
 कमांगह (کمان گاه) अ का स्त्री—वह गुप्त स्थान जहाँ किसी की ताक म छिपकर बठा जाय जाड, गितार का ताक म छिपकर बठने का स्थान।
 कमा (کمی) का स्त्री—न्यनता यानपन, दाप नवम त्रुटि गलती।
 कमां (کمانه) का वि—नीच अधम खल धुर पाजी अकुलीन गर गरीफ।
 कमां (کمان) अ पु—दे कमागाह (उ) कमां।
 कमां (کمان) अ वि—सूखी हुई तरकारी।
 कमांस (کمانس) अ स्त्री—एक विभेप प्रकार का कुर्ता कमीज।
 कमां (کمانه) तु पु—शिफार खेल्ने का जगज आखट स्थल गिकारगाह।
 कमां (کمان) अ पु—जीरा जावर।
 कमां (کمانی) अ स्त्री—एक यूनानी दवा जिसमें जीरा प्रधान होता है (यथा माजून=अवलेह+कमनी=जीरे की) जीरकावेहे।
 कमांस (کمانس) अ पु—बहुत गहरा कुचां।
 कमां (کمانی) अ वि—योग-बहुत यूनानिक।

कम्भ (كَمْب) अ पु—तोडना; तिरस्कृत करना; उमूद (लव) डालना ।
 कम्काम (كَمْكَام) अ पुं—बडा चाकू, छुरी; नदी, दर्या; श्रेष्ठ, मुअज्जज ।
 कम्तरीर (كَمْتَرِير) अ पु—विपत्ति और मुमीवत का दिन ।
 कम्मह (كَمْه) अ वि—जन्माध होना, पैदाइशी अधा होना ।
 कम्मास (كَمْسَاس) वि—गोताखोर, डुवकी लगानेवाला ।
 कम्मी (كَمِّي) अ वि—शूर, वीर, दिलावर ।
 कम्मीयत (كَمِّيَّات) अ. स्त्री—मात्रा, मिकदार ।
 कम्मून (كَمْمُون) अ पु—जीरा, जीरक ।
 कम्मा (كَمْمَا) अ स्त्री—एक चिडिया; चाँदनी रात; चाँद की किरन ।
 कम्मल (كَمْمَل) अ स्त्री—जूं, कपड़े या बालों में पडनेवाला कीटा ।
 कय (كَيْ) फा. पु—दे 'कै' ।
 कय्या (كَيَّيَا) फा पु—'कय' का बहु, सम्राट्, ईरान मे चार सम्राट् हुए हैं—कैकाऊस, कैखुस्त्री, कैकुवाद, कैलोहास ।
 कयानी (كَيَّانِي) फा वि—'कय्या' से सम्बन्धित, ऐसी अद्भुत वस्तु और अमूल्य वस्तु जो बटे-बडे सम्राटो के योग्य हो ।
 कयामत (كَيَّامَت) —दे 'कियामत' ।
 कय्यूर (كَيَّوْر) अ वि.—जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातकुल, वर्णसकर, दोगला ।
 करतीन: (كَرْتَيْنِه) अ पु—रोककर टीका लगाने का अमल, समुद्र पार जाते हुए रास्ते में रुकने और टीका लगवाने का स्थान, कोरष्टाइन ।
 करब (كَرْب) अ पु—करमकल्ला, एक शाक ।
 कर (كَرْ) फा वि—बहिरा, बधिर, जिसे ऊँचा सुनाई देता हो ।
 करख (كَرْخ) फा वि—'करस्त' का लघु, दे 'करस्त' ।
 करस्त (كَرْسَت) फा वि—कठोर, कर्कश, सस्त, वह अग जो सुन्न हो गया हो ।
 करस्तगी (كَرْسَتْغِي) फा स्त्री—कठोरता, कर्कशता, सख्ती; अग का सुन्न होना ।
 करन्फुल (كَرْنَفُل) अ स्त्री—लौग, लवग, (आभूषण विशेष, न कि मसाले की लौग) (यह शब्द संस्कृत के 'कर्णफुल्ल' से बनाया गया है, और अरब मे डेढ हजार बरस पहले से प्रचलित है, जिससे अरब और भारत के प्राचीन सम्बन्ध का पता चलता है) कान मे पहना जानेवाला पुष्पाकृति का आभूषण ।

करपस (كَرْفَس) फा. स्त्री—एक बीज, जो अजवाइन जैसे होते हैं और दवा में चलते हैं ।
 करब (كَرْب) अ वि—बेचैन रहना; दु खित होना ।
 करम (كَرْم) अ पु—दया, कृपा, मेहरबानी; दानशीलता, वत्तिजग ।
 करमगुस्तर (كَرْمِگُسْتَر) अ फा. वि.—दयालु, कृपालु, मेहरवान ।
 करमगुस्तरौ (كَرْمِگُسْتَرِي) अ फा स्त्री—दया कर्म, कृपा करना ।
 करमफर्मा (كَرْمِفَرْمَا) अ. फा वि—दयालु, मेहरवान; मित्र, दोस्त ।
 करमफर्माई (كَرْمِفَرْمَائِي) अ फा स्त्री—दया करना, कृपा करना ।
 कर्रां (كَرْوَان) फा. पु—छोर, किनारा; हद, सीमा, पराकाष्ठा, इतिहा ।
 कर्रा' (كَرْع) फा पु—वर्षा का रुका हुआ पानी, तालाब आदि में मुँह से पानी पीना, (वि) पतली पिडलियोवाला ।
 कर्रा (كَرْوِي) अ पु—सोने का आरम्भ, स्वापारभ; एक पक्षी, जिसे 'डुवारा' और 'चर्ज' कहते हैं, अरु का नर ।
 कर्रा (كَرْوَا) तु पु—काला रग ।
 कर्रा' (كَرْوَع) अ पु—सर के बाल गिरना ।
 कर्राइन (كَرْوَائِن) अ पु—'करीन' का बहु, करीने, आसार, लक्षण, सम्यताएँ, शिष्टाचार ।
 कर्राकिर (كَرْوَاكِر) अ. पु—'कर्कर' का बहु, पेट की गुडगुडाहट ।
 कर्राकुरम (كَرْوَاكُورَم) तु पु—तुर्किस्तान की एक पर्वतमाला ।
 कर्रातीस (كَرْوَاطَيْس) अ पु—'कित्तिस' का बहु, कागज के तख्ते, बहुत से कागज ।
 कररान: (كَرْوَانِه) फा पु—टल, किनारा, छोर, अखीर, हद, सीमा; इतिहा, पराकाष्ठा ।
 करराव: (كَرْوَاوِه) अ पु—शराब की सुराही, बहुत बडी वोतल ।
 करराव:कश (كَرْوَاوِهْكَش) अ फा वि—शराबी, मद्यप, बहुत पीनेवाला, पूरी सुराही पी जानेवाला ।
 करराव:नोश (كَرْوَاوِهْ نَوْش) अ फा वि—दे 'कराव कग' ।
 कररावत (كَرْوَاوَات) अ स्त्री—समीपता, नजदीकी, नातेदारी, स्वजनता ।
 कररावतदार (كَرْوَاوَاتْدَار) अ फा वि—रिश्तेदार, नातेदार, सगोत्र, स्वजन ।
 कररावतेकरीव. (كَرْوَاوَاتْ قَرْوِيْعِه) अ स्त्री—बहुत ही करीव की रिश्तेदारी ।
 कररावादीन (كَرْوَاوَادِيْن) अ स्त्री—वह ग्रथ जिसमे यूनानी आयुर्वेद सम्बन्धित दवाएँ और नुस्खे लिखे रहते हैं । यूनानी

योग-सग्रह युनाना भेषज सक्लन जम-वरात्रादीन जवा^र
करावानेन गिपाह इत्यादि ।

श्रीरावीन (श्रीरावीन) तु स्त्री-एक प्रकार की ता^रणर बहू^र
जा जब स सौ वरम पह^र तक प्रचलित था ।

करामत (करामत) अ स्त्री-हृषा नवाजिग प्रतिष्ठा
युजुर्गी चमत्कार गा^रव^र माजिउ अवतारा वा
चमत्कार ।

करामतनाम (करामतनाम) अ पा पु-हृषापत्र
इनापतनामा ।

करामात (करामात) अ स्त्री-करामत का बहू^र करामत^र
चमत्कार माजिजे ।

करामाती (करामाती) अ वि-करामात दिखानेवाला
चमत्कारा गा^रव^रबाज मायावी जाहू^रगर घू^रत ।

करार (करार) अ पु-स्थिरता मुकून सात्वना ढाडम
प्रतिना इकरार चन जाराम ।

करारदाद (करारदान) अ पा स्त्री-प्रस्ताव त वीज
निचय त पह^र से त दज ।

करारेबाकई (करारबाकई) अ वि-यथेष्ट, पूरा-पूरा
कात्री ।

कराबूल (कराबूल) तु पु-अनिक सिपाहा गिकारी आवे
टक वह फीज जा आग चलता थीर गनु की सना की
खबर धनी है ।

करासीस (करासीस) अ पु-कुरीस का बहु^र पुरतक व
अप्याय किताव के जुज करान के सापार ।

कराह (कराह) अ पु-स्वच्छ और निमल जल विमल जल
साफ और खालिम पानी ।

कराहत (कराहत) अ स्त्री-घणा घिन नफरत अरुचि
नापसनादगा जनासनाता बनिली ।

कराहतन (कराहतन) अ वि-कराहत के साथ वददिला
ध साथ घिन करत हुए ।

कराहीयत (कराहीयत) अ स्त्री-द कराहत ।

करिश (करिश) अ पु-जुगागी करनेवाल पगुआ वा
पाकागय छोट बच्चे बाल-बच्चे द बग ।

करौ (करौ) अ वि-करान नालधु द करान ।

करौ (करौ) अ स्त्री-बहृषापन धरिमा ।

करौअ (करौअ) अ वि-प्रतिद्वी हरीफ तुय समान
मानिद नेष्ट पूय बुजुग ।

करौअ (करौअ) अ पु-गयात्मन वाक्य नरम किया हुआ
बगम छानाबद रचना ।

करौअ (करौअ) अ पु-दग तउ गिप्टा तमीज अम
तनीव प्रसग अनुमति अदाजा ।

करौन (करौन) अ वि-समाप निकट नज्जान, समाप्त
समा मुमाहिव ।

करौने अवल (करौने अवल) अ वि-जा वात अक^र इवल
कर ले बुद्धिगम्य, मतिग्राह ।

करौनेइसाक (करौनेइसाक) अ वि-जा वान माय व
टाक हा यायाचित ।

करौने कियास (करौने कियास) अ वि-जा वात अटक^र
और जगजे स ठीक हा, पानगम्य ।

करौने मस्तहत (करौने मस्तहत) अ वि-जो वात ममन
जीर जबस्था के अनुकू^र हाते हुए अपन हित में हा ।

करौव (करौव) अ वि-निकट समीप पास नज्जान
की एक बहू कम दूर ।

करौवतर (करौवतर) अ पा वि-बहुत पास, समापन
बहुत कम दूरा पर निकटतर ।

करौवल इस्तिताम (करौवल इस्तिताम) अ वि-खत्म हान व
कराय जो गीघ्र हा समाप्त हानेवाला हा समाप्तप्राय ।

करौवल इनाहदाम (करौवल इनाहदाम) अ वि-गिरल औ
ध्वस्त हाने के करीब भयनप्राय नष्टप्राय ।

करौवलवत्म (करौवलवत्म) अ वि-समाप्त हान
कराव मरने के करीब, मरणासत मनप्राय ।

करौवलरहम (करौवलरहम) अ वि-जिसका समन
सरल हा सुवाध ।

करौवलमौत (करौवलमौत) अ वि-जो मरन के निव
हा मसप्राय मरणासत ।

करौवलहरम (करौवलहरम) अ वि-जा हाया हुआ पना
पवने के समीप हा हजम होने के करीब पक्वप्राय ।

करौम (करौम) अ वि-हृषालु महर्बान दानाल सडा
रंवर का एक नाम ।

करौमी (करौमी) अ स्त्री-हृषा दया करम रंवर
माया ।

करौमप्रपस (करौमप्रपस) अ वि-सनाचारा पुष्यात्मा
सनात्मा नेकदिल ।

करौर (करौर) अ पु-प्रसन्न हृदित खुग प्रमत्ता
हूप खुगा ।

करौस (करौस) अ पु-बहुत बडा जाडा पुराना और
जीग बस्तु ।

करौस (करौस) अ पु-एक प्रकार का सालन ।

करौह (करौह) अ स्त्री-स्वभाव प्रवृत्ति आसत बहपान
जा बुए स पहल निकले हर चीज का अग्रभाग ।

करौह (करौह) अ वि-यथास्यद मनुह बनाकार कुए
दगावल, अभियोगन कुदान, बदनुमा ।

करीह (قریح) अ. वि -खालिस और वेमेल वस्तु, विशुद्ध,
(पु) घाव, जहम ।
करीहुलमंजर (کریهه المنظر) अ वि -जो देखने में भोडा
हो, जिसे देखकर घिन आये, दुर्दर्शन, घृणित रूप ।
करीहुस्सरत (کریهه الصورت) अ वि -जिसकी शकल भद्दी
हो, जो देखने में बुरा लगे, दुराकृति, कुरूप, अप्रियदर्शन ।
करीहुस्सौत (کریهه الصوت) अ वि -जिसकी आवाज बहुत
खराब हो, कटुस्वर, कर्काश स्वर ।
करुवी (کرووی) अ पु -फिरिश्ता, देवता ।
कर्भः (قورعه) अ पु -लौकी, कद्दू ।
कर्भ (قورع) अ पु -दरवाजा खटखटाना, खटखट करना,
लौकी ।
कर्क (قورق) अ पु -मुर्गियों का शब्द ।
कर्क (قورق) तु पु -दुवा, मेदपुच्छ, भेड की वह किस्म
जिसकी पूँछ पर चर्वी का चकत्ता होता है ।
कर्कफ (قورقف) अ पु -मदिरा, शराब, ईसाइयों के तीन
धार्मिक ग्रंथ ।
कर्ग (کړگ) फा पु -'कर्गदन' का लघु, देखो 'कर्गदन' ।
कर्गदन (کړگدن) फा पु -गोडा, एक प्रसिद्ध जंगली जान-
वर जो हाथी से छोटा होता है, तुगमुख, वज्रचर्म ।
कर्गन (کړگن) फा पु -अधपका अन्न जिसे भूनकर खाते हैं ।
कर्गस (کړگس) फा पु -गीध, गिद्ध, गृध्र, एक प्रसिद्ध पक्षी ।
कर्ज (قورص) अ पु -ऋण, उधार, कर्जा ।
कर्जल्लाह (قورص حواه) अ फा वि -कर्ज लेनेवाला,
ऋणेच्छुक ।
कर्जदार (قورص دار) अ फा वि -जिस पर कर्ज हो, ऋणी,
अधमर्ण ।
कर्ज हसन: (قورص حسنه) अ पु -ऐसा ऋण जिस पर न कोई
व्याज हो न उसका तकाजा किया जा सके, ऋणी को जब
सुविधा हो उसे अदा करे, और न अदा कर सके तो उस पर
कोई भार न रहे ।
कर्तवान (قورطدان) अ पु -दय्यूस, भगभोगी, कलतवान ।
कर्ती (قورطی) अ पु -एक प्रकार का कपडा जो काले और
हरे रंग का होता है ।
कर्द: (کړده) फा वि -किया हुआ, कृत ।
कर्द (کړد) फा पु -कार्य, काम, कृति, अमल ।
कर्दगार (کړدگار) फा वि -ईश्वर, सर्वशक्तिमान्, दे
'किर्दमार', नियमानुसार 'किर्दगार' अशुद्ध है, परन्तु शुद्ध
समझा जाता है ।
कर्दनी (کړدنی) फा वि -करने योग्य, जो किया जा सके,
जिसका करना उचित हो, करणीय ।

कर्दार (کړدار) फा पु -आचरण, व्यवहार, चलन, दे.
'किर्दार', व्याकरण के अनुसार शुद्ध रूप 'कर्दार' ही है,
परन्तु प्रचलित 'किर्दार' है ।
कर्न (قورن) अ पु -शृंग, विपाण, सींग, बाल, केश; लवा
समय जो ३० से १०० वर्ष तक माना जाता है ।
कर्नब (کړنښ) अ पु -करमकल्ला, एक प्रसिद्ध सव्जी ।
कर्ना (کړنا) अ पु -दे 'कर्नी' ।
कर्ना (قورنا) अ पु -तुरही, एक प्राचीन वाजा जो फूँककर
बजाया जाता है ।
कर्पास (کړداس) फा पु -मोटा कपडा, संस्कृत 'कर्पट' का
अपभ्रंश ।
कर्फश (کړوفش) फा स्त्री -छिपकली, गृहगोधिका ।
कर्ब (کړب) अ पु -व्याकुलता, बेचैनी, पीडा, यातना,
दुख ।
कर्बला (کړولا) फा पु -इराक का एक प्रसिद्ध स्थान,
जहाँ हजरत इमाम हुसैन शहीद हुए थे, और जहाँ उनकी
मजार है ।
कर्बलाई (کړولائی) फा वि -कर्बला की जियारत करनेवाला,
एक कपडा ।
कर्बस (کړوس) फा स्त्री -छिपकली, गृहगोधिका ।
कर्वास (کړواسو) फा स्त्री -दे कर्बस, कर्फश ।
कर्म (کړم) अ पु -अगूर का पेड़ ।
कर्म (قورم) अ पु -व्याघ्र, शेर, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ
व्यवित ।
कर्य: (قوریه) अ पु -ग्राम, गाँव, मौजा ।
कर्त (کړت) अ स्त्री -वार, दफा ।
कर्त (کړات) अ पु -'कर्त' का बहु, कई वार, बहुत दफा ।
कर्रार (کړار) अ वि -शत्रु की सेना पर बारबार आक्रमण
करनेवाला, हजरत अली की उपाधि ।
कर्हबियान (کړوډيان) अ पु -'कर्हवी' का बहु, फिरिश्ते ।
कर्हवी (کړووی) अ पु -फिरिश्ता, दे 'करहवी', वही
अधिक फसीह है, शुद्ध दोनों हैं ।
कर्श (کړش) अ पु -जुगाली करनेवाले पशु का पाकाशय,
बाल-बच्चे, दे 'करिश' ।
कर्सन: (کړسند) फा पु -मटर, एक प्रसिद्ध अन्न ।
कर्ह: (قورده) अ पु -वह घाव जिसमें पीप पड़ गयी हो ।
कलग: (قورده) तु पु -घेरे में लेना, मुहासर करना, बाहर
जानेवाले पियादे की खुराक ।
कलंद (کړلند) फा पु -जमीन खोदने का एक यंत्र, खुर्पी;
हल में लगनेवाला फाल ।
कलंदर (کړلندر) फा पु -एक प्रकार के फकीर जो मस्त

और आजाद रहन ह मस्त और आजाद मनुष्य घट, गुम्ताइह ।

कलदरान (كَلْدَرَان) फा वि-कलदरा-असा आजादा जमा गुस्ताखा-असा ।

कलदरी (كَلْدَرِي) फा पु-कलदर का नाम या पगा एक प्रकार का खेमा रावटा ।

कलमुव (كَلْمُؤُ) अ पु-टपा कुलाह ।

कल (كَل) अ पु-मूगा हाना बाल न सकना वाप भार भारा वान वह व्यक्ति जिनक न वाप हान लडके ।

कल (كَل) तु वि-गजा खवाट ।

कलक (كَلَك) फा पु-पटना खीग लगाने का नानर गन्ध (स्त्री) आपत्ति बला (वि) आभुम मनदूम ।

कलक (كَلَك) अ पु-व्याकुलता खेचनी दुम कष्ट तक्लाफ गाक खे अप्रमास ।

कलकअगेड (كَلَكْ اَغُوْد) अ फा वि-शाकअनक दुमअर रअ पना करनवाला ।

कलकअपखा (كَلَكْ اِپْخَا) अ फा वि-कलकअगेड ।

कलकआमेड (كَلَكْ اِمِيْد) अ फा वि-शाक मिला हुआ गाकान्वित रजह ।

कलकसुस्य (كَلَكْ سُوْسِي) फा वि-रिटि नियन नगल ।

कलक (كَلَف) अ पु-वाक दाघ जा मूह पर प जात ह दाइ ।

कलम (كَلَم) अ पु-लखनी कि क पड का डाला जा बाटकर लगया जाता है वाग हुआ तरगा हुआ कनपटी क बाल किसी पनाथ ना पतला और लम्बा टुकड़ा ।

कलमक (كَلَمْ كَش) अ फा वि-लिखनेवाला कलम स काम करनेवाला बाट दनवाला मिटा देनेवाला ।

कलमकार (كَلَمْ كَار) अ फा पु-कलम स काम करने वाला लिखनेवाला एक फूलदार नकीन कपगा ।

कलमबद (كَلَمْ د) अ फा वि-कलम फरा हुआ कग हुआ मसूख ।

कलमअन (كَلَمْ اَن) अ फा वि-लिखनेवाला चित्रकार मुमअिर कलमअर करनेवाला मसूख करनवाला ।

कलम दरखाना (كَلَمْ دَرْخَانَا) अ फा वि-मिगया हुआ मन्व किया हुआ ।

कलमगस्त (كَلَمْ غَسْت) अ फा वि-जा कलम स काम करता हा लिखनेवाला चित्रकार ।

कलमगल (كَلَمْ غَل) अ फा पु-कलम-वात रखन का पाप प परवी आहण ।

कलमगने बहारत (كَلَمْ غَانِي وَ اَرْت) अ पु-मत्री का प बहार का आहण ।

कलम पाक कुन (كَلَمْ نَاكِي كُن) अ फा पु-बह कपडा जिनम कलम का सिपाहा पाटी जाता है ।

कलमबद (كَلَمْ بَدَلْد) अ फा वि-जा लिखा गया हा लिपिबद्ध चित्रकार का कूबा बनानवाला ।

कलम बरदात (كَلَمْ بَرْدَات) अ फा वि-कलम उठाकर विना सोचे लिखा हुआ लख ।

कलमरी (كَلَمْرِي) अ फा स्वा-राष्ट्र राय हुकूमत सलतन ।

कलमी (كَلْمِي) अ वि-कलम सम्बधी हस्तलिखित ग्रथ विगपत पुगने हस्तलिखित ग्रथ कलम लगावे हुए पड का फर लवा और पतला पदाय जम-कलमा गारा ।

कलमे फ्रीलाद (كَلَمْ فُرِيْلَاَد) अ फा पु-फाउन्नेन पन रुमा गभ लोह-लेखनी ।

कलमेरसास (كَلَمْ رِصَاص) अ पु-यमिल, सीमाकता ।

कलमेसुव (كَلَمْ سُوْب) अ पु-कलम रसास ।

कलमेसुम (كَلَمْ سُوْم) अ पु-कलम रसास ।

कल (كَل) अ स्त्री-कली गिरमौर ।

कलह (كَلْه) अ स्त्री-गता का मल और उनका पीलापन ।

कली (كَلِي) फा वि-ज्येष्ठ बला दाघ लवा ।

कला (كَلَا) अ पु-किया स गनुता करना गनुता दुमना ।

कलाइव (كَلَا اِيْو) अ पु-किला का बहु गल के पट ।

कलात (كَلَا ت) फा पु-छाटा गाव नगला ।

कलात (كَلَا ت) फा पु-गाव ग्राम पहाड पर बना हुआ दुग ।

कलानी (كَلَانِي) फा स्वा-ज्येष्ठता बगपन, दाघर लम्बाई गुल्ब भागपन ।

कलापेस (كَلَا پِس) फा पु-आत्मा का रगत बा बन् जाना जम-मुस में या मयून क समय ।

कलाब (كَلَا ب) फा पु-धने पर बानी जानेवाले अंग पिन्पिया ।

कलाम (كَلَام) अ पु-ग-वागा बानी वाताअप गुफ्तगू आपत्ति ए तिराज मोमामा इम कलाम ।

कलामल्लाह (كَلَامْ لَلَا ه) अ पु-खुना का कलाम ईवर का वाणी कुरानागोफ ।

कलामे मुस्तगम (كَلَامِ مُوْسْتَاغَم) अ पु-ईवर का ओर 6 पयम्बर पर आनवाला आयेग वही ।

कलाल (كَلَال) अ पु-कलालात ।

कलात (كَلَال) अ पु-लानि यकन मांगी ।

कलात (كَلَال) अ स्त्री-यकन लानि मांगी ।

कलावः (كلاوة) फा पु—चर्चों पर काती जानेवाली पिंदिया ।
 कलावुजी (كلاووزی) फा स्त्री—अग्रगमन, आगे चलना;
 मार्ग-दर्शन, रहवरी; सेना का अग्रभाग ।
 कलिक (كلیق) अ वि—व्याकुल, मुजतरिब, दुःखित,
 रजीदा ।
 कलिव (كلیب) अ वि—दीवाना, पागल, कटरपना (कुत्ता) ।
 कलिमः (كلیم) अ पुं—शब्द, लपज, वाक्य, जुम्ला, वचन,
 वात, मुसलमानों का धर्ममंत्र ।
 कलिम.हवाँ (كلیمہ حواں) अ फा. वि—दे 'कलिम गो' ।
 कलिम.गो (كلیمہ گو) अ फा वि—कलिम (कलमा)
 पढ़नेवाला अर्थात् मुसलमान ।
 कलिम (كلیم) अ पु. 'कलिम' का बहु, कलिमे, जुग्ले,
 वाक्य-समूह ।
 कलिमतुलखैर (كلیمہ الخیر) अ पु—भलाई की वात,
 ऐसी वात जिममे किसी का हित हो ।
 कलिमतुलहक (كلیمہ الحق) अ पु—सच्ची वात, वेलाग
 वात, इसाफ की वात, सदुक्ति ।
 कलिमात (كلیمات) अ पु—कलिम का बहु, कलिमे,
 वाते, शब्द, अल्फाज ।
 कलीद (كلید) अ स्त्री—बटी हुई रस्ती ।
 कलीदान (كلیدان) फा पु—लकड़ी का कुंदा जो अप-
 राधियों के पाँव में बाँधा जाता है ।
 कलीव (كلیب) अ पु—पुराना कुआँ ।
 कलीम (كلیم) अ पु—वात करनेवाला, वातचीत करने-
 वाला, घायल, जल्मी, हजरत मूमा की उपाधि ।
 कलीमुल्लाह (كلیم اله) अ पु—ईश्वर से वार्तालाप
 करनेवाला, हजरत मूसा की उपाधि ।
 कलीयः (كلییہ) अ पु—भुना हुआ गोश्त ।
 कलीलः (كلیلیہ) अ पु—कैलूल करने का समय, दोपहर मे
 थोड़ी देर सोने का समय ।
 कलील (كلیل) अ वि—शिथिल, माँदा, मद, सुस्त, गूंगा,
 कुद, भोथरा ।
 कलील (كلیل) अ वि—अल्प, न्यून, थोडा, ह्रस्व, छोटा ।
 कलील तरीन (كلیل ترین) अ फा वि—बहुत ही
 छोटा ।
 कलीलुल कीमत (كلیل القیمت) अ वि—थोड़ी कीमत-
 वाला, कम दामो का, सस्ता ।
 कलीलुल विजाअत (كلیل الضاعت) अ वि—जिसके
 पास पूँजी थोड़ी हो, जो अप्रतिष्ठित हो, कम हैसियत ।
 कलीलुल मिक्दार (كلیل المقدار) अ वि—थोडा, कम,
 अल्प मात्रा में ।

कलीलुस्समाअत (كلیل السماعت) अ वि—जो कम
 सुनता हो, बधिर, बहरा ।
 कलीस (كلیس) अ वि—कृपण, कजूम, बखील ।
 कलूस (كلاوس) अ स्त्री—जवान ऊँटनी ।
 कलीला (كلاولا) अ पु—काज, एक प्रसिद्ध पक्षी ।
 कलअः (كلاعه) अ पु—दुर्ग, कोट, गढ, किला ।
 कलअःगीर (كلاعه گیر) अ फा वि—दुर्ग विजित करने-
 वाला, महारथी, बहुत बडा शूर ।
 कलअःशिकन (كلاعه شكن) अ फा वि—दुर्ग को ध्वस्त कर
 देनेवाला, दुर्गभेदी (तोप या कोई यंत्र) ।
 कलई (كلیعی) अ स्त्री—वग, राग, फुंका हुआ चूना;
 मुलम्मा, बतनों पर राँगा का मुलम्मा, चूने की पुताई ।
 कलईगर (كلیعی گر) अ फा वि—बरतनो पर राँग का
 मुलम्मा करनेवाला ।
 कलक (كلك) फा स्त्री—कक्ष, बगल; क्रोड, गोद, आगोश ।
 कलकज (كلكج) फा. वि—लड़नेवाला, युद्ध करनेवाला ।
 कलकलः (كلكله) अ पु—आवाज करना, बोलना, हिलाना ।
 कलकान (كلكان) तु स्त्री—ढाल, सिपर ।
 कली (كلیعی) फा स्त्री—फुंदना, तुरी, पक्षी के सिर का
 केश ।
 कलत (كلیتہ) फा वि—पूँछ कटा हुआ, थोडा, न्यून,
 जो शुद्ध उच्चारण न कर सके, सोटा, डडा, गतका ।
 कलतवान (كلیتدان) फा पु—वह निर्लज्ज मनुष्य जो अपनी
 स्त्री को पर-पुरुष के पास जाने दे, भगभोजी, स्त्री की
 कमाई खानेवाला, भँटुआ ।
 कलतवानी (كلیتدانی) फा स्त्री—स्त्री की कमाई खाना,
 भँडुआई ।
 कल्पत्रः (كلیپترو) फा वि—मिथ्या, झूठ, अनर्गल, बेहूदा ।
 कल्पाक (كلیپاق) तु स्त्री—टोपी, कुलाह ।
 कल्पः (كلیفہ) अ पु—खतना का न होना, बे खतना होना ।
 कल्प (كلیف) अ पु—मुग्ध होना, आसक्त होना, शेषत
 होना ।
 कल्व (كلیب) अ पु—हृदय, मन, दिल, मध्य, बीच, कूट,
 खूँटा, आँधा, उलटा, १७वाँ नक्षत्र ।
 कल्व (كلیب) अ पु—कुक्कुर, श्वान, कुत्ता ।
 कल्वतान (كلیتدان) अ स्त्री—लोहार की सडसी,
 सगसी, मोमवत्ती का गुल काटने की कैंची, गुलगीर ।
 कल्वतैन (كلیتدین) अ स्त्री—दे 'कल्वतान' ।
 कल्वसाज (كلیب سار) अ फा वि—खोटा रुपया बनाने-
 वाला, कूटकृत ।
 कल्वसाजी (كلیب سازی) अ फा स्त्री—जाली रुपया बनाना ।

इस्वी (سوی) अ वि-गुणिक दिनी मानमिह ह्यो हूप-मन्वया ।

इस्वे अन्वा (سوا) अ पु-बहुन भावनेवाला कुता एव नपत्र ।

इस्वे कलिब (کلب) अ पु-कठखता और पागल कुता ।

इस्वे माहीयत (مهیات) य स्त्रा-विनी पणाय व घम और गुण का परिवर्तन कायाकल्प ।

इस्म (کلم) अ पु-चावल करना जमा करना ।

इस्मल (کامل) फा पु-कालाहल गार-मूल ।

इस्मुय (کلموع) फा पु-गिद्ध की एक जाति ।

इत्तप (تله) उ पु-मुना हुआ माम गुड गाल 'बलाय है परन्तु प्रचलित नहीं है । (इत्तिया)

इत्तयान (لغان) फा पु-दुवका चिलम पाने का यत्र गुण्युने द इत्तयान दाना गुड ह ।

इत्त (کله) फा पु-जवा वनपटा सिर ।

इत्त-दराज (العدادار) फा वि-मुकर जवा-दराज ।

इत्त-भनार (کله ملدار) फा अ पु-बहु जयलभ जा मारे गये सतिहा व सिरा न बनाया जाता फा ।

इत्त-एकद (کله ملد) फा पु-मिमो का वूडा ।

इत्त-मा (سما) अ वि-याग विचिन ।

इत्ता (لا) अ अन्-माय है यमाय है ठीक है ।

इत्ताब (اب) अ वि-एग वचक दगावाड ।

इत्तावी (وی) अ स्त्री-छल दगावाडा ।

इत्ताप (مش) तु पु-नाच वमाना निघन कगाल ।

इत्तास (س) अ पु-बग हुई नग बाल पर आया हुई नग मन्मद मालामाल ।

इत्स (سلس) अ पु-जाएक बार महस निवन् (बई बार निवन् ना उय क बन् ह) नाच की मोगे रत्ना ।

इवद (مید) अ प-नमाम प्रतिहिमा बिना की हत्या हान पर उगरे गुन का बन्ना रत्ना ।

इवन (کول) फा पु-नमन्मद वचन ।

इवाइद (رواعد) अ पु-इराद वा ब नियमारेण वाइदा व्याकरण गान ह्नु गना की परत पाम्मराल रत्तमारिवाड ।

इवाइदगाए (رواعدگه) अ फा रत्ना-परेड वचन का मन्मद मप-मन्मदाम-शान ।

इवाइदरी (رواعداری) अ फा वि-परेड सागा रत्ना मन्मद परेड मपरिचिड विगी वाय व निवमा मपरिचिड ।

इवाइद (کولت) अ प-इरियत वा ब हान्गाय गान्धार परन्तु सपय ए, मयाद ।

इवाइब (کواسب) अ स्त्री-काइब का बहु, वे सित-जिनका छातियां बग हा ।

इवाइबे अन्म (کواسب انعم) अ स्त्री-सप्यि-मउव बनानुनाग ।

इवाइम (فوامم) अ पु-काइम का बहु मनुष्य के हाथ पाव चून्ह आदि के पाये ।

इवाकिब (کواکب) अ पु-कोकब का बहु, ठारे उन्मय ।

इवानोन (فوانون) अ पु-इवानून का बहु हर प्रकार के इवानून ।

इवाफिल (فواफल) य पु-काडिला का बहु मारिनों के काफिल पत्ता कमर के घाड ।

इवाफी (فوافی) अ पु-काफिया का बहु काडिए ।

इवाम (فوام) अ पु-मल्लता सच्चाई, मरलता राली गाय इमाफ ।

इवामोस (فواموس) अ पु-इवामूम का बहु, बडा-बो नदियां महान-ममूह ।

इवारोर (فواروب) अ पु-इवाहर का बहु, इवाहर व गीगियां वातलें गीगियां ।

इवारें (فواروع) अ पु-इवारिक का बहु अरतिप सन्धियां सामारिक दुषटनाए हासिसे ।

इवी (وی) अ वि-वलवान शक्तिगाली वारावर ईन्वर का एक नाम ।

इवीउलजुस (وی الجسه) य वि-मबवून डील्डो का दडाम हूप-मुष्ट माडा-छाडा ।

इवीउलेरीन (وی لیس) अ फा वि-बहुन अधिप रत्ति गाली महावल ।

इवीस (وی سب) अ फा वि-शक्तिगाला वारावर ।

इवीस (وی سب) अ फा वि-इवी काव ।

इवीपुन (وی سب) अ फा वि-विम विमा महान पुन का महारा प्राण्ही विमकी पाड पर विगी बड रत्ति का हाप हा छात्रवर हिमायती बलिष्ठ पागागा ।

इवीबाड (وی باور) अ फा वि-विमगी भुवाएँ बन् ह हा जा अना भुवाआ व बड पर हर काय कागाई पराक्रमी सागा जरातर ।

इवीम (وی م) अ स्त्रा-मापी मन्मद दड पुष्ट मन्मद (रत्ना) ।

इवीम (وی م) अ वि-माया साग राग्व, दड 5 मबवून ।

इवय (کوله) तु पु-बग नपार (नगागा) पीगा ।

इयम (وی م) तु पु-बग वारावर पाग विन

तरकारी आदि न हो, शुद्ध उच्चारण यही है, पर उर्दू में, 'कोर्म' बोलते हैं।

कव्वः (كوه) अ पु—दीवार का छेद चाहे वह आरपार हो या ताकनुमा हो, दरीचा, झरोखा।

कव्वात (قواط) अ पु—भेड-वकरियों के झुड का चरवाहा।

कव्वाली (قوال) अ पु—बहुत वाते करनेवाला; कव्वाली गानेवाला।

कव्वाली (قوالی) अ स्त्री—वे इसलामी गाने जो मजारों आदि पर गाये जाते हैं, हक्कानी गाने।

कव्वास (قواس) अ वि—धनुष्कार, कमाने बनानेवाला।

कश (كش) फा पु—कक्ष, बगल, वक्ष स्थल, छाती, दम, खीच, जैसे—हुक्के का कश, (प्रत्य) खीचनेवाला, जैसे—'कर्माकश' धनुष खीचनेवाला, सहन करनेवाला, जैसे—'सितमकश' अत्याचार सहन करनेवाला, मयकश—शराव खीचने या पीनेवाला।

कश [कश] (كش) (अ) पु—दुबलेपन के बाद मोटा होना, भलाई पाना।

कशफ (كشف) फा पु—कछवा, कूर्म।

कशफ (كشف) अ पु—सूरज की धूप में मुँह का झुलस जाना, दरिद्रता और फाको में मुँह की शोभा का चला जाना।

कशमकश (كش مكش) फा स्त्री—खीचातानी, आपाधापी, वैमनस्य, कशीदगी, असमजस, सकोच, दुविधा, पसोपेश, सघर्ष, लडाई, दौड-धूप, पराक्रम।

कशाँ (كشان) फा प्रत्य—खीचते हुए, जैसे—'मूकशाँ' वाल पकडकर खीचते हुए।

कशाँ कशाँ (كشان كسان) फा वि—खीचते-खीचते, खीचते हुए, जवरदस्ती।

कशाकश (كشاكش) फा स्त्री—खीचाखीची, सघर्ष, चढा-ऊपर, स्पर्षा, असमजस, तजब्जुव।

कशावर्ज (كشاورر) फा पु—कृपक, काश्तकार, किसान।

कशावर्जी (كشاورری) फा स्त्री—कृपिकर्म, काश्तकारी, खेती, किसानी।

कशीश (كشيش) फा स्त्री—आकर्षण, खिचाव, रोचकता, जाजिवीयत, प्रवृत्ति, मनोवृत्ति, रुज्जान।

कशीशे इश्क (كشيش عشق) फा अ स्त्री—प्रेम का आकर्षण, मुहब्बत का जज्वा।

कशीशे सिक्ल (كشيش ثقل) फा अ स्त्री—गुरुत्वाकर्षण।

कशीद (كشیده) फा वि—खिचा हुआ, अचित, अप्रसन्न, नाराज, (पु) बेल-बूटे का काम।

कशीद-कमर (كشیده كمر) फा वि—झुकी हुई कमर-वाला।

कशीद-कामत (كشیده قامت) फा. अ. वि—लम्बे आकार वाला, लम्बे कदवाला, लवकाय।

कशीद-कार (كشیده کار) फा वि—कशीदे का काम करनेवाला, चिकन काढनेवाला।

कशीद-कारी (كشیده کاری) फा स्त्री—कपडे पर बेलबूटे बनाना, चिकन बनाना।

कशीद-खातिर (كشیده خاطر) फा अ वि—अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश, खिन्न, मलिन, अपसुर्द।

कशीद-रू (كشیده رو) फा वि—लम्बे मुँहवाला, लवोतरे मुँह का, मुँह विगाडे हुए, रुष्ट, नाराज।

कशीव (كشیب) अ पु—नया वस्त्र, पहनने का नया कपडा।

कशीश (كشيش) तु पु—ईसाइयो का धर्मगुरु, पादरी।

कशूर (كشور) अ पु—चेहरे पर मलने की दवा जिससे मुँह का रंग साफ होता है।

कश्कः (كشقه) अ पु—चदन आदि से माथे पर बनायी जानेवाली लकीरे, तिलक, चित्रक।

कश्क (كشك) फा पु—छिलके उतारे हुए जी, सूखा दही; जी का पानी जो रोगियों को दिया जाता है।

कश्काव (كشکاب) फा पु—छिलके उतारे हुए जी का पानी जो रोगियों को दिया जाता है, आशे जी।

कश्कोल (كشکول) फा पु—भिक्षापत्र, भीख माँगने का वर्तन, दे 'कचकोल', 'कजकोल'।

कश्खान (كشخان) फा पु—दे 'कल्लतवान'।

कश्ती (كشتی) फा स्त्री—नाव, नौका, तरणी, "जोशे तूफाँ, गोरे-दर्या, वक लर्जा, वादे तुद, कश्तीए उम्मे रवाँ यारव बडी मुश्किल में है"।

कश्तीवान (كشتی بان) फा वि—नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह।

कश्तीवानी (كشتی دانی) फा स्त्री—नाव चलाना, नाव खेना।

कश्तीराँ (كشیدی ران) फा वि—दे 'कश्तीवान'।

कश्तीरानी (كشیدی دانی) फा स्त्री—दे 'कश्तीवानी'।

कश्फ (كشف) अ पु—जाहिर होना, प्रकट होना, आत्म-शक्ति द्वारा गुप्त बातों का ज्ञान, मुवाशफ।

कश्मीर (كشمیر) फा पु—भारत का एक प्रसिद्ध प्रदेश।

कश्मीरी (كشمیری) फा वि—कश्मीर से सम्बन्धित, कश्मीर का निवासी, कश्मीर की भाषा, कश्मीर का।

कश्म (كشمر) अ पु—छिलका, भूसी, तुप।

कश्मलबैज (كشمر البیض) अ पु—अडे का छिलका।

कश्वर (كشور) फा स्त्री—देश, मुत्क, महाद्वीप, वर्र-आ'जम, प्रदेश, इलाक, दे 'किश्वर', दोनो शुद्ध हैं।

अंगक (अंगक) अ स्त्री-वह स्त्री जिग मासिक धम न आना हा मरदानव।

अंगक (अंगक) पा वि-गामन हाकिम, हुमरान।
अंगक (अंगक) पा वि-विदवविदवी
आंगमगर।

अंगक (अंगक) अ वि-गामनवाडा प्रकट वगनवाला।
अंगक (अंगक) अ पु-वगम्यन गीना छती माने
की हम्दा।

अंगक (अंगक) पा पु-व्यक्ति गमन।
अंगक (अंगक) अ पु-डाही गामा छाटा गहर।
अंगक (अंगक) अ पु-नकट नकट नम हर पाड जो
नकट-अगी भातर ग मारी हो।

अंगक (अंगक) अ पु-विगमना एन
वनीपाय।

अंगक (अंगक) अ पु-नाम एक पाम।
अंगक (अंगक) अ पु-अन रवन का वीम
आमि वा साग जिममें रवनर मन नम जान ये।

अंगक (अंगक) अ पु-गामा नगर
उम।

अंगक (अंगक) अ पु-वह वगम जा दूर
पर गाम गिया जाता है और कुछ मनिव गवार घाटे दीना
कन उमकी आर दीने ह जो उम पग उपाड रवा
है उम इनाम गिया जाता है।

अंगक (अंगक) अ स्त्री-गामय मीगद।
अंगक (अंगक) पा स्त्री-वेरमा वनमी एमा
जीम जिमम बाई पूजनवाग न हा।

अंगक (अंगक) अ पु-गियिता आरस्य वाहिने
नगमि धान्ति धकवट।

अंगक (अंगक) अ पा वि-वशात म्दान श्रात
पना हुजा।

अंगक (अंगक) अ पु-विम्या नाना कहानी कहना।
अंगक (अंगक) अ पु-नमी का बहु वनीने।
अंगक (अंगक) अ पु-मस्तापन मन्ता सरीगरा वा
अभाव किमी वस्तु का प्रचलित न हाना वरिवाजी।

अंगक (अंगक) अ पा स्त्री-बाजार भाव
वा बहुत मना हा जाना बाजार में सरीर परास्त बहुत कम
हो जाना किमी चीज की पूछनाठ न हाना वगमपुमी।

अंगक (अंगक) अ स्त्री-मन्त्रिता समन्ता मगमन
अगुदता गमनी।
अंगक (अंगक) अ स्त्री-वपने घोना धावी का वाम।
अंगक (अंगक) अ स्त्री-वमन।

अंगक (अंगक) अ स्त्री-निदधता बरहमा, वडाता
गमा।

अंगक (अंगक) अ स्त्री-हृदय वा वनीर
हाना निम्या।

अंगक (अंगक) अ वि-निम्य कठोर हृदय वगम।
अंगक (अंगक) अ वि-नगर हृदयवाला,
पापागहृदय मस्त।

अंगक (अंगक) अ वि-वह माल जिमी विना न हा
जिमीका चगन उठ गया हा।

अंगक (अंगक) अ पु-गवारमक प्रगमा नरम का एक
प्रिम्य जिममें किमी म्दान व्यक्ति की प्रगमा की जाना है
एमा प्रगमा जिमम यथापता वम हो भटई।

अंगक (अंगक) अ पा वि-वगामा वगम
वाग मूठी प्रगमा वगनेवाला गुगामनी म्दा वनी।

अंगक (अंगक) अ पा स्त्री-वगाम
पना म्दा प्रगमा वरना म्दई वरना।

अंगक (अंगक) अ पा वि-वगामा लिमववा
वह गाइर जो वगामे अधिक और अच्छ लिमता हा।
अंगक (अंगक) अ पा स्त्री-वमीने लिमन

अंगक (अंगक) अ वि-वह माल जिमीका चगन न रहा हा।
अंगक (अंगक) अ पु-गमा चगम तीन गे रास अधिक
दम तक दूग हुजा गिस्ता।

अंगक (अंगक) अ वि-मग्नि मला अपविन गमा।
अंगक (अंगक) अ वि-जितवी आ
अगुद हा वगवातिन।

अंगक (अंगक) अ वि-वनी
पुतवअ।

अंगक (अंगक) अ पु-गुन का नापा।
अंगक (अंगक) अ वि-भागानर साजोानर गरीर
वादनवाला विभाजक।

अंगक (अंगक) अ वि-हस्त छाग वामन बीना।
अंगक (अंगक) अ वि-अधिक प्रचुर बहुत।
अंगक (अंगक) अ वि-गुदा हुजा गिक्ल मग्नि।

अंगक (अंगक) अ पु-जिसकी बहुत-की
पलियां हो अनेकभाय बहुपलीक।
अंगक (अंगक) अ वि-जिममें धय बहु
हो बहुमम बहुधय।

अंगक (अंगक) अ वि-जा गिनती में
वहन हो बहुमस्यक विपुल जसह्य।
अंगक (अंगक) अ वि-जो बहुत गुमी
और मिमन्सार हो बहुगाल।

कसीरुलअस्लाअ (كثير العسل) अ वि—वह क्षेत्र जिनमें बहुत-सी भुजाएँ हो, बहुभुज क्षेत्र ।

कसीरुलअत्फाल (كثير الأطفال) अ वि—वह व्यक्ति जिनकी मतान बहुत हो, बहुमतति; वह स्त्री जिनने बहुत ने बच्चे जने हैं, बहुप्रमवा, बहुभू, कृमिन्त्र ।

कसीरुलअफकार (كثير الإفكار) अ वि—जिने चिन्ताएँ बहुत हो, बहुचिन्त ।

कसीरुलअलाइफ (كثير العلايق) अ वि—जो मायाजाल में पूरी तरह फँसा हो; जिनके मित्र और रिश्तेदार बहुत हो, जिनके पीछे दुनिया के बहुत से शगडे लगे हो ।

कसीरुलअश्काल (كثير الأشكال) अ वि—जिनके बहुत में रूप हो, बहुरूप, अनेकाकार ।

कसीरुलअहवाल (كثير العيال) अ वि—जिनके बाल-बच्चे बहुत हो, जिनकी गतति अधिक और आय कम हो ।

कसीरुलअइल्म (كثير العلم) अ वि—जो बहुत बड़ा विद्वान् हो, बहुविद् ।

कसीरुलअओलाद (كثير الأولد) अ वि—दे 'कसीरुलअहवाल' ।

कसीरुलअओसाफ (كثير الأوصاف) अ वि—जिसमें बहुत अधिक गुण और अच्छाइयाँ हो, बहुगुण ।

कसीरुलअकलाम (كثير الكلام) अ वि—जो बहुत बाने करना हो, वाचाल, बहुलालाप, बक्की, शक्की ।

कसीरुलअकामत (كثير القامت) अ वि—बहुत छोटे डोल-डोल का, बीना, वागन, हल्लावाग ।

कसीरुलअखैर (كثير الخير) अ वि—जो बहुत अधिक दान-धोल हो, जो अच्छे कामों में काफी खर्च करता हो, जो गरीबों की काफी सहायता करता हो ।

कसीरुलअमा'ना (كثير المعنى) अ वि—वह शब्द, वाक्य या शेर जिनके बहुत में अर्थ हो, अनेकार्थ ।

कसीरुलअमाल (كثير المال) अ वि—जिसके पास धन बहुत हो, धनाढ्य, विपुलद्रव्य, पृथुलधन ।

कसीरुलअबुकूअ (كثير الوقوع) अ वि—ऐसी घटना जो प्राय घटित होती रहती हो ।

कसीरुलअशशा'र (كثير الشعر) अ वि—जिसके शरीर पर बाल बहुत हो, लोमश, बहुलोमा ।

कसीरुलअशवाहवत (كثير الشهوات) अ वि—जिसमें काम-वामना का आधिक्य हो, बहुकाम, अतिकामी, घोर विपथी ।

कसीरुलअसमर (كثير النسر) अ वि—ऐसा वृक्ष जिसमें फल बहुत आते हो ।

कसीरुल (كثير) अ पु—जो, जो अभी पूरी तरह पके न हो, अधपका जो ।

कसीरुल (كثير) अ पु—गुमाया हुआ कीमा, छुहारे की मदिरा ।

कसीरुल (كثير) अ वि—विषय, लाचार; जो एक जगह ठहरकर रह गया हो, हिल-डुल न गके ।

कसीरुल (كثير) अ पु—एक बेल जो वृक्षों पर फँसती है, अमर बेल ।

कसीरुल (كثير) अ वा—कोई हो, चाहे कोई हो । कसीरुल (كثير) अ वा पु—मित्र और स्वजन ।

कसीरुल (كثير) अ वा पु—अच्छा-बुरा, हर प्रकार का व्यक्ति, बड़ा-छोटा, हर आदमी ।

कसीरुल (كثير) अ पु—सकल, निश्चय, इरादा; इच्छा, कामना, इच्छा ।

कसीरुल (كثير) अ वि—जान-बूझकर, निश्चयपूर्वक । कसीरुल (كثير) अ पु—शहर में छोटी और गाँव में बड़ी बस्ती ।

कसीरुल (كثير) अ पु—कमाई, उपाजन, उद्यम, धंधा, रोजगार, वेध्यावृत्ति, वेध्याकर्म, रटीपन ।

कसीरुल (كثير) अ पु—नाटना, छेदन । कसीरुल (كثير) अ वि—वह विद्या जो कमाने और परिश्रम करने में प्राप्त हो, 'बह्यी' का उलटा, वेध्या, गणिका ।

कसीरुल (كثير) अ पु—विद्या प्राप्त करना, विद्योपाजन ।

कसीरुल (كثير) अ पु—कोई गुण प्राप्त करना, गुणोपाजन ।

कसीरुल (كثير) अ वा पु—रूपया कामना, धनोपाजन । कसीरुल (كثير) अ वा पु—कोई शिल्प या कला गीमना, शिल्पोपाजन ।

कसीरुल (كثير) अ पु—वाँटना, बटन; दान करना, वरिश्श करना ।

कसीरुल (كثير) अ स्त्री—हिस्से लगाना, हिस्से वाँटना । कसीरुल (كثير) अ पु—उर्दू में 'जेर' की अलामत, जेर की मात्रा ।

कसीरुल (كثير) अ पु—जेर की मात्रा, टूट, शिकस्तगी; वह सख्या जो एक से कम हो, भिन्न, जैसे, $\frac{1}{2}$, $\frac{2}{3}$, $\frac{3}{4}$ । कसीरुल (كثير) अ पु—किसी से बलात् कोई काम लेना, जबरदस्ती किसी काम पर लगाना ।

कसीरुल (كثير) अ स्त्री—न्यूनता, कमी; चुटि, खामी, (पु) भवन, प्रामाद, महल ।

कसीरुल (كثير) अ स्त्री—ब्यायाम, वजिश । कसीरुल (كثير) अ स्त्री—प्राचुर्य, बाहुल्य, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात, इफरात ।

कसीरुल (كثير) अ स्त्री—न्यूनता, कमी; चुटि, खामी, (पु) भवन, प्रामाद, महल ।

कसीरुल (كثير) अ स्त्री—ब्यायाम, वजिश । कसीरुल (كثير) अ स्त्री—प्राचुर्य, बाहुल्य, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात, इफरात ।

कसीरुल (كثير) अ स्त्री—प्राचुर्य, बाहुल्य, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात, इफरात ।

कथितगाह (कसुर) अ फा स्त्री-वयत बरने का स्थान व्यायामशाला।
 कतेनपत्ती (कसरफसी) अ स्त्री-नघना, निनीति, लावमारी।
 कखेगान (कसरान) अ स्त्री-गान के सिंगर, हट्टी अपमान बेइरद्वी।
 कस्तान (कस्तन) अ वि-आलस, बाहिर मुस्त आलगी।
 कसब (कसुब) अ पु-हूय की बढारता मज्जदिली।
 कसर (कसर) अ पु-व्याघ्र सिंह गेर।
 कस्ता (कसा) अ स्त्री-नबडो।
 कस्ताय (कसा) अ पु-मास बेचनेवाला मास विक्रेता, पावध बरनेवाला कमाई।
 कस्ताबखान (कसाबखान) अ फा पु-मास बिकने का स्थान पावध का स्थान बधम्यल कमाईवाला।
 कस्ताम (कसाम) अ वि-बोनेराग वितरण बरने वाग विस्मत् लिखनेवाला भाग्य लिपिक।
 कस्तामे जल (कसाम अल) अ पु-मनुष्य की उत्पत्ति के समय उसने भाग्य में उमका भाग लिखनेवाला ईश्वर।
 कस्ता (कसा) अ वि-नपड घानेवाला धावी रजक।
 कह (कह) फा स्त्री-काह का लघु घाम तण।
 कहकशा (कहकशा) फा स्त्री-आवागगा छापापय।
 कहगिल (कहगिल) फा स्त्री-मट्टी में घास भिगकर दीवारो पर टैस करने के लिए बनाया जानेवाला पास।
 कहन (कहन) अ पु-काहिन का बहु गडुन विचारने वाग।
 कहर (कहर) फा पु-कुमठ कुम्मत कुम्मती रग।
 कहरबा (कहरबा) फा पु-एक हलका पत्थर जो घास को अपनी ओर खींचता है तणमणि।
 कहरबाई (कहरबाई) फा वि-कहरबा से सम्बन्ध रखने वाला बर्की विद्युत्सम्बन्धी।
 कह्री (कहरी) फा पु-बह सनिक जो सेना के जागे चलकर पडाव के लिए घास का दाना घास का प्रबंध करत ह।
 कहूल (कहूल) अ वि-खिचटी डालीवाग अध उग्र वाग।
 कहूकाह (कहूकाह) फा पु-अट्टहान कहकहा किमी के कहकहे म प्यार की रगीन अगडाई उतर आई हदारा धार लिल म छू के गहराई।
 कहत (कहत) अ पु-अभिष अभाव किल्लन बहुत अविष कमी।
 कहतबद (कहतबद) अ फा वि-अवाल का मारा हुआ जिसे अवाल का कारण खाने की बहुत कम मिला हो दुःखिप्रस्त।

कहतबदगी (कहतबदगी) अ फा स्त्री-अवाल के कारण भूषा मरना।
 कहतसाली (कहतसाली) अ फा स्त्री-अभिष अभाव अर्थां पानी की कमी।
 कहतुरजाल (कहतुरजाल) अ पु-अच्छ और सज्जन मनुष्य का अभाव।
 कहफ (कहफ) अ पु-गन गडा, गार खाह गुफा, कपरा।
 कहय (कहतय) अ स्त्री-गु उच्चारण कृद्व।
 कहल (कहल) अ पु-नाथ बोध गुस्सा दवाका अज्ञान, दवी आपत्ति बलाए आम्माना।
 कहल (कहल) अ पु-मूरज निकलना पिन हाता चिगना गार बरना कुपित हाता गुस्सा बरना।
 कहरमान (कहरमान) तु पु-नाम बरनेवाला बमचारी कागडुन।
 कहमान (कहरमान) फा पु-गासन हकिम शासन हुकूमत अत्याचार और अत्याय का शासन।
 कहल (कहल) अ पु-अधे आसुवाला मनुष्य।
 कहल (कहल) अ पु-कुमिष का समय कहत का साल।
 कहव (कहव) अ पु-एक दाना जिम भूनकर पीमने और उमालकर पीने ह काफी।
 कहवखान (कहवखान) अ फा पु-जहा कहवा पिया जाता है काफी हाउस।
 कहहार (कहार) अ वि-बहुत अधिक बोध बरनेवाला मरावोपी ईश्वर का एक नाम।
 कहहल (कहल) अ वि-आल के रागी का चिक्लिता बरने वाग सधिया सुरमा बनाने और बचनेवाला।

का

काअ (काअ) अ पु-लकी चौडी जमीन जा समतल भी हो।
 काआन (काआन) तु वि-न्यायशील राजा आदिल शाहगाह।
 काइद (काइद) अ पु-नियम उमू सिद्धात नबरीय विधि पद्धति तरीका बच्चा के पढने की आरंभ की पुस्तक।
 काइद दी (काइद दी) अ फा वि-काइदा जाननवाला जिम नियम और विधि आदि मातूम हा जाबम बग बगानिक।
 काइद (काइद) अ वि-जधे की सटा पकडकर उनके आग चनेवाग नता साइर फोज का मरणा सनाध्या।
 कान्द (कान्द) अ वि-बठा हुआ (स्त्री) यह स्त्री अ रजोधम और जनन से फारिग हो (पु) बह खूबर जिमक हाथ पडुन जाय।
 काद (काद) अ वि-उली बचक धूत मफार।

काइदए कुल्लीयः (قاعده كليليه) अ पु—वह नियम जो एक-सी चीजो में सब पर लागू हो, व्यापक नियम।
 काइन (كائن) अ वि—उपस्थित होनेवाला, उत्पन्न होनेवाला।
 काइन (قائِن) तु पु—पति का भाई, देवर; पत्नी का भाई (साला)।
 काइनात (كائِنات) अ स्त्री—ब्रह्मांड, खलाए आस्मानी; ससार, दुनिया; सामर्थ, हैसियत, विसात।
 काइफ (قاعف) अ पु—बहुत ही कड़ी वर्षा, सख्त वारिश।
 काइफ (قائف) अ वि—चेहरा देखकर हाल बता देनेवाला, कियाफ शनास, सामुद्रिक।
 काइमः (قائمه) अ पु—पाया, खभा, नव्वे अश का कोण; वह खडी लकीर जो पडी लकीर पर गिरकर नव्वे अश का कोण बनाये।
 काइम (قائم) अ वि—खडा होनेवाला, उल्लवित; दृढ, मजबूत; स्थिर, पायदार (कायम)।
 काइम अंदाज (قائم انداز) अ फा 'वि—शतरज का बहुत बडा उस्ताद, बहुत बडा शक्तिशाली।
 इम विस्जात (قائم بالروا) अ वि—जिसका अस्तित्व बिना दूसरे के सहारे के हो।
 इम बिलगैर (قائم بالعبير) अ वि—जिसका अस्तित्व दूसरे के अस्तित्व पर अवलंबित हो, जैसे—रग का अस्तित्व कपडे के सहारे।
 इम मकाम (قائم مقام) अ वि—जो किसी दूसरे के पद या स्थान पर नियुक्त हो, स्थानापन्न (कायम मुकाम)।
 गइम मिजाज (قائم مزاج) अ वि—जो किसी निश्चय पर अटल रहे, दृढनिश्चय।
 गइलः (قائله) अ स्त्री—कहनेवाली, बात करनेवाली, कैलूल करनेवाली।
 गइल (قائل) अ वि.—कहनेवाला, बोलनेवाला, लाजवाब, निरुत्तर, दोपहर में खाने के पश्चात् थोडी देर लेटनेवाला (कायल)।
 काऊस (كأس) फा पु—कैकाऊस, ईरान का सम्राट, रुस्तम इसी का गौकर था।
 काक (قاق) तु पु—सुखाया हुआ मास, सूखा-साखा मनुष्य।
 काक (قاق) अ वि.—बहुत लम्बा व्यक्ति।
 काक (كك) फा स्त्री—आटे की मोटी और छोटी रोटी, टिकिया।
 का'क (كعك) अ स्त्री—दे 'काक'।
 काका (كك) तु पु—बडा भाई, अग्रज, घर का बडा बूढा नौकर।
 काकुम (قائم) फा पु—एक जंगली जन्तु जिसकी खाल

बहुत मुलायम होती है और उसका पोस्तीन बनता है, उस जानवर की खाल।
 काकुमे उंगुश्तनुमा (قائم انگشت نسا) फा पु—एक प्रकार का काकुम जिसके रोएँ अंगुल-अंगुल भर उठे होते हैं।
 काकुलः (قائله) अ स्त्री—बडी इलाइची।
 काकुल (كاكل) फा. स्त्री—बालो की लट, केशपाग, अलक, जुल्फ, माथे पर के बाल।
 काकुलतैन (قائلتين) अ स्त्री—छोटी और बडी दोनो इलाइचियाँ।
 काकुले परीशाँ (كاكل بديشان) फा स्त्री—विखरे हुए बाल।
 काकुले पेचाँ (كاكل بدجان) फा स्त्री—बुंधरवाले बाल।
 काकुले शमअ (كاكل شمع) फा अ स्त्री—चिराग या शमा का धुवाँ।
 काख (كاخ) फा पु—भवन, प्रासाद, महल, वर्षा, वारिश।
 काग (كغ) फा पु—आग, अग्नि, पशुओ की जुगाली; रोना-धोना, शोरगुल।
 कागज (كاعد) अ पु—लिखने का कागज, पत्र, दस्तावेज आदि।
 कागजगर (كاعدگر) अ फा वि—कागज बनानेवाला, कागजी।
 कागजगीर (كاعدگير) अ फा पु—खिड़की या झरोखा जिस पर कागज या अभ्रक मढा गया हो।
 कागजात (كاعدات) अ पु—'कागज' का वह, वह कागज जो किसी विषय से सम्बन्धित हो।
 कागजी (كاعدجی) अ वि—कागज से सम्बन्धित, कागज का, कागज बनानेवाला; बहुत हलके छिलके का; कागज का बना हुआ।
 कागजेसर (كاعدزر) अ फा पु—ग्रामेसरी नोट, पत्र मुद्रा।
 कागजेवाद (كاعدواد) अ फा पु—पतंग, जो हवा में उड़ाई जाती है।
 कागजे हल्वा (كاعد حلوا) अ पु—मिठाई पर लपेटा जानेवाला कागज, व्यर्थ वस्तु, जैसे—मिठाई खा लेने के बाद उसका कागज व्यर्थ हो जाता है।
 कागद (كاعد) फा पु—दे 'कागज'।
 काचक (كچك) फा पु—खोपड़ी की हड्डी।
 काचार (كچار) फा पु—घर का सामान, घर का अस-बाब, गृह-सामग्री।
 काचाल (كچال) फा पु—दे 'काचार'।
 काजः (كج) फा पु—वह गढा जिसमें शिकारी छिपकर बैठता है और उस पर पत्ते और घास-फूस डाल लेता है।
 काज (كجار) तु पुं—हंस की जाति का एक पक्षी जो

दूसर ठे दगास जाडा में भारत जा जाता है और जाडा के बाल लोट जाता है।

काब (ك) फा पु-फूम का छप्पर या छापण, फूम का मकान।

काब (ك) फा अय्य-काग ईदवर करे भेंगा जिस एक की दो चीजें निमाद पड़ती हैं।

काब (ك) फा पु-भेंगा अहू बल, सनावर की एक जाति। काबिअ छाज (كاتبى حرج) अ फा पु-मुतरी बुय ग्रह। काबिअ गह (كاتبى سهر) अ फा पु-वह काबा जो गह में निकाह पताता है।

काबिअ (كاتب) अ स्त्री-बूठ बालनेवाला, मिय्या-बादिनी। काबिअ (كاتب) अ वि-झूठा मिय्यावादी। काबिअ (كاتب) अ वि-लालची व्यापारा या माल पर अधिक से अधिक लाभ लेना चाहता है।

काबिअ (كاتب) अ वि-त्रोब का बात पर नाप न करनेवाला धयवान् इमाम मुसाफिरा की उपाधि। काबिअ उहाजात (كاتبى الصحاحات) अ पु-कामनाएँ पूरी करनेवाला ईदवर।

काबिअ (كاتبى) अ वि-व्यायक्तता मुसिफ निकाह पढ़ाने वाला करनेवाला जग करनेवाला।

काबिअ (كاتبى) फा पु-काबिअ काबिअ काबिअ (كاتبى) फा पु-कुमुम का फूल।

काबिअ (كاتب) अ स्त्री-अपवित्रता नापानी, गदगी मलिनता।

काबिअ (كاتب) अ स्त्री-नापाकियाँ गन्गिया। काब (ك) फा पु-बुरासान का एक नगर एक चावल कत्या।

काबिअ (كاتبى) अ पु-काब का बहु यात्रा करनेवाला मुसाफिर लाग पथिकगण।

काबिअतरीक (كاتبى الطرس) अ पु-रास म रूट लेन वाला ठुरा कर्जाक।

काबिअतरीक (كاتبى طرس) अ पु-दे काबिअतरीक दाना गूड है।

काबिअवाह (كاتبى واہ) अ फा पु-वह छाच पदाय जा काम गवित क लिए विनागर हा वीयनागक फणय।

काबिअ (كاتبى) अ वि-जो किसी स्थान पर ठहरा हुआ है जो सफर में न है। मुसाफिर का उगटा।

काबिअनी (كاتبى نى) अ पु-उहरे हुए लाय।

काबिअ (كاتبى) अ वि-लिखनेवाला लखक कक लिपिब लीयो प्रस पर छाने के लिए एक विगेष कायज पर विगेष सियाही स लिखने का काम करनेवाला।

काबिअत (كاتبى) अ वि-नितात, बिल्कुल, मक्या सय तमाम।

काबिअ अकल (كاتبى ازل) अ पु-मनुष्य का उरति के ममय भाग्य रचना करनेवाला भाग्य-लखक, ईदवर।

काबिअ जा'माल (كاتبى اعمال) अ पु-भै बुरे कम लिखनेवाला फिरस्ता कम-लखक।

काबिअ किस्मत (كاتبى قسمت) अ पु-भाग्य-लखक काबिअ अकल।

काबिअ कदत (كاتبى كدت) अ पु-दे काबिअ अकल। काबिअ तबदीर (كاتبى تدير) अ पु-दे काबिअ किस्मत।

काबिअ (كاتبى) अ वि-काग कृष्ण सियाह। काबिअ (كاتبى) तु पु-अदवत खच्चर।

काबिअ (كاتبى) अ वि-बध करनेवाला मार डालन वाला बधक लिखक बधिक।

काबिअ (كاتبى) अ वि-काटनेवाला, बिच्छक सपर करनेवाला पथिक।

काबिअ (كاتبى) अ वि-यात्रा करक लोग हुआ, सपरम वापस आया हुआ।

काबिअ इसान (كاتبى ايسان) अ पु-मनुष्य की मानी आत्मी का सिर।

काबिअ (كاتبى) अ वि-शक्तिगानी ताकतवर सभ काबूदार ईदवर का एक नाम।

काबिअ अदाब (كاتبى ادا) अ फा वि-जैवा-मुला निगाना लगानेवाला निगानची लख्यभेन, गदभेनी।

काबिअ अदाबी (كاتبى اداوى) अ फा स्त्री-जबा-मुला निगाना लगाना लख्यभेन।

काबिअ अल्लइस्लाक (كاتبى على اطلاق) अ पु-सुवगवित मान हर बात करने की गवित रखनेवाला अयात ईदवर।

काबिअदस्त (كاتبى دست) अ फा वि-जिसका हाथ किसी काम में मंडा हुआ है।

काबिअकलाम (كاتبى الكلام) अ वि-बातचात करन या भाषण देने में निगुण धामोण वाक्यपट।

काबिअ मुत्लक (كاتبى مطلق) अ पु-काबिअ अल्ल इस्लाक।

काबिअ (كاتبى) अ पु-बनी नाव स्टीमर। काब (كاتبى) फा स्त्री-खान खनि मखजत।

काब (كاتبى) तु पु-रक्त लहू खून। काबकन (كاتبى كن) फा वि-मान में काम करनेवाला मजदूर खनक।

काबकनी (كاتبى كنى) फा स्त्री-खान में काम करना मान में खुगई का काम खनि-खम।

कानित (कानیت) अ. वि - मातापति, पतिविराज; नमाज में हुआ मांगनेवाला।

कानितोन (कानیتون) अ. पुं - 'कानित' का बहु, आमातारी लोग; नमाज में हुआ मांगनेवाला।

कानिम (कानیمی) अ. वि - निहाय करनेवाला, भागेका।

कानो (कानی) का. वि - गल में मखन्य स्त्रीभागी वस्तु; गल में निकल हुआ पदार्थ।

कानो (कानی) तु. वि - बाल अधिकाकार।

कानून (कानون) अ. पुं - विधान, अर्थन; कानून, उम्दू; नीति, विधि, तर्कता, परम्परा, रिवाज।

कानून (कानون) का. स्त्री - भट्टी, भाण्ड; कला, जंगीटी।

कानूनगो (कानونगो) अ. का. पु. - मात्र विभाग या एक परा-विद्यार्थी जो पढवागियों के काम की देख-रेख करता है।

कानूनदां (कानونदान) अ. का. वि - कानून बनानेवाला, विधानन; कमीश, अभिभाषक, अनिवारता।

कानूनदानो (कानونदानो) अ. का. स्त्री - कानून जानना, कानून की जानकारी।

कानूनन (कानونान) अ. वि - विधान के अनुसार, कानून के मुताबिक।

कानूननिकनी (कानونनिकनी) अ. का. स्त्री - कानून को न मानना, नियम-भंग; निविल नाफरमांनी; गवियन धरना।

कानूनसाज (कानونसाज) अ. का. वि - कानून बनानेवाला, विधायक; कानून बनानेवाली एम्प्लोयी, विधायिका।

कानूने अव्वल (कानूनअवल) का. अ. पुं - एक तुर्की महीना जो 'पूज' के लगभग पड़ता है।

कानूने आत्तर (कानूनआत्तर) अ. पु. - एक तुर्की महीना जो 'मात्र' के लगभग पड़ता है।

कानूने जंग (कानूनजंग) अ. का. पुं - लडाई का कानून, युद्धविधान।

कानूने ता'बीरात (कानूनतेबीरात) अ. पु. - सजा का कानून, दण्ड-विधान।

कानूने फ़यत (कानूनफ़यत) अ. पु. - प्राकृतिक नियम, नेचर का कानून।

कानूने विरासत (कानूनविरासत) अ. पुं - किमके बाद कीन उत्तराधिकारी होता है उसका कानून।

कानूने शहादत (कानूनशहादत) अ. पु. - गवाही लिये जाने का कानून, साक्षी-विधान, 'एविडेन्स ऐक्ट'।

कानूने हिस्स (कानूनहिस्स) अ. पु. - दाय और रिक्थ में किसको कितना भाग मिलना चाहिए, इसका कानून।

कानूने (कानून) अ. वि - जो कुछ मिल जाय उसी पर

नकुट करनेवाला, आत्मसंतोषी। स्थानप्रज, निरपुट, पाल्पुट।

काने अर (काने अर) का. स्त्री - मोने की गान, रसोकार।

काने नमत (काने नमत) का. स्त्री - नगत की गान, गानाकार; बहुत ही मखेना और सुन्दर व्यक्ति।

काने मजाहत (काने मजाहत) का. अ. स्त्री - अति आत्पमारी सुन्दरी, बहुत ही मशीन होगी।

कापो (कापी) तु. पु. - दरवाना, नार।

कापू (कापो) तु. पु. - दरवाना, नार।

कापूचो (कापोचो) तु. वि - दारुवाला, दरवान, शूरीदार।

काफ (काफ) का. पु. - एक उर्दू अक्षर, कोरे काफ, काफेधिया, अर्ज का मीररां प्रनित है।

काफ (काफ) का. पुं - एक उर्दू अक्षर, 'मिगाफ' का लघु, दे 'मिगाफ'।

काफ ता काफ (काफ ता काफ) का. वि - सारा सगार, संपूर्ण जगत्, मार्ग दुनिया।

काफर (काफर) अ. पुं - दे 'काफिर', पद उच्चारण वही है परन्तु फार्मियाके काफर भी लिखते हैं।

काफिय (काफिये) अ. पु. - अन्त्यानुप्राण, अनुप्राण, तुक।

काफिय तर (काफिये तर) अ. का. वि - वह घेर जिनमे काफिय ही पावरी ती गयी हो।

काफिय बंदी (काफिये बंदी) अ. का. स्त्री - कविता, माउरी, फूमफूमो शाररी जिममें केवल काफिय ही, मजमून न हो।

काफिर (काफिर) अ. पु. - सत्य को छिपानेवाला; ईश्वर की दी हुई ने'मतों पर कृतज्ञता प्रकट न करनेवाला, नदी; दर्या; कृपक, किमान, 'काफिरिस्तान' देश का निवासी; प्रेमपाय, मा'थक।

काफिर माजरा (काफिर माजरा) अ. वि - वह व्यक्ति जिसकी दशा काफिरो जैसी हो।

काफिरो (काफिरो) अ. वि - काफिरपन, नास्तिकता, मा'शू-कीयत।

काफिरे ने'मत (काफिरे ने'मत) अ. पु. - अकृतज्ञ, कृतघ्न, नाशुक्र।

काफिल (काफिले) अ. पु. - यात्रियों का समूह, मुसाफिरो की जमाअत, यात्रीदल।

काफिल: सालार (काफिले सालार) अ. का. पु. - यात्रियों के समूह का अध्यक्ष, सार्थपति।

काफिल (काफिल) अ. वि - प्रतिभू, जामिन।

काफी (काफी) अ. वि - पर्याप्त, आवश्यकता के अनुसार; अत्यधिक, बहुत ज्यादा।

काफूर (काफूर) का. पुं - कपूर, कर्पूर; स्वर्ग का एक चश्मा।

काफूरखवार (کافورخوار) फा वि-नपुमक, वलीव नामत, कपूर गानेवाला।

काफूरी (کافوری) फा वि-काफूर व रग का बहुत सफेद, काफूर की बनी हुई वस्तु, काफूर पट्टी हुई वस्तु काफूर का।

काफेरी (کافیری) फा स्त्री-भग यानि पूज।

काफत (کافت) फा वि-फग हुआ, विनीण गिगाफत।

काफर (کافر) अ वि-सब समस्त बुल तमाम।

काफरतुदास (کافرالداس) अ पु-जनसाधारण सब साधारण जनता अवाम।

काफरतुल अनाम (کافرالدنام) अ पु-काफरतुदास।

कांब (کعبه) अ पु-मन्ने की एव इमारत जित मुसलमान ईश्वर का घर मसजद हे चौकार चीब पासा।

काब (کاب) फा पु-बना रखने का घर आईना रखने का बस पासा।

काब (کاب) तु पु-बड़ी रिकारी थाल गाने का स्थान (पात्र)।

काब (کاب) अ पु-यात्रा वस्तु धनुष की मूठ और बाण रखने के स्थान का अतर।

कांब (کعب) अ पु-रकनी का बड़ा पियाला इतना बड़ा पियाला जो एक आत्मी के लिए हा।

कांब (کعب) अ पु-टखना पिठली और पांव के पजे के बीच की हड्डी।

काब खान (کابخانه) फा पु-जुआघर छूताघार किमारखाना।

कांबतन (کعبتن) अ पु-पामा की जोनी जिमने चौसर खेते हे।

काबिल (کابيل) अ वि-जिसका अधिकार हा जिसका कजा हा कोल-आहक कजा करनवाग पदाथ।

क्राबिले अर्वाह (کابيل ارواح) अ पु-प्राण निकाने वाला यमराज धमरान मलकुल मौत।

क्राबिर (کابير) अ वि-प्रतिष्ठित पूय माय वजुग।

क्राबिल (کابيل) अ स्त्री-विद्यावता स्त्री काबिल औरत, दब्बे जनानेवाली स्त्री घाय धात्री।

क्राबिल (کابيل) अ वि-विज्ञान इल्मान याग्य अहलीय रखनेवाला पात्र मुस्तहक उचित मुनासिब कुगल माहिर दक्ष निपुण हागियार।

क्राबिगन (کابيل) अ फा वि-विद्वत्तापुण जालि माना दक्षतापुण हागियाराना।

क्राबिलीयत (کابيليت) अ स्त्री-विद्वत्ता वीविद्य इल्मी यत योग्यता क्षमता अहलीयत पात्रता इस्तह्वाक

क्राबिले अरब (کابيل ارب) अ वि-माय, पूय प्रतिष्ठित जिमका आर आरयक हा।

क्राबिले अदा (کابيل ادا) अ वि-जिमका किया जाना आवश्यक हा देय।

क्राबिले आरमाइन (کابيل ازمائين) अ फा वि-जिमकी परीणा जरूरी हो परीदय।

क्राबिले इतिकाल (کابيل ايتکال) अ वि-बहु मर्याति और जाइदाद जा हस्तांतरित हा सक जा बेची या दी जा सक।

क्राबिले इतिताब (کابيل ايتتاب) अ वि-वे मजमून आदि या विमी पुस्तक में सम्मिलित करने के लिए चुने जा सक उद्दरणीय, बहु व्यक्ति या विमी निर्वाचन-क्षन म बना जा सके।

क्राबिले इटगज (کابيل اइटاج) अ वि-निकाल देन याग्य निष्कागनाय नाम मारिज कर देने याग्य, बरनामस्त करन याग्य।

क्राबिले इनआम (کابيل انعام) अ वि-पुरस्कार निय जाने याग्य व्यक्ति पुरस्कार क याग्य काम।

क्राबिले इनकिसाम (کابيل انکيسام) अ वि-बैतवारे के याग्य, विभाय तदतीम के रायक वितरणाय।

क्राबिले इफिकाक (کابيل ايفکاک) अ वि-जा वस्तु बंधन मुक्त हो सकती हा जो चीब देहन स छूट सकती हा।

क्राबिले इफिसाह (کابيل ايفساح) अ वि-जो प्रतिपा म बंधन भग किया जा सके जो निणय र किया जा सके मसूख हो सके।

क्राबिले इम्तिहान (کابيل ايمتihan) अ वि-जिसकी पराग का जा सके परीणय जिसका परागना आवश्यक हो।

क्राबिले इम्बाद (کابيل ايمباد) अ वि-सहायता देन के योग्य दुवी लाचार असहाय।

क्राबिले इल्लिफात (کابيل ايللفات) अ वि-जिसकी आर ध्यान देना आवश्यक हा।

क्राबिले इल्लिवा (کابيل ايللوا) अ वि-जिस समस्या का स्वगित या मुलतमी हा जाना आवश्यक हो जो स्वगित किया जा सके।

क्राबिले इल्लिवाह (کابيل ايللواه) अ वि-जिस पर सहे किया जा सके शकनीय।

क्राबिले इस्तेमाल (کابيل ايتعمال) अ वि-जो प्रयोग किया जा सके जिमका प्रयोग जरूरी हो प्रयोग।

क्राबिले उवर (کابيل اوعور) अ वि-जा पार किया जा सके जिमके आर-पार जाया जा सके।

क्राबिले एतिवार (کابيل ايتوار) अ वि-जिसका विस्वाक किया जा सके विस्वाकीय पात्रता विस्वाक।

काविले ए'तिमाद (قادرل اعتماد) अ. वि -जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वासपात्र; मोतवर, विश्वस्त।
 काविले ए'तिराज (قادرل اعتماد) अ. वि -जो बात एतराज के लायक हो, गलत बात, आपत्तिजनक।
 काविले एह'तिराम (قادرل احترام) अ. वि -जिसकी प्रतिष्ठा आवश्यक हो, पूज्य, मान्य।
 काविले एहसास (قادرل احساس) अ. वि -जो बात हृदय में कोई खटक पैदा करे, दिल को जँचने योग्य, जिसका अनुभव हो सके।
 काविले कबूल (قادرل قبول) अ. वि -जो बात मानी जा सके, स्वीकरणीय; जो बात मन को लग सके, जिस बात को चित्त कबूल करे, ग्रहणीय, ग्राह्य, जिस वस्तु के लेने में कोई आपत्ति न हो।
 काविले गुजारिश (قادرل گوارش) अ. फा. वि -जो बात कहने योग्य हो, आवेदनीय; जिमका कहा जाना आवश्यक हो, प्रार्थना के योग्य।
 काविले गौर (قادرل غور) अ. वि -जिस बात पर विचार करना आवश्यक हो, चित्य, विचार्य; जो बात अथवा समस्या, साधारण तौर पर तै कर देना उचित न हो, ध्यान देने योग्य।
 काविले जिक्र (قادرل ذكر) अ. वि -जिसकी चर्चा या उल्लेख आवश्यक हो, उल्लेखनीय, वर्णनीय, कथनीय।
 काविले जिआअत (قادرل زراعت) अ. वि -ऐसी भूमि जिसे जोता-बोया जा सके, कृष्य, खेती योग्य।
 काविले तबीह (قادرل تبیه) अ. वि -ऐसा व्यक्ति जिसे किसी भूल पर डाँटना और चेतावनी देना आवश्यक हो।
 काविले तक्सीम (قادرل تقسیم) अ. वि -जो बाँटा जा सके, विभाज्य, जिसका बँटवारा आवश्यक हो।
 काविले तजवीज (قادرل تجویز) अ. वि -जिसका निर्णय किया जा सके, निर्णय, जो सोचा जा सके, जिमका निर्णय आवश्यक हो।
 काविले तज्हीक (قادرل تصحیک) अ. वि -ऐसा विषय जो उपहास के योग्य हो, जिस पर लोग हँसे, हास्य।
 काविले तब्दील (قادرل تبدیل) अ. वि -जो बदला जा सके, जिसमें परिवर्तन आवश्यक हो, परिवर्तनीय।
 काविले तरद्दुद (قادرل تردد) अ. वि -जो चिन्ता के योग्य हो, चिंतनीय, जो भूमि जोतने-बोने के योग्य हो, कृष्य।
 काविले तर्क (قادرل تری) अ. वि -छोड़ देने के योग्य, त्याज्य, जिसका त्याग आवश्यक हो।
 काविले तजौह (قادرل تجویح) अ. वि -ऐसा व्यक्ति या विषय जिसे दूसरे व्यक्ति या विषय पर प्रबानता दी जा सके।

काविले तर्दीद (قادرل تردید) अ. वि -जिसका रद्द या खंडन आवश्यक हो, खंडनीय, काविले-मसूख, रद्द करने योग्य।
 काविले तवज्जुह (قادرل توجه) अ. वि -जिस पर ध्यान देना आवश्यक हो, ध्यान देने योग्य।
 काविले तस्लीम (قادرل تسلیم) अ. वि -जिसका मानना जरूरी हो, मान्य, ग्राह्य, स्वीकार्य।
 काविले तहरीर (قادرل تحریر) अ. वि -जिसका लिखा जाना आवश्यक हो, उल्लेखनीय, जो लिखा जा सके।
 काविले तहसीन (قادرل تحسین) अ. वि -जो प्रगसा के योग्य हो, श्लाघ्य, प्रगसनीय, जिसे शावाशी दी जाय, सराहनीय।
 काविले ताईद (قادرل تائید) अ. वि -जिसका समर्थन किया जाना आवश्यक हो, समर्थनीय, अनुमोदनीय।
 काविले ता'रीफ (قادرل تعریف) अ. वि -दे 'काविले तहनीन'।
 काविले दस्तअंदाजी (قادرل دست اندازی) अ. फा. वि -जिसमें हस्तक्षेप आवश्यक हो, जिसमें हस्तक्षेप किया जा सके, 'काग्जिनेबुल'।
 काविले दस्तमाल (قادرل دست مال) अ. फा. वि -हाथों से मले जाने के लायक।
 काविले दस्तरस (قادرل دست رس) अ. फा. वि -जहाँ पहुँच हो सके, जो प्राप्त हो सके, हस्तप्राप्य, हस्तलभ्य।
 काविले दार (قادرل دار) अ. फा. वि -जो फाँसी की सजा के योग्य हो, प्राणदंड के योग्य।
 काविले नफ़त (قادرل نفرت) अ. वि -जो घृणा के योग्य हो, वीभत्स, उपेक्ष्य, गर्हित, घृष्य।
 काविले निकाह (قادرل نکاح) अ. वि -वह मनुष्य या स्त्री जो व्याह के योग्य हो, जिसका विवाह कर दिया जाना उचित हो।
 काविले पर्वरिश (قادرل درورش) अ. फा. वि -जिसका पालन-पोषण आवश्यक हो, जिस पर दया आवश्यक हो।
 काविले फत्ह (قادرل فتح) अ. वि -जो जीता जा सके, जेय, जेतव्य।
 काविले फना (قادرل فنا) अ. वि -जो भगुर हो, जो मिट जाय, नाशवान, नश्वर।
 काविले फहम (قادرل فهم) अ. वि -जो समझा जा सके, सुबोध, बोधगम्य।
 काविले बरदाश्त (قادرل برداشت) अ. फा. वि -जो सह्य जा सके, सहनीय; जो उठाया जा सके, सहनशील, सह्य।
 काविले वाजपुर्स (قادرل واجپورس) अ. फा. वि -जिससे

गवाव तत्र विद्या जा सवे, जिष उमका वृष्टि पर त्र
श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

श्राविते मञ्जरी (مائل منطوسى) अ वि-एमा यात
जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक है। एमा विषय
जिसका स्वीकृति दी जा सके।

बाबू (बाबु) तु पु-अमर, पुमर, वग आर,
अधिकार कृता।

बाबूचा (बाबुची) तु वि-स्वाध-माधव सुन्दर,
द्वारपाल, बाबूची।

बाबूत (बाबुस) अ पु-एक भयानक राघ विमर्
मान हुए ऐसा जान पता है कि किसी भूत ने उसका
गला त्वा लिया है।

बाबूत (बाबुस) अ पु-काज।

बाम (बा) पा पु-बामना इच्छा उद्देश्य, मन्त्र
सदृश साधन मन्त्ररूप प्रकारों में प्रचलित।

बाम (बा) पा पु-इच्छा मनारथ स्वार्थि ठा
मूर्धा, सस्त्ररूप प्राणों में प्रचलित।

बामगर (बा) पा वि-बामगार।

बामगार (बा) पा वि-सप्तमनारथ, प्राण
बाम, बामयाव।

बामन (बा) अ पु-गार, दह, विम, डाल, रत्ना
घरीर।

बामते बेवा (बा) अ पा पु-गार और मुनी
गार।

बामदार (बा) पा वि-वारहुन।

बाम ना बाम (बा) पा वि-चार नाचार विचार
पूतक लाचार हाकर, विचार हाकर।

बामयाव (बा) पा वि-सपल, सफलनाम प्राण
मनारथ बामगार, परीणा में उत्तीर्ण पास कृताप
इतयाव।

बामयावी (बा) पा स्त्री-सफलता, बामरानी
परणा में सफलता।

बामरवा (बा) पा वि-अटके में बाम निवारण
वाला, हाजतरवाई करनेवाला।

बामरवाई (बा) पा स्त्री-अटके पर बाम
निकालना, हाजतरवाई करना।

बामरी (बा) पा वि-दे 'बामयाव।

बामरानी (बा) पा स्त्री-बामयावी।

बामिन (बा) अ वि-छिपीवाला छुपत होनेवाला।

बामिल (बा) अ वि-पूरा, समूचा संपूर्ण, बिलकुल
मुकम्मल सर्वांगपूर्ण नियुक्त दस होगियार बनकारी
साधु या फकीर एक बह एक उल्टे छेद।

बामिलन (बा) अ वि-पूरे तौर पर अच्छी तरह
पूणतया पूरा पूरा।

बामिलल इयार (बा) अ वि-बह साना और
चांग जो कछीनी पर पूरा बस दे, सारा साना या चीनी।

कामिले फ़न (کامل فن) अ वि—किसी फन में या कला में निपुण ।

कामूस (قاموس) अ पु.—गहरी नदी; शब्दकोष, लुगत ।
कामे' (قاصع) अ. वि.—तोड़-फोड़ देनेवाला, विध्वंसक;
निरादृत करनेवाला, ख़ार करनेवाला ।

का'र (قعر) अ. पु.—गहराई, गभीरता ।

कार (قار) तु पु.—वर्ष, तुहिन ।

कार (کار) फा पु.—कार्य, काम; उद्यम, पेया, कला, फन; विषय, मुआमला ।

कार [रं] (قار) अ. वि.—स्थिर रहनेवाला, ठहरनेवाला, एक स्थान पर करार पकड़नेवाला ।

कार (قار) अ स्त्री.—कीर, राल, तारकोल ।

कारआगाह (کارآگاه) फा. वि.—दे 'कार आज्मूद' ।

कारआज्मूद: (کارآموز) फा वि.—कार्यक्षम, कार्य-कुशल, काम में माहिर; अभनुवी, तज्जिव कार, (तजुरवाकार) ।

कारआज्मूदगी (کارآموزگی) फा स्त्री—काम में महारत, कार्य-क्षमता, तज्जिव कारी (तजुरवाकारी), अनुभव ।

कारआमद (کارآمد) फा. वि.—उपयोगी, उपयुक्त, वामसरफ ।

कारकद: (کارکده) फा वि.—दे 'कारआज्मूद' ।

कारकदगी (کارکدهگی) फा स्त्री—कार्यक्षमता, काम में महारत; अनुभव, तज्जिव कारी ।

कारकुन (کارکن) फा. वि.—कार्यकर्ता, काम करनेवाला; उहदेदार, कर्मचारी; गुमाश्ता, एजेट, अभिकर्ता ।

कारखान: (کارخانه) फा पु.—वह स्थान जहाँ चीजे बनती हैं, शिल्पशाला, उद्योगशाला, कार्यालय ।

कारखान:दार (کارخانه‌دار) फा. पु.—कारखाने का मालिक ।

कारगर (کارگر) फा वि.—गुणकारी, फाइदामद; प्रभाव-कर, असरअदाज ।

कारगाह (کارگاه) फा स्त्री—कार्यालय, काम करने का स्थान, कपडे वुनने का स्थान ।

कारगुजार (کارگزار) फा वि.—सुन्दरता से काम करनेवाला, कार्यपटु; जिसने बड़े-बड़े और पेचीदा काम किये हों, कार्यक्षम ।

कारगुजारी (کارگزاری) फा स्त्री.—बड़े-बड़े काम सरलता और सुगमता से करना, कार्य-कौशल, कारनामा; किसी महत्वपूर्ण कार्य का सरअजाम ।

कारचोव (کارحوب) फा. पु.—लकड़ी का चौखटा जिसमें कपडा कसकर कसीदे का काम हों, जरदोजी ।

कारचोवी (کارچویی) फा पु.—जरदोजी, कसीदाकारी ।

कारखार (کارزار) फा. पु.—युद्ध, सग्राम, लड़ाई, जग ।
कारतलव (کارطلب) फा. अ वि.—शूरवीर, वहादुर, शुजाअ ।

कारदाँ (کارداں) फा. वि.—किसी काम को अच्छे प्रकार से जाननेवाला, अनुभवी, तजुरवाकार ।

कारदानी (کاردانی) फा स्त्री—कार्य-कौशल, काम की अच्छी जानकारी, अनुभव, तज्जिवकारी ।

कारदार (کاردار) फा वि.—दे 'कारदाँ' ।

कारदीद: (کارنده) फा वि.—अनुभवी, जिसके हाथ से बहुत से काम निकले हों, परिपक्व, पुस्ताकार ।

कारदीदगी (کارندگی) फा. स्त्री.—अनुभव, परिपक्वता, पुस्ताकारी ।

कारन (قارن) फा पु.—रुस्तम के समय का एक पहलवान ।

कारनाम: (کارنامه) फा पु.—ऐसा काम जो यादगार रहे, बहुत बड़ा काम, चित्रकारो के चित्रो का अल्वम जिसमें वह अपने कला-प्रदर्शन के लिए बढिया-बढिया चित्र रखते हैं ।

कारपर्दाज (کارپردار) फा वि.—ज्यवस्थापक, मुतजिम; अभिकर्ता, कारकुन ।

कारफर्मा (کارفرما) फा. वि.—काम करनेवाला; असर डालनेवाला, प्रभावकारी ।

कारफर्माई (کارفرمایی) फा स्त्री—काम करना, असर डालना ।

कारबंद (کاربند) फा. वि.—पावद, बाध्य; विवश, मजबूर ।

कारवरारी (کاروراری) फा स्त्री—कामनापूर्ति, मशा पूरी होना; स्वार्थसिद्धि, गरज निकलना ।

कारमंद (کارمند) फा. वि.—दास, नौकर, खिदमतगार ।

काररवाई (کارروایی) फा स्त्री.—रूदाद, कार्यवाही; कार्य, काम ।

कारश्नास (کارشناس) फा वि.—दे 'कारआज्मूद' ।

कारश्नासी (کارشناسی) फा. स्त्री—दे 'कारआज्मूदगी' ।

कारसाज (کارساز) फा वि.—विगडे हुए कामो को बनाने-वाला, अर्थात् ईश्वर ।

कारसाजी (کارسازی) फा. स्त्री.—विगड़े हुए कामो को बनाना, ईश्वर की माया ।

कारिद: (کارنده) फा वि.—जमीदार का एजेट; कर्मचारी, कारकुन ।

क्लारिज: (قارعه) अ पु.—दुर्घटना, हादिसा ।

कारिख (قاراض) अ. वि.—उधार देनेवाला, उक्तमर्ण, कर्ज देनेवाला, ऋणदाता ।

कारिब (كارب) अ स्त्री-छाटी नाव जो बडा नाव क साथ चलती है ।

कारी (كاري) अ वि-पन्नेवाला, पाठक, कुरान को गुद उच्चारण से पन्नेवाला ।

कारी (كاري) फा वि-भरपूर पूरा-पूरा ।

कारीगर (كاريگر) फा वि-शिल्पकार शिल्पी, दस्तकार गुणवान हारमद, दक्ष कुशल हींगार, छनी धूत ।

कारीगरी (كاريگري) फा स्त्री-गिल्पनम दस्तकारी, गुण नान हुनरमनी दक्षता हाशयारी, छल कपट धूतता ।

काहन (كاهن) अ पु-एक बहुत बडा धनवान जा अत्यंत वृषण था और अंत में अपने धन सहित पृथ्वी म समा गया वह व्यक्ति जा मालदार हानि के साथ बहुत ही कजूस हो ।

काहनी (كاهني) अ वि-नाहन का काम काहन स सम्बन्धित वृषणता कजूसी ।

काहर (كاهر) अ पु-गोती बातल बीमार का पेशाब पेशाब की गानी बालद की कुपी ।

कारे (كاري) अ वि-शकुन विचारनेवाला शकुन विचारक ।

कारे जाब (كاري) फा पु-मद्यपान गराबनोशा ।

कारे खर (كاري) फा अ पु-पुष्प का काम, दूसरा की भलाई का काम ।

कारेख (كاري) फा पु-पटी हुई नाली जो रेतो म पानी देने के लिए बनायी जाती है ।

कारे दस्त बस्त (كاري) फा पु-गना कठिन काम जो हरक के बस का न हो केवल कोई एक ही व्यक्ति कर सके जो उस करता रहा हो ।

कारेनुमाया (كاري) फा पु-एसा काम जा सारे कामा से ऊपर हा बहुत बडा काम कारनामा ।

कारे सवाब (كاري) फा अ पु-पुष्प का काम दूसरो की भलाई का काम एसा काम जिसम परलाब म पुष्प प्राप्त हा ।

कारेह (كاري) अ वि-पूणा करनेवाला घिन करनेवाला ।

कारोवार (كاري) फा पु-ध्यवसाय व्यापार तिजा रत कामनाम कामधथा ।

काद (كاد) फा पु-बाह ।

कावी (كاري) फा पु-बाफिला यानील साथ ।

कावीतरा (كاري) फा स्त्री-मुगाफिरा के टटरे की सराय पथिवाथय ।

कावीतारार (كاري) फा पु-बाफिल का सरदार सायफति सायबाह ।

काल (كالي) फा पु-बाला, दाना गुद ह कच्चा

खरबूजा, मदिरा पीने का पाप खता क लिए कमाया हुइ भूमि ।

काल (كالي) अ पु-बचन, कथन कौल, बात ।

कालब (كالي) फा पु-बालक, दाना गुद ह ।

कालमकाल (كالي) अ स्त्री-रम्बी चीना बानबीत, वाद विवाद हुज्जत ।

काला (كالي) फा पु-गहस्थी वा सामान, घर वा जस्बाब ।

कालिब (كالي) अ पु-गरीर देह टाचा साचा ।

काली (كالي) तु पु-नालीन का सामान ।

कालीब (كالي) तु पु-छाटा कालीन ।

कालीद (كالي) फा वि-अस्त-व्यस्त तितर वितर ।

कालीन (كالي) तु पु-बिछाने का एक ऊनी और रोयदार बहुमूल्य वस्त्र गलीचा ।

कानुम (كالم) फा स्त्री-वह स्त्री जा कुमारी न हा परंतु निरसका पति या तो मर गया हा या दुसी हा तिल स परित्यक्ता ।

कालेब (كالم) फा वि-निस्तथ साबूत, शान्तर उम्न, परेगान पागक, विभिन्न रति ।

कालेबगी (كالم) फा स्त्री-निस्तथता हरानी उद्दिग्नता, परेशानी पागलपन विशेष, दीवानगी ।

कालेह (كالم) अ वि-बहु स्वभाव का, मुस्तार ।

कालोकील (كالي) अ स्त्री-बाद विवाद, तक वितक कटा-मुनी, हुज्जत ।

कालोमकाल (كالي) अ स्त्री-द बाल मकाल ।

कालुद (كالي) फा पु-शरीर देह, जिसम अस्ति-अजर बांचा ।

काब (كاي) फा पु-ईरान क एक लोहार का नाम जिसने जट्टाब के अत्याचारो स तग आकर उत्तक विरुद्ध लड़ाई लगी और उसका हराकर फिरीदू का उमने स्थान पर उपस्थित किया ।

काबकाब (كاي) फा स्त्री-परिधम प्रयास कारिग म हस्त ।

काबस (كاي) फा पु-हर वह वस्तु जा छुटाई म बाजरे जसी हो ।

काबस (كاي) फा पु-बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न ।

काबली (كالي) फा स्त्री-कश्या गणिका रबी ।

काबा (كاي) फा वि-सागला सुगिर निस्तार कमाव ।

काबिब (كاي) फा वि-साननेवाग ।

काबिग (كاي) फा स्त्री-सान, बुरेद, टाह, साज कश्या जिगारा चिन्ता कित्त ।

कावी (काوی) अ वि.—लोहा आदि गरम करके अग पर दाग देनेवाला, दागनेवाला ।

कावीदः (काविده) फा वि—खोदा हुआ ।

कावीदनी (काविदनी) फा. वि—खोदने योग्य ।

काश (काश) तु स्त्री—लम्बी फाँक, फाँक, खण्ड, टुकड़ा ।

काश (काश) फा. अव्य—ईश्वर करे, खुदा करे, (पु) काँच, काच, शीशा ।

काशके (काशके) फा. अव्य—दे 'काश' ।

काशानः (काशाने) फा. पु—छोटा-सा घर जिसे शीशा आलात से सजाया जाय ।

काशान (काशान) फा. पु—ईरान का एक नगर ।

काशिफ (काशफ) अ वि—प्रकट करनेवाला, खोलनेवाला, नगा करनेवाला, पर्दा उठानेवाला, उद्घाटक ।

काशिफे अन्नार (काशफे अन्नार) अ पु—भेदों को प्रकट करनेवाला, रहस्योद्घाटक ।

काशिर (काशिर) अ वि.—छिलका उतारनेवाला ।

काशी (काशी) फा वि—'काशान' का निवासी ।

काशुक (काशुक) तु पु—छोटा चमचा, चमस ।

काशूर (काशूर) अ वि—अशुभ, मनहूस, जिसका देखना अशकुन करे, बड़ा दुर्भिक्ष, सख्त कहत ।

काशोजी (काशोजी) तु फा स्त्री—जीन के सामने का उठा हुआ भाग ।

काशेह (काशेह) अ पु—वह शत्रु जो शत्रुता प्रकट न करे, मन में ही रखे ।

काशेह (काशेह) फा वि—जोता-वोया हुआ, कृपित ।

काशेत (काशेत) फा स्त्री—कृषि, काश्तकारी, खेत की भूमि, खेती ।

काशेकार (काशेकार) फा वि—कृषक, कृषीवल, किसान ।

काशेकारी (काशेकारी) फा—कृषिकर्म, किसानी ।

काशेनी (काशेनी) फा वि—जोतने-वोने योग्य, कृषि के योग्य ।

कासः (कासे) अ पु—पियाला, चपक ।

कासःगर (कासेगर) अ फा वि—पियाले बनानेवाला,

कसकार, मिट्टी के वर्तन बनानेवाला, कुभकार, कुम्हार ।

कासःगरी (कासेगरी) अ फा स्त्री—मिट्टी के पियाले

बनाने का काम, मिट्टी के बरतन बनाने का काम ।

कासःवाज (कासेवार) अ फा वि—छली, वचक, कपटी,

धूर्त, मक्कार ।

कासःवाजी (कासेवारी) अ फा स्त्री—छलकर्म, धोखेवाजी,

धूर्तता, मक्कारी ।

कास लेस (कासेलेस) अ फा वि—चाटुकार, खुशामदी,

चापलूस ।

कासःलेसी (कासेलेसी) अ फा स्त्री—खुशामद, चापलूसी, चाटुकर्म ।

कासः सर निर्गू (कासे सर निर्गू) अ.फा वि—दरिद्र, कंगाल, मोहताज ।

कास [स्त] (कास) अ वि—कहानी कहनेवाला, किसी के पीछे आनेवाला, सूचना देनेवाला; धर्मोपदेशक, वाइज ।

कास (कास) फा पु—बड़ा नगाड़ा, धाँसा, दुदुभि, शूकर, सुअर ।

कास (कास) अ पु—मदिरा पीने का पियाला, पान-पान ।

कासए गदाई (कासे गदाई) अ फा. पु—भीख माँगने का ठीकरा, भिक्षापत्र ।

कासए चश्म (कासे चश्म) अ फा पु—वह गढा जिसमें आँखों के ढेले रहते हैं, चक्षु-गोलक ।

कासए सर (कासे सर) अ. फा. पु—खोपड़ी, कपाल ।

कासमू (कासेमू) फा पु—सुअर के बाल ।

कासात (कासात) अ पु 'कास' का बहु, पियाले ।

कासित (कासित) अ वि—अत्याचारी, जालिम; अन्यायी, नामुसिफ, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता ।

कासिद (कासिद) अ वि—इरादा करनेवाला, चिट्ठी ले जानेवाला, पत्र-वाहक, दूत, एलची ।

कासिद (कासिद) अ. वि—खोटा, कूट, जाली, जिसका चलन न हो, अप्रचलित ।

कासिफ (कासिफ) अ वि—छिपानेवाला; दुर्दशाग्रस्त, बद-हाल, कड़ए स्वभाववाला, तुरखरू ।

कासिव (कासिव) अ वि—कमानेवाला, उपार्जक, परिश्रम से जीविका चलानेवाला, उद्यमी ।

कासिम (कासिम) अ वि—बँटनेवाला, वितरक; बँटवारा करनेवाला, विभाजक ।

कासिर (कासिर) अ वि—कमी करनेवाला, कसर रखनेवाला, असमर्थ, नाकाम ।

कासिर (कासिर) अ वि—जबर्दस्ती किसी से कोई काम लेनेवाला ।

कासिर (कासिर) अ वि—तोड़नेवाला, भजक, एक दर्द ।

कासिरातुत्तर्फ (कासिरातुत्तर्फ) अ स्त्री—वह पतिव्रता स्त्री जो पर-पुरुष की ओर आँख उठाना पाप समझती हो ।

कासी (कासी) अ वि—कठोर हृदयवाला, सख्तदिल ।

कासी (कासी) अ वि—वात की तह को पहुँच जानेवाला, दूर स्थान का रहनेवाला; दूर ।

कास्तः (कास्ते) फा वि—घटा हुआ ।

कास्तनी (कास्तनी) फा. वि—घटने योग्य, कम करने योग्य ।

कास्नी (كاسنی) का स्त्री—एक पौधा जिसका जड़ और बीज दवा में चलन है और निमन हरे पत्ता का अरक दवा में पिया जाता है।

काह (كاه) का स्त्री—घाम तण।

काह (كاه) अ पु—आनाकारिता फमावरदारो।

काहकशा (كاهكشا) का स्त्री—आवाग गया कहकशा।

काह काह (كاه كاه) का पु—अट्टहाम, कटकटा।

काहकबा (كاهكبا) का पु—कहकबा।

काहिन (كاهین) अ स्त्री—शत्रुन विचारनेवाली स्त्री।

काहिन (كاهین) अ वि—शत्रुन विचारनेवाला पुरुष।

काहिन (كاهین) अ पु—बहुत अधिक वर्षा।

काहिर (كاهیر) अ वि—बलवान जारावर अत्याचारी

जालिम (प्र०) मिला का राजधाना।

काहिर (كاهیر) अ वि—प्रकाप करनेवाला बहुत अधिक

गुस्सा करनेवाला।

काहिन (كاهین) अ वि—आल्मी अल्स सुस्त मद।

काहिलबुजुद (كاهیل و جود) अ वि—द काहिलबुजुद।

काहिलनी (كاهیلی) अ स्त्री—आलस्य सुम्ना, फुर्ती का

न होना।

काहिलबुजुद (كاهیل و جود) अ वि—बहुत बड़ा जालसी

जो काम घमा न करे पड़ा रहे।

काहिन (كاهین) का स्त्री—ह्रस्व घटाव कमी क्षीणता।

काही (كاهی) का वि—घाम का बना हुआ घाम का

घाम-जम रण का हरा।

काहीद (كاهید) का रि—घना हुआ ह्रस्व लघु रूप

में होना।

काहीदतन (كاهیدتن) का वि—मूने गरारवाला तुबला

पनया क्षाणाय।

काहीदर (كاهیدر) का वि—बृहलाये हुए मूज का उतरे

हुए मूजवाला स्थानमूज।

काहीदनी (كاهیدنی) का स्त्री—घनाव कमी।

काहीदनी (كاهیدنی) का वि—घनन घाय।

काहू (كاهو) का पु—एक पौधा जो दवा में काम आता

है, काहू-बद्ध-बालाम इनसे बाजा के तल में गुलाब का

तल मिलाकर मस्तिष्क निरालाम प्रयाग करत है।

कि

किगण (کيگن) तु पु—विगण का लघु द विगण।

किगण (کيگن) तु पु—गणमा भाविरा गलाह।

कितार (کيتار) अ पु—एक भारी भर चीनी या गाता।

किबोल (کيبول) अ स्त्री—नीप दात चिराट निया

एक प्रकार की वागज मनी ह्रद-बडा सी लालटेन, जिसमें वागज की तस्वीरें बनी होनी हैं और वह हवा से फूला हुआ है।

किबोल (کيبول) अ पु—एक दवा कमीला।

किबिल (کيبول) तु वि—रक्त लाल सुख।

किबिल असलान (کيبول اسلان) तु पु—लाल रण का व्याघ्र,

लाल नेर एक बादगाह का उपाधि।

किबिलबाग (کيبولباغ) तु पु—लाल टापावाला सनिफ,

ईरान के गाह इस्माईल सफवा ने अपनी तुर्की सेना का

लाल टापा पहनायी थी और उनका नाम किबिलबाग

रखा या।

किब (کوب) अ पु—झूठ मिय्या जसत्य, गप, अनार

दान।

किब्यान (کيبان) अ पु—कबीन का बहु, डालिया लिए।

किबिलक (کيبيلک) का पु—छाटा चाकू।

कितारफ (کيتارف) अ पु—अगूर और दूसरे फला के पान

का समय जब वह ताड़े जा सकें।

कितार (کيتار) अ पु—कत्व बट गिला या तन्नी, जो

इमारता या कब्रों पर लगनी है।

कितार (کيتار) अ पु—कुर्ते आदि का गला गिरीत्री।

कितार (کيتار) अ स्त्री—मुस्तक ग्रथ बापी, मिमाब।

कितारबखान (کيتاربخانه) अ का पु—मुस्तकालय, कितारों

बिकन की दुकान।

कितारबख (کيتاربخه) अ का पु—छाटी कितार पुस्तिका।

कितारबत (کيتاربت) अ स्त्री—जापानवीती का पया, लीबा

प्रेस क लिए लिखाई का काम।

कितारबिस्तान (کيتاربيستان) अ का पु—मुस्तकालय मकान।

कितारी (کيتاری) अ वि—मुस्तक सम्बन्धी, मुस्तक जली,

पुस्तक में लिखी हुई लबोतरा जमे—कितारी चेहरा।

कितारबुल्लाह (کيتارالله) अ स्त्री—ईश्वरीय ग्रथ इल्हामी

निगाव बुरान गराक।

कितारबेहज (کيتاربهج) अ का स्त्री—प्रमिता का पुस्तकार

मुसार्ति कितारी चेहरा, जिस मुख पर प्रणय चट्टाप

अंकित है।

कितार (کيتار) अ स्त्री—श्रेणी पति लाइन पण

सज इम सज का गूढ उच्चारण यही है, परन्तु उद्गम

‘बच्चार’ बालन है।

कितार (کيتار) अ पु—रक्तपात मास-नाट संरिबी, मड

सम्राज लाई।

कितार (کيتار) अ पु—अन कृतक गूढ यहाँ है, परन्तु

पद लिख लाग अधिक यही बान्त है।

किल्फ (كف) अ. पु.—गांधा, स्कंध, दे 'कतिफ' और 'कत्फ'। तीनों शुद्ध हैं।

किल्मान (كتمان) अ. पु.—छिपाव, दुराय, गोपन।

किल्मीर (قطمير) अ. पु.—योड़ी चीज; छोटा, ह्रस्व, छुहारे में की वारीक झिल्ली।

किल्म (قطر) अ. पु.—पिचला हुआ ताँवा।

किल्म (قدم) अ. पु.—प्राचीनता, पुरातत्त्व, कदामत; नित्यता, अनवरता, लाजवालपन।

किल्मेवर (كدمور) फा पु.—कृषक, किसान, दे. 'कद्रेवर', दोनों शुद्ध हैं।

किल्मत (قدمت) अ. स्त्री—पुराना होना।

किल्म (قدم) अ. पु.—हांडी, देगची।

किल्म (قدم) अ. पु.—नायक, नेता, प्रधान, सरदार।

किल्मवतुल आरिफोन (قدمة العارفين) अ. पु.—ब्रह्मज्ञानी, महात्माओं में सर्वश्रेष्ठ।

किल्मवतुस्तालिकोन (قدمة السالكين) अ. पु.—सन्त्यासियों और साधुओं में सर्वश्रेष्ठ।

किल्माय: (كنایه) अ. पु.—गुप्त सकेत, छिपा हुआ इशारा; छिपी हुई बात, उर्दू साहित्य की परिभाषा में उपमेय का वर्णन न करके, केवल उपमान का वर्णन करना, जैसे—कहा जाय कि 'नर्गिस ने मोती वरसाये' और मतलब यह हो कि प्रेयसी की आँखों से आँसू गिरे। यहाँ 'नर्गिस' 'आँख' का उपमान है और 'मोती' 'आँसू' का। प्रस्तुत के स्थान पर अप्रस्तुत की योजना की जाय, जैसे—"चश्मे-गिरियाँ ने लुटाये थे गृहर—रात भर रोए थे हम, शवनम नहीं।"

किल्मायत (كدايت) अ. स्त्री.—गुप्त बात, गुप्त सकेत, किल्माय'।

किल्मायतन (كنایم) अ. वि.—गुप्त रीति से, इशारे में, सकेत में।

किल्मार: (كلوار) फा पु.—शुद्ध 'कनार' है, परन्तु 'किनार' भी बोलते हैं, तट, किनारा, साहिल।

किल्मार (کنار) फा पु.—श्लोक, गौद, आगोश।

किल्मीन: (کنینه) अ. स्त्री.—शराब रखने का बरतन, दे. 'किल्मीन', दोनों शुद्ध हैं।

किल्मीस: (کنیسه) फा पु.—ईसाइयों का गिरजा, दे 'कनीस', दोनों शुद्ध हैं।

किल्म (کن) अ. पु.—वस्त्र, लिवास, पहनने के कपड़े।

किल्मव (کنب) अ. स्त्री—भोग, भग, विजया, एक घोट-छानकर पी जानेवाली मादक पत्ती।

किल्मीन. (کنینه) अ. स्त्री.—मदिरा रखने का पात्र, दे 'किल्मीन', दोनों शुद्ध हैं।

किल्मय: (کنیه) अ. पु.—पूजी, सरमाया।

किल्मव (کنو) अ. पु.—फलों का गूच्छा, खोग।

किल्मवान (کنوان) अ. पु.—गूच्छे, खोशे।

किल्मायत (کفايت) अ. स्त्री.—पर्याप्त, काफी होना; अल्प व्यय, ज़रूरी।

किल्मायतशिआर (کفايت شعار) अ. वि.—कम खर्च करनेवाला, बचानेवाला, मितव्ययी, ज़रूरत,।

किल्मायतशिआरी (کفايت شعاری) अ. स्त्री.—खर्च में कमी, मितव्यय, ज़रूरती।

किल्म (کمل) अ. पु.—खंड, अंग, टुकड़ा, हिस्सा, जो धोड़े पर न चढ़ सके, धोड़े की पीठ का नमदा।

किल्माव (کناب) अ. पु.—'कुव्व' का वह, छोटे गुवद, कुव्वे।

किल्मार (کنار) अ. पु.—'कवीर' का वह, आयु में बड़े लोग; प्रतिष्ठा में बड़े लोग।

किल्माल: (کناله) अ. पु.—बच्चे जनाने का काम, धायकर्म, दाय गीरी, दूसरे अर्थ के लिए, दे 'कवाल'।

किल्मवाक (کنجاق) तु पु.—तुर्किस्तान और तूरान के बीच का एक जगल, जहाँ के तुर्क निर्दय और उद्द होते हैं।

किल्म्वी (کنطی) अ. पु.—प्राचीन मिस्री जाति, जो फिरजीन के वंशज हैं।

किल्म (کنر) अ. स्त्री.—बडाई, ज्येष्ठता; श्रेष्ठता, वुजुर्गी।

किल्मसिन (کنرسن) अ. वि.—बूढा, वयोवृद्ध, जरतू।

किल्मसिनी (کنرسنی) अ. स्त्री—बुढ़ापा, जरा, वृद्धावस्था।

किल्मिया (کنریا) अ. पु.—महत्ता, बडाई, ईश्वर, परमात्मा।

किल्मियाई (کنریائی) अ. स्त्री.—प्रतिष्ठा, वडप्पन; महत्ता, ईश्वरत्व, खुदाई।

किल्मीत (کنویت) अ. स्त्री—गधक, एक ज्वलनशील पदार्थ, जिससे वारुद बनती है।

किल्मीते अहमर (کنویت احمر) अ. स्त्री—लाल गधक, जो रसायन में काम आती है, अप्राप्य वस्तु, नायाव चीज।

किल्म: (کنله) अ. पु.—मक्के में वह स्थान जहाँ हज़रे अस्वद (काला पत्थर) स्थापित है, और जिसकी ओर मुँह करके, मुसलमान नमाज पढ़ते हैं का'ब; प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्तियों के लिए सर्वोधन का शब्द।

किल्म.गाह (کنله گاه) अ. फा वि.—मान्य, पूज्य, श्रद्धेय।

किल्म:नुमा (کنله نسا) अ. फा पु.—पश्चिम की दिशा बतानेवाला यत्र, दिग्दर्शक यत्र।

किल्म:परस्त (کنله پوست) अ. फा. वि.—मुसलमान।

किल्मएआलम (کنله عالم) अ. पु.—दे 'किल्म गाह', जगत्पूज्य पीर या वुजुर्ग, "ये वाते राज की हैं, किल्मएआलम भी पीते हैं।"

क्रिष्णपहाजात (كملة حجاب) अ पा पु—आगमन, वह स्थान जहाँ से स्वाध निदि हो वह व्यक्ति जा आगाएँ पूण करे।

किमत्र (كمطر) अ पा पु—छात्रे आचार वा मनुष्य, मग, टिगना माग उर पुमस्ता की पेरी।

किमम (كمم) अ स्त्री—कम्म वा बह चारिया उंचाइयो।

किमात (كمات) अ पा पु—बहु मपग जिसम नवजात गिगु लपटा जाना है।

किमाद (كماد) अ पा पु—दवाआ वा पाटली का गरम करव उमने किगी अग वा बार-बार मँकना टवार।

किमार (كمار) अ पा पु—जूआ दन कतर पण।

किमारदान (كمارदान) अ पा पु—जूआ खेत्ने वा पण, अगवार पणशाला दूतागार जूआधर।

किमारबाड (كمارباد) अ पा वि—जूआ खलनेवाला कतवार कितव कतव जूआरी जूएबाड।

किमारबाडी (كماربادي) अ पा स्त्री—जूए वा खेउ दूतनीडा दूतवम कतव, जूएबाडी।

कियम (كميم) अ स्त्री—कीमते का बहु कामते मूय।

किया (كما) अ पा पु—पहलवान मल, स्वामी मालिक पवित्र पाकाड स्वच्छ।

कियादत (كميات) अ स्त्री—नेतेत्व रहनुमाई माग प्रदान नेतागिरी कुरम साकी भटुआपन दल्ला,।

कियाफ (كماف) अ पा पु—चप्टा हुल्य चहरे के आचार प्रवार और उसक चिह्ना द्वारा मनुष्य क स्वभाव आदि का पान सामुकि विद्या कयाफा भी प्रचलित आदमी पहचान तेहे हू कयाफा दखकर स्वत वा मजमू भाँप तेन हू लिफाफा प्खकर।

कियाफबा (كمافبادان) अ पा वि—द कियाफ ननास चहरे का दखकर मनुष्य-स्वभाव पहचाननवाग।

कियाफ ननास (كمافناس) अ पा वि—कियाफा पहचानने वाला, चप्टा प्खकर हान बत्ता देनेवाला सामुकिवेत्ता।

कियाफ ननासी (كمافناسي) अ पा स्त्री—कियाफा पहचानने की विद्या चहरे स हाल जानना।

कियाम (كمام) अ पा पु—अस्थायी निवास याड निना वा बास किगी सस्था आदि की भौव स्थापना नमाज मखडे हाने की अवस्था निदख यकीन कयाम भी प्रचलित।

कियामगाह (كمامگاه) अ पा स्त्री—उहरेने का स्थान रहने का स्थान निवासस्थान।

कियामत (كمامت) अ स्त्री—मगप्रलय सारी दुनिया वा उर-पण्ट महाप्रय-काठ हग का निन वहुत ही मुन्दर और बरिया बगका अत्यत बहुत (कयामत)।

कियामतअगेउ (كمامت اگور) अ पा वि—कियामत गेउ।

कियामत आसार (كمامت اसार) अ वि—जिममें कियामत क लक्षण हा, बहुत अधि उपदवी, त्रिमम बहुत उपल-मुयउ हान वा सभावना हा।

कियामतअगेउ (كمامت حور) अ पा वि—कियामत उगने वाला, प्रलयकर बहुत उपल-मुयल कग्नेवाला, निप्लवकार।

कियामतअगेडी (كمامت حودي) अ पा स्त्री—कियामत उठाना उपल-मुयउ करना।

कियामपिखीर (كميامرور) अ पा वि—बना हुआ, ठहा हुआ, मूकीम।

कियास (كماس) अ पा पु—विचार खयाल, अनुमान अक्ल जनाया।

कियासत (كمياست) अ स्त्री—दगता नियुपना, चातुरी कनुराई, दानाई।

कियासन (كمياست) अ वि—अक्ल स अदाखे स अन मानत।

कियासो (كمياسي) अ वि—अक्लवाली वात अललटा, कल्पित फर्जी।

किरव (كرو) अ स्त्री—किव वा बहु पानी की मक्की।

किरा (كرو) अ पा अज्य—किमकी किसे।

किरा (كرو) अ पा पु—किराया भाग।

किराअत (كرواست) अ स्त्री—दे किजत दोना गदह।

किराइव (كروايدو) अ पा वि—किराए पर नेवाला।

किरान (كروان) अ पा पु—समीपता निकटता नजदीकी वा ग्रहा वा एक राशि म हाना, याग।

किरान (كروان) अ पा पु—कन का बहु जमान युग।

किरानुस्तावन (كروان السعدن) अ पा पु—दा गुम ग्रही का एक राशि म हाना गुम-याग।

किराब (كرواب) अ पा पु—तलवार या भुजागी आदि वा नियाम काप मियान।

किराब (كرواب) अ पा पु—समापता नज्जगी नापने की अरीव (स्त्री) किव वा बहु पानी की मख।

किराम (كروام) अ पा पु—करीम का बहु दृयालु जन दयालुवग दानगील जन फ्रयाज लग, पूय लग प्रतिष्ठित लग।

किराम (كروام) अ पा पु—हृका और महीन पण, चिनिउ और नखशान पत्ती।

किराय (كرواي) अ पा पु—भाडे, भाटक।

किरायदार (كروايدار) अ पा वि—किराये पर कोई बीउ प्रमाण करनेवाला किराये पर घर आदि म रहनेवाला।

- किराय'दारी (کرایہ داری) अ. फा. स्त्री—किराये पर कोई चीज प्रयोग करना, किराये पर घर आदि में रहना।
- किराय:नाम: (کرایہ نامہ) फा पु—किराये पर कोई वस्तु लेने का इकरारनामा, भाटकपत्र।
- किरिश्म: (کوششہ) फा पु—आँस या भों का मकेत, सैन; हाव-भाव, नाजोअदा; माया, इन्द्रजाल, जादू; चमत्कार, शा'वद, आश्चर्य, अचम्भा (किरिश्मा)।
- किरिश्म:कार (کوششہ کار) फा वि—दे 'किरीश्म नाज'।
- किरिश्म:कारी (کوششہ کاری) फा स्त्री—दे 'किरिश्म मार्जी'।
- किरिश्म:साज (کوششہ سار) फा वि—मायावी, शो'वद-वाज, हाव-भाववाला, नाजो-अदाजवाला, जादूगर।
- किरिश्म:साजो (کوششہ ساجی) फा स्त्री—मायाकर्म, शो'वद वाजी।
- किरिश्म (کوششہ) फा. पु—दे 'किरिश्म'।
- किअंत (قرب) अ स्त्री—पढने का भाव, पढाई; कुरान की शुद्ध उच्चारण के साथ पढाई।
- किर्तवूस (قربلوس) अ पु—वहुत बडी देवी आपत्ति।
- किर्तास (قربلاس) अ पु—कागज-पत्र।
- कितसि अव्यज (قربلاس ابيض) अ पु—सफेद कागज, श्वेत पत्र, न्हाइट पेपर।
- किर्द (قرد) अ पु—बन्दर की मादा, वानरी, बदरिया।
- किर्द (قرد) अ पु—बदर, वानर, कपि, शाखामृग।
- किर्द (قرد) फा. पु—दे 'कर्द'।
- किर्दगार (قردگار) फा पु—दे. 'कर्दगार', परन्तु अधिक किर्दगार ही बोलते हैं, वह यद्यपि अशुद्ध हैं, परन्तु फारसी और उर्दू के विद्वानों ने शुद्ध माना है।
- किर्द: (قردہ) अ. पु—पानी भरने की मशक, भस्त्री।
- किर्वास (قرباس) अ पु—सफेद कपडा, श्वेत वस्त्र, सूती कपडा।
- किर्म (کرم) फा पु—कीडा, कीट, कृमि, सस्कृत कृमि का फारसी में प्रचलित रूप।
- किर्मक (کرمک) फा पु—छोटा कीडा, कृमिक, कीट।
- किर्मकुश (کرمکش) फा वि—कीडों को मारनेवाली दवा, कृमिनाशक।
- किर्मकेशवताव (کرمک شبتاب) फा पु—जुगनू, खद्योत, ज्योतिर्रिगण, कीटमणि, ज्योतिर्वीज।
- किर्मखुर्द: (کرمخوردہ) फा. वि—कीडों का खाया हुआ, जिसे कीडों ने चाटकर खराब कर दिया हो।
- किर्मखुर्दगी (کرمخوردگی) फा स्त्री—किसी वस्तु का कीडों का खा जाना।
- किर्मपील: (کرم پیلہ) फा पु—रेशम का कीडा।

- किर्मान (کرمبان) फा पु—ईरान का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का जीरा और फर्श प्रसिद्ध है।
- किर्मिज (قورموز) अ पु—एक प्रकार के छोट-छोटे लाल कीडे जिन्हें सुखाकर उनसे रेशम रँगते हैं।
- किर्मिजी (قورموزی) अ. वि—किर्मिज के रंग का, रक्त, लाल, गुर्ज।
- किर्मेशवताव (کرم شبتاب) फा पु—दे 'किर्मेशवताव'।
- किर्मेशचिरास (کرم شبتاب چیراس) फा पु—दे 'किर्मेशवताव'।
- किर्मेशवताव (کرم شبتاب) फा. पु—खद्योत, कीटमणि, ज्योतिर्रिगण, ज्योतिर्वीज।
- किर्मेशिकम (کرم شکم) फा पु—पेट के कीडे, उदर-कृमि।
- किर्वास (کرباس) अ पु—अट्टालिका, अटारी, वाला-खाना, शीचालय या स्नानागार जो अटारी पर हो, राजभवन, राजद्वार, शाही दरवार।
- किर्वात (قرواط) अ स्त्री—ताव, नीका, किष्ती, हवा भरी हुई मशक, जिस पर बैठकर नदी पार करते हैं।
- किलाअ' (قلاخ) अ पु—'कलअ' का बहु, दुर्ग-समूह, किले।
- किलाद: (قلاذہ) अ पु—गले का पट्टा, कुत्ते या ऊँट के गले का पट्टा, गुल्लवंद।
- किलाव (کلاب) अ पु—'कलव' का बहु, कुत्ते।
- किलीच (قلایح) तु पु—तलवार, खड्ग।
- किलीद (کلید) फा स्त्री—कुजी, ताली, कुचिका।
- किलीदे कामरानी (کلید کامرانی) फा स्त्री—सफलता की कुजी, सफलता का गुर।
- किलीदे फत्हेवाव (کلید و فتح نام) फा. अ. स्त्री—दरवाजा खोलने की कुजी, सफलता का गुर (मूलमत्र)।
- किलीदे विहिश्त (کلید دہشت) फा. स्त्री—स्वर्ग की कुजी, पुण्यकर्म, नेक आ'माल।
- किलीसा (کلیسا) फा पु—ईसाइयों का गिरजा, चर्च।
- किलीसाई (کلیسائی) फा वि—ईसाई, ख्रिष्टीय।
- किलेसा (کلیسا) फा पु—दे 'किलीसा', दो शु हैं।
- किल्क (کلك) फा स्त्री—नरकट, नरसल, नरकुल, नै, एक विशेष नरकट की बनी हुई कलम, कलम, लेखनी।
- किल्क्यान (قلمدان) फा पु—हुक्का, चिलम पीने की गुडगुडी, दे 'कल्क्यान', दो शु हैं।
- किल्लत (قلمت) अ स्त्री—न्यूनता, कमी, अभाव, नायावी।
- किल्लते आव (قلمت آب) अ फा स्त्री—पानी की कमी, जलाभाव, जलकण्ट।
- किल्लते गिजा (قلمت عرا) अ स्त्री—खाने के पदार्थों की कमी, खाद्याभाव।

किल्लते बारा (ملت بارات) अ फा स्त्री-बरसात की बनी, बधाभाव, कहतसाली ।

किल्लते कस्त (کمبر کمر) अ पु-कमा-वेगी 'यूनना और अधिवना न्यूनाधिक्य ।

किल्स (کلس) अ पु-बूना ।

किवाम (کوام) अ पु-मूल तत्व अस्ल, नम, तर्तीय, रिजाम गीरा, चागनी पक्वस्वरस ।

किवेर (کوبر) फा पु-समतल भूमि, बिना पानी की भूमि मरीचिका मयतप्पा सरख ।

किगावळ (کاور) फा वि-वृषक किसान ३ 'कगा वज दो गुद्द ह ।

किशावर्जी (کشاورى) फा स्त्री-वृषिकम किसानी, दे कगावर्जी दो गु ह ।

किगिक (کک) तु पु-पहरा चौकगी निगहवानी रखवानी ।

किगिकची (ککچى) तु पु-पहरेदार रखवाला ।

किगिकदार (ککدار) तु फा पु-दे किगिकची ।

किन्त (کنته) फा पु-गपतालू व जदातू आदि जिनक बीज निवावर मूदा मुपा लेते ह कन्तूरी केसर और लोवान आदि का मिथण जिस गुशब में भिस्कर टिकिया बना 'ने और मुल्गाते ह ।

किन्त (کنت) फा स्त्री-वृषि लेती गतरज की 'ह' ।

किन्तवार (کنتار) फा वि-वृषक कात्तवार किमान ।

किन्तवारी (کنتارى) फा स्त्री-वृषिकम किमानी ।

किन्तवार (کنتار) फा पु-बह स्थान जहा बोप हुए खेत ही खत हा सत्र बार ।

किन्ते कोफ़रान (کنت و غوران) फा अ स्त्री-ऐसा स्थान जहाँ केसर के खेत हा बह स्थान जहा चित्त में उल्लास और आनंद उत्पन्न हो ।

किन्क (کف) अ वि-विवृत, जिनका रग रूप विगड गया हो कूपित ।

किन्मिग (کشم) फा स्त्री-मृतक की जाति का मूमा टूटा छाटा अगूर जिनमें बीज नहीं होता अरीया ।

किन्मिगी (کشمى) फा वि-किन्मिग' जैसे रग का हूना हरा जिसमें किन्मिग भिगी हा किन्मिग वा ।

किन्सात्र (کسائى) तु पु-बह गरम स्थान जहाँ जाड गुजारे जायें ।

किगावर (کيو) फा स्त्री-ग मूल राष्ट्र गतनन महादीप बरेजा'जम द बदवर, 'ग गु ह ।

किगावर कुगा (کيو کيا) फा रि-वि'अजियवी किगिकनी जहाँगीर ।

किगावर सिता (کيوستان) फा वि-किवर कुगा ।

विस्स (کسب) अ पु-'विस्स' का बहु विस्से कहानिया ।

किसास (کصاص) अ पु-गून के बन्ने में खून प्रतिहिमा ।

किसअ (کسبه) अ पु-बजा पियाला ।

किस्स (کسب) अ स्त्री-न्याय, इमाफ, भाग, अग हिस्सा, खड, टुकडा अदाइगी का एक जुड ।

किस्सबरी (کسببرى) अ फा स्त्री-अदाइगी के लिए त्रिस्तो की नियति ।

किस्सास (کسبساى) अ स्त्री-बड़ी तराजू नह ।

किस्म (کسم) आ स्त्री-प्रकार भाति तरह जाति नौअ ।

किस्मत (کسمت) अ स्त्री-विभाजन तकमीम भाय अष्ट, प्रारथ, तजदीर ।

किस्मत आरमा (کسمت آرماء) अ फा वि-भाग्य की परीसा करनेवाला किसी कठिन काम का बीडा उठानवाला कोई बटो परीसा देनेवाला ।

किस्मत आरमाई (کسمت آرمائى) अ फा स्त्री-भाग्य की परीसा किमी कठिन काम का साहस बिसा बनी परीसा की तयारी ।

किस्मतवर (کسمتور) अ फा वि-भाग्य'गानी भाग्यवान सुगमगीव ।

किस्मतवारी (کسمتورى) अ फा स्त्री-सगत्रिस्मा' भाग्य'गोलता भाग्यशालीनता ।

किस्मा (کسرى) अ पु-ईरान के शासका का उपाधि नोनेरवा की उपाधि ।

किस्वत (کسوت) अ स्त्री-बस्त्र बसन लिवास पागाग, नाई की पेटी नापित-मेटिका ।

किस्स (کسه) अ पु-बधा कहानी उपयास नाविग वृत्तान हाउ घटना वाकिअ बलह हागडा, समस्त ममअल ।

किस्स कोताह (کسه کوناه) अ फा अव्य-माराग यह वि कि बहुना किस्स मुल्सर ।

किस्स'हवा (کسبدهاى) अ फा वि-किरा गों ।

किस्स'गा (کسهگى) अ फा वि-कहानिया बहनेवाग अब ह कुछ पट्ट किस्स बहनेवालो की एक बडी सख्या सारे देा में फनी हुई थी और बह कल्पिा कगानिया मुना-गुमार अपना जीवन निवहिन करती थी 'दाम्ना गा ।

किस्स महत्तर (کسه مستحصر) अ अव्य-किस्स कावा ।

किस्सीस (کسبسى) अ पु-ईगाइया का पममुह, पास्ती राहिन ।

किहीं (کيهن) फा वि-अति धु' बटून छोण ।

किहीनः (کھیله) फा वि.—अंग, छंटा, आंगु में छंटा, अन्वयवस्तक।

किहूफ (کھوف) अ पु—पोंपड़ी, कपाळ।

की

कीं (کیں) फा पु—'कीन' का लघु, दे. 'कीन'।

कीं (کیں) फा अव्य—कि रह।

कीनः (کینہ) फा पु—वह शत्रुता जो दिल में रहे, द्वेष, गुम, अमर्ष, "अय जहे रजिग। कि फावे मारकी मजिल में हे। रगवा देगो भेरे 'कीने' का कि उनके दिल में हे॥"

कीनः अंदोल (کینہ اندوز) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीनः अंदोजी (کینہ اندوزی) फा स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीनः कश (کینہ کش) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीनः कशी (کینہ کشی) फा स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीनः तोज (کینہ توز) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीनः तोजी (کینہ توزی) फा स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीनः पवंबर (کینہ پور) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीनः पवंबरी (کینہ پوری) फा स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीनः वर (کینہ ور) फा वि—विष्मि की धोर में हृदय में द्वेष रखनेवाला, जो मुंह पर तो कुछ न कहे, परंतु समय पड़ने पर पूरी शत्रुता दिगाये।

कीनः वरी (کینہ وری) फा स्त्री—मन में द्वेष रखना और समय पड़ने पर शत्रुता प्रकट करना।

कीन (کین) फा पु—दे 'कीन', द्वेष, अमर्ष, गुम, रजिग।

कीन (کین) अ. पु—मेवक, दाम, लोहार, लोहकार; लोहारी का काम, दे 'कैन', वही अधिक जुद्ध हे।

कीपा (کیپا) तु पु—एक प्रकार का पुलाव जो बकरी की आंता में चावल और मसाला भरकर पकाया जाता है।

कीफ (کیف) फा स्त्री—त्रोटल आदि में तेल आदि उँडेलने का यंत्र, कीप।

कीफाल (کیفالی) अ स्त्री—एक बड़ी रक्तवाहिनी नाडी जिसकी फस्द ली जाती है, सरोरु।

कीमः (کیسہ) फा पु—कुटा हुआ मास, जिसके कोफने या कवाव बनते हैं।

कीमत (کیست) अ स्त्री—मूल्य, दाम; प्रतिष्ठा, कद्र; श्रेष्ठता, उच्चता, बडाई।

कीमतन् (کیستاً) अ वि—मूल्य देकर, दामों से।

कीमती (کیستی) अ वि—बहुमूल्य, मृत्यवान्, वैशकीमत।

कीमिया (کیمیایا) अ स्त्री—रसायन, कैमिस्ट्री; सोना-चाँदी बनाने की कला, धातुवाद।

कीमियाजर (کیمیائو) अ. वि—अति गुणकारी, बहुत ही फायदेमंद; मट्टी को मोना बना देनेवाली चीज।

कीमियागर (کیمیائگر) अ फा. वि—ज्ञाने आदि में मोना बनानेवाला; बहुत बड़ा हुनरमंद।

कीमियागरी (کیمیائگری) अ फा. स्त्री—ज्ञाने आदि में मोना बनाना; हुनरमंद होना।

कीमियादां (کیمیادان) अ.फा. वि—पारे आदि से मोना बनाना जाननेवाला।

कीमियादानो (کیمیادانی) अ फा. स्त्री—पान आदि में मोना बनाना।

कीमियामाज (کیمیاساز) अ फा वि—दे 'कीमिया-गर'।

कीमियासाजी (کیمیاسازی) अ.फा.स्त्री—दे 'कीमियागरी'।

कीमुत्त (کیمخت) फा पु—पोंटे या गधे का कमाया हुआ चमड़ा।

कीर (کیر) फा पुं—राल; तारकाल।

कीरगूं (کیرگوں) फा. वि—काले रंग का, तारकाल जैसा।

कीरात (کیراط) अ स्त्री—एक तौल जो चार जो के बराबर होती है, रक्तियों के हिमात्र से तीन रत्ती।

कीरः (کیرہ) अ. पु—अंतुद्धि, फोते बढने का रोग; दोपहर को थोड़ी देर चेतना, कैलूल।

कीलोकाल (کیلوقال) अ स्त्री—नाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस-मुवाहमा।

कीसः (کیسہ) अ पु—जेव, पाकेट, खलीता; थैली।

कीसः तराश (کیسہ تراش) अ. फा वि—जेव काटनेवाला, जेवकतरा, ग्रथिमोचक, पाकेटमार, जेवतराश।

कीसः तराशी (کیسہ تراشی) अ फा स्त्री—जेव काटने का काम, जेवकारापन, पाकेटमारी, ग्रथिमोचन।

कीसः बुर (کیسہ بور) अ फा वि—दे 'कीस तराश', 'कीसा-वर' भी प्रचलित।

कीसः बुरी (کیسہ بوری) अ फा स्त्री—दे 'कीस तराशी', 'कीसाचरी' भी प्रचलित।

कीस (کیس) अ पु—दे 'कीस'।

कीसे फ़िदा (کیسے فدا) अ. फा पुं—शत्रुओं में घिर जाने के समय भागते हुए रुपया फेक देना, ताकि लोग उसे बटोरने में लग जायँ और पीछा न करे।

कीह (کھیج) अ स्त्री—पीव, मवाद, पीव, क्षतस्त्राव।

कु

कुंग (کونگ) फा वि—मोटा-ताजा, हृष्ट-पुष्ट; शक्तिशाली, बलवान्; छुहारों का गुच्छा।

कुगुर (كوكور) का पु—भवन आदिकी गुमटी, छोटा गुबन्, बंगुरा।

कुगुर (كوكور) का पु—कुगुर।

कुज (كوج) का पु—एकत गोग, 'दुनिया में रजोगम से जो कुमत न मिल सकी आविर को धन के सो गये कुजे मजार में।

कुजकावी (كوكو) का स्त्री—तलाग खोज जिनासा परिश्रम मेहनत ध्यानपूर्वक विचार गौर।

कुजद (كوكد) का स्त्री—तिल तिलनी एक प्रसिद्ध बाज।

कुजार (كوكار) का पु—तल निवन्ने के परचात बीज का फल खल, लली।

कुजिक (كوكك) का स्त्री—वह छाटी विडिया जो घरा में रहती है गौरया, चटक।

कुजे इखिवा (كوكو) का अ पु—एकत गाग अकेल स्थान निजनस्थान।

कुजे उरुत (كوكو) का अ पु—दे 'कुजे इखिवा'।

कुजे बरुस (كوكو) का अ पु—पिजडे का काना पिजडे का एकत स्थान, कारागार ब्रदखाना जेलखाना।

कुजे खलत (كوكو) का अ पु—दे 'कुजे इखिवा'।

कुजे तनहाई (كوكو) का पु—दे 'कुजे इखिवा'।

कुजे देहन (كوكو) का पु—मुह का देहाना मुह का पोना।

कुजे रां (كوكو) का पु—रान की जड विडिया।

कुजे लहद (كوكو) का अ पु—कर का पोना कर का एकत स्थान।

कुव (كوكو) का पु—रुकी का मोटा और छोटा टुकड़ा बड़क का कुग।

कुदकार (كوكو) का वि—दे गु उच्चारण, 'कदकार'।

कुदकारी (كوكو) का स्त्री—दे गु उच्चारण 'कदकारी'।

कुद (كوكु) का वि—मद मू भोयरा म सुस्त आलसी।

कुदए नातराग (كوكو) का पु—अलबड उजड अमम्य धामड बुद्ध बिना तरागी रुकी का माटा टुकड़ा रागणिव अय मून।

कुदएपा (كوكु) का पु—एव मोगी और भारी रुकी जिनमें नई छे हानहें जिनमें अपराधी के पाँच डाक टिक जानह।

कुदवेहन (كوكु) का अ वि—जिसका जहन तज न हो मदप्रतिभ।

कुदपोर (كوكु) का स्त्री—बहन बुडिया स्त्री सठियाई भूगाँ स्त्री।

कुदाव (كوكु) तु पु—बड़क का कुग।

कुदावर (كوكو) का प—मघावी दाना, बसानिक ह्वीम पहलवान मल्ल।

कुदुब (كوكु) अ पु—कुत्ते के प्रवार का एक जतु जिसका खाल सपोस्तीन बननेह उस जानवर की पोस्तीन, जल कुकुर पानी का कुत्ता।

कुदुर (كوكु) का पु—एक गाद जा दवा के काम आता है।

कुदुलान (كوكु) तु पु—वह बड़ा खेमा जो बाग़ाह क दरवाजे पर लगाया जाता है।

कुदुग (كوكु) अ अ पु—कुदुर, दे अकअव।

कुदुह (كوكु) का पु—पात्र बरतन।

कुदुएआव (كوكु) का पु—पानी कीटकी या होज।

कुदुएल्ल (كوكु) का पु—नाज का कोठार या बखारी।

कुदद (كوكु) अ पु—बठने का भाव बठक नमार में बग का अमल।

कुदनुस (كوكु) अ पु—एक बहुत ही मधुरस्वर चिंगिया जिससे मूनामियो ने गानविद्या सीखी इसके पाने से आन लग जाती है।

कुल कुख (كوكु) का अय्य—तांसने का स्वर।

कुच (كوكु) तु पु—मेगा नर भेड जिसके सोग हाने ह और जो लडाई के काम आता है।

कुजह (كوكु) अ पु—वह फिरिया जा बादला का प्रब बरता है, इद।

कुजा (كوكु) का अय्य—कहाँ विम स्थान पर।

कुजाअ (كوكु) अ पु—एक समुगी जतु जिसके अडरीप से 'जुदेवे' दस्तर निकलता है, जो दवा में प्रयुक्त होता है।

कुजाव (كوكु) अ पु—रगा और पटठा के खिचाव से उदाग होनेवाली एक पीना।

कुजात (كوكु) अ पु—त्राडी का बट्ट, निहाह फानवाते काजी, 'यायवतां काजी।

कुजुर (كوكु) अ स्त्री—अपवित्रता मदीगी पलीगी।

कुतल (كوكु) तु पु—नाग सवारी का घाग 'बाग' भी प्रचलित।

कुतास (كوكु) तु प—पहाडी शाय (गुदा गाव) की पूँछ जिसम मोरछल बनता है।

कुतुन (كوكु) अ पु—बगाम बगाम वासत, रई, दूल।

कुतुव (كوكु) अ स्त्री—विताव' का बहु पुस्तक, विज्ञाप।

कुतुवफरोग (كوكु) अ पा वि—मुस्तकें बेचनवाग।

कुतुवफरोगी (كوكु) अ पा स्त्री—मुस्तकें बेचन का काम।

कुतुवफ (كوكु) अ पु—बल का बट्ट, मवे पठ भाँ।

कुत्कः (كلك) तु पु.—मोटा और छोटा उड़ा।
 कुत्ताअ (قطاع) अ. वि.—‘काने’ का बहु., काटनेवाले।
 कुत्ता उत्तरीक (قطاع الطريق) अ वि.—राह में लूटनेवाले,
 डाकू, लुटेरे, चटमार।
 कुत्ती (قتلى) तु स्त्री—पिटारी, सहकची।
 कुत्त (قطن) अ. पु.—कपान; रई, दे ‘कुतुन’, दो. शु. है।
 कुत्ती (قطلى) अ पु.—सूत का बना हुआ कपड़ा; रेगम और
 सूत मिला हुआ कपड़ा।
 कुत्त (قطب) अ पु.—पृथ्वी का धुरा, ध्रुव; एक तारा जो
 अपने स्थान पर स्थिर रहता है, ध्रुव तारा; एक प्रकार के
 मुमलमान ऋषि जिनके सिपुदं कोई बड़ा इलाका होता है।
 कुत्तनुमा (قطب نما) अ फा पु.—दिशा बतानेवाला यंत्र,
 दिग्दर्शक यंत्र।
 कुत्ते जूनवी (قطب جنوبی) अ. पु.—दक्षिणी ध्रुव।
 कुत्ते शिमाली (قطب شمالی) अ पु.—उत्तरी ध्रुव।
 कुत्तन (قطبین) अ. पु.—उत्तरी और दक्षिणी दोनों ध्रुव।
 कुत्त (قطر) अ पु.—बहु रेखा जो किसी परिधि से गुजरती हुई,
 उसे दो बराबर के भागों में बाँट दे, व्यास।
 कुत्त (قطر) अ पु.—एक बहुत छोटा कीड़ा जो पानी पर
 दौड़ता रहता है और कभी नहीं थमता; पागलपन की एक
 किस्म, इस रोग का रोगी किसी एक स्थान पर नहीं
 ठहरता और सब से भागता है।
 कुत्तमा (قدما) अ पु.—‘कदीम’ का बहु, पुराने लोग;
 प्राचीन विद्वान् लोग, प्राचीन वैज्ञानिक लोग।
 कुत्तस (قدس) अ वि.—पवित्र, पाक, पवित्रता, पाकीजगी।
 कुत्तम (قدوم) अ पु.—आगमन, पदार्पण, आना।
 कुत्तूर (قدور) अ स्त्री—‘किद्र’ का बहु, हाँटियाँ, डेगचियाँ।
 कुत्तूरत (قدورت) अ स्त्री—मैल, मलिनता, गँदलापन, मनो-
 मालिन्य, शकररजी।
 कुत्तूरस (قدوس) अ वि.—अत्यंत पवित्र, बहुत ही पाक, ईश्वर
 का एक नाम।
 कुत्तूरत (قدور) अ स्त्री—प्रकृति, निसर्ग, नेचर, फिजत,
 सामर्थ्य, शक्ति, मक्दूर; दैवी माया, खुदा की कुदरत, बश,
 जौर, शक्ति, ताकत; समृद्धि, दौलतमदी।
 कुत्तूरतन (قدورتاً) अ वि.—कुदरती तौर पर।
 कुत्तूरती (قدورتی) अ वि.—प्राकृतिक, नेचुरल, ईश्वरीय,
 दैवी, खुदाई; कुदरत से सम्बन्धित।
 कुत्तूरते हक (قدور حق) अ स्त्री—ईश्वर की माया, खुदा की
 कुदरत।
 कुत्तूरस (قدس) अ पु.—पवित्रता, पाकीजगी, पवित्र, पाक,
 यरोशलम का एक पहाड़।

कुत्तूरियाँ (قدسیان) अ. पु.—‘कुदुरी’ का बहु, फिरिश्ते;
 नद्यपिगण, भीलिया अल्लाह।
 कुत्तूरती (قدسی) अ. वि.—फिरिश्ता, देवता।
 कुत्तूरती सिकात (قدسی صعات) अ वि.—फिरिश्तो जैसे
 गुणवाला, देवोपम, देवात्मा।
 कुत्तूर (کن) फा प्रत्य—करनेवाला, जैसे ‘कारकुन’—काम
 करनेवाला।
 कुत्तूर (کن) अ क्रि—हो जा, ये शब्द ईश्वर की जवान से
 निकले थे, जिनमें सृष्टि की रचना हुई।
 कुत्तूरनाम (کنام) फा पुं—पशुओं का निवासस्थान; चिट्टियों
 का घोंसला, चरागाह, गोचर।
 कुत्तूरनार (کنار) अ पु—लंबी लकड़ी या लोहे की सलाख
 जिम पर चिकवे बकरी की खाल उबेडकर टांगते हैं।
 कुत्तूरनार (کنار) फा पु—वेर, बेरी, फौल, बदरी।
 कुत्तूरनारे दशती (کنار دشتی) फा पु—जंगली वेर, झरवेरी।
 कुत्तूरनासः (کناسه) अ पुं—झाड़ू में बंदोरा हुआ कूड़ा-करकट।
 कुत्तूरनिदत (کنشت) फा पु—उपामनागृह, इबादतखाना;
 मूर्तिगृह, वृत्तगाना, अग्निखाला, आतशकदा।
 कुत्तूरनुक (کنک) अ. पु.—मेहमान, अतिथि, आगंतुक।
 कुत्तूरनअ (کنوع) अ पु—‘काने’ होना, निस्पृह होना, जो कुछ
 मिल जाय उसी पर सतुष्ट रहना।
 कुत्तूरनऊ (کنور) अ. पु.—‘कज’ का बहु, खजाने, निधियाँ।
 कुत्तूरनूत (کنوب) अ पु—आज्ञापालन करना, फर्माबिरदारी
 करना, नमाज में चुप खड़ा होना; दुआ पढ़ना।
 कुत्तूरनूत (کنوب) अ पु—निराशा, नाउम्मेदी।
 कुत्तूरनूती (کنوپی) अ वि—निराशा, नाउम्मेद, निराशावादी,
 जिसका विचार हो कि उसे किसी काम में सफलता न होगी।
 कुत्तूरनूतीयत (کنوپییت) अ स्त्री—निराशावाद।
 कुत्तूरनूतियत (کنیت) अ स्त्री—दे शु उच्चारण ‘कुनूयत’।
 कुत्तूरनूज (کنجر) अ स्त्री—दे ‘कुनूफुज’ दो शु. है।
 कुत्तूरनूज (کنجر) अ स्त्री—साही, सेहाँ, एक जंतु जिसके
 शरीर पर काँटे होते हैं।
 कुत्तूरनूयः (کنیہ) अ पु—पूँजी, सरमाया।
 कुत्तूरनूयत (کنیت) अ स्त्री—बहु नाम जिसमें अरबी परंपरा
 के अनुसार अपने पिता, माता या लड़के का सम्बन्ध प्रकट
 किया जाय, जैसे—‘अब्रुलहसन’ या ‘उम्मेकुलसूम’, उपाधि,
 लकब।
 कुत्तूरफात (کفاب) अ पु—‘काफी’ का बहु, बुद्धिमान् लोग।
 कुत्तूरफुल (کفل) अ पु—ताला, द्वारयंत्र, तालिका।
 कुत्तूरफूर (کنور) अ पु—कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुकी।
 कुत्तूरफः (کفه) अ पु—उच्च, ऊँचा, ऊँची भूमि, ऊँचा स्थान।

कुपकार (كفار) अ पु-वाफिर' वा बहु, वाफिर लोग, नास्तिक लोग ।

कुफ (كفر) अ पु-अस्वीकृति, कबू न करना, वृत्तन्ता, अवृत्तता, नागुनी ।

कुफ आम्ना (كفر اسناد) अ फा बि-जिम कुफ से प्रेम हो आ काफिरा से प्रेम करता हो, जो स्वयं जाया वाफिर हा पाप-परायण ।

कुफान (كفران) अ पु-वृत्तन्ता एहमान परामाणा ।

कुफाने नेमत (كفران نعمت) अ पु-ईश्वर की दी हुई नेमता (नियामता) की अवृत्तता ।

कुफिस्तान (كفرستان) अ फा पु-वाफिरा के रहने का स्थान एसा स्थान जहाँ अत्याचारी लागी के कारण आम और नीति का व्यवहार न हो ।

कुफोइलहाद (كفر اولهاد) अ पु-बेगैना नास्तिकता ।

कुपल (كوفل) अ पु-ताला द्वारयत्र तालिका ।

कुपल सिक्की (كوفل سक्की) अ फा स्त्री-घर या दुकान आदि का ताअ टूटना चोरी होना ।

कुपले बस्वास (كوفل وسواس) अ पु-गोरपघधा ।

कुबब (كوب) अ पु-कुब्र वा बहु कुब गुमटियाँ छाटे गुन ।

कुबरा (كوبرا) अ पु-कधीर का बहु बड़े लोग प्रतिष्ठित जन ।

कुबूल (كوبول) अ पु-कबील वा बहु द गरोह सामन की वस्तु सामने का रख सामने का गरीर ।

कुबूब (كوبوب) अ पु-धान का सूखना बोलाहल करना गोर मचाना शत्रुता और लड़ाई शरीर की खाउ और मास का मुरसाना ।

कुबूर (كوبور) अ स्त्री-कन्न वा बहु कन्न ।

कुबूल (كوبول) अ पु-सामने जाना उपस्थित होना ।

कुब (كوب) अ पु-छाटा गुबद बुर्ती गुमनी ।

कुबूर (كوبور) अ पु-अबाबील पसी सुखाव पक्षा ।

कुब्रा (كوبرا) अ स्त्री-अकवर वा स्त्री बहुत बड़ी जम क्रियामत कुब्रा, बहत बड़ी आपत्ति ।

कुबल (كوبله) अ पु-कुबन वाया चुगा ।

कुब (كوب) अ स्त्री-नग योनि फज ।

कुबह (كوبه) अ पु-दीप एव खराबी भुत्ति गलती भोडापन ।

कुम (كم) अ कि-उठ वठ खगा हा जा य ने शव ह जिनक उच्चारण स हबरेत ईसा मत ध्यन्तित का जीवित कर देते थे ।

कुम[म्] (كم) अ-आस्तीन ।

कुमल (كامل) अ स्त्री-यह छोटा कीटा जा वाला और कपडा में पड जाता है जू ।

कुमाब (كمامه) तु पु-एव प्रवार की राटी ।

कुमाम (كمامه) अ पु-बूडा-बरकट ना घर वापन में निरले, मनुष्या का ल ।

कुमाश (كمامش) अ पु-बस्त्र कपण ल्यास, घर का सामान, गुण हुनर ।

कुमुक (كملك) तु स्त्री-सहायता मद काम में अववा युद्ध म ।

कुमेज (كمبر) फा पु-योग्य मूत्र मूत ।

कुमत (كمت) अ पु-वालिमा लिये हुए लाल धाग जिसरी पूछ और अयाल व बाल वाले हा अगूर का लाल मन्त्रि ।

कुम्मु (كمتبه) अ पु-वाँच वा गाल लट्ट जो छाती की सजावट के काम जाता है, बिजगी वा बल्ल कूडा पियाग ।

कुम्म (كمت) अ पु-हर चीज का मिरा हर चीज की ऊचाई चाग जनममुदाय गराह ।

कुम्मल (كمتل) अ पु-कुम्मल का बहु किलनियाँ जो पशु-जा की देह म बिपकवर उनका रख पीती ह मन्त्रियाँ ।

कुम्मला (كمتروا) अ पु-अमन्द एक प्रसिद्ध फा ।

कुम्मा (كمتا) तु स्त्री-नामी लौठी कनीज ।

कुम्मत (كمتت) अ पु-दे गुद्ध उच्चारण कुमत ।

कुम्मी (كمتي) अ स्त्री-एक प्रसिद्ध सफेद फणी ।

कुम्स (كمتل) अ पु-जू ।

कुम्लक (كوملك) तु पु-बस्त्र ल्यास कुर्ता कमीम ।

कुपूस (كموس) अ पु-वास वा बहु पियाल बढारे ।

कुरग (كرك) फा पु-लाल रंग का घाडा ।

कुर (كرك) अ पु-बनुल परिधि घेरा गेठ कन्न गाग मडल ।

कुर [र] (كرك) अ पु-जाड की ऋतु शीतकाउ ।

कुरए अब (كركه ارض) अ पु-भूगाल भूमडल ।

कुरए आता (كركه اش) अ फा पु-अग्निमडल ।

कुरए आपताब (كركه افتاب) अ फा पु-रविमन्त्र सूपमन्त्र ।

कुरए आव (كركه اب) अ फा बस्त्र-सारी पथ्या पर फणी हुजा जल ।

कुरए आस्माँ (كركه آسمان) अ फा पु-आकाशमडल सगोल ।

कुरए जमी (كركه زمين) अ फा पु-कुरए अज ।

कुरए अमहरीर (كركه دهر) अ फा पु-बह वायमन्त्र जो बहुत ही ठडा है ।

कुरए नार (كركه نار) अ पु-अग्निमडल ।

कुरए फलक (كركه ملك) अ पु-दे कुरए आस्माँ ।

कुरए वाद (كرد باد) अ फा पु—नायुमउल ।
 कुरए माह (كرد ماه) अ फा पु—चंद्रमउल ।
 कुरए शम्स (كرد شمس) अ पु—दे 'कुरए आपताव' ।
 कुरए हवा (كرد هوا) अ पुं—दे 'कुरए वाद' ।
 कुरगः (كردگه) तु पु—बड़ा नगाड़ा, धोंगा, दुदुभि ।
 कुरमसाक (كرد مساق) तु पु—वह निर्लज्ज व्यक्ति जो अपनी पत्नी को कमाई खाता हो ।
 कुरशी (كردشی) अ वि.—कुरैयके वंश से गन्धर्व रहनेवाला, इस अर्थ में 'कुरैजी' अशुद्ध है ।
 कुरा' (كردع) अ पु—'कुअ' का बहु, पांसे ।
 कुरा (كردول) अ पु—'कर्यं' का बहु, बहुत में गांव, ग्राम-समूह ।
 कुराब (كرداب) अ पु—नाय-भेन या बकरी के पाये, पशु को पिडली, घोड़े का ममूह, पहाड़ की चोटी ।
 कुराजः (كرداصه) अ. पु—वह कण जो कँची से कटककर गिरे, चाँदी और सोने का कण ।
 कुरात (كردات) अ पु—'कारी' का बहु, कारी लोग, कुरान को शुद्ध उच्चारण से पढ़नेवाले हाफिज ।
 कुराद (كرداد) अ स्त्री.—किलनी, पशुओं का रक्त पीनेवाला कोच ।
 कुरान (كردان) अ पु—दे 'कुअन', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु फार्सीवालों ने 'कुरान' भी लिखा है, अतः यह भी शुद्ध है ।
 कुरासः (كرداسه) अ पु—ग्रंथ, पुस्तक, किताब, कुरान ।
 कुरत (كردت) तु पु—दही, दधि ।
 कुरती (كردتی) तु पु—एक प्रकार का दलिया जिममें सूजा दही ढाला जाता है ।
 कुरून (كردون) अ पु—'कर्न' का बहु, बहुत से युग, बहुत से जमाने; बहुत से सीग ।
 कुरून ऊला (كردون اولی) अ पु—इस्लाम का प्रारंभिक काल, प्रारंभिक काल, इतिहास जमाना ।
 कुरून हालियः (كردون حالییه) अ पु—पिछले युग, गुजरे हुए जमाने ।
 कुरूनवुस्ता (كردون وسطی) अ पु—इस्लाम का मध्यवर्ती समय; मध्यवर्ती समय, दरमियानी जमाना ।
 कुरूब (كرووب) अ पु—'कर्व' का बहु, व्याकुलताएँ, कष्ट, पीडाएँ ।
 कुरूह (كرووح) अ पु—'कह' का बहु, बहुत से घाव ।
 कुरेश (كردیش) अ पु—अरब का एक प्रतिष्ठित वंश, जिसमें हजरत महम्मद साहिब उत्पन्न हुए थे ।
 कुरैशी (كردیشی) अ. वि—दे 'कुरगी', शुद्ध वही है, परन्तु उर्दू में कुरैशी भी बोलते हैं ।

कुरोह (كروه) फा पु—एककोम वा दो मील का अंतर, कोस, क्रोम ।
 कुअः (كردع) अ पु—पांसा, पाशक, सारि, चारि ।
 कुअः अंदाजः (كردع انداز) अ फा वि—पांसा फेकनेवाला; शकुन विचारनेवाला ।
 कुअः अंदाजी (كردع اندازی) अ फा स्त्री—पांसा फेकना, किसी विषय में निर्णय के लिए पांसा फेककर समझौता करना ।
 कुअए फाल (كردع فال) अ. पु—शकुन विचारने के लिए पांसा फेकना ।
 कुअन (كردان) अ पु—मुनलमानो का धर्म ग्रंथ, जो उनके मतानुसार आस्मानो किताब है, जिसमें तीस 'पारे', छोटी बड़ी एक नौ चौदह 'सूत्रे', ६६४० 'आयते' और ५४० 'स्कूअ' हैं ।
 कुअ (كرد) तु पु—निपिद्ध, मना किया हुआ; रोका हुआ, वर्जित; देखभाल, निगरानी; रोकना, अलग रखना ।
 कुअ अमीन (كرد امین) तु अ वि.—दीवानी या माल का वह कर्मचारी जो डिग्री या मुताबवे में कुकी करता है ।
 कुकी (كردی) तु स्त्री—किमी डिग्री आदि में सरकारी कर्मचारी द्वारा जायदाद, माल या रुपये की जवती ।
 कुकी (كردی) अ पु—एक पक्षी, कुलग ।
 कुकुम (كردم) फा पु—कैसर, जा'फरान ।
 कुतः (كردت) तु पु—पहनने का कमीस जैसा एक वस्त्र ।
 कुत (كردت) अ पु—कान में पहनने का बुदा, लटकन, गोशवारा ।
 कुत (كردت) तु पु—दही, जुआत, दधि ।
 कुतक (كردتق) अ पु—दे 'कुत' ।
 कुतुम (كردتم) अ पु—कुसुम, कड ।
 कुद (كرد) तु पु—तुकों की एक सचारजीवी अर्थात् खाना-वदोश जाति, जो प्रायः जंगलो में रहती और बड़ी बहादुर होती है ।
 कुदक (كردی) फा पु—बहुत मोटा-ताजा और बलवान् व्यक्ति ।
 कुदिस्तान (كردستان) तु फ पु—कुद जाति के तुकों के रहने का प्रदेश ।
 कुनक (كردنق) तु पु—दास, नौकर; दामी, लौडी, कनीज ।
 कुनस (كردناس) अ. पु—पिशाच, राक्षस, देव, पहाड़ की चोटी ।
 कुनुश (كردنوش) तु स्त्री—शुककर प्रणाम करना ।
 कुब (كرد) अ पु—समीपता, निकटता, नजदीकी ।
 कुबत (كردت) अ स्त्री—सामीप्य, नैकट्य, नजदीकी; सहवास, मैथुन, सोहवत ।

कुवत (कुव) अ स्त्री—कष्ट बन्ध दुःख शोक रज।
 कुर्वा (कुर्वा) अ पु—कुर्वा का लघु दे कुर्वा।
 कुर्वागाह (कुर्वागाह) अ पा स्त्री—बधस्थल कुवानी
 करन का स्थान।
 कुर्बान (कुर्बान) अ पु—बलि सत्क योडावर निसार।
 कुर्बान (कुर्बान) पा पु—गठे म पहनने की पेटी जिसम
 धनुष लटकाया जाता है।
 कुर्बानी (कुर्बानी) अ स्त्री—किसी पशु का किसी देवता
 आदि के लिए बध किसी बन्ध वाम व लिए जानकी भट
 त्याग ईसार।
 कुर्बोजुवार (कुर्बोजुवार) अ पु—आसपास चारा जोर
 चहुपास।
 कुम (कुम) अ पु—अयत शाक जोर दुख।
 कुर (कुर) अ पु—ठडव नीतलता सुव चन ज्योति
 रोगनी।
 कुर (कुर) अ पु—गध या घोड का बच्चा कोण चावुव
 प्रनोद।
 कुरतुलएन (कुरतुलएन) अ पु—आखा की ठन्क आखा की
 ज्योति इस गद का प्रयोग प्राय पुत्र क लिए हाता है।
 कुरमसाक (कुरमसाक) तु पु—गु उच्चारण कुरमसाक।
 कुरस (कुरस) अ पु—मुस्तक का एक खड अथवा अध्याय
 कुरान का एक पारा।
 कुरस (कुरस) अ पु—गदना एक दाना जो दवा म
 चलता है।
 कुरसि (कुरसि) अ वि—गदन के रग का मटमला।
 कुरस (कुरस) अ पु रोटी नान रोटिका टिकिया
 वाटिका दवा की चपटी गाली।
 कुरसी (कुरसी) अ स्त्री—बटन का विणय प्रकार का आसन
 आसनी चयर।
 कुरसीनी (कुरसीनी) अ पा वि—गन्तमीन ओहट्टार
 प्रतिष्ठित समानित मुअन्नडड।
 कुरसीनाम (कुरसीनाम) अ पा पु—खानान का राजरा
 बगवत वगतालिवा बगावनी।
 कुरसीनुमा (कुरसीनुमा) अ पा वि—कुर्सी के आकार
 प्रकार का कुर्सी जमा।
 कुरसीरुद (कुरसीरुद) अ पा पु—पत्थियाल जो समय
 बनाता है।
 कुर (कुर) अ पु—घाव उदम।
 कुल (कुल) अ पु—एक प्रगिद फल कलिग।
 कुल (कुल) अ पु—गिल्ली जो डड स सगा जाती है
 और जिस रात्र की गिनी डडा करते ह।

कुल (कुल) अ वि—सब सब तपाम।
 कुल (कुल) अ पु—किसी वजुग के उस म आनिते
 पातह अत समाप्त खातिम कुरान की चार छोटी
 मुरत जो प्राय किसी के पातह म पनी जाती ह।
 कुलआऊबी (कुलआऊबी) अ पु—दे कुलआबी।
 कुलकुल (कुलकुल) अ स्त्री—सुराहा स शराव के तिलहन
 की जावाड व्यय की वातचीत हसी के साथ यो राता
 है मिस्ले कुकुते मीना—बीक।
 कुलल (कुलल) अ पु—कुल का बहु पहाडा की चाटिया।
 कुलह (कुलह) अ स्त्री—कुलाह का लघु रूप टोपी गिन
 लिय।
 कुला (कुला) अ पु—मह आन का रोग मर्हा।
 कुलाऊबी (कुलाऊबी) अ पु—कठमुल्ला रोटिया पर
 मस्जिम पडा रहनवाला मुल्ला बहुत ही तुच्छ नाव
 जोर गहित व्यक्ति।
 कुलाक (कुलाक) तु पु—कान कण गोण।
 कुलाक (कुलाक) अ पु—जगली कोआ डाम वाक।
 कुलाव (कुलाव) अ पु—दे कन्नाव सुड बही है
 परतु उम कन्नाव ही बोलते ह विवाडा म डालन का
 लाहे का हल्क मीना खराचन का यत्र।
 कुलाल (कुलाल) अ पु—टन बाल धूपरवाल बाल अण
 जुल्फ।
 कुलाल (कुलाल) अ पु—मट्टी के बरतन बनानवाण
 कुम्हार कुम्हार।
 कुलाह (कुलाह) अ पु—टोपी ताज मुकुट।
 कुली (कुली) तु पु—सन्क दास नोकर स्ताना पर
 सामान डोनवात्रा यक्ति।
 कुलीच (कुलीच) अ पु—खमीरी टिकिया।
 कुलुब (कुलुब) अ पु—बह कुलीच जिनम हलवा
 खावा जोर भाड वालाम आदि भरकर घी म पकाने ह
 गिराक मुझिया।
 कुलुख (कुलुख) अ पु—डला मट्टी का टुकटा इट मा
 पथर का टुकटा।
 कुलुबअदाक (कुलुबअदाक) अ वि—डला मारनवाण दम
 म बना हुई ट्राड जिनम से बडूक बनायी जाती है
 गाफन फता सन।
 कुलुखअदाबी (कुलुखअदाबी) अ स्त्री—डल मारना जिन
 के सूराना स बडूक बनाना गाफन स पथर फनना।
 कुलुब (कुलुब) अ पु—कन्व का कट्ट मनुष्या क हन्व।
 कुलूम (कुलूम) अ पु—कन्व का कट्ट मनुष्य पाव बडूकनी
 जन्म।

कुलो (كولو) फा वि—महान् व्यक्ति, बडा आदमी; रईस, धनवान्; महल्ले या गाँव का मुखिया।
 कुल्कतार (كولقطار) फा पु—फिटकरी, एक ओपधि।
 कुल्कास (كولقاس) फा पु—घुइयाँ, अरई, अर्वी।
 कुल्चः (كولچ) फा पु—दे 'कुलीच'।
 कुल्चाक (كولچاق) तु पु—लोहे का दस्ताना।
 कुल्जुम (كولجوم) अ पु—नदी, दर्या, समुद्र, सागर।
 कुलत (كولت) फा. स्त्री—मोठ, एक अन्न।
 कुल्फः (كولفه) अ पु—खतना न किये हुए शिश्न का अग्र-भाग, लिगाग्र।
 कुल्फत (كولفمت) अ स्त्री—कण्ठ, दुख, तकलीफ; रज, क्षोभ, गम।
 कुल्बः (كولبه) फा. पुं—हल, लागल, खेत जोतने का यत्र।
 कुल्बः (كولبه) फा पु—छोटा-सा घर, झोपडा, टुकान का कोना,
 कुल्बःराँ (كولبه ران) फा वि—हल चलानेवाला, किसान,
 खेतिहर, कृषक।
 कुल्बःरानी (كولبه رانی) फा. स्त्री—हल चलाना, किसानी,
 कृषिकर्म।
 कुल्बए अहजाँ (كولبه احوان) फा अ पु—शोकगृह, गम
 का घर, दुखियों के रहने का घर, प्रेमी का घर।
 कुल्माश (كولماس) फा पु—अनर्गल, व्यर्थ, बेहूदा।
 कुल्मयः (كولميه) अ पु—शरीर का एक अंग विशेष, गुर्दा।
 कुल्मयतैन (كولميتين) अ पु—दोनों गुर्दे।
 कुल्मः (كولمه) अ पु—पहाड़ की चोटी, शृंग; हर चीज की
 चोटी, बडा घडा जिसमें छ सौ रतल (७३ मन) पानी
 आता है; मौन, डहर; तलवार की मूठ, कब्जा।
 कुल्मए कोह (كولميه كوه) अ फा पु—पहाड़ की चोटी।
 कुल्मचो (كولمچي) तु पु—वह व्यक्ति जो नौकर तो हो,
 परन्तु राज्य का नौकर न हो, अधिकारी का निजी नौकर।
 कुल्मतैन (كولميتين) दो घडे पानी अर्थात् १५ मन पानी।
 कुल्माज (كولماج) तु. पु—किसी चीज का बलपूर्वक खीचना,
 जैसे—घनुप का, दोनों फँसे हुए हाथों की लम्बाई।
 कुल्माबः (كولمابه) अ पु—दे 'कुलाव', उर्दू में वही प्रच-
 लित है, परन्तु शब्द 'कुलाव' है, कुलाव. भी प्रचलित।
 कुल्माब (كولما) अ पु—लोहे का टेढा काँटा जिसमें
 कोई चीज लटकाई जा सके।
 कुल्मिलयः (كولميه) अ पु—ऐसा नियम जो एक जैसे विषय
 में सब पर लागू हो सके, व्यापक नियम।
 कुल्मियात (كولميا) अ पुं—'कुल्लिय' का बहु, बहुत से
 व्यापक नियम, किसी शायर की तमाम रचनाओं का
 संग्रह, जिसमें गजले, मसूनवियाँ, कत्आत, मुसद्दस,

मुखम्मस, नज्मे आदि सभी चीजे होती हैं, 'दीवान'
 में केवल गजले होती हैं।
 कुल्ली (كولى) अ. वि—कुल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु;
 पूरी तौर पर, समग्र, समस्त, सब।
 कुल्लूब (كولوب) अ पु—लोहारों की सँड़सी।
 कुवा (كولى) अ पु—'कुव्वत' का बहु, शक्तियाँ, जोर,
 बल; इद्रियाँ, हवास।
 कुवाए नपसानी (كوايه نپسانی) अ पु—दृष्टि, घ्राण, श्रवण,
 स्पर्श, स्मरण, स्वाद और विचार आदि की शक्तियाँ।
 कुवाए शह्वानी (كوايه شهوانی) अ पु—जननेद्रिय।
 कुवाए हैवानी (كوايه حیوانی) अ पुं—जीवन-रक्षा करने-
 वाली शक्तियाँ जो हृदय की गति को सतुलित अवस्था में
 रखकर, शरीर की धातुओं को दूषित होने से बचाती
 और गारीरिक शक्ति को बढ़ाती हैं।
 कुवारः (كوار) अ पु—कतरन, टुकडा, किसी वस्तु के चारों
 ओर से कटी हुई वस्तु।
 कुव्वः (كوه) अ पु—दे. 'कुव्वत'।
 कुव्वः (كوه) अ. पु—दीवार का छेद; ताक, ताखा;
 दरीचा।
 कुव्वत (كوت) अ. स्त्री—शक्ति, बल, जोर; सामर्थ्य,
 ताकत, मकिदरत; इद्रिय, हिंस।
 कुव्वते आज्मा (كوت آزما) अ. फा वि—बल दिखानेवाला,
 किसी कार्य में बल लगानेवाला।
 कुव्वते आज्माई (كوت آزمائی) अ फा स्त्री—किसी कार्य
 में बल लगाना; बल दिखाना, बल-प्रदर्शन।
 कुव्वतबलश (كوت بلش) अ फा वि—ताकत देनेवाला,
 ताकत बढ़ानेवाला, बलदायक, बलवर्द्धक।
 कुव्वते आखिजः (كوت آخره) अ स्त्री—लेने की कुव्वत,
 ग्रहण-शक्ति।
 कुव्वते इरादी (كوت ادری) अ स्त्री—इरादे की कुव्वत,
 सकल्प-शक्ति।
 कुव्वते ईजाद (كوت ایجاد) अ स्त्री—नयी बात पैदा करने
 की शक्ति, आविष्कार-शक्ति, उद्भावना, कल्पशक्ति।
 कुव्वते कशिश (كوت كشیش) अ फा स्त्री—खीचने की
 कुव्वत, आकर्षण-शक्ति।
 कुव्वते गौयाई (كوت گویائی) अ फा स्त्री—दे. 'कुव्वते
 नातिक'।
 कुव्वते जाइकः (كوت دایقه) अ स्त्री—चखने की कुव्वत,
 स्वादेद्रिय।
 कुव्वते जाजिवः (كوت حاربه) अ स्त्री—जज्व करने या
 अपनी ओर खीचने की कुव्वत, आकर्षण-शक्ति।

शुद्धते दाकिअ (دوستدار) अ स्त्री-हाने की कुव्वत निवारण शक्ति उत्केंद्रक शक्ति ।

शुद्धते नातिअ (موت نامت) अ स्त्री-बालने की कुव्वत वाणा वाक्शक्ति वाचन-शक्ति, वाग्म्य शक्ति ।

शुद्धते नासिम (موت نامس) अ स्त्री-बनानेवाग्म शक्ति, विकास शक्ति ।

शुद्धते फिक (موت فیک) अ स्त्री-विचार करने की शक्ति विचार शक्ति ।

शुद्धते फसल (موت فصل) अ स्त्री-ग वाता में अच्छा घुसा मानवर अच्छा दात ग्रहण करने की शक्ति, अच्छे-बुर में तमाझ करने की कुव्वत निवचन शक्ति नियम शक्ति ।

शुद्धते बरदागत (موت برداشت) अ पा स्त्री-बल या बडवा बात सहन की शक्ति, संभार सहनशीलता सहन शक्ति ।

शुद्धते बर्षी (موت برسی) अ स्त्री-बिजली की शक्ति विद्युत शक्ति ।

शुद्धते बाझ (موت بارو) अ पा स्त्री-अपनी निजा मह नत निजी परिश्रम बाहुबल ।

शुद्धते बासिर (موت ناصر) अ स्त्री-गने का शक्ति नेत्रशक्ति दृष्टिशक्ति ।

शुद्धते बाह (موت باه) अ स्त्री-स्त्रा प्रसव की कुव्वत रति शक्ति काम शक्ति ।

शुद्धते मर्दानगी (موت مردانگی) अ पा स्त्री-कुव्वते बाह ।

शुद्धते मामिक (موت ماسک) अ स्त्री-मुरछा करनेवागी शक्ति ।

शुद्धते मूलवयिल (موت متصیل) अ स्त्री-ख्याल करने की कुव्वत विचार शक्ति, कल्पना शक्ति ।

शुद्धते मुफयिअ (موت معبر) अ स्त्री-दा चीजा म भेद करने की शक्ति विवेचन शक्ति ।

शुद्धते मृतसरिक (موت مصروف) अ स्त्री-विफायन गारी की ताकत मितन्यय की शक्ति अधिकार करने की शक्ति ।

शुद्धते मुद्रिक (موت مدرک) अ स्त्री-कुव्वत मुफयिअ ।

शुद्धते मुफयिकर (موت معکرو) अ स्त्री-विचार करने का शक्ति विचार शक्ति ।

शुद्धते मुशाहद (موت مشاهد) अ स्त्री-दे कुव्वत वासिर ।

शुद्धते हहानी (موت روحانی) अ स्त्री-आत्मा की शक्ति आत्मबल मनोबल आत्मशक्ति ।

शुद्धते कामिस (موت کامس) अ स्त्री-छूने की शक्ति, स्पग-शक्ति ।

शुद्धते बाहिम (موت باهم) अ स्त्री-अम में बाहनेशाली शक्ति, वापना शक्ति ।

शुद्धते गाम्म (موت گام) अ स्त्री-सूपने की शक्ति प्राणशक्ति ।

शुद्धते सामिअ (موت سامع) अ स्त्री-सुनन का कुव्वत ध्वज शक्ति ।

शुद्धते हाविम (موت هاهم) अ स्त्री-हठम करने का शक्ति पाषण शक्ति ।

शुद्धते हाफिअ (موت حافظه) अ स्त्री-याद रखन का शक्ति स्मरण-शक्ति ।

शुद्धते हास (موت হাস) अ स्त्री-ख्यापत करने की शक्ति जते-अवयण शक्ति स्पग शक्ति शक्ति ।

कुण (کش) का प्रत्य-मार डालनेवाला, जस-जरासाम कुण कीडा का मार डालनेवाला ।

कुण (موش) तु पु-बाघ, खन पगी ।

कुणक (کوسک) का पु-द गू उच्चारण कुट्ट' और कोश' ।

कुशा (کسا) का प्रत्य-खोलनेवाला जस-कू-कुशा' कूड को खोलनेवाला ।

कुशादन (کسانش) का स्त्री-विस्तार, कुशादगा', बडि बन्ती ।

कुशाद (کشاده) का वि-चौग चकला फला हुआ विस्तृत वसाअ ।

कुशादअरू (کشاده ابرو) का वि-जिसकी दोना भौंहा के बीच काफी अंतर हा ।

कुशादअक (کشاده کف) का वि-जिसक हाथ देन के लिए खुले रहन हा, दानगाल वगम मुक्तहस्त ।

कुशादअनी (کشاده حنسن) का वि-हनमुख सख मिजाज ।

कुशादअत (کشاده سب) का वि-कुशाद अक ।

कुशादअदिल (کشاده دل) का वि-उत्तरवित्त उत्तर हृदय सुवन हृदय, फरासदिल ।

कुशादअनफम (کشاده نفس) का अ वि-बाधाल सुवन वातुनी बकवाती ।

कुशादअपेगानी (کشاده پسنانی) का वि-कुशाद अनी ।

कुशादअरू (کشاده و) का वि-जिसका मुह प्रमन्नता के कारण खिला हुआ हा प्रकूलवदन ।

कुशाद (کشان) का स्त्री-हथ खुनी प्रति लक्ष, तथा विजय फतह उपाटन, खुलना ।

कुशादनी (كشادنی) फा स्त्री-विस्तार, फैलाव; गुजाइग, समाई, सुलापन; प्रसन्नता, उदारता।

कुशादनी (كشادنی) फा वि-झुलने योग्य।

कुशादे कार (كشادكار) फा स्त्री-सफलता, कामयाबी, इच्छापूर्ति, मकसद वरारी।

कुशा'रीर (كشعوری) अ पु-शरीर के रोगटे नडे हो जाना।

कुश'िद (كشند) फा वि-मारनेवाला, वध करनेवाला।

कुश'न (كوشون) तु पु-नेना, फीज, लखर, दे 'कुगून'।

कुश'द (كشوده) फा वि-खुला हुआ, खोला हुआ।

कुश'द (كشود) फा स्त्री-खुलाव, सुलापन।

कुश'दे कार (كشودكار) फा स्त्री-दे 'कुगादे कार'।

कुश'न (كوشون) तु पु-दे 'कुगून', शुद्ध वही है, परन्तु कुगून भी खोला और लिखा जाता है।

कुश'र (كشور) अ पु-'कथ' का बहु, छिलके, छाले।

कुश'स (كشوت) अ पु-एक मशहूर दाने जो दवा के काम आते हैं, तुहमे कगूस।

कुश'क (كشك) फा पु-प्रासाद, भवन, महल; दे. 'कोशक'।

कुश'त (كشته) फा वि-मारा हुआ, वध किया हुआ, (पु) भस्म, फूँकी हुई धातु, आशिक, प्रेमी।

कुश'त (كشت) फा पु-मार-वाड़, इस शब्द का प्रयोग खून के साथ होता है और 'कुशतो खून' बोलते हैं।

कुश'तए इश्क (كشته عشق) फा अ. वि-प्रेमानि में भस्म किया हुआ, इश्क का मारा हुआ, अर्थात् प्रेमी, आशिक।

कुश'तए गम (كشته غم) फा. अ. वि-दे. 'कुशतए इश्क'।

कुश'तए नाज (كشته نار) फा वि-प्रेमिका की अदाओं का मारा हुआ, प्रेमी, आशिक।

कुश'तए हिज्र (كشته هجر) फा अ. वि-प्रेयसी की विरहानि में जला हुआ, फिराक का मारा हुआ, विरह-विदग्ध।

कुश'ती (كشتی) फा स्त्री-दो पहलवानों का परस्पर बाहु-युद्ध, नियुद्ध, मल्लयुद्ध, व्यायाम-युद्ध, बाहुयुद्ध।

कुश'तीगीर (كشتی گیر) फा. वि-कुशती लड़नेवाला, पहलवान, मल्ल, नियोद्धा।

कुश'तीवाज (كشتی باز) फा वि-दे 'कुशती गीर'।

कुश'तीखून (كشتی خون) फा. पु-मारकाट, कटावनी, रक्तपात, खूँरेजी।

कुश'तीज (كشند) फा पु-अगूर के फल जो प्रारम्भ में धनिए के बराबर होते हैं।

कुश'तीज (كشند) फा पु-धनिया, धान्यक, मसाले की एक वस्तु।

कुस (كس) फा. स्त्री-भग, योनि, फुजं।

कुसूफ (كسوف) अ पु-सूर्यग्रहण, सूरज गहन।

कुसूर (كصور) अ पु-'कन्न' का बहु, बहुत से भवन, हवे-लियाँ; दोष, अपराध, जुर्म, त्रुटि, गलती; न्यूनता, कमी।

कुसूर (كصور) अ. स्त्री-'कन्न' का बहु, भिन्न सख्याएँ।

कुसूरवार (كصوروار) अ फा वि-अपराधी, दोषी, मुल्जिम।

कुसूरे आ'शारिय: (كسور اعشاریه) अ स्त्री-दशमलव भिन्न, कुगूर या कमर = भिन्न, आशारिया = दशमलव।

कुस्त (كسط) अ. स्त्री-एक वनीपधि, कूट।

कुस्तनतीनिय: (كسططینیه) अ पु-यूरोपीय टर्की की राजधानी, इस्तम्बोल।

कुस्ता (كسطا) फा पु-पासियो का एक धार्मिक ग्रथ।

कुह (كبه) फा पु-'कोह' का लघु, पहाड़, पर्वत (योगिक शब्दों में प्रयुक्त होता है, जैसे-'कुहसार')।

कुह'न (كهن) फा वि-पुरातन, पुराना।

कुह'नसाल (كهن سال) फा वि-वयोवृद्ध, बूढ़ा।

कुह'व (كصاب) अ पु-खाँसी।

कुह'लत (كهلوت) अ स्त्री-अधेड आयु का होना, काले और सफेद बालेवाला होना।

कुह'न: (كهنه) फा वि-पुराना, पुरातन; कदीमी, हमेशा का, बहुत दिनों का।

कुह'न.मश्क (كهنه مشق) फा अ. वि.-जिसे किसी काम का पुराना अभ्यास हो, चिराम्यस्त।

कुह'न:मश्की (كهنه مشقی) फा. अ. स्त्री-किसी काम का पुराना अभ्यास, चिराम्यस्त।

कुह'न.साल (كهنه سال) फा. वि-बूढ़ा, जरठ, वयोवृद्ध।

कुह'न:साली (كهنه سالی) फा स्त्री-बुढ़ापा, जरा, वृद्धावस्था।

कुह'नगी (كهنگی) फा. स्त्री-पुरानापन, प्राचीनता, जीर्णता, फटा पुरानापन, बहुत दिनों का हो जाना।

कुह'व: (كصه) अ स्त्री-व्यभिचारिणी, परपुहपगामिनी, फाहिश', गणिका, वारमुखी, वेश्या, रडी।

कुह'व:खान: (كصه خانه) अ फा पु-चकला, वेश्यालय, रडियों का महल्ला।

कुह'हाम (كهرام) अ पु.-हाहाकार, वावैला, शोरोगुल।

कुह'ल (كحل) अ पु-सुरमा, रसाजन।

कुह'ली (كحلی) अ वि-सुरमे के रग का, सुरमई, एक काला वस्त्र जो ईरानी स्त्रियाँ पहनती हैं।

कुह'ल्लुल जवाहिर (كحل الجواهر) अ पु-ऐसा सुरमा जिसमें मोती आदि बहुमूल्य रत्न पड़े हो।

कुह'ल्लुलबसर (كحل البصر) अ पु-नेत्र-ज्योति बढ़ानेवाला सुरमा।

कुहसार (कुहार) का पु → 'कोहमार', पत-श्रेणियाँ, उपपत्ता, पहाडिया का जल ।

कू

कू (कौ) का स्त्री-कून' का लघु द 'कून ।
 कू (को) का अर्थ-वि बह ।
 कू (को) का पु-कूच का लघु, दे कूच ।
 कूए छराबात (कूए दरआत) का पु → 'कूए मुरा' ।
 कूए मुरा (कूए मुरा) का पु-मधुगाला की गली गरब खाने का कूचा ।
 कूब (कूबी) का स्त्री-जोर की आवाज, काहू का वाज ।
 कूकू (कूकू) का स्त्री-मात्सा का वाली, (पु) एक प्रकार का पुलाव ।
 कूज (कूज) अ पु-पून की शापनी जिसमें रीतानतन नहा ।
 कूच (कूच) का पु-दो घरा व बीच वाला तग गला बोधी गली ।
 कूचगद (कूचगद) का वि-गलिया क चक्कर काटने वाला गलिया में मारा-मारा फिरनेवाला ।
 कूचगदी (कूचगदी) का स्त्री-गलिया में मारा मारा फिरना आवारागदी ।
 कूच दर कूच (कूच दर कूच) का वि दे-कूच बकूच ।
 कूचबद (कूचबद) का वि-ऐसी गली जिसमें रणाय पाटक आदि लया हा जो सकट के समय बन्द किया जा सके ।
 कूचबदी (कूचबदी) का स्त्री-गली में हिफाजत के लिए पाटक आदि लगाना जिससे समय पर गली की रक्षा हो सके ।
 कूच बकूच (कूच बकूच) का वि-गली-गली कूच-कूचे घर घर हर स्थान पर ।
 कूच (कूच) का पु-प्रस्थान खानगी भरण, मोन सना का प्रस्थान ।
 कूच (कूच) तु पु-मोंग नर भेट दे 'कूच' दा गु ह ।
 कूचए इक (कूचए इक) का अ पु-श्रेम की गली ।
 कूचए खमोगी (कूचए खमोगी) का पु-त्रिस्तान शमान ।
 कूचए नौ (कूचए नौ) का पु-चबला ब्यालय रडिया का स्थान ।
 कूज (कूज) का पु-मट्टी का सवारा मत्स कुज कुवडा ।
 कूज किमार (कूज किमार) का अ वि-जुआरिया का उधार देकर नूआ खिलानेवाला ।

कूजगर (कूजगर) का वि-मिट्टी व सवारे बनानवाग वगवार वगवार ।
 कूजगरी (कूजगरी) का स्त्री-मिट्टी के सवारे बनान का वाम, वसवम वगवार ।
 कूजपुत (कूजपुत) का वि-जुवण कुज ।
 कूजपुती (कूजपुती) का स्त्री-जुवडान ।
 कूजकरीम (कूजकरीम) का वि-मिट्टी के सवारे बचनेवाला ।
 कूज (कूज) का वि-जुवडा कुज ।
 कूज (कूज) अ पु-कूजा सवारा ।
 कूत (कूत) अ स्त्री-भाजन खाना मिडा ।
 कूतबसरी (कूतबसरी) अ का स्त्री-गुजर भर आमना इतनी आमना जा केवल खाने भर का कानी हा सत, जीवन व्यतान करने में केवल भाजनमात्र का सुविधा ।
 कूते ला ममत (कूते ला ममत) अ स्त्री-इतना भाजन जिसमें जीवन बना रह बहुत चाग भाजन ।
 कूद (कूद) का पु-अन की रागि अनाज का डे-समाहार मजमूआ ।
 कून (कून) का स्त्री-मलद्वार गुदा मनुष्य व पावान । मुडाम ।
 कूनत (कूनत) का पु-मनुष्य का धूतड निनव कू गुना ।
 कून खर (कून खर) का स्त्री-गधे का मलद्वार अल्प मूत्र और निकम्मे व्यक्ति के लिए चाग जाना है ।
 कूफ (कूफ) अ पु-ईराक का एक नगर ।
 कूफ (कूफ) का पु-उल्लू उल्लूक वायसाराति कू चुग ।
 कूफी (कूफी) अ वि-कूफे का निवासी बहत हा निग जोर बेदीमान व्यक्ति कथोकि कूफिया ने हजरत इनाम हुस का वडे-वडे वचन देकर बुलाया था और फिर उन्हें अकेले छाडकर कतल होने लिया था ।
 कूकू (कूकू) का वि-दे कूच बकूच गली दर गली ।
 कूबा (कूबा) अ स्त्री-एक राग दाद दट्ट ।
 कूर (कूर) का पु-इट्टे पवाने का पजावा चूना पवा-का भण्डा ।
 कूत (कूत) तु पु-दही दधि ।
 कूलज (कूलज) अ पु-कूलि दो गु ह परन्तु बूज अधिक प्रचलित है ।
 कूलिज (कूलिज) अ पु-आता की एक पीडा जा कभी-कभी प्रातः सिद्ध हाती है ।
 कूग (कूग) तु पु-वाच फनी स्थन ।

कूस (كوس) फा. पु.—डवा, धांसा, दुदुभि, नक्कार ।
 कूसे रहील (كوسه ریحیل) फा अ पु—कूच का नक्कार;
 काफिले के चलते समय वजनेवाला धांसा ।
 कूसे रेहलत (كوس رحلت) फा अ पु दे—'कूसे रहील',
 प्रस्थान-वाद्य ।

के

केद (كید) फा पु—एक अशुभ तारा, वेनु ।
 केर (کیر) फा पु—गिघ्न, मेहन, लिग, उर्व्वे तनासुल ।
 केश (کیش) फा पु—धर्म, पथ, मन्त्र, आचरण, व्यवहार,
 अमल, तर्कश, तूणीर ।
 केहाँ (کيهان) फा पु—संसार, जगत्, दुनिया, काल, समय,
 जमाना ।
 केहफ (کحف) अ स्त्री—खोपड़ी, कपाल ।

कै

कै (کے) अ. स्त्री—व्रमन, उद्गार, उलटी ।
 कै (کے) फा पु—सम्राट्, शाहशाह, ईरान में चार सम्राट् हुए
 हैं—कैकाऊस, कैकुवाद, कैपुरी, कैलोह्लास ।
 कै (کے) अ पु—गर्म लोहे का दाग, अग को दागकर
 रंग की चिकित्सा ।
 कैक (کک) फा पु—काटनेवाला एक लाल कीड़ा ।
 कैकाऊस (کيکائوس) फा पु—ईरान का एक सम्राट्, काऊस ।
 कैकुली (کيکوللی) फा. पु—ईरान का एक सम्राट् ।
 कैची (کيچی) तु स्त्री—कत्तरी, कपड़ा आदि काटने का
 यंत्र, कतरी, कतनी ।
 कैतून (کيتون) तु स्त्री—रेथम की गोठ जो दामनो और
 गलो पर लगती है ।
 कैद (کيد) अ स्त्री—गिरफ्तारी, उपग्रह, कारावास, जेल
 की सजा ।
 कैद (کيد) अ स्त्री—छल, कपट, धोखा, फिरेव ।
 कैदक (کيدکي) अ फा. स्त्री—नत्थी, फाइल ।
 कैदखान: (کيدخانه) अ फा पु—कारागार, कारागृह,
 जेल, ज़िर्दा ।
 कैदी (کيدی) अ वि—कारावासी, जेल में कैद के दिन
 काटनेवाला, आवद्ध, गिरिफ्तार ।
 कैदे तन्हाई (کيد تهنائی) अ फा स्त्री—ऐसी कैद जिसमें
 कैदी को अलग कोठरी में बंद कर दिया जाता है, वही उससे
 मशकत ली जाती है और वही खाना आदि दिया जाता है ।
 कैदे फिरंग (کيد فرنگ) अ फा स्त्री—अंग्रेजी कैद, जिसकी
 प्रचटता और निर्दयता प्रसिद्ध है ।
 कैदे वामशकत (کيد وامشکت) अ. फा स्त्री—ऐसी कैद

जिसमें मेहनत ली जाय, कठोर कारावास, असाधारण
 कारावास ।

कैदे विला मशकत (کيد لامشکت) अ स्त्री—जिस कैद
 में मेहनत न करना पड़े, साधारण कारावास, सामान्य
 कारावास ।

कैदे महज (کيد محض) अ स्त्री—साधारण कारावास,
 कैदे विला मशकत ।

कैदे शदीद (کيد شديد) अ स्त्री—दे 'कैदे सस्त' ।

कैदे सस्त (کيد سست) अ फा. स्त्री—कठोर कारावास,
 असाधारण कारावास, कैदे वा मशकत ।

कैन (کين) अ पु—लोहार, लोहकार ।

कैनूनत (کيدونت) अ. स्त्री—उत्पत्ति, पैदाइश, सृष्टि,
 आफ्रोनिय; होना ।

कैफ (کيف) अ पु—मद, नशा; आनंद, गुरुर, वज्द, हाल,
 "रफता रपता ये हुआ कैफे तमब्वर का असर, दिल के
 आईन में तस्वीर उतर आयी है ।"

कैफदान (کيفدان) अ. फा पु—नगों की वस्तु रखने
 की ढिबिया ।

कैफर (کيفر) फा पु—बुराई का बदला, प्रत्यपकार ।

कैफरे कर्दार (کيفر کردار) फा पु—करनी की सजा, बुरे
 कर्मों का बदला, कर्म-दण्ड ।

कैफी (کيفی) अ वि. मत्त, मदोन्मत्त, मस्मूर ।

कैफीयत (کيفيت) अ स्त्री—समाचार, हाल, दशा, हालत,
 हर्ष, आनन्द, सुहूर, मस्ती, नशा, रिमार्क, नोट, वज्द,
 हाल, "कैफीयते-चश्म उसकी मुझे याद है 'सौदा' ।"

कैफाक (کيفساق) तु स्त्री—मलाई, वालाई, क्षीरसार ।

कैफाज (کيفسار) फा स्त्री—दासी, सेविका, कनीज ।

कैफूस (کيفوس) अ पु—खाये हुए अन्न का वह रस जो
 जिगर के दूसरे पाक में बनता है ।

कैयाद (کيداد) अ वि.—बहुत बड़ा छली, बहुत बड़ा धूर्त,
 बहुत बड़ा फरेवी ।

कैयादी (کيدادی) अ. स्त्री—छल करना, छल, दगावाजी,
 कपट ।

कैयाल (کيدال) अ वि—नापनेवाला, पैमानो से अनाज आदि
 नापनेवाला ।

कैयूम (کيدوم) अ वि—अनश्वर, नित्य, लाजवाला; ईश्वर का
 एक नाम ।

कैयूर (کيدور) अ वि—जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातवश,
 वर्णसंकर ।

कैहती (کيدوتی) अ. स्त्री—मोम रौगन की भाँति, सीने
 आदि पर मलने की एक दवा ।

कल (कल्ले) अ पु - कल।
 कल (कल) अ पु - सूना वस्तु नापने का पमाना।
 कल्ल (कल्ले) अ पु - गहरे में छाना साकर घाड़ी दर आराम करना।
 कल्लुस (कल्लुस) अ पु - नाप हुए अन्न का पहला हलम जो आमागन में होता है।
 कलाहास (कलहास) पा पु - रीतन व चार सघाता में म चीया।
 कवा (कवा) पा पु - कवान' का लघु द कवान।
 कवान (कवान) पा पु - अनिग्रह जुग सातवा आराम।
 कस (कस) अ पु - अरख का एक प्रमा जाला पर मुग्य था। लग उस मजनु कहने थे।
 कस (कस) अ पु - गाता का जड़ स निकर पाना पट का गति।
 कसर (कसर) अ पु - म क गासका का पका बागगाह, गाजा।
 कसरी (कसरी) अ वि - बागगाहा राय।
 कसूर (कसूर) अ पु - एक नगर गहा का कपूर प्रसिद्ध है।
 कस (कस) अ पु - पाव का पीप अथवा कचारा।
 कहा (कहा) पा पु - ससार दुनिया का समय जमाना।

को

को (को) पा अय - वि वह।
 कोक (कोक) तु पु - वह जका जिनने किया दूसर लज्ज क साथ एक भा का दूध पिया हा।
 कोक (कोक) पा स्त्री - वाज क छार छान करना वाज का आवाज में आवाज मिगना सामा काम।
 कोकना (कोकना) पा पु - पास्त पास्ता पान्न का धान जिममें दाने हा।
 कोकलता (कोकलता) तु पु - वह लज्जा जिनने किया दाई व लज्ज क साथ दूध पिया हा।
 कोक (कोक) पा पु - ऐसा पाशवा जिममें रोगान्न न हो एक पाशव जिममें चर्माई बनाने ह नाट कोक।
 कोक (कोक) पा वि - छाया लघु।
 कोकल (कोकल) पा वि - मुग्य अनुगार लघुवता समनद मरुग्य नमल।
 कोकली (कोकली) पा स्त्री - लिल का छाया हाना समनदरा लिल का नम हाना।
 कोकली (कोकली) पा स्त्री - गुगद गुगुदा।
 कोक (कोक) पा पु - एक फूट जानया-जसा होता है।
 कोक (को) अ वि - टोपन, वनवा, कुबवा, कुत्र।

कोकपुत्र (कोकपुत्र) पा वि - मुवग कुत्र।
 कोकल (कोकल) तु पु - गुद उच्चारण 'कुत्र' परनु व वा कतर भी लिखने ह साम सबारी का धान।
 कोक (कोक) पा वि - कोताह' का लघु द काताह'।
 कोकअदेग (कोकअदेग) पा वि - लघुवता बहुरागी, नात्राग्य मूय, वेवकुत्र।
 कोकअदेगी (कोकअदेगी) पा स्त्री - अदुरगिता, ना जग्गा मूलता, जहालव।
 कोकहनवर (कोकहनवर) पा अ वि - नात्राविवज जेग जदुरागी।
 कोकहनबरी (कोकहनबरी) पा अ स्त्री - नात्राविवजअग्गा अदुरगिता।
 कोकही (कोकही) पा स्त्री - काताहा'।
 कोताह (कोताह) पा वि - हम्ब छाया अथ धान।
 कोताहअदेग (कोताहअदेग) पा वि - काताहअग्गा।
 कोताहअदेगी (कोताहअदेगी) पा स्त्री - काताहअग्गा।
 कोताहअद (कोताहअद) पा अ वि - छाटे डालडोल का, अथवाय हम्बाग।
 कोताहअम (कोताहअम) पा अ वि - जाचिठो-पत्री गित्त में बहुत आलभा हा।
 कोताहअलमी (कोताहअलमी) पा अ - चिटठा-यथा लिखने में आलस।
 कोताहअमत्त (कोताहअमत्त) पा अ वि - काताहअग्गा छाटे डोल डोलवाग मनुष्य।
 कोताहअमती (कोताहअमती) पा अ स्त्री - डोल-गैल का छाटा हाना।
 कोताहअदन (कोताहअदन) पा वि - छाया गदन का व्यक्ति ऐसा मनुष्य चालक हाना है।
 कोताहअदस्त (कोताहअदस्त) पा वि - जिमकी पहेंव जिम विगेष स्थान या काय तक न हा सक नारसा जित्त हाय छाटे हा।
 कोताहअदस्ती (कोताहअदस्ती) पा स्त्री - पहेंव न हाना हाय का छागई।
 कोताहअदामन (कोताहअदामन) पा वि - जिमके दामन में मया इग कम हा कम हीसला।
 कोताहअदामनी (कोताहअदामनी) पा स्त्री - दामन की छोटी उमग की बमी।
 कोताहनवर (कोताहनवर) पा वि - जा दूर तक न दान सके जा दूर तक न साव सक अनुगार तगलित।
 कोताहनबरी (कोताहनबरी) पा अ - दूर तक न दान सक्ता दूर तक न साव सक्ता, अनुगारता तगलित।

कोताहपाच. (کوٲاھ پاچھ) फा. वि-ने कोताहकामन, एक जगती चापाया ।
 कोताहफहम (کوٲاھ فہم) फा. ज. वि-जिगती समझ भोवरी हो, मदवुनि ।
 कोताहफहमी (کوٲاھ فہمی) फा. स्त्री-बात की समझ पूरी-पूरी न हो, वगमतामी, वृद्धिमाध ।
 कोताहवीं (کوٲاھ ویں) फा. वि-दं. 'कोताहनजर' ।
 कोताहवीनी (کوٲاھ وینی) फा. स्त्री-दं. 'कोताहनजरी' ।
 कोताहहिम्मत (کوٲاھ ہمت) फा. अ. वि.-कमहिम्मत, अल्वात्माह, मंद नाहन ।
 कोताही (کوٲاھ ی) फा. वि-गयना, छोटाई, लूगता, कमी, वृद्धि, घामी; भूल, गफगल ।
 कोद (کوٲ) फा. पु.-मल, पाखाना, थिछा ।
 कोदक (کوٲدی) फा. पु.-बालक, निम्न, बहुत छोटा बच्चा, बाल, किमीन. जवानी के करीब ललल ।
 कोदाब (کوٲد آب) फा. पु.-अमूर के रस में पकाया जानेवाला एक पेय ।
 कोपलः (کوٲل) फा. पु.-त्रे चुलचुले जो पानी और हरेक पत्ते पदार्थ में उत्पन्न होते हैं ।
 कोपतः (کوٲتہ) फा. वि-कूटा हुआ, चोट पाया हुआ, परिश्रम में थका हुआ; (पु) वह कमाई जो भडुएपन से प्राप्त हो, कीम की गोली, पके हुए मास का एक विशिष्ट प्रकार का सालन ।
 कोपतःवेत्तः (کوٲتہ ویٲتہ) फा. वि.-कूटकर छाना हुआ, (पु) कुटी-ठनी वस्तु ।
 कोपत (کوٲت) फा. स्त्री.-मनस्ताप, दिली खलिश, दुःख, कष्ट, रज, परिश्रम, प्रयास, मेहनत ।
 कोपतनी (کوٲتنی) फा. वि-कूटने के योग्य ।
 कोपः (کوٲ) फा. पु-मिट्टी आदि कूटने की मोगरी ।
 कोपःकार (کوٲہ کار) फा. वि-मोगरी में कूटनवाला, मार-पीट करनेवाला ।
 कोपःकारी (کوٲہ کاری) फा. स्त्री-मोगरी से कुटाई, मार-पीट, मरम्मत ।
 कोप (کوٲ) फा. प्रत्य.-कूटनेवाला, जैसे-'पाकोव' पाँव पीटनेवाला ।
 कोवां (کوٲاں) फा. वि-कूटता हुआ, मारता हुआ ।
 कोविद. (کوٲدہ) फा. वि-कूटनेवाला ।
 कोविदः (کوٲدہ) फा. वि.-कूटा हुआ ।
 कोर. (کور) फा. पु-भाग, अश, हिस्सा, ईरान देश का पाँचवाँ भाग ।
 कोर (کور) तु. पु-अस्त्र, हथियार ।

कोर (کور) फा. वि-अथा, नेत्रहीन, अध, नावीना ।
 कोरजल (کورجتل) फा. अ. वि-आल का अथा, जिनकी नमन में कुल न आये, हतवुनि, अधवुनि, नितान्त मूर्ख ।
 कोरखानः (کورخانہ) तु. फा. पु-गरनागार, हथियारघर, अस्त्रहानान ।
 कोरचश्म (کورچشم) फा. वि-नेत्रहीन, अथा ।
 कोरचदमी (کورچشمی) फा. स्त्री-अघापन, नेत्रहीनता ।
 कोरची (کورچی) तु. पु-मैनिक, निपाही, फीजी, लोहार, गौहार, शाही दरबार का प्रवचक ।
 कोरदिल (کوردل) फा. वि-दं. कोरखातिन ।
 कोरदिली (کوردلی) फा. स्त्री-दं. 'कोरखातिनी' ।
 कोरदीं (کوردیں) फा. पु-ऊन का मोटा कपज, कम्मल, धुम्ना ।
 कोरदीद. (کوردیدہ) फा. वि-दं. 'कोरचश्म' ।
 कोरदीदगी (کوردیدگی) फा. स्त्री-दं. 'कोरचश्मी' ।
 कोरदेह (کورده) फा. पु-ऐगा गाँव जो बड़ी बुरी जगह बसा हो और जहाँ जरूरत की कोई वस्तु न मिले ।
 कोरनिज (کورنجر) तु. स्त्री-दं. 'कुनुंज', गुद्गु उच्चारण वही है, परन्तु उर्दू में यही अशुद्ध उच्चारण प्रचलित है, झुककर गलाम करना ।
 कोरवल्त (کورولت) फा. वि-अधे भाग्यवाला, अत्यन्त दुर्भाग्यी, हतभाग्य ।
 कोरवल्ती (کورولتی) फा. स्त्री-बहुत ही अभागापन ।
 कोरखातिन (کورخاتین) फा. अ. वि-जिसकी आत्मा में ज्ञान का प्रकाश न हो, अन्वात्मा, जिसमें धर्म न हो ।
 कोरखातिनी (کورخاتینی) फा. अ. स्त्री-आत्मा में ज्ञान के प्रकाश का अभाव, धर्म के प्रकाश का अभाव ।
 कोरवेगी (کورویگی) तु. पु.-शस्त्रागार का रक्षक, अस्त्रिह-खाने का मुहाफिज ।
 कोरमाज (کورمجر) फा. अ. वि.-जिसकी समझ बहुत मोटी हो, कोढमग्न, मदवुद्धि ।
 कोरमज्जी (کورمجنی) फा. अ. स्त्री.-समझ का अत्यन्त मोटा और भोवरापन ।
 कोरी (کوری) फा. स्त्री-अघापन, आध्य ।
 कोरे मावर जाद (کور ماکردان) फा. वि-जो मा के पेट से ही अथा पैदा हुआ हो, जन्माध ।
 कोरे मुनी (کور مقوی) फा. अ. पु-माँ के पेट से अथा, जन्माध, बच्चों का पढानेवाला, अथा हाफिज ।
 कोरोकर (کورورکر) फा. वि-अथा और बहरा, जो न कुछ देख सके और न कुछ सुन सके ।
 कोल (کول) फा. पु-ताल, तालाब, तडाग ।

कोलाब (कोब) का पु—ताज सात्राय, सडाग ।
 कोण (कोश) का पु—ईरानी हर महोने का चोन्हवां गिन
 दे 'गोण दो गु ह (प्रत्य) बागिंग करनेवाला जस
 'मस्तहत कोण' हित की बागिंग करनेवाला ।
 कोणक (कोशक) का पु—भवन, प्रासाद, महल, दे 'कुस,
 दाना घुड ह ।
 कोशा (कोशान) का वि—बागिंग करनेवाला प्रयत्न में
 लगा हुआ यत्मान, यत्नवान ।
 कोशिंग (कोशिंग) का स्त्री—प्रयत्न उद्यम प्रयास जिहो
 जह् उपाय तयोर परिश्रम महनत ।
 कोस (कोसे) का पु—वह व्यक्ति जिसकी दाढ़ी मूँछ-बपसक
 होने के बहुत त्नि बाद निकलें ।
 कोस (कोस) का पु—नक्कार दुदुमि डका घोसा ।
 कोस्त (कोस्त) का वि—बूटा हुआ ।
 कोस्त (कोस्त) का पु—मनस्ताप से, सत्मा ।
 कोह (कोहे) का पु—काहान, ऊँट या बल की पीठ का
 उभार ।
 कोह (कोह) का पु—पहाड पवत गिरि जवल ।
 कोहन (कोहन) का वि—पहाड काटनेवाला पत्रतभदी,
 (पु) गीरी व प्रेमी फहाद की उपाधि, जिसने गारी की
 जात से पहाड काटते हुए अपने प्राण दे दिये— कह दो यह
 कोहन से कि मरना नहीं कमाल भर भर के हिच्ये-पार में
 जीना कमाल है ।
 कोहनी (कोहनी) का स्त्री—पहाड काटना कई बहुत
 कठिन काम करना ।
 कोहजिपर (कोहजिपर) का वि—पहाड जसा अबल साहस
 रखनेवाला बहुत बडा वीर वत्र हृदयी वत्र-साहसी ।
 कोहपाय (कोहपाय) का वि—पहाड-जसी मत्ता रखने
 वाला (पु) पहाड की तराई की भूमि गिरि-सा गौरवमय ।
 कोहपकर (कोहपकर) का वि—पहाड-जसा डीठडील
 रखनेवाला बहुत ही गिराडील पवतावार मटाकाय
 भीमकाय ।
 कोहपमा (कोहपमा) का वि—पहाड म मारा-मारा फिरने
 वाला (पु) आधुनिक समय म पहाडो का चाटियो तर
 पहुँचने और वहाँ का हाल जानने का प्रयत्न करनेवाला
 पवतारोही ।
 कोहपमाई (कोहपमाई) का स्त्री—पहाडो म फिरना
 पहाडा की चाटियो पर चक्कर वहाँ की दशा और दूसरे
 सभाचार ज्ञात करना ।
 कोहवकार (कोहवकार) का अ वि—पवत-जसा धय रखनेवाला
 मत्तधय पवत-जसी प्रतिष्ठा रखनेवाला, महाप्रतिष्ठित ।

कोहसार (कोहसार) का पु—यह देग जहाँ पहा हो पहाड
 हो, पहाडा वा सिलमिला, पवतमाला उपत्यका ।
 कोहान (कोहान) का पु—ऊट या बल की पीठ का बूड
 क्तु ।
 कोहिस्तान (कोहिस्तान) का पु—पहाडी इलाका, पहाड
 प्रेग पहाडी सिलमिला, पवतमाला ।
 कोहिस्तानी (कोहिस्तानी) का वि—पहाडी प्रेग वा
 निवासा पहाडा पहाडी इलाक स सम्बन्ध रखनेवाला ।
 कोही (कोही) का वि—पहाड स उत्पन्न, पहाड स सम्बन्धित
 पहाड वा ।
 कोहे आतगफिना (कोहे आतगफिना) का पु—जाम उगलन
 वाला पहाड ज्वागमुगा ।
 कोहे आदम (कोहे आदम) का अ पु—रका व एव पहाड की
 चोटी ।
 कोहे काक (कोहे काक) का अ पु—बाकशाया वा पहाड जहाँ
 वा सौल्य प्रसिद्ध है ।
 कोहे सूर (कोहे सूर) का अ पु—वह पहाड जिन पर हजबत
 मुरा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था ।
 कोहे मूर (कोहे मूर) का अ पु—प्रकाश वा पहाड बहुत अधिक
 प्रकाश विश्व वा वह सबधत्त हीरा जो गालतुडा
 से प्राप्त हुआ था और मुगल सम्राटो के राज में रहा और
 अब ब्रिटिश सम्राट के ताज में जडा है ।
 कोहे बेसुत (कोहे बेसुत) का पु—अमन देग वा वह पहाड
 जिस फहाद ने काटा था ।
 कोहे सफा (कोहे सफा) का अ पु—मक्के की एक पहाडा जिसन
 दो सौ कदम पर दूसरी पहाडी मव है और इन दानो के
 बीच में हाजी डौडते ह ।
 कोहे सीना (कोहे सीना) का अ पु—गाम वा एक पहाड ।
 कोहे सना (कोहे सना) का अ पु—काहे गीना ।
 कोहन (कोहन) का वि—कुहन प्राचीन जीण पुराता ।

फौ

फौसल (फौसल) अ पु—राजदूत सफीर ।
 फौसलखान (फौसलखान) अ फा पु—सफीर के रदन वा
 स्थान हुतावास सिफारतखाना ।
 फौकब (फौकब) अ पु—जनसमूह भीड अबोह टाट-बाट
 घाना गौकत धूम धाम लोहे का एव चमकदार ग जो
 एक लंबी लकड़ी म जिसकी मोक टडी हाती है लटकाकर
 शान्शाह की सवारी के आग-आग चलाया जाता है ।
 फौकब (फौकब) अ पु—बडा और तेज प्रकाश वा तारा,
 तारा जुड ।

कौदन (كودن) अ वि-मूर्ख, धामड, बहुत ही बेवकूफ; लद्दू घोडा जो बहुत धीरे चलता है, कम चलनेवाला टट्टू, मठठर ।

कौन (كون) अ पु-संसार, जगत्, दुनिया, उत्पत्ति, सृष्टि, तस्लीफ ।

कौनोमकान (کون و مڪان) अ पु-संसार, जगत्, जहान ।

कौनैन (کونين) अ पु-दोनो संसार, यह संसार और ऊपरी संसार अर्थात् परलोक ।

कौमः (کومہ) अ पु-नमाज में खड़े होने की अवस्था ।

कौम (کو) अ पु-जाति, वंश, राष्ट्र, सल्तनत; विरादरी, वर्ण, ब्राह्मण, क्षत्रिय या शैख, सैयिद आदि जातियाँ ।

कौमी (کومی) अ वि-राष्ट्रीय, मल्की, जातीय, विरादरी का, वर्ण-सम्बन्धी ।

कौमीयत (کومییت) अ स्त्री-राष्ट्रीयता, नैशनलिटी, विरादरी; वर्ण ।

कौरः (کورہ) अ पु-निर्जन और वीरान स्थान ।

कौर (کور) अ पु-पजों के बल चलना, ताकि कोई आहट न सुन सके ।

कौर (کور) अ पु-वृद्धि, बढ़ती, समृद्धि, फरागत ।

कौल (قول) अ पु-कथन, वचन, वात, प्रवचन, मकूल, प्रतिज्ञा, इत्कार, वादा ।

कौलन (قولاً) अ वि-जवानी, वातो से, जवान से, कौल से, 'फैलन' का उलटा ।

कौले सालेह (قول صالح) अ पु-सच्ची वात, ठीक वात, सच्ची राय, सही राय ।

कौलोक़रार (قول وقرار) अ पु-आपस में प्रतिज्ञा करना, पारस्परिक प्रतिज्ञा और वचन ।

कौलोक़सम (قول و قسم) अ पु-परस्पर शपथ और प्रतिज्ञा, अहदोपैमा ।

कौल फ़ैल (قول و فیل) अ पु-कहना और करना, कथन और कर्म, कथनी और करनी ।

कौस (قوس) अ स्त्री-धनुष, धनु, धन्व, कमान, धनुराशि, वुर्जे कौस ।

कौसज (کوسج) अ पु-वह व्यक्ति जिसकी डाढी-मूछे बहुत समय के पश्चात् निकलें, दे 'कौस' ।

कौसनुमा (قوس نما) अ फा वि-कमान की शकल का, धनुषाकार,

कौसर (کوسر) अ पु-स्वर्ग का एक कुड या हीज ।

कौसुन्नहार (قوس النہار) अ स्त्री-सूरज की पूर्व से पश्चिम तक की यात्रा, जो १२ घंटे में समाप्त होती है और पूरा धनुष बनाती है ।

कौसुस्समा (قوس السّما) अ. स्त्री-आकाशमंडल जो धनुष की तरह दिखाई पड़ता है ।

कौसे कुज़ह (قوس قزح) अ स्त्री-इंद्रधनु, धनुक ।

कौसे शैतान (قوس شيطان) अ. स्त्री-दे. 'कौसे कुज़ह' ।

कौसैन (قوسین) अ स्त्री-दो धनुष, दो कमाने, कोष्ठक, ब्रैकेट ।

ख

खंजर (خنجر) अ पु-छुरी, भुजाली, बड़ा चाकू, पेश कब्ज, क्षुरिका ।

खंजरखन (خنجرزن) अ फा वि-खंजर मारनेवाला, छुरी भोकनेवाला ।

खंजरखनी (خنجرنی) अ फा स्त्री-छुरा भोकना, खंजर से घायल करना ।

खंजरबकफ (خمصر کف) अ फा वि-हाथ में छुरी लिए हुए, वधोद्यत ।

खंजरी (خنجری) अ स्त्री-एक प्रकार की छोटी डफली ।

खंदः (خندہ) फा. पु-मुस्कुराहट, मुस्कान, मदहास; हँसी, जोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा ।

खंदहज़न (خندہ زن) फा वि-हँसनेवाला; हँसी उड़ानेवाला ।

खंद.जानी (خندہ زنی) फा स्त्री-हँसना, मुस्कुराना, हँसी उड़ाना ।

खंदःदहन (خندہ دهن) फा वि-हँसमुख, जिसके मुँह पर हर समय हँसी खेलती रहती हो ।

खंदःपेशानी (خندہ پشانی) फा वि-खुश अल्लाक, सुशील, जिसके चेहरे पर मुस्कुराहट रहती हो, स्मितमुख ।

खंदःरू (خندہ رو) फा वि-दे 'खंद पेशानी' ।

खंदःरूई (خندہ روئی) फा स्त्री-चेहरे की मुस्कुराहट, सुशीलता, खुश अल्लाकी ।

खंदःलव (خندہ لب) फा वि-जिसके होठों पर मुस्कान रहती हो, अधर-स्मित ।

खंदःलबी (خندہ لبی) फा स्त्री-होठों पर मुस्कुराहट रहना ।

खंदए ज़हम (خندہ زحم) फा पु-धाव का मुँह खुला होना, धाव का खुलापन ।

खंदए ज़मों (خندہ زمیں) फा पु-कलो और हरियालियों का भूमि से निकलना ।

खंदए ज़ाम (خندہ حام) फा पु-शराब उँडेलने का शब्द, शराब के प्याले की लहर ।

खंदए ज़ेरेलव (خندہ زیولب) फा. पुं-ऐसी हँसी जो होठों में ही रह जाय, मदहास, मुस्कुराहट, तवस्सुम ।

खद्य ददा नुमा (خنده دنداں سا) फा पु - एमा हूँमा जिसमें दात खुल जायें जार की हूँसी।
 खद्य सुवह (خنده صبح) फा अ पु - प्रात काल का सफेदी।
 खद्य (خلق) अ स्त्री - दुग जादि व चारा जार का गहर गना, खाद गार गन गदा।
 खद्यरीस (خندرس) ज पु - पुरानी मदिरा पुराना गेहूँ।
 खद्य (خندان) फा वि - हस्ता हुआ।
 खद्य (حلب) अ पु - सुस्त हाना मद होना दाहर हाना पुना होना (वि) मद सुस्त बन टेडा।
 खद्य (حجر) तु पु - पाटे और गथे के मल से उत्पन्न एक प्रसिद्ध पत्थु अश्वतर वेगर गभ भावद।
 खद्य [ख] (خ) अ पु - एन रोमी कथडा रंगम जीर मूल मिला एक कथना।
 खद्य (خ) फा पु - खडा का लघु, द खडा (स्त्री) उच्चता उचाई (पु) एक नगर।
 खद्य (حصص) अ पु - रगारिगा खाना सफेत् माती या बायका के गले में पहनाये जान ह।
 खद्य (خون) अ पु - गात्त का सड जाना।
 खद्य (خوب) अ स्त्री - ठीकरा गुट्टी मट्टी का बरतन सकारा कुत्तरह।
 खद्य (حلب) ज स्त्री - दे खद्यफ'।
 खद्य (خضف) ज पु - खरबूज।
 खद्यरेब (خوب ربه) ज फा पु - मट्टा काठीकर गट्टी।
 खद्य (خض) ज पु - रगना रग करना।
 खद्य (خوب) अ पु - मूमता नागानी लवाई दरजा।
 खद्य (خزر) अ पु - उत्तरी तुर्किस्तान का एक प्रदेश जहा क निवासी बहुत ही सुन्दर हान ह।
 खद्य (خصل) अ पु - खजूरत'।
 खद्यलत (خصلت) अ स्त्री - रज्जा श्रीन गमिगी।
 खद्यलत (خصلت ده) अ फा वि - रज्जित गमिगा।
 खद्य (خزان) फा स्त्री - मतन की खुनु जाट का मीमिम निजा भा प्रचलित।
 खद्यान्ता (خزان اسنا) फा वि - बह पना जिसे पतन और ऊन स्थान में रहन का अभ्यास हा।
 खद्यदीर (خزان دنده) फा वि - बह पता या प' जा पतन का नट उठा चुका हा जा पतन के दुग स चगिन हा।
 खद्यरीस (خزان رسنه) फा वि - जिस पर पतन का नाम आ गया हो जा पतन के कारण नट हानेवाला हा।
 खद्य (خوع) अ पु - मिथा स बचन का पालन न करना दान करना दना।

खद्यान (خزان) अ पु - खिदान का बहु निधिया, खदान।
 खद्यान (خزان) अ पु - निधि कोप भडार म'न सकारी खजाना राजकाय इन श'न का गुद उच्चारण खिदान है परतु उदू में खद्यान ही बोलेने ह।
 खद्यानए आमिर (خزان عامره) अ पु - ऐमा खद्यान आ भरपूर हो।
 खद्यानची (خزانچی) अ फा वि - खद्याने का हिमाद विताव रवनेवाला कोपाध्यम।
 खद्यार (خमार) अ पु - बहुत-सा पानी मिला हुआ दूध या तरकारी।
 खद्यालत (خصلت) ज स्त्री - रज्जा बाडा यम परचात्ताप, नदामत सवाच पगेमानी।
 खद्यिम (خرم) ज वि - नज तलवार गुर व्यक्ति।
 खद्यिर (خمر) अ पु - हरी डाली हरियाली, सजी, हब गिज।
 खद्यिल (خصل) अ वि - रज्जित गमिगा पचात्ताप नादिम सकोच पगेमानी।
 खद्यी (خروی) अ वि - बदनाम निधि म्वा।
 खद्यीब (خضف) अ पु - बरमात की अविधता मे भागी हुई भूमि।
 खद्यीन (خروند) अ पु - खद्या।
 खद्यीव (خضف) अ वि - रग किया हुआ।
 खद्यीर (خمر) अ वि - उत्तम अच्छा रबिकर पना'।
 खद्यूर (خصور) अ वि - हरा हानेवाला।
 खद्यूल (خروان) अ वि - रज्जित गमिगा।
 खद्युअ (خروعه) अ पु - एक पाव का गगनपन।
 खद्युख (خصصه) अ पु - हसन-मयुन जलक।
 खद्यन (خون) अ पु - माल जमीन में गाडना रहस्य का छिपाना गात्त का सड जाना।
 खद्य (خوب) - हाय-पाव से चप्या।
 खद्य (خضف) - भाजन करना खाना खाना जल्दी दना गिगा आर तरफ।
 खद्य (خرم) अ पु - गका करना ऊँ बल जाति न नयों में नाय डगना।
 खद्यन (خرو) अ पु - अरब का एक वग।
 खद्य (خضر) अ पु - हरियाली सज हरा घास।
 खद्यए दिसन (خضراء دمن) अ फा पु - पूर पर उगा हुई हरियाली साफ़ आदि हर चीज जा ऊपर स खूर सजी हुई हो परतु भीतर न अची न हा बह स्त्री जो अतुलीना हा परतु बहुत ही सुन्दर हा।
 खद्यान (خزان) अ पु - तुर्किस्तान का एक नगर।

खज़ी (خزى) अ वि—'खज़ान' का निवासी, अथवा वहाँ से सम्बन्धित।

खज़ल (خجل) अ पु—लज्जा, शर्म, लाज।

खज़लत (خجلت) अ स्त्री—लज्जा, शर्म, व्रीडा, लाज, सकोच, पशेमानी।

खज़लतजदः (خجلت زده) अ फा वि—लज्जित, शर्मिदा, सकुचित, पशेमान।

खत [त्त] (خط) अ. पु—लकीर, रेखा, पत्र, चिट्ठी, मूँछ, डाढ़ी, लेख, तहज़ीर, परवाना, राजादेश; चिह्न, निशान।

खतकशीदः (خط کشیده) अ फा वि—लकीर खिचा हुआ, वह इवारत आदि जिसके नीचे ध्यान दिलाने के लिए लकीर खीची गयी हो।

खततराश (خط ترأس) अ फा वि—हजामत वतानेवाला, नाई, नापित।

खतन (ختن) अ पु—दामाद, जामाता, ससुर, श्वशुर, साला, श्यालक, हर वह पुरुष जो स्त्री का नातेदार हो।

खतम (ختم) अ वि—मुँह की हुई वस्तु, जिस चीज पर मुँह हो, मुद्राकित।

खतर (خطر) अ पु—भय, त्रास, डर, गका, सदेह, शुब्हा।

खतरनाक (خطرنای) अ फा वि—भयानक, भयकर, हौलनाक, अनिष्टकर, नुकसानदेह।

खतरनाकी (خطرنایی) अ फा स्त्री—भयानकता, हौलनाकी, अनिष्ट, हानि, नुकसान।

खतल (خطل) अ पु—मदता, सुस्ती, हलकापन, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, उतावलापन, घबडाहट।

खता (خطا) अ स्त्री—दोष, अपराध, पाप, गुनाह, त्रुटि, भूल।

खता (خاتا) फा. पु—चीन का एक प्रदेश, चीन।

खताकार (خطاکار) अ फा वि—दोषी, अपराधी, मुज्जिम, पापी, पातकी, गुनाहगार।

खताकारी (خطاکاری) अ फा स्त्री—दोष करना, दोषी होना, पाप करना, पाप कर्म।

खतागर (خطاگر) अ फा वि—दे 'खताकार'।

खतागरी (خطاگری) अ फा स्त्री—दे 'खताकारी'।

खतापोषा (خطا پوش) अ फा वि—पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालनेवाला।

खतापोशी (خطا پوشی) अ फा स्त्री—पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालना, उन्हें प्रकट न करना।

खताफ (خطاب) अ पु—देव, राक्षस, पिशाच।

खताब (خطابه) अ पु—खतीबी करना, भाषण देने का काम करना।

खतावदश (خطا سدش) अ फा. वि—अपराध क्षमा करनेवाला; पाप क्षमा करनेवाला, मोक्ष देनेवाला।

खताबल्शी (خطا بخشی) अ फा स्त्री—अपराध क्षमा करना, पाप क्षमा करना, मोक्ष देना।

खताबी (خطابى) अ. फा वि—दोष और पापों का देखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

खताबीनी (خطابى نی) अ फा स्त्री—दोष और पाप देखना।

खताया (خطایا) अ पु—'खतीय.' का बहु, बहुत से अपराध, बहुत से पाप।

खतावार (خطاوار) अ फा वि—अपराधी, सिद्धदोष, कुसूरवार, पापी, गुनहगार।

खताशिआर (خطا شمار) अ वि—जिसका काम ही पाप करना हो, पाप करने में धृष्ट, पापप्रवण, पापाभ्यस्त।

खतिल (خطل) अ वि—मूर्ख, बेबुद्ध, उतावला, आतुर, जल्दवाज।

खतीजः (ختیمه) अ पु—धनुष चलानेवाला की अँगूठी जो वह अँगूठे में पहनते हैं।

खतीफ (خطیف) अ पु—तेज चलनेवाला ऊँट, आटे और दूध की लपसी।

खतीवः (خطیبه) अ स्त्री—भाषण देनेवाली स्त्री, वक्त्री।

खतीव (خطیب) अ वि—खुत्व पढनेवाला, मस्जिद या निकाह में खुत्व पढनेवाला, भाषण देनेवाला, वक्ता; धर्मोपदेश करनेवाला, वाइज, धर्मोपदेशक।

खतीवानः (خطیبادنه) अ फा वि—खतीवो-जैसा, वाइजो-जैसा।

खतीवी (خطیبدی) अ स्त्री—खुत्व पढने का काम या पेशा, भाषण देने का काम।

खतीयः (خطیبه) अ पु—पाप, अपराध, गुनाह।

खतीर (خطیر) अ वि—बहुत अधिक, अत्यधिक, बहुत जियादा, महान्, श्रेष्ठ, अज्जाम।

खते अज्रक (خط ازرک) अ पु—जामे जमशेद की रेखाओं में से चौथी रेखा।

खते अफूव (خط اعمو) अ पु—मुआफीनामा, क्षमापत्र।

खते अमान (خط امان) अ पु—इस बात की तहज़ीर कि अमुक व्यक्ति की रक्षा की जायेगी, सरक्षणपत्र।

खते अमूद (خط امور) अ पु—वह खड़ी रेखा जो किसी पडी रेखा पर गिरकर ९० अंश का कोण बनाये।

खते आज्जादी (خط آزادی) अ फा पु—किसी को वधनमुक्त करने का लिखित प्रमाण, मुक्तिपत्र।

खते इस्तिवा (خط استوا) अ पु—भूमध्य रेखा, विपुव रेखा, विपुव रेखा।

खते ए'तिदाल (خط اعتدال) अ. पु—दे 'खते इस्तिवा'।

छते गुलामी (حط علامی) अ पु-इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति फला व्यक्ति का सदब दाम रहगा, दासता-पत्र ।

छते चलीपा (حط حلیما) अ पु-ह्राशिये पर जो इवारत तिरछी लकीरा में लिखी जाती है ।

छते जदी (حط حدی) अ पु-उज्ज कटिवष की दां गणी रेखा मकर रेखा ।

छते जवीं (حط حویں) अ फा पु-दे छते पगाना ।

छते जली (حط حلی) अ पु-माटी लकीर माटे बरलम से लिखा हुआ लेख ।

छते जबाज (حط حواری) अ पु-मर्दान्ण राहदारी पासपोर्ट परिपारपत्र ।

छते तखदीर (حط تخذیر) अ पु-किस्मत का लिखा भाग्यलेख भाग्यरेखा ।

छते तहरीर (حط تحریر) अ वि-छत की लिखावट मुदता के बाद कामिद आज लापा है पयाम फमला किस्मत का जाहिर है खन तहरीर स ।

छते तखसीम (حط تخسیم) अ पु-बह रेखा जा निमी भूमि जादि को दो भागा म बाट दे विभाग रेखा ।

छते तर्सा (حط ترسا) अ फा पु-पार्सिया का रेख जा बहूत टेडा-मेडा होता है ।

छते तस्दीक (حط تصدیق) अ पु-प्रमाणपत्र सर्वोपिकेट ।

छते तस्लीम (حط تسلیم) अ पु-मरल रेखा सीधी लकीर ।

छते दीवनी (حط دیوانی) अ फा पु-दफतर के मुगियो का लेख जो बहुत घसीट हाता है ।

छते नस्तालीक (حط نستعلیق) अ पु-बह लिपि जिसमें आधुनिक उदू का लीयो पुस्तकें छपनी ह ।

छते निस्फुन्नहार (حط نصفا سهار) अ पु-बह कतिपत रेखा जिम पर आकर सूरज दिन का दा बराबर भागो म बाँट देता है ।

छते पर्नार (حط پرنار) अ फा पु-बह गोल रेखा जा पर्नार स खीची जाती है ।

छते पेगानो (حط پشانی) अ फा पु-तकनेर का लिखा ललाट रेखा भाग्य रेखा ।

छते बदगी (حط بدگی) अ फा पु-दे खने गुलामी ।

छते मदल (حط مدلل) अ पु-बह पराजा मत्र द्वारा खाचा जाना है और जिसम रहने से एक विगण समय तक कोई अनिष्ट नहा हाता, अथवा भूत प्रेत अपना प्रभाव नहा डाल सकने ।

छते मुस्तसर (حط مستصر) अ पु-साक्षित लिपि, सनेत लिपि गीम्रलिपि गारहद ।

छते मुतवावी (حط متواوی) अ पु-बह रेखा जो दूसी रेखा स बराबर अतर पर हो, समानातर रेखा ।

छते मुनहनी (حط منحنی) अ पु-टेडा लकीर बक्र रेखा ।

छते मुमास (حط ماس) अ पु-सपात रेखा ।

छते मुस्तकीम (حط مستقیم) अ पु-सीधी लकीर, सरल रेखा ।

छते मुस्तदीर (حط مستدیر) अ पु-गोल रेखा ।

छते राह (حط راه) अ फा पु-खने जवाज ।

छते शिकस्त (حط شکسته) अ फा पु-बह लिखावट जो बहूत टेगे मेदी लिखी जाय ।

छते सर्तान (حط سرطان) अ पु-उज्ज कटिवष की उत्तराण रेखा क्व रेखा ।

छते हिलाली (حط هلالی) अ पु-वमान की तरह आधी गाल रेखा घवाकार रेखा अधवत्ताकार रेखा, चद्रातार रेखा ।

छतो किताबत (حط کتابت) अ स्त्री-पणव्यवहार, चिटिठयो का आदान प्रदान ।

छतार (حطار) अ वि-मुग्ध हानेवाला फरेपता हान वाला ।

छतफ (حطاف) अ पु-एक वार इस प्रकार चमकना । आता में चकाचौंध उत्पन्न कर दे ।

छतफ (حطاف) अ पु-विजनी का जासोमें चकाचौंध उत्पन्न करना ।

छतम (حتم) अ वि-समाप्ता, पूरा, मत मरा हुआ मप मुक्कमल (ت) समाप्ति छातिम ।

छतम (حتم) अ पु-नाक में नवेल डालना, नाथ डा के लिए नयने छेपना ।

छतमी (حطمی) अ स्त्री-एक बीज जो दवा में का जाता है दे गिल्ली ।

छतमी मजाब (حطمی ماب) अ पु-हजरत मुहम्मद साहि की उपाधि ।

छन (حتر) अ पु-मुग्ध होता फरेपता होना ।

छतल (حترل) फा पु-यलम के निकट एक नगर जहाँ घोरे बहुत अच्छ हाते ह ।

छतल (حترل) अ पु-भेडिये का गिकार के लिए छिपाना घावा देना छत्र करना ।

छतलान (حتران) फा पु-दे तल एन नगर ।

छतली (حطلی) फा वि-बहू घाडा जो तल अथ छतलान से आता है ।

छतब (حطوبه) अ पु-एक डग एक कम्म ।

छदग (حددگ) फा पु-एक विगण पड जिउने बाण बन ह छटा बाण नावक ।

सद [ह] (ح) ज पु—तपोल, गाल, स्रजसार; भूमि के भीतर की लंबी दरार या मार्ग, गुरज।
 सदवः (حده) अ पु—छल, कपट, कूट, दगा, फरेव।
 सदम (حدم) अ. पु.—'सादिम' का बहु, नेवक लोंग, गीकर-चाकर।
 सदर (حدر) अ पुं—आलस्य, मुस्ती; तद्रा, गुनूदगी।
 सदरो (حدری) अ पु—एक पीठा जिसमें किसी वग की हिम जाती रहती है।
 सदाज (جداج) अ पु.—दे 'सिदाज', दो घु. है।
 सदाद (حداد) अ पु—गाल का दाग।
 सदिर (حدر) अ वि—गुप्त, वेहिन, मंद, गुस्त।
 सदीजः (حدیعه) अ पु—छल, कपट, मन्त्र; एक ताद्य जिगमें गोरत और जीरा होता है।
 सदीज. (حدیجه) अ. स्त्री—हजरत मुहम्मद साहिब की पहली पत्नी।
 सदीज (حدیج) अ वि—वह दिनु जो समय से पहले उत्पन्न हो, परंतु सर्वांगपूर्ण हो।
 सदीन (حدین) अ वि—मित्र, दोस्त; प्रेमगात्र, मा'शूक।
 सदबः (حده) ज पु—छल, कपट, ध्वाज, मन्त्र।
 सदाब' (حداع) अ वि—बहुत अधिक छली, बडा मक्कार, अयम, नीच, खोटा, कूट।
 सद्दल (حدال) अ पुं—पिठलियो और भुजाओं का भरा हुआ होना।
 सद्दशः (حدشه) अ पुं—जका, मंदेह, सक, भय, डर।
 सद्दशात (حدشات) अ. पु.—'सद्दश' का बहु, शयगएँ, सुवहे; डर, भय।
 सनस (حلس) ज पु—वापस लौटना, प्रत्यागमन।
 सनाक (حناق) अ पु—एक रोग जिसमें रोगी को अपना गला घुटता हुआ लगता है; गला घोटने का स्थान।
 सनाजिर (حناجر) अ पु—'सजर' का बहु, छुरियाँ, भुजालियाँ।
 सनाजीर (حنازیر) अ पु—'खिजीर' का बहु, बहुत से सुअर, एक गले का रोग, कठमाला।
 सनाजीर (حناحیر) अ पु 'खिजीर' का बहु, जली हुई हड्डियों की गंधे।
 सनाफिस (حنافس) अ पु—'खुन्फसा' का बहु, गुवरीले।
 सनिक (حنق) अ. वि—जिसका गला घोटा गया हो।
 सनीक (حنیق) अ वि—दे. 'खनिक'।
 सनीद (حنیدة) अ वि—उत्तम, उम्दा, रुचिकर, पसदीद।
 सनीफ (حنیف) अ पु—सफेद अलसी।
 सनूर (حنو) अ. प—पात्र. भाजन वर्तन. चटक पियाला।

खनूस (خنوس) अ. वि.—छिपनेवाला।
 खनूक (حنق) अ. पु.—गला घोटना, गला घोटकर मारना।
 खनास (حناس) अ. पुं—राक्षस, देव, यैतान, पिशाच; अहवार, अगिमान, गुरर।
 खपः (حبه) अ. पुं—गला घोटना।
 खफः (حفه) अ पुं—गला घोटना, गला घोटकर मारना; जिसको गला घोटकर मारा गया हो।
 खफ (حف) अ पु—चकमक में जलाने का फूस, वह चीज जिगमें चकमक से आग लगायी जाय।
 खफकान (حفکان) अ पुं—दिल की धड़कन का रोग, हृत्कंप, इतिन्नाज, बहगत, धवराहट।
 खफकानी (حفتانی) अ. वि—जिसे दिल धड़कने का रोग हो; जिगके स्वभाव में धवराहट बहुत हो।
 खफगी (حفگی) अ. स्त्री—गला घोटने का भाव; अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराजी।
 खफर (حفر) अ पु—लज्जा, लाज, शर्म, देखरेख, निगहवानी।
 खफश (حفش) अ पुं—दृष्टि की निर्बलता; जन्म से आँख का छोटा होना।
 खफा (حفا) अ पु—छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि) गुद, रुट, नाराज,—“गर मुझसे हो खफा तो उसे दीजिए निकाल—तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।”
 खफाजः (حفاجه) अ पु—अरब का एक लुटेरा कवीला।
 खफाया (خفایا) अ पु—'खफीय.' का बहु, छिपी हुई वाते।
 खफी (حفی) अ. वि—गुप्त, छिपा हुआ, प्रकट, व्यक्त, जाहिर, वारीक, महीन।
 खफीक (حقیق) अ. पु—पानी बहने का शब्द; वायु चलने का शब्द।
 खफीफः (حفیفه) अ. स्त्री—एक दीवानी न्यायालय, जिसमें छोटे केस सरसरी सुने जाते हैं, जिनकी अपील नहीं होती।
 खफीफ (حفف) अ. वि—हलका, सवुक, थोड़ा, कम; लज्जित, शर्मिदा, अघम, कमीना, एक बह, वृत्त।
 खफीफुत्तब' (حفف الطبع) अ वि—दे 'खफीफुल हरकात'।
 खफीफुल हरकात (حفف الحركات) अ वि.—छिछोरी हरकते करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।
 खफीर (حمیر) अ वि—मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा; सुरक्षक, निगहवान; चाता, पनाह देनेवाला, निक्कट, जलील।
 खफकान (حفکان) अ पु—दे 'खफकान', परंतु उर्दू में 'खफकान' भी बोलते हैं।
 खफचाक (حفچاق) अ पु—जगली तुकों की एक जाति।
 खफस (حفس) अ पु—किसी को उसके पद से गिराना; हौले-हौले चलना, ऐश्वर्य. ऐश. आरामतलबी।

छते गुलामी (حط غلامی) अ पु-इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति कर्ण व्यक्तित्व का उदय दाम रहेगा, दागता-गन ।

छते चलीया (حط حلیما) अ पु-हागिय पर जा इवारत तिरछी लकीरा में लिया जाती है ।

छते जवी (حط حوی) अ पु-उज्ज कटिवध की दगिणा रेखा, मवर रेखा ।

छते जबी (حط حبی) अ फा पु-छते पगाना ।

छते जली (حط حلی) अ पु-माटी लकीर माटे कलम ग लिखा हुआ लव ।

छते जवाब (حط حوار) अ पु-गर्बानए राह्तारी, पासपोर परिपारपत्र ।

छते तवदीर (حط تقدیر) अ पु-किस्मन का गिग भाग्यलेख भाग्यरेखा ।

छते तहरीर (حط تصیر) अ वि-मत की लियावट मूहता के वाट वासित आज लाया है पयाम, फमग क्रिस्मत का वाहिर है छते तहरीर से ।

छते तवसीम (حط تقسیم) अ पु-वह रेखा जा विमी भूमि आदि का दो भाग म बाँट दे विभाग रेखा ।

छते तर्सा (حط ترسا) अ फा पु-गामिया का लय जा बहुत टेडा मेडा हाता है ।

छते तस्वीक (حط تصدیق) अ पु-प्रमाणपत्र, सर्तीपिक्ट ।

छते तस्लीम (حط تسلیم) अ पु-मरल रेखा, सीधी त्कार ।

छते बीवनी (حط بیوانی) अ फा पु-उत्तर क मुगिया का रेखा जा बून घसीट हाता है ।

छते नस्तालीक (حط نستعلیق) अ पु-वह लिपि जिसमें आयुनिक उरू का लीयो पुस्ताक छपनी ह ।

छते निसफुप्रहार (حط نصفه پاره) अ पु-वह कटित रेखा जिस पर आकर सूरज दिव का दा बरानर भागा में बाँट देता है ।

छते पर्कार (حط پرکار) अ फा पु-वह गोल रेखा जा पकार से खापी जाती है ।

छते पैगानी (حط پستانی) अ फा पु-उत्कीर का लिया ललाट रेखा भाग्य रेखा ।

छते बदगी (حط بدگی) अ फा पु-छते गुलामी ।

छते मबल (حط مبلل) अ पु-वह घराजा मत्र द्वारा खीचा जाता है और जिसम रहने स एक विगप समय तक कोई अनिष्ट नहो हाता अथवा भूत प्रत अपना प्रभाव नहो बाल सकते ।

छते मुस्तसर (حط مستصر) अ पु-मक्षिप्त लिपि सक्न लिपि, सीम्रलिपि, पाटहट ।

छते मुतबाजी (حط متواری) अ पु-वह रेखा जो दूयप रेखा से बराबर अंतर पर हा, समानांतर रेखा ।

छते मुनहनी (حط منحنی) अ पु-टंडी लकीर वध रेखा ।

छते मुमास (حط مسا) अ पु-मापाग रेखा ।

छते मुस्तरीम (حط مستقیم) अ पु-सीधी लकीर सरल रेखा ।

छते मुस्तदीर (حط مستدر) अ पु-गाट रेखा ।

छते राह (حط راه) अ फा पु-छते जवाब ।

छते गिस्त (حط گشته) अ फा पु-वह लियावट जो बून टेगा मेगी लिया जाय ।

छते सर्तान (حط سرطان) अ पु-उज्ज कटिवध की उत्तरप रेखा, वक रेखा ।

छते हिलातो (حط هلی) अ पु-नमान की तरह आधी गोल रेखा पचाकार रेखा अथवत्तावार रेखा चगातार रेखा ।

छते कित्ताबत (حط کتابت) अ स्त्री-गणवन्तर चिटिया का आगन प्रदान ।

छतार (حطار) अ वि-मुग्य हानेवाला प्ररेफता इ वाला ।

छतक (حطک) अ पु-एक वार इय प्रकार चमनन आला में चनाचौप उयत्र कर दे ।

छतक (حطک) अ पु-विजगी का आला में चनाचौप करना ।

छतम (حتم) अ वि-नमाप्त पूरा मत मरा हुआ स पुकम्मल (ت) समाप्ति मातिम ।

छतम (حتم) अ पु-नार में नवेर टालना नाय इ के लिए नयने छेदना ।

छतमी (حتمی) अ स्त्री-एक बीज जो दवा में व आता है दे 'छित्मी' ।

छतमी मजाब (حتمی ماب) अ पु-हबरत मुहम्म साँ की उयाधि ।

छत्र (حتر) अ पु-मुग्य होना फरेफता होना ।

छतल (حترل) फा पु-वकन के निकट एक नगर जहाँ घाड बहुत अच्छे हाते ह ।

छतल (حترل) अ पु-मन्थिया वा गिाकार के लिए छिपत थोला दना छल करना ।

छतलान (حتران) फा पु-छतल एक नगर ।

छतली (حتملی) फा वि-वह घाडा जो छतल अथ छतगन से जाता है ।

छतव (حطوب) अ पु-एक डग एक बदन ।

छदग (حددگ) फा पु-एक विनोप धेन जिसने बाण व ह छाटी बाण नावक ।

ख [इ] (خ) अ पु-कपोल, गाल, खखसार; भूमि के भीतर की लची दरार या मार्ग, सुरग।

खदय: (خديعة) अ पु-छल, कपट, कूट, दगा, फरेब।

खदम (خدم) अ. पु- 'खादिम' का बहु, सेवक लोग, नौकर-चाकर।

खदर (خدر) अ पु-आलस्य, सुस्ती; तद्रा, गुनूनदगी।

खदो (خدي) अ. पुं-एक पीड़ा जिसमें किसी अंग की रिज जाती रहती है।

खदान (خدا) अ. पु.-दे. 'खिदाज', दो शु. है।

खदाद (خداد) अ. पु-गाल का दाग।

खदरि (خدر) अ वि-मुन, वेहिस, मद, सुस्त।

खदो (خديعة) अ. पु-छल, कपट, मन, एक साध जिसमें गोरन और औरा होता है।

खदो (خديعة) अ. स्त्री.-हजरत मुहम्मद साहिब की पत्नी पत्नी।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खदो (خديعة) अ वि-वह शायु जो समय से पहले उत्तर हो, परंतु भवामिपूर्ण हो।

खनूस (خنوس) अ. वि.-छिपनेवाला।

खन्क (خنق) अ पुं-गला घोटना, गला घोटकर मारना।

खन्नास (خناس) अ. पु-राक्षस, देव, शैतान, पिशाच; अहंकार, अभिमान, गुरुर।

खप: (خپه) फा. पुं-गला घोटना।

खफ: (خفه) अ पु-गला घोटना, गला घोटकर मारना; जिसको गला घोटकर मारा गया हो।

खफ (خف) फा पु-चकमक में जलाने का फूस, वह चीज जिसमें चकमक से आग लगायी जाय।

खफकान (خفقان) अ. पु-दिल की धडकन का रोग, हृत्कंप, इक्षितलाज, बहशत, धवराहट।

खफकानी (خفقانی) अ. वि-जिसे दिल धड़कने का रोग हो; जिसके स्वभाव में धवराहट बहुत हो।

खफगी (خفگی) फा स्त्री-गला घोटने का भाव; अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराजी।

खफर (خفر) अ पु-लज्जा, लाज, शर्म, देखरेख, निगहबानी।

खफश (خفش) अ. पु-दृष्टि की निर्वलता; जन्म से आँख का छोटा होना।

खफा (خفا) अ पु-छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि) क्रुद्ध, रुष्ट, नाराज,—"गर मुझसे हो खफा तो उसे दीजिए निकाल-तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।"

खफाज: (خفاجه) अ पु-अरब का एक लुटेरा कवीला।

खफायो (خفایو) अ पु-'खफीय' का बहु., छिपी हुई वाते।

खफी (خفی) अ वि-गुप्त, छिपा हुआ, प्रकट, व्यक्त, जाहिर; वारीक, महीन।

खफ़ीक (خفیک) अ. पु-पानी बहने का शब्द, वायु चलने का शब्द।

खफीफ: (خفیفه) अ स्त्री-एक दीवानी न्यायालय, जिसमें छोटे केस सरसरी सुने जाते हैं, जिनकी अपील नहीं होती।

खफीफ (خفیف) अ. वि.-हलका, सवुक, थोड़ा, कम; लज्जित, शर्मिदा, अधम, कमीना; एक बह, वृत्त।

खफीफुत्तब (خفیف الطبع) अ वि-दे. 'खफीफुल हरकात'।

खफीफुल हरकात (خفیف الحركات) अ वि.-छिछोरी हरकते करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।

खफीर (خفیر) अ वि-मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा, सुरक्षक, निगहवान, त्राता, पनाह देनेवाला; निरुष्ट, जलील।

खफकान (خفقان) अ पु-दे 'खफकान', परंतु उर्दू में 'खफकान' भी बोलते हैं।

खफचाक (خفچاق) तु पु-जगली तुर्कों की एक जाति।

खफज (خفص) अ पु-किसी को उसके पद से गिराना; हौले-हौले चलना, ऐश्वर्य, ऐश, आरामतलवी।

छपत (خفت) अ वि-मुका हुआ, छपीदा।
 छपान (خفتان) अ पु-सिपाहिया वे पटने का एक
 विनेप कोट।
 छपद (خمد) अ पु-नड चलना, गीम्र गमन।
 छपफाक (خفانك) अ नि-जता बनानेवाला जूता बेचने
 वाला, चमडे के माझे बनाने और बेचनेवाला।
 छपच (خمر) अ वि-निवृष्ट जयम सुरा अपमानित
 वेइरजन दुस्वभाव वस्तु।
 छपव (خمص) अ प-चुवन का दान बासे की
 जावाइ।
 छपव (خمر) अ पु-स्त रग एक स्थान का नाम।
 छपव (خمس) अ पु-नगा का मोजे मारना घाटे का वभा
 इस पीव और वभा उम पाव पर खडा हानन।
 छबर (خمد) अ स्ना-सूचना सवा इतिलाअ सदा
 मन्ना पगाम समाचार हाल मुम्मद साह्र का

छबोसत (خماست) अ स्ना-मुपता, नीचता, ^१
 हृत्य की अपवित्रता, अत मलिनता।
 छबी (خبي) अ वि-मुत्त पागादा अतपान :
 छबीर (خبر) अ वि-जानकार, आगाह जिन :
 ईबर का एक नाम।
 छबीस (خمس) अ वि-अत कुगिल, गरार, अ
 वन्गानिन बहुत बग पापी बहुत बग धून,
 छबीस (خمس) अ वि-विनाप्रिय उरीउ, म
 हेंममुम जिगादिल।
 छबीस (خمس) अ पु-पी और खजूरस बना
 भाजन।
 छबीस तीत (خمس طيب) अ वि द-खवाइ
 छबीस यातिन (خمس باطن) अ वि-जितवा
 ही पापी हा, जा बहुत बग धूत हा अतमल।
 छबीमुल यातिन (خمس العال) अ वि-^३

खमीत (خمیط) अ वि-विना छिलके के भुनी हुई वस्तु
 खमीदः (خمیده) फा वि-झुका हुआ, खमदार, वक्र,
 टेढा।
 खमीदःकद (خمیده قد) फा अ वि-जिसका शरीर झुक
 गया हो, विनतकाय, वक्रकाय, बहुत बूढा।
 खमीदःकमर (خمیده کمر) फा. वि-जिसकी कमर झुक
 गयी हो, वक्रकटि, बहुत बूढा,—“कमर खमीदा नहीं वेवजह
 जईफी मे-जमीन ढूँढ रहा हूँ मजार के काविल।”
 खमीदःकामत (خمیده قامت) फा अ वि.-दे 'खमीद
 कद'।
 खमीदःसर (خمیده سر) फा वि-जिसका सर झुका हो,
 सर झुकाये, नतमस्तक, लज्जित, व्रीडित, शर्मिदा।
 खमीरः (خمیر) फा पु-चाटनेवाली मीठी और स्वादिष्ट
 दवा, पीने का सुगन्धित तवाकू।
 खमीर (خمیر) अ पु-ओपधियों मे पानी डालकर सड़ाया
 हुआ अरक; आटे मे सोडा और नमक डालकर बनाया
 हुआ खट्टा आटा जिससे खमीरी रोटी बनती है।
 खमीरमायः (خمیرمایه) अ फा पु-वह वस्तु जो किसी
 वस्तु की वढोतरी का कारण हो।
 खमीर (خمیری) अ वि-खमीर से बनी हुई चीज, विशेषत
 -उद, घटा, खमीर मिली हुई वस्तु, खमीर से सम्बन्धित।
 खमीर (خمیر) अ पु-हलका भोजन, घटा, वादलो का
 लगे हुए कपडे।
 खमीर (خمیر) अ पुं-वृहस्पतिवार, जुम्'अरात; पाँच
 दिनों और मुज'अना।
 खमीर (خمیر) अ वि-पतले पेट और कमरवाला,
 खमीर (خمیر) अ. पुं-पिस्सू, डाँस, मशक, मच्छर।
 खमीर (خمیر) फा. पु-सुंदर स्त्रियों के चलते समय
 त हाव-भाव।
 खमीर (خمیر) अ पु-पीलू की एक जाति जिसमे छोटे-छोटे
 फल होते हैं।
 खम्मान (خممان) अ पु-कमजोर भाला; तुच्छ व्यक्ति।
 खम्मार (خممار) अ वि-शराब बनानेवाला, शराब बेचने-
 वाला।
 खम्मारखानः (خممارخانه) अ फा पु-मदिरालय, शराब-
 खाना।
 खम्मुद (خمود) अ पु-वह स्थान जहाँ आग सुरक्षित
 रखते हो।
 खम्याजः (خمیاز) फा पु-अँगड़ाई, नतीजा, परिणाम,
 जँभाई, जृभा; भुगतमान, करनी का फल।

खम्याजःकश (خمیازکش) फा वि-अँगड़ाई लेनेवाला;
 जँभाई लेनेवाला; भुगतमान भुगतनेवाला, परिणामभोगी।
 खम्याजःकशी (خمیازکشی) फा स्त्री-अँगड़ाई लेना;
 जँभाई लेना, भुगतमान भुगतना, करनी का फल भोगना।
 खम्याजए खुश्क (خمیاز خشک) फा पु-ऐसी इच्छा
 जो कभी पूरी न हो सके।
 खम्रः (خمرة) अ पु-'खमीर' का लघु, दे 'खमीर'।
 खम्र (خمیر) अ. पु-खमीर करना, मदिरा, शराब।
 खम्ल (خمیل) अ. पु-कपडे के तार, (वि.) खालिस, बेमेल।
 खमस्तः (خمسته) अ पु-पाँच वस्तुओ का समाहार, उर्दू
 नज्म का एक प्रकार जिसमे पाँच मिले हर बद् मे होते हैं;
 गजल के दो मिलो पर तीन मिले बढ़ाकर उसे भी खमस्त.
 किया जाता है।
 खमस्तए मुतहैयिरः (خمسته میتهییره) अ पु-सूर्य और
 चंद्रमा को छोड़कर बाकी पाँच ग्रह, जिनकी चाल उलटी-
 सीधी होती है।
 खमस्तए मुस्तशर्कः (خمسته مستشركة) अ पुं-ईरानी
 साल मे हर मास तीस दिन का होता है, परंतु 'इस्फदार'
 को ३५ दिन का कर देते हैं। यह पाँच दिन 'खमस्तएमुस्तशर्क'
 कहलाते हैं।
 खयफ (خوف) अ पु-एक आँख काली और एक
 नीली होना।
 खयाल (خیال) अ पु-विचार, ध्यान, कल्पना, तखैयुल,
 तवज्जुह, प्रवृत्ति; भावना, जज्व, मति, राय, स्मृति, याद;
 सज्ञा, होश, सलग्नता, इन्हियाक, दुर्भाविना, बदगुमानी;
 भ्रम, वहम, अनुमान, अदाज, एक कविता।
 खयालआराई (خیال آرائی) अ फा स्त्री-परवाजे फिक्र,
 कल्पनाएँ, कविता के लिए मज्मून की तलाश।
 खयालबंदी (خیال بندی) अ फा स्त्री-अनेक कल्पनाएँ
 करना, एक विशेष कविता (खयाल) की रचना करना।
 खयालात (خیالات) अ पु-'खयाल' का बहु., खयालो का
 ताँता, विचारधारा।
 खयाली (خیالی) अ वि-काल्पनिक, फर्जी, कपोल-
 कल्पित, मनगढत, खयाल से सम्बन्धित।
 खयाले खाम (خیال خام) अ फा पु-असगत और मिथ्या
 विचार, गलत खयाल, भ्रम, वहम।
 खयाले फासिद (خیال واسد) अ पु-दे 'खयाले खाम'।
 खयाले वातिल (خیال باطل) अ पु-दे 'खयाले खाम'।
 खयाशीम (خیال شیم) अ पुं-'खैशूम' का बहु, नयने।
 खयू (خیو) फा पु-यूक, मुखसाव, दे 'खियू', दो शु हूँ।
 खय्यात (خیاط) अ वि-दर्जी, कपडा सीनेवाला, सूचिक।

छप्याते अजल (حباط اول) अ वि-परलाव म आत्मा वा गरीररूपी वस्त्र पहनानेवांग अर्थात ईश्वर।
 छप्याव (حباب) अ वि-निराग नाउम्मी वचित महत्तम अभागा वदनिस्मत।
 छप्याम (حمام) अ वि-सटिया वनानवाला छमे सीनवांग फारसी वा प्रसिद्ध मधुवाणी कवि जा नगापुर नगर वा निवासी था मधु की प्रतीकवादा पद्धति म उसका वाक्याभिव्यजना सर्वात्म हई है।
 छर (حرة) फा स्त्री-लेत्र निवने हुए बीजा की सली मिट्टी और घूरा का ढर।
 छर (حرة) अ पु-गधा छाटा लपु।
 छर (حر) फा पु-गया गदम रासम शरान की गाद दे छरचाव (वि) विगाग महान।
 छर (र) (حر) अ पु-उपर से नीच को पाव फिसगना।
 छरक (حرک) फा पु-छरचोव।
 छरक (حرک) अ पु-जित होना मूखता हिमाकन।
 छरकुस (حروکس) फा वि-मूख बुद्ध वक्कफ।
 छरखब (حرخبر) फा पु-चीनी तुकिस्तान का एक प्रान्त।
 छरगह (حرگه) फा पु-गिरगाह का लपु दे छरगाह।
 छरगहमह (حرگه مه) फा पु-वक रागि बुज सतान चद्रमत्त चाद म पडनवांग धरा हाउ।
 छरगाह (حرگاه) फा पु-वग खमा बनी रावटी द गिर गाह' दोना मुद्ध ह।
 छरगोण (حرغوس) फा पु-गस गगव छरहा।
 छरघग (حرغنگ) फा पु-वेकग कवट सतान कव रागि बुज सतान।
 छरचोव (حرحوب) फा प-वह छोटी लक्ष्मी जो सितार या रवाव की लुमी पर हाती है और जिमम तार जडते ह।
 छरख (حره) फा प-मोटा और लम्बा गिग।
 छरख (حره) अ प-पीठ की हडडी की गुरिया माल्ल।
 छरख (حرر) अ पु-खरख का बहु पीठ की हडडी के मोहरे रीन की गुरिया।
 छरखन (حررن) फा पु-चावक कोन क्पा।
 छरद (حردله) अ पु-खल।
 छरदल (حردل) अ पु-खल।
 छरदिल (حردل) फा वि-डरपोव भीर बुजवित।
 छरदिली (حردلی) फा स्त्री-भीरुला डरपातन बुजविति।
 छरनपस (حرنس) फा अ वि-बहुत अधिन कामगकित वांग बहुत बड लिंगवाला।
 छरपाव (حرواخه) फा प-गध वा क्प्या खर-पावव।
 छरपुत (حروسته) फा पु-बहुत वग पुता।

छरफ (حرف) अ पु-बुद्धि का चिन्ताग जवठ का तवाहा।
 छरवद (حرونده) फा पु-गध वा मालिन गधवांग।
 छरवत (حروط) फा पु-वनी वतन राजहम मूग घाम।
 छरबुज (حروبه) फा पु-एक प्रसिद्ध फर खरबुजा।
 छरमगस (حرومگس) फा पु-एक बनी मक्की रो घा पर बठनी है तो उसम कीन पड जात ह।
 छरमस्ती (حرومستی) फा स्त्री-एगा मली तिमम पुष विचुल गधा वन जाय और बहूग और अलील हरत करन गग पिगाचोमान।
 छरमोहर (حرومهره) फा पु-छाटा घाघा जो तालाम म हाता है।
 छरमोहरए कौचक (حرومهره کوحک) फा पु-तौगी कर्षिका बराटिका।
 छरमोहरए जद (حرومهره زرد) फा पु-मरमोहरए वावकी।
 छरमोहरए सफद (حرومهره سفید) फा पु-गाव दर वनु सल।
 छरवार (حروار) फा पु-एक गध वा बोव विसी वस्तु की गध के परावर उंचा ढर।
 छरसग (حروسنگ) फा पु-बडा पथर गिला।
 छरस (حرس) अ पु-गूगा होना मूक होना।
 छरस (حرس) अ पु-भूला हाता।
 छरह (حره) अ पु-कुक्कट मुर्गा मुर्गे के आकार की सुराही।
 छरा (حرع) अ प-आलस्य सुस्ती मन्ता सतानपन डालिया का टूटकर गिरना।
 छराइव (حروان) अ स्त्री-खरीद का बहु कुवारी रिक्का अनविध मोती उज्जावती महिलाए।
 छराइफ (حروانف) अ प-खरीप का बहु खजूर के वे फा जिनके खजूर ताण लिय गय ह।
 छराज (حرواج) अ पु-रगान भमिक्कर वह रकम जो अवीन राज बड राज को देता है चीथ।
 छराजगुबार (حرواج گوار) अ फा वि-खराज देनवाला अवीन राज जयवा राजा।
 छरात (حرواط) अ प-लक्ष्मी पररदा करना क्पनी छरातान द वरान।
 छरातौन (حرواطین) फा पु-वेचुआ भून्ता महील्ला विचुलन भूनाग।
 छरातौम (حرواطیم) अ पु-खतूम का बहु हाथी की पूड राट्ट अथवा जाति के महान यकित।
 छराद (حراد) फा पु-लक्ष्मी छरादन की क्रिया लक्ष्मी छरादन का यत्र मुद्ध गान खरात है परन्तु उदु और कार्मी म खराद हो है।

खराबः (خراَب) फा. पु.—निर्जन और अन्न - जल - रहित स्थान, खँडहर, वीरान, शत्रु शासक का देश।

खराबः आवाद (خراَبه آواَد) फा. पुं—सार, जगत्, दुनिया।

खराब (خراَب) अ. वि.—विगड़ा हुआ, विकृत, दूषित, नाकिस, अपवित्र, नापाक; निकृष्ट, बुरा, नीच, कमीना; धूर्त, बदमआश, विध्वस्त, वरवाद; निर्जन, वीरान, उन्मत्त, मतवाला, कदाचारी, बदचलन।

खराबहाल (خراَبه هال) अ. वि.—जिसकी आर्थिक दशा खराब हो, दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दगा बिगड़ी हुई हो, पतले हालवाला।

खराबात (خراَبات) फा. पु.—मधुशाला, मदिरालय, शराब-खान, कैतवालय, अक्षवार, जुआघर।

खराबाती (خراَباتى) फा. वि.—हर समय नशे में मस्त रहने-वाला, जुआ खेलने का धर्ता।

खराबी (خراَبى) अ. स्त्री—विकार, दोष, नक्स, अनिष्ट, हानि, जरर, निकृष्टता, जिशती, उन्माद, मस्ती, निर्जनता, वीरानपन, विध्वंस, वरवादी।

खराबा (خراَبه) फा. स्त्री—उचटता हुआ घाव, छीलन, रगड़।

खराबीदः (خراَبىد) फा. वि.—खरोच लगा हुआ।

खरास (خراَس) फा. पु.—बैल आदि से चलनवाली चक्की; तेल का कोल्हू।

खरीफ (خريف) अ. वि.—बहुत बूढा, सठियाया हुआ।

खरिब (خرب) अ. वि.—निर्जन, वीरान, खराबशुदा, ध्वस्त।

खरीक (خريك) अ. वि.—जिसका पर्दा फट गया हो, जिसकी बुराईयाँ प्रकट हो गयी हो।

खरीज (خريج) अ. पु.—एक खेल जो अरब में खेला जाता है।

खरीतः (خريطه) अ. पु.—थैला, झोला, लिफाफा; सरकारी आदेशपत्र का लिफाफा।

खरीदः (خريد) फा. वि.—मोल लिया हुआ, क्रीत।

खरीदः (خريد) अ. स्त्री—कुमारी, दोशीज; लज्जावती स्त्री (पु) अनविधा मोती।

खरीद (خريد) फा. स्त्री—मोल लेने का भाव, खरीदारी।

खरीदार (خريدار) फा. वि.—मोल लेनेवाला, ग्राहक।

खरीदारी (خريدارى) फा. स्त्री—मोल लेने का काम, खरीद।

खरीदो फरोख्त (خريد و فروخت) फा. स्त्री—मोल लेना और बेचना, क्रय-विक्रय।

खरीफ (خريف) अ. स्त्री—फसली साल की दो ऋतुओं में से एक, कार्तिक की फसल।

खरूफ (خروف) अ. पुं—घोड़े, भेड़-बकरी अथवा खरगोश का वच्चा।

खर्क (خرق) अ. पुं—फटना, टुकड़े होना।

खर्क आदत (خرق عادت) अ. पु.—प्राकृतिक कार्य के विरुद्ध कार्य, चमत्कार मौजिज।

खर्कौ इल्लियाम (خرق و السلام) अ. पु.—फटना और मिलना, अलग-अलग होकर एक हो जाना, तलवार की कटन भर जाना, घाव भर जाना।

खर्च (خرح) फा. पु.—व्यय, सर्फ; उपभोग, इस्तेमाल।

खर्ज (خرح) अ. पु.—बाहर निकलना, व्यय, खर्च।

खर्ज (خرح) अ. पु.—चमड़े का मोजा सीना, जूता सीना।

खर्त (خروط) अ. पु.—लकड़ी पर रदा करना, हर कटी और छिली चीज को चिकना करना।

खर्दलः (خردله) अ. पु.—राई का एक कण।

खर्दल (خردل) अ. स्त्री—राई।

खर्फ (خرف) अ. पु.—फल बीनना, मेवा चुनना।

खर्वक (خرفق) अ. स्त्री—कुटकी, एक दवा।

खर्म (خرم) अ. पु.—नथना छेदना; काटकर कम करना, किसी 'गण' का पहला अक्षर गिराना, जैसे—'फअलुन्' से अलुन करके 'फअलुन्' बनाना।

खर्मन (خرمين) फा. पु.—विना दौंयें चलाया हुआ खलियान।

खर्या (خريغ) अ. पु.—शश-शावक, खरगोश का वच्चा।

खर्राजः (خراَج) अ. पु.—घोर की आवाज करके बहनेवाला पानी।

खर्राज (خراز) अ. वि.—चमड़ा सीनेवाला, जूता सीनवाला, मोची।

खर्रात (خراَط) अ. वि.—खराद का काम करनेवाला, बड़ई।

खर्राती (خراَطى) अ. स्त्री—खराद का काम।

खर्राद (خراد) फा. वि.—खराद का काम करनेवाला, लकड़ी पर रदा फेरनेवाला।

खर्रादी (خراَدى) फा. स्त्री—खराद का काम, रदे का काम।

खर्रास (خراس) अ. वि.—कुम्हार, कुभकार।

खर्रास (خراَص) अ. वि.—कूत करनेवाला, कूतनेवाला, तल्मीन. करनेवाला, झूठा, मिथ्यावादी।

खर्श (خرس) अ. पु.—छीलना; वच्चों के लिए रोटी कमाना, कमाई करना।

खर्स (خرس) अ. पु.—घड़ा, कुभ, मटका।

खर्स (خرس) अ. पु.—खड़ी फसल का कूत करना, झूठ बोलना।

खलज (خلاج) अ. पुं—दे 'खदंग'।

खलः (خلة) फा. पु.—नोकदार सीख, हर चुभनेवाली वस्तु, लम्बी लकड़ी जिससे नाव चलाते हैं, पतवार।

खल[ल्ल] (خَل) अ. पु.—सिर्का, एक प्रसिद्ध खटास।

खलक (خلك) अ पु-कपडा का पुराना हाना पुराना वस्त्र पुराना लिबास।
 खलकान (خلكان) अ पु-पुराना लिबास, पुराना वस्त्र।
 खलज (خلم) अ पु-काम की धकन से जाय का दू, आल या बिसा अय अग का फक्कना।
 खलजान (خلكان) अ पु-दे खलजान, बुद्ध मही है पर तु उदू में 'खलजान हा बोलेते ह।
 खलद (خلد) अ पु-हृदय मन दिल जात्मा, रह।
 खलफ (خلف) अ पु-मुपुन, अच्छा लडका, सपूत, (वि) पोछे आनेवाला।
 खलफुरसीद (خلف اليرسید) अ पु-सपूत, अच्छा और नेव लडका।
 खलफुस्सिदक (خلف الصدق) अ पु-दे दो खलफुरसीद।
 खलल (خلل) अ पु-विघ्न, बाधा अडचन, हस्तक्षेप दहलअदाजी विकार खराबी।
 खललअदाज (خلل اذارج) अ फा वि-गडबडों और बाधा डालनेवाला विघ्नकर हस्तक्षेप करनेवाला।
 खललअदाजी (خلل اذارجی) अ फा स्त्री-गडबड करना, बाधा डालना हस्तक्षेप करना।
 खलले दिमाग (خلل دماغ) अ पु-दिमाग की खराबी, बुद्धिगोप पागलपन।
 खला (خلا) अ पु-अतरिक्ष फिजाए आस्मानी रिक्त होगा खाला हाना अकेला होना एकाकी होना एकात में किमी के साथ आना।
 खलाअत (خلائت) अ स्त्री-माता पिता को आना न मानना, बे सामान और परीगान होना पापकर्म और दुराधार।
 खलाइक (خلائك) अ स्त्री-खलीक का बहु जवता जन साधारण अवाम।
 खलाइफ (خلائف) अ पु-खलीफ' का बहु प्रतिनिधि लोग जानगीन लोग।
 खलाक (خلك) अ पु-किमी व्यक्ति में सम्गुणा की बहुतात।
 खलाकत (خلائك) अ स्त्री-पुराना हाना जीणता।
 खलाकत (خلائك) अ पु-दे-खलाकत।
 खलाब (خلاب) अ स्त्री-नीचर-यानी मिली हुई मिटटी।
 खलाबत (خلائب) अ स्त्री-किमी को बातों से मुग्य कर लेना।
 खलामला (خلائم) अ पु-गहरा मलजोल गहरा प्रम व्यदहार।
 खलाग (خلائغ) फा पु-बूरा-नरकट।
 खलाग (خلائغ) फा पु-नागाहक शोर-मुत्।
 खलाग (خلائغ) फा पु-खलाग का बहु बूरा-नरकट

इसका अर्थ लिया जाता है ईद्वालु और विरोधी लग।
 खलास (خلائس) अ पु-मुक्ति, छुटकारा रिहाई (वि) मुक्त, रिहा छुटकारा पाया हुआ, रिक्त।
 खलासी (خلائسی) तु स्त्री-मुक्ति छुटकारा, रिहाई।
 खलिक (خلك) अ पु-पुराना कपडा।
 खलिक (خلف) अ स्त्री-गाभिन उटनिया।
 खलिग (خلس) फा स्त्री-चुभन, चुभने का भाव दू की टीस चित्ता, फिक्, उलझन।
 खलीअ (خلىع) अ पु-जुआरी और शिकारी जिनका दाव पाली जाय, अवपाकारी और परेसान व्यक्ति भयिा वक।
 खलीअल इजार (خلىع العزاز) अ वि-जिसकी बागोर टूट गयी हा स्वच्छ, बे लगाम।
 खलीक (خلىعته) अ पु-जन साधारण जनता समार म उत्पन हर वस्तु स्वभाव प्रवृत्ति तबोअन।
 खलीक (خلىع) अ वि-सुखील, सुपुटु मिलनसार मरखत वाला।
 खलीज (خلىع) अ स्त्री-नती आनि की साखा, धानी कुश समुद्र-कुश।
 खलीत (خلىط) अ वि-जिसी सपत्ति क भागीदार, पति शीहर चचा का लडका, चचाआद भाई।
 खलीफ (خلىفه) अ पु-प्रतिनिधि, नाइव नमाई- किमी की अनुपस्थिति म उसने स्थान पर काम करनवाला, हुजरत मुहम्मद साहिन क बा' उतका जानगीन।
 खलीफ (خلىف) अ पु-पिछे आनेवाला, दो पहाडा के बीच का माग।
 खलीफतुल मुस्लिमोन (خلىف المسلمین) अ पु-महम्मद साहिब के खलीफाआ की उपाधि मुस्लिमान गायक की उपाधि।
 खलीय (خلىه) अ वि-वह स्त्री जिस सलाह दे दी गयी हा विवाह विच्छिन्न वह उट जिसे छो' लिया गया हो।
 खलील (خلىل) अ वि-मित्र सखा दोस्त।
 खलीलुल्लाह (خلىل الله) अ पु-इकर का मित्र 'हूयत इब्राहिम' की उपाधि।
 खलीस (خلىص) अ वि-मिथित मिला हुआ।
 खलीक (خلىك) अ पु-मुग्य, रागवू एव प्रकार का मुगधित मिश्रण।
 खलाअ (خلىع) अ पु-किमी अग का अपने स्थान स विचराने हा जाना पढ़ने हुए वस्त्र उतारना, स्थान म हानी किमी को मिलजन देना।
 खलएबदन (خلىع بدن) अ पु-खलएब'।

खल्लएरूह (خَلْع رَوْح) अ पु—अपने प्राणो को किसी दूसरे के शरीर में डालना, प्राण का शरीर से निकाल देना ।
 खलक (خَلِيق) अ पु—सृष्टि करना, उत्पत्ति करना; उत्पत्ति, पैदाइश; उत्पन्न, पैदाशुद; जनता, अवाम ।
 खलकूलाह (خَلِيق الْك) अ स्त्री—ईश्वर की मखलूक, प्राणी-वर्ग, जानदार; मानवजाति, जन साधारण ।
 खलखाल (خَلِصَال) अ स्त्री.—नूपुर, अदुक, पाजेव ।
 खलजान (خَلِصَان) अ. पुं—झगडा, बखेडा, खटखट, चिन्ता, फिक्र; दुविधा, द्विधा, तजन्जुव ।
 खलत (خَلِط) अ. पु—मिलाना, मिश्रित करना, मिश्रण ।
 खलतमलत (خَلِط مَلِط) तु पु—मिला-जुला, मिश्रित; गड्ढमड्ढ, एक में मिला हुआ; प्रेम-व्यवहार, खिलतमिलत ।
 खलते मव्हस (خَلِط مَصْح) अ. पु—किसी एक प्रसंग के बीच दूसरा प्रसंग छेड़ देना, एक काम के बीच दूसरा काम उपस्थित कर देना ।
 खलफ (خَلِيف) अ पु—कपूत, बुरा लडका, कुपुत्र; पीछा ।
 खलफिशार (خَلِيفْشَار) फा पु—गाडबड़, खलवली, अशांति, आपाधापी, अपनी-अपनी पडना, धवराहट ।
 खल्लाक (خَلِيق) अ. वि—बहुत अधिक उत्पन्न करनेवाला, सृष्टि को उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर ।
 खल्लुज (خَلِيج) अ. पु—तुर्की का एक नगर ।
 खल्वत (خَلِوَت) अ स्त्री—जहाँ कोई दूसरा न हो, एकान्त, तन्हाई, स्त्री-पुरुष का एकान्तवास ।
 खल्वतकद: (خَلِوَت كَدَة) अ. फा पु—वह स्थान जहाँ कोई दूसरा न हो ।
 खल्वतखान: (خَلِوَت خَانَة) अ फा. पु—दे 'खल्वतकद.' ।
 खल्वतगाह (خَلِوَت گَاه) अ फा. स्त्री—दे. 'खल्वतकद' ।
 खल्वतगुजी (خَلِوَت گُوجِي) अ फा. वि—सबसे अलग रहकर एकात में वास करनेवाला, एकान्तवासी ।
 खल्वतगुजीनी (خَلِوَت گُوجِي نِي) अ फा स्त्री—सबसे अलग रहकर एकान्त में रहना ।
 खल्वतदोस्त (خَلِوَت دُوسْت) अ. फा वि—अकेला जीवन व्यतीत करने में आनन्द प्राप्त करनेवाला, एकातप्रिय ।
 खल्वतनशी (خَلِوَت نَشِي) अ फा वि—दे. 'खल्वतगुजी' ।
 खल्वतनशीनी (خَلِوَت نَشِي نِي) अ फा. स्त्री—दे 'खल्वतगुजीनी' ।
 खल्वतपसंद (خَلِوَت پَسَنْد) अ फा वि—दे 'खल्वत दोस्त' ।
 खल्वतपसंदी (خَلِوَت پَسَنْدِي) अ फा स्त्री—अकेला जीवन व्यतीत करने में आनन्द लेना ।
 खल्वतसरा (خَلِوَت سَرَا) अ फा स्त्री—दे. 'खल्वतकद.' ।

खल्वतियाँ (خَلِوَتِيَا) अ फा पु—'खल्वती' का बहु, एकान्त में वास करनेवाले, किसी एकातवासी के पास आने-जानेवाले ।
 खल्वती (خَلِوَتِي) अ वि—एकात जीवन व्यतीत करनेवाला, किसी एकात निवासी के पास आने-जानेवाला ।
 खल्वते सहीह (خَلِوَت مَصْحِيْه) अ स्त्री—निकाह के बाद पुरुष और स्त्री का सभोगार्थ एकात में रात काटना जहाँ कोई दूसरा प्राणी न हो ।
 खबर (خَبْر) अ पु—आलस्य, सुस्ती; समाचार ।
 खवर्नक (خَوْرَنَق) अ पु—वह अद्भुत भवन जो नो'मान विन मुजिर ने बह्लामगोर के लिए बनवाया था ।
 खवल (خَوَل) अ पु—'खाइल' का बहु., ईश्वर के दिये हुए नौकर-चाकर और धन-संपत्ति आदि ।
 खवाकीन (خَوَاكِيْن) अ पु—'खाकान' का बहु, सम्राट् लोग ।
 खवातिफ (خَوَاتِيْف) अ. पु—'खातिफ' का बहु, उचक ले जानेवाले, उडा ले जानेवाले, आपत्तियाँ, मुसीबते, सद्मे ।
 खवातिम (خَوَاتِيْم) अ पु—'खातिम' का बहु, खातिमे ।
 खवातिर (خَوَاطِر) अ पु—'खातिर' का बहु., हृदय में आनेवाले विचार ।
 खवातीन (خَوَاتِيْن) अ स्त्री—'खातून' का बहु, महिलाएँ, बड़े लोगो की स्त्रियाँ ।
 खवातीम (خَوَاتِيْم) अ पु—'खातम' का बहु, अँगूठियाँ, मुहर करनेवाली अँगूठियाँ ।
 खवानीन (خَوَايِيْن) अ पुं—'खान' का बहु, 'खान' की उपाधि रखनेवाले लोग, बड़े-बड़े सरदार ।
 खवाफी (خَوَاْفِي) अ पु—'खाफिय.' का बहु, पेड़ के तने के पासवाली शाखाएँ, पक्षी के नीचेवाले पर ।
 खवारिक (خَوَارِق) अ. पु—'खारिक.' का बहु, वह आचार-व्यवहार जो दूसरे व्यक्तियों के लिए आश्चर्यजनक हो ।
 खवारिज (خَوَارِج) अ. पुं—'खारिजी' का बहु, 'खारिजी' सम्प्रदाय के व्यक्ति जो हजरत अली को बुरा जानते और कहते हैं ।
 खवास (خَوَاص) अ पु—'खास' का बहु, खास लोग, मुख्य लोग, 'खास' का बहु, गुण, धर्म, खासियते, (स्त्री) शाहीमहल की वह दासी जो बादशाह के पास एकात में आती-जाती हो ।
 खवासी (خَوَاصِي) अ स्त्री—मुसाहिवत, खिदमतगारी, उच्च सेवाकार्य, राजसेवा ।
 खवीद (خَوِيْد) फा पु—गेहूँ या जौ का हरा पेड़ जिसे भूनकर दाने चवाते हैं ।

खव्वात (خوان) अ वि-बहुत अधिक तियातत करनवाला।
खव्वास (خواص) अ वि-बड़े बनानवाला खजूर की चटाइयाँ बनाने और बेचनेवाला।

खसन (حسن) फा पु-पलास, टाट, मोगा कपडा।
खशब (حسب) अ पु-लकड़ी, इमारती लकड़ी, इधन, जलाने की लकड़ी।

खशम (حشم) अ पु-मांस सड़ जाना, नाक के नयन चौड़े हो जाना नाक में राग से दुग्ध उत्पन्न होना।

खगिन (حشن) अ वि-खुर्रात घुर्रा (पु) एक पीटा जिसमें शरीर की त्वचा खुरदरी हो जाती है।

खानी (حسى) अ स्त्री-डरना भय करना।

खानीयत (حسيت) अ स्त्री-डर खौफ भय, श्रास।

खशका (حشكته) अ पु-बागड अथवा नये कपडा का बन्द।

खशका (حشكته) अ स्त्री-पोस्त का दाना खगता (वि) सशक्त यकित, मुसल्लह।

खसब (حسب) अ पु-हिलना, झुमना, पूछना, जानना, पथर से सर टकराना, सर फोटना।

खशब (حسب) अ पु-किसी चीज में से दूसरी चीज छोटना किसी चीज में दूसरी चीज मिलाना।

खशम (حشم) फा पु-शोध कोष राप, गुस्ता, दे 'खशम, दोना शुद्ध है।

खशम (حشم) अ पु-नयने का टूट जाना।

खशमी (حشمين) अ फा वि-रोप से भरा हुआ, शोभातुर, प्रकुपित।

खशमीक (حشميك) अ फा वि-दे 'खशमी।

खशमीक (حشم) अ वि-बहुत बड़ी नाकवाला व्यक्ति, जिसके नयने बहुत उठे हैं।

खस (حسن) फा स्त्री-सूखी घास एक सुगंधित जड़ उगार फूस गाडर।

खस [स्त] (حسن) अ पु-कम करना बजूस हाना बाहू एक पेट।

खसक (حسك) फा पु-गायल गापुर छोहक गीयहनुमा काटे।

खसखान (حسخانه) फा पु-नस का मरान, पापना।

खसयोग (حسयोग) फा वि-घास से ढंका हुआ, घास से पाटा हुआ।

खसाइल (حصال) अ पु-खसल' का बहु अच्छे स्वभाव, कभी धुरे स्वभावा के लिए भी आता है।

खसाइस (حسانس) अ पु-खसीस का बट्ट नाकवाए कमीनीयों बुराईयो, निहृष्टताए।

खसाइस (حسانس) अ पु-खसीस का बहु, विगपदाए सुमुखियतें।

खसार (حسار) अ पु-हानि क्षति नुकसान।
खसारत (حسارت) अ स्त्री-हानि, नुकसान, हत्या फलाता, कुभाग-भगन गुमराही।

खसास (حصامه) अ पु-दरिद्रता कगाली सयास, दरपेसी।

खसासत (حساست) अ स्त्री-दृपणता, बजूस, नाचता, अधमता, कमानगी।

खसीन (حصين) अ वि-आटा, रघु (प) कुल्लाग।
खसीफ (حسيف) अ पु-पथराली जमीन में पाया हुआ कुवा, जिसका पानी कभी कम न हाता है।

खसीम (حصم) अ वि-गधु, दुग्मन।

खसीस (حصىة) अ स्त्री-स्वभाव प्रकृति आन।

खसीस (حصىة) अ स्त्री-अधमता नीचता, कमानगी, निहृष्टता बुराई।

खसीस (حسلس) अ वि-दृपण मद्धन व्ययकुठ उद्धमार्थ बजूस, पामर अधम नीच, कमीना।

खसुर (حسو) अ वि-जिसे पाया आया है दिवालिया।

खसुर (حصوص) अ पु-दे खसुर, दाना गुद्ध है।

खसुरीयत (حصىة) अ स्त्री-दे खसुरीयत' दाना गुद्ध है।

खस्त (حسته) फा वि-पत धायल, जमी दुग्गाप्रस वदहाल थात, बलात थका हुआ, भुरभरा जिसमें उस्तापन हा (पु) गुठली, पर का बीज।

खस्त खान (حستخانه) फा पु-उस्मिया का विवि स्नाय्य।

खस्तजा (حستهجان) फा वि-द खस्त खिल'।

खस्तजानी (حستهجاني) फा स्त्री-द खस्त दिला।

खस्तजिगर (حستهجگر) फा वि-द खस्त दिला'।

खस्तजिगरी (حستهجگري) फा स्त्री-द खस्त खिल'।

खस्ततन (حستتني) फा वि-जिसका तमाम धरा धायल हो जिसका शरीर थका हुआ है।

खस्ततनी (حستتني) फा स्त्री-सारे शरीर का धायल होना शरीर का थका हुआ होना।

खस्तदिल (حستدليل) फा वि-जिसका हृदय धायल है सत हृदय जिसका मन दुग्गी हो दुखितहृदय प्रमी, आंगिक।

खस्तदिली (حستدليلي) फा स्त्री-हृदय का धायल होना, मन का दुग्गी होना।

खस्तहाल (حستهحال) फा अ वि-जिसका हा' दुग्ध पतना है दुखितहृदय, जिसकी आधिक दगा धराव हा दखि अधिकन।

उस्तःहाली (حسنة حالى) फा. अ स्त्री—दुख से हाल पतला होना; दरिद्र होना, निर्धन होना, कगाल होना।

उस्तएगम (حسنة غم) फा. अ वि—दुख से बदहाल, प्रेम के रोग से पीड़ित।

उस्तगी (حسنگی) फा. स्त्री—शिथिलता, थकन, घायल होने का भाव, सुरभरापन।

उस्फ (حسف) अ पु—किसी को भूमि का निगलना, चांद को ग्रहण लगना; आँसों का गटे में बैठ जाना।

उस्फ (حصف) अ. पु—ना'ल ठोकना, एक वस्तु को दूसरी में जोड़ना और चिपकाना।

उस्म (حصم) अ पु—अनु, वैरी, दुश्मन, स्वामी, मालिक, पति।

उस्मानः (حصانه) अ फा पु—देख-रेख, देख-भाल।

उस्ल (حصل) अ पु—वह धन जो जुए के दांव में एक बार रसा जाय।

उस्लत (حصلت) अ स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, आदत; धर्म, गुण, सासियत।

उस्साफ (حصاف) अ. वि.—ना'ल जड़नेवाला, ना'लवद, मिथ्यावादी, झूठा।

उह (ح) फा अव्य—अहो, वाह।

उह उह (ح ح) फा अव्य—वाह वाह, साधु साधु।

उह (ح) फा अव्य—वाह, अहो, साधु।

खा

खा (حان) फा पु—'खान' का लघु, दे 'खान'।

खा वहादुर (حان بهادر) फा तु पु—अग्रेजी राज के समय को एक उपाधि जो वह अपने मुसलमान भक्तों को दिया करता था।

खा (ح) फा. प्रत्य—खानेवाला; जैसे—'शकरखा' शकर खानेवाला।

खाइन (حائِن) अ वि—बददियानत, रुपये-पैसे में खुर्द-बुर्द करनेवाला, व्यवहारानिष्ठ।

खाइफ (حائف) अ वि—भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, डरने-वाला।

खाइव (حائب) अ. वि—हताश, निराश, नाउम्मीद, वचित, विहीन, महूहम।

खाइल (حائل) अ वि—किसी वस्तु की चीकसी करने-वाला, टहलनेवाला।

खाईदः (حائيد) फा वि—चवाया हुआ, चर्वित, खया हुआ, भुक्त।

खाईदनी (حائيدنى) फा वि—चवाने योग्य, खाने योग्य।

खाकः (حاکه) फा पु—रेखाचित्र, तस्वीर का ढाँचा; किसी कार्यादि का ढाँचा, रूपरेखा; किसी कहानी आदि का प्लोट, कथावस्तु, किसी कार्यविशेष का प्लोट।

खाक (خاى) फा. स्त्री—धूलि, रज, गर्द, मृत्तिका, मिट्टी, भूमि, जमीन।

खाकअंदाज (خاى انداز) फा. पु—कूड़ा-करकट डालने का पात्र, कूटाजाना, किसी चीज के खो जाने पर शक्ति लोगों से धूल फिंकवाने की क्रिया, ताकि वह धूल में मिलाकर चीज फेंक दे और किसी को निन्दित न होना पड़े।

खाकआमेज (خاى آميز) फा वि—मिट्टी मिला हुआ, जिस वस्तु में मिट्टी मिली हो।

खाकआलूद (خاى آلود) फा वि—मिट्टी में लथड़ा हुआ, मिट्टी में सना हुआ, मिट्टी या धूल लगा हुआ।

खाकजाद (خاى زاد) फा वि—मिट्टी से उत्पन्न, मनुष्य और दूसरे प्राणी।

खाकदान (حاکدان) फा. पु—कूड़ा डालने का स्थान, कूड़ा-घर; ससार, जगत्, दुनिया।

खाकदाने देव (حاکدان ديو) फा. पु—ससार, दुनिया।

खाकनशी (خاى نشين) फा वि—भूमि पर बैठनेवाला, विनम्र, विनीत; दीन, दुस्वी, लाचार।

खाकनशीनी (خاى نشينى) फा स्त्री—विनम्रता, विनति, साकसारी, दीनता, हीनता, लाचारी।

खाकनाए (حاکناى) फा पु—पानी का वह तग हिस्सा जो पृथ्वी के दो भागों को अलग करता है।

खाकनिहाद (خاى نيهاد) फा वि—दे 'खाकी निहाद'।

खाकवसर (خاى بسر) फा वि—रार पर साक डारता हुआ, धूल उड़ता हुआ, शोक से रोता-पीटता हुआ।

खाकवाज (خاى باز) फा वि—धूल-मिट्टी उड़ानेवाला, मिट्टी से खेलनेवाला।

खाकवेज (خاى بيز) फा वि—खाक छाननेवाला, न्यारिया, जो मिट्टी में से सोना-चाँदी निकालता है।

खाकवेजी (خاى بدرى) फा स्त्री—खाक छानना, न्यारा कमाना, न्यारिये का काम करना।

खाकरोवः (خاى روه) फा पु—झाड़ू से झड़ा हुआ कूड़ा-करकट।

खाकरोव (حاکروب) फा वि—झाड़ू लगानेवाला, झाड़ने-वाला, मेहतर, भगी।

खाकरोवी (حاکرووى) फा स्त्री—झाड़ू लगाने का काम; मेहतर का काम।

खाकशी (حاکشى) फा स्त्री—एक बहुत ही महीन दाने जो दवा में काम आते हैं।

छाकसार (حاکسار) फा वि-विनम्र विनात जाबिज
वालनेवाला इस शब्द का प्रयोग अपने लिए भी करता है।
छाकसारी (حاکساری) फा स्त्री-विनम्रता, विनति
आजिबी।

छाकान (حاکان) तु पु-सम्राट महाराज गहनगाह तुर्वी
गानका की उपाधि चीनी शायक की उपाधि।

छाकिस्तर (حاکست) फा स्त्री-राख भस्म जली हुइ
वस्तु का अवशेष।

छाकिस्तरी (حاکستری) फा स्त्री-मटमला रंग मटमल
रंग का।

छाकी (حاکी) फा वि-मिट्टी स सम्बन्धित मिट्टी का
बना हुआ मण्मय छाकी रंग।

छाकी निहाद (حاکी نهاد) फा वि-जिसकी रचना मिट्टी
स हुई हा प्राणिवग मनुष्य।

छाके अफेस्त (حاکى انغمصه) फा स्त्री-सूखी भूगाल।

छाके जिगरगीर (حاکى جگرگیر) फा स्त्री-ऐसा स्थान
जहा से मन वही और जान को न करे।

छाके पा (حاکى نا) फा स्त्री-पाव की घूल पदरज,
पत्तन बोलनेवाला बड़े आत्मी से सबाधन करत हुए
अपने को भी बहता है।

छाके फरामोसा (حاکى فراموسان) फा स्त्री-समाधि-क्षेत्र
कब्रिस्तान।

छाके मुरक्कब (حاکى مرکب) फा ज स्त्री-प्राणिवग,
वनस्पतिवग और पापाणवग का समहार।

छाके मुद (حاکى مرده) फा स्त्री-ऐसी भूमि जिसम कुछ
उत्पन्न न हो जयर बजर।

छाके गिफा (حاکى سفا) फा अ स्त्री-रागमुक्त करनेवाणी
मिट्टी जिसी महारमा या बला के द्वार को घूल करवला की
मिट्टी जिसकी मालाए आदि बननी ह।

छाके सियाह (حاکى سياه) फा स्त्री-जलकर काली राख
बना हुआ भस्मसात भस्मीभूत।

छाण (حاک) फा पु-मूर्त्ती का अडा।

छागीन (حاکینه) फा पु-अडा का आमलेट।

छाह (حاره) फा पु-सनी हुई मिट्टी जो दीवारा पर लेसी
जानी है।

छाज (حاج) अ स्त्री-ईसाइया की सलीब पास।

छाबन (حاربه) फा स्त्री-साली पत्ती की बहन।

छाबिज (حارج) अ पु-निगाने पर लगा हुआ तार।

छाबिन (حارین) अ वि-सुबानची, कायाध्वज।

छाबे (حاصع) अ वि-विनम्रता और विनती करनेवाला,
विनम्र, सुनील।

छात (حابت) फा स्त्री-चौल, चिल्ल, एक प्रमिद पत्ती।
छातम (حاتم) अ स्त्री-अंगूठी मुद्रा, मोहर लगान की
अंगूठी।

छातमकार (حاتم کار) अ फा वि-वह व्यक्ति जो हाथी
दात आदि के बेलवूटे बनाकर लकड़ी आदि में बडता है।

छातमकारी (حاتم کاری) अ फा-हाथी-गौत या दूसरी वस्तु
के बेलवूटे बनाकर लकड़ी आदि में जन्ने का काम।

छातमबद (حاتم بند) अ फा दे-छातमकार।

छातमबदी (حاتم بندگی) अ फा स्त्री दे-छातमकारी।

छातिफ (حاطف) अ वि-उच्च ल जानेवाला उग ल
जाननाग आनो की ज्याति उग ल जानेवाला।

छातिब (حاطب) अ वि-वह पुरुष जो स्त्री की चाह में
हो वह स्त्री जा पुरुष की चाह में हा दामा ल।

छातिम (حاتم) अ पु-अत अवार, परिणाम, अजाम,
मत्यु मोत।

छातिम बिलखर (حاتم البصر) अ पु-सन्तानि-नाम
मोक्ष प्राप्ति नजात का हुमुल।

छातिम (حاتم) अ वि-व्रत करनेवाला समाप्त कर
वाला, सबके पीछेवाला बादवाला।

छातिर (حاطر) अ स्त्री-वह विचार जो मन में उत्पन्न हो,
हृत्प, मन दिल सम्मान सत्कार, तवाजो लिहाब।

आदर, लिए वास्ते, निमित्त।

छातिरकवाह (حاطرحوا) अ फा वि-मनचाहा, मनो
वांछित।

छातिरदार (حاطردار) अ फा वि-आदर-सत्कार कर
वाला आव भगत करनेवाला।

छातिरदारी (حاطرداری) अ फा स्त्री-आवभगत, आदर
सत्कार, छातिर-तवाजो।

छातिरन (حاطر) अ वि-दिल रखने के लिए।

छातिरनशी (حاطر نشان) अ फा वि-छातिरनशी
वही मुद्र है।

छातिरनशा (حاطر سمن) अ फा वि-हृत्प में जमनवाली
वात बोधगम्य हृत्पगम।

छाती (حاطی) अ वि-जान-बुझकर अपराध करनेवाला।

छातून (حائون) तु स्त्री-गम्य और गिट्ट स्त्री महिणा।

छातूने अरब (حائون عرب) तु अ स्त्री-बाब।

छातूने खान (حائون خانه) तु फा स्त्री-घर में रहने
वाली स्त्री, महिणा गरुम्बामिनी घमपत्नी मनपूहा बीवी
चिराग्रस्तान।

छातूने कलक (حائون ملک) तु अ स्त्री-मूय रवि मूय।

छातूने महफिल (حائون مصطل) तु अ स्त्री-सबो खानने

आनेवाली और सबसे मिलनेवाली स्त्री, सोसाइटी गर्ल, थमए-थजुमन।

खानूने यामा (خاتون یغسا) तु स्त्री-सूर्य, रवि, सूरज।

खाद (خاد) फा स्त्री-दे 'खात'।

खादिम: (خادیمه) अ स्त्री-दासी, परिचारिका, नौकरानी।

खादिम (خادم) अ वि-दास, सेवक, नौकर।

खादिमुल्लुहाम (خادم السحلام) अ. वि.-नौकरो का

नौकर, दासानुदास, बहुत ही तुच्छ।

खादे' (خادع) अ वि-बोखा देनेवाला, छली, मक्कार।

खान: (خانه) फा. पुं-गृह, गेह, घर, सड़क आदि का

खाना, रजिस्टर आदि का खाना, जन्मकुडली आदि का

घर, छेद, विवर।

खान.आवाद (خانه آباد) फा. वा-घर आवाद रहे, एक आशीर्वाद।

खान:आवादा' (خانه آداب) फा अ वि-वह व्यक्ति जो बहुत

अधिक परिश्रम करता हो, निडर और वेधटक आदमी।

खान:आवादी (خانه آبادی) फा. स्त्री-विवाह, व्याह,

शादी।

खान:कन (خانه کن) फा वि-घरवार नष्ट कर देनेवाला

व्यक्ति, धन-संपत्ति उडा डालनेवाला, कुपूत, कुलघातक।

खान.कनी (خانه کنی) फा स्त्री-घरवार तवाह कर देना,

धन में आग लगा देना, कपूतपन।

खान:खराव (خانه خراب) फा वि-जिसका घरवार और

धन आदि सब नष्ट हो गया हो, अभागा, भाग्यहीन,

वदनसीव।

खान:खरावी (خانه خرابی) फा अ स्त्री-घरवार और धन-

दीलत का नाश, अभागापन, भाग्यहीनता, बदकिस्मती।

खान:ख्वाह (خانه خواه) फा. वि-मुसाफिर के जान-पहचान

का घर जहाँ वह उतरे।

खान.जंगी (خانه جنگی) फा. स्त्री-किसी देश के भीतर

की आपसी लडाई, अत कलह, गृह-युद्ध।

खान.जाद (خانه جاد) फा वि-घर में उत्पन्न, घर का पैदा

हुआ, घर की लौंडी से उत्पन्न, दासीपुत्र, इस शब्द का

प्रयोग वधता अपने लिए भी करता है।

खान:तलाशी (خانه تلاشی) फा तु स्त्री-पुलिस आदि की

और से घर की तलाशी।

खान:दामाद (خانه داماد) फा पु-वह दामाद जो अपना

घर छोड़कर सुसराल में रहे।

खान:दामादी (خانه دامادی) फा स्त्री-दामाद का अपना

घर छोड़कर सुसराल में रहना, दामाद से सुसराल में

रहने की शर्त पर शादी करना।

खान:दार (خانه دار) फा. वि-गृहस्थ, घरेलू जीवन व्यतीत करनेवाला; घर का स्वामी; घर का व्यक्ति, द्वारपाल, दरवान।

खान:दारी (خانه داری) फा. स्त्री-घर-गृहस्थी का जजाल, घरेलू जीवन।

खान.नशी (خانه نشین) फा वि-सासारिक विषय-वास-नाथों में निवृत्त होकर एकान्त में रहनेवाला।

खान.नशीनी (خانه نشینی) फा स्त्री-ससार के झगडों से मुक्त होकर एकान्त में जीवन व्यतीत करना।

खान.पुरी (خانه پوری) फा स्त्री-किसी फार्म या रजिस्टर के खानों का भरना, केवल दिखाने या छूछा उतारने के लिए वेदिली से कोई कार्य करना।

खान:बखान: (خانه بखانه) फा वि-घर-घर, हर घर में।

खान.बदोश (خانه بدوش) फा वि-घर का सामान साथ रखकर, इधर-उधर जीवन बितानेवाला, सचारजीवी।

खान:बदोशी (خانه بدوشی) फा स्त्री-इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन बिताना।

खान:बरंदाज (خانه برانداز) फा. वि-घर को विनष्ट करनेवाला, गृह-घातक।

खान:बरंदाज (خانه برانداز) फा वि.-दे 'खान बरदाज', दोनों शुद्ध है।

खान:बरवाद (خانه بروداد) फा वि.-दे 'खान खराव'।

खान:बरवादी (خانه برودادی) फा स्त्री-दे 'खान खरावी'।

खान:वाग (خانه वाغ) फा. पु-वह वाग जो घर से मिला हो, गृहवाटिका, गृहोद्यान, पाईवाग।

खान.बुस्ता' (خانه بوستان) फा पु-दे. 'खान वाग'।

खान:रस (خانه رس) फा वि-घर में पकाया हुआ फल, पाल का मेवा।

खान:वीरा' (خانه ویران) फा. वि-दे 'खान खराव'।

खान:वीरानी (خانه ویرانی) फा स्त्री-दे 'खान खरावी'।

खान:शुमार (خانه شمار) फा वि-घरों की गिनती करनेवाला।

खान.शुमारी (خانه شماری) फा स्त्री-घरों की गिनती।

खान:साज (خانه سار) फा वि-घर का बना हुआ, घर की बनी हुई वस्तु, गृह-निर्मित।

खान.सियाह (خانه سیاه) फा वि-अभागा, वदनसीव; कृपण, कजूम।

खान.सोज (خانه سوز) फा वि-घर की संपत्ति फूँक डालने-वाला, घर को नष्ट कर देनेवाला।

खान.सोजी (خانه سوزی) फा स्त्री-घर की संपत्ति नष्ट कर देना, घर बरबाद कर देना।

छान (حان) तु पु—अथक्ष अमीर सरदार बहुत बड़ा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

छान (حان) का पु—छान का लघु, जो यौगिक शब्द में व्यवहृत है जैसे—छानमा पठान काबुली।

छानए सुदा (حانه حان) का पु—ईश्वर का घर उपा सनालय मस्जिद।

छानए खुशौब (حانه حشيد) का पु—सिहरागि बुजें असद।

छानए चदम (حانه حشم) का पु—बह गंगा जिसम आँव का बला रहता है आबस्पी घर जिसम प्रमिका का निवास होता है।

छानए तीर (حانه تير) का पु—मियुन रागि बुजें जीजा।

छानए दिल (حانه دل) का पु—हृदयस्पी घर हृद्ग जिसम प्रयोगी का निवास रहता है।

छानए बतबल्लुक (حانه بلك) का अ पु—एसा घर जहाँ तबल्लुक न करना पड़।

छानए माही (حانه ماهی) का पु—जनी तागाव गति जहा मछलिया रहती है।

छानए हाह (حانه هاه) का स्त्री—कनारा और साधुआ के रहन का स्थान आशम।

छानगी (حانگی) का वि—निजी माता धरेतू घर गहस्पी सम्बन्धा (स्त्री) वह धरेतू स्त्री जो व्यभिचारिणी है। निना 'याही स्त्री जो घर म स्त्री का तरह रख ली गयी है। उपापना रखने स्पल बढानी स्त्री।

छानदान (حاندان) का प—बश कुट परिवार घराना।

छानदानी (حاندانی) का वि—गानगान का वग सम्बन्धी वग ग व्यक्ति रजनन जकीज तुलीन गरीफ (व्यग) अङ्गान दागना।

छानम (حانم) तु स्त्री—गान की स्त्री बडे घर की स्त्री महिला।

छानवार (حانوار) का पु—वग कुट गानगान।

छानसामी (حانسامی) का पु—गान की मंड या दस्तार छान का प्रथम करनेवाला कानरफी रखोइया।

छानिक (حانق) अ वि—गंगा घानववाग गला घाटवर मार डालनवाला।

छानी (حانی) का वि—छाग होड।

छान (حانق) अ वि—दुराचारी कनार घुटा विचार रखनवाला कगुमान।

छानोमी (حانرومی) का पु—गन्धी का सामान गह सामथी।

छाना (حانسی) का पु—छानामी।

छानांतराब (حانسانی حواب) का वि—छान सराब।

छानांतराब (حانسان بریدان) का वि—छान दरवाब छाफिकन (حافکن) अ पु—पूरव और पच्छिम।

छाफिक (حافص) अ स्त्री—बह स्त्री जो स्त्रिया न खले करे।

छाफिक (حافص) अ वि—नीचे गानवाग फस्त करन वाला अतर पर जर देनेवाला ईश्वर का एक नाम जिसका अर्थ है अत्याचारिया को अपमानित करनेवाला।

छाफिय (حافیه) अ वि—दिया हुआ गुप्त।

छाबिय (حاصه) अ पु—सिर्वा आदि रखन की मन्वी मतवान।

छाबूर (حاور) अ पु—एक भास एक चरमा एक गाँव।

छाम (حامه) का पु—रेशमी कलम।

छाम फर्सा (حامه فرسا) का वि—कलम पितानवाला अर्थात् लिखनवाला छाम बदार रेशक राइटर।

छाम फर्साई (حامه فرسائی) का स्त्री—लिखना तहरीर करना छाम बदारी खेन-बाय।

छाम (حام) का वि—नच्चा अपरिपन्न असह्य नातरिब कार अनुभवहीन छागिस निधवग कची शरान।

छाम [म्म] (حام) अ पु—राना हुआ मास।

छामअवल (حام عمل) का वि—जिसकी समन-बू कची हो अपरिपन्नवमति नातरिब कार अनुभवी।

छामअवली (حام عقلی) का अ स्त्री—समन-बू का कच्चापन नातरिबकारी अनुभवहीनता।

छामकार (حام کار) का वि—मिथ्या काम करनेवाला मिथ्याकारी अनुभवी।

छामकारी (حام کاری) का स्त्री—मिथ्या काम करने अनुभवहीनता।

छामलेवाल (حام خیال) का अ—मूग बधुपू रिगि विचारधारा ठीक न हो, जा ठीक बात का गलत समन कच्चा विचार गलत विचार।

छामछायली (حام حیلای) का अ स्त्री—मूगता ठाफ याग को गलत समझना विचार ठीक न होना।

छामगू (حام جو) का वि—गानगान मूग नातरिबकार अनुभवी।

छामघम (حام حرم) का वि—मनुष्य की दह इतनी जितम।

छामतबज (حام طبع) का अ वि—नासमन मन्मति।

छामतगई (حام طعمی) का अ स्त्री—नागमगी।

छामतमा (حام طمع) का अ वि—रानवा लानी रानुप।

खामदस्त (خام دست) फा. वि—जिसे काम का अम्यास न हो, अनम्यस्त; फ्रजूलखर्च, अपव्ययी, अननुभवी।

खामदस्ती (خام دستی) फा स्त्री—काम का अनम्यास, अनाडीपन; फ्रजूलखर्ची, अपव्यय, अननुभव।

खामपारः (خام پار) फा स्त्री—(शाली) वह स्त्री जिसका कामार्थ नष्ट हो गया हो, क्षतयोनि, व्यभिचारिणी, छिनाल।

खामरीश (خام ریش) फा वि—मूर्ख, धामड, बुद्धू, विद्वपक, मस्त्ररा।

खामसोज (خام سوز) फा. वि—वह पदार्थ जो ऊपर से जल गया हो, परन्तु भीतर कच्चा हो।

खामसोजी (خام سوزی) फा स्त्री—ऊपर से जल जाना और भीतर कच्चा रहना।

खामिल (خامیل) अ वि—ऐसा व्यक्ति जिसे कोई याद न करे, गुमनाम, तुच्छ।

खामिस (خامیس) अ वि—पार्श्वार्थ, पश्चिम।

खामी (خامی) फा स्त्री—कच्चापन, अपरिपक्वता, नातञ्जित्त कारी, अनुभवहीनता।

खामुशी (خاموشی) फा. स्त्री—‘खामोशी’ का लघु, दे. ‘खामोशी’

खामोश (خاموش) फा वि—चुप, निर्वाक, नीरव, अवाक, मीन, गान्त, साकिन।

खामोशी (خاموشی) फा स्त्री—नीरवता, मीन, चुप्पी, सन्नता।

खायः (خایه) फा पु—अडा, अड, अडकोप, फोता।

खायःवरदार (خایه بردار) फा वि—झूठी और गिरी हुई खुशामद करनेवाला, बहुत ही तुच्छ खुशामदी, चाटुकार।

खायःवरदारी (خایه برداری) फा स्त्री—झूठी और तुच्छ खुशामद, चाटुकर्म।

खायःरेज (خایه ریز) फा पु—खागीन, आमलेट, अडो का चीला।

खायस्क (خاسک) फा पु—सुनारो या लुहारो का हथौड़ा।

खायिस्क (خایسک) फा. पु—दे ‘खायस्क’, दोनो शुद्ध है।

खार. (خار) फा पु—एक बहुत ही कठोर पत्थर, खारा, एक वस्त्र जो सूरज की धूप में फट जाता है।

खार (خار) फा पु—कांटा, कटक, चुभने और कट देनेवाली बात, पक्षी के पाँव का कांटा।

खारकश (خارکش) फा वि—लकड़हारा, लकड़ी काटने और बेचनेवाला।

खारकशी (خارکشی) फा स्त्री—लकड़हारे का काम।

खारखसक (خارخسک) फा पु—गोखरू, गोक्षुर।

खारखार (خارخار) फा वि—सोच में पड़ा हुआ, चिन्तित,

उद्विग्न, परेशान, (पु.) फिक्र, चिन्ता, लगाव, सम्बन्ध।

खारचंग (خارچنگ) फा पु—ककट, केकड़ा।

खारची (خارچین) फा पु.—कांटो की वाड़ जो खेतों के चारों ओर लगा देते हैं।

खारदार (خاردار) फा वि—कंटीला, कांटेदार।

खारपुस्त (خارپشت) फा. स्त्री—साही, शतलकी, एक जंतु जिसकी पीठ पर लंबे कांटे होते हैं।

खारवंद (خاروند) फा पु—दे ‘खारची’।

खारवस्त (خاروست) फा पु—दे ‘खारची’।

खारशतुर (خارشتور) फा पु.—एक कांटेदार झाड़, जिसे ऊँट बड़े प्रेम से खाता है, ऊँटकटारा।

खारा (خارا) फा. पु—एक बहुत ही कठोर पत्थर, खार, एक रेशमी कपड़ा जो लहरियेदार होता है।

खाराशिकन (خاراشکن) फा वि—दे ‘खाराशिगाफ’।

खाराशिगाफ (خاراشگاف) फा वि—पत्थर में छेद कर देनेवाला, पापाणभेदी, प्रस्तरभेदी।

खारिवः (خارنده) फा वि—खुजानेवाला।

खारिक (خارک) अ वि—फाड़नेवाला, विदारक।

खारिके आदात (خارک عادات) अ पु—चमत्कार, मो’जिज कारामात, करिष्मा।

खारिजः (خارجه) अ पु—पृथक्, अलग, रसीद का दूसरा परत, विदेशी, परराष्ट्रीय।

खारिज (خارج) अ वि—निकलनेवाला, निकला हुआ, रद किया हुआ; वहिष्कृत, विरादरी से खारिज।

खारिज अज अक्ल (خارج از عقل) अ. फा वि—जो बात समझ से बाहर हो, ज्ञानातीत, जो व्यक्ति बुद्धि से खारिज हो, मूर्ख।

खारिज अज आहंग (خارج از آهنگ) अ फा वि—जो बात विना इरादे के हो, जो स्वर स्थान से विचलित हो।

खारिज अज कियास (خارج از قیاس) अ फा वि—अनुमान से अधिक, बहुत अधिक।

खारिज अज बइस (خارج از بحث) अ फा वि—जो बात असगत हो, जो बात सर्वमान्य हो, निर्विवाद बात।

खारिज आहंगी (خارج آهنگی) अ फा स्त्री—स्वर का विचलित हो जाना।

खारिज किस्मत (خارج قسمت) अ पु—वह सख्या जो भाग देने से प्राप्त हो, लब्धि, भजनफल, भागफल।

खारिजन् (خارجاً) अ वि—उडते-उडते, अविश्वस्त रूप से (सुनने के लिए प्रयुक्त होता है)।

खारिजी (خارجی) अ वि—बाहरी, बाह्य, मुसलमानों का एक समुदाय जो हजरत अली को नहीं मानता।

छारिजलअवल (حارج العقل) अ वि दे-छारिज अज अकल ।

छारिजलवलद (حارج البلد) अ वि-वतन से निवाग हुआ, दस निष्कासित जलावतन ।

छारिफ (حارफ) अ वि-खज्रा की देखरेख करनेवाला ।

छारिम (حارم) अ वि-नाक वाटनेवाला नथने छेन्ने वाला गारती उपद्रवा ।

छारिया (حارش) फा स्त्री-खुजला कटू खजू विचचिक्का खाज ।

छारिस्त (حارشت) फा स्त्री दे-छारिग ।

छारिस्ती (حارستی) फा वि-जिस राज हो खुजली का मराज ।

छारिमी (حارमी) फा वि दे-छारिस्ता ।

छारिस्तान (حारستان) फा पु-काटा का जगल जहा काटे ही काटे ही ।

छारीद (حारीده) फा वि-खुजलाया हुआ ।

छारीदनी (حारीدنی) फा वि-खुजलाने के लाइक ।

छारे अकब (حارعرب) अ फा पु-मिरीय कस्तुम विच्छ का डक नामुबारक मनहूस अगुम ।

छारे मुशीला (حارمعش) फा पु-बकू का काँटा बखूर कटक ।

छारोमस (حारودس) फा पु-बूडा-बरकट ।

छारोमसक (حاروحسک) फा पु दे-'छारमम' ।

छाल (حاله) अ स्त्री-माँ की बहन मामा मौमी मानप्यगा ।

छाल (حاله) फा पु-छाग पफाला ।

छाल-बाग (حालه-را) अ फा वि-मौमी का लडका या लट्टी ।

छाल (حال) अ प-निग विट्ट शरीर का बाला दाग मामूँ माँ का माई श्रेष्ठता दुजुगी मया बुद्धि अकर, अहवार अभिमान गरर ।

छाल छाल (حال حال) अ वि-बहा-बही यग-यग का-का बहून कम ।

छालिज (حالی) अ वि-उत्तातारना पग बनवाला गटिपना गपटा ईकर ।

छालिज कुल (حालی کل) अ पु-प्रताप की हू वस्तु उगार बनवाग मयगपग ईकर ।

छालिज (حالد) अ वि-हमग रहनवाग निल अनवर इगम का एग प्रसिद मनापति ।

छालिज (حالد) अ वि-बहुत भयि प्रसिद गुग, त्रिय विगी का यग नहा, छाग का ममा ।

छालिफ (خالف) अ वि-मानी खाचनेवाला, पीछ छूग हुआ जो पीछे रह गया हा ऐसा व्यक्ति या याहीन हा ।

छालिय (خالیه) अ वि-प्राचीन पुरानन इगम, पिछला, गुजर हुआ गत ।

छालिस (خالصه) अ पु-राजा की निजा और डाती मूमि और जायदाद निमल निपेवल, छालिम, निम्वा का एव सम्प्रदाय (छालसा) ।

छालिस (خالص) अ वि-बमेल विगुद निक्कल, निश्छल मुस्लिम केवल सिफ ।

छालिसुनसल (خالص النسل) अ वि-जिसके बग में काई दाप न हो कुलीन ।

छालिसुलअसल (خالص الاصل) अ वि-द-छालिसुनसल ।

छाली (حالی) अ वि-जिसम कुछ भरा न हा रिज जिमम कोई रहता न हो गर आवाज केवल सिफ ।

छाली अज अकल (حالی از عقل) अ फा वि-बदिगन मूल वेककफ ।

छाली अज इल्लत (حالی از علت) अ फा वि-बिना बाप का, बिना दोप का ।

छालू (حالی) अ पु-माँ का भाई मामूँ परन्तु इस समय माँ की बहन के पति को कहत ह (माँ की बहन चाग मौसी) ।

छाले (خالع) अ वि-बह स्त्री जिम पति न छाड दिया हा वह पति जिस स्त्री ने छाड दिया हा खूब पना हुआ खूर ।

छाले आरिख (حال عارض) अ पु-गाल का तिल ।

छाले दख (حال رخ) अ फा पु-गूह का तिल, गाल का तिल ।

छावद (خاوند) फा वि-खुनव का लपु स्वामी मायिक पति, गौहर (छाविद) ।

छावदी (خاوندی) फा स्त्री-स्वामिन, मायिनी पतित्व गौहरपन ।

छावर (خاور) फा वि-पूर्व सिग पूर्व मयिज पयिच सिग पच्छिम मयिब ।

छाविद (خاربه) अ वि-रिज छाली पना हुआ उगाग ।

छाग (خامه) फा पु-बूडा-बरकट ।

छाग (خاش) फा स्त्री-माता पति की माँ पत्नी की माँ ।

छागक (خاسی) फा पु-बूडा-बरकट ।

छाग (خامع) अ वि-बिगन बिना गागमार ।

छाग (خامه) अ पु-गजाग जोर चागाहा का चागा ।

छास (خام) अ वि-बिगेप मन्मूय मुग प्रपति ।

छासगी (خامگی) अ फा पु-राजाग का पाग उगन-कन याग मनापति, (स्त्री) बह बीग जिमने राजा ममाग इग हा राजा की रग-दागी हर अछा और गुग वस्तु ।

खासदान (خاصدان) अ फा पं—पान रखने का पात्र-विशेष।
खासनवीस (خاص نویس) अ. फा वि—पर्चानवीस, जो
वादशाहो को हर बात की सूचना देता हो, निजी लेखक,
'पर्सनल असिस्टेंट।

खासबरदार (خاص بردار) अ फा पु—वह नौकर जो बट्टक
या वल्लम लेकर मालिक के आगे चलता है।

खासियत (خاصیت) अ स्त्री—गुण, सिफत, धर्म, गुण,
मिजाज, स्वभाव, आदत।

खासिर: (خاصیر) अ स्त्री—कमर और पेड़।

खासिर (خاصیر) अ वि—वह व्यक्ति जो स्वयं अपना नुकसान
करे, जिसे माल में घाटा आया हो।

खासीयत (خاصیت) अ स्त्री दे—'खासियत', दोनो शुद्ध है।

खासोआम (خاص و عام) अ पु—छोटे-बड़े सब व्यक्ति, सर्व-
साधारण, अवाम।

खास: (خاصه) अ पु दे—'खासियत'।

खास्सीयत (خاصیت) अ स्त्री दे—'खासियत', सबसे अधिक
शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु प्रचलित 'खासियत' ही है।

खाहाँ (خاهان) फा वि दे—'ख्वाहाँ'।

खाहिश (خواهش) फा स्त्री दे—'ख्वाहिश'।

खि

खिग (خنگ) फा वि—श्वेत, सफेद, सफेद घोडा, श्वेताश्व।

खिगवुत (خنگ دست) फा पु—श्वेत मूर्ति, सफेद वुत,
विल्लूर का पियाला, गोरा मा'शूक।

खिग मगसी (خنگ مگسی) फा पु—सफेद घोडा, जिस पर
काली बूँदकियाँ हो।

खिजोर (خجیر) अ पु—हड्डी सुलगने की दुर्गंध।

खिजोर (خجیر) अ पु—शूकर, वराह, सुअर।

खिसर (خنصر) अ स्त्री दे—'खिसिर'।

खिसिर (خنصر) अ स्त्री—हाथ की सबसे छोटी उँगली,
छिगुली, कनिष्ठा, कनिष्ठिका, कनीनिका।

खिजर (خضر) अ पु—यह उच्चारण अशुद्ध है, केवल 'खिज़्र'
जोर 'खिज़िर' शुद्ध है।

खिजाँ (خزان) फा स्त्री—दे शु उच्चारण 'खजाँ'।

खिजान: (خزانة) अ पु—दे 'खजान', शुद्ध यही है, परन्तु
उर्दू में प्रचलित 'खजान' ही है।

खिजानगी (خزانگی) फा स्त्री—ऐसी सुन्दर और बहुमूल्य
वस्तु जो राजाओं के योग्य हो।

खिजाव (خصاب) अ पु—वाली के रँगने का, मसाला,
रँगा हुआ हाथ, एक तारा जिसके बीच आशक में आने पर
जो हुआ माँगी जाय वह पूरी होती है।

खिज़्र (خضر) अ. पु.—एक अमर पैगम्बर जिनके अधिकार में
वन है और जो भूले-भटकों को मार्ग बताते हैं, एक समुद्र,
कैस्पियन; लम्बी आयु का फरिश्ता—“गुजार दूँ तेरे गम
में जो उम्रो खिज़्र मिले”।

खिज़्रसूरत (خضروصورت) अ वि—जो देखने में हजरत खिज़्र
की भाँति सहृदय और दयालु हो।

खिज़्रे मंजिल (خضر مندرل) अ पु—मार्गदर्शक, रहनुमा, खिज़्र
की तरह मजिल तक रास्ता बतानेवाला,—“क्या मिला खिज़्र
से सिकंदर को—किसको अब रहनुमा करे कोई।”—
गालिब।

खिज़्रे राह (خضرو راه) अ फा पु दे—'खिज़्रेमजिल।

खिज़्लान (خزلان) अ. पु—वचकता, हीनता, महरूमी;
अभागापन, बदकिस्मती, मित्र की सहायता न करना।

खिता (خطا) अ स्त्री—शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में
'खता' बोलते हैं, दे 'खता'।

खितान (خندان) अ पु—खतन, लिग के सिर की खाल
काटना, लिग का वह भाग जो काटा जाय, लगाग्र।

खिताव (خطاب) अ पु—उपाधि, लकव, सवोधन, मुखातव,
सरकार की ओर से मिली हुई उपाधि।

खितावत (خطابت) अ स्त्री—सवोधन, खिताव, खतीव का
काम, भाषण देने का काम, खुत्व पढने का काम।

खितावयाप्त: (خطاب یافته) अ फा वि—जिसे राज की
ओर से उपाधि मिली हो, प्राप्तोपाधि, राज्य-प्रदत्त पदवी
पाया हुआ व्यक्ति।

खिताम: (خدا مة) अ पु—दे 'खिताम'।

खिताम (خدا مة) अ पु—चपडा या मोम जिसपर मोहर की
जाती है।

खिताम (خطام) अ पु—ऊँट की नकेल।

खित्त: (خطه) अ पु—क्षेत्र, इलाका, प्रदेश, देश, जमीन का
प्लॉट जिस पर घर बनाया जाय।

खित्व: (خطه) अ पु—स्त्री की चाह, व्याह की इच्छा।

खित्वत (خطبت) अ स्त्री—मँगनी, सगाई, वह शब्द जो
खतीव निकाह के समय पढता है; वह वात जो झगडा तै
कर दे।

खित्मी (خطمی) अ स्त्री—शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु
उर्दू में खत्मी बोलते हैं, दे 'खत्मी'।

खिदफ (خدا ف) अ. पु—कुर्ते या अँगरखे के अग।

खिदाअ (خدا ع) अ पु—छल करना, धोखा देना, फरेव
करना, छल, कपट, फरेव।

खिदाज (خدا ج) अ पु—हानि, नुकसान; अपूर्ण, नातमाम,
समय में पहले जनना, दे 'खिदाज', दोनो शुद्ध है।

खिदारत (خدا رت) अ स्त्री-स्त्री का पदों में रहना, पदां न-नीनी।

खिदेव (خديو) का पु-राजा, बादशाह शासन स्वामी पति मालिक।

खिदन (خدن) अ पु-मित्र दास्त, प्रेमपान मा गूक।

खिदमत (خدمت) अ स्त्री-दासता, गुलामी, सेवा, नौकरी, श्रुष्या वाचनम्।

खिदमतगार (خدمت گار) अ का वि-दास, नौकर खिदमती।

खिदमतगारी (خدمت گاری) अ का स्त्री-दासता नौकरी परिचर्या।

खिदमतगुजार (خدمت گزار) अ का वि-दिल से सवा करनेवाला आनापालक फर्मावरदार।

खिदमतगुजारी (خدمت گزاری) अ का स्त्री-दिल से सवा करना आनापालन करना।

खिदमती (خدمتی) अ वि-सबक दास खिदमतगार।

खिदमते पलर (خدمت پلر) अ स्त्री-अनता की सवा दगमेवा।

खिदर (خدر) अ पु-सिंह के रहने की माल जाड पर्ण।

खिपा (خما) अ पु-अिपाव दुराव पंगादगी।

खिफार (خفارة) अ पु-प्रतिपा-पालन वा बचन देना, परस्पर कौन-करार करना प्रतिपा वचन कौल-भरार।

खिफरत (خفرت) अ स्त्री-लाज उज्जा तम सक्च नदामत अनता वमा।

खिफर (خفرون) अ वि-निदृष्ट दूषित छराव, नाकिम।

खिफिक (خفرك) अ वि-दे खिफक'।

खिफ्रीक (خفرك) अ वि-दे खिफक'।

खिना (خنا) अ पु-अम रावटी तबू।

खिन्नत (خفرت) अ स्त्री-परीक्षा आजमाइश बुद्धिमता दानिया क्षमता चानुव हांगायारी।

खिमार (خमार) अ स्त्री-आत्मी दुपट्टा।

खिमअ (جمع) अ पु-धानक भडिया।

खिमौर (خمسور) अ वि-जा हर समय गराव में मस्त रहता हा।

खियम (خيم) अ पु-अम वा बहु रावटिया तम्बू छमे।

खियर (خيمر) अ पु-अर वा बहु, सज्जन लोग अच्छ और मेव लोग।

खियात (خياط) अ स्त्री-मुई सूची सूजा कपडा सीन की सूजी।

खियातत (خياطت) पु स्त्री-वपन साने वा नाम सिलाई सिलाई का, पया।

खियानत (خيانت) अ स्त्री-अवन मायण, अपहरण।
खियानते मुच्चिमान (خيانت معرمانه) अ का स्त्री-निच भावना से घा हृषिया लेना।

खियावाँ (خياان) का पु-खियारी रविग उदान वाण।

खियाम (خيام) अ पु-अम वा बहु अम तम्बू।

खियार (خيار) अ पु-वीरा एफ प्रसिद्ध फर।

खियारक (خيارك) का पु-रान की अम में निवतनवांग फाडा, वन।

खियारख (خيارك) अ का पु-वनडी, एव प्रसिद्ध फल।

खियारगार (خيارسار) अ पु-अमलतास, आरषध।

खियारन (خيارن) अ पु-खीरा जीर ककरो दाना।

खिपू (خپو) का प-अम मुखसाव द 'खपू', दोन गुद्ध हा।

खिराह (خراگه) का पु-अडी रावटी बडा अम, दे सराह' दोना गुद्ध हा।

खिरद (خرد) का स्त्री-बुद्धि धी मनीषा, मधा अकत।

खिरदखर (خردخور) का वि-दे खिरदम'।

खिरदमद (خردمند) का वि-मधावी मनीषी, बुद्धिमान, अकलमन'।

खिरदमवी (خردمندی) का स्त्री-बुद्धिमता अनमनी'।

खिरदखर (خردخور) का वि-दे खिरदम'।

खिराज (خراج) अ वि-दे गु उच्चारण 'खराज'।

खिरातत (خراعت) अ स्त्री-अकडी खरातन का नाम।

खिराम (خرام) का स्त्री-चाउ, गति रफार नम चाल अदुउ गति (प्रत्य) चलनेवाला, जैसे-सबुखिगम इल्की चाल चलनेवाला।

खिरामाँ (خرامان) का वि-दृष्टते हुए टहलनवाला।

खिरामाँ खिरामाँ (خرامان خرامان) का वि-धीरे धीरे टहलते हुए हल्की चाल से मद गति से।

खिरामेनाब (خرام ناز) का स्त्री-इठलानी हुई बाल आ गुकाना चाल।

खिर (خرد) अ पु-गुडी फटा-मुराना लिबास रिती अरि या बली के गरीर से उलग हुआ लिबास।

खिक पोग (خردپوس) अ का वि-फकीरा का निव पहननेवाला फकीर साधु।

खिक (خرد) अ वि-विनोनी हंसान मगायिया, ग, चीर क्हाडुर।

खिनिर (خردن) अ पु-अरगास वा बच्चा।

खिमन (خردمن) का पु-बहु कलियान जिस पर दीप चर गयी हो भूमा मिला हुआ अम भूसा निरला हुआ बर का डेर।

खिर्मने माह (خوर्मين مياہ) फा पु—चाँद का घेरा, हाल, चंद्रमंडल ।

खिर्सक (خوسک) फा.पु—एक खेल, जिसमें एक घेरे में एक लडका खडा होता है, और सब लडके उसे मारते हैं, जिस लडके के शरीर में वह लडका पाँव मार देता है, उसे उस घेरे में खडा होना पडता है ।

खिल [ल्ल] (حل) अ पु—मित्र, दोस्त, सखा, यार ।

खिलाअ (حلاع) अ स्त्री—'खिल्अत' का बहु, खिल्अते ।

खिलाअत (حلاعت) अ स्त्री—रोग के कारण दुखी रहना ।

खिलाक (حلاق) अ पु—एक प्रकार की सुगंध ।

खिलात (حلاط) अ. पु—वृद्धि-विकार, अकल की खराबी, नर और मादा का मेल ।

खिलाफ (حلاب) अ. पु—वेत का पेड, वेत्र, (वि) विरुद्ध, मुखालिफ, प्रतिकूल, नामुआफिक, प्रत्युत, वरअक्स, शत्रु, दुश्मन ।

खिलाफत (حلافت) अ स्त्री—प्रतिनिधित्व, नुमाइदगी, स्थानापन्नता, काइममकामी, मुहम्मद साहब के बाद उनकी जानशीनी ।

खिलाफते राशिदः (حلافت راشيد) अ स्त्री—हजरत मुहम्मद के चार खलीफाओ का समय और उनकी खिलाफत ।

खिलाफवयानी (خلاف ویاسی) अ स्त्री—झूठ कहना, गलत वयान करना, मिथ्यावाद ।

खिलाफवर्जी (خلاف وزی) अ. फा स्त्री—अवज्ञा, आज्ञो-तलघन, हुकमउदहली ।

खिलाफे उम्मीद (خلاف امید) अ फा पुं—आशा के खिलाफ, जिसकी आशा न हो, आशा से अधिक, आशातीत ।

खिलाफे काइदः (خلاف قاعدہ) अ पु—नियम के विरुद्ध, उसूल के खिलाफ, कानून के विरुद्ध, अवैध ।

खिलाफे कानून (خلاف قانون) अ पु—विधान के विरुद्ध, अवैध; नियम के विरुद्ध, काइदे के खिलाफ ।

खिलाफे कियास (خلاف قیاس) अ पु—अनुमान के परे, ज्ञानातीत, जो सोचा हो उसके खिलाफ ।

खिलाफे सावितः (خلاف صابطہ) अ पु—दे 'खिलाफे काइद' ।

खिलाफे तवक्को' (خلاف توقع) अ पु—आशा के खिलाफ, आशातीत ।

खिलाफे तह्जीव (خلاف تہزیب) अ पु—सभ्यता और धिण्टता के विरुद्ध, अश्लील ।

खिलाफे दस्तूर (خلاف دستور) अ फा पु—दे 'खिलाफे काइद'; परपरा के विरुद्ध, रवाज के खिलाफ, नियम-विरुद्ध ।

खिलाफे मर्जी (خلاف مرضی) अ पु—दे 'खिलाफे मिजाज' इच्छा-विरुद्ध ।

खिलाफे मिजाज (خلاف مزاج) अ पु—जिस बात को जी न चाहता हो, मर्जी के विरुद्ध, स्वभाव-विरुद्ध ।

खिलाफे मौजूअ (خلاف موضوع) अ. पु—किसी विषय के अतिरिक्त दूसरा विषय, विषयातर, जो प्रसंग चल रहा हो उसके विरुद्ध दूसरा प्रसंग, अप्रासंगिक ।

खिलाफे वज्अ' (خلاف وضع) अ पु—अपनी परपरा और वजा'दारी के विरुद्ध, परपरा-विरुद्ध ।

खिलाफे वज्अ फित्री (خلاف وضع فطری) अ. पु—अप्राकृतिक मैथुन, स्त्री के सिवा किसी और से रति-क्रीडा ।

खिलाफे शान (خلاف شان) अ पु—अपनी आनवान के विरुद्ध, अपनी मर्यादा के विरुद्ध ।

खिलाव (حلاب) अ स्त्री—कीचड, कीच, दे. 'खलाव', दोनो शुद्ध हैं परन्तु वह अधिक शुद्ध है ।

खिलाल (حلال) अ. पु—मध्य, बीच, दो वस्तुओ के बीच का अन्तर; मैत्री, दोस्ती, दाँत कुरेदने का तिनका; ताश की वाजी में मात ।

खिलाले माइदः (حلال مائدہ) अ पु—सिधैयों ।

खिलाश (خلاس) अ पु—रास्ते की कीचड ।

खिलास (حلاص) अ. पु—खालिस, निष्केवल; खरा चाँदी और सोना, श्रेष्ठ, उत्तम, प्रेम और सच्चाई ।

खिल्अत (حلمعت) अ. स्त्री—राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्र आदि, जो तीन कपडों से कम नहीं होते; अपने शरीर से उतारकर दूसरे को वस्त्र पहनाना ।

खिल्अते फाखिरः (حلمعت فاحرہ) अ स्त्री—पूरा खिल्अत, जिसमें सात कपडे, मोतियों की माला, रत्नजटित पगडी का जीग और तलवार आदि होते हैं ।

खिल्कत (حلمقت) अ स्त्री—उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश, जनता, जनसाधारण, अवाम ।

खिल्की (حلمقی) अ वि—पैदाइशी, जन्मसिद्ध; प्राकृतिक, फित्री ।

खिल्तः (حلیطہ) अ पु—मिश्रण, मिलना, किसी के साथ रहकर जीवन व्यतीत करना ।

खिल्त (حلیط) अ. स्त्री—शरीर के अंदर वात, पित्त, कफ आदि रस, धातु ।

खिलते फासिद (حلیط فاسد) अ. स्त्री—दूषित धातु, प्रकुपित धातु, वह वात, पित्त आदि जो विगट गया हो ।

खिलते सालेह (حلیط صالح) अ स्त्री—शुद्ध धातु, वह खिलत जिसमें कोई विकार न हो ।

विल्फ (حلفه) अ पु-एक दूसरे के पीछे आना अथवा जाना, एक दूसरे के पीछे आया हुआ।
 विल्फ (حلف) अ पु-मनुष्य अथवा पशु के स्तन का सिरा लडावा मनुष्य।
 विल्म (حلم) फा पु-नाब से निरालनेवाला रेंट।
 विल्म (حلم) अ पु-मित्र मया दास्त हरिण का ठाह उमरा निवामस्थान।
 विल्त (حشت) फा स्त्री-इट इटिवा छोटा नडा साग गवन।
 विल्तक (حسك) फा पु-बपडे का वह टुकडा जो कुर्ते आदि में बगल के नीचे लगता है चौबगला।
 विल्तबारी (حشماری) फा स्त्री-इटें पेंवना इग का मार इटवाडा।
 विल्म (حسم) फा पु-श्रीम रोप काप गुस्ता दे लाम' दोना गुड ह।
 विल्साद (حسانه) फा पु-सँसान' दोना गुड ह परतु प्रचलित वही है।
 विल्साम (حصام) अ पु-ससम का बहु धातु लोग लानेवाले लाग युद्ध कराए लाई लाना।
 विल्साल (حصال) अ प-ससलन का बहु, स्वभाव आनन प्रवृत्तियां।
 विल्स्वान (حسكوانه) फा पु-कुसुम व बीज।
 विल्स (حصب) अ प-विभव बभब समृद्धि परागत धाम और साडा का बहाना गुजान नगर।
 विल्सल (حصب) अ स्त्री-रूपवता वजूना।
 विल्सलतमसाब (حسمات) अ वि-बहुता बण वजूम, मजाबून कृण प्रवृत्ति।

सो

सोर (حسك) फा स्त्री-गानी भरने की मात्र मन्था।
 सोर (حسك) अ वि-गिला हुआ।
 सोरे बालिफ (حسك باليل) अ पु-रवा के ये बण और मन्तर रोज मरान व मृगण में म'गिलावी पना है।
 सोर (حسك) फा पु-गू और जो जा पूरे फा न है। और भूखर बवाय जारें दे 'सस' दाग गड है।
 सोर (حسك) अ प-मा डर गेग।
 सोम (حوم) अ स्त्री-अभाव प्रवृत्ति आनन।
 सोर (حسك) फा वि-पना डाउ बणया विगत आनन व पराधीन हा पना हा सौ गिला हुआ अपरामन' अविनया चरित टैगन लणन अरागण के मयव।
 सोरकुन (حسكوس) फा वि-विना कारण बप बणन

वाला निदय पापाण-हृदय रागल्लि।
 सोरकुनी (حسكوسى) फा स्त्री-विना कारण प्राण लन का कम निदयता, बेरहमी।
 सोरकुशम (حسكوشم) फा वि-निलज्ज बेहया, थड बेगक, गुस्ताल।
 सोरकुशमी (حسكوشمى) फा स्त्री-निल-जना, बेहयाई थप्टता गुस्तामी।
 सोरकुवातिन (حسكواطين) फा अ वि-विमका आनन पापमयी हा अत मलिन, बदसिरित।
 सोरकुवातिनी (حسكواطينى) फा अ स्त्री-आत्मा की अगुद्धि अत मलिनता, बदसिरिल्ली।
 सोरसर (حسكوسر) फा वि-उड्ड सरका, अना चारी नाकमनि स्वच्छ सुदराय लोग्य लारची।
 सोरसरी (حسكوسرى) फा स्त्री-उड्डता, अना स्वच्छता लोम।
 सोरसरी (حسكوسرى) फा वि-मिथ्या वजूल, बेहद।
 सोरसो (حسكوسى) अ स्त्री-आवा की चकाचौध, थप्टता बेहयाई अथवा, स्तथता हैराना।
 सोरी (حسكوسرى) फा स्त्री-दे 'पत्नी'।
 सोर (حسكوسر) फा स्त्री-दे 'पत्नी'।
 सोब (حسكوس) फा पु-स्वारसम' (स्त्री तुबिरजा) का एत नगर।
 सोबक (حسكوسك) अ पु-स' 'खाव'।
 सोब (حسكوس) फा पु-स' 'ता'।
 सोस (حسكوس) अ पु-गिह व रहने का मी' बहार पना का शृङ्ख।
 सोस (حسكوس) अ स्त्री-मसि सियाह' लिन की रोगाई मोडी सजावट व सस', दाना गड है।

सु

सुदगार (حسكوسر) फा पु-मुनर'गार' का लपु, सम' गहगा' बागगाह' धागव' रसांगार' का लपु गिणव पानेवाला अण्णान।
 सुबक (حسك) फा प-साव व साव साक दता लनी बजाता चर्रीस व पानने का एत माग बणन, गि और पूल टिगता, बागगाह' गार।
 सुस (حسك) अ प-बह पुण्य विगमें रवा और पुण' दाग व गिह' है। बागगाह' लिन'।
 सुसर (حسك) फा पु-मासगा'गा' का एक लोण नगर।
 सुसक (حسك) फा वि-बगगा'मय लम' ल' मयारव।

खुजस्तःपै (حجسته) फा. वि.—जिसका आगमन कल्याण-
कर हो, मृदारककदम ।

खुजस्तःराय (حجسته رای) फा अ. वि.—जिसकी सलाह
बहुत ठीक और शुभान्वित होती हो ।

खुजाअः (حراجة) अ पु.—किमी वस्तु से काटा हुआ खंड,
टुकड़ा, अरब का एक वन ।

खुजा'वील (حرجه یل) अ वि.—अनृत, असत्य, गलत,
वातिल ।

खुजारः (حزار) अ पु.—नदी, दर्या ।

खुजूअ (خضوع) अ पु.—नम्रता, विनोति, खाकसारी ।

खुजूर (حضور) अ पु.—'सजर' का बहु, हरियालियाँ,
सच्चियाँ ।

खुज्रत (حضور) अ. स्त्री—हरियाली, हरिमा, सञ्जी ।

खुज्री (خضری) अ स्त्री—तरकारी, शाक, मञ्जी ।

खुज्रीयात (حضوریات) अ स्त्री—तरकारियाँ, सच्चियाँ ।

खुजूफ (حضورف) अ वि.—युद्ध में फुर्ती में लड़नेवाला,
युद्ध-कुशला (स्त्री) चमड़े की फिरकी जिममें डोरा डालकर
घुमाते हैं ।

खुतन (حتن) फा पु.—चीन का एक नगर जहाँ की कस्तूरी
प्रसिद्ध है ।

खुतार (حتار) अ पु.—घाम-फूस से खेत को साफ करना,
जमे हुए खेत में से घास आदि निकलना ।

खुतुवात (خطوات) अ पु.—'खुत्व' का बहु, डों, कदम ।

खुतूत (خطوط) अ पु.—'खत' का बहु, लकीरे, रेखाएँ,
चिट्ठियाँ ।

खुतून (حتون) अ पु.—दामाद वनना ।

खुत्ताफ (خطاب) अ स्त्री—एक प्रसिद्ध चिड़िया, अवाबील;
पानी खींचने के पुर का कुडा ।

खुत्वः (حطمة) अ पु.—पुस्तक की भूमिका, प्राक्कथन;
उपदेश, धर्मापदेश, भाषण, वयान; नमाज या निकाह
का खुत्व ।

खुत्वः (حطوة) अ पु.—एक डग, एक कदम, चलते समय दोनों
पंजाँ के बीच का अंतर ।

खुद (خود) फा अव्य—स्वय, आप, स्वत, अपने आप ।

खुदअवोख्तः (خود اذوخته) फा वि.—अपने आप कमाकर
इकट्ठा किया हुआ धन आदि, स्वोपाजित ।

खुदअः (خودعه) अ. वि.—जो दूसरों को छले ।

खुदआरा (خود آرا) फा वि.—अपने को बना-सँवारकर
रखनेवाला (वाली), स्वयसज्जिता, सुसज्जिता ।

खुदआराई (خود آرائی) फा स्त्री.—अपने आपको बनाने-
सँवारने की क्रिया ।

खुदइत्मीनानी (خود اطمینانی) फा. अ. स्त्री—अपने पर
इत्मीनान होने का भाव; अपने मन को संतोष होने का
भाव ।

खुदए'तिमाद (خود اعتماد) फा अ वि.—अपने पर भरोसा
और विश्वास करनेवाला, आत्मविश्वासी ।

खुदए'तिमादी (خود اعتمادی) फा अ स्त्री—अपने पर
भरोसा और विश्वास करना, आत्म-विश्वास ।

खुदक (خودی) फा पु.—मन में उत्पन्न होनेवाले भ्रम और
विचार ।

खुदकफालत (خود کفالت) फा अ स्त्री—अपना भार खुद
उठाना ।

खुदकफील (خود کفیل) फा अ वि.—अपना भार स्वयं
उठानेवाला, स्वावलंबी, आत्मावलंबी ।

खुदकाम (خود کام) फा वि—स्वच्छद, निरंकुश, खुदराय ।

खुदकामी (خود کامی) फा स्त्री—स्वच्छदता, निरंकुशता,
खुदरायी ।

खुदकुश (خود کوش) फा वि—आत्महत्या करनेवाला, खुद
को मार डालनेवाला ।

खुदकुशी (خود کوشی) फा स्त्री—खुद को मार डालना,
आत्महत्या ।

खुदगरज (خود غرض) फा अ वि—अपने मतलब में
चौकस, केवल अपना स्वार्थ सिद्ध करनेवाला, स्वार्थी,
स्वार्थपर ।

खुदसारजी (خود غرضی) फा अ स्त्री—स्वार्थपरता, आत्म-
लाभ, स्वार्थसाधन, खुदमत्लबी ।

खुदद (خودد) अ पु—'खुद्' का बहु, सुरंगे, भूमि के भीतर
के रास्ते ।

खुददार (خود دار) फा वि—अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान
रखनेवाला, स्वाभिमानी ।

खुददारी (خود داری) फा स्त्री—अपनी प्रतिष्ठा और
मर्यादा की रक्षा, स्वाभिमान, आत्मगौरव, आत्मसम्मान ।

खुदनविस्त (خود نوشت) फा वि—अपने कलम का लिखा
हुआ, स्वयं लिखे हुए अपने हालात ।

खुदनुमा (خود نسا) फा वि—अपने सौंदर्य अथवा वैभव
आदि का प्रदर्शन करनेवाला (वाली), आत्मप्रदर्शी ।

खुदनुमाई (خود نسانی) फा स्त्री—अपने हुस्त अथवा अपनी
ज्ञान-शौकत का प्रदर्शन, आत्मप्रदर्शन ।

खुदपरस्त (خود پرست) फा वि—हर बात में अपना गौरव
और अपनी महत्ता जतानेवाला, आत्मपूजक ।

खुदपरस्ती (خود پرستی) फा स्त्री—अपने ही को सब कुछ
जानने का भाव, आत्म-पूजा ।

सुदपसद (خودسند) का वि-अपने को समझे अच्छा और बग समझनेवाला।

सुदपसदी (خودسندگی) का स्त्री-अपने का बचने अथवा पसंद करने का भाव।

सुदपसदीमोग (خودپسندی) का वि-ऐसा अचेत जा अपने का भी भूल जाय जात्म विस्मरण अपना भी मुनजिर हूँ तरे इतजार में।

सुदपसदीमोगी (خودپسندگی) का स्त्री-नाया छाया रहना बेमुझ रहना अपना हाग न रहना जात्म विस्मिति।

सुदफरेब (خودفریب) का वि-अपने का धोवा देनेवाला अपने का धावे में रखनेवाला आत्मवञ्चक।

सुदफरेबी (خودفریبی) का स्त्री-अपने का धावे में रखना आत्मवञ्चना।

सुदफरीग (خودفریبی) का वि-बहु व्यक्ति जो घन या पद के लाभ में अपने राष्ट्र या अपने स्वामी से विवासघात कर आत्म विक्रता।

सुदफरीगी (خودفریبی) का स्त्री-अपने को दूसरा के हाथ बेच देना गहारी करना आत्म विक्रय।

सुदफिगन (خودفکن) का वि-घाते का अच्छा करने-वाला।

सुद व सुद (خود سدر) का वि-अपने जाप आपने आप स्वत स्वय।

सुदबदीलत (خود بدلت) का अ पु-श्रीमान महान्य जनान स्वय जाप आप सु।

सुदबी (خودبین) का वि-अपने का सब कुछ समझने वाग आत्मगी अहवारी अभिमान मगएर।

सुदबीनी (خودبینی) का स्त्री-अपने का सब कुछ समझना आत्मगमन अहवार अभिमान गुएर।

सुदमल्ल (خودمطلب) का अ वि-अपने स्वय स्वय-माधव।

सुदमल्लबी (خودمطلبی) का अ स्त्री-अपने स्वय स्वय-माधव।

सुदमुस्तार (خودمستار) का अ वि-अपने स्वय स्वय-माधव निरतु मनमाना करनेवाग स्वय स्वयान आजा।

सुदमुस्तारी (خودمستاری) का अ स्त्री-स्वच्छता मन का मोर स्वयत्रता स्वाधान आजा।

सुदरपन (خودرنگ) का वि-जा अपन आप म न हा मगाहन निचाट बगुध।

सुदरफनी (خودرنگی) का स्त्री-अपन आप म न हागा निचाट।

सुदरई (خودرایی) का अ स्त्री-अपना हा राय पर

चलना दूसरे का परामग न मानना स्वच्छाचार स्वच्छता।

सुदराए (خودرایی) का अ वि-जा बेचल अपने विचारों पर चले और किसी की बात न माने स्वच्छाचारी।

सुदरस्त (خودرسته) का वि-अपने आप उगा हुआ वा वाधा न गया हा।

सुदरानास (خودرستاس) का वि-अपना हलरापन या भारीपन पहचाननेवाला अपनी जगह पहचाननवाग।

सुदरानासी (خودرستایی) का स्त्री-अपना हलरा मारी पन पहचान कर बमी ही बात करना निजपान।

सुदरग (خودرشان) का पु-बहु सब।

सुदरगिन (خودرنگین) का वि-विनम्र धिनात सावगार।

सुदरगिनी (خودرنگینی) का स्त्री-विनम्रता विनीति सावगारी।

सुदरना (خودرنا) का अ वि-अपने 'सुनसिता'।

सुदसर (خودسر) का वि-अपने उज्ज्वल अक्ल अत्रता नारी नाप्रमन, विद्रोही बागा।

सुदसरी (خودسری) का स्त्री-उज्ज्वल उज्ज्वलपन अक्ल हुमउद्गी विद्रोह बनावत।

सुदसवार (خودسوار) का वि-अपने सवराए।

सुदसवारी (خودسواری) का स्त्री-अपने सवराई।

सुदमास्त (خودمساحت) का वि-अपना बनाया हुआ आत्म निमित मनपत कपाल-कल्पित।

सुदसाड (خودساز) का वि-अपनी बाह्य बगभूग का मुमज्जित रखनेवाला अपने आचरण की गुडि का प्रयन करनेवाग।

सुदसाडी (خودساری) का स्त्री-अपनी बगभूग की सवारना अपने आचरण की गुडि की वागिन करना।

सुदसिता (خودسیتا) का वि-अपने मह मिपानिड बननेवाग आत्मगामी आत्म प्रगमक।

सुदसिताई (خودسیتایی) का स्त्री-अपने मह स अपना प्रगमा करना आमगया आमप्रगमा।

सुदमुसदी (خودسندگی) का स्त्री-अपने को निगा के अधिवार में देना आत्मगमन अगमान।

सुदा (خودا) का पु-परमात्मा ईश्वर अल्लाह।

सुदाई (خودایی) का स्त्री-अपना जग दुनिया ईश्वर गुगान (वि) देवा शवा आम्माना।

सुदानम (خودانرس) का वि-अपने स इतवाग दूधों पर दया करनेवाग मय स्वावान।

सुदाती (خودایی) का स्त्री-अपने का भय दूधों पर दयाभाव कपता दयागता।

खुदावाद (حداداد) फा. वि—खुदा का दिया हुआ, ईश्वर-दत्त; जो परिश्रम और प्रयास से न प्राप्त हो बल्कि ईश्वर की कृपा से मिले।

खुदा न ख्वास्तः (حدانخواسته) फा अव्य.—खुदा न करे, ईश्वर ऐसा न करे, एक आशीर्वाद का वाक्य, जो किसी अनिष्ट की शंका के समय बोलते हैं, जैसे—‘खुदा न ख्वास्त चोट आ गयी तो क्या होगा?’

खुदा ना कर्दः (حداناکرد) फा अव्य—दे ‘खुदा न ख्वास्त। खुदा ना ख्वास्तः (حداناخواسته) फा अव्य—दे ‘खुदा न ख्वास्त’, दोनो शुद्ध हैं।

खुदा ना तर्स (حدانا ترس) फा वि—ईश्वर से न डरनेवाला, निर्दय, बेरहम।

खुदा ना तर्स (حدانا ترسی) फा स्त्री.—ईश्वर का भय न होना, निर्दयता, बेरहमी।

खुदापरस्त (حدادپرست) फा. वि—खुदा को पूजनेवाला, धर्मनिष्ठ, खुदा के अस्तित्व का काइल, आस्तिक, सत्य-निष्ठ, ईमानदार, ऋषि, मुनि, बली, दयावान्, रहमदिल, ईश्वर-भक्त।

खुदापरस्ती (حدادپرستی) फा स्त्री—धर्मनिष्ठता, आस्तिकता, सत्यता, ऋषित्व, बलीपन, दयालुता, रहमदिली, ईश्वर-भक्ति।

खुदायर्गा (حدایرگان) फा पु—स्वामी, मालिक, राजा, बादशाह।

खुदाया (حدایا) फा अव्य—हे ईश्वर, हे खुदा, हे प्रभु, प्रभो।

खुदारा (حدارار) फा अव्य—ईश्वर के लिए, खुदा के वास्ते।

खुदावंद (حداروند) फा पु—ईश्वर, खुदा; स्वामी, मालिक।

खुदावंदगार (حداروندگار) फा. पु—दे. ‘खुदावंद’।

खुदावंदा (حداروندان) फा अव्य—दे ‘खुदाया’।

खुदावदी (حداروندی) फा स्त्री—ईश्वरत्व, खुदाई।

खुदाशनास (حدایشناس) फा वि—ब्रह्मज्ञानी, आरिफ,

दयालु, रहमदिल, न्यायवान्, मुसिफमिजाज।

खुदाशनासी (حدایشناسی) फा स्त्री—ब्रह्मज्ञान, मारिफत,

दयालुता, रहमदिली, न्यायकर्म, इसाफपरवरी।

खुदासाज (حداساز) फा वि—खुदा का बनाया हुआ, जो

अपने परिश्रम से न हो, अपने आप हो जाय।

खुदाहाफिज (حداحافظ) फा अ वा—किसी को विदा करते

समय बोला जानेवाला वाक्य, अर्थात् ईश्वर आपकी रक्षा करे।

खुदी (حدوی) फा स्त्री—अहकार, अहवाद, यह भाव कि

वस हमी हम हैं, गर्व, अभिमान, घमड।

खुदुक (حدوی) फा पु—दे ‘खुदुक’।

खुदू (حدو) फा. पु—थूक, मुखसाव।

खुदुक (حدوی) फा. पु—क्रोध, गुस्ता, लज्जा, शर्म; उद्विग्नता, परेशानी, मन के बुरे विचार, भ्रम, ईर्ष्या, ररक।

खुदूअः (حدعاه) अ पु—छल, कपट, फरेव, (वि) वह व्यक्ति जिसे दूसरे लोग छले।

खुदूः (حدعاه) अ पु—भूमि के भीतर का मार्ग, सुरग।
खुदूाम (حدام) अ पु—‘खादिम’ का बहु, नौकर लोग, सेवकगण।

खुनाक (حدناک) अ पु—दे. ‘खनाक’।

खुनुक (حدنک) फा वि.—शीतल, ठंडा, सुन्दर, अच्छा; क्लीव, नामर्द।

खुनुकी (حدنکی) फा स्त्री—शीत, शीतलता, ठंडक, शीतकाल, जाडा, नपुसकता, नामर्दी।

खुनुअ (حدنوع) अ पु—विनम्रता दिखाना, खाकसारी करना, नम्र करना, नर्म करना।

खुनुस (حدنوس) अ पु—पीछे रह जाना, किसी चीज के पीछे छिपना।

खुनुफसा (حدنفسا) अ पु—गुवरीला, गोवर का एक कीडा।

खुनुया (حدنویا) फा. पू—गान, राग, नगम; वाद्य, साज।

खुनुयागर (حدنویاگر) फा वि—गानेवाला, गायक, गवैया।

खुनुयागरी (حدنویاگری) फा. स्त्री—गाने का काम, गाने का पेशा।

खुफ [फफ] (حدف) अ पु—मोजा, शतुरमुर्ग, पाँव का तलवा; ठोस जमीन, बूढा अँट।

खुफाफ (حدفاف) अ वि—हलका, अगुरु, लघु।

खुफारः (حدفاره) अ पु—दे ‘खिफार’, दोनो शुद्ध हैं।

खुफीयः (حدفیه) अ पु—छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

खुफूक (حدفوک) अ पु—तारे का डूबना, नींद की अधिकता से सिर हिलना, रात में चलना, पक्षी का उडना।

खुफूफ (حدفوف) अ पु—हलका होना, तेज चलना, कम होना।

खुपूच. (حدفچه) फा पु—पशुओं के हाँकने की छडी, जिसके सिरे पर नोकदार कील लगी होती है।

खुपतः (حدفته) फा वि—सोया हुआ, सुप्त।

खुपत.नसीव (حدفته نصیب) फा अ. वि—जिसका भाग्य

सो रहा हो, हतभाग्य, दुर्दैव, दुर्दृष्ट।

खुपत.नसीवी (حدفته نصیبی) फा. अ स्त्री—भाग्यहीनता, वदनसीवी।

खुपत.वल्त (حدفته بخت) फा वि—दे ‘खुपत नसीव’।

खुपत.वल्ती (حدفته بختی) फा. स्त्री—दे ‘खुपत नसीवी’।

सुप्तक (حسك) का पु—बाबूस का राग द वावस' ।
 सुप्तगी (حسكى) का स्त्री—साने का भाव, स्वजता ।
 सुप्तनी (حسنى) का वि—साने के दाबिल ।
 सुप्तकाग (حشا) अ पु—चमगादड़ चमचटक, वातुलि ।
 सुप्तय (حسد) अ वि—सुप्तिय का उर्दू रूप छिपा हुआ गुप्त रहस्यमय राजद्वारान गुप्तचर जासूस, (स्त्री) गुप्तचरी जासूसी ।
 सुप्तयनवीस (حسنة بوس) अ फा वि—छिपकर किसी काम को देखने और उसकी रिपार्ट करनेवाला ।
 सुप्तस (حسث) अ वि—अपवित्र गदा मलिन पलीद ।
 सुप्तसा (حسا) अ पु—सुवास का बहु, खबीस लोग दुष्ट लोग ।
 सुप्तात (حباط) अ स्त्री—यागलपन बुद्धि विक्षेप दीवानगी ।
 सुप्ता (حد) अ स्त्री—रोने नाम रोटीका ।
 सुप्ता (حس) अ पु—मलबुचल दुष्टता सुवासत पाप गुनाह अन्तमलिनता बदब्रातिनी ।
 सुप्तुलहदीद (حسث الحمد) अ पु—लोहे का मल मडूर ।
 सुप्ते नफस (حسث نس) अ पु—आत्मा की मलिनता हृदय का पापमय हाना ।
 सुप्ते ब्रातिन (حسث باطن) अ पु—दे सुप्ते नफस ।
 सुप्त (حم) का पु—बड़ा मटका शराब रखने का मटका सुप्त के सुप्त की जाऊँगा म ऐसा बागनाम हूँ ।
 सुप्त [म्म] (حم) अ पु—सुप्तिया का दरवा ।
 सुप्तकद (حم كده) का पु—मदिरालय सुरालय शराबखाना ।
 सुप्तका (حم كس) का वि—सूरी मटकी पी जानेवाला घनी शराबी पान गौ ।
 सुप्तान (حم حانه) का पु—दे सुप्तकद ।
 सुप्ताज (حصاع) अ पु—बल्लत हुए मूमना झूमन हुए चलना ।
 सुप्तार (حصار) अ पु—जाने के उतार की अवस्था, जिसम हल्का मिरद्व और हकी एडन हाता है नगा म उमाना — आंगा ने मए हुन पिलाई थी एक राब—अंग डादया लेता हूँ अभीतर सुप्तार में ।
 सुप्तारआलूद (حصار الجود) का वि—जाने में मस्त मनामस्त प्राय प्रमित्र की आंगा के लिए आता है । रामारआलूद नबरे तीरणा निल में उतरती ह ।
 सुप्तारआलूद (حصار الجود) का वि—सुप्तारआलूद ।
 सुप्तार (حصار) अ फा वि—सुप्तारआलूद ।
 सुप्ताल (حصال) अ पु—गोटिया का दम मचा मिय ।
 सुप्तासी (حصاس) अ पु—अरबा का बट्ट दाम जिनमें पाँच अक्षर ह ।

सुप्ताहत (حم احس) का पु—लालिमा लिये हुए एक बाला पत्थर ।
 सुप्ताद (حمود) अ पु—आग का कुम्हला जाना या सल हो जाना अर्थात् बूय जाना ।
 सुप्ताल (حمول) अ पु—गुमनामी की जीवन ध्यनीद करना अनातवास गुमनामी ।
 सुप्ताग (حموش) अ पु—छीलना ।
 सुप्तास (حموص) अ पु—सूजन का उतर जाना सूर हुए अग का ठीक हो जाना ।
 सुप्ता अपलातून (حم املاون) का अ पु—बह मटका जितमें अपलातून को मरने समय बंद करके पहाड़ की सोह म रख निया गया था ।
 सुप्ता ईसा (حم عيسى) का अ पु—बह घडा जितमें बाह जिन रग का नपडा डाला जाता हजरत ईसा की दुआ सबद सपेद या बाला निबलता था ।
 सुप्ता मय (حم مے) का पु—शराब की मटकी ।
 सुप्ताल (حمول) अ पु—सल का बहु, समूह समाय नमाअतें ।
 सुप्ता (حمود) का पु—एक रोग जितम बाल शन्न लगते ह ।
 सुप्ता (حمود) का पु—सूय, सूरज ।
 सुप्ताद (حمودان) का पु—फार्सी का एक महीना जो असाफ क लगभग पडता है ।
 सुप्तादीद (حمود) का पु—रवि, लिनकर, निवारण सूय सूरज ।
 सुप्तादे (حمود) का पु—दे सुप्तादीद मुद्द दानाह मगर सुप्तादीद फनीह है ।
 सुप्ताक (حمود) का स्त्री—भाजन खाना राय खान की वस्तु थिजा ।
 सुप्ताज (حمود) अ पु—काडा द्रण पाव उरम शान ।
 सुप्ताफत (حمود) अ स्त्री—बकबास अनगम प्राय बेटू गाई ।
 सुप्ताफत (حمود) अ स्त्री—सुप्ताफत का बहु, बडू बाल बकबास, बेटूदा और ध्यय के काम ।
 सुप्ताद (حمود) का वि—सानेवाला ।
 सुप्ताग (حمود) का स्त्री—शराब भाजन थिजा ।
 सुप्ताह (حمود) अ पु—निरान्ता, निवारण प्राय के विरुद्ध विराट्ट थिजावत ।
 सुप्ताजल मरअद (حمود) अ पु—बकबा की रीव निबलन का राग सुदभ्रग गुन निगम ।
 सुप्तार (حمود) अ पु—गिरना मिर मगा सोनेशान क मल का बालना मरति एना ।

खुरस (حروس) फा पु.—मुरा, कुबकुट ।
 खुरोश (حروش) फा पु.—कोलाहल, शोर; हाहाकार, कोहाम ।
 खुरखीवन (حورخوبون) फा ध—एक शतान जो स्त्रियो से सभोग करने के लिए उनके शरीर में प्रवेश कर जाता है ।
 खुर्जी (خورجین) फा पु.—लद्दू गधे या घोडे की पीठ का थैला, गौन, गोण ।
 खुर्जी (خرجی) फा पु.—दे 'खुर्जी' ।
 खुर्तूम (حورطوم) अ. पु.—हाथी की मूंड, शूट, तेज नशेवाली मदिरा, कौम का सरदार ।
 खुरद (خرد) फा वि.—खाया हुआ, केवल यौगिक शब्दों के अंत में आता है, जैसे—'जल्मखुरद' धाव लाया हुआ ।
 खुरद (خرد) फा पु.—खड, टुकड़ा, रज., दोप, ऐव; रजगारी, नावा ।
 खुरदकार (خردکار) फा वि.—काम में बारीकी पसंद करनेवाला, कठिन काम मुगमता से करनेवाला ।
 खुरदकारी (خردکاری) फा स्त्री—काम में बारीकी पसंद करना, कठिन काम सरलता से करना ।
 खुरदगीर (خردگیر) फा वि.—ऐव ढूँढनेवाला, छिद्रान्वेपी, ऐवची ।
 खुरदगीरी (خردگیر) फा स्त्री—दोपो की खोज, छिद्रान्वेषण, ऐवचीनी ।
 खुरदचीं (خردچین) फा वि.—दे 'खुरदगीर' ।
 खुरदचीनी (خردچینی) फा स्त्री—दे 'खुरदगीरी' ।
 खुरदफरोश (خردفروش) फा वि.—फुटकर माल बेचनेवाला, थोकफरोश का उलटा ।
 खुरदफरोशी (خردفروشی) फा स्त्री—फुट माल बेचना ।
 खुरदवी (خردبین) फा वि.—दे 'खुरदगीर' ।
 खुरदवीनी (خردبینی) फा स्त्री—दे 'खुरदगीरी' ।
 खुरद (خورد) फा वि.—छोटा, क्षुद्र, लघु, कसीर, ह्रस्व, नाकिस, कण, रज, योग्य, लायक ।
 खुरद (خورد) फा क्रि.—खाया ।
 खुरदनी (خوردنی) फा वि.—खाने योग्य, खानेवाली वस्तु ।
 खुरदवी (خردبین) फा वि.—छोटी चीज को देखनेवाला, दे खुरदवीनी ।
 खुरदवीन (خردبین) फा स्त्री—एक यत्र, जिसमें छोटे से छोटी चीज बहुत बड़ी दिखाई देती है ।
 खुरदवीनी (خردبینی) फा स्त्री—छोटी वस्तु को देख लेना ।
 खुरदवुद (خوردورد) फा वि.—गर्त, खूद, नष्ट, बरवाद, गव्न, अपहृत ।
 खुरदसाल (خردسال) फा वि.—अल्पवयस्क. बयोवाल.

कामसिन ।

खुरदसाली (خردسالی) फा. स्त्री.—बाल्यावस्था, अल्पवयस्कता, कामसिनी ।
 खुरदी (خردی) फा. स्त्री—छोटार्ई, लघुता ।
 खुरद (خردوب) अ पु.—एक जगली पेड़ जिसका फल दवा में काम आता है, उम पेड का फल ।
 खुरफ (خرفه) अ पु.—एक साग जिसके बीज दवा में काम आते हैं ।
 खुरमा (خرما) फा. पु.—छुहार, सूखा खजूर, हरा छुहार, पिड खजूर ।
 खुरम (حرم) फा वि.—प्रसन्न, आनंदित, हर्षित, खुर ।
 खुरमी (حرمی) फा स्त्री—प्रसन्नता, हर्ष, आनंद, खुशी ।
 खुरसंद (خرسند) फा वि.—दे 'खुरम' ।
 खुरसंदी (خرسندی) फा स्त्री—दे 'खुरमी' ।
 खुरल [ल्ल] (خل) अ पु.—मित्र, दोस्त, यार, सखा ।
 खुरलता (خلطاً) अ. पु.—'खलीत' का बहु, साझेदार लोग ।
 खुरलफा (حلفاً) अ पु.—'खलीफ' का बहु, प्रतिनिधि लोग, स्थानापन्न लोग, हज़रत अवूवक आदि खलीफे, मुसलमान शासकगण ।
 खुरलस (خلاصه) अ पुं—सार, सक्षेप, निचोड, परिणाम, नतीजा, साराश, तल्खीस ।
 खुरलुक (خلق) अ पु.—दे 'खुल्क', दो गु है ।
 खुरलुव (حلب) अ पु.—कचला मिट्टी, एक काली और चिपकनेवाली मिट्टी, बटी हुई रस्ती ।
 खुरलुव्व (خلو) अ. पु.—दे 'खुलू' ।
 खुरलू (خلو) अ पु.—खाली होना, रिक्त होना; रिक्तता, खालीपन ।
 खुरलूए मे'द: (خلوے معدہ) अ पु.—आमाशय का भोजन आदि से रिक्त होना, पेट खाली होना ।
 खुरलूज (خلوج) अ पु.—आँख का या किसी दूसरे अंग का फडकना ।
 खुरलूद (خلود) अ पु.—सदा रहना, हमेशा रहना, नित्यता, हमेशगी ।
 खुरलूफ (خلوف) अ पु.—'खलफ' का बहु., मृत व्यक्ति के पीछे रहनेवाले वाल-बच्चे, भोज्य पदार्थ का स्वाद विगड जाना, पानी भरना, पुराने कपडे उतारना और नये पहनना, नाश होना, बरवाद होना ।
 खुरलूस (خلوص) अ पु.—निष्कपटता, निश्छलता, सिद्ध-दिली, सत्यता, सच्चाई, गाद, तलछट ।
 खुरलूअ (خلع) अ पु.—मुसलमान स्त्री का अपने पति से तलाक चाहना ।

सुख (حلق) अ पु-सुगोल्ता मुग्धवत सदाचार, अल्लाक स्वभाव आदत ।
 सुखान (حلمان) अ पु-पुरातन पुराना पुराना बस्त्र पुराना लिवास ।
 सुख्त (حطه) अ पु-भागीदारा शिक्त साक्षा ।
 सुख्त (حلت) अ पु-अच्छा स्वभाव, सत्प्रकृति ।
 सुख्द (خلد) अ पु-बान का बुदा लटकन गागवारा ।
 सुख्द (خلد) अ पु-स्वग नाक विहित नित्यता ह्मानी (स्त्री) छड़ूर एक जतु ।
 सुख्द आर्या (خلد आर्या) अ पा वि-जिसका घर स्वग में हा स्वगवामी दिवगत ।
 सुख्दनागी (خلدनागी) अ पा वि-सुख्द आर्या ।
 सुख्दमका (خلدमका) अ वि-द सुख्द आर्या ।
 सुख्देबरी (खल्दरी) अ पा फु-सवस ऊचा स्वग सातवा स्वग ।
 सुल्फ (حلب) अ पु-वचनभग प्रतिभा भग वागविलाफ ।।
 सुल्फे वाद (خلف وعده) अ पु-प्रतिभा का पालन न करना प्रतिभा भग ।
 सुल्लत (حلب) अ स्त्री-मन्त्री दास्ता ।
 सुल्लब (حلب) अ पु-वह बादल जिसमें पानी न हो ।
 सुल्लान (حلب) अ पु-खलील का बहु मित्रगण दास्त लोग ।
 सुल्लास (حلب) अ पु-घर क मूराम घर की मुरादयाँ ।
 सुल्स (حلب) अ पु-काल और सफद वाल मिल हुए खिचनी वाल मूली और तर पास मिली हुई ।
 सुवार (حوار) अ पु-बल की डोकन ।
 सुग (حوش) फा वि-प्रमत्त मयूर गुभावित मुया रक सुदर ह्मीन प्रियमान सुगनुमा पवित्र पाक पुनीत नक उत्तम श्रेष्ठ, आला ।
 सुगअजाम (حوش استعाम) फा वि-जिसका परिणाम अच्छा हा वट काम गुभ परिणाम ।
 सुगअल्लार (حوش اخلق) फा अ वि-सुगोठ चार-शील सगामुक विनम्र विनीत सुखमिर ।
 सुगअल्लाफी (حوش اخلق) फा अ स्त्री-मुगालता सगामुला विनानि इ विचार ।
 सुगअनवार (حوش اطوار) फा अ वि-अच्छ आचरण वाला सगवारी ।
 सुगअरदा (حوش ادا) फा वि-त्रिमकी अगा अच्छी हा त्रिमरी बगन-सानी अरफा हा ।
 सुगअरमल (حوش عمل) अ पा वि-गुद आचरण वाला सगवारी ।

सुशआव (حوش اب) फा वा-अच्छा चमक-शमक वाला ।
 सुगआमदेद (حوش आमرد) फा वि-शुभागमन आपका आना गुभावित हो एक वाक्य जा किना ब-प्रित न आने पर कहा जाता है ।
 सुगअमाल (حوش امسال) फा अ वि-अच्छे आचार विचारवाला व्यवहार गोल ।
 सुगआपद (حوش اسد) फा वि-जिसका भविष्य अच्छा हा अच्छा सुदर उत्तम ।
 सुगआवाब (حوش اوار) फा वि-जिसका स्वर अच्छा हो कलरव कलकठ सुस्वर ।
 सुगआवाजी (حوش اوارى) फा स्त्री-स्वर का अच्छा होना ।
 सुशइतिबाम (حوش انتظام) फा अ वि-जा प्रव अच्छा करता हा प्रवध कुशल ।
 सुगइतिवामी (حوش انتظامى) फा अ स्त्री-प्रवध की अच्छाई प्रवध-कौशल ।
 सुगइबवाल (حوش ابدال) फा अ वि-प्रतापवान तबो मम तेजस्वी भाग्यवान सुभागीन भाग्याला ।
 सुगइबवाली (حوش ابدالى) फा अ स्त्री-प्रतापवान हाना भाग्यवान होना ।
 सुशदनी (حوش عدلى) फा अ वि-वह धान जो लगाम के इतारे पर चले लगाम का सच्चा ।
 सुगइयार (حوش عمار) फा अ वि-वह साना अरफा चाणी जा बगौटी दर पूरा बस द धारा खालित ।
 सुगइलहान (حوش الحان) फा अ वि-द 'सुग आवाब' ।
 सुशइलहानी (حوش الحانى) फा अ स्त्री-सग आवाजी ।
 सुगउल्लय (حوش اسلوب) अ पा वि-त्रिमता और तरीका बहुत अच्छा हा सदव्यवहार ।
 सुगउल्लबा (حوش اسلوبى) फा अ स्त्री-धावार-व्यवहार की अच्छाई ।
 सुगओवात (حوش اوقات) फा अ वि-त्रिमता समन अच्छा धाने जा अपना काम ठाक समय पर करता हा ।
 सुगकदम (حوش كدم) फा अ वि-एसा ध्यनि त्रिष्ठ आने से घर म बरकत और कल्याण हा ।
 सुगकलम (حوش قلم) फा अ वि-अच्छा लिखनवाग अच्छा और चिचना वागव ।
 सुगकलाम (حوش كلام) फा अ वि-मपूरभाषी सिध भाषी गीरासुगनार ।
 सुगकलामी (حوش كلامى) फा अ स्त्री-वाठचीन का मापुय, शीरीसुगवारी ।

खुशकामत (حوس قامت) फा अ वि—जिसके शरीर की बनावट सुंदर और सुडौल हो, सुष्टु।
 खुशकामती (حوش قامتی) फा अ स्त्री—शरीर का सुडौल और सुंदरपन, सौष्ठव, तनासुवे आँजा।
 खुशकिस्मत (حوش قسمت) फा अ वि—सौभाग्यशाली, सुभागीन, भाग्यवान्, अच्छी तकदीर वाला।
 खुशकिस्मती (حوش قسمتی) फा अ स्त्री—सौभाग्य, तकदीर की अच्छाई।
 खुशकुन (حوش کن) फा वि—खुश करनेवाला, विशेषत दूसरे शब्द के साथ आता है, जैसे—दिल खुशकुन, चित्त को प्रसन्न करनेवाला।
 खुशाखत (حوش خط) फा अ वि—जिसका लिखना अच्छा हो, अच्छा लिखनेवाला, सुलेखक।
 खुशाखती (حوش خطی) फा अ स्त्री—लिखावट का अच्छा होना, अच्छी लिखावट, सुलेख।
 खुशाखवरी (حوش خبری) फा अ स्त्री—अच्छा समाचार, शुभ समाचार, शुभ सवाद, ललित सूचना।
 खुशाखयाल (حوش خیال) फा अ वि—अच्छा विचार रखनेवाला, जिसका विचार किसी की ओर से अच्छा हो।
 खुशाखरीद (حوش خرید) फा वि—नकद दामो से खरीदी हुई वस्तु।
 खुशाखिराम (حوش خرام) फा वि—अच्छी चाल वाला (वाली), सुगामी, सुगामिनी, गजगामिनी।
 खुशाखिरामी (حوش خرامی) फा स्त्री—सुंदर चाल।
 खुशाखुराक (حوش خوراک) फा वि—अच्छा खानेवाला, खाने का शौकीन।
 खुशाखुल्क (حوش خلق) फा अ वि—हरेक से खुश होकर मिलनेवाला, सबसे सुशीलता का व्यवहार करनेवाला, सच्छील, सद्वृत्त, सुशील।
 खुशाखुल्की (حوش خلقی) फा अ स्त्री—शील-सकोच, सद्वृत्ति, अच्छा अल्लाक।
 खुशाखू (حوش خو) फा वि—अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति, अच्छे अल्लाक वाला, सच्छील, सद्वृत्त।
 खुशाखूई (حوش خوئی) फा स्त्री—अच्छा स्वभाव, अच्छा अल्लाक।
 खुशागामी (حوش گامی) फा स्त्री—हँसी-मजाक, वाग्विलास, रसवाद।
 खुशागाम (حوش گام) फा वि—दे 'खुशाखिराम'।
 खुशागिलाफ (حوش علاف) फा वि—वह तलवार जो तुरत ही म्यान से निकल आये, अच्छी, हलकी और वाढ़दार तलवार, वह स्त्री जो ज़रा सी लगावट में पर-परप के साथ

सहवास को तैयार हो जाय।

खुशगुजरान (حوش گزران) फा वि—अच्छे प्रकार से जीवन व्यतीत करनेवाला, अच्छा खाने-पहननेवाला।
 खुशगुप्तार (حوش گمٹار) फा वि—जिसकी बोलचाल मीठी हो, मधुरभाषी, मिष्टभाषी, अच्छा भाषण देनेवाला, सुवक्ता।
 खुशगुप्तारी (حوش گمٹاری) फा स्त्री—बोलचाल और बातचीत की मिठास, वार्ता-माधुर्य; धुआँधार भाषण देना।
 खुशगुमान (حوش گمان) फा वि—जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हों।
 खुशगुमानी (حوش گمانی) फा स्त्री—विचार का किसी की ओर से अच्छा होना।
 खुशगुलू (حوش گلو) फा वि—जिसका गला सुरीला हो, कलकठ, मधुरकठ, खूगइल्लहॉ।
 खुशगुलूई (حوش گلوئی) फा स्त्री—गले का सुरीला होना, कठ-माधुर्य।
 खुशगुवार (حوش گوار) फा वि—जो चित्त के अनुकूल हो, जो मन को अच्छा लगे, मनोवाछित, रचिकर, सुस्वाद, खुशजाइका।
 खुशगुवारी (حوش گواری) फा स्त्री—मन को पसंद आने का भाव, अच्छा लगने का भाव, मजे का अच्छा होना।
 खुशगो (حوش گو) फा वि—दे 'खुशगुप्तार'।
 खुशगोई (حوش گوئی) फा स्त्री—दे 'खुशगुप्तारी'।
 खुशाचश्म (حوش چشم) फा वि—अच्छी आँखों वाला (वाली), सुनेत्र, सुनेत्रा, सुलोचना, चारुनेत्रा।
 खुशाचश्मी (حوش حسسی) फा स्त्री—आँखों की सुंदरता, नेत्र-सौंदर्य।
 खुशाचेहू (حوش چهوه) फा वि—दे 'खुगरू'।
 खुशाजबॉ (حوش زبان) फा वि—दे 'खुशगुप्तार'।
 खुशाजमाल (حوش جمال) फा अ वि—अच्छे सौंदर्यवाला (वाली), सुंदर, हसीन, सुंदरी, रूपवती, सुरूप, हसीना।
 खुशाजाइक (حوش ذائقه) फा अ वि—जिसका स्वाद अच्छा हो, सुस्वाद, स्वादिष्ट, मुखप्रिय।
 खुशाजौक (حوش ذوق) फा अ वि—जिसको कविता-सम्बन्धी गुण-दोष का अच्छा ज्ञान हो, जो काव्य-मर्मज्ञ हो, रसिक, सहृदय, रसानुभवी, जिसे दूसरी किसी कला में रुचि हो।
 खुशाजौकी (حوش ذوقی) फा अ स्त्री—काव्य-मर्मज्ञता, रमिकता, सहृदयता, किसी दूसरे विषय में अच्छी दिलचस्पी।
 खुशातवदीर (حوش تقدیر) फा अ वि—दे 'खुश किस्मत'।

खुशतबअ (خوش طمع) फा अ वि -> 'खुशमिजाज' ।
 खुशतबई (خوش طعمی) फा अ स्त्री -> 'खुशमिजाजी' ।
 खुशतर (خوشتر) फा वि -> बहुत अच्छा उत्तमतर ।
 खुशतरक (خوشتری) फा वि -> बहुत ही अच्छा, जल्पविन
 उत्तम ।
 खुशताले (خوش طالع) फा अ वि -> 'खुशविस्मत' ।
 खुशदामन (خوش دامن) फा स्त्री -> सास, स्वथू चारनेवी ।
 खुशदिल (خوش دل) फा वि -> जो हर समय प्रसन्न रहे
 प्रसन्नचित्त सुमनस्क जो विनाप्रिय हो मनाजरजब,
 पुरमजाक ।
 खुशदिली (خوش دلی) फा स्त्री -> हर समय प्रसन्न रहने
 का भाव विनाप्रियता पुरमजाकी ।
 खुशानवीत (خوش نوس) फा वि -> जिसकी लिखावट
 अच्छी हो सुलेखक जो खुशानवीमी का पेश करता
 हा, कातिय ।
 खुशानवीसी (خوش نوسی) फा स्त्री -> अच्छा लिखना,
 सुलेख खुशानवीमी का पेशा ।
 खुशानसी (خوش سس) फा वि -> वह व्यक्ति जिसे अगर
 कोई स्थान पसंद आ जाय ता वही का हा रह ।
 खुशानसीनी (خوش سسنلی) फा स्त्री -> कोई स्थान पसंद
 आने पर वही का हा रहना ।
 खुशानसीब (خوش سسب) फा अ वि -> खुशकिस्मत ।
 खुशानसीबी (خوش سسنلی) फा स्त्री -> खुशकिस्मती ।
 खुशानिहाद (خوش بهاد) फा वि -> अच्छी प्रकृति वाला
 अच्छे स्वभाव वाला सत्प्रकृति सदात्मा ।
 खुशानीयत (خوش نیت) फा अ वि -> ईमानदार,
 व्यवहारनिष्ठ जो यह चाहता हा कि किसी का पसा
 उस पर न रह जा यह चाहता हा कि उनका पना अच्छे
 कामा में व्यय हा ।
 खुशानीयती (خوش نیتی) फा अ स्त्री -> ईमानदारी
 विसा का कृणी न रहने का भाव अच्छे कामा में पसा
 खच करने का भाव ।
 खुशानुमा (خوش نما) फा वि -> जा देखन म अच्छा लगे
 नेत्रप्रिय प्रियमान मनोरम सुदर हसीन ।
 खुशानुमाई (خوش ناسی) फा स्त्री -> नेत्रप्रियता दिल
 कंगी सुदरता हुस ।
 खुशानुमा (خوش نوس) फा वि -> जो अच्छे वस्त्र पहनने
 का गौनिय हा जा सग अच्छे कपडे पहनता हा चाखप ।
 खुशानुमाक (خوش نوسک) फा वि -> 'खुशानुमा' ।
 खुशानुमागी (خوش نوسی) फा स्त्री -> अच्छ वस्त्र का गौड,
 सुवस्त्रप्रियता ।

खुशपहम (خوش فهم) फा अ वि -> शीघ्र बात समझ
 जानेवाला, तीव्रबुद्धि विनी की जार से अच्छा विचार
 रखनेवाला खुशगुमान ।
 खुशपहमी (خوش فهمی) फा अ स्त्री -> बुद्धि की तीव्रता
 अकल की तेजी, विना की जार से अच्छा गुमान सुधारणा ।
 खुशफैली (خوش معلى) फा अ स्त्री -> मनोरजन मना
 विना, तफोह चुल, मजाक ।
 खुशबहिन (خوش نکت) फा वि -> 'खुशविस्मत' ।
 खुशबहती (خوش نکتی) फा स्त्री -> 'खुशविस्मती' ।
 खुशबयान (خوش بیان) फा अ वि -> 'खुशगुमता' ।
 खुशबयानी (خوش بدائی) फा स्त्री -> 'खुशगुमता' ।
 खुशबाग (خوش باس) फा वि -> अच्छे प्रकार स रहन
 वाला, रहने क स्थान का सुसज्जित रखनवाला दक्षिणी
 में जीवन यतीत करनेवाला (वा) एक आशीर्वा, सग
 रहा स्वस्तु ।
 खुशबू (خوشبو) फा वि -> सुगंधित, अच्छी सुगंधवाला
 (स्त्री) सुगंध अच्छी महक ।
 खुशबूदार (خوشبودار) फा वि -> जिसमें सुगंध हा मोरनि
 सुगंधित ।
 खुशमजर (خوش مظر) फा अ वि -> जा दखन में अच्छा
 लगे प्रियमान, गुमदान नेत्रप्रिय ।
 खुशमजास (خوش معاس) फा अ वि -> 'बदमजास' का
 उलटा अच्छी कमाई स जीवन बितानेवाला, नकचलन ।
 खुशमजागी (خوش معاسی) फा अ स्त्री -> 'बदमजास' का
 उलटा अच्छी कमाई स जीवन बिताना, नकचलनी ।
 खुशमजाक (خوش مزان) फा अ वि -> 'खुशजौ'
 जिनादिल विनोद रसिक ।
 खुशमजाकी (خوش مزانی) फा अ स्त्री -> 'खुशजौ',
 जिनादिल विनोदप्रियता ।
 खुशमनिश (خوش منش) फा वि -> 'खुशमिजाब',
 सज्जन गरीक ।
 खुशमनिगी (خوش منسی) फा स्त्री -> 'खुशमिजाबी',
 सज्जनता शराफत ।
 खुशमिजाज (خوش مزاج) फा अ वि -> जिनादिल हासप्रिय
 विना रसिक सुगील सच्छील सुग अल्गाक ।
 खुशमिजाजी (خوش مزاجی) फा अ स्त्री -> जिनादिली
 हासप्रियता, सुगीलता सुग अल्गाकी ।
 खुशमिजामल (خوش معاملت) फा अ वि -> अल्पन का
 पाक-साफ व्यवहारनिष्ठ वादे का सच्चा दक्षप्रतिन ।
 खुशमिजामलगी (خوش معاملگی) फा अ स्त्री -> अल्पन देव की
 सफाई, व्यवहारनिष्ठता वचनबदला, वादे की सचाई ।

खुशरंग (حوش رنگ) फा. वि—अच्छे रगवाला, सुवर्ण ।
 खुशरंगी (حوش رنگی) फा स्त्री—रंग की सुन्दरता, वर्ण-सौन्दर्य ।
 खुशरफतार (حوش رفتار) फा वि—दे 'खुशखिराम' ।
 खुशरफतारी (حوش رفتاری) फा स्त्री—दे 'खुशखिरामी' ।
 खुशरू (حوش رو) फा वि—रूपवान्, सुरूप, अच्छी शकल-वाला, रूपवती, सुरूपा, हसीना ।
 खुशरूई (حوش روئی) फा स्त्री—मुखमडल की सुन्दरता, चेहरे की खुशनुमाई ।
 खुशलगाम (حوش لگام) फा वि—दे 'खुशइना' ।
 खुशलहज: (حوش لهجه) फा अ वि—जिसका लवो लहजा (टोन) सुन्दर हो, जिसकी आवाज सुन्दर हो, कलकठ ।
 खुशलिवास (حوش لباس) फा अ वि—दे 'खुशपोश' ।
 खुशलिवासी (حوش لباسی) फा अ स्त्री—दे 'खुशपोशी' ।
 खुशवक़्त (حوش وقت) फा अ वि—जिसका समय अच्छा हो, समृद्ध, सपन्न, फारिगुल वाल, भाग्यवान्, खुश-किस्मत ।
 खुशवक्ती (حوش وقتی) फा अ स्त्री—समय की अनुकूलता, समृद्धि, दौलतमदी, भाग्यशीलता, खुशकिस्मती ।
 खुशवज़अ (حوش وضع) फा अ वि—जो अपनी परपरा पर दृढ़ रहे, वजादार ।
 खुशवज़ई (حوش وضعی) फा अ. स्त्री—परम्परा पर दृढ़ता, वजादारी ।
 खुशसलीक: (حوش سلیقه) फा अ वि—जिसे हर बात का ढग आता हो, व्यवहार-कुशल, जो हर वस्तु क्रम और तर्तीव से रखता हो, शिष्ट ।
 खुशसलीकगी (حوش سلیقهگی) फा अ स्त्री—हर बात का ढग, हर चीज को क्रम से रखने की तमीज ।
 खुशसवाद (حوش سرواد) फा अ वि—वह नगर जिसके चारो ओर का दृश्य अच्छा हो ।
 खुशसीरत (حوش سیرت) फा अ वि—अच्छी प्रकृतिवाला, अच्छे स्वभाववाला, शील-सकोचवाला ।
 खुशसीरती (حوش سیرتی) फा अ स्त्री—स्वभाव की गिष्टता, सुशीलता, खुश अस्लाकी ।
 खुशहाल (حوش حال) फा अ वि—जिसकी आर्थिक दशा अच्छी हो, सपन्न, समृद्ध, मालदार ।
 खुशहाली (حوش حالی) फा अ स्त्री—सपन्नता, समृद्धि, मालदारी ।
 खुशा (حوشا) फा अव्य—अहो, क्या खूब, वाह वाह, "खुशा! नसीव! तपिशहाए-आलमे-वेदाद, हमारे सर पे तुम्हारा हसीन साया है!"

खुशाकिस्मत (حوشا کسمت) फा अ अव्य—अहो भाग्य, वाह री तवदीर, वाह रे मैं ।
 खुशानसीव (حوشا نصیب) फा अ अव्य—दे 'खुशा-किस्मत' ।
 खुशाम (خوشام) अ पु—वह व्यक्ति जिसकी नाक ऊँची हो, वह पहाड जिसकी चोटी ऊँची हो ।
 खुशामद (حوشامد) फा स्त्री—चापलूसी, चाटुकारिता, मित्रत, समाजत, उल्लाप ।
 खुशामदगो (حوشامد گو) फा वि—खुशामद करनेवाला, चाटुकार ।
 खुशामदपसद (حوشامد پسند) फा वि—जिसे चापलूसी अच्छी लगती हो, जो चाहता हो कि लोग उसकी खुशामद करे, चट्टुलालस ।
 खुशामदशिआर (حوشامد شععار) फा अ वि—जिसे खुशामद करने की आदत हो, जिराका काम ही खुशामद करना हो, चाटुपटु ।
 खुशामदी (حوشامدی) फा वि—खुशामद करनेवाला, चाटु-कार, चाटुलोल, उल्लापी ।
 खुशी (حوشی) फा स्त्री—हर्ष, आनद, मसरत, इच्छा, रुचि, मर्जी, बच्चे की पैदाइश, बाल-जन्म, स्त्रीकृति, मजूरी, आनदित, हर्षित, खुश ।
 खुशूअ (حشوع) अ पु—नम्रता, विनय, आजिजी, तारे का अस्त होने के निकट होना, नीद से आँख का बंद होना ।
 खुशूनत (حسونت) अ स्त्री—खुरदरापन, खुरखुरापन, अक्खडपन, रूखापन, वदमिजाजी ।
 खुशक: (خشک) फा पु—उवाले हुए चावल, भात ।
 खुशक (حسک) फा वि—सूखा हुआ, शुष्क, विना रस का, नीरस, टु शील, रूखा, अनुदार, तगदिल, कृपण, कजूस ।
 खुशकदिमाग (حسک دماغ) फा अ वि—जिसके मस्तिष्क में खुशकी बहुत हो, चिडचिड़ा, वदमिजाज ।
 खुशकमरज़ (حسک مبر) फा अ वि—दे 'खुशकदिमाग' ।
 खुशकमिजाज (حسک میراج) फा अ वि—बहुत ही हखा फीका व्यक्ति, नीरसप्रकृति, खुरा ।
 खुशकमिजाजी (حسک میراجی) फा अ स्त्री—मिजाज का रूखापन, खुरापन ।
 खुशकलब (حسک لب) फा वि—प्यासा, पिपासित, जिसके ओठ प्यास के कारण सूख गये हो ।
 खुशकसाल (حسک سال) फा वि—दे 'खुशकसाली' ।
 खुशकसाली (حسک سالی) फा स्त्री—अवर्षा, वरगात का अभाव, दुग्ध, कहतसाली ।

खुकारो (خوکارو) का स्त्री-बेचना जाता, बबर जमीन ऊपर।

खुकी (خوکی) का स्त्री-सूतापन गुच्छता व अन्तर्गत दुःखालता खुराफन व निम्नोत्री मित्रज का खुकी।

खुमुर (خومور) का पु-मनी का बाप मनु र खगुर।

खुमुरखान (خومورخانه) का पु-सुमराल समुदाय खगुर रागन।

खुमूक (خوموک) का पु-चन्द्रप्रदया चाग्गन।

खुमूमन (خومومنت) का स्त्री-द्वेष काना वर गनुना जावत।

खुमूमन (خومومنت) का पु-सूनुमापन।

खुमूमन (خومومنت) का वि-नाथ वीर पर विरोध करके मुख्यत विरोध।

खुमूनी (خومومنی) का वि-सुख प्रदान खास।

खुमूमापन (خومومانت) का स्त्री-विगपना प्रघानता खासवाल मनी टालना गान मना।

खुस्त (خوست) का वि-मगगग ममग हुआ मनि।

खुमय (خومیه) का पु-जन्मप मुक फता।

खुमनन (خومنن) का पु-दाना फत।

खुय (خوب) का पु-हानि करना कति पुरुवाना दाटा हाना।

खुयान (خویان) का पु-गनि धनि पाया टाया वचनता हालता मन्ध्या जनागपन टुनाग्य।

खुया (خویا) का पु-मघाट गहाह परबत का लका विनत फता का मन्वाया था मोरेवी का लका चाग्गा गनाग क एक माग्गाय मन्ववि और विद्वान विद्वान गमन पट्ट लिंग भाषा का कविता में प्रयाग विना। इतका 'मुरगा' हिला काय में वगुन विख्यात है।

खुहल (خوهله) का वि-ग वक।

खू

खू (خو) का पु-सून का लपु = 'सून'।

खूआलूब (خوالبود) का वि-गद म लपग हुआ रक्ताक्त।

खूआलूद (خوآلود) का वि-सूना दाना गुड है।

खूआगाम (خوآغام) का वि-सून पातवाग रक्ताता रक्ताता विनय पापागह्य जालिम।

खूआगामा (خوآغامی) का स्त्री-सून चुनता सून पाना निपना इत्म।

खूकद (خوکد) का वि-जिसका हल्का का मना हा वनित।

खूखद (خووخد) का वि-जिसने सून पिग हा जिसका सून पिग गया हा।

खूखवार (خووخوار) का वि-सून पानेवाला खिगा रक्तापाया प्राग ल गनेवाला खापन बापि दलिन अत्माचारा जालिम निरय वेल्म।

खूखवारी (خووخواری) का स्त्री-सून पाना बन्वाचार निप्यता।

खूख्वाह (خووخواره) का वि-सून का वग्न चाहना वाला प्रतिहिमक।

खूगमी (خووکمی) का स्त्री-प्रेम स्नेह इक मनी सुखत।

खूगस्त (خووکشته) का वि-जा सून हा गया हा बा विगलकर मान आनि स सून वन गया हा।

खूगिरिफ्त (خووکگیرفت) का वि-जिसका मनु समगद मरगामन जा वध हाना चाहना हा वयेच्छु।

खूचिवां (خووکحيان) का वि-रक्त टपकता हुआ विनय म सून बह रहा हा।

खूचिचानो (خووکچانی) का स्त्री-सून टपकता सून रा बहान।

खूदार (خووکدار) का वि-वधिक हिमक सूनी।

खूगरो (خووکاری) का स्त्री-यथ हत्या सून।

खूनाब (خووکنابه) का पु-सून जीर पानी मिला हुआ मिश्रण सून क जानू।

खूनाब फिगा (خووکنابه فیگ) का वि-सून के जानू बहानेवाला सून रातवाला।

खूनाब फिगानी (خووکنابه فیگانی) का स्त्री-सून क जानू बहाना सून राता।

खूनाब (خووکنابه) का पु-सूनाग।

खूफिगा (خووکفیگ) का वि-सून बहान या बरतान वाला मिश्रण सून टपक।

खूफिगानी (خووکفیگانی) का स्त्री-सून बरताना।

खूहटा (خووکها) का पु-सून का ब्रामत प्रापा का मूय विना का हत्या हा जाने पर उमर उतरा विचारिता का धन देकर राजा बरने का किया वृष्ट पन जा प्रागि क बन्ध में लिया पाय सून = बन्ध + वृष्टा = मूल्य प्रागि क बन्ध में प्रत्य धन।

खूबार (خووکبار) का वि-सून बरमानवाग रक्ताता।

खूबारी (خووکباری) का स्त्री-रक्त बरताना।

खूख्त (خووکخسته) का वि-जिसका सून बहना गया हा।

खूरैज (خوړز) फा वि-खून वहानेवाला, हिसक, हत्यारा, निर्दय, बेरहम।

खूरैजी (خوړزي) फा स्त्री-खून वहाना, हत्या करना, निर्दयता, बेरहमी।

खू (خو) फा स्त्री-स्वभाव, प्रकृति, आदत।

खूएबद (خو ټ بد) फा स्त्री-बुरा स्वभाव, बुरी आदत।

खूक (خوکی) फा पु-शूकर, बराह, सुअर।

खूकदः (خو کړده) फा वि-दे 'खूगर'।

खूगर (خوگر) फा वि-जिसे किसी बात की आदत हो, अभ्यस्त; जिसे कोई लत हो, व्यसनी, लती।

खूत (خوټ) फा: पु-मृदुल शाखा, नाजुक डाली, मोटा-ताजा व्यक्ति जो फुर्तीला और हँसमुख हो।

खूद (خود) फा पु-दे 'खोद', दोनो शुद्ध हैं।

खून (خون) फा पु-रक्त, रुधिर, लोहू, वध, कत्ल, हत्या।

खूनावः (خونابه) फा पु-दे 'खूनाव'।

खूनाव (خوناب) फा पु-दे 'खूनाव'।

खूनी (خونين) फा वि-खून में सना हुआ, रक्ताक्त; रक्त सम्बन्धी, खून का, खून मिला हुआ।

खूनीकफन (خونين کفن) फा वि-जिसका कफन खून में लथड़ा हो, अर्थात् जिसकी हत्या प्रेम ने की हो, शहीदे इश्क।

खूनीजिगर (خونين جگر) फा वि-जिमका जिगर (हृदय) खून में सना हो, जिसके दिल को प्रेम ने धायल किया हो, प्रेमी।

खूनीनवा (خونين نوا) फा वि-जिसकी आवाज से सुनने-वालों के हृदय से खून टपकता हो; अत्यन्त द्रवी; प्रेमी, आशिक।

खूनी (خونى) फा वि-हत्या करनेवाला, वधक, खून से सम्बन्धित।

खूने कवूतर (خون کبوتر) फा पु-लाल रंग की मदिरा।

खूने नामूस (خون ناموس) फा अ पु-मदिरा, शराब।

खूने नाहक (خون ناحق) फा अ पु-बिना अपराध के हत्या, बिना कुसूर किमी का कत्ल।

खूब (خوب) फा वि-सुन्दर, हसीन, उत्तम, उम्दा; स्वच्छ, साफ, शुभदर्शन, खुशनुमा, शुभ, सुवारक, (अव्य) वाह, इया खूब।

खूबकलाँ (خوبکلاں) फा स्त्री-एक दवा, खाकशी।

खूबतर (خوبتر) फा वि-बहुत अच्छा, अत्युत्तम।

खूबतरौन (خوبترين) फा. वि-बहुत ही अच्छा, उत्त-मोत्तम, सबसे बढ़िया।

खूबरू (خوبرو) फा वि-रूपवान्, रूप-विशिष्ट, खूबमूरत, सुन्दर, हसीन; मायूक, प्रियतमा।

खूवरूई (خوڤروئی) फा स्त्री-सौन्दर्य, सुन्दरता, खूवसूरती।

खूवसूरत (خوڤصورت) फा अ वि-दे 'खूवरू'।

खूवसूरती (خوڤصورتی) फा. अ स्त्री-दे 'खूवरूई'।

खूवाँ (خوڤان) फा पु-'खूव' का बहु, सुन्दर स्त्रियाँ; मा'शूक लोग, प्रियतमाएँ।

खूबानी (خوڤانی) फा स्त्री-एक मेवा, जर्दालू।

खूवी (خوڤی) फा स्त्री-गुण, वस्फ, सुन्दरता, हुस्न;

उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफत, कला, हुनर;

नवीनता, अजूवापन।

खूल्लिजान (خوڤلجوان) फा पु-एक दवा, कुलंजन, पान की जड़।

खे

खेज (خيز) फा स्त्री-पानी की लहर, मौज, हिल्लोल, नर से मिलने के समय मादा कवूतर की मस्ती, (प्रत्य.) उठानेवाला, जैसे 'तूफाँखेज' तूफान उठानेवाला, बढ़ाने-वाला, जैसे-'बहशत खेज', हौल बढ़ानेवाला।

खेजरौं (خيزراں) फा पु-वेत का वृक्ष, वेत्र, वेत।

खेजिश (خيزش) फा स्त्री-उठान, उत्थान, लिगेद्रिय की उठान, इस्तादगी।

खेजोमेज (خيزوميژ) फा पु-मेलजोल, रक्तजव्त, जोक-शौक, चाव।

खेश (خويش) फा पु-स्वयं, खुद, स्वत आप, स्वजन, अजीज, दामाद, जामाता।

खेश (خيس) फा पु-एक मोटा कपड़ा, खेस।

खेशतन (خويشمن) फा पु-स्वत, अपने आप, स्वय खुद।

खेशदार (خويشدار) फा वि-वह व्यक्ति जो अपने को आपत्तियों से बचाता हुआ जीवन व्यतीत करे।

खेशदारी (خويشدارى) फा स्त्री-अपने को आपत्तियों से बचाते हुए जीवन व्यतीत करना।

खेशपर्वर (خويش پورر) फा वि-अपने कुन्वेवालो और मित्रो का पालन-पोषण करनेवाला, उनको रियायत देनेवाला।

खेशपर्वरी (خويش پوررى) फा स्त्री-अपने लोगों का पालन-पोषण करने और उनको अनुचित रियायत देने की प्रवृत्ति।

खेशाबंद (خويش اوبند) फा पु-अपने रिश्तेदार, अजीज, अकारिब, स्वजनगण।

खेशी (خويشى) फा स्त्री-अपनायत, स्वजनता, दामादी।

खेसादः (خيساده) फा पु-पानी में भोगी हुई दवाएँ जो बिना औटाये पी जायँ, हेम, 'जोशादा' में दवा औटायी जाती है, इन दोनों में वही अन्तर है।

खै

ख (خو) फा पु-पनीना, स्वेत् ।
 खजुरान (خجوران) अ पु-खेजुरान का अरबी रूप, बेंत का वग वय ।
 खत (خط) अ पु-डौरा, तागा, सूत, हराममगज रीन् की हडडी के भीतर का गूदा ।
 खते अबयज (خط ابص) अ पु-प्रात काल की सफेदी ।
 खते अरब (خط اسود) अ पु-रात की कालिमा ।
 खफ (خف) अ पु-थय डर समुद्र क स्तर से ऊँची और पहाड से नीची भूमि पहाड के किनारे की हर उचाई अथवा निचाई ।
 खबत (خبث) अ स्त्री-निराशा नराश्य नाउम्मेदी बचकता हीनता, महस्मी ।
 खबर (خبر) अ पु-अरब वा एक दुग जिसे हजरत अली ने जीता था ।
 खम (خم) अ पु-बपडे का गवान, पटवास खमा डेर रावटी तम्बू ।
 खम गाह (خمسگاه) अ फा स्त्री-जहा तम्बू गडा हो बट स्थान ।
 खम दोख (خمسدار) अ फा वि-तम्बू बनानवाला खमा सीनेवाला ।
 खपात (خفاط) अ पु-दर्जी, सूचिक सीनेवाला, बपडे सीनेवाला ।
 खपाती (خفاطی) अ स्त्री-कपडा सीने का काम या वेगा ।
 खपाब (خفا) अ वि-निराश हताग नाउम्मद वचित हीन महूम ।
 खपाम (خفایم) अ वि-तम्बू बनानेवाला खमालेज फासी का एक सुप्रसिद्ध शाइर नगापुर निवासी जिसकी रवाइया का अनुवाद सप्तर की प्राय सारी भाषाजामें हो चुका है उमर खमाम यह बडा वज्ञानिक बय (हबीम) तथा ज्यातिषी भी था ।
 खर (خبر) अ स्त्री-हुगल मगल खरिपत गुभ श्रेष्ठ, उम्दा उपकार भलाई पुण्य सवाव प्रदान बलिया अन्य अस्तु ।
 खरखदेग (خبر اندیش) अ फा वि-भगई की बात साचनवाला गुभचितर खरख्वाह ।
 खरअदेगी (خبر اندیسی) अ फा स्त्री-भलाई की बात सोचना, मरख्वाही ।
 खरख्वाह (خبر خواہ) अ फा वि-भलाई चाहनेवाला गुभचितर शुभेच्छु ।

खरख्वाही (خبر خواہی) अ फा स्त्री-भलाई चाहना, खर अनेशी गुभेच्छा ।
 खरख्वाह (خبرخوان) अ फा वा-एक आगीवां, बयाण हा विदा के समय का नमस्कार गुट वार्ई ।
 खरमबदम (خبر مقدم) अ पु-स्वागत इतिकवाल शुभागमन ।
 खरसिगाल (خبر سگال) अ फा वि-भलाई की बात मोचनवाका, गुभचितक ।
 खरसिगाली (خبر سگالی) अ फा स्त्री-भलाई खर अदशी, शुभकामना ।
 खरात (خبراب) अ स्त्री-खर का बडू, दान धर्माणि ।
 खरातदान (خبراب خانه) अ फा पु-अगन माहताम खाना जहाँ कपाला और अपाहिजा को भोजन लाणि लिजा जाता हो ।
 खराती (خبرانی) अ वि-गन का खरात का खराल सम्बधी ।
 खरिपत (خبریت) अ स्त्री-कुशल मगल खरो आकियत ।
 खरिपतनाम (خبریت نامه) अ फा पु-खरिपत का खत कुगल पत्र ।
 खरोआकियत (خبرو آکیت) अ स्त्री-शेम-शुशु शांति और कुशल खरिपत और अनन ।
 खरोबरकत (خبرو برکت) अ स्त्री-बल्याण और समझि ।
 खल (خل) अ पु-समुदाय जनसमूह जमाअत, घाण का गल्ला सवारा का समूह (वि) अविच बहुत ।
 खलखान (خل خانه) अ फा पु-बरा कुटम्ब कनया खलानन ।
 खलताग (خل تابش) अ तु पु-एक स्वामी के देवा के सेवक आपस म खलताग ह ।
 खले (خالی) फा अण-बहुत जियाण अत्यधिक ।
 खग (خج) अ पु-एक मोटा बपडा खेस ।
 खगूम (خج سوم) अ पु-नयना नासापुट ।
 खत (خج) अ पु-लिखने की सियाहा, मसि रोगनाई थोडी सजावट दे खीस दोना गुड ह ।

खो

खोजिस्तान (خوارستان) फा पु-ईरान का एक प्रेग ।
 खोजी (خوری) फा वि-खाजिस्तान का निवासा ।
 खोगीर (خوگير) फा पु-घाडे वा पालान घाट की घाट का नग्ग चारजामा जान काठी ।
 खोगीरबोख (خوگيربور) फा वि-पालान सीनवाग जीन सीनवाला ।

खोगीरदोजी (खوگیر دوزی) फा. स्त्री-पालान सीने का काम, जीन सीने का काम या पेशा।
 खोद (خود) फा पु-लोहे की टोपी जो सिपाही ओढ़ते हैं, शिरस्त्राण।
 खोल (حول) फा पु-वेष्टन, गिलाफ, कोप, म्यान।
 खोश: (خوشه) फा पु-मोहूँ या जौ की वाल, गुच्छा, मजरी, गुच्छ।
 खोश:चीं (خوشه چینی) फा वि-खेती में सिला वीनने-वाला, उछवृत्त, लाभ उठानेवाला।
 खोश:चीनी (خوشه چینی) फा स्त्री-सिला वीनना, उछवृत्त, लाभ, प्राप्ति।
 खोशएअंगूर (خوشه انگور) फा पु-अंगूर का गुच्छा।
 खोशएअंडुम (خوشه گندم) फा पु गेहूँ की वाल।
 खोशएचर्ख (خوشه چرخ) फा पु-कन्याराशि, कुर्जें जौजा।
 खोशएपर्वी (خوشه پروین) फा पु-कृत्तिका नक्षत्र।
 खोशीद: (خوشید) फा वि-सूखा हुआ, सुखाया हुआ।
 खोशीदनी (خوشیدن) फा वि-सूखने के योग्य, सुखाने के योग्य।

खौ

खौ (خو) फा स्त्री-लकड़ी की पाड, जिस पर बैठकर राज मकान बनाते हैं, एक घास जो खेतों में पैदा होती है।
 खौक (خوک) अ पु-कान के कुडल का घेरा, गोशवारे का हत्का।
 खौख (خوخ) अ पु-आडू, शपता लू।
 खौख (خور) अ पु-शत्रुता, दुग्मनी।
 खौख (خوص) अ पु-विचार, मनन, चिन्तन, गौर, यह शब्द गौर के साथ मिलकर आता है, अकेला नहीं बोला जाता।
 खौद (خود) अ स्त्री-कोमल, मृदुल और सुन्दर स्त्री।
 खौन (خون) अ पु-दृष्टि की कमी और मदता, धोखा देना और वेवफाई करना।
 खौफ (خوف) अ पु-भय, त्रास, डर, शंका, सदेह, शुब्हा।
 खौफजद: (خوف زد) अ फा वि-भयभीत, डरा हुआ।
 खौफजदगो (خوف زدگی) अ फा स्त्री-भयभीत होना, डरना, खौफ खाना।
 खौफनाक (خوف نای) अ फा वि-भीषण, भयंकर, डरावना, जहाँ या जिसमें प्राणों का भय हो।
 खौफनाकी (خوف نایی) अ फा स्त्री-भयानकता, डरावना-पन, जान जोखिम, प्राणों का भय।
 खौफे जां (خوف جان) अ फा पु-जान का डर, प्राण-भय, मरने का खौफ।

खौश (خوش) अ स्त्री-नितब, कटिदेश, चूतड, (पु) भाला मारना, व्याह करना; लेना, पकडना।
 खौस (خوس) अ पु-धोखा देना, दगा करना, खियानत करना; खोटा होना।
 खौस (خوص) अ पु-आँखों का गढ़े में चला जाना।

ख्व

ख्वाँ (خوان) फा प्रत्य-पढनेवाला, जैसे-‘मीलादख्वाँ’ मीलाद पढनेवाला।
 ख्वाँ (خوان) फा पु-‘ख्वान’ का लघु, दे ‘ख्वान’।
 ख्वांद: (خوانده) फा वि-पढाया हुआ, शिक्षित, बुलाया हुआ, निमन्त्रित, आहूत।
 ख्वांदगी (خواندگی) फा स्त्री-पढत, पढाई, परिपद् में किसी कानून की पढाई।
 ख्वांदनी (خواندنی) फा स्त्री-पढने योग्य, पाठ्य।
 ख्वाज: (خواجه) तु पु-स्वामी, पति, मालिक।
 ख्वाज: (خوازه) फा स्त्री-इच्छा, ख्वाहिश।
 ख्वाजा:गर (خوازگر) फा वि-इच्छुक, चाहनेवाला, ख्वाहिश करनेवाला।
 ख्वाज:ताश (خواجه تاش) तु वि-एक स्वामी के दास, जो आपस में ख्वाज ताश कहलाते हैं।
 ख्वाज:सरा (خواجه سرا) तु फा पु-महल का रखवाला; जनाना, हीजडा, नरदारा, शिखण्डी।
 ख्वान (خوان) फा पु-थाल, ट्रे, खाने से भरा हुआ थाल।
 ख्वानपोश (خوان پوش) फा पु-ख्वान पर ढँकने का कपड़ा आदि।
 ख्वाना (خوانا) फा. वि-बुलानेवाला, पुकारनेवाला।
 ख्वानंद: (خواننده) फा वि-बुलानेवाला, पुकारनेवाला; पढानेवाला, शिक्षक।
 ख्वाव (خواب) फा पु-स्वप्न, स्वाप, सोने की क्रिया, स्वप्न, जो सोते में दिखाई दे।
 ख्वावआवर (خواب آور) फा वि.-नीद लानेवाली ओपधि आदि, निद्राकर, निद्राकारक।
 ख्वावंद: (خواننده) फा वि-सोता हुआ, सुप्त।
 ख्वावीद. (خوابید) फा स्त्री-सोने और नीद लेने का भाव, सोने की दशा।
 ख्वावीदगी (خوابیدگی) फा वि-सोने के योग्य।
 ख्वावे खरगोश (خواب خرگوش) फा पु-धोखा, छल, गहरी नीद।
 ख्वावे गफ़लत (خواب غفلت) फा अ पु-गहरी नीद।
 ख्वावे परीशां (خواب پریشان) फा प-उचटती हुई नीद,

ऐसा नाद जा बार-बार उच्चर जाय, एसा स्वप्न निका स्वप्नप न जाना जा सवे।

टवावे संवाद (حوار صناد) फा अ-जनावनी ना छ घावा फरव।

टवार (حوار) फा वि-अपमानित विस्मृत अला ट्वाप्रस्त वहा।

टवारी (حواری) फा स्त्री-अपमान जनाए विलत दुदा वहा।

टवाल (حوال) फा पु-मानन चावा।

टवालगर (حوالگر) फा वि-स्माइया वावरची।

टवालगीर (حوالگیر) फा वि-दे खवालगर।

टवास्त (خواست) फा वि-चाहा हुआ मागा हुआ।

टवास्त (خواست) फा स्त्री-चाह माग सवाल।

टवास्तगार (خواستگار) फा वि-भागनवाग चाहने वाग इच्छा।

टवास्तगारी (خواستگاری) फा स्त्री-इच्छा चाह मगनी सगाइ।

टवास्तगी (خواستگی) फा स्त्री-इच्छा चाह माग।

टवास्तना (خواستنی) फा वि-चाहन वाग्य मागन वाग्य।

टवाह (واہ) फा प्रत्य-चाहनवाग जच्छा लगनवाला जन-चाहन मन का जच्छा लगनवाग (अर्थ) जवना या चाह।

टवाहर (واہر) फा स्त्री-मगनी बहन।

टवाहा (واہان) फा वि-चाहनवाग इच्छुक मागन वाला याचन।

टवाहिद (واہد) फा वि-चाहनवाग इच्छुक मागनवाग याचन।

टवाहिग (واہش) फा स्त्री-इच्छा चाह, तव गलमा उतटा वनवाह।

टवाहीव (واہد) फा वि-चाहा हुआ वाछिन अभिपिन।

टवाहीवनी (واہدنی) फा वि-चाहन वाग्य मागने वाग्य।

ग

गाग (گگ) फा स्त्री-मगा मगा।

गागबारा (گگبارا) फा स्त्री-मगा या दूमरी नगी की पारा क नीचे स विरगी हुई (नपी) जमान।

गागल (گگل) फा पु-जगत्तार जादू, टाग मस्तर।

गागोत्रमन (گگوترمن) फा स्त्री-मगा और मयूता।

गाग (گگنه) फा पु-एक नगर।

गाग (گگ) फा पु-निधि छात्राता वाग।

गाग (گگ) अ पु-आव जयवा भौह का सवेत इन हावभाव, नाजाजदात।

गाग (گگ) अ पु-बहुत अधिक दुख निका गेद।

गागदान (گگदान) फा पु-वह स्थान जहा धन मगा हो खजाने का स्थान कोषागार।

गागदण (گگدھش) फा वि-खजाना दोन या इन बाला, बटुत वग दाता एक मुसामान श्रमि की उपाधि।

गागार (گگهار) फा पु-गुलगून मुसचूण मुल पर मलन का सुगधित लाज पाउर।

गागार (گگهار) अ पु-गगार।

गागि (گگگند) फा वि-समानवाग प्रवण करनवाग।

गागि (گگگنه) फा पु-ताग के प्रवार का एक सख जो ताग से पहे प्रचलिन या ताग पत्ता का खोल।

गागीव (گگگه) फा वि-समाया हुआ।

गागीरनी (گگدی) फा वि-ममान वाग्य।

गागीन (گگگه) फा पु-निधि वाप सत्राता।

गागीनए खर (گگگه) फा पु-नेवक सान का सत्राता स्वर्णनिधि।

गागूर (گگگور) फा वि-खजान का मालिक निधि-स्वामी खजानवा वापाध्यम।

गाग इलाही (گگهی) फा पु-नुरान।

गागे वारन (گگه وارن) फा पु-कारन का सत्राता जा चार लाख चालीस हजार बोरी भर या और बिमम से वह एक पसा भी ईश्वर के नाम पर ध्यय नहा बला या अन्त म हउरत मूसा के गाग ने वह अपनी निधि मगप पथी में धेन गया।

गागे गाव (گگه) फा पु-जमग की निधिया में छ एक निधि का नाम जो एव विमान की मिंग या।

गागे बादावद (گگه باداورد) फा पु-गग गाथी सर्गीर इन खजाने को हरा लेवर भाषा या वायु प्ररित निधि वायु प्रदत निधि।

गागे र्वा (گگه روال) फा पु-गग खानन इयावि इरान का खजाना डिवामत तव जमीन में धेवता चला जदग।

गागे गहीदी (گگه گهیدان) फा पु-यसिताता सर्गीर धन जहा कतन गहीन दण हा।

गागे गाथी (گگه گهگان) फा पु-गग ब कगर न परेड न भय स अना धन जहाजा में भरकर एक मी म भरा या हवा क प्रनिकून जाने स क परेड क दग म पु, न्या पूर्ति यह बहन वग गजाना या और बिना लियम निधि या दग कारण इन गग गाथी कटा ह।

गदः (گندہ) फा. वि—मलिन, मैला, अपवित्र, नापाक; दुर्गंधयुक्त, वदवूदार, दूषित, खराब, अशुद्ध, जिसमें मैल हो; गंदला, मटमैला।

गंदःदहन (گندہدھن) फा. वि—गालियाँ बकनेवाला, दुर्भाषी, जिसको मुँह से दुर्गंध आने का रोग हो।

गदःदहनी (گندہدھنی) फा. स्त्री—गालियाँ बकने का रोग, मुँह से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःवगल (گندہبغول) फा. वि.—जिसे वगल से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंदःवगली (گندہبغلی) फा. स्त्री—वगल से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःभगज (گندہبمغز) फा. वि—अहकारी, घमडी, डीगिया, गेखीखोर।

गंदःभगजी (گندہبمغزی) फा. स्त्री—अहकार, घमड, डीग, गेखी।

गद (گند) फा. स्त्री—वदवू, दुर्गंध।

गदगी (گندگی) फा. स्त्री—दुर्गंध, वदवू, अपवित्रता, नापाकी, मलिनता, मैलापन, विष्ठा, गू।

गंदना (گندنا) फा. पु.—एक बीज जो दवा में चलता है।

गदनागूँ (گندناگوں) फा. वि—गदने-जैसे रगवाला, खाकी रग का, मटमैला।

गंदीदः (گندیدہ) फा. वि—सडा हुआ, दुर्गंधित।

गदुम (گندیم) फा. अ. पु—गोहूँ, गोधूम।

गदुमगूँ (گندیمگوں) फा. वि—गोहूँ रग का।

गदुमनुमा जौफरोश (گندیمسا حوفروش) फा. वि—गोहूँ दिखकर जौ तौलनेवाला, छली, बचक, ठग।

गदुमी (گندمی) फा. वि—गोहूँ से सम्बन्धित, गोहूँ का, गोहूँ रग का।

गज (گج) फा. स्त्री—चूने की टीप, चूने से पक्की की हुई जगह।

गजंद (گجند) फा. स्त्री—हानि, अनिष्ट, नुकसान, दुख, कष्ट, तकलीफ।

गज. (گجہ) फा. पु—नगाडा वजाने की लकड़ी, एक प्रकार का तीर।

गज (گج) फा. पु—नापने की लकड़ी जो १६ गिरह या ३६ इंच की होती है, झाड़ का पेड़।

गज [जज] (عج) अ. पु—घाव में पीप पडना और उसका घाव से बहना।

गज [जज] (عج) अ. पु—आँखें बन्द करना; आवाज धीमी करना, धैर्य धरना, दुरी बात का सहन करना, हानि करना।

गजक (گجی) फा. पु—शराब के साथ खाने की चीज; एक मिठाई जो शकर और तिल से बनती है।

गजगाव (گجگاؤ) फा. पु—एक जगली गाय जिसकी पूँछ से मोरछल बनते हैं, सुरा गाय।

गजपा (گجپا) फा. पु—एक लम्बे पाँव का पक्षी, सारस।

गजगफर (عجغفر) अ. पु—व्याघ्र, शेर, फाड़ खानेवाला सिंह।

गजब (عجب) अ. पु—क्रोध, गुस्सा, बहुत अधिक क्रोध, प्रकोप, दैवी प्रकोप, खुदाई कहर।

गजबआलूद (عجب آلود) अ. फा. वि—कोपयुक्त, गुस्सा मिला हुआ।

गजबनाक (عجبناکی) फा. वि—कुपित, प्रकुपित, गुस्से में भरा हुआ।

गजबाजी (گجبازی) फा. स्त्री—एक प्रकार का नाच।

गजर (گجر) फा. स्त्री—गाजर, एक प्रसिद्ध शाक।

गजर (عجر) अ. पु—मँहगाई के पश्चात् मदी, दरिद्रता के पश्चात् समृद्धि।

गजल (عجل) अ. स्त्री—प्रेमिका से वार्तालाप, उर्दू, फार्सी कविता का एक प्रकार विशेष, जिसमें प्रायः ५ से ११ शेर होते हैं। सारे शेर एक ही रदीफ और काफिए में होते हैं, और हर शेर का मज्मून अलग होता है, पहला शेर 'मत्ला' कहलाता है जिसके दोनों मिले सानुप्रास होते हैं, और अंतिम शेर 'मक्ता' होता है जिसमें शाइर अपना उपनाम लाता है। गजल के सग्रह को 'दीवान' एव सपूर्ण प्रकार के पद्य-सग्रह को 'वयाज' कहते हैं।

गजलगो (عجل گو) अ. फा. वि—वह शाइर जो गजल अच्छी कहता हो, जिसकी सारी कविताओं में गजल सर्वश्रेष्ठ हो।

गजलगोई (عجل گوئی) अ. फा. स्त्री—गजल कहना।

गजलसरा (عجل سرا) अ. फा. वि—गजल सुनानेवाला, गजल पढनेवाला, गजल गानेवाला।

गजलसराई (عجل سرائی) अ. फा. स्त्री—गजल पढना, गजल गाना।

गजवात (عزوات) अ. पु—'गज्व' का बहु, इस्लाम धर्म की परिभाषा में वे लड़ाइयाँ जिनमें पैगम्बर साहिब साथ थे।

गजा (عجا) अ. पु—धर्मयुद्ध, मज्हबी लडाई, दे 'गिजा', दोनों शुद्ध हैं।

गजा (گجا) फा. प्रत्य—खानेवाला, जैसे—'जांगजा' प्राणो को खा जानेवाला, हानि पहुँचानेवाला।

गजा (عجا) अ. पु—वेर-जैसा एक वृक्ष, जिसकी लकड़ी बहुत देर तक जलती रहती है।

शब्दाञ्जलि (عصافه) अ पु-नवीन होना, एक पत्थर मानेवाली चिन्पिया, (स्त्री) नवीनता नयापन।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-गंगा का बहु, वैर-जसे षड जिनकी आग बहुत दर तक रहती है।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-दूध पानी जयवा फल जादि का अधिक हाना, बहुतात बाहुत्य प्राचुय इफात।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-एक चिपकनेवाली मिट्टी बचला मिट्टी समझि शौकतमदी बभव ऐंग मदापन, सस्तापन।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-मरान के चारों ओर की दीवार घर का भीतरी भाग।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ स्त्री-एक चिपकनेवाली मिट्टी बचला मिट्टी।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-हिरन का बच्चा मगशावक मूय मूरज उत्तस के निवट एक गाव शब्दाञ्जलि भी प्रचलित जम- दावा जुबा का लवाऊवाला के सामने इजहार वूए मुदक शब्दाञ्जलि के सामने।
 शब्दाञ्जलि चरम (عصاف) अ पा वि-हिरन के बच्चा जसी सुन्दर और बनी-बडी जावावाला (वाली) मग शावक-नयनी।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-हिरन का बच्चा मगशावक मूय मूरज।
 शब्दाञ्जलि चरम (عصاف) अ पा वि- शब्दाञ्जलि चरम मगनयनी।
 शब्दाञ्जलि चरम (عصاف) अ पा स्त्री-हिरन के बच्चा-जमी सुन्दर और बनी-बडी आखें हाना।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-गजाग का निवासी।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-बाटनेवाला काट खानवाला टमनेवाला।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-बच्चा की भाँति बूतरा क बल धिमट धिसटकर चरनवाला।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ स्त्री-बाटने का भाव डसने का भाव डसान।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-नवीन नया ताजा प्रचुर, मुहुल और कामउ कली।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-भूमिकर लगान राजकर मराज जिबया।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-बाग हुआ डगा हुआ दगिल।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ स्त्री- शब्दाञ्जलि काटा हुआ।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ स्त्री- शब्दाञ्जलि।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-बाटने वाध्य डगने वाय्य।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-हर भाव जा बहून हो, बहून

बर्षा, बहुत अधिक पानीवाला कुआँ या तालाब, बग आँमुआवाली जाल।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-हर पदाय जो हरा और वामा हा।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-बहुत अधिक मुदक गबदनाव।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-रस्मी बनाने और बचनवाला।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-द गरनी।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-गानी का निवासो गहम गहमनी।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-अफगानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, गजना।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-बहुत अधिक प्रसिद्ध बहू गजबनाक के पत्थर जो मिजनीक से दुग पर फोरे जाव।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-अमूर का फल जो ताजा और पका हो।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-प्याऊ का प।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-रस्मी बटना रस्मी रज्जु डोर।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-बह चावू जिसकी नोब मडी हा कलम बनाने का चावू।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-धमयुद्ध महाहवी गार्ड, हलात मुहम्मद साहिब के समय का वह युद्ध जिसमें वह स्वयं सम्मिलित हुए।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ स्त्री-चिपकनेवाली मिट्टी बचला।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-पानी म गाता बना पानी में डबना।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-जाँहा की विशालता और पन्ना की लम्बाई।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-मनासागर।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-एक पानी जा पत्थर सादा है मग खवार।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-मात समय मराजा का शब्द मग घुट हुए का गद, गला बटे हुए का गद।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-महासागर।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ वि-बह गूर व्यक्ति, जो मुद का आपत्ति व समय समये जाग व।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-पनहुवी एव जगपना।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-पानी में घुगना पानी में डबाना बरतन म खर पाना पाना।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-भाग माँगना व गिदय।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-जानवाग वग।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-बहू अधिक पानी।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-महामरी बरा डेगा का ताऊन।
 शब्दाञ्जलि (عصاف) अ पु-गमदि गमपन्ना परानी म मग ईरर का शिवा हुआ पान आनि।

गदर (عدر) अ.पु.—वह पथरीली भूमि जिसमें कोई जन्तु विल न बना सके, रात का अँधियारा होना।

गदा (عدا) अ.पु.—आगामी कल।

गदा (كدا) फा.वि.—भीख माँगनेवाला भिक्षुक, भिखमगा, भिखारी, मँगता।

गदाइर (عداير) अ.पु.—'गदीरा' का बहु, गुंधी हुई चोटियाँ।

गदाई (كداي) फा.स्त्री.—भीख माँगने का काम, भिक्षा-वृत्ति, भिक्षाकर्म।

गदागर (كداگر) फा.वि.—भिक्षुक, भिक्षु, भिखमगा, फकीर।

गदागरी (كداگری) फा.स्त्री.—भीख माँगने का काम, भिक्षावृत्ति।

गदात (عدات) अ.स्त्री.—प्रातः काल, सबेरा।

गदायानः (كدايانه) फा.वि.—भिखमगो-जैसा, भिखारियों की तरह।

गदीरः (عدیور) अ.पु.—गुंधी हुई चोटी, गुंधे हुए बाल।

गदीर (عدیر) अ.पु.—वह पानी जो नदी में बाढ़ आने के समय नदी से निकलकर कहीं जमा हो जाय, इस पानी के एकत्र होने का स्थान, जलाशय।

गद्दर (عدور) अ.वि.—कृतघ्न, वेवफा, गद्दारी करनेवाला।

गद्दार (عدار) अ.वि.—कृतघ्न, नमकहराम, देशद्रोही, मुल्क का दुश्मन, बहुत बड़ा, विशाल (केवल नगर के लिए)।

गद्दारी (عداری) अ.स्त्री.—कृतघ्नता, वेवफाई, नमक-हरामी; देशद्रोह, मुल्क की दुश्मनी।

गद्दफ (عدف) अ.पु.—बहुत अधिक दान।

गद्द (عدر) अ.पु.—विप्लव, क्रान्ति, इन्किलाव, सैन्य-द्रोह, वगावत, लूटमार, प्रवध की बहुत ही बुरी व्यवस्था।

गद्दवः (عدوه) अ.पु.—प्रातःकाल और सूर्योदय के बीच का समय।

गद्दव (عدو) अ.पु.—आगामी कल, आनेवाला कल।

गानज (عنج) अ.पु.—हाव-भाव दिखाना, बूढ़ा पुरुष।

गानम (عنم) अ.स्त्री.—भेड़ और बकरी।

गना (عنا) अ.पु.—लाभ, नफा, प्राप्ति।

गनाइम (عنائم) अ.पु.—'गनीमत' का बहु, युद्ध में लूटे हुए माल-अस्त्राव और धन आदि।

गनी (عنی) अ.वि.—धनवान्, मालदार, निस्पृह, अनिच्छुक, वैनियाज।

गनीम (غنیم) अ.वि.—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ, वह राजा जो किसी दूसरे राज पर आक्रमण करे।

गनीमत (غنیست) अ.स्त्री.—युद्ध में शत्रु की सेना में छिना हुआ माल, (वि) उत्तम, अच्छा।

गना (عنا) अ.पु.—किसी चीज के ढेर होने का स्थान; किसी चीज के बहुत होने का स्थान।

गप (گپ) फा.स्त्री.—मिथ्यावाद, अपवाद, व्यर्थ बात, वकवास, उड़ती हुई बात।

गपवाज (گپوار) फा.स्त्री.—गप्पी, वकवादी, डीगिया, खेखीखोर।

गपवाजो (گپواری) फा.स्त्री.—गप हाँकना, डीग मारना।

गफर (عفر) अ.पु.—सफेद बालों को खिजाव से छिपाना, छोटी घास, गर्दन और गुद्दी के बाल, डाढ़ी के दोनों ओर के बाल।

गफल (عفل) अ.पु.—निश्चेष्टता, सज्ञाहीनता, बेखबरी; विस्मृति, भूल।

गफीर (عفیور) अ.पु.—लोहे की टोपी जो सारे सिर को छिपा ले (वि) छिपानेवाला, इतनी भीड़ जो शुमार में न आ सके।

गफूर (عفور) अ.वि.—बहुत अधिक क्षमावान्, मोक्षदाता, वरदानेवाला, ईश्वर का एक नाम।

गफूल (عمول) अ.वि.—बहुत अधिक निश्चेष्ट, बहुत ही बेखबर।

गफ़ार (عمار) अ.वि.—बहुत अधिक क्षमा करनेवाला; पापों को छिपानेवाला, मोक्षदाता, ईश्वर का एक नाम।

गफ़ारी (عماری) अ.स्त्री.—पापों को छिपाने का कर्म; मोक्षदान, बख्शिश; ईश्वरत्व, खुदाई।

गफ़ (عمر) अ.पु.—वैभव का आधिक्य, ऐश की फरावानी।

गफ़लत (عفلت) अ.स्त्री.—असावधानी, असतर्कता, बेखबरी, सज्ञाहीनता, निश्चेष्टता, बेहोशी, त्रुटि, भूल, चूक, उपेक्षा, वेपवाई, आलस्य, काहिली।

गफ़लतआइना (عفلت آئینا) अ.फा.वि.—जो बहुत सुस्ती बरतता हो।

गफ़लतकदः (عفلت کده) अ.फा.पु.—गफ़लत और असावधानी का स्थान, अर्थात् ससार।

गफ़लतजवः (عفلت جده) अ.फा.वि.—असावधान, बेखबर, सज्ञाहीन, बेहोश; आलसी, सुस्त।

गफ़लतजदगी (عفلت زدگی) अ.फा.स्त्री.—असावधानी, सज्ञाहीनता, बेहोशी, ध्यानहीनता, आलस्य, सुस्ती।

गफ़लतपेशः (عفلت پیشه) अ.फा.वि.—जिसका स्वभाव ही गफ़लत करने का हो, बहुत ही आलसी, असावधान।

गफ़लतशिआर (عفلت شعار) अ.वि.—दे 'गफ़लतपेश'।

गफ़स (غفص) अ.वि.—मोटा, गफ।

गव [ब्ब] (غب) अ.पु.—पशु का एक दिन बीच करके पानी पीना।

गवन (عمن) अ पृ-बुद्धि और मति म कमी भूल जाना विस्मृति निश्चेष्ट करता गाफिल करना।

गदब (عذب) अ पृ-ठुंडी के नीचे का शोर।

गदब (عذوب) अ पृ-घूल मिट्टा गद गुबार बहुत पेरा वासी भूमि।

गवस (عسس) अ वि-मटमलेरगवाला खाकी रगवाग।

गवावत (عصارب) अ स्त्री-अहन का तीव्र न होना कुद जहनी बुद्धि का तेज न हाना कमअकली।

गवी (عوی) अ वि-मन्बुद्धि कुजहन जतीव्रमुद्धि कमअकल मन्मति।

गवीत (عصط) अ पृ-मफल भूमि हमवार जमीन।

गवीन (عديں) अ वि-मदमति जिसकी राय ठीक न होती हो।

गवीस (عصبة) मकसून और पनीर मिला हुआ।

गव्व (عصو) अ स्त्री-शाम के पीन की शराव ह्विस्की।

गव्व (گمر) फा पृ-मोटा दबीज माटा-साजा हूट-मुट।

गव्व (عصعص) अ स्त्री-वह मास जा ठोडी के नीचे होता है ठोडी चिबुक जकन।

गव (عصطه) अ पृ-दे गित।

गव (عصط) अ पृ-बकरी और दुब की पीठ और कोत म जंगलिया गन्धक यह देखना कि वह चरबीला है या दुबला।

गव (عمن) अ पृ-माल लेन-देन म घाटा अमानत म खियानत पीगण अपहरण खून वून।

गव (گمر) फा वि-आतापरस्त पार्सी।

गव (عمر) अ पृ-वह भूमि जिसम पेठ बहुत हो फलदार वस भूमि जमीन (स्त्री) चकौर की माता चकारी।

गव्रोतस (گمرورس) फा पृ-आतापरस्त और ईमाई।

गम [غم] (عم) अ प-खद शोक खोम रज कष्ट केश दुख डार ईया हसद मनस्ताप सताप अदरनी खलि चिता फिदा।

गमअगज (عمالگند) अ फा वि-गम वग्नवाग गोक प्र सज्जनक।

गमआगी (عمالگن) अ फा वि-गम से भरा हुआ दुखपूण।

गमआलूद (غم الود) अ फा वि-दे गमआगी।

गमक (غمقو) अ पृ-भूमि के उपरी भाग के पानी से भीग जाना।

गमक (عمکده) अ फा पृ-गम का घर जहाँ शाक हो शोक हो जहाँ गोकप्रस्त लोग रहते हैं जहाँ कोई मृपु हो गयी हो।

गमक (غمکش) अ फा वि-सह्य सह्यवाला केश

उठानवाला केशप्रस्त।

गमखान (عمخانه) अ फा पृ-गमक।

गमखोर (عمخور) अ फा वि-गम खानवाला दुग सह्य करनवाला सह्यनील।

गमखवार (عمخوار) अ फा वि-सहानुभूति करनवाला हमन्द।

गमखवारी (عمخواری) अ फा स्त्री-सहानुभूति हमदर्दी।

गमगीन (عمگن) अ फा वि-दुखित सतप रजावा।

गमगुसार (عمگسار) अ फा वि-गमखवार।

गमगुसारी (عمگساری) अ फा स्त्री-दे गमखवारी।

गमचशीद (عمحسندة) अ फा वि-गमज।

गमच (عمو) अ पृ-बुरी कमाई का धन निहृष्ट मात्र अगत पुरप।

गमखद (عمردة) अ फा वि-सतप दुखित रजीन शकप्रस्त मातमदार।

गमद (عمد) अ पृ-कुएँ म पानी की अधिक्ता कुएँ पानी का खत हो जाना।

गमदीद (عمدیده) अ फा वि-दे गमगीन।

गमदोस्त (عمدوست) अ फा वि-जिसे केश और दुख पसद हो निरागावदी।

गमनाक (عمنائی) अ फा वि-दुखपूण कष्टपूण गोक युक्त दुखित रजीदा।

गमनाकी (عمنائگی) अ फा स्त्री-दुखपूणता गम भा हाना दुखित हाने का भाव रजीगी।

गमरसौद (عمرسوده) अ फा वि-जिसे दुख पहुँचा हो जिसे दुख दिया गया हो दुखित।

गमरत (عمروا) अ पृ-गम का बहु अपतितो मुसोवत मनुष्या के समूह।

गमस (عمصن) अ पृ-आख का मल जीव का मल के बाहर बहे।

गमाँ (عمان) अ फा वि-दे गमनाक।

गमाइम (عماسم) अ पृ-गमाम का बहु बाला के समूह।

गमाम (عمامه) अ पृ-सफद बाल एक बाल का एक टुकड़ा।

गमाम (عمام) अ पृ-मघ बाल अत्र सफद बाल।

गमार (عمار) अ पृ-अधिक्ता बहुतायत समूह होत जमघट।

गमारत (عمارت) अ स्त्री-मनुष्या का जमाव पानी की अधिक्ता।

गमिक (غمقو) अ पृ-वह तरकारी या घास जो पानी की सीलन से रिक या सब जाय।

गमी (عمى) अ स्त्री-गम से सम्बन्धित, मृत्यु, मौत।
 गमूस (عموص) अ पु-झूठी कसम, एक तारा, खँवर
 के सात दुर्गों में से एक।
 गमूस (غموس) अ पु-ऐसी शपथ जिससे किसी का हक
 या धन आदि मारा जाय, (वि) झूठी शपथ लेनेवाले को
 दंड देनेवाला।
 गमे गेती (عم كيتي) अ फा पु-सासारिक दुःख, जीवन
 की व्यथाएँ, जीवन-कष्ट।
 गमे दिल (عم دل) अ फा-मनस्ताप, मन पीडा, दिल
 का रज।
 गमे दौरा (غم دورا) अ फा पु-दे 'गमे गेती'।
 गमे पिन्हँ (عم فنهان) अ फा पु-मानसिक दुःख,
 मनस्ताप, प्रेम की व्यथा, इश्क का गम।
 गमे रोजगार (عم روزگار) अ फा पु-दे 'गमे गेती'।
 गमोरंज (عم ورنج) अ फा पु-रज और गम, कष्ट-समूह,
 मुसीबते।
 गमज्ञः (عمرعة) अ पु-आँख का सकेत, सैन, हावभाव,
 नाजोअदा।
 गमज्ञ (عمر) अ पु-आँख का इशारा, सैन, दवाकर
 निचोड़ना, आलोचना, सुखनचीनी।
 गमज्ञ (عمض) अ पु-नीची भूमि, गुप्त गढा, छिपा हुआ
 गर्त; ऐसी बात करना जो समझ में न आये, बात का समझ
 से परे होना।
 गमत् (عمط) अ पु-किसी को अपमानित करना,
 कृतघ्नता, नाशुक्ती।
 गमद (عمد) अ पु-तलवार को म्यान में करना, किसी का
 अपराध छिपाना; कुएँ का पानी बढ़ जाना।
 गममाज (عمسار) अ वि-पिशुन, चुगुल, आँख के इशारे
 से चुगली खानेवाला; गुप्तचर, जासूस; दोष ढूँढनेवाला।
 गम (عمر) अ पु-पानी का किसी वस्तु को छिपा लेना;
 बहुत पानी, उदार, सखी; शूर, जवाँमर्द।
 गमर्रिदा (عمرو الردا) अ वि-बहुत ही उदार और
 दानशील।
 गमर्रुलवद (عمرو اللود) अ वि-दे 'गमर्रिदा'।
 गमश (عمش) अ पु-भूख-प्यास की तीव्रता से आँखों
 में अँवैरा छा जाना।
 गमस (عمس) अ पु-किसी को तुच्छ जानना, आलस्य
 करना (किसी का हक देन में); दोष लगाना, कृतघ्नता,
 नाशुक्ती।
 गमद (عميد) अ पु-गर्दन का टेढ़ा होकर एक ओर झुक
 जाना, शरीर का मृदुल और कोमल होना।

गयव (غيب) अ पु-‘गाइव’ का वहू, गाइव (गायव)
 होनेवाले, छिपनेवाले, लोप होनेवाले।
 गयावत (غيايت) अ स्त्री-लुप्त होना, गाइव होना;
 कुएँ की गहराई, वह वस्तु जो किसी वस्तु को छिपा ले।
 गयूर (عمور) अ वि-गैरतमद, स्वाभिमानी।
 गयूरानः (عميورانه) अ फा वि-स्वाभिमानियो-जैसा, गैरत-
 मदी की तरह।
 गय्याफ (غياف) अ वि-जिसकी डाढी बहुत लंबी और
 घनी हो।
 गर (گر) फा अव्य-‘अगर’ का लघु, यदि, जो, अगर।
 शर (عر) फा स्त्री-व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशा।
 शर[रं] (عر) अ पु-वे दाने जो पक्षी चोच में लेकर अपने
 वच्चो को खिलाता है, चुगा; कपड़े की शिकन, सिलवट,
 भूमि की दरार, जमीन के भीतर पानी की नाली, मुग्ध
 होना।
 गरक (عرق) अ पु-पानी में डूब जाना, पानी सिर से
 ऊँचा हो जाना।
 गरगर (گرگر) फा पु-ईश्वर के नामों में से एक नाम,
 जिसका अर्थ है सारी निर्मित वस्तुओं का निर्माता।
 गरज (غرض) अ स्त्री-इच्छा, स्वाहिशा, स्वार्थ, मतलब,
 आशय, मक्सद, किंवहुना, किस्सा मुस्तसर; सम्बन्ध,
 तअल्लुक, प्रयोजन, मतलब।
 गरज (عرز) अ पु-एक घास।
 गरजआश्ना (غرض آشنا) अ फा वि-मतलब का यार,
 स्वार्थसाधक, स्वार्थी।
 गरजमंद (عرض مند) अ फा वि-इच्छुक, स्वाहिशमद;
 जिसका कोई मतलब अटका हो।
 गरजमंदी (عرض مندی) अ फा स्त्री-इच्छा, स्वाहिशा-
 मदी, मतलब अटका होना।
 शरजे कि (عروضه كه) अ फा अव्य-साराश यह कि।
 गरद (غرد) अ पु-गले में आवाज को लुढ़काना।
 गरदिल (عردل) फा. वि-डरपोक, भीरु, बुज्रदिल।
 गरर (عرد) अ पु-शका, भय, डर, शर्त, पण।
 गरव (غرو) अ पु-नरकट जिससे कलम बनाते हैं।
 गरस (عرب) अ स्त्री-भूख, क्षुवा।
 गर्रां (गरان) फा वि-दे ‘गिर्रां’, शुद्ध दोनों हैं, परन्तु
 वह अधिक फसीह है।
 गरा (गर) फा पु-भूमि समतल करने का यत्र।
 गरा (عرا) अ. पु-हर चिपकनेवाली चीज, सरंभ,
 मछली का सरेंस, हर चुपड़नेवाली वस्तु, शिगु, वच्चा;
 दुबला।

गराइव (عرايب) अ पु-गराइव का बहु आश्चर्यजनक वस्तुएँ।
 गराइर (عراير) अ पु-गिरार का बहु लाने की गानें छुनिया।
 गरानिक (عرايك) अ पु-द गरानाक'।
 गरानीक (عرايق) अ पु-गुनूक' का बहु, कुलग पनी मुन्दर और युवा लग गुधा हुई चाटिया।
 गराराव (عرايب) अ पु-गुर्वीन का बहु बहुत अधिक काल'।
 गरारवत (عرايب) अ स्त्री-अनायापन अम्भुतता।
 गरारम (عرايم) अ पु-डुटता लोभ लालच हत्या हलाकत पीटा जडाव माह प्रेम।
 गरारमत (عرايمت) अ स्त्री-हानि उठाना पचात्ताप पनेमानी दुख पीना जडाव।
 गरार (عراير) का पु-मुह म पानी भरकर चलाना गगर जचिमन।
 गरार (عراير) अ पु-नातजिव कारी अनायापन अपरिपक्वता धार्या खाना छला जाना।
 गरारत (عرايس) अ पु-खान या पीनवाली दवा का बहु अग जा गिर जाय।
 गरारिक (عراير) अ वि-गरीक'।
 गरारीक (عراير) अ वि-जा पातामं डूब गया हा निमज प्लावित निमज्जित।
 गरारीव (عراير) अ पु-नवान हाडा नया पफुल गुणपना वषा का जल नया मरिा हर सफे वस्तु कने निगूफा।
 गरारवत (عراير) अ स्त्री-प्रकृति, स्वभाव आन्त।
 गरारीबा (عراير) अ वि-स्वाभाविक प्राकृतिक नेचुरल फिरी विनेपत हारारत' क लिए आता है हारारते गरारीडा अयात गरारी की प्राकृतिक गर्भी।
 गरारीव (عراير) अ वि-विश्वी परदेसी जासपर मेंहा तखि दाग कगाग अमहाय बेचारा गचार दान हुसी बरस।
 गरारीवआवार (عراير) अ पा वि-जीव दुवा ध्यक्निया का सतानवाला।
 गरारिखान (عراير) अ पा पु-ऐमा घर जिममें सुख का कर्ई सापन नहीं वकता अपन घर क। भा यालता है।
 गरारीवडाद (عراير) अ पा पु-वैयापुत्र स्त्री का क रही-वच्चा।
 गरारीवनदाव (عراير) अ पा वि-गाना दुनिया पर करणा करनवाला प्रणतपाल दीनवत्तल।

गरारिनवाडा (عراير) अ पा स्त्री-गाना और अशहाय ध्यक्निया पर कुपादृष्टि।
 गरारीवपवर (عراير) अ पा वि-द गरीवनवाड'।
 गरारीवपवरी (عراير) अ पा स्त्री-द 'ग्रारव नवाजी'।
 गरारीवी (عراير) का पु-गुद उच्चारण गिरावा।
 गरारीवी (عراير) अ स्त्री-घरवार से दूरी दरिद्रता कगाग दानता लचारा, एक बलत बन्िया कपन।
 गरारीवड्यार (عراير) अ वि-गरीमुन्वतन'।
 गरारीवडतन (عراير) अ वि-वेवतन ना अपना घरवार छाड परदेग में पटा हा प्रवासी परलानी।
 गरारीवेगह (عراير) अ पा वि-जो नगर में विचा को जानना पहचानना न हो और मुमाफिर की तरह पटा हो।
 गरारीम (عراير) अ वि-जिम टोटा हुआ हा दूनी उजगाग कपागता कजल्वाह।
 गरारी (عراير) अ वि-वह सुक जा अनुभवा न हो, जागिन प्रतिभू (पु) अच्छा स्वभाव अच्छा आन्त।
 गरारी (عراير) का पु-ईश्वर के नामा म स एव विर का अय है कामनाए पूरी करनेवाला।
 गरारी (عراير) अ वि-छला धालवाड, (पु) वह दवारों का पानी जिमने गरारा करें।
 गरारी (عراير) अ वि-डूवा हुआ निमजन।
 गरारी (عراير) अ पु-पानी म डवना निमजन (वि) वा हुआ, निमजन।
 गरारी (عراير) अ पा वि-खू म डूवा हुआ।
 गरारी (عراير) अ पा वि-डूवा हुआ निर्माजज (पु) डूवना निमजन डूवाक पानी।
 गरारी (عراير) अ स्त्री-डूवना, वा गुणपाना जलाहा के कपाग बुनने का गग।
 गरारी (عراير) का पु-सुजली खनूर एव नगर।
 गरारी (عراير) अ पु-मुह में पाना लकर फिरना गरारा करना जचिमन।
 गरारी (عراير) अ पु-सूत लपेटने की रहीं।
 गरारी (عراير) का वि-जिस राज का राग हा।
 गरारी (عراير) का वि-करीव नपुसक नाम मस लागन बुद्धू।
 गरारी (عراير) का वि-मूस घाम वृष्ण।
 गरारी (عراير) का पु-अवस उपर का आकाश।
 गरारी (عراير) का पु-स्त्री का कर्ई गानवाला ददम मगमागा भदुवा।

गर्द: (گرد) फा पु—पिसा हुआ कोयला जो सुई से छिदे हुए कागज पर फेरकर बेल-बूटे बनाने के काम आता है, छिदा हुआ कागज जिस पर बेलबूटे बने होते हैं, और जिस पर कोयला फेरा जाता है।

गर्द (گرد) फा स्त्री—रज, धूलि, खाक, नगर, शहर, सूरज, सूर्य, खेद, रज, लाभ, वफा, एक अच्छा रेशम, (प्रत्य) फिरने वाला, जैसे—'जहाँगर्द' ससार में फिरने वाला।

गर्दआलूद (گردآلود) फा वि—दे 'गर्दालूद'।

गर्दन (گردن) फा स्त्री—ग्रीवा, गला, कंठ, हल्क।

गर्दनकश (گردنکش) फा वि—अवज्ञाकारी, नाफरमान, विद्रोही, वागी, उद्दंड, अक्खंड।

गर्दनकशी (گردنکسی) फा स्त्री—अवज्ञा, नाफरमानी, विद्रोह, बगावत, उद्दंडता, अक्खंडपन।

गर्दनजदनी (گردنزدنی) फा वि—जो गर्दन मारने के योग्य हो, वध्य, हतव्य।

गर्दनजान (گردنزن) फा वि—गर्दन काटनेवाला, जल्लाद, वधिक, कातिल, कसाई।

गर्दनजनी (گردنزنی) फा स्त्री—गर्दन काटने का काम, जल्लादी; हत्यापन, कसाईपन।

गर्दनफराख (گردنفرار) फा वि—बड़े पदवाला, बड़ी पदवीवाला, आला ख्वा, गर्दन ऊँची करके चलनेवाला, गौरवशाली।

गर्दनवारीक (گردنباریک) फा वि—लाचार, वेवस, दीन, अधीन, वशीभूत, मुत्तीअ।

गर्दनी (گردنی) फा पु—चाँटा, थप्पड़।

गर्दा (گرداں) फा वि—धूमता हुआ, चक्कर खाता हुआ, घूर्णित।

गर्दान (گردان) फा स्त्री—व्याकरण में कारको या लकारो की आदि से अत तक कठ-पुनरावृत्ति।

गर्दालूद (گردآلود) फा वि—धूलि में अटा हुआ, धूलि-धूसर, धूल मिला हुआ, धूत्याक्त।

गर्दिद (گردنده) फा वि—फिरनेवाला, घूमनेवाला, चक्कर खानेवाला।

गर्दिश (گردش) फा स्त्री—चक्कर, फिराव, दुर्भाग्य, बदकिस्मती, कालचक्र, आपत्ति का समय; भ्रमण, सैर-सपाटा।

गर्दिशजद (گردشزد) फा वि—कालचक्रग्रस्त, मुसीबत का मारा।

गर्दिशजदगी (گردشزدگی) फा स्त्री—काल-चक्रग्रस्तता, मुसीबत का मारा होना।

गर्दिशे दौराँ (گردش دوراں) फा स्त्री—समय का चक्कर, काल-चक्र, समय का उलटफेर।

गर्दिशे पैमान: (گردش پیمانہ) फा स्त्री—मदिरा के पियाले का चक्कर, शराव का दौर।

गर्दिशे पैहम (گردش پیم) फा स्त्री—लगातार चक्कर, लगातार आपत्तियाँ।

गर्दिशे रोजगार (گردش روزگار) फा स्त्री—दे. 'गर्दिशे दौराँ'।

गर्दिशे लैलोनहार (گردش لیل و سهار) फा अ स्त्री—रात-दिन का उलट-फेर, समय का चक्कर, समय का फेर।

गर्दिशे हादिसात (گردش حادثات) फा अ स्त्री—दुर्घटनाओं का चक्कर, आपत्तियों का ताँता।

गर्दीद: (گردید) फा वि—फिरा हुआ, घूमा हुआ, घूर्णित, लौटा हुआ, वापस आया हुआ।

गर्दीदनी (گردیدنی) फा वि—फिरने के योग्य, घूमने के योग्य, चक्कर खाने के योग्य।

गर्दू (گردو) फा पु—आकाश, व्योम, आस्मान, शकट, छकड़ा, गाड़ी।

गर्दूअसास (گردو اساس) फा अ वि—जिसकी नींव आकाश में हो, बहुत बड़े पदवाला।

गर्दूइकितदार (گردو اقتدار) फा अ वि—आकाश-जैसी सत्तावाला, बहुत बड़ा प्रतिष्ठित।

गर्दूजाह (گردو جاه) फा वि—दे 'गर्दूइकितदार'।

गर्दूसरीर (گردو سریر) फा अ वि—जिसका सिंहासन आकाश हो, बहुत बड़ी महत्तावाला।

गर्दूमलाल (گردو ملال) फा अ स्त्री—मन का मैल, मनो-मालिन्य, रजिश।

गर्दूसफर (گردو سفر) फा अ स्त्री—सफर की थकान।

गर्नात: (عروناطه) अ. पु—स्नेन का एक नगर।

गर्फ: (عرفه) अ पु—चुल्लू से एक बार पानी उठाना।

गर्ब (عرب) अ पु—पश्चिम दिशा, पश्चिम, बड़ा डोल, पुर।

गर्बलत (عربلت) अ स्त्री—चलनी में छानना, काटना, विच्छेदन, हत्या करना, हनन।

गर्बाल (غربال) अ स्त्री—आटा आदि छानने का यंत्र, चलनी, चालनी, छलनी।

गर्बी (عربی) अ. वि—पश्चिम दिशा का, पश्चिमी, यूरोप का, मग़िबी।

गर्बीव (عربیوب) अ वि—बहुत अधिक काला, काला निसोत।

गर्म (گرم) फा वि—तप्त, उष्ण, जो गर्म हो, गर्म तासीर-वाला, उष्णवीर्य, तीव्र, तेज, शीघ्र, जल्द, क्रुद्ध, कुपित।

गर्म (عمر) अ पुं—रात का अँधेरा होना।

गमइनाँ (گم‌نایان) का अ वि-तज चलनेवाला घोडा, तेज चलनेवाला सवार।
 गमक (گرمک) का पु-उवाके हुए मटर सफेद खरबूजा सत् की एक जाति (वि) कम गम।
 गमखूँ (گرمخون) का वि-गाडा मित्र, लगोटिया वार दयालु इपालु मेहरवान।
 गमखूँ (گرمخون) का वि-ताम प्रवृत्ति तज मिजाज।
 गमखेज (گرمخه‌ج) का वि-पूर्विला और चालाक हर समय काम के लिए तत्पर।
 गम गम (گرم‌گرم) का वि-गमगम ताजा सिकी या भुनी हुई चीज।
 गमजोनी (گرم‌جوسی) का स्त्री-गाते प्रेम का प्रदर्शन सभ्राति तपाक।
 गमजोला (گرم‌جولا) का वि-द्वृत्तगति गीघ्रगामी तेज री।
 गमजोलानी (گرم‌جولانی) का स्त्री-तेज रफतारी तेज चलना गीघ्र गमन।
 गमतर (گرم‌تر) का वि-अधिक गम, उष्णतर जिस जोषधि म गर्मी के साथ तरो हो।
 गमतरोन (گرم‌ترس) का वि-बहुल अधिक गम उष्णतम परमोष्ण।
 गमदिमाघ (گرم‌دماغ) का अ वि-अहकारी घमडी।
 गमदिमामी (گرم‌دماغی) का अ स्त्री-अहवार घमड।
 गमबाजारो (گرم‌بازاری) का स्त्री-भाव की तेजी प्राह्व। की बहुतात माल का माग।
 गममिजाज (گرم‌مواجه) का अ वि-चिडचिडे स्वभाव वाला जिस जल्दी शोध जा जाय जिसकी प्रवृत्ति गम हा।
 गममिजाजी (گرم‌مواجهی) का अ स्त्री-चिन्चिन्पान जल्दी शोध आना प्रवृत्ति की उष्णता।
 गमरफ्तार (گرم‌رفتار) का वि-तेज चलनवाला, गीघ्र गामी गतिगाल।
 गमरफ्तारी (گرم‌رفتاری) का स्त्री-तेज चलना, चाल की तेजी, गीघ्र गति।
 गमरवो (گرم‌روی) का स्त्री-द गमरफ्तारी।
 गमरो (گرم‌رو) का वि-गमरफ्तार।
 गममेर (گرم‌سهر) का पु-बह स्थान जहाँ का जल-वायु गम हा।
 गर्मी (گرمی) का पु-गर्मी का मौसम धीप्म ऋतु गर्मी का समय उष्ण काल।
 गर्मागर्मी (گرم‌گرمی) का स्त्री-धूमधाम खार गार तजमतवी, वातचीत में तेजी, मोतिक मुड वायुड।

गमब (گرم‌ب) का पु-हम्माम जहाँ पानी गम मिल, स्नानागार गम पाना की टकी या सक्वा।
 गर्मिए बाजार (گرمی بازار) का स्त्री-बाजार में भाव की तेजा प्राह्वका की बहुतायत माल का माग।
 गर्मी (گرمی) का स्त्री-उष्णिमा उष्णता ह्यारत उपदेश गर्मी रोग बुन्वार ज्वर जोर, तीव्रता शोध, राप गुस्सा गव, अभिमान घमड।
 गर्मीदान (گرمی‌دانه) का पु-अहोरी घम चर्चवा।
 गर्म सुष्ण (گرم‌سخت) का वि-जातें करता हुआ वार्णालप करता हुआ।
 गर्मोसद (گرم‌وسرد) का पु-ठडा जोर गम गानाण, सासारिक दुख सुख, उँच नीच निशबोर राज।
 गर्मोसद चापोद (گرم‌وسرد حسنه) का वि-गसारवा उच नीच दखे हुए ससार के दुख सुख उठाय हुए अनभरी बहुदर्शी।
 गर (گرم) अ पु-मुग्ध होना फरेपता हुना घमड गव अरड हेवडी।
 गर (گرم) आ वि-भयानक पाद स चासता बिल्लाना हुआ।
 गर (گرم) का पु-पछने लगाने वाला नाफित नाद, सेवक दास नौकर।
 गर (گرم) अ स्त्री-हर स्वच्छ और उज्वल वस्तु या स्त्रीलिंग हो।
 गव (گرم) अ पु-नरकट जिमके कलम बनते हे।
 गर (گرم) अ स्त्री-मूख शुषा।
 गर (گرم) अ पु-पेड लगाना पड रापना वृक्षाराप लगाया हुआ पेड।
 गरान (گرم‌ان) अ वि-भूला शुधित।
 गरल (گرم‌ل) अ पु-भीतर जाना भातर लजान।
 गरल (گرم‌ل) अ पु-किवाड बंद करने की रण अणल।
 गरल (گرم‌ل) अ पु-अगुड जा टीक न हा, अणल बूट त्रुटि भूल अनुचित, गरवाजिय अगुडि शरती।
 गरल (گرم‌ل) अ पु-हिसाब की गरलती।
 गरल अदाव (گرم‌ل اداوار) का वि-भ्रम में डग्न वाला (वाली) एसा दण्टि जा हा ता किसी और की आर परतु समने कोई अपनी आर इस दण्टि का प्रयाग दण्टि का साथ ही होता है भूलभूलया।
 गरलकार (گرم‌ل‌کار) अ का वि-काम में बुद्धा बूब जान वाला, जान बुद्धावर काम सराब करनवाला, अट-अ काम करनवाला।

गलतकारी (غلطکاری) अ फा स्त्री—काम में चूकना, जानते हुए काम खराब करना, अंत-शत काम करना।

गलतगो (غلطگو) अ फा वि—झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा।

गलतगोई (غلطگوئی) अ फा स्त्री—झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

गलतनामः (غلطنامہ) अ फा पु—किसी पुस्तक आदि के अंत में उसकी अशुद्धियों का परिशिष्ट, शुद्धिपत्र।

गलतफहमी (غلطکفہمی) अ स्त्री—कुछ का कुछ समझना, बोधभ्रम; कुधारणा, वदगुमानी।

गलतवयां (غلطویان) अ वि—दे 'गलतगो'।

गलतवयानी (غلطویانی) अ स्त्री—दे 'गलतगोई'।

गलतवब्रर (غلطکبر) अ फा वि—वह खर आदि जिससे कागज से अशुद्ध अक्षर मिटाया जाता है, वह कागज जिसपर अशुद्ध अक्षर सुगमता से बदल जाता है।

गलतवो (غلطکوی) अ फा वि—जिसे किसी व्यक्ति के दोष ही दोष दिखाई दे, उसकी अच्छाइयाँ नजर न आये।

गलतवोनी (غلطکوینی) अ फा स्त्री—किसी के गुणों को छोड़कर केवल उसकी बुराइयाँ ही देखने का भाव।

गलतुलअवाम (غلطالعوام) अ पु—वह गलती जो कुपद और जाहिल लोग करे।

गलतुलआम (غلطالعوام) अ पु—वह गलती जो विद्वज्जन करें और वह शुद्ध मान ली जाय।

गलफ (غلط) अ पु—वैभव की बहुतायत, देश में अन्न की बहुतायत; खल्ना न करना।

गलवः (غلطہ) अ पु—प्रभुत्व, सत्ता, इक्तिदार, प्राचुर्य, बहुतायत, मत-बाहुल्य, कसते राय, विजय-प्राप्ति, तसत्लुत, सामूहिक झगडा या मार-काट।

गलव (غلب) अ पु—जीतना, गालिव होना, अवज्ञाकारी होना, नाफमानी करना।

गलवात (غلبات) अ पु—'गलव' का बहु., 'गलवे'।

गलयान (غلیان) अ पु—उवाल, जोश।

गलल (علل) अ स्त्री—पिपासा, प्यास, जलन, सोजिश, मनस्ताप, तल्लिश।

गलस (علس) अ स्त्री—रात्रि के अंत का अंधियारा।

गला (علا) अ पु—अन्न आदि का भाव तेज हो जाना, दुर्भिक्ष, कदत।

गलिक (علق) अ पु—वह वात जो कठिनता से समझ में आये, गूढ, निगूढ।

गलिव (علب) अ वि—विजित. गालिव. अवज्ञाकारी.

गलिम (علم) अ वि—तीव्रकाम, तेज गहवत।

गलीज (علیج) अ वि—गाढा, निविड, विष्ठा, मल; प्रगाढ, सघन।

गलीज (علیر) अ वि—प्रगाढ़, गाढा।

गलीजुल किदाम (علمطالقوام) अ वि—जिसकी चाशनी गाढी हो गयी हो, जो घातु आदि दूषित होकर गाढी हो गयी हो।

गलील (علیل) अ वि—पिपासित, प्यासा, (पु) द्वेष, कीन, मनस्ताप, दिली रज, प्यास की तीव्रता।

गलीस (علیث) अ पु—जौ और गेहूँ मिला हुआ, गुजई, हर वह वस्तु जिसमें दूसरी वस्तु मिली हो।

गलूल (علول) अ पु—वह भोजन जो बूढों और रोगियों को सुगमता से पच जाय।

गल्क (علق) अ पु—दरवाजा बंद करना, भूमि में गहरे तक घुसना, घृणा, कराहियत, वधन, बाँधना।

गलगलः (علغله) अ पु—तेज चलना, शीघ्र गमन।

गलज (غلط) अ पु—वह नीची भूमि जो ऊबड-खावड और असमतल हो।

गलजत (علطت) अ स्त्री—दे 'गिलजत', दो शु है।

गलतक (علطک) फा पु—करवट लेना, पहलू बदलना, गाडी का पहिया, चक्र।

गलतां (علطان) फा वि—लुढकता हुआ, लोटता हुआ, लुठायमान।

गलतां व पेचां (علطان و پیچان) फा वि—लुढकता और बल खाता हुआ, असमजस और दुविधा में पडा हुआ।

गल्फ (علف) अ पु—तलवार आदि को म्यान में करना, सर अथवा डाढी के वालों में सुगंध लगाना।

गल्फक (علفق) अ पु—काई, जो पानी पर होती है, नर्म धनुप, एक पानी की घास।

गलवः (غلطہ) अ पु—दे 'गलव', शुद्ध वही है, परंतु उर्दू-वाले यह भी बोलते हैं।

गलव (علب) आ पुं—विद्रोही होना, वागी होना, अवज्ञाकारी और उद्द होना।

गलवा (غلنا) अ पु—वह स्थान जहाँ बहुत घने पेड हो, झुड की लडाई, दो गोलों में आपसी मारकाट।

गलमः (علمہ) अ पु—काम-वासना की तेजी, शहवत का जोश।

गलम (علم) अ पु—कामातुर होना, शहवत से वेचैन होना, तेज चलना।

गल्यान (غلیان) अ पु—दे 'गल्यान' शब्द वही है, पर

गल्ल (علم) अ पु—अन अनाज घाय, दाना।
 गल्ल (گله) फा पु—भेडा, बकरिया या गाया, भसा वा
 बुड, रेवड।
 गल्लफरोदा (علمفروش) अ फा वि—अन बेचनेवाला,
 अन विरोता।
 गल्लवान (گلهبان) फा वि—रेवड की रखवाली करने
 वाला चरवाहा, गडरिया।
 गल्लवानी (گلهبانی) फा स्त्री—रेवड की रखवाली का
 काम या पग चरवाहापन।
 गल्लाब (غلاب) अ वि—यह व्यक्ति जो हर जगह विजय
 प्राप्त करता हा।
 गब (گو) फा पु—गत गटा नीची भूमि, माट्टा, जमा
 मट्ट मल्ल पहलवान पूय युजुग।
 गबक (عوق) अ पु—गहरी ओर गदा भूमि।
 गबक (گوی) फा पु—गत, गटा छोटा गडा।
 गबड (گور) फा पु—गबदन का लघु दे गबदन।
 गबदन (گورن) फा पु—दारहासिमा विकट-रुम।
 गबा (گولان) फा पु—बहुत स पहलवान बहुत स याट्टा
 अष्ट योग, गन का बहुबचन।
 गबाइल (عوازل) अ पु—गाइल का बट्ट, आपत्तियाँ
 अनिल-समूह दबी आपत्तियाँ।
 गबावी (عواصی) अ पु—गानिव का बट्ट प्रात बाल व
 बाण।
 गबानी (عواصی) अ स्त्री—गनिय का बट्ट व स्त्रियाँ
 जिह अनन सोन्य ओर तरणाद व चारण आभूषण जाति
 का आवयनता नहा।
 गबामम्म (عمام) अ पु—गर क बाल।
 गबामिद (غوامص) अ पु—गामिद का बट्ट यान की
 गन्तारदीय मूडनाए मुक्त।
 गबायत (عواصت) अ स्त्री—मुामाता गमरानी।
 गवार (گوار) फा प्रत्य-अच्छा लगनवाला अम—सुग
 गवार' गु उ गुवार' है परतु उद्दु म गवार' ही यान्त है।
 गवारा (گوارا) फा वि—अचिरत पमना सहा आविज
 बरमान नद उच्चारण गुवारा है परतु उद्दु म गवारा'
 नि बाला है।
 गवाही (گواهی) अ पु—गानिव का बट्ट पर आ
 गन नियम भारत राग समुप बनना।
 गवाह (گواه) फा प—गवाह नवाता गामा गाति
 पुड उच्चारण गवाह है परतु उद्दु म गवाह' बाले है।
 गवाही (گواهی) फा स्त्री—गाप, पानय गवाहा द
 का काम।

गवाहे ऐने (گواهیل) फा अ पु—वह गवाह जिस
 सामने का घटना घणी हा प्रत्यय सागी चाखुप सागी।
 गवाहे हाशिय (گواه حاشیه) फा अ पु—वह गवाह जिसके
 हस्ताक्षर किसी दस्तावेज के हाशिये पर हा।
 गवा (عوی) अ वि—गुमराह राह से भटका हुजा अष्ट
 पथ मागभष्ट।
 गवात (عواص) अ वि—मोत तार, मख्तार गाता
 लगाकर समुद्र स मुक्ता जादि निबालनेवाला।
 गवासी (عواصی) अ स्त्री—मोताबोरी गाता भारत का
 का काम समुद्र में पठ कर मानी निकालन का काम।
 गग (گش) फा वि—गुग हमीन नाज से इल्लकर
 चलनेवाला (वाली) (वि) मच्छिन, बेहाग।
 गग [عش] (عش) अ पु—गियानत करना गायण पम
 चितक न होना जो मन म हा उमक गिगक करना
 अच्छी चीज में घनिया चीज मिलाना मूच्छत हाग।
 गगन (گسن) फा वि—गजान घना (प) समूह भा
 जमाव (स्त्री) अधिवता, बहुतायत।
 गगान (عسمان) अ पु—मूच्छत हाना बहाग हाना।
 गगन (عشش) अ स्त्री—अधरापन अधियारा।
 गगाव (غساوه) अ पु—गगाव दाना गुद ह परतु
 वह अधिव वाला जाना है।
 गगाश (عاشش) अ पु—गीधना ज दी।
 गगी (غسی) अ स्त्री—वहागी मूच्छा गग।
 गगत (گشت) फा पु—चक्कर गगिन पयटन दोरा
 यानवाला बो रात में धूम फिर कर दगभाल।
 गगी (گستی) फा स्त्री—वह आग जा दिगी विभाग क
 सारे कमचारिया के लिए हा गगुलर परियत्र।
 गगन (غسن) अ पु—रगना या तल्लार जाति स माना।
 गगन (گسن) फा पु—द गगन'।
 गगात्र (عس) अ स्त्री—राति का प्रातभिव अधरा दग
 रात का अधियारी मोग और निरुष्ट अग अग—बाहुन
 गागी आगि।
 गगक (غک) फा प—गगक मनुप।
 गगत्र (غف) अ स्त्री—रात का अधरा।
 गगयान (غدیان) अ पु—गी मनलाना मत।।
 गगार (غمر) अ पु—ना तिनका आगि हरा मे उद्दु
 आगि में गिर।
 गगम (غمصن) अ प—निबाल का गम अ व जाना।
 गगाह (غسان) अ पु—गी और बक्कार चीज, अम-
 पाप आगि।
 गगतिर (غمر) अ वि—गुग और गगतिर काम।

गसील (عسيل) अ वि—धुला हुआ, माँझा हुआ, शुद्ध ।
गसीस (غسیس) अ पु—वे खजूर या छुहारे जो गल-सडकर
खाने के योग्य न रहे हों ।

गसूल (عسول) अ पु—वह पानी जिससे कुछ धोया जाय;
हाथ या सर धोने की वस्तु; जैसे—सावुन या खली ।

गस्क (غسقي) अ पु—आँख की ज्योति का चला जाना;
आँख से आँसू बहना, रात का बहुत अधिक अधियारा होना ।

गस्व (عصب) अ पु—जवरदस्ती किसी के माल पर
कब्जा कर लेना, बलाद्धरण, निर्दयता से किसी के बाल
उखेडना ।

गस् (غسر) अ पु—ऋणी पर अपना ऋण वुसूल करने के
लिए अत्याचार करना ।

गस्ल (عسل) अ पु—धोना ।

गस्साक (غساق) अ पु—दे 'गसाक' ।

गस्साल (غسال) अ वि—नहलानेवाला, स्नापक, मुद्दे
का नहलानेवाला, मृतस्नापक ।

गस्सूल (غسول) अ पु—दे 'गसूल' ।

गह (ك) फा अव्य—'गाह' का लघु, दे 'गाह' ।

गहगीर (ككگیر) फा पु—वह घोडा जो अपनी पीठ पर
सवार न होने दे ।

गहब (غهب) अ स्त्री—असावधानी, गफलत, अज्ञान,
अनजानपन, विस्मृति, भूल, डरादे का न होना ।

गहे (كك) फा अव्य—'गाहे' का लघु, कभी, किसी समय ।

गहवार: (ككوار) फा पु—वच्चो के झूलने और सोने का
खटोला, पालना, हिडोला, आदोलक ।

गहवार: जुंबाँ (ككوار) फा वि—पालना झुलाने-
वाला (वाली) ।

गहवार: जुंबानी (ككوار) फा स्त्री—पालना झुलाने
का काम ।

गा

गाँ (گان) फा अव्य—'गान' का लघु, दे 'गान' ।

गाइत (عائط) अ पु—नीची और लम्बी-चौडी भूमि;
विष्ठा, मल, पाखाना ।

गाइव (عائب) अ वि—जो नजर के सामने न हो, लुप्त,
तिरोहित (गायव) ।

गाइवबाज (عائبباز) अ फा वि—शतरज का वह
खिलाडी जो सामने विसांत न रखकर शतरज खेलता हो,
बहुत बडा शातिर ।

गाइवान: (عائبان) अ फा वि—पीठ-पीछे, परोक्षत,
अनुपस्थिति मे ।

गाइर (عائر) अ वि—गहरा पैठनेवाला, गहराई मे दूर
तक जानेवाला, नीची भूमि ।

गाइल: (عائلة) अ स्त्री—अनिष्ट, वदी, हानि, गजंद;
आपत्ति, मुसीबत, अचानक दबोच लेनेवाली ।

गाइस (عائص) अ वि—पानी मे पैठनेवाला, डुबकी
मारनेवाला ।

गाई (عائى) अ वि—अन्तिम, आखिरी, आधारभूत,
मौलिक, बुनियादी ।

गाईद: (كائيد) फा वि—जिसके साथ मैथुन किया हो,
सभोगया ।

गाक (عاق) अ पु—जलकौआ, पनडुब्बी; कौआ, काक ।

गाग: (عاعة) फा पु—पोदीना ।

गाग: (عاعة) अ पु—तितर-वितर टोलियाँ, मिले-जुले
लोग, जनसमूह, भीड़ ।

गाज: (عازه) फा पु—मुँह पर मलने का पाउडर, मुख-चूर्ण ।

गाज: (كاز) फा पु—झूला, जिस पर झूलते हैं; शिकारी
के छिपने का स्थान, फालेज की झोपडी, पहाड़ की चोटी
पर का मकान ।

गाज (گار) फा पु—घास, हरी घास, कैंची, कतरनी,
चिराग का गुल काटने की कैंची, गुलगीर ।

गाज (زاز) फा पु—स्थान, जगह ।

गाज [जज] (غان) अ पु—आँख की एक रंग, जिसमे से
मैल निकलने लगे तो बंद नहीं होता ।

गाजएरुख (عازة) फा पु—मुख-चूर्ण, मुँह पर मलने
का सुगंधित और लाल पाउडर ।

गाजिफ (غاصف) अ वि—जिसकी दशा अच्छी हो,
खुशहाल, जिसका हृदय कोमल हो, नाजुकदिल ।

गाजिय: (عازيه) अ स्त्री—हज्म करने की कुव्वत, पाचन-
शक्ति, वह शक्ति जो आमाशय मे अन्न पचाती है ।

गाजिर (عاضر) अ पु—बहुत अच्छा कमाया हुआ और
चित्रित किया हुआ चमड़ा, बहुत तड़के अपने काम को
निकल जानेवाला ।

गाजी (عازى) अ वि—मजह्वी लडाई लटनेवाला, धर्मयोद्धा,
धर्मवीर ।

गाजी (عازى) फा वि—नट, रस्ती पर कलावाजी
खानेवाला ।

गाजी (كازى) फा पु—केवड़ा, एक प्रसिद्ध फूल ।

गाजुर (كازر) फा पु—कपड़ा धोनेवाला, धोबी, रजक ।

गाफर (عافر) फा पु—दे 'गाफर' ।

गादिक (عادف) अ पु—नाव चलानेवाला, नाविक,
कर्णधार, मल्लाह, माँझी ।

प्राद्विप (عاديپ) अ पु—प्राज्ञकाल का बादल प्रातः काल सवेरा।

प्राद्विर (عادي) अ वि—वृत्तघ्न नागुधा यचन मजक, वाद खिलाफ अभवन श्रेवफा।

प्रादी (عادي) अ पु—सवेरे का वालल सवरे की वर्षा सवरा प्रात।

प्रादूक (عادي) अ पु—वे दा लकडिया जो नाव के दाना और वधी हाती ह आर जिह हिलाने स नाव चलती है।

गान (عادي) फा प्रत्य—विगी सख्या क अत म आकर भाग का अर्थ दता है जैसे—'चहार गान जयात चार वाला अपना जैसे—यगान (यक+गान) अपना जयान स्वजन वगान जा अपना हो अस्वजन।

गान (عادي) फा प्रत्य—कर्ता अथवा कमवाचक पारसी शब्द जिनके अंत में विमग हा। उनके अंत म आकर बहुवचन बनाना है जैसे—'कुस्त से कुस्तगान' कुस्त से कुस्तदान।

गानिख (عادي) अ पु—कठ गला कठ में वह स्थान जहाँ स स्वर निकलता है।

गानिय (عادي) अ स्त्री—वह स्त्री जो अपनी गुल्तरता और यौवन के कारण आभूषण आदि से बनियाख हा वह सुंदर सजावारिणी और जवान स्त्री जिम पुरुष की इच्छा न हा।

गानी (عادي) अ वि—जिसे काइ इच्छा न हो समझ, दोलनमद।

ग्राफर (عادي) फा पु—तुकिस्तान का एक नगर।

ग्राफर (عادي) अ वि—छिपानेवाला गायनकर्ता पाप नागव गुनाह बहानेवाला।

ग्राफिल (عادي) अ वि—सनाहीन बहोश जसावधान घेसवर आल्सी काहिल।

ग्राफिस (عادي) अ स्त्री—एक घनोपधि।

गाव (عادي) अ पु—सिंह क रहने की कटार वन जगठ।

गाव (عادي) अ पु—गाव का बहु सिंह की ठाहर वनसमूह जगठ।

गाबात (عادي) अ पु—गाव का बहु दे गाव।

गाबित (عادي) अ वि—विगी की जवनात चाहे बिना स्वय बसा बनने की इच्छा करनेवाला।

गाबिन (عادي) अ वि—काम करने म आग्यी।

गाबिर (عادي) अ वि—आनेवाला जानेवाला बाकी बचा हुआ शेष, बरसनवाला।

गाम (عادي) फा पु—उग, प्रदम पग, (प्रत्य) चलनेवाला

जस—'तजगाम' तेज चलनेवाला,— दा गाम न चल पाय जजीर नजर आयी।

गामजन (عادي) फा वि—चलनवाला, गमनकर्ता चलता हुआ।

गामजनी (عادي) फा स्त्री—चलना जाना गमन करना।

गामफर्सा (عادي) फा वि—गामजन।

गामफर्साई (عادي) फा स्त्री—गामजनी।

गामिड (عادي) अ वि—वह वात जो समय स बाहर हो नीची भूमि गत गम जनात, गुमनाम अपमानित, खलील।

गामिद (عادي) अ पु—भरी हुई नाव वह कुआ बिनता पानी उबलता हा।

गामिर (عادي) अ स्त्री—वह भूमि जो पानी में डूबी रहती हो बजर जमीन (वि) वह व्यक्ति जो अपन का आपत्ति म डाल।

गामी (عادي) अ वि—निवल बल्लान, कमडार, असमय, नातवान।

गामय (عادي) फा वि—मथुन करनेवाला।

गामत (عادي) अ स्त्री—उद्दय मकसद छार विनारा कारण सबव पराकाष्ठा, इतिहा, पताका, झटा।

गामत माफिकबाब (عادي) अ स्त्री—विश्वी विषय का अंतिम निष्पत्ति, आखिरी बात साराण, छलासा।

गामतुलअमर (عادي) अ स्त्री—अतन आधिकार आपातत अगत्या।

गार (عادي) अ पु—गहरा गला खड गन, गला, पहा की कदरा गुफा जलुआ के रहने का भीटा।

गार (عادي) अ प्रत्य—करनवाला, जैसे—निम्नतगार, सवा करनेवाला।

गारत (عادي) अ स्त्री—नष्ट करना बरवान करना लुटन लुटना, (वि) नष्ट बरवान, विध्वस्त तवाह नुटित लुटा पिटा।

गारतगर (عادي) अ फा वि—लुटनवाला, लुटेरा डाक लुटक बरवान करनेवाला, विनाशक।

गारतगारी (عادي) अ फा स्त्री—लुटमार लुटमार विनाग, तवाही।

गारतगाह (عادي) अ फा स्त्री—लुटमार करन का स्थान वह स्थान जहाँ लोग लुट जाते हो वह स्थान जहाँ लुटने का भय हा।

गारतोय (عادي) फा वि—लुटमार किया हुआ नष्ट किया हुआ, गारत किया हुआ।

गारिक (عادي) अ वि—डूबनेवाला हुवा हुआ निर्माजत।

गारिज (عازز) अ स्त्री—थोड़ा दूध देनेवाली ऊँटनी ।
 गारिव (غارِب) अ वि—ऊँट की गर्दन और कोहान के बीच का भाग, ऊँट के दोनों कंधों के बीच का स्थान ।
 गारिम (غارِم) अ वि—वह नटणी जो अपना ऋण अदा न कर सके ।
 गारिस (عارس) अ वि—वृक्ष लगानेवाला, पेड़ रोपनेवाला, वृक्षारोपक ।
 गारीकून (عاریقون) अ पुं—एक ओपधि ।
 गाल (غال) फा पु—एक अन्न, काकून, वाजरा; छल, फरेव; दूर, परे, शृगाल, सियार ।
 गाल [लल] (عال) अ पु—वह नीची जमीन जिसमें पेड़ बहुत हों, पेड़ उगने का स्थान ।
 गालिव (غالب) अ. वि.—शक्तिशाली, जवरदस्त; विजेता, फातेह, उर्दू के एक श्रेष्ठ कवि का उपनाम ।
 गालिवन् (عالم) अ. वि—संभवत, कदाचित्, शायद, निश्चित, यकीनन ।
 गालिवानः (غالدان) अ फा. वि—जवरदस्तों—जैसा ।
 गालियः (عاليه) फा पु—कई सुगंधित पदार्थों को मिलाकर बनाया हुआ एक सुगंधित द्रव्य ।
 गालिय.मू (عاليه موه) फा वि—सुगंध लगे हुए बाल, सुगंधित बाल ।
 गाली (عالي) अ वि—अपनी सीमा से आगे बढ़ जानेवाला, अति करनेवाला, भारी, वज्नी, बहुमूल्य, वेशकीमत ।
 गालीच. (عاليچه) तु पु—छोटा कालीन ।
 गालीद. (عاليده) फा वि—लुढ़का हुआ, लुढ़काया हुआ ।
 गालीदः (غاليده) फा. वि—जो अलग हो गया हो, निवृत्त ।
 गालीन (عالمين) तु पु—दे 'कालीन' ।
 गाव (گاؤ) फा पु—वैल, वृषभ, गाय, गो, घेनु, शराव का पियाला जो गाय की शकल का हो ।
 गावअंवर (گاؤاندر) फा अ. पु—गाय—जैसा एक समुद्री पशु, जिसका गोवर 'अवर' होता है ।
 गावआहन (گاؤآहन) फा पु—हल का फल, फाल ।
 गावकुशी (گاؤكشي) फा स्त्री—गाय की हत्या करना, गाय का जवह करना, गोवध ।
 गावकून (گاؤكون) फा वि—मूर्ख, धामड, अहमक ।
 गावखरास (گاؤخراس) फा स्त्री—वह चक्की जो वैल आदि से चले ।
 गावखानः (گاؤخان) फा पु—मवेशियों का बाड़ा, कांजी-हौस, मवेशीखाना ।
 गावखुर्द (گاؤخورد) फा वि—नष्ट, बरबाद, खुर्द बुर्द, गवन, अपहृत ।

गावचश्म (گاؤچشم) फा वि.—गाय—जैसी आंखोंवाला, (पु) एक फूल ।
 गावजवाँ (گاؤزبان) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध ओपधि, भूताशुक्र, गोजिह्वा ।
 गावजोर (گاؤزور) फा वि.—बहुत बड़ा बलवान्; जवर-दस्ती करनेवाला ।
 गावजोरी (گاؤزوری) फा स्त्री—जवर्दस्ती, अन्याय; गधित-सपन्नता, जोरमदी ।
 गावतक्यः (گاؤتکيه) फा पु—बड़ा तक्य, मसन्द, जो पीठ के नीचे रखा जाता है ।
 गावताजो (گاؤتاجی) फा स्त्री—डींग, शेखी, मुकावले में बुजदिली दिखाना ।
 गावदी (گاؤدی) फा वि—मूर्ख, बुद्ध, वेवकूफ, कुदजेहन, मदप्रभ, मन्दमति ।
 गावदीदः (گاؤدیده) फा वि—दे. 'गावचश्म' ।
 गावदुम (گاؤدم) फा वि.—गाय की पूँछ—जैसा ऊपर से नीचे को पतला, मख्रूती, गो-पुच्छ ।
 गावदोशः (گاؤدوشه) फा पु—दूध दूहने का वर्तन, दुधाड़ी ।
 गावदोश (گاؤدوش) फा पु—दे 'गावदोश' ।
 गावपुस्त (گاؤدشت) फा वि—गाय की पीठ की तरह ढालू ।
 गावपंकर (گاؤدیکر) फा वि—वैल—जैसे डील-डीलवाला, वृषकाय ।
 गावमेश (گاؤمیش) फा स्त्री—भैंस, महिषी ।
 गावरस (گاؤرس) फा पु—वाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न ।
 गावरीश (گاؤریش) फा वि—मूर्ख, अज्ञानी, धामड, बुद्ध ।
 गावशीर (گاؤشیر) फा पु—एक तरल ओपधि, जावशीर ।
 गावसर (گاؤسر) फा वि—वैल—जैसे सिरवाला, (पु) 'फिरीदूँ' के गुर्ज का नाम, गावसार ।
 गावसार (گاؤسار) फा वि—'फिरीदूँ' के गुर्ज का नाम, गावसार ।
 गावेजमी (گاؤزمی) फा पु—दे 'गावे सरा' ।
 गावेगदूँ (گاؤگردون) फा पु—वृषराशि, बुर्जे सौर ।
 गावेपवारी (گاؤپواری) फा पु—खूब खिला-पिलाकर और धूप से बचाकर मोटा किया हुआ वैल ।
 गावेसरा (گاؤسرا) फा अ. पु—वह गाय जिसके सींगों पर पृथ्वी संधी बतायी जाती है ।
 गावेसिफाली (گاؤسفالیون) फा पु—शराव का मटका ।
 गाशियः (عاشیه) फा पु—वह कपडा जो घोड़े के चारजामे पर पडता है; कियामत, महाप्रलय, नरक की आग; भीतरी रोग ।

शानिय बरदोश (عاشه بردوش) का वि-दे शानिय बरदार ।
 शानिय बरदार (عاشه بردار) का वि-सवारी के समय जानपोश लेकर चलनेवाला, सार्दम नौकर जानाकारी अनुपायी ।
 शासिक (عاشی) अ पु-चद्रमा चाद वृत्तिवा नयन पवीं गिस्त लिय ।
 शासिव (عاصب) अ वि-अवस्ती छीन लेनेवाला, गस्व कर देनेवाला अपहारक ।
 शासिवान (عاصانه) अ वि-शासिवा-जसा, टुटेरा की तरह ।
 गाह (گاه) का अव्य-वभी किसी समय समय वक्त स्थान, जगह सिंहासन, तख्ते गाही खेमा, रावटी तम्बू जुए का दाव ।
 गाह गाह (گاه گاه) का वि-वभी-वभी यग-यग ।
 गाह ब गाह (گاه ب گاه) का वि-दे गाह गाह ।
 गाहे (گاهے) का वि-किसी समय कभी कभी-वभी ।
 गाहे गाहे (گاهے گاهے) का वि-वभी-वभी यग-नदा मरमरी उनने मुलाकात है गाहे-गाहे । सोहवने घर म गाहे सरे राहे गाहे ॥
 गाहे ब गाहे (گاهے ب گاهے) का वि-गे गाह गाह ।
 गाहे गाहे (گاهے گاهے) का वि-कभी कभी महीन में एक बार ।

गि

गिचक (عصک) का स्त्री-सारंगी एक वाजा ।
 गिबा (غدا) अ स्त्री-भाजन साध खुराक अज अनाज ।
 गिबा (غرا) अ पु-धमपुष्ट मजहबी जग दे गजा दोना गुद ह ।
 गिबाई (غداي) अ वि-भाजन सम्बन्धी अथ सम्बन्धी ।
 गिबाईयत (غدايب) अ स्त्री-किसी साध पण्य में गारारक। पुष्टि पढ़वाने और रत बननवाला अथ अय-तत्व ।
 गिबाए रहानी (غراي روحاني) अ स्त्री-आत्मा का भोजन अर्थान अच्छी आवाज गाना ।
 गिबाए स्तरीक (غراي لطيف) अ स्त्री-तीव्र पत्र जान वाला भाजन लघुपाव ।
 गिबाए सखील (غراي سخيل) अ स्त्री-अर में पचनेवाला भाव गरिष्ठ ।
 गिबाब (غصاب) अ पु-भीम मांगना भिषाग्न ।
 गिबाब (غصاب) अ पु-आंग में उदकर पचनेवाग विनता, शरीर पर पचनकाउ पचान ।

गिस्तिक (گولک) का पु-कलम बनाने का चाकू ।
 गिता (عطا) अ पु-पार्ग पहनने के कपडे वस्त्र ।
 गित्रीफ (عطرغيب) अ वि-कुलीन गरीफ वीर, बहादुर, पूज्य वुजुग ।
 गित्रीस (عطرغيس) अ वि-अत्याचारी, शक्ति अह कारा मगरूर ।
 गिहीर (عشمو) अ वि-बहुत अधिक वृत्तन नमबहराम ।
 गिदय (گدسه) का स्त्री-भीख मागना भिक्षाष्टव ।
 गिना (عليا) अ पु-नमदि, दौलतमदौ निमह्ला बेनियाजी ।
 गिना (عنا) अ पु-गान गाना ।
 गिब[ब] (عب) अ पु-इकतरा, एक दिन बीच दर आनेवाला ज्वर सीमा हृद पराकाष्ठा जो एक दिन आये और एक दिन न आये सप्ताह में एक दिन किसी से मिलने जाना ।
 गिस्त (عطفه) अ पु-किसी के माल को इच्छा उस हानि पढ़ेवाय बिना, किसी जसा बनने की इच्छा, उसे हानि पढ़ेवाये बिना ।
 गिमाम (عمامه) अ पु-पशु के मंह पर बढाने की धरी ।
 गिमोब (گيمبر) का पु-पगाव भूत्र ।
 गिम्द (عمد) का पु-तलवार जपवा छुरी या चाकू का कोप ।
 गिप्यार (عصار) अ पु-धम चिह्न जो हर समय पास रहे जस-जनेऊ सलीब या मूहलिया का पीला कपडा जो वे लाग कंधे के पास कपडे म सिला रखते ह ।
 गियात (عمات) अ पु-दुख और आपत्ति में सहायता करना (वि) दुख और कष्ट के समय सहायता करन वाला ।
 गिर[र] (عر) अ वि-निश्चष्ट व्यक्ति अथवर आत्मी; अनुभवहीन व्यक्ति नातजिब कार आदमी ।
 गिरह (گوه) का पु-गे शब्द उच्चारण गिरिह ।
 गिरा (گوران) का वि-भारी बरनी बहुमूल्य क्रापती, मृगा तत्र भाववाला ।
 गिराकर (گوران بدير) का अ वि-बड पत्र और रतबवाल बहुमूल्य कीमती महत्वपूर्ण अहम ।
 गिराकीमत (گوران قيمت) का अ वि-बहुमूल्य बेगीमन ।
 गिराकातिर (گوران حائير) का अ वि-अज्ञान जगम, मनामलिन स्त्री ।
 गिराकबाव (گوران جواب) का वि-भारी नीर साववाला ।
 गिरागोश (گوران گوش) का वि-अँचा मुनवाग बहग बधिर ।

गिरांजां (گراںجاں) फा वि—आलसी, काहिल, जो कड़ी आपत्तियां झेलकर भी जीवित रहे।

गिरांजानी (گراںجانى) फा स्त्री—आलस्य, काहिली, कड़ी मुमीवतो मे फँसकर भी उनसे निकल जाना।

गिरांतर (گراںتر) फा वि—बहुत भारी, बहुत महँगा।

गिरांतरोन (گراںتروين) फा वि—सबसे अधिक भारी, सबसे अधिक महँगा।

गिरांताव (گراںتاب) फा वि—अच्छी तरह तपाया हुआ।

गिरांपायः (گراںپايه) फा वि—दे 'गिरांकद्र'।

गिरांफरोश (گراںفروش) फा वि—महँगा बेचनेवाला।

गिरांफरोशी (گراںفروشى) फा स्त्री—महँगा बेचना।

गिरांवहा (گراںبها) फा वि—बहुमूल्य, वेगकीमत, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरांवार (گراںوار) फा वि—बोझ के नीचे दवा हुआ, ऋण अथवा उपकार के बोझ से दवा हुआ।

गिरांवारी (گراںبارى) फा स्त्री—बोझ से दवना, ऋण आदि के बोझ से दवना।

गिरांमाय (گراںمايه) फा वि—बहुमूल्य, कीमती, महत्त्वपूर्ण, अजीम।

गिरांरिकाव (گراںريکاب) फा अ वि—वह घोडा जो चलने में सुस्त हो, वह व्यक्ति जो रणक्षेत्र में डटकर लठे और पाँव पीछे न हटाये, वैयंबान्, शान्ति स्वभाव, वातम्कीन।

गिरांसग (گراںسنگ) फा वि—भारी भरकम, गभीर, मलीन, आत्मसतोपी, काने।

गिरांसर (گراںسر) फा वि—अभिमानी, घमडी, रूढ़, अप्रसन्न, नाखुश।

गिरांसायः (گراںسايه) फा वि—दे 'गिरांकद्र'।

गिरा (غرا) अ स्त्री—सरेश, जिसके चार पाँव न हो।

गिराइंदः (گراينده) फा वि—चाहनेवाला, इच्छा करनेवाला, इच्छुक।

गिराइश (گرايش) फा स्त्री—रुचि, इच्छा, रम्वत, प्रवृत्ति, रझान।

गिराइवः (گراينده) फा वि—चाहा हुआ, इच्छित, वाञ्छित, अभिलषित।

गिराइवनी (گرايندى) फा वि—चाहने योग्य, वाञ्छनीय।

गिरानी (گراى) फा स्त्री—भारीपन, बोझ, महँगाई, भाव की तेजी, हज्म की खराबी।

गिराफ (غراف) अ पु—'गुर्फ' का वहु, गुर्फ, झरोखे, एक बड़ा पैमाना।

गिरामी (گرامى) फा वि—पूज्य, बुजुर्ग, महान्, अजीम, पुनीत, मुकद्दस, प्रिय, अजीज।

गिरामीकद्र (گرامىقدر) फा अ पु—महोदय, महाशय, आलीजनाव, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरामीनामः (گرامىنامه) फा पु—कृपापात्र, वालानामा।

गिरामीमनिश (گرامىمنش) फा वि—पुनीतात्मा, पुण्यात्मा, बुजुर्ग निहाद।

गिरारः (غرار) अ पु—गौन, खुर्ची, गोण।

गिरार (غرار) अ पुं—आचार-व्यवहार, तौरतरीका, वाजार का मदा होना, हानि, घाटा, कमी, मूर्खता, नादानी।

गिरास (غراس) अ पु—पेड़ लगाने का समय, लगाया हुआ पेड़।

गिरास (غرات) अ पु—'गरीम' का वहु, भूखे लोग, क्षुधातुर जन।

गिरिपतः (گريسته) फा वि.—लिया हुआ, पकडा हुआ, गृहीत; सकुचित, डींग, कटाक्ष, तज।

गिरिपतःखातिर (گريستهخاطر) फा अ वि—दे 'गिरिपत दिल'।

गिरिपतःजन (گريستهزن) फा वि—झीगिया, दूर की हाँकनेवाला, व्यग करनेवाला, ताना देनेवाला।

गिरिपतःजवाँ (گريستهزبان) फा वि—जिसकी जीभ वात करने में लडखडाती हो, हकला, तोतला।

गिरिपतःदिल (گريستهدل) फा वि—अप्रसन्न, अपसुर्द, उदास, दुःखित, रजीदा।

गिरिपतःलव (گريستهلب) फा वि—मौन, अवाक्, चुप, खामोश।

गिरिपत (گرفت) फा स्त्री—पकड, ग्रहण, हिसाब में त्रुटि की पकड, अपराध की पकड, आपत्ति, ए'तिराज, अधिकार, कब्जा, चगुल, पजा, हस्तक, दस्ता।

गिरिपतगी (گريستگى) फा स्त्री—पकड, गिरिपत, पड़ जाना, वैठ जाना (आवाज), उदासीनता, उदासी, अपसुर्दगी।

गिरिपतनी (گريستنئى) फा वि—पकडने के योग्य, ग्राह्य; लेने के योग्य, लभ्य।

गिरिपतार (گريستار) फा वि—ग्रस्त, मुव्तला, वदी, कैद; आसक्त, आशिक, फँसा हुआ, बँधा हुआ।

गिरिपतारी (گريستارى) फा स्त्री—ग्रस्त होना, वदी होना; बँधना, फँसना, प्रेम होना।

गिरिह (گره) फा स्त्री—ग्रधि, गाँठ, समस्या, मस'अला, उलझन, परेशानी (गिरह)।

गिरिहकुशा (گرهكشا) फा वि—गाँठ खोलनेवाला, समस्या हल करनेवाला, कठिमेता का निवारण करनेवाला।

गिरिहनुमाई (گهکشاى) का स्त्रा—गाठ छालना, समझा
हल करना कठिनता का निवारण।
गिरिह बर गिरह (گهک گهک) का वि—गाठ पर गाठ
कठिनाई पर कठिनाई आपत्ति पर आपत्ति।
गिरिहद्वार (گهک) का वि—गाठ काटनेवाला जेबकतर।
गिरीबाँ (گهسائ) का पु—गिरीवान' का लपु दे गिरा
वान' कुतें व कमाइ का गला नामन मिरा।
गिरीबागार (گهسائ گهک) का वि—गला पकनवाला
तडावा करनेवाला।
गिरीवाचार (گهسائ حای) का वि—जिसने अपना
गिरावान पाइ डाग हा पागल दोवाना प्रेमी आंगिक।
गिरीवाहर (گهسائ هار) का वि—गिरीवान पानेवाला
पागल प्रेमी।
गिरीवाहरीद (گهسائ هارید) का वि—दे गिरीवाचार'।
गिरीवान (گهسائ) का पु—ग्रावा गग कुतें वमीइ आदि
का गला।
गिरीवानेकोह (گهسائ کوه) का पु—पहाड का दामन पहाड
का तराई।
गिरेबा (گهسائ) का वि—दे गिरीबा वही अविक्त
पमाह है।
गिरेव (گهسائ) का पु—टीला दूह पुता पहाडी टीवरी।
गिरेव (گهسائ) का पु—बागहल गुग्गुपाग गोरगुल।
गिरेवाँ (گهسائ) का वि—गार मचाता हुआ चीखता
और चिल्लाता हुआ।
गिरोह (گهسائ) का पु—गुद्ध उच्चारण 'गुरह'।
गिरो (گهसائ) का पु—गिरी रचना बयक करना।
(वि) गिरी रस्ती हुई वस्तु।
गिगिर (گهسائ) ज स्त्रा—जगनी मुर्गी बनकुकुटा।
गिर (گهسائ) का पु—गाल दिक्किया अखराए एक प्रसिद्ध
पत्र अखराए।
गिर (گهسائ) का पु—घेरा हंडा नामपास चारा और
जासपास का स्थान।
गिरक (گهسائ) का स्त्री—रावटी छना काठा कमरा
पहना प्रहन्ता।
गिरना (گهسائ) का पु—अखराए अखराए।
गिर ब गिर (گهسائ گهक) का वि—चारा बार चहुपास।
गिरबाद (گهسائ) का पु—बाजान चपयात पवनचन
बगुन बबदर।
गिरबाशि (گهسائ) का पु—गाठ छाना तनिया जा
गगन व भावे रमा जाना है गगजिया चपगुट।
गिरद्वार (گهسائ) का पु—बाइया का बरमा।

गिर्दागिद (گهسائ گهک) का वि—चारा ओर, हट तरफ,
चहुंपाम चहुंपार।
गिर्दाव (گهسائ) का पु—जगवत बन्कुर भेवर।
गिर्दावर (گهسائ) का वि—हर आग गगन लगातबाला
दोरा करनेवाला।
गिर्दावरी (گهسائ گهک) का व लगाने और दोरा करने का काम
गिनोक (گهسائ) अ पु—दे 'गुनीक'।
गिरक (گهسائ) अ पु—चुल् में पानी उठाना।
गिर्दान (گهسائ) अ पु—'गुराव' का बहु, कोए बाइ-अमू'।
गिर्दान (گهسائ) अ स्त्रा—आटा आदि छानन की छलना
चलनी चालनी दे गव ल' दाना गुड ह।
गिर्दाव (گهسائ) अ पु—अगूर को एक बहुत बन्पिया बजि।
गिर (گهसائ) का पु—रदन रोता आँसू बहाना।
गिरावर (گهسائ) का वि—आमू लानेवाला स्थान
वाला।
गिर-कुना (گهسائ گهک) का वि—राता हुआ आँसू बहाना
हुआ।
गिरएगम (گهسائ گهक) का अ पु—दुख का रोना दुख
विलाप किशा का मत्यु पर राना गोक-विलाप।
गिरएगदी (گهسائ گهक) का पु—जगनी अधिजात में
जासास आँसू निकल जाना।
गिरओधारी (گهسائ گهक) का स्त्री—राना घाना हाप
हाप करना।
गिर (گهसائ) अ स्त्री—नातशिव करी अनाइपन अननुभर
प्रेम स्नेह हंडा।
गिरीद (گهसائ) का वि—मुग्ध माहिन प्ररत लट्ट
प्रेमा आंगिक।
गिरीदगी (گهسائ گهक) का स्त्रा—किशो बारह स बडी हुई
लिल्वली माह फरेफगी।
गिरीदनी (گهसائ گهक) का वि—मुग्ध हाने यास्य।
गिर (گهسائ) अ पु—बन गानी रतूवत जो गनीगन मे
बन के साथ निवल्ती है वह निल्ली जिममें गि
गनीगन में लिपटा रहता है।
गिर (گهसائ) का पु—उपानम उलाहना गिरवा।
गिर-गुदार (گهسائ گهक) का वि—उलाहा दनगाना
उपालभर।
गिर (گهसائ) का स्त्रा—मिट्टा मृतिवा भव।
गिर[ल] (گهسائ) अ पु—द्वेय बीना गिगानन माग
मन्तिया गगपापन।
गिर-अदूर (گهسائ گهक) का वि—मिट्टी ग एता हुआ गिरी
पनाया हुआ।

गिलएरोजगार (گيل اورو جگار) फा पु—दुर्गंग का रोना।
 बालचन्द्र की शिकावत।
 गिलखोर: (گل خوهر) फा. पुं—भूलता, तेजुआ, गरातीन।
 गिलख (غلط) ज. पु—गाढ़ापन, दन्, मोटाई।
 गिलनाक (گل ناک) फा. वि—गदगा, गटभैरव।
 गिलमाल: (گل مالہ) फा. पु.—राज की करनी जिसने वट
 प्यास्टर चलाता है।
 गिलाज (علاط) अ. पु—'गलीन' का बहु, गाढे पदार्थ;
 गदगियाँ; गू, बिच्छा।
 गिलाजत (علاطت) अ. स्त्री—गदगी, मल, मूत्र; बिच्छा,
 मूत्र, गू, अपविद्यता, नापाकी; गाढापन, गिलज।
 गिलाजतजान: (علاطت جانہ) अ. फा. पु—गूँज-वर्कट
 और गू-नोदर फोफाने का स्थान।
 गिलाजतखोर (علاطت خوہر) ज. फा. वि—बिच्छा सानेवाला,
 गूकर, मुखर; घुनी कमाई सानेवाला।
 गिलाफ (علاف) अ. पु—तकिए आदि का खोल, मूत्रे और
 दानेदार फल का बकला; पलाक, दूगचन्द; तरवार आदि
 का कोप।
 गिलाव. (گلاہ) फा. पु—मिट्टी में भूना आदि मिलाकर
 बनाया हुआ दीवारो का लेस, लेमन, कटगिल।
 गिलाल. (علاہ) अ. पु—वह कुर्ता जो कवच के नीचे
 पहनते हैं।
 गिलों (گیلین) फा. वि—मिट्टी का बना हुआ, मृन्मय;
 मिट्टी मिला हुआ।
 गिलो (گلی) फा. वि—द्वे. 'गिली'।
 गिलेअमनी (گل ارمینی) फा. स्त्री—एक प्रकार का गेरु जो
 दवा में चलता है।
 गिलेचस्पां (گل چسپاں) फा. स्त्री—चिपकनेवाली मिट्टी,
 जिसमें कहगिल बनता है, कचला मिट्टी।
 गिलेमट्टूम (گل مستقیم) फा. अ. स्त्री—एक प्रकार का गेरु
 जो गिलेअमनी से भिन्न है।
 गिलेवाज (علیوار) फा. स्त्री—चील पक्षी, चिल्ल।
 गिलोगिश (عل و عیش) अ. स्त्री—मूँल, मल, चिन्ता,
 फिक्र, वाधा, विघ्न।
 गिलम: (علیہ) अ. पु—गुलाम का बहु, लडके, बालक;
 दास, नौकर-चाकर।
 गिलमां (علیماں) अ. पु.—'गिल्मान' का बहु, दे. 'गिल्मान'।
 गिल्मान (علیماں) अ. पु—स्वर्ग के बालक, यह शब्द 'गुलाम' का
 बहु है, परन्तु उर्दू और फारसी में एक वचन में व्यवहृत है।
 गिल्लीम (علییم) अ. वि—तीव्र काम-वासनावाला, तेज
 गहवतवाला, तीव्र बटुक-विलासी।

गिया[इत] (غش) अ. स्त्री—पियानत, मीपण; अशुभ
 चिन्तन, बददमाही; द्वेष, क्रीना; वात्मा की दुष्टता।
 गिया (غشا) अ. स्त्री—खिरली, गहीनखाल; पर्दा, पटल;
 गिन्नाफ, उपरना; वस्त्र, लिबास।
 गिशाव. (عشاوہ) अ. पु.—पर्दा, पटल।
 गिशाश (عشاش) अ. पु—अँधेरे का प्रारम्भिक और अंतिम
 समय, शीघ्रता, जल्दी; थोड़ी चीज।
 गिदयान (عشایان) अ. पु—मैथुन, रतिक्रीड़ा, जिमाअ।
 गितान (غسان) ज. पु—बच्चों के पहनने का वस्त्र, विशेषत.
 जो खाल का बनता है।
 गिस्त (عسل) अ. पु—वह पानी जिससे कुछ धोया गया हो।
 गिस्तोन (غسلین) ज. पु.—वह पानी जिसमें घाव धोया
 जाय; वह मगद जो नरकवासियों की देह से बहे।

गो

गों (گیں) फा. प्रत्य—'गीन' का लघु., दे. 'गीन'।
 गो (گی) फा. प्रत्य.—जिम फारसी शब्द के अन्त में विसर्ग
 हो, उसके साथ लगाने से भाववाचक सज्ञा बनती है, जैसे
 'खस्त' से 'खस्तगी' 'दरिद' से 'दरिदगी'।
 गोज (گیج) अ. पु—कली, कलिका; गुच्छा, खोला।
 गौद (گید) फा. पु—चील, चिल्ल; गृध्र, गीघ।
 गोदी (گیدی) फा. वि—भीर, डरपोक, निर्लज्ज, बेहया।
 गीन (گیں) फा. प्रत्य शब्द के अन्त में आकर 'युवत' का अर्थ
 देता है, जैसे—'गमगीन', शोकयुक्त, यह शब्द आगीन का
 लघु है।
 गोपा (گیپا) फा. पु—एक प्रकार का पुलाव।
 गोवत (گیومت) अ. स्त्री—पिशुनता, चुगुली।
 गौर: (گیورہ) फा. पु—लोहे का शिकजा।
 गौर (گیور) फा. प्रत्य.—पकडनेवाला, जैसे—'माहीगीर'
 मछली पकडनेवाला, काटनेवाला; जैसे—'गुलगीर'
 चिराग का गुल काटनेवाला।
 गौरख (گیورخ) फा. स्त्री—पुस्तक रखने की रेहल।
 गौरत (گیورت) अ. स्त्री—रस्क, होड, खून के बदले में
 दिया हुआ धन।
 गौरमाल (گیورمال) फा. वि—टूटी हुई हड्डी जोडनेवाला;
 उतरी हुई हड्डी चढानेवाला, शरीर की मालिश करने-
 वाला, अगमदक।
 गौराई (گیورائی) फा. स्त्री—गिरिपत, पकड़।
 गौरिद: (گیوریدہ) फा. वि—पकडनेवाला।
 गोल (گیل) अ. पु—बन, कानन, जगल, सिंह की कछार,
 पानीवाली तराई, पेड़ों का झुंड।

श्रीला (علائ) अ पु—श्रीलान' का लघु, दे गोलान ।
 शीलान (علائ) अ पु—'गूल' का बहु भूत प्रेत ।
 शीलान (كحلان) फा पु—एक नगर, जीलान ।
 शीली (كشلی) फा वि—गोलान का निवासी ।
 शीहा (كسها) फा स्त्री—घास, गियाह ।

गु

गुग (گنگ) फा वि—जा बाल न सकता हा मूव, गुगा ।
 गुगमहल (گنگمحل) फा अ पु—वह मकान जिसे
 अकबर बादशाह ने केवल गुगा के लिए बनवाया था इस
 अनुभव के लिए कि वटे होकर इनके बाल-बच्चे कौन-सी
 भाषा बोलते ह, परंतु वह अपने माता पिता की भाषि,
 गों-ही करते रहे ।

गुच (عنقه) फा पु—बली कलिया ।
 गुचदहन (عنقهدهن) फा वि—बली जस सुदर और
 छोटे मुहवाला (बाली) ।

गुचदही (عنقهدهان) फा वि—दे गुचदहन ।
 गुचलब (عنقهللب) फा वि—बली-जसे कौमल मदुर
 और गुलाबी आठावाग (बाली) ।

गुचए नाशिमपत (عنقهناسمپت) फा पु—वह बली जो
 खिली न हो मुकुल अवकसित बलिका ।
 गुचगी (عنقگی) फा स्त्री—बली हाने का भाव
 गुचपन ।

गुज (عنقه) अ पु—गुच बली ।
 गुज (علق) अ पु—हावभाव नाजाअदा ।
 गुजक (گنجک) फा स्त्री—दे गुजिक' देना गुदह ।
 गुजाइग (گنجایش) फा स्त्री—विस्तार कुशांगी, सामर्थ्य
 मकदूर समई जगह प्रम उदारता फराखदिगी ।

गुजान (گنجان) फा वि—पना गहन ।
 गुजिक (گنجک) फा स्त्री—गौरवा, चटक ।
 गुव (گند) फा वि—दवीख गफ दलदार ।
 गुद (عند) अ वि—रूपट धूत लोफर गुटा ।
 गुद (عند) फा वि—लिपटा हुआ एकद, जमागुदा,
 जाग हुआ उपाजित ।

गुदर (غلدر) फा वि—माटा-तागा हूट-मुट, गफ
 दगगर दरीख मुदुल नाजुव, गिडगिडावाग ।
 गुदुर (غلدر) फा वि—गुदर' ।
 गुदबीर (گندبیر) फा स्त्री—बूनी स्त्री बडा ।
 गुदव (گند) फा पु—इमारता व ऊपर का गाल मद्य
 का बन हा गुदव ।
 गुदवे आव (گندوب) फा पु—यानी का बुलमुला ।

गुदवे गदू (گندگدوون) फा पु—आकाश का गुव, आकाश
 वतुल ।
 गुदवे गुल (گند گل) फा पु—कलिया, कली ।
 गुदवे धारबद (گندحاربد) फा पु—सत्तार, दुनिया,
 आकाश आस्मान ।
 गुक (گوک) तु पु—आकाश, गगन, आस्मान ।
 गुजर (گور) फा स्त्री—निवाह, गुजर-बसर, जीविका राग
 (पु) प्रवेश, पहुच, रसाई आगमन, आम ।
 गुजरगाह (گورگاہ) फा स्त्री—निकलने-पठने का स्थान
 माग, रास्ता पथ ।
 गुजरनाम (گورنامہ) फा पु—राष्ट्रारी का पवना, सत्रा
 पासपाठ पारपन ।
 गुजरान (گورران) फा स्त्री—द 'गुजर' ।
 गुजरिद (گورید) फा वि—गुजरनेवाला ।
 गुजस्त (گورستہ) फा वि—गुजरा हुआ, बीता हुआ,
 व्यतांत भूतनाल भाबी ।
 गुजस्तगा (گورستان) फा पु—गुजस्त का बहु गजरे हुए
 लोग पूवज ।
 गुजस्तनी (گورستنی) फा वि—गुजरने योग्य जहाँ से
 गुजर जाना उचित हो ।
 गुजाफ (گوراف) फा पु—जिसका कृता विद्या गया ह,ं
 ताला नापा न गया हो असीम, अपार बेहद ।
 गुजाफ (گوراف) फा स्त्री—बकवास, मिथ्यावा, झग
 सेली ।
 गुजाव (عضاب) अ पु—वह निनका आदि जो आँख में
 पड जाय गरीर पर पहनेवाले आवठ ।
 गुजार (گوراه) फा पु—निवाह गुजर-बसर नती पारकरता ।
 गुजार (گوراز) फा पु—दे गुजर' निवाहना बसर करत,
 गुजार दू वेरे गम में तो उज्रे लिख मिले ।'
 (प्रत्य) करनेवाला असे—विदमतगुजार' विदमत
 करनेवाला ।
 गुजारिद (گوراید) फा वि—गुजारनेवाला अदा बरल
 वाला ।
 गुजारिश (گورایش) फा स्त्री—प्राथना, निवेदन, आवेदन
 अत्र ।
 गुजारिनाम (گورایش نامہ) फा पु—प्राथनापत्र, आवेदन
 पत्र शरब्बातल ।
 गुजारिनापवीर (گورایش مبرور) फा वि—प्राथना स्वीकार
 करनेवाला बात गुनवर उम माननवाला ।
 गुजारिनात (گورایشات) फा स्त्री—गुजारिना का बहु
 प्राथनाए गुजारिना, भाव ।

गुजाश्तः (گوجاشته) फा. वि—छोडा हुआ, त्यक्त ।
 गुजाश्त (گوجاشت) फा स्त्री.—छूट, त्याग ।
 गुजाश्तनी (گوجاشتنی) फा वि—छोड़ने योग्य, त्याज्य ।
 गुजी (گوزین) फा प्रत्य—चुननेवाला, पसंद करनेवाला,
 जैसे—'खल्वत गुजी' एकातवास पसंद करनेवाला ।
 गुजीदः (گوزیده) फा वि—चुना हुआ, छाँटा हुआ ।
 गुजीदनी (گوزیدنی) फा वि—चुनने योग्य, छाँटने योग्य ।
 गुजीरः (گوزیره) फा पु.—उपचार, चिकित्सा, इलाज,
 उपाय, प्रयत्न, तद्बीर ।
 गुजीर (گوزیر) अ पु—चिकित्सा, इलाज; प्रयत्न, उपाय,
 चारा ।
 गुजीरी (گوزیری) फा स्त्री—चिकित्सा, उपचार, इलाज ।
 गुज्जः (غوضه) अ पु—नवीनता, नयापन, प्रफुल्लता,
 शिगुपतगी, नया होना ।
 गुज्जफ (غضروف) अ स्त्री—चपनी हड्डी; पस्लियों के सिरे,
 कंधे की हड्डी का सिरा, हर चवाई जानेवाली हड्डी, कुरी ।
 गुतात (عطاط) अ पु—प्रात काल, सवेरा, प्रात काल
 की सफेदी; रात का अँधेरा ।
 गुदद (عدد) अ पु—'गुद्' का बहु, शरीर के गुद्द,
 ग्रथियाँ, गिल्टियाँ ।
 गुदास्तः (گد/حسته) फा वि—पिघला हुआ, द्रवीभूत, द्रवित ।
 गुदास्त (گد/حست) फा स्त्री—दे 'गुदास्तगी' ।
 गुदास्तगी (گد/حستگی) फा स्त्री—पिघलाव, गुदास्त ।
 गुदास्तनी (گد/حستنی) फा वि—पिघलने योग्य, पिघलाने
 योग्य ।
 गुदाज (گداز) फा पु—शरीर का मासल होना, शरीर मे
 खूब गोश्त होना (प्रत्य०) पिघलानेवाला, जैसे—'आहन
 गुदाज' लोहे को पिघलानेवाला; 'सोज-गुदाज' जलाकर
 पिघलानेवाला ।
 गुदाजा (گدازان) फा वि—पिघलता हुआ, पिघलाता हुआ ।
 गुदाजिदः (گدازنده) फा वि.—पिघलनेवाला, पिघलाने
 वाला ।
 गुदाफ (عداف) अ पु—काले और लवे वाल, काला कौआ;
 बहुत परोवाला गिद्ध ।
 गुदुव (عدر) अ पु—प्रात काल, सवेरा ।
 गुद्द (عدر) अ पु—शरीर के भीतर की गिल्टियाँ,
 ग्रथियाँ ।
 गुद्दः (عده) अ पु—शरीर के भीतर की गिल्टी, ग्रथि ।
 गुद्द (عدر) अ वि—कृतघ्न, नाशुक्रा, वेवफा ।
 गुद्दव (عدوة) अ पु—प्रात काल और सूर्योदय के बीच
 का समय ।

गुनुह (گنه) फा. पु—'गुनाह' का लघु., दे. 'गुनाह' ।
 गुनुहगार (گناهگار) फा वि—दे 'गुनाहगार' ।
 गुनुहगारी (گناهگاری) फा स्त्री—दे 'गुनाहगारी' ।
 गुनाह (گناه) फा पु—पाप, पातक, मासियत; दोष,
 अपराध, कुसूर ।
 गुनाहगार (گناهگار) फा वि.—पापी, पातकी, आसी, दोषी,
 अपराधी, कुसूरवार ।
 गुनाहगारी (گناهگاری) फा. स्त्री—पाप कर्म, मा'सियत;
 दोष करना, कुसूरवारी ।
 गुनाहे कबीरः (گناهکبیر) फा अ पु—बडा पाप, महापातक ।
 गुनाहे सगीरः (گناهصغیر) फा अ पु—छोटा गुनाह,
 लघुपातक ।
 गुनुज (عنبج) अ पु—हावभाव, नाजोअदा ।
 गुनुदः (عنود) फा वि.—जिसकी आँखों मे नीद भरी हो,
 ऊँघता हुआ, उन्निद्र, तद्रालु ।
 गुनुदगी (عنودگی) फा स्त्री—ऊँघ, तंद्रा, निद्रालस, प्रमीला ।
 गुनुदनी (عنودنی) फा वि—ऊँघने के योग्य, जिसका
 ऊँघना आवश्यक हो ।
 गुन्नः (عنه) अ पु—वह 'न' जो नाक मे पढा जाय 'अनुस्वार';
 वह अक्षर जिस पर अनुस्वार हो ।
 गुनुयत (غلیت) अ स्त्री—धनाढ्यता, मालदारी ।
 गुफार (عفار) अ पु—डाढी के दोनों ओर के बाल; गर्दन
 और गुद्दी के बाल, पिडली के बाल ।
 गुफुर (عفر) अ पु—'गफूर' का बहु, मोक्ष देनेवाले,
 वरुक्षानेवाले ।
 गुफूल (عمول) अ पु—भूलना, विस्मृति, किसी वस्तु
 का त्याग, निश्चेष्टता, बेखबरी ।
 गुफतः (گفته) फा वि.—कहा हुआ, उक्त ।
 गुफत (گفت) फा स्त्री—कहन, कथन, बात ।
 गुफतगू (گفتگو) फा स्त्री—बातचीत, वार्तालाप ।
 गुफतनी (گفتنی) फा वि—कहने योग्य, जो बात कही
 जा सके; जिसका कहना आवश्यक हो ।
 गुफतार (گفتار) फा स्त्री—बोली, वाणी, शब्द, आवाज,
 वार्तालाप, बातचीत ।
 गुफतुगू (گفتگو) फा स्त्री—दे. 'गुफतगू' दो शुद्ध है ।
 गुफतोगू (گفتوگو) फा स्त्री—दे 'गुफतगू' दो शुद्ध है ।
 गुफतुशनीद (گفتوشنید) फा स्त्री—बातचीत, गुफतगू,
 कहासुनी, वादविवाद; हृज्जत, तर्क-वितर्क ।
 गुफ्रां (عفراں) अ पु—'गुफान' का लघु, दे 'गुफान' ।
 गुफ्रांमभाव (غفراں مآب) अ वि—मोक्षप्राप्त, स्वर्गीय,
 बड़े लोगों की आत्मा के लिए चोला जाता है ।

गुमान (غمان) अ पु-माग, मुक्ति, रागनि, यदित्ता, दामा, गुनाफी।

गुमल (غمل) अ वि-वह व्यक्ति जिसमे न भलाई की आशा हो न अनिष्ट का भय हो, हर वह वस्तु जिसका कोई पता निगाह न हो, अनुभवहान व्यक्ति, यह कवि जिसे कोई जानता न हो, वह व्यक्ति जिसका कुल अज्ञान हो।

गुम [थ] (غم) अ पु-वह बाढ़ पर आयी हुई नदा जिसका पानी नदी से निकलकर जगल में बहे, नीची भूमि।

गुमार (عمار) का पु-हवा में उलनेवाला वागज का बड़ा गेद गुव्यारा हवाई जहाज, वायुयान, बलून।

गुमार (عمار) अ पु-पूरा रज पूरि, मनोमालिन्य दिला का मल।

गुमारआलूद (عمارالود) अ का वि-पूछ में भरा हुआ धूलिपूसर जिस पर पूर पड़ी हा।

गुमारआलूद (عمارالود) अ का वि-दे गुवारआलूद।

गुमारै छातर (عمارحاط) अ पु-मन की मलिनता, दिल का मल दिला का बुखार मन की भांगस मनोमालिन्य रजिगा।

गुमूर (عمور) अ पु-बाकी रहना अप वचना विलय करना, देर करना छाड़ देना समा करना आगमन, आना।

गुमस (غمس) अ अव्य-बदापि, हरगिज नित्य हमेशा।

गुमार (عمار) का पु-दे गुवार।

गुम (غم) का वि-छाया हुआ भटका हुआ तलीन मुनहमिक् अवेत गाफिल आत्मविस्मृत सुखरपत।

गुमकद (غمكده) का वि-सोया हुआ जो खो गया हो जिसने री दिया हो भूला हुआ।

गुमकदराह (غمكدهاراه) का वि-जो राह भूल गया हा जो रास्ते स भटक गया हो पथ भ्रष्ट।

गुमगस्त (غمگسته) का वि-सोया हुआ जो खो गया हो लाओ देखें कहा भेरा दिले गुमगस्त न हो जाय कहते ह कि इक् चीज पड़ी पायी है।

गुमगस्तगी (غمگستگي) का स्त्री-खो जाना रस्ता भूत्र जाना।

गुमजद (غمجده) का वि-दे गुमराह'।

गुमजन (غمجن) का वि-नष्ट और ध्वस्त करनेवाला भडुल नाजुक'।

गुमनाम (غمنام) का वि-जिसे कोई न जानता हा जनाल अप्रसिद्ध जिसका नाम न मालूम हो अज्ञातनाम।

गुमनामी (غمنامي) का स्त्री-बोहरत न होना अर्याति।

गुमबुदगी (غمبودگي) अ स्त्री-देवित हाना।

गुमराह (غمراه) का वि-जो माग भू गया हो रास्ते स

भटका हुआ, माग भ्रष्ट, नास्तिर, लामबह्व कपाती बचला।

गुमराहकुन (غمراهکون) का वि-बदगुमाना पदा बल वाला, भ्रमात्मन, गुनाह की आर प्रवृत्ति बरनवाग।

गुमराही (غمراهي) का स्त्री-माग भूलना, नास्तिरवा लामबह्वीयत गुनाह की आर प्रवृत्ति।

गुमगुद (غمگوده) का वि-गत्या हुआ, चाई हुई वस्तु।

गुमगुदगी (غمگودگي) का स्त्री-खो जाना, पहा रह जाना रास्ता भूल जाना।

गुमगुदगी (غمگودگي) का वि-राने पाय।

गुमा (گمان) का पु-गुमान का लघु दे 'गुमान'।

गुमाबरी (گمابري) का स्त्री-गवा करना गवह करना बदगुमानी करना।

गुमान (گمان) का पु-शवा, गुनह सब भ्रम वह कगुमानी बुधारणा।

गुमाने कयी (گمانکوي) का अ पु-एसा गुवहा जा यज्ञ के दर्जे तक पहुच जाय।

गुमाने छालिब (گمانعالب) का अ पु-द 'गुमाने जना'।

गुमाने बद (گمانبد) का पु-किन्नी की ओर न बरा विचार, बुधारणा।

गुमाने सहीह (گمانصحيح) का अ पु-एसा गुमान जो ठीक साबित हो।

गुमान (گمان) अ पु-शुक्ाम, प्रतिश्याय प्रतिश्याय।

गुमार (عمار) अ पु-आधिक्य प्राचय बहुतायत जनसमूह जमाव।

गुमारिद (گماريده) का वि-नियुक्त बरनवाला मुकरर करनेवाला।

गुमारिदी (گماريدي) का वि-नियुक्ति के योग्य तफर के काबिल।

गुमास्त (گماسته) का वि-नियुक्त किया हुआ, प्रति निधि गुमाइ' कारकुन एण्ट, अभिकर्ता।

गुमास्तगी (گماستگي) का स्त्री-नियुक्ति तककर, एजडी कारकिर्मीरी।

गुमास्तनी (گماستگي) का वि-नियुक्त बरन योग्य मुकरर करने के लायक।

गुमूज (عموض) अ पु-भूमि का नीचा और गन्धर होना बात का गुप्त और समय स बाहर होना।

गुमूजत (عموضت) अ स्त्री-बात का समय से परे हाना गुप्त होना छिपना भूमि का नीचा होना।

गुमूम (عموم) अ पु-गम का बहु लद और गोर छाटे तारे जो निपाई न पत्तं।

गुम्हः (عسكته) अ पु—जूठा पानी, पिया हुआ पानी, पिये हुए पानी का घूँट।

गुम्दान (عسدان) अ पु—यमन का अद्भुत और विचित्र भवन; ससार, दुनिया।

गुम्मः (عسه) अ पु—नदी की तह, हर चीज की तह; गुप्त काम; खेद, राम।

गुम्हक (گمزی) फा पुं—चुगी, कस्टम।

गुम्हकखानः (گمزیخانه) फा पु—चुगीघर, कस्टम हाउस।

गुर[र] (غر) अ पु.—‘अगर’ का बहु, श्रेष्ठ लोग, प्रसिद्ध लोग, माथे की सफेदियाँ।

गुर (غر) फा पु—बढा हुआ अडकोप, गले का घेघा।

गुरफ (عرف) अ पु—‘गुर्फ’ का बहु, झरोखे।

गुरवा (عربا) अ पु—‘गरीब’ का बहु, गरीब लोग; दरिद्र और दीन लोग; परदेसी लोग।

गुरवापर्वर (عربادور) अ फा वि—दीन और दुखियों पर दया करनेवाला।

गुरमा (عربما) अ पुं—‘गरीम’ का बहु, ऋणी, कर्जदार लोग; ऋणदाता, कर्जखाह लोग; जिन्हे टोटा आया हो, वे लोग।

गुरर (غور) अ पु—‘गुर’ का बहु, महीने की पहली तारीख; जाति के सर्वश्रेष्ठ लोग, लौंडी गुलाम।

गुरस्तः (گورسته) फा वि—भूखा, क्षुधातुर, क्षुधित, दे ‘गुस्त’ और ‘गुस्तः’।

गुरस्तःचश्म (گورستهچشم) फा वि—लोलुप, लालची; कृपण, कजूस; भिक्षुक, भिखारी।

गुरस्तःचश्मी (گورستهچشمی) फा स्त्री—लालच; कंजूसी, भिखमगापन।

गुराज (گورار) फा पुं—शूकर, सुअर (वि) अत्याचारी, जालिम; शूर, वीर, वहादुर।

गुराब (غراب) अ पु—कौआ, काक, काग।

गुराबुलबैन (غرابالدین) अ पु—वह अशुभ भापी कौआ जिसके बोलने पर घर के व्यक्ति अथवा मित्र लोग अलग-अलग हो जाते हैं।

गुरास (گوراس) फा पु—कवल, ग्रास, निवाला।

गुरिज (گورنج) फा पु—घान से निकला हुआ चावल, तदुल।

गुरिश् (عروش) फा स्त्री—दे ‘गुरिश्’।

गुरफात (غرفات) अ पु—‘गुर्फ’ का बहु, झरोखे।

गुरव (عرب) अ वि—अद्भुत, अद्भुतपूर्व, अजीबोगरीब।

गुरस्तः (گورسته) फा वि—भूखा, क्षुधित, दे ‘गुरस्त’, ‘गुस्त’।

गुरस्त्र (عورب) अ पुं—डूबना, किसी तारे का विशेषतः सूरज का डूबना, अस्त होना।

गुरुर (عورور) अ पुं—अभिमान, अहंकार, गर्व, घमड; शेखी, अहवाद।

गुरेस्तः (گوربختته) फा वि—भागा हुआ, पलायित।

गुरेस्तगी (گوربختگی) फा स्त्री—भगोड़ापन, पलायन।

गुरेस्तनी (گوربختنی) फा वि—भागने योग्य।

गुरेज (گوریز) फा पुं—बचाव, उपेक्षा, बेएतनाई; घृणा, नफत, कसीदे में अनुष्ठान को प्रशंस्य (मद्दूह) के गुण-गाथा की ओर मोड़ देने का अलंकार।

गुरेजपा (گوریزدا) फा वि—जो बहुत भाग जाता हो, भगोड़ा, वह नौकर जो बार-बार भाग जाता हो।

गुरेजपाई (گوریزدائی) फा स्त्री—भगोड़ापन, बार-बार भागने की क्रिया।

गुरेजाँ (گوریزان) फा वि—भागता हुआ, भाग कर जाता हुआ, बचकर निकल जानेवाला, पास न आनेवाला।

गुरेजिदः (گوریزنده) फा वि—भागनेवाला, पलायन-कर्ता, बचनेवाला, परहेज करनेवाला, उपेक्षक।

गुरेजी (گوریزی) फा स्त्री—बुद्धिमत्ता, चतुराई; धूर्तता, मक्कारी।

गुरेजीदः (گوریزنده) फा वि—भागा हुआ, पलायित।

गुरोह (گورو) फा पुं—समुदाय, जमाअत; दल, पार्टी; जनसमूह, हुजूम; झुड, गोल, हिन्दी में ‘गिरोह’ प्रचलित।

गुरोह दर गुरोह (گوروگورو) फा वि—झुड के झुड, गोल के गोल, अर्थात् बहुत अधिक (मनुष्य)।

गुरोहवंद (گورووند) फा वि—गुटवद, पार्टीवद, दलवंद, प्रचलित ‘गिरोहवद’।

गुरोहवंदी (گورووندی) फा स्त्री—दलवदी, गुटवदी, पार्टीवदी, प्रचलित ‘गिरोहवदी’।

गुर्ग (گورگ) फा पु—भेड़िया, वृक।

गुर्गजादः (گورگژاد) फा पु—भेड़िये का बच्चा, वृक-बावक, खल पुरुष का पुत्र।

गुर्गिनः (گورگینه) फा पुं—पोस्तीन, वालोदार खाल का कोट।

गुर्गिन (گورگین) फा पुं—हरा अन्न जो भुना हो, चबेना, होरहा।

गुर्गवगल (گورگبرغل) फा पुं—बगल में रहनेवाला भेड़िया, बगली दुस्मन, आस्तीन का साँप।

गुर्गवारादीदः (گورگوارادید) फा पुं—वह भेड़िया जिसने बहुत-सी बरसाते देखी हो, बहुत ही धूर्त व्यक्ति; बहुत ही अनुभवी मनुष्य।

गुर्ज (گورز) फा पु—साँप का बड़ा और फैला हुआ फन (वि) भयानक, खौफनाक।

गुर्ज (گورز) फा पुं—एक प्राचीन अस्त्र, गदा।

गुर्ज (گورز) फा पुं—दे ‘गुर्ज’।

- गुब्बरदार (گوربردار) का वि-गुब्ब र लडनेवाला, गुब्ब रगनेवाला, गम्पर।
- गुजिस्तान (گوجستان) का पु-जारजिया, एर प्रदेग।
- गुर्जी (گرجی) का वि-गुर्जास्तान का निवासी।
- गुर्जुक (گورجوب) अ स्त्री-गुर्जुक, दा गु ह।
- गुब्ब (گورب) का पु-एर देग मर, पहलवान यादा, बहादुर।
- गुर्नीक (غرنی) अ पु-गुर्लग पशी, गारा चट्टा और मद्रुनाग युक्क।
- गुर्नुक (غرنون) अ पु-गुर्नीक, घुघरवा वाल गुधी हुई चोटा।
- गुब्ब (گورب) का वि-गुब्ब।
- गुफ (غرفه) अ पु-परदेगा गवाग वातापन अट्टा लिवा बालाखाना।
- गुफनगी (غرفه نشین) अ का वि-शराखे म बठनेवाला (वाली)।
- गुफत (غرفات) अ पु-गुफ का बहु क्षराणे।
- गुब्ब (گورب) का स्त्री-बिन्ती मार्जरी।
- गुब्बू (گوربوں) का वि-पूत मक्कार छली बक्क।
- गुब्ब चम्म (گوربہ حشم) का वि-दुशील बेमुरज्वत।
- गुब्ब एमिस्की (گوربہ مسکنی) अ का स्त्री-वह व्यक्ति जा देवने में बहुत सीधा सादा हो, परंतु बहुत ही पूत और चालाक हो।
- गुब्ब (غورب) अ स्त्री-परदेगी हाना परदेग बेवतनी दरिद्रता बगाले।
- गुब्बतब्ब (غورب تارده) अ का वि-घरवार छोकर परलेग में पडा हुआ प्रवासी निधन बगाल।
- गुब्बत जदगी (غورب تارده گی) अ का स्त्री-बेवतनी परदेस में होना निधनता बगाली।
- गुब्बतवीद (غورب تارده وی) अ का वि-गुब्बतब्ब।
- गुब्ब (گورب) का वि-छली बक्क टगिया मक्कार।
- गुब्बुडी (گوربوی) का स्त्री-छल बक्कता ठगई मक्कारी।
- गुम् (غوم) अ पु-तावान दड।
- गुम् (غوم) का स्त्री-पहाडी बक्की।
- गुम् (گوم) का पु-दुख रज खेद सताप गम कट तकलीफ मनस्ताप दिलगीरी इद्रधनुप।
- गुर (غور) अ पु-चाल के महीने की पहली तारीख जा हिनी हिनाम स उल्फपक्ष की तृतीया होनी है पाडे क माये की सफदी हर वह वस्तु जा उत्तम हा दास अथवा दासा।
- गुरएश बाल (غوروشوال) अ पु-श बाल महीने की पहली तारीख, अथात ईद का दिन।
- गुरिग (غریغ) का स्त्री-गुराह गजन, आनद, भय हैवन।
- गुस (گوس) का स्त्री-भूय, दुषा, प्यास पिपामा।
- गुसन (گوسنه) का वि-भूया, दुषातुर, गुस्त और गुम्न, तीना गुब्ब ह।
- गुसन चम्म (گوسنه حشم) का वि-लालची, हरास, इपण, बजूस, मिगुय, फरीर।
- गुसन चम्मो (گوسنه حسمی) का स्त्री-लाम, लालच इपणता, बजतपन, भितमगपान।
- गुसतगी (گوسنگی) का स्त्री-भूय दुषा बुभगा।
- गुल [गुल] (گل) अ पु-लाह का ठीक जा कल्पिया के गज में पन्ता है, प्यासा, सतपण, प्यास की तीव्रता मनस्ताप, हृदय की जलन।
- गुल (گل) का पु-बोलाहल शार, चीख पुकार।
- गुल (گل) का पु-फूल पुष्प गुमन गुलाब का फूल, चिराय का गुल आंख की फूनी।
- गुल अवाम (گل ابدام) का वि-फूल जस कामल, मद्रुल सुनुमार और सुगंधित घरीरवाला (वाली) पुष्पागी पुष्पागना।
- गुल अफा (گل انسان) का वि-फूल बरसानवाला, पुष्प वय जिसस फूल झडत ह।
- गुल अफगानी (گل افغانی) का स्त्री-फूल बरसाना, फूल बरसना मजेदार बातें।
- गुलदजार (گل عزار) का अ वि-गुलाब जस सुनुमार और कीमल मालावाला (वाली)।
- गुलदद (گل غلند) का पु-गुलाब के फूल और लाल के मिश्रण से बनी हुई एक औषध।
- गुलदब (گل کده) का पु-बह घर जहाँ फूल हा फूल हा पुष्पागार कुसुमालय।
- गुलकार (گلکار) का वि-बल-बूटे बनानेवाला।
- गुलकारी (گلکاری) का स्त्री-बेल बूटे बनाने का काम बल-बूटे नक्शानिगार।
- गुलखन (گلشن) का पु-भाड भटठी चूल्हा।
- गुलखाल (گل حال) का वि-चितकबरा दागोवाला चित्तदार।
- गुलगस्त (گل گسب) का पु-बाग की सर सर का स्थान श्रीडास्यल।
- गुलगौर (گل گد) का पु-चिराय या गमा का गुल कस्तल की बक्की।
- गुलगुल (گلعله) अ प-गौर, कालाहल, हफबनि खुशी का शार।

गुलगू (गुलगू) फा. वि.—गुलाव-जैसे रगवाला; लाल रग का घोडा, शीरी के घोडे का नाम ।

गुलगानः (गुलगान) फा पु—मुँह पर मलने का सुगंधित और गुलाबी पाउडर ।

गुलची (गुलची) फा वि.—फूल चुननेवाला, पुष्पचायी, माली, मालाकार ।

गुलचीनी (गुलचीनी) फा. स्त्री—फूल बीनना; माली का काम ।

गुलचेहरः (गुलचेहर) फा वि—दे 'गुलख' ।

गुलजमी (गुलजमी) फा. स्त्री—ऐसा स्थान जहाँ फूल बहुत पैदा होते हो, पुष्पवन, पुष्पोद्यान, फूलों से लदी हुई जमीन ।

गुलजार (गुलजार) फा पु—उद्यान, आराम, वाटिका, बाग, वह स्थान जहाँ खूब चहल-पहल और रौनक हो ।

गुलदस्तः (गुलदस्त) फा पु—फूलों का गुच्छा, रग-विरगी फूलों का मुट्ठा, पुष्पस्तवक; पत्रिका, रिसाल ।

गुलदान (गुलदान) फा पु—गुलदस्ता सजाने का पात्र ।

गुलनार (गुलनार) फा पु—अनार का फूल, गुले अनार, अनार की एक जाति, जिसमें फल नहीं आता और जिसके फूल का दवा में प्रयोग होता है ।

गुलपाश (गुलपाश) फा वि.—फूलों की वर्षा करनेवाला, पुष्पवर्षक ।

गुलपाशी (गुलपाशी) फा स्त्री—फूलों की वर्षा ।

गुलपैरहन (गुलपैरहन) फा वि.—गुलाबी कपड़े पहनने वाला (वाली), गुलाव के फूल-जैसे रगीन, कोमल और सुगंधित कपड़े पहननेवाली नायिका ।

गुलपैरहनी (गुलपैरहनी) फा स्त्री—फूलों-जैसे रगीन और सुगंधित कपड़े पहनने का भाव ।

गुलपोश (गुलपोश) फा. वि.—फूलों से ढका हुआ, फूलों से मड़ा हुआ, फूलों से लदा हुआ ।

गुलपोशी (गुलपोशी) फा स्त्री—फूलों से ढका होना ।

गुलफाम (गुलफाम) फा वि—दे 'गुलअदाम' ।

गुलफिशां (गुलफिशां) फा वि—फूल बरसानेवाला, (स्त्री) फूलझड़ी, एक प्रसिद्ध आतशवाजी ।

गुलफिशानी (गुलफिशानी) फा स्त्री—फूल बरसाना ।

गुलबदन (गुलबदन) फा वि—फूल-जैसे कोमल और मृदुल अंगोवाला (वाली) (पु) एक रेशमी कपडा ।

गुलबदनी (गुलबदनी) फा स्त्री—फूल-जैसे कोमल मृदुल और सुगंधित शरीर का होना ।

गुलबग (गुलबग) फा पु—फूल का पत्ता, पुष्पदल ।

गुलबाग (गुलबाग) फा स्त्री—वह शोर जो किसी के

व्याह-शादी आदि के अवसर पर होता है, हर्षध्वनि; बुलबुल आदि मधुरस्वर पक्षियों की चहचहाहट ।

गुलबाजी (गुलबाजी) फा स्त्री.—एक दूसरे की ओर फूल फेकने का खेल, पुष्पझड़ी ।

गुलबुन (गुलबुन) फा पु—गुलाव का वृक्ष ।

गुलमेख (गुलमेख) फा स्त्री.—फुलीदार बड़ी कील जो किवाड़ों आदि में लगती है ।

गुलरंग (गुलरंग) फा वि.—गुलाव के फूल-जैसे गुलाबी रंगवाली वस्तु ।

गुलख (गुलख) फा वि—फूल-जैसे सुंदर, सुकोमल और सुकुमार मुखवाली नायिका, पुष्पमुखी ।

गुलखसार (गुलखसार) फा. वि.—गुलाव के फूल-जैसे सुंदर कपोलवाली नायिका, पुष्पकपोल ।

गुलरू (गुलरू) फा वि—दे 'गुलख' ।

गुलरेज (गुलरेज) फा वि—जिससे फूल झड़ते हो (स्त्री); एक आतशवाजी, फूलझड़ी ।

गुलल (गुलल) अ. पु.—'गलील' का बहु, प्यासे ।

गुलशकर (गुलशकर) फा. पुं—दे. 'गुलकद' ।

गुलशन (गुलशन) फा पु—उद्यान, वाटिका, बाग ।

गुलशन आरा (गुलशन आरा) फा वि—उद्यानपाल, माली; बाग को सजाने और सँवारनेवाला ।

गुलाज (गुलाज) अ वि—मोटा, दलदार; कडा, कठोर, सख्त ।

गुलात (गुलात) अ पु—'गाली' का बहु, अति करनेवाले, किसी विषय में बहुत अधिक अति करनेवाले ।

गुलाव (गुलाव) फा पु—एक प्रसिद्ध फूल, गुल, गुलाव-जल, गुलाव का अरक ।

गुलावपाश (गुलावपाश) फा पुं—सभा आदि में गुलावजल छिड़कने का यंत्र ।

गुलाबी (गुलाबी) फा वि.—गुलाव-जैसे रंगवाली वस्तु, हलका लाल (स्त्री) शराव की रगीन काँच की सुराही ।

गुलाम (गुलाम) अ पु—लड़का, बालक, दास, खादिम, पराधीन, महकूम ।

गुलामगर्दिश (गुलामगर्दिश) अ फा स्त्री—कोठी या मकान के चारों ओर का बरामदा ।

गुलामचापार (गुलामचापार) अ फा पुं—डाकिया, पोस्टमैन, चिट्ठीरसाँ ।

गुलामजाद. (गुलामजाद) अ फा पुं—दासी-पुत्र, लंडी-बच्चा; विनय प्रदर्शन के लिए बक्ता अपने पुत्र के लिए भी कहता है ।

गुलामान. (गुलामान) अ. फा वि—गुलामो-जैसा, दासोचित ।

गुलामी (علمی) अ स्त्री-दासता, बदगी पराधीनता, महकमी।
 गुलाल (غلاله) फा स्त्री-प्रेयसी की जल्क, मासूका की जल्क।
 गुलिस्ता (گلیستان) फा पु-गुलिस्तान का लघु, द 'गुलिस्तान।
 गुलिस्ताबाद (گلستان باد) फा पु-गुप्प, फूल, बाग की घास सञ्जा, दासी-गुप लौंडी-बच्चा।
 गुलिस्तान (گلیستان) फा पु-उद्यान, बाग बाटिका, आराम।
 गुलुफ (علف) अ पु-गिलाफ का बहु बहुत स गिलाफ जयवा कोप।
 गुलुव (علو) अ पु-गुलु।
 गुलू (گلو) फा पु-कठ, गला हुत्कूम।
 गुलू (علو) अ पु-भूरा हाथ उठाना जनममूह भीड, अति करना हृद से गुजर जाना, ऐसी अत्युक्ति जा न बढ़ि के अनुसार ठीक हो न प्राकृतिक हो।
 गुलूतलासी (گلو تالاسی) फा स्त्री-वधनमुक्ति छुटकारा, किसी जजाल स छुटकारा।
 गुलूगीर (گلوگیر) फा वि-गला पकडनेवाला (वाली), जावाज रवा दबेवाला (वागी)।
 गुलूबद (گلوبند) फा पु-गल बा एक आभूषण गले और काना म लपटन का मफलर।
 गुलूबस्त (گلوبسته) फा वि-जिसका स्वर बठ गया हो।
 गुलूबुरीद (گلوبورید) फा वि-जिसका गला कट गया हो छिन्नश्रीव बधित।
 गुलूल (علوله) अ पु-जनसमूह हुबूग आवेग जोग।
 गुलूल (گلوله) फा पु-गुलूल का गुल्ला बहूव का गात्री दवा की गोली।
 गुलूल (علول) अ पु-व्या के बीच में बहता हुआ पानी गनीमन के माल म खियानव।
 गुलूसोब (گلسوب) फा वि-अति सुंदर बहुत अच्छा बहुत भीटा अरपरा वस्तु।
 गुले अबास (گل عباس) फा अ पु-एक प्रसिद्ध फूल और जयवा पड गुलाबांस।
 गुले आननी (گل انسی) फा पु-सदा गुलान, गुलाव की एक जाति जा सत्ता फूलती है।
 गुले आफताबपरस्त (گل افتابپرست) फा पु-सूरजमुनी का फूल।
 गुले काण्डी (گل کندی) फा अ पु-काण्ड के फूल जा उत्रावट के काम आने ह, नित्यव की वस्तु।

गुले खर्वा (گل خردان) फा पु-खिला हुआ फूल।
 गुले खुदरो (گل خودرو) फा पु-जो फूल बोया न गया ह पत्कि अपने आप उगा हो।
 गुले चश्म (گل چشم) फा पु-आंख की फुली टेंट।
 गुले जाफरी (گل جعفری) फा अ पु-एक पाल रग का फूल।
 गुले तुर (گل طره) फा पु-गुक्वस एक प्रसिद्ध फूल।
 गुले दाब्बी (گل دابی) फा अ पु-एक प्रसिद्ध फूल।
 गुले नाफर्मा (گل نافرمای) फा पु-एक फल।
 गुले नागिगुप्त (گل ناسرگینه) फा पु-बिन खिला फूल कली गुच, मुकुल, कुंवारी स्त्री कुमारी दोसोब।
 गुले पलास (گل پلاس) फा प-टेसू का फूल डाक का फल पलाग सख्त म भी टेसू का कहते ह सख्त और फारसा के प्राचीन सम्बन्ध का परिचायक है।
 गुले पिपाद (گل پیاده) फा पु-हर बह फूल जिगरी पिपाली छोटी ह, अपने आप उगनवाला फूल।
 गुले बेगान (گل بهگانه) फा पु-दे 'गुले सुध रो।
 गुले यासमन (گل یاسمن) फा पु-चनेली का फल न मल्लिका मालती।
 गुले यासमीन (گل یاسمین) फा पु-दे 'गुलेयासमन'।
 गुले राता (گل راتا) फा पु-एक दौरमा फूल जो अर लाल और बाहर पीला होता है।
 गुले लाल (گل لاله) फा पु-एक मसहर फूल जो बहुत प्रकार का होता है विशेषत लाल रंग का, पोस्त का फूल गुले खानाग।
 गुले वद (گل ورد) फा अ पु-गुलाव का फूल।
 गुले गबअफ्रीज (گل گب افروز) फा पु-रात की राती, एक प्रसिद्ध फूल रजनीगधा।
 गुले गब वी (گل گب و) फा पु-एक प्रसिद्ध फूल सुगरत (गुल = फूल + शव = गत + वा = व) रजनीगधा की एक जाति।
 गुले गमअ (گل گم ا) फा अ पु-विराग या मामवता का गुल।
 गुले सद धन (گل سد رنگ) फा पु-सो पसठिया वाला फूल, गुलान गुलनार गदा (विशेषत गदे के लिए बाओह)।
 गुले सर सबद (گل سرسبد) फा पु-बह फूल जो माली की टावरी में सबम ऊपर रहता और मारी टोवरी में सबने बग और सुगंधित होता है बह ध्यतिव गो हकथय और सर्वोत्तम ह।
 गुले सुख (گل سرخ) फा पु-गुलान का फूल।
 गुले घूरी (گل घوری) फा पु-एक प्रकार का गुलान।

गुले सौसन (گل سوسن) फा. पु—एक प्रसिद्ध आस्मानी रंग का फूल, जिसकी पखडी जवान की तरह होती है—“सौसन ने चमन में जुवान खोली” ।

गुले हजार: (گل هزار) फा. पुं—हजार का फूल ।

गुलम (علیم) अ पु—छोटा लडका, बहुत प्यारा और छोटा-सा बालक ।

गुलजत (غیظت) अ स्त्री—दे ‘गिल्जत’, दो. शु है ।

गुल्फ (علف) अ पु—‘गिलाफ’ का बहु, तकिये के गिलाफ, तलवार आदि के कोप ।

गुल्म: (علیم) अ पु—कामातुर होना, तेज शहवत होना, कामातुरता, गहवत की तेजी ।

गुल्ल: (عله) अ पुं—प्यास, पिपासा, हृदय की जलन, दिल की सोजिश, जिरिह के नीचे पहनने का कुर्ता आदि ।

गुवा (گو) फा पु—‘गुवाह’ का लघु, दे ‘गुवाह’ ।

गुवार (گوار) फा वि—दे ‘गुवारा’ ।

गुवारा (گوارا) फा वि—शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू में ‘गवारा’ बोलते हैं, दे. ‘गवारा’ ।

गुवारिद: (گوارنده) फा वि—अच्छा लगनेवाला, गवारा होनेवाला, शीघ्र पच जानेवाला ।

गुवारिश (گوارش) फा स्त्री—अच्छा लगने का भाव; हज्म होने का भाव, पचन, सुस्वाद होने का भाव, खुश-मजगी ।

गुवारीद: (گوارید) फा वि—जो रचिकर हो चुका हो, जो पच चुका हो ।

गुवारीदनी (گواریدنی) फा वि—रचिकर होने योग्य; पचने योग्य ।

गुवारिदनी (گواریدنی) फा वि—दे ‘गुवारीदनी’ ।

गुवास (عوات) अ. पुं—फर्याद, दुहाई, न्याय-न्याचना, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता ।

गुवाह (گو) फा पु—साक्षी, गवाह, शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दूवाले ‘गवाह’ बोलते हैं और यही प्रचलित है ।

गुश [श] (عش) अ वि—खियानत करनेवाला, मोपक, अशुभ-चित्तक, बदस्वाह; जिसके मन में कुछ और मुँह पर कुछ हो ।

गुशाव: (عشاوه) अ पु—दे ‘गिशाव.’ ।

गुशनी (گسنی) फा स्त्री—मैथुन, सभोग, विषय, प्रसंग ।

गुस [स्त] (عس) वि—अशक्त, कमजोर; दुष्टात्मा, खबीस; अधम, नीच, कमीना ।

गुसन (عسن) अ पु—‘गुस्त’ का बहु, अशक्त जन, कमजोर लोग ।

गुसस (عصص) अ पु—‘गुस्त.’ का बहु, ‘गुस्से’ ।

गुसार (گسار) फा प्रत्य—खानेवाला, जैसे—‘मयगुसार’ शराब पीनेवाला, ‘गमगुसार’ गम खानेवाला ।

गुसारिद: (گسارنده) फा. वि—खानेवाला, भक्षक; छोड़ने-वाला, त्यागी ।

गुसार्द: (گسارده) फा वि—छोडा हुआ, खाया हुआ ।

गुसाल: (غساله) अ पु—जिस पानी से स्नान किया गया हो, धोवन ।

गुसुल (عسل) अ पु—सारा शरीर धोना, नहाना, स्नान करना, गुस्ल, नखशिव-मार्जन ।

गुसून (عصون) अ पु—‘गुस्त’ का बहु, शाखाएँ, शाखे, डालियाँ ।

गुसूस: (غشوشه) अ. पु—डुबल होना, दुबला होना ।

गुस्तर (گستر) फा प्रत्य—विछानेवाला, फैलानेवाला, जैसे ‘करमगुस्तर’ यश का फैलानेवाला, कृपा विस्तारक ।

गुस्तरिद: (گسترنده) फा. वि—विछानेवाला, फैलानेवाला ।

गुस्तरद: (گستردده) फा वि—विछाया हुआ, फैलाया हुआ ।

गुस्तरिदनी (گستردنی) फा वि—विछाने योग्य, फैलाने योग्य ।

गुस्ताख (گستاخ) फा. वि—धृष्ट, ढीठ; दु साहसी, बेवाक; अशिष्ट, बदतमीज ।

गुस्ताखतबख (گستاخ طبع) फा अ वि—फक्कड़, मुँहफट, मुखर ।

गुस्ताखदस्त (گستاخ دست) फा वि—चालाक, चतुर, तेज, होशयार; किसी ऐसे काम के लिए हाथ बढानेवाला जो उसके साहस से परे हो, गुस्ताखी के साथ किसी की ओर हाथ बढानेवाला ।

गुस्ताखान: (گستاخانه) फा वि—गुस्ताखी-जैसा, धृष्टता-पूर्वक ।

गुस्ताखी (گستاخی) फा स्त्री—धृष्टता, ढीठपन, दु साहस, बेवाकी, अशिष्टता, बदतमीजी ।

गुस्त (عسن) अ वि—अशक्त, निर्बल, नाताकत ।

गुस्त (عصن) अ पु—शाखा, शाख, डाली ।

गुस्त (عسر) अ वि अधम, नीच, कमीना ।

गुस्त (عسل) अ पु—स्नान, नहाना; धोना, माँजना ।

गुस्तखान: (عسلخانه) अ फा पु—नहाने का स्थान, स्नानागार, स्नानगृह ।

गुस्ते मथ्यित (عسل میث) अ पुं—शव का स्नान, मुर्दे को नहलाना, मृतकस्नान ।

गुस्ते सेहत (عسل صحت) अ पुं—वह स्नान जो रोग-मुक्ति पर किया जाता है, आरोग्य-स्नान ।

गुस्त: (عصه) अ पु—क्रोध, कोप, प्रकोप, गजब, द्वेष, वृज ।

गुस्तधर (عصغر) अ फा वि—जिसके स्वभाव में शोध अधिक है, शोधी।

गुहर (گهر) फा पु—'गोहर' का लघु, मुक्ता, मोती।

गुहरअपाना (گهرآپانا) फा वि—'गोहरअपाना'।

गुहरअपानानी (گهرآپانانی) फा स्त्री—'गोहरअपानानी'।

गुहरवार (گهروار) फा वि—दे 'गोहरवार' मुक्तावपक,

चंद्रम गुहरवार' राती आत—'दामन प तरे गर के माये

का पसोना, और बह भी मरी चंद्रम गुहरवार के आगे।'

गुहरवारी (گهرواری) फा स्त्री—दे 'गोहरवारी'।

गुहररेख (گهررهخ) फा वि—दे 'गोहररेख'।

गुहररेखी (گهررهخی) फा स्त्री—'गोहररेखी'।

गुहरसानास (گهرسناناس) फा वि—'गोहरसानास, मोती

चुनने या परतनवाला विज्ञ पुष्प।

गुहरसानासी (گهرسناناسی) फा स्त्री—'द गोहरसानासी'।

गू

गूँ (گوں) फा प्रत्य-रगवाला जसे—'नीलगू नीले रग वाला गुलगू गुलाब के फूल के रगवाला।

गू (گو) फा पु—गू कडुक लडका के खेलने का गेंद, पाला खेलने का गेंद।

गूक (عوی) फा पु—मडन दुदुर मडूक, दादुर।

गूगिद (گورگید) फा स्त्री—गधक।

गूगिदअहमर (گورگیداحمر) फा अ स्त्री—एग गधक जिससे रमायन बनती है ऐग व्यक्ति जो सबगुण-संपन्न हो, और जिसका मिलना दुर्लभ हो।

गूगिदं गूख (گورگیدسرخ) फा स्त्री—'गूगिदं अहमर'।

गूच (عرج) तु पु—मंडा नर भेद जिससे सीग हाते ह।

गूत (عوطه) अ पु—मोता दुबकी गूद उच्चारण यही है, परतु उदु में प्रचलित नही है, इससे स्थान पर गोत बोल्ते है।

गूद (گوده) तु पु—'गरीर देह'।

गूना (گونا) फा पु—रग रविग, गुना जस—दागून दागुना।

गून (گون) फा पु—रग वण रगत।

गूना (گونا) फा पु—रग वण शाड, मध्वचण, नियम कायग एग गूना बेगुनी मुचे दिन रात चाहिए।—गालिब,

गूनागून (گوناگون) फा वि—रगविरगा चित्र विचित्र।

गूनाब (گونااب) फा पु—मुगचूण शाड, गुलगून।

गूनिया (گونیا) फा पु—एक तिकाना यत्र जिसस राज और बड़ई इमारत की सीध नापन ह।

गूल (گول) फा पु—दे 'गाल'।

गूल (گول) अ पु—मून प्रत, घतान शबीस, राघाघ, देव

दवी आपति, बला, हर वह वस्तु जिसम बुद्धि नष्ट हो जाय।

गूले बियाबाँ (عولبعابان) अ फा पु—जगल में फिरत बाल मूत प्रेत मसान बतल आदि।

गूले बियाबानी (عولبعابانی) अ फा पु—द गूले बियाबाँ।

गे

गेज (گنج) फा वि—उद्धिन्न, व्यस्तमना, परेशान, अन्त यस्त तितर बितर।

गेती (گنتی) फा स्त्री—जगत, ससार दुनिया।

गेतीअफ़ोख (گنتیافورخ) फा वि—ससार का ज्यातिमप करनेवाला।

गेतीआरा (گنتیآرا) फा वि—ससार का सजान और सकारनेवाला।

गेतीनवब (گنتینوب) फा वि—ससार में फिरतवाल, विश्वभ्रमी।

गेतीपमा (گنتیپما) फा वि—दे 'गतीनव', विद पयटक।

गेसू (گسو) फा पु—अलक, जुल्फ लम्बे बाल जो पीर पर रहते ह, बाल केस।

गेसूदराख (گسودرار) फा वि—जिसके बाल बहुत लंब हो।

गेसूदार (گسودار) फा वि—लौंडी-बच्चा, दासी-पुत्र, पुच्छल तारा दुमदार सितारा।

गेसूदरीद (گسودرید) फा वि—जिसके बाल बट ह; निरज्ज, बेहया।

गेव (گوه) फा पु—एक प्रकार का जूता, निर्दिब का जूता।

गेव (گوه) फा पु—ईरान का एक बहुत बड़ा मोड़ा या गोख का पुत्र था।

गेहाँ (گههاں) फा पु—'गहाँ, दाना मुड ह परतु, गहाँ' अधिन माय है।

गी

घ (غ) अ पु—निरागा नाउमन्ने, पुमायता, गुमराही, नरक में एर स्थान।

घक (غک) अ पु—गिह की कछार जगल, बन।

घक (غک) अ पु—बहुत अधिक प्राप प्रकीर्ण भीडरी नाम अमप।

घक (غک) अ पु—अपूरे निना का उत्पन गिनु पृथ्वी में धरना भाव का मग हाना।

गैरजोशजव (عیظو غضب) अ. पु.—बहुत ही क्रोध और गुस्ता।
 गैत (غیتین) अ. पुं.—अभ्र, बादल, तृष्णा, प्यास; अँधेरा, तम।
 गैवः (غیبتہ) अ. पु.—तूणीर, तरकब।
 गैव (عیب) अ. पु.—परोक्ष, पीठ पीछा, परलोक, देवताओं का स्थान, नियति, भाग्य,—“काम रुकने का नहीं अय दिले नाँदा कोई, खुद वखुद गैव से हो जायेगा सामाँ कोई।”
 गैवत (عیبت) अ. स्त्री—पीठ पीछा, परोक्ष, अतर्धान होना, लोप होना, गायब होना, अनुपस्थिति, गैरमीजूदगी।
 गैवदाँ (عیبداں) अ. फा वि.—जो छिपी हुई बातें जाने, अतर्धामी, जो आनेवाले समय की बातें बता दे, भविष्यवेत्ता।
 गैवी (غیبی) अ. वि.—आकाशीय, आस्मानी, दबी, खुदाई, पीठ पीछे की, परोक्ष की।
 गैववत (عیبوت) अ. स्त्री—लोप, छिपाव, दुराव, वियोग, जुदाई, अनुपस्थिति, नामीजूदगी।
 गैम (غیم) अ. पु.—बादल, अभ्र, पिपासा, प्यास; आँख की भीतरी गर्मी।
 गैयाफ (عیاف) अ. वि.—जिसकी डाढी बहुत लम्बी और घनी हो, रीशाईल।
 गैर (غیر) अ. पु.—अन्य, दूसरा, विभिन्न, मुस्तलिफ, अनात्मीय, वेगाना; विरुद्ध, खिलाफ।
 गैरअहम (غیراہم) अ. वि.—जिसका कोई महत्त्व न हो, महत्त्वहीन, साधारण, मामूली।
 गैरआईनी (غیرآئینی) अ. फा वि.—जो कानून के विरुद्ध हो, अवैध।
 गैरआवाद (غیرآباد) अ. फा वि.—जो बसा न हो, निर्जन, जो खँडहर हो, वीरान।
 गैरइंसानी (غیرانسانی) अ. वि.—जो मनुष्यो-जैसा न हो, अमानुषिक।
 गैरकानूनी (غیرقانونی) अ. वि.—दे 'गैरआईनी'।
 गैरकारआमद (غیرکارآمد) अ. फा. वि.—जो उपयोग के काविल न हो, अनुपयुक्त, जो काम न दे, बेकार।
 गैरजानिवदार (غیرجانبدار) अ. फा वि.—जो किसी का पक्षपात न करे, तटस्थ, उदासीन।
 गैरजानिवदारी (غیرجانبداری) अ. फा स्त्री.—निष्पक्षता, अतटस्थता।
 गैरजिम्म.दार (غیرمسئولدار) अ. फा वि.—जो अपनी जिम्म दारी महसूस न करे, दायित्वहीन।
 गैरजिम्म.दारी (غیرمسئولداری) अ. फा. स्त्री—जिम्म दारी का एहसास न होना।
 गैरजोअवल (غیرزنی عقل) अ. वि.—जिसमें बुद्धि न हो, बुद्धिहीन, जिसमें अच्छे बुरे की तमीज न हो, विवेकहीन।

गैरजोखूह (غیرزنی روح) अ. वि.—जिसमें प्राण न हो, निर्जीव, निष्प्राण।
 गैरजोशुऊर (غیرزنی شعور) अ. वि.—जिसमें विवेक और चेतना न हो, जड।
 गैरजुहुरी (غیرضروری) अ. वि.—जो आवश्यक न हो, अनावश्यक।
 गैरत (غیرت) अ. स्त्री—लज्जा, लाज, शर्म; स्वाभिमान, खुददारी।
 गैरतदार (غیرتدار) अ. फा वि.—स्वाभिमानी, खुददार।
 गैरतनह्वाहदार (غیرتکنخواہدار) अ. फा वि.—जो वेतन के विना काम करे, अवैतनिक।
 गैरतमंद (غیرتمند) अ. फा वि.—दे 'गैरतदार'।
 गैरतह्जीवयाफतः (غیرتہذیب یافتہ) अ. फा वि.—असभ्य, अशिष्ट, नामुहज्जव।
 गैरता'लीमयाफतः (غیرتعالیم یافتہ) अ. फा वि.—वे पढ़ा-लिखा, निरक्षर, अशिष्ट, असभ्य, उजड्ड।
 गैरपसंदीदः (غیرپسندیدہ) अ. फा. वि.—अप्रिय, अरुचिकर, अनुचित, नामुनासिव।
 गैरपाएदार (غیرپائدار) अ. फा. वि.—जो टिकाऊ न हो, अदृढ़।
 गैरपुस्तः (غیرپستندہ) अ. फा. वि.—जो कच्चा हो (फल आदि), अपक्व, जो निश्चित न हो, गैरयकीनी (वचन आदि), जो कच्ची ईंटों का बना हो।
 गैरफ़सीह (غیرفصیح) अ. वि.—जिसे साहित्यिक जन असाधु समझे (शब्द आदि), साहित्य में अप्रचलित या अप्रयुक्त शब्द।
 गैरफानी (غیرفانی) अ. वि.—जो कभी नष्ट न हो, जो कभी न मरे, अनश्वर, शाश्वत।
 गैरफ़ित्री (غیرفطری) अ. वि.—जो प्राकृतिक न हो, अनेसर्गिक, अप्राकृतिक।
 गैरमक्तूअ (غیرمقطوع) अ. वि.—जो कटा न हो, अविच्छिन्न, अखण्डित।
 गैरमक्तूफूल (غیرمکقول) अ. वि.—वह संपत्ति आदि जो किसी ऋण आदि में रेहन न हो, वधकहीन।
 गैरमक्तूवूल (غیرمقبول) अ. वि.—जिसे लोग पसंद न करे, अप्रिय, जो माना न जाय, अमान्य, जो मजूर न हो, अस्वीकृत।
 गैरमक्तूह (غیرمکروه) अ. वि.—जो देखने में कुरूप न हो, शुभदर्शन, जिसका खान-पान घृणित न हो।
 गैरमहसूस (غیرمستحسوس) अ. वि.—जो खास न हो, साधारण, सामान्य।

धरमार्ण (عمر معشور) अ वि-जिसमें मिलावट न
 हा अट्टिम।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-वह भूमि जा बोई-जाता
 न जाता हा, अट्टय।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-धरमदूअ।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-वह पुम्नक जा प्रकाशित
 न हुई हा, अप्रकाशित, अमुद्रित हस्तलिखित पाण्डुलिपि।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो मनावाछित न हा
 अरुचिकर, नापसदीह।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-वह वस्तु जो छाने न गयी
 हा वह सपत्ति आदि जा तरीये स अलग हा।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-वह गन्त जा साहिय में
 व्यवहृत हो वह वस्तु जो छोणे न गयी हा अत्याय।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिम वस्तु की इच्छा न
 हा अवाछित, अनिच्छित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा किसी दावत आदि म
 बुलाया न गया हो, अनिमजिल।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-वह रस्ने जो रस्नेल न
 हा जो वस्तु दाखिल की हुई न हो।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-वह सपत्ति जा एक
 स्थान स दूसर स्थान पर न जा सके जर्म-भूमि आदि
 स्थावर अचल।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो टट न सके जिसका
 स्थानान्तरण न हो सके।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ रस्ने-वह स्नी जिसका
 विवाह न हुआ हा अविवाहिता।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ पु-वह पुरप जिसका विवाह
 न हुआ हा अविवाहित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो जीता न गया हा
 अविजित जो जाना न जा सके अजेय जा हारा न हा
 अपराजित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिसका मनाह न हा
 अनिषिद्ध, जिसका क्षान-मान बजिन न हा।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अट्टय अनामारी नागुका धर
 मदूअ।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा लिखाई न पने अगोचर
 अत्य।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो रोव म जाया न हा
 जा डरा न हो वरुडक निभय।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा पसनी न हा अप्रिय
 अरुचिकर।

धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा गीत न हो जो ठग
 न हो जिसका स्वभाव गानप्रधान न हो जिसमें नमा
 या तरलता न हो।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो वमरुद न हा अम्वन
 अमवद जा अट्ट हा (वात) बेल विशुल।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिसमें काई गाना न
 हा अगणित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा प्रसिद्ध न हा अप्रसिद्ध
 अविख्यात।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा विपयुक्त न हा
 जा जहरीला न हो, निविप।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा सायाण न हो
 अमाधारण, महत्वपूर्ण अहम।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिसमें दाप न हा नापहीन।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा निराग न हो,
 निरागाहीन, आगावित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो पाप रहित न हा
 पापयुक्त।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा किसी काम का अन्न
 पाता न हा, अविा।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो निश्चित न हो
 अनिश्चित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो अधूरा हा अधूण
 नाजिस।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो मुकरर न हो
 अनिश्चित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जे धरमदूअ।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो दावाग न हा जा
 दाहुराया न गया हा अपरिचित अनजान।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जा अत्य-अल्प दुबग
 में न हो मवद जा अध्याया और क्षान म न हा।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिसन गरीर धारण न
 किया हा जिसका काई रूप निश्चित न हो निराधार।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिसको किसी बाप
 विगेय की आगा न हो अनधिकारी।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जो किसी विपय
 विगेय से सम्बन्धित न हा असगत असबद।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिसमें धार्मिक
 या जातीय सवीयता न हो उपासग्य वट्टचित।
 धरमदूअ (عمر مدوع) अ वि-जिसने असर न लिया
 हो जो प्रभावित न हुआ हो अप्रभावित, उदस्य निपय।

गैरमुतअहहिल (غيرمتهل) अ. वि—जिसका व्याह न हुआ हो, और जिसके बाल-वच्चे न हो।

गैरमुतगैरियर (غيرمتهير) अ. वि—जो विगडा न हो, जो खराब न हुआ हो, अविद्यत, अह्पान्तरित।

गैरमुतदधियन (غيرمتهدين) अ. वि.—जिसमें दियानतदारी न हो, अविश्वस्त, सत्यानिष्ठ।

गैरमुतनाही (غيرمتهناهي) अ. वि—अपार, असीम, जिसकी सीमा और छोर न हो।

गैरमुतमद्दिन (غيرمتهمدين) अ. वि—जो सम्य और शिष्ट न हो, असम्य, अशिष्ट, जगली, बहूगी।

गैरमुतवक्के (غيرمتهووقع) अ. वि—जिसकी आशा न हो, अप्रत्याशित, जो आशा से अधिक हो, आशातीत।

गैरमुतशद्दिद (غيرمتهشدن) अ. वि.—जो हिंसा पर विश्वास न रखता हो, जो हिंसक न हो, अहिंसक।

गैरमुतशद्दिदानः (غيرمتهشدان) अ. फा. वि—जिन्में हिंसा का प्रयोग न हो, शान्तिमय।

गैरमुतहविकक (غيرمتهصهق) अ. वि—जिसकी जांच-पडताल न हुई हो, जिसका निश्चय न हुआ हो, अनिश्चित, सदिग्ध।

गैरमुतहम्मिल (غيرمتهممل) अ. वि—जिसमें सहनशीलता न हो, असहिष्णु।

गैरमुतहार्क (غيرمتههرك) जो चलता-फिरता न हो, अचल, जो अपनी जगह से हिल न सके, गतिहीन।

गैरमुदल्लल (غيرمتهدلل) अ. वि—जिसका सुवृत न हो, अप्रमाणित, जिसके लिए कोई दलील न हो, अतर्क्य, अयुक्तिसगत।

गैरमुनज्जम (غيرمتهنظام) अ. वि—जिसका सगठन न हो, असगठित, जो क्रमबद्ध न हो, वेतर्तीव, असबद्ध।

गैरमुनासिव (غيرمتهناسب) अ. वि—जो उचित न हो, अनुचित, अश्लीलतापूर्ण, फोहश, उद्दृढतापूर्ण, नामुहज्जव।

गैरमुस्किन (غيرمتهسكن) अ. वि—जो हो न सके, असभव, अशक्य।

गैरमुरव्वज (غيرمتهرواج) अ. वि—जिसका चलन न हो, जो प्रचलित न हो, अव्यवहृत, अप्रचलित।

गैरमुवस्सक (غيرمتهووتق) अ. वि—जो प्रमाणित न हो; जो निश्चित न हो, जो युक्तिसगत न हो।

गैरमुशखस (غيرمتهسخص) अ. वि—जिसका निदान (तसाप्पस) न हुआ हो, जिसके वश और कुल आदि का पता न हो।

गैरमुशावेह (غيرمتهساهد) अ. वि—जो एक दूसरे से मिलते-जुलते न हो, जो एक-जैसे न हो, असहृष।

गैरमुश्तवह (غيرمتهشده) अ. वि.—जिसमें संदेह न हो, असदिग्ध, अविक्लप, यकीनी।

गैरमुसद्दकः (غيرمتهصدقه) अ. वि—जिस सूचना या वार्ता के सूठ सच का निश्चय न हुआ हो, अविश्वस्त; जिसकी तसदीक न हुई हो, अप्रमाणित।

गैरमुसद्दक (غيرمتهصدق) अ. वि—दे 'गैरमुसद्दक'।

गैरमुसल्लम (غيرمتهمسلم) अ. वि—जो माना न जाय, अमान्य; जिसका सुवृत न हो, अप्रमाणित।

गैरमुसल्लह (غيرمتهمسلم) अ. वि—जो हथियारबंद न हो, निरस्त्र, शस्त्रहीन।

गैरमुसल्लसल (غيرمتهمسلسل) अ. वि—जो ज़मीर में जकडा न हो, विशृंखल; जो लगातार न हो, अनिरतर।

गैरमुसावी (غيرمتهسواوي) अ. वि—जो बराबर न हो, असमान।

गैरमुस्तकिल (غيرمتهمستقل) अ. वि—जो हमेशा के लिए न हो, जो थोड़े दिनों के लिए हो, अस्थायी।

गैरमुस्ततीअ (غيرمتهمستطيع) अ. वि—जिसमें सामर्थ्य न हो, अशक्त; जो निर्धन हो, धनहीन, दरिद्र।

गैरमुस्तनद (غيرمتهمسند) अ. वि—जिसके पास प्रमाणपत्र न हो, जो सनदयापत न हो; जिसका विश्वास न हो, अविश्वस्त।

गैरमुस्तहक (غيرمتهمستحق) अ. वि—अपात्र, अयोग्य, नाअहल, अनधिकारी, गैरहकदार।

गैरमुस्ता'मल (غيرمتهمسعمل) अ. वि—जिसका प्रयोग न हुआ हो, अप्रयुक्त, जिसका प्रयोग किया न जाता हो, अव्यवहृत।

गैरमुहज्जव (غيرمتههزب) अ. वि—दे 'गैरतहजीवयापत', अशिष्ट, दुशील, उजड्ड।

गैरमुहम (غيرمتهموهم) अ. वि—जिसमें सदेह न हो, असदिग्ध, जो भ्रम में न डाले।

गैरमे'मारी (غيرمتهمسعاري) अ. वि—जो आदर्श के अनुसार न हो, जो विद्वत्तापूर्ण न हो, जो दर्जे से गिरा हुआ हो।

गैरमौजूद (غيرمتهموجود) अ. वि—अनुपस्थित, गैरहाजिर; अविद्यमान, नामौजूद।

गैरमौजूदगी (غيرمتهموجودگی) अ. फा. स्त्री—अनुपस्थिति, गैरहाजिरी, अविद्यमानता, नामौजूदगी।

गैरमौरूसी (غيرمتهموروثی) अ. वि—वह ज़मीन या जायदाद जो मौरूसी न हो, अपैतुक।

गैरवाक्यिई (غيرمتهواقعی) अ. वि—जो सत्य न हो, असत्य, झूठ; जो ठीक न हो, अयथार्थ; जो उचित न हो, अनुचित।

शरबाजिब (عندواحيب) अ वि-अनुचित नामनासिब,
त्रिसका अण करना आवयक न हो अदेय।
शरबाडेह (عندواحيب) अ वि-जो साङ्ग-साङ्ग न हो घुपल,
अस्पृष्ट, त्रिसका स्पष्टाकरण न हुवा हो, अस्पृष्ट।
शरराफेह (عندرشيف) अ वि-अकुलीन हानयानि शर
खानतानी अनाप असज्जन, अवम नीच।
शरराफेहान (عندرشيفانه) अ फा वि-नीच लोगा
जसा अगिप्टतापूप अनापौचित।
शरसहीह (عندصحيح) अ वि-जो सच न हा असत्य
पूठ को गुद न हो अगुद जा तन्दुस्त न हो अस्वस्थ।
शरसालह (عندصحيح) अ वि-अगुद इपिन फासिद
असज्जन नाशरीफ।
शरहमदद (عندممد) अ फा वि-जिममें सहानुभूति न
हा जा दुख आदि में सहामता न करे।
शरहाबिर (عندخاص) अ वि-जा अपना इप्टी पर
हाबिर न हा अनुपस्थित जा मौजूद न हो अविद्यमान।
शरहाबिरो (عندخاصی) अ स्त्री-अनुपस्थिति अविद्य
मानता।
शर (عدل) अ पु-माता-ताजा गिगु भरी हुई बाँहें
वह दूध जो एता समोग के समय गिगु को दे।
शरम (علم) अ स्था-वह लकी जा पूरी आयु को पहुंच
गयी हा और त्रियम कामन्दा उत्पन हो गयी हा कुएँ
का सात।
शरम (عدت) अ पु-नर्पा वष्टि में बाटिया बरनता
बरखाना।
शरसान (عسان) अ पु-मुवावस्था की तबी जवानी का
जाग युवावेग।
शरम (عميم) अ स्था-तिमिर अचकार तारीकी अंधरा।
शर (كسبان) फा पु-गहान का लघु, दे 'गहान'।
शर (كسبان) फा पु-नसार जवन दुनिया।

गो

गो (گو) फा अल्य-यदरि अरारेजे (श्रत्य) कहनेवाला
जने-हङ्गा मन्की बात कहनेवाला।
गो (گو) फा पु-गाय गो धेनु बहुक गेंद पीले का
गेंद (मसूठ स साम्य)।
गोहर (گوهر) फा वि-कहनेवाला बक्ता गुप्तचर
जागूम।
गोश्या (گویشیا) फा अल्य-गोश्या मह शल अब
व्यवहृत नहा है एमने स्थान पर 'गाया' बालने ह 'तुम
मरे पास हाते हा गया'—मांमिन।

गोए (گوے) फा पु-गेंद बहुक पाला का गद।
गोएगिरीबा (گوے گریبان) फा पु-गले में लगान की
पुडी।
गोएवीया (گوے حویلی) फा पु-पोलो खेल्ने का गें।
गोएबाजी (گوے بناری) फा स्त्री-गेंद-बत्ले का खल किचेंट।
गोए (گوے) फा पु-गेंदक हदुर मडूक।
गोए (گو) फा पु-अधावायु, अपान वायु रियाह।
गोबेगुदर (گوے ستر) फा पु-ऊँट का अपान वायु अर्पण
ऐसी आवाज जिसे कोई न सुने मिथ्या और धुवूक बात।
गोत (عولہ) अ पु-डुबकी मज्जन पानी में पठना, मूत
गद धूत है, परन्तु वह प्रचलित नहीं है।
गोतखोर (عولہ خور) अ फा-डुबकी लगानेवाला
मज्जनार।
गोतखोरो (عولہ خوری) अ फा स्त्री-डुबकी लगान
गोता मारना।
गोतगाह (عولہ گاہ) अ फा स्त्री-डुबकी लगाने का स्थान।
गोतखन (عولہ خان) अ फा वि-गोतखोर।
गोतखनी (عولہ خانی) अ फा स्त्री-गोतखारी।
गोदवान (گو دسان) फा पु-ऊँट का कोहान।
गोनाब (گو ناب) फा पु-ग्राज, गुलगून मुवचूप, प्रम
पाउडर।
गोमगो (گو مگو) फा वि-अममजस जहापोह दुबिया,
तखल्लुब।
गोया (گو یان) फा वि-बोलता हुआ कहुवा हुआ।
गोया (گو یا) फा अल्य-मानो जैसे गाया कि (वि)
बालनेवाला बक्ता।
गोयाई (گو یائی) फा स्त्री-वाक्गजिन वाचन-गजिन
बोलने की कुव्वत।
गोर (عور) फा पु-बच्चा अगूर।
गोर (عور) फा पु-अज्जानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर।
गोर (گور) फा स्त्री-इत्र समाधि भवन जगल कानन,
गोरखर जगली गया विनोप।
गोरखन (گو رکش) फा वि-नत्र खाननवाग विदू एक
प्रसिद्ध जन्तु जो इत्र खोकर मुड़े साठा है।
गोरखनी (گو رکشی) फा स्त्री-इत्र खोकर का काम का पेदा।
गोरखर (گو رکخر) फा पु-एक जगली गया-विनोप वन
गदम।
गोरखान (گو رکخانه) फा पु-इत्र समाधि भवन।
गोरपरस्त (گو پرست) फा वि-नत्र पूजनवाग मुत्तमानों
का वह संप्रदाय जो महात्माका की बक्ता का सम्मान करता
उन पर चिराय जलता और फूल आदि चढ़ाता है।

गोरपरस्ती (گورپرستی) फा स्त्री—कन्न पर फूल आदि चढाना और रीशनी करना ।
 गोलः (گولہ) फा. पु—गोल पिंड, गोल चीज, तोप आदि का गोल ।
 गोलःअंदाज (گولہ انداز) फा वि.—तोपची, तोप का गोल चलानेवाला ।
 गोल.वारी (گولہ داری) फा स्त्री—तोप से गोलो की वर्षा ।
 गोल (عول) फा.पु—कान, कर्ण, सैनिको का दल, समूह, समुदाय, भीड, दे 'गूल' ।
 गोल (عول) तु पु—वह सेना जिसके साथ सेनापति हो ।
 गोल (گول) फा. वि—मूर्ख, मूढ़, अनाड़ी ।
 गोलवियावाँ (عول بیابان) फा. पु—दे 'गूले वियावाँ' ।
 गोशः (گوشہ) फा पु—घर का कोना, एकान्त; जाविय, कोण ।
 गोश.गीर (گوشہ گیری) फा वि.—दे 'गोश.नशी' ।
 गोशःगीरी (گوشہ گیری) फा स्त्री—दे 'गोश नशीनी' ।
 गोश.गुजों (گوشہ گردین) फा वि—दे. 'गोश नशी' ।
 गोश.गुजीनी (گوشہ گردینی) फा स्त्री—दे 'गोश नशीनी' ।
 गोश.नशी (گوشہ نشین) फा. वि—एकान्तवासी, कोने में बैठनेवाला, सबसे अलग-थलग अकेला रहनेवाला ।
 गोशःनशीनी (گوشہ نشینی) फा स्त्री—एकान्त में रहना, सबसे अलग होकर अकेला रहना ।
 गोश (گوش) फा पु—कान, श्रवण, कर्ण ।
 गोशएइंजिवा (گوشہ انروا) फा अ पु—एकान्त, निर्जन स्थान, जहाँ कोई न हो ऐसा छोटा-सा स्थान ।
 गोशएतनहाई (گوشہ تنہائی) फा पु—एकान्त, गोशए इजिवा,—“सैकडों हस्त आवाद किये है इसको, कौन कहता है कि दिल गोशए तनहाई है ।”
 गोशएकर्मा (گوشہ کمال) फा पु—कमान का चिल्ला ।
 गोशएचश्म (گوشہ چشم) फा. पु—आँख का कोना ।
 गोशख़ा (گوش حیا) फा स्त्री—कनसलाई, एक लंबा और पतला कौडा जो कान में घुसकर बड़ा कण्ट देता है ।
 गोशगिराँ (گوش گراں) फा वि—जिसे ऊँचा सुनाई देता हो, बहरा, बधिर ।
 गोशगुज़ार (گوش گذار) फा वि—कहा हुआ, प्रार्थित, कथित, श्रुत ।
 गोशजद (گوش زد) फा वि—कान में पड़ी हुई वात, श्रुत, सुना हुआ ।
 गोश ता गोश (گوش تاگوش) फा वि—इधर से उधर तक, इस सिरे से उस सिरे तक ।
 गोशदार (گوش دار) फा वि—वात सुनने के लिए कान लगानेवाला, कनसुए लेनेवाला, निरीक्षक, निगहवान ।

गोशदारी (گوش داری) फा. स्त्री—कनसुए लेना, निरीक्षण, देखरेख ।
 गोशवरआवाज़ (گوش برآواز) फा. वि—आवाज की आहट पर कान लगाये हुए, उत्कर्ण ।
 गोशमाल (گوش مال) फा. वि—कान उमेठनेवाला; कान उमेठना ।
 गोशमाली (گوش مالی) फा. स्त्री—कान उमेठना, लड़को अथवा छोटे नौकरो को सजा देने के लिए उनके कान मलना ।
 गोशमाही (گوش مہائی) फा पु—धोधा; सीप, पियाला ।
 गोशवारः (گوشوارہ) फा पु—किसी हिसाब आदि के अलग-अलग व्योरे का कागज, कान का लटकन, बुदा ।
 गोशे शन्वा (گوش شنوا) फा पु—सुननेवाला कान, वह कान जो वात गौर से सुने, अर्थात् वह व्यक्ति जो वात पर कान धरे ।
 गोशे होश (گوش هوش) फा. पु—होश के कान, होशियारी और सतर्कता से वात सुनना ।
 गोश्त (گوشت) फा पु—मांस, आमिप, माँस ।
 गोश्तख़ोर (گوشت خور) फा वि.—गोश्त खानेवाला, मासा-हारी, जो प्रकृति से मासाहारी हो, जैसे—सिंह आदि ।
 गोश्तख़ोरी (گوشت خوری) फा स्त्री—गोश्त खाना, मासा-हार, मासभक्षण ।
 गोसालः (گوسالہ) फा पु—गाय का बछडा, गोवत्सल ।
 गोसालए फलक (گوسالہ فلک) फा अ पु—वृपराशि, बुजें सीर ।
 गोस्पंद (گوسپند) फा स्त्री—वकरी, अजा ।
 गोस्फंद (گوسفند) फा स्त्री—दे 'गोस्पद' ।

गौ

गौगा (عوعا) फा पु—कोलाहल, शोर, हाहाकार, कोहराम ।
 गौगाई (عوغائی) फा वि—कोलाहल करनेवाला, शोर मचानेवाला ।
 गौज (عور) अ पु—सकल्प, निश्चय, इरादा ।
 गौत (عوط) अ पु—किसी चीज में घुसना, एक चीज का दूसरी चीज में समाना ।
 गौर (عور) अ पु—चिन्तन, मनन, सोच, विचार, ध्यान, खयाल, तन्मयता, इन्रिमाक; तसव्वुर, अनुध्यान; तवज्जुह, ध्यान ।
 गौरतलब (عورطلب) अ वि—ज़िस पर विचार किया जाय, विचारणीय, जिस पर विचार आवश्यक हो ।
 गौरोखौज (عور و حوص) अ पु—सोच-विचार, बहुत अधिक गौर ।

गौरोपदर्शक (عور و بردارحت) अ पा स्त्री—दखरन पालन पोषण।
 गोल (عول) अ पु—दुःख रज, हत्या हनन, हत्याक, अचानक पकड़ लेना।
 गौस (عوث) अ पु—वह मुसलमान महात्मा जो बली से बड़ा पद रखता है, (वि) दुहाई सुननेवाला 'यामकर्ता', 'याम के लिए पुकारना, दुहाई देना।
 गौस (عوص) अ पु—पानी में पठना गाथा मारना, अचानक किसी चीज पर उतरना।
 गौहर (گوهر) पा पु—मुक्ता मुक्तक, मुक्ताहल माता।
 गौहरअपना (گوهرآشنا) पा वि—मोती बिखेरनेवाला, ऐसी मोठी बातें करनेवाला मानी मानी बिखर रहे हो।
 गौहरअपानी (گوهرآشنایی) पा स्त्री—मोती बिखेरना मोठी-मोठी बात करना।
 गौहरफरोश (گوهر فروش) पा वि—मोती बेचनेवाला जोहरी गुणग्राहका के सामने अपने गुणा का प्रदर्शन करनेवाला।
 गौहरफरोशी (گوهر فروسی) पा स्त्री—मोती बेचना गुण ग्राहका के सामने गुणा का प्रस्तान।
 गौहरफिया (گوهر فیا) पा वि—दे 'गौहरअपना'।
 गौहरफियानी (گوهر فیائی) पा स्त्री—दे 'गौहरअपानी'।
 गौहरवार (گوهر وار) पा वि—माती बरसानेवाला मुक्तावपक रानेवाला (विगेपत आल)।
 गौहरवारी (گوهر واری) पा स्त्री—मोती लुटाना राना आसू बहाना।
 गौहररेड (گوهر ربر) पा वि—गौहरवार'।
 गौहररेडी (گوهر رری) पा स्त्री—गौहरवारी'।
 गौहररनास (گوهر رشناس) पा वि—माती की परख रखनेवाला जोहरी गुण की परख रखनेवाला गुणग्राही।
 गौहररनासी (گوهر رشناسی) पा स्त्री—माती की परख गुणा की परख।
 गौहरसत्र (گوهر ستر) पा वि—माती तोलनेवाला जोहरी गुणा का परखनेवाला अच्छी कविता करनेवाला।
 गौहरसत्री (گوهر سترسی) पा स्त्री—माती तोलना जोहरी का काम गुणा की परख अच्छी कविता करना।
 गौहरे ताबी (گوهر تابان) पा पु—बटून अच्छी चमक देने वाला मानी।
 गौहरे बरबा (گوهر بدبان) पा पु—मातिया त्रम दति मानान्या दौंड।
 गौहरे यकता (گوهر یکتا) पा पु—वह माना जा ताप में एक ही होता है, इसलिए बरबा और बरमुत्स्य होता है।

च

चा (حک) पा पु—एक टेढ़े जाकार का बाजा, मट्टी पजा हर टेढ़ी वस्तु।
 चगनवाज (حک بروار) पा वि—बग बजानेवाला।
 चगनवाजी (حک براری) पा स्त्री—चा बजाने का काम या पेशा।
 चगलुक (حک گوی) पा वि—जिसने हाथ-पाँव टूट हो लुवा।
 चगाल (حکال) पा पु—दे 'चगुल'।
 चगी (حکگی) पा वि—चाग बजानेवाला।
 चगुल (حکگل) पा पु—मनुष्य का पजा पगी का पजा गेर आदि का पजा।
 चगुक (حکگوی) पा वि—दे 'चगलुक'।
 चगुज (حکگر) तु पु—दे गुड उ 'चिगेड'।
 चद (حند) पा पु—वह धन जो बहुत-स लोगो से लदर किसी काय विगेप म व्यय किया जाता है।
 चद (حلد) पा वि—थोड़े कतिपय कितने।
 चदगाह (حندگاه) पा स्त्री—बहुधा प्राय अक्सर।
 चद दर चद (حند در حند) पा वि—बहुत अधिक।
 चदन (حندن) एक प्रसिद्ध सुगंधित लवङ्गो सत्तल।
 चदमद (حند مرد) पा वि—वह व्यक्ति जो अनेका बर्बा आदमिया का काम करे।
 चदरोड (حند روه) पा वि—थोड़े दिना का, अस्थानी, जो अधिक काम न दे बोग, जो नाशवान् हो नदर, पानी।
 चदसाल (حند ساله) पा वि—जो धाडी आपु का हा जो धाडे वर्षों के लिए हो, जो थोड वर्षों में समाप्त हो।
 चदी (حندان) पा अव्य—इतना, इस इतर कितना किस इतर, जरा भी कुछ भी।
 चदाल (حندال) पा पु—अपम मोच चागल चोरीगर रखवाला।
 चदी (حندس) पा अव्य—इतना इम इतर कितना किस इतर।
 चदे (حندسه) पा वि—भाड लिन घाडी दर।
 चबर (حبر) पा वि—परिधि मुहात बगी टङ्गी टफ पेश हल्ला लौंड, गले का एक आभूषण बन ऊपर चढ़ने की रस्सा ब्र, काउवास धउर दना।
 चबरी (حبرسی) पा वि—गाल, मडलाकार।
 चर (حک) पा पु—दस्तावेज लख्य बताना, बिनय लख, सीमा, ह, दोन रचना, उद्यान, बाघ, आशुज,

हुकमनामा; धुनकी की मूठ, खलियान समेटने की पाँच शाखावाली लकड़ी, पचा, वृत्ति, वजीफा।

चक्र (چکر) फा पु—श्वेत का घोसला, वाज के रहने का स्थान।

चक्र (حکس) फा पु—दे 'चक्र'।

चक्राद (حکاد) फा स्त्री—ललाट, माथा।

चक्रावक (حکاري) फा पु—चडूल, एक मधुरस्वर पक्षी, टटीरी, टिट्टिभि।

चक्रोदः (چکيدہ) फा वि—टपका हुआ, गिरा हुआ।

चक्रोदनी (حکيدنی) फा वि—टपकने योग्य, गिरने योग्य।

चक्रुश (چکش) तु पु—लोहार का हथौड़ा।

चक्रोचानः (چک وچانه) फा पु—योग्यता, विद्वत्ता, काविलीयत, पात्रता, इस्ते'दाद।

चक्रमः (حکسه) तु. पु—मोजा, जुराँव, बूट जूता।

चक्रमाक (چکساق) तु पु—एक आग देनेवाला पत्थर, अग्नि प्रस्तर, व्यग, कटाक्ष, तज।

चक्रः (چکره) फा पु—बूँद-बूँद टपकना।

चक्रलः (حکله) तु पु—वेश्यालय, रडियो का महल्ला।

चक्रश (چکش) तु पु—लोहारो का हथौड़ा, दे 'चक्रुश', दोनो शुद्ध हैं।

चक्रश (حکش) फा पु—बुलबुल अथवा वाज आदि के विठाने की लकड़ी, अड्डा।

चक्रसः (چکسه) फा पु—पुडिया, जिसमें सौदा बँधा होता है।

चक्र (چکر) फा स्त्री—कलह, झगडा, कहा-मुनी, तू-तू, मैं-मैं।

चक्रश (چکش) फा स्त्री—गले की वतौड़ी, रसौली।

चक्रोदः (چکيدہ) फा वि—लडनेवाला।

चक्रो (چکين) फा वि—दु खित्त, क्लेशित, रजीदा।

चक्रोदः (چکيدہ) फा. वि—लडा हुआ, जो लडा हो।

चक्रोदनी (حکيدنی) फा वि—लडने योग्य।

चक्र (چکر) फा स्त्री—मठा फेरने की रई।

चक्रारिहतः (حکروسته) फा पु—सूत की पिडिया, अटी।

चक्राज (چکراز) फा स्त्री—व्यभिचारिणी, फाहिशा, कुलटा, मुँहफट और वाचाल स्त्री।

चक्रानः (چکانه) फा पु—धुनिए की मूठ-जैसी एक लकड़ी में झोंसे डालकर बजाने का एक बाजा।

चक्रानःजन (چکانه زن) फा वि—चक्राना बजानेवाला।

चक्रिल (چکرل) फा पु—दे 'चक्रिल'।

चक्रूक (چکروک) फा पु—चटक, गौरैया पक्षी, सुखाँव पक्षी।

चक्रज (چکر) फा पु—मेढक, दर्दुर, मडूक, वह फोडा जिसका मुँह बंद हो और भीतर पीप हो।

चक्र (چکر) फा पु—कपि, बदर, वानर।

चक्रूक (چکروک) फा पु—दे. 'चक्रूक'।

चक्र (چکر) फा पु—छत्री, छाता, वह छाता जो राजाओं के सर पर लगाया जाता है।

चक्रजन (چکروزن) फा वि—जमीन पर हाथ टेककर और पाँव ऊपर करके खडा होनेवाला।

चक्रपोश (چکروپوش) फा वि—जो छते से ढँका हो, जिस पर छाता लगा हो।

चक्रवश (چکرووش) फा वि—छाते-जैसा, छाते की तरह गोल और सायादार।

चक्रसाँ (چکروساں) फा वि—दे. 'चक्रवश'।

चक्रे अंबरीं (چکره اندرین) फा अ पु—रात्रि, रात, निशा।

चक्रे आबगूँ (چکره آنگون) फा पु—आकाश, आस्मान।

चक्रे कुहली (چکره کھلی) फा अ पु—आकाश, आस्मान, काली घटा।

चक्रे जरनिगार (چکره زرنکار) फा पु—सोने के काम से सुसज्जित छाता, ताराओं जडा आकाश।

चक्रे नूर (چکره نور) फा. अ पु—सूर्य, सूरज।

चक्रे शाही (چکره شاهي) फा पु—बादशाहो के सर पर लगाया जानेवाला बडा छाता।

चक्रे सीमावी (چکره سيمائي) फा पु—दे 'चक्रे सीमी'।

चक्रे सीमी (چکره سيميں) फा पु—पूरा चाँद, पूर्णचंद्र।

चक्राब (چکاب) फा पु—रावटी की लकड़ी का छेद।

चक्रार (چکراز) फा पु—एक प्रसिद्ध वृक्ष, कहते हैं कि रात को इससे से चिन्तारियाँ झडती हैं।

चक्र (چکر) फा वि—बायाँ, वाम, बायी ओर, उलटी तरफ।

चक्रअंदाज (چکره انداز) फा वि—वह तीरअदाज जिसका तीर निशाने पर पडकर लौट आये, छली, ठगिया।

चक्रकन (چکرکون) फा स्त्री—अचकन के प्रकार का एक वस्त्र, अँगरखा।

चक्रकुलश (چکرکولش) तु स्त्री—खीचातानी, आपाधापी; भीड़-भाड़, जगह की तगी, झगडा, बखेडा, लड़ाई।

चक्रचलः (چکرچله) फा पु—झूला, झूलने का यंत्र, रपटन, फिसलन।

चक्रत (چکيت) फा स्त्री—दे. 'चपात'।

चक्रवादः (چکره وادہ) फा वि—छोडा हुआ, त्यक्त।

चक्रविहंद. (چکره ويندهندہ) फा वि—छोडनेवाला, त्यागी।

चक्ररास (چکره راس) फा स्त्री—कमर में बाँधने की पटी, जो चौकीदार और सरकारी पियादे लगाते हैं।

चक्ररासी (چکره راسي) फा पु—चक्ररास बाँधनेवाला; माल के विभाग का सम्मान आदि ता'मील करनेवाला व्यक्ति।

चक्रात (چکيات) फा स्त्री—चपत, थपड।

चपाती (حبائى) का स्त्री-पतली रागी, जा हाथ पर बढायी गयी हा और बडी हो।
 चपार (حبار) का पु-चापार' माल्पु, डाक डाकिया।
 चपोरास्त (حپوراست) का पु-शाय-याथ इवर-उधर दोना और।
 चप्प (حبه) का पु-जा उल्टे हाथ से सारा काम करता हा खन्ना।
 चफाल (حمانه) का पु-सना, फोज पनिया का झुड।
 चफाद (حفند) का वि-चिपका हुआ।
 चफीदनी (حميدى) का वि-चिपकने योग्य।
 चफत (حمه) का वि-बक टग अवाकार खमीर मिथ्यारोप ताहमत बकरी का सिर सिरी।
 चफत (حمت) का स्त्री-अपूर आदि की टट्टी वाँस की खपच्चिया से बनी हुई चौकार टट्टी।
 चफसीद (حمسید) का वि-चिपका हुआ।
 चबाण (حباغ) का स्त्री-एक मछली।
 चबूतर (حبوبه) का प-चौतरा।
 चबगुत (حصب) का पु-रुडे भरा हुआ पुराना बपडा।
 चम (حم) का पु-इठलाती हुई चाल पेच।
 चमगलिग (حمگردش) का स्त्री-इठलाकर चरना विरामेनाज।
 चमन (حمن) का पु-उद्यान आराम बाटिका वाग।
 चमनआरा (حمنآرا) का वि-बाग को सजाने और सजानेवाला माती उद्यानफाल।
 चमनआराई (حمنآرایى) का स्त्री-बाग के सजाने का काम।
 चमनपरा (حمنپرا) का वि-चमनआरा।
 चमनपराई (حمنپراى) का स्त्री-दे चमनआराई'।
 चमनबद (حمنبند) का वि-बाग सजानेवाला वाग लगानेवाला।
 चमनबदी (حمنبندى) का स्त्री-बाग की सजावट वाग में लिए पेड लगाना।
 चमनिस्ता (حمليستان) का पु-चमनिस्तान' वा लपु द चमनिस्तान।
 चमनिस्तान (حمليستان) का पु-चमन वाग।
 चमा (حمان) का वि-इठलाकर चलनवाग, चलने में इठलाना हुआ।
 चमान (حمانه) का पु-सारी का पियाग जिममें खाने पाने ह (वि) इठलाना हुआ इठलाकर चरता हुआ।
 चमान (حمان) का पु-गंगा-यापाने के बी-।
 चमिन्द (حميد) का वि-इठलाने हुए टहलनेवाला।

चमिअ (حمش) का स्त्री-लचक इठलाहट।
 चमी (حمى) का वि-जो भौतिक न हो मानसिक मात्रकी।
 चमीद (حميد) का वि-जा इठलाकर टहल हो टहलता या चरता हो।
 चमीद (حميد) का स्त्री-लचक मगक इठलाहट।
 चमीदनी (حميدى) का वि-लचकने योग्य नाउ में चरन योग्य।
 चमीन (حمن) का पु-गंगाव पावाना।
 चमीलम (حمولم) का पु-नाजाअदाज हावभाव।
 चम्ब (حمكه) तु पु-हाडी चलाने वा पात्रविणप खाने का पात्रविणपे।
 चरद (حريد) का पु-द चरि' , दा गु ह।
 चर (حر) का प्रत्य-चरनेवाला जैसे-काहचर' घाम चरनवाला।
 चरस (حرس) का पु-गिज अडगडा चरण गचर भीष का माल।
 चरा (حرا) का अव्य-जया, विमलिए विम काण (पु) चरागाह पगुआ के चरने का स्थान चरा।
 चराण (حراغ) का पु-दीप दीपक, लिया चरना।
 चराणदान (حراغدان) का पु-चराण रखने का पात्र दीवट आदि।
 चराणपा (حراغپا) का पु-दीवट विराणपान (वि) का अलफ हा गया हो जो गुस्म में आप से बाहर हो गया हो।
 चरागर (حراگر) का वि-चरनेवाला।
 चरागवार (حراغوار) का पु-दीवट चराणपान, काल।
 चरागा (حراغان) का पु-जलत हुए चरागा की इतारें दीपावनी पकिनयो में बहुत-से दीपक जताने का पम अपराधी का शारीरिक यातना देने की एव अमानपित गी जिसमें उसक सिर पर बहुत स धाव बनाकर हर धाव में एक जलता हुई बत्ती रखते थे।
 चरागाह (حراغاه) का स्त्री-गा आदि के चरन का स्थान गोचर।
 चरागी (حراغى) का स्त्री-किसी बुजुग के मकर पर फाँटे लियेनेवाले स रोगनी क लिए लिया जानवाला पमा।
 चरापे आस्मानो (حراغآسمانى) का प-विठन बिजगा।
 चरापे कुत (حراغكوت) का पु-बुषा हुआ दीपक।
 चरापे तहेदामन (حراغتهدامن) का प-हवा क बग से बचाने क लिए दामन क नीच बिचा हुआ दीपक।

चरागे मजार (چراغ میزار) फा अ पु—कन्न पर जलनेवाला दिया, आधिक की कन्न पर जलनेवाला दीपक, यह शब्द विगेपत इन्ही अर्थों में बोला जाता है।

चराजन (چرازن) फा वि—चरनेवाला, घास खानेवाला, पशु, जानवर।

चरिदः (چرند) फा वि—पशु, चौपाया, मवेशी, चरनेवाला।

चरिद (چرند) फा पु—दे 'चरिद'।

चरीदः (چریده) फा वि—चरा हुआ, जिसे चरा गया हो।

चरीदनी (چریدنی) फा वि—चरने योग्य।

चर्कस (چرکس) तु पु—एक तुर्की जाति।

चर्ख (چرخ) फा. पु—सूत या ऊन कातने का यंत्र, चर्खा।

चर्ख (چرخ) फा पु—चक्कर, चक्र, आकाश, आस्मान, कुम्हार का चाक, पहिया, चक्र; कडा धनुष, रहट, कुएँ से पानी निकालने का गराँ, दामन का घेर, चारो ओर फिरना, घूमना, कुर्ते का गला।

चर्खअंदाज (چرخ انداز) फा. वि—अच्छा तीर चलानेवाला, धनुर्धर।

चर्खकवा (چرخ کبا) फा अ पुं—एक प्रकार की अतलस।

चर्खगी (چرخگی) फा स्त्री—पहलवान का अखाड़े में जीतने के समय खुशी से नाचना-कूदना।

चर्खजन (چرخ زن) फा वि—नाचनेवाला, (वाली) नर्तक, नर्तकी, पर्यटन करनेवाला, सैयाह।

चर्खजनी (چرخ زنی) फा स्त्री—नाचना, पर्यटन करना।

चर्खजी (چرخ جی) फा स्त्री—सेना का आगे चलनेवाला दस्ता।

चर्खरीसक (چرخ ریسک) फा पु—क्षीगुर।

चर्खवि (چرخاب) फा पु—जलावर्त, भँवर, (चर्ख=चक्कर+आव=पानी) गिदवि।

चर्खी (چرخى) फा स्त्री—कपास ओटने का यंत्र, पतंग की डोर लपेटने का हुचका, एक आतशवाजी, फिरकी।

चर्खशत (چرخ شت) फा पु—कोल्हू।

चर्खक (چرخک) फा पु—लट्टू।

चर्ख कसाँ (چرخ کسان) फा पु—धनुष का घेरा।

चर्ख फलक (چرخ فلک) फा अ पु—सब से ऊँचा आकाश, जिस पर ईश्वर का सिंहासन है, अर्श।

चर्ख बरी (چرخ بری) फा पु—ऊँचा आकाश, सबसे ऊपरवाला आकाश।

चर्ख (چرخ) फा पु—श्येन, गिरा वाज, गिकारी पत्नी, लकड़वग्धा, चर्खा।

चर्खद (چرخد) फा पु—क्षीगुर।

चर्खीन (چرخیل) फा वि—नीच, कमीना, अयम।

चर्ख (چرخ) फा पु—मनुष्य अथवा पशु की खाल।

चर्ख (چرخ) फा पु—एक पक्षी।

चर्ख (چرخ) फा. पु—दे 'चर्ख'।

चर्ख (چرخ) फा पु—रग, वर्ण, परंतु यह शब्द केवल 'सियाह' के साथ बोला जाता है, और 'काले रगवाला' का अर्थ देता है।

चर्ख (چرخ) फा पु—वह महीन और चिकना कागज जो दूसरे कागज पर रखकर उसके बेलवूटे उतारने के काम आता है, अक्सी कागज, इस प्रकार उतारा हुआ कागज, खाका, रेखाचित्र, नक़ल, प्रतिलिपि।

चर्ख (چرخ) फा वि—चिकना, स्निग्ध, घी में चुपडा या मला हुआ, घी में तलना, सेकना।

चर्खआखोर (چرخ آخور) फा वि—वह व्यक्ति जो बिना परिश्रम के तर माल खाता हो, मुपतखोर।

चर्खक (چرخک) फा पु—पूरी, घी में तला हुआ फुलका, मलाई, क्षीरस्तर, वह महीन कागज जिस पर दूसरे चित्र का अक्स लिया जाता है।

चर्खकामत (چرخ کامت) फा अ वि—अच्छे डीलडौल का, सुडौल।

चर्खजवाँ (چرخ زبانی) फा वि—चापलूस, चाटुकार, खुशामदी, मुखर, वाचाल, वातूनी, खुशामद से मीठी-मीठी बातें करनेवाला।

चर्खजवानी (چرخ زبانی) फा स्त्री—चापलूसी, वातूनी होना; मीठी-मीठी बातें करना।

चर्खदस्त (چرخ دست) फा. वि—किसी काम में होशियार, सिद्धहस्त, दस्तकार, शिल्पकार।

चर्खदस्ती (چرخ دستی) फा स्त्री—काम में कुशलता, दस्तकार होना।

चर्खपहलू (چرخ پہلو) फा वि—चर्वीला, मोटा-ताजा; वह व्यक्ति जिसके पास बैठना उठना लाभदायक हो।

चर्खदः (چرخد) फा वि—जीतनेवाला, विजेता।

चर्खदगी (چرخدگی) फा स्त्री—विजय, जीत।

चर्खदः (چرخد) फा वि—जीता हुआ, जो जीत गया हो, प्राप्तविजय।

चर्खदनी (چرخدنی) फा वि—जीतने योग्य, जेय।

चर्ख (چرخ) फा स्त्री—चर्वी, मेदा।

चर्खखुशक (چرخ خوشک) फा पु—अच्छा-चुरा, दुग-भला, उदार और कजूस।

चर्ख (چرخ) फा. पु.—गोन, खुर्जी।

चर्ख (چرخ) फा पु—नमटा, चर्म, (गन्धुत का फार्मी में प्रचलित तत्त्वम रूप)।

चमरी (चर्मदान) का पु—चमड़ का थल।
 चमरीज (चर्मदोर) का वि—चमड़ा गीनवाग माची
 चमवार।
 चमरीजी (चर्मदोरी) का स्त्री—चमड़ा गीने का वाम
 मोचीपन।
 चमी (चर्मिन) का वि—चमड़ा का बना हुआ।
 चमीन (चर्मिने) का पु—चमड़ा की बनी हुई वस्तु।
 चमें आहू (चर्मिआहू) का पु—हिंस का चमड़ा।
 चविद (चर्मिद) का वि—दोहनवाला उपाय दूधन
 वाला।
 चवीद (चर्मिद) का वि—दोहन हुआ उपाय दूड़ा हुआ।
 चलजू (चलजू) का वि—वह व्यक्ति जो बपन ज
 मग करता है।
 चलपची (चलपची) का स्त्री—हाथ धान का एन निगप
 पात्र।
 चलाली (चलाली) का पु—छावा।
 चलिद (चलिनद) का वि—चमड़ावाग।
 चलीद (चलिनद) का वि—चला हुआ।
 चलीदनी (चलिनदी) का वि—चलन योग्य।
 चलीपा (चलिनपा) का वि—सलाव पास।
 चलीपाई (चलिनपाई) का वि—सलीव के जाकर का।
 चल्पक (चलिनक) का स्त्री—पूरी धी म गिनी हुई
 राटी।
 चलास (चलिनसा) का स्त्री—छिपवली गहवाधा द
 चिपास दो शु है।
 चलब (चलिनब) का स्त्री—झास।
 चग (चलिन) का पु—चमरी चाटन की खट मिट्टी चाज
 अवलह लडक।
 चग (चलिन) का प्रय—चपनवाला जैसे—लज्जत
 चग भजा चलनवाला।
 चगक (चलिनक) का स्त्री—चलावट।
 चशिद (चलिनदी) का वि—चलनवाला।
 चगीद (चलिनदी) का वि—चला हुआ।
 चशीदनी (चलिनदी) का वि—चलन योग्य।
 चशर (चलिन) का पु—गाव का चिह्न।
 चम (चलिन) का पु—गाता सात सरिता छाटा
 नग उपनत्र एनक प्राइतिक सात कुड।
 चम गहू (चलिनगहू) का स्त्री—चमरे का स्थान।
 चम जार (चलिनजार) का पु—जटा चम हा चम है।
 चम सार (चलिनसार) का पु—चमर जार चमरे से
 भग हुआ स्थान।

चम (चलिन) का पु—नत्र नयन चमू शीव आत
 उमी।
 चमए आपताब (चलिनआपताब) का पु—मूख मूय।
 चमए खिर (चलिनखिर) का अ पु—आवहयात
 का चमरा अमत कुड।
 चमए गम (चलिनगम) का पु—वह माता जहाँ से म
 पानी निकलता है।
 चमए सीमार (चलिनसीमार) का पु—मूख मूय।
 चमए होर (चलिनहोर) का पु—मूख मूय।
 चमए हर्षा (चलिनहर्षा) का अ पु—चमए
 रिच।
 चमक (चलिनक) का स्त्री—गुप्त वाग व लिए आव का
 मकन उपनत्र एनक।
 चमकजन (चलिनकजन) का वि—आलस सकत बल
 वाला।
 चमकजनी (चलिनकजनी) का स्त्री—आव से सकत
 करना।
 चमखान (चलिनखान) का पु—वह गल जिमम आव का
 डला रहता है चक्ष गोलक।
 चमगत (चलिनगत) का वि—विषम दृष्टि भगा।
 चमजलम (चलिनजलम) का पु—चुरी दृष्टि का प्रभाव।
 चमजद (चलिनजद) का प—नजर लगाना बाँल का
 सकेत करना उरता पलक बपकना पल लमहा।
 चमजवन (चलिनजवन) का प—पलक बपकना निमप।
 चमजरा (चलिनजरा) का वि—निलज्ज बहया।
 चमवरीद (चलिनवरीद) का वि—निलज्ज घट
 बहया।
 चमदारत (चलिनदारत) का स्त्री—जागा भरागा
 उमेर आल लगाना।
 चमदीद (चलिनदीद) का वि—आँल से देवा हुआ जा
 जावी व सामन घटित हुआ हो।
 चमनुमाई (चलिननुमाई) का स्त्री—आव तरेला
 आल तरेरकर धमका दना।
 चमपोगी (चलिनपोगी) का स्त्री—किमी का दाप देवने
 हुए भी निगाह बचा जाना दर गुजर।
 चमबद (चलिनबद) का वि—वह मत्र या जाडू जिससे
 नील उ जाती है।
 चमबदी (चलिनबदी) का स्त्री—मत्र या जाडू के द्वारा
 नाद का उ जाना।
 चमबरजा (चलिनबरजा) का वि—टवटकी बांध हुए ए
 टव देवता हुआ।

चश्मबराह (چشم براه) फा. वि-रस्ते पर आँखे लगाये हुए, बैचनी से प्रतीक्षा करनेवाला।

चश्मरसीदः (چشم رسید) फा वि-जिसे नजर लग गयी हो।

चश्मरौशनी (چشم روشنی) फा स्त्री-मुवारकवाद, वधाई।

चश्महादीदः (چشم های دید) फा वि-बहुत-सी आँखे देखे हुए, अर्थात् बहुत ही अनुभवी।

चश्मारू (چشم آرو) फा पु-खेत रखाने के लिए बनाया हुआ फूस आदि का मनुष्य, घोखा।

चश्मे खुरूस (چشم خروس) फा स्त्री-धुँधची, धुमचिल।

चश्मे खूँआलूद (چشم خون آلود) फा स्त्री-ऐसी आँखे जो क्रोध के वेग से लाल हो रही हो, मानो उनमें खून उतर आया है।

चश्मे जाहिर (چشم ظاهر) फा अ स्त्री-साधारण आँख जिससे देखते हैं, चर्मचक्षु।

चश्मे नम (چشم نرم) फा स्त्री-गीली आँख, जो आँसुओं से तर हो।

चश्मे नीमवाज (چشم نیم باز) फा स्त्री-अधखुली आँख, ऊँघते हुए की आँख, नशे में मस्त की आँख।

चश्मे नीमवा (چشم نیم وا) फा स्त्री-दे. 'चश्मे नीमवाज।

चश्मे पुरआव (چشم در آب) फा स्त्री-जिस आँख में आँसू भरे हुए हो, रोनेवाली आँख, डबडवाई हुई आँख।

चश्मे पुरनम (چشم در نم) फा स्त्री-दे 'चश्मे पुरआव'।

चश्मे फिरंगी (چشم فرنگی) फा स्त्री-उपनेत्र, चश्मा, ऐनक।

चश्मे वद (چشم بد) फा स्त्री-बुरी नजर, कुदृष्टि, लगनेवाली नजर।

चश्मे वददूर (چشم بد دور) फा वा-एक आशीर्वाद, तुम्हें बुरी नजर न लगे।

चश्मे वातिन (چشم باطن) फा अ स्त्री-'चश्मे जाहिर' का उलटा, दिल की आँख, अतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु, दिव्य दृष्टि।

चश्मे बीना (چشم بینا) फा स्त्री-देखनेवाली आँख, जिस आँख में ज्योति हो, स्वस्थ आँख।

चश्मे बीमार (چشم بیمار) फा स्त्री-अधखुली आँख, विशेषत प्रेमिका की आँख के लिए बोलते हैं।

चश्मे बेआव (چشم بی آب) फा स्त्री-जिस आँख में पानी न हो, अर्थात् निर्लज्ज।

चश्मे बेदार (چشم بی دار) फा स्त्री-जागती हुई आँख, खुली हुई आँख, सजग, सचेत।

चश्मे शव (چشم شب) फा स्त्री-चंद्रमा, चाँद।

चश्मे शोर (چشم شور) फा स्त्री-दे 'चश्मेवद'।

चश्मे सियाह (چشم سیاه) फा स्त्री-इस शब्द का प्रयोग

जब प्रेमिका के लिए हो तो सुन्दर आँख और जब अपने लिए हो तो अधी आँख।

चश्मे हिस्सी (چشم حسنی) फा अ स्त्री-दे 'चश्मे जाहिर'।

चश्मोचराग (چشم و چراغ) फा पु-अपने लिए आँख और घर के लिए दीपक, अर्थात् पुत्र, बेटा।

चस्तः (چست) फा पु-घोडे, गधे अथवा ऊँट की खाल की बनी हुई एक वस्तु विशेष, पशु की रान का मास।

चस्तःत्वार (چست و توار) फा. वि-मुपतखोर।

चस्पाँ (چسپان) फा वि-चिपका हुआ; चरितार्थ, मुताविक।

चस्पानीदः (چسپانید) फा वि-चिपकाया हुआ।

चस्पिंदः (چسپینده) फा वि-चिपकानेवाला।

चस्पोदः (چسپید) चिपका हुआ।

चस्पोदगी (چسپیدگی) फा स्त्री-चिपकन, चिपक।

चस्पोदनी (چسپیدنی) फा वि-चिपकने योग्य।

चह (ح) फा पु-'चाह' का लघु, दे 'चाह'।

चहचहः (چہ چہ) फा पु-चिड़ियों की चहकार, चह-चहाहट।

चहार (چار) फा. वि-चार, चार की संख्या।

चहारगानः (چهار گانه) फा वि-चार से सम्बन्ध रखनेवाला; चार सूत्रवाला, चार प्रकारवाला।

चहारगाह (چهارگاه) फा पु-गाने का एक प्रकार।

चहारचंद (چهار چاند) फा वि-चौगुना।

चहारजानिब (چهار جانب) फा अ वि-चारो ओर, चारो तरफ।

चहारतारः (چهار تار) फा पु-एक साज जिसमें चार तार होते हैं।

चहारदह (چهار دهم) फा. वि-चौदह, चतुर्दश।

चहारदहम (چهار دهم) फा वि-चौदहवाँ, चतुर्दश; चौदहवीं, चतुर्दशी।

चहारदांग (چهار دانگ) फा वि-चारो ओर, सब तरफ; ससार भर।

चहारपहलू (چهار پهلوی) फा वि-चार कोनेवाला, चौखूटा, चतुष्कोण।

चहारमीर (چهار میر) फा अ पु-चारो खलीफा, अवुवक, उमर, उस्मान, अली।

चहारमेखे हयात (چهار میخ حیات) फा अ. स्त्री-आग, पानी, वायु, पृथ्वी, चारो तत्त्व।

चहारशंव. (چهارشنبه) फा पु-बुधवार, बुध का दिन।

चहारम (چهارم) फा वि-चौथा, चतुर्थ।

चहारमी (چهارمیه) फा वि-चौथे का, चौथावाला, चौथा।

चमदाँ (حرمداँ) का पु—चमडे का थला।
 चमदोड (حرمدور) का वि—चमरा गीनेवाला, भाची,
 चमवार।
 चमदोडो (حرمदुरी) का स्त्री—चमरा गीने का चाम,
 मोचीपन।
 चमी (حرمی) का वि—चमने का बना हुआ।
 चमीन (حرمین) का पु—चमने की बनी हुई वस्तु।
 चमीं आहू (حرمی) का पु—हिरन का चमडा।
 चविद (حروید) का वि—दौड़नेवाला उपाय दूने
 वाला।
 चवीद (حروید) का वि—दौडा हुआ उपाय दूँगा हुआ।
 चलजू (حلیجو) का वि—वह व्यक्ति जो चमरा ज
 मला करता है।
 चलचवी (حلیصی) का स्त्री—हाथ धान का एक विपे
 पात्र।
 चलाली (حلیلی) का पु—छाना।
 चलीद (حلید) का वि—चलनेवाला।
 चलीद (حلید) का वि—चला हुआ।
 चलीदनी (حلیدنی) का वि—चलने योग्य।
 चलीपा (حلینا) का वि—सलाब नास।
 चनीपाई (حلیسائی) का वि—मलीब के आकार का।
 चलयक (حلیک) का स्त्री—पूरी धी में भिनी हुई
 रोटा।
 चल्यास (حلیس) का स्त्री—छिपकली गहगोया दे
 चिल्यास का पु है।
 चत्व (حلی) का स्त्री—नाँव।
 चण (حلی) का पु—चटनी चाटने की छत मिठठी चाउ,
 जवलेहू उक।
 चण (حلی) का प्रत्य—चपनेवाला जमे—उज्ज
 चण मजा चपनेवाला।
 चणक (حلی) का स्त्री—चलावट।
 चणद (حلید) का वि—चखनवाग।
 चणोद (حلید) का वि—चखा हुआ।
 चणोदनी (حلیدنی) का वि—चलने योग्य।
 चणपर (حلی) का पु—याव का चिह्न।
 चणम (حلی) का पु—सोना सात सरिता छाग
 नगी उपनत्र ऐनक प्राकृतिक भात बुन।
 चणमगाह (حلی) का स्त्री—चरमे का स्थान।
 चणमजार (حلی) का पु—जहा चरम हा चम हा।
 चणमसार (حلی) का पु—चरम जार चरमा स
 भग हुआ स्थान।

चणम (حلی) का पु—नत्र, नयन, चण आँव, आग
 उम्मीन।
 चणमए आफताव (حلی) का पु—मूरज मूस।
 चणमए गिरा (حلی) का अ पु—आवहवात
 का चरमा, जमत कुड।
 चणमए गम (حلی) का पु—वह माता जहा म गम
 पानी निरलता है।
 चणमए सोमार (حلی) का पु—मूरज मूस।
 चणमए होर (حلی) का पु—मूरज मूस।
 चणमए हवाँ (حلی) का अ पु—चरमए
 तिस।
 चणमक (حلی) का स्त्री—मुत्त वात के लिए आँव वा
 सवत उपनत्र ऐनक।
 चणमकउन (حلی) का वि—आव से सवेत कर
 वाला।
 चणमकउनो (حلی) का स्त्री—आव से सवेत
 करता।
 चणमखान (حلی) का पु—वह गण जिममें आव का
 टेला रहता है चणु गोत्रक।
 चणमगन (حلی) का वि—विपम दृष्टि भंगा।
 चणमडलम (حلی) का पु—बुरी दृष्टि का प्रभाव।
 चणमजद (حلی) का पु—नडर लगाना आव का
 सवेत करता डरता पलक चपकना पल
 लमहा।
 चणमजदन (حلی) का पु—पलक झपकना निमेष।
 चणमजरा (حلی) का वि—निलज्ज बेहया।
 चणमजरोद (حلی) का वि—निलज्ज घट
 बेहया।
 चणमजस्त (حلی) का स्त्री—आग भरोमा
 उम्मेत आव लगाना।
 चणमदीद (حلی) का वि—आँव से देखा हुआ ज
 आवा के सामने घटित हुआ हो।
 चणमनुमाई (حلی) का स्त्री—आँव तरेला
 जारें तरेकर घमका दना।
 चणमपोशी (حلی) का स्त्री—किना का दोप दलने
 हुए भी निगाह बचा जाना दर गुजर।
 चणमबद (حلی) का वि—वह मत्र या जादू बिलने
 ना उ जाती है।
 चणमबदी (حلی) का स्त्री—मत्र या जादू के द्वारा
 ना का उ जाना।
 चणमबरजा (حلی) का वि—उकटती बाध हुए ए
 टक देखता हुआ।

चश्मवराह (چشم و راه) फा वि-रस्ते पर आंगे लगाये हुए, बैचनी में प्रतीक्षा करनेवाला।

चश्मरसोद (چشم رسود) फा वि-जिसे नजर लग गयी हो।

चश्मरोशनी (چشم روشنی) फा स्त्री-म्वारकवाद, वधाई।

चश्महादीद (چشم هادید) फा वि-बहुत-सी आंखें देखने हुए, अर्थात् बहुत ही अनुभवी।

चश्मार (چشم آمار) फा पु-येत राने के लिए बनाया हुआ फुंग आदि का मनुष्य, धोंगा।

चश्मे खुत्स (چشم خوس) फा स्त्री-पुंघवी, पुमचिल।

चश्मे खालूद (چشم خالود) फा स्त्री-ऐसी आंखें जो शोध के वेग में लाल हो गयीं हो, मानों उनमें गून उतर आया है।

चश्मे जाहिर (چشم ظاهر) फा. अ स्त्री-साधारण आंग जिममें देखते हैं, चमंचक्षु।

चश्मे नम (چشم نم) फा स्त्री-गोली आंग, जो आंसुओं में तर हो।

चश्मे नीमवाज (چشم نیم وار) फा स्त्री-अधगुली आंग, ऊंधते हुए की आंग, नजे में मस्त की आंग।

चश्मे नीमवा (چشم نیم وار) फा. स्त्री-दे 'चश्मे नीमवाज।

चश्मे पुरआव (چشم پور آب) फा. स्त्री-जिस आंग में आंगू भरे हुए हो, रानेवाली आंग, उवटवाई हुई आंग।

चश्मे पुरनम (چشم پور نم) फा स्त्री-दे. 'चश्मे पुरआव'।

चश्मे फिरंगी (چشم فرنگی) फा स्त्री-उपनेत्र, चश्मा, ऐनक।

चश्मे वद (چشم ود) फा स्त्री-बुरी नजर, कुदृष्टि, लगनेवाली नजर।

चश्मे वदहर (چشم ود هار) फा वा-एक आशीर्वाद, तुम्हें बुरी नजर न लगे।

चश्मे वातिन (چشم وطن) फा अ स्त्री-'चश्मे जाहिर' का उलटा, दिल की आंग, अतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु, दिव्य दृष्टि।

चश्मे बीना (چشم بینا) फा स्त्री-देखनेवाली आंग, जिस आंग में ज्योति हो, स्वस्थ आंग।

चश्मे बीमार (چشم بیمار) फा स्त्री-अधखुली आंग, विशेषत प्रेमिका की आंग के लिए बोलते हैं।

चश्मे बेआव (چشم بے آب) फा स्त्री-जिस आंग में पानी न हो, अर्थात् निर्लज्ज।

चश्मे वेदार (چشم بیدار) फा स्त्री-जागती हुई आंग, खुली हुई आंग, सजग, सचेष्ट।

चश्मे शव (چشم شب) फा स्त्री-चद्रमा, चाँद।

चश्मे शोर (چشم شور) फा स्त्री-दे 'चश्मेवद'।

चश्मे सियाह (چشم سیاه) फा. स्त्री-इस शब्द का प्रयोग

जब प्रेमिका के लिए हो तो मुन्दर आंग और जब अपने लिए हो तो अधी आंग।

चश्मे हिस्ती (چشم حسی) फा अ स्त्री-दे 'चश्मे जाहिर'।

चश्मोचराग (چشم و چراغ) फा पु-अपने लिए आंग और घर के लिए दीपक, अर्थात् पुत्र, घेता।

चस्त. (حسته) फा पु.-गोटे, गधे अथवा ऊँट की खाल को बनी हुई एक बरतु विशेष, पंगु की रान का मास।

चस्ता:द्वार (چسته حوار) फा वि-मुफतखोर।

चत्पां (چسپان) फा वि-चिपका हुआ, चरितार्थ, मुताबिक।

चस्पानीद. (چسپانید) फा वि-चिपकाया हुआ।

चस्पिंद: (چسپنده) फा वि-चिपकानेवाला।

चस्पौद: (چسپیده) चिपका हुआ।

चस्पौदगी (چسپیدگی) फा स्त्री-चिपकान, चिपक।

चस्पौदनी (چسپیدنی) फा. वि-चिपकाने योग्य।

चह (چه) फा पु-'चाह' का लघु, दे 'चाह'।

चहचह: (چه چه) फा पु-चिटियों की चहकार, चह-चहाहट।

चहार (چار) फा. वि.-चार, चार की सख्या।

चहारगान: (چار گانه) फा वि-चार से सम्बन्ध रखनेवाला; चार मूत्रवाला, चार प्रकारवाला।

चहारगाह (چارگاه) फा पु.-गाने का एक प्रकार।

चहारचंद (چارچند) फा वि-चौगुना।

चहारजानिव (چار جانیب) फा. अ. वि-चारों ओर, चारों तरफ।

चहारतार: (چار تار) फा पु.-एक साज जिसमें चार तार होते हैं।

चहारवह (چار वह) फा वि-चौदह, चतुर्दश।

चहारदहम (چاردهم) फा वि-चौदहवाँ, चतुर्दश; चौदहवी, चतुर्दशी।

चहारदांग (چار دانگ) फा वि-चारों ओर, सब तरफ; ससार भर।

चहारपहलू (چارپهلوی) फा वि-चार कोनेवाला, चौखूटा, चतुष्कोण।

चहारमीर (چار میر) फा. अ पु.-चारों खलीफा, अबूबक्र, उमर, उस्मान, अली।

चहार मेखे हयात (چار میخ حیات) फा अ स्त्री-आग, पानी, वायु, पृथ्वी, चारों तत्त्व।

चहारशंब: (چارشنبه) फा पु-बुधवार, बुध का दिन।

चहाखम (چار خم) फा वि-चौथा, चतुर्थ।

चहाखमी (چار خمین) फा वि-चौथे का, चौथावाला, चौथा।

घा

घाउण (घاؤں) तु पु-द 'चाऊण, दा घु ह।
 चाऊण (घाؤंस) तु पु-सा। यवा चापिल के आग आगे चलनेवाला चारख नवीव।
 चाक (حاق) तु वि-स्वस्व, हृष्ट-गुष्ट, सतक, सचत, चौकम तत्पर मुस्तश्।
 चाक (حای) फा पु-दरार, दज शिगाफ, विदीण फटा हुआ फटन फटने का भाव।
 चाक चाक (حای-حای) फा वि-पुजें-पुजें टुकड़-टुकड़े, भिन्न भिन्न।
 चाकनाक (حاسان) तु पु-बदूक का घाडा, द 'चवमाक'।
 चाकर (حاکر) फा पु-सेवक दास नौकर।
 चाकरी (حاکری) फा स्त्री-नका कम दासता नौकरा।
 चाकण (حاکش) फा पु-बदूक का घाडा।
 चाकू (حاکو) फा पु-एक विनोप प्रकार की दस्तदार छोटी छुरी।
 चाके गिरीबी (حای-گریبان) फा पु-कुर्ते आदि के गले की फटन।
 चाके जिगर (حای-حگر) फा पु-हृदय की फटन, हृदय का धाव प्रेम का जखम।
 चाके दामन (حای-دामن) फा पु-गमन की फटन जा प्रेम के आवेग में फाडा जाता है।
 चाके राँ (حای-راں) फा पु-राज की फटन भग यावि।
 चागर (حاجر) फा पु-चिडिया का घोट जिसमें अत रहता ह।
 चाघ (حاج) फा पु-हमी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर जो अब ताशकंद कहलाता है, यहा का धनुष बहुत बलिया होता था।
 चाची (حاحی) फा वि-चाच की बनी हुई वस्तु विशेषत धनुष डेंडोरिया धोपणा करनेवाला।
 चाची कर्मा (حاحی-कर्मा) फा स्त्री-चाच का बना हुआ धनुष।
 चादर (حادر) फा स्त्री-जानने का वस्त्र प्रच्छादन सोमा, रावटी सल्ला गाट।
 चादरबदोश (حادر-بدوش) फा वि-कंधे पर चादर डाले हुए चार ओंठे हुए।
 चादरे आव (حادر-آب) फा स्त्री-पाना की सतह जलस्तर।

चादरे मूताव (حادر-موتاب) फा स्त्री-नफ्त चार की तरह विछी हुई चाँनी, चाँनी का पत्र।
 चान (حانه) फा पु-नीच का जवण, नाच जव की हुरी।
 घाप (حاپ) फा पु-छाप, मुद्रण, छपना, श्ववत कोम।
 घापची (حاحچی) फा वि-छापनेवाला, मुद्रक।
 घापातो (حاحاتی) फा स्त्री-चपाती, पतनी और बने राटी जा हाथ स बनायी गमी हो।
 चापार (حاپار) फा-पु-डाक, पोस्ट, डाकिया बिग्या रसी।
 चाप्लूस (حاپلوس) फा वि-चाटुकार छुगामनी।
 चाप्लूसी (حاپلوسی) फा स्त्री-चुगामन, चाप्लिन।
 चाबुक (حابی) तु पु-चपक, पियाला।
 चाबुक (حاک) फा पु-नाडा बगा शना, तीर, तेज निपुण हांगवार।
 चाबुकखिराम (حاک-خیرام) फा वि-तेज चलनवाग तांत्रगति गीघ्रगामी।
 चाबुकखिरामी (حاک-خیرامی) फा स्त्री-भज चलन गीघ्र गति, गीघ्र गमन।
 चाबुकजन (حاک-جن) फा वि-बोडा मारनवाला।
 चाबुकजनी (حاک-جنی) फा स्त्री-काग मारता।
 चाबुकदस्त (حاک-دست) फा वि-कारीगरी में कुण्ड शिग्रहस्त कुशलहस्त तज काम करनेवाला।
 चाबुकदस्ती (حاک-دستی) फा स्त्री-कारीगरी में कुण्डता काम की तेबी।
 चाबुकसवार (حاک-سوار) फा पु-घोडे का अच्छा चपन वाला बह व्यक्ति जा घोडे को सधाता और मिलाता है।
 चाबुकसवारी (حاک-سواری) फा स्त्री-घोड पर अच्छा चपता घोडा को सधाने और सिखाने का काम।
 चावुकी (حاک-کی) फा स्त्री-निपुणता दीपता, होशियारी (पु) तेज घोडा।
 चाम (حامه) फा पु-कविता काव्य गेर, गजल।
 चामनी (حामنگو) फा वि-कविता करनवाला कवि गादर।
 चाम (حام) फा पु-पहाडी की घाटी।
 चामक (حامی) तु पु-दे 'चामन'।
 चामण (حامی) तु पु-गहरा कुआँ।
 चामिद (حامی-د) फा वि-मूतनेवाला पेशाब करनवाग।
 चामी (حامی) फा पु-चामीन का लघु दे चामीन।
 चामीद (حامی-د) फा वि-जिसने पनाब किया हो।
 चामीदनी (حامی-دنی) फा वि-पेगाब करने योग्य।

चामीन (چامین) फा पु—पेगाव और पासाना, गू और मत।

चारः (چار) फा पुं—उपाय, तदवीर, प्रयत्न, कोशिश, उपचार, इलाज; आश्रय, महारा; छल, मक्का।

चार.गर (چارگر) फा. वि—चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब।

चार.गरी (चारگاری) फा स्त्री—चिकित्सा, उपचार, इलाज, दवा-शास्त्र।

चार.जोई (चारجوئی) फा स्त्री.—प्रयत्न, तदवीर, दीउ-भाग, कोशिश।

चार.पिजोर (چارپیور) फा वि.—जिमकी चिकित्सा हो सके, साध्य, जिमका उपाय हो सके।

चार.पिजोरी (चारپیوری) फा. स्त्री.—इलाज हो सकना, उपाय हो सकना।

चार.साज (चारساز) फा वि—दे. 'चार गर'।

चार.साजो (चारسازی) फा स्त्री—दे 'चार गरी'।

चार (چار) फा वि—चार की मख्या, चत्वर, जो चार हो, चिकित्सा, इलाज, उपाय, तदवीर।

चारअन्नू (चारانرو) फा पुं—डाटी, मूँछ, मिर और भीह के बाल।

चारआईनः (चारآئنه) फा पु—एक चौकोर लोहे का पत्र जो तीर आदि के बचाव के लिए कपटों के नीचे छाती पर पहना जाता था।

चारएकार (चारآکار) फा पु—कार्य का उपाय, प्रयत्न, अंतिम उपाय, आखिरी कोशिश।

चारएदद (चारآدد) फा. पु—पीडा की चिकित्सा, प्रेम के रोग का इलाज।

चारक (चारک) फा वि—नकीव, चौबदार।

चारकुव (चारکوب) तु पु—धनवान् लोगों के पहनने का एक वस्त्र-विशेष।

चारखम (चारآخم) फा पु—पूरा, खिचा हुआ धनुष, एक प्रकार का धनुष।

चारखानः (चारآخانه) फा पु—चौकोर खानोवाला कपड़ा, जिसमें चार खानें हो।

चारगामः (चारآگامه) फा वि—तेज चलनेवाला घोडा।

चारगाह (चारآگاه) फा. पु—एक रागिनी, आदमी का शरीर जो आग, पानी, वायु और मिट्टी इन चार तत्वों से बना है।

चारज्जवाँ (चारآزجان) फा वि—बहुत अधिक बोलनेवाला, बातूनी, वाचाल।

चारजानू (चारآزانو) फा. पु—आलती पालती (पलथी) मारकर बैठने की मुद्रा।

चारजामः (चारآجامه) फा. पु.—एक प्रकार की जीन; जीनपोथ।

चारताक (चारآطاق) फा पु—एक प्रकार की रावटी।

चारताक अफगन (चारآطاق افغن) फा वि.—रावटी गाउने और फर्ज आदि बिलानेवाला, फरगि।

चारदह (चारآده) फा वि—चौदह, चतुर्दश।

चारदहूम (चारآدهم) फा वि—चौदहवाँ, चतुर्दश।

चारदांग (चारآدانگ) फा पु—चारों ओर, सब तरफ; मारा सगर।

चारदीवार (चारآدیوار) फा स्त्री—राति, रात, निगा।

चारदीवारी (चारآدیواری) फा स्त्री—घर, कौंठी, बाग या इमारत आदि के घेरे की दीवार, प्राचीर, प्राकार, इहाता।

चारपा (चारآپا) फा पु—चौपाया, पशु, मवेशी।

चारपाय (चारآپایه) फा. पुं—दे 'चारपा'।

चारपारः (चारآپاره) फा पु—ब्रह्म में भरा जानेवाला छरी।

चारवंग (चारآवरگ) फा पु—एक फूल, पहड़ी लाला।

चारवाश (चारآवाغ) फा पु—बहुत बड़ा और सुंदर बाग, जिगमें हर प्रकार के पेड़ और फूल हो।

चारवालिश (चारآوالش) फा पु—बड़ा तकिया, मस्नद, गावतकिया।

चारवेख (चारآویخ) फा स्त्री.—चार बनीपधियों की जड़, कामनी, सौफ, करपम और अगूर की जड़।

चारमतज (चारآمغز) फा. पु—असरोट, अक्षरोट, एक प्रसिद्ध फल, तथा चार वनस्पतियों के बीज जो दवा में पड़ते हैं।

चारमेख (चारآمیخ) फा स्त्री.—अपराधी को सजा देने का एक तरीका, जिसमें चार खूंटियाँ गाड़कर उसमें उसके हाथ-पांव बाँध दिये जाते थे।

चारमौजः (चारآموحه) फा पु.—भँवर, जलावर्त, गिर्दाव।

चारशंवः (चारآشبه) फा पु—बुधवार, बुध।

चारशान. (चारآشانه) फा. वि—मोटा ताजा, हृष्ट-पुष्ट; बहुत बड़े डीलडौल का, गिराडौल।

चारसू (चारآسو) फा पु—चारों ओर, हर हरतरफ, वह बाजार जिसमें चारों ओर रास्ते और दुकाने हो, चौक-बाजार।

चारक (चारک) तु पु—जंगली तुकों के पहनने की एक प्रकार की जूती।

चारूम (चारآرم) फा वि—चहारूम, चतुर्थ, चौथा।

चारूमि (चारآرمین) फा वि—चौथा, चतुर्थ, चौथे का।

चारोनाचार (चारآروناچار) फा वि—विवशतापूर्वक, मजबूर होकर।

चाय (چای) फा स्त्री—पीने की एक प्रसिद्ध पत्ती, चाह।

चाल (حال) का पु-गत गण, कुआ, कूप खोद पनी जुए का दाब, वह घाडा जिसके लाल और मर्के वाला मिले हुए है।

चालाक (चाली) का वि-निपुण दक्ष हाशिया क धूत, बचक छनी, पूर्तीला चुस्त व्यवहारानिष्ठ वर्तमान तीव्र तज।

चालाकदस्त (चालीदस्त) का वि-जिसके हाथ म बहुत पूर्ती हो जो आता के सामने से चीज उठा ले हाथ की सफाई दिमानेवाला।

चालाकदस्ती (चालीदस्ती) का स्त्री-काम का तेजी हाथ की सफाई।

चालाका (चालीकी) का स्त्री-धनता टगा बेदमाना पूर्ती चुस्ती दगता महारत तीव्रता, तेजा।

चालिश (चालिश) का स्त्री-आनमथ चमला धावा चनाद।

चालीक (चालीका) का पु-गिल्ली डडे का खल।

चालीग (चालीगर) का पु-दूठकार दहाने का भाव।

चावली (चाली) का पु-गुण छाछ जिसस नाज पत्रका जाता है।

चावीद (चावीद) का वि-चवाया हुआ।

चाग (चाश) तु पु-भूमा स तिकाला हुआ गला।

चात (चास) का स्त्री-सुयोग्य से एक पहर तक का समय इस समय का हलका खाना नाश्ता जलपान इस समय की नमाज।

चाती (चासी) का स्त्री-शवर आदि का किनाम चलाबट, चपने का भाव।

चातीगीर (चासीगीर) का वि-चापनी लनेवाला वावरची रसाइया।

चाह (चा) का पु-जुआ कप गढ़ा, गत।

चाहकन (चाहक) का वि-जुआ माननेवाला कपकार दूतरे के काम म विघ्न डानेवाग छग बचक परेवा।

चाहकनी (चाहकनी) का स्त्री-जुआ सानने का काम दूसर क काम में बाधा डाना छल करना दगाबाजा।

चाहजू (चाहजू) का पु-जुए म गिरी हुई वस्तु निहालन का बाँटा।

चाहमग (चाहमग) का पु-गहरा कुआ।

चाहे बनजरी (चाहेबनजरी) का अ पु-वह जपा कुआ जिसम हथान मूगुण का उनके भाष्या म डाठा पा।

चाहे छसयोग (चाहेछसयोग) का प-पाग म डका हुआ कुआ तलाउम कूप।

चाहे छसग (चाहेछसग) का पु-चाह जवन।

चाहे जवन (चाहेजवन) का अ पु-वह गण जा डाग क बीच म हाता है चिबुक-नूपिका।

चाहे जनख (चाहेजनख) का पु-चाहे जवन।

चाहे जनखदी (चाहेजनखदी) का पु-चाहे जवन।

चाहे नखग (चाहेनखग) का पु-नखग (मुक्तिस्तान का एक नगर) का वह गार जहाँ से उस समय क प्रसिद्ध बगानि टकीम इन्ने मुकन्ना ने एक कृत्रिम चन्मा उज्य किया था जा चोरा थोर बारट-बारट मील रीगनी देता था, और नि कों गार में छिप जाता था।

चाहे नाफ (चाहेनाफ) का पु-नाभिकूप टुपी तडी।

चाहे निसर्ग (चाहेनिसर्ग) का अ पु-अधा कुआ, जिसम पानी न हा और ध्वस्त हो गया हो।

चाहे बाबुल (चाहेबाबुल) का पु-वह कुआ जिसमें हास्ट और मान्त नाम क दो फिरिस्त बंदह और जा लोभा का जाइ सिलाते ह।

चि

चिगेज (चिगेज) तु पु-हुलाक सौ का दादा जा बग अयाचार या बारहवी शताब्दी (ईसवी) में।

चिगेजनडाद (चिगेजनडाद) तु का वि-उजब क के श्रेण।

चिदाबुल (चिदाबुल) तु पु-सना का वह दल जा सना पीठे उसकी ग्या क लिए चानता ह।

चि (च) का जव्य-जवा कि।

चिक (चिक) तु-चिलमन।

चिकी (चिकी) का वि-टपकता हुआ टपकानकन (प्रत्य) टपकानवाला जस-लूचिका लू टपकानवाला

चिकानोद (चिकानोद) का वि-टपकानवाग।

चिकानीव (चिकानीव) का वि-टपकाया हुआ।

चिकार (चिकार) का वि-निक्कमा नाकार।

चिकिद (चिकिद) का वि-टपकानवाला।

चिकिन (चिकिन) का स्त्री-एक प्रकार का बगान जो री या गत स कपड पर काड़ा जाता है, इस बगान का बगान।

चिकिश (चिकिश) का स्त्री-टपकन टपक।

चिकीद (चिकीद) का वि-टपका हुआ।

चिकीदनी (चिकीदनी) का वि-टपकन माथि।

चिकीग (चिकीग) का वा-एक व्यवहार्य छद्र क मूग बहान लूब।

चिग (चिग) तु स्त्री-चिज।

चिगिल (चिगिल) का पु-मुक्तिस्तान का एक प्राचिन नगर जहाँ का रीग्य प्रसिद्ध है।

चिंगी (चङ्गि) फा पु—कड़ा हुआ कपड़ा, चिकिन।
 चिगूनः (चङ्गुन) फा अव्य—किस प्रकार, कैसे, क्योंकर।
 चिगूनगी (चङ्गुङ्गी) फा. स्त्री—क्या है, क्यों है, कैसा है, यह भाव, वृत्तात, हाल, कैफियत।
 चिगता (चङ्गता) तु पु—तुकों की एक कौम।
 चिगताई (चङ्गताई) तु वि—चिगता कौम का व्यक्ति।
 चिजिक (चङ्गी) फा स्त्री—साही, एक काटेदार जतु।
 चिदार (चङ्गार) फा स्त्री—गाड़ी, शकट।
 चिप्लक (चङ्गप्लक) फा वि—अपवित्र, नापाक, मलिन, मलिष्ठ, गदा।
 चिरा (चङ्गरा) फा अव्य—क्यों, किसलिए, किस कारण।
 चिराग (चङ्गराग) फा पु—दे 'चराग', दो शु हैं।
 चिरागाँ (चङ्गरागाँ) फा पु—दे 'चरागाँ', दो शु हैं।
 चिराग (चङ्गराग) फा पु—धमाका; चोट लगने का शब्द।
 चिर्क (चङ्गी) फा पु—मैल, गदगी, विष्ठा, गू, पीप, रोम, आँख का मैल।
 चिर्कआलूद (चङ्गीआलूद) फा वि—मलयुक्त, गदा।
 चिर्की (चङ्गीकी) फा वि—'चिर्कीन' का लघु, दे 'चिर्कीन'।
 चिर्कीन (चङ्गीकीन) फा. वि—मलिन, मलिष्ठ, गदा।
 चिर्म (चङ्गीर्म) फा. पुं—दे शु उ 'चर्म', यह अशुद्ध है।
 चिल (चङ्गल) फा वि—'चिहिल' का लघु, चालीस, मूर्ख, बुद्धू (पु) चीड का पेड।
 चिलगोज़ (चङ्गलगोज़) फा पु—चीड का फल, जो मशहूर मेवा है।
 चिलचिल (चङ्गलचिल) फा पु—चील, चिल्ल, कछुआ, कच्छप।
 चिलतः (चङ्गलतः) फा पु—कवच, जिरिह।
 चिलिम (चङ्गलिम) फा स्त्री—तम्बाकू पीने का पात्र, जो हुक्के पर रखकर या हाथ से पिया जाता है। (चिलिम)
 चिलिमपोश (चङ्गलिमपोश) फा पु—चिलिम पर ढाँकने का ढक्कन, जिससे आग न उडे।
 चिली (चङ्गली) फा वि—मूर्ख, बेवकूफ, बुद्धू।
 चिल्कद (चङ्गलकद) फा पु—कवच, जिरिह, दे चिल्कव और 'चित्त'।
 चिल्कव (चङ्गलकव) फा पु—दे 'चिल्कद' और 'चित्त'।
 चित्त (चङ्गलत) फा पु—कवच, जिरिह, दे चिल्कद और 'चित्तकव'।
 चिल्पासः (चङ्गलिपासः) फा. स्त्री—छिपकली, गृहगोधा, दे 'चिल्पास' दोनो शुद्ध है।
 चिल्ल (चङ्गल) फा पु—कोना, गोशा, चालीस दिन में होने-वाला काम, चालीस दिन का समय, चालीस दिन तक लगातार पढा जानेवाला मन्त्र आदि।

चिल्लःकश (चङ्गलकश) फा. वि—चालीस दिन तक नियम-पूर्वक मन्त्र आदि पढनेवाला।
 चिल्लःकशी (चङ्गलकशी) फा स्त्री—किमी कार्यविशेष की सिद्धि के लिए नियमपूर्वक चालीस दिन कोई जप अथवा मन्त्र उच्चारण करना।
 चिल्लए कमाँ (चङ्गलए कमाँ) फा पु—धनुष का कोना।
 चिश्त (चङ्गश्त) फा पु—अफगानिस्तान का एक गाँव।
 चिश्ती (चङ्गश्ती) फा वि—चिश्त गाँव का निवासी; हजरत मुहोउद्दीन चिश्ती जिनका मजार अजमेर में है, चिश्ती खानदान का मुरीद।
 चिहा (चङ्गहा) फा अव्य—क्या-क्या, कैसा-कैसा, कितना कुछ, क्या कुछ, बहुत कुछ।
 चिहिल (चङ्गहिल) फा वि—चालीस।
 चिहिलकदमी (चङ्गहिलकदमी) फा अ स्त्री—धीरे-धीरे टहलना, हवाखोरी करना, मन-बहलाव के लिए थोड़ी दूर तक टहलना। (चहलकदमी)
 चिहिलतः (चङ्गहिलतः) फा पु—दे 'चित्त'।
 चिहिलतन (चङ्गहिलतन) फा पु—चालीस वडे महात्मा जिन पर सारे ससार का भार होता है।
 चिहिल रोज़ (चङ्गहिलरोज़) फा वि—चालीस दिन में खत्म होनेवाला काम, चालीस दिन के प्रोग्राम का काम।
 चिहिलुम (चङ्गहिलुम) फा वि—चालीसवाँ, मुर्दे का चालीस दिन में होनेवाला सस्कार, कब्रला के शहीदों का चालीसवाँ।
 चिहः (चङ्गहः) फा पु—दे 'चेह'।
 चिह (चङ्गह) फा. पु—दे 'चेह'।
 चिहलुम (चङ्गहलुम) फा पु—दे 'चेहलुम'।

ची

ची (चङ्गी) फा. प्रत्य—'चीन' का लघु, दे 'चीन'।
 ची वअन्नू (चङ्गीवअन्नू) फा वि—भीह पर बल पडे हुए, भी तनी हुई, जिसकी भीह पर अप्रसन्नता से बल पडे हो, रुष्ट।
 ची व जवी (चङ्गीवजवी) फा वि—जिसके साथे पर नाखुशी से बल पड गये हो, अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश।
 ची वर जवी (चङ्गीवरजवी) फा वि—दे 'ची व जवी'।
 ची (चङ्गी) तु प्रत्य—वाला, शब्द के अन्त में आकर अर्थ देता है, जैसे—'तोपची'।
 चीक चीक (चङ्गीकचिक) फा स्त्री—चिडियों की चेहकार।
 चीज (चङ्गीज) फा स्त्री—वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, शय।
 चीजमीज (चङ्गीजमीज) फा स्त्री—थोटा, न्यून, अल्प।
 चीजलीज (चङ्गीजलीज) फा स्त्री—पूँजी, सरमाया, सामर्थ्य, विसात।

चौद (حده) का वि-चुना हुआ, छाटा हुआ।
 चौद चौद (حده حده) का वि-चुने चुने, छटे छटे,
 मुख्य-मुख्य खास-खास।
 चौदनी (حيدى) का वि-चुनने योग्य छाटने योग्य।
 चीन (حيلة) का पु-ब जस व दाने जो पत्नी खाते ह,
 दीवार का रङ्ग।
 चीन दान (حيلدان) का पु-पक्षी का पाटा।
 चीन दान (حيلدان) का पु-द चीन दान।
 चीन (حى) का प्रत्य-चुननेवाला, जैसे-गुलचीन फूट
 चुननेवाला (पु) एक प्रसिद्ध दगा (स्त्री) दुरी शिकन बल।
 चीनिद (حيلده) का वि-चुननेवाला।
 चीनी (حىلى) का वि-चीन का निवासी, चीन की
 भाषा चीन की सफेद मिट्टी।
 चीने अबू (حىن ابو) का स्त्री-भौटा का तनाव भा का
 बल जो मोघ का चिल्ल है।
 चीने जबी (حىن حىس) का स्त्री-माघ का बल जो
 अप्रमत्तता का चिल्ल है।

चीने पेशानी (حىن پشاني) का स्त्री-द 'चीने जबा।
 चीर (حيرة) का वि-शक्तिशाली, ताकतवर, विजेता
 गालिब (पु) पगड़ी उष्णीय।
 चीर-दस्त (حيرة دست) का वि-अत्याचारी अयायी
 जालिम जोरावर जब-दस्त।
 चीर-दस्ती (حيرة دستى) का स्त्री-अत्याचार जुल्म
 जोरावरी जब-दस्ती।
 चीर-बंद (حيرة بند) का वि-पगनी वाधनवाला (स्त्री)
 वह नेश्या-पुत्री जो अभी कुमारी हा।
 चीर-बदी (حيرة بدنى) का स्त्री-पगड़ी वाधना।
 चीरगी (حيرة گى) का स्त्री-शूरता धीरता बहादुरी
 जबरदस्ती अयाय।
 चीरदो (حيدر دو) तु पु-इनआम पुरस्कार बहिदास।
 चीस्त (حىس) का अव्य-क्या है?
 चीस्ता (حىستان) का स्त्री-महली प्रहलिका मुअम्मा।

चु

चुग (حلك) का स्त्री-चाच चुचु।
 चुदुर (حلدور) का पु-चुकदर एक तरकारी।
 चुबल (حليل) का पु-भिग्नापात्र कपडल।
 चुबदर (حليلدر) का पु-एक तरकारी।
 चुबुस (حىس) का पु-बुलबुल आदि क धाने का अड्डा।
 चुचा (حوحا) तु पु-एक प्रकार का कोट जो प्राय फकीर
 पहनते ह 'चूचा'।

चुगा (حوعا) तु पु-एक प्रकार का अगरमा।
 चुगुल (حمل) तु वि-पिशुन चुगली खानवाता।
 चुगुलखोर (حمل خور) अ वि-काइने से यह शब्द आटा
 है क्योंकि 'चुगुल' का अर्थ चुगली खानेवाले क ह।
 चुगुलखोरी (حمل خورى) अ स्त्री-चुगली खाना पिनाता
 काइने से यह शब्द आटा है इमक स्थान पर 'चगुल'
 गुद्ध है।
 चुगुली (حىلى) तु स्त्री-चुगली खाना, पिनुता।
 चुग (حمر) का पु-मडक मडक, बर फाड़ा द
 चरज दो शुद्ध ह।
 चुद (حمد) का पु-उरूब पचक, उल्लू (वि) मूह
 बुद्धिहीन मूह उल्लू।
 चुली (حىلى) तु स्त्री-पिशुनाता, चुगुलखोरी।
 चुनां (حىلان) का अव्य-बना उम प्रकार का उतना
 बसा, इतना ऐसा।
 चुनावे (حىلایه) का अव्य-अत, इसलिए कस्बेक
 नलीजे म।
 चुनाक (حىان) तु पु-चुनाग दो गु ह।
 चुनाग (حىلایع) तु पु-जीन धोड की बाटा पालन,
 नमना।
 चुनीं (حىس) का अव्य-ऐसा इस प्रकार का, एम
 इस तरह यू।
 चुनोद (حىلده) का वि-चुना हुआ छाटा हुआ।
 चुनु (حىلو) का अव्य-चू का लघु, दे चू।
 चुपत (حىب) का वि-माटा-नाचा चर्बीला कुर्तीला
 तज मोटा दलगर।
 चुमाक (حىان) तु पु-वह गदा जो लोहे का हाता है और
 जिसका गाला पटकाण होता है जिसन महन, लिब।
 चुम्ब (حىمبه) तु पु-चम्ब चमस तु उ नहा है
 परतु उदुवाते चम्ब बोलत ह दे चम्ब।
 चुम्बक (حىرك) का पु-असत्य झूठ चाटुकन चुगाम
 व्यग तज अश्लीलता फक्कडपन लज्जा पटली।
 चुलाब (حلا) तु पु-भात खुश्क साठे चावल।
 चुलिस्ता (حىلستان) तु पु-वह जगल जियमें न पे
 हा न पानी।
 चुली (حىلى) का स्त्री-भीरता, कायरता, डरपावपन
 नपुंसकता क्लीबता नाममें।
 चुलूक (حىلوك) का स्त्री-गाड़ी छटक धतूरा धतूर
 एक विपला फल।
 चुवाक (حواک) का स्त्री-पूरी, धी म बना हुआ पन्ना।
 चुस (حىس) का पु-वह अपान वायु जिसमें शान न हा।

- चुस्त: (چسته) फा. पु -वकरी आदि का ऐन, खीरी।
 चुस्त (چست) फा वि -फुर्तीला, मुस्तहद; दक्ष, होशियार;
 कमा हुआ लिवास, ठीक, फिट, दृढ, मजबूत।
 चुस्ती (چستی) फा. स्त्री -फुर्तीलापन, दक्षता, होश-
 यारी; दृढता, मजबूती।
 चुह्ल: (چول) फा पु -विना जाड़ी-मूछों का लड़का, अम्हर।

चू

- चू (چو) फा. अव्य -नाँमे, किस प्रकार, जब, जिस समय,
 तुल्य, समान।
 चूँकि (چونكى) फा. अव्य -नयोंकि।
 चूला (چولا) तु पु -ऊनी कोट जो फकीरो का लिवास है।
 चूज: (چوج) फा पु -दे. 'चूज'।
 चूज: (چور) फा पु -मुर्गों का बच्चा (ब्यग) नयी और
 सुंदर स्त्री।
 चूज:रबा (چوربا) फा स्त्री -चील, चितल।
 चूज (چوز) फा. पु -चकोर, कटक, वह शिगारी पक्षी
 का बच्चा जिनमे अभी शिकार करना न सीखा हो।
 चुनी (چوین) फा अव्य -दे 'चुनी'।
 चुनोचरा (چونچورا) फा. स्त्री -वाद-विवाद, कहा-मुनी।

चे

- चेख (چيخ) फा पु -वह मनुष्य जिसकी पलके झड़ गयी
 हो, चुघा।
 चेचक (چيچک) तु स्त्री -फल, गुल; सीतला रोग, माता,
 शीतला, विस्फोटक, मसूरिका, खसा।
 चेन: (چينه) फा पु -दे 'चीन'।
 चेन:दान (چينه دان) फा. पु -दे 'चीन दान'।
 चेहर: (چهر) फा पु -मुखाकृति, मुखमडल, शक्ल,
 सूरत, सामने का भाग, हुल्य।
 चेहर:कुशा (چهرکشا) फा वि -मुँह पर से पर्दा उठाने-
 वाला, मुँह खोलनेवाला।
 चेहर:कुशाई (چهرکشاى) फा. स्त्री -मुँह खोलना,
 किसी की तस्वीर पर से पर्दा उठाने की रस्म।
 चेहर:खेज (چهرخيز) फा वि -स्वच्छ, साफ, प्रकाशित,
 रोशन।
 चेहर:नवीस (چهرنويس) फा वि -हुल्य लिखनेवाला।
 चेहर:नवीसी (چهرنويسى) फा स्त्री -हुल्य लिखने
 का काम।
 चेहर:पर्दाज (چهرپردار) फा वि -चित्रकार, मुसव्विर,
 चितेरा।

चेहर:पर्दाजी (چهرپردازى) फा स्त्री -चितेरे का काम,
 मुसव्विरी।

चो

- चो (چو) फा अव्य -जो, अगर, यदि, जब, जिन समय।
 चोमीद: (چوحيده) फा वि -फिमला हुआ।
 चोप्पीदनी (چوچيدينى) फा. वि -फिसलने योग्य।
 चोव: (چوب) फा पु -त्राण, तीर, छोटी कील।
 चोव (چوب) फा स्त्री -काष्ठ, काठ, लकड़ी, लाठी, यष्टि।
 चोवक (چوبک) फा स्त्री -छोटा डबा, नक्कारा वजाने
 की लकड़ी।
 चोवकजन (چوبکزن) फा वि -नक्कारची, नक्कारा
 वजानेवाला, चौकीदारों का मेट जो एक लकड़ी और एक
 तल्ला लेकर रात में गश्त करता और तल्ले पर लकड़ी
 ठोकता था, जिनमें सारे पहरा देनेवाले होशियार हों जाते थे।
 चोवकी (چوبکى) फा वि -चोंवदार, दडधारी।
 चोवत्वार (چوبحوار) फा वि -लकड़ी खानेवाला कीडा,
 दीमक।
 चोवगज (چوبگر) फा पु -कपड़ा नापने का गज।
 चोवगी (چوبگى) फा स्त्री -कपास ओटने की चर्वी।
 चोवचीनी (چوبچينى) फा स्त्री -चीन देश की एक
 लकड़ी जो दवा के काम आती है। लाल रंग की तथा
 अत्यन्त रक्त-शोधक होती है।
 चोवदस्त (چوبدست) फा. स्त्री -दे 'चोवदस्ती'।
 चोवदस्ती (چوبدستى) फा स्त्री -हाथ में पकड़ने की छड़ी।
 चोवदार (چوبدار) फा. पु -लकड़ी लेकर आगे चलनेवाला
 व्यक्ति, नकीब, प्रतिहारी, द्वारपाल, दरवान।
 चोवा (چوا) फा पु -लकड़ी की थूनी, धुनकी, लोहे
 की पतली और लची कील।
 चोवी (چوین) फा वि -लकड़ी का बना हुआ, काष्ठमय।
 चोवी (چوى) फा वि -दे 'चोवी'।
 चोवे तरीक (چوب طريق) अ फा स्त्री -पबलिक को किसी
 बात से रोकने के हेतु डराने के लिए कर्मचारियों का डडा।
 चोवे ता'लीम (چوبتعلیم) फा अ स्त्री -पढानेवाले का
 डडा, जिसमें वह मारता है।
 चोवे मुहस्सिल (چوب محصل) फा अ स्त्री -चुगी आदि
 बसूल करनेवाले का डडा।
 चोवे शिगाफ (چوب شگاف) फा स्त्री -चिरी हुई लकड़ी
 की फटन में दी जानेवाली पत्थर।
 चोशीद: (چوشیده) फा वि -चूसनेवाला।
 चोशीद: (چوشیده) फा वि -चूसा हुआ।

घोशीद (حوشید) का स्त्री → 'घोशीन्गा।
 घोशीदगी (حوشیدگی) का स्त्री → चूसने का भाव, चूम।
 घोशीदनी (حوشیدنی) का वि → चूसने व याप।

चौ

चौगाँ (چوگان) का पु → 'चौगान का लघु द 'चौगान।
 चौगाँबाख (چوگان‌بار) का वि → चौगान (घाने) खेलेने वाला।
 चौगाँबाजी (چوگان‌بازی) का स्त्री → पालो का खेल।
 चौगान (چوگان) का पु → एक खेल जिसमें घाना पर चक्कर गेठ खेला जाता है पालो।
 चौगानी (چوگانی) का पु → वह घाटा जो पालो पर सथा हो।
 चौतर (چوتار) का पु → मकान के आगे का फश चबतरा।
 चौपाँ (چوپان) का पु → चौपान का लघु दे चौपान।
 चौपान (چوپان) का पु → रेवड चरानेवाला, चरवाहा।
 चौपानी (چوپانی) का स्त्री → रेवड चराने का काम, चरवाहागारी गल्ल बानी।
 चौसिंद (چوسنده) का वि → चिपकनेवाला।
 चौसीद (حوسیده) का वि → चिपका हुआ।
 चौसीदनी (حوسیدنی) का वि → चिपकने के लयव्य।

ज

जग (جنگ) का स्त्री → युद्ध रण समर सग्राम सयुग, लड़ाई ह्व कलह झगडा चटप उपद्रव फसाद वर शत्रुता दुश्मनी प्रतिद्विष्टता रखावन।
 जग (جنگ) का पु → ठंड और तरी से धातुआ में लगने वाला मल कसाव मारचा मडूर भठ, गदगी पाप गुनाह घटा, घटियाल हवश दग।
 जगआइमा (جنگ‌ارما) का वि → लड़ाई का अनुभवो युद्ध-कुशल लड़ाई में भागल युद्धरत।
 जगआइमाई (جنگ‌ارمائی) का स्त्री → लड़ाई का अनुभव लड़ाई में भागलियत लड़ाई।
 जगआइमूद (جنگ‌ارمودة) का वि → लड़ाई क मगान मारे हुए अनुभवो थोडा युद्ध-कुशल।
 जगआइमूदगी (جنگ‌ارمودگی) का स्त्री → लड़ाई का अनुभव रखना युद्ध-अनुभव, युद्ध-कीशल।
 जगआलूद (جنگ‌الود) का वि → मारचा खाया हुआ जग लया हुआ।
 जगआलूदगी (جنگ‌الودگی) का स्त्री → मोरचा लग जाना, जग लगकर खराब हो जाना।

जगबूद (جنگ‌بود) का वि → 'जगब्राहू।
 जगबूदगी (جنگ‌بودگی) का स्त्री → 'जगब्राहूणा'।
 जगट्टाट्ट (جنگ‌توت) का वि → लड़ाई चाहनेवाग जा चारता हा युद्ध हा जाय।
 जगगाह (جنگ‌گاه) का स्त्री → लड़ाई का मगान रणभूमि रणस्थल युद्ध-भेत्र।
 जगजू (جنگ‌جو) का वि → प्रवृत्ति म लड़ाई-मगग पमर वरनवाला लडाका मतिक सिपाही।
 जगजूई (جنگ‌جوئی) का स्त्री → लगबापन, सनिवता, मिपाहीपन युद्ध लडाई।
 जग ना आरमूद (جنگ‌نارمودة) का वि → जिम बढ का अनुभव न हा।
 जगपसद (جنگ‌سند) का वि → जिसे युद्ध और रक्तपात अच्छा लगता हा युद्धप्रिय।
 जगपसदी (جنگ‌سندی) का स्त्री → युद्ध और रक्तपात का पसत करना।
 जगबाख (جنگ‌بار) का वि → जा हर समय लड़ाई व ही बात सोचता रहता हो जिस हर समस्या का ह् युद्ध में दीव पडता हो।
 जगबाजी (جنگ‌بازی) का स्त्री → हर समय लड़ाई की ह् बात सोचना हर समस्या का लड़ाई द्वारा ही हल वरन क कोशिस करना।
 जगल (جنگل) का पु → वन विपिन वानन, सण, चटयल मदान वियावान।
 जगली (جنگلی) का वि → जगल का निवासी, अठम्य अशिष्ट बहनी जगल म मिलनेवाली वस्तु।
 जगली घक्पा (جنگلی‌گنا) का पु → एक जानवर जो मनुष्य की आकृति का हाता है केवल एव पाँव रखता है और बाल नही सक्ता घामड ब्यक्ति ह्वनक।
 जगार (جنگار) का पु → मडूर जग जग स बनी हुई एक जीपध।
 जगारी (جنگاری) का वि → जिसेमें जगार पग हो जगार उलवर बनायो हुई जीपध जगार के रग का।
 जगाह (جنگاه) का स्त्री → जगगाह का लघु युद्ध भूमि रणागण, मदाने जग।
 जगी (جنگی) का वि → लड़ाई स सम्बध रखनेवाला लड़ाई म काम जानवाला।
 जगी (جنگی) का वि → ह्वश देस का निवासी ह्वशो बहुत ही काल रग का ब्यक्ति।
 जगी नडाद (جنگی‌نراد) का वि → ह्वशी नल्ल का ह्वशी।
 जगुल (جنگله) का पु → नाड, बड मजीरे, घपट।

जंगलः (جنگل) फा पु—दे 'जंगल' ।
जमे आजादी (جنگ آزادی) फा स्त्री—देग को पराधीनता मे मुक्त कराने की लड़ाई ।
जमे जरगरी (جنگ زرگری) फा स्त्री—झूठमूठ की केवल दूसरो को दियाने की लड़ाई, कूटयुद्ध ।
जंगे वरी (جنگ بری) फा अ स्त्री—खुशकी की लड़ाई, स्थल-युद्ध ।
जंगे वही (جنگ بری) फा अ स्त्री—ममद्र मे जहाजों की लड़ाई, जलयुद्ध ।
जमे साततः (جنگ ساختہ) फा स्त्री—दे 'जंगे जरगरी' ।
जंगे हवाई (جنگ هوائی) फा अ स्त्री—आकाश मे वायुयानों द्वारा लड़ाई, वायु-युद्ध ।
जगोजदल (جنگ محدل) फा अ स्त्री—मारकाट, खतपात, लड़ाई-झगड़ा ।
जंगोजिवाल (جنگ محدل) फा अ स्त्री—दे 'जगोजदल' ।
जचक (جنگ) फा स्त्री—व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिगा ।
जंज (جنگ) अ पु—दे जग (देग) ।
जजवार (جنگدار) अ पु—पूर्वी अफ्रीका का एक साहिली टापू जहाँ से लौंग आती है ।
जजवील (جنگیل) अ स्त्री—सोठ, गुठि, मूसा हुआ अदरक ।
जजरः (جنگر) अ पु—झींगुर, एक प्रमिद्ध कीटा ।
जजी (جنگی) अ वि—दे 'जगी', हवश का निवामी, हवशी ।
जजीरः (جنگیر) फा पु—तरग, मौज, लहर, एक प्रकार की सिलाई ।
जजीरःवंदी (جنگیر وندی) फा स्त्री—एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अनिवार्य सम्बन्ध ।
जजीर (جنگیر) फा स्त्री—शृखला, साँकर, क्रम, तर्तीव ।
जजीरकशीदः (جنگیر کشیدہ) फा वि—दे 'जजीर गुसिस्त' ।
जजीरखान. (جنگیر خانہ) फा पु—कारावास, जेलखाना ।
जजीरगर (جنگیرگر) फा वि—शृखलाकार, जजीर बनानेवाला ।
जजीरगुसिस्तः (جنگیر گسسته) फा वि—जिसके पाँव का वधन टूट गया हो, स्वच्छद, स्वतंत्र, आजाद ।
जजीरदार (جنگیردار) फा वि—सम्बन्ध रखनेवाला, अनुयायी, मुत्तवे' ।
जजीरफर्सा (جنگیر فرسا) फा वि—जजीर को रगडनेवाला ।
जजीरवान (جنگیروان) फा वि—कारागार का अध्यक्ष, जेलर ।
जजीरमू (جنگیر موم) फा वि—धुंधराले वालोवाला (वाली) ।

जजीरसर (جنگیر سر) फा वि—दे 'जजीरमू' ।
जजीरसाज (جنگیر ساز) फा वि—दे 'जजीरगर' ।
जजीरसोज (جنگیر سوز) फा वि—जजीर को जला देने वाला, जजीर को खत्म कर देनेवाला, वधनों को तोड देनेवाला ।
जजीरी (جنگیری) फा वि—बंदी, कैदी, पागल, दीवाना ।
जजीरे आहन (جنگیر آهن) फा स्त्री—लोहे की जजीर, लोहपाश ।
जजीर जुनू (جنگیر جنوں) फा अ स्त्री—वह जजीर जो पागल व्यक्ति को पहनायी जाती है ।
जंदः (جند) फा वि—महान्, बडा, अजीम ।
जंद.पील (جند پیل) फा पु—बहुत बडा हाथी ।
जंद.रोद (جند رود) फा पु—बहुत बडी नदी, महानद ।
जंद (جند) फा वि—बटा, महान्, अजीम, चकमाक, अग्नि-प्रस्तर ।
जंद (جند) अ पु—पहुँचा, कलाई ।
जंद (جند) फा पु—जरदुश्त का ग्रथ, जो पासियों का मूल धार्मिक ग्रथ है ।
जंदस्वा (جند سوا) फा वि—दे 'जदवाफ' ।
जंदपील (جند پیل) फा पु—दे 'जदपील' ।
जदवाफ (جند باب) फा वि—गानेवाला पक्षी, वुलवुल, कुमरी अथवा फास्ता आदि ।
जंदर्मः (جندرمه) अ पु—पुलीस ।
जंदल (جندل) अ पु—बडा पत्थर, शिला ।
जंदलाफ (جندلاب) फा वि—दे 'जदवाफ' ।
जंदो उस्ता (جندو اوستا) फा पु—'जद' का मूल ग्रथ और उसका महाकाव्य 'उस्ता' ।
जंदोपाजंद (جندوپا جند) फा पु—'जद' का मूल और उसका महाभाष्य 'पाजंद' ।
जंब (جنگ) अ पु—पार्श्व, पहलू, वक्ष स्थल, सीना, पस्ली ।
जंब (جنگ) अ पु—पाप, पातक, गुनाह ।
जंबक (جنگ) अ पु—चपा, एक प्रसिद्ध फूल ।
जंबर (جنگر) फा पु—बोझ उठाने की सीढ़ी के आकार की एक चीज, मशी ।
जंबील (جنگیل) अ स्त्री—थैला, वेग, पिटारा ।
जंबूरः (جنگور) फा पु—छोटी तोप, वाण का फल, भिड, वरं ।
जंबूर (جنگور) फा पु—छोटी तोप, वाण का फल; भिड, वरं, एक औजार, शहद की मक्खी ।
जंबूरक (جنگورک) तु. पु—छोटी और हलकी तोप, जो ऊँट आदि पर लादी जा सके ।

अबूरखान (رَبْوَرخَان) पा पु-निडो का छता।
 अबूरची (رَبْوَرچِي) तु पु-नाप चलानेवाला, तापची।
 अबूरी (رَبْوَرِي) पा पु-जालीदार कपडा, 'अबूर'
 से सम्बन्ध रखनेवाला।
 अबूरे असल (رَبْوَرعَسَل) पा अ पु-शहद की मक्की।
 अईफ (صَعِف) अ स्त्री-बद्धा स्त्री निबला स्त्री।
 अईफ (صَعِف) अ वि-वद्ध वयोगत, वयावद्ध, बूडा
 निबल, शक्तिहीन कमजोर।
 अईफ आवाज (صَعِفْأَوَاز) अ पा वि-जिसका आवाज
 बहुत कमजोर हो जो बहुत धीम से बाले।
 अईफो (صَعِفِي) अ स्त्री-बद्धावस्था वनापा निबलता
 कमजोरी।
 अईफुद्दिमाघ (صَعِفْالدِمَاح) अ वि-जिसका मस्तिष्क
 कमजोर हो जिसे बात याद न रहती हा।
 अईफुन्नजर (صَعِفْالْبَطْر) अ वि-जिसकी नेत्र शक्ति कम
 जार हा मद दृष्टि।
 अईफुलअकल (صَعِفْالعَمَل) अ वि-जिसकी बुद्धि
 कमजोर हो जिसमें समझ-बूझ की कमी हा मदमति।
 अईफुलईमान (صَعِفْالْإِيْمَان) अ वि-जिसका विश्वास
 धम पर दृ न हो मदनिष्ठ।
 अईफुलउम्र (صَعِفْالعَمْر) अ वि-वयावद्ध बडा आयु
 वाला।
 अईफुलएतिकाद (صَعِفْالْاِعْتِقَاد) अ वि-जिसकी श्रद्धा
 किमी पर कम हो जो सतो-साधुओ पर विश्वास कम
 रखता हो।
 अईफुलकलब (صَعِفْالْقَلْب) अ वि-जिसका दिल
 कमजोर हो जो किमी दुयटना की खबर स तुरत हो
 ब्याकुल जाय।
 अईफुलकवा (صَعِفْالعَوَال) अ वि-जिसके हाथ-पाव
 कमजोर हा गये हो जो गम्भीरहीन हा गया हो।
 अईफुलबसर (صَعِفْالنَّصْر) अ वि-अईफुन्नजर'।
 अईफुलबुनयान (صَعِفْالْبُنْيَان) अ वि-जिसकी नींव
 कमजोर हा।
 अईफुलमद (صَعِفْالمَعَدَة) अ वि-जिसकी पाचनशक्ति
 कमजोर हो।
 अईफुलहदम (صَعِفْالْهَضْم) अ वि-अईफुन्नजर
 या मत्ता दा सु ह।
 अईम (رَعِم) अ पु-मत्ता लाडर, रत्नुमा।
 अईमसमिल्लत (رَعِمِالسَلْت) अ पु-राष्ट्र का नेता
 पूरा कौम का नेता।
 अबद (رَبْد) पा स्त्री-छलांग पत्नी उछात।

अक (رَكِي) पा स्त्री-हानि अनिष्ट, नुकसान पराजय,
 हार शिक्स्त, लज्जा, शम, अपमान तिरस्कार, जिल्लत।
 अकन (رَكِن) अ स्त्री-चिबुक ठुडो।
 अकर (رَكِر) अ पु-गिस्न, मेहन लिय नर, पुरप प्राणी।
 अकरीपा (رَكْرِيَا) अ पु-एक पगवर जो आरे से चीरे
 गये थे।
 अका (رَكَا) अ स्त्री-बढना विकास फलना फूटना
 अधिक होना सुखचन करना।
 अका (رَكَا) अ स्त्री-बुद्धि मति समझ अकल, विवेक
 तमीज।
 अकात (رَكَاوَة) अ स्त्री-इस्लाम धम के अनुसार
 जदा^२ प्रतिशत का दान जो उन लागो को देना पता
 जो मालदार हा और उन लोगो को दिया जाता है ज
 जपाहिज या अमहाय और साधनहीन हो।
 अकाब (رَكَاب) अ स्त्री-लिखने की सियाही मसि मसिजद
 रोशनाई।
 अकाबत (رَكَاوَب) अ स्त्री-बुद्धिमत्ता मनीपा, अकलमने
 प्रतिभा, तेजअहमा।
 अकाबत (رَكَاوَب) अ स्त्री-बुद्धि विकास तीव्रता तेरी
 तीक्ष्णता।
 अकाबते हिस (رَكَاوَبِحَس) अ स्त्री-सवेदन शक्ति का
 बढ जाना, कुञ्चने एहसास का अधिक हो जाना।
 अकी (رَكِي) अ वि-बुद्धिमान मेधावी अकलमद।
 अकी (رَكِي) अ वि-मवित्र शुद्ध पाक अनोह निस्पृह
 अनिच्छुक बनियाज।
 अकीउलहिस (رَكِيَالْحَس) अ वि-जिसकी हिस तेर
 हो जाय जिसकी सवेदा शक्ति कम जाय।
 अकीक (رَكِك) अ स्त्री-धामी चाल मद गति।
 अकीय (رَكِيَة) अ स्त्री-बुद्धिमती अकलम स्त्री
 प्रतिभावती, तेज तबा स्त्री।
 अकूम (رَكُوم) पा पु-यूहड का पेड।
 अकूमय (رَكُومِيَا) पा पु-यूहड क पेड का कूकर
 निचोडा हुआ पानी।
 अकूम (رَكُوم) अ पु-यूहड का पेड।
 अकाइर (رَكَاوِر) अ पु-अलीर का बन्द 'अमीर'।
 अकाम (رَكَام) अ वि-हर चीज जा बढ हो-छोड की हो।
 अकामत (رَكَامَت) अ स्त्री-माटाई दठ स्पृणा
 मुटापा।
 अकारिफ (رَكَارِف) अ पु-अहफ का ब शरी और
 बनावटी बाने।
 अकौम (رَكُوم) अ वि-माटा दठार स्पृ फवेंह।

जखीर: (ذخیرہ) अ पु—जमा किया हुआ, संचित किया हुआ, स्कंध।

जखीर.अंदोज (ذخیرہ اندوز) अ फा वि—नाज आदि का सचय करनेवाला।

जखीर.अंदोजी (ذخیرہ اندोजی) अ फा स्त्री—नाज आदि अथवा दूसरी विकनेवाली वस्तुओं को इस आशय से जमा करना कि जब महँगी होगी तब बेचेगे।

जखीरएअमल (ذخیرہ عمل) अ पु—अच्छे-बुरे कर्मों का परलोक के लिए सचय।

जखीरएआखिरत (ذخیرہ آخرت) अ पु—परलोक में काम आनेवाले कर्म अर्थात् जप-तप आदि का सचय।

जख्वार (زحار) अ वि—अपार, जिसका छोर न मिले, मौजे मारती हुई (नदी)।

जख्वार (زحار) फा वि—शोर करनेवाला, घोर नाद करनेवाला।

जखम: (رحمہ) फा पु—हर वह चीज जिससे कोई वाजा वजाए, मिज्राब, वाद्ययन्त्र।

जखम.जान (رحمہ زن) फा वि—मिज्राब से साज बजानेवाला।

जखम.जानी (رحمہ زنی) फा स्त्री—मिज्राब से साज बजाना।

जखम (رحم) फा पु—आघात, क्षति, घाव, अनिष्ट, हानि, जरर।

जखमकोस (رحم کوس) फा पु—बड़ा नगाडा, धौसा।

जखमखुर्द: (رحم خوردہ) फा वि—जिसे जखम लगा हो, धत, आहत, घायल, जखम खाया हुआ।

जखमखुर्दगी (رحم خوردگی) जखम खाना, घायल होना।

जखमदीद: (رحم دیدہ) फा वि—दे 'जखमखुर्द'।

जखमनाखुर्द: (رحم نا خوردہ) फा वि—जिसने जखम न खाया हो, जो घायल न हुआ हो।

जखमनादीद: (رحم نادیدہ) फा वि—दे 'जखमनाखुर्द'।

जखमरसीद: (رحم رسیدہ) फा वि—क्षत, आहत, घायल, नुकसान उठाया हुआ।

जखमरसीदगी (رحم رسیدگی) फा स्त्री—जखमी होना, नुकसान उठाना।

जखमी (رحمی) फा वि—घायल, आहत, क्षत, मज्बूह, आशिक, नायक।

जखमीदिल (رحمی دل) फा वि—जिसका हृदय प्रेम से जखमी हो, क्षतहृदय, मर्माहत।

जखमेकारी (رحم کاری) फा पु—गहरा घाव, भरपूर घाव।

जखमेकुह्ल (رحم کهنہ) फा पु—पुराना घाव।

जखमेखंदां (رحم خندان) फा पु—खुला हुआ जखम, खून देनेवाला जखम, जिस घाव में टाँके न लगे हो।

जखमेजगर (رحم جگر) फा. पुं—जिगर का घाव, इश्क का जखम।

जखमेताज: (رحم تاج) फा पु—नया नया घाव।

जखमेतेज (رحم تیر) फा पु—गहरा जखम।

जखमेदामनदार (رحم دامن دار) फा. पु—चौड़ा जखम, फैला हुआ घाव।

जखमेदिल (رحم دل) फा पुं—हृदय का घाव, प्रेम का घाव।

जखमेपिन्हाँ (رحم دلہاں) फा पु—भीतरी घाव, दिल का जखम, प्रेम का जखम।

जखमफ: (رحمہ) अ पु—झूठी और बनावटी बात।

जखमद (رحمہ د) फा स्त्री—दे 'जखद'।

जखम (رحم) फा स्त्री—चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

जखम (رحم) अ पु—अटकाव, भिमचाव, रुकाव।

जखम (رحم) फा स्त्री—दे 'जख्चा'।

जखम (رحم) फा स्त्री—वह स्त्री जिसने वच्चा जना हो, प्रसूता, सूतिका, प्रजाता, जातापत्या।

जखमखान: (رحم خانہ) फा पु—सूतिकागृह, प्रसवगृह, सूतिकागार, जख्चा के रहने का कमरा आदि।

जखमखरी (رحم گری) फा स्त्री—वच्चा पैदा कराने का काम, दायागरी, कौमारभृत्य, धात्री-कर्म।

जखम (رحم) अ स्त्री—आतुरता, अधीरता, बेसत्री।

जखम (رحم) अ स्त्री—प्रतिकार, बदला, इवज, अच्छे काम का बदला, प्रत्युपकार।

जखम (رحم) अ पु—बहुत-से जजीरे, द्वीप-समूह।

जखम (رحم) अ स्त्री—दृढता, मजबूती, सुन्दरता, हुस्न, उत्तमता, श्रेष्ठता, खूबी।

जखीर: (رحمیرہ) अ पु—टापू, द्वीप, वह जमीन जो समुद्र के बीच में हो।

जखीर:नुमा (رحمیرہ نما) अ. फा पु—खुश्की का वह भाग जो तीन ओर पानी से घिरा हो, प्रायद्वीप।

जखील (رحیل) अ वि—दृढ, मजबूत, सुन्दर, हसीन; उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

जख्व: (خوبیہ) अ पु—भावना, मनोवृत्ति।

जख्व (خوب) अ पु—आकर्षण, कशिश, ब्रह्मलीनता, नेस्ती, (वि) आत्मसात्, एक में समाया हुआ।

जख्वएइश्क (خوبہ عشق) अ पु—प्रेमाकर्षण, मुहब्बत की कशिश।

जख्वएकामिल (خوبہ کامل) अ पु—पूर्णाकर्षण, पूरी कशिश; प्रेमाकर्षण, इश्क की कशिश,—“रपता-रपता जख्वेकामिल ने दिखाया यह असर, पहले जो मुझ में थी उलफत अब वो उनके दिल में है।”

जब्रएदिल (حدیدل) अ पा पु-दिल की बगिया, हूनाकपण।
 जस्वात (حدوات) अ पु-भावनामें जब्र खयालात विचार।
 जस्वाती (حدواتی) अ वि-भावनामा की री में बह जानवाता भावुक।
 जस्वातीयत (حدواتیت) अ स्त्री-भावुकता भावनाआ का बग।
 जस्वी (حدوی) अ वि-जग्य मे सम्बध रखनेवाला।
 जस्वेदिल (حدیدل) अ पा पु-दिल की बगिया प्रम का आवपण।
 जस्वेकशिंग (حدوکشیش) अ पा स्त्री-जब्र और बगिया।
 जस्म (حرم) अ पु-पक्का मजबूत अजर को हल करने का चिह्न ()
 जस (حدو) अ पु-बह सख्या जो किमी सख्या में उतनी ही बार भाग देने से प्राप्त हो जमे-१६ का जस ४।
 जस (حرر) अ पु-घटाव उतार पानी का उतार भाटा।
 जस (حور) अ स्त्री-डाट पट विन्की फरवार, भन्ना तजन।
 जस्योनब्रीख (رحورنوبرخ) अ स्त्री-डाट फटकार डाँट टपट।
 जस्योमद (رحورومد) अ पु-मसूद के पानी का उतार चलाव ज्वारभाटा।
 जद (دنه) पा वि-भारा हुआ जाहूत हल (प्रत्य) माग हुआ जमे-गमज्ज गम का मारा हुआ।
 जद (دنه) पा स्त्री-चोट मार निगाना सामना।
 जद (حد) अ पु-गाना पितामह नाना मातामह।
 जदल (حدل) अ स्त्री-मुद समर जग कलह झगण याकरलह मात विवाह हुजत।
 जदाविल (حداول) अ पु-जबल का बहू सारणा गमूह।
 जदी (حدی) अ प-यरी का बच्चा अजागावक मकर गगि दुबेजनी।
 जदीर (حدید) अ वि-नूतन नवीन नया धावनिक हात का प्रवीच्य मगिची।
 जदीदान (حدیدان) अ पु-निराज अहनिग।
 जदाबीर (حدوکوب) पा स्त्री-मारपीट लात धूमा।
 जदद (حدی) अ स्त्री-जग्य मुद उच्चारण यही है।
 जदू (حدو) अ स्त्री-गनी पितामह नाना माता मही।

जदेअम्जद (حدامجد) अ पु-दाग, पितामह।
 जदेआला (حداعلی) अ पु-मूल पुरप बग प्रबक मूरिनेआला जिससे खानगान चला हो।
 जदेफासिद (حدفاسد) अ पु-नाना मातामह।
 जद्वल (حدول) अ स्त्री-नहर, छोटी नदी पुस्तक क चारों आर का हागिया सारिणी, खानागार तफमीली नकान।
 जदवार (حدوار) पा स्त्री-एक प्रसिद्ध देवा निरखिमी।
 जन (ون) पा स्त्री-स्त्री जनि नारी योपित और भाया जाया पत्नी जाहू बीबा (प्रत्य) मारलवाग जते-तेपजन तलवार मारनेवाला।
 जन (طن) अ पु-विचार खयाल धारणा गुमान।
 जनख-दा (ونصدان) पा स्त्री-चिबुक ठडडी।
 जनबक (ونحک) पा स्त्री-व्यभिचारिणी फाहिगा पुदचली।
 जनपरस्त (ونپرس) पा वि-स्त्री की पूजा करनेवाग स्त्री-भूजक पत्नी की बात के खिलाफ न करनेवाग पत्नी भक्त।
 जनब (دب) अ पु-पुछ पूछ दुम, राहू एक निवारा।
 जनबमसूद (ونمسود) पा पु-स्त्री की कमाई खानवाला भायट दयूम भूवा।
 जनमुरीद (ونمريد) पा अ वि-अपना पनी को ही सब कुछ समपनेवाला, स्त्रीजित भायाजित पत्नीभक्त पत्नीव्रती।
 जनबुलफरस (دبالفروس) अ पु-एक निवारा राहू।
 जना (ونان) पा स्त्री-जन का बहू स्त्रियाँ (वि) मारता हुआ (प्रत्य) मारता हुआ जम-जना जना कटका मारता हुआ।
 जनाब (حناره) अ पु-कफन में लपेटा हुआ धव कप में लिपटी हुई लग दे जनाब।
 जनाबबरदार (حنارهبردار) अ पा वि-जना उठानेवाला।
 जनाबबरदोग (حنارهبردوش) अ पा वि-कप पर जना उठाव हुए।
 जनाबएरबी (حنارهبروان) अ पा पु-घाना अज घोड का सवार अजारोही।
 जनारिफ (وناريف) अ पु-दिगाक का बहू नासिख और अधर्मी लाग।
 जनान (ونانه) पा पु-स्त्रिया जम रकभाववाला पुग नरदारग बीब स्त्रिया स्त्रिया का, स्त्रिया क पान।
 जनानगान (ونانگانه) अ पु-स्त्रिया का पर जग स्त्रिया रती हा मत पुग।

जनानेवाजारी (ردان بازاری) फा. स्त्री-वेश्याएँ, रडियाँ, वाजारू औरते, सतीत्व बेचनेवाली।

जनाब (جناب) अ. स्त्री-डचोढी, चौखट, आस्तान.; सम्मुख, सामने, श्रीमान्, महोदय, महाशय, पार्श्व, पहलू, दरगाह, आश्रम।

जनाबत (حذابت) अ. स्त्री-मैथुन के पश्चात् स्नान की आवश्यकता, अशुचि, अपवित्रता, दूरी, अलाहिदगी, पृथक्ता।

जनावीर (زناबीر) अ पु-‘जवूर’ का बहु, भिड़े।

जनावील (زناबीل) अ. पु-‘जवील’ का बहु, थैले।

जनावे आली (جناب عالی) अ वि-श्रीमन्महोदय, मान्यवर।

जनावे मुकर्रम (جناب مکرم) अ वि-दे. ‘जनावे आली’।

जनावे मोहतरम (جناب محترم) अ वि-दे ‘जनावे आली’।

जनावे वाला (جناب والا) अ वि-दे ‘जनावे आली’।

जनाशोई (زناشوئی) फा स्त्री-दाम्पत्य, स्त्री-पुरुष का, मियाँ-बीवी का।

जनाह (جناح) अ पु-पक्ष, पख, पुर, बाहु, भुजा, वाजू, सेनाग्र, हिरावुल।

जनीन (جنین) अ पु-पेट के भीतर का वच्चा, गर्भस्थ, भ्रूण।

जनीने मुद्दः (جنین مرده) अ. फा पु-वह वच्चा जो पेट में मर गया हो।

जनीबत (حنیبت) फा पु-कोतल घोडा जो बादशाही और राजाओं की सवारी का हो।

जनीम (ریشم) अ वि-वह व्यक्ति जो किसी वश का प्रसिद्ध हो, परन्तु उस वश का न हो, वह व्यक्ति जो दुष्टता और कृपणता में प्रसिद्ध हो।

जनूब (جنوب) अ पु-दक्षिण, दक्खिन, दकन।

जनूबी (جنوبی) अ वि-दक्षिणीय, दक्खिन का।

जन्नत (جنت) अ स्त्री-स्वर्ग, नाक, देवलोक, सुरलोक, विहिश्त; उद्यान, आराम, वाटिका, वाग।

जन्नत आरामगाह (جنت آرامگاہ) अ फा. वि-जो स्वर्ग में आराम कर रहा हो, दिवंगत, स्वर्गीय, मर्हूम।

जन्नतनशीं (جنت نشین) अ फा वि-जो स्वर्ग में रह रहा हो, अर्थात् जो मर गया हो, स्वर्गवासी।

जन्नतमकां (جنت مکان) अ वि-जिसका घर स्वर्ग हो, अर्थात् मरा हुआ व्यक्ति, स्वर्गीय, स्वर्ग-वेश्म।

जन्नती (جنتی) अ वि-जिसको मरने के पश्चात् स्वर्ग प्राप्त हुआ हो, स्वर्गीय, स्वर्ग के योग्य व्यक्ति, सदाचारी, पुण्यात्मा।

जन्नतुलफिर्वाँस (جنت الفردوس) अ स्त्री-सब से ऊँचा

(स्वर्ग), वह वाग जिसमें हर वह चीज हो जो दूसरे वागों में हो।

जन्नतुलमावा (جنت السواوی) अ स्त्री-सबसे ऊपर का स्वर्ग।

जन्नते नजर (جنت نظر) अ. स्त्री-ऐसी सुन्दर और अद्भुत चीज जो दृष्टि के लिए स्वर्ग के समान हो, जो दृष्टि को स्वर्ग का आनन्द दे।

जन्नते निगाह (جنت نگاه) अ फा स्त्री-दे. ‘जन्नते नजर’।

जन्नी (جنی) अ वि-काल्पनिक, कल्पित, खयाली, भ्रमात्मक, मीहूम।

जन्नेवद (جن بند) अ फा पु-कुधारणा, बुरा गुमान।

जन्नेवातिल (جن باطل) अ पु-विलकुल मिथ्या विचार, गलत गुमान।

जन्फर (ظفر) अ स्त्री-जय, विजय, जीत, सफलता, कामयाबी।

जन्फरकरी (ظفر قرین) अ वि.-विजेता, विजयी, फातेह।

जन्फरनसीब (ظفر نصیب) अ वि-जिस्के भाग्य में विजय हो, विजयगील।

जन्फरनिशाँ (ظفر نیشاں) अ. फा वि-विजेता, फतहमद।

जन्फरपैकर (ظفر پیکر) अ फा वि-दे ‘जन्फरयाव’।

जन्फरमौज (ظفر موج) अ फा वि-दे ‘जन्फरयाव’।

जन्फरयाव (ظفر یاب) अ फा वि-जिसे विजय प्राप्त हुई हो, विजयी, जित्वर, विजेता, जिण्णु।

जन्फरयावी (ظفر یابی) अ फा स्त्री-जीत, विजय-प्राप्ति।

जफा (جفا) फा. स्त्री-अत्याचार, अन्याय, अनीति, जुल्म, सितम।

जफाएचखँ (جفا چرخ) फा. स्त्री-आस्मान की जफा, दैवीकोप, भाग्यचक्र, दिनों की गर्दिश।

जफाकश (جفاکش) फा वि-देह पर कष्ट उठानेवाला, कठिन परिश्रम करनेवाला, पराक्रमी, मेहनती, कर्मशूर।

जफाकार (جفاکار) फा वि.-अत्याचार करनेवाला, जालिम।

जफाकेश (جفاکیش) फा वि-जिसकी प्रकृति में अत्याचार हो, बहुत बडा अत्याचारी।

जफाखू (جفاخو) फा वि-दे. ‘जफाकश’।

जफाजू (جفاجو) फा वि-नयी-नयी जफाएँ और नये-नये अत्याचार तलाश करनेवाला।

जफापरस्त (جفاپرست) फा वि-महा अत्याचारी, जो अनीति को पूजता हो, जो प्रेमिका के अत्याचारों की पूजा करता हो, आशिक।

जफापूर्वर (جفا پرور) फा. वि-अत्याचारों को प्रोत्साहन देनेवाला, घोर अत्याचारी।

जफ़ायेग (جفایه) फा वि-जिसका काम बरल
अत्याचार करना हा वृत्त बना अयाया।

जफ़ायेगी (جفایگی) फा स्त्री-अत्याचार का
व्यवहार।

जफ़ानिआर (جفانیاار) फा वि-द जफ़ायेग'।

जफ़दे (جفدع) अ पु-मोट्ट ददुर भेक २ जिफ'
दाना गुद्ध ह।

जफन (جفن) अ पु-आग का पयोला।

जफर (جفر) अ पु-बकरी या भेड का बच्चा एक विद्या
जिसमें पराग नान प्राप्त हाता ह।

जफ़वा (جفردان) अ फा वि-जफ की विद्या जाननेवाला
भविष्यवक्ता फागवाग।

जवा [जब] (جيب) अ स्त्रा-गोह गाधिकर।

जबद (جبد) अ पु-आग फेन।

जबर (جبر) फा पु-उडू में (ऊ) का चिह्न () वि
उपर उपरि गक्तिगाली ताकतवर, भारी दोशिर।

जबरजद (جبرجد) फा पु-एक रत्न पीत मणि पुकराज।

जबरदस्त (جبردست) फा वि-गक्तिशाली ताकतवर,
प्रचड अति तीव्र वृत्त तेज।

जबरदस्ती (جبردستی) फा स्त्री-अत्याचार जुम
हठान बलान बलपूर्वक जवन।

जबरत (جبروت) अ पु-प्रतिष्ठा श्रेष्ठता बुजुर्गी।

जबल (جبل) अ पु-गवन अचल पहाड।

जबलुत्तारिक (جبلالطارق) अ पु-जिब्राटर।

जबा (جبان) फा स्त्री-जिह्वा रमना स्त्रिय जीभ
किमी दंग की बाला भापा कौल करार सविदा
वचन कथन।

जबाआवर (جباناور) फा वि-भापा का बहुत जच्छा
पाता भापापट्ट कवि, धाइर।

जबाआवरो (جبان آوری) फा स्त्री-भापा का अच्छा
नान कविता गाइर।

जबागार (جبانگار) फा वि-गुत्वकर जायूम।

जबाबद (جبانبد) फा वि-जा सबकी जवाना पर हो
जनता में प्रसिद्ध बात।

जबाआराब (جباندراب) फा वि-जिसकी जीभ बहुत
रन्वी हा गुस्ताब मुक्तवठ बजाजवान दुमुख।

जबादराबो (جباندرابی) फा स्त्री-गुस्ताबा बजाजवानी
दुमुखता बुवचन।

जबांग (جبانان) फा वि-किमा भापा का विद्वान
भापाविन, भापाविद।

जबाकरोप (جبان مورش) फा वि-बस्ती भुवर बाबाग।

जबाबिवी (جبان بکلی) फा स्त्री-बालन की मनाहा राब
की आर स जनता में भाषण देने का नियेध।

जवान (جوان) अ पु-वन, जगल बानन।

जवान (جوانه) फा पु-लै, लपट अग्नि बाग, अग्निगिता।

जवान (جوان) अ वि-कुीव नपुसक, माफ टरपोत।

जवान (جوان) फा स्त्रा-जवा'।

जवानत (جوانت) अ स्त्री-कीबता नामर्ग, श्रेष्ठ
दर्यावपन।

जवानो (جوانی) फा वि-भौतिक मुह से बहा हुआ
बठ मुस्यार वर जवा' मुह से जवान स।

जवाने कलम (جوان کلم) फा अ स्त्री-कलम की नाव
होन्डर का निव कम्मरपी मनुष्य का जवान।

जवाने छाम (جوان حاشه) फा स्त्री-दे 'जवाने कम्म'।

जवाने शीरी (جوان شیریں) फा स्त्री-मागी जवान जिद
जवान से भीठी-भीठी बार्ह निकरती हो।

जवाने हाल (جوان حال) फा अ स्त्री-गा, हाउ
दगावपी मनुष्य की जिह्वा।

जवाँ (جوان حسن) फा स्त्री-माया ललाट भाल पेगादा।

जवाँ फर्सा (جوان فرسا) फा वि-माया रगनबाग
जमीन पर माया टेककर सलाम करनेवाला बट्ट ही
नानता प्रबट करनबाग।

जवीसा (جوان حسا) फा वि-द जवीफर्मा'।

जवासाई (جوان سائی) फा स्त्री-माया रगना बरत ही
शुक्कर संगम करना दीनता और नम्रता का प्रगण
मुआजल्ला' तसन्वर का यह जगजे-जवीसाइ' फि

होना ही नही महसूस उनका दूर हो जाना।

जवो (جوانی) अ पु-हरिण मग हिरन अहू।

जवोन (جوان حسن) फा स्त्रा-द जवा'।

जवोब (جوان رسب) अ पु-सूला हुआ अगूर गुल्क द्राणा मनक्ता।

जवोम (جوان طمبه) अ स्त्री-हरिणी मगी हरनी।

जवोर (جوان حسره) अ स्त्रा-गूटा हाउडे पर बाबने का लकड़ी।

जवोट (جوان صبغه) अ पु-जवह किया हुआ जावर वष जवा'।

जवोह (جوان دایم) अ वि वधित जवह किया हुआ।

जवोहुल्लाह (جوان لله) अ पु-हजरात इस्मा'ल की
उपाधि जिहू उनके पूव पिताजी ने ईन्वर की आज्ञा से
वष करना चाहा था।

जवू (جوان) फा वि-निवृष्ट हूयिन सरग।

जवहाल (جوان حال) फा अ वि-कुगाप्रस्त पहाल
बुरा हलात में।

जवहाली (جوان حالی) फा अ स्त्रा-कुगा बहाणे।

जबून (جوان) फा वि-दे जू।

जबूनी (زبونی) फा. स्त्री—निकृष्टता, खराबी, तिरस्कार,

जिल्लत, दुख, क्लेश, कष्ट, तकलीफ।

जबूनीकश (زبونی کش) फा वि—कष्ट और दुख उठाने-
वाला, तिरस्कार सहनेवाला।जबूर (زبور) अ. स्त्री.—वह आस्मानी किताब जो हजरत
'दाऊद' पर उतरी थी।जव्त (صط) अ पु—सहन, सहनशीलता, वरदास्त, क्रम,
तर्तीव, प्रवध, व्यवस्था, इतजाम, जव्तगुद, जो चीज
जव्त हो गयी हो।जव्ती (صطی) अ स्त्री—किसी चीज पर जवरदस्ती कब्जा,
सरकारी हुक्म से किसी चीज पर कब्जा।

जव्ते अश्क (صط اشک) अ फा. पु—आँसू रोकना।

जव्ते आह (صط آه) अ फा पु—आह रोकना, मुँह से आह
न निकलने देना।जव्ते गम (صط غم) अ फा पु—कष्ट और दुख प्रकट न होने
देना, प्रेम की व्यथा का इजहार न करना।जव्ते गिर्यः (صط گریه) अ फा पु—आँसू न निकलने देना,
रोने पर कावू रखना।जव्ते नालः (صط ناله) अ फा पु—मुँह से चीख पुकार
न निकलने देना, रोना-धोना न करना।

जव्ते फुगाँ (صط فغان) अ फा पु—दे 'जव्ते नाला'।

जब्र (جبر) अ पु—अत्याचार, अन्याय, जुल्म, किसी बात
के लिए मजबूर करना, हठ, यह सिद्धान्त कि मनुष्य नितान्त
वेवश है जो कुछ करता है ईश्वर करता है।

जब्रन (جبراً) अ वि—जवरदस्ती, हठात्, बलात्।

जब्री (جبری) अ वि—जवरदस्ती का, यह सिद्धान्त
माननेवाला कि मनुष्य विलकुल विवश है।जब्रीयः (جبریة) अ. वि—जवरदस्ती का, जब्री, यह सिद्धान्त
माननेवाला कि मनुष्य खुद कुछ नहीं करता, सब कुछ
ईश्वर कराता है।जब्रे मशीयत (جبر مشیت) अ. पु—दैव की जवरदस्ती,
भाग्य का हठ।जब्रोक्दर (جبر و قدر) अ पु—यह सिद्धान्त कि ईश्वर सब कुछ
करता है और मनुष्य कुछ नहीं कर सकता।

जब्रोतअद्दी (جبر و تعدی) अ स्त्री—अत्याचार और अन्याय।

जब्रोमुकाबलः (جبر و مقابله) अ पु—'अलजन्ना' वीजगणित।

जब्वल (زبل) अ पुं—घोड़े और गधे की लीद।

जब्वह (جبهه) अ स्त्री—पेशानी, माथा, ललाट, भाल,
दसवाँ नक्षत्र, मघा।

जब्वह.फर्सा (جبهه فرسا) अ. फा वि—दे 'जवीफर्सा'।

जब्वह.सा (جبهه سا) अ फा. वि—दे 'जवीसा'।

जव्ह (زبح) अ पु.—वध, जवीह; हत्या, हिंसा, कत्ल।

जम (جم) फा पुं—जमशेद का लघुरूप, दे. 'जमशेद'।

जम (جم) अ पु—भीड़, जमाव।

जम (جم) अ पु—निंदा, बुराई, हजो, अश्लीलता,
फुह्रा होना।

जम (جم) अ पु—गीत, सर्दी।

जम (جم) अ पु—मिलना, मिल जाना, मिला हुआ, सबद्ध,
सयुक्त, पेश का चिह्न (م) जवर।जमजम (جم جم) अ पु—मक्के का एक कुआँ जिसका
पानी बहुत ही पवित्र समझा जाता है, उस कुएँ का पानी।जमजाह (جم جاه) फा वि—जमशेद-जैसी गानोगीकत
रखनेवाला, महाप्रतापवान्।

जमन (جمن) फा स्त्री—जमना नदी, यमुना।

जमन (جمن) अ पु—जमाना, ससार, जगत्, विश्व,
काल, समय, वक्त, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

जमल (جمل) अ पु—ऊँट, उष्ट्र, नर ऊँट।

जमशेद (جمشید) फा पु—ईरान का एक प्राचीन शासक,
जिसके पास एक प्याला था जिससे उसे ससार भर का
हाल ज्ञात हो जाता था।जर्मा (رمان) अ पु—जमाना, काल, समय, ससार, विश्व,
दुनिया।जमाअत (جماعت) अ. स्त्री—पक्ति, कतार, वर्ग, तक्,
कक्षा, क्लास।जमाद (جماد) अ स्त्री—जड पदार्थ, वह चीज जिसमें
विकास आदि न हो, जैसे—पत्थर आदि।

जमादात (جمادات) अ स्त्री—वेजान औ जड चीजे।

जमादी (جمادی) अ वि—जड सम्बन्धी।

जमानः (زمانه) अ पु—समय, काल, वक्त, युग, कर्न,
विलव, देर, अतिकाल, मुद्त, अर्सा, दशा, हालत।जमानःशनास (زمانه شناس) अ फा वि—समय को
पहचाननेवाला, समय के अनुकूल काम करनेवाला।जमान.साज (زمانه ساز) अ फा वि—मुतफन्नी, धूर्त,
छली, इबनुल वक्त, अवसरवादी।

जमान (زمان) अ पु—दे 'जमान'।

जमानए कदीम (زمانه قدیم) अ पु—प्राचीनकाल, पुराना
जमाना।जमानए जदीद (زمانه جدید) अ पु—आधुनिक काल,
मौजूद जमाना।जमानए जाहिलीयत (زمانه جاهلیت) अ पु—मूर्खता-
काल, बेवकफी का जमाना, इस्लामी परिभाषा के अनुसार
इस्लाम से पूर्व का समय।

जमानए वराज (زمانه و دراز) अ फा पु—रम्बा समय दीप काल।

जमानए माकले तारीख (زمانه و ماکله تاریخ) अ पु—वह समय जब इतिहास नहीं लिखा जाता था, इतिहास पूर्वकाल पूर्वतिहासिक काल।

जमानए माजी (زمانه و ماضی) अ पु—गुजरा हुआ समय जाता हुआ जमाना, भूतकाल।

जमानए मुसीबत (زمانه و مصیبت) अ पु—व्यसनरत विपत्तिकाल सकटकाल आफता का जमाना।

जमानए सलफ (زمانه و سلف) अ पु—प्राचीन काल पुरातन काल वृत्त पिछला जमाना।

जमानत (زمانت) अ स्त्री—प्रतिभूति जामिन।

जमानतदार (زمانت دار) अ फा पु—प्रतिभू जामिन।

जमानतनाम (زمانت نامه) अ फा पु—प्रतिभूति पत्र जमानत की तहरीर।

जमानती (زمانتی) अ पु—दे 'जमानतदार' जमानत का।

जमाल (جمال) अ पु—मौल्य रूप सुंदरता हुस्न गामा छटा छवि मुखकानि मुखामा तल्लत।

जमाइस्तान (جمائستان) अ फा पु—वह जगह जा सुंदरता की खान है जहा सुन्दरिया है। सुन्दरिया है।

जमाली (جمالی) अ वि—ए स सम्बन्ध रखनेवाला जलाली का उल्ला वह जाप (अमल) जिसक तप में प्राणभय न हो।

जमानोयात (جمائیات) अ पु—सौल्य सम्बन्धी बातें।

जमाहीर (جماعه) अ पु—जुमहूर का बहु बडे-बड व्यक्ति।

जमिस्ता (زمستان) फा पु—जाड़े की ऋतु ताप का मौसिम गीतका।

जमिस्तानी (زمستانی) फा वि—जानवाला सरद ऋतु वाला।

जमीं (زمین) फा पु—मर्खी धरा अत्रनि कुरए जमीन भूमि भूवड जमान का टुकड़ा देस मलक प्रेशअड पुरश्चरण मजद की रदीफ काफिय और बहु।

जमींदार (زمیندار) फा पु—जमीन का मालिक भस्वामा भूमिपति।

जमादारी (جمادی) फा स्त्री—राज की जोर स गाव के ठर की पद्धति।

जमीअ (جمع) अ वि—समस्त समग्र कुठ मक गपूण समूचा पूरा।

जमीन (زمین) फा स्त्री—जमी।

जमीम (زمیم) फा वि—जमीम की स्त्री निहृटा वृत्ति।

जमाम (ضمیمه) अ पु—विद्या विगप और बातसक समाचार के लिए अखबार का तनिम्म किमी पुस्तक का विगोप भाग परिगिष्ट।

जमीम (زمیم) अ वि—बुरा गराव निहृष्ट।

जमीर (ضمیر) अ पु—अंतरात्मा जत करण कानशन, सजनाम मन, लि, जी।

जमीरआगाह (ضمیر آگاه) अ फा वि—जतयामी लि का बात जाननेवाला।

जमीरफरोग (ضمیر فرس) अ फा वि—आत्मविकला गद्दर अवसरवाणी।

जमीरफरोगी (ضمیر فروشی) अ फा स्त्री—गद्दारी जाम विक्रय।

जमारे गाइब (ضمیر غائب) अ स्त्री—प्रथम पुष्प का सवनाम वह।

जमीरे मुयातब (ضمیر مخاطب) अ स्त्री—मध्यम पुष्प का सवनाम तुम।

जमीरे मुतकल्लिम (ضمیر متکلم) अ स्त्री—उत्तम पुष्प का सवनाम म।

जमीरे हाजिर (ضمیر حاضر) अ स्त्री—जमीरे मस्त।

जमील (جمیل) अ वि—सुंदर रूपवान हनीत।

जमअ (جمع) अ स्त्री—जाप आम उपार्जित मी जमागु निगाना।

जमअअदाज (جمع انداز) अ फा वि—बहुत अच्छा नि लगानेवाला लम्पभेरी निगानची।

जमअदार (جمع دار) अ फा पु—सिपाहिया का नाम

जमअबदी (جمع بدلی) अ फा स्त्री—जमानारी की र जापदनी।

जमईयत (جمعیات) अ स्त्री—इल यय समूह जमा समुदाय मताप इस्मीनान सभा गाठी परिप इग

जमईयतुलउलमा (جمعیت العلماء) अ स्त्री—आलिमा जमाअत विद्वाना की मडली।

जमईयतुलउलमा (جمعیت حاضر) अ स्त्री—आत्ममते इस्मीनाने कत्व।

जमजम (زمزمه) फा पु—चहचह चहकार चिडिया चहक करख गा गीत नगम।

जम्जम हवी (زمزمه خوان) फा वि—चहचहानवाला पत्र गावेवाला गायक।

जम्जम परदाज (زمزمه پرداز) फा वि—जम्जमस्त्री

जम्जम परा (زمزمه نوا) फा वि—दे जम्जम हवी।

जम्जम सज (زمزمه سنج) फा वि—गानवाला चहचह वाला मपुर स्वर म बातचीत करनवाला।

जम्जमःसंज्ञी (مجمجمه سنحصى) फा स्त्री-गाना, चहचहाना; मयुर स्वर में वातचीत करना।

जम्जम (مجم) अ पु-मक्के का एक पवित्र कुआँ, उस कुएँ का पानी।

जम्जमी (مجمی) अ. स्त्री-जम्जम रगने की कुष्पी।

जम्द (ضمد) अ पु-मर्हम लगाना, दवा चुपटना।

जम्मः (ضمه) अ पु-'पिण' का चिह्न, 'उ' की मात्रा।

जम्माजः (جماز) अ स्त्री-तेज चलनेवाली ऊँटनी, साँडनी।

जम्माज (جماش) अ वि-चपल, चचल, थोस, थरीर, राहसी, हिम्मती, शूर, वीर।

जम्मे गफोर (جم غفیر) अ. पु-बहुत बड़ा जमाव, बहुत बड़ी भीड़।

जमः (جمه) अ पु-चिनगारी, अग्निकण, स्फुल्लिग, ककारी, ठीकरी, एक प्रकार की फुसियाँ जिनमें बड़ी जलन होती है।

जम्र (ضمير) अ पु-छग्रहरे और दुबले शरीर का व्यक्ति।

जमहरीर (مجمهرير) फा पु-बहुत ही कड़ा जाड़ा, वायुमंडल का वह भाग जो बहुत ही ठंडा है।

जर (زر) फा पु-स्वर्ण, सुवर्ण, हेम, हाटक, काचन, सोना, धन, संपत्ति, दौलत, बहुत बूढ़ा या बूढ़ी।

जर[रं] (حز) अ पु-खीचना, आकर्षण, खिंचाव, जेर की हरकत।

जर[रं] (صز) अ पु-दुःख, कष्ट, तकलीफ, दुर्दशा, बढ-हाली, निर्वनता, गरीबी, निर्वलता, दुबलापन।

जरअंहदः (زر اندوه) फा वि-सोने से मड़ा हुआ, सोना चड़ा हुआ।

जरअफशाँ (زر افشان) फा वि-दे 'जरफशाँ'।

जरअफशानी (زر افشانی) फा स्त्री-दे 'जरफशानी'।

जरक (زرک) फा पु-सोने के बरको का चूरा।

जरकश (زرکش) फा वि-सोने-चाँदी के तारों से कलावत्त बनानेवाला, सोने-चाँदी के तारों से बना हुआ कपड़ा।

जरकशी (زرکشی) फा स्त्री-सोने-चाँदी के तारों का काम, कलावत्त का काम।

जरकार (زرکار) फा वि-सुनहले काम की चीज।

जरकोब (زرکوب) फा वि-सोने-चाँदी के बरक बनानेवाला, वह चीज जिसपर सोने के पत्र चढ़े हों।

जरकोबी (زرکوبی) फा स्त्री-सोने-चाँदी के बरक बनाना।

जरखरीद (زر خرید) फा वि-अपने दामो से मोल लिया हुआ, मोल लिया हुआ दास।

जरखेश (زرخیر) फा वि-अच्छी उपजाऊ भूमि, उर्वरा, सस्यप्रद।

जरखेजी (زرخیزی) फा स्त्री-जमीन का उपजाऊ होना।

जरगर (زرگر) फा पु-स्वर्णकार, सुनार, सोने-चाँदी के जेवर बनानेवाला।

जरगरी (زرگری) फा स्त्री-स्वर्णकर्म, सोने-चाँदी का काम बनाना, सोने-चाँदी के जेवर बनाना।

जरगूनी (زرگونی) अ स्त्री-एक यूनानी दवा।

जरतार (زرتار) फा वि-सोने के तारों से बना या गुंथा हुआ।

जरतुश्त (زرتشت) फा पु-दे 'जरदुश्त'।

जरदार (زردار) फा वि-धनी, धनाढ्य, मालदार।

जरदारी (زرداری) फा स्त्री-बनाढ्यता, धनवानी, मालदारी।

जरदुश्त (زردشت) फा पु-'मिनूचेह' का वंशज एक ईरानी महात्मा, जो यूनान के हकीम फीसागोरस का शिष्य था।

इसने सम्राट् गुस्तास्प के समय में एक धर्म चलाया जिसका मुख्य उद्देश्य अग्निपूजा था, इसका धर्मग्रन्थ 'जेद' है।

जरदोज (زردور) फा वि-जरदोजी का काम करनेवाला, कारचोव, सल्मासितारा और कलावत्त का काम बनानेवाला।

जरदोजी (زردوزی) फा स्त्री-कारचोवी, सल्मेसितारा और जरी का काम।

जरदोस्त (زردوست) फा वि-धन का लोभी, बहुत ही लोभी और कजूस।

जरदोस्ती (زردوستی) फा स्त्री-धन का लोभ, धन का बहुत अधिक प्रेम, कृपणता, कजूसी।

जरनिगार (زرنگار) फा वि-सोने के काम से सजा हुआ, सोने के वेलबूटे बना हुआ।

जरपरस्त (زردوست) फा वि-रूपयें की पूजा करनेवाला, धन-पिशाच, बहुत बड़ा कजूस।

जरपरस्ती (زردوستی) फा स्त्री-रूपयें की पूजा, हृद से बड़ा हुआ लोभ।

जरपाश (زرپاش) फा वि-सोना बरसानेवाला, दान-शील, फँयाज।

जरपाशी (زرداسی) फा स्त्री-सोना बरसाना, बहुत अधिक दानशीलता।

जरफशाँ (زرافشان) फा वि-दे 'जरफशाँ'।

जरफशानी (زرافشانی) फा स्त्री-दे 'जरफशानी'।

जरफशाँ (زرافشان) फा वि-सोना बरसानेवाला अर्थात् बहुत अधिक दानशील।

जरफशानी (زرافشانی) फा स्त्री-सोना बरसाना, बहुत बड़ी दानशीलता।

जरब (زرب) अ स्त्री-खुजली, खारिश, खर्जू, कड़ू।

जरब (صرب) अ पु-सफेद शहद, श्वेत मधु।

जरब (جرب) अ पु -पट का एक रोग जिसमें बभी दस्त होने लगते ह बभी बंद हा जाने ह ।
 जरबपत (زر بمت) फा पु -सोने चादी क तारा स बना हुआ कपटा ।
 जरबान (زر بان) अ पु -हृदय की धडकन दद की लपक ।
 जरबाफ (زر باب) फा वि -जरबपत बनानेवाला ।
 जरबाफी (زر بافی) फा स्त्री -जरबपत बुनना ।
 जरबी (زر بی) अ वि -शहदवाली वस्तु ।
 जरम (زر م) अ पु -उपचार इलाज उपाय तबीर ।
 जरमान (زر مان) अ पु -साव, प्रवाह बहाव, प्रमह धातुसाव रोग ।
 जरमाने खून (زر مان خون) अ फा पु -शरीर स रक्त का साव ।
 जरमाने तप्त (زر مان طمس) अ पु -रज का साव, मासिक घम का जबिक मात्रा म आना ।
 जरमाने दम (زر مان دم) अ पु -रक्त का साव खून का छात्रिज होना ।
 जरमाने मनी (زر مان ملی) अ पु -बीय का साव बीय का पतला होकर मूत्र के साथ निकलना एक रोग प्रमेह ।
 जरर (زرر) अ पु -हानि नुकसान आघात चोट अनिष्ट, छरात्री ।
 जरररसा (زرر رسا) अ फा वि -हानिकारक नुकसानदेह ।
 जरररसानो (زرر رسائی) अ फा स्त्री -हानिकारिता, नुकसानविही ।
 जरररसो (زرر رسی) अ फा स्त्री -नुकसान पहुचना हानि पहुचना ।
 जरररसोद (زرر رسیده) अ फा वि -हानि पहुचा हुआ हानि-शीतल ।
 जररेज (زررر) फा वि -सोना बरमानेवाला अतिमानो ।
 जररेजी (زررر بی) फा स्त्री -सोना बरसाना पयाजी करना ।
 जरस (زرس) फा प -घटा घटियाल वह घटा जो मानिया के दल के साथ रता है ।
 जरा (زر) अ पु -खाम लालच जगली गाय का बच्चा ।
 जरा (زر احوا) तु वि -तनिक किविन अल्प मान ।
 जरा (زر) अ पु -रोना घोना कल्लन वितम्रता आजिजी ।
 जराभत (زر اعب) अ स्त्री -पु उ जिराभत ।
 जराभन (زر اعب) अ स्त्री -रोना कल्लन विनती करना पिधियाना ।
 जराइद (زر اید) अ पु -जरा का बहु समाचारपत्र ।

जराइफ (زر ائف) अ पु -जरीफ का बहु जराफने, मनोरजन की वार्त ।
 जराइन (زر ائم) अ पु -जरीम का बहु अनेक प्रकार के अपराध बहुत से अपराध ।
 जराइमपेस (زر ائم پسه) अ फा वि -जिस जम वरन का आत हो जा प्रकृति मे ही जुम का आती हो ।
 जराइमपेसगी (زر ائم پیسگی) अ फा स्त्री -अपराधकार का स्वभाव ।
 जराइर (زر ائر) अ पु -जर का बहु छाट छेन च्य ।
 जराए (زر اوع) अ पु -जरीअ का बहु, जरीए सातन ।
 जराद (زر اد) अ पु -टीडी टिडडी जो खत खा जाती है ।
 जराफ (زر اب) अ पु -एक जगली पशु जो ऊट के बराबर होता है और तेंदुए जसी शरीर पर धारिया हानी ह, दे जिराफ दानो गुद्ध ह ।
 जराफत (زر ائف) अ स्त्री -हूसी ठठोल मस्तरापन खुशतवई मनोरजन, व्यम तज हास्यरस मिजाद निगारी ।
 जराफतअगज (زر ائف ائگر) अ फा वि -जराफत पग करनेवाला ।
 जराफतआनेख (زر ائف ائمن) अ फा वि -जिसमें हमी दिल्ली की वार्तें मिली हा परिहासपूण ।
 जराफतनिगार (زر ائف ائنگار) अ फा वि -हास्यरसक, मिजाहनिगार ।
 जराफतनिगारी (زر ائف ائنگاری) अ फा स्त्री -हास्य लेख लिखना मिजाहनिगारी ।
 जराफतपसद (زر ائف ائف سلد) अ फा वि -जिस मनोरजन पसद हो परिहासप्रिय ।
 जराफतपसदी (زر ائف ائف سلدی) अ फा स्त्री -मनो रजन की वाता का जच्चा लगना ।
 जराव (زر اب) फा पु -साने का पानी पानी की पत्र में सोना हल किया हुआ सोना पाल रग की मरिप ।
 जरावत (زر اب) अ स्त्री -हानि पहुचाना, नमान करना अभा होना ।
 जरारीह (زر ارح) अ पु -जुह का बहु एक प्रकार क कोडे जा दवा में काम आते ह यह गर एकचकन में प्रयुक्त है ।
 जराबद (زر اب د) फा स्त्री -एक दवा जा मोन और लम्बे दाना के आकार की होती है मालको मुजर और खब का तवील कल्लन ह ।
 जरासोम (زر اسوم) अ पु -जुगम का बहु, छाट-छाट की, बीजगुण ।

जरासीमकुश (جراثيمكش) अ. फा वि-कीड़े मारने-वाली दवा, कीटनाशक।

जराहत (جراحت) अ स्त्री-इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'जिराहत' है, परंतु उर्दू में दोनों तरह बोलते हैं, धाव, जल्म, चीरफाट, शल्यक्रिया।

जराहतखुर्दः (جراحت خوړده) अ फा वि-घायल, जल्मी, आहत, क्षत।

जराहतनसीब (جراحت نصيب) अ वि-जिसके भाग्य में घायल होना ही हो, जिसे हर जगह जल्म खाने को मिले।

जर्री (زرّين) फा वि-सोने का बना हुआ, स्वर्णमय, सोने का, स्वर्णिम, सोने से सम्बन्ध रखनेवाला।

जरी (جری) अ वि-बीर, गूर, वहादुर, उत्साही, साहसी, जवाँमर्द।

जरी (زرّی) फा स्त्री-दे 'जरी', सोने-चाँदी के तार जिन पर मुनहरा मुलम्मा हों, गोटा किनारी का कपडा।

जरीजः (جریج) अ प-साधन, वसीला, माध्यम, वासिता, द्वारा, मारिफत, उपाय, तदवीर।

जरीदः (جریده) अ. पु-एकाकी, अकेला, समाचारपत्र, अखवार।

जरीदःनिगार (جریده نگار) अ फा वि-पत्रकार, अखवार-नवीस।

जरीदःनिगारी (جریده نگاری) अ फा स्त्री-पत्रकारी, अखवारनवीसी।

जरीद (جرید) अ पु-पत्रवाहक, कासिद; गुप्तचर, जासूस।

जरीदिल (جری دل) अ फा. वि-साहमी, जवाँमर्द, जिसे भय न हो।

जरीनः (زرّینه) फा स्त्री-मुनहरी।

जरीफ (جریف) अ वि-हँसोड, मस्खरा, खुश मिजाज, विनोदप्रिय, प्रतिभाशाली, जहीन।

जरीफतव्वअ (جریف طمع) अ वि-दिल्लीगी वाज, हँसोड, मनोविनोदी।

जरीफमिजाज (جریف مزاج) अ वि-जिसके स्वभाव में मनोविनोद और हँसी मजाक बहुत हो, विनोदप्रिय।

जरीफानः (جریفانه) अ फा वि-मनोविनोद से भरा हुआ, हास्यपूर्ण।

जरीफुत्तव्वअ (جریف طمع) अ वि-दे 'जरीफतव्वअ'।

जरीफुलमिजाज (جریف المزاج) अ वि-दे 'जरीफमिजाज'।

जरीवः (جریبه) अ स्त्री-स्वभाव, आदत, तलवार की तीक्ष्णता (वि) तलवार से घायल।

जरीव (جریب) फा स्त्री-खेत नापने की जलीर; हाथ में पकड़ने की छडी।

जरीवकश (جریبكش) फा. वि-जरीव से खेत नापने-वाला।

जरीवकशी (جریبكشی) फा. स्त्री-जरीव द्वारा खेतों की पैमाइज।

जरीवत (جریبت) अ स्त्री-स्वभाव, प्रकृति, आदत।

जरीवाफ (زرّی ناف) फा. वि-सोने-चाँदी के तार या मुनहरी लैस बनानेवाला।

जरीमः (جریمه) अ. पु-पाप, पातक, गुनाह, दोष, अपराध, कुसूर।

जरीम (جریم) अ वि-जड से काटा हुआ, उन्मूलित, बड़े डीलडौल का।

जरीम (جریم) अ वि-जला हुआ, दग्ध।

जरीरः (جریره) अ पु-पाप, गुनाह।

जरीर (جریر) अ वि-अधा, अध, नेत्रहीन, अशक्त, निर्बल, दुबला।

जरीश (جریش) अ पु-दलया, जो पकाया जाता है।

जरीस (جریس) अ वि-बहुत भूखा, क्षुधातुर।

जरीह (جریه) अ वि-आहत, घायल, जल्मी।

जरीह (جریه) अ स्त्री-कन्न, समाधि।

जरूर (جریر) अ वि-अवश्य, यकीनी, निश्चित रूप से, नि सदेह, वेगुव्ह।

जरूर (جریر) अ पु-दवा की वुकनी जो धाव या आँख आदि में छिडकी जाय।

जरूरत (جریر) अ स्त्री-आवश्यकता, चाह; आकाक्षा, स्वाहिश, कारण, सबव।

जरूरतन् (جریر) अ वि-कारणवश, आवश्यकता से।

जरूरतमंद (جریر مند) अ फा वि.-इच्छुक, स्वाहिग-मद, मोहताज, दरिद्र, भिक्षुक, भिखारी।

जरूरी (جریری) अ वि-आवश्यक, यकीनी, अनिवार्य, लाजिमी।

जरूरीघात (جریری غایت) अ स्त्री-'जरूरी' का बहु, आवश्यक-ताएँ, जरूरते।

जरे अस्ल (زرّ اصل) अ फा पुं-मूलधन, अस्ल रुपया।

जरे कल्ब (زرّ قلب) फा. अ पु-खोटा सिक्का, खोटा सोना या चाँदी।

जरे खालिस (زرّ خالص) फा अ पु-खरा सिक्का, खरा सोना या चाँदी।

जरे गुल (زرّ گل) फा पु-पराग, पुष्परज, फूल का जीरा।

जरे नब्द (زرّ نقد) फा अ पु-नब्द रुपया, कैश।

जरे नातिक (زرّ ناطق) फा अ पु-बोलनेवाला धन; नौकर-चाकर, दास आदि, पगुधन।

जरे वेगामी (زر و شکی) का पु—अग्रिम धन विना काम
 व लिए पहले लिया हुआ रुपया।
 जरे फाजिल (زر فاضل) का अ पु—अतिरिक्त धन फालतू
 रुपया देने या देने से अधिक रुपया।
 जरे बखान (زر بخانه) का अ पु—अग्रिम धन पशगी
 रुपया।
 जरे मस्कूक (زر مسکوک) का अ पु—रुपया या अरगकी।
 जरे महलूल (زر مستهلل) का अ पु—पानी के रूप में पिघला
 हुआ सोना।
 जरे मुआवज (زر معاوضه) का अ पु—विस्ती चीज व
 वकाले का रुपया।
 जरे मुतालब (زر مطالبه) का अ पु—दियी आदि का
 वाजिब रुपया।
 जरे मुनाफअ (زر منافع) का अ पु—कारागार में लाभ
 का रुपया।
 जरे सफेद (زر سفید) का पु—चीनी रजत।
 जरे सामित (زر صامیت) का अ पु—न बोलनेवाला धन
 रुपया-पैसा या जाइतान।
 जरे सुख (زر سرخ) का पु—सोना स्वण।
 जरे गौहर (زر گوهر) का पु—माना और मोती।
 जरे जवाहिर (زر جواهر) का अ पु—सोना और रत्न।
 जअ (زر) अ पु—गविन बल हाथ से नापना।
 जअ (زر) अ स्त्री—उगना जमना कृषि खेता।
 जअ (زر) अ पु—गाय, बकरी जाति का धन।
 जअ (زر) अ वि—छा मत्र अमत्य शूट मूह पर
 कुछ होना और जवान पर कुछ।
 जअ (زر) अ स्त्री—फनी का बाट।
 जअकअ (زر اق) अ वि—तख भइकवाला भक्वगर
 घमवाला भक्वीला।
 जअ (زر) अ स्त्री—नीला आँखावाली स्त्री।
 जअ (زر) अ पु—समूह जमाअत गाय वग
 मानवान जिप भी गुद है।
 जअ (زر) का पु—गीमुन्न तन प्रवार का चमना।
 जअ (زر) अ स्त्री—एक देवा जो यनानी में
 प्रचलित है।
 जअ (زر) का पु—एक प्रकार का मीठ चाबूत हाव
 दार पत्ता का तबारा।
 जअ (زر) का पु—एक इग अथ में जअ अगुद है।
 जअ (زر) का वि—गात पीग पीग रगवाग पागरग।
 जअ (زر) अ पु—निवाला निगलना गला घाना कदक
 विना।

जअआब (زر آاب) का पु—दे जदीव वही उच्चारण
 अधिक गुद है।
 जअआलू (زر آلو) का पु—जेनालू वही उच्चारण
 अधिक गुद है।
 जअक (زرک) का स्त्री—गाजर, पीत क एक प्रसिद्ध क।
 जअगोश (زر گوش) का पु—छली, धूत मक्कार इव
 भापी मुवाफिक, दुविधा में पडा हुआ मुद डव।
 जअजसम (زر جسيم) अ पु—वाज जीर उगकी जाति व
 शिवारी पक्षी।
 जअजोब (زر جوب) का स्त्री—हृत्नी हरिडा।
 जअर (زر) का वि—लजित, शक्ति जितन गरार म
 खून न हा, लगार दुवला।
 जअरई (زر رزی) का स्त्री—लज्जा शम गरार मछन
 न होना।
 जअदीव (زر آدیب) का पु—फोने से बहनेवाला बच-सोदू।
 जअदीलू (زر آدیلو) का पु—ताजी खूवानी।
 जअदी (زر دی) का स्त्री—पीतिमा पीलापन, अरकी अर्जी।
 जअदी (زر دی) का स्त्री—एक देवा तालाम पत्र।
 जअदी (زر دی) का स्त्री—हजतल एक ओपधि।
 जअ (زر) अ पु—बतन भाजन पात्र, योग्यता
 सलाहीयत, गभीरता तहम्मूल सटनशीलता बुबारा।
 जअ (زر) अ का पु—पानी रतन का बरतन,
 जलपात्र।
 जअ (زر) अ पु—बहसना जो समय की सूच
 हा जत-प्रात और राध्या।
 जअ (زر) अ पु—बहसना जो स्थान का सूच
 हा जत-घर या पाठगाला।
 जअ (زر) अ का पु—धाराव का बरतन
 सुरापान।
 जअ (زر) अ का पु—दूध रतने का बरतन
 धारपात्र।
 जअ (زر) अ पु—चाट आपात जव पीता बय।
 जअ (زر) अ स्त्री—आपात चाट, (पु) गुणा दा
 गस्यात्रा का गुणा।
 जअ (زر) अ का पु—टकगाग टकगाग
 जहाँ रासा बलता है।
 जअ (زر) अ स्त्री—जव चाट, आपात।
 जअ (زر) अ स्त्री—जव का ब चाँ मारें।
 जअ (زر) अ पु—जम कर महमूल।
 जअ (زر) अ पु—बहावन लोरीक
 मगल।

सर्वे छापीक (محبوب حامي) अ स्त्री-सोटा, जिनम हरी आदि न दूटे ।
 सर्वे दस्त (محبوب دست) अ. फा स्त्री-ताने वी सोटा, श्याम, रूनापात ।
 सर्वे पा (محبوب) अ. फा स्त्री-गाने वी सोटा, पशपात ।
 सर्वे फगह (محبوب فغ) अ. स्त्री-सोटा वी जिनमे मी मुनी मे वजनेवाला बाजा ।
 सर्वे मुमद (محبوب مود) अ. पु-माशास्य गुण, गिगी पूरी मन्ना का पूरी मन्ना से गुण ।
 सर्वे मुग्गरब (محبوب مرگب) अ. पु-आपात, आना और पात का मन, मेर और हड्डीक आदि का मन्ना ।
 सर्वे लाजिब (محبوب لاجب) अ. स्त्री-ताने सोटा जिनम विदु अन्ते हांने पर भी धावी रहे ।
 सर्वे शदीद (محبوب شديد) अ. स्त्री-सोटा जिनमे स्त्री दृष्ट जाय वा और कोरे मेला हो धाय अथे जिनमे प्राफनव हो ।
 सर्वे शम्शीर (محبوب شمشير) अ. फा. स्त्री-तानेवार का धाय ।
 जरं (زر) अ. पु-तण, अण, रेणु, दहन ही वारीक रंजा, अनि तुच्छ, बहुत ही हकीर; छोटा पीटा ।
 जरं (زر) अ. स्त्री-बह स्त्री जो एक स्त्री की उपस्थिति में व्याह कर लायी जाय, गीतन, गीत ।
 जरं: नवाज (زر نواز) अ. फा वि-छोटो पर दया करनेवाला, दीनदयालु, दीनवधु ।
 जरं: पवंर (زر پور) अ. फा. वि-जे 'जरं नवाज' ।
 जरं: नाचीज (زر ناچيز) अ. फा. पु-बहुत ही छोटा और मूढम कण, अर्थात् अत्यंत तुच्छ व्यक्ति, वगता अपने लिए भी इन शब्द का प्रयोग करता है ।
 जरं: वेमिददार (زر بيميدار) अ. फा पु-जे 'जरं: नाचीज ।
 जरंतान (زرتان) अ. स्त्री-वे दो स्त्रियां जो एक पुरुष के व्याह में हो, 'जरं' का द्विवचन, दो गीत ।
 जर्राक (زرراک) अ. वि-जिसके मन में कुछ ही और मुंह पर कुछ, द्विजिह्व, मुनाफिक ।
 जर्राअ (زرراع) अ. स्त्री-काट, आपत्ति, दुःख, हानि, नुक्सान ।
 जर्राकखान (زرراکخانه) अ. फा पु-ऐसा रयान जहाँ वे सब लोग एकत्र हो जिनके दिनों में कुछ होता है और मुंह पर कुछ, धूर्त्तावास ।
 जर्राद (زراد) अ. वि-जिरिह्वक्तर बनानेवाला ।
 जर्राफ (زرراف) अ. वि-बहुत अधिक हँसोड, बडा दिलगी वाज, बड़ा प्रतिभाशाली, बहुत जहीन ।
 जर्रादखान (زرراکخانه) अ. फा पु-शस्त्रागार, हथियार-घर ।

जर्राब (زرراب) अ. वि-मिकने पर टपका लगानेवाला, मुद्रा छापनेवाला ।
 जर्राब (زرراب) अ. पु-एक अत्यंत विरला विच्छ जो पृष्ठ जमीन पर पसीयना हुआ चलाता है; बहुत बडी मेला ।
 जर्राब (زرراب) अ. वि-बहुत बडी मेला, बहुत बडी भीट जो लोगों के दुःख के कारण धीरे-धीरे चल्ती हो, अपनी ओर गीचनेवाला ।
 जर्राह (زرراچ) अ. पु-नीर-काट में जर्रां का उल्लाज करनेवाला, शल्य-चिकित्सक ।
 जर्राही (زرراحي) अ. स्त्री-जर्राह का काम, पायो और फां-फूलियो की चिकित्सा, नीर-काट, शल्य-चिकित्सा ।
 जर्रां (زرراين) फा. वि-गोने का, गोने में मला हुआ, गोला चला हुआ, मुगहला ।
 जर्रे साफेल (زرر سافل) अ. पु-भारी चीज गीचने और उठाने की चिन्ता ।
 जर्रे (زرر) अ. स्त्री-चोट, आपात, गिगी बात के दृष्ट मन की जान के लिए प्रयत्न ।
 जर्राकदह (زرراک قدح) अ. स्त्री-ताद-वियाद, तक-वितर्क, बहस, हुज्जत ।
 जर्राक (زرراک) अ. स्त्री-हाथ में उद्विग-मचालन द्वारा धोयंमात, हस्त-मैथुन, हथलन ।
 जर्राक (زرراک) अ. स्त्री-फिसलन, फिसलना, साफ और नीरस मंथान या जमीन, हस्तमैथुन, हथलन ।
 जर्राकखद: (زرراک خد) अ. फा वि-हस्तमैथुनिक, जिनमे हथलन का सुव्यंजन हो ।
 जर्राकी (زرراکي) अ. वि-हथलन करनेवाला, जर्राक लगानेवाला, हस्तमैथुनिक ।
 जर्राकुलअम्मा (زرراکول امما) अ. स्त्री-आँतो की फिसलन, एक रोग जिनमे आँत मवाद रोक नहीं सकती और दस्त आते रहते हैं ।
 जर्राकम. (زرراک م) अ. पु-'जालिम' का बहु, निर्दय और अत्याचारी लोग ।
 जर्राकमानो (زرراک مانی) अ. वि-तमिन्न, अघकारमय, तारीक ।
 जर्राकल (زرراک ل) अ. पु-फिसलन, फिसलना, फिसलने की जगह, ह्याम, कमी, घुटि, गलती ।
 जर्राक (زرراک) अ. वि-किसी को देश निकाला देना, स्वयं देश त्याग करके परदेश जाना ।
 जर्राकजिल (زرراک جيل) अ. पु-'जुलजुल' का बहु, वह घुंघरू जो किसी कपडे पर टाँककर पन्ना आदि के गले में डालते हैं । वे मजीरे जो डफ की परिधि में होते हैं, बड़े मजीरे, झाँस ।

अलाबिल (أول) अ पु-जलब का बहु, जलजल, भूकप।

अलाबत (ألابت) अ स्त्री-वाकपटुता तेज बयाना बात की अच्छे ढंग से और आरदार गवा में कहना।

अलाबत (ألابت) अ स्त्री-स्फूर्ति फुर्ती चुस्ती सुनता वीरता बहादुरी।

अलाम (ألام) अ पु-मध्या के बाद की अंधरी गुरु रात का हलका अंधेरा।

अलाल (ألال) अ पु-बादल की छाया, सायदार जगह।

अलाल (ألال) अ पु-गुमराहा माग भ्रम, रस्ते में भटक जाना पाप गुनाह।

अलाल (ألال) अ पु-प्रताप तेज जड़मत हैवत किमी महात्मा या ऋषि मुनि का रोव।

अलालत (أलالت) अ स्त्री-श्रेष्ठता महत्ता बुद्धि।

अलालत मआब (أलالت مآب) अ वि-श्रेष्ठतायुक्त अतिश्रेष्ठ।

अलालते शान (أलالتسان) अ स्त्री-व्यक्तित्व की महत्ता।

अलाली (ألالی) अ वि-जलालवाला प्रतापवान जमाली का उलटा वह मय आप मा वजीफा जिस में जान जाने का भय हा।

अलाबत (ألابت) अ स्त्री-उज्वलता प्रकाश रोशनी स्वच्छता धवत्ता मफाई।

अलाबतन (ألابطر) अ वि-वह व्यक्ति जो अपना देव त्याग कर परलोक में रह रहा हा निर्वासित पुरपाथी शरणार्थी।

अलाबतनी (ألابطلی) अ स्त्री-स्वदेव त्याग अपना घर वार छाकर दूसरे देश में रहना अज्ञात वास।

अली (ألی) अ वि-व्यक्त प्रकट जाहिर माटे अंधरी में लिखा हुआ लेख।

अलील (ألیل) अ वि-प्रतिष्ठित महान अजीम माय पूय माहतरम।

अलील (ألیل) अ वि-भ्रष्ट अयम पामर नीच कर्षित कमीना तिरस्कृत अनागत अपमानित वैदेशिक।

अलीलअद (ألیل العذر) अ वि-बुरा मरतबवाला महत्प्रतिष्ठ महामना।

अलीला (ألیلا) अ पु-पाम करनेवाला सखा पान्धवर्ती हमनी पाप गहवर्ती।

अलू (ألو) अ स्त्री-ताज जौफा खनपा।

अलूक (ألوی) अ स्त्री-जू।

अलूम (ألوم) अ वि-अत्यंत अत्याचारी बहुत बड़ा जालिम।

अलबल (ألبل) अ पु-भूषण भूडाल भूचाल भूप्रकाश।

अलबलअफगन (ألبل العفن) अ फा वि-जो उजल डाल दे जो पृथ्वी का हिला दे।

अलद (ألد) अ वि-शीघ्र त्वरित सत्वर, तुरत फौज।

अलद अब अलद (ألد، ألد) अ वि-तीव्रतशीघ्र जद से जल, जितनी जल्दी हो सफ।

अलदतर (ألدتر) अ वि-अतिशीघ्र, बहुत जल्य फौज, तुरत ही।

अलदबाद (ألدبار) अ वि-जा चाहता हो कोई काम जल्य हो जाय उतावला आतुर।

अलदबादी (ألدباری) अ स्त्री-तुरत काम हो जान की चाह तुरत करने की उत्कठा।

अलब (ألب) अ स्त्री-लेना ग्रहण करना हामिल करना उपाजन।

अलबे मनफअत (ألب ملبع) अ स्त्री-लाभोपाजन नफा कमाना।

अलब (ألب) अ पु-बट भोजन जा किसी के लिए रख दिया जाय बचा हुआ खाना जून उच्छिष्ट वह भाजन जा दासो और दासिया को दिया जाता है।

अलब (ألب) अ पु-नीयर।

अलबअलालहू (ألب ألاله) अ अय्य-श्वर के नाम के साथ जाता है अथवा उसका अलाल (प्रताप) अति महान है।

अलब रबा (ألب ربا) अ फा वि-जून खानेवाला किसी बड़े व्यक्ति के सहारे रहनेवाला।

अलब (ألب) अ स्त्री-फिसलन फिमलना, अति भूल लगिस।

अलबाब (ألباب) अ पु-वह व्यक्ति जो अपराधियों को कोड मारता है वह व्यक्ति जो अपराधियों की गान मारता है वह व्यक्ति जो फामी पर चलाता है अत्यंत निन्द्य और अत्याचारी।

अलबादी (ألبادی) अ स्त्री-जलाल का काम या पैग घोर अत्याचार करनेवाला।

अलबाब (ألباب) अ वि-जो जानबूझकर एक स्थान में दूसरे स्थान को ल जानेवाला पापुआ का बदन के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ल जानेवाला।

अलब (ألباب) अ पु-अपने का बनाव गिगार कर निताना अपने का दूसरे के मामल पग करना दान दीनार प्रमाण नुमाइश।

अलबआर (ألباب أرا) अ फा वि-बनाव गिगार और ठाट-बाट से किसी स्थान पर उपस्थित किसी घट और महान व्यक्ति की उपस्थिति के लिए भी आता है।

जल्ब:आराई (جلبه آرائی) अ फा स्त्री—बनाव सिगार के साथ उपस्थित, किसी श्रेष्ठ व्यक्ति की उपस्थिति।
जल्ब:गर (جلبوگر) अ फा वि—दे 'जल्ब आरा'।
जल्ब:गरी (جلبوگری) अ फा स्त्री—दे. 'जल्ब आराई'।
जल्ब:गाह (جلبوگاه) अ फा स्त्री—जल्ब दिखाने का स्थान, प्रेमिका का घर।
जल्ब:कर्मा (جلبوکرما) अ फा वि—दे 'जल्ब आरा'।
जल्ब:फर्माई (جلبو فرمائی) अ. फा स्त्री—दे जल्ब आराई।
जल्बत (جلوت) अ स्त्री—अपने को सब को दिखाना, 'खलवत' का उलटा भौड, जमाव।
जल्स: (جلسه) अ पुं—सभा, मजलिस, नाच गाने की महफिल, बैठक, किसी कमेटी आदि की निश्चत।
जल्स:गाह (جلسه گاه) अ फा स्त्री—जहाँ जल्सा हो रहा हो, जल्से की जगह, सभास्थल।
जल्सए ता'जियत (جلسه تعریض) अ पु—किसी की मृत्यु पर शोक प्रकट करने का जल्सा, शोकसभा।
जव (جو) अ पु—अतरिक्ष, खला, जमीन और आस्मान के बीच की जगह।
जवाँ (جوان) फा पु—जवान का यौगिक रूप, जवान, युवा, युवक, तरुण; वयस्क, वालिग।
जवाँताले' (جوان طالع) अ फा वि—दे 'जवाँवख्त'।
जवाँदौलत (جوان دولت) फा अ वि—जिसका धन तरुण हो, समृद्ध, धनाढ्य, बहुत ही मालदार।
जवाँवख्त (جوان بخت) फा वि—जिसका भाग्य पूरी जवानी पर हो, महा भाग्यशाली।
जवाँमर्ग (جوان مرگ) फा वि—जो युवावस्था में मर जाय।
जवाँमर्गी (جوان مرگی) फा स्त्री—जवानी की मृत्यु, युवावस्था की मौत।
जवाँमर्द (جوان مرد) फा वि—वीर, शूर, बहादुर, साहसी, हिम्मतवर, दानी, वदान्य, सखी।
जवाँमर्दी (جوان مردی) फा स्त्री—शूरता, बहादुरी, साहस, हिम्मत, दानशीलता, सखावत।
जवाँमीर (جوان میر) फा वि—दे 'जवाँमर्ग'।
जवाँसाल (جوان سال) फा वि—नयी उम्र का, नवयुवक, नवल, नव यौवन, नौ जवान, उठती जवानी का।
जवाँहिम्मत (جوان همت) फा अ वि—बड़े हौसलेवाला, पूर्णात्साही, महोत्साह।
जवाइद (جواند) अ पु—'जाइद' का बहु, फालतू चीजे, वतोट्टियाँ।
जवाज (جواز) अ पु—जाइज होना, औचित्य, धर्म के अनुसार जायज होना, पारपत्र, पासपोर्ट।

जवाद (جواد) अ वि—मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सखी, फैयाज।
जवान (جوان) फा पु—तरुण, युवा, नौजवान, वयस्क, व्यवहार प्राप्त, वालिग, रूपवान्, सजीला।
जवानान: (جوانانہ) फा वि—जवानो की तरह।
जवानामर्ग (جوان امرگ) फा वि—दे 'जवाँमर्ग'।
जवानामर्गी (جوان امرگی) फा स्त्री—दे 'जवाँमर्गी'।
जवानी (جوانی) फा स्त्री—युवावस्था, तरुणिमा, तरुण्य, नौजवानी।
जवाब (جواب) अ पु—उत्तर, प्रश्न का जवाब, अस्वी-कृति, इन्कार, जोड, मद्दे मुकाविल।
जवाबतलब (جواب طلب) अ वि—वह पत्र आदि जिसका उत्तर जाना आवश्यक हो।
जवाबतलबी (جواب طلبی) अ स्त्री—किसी त्रुटि या अपराध पर पूछ-ताछ।
जवाबदावा (جواب دعوی) अ पु—नालिश के दावे का उत्तर, जिसमें यह दिखाया जाता है कि वाद अमुक कारणों से झूठा है।
जवाबदेह (جواب ده) अ फा वि—उत्तरदाता, जवाब देनेवाला, उत्तरदायी, जिम्मदार।
जवाबदेही (جواب دهی) अ फा स्त्री—उत्तरदायित्व, जिम्मदारी।
जवाबित (جوابی) अ पु—जावित का बहु, नियमावली, कायदे।
जवावी (جوانی) अ वि—जवाब में, बदले में, जैसे—जवावी हम्ला, जवाब के लिए दूसरा परत, जैसे—जवावी तार अथवा खत।
जवाबुलजवाब (جواب الجواب) अ पु—किसी प्रश्न के उत्तर में दिया हुआ उत्तर, प्रत्युत्तर।
जवावे वा सवाब (جواب و سوال) अ फा पु—ठीक-ठीक और उचित उत्तर।
जवामीस (جوامیس) अ पु—जायूस का बहु, भैंसे।
जवामे (جوامع) अ पु—जामिअ का बहु, समय, समस्त, सब, कुल।
जवाया (روایا) अ पु—'जाविय' का बहु, जाविए, कोण।
जवारिश (جوارش) फा स्त्री—एक यूनानी, अवलेह के प्रकार की स्वादिष्ठ औषध जो पेट की बीमारियों में दी जाती है और बहुत प्रकार की होती है।
जवारेह (جوارح) अ पुं—'जारिह' का बहु, हाथ, पाँव और दूसरे अवयव, शिकारी जानवरों का शोल।

जवाल (جوال) अ पु-गिराव पतन अवनति, उन्नति का उल्टा, हास कमी।
जवालआबाद (جوال آباد) अ फा वि-सासार, जगन दुनिया।
जवालआमाद (جوال آماد) अ फा वि-जा पतन की ओर जाने का तयार हो पतनोमुख जो नागवान हो नबर।
जवालपिरी (جوال پیری) अ फा-वि जिनका पतन हो रहा हो अवनतिगोल पतनगोल।
जवासीस (جواسیس) अ पु-जामूम का बहु गुप्त चरा का समूह।
जवाहिर (جواهر) अ पु-जोहर का बहु रत्नसमूह।
जवाहिर (جواهر) अ पु-जोहर का बहु उज्वल वस्तुएँ ऊँचे स्थान बलियाँ, गूफे।
जवाहिर (جواهر) अ पु-जोहर का बहु व्यक्त और प्रकट वस्तुएँ ऊपरा और जाहिरी हालें।
जवाहिरखान (جواهرخانہ) अ फा पु-जहाँ जवाहिरात हो रत्नागार।
जवाहिरनिगर (جواهرنگار) अ फा वि-रत्न जटित रत्न जडा हुआ।
जवाहिररकम (جواهررکم) अ वि-जम रत्न जडे हो एसी सुन्दर लिखावट लिखनेवाला।
जविलअहम (جوى الاحم) अ पु-साहिने रहम कृपा धान दयालुजन।
जविलकुबी (جوى الكوبى) अ पु-रिश्तदार स्वजन नातदार।
जविलफराइद (جوى الفرائض) अ पु-साहवे फरायज (फर का बहु) कतब्यवान कमनिष्ठ।
जविलफरूद (جوى الفروض) अ पु-जविलफरायज।
जव (جو) अ पु-अतिरिक्त खला पृथ्वी और आकाश व बीच का वायुमंडल।
जवार (جوار) अ वि-साधयात्रा जियारत करनेवाला।
जवाल (جوال) अ पु-बहुन अधिक चक्कर खानवाली वस्तु।
जान (جان) फा पु-उत्सव समाराह काई वस्तु बडा खुशी जिन सारा देग या किसी सम्प्रदाय या दल के सारे आत्मी मनाये।
जान अहम (جان عظيم) अ फा पु-बहुन बडा समाराह महासब।
जाने अहम (جان عظيم) फा अ पु-स्वाह की खुशी विवाहात्सव।

जाने आजादी (جان آزادی) फा पु-विनी देग के परा धानता स मुक्त होने का जशन।
जाने ईद (جان عيد) फा अ पु-ईद की खुशी, ईयात्सव।
जाने चरागा (جان چراغان) फा पु-खिली का जगन, दीपावली विनी खुशी म चरागाँ, दीपोत्सव।
जाने जुगहरियत (جان حضوریت) फा अ पु-गणन महोत्सव।
जाने ताजपोशी (جان تاج پوشی) फा पु-अभियेवात्सव किमी राजा आदि की गजयद्दी का जगन।
जाने नौरोज (جان نوروز) फा पु-नये साल के आन की खुशी नव वर्षोत्सव।
जाने फरह (جان فرح) फा अ पु-विजय प्राप्ति की छाण जयोत्सास विजयोत्सव।
जाने मीलाद (جان میلاد) फा अ पु-जन्म विलादत।
जाने विलादत (جان ولادت) फा अ पु-विनी व पदा होने का जशन जमात्सव।
जाने सालगिरिह (جان سالگره) फा पु-विनी महान व्यक्ति की वषगाठ की खुशी जयती।
जाने सीमाँ (جان سیمان) फा पु-पवास वषों की आयु पूरी होने पर मनाया जानेवाला उत्सव रजगात्सव, आजकल इसे स्वणजयन्ती कहने ह।
जाने मुलह (جان صلیم) फा अ पु-दो राप्दा में सधि होने का जशन सधि उत्सव।
जस (جان) अ पु-चूना गच।
जसद (جانسد) अ पु-शरीर दह, जितम।
जसदी (جانسدی) अ वि-शरीर से सम्बन्ध रखनवा वस्तु शरीर का।
जसदे छाकी (جانسدخاکى) अ फा पु-मिट्टी स बना हुआ शरीर तुच्छ और नबरत्सह।
जसामत (جانسامت) अ स्त्रा-लबाई चौगाई और (मोगर गहराई या ऊँचाई) हजम दल माटाया पीवता स्पृता।
जसारत (جانساربت) अ स्त्री-शरता बीरता बहादुर लिरा, धट्टता दुसाहम बवाकी।
जसोम (جانسوم) अ वि-स्पृल पीवत पीन माटा ताका।
जसूर (جانسور) अ वि-वीर गूर बहादुर।
जस्त (جانسته) फा वि-कृण हुआ।
जस्त जस्त (جانسته جانسته) फा वि-जही-नहाँ ते विन्यत पुस्तक पढ़ने के लिए जाता है।
जस्त (جانسته) फा स्त्री-उछाल कुन उछाल।

जस्तोखेज (حسرت و حسر) फा. स्त्री-दौड़-धूप, कोशिश, प्रयत्न ।

जल (حسر) अ पुं-पुल, सेतु ।

जह (جہ) फा पु-नुतफ, वीर्य; भ्रूण, जनीन, शिशु, बच्चा ।

जहदान (جہدان) फा पु-गर्भाशय, जरायु, बच्चादाना, रहिम ।

जहन्नम (جہنم) फा पु-नरक, रौरव, दोजख; बहुत ही दुःख और कष्ट की जगह ।

जहन्नमखार (جہنمخار) फा पु-ऐसा स्थान जहाँ चारो ओर नरक-जैसा भीषण और भयानक वातावरण हो ।

जहन्नमी (جہنمی) फा अ वि-नरकवासी, नारकी, ऐसा कर्म करनेवाला जिसके फलस्वरूप उसे नरक में जाना पड़े ।

जहव (جہب) अ पु-सोना, कुदन, स्वर्ण, कनक ।

जहल: (جہلہ) अ पुं-'जाहिल' का बहु, मूर्खगण, धामड लोग ।

जहाँ (جہاں) फा पु-जहान का लघुरूप, ससार, विश्व, दुनिया ।

जहाँआरा (جہاں آرا) फा वि-ससार को सुशोभित करनेवाला ।

जहाँआफरीं (جہاں آفرین) फा वि-ससार की उत्पत्ति करनेवाला, सृष्टिकर्ता ।

जहाँगर्द (جہاں گرد) फा वि-ससार भर में फिरनेवाला, विश्वभ्रमी ।

जहाँगीर (جہانگیر) फा. वि-ससार को अपने वश में करनेवाला, विश्वविजयी ।

जहाँद्वार (جہاندار) फा वि-पृथ्वीपाल, सम्राट्, शासक, वादशाह ।

जहाँदीद (جہان دید) फा वि-दुनिया देखे हुए, बहुदर्शी, बड़ा अनुभवी और तजरिवाकार, बृहदनुभवी ।

जहाँपनाह (جہان پناہ) फा वि-विश्वपाल, ससार को अपनी शरण में लेनेवाला, राजाओ और वादशाहों के लिए सर्वोपेय का शब्द ।

जहाँवानी (جہان وانی) फा स्त्री-शासन कर्म, राज्य, हुकूमत ।

जहाज (جہاز) अ पु-समुद्र में चलनेवाली बहुत बड़ी नाव, पोत, वहिल ।

जहाजर्राँ (جہازراں) अ फा वि-जहाज चलानेवाला, पोतचालक ।

जहाजरानी (جہازرانی) अ फा स्त्री-जहाज चलाने का काम या पेशा ।

जहाजी (جہازی) अ वि-जहाज से सम्बन्ध रखनेवाला, जहाज का; एक प्रकार की सुपारी ।

जहाजे आबी (جہاز آبی) अ फा पु-पानी में चलनेवाला जहाज, जलयान, पोत ।

जहाजे बह्नी (جہاز بھری) अ पु-समुद्र में चलनेवाला जहाज, पोत, जलयान ।

जहाजे हवाई (جہاز ہوائی) अ पु-हवा में उडनेवाला जहाज, वायुयान, विमान ।

जहादत (جہادت) अ स्त्री-सयम, इंद्रिय निग्रह, परहेज-गारी, मुनिवृत्ति, मनोनिग्रह ।

जहान (جہان) फा पु-संसार, विश्व, दुनिया, लोक, आलम ।

जहानत (جہانت) अ स्त्री-जेहन की तेजी, प्रतिभा; दक्षता, विवेक, समझ बूझ, नयी बात निकालने की शक्ति ।

जहाने फानी (جہان فانی) फा अ पु-नश्वर ससार, मृत्युलोक, इहलोक, दुनिया, नाश हो जानेवाला ससार ।

जहाने वाकी (جہان باقی) फा अ पु-शाश्वत ससार, नित्यलोक, परलोक, नाश न होनेवाली दुनिया ।

जहाव (جہاب) अ पु-गमन, जाना, गुजरना ।

जहालत (جہالت) अ स्त्री-मूर्खता, मूढता, बेवकूफी, अज्ञान, जडता, नादानी, निरक्षरता, बेइल्मी, असम्भ्यता, वदतहजीवी, उर्दंडता, अमखडपन ।

जहीन (جہین) अ वि-जिसमें जहानत हो, दक्ष, कुशल, प्रतिभावान् ।

जहीर (جہیر) अ वि-वह आदमी जिसकी आवाज ऊँची हो, जोर से बोलनेवाला ।

जहीर (جہیر) अ वि-उज्ज्वल, रौशन; मुकुलित, प्रफुल्ल, खिला हुआ, कलियों से लदा हुआ वृक्ष ।

जहीर (جہیر) अ वि-सहायक, पृष्ठपोषक, मददगार; जिसकी पीठ में दर्द हो, (यह शब्द एक वचन भी है और बहुवचन भी) ।

जहीर (جہیر) अ स्त्री-पेचिश, अतिसार, आँव, मरोड ।

जहीरे काज़िब (جہیر کاذب) अ स्त्री-झूठी पेचिश ।

जहीरे साविक्क (جہیر صائق) अ स्त्री-सच्ची पेचिश ।

जहूक (جھوک) अ वि-बहुत हँसनेवाला, चौड़ा और खुला हुआ मार्ग ।

जहूद (جھود) फा. पु-यहूदी ।

जहूल (جھول) अ वि-बहुत बड़ा जाहिल, निपट मूर्ख ।

जहूद (جھود) अ पु-शक्ति, जोर, प्रयत्न, प्रयाम, कोशिश, कष्ट, दुःख, तकलीफ ।

जहदे जहीद (جهدجهد) अ पु—भरसक प्रयत्न पूरी बागिग।

जहमत (جهد) अ स्त्री—कष्ट कर्तव्य तर्कनीप।

जह् (جهد) पा प—पिता पित्तगय वह थली जिसम पित्त (मफ्त) रहता है पित्त सभा जीवट साहस हिम्मत धोरता बहादुरी।

जह् गिगाफ (جهدسگاف) पा वि—पिता पानी बर वन वाग्रा साहस तुडवा नेनवाग भयवर भयानक जारलार।

जह् (جهد) पा पु—विप गर हलाहल।

जह् (جهد) अ पु—जोर की आवाज एसी आवाज जा पासवाग्रा मुन सके।

जह् जग्रा (جهدجهد) पा वि—जहरीला विपला विपाकत।

जह् आमोज (جهدامجر) पा वि—विप मिग हुजा विप मिथिन विपपुष्ट।

जह् आलूद [व] ([جهدالود]) पा वि—दे जह् आमज'।

जह् खद (جهدخند) पा पु—विसयानी हसी क्षप की हमी।

जह् खुरानी (جهدخورانی) पा स्त्री—विप खिलाना किमी का मारन के लिए खान जादि म मिलाकर विप देना।

जह् खद (جهدخود) पा वि—जिमन विप खाया हो जिस विप दिया गया हा।

जह् खुरी (جهدخوری) पा स्त्री—विप खा लेना जहर खाकर खदकुगी करना।

जह् गिया (جهدگیا) पा स्त्री—एक विपली पास बछनाग।

जह् ताब (جهدتاب) पा वि—जह् म बजा हुआ तीर तन्वार आदि जो विप म बुन हा।

जह् दार (جهددار) पा वि—विप मिग हुआ विपग जिसके डक या दाँत म जहर हो विपला कीग।

जह् दाह (جهدداہ) पा स्त्री—विप की दवा विप दूर करनेवाणी औषध तिर्पाज विपहर।

जह् दुम (جهددم) पा वि—जिसकी पूछ म विप हा जम—विच्छू नूनविप नूनविप विपपुष्ट।

जह् नवा (جهدنوا) पा वि—बहुत ही कच्ची बात करने वाग्रा बटुभापी।

जह् नाह (جهدنہای) पा वि—जह् आलू'।

जह् नोग (جهدنوش) पा वि—विपगयी जहर पीनवाला बटून ही तज गगर पीनवाला किमी की कच्ची बाग्रा का गहन करनेवाग।

जह् नोगी (جهدنوشی) पा स्त्री—विप पीना कच्ची बात को बरदान करना।

जह् या (جهدیا) पा वि—विप मिला हुजा माना गत्र को मारन के लिए।

जह् वाद (جهدواک) पा पु—एक राग जिसम सारे गरीर म विप फल जाता है।

जह् मोहर (جهدموهر) पा पु एक कीमता पत्थर जो दवा के काम आता है एक मनका जिमसे विप उदाय जाता है।

जह् (جهدوا) अ वि—गारे रग की स्त्री गौरागना गौरवणा हजरल पातिमा की उपाधि उडोह्ला' भी गद है।

जह् वा (جهدواک) पा पु—जह् वाव।

जह् आब (جهدواک) पा पु—विप मिला हुआ पानी जहर का पानी।

जह् वाव ग्रम (جهدواکعم) पा अ पु—जह् वावगम'।

जह् वाव ग्रम (جهدواکعم) पा अ पु—दुख रूपी विप का पानी।

जह् कातिल (جهدکاتیل) पा अ पु—एमा विप जा धातन हो बहुत ही गीन और प्रचंड विप।

जह् मार (جهدمار) पा पु—साप के काट का विप ह की थली से निकाला हुआ विप।

जह् हलाहिल (جهدهلایل) पा पु—जह् कातिल' जहल (جهدل) अ पु—मूवता धक्कपी अनान नाममल अनभ्यता उजहुपन।

जहले बरीत (جهدلسلط) अ पु—किमी बात का फि से न जानना।

जहले मुतलक (جهدمطلک) अ पु—जहले बरीत जहले मुरक्कब (جهدمرکب) अ पु—विसी बात विरकुल गलत जानना और उस पर विश्वास रखना ज राग को चोनी समझना और बतान पर भी न मानना जह् हाक (جهدصای) अ पु—बहुत हसनवाला ईरा का एक बहुत ही अयाचारी बाल्गाह जिम फिरीदु गिरफ्तार किया वा।

जा

जा (جہاں) पा स्त्री—जान' का लघुरूप जो यौगि गत्र म प्रयाग होता है द जान।

जाआबार (جہاں آواز) पा वि—मनानवाग सत्तापी।

जाआबारी (جہاں آوری) पा स्त्री—जान की दुम देता जानपार' का सत्ताता अयाचार जुम।

जाआफ्री (جہاں آفریں) पा वि—गरीर म प्राण हागना वाग्रा मनुष्य की मृष्टि करनेवाला ईवर।

जाआहन (جہاں آہن) पा वि—निष्ठुरता पाग्राग हृष्य बटून हो बरहम पूर बार मिलावर।

जाकदनी (جہاں کلدنی) पा स्त्री—राकनी।

जाँकनी (جان كنى) फा स्त्री—शरीर से प्राण निकलने की अवस्था, चद्रा, नज्ज की हालत, यम-यातना ।

जाँकाह (جانگاه) फा वि—प्राणों को घुलानेवाला, अत्यंत कष्ट देनेवाला, हृदयद्रावी ।

जाँकाही (جانگاہی) फा स्त्री—प्राणों को घुलाना, अत्यंत कष्ट और परिश्रम ।

जाँगुजा (جانگرا) फा वि—प्राणों को काटने और डसने वाला, घोर कष्टदायक, अत गत्य ।

जाँगुसिल (جانگسل) फा वि—हृदय विदारक, प्राण-घातक ।

जाँदादः (جان داد) फा वि—मुग्ध, आसक्त, फिरेफत ।

जाँदार (جاندار) फा पु—प्राणी, जिसके जान हो, जीवधारी; हथियारवद, मित्र, दोस्त ।

जाँदारू (جان دارو) फा स्त्री—विपहर, तिर्याक ।

जाँदिही (جان دیهی) फा स्त्री—परिश्रम, प्रयास, कोशिश, सलग्नता, तन्मयता, मद्गूलियत ।

जाँनवाज (جان نواز) फा वि—प्राणों को आनंद देनेवाला, मनोरम ।

जाँनिसार (جان نثار) फा वि—प्राण न्योछावर कर देनेवाला, समय पड़ने पर जान की बाजी लगा देनेवाला (दूसरे के लिए) ।

जाँनिसारी (جان نثاری) फा स्त्री—समय पड़ने पर प्राण तक दे देना (दूसरे के लिए) ।

जाँपनाह (جان ناه) फा वि—प्राणों की रक्षा करनेवाला, प्राणरक्षक ।

जाँपिश (جان پیش) फा अव्य.—इससे पहले ।

जाँफर्सा (جان فرسا) फा वि—दे 'जाँकाह' ।

जाँफिजा (جان فزا) फा वि—प्राणों को बढ़ानेवाला, प्राणवर्द्धक, आयुवर्द्धक ।

जाँफिशानी (جان فشانی) फा स्त्री—जान तोड़ कोशिश, पूर्ण प्रयत्न ।

जाँवखश (جان بخش) फा वि—प्राण देनेवाला, मरनेसे बचानेवाला, फाँसी आदि के हुक्म को रद्द कर देनेवाला ।

जाँवखशी (جان بخشى) फा स्त्री—प्राणदान, मरनेसे बचाना, अभयदान देना ।

जाँवर (جانور) फा वि—जान वचा ले जानेवाला, जिंदा रह जानेवाला ।

जाँवरी (جانوری) फा स्त्री—जीवित रह जाना, प्राण वच जाना ।

जाँवलव (جان لب) फा वि—जिमके प्राण होठों पर आ गये हों, मृतप्राय, आसन्न मृत्यु ।

जाँबहक (جان بحق) फा अ. वि—प्राण ईश्वर के समर्पित, मृत ।

जाँबाज (جان بار) फा वि—किसी काम के लिए प्राणों की बाजी लगा देनेवाला, प्राण घातक ।

जाँबा'द (جان بعد) फा अ अव्य—इसके पश्चात्, इसके बाद ।

जाँसिता (جان ستان) फा. वि—प्राणद्रोही, प्राणघातक, जान ले लेनेवाला, दिल सिता, प्रेम पात्र, मा'शूक ।

जाँसितानी (جان ستانی) फा स्त्री—प्राण लेना, अत्याचार करना ।

जाँसिपार (جان سپار) फा वि—किसी को (प्रेमिका को) अपनी जान का मालिक बना देनेवाला ।

जाँसिपारी (جان سپاری) फा स्त्री—किसी को अपने प्राण सिपुर्द कर देना ।

जाँसोस्तः (جان سوخته) फा वि—जिसके प्राण जल गये हों, दग्धहृदय, प्रेमी ।

जाँसोज (جان سور) फा वि—अपनी जान को जलानेवाला, सताप सहनेवाला, सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द ।

जा (جا) फा स्त्री—स्थान, जगह ।

जा (جا) फा प्रत्य.—उत्पादक, पैदा करनेवाला, जैसे—'फहंत जा' प्रसन्नता उत्पन्न करनेवाला ।

जाइकः (जाईक) अ पु—स्वाद, रस, लज्जत, प्रतिकार, प्रत्यपकार, बुरा बदला ।

जाइकःचश (जाईक चश) अ फा वि—मजा चखनेवाला, स्वादक, सजा भोगनेवाला ।

जाइकःदार (जाईक दार) अ फा वि—स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मजेदार ।

जाइकःपसंद (जाईक پسند) अ फा वि—जिसे जवान का जाइक अच्छा लगता हो, चटोरा, स्वादु काम, जिह्वालोपु ।

जाइक (जाईक) अ वि—चखनेवाला ।

जाइचः (जाईच) फा पु—जन्मकुडली, जन्मपत्री, लग्न कुडली ।

जाइजः (जाईज) अ पु—काम या सामान की पूरी जाँच-पड़ताल और हिसाब, निरीक्षण, परीक्षा, इम्तिहान, निगरानी, देखभाल ।

जाइद. (जाईद) अ पु—शरीर के किमी स्थान का वडा हुआ मास, अतिरिक्त मास, वढी हुई वस्तु ।

जाइद (जाईद) अ वि—अधिक, बहुत, प्रचुर, अतिरिक्त, फालतू ।

जाइद अज उम्मीद (जाईद از امید) अ फा वि—जितनी आशा हो उममे अधिक, आशातीत ।

जाइद अज जुहरत (**زاید اجد زهرت**) अ फा वि-जिनता आव-पनता हो उसमे अधिक।
 जाइद अज हिसाब (**زاید اجد حساب**) अ फा वि-हिमाव न या जिनता चाहिए उनमे अधिक।
 जाइदुलउम्र (**زاید اجد العمر**) अ वि-वही उम्रवाला बूढा वयाधिक बयावद्ध।
 जाइदुलमीश्राद (**زاید اجد الميعاد**) अ वि-लबी मुह्तवाला बिसके लिए लवा समय चाहिए जो लवे समय के लिए हो।
 जाइदुलवस्फ (**زاید اجد الوصف**) अ वि-जिसमें बहुत अधिक गुण हो।
 जाइब (**زاید اجد**) अ वि-पिघलनेवाला पिघला हुआ द्रवीभूत।
 जाइर (**زاید اجد**) अ स्त्री-विसा पूज्य स्थान या व्यक्ति के दगनाप जानेवाली स्त्री।
 जाइर (**زاید اجد**) अ वि-किमी पुनीत स्थान या पुष्पात्मा व्यक्ति के दगन करनेवाला पुरप।
 जाइर (**زاید اجد**) अ वि-अत्याचार करनेवाला अनैतिकता।
 जाइरत (**زاید اجد ارات**) अ स्त्री-जाइर का बहु जियारत करनेवाली स्त्रिया।
 जाइरीन (**زاید اجد ارین**) अ पु-'जाइर' का बहु जियारत करनेवाले पुरप।
 जाइरे कबला (**زاید اجد کربلا**) अ फा पु-कबला (इराक) जातर हज्जत इमाम हुमन के रीडे की जियारत करनेवाला।
 जाइरे हरम (**زاید اجد الحرم**) अ पु-मक्का (अरब) जातर काबे की जियारत करनेवाला।
 जाइरे मदीना (**زاید اجد المدينة**) अ पु-मदीना की जियारत करनेवाला।
 जाइरे हरमन (**زاید اجد الحرمین**) अ पु-मक्का और मदीना दोना पुनीत स्थाना की जियारत करनेवाला।
 जाइल (**زاید اجد حاصل**) अ वि-उत्पन्न करनेवाला निमित्त करनेवाला सप्टा।
 जाइल (**زاید اجد اربل**) अ वि-नष्ट बरवान समाप्त खत्म निराहृत रफअ।
 जाई (**زاید اجد حائلی**) फा वि-स्थान-सम्बधी (स्था) जही का फूल जही।
 जाईव (**زاید اجد اید**) फा वि-उत्पन्न जनित जमा हुआ जना हुआ।
 जाईवनी (**زاید اجد ایدنی**) फा वि-जम लेने के योग्य जनने क योग्य।
 जाए (**زاید اجد صاع**) अ वि-नाष्ट बरवान ध्यय बेकार।
 जाए (**زاید اجد حائع**) अ वि-गुणानुर, भूगा।

जाए (**زاید اجد حائے**) फा स्त्री-जा का यौगिक रूप, जने-जाए जुहर'।
 जाएअन्न (**زاید اجد ائمن**) फा अ स्त्री-शाति और सुकून का स्थान जहाँ की घण्ट न हो जहाँ जान बाकिम न हो।
 जाएआफियन (**زاید اجد اعمیق**) अ फा स्त्री-रसा और शाति का स्थान जाए अन्न।
 जाएकियाम (**زاید اجد کيام**) फा अ स्त्री-ठहलने का स्थान, रहने का स्थान निवामस्थान।
 जाएनाह (**زاید اجد ناه**) फा स्त्री-जगह स्थान।
 जाएबुहर (**زاید اجد سور**) फा अ स्त्री-मडात शीबागार टटटी पाताना।
 जाएदाद (**زاید اجد داد**) फा स्त्री-भूसपति गांव गिराव मकान आनि।
 जाएदादे घरमनूल (**زاید اجد ادمینول**) फा अ स्त्री-स्यावर सपति जा सपति जगह स हट न सके जम-जमीगारी आदि।
 जाएदादे घरमनूल (**زاید اجد ادمینول**) फा अ स्त्री-बह सपति जो कही गिरवी न हो अवधक सपति।
 जाएदादे मक्कूल (**زاید اجد مکحول**) फा अ स्त्री-ब सपति जो कही गिरा हो वधक सपति।
 जाएदादे मक्कूल (**زاید اجد مکحول**) फा अ स्त्री-जगम सपति जा सपति इधर-उधर हटायी जा सके जमे-भवेगी आदि।
 जाएदादे मून (**زاید اجد مینول**) फा अ स्त्री-दे जाणदा मक्कूल।
 जाएदादे मौकूल (**زاید اجد مینول**) फा अ स्त्री-नेह सपति जा किमी काय विणेप के लिए उत्सागित हो।
 जाएदीगर (**زاید اجد دینگر**) फा स्त्री-अय स्थान इमरी जग।
 जाएनमाज (**زاید اجد نماز**) फा अ स्त्री-नमाज पत्र का स्थान नमाज पत्रे का वस्थानि।
 जाएपनाह (**زاید اجد ناه**) फा स्त्री-बचाव का स्थान सुरक्षा स्थान।
 जाए (**زاید اجد**) फा स्त्री-किवती।
 जाकिर (**زاید اجد کیر**) अ वि-जगन करनेवाला, इमाम हुमन की घहलान का हाल बयान करनेवाला व्यक्ति।
 जाकिल (**زاید اجد کیل**) फा पु-मूढ क पा पेड।
 जाण (**زاید اجد راج**) फा पु-बाब बापन आरमपण बीथा।
 जाणबाम (**زاید اجد جسم**) फा वि-जकी आंगाशाला कवा नागन।
 जाणबवां (**زاید اجد بان**) फा वि-जिनका बोगना कुन ही लगे कतरन जिन्वा गागिद्ध।

जागदिल (جاعدل) फा वि-निर्दय, निष्टुर, बेरहम।
 जागनोल (زاغنول) फा पु-कुदाल, कुदाली, लोहे का एक यंत्र।
 जागपा (ياغما) फा पु-व्यग, कटाक्ष, ताना।
 जागर (جاعر) तु पु-चिडियो का पोटा।
 जागीर (جاگیر) फा स्त्री-जाइदाद या जमीदारी, जो सरकार से किसी वडे काम के बदले मिले।
 जागीरदार (جاگیردار) फा पु-जागीर का मालिक, तअल्लुकदार।
 जागीरदारान: (جاگیردارانہ) फा वि-जागीरदारो-जैसा।
 जागीरदारी (جاگیرداری) फा स्त्री-जागीरदारान निजाम; जागीर का शासन।
 जागूत (صاغوت) अ पु-एक रोग जिसमे रोगी ऐसा अनुभव करता है जैसे कोई बडा देव उसका गला घोट रहा है, कावूस।
 जागे आवी (ياغ آبی) फा पुं-जलकौआ, पनडुब्बी।
 जागे कसां (ياغ کسان) फा पु-सींग के काले टुकडे जो धनुष के दोनो किनारो पर लगाये जाते है।
 जागे कोही (ياغ کوهی) फा पुं-पहाडी कौआ, द्रोणकाक, काकोल।
 जाज (جاج) अ स्त्री-फिटकरी, फटिक।
 जाज (جاج) फा वि-मिथ्या, निरर्थक, व्यर्थ, वेहूदा।
 जाजजा (جاججا) फा वि-मिथ्यावादी, गप्पी, फुजूलगो।
 जाजजाई (جاججائی) फा स्त्री-मुखरता, वाचालता, वकवास।
 जाजिव: (جاجیبه) अ स्त्री-आकर्षण शक्ति, खीचनेवाली कृत्वत।
 जाजिव (جاجب) अ वि-जज्व करनेवाला, आत्मसात् करनेवाला, अपने अन्दर मिला लेनेवाला।
 जाजिवीयत (جاجیبیت) अ स्त्री-आकर्षण, कशिश।
 जाजिवे तवज्जोह (جاجیب توجہ) अ वि-खयाल को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली), चित्ताकर्षक।
 जाजिवे नजर (جاجب نظر) अ वि-दृष्टि को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली) दृष्ट्याकर्षक।
 जाजिवे निगाह (جاجب نگاہ) अ फा वि-दे 'जाजिवे नजर'।
 जाजिम (جاجیم) तु स्त्री-छपा हुआ दोसूती मोटा विछावन।
 जाजिम (جاجیم) अ वि-दृढ निश्चयवाला; अक्षर को हल करनेवाला।
 जाजिर (جاجر) अ वि-झिडकनेवाला, डाँट-डपट करनेवाला, भर्त्सक।

जाजिर (جاجر) अ. वि.-आतुर, व्याकुल।
 जाजे' (جاجع) अ वि-अधीर, वेसन्न।
 जात (جات) अ स्त्री-कुल, वश, नस्ल, जाति विरादरी, कौम, व्यक्तित्व, शस्त्रीयत, स्वयं, खुद, अस्तित्व, हस्ती (उप) वाला, जैसे- 'जातुलबुरुज' बुर्जोवाला।
 जातियात (جاتیات) अ स्त्री-निजी और जाती बाते।
 जाती (جاتی) अ वि-निजी, व्यक्तिगत, आत्मीय, खुद का, निजी, प्राइवेट।
 जातुरिय: (جات الریہ) अ पु-फेफडे का वरम, निमोनिया, क्लोमपाक।
 जातुलइमाद (جات العساک) अ वि-बहुत-से खंभोवाली इमारत, बहुत बडा प्रासाद।
 जातुलकुसी (جات الکوسی) अ वि-आस्मानी शकलो मे से एक जो औरत की तरह है।
 जातुलजंब (جات الجنب) अ पु-पसली का दर्द, उरोग्रह, प्लूरिसी।
 जातुलबुरुज (جات السروج) अ पु-राशियोवाला आकाश, अर्थात् सबसे ऊपरी आकाश।
 जातुलबैन (جات البین) अ पु-दो व्यक्तियो का मामला पटानेवाला, विचौलिया, दलाल।
 जातुलयमीन (جات الیسین) अ. वि-वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन सीधे हाथ मे होंगे, सदाचारी।
 जातुलयसार (جات الیسار) अ वि-वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन उलटे हाथ मे होंगे, पापी लोग।
 जातुशुशिमाल (جات الشمال) अ वि-दे 'जातुलयसार'।
 जातुस्सदर (جات الصدر) अ पु-अन्तर्यामी, दिलों की बात जाननेवाला, छाती का वरम।
 जातेशरीफ (جات شریف) अ. वि-केवल व्यग मे धूर्त और फितरती व्यक्ति के लिए आता है, जैसे-हिन्दी मे 'महापुरुष'।
 जाद: (جاد) फा वि-उत्पन्न, जन्मा हुआ, पुत्र, वेटा।
 जाद: (جاد) फा पु-पगदडी, रास्ते के अतिरिक्त पतला रास्ता, पथ, मार्ग, रास्ता।
 जाद: (جاد) अ स्त्री-चोटी, केशकलाप, वेणी, घुंघराले बाल।
 जाद:पैमा (جادہ پیسا) फा वि-पथिक, राहगीर।
 जाद (جاد) फा पुं-खाद्य सामग्री, खाने का सामान; पीढी, वंश, नस्ल (प्रत्य) उत्पन्न, जैसे- 'खान जाद' घर में उत्पन्न होनेवाला।
 जा'द (جاد) अ स्त्री-चोटी, वेणी।
 जादए खाक (جاد کحاک) फा पु-धन-दीलत, मोना-चाँदी।

जादए मुस्तकीम (خادم مستقیم) अ ए-साधा रास्ता सरल माग।

जादबूम (زادبوم) फा स्त्री-पदाशा की जगह जम स्थान जमभूमि।

जादिल (خادل) अ वि-रटनेवाला योद्धा वाद विवाद करनेवाला।

जादू (خادو) फा ए-अभिचार मार डालने नुकसान पहुंचाने आदि का काम इद्रजाल माया, तिलिस्म, दष्टियम नजरबंदी, हस्तकील हाथ का सफाई।

जादूकुश (خادुकوش) फा वि-जादूगरा का बंध करनेवाला।

जादूगर (خادुगर) फा वि-जादू करनेवाला, मायावी, ऐंद्रजालिक गांधेद गर दष्टिवधक।

जादूगरी (خادुगरी) फा स्त्री-माया काम, जादू का काम दष्टियम गांधेद वाजा।

जादूनजर (خادونظر) फा वि-जिमकी आया में जादू हो जिमकी आया में माहनी हो।

जादूनिगाह (خادونگاه) फा वि-जादूनजर।

जादूसन (خادوسن) फा वि-जादूगर।

जादूसयाँ (خادوسان) फा अ वि-जिमकी वानचीत में माहनी हा जा अपने यकान्य और भाषण स सबका माहिल कर ल।

जादे उक्बा (زادعقب) फा अ ए-मरनेके के लिए मामान अच्छा इतिहा नेवजमल।

जादे राह (زادراه) फा ए-रास्ते का स्थाना और स्वच पाथेय सब मागज्यम।

जादे सफर (زادسفر) फा अ ए-जादे राह।

जानदार (خانداز) फा वि-हथियारबन्ध सगसत्र मिय दास्त।

जान (خان) फा स्त्री-प्राणमाय रह जीवन दिग्गी मतिन जाग साहम हिम्मत।

जान (خان) अ ए-जिम कीम का सबप्रथम व्यक्ति अनुत्पन्न सारे जिन जिमकी साना ह।

जानदार (خانداز) फा ए-प्राणा जावधारी जा ए मातर मनुष्य इमान जावित जिम गतिगानी सानावर।

जानमाख (خانداز) फा अ स्त्री-नमाख पढ़न की दरी या पगई आदि।

जानगीन (خاندان) फा अ-त्रा जिगा की जगह पर बन्ना हा स्थानाप्र कासम मजाम उत्तराधिकारी धारित।

जानवर (خادو) फा ए-एगु जोर पया आदि प्राणा मनुष्य क अतिरिक्त और सब प्राणा।

जानी (خاندان) फा ए-प्रेमपात्र महदूब प्रमिका, प्रथमा, महदूब।

जानान (خاندان) फा वि-प्रेमिका से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु प्रेमिका का(का)।

जानिब (خانب) अ स्त्री-पक्ष, जोर, तरफ पात्र पहलू।

जानिबदार (خانداز) अ फा वि-पत्रपात्री तरफगरी करनवाला।

जानिबदारी (خاندारी) अ फा स्त्री-पत्रपात्र तरफगरी।

जानिबन (خانب) अ ए-उभय पक्ष पाना पाद्वी।

जानिय (زاديه) अ स्त्री-व्यभिचारिणी स्वरिणी असती, बयकी छपटा जारिणी, धपिणी पाहिया।

जानी (زानी) अ ए-व्यभिचारी परस्त्रीगामा, विपयग विपयाम्यन्त, बदचलन रतनारीच।

जानी (خानी) फा वि-जान का प्राणा का पतिष्ठ गहरा।

जानी (خानी) अ वि-पापी पातकी गुनाहगर दोषी अपराधा मुजरिम।

जानू (زानو) फा ए-घुटना, जानु।

जानूपोश (زानوش) फा ए-बह बपना जो साना माते मय घुटना पर डाला जाता है।

जानूबबानू (زानوبانو) फा वि-घुटने से घुटना मिला कर (बटना) एव पतिन में बराबर-बराबर (बाना)।

जाने जहाँ (خانجهان) फा ए-सारे ससार वाजिया का प्राण, विश्वजीवन अर्थात् नायिका ईश्वर।

जाने जौ (خانجان) फा ए-प्राणाधार प्राणा का प्राण अर्थात् प्रेमिका ईश्वर।

जाने जानौ (خانجانان) फा ए-जाने जौ।

जा'फ (صعب) अ ए-मूर्च्छा बहागी बुद्धि की हानि अकर्म की बया।

जा'फ (ضعف) अ ए-जिगी का जान से मार डाना इन तरह मारना कि उमी ठौर मर जाय।

जा'फर (خامفر) अ ए-नह (नहर) नगी, छारदूग, चोह हामा में स एग।

जा'फर (ضعف) अ ए-जा'फरान।

जा'फरी (عزوان) अ ए-जा'फरान का लघु रे जा'फरान।

जा'फरीदार (عزواندار) अ फा ए-जहाँ पारा धार बगर क मंग हा।

जा'फरान (عزوان) अ ए-गुप्त बेमर।

जा'फरानी (زعفرانى) अ. वि.—केसर के रंग का, केसरी; केसर से बना हुआ।

जा'फरी (جعفرى) अ वि—एक पीले रंग का फूल; पीला रंग, पीत।

जा'ब: (لجعة) अ. पु—तूणीर, निषंग, तरकश।

जा व जा (حايه جا) फा वि—जगह-जगह, यदा-कदा, जहाँ-तहाँ।

जावित: (ضابطه) अ पुं—निधम, काइद; प्रणाली, पद्धति, दस्तूर, गुर, आसान काइद।

जावित (ضابطه) अ. वि—सहनशील, मुतहम्मिल, प्रबंधक, मुतजिम।

जावितए दीवानी (صابطه ديوانى) अ फा पुं—दीवानी अदालत का कानून।

जावितए फौजदारी (صابطه فوجدارى) अ. फा पुं—फौज-दारी अदालत का कानून।

जाविर (جابر) अ. वि—अत्याचार करनेवाला, अनीति करनेवाला, जबरदस्ती करनेवाला, नाजाइज दवाव डालनेवाला।

जाविलिस्तान (زابلستان) फा. पु—सीसतान, ईरान का एक प्राचीन प्रदेश जो रस्तम की जन्म-भूमि था।

जावुलिस्तान (زابلستان) फा. पु.—दे 'जाविलिस्तान', बी. शुद्ध है।

जावुल्का (جابلقا) फा पु—पूर्व दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जावुल्सा (جابلसा) फा पुं—पश्चिम दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जावह (دابح) अ वि—वध करनेवाला, वधिक।

जाम: (جامه) फा पु—वस्त्र, वसन, पहनने का कपड़ा, कुर्ता, कमीस; बरात में दूल्हा के पहनने के कपड़े।

जाम:कन (جامه کن) फा पु—स्नानागार का पहला कमरा जहाँ कपड़े उतारे जाते और लुगी बाँधी जाती है।

जाम:जेव (جامه زيب) फा वि—वह व्यक्ति जिसके शरीर पर कपड़े शोभा दे।

जाम:जेबी (جامه زيبى) फा स्त्री—शरीर पर कपड़ों का शोभा देना और सजना।

जाम:तलाशी (جامه تالاشى) फा स्त्री—सरकारी तौर पर किसी शवहे में शरीर पर पहने हुए कपड़ों की तलाशी।

जाम:दर (جامه در) फा वि—कपड़े फाड़नेवाला, शोका-तिरेक या पागलपन से कपड़े फाड़नेवाला।

जाम:दरी (جامه درى) फा स्त्री—शरीर पर पहने हुए कपड़ों को फाड़ना, पागलपन की अवस्था।

जाम:वार (جامه وار) फा. पुं.— एक प्रकार की बढ़िया छोट, जिसके अँगरख या शेरवानियाँ बनती हैं।

जाम (حام) फा. पुं—पियाला, कंस, शराब पीने का पियाला, पानपात्र, चपक।

जाम (زعم) अ पु—विचार, खयाल; धारणा, गुमान।

जामए एह्लाम (جامه احرام) अ फा पु—वह चादर जो हाजी लोग हज के समय बाँधते हैं।

जामए गूक (جامه عوى) फा. पु—काई, जो पानी पर जम जाती है।

जामए फ्रतह (جامه فتم) फा अ पु—वह कपड़ा जिस पर मत्र आदि लिखे होते हैं और लडाई के दिन विजय-प्राप्ति के लिए पहना जाता है।

जामए सुरत (جامه صورت) फा अ पु—वह कपड़ा जिस पर चित्र बने हों, चित्रपट।

जामगी (جامگى) फा स्त्री—रोजीन, रातब; पियाले में शराब की तलछट, पुराना कपड़ा।

जामगूल (جامه غول) तु वि—दुरात्मा, शरीर, पापात्मा, खवीस।

जामवकफ़ (جامه مكف) फा वि—हाथ में शराब का पियाला लिये हुए।

जामवलब (جامه لب) फा. वि—ओंठी से शराब का पियाला लगाये हुए, अर्थात् शराब पीता हुआ।

जामिअ: (جامعه) अ स्त्री—विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी।

जामिईयत (جامعيه) अ स्त्री—योग्यता, विद्वत्ता, काविलीयत, व्यापकता, हार्वी होने का भाव।

जामि उल उलूम (جامع العلوم) अ. पु—सार-संग्रह, इसा-इक्लोपेडिया, विद्याओं का भंडार।

जामि उल कमालात (جامع الكمالات) अ वि—जिसमें बहुत से गुण हों, बहुगुणसंपन्न।

जामि उल मतफरक़ीन (جامع المتفرقين) अ पु—विछुड़े हुआ को एकत्र करनेवाला, वियोगियों को मिलानेवाला।

जामि उल लुगात (جامع اللغات) अ पु—ऐसा शब्द-कोश जिसमें किसी भाषा के शब्दों का पूर्ण संग्रह हो।

जामिद (حامد) अ वि—ठोस, घन, जड, चेतनारहित। (पु) वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से न बना हो, (व्या)

जामिदुलअक़ल (حامد العقل) अ वि—जिसकी वृद्धि ठस हो, जिसकी समझ में बात न आये, मन्दमति, धामड।

जामिन (صامین) अ वि—जमानत करनेवाला, प्रतिभू, दूव जमाने की चीज, आतंचन।

जामिनी (صامنى) अ स्त्री—जमानत करनेवाला; जमानत।

जामी (حامي) फा वि-जाम (नगर) स सम्बन्ध रखन वाला मद्य मयनाग।

जामी (طامي) अ वि-पियामु तपित प्यामा।

जामूस (حاموس) अ स्त्री-भम।

जामूस (حاموس) अ पु-भसा।

जामे (جامع) अ वि-मग्रह करनवाग मग्रहीता मपान्क करनेवाला सपान्क व्यापक बहुत ही विस्तार।

जामे आली (جامع عالی) फा अ पु-बहुत बडा पियाला।

जामे जम (جامع) फा पु-प्रसिद्ध है कि ईगन के गामक जमगेद ने एक पियाग बनाया था जिये समार का हाल नात हाता था। जहा तक इस विषय म गौर किया गया है एमा प्रतीत हाता है कि उस पियाग में वाई मग जमी मालक वस्तु पिगयी जाती हागी जिसम पीनवाग का खयाली चाइ तिकाई पडना हागा जमा वि जाइकल भी अधिक नगा हा जान पर हम दखते ह।

जाम जमगद (جامع حسد) फा पु-जाम जम।

जामे जहांनुमा (جامع حياں) फा पु-जाम जम।

जामे जहांबी (جامع حياں) फा पु-जामे जम।

जामेवातिल (جامع ناطل) अ पु-गलत गुमान कुधारणा धम बहम।

जामे मय (جامع) फा प-गराड का पियाग गराड पीन का पियाला गराड स भरा हुआ पियाग।

जामे गराड (جامع سزاب) फा पु-जाम मय।

जामे सिफाला (جامع سفالين) फा प-मिट्टी का मुल्क डमुशा जामे सिफा - जामे जम म तो भरा जाम सिफाड अटा है - गाश्च।

जामेह (جامع) अ वि-उद्द मरकम विद्रोही बायी।

जाय (جائے) अ वि-नेट बरना व्यथ बकार प्रभावहान बरमर।

जार (जार) अ प-प्रतिकामी पनामी भागीदार म डी गरणागत पनाप्याप।

जार [र] (जार) अ वि-माचनवाग रणक नियहान जर ननवाग वारक।

जार (जार) तु पु-गमनाय जनममू जमाअत त्तिदाय मुनाग।

जार (وا) फा वि-मीण गगर रुबन-मलन अफन बेडोर दीन दुभा बकम।

जार (زار) अ वि-हाजिर जनिष्टर नकमान देर।

जारबी (जारحي) तु पु-त्तिदायि त्तिदाय पीनवाग मुनाग करनवाग।

जारजार (زارزار) फा वि-बहुत अधिक फूट-फूटकर (रोना)।

जारनाली (زار نالی) फा स्त्री-राना-पीनना बहुत व्याडुल होकर रोना।

जारिव (زارب) अ वि-मारनेवाग प्रहारक आघाटक

जारिय (जारبه) अ स्त्रा-गामी लाडी बह लौडा जिये उसका स्वामा सहवाय करे नौका नाव।

जारिह (जारحه) अ पु-हाथ-पांव जाति अवयव, गिहारी जानवर।

जारो (जारوی) अ वि-मचालित चलता हुआ (काम आदि) प्रवाहित बहना हुआ (पानी) लय चल (कानून)।

जारो (زاروی) फा स्त्रा-विगप राना।

जारोद (زارود) फा वि-रोया हुआ रोदित।

जारोखितार (زاروختار) फा अ वि-दे 'जारजार'।

जारोनजार (زارونزار) फा वि-बहुत ही दुबला जोर जात भरयल।

जारोनालां (زارونالان) फा वि-दुखी और रोता हुआ बहुत अधिक दीन और दुगी।

जारोब (जारوب) फा स्त्री-भाडू माजनी।

जारोबकन (जारوبکش) फा वि-भाडू दनवाग म करनवाला भाडू ने जमान साफ करनवाग।

जारोबकनी (जारوبکسی) फा स्त्री-शाडू देना भाडू जमीन साफ करना।

जाल (جاله) फा पु-जनी पार करने के लिए कर् म में हवा भरकर जोर उनके ऊपर रखिया का टाठ कम बनायी जानवाली नौका।

जाल (جاله) फा पु-हिमोग घनापठ जोग।

जाल-बदगी (جاله بدگی) फा स्त्री-आला पना गि वर्षा करनापात।

जाल-बारी (جاله باری) फा स्त्री-जाल जगी।

जाल (جال) अ पु-कूता जानमाडी छत्र बकार फरक।

जाल [ल] (جال) अ वि-मायघाट गुमराह पण गुनागार।

जाल (جال) फा वि-मफे यात्रावाग बूडा पुरण मर वालावागी बूडा स्त्री बूडा पुरण या स्त्री।

जालसाड (جاله سار) अ फा वि-कूकार जाग का करनवाग नजनी एपया या दस्तावेज बनानवाग।

जालसाडी (جاله ساری) अ फा स्त्रा-कूट कम नाप एपया या दस्तावेज बनाता।

जालिफ (حالف) अ प -मतामारी, ववा, मरी।
 जालिफ (حالف) अ वि -महम करनेवाला, ठेकेदार, अपनी और चीननेवाला।
 जालिम (ظالم) अ वि -अत्यायी, अत्याचारी; निर्दय, कठोर हृदय, निष्ठुर।
 जालिमान. (ظالمان) अ फा वि -अत्याचारियों-जैंग।
 जालिमे अज़लम (ظالم/ظالم) अ वि -बहुत बुरा अत्याचारी।
 जालिम (جالس) अ वि -बैठनेवाला, बैठता हुआ आंगन; बैठनेवाला।
 जालि (حالی) अ वि -बुद्ध करनेवाला, चमत्कृतवाला, प्रभावित करनेवाला।
 जालिलोस (حالیوس) अ प -एक प्रसिद्ध यूनानी हकीम।
 जालूक (الوی) फा. पु -गुल्ला, (गुंजर में चलानेवाला); गाली (बदक में चलानेवाली)।
 जालूत (جالوت) अ प -एक बहुत ही अत्याचारी पागल जिंम हज़रत दाऊद की आज्ञा में 'तालूत' ने मारा था।
 जालि (حالی) अ वि -निरलज्ज, बेहया, धृष्ट, गुस्ताख, ढीठ।
 जावम (حاورس) फा. पु -बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।
 जाविदा (حارदान) फा वि -नित्य, शाश्वत, जनस्वर, हमेशा रहनेवाला।
 जाविदानी (حارदानی) फा. वि -दे 'जाविदा'।
 जाविय: (داویة) अ प - कौना, एकान्त, गोश, कोण (रेखागणित)।
 जावियए फाहम. (داویة قائم) अ पु -नव्वे अश का कोण, समकोण।
 जावियए खारिज. (داویة خارجة) अ प -वहिकोण।
 जावियए दाखिल: (داویة داخلية) अ पु -अंत कोण।
 जावियए नज़र (داویة نظر) अ पु -दृष्टिकोण, नुक्तए नज़र।
 जावियए निगाह (داویة نگاه) अ फा पु -दे 'जावियए नज़र'।
 जावियए मुफरिज: (داویة مبفرجه) अ पु -नव्वे अश से बड़ा कोण, अधिककोण।
 जावियए हाद: (داویة حاد) अ पु -नव्वे अश से छोटा कोण, न्यूनकोण।
 जावेद (حارید) फा वि -नित्य, शाश्वत, दाइमी।
 जावेदाँ (حاریدان) फा वि -दे 'जावेद'।

जानूम (جاسوس) अ प -गुप्तचर, सूची, अपसर्पक, प्रतिग, चारखदा, मराचिर।
 जामूसी (جاسوسی) अ. पु -गुप्तचर का काम, मुखविरी।
 जाह (حاه) फा स्त्री -प्रतिष्ठा; उज्जत, पद, रत्ना; मतागर, कद्र।
 जाहपरस्त (حاهپرست) फा वि -प्रतिष्ठा पाने का उच्छ्रुक, पदश्लेष, केवल प्रतिष्ठित लोगों का भक्त।
 जाहपरस्ती (حاهپرستی) फा स्त्री -प्रतिष्ठा प्राप्ति की उच्छ्रा, प्रतिष्ठित लोगों की भक्ति।
 जाहिक (صاحک) अ वि -हँसनेवाला, हसोट, प्रहामी।
 जाहिद: (جاهد) अ. स्त्री -तपस्विनी, साध्वी, विरक्ता, गंयम नियम का पालन करनेवाली स्त्री।
 जाहिद (جاهد) अ. पु. -जितेंद्रिय, नयमी, विरक्त, विषय-निग्न, गंयम-नियम और जप-नप करनेवाला व्यक्ति।
 जाहिदे ह्रुदक (جاهدحشک) अ फा पु -ऐसा नीरम जाहिद जिमके हृदय में जग भी उदारता न हो।
 जाहिर (ظاهر) अ वि -व्यक्त, प्रकट, अर्था, स्पष्ट, प्रत्यक्ष, बाजेह।
 जाहिर (جاهر) अ वि -उज्ज्वल, प्रकाशमान, चमकता हुआ; उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, बलद।
 जाहिरदार (ظاهرदार) अ. फा. वि -दियावे की वाते करनेवाला, दुनियागाज, जवगरवादी।
 जाहिरदारी (ظاهرداری) अ. फा स्त्री -बनावट, दिमावा, दुनियागाजी, व्याज-व्यवहार।
 जाहिरन (ظاهر) अ वि -देगने में, जाहिर में।
 जाहिरपरस्त (ظاهرپرست) अ फा. वि -जो ऊपरी टीम-टाम पर मरता हो, केवल बाह्यरूप देखनेवाला।
 जाहिरपरस्ती (ظاهرپرستی) अ फा स्त्री -केवल बाह्य रूप पर मुग्धता।
 जाहिरवी (ظاہریبین) अ. फा वि -बाहरी तउक-भउक का दीवाना, जाहिरपरस्त।
 जाहिरवीनी (ظاہریبینی) अ फा स्त्री -केवल बाहरी टीम-टाम का मोह, जाहिरपरस्ती।
 जाहिरा (ظاہرا) अ वि -दे 'जाहिरन'।
 जाहिरौ (ظاہری) अ वि -बाहरी, बाह्य; ऊपरी, देखने भर का।
 जाहिरौ वातिन (ظاہرواطن) अ पु -अदर और बाहर, मन और मुख, जवान और दिल।
 जाहिल (جاهل) अ वि -जो कुछ न जानता हो, अज्ञानी, मूर्ख, बेवकूफ, असम्य, नामुहज्जब, अशिष्ट, बदसलीक, उद्द, अकखड, निरक्षर, बेइल्म।

जाहिलीयत (جاهلیت) अ स्त्री-दे जहालत ।
 जाहिले मुलक (جاهل مطلق) अ वि-जो कुछ भी न
 जानता हो निपट मूख बिल्कुल बे पढ़ा लिखा ।
 जाहोजलाल (جاهو حلال) अ पु-शानोशोबत, रोवा
 दाव ।
 जाहोमसब (جاهو ملسب) अ पु-पदवी और प्रतिष्ठा ।
 जाहोहयाम (جاهو حسم) अ पु-जाहोजलाल ।

जि

जिहार (بھار) अ पु-द जगार ।
 जिद (بد) फा वि-जीवित जीता हुआ, नवीन, ताजा
 जैसे-जिद खन ।
 जिद-दरगौर (بد-दरगौर) फा वि-जिसका जीवन मुर्णों
 जसा नीरस और व्यथ हो जीवमृत ।
 जिद वार (بد-वार) फा वि-बहुत जागनेवाला ।
 जिद दिल (بد-दिल) फा वि-हर समय प्रसन्न रहने और
 मजेगार बातें करनेवाला विनागरसिक ।
 जिद दिली (بد-दिली) फा स्त्री-प्रसन्न रहने और मनो
 विनोद करने का भाव ।
 जिद-बागवले मुब (بد-बागवले मुब) फा वि-ऐसा
 व्यक्ति जो जीते हुए भी शव के समान हो अत्यंत दीन
 दुखी और कष्टग्रस्त हतजीवित ।
 जिद-बाद (بد-बाद) फा वा-चिरजीव हो जीवित रहो
 सायुवाद शाबाश जिदाबाद अय रजे उल्फन जानादिल
 तुल पर निसार क्याकि इक तरे सबन स याद उसकी
 दिल म है ।
 जिद बास (بد-बास) फा वा-आयुष्मान् हो, बडी उम्र
 मिले शाबाश धसवाद ।
 जिदए जावेद (بد-जावेद) फा पु-जो सदा जीवित
 रहे जो कभी न मरे ।
 जिदगामी (بد-गामी) फा स्त्री-दे जिदगी ।
 जिदगी (بد-गी) फा स्त्री-जीवन प्राण हयात ।
 जिदगीबक्षण (بد-गीबक्षण) फा वि-जीवन देनेवाला,
 जीवन सगनेवाला ।
 जिदा (بد-दान) फा पु-कारागार कारागृह कदवाना ।
 जिदाखान (بد-दान-खान) फा पु-दे जिना ।
 जिदानी (بد-दानी) फा वि-कारावागी कदी बदी ।
 जिदीक (بد-दिक) अ वि-नास्तिक ग मजहब अमिपूजक
 आतंगपरस्त खरदुत का अनुयायी ।
 जिस (جلس) अ स्त्री-वस्तु, पनाय चीज अग, गल्ला,
 जाति ।

जिसदान (جلس خانه) अ फा पु-अनाज भाति रखन
 का कोठा, मागीवाना ।
 जिसवार (جلس وار) अ फा स्त्री-पटवारी का नाउद
 जिसमें बाईं हुई जिस का ब्योरा होता है ।
 जिसी (جلسی) अ वि-जिस से सम्बन्ध रखनवाला ।
 जिसीयत (جلسیت) अ स्त्री-लिंगता नर या माण
 होना, जातीयता, कौमियत ।
 जितेकासिद (جلس کاسد) अ स्त्री-एसी सोपी वस्तु या
 वाजार में न बिके ।
 जिसनाकार (جلس ناكار) अ फा स्त्री-दे जिसकामि ।
 जितेनाक्सि (جلس ناक्सی) अ स्त्री-दे जिसकामिद ।
 जिक् [कक] (زق) अ स्त्री-गानी भरने का छाल का
 पात्र, परवाल मरक, भस्त्रो ।
 जिक्की (زکی) अ वि-पानी की मरक जमा जलयत
 का एक प्रकार जिसमें सारा शरीर सूज जाता है ।
 जिक् (ذکر) अ पु-चर्चा तस्किर एक प्रकारका जप ।
 जिक्के खर (ذکر خار) अ पु-याग में एक जप जो खान
 और सीने से होता है ।
 जिक्के खफी (ذکر خفی) अ पु-ऐसा जप जो मन में किया
 जाय उपायु ।
 जिक्के खर (ذکر خبر) अ पु-शुभ चर्चा अच्छा जिद
 किसा बडे व्यक्ति की याद और उसकी चर्चा ।
 जिक्के खर (ذکر خبر) अ पु-अय चर्चा दूसरा जिद
 रकाब का चर्चा ।
 जिक्के जहर (ذکر جهر) अ पु-ऐसा जप जो ध्वनित हो,
 जा आवाज के साथ हो ।
 जिगर (حگر) फा वि-शरीर का एक विशय अवयव,
 यद्वत, साहस, हिम्मत ।
 जिगरअफमार (حگر اعمار) फा वि-जिगरफिगार ।
 जिगरकाथी (حگر کاهی) फा स्त्री-कडा परिधम सल
 गेहनत ।
 जिगरखराश (حگر خراش) फा वि-बहुत अधिक दुख
 देनेवाला, हृदय विदारक ।
 जिगरखवार (حگر خواره) फा वि-जिगर को खानवाला
 दुख देनेवाला ।
 जिगरखवारी (حگر خوارى) फा स्त्री-जिगर को खाना,
 दुख शोक ।
 जिगरगीण (حگر گوسه) फा पु-जिगर का टुकड़ा अर्थात् पुत्र ।
 जिगरताब (حگر تابه) फा वि-जिगर को गम करनेवाला ।
 जिगरताबी (حگر تابی) फा स्त्री-कलेजा गम करना ।
 जिगरदीज (حگر دیج) फा वि-दे जिगरखराश ।

जिगरपारः (حگرپار) फा पु-दे. 'जिगरगोश'।
जिगरफ़िगार (حگرفگار) फा वि-जिसका हृदय टुकड़े-टुकड़े हो, भग्न हृदय, अत्यधिक दुखी।
जिगरबंद (حگر بند) फा पु-दे 'जिगरगोश'।
जिगरसा (حگرسا) फा वि-जिगर को छीलनेवाला, कष्ट देनेवाला।
जिगरसोख्तः (حگر سوخته) फा वि-दिल जला, जिसका हृदय शोक की आँच से जल गया हो, भृष्ट हृदय, दग्ध-हृदय।
जिगरसोख्तगी (حگر سوختگی) फा. स्त्री-हृदय का दग्ध होना।
जिगरसोज (حگر سور) फा वि-हृदयदाही, दुखदायी; सहानुभूति करनेवाला।
जिगरसोजी (حگر سوزی) फा स्त्री-हृदय जलाना, गम उठाना, सहानुभूति करना।
जिगरी (حگری) फा वि-हार्दिक, दिली; घनिष्ठ, गहरा, जिगर के रंग का, गहरा लाल।
जिखविज (حزبر) फा वि-रुष्ट, अप्रसन्न, नाराज।
जिख्यः (حزیه) अ. पु-एक टैक्स जो हिन्दुस्तान में वाज मुसलमान शासकों ने हिंदुओं से लिया था और जो तीन से वारह रुपये प्रति वर्ष लगता था, धर्म-कर।
जिद (جد) अ स्त्री-प्रयास, पराक्रम, कोशिश।
जिद [द्] (جد) अ. स्त्री-हठ, अड; विपरीत, विरुद्ध, उलटा; वैमनस्य, रजिश।
जिदा (ذبا) फा. प्रत्य-शुद्ध करनेवाला।
जिदाइद (ذبا ئد) फा वि-साफ करनेवाला, परि-मार्जित करनेवाला।
जिदाइश (ذبا ئش) फा स्त्री-परिमार्जन, सफाई, चमक दमक, जिला।
जिदूदः (ذود) फा वि परिमार्जित, साफ किया हुआ, माँजा हुआ।
जिदूदनी (ذودنی) फा वि-माँजकर साफ करने के काविल, परिमार्जनीय।
जिदार (حدار) अ स्त्री-भीत, मित्त, दीवार।
जिवाल (حدال) अ पु-युद्ध, लड़ाई, वादत्रिवाद, वहस।
जिवालोकिताल (حدال و قتال) अ पु-लड़ाई और रक्त-पात, खून-खराबी।
जिह. (حده) अ पु-अरब का एक नगर जो प्रसिद्ध वदरगाह है, जिद्दत।
जिद्दत (جدت) अ स्त्री-अद्भुतता, अनोखापन; नवीनता, नयापन; आविष्कार, ईजाद।

जिद्दतआमेज (جدت آمیز) अ फा वि-वह वात जिसमें जिद्दत हो।
जिद्दततराज (جدت طراز) अ फा वि-जिद्दत पैदा करने वाला, नयी-नयी वाते निकालनेवाला, आविष्कारक।
जिद्दततराजी (جدت طرازی) अ. फा. स्त्री-नयी-नयी वाते निकालना, आविष्कार।
जिद्दतपसंद (جدت پسند) अ. फा. वि-जिसे हर वात में जिद्दत अच्छी लगती हो।
जिद्दतपसंदी (جدت پسندی) अ फा. स्त्री-हर वात में जिद्दत अच्छी लगना।
जिद्दत मभाव (جدت ماب) अ वि-दे 'जिद्दततराज'।
जिद्दन (حدأ) अ स्वि-प्रयास से, कोशिश करके।
जिद्दन (ضدأ) अ वि-हठ से, हठ के कारण।
जिद्दी (صدی) अ. वि-हठ करनेवाला, हठी, आग्रही; जो वात ठान ले या कह दे उसी पर अड जानेवाला।
जिद्दीन (ضدین) अ. पु-दो परस्पर विरोधी चीजे, जैसे आग और पानी।
जिद्दोजहद (جد و جهد) अ. स्त्री-पराक्रम और प्रयास, दौड़-धूप।
जिन [न्न] (حن) अ पु-एक प्राणी जिसकी उत्पत्ति अग्नि से मानी जाती है, और वह दिखाई नहीं पड़ता।
जिनाँ (حنان) अ स्त्री-'जिनान' का लघु, दे 'जिनान'।
जिनाँ (زنا) अ. प-व्यभिचार, परायी स्त्री या पराये पुरुष के पास जाना।
जिनाकार (زناکار) अ फा वि-व्यभिचारी, व्यभि-चारिणी।
जिनाकारी (زناکاری) अ फा स्त्री-व्यभिचार, जार-कर्म, हरामकारी।
जिनाजः (جنازہ) अ पु-दे. 'जनाज', दो शुद्ध हैं, परंतु उर्दू में 'जनाज' ही बोलते हैं।
जिनान (حنان) अ स्त्री-'जन्नत' का बहु, जन्नते, वाग्-समूह, उर्दू में एक वचन के अर्थ में व्यवहृत है।
जिनायत (حنایت) अ स्त्री-पाप, पातक, गुनाह।
जिनायत (حنایات) अ स्त्री-'जिनायत' का बहु, बहुत से पाप।
जिन्नः (جنه) अ पु-जिनका बहु, जिनो का समूह; जिनो की जाति।
जिन्नत (طنت) अ स्त्री-भारोप, लाछन, तोहमत।
जिन्नात (حنات) अ पु-'जिन' का बहु, बहुत से जिन, जिनो की जाति।
जिन्नी (حنی) अ पु-जिनका, जिन सम्बन्धी, एक जिन।

जिनहार (زینهار) फा स्त्री-शरण, त्राण पनाह।
(अर्थ) कदापि हरगिज।
जिनहारखवार (زینهارخوار) फा वि-प्रतिना भग करने वाला, वा दा सिक्क।
जिनहारखवाह (زینهارخواد) फा वि-पनाह या रना चाहनेवाला गरपायी।
जिनहारी (زینهای) फा वि-त्राण चाहनेवाला, शरणागत प्रतिना करनेवाला।
जिफाफ (زفاف) अ पु-हून का दूहा के घर भोजना, दूहा का दुहन सं पढ़ने वार मिलना।
जिफ्त (زفت) फा स्त्री-चीठ का गान राल।
जिफदे (صفدع) अ पु-दुदुर भेक मँदक मडूक।
जिबस (زبس) फा वि-बहुत अधिक।
जिवा (ظبا) अ पु-जवी का बहु हरिना का समूह।
जिवाय (صبا) अ स्त्री-जव का बहु गाहें।
जिबायत (حيات) अ स्त्री-धन एकत्र करना कर एकटा करना।
जिवाल (حيال) अ पु-जवल का बहु पवतमाला, बहुत सं पहा।
जिवाले रासियात (حدال اسداب) अ पु-ऊँचे ऊँचे और बट-बट पहाड।
जिवाह (حياہ) अ स्त्री-जगह का बहु माये ललाट।
जिबिल्लत (حیلب) अ स्त्री-प्रवृत्ति स्वभाव नचर।
जिबिल्ली (حیلى) अ वि-प्राकृतिक स्वाभाविक नेचुरल।
जिब्त (حيث) अ पु-हर वह चीज आ ईश्वर क अतिरिक्त पूजी जाय।
जिब्र (زبر) अ स्त्री-एक पुस्तक एक पत्र।
जिब्र (زبر) अ स्त्री-पुस्तक किताब।
जिब्रिकान (زبرکان) अ पु-संपूर्ण चंद्र राका सक्केदु पूरा चीन।
जिब्रिल (جبریل) अ पु-एक फिरीता जो पगवरा क पाग ईश्वर का आयेन पहुँचाया करता था।
जिब्त (زبت) अ पु-पाड या गध की लीच।
जिबह (ذبح) अ वि-वधित जो जवह बिवा गया हा।
जिबहे अकबर (ذبح اکبر) अ पु-बह दुवा जा हजत इस्माल के मरत भ जवह हुआ।
जिबहेअडोम (ذبح عظیم) अ पु-हजत इमाम हुननकी गहात।
जिमाअ (حصان) अ पु-स्त्रीप्रमग मपुन मुवागन।
जिमाउल्लम (حصاع اللم) अ पु-मद्यपान धाराबनागा।
जिमाउ (حصاد) अ पु-जुल का बहु ऊँची और कठार ममि।

जिमाद (صناد) अ पु-प्रलेप जग विनेप पर दवा का लप।
जिमाम (ذمام) अ पु-प्रतिष्ठा इस्बत स्वत हक।
जिमाम (رمام) अ स्त्री-ऊँट की ननेल।
जिमामे हुकूमत (رمام حکومت) अ स्त्री-सामन वा बागडोर गामनसूत्र।
जिमार (صيار) अ पु-खाया हुआ माल जिमने मित्र की आगा न हो।
जिमार (حصار) अ स्त्री-जग्न का बहु बकरियाँ हज की एक प्रया जिसमें गतान का बकरिया मारल ह।
जिमाल (حصال) अ पु-जमल का बहु, वृत्त-स उर।
जिमन (مصن) अ पु-अतगत अर प्रसंग बात का सिलसिला विषय।
जिमन (صنفا) अ वि-किसी प्रमग में आयी हई चर्चा।
जिमनी (فصلی) अ वि-किसी मुख्य विषय के अतगत वाला गर जहम, मोण।
जिम (صمه) अ पु-उत्तरायित्व जिमनारी प्रति भूति जमानत।
जिमदार (ذمه دار) अ फा वि-उत्तरायया जवाब वह प्रतिभू जामिन जिम्मेदारी महमूम करतवाला।
जिमदारी (ذمه داری) अ फा स्त्री-उत्तरायित्व, जवाबदेही प्रतिभूति जमानत कायभार वार।
जिममत (ذمت) अ स्त्री-प्रतिना इश्वर प्रतिभूति जमानत।
जिमनी (ذمی) अ पु-इस्लामा राज्य में गर मुस्लिम नागरिक।
जिया (زبان) फा पु-होनि अनिष्ट जरर, टोटा क्षति घात।
जिया (زبان) फा वि-फाड खानवाला हिंसक, स्वाप व्याघ्र।
जियाकार (زبان کار) फा वि-टांग देनवाला घाटा पहुँचानवाग कपाकारी, बन्धामाल।
जियाकारी (زبان کاری) फा स्त्री-टाटा घना, कपावार, बरआमानी।
जिया (ضیا) अ स्त्री-प्रकाश जयानि आभा, समक मूय का प्रकाश।
जियागुस्तर (ضیاعست) अ फा वि-जियागा।
जियार (زیاد) अ वि-अधिक प्रचुर वृत्त त्रिभ रित्त पात्र।
जियाखोर (زیادخویر) अ फा वि-बहुत खानवाग पेट बहुभगी पिडागूर।
जियारगो (زیادگو) अ फा वि-बहुत धात बनत धाग मुवर बाचाल मिष्याधानी गया।

जियाद गोई (زیادہ گوئی) अ. फा स्त्री—बहुत धाते करना, गप हांकना ।

जियाद.तर (زیادہ تر) अ फा. वि—अधिकतर, बहुधा, अक्सर ।

जियाद.तलवो (زیادہ تالی) अ फा स्त्री—हिस्से या हिस्साव में अधिक मांगना ।

जियाद:सरो (زیادہ ساری) अ. फा स्त्री.—स्वच्छदता, खुद-राई; अभिमान, घमंड ।

जियाद:सितानी (زیادہ سیتانی) अ फा स्त्री.—अपने भाग से अधिक ले लेना ।

जियाद (زیاد) अ पु.—अधिक, बहुत, 'इन्ने जियाद' उमाम हुसैन का कातिल ।

जियादत (زیادت) अ स्त्री—अधिकता, बहुतायत ।

जियादती (زیادتی) अ स्त्री—अधिकता, अत्याचार; अनीति, हठधर्मी ।

जियापाश (صیاداش) अ फा वि—प्रकाश फैलानेवाला ।

जियापाशी (صیاداشی) अ फा स्त्री—प्रकाश फैलाना ।

जियाफत (غیافت) अ स्त्री—अतिथि पूजा, मेहमादारी, प्रीतिभोज, दावत ।

जियाफतखान: (غیافت خانہ) अ फा पु—अतिथियों की भोजनशाला ।

जियावार (صیادار) अ फा वि—दे 'जियापाश' ।

जियावारो (صیاداری) अ फा स्त्री—दे 'जियापाशी' ।

जियावीतुस (دیابیطس) अ. पु—एक रोग जिसमें पेनाब बहुत आता है, बहुमूत्र ।

जियारत (زیارت) अ स्त्री—दर्शन, दीदार, तीर्थटन, किसी वुजुर्ग के मजार आदि के दर्गनार्थ सफर, किसी वुजुर्ग का रीजा आदि ।

जियारतकद: (زیارت کده) अ फा पु—दे 'जियारतगाह' ।

जियारतगाह (زیادت گاہ) अ फा स्त्री—ऐसी जगह जहाँ किसी वुजुर्ग का मजार या उसके तवरक़ात हो ।

जिराअ (ذراع) अ पु—एक हाथ की नाप, सातवाँ नक्षत्र, पुनर्वसु ।

जिराअत (زرعت) अ स्त्री—कृषि, खेती, कायत ।

जिराअतपेश: (زرعت پیشه) अ फा वि—कृषक, किसान ।

जिराअती (زرعتی) अ वि—कृषि सम्बन्धी, खेती से मुत-अल्लिक, खेती का ।

जिराव (صواب) अ पु—नर का मादा पर चढ़ना ।

जिरार (ضوار) अ पु—एक दूसरे को हानि पहुँचाना, मक्के की एक मस्जिद जिसमें मुहम्मद साहब के शत्रु बैठकर परामर्श करते थे ।

जिराहत (حراحت) अ स्त्री—धाव, जहम, आघात; चौर-फाड, गल्यत्रिया, दे 'जराहत' ।

जिरिशक (زرشک) फा स्त्री—एक खट्टा फल जो चने के बराबर होता है और सुखाकर दवाई के काम आता है ।

जिरिह (زیر) फा स्त्री—छोहे की जजीरो का एक पह-नावा जो लउई में पहना जाता है, कवच, अगर्क्ष ।

जिरीहपोश (زیر پوش) फा. वि—जो जिरिह पहने हो, कवचधारी ।

जिरीहवाफ (زیر باف) फा वि—जिरिह बनानेवाला, कवच बनानेवाला, कवचकार ।

जिरिहसाज (زیر ساز) फा वि—दे 'जिरिहवाफ' ।

जिराम (ضرم) अ पु—सिह, व्याघ्र, जेर ।

जिर्नीत (زرنیج) अ स्त्री—हडताल, हरिताल, काचनक, दे. 'जर्नीग', दो शु है ।

जिर्जीक (ضریک) एक प्रकार की तोप ।

जिम (حرم) अ पु—पिट, देह, यह गन्द्र अधिक अधिक आकाशीय अथवा जड पदार्थों के लिए प्रयुक्त होता है ।

जिर्फीन (زرفین) अ पु—शृगला, जजीर, दरवाजे की जजीर, दे 'जुर्फीन', दो शु है ।

जिर्यान (حریان) अ पु—शुन-प्रमेह, मूत्र-शुक्र, पेसाब के साथ मनी आने का रोग, शुद्ध उच्चारण, 'जरयान' है ।

जिर्व: (زر) अ पु—शृग, चोटी, ऊँचा स्थान ।

जिस (عرس) अ स्त्री—डाढ, बडा दाँत, जभ, दाडक ।

जित (طل) अ पु—छाया, साया, परछाई ।

जिला (حلا) अ स्त्री—आभा, प्रभा, चमक, सैकल, वर्तनो या हथियारो की चमक ।

जिला (صلع) अ पु—पाश्वर्वास्थि, पसली, जनपद, मडल, प्रात का एक भाग जो एक कलक्टर के अधीन होता है ।

जिलादार (حلا دار) अ फा वि—आभा युक्त, चमकदार, जिस पर सैकल हो ।

जिलेवा (زلیما) फा. पु—प्रसिद्ध मिठाई, बटी जलेबी ।

जिलो (حلو) तु पु—कोतल घोडा, जो सरदारो और राजाओ की सवारी में काम आता है, लगाम, कविका ।

जिलौखान: (حلو خانہ) तु फा पु—अश्वशाला, अस्तवल ।

जिलौदार (حلو دار) तु फा पु—श्रेष्ठ अश्वका स्वामी ।

जिलौरेज (حلو ریز) तु फा वि—तेज घोडा दीडानेवाला, सरपट जानेवाला ।

जिल्ल (صلع) अ पु—पसली, पाश्वर्वास्थि, जनपद, मडल, जिला, इस शब्द का उच्चारण 'जिला' भी है ।

जिलका'द: (دی القعدة) अ पु—इस्लामी ग्यारहवाँ महीना ।

जिलजाल (زرال) अ पु—हिलाना, कपाना, हिलाना-डुलाना ।

जिल्द (جلد) अ स्त्री-त्वचा त्वच शरार को ऊपरी खाल किताब की एक प्रति जैसे—अमुक पुस्तक की चार जिल्दें, पुस्तक पर बना हुआ कपड़ा आदि जुबबदी, बिनी बड़ी पुस्तक का एक भाग, प्रथम खंड।

जिल्दसाब (جلدساز) अ फा पु—पुस्तक को जिल्द बाधनेवाला।

जिल्दसाबी (جلدساری) अ फा स्त्री—पुस्तक की जिल्दें बनाने का काम।

जिल्दो (جلدو) तु पु—पुरस्वार, इनआम वषागिा।

जिल्फ (حلف) अ वि—जो जवर से खाली हो छूटा पोला साखला आदमी आछा।

जिल्बाब (حلباب) अ स्त्री—चादर प्रच्छादन।

जिल्कत (حلت) अ स्त्री—स्वारी, तिरस्वार अपमान अनादर।

जिल्कत (حلت) अ स्त्री—लगजिा, फिसलने की थिया पतन चूक त्रुटि मूल पाप गुनाह।

जिल्कत (حلت) अ स्त्री—गुमराही भागभंग रस्ता मूल जाना पातक पाप गुनाह।

जिल्कत आमेव (حلت امير) अ फा वि—अपमानजनक, निरस्वारयुक्त जिल्कत से भरा हुआ।

जिल्कल्लाह (حلت الله) अ पु—ईश्वर की छाया अच्छा भागव।

जिल्के आतिफत (حلت عاظم) अ पु—छपछाया जरेगाया।

जिल्के इनायत (حلت عناية) अ पु—जिल्के जाफियत।

जिल्के जमी (حلت زمين) अ फा पु—रात्रि निगा रात।

जिल्के मुबहानी (حلت مباحی) अ पु—जिल्कल्लाह।

जिल्के हक (حلت حق) अ पु—ईश्वर की छाया ईश्वर का हुआ।

जिल्के हिमायत (حلت حمايت) अ पु—जिल्के आतिफत।

जिल्के हुमा (حلت همة) अ फा पु—हुमा पगी की छाया जितक पडने से मनुष्य रात्रा हा जाता है।

जिल्के (حلت) अ पु—गही शर यह है परन्तु उन् में जन्म मात्रा जाता है दे जन्म।

जिल्कहिज्ज (حلت حج) अ पु—इस्लामी वारहवीं मनीता।

जिल्कार (حلت) अ पु—ज्वार गलन है ज्वार या ज्वार गड है पगम प्रतिवाग हमगायगी आम पाग चारा शर।

जिल्क (حلت) अ वि—जिल्क शरार बरा।

जिल्कआमास (حلت اعمال) अ फा वि—जिल्कवारी दुराचारी बन्नामास।

जिल्ककार (حلت کار) अ वि—दे जिल्क आमाल।

जिल्कलू (حلت لود) अ वि—बुरी आदतवाला, दुस्वभाव दुष्प्रवृत्ति, बदअखलाक, दुष्गोल बुशोल।

जिल्कलू (حلت لود) अ वि—बुरी शकलवाला कुहफ बगानि बुधदान।

जिल्कलूई (حلت لودی) अ स्त्री—कुहपता, बगान्नी।

जिल्कलूकार (حلت لود کار) अ स्त्री—जमी की निहृष्टता पाप, गुनाह।

जिल्कली (حلت لی) अ वि—निहृष्टता, शरारा, कुहपता, बदअखली।

जिल्क [حلت] अ पु—चूना गव।

जिल्क (حلت) अ पु—शरीर काया दह घनत्व, स्थूलता लवाई चौड़ाई मोटाई जसामत।

जिल्कमानो (حلت مانی) अ वि—शारीरक बदनी शरार सम्बधी जिम्मी।

जिल्कमानोयत (حلت مانی یات) अ स्त्री—लवाई चौड़ाई और मोटाई या गहराई और ऊँचाई स्थूलता घनत्व।

जिल्कमी (حلت می) अ वि—हिक शारीरक जिस्मानो।

जिल्कमीयत (حلت می یات) अ स्त्री—स्थूलता घनत्व जसामत जिस्मेजाको (حلت می جانی) अ फा पु—मिट्टी का बना हुआ शरीर, नखर दह मानवशरीर।

जिल्कमी ता लोमी (حلت می تا لومی) अ पु—लवाई चौड़ाई और माना घनत्व स्थूलता।

जिल्कमेजानी (حلت می جانی) अ पु—नखर दह मिता जान चारा शरीर मानवशरीर।

जिल्क (حلت) अ पु—मनुष्य दे जल दा धु हा।

जिल्क (حلت) अ स्त्री—पण्य का बनारा बिला (अक) राधु घय वाह।

जिल्कगीर (حلت گیر) अ स्त्री—बह अंगुठी जा तीर पत्तो समय उगली की रणा के लिए पहनी जानी है, अंगुनि चाण।

जिल्क (حلت) अ स्त्री—निगा आर, तग शरार हुनु सवय।

जिल्कहार (حلت هار) अ पु—झ्याह का देज मन्व का मादम बपन आदि यात्रा की सामधी पायेय।

जिल्कहात (حلت هات) अ स्त्री—जिल्क का बगानि गिम्ने कारण समूह बज्हे।

जिल्कहा (حلت هاد) अ पु—धम के लिए बिगदिना म सुड।

जिल्कहा अक्षर (حلت هاد اکسر) अ पु—बड़ा जिल्क दिया का दमा।

जिल्कहा अक्षर (حلت هاد اکسر) अ पु—छोग जिल्क पमद।

जिहाफ (جَاه) अ पु—न्यूनता, कमी, छद्म के गणो मे से मात्राओं की कमी।

जिहाव (جَاه) अ पु—जाना, गमन करना, दे. 'जहाव' दो. यु है।

जिहाम (جَاهِم) अ पु—भीड़, जनसमूह; अधिकता, बहुतायत।

जिहार (جَاهِر) अ पु—पुरुष का स्त्री से यह कहना कि तू मेरे लिए माँ की पीठ है, इससे वह स्त्री व्याह से विच्छिन्न हो जाती है।

जिहार (جَاهِر) अ पु—उपस्थ, कटिदेश, पेट।

जिहिव: (جَاهِي) फा. वि—उछलनेवाला, कूदनेवाला।

जिहे (جَاهِي) फा. अव्य—अहो, क्या खूब, वाह-वाह।

जिहेज (جَاهِي) फा पु.—व्याह मे दुहहन को दिया जानेवाला सामान, दहेज।

जिहक (جَاهِك) अ पु.—जोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा।

जिहन (جَاهِن) अ पु—प्रतिभा, तच्वाई, धारणाशक्ति, समझ-बूझ, स्मरणशक्ति, हाफिज; दक्षता, कुशलता, होशियारी।

जिहननशी (جَاهِن نَشِي) अ फा वि.—जो बात समझ मे आ गयी हो, चित्त पर चढ़ी हुई बात, हृदयंगम, बोधगम्य।

जिहनी (جَاهِنِي) अ वि—हादिक, मानसिक, रहानी।

जिहनीयत (جَاهِنِيَّت) अ स्त्री.—प्रकृति, स्वभाव, आदत, अत करण, अदर, धारणा, गुमान।

जिहने रसा (جَاهِن رَسَا) अ फा. पु—किसी बात को जल्दी समझ लेनेवाला जिहन।

जिहने सालेह (جَاهِن صَالِه) अ पु—अच्छे-बुरे मे पूर्ण विवेक करनेवाला जिहन।

जिहमत (جَاهِمَت) अ स्त्री—सटे हुए मांस या मछली की दुर्गंध जो असह्य हो।

जी

जी (جِي) फा. स्त्री—'जीन' का लघुरूप, जो समास मे व्यवहृत होता है (अव्य) इससे।

जी (جِي) अ उप—एक उपसर्ग जो सज्ञा से पहले आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'जीअकल' अकलवाला।

जीअकल (جِي اَكْل) अ वि—बुद्धिवान्, मेधावी, अकलमद।

जीआवरू (جِي اَبْرُو) अ फा वि—प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज्जतदार।

जीइस्तियार (جِي اِسْتِيَار) अ वि—जिसे अधिकार प्राप्त हो, प्राप्ताधिकार, जो किसी के अधीन न हो, खुद मुस्तार, स्वाधीन।

जीइज्जत (جِي اِجْجَت) अ वि.—दे. 'जीआवरू'।

जी इस्ते'दाद (جِي اِسْتَعْدَاد) अ वि—विद्वान्, योग्य, शिक्षित, पढा-लिखा, काबिल।

जीक (جِي ك) अ. वि.—तंगी, संकोच, सकीर्णता; कृष्ट, दुःख, क्लेश, मुसीबत।

जीकमाल (جِي كَمَال) अ वि—गुणवान्, गुणी, हुनरमद।

जीका'द: (جِي كَعْدَة) अ. पु—इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।

जीकूत्रफस (جِي كُوْتْر فَس) अ. पु—दमे की बीमारी, ग्वास-कास, श्वास रोग, श्वास कष्ट, उर स्तभ।

जीग: (جِي غَة) फा. पु—पगडी मे बांधने का एक रत्नजटित आभूषण।

जीज (جِي ج) फा स्त्री—ज्योतिष की किताब जिसमे ग्रहों की गति का विवरण और दूसरी तपसीले होती है।

जीजाह (جِي جَاه) अ. वि—बड़े पद या बड़ी प्रतिष्ठावाला।

जीन (جِي ن) फा पु—सोपान, निथेणी, सीढी; इमारतो की पक्की सीढियाँ।

जीन (جِي ن) फा. पु—घोड़े की पीठ पर कसी जानेवाली काठी, पल्ययन।

जीनत (جِي نَت) अ स्त्री—शृंगार, सज्जा, सजावट; शोभा, श्री, रीनक।

जीनतफद: (جِي نَت كَدَة) अ फा पु—सुसज्जित और शृंगारित मकान कोठी आदि; प्रेयसी का निवासस्थान।

जीनतदिह (جِي نَت دِه) अ. फा वि—शोभा बढानेवाला, सुयोगित करनेवाला, जीनत देनेवाला।

जीनते आगोश (جِي نَت اَغْوَش) अ फा स्त्री—गोद मे बैठता हुआ, गोद मे बैठकर गोद की शोभा बढानेवाला।

जीनते बज्म (جِي نَت بَرْم) अ फा स्त्री—सभा मे बैठकर सभा की शोभा को चार चाँद लगानेवाला।

जीनते महफिल (جِي نَت مَحْفَل) अ. स्त्री—दे 'जीनते बज्म'।

जीनपोश (جِي نَت پَوْش) फा पु—जीन के ऊपर डालनेवाला कपडा।

जीनसाज (جِي نَت سَا) फा पु—जीन बनानेवाला।

जीफ: (جِي فَة) फा पु—मरा हुआ पशु आदि, मुर्दार, मृत, गतप्राण।

जीफ:स्वार (جِي فَة سْوَار) अ फा वि—मुर्दा खानेवाला, मृताशी, पूयभुक्।

जीफहम (جِي فِهْم) अ वि—बुद्धिमान्, मतिमान, मेधावी, अकलमद, प्रतिभाशाली, धारणासम्पन्न, जहीन, दूरदर्शी, अग्रशोची, पेशवी।

जीफिरासत (جِي فِرَا سَت) अ वि—दे 'जीफहम'।

जीवक (جِي و ك) अ पु—पारद, पारा, सीमाव।

बीवाल (بی‌بال) अ फा वि-जिसक पर हा फणी प्रतिष्ठित माय मुअज्जज।

बीमतवत (بی‌مات‌ت‌و‌ت) अ वि-ब-स्तवबाला प्रतिष्ठा वान सम्मानित।

बीर (بیر) फा पु-बीरक मसाले की एक प्रसिद्ध चीज।

बीर (بیر) फा पु-बीमा आवाज नीचा स्वर।

बीरए सफद (بیر‌س‌ف‌د) फा पु-श्वतजारक सफद बीरा।

बीरए सियाह (بیر‌س‌ی‌ا‌ه) फा पु-कृष्ण बीरक सुपा काला बीरा।

बीरक (بیر‌ک) फा वि-प्रवीण प्रतिभाशाली धारणा वान चतुर हाण्यार।

बीरकी (بیر‌کی) फा स्त्री-वानुय दक्षता कुशलता प्रवीणता प्रतिभा तत्वा।

बीरतब (بیر‌ت‌ب) अ वि-जामलवत।

बीरह (بیر‌ه) अ रि-प्राणी जीवधारी जानदार।

बीरोम (بیر‌وم) फा प-स्वर का उतार चढ़ाव पडज निपाट इयाति।

बीव (بیر‌و) फा प पाग पाग सीमाव।

बीववार (بیر‌و‌ا) अ वि-जामलवत।

बीवजाहल (بیر‌و‌ج‌ا‌ه‌ل) अ वि-जीमलवत।

बीस्त (بیر‌س‌ت) फा स्त्री-बीवत निगी।

बीस्तरी (بیر‌س‌ت‌ری) फा वि-शन व लाइक जिग का जाना जरियक हा आवनाय।

बीहियत (بیر‌س‌ی‌ح‌ی‌ا‌ت) अ वि-जोह।

बीहाम (بیر‌س‌ی‌ح‌ی‌م) अ रि-जिसक पाम नीवर चाकर बहुत हा वभवगाला।

बीहिस (بیر‌س‌ی‌ح‌ی‌س) अ वि-जिग अपना बुराई भलाई का एन्गाम हा सुन्दर स्वाभिमाता।

बीहिसियत (بیر‌س‌ی‌ح‌ی‌س‌ی‌ا‌ت) अ वि-जल्दी हैसियतवाला धनवान धनी प्रतिष्ठित मुअज्जज।

बीरोग (بیر‌س‌ی‌و‌ر‌) अ वि-सन्तान मुचल जा हांग म हा बुद्धिमान अकाम दूरगी दूरदा।

जु

जूद (جود) अ पु-गना फौज फल्लव।

जूदबखतर (جود‌ب‌خ‌ت‌ر) फा पु-गक समान उन्विगव व अदकान व मुनामा हुआ रग जा दवा व चान्ता है।

जूरी (جوری) अ पु-गनिक गिगने लकरा बीरा।

जूबी (جوبی) फा वि-कामयमाल हितता हुआ (अय) निगवान जरी-सिलगि-जूबी बीरी हिलतवाला।

जुबिश (جوبش) फा स्त्री-वप हिन हवत टस स मग हान की हागत गति चाल।

जुबीन (جوبین) फा वि-हिता हुआ जुविग लाया हुआ।

जुबुका (جوب‌ک‌ا) अ पु-जईफ का बहु निबल और आनत लोग दान दुता वकस गण।

जुबुमा (جوب‌م‌ا) अ पु-जर्म का बहु लीडर काय नतागण।

जुबुमाए मिल्लत (جوب‌م‌ا‌ی‌م‌ی‌ل‌ل‌ت) अ पु-राष्ट व तना कीम व लीनर।

जुबाक (جوب‌ا‌ک) अ वि-हालाल कालूट घातक विप घातक जान गनवाला।

जुका (جوب‌ک‌ا) अ स्त्री-मूय रवि मूगज प्रातका शवरा।

जुगल (جوب‌گ‌ل) फा पु-बुला हुआ जगारा बीवग।

जुगल (جوب‌گ‌ل) फा पु-जुगल।

जुगल (جوب‌گ‌ل) अ पु-सवाच तगी कठोरता सनी।

जुघात (جوب‌غ‌ا‌ت) फा पु-दधि नही।

जुघाफिय (جوب‌غ‌ا‌ف‌ی‌ا) अ पु-भूगाठ भूगागाए।

जुघाफिय वी (جوب‌غ‌ا‌ف‌ی‌ا‌و‌) अ फा वि-भूगाठ जानत वाग।

जुघाफिय नरीस (جوب‌غ‌ا‌ف‌ی‌ا‌ن‌ر‌ی‌س) अ फा रि-भूगाठ निखनवाला।

जूब (جوب) अ पु-स-भाग दुकान घब सड जि-अधाय दाव अतिरिक्त अलावा मिनाय पुस्ता क राग पज का फाम जा पुरान हो कम अधूरा इगण का गड रूप जुरन है।

जूबदान (جوب‌د‌ا‌ن) अ फा पु-बच्चा की रिताय रात का बस्ता।

जूबदी (جوب‌د‌ی) अ फा स्त्री-जिन्दगावा मरिता व हर जूब की गिगई जिदरग।

जूबरेस (جوب‌ر‌س) अ फा वि-गिवायी कम मच रुपण कजूस।

जूबरसी (جوب‌ر‌س‌ی) अ फा स्त्री-खक कम बरत गिगव्य रुपणा कजूगी।

जूजाज (جوب‌ج‌ا‌ج) अ पु-काच काच चीगा।

जूबाम (جوب‌ا‌م) अ पु-कुष्ठ राग का।

जूबामी (جوب‌ا‌م‌ی) अ वि-मुच्छी कड़ा।

जूब (جوب) अ वि-जुरन।

जूबीयात (جوب‌ی‌ا‌ت) अ पु-गिगी बाल व तमाम पर छाटा-छागी वान।

जूब (جوب) अ पु-द 'जूब' गुड रूप महा है।

जुबवी (جوروی) अ वि-गुल में ने एक जुज, थाडा, काम।
 जुब्वेला पतजर्जा (جوروی پتجورجی) अ पु-वह नूहम
 यत्र जिमके फिर टुकटे न हो सके, नमरेण, जनुरेण।
 जुब्वेला यन्फरक (फरक) (جوروی یلفرک) अ पु-ऐमा अंग
 जो अपने मूल में पृथक् न हो सके।
 जुदा (جداء) फा. वि-प्राग्, धारण; निरा, मरतलिक;
 विग्रहस्त; अन्य, दूमरा।
 जुदाई (جدائی) फा स्त्री-पृथक्ता, अन्नाय, वियोग,
 फ़िराक, वैमनस्य, रजिया।
 जुदागान. (جدائنه) फा वि-अलग-अलग, पृथक्-पृथक्।
 जुद (جدی) अ पु-उत्तरीय ध्रुवताग, यह ध्रुवताग
 जो उत्तरीय ध्रुव के पाम है।
 जुद्री (جدری) अ स्त्री-जीतग्य रोग, चेचक।
 जुन (جنون) अ पु-‘जूनन’ का लघु, दे ‘जूनन’, यह रूप
 यौगिक शब्दों में हो जाता है।
 जुनूअंगेज (جنون انگیز) अ फा वि-जूनन बढ़ानेवाला,
 उन्मादवर्द्धक।
 जुनूअेज (جنون خیز) अ फा वि-जूनन पैदा करनेवाला,
 उन्मादात्पादक।
 जुनूजौलां (جنون حوलाں) अ. फा वि-जूनन बढ़ानेवाला,
 तीव्र उन्मादक।
 जुनुद (جنود) अ पु-‘जुद’ का बहु, सेनाएँ, फौजे।
 जुनुन (جنون) अ पु-उन्माद, विक्षिप्तता, पागलपन।
 जुनुने इश्क (جنون عشق) अ पु-प्रेमोन्माद, मुहब्बत का
 पागलपन,—“सुन अय जुनुने इश्क तुझे इममें क्या मिला ?
 बरसों जो कोहोदन्त घुमाया किया मुझे।”
 जुनुद (جنید) अ पु-ब्रगदाद के एक बहुत बड़े ऋषि।
 जुन्नार (رنار) अ पु-यज्ञोपवीत, जनेऊ।
 जुन्नारगुसिस्त (رنار گوسته) अ फा वि-जिगने जनेऊ
 बोट डाला हो, जो हिंदू धर्मअप्ट हो गया हो।
 जुन्नारदार (رنار دار) अ फा वि-जनेऊ धारण करनेवाला,
 हिंदू।
 जुन्नारपोश (رنار پوش) अ फा वि-दे ‘जुन्नारदार’।
 जुन्नारखद (رنار خد) अ फा वि-दे ‘जुन्नारदार’।
 जुन्नून (جنون) अ पु-हज्रत यूनुम की उपाधि, आपको
 मछली निगल गयी थी।
 जुपत (جمت) फा पु-जोडा, युग्म, युगल, वह सख्या जो
 दो से बँट जाय, समसख्या, जूता, पादुका।
 जुपतक (جمتک) फा पु-चकवा-चकवी, सुखेवि का जोडा।
 जुपतफरोश (جمت فروش) अ फा वि-जूते बेचनेवाला।
 जुपतसाज (:

जुपती (جمتی) फा. स्त्री-पशुओं आदि का मैथुन।
 जुफ (ظفر) अ पु-नख, नागून।
 जुवान: (زبان) फा पु-आग की लपट, अग्नि-धिस्रा, तराजू
 की लडी के बीच का डोरा, दे ‘जवान’, दोनों शुद्ध है।
 जुवान (زبان) फा. स्त्री-दे ‘जवान’, दोनों शुद्ध है।
 जुवाना (زبان) अ पु-मोलहवां नक्षत्र, विशाखा।
 जुवाच (زبان) अ स्त्री-मक्षिका, मक्खी।
 जुवुन (جنون) अ. पु-फाटे हुए दूध का सोवा या पनीर,
 दे ‘जुवन न० २’।
 जुवल (جنول) अ पु-क्षीणता, दुर्बलता, लागरी,
 मलिनता, शिरता, अफसुर्दगी।
 जुवद: (زبد) अ पु-मार, तत्त्व, सुलामा; नवनीत,
 मक्खन, शिरोमणि, मरताज।
 जुवदतुलहकमा (زبدۃ السکما) अ पु-चिकित्सकों में
 शिरोमणि; वैज्ञानिकों में सर्वश्रेष्ठ।
 जुवन (جنون) अ पु-भीमता, कायरता, डरपोकपन,
 फटे हुए दूध का मावा, पनीर, दे ‘जुवन’।
 जुव्व: (جمد) अ पु-ठंवा अँगरवा, चुगा।
 जुव्वपोश (جمد پوش) अ फा वि-चुगा पहननेवाला,
 चुगा पहने हुए।
 जुव्व (زبر) अ पु-ग्यारहवां नक्षत्र, पूर्वा फाल्गुनी।
 जुमल (جمل) अ पु-अवजद के अक्षरों का हिभाव,
 अवजद के अक्षर।
 जुमादल उल्ला (جمادی الاخری) अ पु-इस्लामी छठा
 महीना।
 जुमादलऊला (جمادی الاولی) अ पु-इस्लामी पाँचवां
 महीना।
 जुमान (حسان) अ पु-मोती, मुवता, मोती के आकार
 की चाँदी की घुडियाँ।
 जुमाम (حسام) अ पु-वर्तन का पानी में लवालव भर
 जाना।
 जुमुअ. (جمعت) अ. पु-शुक्रवार, दे ‘जुमअ’ दोनों
 तरह शुद्ध है।
 जुमुल्ल (جمیخت) फा पु-बरबटा, कसीला, ऐसा स्वाद
 जैसा हड का होता है।
 जुमुर (ضمير) अ पु-दुबलेपन की वजह से पेट का पीठ
 से चिपक जाना।
 जुमुर्द (جمرد) फा पु-एक हरे रंग का रत्न, पन्ना।
 जुमूद (جمود) अ पु-जमना, जम जाना (पानी आदि
 का), खिलता, मलिनता, अफसुर्दगी, ठप हो जाना,

जुमूर (صوور) अ पु—दुबलापन, क्षीणता लाघरी।
 जुमअ (جعه) अ पु—गुनवार, द 'जुमुअ', दोना
 उच्चारण सही ह।
 जुम्जुम (جصصه) अ पु—कपाल, भगाल खोपडी।
 जुम्र (مره) अ पु—दल, मूय जत्या पार्टी।
 जुम्र (مر) अ पु—द 'जुमूर।
 जुम्रए अहवाव (مره/احداب) अ पु—मित्रमडली मित्रगण
 दोस्ता की पार्टी।
 जुम्ल (حمله) अ पु—समस्त समग्र, सब सब, वाक्य,
 गद्यसमूह किन।
 जुमलए इशाइय (حمله/اساسه) अ पु—दे 'जु
 इस्मिग।
 जुम्लए इस्तिफहामिय (حمله/استفهاميه) अ पु—ऐसा
 वाक्य जिसम प्रश्न हो।
 जुम्लए इस्मिय (حمله/اسمه) अ पु—ऐसा वाक्य
 जिसम क्रिया न हो मनात्मक वाक्य।
 जुम्लए खबरीय (حمله/خبريه) अ पु—द जु० इस्मिय।
 जुम्लए मोतरिख (حمله/معترفه) अ पु—इवारत या
 तबीर के बाब में ऐसा वाक्य जो किंगी दूमरी बात
 स सम्बन्धित हो और मूळ विषय से उमका काई सम्बन्ध
 न हो।
 जुम्लगी (حمله/گی) अ पा वि—सबत्व समस्तत्न,
 पूणता सारापन।
 जुमूर (صوور) अ पु—सबसाधारण जनसाधारण,
 जनता अवाम।
 जुमूरियत (صووریت) अ स्त्री—गणतन्त्र, जनतन्त्र
 प्रजातन्त्र।
 जुमूरो (صووری) अ वि—सावजनिक सावजनीन।
 जुरफ (ظ) अ पु—'जरीफ' का बहु हूँमोड लोग।
 जुमूरे अनाम (صوور/انام) अ वि—जन साधारण
 अवामप्राम।
 जुरात (ضراط) अ पु—सीध तेज वह अपान वायु जो
 घात्र के माय निबले।
 जुरफ (ظروف) अ पु—जफ का बहु बतन मांडे।
 जुराफ (زراف) अ पु—ऊ के बराबर एक जगती
 जानवर जिमकी पीठ चित्तीगर हाडी है दे 'जुराफ'
 दाना गुड ह।
 जुम (حوسه) अ पु—एक पूँट इतना पानी आदि जो
 एक बार स पिया जाता है।
 जुमकन (حوسه/کفر) अ पा वि—पूँट पूँट करने पीन
 पाना मन्त्र पीनवाग मछर।

जुअ कशी (حوسه/کشی) अ पा स्त्री—घूट घूट करने पीना,
 मदिरा पीना शराबनोशी।
 जुअ नोश (حوسه/نوش) अ पा वि—'जुअकन'।
 जुअमय (حوسه/مے) अ पा वि—मदिरा का घूट।
 जुअत (حرات) अ स्त्री—साहस हिम्मत, उत्साह
 उमग, हीसला घटता हुआहम वेदाकी।
 जुअतअफजा (حرات/افزا) अ पा वि—साहसबढ़व,
 हिम्मत बढानेवाला।
 जुअतआजमा (حرات/ارما) अ पा वि—हिम्मत की
 परीक्षा करनेवाला यह देखनेवाला वि अमक काम हो
 सकेगा या नही।
 जुअतआजमाई (حرات/ارمائی) अ पा स्त्री—हिम्मत की
 परीक्षा, ताकत का इम्तिहान।
 जुअतमद (حرات/ماد) अ पा वि—साहसी उत्साही
 हिम्मती आरम्भ।
 जुअतमदान (حرات/مندان) अ पा जय—साहसपूर्ण
 हिम्मत से भरा हुआ।
 जुअतमदी (حرات/مندی) अ पा स्त्री—उत्साहीगीलता,
 साहसपरता, हीमलामती।
 जुत (زوت) पा स्त्री—एक प्रसिद्ध जत ज्वार, 'जेरत',
 दाना गुड है।
 जुर्फत (زرفتن) अ पु—दे 'जिर्फत' दानो गुड ह।
 जुम (حوم) अ पु—अपराध दोष बुरा आराप, लच्छ,
 इतिहास।
 जुम ना कब (حوم/باکوده) अ पा वि—जितने अपराध न
 किया हो अट्टापराध।
 जुमनि (حومانه) अ पा पु—वह मजा जो धन के रूप में
 दी जाय अथवा।
 जुर (زور) अ स्त्री—ज्वार एक अन्न।
 जुर (زور) पा पु—नर बाज इयेन, बाज का नर जुर
 हाता है और मान बाज।
 जुर (زور) अ स्त्री—सीधन सीत।
 जुरत (زوت) पा स्त्री—एक अन्न ज्वार दे जुन।
 जुर्क (زور/الک) अ पु—'जुराफ'।
 जुर्क (حزاب) अ पु—मोडा।
 जुर्कियत (زوریت) अ स्त्री—गतात बाज-बाज, हाडी
 मबाली पिछगमू।
 जुह (زوح) अ पु—अमर के आकार का एक लच्छ
 रग का बिपला कींग जिसके परा पर बागी बुनियादी हाडी
 हें। यह बीजा दया में काम आजा है और शरीर में छाया
 दाग्जा है इये 'जुराट' बटा ह आ मता बढरपा है।

जुर्वः (ذوर्व) अ पु—शृंग, चोटी, ऊँचा स्थान, शिरोमणि, सर्वश्रेष्ठ।

जुर्ह (حرح) अ पु—घाव, क्षत, जखम।

जुलम (ظلم) अ पु—'जुलमत' का बहु, अँधेरे।

जुलल (ظلال) अ पु—'जुलल' का बहु, बहुत-से सायबान।

जुलाल (رلال) अ पु—स्वच्छ और शीतल पानी; निथरा हुआ पानी, एक-दो इंच लंबे कीड़े जिन्हें निचोड़ने से बहुत ही ठंडा पानी निकलता है।

जुलुमात (ظلمسات) अ पु—'जुलमत' का बहु, अँधेरे, अधिकार-समूह।

जुलूस (حلووس) अ पु—वैठना, राजा आदि का गद्दी पर बैठना, समारोह के साथ गश्त, उत्सव यात्रा, शोभा-यात्रा, चल समारोह।

जुलैखा (رليخا) अ स्त्री—मिस्र के नरेश 'अजीज' की स्त्री, जो हज्रत यूसुफ पर मुग्ध हो गयी थी।

जुलकनैन (ذوالقنैन) अ पु—सम्राट् सिकदर की उपाधि, जिसके दोनों कंधों पर बालों की लटे पडी रहती थी।

जुलजनाह (ذوالجناح) अ पु—हज्रत इमाम हुसैन का घोड़ा, बहुत तेज चलने के कारण 'परोवाला घोड़ा' कहलाता था।

जुलजलाल (ذوالجلال) अ पु—तेज और प्रतापवाला, अर्थात् ईश्वर।

जुल्फ (رلف) फा स्त्री—केशपाश, बालों की लट, कन-पटी के पासवाले बाल, अलक, केश, बाल।

जुल्फकार (ذوالفكار) अ स्त्री—हज्रत अली की तलवार, जो यद्र के युद्ध में उन्हें रसूल ने प्रदान की थी।

जुल्फबदोश (رلفبدوش) फा वि—कंधों पर बाल बिखरे हुए।

जुल्फीन (رلمين) फा स्त्री—शृखला, जजीर।

जुल्फुनून (ذوالفنون) अ वि—बहुत से गुणों का ज्ञाता।

जुल्फे दराज (رلفدراز) अ स्त्री—लंबी जुल्फ, बालों की लंबी लट।

जुल्फेपरोशाँ (رلفپرويشان) फा स्त्री—बिखरी हुई जुल्फ, बिखरे हुए बाल।

जुल्फेपुरखम (رلفپورخم) फा स्त्री—घुघराले बाल।

जुल्फेवरहम (رلفبرهم) फा स्त्री—बिखरे हुए बाल।

जुल्फेरसा (رلفرسا) फा. स्त्री—लंबी जुल्फ जो कमर से नीचे तक हो।

जुलवहरैन (ذوالمحرين) अ वि—ऐसा घेर जो कई बहरो में पटा जा सके।

जुल्म (ظلم) अ पु—अत्याचार, कमजोर को सताना,

अन्याय, वेइसाफी करना, किसी का हक मारना; नदी में पानी की बाढ़, बलात्, जवरदस्ती।

जुल्मत (ظلمت) अ स्त्री.—अंधकार, तम, तिमिर, अँधेरा, तारीकी।

जुल्मतआबाद (ظلمتآباد) अ. फा पु—बहुत ही अँधेरी जगह, संसार, दुनिया।

जुल्मतकदः (ظلمتكدس) अ फा पु—जहाँ अँधेरा ही अँधेरा हो; ससार, दुनिया।

जुल्मदोस्त (ظلمدوست) अ. फा. वि—जो अत्याचार करना पसंद करता हो, अन्यायप्रिय।

जुल्मपर्वर (ظلمپورر) अ. फा वि—अत्याचारी, अन्यायी, जिसके राज्य में अत्याचार का पालन-पोषण होता हो।

जुल्मरसीदः (ظلمرسيده) अ फा. वि—जिस पर अत्याचार हुआ हो, नृशसित, अत्याचार-पीडित।

जुल्मशिआर (ظلمشعار) अ वि—जिसके स्वभाव में ही अत्याचार हो, अन्यायप्रकृति।

जुल्मात (ظلمسات) 'जुल्मत' का बहु, अँधेरे, वह घोर अधिकार जो सिकदर को अमृतकुंड तक पहुँचने में पडा था।

जुल्मिनन (ذوالمئین) अ वि बहुत अधिक ने'मते देनेवाला, ईश्वर।

जुल्लः (ظلمه) अ पु—धूप से बचानेवाली चीज, सायबान, छज्जा।

जुल्लाव (حلاب) अ. पु—रेचक, विरेचक, दस्तावर दवा।

जुवार (حوار) अ पु—पड़ोस, प्रतिवेग, हमसायगी, आसपास, चारों ओर।

जुशाँदः (حوشانده) फा पु—औटाई हुई दवा का पानी।

जुशा (حشا) अ स्त्री—डकार, धूम, उद्गार।

जुस्त (حست) फा स्त्री—दे 'जुस्तजू'।

जुस्तजू (حستجو) फा स्त्री—तलाश, मार्गण, गवेषणा।

जुस्तोजू (जुस्तुजू) (حستوحو) फा. स्त्री—दे 'जुस्तजू'।

जुस्तः (حسته) अ पु—देह, शरीर, जिसम।

जुहल (رحل) अ पु—एक ग्रह शक्ति।

जुहला (حہلا) अ पु—जाहिल का बहु., जाहिल लोग।

जुहक. (صحوکه) अ पु—हास्यास्पद, उज्जुक।

जुहक (دهوق) अ पु.—विनाश, नाश, नापेदी, निशान-चुकना।

जुहक (صحوکه) जिम पर सब लोग हैं, हास्यास्पद, हास्य।

जुहूर (طور) अ पु—प्रकट, जाहिर होना, उत्पत्ति, पंदाश; आविर्भाव, अवतार।

जुहूद (زهد) अ पु—उद्विग्न-निग्रह, संयम, मनोगुप्ति, मुनि-वृत्ति, पारंगार्ह, परदेजगारी, श्रुतिज्ञ।

जुहद (جهد) अ पु-शक्ति बल ताकत, प्रयत्न, पराक्रम काशिया।

जुहदगिआर (رهدسغار) अ वि-सयमी, दनेन्द्रिय, जितद्रिय सयनेन्द्रिय।

जुहद (رهد) अ स्त्री-एक ग्रह शुक्र।

जुहदजबी (رهدجهمي) अ फा वि-उज्वल लगत गुध भाल सुदरी चद्रमुखी माहर।

जुहद नवा (رهدنوا) अ फा वि-बहुत सुन्दर जीर मधुर स्वरवाली स्था।

जुहदशख (رهدشخ) अ फा वि-द जुहदजबी।

जुहदगमाइल (رهدشاسل) अ वि-जुहदजबी।

जुहद (طهر) अ स्त्री-दापहर की नमाज का वक्त।

जुहदाद (رهداد) अ पु-जाहिल का बहु जाहिल लोग।

जुहहाल (جهال) अ प-जाहिल का बहु जाहिल लोग।

जू

जू (جو) फा स्त्री-नती छानी नती नहर कुश्या, सात, साता चश्मा।

जू (جو) अ उप-वाग व जय म आता है जय-जू माना वरद अयवाग।

जूअ (جوع) अ स्त्री-भूख क्षुधा बुभुक्षा।

जूअलअअ (جوع الارض) अ स्त्री-जमीन की भूख राज वदान का होना।

जूअलअअ (جوع الكلب) अ स्त्री-एक राग जिस पट भग हाने पर भी सारे जग भूखे हाने ह।

जूअलअअ (جوع العنبر) अ स्त्री-एक राग जिगम गिनना नी माया जाय भूख नहा जाती।

जूअ (جوعهون) फा स्त्री-रक्त की नती।

जूअगीर (جوعهون) फा स्त्री-भूख की नहर जा पना गीरी व लिए निवाला चाहता फा।

जूअ (جوع) तु स्त्री-गमू-शु गिरोह।

जूअ अर जूअ (جوعهون) तु फा वि-गु-ने शुद गिगह व गिरह बरुअ अधिक मीद।

जूअसद (جوعهون) अ वि-ने गरीरगारा मिया रागिवाग बध ग्रह जिगगा पर बयागगि है।

जूअबाव (جوعهون) अ पु-यह पुच्छल तारा जिगगी पूंठ पूरब की आर ह।

जूअबाव (جوعهون) अ पु-यह पुच्छल तारा जिगगी पूंठ पश्चिम की आर ह।

जूअ (جو) अ प-जानगीरा बयागगा गगावक बयागगा।

जूअ (جو) अ वि-शीघ्र त्वरित, तुरत, जल्दी।

जूअअसर (رود/سر) फा अ वि-तुरत असर करनवाली जोगधि गीघरारी।

जूअआना (رود/اننا) फा वि-यहुत जल धूल मिल जान वाला जदी दोस्त बन जानेवाला आगुमिब।

जूअखेअ (رود/خه) फा वि-फुर्लीला चुस्तावालाक।

जूअगो (رود/گو) फा वि-जल्द गेर बहनवाला गीघर कवि उपस्थित कवि उपस्थित बवता, आगु कवि।

जूअगोई (رود/گوئی) फा स्त्री-तुरत कविता करन की क्रिया आगु कविता करना।

जूअतर (رود/تر) फा वि-गीघरतर बरुत जल्द।

जूअनबोअ (رود/بوس) फा वि-जल्द लिखनवाला त्वर लेखक।

जूअनबोअ (رود/بوسی) फा स्त्री-जल्द लिखना, त्वर लेखन।

जूअपशोमी (رود/شمان) फा वि-अपनी भूल पर बरुत जन्म पठतानेवाला।

जूअपहम (رود/مهم) फा अ वि-जल्द बात समझ जानवाला गीघरमुद्दि।

जूअबुअ (رود/بود) फा वि-अपार असीम, बरुत अनुक्ति बेजा।

जूअरअ (رود/رأ) फा वि-विगी बात पर ज द बुरा मान जानवाला आगुगप।

जूअरजी (رود/رأی) फा स्त्री-जल्द बुरा मान जान वाग।

जूअरफतार (رود/رفتار) फा वि-नञ चलनेवाला गीघरगामी द्रुतगामी।

जूअरफतारी (رود/رفتاری) फा स्त्री-नञ बरुत गीघर गमन।

जूअरस (رود/رس) फा वि-जो बिगी बात की वरुत तुरत ही पट्टेव जाय कुगाधबुद्दि।

जूअरस (رود/رسی) फा स्त्री-विगी बात की वरुत तुरत गीघर पट्टेव जाना।

जूअसेर (رود/سیر) फा वि-विगी बात म शीघ्र ही उअग जानेवाला जिगगा वेर जल् भर जाय।

जूअसेरी (رود/سیری) फा स्त्री-विगी बात म जल् बरुत जाता जल् वेर भर जाना।

जूअरस (رود/سهم) फा अ वि-गीघर पन जानवाग गाय पनाप रूपु पाव।

जूअरस (رود/سهمی) फा अ स्त्री-गाय पनाप का पन पन जाना।

जूदी (حوی) अ पु—वह पहाड़ जिस पर हज़रत नूह की किरती जाकर ठहरी थी।

जूदी (زودی) फा स्त्री—शीघ्रता, जल्दी।

जूनाब (دوناب) अ पु—फाड़ खानेवाले दरिदे, श्वापद, व्याघ्र, हिंसक प्राणी।

जूफा (زوما) फा पुं—एक घास जो दवा में काम आती है।

जूफूनून (دوفونون) अ वि.—बहुत-से हुनर जाननवाला, बहुगुना, वेत्ता।

जूवहून (دووسرین) अ वि.—वह शेर जो दो वहो में पड़ा जा सके।

जूमा'ना (دومعنی) अ वि.—वह शब्द, वाक्य या शेर जिसके दो अर्थ हों।

जूमानी (دومعنی) अ वि.—दे 'जूमा'ना' दोनों शुद्ध हं।

जूर (زور) फा. पु.—छल, कपट, फिरव।

जूरोमक (زورومکر) फा अ पु.—छल और कपट, वचकता और ठगी।

जूलां (حوال) फा. स्त्री—जूलान का लघु, दे 'जूलन'।

जूलान (حوال) फा स्त्री.—यह जजीर जो बरियों को पहनायी जाती है, वेडी।

जूलुवाव (ذولداب) अ वि.—बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमंद।

जे

जेव (دئب) अ. पुं—भेड़िया, वृक।

जेव (جیب) अ स्त्री—यह थैली जो कुर्ता या अचकन आदि में रख्या आदि रखने की होती है, पाकेट, खलीता।

जेवखर्च (حیباخرچ) अ फा पु—यह खर्च जो खाने-पीने के अतिरिक्त दूसरे निजी कामों के लिए हो।

जेवतराश (حیبتراش) अ फा वि—जेव काटनेवाला, गिरहकट, ग्रथि-मोचक, ग्रथिच्छेदक, पाकेटमार।

जेवतराशी (حیبتراشی) अ फा स्त्री—जेव काटना, गिरहकटी करना, पाकेटमारी।

जेवा (زیبا) फा वि—सुन्दर, मनोरम, मनोज्ञ, दिलकश, शोभनीय, श्रीमान्, वारीनक, ललित, सूक्ष्म, लतीफ।

जेवाअंदाज (زیباندایم) फा वि—सुडौल और सुन्दर शरीरवाला (वाली) शोभनाग, शोभनागना।

जेवाइश (زیبائش) फा स्त्री—सज्जा, शृंगार, सजावट।

जेवाई (زیبائی) फा स्त्री—दे 'जेवाइश'।

जेवाकामत (زیباکامت) फा अ वि—दे 'जेवा-कामत'।

जेवाकामती (زیباکامتی) फा अ स्त्री—शरीर का साँचे में ढला होना, अंगसौष्टव।

जेवातलुअत (دیبه'اطلمت) फा अ वि—जिसकी मुखाकृति अत्यन्त सुन्दर हो, ललित काता।

जेवारू (زیبارو) फा वि—जिसका चेह्ला-मोह्ला बहुत ही सुन्दर और प्यारा हो।

जेवाशमाइल (زیباشائیل) फा अ. वि.—जिसका स्वभाव बहुत ही सुन्दर और सुशील हो।

जेवोद: (زیبند) फा वि—अच्छा लगनेवाला, छजनेवाला, शोभा देनेवाला।

जेवोद: (زیبید) फा वि—सुशोभित, ललित, सुन्दर।

जेवोदनी (زیبیدنی) फा वि—छजने योग्य, शोभा देने योग्य।

जेवोजीनत (زیبوزینت) फा अ. स्त्री—वनाव-सिगार, वेशभूषा, ठाट-वाट, शृंगार और सजावट।

जेवोजेन (زیبوزین) फा अ स्त्री—दे 'जेवोजीनत'।

जेरंदाज (زیرانداز) फा. पु—किसी चीज की हिफाजत के लिए उसके नीचे बिछाया जानेवाला कपडा, कालीन, फर्श।

जेर (زیر) फा वि—उर्दू में 'इ' की मात्रा (ِ), निम्न, नीचे; निर्बल, नाताकत; परास्त, पराजित, मग्लूब, नि सहाय, निराश्रय, बेकस, अधीन, तावे'।

जेरअंदाज (زیرانداز) फा पु.—दे 'जेरदाज', शुद्ध उच्चारण वही है।

जेरअफगन (زیرافگن) फा पु—दे 'जेरफगन', अधिक शुद्ध उच्चारण वही है।

जेरचाक (زیرچاق) फा. वि—अधीन, तावे'दार; जिसे गुदा मथुन कराने का व्यसन हो, कोनी।

जेरजाम: (زیروحمیه) फा पु—कमर से नीचे पहनने का कपडा, अधोवस्त्र, वह कपडा जो जीन के नीचे घोड़े की पीठ पर डाला जाता है।

जेरदस्त (زیردست) फा वि—अधीन, वशीभूत, तावे'; दीन, दुखी, असहाय।

जेरदस्ती (زیردستی) फा स्त्री—अधीनता, मातहतती; दीनता, नि सहायता।

जेरफगन (زیرافگن) फा पु—दरी, तोशक, भैरव राग।

जेरवंद (زیربند) फा पु—घोड़े के पेट पर कसा जानेवाला तस्मा।

जेरवार (زیربار) फा वि—जो बोज के नीचे दवा हो, ऋणी, कर्जदार, आभारी, एहसानमद।

जेरवारी (زیرباری) फा स्त्री—कजं का बोज, ऋणभार, एहसान का बोज, कृतज्ञता।

जेरा (زیرا) फा अव्य—क्योंकि, किसलिए, इसलिए।

जेराव (زیراو) फा स्त्री—जमीदोज नाली, जमीन के अदर के नल।

अरों (अरों) पा वि-निम्नगन नीचेवाला।
 अरेअसर (अरअसर) पा अ वि-जो किमी के प्रभाव में
 हा जो किमी के अधीन हा।
 अरेआब (अरअब) पा वि-वह जमीन जो पानी में डूब
 गयी हो पानी के भातर।
 अरेआस्मा (अरअस्मा) पा वि-आकाश के नीचे अयात
 मारे मसार में।
 अरेइस्तेमाल (अरअस्तेमाल) पा अ वि-प्रयाग जा रही
 हूँ वस्तु धवन की जानेवाली जापधि।
 अरेकदम (अरअकदम) पा अ वि-पाव के तले सुगम
 महल।
 अरेखाव (अरअखाव) पा वि-मिट्टी के भीतर अर्थात्
 कत्र म।
 अरेपीर (अरअपीर) पा अ वि-जिम पर गौर हा रहा हा
 विचारातीन।
 अरेतज्बीद (अरअतज्बीद) पा अ वि-जिम पर नियय के
 लिए विचार किया जा रहा हो निययाधान।
 अरेतकीद (अरअतकीद) पा अ वि-जिम पर आलोचना
 लिखी जा रही हो।
 अरेतस्नीफ (अरअतस्नीफ) पा अ वि-जिसकी रचना
 की जा रही हो।
 अरेतामार (अरअतामार) पा अ वि-जो बनाया जा रहा
 हा जिमका निर्माण हा रहा हा।
 अरेतालीफ (अरअतालीफ) पा अ वि-जिमका सपादन
 हा रहा हा जा लिखा जा रहा हा।
 अरेतगी (अरअतगी) पा वि-सामनाधीन मातहत दग
 या प्रणेग।
 अरेताफ (अरअताफ) पा पु-उपस्थ कर्त्ति त्वा पेन।
 अरेतक (अरअतक) पा अ वि-जिम पर किमा काम की
 मरक को जाय अर्थत हाथ साफ किया जाय एसा व्यक्ति
 जो किमी विवगता के कारण किमा का हर एक काम करने
 को बाध्य हा वह लका जिमका किमा पुण्य क साथ
 अप्रावृत्तिक सम्बन्ध हा।
 अरेतरा (अरअतरा) पा वि-रान क नाच काबू म सगामी म।
 अरेलब (अरअलब) पा वि-आग में वह वात जा आग
 ओठा म हो।
 अरेमाव (अरअमाव) पा वि-किमा का आश्रित किमी
 की छत्रछाया में।
 अरेहकूमत (अरअहकूमत) पा अ वि-अरेतगा।
 अरोअवर (अरअरोअवर) पा वि-नाउ ऊपर उयल्ल-मुयल्ल
 अस्त-व्यस्त।

अरोआला (अरअरोआला) पा वि-अरेतगा।
 अरो (अरअरो) पा पु-पारा, सीमाव।
 अरो (अरअरो) पा पु-आभूषण, आभरण भूषण अलवार
 गहना।
 अरोरात (अरअरोरात) पा पु-अवर का बहु बहाने
 आभूषण गहने।
 अरो (अरअरो) अ पु-प्रतिभा तन्वाई बुद्धि समन
 स्मरण गति यागान्त।
 अरोहीयत (अरअहीयत) अ स्त्री-धारणा विचार प्रति
 स्वभाव।
 अरोहेस्ता (अरअरोहेस्ता) अ पा पु-वात की तह का पहुवन
 वाला जहन।
 अरोहीर (अरअरोहीर) पा पु-वह जगूठी जो तीर चगनवाते
 उंगली की रखा क लिए पहनत ह।

अ

अअ (अअ) अ स्त्री-नण्ट हाना व्यापार, उद्योग
 खेती की भूमि।
 अअ (अअ) अ पु-नण्ट होना मरना।
 अअम (अअम) अ पु-व्याघ्र सिंह गर।
 अअमशिकार (अरअमशिकार) अ पा वि-मिह का शिकार
 करनवाला बहुत बहादुर।
 अअ (अअ) अ पु-अनून।
 अअतून (अरअतून) अ पु-एक प्रमिद वीन जिसका तल
 निकलता है और दवा में काम आता है उन बीजा का तल।
 अअ (अअ) अ पु-अमुक व्यक्ति के लिए व्यवहृत राद।
 अअदी (अरअदी) अ वि-पिजा का एक वश।
 अअन (अरअन) अ स्त्री-सज्जा शृंगार सजावट।
 अअनब (अरअनब) अ स्त्री-हृषत इमाम हुसन की बहुत
 जिहाने उनकी गहावत क परचाय बडी धारता से यकी
 क गानन का बुराईया का पनाफाग किया हा।
 अअफ (अअफ) अ पु-आगनुक अतिथि भटमान।
 अअफ (अरअफ) अ पु-स्वया या अजरफी का साटापन।
 अअव (अरअव) कुन या अचकन जादि का गला गिरीवाल।
 अअयान (अरअयान) अ पु-अगी चमली गहन, मधु।
 अअयिद (अरअयिद) अ वि-धूरधर प्रचड बहुत बग (विगत)
 खरा अछा जा छोटा न हो।
 अअल (अरअल) अ पु-शामन कुतें आनि का नीचे लटवने
 वाग भाग निम्न नीच।
 अअलदार (अरअलदार) अ पा पु-एक निम्न काटि का राग
 नमचारी।

जेली (جیلی) अ. वि.—जुफ़ली, जो किसी के साथ हो।
जेश (جیش) अ पु.—सेना, फौज; हांडी का उवाल;
हृदय का वेग।
जेशे मलाइकः (جیش ملائکہ) अ पु.—फिरिस्तो की सेना,
देवताओं की फौज।
जैहून (جیحون) अ पु.—मध्य एशिया की एक नदी जो
'बलख' के किनारे बहती है।

जो

जोईदः (جوئیدہ) फा. वि.—डूँढनेवाला, तलाश करनेवाला,
खोजी, जिज्ञासु।
जोईदः (جوئیدہ) फा. वि.—डूँढा हुआ, खोजा हुआ।
जोईदनी (جوئیدنی) फा. वि.—डूँढने योग्य, खोजने लाइक।
जोगन (جوغن) फा. स्त्री—ओखली, उलूसल।
जो'फ (ضعف) अ पु.—निर्वलता, कमजोरी, बीमारी की
कमजोरी; दीनता, बेकसी।
जो'फे आ'साव (ضعف اعصاب) अ पु.—शरीर के पट्टों
की कमजोरी।
जो'फे इश्तिहा (ضعف اشتہا) अ पु.—भूख की कमी,
मदाग्नि।
जो'फे एतिकाद (ضعف اعتقاد) अ पु.—आस्था या एति-
काद की कमी, निष्ठायाद्य।
जो'फे कल्ब (ضعف قلب) अ पु.—दिल की कमजोरी,
हृदय-दीर्बल्य।
जो'फे जिगर (ضعف جگر) अ फा पु.—एक रोग जिसमें
यकृत अपना कर्तव्य पूरे तौर पर पूरा नहीं करता।
जो'फे दिमाग (ضعف دماغ) अ पु.—स्मरण-शक्ति की
कमी, समझ-बूझ की कमी।
जो'फे दिल (ضعف دل) अ फा पु.—दे 'जो'फे कल्ब'।
जो'फे नजर (ضعف نظر) अ पु.—दृष्टि की कमजोरी, कम
दिखाई पडना, नेत्र-दुर्बलता।
जो'फे बसर (ضعف بصر) अ पु.—दे 'जो'फे नजर'।
जो'फे बसारत (ضعف بصارت) अ पु.—दे 'जो'फे नजर'।
जो'फे बाह (ضعف باہ) अ फा पु.—काम शक्ति में कमी,
काम-दीर्बल्य।
जो'फे मसान. (ضعف مٹانہ) अ पु.—मूत्राशय की नसों की
शिथिलता, जिससे पेशाब जल्दी-जल्दी होता है।
जो'फे मे'दः (ضعف معدہ) अ पु.—पाचन-शक्ति की कमी,
मदाग्नि, अग्निमाद्य।
जो'फे हाजिमः (ضعف ہاضمہ) अ पु.—अग्निमाद्य, पाचन-
शक्ति में कमी।

जो'फे हाफिजः (ضعف حافظہ) अ. पु.—स्मरण-शक्ति
की कमी।
जो'म (زعم) अ पु.—धारणा, गुमान, छयाल, अहंकार,
अभिमान, घमंड।
जो'मे वातिल (زعم باطل) अ पु.—गलत गुमान, कुधारणा,
झूठा घमंड।
जोयां (حوياں) फा. वि.—डूँढता हुआ, तलाश करता हुआ।
जोया (حويا) फा. वि.—डूँढनेवाला, खोजी।
जोयानीदः (حويانیدہ) फा. वि.—डूँढवाया हुआ।
जोर (زور) फा. पु.—बल, शक्ति, ताकत; वज, बस,
काबू, प्रयत्न, कोशिश, अनीति, अत्याचार, जवर्दस्ती,
आश्रय, सहारा, प्रबलता, प्रचंडता, तेजी, धाक, रोव।
जोरआस्मा (زور آسما) फा. वि.—जोर दिखानेवाला,
मुकाबला करनेवाला, युद्ध करनेवाला, लड़नेवाला।
जोरआस्माई (زور آسمائی) फा. स्त्री—मुकाबला करना,
लड़ना।
जोरआवर (زور آور) फा. वि.—शक्तिशाली, बलवान्, ताकतवर।
जोरआवरी (زور آوری) फा. स्त्री—बलवत्ता, ताकतवरी।
जोरदार (زور دار) फा. वि.—शक्तिशाली, ताकतवर, प्रचंड,
तेज, जोशीला, आवेगपूर्ण, महत्त्वपूर्ण।
जोरमंद (زور مند) फा. वि.—शक्तिशाली, जोरावर।
जोरमंदी (زور مندی) फा. स्त्री.—शक्तिशालिता, ताकत-
वरी।
जोरशिकन (زور شکن) फा. वि.—जोर तोड़नेवाला, दमन
करनेवाला।
जोरशिकनी (زور شکنی) फा. स्त्री—जोर तोड़ना, दमन
करना।
जोरेबाजू (زور بارو) फा. पु.—बाहुबल, अपना परिश्रम, स्वयं
अपना प्रयास।
जोरेशोर (زور و شور) फा. पु.—कोलाहल, शोरगुल, धूम-
धाम, तीव्रता, तेजी, उत्साह, हौसला।
जोलः (جولہ) फा. पु.—कपडा बिननेवाला, मकड़ी, लूता।
जोल (جول) फा. पु.—वन, जंगल, चटियल मैदान, बियावान।
जोलीदः (ژولیدہ) फा. वि.—उलझा हुआ, गुजलक, अस्त-
व्यस्त, तितर-वितर।
जोलीद.बयाँ (ژولیدہ بیاں) फा. वि.—उलझी-उलझी वाते
करनेवाला, अनर्गल भापी, बेतुकी वाते करनेवाला।
जोलीद.बयानी (ژولیدہ بیانی) फा. अ. स्त्री—उलझी-
उलझी वाते करना, व्यर्थ की वाते करना, बेतुकी वाते।
जोलीद.मू (ژولیدہ مو) फा. वि.—उलझे हुए वालीवाला,
व्यस्तकेश।

जालीद मूर्ई (رواندی موری) का स्त्री-वाल उल्ह हाना।
जोलीदहाल (رواندی حال) का अ वि-उदाग्रस्त फटे हाला।

जोलीदहानी (رواندی عالی) का अ स्त्री-उदाग्र फटे हाला हाना।

जोग (حوش) का पु-जावग जार उपान उवाल उमग उमाह उतेजना इतिआन, तात्रता तंजी फ्राव गुम्मा।

जोगवन (حوش ور) का वि-जाग मारनेवाला उपनता ह्या उवन्ता हुआ।

जागवनी (حوش रسی) का स्त्री-जाग मारना उवाल जाना।

जोगन (حوش) का पु-नवच बिरिह भुजव कयूर अण बाजय।

जोगनबद (حوش بند) का वि-नवचधारी निरिहपाग।

जोगा (حوشان) का नि-जाग मागता हुआ उबलता हुआ।

जागाद (حوسانده) का पु-नवाय बाग बीरी हुई त्वाजा का पानी।

जोगानी (حوسانده) का वि-बीरिया हुआ उवाग हुआ।

जोगिय (حوش) का स्त्री-उवाग उवान तीरता जाग।

जागियदहन (حوش دهن) का स्त्री-मु-आ जान का राग मुर्नी।

जोगी (حوسوله) का वि-बीग हुआ जागथोया हुआ।

जोगीदनी (حوسولنی) का वि-बीगन व माग उवागन व गदह।

जोगप्रह (حوش اسك) का प-अमुअ का जाग रोत का वग।

जागदह (حوش عن) का अ प-प्रमाग मुन्वन का जाग।

जागदह (حوش حو) का प-गन का जाग मागान की मन्वन गन का विगाग त्वाताप।

जोगदह (حوش لغب) का अ प-गन का जाग वगवग।

जोगदह (حوش لیب) का अ प-जागदह।

जोगदह (حوش خلون) का अ प-उमा और पन्ना का जाग।

जोगदह (حوش و حوش) का प-जाग-जाग पुप पाग उमाग उमग आग ताग।

जोहीद (زوهید) का वि-वपा के वेग स टपा ह्द छन जागि।

जो

जो (حو) का पु-एक प्रमिद अन्न यव।
जो (صو) अ स्त्री-प्रवाग आभा रोगनी चमद-दमर गाभा छटा।

जोआन (حوان) अ वि-शुधानुर बहू भूला जगानि।
जोअ (دوق) अ पु-म्वा मत्रा रमानुभव गुड र्ना आन ह्य रमिक्ता मडाव रचि गौह।

जोआनी (دوق ارس) अ का वि-डोकपदा करनवाला।
जोकेर (د شعير) अ पु-नवाय रमिक्ता गहूपा कविता करने वा समझने का गौह।

जोकेसलीम (دوسلیم) अ पु-गुड रमिक्ता बाय ममता का गुडता।

जोकेसुखन (دوق سخص) अ का पु-जे 'जोकेरे'।

जोकोव (حوکوب) का वि-दगरा बुटा हुआ, मा' बुटा हुआ जगम दरदरापन हो।

जोकोगी (دسرسوق) अ पु-पूरी रचि और रमिक्ता।
जोके (روحه) अ स्त्री-गनी भाया अघागिनी, गहिनी जाग जापा।

जोके (روح) अ पु-पति स्वामी, गावि, वह सखा जे ग से बट जाय तम युगल युग जाग।

जोके (حو) अ पु-अगरा अगा।

जोकेसानी (روحه سانی) अ स्त्री-दूगारा ग्याता पना दमरा स्त्री नवी स्त्री।

जोकेन (حورون) का पु-अभिचार जादूगर।

जोकेबोया (حو بویا) अ का पु-जायत जागिगा जातापत।

जोकेमामिल (حور مائل) अ प-पतूरा पतूर।

जोकेर (حورر) अ प-नाग गाव का बटता।

जोके (حورا) अ प-मिचन रागि तागरा बुह।

जोकेयत (روحیه) अ स्त्री-गोपन पतिर जागता स्त्रीर।

जोकेन (روحون) अ प-पति और पनी दाता दगनी जावानी मिपा-बारा।

जोके (حود) अ प-अग उग अस्था कगुने जे की वरा दागाता।

जोके (حود) अ स्त्री-गुताता गरी अग उग मागिना।

जोकेबख (حود بلیخ) अ स्त्री-अभार का मत्रिना।

जौपाश (ضواس) अ. फा वि—रौशनी फैलानेवाला अर्थात् ज्योतिर्मय, द्युतिमान।

जौपाशी (ضواسی) अ. फा स्त्री—रौशनी फैलाना, जगमगा देना।

जौफ (حوف) अ. पु—भीतर का खाली भाग, पेट, उदर।

जौफरोश (حوفروش) फा वि—जौ वेचनेवाला।

जौफिगन (ضوفگن) अ. फा वि—दे 'जौपाश'।

जौफिशां (صوفسان) अ. फा वि—दे 'जौफिगन'।

जौवअ: (زوعه) अ. पु—वगूला, ववडर, वातावर्त, वातचक्र।

जौवजौ (حوصه) फा वि—सपूर्ण, समग्र, पूरा।

जौवान (ذوبان) अ. पु—पिघलना, द्रवण।

जौवार (صوبار) अ. फा वि—दे 'जौपाश'।

जौर (حور) अ. पु—अत्याचार, अनीति, जुल्म।

जौरक (زورق) अ. पु—छोटी नाव, नौका, कन्ती।

जौरव (حورب) अ. पु—जुराव, मोजा।

जौरवेजा (حورےجا) अ. फा पु—अकारण और अनुचित अत्याचार।

जौरवेहद (حورےحد) अ. फा पु—बहुत अधिक अत्याचार।

जौलकी (حولقی) अ. स्त्री—साधुओं की कमली।

जौलां (حوال) अ. पु—घोड़े को कावा देना, घोड़े को फिराना, दौड़ना, फिरना।

जौलांगाह (حوالگاه) अ. फा स्त्री—घोड़े के दौड़ाने का मैदान, दौड़ने का मैदान।

जौलानी (جولانی) अ. स्त्री—घोड़ा, अश्व, शराव का पियाला, तेजी, फुर्ती, मनोविनोद।

जौश (حوش) अ. पु—वक्षस्थल, सीना, आधी रात।

जौशन (حوشن) अ. पु—कवच, जिरिह।

जौसंग (حوسنگ) फा वि—एक जौ के बराबर वजन।

जौसक (حوسق) अ. पु—प्रासाद, भवन, महल।

जौहर (حوهر) अ. पु—गुण, सिफत, दक्षता, होशियारी, सार, सत, रत्न, मणि, कला, फन, धर्म, खासियत, वे वारीक धारियाँ जो अच्छी तलवार पर होती हैं।

जौहरदार (حوهردار) अ. फा वि—गुणी, हुनरमद; वह खरी तलवार जिस पर जौहर हो।

जौहर नाशनास (حوهرناشناس) अ. फा वि—जो गुण को न पहचान सके।

जौहरनास (حوهرشناس) अ. फा. वि—जो गुण को पहचानता हो; गुण-ग्राहक।

जौहरी (حوهری) अ. वि—रत्न वेचनेवाला, मणिकार।

जौहरेअदेश: (حوهراदेशه) अ. फा पु—कल्पना शक्ति की सूक्ष्मता।

जौहरेआईन: (حوهراآئینه) अ. फा पु—दर्पण पर पडी हुई धारियाँ, (जव दर्पण लोहे का होता था)।

जौहरेफद (حوهرفرد) अ. पु—वह सूक्ष्म कण जिसके खंड न हो सके।

जौहरेलतीफ (حوهرلطیف) अ. पु—किसी पदार्थ का असली सत, खालिस जौहर।

जौहरेशम्शीर (حوهرشمشیر) अ. फा पु—तलवार पर पडी हुई वारीक लहरे, जो अच्छे लोहे की अलामत हैं।

त

तंग: (تنگه) तु पु—चालू सिक्का, वह मुद्रा जिसका लेन-देन हो।

तंग (تنگ) फा वि—सकीर्ण, सकुचित, कोताह, अल्प, न्यून, थोड़ा, कम, दरिद्र, कगाल, दीन, दुखी, वेवस, आजिज, परेशान, क्लेशग्रस्त, मुसीबत का मारा, दुष्कर, मुष्किल, अपर्याप्त, नाकाफी, (पु) जीन कसने का तस्मा।

तंगऐश (تنگ عیش) फा अ. वि—दरिद्र, कंगाल; दुःखित, खस्ता हाल, जिसे जीवन दूभर हो।

तंगऐशी (تنگ عیشی) फा अ. स्त्री—दरिद्रता, कंगाली; दुःख, दीनता, खस्तगी, जीवन दूभर होना।

तंगखयाल (تنگ خیال) फा अ. वि—अनुदार, सकीर्ण-चित्त, लघुचेता, तग नजर, धर्मांध, मृतअस्सिव।

तंगखयाली (تنگ خیالی) अ. फा स्त्री—अनुदारता, तग नजरी, धर्मांधता, तअस्सुव।

तंगचश्म (تنگ چشم) फा अ. वि—कृपण, कजूस, नीच प्रकृति, कमीना।

तंगचश्मी (تنگ چشمی) फा अ. स्त्री—कृपणता, कजूसी, प्रकृति की नीचता, कमीनापन।

तंगजफ़ (تنگ ظرف) फा अ. वि—छोटे वर्तनवाला, सकीर्ण पात्र, छोटे हृदयवाला, अनुदार, नीच, कमीना।

तंगजफ़ी (تنگ ظرفی) फा अ. स्त्री—वरतन की छोटाई, हृदय की छोटाई, नीचता।

तंगजीस्त (تنگ زیست) फा वि—दे 'तंगऐश'।

तंगतलबी (تنگ طلبی) फा अ. स्त्री—इस प्रकार माँगना कि देनवाला परेशान हो जाय, जिद करके माँगना।

तंगताव (تنگ تاب) फा वि—अशक्त, बलहीन।

तंगताबी (تنگ تابی) फा स्त्री—अशक्ति, बलहीनता।

तगदस्त (تنگ دست) फा वि—जिसका हाथ खाली हो, जिसके पास धन न हो, निर्धन, कगाल।

तंगदस्ती (تنگ دستی) फा स्त्री—हाथ खाली होना, अर्थात् निर्धनता, कंगाली।

तगवहन (تگ‌دهن) फा वि-जिसका मुह छोटा हा, कल्कामुस, गुज देहन।
 तगवहनी (تگ‌دهنی) फा स्त्री-मुह का कली की भांति छाटा होना।
 तगदिल (تگ‌دل) फा वि-बुझलिया, कृपण कजूस अनुदार जो खुले दिमाग का न हा जाटा कमीना तुच्छ, जिसमें मजहनी तग खयाली हा, कूप-मडूक।
 तगदिली (تگ‌دلی) फा स्त्री-बुझदिलापन अनौदाय, जोटापन धर्माघता।
 तगनजर (تگ‌نظر) फा अ वि-मकुचित दष्टि अनुदार मुतअस्सिब धर्मांध।
 तगनजरी (تگ‌نظری) फा अ स्त्री-दष्टि सक्वोच अनुदारता धर्मांधता तअस्सुब।
 तगनाए (تگ‌ناے) फा पु-तग जोर मकुचित स्थान समाधि क्रूर, तग गली साथी।
 तगपोश (تگ‌پوش) फा वि-चुस्त कपडे पहनने का शौकीन या पहननेवाला।
 तगपोशी (تگ‌پوشی) फा स्त्री-चुस्त कपडे पहनने का शौक।
 तगफूसत (تگ‌فوسٹ) फा अ वि-अबवाशहीन जिसके पास समय कम हा।
 तगफूसती (تگ‌فوسٹی) फा अ स्त्री-अबवाशहीनता समय की कमी।
 तगबहत (تگ‌بھٹ) फा वि-माभाय हतभाग्य, बर्किस्मत।
 तगबहती (تگ‌بھٹی) फा स्त्री-भाग्य की मदता बर्किस्मती।
 तगबार (تگ‌بار) फा वि-वह व्यक्ति जिसके पास हर कोई न जा सने वह स्थान जहाँ हर किसी की पहुंच न हा।
 तगबारी (تگ‌باری) फा स्त्री-विनी की रसाई और पहुंच न होना।
 तगमआग (تگ‌معاش) फा अ वि-निधन बगाल मद जीविका कम आमानीवाला।
 तगमआगी (تگ‌معاشی) फा अ स्त्री-निधनता जीविका की कमी।
 तगमाय (تگ‌مائے) फा वि-निधन बगाल अघम नाच कपइल्म विद्याहान।
 तगमायगी (تگ‌مائی) फा स्त्री-निधनता अघमना विद्वता की कमी।
 तगसार (تگ‌سار) फा वि-बुझि की कमी।
 तगसाल (تگ‌سال) फा वि-जुमिग इहन।

तगबखी (تگ‌بوری) फा स्त्री-मितव्यय, पसअगडा।
 तगहाल (تگ‌حال) फा अ वि-जुशाप्रसल दवाह हाल निधन, बगाल।
 तगहाली (تگ‌حالی) फा अ स्त्री-जुशा निधनता।
 तगहौसल (تگ‌حوصلہ) फा अ वि-मनामाह पल हिम्मत।
 तगहौसलगी (تگ‌حوصلگی) फा अ स्त्री-जुशाहाव पस्तहौसगी।
 तगार (تگ‌ار) फा पु-मुहागा एक दवा।
 तगिएजा (تگ‌یجا) फा स्त्री-जगह की तगी, स्थान की सक्वीणता।
 तगिएमआश (تگ‌معاش) फा अ स्त्री-जीविका का कमी धन की कमी।
 तगिएरिक्क (تگ‌ریقک) फा अ स्त्री-अनकष्ट र की कमी।
 तगिएरोजगार (تگ‌روجر) फा स्त्री-कालचक्र फि का फेर, गन्ध।
 तगी (تگی) फा स्त्री-न्यूनता कमी सक्वीणता वागह क्लेश कष्ट मुमीवत दरिद्रता, बगाली, कृपण कजूसी कठिनता मुक्विल।
 तगुज (تگ‌جور) तु पु-गूकर बराह सुअर।
 तज (تجر) अ स्त्री-व्यग ताना कटाश।
 तजआमेज (تجر‌امعز) अ फा वि-व्यगपूण तजि दे तजामज वह अधिक दुद्ध है।
 तजान (تجراً) अ वि-व्यग के रूप में, तज के तौर पर।
 तजनियार (تج‌نویار) अ फा वि-व्यगपूण लस न्हि वान।
 तजनियारी (تج‌نویاری) अ फा स्त्री-व्यगपूण लस लियन तजामेज (تجر‌امعز) अ फा वि-व्यगपूण तज भर्रा हुआ तजिय (تج‌ری) अ वि-व्यगपूण तजवाला।
 तजौम (تج‌وم) अ स्त्री-प्रवध बदावस्त, विनी द समुनाय अबवा मस्या की विनी विनेप काय के लिए निर्ति करना सघटन निर्माण बनाना।
 तजौम (تج‌وم) अ स्त्री-ग्रहा आदि की दगा शात बल ज्यातिप नजूम।
 तजौय (تج‌ری) अ वि-व्यगपूण तजआमेज।
 तजौयात (تج‌ریات) अ स्त्री-व्यगपूण रचनाअ का सघ व्यगपूण वाते।
 तजोर (تج‌ور) अ स्त्री-डराना त्रानना भात बनना।
 तजौल (تج‌ول) अ स्त्री-नीच उतागना आवागना इल्मअ कुरान।

तंजीस (تنجيس) अ स्त्री—अपवित्र करना, गदा करना।
तंजीह (تنزيه) अ. स्त्री—शुद्ध करना, पवित्र करना, दोष-
रहित करना।

तंतनः (طنطنه) अ पु—आतक, रोव, कोप, रोष, गुस्सा,
अभिमान, घमड़, गुरुर, आनवान, धाक।

तदूर (تادور) उ पु—दे गु. शब्द 'तन्नूर'।

तंवाकू (تسكوكو) फा पु—एक प्रसिद्ध पत्ती जिसका धुआँ
पिया जाता है, तमाकू, तमाकू।

तवाकूनीश (تسكوكونوش) फा वि—तमाकू पीनेवाला।

तवाकूफरोश (تسكوكوفروش) फा वि—तमाकू बेचनेवाला।

तंबीक (تنديق) अ स्त्री—लिखना, लेखन।

तंबीत (تندیت) अ स्त्री—उत्पादन, उगाना, जमाना।

तंबीह (تندیه) अ स्त्री—चेतावनी, प्रवोध, आगाही,
भर्त्सना, तर्जन, डाँट-डपट, हलकी, सजा, ताकीद,
सखती।

तंबीहन (تندیهها) अ वि—तंबीह के तौर पर, चेतावनी, डाँट,
सजा या ताकीद के तौर पर।

तंबुल (تلل) फा वि—काहिल, आलसी; बहुत मोटा,
फफफस।

तंबुली (تنبلی) फा स्त्री—आलस, काहिली, बहुत अधिक
मुटापा, फफफसपन।

तंबूरः (تندور) फा पु—एक तारवाला बाजा, जिसमें नीचे
की ओर तुबी होती है।

तंबूर (تندور) फा पु—दे 'तंबूरा'।

तंबूरची (تندورچی) फा तु वि—तंबूरा बजानेवाला।

तंसीक (تندیق) अ स्त्री—प्रवध करना, इतिजाम करना;
कमबद्ध करना, तर्तीव देना।

तंसीख (تندیخ) अ स्त्री—मसूख करना, रद्द करना,
निरसन।

तंसीफ (تندیف) अ स्त्री—आधा-आधा करना, दो बराबर
भाग करना।

तंसीम (تندیم) अ स्त्री—साँस लेना, दम खीचना।

तंअक्कुद (تندقد) अ पु—बँधा होना, अलग रखना।

तंअक्कुव (تندقب) अ पु—पीछे जाना, पीछा करना।

तंअक्कल (تندقل) अ पु—समझना, सोचना, विचार करना,
गौर करना।

तंअक्कुल (تندقل) अ पु—खाना, खान।

तंअख़र (تندخر) अ पु—पीछे होना; देर होना।

तंअरज़ी (تندازی) अ स्त्री—कण्ट पाना, क्लेश पाना, खिन्न
होना, मलिन होना।

तंअज्जुव (تندجب) अ पु—आश्चर्य, विस्मय, हैरत।

तंअज्जुवअगोज़ (تندجب انگیر) अ फा वि—आश्चर्यजनक,
अचभे में डालनेवाली बात।

तंअज्जुवख़ेज़ (تندجب خیر) अ फा. वि—दे 'तंअज्जुव
अगोज़'।

तंअज्जुवनाक (تندجب نای) अ फा वि—दे 'तंअज्जुव
अगोज़'।

तंअज्जुम (تندجم) अ पु—पूज्य होना, वृज्जग होना।

तंअज्जुर (تندجر) अ पु—काम में अडचन पडना, बाधा,
विघ्न, उज्ज करना, विवशता प्रकट करना।

तंअत्तुफ (تندطف) अ पु—कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरबानी।

तंअत्तुर (تندطر) अ. पु—सुगंधित होना, महकना।

तंअत्तुल (تندطل) अ पु—निठल्लापन, बेकारी, गत्यवरोध,
डेडलाक।

तंअत्तुश (تندطش) अ पु—पियासा होना, पियासा, प्यास।

तंअद्दा (تندد) अ पु—दे 'तंअद्दी'।

तंअद्दी (تنددی) अ स्त्री—अत्याचार, अनीति, जुल्म।

तंअद्दुद (تنددد) अ पु—गिनना, गिनती करना, नियम या
हिसाब से अधिक होना।

तंअन्नी (تندی) अ स्त्री—विलम्ब, ढील, टाल मटोल।

तंअन्नी (تندی) अ स्त्री—दु खित होना, शोक करना।

तंअन्नुत (تندت) अ पु—निदा, गहर्हा, ऐबजोई।

तंअन्नुद (تنددد) अ पु—शत्रुता करना, लडाई ठानना,
कलह, लडाई।

तंअन्नुफ (تندف) अ पु—निन्दा करना, सखती करना।

तंअन्नुस (تندس) अ पु—प्रेम होना, मुहब्बत होना, आदत
होना, टेव पडना।

तंअप्फुन (تندفن) अ पु—सडाँध, गदगी, दुर्गंध।

तंअप्फुफ (تندفف) अ पु—सयम, इद्रियनिग्रह, पारसाई।

तंअव (تندب) अ पु—परिश्रम, मेहनत, दु ख, तकलीफ;
क्लाति, थकावट।

तंअव्वुद (تنددد) अ पु—उपासना करना, उपासना, पूजा।

तंअम्मुक (تندمق) अ पु—किसी बात की तह तक पहुँचने
के लिए चिन्तन करना।

तंअम्मुल (تندمل) अ पु—विचार, सोच, गौर; विलम्ब,
ढील, वक्फ, शका, अदेशा, भ्रम, संदेह, गुव्हा, सकोच,
असमजस, पसोपेश।

तंअम्मुल (تندمل) अ पु—कार्यान्वित होना, अमलीजामा
पहनना, अमल में आना।

तंअय्युन (تندین) अ पु—निश्चय करना, ठहराना; एक
मिक्दार मुकरर करना, नियुक्ति, तैनाती; अस्तित्व,
हस्ती।

तअय्युनात (تعينات) अ पु - तअय्युन का बहु, हस्तिया।
तअय्युश (تعيش) अ पु - भोग विलास, एशोइशत
गुलछर उडाना मजे करना।

तअय्युशात (تعينات) अ पु - 'तअय्युन' का बहु, भाग
विलास इद्रियसुख।

तअरौ (تعري) अ स्त्री - नग्न होना नगा होना।

तअरब (تعرب) अ पु - सामने होना घटित होना
रोक विरोध।

तअरफ (تعرف) अ पु - जान-पहचान दूटना पूछना।

तअल्ली (تعلى) अ पु - टीग क्षेत्री अत्युक्ति, मुवाल्गा।

तअल्लुक (تعليق) अ पु - भू-संपत्ति जाइदान क्षण
इत्नाका बडी जमींदारी रियासत सरकार की आर से
किसी पुरस्कार में मिली हुई रियासत।

तअल्लुकदार (تعليقदार) अ पा वि - जा बहुत बडी जमींदारी
का स्वामी हो जिसे पुरस्कार म भू-संपत्ति मिली हो।

तअल्लुकदारी (تعليقदاری) अ पा स्त्री - तअल्लुक का
स्वामी हाना, बहुत बडा जमादार होना।

तअल्लुक (تعليق) अ पु - संभव, मपक लगाव स्वजनता
रिश्तनारी प्रेम व्यवहार उस, सेवा नौकरी वास्ता
सम्बन्ध पणपात तरफ्तारी नाजाइज मपक जास्ताई।

तअल्लुकात (تعليقات) अ पु - तअल्लुक का बहु सम्बन्ध
समूह।

तअल्लुकातिर (تعليقاً) अ पु - दिली लगाव
चित्तागम प्रेम स्नेह।

तअल्लुम (تالم) अ पु - पीडित हाना दुःख दुःखित हाना
कष्ट होना दुख होना।

तअल्लुम (تعلم) अ पु - पढ़ना पठन शिक्षा प्राप्त करना।

तअल्लुद (تعود) अ पु - पनाह रना धरण में आना
अरुज विलाह रहना।

तअल्लुद (تعود) अ पु - अम्परत हाना आनी हाना।

तअल्लुगी (تعشى) अ स्त्री - गाम का राना राना।

तअल्लुगी (تعشى) अ पु - अमकत हाना मुग़्ग होका,
प्रम स्नेह।

तअल्लुगी (تعشى) अ प - बेराह चलना कुमाग गमन।

तअल्लुगी (تعشى) अ पु - चात्ताप गताप अणगाग।

तअल्लुगी (تعشى) अ पु - कुमाग पर बरना पण
धष्ट हाना।

तअल्लुगी (تعشى) अ पु - धामिक पणपात नरुजी और
गानगती पणपात अनचिन पणपात बडा तरफ्तारी।

तअल्लुगी (تعشى) अ प - प्रभावित हाना अमर रना प्रभाव
अगर।

तअस्युर (تعسر) अ पु - कठिन हाना मुश्किल हाना
कठिनता मुश्किल।

तअहहद (تعهد) अ पु - किसी वाम का बीडा उठाना
प्रतिना करना, प्रतिना सविदा इकरार प्रतिमनि
जमानत।

तअहहद (تعهد) अ पु - घर बसाना ब्याह करना
वाल-बच्चेदार होना।

तआकूद (تعاهد) अ पु - परस्पर प्रतिना करना मिश्र
किसी काम का वचन देना।

तआकूद (تعاهد) अ पु - एक का दूसरे के पीछे भागना
भागनेवाल को पकटने के लिए उसने पीछे जाना।

तआतुफ (تعاطف) अ पु - परस्पर कृपा करना एक
दूसरे पर महूरवानी करना कृपा, दया।

तआनुक (تعانق) अ पु - एक दूसरे से गरदन मिलाना
आलिंगन करना आलिंगन बगलगीरी।

तआनुद (تعانق) अ पु - परस्पर शत्रुता रखना शत्रुता
वर।

तआमुल (تعامل) अ पु - आपस म मिलवर वाम करना।

तआरब (تعارض) अ पु - आमने-सामने होना, मुह आना
बराबरी करना, हस्तक्षेप करना विघ्न डालना बल्ह
शगडा वाण विवाण हुजत।

तआरफ (تعريف) अ पु - एक दूसरे को पहचानना परिवर
जान-पहचान।

तआला (تعالي) अ वि - अष्ट महान।

तआयन (تعان) अ पु - एक दूसरे की सहायता करना
सहाय मन्द।

तआहुद (تعاهد) अ पु - परस्पर प्रतिना करना, प्रतिना
इकरार।

तएयुन (تعين) अ पु - तअय्युन।

तएयुनात (تعينات) अ पु - तअय्युनात।

तएयुनबत (تعيناً) अ पु - तामय निचित हाना
बचन मुकरर हाना।

तएयुन (تعين) अ पु - तअय्युन।

तएयुनात (تعينات) अ पु - भोग विलास के गामान
भाग विलास।

तएयो (تعليق) अ पु - टुकटे-टुकट करना टुकट-कफ
हाना।

तअदुम (تعديماً) अ पु - गहरे हाना, आग होना, प्रयातन
सरीर।

तअदुम विरवमान (تعديلاً) अ प - गहरे हाने क
कारण धष्ट थीर अशगम्य हाना।

तक्रावी (سامی) अ स्त्रा—शक्ति दना बन्ना बनाना, वह सरकारा कजा जा किमाना का जमीन को दगा सुधारने और अच्छे बेल और बाज आदि क लिए दिया जाता है।

तक्रावीम (سامم) अ पु—'तक्रावी' का बहु जतरिया।

तक्रावम (سامم) अ पु—एक दूसरे क बराबर खडा होना।

तक्रावल (سارل) अ पु—परस्पर बचन देना परस्पर बानालाप करना।

तक्रामुफ (سكاف) अ पु—दल्दर हाना माना हाना, एकर हाना खट्टा हाना।

तक्रामुम (سكاه) अ पु—परस्पर गपय लेना परस्पर बाटना।

तक्रामुर (ساور) अ पु—प्रचुर हाना बहुतात हाना प्रचुरता बूतान।

तक्रामुल (سكامل) अ पु—अपने का काहिल और मुन्त लिखाना।

तक्राहल (سكاهل) अ पु—अपने का काहिल दिखाना।

तक्रा (سكى) अ वि—मयमी इद्रियनिग्रही।

तक्राय (سكه) अ पु—बोद बात जा भय स का या कहा जाय यद्यपि उसने कहेने या करने का जी न चाहता है।

(स्त्री) साध्वी तपस्विनी।

तक्रयद (سند) अ पु—दे तक्रय्यु'।

तक्रयद (سكند) अ स्त्री—कद करना बदी बनाना राक लगाना।

तक्रयार (سكاد) अ पु—बहुत बालनेवाला बहुभापी बन्नु अच्य भाषण देनेवाला भाषण-पटु।

तक्रयौब (سكاسب) अ स्त्रा—किमी की बात का सन्न करना किमा का बात का पटलाना।

तक्रयौअ (سكاطع) अ स्त्री—'तक्रय' टक्के करना पुस्तक की तक्रावी चौगई पद्य के किमी चरण के अक्षरा को गणा की मात्राआ क मकाब' में रखकर यह देखना कि अमुक प' मूट है या न' किमा बन्नु का टुक्का में बाँटना।

तक्रयौत (سكاطد) अ प—दू-दू करके टपकाना अरु छ गाचना।

तक्रयाम (سكاهم) अ पु—सामने करना सामने हाना स्वान नेता सा' पागी रखम।

तक्रयौम (سكاهم) अ स्त्री—आगे करना तक्राह' न' प्रपानता तक्राह'।

तक्रयौर (سكادر) अ स्त्री—भाष्य प्रारंभ अन्त्य अरु दब क्रिमत।

तक्रयौर आरया' (سكادرواى) अ पा स्त्री—भाष्य प्रतीगा क्रिमत का इन्दिगन।

तक्रयौस (سكادس) अ स्त्री—पुनातता पवित्रता थप्टा बुजुर्गी।

तक्रयौन (سكاهن) अ स्त्री—मुद' का कउन पहनाना यह गब्द जकेला नहा वाला जाता तजहाज क साथ बालत ह।

तक्रयौर (سكاهر) अ स्त्री—मुसलमान पर बुक का फुदा लगाना प्रायश्चित्त दना कपकारा दना।

तक्रयौल (سكاهل) अ स्त्रा—ताला लगाना ताल में ब' करना बुफुल देना।

तक्रयार (سكاهर) अ स्त्री—अल्हाहा अक्बर' (ई'वर तयम बडा है) कटना नमाज में चुकने स' हाने अथवा बजे क लिए अल्हाहा अक्बर' कटना।

तक्रयौल (سكاهل) अ स्त्री—चुम्बन चूमना (किसा पाप को चूमना मनुष्य का नही)।

तक्रयौह (سكاهه) अ स्त्री—बुराई करना बुरा काम करना।

तक्रिमल (سكاهله) अ पु—पूनि समाप्ति किमी काम का पूति में काई कमर न रहना परिगिट उमीमा।

तक्रमीद (سكاهيد) अ स्त्री—पाटली में दवा भरकर उरत जग विगेष को मँकना।

तक्रमील (سكاهيل) अ स्त्री—पूनि समाप्ति किमा काम की पूनि में काई कसर न रहना।

तक्रय' (سكاه) अ पु—सिर के नीच रखने का नम और मुग्ग बरत उपधान पीठ से लगाने का बडा वरत मस' मुसलमाना क मुद' दफ्त होने का स्थान कुत्रिस्तान।

तक्रय' क्लाम (سكاهकلام) अ पु—वह बात जा काइ व्यक्ति बाला क बीच में बेजहरत बार-बार बालता है।

तक्रयार (سكاهار) अ स्त्रा—वाद विवा' बन्म वाक्कलह कहा-मुनी पुनरावति दुहराना वही हुई बात को बार बार कहना।

तक्रौअ (سكاهوع) अ स्त्री—निग्न करना मलामत करना।

तक्रौड (سكاهوड) अ स्त्री—जीवित व्यक्ति की प्रामा जागचना समालाचना तक्रिर।

तक्रौड (سكاهوड) अ स्त्रा—'तक्राड'।

तक्रौडनिगार (سكاهوडنيگار) अ पा वि—आलाचना लिग्न बाला आलाचक।

तक्रौब (سكاهوب) अ स्त्री—समाप आना बारण हुनु मव उरतव दगा आ' किमा व्यक्ति म मुलकान करान से पहले उमक सम्ब' घ में कुछ कहना अक्तर मौजा सार, उरीया।

तक्रौबन (سكاهوبان) अ वि—प्राय अमूमन बहुया अक्तर अनुमानत अगडन।

तक़ीबात (تقریبات) अ स्त्री—'तक़ीब' का बहु, शार्दियाँ, उत्सव।
 तक़ीम (تقریم) अ स्त्री—आदर, सत्कार, इज्जत; आव-भगत, तवाजो'।
 तरक़ी (تقریر) अ स्त्री—वार्तालाप, वातचीत, भाषण, वक्तव्य, वयान, वाद-विवाद, हुज्जत।
 तक़ीर (تقریر) अ स्त्री—वार-वार करना, दुहराना।
 तक़ीह (تقریه) अ स्त्री—घृणा करना; नफ़त करना, शत्रु बनाना, अप्रसन्न रखना।
 तक़लीद (تقلید) अ स्त्री—अनुसरण, अनुकरण, अनुयाय, पैरवी, देखा-देखी कोई काम करना।
 तक़लीफ (تکلیف) अ स्त्री—दुःख, कष्ट, पीडा, व्यथा, दर्द, खेद, शोक, रज, आमय, रोग, मर्ज, मनोव्यथा, रूही कुलफत, आपत्ति, मुसीबत, निर्धनता, मुपिलसी।
 तक़लीफ़िही (تکلیف دهی) अ फा स्त्री—कष्ट देना, जहमत देना, दुःख देना, रज पहुँचाना।
 तक़लीफ़देह (تکلیف ده) अ फा स्त्री—दुःखदायी, रज पहुँचानेवाला।
 तक़लीफ़फर्मा (تکلیف فرما) अ फा वि—कष्ट उठानेवाला, (किसी के काम के लिए), आनेवाला, पधारनेवाला।
 तक़लीफ़फर्माई (تکلیف فرمائی) अ फा स्त्री—किसी के काम के लिए कष्ट उठाना, पधारना, आना।
 तक़लीफ़े नज़्अ (تکلیف نزع) अ स्त्री—मरते समय का कष्ट, चद्रा, यमयातना।
 तक़लीफ़े मालायुताक (تکلیف مالا یطاق) अ स्त्री—वह परिश्रम जो सहन न हो सके।
 तक़लीब (تقلیب) अ स्त्री—उलट देना, उलटा कर देना, उलट-पलट, परिवर्तन।
 तक़लीम (تقلیم) अ स्त्री—नख काटना, नाखून तराशना, काटना, विच्छिन्न करना।
 तक़लीम (تقلیم) अ स्त्री—घायल करना, जख्मी करना, वात करना, वार्तालाप करना।
 तक़लील (تقلیل) अ स्त्री—कम करना, कमी करना, न्यूनता, कमी।
 तक़ल्लेगिजा (تقلیل غدا) अ स्त्री—कम खाना, मिताहार।
 तक़वा (تقوا) अ पु—संयम, इद्रियनिग्रह, परहेजगारी।
 तक़वाशिआर (تقری شعار) अ वि—सयमी, इद्रियनिग्रही, जितेन्द्रिय।
 तक़वाशिकन (تقری شکن) अ फा वि—जो संयम को भग कर दे (रूप आदि)।
 तक़िवयत (تقویات) अ स्त्री—बल, शक्ति, जोर, सान्त्वना,

ठारस, तसल्ली, सहायता, मदद, आश्रय, सहारा, पृष्ठ-पोषण, पुस्तपनाही।
 तक़वीन (تقویین) अ स्त्री—सृजन, तल्लीक, उत्पत्ति, पैदाइश।
 तक़वीम (تقویم) अ स्त्री—सीधा करना; मूल निश्चित करना, पन्ना, पचाग, जतरी।
 तक़वीमुलबुल्दान (تقویم البلدان) अ स्त्री—भूगोल, जूग्राफिया।
 तक़वीमे पारीन: (تقویم دارینه) अ फा स्त्री—पुरानी जतरी, जो बेकार हो जाती है, बेकार वस्तु।
 तक़शीर (تقشیر) अ स्त्री—छिलके उतारना।
 तक़सीत (تقسیت) अ स्त्री—किस्तवदी करना।
 तक़सीम (تقسیم) अ स्त्री—बँटवारा, विभाजन, हिस्सा आदि बँटना, बँट, वडी सख्या मे छोटी सख्या से विभाजन, भाग, विभाजन।
 तक़सीमेकार (تقسیم کار) अ फा स्त्री—हर एक को अलग-अलग काम या ड्यूटी का बँटवारा।
 तक़सीमेमुल्क (تقسیم ملک) अ स्त्री—देश का बँटवारा, देश-विभाजन।
 तक़सीमेवतन (تقسیم وطن) अ स्त्री—देश या राष्ट्र का बँटवारा, राष्ट्र-विभाजन, देश-विभाजन।
 तक़सीमेहिसस (تقسیم حصص) अ स्त्री—दाम का बँटवारा, अशीकरण, नफे के हिस्सो का बँटवारा।
 तक़सीर (تقصیر) अ स्त्री—दोष, अपराध, कुसूर, न्यूनता, कमी, त्रुटि, भूल, कर्तव्य मे कमी।
 तक़सीर (تکسیر) अ स्त्री—तोडना, टुकडे करना, किसी ताबीज, यत्र या चक्र मे सख्याएँ इस प्रकार भरना कि हर ओर से जोड बराबर आये।
 तक़सीर (تکسیر) अ स्त्री—बढाना, अधिक करना, प्रचुरता, अधिकता, बढोत्तरी, बहुतायत।
 तक़सीरवार (تقصیر وار) अ फा वि—दोपी, अपराधी, कुसूरवार, पापी, गुनाहवार।
 तख़त्ती (تخطی) अ स्त्री—दोषारोपण, इल्जाम लगाना।
 तख़ब्बुत (تخطت) अ पु—कुमार्ग पर चलना, प्रेत का सिर चढ कर पागल कर देना।
 तख़य्युल (تخیل) अ पु—सोचना, विचारना, खयाल करना; कल्पना करना, उडान भरना, कविता के लिए मज्मून तलाश करना, कल्पना, उडान, भ्रम, वहम; ध्यान, खयाल।
 तख़य्युलात (تخیلات) अ पु—'तख़य्युल' का बहु., कल्पनाएँ, खयालात, भ्रमजाल, वाहिमे।

तख्तक (تخون) अ पु -पटना फटा हाना झूठ बोलना ।
 तख्तलुल (تخليل) अ पु -विमर जाना ।
 तख्तलुक (تخلي) अ पु -स्वभाव बनाना आदत डालना,
 सुग्रील हाना ।
 तख्तलुफ (تخلف) अ प -प्रतिभा भग करना पीछे रहना ।
 तख्तलुस (تخلين) अ पु -शाहर या बकि का वह नाम जो
 वह अपनी बकिता में लिखता है उपनाम ।
 तख्तशो (تخشي) अ स्त्री -डरना भयभीत होना डराना,
 आसन ।
 तख्तशो (تصع) अ पु -नम्रना विनीत आजिजा,
 खाकमारी ।
 तख्तशज (تصارج) अ पु -रटना तकमीम हाना ।
 तख्तलज (تصالح) अ पु -हृदय म भ्रम होना गवा हाना
 शक होना ।
 तख्तलुफ (تصالح) अ पु -शत्रुता धर प्रतिकूलता,
 मुनाफत परिखतन उलट-पलट ।
 तख्तलुफ (تصاحب) अ पु -एक दूसरे स डरना ।
 तख्तलुम (تصام) अ पु -गस्पर शत्रुता करना ।
 तख्तलुल (تصلي) अ पु -तख्तलुल ।
 तख्तलुलात (تصليات) अ पु -दे तख्तलुलात ।
 तख्तलुल (تصلي) अ स्त्री -किसी को ध्यान म लाना
 ध्यान करना ध्यान उयाल कल्पनागिक कवने
 विज ।
 तख्त (تصه) अ प -लवनी का उम्बा चीन और
 याग माटा टुकटा जगड़ क पग का हर टुकटा जालवनी
 राहा बागज का एक गीट वट लवनी का फरा जिस
 पर मुग नहलाया जाता है जमीन का माफ और हमवार
 टुकटा बाग का बना सत जाति की नियारी ।
 तख्त (تصه) अ पु -बडी चौकी बाग्याह या राजा क
 बठने की चौकी राय राट्ट हुकूमत परग चारपाई
 जान (वि) बना यच्छ बली ।
 तख्तबद (تصه) अ वि -बनी बनी क वासवाग
 लखी की वट मयची जो टूटी हजडा का जाडने क लिए
 बांधी जाती है ।
 तख्तबदी (تصه) अ स्त्री -बीवारा का धर म
 तग जन्वावर मुरातन करना बाग की नियारिया आति
 का दग म सजाना ।
 तख्तबागव (تصه) अ पु -बागज का ताव
 घाट ।
 तख्तबाग (تصه) अ पु -वह ताव मा
 परग जिनमें मने का ल जाते ह ।

तख्तए तालीम (تصه) अ पु -वह काला फरा
 जिम पर बच्चा को अमर और गिनती सिखाना ह गिना
 पटल लक बाड ।
 तख्तए नद (تصه) अ पु -चौसर खरने का तला ।
 तख्तए मध्यत (تصه) अ पु -मुने का नहलान
 का तरना ।
 तख्तए मदक (تصه) अ पु -बचा की तला
 वह चीज जा बहुत प्रयुक्त हा ।
 तख्तए मोना (تصه) अ पु -आगना आस्मान ।
 तख्तए मुसतह (تصه) अ पु -एक प्रकार
 की भेज जा पमादश में काम देती है ।
 तख्तए यादबास्त (تصه) अ पु -वह बागज
 का तरता जिसम यादनात क लिए आवश्यक बाते ना
 रानी ह स्मतिपट ।
 तख्तगाह (تصه) अ स्त्री -राजधानी राजके,
 दारस्मलतनत ।
 तख्तनशी (تصه) अ वि -तल पर बठनवाल,
 बागशाह राजा गामक ।
 तख्तनशीनी (تصه) अ स्त्री -तल पर बठना
 बागशाह बनना तल पर बठने की रस ताजपाग
 अभियेन रायाभियक अपन सामक हान की पापणा ।
 तख्तय (تصه) अ पु -किसी क वाम की उरली
 पचना ।
 तख्तयी (تصه) अ स्त्री -बच्चा क लिखन का लखी का
 छाग तला पाटा लखी का बहुत छाटा तला जा गने
 जाति म छाग जाता है ।
 तख्तेशाबनुसी (تصه) अ पु -राति रात ।
 तख्तेशाब (تصه) अ पु -मलग चारपाई ।
 तख्तेशाजस (تصه) अ पु -शाजही का बनवाया
 हुजा मिहामन जिय पर एव रलजदिल मार पर पगय
 बाग्याह के सर पर छाया किय बा नादिरशाह दग तग
 को ईरान छ गया ।
 तख्तेशा (تصه) अ पु -वह तल जा बहारा क
 द्वारा कथा पर चटना है और जित पर बाग्याह सर का
 जाना है ।
 तख्तेशाही (تصه) अ पु -गजतिहाता बाग्याह
 क बन का तल ।
 तख्तेशाही (تصه) अ पु -वह तल
 जिय पर बठकर इतरत गुडमात उडा करने क ।
 तख्तेशाही (تصه) अ पु -शागनगून राजमा
 हुकूमत का इतिहास ।

खदीर (تخدیر) अ स्त्री—शरीर के किसी अंग को दवाओं के द्वारा सुन्न कर देना, स्त्री को पर्दे में बिठाना।

तख्तीफ (تخفيف) अ स्त्री—न्यूनीकरण, कमी करना, हलकापन, कमी।

तख्मीन: (تخمین) अ पु—अनुमान, अटकल, अदाजा, विचार, कियास।

तख्मीन (تخمین) अ स्त्री—अनुमान करना, अदाजा लगाना।

तख्मीनन (تخمیندن) अ वि—अदाजन, अनुमानत, कम से कम, या जियादा से जियादा।

तख्मीर (تخمیر) अ स्त्री—खमीर उठाना, आटे में नमक और सोडा मिलाकर रखना, दवाओं में रस या पानी आदि डालकर धूप में रखना या जमीन में गाड़ना।

तख्मीस (تخمیس) अ स्त्री—पाँच करना, पाँच बनाना, उर्दू शाहरी की परिभाषा में, शेर के दो मिस्रो में तीन मिस्रे और जोड़कर पाँच कर देना, खम्स, वह शेर अपना हो या किसी और का, प्रायः खम्स, एक शेरका नहीं होता वल्कि पूरी गजल का होता है।

तख्मिज: (تخمیج) अ पु—निकालना, खारिज करना, निष्कासन, उर्दू काब्य-परिभाषा में किसी तारीखी मिस्रे में से कोई सख्या कम करना, ताकि मिस्रे से ठीक साल निकल सके।

तख्मीब (تخمیب) अ स्त्री—तामीर का उलटा, विनष्ट करना, बरवाद करना, ध्वस्त करना, मुह्विम करना, किसी काम को विगाडना, विनाश, बरवादी, विध्वंस, तवाही, विगाड, खराबी।

तख्मिलय: (تخمیل) अ पु—खाली करना, खाली कराना, एकांत, खलवत।

तख्लीक (تخلیق) अ स्त्री—उत्पत्ति करना, सृजन, पैदा करना।

तख्लीत (تخلیط) अ स्त्री—गाड़वड करना, गडमड करना, खलतमलत करना, मिलाना, किसी मूल ग्रथ में कुछ इधर-उधर का जोड़ देना; मन्ची बात में अपनी ओर से कुछ झूठ मिला देना।

तख्वीफ (تخویف) अ स्त्री—त्रासन, त्रासना, डराना, धमकी देना, आतक दिखाना।

तख्वीफे मुज्रिमान: (تخویف مجرمانه) अ स्त्री—अवैध नास, नाजाइज धमकी देकर कुछ प्राप्त करने की कोशिश।

तख्सीस (تخصیص) अ स्त्री—विशेषता, मुख्यता, खुसूसियत।

तख्सीसी (تخصیصی) अ वि—खुसूसियत का, विशेष रूप में।

तग (تگ) फा स्त्री—दौड, भाग, प्रयत्न, कोशिश, उर्दू में

अकेला नहीं आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे—'तगोदौ'।

तगस्ज़ी (تغذی) अ स्त्री—खाना खाना, सवेरे का खाना खाना।

तगस्ज़ल (تغزل) अ पु—गजल का रग, गजलीयत।

तगस्त्री (تغذی) अ स्त्री—गाना, अलापना, निःस्पृह होना, बेनियाजी।

तगय्युर (تغییر) अ पु—बदलना, पलटना, परिवर्तन होना, परिवर्तन, तब्दीली, विकार, खराबी, रूप, गंध या दशा का बदल जाना, क्रान्ति, इन्किलाव।

तगय्युरपसंद (تغییر پسند) अ फा वि—जो परिवर्तन को पसंद करता हो, परिवर्तनप्रिय।

तगय्युरात (تغییرات) अ पु—'तगय्युर' का बहु, परिवर्तन, तब्दीलियाँ, दुघटनाएँ, कालचक्र।

तगरग (تگرگ) फा पु—ओला, घनोपल, मस्तफल, वार्षिला, मेघपुष्प, करका।

तगल (تگل) फा पु—सेना, फौज।

तगल्लुब (تغلب) अ पु—गवन, खुदबुद, अपहरण, छल-हरण, मोपण, खियानत।

तगश्शी (تغشی) अ स्त्री—छिपाना, गोपन, पहनना, ओढ़ना।

तगापो (تگاپو) फा स्त्री—पराक्रम, दौड-धूप, प्रयत्न, कोशिश, तलाश, खोज, चिन्ता, फिर।

तगाफुल (تغافل) अ पु—उपेक्षा, बेतवज्जुही, 'क्यों तगाफुल मुझ से अय अन्ने क्रम बहरे सखा—मैं ही क्यों महरूम तेरे फँजे आलमगीर से।' असावधानी, गफलत, ढील, विलव, देर।

तगाफुलआश्ना (تغافل آشنا) अ फा वि—जान-बूझकर बेपरवाही बरतनेवाला, ढील डालनेवाला, बेपरवा माशूक।

तगाफुलकेश (تغافل کیش) अ फा वि—दे 'तगाफुल आश्ना', "अय निगाहे नाज तेरी यह तगाफुल केशियाँ? छुफे-तनहाई मुझे हासिल तेरी महफिल में हे।"

तगाफुल दस्तगाह (تغافل دستگاه) अ फा वि—दे 'तगाफुलआश्ना'।

तगाफुलदोस्त (تغافل دوست) अ फा वि—दे 'तगाफुलआश्ना'।

तगाफुलदोस्ती (تغافل دوستی) अ फा स्त्री—जान-बूझकर बेपरवाही बरतना, देर लगाना।

तगाफुलपसंद (تغافل پسند) अ फा वि—दे 'तगाफुलआश्ना'।

तथाफुलपसदी (معامل سلسلی) अ फा स्त्री -> तथा फुल दोस्ती ।
 तथाफुलपेश (معامل بیس) अ फा वि -> 'तथाफुल आसना ।
 तथाफुलपेशगी (معامل نسکی) अ फा स्त्री -> तथाफुलदास्ती ।
 तथाफुलमनिश (معامل منش) अ फा वि -> तथा फुल आसना ।
 तथाफुलमनिशी (معامل منشی) अ फा स्त्री -> 'तथाफुल दास्ती ।
 तथाफुलनिआर (معامل شعاری) अ वि -> तथाफुल आसना ।
 तथाफुलनिआरी (معامل شعاری) अ स्त्री -> तथाफुल दास्ता ।
 तथाफुलगाव (معامل سدوی) अ फा वि -> तथाफुल आसना ।
 तथाफुलशेवगी (معامل سدوگی) अ फा स्त्री -> तथा फुल दोस्ती ।
 तथागुन (معامل) अ प -> एक दूसरे की घाटा पहचाना, टोटा घाटा ।
 तथागमी (تکامشی) फा स्त्री -> दोड़ धूप तथापो परिश्रम प्रयास जाकिमाना ।
 तथागुर (معامل) अ प -> गरस्पर एक दूसरे से विपरात हाना विभिन्नता इस्तिलाफ ।
 तथाग (معامل) फा प -> बड़ा तगला गारे का कुड मिट्टा का ना ।
 तथाग (معامل) अ स्त्री -> तथागईर ।
 तथागुर (معامل) अ प -> तथागुर परिवतन प्राति ।
 तथागुरात (معامل) अ प -> तथागुरात ।
 तथागताव (تک و تار) फा स्त्री -> तथागा ।
 तथागो (تک و تار) फा स्त्री -> तथागा ।
 तथागईर (تک و تار) अ स्त्री -> बल्लना कुछ का कुछ कर दना, परिवतन तानेग ।
 तथागिय (تک و تار) अ प -> गाना देना जप्त दना परपरिग करना विकास देना ।
 तथागोल (معامل) अ स्त्री -> भूचूना करना गफलन करना ।
 तथागोव (تک و تار) अ स्त्री -> अंगें बंद करना ।
 तथाग (تک و تار) अ स्त्री -> बुबाना शक करना ।
 तथाग (تک و تار) अ स्त्री -> गनिबाग दना जगवान करना ।
 तथाग (تک و تار) अ स्त्री -> तावान देना हज्रें बगूल करना ।
 तथागी (تک و تار) अ स्त्री -> बापना, लपटना ।

तगलीज (تعلیظ) अ स्त्री -> गाटा करना सखी करना ।
 तगलीत (تعلیظ) अ स्त्री -> गलती में डालना मुला दना ।
 तगलील (معامل) अ स्त्री -> मुगधित करना छुावू में बमाना ।
 तगकवी (برکی) अ स्त्री -> पाक करना, पवित्र करना, माल में से जकात देना ।
 तगकपुर (تک و تار) अ प -> स्मरण करना, याद करना स्मरण होना याद आना ।
 तगकडी (تک و تار) अ स्त्री -> टुकड़े-टुकड़े होना ।
 तगकनुव (تک و تار) अ प -> असमजस ऊहापोट दुविधा सदेह शका, शक ।
 तगकम्मन (معامل) अ प -> स्वीकार करना अतपन करना या हाना ।
 तगकम्मल (تک و تار) अ प -> मो दय, हुस, बभव गानोगीकत, धन-भरपति शृगार और आभूषणादि से शरीर की सजावट ।
 तगकम्मन (تک و تار) अ प -> मुगजित होना शृगारित हाना, गमित हाना शृगार सजावट गाना ।
 तगकद (تک و تار) अ प -> अबलापन तनहाई स्त्री के बिना जीवन व्यतीत करना सयास बराम्य दरवेशी, ससार से विरक्ति निस्पहता नमनता, नगापन ।
 तगकद (تک و تار) अ प -> हानि उठाना नुकसान पाना, दुखित हाना रजूर हाना ।
 तगकरी (تک و تار) अ प -> घूट घूट बरवे पीना ।
 तगकरी (تک و تار) अ प -> गिन्गिडाहट मिन्न, तथागम ।
 तगक (تک و تار) फा प -> एक प्रमिद्ध चिडिया, चकोर ।
 तगकडुल (تک و تار) अ प -> कपन, हिलना-डालना भूष जजला हलचल खलबली सनतानी प्राति इन्विगव अस्थिरता डगमगाहट ।
 तगकलियात (تک و تار) अ स्त्री -> तत्र-त्री का बहु, प्रगा समूह रोगिनिया ।
 तगकली (تک و تار) अ स्त्री -> प्रका आभा नूर तेज प्रताप जलाल अध्यात्म यानि भूरेहक ।
 तगकलीष (تک و تار) अ फा वि -> तगकलीरेड ।
 तगकलीमाह (تک و تار) अ फा स्त्री -> रोगिनी और प्रताप का स्थान, सुदरियों का स्थान ।
 तगकलीदार (تک و تار) अ फा प -> वह स्थान जहाँ प्रगा ही प्रका हा जहाँ गीत्य ही रोग्य हा ।
 तगकलीरेड (تک و تار) अ फा वि -> प्रका पगनवाग रोगिनी बरगानेवाला ।
 तगकलूम (تک و تار) अ प -> किमी के अग्याचार पर दुगा दना और गिगप करना ।

तजल्लुल (مزلل) अ पु—लडखड़ाहट, लग्गिज।
 तजव्वुज (تزوج) अ पु—व्याह करना, बीवी बनाना,
 पति बनाना, 'तजव्वुद' (अ) भी शुद्ध है।
 तजस्सुस (تجسس) अ पु—जिज्ञासा, पूँछताछ, गवेपणा,
 मार्गण, तलाश, खोज, दौड़-धूप, प्रयास।
 तजस्सुसकुनाँ (تجسس كنان) अ फा वि—खोज करता
 हुआ, हूँढता हुआ, पूँछताछ करता हुआ।
 तज्जाउफ (تضاعف) अ पु—दूना होना, दुगुना होना।
 तज्जाद (تضاد) अ पु—एक दूसरे के विरुद्ध होना, एक दूसरे
 का शत्रु होना, विरोध, प्रतिकूलता, इस्तिलाफ, शत्रुता,
 रिपुता, दुश्मनी।
 तजहहृद (ترههههه) अ पु—जाहिद बनना, आविद बनना,
 जगत् से विरक्त होना, 'जुहद' से बना।
 तज्जायुक (تصايق) अ पु—तग होना।
 तज्जायुद (تزايد) अ पु—अधिक होना, जियादा होना,
 अधिकता, बहुतायत से बना।
 तज्जारिब (تجاره) अ पु—'तज्जिब' का बहु, तज्जिबे,
 'तज्जुर्बा' भी प्रचलित है।
 तज्जावुज (تجاوز) अ पु—अपनी हृद से बढ जाना, सीमोल्ल-
 धन, अपने इस्तिथार से बाहर कोई काम करना, अवज्ञा,
 हुक्मजदूली, धृष्टता, गुस्ताखी।
 तज्जाहुल (تجاهل) अ पु—जान-बूझकर अनजान बनना,
 बेखबर और अनजान होना, उपेक्षा, लापरवाही।
 तज्जाहुरे आरिफान: (تجاهل عارفان) अ पु—जानते
 हुए यह जाहिर करना कि जानते नहीं, जान-बूझकर
 अनजान बनना।
 तज्जईअ' (بصنيع) अ स्त्री—व्यर्थ खोना, बरवाद करना।
 तज्जईए औकात (بصنيع اوقات) अ स्त्री—समय का व्यर्थ
 नष्ट करना।
 तज्जईन (سوين) अ स्त्री—अपने को बनाना, सँवारना,
 शृगार, सज्जा, बनाव, सिगार।
 तज्जईफ (بضعيف) अ स्त्री—दूना करना, निर्बल करना।
 तज्जकार (تدكار) अ पु—चर्चा करना, जिक्क करना, स्मृति,
 यादगार, चर्चा, जिक्क।
 तज्जकिय: (سوكيه) अ पु—शुद्ध करना, पवित्र करना,
 माल की जकात देना, शुद्धि, सफाई।
 तज्जिकर: (تذكره) अ पु—चर्चा, जिक्क, वार्तालाप,
 वातचीत, ख्याति, शुद्धत, परिपत्र, पासपोर्ट; प्रसंग,
 सिलसिला।
 तज्जकीर (تذكير) अ स्त्री—पुल्लिग बनाना, याद दिलाना;
 पुल्लिग।

तज्जकीरो तानीस (تذكير وتانيس) अ स्त्री—पुल्लिग और
 स्त्रीलिग, याद करना और उत्स (प्रेम) करना।
 तज्जिय: (تجريد) अ पु—अलग-अलग करना, टुकड़े-टुकड़े
 करना, किसी पदार्थ के सारे अवयव अलग-अलग करके
 उनकी जाँच करना।
 तज्जदीद (تجديد) अ स्त्री—नवीनीकरण, नया बनाना,
 नवीनता, नयापन।
 तज्जदीदेअहृद (تجديد عههه) अ स्त्री—प्रतिज्ञा भग हो जाने
 पर फिर से प्रतिज्ञा करना, नये सिरे से दुवारा वादा
 करना, नव्य प्रतिज्ञा।
 तज्जदीदे मुलाकात (تجديد ملاقات) अ स्त्री—मुलाकात को
 बहुत दिन हो जाने पर फिर से मुलाकात करना।
 तज्जनीस (تجسس) अ स्त्री—एकलिगता, एक जिस होना,
 एकरूपता, हमशक्ली, एक शब्दालकार, जिसमे किसी
 शेर मे एक-जैसे शब्द लाये जाते है, यमक।
 तज्जफीफ (تجفيف) अ स्त्री—सुखाना, खुश्क करना।
 तज्जमीद (تفسيد) अ स्त्री—किसी अग विशेष पर दवा का
 लेप करना; लेप, प्रलेप, जिम्माद।
 तज्जमीन (تفسير) अ पु—किसी को जामिन बनाना, किसी
 को अपनी पनाह मे लेना, किसी के शेर या मिस्रे कुो
 अपने शेरों मे प्रयोग करना, खम्स करना, दो मिस्रो पर
 तीन मिस्रे और लगाना।
 तज्जिब: (تجربه) अ पु—परीक्षा, जाँच, अनुभव, जानकारी,
 किसी विषय या कार्य के सारे ऊँच-नीच या अच्छे-बुरे की
 खबर, 'तज्जुवा' और 'तज्जवा' दोनो ही प्रचलित है।
 तज्जिब:कार (تجربه كار) अ फा वि—जिसे किसी काम का
 काफी तज्जिबवा हो, अनुभवी, जिसे सासारिक व्यवहार
 का अनुभव काफी हो, बहुदर्शी।
 तज्जवीद (تجريد) अ स्त्री—किसी चीज पर से उसका सामान
 उतारकर उसे अपनी असली दशा मे कर देना, नगा कर
 देना; सँवारना, सजाना, (काट छोटकर); सुधार करना,
 दुख्स्ती करना, अकेला जीवन व्यतीत करना, ब्रह्मचर्य।
 तज्जलील (سدليل) अ स्त्री—अपमान, तिरस्कार, वेइज्जती,
 'जिल्लत' से बना।
 तज्जवीज (تجوير) अ स्त्री—विचार, खयाल, मति, सलाह,
 राय; प्रवध, इतिजाम, योजना, मसूवा, प्रयत्न, उपाय,
 कोशिश, निर्णय, फैसला, रिजोल्यूशन, प्रस्ताव।
 तज्जवीज (ترويح) अ स्त्री—विवाह, पाणिग्रहण, व्याह,
 निकाह।
 तज्जवीद (تجويد) अ स्त्री—निर्मल और स्वच्छ करना;
 किसी शब्द का शुद्ध उच्चारण करना, हाफिजों की परि-

भाषा में कुरान का गुद्द उच्चारण और पूण नियम स
पना।

तन्वीक (تَنْوِيكَ) अ स्त्री-अदर से खुम्बूठ करना,
खान्ना सुधिर।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-बाका, छल, कपट फरेव,
मिथ्या जसल घूट।

तन्वीक (تَنْوِيكَ) अ स्त्री-हृत्ती उठाना ठोठल करना
तिरस्कार करना निगना करना।

तन्वीहोब (تَنْوِيهِيب) अ स्त्री-मुद्दे के लिए जरूरा सामान
तयार करना जैसे-कफन के लिए कपडा मुम्बू के लिए इन
काफूर इत्र इत्यादि गुलाबजल आदि यह गुद्द अकेला
प्रयुक्त नहा है तक्फान के साथ आकर तन्वीहोब तक्फान
वांग जाता है, जमे-तक्फान अलग नही वांग जाता।

तन्वीहोबतक्फान (تَنْوِيهِيبُ التَّكْفَانِ) अ स्त्री-मुद्द तयारकुल-
नियम नहला घुलाकर और कफन में लपेटक नागा
तयार करना।

तन्वीहब (تَنْوِيهِيب) अ स्त्री-सोना चगाना सात का
मुल्मा चढाना माने का खाल चगाना।

तन्वीहोब (تَنْوِيهِيب) अ पु-अनुमरण अनुकरण तन्वीह
इतिमान।

तन्वीर (تَنْوِير) का पु-तातार का लघुरूप तातार।

तन्वीरी (تَنْوِيرِي) का वि-तातार का तातातिया का
तातार या तातातिया स सम्बद्ध।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-समानता सानता बगबरा
नुपना, उपाय मुगावहन।

तन्वीर (تَنْوِير) का पु-तातार का लघुरूप तातार।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-अहकार घमड ड्राइ सर्वगो
अत्याचार हस्तग्राह।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-हृत्ती चीज का बन्वीया और आखिरी
मिथ्या विज्ञान का गण अण जो वात को उममें जाडा जाय
पूरत परिगल।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-गव चीज का दूसर क मुताबिक
करना।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-लम्बा करना फलना
लम्बा करना।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-अवित्र करना गुद्द करना
पाक करना पवित्रता गदना पाकीझगी।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-नाम करन स गद्द उगका परिणाम
माचना दूस्तीगता दूस्तीगता।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-धमनिष्ठता धीनधरी गण
निष्ठता ध्यानधरी।

तन्वीर (تَنْوِير) का पु-एक पत्नी चकार दे तन्वीर।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-एक चीज का दूसरी चीज में
दानिल होना एक खाना हश्म होने से पहले दूसरा
खाना खा लेना।

तन्वीर फलन (تَنْوِيرُ فَالِن) अ पु-दा ऋतुना की
मधि दो ऋतुना का सधिकाल दो मौसिमा के मिलन
का समय।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-तन्वीर का बहु, तन्वीर।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-खाया हुई चीज का पता लगाना
रोक प्रतिरोध, मुघार इस्लाह, यल उपाय तन्वीर
एमा उपाय जिमसे कोई बुरा काम रक जाय।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-चिक्किला उपचार इलाज।

तन्वीर (تَنْوِير) अ पु-तन्वीर।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-वारीक करके कूटना।
सोचना विचारना।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-मुद्दे को जमीन में गा
दहन करना, दहन सेवना।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-उपाय तन्वीर प्र
वांगिग उपचार इलाज चालाकी चतुराई इत्र
प्रव इतिमान वेगवनी एहतिमात।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-पर-गृहस्त्री।
प्रव।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-धीरे धीरे हाना गने गन।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-पगाना पाठन।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-एवत्र करना सग्रह करना
रचना बचाना सपान करना।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-धारा जार घुमाना-वर्त
की परिभाषा में आकाश का वह विषेय भाग जो तिन
आकाश के अतमन हा।

तन्वीर (تَنْوِير) अ स्त्री-नेल चुपना चिन
करना।

तन्वीर (تَنْوِير) का पु-वृष का बहु भाग जा उगरी जद
वर्ती तव हा जहाँ स बाणियां निवसती हैं, पत्नी।

तन्वीर (تَنْوِير) का पु-हृत्ती, गरीर भाषा बनु तन गान
दिसन, दहन व्यक्ति पुण्य आत्मा।

तन्वीर (تَنْوِير) का पु-तनाना।

तन्वीर (تَنْوِير) का स्त्री-तनानाना।

तन्वीर (تَنْوِير) का स्त्री-नाम का बर उगता जो
महीन पर मित्र बनन तलन।

तन्वीर (تَنْوِير) का वि-तनानाना पर नाम
करनवांग तन्वीर पानवांग वेगवनी भवन।

तनगुस (تلغص) अ. पु.—खिन्नता, मलिनता, तकद्दुर, वदमजगी।
 तनरुल (تلرول) अ. पु.—नीचे उतरना, नीचे आना, अवनति, पतन, जवाल, दरजा टूटना, पदह्रास, तनखाह में कमी होना; ह्रास, कमी, इन्हितात, अपदस्थता।
 तनदिही (تلدهی) फा स्त्री—तन्मयता, संलग्नता, इन्-हिमाक, पराक्रम, परिश्रम, मेहनत।
 तनदुस्त (تلدرست) फा. वि.—जिसके शरीर में किसी प्रकार का विकार न हो, निरामय, नीरोग, सुस्थ, स्वस्थ।
 तनदुस्ती (تلدرستی) फा. स्त्री—स्वास्थ्य, नीरोगिता, सेहतमदी।
 तनपरस्त (تلنپرست) फा. वि.—काम न करनेवाला, आलसी; आरामतलब, सुवेच्छु।
 तनपरस्ती (تلنپرستی) फा. स्त्री—निकम्मापन, निठल्लापन, आलस, काहिली, सुस्ती।
 तनपरवर (تلنپرور) फा. वि.—दे 'तनपरस्त'।
 तनपरवरी (تلنپروری) फा. स्त्री—दे 'तनपरस्ती'।
 तनपरफुर (تلنفر) अ. पु.—घृणा, नफरत, घिन।
 तनपरफुस (تلنفس) अ. पु.—साँस की आमदरपत, प्राणवृत्ति; श्वासकास, श्वास रोग, दमे की बीमारी।
 तन व तन्नदीर (تلن ته تقدیر) फा. अ. अव्य.—भाग्य के सहारे, किस्मत के भरोसे पर, जो भी हो।
 तनव्वुह (تلنوه) अ. पु.—आगाह होना, जानना, सतर्क होना, चेत जाना, सावधान होना, होशियार हो जाना।
 तनव्वो' (تلنوی) अ. पु.—चित्र-विचित्र होना, रगविरगी होना, भाँति-भाँति होना, नवीनता, नयापन, जिद्दत।
 तनहा (تلها) फा. वि.—एकाकी, अकेला, एकमात्र, केवल, सिर्फ, रिक्त, खाली।
 तनहाई (تلنهائی) फा. स्त्री—अकेलापन, एकान्त, गोशा।
 तना'उम (تلنعم) अ. पु.—लाड-प्यार और सुख-चैन में जीवन व्यतीत हो, सुख, चैन, लाड-प्यार, ऐश।
 तनाकुज (تلناقص) अ. पु.—एक दूसरे के विपरीत और उलटा होना, प्रतिकूलता, विपरीतता, वैमनस्य, मनमुटाव, रजिश।
 तनाकुस (تلناقص) अ. पु.—दोष, ऐव, त्रुटि, भूल, अशुद्धि, गलती।
 तनाजो' (تلنازع) अ. पु.—सघर्ष, कशाकश, खीचातानी।
 तनाजो' लिलबक्रा (تلنازع لیلبکرا) अ. पु.—जिंदा रहने के लिए परिश्रम और पराक्रम, जीवन-सघर्ष।
 तनाफुर (تلناور) अ. पु.—एक दूसरे से घृणा करना, एक दूसरे से भागना; साहित्य की परिभाषा के अनुसार किसी पद में

दो शब्दों के उन दो अक्षरों का पास-पास होना जिनका उद्गम एक हो।
 तनाव (تلناوب) अ. स्त्री—रावटी और तंबू में लगनेवाली रस्सी, जिसके सहारे वे खड़े होते हैं।
 तनावे अमल (تلناوب امل) अ. स्त्री—उम्मेद की डोरी, आशास्पी डोर, आशा-सूत्र, आशा, आस, उम्मेद।
 तनावे उन्न (تلناوب عسر) अ. स्त्री—आयुसूत्र, आयुकाल, उम्र की लम्बाई।
 तनावर (تلناور) फा. वि.—स्थूल, मोटा-ताजा; दृढाग, कबीजुस।
 तनावुल (تلناول) अ. पु.—भोजन आदि खाना, सहन करना, उठाना।
 तनासाँ (تلن آسان) फा. वि.—काहिल, सुस्त, आलसी, आरामतलब, निकम्मा, बेकार।
 तनासानो (تلن آسانی) फा. स्त्री—निकम्मापन, आलस, सुस्ती, आरामतलबी।
 तनासुख (تلناسیخ) अ. पु.—प्राण का एक शरीर से निकलकर दूसरे शरीर में जाना, आवागवन, आवागमन।
 तनासुव (تلناسب) अ. पु.—परस्पर निस्वत रखना, किसी पदार्थ के तमाम अंगों में जिसको जितना होना चाहिए उतना होना, किन्हीं दो चीजों में परस्पर मुनास्वत।
 तनासुवे अज्जा (تلناسب اجزا) अ. पु.—किसी नुस्खे की तमाम दवाओं की बाहमी मुनासबत, जैसे—किसी सावुन के नुस्खे में कास्टिक १ सेर, सेलीकेट १ ३/४ सेर, पानी चार सेर, तेल आठ सेर आदि, भागानुपात।
 तनासुवे आ'ज्जा (تلناسب اعضا) अ. पु.—शरीर में अंगों का सुडौलपन, अंग-सौष्टव, अंग-सहति, अगानुपात।
 तनासुल (تلناسل) अ. पु.—नर और मादा का मिलकर सतान उत्पन्न करना, नस्ल बढ़ाना। यह शब्द अकेला प्रयुक्त नहीं होता, तवालुद के साथ 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है, दे 'तवालुद'।
 तनीन (تلنین) अ. स्त्री—भिनभिनाहट, सनसनाहट।
 तनूर (تلنور) फा. पु.—खमीरी रोटी पकाने की गहरी डहर-नुमा भट्ठी, तदूर, तनूर।
 तने तन्हा (تلن تنها) फा. वि.—विलकुल अकेला, एकाकी, नकददम, फकतदम।
 तने बेजों (تلن بیجان) फा. वि.—शव, लाश, प्राणहीन शरीर।
 तनोतोवा (تلن وتویش) फा. पु.—शरीर का भारी भरकमपन, मोटाताजापन।
 तनोमंद (تلنومند) फा. वि.—स्वस्थ, नीरोग, तन्दुरुस्त, हृष्टपुष्ट, मोटा-ताजा, दृढाग।

ताम्र (تَمْر) पु पु -प्रतिल मुदा, चाहे वह सोने को हों या चांदी की या ताम्र की या निमी अथ धातु की।
 ताम्रिय (تَمْرِي) अ पु -ये साफ करना जुलाब लेना, विदेना।
 ताम्रियत (تَمْرِيَّة) अ पु -एसा जुलाब जिससे दारी के सारे पगो का इगित मवार निवळ जाय।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -परम, पडताउ समीभा, विसी पुरात या निवध के मजमून की समीभा, समा सोता।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -रम करना पगना तिररार भपमा बेइखती निन्दा हबो।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -रिमो चीड में से मिगयट निवळ करे उसे गुज और तिमर करना गामाय की परिभाषा म या सा अभिनो के आधारभूत विषया की समीभा।

ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -गुराना बुहार, जीव ज्वर।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -मनस्ताप मानिक ब्यवा हही तकलीफ मनोगाह।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -राजयहमा दयरो गय्या क्षयी रोग।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -दारी ने आनवाग वर जने -इकतरा, तिवारी चौबिया आदि।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -मीजादी बजार, टाईफाइड मोतीतरा।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -रपका के साप जाल वाला बुहार मलिया गोन ज्वर।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -बुहार चौर कदकनी।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ स्त्री -उलिमा गरिमा नीं हराउ।
 ताम्रियी (تَمْرِي) अ पु -सोई हट चीड की ताग

तफहहृश (تفحص) अ पु—गाली-गलौज करना, फुहश वकना; अश्लीलता, अशिष्टता, फक्कडपन, 'फुहश' से बना।
 तफहहृस (تفحص) अ. पु—खोज लगाना, ढूँढना, तलाश करना; खोज, तलाश, गवेपणा।
 तफाउल (تفاوت) अ. पु—शगुन विचारना, फाल लेना।
 तफ़ाख़ुर (تفاخر) अ पु—गर्व, अभिमान, फख़्, गौरव।
 तफारीक (تفاریق) अ. स्त्री—'तफ़ीक' का बहु, जुदाईयाँ; फर्क; किस्ते।
 तफ़ाक़ (تفارق) अ. पुं—एक दूसरे से जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।
 तफ़ावुज़ (تفاوت) अ. पु—साझा, भागीदारी, परस्पर परामर्श करना, विचार-विनिमय।
 तफ़ावुत (تفاوت) अ पु—अन्तर, फासिला, दूरी; पृथक्ता, जुदाई; विलव, देरी।
 तफ़ावुल (تفاوت) अ पु—अच्छा शकुन लेना; शकुन विचारना।
 तफ़ासीर (تفاسیر) अ स्त्री—'तफ़सीर' का बहु, तफ़सीरे, महाभाष्य।
 तफ़ासील (تفاصيل) अ स्त्री—'तफ़सील' का बहु, तफ़सीले, विवरण।
 तफ़ासुल (تفاصيل) अ पु—परस्पर अलग-अलग होना।
 तफ़ूलियत (طفولیت) अ स्त्री—बाल्यावस्था, वचपन।
 तफ़ज़ीम (تفخیم) अ स्त्री—श्रेष्ठ मानना, श्रेष्ठ बनाना।
 तफ़ज़ीअ (تفجیع) अ स्त्री—पीड़ित करना, दुःखित करना।
 तफ़ज़ील (تفضیل) अ स्त्री—एक को दूसरे पर प्रधानता देना, प्रधानता, तर्ज़ीह, हजरत अली को पहले तीन खलीफ़ाओ से श्रेष्ठ मानना।
 तफ़ज़ीली (تفضیلی) अ पु—वह सुन्नी मुसलमान जो हजरत अली को बाकी खलीफ़ाओ में सर्वश्रेष्ठ मानता हो।
 तफ़ज़ीह (تفضیه) अ स्त्री—निन्दा करना, बदनाम करना; निन्दा, अपयश, बदनामी।
 तफ़्त: (تفتت) फा. वि—तप्त, दग्ध, जला हुआ।
 तफ़्त:ज़ाँ (تفتت حان) फा वि—दे 'तफ़्त जिगर'।
 तफ़्त:ज़िगर (تفتت حگر) फा वि—दिलजला, दग्धहृदय, प्रेमी, आशिक।
 तफ़्त: (تفتت) फा पु—रोगनी पराठा, धूप या आग पर सेकी हुई चीज़।
 तफ़्त: (تفتت) अ स्त्री—टुकड़े-टुकड़े करना, चूर-चूर करना।
 तफ़्त: (تفتت) फा वि—तपा हुआ, गर्म किया हुआ।
 तफ़्त: (تفتت) अ. स्त्री—रोंजा खुलवाना।

तफ़तीश (تفتیش) अ स्त्री.—खोज, तलाश, गवेपणा; पुलिस अफसर द्वारा किसी केस की जाँच-पडताल।
 तफ़तीह (تفتیح) अ. स्त्री.—खोलना।
 तफ़तीहे मसामात (تفتیح مسامات) अ स्त्री—पसीना के लिए शरीर के रोमकूपों को खोलना, (दवाओ द्वारा) बफ़ारा द्वारा।
 तफ़तीद (تفتید) अ पु—भर्त्सना करना, डाँटना, फट-कारना।
 तफ़्तिक: (تفرقه) अ पु.—फूट, परस्पर विरोध; शत्रुता, दुश्मनी, पृथक्ता, जुदाई।
 तफ़्तिक:अंगेज़ (تفرقه انگیز) अ फा वि—दे 'तफ़्तिक: अदाज'।
 तफ़्तिक:अंगेज़ी (تفرقه انگیزی) अ फा स्त्री—दे 'तफ़्तिक: अदाजी'।
 तफ़्तिक:अंदाज़ (تفرقه انداز) अ फा वि—दो व्यक्तियों या दलो में परस्पर फूट डलवानेवाला।
 तफ़्तिक:अंदाज़ी (تفرقه اندازی) अ फा. स्त्री—परस्पर विरोध-भाव उत्पन्न करना।
 तफ़्तिक:परदाज़ (تفرقه بردار) अ फा वि—दे 'तफ़्तिक: अदाज'।
 तफ़्तिक:परदाज़ी (تفرقه برداری) अ फा स्त्री—दे 'तफ़्तिक: अदाजी'।
 तफ़्तिक:पर्वर (تفرقه برور) अ. फा वि—दे 'तफ़्तिक अंदाज'।
 तफ़्तिक:पर्वरी (تفرقه برداری) अ फा स्त्री—दे 'तफ़्तिक: अदाजी'।
 तफ़्तिक: सामाँ (تفرقه سامان) अ फा वि—फूट के सामान एकत्र करनेवाला, फूट फैलानेवाला।
 तफ़्तिक:सामानी (تفرقه سامانی) अ फा स्त्री—फूट के सामान एकत्र करके फूट फैलाना।
 तफ़्तिक (تفریق) अ स्त्री—पृथक् करना, अलग करना; फूट डालना, दिलो में भेद डालना, पृथक्ता, जुदाई; फूट, तफ़्तिक., बडी सख्या में से छोटी सख्या घटाना, बाकी, व्यवकलन।
 तफ़्तिक (تفریط) अ स्त्री—किसी काम में आलस्य और बेपरवाही करना, नष्ट करना, वरवाद करना।
 तफ़्तिक (تفرید) अ स्त्री—अकेला रह जाना, सबसे जुदा हो जाना, अकेला छोड़ देना।
 तफ़्तिक (تفریوش) अ स्त्री—फर्ग विछाना, फर्ग विछाकर मकान सजाना।
 तफ़्तिक (تفریس) अ स्त्री—किमी दूसरी भाषा के शब्द को फार्मी बनाना।

तफ़ीह (تفریح) अ स्त्री—मनाविना मनारजन, तिल्लगा मजाक भर सपाटा विहार, मीडा, कौतुक, खेल तमासा वक्त काटने के लिए मनवहलाव।

तफ़ीहागह (تفریحگاه) अ फा स्त्री—तफ़ीह की जगह विनोदस्थल मीडा-क्षेत्र।

तफ़ीहन (تفریحتان) अ वि—तफ़ाह और मनवहलाव के लिए मजाक के तीर पर, तिल्लगी में।

तफ़ीही (تفریحی) अ वि—मनवहलाव का, मनवहलाव से सम्बन्ध रखनेवाला।

तफ़ीहे तबअ (تفریح طبع) अ स्त्री—मनवहलाव, मना विना मनारजन।

तफ़ीह (تفریص) अ स्त्री—मिपुन करना हवाले करना हस्तांतरण।

तफ़सा (تفسان) फा वि—बहुत अधिक गम।

तफ़सीद (تفسید) फा वि—बहुत गम।

तफ़सीर (تفسیر) अ स्त्री—व्याख्या तथीह, किसी धर्म ग्रन्थ की व्याख्या भाष्य।

तफ़सील (تفصیل) अ स्त्री—विस्तार विवरण, स्पष्टता, तौजी।

तफ़हीम (تفهیم) अ स्त्री—ममयाना बोध कराना।

तब (تب) फा स्त्री—तप लेनी गुदह।

तबक (طبقة) अ पु—दे तक शुद्ध उच्चारण यही है परतु उद्गम तक ही बोलने है।

तबक (طبقة) अ पु—बड़ी रिक़ाबी साल परत तह तल सतह भग योनि।

तबकगर (طبوغر) अ फा वि—तबक बनानेवाला।

तबकच (طبوغچه) अ फा पु—छोटा तबाक छोटी रिक़ाबी।

तबकख़न (طبوغخان) अ फा स्त्री—बपटी लगानेवाली स्त्री सा तरबाज।

तबकत (طبوغات) अ पु—तबक का बहुत तबक परतें।

तबकातुअख़ (طبوغات الارض) अ पु—पृथ्वी क परत ज़मीन के भीतरी परत या दर्जे।

तबख़ाल (تبخالة) फा पु—बह छाटा फफ़ाला जा गर्मी के हीठो पर निकल आता है।

तबख़ुर (تبخور) अ पु—नाज़ और ग़ुहर से चलना नाज़ मुहर।

तबदुल (تبدل) अ पु—बदल जाना वस्तुना बदल करना परिवर्तन इनक़िलाव।

तबज़ी (تبجی) अ स्त्री—किसी बालक को मान पैना यटा बनाना।

तबर (تبر) फा पु—कुल्हावा करना।

तबरख़द (تبریدن) फा स्त्री—बद, क्षर, मिथी, सफ़ दानेदार चीनी।

तबरख़न (تبرون) फा वि—कुल्हाड़ी चलानेवाला, रफ़ हारा तबर बांधे हुए सिपाही।

तबरख़ी (تبروس) फा पु—वह तबर जो सवार की डीठ के साथ हर वक्त बसा रहता है।

तबर्रा (تبررا) अ पु—उपसा घुगा बेचारी, धिक्कार लानन मलामत माली-मालीअ अपाब्द लानन मलामत जो गोआ लोग पहे तीन खलीफ़ाअ की करते हैं।

तबर्राई (تبررائی) अ फा वि—ग़ाफ़ियाँ बकनेवाला तीना मत्रीफ़ाओ की बुरा भग बहनेवाला तबराबाज।

तबर्राबाज (تبررائی باز) अ फा वि—तबर्राई।

तबर्रक (تبرکی) अ पु—वह चीज़ जिममें वरकत होने का विदवात हो, वह चीज़ जो किसी महात्मा या दरख़ेग से मिठे वह प्रमाद जो किसी बुजुग़म ग़ाफ़ी की फातहा का हो बुजुग़ों से सम्बन्ध रखनेवाली चीज़ बहुत यानी-मो वस्तु (थग) प्रसा।

तबर्रकन (تبرکان) अ वि—तबर्रक के तीर पर बरकत और मग़ल के लिए प्रसादरूप से।

तबर्रकात (تبرکات) अ पु—तबर्रक का बहु तबर्रक की चीज़ें बुजुग़ों से सम्बन्ध चीज़ें।

तबर्रसुम (تبرسم) अ पु—हलकी हँसी मुस्तुराहट महुग़म स्मित मन्हान मुस्कान।

तबर्रसुमकुनो (تبرسمکونان) अ फा वि—मस्तुरागा हुआ।

तबह (تبه) फा वि—तबाह का लघु, दे तबाह।

तबहकार (تبهکار) फा वि—दे तबाहकार।

तबहहाल (تبهحال) फा वि—तबाह हाल।

तबहहुर (تبهحور) अ पु—विद्वत्ता पांडित्य इल्म की ग़हराई धुरधरता।

तबाअत (تبابت) अ स्त्री—मुद्रण छपाई।

तबाअव (تبابت) अ पु—एक दूसरे में दूर होना, अतर दूरी फासिल।

तबाए (تبابع) अ स्त्री—तबाअत का बहु, प्रकृतिया तबीअतें।

तबाक (تبان) तु पु—बड़ी रिक़ाबी वाली परत खाना मज का बनन खान।

तबाकी (تبابی) उ वि—दस्तग़वान के साथी खान भर क भीत हाली मवाली।

तबादुर (تبادور) अ पु—परस्पर दोडना दोड म जाग निकल जाना विसा वाम को दूसरे से पहे कर पैना।

तबादुरे जेहन (تبادورهن) अ पु.—जेहन का किसी ओर
तुरत जाना, तुरत ही कोई बात ध्यान मे आना ।

तबादुल (تبادل) अ पु.—वदलना, एक चीज की जगह
दूसरी चीज लेना, एक चीज के स्थान पर दूसरी चीज
रखना ।

तबायुन (تباين) अ पु.—विपरीतता, प्रतिकूलता, उलटापन,
अतर, भेद, फर्क, पृथक्ता, अलाहिदगी ।

तबार (تبار) फा. पु.—वश, कुल, गोत्र, खानदान ।

तबाशीर (تباشير) फा पु.—वशलोचन, तवक्षीर, एक
प्रसिद्ध दवा; सवेरे की सफेदी, ऊपा, उपा ।

तबाह (تباہ) फा वि.—नष्ट, ध्वस्त, वरबाद, जनशून्य,
निर्जन, वीरान, निकृष्ट, दूषित, खराब, दुर्दशाग्रस्त,
वदहाल ।

तबाहकार (تباہکار) फा वि.—तबाही मचानेवाला, वरवादी
फैलानेवाला, विनाशकारी, अत्याचारी, जालिम, वदचलन,
कदाचारी ।

तबाह रोजगार (تباہ روزگار) फा वि.—जमाने की गर्दिश
का शिकार, कालचक्रग्रस्त, दुर्दशाप्राप्त, भाग्यध्वस्त ।

तबाहहाल (تباہ حال) फा अ वि.—मुसीबत का मारा,
कालचक्र-पीड़ित, मुफिलस, दरिद्र, निर्धन ।

तबाही (تباہی) फा. स्त्री—विनाश, वरवादी, विध्वंस,
खराबी, खंडहरपन, अत्याचार, जुल्म, निर्धनता, दरिद्रता,
मुफिलसी, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत ।

तबाहीजद: (تباہی زدہ) फा वि.—आफत का मारा, विपत्ति-
ग्रस्त, निर्धन, कगाल, बेजर, भाग्यहीन, वदकिस्मत ।

तबीअत (طبیعت) अ स्त्री—धर्म, स्वभाव, खासीयत,
प्रकृति, निसर्ग, नेचर, जिविल्लत; स्वभाव, आदत, रुचि,
रगवत, जी, मन, दिल, चित्त; स्वास्थ्य या रोग के
दृष्टिकोण से शरीर की दशा, मिजाज ।

तबीई (طبعی) अ वि—दे 'तब्ई', एक वैज्ञानिक
शाखा जिसमे शारीरिक परिवर्तनो और गुणो का विवरण
होता है; शरीर धर्मशास्त्र ।

तबीख (طبیخ) अ पु.—औटाई हुई दवा आदि का पानी,
जोरांद ।

तबीब (طبيب) अ पु.—दवा करनेवाला, उपचारक,
चिकित्सक, वैद्य ।

तबीर: (تبیور) फा पुं—नक्कारा, धौसा, डुन्दुभी, भेरी ।

तबीर-जन (تبیوران) फा वि—नक्कारा बजानेवाला,
भेरीकार ।

तब्अ (طبع) अ स्त्री—स्वभाव, आदत, मुद्रण, छापना ।

तब्अ आजमाई (طبع آزمائی) अ फा स्त्री—काव्य-रचना-

शक्ति की जाँच, किसी समस्या की पूर्ति या किसी विषय पर
कविता लिखना ।

तब्अजाद (طبع زان) अ फा वि—मन की प्रेरणा से उत्पन्न,
गढत, अपनी विचार-शक्ति की पैदावार, कल्पित, फर्जी ।

तब्अन् (طبعاً) अ वि—स्वभावत, स्वभाव से, दिल से ।

तब्ई (طبعی) अ वि—स्वाभाविक, प्राकृतिक, नेचुरल,
“अय शम्मा तेरी उम्र तवई (तबीई) है एक रात”—“जौक” ।

तब्ईअ (تبدیض) अ स्त्री—सफेद करना, सफेदी फेरना ।

तब्ईन (تبدین) अ स्त्री—व्यक्त करना, जाहिर करना;
कहना, बयान करना ।

तब्ईयत (تبعیت) अ. स्त्री—अनुकरण, पदानुसरण,
पैरवी ।

तब्ए रवाँ (طبع رواں) अ. फा स्त्री—प्रतिभाशील तबीअत,
तेज तबीअत, प्रवाहित कल्पना-शक्ति, उर्वरा प्रतिभा ।

तब्ए रसा (طبع رسا) अ फा स्त्री—ऊँची उडान भरनेवाली
तबीअत या काव्य-शक्ति ।

तब्क: (طبقة) अ. पु.—वर्ग, श्रेणी, दर्जा, लोक, आलम;
परत, तह; तल, दर्जा ।

तब्क: वारान: (طبقة وارانہ) अ फा वि—वर्ग और श्रेणीवाला,
छोटे बड़ेवाला, धार्मिक, फिर्का वारान ।

तब्ख (طبخ) अ पु—पकना, पाक ।

तब्खीर (تسخیر) अ. स्त्री—एक रोग जिसमे खाने के पश्चात्
आमाशय से भाप उठती है; भाप बनाना, वाष्पीकरण ।

तब्जीर (تجزیر) अ स्त्री—फुजूलखर्ची करना, अपव्यय,
अतिव्यय, तितर-वितर करना, अस्त-व्यस्त करना ।

तब्जील (تجلیل) अ. स्त्री—सत्कार और आदर करना;
श्रेष्ठ और महान् जानना ।

तब्दील (تبدیل) अ स्त्री.—वदलना, एक स्थान से दूसरे
स्थान पर ले जाना, एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना ।

तब्दीली (تبدیلی) अ स्त्री.—परिवर्तन, उथल-पुथल;
एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना, स्थानांतरण, एक वस्तु
के वदले दूसरी वस्तु लेना; क्रान्ति, इनकिलाब ।

तब्दीले आबोहवा (تبدیل آب و هوا) अ फा स्त्री—जलवायु
का वदलना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना ।

तब्दीले मज्हेब (تبدیل مذهب) अ स्त्री—धर्म-परिवर्तन,
मज्हेब की तब्दीली ।

तब्दीले सूरत (تبدیل صورت) अ स्त्री—रूप-परिवर्तन, शकल
वदल जाना, हुलया वदलना, बहुरूपिया बनना ।

तब्दीले हैअत (تبدیل همت) अ स्त्री—त्रे 'तब्दीले मूर्त' ।

तन्नियत (تندیث) अ. स्त्री—ले पाठक बनाना, गोद लेना,
मुतबन्ना करना ।

तब्बाअ (طبايع) अ वि-प्रतिभांगाली जहीन जोनियस।
 तब्बाई (طبايعى) अ स्त्री-प्रतिभा जहानत।
 तब्बाअ (طبايع) अ पु-राठी पकानेवाला नानवाइ
 खाना पकानेवाला बाबरचा मूपकार रमोइया।
 तब्बाअी (طبايعى) अ स्त्री-नानवाई का पगा बाबरची
 का पगा।
 तब्बोद (تبريد) अ स्त्री-ठंडाई वह ठंडाई जो जुलाब के
 बाद दी जाता है।
 तब्बेअ (تبر) फा पु-ईरान के आखरवाइजान प्रान्त का
 एक प्रसिद्ध नगर।
 तब्बेअी (تبرى) फा वि-तब्बेअ का निवासी।
 तब्ब (طبايع) फा पु-सड़कची पिटारी खाल मग हुआ
 एक रखा प्रसिद्ध बाजा तबला।
 तब्ब (طبايع) फा पु-दुबुमि भेरी घोसा नक्कार।
 तब्बएअवर (تبلت) फा अ पु-अवरका पिटारी
 वह डब्बा जिसमें अवर रहता है।
 तब्बक (طبايع) तु स्त्री-वह कागड जा पकित बनाने
 क लिए ऊपर चगाया जाता है बोना आर ससुला हुआ
 लिप्राडा कागड का मुटठा।
 तल्ली (طلى) अ वि-डाल-असा डालनुमा जलधर की
 एक डिस्म जिसमें पट डोल की तरह बजना है।
 तलाय (طبايع) अ स्त्री-प्रोगेडा प्रचार किनी बात
 का दूर तक फलाना प्रसार।
 तल्लोय मडहब (تسليع) अ स्त्री-धम प्रचार
 मडहब की तल्लेय।
 तल्लेजग (طبلجنگ) फा पु-लडाइ में बजनेवाग
 नक्कारा रणभेरी रणदुमि।
 तल्लोअलम (طبلوسم) फा अ पु-लडाई का सडा और
 नक्कारा वह पडा और नक्कारा जो मुक्कारा और बजोरा
 की सगारी क साथ चलता है।
 तबबोअ (تبوس) अ स्त्री-पुस्तक का परिच्छग
 और अफ्याग में विभाजन बाब=अफ्याय स यह शब्द
 बना है।
 तबगोर (تب) अ स्त्री-गुम मूचना दना अच्छा धरत
 गुनाना आगीवा दना।
 तबितार (تعب) अ पु-जोगा में रोगी पहुँचाना,
 अँस्कारा करता आलोचना सचापा तब्बाद।
 तबितारणार (تعبسكار) अ फा वि-ममालाचर
 समीगह तब्बान्तार।
 तमए हाम (صع حام) अ फा स्त्री-तगो अभिलाया
 एगी इच्छा जो पूरी नहा मन्तव्य।

तमक्कुन (سكن) अ पु-आह पकडना स्थिर होना
 ठहरेना टिकना।
 तमतौ (سنتع) अ पु-लाभ प्राप्ति नजा उम्मा
 लाभ प्राप्ति नफा।
 तमदबुद (سند) अ पु-खिषाव, तनाव, लबा होना
 दरख होना।
 तमदबुन (سندن) अ पु-शहर में एक जगह मिल-बुल्कर
 रहना और वहाँ का प्रबंध करना नागरिकता किनी ग
 का वेग भूया उनके रहने-सहने का ढग और उनके आधार
 व्यवहार।
 तमना (سنا) अ स्त्री-कामना एलसा अभिलाया
 आकागा स्पृहा इच्छा स्वाहिा आरबू बरम में ब
 नबर है सद तमना-आभा-लिल में है महफिल काई मा
 लिल मेरा महफिल में है।
 तमनाई (سنايى) य वि-इच्छुक अभिलायी लाली
 स्पही आकागी लिमु स्वाहिगामद।
 तमर (سمر) अ पु-सूखा हुआ खजूर छहाए, गुर्मी।
 तमर हिंदी (سمرهيندى) फा स्त्री-इमली इमला का
 पड इमला का फल, तिनिडी।
 तमरित्तान (سمرتان) अ फा पु-खजूर का बाग।
 तमदद (سمد) अ पु-द्रोह, सरकारी, अवज्ञा माफरामी,
 अहकार गव, पमड घुटता, गिठाई मुस्तामी।
 तमल्लुअ (سمل) अ पु-चापलूमी, लक्षणपतो का
 कारिता सुगामद।
 तमल्लुल (سملل) अ पु-व्याकुलता आगुरता बचनी
 बेआरामी जाने और सोने के बीच का अवस्था जब मनप
 सीता है परन्तु कुछ-कुछ होग में हाता है।
 तमल्लुअ (سمل) अ पु-जानी का मोरें मारना पादा में
 जार-जार से लट्टें उडना हिन्तली।
 तमल्लुल (سمل) अ पु-सनाइयता समडि मालाए
 धनमपमत्रा।
 तमगगी (سسى) अ स्त्री-जाना चलना गति गमन।
 तमल्लुर (سملر) अ पु-मस्तरापन अभिहास टाक,
 मनारजन निलगी सजीह।
 तमसुक (سك) अ पु-ग्रहण करना लेना पकाना
 श्रेणपत्र इजनामा हरय, दस्तावब।
 तमा (طمع) अ स्त्री-लाभ लालुपता हिय इच्छा
 अभिलाया स्वाहिा।
 तमाअ (تماح) उ पु-दे 'तमाअ'।
 तमाअण (تمار) अ स्त्री-गुप की रमी गुण की
 रमी।

तमाजते आपताव (تسارت آفتاب) अ. फा. स्त्री.—सूरज की गर्मी, धूप की गर्मी।

तमादी (تسادی) अ. स्त्री—अन्त होना, अन्त तक पहुँच जाना, समाप्त हो जाना, लम्बा होना, बढ़ना, बढ़ जाना।

तमानियत (طمانیت) उ. स्त्री.—सतोप, इत्मीनान, सान्त्वना, तसल्ली, विश्वास, एतिवार, मुख्य शब्द 'तुमानीनत' अथवा 'तुमानीयत' है।

तमाम (تسام) अ वि—समस्त, समग्र, सब, सपूर्ण, कुल, समाप्त, खत्म, निर्मल, खालिस, अत्यधिक, बहुत जियादा।

तमामतर (تسامتر) अ फा वि—सर्व, सारे का सारा, मुकम्मल, पूरा-पूरा।

तमाशाः (تساشته) फा पु—दे शु शब्द 'तमाशा'।

तमाशाबीन (تساش بیین) फा वि—ऐयाश, वेश्यागामी, रडीवाज।

तमाशाबीनी (تساش بیینی) फा स्त्री.—ऐयाशी, वेश्यागमन, रडीवाजी।

तमाशा (تساشا) अ पु—सैर, तफ़ीह, विहार, दर्शन, दीदार; आनन्द, लुत्फ, क्रीड़ा, खेल, वाजीगरो या मदारियो आदि का खेल, नाटक आदि का खेल, अद्भुतता, अजूबापन, मनोविनोद, हँसी-मजाक, भोंड़ी या बहुरूपियों की नकल या स्वाँग।

तमाशाई (تساشائی) अ फा वि—तमाशा देखनेवाला या देखनेवाले, कौतुकदर्शी।

तमाशाकुर्ना (تساشاکورنا) अ फा. वि—सैर करता हुआ, सैर से दिल बहलाता हुआ।

तमाशा खानम (تساشاخانم) अ.तु स्त्री.—हँसने-हँसानेवाली औरत, ऐसी स्त्री जिसकी बातें बड़ी मनोरंजक हो।

ताशागर (تساشाگر) अ फा. वि—तमाशा करनेवाला, तैतुकी।

ताशागाह (تساشाگاه) अ. फा. स्त्री—वह स्थान जहाँ तमाशा होता हो, क्रीडास्थल, कौतुकागार, लीलागृह।

ताशाबी (تساشابیین) अ फा वि.—तमाशा देखनेवाला, तैतुकदर्शी।

तासील (تسائیل) अ स्त्री—'तिम्साल' और 'तम्सील' का बहु, आकृतियाँ, मूर्तियाँ, उपमाएँ, तश्वीहे।

तासुल (تسائیل) अ पु—सूरत विगाड देना, किसी की सूरत इतनी विगाड देना कि वह पहचानने में न आ सके।

तासीर (تسیر) अ स्त्री—'तम्ईज़' का लघु, विवेक, दो वस्तुओं में अन्तर समझ सकने की बुद्धि, पहचान, परख, शिष्टता, सभ्यता, तहजीब, बुद्धि, मेधा, अकलः ज्ञान।

सज्ञा, होश; सलीका, कौशल, योग्यता; परीक्षा में मिलने-वाला विशेष चिह्न, डिस्टिक्शन, विशेष योग्यता।

तमीजदार (تسبیژدار) अ. फा वि—गिफ्ट, सम्य, मुहज्जब; कुशल, योग्य, सलीकामद।

तमूज़ (تسوز) फा स्त्री—धूप की कड़ी गर्मी, जेठ-वैसाख की गर्मी।

तमअ (تساع) अ स्त्री—दे 'तमा', दोनो उच्चारण सही है। तमईज़ (تسبیژ) अ स्त्री—दे 'तमीज', उर्दू में तमीज ही बोला जाता है।

तमकनत (تسکنت) अ स्त्री—अभिमान, गर्व, घमड, गुरुर; तडक-भडक, टीम-टाम।

तमकीन (تسکین) अ स्त्री—स्थिरता, पायदारी, प्रतिष्ठा, सम्मान, वक्अत, गभीरता, मतानत, सजीदगी, पद, पदवी, दरजा।

तमगा (تسغا) तु पु—पदक, मेडल, राजचिह्न, शाही मुहर, माफी की जमीन की सनद, भूमिधर-पत्र।

तमजीद (تسجید) अ स्त्री—किसी को महत्ता और प्रतिष्ठा देना, किसी की महत्ता या प्रतिष्ठा का वर्णन करना, स्तुति, कीर्तन, गुणगान, यशोगान, हम्दोसना।

तमदीद (تسدید) अ स्त्री.—खीचना, बढ़ाना, लबा करना; खिचाव, बढ़ाव, लवाई।

तममत (تست) अ क्रि—समाप्त हुआ, खत्म हुआ।

तममत विलखैर (تست بالخیر) अ क्रि—अच्छाई और सुन्दरता के साथ समाप्त हुआ, जो काम सुगमता और शुद्धतापूर्वक समाप्त हो, उसके लिए कहते हैं।

तममाअ (تساع) अ वि—बहुत अधिक लोभी, अति लोलुप, लिप्सु, लुब्ध।

तमसील (تسئیل) अ स्त्री—उपमा, तुलना, तश्वीह; समानता, बराबरी, दृष्टान्त, उदाहरण, मिसाल।

तमसीलन् (تسئیلا) अ अव्य—उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

तमसीली (تسئیلی) अ वि—उपमा या तुलनावाला, जिसमें कोई तमसील हो अर्थात् जिसमें किसी असली व्यक्ति के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका पार्ट बदा किया हो।

तय (تطی) अ पु—निर्णीत, फैसल, परिपक्व, पुख्ता; समाप्त, खत्म, निश्चित, यकीनी, यमन (अरब) का एक वंश जिसमें 'हातिम' हुआ है।

तय्यारः (طیاره) अ पु—वायुयान, विमान, हवाई जहाज़।

तय्यारःशिकन (طیاره شیکن) अ. फा स्त्री—वह तौप जो हवाई जहाज़ को मार गिराये।

तय्यार (تیار) अ वि-तत्पर, बद्धकटि, आमादा, समाप्त, खतम, हृष्ट-मुष्ट, मेडुर लहीम शहीम परिपूण, मुकम्मल सुसज्जित आरास्ता कोई पदाय खाने या प्रयोग करने की अवस्था में जैसे-भोजन अथवा कपड़ा जो सिलने को लिया हो, वस्त्राभूषण आदि से सुसज्जित कूच, हमले या छापे के लिए कौल-काटे से लस, उपस्थित मौजूद, विद्यमान।

तय्यारची (تیارچی) अ तु वि-वायुयान चालक हवाई जहाज चलानेवाला पाइलोट।

तय्यिब (طیب) अ स्त्री-पवित्रा पुनीता मुकद्दस स्त्री धार्मिक दृष्टिकोण से पवित्र नगरो के विशेषत मदीने के आगे लगाया जानेवाला शब्द।

तय्यिब (طیب) अ वि-पवित्र, गुद्ध पाक विहित जायज हलाल वह धन आदि जो पूरे परिश्रम और पूरे ईमानदारी से कमाया गया हो।

तय्यिबात (لتیبات) अ स्त्री-तय्यिब का वह पवित्रा और पुनीतात्मा स्त्रियाँ।

तरजवीन (ترجین) अ स्त्री-एक प्रकार की रेचक गजर या बाज पोटा पर जम जाती है और अधिकतर सुरासान (ईरान) से आती है सुरजवीन गिक्जी नौक का गवत।

तर (تار) का पु-शाक भाजी साग तरकारी।

तर (تار) का वि-आद्र गीला नवीन नया तल्फालीन, ताजा हाल का हरा सज सरसब्ज लतपत लयडा हुआ धी आदि से चुपडा या उसमें डूबा हुआ तरतरता धनवान मालदार (प्रत्य) अत्यधिक जैसे-खूबतर' बहुत अधिक उत्तम मा सुन्दर।

तरकश (توکش) का पु-तीर रखने का लम्बा खोल जो बमर म लटकया जाता है तूणीर नियम धाण।

तरकशबद (توکش بند) का वि-तुणीरधारी तरकश बांधे हुए नियमधर।

तरकशी (توکشی) अ स्त्री-उत्थान उन्नति उरुज अधि कता, बहुतायत जियाती वद्धि, बढ़ती पद या आहदे में वृद्धि।

तरकशीपसद (توکشی پسند) अ का वि-उन्नति और तरकशी चाहनेवाला एक साहित्यिक दल जो साम्यवादी विचारों का प्रचारक और देश में साम्यवाद का हामी है।

तरकशी पिशीर (توکشی پشیر) अ का वि-द तरकशी यापन उन्नतिप्राप्त (पिशिर=प्राप्त)।

तरकशीपास्त (توکشی پاست) अ का वि-समुन्नत बद्धमान तरकशी को पहुँचा हुआ सुवम्य गुणित मुहब्बद।

तरखदान (تورخان) का वि-किसी की प्रशंसा करनेवाला मद्दह्वाँ, सुन्दर और गिष्ट भाषण देनेवाला सुवक्ता।

तरजुमान (تورحمان) अ पु-एक भाषा से दूसरी भाषा में बोलनेवाला भाषान्तरकार, दा ऐस व्यक्तित्वा के बीच में मध्यस्थता करनेवाला जो एक दूसरे की भाषा न समझत हा द्विभाषी।

तरजुमानी (تورحمانی) अ का स्त्री-दो भाषाया वा उल्हा, दो भाषाभाषियों में मध्यस्थता।

तरज्जी (تورجی) अ स्त्री-ऐसी वस्तु के मिलने की आशा जिसकी प्राप्ति नव हो जागा आस उम्मेद।

तरवस्त (توروست) का वि-स्कृतियुक्त वुस्त फर्तीला हाथ से होनेवाली कारीगरी (दस्तकारी हस्तशिल्प) में दम और हागियार प्रवीण कुशल माहिर।

तरदामन (توردامن) का वि-जो दामन बचाकर न निकल सका हा बल्कि जिसका दामन सन गया हो अर्थात् किसी अपराध में लिप्त मुजिम पापी, गुनाहगार।

तरदिमाष्ट (توردماش) का वि-मस्त मतवाला बुद्धिमान अकल्पद, ठाडाविभाग स्थिरप्रण सावधान।

तरवदुद (تورود) अ पु-चिन्ता सोच सोच, फिक्र अममजस दुविधा पनोपेण, घबराहट, आतुरता, परेगानी तैत की जुताई-बुवाई आदि कृषि-कम।

तरनुम (تورنوم) अ पु-स्वर माधुम सुग इल्हाना, हलका गाना मधुर गान।

तरनुमदा (تورنوم دا) अ का वि-ऐसा स्वर जिससे तरनुम टपके अत्यन्त मधुर स्वर मधुर स्वर उत्पादक।

तरनुमरेख (تورنوم ریک) अ का वि-तरनुम से पढ़नेवाला तरनुम स पढता हुआ।

तरनुमरेखी (تورنوم ریکی) अ का स्त्री-तरनुम से पढ़ना।

तरफ (تورف) अ स्त्री-दंगा ओर सिम्त सिफ, किनारा जानिव लिहाज आदर पास पण पार्टी।

तरफदार (تورف دار) अ का वि-मभाषानी, हिमायती, सहायक मन्त्रगार।

तरफदारी (تورف داری) अ का स्त्री-मसपात हिमायत, सहायता मदद।

तरफन (تورف ن) अ स्त्री-पेना पक्ष दाता पार्टियों उभय पण।

तरफकह (تورف ک) अ पु-समझि विभव सपन्नता साहजाली।

तरफकी (تورف کی) अ पु-अपन को सबम ऊँचा समझना अहंकार अहंवाद गव गुरूर।

तरब (تورب) अ पु-आनन्द आह्लाण हण उल्लाग सोमनस्य सुगी मसरत।

तरबअंगेज (طربانگير) अ. फा वि—खुशी बढ़ानेवाला, आनन्दवर्धक, हर्षजनक।
 तरबअफ़जा (طربافزا) अ फा वि—दे 'तरबअगेज'।
 तरबगाह (طربگاه) अ फा स्त्री—वह स्थान जहाँ खुशियाँ मनाई जा रही हो।
 तरबखेज (طربخيز) अ फा वि—दे 'तरबअगेज'।
 तरबजा (طربزا) अ फा वि—खुशी उत्पन्न करनेवाला, हर्षजनक, आनन्दोत्पादक।
 तरबसंज (طربسنج) अ फा वि—तोल-तोलकर आनन्द का ढेर लगानेवाला, बहुत अधिक खुशियों का मालिक।
 तरबुज (طربو) फा पु—तरबूज, एक प्रसिद्ध फल, कलीदा, कालिदा, कालिग, चित्रफल, मासफल, फलवर्तुल।
 तरशशुह (طروشح) अ पु—हल्की-हल्की फुहार, बूँदा-बाँदी, रिसना, झरना, टपकना, प्रकट होना, जाहिर होना।
 तरह (طرح) अ स्त्री—न्यास, नीव, बुनियाद, पद्धति, शैली, तर्ज; वेशभूषा, वजू'अ, समान, भाँति, मिस्ल; घटाना, व्यवकलन, तफ़ीक, प्रकार, ढग, टालना, झगडे को बढ़ने न देना, युक्ति, तरकीब, जुगत, मुशाडरे के लिए मिस्रा, जिससे उसकी बह और रदीफो काफिया जाना जाता है, समस्या।
 तरहदार (طرحدار) अ फा. वि—बाँका, छवीला, चुटपुटा, नाजोअदाजवाला, (माशूक) वजअदार।
 तरहदारी (طرحداری) अ फा स्त्री—बाँकापन, छवीलापन, हाव-भाव, नाज-नदगा, हुस्त, सौन्दर्य।
 तइक (طرائق) अ पु—'तरीका' का बहु, तरीके।
 तज (طراز) फा पु—दे 'तिराज', वही शुद्ध है।
 तजिद: (طرازنده) फा वि—दे 'तिराजिद' वही शुद्ध है।
 तजिम (تراجم) अ पु—'तर्जम' का बहु 'तर्जमे'।
 तजिए तरफैन (تراصفي طرفين) अ स्त्री—दोनों पक्षों की रजामदी, उभयपक्ष की स्वीकृति।
 राजी (تراحی) अ स्त्री—एक दूसरे से आशा रखना।
 राखी (ترامی) अ स्त्री—एक दूसरे से रजामद होना; रजामदी, अगीकृति।
 राजू (ترازو) फा स्त्री—तौलने का यंत्र, तुला, तखरी, मीजान।
 तराजूए अदल (ترازوه عدل) फा अ स्त्री—वह तराजू जिसके दोनों पल्लों में तनिक भी अन्तर न हो, न्याय-तुला।
 तराजूए संगजन (ترازوه سنگزن) फा स्त्री—वह तराजू जिसमें पासग हो।
 तरान: (ترانه) फा पु—गान, गाना, नगम, एक विशेष प्रकार का गीत।

तरान:जान (ترانهزن) फा वि—गानेवाला, गायक, गाता हुआ।
 तरान:रेज (ترانهزير) फा वि—दे तरान जन।
 तरान:संज (ترانهسنج) फा वि,—दे. 'तरान जन'।
 तरान:सरा (ترانهسرا) फा वि—दे 'तरान जन'।
 तरान:साज (ترانهساز) फा वि—दे. 'तरान जन'।
 तरार: (طرازه) उ पु—दे 'तरार', वही शुद्ध है।
 तरावत (طراوت) अ स्त्री—शीतलता, ठंडक, तरी; सर-सब्जी, हरियालापन, ताजगी, दिल और दिमाग की ठंडक।
 तराविश (تراوش) फा स्त्री—टपकन, रजिश।
 तराविशे कलम (تراوشقلم) फा अ स्त्री—कलम की टपकन, अर्थात् सियाही की तहरीर।
 तराविशे फ़िक्र (تراوشفکر) फा अ स्त्री—कल्पना-शक्ति की टपकन, दिमाग की उत्तरन, मज्मून, निबन्ध आदि।
 तरावीह (تراويح) अ स्त्री.—रमजान के महीने की नमाज जो रात में पढी जाती और जिसमें, कुरान सुनाया जाता है।
 तराश: (تراشه) फा पु—किसी वस्तु को छीलने में निकला हुआ फोक, छीलन, पत्थर तराशने की छेनी, टाँकी; फाँक, काश।
 तराश (تراش) फा स्त्री—कटाव, काट-छाँट, कतर-व्योत, काटने का ढग, कटाव की शकल, आविष्कार, ईजाद, धार, बुरिश, काट, (प्रत्य०) काटनेवाला, जैसे—'जेवतराश' जेव काटनेवाला।
 तराश खराश (تراش خراس) फा स्त्री—वेशभूषा, वजा कता, काट-छाँट, कतर-व्योत।
 तराशिद: (تراشنده) फा वि—काटनेवाला, छीलनेवाला, कतरनेवाला।
 तराशीद: (تراشیده) फा वि—काटा हुआ, छीला हुआ; कतरा हुआ, मनगढत, कपोल-कल्पित।
 तरिक: (تریکه) अ पु—वह धन और संपत्ति जो किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियों को मिलती है, दाय, रिक्थ।
 तरी (تری) फा स्त्री—आर्द्रता, गीलापन, खुश्की का उलटा, पानी का स्थान, सील, नमी, सीड, समृद्धि, धनाढ्यता, मालदारी।
 तरी (طری) अ वि—ताजा, सरसब्ज, हरा भरा।
 तरीक: (طریقه) अ पु.—प्रणाली, शैली, तर्ज; युक्ति, तरकीब, पय, मयूरव, नियम, काइदा; परम्परा, रिवाज, चाल-ढाल, रविश, वेशभूषा, वजा कता।
 तरीक (طریق) अ. पु—'वक्ता का नाम कोई भूलकर नहीं लेता—तेरे तरीक ने चाँका दिया, जमाने को"। मार्ग. रास्ता;

गला रविग परम्परा रिवान घम मजहब, युक्ति, खरकीब नियम दस्तूर।

तरकीए ता'लीम (طرسه معلم) अ पु—गिभा प्रणाली, गिनपसाला, पाने का डग।

तरोजत (طرس) ज स्त्री—आत्मगुडि जत गुडि लि का पाकीजी बहानान अध्यात्म समझुफ।

तरोजे अमल (طرس عمل) अ पु—नाम करने का तराका काय प्रणाला काय-मदति।

तरौन (طرس) फा प्रत्य—उबस जधिक जस—बदतरौन सबसे जधिक खराब निवृत्तनम।

तरौनाड (طرس واد) फा वि—मरमत्र हरा भरा प्रफुल्ल, आननि हगगाग बगगाग।

तर (طرس) ज पु—त्याग परित्याग छाडना भूल, भूल में छूट जाना महव।

तर्जोकि (طرس) अ स्त्री—पतला करना पाना की तरह पनग करना पतलापन तरलना रडाड (द्रव) सवना।

तर्जोब (طرس) अ स्त्री—मिथग मिलाना बनावट साभत युक्ति तर्जोब डग प्रणाला तराका किसी विनोप चाड क बनाने का डग व्याकरण में विना वाक्य क गदा का परिच्छेद।

तर्जोब बद (طرس بلد) अ फा पु—नरम की एक तिमम जिमम बद बद हात ह हर व जलग-अलग रगड काडिए म हाता ह जार हर बद क सतम पर एक नया गेर गत ह जा अलग रगड काडिए का हाता है इसमें और तर्जोब बद' म यही भेद है कि उसमें तीप का गेर एक हा हाता है जा बार-बार जाता है और इसमें तीप क सब गर अलग थगग हात ह।

तर्जोब इस्ते'माल (طرس استعمال) ज स्त्री—विचा दवा क खाने की तरकाब सवनविधि।

तर्जोबे नहबी (طرس نهبي) अ स्त्री—वाक्य विन्ययण विग्रह।

तर्जोबे सज्जी (طرس صرعي) अ स्त्री—शत्रु निरविन सधि विच्छेद पनवय।

तर्जोह (طرس) अ स्त्री—रंगने का हन्दी।

तर्जो अदब (طرس ادب) अ पु—किमा क साथ जिम सम्मान या नम्रता स पन जाना चाहिए उनका त्याग दना आदर त्याग गुस्ताखी बदनहवावी।

तर्जो अला'क (طرس اعلق) अ पु—गासारिक विषयवामना का त्याग गहस्था और बाल-बच्चा का त्याग निवर्ति।

तर्जो दुनया (طرس دنيا) अ पु—ममारा क यगडा का त्याग माहत्याग विषयत्याग।

तर्जो बतन (طرس وطن) अ पु—स्वगन्त्याग प्रवास निर्वापन पलावतनी।

तर्जो लरदात (طرس لادات) अ पु—मुख-वन और अच्छा खाना-पाना छाड देना निवर्ति।

तर्जो मुवालात (طرس موالاب) ज पु—मिल-जुलकर काम करना छा' देना असहयाग अदमे तजाउन।

तर्जोब (طرس) अ स्त्री—लालच दना, प्रलाभन उत्तबना इतिआल प्रेरणा गीड बरगलाना, बहाना।

तर्ज (طرس) अ उभ—शान्ती पदति डग, स्वभाव, आन वेगभपा बडा-कता।

तर्जम (طرس) अ पु—अनुवा' भागान्तर, उन्पा तजुमा भी प्रचलिन है।

तर्जोअ (طرس) अ स्त्री—जाकर वापस आना प्रत्यागमन विनी के भरने पर इनालि'लाह' कहता।

तर्जोअबद (طرس بلد) अ फा पु—नरम का एक तिमम जिममें कइ बद होते ह हर बद अलग-अलग रदीक काडिए में हाता है और हर बद की समाप्ति पर एक गेर आता है जिसका रनीक काडिया जुग होता है और यह गेर हर बद की समाप्ति पर आता है बरखिलाफ तर्जोबबद के जिममें बीच का हर गेर ना हाता है।

तर्जोह (طرس) अ स्त्री—प्रधानता, थप्टता फीजियत विनी व्यक्ति विषय या वस्तु को उमी जस दूसरे व्यक्ति विषय या वस्तु पर प्रधानता दना।

तर्जोह विला'मुरजह (طرس ولامرجه) अ स्त्री—एक का दूसरे पर विना कारण क प्रधानता दना।

तर्जुमान (طرس) अ पु—दे तरजुमान'।

तर्जो अदा (طرس ادا) अ फा उभ—वाय प्रणाली शारीरी का तज हाव भाव का तज नाडाअदाज।

तर्जो कलाम (طرس كلام) अ उभ—बात करने का डग बाकगला।

तर्जो गुफ्तुगु (طرس گفتگو) अ फा उभ—बातगला बात चात करने का तराका।

तर्जो तकरीर (طرس تقریر) अ उभ—भाषण-शली बाक प्रणाली तर्जो करने का डग।

तर्जो तहरीर (طرس تحریر) अ उभ—लेखन गली लिखन का डग।

तर्जो रफतार (طرس رفتار) अ फा उभ—चलने का डग गमनप्रकार।

तर्जोअदाज (طرس ادا) अ फा पु—बडा-कता, रग-अब चाल-डाल।

तर्तीव (توتیب) अ स्त्री—क्रम, सिलसिला, प्रवध, वदो-वस्त, सज्जा, दुस्ती, चद चीजो को यथास्थान ठीक-ठीक रखना; हर चीज का उसके मुताबिक दर्जा नियुक्त करना।
 तर्तीव (توتیب) अ स्त्री—ठंडा करना, शीतल करना; शरीर के किसी अंग में तरी पहुँचाना।
 तर्तीवचार (توتیب‌وار) अ. फा वि—तर्तीव में एक के बाद एक।
 तर्तील (توتیل) अ स्त्री—कुरान को उसके शुद्ध उच्चारण के साथ, धीरे-धीरे और इत्मीनान से पढ़ना।
 तर्दीद (تودیید) अ स्त्री—रद्द करना, लौटाना, खडन करना, काटना, किसी बात को झूठ साबित करना; किसी के लगाए हुए दोष को गलत प्रमाणित करना।
 तर्फः (طرفه) अ पु—एक वार पलक झपकाना, नवाँ नक्षत्र, श्लेषा, नाखून रोग, जिसमें आँख में एक लाल बूँद पड़ जाती है।
 तर्फ (طرف) अ पु—पलक झपकाना, आँख, देखना; कोना, कनारा, गोशा, सुनहरी पेट्टी जो कमर में सजावट के लिए बाँधते हैं, सोने-चाँदी की जजीर जो कमर में बाँधी जाती है।
 तर्फबुलएन (طرفه‌العین) अ पु—एक वार पलक का झपकना, बहुत जरा-सी देर।
 तर्बियत (تربیت) अ स्त्री—पालन-पोषण, परवरिश शिक्षा, तालीम, सम्यता और शिष्टाचार की शिक्षा; तादीव, ट्रेनिंग, प्रशिक्षण, सुधार।
 तर्बियतयाप्तः (تربیت‌یافته) अ फा. वि—जो शिष्टता और सम्यता की शिक्षा पा चुका हो, सम्य, शिष्ट, ट्रेनिंग पाया हुआ, प्रशिक्षित।
 तर्मीम (ترومیم) अ स्त्री—मरम्मत करना, सँवारना, दुस्त करना, काट-छाँट, इस्लाह, सशोधन, किसी प्रस्ताव में काट-छाँट, परिवर्तन।
 तर्रार (طراز) अ वि—तेज बोलनेवाला, वाचाल, मुखर, चालाक, दक्ष, कुशल, छली, बचक, हीलागर; चुलबुला, चपल, शोख।
 तर्रारी (طراوی) अ स्त्री—छल, कपट, ठगी; चपलता, चंचलपन, शोखी; वाचालता, मुखरता, चौकड़ी, कुलाच।
 तर्बीज (ترویج) अ स्त्री—रिवाज देना, प्रचलित करना, फैलाना; प्रचार करना, तबलीग करना।
 तर्स (توس) फा पु—भय, डर, खौफ।
 तर्सनाक (توسناکی) फा वि—भयभीत, डरा हुआ, भयाक्रान्त भयवन्त।

तर्सा (توسان) फा वि—भयभीत, व्रस्त, भयार्त, खीफजदा।
 तर्सा (توسا) फा पु—ईसाई, ख्रिष्टीय; आतशपरस्त, अग्निपूजक, पार्सी।
 तर्सावचः (توسا‌صحة) फा पु—ईसाई खूबसूरत लड़का; पार्सी खूबसूरत लड़का।
 तर्सिदः (توسیده) फा वि—डरनेवाला।
 तर्सिअ (تروسیع) अ स्त्री—किसी जेवर पर नगीने जडना, इवारत के दो जुमलो में एक वजन और काफिए के गूठ लाना।
 तर्सिदः (توسیده) फा वि—डरा हुआ, भयव्रस्त।
 तर्सिल (توسیل) अ स्त्री—भोजना, प्रेषण, रुपया या खत आदि भोजना।
 तर्ह (طرح) अ स्त्री—दे 'तरह', दोनों गूठ हैं, बुनियाद, नीव।
 तर्हअदाज (طرح‌انداز) अ फा वि—नीव डालनेवाला, बुनियाद रखनेवाला।
 तर्हअफगन (طرح‌افگن) अ फा वि—दे 'तर्हअदाज'।
 तर्ही (طرحی) अ वि—नर्हवाला, वह मित्रा जो किसी मुशायरे की तर्ह हो।
 तर्हनी (طرح‌نو) अ फा स्त्री—नयी बुनियाद, नये सिरे से कोई तामीर, नये सिरे से कोई काम, अनुष्ठान।
 तल (طل) अ. स्त्री—ओस, शबनम।
 तलज्जुज (تلذذ) अ. पु.—मजा पाना, स्वाद पाना, स्वाद, मजा; लज्जत, आनन्द।
 तलत्तुफ (تلطف) अ पु—कृपा, दया, मेहरबानी।
 तलफ (تلف) अ पु—नष्ट, विनष्ट, बरबाद, तबाह; हत, हलाक, मृत।
 तलफुज (تلفظ) अ पु—उच्चारण, मुँह से शब्द निकालना।
 तुलवः (طلبه) अ पु—'तालिब' का बहु, विद्यार्थी लोग।
 तुलव (طلب) अ स्त्री—माँगना, याचना, अभियाचना, तकाजा; वेतन, तनस्वाह, इच्छा, चाह, स्वाहिश, बुलावा, तलवी, किसी नशीली वस्तु—जिसके खाने या पीने का अभ्यास हो—की चाह।
 तुलवगार (طلب‌گار) अ फा. वि—इच्छुक, अभिलाषी, स्वाहिशमद, "इक वार दिखाकर चले जाओ झलक अपनी, हम जल्दए-पैहमके तलवगार कहाँ हैं?"—हसरत मोहानी।
 तुलवा (طلبا) अ पु—'तालिब' का बहु, विद्यार्थीगण, तालिबेइल्म।
 तलवानः (طلبانه) अ फा पु—अदालत में गवाहों आदि के बलाने को जमा होनेवाला सफरजत आदि।

तलबी (طلبي) अ स्त्री-आवाहन बुलावा यायालय में सम्मन द्वारा बुलावा।

तलबीद (طلبيده) फा वि-बुलाया हुआ जाहूत सम्मन द्वारा बुलाना।

तलबूस (تلبيس) अ पु-बपडे पहनना।

तलम्मूब (تلمد) अ पु-गिप्य हाना गागिल होना, गिप्यना शागिने विनेपत गादरी की गागिने।

तलबून (تلون) अ पु-रग बल्लना कभी कुछ हाना कभी कुछ।

तलबून मिवाज (تلون مراح) अ वि-जो कभी कुछ सोचे कभी कुछ जिनकी राय हर समय बल्लती रह अस्थिर चित्त।

तलबूस (تلوب) अ पु-मनना लघनना भरना।

तलाक (طلاق) अ स्त्री-विवाह विच्छेद मिपा-बीना का सम्बन्ध समाप्त करनेवाला अमल।

तलाकत (طلاقت) अ स्त्री-उदान की तजी वाक्य पढ़ता।

तलाक़ी (طلقي) अ स्त्री-परस्पर मिलना मुलाक़ात करना मेट करना।

तलाके बाइन (طلاق بائن) अ स्त्री-यह तलाक़ जिसमें विच्छिन्ना स्त्री जब तक दूसरे आन्वी से विवाह न करे और उमक साथ सहवास न हुआ जाय तब तक पहला आदमी उमन विवाह नहीं कर सकता।

तलाके मुयल्लज (طلاق معلّقة) अ स्त्री-यह तलाक़ जिसमें फिर पुरप विच्छिन्ना स्त्री से विवाह कर्नापि नहा कर सकता।

तलाके रजई (طلاق رجعي) अ स्त्री-यह तलाक़ जिसमें पुरप स्त्री से पुन विवाह कर सकता है।

तलाक़े गिकम (طلاق سيم) अ स्त्री-गट चरना दस्त जाना।

तलातुम (طلاق) अ पु-पानी का मौन मारना तुप्यानी बाट।

तलाफ़ी (طلافي) अ स्त्री-क्षतिपूति हानि की पूति नुकसान का बदना तलाक़।

तलाफीए माफात (تلافی مافات) अ स्त्री-नुक्सान की तगाफी क्षतिपूति।

तलामिद (تلامد) अ पु-तिलमोड का बहु भागिनाय।

तलामीद (تلامد) अ पु-तलामिज।

तलाय (طلاء) तु पु-रात्रि म पहरा देनेवागी सना।

तलायगदी (طلاء گردی) तु फा स्त्री-सेना की रात्रि में पहरा देने की द्यूटी।

तलायदार (طلاءدار) तु फा पु-तलाय का नायक।

तलाय (طلاء) तु स्त्री-व्राज, टोट जुम्नुजू।

तलागी (طلائی) तु स्त्री-दू-सोज जुम्नुजू सरवार आना मे किसी क मकान आदि का छानवीन।

तलीअ (طلعی) अ पु-तलाय।

तलीक (طلیق) अ वि-स्वच्छ, मुक आजाद विरदुग।

तलीक़िल्लसान (طلیق اللسان) अ वि-रिजकी उदान आजाद हा जो चाह वह, मुहफट मुबतकठ वाक्यना तक्कार।

तलीक़ुल यदन (طلیق اللدن) अ वि-मुकहल प्रयाय दोना हाया से देनेवाला।

तलअत (طلعت) अ स्त्री-मुत् जाइति बहरा, रूप गोभा छटा, दान दीगर।

तलईन (تلین) अ स्त्री-नम करना मुलाइम करना हलका जुलाव।

तल (طلن) अ पु-अन्न अन्नक मरिा गरव दरे जे प्रसव-कट।

तलनीम (تلنیس) अ स्त्री-दाना देना गुल्मन दना पीर का मुरीद का अमल आदि पदाना सहुपणे वाँच नमाहव।

तलब (تلبت) फा पु-पित्त सफा पित्तागय सफा की थैली।

तलब (تلب) फा वि-कडवा कटु, अरचिकर नायवार।

तलबकाम (تلب کام) फा वि-असफलमनारथ नामारा।

तलबगो (تلب گو) फा वि-कटुभापी कडवा बातें बल वाला सत्यभापी ठीक बात कहनेवाग।

तलबबा (تلب باران) फा वि-द तल्लगा।

तल्लाब (تللصاب) फा पु-तल्लाब (तल्ल-कवा+आब=पानी)।

तल्लाब (تللصاب) फा पु-जहर का पानी एना पानी जा पिया न जा सके।

तल्लाबे शम (تللصاب غم) फा अ पु-शेम के दुख का पानी रूपी विष।

तल्ली (تللی) फा स्त्री-कूता कवापन सत्यता सच्चाई दुशीलता कज अछराकी।

तल्लोस (تللصیر) अ स्त्री-संगित्त माररूप सुल्लगा, निमाता गुदगा, शासिपन।

तल्लोड (تللدد) अ पु-तिल्लाड गुदगही है।

तल्लोह (تللهم) अ स्त्री-विगी की आर उचटती हुई दप्ट डालना शर या बयान में किसी विस्ने की ओर सक्त।

तल्मीहतलव (تلمیح طلب) अ. वि.—ऐसा शेर या मज्मून जिसमे किमी किस्से या बात की व्याख्या जरूरी हो।
 तल्वीन (تلوین) अ. स्त्री—रग भरना, रग-विरगी करना।
 तवक्कुफ (توقف) अ. पु.—विलंब, ढील, देर।
 तवक्कुल (توکل) अ. पु.—सासारिक साधनों का भरोसा हटाकर सारे काम ईश्वर की मर्जी पर छोड़ देना।
 तवक्को' (توقع) अ. पु.—आशा, भरोसा, उम्मीद।
 तवज्जोह (توجه) अ. पु.—किसी की ओर मुंह करना, ध्यान देना; ध्यान, रूजूअ, गौर, अधिक ध्यान; कृपा, दया, मेहरवानी।
 तवत्तुन (توطن) अ. पु.—वतन बनाना, रहने लगना।
 तवरो' (تروع) अ. पु.—सयम, यतिधर्म, आत्मसंयम, परहेजगारी, जुहद।
 तवल्ला (توللی) अ. पु.—प्रेम, स्नेह, भक्ति, मुहब्बत।
 तवल्लुद (تولد) अ. पुं.—उत्पत्ति, पैदाइश, लउका पैदा होना।
 तवस्तुत (توسط) अ. पु.—बीच की राह पकड़ना, न बहुत अधिकता न बहुत कमी, मध्यस्थता, विचौलियापन।
 तवस्तुल (توسل) अ. पुं.—किमी को किमी काम के लिए बसीला बनाना, सहारा पकड़ना, मारिफत, जरीअ।
 तवहहूम (توهم) अ. पु.—भ्रम में डालना; भ्रम में पडना, भ्रम, भ्रान्ति, वहम।
 तवहहूमपरस्त (توهم پرست) अ. फा. वि.—वहम की बातों को माननेवाला, ऐसी बातों पर विश्वास रखनेवाला जिनका कोई अस्तित्व नहीं है, भ्रमवादी।
 तवहहूमपरस्ती (توهم پرستی) अ. फा. स्त्री—निराधार और काल्पनिक चीजों पर विश्वास रखना।
 तवहहूश (توحش) अ. पु.—वहशी बनना, वहशत होना, किसी चीज से घबराना, भागना।
 तवाइफ (طوائف) अ. स्त्री—'ताइफ' का बहु, रडी, गणिका, वारमुखी, क्रीडानारी, बर्चटी, विभावरी, नगरनायिका, वेश्या, मगलामुखी।
 तवाइफज्जाद (طوائف زائد) अ. फा. पु.—गणिकात्मज, वेश्यापुत्र, रडी का लडका।
 तवाइफुल मुलूकी (طوائف السیوکی) अ. स्त्री—देश का उथल-पुथल, राज का कुप्रवध, राजगद्दी का-वार-वार परिवर्तन, गृह-युद्ध आदि का कुचक्र।
 तवाजुन (توازن) अ. पु.—दोनों पल्लो में वोज़ बराबर होना, सतुलन, एतिदाल, हमबज्नी।
 तवाजुनेकुवत (توازن کوب) अ. पु.—दोनों ओर शक्ति

तवाजी (توازی) अ. स्त्री—परस्पर बराबर होना; परस्पर बराबर अन्तर होना, समानान्तर।
 तवाजो' (تواضع) अ. पु.—आदर, सत्कार, इज्जत, आव-भगत, खातिरदारी, आतिथ्य, मेहमांदारी, नम्रता, विनति, आजिजी, खाकसारी।
 तवातुर (تواتر) अ. पु.—निरंतरता, अन्वरतता, लगातार-पन, तसलसुल।
 तवाफ (طواف) अ. पु.—किसी चीज के चारो ओर फिरना, परिक्रमण, परिक्रमा, प्रदक्षिणा, पैकरमा।
 तवाफुक (توافق) अ. पु.—परस्पर एक जगह रहना, एक दूसरे के अनुकूल होना, एक दूसरे की सहायता करना, एक जैसा होना, सदृशता, यकमानियत।
 तवाफुके लिसानैन (توافق لسانیین) अ. पु.—दो विभिन्न भाषाओं के किसी शब्द का एक जैसा होना, बनावट में भी और अर्थ में भी, जैसे—'फूल' अरबी और संस्कृत दोनों में फूल को कहते हैं।
 तवाविल (توایل) अ. फा. पु.—गरम मसाले, काली मिर्च, लंग, इलाइची, जीरा आदि।
 तवावे' (تواضع) अ. पु.—'तावे' का बहु, अधीन लोग, अनुयायी लोग।
 तवारी (تواری) अ. स्त्री—छुपना, पोथीदा होना, गुप्ति, गोपन, लोप, पोथीदगी।
 तवारीख (تواریخ) अ. स्त्री—'तारीख' का बहु, तारीखे, तिथियाँ, इतिहास, किमी देश की तारीख।
 तवासद (توارد) अ. पु.—परस्पर एक जगह उतरना, दो शाइरो के किमी शेर का मज्मून एक ही जाना, भावसाम्य।
 तवालत (طوالت) अ. स्त्री—लम्बाई, दीर्घता, आयाम; विलम्ब, ढील, देर, वखेडा, झकट, दर्देसर, मुद्दत की लम्बाई।
 तवालिए इज्जाफात (توالی ایضافات) अ. स्त्री—किसी वाक्य के शब्दों में बहुत-सी इजाफतों का इकट्ठा हो जाना, जैसे—'आप के घर के मालिक के बेटे का नौकर' या जैसे—'गुले सरसब्जे वागे खुल्देवरी', यह दोष है।
 तवाली (توالی) अ. स्त्री—लगातार आना या होना।
 तवालुद (تولد) अ. पु.—सतान्न उत्पन्न करना, यह शब्द अकेला नहीं आता वरन् 'तनासुल' के साथ मिलकर 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है दे 'तनासुल'।
 तवाव (توا) अ. पु.—तौब (पापों की क्षमा याचना) स्वीकार करनेवाला, ईश्वर का नाम।

तशबुकुक (شكك) अ पू-भ्रम और शका में पडना, सदेह शका, भ्रम, शक ।
 तशबुकुर (سکر) अ पू-शुक्रिय अण करना, धयवा देना वृत्तगता प्रकट करना ।
 तशबकुल (شکل) अ पू-विमी चीज का साकार होना ।
 तशबकी (سکی) अ स्त्री-गिला करना, उलाहना देना ।
 तशबलूस (سحب) अ पू-निश्चित होना, भुजय्यन होना ।
 तशस्तुत (تسب) अ पू-तितर वितर होना, अस्त व्यस्त होना, मुतशिर होना ।
 तशददुद (شدد) अ पू-सस्ती कराना जुम करना अरया चार करना, मारपीट करना ।
 तशनुज (شلهج) अ पू-किसी अंग का अकडना, इस प्रकार अकडना कि झुके नहीं अकडन, एठन ।
 तशफकी (شفی) अ स्त्री-मात्वना ढाढस तसल्ली, रागमुक्ति, शिफा ।
 तशम्बुह (شبه) अ पू-सदश होना, एव-जैसा हाना, एकरूपता, सात्स्य हमशक्ली ।
 तशम्यो (شع) अ पू-शीआ होना अपने को शीआ बताना ।
 तशर्रा (سرع) अ पू-सारीअत (धमझासन) पर चलना ।
 तशहहद (سهد) अ पू-कलिमए शहादत पत्ना ।
 तशाउर (شاعر) अ पू-अपने को शाइर (कवि) बताना अठा शाइर (गायर) बनना ।
 तशाबुह (سائه) अ पू-परस्पर एव-असा हाना एव-जसी आयत (क्रानन के वाक्य) हांगे के कारण हाफिज का कुरान की जायती को कही का कही मिला दना ।
 तशाबुर (ساور) अ पू-परस्पर सलाह मशवरा करना विचार विनिमय करना, परामग करना ।
 तशकोक (سکک) अ स्त्री-किनी का शका या भ्रम में डालना ।
 तशखीस (سکسر) अ स्त्री-नियुक्ति करना, निश्चय करना जाचना, जानवारी के लिए परखना ।
 तशखीसे मरख (سکسهن مرض) अ स्त्री-रोग निदान बीमारी की जाच ।
 तशत (شمت) अ पू-घाली, वडी रिक्की थाल परत ।
 तशत अज बाम (سب از نام) अ पू-अव्य-भेद खुलना बात सबमें फल जाना ।
 तशतरी (سکری) अ स्त्री-रिवादी फ्ले ।
 तशदीव (سد د) अ स्त्री-एव अक्षर को दो बार पत्ना द्वित्व उद् में तशदीव का चिह्न (ۛ) ।

तशन (شله) अ वि-प्यासा, तपित, पिपासित, अतुद, जिसका जी न भरा हो, तिशना भी प्रचलित ।
 तशनकाम (سککام) अ वि-तपित, प्यासा, असफल मनारथ, नामान ।
 तशनजिगर (سکجگر) अ वि-अमफलकाम, ना कामयाव अभिलाषी मुशताक ।
 तशनलव (سکلب) अ वि-जिसके ओठ प्यास के मारे सूख गये हों, बहुत प्यासा—'उम्मीदे लुफ आपसे है इत तयाले खाम-बब तशनलव की प्यास बुझी है सरख से ।
 तशनए वदनु (سکک) खून वा प्यासा जान का कुमन प्राणघातक ।
 तशनए बीदार (سکک بیدار) देखने वा भूषा बहुत अधिक अभिलाषी ।
 तशनगी (شکگی) अ स्त्री-प्यास तप्या पिपासा लालसा, अभिलाषा इस्तियाक ।
 तशनीअ' (سکع) अ स्त्री-बुरा भला कहना लानत मलामत करना ।
 तशबीय (شعب) अ स्त्री-बसीद में गृह के ग'र जिनमें कोई दश्य या किसी घटना का वणन हाना है जोर उसके बाद ही गुरेज होता है ।
 तशबीह (شبهه) अ स्त्री-एव अर्थालकार जिनमें एव वस्तु की तुलना दूसरी वस्तु से करके उसे घटाया या बगया या बराबर किया जाता है उपमा ।
 तशबीहे ताम (سکعه تام) अ स्त्री-ऐसी उपमा जो पूरी घटित हो पूर्णोपमा ।
 तशबीहे नाफिस (سکعه ناقص) अ स्त्री-ऐसी उपमा जो दो वस्तुओं में केवल एक बात में ठीक उतरे सबमें न हो लुप्तोपमा ।
 तशरीफ (سرف) अ स्त्री-प्रतिष्ठा सम्मान बजर्गी खिलअत राज की ओर से सम्मानाथ दिये जानवाले वस्त्रा भूषण आदि पदापण, आगम, गुभागम ।
 तशरीफ अरबानी (سرف اربانی) अ अ स्त्री-दे तशरीफ आवरी ।
 तशरीफ आवरी (سرف آوری) अ अ स्त्री-विराजमान होना पदापण कला, तशरीफ लाना गुभागम ।
 तशरीफकर्माई (سرف کرمای) अ अ स्त्री-उहरला, बठना तशरीफ रखना ।
 तशरीफबरी (سرف باری) अ अ स्त्री-तारीफ से जाना थापस जाना, जाना रखसत होना ।
 तशरीफात (سرفعات) अ स्त्री-जुूस सामायाया विकलअत ।

तश्रीह (تشریح) अ. स्त्री—खोलकर बयान करना, स्पष्टीकरण, तौजीह, व्याख्या, टीका, तफस्लील; भाष्य, तपसीर; भाषान्तर, उल्हा, तर्जमा; शरीर के अंगों, नसों, हड्डियों आदि का विवरण, अनाटमी, शारीर ।

तश्रीहूलअवदान (تشریح ابدان) अ. स्त्री—शरीर का डाक्टरी विवरण, एनाटोमी, शरीर, शरीर-विज्ञान ।

तश्विय (تشیوید) अ. पु—भूना, भृष्टि; दवा को पीटली में रखकर गर्म रेत या राख में दवाकर भूना ।

तश्वीश (تشیویش) अ. स्त्री—चिन्ता, मोच, फिक; भय, वास, डर, आवुरता, व्याकुलता, घबराहट ।

तश्वीशअंगेज (تشیویش انگیز) अ. फा वि—चिन्ताजनक, फिक पैदा करनेवाला ।

तश्वीशानाक (تشیویش نای) अ. फा वि—भय-अंकुल, पुरखतर ।

तशहीर (تشیویر) अ. स्त्री—किसी को बुरी तरह जनता में बदनाम करना, जैमे—गधे पर चढाकर निकालना या मुंह काला करके चारों ओर घुमाना ।

तसद्दुक (تصدیق) अ. पु—न्योछावर होना, सद्के होना; कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरवानी; भेट, बलिदान, सद्क; —“जिम जगह देख लिया जान तसद्दुक कर दी—मैं तो पावन्द नहीं कावे या बुतखाने का ।”

तसन्न (تسنن) अ. पु—मुन्नी होना, पैगम्बर के फरमान का अनुकरण करना ।

तसन्नो (تصنع) अ. पु—कृत्रिमता, वनावट, दिखावा, जाहिरदारी; जाहिरी खातिरदारी, कपट-व्यवहार, चापलूसी, चाटुकारिता ।

तसरफ (تصرف) अ. पु—प्रयोग, व्यवहार, इस्तेमाल, अधिकार, कब्जा, परिवर्तन, रद्दोबदल, गवन, मोपण, किसी चीज में कतर-थ्योत करके अपने मतलब का बना लेना; चमत्कार, करामात ।

तसरफे बेजा (تصرف سبک) अ. फा—खियानत, गवन, मोपण, अपहरण ।

तसल्ली (تسلی) अ. स्त्री—सान्त्वना, ढाढस, दिलासा, सतोप, सन्न ।

तसल्लुत (تسلط) अ. पु—अधिकार, कब्जा, दखल, प्रभुत्व, गलब ।

तसल्लुल (تسلسل) अ. पु—निरतरता, लगातारपन, लडी में लड़ी गूथना, शृखलाबद्ध ।

तसव्वुफ (تصوف) अ. पु—ज़ह्वावाद, अध्यात्मवाद, सूफीइज्म, मन की सासारिक विषयों से विरवित, परहेजगारी, वेदान्त, ज्ञानकांड, इल्मे तसव्वुफ ।

तसव्वुर (تصوير) अ. पु—चित्त को एकाग्र करके किसी को ध्यान में प्रत्यक्ष करना, अनुध्यान, ध्यान, विचार, खयाल; कल्पना, तसैयुल ।

तसाउद (تصاعد) अ. पु—ऊपर चढना, बलद होना ।

तसादुम (تصادم) अ. पु—परस्पर टकराना, एक दूसरे को धक्का देना, मुठभेड, लडाई, गधर्ष, टक्कर, टकराव, हानि पहुँचाना, ज़रर देना ।

तसानीफ (تصانیف) अ. स्त्री—‘तरनीफ’ का बहु, तस्नीफे, रचनाएँ ।

तसावीह (تساویح) अ. स्त्री—‘तस्वीह’ का बहु, जपमालाएँ, जप करने की मालाएँ ।

तसामुह (تسامح) अ. पु—वीरता, बहादुरी, दरगुजर, चम्पोगी, बक्ता का कुछ कहना और सुननेवाले का कुछ समझना; दुटप्पी बात, जिमने सुननेवाला गलती कर सके, या कर दे ।

तसावी (تساوی) अ. स्त्री—परस्पर बराबर होना, समानता, बराबरी ।

तसावीर (تصاویر) अ. स्त्री—‘तस्वीर’ का बहु ‘तस्वीरे’ । तसाहुल (تساهل) अ. पु—आलस्य, अवसन्नता, काहिली, सुस्ती, आसान समझना ।

तसीर (تسیر) अ. स्त्री—सैर करना, विहार करना, सैर-सपाटा, तफ़ीह ।

तसईद (تصعد) अ. स्त्री—ऊँची जगह पर चढना, बलन्द होना, दो हाँडियों या प्यालो में विविपूर्वक दवाओं का जौहर उड़ाना ।

तस्कौन (تسکین) अ. स्त्री—सान्त्वना, ढाढस, दिलासा, सतोप, इत्मीनान, रोग में कमी, इफाक, पीडा और दर्द में कमी, आराम; किसी अच् अक्षर को हल करना ।

तसाीर (تصغیر) अ. स्त्री—छोटा करना, मक्षिप्त करना; किसी शब्द के अर्थ में छोटाई पैदा करना, जैसे—‘वाल’ से ‘वालक’ बनाना, इस प्रकार बनाया हुआ शब्द ।

तस्वीन (تسکین) अ. स्त्री—गर्म करना, गर्मी पहुँचाना । तस्वीर (تسخیر) अ. स्त्री—बशीभूत करना, तावे करना, जीतना, जीतकर कब्जा करना; भूत-प्रेत या जिन-परी को बस में करना, किसी को अपने ऊपर मुग्ध करना ।

तस्वीरे कुलूब (تسخیر قلب) अ. स्त्री—लोगों के मन को अपने आचार-व्यवहार से मोह लेना ।

तस्वीरे हमजाद (تسخیر همز) अ. फा स्त्री—मंत्र आदि के द्वारा ‘हमजाद’ को अपने बस में कर लेना, कहते हैं कि हमजाद के बशीभूत हो जाने पर मनुष्य जो चाहे कर सकता है, क्योंकि ‘हमजाद’ बड़ा शक्तिशाली होता है ।

तस्वीन (تسکین) अ स्त्री—आरायार में बंद करना, जेल में डाल देना।

तस्वील (تسکيل) अ स्त्री—तमसुब लिपना, रजिस्ट्री (दस्तावेज) करना लेख्य दस्तावेज।

तस्तोर (تستور) अ स्त्री—लिपना लेखन क्रिया लकीरें ग्राहना रेखांकन।

तस्तोर (تستور) अ स्त्री—छिपाना गोपन परदा डालना परिवेष्टन।

तस्वीअ (تصدیع) अ पु—एक बार कपट देना एक बार दूर सर देना कपट, दुख तत्रलीफ।

तस्वीअ (تصدیع) अ स्त्री—सिर की पीडा सर-अ कपट करेग दुख तस्लीफ।

तस्वीअ (تصدیق) अ स्त्री—सच्चे होने की ताईद करना, सच्चा बताना प्रमाण मुरूत।

तस्त्विय (تسلیه) अ पु—एकवचन और बहुवचन के बीच का द्विवचन यह हिन्दी और उर्दू फारसी में नहीं है परन्तु मस्टून और अरबी में है।

तस्त्वोफ (تصدیق) अ स्त्री—मुस्तक लिखना विज्ञाप बनाना रचना लिखी हुई पुस्तक बनाई हुई कविता मनगन्त तपा-कल्पित पत्रों बात।

तस्त्वोफात (تصدیقات) अ स्त्री—तस्त्वोफ का बहु, रचनाएँ तस्त्वोफें।

तस्त्वोम (تسليم) अ स्त्री—स्वय की एक (नहर)।

तस्त्विय (تصدیع) अ पु—आपस का निबटारा समझौता निगय फसल गुद करना साफ करना गुद सफाई बाह्य-परस्पर-दिला की सफाई मेल।

तस्त्विय-तलब (تصدیق طلب) अ फा वि—वे बात जिनकी सफाई होनी आवश्यक है।

तस्त्विय-नाम (تصدیق نامه) अ फा पु—वह कागज जिसमें आपस के तस्त्विय की लिखता-पत्ती हूँ।

तस्त्वोय (تصدیع) अ स्त्री—रग करना रगना।

तस्त्वोह (تسليم) अ स्त्री—सुहानल्लाह (ईश्वर अत्यंत पवित्र है) कहना जपमाला भाग।

तस्त्वोह-हवा (تسليم حوا) अ फा वि—तस्त्वोह पढ़नेवाला सुहान-हवा का जप करनेवाला।

तस्म (تسمه) फा पु—घमड़े की कम चीनी और लम्बी पट्टी जूते का पीता चमड़ का काड़ा दुर्गा।

तस्म-कश (تسکेश) फा वि—गले में फटा डारकर भार डालनेवाला ठग जल्ला कातिर।

तस्म-शा (تسمه) फा पु—जिसका पाँव तस्मे से बधा हो।

तस्म-बाज (تسمه بار) फा वि—भूत, छली बचक मक्कार, घूतकार, जुआरी।

तस्म-बाजी (تسمه بازی) फा स्त्री—छत्र कपट, फरेव एक प्रकार का जुआ।

तस्मिय (تسمیه) अ पु—विस्मिल्लाह (ईश्वर के नाम से आरम्भ) कहना, नामकरण नाम रखना।

तस्मिय-हवानो (تسمیه حوانی) अ फा स्त्री—बच्च को पान विटाने का सस्वार, विद्यारम्भ।

तस्मोन (تسمون) अ स्त्री—मोटा करना स्थूल बनाना सूब धी और चरबी विलाना।

तस्मोम (تصمیم) अ स्त्री—अ करना, मजबूत बनाना दूर पुलाना।

तस्त्वोर (تسلیم) अ स्त्री—साल उतारना गरीर की खाल अलग करना।

तस्त्वोब (تصلیب) अ स्त्री—मूली पर चगाना, मूली दना फाँसी देना।

तस्त्वोम (تسليم) अ स्त्री—सोपना सिपुन करना सलाम करना, प्रणाम करना कबूल करना स्वीकार करना आना का पालन करना फरमाविरदारी करना।

तस्त्वोमात (تسلیمات) अ स्त्री—तस्त्वोम का बहु परन्तु एकवचन के अर्थ में आता है प्रणाम सदाय।

तस्त्वोस (تسلیب) अ स्त्री—तीन भाग करना तीन में बाटना, ईमाइयो का तीन खुग मानना।

तस्त्विय (تسویه) अ पु—समान करना बराबर बनाना, सीधा करना।

तस्त्वोद (تسويد) अ स्त्री—काला करना काला रग चगाना, लिखना तहरीर करना मुसव्वदा लिखना।

तस्त्वोर (تصوير) अ स्त्री—मूर्ति बनाना चित्र खाना, चित्र प्रतिवृत्ति गवाह छायाचित्र आलोकचित्र फोटो, बहुत ही सुंदर और हमीन गमल प्रतिमा मूर्ति बूत।

तस्त्वोर-बदो (تصویر بدو) अ फा स्त्री—चित्रण चित्रकर्म तस्त्वोर बनाना।

तस्त्वोर-खान (تصویر خانه) अ फा पु—वह स्थान जहाँ बहुत स चित्र हो जा चित्रा से सजाया गया हो जहाँ कत सी सुंदर स्त्रिया एकत्र ह। परीखाना सनमनाना।

तस्त्वोरे-अक्सी (تصویر عکسی) अ स्त्री—फोटो छायाचित्र।

तस्त्वोरे-छयाली (تصویر حیالی) अ स्त्री—किसी की आदति जो चित्र में आये, तस्त्वोर में आया हुआ नक्शा, काल्पनिक चित्र फरजी तस्त्वोर।

तस्त्वोरे गिली (تصویر گلی) अ फा स्त्री—मिट्टी की मूर्ति।

तस्वीरे नीमखल (تصویر نیلم) अ फा स्त्री—एक तरफ से लिया हुआ चित्र, वह चित्र जिममे मुख का एक खल आये।

तस्सुज (طسوج) अ. पु.—पात्र, भाजन, वर्तन, तट, किनारा, दो रस्ती की एक तील, चौथाई 'दाग'।

तस्हील (تسهیل) अ स्त्री.—सुगम बनाना, सरल करना, आसानी पैदा करना, सुगमता, सरलता, आसानी।

तस्हीले विलादत (تسهیل ولادت) अ स्त्री—वच्चा पैदा होने की आसानी, प्रसव की सुगमता।

तस्हीह (تسهیح) अ स्त्री—शुद्ध करना, दुरुस्त करना, इवारत आदि की गलतियाँ ठीक करना, प्रेस की कापियो या प्रूफो की दुरुस्ती।

तह (تہ) फा स्त्री—निचला हिस्सा, तली, थाह, अन्त, इतिहा, परत, तबक; पेदी, तला, रहस्य, भेद, नुक्ता।

तहक्कुम (تھکم) अ पु—हुक्म जताना, जोर दिखाना, जवर्दस्ती करना।

तहखानः (تہخانہ) फा पु—जमीनदोज मकान, तलगृह, अधोगृह, भूगृह, भूगर्मगृह।

तहजुअः (تہجرعہ) फा अ. स्त्री—तलछट, गाद; नीचे का वचा हुआ पानी या मदिरा, पीने से वची हुई मदिरा।

तहज्जी (تہجی) अ स्त्री—किसी की निन्दा या हजो करना, शब्दो के हिज्जे करना।

तहज्जुद (تہجد) अ पु—रात मे सोना और रात मे ही जाग जाना, (स्त्री) आधी रात के बाद की नमाज।

तहज्जुन (تہجرن) अ पु—शोकग्रस्त होना, रजीदा होना।

तहज्जुर (تہجر) अ पु—पत्थर की तरह कठोर हो जाना, कठोरता, कडापन, सख्ती।

तहत्तुक (تہتک) अ पु—तू-तू, मै-मै, वाक्कलह, निन्दा, अपमान, रुस्वाई।

तहदार (تہدار) फा वि—सार्थक, वामा'नी, गभीर, गहरा, गूढ, दकीक।

तहदेगी (تہدیگی) फा. स्त्री—नीचे की खुर्चन, देग या हाँडी की तह मे जमी हुई खुर्चन।

तहनशी (تہشیں) फा वि—नीचे बैठी हुई चीज, तलछट।

तहपेच (تہپہچ) फा पु—पगडी के नीचे की टोपी या कपडा, लुगी के नीचे का कपडा।

तहपोश (تہپوش) फा पु—सारी के नीचे का जाँघिया, अडरवियर।

तहफफुज (تہفط) अ पु—सुरक्षा, हिफाजत, वचाव, रक्षा।

तहफफुजे हुक्क (تہفط حقوق) अ पु.—अपने हको की रक्षा।

तहबंद (تہبند) फा पु—अधोवस्त्र, नीचे पहनने का कपडा, लुगी, तहमद।

तह व तह (تہ بہ تہ) फा वि—एक के नीचे एक, परत पर परत।

तहवाजारी (تہبازاری) फा स्त्री—राज्य की ओर से वाजार की जमीन का ठेका या उसके किराए की उगाही।

तहव्वुज (تہبہج) अ पु—बहुत हलकी मूजन, भरभराहट।

तहमतन (تہمتن) फा. पु—महारथी, बहुत बडा योद्धा, रुस्तम की उपाधि।

तहमतनी (تہمتنی) फा स्त्री.—गौर्य, वीरता, वहादुरी, गुजाअत।

तहमैदानी (تہمیدانی) फा पु—खानाबदोश, सचारजीवी।

तहम्मूल (تہممل) अ पु—सहिष्णुता, बुर्दवारी, गभीरता, सजीदगी, धैर्य, सन्न, नम्रता, नमी।

तहय्युज (تہہج) अ. पु—जमीन से गर्दोगुवार उठना।

तहय्युर (تہہیر) अ पु—अचम्भा, विस्मय, हैरत, तअज्जुव।

तहरंक (تہرک) अ पु—हिलना, हरकत होना, हिलना-डुलना।

तहव्वुर (تہور) अ पु—वहादुरी, वीरता, जवाँमर्दी।

तहव्वुर शिआर (تہور شعار) अ वि—शूर, वीर, वहादुर।

तहशशुम (تہششم) अ पु—बहुत नौकर-चाकरवाला होना, रोव दिखाना, क्रोध प्रकट करना।

तहस्सुर (تہسسر) अ पु—शोक, रज, पश्चात्ताप, अफसोस।

तहाइफ (تہائف) अ पु—तुहफा का बहु, तोहफे।

तहाकुम (تہکام) अ पु—परस्पर मिलकर हाकिम के पास जाना।

तहालुफ (تہالف) अ पु—बाहम किसी पड्यन्त्र करने की शपथ लेना, आपस की कस्माकस्मी, किसी बात के झूठ-सच होने के लिए आपस मे कस्मा परतीती।

तहारत (تہارت) अ स्त्री—शुद्धता, पवित्रता, पाकीजगी, शीच, इस्तिजा, स्नान, गुस्ल।

तहावुर (تہاور) अ पु—परस्पर वार्तालाप, बातचीत।

तहीन (تہین) अ वि—पिसा हुआ आटा।

तहीयः (تہیہ) अ पु—इराद, सकल्प; निश्चय, तय, तत्परता, आमादगी।

तहीयत (تہیت) अ स्त्री—सलाम, तस्लीम, प्रणाम, वदना, रसूल पर दुरूद, जीवनदान करना, जिन्दगी देना, सत्ता, राज्य, हुकूमत।

तहीयात (تہیات) अ स्त्री—'तहीयत' का बहु, 'वदनाएँ, दुरूदो सलाम।

तहूर (تہور) अ वि—पवित्र, निर्मल, शुद्ध, पाक।

तहेलाक (بحالی) फा जव्य-जमीन के नाचे, अर्थात् कर्म म।

तहेतेष (تبع) फा वि-हृत वधित, मकनूल।

तहोबाला (توبال) फा वि-तले-ऊपर अस्त-व्यस्त गन्बड विनष्ट विध्वस्त बरवाद।

तहयूर (تحر) अ पु-द तहयूर'।

तहकीक (تحمس) अ स्त्री-जब-मदताल गवेपणा तफ्तीश तलाश जिनामा विदित, पात दरयाफन अनुमधान रिसाब।

तहकीकत (تحمينات) अ स्त्री-तहकीक का बहु परन्तु एवबचन म बोलने हें सरकारी तौर पर किमी मआमले की जाय-मदताल।

तहकीके हक (تحمس حق) अ स्त्री-सत्य की छाज सत्यान्वेषण अरिलयत की तलाश।

तहकीर (تحمير) अ स्त्री-अपमान अनादर बेंद-जती निग्न अपयण बन्नामी पृणा उपेक्षा।

तहकीब (تهدب) अ स्त्री-अभ्यता शिष्टता धाइस्नगी ससृति परिकृति जागस्तगी सुग्रीलता खुशअल्लाकी उठन-उठन बातचीत करने, और क मामने जाने का सलाका।

तहकीबे अल्लाक (تهدب احلق) अ स्त्री-अह्लाक की दुस्ती आचार-व्यवहार और नागरिकता के नियम का पालन।

तहकीबे अबीद (تهدب حديد) अ स्त्री-नवान सम्म्यता पाश्चात्य ससृति मश्रिबी तहकीब।

तहत (تحت) अ वि-निम्न नीचे अधीन भातहत अधिकार इन्तियार दबाव।

तहतुल्लफ़ (تحت اللطف) अ वि-नशम या गज़ल की तरनुम से न फ़रब साधारण डग स पटना गाकर न पटना गध की भाति पनी हुई कविता।

तहतगुआअ (تحت الشعاع) अ वि-चांद्र मान क वे दा या तीन दिन जब चंद्रमा इतना महीन होता है कि दिवाफ़ नही देता। ये दिन अशुभ माने जाते ह।

तहतसरा (تحت السرا) अ पु-पथी का सबसे नीचे का तल पाताग।

तहततानी (تحتانی) अ वि-उदू का वह अक्षर जिसक नीचे मुक्ते हा।

तहदिय (تهدیه) अ पु-किमी को कोई चीज भेंट करना तोहफा देना भेंट उपहार उपायन ताहफा।

तहदीद (تهدید) अ स्त्री-नामाना डराना भय विनाना धमकाना घुडकना भलाना।

तहदीद (تهدید) अ स्त्री-हृद बाधना सीमाबद्ध करना सीमित या नियत करना, तीव्र करना तेज करना।

तहदीस (تهدیست) अ स्त्री-हदीस बयान करना।

तहन (تخلص) अ पु-मीमना आटा पीसना।

तहमीद (تحمید) अ स्त्री-स्तुति करना हम् करना तहकी (تحمک) अ स्त्री-हिलाना हलकत देना, प्रवत करना, रगबत दिखाना बरगलाना, बहकाना प्रमावना आन्दोशन।

तहकीफ (تحمیف) अ स्त्री-किसा चीज की दगा और आइतिबदल देना किसी बात को कुछ का कुछ कर देना किसी शय के अगरो म परिवर्तन करके कुछ का कुछ बना देना।

तहकीम (تحمیم) अ स्त्री-किसा चीज को अपन या किमी के लिए हराम कर देना पवित्र करना।

तहकीर (تحمیر) अ स्त्री-लिखना लिखने का अमल हस्तलिपि हाथ की लिखावट अक्षरयास लिखावट लेख्य, लखपत्र दरतावज लिखित प्रमाण तहारी सुवन मरूमन इबारत हलकी लकीर या सत, गुरम की लकीर सना प्रमाणपत्र इफ़ारनामा सविनापत्र लिखन की उजरत लिमाई।

तहकीरी (تحمیری) अ वि-लिखित लिखा हुआ।

तहकीस (تحمیس) अ स्त्री-लालच देना प्रलोभन प्रदा रगबत लिखाना प्रलोभ लालच।

तहकीसक (تحمیسک) अ पु-कोलाहल कोहराम सल बकी हलचल भरना निधन।

तहकील (تحمیل) अ स्त्री-विलयन घुलना, पचन ह्रम होना क्षीणता दुबला होना किमी पदाय का गलना या पिघलना, किमी चीज को अलग-अलग करना।

तहकील (تحمیل) अ स्त्री-ला इराह इल्लल्लह (एक ईश्वर के सिवाय कोई ईश्वर नहीं है) कहना ईश्वर स्तुति करता, हम्ना सना करना।

तहकील (تحمیل) अ स्त्री-फिरना फिराना सिपु करना हस्तांतरित करना प्रवेण करता दासिल होना किमी ग्रह का किमी रागि में प्रवेण हुकान का बबाना खया जो हर रोज बही म लिखा जाता है रोकना।

तहकीलवार (تحمیل دار) अ फा पु-जिखे पाम तहकील हो रोकिया सजानची।

तहकीले आफनाब (تحمیل افغان) अ फा स्त्री-ग्य का एक रागि के दूसरी रागि में प्रवेण सवर्नात।

तहकीम (تحمیه) अ पु-किमी पुस्तक आदि पर पुटनीट लिखना।

तहसीन (تحسين) अ. स्त्री—प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ़।
तहसीने नाशनास (تحسين ناشناس) अ. फा. स्त्री—
किसी हुनर या काव्य की ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रशंसा जो
उससे विल्कुल अनजान हो।

तहसील (تحصيل) अ. स्त्री—हासिल करना, उपाजर्न,
एकत्र करना, इकट्ठा करना, मालगुजारी, राजस्व,
ज़िले का एक भाग, तहसीलदार की कचहरी।

तहसीलदार (تحصيلدار) अ. फा. पु.—तहसील का अफसर,
जिसका काम मालगुजारी इकट्ठा करना होता है।

तहसीलदारी (تحصيلداری) अ. फा. स्त्री—तहसीलदार
का पद, तहसीलदार का काम।

तहसीले इल्म (تحصيل علم) अ. स्त्री—इल्म हासिल
करना, विद्योपाजर्न।

तहसीले खाम (تحصيل حाम) अ. फा. स्त्री—जमींदारी का
सारा रूपया, सारी तहसील, कच्ची तहसील।

तहसीले ज़र (تحصيل زر) अ. फा. स्त्री—रूपया कमाना,
धनोपाजर्न।

तहसीले हासिल (تحصيل حاصل) अ. स्त्री—जो प्राप्त है
उसकी प्राप्ति का प्रयत्न; व्यर्थ काम।

ता

ता (تا) फा. अव्य.—तक, तकक।

ताअत (طاعت) अ. स्त्री—उपासना, आराधना, पूजा,
इबादत, बंदगी।

ताआत (طاعات) अ. स्त्री—‘ताअत’ का बहु, आराधनाएँ,
पूजाएँ, इबादते।

ताइन (طاعن) अ. वि—बाण मारनेवाला, तीर से घायल
करनेवाला; ता'ना देनेवाला।

ताइफ: (طائفه) अ. पु—दल, समुदाय, जमाअत, रडी
और उसके साजिदे आदि।

ताइफ (طائف) अ. वि—परिक्रमा करनेवाला, किसी चीज
के चारों ओर फिरनेवाला, तवाफ करनेवाला, सोते में
आनेवाला खयाल।

ताइब (تائب) अ. वि—तौबा करनेवाला, पाप या किसी
बुरी आदत पर लज्जित होकर उससे अलग रहने की प्रतिज्ञा
करनेवाला।

ताइर (طائر) अ. पु—वायु में उडनेवाला, पक्षी, चिडिया,
परद।

ताइरे अर्श (طائر عرش) अ. पु—अर्श (ईश्वर का निवास-
स्थान) तक उडनेवाला, ‘जिब्रील’ फिरिस्ता, आकाशगामी
पक्षी।

ताइरे किन्न:नुमा (طائر قبله نما) अ. फा. पु—कुतुबनुमा
की सुई।

ताइरे क़ुद्स (طائر قدس) अ. पु—दे ‘ताइरे अर्श’।

ताइरे लाहूत (طائر لاهوت) अ. पु—दे ‘ताइरे अर्श’, ब्रह्म-
लोक तक उडकर जानेवाला।

ताइरे सिद्र: (طائر سدرة) अ. पु—दे ‘ताइरे अर्श’।

ताइल (طائل) अ. पु—लाभ, फायदा।

ताई (طائي) अ. पु—अरब का एक कवील (वश) जिसमें
‘हातिम’ हुआ है।

ताईद (تائيد) अ. स्त्री—सहायता, मदद; पक्षपात,
हिमायत; पुरिट, तस्दीक; दावे के प्रमाण में कोई दस्तावेज
आदि।

ताईदे आस्मानी (تائيد آسمانی) अ. फा. स्त्री—दैवी
सहायता, गैबी मदद, अनायाम ऐसी बात हो जाना जिससे
किसी कठिन काम में सफलता प्राप्त हो जाय।

ताईदे गैबी (تائيد عیبی) अ. स्त्री—दे ‘ताईदे आस्मानी’।

ताईदे रब्बानी (تائيد ربانی) अ. स्त्री—दे ‘ताईदे आस्मानी’।

ता'ईन (تعین) अ. स्त्री—निश्चय, तपेयुन, नियुक्ति,
तकहर।

ता'ऊन (طاعون) अ. पु—एक महामारी, एक ववा, प्लेग।

ताऊस (طاؤس) अ. पु—मयूर, वहाँ, शिखी, मोर।

ताए करशत (تاء قرشت) अ. स्त्री—‘अवजद’ के हिसाब से
‘करशत’वाली ते (ت)।

ताए सकील: (تاء ثقيله) अ. स्त्री—हिदी का ‘ट’ (ث)।

ताक़. (طاقه) अ. पु—कपडे का थान, जिस प्रकार घोडे के
लिए ‘रास’, हाथी के लिए ‘जजीर’, रूपये के लिए ‘मुब्लिग’
आता है उसी तरह कपडे के थान के लिए ‘ताक’ आता है।

ताक़ (طاق) अ. पु—दीवार में बना हुआ छोटा मेहरावदार
खोल, मोखल, वह अक जो दो से न बँटे, जैसे—३, ५, ७, ९;
दक्ष, निपुण, चतुर, समाप्त, खत्म, इस अर्थ में केवल
‘ताकत’ के लिए आता है, जैसे—‘ताकत ताक हो गयी’
अर्थात् शक्ति समाप्त हो गयी।

ताकच: (طاقچه) अ. फा. पु—छोटा ताक।

ताक़त (طاقت) अ. स्त्री—शक्ति, बल, जोर, सामर्थ्य,
शक्ति, मक्दरत, साहस, मजाल, उत्साह, उमग, हौसला,
सत्ता, राज, हुकूमत, पात्र, जर्फ।

ताक़तआजमाई (طاقت آزمائی) अ. फा. स्त्री—जोर
लगाना, कोशिश करना।

ताक़तवर (طاقت ور) अ. फा. वि—शक्तिशाली, बलवान्,
जोरावर।

ताकी (طاقی) फा. स्त्री—एक लम्बी टोपी जो ताक के

आकार का होनी है एक घोड़ा जिमकी एक आँख छानी और दूसरा बनी हाना है।

ताकीद (ماکید) अ स्त्री—कोई बात जोर देकर कहना किसी बात का जरूर करने या न करने का हुक्म देना इत्वार हट डिट्।

ताकीद (معيد) अ स्त्री—इस तरह पदों में बात करना कि समय में न आये बहुत-सी गाँठें डाल देना किसी वाक्य में शब्दों का ऐसा उलट-फेर कर देना कि जय समझन में कठिनाई हो।

ताकीदन (ماکید) अ वि—ताकीद के साथ जोर देकर। ताकीदी (ماکیدی) अ वि—जिस बात की ताकीद की गयी है उसका सन्त।

ताकीदे अकीद (ماکید اکید) अ स्त्री—बहुत ही कड़ी ताकाद। ताकीदे मानवो (تعیند معلی) अ स्त्री—किसी वाक्य या शब्द में किसी शब्द का ऐसा जय देना जो उनके साधारण अर्थ के विपरान हो।

ताकीदे लफवो (معيد لمعی) अ स्त्री—किसी वाक्य या शब्द में शब्दों का ऐसा उलट-फेर जिममें जय बरक जाय।

ताकीदे गदीद (ماکید سدید) अ स्त्री—दो ताकीदे अकार। ता कुजा (ماکتا) अ अर्थ—जब तक कहा तक।

ताकु तिस्या (طال سدن) अ पु—विस्मति का ताक विस्मति स्त्री ताक जिसमें रखकर हर चीज भुला दी जाती है। ताक (ماک) अ अर्थ—ता कुजा।

ताकीर (ماحیر) अ स्त्री—विलव डील दर मत्र बडा दुस्वार चलव—बाह बजा ताकार-मम'।

ताह्त (ماحتة) अ वि—दीडा हुआ भागा हुआ।

ताह्त (ماحت) अ स्त्री—आक्रमण हमला घावा छापा टूटमार गारतगरा।

ताह्तोताराज (ماحو و تاراج) अ स्त्री—बर्तवाना तवाही विनाश विध्वंस टूटमार टूट-खमोट।

तातो (طاعی) अ वि—अवकावारी नाफरमान सरकारा विद्राही राजद्राहा वागा।

तापूत (طاعوب) अ पु—एक वृत्त एक पिपाच अयन्त निन्ध और अयाचारी व्यक्तित्व।

तापूती (طاعونی) अ वि—पिपाचपन घठाना पिपाच वक्त गतान।

ताबद (ماحد) अ अर्थ—जब तक नहीं तक।

ताब (تار) अ वि—नवीन नूतन नया संग्रह हरा भरा तत्कालीन हाक का हाक का बना हुआ हाक का किया हुआ हाक का परा हुआ हाक का आया हुआ शागर तरोताबा।

ताब कार (تار و کار) अ वि—नौसितिया नवाभ्यस्त। ताब-दम (تار و دم) अ वि—जिस धक्कन और कमल न हो पग।

ताब दिमाघ (تار و دماغ) अ वि—जिमका दिमाघ पया हुआ न हो जिस दिमाघ पर अभी डरा भी खोर न पगहा।

ताब ब ताब (تار و تار) अ वि—विन्कुल नया विन्कुल हाल का ताबा ताबा गमागम।

ताब मक्क (تار و مکن) अ वि—ताब कार। ताब कारिद (تار و ارید) अ वि—जो अभी अभी बाहर से आया हा नवागल।

ताब विलायत (تار و ولايت) अ वि—जा जमी-अभी किसी जय दग में आया हो और इस दग की वाल जग और चाल-डाल में अनभिण हा।

ताज (تاج) अ पु—मुकुट शाहा टोपी परदे के तर से कलगी गिया।

ताज (تار) अ प्रत्य—हमला करनेवाला जस-यक ताज अक-हमला करनेवाला (स्त्री) आक्रमण हमला दोन ताह्त।

ताजगी (تارگی) अ स्त्री—नवीनता नयापन हरा भरणन सरम-डा चेहरे की रौनक मुखशो परकलता फरहत प्रसन्नता खुगी तराक तरा गाललता।

ताजदार (تاجدار) अ पु—मुकुटधारी नरेण राजा बादगाह।

ताजपोशी (تاج پوشی) अ स्त्री—राजगद्दी अभिषेक रायाभिषेक बालगाह का गद्दी पर बाना।

ताजवर (تاجور) अ पु—दो ताजगर।

ताजिदगी (تاجدگی) अ अर्थ—तमाम उग्र आजय यावज्जीवन।

ताजिय (تاریه) अ पु—हजत इमाम हुनन के रीज की नकल जिसका तुकूम मुहरम में उठता है।

ताजिय-दार (تاریه دار) अ पु—ताजिया बनान और उठानवाला।

ताजिय-दारी (تاریه داری) अ अर्थ—ताजिया बनाना उठाना और रीजनी बनार करना।

ताजियत (تاریه) अ स्त्री—किसी क भर जान पर उसक पर गाक प्रकट क लिए जाना पुरसा।

ताजियतखान (تاریه خانه) अ पु—बह पर जिसमें काँ गमी हा गयी हा गाक गह।

ताजियतगाह (تاریه گاه) अ अर्थ—ताजियतखान। ताजियतनाम (تاریه نامه) अ अर्थ—किसी क मयन पर उगद उत्तरातिशयिया क गाक का मत गातान।

ताजियां: (تازيانه) फा पु.—घोड़ा, प्रचार, कमा, पावक।
 ताजिर (تاجير) अ. पु.—व्यापारी, गौशहर, व्यापारी,
 वणिक।
 ताजिरान (تاجيرانه) अ. फा. जव—व्यापारियों-जंग, जंग
 व्यापारियों के लिए होता है वैन।
 ताजी (تازي) फा वि.—अरब की भाषा, अरबी, अरब
 का घोड़ा, निकाने कुत्ता, अरब का रस्नेवाला।
 ताजीक (تاجيك) फा प.—अरब की वंशमान जो ईरान में
 रहकर अबान हुए हैं।
 ताजीखान (تازيخانه) फा. पु.—बुत्तों के रहने का घर, जहाँ
 बुत्ते पाए और रने जायें, प्रानागार।
 ताजीनजाद (تازي نژاد) फा वि.—अरब की वंश का घोड़ा।
 ताजीब (تعذيب) अ. स्त्री—गट देना, दुःख देना, मर्नीवत
 पहुँचाना।
 ताजीम (تعظيم) अ. स्त्री—आदर, भक्तार, सम्मान,
 उज्जत, प्रणाम, नम्नीम।
 ताजीर (تعوير) अ. स्त्री—गजा देना, दण देना।
 ताजीरात (تعزيرات) अ. स्त्री—'ताजीर' का बट्ट, गजाएँ,
 गजाओं से मबद्ध ग्याय की पुस्तक, उउ-विधान।
 ताजील (تعجيل) अ. स्त्री—जल्दी करना, शीघ्रता करना;
 शीघ्रता, जल्दी।
 ताजीस्त (تازيست) फा. अव्य—जिदगी भर, आजन्म।
 तातार (تاتار) फा पु.—तुर्किस्तान का एक इलाका जहाँ
 तातारी रहने हैं।
 तातारी (تاتاري) फा पु.—तातार देश का रहनेवाला।
 तातीर (تعطير) अ. स्त्री—उज में वागना, मुगंधित करना।
 तातील (تعطيل) अ. स्त्री—अवकाश, फुर्त, निठल्लापन,
 बेकारी, छट्टी, कारखाने, दफ्तर या स्कूल के बंद होने का
 दिन।
 तातूर (تاتور) फा. पु.—धतूरा, धतूर, एक प्रमिद्ध
 विपैला फल।
 तादमेजीस्त (تادمه زيست) फा अव्य—जब तक आखिरी साँस
 है तब तक, ताजीस्त, जीवनभर।
 तादाद (تعداد) अ. स्त्री—गणना, गिनती, अनुमित,
 अदाज, सल्मा, गुमार।
 तादिय (تعدييه) अ. पु.—रोग का एक स्थान से दूसरे स्थान
 तक या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक जाना, अकर्मक
 क्रिया को सकर्मक बनाना।
 तादीब (تاديب) अ. स्त्री—अदब सिखाना, शिष्ट बनाना,
 तबीह करना, घुड़की देना, कान मरोटना, सजा देना।
 तादील (تعديل) अ. स्त्री—एक वस्तु को दूसरी वस्तु के

बराबर करना; समता, बराबरी; ठीक करना, दुम्स्त
 करना, गीधा करना, टेट निकालना।
 ता'न (طلعنه) अ. पु.—व्यंग, कटाक्ष, तज; उपात्म, गिला,
 निदा, बुराई।
 ता'न जन (طلعنه زن) अ. फा वि.—ता'न देनेवाला, व्यंग
 करनेवाला।
 ता'न जनी (طلعنه زنی) अ. फा. स्त्री—ता'न देना, व्यंग
 करना।
 ता'न (طلعنه) अ. उभ—कटाक्ष, व्यंग, ता'न, तीर मारना।
 तानीन (تانیث) अ. स्त्री—स्त्रीलिंग होना, स्त्रीलिंग।
 ता'नीतनीन (طلعنه و تشلیع) अ. स्त्री—व्यंग जीर
 रटाक्ष, सर-सर के ताने, लानत-मलामत।
 तापत (تافته) फा वि.—बटा हुआ, बल दिया हुआ,
 चमका हुआ, चमकदार, रौशन; एक प्रकार का रेशमी
 कपड़ा।
 ताव (تایه) फा पु.—गोटी पाने का वर्तन, तवा।
 ताव (تاب) फा स्त्री—उष्णता, गर्मी, उर्णमा, ज्योति,
 आभा, चमक, बल, पैन, रम; शक्ति, जोर; महन-शक्ति,
 बरदान; सामर्थ्य, मक्दूर, (प्रत्य) रौशन करनेवाला,
 जैसे—'आलमताव' मनार की चमकानेवाला।
 तावइस्काँ (تایه اسکان) फा. अ. अव्य—अपने इस्काँ भर,
 यथागभव, यथाशक्ति।
 ताव कमर (تایه کمر) फा अव्य—कमर तक, कमर
 तक आया या पहुँचा हुआ, जैसे—ताव कमर पानी या
 तवाव कमर जुल्फ।
 ताव कुजा (تایه کجا) फा अव्य—कहाँ तक, कब तक,
 ता कुजा, ताकि।
 तावक (تایه ک) फा अव्य—दे 'ताव कुजा'।
 तावखान (تایه خانه) फा पु.—गर्म किया हुआ कमरा,
 गर्म मकान, गर्म हम्माम, गर्म स्नानागार; वह कमरा
 जहाँ चूल्हा या भट्टी हो।
 तावखान (تایه خانه) फा अव्य—घर तक, मकान तक।
 ताव गुल्लू (تایه گلولو) फा अव्य—माले तक।
 ताव जीस्त (تایه زیست) फा. अव्य—जीवन भर, जीते-जी,
 आजीवन, आजन्म।
 तावदाद (تایه داد) फा वि.—बटा हुआ, बल दिया हुआ,
 वलित।
 तावदान (تایه دان) फा पु.—मकान का रौशनदान, गवाक्ष,
 झरोखा, वातायन।
 तावदार (تایه دار) फा वि.—ज्योतिर्मय, जाज्वल्यमान,
 तावाँ, बटा हुआ, बल दिया हुआ, वलित।

ताबनाक (تابناک) का वि-रौशन, प्रकाशमान, ज्योतिमय, चमकता हुआ।

ताबनाकी (تابناکی) का स्त्री-चमक, प्रकाश, ज्योति, नूर।
ता ब मक्दूर (تا ب مکدور) का अ अव्य-यथाशक्य यथाशक्ति, अपनी ताकत भर भरकर।

ता ब हद्दे (تا ب حدده) का अ अव्य-इस ह तक यहाँ तक जित ह तक, जहाँ तक।

ता ब ह्यात (تا ب هيات) का अ अव्य-दे ता ब जीस्त।

ताबां (تابان) का वि-प्रकाशमान दीप्त ज्वलन्त रौशन मुनव्वर।

ताबानी (تابانی) का स्त्री-प्रकाश जाभा ज्योति रौशनी नूर।

ताबिद (تابیده) का वि-चमकनेवाला प्रकाशमान रौशन।

ताबिदगी (تابیدگی) का स्त्री-चमक जिला जगमगाहट ज्योति प्रकाश नूर रौशनी।

ताबिई (تابعی) अ पु-वह अरब जिसने रसूल क किता सिहाबी (निवट जन) को देखा हा।

ताबिए फरमान (تابیع فرمان) अ वि-आपापालक हुकम माननेवाला, शक, वफागर।

ताबिए मुहमल (تابیع مهمل) अ पु-वह अनयक शब्द जा किमी गल स मिलाकर बाला जाता है जैसे-रौमी बीगी। इसम बीगी का कोई अर्थ नहीं ह परन्तु बालने ह।

ताबिब (تابیب) अ पु-मजाना सवारता चमकद करना तर्ब देना लडाई क लिए फौज सजाना पक्का करी करना, जम्मा।

ताबिन (تابین) का स्त्री-तपन उज्जता गर्मी ज्योति प्रकाश ताबानी जगमगाहट चमक-चमक।

ताबिन आफताब (تابین آفتاب) का स्त्री-पूर बी गर्मी, सूरज की तज चमक।

ताबितान (تابیتان) का पु-शीप्यवाल गर्मी की कतु।

ताबीह (تابیه) का वि-पानिमय प्रकाशित, चमकता हुआ चमका हुआ।

ता बीर (تابیر) अ स्त्री-स्वाव का नताजा बयान करना स्वप्नच बनाता बट बलना करना तीव्रह करना, बना बयाना।

ताबून (تابون) अ पु-वह मकूर जगमें दाब का ब बट बट गहन ह एर प्रकार का ताबिबा आ मोआ उताल ह।

ताब (تاب) अ वि-बगवर्ती बगीभून अधीन बर हुकम आगाकारी फरमाबगर, अनुयायी अनुकर्ता मकहिल्ल।

ताबे राम (تاب رام) का अ स्त्री-दुख सहन की शक्ति गम की बरदाश्त।

ताबे खल (تاب خل) का अ स्त्री-दुख और बट की सहन शक्ति, प्रेम के बट सहने की शक्ति।

ताबेदार (تابعدار) अ का वि-अनुयायी आगाकारी हुकम माननेवाला, फर्माबदार।

ताबे फुर्दा (تاب فرمان) का स्त्री-आट करन की शक्ति।

ताबो तुवा (تابو تواب) का स्त्री-शक्ति सामथ्य का कुब्वत।

ताम (تام) अ पु-स्वा, रस जाइका मडा।

ताम (تام) अ वि-समस्त सब सब पूण समग्र कुल।

तामात (تامات) अ स्त्री-डीग अहवा लफ बनावगी फकीरा और साधुआ की वे डीगें जो वे अपनी दुकानगारी चलाने के लिए दूसरे लोग के सामने मारते ह और जिनमें वे अपनी करामती और चमत्कारो का बणन ब चिताकपक और रोचक ढग से करते ह।

तामिय (تامیه) अ पु-अधा करना आँखें पीडना छिपाना गायन करना, अबज के हिसाब से निगानी हुई तारीख में काई सख्या बगना जिससे वपों की सख्या पूरी हो जाय परन्तु इस प्रकार बडाई हुई सख्या नौ स अधिक नहीं हा सकती बरखिलाफ तखिब के जितमें सख्या घटाने की कोई ह नियत नहीं है।

तामीम (تامیم) अ स्त्री-किमी बात को आम कर देना व्याप्ति हर एक के लिए कर देना तहमीस न रतान।

तामीर (تامیر) अ स्त्री-निर्माण रचना बनाना इमारत बनाना वास्तु क्रिया सुधार इस्लाह बनाब सालन इमारत, बिल्डिंग।

तामीरी (تامیری) अ वि-इस्लाह रचनात्मक।

तामीरे बीम (تامیر بیم) अ स्त्री-राष्ट्र निर्माण देा का सुधार जाति निर्माण अपनी बिरादरी बीम या सातगते का सुधार।

तामीरे मुक (تامیر ملک) अ स्त्री-राष्ट्र निर्माण देा का सुधार।

तामील (تامیل) अ स्त्री-आगा का पालन करना हुकम मानना बिगी परवान सम्मन या वारट की तपमील निपादन।

तामीलात (تامیلات) अ स्त्री-अगलत में समया आँ की तामीला का वाम, दाबी तामील।

तामीले हुकम (تامیل حکم) अ स्त्री-आगा का फरम हुकम की तामील।

तामे (تامع) अ वि-आप्य जियु साउबी लाणे।

तामेह (طاميه) अ वि.—उड़ड, उजड़ड, अवज्ञाकारी, सरकण; उच्च, बलद।
ताम्मः (تامه) अ स्त्री.—सपूर्ण, सब, तमाम।
तार (تار) फा पु.—तन्तु, डोरा, किमी धातु का पतला सूत, क्रम, सिलसिला, धागा, सूत्र, तार की खबर, टेलीग्राम, लस, लस का चप, झट्टी, कतार, (वि) 'तारीक' का लघु, अँधेरा, तमिख, तारीक।
तारक (تارى) फा पु.—माँग, सीमत; चोटी, शृंग; शिरस्त्राण, खोद।
तारकश (تاركش) फा पु.—धातुओं के तार बनानेवाला।
तारकशी (تاركشى) फा स्त्री.—सोने-चाँदी के तार बनाना, कपडे के तार अलग करके बेल-बूटे बनाने का काम।
तार तार (تارتار) फा वि.—टुकड़े-टुकड़े, धज्जी-धज्जी, रेजा-रेजा, बिल्कुल फटा पुराना कपडा।
तारपोद (تارپود) फा पु.—दे 'तारोपोद'।
ताराज (تاراج) फा पु.—विनाग, बरवादी, लूटमार, गारतगरी, नष्ट, विनष्ट, बरवाद।
ताराजगाह (تاراجگاه) फा स्त्री.—लूट-मार की जगह, वह स्थान जहाँ डाकू रहते हैं और लोग लुट जाते हैं।
तारिक (طارق) अ पु.—दुर्घटना, सख्त हृदिसा, प्रात काल में उदय होनेवाला एक तारा; हर वह चीज जो रात में निकले, इसी लिए चोर और राहगीर को भी कहते हैं, इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।
तारिक (تارى) अ वि.—त्याग करनेवाला, छोड़नेवाला, अहकारी, धमडी।
तारिकुद्दुन्या (تارى الدنيا) जिसने ससार से पूर्णतया सम्बन्ध विच्छिन्न कर लिया हो, विरक्त, निवृत्त, पति।
तारिके दुन्या (تارى دنيا) अ वि.—दे 'तारिकुद्दुन्या'।
तारिके लज्जात (تارى لذات) अ वि.—जिसने ससार के सारे आनदों पर लात मार दी हो, निस्पृह, निग्रही।
तारी (طارى) अ वि.—छा जानेवाला, ढँक लेनेवाला, छाया हुआ, ढँके हुए।
तारीक (تعويق) अ स्त्री—पसीना निकालना, औषधियों के द्वारा शरीर से पसीना निकालना।
तारीक (تاريك) फा वि.—तमिख, अधकारमय, अँधियारा।
तारीक जमीर (تاريك ضمير) फा, अ वि.—अत मलिन, जिसका वातिन पापमय हो।
तारीक दहँ (تاريك درون) फा वि.—दे 'तारीक दिल'।
तारीक दिल (تاريك دل) फा वि.—जिसके दिल में ईमान की रोगनी न हो, अधात्मा, खबीस, दुष्टात्मा।
तारीक वातिन (تاريك باطن) फा अ वि.—दे 'तारीक दिल'।

तारीकिए शव (تاريكى شوب) फा स्त्री—रात का अँधेरा।
तारीकी (تاريكى) फा स्त्री—अँधियारी, अधकार, अँधेरा, धुँधलापन।
तारीख (تاريخ) अ स्त्री.—महीने की तिथि, डेट, मुकद्दमे की सुनवाई का दिन; पिछले हालात का जिक्र, इतिहास, तवारीख, इतिहास की किताब; 'अवजद' के हिसाब से निकाला हुआ किसी वाकिए का साल; इतिहास-विज्ञान, वह इल्म जिसमें पिछले हालात और वाकियात का वर्णन हो।
तारीखगो (تاريخگو) अ फा. वि.—वह शाइर जिसे 'अवजद' के हिसाब से किसी घटना की तारीख निकालने का अभ्यास हो।
तारीखदाँ (تاريخدان) अ फा वि.—इतिहासवेत्ता, इल्मे तारीख का माहिर।
तारीखनवीस (تاريخ نويس) अ फा. वि.—इतिहासकार, तारीख लिखनेवाला, मुअरिख।
तारीखी (تاريخى) अ वि.—प्राचीन इतिहास से सम्बन्ध रखनेवाला, जैसे 'तारीखी मकाम', तारीख का, ऐतिहासिक।
तारीख (تعويض) अ स्त्री—सामने रखना, पेश करना, दूसरे पर टालकर बात कहना, व्यग करना, कटाक्ष, व्यग, आपत्ति, एतिराज, गिरिफ्त।
तारीफ (تعريف) अ स्त्री—प्रशंसा, श्लाघा, मद्दह, परिचय, जानकारी, गुण, जौहर; व्याख्या, तशीह।
तारीफुल मजहूल (تعريف المستهول) अ वाक्य—किसी अज्ञात चीज का परिचय अज्ञात चीज से, जैसे—कोई पूछे 'चुर्जक' किसे कहते हैं और उत्तर में कहा जाय 'उल्मक' को।
तारीव (تعويص) अ स्त्री—किसी दूसरी भाषा के शब्द को अरबी बनाना।
तारूम (طارم) अ पु.—प्रासाद, महल, अट्टालिका, बाला-खाना, लकड़ी का मकान।
तारे अन्कबूत (تار عنكبوت) फा अ पु.—मकड़ी के जाले का तार, बहुत ही कमजोर चीज।
तारे अँक (تار اشك) फा पु.—आँसुओं का तार, रोने का सिलसिला।
तारे नज़र (تار نظر) फा. अ पु.—दे 'तारे निगाह'।
तारे नफस (تار نفس) फा अ पु.—साँस का डोरा, साँम का आना-जाना।
तारे निगाह (تار نگاه) फा. पु.—दृष्टि का रश्मि-समूह, निगाह की शुआएँ।
तारे बर्की (تار برقى) फा अ पु.—बिजली का तार।
तारे वाराँ (تار باران) फा पु.—बरसात के पानी की झडी।

तारे मिस्तर (تار مستر) का ज पु - मिस्तर का तार लकार बनाने क पठे का डारा।
 तालवे गोर (تالو گور) का अन्य - नत्र क विनार तक, कत्र क मुह तक।
 ताल्लाह (تالو) अ अन्य - खुण डियाण कर, खुण वनाये।
 तालाब (تالو) का पु - सहाय कामार वापी।
 तालार (تالو) का पु - चार खमा पर वनाया हुआ मच जा खेता का रखवाणे के लिए हाता है मधान टा।
 तालिए छुपत (تالو حمته) अ फा पु - साता हुआ नमाव दुमाय।
 तालिए खवाबीव (تالو حواسده) अ फा पु - द ता० सुपन।
 तालिएवेवार (تالو سداز) अ फा पु - जागता हुआ नमोव मोमाय।
 तालिव (تالو) अ पु - इच्छुक खवाहिमद याचन मांगनवाला अभिलापी आजूम लालामिन लिप्सु मुनाइ।
 तालिवे इत्म (تالو علم) अ पु - विद्यार्थी पानेवाला छात्र।
 तालिवे उखवा (تالو عشق) अ पु - मोग स्वग और पुन्व का इच्छुक दान्तर धमनिद।
 तालिवे खर (تالو) अ फा पु - धनच्छुक रुपय का ख्वाही दुनियागर।
 तालिवे दोवार (تالو سداز) अ फा पु - गता का अभिगपी।
 तालिवे दुनया (تالو سدिया) अ पु - तात्रि खर।
 तालिवो मतलुब (تالو مطلوب) अ पु - प्रमा और प्रेमिका मायक और नायिका आर्ति और मांगूक।
 तालीक (تعلیق) अ पु - डमीगर या मगरक की आर म मना का त्रिग पर लगायी हुई राक ताकि वा क निगय म पहा मा उठाय न जा मरे।
 तालीक (تعلیق) अ स्त्री - लखाना विगी चाउ का दूसरे चाउ क मगर म टराना।
 तालीक (تعلیق) अ स्त्री - का कई बसुया का परम्पर मनुवन करना क लयका का इतिना में म टाकर अलग मर पुनक यनाता मगान कगा इन प्रकार बनाई हूँ पुनर।
 तालीक (تعلیق) अ स्त्री - गाय क मन अपना अर इन प्रकार आरगिन करना त्रिगमें धडा और कृपणा का भाव ह।

तालीम (تعلیم) अ स्त्री - गिज्ञा देना, पडाना, निनाता बताना गिगा पनाइ उपणे नसीहत, गुपन दाग तलवान नाचने-गाने की गिगा।
 तालीमगाह (تعلیم گاه) अ फा स्त्री - पाने का स्थान पाठगाना मरमा।
 तालीमयाफ्त (تعلیم یافتہ) अ फा वि - गिसित पग लिखा गिष्ट सम्य तमीखार।
 तालीमे जदीद (تعلیم جدید) अ स्त्री - नई तालीम आर कल की परिचमी गिगा नवीन गिगा आधुनिक गिगा।
 तालीमे निस्वी (تعلیم نسوان) अ स्त्री - गीराती की तालीम स्त्री गिगा।
 तालीमे बालिगी (تعلیم بالغان) अ स्त्री - एस लाना की गिगा जिनकी आपु काफ़ी हा चुका हा और जा अपने अल घषा में लगे हा प्रीट गिदा।
 तालील (تعلیل) अ स्त्री - कारण बताना प्रमाण दना अलिफ वाक अथवा ये को किसी दूसरे अणर स बाना (व्या)।
 तालूत (تالوت) अ पु - इस्राईल जाति का एक गासक आ भिना था, उसी जालूत नाम के एक बड अयाधारी नास्तिक को हज़रत दाऊद की सहायता स मारा था आ उस समय उनकी कौज के मनापति से।
 ताले (تالو) अ पु - उच्य हानेवाला निबलनवाला भाग्य त्रिसमत प्रारथ।
 ताले आडमाई (تالو آزمائی) अ फा स्त्री - नाय की परीगा प्रयन कागिगा।
 ताले मद (تالو मद) अ फा वि - भाग्यवान सुभाजन सुग इस्वाल।
 ताले वर (تالو) अ फा वि - ता म।
 ताले नास (تالو ناس) अ फा वि - ज्यानिता नुस्ती।
 ताले ह (تالو) अ वि - राचारी कनकारा सुमरि कनामाल।
 ताबकनेरि (تالو کره) फा अ अन्य - जब तक वि।
 तावान (تالو) अ पु - नुक्तरान का मुआबका धानिगी अथवा, जर्मना वह धन या सामान आनि ओ हाग हूमा राधु विजरा का दता है।
 तावाने जग (تالو حلق) अ फा पु - वह जग और गामान जा पराजिन राय्य विजरा का म्ना है।
 ताबीक (تالو بیق) अ स्त्री - दिन्क अति कान इन्क मर टालमगल आबक।
 ताबीक (تالو بیق) अ पु - वह कान्क त्रिग पर काई मर आनि गिक्क मरे में टालने या वाहु पर बाप ह कत्र

मत्रचक्र, रक्षाकवच, कन्न पर वना हुआ ईंटो या पत्थर का निशान, गले का एक आभूषण।

ताबील (تَابِيل) अ. स्त्री—स्पष्टीकरण, तीजीह, किसी बात का असली अर्थ से हटकर दूसरा अर्थ, किसी बात का ऐसा कारण बताना जो करीब-करीब ठीक जान पड़े, स्वप्न-फल कहना, ता'वीर बताना।

ताश (تَاش) तु. प्रत्य.—सगी, साथी, शरीक, साझेदार, जैसे—'ह्वाज ताश' एक स्वामी के शरीक, अर्थात् वह नौकर जो दासता में एक स्वामी के शरीक हो।

(उ) पु—खेलने के पत्ते, गजिफा।

ताशकंद (تَاشَكَنْد-تَاشَكَنْد) फा पु—रूसी तुर्किस्तान का एक नगर, जो पहले ईरान के पास था।

तास (تَاس-طَاس) फा पु—बड़ा तश्त, परात, वह कटोरा जो जल घड़ी की नाँद में पड़ता था, एक सुनहरे तारो का जडाऊ कपडा।

तासीस (تَاسِيس) अ. स्त्री—नीव रखना, बुनियाद डालना, आधार, न्यास, बुनियाद।

तासे' (تَاسِع) अ. वि—नवाँ, नवम।

ताहम (تَاهَم) फा अव्य—तौ भी, फिर भी, तथापि, तदपि, तद्यपि।

ताहिर (تَاهِر) अ. वि—पवित्र, शुद्ध, पुनीत, पाक।

ति

तिक्क: (تِکک) फा पु—कटिवध, कमरवध; गोश्त की लवी और पतली बीटी, गोश्त का लोथडा।

तिनाव (تِنَاب) अ. स्त्री—दे 'तनाव', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

तिफल (طِفَل) अ. पु—वाल, बालक, बच्चा।

तिफलक (طِفَلِک) अ. फा पु—छोटा बच्चा, शिशु।

तिफलमश्रब (طِفَلِ مَسْرُوب) अ. वि—दे 'तिफलमिजाज'।

तिफलमिजाज (طِفَلِ مِرَاح) अ. वि—बच्चो-जैसी हरकते करनेवाला, जिसके मिजाज में लडकपन हो।

तिफलान: (طِفَلَانَه) अ. फा वि—बच्चो-जैसा, बालोचित, गंशव।

तिफलाने चमन (طِفَلَانِ چَمَن) अ. फा पु—बाग के छोटे पौदे, फूल और कलियाँ।

तिफली (طِفَلِي) अ. स्त्री—बाल्यावस्था, बचपन, लडकपन।

तिफ्ले अश्क (طِفَلِ اَشک) अ. फा. पु—आँसुओ की बूँदे, अश्रु-विंदु।

तिफ्ले आतश (طِفَلِ آتَش) अ. फा पु—अग्निकण, स्फुल्लि, चिनगारी।

तिफ्ले मक्तव (طِفَلِ مَكْتَب) अ. पु—अलिफ-त्रे पढनेवाला, निरक्षर, मूर्ख, वेवकूफ, अनभिज्ञ, अनाडी।

तिफ्ले शीरखवार (طِفَلِ شِيرَحْوَار) अ. फा उभ—दुध मुँहा बच्चा, स्तनपायी।

तिफ्ले हिद्द (طِفَلِ هِنْدُو) अ. फा पु.—आँख की पुतली, कनीनिका।

तिव (طِب) अ. स्त्री—चिकित्साशास्त्र, वैद्यक, आयुर्वेद, हिकमत।

तिवाअ (تِوَاع) अ. पु.—अनुसरण, अनुकरण, पैरवी।

तिवाअ (طِوَاع) अ. पु—प्रकृति, स्वभाव, आदत, 'तवीअत' और 'तव'अ' का बहु, प्रकृतियाँ।

तिवावत (طِبَاوَات) अ. स्त्री—तवीव का पेशा, चिकित्सा-कर्म, वैद्यक, आयुर्वेद, हिकमत।

तिवन (تِوَن) अ. स्त्री—घास, सूखी घास।

तिव्वी (طِوِي) अ. वि—चिकित्सा-सम्बन्धी, तिव से सम्बन्ध।

तिव्वे कदीम (طِبِ قَدِيم) अ. स्त्री—प्राचीन चिकित्सा-पद्धति, पुराने तरीके का इलाज।

तिव्वे जदीद (طِبِ حَدِيد) अ. स्त्री—नवीन चिकित्सा-प्रणाली, पाश्चात्य आयुर्वेद।

तिव्यान (تِوِيَان) अ. पु—प्रकट होना, व्यक्त होना, वाजेह होना, व्यक्त करना, जाहिर करना, कथन, बचन, कलाम, कौल।

तिमुर (تِیْمُور-تِیْمُور) तु. पु—लोह, लोहा, फौलाद, तैमूर लग, इस शब्द का उच्चारण तैमूर अशुद्ध है, परंतु बोला जाता है।

तिम्साल (تِیْمَال) अ. स्त्री—आकृति, शकल, मूर्ति, प्रतिमा, तस्वीर, राजादेश, फरमान।

तिम्सालगर (تِیْمَالِ گَر) अ. फा पु—मूर्तिकार, वुततराश, चित्रकार, मुसद्विर।

तिम्सालदार (تِیْمَالِ دَار) अ. फा पु—दे 'तिम्सालगर'।

तिम्साह (تِیْمَسَاح) अ. पु—बडियाल, मगरमच्छ, कुभीर, ग्राह।

तिर्याक (تِیْرَاق) अ. पु—विपहर, विप का नाशक, जह-मोहरा, अपयून, अहिफेन।

तिर्याक (تِیْرَاق) फा पु—दे 'तिर्याक'।

तिर्याकी (تِیْرَاقِی) फा वि—अफीमखानेवाला, अफीमची।

तिराज (تِیْرَاج) फा प्रत्य—चित्रकारी करनेवाला; चित्र, नक्शोनिगार।

तिला (طِلا) फा पु—सुवर्ण, सोना, कामबर्दक तेल जो लिंग पर लगाया जाता है।

तिलाई (طِلائی) फा वि—जिस पर सोने का काम हो, जो बिलकुल सोने का हो, सुनहरे रगवाला।

तिलाए अहमर (طلاء احمر) फा अ पु—कुन्न खालिग माना ।

तिलाए माब (طلاء ماب) फा पु—खालिस घाना ।

तिलाहार (طلاهار) फा वि—जिम पर माने की चित्र कारी हा ।

तिलाकारो (طلاکاری) फा स्त्री—माने का काम बनाना माने का काम, छान क काम बनाने का व्यवसाय ।

तिलाकोब (طلاکوب) फा पु—मान क बख बनानेवाला ।

तिलादार (طلادار) फा पु—तिलाकार ।

तिलाबाक (طلاباب) फा पु—तिलाकार ।

तिलाबत (طلاوت) अ स्त्री—पन्ना किमी घमग्रय का पन्ना कुरान पन्ना ।

तिलासाड (طلاسا) फा पु—माना बनानेवाला, कामियागर ।

तिलिस्म (طلسم) अ पु—माया इद्रजाल जादू दष्टिवच नडवना वह मायारचित विचित्र स्थान जहा अत्यंत बजावा कराव व्यक्ति और चाडें लिखाया पत्रे और जहाँ जाकर जायमी खा जाय फिर उन घर पहुँचने का रास्ता न मित्र ।

तिलिस्मे खीस्त (طلسمه خيست) अ पु—जावन का माया जाल जिगी स्त्री जादू का घर छाँदे जा कुठ बच ह तीर वह भा छाँद द टूट जाये जो तिलिस्म-खीस्त आवागिल में है ।

तिलिस्मबद (طلسم बद) अ फा वि—तिलिस्म और जादू क जमर में आया हुआ, मायाग्रमन ।

तिलिस्मबदो (طلسم बदو) अ फा स्त्री—जादू क अमर में आ जाना माया और तिलिस्म की रचना ।

तिलिस्मात (طلسمات) अ पु—तिलिस्म का बहु माया रचिन स्थान मायाजाल ।

तिलिस्माती (طلسماتی) अ वि—मायापूण तिलिस्मी मायावा जादूगर ।

तिलिस्मी (طلسمی) अ वि—मायानिमित्त जादू का बना हुआ माया सम्बन्धी जादू का ।

तिसअ (تسه) अ वि—नी नी की सरुना ।

तिसईन (تسعين) अ वि—नत्र नवति ।

तिहाल (طهال) अ स्त्री—तिल्ला प्लाहा ।

तिही (تہی) फा अ वि—रिक्त खाली ।

तिहीजिस्मत (تہی جسمت) फा अ वि—जिमक भाग्य में कुठ न हो ।

तिहीगाह (تہی گاہ) फा स्त्री—तुनि काव उपस्य पत्र ।

तिहीदस्त (تہی دست) फा वि—जिमका हाथ छांग हो दरिद्र रिक्तहस्त ।

तिहीमान (تہی دامن) फा वि—जिमका दामन खाल हा बचिन महम्म ।

तिहीदिमाघ (تہی دماغ) फा अ वि—जिमका मस्तिष्क खुकुल हा, निबुद्धि ।

तिहीमाज (تہی معر) फा वि—निबिबक गानगुन मूक जिमकी समन में बात न जाये ।

ती

तीन (تین) अ स्त्री—मस्तिका मिट्टा ।

तीन (تین) अ पु—इजार एक प्रमिद्ध फल ।

तीनत (تینت) अ स्त्री—स्वभाव प्रकृति जाण्ड ।

तीब (تیب) अ स्त्री—प्रमत्ता धुगा स्वादुनि रजामना ।

तीबत (تیبعت) अ स्त्री—मनाविना मन्दाजन तपहि मिखाह ।

तीमार (تیمار) फा स्त्री—वामार की खिन्मत रागा की दलभाल और गुथुया ।

तीमारदार (تیمار دار) फा वि—रागा की गुथुया बरन वाला परिचारक ।

तीमारदारो (تیمار داری) फा स्त्री—रोगा की सवा परिचर्या ।

तीर (تیر) फा वि—अधकारमय तमिल तरीक ।

तीर-खाकदी (تیر خاکدان) फा पु—मत्स्यलक ससाद, दुनिया ।

तीर-दर्रे (تیر دروں) फा वि—बन्वानिन खीम जत मन्नि अघात्मा जिमका मन विलकुल ही बाला हो ।

तीर-दिल (تیر دل) फा वि—द तीरद ।

तीर-बहत (تیر بہت) फा वि—हतभाग्य बन्त्रिस्म जिमके भाग्य में अँधेरा ही अधरा हा ।

तीर-वातिन (تیر وطن) फा अ वि—द तीरदर ।

तीर-रोख (تیر روخ) फा वि—तीर-रोखगार छत्री बचक टग ।

तीर-रोखगार (تیر روخ گار) फा वि—जिसके लिए दुनिया विलकुल अधरी हा हतभाग्य ।

तीर (تیر) फा पु—बाण गर नावक एक ईरानी महीना जो हिनी हिमाक स सावन हाता है बुध ग्रह उतारि गति बल जार ।

तीर-अदाड (تیر ادا) फा वि—तीर चलानेवाला तार मारनेवाला तीर स चिक्कार करनेवाला ।

तीर-अदाजी (تیر اداچی) फा स्त्री—तीर चलाना तीर स चिक्कार करना धनुबिया तीरलाजी का पन ।

तीर-अरुगन (تیر ارگان) फा वि—दे तीरअरगड ।

तीरओतार (تير اوتار) फा वि-विलकुल अधकारमय, घोर अंधियारा ।

तीरकश (تيركش) फा वि-तरकश, तूणीर, निपंग, वह सूराख जो किले मे वदूक चलाने के लिए बनाये जाते हे ।

तीरखुर्वे: (تيرخورد) फा वि-तीर खाया हुआ, घायल, जखमी ।

तीरगर (تيرگر) फा. पु-तीर बनानेवाला ।

तीरगी (تيرگی) फा स्त्री-अधकार, अंधरा, तिमिर ।

तीरज़न (تيرزن) फा वि-दे 'तीरअफ़ान' ।

तीरदान (تيردان) फा पु-तरकश, निपंग, तूणीर, घोण ।

तीरपरताव (تيردوتاب) फा पु-वह दूरी जो एक तीर चलकर गिरने की हो, वह तीर जो दूर तक फेकने के काम आता है, निशाने के लिए नहीं होता ।

तीरवहदफ (تيردودف) फा वि-अचूक, जो खता न करे, जो ठीक निशाने पर बैठे, अमोघ, रामबाण ।

तीरावर (تيراور) फा वि-धूर्त, छली, मक्कार, कुरंम साक, औरत की कमाई खानेवाला ।

तीरे निगाह (تيرونگاه) फा पु-दृष्टि का वाण, दृष्टि का धाव ।
तीरेनीमकश (تيرنيمكش) फा पु-वह तीर जो धाव मे से आधा खीचकर छोड़ दिया गया हो, "कोई मेरे दिल से पूछे तेरे तीरेनीमकश को"—गालिव ।

तीरे हवाई (تير هوایی) फा अ पु-वह तीर जो हवा मे फेका जाय, निशाने पर न लगाया जाय, एक आतशबाजी ।

तीर हुक्मी (تير حومی) फा अ पु-वह तीर जिसका निशाना कभी न चूके, अमोघ ।

तीह (تیه) फा पु-वह भयानक जगल जहाँ से जाने-वाला फिर न लौटे और वही मर जाय; वह वन जिसम हज़रत मूसा कई हजार आदमियो के साथ चालीस साल भटकते रहे ।

तीहूज (تیهوج) फा पु-एक चिड़िया, लवा ।

तु

तुंग (تنگ) फा पु-मिट्टी का वह वर्तन जिसका पेट चौड़ा, गर्दन छोटी और मुंह तग हो ।

तुंद (تند) फा वि-तीव्र, प्रचंड, तेज, पुरजोर; आवेगपूर्ण, पुरजोश, क्रुद्ध, कुपित, गुस्से में, गीघ्र, त्वरित, तेज ।

तुंदखू (تندخو) फा वि-तेज मिजाजवाला, गुस्सैल, तीव्र स्वभाव,—“जिधर निगाह उठी विछ गई सफे उश्शाक, बला है, कल्ल है, वह तुकों तुदखू क्या है ?”

तुंदवाद (تندباد) फा. स्त्री-आंधी, झक्कड, झझावात ।

तुंदमिजाज (تندمراج) फा अ वि-दे 'तुदखू' ।

तुंदर (تندر) फा पु-मेघ-गर्जन, बादल की गरज, बुल-बुल, एक प्रसिद्ध मधुरस्वर चिड़िया ।

तुंदरफ़तार (تندرفتار) फा वि-बहुत तेज चलनेवाला, द्रुतगामी, शीघ्रगति, वायुवेग ।

तुंदराय (تندراي) फा. वि-अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी, आकवत का अदेश ।

तुंदरौ (تندرو) फा वि-दे 'तुंदरफ़तार' ।

तुंदी (تندی) फा स्त्री-तीव्रता, तेजी, आवेग, जोश; स्वभाव की तीव्रता, वदमिजाजी, लिगोत्थान, इस्तादगी; कोप, गुस्सा ।

तुंदान (تندان) तु पु-एक प्रकार का ढीला-ढाला पाजामा, शलवार ।

तुक्म: (تکمه) तु पु-वटन की जगह लगायी जानेवाली घुडी, परंतु उर्दू मे उस फदे को कहते हैं जिसमे घुडी फँसाई जाती है ।

तुक्लान (تکلان) अ पु-विश्वास, आस्था, श्रद्धा, एतिकाद, कालतुष्टि, ईश्वरेच्छा, तक्कुल ।

तुक्म: (تکمه) फा पु-सतान, औलाद; अडा, अड, वीज ।

तुक्म: (تکمه) अ पु-सख्त किस्म की वदहज़मी जो हैजे की शकल इस्तिहार कर ले ।

तुक्म (تکم) फा पु-बीज, दाना, गुठली, अड, अडा; सतान, औलाद, वीर्य, नुत्फा ।

तुक्मपाशी (تکمشاشی) फा स्त्री-खेत मे बीज बोना, बीजारोपण ।

तुक्मरेज़ी (تکمشیری) फा स्त्री-दे 'तुक्मपाशी' ।

तुक्मी (تکمی) फा वि-जो बीज बोकर उत्पन्न किया गया हो, देशी आम जो कलमी न हो ।

तुक्मेकतौं (تکمکتان) फा पु-अलसी का बीज, अलसी ।

तुक्मे मुर्ग (تکم مرغ) फा पु-मुर्गी का अडा ।

तुक्मे रंहाँ (تکم رینان) फा अ पु-दौने मडुए का बीज ।

तुग़यान (طغیان) अ पु-अवज्ञा, अवहेलना, सरकशी, उद्भता, जहालत, अत्याचार, अनीति, जुल्म; पाप, पातक, गुनाह ।

तुग़यानी (طغیانی) अ स्त्री-जलप्लावन, सैलाव, बाढ ।

तुग़्रा (طغرا) तु पु-एक प्रकार का खत जिसमे कोई शकल बना देते हैं, बादशाहों के फरमानो पर शाही अल्कावो आदाव लिखने का खत ।

तुग़्राकश (طغراکش) तु फा वि-तुग़्राखत मे बेल-बूटे या तस्वीरे बनानेवाला ।

तुग्रानवीस (طغرانویس) तु फा-दे 'तुग़्राकश' ।

सुप्रिल (طعيرل) त पु—सलजूकी सामान का पहला बाग्याह।

सुबुक (سورى) तु पु—गज्जा, सजावट आराहस प्रथम, व्यवस्था, इतिजाम, सयसग्जा फोज की तर्तीव राजसभा की सजावट विधान कानून अपने कलम स लिखी हुई अपनी जीवनी, आभरित खुद-निवस्त हालात।

सुनुक (سلك) फा वि—मूधम बाराक, अल्प, थाडा, मदुर नाजुक क्षीण दुबला पतला।

सुनुकबक (سلك طرف) फा अ वि—छिछारा लफर अकुलीन कमीना पेट का हलका जा राज की बात दूसरा स कह दे जा वाजी-नी शराब पीकर बहक जाय जो किसी बड़े आदमा क पास पहुचकर या बड़ा दरजा पाकर धमक क कारण आगमी न रहे।

सुनुकदिल (سلك ديل) फा वि—बहुत छोट दिल का, अनुदार।

सुनुकमाय (سلك مانه) फा वि—बेहैसियत अनादत तुच्छ नीच कमबक।

सुनुकमिजाज (سلك مراح) फा अ वि—जो जरा सी बात पर हठ जाय चिन्चिडे स्वभाववाला।

सुनुकसब (سلك صبر) अ फा वि—जिमको धय न हो आतुर त्वरावान जल्थाउ बेसग्रा।

सुपक (سك) तु पु—तोप का अल्प रूप छोटी तोप, बटूक।

सुफग (سلك) फा स्त्री—बटूक सुपक।

सुकुगअदाज (سلك انداز) फा वि—बटूकची निगाने बाज।

सुकुगची (سلك حى) फा वि—बटूक चालवाला बटूक रखनेवाला निगानची।

सुकुग सहपुर (سلك ته پور) फा स्त्री—काग्तूनी बटूक बीच लाडिग।

सुकुग बहनपुर (سلك دهن پور) फा स्त्री—टापीनार बटूक मुह की आर से भरी जानवाली बटूक।

सुकुग सोवनी (سلك سورنى) फा स्त्री—बीच लाडिग राहल जिगम धाग महा हाता।

सुक (سك) फा अर्थ—आमपू पिरा किता क बुरा काम करने पर धिक्कारने हुए कहे ह।

सुकक (سلك) फा स्त्री—बटूक सुफग सुपक।

सुकू (سكو) फा स्त्री—सुक।

सुकल (سلكيل) अ पु—द्वारा कारण बगवब।

सुकली (سلكلى) अ पु—बह व्यक्ति जा जिना निमत्रण के निगा दूगरे निमत्रिण व्यक्ति क साथ दावन में जाय रिगो गहारे पर रखनेवाला आधिन।

सुकराह (سكراह) अ पु—गब एक प्रमिद फल।

सुमतुराक (سقطران) फा पु—बभव शाना शौकत धूम धाम तडक भडक अहकार धमड।

सुमानीयत (سمايىت) अ स्त्री—मताप इत्मीनान, सात्वत, द्वारस उदूम यह शब्द तमानियत बाला जाता है।

सुमानीयत (سمايىت) अ स्त्री—तमानियत शब्द का शुद्धतम उच्चारण यही है।

सुरजबोन (سربصون) अ स्त्री—तरजूबीन।

सुराब (سراب) अ स्त्री—मसिका, मिट्टी सूखा मिट्टी, साक।

सुरख (سرخ) फा पु—मो-गा नीबू मिटठा गिनत धरौं सिलवट।

सुरखीद (سربخنده) फा वि—जिसके माये पर निरख पनी हा खफा कुपित नूड।

सुरख (سرخ) अ पु—'तरीक' का बहु तरीके, रास्त।

सुरख (سرخ) फा वि—अम्ल, सट्टा, तुग।

सुरख अबू (سرخ ابو) फा वि—जिसकी भौहें शोष से तनी ही रहनी हो बन्मिजाज नूढारमा।

सुरामिजाज (سرخ مراح) फा अ वि—बन्मिजाज, हला खुरदरा, चिन्चिना।

सुरशरू (سرخ رو) फा वि—सुरशमिजाज।

सुयूर (سويور) फा पु—ताइर' का बहु, चिन्चिा परदे।

सुक (سوى) तु पु—सुकिस्तान का निवामी सनिक यादा प्रमपाय मासक।

सुकजाद (سوى دانه) तु फा पु—सुक का लफा, सगर हमीन प्रेमपाय मासक।

सुस्ताज (سوكتار) तु फा स्त्री—रूटमार गारतगरी (पु) रूटेरा, गारतगर सनिक सिपाही।

सुकबच (سوى بخت) तु फा पु—सुक का लफा सगर ख्वमूरत।

सुकमान (سوكمان) तु पु—सुकों व अतगत एक जाति।

सुकमिजाज (سوى مراح) तु अ वि—सुग्रा गारतगर मासक जसे नाजाअजाज वाला।

सुकिस्तान (سوكستان) तु फा पु—सुकों का मन्व सुकीं टरौं।

सुकीं (سوكى) तु पु—सुक सुकिस्तान का निजागा सुकिस्तान सुकीं का दा सुकीं की भागा।

सुकीं तमामगुद (سوكى تمامگود) तु अ फा वादन-गारा गरी विरविरी हो गयी गारा जार सभ हो गया।

सुख (سوخ) फा स्त्री—सुकी एक प्रमिद फल।

सुखत (سوخت) अ स्त्री—जत्र समाधि गार।

सुबुद (سوبود) फा स्त्री—एक देवक जत्र निजाग।

तुरं: (طوره) अ पु—जुलफ, अलक; वालो की लट, केश-पाश, सुनहरे तारो का गुच्छा जो पगडी पर लगाते हैं, टोपी का फूँदना, फूलो की लड़ियो का गुच्छा; पक्षियो के सर की चोटी, कलगी; शाख, वात मे वात, अच्छाई, उम्दगी, अद्भुतता, अजूवापन, वढकर, सर्वश्रेष्ठ।

तुरंए तरार (طوره طرار) अ पु—वल खाये हुए वाल।

तुरंए दस्तार (طوره دستار) अ फा पु—पगडी का झुपा।

तुरश: (تورشه) फा पु—एक खट्टी पत्ती, चूक।

तुरश (تورس) फा वि—खट्टा, अम्ल, तुरश।

तुरशी (تورشی) फा स्त्री—खटास, अम्लता, खट्टापन, वैर, अदावत।

तुरंहत (تورहत) अ स्त्री—व्यर्थ, मिथ्या, झूठ।

तुरंहात (تورहत) अ. स्त्री—'तुरंहत' का बहु, अनगल और अनर्थक वाते।

तुलूअ (طلووع) अ पु—किसी सितारे का निकलना, उदय होना, उदय।

तुल्लाव (طلاب) अ पु—'तालिब' का बहु, विद्यार्थी लोग।

तुवांगर (تونگر) फा पु—धनवान्, धनी, मालदार, शक्ति-शाली, समर्थ।

तुवाँ (توان) फा स्त्री—शक्ति, बल, जोर; सामर्थ्य, कुदरत।

तुवांगर (توانگر) फा पु—दे 'तुवांगर'।

तुवाना (توانا) फा वि—शक्तिशाली, बलवान्, जोरमद।

तुवानाई (توانائی) फा स्त्री—शक्ति, बल, जोर।

तुवानाए मुत्लक (تواناے مطلق) फा अ वि—सर्वशक्ति-मान्, कादिरे मुत्लक।

तुहलव (طهلب) अ स्त्री—काई जो पानी पर जम जाती है।

तुहमत (تورहत) अ स्त्री—आरोप, लाछन, गलत इल्जाम-बुहतान, सदेह, शका, शक।

तुह (طهر) अ पु—स्त्री का रजोमालिन्य से पवित्र होना, औरत की हैज की हालत खतम होना, वह दिन जब स्त्री रजोधर्म मे न हों, रजस्वला न होनेवाले दिन।

तू

तूत (توت) फा पु—एक प्रसिद्ध पेड और उसका फल, शहतूत।

तूतिया (توتیا) अ पु—सुर्मा, रसाजन।

तूती (توتی) फा स्त्री—एक चिडिया जो सिलाने पर मनुष्य की तरह बात करती है, मैना, सारिका, शुक, तोता, जो 'तूत' बहुत खाता है।

तूद: (توده) फा पु—मिट्टी का ढेर, ढूह, अवार, ढेर, राशि, समूह।

तूद:बवी (توده بندی) फा. स्त्री—हृदवदी, मिट्टी के ढेर बनाकर किसी जमीन की हदो को सीमित करना।

तूवए खाक (توده حاک) फा पु—मिट्टी का ढेर।

तूफाँ (طوفان) अ. पु—'तूफान' का लघु, दे 'तूफान'।

तूफाँजद: (طوفان زده) अ फा वि—जो पानी की बाढ आ जाने से पीडित हो, जिसका बाढ से घर-बार या खेत आदि तवाह हो गये हो।

तूफारसीद: (طوفان رسید) अ फा वि—दे 'तूफाँजद'।

तूफान (طوفان) अ पु—पानी की बाढ, सैलाब, प्लावन, बहुत ही तेज आँधी, बहुत जोर की वारिश, आरोप, लाछन, तुहमत, कोलाहल, हगामा, शोरोगुल, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

तूफानी (طوفانی) अ वि—तूफान की तरँह तेज और जल्दी का, जैसे—तूफानी दौरा, तूफान मे फँसा हुआ, जैसे—तूफानी कश्ती, तूफान उठानेवाला, आफत का परकाला, मुतफन्नी, तूफान से सम्बन्ध रखनेवाला।

तूफाने आतश (طوفان آتش) अ फा पु—आग का तूफान, जोर की आग।

तूफाने आव (طوفان آب) अ फा पु—पानी का तूफान, बाढ, सैलाब।

तूफाने वाद (طوفان باد) अ फा पु—हवा का तूफान, सख्त आँधी।

तूफाने वेतमीजी (طوفان ے تسمیری) अ फा पु—हुल्लड, वेकार का शोरोगुल।

तूवा (طوبی) अ पु—स्वर्ग का एक वृक्ष, (वि) बहुत ही अधिक सुगन्धित, बहुत जियादा पवित्र, (स्त्री) मुवारक-वाद, शुभ सवाद।

तूमार (طومار) अ पु—लम्बा-चौडा पत्र, लम्बा-चौडा वृत्तान्त, किसी विषय के बारे मे कागजो का पुलिदा, झूठी बातो की भरमार, बहुत अधिक चीज, बडा ढेर।

तूर (تور) फा पु—'फिरेदूँ' का बड़ा वेटा जिसने 'तूरान' वसाया था, महारथी, बहुत बडा बहादुर।

तूर (طور) अ पु—शाम (सीरिया) का एक पहाड, जिस पर हजरत मूसा ने ईश्वर का जल्वा देखा था, तूरे सीना।

तूरान (توران) फा पु—तातार, तुर्किस्तान।

तूरानी (تورانی) फा पु—तूरान का निवासी, तुर्की, तातारी।

तूल (طول) अ पु—आयाम, लम्बाई, दीर्घता, विलम्ब, देर, तवालत।

तूलानी (طولانی) अ फा वि—दीर्घ, लम्बा; ढीलवाला, देर का।

तललबलद (طلم، البلد) अ. प—देशान्तर-रेखा।

तूले अमल (طول امل) अ पु—जाया का लम्बाई, मोहवाला।
 तूले अमल (طول عمل) अ पु—यज्ञद, बखेडा, किमी नाम
 की तवालत।
 तूस (طوس) फा पु—पुरातान का एक शह, मशहद।
 तूसी (طوسی) फा पु—तूम देग का निवासी।

ते

तेय (تع) फा पु—छाती तलवार।
 तेय (تع) फा स्त्री—खडग अमि कृपाण तलवार।
 तेयआइमा (تيع ارميا) फा वि—तलवार चलानेवाला,
 लड़नेवाला वीर योद्धा बहादुर।
 तेयआइमाई (تيع ارمياي) फा स्त्री—युद्ध समर लड़ाई
 जग।
 तेयउन (تعون) फा वि—सिपाही याद्धा जयज।
 तेयउनी (تعوني) फा स्त्री—सिपाही का पत्नी तलवार
 चलाने का काम।
 तेयबकफ (تع بكف) फा वि—हाथ म तलवार स्थि
 हुए मरने मारने पर आमाता वच करने को तत्पर।
 तेयरा (تعرا) फा वि—तेयउन।
 तेयसाब (تع سار) फा पु—तलवार बनानेवाला मडगकार।
 तेये अजल (تع اجل) फा अ स्त्री—मौत की तलवार
 अर्थात मौत मत्यु।
 तेये कौह (تع كوه) फा स्त्री—पहाड की चोटा।
 तेय दुदम (تع دويم) फा स्त्री—वह तलवार जिनके दोना
 ओर धार हों।
 तेये दुपकर (تع دوپکر) फा स्त्री—तेये दुदम।
 तेय दुसर (تع دوسر) फा स्त्री—तेये दुदम।
 तेये फलक (تع فلک) फा अ स्त्री—मंगल ग्रह
 मिरांग।
 तेये घुरी (تع غراي) फा स्त्री—अच्छी काटवाकी तलवार,
 जिनकी धार बहुत ही अच्छा हा।
 तेये रबी (تع رواي) फा स्त्री—यनी और तेय तलवार।
 तेय (تع) फा वि—जिममें धार हा तात्र प्रचड, धानी
 गीध दूत जल कुपित गुस्मे, हागियार धूत चागत
 दग कुगड माहिर जागीग उगाहृषण प्रतिभागाली
 जगन बुद्धिमान अरुमम तत्पर मुस्तइ दूर तक
 दगनेवाणी (नबर) महगा गिरी।
 तेयअमल (تع عمل) अ फा वि—तीत्रयुद्धि जल बात
 ममन लनेवाला जहीन प्रतिभागाली।
 तेयअरम (تع ارم) अ फा वि—नबर चन्ववाग जनी
 जनी दग मारनेवाग गाधरति।

तेय कलम (تعو قلم) अ फा वि—जल लिखतवाग
 गीध लिपिक।
 तेयगाम (تعو گام) फा वि—नेजकदम शीघ्रगामी।
 तेयगामी (تعو گامي) फा स्त्री—नेज चलना शीघ्र ममन।
 तेयगोग (تعو گوش) फा वि—जल बात मुन लनेवाला
 दूर की बात मुन लेनेवाला आहिस्ता बात मुन लेनेवाला।
 तेय तबअ (تعو طمع) फा अ वि—प्रतिभागाली जहीन
 तीत्रयुद्धि तेयअवल।
 तेयतर (تعو تر) फा वि—बहुत तेय, गाधर तीत्र
 तर।
 तेयतरीन (تعو ترين) फा वि—मवम अधिक तेय गीध
 तम तीत्रतम।
 तेयवदा (تعو بدداي) फा वि—जिसके दात तेय हा फा
 पानेवाला लोमी लालची हुरीस।
 तेयवम (تعو دم) फा वि—जोशीला उलाही, फुलीला
 चालाक तात्र म दमदार।
 तेयवस्त (تعو دست) फा वि—जल्द काम करनेवाला
 निप्रहस्त।
 तेयवस्ती (تعو دستي) फा स्त्री—पुर्ती चागकी जल
 काम करना।
 तेयदिमाघ (تعو ديماع) फा अ वि—तेयअजल।
 तेयनजर (تعو نجر) फा अ वि—जिमकी दृष्टि तीत्र हो
 जो दूर तक देख सके जो धारीक चीजें देख सर, तीत्र
 दृष्टि।
 तेयनाखुन (تعو ناخن) फा वि—जिमके नख तीत्र हा
 जो नाखून नै जग्मी कर सके।
 तेयनिगाह (تعو نگاه) फा वि—तेयनजर।
 तेयपर (تعو پر) फा वि—तेयपरवाब।
 तेयपरवाब (تعو پروراب) फा वि—जल उडनवाग, ऊचा
 उडनेवाला दूर की लेनेवाला।
 तेय परहम (تعو پرهم) फा अ वि—गीध ही बात की दह
 को पहुँच जानेवाग जूररत, बुद्धिमान अरुमम।
 तेयबू (تعو بو) फा वि—जिमकी गय तत्र हो तीत्रगय।
 तेयमिवाब (تعو ميرااب) फा अ वि—चिद्विच मिवाब
 वाला किमी की बात न सह ममनवाग किमी बात पर
 जद विगड जानेवाला गुस्मल प्रापी।
 तेयपतार (تعو پتار) फा वि—तेयगाम।
 तेयरो (تعو رو) फा स्त्री—तेयगामी।
 तयरो (تعو رو) फा वि—तेयगाम।
 तेयहोग (تعو هوگ) फा वि—बुद्धिमान अरुमम,
 प्रतिभावान् तन्माअ दग कुगड हागियार।

तेजाव (تیزاب) फा पु—एक रासायनिक पानी जो नमक, शोरा आदि चीजों से बनता है, अम्ल।

तेजावियत (تيزابیت) फा स्त्री—तेजावपन।

तेजावी (تيزابی) अ वि—तेजाव सम्बन्धी, तेजाव का; तेजाव से बना हुआ, तेजाव मिला हुआ, तेजाव के असर से विगडा या बना हुआ।

तेजी (تیزی) फा वि—धार, वाद, तीव्रता, शिद्दत, महँगाई, गिरानी, न्यूनता, कमी, चालाकी, होंगियारी, दक्षता, महारत, प्रतिभा, जहानत, जोग, उत्साह, हिम्मत, साहस, तत्परता, आमादगी, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, बेसब्री, बेचैनी।

तेजोतुंद (تیزوتوند) फा वि—बहुत तेज, प्रचंड, अति तीव्र।

तेशः (تیسه) फा पु—कुदाल, कदाल।

तेशःजन (تیسهجن) फा वि—कुदाल से जमीन आदि खोदने-वाला।

तेशःजनी (تیسهجنی) फा स्त्री—कुदाल का काम, कुदाल से खुदाई।

तै

तै (طے) अ पु—‘हातिम’ का वश, रस्ता चलना, जैसे—मजिल तै कर ली, निर्णय, फैसला, निर्णीत, फैसल, समाप्ति, खातिमा, चुकता, बेवाकी।

तैए अर्ज (طے ارض) अ पु—रस्ता तै करना, सफर तै करना।

तैए लिसान (طے لسان) अ पु—चुप रहना, अवाक् हो जाना, कुछ न कहना।

तैयारः (طیاره) अ पु—वायुयान, विमान, हवाई जहाज।

तैयारःवरदार (طیاره بردار) अ फा पु—वह हवाई जहाज जो और जहाजों को अपने अदर रखकर लाता है।

तैयारःशिकन (طیاره شکن) अ फा पु—वह तोप जो हवाई जहाज को गिराती है।

तैयार (تیار) अ वि—तत्पर, कटिवद्ध, आमादा, पक्व, पुस्ता, समाप्त, खत्म, सपूर्ण, मुकम्मल, हूट्ट-पुट्ट, फरवेह, मोटा-ताजा, सुमज्जित, आरास्ता, इस्तेमाल या प्रयोग के काबिल, जैसे—खाना तैयार या कोट तैयार, लैस, फिट।

तैयारची (طیارچی) अ तु पु—हवाई जहाज चलानेवाला, पाइलेट, वायुयान-चालक।

तैयारी (تیاری) अ वि—तत्परता, मुस्तैदी, समाप्ति, खातिमा, पूर्ति, तक्मील, सज्जा, आरास्तगी, प्रयोग के काबिल होना, रचना, तामीर, निर्माण, सृष्टि, तल्लीक।

तैयिब (طیب) अ वि—पवित्र, शुद्ध, پاک, निमल।

तैयिवात (طیبات) अ स्त्री—सती और साध्वी स्त्रियाँ।

तैर (طیر) अ पु—चिडिया, परद, पक्षी, चिडियाँ, परदे।

तैरान (طیران) अ पु—हवा में उडना, उड्डयन।

तैल[लि]सान (طیلسان) अ स्त्री—चादर, टुपट्टा; वह रुमाल जो खतीब या वाइज खुत्वे के वक्त कंधों पर डाल लेते हैं।

तैश (طیش) अ—क्रोध, कोप, गुस्सा।

तैसीर (تیسیر) अ स्त्री—सुगम करना, आसान बनाना, सुगमता, सरलता, आमानी।

तो

तोज (تور) फा प्रत्य—ढूँढनेवाला, एकत्र करनेवाला, जैसे—‘कीन तोज’ द्वैप मन में एकत्र करनेवाला।

तोप (توپ) तु स्त्री—गोला फेकनेवाला यंत्र।

तोपखानः (توپخانه) तु फा—वह मेना जो वाये चलती है, तोपे रखने का स्थान।

तोपची (توپچی) तु पु—तोप चलानेवाला, तोप से गोला मारनेवाला।

तोबरः (توبره) फा पु—घोड़े के दाना खाने का थैला।

तोमः (طعمه) अ पु—खुराक, खाद्य, भोजन, जीविका, रोजी।

तोलः (توله) फा पु—कुत्ता का बच्चा, पिल्ला, एक प्रकार का कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसे पकडता है।

तोलचः (تولچه) फा पु—वारह माघे की तौल, तोला।

तोशः (توشه) फा पु—सफर का सामान खाने-पीने का।

तोशःखानः (توشهخانه) फा पु—वह स्थान जहाँ खाने-पीने का सामान रहता है, ‘तोशकखाना’ का अपभ्रंश।

तोशःदान (توشهदान) फा पु—दे ‘तोशदान’।

तोश (توش) फा पुं—शक्ति, बल, जोर।

तोशएआकिवित (توشه عاकیت) फा अ पु—अच्छी कृतियाँ जो यमलोक में काम आये।

तोशक (توشک) फा स्त्री—पलँग पर बिछाने का रुईदार गद्दा, निहाली, घर-गृहस्थी का सामान, खाने-पीने की सामग्री।

तोशकखानः (توشکخانه) फा पु—दे ‘तोशखान’।

तोशदान (توشهदान) फा पु—सिपाहियों के कारतूस रखने की चमडे की पेटी, सफर के लिए खाना रखने का बर्तन।

तोशमाल (توشمال) फा पु—खानसामों, वावरची, रसोइया, पाचक।

तौ

तौअनोकहँन (طوعاً کرهناً) अ अव्य—बिना इच्छा के विवशतापूर्वक, दिल पर जबर करके।

तीक (طوق) अ पु -स्त्रिया के गल म पहनने की सोने चांदी की गोल हंसली लोहे की गाल हंसली जो कदिया क गल में डाली जाती है वह गाल लकीर जो बाज चिड़िया के गले में हानी है मंत्र की वह हंसली जो बच्चा को पन्नाते ह ।

तीकीअ (توكي) अ स्त्री -बादागाह का किमी राजादश पर हस्ताक्षर करना माहूर निशान वह राजादेश जिसमें किमी बात पर शोध प्रकट किया गया हो ।

तीकीर (توكير) अ स्त्री -प्रतिष्ठा मायता एहतिराम सत्कार सम्मान ताजीम इजत ।

तीके गुलामी (طوق غلامی) अ पु -पराधीनता की लानत ।

तीके माह (طوق ماء) अ पा पु -चाद में पडनेवाला परा धर्माव्य ।

तीके लानत (طوق لعن) अ पु -बिक्कार की बौझार धिक्काररूपी गल का तीक ।

तीकीअ (توكع) अ स्त्री -विक्षेपना पाना टुकडे करना हिस्म बखे करना ।

तीकीन (توكين) अ स्त्री -तुवाना वज्ज कराना तोना वजन करना ताल वजन ।

तीकीह (توكيه) अ स्त्री -स्पष्टीकरण खोलकर कहना व्याख्या विवरण तपमील ।

तीकीह (توكيه) अ स्त्री -नारण बताना वजह जाहिर करना किमी की आर मुह करना मुतबज्जेह हाना स्पष्ट करना साफ करना यह बताना कि एना कयो है ।

तीकीअ (توكع) अ स्त्री -बिना करना रखत करना खाना करना सोपना हस्तांतरित करना ।

तीक (طوب) अ पु -विमी के चारो आर फिरना परिश्रमा ।

तीकीअ (توكين) अ स्त्री -वयोग स ऐसे बाग्ण पना हा जाना जिसस अभिगणित वस्तु को प्राप्ति म सुगमता हा ईश्वर की कृपा दवानुग्रह सामग्य शक्ति मकरत उल्माह उमग होगना मायता पापता अहलियत ।

तीकीकवर (توكي كبر) अ स्त्री -अच्छी कृतियों की तीकीक ।

तीकीर (توكير) अ स्त्री -आधिक्य प्राच्य इफात ।

तीक (توبه) अ स्त्री -किमी घुरे वाम से बाज रहने की दुइ प्रतिग इस्तिफार त्याग तक छाड दाना पटनाना पन्नाताग (अज्य) धम क विरुद्ध या किमा क अटकार की बात गुनार बाग जानेवाला गज्ज जिमग पुना और मका क इजहार मजूर हाता है ।

तीकनाम (توكه نامه) अ पा पु -किमी बात म तीका वजन का शिगा पत्र ।

तीव गिकन (توكسكن) अ पा वि -की हुई तीका का तुडवा देनेवाली बात किस वन्तर तीव चिकन शात की अगर्दी है मकदा गूज उठा देको पना छाई है ।

तीबीअ (توكبي) अ स्त्री -स्त्रिणी, पुग्नी भलना यह ग्यद अवेला नहीं बोला जाता अत्र के साथ मिलकर 'जजो तीबीअ' वाला जाता है अर्थात डाट फटकार ।

तीर (طور) अ पु -गली, पद्धति, ढग आचरण व्यवहार तजें अमल चाल-डाल रविग रग-ढग, लभण लछन अलामत ।

तीरात (تورات) अ स्त्री -वह आस्मानी ग्रथ जो हज्ज मूगा पर उतरा था, तीरात ।

तीरिय (توریه) अ पु -दिल में कुछ होना और मुह पर कुछ मुनाफकत ।

तीरीव (توريب) अ स्त्री -टेल करना सम डारना टेडापन वक्रता ।

तीरत (تورث) अ स्त्री -द तीरात ।

तीलिय (تولیه) अ स्त्री -दे तीलियत ।

तीलियत (تولیت) अ स्त्री -किमी को किमी नाम प्रवचन नियुक्त करना बली या मतबली बनाना ।

तीलियतनाम (تولیه نامه) अ पा पु -मतबली क की तहरीर ।

तीलीद (تولید) अ स्त्री -जनना पदा कराना, पाष पोषण करना उत्पन्न करना पना करना उत्पान पदाइश ।

तीरीद खून (تولید خون) अ पा स्त्री -मून की उत्पान खून की पदाइश खून की वद्धि ।

तीलीदेमती (تولید منی) अ स्त्री -बीज की उत्पति, म की वद्धि ।

तीगीह (توكيه) अ स्त्री -गज म हार डालना, सजा सवारना, एक अलकार जिसमें च गेरा या मिया के पर अक्षर एवज्ज करन स किमी का नाम अथवा अक्षर मस्या अवज्ज के हिमाव से जोग्ने पर कोई विपण म निकलता है ।

तीसन (توسن) पा पु -अवध घाग सुरग ।

तीसअ (توسع) अ स्त्री -अधिक करना विद्याग बन विस्तार करना वगीअ करना विस्तार, गुणागो पन्नात

तीसाए मीसाद (توسع میدان) अ स्त्री -किमी काम नियम समय बड़ा देना ।

तीतीक (توكي) अ स्त्री -दुइ करना मबदून करना दइता मबदूनी मुष्टि करना गमपय करना, पुष्टि गमपयन ।

तीहीद (توحيد) अ स्त्री—ईश्वर को एक मानना, अद्वैतवाद।
तीहीदपरस्त (توحيدپرست) अ. फा वि—ईश्वर को एक माननेवाला, अद्वैतवादी।

तीहीन (توهين) अ स्त्री—अपमान, अनादर, तिरस्कार, वैज्ञजती।

तीहीने अदालत (توهين عدالت) अ स्त्री—किमी न्यायालय का अपमान।

द

दंग (دنگ) फा वि—चरित, निरस्तव्य, हक्का-बक्का, शयदर, हैरान।

दंगल (دنگل) फा पु—जनममूह, भीउ, हुजूम, पहलवानों के कुश्ती लड़ने का अस्त्रात्र, पहलवानों की कुश्ती।

दंदा (دندان) फा पु—दांत, दंत।

दंदांजनी (دندان زبی) फा स्त्री—शत्रुता, द्वेष, दुश्मनी, वैर।

दंदांदराज (دندان داز) फा वि—बोलुप, लोभी, लालची।

दंदांनुमा (دندان نسا) फा. वि—दांत दिगानेवाला, जिगमं दांत दिखाई पटे, जैसे—'रुदाए दंदांनुमा'।

दंदांशिकन (دندان شکن) फा वि—मुंहतोछ, जेने—'दंदांशिकन जवाव'।

दंदांसाज (دندان ساز) फा पु—दन्तकार, डेंटिस्ट।

दंदांनः (دندان) फा पु—किमी आरी आदि का दांता, दांतुआ।

दअवात (دعوات) अ स्त्री—'दा'वत' का बहु, दुआएँ।

दआवी (دعاوی) अ पु—दा'वा का बहु, दा'वे।

दक [दक] (دق) अ पु—कूटना, पीमना, ठोकना, खटखटाना।

दकन (دکن) फा पु—दक्षिण, दक्खिन, कुछ साल पहिले निजाम की रियासत के अर्थ में भी प्रयुक्त।

दकाइक (دقائق) अ पु—'दकीक' का बहु, वारीकियां, नुक्ते।

दकीकः (دقیقه) अ पु—गूढ़ता, वारीकी, कसर, कमी, एक घंटे का साठवाँ भाग, एक मिनट।

दकीक'रस (دقیقه رس) अ फा वि—वात की तह को पहुँच-जानेवाला, कुशाग्रबुद्धि, तीव्रप्रतिभ।

दकीक.शनास (دقیقه شناس) अ फा वि—दे 'दकीक-रस'।

दकीक (دقیق) अ वि—वारीक, महीन, सूक्ष्म, गूढ़, नाजुक, कठिन, मुश्किल।

दककाक (دقاق) अ वि—कूटनेवाला, महीन करनेवाला, गूढ़ और सूक्ष्म वात कहनेवाला, सूक्ष्मवादी।

दककुलवाव (دق الساب) अ पु—दरवाजा खटखटाना, दस्तक देना।

दककोलक (دق و لک) अ वि—चटियन मैदान।

दकयानूस (دقیابوس) अ पु—इतिहास-नाल से पहले का एक बहुत ही अत्याचारी नरेश।

दकयानूसी (دقیابانوسی) अ वि—दकयानूस के समय का अर्थात् बहुत पुराना, बड़ी आयुवाला, बहुत दुनिया देखे हुए, बहुत ही पुरानी और निकम्मी वस्तु।

दखील (دخیل) अ वि—काविज, उपभोक्ता, प्रभाव रखनेवाला, पहुँच रखनेवाला।

दखीलकार (دخیل کار) अ फा वि—बहु किमान जिसे अपनी जमीन पर कच्चे का हक हासिल हो।

दखमः (دخمه) फा पु—आतमपग्मों का कत्रिस्तान जो गुएँ की शकल का होता है।

दखल (دخول) अ पु—पहुँच, रमाई, अधिकार, कब्जा, हस्तक्षेप, मजाहमत, थोड़ी-बहुत जानकारी, नुदबुद।

दखल दर मा'कलात (دخول در معقولات) अ फा अव्य—किमी विषय में बिना कारण दरल देना, अनधिकार चर्चा।

दखलदिहानी (دخول دهانی) अ फा स्त्री—कब्जा दिलाना, किमी जायदाद आदि पर किमी एक की जगह दूसरे को हकदार और मालिक बनाना।

दखलनामः (دخول نامه) अ फा पु—दरल दिलाने की तहरीर।

दखलयाव (دخول یاب) अ फा वि—दरल पाया हुआ, जिसे कब्जा मिल गया हो।

दखलयावी (دخول یابی) अ फा स्त्री—कब्जा पाना, अधिकार-प्राप्ति।

दखल (دخول) फा पु—छल, कपट, फरेख, खोटा सोना या चाँदी।

दखा (دخا) फा स्त्री—छल, बचना, ठगी, मक्कारी।

दखावाज (دخا بار) फा वि—बचक, छली, ठगिया।

दखावाजी (دخا بازی) फा स्त्री—विश्वासघात, कटकर्म, फरेवकारी।

दग्दग (دغدغه) फा पु—शका, भय, खटका, घडका।

दजाज (دجاج) अ स्त्री—मुर्गी, स्त्री कुक्कुट, (पु) मुर्गा, कुक्कुट, दे 'दिजाज'।

दज्जाल (دجال) अ वि—बहुत बड़ा छली, बहुत बड़ा मायावी, (पु) मुसलमानों के मतानुसार एक व्यक्ति जो कियामत से कुछ पहले पैदा होगा और खुदा होने का दावा करेगा।

दजलः (دجله) अ पु—एक नदी जो बगदाद के नीचे बहती है, नदी, दर्या, दे 'दिजल'।

दद (دَد) तु स्त्री—बह स्त्री जा दग्धा का दूध पिलानी जोर उसकी दखरेख करती है।
 दद (دَد) फा पु—फाड खानेवाला दाँद श्वापद।
 दद (دَد) फा पु—श्वापद हिंसक पशु दद।
 दनस (دَنَس) अ स्त्री—मलिनता मलापन गदगी अपवित्रता नजामत।
 दनानोर (دَنَانِير) अ पु—जीनार (अरबी विज्ञान) का बहु अंगरफिया मुहँ।
 दनी (دَنِي) अ वि—माजी कमीना अधम पामर नीच।
 दनीउत्तवअ (دَنِي الطَّع) अ वि—जलील तबीअत का नीचागाय।
 दनीउलफिरत (دَنِي العُفْرَت) अ वि—दनीउत्तवअ।
 दफ (دَف) फा पु—एक मोलाकार माल मला हुआ बाजा बन्नी डपली।
 दफाइन (دَفَائِن) अ पु—दफीन का बहु दफीने निधिया।
 दफातिर (دَفَاتِير) अ पु—दफतर का बहु कार्यालय दफतर (एक स अधिक)।
 दफीन (دَفِين) अ पु—नाडा हुआ खजाना निधि।
 दफअ (دَفْع) अ स्त्री—एक बार बार धारा कानून की दफा।
 दफअतन (دَفْعَاتِن) अ अव्य—महमा अवस्मात अचानक।
 दफआत (دَفْعَات) अ स्त्री दफअ का बहु बहुत बार कानून की धाराएँ।
 दफईय (دَفْعِي) अ पु—रोक निवारण तन्त्रक।
 दफए मरअ (دَفْع مَرَض) अ पु—रोग निवारण रोग का खानिमा रोगमुक्ति।
 दफतर (دَفْتَر) फा पु—कार्यालय आफिम, किसी बड़ा कितान का एक भाग जिला प्रथमवड वालूम कोई लम्बी चौड़ी बात तूमार जस—गिरायना का दफतर।
 दफतरनिमार (دَفْتَرْنَا) अ फा प—दफतर का मुहरिर कलक लिपिक।
 दफतरी (دَفْتَرِي) अ प—दफतर क रजिस्टर और बागजा की जिन्दाजी और रजिस्टर जाति पर लकीर वगएह साचनवाग।
 दफन (دَفَن) अ पु—जमीन म गाडना दफन करना (वि) गाया हुआ दफन।
 दबरान (دَبْرَان) अ प—बोया नक्श राशिया।
 दबाउत (دَبْرَات) म्यून्ना मायापन गाडान।
 दबिस्ता (دَبْسْتَان) फा प—अफिमिना का लघु पालागान मन्गा छाने बचा का हूँ मकतब।
 दबीड (دَبِيد) फा वि—माना गय गयी।

दबीर (دَبِير) फा पु—मुहरिर कलक लिपिक लयव ह्यापरदाड।
 दबीरिस्तान (دَبِيرِسْتَان) फा पु—मुगीखाना दफतर पाठगाला मकतब।
 दबीरे फलक (دَبِيرِ فَلَک) फा अ प—बुध ग्रह उनागि।
 दबील (دَبِيل) अ प—गाल जोर बडा वरम फोग ब्रण।
 दबीर (دَبِير) अ स्त्री—पछवा हवा पट्याव।
 दबीस (دَبِيس) फा पु—जहाड का कमरा या कविन से महिगजा के लिए होता है।
 ददब (دَدْب) अ पु—रोबोगव तेज प्रताप प्रमाथ, आतक, करीफर।
 ददब (دَدْب) फा पु—चमडे का कुप्पा धी का कुप्पा।
 दबाग (دَبَاع) अ पु—चमडा पकान जोर रयन वा धारवाना टनरी।
 ददबाग (دَبَاع) अ वि—चमडा कमानवाग, चमग पतान और रयनेवाला।
 दम (دَم) फा पु—भ का रोग श्वासवान ममराय जाकुनरम।
 दम (دَم) फा पु—सांस श्वास छल घोसा, फरेब, गेखी डीग धार तीरपता तेजी प्राण बाप हई ध्यक्रितत्व जात, हुकके या चिलम का वग धाग फल लम्हा कुछ पड क फूकना मत्र टाटका समय बाल वक्त बर गक्ति डार।
 दम (دَم) अ पु—रक्त लोह खून जीवन प्राण बिगो।
 दमकश (دَمَكْش) फा वि—मौन बुध सामाग मयए के साथ स्वर मिगानवाला।
 दमकशी (دَمَكْشِي) फा स्त्री—मौन चण्पी सामोगी गान वाग के स्वर में स्वर मिलाया।
 दमकम (دَمَكَم) फा प—शक्ति डार तागत उमगाह उमग होसला तलबार की धार और उमकी बरदा।
 दमकदन (دَمَكْدَن) फा पु—दम भागना कुछ बहना धाग लम्हा जरानी देर।
 दमदम (دَمَدَم) फा पु—बह वृत्ति का जो पड के समय थला में मिट्टी भरकर बनात है, धुग, मोरषा।
 दमदार (دَمْدَار) फा वि—जानगर कितनगाला प्राणी जानगर।
 दमपुल (دَمِطْب) फा पु—होडा का मत्र बर करके हनी अंध पर पकई हुई खोज (मुग क) फ में कर्ई बाड भरकर पचाया हुआ मग दम का मह य करक गाई हुई किरपानी या पुलाक।
 दम बगद (دَم بَغْد) फा वि—मौन धा सामाग लया

चा. पानीय प्रचुर, अर्थात् मांसिकृत 'शम वदम'. शय भया
 नरवीर का आग्रह वेगी मरिचि में है।—शिरम।
 शम वदम (دم بدم) का वि—रुग्दम, क्षण-प्रतिक्षण, निरन्तर,
 लगातार।
 शमवाज (دم باج) का वि—गर्भ, शरीर, बंधक, मज्जार।
 शमवाजी (دم باजी) का स्त्री—कुंठा, मज्जारंग, रज, फरेद।
 शमयी (دم یی) अ. वि—रक्त मन्बन्ती, गुन में निम्ब्या
 ग्गनेवाग्नः गुन के द्वाव या रोग में रोगेवाग्न।
 शमदुमारी (دم دشاماری) का अ स्त्री—मरती समय की
 जानिये मांस, मन्ने समय की मांस गिनता।
 शमस्ताव (دم سار) का वि—मिद, मग्ना, शोच, रग्दम,
 गाने या नरीगे आदि में माय देनेवाला।
 शमा (دمان) का वि—गोप के मन में शोचने, द्वाग्ने ओर
 निवानेवाला, का शर विरोध रायी, रोग, अजगर
 ओर मगर के लिए धारा है शमे वाग में आयी हुई नयी
 ओर पानी की वाह के लिए भी प्रयुक्त होता है।
 शमादम (دمادم) का अर्थ—निरन्तर, लगातार, सुगमगम,
 क्षण-प्रतिक्षण, श्रम।
 शमामः (دمامه) का पु—वज्र नाकाग, भीमा।
 शमामील (دمامیل) अ. पु—'दुग्मल' का दृष्ट, फोड़े।
 शमार (دمار) अ पु—वध, हनन, हत्याही।
 शमाद. (دمیده) का वि—उगा हुआ, जमीन में निकल
 हुआ; फूँक हुआ।
 शमादगी (دمیدگی) का स्त्री—उगाय, जगाय; फूँक।
 शमाम (دمیم) अ वि—कृष्ण, कसकाय, वदगूरत।
 शमे आव (دم آب) का. पु—पानी का एक घूँट।
 शमे ईमा (دم عیسوی) का अ पु—हव्यत ईमा की फूँक,
 जिममें मृत प्राणी जीवित हो जाने थे, पाण देनेवाला,
 जीवित करनेवाला।
 शमे एहतिवार (دم احتضار) का अ पु—प्राण निकलते
 समय, प्राण निकलने का समय।
 शमे चद (دم چلد) का. पु—थोड़ी देर, क्षण भर, हतनी
 देर जिममें चार-छ साँसे ली जा सकें।
 शमे तस्लीम (دم تسلیم) का अ पु—मरने वक्त की माँसे,
 मीन, चुष्पी, सामोशी, आशा चाहना।
 शमे तेग (دم تیغ) का पु—तलवार की धार।
 शमे पसी (دم پسی) का पु—दे 'दमे वापसी'।
 शमे वाजपसी (دم بازپسی) का पु—दे 'दमे वापसी'।
 शमे वापसी (دم واپسی) का पु—मरते समय की अन्तिम
 माँसे।
 शमे शमशीर (دم شمشیر) का पु—दे 'दमे तेम'।

शमे सर्व (دم سرد) का. पु—ऊँची मांस, नर्य आह।
 शमे मुद्दह (دم صدیح) का. अ पु—प्राण काठ, तज्ज।
 शमे मुद्ग (دم میوز) का. अ पु—'गर्' फूँकने का समय, मत्ता-
 पाय-पाय।
 शमाकृतः (دمیادکرد) अ पु—एक गुनामी दवा।
 शरंग (دمرنگ) का स्त्री—विन्दव, रोग, वधक, रोग,
 आग्रह, सुनी, दे 'शिरम', दोनों शक है।
 शरंदाज (دمرنداز) का वि—दो आरमियों में लड़ाई कर
 देनेवाला, गिमान. दे 'दर संदाज'।
 शरंदाजी (دمرندازی) का स्त्री—गिमानता, चुगलगोमी,
 शर की उधर लगातार आग में लड़ाई कराना।
 शर (دمر) का पु—दो पक्षों के बीच का वग रान्ना,
 पाटी, दे 'शर'।
 शर (دمر) का पु—दरगाहा, शर (अज) में, भीतर, जब एक
 ही दो शरों के बीच में आता है तो शरी 'कृत' या जर्
 देता है जैसे 'मार्ग शर मार्ग' जगला में। शरी 'उधर' का
 जर् देता है जैसे, 'शर शर शर' व्याज पर व्याज। शरी मणा
 का अर्थ देता है जैसे, 'शर शर शर' अर्थात् १० × १०। (पत्य)
 शोचनेवाला जैसे, 'मषर' मेना की परिमियां को शीर उरने-
 ताया। (उप.) शर के अर्थ में विरोधता पैदा कर देता है,
 जैसे, 'शरुजर' हिमी का शोच देगते हुए गुजर जाना।
 शरी-अही केवल शर-शोचमें के लिए भी आता है जैसे, 'दर-
 गिमान' उमता अर्थ वही है जो 'गिमान' का यानी 'वीच'।
 शरअंदाज (دمرنداز) का वि—दे 'दरदाज'।
 शरअंदाजी (دمرندازی) का स्त्री—दे 'दरदाजी'।
 शरअस्त (دمراصل) का अ अर्थ—वास्तव में, वस्तुतः,
 हकीकत में, अरु में।
 शरआमद (دمرآمد) का स्त्री—दे 'दरामद'।
 शरक. (دمرک) अ पु—नीचे का तल, अधोतल, 'दरज' का
 उलटा वद्ग ऊपर की मजिल के लिए जाता है, नरक, दोजद,
 दे 'दक'।
 शरकात (دمرکات) अ पु—नीचे के तल, मारे नरक, सारे
 दोजग।
 शरकार (دمرکار) का अव्य—वाछित, अभिलपित, मतलूब।
 शरकिनार (دمرکنار) का अव्य—एक तरफ, अलग, एक
 तरफ रहा, अलग रहा, जैसे—राम तो दरकिनार कृष्ण
 भी नहीं आया।
 शरखुर (دمرخور) का अव्य—योग्य, काविल जैसे—'दरखुरे
 अर्ज' कहनेयोग्य, दखल, पैठ, रसाई।
 शरखुरे एतिना (دمرخوراعتنا) का. अ अव्य—तब्जुह के
 काविल, ध्यान देने योग्य।

दरखुद (درخورد) का वि-याग्य पात्र लाइव (लायव) ।
 दरहत (درخت) का पु-वृष, द्रुम पात्र पड़ें ।
 दरहवास्त (درخواست) का स्त्री-प्राधनापत्र निवेदन
 पत्र अर्द्ध निवेदन कथन कहना ।
 दरगाह (درگاه) का पु-बोक्ल देहलीज आस्तान
 राजसभा दरवार विगी वली का मजार रौडा ।
 दरगुबर (درگزر) का स्त्री-पद दगबर उम अनपेया
 कर देना चमपोगी क्षमा मुआफी ।
 दरज (درجه) अ पु-पद उहण श्रेणी वग तज्जा
 रागिचक्र का दुहै-वाँ हिस्सा मवानकी माला मखिल
 स्वय की मात्रा या मजिा दुगति चुरी हात कथा
 जमाअत क्ताम मिनट दे दज उदू में वही वाला
 जाता है और वही गढ भी है ।
 दरजात (درجات) अ पु-दरज का बहु दजें ।
 दरदम (دردم) का अव्य-तक्षण उमी समय तुरत पीरत ।
 दरपए आब्जार (درپایه آزار) का अव्य-गताने और हानि
 पहुँचाने की घात म ।
 दरपए जाँ (درپایه جان) का अव्य-प्राण लने की घात म
 मार डान की ताक में ।
 दरपए तज्जोह (درپایه تصحیح) का ज अव्य-निष्ठा
 और वदनामी का घात म वन्ताम करल की फिक्र में ।
 दरपब (درپرد) का अव्य-पद छुपकर खपवातीर पर ।
 दरपेश (درپیش) का अव्य-किसी समस्या या काय
 का उपस्थिति जस-मुआमला दरपग है या जस-
 मफर दरपेश है ।
 दरप (درپ) का अव्य-पीछे पना हुआ मलान घात में
 ताक में इच्छुक स्वार्थामद ।
 दरपगाँ (درپس) का वि-प्रकाशमान ज्यानिमय रोगन
 दे दुरपगा दाना बुद्ध ह ।
 दरबद (دربد) का पु-बरकाट चारलीवारी वण
 दरवाजा नली का घात दो राटो के बाच का अन्तर ।
 दरबदर (دربدر) का अव्य-घर घर गली-गली एक
 दरवाज स दूसर दरवाज ।
 दरवान (درवान) का पु-झारपाठ दरवाज की रफा पर
 नियुक्त व्यक्ति ड्योलागर ।
 दरबाव (درباب) का अव्य-दारे में सम्बन्ध में ।
 दरबार (دربار) का अव्य-दरबाव ।
 दरवार (دربار) का प-राजसभा बाग्शाही कचहरा
 किना ऋषि मुनि या वली का आश्रम या खानकाह ।
 दरवारदारी (دربارداري) का स्त्री-किना बड़े आत्मी के
 यहा खुशामत में रौडाना की हाजिरी ।

दरबारी (درباری) का वि-दरवार म सम्बन्धित, बहु व्यक्ति
 जो दरवार में निमन्त्रित होता है राजा या बाग्शाह का
 सभामद पारिषद ।
 दरबारे आम (دربارعام) का अ पु-बहु दरवार जिसमें सब
 नाधारण जा सक जनता का दरवार ।
 दरबारे खास (دربارخاص) का अ पु-बहु दरवार जिसमें
 केवल राज्याधिकारी और बहु-बहु लाय ही मन्मन्त्रित
 हा सकें ।
 दरमाद (درماده) का वि-दुम्बित हीन नि सहाय निरा
 श्रय आजिज वेवम ।
 दरमादगी (درمادگی) का स्त्री-हीनता रीनता नि
 सहायता वेकमी मजबूरी ।
 दरमाह (درماه) का पु-महीने पर मिन्नवाला वेतन
 दरमाह दार (درماعتدال) का वि-महीने पर तनवा
 पानवाला ।
 दरमियाण (درمیان) का पु-में बीच मध्य वस्तु ।
 दरमियाण (درمیان) का वि-बीचवाला न बग
 छोटा ।
 दरमियाणी (درمیان) का वि-दरमियाणवाला बाच या
 विचोशिया मयस्य बीच में पडकर दाट या लगड न
 मरम करानेवाला व्यक्ति ।
 दरयाफ्त (دریافت) का स्त्री-जाँच टोह जितामा
 अनुसधान गवपणा तहकीव ।
 दरयाव (دریاب) का स्त्री-समय-बूझ बढ़ि नती रवाँ ।
 दरयूज (دریوز) का पु-भीय मौगना भिषाटन ।
 दरयूजगर (دریوزگر) का वि-भीय भागनेवाला भिषक
 भिखारी मगता ।
 दरयूजगरी (دریوزگری) का स्त्री-भीय मौगना भिषा
 वति भिषाकम भिषाटन ।
 दरयूजगी (دریوزگی) का स्त्री-दरयूज गरी ।
 दरबाज (درواز) का पु-द्वार दर ।
 दरवेज (درवेश) का पु-दरयूज ।
 दरवेश (درवेश) का प-भिखारी भिषक पुनीतात्मा
 सिद्ध मुग्ना रसीद विनीत विनम्र खात्मार, सन्यासी
 ताकिजुदुनिया ।
 दरवेश सिफत (درवेश صفت) का अ वि-दरवेशा वसा
 मीधा-माग्य स्वभाव रखनेवाला ।
 दरवेशान (درवेशان) का अव्य-दरवेशा-जमा जसे-
 दरवेशान जिवगी मीधी सान्नी और मोगी-वादी जीवन
 चर्या ।
 दरवेशी (دری) का स्त्री-फकीरी सयाम ।

दरहम (درهم) फा वि—अस्त-व्यस्त, तितिर-बितर, यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता 'बरहम' के साथ 'दरहम वरहम' बोला जाता है।

दरा (درا) फा पु—घटा, घडियाल, वह घटा जो यात्रिदल अर्थात् काफिले के साथ रहता है, दे 'दिरा', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

दराए कारवा (دراے کارواں) फा पु—काफिले में बजनेवाला घटा।

दराज (درار) फा वि—लवा, दीर्घ, लव, तवील।

दराजकद (درارقد) फा वि—दे 'दराजकामत', प्रलवकाय।

दराजकामत (درارقامت) फा अ वि—लम्बे शरीरवाला, लवकाय, दीर्घकाय।

दराजगोश (درارگوش) फा वि—लंबे कानवाला, लवकर्ण (पु) एक प्रकार का गधा।

दराजदस्त (درارذست) फा वि—अन्यायी, अत्याचारी, जालिम।

दराजदस्ती (درارذستی) फा स्त्री—अन्याय, अत्याचार, जुल्म।

दराजदुम (دراردم) फा पु—लम्बी पूंछवाला, लवपुच्छ, गिरगट, कृकलास।

दराजनफसी (درارنفسی) फा अ स्त्री—वाचालता, बहुत बोलना, बहुत बातें करना।

दराजिए उम्र (درارئی عمر) फा अ स्त्री—आयु की लवाई, अधिक जीना, दीर्घायु।

दराजी (درازی) फा स्त्री—लवाई, दीर्घता, तवालत।

दरामद (درآمد) फा स्त्री—वह माल जो किसी राष्ट्र में बाहरी राष्ट्रों से आये, आयात।

दराहिम (دراهم) अ पु—'दिर्हम' का बहु, बहुत से दिर्हम।

दरिदः (درنداه) फा पु—फाड़ खानेवाला जंगली जानवर, श्वापद।

दरौ (دریں) फा अव्य—इसमें।

दरीअस्ता (دریائنا) फा अ अव्य—इस बीच, इसी बीच, इसी दरमियान।

दरौ खुसूस (دریں خصوص) फा अ अव्य—इस विषय में, इस बारे में, इस सम्बन्ध में।

दरी (دری) फा स्त्री—फारसी भाषा की एक शाखा।

दरीच (دریچه) फा पु—खिडकी, झरोखा, गवाक्ष, जालार।

दरीद (دریداه) फा वि—फटा हुआ, विदीर्ण।

दरीवइहन (دریداهمن) फा वि—मुंहफट, मुक्तकठ।

दरौ (درون) फा पु—'दरून' का लघु, दे 'दरून'।

दरून (درون) फा पु—हृदय, मन, चित्त, आत्मा, वातिन, कल्प।

दरूना (درونا) फा पु—वह फोडा या घाव जिसका मुँह भीतरी हो।

दरूनी (درونی) फा वि—भीतरी, अदरूनी, मानसिक, हार्दिक, रूहानी।

दरोग (دروغ) फा पु—झूठ, असत्य, मिथ्या, गलत, दे 'दुरोग' दोनो शुद्ध हैं।

दरोगगो (دروغگو) फा वि—झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा, काजिव।

दरोगगोई (دروغگوئی) फा स्त्री—झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

दरोगजन (دروغزن) फा वि—दे 'दरोगगो'।

दरोगबयाँ (دروغبیان) फा अ वि—दे 'दरोगगो'।

दरोगवाफ (دروغناف) फा वि—झूठ गढ़नेवाला, अपने मन से झूठ वाते बनानेवाला।

दरोगहल्फी (دروغحلفی) फा अ स्त्री—झूठी कसम खाना।

दर्कः (درک) अ पु—दे 'दरक' उर्दू में 'दर्क' ही बोलते हैं।

दर्क (دری) अ पु—बुद्धि, अक्ल, समझ, विवेक, तमीज, ज्ञान, जानकारी।

दर्जः (درجہ) अ पु—दे 'दरज', उर्दू में अधिकतर 'दर्ज' ही बोलते हैं।

दर्ज (درج) अ वि—लिखा हुआ, प्रविष्ट, रजिस्टर या वही आदि में लिखा हुआ, लिखना, दर्ज करना।

दर्ज (درز) फा स्त्री—दरार, शिगाफ, फटन, खाना, जैसे—मेज की दर्ज।

दर्जी (درزی) फा पु—कपडा सीनेवाला, सूचिक।

दर्द (درد) फा पु—कष्ट, व्यथा, यातना, तक्लीफ, कष्ट, दया, तरस, रहम, दुःख, क्लेश, मुसीबत, पीड़ा, टीस, चसक।

दर्दअंगेज (دردانگیر) फा वि—दर्द पैदा करनेवाला, पीडात्पादक, कष्टजनक।

दर्दअफसा (دردافرا) फा वि—दर्द बढ़ानेवाला, पीडा-वर्द्धक।

दर्दआश्ना (دردآشنا) फा वि—जो किसी के दर्द को जानता हो, जो किसी के दुःख से चाकिल हो; सहानुभूतिकर्ता, हृमदर्द, दुःख में सहायता देनेवाला, मित्र।

दर्द ना आश्ना (دردناآشنا) फा वि—जो किसी का दर्द न समझे, निर्दय, कठोर हृदय, सगदिल।

दर्दनाक (دردنای) फा वि—दे 'दर्दअंगेज'।

दर्दफिजा (دردفرا) फा वि—दे 'दर्दअफजा'।

दर्दमंद (دردمند) फा वि—हृमदर्द, महानुभूति करनेवाला, दिलसा देनेवाला।

दर्दमंदी (دردمندی) फा स्त्री—हृमदर्दी, सहानुभूति, दया और करुणा का भाव।

दरदा (دردا) का अर्थ—हाए अफसाम हा हुत हाए हाए ।
 दरदेजगर (دردجگر) का पु—> दरदेजिल ।
 दरदेजेह (دردجه) का पु—बच्चा पदा होन क समय की पीडा प्रसववेत्ना प्रसवपीडा ।
 दरदेजिल (درदجل) का पु—मन की व्यथा मनस्ताप प्रम का दुख इश्क का गम ।
 दरदेसर (درदسر) का पु—मिर का दर शिर-पीडा हसद हतराम ।
 दरदेगम (دردغم) का अ पु—बहुत-सी मुमीवतें कष्टसमूह ।
 दरमा (درما) का पु—उपचार इलाज चिकित्सा ।
 दरमातलब (درماطلب) का अ वि—इलाज या उपचार का इच्छुक ।
 दरमातलबी (درماطلبی) का अ स्त्री—इलाज का इच्छा ।
 दरमापिजीर (درماپیژر) का वि—चिकित्सा के योग्य, इलाज क काविल ।
 दर्या (دریا) का पु—नदी नदी तरंगिणी सरिता आपगा, शकलिना तटिना निम्नता ।
 दर्याई (دریائی) का वि—नदी सम्बन्धी नदी में रहनेवाला जस-दर्याई जानवर नदी में उत्पन्न हानवाला जसे-दर्याई सदफ दर्या का ।
 दर्याएअहमर (دریاءاحمر) का अ प—लालसागर वहे कुलजुम ।
 दर्याएबखवार (دریاءبخار) का अ पु—ठाठ मारता हुआ तथा उबालव वहनवाली नदी ।
 दर्याएशोर (دریاءسور) का पु—खार पाना की नदी, सारा समुद्र लवण-सागर वह समुद्र जिसमें अडमान और निकोबार के टापू ह और जहा अग्रजी सासन काल में आज म काराबासा भेजे जात थे ।
 दर्याच (دریاءچ) का पु—छोटी नदी ।
 दर्यादिल (دریاءدل) का वि—जो बहुत दानी हो रागी दाता दिव्याय मुक्तहस्त वदाय उदारमना ।
 दर्याबिरामद (دریاءبرآمد) का स्त्री—वह भूमि जा किसी नदी के स्थान छोड़न स निकली हो पुलिन थयुत्सप्त ।
 दर्याबिरार (دریاءبیرار) का स्त्री—व्यापारमद ।
 दर्याबिरार (دریاءبیرار) का वि—सला फयाज वदाय बहुत वरगनवाला जय-अत्र दर्याबिरार ।
 दर्याबुद (دریاءبود) का स्त्री—वह भूमि जा मत्त की बात में डूब गयी हा वह भूमि जा बात म कटकर नष्ट हा गयी हा ।
 दर्याबगो (دریاءبگی) का पु—बह्नी फौज का सिपह मागर जल-मनापति नवाधिपति अमीरुत बह ।

दरकि (درای) अ वि—प्रतिभांगली बुगार बडि बड ही तेज फहम ।
 दरस (درس) अ पु—पठना पठन, पढ़ाना पठन गिय नसीहत उपदेश सदुपदेश वाक ।
 दरसोतद्रीस (درسوسدروس) अ प—पठना-पठाना पठना पठान का व्यापार ।
 दलाइल (دلایل) अ पु—दलील का बहु दलील ।
 दलालत (دلالت) अ पु—लक्षण, चिह्न अलामत त युक्ति दलील माग प्रत्यक्ष रहनुमाई ।
 दलीद (دلید) का पु—दरिया माटा दला हुआ बना (वि) दला हुआ ।
 दलील (دلایل) अ स्त्री—तक युक्ति बुहान प्रमाण सुब दलीले कवी (دلایل موی) अ स्त्री—मस्तूत दलील पु प्रमाण ।
 दलीले कामिल (دلایل کامل) अ स्त्री—पूरा सुबत प्रमाण ऐसी दलील या तक जिमका खतन न हो सने दलीले नाकिस (دلایل ناقص) अ स्त्री—वह दलील जो हो और जिसका खतन हो सकता हा कुतस्व ।
 दल्क (دلک) अ स्त्री—मिथलमगो की गुदनी सूफि पहनने का ऊनी लिवास ।
 दल्क (دلک) अ पु—अगमदन जिस्म का मलना ।
 दल्कपोश (دلکپوش) अ का वि—मिथक, फकीर, ब्रह्मवाणी ।
 दल्लाक (دلای) अ पु—वह व्यक्ति जो हम्माम (ह गार) में शरीर मलता और मल छुडाता है ।
 दल्लाल (دلالت) अ स्त्री—कुटनी कुटनी ।
 दल्लाल (دلالت) अ पु—विकवाल और लिवाल के ब सोदा तय करानेवाला, दल्लाल आरती एजेठ ।
 दल्लाली (دلالتی) अ स्त्री—बीच म पडकर सीपत का काम कुटनीपन जाठत का काम ।
 दर्या (دریا) का वि—दोडता हुआ भागता हुआ ।
 दवा (دوا) अ स्त्री—ओषधि ओषध भयज व उपचार इलाज चिकित्सा उपाय तबवीर ।
 दवाइर (دوایر) अ पु—दाइर का बह, दाइरे ।
 दवाउलमिस्क (دواولالمسک) अ स्त्री—एक यूनानी जा हृत्प क लिए शक्तिवद्धक है ।
 दवाएदिल (دواهدل) अ का स्त्री—दिल के रागी की अ प्रम रागी की दवा ।
 दवाखान (دواخانه) अ का पु—जहाँ दवाए विक्री औषधाश्रय ।
 दवान (دواب) अ स्त्री—सियाही रसन का पात्र, मति

दवादविश (دوادوش) फा अव्य-दौड भाग, कोशिश, परिश्रम।

दवादी (دوادو) फा अव्य-दे. 'दवादविश'।

दवापिजीर (دواپیژیر) अ फा वि-दवाई के काविल, साध्य, जो इलाज से अच्छा हो सके।

दवाफरोश (دوافروش) अ फा पु-दब्रा बेचनेवाला।

दवाव [व्व] (دواو) अ पु-'दाव्व' का बहु, चौपाए, पशु, मवेशी।

दवाम (दवाम) अ पु-नित्यता, स्थायित्व, हमेशगी, नित्य, हमेशा।

दवामी (दवामी) अ वि-हमेशा रहनेवाला, अनश्वर, नित्य, हमेशा के लिए, स्थायी, जीवन भर के लिए, हीन-हयाती।

दवाल (दवाल) फा स्त्री-दे 'दुवाल', दोनों शुद्ध है।

दवावीन (दवावीन) अ पु-दीवान का बहु, शाइरो के दीवान।

दवासाज (दवासार) अ फा-पु-दवाएँ बनानेवाला, अत्तार।

दवी (दवी) अ स्त्री-कान में होनेवाली झजनाहट।

दवीदः (दवीद) फा वि-दौडा हुआ।

दशत (दशत) फा पु.-कानन, वन, जगल, विद्यावान।

दशतआवार. (दशतआवार) फा वि-जगलो में मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, काननचारी।

दशतगर्द (दशतगर्द) फा वि-दे 'दशतआवार'।

दशतगर्दी (दशतगर्दी) फा स्त्री-जगलो में मारा-मारा फिरना, वन-भ्रमण।

दशनः (दशन) फा पु-खजर, जविया, भुजाली, दे 'दिश्न', दोनों शुद्ध है।

दसाइस (दसाइस) अ पु-'दसीस' का बहु, साजिशे, कुचक्र-समूह।

दसातीर (दसातीर) अ पु-'दुस्तूर' का बहु, काइदे, कानून, रीतियाँ, पारसियों का धार्मिक ग्रथ।

दसीसः (दसीस) अ पु-कुचक्र, दुरभिसंधि, साजिश, पड़यंत्र।

दस्तंदाज (दस्तंदाज) फा वि-दे 'दस्तअंदाज'।

दस्तंदाजी (दस्तंदाजी) फा स्त्री-दे 'दस्तअंदाजी'।

दस्तंबू (दस्तंबू) फा पु-कई सुगंधित पदार्थों और इत्रों को मिलाकर बनाया हुआ गुल्ला, जो सूंधने के लिए हाथ में रखा जाय, हर सुगंधित फल जो सूंधा जा सके, कचरी, सुंधिया।

दस्तंबूयः (दस्तंबूय) फा पु-दे 'दस्तंबू'।

दस्त (दस्त) फा पु-चाकू या छुरी आदि की मूठ, जग या डोंगे आदि का हंडिल, मुट्ठा, जैसे-गुलदस्ता, २५

कागजो का मुट्ठा, रीम का बीसवाँ हिस्सा, खरल का मूसला, फ़ौज की टुकड़ी, गारद, सजाफ, हागिया।

दस्त (दस्त) फा पु-कर, हस्त, हाथ, पतला शौच, विरेचन, इसहाल।

दस्तअंदाज (दस्तअंदाज) फा वि-किसी काम में हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला, बाधक, विघ्नकारक, मुजा-हिम, दे 'दस्तदाज'।

दस्तअंदाजी (दस्तअंदाजी) फा स्त्री-हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, मुजाहमत, दे 'दस्तदाजी'।

दस्तअफ़्राज (दस्तअफ़्राज) फा पु-कारीगर के काम करने का यंत्र, हथियार, औजार, उपकरण, दे 'दस्तफ़्राज'।

दस्तअफ़शाँ (दस्तअफ़शाँ) फा वि-किसी काम से विरक्त होनेवाला, त्यागनेवाला, त्यागी, विरक्त, दे 'दस्तफ़शाँ'।

दस्तआमोज (दस्तआमोज) फा वि-हाथ पर सधायी हुआ जानवर, दे 'दस्तामोज'।

दस्तावर (दस्तावर) फा वि-दस्त लानेवाली दवाई, रेचक, जुल्लाव, दे 'दस्तावर'।

दस्तक (दस्तक) फा स्त्री-ताली, करताल, चर्चरी, खटखटाना, राजादेश, हुकमनामा, कुर्की।

दस्तकलम (दस्तकलम) फा अ अव्य-दे शुद्ध 'दस्तोकलम'।

दस्तकश (दस्तकश) फा वि-विरक्त, बेतअल्लुक।

दस्तकशी (दस्तकशी) फा स्त्री-किसी काम में से अपने को नि सम्बन्ध कर लेना, उपेक्षा।

दस्तकार (दस्तकार) फा पु-शिल्पी, शिलाकार, कारीगर, हाथ के काम का माहिर, वह चीज जिस पर हाथ का काम बना हो।

दस्तकारी (दस्तकारी) फा स्त्री-शिल्प, कला, हस्तशिल्प।

दस्तकी (दस्तकी) फा स्त्री-हाथ में लेने या जेव आदि में रखने के काविल छोटी चीज।

दस्तखत (दस्तखत) फा पु-हस्ताक्षर, स्वाक्षर, अपने कलम से लिखा हुआ अपना नाम, जो किसी तहरीर की सनद के लिए हो।

दस्तखती (दस्तखती) फा वि-जिस पर दस्तखत हो।

दस्तगर्दी (दस्तगर्दी) फा वि-बगैर तहरीर का कर्जा, हथ उधार।

दस्तगाह (दस्तगाह) फा स्त्री-'दस्तगाह' का लघु, दे 'दस्तगाह'।

दस्तगाह (दस्तगाह) फा स्त्री-सामर्थ्य, शक्ति, कुदरत, योग्यता, विद्वत्ता, इत्मीयत।

दस्तगिरिफ्त. (दस्तगिरिफ्त) फा वि-जिमका हाथ सहारे के लिए पकड़ा हो, जिसे सहायता दी हो।

दस्तागी (दस्तगी) का स्त्री—वह दस्तागा जा बाज पक्षी
को हाथ पर बठाने समय पंजिले ह दस्ता हुडिल
पानी का लाटा जिसने वजू या गीच करते ह।
दस्तगोर (दस्तगोर) का वि—हाथ पकडकर सहारा
देनवाला अर्थात् सहायक मन्गार।
दस्तगोरी (दस्तगोरी) का अ स्त्री—सहायता मद गिरत
को धामना।
दस्तघब (दस्तघब) का वि—विगी दस्तकारी में पिपुण
(पु) सहायता मन्द।
दस्तचीर (दस्तचीर) का वि—अयायी अत्याचारी
गालिब बलवान ताजतबर।
दस्तदराज (दस्तदराज) का वि—अयायी जाविर ह्या
छु मार बठानेवाला निडर बेबाक।
दस्तदराजी (दस्तदराजी) का स्त्री—जुलम अत्याचार
गुस्ताखी दुसाहम मारपीट।
दस्तनिगर (दस्तनिगर) का वि—दूसरा का मुह ताकन
वाला इनका क सहारे जीवन व्यतीत करनवाला, मुसा
पानी पराधय।
दस्तपनाह (दस्तपनाह) का पु—चामटा चूल्ह से आग
निकालने का यन।
दस्तपरबद (दस्तपरबद) का वि—हाथ का पला हुआ
लालन-पालन म रखा हुआ।
दस्तपाक (दस्तपाक) का अ प—वह कपण जिसस भजन
के बाद मुह हाथ पाउने ह रुमाल।
दस्तपेच (दस्तपेच) का पु—दस्तावेज, लखपात्र साधन
जरीया।
दस्तपमा (दस्तपमान) का पु—वे कपडे धन और
आभरण जादि जा ब्याह स मने दूल्हन के घर जाने ह।
दस्तफरोग (दस्तफरोग) का वि—वह यकित जा चीजा
को हाथ में लेकर बेचता है।
दस्तफाल (दस्तफाल) का स्त्री—सबस पहली विनी बीनी
बुन्नी।
दस्तफराज (दस्तफराज) का प—उदू में रस्त अपराज का
गुद्द उन्नारण यही है परतु गन्त वह भी नहा है।
दस्तबद (दस्तबद) का पु—गहूँचा कलाई का एक
आभूषण नत्य का एक प्रकार।
दस्तबखर (दस्तबखर) का अ अय्य—जय विगी का यह
बताना होता है कि जमुब व्यक्ति के शरीर म बाई बाया या
फोडा आदि किस स्थान पर है ता उसके शरीर पर उमा
जगह हाथ रखने हुए यह वाक्य करते ह जस—वह
दस्तबखर उनके भी इस स्थान पर फोग है या था।

दस्तघदस्त (दस्तघदस्त) का अय्य—हाथ-हाथ तुरत
आमने मामने का, हाथों की जमे—दस्त घदस्त जग।
दस्तघबुआ (दस्तघबुआ) का अ अय्य—ई-वर मे प्रायना
के लिए हाथ उठाये हुए।
दस्तबरदार (दस्तबरदार) का वि—बतअ-रुकु बिरका।
दस्तबरदिल (दस्तबरदिल) का वि—ब्याकुल बचन मन्गीर
दस्तबसर (दस्तबसर) का वि—मिर पर हाथ रत हुए
पनचात्ताप करनेवाला, चकित हैरान।
दस्तबस्त (दस्तबस्त) का वि—हाथ बांधे हुए हाथ जाड
हुए बटकर बडी नम्रता के साथ।
दस्तबाक (दस्तबाक) का वि—मरल सुगम आसान।
दस्तबिरजन (दस्तबिरजन) का पु—बगन।
दस्तबुक्च (दस्तबुक्च) का पु—छोटी गठरी जो हाथ स
उठाई जा सके।
दस्तबोस (दस्तबोस) का वि—हाथ चूमनवाला बिना
पूय व्यक्ति के हाथों को बोसा देनेवाला।
दस्तबोसी (दस्तबोसी) का स्त्री—हाथ चूमना किसी पूय
व्यक्ति के हाथों को बोसा देना।
दस्तभाय (दस्तभाय) का पु—पूजी सरमाया।
दस्तमाल (दस्तमाल) का पु—हाथ पाउने का कपण
रुमाल बावरचीखाने की साफी।
दस्तमुरद (दस्तमुरद) का पु—उग्रत मजदूरी गृति,
पारिथमिक।
दस्तयाव (दस्तयाव) का वि—हस्तगत प्राप्त उपलभ
हासिल।
दस्तयाबी (दस्तयाबी) का स्त्री—हुसूल, प्राप्ति उपरान्त,
उपलभता।
दस्तयार (दस्तयार) का वि—सहायक, मन्गार (प)
उपकरण हथियार।
दस्तयारी (दस्तयारी) का स्त्री—सहायता मन्द।
दस्तरज (दस्तरज) का पु—श्रम महनत।
दस्तरखान (दस्तरखान) का पु—वह कपडा जिस पर
खाना खात ह।
दस्तरस (दस्तरस) का स्त्री—पहुच रसाई पठ।
दस्तरसीद (दस्तरसीद) का वि—जहा तक हाथ पहुच
गया हो।
दस्तलाफ (दस्तलाफ) का स्त्री—बोहना दस्तफाल।
दस्तवान (दस्तवान) का पु—बगन पहुची।
दस्तसाज (दस्तसाज) का वि—हाथ का बनाया हुआ।
दस्ता (दस्ता) का प—दस्त का बू छत्र, परदे
गति नमरा।

दस्तानः (دستانه) फा पु—हाथों की हिफाजत के लिए पहना जानेवाला एक विशेष वस्त्र, हस्तत्राण ।
 दस्तामोज (دستاموچ) फा वि—'दस्तआमोज' का शुद्ध उच्चारण यही है, वह भी गलत नहीं है ।
 दस्तार (دستار) फा स्त्री—पगडी, अम्मामा ।
 दस्तारचः (دستارچه) फा पु—छोटी पगडी ।
 दस्तारबंद (دستار بند) फा वि—जिसने अरबी की पूरी योग्यता प्राप्त कर ली हो और उसे पगडी बाँध दी गयी हो, स्नातक ।
 दस्तारबंदी (دستار بندی) फा स्त्री—पूर्ण विद्योपार्जन के पश्चात् पगडी बाँधने की रस्म या सस्कार ।
 दस्तारबुजुर्ग (دستار بزرگ) फा पुं—कुर्रम साक, वेश्याघटक ।
 दस्तावर (دستاور) फा वि—'दस्त आवर' का शुद्ध रूप, दे 'दस्त आवर' ।
 दस्तावेज (دستاور) फा स्त्री—व्यवस्थापत्र, लेखपत्र, साधनपत्र, तमस्सुक, किवाला ।
 दस्तास (دستاس) फा स्त्री—हाथ की चक्की ।
 दस्ती (دستی) फा. वि—हाथ का, हाथ से सम्बन्ध रखनेवाला, हाथ में रखनेवाली चीज, मशाल, फलीता ।
 दस्तूर (دستور) फा पु—नियम, काइदा, विधान, कानून, परंपरा, रवाज; मंत्री, सचिव, वजीर, पद्धति, शैली, ढंग, व्यवहार, रविश, हक, कटौती, कमीशन ।
 दस्तूरियः (دستوریه) फा स्त्री—जुमहूरिय, गणतंत्र, जनतंत्र ।
 दस्तूरी (دستوری) फा वि—वैधानिक, कानूनी (स्त्री) कमीशन, हक, कटौती ।
 दस्तूरिलअमल (دستور العمل) फा. अ पु—काम का तरीका, कार्य-प्रणाली, कार्यक्रम, लाहियए अमल ।
 दस्तेकुद्वत (دست قدرت) फा अ पु—सामर्थ्य, शक्ति, मकदरत ।
 दस्तेगैब (دست غیب) फा अ पु—दैवी आय, गैबी आमदनी ।
 दस्तेडुआ (دست دعا) फा अ पु—डुआ के लिए उठा हुआ हाथ
 दस्तेशफकत (دست شفقت) फा अ पु—छत्रछाया, परवरिश ।
 दस्तेशफा (دست شفا) फा अ पु—रोग-निवारण की शक्ति
 दस्तोकलम (دست و قلم) फा अ वि—शिक्षित, पढा-लिखा ।
 दस्तोगिरीवाँ (دست و گریبان) फा वि—एक दूसरे का गिरीवान पकड़े हुए, हाथापाई करते हुए ।
 दस्तोपा (دست و پا) फा पु—हाथ-पाँव, प्रयास, प्रयत्न, मेहनत, कोशिश ।
 दस्तोबगल (دست و بغل) फा वि—आलिंगन, वगलगीर ।
 दह (د) फा वि—दस, दश ।

दहचंद (دست چند) फा वि—दस गुना ।
 दह दर दह (د) (د) (د) फा वि—वह हौज जो दस गज लंबा और दस गज चौड़ा हो ।
 दहदिलः (دست دل) फा वि—वीर, बहादुर, चितित, फिक्रमद; लोलुप, लालची ।
 दहन (دहन) फा. पु—मुख, मुँह, छिद्र, छेद, सूराख ।
 दहनदरः (دहन در) फा पु—जैभाई, जूभा ।
 दहनदरौदः (دहन درید) फा वि—मुँहफट, गुस्ताख ।
 दहनेजलम (دहन زخم) फा पु—जलम का मुँह ।
 दहनेतेग (دहन تیغ) फा पु—तलवार की धार, मौत का मुँह ।
 दहवाशी (دشمنی) फा तु पु—दस सिपाहियों पर नायक ।
 दहमर्दः (دست مرد) फा वि—मिथ्यावादी, फुजूलगो, अनर्गल-वादी, बहुभाषी, वाचाल, बक्की ।
 दहरोजः (دست روز) फा वि—थोड़े दिन का, अस्थायी, चद-रोजा, आरिजी ।
 दहाँ (دهان) फा पु—दे 'दहन' ।
 दहाँवद (دهان بند) फा पु—वह कवच जिससे शत्रु का मुँह बंद हो जाता है ।
 दहा (دها) अ. स्त्री—बुद्धिकुशाग्रता, तेज अक्ली, प्रतिभा, जहानत ।
 दहाकीन (دهاتین) अ पु—'देहकान' का वहु, किसान लोग, गाँववाले ।
 दहानः (دهانه) फा पु—मुँह, दहन, समुद्र में नदी के गिरने का स्थान, भिस्ती की मश्क का मुँह, घोड़े की काँटो-दार लगाम, मोरी, नाली ।
 दहानए फिरंग (دهانه فرنگ) फा पु—एक सव्ज पत्थर जो रासायनिक गुण रखता है, और विप-नाशक है ।
 दहम (دهم) फा वि—दसवाँ, दशम ।
 दहनः (دهنه) फा पु—नदीतट, दर्या का किनारा, किसी देश की सरहद, दहानए फिरंग ।
 दहनए फिरंग (دهنه فرنگ) फा पु—दे 'दहानए फिरंग' ।
 दह (دهر) अ पु—काल, समय, वक्त, युग, कर्न ।
 दहियः (دهریه) अ वि—दे 'दह्ली' ।
 दह्ली (دهری) अ वि—अनीश्वरवादी, खुदा को न माननेवाला, नास्तिक, लामजहव ।
 दहशत (دهشت) अ स्त्री—डर, भय, खौफ ।
 दहशतअंगेज (دهشت انگیز) अ फा वि—भयानक, भीषण, डरावना ।
 दहशतअंगेजी (دهشت انگیزی) अ फा स्त्री—भयानकपन, डरावनापन, खौफनाकी, डरा-धमकाकर किसी से कुछ प्राप्त करने की अवैध कोशिश, किसी क्षेत्र में जनता को

डरा भयवानर इस वाम पर वाय करना कि वह अमुक व्यक्ति या मूल का पशुपान न करे या उसे महामाग न दे या उसका कामा म गटवड डाले ।

दहशतकद (دهشتكده) अ फा पु—यह स्थान जो वयुत ही भयकर है ।

दहशतखद (دهشرد) अ फा वि—मयभीत वस्तु डरा हुआ ।

दहगतनाक (دهستناک) अ फा वि—भयगवुल दहरात स भरा हुआ खौफनाक ।

दा (دا) फा प्रत्य—जाननेवाला जस—हम दा सब कुछ जाननेवाला सबध ।

दाग (داغ) फा पु—छ रती का तौल आर लिशा तरफ ।

दाइन (داين) अ पु—रूपगता वज देनेवाला ।

दाइम (دايم) अ वि—नित्य मदा हमसा ।

दाइमन (دايمنا) अ अय—नित्यप्रति हर वकन हर समय, सदा हमसा ।

दाइमी (دايمي) अ वि—नित्य का हमसा का स्थायी मुस्तविल ।

दाइमलखत्र (دايمالخور) अ वि—सदा शराव क नश में रहनेवाला हर वक्त का पीनेवाला नियमक्षप ।

दाइमलमरख (دايمالمروخ) अ वि—सदा बीमार रहने वाला जमरागी नित्यरुण ।

दाइमलहस्त (دايمالحسن) अ वि—जिस पूर जम की सजा मिली है आजम कारावामी पूरा उम्र की सजा आजम कारावाम ।

दाइय (دايه) अ पु—ज्जर अरिवार ।

दाइर (داير) अ पु—परिधि धरा गाल गाला वत मडड हत्का परिपत्त सभा मजग्गि जाथम खानकाह टाला महत्ला एकवाजा दफ अलरा की गाला जस—जोम या मीन का दाइरा ।

दाइरनुमा (دايرنوما) अ फा वि—गालावार वतुलाकार वसावार, मन्त्रावार गाल ।

दाइर (داير) अ वि—खिरनवाग घमनवाला उप स्थित दरया जगस्थित करना चक्राना (घान) ।

दाइरतुलमदरुज (دايرتولمدروج) अ पु—नातिमडल भक्क गणिचक्र वह टाइरा जिसम वारह धुज है ।

दाइरतुलमआरिफ (دايرتولمعارف) अ पु—इमादकला पानिया, विदवकाग ।

दाई (داي) अ वि—बुननेवाला निमत्रणकता हुआ करनेवाला आगावगता ।

दाड (دا) फा पु—जुए की बारी दीव मत्र छल फरेव ।

दाउलअसत्त (داوالاسد) अ स्त्रा—कुष्ठराग, वा ।

दाऊद (داؤد) अ पु—एक पगम्बर जिनका स्वर वटूत ही मयुर था ।

दाखिल (داخيل) अ पु—हस्तातरण सपुगी रपया दाखिल करने की रसीत पुरेव रमाई स्वरू या वाग्नि म प्रववा ।

दाखिल (داخيل) अ वि—मातर आतवाला प्रविष्ट अदर पहुँचा हुआ, समिलित शामिल ।

दाखिल कुनिद (داخيلكند) अ फा वि—गविल करन वाला जमा करनेवाला ।

दाखिल खारिज (داخيلخارج) अ प—जमीन या जागग पर स एक व्यक्ति का नाम बटकर दूसरे का चन्ना एक व्यक्ति की जगह दूसरे का मालिक नियुक्त हाना ।

दाखिली (داخيلي) अ वि—भीतरी आतरिक अग्नी मानमिक हादिक रहाना दिली ।

दाखिले दफतर (داخيلدفتر) अ अव्य—निशा प्रायना पत्र का अस्वीकृत हाकर मिमिल में किसी सुवूत आदि क लिए सुरक्षित रहना ।

दाखूल (داخول) फा पु—वह लक्का आदि जिस मनष का रूप देकर धनी में डराने के लिए रप्या दत है वाग्शाहो और राजाआ के मवान क आगे लाया के व न क लिए बनी हुई इमारत ।

दाघ (داغ) फा पु—चिह्न धत्रा निशात रिमी की मत्यु का गम कन्क दोष अपराध दुख केश रज जस—दाघे हिर विरह वा दुख ईर्ष्या डाह हमद जलन का चिह्न फा पर गलने या मडने का निशात घव वा चिह्न ।

दागाहा (داغاه) फा स्त्रा—वचहरी जहाँ वापजात पर मुहू लगामी जाती है ।

दागदार (داغدار) फा वि—जिसम दाग हा धत्रवाला दापी एवन्तर विमी अपराध में लिप्त आद दामन ।

दाघी (داغی) फा वि—दागानर जिनपर धत्रा या निगात हो दूषित मायूत्र सजायाव दडित दाघा हवा जलया हुआ अपराधा मुग्गिम ।

दागे जिगर (داغجگر) फा पु—महान की मत्यु का गाव प्रम की जाग का दाग ।

दागदिल (داغدل) फा पु—प्रमानि स जग्ने का दाघ हूय का दाग ।

दाज (داج) अ पु—घनटाप जधवार घोर अंधरा ।

दाद (داد) फा वि—पिया हुआ ।

दाद (داد) फा स्त्री—न्याय, इसाफ; दान, वखशिश, प्रशसा, तहसीन, वाह-वाह (प्रत्य) दिया हुआ, जैसे—'खुदादाद' खुदा का दिया हुआ।

दादवाह (دادخواه) फा वि—फर्यादी, न्याय चाहनेवाला।

दादगर (دادگر) फा वि—न्याय करनेवाला, मुसिफ।

दादगुस्तर (دادگستر) फा वि—दे 'दादगर'।

दादतलब (دادطلب) फा अ वि—दाद चाहनेवाला, न्याय-याचक, किसी अच्छे काम की प्रशसा चाहनेवाला।

दाददेही (داددهی) फा स्त्री—न्याय करना, फर्याद सुनना, दाद देना।

दादनी (دادنی) फा अव्य—देने योग्य, देने के लाइक, किसी चीज के लिए पेशगी रुपया देना।

दादवदश (داددش) फा. वि—न्यायकर्ता, मुसिफ, दादगर।

दादरस (دادرس) फा वि—दे 'दादगर'।

दादरसी (دادرسی) फा स्त्री—न्याय, इसाफ।

दादार (دادار) फा पु—न्यायकर्ता, मुसिफ।

दादोदिहिश (دادودیهش) फा स्त्री—दानशीलता, फैयाजी, सखावत।

दादोसितद (دادوستد) फा स्त्री—लेन-देन, रुपये के लेन-देन का कारोबार।

दान: (दानه) फा पु—अनाज, गल्ला, अनाज के खोशे में लगा हुआ बीज, अगूर का एक फल, खील, भुना हुआ बीज, छोटी फुसी, चैचक का आवला, आमो की सख्या के लिए, जैसे—'बीस दाने लैगडे के'; रतनों की गिती के लिए जैसे—'याकूत का एक दाना'।

दान.खोर (दानخور) फा वि—दाना खानेवाला मवेशी।

दान:खोरी (दानه خوری) फा. पु—जानवर को दाना खिला-कर मोटा ताजा करना।

दान:जद (दानجود) फा वि—कमीना, खस्ताहाल, कजूस।

दान दार (दानدار) फा वि—जिसमें दाने हो।

दान (दान) फा प्रत्य—पात्र, वर्तन जैसे—'कलमदान' कलम रखने का पात्र, 'उदूदान' अगर जलाने का वर्तन।

दानए गंडुम (दानه گندم) फा. पुं—'गोहूँ' का एक दाना या बीज।

दानए जजीर (दानه زنجیر) फा पु—जजीर की कडी, जजीर का हल्का।

दानए याकूत (दानه یاقوت) फा अ—एक याकूत (पद्मराग)।

दानए सीर (दानه سیر) फा अ पु—लहसुन का जवा।

दानए हील (दानه هیل) फा पु—इलायची का एक बीज।

दाना (दानا) फा वि—बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद; चतुर, कुशल, प्रवीण, होशियार।

दानाई (دانائی) फा स्त्री—बुद्धिमत्ता, मनरिवता, अक्ल-मदी, चातुर्य, दक्षता, निपुणता, होशियारी।

दानाए राज (दानاے راج) फा वि—भेदों का जाननेवाला, मर्मज्ञ।

दानाए रोजगार (दानاے روزگار) फा वि—अपने समय का सबसे बड़ा बुद्धिमान, ससार में सर्वोत्तम बुद्धिवाला।

दानाए हाल (दानاے حال) फा अ वि—वास्तविकता जानने-वाला, सच्ची हालत समझनेवाला।

दानादिल (दानادل) फा वि—रौशनजमीर, अंतर्धामी।

दानाववीना (दानاوبینا) फा वि—जो देखता भी हो और जानता भी हो, बहुत अधिक बुद्धिमान् और अनुभवी।

दानिद. (दानیده) फा वि—जाननेवाला, ज्ञाता।

दानियाल (दानیال) फा पु—एक पैगम्बर।

दानिज्ञ (दानش) फा स्त्री—बुद्धि, अक्ल, विवेक, तमीज, विद्या, इल्म।

दानिज्ञ आमोज (दानش آموز) फा वि—विद्या सीखनेवाला (शिष्य), विद्या सिखानेवाला (गुरु)।

दानिशमंद (दानش مند) फा वि—बुद्धिमान्, अक्लमद, वैज्ञानिक, हकीम, विद्वत्तम, मुतबहहिर।

दानिशमंदी (दानش مندی) फा स्त्री—बुद्धिमत्ता, मनीषा, अक्लमदी, विद्वत्ता, पांडित्य, इल्मीयत, निपुणता, कुशलता, हाशियारी।

दानिशवर (दानش ور) फा वि—दे 'दानिशमद'।

दानिस्त: (दानسته) फा वि—जाना हुआ, ज्ञात, जान-बूझकर, कसदन।

दानिस्त (दानست) फा स्त्री—ज्ञान, जानकारी।

दानिस्तगी (दानستگی) फा स्त्री—दे 'दानिरत'।

दानिस्तनी (दानستنی) फा अव्य—जानने के योग्य, ज्ञातव्य।

दाफिअ: (دافعه) अ स्त्री—वह शक्ति जो शरीर से मल-मूत्र और पसीना आदि बाहर निकालती है।

दाफिअलबलाया (دافع الدلایا) अ वि—आपत्तियों का नाश करनेवाला, दुखो का निवारण करनेवाला।

दाफिए कदज़ (دافع قدس) अ वि—कदज़ को रफा करनेवाला।

दाफिए गम (دافع غم) अ वि—ग़ज और गम हटानेवाला, कष्टमोचन।

दाफिए जह (دافع زهر) अ फा वि—विष दूर करनेवाला, विष-दोषहर।

दाफिए दर्द (دافع درد) अ. फा वि—दर्द मेंटनेवाला, वेदनाहर, शूलघ्न।

दाफिए मरज (دافع مرض) अ वि—ब्याधिहर, वीमारी का नाशक, रजघ्न।

दाक्रिष्ट वरम (दाक्रिष्ट वरम) अ पा वि-शायनागत वरम का दूर करनेवाला ।

दाक्रे (दाक्रिष्ट) अ वि-निवारक हटानेवाला, दूर करने वाला, माचक ।

दाव (दाव) अ पु-रग तरीका कभव गानागीजन ।

दावे मज्लिस (दावमज्लिस) अ पु-मभा में उठने-बठने और बातचीत करने का ढंग आगवे मज्लिस सभा-चातुय ।

दावे महकिल (दावमहकिल) अ पु-दे दावे मज्लिस ।

दावे सल्तनत (दावसल्तनत) अ पु-शासन करने का ढंग, राज्य-कौशल ।

दावे सोहबत (दावसोहबत) अ पु-वर्षे लागू व पास उठने बठने उनम वातागप करने और उनकी आजा पालन करने व ढंग गिाटता सम्बन्ध ।

दाव्व (दाव) अ पु-चौराया पा मवगी ।

दाव (दाव) पा प-फटा पाग वधन जाल जगली चौराण जा फिकन नहा दवाआ की एन तील एक रूपये का चा गैमवर्वा भाग एक पम का पचामवर्वा भाग ।

दामगाह (दामगाह) पा स्त्रा-बह स्थान जहा जात्र विछा हा जहाँ फमने का भय हा फरेव की जगह ।

दामन (दामन) पा प-पुरन या जंगलये जात्रि का बह भाग जा टटाना रहना है अक्क - दामन पतर गर व माये का फनीना और वर भी मरा चरमगुहरवार के आये । मगान गमनत नूमि ।

दामनअफा (दामनअफा) पा वि-गामन पाडना हुआ बिना कुछ न्य न्ण फानी हाय दामन सटवता हुआ नात्र म चरना हुआ ।

दामनअफा (दामनअफा) पा वि-गामन वचाना हुआ वेनअत्रक य मयाल गगतर चलना हुआ वि दूगरे म उगात्र गमन त ए जाय अभिमाना घमडा ।

दामनगीर (दामनगीर) पा वि-गामन पकडनवात्रा गामन पत्रावर रासनवात्रा ।

दामनदार (दामनदार) पा वि-चौडा चकला (कवल पाव व लिण आना है) ।

दामनसवार (दामनसवार) पा वि-गामन का पाडा बनाकर उग पर मदार होनावात्रा बालक (बच्चा का एक मल) ।

दामनी (दामनी) पा स्त्री-ओगता की आजना वर कपडा का पाड व पुत्रा पर फगाने म दामन बचाव का डाग आना है एक पाट की वर धात्र जा ओरना व जतात्र पर फनी है ।

दामन कोट (दामनकोट) पा प-वर मगान जो विगा फगा व नीव गिया हा ।

दामने दोलत (दामनदोलत) पा अ पु-मरफता रिमायत छत्रछाया ।

दामने मयम (दामनमयम) पा अ पु-हउठ मयम का दामन जो दाग धन्वे से विलुक्त पाव था, अर्थात सतील सायुता ।

दामने महगर (दामनमहगर) पा अ प-त्रिपामन का मगान ।

दामने शव (दामनशव) पा पु-गत का अतिम भाग ।

दामाद (दामाद) पा पु-स्त्री की का पति जामाता ।

दामान (दामान) पा पु-द दामन ।

दामे अजल (दामअजल) पा अ पु-मौत का फन कालपाग ।

दामे गेसू (दामगेसू) पा पु-वेगपाग बाला की लट ।

दामे जुलक (दामजुलक) पा पु-द दाम गसू ।

दामे तदबीर (दामतदबीर) पा अ पु-द दाम फिरेव ।

दामे फिरेव (दामफिरेव) पा पु-छल रूपी जात्र, बूटगा बूटवध ।

दामे महबूत (दाममहबूत) पा अ पु-प्रमपाग प्रमवधन इश्र का फना ।

दाय (दाय) पा स्त्री-दूगरे व बचन का दूध गिान वात्रा स्त्री जनपाली अभा गिलाई बच्चा जनानवात्रा स्त्री पाय फात्री ।

दाय गरी (दायगरी) पा स्त्री-बच्चा जनान का पाग फात्री-जम वीमारभूय, बच्चा जनाने की विद्या, पात्र विद्या ।

दार (दार) पा स्त्री-सूत्रा फात्री (प्रत्ये) वात्रा, अने-निम्नेगर ।

दार (दार) अ पु-घर गृह मगान स्थान जगह सात्र आलम ।

दारघोनी (दारघोनी) पा स्त्रा-एक दरग की छात्र दारगिता ।

दारघोव (दारघोव) पा स्त्री-अलगी ।

दारफिल्लल (दारफिल्लल) पा स्त्री-बहो पीगल गत्र गिगली ।

दारघरत (दारघरत) पा स्त्री-एकनी और तन्वी का बर त्रिम पर बरत्र गत्र और मबदूर इमारत बना है अग या बार्द दूगरा बर फगान की टठी ।

दारबात्र (दारबात्र) पा वि-मत्र बात्रीपर छनी पाडबात्र ।

दारहद (दारहद) पा स्त्री-एक दवा दारगिग ।

दार (दार) पा प-मगान का एक बागपात्र त्रिम निदरर ने वित्रिम विद्या या बागपात्र नरेण गत्रा धनत्रा बागपात्र, दूवर विवरगक ।

दाराई (دارائی) फा स्त्री-बादशाहत, राज, खुदाई, ईश्वरत्व, एक रेशमी कपडा, दरयाई।
 दाराए खलक (دارالخلق) फा अ पु-सारे जगत् का पालन-पोषण और रक्षा करनेवाला, ईश्वर।
 दारिदः (دارند) फा वि-रखनेवाला।
 दारुन्नब (दारالغروب) अ पु-टकसाल, टकशाला।
 दारुन्नैफ (दारالغुषिफ) अ पु-मेहमानखाना, अतिथिशाला।
 दारुन्नियत (दारالتुरीयत) अ पु-जहाँ किसी चीज की ट्रेनिंग दी जाय, प्रशिक्षण स्थान, जहाँ शिष्टता और सभ्यता सिखायी जाय।
 दारुन्नैम (दारالنعم) अ पु-स्वर्ग, विहिश्त।
 दारुन्नदालत (दारالعدالت) अ पु-न्यायालय, कचहरी।
 दारुन्नमल (दारالعسل) अ पु-ससार, दुनिया, प्रयोगशाला, गवेषणालय।
 दारुन्नमान (दारالامان) अ पु-वह स्थान जहाँ लडाई-झगडा न हो।
 दारुन्नमन (दारالامين) अ पु-दे 'दारुन्नमान'।
 दारुन्नआखिरत (दारالآخرत) अ पु-परम धाम, परलोक, उक्वा।
 दारुन्नइकामः (दारالاقامة) अ पु-बोर्डिंग हाउस, छात्रावास।
 दारुन्नइमारत (दारالامارات) अ पु-राजधानी, शासनकेन्द्र।
 दारुन्नइयार (दारالعيار) अ पु-वह स्थान जहाँ खरा-खोटा सोना-चाँदी परखा जाता है।
 दारुन्नउलूम (दारالعلوم) अ पु-यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।
 दारुन्नऐताम (दारالایتام) अ पु-यतीमखाना, अनाथालय।
 दारुन्नकजा (दारالقضا) अ पु-न्यायालय, कचहरी।
 दारुन्नकरार (दारالقرار) अ पु-परम धाम, स्वर्ग, विहिश्त।
 दारुन्नकुतुब (दारالکتب) अ पु-किताब-घर, पुस्तकालय, जहाँ किताबें विकती हैं।
 दारुन्नखिलाफत (दारالخلافات) अ पु-राजधानी।
 दारुन्नखैर (दारالخیر) अ पु-जहाँ लोगो को दान आदि बहुत मिलता हो।
 दारुन्नजजा (दारالجرا) अ पु-जहाँ किये का फल भोगना पड़े, धमलोक, परलोक।
 दारुन्नफना (दारالفنا) अ पु-दुनिया, ससार, नाशवान् ससार।
 दारुन्नवका (दारالمقا) अ पु-परलोक, आखिरत, नित्य लोक।
 दारुन्नववार (दारالموار) अ पु-नरक, दीजख।
 दारुन्नमज्जा (दारالسروضی) अ पु-मरीजों की जगह, रुग्णालय।
 दारुन्नमिहन (दारالسکن) अ पु-दुख और क्लेश का स्थान, अर्थात्, संसार।
 दारुन्नमुकाफात (दारالمکافات) अ पु-संसार, दुनिया।

दारुन्नमुतालअः (दारالنظامعة) अ पु-वाचनालय, लाइब्रेरी।
 दारुन्नमुल्क (दारالسيلک) अ पु-राजधानी।
 दारुन्नहर्ब (दारالحرب) अ पु-वह देश जहाँ गैर-मुस्लिम हुकमत हो और वहाँ का नरेश मुसलमानों को उनकी धार्मिक कृतियाँ न करने दे।
 दारुन्नहुकमत (दारالحکومت) अ पु-राजधानी।
 दारुन्नशअ (दारالسرع) अ पु-इस्लामी न्यायालय।
 दारुन्नशिफा (दारالشفا) अ पु-आरोग्यशाला, शिफाखाना।
 दारुन्नशूरा (दारالشورى) अ पु-परामर्श का स्थान, जहाँ बैठकर सलाह की जाय, प्रेक्षागार।
 दारुन्नसनम (दारالصنم) अ पु-बुतखाना, मूर्तिगृह, मंदिर।
 दारुन्नसफा (दारالصفا) अ पु-पवित्र घर, मक्का।
 दारुन्नसलाम (दारالسلام) अ पु-शांति का स्थान, स्वर्ग, विहिश्त।
 दारुन्नसलतनत (दारالسלטنت) अ पु-राजधानी।
 दारुन्नसुहूर (दारالسورور) अ पु-हर्ष और आनंद का स्थान अर्थात्, स्वर्ग, परम धाम।
 दारु (دار) फा स्त्री-इलाज, उपचार, चिकित्सा, वारुद, अग्नि-क्रीडा, मदिरा, शराब।
 दारुन्न (दारین) अ पु-दोनो लोक, ससार और परलोक, उभयलोक।
 दारुन्नरोगः (दारورع) फा पु-निरीक्षक, निगरों, राव-डरपेक्टर, पुलिस, थानेदार।
 दारुन्नरोगए तोपखान. (दारورعۃتودکخانه) फा पु-तोपखाने का अपसर।
 दारुन्नरोगए महबस (दारورعۃمسکبن) अ फा पु-जेल का अध्यक्ष, जेलर, कारागार-रक्षक।
 दारुन्नरोगीर (दारورگیر) फा स्त्री-पकड-धकड, गिरिफतारियाँ, पूछगच्छ, वाजपुर्स।
 दारुन्नरोमदार (दारورومدار) फा पु-निर्भरता, इनहिंसार।
 दारुन्न [ल] (دارال) अ वि-राह, दिखानेवाला, पथ-प्रदर्शक।
 दारुन्न (दारالان) फा पु-बडा और लवा कमरा जिसमे मेहराबदार दरवाजे होने हैं, या तिदरी होती है।
 दारुन्न (दारالان در دارالان) फा पु-दुहरा दालान, दालान के अंदर दालान।
 दारुन्न (دارعوت) अ स्त्री-बुलावा, आवाहन, खाने का बुलावा, निमंत्रण, भोज, खाना।
 दारुन्ननामः (दारعوتنامه) अ फा पु-किमी मभा आदि में सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, किसी भोज में सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, निमंत्रण-पत्र।

दा'वते आम (دموتعام) अ स्त्री—सबसाधारण का बुलावा
दावने आम है राहे बफा है म हूँ—वह मेरे साथ चला
आये जा आमां ममने सावजनिक प्रीतिभाज ।

दा वते जग (دموتخلگ) अ फा स्त्री—युद्ध का चुनौती
युद्ध का आवाहन ।

दा'वते बलौम (دموتولعم) अ स्त्री—ब्याट के पदनात
दूना की ओर म भाज बिनाह भाज ।

दा'वते गौराज (دموتسغوراز) अ फा स्त्री—नीची सानी
दावत जो कुछ मौजूद है उसकी दावत वेतकल्लुपी का
साना ।

दा'वते समरकद (دموتسمرकند) अ फा स्त्री—ठाटगर
दावत बहुत ही तक्लुक का साना ।

दावर (داور) फा पु—न्यायकर्ता मुगिफ इस्वर खुदा ।

दावरी (داوری) फा स्त्री—न्याय इमाफ हुक्मत, राय ।

दावरीगाह (داوریگا) फा स्त्री—न्यायालय पचायत
की जगह ।

दावरे महशर (داوریمشسر) फा अ पु—कियामत के दिन
इमाफ करतवाला इस्वर ।

दावरे हूशर (داوریمشسر) फा अ पु—दे 'दावरे महशर ।

दा वा (داوی) अ पु—बाद नालिग अध्यय क्रेम
स्वत्व हक गव अभिमान घमड जो गुण न आता हो
अपने में उसे बताना चढ़िआ टीग गेखी ।

दा'वीदार (داویدار) अ फा पु—दावा करनेवाला अपना
अधिकार जतानेवाला बानी मुहई ।

दा'त (داست) फा स्त्री—घर म डाली हुई स्त्री रखेली
उपपत्नी ।

दा'त (داست) फा स्त्री—खेरेख रखवागी खबरगीरी ।

दा'तनी (داستنی) फा अन्य—रखने के लाइक ।

दास्ता (داستان) फा स्त्री—तास्तान का लपु ?
दास्तान ।

दास्ता गो (داستانگو) फा पु—बिस्से सुनानेवाला बिस्से
सुनाकर जीविका चलानेवाला बिस्स दवा ।

दास्तासरा (داستانسرا) फा पु—दे तास्तागो ।

दास्तान (داستان) फा स्त्री—कया कहानी वृत्तात हाल
लगी चौनी क्या ।

दाह (داه) फा पु—गस गुनाम ।

दाहिय (داهیه) अ स्त्री—जीवन की कठिनता समार का
कुचर ।

दाही (داهی) अ वि—बुद्धिमान चतुर अकर्मद ।

दाहूल (داهول) फा पु—बड़ कृत्रिम चित्र जो खता में
आन्तरा को उतान के लिए बना दन ह दासूत ।

दि

दिव [दिव] (دی) अ स्त्री—सपेलिक शयराग यग्मा
तग परेगान ।

दिवकत (دیمت) अ स्त्री—कठिनता मुदिकल मूभता
यारीकी ।

दिवकतलख (دیمطلب) अ वि—जिसमें कठिनाई का
सामना हो कठिन दुखर मुदिकल कष्टसाध्य ।

दिवकतपसद (دیمتسند) अ फा वि—जा दूर की कौपी
लाना चाहता हो जिसकी तबीयत गहरे में डूबकर मरून
आनि लाने की आनी हो मुदिकलपसद ।

दिवकते नजर (دیمتظر) अ स्त्री—नजर की बाराडी
नजर की दूर तक गहराई में पहुँच तलाश ।

दिवर (دیگر) फा पु—नीगर का लपु दे 'दीगर ।

दिवरगू (دیگرگون) फा वि—अस्त-व्यस्त उयल-मुयल
उग्ट-गल्ट ।

दिजाज (دیجاج) अ स्त्री—मुर्गा स्त्री बुकुट (प्र) मर्ग
बुकुट दे 'दजाज दोना गुड ह ।

दिज्ज (دیججه) अ पु—बगनाद के नीचे बहनवागी नगी
नगी दया दे दज्ज दानो गुड ह ।

दिनाअत (دینااست) अ स्त्री—अधमता नीचना कमीनगी
लोपरपन ।

दिफाअ (دیفاع) अ प—रक्षा बचाव डिफाअत प्रतिरक्षा ।

दिफाई (دیفاعی) अ वि—बचाव सम्बन्धी डिफाअती ।

दिवाअत (دیعامت) अ स्त्री—चमड़ा रयना और बनाना
चमड़ा कमाना ।

दिमन (دیمس) अ पु—गू गोवर वह स्थान जहा गुनावर
और मला आदि डाला जाय ।

दिमाअ (دیعام) अ पु—मस्तिष्क मस्तक बड़ि अन्त
अहकार गव गुत्तर सहन शक्ति बरदास्त सना हास
ध्यान खमाल ।

दिमाअदार (دیعامدار) अ फा वि—अभिमानी मगरर ।

दिमाअदारो (دیعامداری) अ फा स्त्री—अभिमान गव गहर ।

दिमाअतोअो (دیعامسوی) अ फा स्त्री—निमागी मेहनत
माया पच्ची ।

दिमाअो (دیعامی) अ वि—मस्तिष्क सम्बन्धी दिमाग मे
सम्बन्ध रखनेवाला ।

दिमिष्क (دیمس) फा पु—इराक की राजधानी (दमिष्क) ।

दिव्य (دیمت) अ स्त्री—खून की कामत बिस्ती स कोई
नादमी मर जाय ता मरनवाले की औलात अगर ह्यारे
स उमक प्राणदंड के बन्ने में रपया गेना चाहती थी तो

उसको दिला दिया जाता था, और हत्यारे को मुक्त कर दिया जाता था, इस रूपये को 'दियत' कहते हैं।

दियानत (ديانت) अ स्त्री—ईमानदारी, सत्य निष्ठा।

दियानतदार (ديانتدار) अ फा वि—ईमानदार, सत्य-निष्ठ, जो धरोहर आदि में जरा भी गड़बड़ न करे।

दियानतदारी (ديانتداری) अ फा स्त्री—ईमानदारी, सत्यनिष्ठा।

दियार (ديار) अ पु—'दार' का बहु., परतु उर्दू में एक० में बोला जाता है। जैसे—घर, मकान, स्थान, मुकाम।

दियारे गैर (ديارغیر) अ फा पु—दूसरो का देश, परदेश।

दिरंग (دیرنگ) फा स्त्री—दे 'दरग', दोनो शुद्ध हैं।

दिरम (دیرم) फा पु—३½ मासे की एक तोल, दिहंम, चांदी का एक छोटा सिक्का, चवन्नी।

दिरा (دیرا) फा पु—कारवाँ के साथ चलनेवाला घड्याल, दे 'दरा', दोनो शुद्ध हैं।

दिरायत (دیرایت) अ स्त्री—बुद्धि, मेधा, अक्ल, प्रतिभा, जहानत, ज्ञान, जानकारी।

दिरासत (دیراست) अ स्त्री—बुद्धि, विवेक, दानाई, सबक पढना, पठन, सबक पढाना, पाठन।

दिरैग (دیرغ) फा पु—हाय, अफसोस, हा; कृपणता, कजूसी, सकोच, तअम्मुल।

दिरैगा (دیرغعا) फा अव्य—हाय, अफसोस, हा हत।

दिरौ (دیرو) फा स्त्री—खेत काटना, चुनाई करना।

दिरौगर (دیروگر) फा वि—खेत काटनेवाला।

दिरः (دیر) अ पु—चमडे का कोडा, जिससे पहले जमाने में सजा दी जाती थी, दुर्।

दिल (دل) फा पु—मानस, हृदय, कल्व; उत्साह, उमग, हौसला, साहस, हिम्मत, वीरता, शौर्य, बहादुरी, खचि, इच्छा, ख्वाहिश, मर्जी, दानशीलता, सखावत।

दिलअफगार (دل افگار) फा वि—दे 'दिलफगार'।

दिलअफोज (دل افروز) फा वि—दे 'दिलफोज'।

दिलआजार (دل آزار) फा वि—दे 'दिलाजार'।

दिलआजारी (دل آزاری) फा स्त्री—दे 'दिलाजारी'।

दिलआजुर्दः (دل آزرده) फा वि—दे 'दिलाजुर्द'।

दिलआजुर्दगी (دل آزردهگی) फा स्त्री—दे 'दिलाजुर्दगी'।

दिलआरा (دل آرا) फा वि—दे 'दिलारा'।

दिलआराई (دل آرائی) फा स्त्री—दे 'दिलाराई'।

दिलआराम (دل آرام) फा वि—दे 'दिलाराम'।

दिलआवर (دل آور) फा वि—दे 'दिलावर'।

दिलआवेज (دل آویز) फा वि—दे 'दिलावेज'।

दिलकश (دلکش) फा वि—मनोहर, चित्ताकर्षक, दिल को अपनी ओर खींचनेवाला।

दिलकशी (دلکشی) फा स्त्री—मनोहरता, मनोज्ञता, सुदरता, खुशनुमाई।

दिलकुशा (دلکشا) फा वि—रमणीक, रम्य, दिल को आनंद देनेवाला।

दिलखराश (دل خراش) फा वि—बहुत ही कष्ट देनेवाला, हृदय-विदारक।

दिलखस्तः (دل خسته) फा वि—जिसका हृदय घायल हो, क्षत हृदय।

दिलखुशकुन (دل خوش کن) फा वि.—दिल को खुश कर देनेवाला, आनंददाता।

दिलख्वाह (دل خواہ) फा वि—मर्जी के मुताबिक, इच्छा-नुसार।

दिलगर्मी (دل گرمی) फा स्त्री—सभ्राति, तपाक, जोश, गर्मजोशी।

दिलगिरिपतः (دل گریته) फा वि—खिन्नचित्त, उदास, रजीदा, अपसुर्द।

दिलगीर (دلگیر) फा वि—दु खित, रजीदा।

दिलगुदाज (دل گدار) फा वि—हृदयद्रावी, मन को पिघला डालनेवाला, कष्टजनक, दु खप्रद।

दिलगुर्दः (دل گرده) फा पु—साहस, उत्साह, उमग, हिम्मत।

दिलचस्प (دل چسپ) फा वि—दिल को अच्छा लगने-वाला, मनोरजक, रोचक।

दिलचस्पी (دل چسپی) फा स्त्री—रुचि, रगवत, रोचकता, मनोरजन, तफ्रीह।

दिलजदः (دل زده) फा वि—मनोहत, जिसका दिल घायल हो, दु खित।

दिलजमई (دل جمعی) फा अ स्त्री—ढारस, सात्वना, दिलासा, यकसूई, चित्तकाग्रता, मनोयोग, सलग्नता।

दिलजू (دل جو) फा वि—सुदर, शुभदर्शन, हसीन।

दिलजोई (دل جوئی) फा स्त्री—सात्वना, ढारस, तसल्ली।

दिलतग (دل تنگ) फा वि—दु खित, क्लेषित, रजीदा, कृपण, कजूस।

दिलतंगी (دل تنگی) फा स्त्री.—दु ख, क्लेश, रंज; कृपणता, कजूसी।

दिलतप्तः (دل تپت) फा वि—दग्ध हृदय, प्रेमदग्ध, दिल-जला।

दिलदादः (دل داد) फा वि—मुग्ध; आसक्त, फिरेपत, मोहित।

दिलदादगी (دل دادگی) आसक्ति, मुग्धता, फिरेपतगी।

दिलदार (دلدار) का वि—प्यारा प्रेमपात्र, प्रेयसी प्रेमिका मांगूका ।

दिलदारी (دل داری) का स्था—नात्वना, डारम त्तिासा, तस्वीन ।

दिलदिही (دل دهمی) का स्त्री—त्तिलदारी ।

दिलदुद (دل درد) का वि—त्तिल वा चार हृत्तय चोर प्रेमपात्र मांगूका ।

दिलदोख (دل دور) का वि—त्तिल म घुस जानेवाग त्तिल पर जसर करनेवाला ।

दिलनवात्र (دل نواز) का वि—त्तिल का तमल्ली देनेवाग ढागम बंधानवात्र प्रमपात्र महवूव ।

दिलनवात्री (دل نوازی) का स्त्री—मत्री दोस्ती सात्वना डारम ।

दिलनगा (دل نسن) का वि—जो त्तिल म बठ गया हा हृत्तय्य जा समझ में जा गया हो हृदयगम ।

दिलनिहाद (دل نهداد) का वि—जिम पर दिल को रचि हा प्रेमपात्र महवूव ।

दिलपसद (دل پسند) का वि—जो त्तिल को पनल हो मचिबर मगद ।

दिलफिजोर (دل فزور) का वि—दे त्तिल्यमन ।

दिलफरेब (دل فریب) का वि—त्तिलफिरेब ।

दिलकरोख (دل کور) का वि—त्तिल का प्रनागित करने वाला ।

दिलकरोग (دل کور) का वि—दित्र बेचनेवाला जायिक नायक ।

दिलफिगार (دل فگار) का वि—ज्ञन हृत्तय घायल त्तिलनाला दुक्वित नायक आगिक ।

दिलफिरेब (دل فریب) का वि—त्तिल को फरेब देनवाग नायिका ।

दिलफगार (دل فگار) का वि—त्तिलफिगार ।

दिलफोब (دل فزور) का वि—दे त्तिलफरात्र ।

दिलबद (دل بند) का पु—दिल का दुक्वण पुन बटा ।

दिलबर (دلبر) का व—त्तिल उग जानवाला प्रेमपात्र मांगूका नायिका ।

दिलबरी (دلبری) का स्त्री—मांगूकी नायिकात्व ।

दिलबरदान्त (دل برداست) का वि—उदास वित्र उचाटमन ।

दिलबस्त (دل بسته) का वि—जिसका त्तिल वही लगा हा नायक आगिक ।

दिलबस्तगी (دل بستگی) का स्त्री—त्तिल वी लगन प्रेम दक मनारजन तरीह त्तिलवस्ती ।

दिलबास्त (دل باسته) का वि—जा प्रम का बात्री म अपना त्तिल हार गया हा आगिक ।

दिलबात्र (دل باز) का वि—साहमी उल्माही होमकाम गूर, वीर बहादुर जावात्र ।

दिलबात्री (دل بازی) का स्त्री—जान की बात्री लगा दना जान को खतरे में डाल ढेना जावात्री ।

दिलबिस्त (دل بسته) का वि—जिसका त्तिल प्रम की आग में जलभून गया हा दग्ध हृदय ।

दिलहवा (دل روا) का वि—त्तिल को उक्व ले जानवाला मांगूका ।

दिलहवाई (دل رازی) का स्त्री—मांगूकियत नायिकाग नात्रो अत्रात्र हावभाव ।

दिलरेष (دل ریش) का वि—क्षत हृत्तय जिमका त्तिल जठमी हा प्रेमी ।

दिलशाद (دل شاد) का वि—सुग प्रमत्र चित्त ।

दिलशिवन (دل شکن) का वि—त्तिल का तात्नवाग रत्र पहुचानेवात्र हिम्मत तात्ननेवाला ।

दिलशिकनी (دل شکنی) का स्त्री—दित्र त्तिलना रत्र पहुचाना हिम्मत तोत्नना ।

दिलशिवस्त (دل شکسته) का वि—जिमका त्तिल टट पया हा दुक्वित हृतात्ला पस्त होमगा ।

दिलशिवस्तगी (دل شکستگی) का स्त्री—दे त्तिल गिक्वी ।

दित्रशिगाफ (دل شگاف) का वि—हृत्तय विदारन स्तृती ।

दिलगुद (دل گود) का वि—जिसका त्तिल सो गया हो अयाग प्रेमी ।

दिलसात्र (دل ساز) का वि—आनत्तिल हृदित खग ।

दिलसित (دل ستن) का वि—त्तिलत्त्वा ।

दिलसितानी (دل ستانی) का स्त्री—त्तिलहवाई ।

दिलसोला (دل سولت) का वि—त्तिलजल दग्ध हृदय ।

दिलसोब (دل سوب) का वि—सहानुभूति करनेवाला हृत्तय्य ।

दिलसोबी (دل سوبی) का स्त्री—हृमदर्नी सहानुभूति ।

दिलहा (دلها) का पु—बहुत से दिल त्तिल का बहु ।

दिला (دل) का अव्य—ए दिल हे मन त्तिल का सवागन ।

दिलावार (دل وارد) का वि—सतानेवाला बट ढेनवाग दुक्वणायी दिल दुक्वणवाला नाखानार ।

दिलावारी (دل آزاری) का स्त्री—सताना बट ढेना वारी ऐसी वात बहना या करना जिसमे विगी का त्तिल दुक्वे ।

दिलाबुद (دل آرد) का वि—जिमका त्तिल दुक्वित हा गमयागन ।

दिलाजुर्दगी (دل آزدگی) फा स्त्री—दिल का खिन्न और मलिन होना, अफसुर्दगी।

दिलारा (دل آرا) फा वि—दिल की शोभा बढ़ानेवाला, प्रेमपात्र।

दिलाराई (دل آرائی) फा स्त्री—दिल में बसकर उसकी शोभा बढ़ाने का काम।

दिलाराम (دل آرام-दलाराम) फा वि—हृदय को शान्ति देनेवाला, अर्थात् प्रेमपात्र।

दिलावर (दलावर) फा वि—शूर, वीर, बहादुर; साहसी, उत्साही, हीसलामद।

दिलावरी (दलावरी) फा स्त्री—शूरता, वीरता, बहादुरी; साहस, उत्साह, हीसला।

दिलावेज (دل آویز-दलावीर) फा वि—सुन्दर, शुभ दर्शन, प्रियदर्शन, खुशनुमा।

दिलावेजी (دل آویزی) फा स्त्री—सौन्दर्य, शोभा, छटा, हुस्न, खूबसूरती।

दिली (دلی) फा वि—हादिक, मानसिक, कल्पी, हृदय से सम्बन्ध रखनेवाली चीज, धनिष्ठ, गहरा जैसे 'दिलीदोस्त'।

दिलेआगाह (دل آگاه) फा पु—ऋषियों और मुनियों जैसा दिल, दिव्य दृष्टि रखनेवाला हृदय।

दिलेजिद (دل زید) फा पु—ऐसा हृदय जो हर्ष और आनन्द से परिपूर्ण हो, ऐसा हृदय जो ईश्वर भक्ति में सलग्न हो।

दिलेवेकरार (دل آفرار) फा पु—प्रेमव्यथा में तडपता हुआ हृदय, व्यथितहृदय।

दिले मुत्तर (دل مضطر) फा अ पु.—दे 'दिले वेकरार'।

दिले मुत्तरिब (دل مضطرب) फा पु.—दे 'दिले वेकरार'।

दिलेमुर्द (دل مرد) फा वि—'दिलेजिद' का उलटा, बुझा हुआ दिल, ईश्वर-भक्ति से रिक्त दिल।

दिलेर (دلیر) फा वि—शूर, वीर, बहादुर, साहसी, उत्साही, हीसलामद, अभय, निडर।

दिलेरान (دلیرانه) फा अव्य—वीरोचित, वीरतापूर्वक।

दिलेरी (دلیری) फा स्त्री—शूरता, बहादुरी, साहस, उमग, निडरपन।

दिले सदचाक (دل صدچاک) फा पु—ऐसा हृदय जिसे प्रेम के निष्ठुर हाथों ने टुकड़े-टुकड़े कर दिया हो।

दिश्न (دشنة) फा पु—दे 'दश्न', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

दिहिश (دهش) फा स्त्री—दानशीलता, सखावत, यह शब्द उर्दू में दाद के साथ मिलकर 'दादोदिहिश' बोला जाता है, अकेला नहीं बोला जाता।

दिहकान (دهقان) अ पु—कृषक, किसान, गँवार, उजड़्ड।

दिहकानीयत (دهقانیت) अ स्त्री—गँवारपन, उजड़्डपन।

दिहकानी (دهقانی) अ पु.—गँवार उजड़्ड, कृषक, किसान, किसान का, देहाती।

दी

दी (دیں) अ पु—'दीन' का लघु, देखिए 'दीन'।

दीदार (دیں دار) अ फा वि—धर्मनिष्ठ, दीन में पक्का।

दीपनाह (دیں پناه) अ फा वि—दीन की हिफाजत करनेवाला, धर्मरक्षक।

दीपर्वर (دیں درور) अ फा वि—दीन की परवरिश करनेवाला, धर्मपाल।

दी (دی) फा पु—वीता हुआ कल।

दीक (دیک) अ पु—मुर्गा, कुक्कुट।

दीगर (دیگر) फा वि—अन्य, और, दूसरा, फिर, दुबारा, पुन।

दीद (دیدہ) फा पु—आँख का ढेला, आँख, साहस, जुअत।

दीद:दिलेर (دیدہ دلیر) फा वि—ढीठ, बेहया, निर्लज्ज, धृष्ट।

दीद:दिलेरी (دیدہ دلیری) फा स्त्री—ढिठाई, निर्लज्जता, धृष्टता, बेहयाई।

दीद:बाज (دیدہ باز) फा वि—नजर लडानेवाला, घूरनेवाला, जिसे हसीनो को घूरने की आदत हो।

दीद:बाजी (دیدہ بازی) फा स्त्री—नजर लडाना, घूरना, ताक-झाँक करना।

दीद:रेजी (دیدہ ریزی) फा स्त्री—ऐसा वारीक काम करना जिसमें आँखों पर अधिक जोर डालना पड़े, किसी विषय में बहुत अधिक सोच-विचार करना।

दीद:वर (دیدہ ور) फा वि—जौहरी, पारखी, किसी चीज के गुण-दोष अच्छी तरह समझनेवाला।

दीद:वरी (دیدہ وری) फा स्त्री—परख, पहचान, किसी चीज की अच्छे बुरे की तमीज।

दीद (دید) फा स्त्री—दर्शन, दीदार।

दीदएतर (دیدہ آتر) फा पु—रोती हुई आँख, आँसुओं से भीगी हुई आँख।

दीदएनम-नमनाक (دیدہ نام نماناک) फा पु—दे 'दीदएतर'।

दीदए मिक्काज (دیدہ مقراض) फा अ पु—कैची के घेरे जिनमें उँगलियाँ रहती हैं।

दीदओदानिस्त (دیدہ آدانسته) फा अव्य—जान-बूझकर, जानते बूझते हुए, कस्दन, इच्छापूर्वक।

दीदनी (دیدنی) फा अव्य—देखने योग्य, देखने के लायक।

दीदवाजी (دیداری) फा स्त्री—दे 'दीदवाजी'।

दीदवान (دیداوان) का पृ - वह ऊँची जगह जहाँ में कार्ड
इधर उधर आने-जानेवाला की चौकमी कर सके, वह
व्यक्ति जो इस प्रकार लेख भाग करे बद्रुक की मकमी
जिसस निशाना लगान ह जाभूस।

दीदवानी (دیداوانی) का स्त्री - किमी ऊँच स्थान पर बठकर
आने-जानेवालो अथवा खतरा की निगरानी।

दीद वा दीद (دیدا) का स्त्री - गम्पर एक का दूसरे
की मुलाकात को जाना।

दीदान (دیدا) अ पृ - दूद का बहू कीडे।

दीदानुलअमआ (دیداان اومعا) अ पृ - पट के कीडे पेट म
कीड पड जाने का रोग।

दीदार (دیدار) का पृ - दगान दीद जत्वा छत्रि।

दीदारपरस्त (دیدار پرست) का वि - गाना का अभिगपी
मूग्त जीर जल्वे का फिनाई।

दीदारबाजी (دیدار بازی) का स्त्री - ताक-याक नजर
बाजी जाब लडाना।

दीगह (دیدارو) का वि - गुभ दगान खुनुमा रूपवान
हमीन।

दीन (دین) अ पृ - धम मजहब पय भागप विश्वास
एतिकाद।

दीनार (دینار) का पृ - एक सोने की मुना अगरफी।

दीनारेसुब (دینار سوب) का पृ - सोने का दीनार मोहर
अगरफी।

दीनी (دینی) अ वि - धम मन्वधी दीन का।

दीनेकयियम (دین کیم) अ पृ - सच्चा धम इन्गाम धम।

दीनेहनीफ (دین حنیف) अ पृ - हजरत इब्राहीम का धम।

दीवा (دیوا) का स्त्री - एक बारीक और चित्रित रोगमी
कपडा।

दीवाच (دیواچه) का पृ - प्रस्तावना प्राक्कथन।

दीबाज (دیباچه) का पृ - दावाच।

दीबाज (دیباچه) अ पृ - एक बहुत बलिया रोगमी कपना दीवा।

दीमक (دیمک) का स्त्री - एक प्रसिद्ध कीटा।

दीमक छुद (دیمک خوردن) का वि - जिसे दीमक ने चाट
लिया हो दीमक का पाया हुआ।

दीरोब (دیرو) का वि - गत कंग।

दीरोब (دیرو) का पृ - गत कल दीना हुआ कंग।

दीवान (دیوان) का पृ - मागल विक्षिप्त सिनी प्रमी
आगिक किमी काम में तमय।

दीवानगर (دیوانگر) का वि - मागल बना देनेवाग।

दीवाननवाब (دیوانه نواز) का वि - दीवानो पर दया
करनेवाग प्रमी पर श्या करनवागी प्रेमिका।

दीवान (دیوان) का पृ - यायालय कचहरी मन्त्री, वजीर,
अयमन्त्री, वजीरेमाल गडला की किताब।

दीवानखान (دیوانخانه) का पृ - बठक निगस्तगाह
कचहरी वा दगतर बडे लागो के बठने का स्थान।

दीवानगी (دیوانگی) का स्त्री - मागलपन बुद्धि विशप।

दीवानी (دیوانی) का स्त्री - वह अगलन जिममें रूप
के रन रन और जायगल के मुकम्म त होने है व्यवहार
यायालय।

दीवाने आम (دیوان عام) का अ पृ - दरबारे आम बग
दरबार करने का स्थान।

दीवाने आला (دیوان اعلی) का अ पृ - महामन्त्री प्रधान
मन्त्रा वजीरे आ जम।

दीवाने खालिस (دیوان خالصه) का अ पृ - वह मन्त्री
जिमके पास गाने मुहर रहती है।

दीवाने खास (دیوان خاص) का अ पृ - मुख्य लोगो का
दरबार।

दीवाने जबा (دیوان حرا) का अ पृ - दे दीवान महार।

दीवानेमहशर (دیوان محسور) का अ पृ - वह महकमा
जो कियामत के दिन हिसाब किताब करेगा।

दीवार (دیوار) का स्त्री - भीत, भित्ति किवाल।

दीवारगीरी (دیوارگیری) का स्त्री - वह कपना जो दावारा में
मुन्दरता क लिए लगा दन ह दीवार में लगान का लम्प।

दीवार क दीवार (دیوار دیوار) का अब्ब - दीवार स
दीवार मिली हुई।

दीवारे बहकह (دیوار بکته) का स्त्री - धान की एक दीवार
जिसक लिए प्रसिद्ध है कि जो उसमें स लाकता है वह

अनायाम बहुत हसता है - दीगर निररवा का दीवारे ईई
कहा है - जिसने उधर की दीका वह फिर इधर क दीका।

दीवारे खिदा (دیوار خندان) का स्त्री - जल की दीवार
कदखान की दीवार।

दीसब (دی سب) का स्त्री - बीती हुई रात, कल की रात।

डु

डुब (دوبه) का पृ - एक प्रकार का मंडा जिमकी पूछ पर
धरों की बडो-सी चकती हाती है मेटपुछ।

डुब (دوب) का स्त्री - पुच्छू पूछ डुम।

डुबल (دوبل) का पृ - पाडा वण।

डुबाल (دوباله) का पृ - पूछ जमी चीठ पूछ क आहार
का पूछ डुम।

डुबालदार (دوباله دار) का वि - जिममें पुछला लगा हा
डुमछलवाला जिमम लम्बी नाब निकली हो।

दुंबाल (دنبال) फा. पु—दुम, पूँछ, पशुओं की पूँछ, पगु-पुच्छ।

दुअस्ली (دوعسلی) फा. अ स्त्री—दो प्रकार का राज्य, कहीं कोई कानून, कहीं कोई कानून, दो शासकों का राज, एक का कुछ हुकम, दूसरे का कुछ और।

दुअस्पः (دواسپه) फा पु—शीघ्र गति, तेज रफतारी।

दुआ (دعا) अ स्त्री—ईश्वर से किसी चीज की प्रार्थना, धार्मिक भव्न, वजीफा वगैरह, स्तुति, कीर्तन।

दुआएखैर (دوعاےخیر) अ स्त्री—वह दुआ जो किसी की भलाई के लिए की जाय।

दुआएदौलत (دوعاےدولت) अ स्त्री—किसी की उन्नति और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना।

दुआज्दः (دوازده) फा वि.—बारह, द्वादश।

दुआज्दहूम (دوازدهم) फा वि.—बारहवाँ, द्वादश।

दुआतशः (دوآتشه) फा पु—दो बार खीचा हुआ अरक, तेज अरक।

दुआवः (دوآب) फा पु—दो नदियों के बीच का क्षेत्र, गंगा और जमुना के बीच का देश।

दुआलम (دوعالم) फा अ पु—उभय लोक, दुनिया और उक्वा, लोक-परलोक।

दुआशियानः (دوآشیانہ) फा पु—एक प्रकार का तबू जिसमें दो कमरे होते हैं।

दुकाँ (دکان) फा स्त्री—'दुकान' का लघु, दे 'दुकान'।

दुकान (دکان) फा स्त्री—सौदा बेचने की जगह, पण्यशाला।

दुकानचः (دکانچه) फा पु—छोटी दुकान।

दुकानदार (دکاندار) फा पु—दुकान में सौदा बेचनेवाला, पेशावर, किसी विषय में दुकानदारों-जैसा मोल-भाव करनेवाला।

दुकानदारी (دکانداری) फा स्त्री—दुकान में सौदा बेचने का काम, किसी विषय में मोल-भाव करना।

दुकौन (دوکون) फा अ पु—दोनों लोक।

दुखान (دخان) अ पु—धुआँ, धूम, भाप, वाष्प।

दुखानी (دخانی) अ वि—आग और भाप के जोर से चलनेवाला, जैसे—'दुखानी जहाज'।

दुखूल (دخول) अ पु—प्रवेश, घुसना, अदर जाना।

दुख्त (دخت) फा स्त्री—'दुख्तर' का लघु, दे 'दुख्तर'।

दुख्तर (دختر) फा स्त्री—पुत्री, लडकी, कन्या।

दुख्तरखानः (دخترخانه) फा स्त्री—कुमारी, विना व्याही लडकी।

दुख्तरे रज (دختره رز) फा स्त्री—अगूर की बेंटी, अर्थात् अगूर की मजिदा।

दुख्ते रज (دختره رز) फा स्त्री—दे 'दुख्तरे रज'।

दुख्ते हक्वा (دختره حوا) फा अ स्त्री.—हक्वा (हजरत आदम की पत्नी) की लडकी, अर्थात् स्त्री जाति।

दुगानः (دوگانه) फा पु—वह फल जिसमें दो फल जुड़े हों, जैसे, दुगान आम, ऐसा फल जब किसी को धोखे से दे दिया जाता है तो वह उसके बदले दो सौ फल देता है, शुक्राने की नमाज की दो रकूअते।

दुगूनः (دوگونہ) फा वि—दो प्रकार का, दो तरह का, दूना, दोचद।

दुचंद (دوچند) फा. वि—दूना, दुगुना, द्विगुण।

दुचंदों (دوچندان) फा वि—दे 'दुचंद'।

दुचार (دوچار) फा वि—आमना-सामना, मुलाकात, साक्षात्।

दुचोवः (دوچوبه) फा पु—दो वाँसोवाला खेमा।

दुजवाँ (دوچراغ) फा वि—जिसके दो जवाने हों, अर्थात् कभी कुछ कहे, कभी कुछ या किसी से कुछ कहे और किसी से कुछ, मुनाफिक दुमुँहाँ।

दुजहाँ (دوچہاں) फा पु—उभयलोक, दुनिया और आखिरत, ससार और परलोक।

दुजा (دجوی) अ पु—रात की अँधियारी।

दुजानू (دوچانو) फा वि—घुटनों के बल बैठने की मुद्रा।

दुजद (درد) फा पु—चोर, तस्कर।

दुज्ददः (دزدیده) फा वि.—चोरी करनेवाला, चुरानेवाला।

दुज्दी (دزدی) फा स्त्री—चोरी, चौर्य; चोरी का पेशा, चौर्य-कर्म।

दुज्दीदः (دزدیده) फा वि—चुराया हुआ, चुराई हुई चीज।

दुज्दीदःनजरी (دزدیده نظری) फा अ स्त्री—दे 'दुज्दीद-निगाही'।

दुज्दीदःनिगाही (دزدیده نگاہی) फा स्त्री—कनखियों से देखना।

दुज्देशाहीं (دزدشاهیں) फा. पु—नजर के सामने से चीज उडा ले जानेवाला, शातिर चोर, पश्यतोहर।

दुज्देहिना (دزدحدا) फा पु—मेहदी लगाते समय हाथ में एक छल्ला रख लेते हैं, जिससे हथेली पर एक गोल निशान बन जाता है, उसी को 'दुज्दे हिना' कहते हैं।

दुतर्फ (دوطرفه) फा वि—दोनों तरफ, इधर भी, उधर भी।

दुता (دوتا) फा वि—दुहरा, झुका हुआ, खमीद, जैसे 'पुश्तेदुता' झुकी हुई कमर।

दुतारः (دوتار) फा पु.—एक वाजा जिसमें दो तार होते हैं।

दुदम (دودم) फा वि—दोहरी धारवाली तलवार।

दुदस्त (دو دستہ) फा वि—दोनों तरफ दस्तर्फी।

दुदस्ता (دوستی) का स्त्री-ना हाथा म तलवार चलाना कुन्नी का एक दाव।
 दुदिल (دولت) का वि-चित्तित फिरमन वन्मी धमा दुमुनी मुनाफिक।
 दुनोम (دوسم) का वि-आधा-आधा दा दुकड़े।
 दुनपवी (دوسوی) अ वि-ममार मम्बची मानारिच दुनियावाग दुनिया का।
 दुनया (دنيا) अ स्त्री-मत्यनेक मत्यलोक जगत ममार आम ममार निवामी दुनिया के लोग।
 दुनयाणदनी (دنیایندی) अ स्त्री-अपम और निहृष्ट ममार पापमय ममार भाया और माह जमी नीच प्रवृत्तिवाला ममार।
 दुनयाएदू (دنیایعدو) अ का स्त्री-दुनयाएन्नी।
 दुनयाएफानी (دنیایفانی) का स्त्री-जावर और विनाग कागे ममार।
 दुनयादार (دندانار) अ का वि-ममार क मोच म लिप्त पर मम्बवावाग अवमरवागी कमुल वक्त।
 दुनयापरस्त (دنیایپرست) का वि-दुनयागर।
 दुनया व मासोहा (دنیایماسنه) अ स्त्री-ममार और ममार क मानर की मव वस्तुए।
 दुनयावी (دنیایوی) अ वि-दुनयवी वक्त म विगत दुनयावी का अज्ञ वक्त ह।
 दुनयासाब (دنیایسار) अ का वि-मुह पर इत्नी और मुगाम का वात करनवाग जागिराग चाक्कार।
 दुनयासादा (دنیایسادی) अ का स्त्री-आहिल्याग बनाउट का वाने।
 दुनवा (دولت) का प-एक पपर त्रिमम अँगुनी बनता है (उ) पर प्रार का नगना एक प्रकार का पाग एक प्रकार का कक्कर।
 दुवाय (دولت) का वि-टांगामाग।
 दुवार (دوار) का वि-एक जो खड पना हुआ चक्कर।
 दुविपाठ (دولت) का प-एक प्रकार का गाना त्रिमम वक्त विपाठ पना है।
 दुवहर (دولت) का वि-मिपत गानि जीवा दुयावी मन्वाग।
 दुव (دول) अ प-एक दागन वनी मन्मी।
 दुवनाब (دولت) अ का प-एक करानवाग।
 दुवणी (दुवणी) का अ वि-एक पना का म्बम अ पना का पना एव उमन का गान म दा कर वनी अ पना का म्बम (दुव)।

दुवार (دوار) का वि-फिर पुन नय निरेस, फिर स इमरी वार इमरी मस्तवा।
 दुवाला (دوالا) का वि-गुना दूना, दुवद।
 दुवर (دور) अ स्त्री-माछा पुन उपत्य मल्लर पना।
 दुव्बे अखबर (دولت) अ प-उतरी ध्रुव क पाग तारा के वनी हुई रीछ की दो आहिल्या में म बड़ा आहिलि सप्तविमण्डल।
 दुव्बे अस्थर (دولت) अ प-उतरी ध्रुव के निकट तारा से मिलन बना हुई रीछ की दो आहिल्या में छाटा आहिलि लघु सप्तविमण्डल।
 दुव (दूर) अ स्त्री-दुदुर।
 दुमखिल (दुमखिल) का अ प-बह ममान त्रिमम मालाएँ ही दा मालावाला पर।
 दुमाह (दुमाह) का प-दो मगने की तनम्माह।
 दुम्मल (दुम्मल) अ प-पाग वण।
 दुरगी (दुरगी) का वि-कभी कुछ हाता कभी कुछ क कुछ कना और कभी कुछ।
 दुर (दूर) का प-मुक्ता मानी रत्न और क का आवेज।
 दुरजपा (दुरजपा) का वि-दुरजपा।
 दुरकाव (दुरकाव) का प-बहुत उचा पादा त्रिम पर खवाा दाग पना जा सने।
 दुरकर (दुरकर) का स्त्री-विगत पपग पप विगत प्रगाग मालि रोगना।
 दुरहानी (दुरहानी) का वि-प्रगागमान मालि पुनूर।
 दुरा (दुरा) का वि-माला का-जवर।
 दुरवान (दुरवान) अ का प-माना का दाता एक मगा।
 दुरपग (दुरपग) का प-बह निहाना कपडा जा हा। मिर पर लगान ह और जा हवा म उडना रहता है।
 दुरपानी (दुरपानी) का वि-हिल्या-आ लहराया हुआ।
 दुरपानी (दुरपानी) का वि-मगा लुगनशीला वनी मना मधममाया मगगा।
 दुरपानी (दुरपानी) का स्त्री-माना मगगा दाग मगगा मगगा।
 दुरपना कविपानी (दुरपना कविपानी) का प-एक क वाद काभी लगर का हाहा त्रिमम उमन अनी कपना का हा और त्रिमम दाग उमने जना का एक कप विपना शरद का कप विपना का।
 दुवार (दुवार) का वि-मालि की वारी करवा मगगा मगगा मगगा।

दुररेज (دوریر) फा वि-दे 'दुरवार'।
 दुराहः (دوراھ) फा पु-वह स्थान जहाँ दो रास्ते मिले हों।
 दुरखः (دورخه) फा पु-दोनों तरफ, दुतर्फा, दुमुँहों, मुनाफिक।
 दुरख्श (دورخش) फा स्त्री-दे 'दुरख्श', दोनो शुद्ध है।
 दुरख्शाँ (دورخشان) फा वि-दे 'दुरख्शाँ', दोनो युद्ध है।
 दुरख्शदः (دورخشند) फा वि-चमकनेवाला, ज्योतिर्मय।
 दुरख्शदगी (دورخشندگی) फा स्त्री-आभा, चमक, ज्योति।
 दुरफश (دورفش) फा पु-दे 'दुरफश', दोनो शुद्ध है।
 दुरफशाँ (دورفشان) फा वि-दे 'दुरफशाँ', दोनो शुद्ध है।
 दुरश्त (دورشت) फा वि-खुरदरा, खुरा, कठोर, सख्त।
 दुरश्तखू (دورشتخو) फा वि-खुरेमिजाजवाला, रूखा, फीका।
 दुरश्त मिजाज (دورشت مزاج) फा अ वि-दे 'दुरश्त खू'।
 दुरश्ती (دورشتی) फा स्त्री-खुरापन, कठोरता।
 दुरस्त (دورست) फा वि-ठीक, शुद्ध, सही, सत्य, सच, उचित, मौजू, सावित, सपूर्ण, अखडित, जो टूटा न हो; स्वस्थ, तन्दुरुस्त।
 दुरस्ती (دورستی) फा स्त्री-शुद्धि, सगोधन, इस्लाह, गोशमाली।
 दुरूद (دورود) फा स्त्री-लकड़ी काटने, छीलने और बनाने का काम; खेती की कटाई।
 दुरूद (دورود) अ उभ-हुआ और सलाम विशेषत रसूल पर।
 दुरूदगर (دورودگر) फा पु-बढई, काष्ठकार, तक्षक।
 दुरूदोसलाम (دورودوسلام) अ पु-मुसलमानो की ओर से उनके पैगवर पर दुहद और सलाम।
 दुरूयः (دورویه) फा वि-दुतर्फा, दोनो तरफ।
 दुरूर (دورور) अ पु-पसीना या दूध निकलना।
 दुरे खुश आव (دورخوش آب) फा पु-अच्छी चमक-दमक का मोती।
 दुरेनायाव (دورنایاب) फा पु-ऐसा मोती जैसा दूसरा मिल न सके, सुपुत्र।
 दुरेनासुप्तः (دورناسوخته) फा वि-अनविधा मोती, वह मोती जिसमें छेद न किया गया हो, कुमारी स्त्री, अक्षता।
 दुरेयकता (دوریکتا) फा पु-वह मोती जो सीप में एक ही होता है और इस कारण बहुत बड़ा होता है।
 दुरेयकदानः (دوریکدان) फा पु-दे 'दुरेयकता'।
 दुरेशहवार (دوروشهوار) वादशाहो के योग्य मोती, बहुत बड़ा और बहुमूल्य मोती।
 दुरोग (دوروغ) फा पु-मिथ्या, असत्य, झूठ, अपराध, लाछन, तुहमत, दे 'दरोग', दोनो शुद्ध है।

दुरोगगो (دوروغگو) फा वि-झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, असत्यभाषी।
 दुरोगजन (دوروغزن) फा वि-दे 'दुरोगगो'।
 दुरोगवयाँ (دوروغ بیان) फा अ वि-दे 'दुरोगगो'।
 दुरोगवयानी (دوروغ بیانی) फा अ स्त्री-झूठ बोलना।
 दुरोगवाफ (دوروغ باف) फा वि-झूठ गढ़नेवाला, अपने मन से झूठी वाते उत्पन्न करनेवाला।
 दुरोगेमस्लहत आमैज (دوروغ مصلحت آمیز) फा अ पु-ऐसा झूठ जो किमी के हित के लिए या झगडा खत्म कराने के लिए बोला जाय।
 दुरोजः (دورود) फा वि-दो दिन का, थोड़े दिन का, अस्थायी, आरिजो।
 दुर्ज (دورج) अ स्त्री-मजूपा, पिटारी।
 दुर्द (دورود) फा स्त्री-तरल पदार्थ के नीचे जमी हुई कीट, गाद, शराब की तलछट।
 दुर्दआशाम (دورود آشام) फा वि-दे 'दुर्दकश'।
 दुर्दकश (دورود کاش) फा वि-तलछट पीनेवाला, धनी शराबी।
 दुर्दी (دورودی) अ स्त्री-तलछट, नीचे बची हुई शराब।
 दुर्दीकश (دورودی کاش) अ फा. वि-दे 'दुर्दकश'।
 दुर्दे तहे जाम (دورودته جام) फा स्त्री-पियाले में नीचे बची हुई तलछट।
 दुर्दः (دورود) अ पु-बड़ा मोती।
 दुर्दतुताज (دورود التاج) अ पु-वादशाहो के ताज में जड़े जाने के योग्य मोती।
 दुरजि (دوراج) अ पु-तीतर पक्षी।
 दुरेनजफ (دورونجف) अ पु-एक पत्थर जिसमें बाल से दिखायी पडते हैं, जिनको एक सम्प्रदाय हजरत अली के बाल बताता है और इसलिए इस पत्थर को पवित्र मानता है।
 दुरेमकनून (دورمکنون) अ पु-वह मोती जिसे छिपाकर रखा जाय, बहुत ही बहुमूल्य मोती।
 दुरेयतीम (دوریتیم) अ पु-वह बड़ा और आवदार मोती जो सीप में अकेला पैदा हुआ हो।
 दुरेशहवार (دوروشهوار) अ पु-वादशाहो के लायक मोती, बड़ा और मूल्यवान् मोती।
 दुलदुल (دولدل) अ पु-एक मादा खच्चर जो इस्कदरीया के शासक ने हजरत मुहम्मद साहब को भट किया था और आपने उसे हजरत अली को दे दिया था, घोड़े के आकार का एक ताजिया, वह घोडा जिस पर सामान मातम लादकर अजाखाने में ले जाते हैं।
 दुलदुल सवार (دولدل سوار) अ फा पु-हजरत अली की उपाधि।

दुलम (دلوم) का पु—एक प्रकार का सालन जा वगन और गाजर में बीमा और पनीर डालकर पकात ह।
 दुवल (دول) अ स्त्री—'दौलत' का बहु बहुत स राफ़्ट।
 दुवार (دوار) अ पु—मर चकराना, सर का चक्कर।
 दुवाल (دوال) का स्त्री—चमड़े का तसमा फग वर तसमा ज़िमम नक्कार बजान ह।
 दुवालबद (دوالبلد) का पु—गने बाघनेवाग मियाहा।
 दुवालबाद (دوالبار) का वि—छली वचक टग दगाबाद।
 दुवम (دوم) का वि—द्वितीय दूसरा।
 दुवमी (دومين) का वि—दूसरा दिनाय।
 दुगब (دوشنبه) का पु—मोमवार पीर।
 दुगाड (دوساخه) का पु—दा गाम्बावाला रक्का दा गाम्बावाला प दा गमह जलान का गमअदान भग छानने की रक्का।
 दुगाल (دوساله) का पु—जिममें दा गाल एक साथ जुडे हा उन की कामगर दोहरी चादर।
 दुत (دست) का वि—निकृष्ट टुट सराब।
 दुनाम (دستام) का स्त्री—अपाज गाल।
 दुनामतराडी (دستادادی) का स्त्री—गालिया दना गाल वकना।
 दुनामतरानी (دستامبرانی) का स्त्री—गालिया गना नयो-नयी गालिया गना।
 दुनामदेही (دستامدهی) का स्त्री—गालिया दना।
 दुमन (دستمن) का पु—घनु रिपु बरी अ प्रतिद्विडी रकाव।
 दुमनकाम (دستمنکام) का वि—बहु व्यक्ति जो अपने गव्वा की इच्छा के मुताबिक आपत्तिया में फेंका हो।
 दुमनी (دستلی) का स्त्री—घनुना वर अनावत प्रतिद्विडी रकावत।
 दुमने जा (دستمنخان) का पु—जानी दुमन जान का पातक।
 दुगवार (دشوار) का वि—कठिन दुम्ह मुक्किल।
 दुगवारगुवार (دشوارگردار) का वि—जहा स गुजरना कठिन हो।
 दुगवारी (دشواری) का स्त्री—कठिनता मुक्किल तपीनुर्गी दक्षिण आपत्ति मुमीवत।
 दुसर (دوسر) का वि—गे सरवाला।
 दुसरा (دوسرا) का पु—दाना जहान उमयलाक।
 दुसरी (دوسری) का स्त्री—निपाक मुनाफकत लि में कुछ हाना और मुह पर कुछ।

दुसाल (دوساله) का वि—ग वप का दा वप की आ का दा वरम का पुराना।
 दुसुखत (دوستخانه) का पु—अमार मुमा का पहलिया का एक डिस्म जिसमें बड़े सवाग का एक जवाब हाना है।
 दुसूमत (دوسومت) अ स्त्री—चिकनाई चाह घा का हा चाट तल का जीर चाहे चर्बी आलि का।
 दुहकी (دوحرکی) का अ वि—दा हकीनाला दा अगार-वाला, बहुत छाटा बहुत ही सगिप्त।
 दुहल (دھل) का पु—डाल धौसा नक्कार।
 दुहलबन (دھلبن) का वि—नक्कार बजानवाला।
 दुहलदरीद (دھلدرید) का वि—निमित्त गहित बगनाम रसवा चुप मौन।
 दुहर (دھور) अ पु—दह का बहु उमाने।
 दुहल (دھل) अ पु—तेल तल रागन घी घन बग भग चर्बी।
 दुहियत (دھلیت) चिकनाई चाह तेल की हो चाहे घी और चाहे चर्बी जादि की।
 दुहस्त (دھست) अ स्त्री—नालिमा सिमारी कालीच।

दू

दू (دو) का वि—अधम नाच पामर निपना कमाना गुटा।
 दूनबाद (دوینوار) का वि—कमाना को मह लगानवाला नीच आदमिया की पीठ टोकनेवाला।
 दूपरस्त (دوینرست) का वि—गुडा की रथाकरतवाला कमाना का बगवा देनेवाला।
 दूपबर (دوینبرو) का वि—दे 'दूपरस्त'।
 दूहिम्मत (دوینهمت) का वि—मस्त हिम्मत हतोस्ताह हतमाहस।
 दूहिम्मती (دوینهمتی) का स्त्री—मस्त हिम्मती।
 दूक (دوی) का पु—चरखे का तकला।
 दूकदान (دوکدان) का पु—चला सूत बातने का यंत्र।
 दूद (دود) अ पु—बीट बीडा।
 दूद (دود) अ पु—बीट बीडा।
 दूद (دود) का पु—बुजा घूम दुखान।
 दूदआहण (دودآهنگ) का पु—दूद बग।
 दूकका (دوککش) का पु—बुजा निकलन का मूराड घना निवागने की चिमती।
 दूदमान (دودمان) का पु—बग कुल खानमान।
 दूदी (دودی) का वि—भाप या स्टीम से चलनवाला।

दूदी (دودی) अ वि-नाडी का एक प्रकार जिममे वह बहुत कमजोर हो जाती है और मरने के करीब चलती है।
 दूडुलहरीर (دودالحریر) अ पु-रेगम का कीडा।
 दूदे आह (دودا آه) फा. पु-आह का धुआँ, आह की आग का धुआँ।
 दूदे जिगर (دود جگر) फा. पु-जिगर की आग का धुआँ, आह।
 दून (دوون) फा वि-दे 'दू'।
 दूनाँ (دوونان) फा पु-'दून' का वह, अयम लोग, पामग लोग, कमीने, गुडे।
 दूबदू (دوونددو) फा अव्य-आमने-सामने, मुहाँमुँह।
 दूर (دور) फा. वि-अन्तर पर, फामिले पर, पृथक्, अलग, जुदा, हट। अलग, अगम्भव, नामुम्किन।
 दूरअदेश (دور اندیش) फा. वि-दूरदर्शी, आगमभोची, परिणामदर्शी।
 दूरअवेशी (دور اندیشی) फा स्त्री-दूरदर्शिता, परिणाम-दर्शिता।
 दूरअजहाल (دور ارحال) फा. अ अव्य-अव से दूर, अच्छी दशा में आने के वाद जव बुरी दशा का वर्णन करने है तो यह फिका कहते हैं।
 दूरतर (دورتر) फा वि-बहुत दूर, काफी दूर।
 दूरतरक (دورتری) फा वि-बहुत ही दूर, बहुत अधिक दूर, दूरतम।
 दूरदस्त (دور دست) फा वि-काले कोसो, बहुत दूर।
 दूरवाश (دور باش) फा अव्य-अलंग रहो, दूर हटो, एक दुशाख. नेज जो वादशाह की सवारी के आगे चलता था और जिसे देखकर लोग रास्ते से हट जाते थे, वह दुशाख. नेज जिससे दुश्मन के हथके को काट देते थे, आह, विध्वाम।
 दूरखी (دوربین) फा वि-दूरदर्शी, दूर तक मोचनेवाला।
 दूरखीन (دوربین) फा स्त्री-एक यत्र जिससे दूर की चीजे देखी जाती हैं, दूरदर्शक यत्र।
 दूरखीनी (دوربینی) फा स्त्री-दूर तक देखना, दूर तक सोचना।
 दूरोदराज (دورودرار) फा पु-बहुत दूर, काले कोसो।
 दूलाव (دولاب) फा पु-दे 'दीलाव' और 'दोलाव', तीनों उच्चारण शुद्ध है।

दे

देग (دیگ) फा स्त्री-छोटे मुँह और बड़े पेट का एक ताँवे का वर्तन जिसमे चावल आदि पकाये जाते हैं।
 देगचः (دیگچه) फा पु-देग से छोटा, देग-जैसा ही वरतन, छोटी देग।

देगदान (دیگدان) फा पु-चूल्हा, आतशदान।
 देगशो (دیگشو) फा पु-देग माँजनेवाला, वावरची का मुलाजिम।
 देज (دیج) फा पु-रग, वर्ण, जैसे—'शवदेज' काले रंग का।
 देवा (دیبا) फा. स्त्री-दे. 'दीवा', शुद्ध 'देवा' ही है, परतु उर्दूवाले 'दीवा' बोलते हैं।
 देर (دیج) फा स्त्री-विलव, ढील, ताखीर।
 देरआश्ना (دیج آشنا) फा वि-दे 'देराश्ना'।
 देरगाह (دیگاہ) फा स्त्री-देर तक, बहुत दिनों तक।
 देरपा (دیروبا) फा वि-टिवाऊ, मजबूत।
 देरवाज (دیروار) फा पु-'देरयाज' 'देरवाज' गलत है।
 देरमाँ (دیرومان) फा वि-स्थायी, वृद्ध, मजबूत, (स्त्री) वृद्धता, मजबूती, स्थायित्व।
 देरयाज (دیروار) फा पु-प्राचीन काल, पुराना जमाना, पुरातत्त्व, पुरानापन।
 देराश्ना (دیج آشنا) फा वि-वह व्यक्ति जो बहुत देर में दोस्त बने, जो जरदी घुलना-मिलना न जानता हो, जो हर काम देर में करने का आदी हो।
 देरी (دیرویی) फा वि-पुरातन, पुराना, देरीन।
 देरीन. (دیروینہ) फा वि-पुराना, प्राचीन, देरी।
 देरीनःसाल (دیروینہ سال) फा वि-बहुत बूढा, वयो-वृद्ध।
 देव (دیو) फा पु-राक्षस, एक नरभक्षी प्राणी वर्ग, बहुत लवा चीडा आदमी, खवीस, पलीत, पिशाच, भूतप्रेत, बदरूह, परियों के पति।
 देवचः (دیوچہ) फा पु-दीमक, जोक।
 देवजद. (دیوژد) फा. वि-जिस पर भूतो का खलल हो, प्रेतवाधाग्रस्त।
 देवजाद (دیوژان) फा पु-ग्राडील और तेज घोडा, बहुत भारी-भरकम और भयानक आदमी।
 देवदार (دیودار) फा पु-चीड का पेड।
 देवदिली (دیودلی) फा स्त्री-बहादुरी, शुजाअत।
 देववाद (دیووان) फा पु-चक्रवात, बगूला, बवडर, वात्यायन, वातचक्र।
 देवमहुँम (دیومردم) फा पु-वनमानुस, खवीस और अत्याचारी व्यक्ति।
 देवमार (دیومار) फा पु-अजगर, अज्दहा।
 देवलाख (دیولاج) फा पु-राक्षसो के रहने का स्थान।
 देवसार (دیوسار) फा वि-देव-जैसा, राक्षस की मानिद।
 देवसीरत (دیوسیروت) फा अ वि-जिसका स्वभाव राक्षसो-जैना हो, असुरप्रकृति।

देवमूरत (دمومورت) का ज वि-जिसका मूल राशना जमी अमानक हा।

देह (ده) का पु-ग्राम गाव।

देहकान (دعمان) का प-गाववाला किसान दहाना।

देहकानियत (دعمانیت) का स्त्रा-गैवारपन उज्जुपन।

देहकानी (دعمانی) का पु-गाव का निवासा, गैवार उज्जु।

देहिया (دهی) का स्त्रा-गनगालता, सखावत।

द्वै

द (د) का पु-एक ईरानी महाना जा हिया का माप होता है पनसक का महाना।

दमूर (دمور) का स्त्री-अधेरी रात अमावस्या।

दन (دن) अ पु-रुण वज।

दने मेह (دمه) अ पु-स्त्रा के मह का रुण।

दयान (دیان) अ पु-मापक दनेवाला अच्छा-बुरा इतिया का हिमाप करनेवाला रंवर।

दयूस (دموث) अ प-एक व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई भाये उमे दूमरा क पास जाने दे।

दयसी (دوسی) ज स्त्रा-अपना स्त्रा की कमाई खाना अपनी स्त्री से पगा कराना।

दर (در) का पु-इवानवान का गुबक ईमाइया का गिरजा वनखाना मूर्तिपह।

दरेखराबात (دبرحوارات) का पु-मनुगाग मरिराय गरावखाना।

दरे मुकामत (دبرمکافات) का अ पु-समार दुनिया।

दरे मूणी (دبرمیلنی) का प-मनुगाग गरावखाना।

दहीम (دهیم) का प-राजमुकुट ताज।

दो

दो (دو) का वि-एक और एक द्वय।

दोचक (دوچک) का वि-मिला हुआ।

दोचक सब (دوچک لب) का वि-जिगन हाउ मिल हा अर्थात बिलपुत्र का अराक मोन।

दोचक (دوچک) का स्त्रा-मिलाई मोवन।

दोण (دوچ) का पु-छाछ मरगा रापना।

दोण (دوچک) का प-जारक वणनकर शकज व नर।

दोण (دوچ) का प्रप-मीनवाग अम-समराज रापिया मानवाला।

दोण (دوچ) का प-एक अराम।

दोबकी (دوبکی) का वि-जा नरक में जल रहा हा नारकी जा नरक में पाने के काम करता हा।

दोबिद (دوبیده) का वि-सीनेवाला।

दोपियाउ (دوبیایه) का पु-दुपियाउ।

दोल (دول) का पु-कुएँस पानी निवालय का बदन डाल।

दोलाव (دولاب) का पु-दोलाव दानो उच्चाप गुद ह दे दगाव।

दोन (دوشه) का पु-दून दुलने का बदन दूध रनगाला पग।

दोन (دوش) का पु-कथा, स्वध माद्र गत राति गूजरी हुई रात।

दोगाव (دوساب) का पु-अमूर का गाराजिम पर दा एन लिन गुजर जायँ और उसमें गगा पदा हो जाय अमूर का छुहारे का गीग।

दोगीव (دوسره) का स्त्रा-जवान जोर अल्ट लकी कुमारी अकुगितयोवना।

दोगीवगी (دوسرگی) का स्त्री-अहृषण कुमारपन।

दोगीद (دوشنده) का वि-दुहा हुआ दूध।

दोगीन (دوسلنه) का वि-गत राति का कल रात का।

दोस्त (دوست) का पु-मित्र मला यार प्रेमपत्र मातु।

दोस्तकाम (دوستکام) का वि-दुमनकाम का उलटा बह व्यक्ति जिम अपने मित्रा के इच्छानुसार सब सुप प्राप्त हा।

दोस्तदार (دوستدار) का वि-सच्चा दाम्त गुर्मापत्र खरल्वाह मुमलिस।

दोस्त नागनास (دوست ناسناس) का वि-दास्त की कद न पत्नाननेवाला।

दोस्तान (دوستانه) का पु-मकी मित्रता, दास्ती।

दोस्ती (دوستی) का स्त्री-मित्रता भवा दोस्ती।

दो

दो (دو) का स्त्रा-गी भाग अकला नहा बाग जात विनेपत तग के साथ तगानी बाग हा।

दोर (دوره) अ प-बन चक्कर गगिन बारो नान अमरा का गन।

दोर (دور) ज पु-चक्कर गगिन गिगगिन चारा आर, बागे नीजद परिवतन उल्टकर दुग अह, गाद या चाप आदि का एक चक्कर जा सारे बगनवाला क लिन हा। मुगाअर या मजिम में पड़न का चक्कर जा एर-एर बार गवन पड़ एन पर मरम हो।

दौरान (دوران) अ पु-चक्कर दौर बीच अना।

दौरान (دوران) अ पु-गून का सरार में दौर रकनचार।

दीराने सर (دوران سر) अ फा पु—सर के चक्कर ।
 दौरी (دوری) अ वि—जो वारी से पडता हो ।
 दौरे अक्वल (دور اول) अ पु—प्रारंभिक काल, शुरु का
 जमाना ।
 दौरे आखिर (دور آخر) अ पुं—अंतिम काल, आखिरी जमाना ।
 दौलत (دولت) अ स्त्री—धन, सम्पत्ति, रुपया-पैसा,
 राज्य, सैत्ता, हुकूमत, भाग्य, नसीवा ।
 दौलतकदः (دولت كده) अ फा पु—दे 'दौलतखान' ।
 दौलतखानः (دولت خانه) अ. फा पु—बड़े आदमियों के
 घर के लिए बोलते हैं ।
 दौलतमंद (دولت مند) अ फा वि—धनवान्, नमूद, धन-
 सम्पन्न, मालदार ।
 दौलतसरा (دولت سرا) अ फा. स्त्री—दे दौलतखाना ।
 दौलते खुदावाद (دولت خداوان) अ फा स्त्री—ईश्वर का
 दिया हुआ धन, बहुत अधिक धन ।
 दौलते ख्वावीदः (دولت خوايیده) अ फा स्त्री—सोता
 हुआ इक्वाल, बदनमीवी, दुर्भाग्य ।
 दौलते दारैन (دولت دارین) अ स्त्री—दुनिया और दीन,
 दोनो दौलते ।
 दौलते वेदार (دولت سيدار) अ फा स्त्री—जागता हुआ
 इक्वाल, खुश नसीवी, सौभाग्य ।
 दौलते हुस्न (دولت حسن) अ स्त्री—रूप की दौलत (संपत्ति) ।
 दौलाब (دولاب) अ पु—रहट, वह चर्खी जिससे कुएँ से
 पानी खींचते हैं, दे 'दौलाब' और 'दूलाब' ।

न

नंग (نگ) फा पु—लज्जा, शर्म; दोप, आर ।
 नगे अज्दाद (نگ اجداد) फा अ पु—जो व्यक्ति अपने
 दुराचरण के कारण अपने बाप-दादा के नाम को बट्टा लगाता
 हो, कुलघालक ।
 नगे अस्लाफ (نگ اسلاف) फा. अ पु—दे 'नगे अज्दाद' ।
 नगे इंसानियत (نگ انسانیت) फा अ पु—ऐसा कार्य जो
 मानवता के दृष्टिकोण से लज्जाजनक हो ।
 नगे खलाइक् (نگ خلائق) फा अ पु—जो व्यक्ति अपने
 दुर्व्यवहार से सर्वसाधारण के लिए लज्जा का कारण हो ।
 नगे खानदान (نگ خاندان) फा पु—अपने कुल के लिए
 निंदा का कारण, कुलागार, कुलकलङ्क ।
 नगोनाम (نگ و نام) फा पु—लज्जा, गौरव, मर्यादा, वकार,
 सतीत्व, इस्मत ।
 नगोनामूस (نگ و ناموس) फा अ पु—दे 'नगोनाम' ।
 नअम (نعم) अ अव्य—हाँ, जी हाँ, (पु) पशु, चौपाया ।

नआइम (نعائم) अ स्त्री—त्रीसवाँ नक्षत्र, पूर्वाषाढ ।
 नईफ (عقیق) अ स्त्री—कॉए की आवाज, काँव-काँव ।
 नईम (عیم) अ पु—स्वर्ग, विहिस्त, पुण्य, नेकी, ने'मत,
 दिव्योपहार ।
 नऊजु विल्लाह (نعون واللہ) अ अव्य—हम ईश्वर से पनाह
 माँगते हैं ।
 नकवी (نقوی) अ पु—दसवे इमाम हजरत अली नकी की
 सतान का व्यक्ति ।
 नकाइस (نقائص) अ पु—'नक्स' का बहु, खराबियाँ,
 बुराइया, त्रुटियाँ ।
 नकावत (نقاوت) अ स्त्री—पवित्रता, पुनीतता, शुद्धता,
 निर्मलता, पाकीजगी ।
 नकाहत (نقاہت) अ स्त्री—वह निर्वलता जो रोग-
 मुक्ति के वाद वाकी रहती है, निर्वलता, अशक्ति, नातुवानी ।
 नफिरः (نکوه) अ पु—वह सज्ञा जो एक जाति की सब
 चीजों पर बोली जाय, जातिवाचक सज्ञा (व्या),
 अपरिचय, अनजानपन ।
 नकी (نقی) अ वि—पवित्र, निर्मल, खालिस, (पु) वारह
 इमामों में से दसवे इमाम का नाम ।
 नकीज (نقیض) अ स्त्री—वैर, शत्रुता, दुश्मनी, (वि)
 वैरी, शत्रु, दुश्मन, विपरीत, उलटा, बरअक्स ।
 नकीब (نقیب) अ पु—वह व्यक्ति जो किसी राजा-महा-
 राजा की सवारी के समय आगे आवाज लगाता चलता है,
 चौबदार, वह व्यक्ति जो दरवार के समय, बादशाह से भेट
 के लिए जानेवाले का नाम जोर से पुकारता है ।
 नकीरैन (نکیرین) अ पु—वे दो फिरीश्ते जो मरनेवाले
 से कब्र में सवाल-जवाब करते हैं, मुन्कर नकीर ।
 नकीह (نقیه) अ वि—निर्मल, बेमेल, शुद्ध, खालिस ।
 नकूअ (نقوع) अ पु—वह पानी जिसमें दवाएँ या मेवा-
 जात भिगोये जायें ।
 नक्काद (نقاد) अ पु—टोटा-खरा परखनेवाला, पारखी,
 साहित्यिक गुण-दोष बतानेवाला, समालोचक ।
 नक्कादानः (نقادانہ) अ फा अव्य—नक्काद की तरह से,
 गुण-दोष परखने के दृष्टिकोण से ।
 नक्कादी (نقادی) अ स्त्री—नक्काद का काम, समा-
 लोचना ।
 नक्कारः (نقارہ) अ पु—धौसा, दुदुभी, भेरी, नगाडा ।
 नक्कार.जन (نقارہ زن) अ फा पु—नक्कार बजानेवाला ।
 नक्कार नवाज (نقارہ نواز) अ फा पु—दे 'नक्कार जन' ।
 नक्कारखानः (نقارخانہ) अ फा पु—वह स्थान जहाँ
 नक्कारे बजते हैं ।

नक्काश्ची (نقاشی) अ फा पु—नौवत और नक्कारा यजानेवाला एक कौम जो गद्दाई और नौवत बजाती है।
 नक्काल (نقّال) अ पु—नक्के करनेवाला भाड़ रूप भग्नेवाला, बहुरिया अनुकर्ता।
 नक्काली (نقّالی) अ स्त्री—नक्कल का काम—भांडा का काम बहुरूपिये का काम तख्ताने अनुकरण।
 नक्काश (نقاش) अ पु—चित्र खीचनेवाला चित्र म रग भग्नेवाला चित्रकार चित्रा मुसव्विर।
 नक्काशी (نقّاشی) अ स्त्री—चित्र खीचना तस्वार बनाना।
 नक्काशे अब्दल (نقّاش ابدل) अ पु—अबदलवाटा मर्दि की रचना करनेवाला, समार बनानेवाला।
 नक्क (نقّص) अ पु—नाम्ना भग करना।
 नक्के अम्न (نقّص امر) अ पु—नाम्ना भग करना अम्न म खल्ल डालना पगडा और बल्बा करना, दान्तिभग।
 नक्द (نقّد) अ पु—माने-बौती का सिक्का रुपया-पसा उधार का उलटा का पूजे सरमाया।
 नक्दी (نقّدی) अ स्त्री—नक् रुपया धन-दौलत।
 नक्दीन (نقّدیة) अ फा पु—नक् रुपया नक्दी।
 नक्दे जा (نقّده جان) अ फा प—प्राणरूपी धन प्राणधन।
 नक्दे दिल (نقّده دل) अ फा पु—हृदयरूपी धन।
 नक्दीजिस (نقّده و جیس) अ पु—नक् रुपया और सामान अस्वाव आदि।
 नक्दीनिस्य (نقّده و سیاه) अ प—नक् और उधार नक् का अय है समार के मुव जो इस समय उपलब्ध है और निम्न अयात उधार का मतलब है व मुग जो परलोक म मिलेगे।
 नक्ब (نقّب) अ स्त्री—गंध सिंदिल।
 नक्बदन (نقّب دهن) अ फा पु—गंध लगानेवाला कुभिल सानि मधितस्वर।
 नक्बदनी (نقّب دهنی) अ फा स्त्री—गंध करना गंध लगाकर घारी करना मधिभन् अभिगार।
 नक्बत (نقّبوت) अ स्त्री—रिस्त निधनता इफ्तान बगाली।
 नक्ल (نقل) अ प—स्थानांतरण एव स्थान स दगरे स्थान का जाना (स्था) प्रतिनिधि बापी अनुकरण तख्तान आम्न नमूना पत्रदुला लनीफा भांडा का खींच ब्या बनाना।
 नक्ल नक्वीस (نقل نقویس) अ फा पु—बदल कामचारी जो गरफारा बाघडा की नक्के दता है।
 नक्ली (نقّلی) अ वि—वृत्तिम बनावणे मगदूई बान्तिवक पत्ती मिष्ठा मूट कू जाला।

नक्ले मकान (نقل مکان) अ पु—एव स्थान स दगरे स्थान को जाना, जगह बदलना स्थानांतरण।
 नक्ले वतन (نقل وطن) अ पु—अपना दग छाकर दगरे दग में जाकर रहना स्वश-स्थाय प्रवास।
 नक्शा (نقشه) अ पु—आवृत्ति दाकल चहरे की नाम्ना मुभावृत्ति ढग, शली तख, सज पज, बजा ब्रता, पटा, हुल्या किसी देश आदि का चित्र मानचित्र दग हात्त सांचा, कालिब, हाथ लि पर, जाह लब पर आँख स प्रमू रवी अब तो यह नक्शा है तरे आगिने नामा का।—गड।
 रेखाचित्र माना, नमूना आम्न छवि, छटा।
 नक्शाजात (نقّشاجات) अ फा पु—नक्शा का बर नक्शे।
 नक्शा नक्वीस (نقّشه نقویس) अ फा प—नक्शा बनानेवाला, एक राजकमचारी जा गाँव या इमारता के चित्र बनाना है।
 नक्शा (نقّش) अ पु—चित्र तस्वार अकित रग दूआ कवक ता बीब, बेल-बूटे, उभरा हुआ चित्त।
 नक्शाए हद्दीवस्त (نقّشه حدیبست) अ फा पु—रिनी गाँव की चौदही और खेता की नाप-दोल का नक्शा।
 नक्शा कल हजर (نقّش کالدهجر) अ पु—नक्शा का चित्त पत्थर की लकीर, न मिटनेवाली चीज।
 नक्शागर (نقّش گور) अ फा पु—चित्रकार नक्शा।
 नक्शातराज (نقّش طراز) अ फा पु—नक्शागर।
 नक्शापरवाज (نقّش پردار) अ फा पु—दे नक्शागर।
 नक्शाबद (نقّش بدد) अ फा पु—चित्रकार मगधिर अकित लिखित, एक मुजुग की उपाधि।
 नक्शाबवी (نقّش بندی) अ फा स्त्री—चित्रकारी मुगधिरी स्वाज नक्शाबद का अनुयायी।
 नक्शा बदीवार (نقّش به دیوار) अ फा प—दीवार पर बनाव हुआ चित्र दावार के चित्र का प्रकार—निस्वाम मौत और निस्वाम।
 नक्शा बर आब (نقّش بر آب) अ फा प—पानी पर बनाव हुआ चित्र अर्थात् नक्शा और भगुर अथवा अगभर आम्न।
 नक्शा बरदीवार (نقّش بر دیوار) अ फा पु—दे नक्शा बगवार मितिलिखित चित्र।
 नक्शी (نقّشی) अ फा वि—जिम पर नक्शा हो।
 नक्शा अब्दल (نقّش ابدل) अ पु—चित्रकार का बनाना दूआ सरप्रथम चित्र जिसमें कुछ नुटिया अक्क रहती ह।
 नक्शा इरम (نقّش ایرم) अ पु—गाँव का निम्न, पत्र चित्त।
 नक्शा छयासो (نقّش حیاتی) अ प—बान्तिवक चित्र पत्ती तस्वार हवाई चित्र पत्ती मगदू।

नक्षत्र जमाली (نقش حسالى) अ पु-वह यत्र जिसके भरने में कोई भय नहीं होता।
 नक्षत्र जलाली (نقش حلالى) अ पु-वह यत्र जिसे बनाने में प्राणों का भय होता है।
 नक्षत्र तस्वीर (نقش تسخير) अ पु-वशीकरण यत्र, वह ताबीज जो किसी को मुग्ध करने के लिए, अपने वश में करने के लिए लिखा जाय।
 नक्षत्र पा (نقش پا) अ फा. पु-दे 'नक्षत्र कदम'।
 नक्षत्र वातिल (نقش باطل) अ पु-वह गलत या अशुद्ध चित्र अथवा लेख जिसे मिटा दिया जाता है।
 नक्षत्र मुराद (نقش مراد) अ फा पु-वह यत्र जो मनोरथ की पूर्ति के लिए होता है।
 नक्षत्र सानी (نقش ثانی) अ पु-वह चित्र जो चित्रकार का दूसरा प्रयास होता है और जो पहले चित्र की अपेक्षा बहुत सुंदर और कलापूर्ण होता है।
 नक्षत्र सुर्वेदा (نقش سویدا) अ पु-एक काला तिल जो हृदय पर होता है।
 नक्षत्र हुब (نقش حب) अ पु-दे 'नक्षत्र तस्वीर'।
 नक्षत्रोनिगार (نقش ونگار) अ फा पु-बेल-बूटे, फूल-पत्ती।
 नक्स (نقص) अ पु-त्रुटि, भूल, न्यूनता, कमी, दोष, ऐव, अशुद्धि, गलती, नक्स भी प्रचलित।
 नक्हत (نكته) अ स्त्री-सुगंध, खुशबू, महक, निक्हत भी प्रचलित है—"हैं तेरे पैरहने पाक की हसरत उसको, बर्ना कयो नक्हते गुल जामे से बाहर होती।"—अमीर।
 नख (نخ) फा स्त्री-रेशम की डोर, कच्चा रेशम, पतंग लडाने की डोर।
 नखाअ (نخاع) अ पु-हराम मगज, रीठ की हड्डी, मेरुदंड।
 नखील (نخيل) अ पु-खजूर का एक पेड़, खजूर के बहुत से पेड़।
 नखुद (نخود) फा पु-चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।
 नख्तास (نخاس) अ पु-वह बाजार जिसमें दासों की खरीद-फरोख्त होती थी, घोड़ों और भवेशियों का बाजार।
 नख्तीर (نخثير) फा पु-आखेट, शिकार, मारा हुआ शिकार, शिकार किया हुआ जानवर।
 नखल (نخل) अ पु-खजूर का पेड़, कोई पेड़, वृक्ष, द्रुम, वित्तप।
 नखलबद (نخل بلد) अ फा. पु-माली, वागवान।
 नखलबंदी (نخل بندی) अ फा. स्त्री-पेड़ लगाना, वाग को रजाना।
 नखलस्तान (نخلستان) अ फा पु-रेगिस्तानी इलाके में वह हरा-भरा टुकड़ा जहाँ खजूरों के दरख्त हों।

नखले तावूत (نخل تالوت) अ पु-ईरान में शव को ले जाते समय उसे सजाते थे, यह सजावट नखले तावूत कहलाती थी।
 नखले तूर (نخل ظور) अ पु-वह पेड़ जिस पर हजरत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखायी पड़ा था।
 नखले मयंम (نخل مريم) अ पु-खजूर का वह सूखा पेड़ जिसके नीचे हजरत मयंम प्रसव-कण्ठ से दु खित होकर बैठ गयी थी और वह पेड़ हरा-भरा हो गया था।
 नखले मातम (نخل ماتم) अ फा पु-दे 'नखले तावूत'।
 नखवत (نخوت) अ स्त्री-दे शुद्ध शब्द 'निखवत'।
 नखशव (نخشب) फा. पु-तुर्किस्तान का एक नगर जहाँ से हकीम इब्नेअता (मुकन्ना) ने एक चाँद निकाला था जो १२ मील रोशनी फेकता था।
 नख्स (نخس) अ पु-चुभाना, कीचना।
 नग (نگ) फा पु-'नगीन' का लघु, दे 'नगीन'।
 नगम (نغم) अ पु-'नगम' का बहु, नगमे, गाने।
 नगी (نگین) फा पु-दे 'नगीन', अगूठी का वह नग जिस पर नाम आदि खुदा रहता है।
 नगीन: (نگینه) फा पु-नग, रत्न, अगूठी पर जड़ा जाने-वाला पत्थर।
 नगीन:गर (نگینه گر) फा पु-दे 'नगीन साज'।
 नगीन:साज (نگینه سار) फा पु-अगूठी पर नगीना जडनेवाला।
 नगज (نجر) फा वि-उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा, अद्भुत, विचित्र, अजीब, प्रहेलिका, पहेली।
 नगजक (نجرگ) फा वि-श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा; सुंदर' खुशनुमा, (पु) आम, आम्र, एक प्रसिद्ध फल।
 नगजगी (نجرگو) फा. वि-अच्छी कविता करनेवाला।
 नगम: (نعمه) अ पु-सुरीली आवाज, गीत, गान।
 नगम:जन (نعمه زن) अ फा वि-अच्छी आवाज से गानेवाला।
 नगम:तराज (نعمه طراز) अ फा वि-दे 'नगम जन'।
 नगम:रेज (نعمه ریز) अ फा. वि-दे 'नगम जन'।
 नगम:संज (نعمه سنج) अ फा वि-दे 'नगम जन'।
 नगम:सरा (نعمه سرا) अ फा. वि-दे 'नगम जन'।
 नगमात (نعمات) अ पु-'नगम' का बहु, नगमे, गाने।
 नजंद (نژد) फा वि-अधामुत्त, अध्या, अधम, नीच, कुपित, गुस्से में भरा हुआ।
 नजफ (نچف) अ पु-अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ हजरत अली का मजार है।
 नजर (نظر) अ स्त्री-दृष्टि, निगाह; विचार, गौर, ध्यान, उयाल, जांच, परख, बुद्धि, बुरी नजर जिससे विशेषकर बच्चों को हानि पहुँचती है।

नज़रअदाज़ (نظرانداز) अ फा वि-जिम पर ध्यान न
लिया गया हो, उपेक्षित।
नज़रतग (نظرنگ) अ फा वि-सकुचितदृष्टि अनुदार
तगययाल।
नज़रनवाज़ (نظرنواز) अ फा वि-आँखा का आनंद
देनेवाली चीज़, नेत्रप्रिय।
नज़रफरेब (نظرفریب) अ फा वि-आला को लुभाने
वाला शुभदशन।
नज़रबद (نظربلند) अ फा वि-वह व्यक्ति जा राजादग ने
किसी एक स्थान पर घुले तौर पर रहे परंतु न तो कही
जा जा सने और न किसी स मिल सने।
नज़रबदी (نظربندی) अ फा स्त्रा-ऐसा कद जिसम
जाहिरा जाज़गी हो परंतु जान्नी कही जान सके और न
किसी स मिन्न सके जादू का खेठ दट्टिवध।
नज़रबाज़ (نظرباز) अ फा वि-ताडनेवाला पारखी
आँखें उगानवाग ताक ज्ञाच करनेवाला।
नज़रघाबी (نظرغابی) अ फा स्त्री-परख जाच अच्छे
बुरे की समीच जाव उगाना घूरना ताड-थाक करना।
नज़री (نظری) अ वि-मरमरी जा तवज्जुह क काबिल
न हो।
नज़रीय (نظریه) अ पु-दृष्टिकोण नुक्तए नज़र।
नज़रीयात (نظریات) अ प-नज़रीय का बहु, नज़रीए
कई दट्टिकोण।
नज़रे घलत अदाज़ (نظرعلط انداز) अ फा स्त्रा-ऐसी
दट्टि जा हर व्यक्ति जानी तरफ समने ध्रम में डाउन
वागी दट्टि।
नज़रे सानो (نظرسانی) अ स्त्री-किसी त शृणा विषय पर
पुन विचार।
नज़ाइर (نظائر) अ पु-नज़ीर का बहु नज़ीर।
नज़ाकत (نزاکات) फा स्त्री-मदुगता मुमुगारता कामगना
शुभमना बाराकी क्षीणता लागरी नाज़रमिजाजी।
नज़ात (نذات) अ स्त्रा-छटवाग बधन-मक्ति गुल
गगगी भारमक्ति विगी बोस स छुटकारा माग
बलिंग।
नज़ातदिहब (نذاتدیهد) अ फा वि-छुटकारा लिलान
घाला माग दनमाग।
नज़ाद (نواد) फा स्त्री-पुत्र का स्थानान।
नज़ाफन (نظاف) अ स्त्री-गरिबता निमलता पारीजगी।
नज़ाबत (نحابت) अ स्त्री-पुनीनता शराफत।
नज़ार (نظاره) अ पु-नज़ार।
नज़ार (نزار) फा वि-गीण दुबल लागर बमज़ार।

नज़ारत (نصارت) अ स्त्री-हराभरापन ताजगी।
नज़ारत (نظار) अ स्त्रा-निरीक्षण निगरानी नाज़र
का पत् नाज़र का दफतर।
नज़ागी (نحاسی) अ पु-हबस (एवासानिया) का नरा
जिमने मुहम्मद साहब के जमान में मुमन्नाना का अपन
देस में पनाह दी थी।
नज़ासत (نحاست) अ स्त्रा-अपवित्रता नापारी विधा
गिलाजत।
नज़ाह (نصاح) अ स्त्री-बधन मुक्ति छुटकारा समष्टि
खुशहाली इच्छापूर्ति हाजत रवाई।
नज़िस (نحس) अ वि-अपवित्र अगुद गग मल-दूषित
गगीज।
नज़िसुलऐन (نحس العین) अ वि-वह चीज़ जो निर ने
पाव तव नापाक हो जिसका छूना भी बजित हो।
नज़ीफ (نظیف) अ वि-परिवत्र गुद पाक।
नज़ीब (نحیب) अ वि-कुलान गुद रक्तवाग जिसके
खानगान म भेल न हो।
नज़ीबुसरफन (نحیب الطرفین) अ वि-माता और
पिता दोन। जार से कुलीन।
नज़ील (نزیل) अ पु-वह ध्ययित जा किसी मरण या
धमशाला म भुमाफिर के रूप में उतरे अतिवि भेटमान।
नज़ीर (نذیر) अ वि-उरानेवाला पगवर साहब की
उपाधि।
नज़ीर (نظیر) अ स्त्री-सग्न समान मिसल, उगारण
दृष्टात मिसाल हाईकोन या प्रीवी कोसिल का प्रमला
जा किसी भुवदम म दावे की पुष्टि के लिए पेश किया जाय।
नज़अ (نزع) अ स्त्री-प्राणा का अत दम टूटना का
जावनी।
नज़ए रवाई (نزع روان) अ फा स्त्री-बन जावनी।
नज़ार (نظاره) अ पु-दगन दागार सर दस्य तमाग।
नज़ारगहाह (نظارهگاه) अ फा स्त्री-मरगाग विनामफल।
नज़ारपसद (نظارهسلد) अ फा वि-जिसे नज़ार
बाजी पगद हो जा अच्छे-अच्छे दस्य दगन का गीजान हो।
नज़ारफरेब (نظارفریب) अ फा वि-निगाहा का
लुभानेवाला।
नज़ारबाज़ (نظرباز) अ फा वि-नज़ार ग्यन का
शोकीन ताकादाकी जीर पूरापारी करनेवाला।
नज़ारबाजी (نظربازی) अ फा स्त्री-पूरापारी
ताकागाकी आँखें लडाना आँखें मँबना।
नज़ारसज (نظارهسج) अ फा वि-दे 'नज़ारपत्त'।
नज़ार (نزار) अ पु-बढ़ई, काट लिया तगक।

नज्जारए जमाल (نظاره جمال) अ पु अच्छी सूरतो के दर्शन ।

नज्जारगी (نظارگی) अ फा स्त्री—नज्जार बाजी, दृष्टि, नजर ।

नज्जारी (نجاری) अ स्त्री—बढई का काम, बढई का पेशा ।

नज्द (نجد) अ पु—ऊँची भूमि, टीला, अरब का एक प्रदेश जहाँ से 'वहाविय' संप्रदाय का जन्म हुआ ।

नज्द (نزد) फा वि—'नज्दीक' का लघु, दे 'नज्दीक' और दे 'निज्द', दोनो रूप शुद्ध हैं ।

नज्दीक (نزدیک) फा वि—समीप, निकट, करीब, (अव्य) राय में, खयाल में ।

नज्दीकवी (نزدیک‌بین) फा वि—'दूरबी' का उलटा, जो केवल अपने आसपास देखे, दूर तक दृष्टि न डाले ।

नज्दीकी (نزدیکی) फा स्त्री—समीपता, निकटता, कुर्वत ।

नज्म (نجم) अ पु—तारा, उड़, सितारा ।

नज्म (نظم) अ स्त्री—पद्य, काव्य, शाइरी, (पु) प्रबध, व्यवस्था, इतिजाम, क्रम, तर्तीव, सघटन, तजीम ।

नज्मगुस्तर (نظم‌گستر) अ फा वि—काव्यकार, शाइर ।

नज्मगो (نظم‌گو) अ फा वि—ऐसा शाइर जो शाइरी की तमाम किस्मों में से केवल नज्म (गजल-शैली के प्रतिकूल एक ही विषय पर की जानेवाली शाइरी) कहता हो ।

नज्मसंज (نظم‌سنج) अ फा वि—दे 'नज्मगुस्तर' ।

नज्मुस्साकिव (نجم‌ساقب) अ पु—टूटनेवाला तारा, उल्का ।

नज्मे साकिव (نجم‌ساقب) अ पु—उल्का, टूटनेवाला तारा ।

नज्मोनसक (نظم‌ونسق) अ पु—प्रबध, बदीबस्त ।

नज्मोनख (نظم‌وندر) अ स्त्री—गद्य और पद्य ।

नज्म (نذر) अ स्त्री—उपहार, भेंट, तोहफा, चढावा, मन्नत, नियाज, फातहा, प्रदान, देना ।

नज्मान (نذرانه) अ फा पु—उपहार, उपायन, तोहफा, दक्षिणा, पुरोहित या गुरु आदि को भेंट ।

नज्मे अकीदत (نذر‌عقیدت) अ स्त्री—ऐसी भेंट जो भक्ति या श्रद्धा जाहिर करने के लिए दी जाय ।

नज्म (نزل) अ पु—जुकाम की एक दशा जिसमें बलगम निकलता है ।

नज्वा (نحوه) अ स्त्री—काना-फूँगी, कान से मुँह लगाकर चुपके-चुपके बातें करना ।

नताइज (ناتج) अ पु—'नतीज' का बहु, नतीजे ।

नतीज (نتیجه) अ पु—परिणाम, फल, अजाम, परीक्षाफल, जाँच का फल, अंत, आखीर, इच्छा, गरज ।

नतीज.खेजे (نتیجه‌خیز) अ फा वि—जिससे अच्छा नतीजा निकले, सारगर्भ ।

नतीजए इम्तिहान (نتیجه‌امتحان) अ पु—पढाई की जाँच का नतीजा, परीक्षाफल ।

नतीजतन (نتیجتان) अ अव्य—नतीजे में, फलस्वरूप, फलत ।

नतीन (نتین) अ वि—दुर्गन्धयुक्त, बदबूदार ।

नतूल (نطول) अ पु—वह पानी जिसमें दवाएँ औटायी गयी हों, और जिससे शरीर के किसी अंग पर धार दी जाय ।

नतन (نتن) अ पु—दुर्गंध, बदबू ।

नदम (ندم) अ पु—नदामत, लज्जा, व्रीडा ।

नदामत (ندامت) अ स्त्री—लज्जा, लाज, हया, पश्चात्ताप, पछतावा ।

नदामतज्दः (ندامت‌زده) अ फा वि—लज्जित, शर्मिद ; जिसे अपने किये पर पछतावा हो, पश्चात्तापी ।

नदारद (ندارد) फा वि—विहीन, लुप्त, रिक्त, गाइव, खाली ।

नदीदः (ندیده) फा वि—जिसे देखा न हो, मरभुक्खा, जो हर एक के खाने पर नजर रखे, अत्यंत लोभी ।

नदीद (ندید) अ वि—समान, तुल्य ।

नदीम (ندیم) अ पु—पार्श्ववर्ती, सखा, पास बैठनेवाला ।

नद्दाफ (نداف) अ पु—हई धुनकनेवाला, धुनिया, तूलकार ।

नद्दाफी (ندافی) अ स्त्री—हई धुनकने और कपडों में भरने का काम, तूलकर्म, धुनियापन ।

नद्मान (ندمان) अ वि—लज्जित, सकुचित, खजिल ।

नद्वः (ندوه) अ पु—सभास्थान, लोगो के बैठकर विचार-विनिमय करने का स्थान, परामर्श-गृह ।

नफकः (نفته) अ पु—बीबी-बच्चों का रोटी-कपड़ा ।

नफर (نفر) अ पु—व्यक्ति, शरस, नौकर, दास, मजदूर, श्रमिक ।

नफस (نفس) अ पु—श्वास, साँस, दम, क्षण, पल, लम्हा ।

नफसशुमारी (نفس‌شماری) अ फा स्त्री—आखिरी साँसें जब मौत की घडियाँ गिनी जाती हैं ।

नफसे वाज्जपसी (نفس‌واریسی) अ फा पु—दे 'नफसे वापसी' ।

नफसे वापसी (نفس‌واریسی) अ फा पु—आखिरी साँस, जिम साँस के बाद जीवन समाप्त हो जाता है ।

नफह (نمکه) अ पु—सुगंध, खुशबू ।

नफहात (نمکات) अ स्त्री—खुशबूएँ, सुगंध ।

नफाइस (نمائیس) अ पु—'नफास' का बहु, बढिया और बहुमूल्य वस्तुएँ ।

नकाश (نقاش) अ पू-नाफिज होना जारी होना।
 नकासत (نكاست) अ स्त्री-स्वच्छता निमलता सफाई
 मदुलता कोमलता लतापत सूभता गलता नजावत।
 नकासतपसद (نكاست پسد) अ फा वि-स्वय साफ
 सुयरा रहन और सब चीजा म सफाई और आरास्तगी पसद
 करनवाला।
 नकासतपसदी (نكاست پسدی) अ फा स्त्री-सु-
 साफ रहना और हर चीज को साफ देखन का गौर।
 नकासते तबअ (نكاست طبع) अ स्त्री-स्वभाव की
 स्वच्छता और मल्लता।
 नफी (نفی) अ स्त्री-अस्वीकृति नामजरी।
 नफीर (نفر) अ स्त्री-वह स्वर जो मोन की अवस्था म
 निकलता है स्वर आवाज नफीरी।
 नफीरची (نفرچی) अ फा प-नफीरी जीर गहनाई
 बजानवाला।
 नफीरी (نفری) अ फा स्त्री-गहनाई।
 नफीस (نفس) अ वि-उत्तम बर्णिया उम्दा स्वच्छ
 निमल साफ कामल मदुल लनीफ।
 नफूख (نوخ) अ प-वह सूखी हुई दवाजा वा घण जो
 नाक म फँका जाता है हुलास सुघनी।
 नफूर (نفور) अ वि-नफरत करनवाला घणी।
 नफअ (نفع) अ पु-लाभ प्राप्ति फाइदा फज परिणाम
 नतीजा ध्याज सूद।
 नफअअदोबी (نفع ادوبی) अ फा स्त्री-लाभ कमाना
 नफा उगना।
 नफअरसाँ (نفع رساں) अ फा वि-फाइदा पदुवाना
 लाभदायक।
 नफअरसानो (نفع رسائی) अ फा स्त्री-फाइदा पदुवाना
 लाभकारिता उपादयता।
 नफअ बातो (نفع دانی) अ प-निजी लाभ केवल
 व्यक्तिगत फाइदा।
 नफअ (نفع) अ पु-पूकना पूकना विघपत पेट पूकना।
 नफअ निक्म (نفع سكم) अ प-एट वा फाना अफार।
 नफअ मूर (نفع مور) अ पु-हज्रत इयाफीज वा क्रियामत
 क पिन मगार को विघ्न करन के गिण मूर (तुरही)
 पूकना।
 नफअ (نفع) फा पु-मिट्टी वा तण उन्नवाना माद्
 बाण्ट द निपल शाना गड ह।
 नफअअ (نفع) अ वि-अफार पना करनवाला आहार
 बाणे फाड।
 नफअअरी (نفعی) अ स्त्री-अफार पना करनी।

नफरत (نفرت) अ स्त्री-पूणा घिन कराहूत परहेज
 वचाव।
 नफरतअगज (نفرت انگر) अ फा वि-घिनपैग करनवाला।
 नफरतखद (نفرت خد) अ फा वि-वह व्यक्ति जिमम पूणा
 की जाय घणित।
 नफी (نفری) फा स्त्री-धिकार फटवार लानत
 मलामत द निफी गुड रूप वही है परतु उदूम नफी है।
 नफल (نفل) अ उभ-वह नमाज जिसके पना का हुन
 न हो मगर सवाब के लिए पडी जाय।
 नफस (نفس) अ पु-अस्तित्व बुजूत सयता सच्चाई
 वाम-वासना शहवत सार खुलासा लिंग गिन
 आलत प्राणवाय रह।
 नफसकुण (نفس کش) अ फा वि-काम-वासनाया।
 दमन करनवाला इद्रियजिन इद्रियजिहरी जाहिद पारना
 नफसकुसी (نفس کسی) अ फा स्त्री-भाग विलास।
 इच्छा वा दमन इद्रिय-दमन जुदू पारसाई।
 नफसपरस्त (نفس پرست) अ फा वि-विषय ल
 वासनाओ का रसिया शहवतपरस्त एयाग।
 नफसपरस्ती (نفس پرستی) अ फा स्त्री-एयागो का
 लालपता विषय-लपटता।
 नफसपवर (نفس پرور) अ फा वि-नफसपरस्त।
 नफसानियत (نفسانیت) अ स्त्री-अभिमान अहवा
 गुरूर स्वाधपरायणता खदगरजी।
 नफसानो (نفسانوی) अ वि-कामवासना से सम्बध रस
 वागी चीज।
 नफसो नफसो (نفسی نفسی) अ अव्य-आपाषापी आन
 अपनी जहाँ हर व्यक्ति को केवल अपनी छिन हो क
 बालन ह।
 नफसोयात (نفسیات) अ स्त्री-मनोविनात।
 नफसुलअअ (نفس الامر) अ प-सचो बात अग
 हकीमत यथायता।
 नफसे अम्मार (نفس امارة) अ प-वह मानसिप गति
 जो बुरे कामा की ओर प्रवत करनी है।
 नफसे नातिह (نفس ناطقة) अ पु-मुरताप प्राणा
 रह वह व्यक्ति को विगी की भाव का बाल हो।
 नफसे मल्लय (نفس مطلب) अ पु-अन मल्लय
 मुख्यप उलग आगय मनम।
 नफसे मल्लय (نفس مملیله) अ पु-न मनोवर्ति व
 आभा म सतत उपरत करनी है।
 नफसे एव्याम (نفس لوامه) अ पु-न मनोवर्ति जो क
 कामा पर पूणा प्रवत करनी है जिमम मनय फागता है।

नफहः (نصفه) अ पु—सुगन्ध, अच्छी महक, खुशबू।
 नवर्दः (نبرد) फा पु—शूरवीर, वहादुर।
 नवर्द (نبرد) फा स्त्री—युद्ध, लडाई, जंग।
 नवर्दआरमा (نبرد آزما) फा. वि—युद्ध-कुशल, रणशूर,
 जग आजमूद।
 नवर्दआरमाई (نبرد آزمائی) फा स्त्री—युद्ध, लडाई।
 नवर्दआरमूदः (نبرد آزموں) फा वि—जिसे लडाई का काफी
 अनुभव हो, युद्धानुभवी।
 नवर्दगाह (نبردگاه) फा स्त्री—मैदाने जग, रणक्षेत्र,
 समरागण, रगभूमि, युद्धस्थल।
 नवर्दपेशः (نبرد پيشه) फा वि—जिसका काम ही लडना
 और मरना-मारना हो, रणशूर।
 नववी (نوی) अ वि—नवी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।
 नवात (نات) फा स्त्री—मिश्री, खड-शर्करा।
 नवात (نات) अ स्त्री—जमीन से उगनेवाली सब्जी
 और पेड़-पौदे।
 नवातात (ناتات) अ स्त्री—जमीन से उगनेवाली चीजे,
 उद्भिज्ज।
 नवाती (ناتی) अ वि—नवातात का, नवाताती।
 नवातीयात (ناتیات) अ स्त्री—उद्भिज्ज-विज्ञान,
 नवातात का इल्म, वृक्षायुर्वेद।
 नविशतः (نديشته) फा वि—लिखा हुआ, अकित, नविशत।
 नवी (ندی) अ पु—ईशदूत, अवतार, पैगम्बर।
 नवीज (نید) अ स्त्री—जौ या खजूर की मदिरा।
 नवीद (نید) फा स्त्री—दे 'नबीज'।
 नवीरः (نیر) फा पु—बेटे का बेटा, पोता, पौत्र।
 नवीसः (نيسه) फा पु—बेटे का बेटा, दौहित्र, नवासा।
 नवील (نیل) अ. वि—श्रेष्ठ, महान्, अजीम, बुद्धिमान्,
 मेधावी, अक्लमद, उत्तम, उम्दा, स्थूल, मेदुर, मोटा-ताजा।
 नव्व (نص) अ स्त्री—नाडी, शिरा, रोग निदान के लिए
 देखी जानेवाली नाटी।
 नव्वशनास (نص شناس) अ फा वि—नव्व पहचानने-
 वाला, हकीम, वैद्य, डाक्टर।
 नव्वज्ञ (نص) अ वि—नाटी पहचानने मे बहुत बड़ा
 निपुण।
 नव्वज्ञी (نصی) अ स्त्री—नव्व की अच्छी पहचान।
 नव्वज्ञ (نص) अ पु—कन्न गोदकर कफन चुराने-
 वाला, कफनचोर।
 नव्वज्ञी (نصی) अ स्त्री—कन्न गोदकर कफन उतारना।
 नव्व (نص) अ पु—कन्न गोदना, कन्न गोदकर मर्दे का

नव्वो कुबूर (نص قبر) अ पु—कन्ने खोदकर, कफन चुराना।
 नम (نم) फा पु—आर्द्र, गीला, तर; आर्द्रता, तरी, नमी।
 नमआलूद (نم آلود) फा वि—आर्द्र, तर, गीला।
 नमक (نمک) फा पु—लवण, लोत, मिल्ह, लावण्य,
 मलाहत, काव्य-सौन्दर्य, हुस्ने कलाम।
 नमकअफशां (نمک افشان) फा वि—नमक छिडकनेवाला
 (जखम पर)।
 नमकअफशानी (نمک افشانی) फा. स्त्री—जखम पर नमक
 छिडकना।
 नमकआलूदः (نمک آلوده) फा वि—वह चीज जिसमे
 नमक लगाया गया हो।
 नमककौर (نمک کور) फा वि—नमकहराम, विश्वास-
 घाती, कृतघ्न, मुहसिनकुश।
 नमकखुर्दः (نمک خورد) फा वि—दे 'नमकख्वार'।
 नमकख्वार (نمک حواری) फा वि—जिसने नमक खाया हो—
 नमकहलाल, स्वामिभवत, नौकर, मुलाजिम।
 नमकचशी (نمک چشی) फा स्त्री—खाने का स्वाद मालूम
 करने के लिए खाने का नमक चखना, पहले पहल बच्चे
 को नमक चटाने की रस्म, अन्नप्राशन; स्वाद, मजा।
 नमकजार (نمک زار) फा पु—'नमकसार'।
 नमकदान (نمک دان) फा पु—नमक रखने का वर्तन।
 नमकपर्वर (نمک پرور) फा वि—नमक लगाया हुआ।
 नमकपर्वदः (نمک پرورد) फा वि—नमकख्वार, नमक के
 पाले हुए, स्वामिभक्त, वफादार, सेवक, नौकर।
 नमकपाश (نمک پاش) फा वि—घाव पर नमक छिडकने-
 वाला, कष्ट देनेवाला, व्यग करनेवाला,—“तुम्हारा नाज
 नमकपाश बरकरार रहे, हमारे जखम को अब हाजते-
 रफू क्या है?”
 नमकपाशी (نمک پاشی) फा स्त्री—व्यग और कटाक्ष
 करना, घाव पर नमक छिडकना, दुख देना।
 नमकसार (نمک سار) फा पु—नमक की खान, लवणाकर।
 नमकहराम (نمک حرام) फा अ वि—कृतघ्न, स्वामिघ्न,
 मुहसिनकुश, विश्वासघाती।
 नमकहलाल (نمک حلال) फा अ वि—कृतज्ञ, स्वामिभक्त,
 हकशनास।
 नमकी (نمکین) फा. वि—नमक मिला हुआ; लावण्यमय,
 मलीह।
 नमकीनः (نمکینه) फा पु—दही में नमक-मिर्च मिलाकर
 बना हुआ चाय-विशेष, रायता।
 नमकीनी (نمکینى) फा स्त्री—सांबल्यापन, मखोनापन,

नमपुत्र (نم پوتر) का वि-जिगम सीलन पट्टेच गयी हा, माना हुआ।

नमगौर (نم گور) का पुं-एक छोटा गामियाना जा आग व बचने व लिए होता है गामियाना वितान।

नमत (نمات) अ पु-प्रवार विस्म।

नमद (نمد) का पु-ऊन या पश्म का मोटा विस्तर, मुगद्म बाला का विस्तर या गद्दा नम्या।

नमदर्री (نمدری) का पु-वह नम्या जो जीन के नीचे घाने की पीठ पर आते ह।

नमदपोग (نمدپوگ) का वि-माने बम्मल का लिगाम पहननवाला बम्मलपाग।

नमवोद (نم وود) का वि-ने नमकु।

नमनाब (نم نای) का वि-मीला तर आद्र।

नमरसोद (نم رسود) का वि-जिगे सीलन पट्टेच गयी हा नमपुत्र।

नमा (نما) का पु-विवास उपज बढ़ानरी यह गत्र अवेग नही आता नगवानमा बाग्य जाता है।

नमाज (نماز) अ स्त्री-मुसलमाना की ईश्वर प्रायना जा पाच वक्त हती है और जिसमें ४२ रकअत नमाज पनी जाती है एक रकअत एक बार खने होकर बटने तक की होता है जिसमें दो सजे और एक रुकूअ होता है।

नमाजगुबार (نمازگوار) अ का वि-भावना से नमाज पनबाला दोनगा घमनिष्ठ।

नमाजी (نمازی) अ वि-नमाज का पावत्र नमाज पट्टेचवाला।

नमाजे ईद (نماز عید) अ स्त्री-न की नमाज जो दो रकअत होती है।

नमाजे बजा (نماز فصا) अ स्त्री-वह नमाज जो उसन नियत समय पर न पन जाकर बाद में पन जाय।

नमाजे इख (نماز عصر) अ स्त्री-वह नमाज जो यात्रा की दगा म पनी जाय उसम पज नमाज आधी पनी जाती है और धाकी नमाज नही पनी जाती।

नमाजे जनाज (نماز جنازه) अ स्त्री-वह नमाज जा भूममाना व जनाजे पर मसक की आत्मा की शांति के लिए पनी जाती है।

नमिर (نمیر) अ पु-व्याघ्र बाघ तडुआ।

नमी (نمی) का स्त्री-आद्रता तरी सीलन सील।

नमीब (نمیب) अ पु-मत्र चिट्ठी।

नमीम (نمیم) अ पु-पिगन चुगुलखार।

नमु (نمو) अ पु-दे गुड रूप नमु।

नमून (نمونه) का पु-बानगी आग मिसार टव डग तउ प्रवार विस्म।

नम्नाम (نم نام) अ प-बहुत अधिक चगला सानवाना पिगुत।

नम्नामी (نم نامی) अ स्त्री-पिगनुना चुगुमारा।

नम्ल (نمل) अ पु-च्यूा, एव च्यूी।

नम्ल (نمل) अ पु-पिपीगिगा च्यूा।

नम्ली (نملی) अ वि-नाडी-मति वा एव प्रवार त्रिममें उमरी चाउ च्यूटी-जगी म हा जाने ह।

नय (نہ) का स्त्री-नरवट नरमउ बाँसुरी वगी।

नयच (نہ چ) का पु-हुकने की निगाग।

नयनबाउ (نہ نواز) का वि-बगी बजानेवाला भरलापर।

नयसाउ (نہ ساز) का वि-बाँसुरी बजानवाग बाँसवार।

नयस्ताँ (نہستان) का पु-नरवट का जपल वन जपल।

नयस्तानी (نہستانی) का वि-जगली बय।

नय्थिर (نہیر) अ पु-मूम मूरज।

नर (نار) का पु-गासा टहनी लिग पिगन, द्विपत निट्टट नर पुरप प्राणी।

नरदेव (نار دیو) का पु-अभयानक रापम विकट मूर्ति।

नर (نار) का पु-मादा का उल्टा दुग्म प्राणी।

नरमेग (نارمنش) का पु-मगा नर भड।

नरौ (ناری) का स्त्री-नरपन।

नरीन (نارینه) का पु-नर जैस-पजड़े नरीन जवा लरवा।

नरीमान (ناریمان) का पु-स्तम के दाग का नाम।

नर (نار) का पु-वेरा धिराव मुगमरा, भी जमाव विपत्ति मुगीवत।

नराए बा'दा (نارے اعدا) का अ पु-शनुआ का घरा।

नरिग (نارگس) का स्त्री-एक पत्र, आस।

नरिगसो (نارگسی) का वि-नरिगस जसा नरिगस का नरिगी कबाव जो जडा पर कीमा कपाकर बनते ह।

नरिगसे जाडू (نارگس حادو) का स्त्री-वह सुन्दर और जिसमें मोहना हो।

नरिगसे बीमार (نارگس بیمار) का स्त्री-बदम बीमार।

नरिगसे गहला (نارگس گهلا) का स्त्री-वह नरिगस का पून जिसम उसक भीतर पीगन के बदले कालापन हा।

नर (نار) का स्त्री-बीमार का खेल बीमार की गोट।

नरबाउ (نار نواز) का वि-बीसर का खिलानी।

नरवान (نار وایان) का उम-निजेशी सापा सीपी।

नम (نارم) का पु-नात की ली।

नम (نارم) का वि-मडुल मगदम काम नाइव पिगपिला पिगिठ बीग पाकार मुगम, सरल,

आसान, हलका, अगुरु, सहिष्णु, बुद्धवार; जिसका कोप धीमा पड गया हो।

नर्मआवाज (नर्मआवाज) फा वि—मधुर और कोमल स्वर-वाला।

नर्मआहनी (नर्मआहनी) फा स्त्री—दीनता, हीनता, दरिद्रता, वदहाली।

नर्मए गोश (नर्मए गोश) फा पु—कान की लौ, कर्णलता।

नर्मखू (नर्मखू) फा वि—नम्र स्वभाववाला, विनीत, मतीन, सजीद, नेकदिल।

नर्मगर्दन (नर्मगर्दन) फा वि—वशीभूत, आज्ञाकारी।

नर्मजवान (नर्मजवान) फा वि—मधुरभाषी, शीरीजवान।

नर्मतदीअत (नर्मतदीअत) फा अ वि—दे 'नर्मखू'।

नर्मदिल (नर्मदिल) फा वि—सदय, आर्द्र हृदय, रहमदिल।

नर्मसिजाज (नर्मसिजाज) फा अ वि—दे 'नर्मखू'।

नर्मरौ (नर्मरौ) फा वि—सुस्त चलनेवाला, मदगति।

नर्मो (नर्मो) फा वि—मृदुलता, मुलाइमत, कोमलता, नजाकत; सदयता, रद्दादिली, मंदता, आहिस्तगी, धीमा-पन, सुगमता, आसानी, अगुस्त्व, लघुत्व, हलकापन, गभीरता, बुद्धवारी।

नवद (नवद) फा. वि—नव्वे, दस कम सौ।

नवर्द (नवर्द) फा प्रत्य—लपेटनेवाला अर्थात् सफर तै करनेवाला, जैसे—'राहनवर्द' रस्ता तै करनेवाला।

नवर्दीद: (नवर्दीद) फा वि—लपेटा हुआ।

नवा (नवा) फा स्त्री—स्वर, ध्वनि, आवाज, गान, गाना, सामान, अस्वाव, उपकरण।

नवाइव (नवाइव) अ पु—'नाइव' का बहु, आपत्तियाँ, मुसीबते।

नवाखान: (नवाखान) फा पु—कारागार, कैदखाना, जेल।

नवाखत (नवाखत) फा वि—अनुकूल, मुआफिक, समान, तुल्य, बराबर।

नवागर (नवागर) फा वि—गायक, गवैया।

नवाज (नवाज) फा प्रत्य—ब्रजानेवाला, जैसे—'नयनवाज' वासुरी ब्रजानेवाला, कृपा करनेवाला, जैसे—'गरीबनवाज'।

नवाजद: (नवाजद) फा पु—ब्रजानेवाला, कृपा करनेवाला।

नवाजदगी (नवाजदगी) फा स्त्री—ब्रजाना।

नवाजिश (नवाजिश) फा स्त्री—कृपा, अनुकृपा, दया, मेह्रवानी।

नवाजिशनाम: (नवाजिशनाम) फा पु—कृपापत्र, करमनाम।

नवाजिशत (नवाजिशत) फा स्त्री—'नवाजिश' का बहु, कृपाएँ, दयाएँ।

नवादिर (नवादिर) अ पु—'नादिर' का बहु, अद्भुत वस्तुएँ, अजीबो गरीब चीजे।

नवापरदाज (नवापरदाज) फा. वि—दे 'नवागर'।

नवाफिज (नवाफिज) अ पु—'नाफिज' का बहु, कान, नाक, मुँह आदि के सुराख।

नवाफिल (नवाफिल) अ पु—'नफिल' का बहु., वे नमाजे जो केवल सवाव के लिए पढी जायँ, फर्ज या वाजिब न हो।

नवामीस (नवामीस) अ पु—'नामूस' का बहु, मर्यादाएँ।

नवाल: (नवाल) फा पु—दे 'निवाल', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

नवाल (नवाल) अ स्त्री—उपकार, एहसान, दानशीलता, वखिश, अनुकृपा, दया।

नवासंज (नवासंज) फा वि—दे 'नवागर'।

नवास: (नवास) फा पु—ब्रेटी का बेटा, नाती, दौहित्र।

नवासाज (नवासाज) फा वि—दे 'नवागर'।

नवासिब (नवासिब) अ पु—'नासिबी' का बहु, नासिबी संप्रदाय के लोग, हजरत अली को न माननेवाले।

नवासीर (नवासीर) अ स्त्री—'नासूर' का बहु, भगदर, मलद्वार का फोडा।

नवाह (नवाह) अ पु—चारो ओर का क्षेत्र, मुजाफात।

नवाही (नवाही) अ पु—'नाहिय' का बहु, नगर का चारो ओर।

नवाही (नवाही) अ पु—'नहइ' का बहु, वे विषय जो धर्मानुसार निषिद्ध है।

नवाहे मुल्क (नवाहे मुल्क) अ पु—किसी देश के चारो ओर का बाहरी इलाका।

नवाहे शहर (नवाहे शहर) अ फा पु.—नगर के आसपास का क्षेत्र, मुजाफात।

नविशत: (नविशत) फा वि—लिखा हुआ, लिखित, (पु) तमस्मुक, स्टाम्प, लेखपत्र, दे 'निविशत'।

नविशत (नविशत) फा स्त्री—लिखावट, तह्नीर, दे 'निविशत'।

नविशतए किस्मत (नविशतए किस्मत) फा अ पु—भाग्यलेख, तक्दीर का लिखा, प्रारब्ध, मुकद्दर।

नविशतए तक्दीर (नविशतए तक्दीर) फा अ पु—दे 'नविशतए किस्मत'।

नविशतोखवांद (नविशतोखवांद) फा स्त्री—लिखा-पढी, लिखना-पढना।

नवी (नवी) फा वि—नया, नवीन, आधुनिक, जदीद, पाश्चात्य, मशिवी।

नवीस (नवीस) फा प्रत्य—लिखनेवाला, जैसे—अराइज-नवीन, अजियाँ लिखनेवाला।

नवीसिंद: (नवीसिंद) फा वि—लिखनेवाला, लिपिक।

नवेद (نود) का स्त्री-गुम सूचना, खुशखबरी निमेषण पत्र दावतनामा के नुवेद, दोनो रूप गुद ह।
 नवेदे जाफिजा (نود حائضا) का स्त्री-प्राणा का आनन्दनेवाली गुम सूचना।
 नवेदे मक्दम (نود مكد) का अ स्त्री-विमी महान् व्यथित के आने की गुम सूचना।
 नबाब (نواب) ज वि-शान्ताह का नाइब विमी रियासत का मुसलमान शासक।
 नबाबशाद (نوابشاد) अ फा पु-नबाब का लका।
 नबाबी (نوابی) अ स्त्री-नबाब का पत् राज हुबूमत समद्वि दीलतमनी अपव्यय पूजूलवर्धी।
 नबाबे बेमुल्क (نواب بملک) अ फा पु-ऐसा नबाब जिसके पास रियासत न हो ऐमे गश्म के लिए कहत ह जिसके पाम कुठ न हो मगर उमकी बात लबी-बौनी ह।
 नगा (نغا) फा पु-नगान' का लपु ३ नगान।
 नगा (نشا) अ पु-गुद रूप नगा है परतु उदू म नशा भी बोरुत ह।
 नगात (نشاط) अ स्त्री-आनन्द ह्य खुगी निगात भी प्रचलित।
 नगातअगेद (نشاط انگیز) अ फा वि-खुगी पदा करने वाला हर्षोत्साहक।
 नगातअफवा (نشاط افرا) अ फा वि-आनन्दवक खुगी वतनेवाग।
 नगातेवार (نشاطکار) अ फा स्त्री-काम करने की उमग।
 नगातेरह (نشاط روح) अ स्त्री-रूह का आनन्द।
 नगान (نغان) फा पु-३ निगान' दोनो रूप गुद ह परतु उदू में निगान बोलने ह।
 नगास्त (نساگنه) फा पु-गोह का मत गाधूमसार।
 नगी (نغن) फा प्रत्य-वठनेवाला जम-तन्मनग तन्त पर वठनेवाग।
 नशीब (نشد) फा पु-गान नगम द निग दाना गद ह।
 नगजत (نشاب) अ स्त्री-जाविर्भाव उत्पत्ति पगइग।
 नगजते सानिय (نساء سانیه) अ स्त्री-बारा जम पुनजम पुनर्जीवन दुबारा तरक्की पुनरुद्धार।
 नगजतन (نساگتون) अ स्त्री-गपदाइगे एम मगार की दूमरी वियामत के तिन की।
 नश (نشره) अ पु-बचन क कुरान कठ कर गने का सकार।
 नश (نشر) अ पु-घास का फिर म हरा हाना मतत का फिर स जीवित हाना खरर या सव में पचना।

नशुस्तौत (نسرالصبوت) अ पु-आवाज का हर तरफ पचना प्राक्कास् ध्वनि-मचार।
 नशु (نشو) अ पु-विकाम उपज वालीग्या।
 नगबोनमा (نسرورما) अ पु-उगना और विरमित हाना परवरिग पाना।
 नशा (نشه) अ पु-मात्कता नगा उमाल मनी, अमिमान धमड।
 नशा अमेज (نشه امير) अ फा वि-त्रिम चीठ में मात्क पनाय मिला तिया गया ह।
 नशा आवर (نشه اور) अ फा वि-नगा पग कग वाली चीठ मात्क।
 नशा बाज (نشه باز) अ फा वि-जिस विमी नगानी चीठ माने या पीने की लत ह।
 नशा ए म (نشه م) अ फा पु-शराब का नगा।
 नशा ए सहवा (نشه سهوا) अ फा पु-गराब का नगा।
 नस[स्त] (نص) अ स्त्री-कुरान का वे सूक्तिवा जिनका अथ स्पष्ट ह ऐमी बात जिसमें कोई मंशू न हो पनी बात जिसका पालन आवश्यक हो।
 नसक (نسی) अ पु-गवध व्यवस्था इतिहास, नम मि-मिला तर्तीव यह गत्र प्राय जेग नहा बाले नस के साथ मिलाकर नमो नसक बोगे ह।
 नसकबद (نسی بند) अ फा वि-व्ययस्थापक प्रवर्तक मतजिम।
 नसफत (نصفت) अ स्त्री-आधा जाध करा बरवत दा भाग म बाटना याय इसाफ (निम्न)।
 नसब (نساب) अ पु-कुल वग गात्र खानपन।
 नसबनाम (نسابنامه) अ फा पु-बसावगी बगकन बगवण कुसीनामा गज।
 नसबी (نسبی) अ वि-नसब स सम्बन्ध रखनेवाला।
 नसा (نسا) अ स्त्री-एक रग ता चूत स टउने तर आनी ह इकुलसा गदमी स्नायु सागटिव नव।
 नसाह (نصاح) अ उम-नगीहन का बहू, तमीहो सदुपेग।
 नसारा (نصارون) अ पु-नसाना' का बहू ईसाईग।
 नसोज (نسج) अ वि-दुना हुआ बस्त्र लिखत एक रोगा कपण।
 नसीब (نصیبه) अ पु-भाग्य प्रारथ जिस्मन महर।
 नसीब वर (نصیبور) अ फा वि-भाग्याली भागवान खुाकिम्मत।
 नसीब (نصیب) अ पु-भाग्य जिस्मन लय प्राप्त मुयस्तर बग भाग हिम्मा।

नसीबे आ'दा (نصیب اءدا) अ. पु—वह चीज जो अपने लिए न हो अपने दुश्मनों को हो; एक आशीर्वाद, जब कोई व्यक्ति किसी रोग या कष्ट में फँसा हो तो उसके मित्र उसका जिक्र करते हुए बोलते हैं, जैसे—नसीबे आ'दा, उनका मिजाज कुछ नासाज है।

नसीबे खुपतः (نصیب خفتہ) अ. फा पु—सोया हुआ नसीब, दुर्भाग्यता, बदकिस्मती।

नसीबे दुश्मनाँ (نصیب دشمنان) अ. फा पु—दे 'नसीबे आ'दा'।

नसीम (نسیم) अ. स्त्री—मृदुल मंद समीर, ठंडी और धीमी हवा।

नसीमासा (نسیم آسا) अ. फा अव्य—'नसीम' की तरह, बहुत ही आहिस्ता और मृदुल चाल से।

नसीमे सहर (نسیم سہر) अ. स्त्री—सबेरे की मंद, शीतल और सुगंधित हवा।

नसीमे सुव्ह (نسیم صہ) अ. स्त्री—दे 'नसीमे सहर'।

नसीर (نصیر) अ. पु—सहायक, सहाय, मददगार।

नसीहत (نصیحت) अ. स्त्री—सदुपदेश, सीख, सत्परामर्श, अच्छी सलाह; इत्रत।

नसीहत आमेज (نصیحت آمیز) अ. फा वि—वह बात जिसमें उपदेश शामिल हो।

नसीहतगर (نصیحت گر) अ. फा वि—नसीहत करने-वाला, सदुपदेशक।

नसीहतगुजार (نصیحت گزار) अ. फा वि—दे 'नसीहतगर'।

नसीहतगो (نصیحت گو) अ. फा वि—दे 'नसीहतगर'।

नसीहतनामः (نصیحت نامہ) अ. फा पु—वह पत्र जिसमें किसी बात के सम्बन्ध में नसीहते लिखी हो।

नसीहतपिज़ीर (نصیحت پذیر) अ. फा वि—नसीहत मानने-वाला, जिस पर सदुपदेश का असर हो, नसीहतपसद।

नसूह (نصوح) अ. वि—शुद्ध, निर्मल, खालिस, किसी बुरी बात के त्याग की दृढ़ प्रतिज्ञा।

नसख (نسخ) अ. पु—मिटाना, रद करना, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमें अरबी लिखी जाती है, किसी चीज को हटाकर उससे अच्छी चीज लेना।

नस्तारन (نستارن) फा स्त्री—सेवती का फूल, सेवती।

नस्ता'लीक (نستعلیق) अ. पु—सम्य, शिष्ट, सस्कृत, मुहंजव, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमें उर्दू लिखी जाती है।

नस्तास (نستاس) अ. पु—मनुष्य के आकार का एक जानवर जिनके केवल एक हाथ, एक पाँव और एक कान होता है।

नसब (نصب) अ. पु—स्थापना, रताना, काडम करना, ज़बर की माना।

नसबुलऐन (نصب العین) अ. पु—उद्देश, आशय, मक़सद। नस्य़ा मंसिया (نسیا منسیا) अ. अव्य—जो बात विलकुल भूली जा चुकी हो, अरबी का उच्चारण 'नस्य़ मंसीया' है।

नस्र (نسر) अ. स्त्री—गद्य, इवारत, नज्म का उलटा।

नस्र (نسر) अ. पु—गृद्ध, गिद्ध, गीध, कर्गस, एक वृत्त जो अरब में पूजा जाता था।

नस्र (نصر) अ. स्त्री—सहायता, मदद।

नस्रनिगार (نسر نگار) अ. फा. पु—गद्य-लेखक, नस्र लिखनेवाला।

नस्रनिगारी (نسر نگاری) अ. फा स्त्री—गद्य-रचना, नस्र लिखना।

नस्रानियत (نصرانیت) अ. स्त्री—ईसाईपन, ईसाईयत।

नस्रानी (نصرانی) अ. पु—ईसाई, ख्रिष्टीय।

नस्रे आरी (نسر عاری) अ. स्त्री—वह गद्य जो अलकारादि से रिक्त विलकुल सीधा-सादा हो।

नस्रे ताइर (نسر طائر) अ. पु—रेशिचक्र के उत्तर में तारो की एक शकल जो उड़ते हुए गिद्ध के समान है।

नस्रे मुकफ़ा (نسر معفی) अ. स्त्री—वह गद्य जिसका हर वाक्य सानुप्रास हो।

नस्रे मुरज्जज़ (نسر مروحز) अ. स्त्री—वह गद्य जिसके एक वाक्य के तमाम शब्द दूसरे वाक्य के शब्दों के समान हो।

नस्रे मुसज्जा (نسر مسجع) अ. स्त्री—दे 'नस्रे मुकफ़ा'।

नस्रे वाके' (نسر واقع) अ. पु—दक्षिणी ध्रुव के पास ठहरे हुए गिद्ध के आकार के तारो की शकल।

नस्र (نسر) अ. स्त्री—वश, गोत्र, कुल, सतान, सतति, औलाद।

नस्रअपज़ाई (نسر افزائی) अ. फा स्त्री—नस्र बढ़ाना, सतान-वृद्धि।

नस्रकशी (نسر کشی) अ. फा स्त्री—नस्र बढ़ाना, सतान-वृद्धि।

नस्रन वाद नस्रन (نسران بعدنسلان) अ. अव्य—एक नस्र के वाद दूसरी नस्र में, पुस्त दर पुस्त।

नस्ताज (نستاج) अ. पु—बुननेवाला, जुलाहा।

नस्ताव (نستاب) अ. पु—वशविद्या जाननेवाला।

नस्तार (نستار) अ. पु—गद्य-लेखक।

नहंग (نہنگ) फा पुं—घडियाल, कुभीर, ग्राह, नाका।

नहज (نہج) अ. पु—चौड़ी और कुगाद सटक; पद्धति, शैली, ढंग, दे 'नहज', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु अधिक प्रचलित 'नहज' है।

नहाफत (نہافت) अ. स्त्री—क्षीणता, दुबलापन, लागरी; निर्बलता, अगक्ति, कमज़ोरी।

नहार (نهار) अ पु-दिन दिनस राज।
 नहार (نهار) फा वि-नाहार का लघु, सबेर स कुठ
 न चाये हुए नहारमुह।
 नहारगाह (نهارگاه) फा स्त्री-सबेर का समय प्रात काल।
 नहारी (نهاری) फा स्त्री-बह धोना सा खाना जिसस
 मुबह का फाका तातेह नागता एक प्रकार का भाग्यातर
 गास्त जिसे लमीरी राटी स खाने ह।
 नही (نهی) अ स्त्री-निषेध राक निषेधाना मुमानिअत
 का हकम गूढ उच्चारण नऱइ है।
 नहीक (نهیک) अ स्त्री-गव के रक्ते की जावाज।
 नहीफ (نهیف) अ वि-शीण क्षाम टुबला लागर
 दुबल अचकल कमजार।
 नहीफुलजुस्त (نهیفولجوست) अ वि-दुबले गरीखाला
 क्षाणकाय।
 नहीफुलबदन (نهیفولبدن) अ वि-नहीफु-जुस्त।
 नहीब (نهیب) अ पु-डाकू टुटेरा गास्तगर।
 नहज (نهج) अ पु-डग प्रकार तज युक्ति तर्कवि
 माग पथ रास्ता।
 नहब (نهب) अ पु-लूटमार गास्तगरी।
 नह (نہ) अ स्त्री-ननी से कातर निवाग हुई गाखा
 बुया (नहर)।
 नह (نہر) अ पु-उँट की कुमानी उल्लय।
 नही (نهی) अ वि-नह स मन्बऱ खनेवाग नह
 के पानी मे सीचा जानेवागी भूमि।
 नहे फुरत (نہر فورت) अ फा स्त्री-कूफे स वटनेवाली
 ननी जिसका पानी ह्यत इमाम हुसन पर बल कर लिया
 गया था।
 नहे लबन (نہر لبن) अ स्त्री-दूध की नह।
 नहव (نہو) अ पु-यखनि गरी तग समान नुत्य मिसल
 (स्त्री) व्याकरण की बह गागा जिसमे वाक्यो म गागा
 का परम्पर सम्बन्ध जीर उनका स्थिति जानी जाती है।
 नहवी (نہوی) अ वि-इल्म नहव जाननवाग।
 नहस (نہس) अ वि-अगुम अमागलिक मनहन।
 नहसबदम (نہسبدم) अ वि-जिसका आना मनहूस हा।
 नहसर (نہسر) अ फा वि-जिसकी मूरत मनहूम हा।
 जा खने म बुरा गे जभगान।

ना

ना (نا) फा स्त्री-नाम का लघु न नाम।
 ना (نا) फा उ-ना-के गरू म आवर नही ना अय
 देता है अने-नाउम्मीदी।

नाअदेश (نا ابدش) फा वि-न साचनवाला।
 नाअह (نا اهل) फा अ वि-अपग्य नाकाविल
 अपात्र गर मुस्तह।
 नाअह्लियत (نا اهلئت) फा अ स्त्री-अयोग्यता
 नाकाविलियत अपात्रता नाइस्तहकाका।
 नाअह्ली (نا اهلی) फा अ स्त्री-नाअह्लियत।
 नाआकियत अदेश (نا اعقاب ابدش) फा अ वि-
 अदूरदर्शी अपरिणामगर्णी।
 नाआगाह (نا اگاه) फा वि-नाआकिय जनमिन अनगत
 अनारा।
 नाआजमूद (نا ازموه) फा वि-जा आजमाया न गया
 हो अपरीक्षित।
 नाआरमूद कार (نا ازموه کار) फा वि-जिसे कामा का
 तखिय न हा अनुभवनी जगानी।
 नाआरमूद वारी (نا ازموه کاری) फा स्त्री-नातखिय
 वारी अनुभव अनाधीन।
 नाआना (نا انا) फा वि-अपरिचित नाकाकिय
 जनमिन अनानी।
 नाआस्ताए महज (نا استاءه مستص) फा अ वि-जो
 मिलकुल कुछ न जानता हा।
 नाइसाफ (نا اصف) फा अ वि-न्याय न बलवाग
 जयायी।
 नाइसाफी (نا اصفائی) फा अ स्त्री-अनीति अयाय
 बईमानी।
 नाइब (نا ائبه) फा पु-नयचा निगाणे हुक की गा।
 नाइब (نا اوبه) अ पु-नरु बी टाग गिन लिए नयचा।
 नाइतिफानी (نا ايمائتی) फा अ स्त्री-पत्र विगा
 रजिग।
 नाइब (نا ائبه) अ वि-दुपटा हाकिमा, वारी स
 खानेवाग खर नाव का स्त्री।
 नाइब (نا ائب) अ पु-सहायक असिस्टेंट स्थानाग
 काइममवाम नायव भी प्रचलित।
 नाइम (نا ايم) अ पु-सामनेवाला स्वापन।
 नाइर (نا اير) अ पु-अग्निवाग गपट गा।
 नाइस्तिफाती (نا ايتفاائی) फा अ स्त्री-वतनगी
 उपाशा।
 नाइह (نا ائبه) अ पु-आपत्ति विपत्ति मुमीबन।
 नाउम्मीदी (نا ائمدی) फा वि-निगाग गताग हतोत्साह
 हतगाहम पस्तहोमल।
 नाउम्मीदी (نا ائمدی) फा स्त्री-निराग मातृगी
 उत्साहनीता पस्तहिमती।

नाए (ناے) फा स्त्री—यांगुरी, वजी, नय।

नाकः (ناک) अ पृ—जुंटी, मांउनी।

नाकः सवार (ناکھ سوار) अ फा वि—मांउनी-भवार,
अर्थात् दूत, कामिद।

नाक (ناک) फा पृथ्वी—भरा हुआ, जैमे—दर्दनाक, दुःख न
भरा हुआ।

नाकतखुदा (ناکھ خدا) फा वि—दे 'नाकदखुदा'।

नाकतखुदाई (ناکھ خدائی) फा स्त्री—दे 'नाकदखुदाई'।

नाकदखुदा (ناکھ خدا) फा वि—विन व्याहा हुआ, कुमार,
अविवाहित, विन व्याही हुई, अविवाहिता, कुमारी।

नाकदखुदाई (ناکھ خدائی) फा स्त्री—विन व्याहा होना,
कुंआरापन।

नाकद (ناکد) फा अ वि—जो कद न जानता हो, जो
कद न करता हो।

नाकद्री (ناکدروی) फा अ स्त्री—कद न जानना, कद न
करना।

नाकदूल (ناکدول) फा अ वि—अस्वीकृत, नामजूर।

नाकदः (ناکد) फा वि—न किया हुआ।

नाकदः कार (ناکد کار) फा वि—जिमने कोई विशेष
कार्य न किया हो, अतनुभवी, नातच्छिव कार।

नाकदः गुनाह (ناکد گناه) फा वि—जिराने कुमूर न किया
हो, बेकुमूर, बेसत।

नाकदः जुम (ناکد حرم) फा अ वि—दे 'नाकद गुनाह'।

नाकदनी (ناکدنی) फा अव्य—जो करने के योग्य न हो,
जिमका करना उचित न हो, अकरणीय।

नाकस (ناکس) फा वि—अधम, नीच, कमीना, पतित,
गहित।

नाकसी (ناکسی) फा स्त्री—अधमता, नीचता, लोफरपन।

नाकाविल (ناکابل) फा अ वि—अयोग्य, अपात्र, नाअहल।

नाकाविलानः (ناکابلانہ) फा अ अव्य—जाहिली और मूर्खी-
जैसा, मूर्खतापूर्ण।

नाकाविलीयत (ناکابلیت) फा अ स्त्री—अयोग्यता,
अपात्रता, नाअहली, शिक्षाभाव, कमलियाकती।

नाकाविले अदा (ناکابل ادا) फा अ वि—जो अदाइगी
के काविल न हो, न दी जा सकनेवाली रकम।

नाकाविले अपव (ناکابل عمو) फा अ वि—जो मुआफ
किये जाने के योग्य न हो, अक्षम्य।

नाकाविले अमल (ناکابل عمل) फा अ वि—जिम पर अमल
न किया जा सके, जो व्यवहार में न आ सके, अव्यवहार्य।

नाकाविले आजमाइश (ناکابل آزمائش) फा अ—जिसकी
परीक्षा न हो सके।

नाकाविले इंतिकाल (ناکابل انتقال) फा अ वि—वह
मपत्ति जो दूसरे के नाम मुतकिल न हो सके।

नाकाविले इतिखाव (ناکابل انتخاب) फा अ वि—जो
चुनाव के अयोग्य हो, जो गद्य या पद्य उद्वरण के
योग्य न हो।

नाकाविले इतिशाम (ناکابل انتظام) फा अ वि—जिमकी
व्यवस्था न हो सके।

नाकाविले इतिजार (ناکابل انتظار) फा अ वि—जिमकी
प्रतीक्षा न की जा सके।

नाकाविले इंदिमाल (ناکابل اندمال) फा अ वि—वह
घाव जो भरने के योग्य न हो।

नाकाविले इदिराज (ناکابل اندراج) फा अ वि—जिमका
नाम किमी रजिस्टर या खाते में लिखा न जा सके; जो
रकम जमाखर्च में डाली न जा सके किसी मद में या किसी
के नाम।

नाकाविले इसिदाद (ناکابل انسداد) फा अ वि—जिसका
निवारण न हो सके, जो रोका न जा सके।

नाकाविले इआदः (ناکابل اعادہ) फा अ वि—जो बात
दुहरायी न जा सके।

नाकाविले इआनत (ناکابل اعانت) फा अ वि—जिसकी
मदद न की जा सके; जो मदद करने के अयोग्य हो।

नाकाविले इकार (ناکابل اقرار) फा अ वि—जिसका
इकार न किया जा सके, जो माना न जा सके।

नाकाविले इखिलाफ (ناکابل اختلاف) फा अ वि—जिससे
मतभेद न किया जा सके, सहमति योग्य।

नाकाविले इख्फा (ناکابل اخفا) फा अ वि—जो छिपाया
न जा सके।

नाकाविले इख्राज (ناکابل اخراج) फा अ वि—जो खारिज
न किया जा सके, जो निकाला न जा सके।

नाकाविले इख्हार (ناکابل اظهار) फा अ वि—जो कहा
न जा सके।

नाकाविले इखिलाअ (ناکابل اطلاع) फा अ वि—जिसकी
सूचना न दी जा सके।

नाकाविले इल्मीनान (ناکابل اطمینان) फा अ वि—जो
भरोसे के काविल न हो, अविश्वस्त।

नाकाविले इन्कार (ناکابل انکار) फा अ वि—जिससे इन्कार
न किया जा सके।

नाकाविले इन्किसाम (ناکابل انقسام) फा अ वि—जो बाँटा
न जा सके, अविभाज्य।

नाकाविले इन्फिकाक (ناکابل انفکاک) फा अ वि—जो
रेहन रखी हुई चीज या जमीन, रेहन से छूट न सके।

नाकाबिले इन्साल (باقائل اتصال) का अ वि-जिमवा पमना न हो सके।
 नाकाबिले इन्साल (باقائل امتحان) का अ वि-जिसका परीक्षा न हो सके ना परापाक अयाय्य हा।
 नाकाबिले इन्साल (باقائل امدان) का अ वि-जिमवा सहायना न हो सके।
 नाकाबिले इलाज (باقائل علاج) का अ वि-जिमवा चिन्त्या न हो सके, दुमाध्य।
 नाकाबिले इस्तिफात (باقائل العفان) का अ वि-जिमवा धार तवगूह न की जा सके उपेय्य।
 नाकाबिले इन्साअन (باقائل اساعف) का अ वि-जिमवा पचार न हो सके, अयराय्य।
 नाकाबिले इस्तिदलाल (باقائل استدلال) का अ वि-वह कायद या दस्तावेज जा मुकम्म में काम न आ सके।
 नाकाबिले इस्त'माल (باقائل استعمال) का अ वि-जा प्रयाग क लाइज न हो जा खाने क याम्य न हो जा व्यवहार क अयाय्य हा।
 नाकाबिले इस्लाह (باقائل اصلاح) का अ वि-जिसका सुधार न हो सके जिमका श्रुटियाँ न निकल सकें।
 नाकाबिले ईका (باقائل اعا) का अ वि-वह प्रतिपा जो पूरा न हो सके।
 नाकाबिल उद्य (باقائل اعدو) का अ वि-जिम पर उद्य या एतिराज न किया जा सके।
 नाकाबिले उदूर (باقائل اعمو) का अ वि-वह नग आदि जिम पार न किया जा सके।
 नाकाबिले ए'तिना (باقائل اعتنا) का अ वि-जा ध्यान देने के लाइज न हो उपेय्य।
 नाकाबिले एतिमाद (باقائل اتمان) का अ वि-जा भयान क लाइज न हो अवि'वस्त।
 नाकाबिले एतिराज (باقائل اعتراض) का अ वि-जिस पर एतिराज न आया जा सके आपति'तान।
 नाकाबिले ए'लान (باقائل اعلان) का अ वि-जिमकी थापना न हो जा सके, जिमका एलान उभिन न हो।
 नाकाबिले एह'तिमात (باقائل احتماط) का अ वि-जिसम सावधानी की आवश्यकता न हो।
 नाकाबिले एह'साल (باقائل احصال) का अ वि-जो लिया न जा सके।
 नाकाबिले इब्रूल (باقائل اصول) का अ वि-ना स्वीकार न किया जा सके।
 नाकाबिले कुर्बानी (باقائل قربانى) का अ वि-वह पग

जिपना कुर्बानी जान्द न हो वह व्यक्ति जिस पर कुबाना वाजिब न हो।
 नाकाबिले खरोद (باقائل خورد) का अ वि-जा मात्र न लिया जा सके।
 नाकाबिले गिरिपत (باقائل گرفت) का अ वि-जिमवा पकड़ न हो सके जा पकड़ न जा सके।
 नाकाबिले गिरिपतारी (باقائل گرفتاری) का अ वि-जा गिरिपतार न हो सके।
 नाकाबिले गुजारिश (باقائل گوارش) का अ वि-जा कह न जा सके, अययनाय।
 नाकाबिले धीर (باقائل غيور) का अ वि-जिस पर धार न लिया जा सके।
 नाकाबिले खप्त (باقائل غلط) का अ वि-जा सहायक हा जिमका सहन मुकम्म हा जा जन न किया जा सके।
 नाकाबिले खप्ती (باقائل غلطی) का अ वि-वह खप या जाटूना आदि जिमकी खता न हो सके।
 नाकाबिले खमानत (باقائل ضمانت) का अ वि-जिसमें खमानत न ली जा सके।
 नाकाबिले खवाब (باقائل جواب) का अ वि-जा जारद' हा सके।
 नाकाबिले खवाब (باقائل جواب) का अ वि-जिस खवाब देना जरूरी न हो।
 नाकाबिले खवाल (باقائل ذوال) का अ वि-जिसका कम पतन न हो जिसका जननि न हो सके।
 नाकाबिले डिक् (باقائل دکر) का अ वि-अययनाय जिमका खप्ता उचित न हो, जा कहा न जा सके।
 नाकाबिले जिमाअ (باقائل حجاج) का अ वि-वह ख जिममें सहावास न हो सके बामारी क कारण छापी अयय क कारण या घम निपेय के कारण।
 नाकाबिले खिराअत (باقائل دراست) का अ वि-भूमि जा खनी के अयाय्य हा।
 नाकाबिले तअरजुब (باقائل معتصب) का अ वि-जिसमें अययने की कोई बात न हो।
 नाकाबिले तआशख (باقائل معارض) का अ वि-जिसमें पूठनाउ न की जा सके जिममें हुस्तक्षेप न हो सके।
 नाकाबिले तआयुन (باقائل معاين) का अ वि-जिसमें सत्याग न दिया जा सके।
 नाकाबिले तअहर (باقائل تقرر) का अ वि-जिसमें नियुक्ति न हो सके।
 नाकाबिले तअजीब (باقائل تعجب) का अ वि-जिसमें दुटनाया न जा सके।

नाकाविले तक्लीद (ناقائل تقلید) फा अ वि—जिसका अनुकरण न हो सके, जिसका अनुकरण उचित न हो।
 नाकाविले तक्सीम (ناقائل تقسیم) फा अ वि—जो बाँटा न जा सके, जिसका बँटवारा न हो सके, अविभाज्य।
 नाकाविले तक्वैयुल (ناقائل تحویل) फा. अ वि—जिसकी कल्पना न की जा सके; जो सोचा न जा सके, अचिन्त्य।
 नाकाविले तगैयुर (ناقائل تغیر) फा अ वि.—जिसमें परिवर्तन न हो सके।
 नाकाविले तद्वीर (ناقائل تدبیر) फा अ वि—जिसका इलाज न हो सके, असाध्य, जिसका कोई उपाय न हो।
 नाकाविले तफहीम (ناقائل تفہیم) फा. अ वि—जो समझाया न जा सके।
 नाकाविले तद्वील (ناقائل تعدیل) फा अ. वि—जो बदला न जा सके।
 नाकाविले तरक्की (ناقائل ترقی) फा अ वि—जो तरक्की के योग्य न हो।
 नाकाविले तरद्दुद (ناقائل تردد) फा अ वि—वह खेती जिसे जोता बोया न जा सके, वह विषय जिस पर गौर न किया जा सके।
 नाकाविले तरहहुम (ناقائل ترحم) फा. अ वि—दया के अयोग्य, जिस पर रहम न किया जा सके।
 नाकाविले तर्क (ناقائل تری) फा. अ. वि—जो छोड़ा न जा सके, अत्याज्य।
 नाकाविले तर्जाह (ناقائل ترحیم) फा. अ वि—जिसे प्रधानता न दी जा सके।
 नाकाविले तर्दाद (ناقائل تردید) फा. अ. वि—जिसका खडन न हो सके, अकाट्य।
 नाकाविले तर्सीम (ناقائل ترمیم) फा अ वि—जिसमें कोई संशोधन न हो सके, जिसमें कमी-वेशी या काट-छाँट न हो सके, अपरिवर्तनीय।
 नाकाविले तवज्जुह (ناقائل توجہ) फा अ वि—जिस पर ध्यान न दिया जा सके।
 नाकाविले तश्रीह (ناقائل تشریح) फा अ वि.—जिसकी व्याख्या न हो सके, जिसकी तफ्सील न बतायी जा सके।
 नाकाविले तश्वीश (ناقائل تشریح) फा अ वि—जिसके लिए चिंता और तश्वीश की जरूरत न हो।
 नाकाविले तस्वीअ (ناقائل تصدیع) फा अ वि—जिसके लिए किसी दर्देसर अथवा खटखट की आवश्यकता न हो।
 नाकाविले तस्दीक (ناقائل تصدیق) फा अ वि—जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

नाकाविले तस्वीर (ناقائل تستبیر) फा अ. वि.—जिसका पराजित करना असंभव हो, जिसे बशीभूत करना कठिन हो।
 नाकाविले तस्त्रीह (ناقائل تصریح) फा अ वि—जिसका स्पष्टीकरण न हो सके, जिसकी तफ्सील न बतायी जा सके।
 नाकाविले तस्लीम (ناقائل تسلیم) फा अ वि.—जिसे माना न जा सके।
 नाकाविले दखल अंदाजी (ناقائل دخل اندازی) फा. अ वि—जिसमें बाधा न डाली जा सके।
 नाकाविले दस्त अंदाजी (ناقائل دست اندازی) फा. अ. वि—जिसमें हस्तक्षेप न किया जा सके।
 नाकाविले दस्तरस (ناقائل دسترس) फा अ. वि—जहाँ तक रसाई न हो सके, जहा तक हाथ न पहुँच सके।
 नाकाविले दाद (ناقائل داد) फा. अ. वि.—जिसकी प्रशंसा न की जा सके, अप्रशंसनीय।
 नाकाविले दादरसी (ناقائل دادرسی) फा. अ. वि.—जो किसी दादरसी के काविल न हो, जिसे न्याय के अनुसार कुछ मिलने की न हो।
 नाकाविले दुस्ती (ناقائل درستی) फा अ वि—जिसकी मरम्मत न हो सके, जिसका सुधार न हो सके।
 नाकाविले नफ्रत (ناقائل نغرت) फा अ वि—जो नफ्रत के काविल न हो, जिससे घृणा न की जा सके, अघृण्य।
 नाकाविले निगारिश (ناقائل نگارش) फा अ वि—जो लिखने योग्य न हो, अलेखनीय।
 नाकाविले नुमाइश (ناقائل نمائش) फा अ वि—जिसकी नुमाइश न की जा सके, जो सबको न दिखाया जा सके।
 नाकाविले परवाज (ناقائل پرواز) फा. अ वि.—जो उड़ न सके।
 नाकाविले परस्तिश (ناقائل پرستش) फा. अ वि—जो पूजने के योग्य न हो, जो पूजा न जा सके।
 नाकाविले पामाल (ناقائل پامال) फा अ वि—जो पाँव तले मसला न जा सके।
 नाकाविले पिजीराई (ناقائل پیروائی) फा अ वि—जो कबूल न किया जा सके।
 नाकाविले पुसिश (ناقائل پوشش) फा अ वि—जो पूछने के काविल न हो, जिसकी पूछ-ताछ न की जा सके।
 नाकाविले पैमाइश (ناقائل پیمائش) फा अ वि—जिसकी पैमाइश न हो सके, जिसका क्षेत्रफल न निकाला जा सके।
 नाकाविले पैरवी (ناقائل پیروی) फा अ वि—जिसका अनुकरण न हो सके, जिसकी पैरोकारी न हो सके।
 नाकाविले फल्ह (ناقائل فتح) फा अ वि—जो जीता न जा सके, अजेय।

नाकाबिले फरामोश (فراوانى فراموش) फा अ वि-जो भुलाया न जा सके, जो बात कभी न भली जा सके।
 नाकाबिले फरोहत (فراوانى فروخت) फा अ वि-जा बेचा न जा सके।
 नाकाबिले फहम (فراوانى فهم) फा अ वि-जो समझा न जा सके।
 नाकाबिले फसल (فراوانى فصله) फा अ वि-जिसका नियम न हा सक।
 नाकाबिले बयान (فراوانى بيان) फा अ वि-जो कहा न जा सके, अकथनीय।
 नाकाबिले बरदात (فراوانى برداشت) फा अ वि-जा सहन न हा सके असहनीय।
 नाकाबिले बुलान (فراوانى بطلان) फा अ वि-जा झुटलाया न जा सक।
 नाकाबिले मदद (فراوانى मदد) फा अ वि-जिसकी सहायता न की जा सके।
 नाकाबिले मरम्मत (فراوانى مرمت) फा अ वि-जिनकी दुरस्ती न की जा सक।
 नाकाबिले मनामत (فراوانى ملائمت) फा अ वि-जिसकी निंदा न की जा सक जा भयना के योग्य न हा।
 नाकाबिले मुआलज (فراوانى معالجه) फा अ वि-जिसका चिकित्सा न हा सके असाध्य।
 नाकाबिले मुकाबल (فراوانى مقابله) फा अ वि-जिसका मुकादला न किया जा सक।
 नाकाबिले मुदाखलत (فراوانى مداخلة) फा अ वि-जिसमें हस्तक्षेप न किया जा सके।
 नाकाबिले मुदावा (فراوانى مداوا) फा अ वि-नाकाबिले मुआलज।
 नाकाबिले मुकाहमत (فراوانى معاينة) फा अ वि-जिसम समझौता न हा सके।
 नाकाबिले मुवालात (فراوانى مواصلات) फा अ वि-जिसम सत्याग न हा सके।
 नाकाबिले मुसालहत (فراوانى مصالحة) फा अ वि-जिसम सवि अथवा सुल्ह न हो सके।
 नाकाबिले रद्दा मबी (فراوانى رداى) फा अ वि-बड़े मुद्दमा जिसम दानो पण रातीनामा न कर सके।
 नाकाबिले रहम (فراوانى رحم) फा अ वि-जिस पर दया न की जा सके जो दया का पात्र न हा।
 नाकाबिले रिआयत (فراوانى رعایت) फा अ वि-जिसने साथ किनी प्रकर का गाना-गाव और रिआयत न हा सके।

नाकाबिले बकअत (فراوانى بکعت) फा अ वि-जिम कई प्रतिष्ठा न हो।
 नाकाबिले वफा (فراوانى وفا) फा अ वि-वह प्रतिष्ठा पूरी न हा मने वह वादा जा वफा न हा सके।
 नाकाबिले शक (فراوانى شك) फा अ वि-जिमम वि सन्देह की गुजायश न हा असन्धि।
 नाकाबिले शानाहत (فراوانى صلح) फा अ वि-जिम पहचान न हा सके।
 नाकाबिले शिकस्त (فراوانى شکست) फा अ वि-जि हराया न जा सके जिससे हाड न की जा सके।
 नाकाबिले शिकायत (فراوانى شکایت) फा अ वि-जिसकी शिकायत न की जा सके।
 नाकाबिले शिफा (فراوانى شفا) फा अ वि-वह रागी अचछा न हा सके असाध्य।
 नाकाबिले शुमार (فراوانى شمار) फा अ वि-जा गिला जा सके।
 नाकाबिले सताहस (فراوانى ستائش) फा अ वि-जिम प्रशंसा न हा सके।
 नाकाबिले सजा (فراوانى سزا) फा अ वि-जिम सजा दी जा सके अदरनीय।
 नाकाबिले सभाअत (فراوانى معاضه) फा अ वि-जो बात सुनने के योग्य न हो।
 नाकाबिले सराहत (فراوانى صراحت) फा अ वि-नाकाबिले तस्तीह।
 नाकाबिले सिफारिश (فراوانى سفارش) फा अ वि-जिमकी सिफारिश न की जा सक।
 नाकाबिले सुल्ह (فراوانى صلح) फा अ वि-नाकाबिले मुसालहत।
 नाकाबिले हिफाजत (فراوانى حفاظت) फा अ वि-जिमका रक्षा न हा सके जो रक्षा करने क योग्य न हा।
 नाकाबिले हुकूमत (فراوانى حکومت) फा अ वि-जो राज करने के योग्य न हो जिस पर शासन न चल सके।
 नाकाबिले हुसूल (فراوانى حصول) फा अ वि-जा प्राप्त न हो सक जा हासिल न किया जा सके।
 नाकाबिले नाकाम (فراوانى ناکام) फा अ वि-असफल नाकामयाब जिनका मायूस।
 नाकाबिले नाकामयाब (فراوانى ناکامیاب) फा अ वि-असफल नाकाम जनुताथ फल असफल।
 नाकाबिले नाकामयाबी (فراوانى ناکامیابی) फा अ वि-असफल नाकामो उत्तीथ न हाना फल हा जाता।

नाकामी (नाकामी) फा स्त्री.—असफलता, नाकामयावी, निराशा, नाउम्मीदी।

नाकामिए तकदीर (ناکامی تکیدير) फा स्त्री.—भाग्य की वचना, भाग्य की कुटिलता—“वढते-वढते हद्दे मजिल से भी आगे वढ गये, हम तो आजिज आ गये नाकामिए तकदीर से।”

नाकामे आर्जू (ناکام آرزو) फा वि—जो मनोरथ मे सफल न हो, जिसके प्रेम की आशाएँ असफल हो गयी हो।

नाकार: (ناکار) फा वि—निष्कर्म, निकम्मा, व्यर्थ, बेकार; निष्प्रयोजन, वेमत्तलव।

नाकारआमद (ناکار آمد) फा. वि—जिसका कोई प्रयोजन न हो, निष्प्रयोजन।

नाकाश्त: (ناکاشته) फा वि—वह जमीन जो बोई जोती न गयी हो।

नाक़िद (ناکد) अ वि—आलोचक, समालोचक, तन्कीद निगार।

नाकिल (ناقل) अ वि—नकल करनेवाला, प्रतिलिपिक, दूसरे से सुनी हुई वात कहनेवाला।

नाकिस (ناقص) अ वि—अपूर्ण, नामुकम्मल, दूषित, विकृत, खराब, मिथ्या, कूट, खोटा, धूर्त, पाजी, अरबी का वह शब्द जिसका अंतिम अक्षर अलिफ, वाव या ये हो।

नाकिसुलअकल (ناقص العقل) अ वि—मंदबुद्धि, विकृत-बुद्धि, कमअकल।

नाकिसुलखिलकत (ناقص الخلق) अ वि—जिसके शरीर मे कोई अंग कम हो, विकलांग।

नाकिसुलफहम (ناقص الفهم) अ वि—दे ‘नाकिसुलअकल’।

नाकूस (ناکوس) अ. पु—दर, कबू, शख, सख।

नाकेह (ناکيه) अ वि—ब्याह (नकाह) करनेवाला।

नाख (ناخ) फा पु—नास्पाती की एक जाति।

नाखलफ (ناخلف) फा अ वि—जो लडका वाप के सदाचरण पर न चले, कपूत।

नाखिस (ناخس) अ वि—चुभनेवाला, गड़नेवाला।

नाखुदा (ناخدا) फा पु—कर्णधार, नाविक, मल्लाह।

नाखुदातर्स (ناخدا ترس) फा वि—जो ईश्वर से न डरना हो, अर्थात् निर्दय, बेरहम।

नाखुदाई (ناخدا ئی) फा स्त्री—नाव चलाना, किन्तीरानी।

नाखुन (ناخنه) फा पु.—आँख का एक रोग जिसमे रक्त की एक विदी पड जाती है।

नाखुन (ناخن) फा पु—हाथ या पाँव के नाखून, नख।

नाखुनतराश (ناخن تراش) फा पु—नाखुन काटने का यंत्र, नहती।

नाखुज (ناخوش) फा वि—अप्रसन्न, नाराज, रोगी, बीमार, क्रुद्ध, गुस्सा।

नाखुशगवार (ناخوش گوار) फा वि—जो मन को अच्छा न लगे, अरुचिकर।

नाखुशगवारी (ناخوش گواری) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाखुशी; अरुचि, बेरगवती।

नाखुशी (ناخوشی) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाराजी, रोग, बीमारी, क्रोध, गुस्सा।

नाखुब (ناخوب) फा वि—जो अच्छा न हो, निकृष्ट, बुरा।

नाखुबांद: (ناخوآنده) फा वि—वे बुलाया हुआ, वे पढा-लिखा, अशिक्षित।

नाखुबांदगी (ناخوآندگی) फा स्त्री—वे बुलाया हुआ होना, वे पढा-लिखा होना।

नाखुबास्त: (ناخوآسته) फा वि—न चाहा हुआ।

नाखुबास्त (ناخوآست) फा वि—अनायास, अकस्मात्, बेइख्तियार।

नाखुबाह (ناخوآه) फा वि—जो राजी न हो, अस्वीकृत।

नाग: (ناغه) तु पुं—अनुपस्थिति, गैरहाजिरी।

नाग-नवीस (ناغه نویس) तु फा पु—एक कर्मचारी जो राजाओ या नब्बावो की उद्योढी के मुलाजिमीन की हाजिरी लेता है।

नागवार (ناگوار) फा वि—जो पसद न हो, जो अच्छा न लगे, निस्वाद, वेमजा।

नागवारा (ناگوارا) फा वि—दे ‘नागवार’।

नागवारी (ناگواری) फा स्त्री—अच्छा न लगना, पसद न होना।

नागह (ناگه) फा वि—‘नागाह’ का लघु, दे ‘नागाह’।

नागहाँ (ناگهآں) फा वि—अकस्मात्, अचानक, बेसीका, कुसमय, बिना इत्तिलाअ दिये।

नागहानी (ناگهآنی) फा वि—आकस्मिक, इत्तिफाकी, दैविक, गैबी।

नागाह (ناگه) फा वि—अचानक, अकस्मात्, यकायक, सूचना दिये बगैर, बेखवरी मे।

नागुजीर (ناگجیر) फा वि—जिससे छुटकारा न हो, अनिवार्य, आवश्यक, लाजिमी।

नागुपत: (ناگفته) फा वि—जो कहा न गया हो, अकथित।

नागुपत बेह (ناگفته به) फा वि—जिसका न कहना हो अच्छा हो, जिसके कहने में खराबी हो या क्षणत पटे, अकथ्य।

नागुपतनी (ناگفتنی) फा अव्य—न कहने योग्य, अवधनीय।

नाचाक (ناچاق) फा तु. वि—जो न्यस्त्य न हो, अस्त्य्य।

नाचाकी (ناچاکی) का तु स्त्री-व्रमन्य मनमुगव
जनन बीमारी राग।
नाचार (ناچار) का वि-व्रम असहाय निराश्रय
दुग्धी दोन मुगीवतबदा मयूर जममय।
नाचारी (नाचारी) का स्त्री-वेवगी वकगा आश्रय
हीनता दुर कष्ट तन्नाफ असामय्य मयूरी।
नाचीद (ناچی) का वि-हच पाच नाकार निवग्मा
नघना प्रग्गन के गिए वकना अपन को भी कहता है।
नाच (ناچ) का पु-हाव भाव नाचाअग मान अनिमान
घमन गव फल।
नाचनीं (ناچنی) का वि-मदुल काम नाचुन
मुनुमारी मुनरी।
नाचपवर (ناچپور) का वि-नाचपव।
नाचपवद (ناچپورد) का वि-जिसका पान्न-योपण
बने गन्धवार स हुआ है मुनुमार नाचुववन्।
नाचपेश (ناچپش) का वि-जिम हाव भाव गिगान की
आन्त हो गणिना तवाइफ प्रयमा मानुका।
नाचपेगगी (ناچپسگی) का स्त्री-नाचा अग गिगाना
हाव भाव स लिल दुभाना।
नाचवरदार (ناچپردار) का वि-नाच उठानवाला
नायन आगिक।
नाचवरदारी (ناچپرداری) का स्त्री-नाच उठाना
धिग्मत करना।
नाचवालिग (ناچوالی) का पु-महू का तकिया
वन् तकिया जा वन् तकिए क अतिरिक्त इधर-उधर सहारे
क लिए रहता है।
नाचबू (ناچبو) का स्त्री-एक प्रकार की चमड़ा।
नाचों (ناچوں) का वि-अठगना हुआ नाच करता हुआ
गर्वाचित मय र।
नाचाई (ناچاई) का वि-जा उन्नत न हुआ हो जगा।
नाचिस (ناچیس) का अ वि-अगम्य जगित ना
मन्वव्र जा गामान्ता न कारिन् न हा।
नाचिम (ناچیم) अ पु-अवम्यापक मुतजिम मथा
सन्तरा।
नाचिर (ناچیر) अ स्त्री-नाचिर की स्त्री दवनवापी
(प) कुरान का गनर पन्ना कट न करता।
नाचिरहवा (ناچیرحوان) अ पा वि-कुरान का देवकर
पन्नवाला जा हाफिज न हा।
नाचिर (ناچیر) अ पु-अवनवाला दगक एव कमचारी।
नाचिरीन (ناچیرین) अ पु-अगण्य देवनना पदनवाले।
नाचिल (ناچیل) अ पु-आपत्ति विपन् भुमीवत सागित।

नाचिल (ناچیل) अ वि-उतरनवाग उपर स नाच आन
वाग उतरा हुआ आमा हुआ।
नाचिग (ناچیش) का स्त्री-नाच हाव भाव गव फल।
नाजी (ناچی) अ वि-मुक्ति पानवाला माग प्राप्त
कलेवाग, मुक्त नजातपाप्त।
नाचीद (ناچید) का वि-गर्वाचित मयूर।
नाचुक (ناچی) का वि-मन् मुगदम कामल नम
मूधम ग्गीक हवा-मुग्वा वाग कमदार गु
दनीक पचनर उल्ला हुआ दुवला-पतग तीर
तज।
नाचुकअदाम (ناچی اداام) का वि-जिमका गसर
दुवग पतग हा वृगाग।
नाचुककमर (ناچی کمر) का वि-वह हाग जिमका
कमर पतली हो कश्शिषा।
नाचुकछवाल (ناچی حوال) का अ वि-वह कवि जो
कविता में गुं अथवाले भाव लाता है।
नाचुकतवअ (ناچی طبع) का अ वि-नाचकमिदव।
नाचुकदिमाग (ناچی دماغ) का अ वि-किचि
मिजाज का जा बात-वात पर विगड जा किगी का वात
सहन न कर सक।
नाचुकदिल (ناچی دل) का वि-जिसका हृय कामल हा
मदुलहृय।
नाचुकबदन (ناچی بدن) का वि-दे नाचुकअगम।
नाचुक मिजाज (ناچی مزاج) का अ वि-जिसका स्वभाव
बहुत ही मदु हा जिसका मिजाज चिचिग हा।
नाचुकमिजाजी (ناچی مزاجی) का अ स्त्री-स्वभाव की
कोमन्ता चिचिगपन।
नाचूर (ناچور) अ स्त्री-मालिन माग्नी प्रयगी
प्रमिका महवव।
नाचूर (ناچور) अ पु-रमव दव रख करनवाला निगह
वान।
नाचवा (ناچوا) का वि-अनुचित नामनामिअ अरलाल
नामुहुरजव।
नाचोनियाच (ناچونیاچ) का पु-आगिक और मागक के
मुनामलत आगिक की तरफ स नियाज और माग्क
की तरफ स नाच।
नाचोर (ناچور) का वि-अगणन निगल नाताक्त।
नांत (ناعت) अ स्त्री-हजत मुहम्मद साहब की छानब
स्तुति।
नातहवा (ناعتحوان) अ पा वि-मीला क जलतो
स नात के गर पन्नवाला।

नातंगो (نعت گوی) अ फा वि—वह गाइए जो केवल नात लिखता हो।

नातजियःकार (نا تعجیبه کار) फा अ वि—जिसे अनुभव न हो, अनाज्ञी।

नातजिय कारी (نا تعجیبه کاری) फा अ स्त्री—अनुभवहीनता।

नातमाम (ناتمام) फा अ वि—अपूर्ण, अगूरा।

नातराशीदः (نا تراشیده) फा वि—अगम्य, अजिष्ट, नामहृदयव।

नातधिपतयाप्तः (نا تہیبت یافتہ) फा अ वि—जिगने नम्यता की शिक्षा न पायी हो; जो ट्रेड न हो।

नातर्स (نا ترس) फा वि—निर्दय, बेरहम।

नातर्सो (نا ترسی) फा स्त्री—निर्दयता, बेरहमी।

नातलवीदः (نا طلالیدہ) फा वि—जो बुझाया न गया हो, अनाहूत।

नाताकत (نا طاقت) फा अ वि—निर्वल, अगम्य, बेजोर।

नाताकती (نا طاقتی) अ फा स्त्री—निर्वलता, अगम्य, कमजोरी।

नातालीमयाप्तः (نا تعلیم یافتہ) फा अ वि—जो पढा-लिखा न हो, अधिक्षित; अगम्य, अजिष्ट, बेतमोज।

नातिकः (نا طاقہ) अ पु—वाययशयित, वाणी, कुव्वते गोयार्द।

नातिक (ناطق) अ वि—बोलनेवाला, वयता, अंतिम, आखिरी, जो टले नहीं।

नातुर्वा (نا تواں) फा वि—अगम्य, निर्वल, बेजोर।

नातुर्वाँ (نا تواں یں) फा वि—डाह करनेवाला, ईर्ष्यान्वु, झामिद।

नातुवानो (نا توانی) फा स्त्री—शक्तिहीनता, निर्वलता, कमजोरी।

नादान (نادان) फा वि—अनभिज्ञ, अनाडी, मूर्ख, नासमझ।

नादानिस्तः (نادانسنہ) फा वि—अनजान मे, वे जाने-बूते।

नादानिस्तगी (نادانسنگی) फा स्त्री—अनजानपन।

नादानो (نادانی) फा स्त्री—मूर्खता, बेवकूफी, अज्ञान, जहालत।

नादार (نادار) फा वि—दरिद्र, निर्धन, कगाल, मुफलिस।

नादारो (ناداری) फा स्त्री—दरिद्रता, निर्धनता, मुफलिसी।

नादाश्त (ناداشت) फा वि—दरिद्र, कगाल, मुफलिस।

नादाश्ती (ناداشتی) फा स्त्री—दरिद्रता, कगाली, गरीबी।

नादिस (نادیم) अ वि—लज्जित, सकुचित, शमिदा, पछतानेवाला।

नादिरः (نادیر) अ वि—अद्भुत, अजीबोगरीब।

नादिर (نادیر) अ वि—अद्भुत, अजीबोगरीब; श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया।

नादिरए रोजगार (نادیر روزگار) अ फा वि—दुनिया भर मे नवने श्रेष्ठ।

नादिरो (نادیری) अ स्त्री—नादिर बादशाह से सम्बन्धित; गजिफे का टाका, एक प्रकार की बडी।

नादिहद (نادیہد) फा वि—जो गप्या लेकर देने मे बहुत टालमटोल करे, लेकर न देनेवाला।

नादिहंदगी (نادیہدگی) फा स्त्री—गप्या उधार लेकर फिर न देना।

नादी (نادی) अ वि—पुकारनेवाला, बुझानेवाला।

नादीदः (نادیدہ) फा वि—जिसे देना न हो, अनदेगा, अदृष्ट।

नादीद मुश्ताक (نادیدہ مشتاق) फा अ वि—देराने का अभिलाषी, जिगने कभी न देता हो।

नानेजर्वी (نان حویں) फा स्त्री—जो की रोटी, मोटी-रोटी रोटी।

नादीदनी (نادیدنی) फा अव्य—जो देराने के काविल न हो, अदर्शनीय।

नादुएस्त (نادورست) फा वि—जो गुद्ध न हो, अशुद्ध, जो सत्य न हो, झूठ, गैर मरम्मतगुदा।

नादुएस्ती (نادورستی) फा स्त्री—अशुद्धि, ठीक न होना, अगम्यता, झूठ, बेगममती।

नान (نان) फा स्त्री—रोटी, रोटिका; खमीरी रोटी, नांद।

नानकार (نان کار) फा स्त्री—वह जमीन जो सेवक को उसकी गुजर-बसर के लिए पुरस्कार के तौर पर दी जाय।

नानकोर (نان کور) फा वि—कृतघ्न, विश्वासघाती, गमकहराम।

नानपाताई (نان خطائی) फा स्त्री—एक प्रकार का मोठा विस्फुट।

नानखुरिदा (نان خورش) फा स्त्री—मालन, वह चीज जिसके साथ रोटी खायी जाय।

नानख्वाह (نا سخواہ) फा स्त्री—अजवाइन, यमानिका।

नानपज (نان پر) फा पु—रोटी पकानेवाला, नानवाई।

नानफरोश (نان فروش) फा पु—रोटी बेचनेवाला, नानवाई।

नानवा (ناوا) फा पु—नानपज, नानवाई।

ना'ना'अ (نعااع) अ पु—एक प्रकार का पोदीना।

नाने आबी (نان آبی) फा स्त्री—आबी रोटी।

नाने खुस्क (نان خشک) फा स्त्री—सूखी रोटी, मोटी-झोटी रोटी।

नापदीद (ناپدید) का वि-गुप्त, जयक छिपा हुआ।
 नापर्वा (ناپروا) का वि-वैपरी, जिम मिसां बात को
 विता न हा।
 नापहेंबगार (ناپهنگار) का वि-जा पहुँजगार न हा।
 नापसद (ناپسد) का वि-अरतिवर् गर भाव।
 नापसदीद (ناپسدید) का अ वि-जो पसद न हो
 अरतिवर् अग्रिय।
 नापसदीद कार (ناپسدیدکار) का वि-बह व्यक्ति जा
 ऐस काम करता हा जा अच्छ न हा अग्रियवर।
 नापसदीदगी (ناپسدیدگی) का स्त्री-अनर न हाने का
 भाव अरति।
 नापाइदार (ناپادار) का वि-अच्छ जा मजबूत न हा
 अस्थायी आरिजी अनिश्चित गर यकीना।
 नापाक (ناپاک) का वि-अपवित्र जगुचि, जो पाक न हा,
 मन्दिपित मजासत जाल्द।
 नापाकी (ناپاکی) का स्त्री-असुद्धता अपवित्रता मदीगी।
 नापुहन (ناپسته) का वि-जो पक्का न हा अपक्व
 जो भावन न हा अच्छ।
 नापुटाकार (ناپستهکار) का वि-नाताअव कार
 अननभनी।
 नापुतगी (ناپستگی) का स्त्री-अपरिपक्व कच्चापन
 जल्ता वादापन।
 नापव (ناپد) का वि-अप्राप्य नापाव अनादीन
 गादब हुज पीगीगी।
 नापदा (ناپدا) का वि-नापद।
 नापवाकतार (ناپدکنار) का वि-जिसका छार न मिल
 सन जिसका कितारा न मिच्छ जगार।
 नाप (ناپه) का पु-मगनाभि।
 नाप (ناپه) का स्त्री-नाभि सुगै सुद कूप।।
 नापए आठ (ناپه آه) का पु-मगनाभि।
 नापए मुसक (ناپه مسک) का पु-मगनाभि वह यली
 जिसम मुसक स्त्री है।
 नाफब (ناپه) का स्त्री-मैचिंग।
 नाफत्राम (ناپه حاتم) का वि-जिसने काम का परिणाम
 अच्छ न हा कच्छत्राम।
 नाफर्मान (ناپه فرمان) का वि-अवकावारी हुक्म न मानने
 वाप उच्छ करवा।
 नाफर्मानी (ناپه فرمانی) का स्त्री-अवका, हुक्मउठ्ठाना
 उच्छना करवगी।
 नाफह (ناپه) का अ वि-जिनका समय मानी हा
 जा बात न समय छक।

नाफहरी (ناپه هری) का अ स्त्री-वैअली जगा, भूखता।
 नाफिब (ناپه) अ वि-हुक्म जगरो हाना, कानून लामू
 हाना।
 नाफिर (ناپه) अ वि-विन कन्नवाला घुषा।
 नाफी (ناپه) अ वि-नफी करवेवाला।
 नाफे (ناپه) अ वि-लाभनायक, लाभकारक नफा देन
 वाग।
 नाफे जमी (ناپه زمین) का स्त्री-मस्की।
 नाफे हफत (ناپه هفته) का स्त्री-मगलवार मगल।
 नाफ (ناپه) का वि-गुद्ध निमल सारिम तज और
 निमल मदिरा।
 नाब (ناپه) का वि-छालिस निमल।
 नाब (ناپه) अ पु-दत दाँत।
 नाबकार (ناپه کار) का वि-मालाइन, जम पापर तब।
 नाबदान (ناپه دان) का स्त्री-मकान की मात।
 नाबलद (ناپه لاد) का वि-अभिन जनमान नावाकिए।
 नाबाइस्त (ناپه ایست) का वि-नाशाइस्त अगिष्ट अमम।
 नाबालिम (ناپه ایلم) का अ वि-जा बालिम न ट,
 अवयस्क।
 नाबालिम (ناپه ایلم) का अ स्त्री-अवयस्कता जवाना
 का न पहुँचना।
 नाबित (ناپه ت) अ वि-उगनवाला, उपजनवाला।
 नाबीना (ناپه ناینا) का पु-अव अवा नपहान।
 नाबूद (ناپه د) का वि-नष्ट विध्वस्त बरवा लुप्त
 गाइव।
 नामअर (ناملطور) का अ वि-अस्वाहित अनगहृत
 जा मजूर न हा र्छ खारिज।
 नामअरी (ناملطوری) का अ स्त्री-अरीहुनि, खारिज
 हाना, र्छ हाना।
 नाम (نامه) का पु-विट्टी छत पत्र द्रव, पुस्तक
 (याग में) जस-शास्त्रनाम।
 नाम निगार (نامه نگار) का पु-सबाकार सबागात
 करस्थाप्ट।
 नामअर (نامه در) का पु-छत छ जानेवाला, टाकिया
 पत्रवाहन।
 नाम र्सा (نامه رسان) का पु-नाम कर।
 नाम सियात्र (نامه سیاه) का वि-जिसका नाम अमाल
 (कमपत्र) रिलकु काला हा पाया हुक्मनी गुनाहगार।
 नाम (نامه) का पु-मया इम या नामवरी, खानि
 गाहरत प्रतिष्ठा इबबत स्मरण चित्त मारपा,
 उगाधि, रक्व, धूम गुह।

नामआवर (نام آوار) फा वि-रगतिप्राप्त, मगहर, यशस्वी, कीर्तिवान्, नाहिवे फँज।
 नामआवरी (نام آوری) फा स्त्री-सुख्याति, शोहरत, यग, कीर्ति, फँज।
 नामए अमल (نام عمل) फा अ पु-दे 'नामए आ'माल'।
 नामए आ'माल (نام اعمال) फा अ पु-वह कागज जिम पर यमदूत हरेक व्यक्ति के मलकर्म और कुकर्म लिखते हैं, कर्मपत्र।
 नामए शोक (نام شوق) फा अ पु-मुहज्वत का खत, प्रेमपत्र।
 नामक्बूल (نام قبول) फा अ वि-जो स्वीकार न किया जा सके, अस्वीकृत।
 नामजदः (نام جد) फा वि-दे 'नामजद'।
 नामजद (نام زد) फा वि-ख्यात, मगहर, किमी काम या चुनाव के लिए मुतयव, मनोनीत, नाम निर्दिष्ट, वह लडकी जो किमी की मंगेतर हो चुकी हो।
 नामजदगी (نام زدگی) फा स्त्री-चुनाव आदि मे नामजद होना, नामनयन, नाम-निर्देशन, किमी काम के लिए किमी का तर्कर।
 नामजू (نام جو) फा वि-नामवरी चाहनेवाला।
 नामखूश (نام مطبوع) फा अ वि-अप्रिय, अरुचिकर, नामखूब, अप्रकाशित, जो छपा न हो।
 नामतल्लूब (نام مطلوب) फा अ वि-जिमकी चाह न हो, अवाञ्छित।
 नामदार (نام دار) फा वि-यशवान्, नामवर, प्रतिष्ठित, जी इज्जत, ख्यातिप्राप्त, मगहर।
 नामवरदार (نام بردار) फा वि नामी, प्रतिष्ठित।
 नामवुर्द (نام برد) फा वि-पहले कहा हुआ व्यक्ति, जिम आदमी का पहले जिग हो चुका हो, पूर्ववित।
 नामद (نامرد) फा वि-भीरु, डरपोक, वुजदिल, बलीव, नपुसक, हीजडा।
 नामदी (نامردی) फा स्त्री-भीरुता, डरपोकपन, वुजदिली, बलीवत्व, नपुसकता, जनानापन।
 नामदुम (نامردم) फा वि-अधम, पामर, नीच, लोफर।
 नामदुमी (نامردمی) फा स्त्री-अधमता, नीचता, कमीनगी।
 नामद्वूत (نامربوط) फा अ वि-जो क्रमवद्ध न हो, अमवद्ध, अनमिल, बेजोड, अड-बड।
 नामवर (نامور) फा वि-मगहर, प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त; यशवान्, पुण्यश्लोक, वारफँज।
 नामवरी (ناموری) फा स्त्री-ख्याति, शोहरत, यश, कीर्ति, फँज।

नामशरूअ (نامشروع) फा अ वि-जो काम बर्ज के विरुद्ध हो, अविहित।
 नामस्मूअ (نامسموع) फा अ वि-जो मुना न हो, अश्रुत।
 नामहदूद (نامحکود) फा अ वि-अपार, अभीम, जिसकी हद न हो।
 नामहरूम (نامحرورم) फा अ वि-वह मर्द जिमसे स्त्री का पर्दा जाइज हो; अपरिचित, अजनवी।
 नामा'कूल (نامعقول) फा अ वि-अनुचित, नामुनासिव, अदलील, फुहश, अनर्थक, वेहद, बुद्धि में आ न सक्नेवाली बात, अरुचिकर, नापमदीद, अगम्य, अशिष्ट, गैर मुहज्जव।
 नामानूस (نامانوس) फा अ वि-जिमकी ओर रुचि और लगाव न हो, जो पसद न हो।
 नामालूमलइस्म (نامعلوم الاسم) फा अ वि-जिनका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।
 नामालूम (نامعلوم) फा अ वि-जिनका पता न हो, अज्ञात।
 नामियः (نامیة) अ स्त्री-उगने और बढ़ने की कुव्वत, विकास-शक्ति।
 नामी (نامی) फा वि-प्रसिद्ध, मगहर, यशवान्, वारफँज, श्रेष्ठ, मुअज्जज।
 नामीदः (نامید) फा वि-नाम रखा हुआ।
 नामुआफिक (نامواق) फा अ वि-प्रतिकूल, अननुकूल, मुत्ताल्फि।
 नामुकम्मल (نامکامل) अ. फा वि-जो पूरा न हो, अपूर्ण, अधूरा, जो अभी रयत न हुआ हो, अममाप्त।
 नामुतनाही (نامستناهی) फा अ वि-असीम, अपार, वेहद, जिमकी इतिहा न हो।
 नामुनासिव (نامنداسب) फा अ वि-जो उचित न हो, अनुचित, जो श्लील न हो, अश्लील, फुहश।
 नामुवारक (نامصداری) फा अ वि-जो शुभ न हो, अशुभ, अमागलिक।
 नामुस्किन (نامسکین) फा अ वि-जो हो न सके, असभव।
 नामुराद (نامراد) फा वि-असफलमनोरथ, नाकाम, दुर्भाग्यवान्, अभागा, वदनसीव।
 नामुरादी (نامرادی) फा स्त्री-मनोरथ मे असफलता, नाकामी, वदनसीवी, दुर्भाग्य।
 नामुलाइम (ناملائم) फा अ वि-जो मुलाइम न हो, कठोर, सख्त, जो श्लील न हो, अश्लील, नामुहज्जव।
 नामुशख्स (نامشخص) फा अ वि-जिसकी तशखीस न हुई हो, अज्ञात, अकुलीन, अज्ञातकुल।

नामुसाअदत (نامساعد) फा अ स्त्री-प्रतिकूलता, नामुआफकत नासाअदगारी।
 नामुसाइद (نامساعد) फा अ वि-प्रतिकूल, मुनाफिफ।
 नामुसाबी (نامسابی) फा अ वि-जो बराबर न हो विपग जा यकसा न हा अममान।
 नामूस (ناموس) अ पु-लज्जा राज गरत सतीत्व इस्मा मर्यादा, पत्नी स्त्री।
 नामूसिय (ناموسندی) अ स्त्री-मच्छरदानी।
 नामूसे अवबर (ناموس اکر) अ पु-नियम, वादना विगान दस्तर त्रिरील।
 नामे खुदा (نام خدا) फा अय-जहाँ नबर लगने का मय हा बहा बोलने ह जमे-अव वह नामे खुदा तनदुरस्त ह बाह बाह मागा जल्लाह की जगह प्रगता के लिए।
 नामेह्वरी (نامهرانی) फा वि-बेरहम दयाहीन दुमन गनु।
 नामेह्वानी (نامهرانی) फा स्त्री-बेरहमी निर्यता गनुता वर।
 नामोतबर (نامعتبر) फा अ वि-जिमका एतिवार न हो अविरचस्त।
 नामोजू (ناموروی) फा अ वि-अनुचित नामुनासिव अस्लीक नामुहज्जव वह गेर या मिस्रा जो वरन से खारिज हा।
 नामोजूद (ناموحد) फा अ वि-जो मौजूद न हो अनु पस्चित।
 नामोजूदगी (ناموحدگی) फा अ स्त्री-अनुपस्चिति अविचमानता।
 नामोजूनी (نامورونی) फा अ स्त्री-अनुचितपन नामुना सिव होना शर या मिस्रे का वल म न होना।
 नायाव (نااب) फा वि-जिमका मिलना सभव न हो अत्राप्य।
 नायावी (ناابی) फा स्त्री-अप्राप्ति फकान।
 नारज (نارنج) फा पु-सयतर मतरा नारगी।
 नारजी (نارنجی) फा वि-नारगी के रग का।
 नार (نار) अ पु-बार का आवाज ललकार माग मुनालवा किमी माग या गुतालवे के लिए उगी आग के सक्षिप्त गला की घोषणा।
 नारखन (نارخورن) अ फा वि-नारा लगानवाला।
 नारखनी (نارخورنی) अ फा स्त्री-नारे गाना।
 नार (نار) अ स्त्री-आग अग्नि नरक दोख।
 नार (نار) फा पु-अनार दाडिम।
 नारजील (نارحیل) फा पु-नारियत्र नारिवेल गरी सापग।

नारजीले दर्याई (نارحیل دریائی) अ फा पु-समुद्र म पना हानेवाला नारियत्र पथीता जो हैजे में काम आता है।
 नारदान (نارदान) फा पु-अनार के बीज, छट्टे अनार क दाने।
 नारिपस्ता (نارپستان) फा वि-वह स्त्री त्रिषवी छातिप कठार हा।
 नारखुन (نارخن) फा पु-अनार का पेठ, दाडिम वख।
 नारखन (نارخن) फा पु-मुनार अनार का एव प्रकार।
 नारवा (ناروا) फा वि-जो उचित न हो, अनचित, नामुनासिव जो जाइज न हो अवहित।
 नारस (نارس) फा वि-वह पत्र जो अभी पका न हा पच्चा।
 नारसा (نارسا) फा वि-जो पहुँच न सके जो पा न सके।
 नारसाई (نارسائی) फा स्त्री-पहुँच न होना पान सक्ता।
 नारसी (نارسی) फा स्त्री-नारसाई।
 नारसीद (نارسیده) फा वि-जो फल पका न हो जो बालिग न हो, अवयस्क जो अनुभवहीन हो अनागी।
 नारसीदगी (نارسیدگی) फा स्त्री-फल का पका न होना कच्चापन अनुभवहीनता अनागीपन।
 नाराब (ناراب) फा अ वि-अप्रसन्न नाखुस कुज गुम्मे में।
 नाराबी (نارابی) फा अ स्त्री-अप्रमनता नाखुसो प्राप कोप गुस्ता।
 नारास्त (ناراست) फा वि-जो सीधा न हा वर टेग जा सच न हा असत्य झूठ खाटा आत्मी भूत।
 नारास्ती (ناراستی) फा स्त्री-वचता, टडापन असत्यता झूठ खाटापन भूतता।
 नारी (ناری) अ वि-नारकी दोजनी अग्नि से उत्पन्न प्राणिवग जिन परी।
 नारे जह्नम (نارجهلم) अ स्त्री-नरक की आग, दोख की आग।
 नारे दोख (ناردرج) अ फा स्त्री-नारे जह्नम।
 नारे फासी (نار فاسی) अ फा स्त्री-उपदग गर्मी रोग।
 नारे सईर (نار سعیر) अ स्त्री-नारे जह्नम।
 नाल (نال) फा पु-आतना फर्याद चीलार चीन को गहल शोर।
 नालकग (نالکشر) फा वि-नाला बरनवाला फर्याद बरनेवाला।
 नाल कुनी (نالکلیان) फा वि-नाल बरता हुआ फर्याद करता हुआ।
 नालगर (نالگر) फा वि-दे नालकग।
 नालखन (نالخن) फा वि-नालकग।

नाल (نال) फा स्त्री—वह महीन गूत-जैसे रेशे जो कलम के भीतर होने हैं, भीतर से खाली नरकट, नलकी।
ना'ल (نعل) अ पु—जूता, पादुका, घोंटे या बेल आदि के पांव में जडा जानेवाला लोहे का हक, जूते में जडा जानेवाला लोहे का हक।
ना'लिन (علين) अ पु—दोनों जूते, जूते का जोडा।
ना'ल दर बातश (نعل در آتش) अ फा वि—व्याकुल, आतुर, बेकरार।
ना'लबद (نعل بند) अ फा वि—जूतों या चीपायों के पांव में नाल बांधनेवाला।
ना'लबहा (نعل بها) अ फा पु—गिराज, चीथ, राजकर।
नालां (نالی) फा वि—रोता-चिन्तना हुआ, बावला करता हुआ,—“बहार जायी चमन में, और तू इतनी परीशां है, वता बुलबुल! तुझे क्या दर्द है, तू जिगमे नारां है।”; अनुचित, नामुनासिब।
नालाइक (نالاتق) फा अ वि—अयोग्य, नाअहल, नीच, कमीना, अशिष्ट, उजड्ड, घूर्त, चालाक, दुःगत्मा, बदवातिन।
नालैदः (نالیده) फा वि—रोनेवाला, नाल-करनेवाला।
नालिश (نالی) फा स्त्री—आर्तनाद, फर्याद, वाद, दावा; किसी के अत्याचार की शिकायत।
नालिशी (نالیشی) फा वि—फर्याद करनेवाला, दावा करनेवाला, वादी।
नालीदः (نالیده) फा वि—रोया हुआ, रुदित।
नालीदनी (نالیدنی) फा अव्य—रोने के लाइक।
ना'ले चोबीं (نعل چوبین) अ फा पु—खडाऊँ, चट्टी, पादुका।
नावः (ناو) फा पु—परनाला, वह लकड़ी या मिट्टी का परनाला जो छतों में लगता है।
नाव (ناو) फा स्त्री—किश्ती, नौका, नाव।
नावक (ناوی) फा पु—एक प्रकार का छोटा तीर, जिसकी मार कडी होती है।
नावकअदाज (ناوی انداز) फा वि—दे नावक अदाज, उच्चारण दोनो तरह होता है।
नावकअंदाज (ناوی انداز) फा वि—तीर चलानेवाला, काडीर।
नावकअफगन (ناوی افگن) फा वि—दे 'नावकअदाज'।
नावकफिगन (ناوی فگن) फा वि—दे 'नावकअदाज'।
नावदान (ناودان) फा पु—मोरी, नावदान, परनाला।
नावनोश (ناونوش) फा स्त्री—पीना-पिलाना, मय-नोशी, शराब और नगम, रगरलयाँ।

नावदं (ناورد) फा स्त्री—युद्ध, लडाई, जंग।
नावाक़िफ (ناواقف) फा. अ वि.—अनभिज्ञ, अनाडी, अपरिचित, अनजान; अज्ञात, नामालूम।
नावाक़िफ़ीयत (ناواقفیت) फा अ स्त्री—अनभिज्ञता, अनाड़ीपन; अपरिचित, अनजानपन।
नावाजिब (ناواحب) फा अ वि—जो उचिन न हो, नामुनासिब, जो श्लील न हो, नामुहज्जब।
ना'श (نعمش) अ स्त्री—जनाजा, शव, अरथी।
नाशनाम (ناشناس) फा वि—न पहचाननेवाला, जो पहचानना न हो, अपरिचित।
नाशनासाई (ناشناسائی) फा स्त्री—परिचय न होना, न पहचानना, अपरिचित।
नाशाइस्तः (ناشائسته) फा वि—अनुचित, नामुनासिब, अशिष्ट, बदतहजीब; अश्लील, फुह्य।
नाशाइस्त अत्वार (ناشائسته اطوار) फा अ. वि—जिगका आचरण श्लील और गभ्य न हो।
नाशाइस्तगी (ناشائستگی) फा स्त्री—अशिष्टता, बद-तहजीबी, अश्लीलता, फकउपन।
नाशाद (ناشاد) फा वि—जो खुश न हो, अप्रसन्न, खिन्न, मलिन, अफगुदं, अभागा, वदनसीब।
नाशादमां (ناشادمان) फा वि—दे 'नाशाद'।
नाशादमानी (ناشادمانی) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाखुगी, खिन्नता, मलिनता, अपसुदंगी।
नाशिकेव (ناشکيب) फा वि—दे 'नाशिकेवा'।
नाशिकेवा (ناشکيبا) फा. वि—आतुर, व्याकुल, बेचैन, असहिष्णु, नामुतहम्मिल, अधीर, बेसन्न।
नाशिकेवाई (ناشکيبائی) फा स्त्री—आतुरता, बेचैनी, अधीरता, बेसन्नी, असहिष्णुता, बेतहम्मिली।
नाशिता (ناشتا) फा पु—सवेरे से नहार मुंह होना; दे 'नास्ता'।
नाशिर (ناشیر) अ पु—प्रसारक, सवमे फैलानेवाला; प्रकाशक, पब्लिशर।
नाशिरात (ناشیرات) अ स्त्री—आंधियाँ और झक्कड़।
नाशी (ناشی) अ वि—उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला, युवक, युवा, नीजवान।
नाशुक (ناشکر) फा अ पु—अकृतज्ञ, कृतघ्न, एहसान फरामोश, नमकहराम।
नाशुकगुजारी (ناشکرگزار) फा अ वि—जो किसी की भलाई का शुक्रिया अदा न करे, कृतघ्न।
नाशुकगुजारी (ناشکرگزارى) फा अ स्त्री—उपकार पर कृतज्ञता न प्रकट करना, कृतघ्नता, एहसान फरामोशी।

नागुदनी (ناغودنی) का वि—अमव जगत्त नामुम्बिन
अभाया, वनमाव।

नागुवा (ناغوا) का वि—जा विमो की बात न सुनता
हो जिमकं यहा विमो की पूछताछ न हा।

नास्ता (ناستا) का पु—गबर का थोडा-सा खाना जल
पान उपाहार।

नातापाती (ناستاپاتی) का स्त्रा—एक प्रसिद्ध फल नासपाता।
नास (ناس) अ प—एक आत्मी बहूत-अ जात्मी।

नासबा (ناسرا) का वि—अनुचित नामुनामित जगत्त,
नाजवा।

नासबूर (ناصو) का अ वि—अगीर वेमत्रा आतुर
जगत्त।

नासत्र (ناصتر) का अ वि—नामबूर।

नासर (ناسه) का वि—वह मित्रता वा वागर में न च
साटा बूट वह माना या चाहा जिममें मिलावट या
आमेजिग हो।

नासवाब (ناصواب) का अ वि—जा मत्त न हा यठ
या ठाक न हा जगुद्ध।

नामाब (ناماز) का वि—नाटुम्त मग्महाह जनबूल
प्रविकू नामुनाफिक।

नामाबगार (نامازگار) का वि—अनवुकू प्रविकूल
मनाफि।

नासाडी (ناسادی) का स्त्रा—नाटुम्ता खगवी प्रति
कृता मुखालफन।

नासाफ (ناصاف) का अ वि—जा माफ और स्वच्छ न हा
जा साफि न हा।

नासिक (ناسك) अ वि—अवराधना करनवाला
दवादनगुडार बन्धन करनवाग कुबानी करनवाग।

नासिख (ناسخ) अ वि—निखनेवाग लिफि रद
करनवाला निम्न (उन् के एक प्रसिद्ध कवि)।

नासिद्रू (ناستيدرو) का वि—अप्रसिद्ध जिमकी तारीफ
न का गयी हो।

नासिपाम (ناسپام) का वि—नागुना जहतन नमकहराम।

नासिपासगुडार (ناسپاسگوزار) का वि—उपकार का
हुनपना न माननेवाला।

नासिपासो (ناسپاسی) का स्त्री—उपकार न मानना
हुनपना नमकहरामी।

नासिब (ناصب) अ वि—स्थापना करनवाला लगाने
वाला उबर देनेवाला।

नासिबो (ناصبی) अ वि—हत्तन अली को बुरा कहने
वाला मन्त्राय उबत मन्त्राय का व्यक्ति।

नासिय (ناسیه) अ पु—माया रल्ल, भाल पाना
नसियफसो (ناسیهفوسا) अ का वि—माया रल्ल
जयान गुनामद करनवाला जमान पर माना र
पूजा या प्रणाम करनवाला।

नासियसा (ناسیهسا) अ का वि—नामियफसो
नासिर (ناسر) अ वि—महायक मन्त्राय पठ-या
हिमायता।

नासिर (ناسر) अ वि—नय लिखनेवाला गद्यलक्षक।

नासो (ناسی) अ वि—भूल जानवाला भूलनवाग।

नासुतुद (ناستود) का वि—जिमका मग मूडा न गया।

नासुफ्त (ناستف) का वि—जिसमें छट न हुआ
अनबिया (माना) कुमारी अथवा बाकिर।

नासूत (ناسوب) अ पु—हमारा समार मत्यलफ दुगिप
नासूर (ناصور) अ पु—एक प्रकार का घाव जा ह
रिस्ता रहता है और कभा अच्छा नहीं हाता नागैरप
नासेह (ناصع) अ पु—अभीष्ट करनवाला मन्त्राय
साहित्यिक परिभागा में प्रेम-त्याग का उपनेग दनवाला।

नातेह मुन्सिक (ناصع مستق) अ पु—अ्यावान और न
स्वभाववाता, नामह।

नात्याल (ناستال) का पु—अनार का छिलका।

नाहजार (ناهلزار) का वि—अधम नाच कमान
कपाचारी दुपमी बन्धन।

नाहर (ناحق) का अ वि—अवारण वेनवत्र जयप
जनीलि नाइसाफी।

नाहककोश (ناحقكوش) का अ वि—जनीति और अयप
की आर प्रवत्त रहनेवाला।

नाहकगनास (ناحقگناس) का अ वि—मच्चाई का न
पहचाननेवाला खुदा को न पहचाननेवाला।

नाहकगनासो (ناحقگناسی) का अ स्त्री—छग का न
पहचानना सच्चाई का न पहचानना अयप जनीति।

नाहमदद (ناهمدردن) का वि—जिममें सहानुभूति न हो
वेमुरव्यत दुगील।

नाहमवार (ناهموار) का वि—जा समतल न हो उपा
नीचा जो मय्य और गिट न हा उजड्ड अयम।

नाहार (ناهار) का वि—ओ सवेरे मभूवा हा नहारपु।

नाहिय (ناحیه) अ पु—विनाश छार ह विनाश की
आगिरी ह।

नाही (ناهی) अ वि—राखनेवाला निमारक मना करन
वाता निषेधक।

नाही (ناهی) अ वि—इराफ करनवाला गवत्पवर्ता।

नाहीद (ناهد) का स्त्री—गन ब्रह जह।

नि

निअम (نعم) अ स्त्री—'ने'मत' का बहु, 'ने'मते, अच्छी-अच्छी चीजे।

निअल (نعال) अ पु—'ना'ल' का बहु, जूते, पादुकाएँ; घोड़े के नाल।

निकात (نقاط) अ पु—'नुक्त' का बहु, विदियाँ, नुक्ते, शून्य।

निकात (نكات) अ पु—'नुक्त' का बहु, सूक्ष्म और गूढ बातें।

निकाव (نقاب) अ स्त्री—मुखावरण, मुखपट, बुर्का, ओट, पर्दा (नकाव)।

निकावकुशाई (نقابكشائی) अ फा स्त्री—दुल्हन के मुँह से निकाव उठाने की रस्म, किसी चित्र पर से पर्दा उठाने का उत्सव, अनावरण।

निकावपोश (نقابپوش) अ फा वि—जो अपना मुँह छिपाये हो, जिसके मुँह पर निकाव पडी हो।

निकावे रख (نقابرخ) अ फा स्त्री—मुखपट, बुर्का, घूँघट।

निकार (نقار) अ पु—द्वेष, वैर, कीना।

निकाह (نكاح) अ पु—पाणि-ग्रहण, विवाह, व्याह।

निकाहनाम: (نكاحنامه) अ फा पु—वह पत्र जिसमें व्याह की शर्तें लिखी हो।

निकाहे सानी (نكاح شامی) अ पु—दूसरा व्याह, पहले पति के मरने पर दूसरे व्यक्ति के साथ व्याह, पुनर्विवाह।

निको (نكو) फा वि—उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा, सुन्दर, हसीन।

निकोई (نكوئی) फा स्त्री—उत्तमता, अच्छाई, सुन्दरता, हुस्न।

निकोकार (نكوكار) फा वि—अच्छे आचरणवाला, सदाचार।

निकोखाह (نكوخواه) फा वि—भलाई चाहनेवाला, शुभ-चित्तक, हितैषी।

निकोनाम (نكونام) फा वि—नामवर, उत्तमयश, कीर्तिमान्।

निकोहिश (نكوهش) फा स्त्री—भर्त्सना, डाँट-फटकार, निंदा, बुराई।

निकोहीद: (نكوهيد) फा वि—निन्दित, कुत्सित, धिक्कृत।

निक्मत (نقمت) अ स्त्री—कष्ट, पीडा, यातना, अजाव, द्वेष, कीना।

निक्रिस (نقريس) अ पु—कमर की जड से अँगूठे तक पूरे पाँव में होनेवाला एक दर्द।

निल्वत (نكوت) अ स्त्री—अभिमान, अहंकार, गुस्सा।

निल्वतपसंद (نكوتپسند) अ फा वि—अभिमानी, अहंकारी, मयूर।

निगर (نگر) फा प्रत्य—ताकनेवाला, देखनेवाला, जैसे—'दस्तनिगर' दूसरे के हाथ की तरफ देखनेवाला, अर्थात् पराश्रय।

निगराँ (نگران) फा वि—निरीक्षक, जाँच-पडताल करनेवाला, सरक्षक, मुहाफिज; अभिभावक, गार्जियन; प्रतीक्षक, रस्ता देखनेवाला।

निगरानी (نگروانی) फा स्त्री—निरीक्षण, देख-रेख, सरक्षण, हिफाजत, अभिभावकता, सरपरस्ती।

निगह (نگه) फा स्त्री—'निगाह' का लघु, दे 'निगाह'।

निगहदास्त (نگهداشت) फा स्त्री—सरक्षण, निगरानी।

निगहवान (نگهدان) फा वि—सरक्षक, देख-रेख करनेवाला।

निगार (نگار) फा पु—मूर्ति, प्रतिमा, वृत्त, चित्र, नक्श, प्रेमपात्र, महबूब, प्रेयसी, प्रेमिका, महबूब, हाथ-पाँव पर मेहदी से बनाये हुए चित्र (प्रत्य) चित्रित, जैसे—'जरनिगार' स्वर्णचित्रित।

निगारखान: (نگارخانه) फा पु—चित्रालय, तस्वीर-घर, सजा हुआ मकान, मूर्तिगृह, वृत्तखाना, जहाँ बहुत-सी सुन्दरियाँ एकत्र हो वह स्थान।

निगारिंद: (نگارنده) फा वि—लिखनेवाला, चित्र बनाने-वाला।

निगारिश (نگارش) फा स्त्री—लेख, तहरीर, चित्र, नक्श।

निगारिस्तान (نگارستان) फा पु—चित्रालय, जहाँ बहुत-सी तस्वीरें हो, जहाँ बहुत-सी हसीन शकलें हो, मूर्ति-गृह।

निगारी (نگاری) फा वि—चित्रित, नक्शीन, श्रृंगारित, मुरस्सा।

निगारेअमनी (نگارامنی) फा स्त्री—फर्हाद की प्रेमिका, गीरी।

निगाश्त: (نگاشته) फा वि—लिखा हुआ, लिखित, चित्रित, मुनक्कश।

निगाश्तनी (نگاشتنی) फा अव्य—लिखने योग्य, चित्र बनाने योग्य।

निगाह (نگاه) फा स्त्री—दृष्टि, नजर, प्रेक्षा।

निगाहदार (نگاهدار) फा वि—सरक्षक, निगहवान।

निगाहदाश्त (نگاهداشت) फा स्त्री—सरक्षा, हिफाजत, निगरानी, देख-रेख।

निगाहवान (نگاهدان) फा वि—सरक्षक, निगराँ, देख-रेख करनेवाला।

निगाहेकह्ल (نگاههكهل) फा अ स्त्री—क्रोध की दृष्टि, गुस्से की नजर।

निगाहे गलत अंदाज (نگاهغلطانداز) फा वि—ऐसी दृष्टि जिसे हर व्यक्ति यह समझे कि उसी की ओर है, भ्रम में डालनेवाली दृष्टि।

निगाहे तअम्मक (نگاهتعمق) फा अ स्त्री—सूक्ष्म दृष्टि, गहरी नजर।

निगाहेनाब (نگاہنار) का स्त्री-नाबा अदाब की दृष्टि ।
 निगाहे पवरीश (نگاہرورش) का स्त्री-वृषापट्टि, मेहबानी
 की नजर दयादृष्टि ।
 निगाहेबद (نگاہبد) का स्त्री-पुरी नजर बुदृष्टि, पाप
 दृष्टि ।
 निगाहेमेह (نگاہمہر) का स्त्री-वृषा-दृष्टि दया-दृष्टि,
 करम की निगाह ।
 निगू (نگو) का वि-औषा उलटा अधामुग ।
 निगूताले (نگوئطالع) का अ वि-निगूबल ।
 निगूबल (نگوئطالع) का वि-औषी विस्मतवाला,
 हतभाग्य ।
 निगूसार (نگوئسار) का वि-नाधा, उलटा अधामुग ।
 निगूहिम्मत (نگوئہمت) का अ वि-हतमाहम हतात्माह
 पस्त हिम्मन ।
 निजाअ (نواج) अ स्त्री-झगडा दगा पमान बर
 शश्रुता दुस्मनी ।
 निजाएलपदी (نواجلعطی) अ स्त्री-केवल बाना का
 चगडा ज्ञानी झगडा वाकिलह गादिब-कन्ह ।
 निजाब (نواجب) का स्त्री-कुल बग, नखब द नजाल
 अधिक गुद वही है ।
 निजाम (نظام) अ पु-प्रबध व्यवस्था इतिजाम प्रम
 सिलसिला गली पदति तज सघटन तजोम ।
 निजामी (نظامی) अ वि-मनिक फोदी प्रबध से सम्बन्ध
 रखनवाला ।
 निजामेफीसापोस (نظامفیساپوس) अ पु-निजामे
 गम्सी ।
 निजामेवलीमूस (نظامنظموس) अ पु-जिसम यह
 माना गया है कि पथ्वी अचल है और चाद मूरज आनि
 ग्रह इसके चारो ओर घूमत ह ।
 निजामेगम्सी (نظامگمسی) अ पु-जिसम यह माना गया
 है कि सूरज अचल है, और पथ्वी तथा दूसरे ग्रह उसके चारो
 ओर घूमते ह आपुनिक बचानिको का मत भी यही है ।
 निजामेसलतनत (نظامسלטنت) अ पु-राय प्रबध राज
 की व्यवस्था ।
 निजामेहुकूमत (نظامحکومت) अ पु-निजामेसलतनत ।
 निजद (نجد) का वि-समीप निकट करीब दे नरुद
 दावो गुद ह ।
 निदा (ندا) अ स्त्री-बुलाना पुकारना आवाहन
 वह गल जो बुलाने के लिए प्रयुक्त हो जमे जा ए आदि ।
 निदाएगब (نداعغب) अ स्त्री-आकाशवाणी गवी
 आवाज ।

निफाक (نفاق) अ पु-पूट, एकता का न हाता
 शश्रुता बर, दुस्मनी ।
 निफाकअगेज (نفاقانگیز) अ का वि-कूट डालन
 वाली यात, विरोध करानेवाली बात ।
 निफाकपवर (نفاقپرور) अ का वि-पूट डालनवाला
 व्यक्ति भेदकर्ता ।
 निफाकेबाहमी (نفاقباعمی) अ का स्त्री-आपन की
 फूट पारस्परिक विरोध ।
 निफास (نفاست) अ पु-वह रक्तसाज जो प्रमुक्ति
 के गरीर से वच्चा जनने के चालीस दिन तक होता रहे ।
 निफत (نفلتہ) अ पु-छाला पफाला, आला ।
 निफत (نفلت) का पु-मिट्टी का तज, बान्द ।
 निफतअवाज (نفلتادار) का वि-बालूनी हथियार बजान
 वाला गोश्राज तोप दागनेवाला ।
 निफो (نفری) का स्त्री-धिसवार लानत ।
 निफास (نفاست) अ पु-दीप दीपक, चिराग ।
 निफा (نفا) का पु-प्रतिष्ठा इज्जन, दाग फिनामह
 नाना, मानामह मामू मानुल ।
 निफाइन (نفاہن) का स्त्री-स्तुति हुम्नानता प्रयत्न
 सारोफ साधुवा गवाग ।
 निफामा (نفاہان) का पु-निफा का बहु पूवज पुरख
 बुजुग ।
 निफाब (نفاہ) का पु-प्रायना गुजारिण रच्चा आतू
 परिचय जान-यहवान साक्षात मुलाक़ात (स्त्री)
 चत्वा भट चत्वा के मिठाई फातरा मने या किमी
 बुजुग का खाना आनि ।
 निफाबआमी (نفاہانگن) का वि-ने निफाबमद ।
 निफाबकेग (نفاہکنش) का वि-निफाबम ।
 निफाबनाम (نفاہنامہ) का पु-विनयपत्र बक्ता अपन
 पत्र के लिए बोलता है ।
 निफाबमद (نفاہمعد) का वि-आपाकारी साबगर
 परिचिन मुलाक़ाती भक्त फिनाई मित्र दास्त ।
 निफाबमदात (نفاہمعدانہ) का अव्य-अच्छा जसा
 आनाकारिया जसा नमतापूष ।
 निफाबमदी (نفاہمعدی) का स्त्री-आजाकारिता भक्ति,
 मनी, दास्ती ।
 निफाब (نفاق) अ पु-नाब का बहु सामन के दाँतो और
 डाढा के बाचवाले दात ।
 निफाबत (نفاہت) अ स्त्री-प्रतिनिवित्त काइममजामी,
 दूत-कम एलचीपन अभिक्रम एजटी स्थानापत्रता
 काइममुकामी ।

नियाम (نियام) फा पु—कोप, मियान, तलवार का गिलाफ ।
नियोश (نیوش) फा प्रत्य—सुननेवाला, जैसे—‘हकनियोश’
सच्ची बात सुननेवाला ।

नियोशिदः (نیوشنده) फा वि—सुननेवाला, श्रोता ।

निवालः (نیواله) फा पु—कवल, ग्रास, लुकमा ।

निविशतः (نوشته) फा पु—लिखित, लिखा हुआ, लेख,
तहरीर ।

निविशत (نوشته) फा वि—लिखा हुआ, लिखित ।

निविशतए तकदीर (نوشته تادیب) फा अ पु—भाग्य-रेखा,
किस्मत का लिखा ।

निशस्तः (نشسته) फा वि—बैठा हुआ ।

निशस्त (نشسته) फा स्त्री—बैठक, बैठने की मुद्रा,
गोष्ठी, मज्लिस, एक वार की बैठक या जलसा ।

निशस्तगाह (نشستگاه) फा स्त्री—बैठने का स्थान,
दीवानखाना ।

निशस्तो वरखास्त (نشست و روحاست) फा स्त्री—उठना-
बैठना, आना-जाना ।

निशाँ (نشان) फा पु—‘निशान’ का लघु, दे ‘निशान’,
(प्रत्य) बैठानेवाला, जैसे—‘खातिरनिशाँ’ दिल में विठाने
या जमानेवाला ।

निशाँजदः (نشان زده) फा वि—जिस पर निशान हो,
चिह्नित, अंकित ।

निशाँदेही (نشان دهی) फा स्त्री—पता देना, निशान बताना ।

निशानः (نشانه) फा पु—वह स्थान जिस पर निशाना
लगाया जाय, लक्ष्य, ताकना, निशाना मारना ।

निशानःअंदाज़ (نشانه انداز) फा वि—ठीक निशाना लगाने-
वाला, लक्ष्यभेदी ।

निशान (نشان) फा पु—चिह्न, अलामत, धब्बा, दाग,
खोज, तलाश, पता, सुराग, मुहँ का चिह्न; झडा,
पताका ।

निशानची (نشانچی) फा वि—झडा हाथ में लेकर आगे
चलनेवाला, अच्छा निशाना लगानेवाला ।

निशानी (نشانى) फा स्त्री—स्मृति-चिह्न, यादगार, पहचान,
शनाख्त, चिह्न, निशान; लक्षण, अलामत ।

निशानेकदम (نشان قدم) फा अ पु—पाँव का चिह्न,
पद-चिह्न ।

निशानेपा (نشان پا) फा पु—दे ‘निशानेकदम’ ।

निशानेमजिल (نشان منزل) फा अ पु—मजिल का
पता, गतव्य स्थान का चिह्न ।

निशानेमील (نشان میل) फा अ पु—सड़क पर मीलों
का चिह्न ।

निशानेराह (نشان راه) फा पु—रस्ते का पता, रस्ता
किधर है यह पता, राह के मील, फर्लांग आदि का चिह्न ।

निशोद (نشیود) फा पु—गान, नग्मा, गाने की आवाज ।

निशोदखवाँ (نشیودخوان) फा वि—गानेवाला, गायक;
मीठी आवाज से पढ़नेवाला, तरनुमरेज ।

निशेव (نسیب) फा पु—नीची जमीन, निचाई, पस्ती,
नशेव भी प्रचलित ।

निशेवोफराज (نسیب و فرار) फा पु—ऊँचा-नीचा, बलदी
और पस्ती, संसार की ऊँच-नीच ।

निशेमन (نشیمن) फा पु—घोसला, कुलाय (नशेमन) ।

निशकुंज (نسیکنج) फा स्त्री—चूटकी, बकोटा ।

निशतर (نستار) फा पु—शल्य, चीरफाड़ का आला (नशतर) ।

निशतरकदः (نستارکده) फा पु—आपरेशन रूम, चीरघर ।

निशतरज्जन (نستارزنج) फा वि—निशतर मारनेवाला,
आपरेशन करनेवाला ।

निशतरे फस्ताद (نستار فستاد) फा अ पु—वह निशतर
जिससे रगो का खून निकाला जाता है ।

निशतरे रगज़न (نستار رگزن) फा पु—दे ‘निशतरे फस्ताद’ ।

निश्वर (نشیوار) फा स्त्री—जुगाली ।

निसा (نسا) अ स्त्री—स्त्रियाँ, औरते ।

निसाव (نصاب) अ पु—पूँजी, सरमाया, मूल, आधार ।

निसावे जकात (نصاب زکات) अ पु—वह धन जिस पर
जकात वाजिब हो जाती है और वह ५० तोला चाँदी
और साढे सात तोला सोना होता है ।

निसावे ता’लीम (نصاب تعلیم) अ पु—वे पुस्तके जो
किसी पाठशाला या कक्षा में पढ़ायी जाती हों, पाठ्यक्रम ।

निसार (نشار) अ पु—बलि, कुर्बान, सद्क, न्योछावर;
मुग्ध, फिरेपत ।

निसारे यार (نشار یار) अ फा पु—प्रेमिका पर न्योछावर ।

निसफ (نصف) अ वि—अर्द्ध, आधा ।

निसफुन्नहार (نصف النهار) अ पु—दोपहर, मध्याह्न ।

निसफुल्लैल (نصف الليل) अ स्त्री—आधीरात, अर्द्धरात्रि ।

निस्वत (نصبت) अ स्त्री—सम्बन्ध, तअल्लुक, लगाव,
सपर्क, सगाई, मँगनी, तुलना, समता, बराबरी ।

निस्यः (نسیه) अ पु—उधार, ऋण, कर्ज ।

निस्र्याँ (نسیان) अ पु—‘निस्र्यान’ का लघु, दे ‘निस्र्यान’ ।

निस्र्यान (نسیان) अ पुं—भूल, विस्मृति ।

निस्र्वाँ (نسیوان) अ पुं—एक फूल, सेवती ।

निस्र्वत (نصوت) अ स्त्री—नारियाँ, स्त्रियाँ, औरते ।

निस्र्वाँ (نسیوان) अ स्त्री—‘इम्रवत’ का बहु, स्त्रियाँ,
महिलाएँ ।

- निसवानियत (نيسوانيت) अ स्त्री-स्त्री, औरतपन जनानापन, नरनारत्व।
- निसवानी (نيسوانی) अ वि-स्त्रिया वा स्त्रिया ममम्बप रयनेवाला।
- निसवानीयत (نيسوانيت) अ स्त्री-निम्बानियत गगा तरह गुड है।
- निहाँ (نہاں) फा वि-गुप्त छिया हुआ।
- निहान (نہان) फा पु-तन्वाना तन्गह अयाग।
- निहानी (نہانی) फा वि-भानी आन्तरिक जन्नी।
- निहाद (نہاد) फा वि-रखा हुआ।
- निहाद (نہاد) फा स्त्री-स्वभाव प्रकृति आन्त आधार बुनियाद, (प्रत्य) स्वभाववाला जन-नेरनिहा' अउं स्वभाववाला रखा हुआ जस-दिलनिहा' जहा लिख रखा हा।
- निहायत (نہایت) अ स्त्री-अत छार हूँ अत्यत बहुत अधिक।
- निहायतदज (نہایتدرجہ) अ वि-बहुत अधिन बहुत क्रियाग।
- निहाल (نہال) फा पु-मोया छोटा पड (वि) प्रफुल्ल प्रमन गग समझ मागमाग।
- निहालख (نہالکھ) फा पु-छाटे बच्चा का विठौता जिम पर वह गु-मून करन ह।
- निहाली (نہالی) फा स्त्री-निहागी।
- निहाली (نہالی) फा स्त्री-तापक विस्तर।
- निहाद (نہاد) फा वि-रखनेवाग।
- निहपत (نہمت) फा वि-गुप्त छिया हुआ पोशीत।
- निहपत (نہمت) फा वि-गुप्ति छियाव पोशीतगी।
- निहपतगी (نہمتگی) फा स्त्री-छियाव पोशातगी।
- निहपतनी (نہمتنی) फा अव्य-छिपान याग्य गुड गाथ गापनीय।
- निहय (نہیب) फा पु-भय त्राम डर खीफ भयानक आवाज धार नाद टूटमार गारतगग।
- नी**
- नी (نی) फा प्रय-वे योग्य जस-बदना करन के याग्य गुणना कहेने क याग्य।
- नीर (نیور) फा जय-जीर अथवा भा जपि।
- नीम (نیم) फा वि-अर्ध अथ आधा एक प्रकार का जेवा पाजामा।
- नीमआस्ती (نیم آستنی) फा पु-नामआस्ती।
- नीम (نیم) फा वि-अर्ध आग निरख जप यून थाग।

- नीमआस्ती (نیم آستنی) फा पु-एक प्रकार का कुना जिमकी आस्तीने छानी हागी ह।
- नीमकर (نیم کار) फा वि-आग अन्तर आधा बाहर (विपत वाण) कम लाचर चलय हूण धनप का तार जा गरीर में मे पार न हो सक।
- नीमकार (نیم کار) फा वि-अपूण नाकिन।
- नीमकार (نیم کار) फा वि-वह कारीगर जा दूसरों क जोरार म काम करे और मजदूरी में उन हिस्सा दे।
- नीमकुत (نیم کسہ) फा वि-अथमुआ त्रियवा गग बात्वर छा' लिया हा जीर यह तप्य रहा हो।
- नीमकुद (نیم کورد) फा वि-आधा माया हुआ जग जून उच्छिष्ट मुत्ताप।
- नीमखड (نیم کدر) फा वि-विगा के सम्मानाथ बाग सग हाता।
- नीमश्वाव (نیم حواہ) फा वि-वह आग जिममें कच्ची ना' म जगा दने की जगी गलिमा जीर मस्ती हा' अपमुत्।
- नीमश्वावी (نیم حوائی) फा स्त्री-कच्ची ना' से जगन की कफियत कच्ची नीद।
- नीमगम (نیم گرم) फा वि-गुनगुना कटुण कवाण, जा न बहुत गम हो न बहुत ठग।
- नीमगुपत (نیم گمیتہ) फा वि-आग कहा हुआ जो गा' कुठ कनी जा चुकी हो जीर कुछ कहना बात्री हा।
- नीमच (نیم کھتہ) फा पु-छाटी तलवार गन्गपुत्री।
- नामजा (نیم جان) फा वि-अथमुआ जो मरन के डगीव हा जासजमत्यु मतप्राय।
- नीमजोग (نیم جوش) फा वि-आधी उबानी हुई बात्र।
- नीमतस्लीम (نیم تسلیم) फा वि-एक प्रकार का कलाप जिमम झुक्कर हाय पट तप जात ह।
- नीमस्त (نیم بست) फा वि-व' जादनिया क ब'न की मस्त छोटी मस्त।
- नीमवस्ती (نیم بستنی) फा स्त्री-नीमस्त।
- नीमनिपाह (نیم نپاہ) फा स्त्री-कनविवा से दपना निरछी निपाह कगथ-यात।
- नीमनिगाही (نیم نگاہی) फा स्त्री-कनविवा से देखन का भाव।
- नीमपुह्त (نیم پختہ) फा वि-जो पूरी तरह पका न हो अदपनव।
- नीमपुत्त (نیم پخت) फा वि-नीमपुत्त।
- नीमवाड (نیم وار) फा वि-आधा सग हुआ विपत आधी खुनी हुई आग नशानी जाव।

नीमविरिञ्च (नीमविरिञ्च) फा वि—आधा भुना हुआ, आधा उबला हुआ, जैसे—नीमविरिञ्च अडा।
 नीमविरिञ्चा (नीमविरिञ्चा) फा वि—आधा भुना हुआ, अधजला।
 नीमविस्मिल (नीमविस्मिल) फा वि—दे 'नीमकुस्त'।
 नीममस्त (नीममस्त) फा वि—जिसे मस्ती के साथ कुछ-कुछ होश भी हो, अर्द्धमत्त।
 नीमरस (नीमरस) फा वि—जो मेवा अभी पूरे तौर से पका न हो, गद्दर।
 नीमराजी (नीमराजी) फा वि—जो कुछ-कुछ रजामद हो, मगर पूरी तरह राजी न हो, अर्धसहमत।
 नीमरिजा (नीमरिजा) फा अ स्त्री—आधी रजामदी, अर्ध-सहमति।
 नीमरुख (नीमरुख) फा वि—चेहरे के एक पार्श्व की तस्वीर।
 नीमरोज (नीमरोज) फा पु—दोपहर, मध्याह्न।
 नीमवा (नीमवा) फा वि—आधा खुला हुआ, आधा खुला और आधा बंद।
 नीमशगुप्तः (नीमशगुप्तः) फा वि—जो फूल आधा खिल गया हो, अर्द्ध-मुकुलित।
 नीमशब (नीमशब) फा स्त्री—आधीरात, अर्द्धरात्रि।
 नीमशिकस्तः (नीमशिकस्तः) फा वि—आधा टूटा हुआ।
 नीमसुप्तः (नीमसुप्तः) फा वि—आधा पिरोया हुआ।
 नीमसेर (नीमसेर) फा वि—जिसका पेट कुछ-कुछ भर गया हो, परन्तु पूरी तरह तृप्त न हुआ हो, जिसकी इच्छा अभी कुछ-कुछ बाकी हो, अर्धतृप्त।
 नीमसोदतः (नीमसोदतः) फा वि—आधा जला हुआ।
 नीयत (नीयत) अ स्त्री—सकल्प, इरादा, आशय, मक्सद, ध्यान, खयाल।
 नीयते वद (नीयते वद) अ फा स्त्री—बुरा आशय, बुरा इरादा।
 नीरान (नीरान) अ स्त्री—'नार' का बहु, 'अग्नियाँ'।
 नीरु (नीरु) फा पु—शक्ति, बल, जोर।
 नीलः (नीलः) फा पु—नील गाय।
 नील (नील) फा वि—नील का रग, नील का पौधा।
 नीलगर (नीलगर) फा वि—नील बनानेवाला।
 नीलगाव (नीलगाव) फा पु—नीलगाय, नीला।
 नीलगूँ (नीलगूँ) फा वि—नीले रग का।
 नीलफाम (नीलफाम) फा वि—नीले शरीरवाला, कृष्ण।
 नीलम (नीलम) फा पु—एक प्रमिद्ध रत्न, नीलमणि, नील-कान्त, शनिप्रिय।
 नीली (नीली) फा वि—नीले रग का।
 नीलीफाम (नीलीफाम) फा वि—नीले रग का आकाश।

नीलीरवाक (नीलीरवाक) फा पु—जिसकी छत नीली हो, अर्थात् आकाश।
 नीलोफर (नीलोफर) फा पु—नीलोत्पल, कुमुद, कुई।
 नालोफरे आपतावी (नीलोफर आपतावी) फा पु—कमल, पद्म, नीरज, पकज, अरविद, राजीव, तामरस, सरसीरुह, पुष्कर, अभोज, कँवल का फूल।
 नीलोफरे साहतावी (नीलोफर साहतावी) फा पु—कुमुद, कुमुदिनी।

नु

नुआस (नुआस) अ. स्त्री—तद्रा, ऊँध, गुनुदगी।
 नुऊज (नुऊज) अ. पु—लिंगोत्थान, कामवेग से लिंग का खडा होना।
 नुकत (नुकत) अ पु—'नुक्त' का बहु, विदियाँ, नुक्ते, शून्य।
 नुक्वा (नुक्वा) अ. पु—'नकीव' का बहु, 'चोवदार'।
 नुकूद (नुकूद) अ पु—'नक्द' का बहु, 'नक्दियाँ'।
 नुकूल (नुकूल) अ स्त्री—'नक्ल' का बहु, नक्ले, प्रतिलिपियाँ।
 नुकूश (नुकूश) अ पु—'नक्श' का बहु, चित्र, रेखाएँ।
 नुक्तः (नुक्तः) अ पु—विदी, विदु, सिफ, बुँदकी, चिह्न, निशान।
 नुक्तः (नुक्तः) अ पु—तह की बात, सूधमता, वारीकी; रहस्य, मर्म, भेद, चुटकुला, लतीफा।
 नुक्तःगाह (नुक्तःगाह) अ फा स्त्री—वृत्त के केन्द्र का विदु।
 नुक्तःचीन (नुक्तःचीन) अ फा वि—मीन-मेस निकालने-वाला, ऐव हूँढनेवाला, छिद्रान्वेपी, आलोचक।
 नुक्तःदाँ (नुक्तःदाँ) अ फा वि—किसी कलाविशेष की वारीकी जाननेवाला, काव्य-मर्मज्ञ, जै'र की वारीकियाँ समझनेवाला, कला-मर्मज्ञ।
 नुक्तःदानी (नुक्तःदानी) अ फा स्त्री—मर्म और वारीकियाँ समझना।
 नुक्तःनवाज (नुक्तःनवाज) अ फा वि—जरा-सी बात पर प्रसन्न हो जानेवाला, आगुतोप, ईश्वर।
 नुक्तःनवाजी (नुक्तःनवाजी) अ फा स्त्री—जरा-सी बात पर प्रसन्न हो जाना।
 नुक्तःरस (नुक्तःरस) अ फा वि—दे 'नुक्त दाँ'।
 नुक्तःरसी (नुक्तःरसी) अ फा स्त्री—दे 'नुक्त दानी'।
 नुक्तःसंज (नुक्तःसंज) अ फा वि—दे 'नुक्त दाँ'।
 नुक्तःसंजी (नुक्तःसंजी) अ फा स्त्री—दे 'नुक्त दानी'।
 नुक्तए इतिखाव (नुक्तए इतिखाव) अ पु—वह नुक्त जो किसी जै'र आदि के पसद आने पर, किताब के हाथिए पर लगा देते हैं।

नुक्तए तकातो (نقطه تفاعل) अ पु-वह बिन्दु जहा पर दो सरल रेखाएँ एक दूसरी का काटे।
 नुक्तए पकार (نقطه نكارة) अ पा पु-यत्त का वह बिन्दु जहा से परिधि तक जिननी रेखाएँ छाची जायें सब बराबर हा केन्द्रबिन्दु।
 नुक्तए मुकाबिल (نقطه مقابل) अ पु-प्रतिद्विती हुराफ।
 नुक्तए मोहूम (نقطه موهوم) अ पु-वह बिन्दु जो इतना सूक्ष्म हो कि अटकल स ही समया जा सके।
 नुक्तए सुबदा (نقطه سودا) अ पु-वह काला तिल जो हृदय पर हाता है।
 नुक्क (نقوة) फा पु-रजत चादी।
 नुक्की (نقوى) फा वि-चाँदी-जसा उज्वल चाणी का बना हुआ चादी का मुल्ममा किया हुआ।
 नुक्क (نقل) अ पु-शराब के साथ खायी जानेवाला चीज एक मिठाई गजक चुटकुला लसीफ मित्रगोष्ठी में खायी जानेवाली चीज।
 नुक्कफरोग (نقل فرس) अ फा वि-गजक बेचनेवाला।
 नुक्कहवाज (نقل حواجة) अ फा पु-चिरौनी, एक प्रसिद्ध मेवा।
 नुक्के मज्लिस (نقل مجلس) अ पु-वह मिठाई जो मित्र मडली में तफही क तौर पर खायी जाय वह व्यक्ति जो समा आदि में लोगों के मनोरंजन का विषय हो।
 नुक्के महकिल (نقل محفل) अ पु-दे नुक्क मज्लिस।
 नुक्कसान (نقصان) अ पु-हानि क्षति खसारा नुटि कमी हरज बाधा तावान दड।
 नुक्कसानदेह (نقصان ده) अ फा वि-हानिकर, नुक्कसान पहुँचानेवाला।
 नुक्कसानरत्ती (نقصان رت) अ फा वि-नुक्कसानदेह।
 नुक्कसाने अजीम (نقصان اعظم) अ पु-बहुत बड़ी हानि।
 नुक्कसाने माय (نقصان مایه) अ फा पु-माली नुक्कसान अय हानि।
 नुक्कहतगाह (نقصان گاه) अ फा स्त्रा-सर तफहीह की जगह श्रीडास्यल सरसञ्च और हरा भरा मुकाम।
 नुक्कहते छातिर (نقصان خاطر) अ स्त्रा-चित्त की प्रसन्नता।
 नुक्काअ (نقصاع) अ पु-रीढ़ की हड्डी भरण।
 नुक्काल (نقصاله) अ पु-भूना तुप चीकर।
 नुक्कस्त (نقصان) फा वि-पह्ला प्रथम।
 नुक्कस्ती (نقصان) फा वि-प्रथम प्राथमिक पहला।
 नुक्कबा (نقصا) अ पु-नजीब का बहु कुलीन लग।
 नुक्कम (نقصوم) अ पु-'नरम' का बहु उद्युग्य तारे ज्यातिप इल्म नुक्कम।

नुक्कमदाँ (نقصوم دان) अ फा वि-ज्यातिपा नुक्कम।
 नुक्कमी (نقصومی) अ वि-ज्यातिपी इमनुक्कम जाननवाला।
 नुक्कल (نقصول) अ पु-उतरना, उपर स नाचे आना, ठहरना उतरना, सरकारी जमीन मातियाबि।
 नुक्कलेइज्जाल (نقصول اجلال) अ पु-किसी महान व्यक्ति का पनापण।
 नुक्कलेमा (نقصول ما) अ पु-आखा में पानी उतरन का राग मातियाबि।
 नुक्कलेबही (نقصول رحي) अ पु-किसी पगम्बर पर इस्तर का आगे उतरना।
 नुक्कन (نقصع) अ पु-पक्का शरीर में दूषित धातु या मवाद का पक्कर इम याग्य हाना कि वह दवा क आर स बाहर निकल सके।
 नुक्कनेकामिल (نقصع كامل) अ पु-मवाद का पूरी तरह पक्कर इस काबिल हा जाना कि शरीर से निकाला जा सके।
 नुक्कल (نقصول) अ पु-आतिथ्य जियाफन महमानगरी।
 नुक्कहत (نقصه) अ स्त्री-उत्तमता उम्दगी पवित्रता पाकीजगी दोप न होना, समद्धि खुशहाली।
 नुक्कहतकद (نقصه كده) अ फा पु-दे नक्कहतगाह।
 नुक्कल (نقصول) अ पु-जोश दिये हुए दवाअ के पानी से शरीर के किसी अय का धोना।
 नुक्कब (نقصو) अ पु-जगह स हट जाना टल जाना।
 नुक्कव्वेरहिम (نقصو رحيم) अ पु-यर्भांग्य का अपना जगह से हट जाना गन्धुति।
 नुक्क (نقص) अ पु-शर वाणी बोली वाक्यक्ति वाचनगक्ति, गोयाई।
 नुक्क (نقصه) अ पु-बीय शुक मनी सनान और औरस पुत्त।
 नुक्कएनातहकौक (نقصه انكس) अ फा पु-जिन्के बाप का पता न हो सकर जारज।
 नुक्कब (نقصه) अ पु-मूतक के लिए रोना उनके शोक के तौर पना।
 नुक्कत (نقصت) अ स्त्री-नूतनता नवीनता नयापन, अशुभता, विचित्रता अजूबापन।
 नुक्कज (نقصون) अ पु-अर घुसना सरायत करना।
 नुक्कस (نقصون) अ पु-नपस का बहु, व्यक्तिवाँ लोग।
 नुक्कसे इदसीय (نقصون عيسى) अ पु-मुनीताताम लोग पावनपस लोग।
 नुक्कधत (نقصون) अ स्त्री-पगम्बरी नवी हाना।
 नुक्क (نقصه) अ पु-दला जिसस इस्तिजा करते ह।

नुमा (نوما) फा प्रत्य-दिखानेवाला, जैसे-‘राहनुमा’ रस्ता दिखानेवाला।

नुमाइंद: (نومايند) फा पुं-प्रतिनिधि, किसी व्यक्ति की जगह उसका नाइव।

नुमाइंदए खुसूसी (نومايندك مخصوصی) अ पु-किसी विशेष काम के लिए नियुक्त किया हुआ व्यक्ति-विशेष, मुख्य प्रतिनिधि।

नुमाइंदगी (نومايندگی) फा स्त्री-प्रतिनिधित्व, नियावत।

नुमाइश (نمایش) फा स्त्री-प्रदर्शन, दिखावा; शृंगार, सज्जा, सजावट, आराडश, वह मेला जिसमे किसी विशेष चीज को सबके सामने पेश किया जाय, जैसे-फूलों की नुमाइश, आम मेला, प्रदर्शनी।

नुमाइशगाह (نمایشگاه) फा स्त्री-वह स्थान जहाँ नुमाइश लगी हो।

नुमाइशी (نمایشی) फा वि-केवल देखने भर का; जो बोदा और कमजोर हो और काम में न आ सके, नुमाइश से सम्बन्ध रखनेवाला।

नुमायाँ (نمایان) फा वि-व्यक्त, जाहिर, स्पष्ट, वाजेह।

नुमू (نمو) अ स्त्री-उगना, बढ़ना, विकसित होना।

नुमूद (نمود) फा स्त्री-आविर्भाव, जुहर, धूम-धाम, तडक-भडक, ख्याति, शोहरत, उगना, निकलना,, अस्तित्व, हस्ती, प्रकट, प्रकाशित।

नुमूदार (نمودار) फा वि-आविर्भूत, व्यक्त, जाहिर, अध्यक्ष, नायक, सरदार।

नुमून: (نمونه) फा पु-बानगी, नमूना, उदाहरण, मिसाल, आकृति, नकशा।

नुमूद (نمود) फा पु-एक बहुत बड़ा अत्याचारी नरेश, जो अपने को ईश्वर कहता था और जिसने हज़रत इब्राहीम को आग में डलवाया था।

नुवेद (نوید) फा स्त्री-शुभ सूचना, खुशखबरी, निमंत्रण, बुलावा, दे ‘नवेद’, उर्दू में वही अधिक व्यवहृत है।

नुशूर (نشور) अ पु-मरे हुए व्यक्तियों का क्रियामत के दिन फिर से उठना।

नुशखवार (نسخوار) फा. स्त्री-जुगाली।

नुसुक (نسك) अ स्त्री-‘नस्क’ का बहु, इबादत, कुर्बानियाँ।

नुसैरी (نصیری) अ पु-एक सप्रदाय जो हज़रत अली को खुदा मानता है।

नुस्क (نسك) अ स्त्री-पूजा, आराधना, इबादत, कुर्बानी, वलि।

नुसत (نصرت) अ. स्त्री-सहायता, मदद, समर्थन, ताईद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

नुसतेहक (نصرتحق) अ. स्त्री-ईश्वर की सहायता; सत्य की शक्ति।

नुह (نه) फा वि-नव, नौ, आठ और एक।

नुहाफ (نهاف) अ पु-गधे की रेकन।

नुहाल: (نهاله) अ पु-गोहूँ आदि की भूसी, दे ‘नुखाल’।

नुहास (نهاس) अ. पु-ताम्र, ताँवा।

नुहुम (نهيم) फा. वि-नवम, नवाँ।

नुहुसत (نهوست) अ. स्त्री-दुर्भाग्य का होना, बदकिस्मती; अमगल, नामुवारकी, अविभूति, वेवरकती।

नुहुजत (نهجست) अ स्त्री-प्रस्थान, प्रयाण, कूच, रवानगी।

नुहुजतफर्मा (نهجست فرما) अ फा वि-जानेवाला, कूच करनेवाला, प्रस्थायी।

नुहुवत (نهبت) अ स्त्री-लूटमार, गारस्तगरी।

नू

नूँ (نوں) अ पु-नन का लघु, दे ‘नून’।

नून (نون) अ पु-एक अक्षर ‘न’, मत्स्य, मछली।

नूनेगुन्न: (نون غلته) अ पु-अनुस्वार, वह ‘न’ जो नाक में बोला जाय।

नूर (نور) अ पु-प्रकाश, ज्योति, आभा, रोशनी; शोभा, छटा, रौनक, चमक-दमक, मुखछटा, चेहरे की आवोताव, उजाला, हल्की रोशनी।

नूरअफ़जा (نور افزا) अ फा वि-रोशनी बढ़ानेवाला।

नूरअफ़शाँ (نور افشان) अ फा वि-रोशनी फैलानेवाला।

नूरपाश (نور پاش) अ वि-प्रकाश फैलानेवाला।

नूरफिशॉ (نور فشان) अ फा वि-दे ‘नूरअफ़शाँ’।

नूरबल्श (نور بخش) अ फा वि-प्रकाश देनेवाला।

नूरबाफ (نور باف) अ फा वि-कपड़ा बुननेवाला, जुलाहा।

नूरवार (نور وار) अ फा वि-प्रकाश फैलानेवाला।

नूरानी (نورانی) अ वि-प्रकाशमान, उज्ज्वल, मुनव्वर।

नूरी (نوری) अ. वि-नूर का, (फा) एक प्रकार का लाल तोता, खूबानी, जर्दालू।

नूखन अलानूर (نورون علی نور) अ. वि-नूर के ऊपर नूर, अत्यधिक प्रकाश, बहुत ही मागलिक और शुभ।

नूखलऐन (نور العین) अ पु-आँख की रोशनी, नेत्र-ज्योति, लडके के लिए बोलते हैं।

नूरे ऐन (نور عین) अ पु-दे ‘नूखलऐन’।

नूरे चश्म (نور چشم) अ फा पु-आँख की रोशनी, लड़का, सुपुत्र।

नूरे जहाँ (نور جہاں) अ फा पु-संसार को प्रकाश देनेवाला।

नूरे दीद: (نور دیدہ) अ फा पु-दे ‘नूरे चश्म’।

नूरे नजर (نور نظر) अ पु → नूरे चरम ।
 नूरे निगाह (نور نگاه) अ फा पु → 'नूरे चरम ।
 नूरे माह (نور ماه) अ फा पु → चाँद की रागना चादनी,
 ज्योत्सना, चंद्रप्रभा वीसुवी चंद्रिका चंद्रातप ।
 नूरे मुजल्ला (نور مقللا) अ पु → छिटपटा हुआ और गाप
 नूर प्रकाश ।
 नूरे मुजत्सम (نور متصم) अ पु → जो सर स पाव तक नूर
 ही नूर हो जो नूर से बना हो आपात्मस्तक प्रकाश ।
 नूरे शमअ (نور سمع) अ पु → मोमवती का प्रकाश ।
 नूरे शमस (نور شمس) अ पु → नूरज का प्रकाश धूप आनप ।
 नूरे सहर (نور سحر) अ पु → प्रातःकाल का उजाला ।
 नूह (نوح) अ पु → एक पगम्बर जिनके समय में पाना का
 बहुत बड़ा तूफान आया था जिसमें सारा सस्यार नष्ट हो
 गया था, कुछ आदमी बचे थे, जिनकी सतान इम समय है ।

ने

नेक (نک) फा वि → उत्तम, श्रेष्ठ अच्छा भागलिक गुण
 मुबारक सत्पावारी सुख अमल पुनीतात्मा पारम सीधा
 साग सरलस्वभाव कुशल गरीफ सत्य रहमल्लि ।
 नेकअजाम (نک اجام) फा वि → वह काम जिसका
 परिणाम अच्छा है ।
 नेकअदेन (نک ادرش) फा वि → भलाइ सोचनेवाला
 गुणवित्तव ।
 नेक अहतर (نک احتر) फा वि → जिनके ग्रह अच्छे हो
 भाग्यवान ।
 नेकअहलाक (نک اهلاک) अ वि → जिसका स्वभाव
 मिलनसार हो, सुगोल सज्जन ।
 नेकअमल (نک عمل) फा अ वि → जिसका आचरण अच्छा
 हो सत्पावारी ।
 नेकआमाल (نک اعمال) फा अ वि → नेक अमल ।
 नेकआमाली (نک اعمالی) फा अ स्त्री → सत्पावारी
 उदा आचरण साधु भाव ।
 नेकअयम (نک ادم) फा अ वि → जिनका आना कल्याण
 वारी है ।
 नेकअदर (نک ادر) फा वि → गुदाचारी साधुवत् ।
 नेकअजाल (نک اجال) फा अ वि → जिसका विचार गुड
 है गुणित पावनचरित बुद्धिगुड ।
 नेकअहलत (نک اهلاکت) फा अ वि → जिसका स्वभाव
 अच्छा है अतः गुड साधु गोल ।
 नेकअह (نک اح) फा वि → जिनका स्वभाव गुड है
 सत्यमति पुण्यस्वभाव ।

नेकअह (نک اح) फा स्त्री → प्रकृति की गुडि स्वभाव
 की पवित्रता ।
 नेकअहवाह (نک احواه) फा वि → गुणवित्तक दिनपी हमल ।
 नेकअगुस्तार (نک اغستار) फा वि → मागुभायी अच्छा वार्त
 करनवाला मिष्टभापी, मोठा माठी वार्त करनवाला ।
 नेकअगुमान (نک اغमान) फा वि → जिसका विचार किमी
 की आर में अच्छे है जिसका विचारधारा गुड है ।
 नेकअहअ (نک احطع) फा अ वि → 'नकवू' ।
 नेकअहरीन (نک احرون) फा वि → सबसे अच्छा सब
 अधिक नेक ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा अ वि → नेकम ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → जिनका हृदय नरक हो
 जा स्वभाव से पुनीत है अतः गुड पुण्यात्मा ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा अ वि → 'नकील' ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा अ स्त्री → आत्मगर्दि लि
 की सफाई ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → जा बड़ा कालिमान है, उत्तम
 यश पुण्यस्तोक ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा स्त्री → कति यश नामवरा ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → अच्छे अहलाकवाला
 सदागय, पावनचरित ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा अ वि → यमात्मा सब
 सब प अतः गुड ईमानदार न्यायतदार धर्मगण्ड ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा अ स्त्री → अतः गुड पाव
 दिली ईमानदारी न्यायतदारी ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → गुण्यात्मा नकल
 दे नेकअजाम ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → जिसका मिलना जिनके
 दान जिनकी चर्चा मगलकारी हो ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → भाग्यवान सुगुणित
 सीधा-साग माला माला ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → नेक अच्छाई देवनवाला
 सागुदारी हर चीज का अच्छा पहलू लेनेवाला ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा अ वि → जा दलन में अच्छा
 लगे गुणदशन नेत्रप्रिय ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा अ वि → 'दमअजाम' का
 उदा जिसकी जीविका अच्छे पस से हो जिसकी कर्माई
 गुड है ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → सत्प्रकृति, साधुगोल
 सज्जन भला आदमी ।
 नेकअहरीन (نک احرینت) फा वि → अगमानम, सज्जन ।

नेकमहज़ार (نیک مہزار) फा अ वि—वह व्यक्ति जो दूसरों को उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति में अच्छाई से ही याद करे।

नेकमिजाज (نیک مزاج) फा अ वि—दे 'नेकखू' अथवा 'नेकदिल'।

नेकमिजाजी (نیک مزاجی) फा अ स्त्री—स्वभाव की सरलता, चित्त की शुद्धता।

नेकरविश (نیک روش) फा वि—सदाचारी, सत्प्रकृति।

नेकराय (نیک رای) फा वि—जिसकी राय और जिसकी सलाह सदा ठीक होती हो, सद्बुद्धि, साधुधी।

नेकराह (نیک راه) फा. वि—सन्मार्गी, सत्पथीन, अच्छी राह पर चलनेवाला, सदाचारी।

नेकरोज (نیک روز) फा वि—समय जिसके अनुकूल हो, भाग्यवान्, जिसका वक्त बना हो।

नेकशिआर (نیک شعار) फा अ वि—जिसका व्यवहार नेक हो, साधुशील।

नेकसिफात (نیک صفات) फा अ वि—जिसमें अच्छे-अच्छे गुण हो, उत्तमयश।

नेकसियर (نیک سیور) फा अ वि—जिसके स्वभाव शुद्ध हो, अत पवित्र, पुनीतात्मा।

नेकसिरिस्त (نیک سرشت) फा वि—दे 'नेकखू'।

नेकसीरत (نیک سیرت) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेकसूरत (نیک صورت) फा अ वि—जिसकी शकल सुन्दर हो, शुभदर्शन, जिसकी सूरत पर वजुर्गी वरसती हो।

नेकू (نیکو) फा वि—दे 'नेक'।

नेकई (نیکوئی) फा स्त्री—अच्छाई, भलाई, सुन्दरता, हुस्न।

नेकूकार (نیکو کار) फा वि—सदाचारी, पुण्यात्मा।

नेकूखसाइल (نیکو و خصال) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेकूशमाइल (نیکو و شمسائل) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेकूसिफात (نیکو صفات) फा अ वि—दे 'नेकसिफात'।

नेकूसियर (نیکو سیور) फा अ वि—दे 'नेकखू'।

नेकू (نیکو) फा वि—दे 'नेकू', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

नेक (نیکه) फा पु—पाजामे का सूराख जिसमें कमरबंद डाला जाता है।

ने'मत (نعمت) अ स्त्री—ईश्वर का दिया हुआ धन आदि, धन, दौलत, अच्छी-अच्छी चीजें।

ने'मतकदः (نعمت کده) अ फा पु—वह स्थान जहाँ अच्छी-अच्छी चीजें मिले, स्वर्ग, विहित।

ने'मतखान. (نعمت خانه) अ फा पु—वह मकान जिसमें भोज की सामग्री रहती हो, वह लकड़ी आदि का जालीदार सद्क जिसमें खाना रखा जाता है।

ने'मते उर्रमा (نعمت عظمی) अ स्त्री—बहुत बड़ी ने'मत।
ने'मते नैरमुतरनिकवः (نعمت غیر متوقده) अ स्त्री—ऐसी नेमत जिसका हिसाब न लगाया जा सके, बहुत ही अधिक नेमत।

ने'मलवदल (نعم الدل) अ पु—किसी गयी या खायी हुई चीज की जगह विलकुल वैसी ही चीज।

नेश (نیش) फा पु—डक, दश, सुअर के आगे निकले हुए दाँत।

नेशजन (نیش زن) फा वि—डक मारनेवाला, जो डक से डसता है, वह व्यक्ति जो हानि पहुँचाने की ताक में रहता हो।

नेशजनी (نیش زنی) फा स्त्री—विच्छू आदि का डक मारना, हानि पहुँचाना।

नेशदुम (نیش دم) फा पु—वृश्चिक, विच्छू।

नेशे अक़ब (نیش عقرب) फा अ पु—विच्छू का डक।

नेशे ज़ंवर (نیش زنبر) फा पु—भिड का डक।

नेस्त (نیست) फा वि—नहीं है, नास्ति, ध्वस्त, नष्ट, वरवाद।

नेस्ती (نیستی) फा स्त्री—ध्वस, वरवादी, नुहमत, तवाही; दरिद्रता, कगाली।

नेस्तोनावूद (نیست و ناپود) फा वि—विनाष्ट, विध्वस्त, जो विलकुल वरवाद हो गया हो।

नै

नै (نای) फा स्त्री—नरकट, नरसल, नय, बाँसुरी, बसो, अलगोजा।

नैचः (نچه) फा पु—हुक्के की नै।

नैजः (نجره) फा पु—कुत, शक्ति, शकु, भाला, बरछी, कलम का नरकट।

नैज.दार (نجره دار) फा वि—नैजा चलानेवाला।

नैज.वरदार (نجره بردار) फा वि—नैजा लेकर चलनेवाला, बरछी बाँधकर चलनेवाला।

नैज.वरदारी (نجره برداری) फा स्त्री—बरछी या भाला बाँधकर चलना।

नैज वाज (نجره وار) फा वि—बरछी और भाला चलाना जाननेवाला।

नैज.वाजी (نجره سازی) फा स्त्री—बरछी और भाला चलाने की महारत।

नैजक (نجرک) फा पु—छोटा नैजा।

नैजार (نجرار) फा पु—नरकट का जगल, जहाँ नरसल बहुत हो।

नैथिर (نیر) अ पु—सूर्य, सूरज, रवि, आपताव।

नयिरेन (نيرين) अ प—गना मूरज दा मूरज चाँद जीर मूरज।

नरग (نرگ) फा पु—छा घास फ़रेव भाया विलिम्प।
नरगबाड (نرگبار) फा वि—भायावी घूत जादूगर छनी मक्कार।

नरगबाडो (نرگباري) फा स्वा—भायावम जादूगरो छल फ़रेव।

नरगसाड (نرگسار) फा वि—नरगबाड'।

नरगसाडो (نرگساري) फा स्वा—नरगबाडो'।

नरगिए उमान (نرگي زمانه) फा स्वा—बायबफ़ दुनिया का उल्लंकार।

नरगिए नबर (نرگي نبر) फा अ स्त्री—पिट की विचित्रता दष्टि का भ्रम।

नरगिए हुस्न (نرگي حسن) फा अ स्त्री—नोन्दप का भायाजाल। हुस्न की गावदबाडा।

नरगिए रोडगार (نرگي روڱ) फा अ स्त्री—भाय्य-चक भाय्य का उल्ट फर।

नरगो (نرگي) फा स्त्री—भायावम जादूगरो छल कपफ़ फरव उल्लंघन वित्त की चकलता।

नरगाए छयाल (نرگي حيال) फा अ पु—नयाल का घाका बिचार भ्रम—नरगिए छयाल की अल्ला रे गाखिया—म सर कर ख़ाहू चमन की बहार म।

नरग आलम (نرگ عالم) फा अ पु—सतार की विच विचित्रता दुनिया का उल्लंकार।

नरग उमान (نرگ زمانه) फा पु—नरग आलम'।

नरग नबर (نرگ نبر) फा अ पु—बह घाड जा आँवो को भ्रम में डाल द।

नल (نل) अ पु—प्राप्त हुना मिलना।

नले मराम (نل مرام) अ प—मनोरथ की प्राप्ति मक्सा हासिल हुना।

ननकर (ننڪر) ईव इतु गता।

नसा (نسان) फा पु—मचरलीन (वमास) की बारिग जिवक लिए प्रमिड है कि इत पानी की हर बूँ सौप म भाया बन पानी है फचरलीन वमास का मास।

नो

नोर (نور) फा स्वा—हर चाड का तेज सिरा वाकफ़न दून डाय आन-यान।

नोरगर (نورگ) फा वि—बिसम नोर हो।

नोउह (نوه) फा वि—उत्तीस।

नोउदहुम (نوهوم) फा वि—उनासबा।

नोग (نوش) फा पु—अमृत सुधा आबहयाउ स्वर्ण पय (प्रलय) पानवाला जा—मपनाग' सरावपीनवाला।
नोगावड (نوش حلد) फा पु—बह स' का उल्ला मचर हाम गारो हेंनी।

नोगादाह (نوشدارو) फा स्वा—बह उजारवाला दग तिपाकि विपहर मन्त्रि मच गराव।

नोगादुर (نوشادر) फा पु—नोसागर एक क्षार उू म यह उच्चारण नहीं है।

नोगाव (نوشابه) फा पु—नागाव आबर बाईवन (ईरान) की एक राता बिस गिकदरन कष्ट स छुडाया।

नोगाव (نوشاب) फा पु—अमृत-अल सुधा आबहयाउ गराव मदिरा।

नोगानोग (نوشانوش) फा स्वा—मवपीना और बार-बार पाना।

नोगि (نوشده) फा वि—पानवाला।

नोगो (نوشين) फा वि—स्वादिल सुत्वाइ सुगमडा।

नोगोद (نوشده) फा वि—पिया हुआ।

नोगोदनी (نوشيني) फा अय्य—पीन के लाइक पेन।

नोगोनी (نوش حان) फा पु—पाता।

नोगरवाँ (نوشيدان) फा पु—नोगरवाँ दाता स गुड ह।

नौ

नौ (نو) फा वि—नवान नूतन नया तन्कालीन हाल का ताडा हया मरा।

नौज (نوع) अ स्त्री—जानि जा एक-सो सब चाडा को शामिल हो जसे—आन्मी घोना जालि प्रकार क्रिस तरह आकार प्रकार बजा-क़ता।

नौअरुस (نوعروس) फा अ वि—नवविवाहित नव विवादिता।

नौअरसान चमन (نوشروسان حسن) फा अ वि—बाग म नय जम हुए पौर।

नौपरसी (نوشروسي) फा अ स्त्री—नया विवाह।

नौआईन (نوشروئين) फा वि—शामनीय ललित उबा शुगारित सुगन्जित भोरारता।

नौआबाद (نوشروان) फा वि—बह प्रेण या इलाका जो हाल म ही बसाया गया हो नववमित बह बजर जमीन जा हाल म ही बात के लिए ताडी गयी हो।

नौआबादियात (نوشروانديات) फा स्त्री—ने इलाक़ या प्रन्त जा पच्छिमी राष्ट्रों म दुनिया के भिन्न-भिन्न स्थानों पर बसान हे और वही उनका राज था या है काकोनोउ उपनिषेय।

नीजावादी (نویزآبادی) फा स्त्री—नया आवाद किया हुआ मुल्क, कालोनी, उपनिवेश।
 नौआमद (نویزآمد) फा वि—हाल का आया हुआ, जो अभी आया हो, नवागत।
 नौआमोज (نویزآموز) फा. वि.—नौमिगिया, अनाजी, जिमने कोई काम अभी गोयना आरंभ किया हो, नव-विधित।
 नौआमोजी (نویزآموزی) फा स्त्री—नौमिगियापन।
 नौईजाद (نویزآباد) फा अ वि—जो चीज अभी हाल में आविष्कृत हुई हो, नवाविष्कृत।
 नौईयत (نویزآباد) अ स्त्री—प्रकार, किस्म, विशेषता, खुमूसियन।
 नौउम्र (نویزآباد) फा अ वि.—अल्पवयस्क, कमसिन, लड़का, बालक।
 नौउम्री (نویزآموزی) फा अ स्त्री.—बाल्यावस्था, अल्पवयस्कता, कमसिनी।
 नौए इंसानी (نویزآبادی) अ स्त्री—मानव-जाति, आदम की सतान।
 नौए दिगर (نویزآباد) अ फा स्त्री—दूसरे प्रकार का, बदला हुआ, विकृत, विगटा हुआ, अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।
 नौकर (نویزآباد) तु पु—सेवक, दाग, चाकर।
 नौकरवांकार (نویزآباد) फा वि—जिसने कोई काम नया-नया किया हो।
 नौकार (نویزآباد) फा वि—ताजा, हाल का, जिसने अभी काम प्रारंभ किया हो।
 नौकीस (نویزآباد) फा वि—दे 'नीदीलत'।
 नौखत (نویزآباد) फा वि—जिसकी मूँछ-दाढ़ी के बाल निकलना शुरू हुए हो, अकुरितयौवन।
 नौखास्त (نویزآباد) फा वि—नया जमा हुआ, नया पट्टा, नवयुवक, नातञ्चिब्राकार, अननुभवी।
 नौखेज (نویزآباد) फा वि.—दे 'नौखास्त', नया उगा हुआ, नवोदित, नवाकुरित।
 नौगिरिपतार (نویزآباد) फा वि—जो नया-नया फँसा हो, जो हाल में ही कैद हुआ हो, जो नया-नया किसी काम में पडा हो, जिसने नया-नया किसी को दिल दिया हो।
 नौच (نویزآباد) फा पु—नवयुवक, नयी जवानीवाला, (स्त्री) नौची, नवयुवती।
 नौजवाँ (نویزآباد) फा पु—'नीजवान' का लघु, दे 'नीजवान'।
 नौजवान (نویزآباد) फा पु—जिसकी युवावस्था का आरंभ हुआ हो, नया पट्टा, नवयुवक।

नीजवानी (نویزآبادی) फा स्त्री—युवावस्था, नयी जवानी।
 नौजाईद (نویزآباد) फा. वि—जो हाल में ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात।
 नौदामाद (نویزآباد) फा. पु—घर, दूल्हा।
 नौदीलत (نویزآباد) फा. अ वि—जिसने नयी-नयी संपत्ति पायी हो, जो नया-नया अमीर हुआ हो; जो नयी-नयी दीलत पाकर इतरा गया हो।
 नौदीलती (نویزآباد) फा अ स्त्री—नयी-नयी संपत्ति की प्राप्ति, नया-नया धनवान् होना।
 नौनियाज (نویزآباد) फा वि—वह लड़का जिमने अभी पढना-लिखना आरंभ किया हो, वह व्यक्ति जो नया-नया किमी पर मोहित हुआ हो।
 नौनिहाल (نویزآباد) फा वि—नया पीधा, नया पेड; नौउम्र, बालक, बच्चा।
 नौनिहालाने चमन (نویزآباد) फा. वि—बाग के नये-नये पीधे।
 नौपेदा (نویزآباد) फा वि—जो हाल में ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात, नौजाईद।
 नौवत (نویزآباد) अ स्त्री—ओमरी, बारी, दशा, हालत, वार, दफा, राजाओं और अमीरों के दरवाजे पर बजने-वाली गहनाई।
 नौवतखान (نویزآباد) अ फा पु—जहाँ शहनाई बजती हो, नक्कारखाना।
 नौवतगाह (نویزآباد) अ फा स्त्री—दे 'नौवतखान', कारागार, कैदखाना।
 नौवतजन (نویزآباد) अ. फा वि—नौवत बजानेवाला, नक्कारची।
 नौवतनयाज (نویزآباد) अ फा वि—दे 'नौवतजन'।
 नौवत व नौवत (نویزآباد) अ फा वि—बारी-बारी से, एक के बाद दूसरा, अपनी-अपनी बारी पर।
 नौवती (نویزآباد) अ वि—बारी का, बारी से होनेवाला, नक्कारची, नौवतनयाज, पहरेदार, पासवान, बडा खेमा।
 नौ व नौ (نویزآباد) फा वि—नया-नया, ताज व ताज।
 नौवर्ग (نویزآباد) फा वि—नया पत्ता, मजरी।
 नौवर्द (نویزآباد) फा तु. वि—नया खरीदा हुआ दास।
 नौवहार (نویزآباد) फा वि—बरात ऋतु, बहार का मौसम, वह चीज जिस पर ताजा रीनक हो।
 नौम (نویزآباد) अ पु—सोना, स्वप्न, स्वाप।
 नौमश्क (نویزآباد) फा अ वि—नौसिखिया, अनाडी।
 नौमश्की (نویزآباد) फा अ स्त्री—नौसिखियापन।

नीमीदाज (نومىدا) का अज्य-निगारा की हालत में, नाउम्मीदा जसा।

नीमीदी (نومىدى) का स्त्री-निराशा, नाउम्मीदा।

नीमुस्लिम (نومىسلم) का अ वि-जा नया-नया मुगलमान हुआ हो जा खानदानी मुगलमान न हा।

नीर (نور) अ पु-चूना, जिसकी दीवारा पर पुताई हाता है।

नीरस (نورس) का वि-नया पना हुआ पर हर नया चीज।

नीरस्त (نورسته) का वि-नया उगा हुआ।

नीरोज (نوروز) का पु-माल का पहला दिन ईरानिया म पत्ररनीत मास का पहला दिन जियम यह बहुत बन्ना उत्सव मनाने ह।

नीरोजी (نوروزى) का वि-माल के पहल दिन का जम-जश्ने नीराजी।

नीवारिद (نواريد) का अ वि-नया आया हुआ, नवागत पधिक मुमाफिर।

नीग (نوسه) का पु-वर दूहा।

नीगेरवाँ (نوسروان) का पु-गागानी बग का एक ईरानी नरेग जो अपना नायपरसयगता के लिए प्रसिद्ध है। यह सन ५०१ ई० म तन्न पर बढा था हणत मुहम्मद साहब इना क समय में उतार टुट के।

नीसपर (نوسر) का अ वि-विगत पहे पहे सफर किया हा।

नीसवार (نوسوار) का वि-जिसने धाँ के सवारी नया नयी सावी हा।

नीह (نوحه) अ पु-मतक क लिए राना-पीटना उन करना ऊँ पच की एक किस्म जिसम करवना क गहना पर गाव प्रमट हाता है।

नीहटवा (نوحهخوان) अ का वि-मतक पर विलाप करनवाला बग्वा क गहीना का नीह पनवाअ।

नीहखानी (نوحهخوانى) अ का स्त्री-मतक क लिए विलाप मुट्रम की मज्जिम म नीह पना।

नीहगर (نوحهگر) अ का वि-नीहटवाँ।

नीहगरी (نوحهگرى) अ का स्त्री-दे नीहटवानी।

नीहएगम (نوحهعم) अ पु-मतक शाक मुँ के मातम।

नीहएमातम (نوحهعمام) अ का पु-नीहएगम।

प

पचक (پلنگ) का स्त्री-चलें की पानी जियम से तार निकलता है।

पज (پلنگه) का पु-उगलियो समत ह्येही प्रहस्त

अलवूप प्रत अधिनार बजा ताग का पाँच मुक्किया-वाला पता पाच वस्तुओ का समष्टि, सहायता मन्।

पज (پلنگه) का पु-नाच का एक प्रकार जिनमें बगनी द्वियाँ एक दूसरे का हाथ पककर नाचती ह।

पज बग (پلنگهکفر) का वि-पजा लगनेवाला (प) लगे का पजा जसा एक यत्र जिसम पजा डालकर जोर वि है (پوشاد)।

पज उच्चारण (پلنگهتصویر) का स्त्री-पजा लडाना पज डाए करे करना, बल-पराशा जात्र आत्रमाना।

पज-नुमा (پلنگهسا) का वि-पजे क आकार का पना जसा।

पजगुत (پلنگهگست) का पु-एक बग, मभान।

पज (پلنگه) का वि-पाच, पच पाच का मर्या, पाच वस्तुए।

पजअर्कान (پلنگهارکان) का अ पु-मुगलमानों की पाच धार्मिक वृत्तिया-बलिम नमाज रात्रा जवात और हब।

पजआयत (پلنگهامت) का अ स्त्री-कुगन की पाच छाली-छाटी जायत जा प्राय फावर में पना जाती ह।

पजएअल्मास (پلنگهالماس) का प-पज के आकार का बह लौहिक यत्र, जिसम पहलवान पजा डालकर जोर करते ह पज कश।

पजएआपताब (پلنگهآپتاب) का पु-ग्य अपना किरणा समत।

पजएएलुरशीद (پلنگهآلورشيد) का पु-पजए आपताब।

पजए निगारों (پلنگهنگارون) का पु-प्रमिशा का चिनिन पजा जिसम गहना या महानर म नवगो निगार बने हा।

पजए मजी (پلنگهمرجان) का अ पु-मूय का के जा पज के आकार का हाता है।

पजए मयम (پلنگهمرم) का अ पु-पज की आइति का एर मुठोवद पोधा जो पानी में डालन से खुलता है और प्रसववेदनाग्रस्ता यदि उस देखनी रहे तो उसकी पीन जानी रहता है और बच्चा मुगमता से उलर हा जाना है।

पजए मिग्ना (پلنگهمرگان) का पु-पलका की बजार।

पजगज (پلنگهگنج) का पु-पाचा इतिया पाचा वक्त की नमाज पबजे की आठ नियिया में स पाँच।

पजगान (پلنگهگانه) का वि-पाच प्रकार का पाँच उम्गावाग पचसूत्री पाच समय की नमाज।

पजगुत (پلنگهگست) का पु-पजगान।

पजगून (پلنگهگونه) का वि-पाच गना पाच प्रकार वा।

पंजगोशः (منج گوشه) फा वि—पाच कोनोवाला, पचकोण, पंचकोना, जिसमे पांच पहलू हो।

पंजतन (منج تن) फा पु—पांच व्यक्ति, अर्थात्, हज़रत मुहम्मद, हज़रत अली, हज़रत फातिम। और उनके दोनो पुत्र, इमाम हसन और इमाम हुसैन।

पंजनोश (منج نوش) फा पु—मडूर, लोहे का मैल, पारा, ताँबा, लोहा, अभ्रक और मडूर का एक रासायनिक मिश्रण।

पंजनौवत (منج نوبت) फा अ स्त्री—वह नौवत जो राजाओ और बादशाहों के द्वार पर पाँचो वक्त वजती है, वह पाच वाजे जो नौवत मे वजते हैं, पाँचो वक्त की अजान।

पंजपा (منج پا) फा पु—पाँच पाँववाला, अर्थात् केकड़ा।

पंजपायः (منج پایه) फा पु—दे 'पजपा'।

पंजरः (منج زره) फा पु—हर वह वस्तु जो जालीदार हो, मकान की जाली, पिजडा, बिनस, बिठकी, गवाक्ष।

पंजर (منج زره) फा पु—'पजर' का लघु, शरीर का ढाँचा, अस्थि-पजर।

पंजरोजः (منج روز) फा वि—पाँच दिनों का, पाँच दिनों में समाप्त होनेवाला, थोड़े दिनों का, अस्थायी।

पंजवक्त (منج وقت) फा अ. वि—पाँचो समयवाला, पाँचो समय की नमाज।

पंजशंवह (منج شنبه) फा पु—बृहस्पतिवार, वीर वार, जुमरात।

पंजशाख (منج شاخه) फा पु—पाँच शाखाओवाली वस्तु, एक लम्बी लकड़ी जिसमे बहुत-सी मशाले खोस लेते हैं और वरात आदि मे जलाते हैं।

पंजसालः (منج ساله) फा वि—पाच साल में समाप्त होनेवाला, पाँच साल मे एक वार पडनेवाला, पाँच साल की आयु का।

पंजसूरः (منج سوره) फा स्त्री—कुरान की पाँच बहुत छोटी सूरते जो फातहे मे पढी जाती हैं।

पंजहज़ारी (منج هزاری) फा पु—मुगल शासन-काल का एक बहुत बडा पद।

पंजहिस[स] (منج حس) फा अ स्त्री—पाँचो इन्द्रियाँ—श्रवण शक्ति, नेत्र शक्ति, स्पर्श शक्ति, ब्राण शक्ति, स्वादेन्द्रिय।

पंजाह (منج اده) फा वि—पचास।

पंजाहम (منج ادهم) फा वि—पचासवाँ।

पंजुम (منج جم) फा वि—पाँचवाँ।

पंजुमी (منج سیر) फा वि—पाँचवाँ।

पंव (منج) फा स्त्री—हितोपदेश, नसीहत, सतुपदेश, वा'ज, परामर्श. मलाह शिक्षा. सीख. अच्छी वान का जान।

पदभामेज (منج امير) फा वि—नसीहत से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण, उपदेशपूर्ण।

पंदभामोज (منج امور) फा वि—नसीहत सिखानेवाला, नसीहत सीखनेवाला।

पंदगर (منج گر) फा वि—उपदेश देनेवाला, उपदेशक, नसीहत करनेवाला।

पंदगो (منج گو) फा वि—दे 'पंदगर'।

पंदसुदमद (منج سودمند) फा पु—लाभप्रद उपदेश।

पंदनामः (منج نامه) फा पु—वह पत्र जिसपर उपदेश लिखे हों, उपदेशो की पुस्तक।

पंदनियोश (منج نيوش) फा वि—उपदेश सुननेवाला, उपदेश सुनकर उम पर कान धरनेवाला, माननेवाला।

पंदिदः (منج دنده) फा वि—उपदेश देनेवाला, उपदेशक।

पंदीदः (منج يدده) फा वि—जिमे उपदेश दिया गया हो।

पदोनसीहत (منج نصيحت) फा अ स्त्री—नसीहत की वाते।

पंवः (منج) फा पु—कपास, रुई, तूल।

पंवःदरगोश (منج درگوش) फा, वि—कानों मे रुई ठूँमे हुए, अर्थात् किसी की बात न सुननेवाला।

पंव दहन (منج دهن) फा वि—मुँह मे रुई भरे हुए, अर्थात् चुपचाप, मौन।

पंव.दहाँ (منج دهان) फा वि—दे 'पंव दहन'।

पंवःदानः (منج دانه) फा पु—कपास का बीज, विनीला।

पंवःवगोश (منج لغوش) फा वि—दे 'पंव.दरगोश'।

पंवए जल्म (منج زخم) फा पु—घाव पर रखने की रुई, फाहा।

पंवए सीना (منج سینا) फा पु—शराव के शीशे पर लगी हुई रुई, रुई की डाट, पहले कार्क के स्थान पर रुई की डाट होती थी।

पंवकी (منج کی) फा वि—रुई से बना हुआ, सूती।

पकनः (منج کنه) फा वि—मोटा और वीना व्यक्ति।

पख (منج) फा स्त्री—अडगा, पच्चड, दोप, ऐव, कठिनता, दिक्कत, विघ्न, बाधा।

पख (منج) फा वि—कूटा हुआ, फैलाया हुआ, नीचा, पस्त, मुर्झाया हुआ।

पख्तः (منج بخته) फा पु—विनीला निकली हुई कपास, रुई, तूल।

पख्तो (منج بختو) फा स्त्री—दे श. उ 'पुख्तो'।

पख्तमान (منج پختمان) फा वि—उदास, गमगीन, मलिन, खिन्न, अपसुर्द।

पल्लीचः (منج پللیچ) फा प—दे 'पल्लीच'—जे ...

पल्लव (سحلوحه) का पु—गुग्गुली।
 पल्लव (سحلوحه) का वि—पिपला हुआ द्रवित, अप्रपुल्ल,
 पञ्जमुद।
 पल्लव (سحلوحه) का वि—खिन्न, मलिन अपमुद,
 दुक्वित रजोद।
 पग (سگ) का पु—गोली गुल्ला।
 पगह (سگه) का स्त्री—'पगाह' का लघु, दे पगाह।
 पगाह (سگه) का स्त्री—प्रातःकाल सबेरा तडका।
 पगाहतर (سگهتر) का स्त्री—गजरदम बहुत तडके, वासर
 सग, शह्य मुहूत।
 पचवाक (سحواک) का पु—अनुवाद उल्था तजुमा।
 पच (سحره) का पु—दोहरे वपडे में नीच का कपण अस्त।
 पच (سح) का पु—श्वत पहाड।
 पच (سح) का प्रत्य—यकानेवाला जैसे 'खिस्तपच' इट
 पकानेवाला।
 पच (سح) का पु—गीष मवाद मल मल जीण, पुराना।
 पचन (سحون) का स्त्री—चील पनी चिल्ल।
 पचमान (سحمان) का वि—दे पचमान।
 पचमुव (سحمروده) का वि—खिन्न मलिन उदास दुक्वित
 शममीन दे पिजमुद दो गुड ह।
 पचमुव खातिर (سحمروده خاطر) का अ वि—दे पच
 मुद लिल।
 पचमुव दिल (سحمروده دل) का वि—जिसका मन उदास
 हो खिन्नमनस्क अप्रसन्नचित।
 पचमुव ह (سحمروده) का वि—जिसका चेहरा उदास हो
 मलिनमुख अप्रसन्नमुख।
 पचमुवगी (سحمرودگی) का स्त्री—उत्तमीनता विनता
 अपमुगी।
 पचमुवगी (سحمرودگی) का वि—खिन्न होने याग्य पचमुगी
 होने के काबिल।
 पजार (سجادر) का पु—श्वत पहाड।
 पजाव (سجاول) का पु—इट या चूना पत्ताने का भटठा
 उद् में केवल इट के भटठे के लिए आता है।
 पजीर (سجیره) का पु—स्वीकार करना कबूल करना
 किमी के सामने जाना सबकूल माना हुआ दे पिजीर
 दोना गुड ह।
 पजीर (سجیره) का अर्थ—स्वीकार करनेवाला जैसे
 'पाबिग पजीर' उद्य कबूल करनेवाला दे पिजीर' दोनो
 गुड ह।
 पजीरा (سجیرا) का वि—स्वीकृत अगीकृत कबूल दे
 रा, दोना गुड ह।

पजीराई (سجیراسی) का स्त्री—स्वीकृति अगीकृति मजरी
 कबूलियत दे पिजीराई दोनो गुड ह।
 पजीह (سجوه) का प्रत्य—डूढनेवाला जैसे—'हकपजाह' सल
 का खोजी, दे 'पिजोह' दाना गुड ह।
 पजीहिंद (سجوهینده) का वि—डूढनेवाला जिनामु सारी
 दे पिजाहिं दोनो गुड ह।
 पजीहिना (سجوهینش) का स्त्री—खोज जिनासा तगा
 दे पिजाहिं दोना गुड ह।
 पजीहीद (سجوهینده) का वि—दोना हुआ ढग हुआ
 जिनासित दे पिजीहीद, दोना गुड ह।
 पतग (سنگ) का पु—गवाश खिडकी रोगनान।
 पतपीर (سنگیر) का स्त्री—छेनी टाकी।
 पतर (ستر) का पु—रोहे का तल्ला पत्र।
 पतीर (سندره) का पु—पिनावनी और पिष्ट वस्तु।
 पतील (سندل) का पु—चिराग की बत्ती।
 पतपार (سنداره) का पु—आपत्ति विपत्त, मुतीवो
 दबी आपत्ति बला।
 पद (سد) का पु—वह पेड जिसमें फल न लगत हा।
 पदरस्त (سد حله) का वि—दुक्वित क्लेशित रजो
 खिन्न मलिन, उदास।
 पदीद (سندد) का वि—पकट व्यक्त आविभूत जर्हिद
 दे पिदीद दानो गुड है।
 पदीदार (سد دادر) का वि—दे पदी।
 पदूद (سندود) का स्त्री—विना रस्तत त्याग हव।
 पनाह (سنداه) का स्त्री—रक्षा त्राण, हिफाजत आभा
 सहारा पण्य-आपण हिमायत प्राण रक्षा, जान का
 बचाव।
 पनाहगाह (سنداه گاه) का स्त्री—वह स्थान जहाँ सुर्याप
 रहा जा सके वह स्थान जहाँ से भ्रमण-आपण हा और
 सहायता मिले।
 पनाह बखुदा (سنداه بخدا) का वा—ईश्वर बचाव।
 पनाह बेकसत (سنداه بے کسالت) का स्त्री—निराश्रय लगा हो
 रक्षा करनेवाला।
 पनीर (سندیر) का पु—दही का पानी निकालकर उद्य
 मयक मिलाकर बनाया हुआ एक राय।
 पनीरनाय (سندیر نای) का पु—एक दवा जो बहरी का
 ऊट आदि के हाल के व्याय हुए बच्च का उत्तवी मौ का
 सूज दूध पिनाकर और फिर उमना बघ करते उमने आभा
 राय की मुवाकर बनाते ह।
 पनीरी (سندیری) का वि—पनार का पनीर लगन हुआ
 पनीर से सम्बन्ध रखनेवाला।

पर्यंवर (परिसर) फा पु—ईश-दूत, अवतार, पैगम्बर।
 पर्यंवरानः (परिसरान) फा वि—पर्यंवरों-जैसा, अवतारों-जैसा।
 पर्यंवरी (परिसरी) फा. स्त्री—पर्यंवर का पद, पर्यंवर सम्बन्धी; पर्यंवर का।
 पर्यंवरे वृत्त (परिसर वृत्त) फा अ. पु—अपने समय में ऐसे चमत्कारपूर्ण कार्य करनेवाला, जिन्हें केवल ईशदूत ही कर सकता हो।
 पर्य (पर) फा पु—पाँव, चरण, पदचिह्न, पाँव का निशान, पीछा, वार, दफा; पट्टा, स्तायु, दे 'पै'।
 पर्य दर पर्य (पर दर पर) फा वि—वार-वार, बार-बार, लगातार, निरन्तर, मुसलसल, दे 'पै दर पै'।
 पर्य व पर्य (पर व पर) फा वि—दे 'पर्य दर पर्य'।
 पर्यादः (पर्याद) फा पु—पैदल चलनेवाला, चपरासी, सिपाही, हुरकारा, डाकिया, सेना का पैदल सिपाही, शत्रु का पैदल।
 पर्यादःनिजाम (पर्याद निजाम) फा. अ पु—सैनिक, फौजी; पियादा, फौजी।
 पर्यादःपा (पर्याद पा) फा वि—पाँव-पाँव चलनेवाला, पैदल चलनेवाला।
 पर्यादःपाई (पर्याद पाई) फा स्त्री—पाँव-पाँव विना सवारी के चलना।
 पर्यापय (पर्यापय) फा वि—दे 'पर्य दर पर्य'।
 पर्याम (पर्याम) फा पु—समाचार, खबर, सदेश, सदेसा; सगाई की बातचीत।
 पर्यामबर (पर्यामबर) फा वि—खबर ले जानेवाला, सदेश पहुँचानेवाला, दूत, सदेशवाहक।
 पर्यामवरी (पर्यामवरी) फा स्त्री—खबर ले जाना, सदेश पहुँचाना।
 पर्यामवर्दः (पर्यामवर्द) फा वि—सदेश या खबर लेकर गया हुआ।
 पर्यामरसाँ (पर्यामरसाँ) फा वि—संदेश अथवा खबर पहुँचानेवाला।
 पर्यामरसानी (पर्यामरसानी) फा स्त्री—सदेश या खबर पहुँचाना।
 पर्यामरसी (पर्यामरसी) फा स्त्री—सदेश या खबर पहुँचाना।
 पर्यामी (पर्यामी) फा वि—पर्याम ले जानेवाला, सदेशवाहक, समाचार ले जानेवाला, खबररसाँ।
 पर्यामीसलाम (पर्यामीसलाम) फा अ पु—दूसरे के द्वारा दो व्यक्तियों की बातचीत।
 परंदः (परंद) फा पु—पक्षी, चिटिया।

परंद (परंद) फा पु—पक्षी; तलवार; सादा रेशमी कपड़ा; तलवार का जौहर, कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
 परः (पर) फा पु—पवित, कृतार, कुफुल की झड़, घास का तिन्का, छोर, किनारा।
 पर (पर) फा पु—पक्ष, पक्ष।
 परअपगंदः (परअपगंद) फा वि—जिसके पर झड़ गये हों, अर्थात् विवश, लाचार।
 परअपगंदगी (परअपगंदगी) फा स्त्री—पर झड़ जाना, विवशता, लाचारी।
 परअपशाँ (परअपशाँ) फा वि—दे 'परफिशाँ'।
 परअपशानी (परअपशानी) फा. स्त्री—दे 'परफिशानी'।
 परक्ताजः (परक्ताज) फा पु—चित्रकार की कूची, तूलिका।
 परकार (परकार) फा. स्त्री—दे 'पर्कार'।
 परकालः (परकाल) फा पु—दे 'पर्काल'।
 परखाश (परखाश) फा स्त्री—दे 'पर्खाश'।
 परगनः (परगन) फा. पु—दे 'पर्गन'।
 परची (परची) फा स्त्री—दे 'पर्ची'।
 परताव (परताव) फा पु—दे 'पर्ताव'।
 परती (परती) फा पु—दे 'पर्ती'।
 परदाख्तः (परदाख्त) फा. वि—दे 'पर्दाख्त'।
 परदाख्त (परदाख्त) फा स्त्री—दे 'पर्दाख्त'।
 परदाज (परदाज) फा पु—दे 'पर्दाज'।
 परदार (परदार) फा वि—जिसके पर हो।
 परदोख्तः (परदोख्त) फा वि—जिसके पर सी दिये गये हों, जो उड़ न सके, अर्थात् विवश, लाचार।
 परन (परन) फा स्त्री—कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
 परनियाँ (परनियाँ) फा पु—दे 'पर्नियाँ'।
 परपा (परपा) फा पु—घाघस कबूतर, वह कबूतर जिसके पाँव में पर होते हैं।
 परफिशाँ (परफिशाँ) फा वि—पर झाडनेवाला, पर फट-फटानेवाला, अर्थात् सासारिक सुखो का त्यागी।
 परफिशानी (परफिशानी) फा स्त्री—सासारिक सुखो का त्याग, निवृत्ति।
 परबंद (परबंद) फा वि—दे 'परबस्त'।
 परबस्तः (परबस्त) फा वि—जिसके पर बँधे हों, जो उड़ने में असमर्थ हों, विवश, लाचार।
 परबुरीदः (परबुरीद) फा वि—जिसके पर काट दिये गये हों, अर्थात् असमर्थ, मजबूर।
 पररेख्तः (पररेख्त) फा वि—पर-झड़ा हुआ, जो उड़ न सके, असमर्थ, विवश।
 परवरिश (परवरिश) फा स्त्री—दे 'पर्वरिश'।

परवद (پاروود) का वि- \rightarrow पवद'।
 परवाब (پروار) का स्त्री-उत्पा दे 'पर्वाब', अपने
 मक्क की तरफ मायले परवाब या हुस्र भूलना ही नहीं
 आलम तेरी अँगड़ाई का।—अजीज।
 परवान (پروان) का पु-पतगा गल्म, आदेगपन
 हुनमनामा राजादेश परमात् भक्त फिर्दाई मुय
 आसमत, परफत वह कुते बराबर जतु जा सिंह के जागे
 आगे चन्ता है।
 परवानवार (پروانوار) का अ वि-गरवाने की तरह
 अश गल्म दीपक की आर जाता है, ऐसे बड़े वेग और
 उत्साह के साथ।
 परवानए गिरिपतारी (پروانہ گری پتاری) का पु-गिरिपतारी
 का बाट।
 परवानए राहदारी (پروانہ راہداری) का पु-गासपा
 पारपत्र।
 परवानगी (پروانگی) का स्त्री-गाना अनुमति इजाजत।
 परवी (پرووی) का स्त्री- \rightarrow पर्वी।
 परवेद (پروید) का पु- \rightarrow पर्वेद।
 परवेदन (پرویدن) का स्त्री- \rightarrow पर्वेदन।
 परवाहस्त (پرواسته) का वि-जिमते पर टूट गये हा
 जा उठ त मर अघान विवा, जममय अज्ञान लचार।
 परतिवादा (پرویدارسان) का स्त्री-एक वनस्पति
 हगराज।
 परमुम (پروم) का प-मम'।
 परमोहक (پروموتنه) का वि-जिमते पर जक गये हा
 अघान अगमय गचार विवा।
 परस्त (پروست) का अव्य-पूजनवाला अगे-वृत्तपरतत
 मूर्ति पूजनवाला।
 परस्तार (پروستار) का वि-पूजनवाला उपासक आधि-
 मत्त फिर्दाई।
 परस्तारवार (پروستاروار) का पु-गानीपुत्र-नीजे
 बचा।
 परस्तारी (پروستاری) का स्त्री-पूजा आराधना इवान्त
 भक्ति विनाइपत।
 परस्तार (پروستار) का वि-पूजनवाला पूजन आगमन।
 परस्तार (پروستار) का स्त्री-पूजा आराधना इवान्त
 बंधु अति प्रम।
 परस्तार (پروستار) का पु- \rightarrow परस्तारवाह'।
 परस्तार (پروستار) का प- \rightarrow परस्तारवाह'।
 परस्तार (پروستار) का स्त्री-पूजा का स्थान
 आगमनवाला इवान्तवाला।

परस्तीद (پروستید) का वि-जिसका पूजा की जाय
 पूजित आराधित, पूज्य आराध्य।
 परस्तीदनी (پروستیدنی) का वि-पूजेने पाय, पूजान
 आराधनीय।
 परहेज (پروہجو) का पु-दे पहेज'।
 परागद (پرواگد) का वि-अस्त-व्यस्त तिनरवितर,
 अनबद वेततीव उद्दिमन परेगान।
 परागद छातिर (پرواگدہ خاطر) का वि-त्रिमता म
 ठिकाने न हो व्यस्तचित्त।
 परागद दिल (پرواگدہ دل) का वि- \rightarrow परागद छानि'।
 परागदमू (پرواگدہ مو) का वि-जिसक बा' फिरे
 हुए हा बाल बिलेरे हुए।
 परागद रोखगार (پرواگدہ روزگار) का वि-ममय विवने
 अनुसूल न हा कालचक्र-प्रस्त।
 परागदरोखी (پرواگدہ روزی) का वि-त्रिमता अविवा
 निश्चित न हा अविश्चित जीविका।
 परागद हाल (پرواگدہ حال) का अ वि-जिमकी दगा बहू
 हा अस्त-व्यस्त हो व्यस्तावस्था दुःशाग्रमन व्यननाय।
 परागदगी (پرواگدگی) का स्त्री-अस्त-व्यस्तता नि
 वितरपन अमबदता वेततीवी।
 पराबद (پرواہد) का प-ग' मुये हुए आट का पदा।
 परानिद (پرواہد) का वि-उत्पात्वाला।
 परानीद (پرواہد) का वि-उत्पात्वा हुआ।
 परिद (پرواہد) का पु-गनी चिन्धिया।
 परिद (پرواہد) का पु-गनी चिन्धिया।
 परिदगी (پرواہدگی) का स्त्री-उत्पात्वा।
 परिस्तान (پرواہستان) का पु-गरिया का स्थान अ'
 बहू-नी परिधी रहती हा।
 परी (پرواہ) का स्त्री-एक बर्गित प्राणीय कितो
 लिए प्रमिद है कि वह अयन मुल्की हती ह जगम
 बहू अधिक मुल्की स्त्री।
 परीपद (پرواہ پد) का वि-परिपद-व्यय हागना
 एतनवाला (वागी)।
 परीभवाम (پرواہ بام) का वि-गरिया अग गन्त द्वारा
 वाग (वागी)।
 परीदवार (پرواہ دوار) का अ वि-गरिया अग गन्त
 वाग (वागी)।
 परीवामन (پرواہ قاصد) का अ वि-गरिया अग गन्त
 वाग (वागी)।
 परीवान (پرواہ پان) का प-गरिया क स्त्री का प'
 अ' स्थान अ' बहू-नी मुल्की स्त्रीकी तरफ'।

परीहवां (پریحواں) फा वि—जादूगर, इद्रजाली, भूत-प्रेत उतारनेवाला, भगत, ओझा, जादू के जोर से भूतों की आत्माओं को बुलानेवाला, अजीमतहवां ।

परीहवानी (پریحوانی) फा स्त्री—माया-कर्म, जादूगरी, भूत-प्रेत उतारना, भूत-प्रेत-आत्माओं को बुलाना ।

परीचम (پریچم) फा. वि—परियों-जैसी अठलाती हुई चाल से चलनेवाला (वाली) ।

परीचश्म (پریچشم) फा वि—परियों-जैसी सुन्दर आँखों-वाला (वाली) ।

परीचेहः (پریچہ) फा वि—दे 'परीह' ।

परीजदः (پریجدہ) फा वि—जिस पर आमेव का खलल हों, प्रेतवाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट ।

परीजमाल (پریجمال) फा अ वि—परियों-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली) ।

परीजादः (پریجادہ) फा पुं—परियों की ओलाद, परियों का लटका, अप्सरा-पुत्र ।

परीजाद (پریژان) फा पु—दे 'परीजाद' ।

परीतलअत (پریطلعت) फा अ वि—दे 'परीजमाल' ।

परीतिसाल (پریتسنال) फा अ वि—परियों-जैसी सूरत-वाला (वाली), अप्सरामुखी ।

परीदः (پریدہ) फा वि—उडा हुआ, जैसे—परीद रंग ।

परीदःरंग (پریدہ رنگ) फा वि—जिसका रंग उड गया हो ।

परीदोश (پریدوش) फा स्त्री—बीती हुई, परसों की रात ।

परीपंकर (پریپنکر) फा वि—दे 'परीअदाम' ।

परीफाम (پریفام) फा वि—परियों-जैसे गोरे रगवाला (वाली) ।

परीवंद (پریوند) फा पु—भुजवध, बाजू का एक जेवर ।

परीर (پریر) फा पु—दे 'परीरोज' ।

परीरूख (پریروح) फा वि—दे 'परीरू' ।

परीरूखसार (پریروحسار) फा वि—दे 'परीरू' ।

परीरू (پریرو) फा वि—परियों-जैसी शकल-सूरतवाला (वाली) ।

परीरोज (پریروز) फा पु—बीता हुआ परसों का दिन ।

परीरुलिका (پریرولیکا) फा अ वि—दे 'परीतलअत' ।

परीवश (پریوش) फा वि—परियों-जैसा (-जैसी) ।

परीशब (پریشب) फा स्त्री—बीती हुई परसोंवाली रात ।

परीशाँ (پریشان) फा वि—अस्त-व्यस्त, तितर-वितर, व्याकुल, आतुर, बेचैन, दुःखित, क्लेशित, रजीदा, चितित, फिक्रमद, स्तब्ध, चकित, हैरान; ध्वस्त, वरवाद ।

परीशाँखयाल (پریشان حیال) फा अ वि—जिमका मन बेठिकाने हो, जो ठीक-ठीक सोच न सकता हो ।

परीशाँखयाली (پریشان حدالی) फा अ स्त्री—खयालात की वेतरतीवी, मन की व्यस्तता ।

परीशाँखातिर (پریشان خاطر) फा अ. वि.—अग्रचित्त, व्यस्तमना, जिसका मन ठिकाने न हो ।

परीशाँखातिरी (پریشان خاطری) फा अ स्त्री—चित्त की व्यग्रता, मन का बेठिकाने होना ।

परीशाँगोई (پریشان گوئی) फा स्त्री—वकवास, मिथ्या-वाद, व्यालाप ।

परीशाँदिल (پریشان دل) फा वि—दे 'परीशाँखातिर' ।

परीशाँनजर (پریشان بطوی) फा स्त्री—निगाह का ठिकाने न होना ।

परीशाँमू (پریشان مو) फा वि—जिसके बाल बिखरे हुए हों ।

परीशाँरू (پریشان رو) फा वि—जिसका मुँह उतरा हुआ हो, जिसके चेहरे पर परीशानी के आसार हों ।

परीशाँरोजगार (پریشان روزگار) फा वि—जिसका समय प्रतिकूल हो, दुर्दशाग्रस्त ।

परीशाँरोजी (پریشان روزی) फा वि—जिसको जीविका की ओर से सतोप न हो, वेरोजगार ।

परीशाँसूरत (پریشان صورت) फा अ वि—जिसकी मूरत से परेशानी टपकती हो ।

परीशाँहाल (پریشان حال) फा वि—दुर्दशाग्रस्त, मुफलिस, कगाल, अकिचन ।

परीशाँहाली (پریشان حالی) फा अ स्त्री—दुर्दशा, गरीबी, कगाली, अकिचनता ।

परीशान (پریشان) फा वि—दे 'परीशाँ' ।

परीशानकुन (پریشان کن) फा वि—परीशान करनेवाला ।

परीशानी (پریشانی) फा स्त्री—व्याकुलता, बेचैनी, चित्ता, फिक्र; दुःख, तक्लीफ ।

परीसीरत (پری سیرت) फा अ वि—परियों-जैसे स्वभाव-वाला (वाली) ।

परीसूरत (پری صورت) फा अ वि—दे 'परीह' ।

परेकाह (پریکاه) फा पु—धाम का तिनका ।

परेताऊस (پری طاؤس) फा पु—मोर का पर, मयूरपक्ष ।

परेशाँ (پریشان) फा वि—'परेशान' का लघु, दे 'परेशान' ।

परेशान (پریشان) फा वि—अस्त-व्यस्त, तितर-वितर, व्याकुल, आतुर, दुःखित, रजीदा, चितित, फिक्रमद; स्तब्ध, हैरान, ध्वस्त, वरवाद ।

परेशानी (پریشانی) फा स्त्री—व्याकुलता, बेचैनी; चित्ता, फिक्र, दुःख, तक्लीफ ।

परेहुमा (پریہما) फा पु—कल्गी, केस, तुर्रा, हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाईं पडने से मनुष्य राजा हो जाता है ।

परोवाळ (پروال) का पु—पशिया के डने और पर, बल गक्ति जार सहायता, मन् सामध्य, मक्दूर।
 पर्कार (پركار) का स्त्री—गालाई खाचने का यत्र।
 पर्काल (پركال) का पु—अग वण हिम्मा चिनगारी स्फुलिंग पतगा।
 पर्काल्प आतग (پركالپ آتگ) का पु—आगका चिनगारी अग्निवण वदत ही घूत और चालाक व्यक्ति।
 पर्खांग (پرخانگ) का स्त्री—वर गनुता दुमनी द्वेप कीना बुग्ग वमनस्य रजिग।
 पगन (پگن) का पु—जिडे का एक भाग तहसील ग्राम, गाव।
 पगार (پگار) का स्त्री—दे पकार' दाना गुद्ध ह परन्तु पकार व्यवहृत है।
 पघ (پغ) का पु—कागज का छाटा टुकडा चिट्ठी जो दस्ती भेजी जाय पत्र अखवार पुलिस की रिपोर्ट परीभापत्र प्रानपत्र।
 पचनबीस (پچنبيس) का वि—मवादकार अखवारी नुमाइद गुप्त रिपाट लिखनेवाला जासूस।
 पचए इम्तिहा (پچھ آمتحان) का अ पु—परीभा के प्रश्ना का पर्चा परीभापत्र।
 पचए हिसाब (پچھ حساب) का अ पु—बीजक वही के हिसाब की नकल परीभा में गणित का पर्चा।
 पचम (پچم) का पु—पड का वपग पररा सुरा गाय की पुच्छ अक जुफ।
 पचमकुर्गाई (پچمگسائي) का स्त्री—बडा लहराना झडा जाराण बडा लहराने का उत्सव या रत्न, ध्वजोत्तालन।
 पर्ची (پرچي) का स्त्री—काटा या लकड़ियों की बाड जो खेज या घर के चारा जोर लगाने ह।
 पर्ताब (پرتاب) का पु—बह अतर जो तीर पकने और जाकर गिरने क स्थाना के बीच में हो एक प्रकार का बाण जो बहुत दूर तक जाता है।
 पर्ताबी (پرتابي) का वि—तीर चलानेवाला, घनघर तीरदाड।
 पती (پتو) का पु—प्रकाग रागनी आमा चमक नल्क प्रतिविब अम हल्का प्रभाव छाया साया।
 पद (پد) का पु—आड आठ दृष्टा मुनपट नकाव धूषण स्त्री का परपुष्य से टिपना आब वात जाति की थिल्ली धाजे का मुर्बा जो स्वर बताता है राग नाम द्वारपट चिल्मन मा कपडा आदि।
 पददर (پددر) का वि—जोय प्रकट करनेवाग लिख स्त्री का पग ताडनेवाग।

पददरी (پددری) का स्त्री—दाप प्रकट करना टिग वपण, स्त्री का पर्चा भग करना उम पर् में रह दना।
 पददार (پددار) का वि—गप टिपानवाला झार पाल दरवान।
 पददारी (پددری) का स्त्री—दाप टिपाना दरवानो।
 पददर्शा (پددرشاں) का वि—पर् में रहनेवाली स्त्री अनिष्ठासिनी।
 पदनगीनी (پدنگینی) का स्त्री—स्त्रा का पदे में रहना बाहर खुडे मुह न निकलना।
 पदपोग (پدپوش) का वि—दूसरे का दाप टिपानवाग, दाप और अपराध देखते हुए क्षमा करनेवाला।
 पदपोगी (پدپوشی) का स्त्री—दाप और अपराध पर दृष्टि न डालना उहें टिपाना क्षमा करना।
 पदसरा (پدسرار) का स्त्री—अतपुर उदानतनी, नेमा डेरा तम्बू स्त्रियो के रहने का घर।
 पदसीज (پدسیر) का वि—पद दर'।
 पदए इनबी (پدھ علمي) का अ पु—आँव के सात पर्चो म से एक।
 पदए इस्मत (پدھ عصمت) का अ पु—दे कए बकार' गतात्व सतीपन इपकत।
 पदए गोश (پدھ گوش) का पु—वान की थिल्ली बिगड टकराकर आवाज मुनाई देती है शवण पटल।
 पदए चम्म (پدھ جسم) का पु—आँव की सात थिल्ली चम्पुपटल।
 पदए खबूर (پدھ خبرور) का पु—एक प्रकार का बालीगर बुर्का।
 पदए खबूरी (پدھ خبروری) का पु—थिल्लियावाला पर।
 पदए दर (پددر) का पु—दरवाजे पर पग हुआ पर्चा।
 पदए मामूस (پدھ ساموس) का अ पु—सतीत्व इस्मत, प्रतिष्ठा भयान।
 पदए बरारत (پدھ بارارت) का अ प—बह थिल्ली जो यानि पर हाती है और पहले सहवान में फट जाती है यानिपटल योनिउ।
 पदए बीनी (پدھ بنی) का पु—नाक अथवा दाना नपनो क बीच की दीवार नामापत्र।
 पदए सीमी (پدھ سيميں) का पु—सिनमा का पर्चा जिन पर चित्र लिमाई देत ह रजनपट।
 पदक (پدک) का पु—पहिली प्रहेलिका मुअम्मा।
 पदगी (پدگی) का स्त्री—पर् में रहनेवाली नापिसा द्वारपाल दरवान।

पर्दाख्त: (دردِ آخته) फा वि.—सँवारा हुआ, सज्जित, पाला हुआ, पोषित।
 पर्दाख्त (دردِ آخته) फा स्त्री—देखभाल, सरक्षण, रक्षा, हिफाजत, पालन-पोषण, पर्वरिश।
 पर्दाख्तनी (دردِ آختنی) फा वि—सँवारने योग्य, रक्षा करने योग्य, देखभाल के योग्य; पालन-पोषण के योग्य।
 पर्दाख्त (دردِ آخته) फा पु—और्य, ढग; सज्जा, सजावट, सलग्नता, मशगूली, चित्र की महीन रेखाएँ आदि, (प्रत्य) सँवारनेवाला, जैसे—'इशापरदाज' शब्दों को सुसज्जित करनेवाला।
 पर्दाख्तद: (دردِ آخته) फा वि—सँवारनेवाला।
 पर्ना (دردِ آخته) फा. पु—एक चित्रित रेशमी कपडा।
 पर्नियाँ (دردِ آخته) फा पु—एक प्रकार का चित्रित रेशमी कपडा।
 पर्पहन (دردِ آخته) फा पु—खुफें का साग।
 पर्मेक (دردِ آخته) तु स्त्री—उँगली।
 पर्मेला (دردِ آخته) फा स्त्री—मुर्गावी, एक जल-पक्षी।
 पर: (دردِ آخته) फा पु—फौज की पकित, पर, कुफुल की झड, घास की पत्ती, तिनका; छोर, किनारा।
 पर्ए बीनी (دردِ آخته) फा पु—तासापटल, नथनो के बीच की दीवार।
 पराँ (دردِ آخته) फा वि—उडता हुआ, उडती हुई अवस्था में।
 पर्वाज (دردِ آخته) फा स्त्री—कुर्वे आदि के दामन पर टाँकी जानेवाली गोद।
 पर्वर (دردِ آخته) फा प्रत्य—पालनेवाला, जैसे—'अद्ल पर्वर' न्याय का पालन करनेवाला।
 पर्वरद: (دردِ آخته) फा वि—पालनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।
 पर्वरिश (دردِ آخته) फा स्त्री—पालन-पोषण, कृपा, दया, सहायता, मदद।
 पर्वरिशखान: (دردِ آخته) फा पु—दे. 'पर्वरिशगाह'।
 पर्वरिशगाह (دردِ آخته) फा स्त्री—वह स्थान जहाँ बच्चों का पालन-पोषण होता है।
 पर्वरिशयाप्त. (دردِ آخته) फा वि—पाला हुआ, पोषित, पालित।
 पर्वदं. (دردِ آخته) फा वि—पाला हुआ, (प्रत्य) जैसे—'वर्फ पर्वदं' वर्फ में सुरक्षित किया हुआ।
 पर्वदं (دردِ آخته) फा वि—दे 'पर्वदं'।
 पर्वदंए नमक (دردِ آخته) फा वि—जिसने किसी के घर पर्वरिश पायी हो, और नमक खाकर बडा हुआ हो, दास।
 पर्वदंए ने'सत (دردِ آخته) फा अ वि—दे 'पर्वदंए नमक'।

पर्वदंगार (دردِ آخته) फा पु—ईश्वर, परमात्मा, खुदा।
 पर्वदनी (دردِ آخته) फा वि—पालन-पोषण करने योग्य।
 पर्वा (دردِ آخته) फा स्त्री—चिता, फिक्र, भय, डर, ध्यान, खयाल; इच्छा, चाह।
 पर्वाज (دردِ آخته) फा स्त्री—उडान, उडने का भाव, (प्रत्य) उडनेवाला, जैसे—'वलदपर्वाज' ऊँचा उडनेवाला।
 पर्वान: (دردِ آخته) फा. पु—पतगा, शलभ, आदेशपत्र, हुकमनामा, राजादेश, फर्मान, मुग्ध, फरेपत; भक्त, फिदाई, एक लोमडी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है।
 पर्वान:वार (دردِ آخته) फा वि—जैसे शलभ दीपक की ओर दौडता है वैसे, शलभवत्।
 पर्वानए राहदारी (دردِ آخته) फा. पु—पासपोर्ट, पारपत्र।
 पर्वानक (دردِ آخته) फा पु—वह लोमडी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है, पर्वाना।
 पर्वानगी (دردِ آخته) फा स्त्री—आज्ञा, अनुमति, इजाजत।
 पर्वार: (دردِ آخته) फा पु—टेकी, अडगा, झरोखा, गुर्फ।
 पर्वार (دردِ آخته) फा पु—जमीन के नीचे बनाया हुआ घर जिसमें धूप से बचाकर पशु पाले जाते और मोटे किये जाते हैं।
 पर्वारी (دردِ آخته) फा वि—पर्वार में पला हुआ, वह पशु जो धूप से बचाकर और खूब खिला-पिलाकर मोटा किया गया हो।
 पर्वाँ (دردِ آخته) फा स्त्री—कृत्तिका नक्षत्र, परन, गुच्छा, गुच्छ, खोश।
 पर्वेज (دردِ آخته) फा पु—प्रतिष्ठित, समानित, शकर छानने की चलनी, नौशेरवाँ का पोता जो शीरी का आशिक था।
 पर्वेजन (دردِ آخته) फा स्त्री—छलनी, आटा आदि छानने का यंत्र।
 पर्सुम (دردِ آخته) फा पु—पलेथन, रोटी पकाते समय लोई में लगाया जानेवाला आटा।
 पर्हेज (دردِ آخته) फा पु—अलग रहना, बचाव, घृणा, नफ़त, रोगी के खान-पान का बचाव, निषेध।
 पर्हेजगार (دردِ آخته) फा. वि—सयम नियम का पालन करनेवाला, इद्रियो को वश में रखनेवाला।
 पर्हेजगारी (دردِ آخته) फा स्त्री—सयम-नियम का पालन, यति-धर्म, इद्रिय-निग्रह।
 पर्हेजद. (دردِ آخته) फा वि—पर्हेज करनेवाला।
 पर्हेजी (دردِ آخته) फा वि—वह खाना जो रोगी को उमकी दशा के अनुसार दिया जाय।

पहोचोद (پهلوچود) का वि-जिग वस्तु या पहोच हा।
 पलग (پلنگ) का पु-एव हिमन जलु तेंप्रा, जो
 इसका अथ चीता वग्न ह, गलत करने है।
 पलगोन (پلنگون) का पु-एक उनी वपण जिगमें तट्टण
 की मात्र जमे चिह्न हा। ह।
 पल (پل) का पु-एव वा प पणय टेमू।
 पलक (پلک) का स्त्रा-नयनपत्र ग्यवण।
 पलत (پلس) का वि-मलिन मग अपवित्र मग।
 पलारक (پلاری) का पु-एव प्रहार वा वणिया लाहा
 तलवार वा जोहर तलवार लण।
 पलाव (پلا) का पु-मुल्यक एक प्रसिद्ध भाय पणय इम
 गण का गुद्ध उच्चारण पणय है परंतु उरू में पुणव
 हा वणन ह।
 पलास (پلاس) का पु-आन वा पट टेमू पलास मन
 का वपडा टाट बहून भोग और मुस्ला वपण।
 पलोत (پلوت) का पु-चराग की वता वट वती जा
 प्रेतवाथा उतारने के लिए जगयी जाता है।
 पलोद (پلود) का वि-अपवित्र नापाक मन्-दूषित
 गदा दुष्ट मयीम।
 पलोदी (پلودی) का स्त्री-अपवित्रता नापाकी मन्त्रिना
 गन्ना।
 पलक (پلک) का पु-आल का पपाटा।
 पल्लस (پللس) का प-मापन डग फनन का यन
 पलासन।
 पल्ल (پله) का पु-तराजू वा पल्ला तुग घण पण
 पणवी दरा मीने का उडा।
 पणग (پنگ) का पु-अमासियाव व पिता का नाम जो
 वण महारथी शासक था व पुणग दाना गुद्ध ह।
 पण (په) का पु-परा।
 पणों (پهون) का पु-वक्ववा का लटवा।
 पणोब (پهوب) का पु-असा तावे का मित्रता तावे
 का वण।
 पणोमा (پهوما) का वि-पणोमान का पु = पणोमान।
 पणमान (پهमान) का वि-अजित गमिण मुकुचित
 नामि पचातापी पल्लानवाला।
 पणोमाथी (پهوماثی) का स्त्री-अज्जा गमिणगी मक्वाव
 नगमत पदचात्ताप अपहोम।
 पणम (پهمن) का स्त्री-अज उण उरू में पेहू के नीच के
 बाग के लिए भी बोखे ह।
 पणमक (پهمنک) का स्त्री-एक मिठाई जो बाउा के लच्छे
 जसी हाली है बुनिया हा मूत।

पणमकली (پهمنکلی) का तु पु-पणम।
 पणमदों (پهمندون) का पु-एक गाला वा विमी वा
 अपमानित करण व लिए उगके नाम के स्थान पर
 बाउन ह।
 पणमार (پهمنان) का पु-अव वाचि धाग।
 पणमों (پهمنون) का वि-अज वा बना द्रवा उनी।
 पणमोन (پهمنون) का पु-एक बहुत बणिया उनी वण
 जा वण मुण्डिम और मडबून हाता है और वणमार म
 नवम अच्छे बनता है।
 पणन (پهن) का पु-मच्छर मणक।
 पणनधान (پهندان) का पु-मच्छरगना मणहरी।
 पसण (پسنگ) का पु-माग व पणटवण गण भाग पर
 मर जान या मगाण में तर जान ह।
 पसद (پسد) का वि-अचिरर मगूव, स्वीहृत मकर
 (स्थी) रचि रगत इच्छा मगा स्वाहृति मकर
 (प्रय) पणन करनवाग अय-हकणमण सन का
 पणन करनेवाग पणन आनेवाला अय-लिपणमण सन
 का भागवाग।
 पसदाव (پسندار) का वि-व्यय व पचात वका हूम
 धन आदि सचित वचावर पणन करनेवाग विपायव
 गिआर।
 पसदात्री (پسنداری) का स्त्री-व्यय करके धन आदि
 वचाना ताकि आगे आवणवकता पर काम दे विप्रायव
 गिआरी।
 पसदीव (پسندیه) का वि-पणन किया हुना रचिवर
 मगूव मन वा अच्छे लगनेवाग मनोनालि लिपणन।
 पसदीव औसाफ (پسندیه اوصاف) का अ वि-अच्छ
 और उत्तम गणावाग व्यक्ति मणगुणपणन।
 पसदीवतर (پسندیه تر) का वि-बहुत अधिक अच्छा और
 रचिवर।
 पसदीवगी (پسندیه گی) का स्त्री-रचि रगत।
 पसदेग (پسندیه گ) का वि-नेवल पीछ की बात
 साचनेवाला अयं न देखनेवाग मुकुचितबुद्धि।
 पसदेसी (پسندیه سی) का स्त्री-माछे की बात साचना
 आगे न देखना बुद्धिमक्वोच।
 पस (پس) का अय-प्योठे वाण वतन, जिविरका
 पुन फिर।
 पसभदाव (پسندار) का वि-दे पणनगण गड
 उच्चारण वही है।
 पसभदात्री (پسنداری) का स्त्री-दे पणनगण गड
 उच्चारण वही है।

पसअंदेश (پس اندیش) फा वि-दे 'पसदेश', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअंदेशी (پس اندیشی) फा स्त्री-दे 'पसदेशी', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअफ़ांदः (پس افگندہ) फा पु-दे 'पसफांद', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआवर्दः (پس آوردہ) फा पु-दे 'पसावर्द', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआहंग (پس آہنگ) फा पु-दे 'पसाहंग' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसकूचः (پس کوچہ) फा पु-गली के अदर की गली, बहुत पतली और तग गली।

पसखुर्दः (پس خوردہ) फा वि-बचा हुआ खाना, भुक्तशेष, उच्छिष्ट।

पसखैज (پس خیر) फा पु-पहलवानो का नया-नया शिष्य।

पसखैसः (پس خیسہ) फा पु-सेना की सबसे पिछली रावटी; नतीजा, निष्कर्ष।

पसतर (پس تر) फा वि-बहुत पीछे, सबसे पीछे।

पसतर फर्दा (پس تر فردا) फा पु-परसो के वादवाला दिन, नरसो, अगली नरसो।

पसपा (پسپا) फा वि-लडाई में पीछे हटा हुआ, हारा हुआ, पराजित।

पसपाई (پسپائی) फा स्त्री-युद्ध में पीछे हटना, पराजय, हार।

पसफर्दा (پس فردا) फा पु-कल के वादवाला दिन, परसो, अगली परसो।

पसफ़ांदः (پس افگندہ) फा वि-खर्च से बची हुई वस्तु जो दूसरे समय काम आने के लिए उठा रखी जाय, बीट, गोवर।

पसमांदः (پس ماندہ) फा वि-बचा हुआ, बची हुई वस्तु, मृत पुरुष के बाल-बच्चे, सफर में साथियों से पीछे रह जानेवाला।

पसमादगाँ (پس ماندگان) फा पु-मृत पुरुषके सम्बन्धी जन, बाल-बच्चे, सफर में साथियों से पीछे रह जानेवाले।

पसमांदगी (پس ماندگی) फा स्त्री-सफर में साथियों से पीछे रह जाना, हीनता, दीनता, लाचारी।

पसरवी (پس روی) फा स्त्री-पीछे-पीछे चलना, अनुकरण करना।

पसरौ (پس روی) फा वि-पीछे चलनेवाला, अनुकरणकर्ता।

पसावर्दः (پس آوردہ) फा पु-वह लडका जो स्त्री के प्रथम पति का हो।

पसावीदः (پس اویدہ) फा वि-रगडा हुआ, मसला हुआ, मला-दला हुआ।

पसावीदनी (پس اویدنی) फा वि-रगड़ने योग्य, मसलने योग्य, मलने-दलने योग्य।

पसाहंग (پس آہنگ) फा पु-सेना का पिछला भाग।

पसी (پسین) फा वि-अंतिम, आखिरी; पिछला, पीछेवाला।

पसेज (پسیج) फा पु-सकल्प, इरादा, तत्परता, तैयारी, कटिवद्धता, आमादगी।

पसेपर्दा (پس پردہ) फा पु-पर्दे के पीछे, आड में, गुप्त रूप से, "आ गया कौन है पसेपर्दा—नूर से झिलमिलाती है चिलमन"।

पसेपुस्त (پس پست) फा पु-पीठ-पीछे, परोक्ष में।

पसेमर्ग (پس مرگ) फा पु-मरने के बाद, मरण-परचात्।

पसेमुर्दन (پس مردن) फा पु-दे 'पसेमर्ग'।

पस्तः (پستہ) फा वि-ह्रस्व, पस्त, लघु, छोटा।

पस्तःकद (پستہ کد) फा वि-ह्रस्वकाय, वामन, बौना, ठिगना।

पस्त (پست) फा वि-नीचा, निशेवी, अधम, नीच, कमीना, ह्रस्व, पस्त; लघु, छोटा।

पस्तअंदेश (پست اندیش) फा वि-लघुचेता, मद्बुद्धि, तगखयाल।

पस्तअंदेशी (پست اندیشی) फा स्त्री-तगखयाली, बुद्धिमाद्य।

पस्तक (پستک) फा वि-बहुत अधिक नीचा, बहुत अधिक कमीना, बहुत अधिक लघु।

पस्तकद (پست کد) फा वि-दे 'पस्त कद'।

पस्तकामत (پست قامت) फा अ वि-दे 'पस्त कद'।

पस्तकामती (پست قامتی) फा अ स्त्री-डीलडौल का छोटा होना, बौनापन, वामनता।

पस्तखयाल (پست خیال) फा अ वि-दे 'पस्तअदेश'।

पस्तखयाली (پست خیالی) फा अ स्त्री-दे 'पस्तअदेशी'।

पस्तफिन्नत (پست فطرت) फा अ वि-नुच्छ प्रकृतिवाला, कमीना, दुष्टात्मा, खबीम।

पस्तफिन्नती (پست فطرتی) अ फा स्त्री-प्रकृति की निकृष्टता, कमीनापन, दुष्टता, खवासत।

पस्तहिम्मत (پست ہمت) फा अ वि-हतोत्साह, अल्प-साहम, कमहौसला।

पस्तहिम्मती (پست ہمتی) फा अ स्त्री-उत्साहहीनता, हौसले और उमग की कमी।

पस्तहिम्मत (پست ہمت) 'पस्तहिम्मत'।

पस्तहूसलगी (سمتحو ملکی) फा अ स्त्री - पस्त हिममनी ।

पस्ती (نستی) फा स्त्री - निचाई, निशेन नीचता, कमीनगी ।

पस्तोबलद (سمبولند) फा पु - ऊँचा-नाचा ऊच नीच दुख-सुख, रज राहत, जच्छा-युरा, नेकी-बन्ती ।

पह (ه) फा अव्य - माधु वाह धय ।

पह पह (هه) फा ज्य - वाह वाह धय धय साधु साधु ।

पहन (پهن) फा वि - चौडा चकला विस्तत महान अजीम ।

पहनक (پهنک) फा पु - फीता ।

पहनचश्म (پهن چشم) फा वि - निलज्ज बेहया ।

पहनचश्मी (پهن چشمی) फा स्त्री - निलज्जता बेहयाई ।

पहना (پهنا) फा वि - विस्तत चौडा चकला ।

पहनाई (پهنائی) फा स्त्री - विस्तार लम्बाई चौडाई, बसअत ।

पहलवान (پهلوان) फा पु - कुस्ती लडनेवाला मल्ल शक्तिशाली ताकतवर हट्टा-बट्टा मोटा ताजा ।

पहलवानो (پهلوانی) फा स्त्री - कुस्ती लडने का काम कुस्ती लडन का फन ।

पहलवी (پهلوی) फा स्त्री - ईरान की एक प्राचीन भाषा ।

पहलू (پهلوی) फा पु - पार्श्व बगळ कुक्षि काल दिशा जोर तरफ पदति तन्न अक त्राड आगाश मुक्ति तर्फी व व समीपता नज्मीनी सक्त रम्ज मिय वहाना पसली ।

पहलूतिहो (پهلوی ہی) फा स्त्री - उपशा बेइरितफाती बचना अउग रहना ।

पहलूनशीं (پهلوسنی) फा वि - पास बठनेवाग पार्श्व वर्ती सभासल मुसाहिब ।

पहलूनशीनी (پهلوسنی) फा स्त्री - पास बठना मुमाहवत ।

पा

पाबर (پا بره) फा वि - पदरह की सख्या पत्रह वस्तुए ।

पाबरहूम (پا بره هم) फा वि - पत्रहवा चौहह कवानवाला ।

पा (پا) फा पु - पत्र चरण पत्र पाव ।

पाबराव (پا باران) फा पु - बह टार या चगाई आदि जो कपरे आदि के दरवाजे पर पाव पाठने के लिए पडा रहती है ।

पाअक्राव (پا اکران) फा पु - जूता पाडुवा ।

पाअपशार (پا افسار) फा पु - लकड़ी का जूता खाने पाटुका चट्टी ।

पाअलमटवॉ (پا علم حوان) फा वि - वह व्यक्ति जो मन्त्रम के त्तिम अलम के नीचे सडे होकर मसिया फना है ।

पाइद (پائده) फा वि - हमगा रहनवाग निय अनवर स्थायी, पाएगर ।

पाइद बाव (پائده بان) फा वा - एन जागीवास अमर रहे हमगा रहा अमर रहे हमगा रत् जिन्वा चिरजीवी ।

पाइवगी (پائده گی) फा स्त्री - हमशगी नित्यता स्थायित इस्तिक्काल पाएगरी ।

पाई (پائس) फा वि - पार्स का लघु द फान ।

पाइकोह (پائس کوہ) फा पु - मट्टाड का तराई ।

पाइपरस्ती (پائس پرستی) फा स्त्री - दामता, छि भतगारी ।

पाइबाग (پائس باغ) फा पु - वह बाग जा मकान फा बाठी से मिला हा गह-उद्यान, गहवाटिका ।

पाईज (پائس) फा पु - पतन्नद की ध्रतु खजौ का मोलम ।

पाईद (پائده) फा वि - पाएदार स्थायी ठहरा हुआ वृड स्थित ।

पाईदनी (پائده نی) फा वि - ठहरने योग्य ।

पाईन (پائده) तु पु - बषण मुकुर आईता ।

पाईन (پائس) फा वि - पिछला जाबिरा निचला नीचेवाग (स्त्री) पाएती सिरहान का उलटा ।

पाउपताव (پا اعداده) फा वि - गिरा हुआ, पतिन लाचार विवग हीन, दीन, दुखित कष्टग्रस्त ।

पाउपतावगी (پا اعدادگی) फा स्त्री - गिरना पडन हानता लाचारी दुख में होना ।

पाएकार (پا کار) फा पु - वह स्थान जहा किसी इमारत बनाने का मसाला इकटठा हा ।

पाएकादत (پا کاسب) फा पु - वट्ट रुपक जा किसी जय गाव की जमीन जोने हा ।

पाएकुलाग (پا کلاغ) फा पु - लेखनी, कलम, बन्त बुरी जोर टेनी मने लिखावट ।

पाएलस्त (پا حسب) फा वि - द पाएमाल ।

पाएगाह (پا گاه) फा स्त्री - अश्वशाला तवेला, किसी बड रूम या जमर की टबाडी ।

पाएच (پا چته) फा पु - पाजाम का बह भाग जो नीच लडबता है ।

पाएजाम (پا جامه) फा पु - दे पाजाम दोना गढ है परतु वह अतिव पसीह है ।

पाएतख्त (دائے تخت) फा पु.—राजधानी, शासन-केन्द्र, तख्तगाह।

पाएतसर्वा (دائے ترسا) फा पु.—मदिरा का प्याला, पानपात्र।

पाएतोग (دائے توغ) तु पु.—सेना आदि में आगे झडा लेकर चलनेवाले का पद।

पाएदान (دائے دان) फा पु.—सभा में जूते उतारने का स्थान; गाड़ी, मोटर, रेल आदि के दरवाजे का तख्ता जिस पर पाँव रखकर चढ़ते हैं।

पाएदार (دائے دار) फा वि—दृढ़, मजबूत, स्थायी, मुस्तकिल, अचल, स्थिर।

पाएपिस्त (دائے پیست) फा वि—दे 'पाएमाल'।

पाएवंद (دائے بند) फा वि—दे 'पावद'।

पाएमाल (دائے مال) फा वि—पाँव के नीचे मसला हुआ, रौंदा हुआ, पददलित, पदद्वस्त।

पाएरंज (دائے رنج) फा पु.—वह पुरस्कार जो एलची, दूत, पत्रवाहक अथवा अतिथि को विदा करते समय सम्मानार्थ दिया जाय।

पाक (پاک) फा वि—पवित्र, मुकद्दस, शुद्ध, ठीक; निष्केवल, खालिस, स्वच्छ, साफ, निर्दोष, बेकुसूर; निर्मल, बेमेल, निर्लिप्त, बेतअल्लुक; सुरक्षित, महफूज।

पाकजाद (پاک زاد) फा वि—स्वच्छ प्रकृतिवाला, शुद्धात्मा।

पाकतीनत (پاک طینت) फा अ वि—दे 'पाकजाद'।

पाकदामन (پاک دامن) फा वि—सदाचारी पुरुष, सती और साध्वी स्त्री।

पाकदामानी (پاک دامانی) फा स्त्री—नेकचलनी, सदाचार, सतीत्व।

पाकदिल (پاک دل) फा वि—जिसके मन में खोट न हो, शुद्धमनस्क, अन्त पवित्र।

पाकनजर (پاک نظر) फा अ वि—वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पड़े, समदर्शी।

पाकनिगाह (پاک نگاہ) फा वि—दे 'पाकनजर'।

पाकनिहाद (پاک نيهاد) फा वि—दे 'पाकदिल'।

पाकनीयत (پاک نیت) फा अ वि—दे 'पाकदिल', जो किसी की अमानत में खियानत न करे।

पाकबाज (پاک باز) फा वि—सदाचारी, शुद्ध आचरणवाला।

पाकबाजी (پاک بازی) फा स्त्री—सदाचार।

पाकबी (پاک بی) फा वि—दे 'पाकनजर'।

पाकबीनी (پاک بینی) फा स्त्री—केवल अच्छाई देखना, बुराई पर दृष्टि न डालना।

पाकरू (پاک رو) फा वि—स्वच्छरूप, सुंदर मुखवाला (वाली)।

पाकसिरिशत (پاک سرشست) फा वि—सत्प्रकृति, शुद्धात्मा।
पाकार (پاکار) फा पु—तहसील का प्यादा, दास, खिदमती, मजदूर, श्रमिक, मेहतर, भगी।

पाकी (پاکی) फा वि—शुद्धता, पवित्रता, स्वच्छता, निर्दोषता, नीचे के बाल।

पाकीज: (پاکیج) फा वि—शुद्ध, पवित्र; स्वच्छ।

पाकीज:खयाल (پاکیج خیال) फा अ वि—अच्छे विचारों-वाला, सद्विचारवान्।

पाकीज:खू (پاکیج خُو) फा वि—स्वच्छ प्रकृतिवाला।

पाकीज:गौहर (پاکیج گوهر) फा. वि—अच्छे वशवाला, कुलीन।

पाकीज:तीनत (پاکیج طینت) फा अ वि—सत्प्रकृति, पुनीतात्मा।

पाकीज:नपस (پاکیج نپس) फा अ वि—दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीज:बूम (پاکیج بوم) फा वि—अच्छे और पुनीत स्थान का रहनेवाला।

पाकीज:मनिश (پاکیج منیش) फा वि—दे 'पाकीज तीनत'।

पाकीज:शिअर (پاکیج شاعر) फा अ. वि—अच्छे आचरण-वाला, शुद्धाचारी।

पाकीज:सिरिशत (پاکیج سرشست) फा वि—दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीज:सीरत (پاکیج سیرت) फा अ वि—दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीज:सूरत (پاکیج صورت) फा अ वि—अच्छी सूरत-वाला, सुन्दर, (वाली) सुन्दरी।

पाकीजगी (پاکیج گئی) फा स्त्री—पवित्रता, शुद्धता, स्वच्छता।

पाकोव (پاکوب) फा वि.—नाचनेवाला, नर्तक, नाचने-वाली, नर्तकी।

पाकोवी (پاکوبی) फा स्त्री—नाचना, नर्तन, नृत्य।

पाखान: (پاخانه) फा पु—मल-त्याग का स्थान, शौचालय, पुरीप, बिठ्ठा, गू।

पागाह (پاگاه) फा स्त्री—दे 'पाएगाह'।

पागिरिफ्त: (پاگرفیت) फा वि—ठहरा हुआ, जो चल न रहा हो, स्थावर।

पागीर (پاگیر) फा स्त्री—कुश्ती का एक दाँव।

पागुंद: (پاگوند) फा पु—धुनकी हुई रई का गाला।

पागुर (پاگور) फा अ पु—पाँव का एक रोग, पीलपा, श्लीपद।

पागुर (پاگور) फा प—गोता हवकी निमज्जन।

पाचग (ناحلگ) का पु—गवाण, लिपकी जूता पन्नाण।
 पाचक (ماحک) का स्त्रा—उपला, सूखा गाजर।
 पाचक हत्ती (ماحک دستی) का स्त्री—जगल में पडा हुआ सूखा गाजर या गाल उपल व आकार का हाता है।
 पाचो (ماحان) का पु—छिन्कता हुआ बरमाना हुआ, दे पाग।
 पाचाक (ماحای) का स्त्री—पाचक।
 पाचाय (ماحایه) का पु—गान-गोखाना, गु-मुत्र।
 पाचाल (ماحال) का पु—गर्बी, वह गता जिसमें जुलाह बपडा बिनत समय पाँव लटकाने ह।
 पाचाह (ماحاه) का पु—पाचाल।
 पाचाह (ماحاه) का पु—दे पाचाल।
 पाचिल (ماحله) का पु—बरफ पर चलने का जूता पातावा।
 पाचुनार (ماحانار) का पु—ईरान में एक नगर जहा न निवासी आचरण के दृष्टिकोण से बहुत पवित्र हात ह।
 पाचुनारी (ماحاناری) का स्त्री—पाचुनार व निवासिया जसा अथम लोफर कमीना सबक, दास।
 पाचग (ماحگ) का पु—दे पाचग।
 पाचह (ماحر) का पु—दे पाचह।
 पाचाज (ماراج) का स्त्री—धाम दाया बच्चे जनाने वाली स्त्री।
 पाजाम (ماحامه) का पु—एक विशेष अधोवस्त्र इजार।
 पाजो (ماحی) का वि—पामर अथम नीच धूल दुष्ट।
 पाजेव (مارب) का स्त्री—पाव का एक आमूषण अडुक तूपुर।
 पात (ما) का पु—चौकी तहल।
 पाताक (مامانه) का पु—जते क भीतर का तठा माजे के उपर पहनन का कपडे का जूता जसा खोल।
 पातिल (مايله) का प—मतीला चौड़े मुझ का दगनुमा देगचा।
 पातुराब (مايراب) का वि—यात्रा के समय इन विचार से कि गुम मूत्र खटित नहा एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाना चाहे वह स्थान थोटा दूर ही क्या न हो।
 पादग (ماادگ) का स्त्री—धान आदि कूटने की रेकत्री।
 पादबह (ماادهر) का पु—विपनागक एक जोषधि।
 पादरगिल (ماادگل) का वि—पावगित।
 पादरिकाब (ماادریک) का वि—दे पादरिकाब।
 पादरहुवा (ماادروها) का वि—निराधार बेवूनिया काल्पनिक लयानी।

पावगह (ماادسه) का पु—पावगह का रूप, दे 'पावगह'।
 पादागह (ماادساره) का पु—राजा, नरग बावगह।
 पादागहबाव (ماادشاورانه) का प—शाहबाग राज कुमार।
 पादागही (ماادساعی) का स्त्रा—राय सलतन गसन हुकूमत बावगह सम्बन्धी, बावगह का।
 पादस्त (ماادسب) का पु—हथ उगार वह पन जा तुग्न अग बर देने व लिए लिया जाय।
 पादाग (ماادام) का वि—जाल में बधा हुआ पगा जी।
 पादाग (مااداس) का स्त्री—प्रतिवार बला प्राय बने वस्त्र व लिए व्यवहृत है।
 पादागन (مااداسن) का स्त्री—पादाग।
 पादागे अमल (مااداش عمل) का अ स्त्री—कमपन काम का बदला कमपन पाप की सजा।
 पादागे जुम (مااداس حرم) का अ स्त्रा—अपराध का पाप की सजा।
 पाग (ماغه) का स्त्री—गार स लकड़ी चाल समन दरार में लगाया जानेवाला पचर।
 पाग (ماغان) का पु—एक प्रसिद्ध पत्ता जा कत्या बना लगाकर खाया जाता है।
 पागदान (ماادان) का पु—पाग रखने की पिनारी।
 पापयाद (مااداده) का वि—यदल चलनेवाला, पल।
 पापा (ماانا) का पु—पीप ईताइया का बग पारी।
 पापाए रोम (مااداء روم) का पु—राम का बग पापा अ सारे ममार के रोमन कथलिक पापरिया पर गसन करता है।
 पापियाद (مااداده) का वि—दे पापयाद दाना पद ह।
 पापोग (ماادوس) का स्त्री—पाडुका, पाच जूता।
 पापोगकार (ماادوش کار) का वि—जूते बनानेवाला मन्वी पाडुकाकार।
 पापोगकारी (ماادوش کاری) का स्त्रा—जूते बनाने का काम मोरीपन जूते पडना विमी की जूती स मरम्मत।
 पाबद (ماابند) का वि—बनी गिरिनार विव लाचार वाध्य मजूर बचनबद्ध जिसने जवान दी हा समय या नियम का पालन करनेवाला।
 पाबदी (ماابندی) का स्त्री—बाध्यता मजबूरी बचन बद्धता कौल-करार समय आदि में नियमबद्धता।
 पाबदे जजीर (ماابند زنجیر) का वि—जजीर में बना हुआ शुष्कलित पाव में जजीर पडी हुई।
 पाबदे सलामिल (ماابند سلاسل) का अ वि—दे पाब जजीर।

पावगिल (دانه گل) फा वि—दलदल में फँसा हुआ; विवश, लाचार, किकर्तव्यविमूढ, हक्का-बक्का ।
 पावजंजीर (دانه زنجیر) फा वि—पाँव में जंजीर पडा हुआ, शृखलित, कैदी, बंदी, विवश, मजबूर ।
 पावजूला (دانه حوالی) फा वि—पाँव में वेडी पडी हुई, कैदी, बंदी ।
 पावरजा (دابرجا) फा वि—एक स्थान पर पाँव जमाये हुए, डटा हुआ, सावितकदम, दृढनिश्चय ।
 पावरहनः (دابرهنه) फा वि—नगे पाँव, पादुकाहीन, पुराना, जिस पर एक साल बीत गया हो ।
 पावरिकाव (دانه ریکاب) फा वि—रिकाव में पाँव डाले हुए, चलने के लिए तैयार, मरने के लिए तैयार, मरणासन्न ।
 पावरहनः (دابرهنه) फा वि—दे 'पावरहन', दोनों शुद्ध हैं ।
 पावस्तः (دانه ست) फा वि—पाँव बँधा हुआ, गिरिपतार ।
 पावस्त (دانه ست) फा वि—दृढ़, मजबूत, न्यास, नीव, प्रतीक्षक, मुतजिर, बंदी, कैदी ।
 पाविरंजन (دابرنجن) फा स्त्री—नूपुर, पाजेव ।
 पावोस (دابوس) फा वि—पाँव चूमनेवाला, पदचुवक, (पु) पाँव चूमना, पद-चुवन ।
 पावोसी (دابوسی) फा स्त्री—पाँव चूमना, पद-चुवन ।
 पामर्द (دामرد) फा वि—सहायक, मददगार, साहसी, उत्साही, वाहिम्मत, शूर, वीर, बहादुर ।
 पामर्दी (دामردی) फा स्त्री—सहायता, मदद, उत्साह, हिम्मत, शूरता, बहादुरी ।
 पामाल (دामال) फा वि—पाँव-तले रौंदा हुआ, पद-दलित, दुर्दशाग्रस्त, मुसीबतजद ।
 पामाली (دामالی) फा स्त्री—पाँव-तले मसला जाना; दुःख से दलित होना ।
 पामाले गम (دामال عم) फा वि—दुःखों के भार से परास्त, प्रेम के दुःख से आक्रांत ।
 पामुब्द (دामون) फा स्त्री—वह मजदूरी जो पाँव द्वारा चल-फिरकर की जाय ।
 पायंदः (داینده) फा वि—दे 'पाइद', दोनों शुद्ध हैं ।
 पायंदगी (دایندگی) फा स्त्री—दे 'पाइदगी', दोनों शुद्ध हैं ।
 पायः (دایه) फा पु—स्तंभ, खंभा, पलग का मचवा, पद, दरजा; मान, प्रतिष्ठा, इज्जत ।
 पायः व पाय. (دایه نه دایه) फा वि—क्रमशः, धीरे-धीरे, दर्ज व दर्ज ।
 पायःशनास (دایه شناس) फा वि—किसी की प्रतिष्ठा और कद्र पहचाननेवाला ।
 पायक (دایک) फा पु—हरकार, पियादा ।

पायों (دایان) फा पु—'पायान' का लघु, दे 'पायान' ।
 पायान (دایان) फा पु—तट, किनारा, अन्त, आखीर, छोर, मिरा, पराकाष्ठा, इन्तिहा ।
 पायानेकार (دایان کار) फा पु—आखिरकार, अन्त ।
 पायाव (دایاب) फा वि—जो गहरा न हो, उथला, गाव (पानी) ।
 पायावी (دایابی) फा स्त्री—नदी, ताल आदि के पानी का डुवाळू न होना, उथलापन, गाधता ।
 पारः (داری) फा पु—भाग, अंश, हिस्सा, खंड, टुकड़ा, कण, रेज, जोड़, पैवद; उत्कोच, रिशवत, उपहार, भेंट, तोहफा ।
 पारःकार (داری کار) फा वि—नीच, कमीना, लोफर ।
 पारःकारी (داری کاری) फा स्त्री—नीचता, कमीनगी ।
 पारःदोज (داری دور) फा वि—पैवद गाँठनेवाला, थिंगडी लगानेवाला ।
 पारःदोजी (داری دوری) फा स्त्री—पैवद सीना, थिंगली लगाना ।
 पारःपारः (داری داری) फा वि—टुकड़े-टुकड़े, धज्जी-धज्जी, पुर्जे पुर्जे ।
 पार (دار) फा पु—गत वर्ष, पिछला साल ।
 पारए नाँ (داری نان) फा पु—रोटी का टुकड़ा ।
 पारगानः (داری گانه) फा पु—तराजू का पासग, पसगा; गवाक्ष, खिडकी, झरोखा, ख्याति, यशोगान, दे 'पालगान' ।
 पारगी (داری گین) फा पु—पुरानापन, प्राचीनता; फटा-पुरानापन ।
 पारगी (داری گی) फा स्त्री—कुडी जिसमें घर और रसोई-खाने आदि का पानी इकट्ठा हो ।
 पारचः (داری حه) फा पु—दे 'पार्च' ।
 पारदुम (داری دم) फा स्त्री—दे 'पार्दुम' ।
 पारसग (داری سنگ) फा पु—पासग, तराजू का पसंगा ।
 पारसाल (داری سال) फा पु—पिछला वर्ष, गत वर्ष, अगला साल, आगामी वर्ष ।
 पारार (داری ار) फा पु—पिछला तीसरा वर्ष, त्योरस ।
 पारिकावी (داری کابی) फा स्त्री—बहुत थोड़ी मात्रा, किंचित् ।
 पारीन. (داری نه) फा वि—पुरातन, पुराना ।
 पारीव (داری و) फा स्त्री—वह लकड़ी जिससे घोड़े के सुमों की लीद छुडाते हैं ।
 पार्गी (داری گین) फा पु—दे 'पारगी', दोनों शुद्ध हैं ।
 पार्गी (داری گی) फा स्त्री—दे 'पारगी', दोनों शुद्ध हैं ।
 पार्चः (داری حه) फा पु—कपडा, वसन, वस्त्र, लिवास ।

पाच फरोस (مارحه فروش) का वि-कपडा बेचनेवाला बजाड़।

पाच फरोशी (مارحه فروشی) का स्त्री-कपडा बेचने का काम।

पाच बाफ (مارحه باب) का वि-कपडा बुननेवाला जुलाहा कोरी।

पाच बाफ्री (مارحه بافی) का स्त्री-कपडा बुनने का काम।

पादुम (پادوم) का स्त्री-धाड़े की जूनी का दुमची।

पास (پاسه) का पु-भिषुक भिव्यारी फकीर भोगता।

पास (پاس) का पु-एक प्रमिद्ध देश इरान।

पासाँ (پاسا) का वि-सयमा इद्रिय निग्रही जाति।

पासाँई (پاسائی) का स्त्री-सयम इद्रिय निग्रह पहुँचगारी।

पासाँ (پاسی) का पु-ईरान का प्राचीन अग्निपूजक जाति जो अब भारत में जाया है ईरान की भाषा फारसी।

पालगान (پالگانه) का पु-तराजू का पासग, गवाण दरीच ह्यति शोहरत दे पारगान।

पालाज (پالجر) का पु-ऐसा स्थान जहाँ पाव फिमल जाय ऐसा जवसर जहा टाप या पाप हो जाय पाव फिमलना अपराध पाप दोष कुमूर खराबी बुराई।

पालहूग (پالهاگ) का पु-धाड़े की धागडार।

पाला (پالا) का पु-कोतल घोगा।

पालाइस (پالایش) का स्त्री-सफाई माजन।

पालाइद (پالاید) का वि-साफ किया हुआ माजित।

पालान (پالان) का पु-गधे या टटटू की पीठ पर डालने का टाट।

पालाने (پالانی) का वि-बह घोडा जिगधे घोस डान का काम लिया जाता है लड्डू।

पालानेखर (پالانخو) का पु-गध की पीठ पर डाला जानेवाग टाट।

पालीब (پالیده) का वि-साफ किया हुआ माजित टूटा हुआ गवपित।

पालूद (پالوده) का वि-साफ किया हुआ माजित (पु) एक पेय फालू।

पालून (پالونه) का पु-जानन का कपडा साफ़ी छननी।

पालेद (پالدر) का स्त्री-तरबूज या खरबूजे का खेत।

पालोण (پالوش) का पु-बह कपूर जो कुत्रिम हो।

पाबरक (پاورک) का अ पु-पुस्तक के पन्ने क अत में लिखा हुआ अतिम अक्षर जो अगळ पन्ने पर लिखा जाय। (जब बिताव के पन्ना पर नम्बर नहीं पडने पे उस समय ऐसा लिखा जाता था।)

पागग (پاشگ) का पु-बह बकडी आदि जो बीज क लिए छोड दी जाय दे पाहग।

पाग (پاش) का प्रत्य-छिन्ननेवाला जस-गराबपाग गुलाब छिन्ननेवाला फलानेवाला जसे-त्रिदापाग प्रकाग फलानेवाला।

पाग पाग (پاش پاس) का वि-बूर बूर टुपे-टबड।

पागाँ (پاسان) का वि-छिन्नता हुआ फलाटा हुआ ऐगी लिवावट जिममें अक्षर दूर-दूर हा।

पागा (پاسا) तु पु-एक उपाधि जा तुर्की में बर पग धिकारियो को दा जाती है गवनर राजपाल बशार।

पागिद (پاشنده) का वि-छिन्ननेवाला फगनवाग।

पागिक्स्त (پاشکسته) का वि-जिमक पाँव टूट हा जो चलने फिरने में असमथ हा, विवश लाचार।

पाशीद (پاشیده) का वि-छिन्का हुआ विखरा हुआ।

पाशीदनी (پاشیدنی) का वि-छिन्नने याग वितरल योग्य।

पाशीय (پاشویه) का पु-दवाआ के पानी स रोगी के पाव धोना, अथवा दवाओ की बकनी पावा पर मलना।

पासन (پاسنه) का स्त्री-एडी।

पासनकोब (پاسنهکوب) का वि-पीठ दोनवाग पीछा करनेवाला तबाकुब करनेवाला।

पासनकोबी (پاسنهکوبی) का स्त्री-तजाकब बरता भागते हुए का पकाने क लिए उसक पीछ दोगना।

पास (پاسه) का पु-आतुरता बेचनी दुग बग्ग रब।

पास (پاس) का पु-एक पहर का समय प्रहर निरोपण निपगानी रक्षा हिफाजत गील गकाच लिहाड।

पासक (پاسک) का स्त्री-जभाई जभा।

पासताँ (پاستان) का वि-पास्ता।

पासदार (پاسدار) का वि-निरोधक निगराँ पछमोपक, हिमायती सहायक मददगार फरपाती तरफगार।

पासदारी (پاسداری) का स्त्री-निरोधक, निगरानी पण पोपण हिमायत सहायता मदद पदापात तरफ धारी।

पासवान (پاسان) का वि-निरोधक निगराँ द्वार पाल डचाडीवान।

पासबानी (پاسبانی) का स्त्री-निरोधक निगरानी डचोडीवानी।

पासड (پاسر) का वि-जिसका आगमन अगळ और अनिष्टकर हो दलाड, एजअ अभिवर्ता।

पासडकी (پاسردی) का स्त्री-नुसत अच याग अमगल।

पासिन (پاسن) का स्त्री-एडी।

पासुख (داسخ) फा पु—उत्तर, जवाब।
 पासे अदब (داس ادب) फा अ. पु—किसी की प्रतिष्ठा का खयाल, प्रतिष्ठा के अनुसार उसका आदर-सत्कार।
 पासे अन्फास (داس انفس) फा अ पु—मुसलमान सूफियो का एक योगाभ्यास, जिसमे उनके हर श्वास के साथ, 'अल्लाह' का शब्द उच्चरित होता है।
 पासे आबरू (داس آبرو) फा पु—प्रतिष्ठा का खयाल, सतीत्व-रक्षा का खयाल।
 पासे खातिर (داس خاطر) अ फा पु—किसी को रुष्ट न करने के लिए उसका मन रखना।
 पासे नमक (داس نمک) फा पु—नमकहलाली, स्वामि-भक्ति, कृतज्ञता।
 पासे नामूस (داس ناموس) फा अ पु—दे 'पासे आबरू'।
 पासोलिहाज (داس وليحاط) फा अ पु—शील सकोच, मुरव्वत, लिहाज।
 पास्ता (داستان) फा वि—'पास्तान' का लघु, दे 'पास्तान'।
 पास्तान (داستان) फा वि—पुरातन, प्राचीन, पुराना।
 पास्तानी (داستانی) फा वि—प्राचीनकाल का, पुराने समय का।
 पाहंग (داهنگ) फा. पु—दे 'पाशग'।

पि

पिगाँ (دگان) फा. स्त्री—वह कटोरी जो पानी की नाँद मे समय बताने के लिए डाली जाती है।
 पिंदारः (دندار) फा पु—ध्यान, खयाल, अनुध्यान, तसव्वुर, चिंतन, फिक्।
 पिंदार (دندار) फा पु—ध्यान, खयाल, कल्पना, तखैयुल, अभिमान, गर्व, गुरूर।
 पिंदारिदः (دندارنده) फा वि—सोचनेवाला, विचारने-वाला, जाननेवाला।
 पिदाश्तः (دنداشتته) फा वि—सोचा हुआ; जाना हुआ।
 पिदाश्तनी (دنداشتلی) फा वि—सोचने योग्य, जानने योग्य, ज्ञेय।
 पिज्जमुदः (دژمورد) फा वि—दे 'पजमुद' दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अप्रचलित है।
 पिज्जिश्क (پروشک) फा पु—चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब, डाक्टर, हकीम।
 पिज्जिश्की (پروشکی) फा वि—चिकित्सा, उपचार, इलाज।
 पिजीर (پیر) फा प्रत्य—स्वीकृत करनेवाला, जैसे—'पोजिश पिजीर' उच्च स्वीकार करनेवाला, दे 'पजीर', दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अधिक व्यवहृत है।

पिजीरपतः (دیررفته) फा वि—स्वीकृत, माना हुआ, कबूल किया हुआ।
 पिजीरपतगार (دیررفتگار) फा वि—दे 'पिजीरपतार'।
 पिजीरपतार (دیرفتار) फा वि—स्वीकार करनेवाला, माननेवाला, आज्ञाकारी, फर्मावरदार।
 पिजीरा (دیرا) फा वि—स्वीकार करना, कबूल करना, स्वीकृत, मजूर, दे. 'पिजीरा', दोनो शुद्ध है।
 पिजीराई (دیرائی) फा स्त्री—स्वीकृति, अगीकृति, कबूलियत, मजुरी, दे 'पजीराई', दोनो शुद्ध है।
 पिजीरिश (دیریش) फा स्त्री—दे 'पिजीराई'।
 पिज्जोलीदः (دژولیده) फा वि—सताया हुआ, परीशान किया हुआ, उलझाया हुआ।
 पिज्जोह (دژوه) फा प्रत्य—दे 'पजोह', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
 पिज्जोहिदः (دژوهنده) फा वि—दे 'पजोहिद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक व्यवहृत है।
 पिज्जोहिश (دژوهش) फा स्त्री—दे 'पजोहिश', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
 पिज्जोहीदः (دژوهیده) फा वि—दे 'पजोहीद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोलाते हैं।
 पिदंदर (دندر) फा पु—सौतेला बाप।
 पिदर (ددر) फा पु—जनक, पिता, बाप।
 पिदरानः (ددرانه) फा वि—बाप की तरह स्नेहपूर्ण, बाप-जैसा।
 पिदरी (ددری) फा वि—बाप का, पैतृक।
 पिद्राम (ددرام) फा वि—सुसज्जित, शृंगारित, विभूषित, आरास्त, प्रसन्न मुख, हर्षित चित्त, वरशाश।
 पिद्रूद (ددرود) फा पु—विदा करना, रखसत करना; त्यागना, छोडना।
 पिनहाँ (دنهان) फा वि—गुप्त, छिपा हुआ।
 पिनहाँशिकंज (دنهان شکنج) फा वि—मन ही मन मे सतप्त होनेवाला, अपने दुख को प्रकट न करनेवाला।
 पिनहाँशिकंजी (دنهان شکنجی) फा स्त्री—अपने दुख को प्रकट न करना, मन ही मन मे घुलना।
 पिनहानी (دنهانی) फा वि—भीतरी, आन्तरिक, मान-सिक, रहानी।
 पियाज (پیاز) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध कद जो खाया जाता है, पलाडु, महाकद।
 पियाजी (پیازی) फा वि—पियाज के रंग का, हलका गुलाबी।
 पियादः (بیاده) फा पु—दे 'पयाद', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू में 'पियाद.' अधिक प्रचलित है।

पियाद पा (ميااد پا) का वि—जा सवानी पर न हा पदल पाव-पाव ।

पियाल (مياال) का पु—चपन वस कटारा गगव पाने वा पियाला पान पात्र सागर ।

पियालनुमा (مياال نما) का वि—पियाल व जाकार का पियाले जसा ।

पिरिस्तुक (پيرستك) का स्त्री—जवाबील भाडाक एक प्रमिद्ध पभा जा लौहरा में रहता है ।

पिरिस्तो (پيرستو) का स्त्री—पिरिस्तुक ।

पिरिस्तोव (پيرستوي) का स्त्री—दे पिरिस्तुक ।

पिरेजीवान (پيرجيدان) का पु—प्रेमाडेट सभापति ।

पिरेन (پيرن) का वि—गरेसान हानवाला ।

पिरेगान (پيرگان) का वि—परीशान जोर परगान उट्ट म पिरगान नहा वालन ।

पिल्लगा (پيلگان) का पु—लवडी की सीनी निगनी नि श्रेणी ।

पिगाक (پيگك) तु स्त्री—पिगी माजारी ।

पिगेज (پيگج) का पु—मरम छाटा सिक्का जस—भारत में पाई पसा ताज का वण ने पगेज दाना गुद्ध है ।

पिगोइद (پيگوئيد) का वि—अस्त-व्यग्न हानेवाला ।

पिक्क (پيگك) का स्त्री—पिक्किल का लघु प पिक्किल ।

पिक्किल (پيگكيل) का स्त्री—ऊँट या बकरी जाति की मगनी बवल मगनी व जय में जाता है गाजर व अथ में नहा ।

पिगावाज (پيگاواج) का स्त्री—पिगावाज का लघु परतु उट्ट म इगवा अथ नलय व समय पटना जानवाला लहंगा है ।

पिसदर (پيسد) का पु—गौतला लखा ।

पिसर (پيسر) का पु—मुत्र आत्मज तनय वेटा लडका ।

पिसरदबौद (پيسردابؤد) का पु—तक पुत्र लपालक मुतरमा ।

पिसरदाव (پيسرداؤد) का प—वट का वण पाता ।

पिसरे मतवत्रा (پيسرمتدلوي) का अ प—त्तर पुत्र पपात्र ।

पिसर (پيسر) का पु—एक प्रमिद्ध मवा ।

पिसरल्य (پيسرلئ) का वि—त्रिमर टात्र पत्र और छाट हा ।

पिसर (پيسر) का प—गल मुन हुए जो गह अथवा धन आदि का आग जा एक प्रमिद्ध पाद्य है ।

पिसरान (پيسران) का स्त्री—पिरतान का लघु द पिगगा ।

पिरतान (پيسران) का स्त्री—स्तन उराज, कुच छाती, वशोज ।

पी

पीकाल (پيگال) का स्त्री—चिथिया वा मल बीट ।
पीन (پين) का पु—यवट टिबला काम बी जिविता रो हाथ या पाव का गट्टा ।

पीन दोख (پيندوؤر) का वि—यवट लगानवाला ।

पीन-दोखी (پينه دورئ) का स्त्री—यवट लगाना ।

पीनक (پينك) का स्त्री—अफीम की शाक ।

पीनकी (پينكئ) का वि—अफीम तावर पीनक में ऊपन वाला ।

पीनू (پينو) का पु—सुगाया हुआ दही वह दही विगहा पानी निकाल लिया जाय ।

पीर (پير) का वि—वद्ध जरत क्यावद बूझ धमक मुगिद सोमवार दाग ।

पीरअफगानो (پيرافغانئ) का स्त्री—बगले में जवानों जस काय करना ।

पीरखन (پيرخن) का स्त्री—वद्ध स्त्री वद्ध जरतिवा बूझ स्त्री ।

पीरजाद (پيرجاؤد) का पु—पीर का लखा धमक का वेटा ।

पीरजाल (پيرجال) का स्त्री—पारखन ।

पीरपरस्त (پيرپرست) का वि—जो अपन पीर का ही सब कुछ समझता हा धमगुन का भवन हाला ।

पीरपरस्ती (پيرپرستئ) का स्त्री—अपने पीर का ही सब कुछ समझना धमगुन भक्ति ।

पीरमद (پيرمرد) का प—एसा व्यक्ति जा बडा भाई और सगाचारी भा ।

पीरसाल (پيرسال) का वि—व्यावद बूझ बडा, बड़ी ।

पीरान (پيران) का वि—बूझ-जगा बूझा हा ।

पीरानसर (پيرانسار) का वि—बूझ की अवग्याता बूझ मकन वाग्याता ।

पीरानसरी (پيرانسارئ) का स्त्री—बूझा बडासला बाला की मगनी ।

पीरान साल (پيرانسال) का वि—बूझ बड, बग बडा ।

पीरानसाली (پيرانسارئ) का स्त्री—बूझा बड बस्या ।

पीराय (پيراؤد) का प—पराय उट्ट म बडा बगले ट परलु गुद्ध यही है ।

पीरी (پیروی) फा स्त्री-वृद्धावस्था, बुढ़ापा, पीर का पद या पेशा, धूर्तता, मक्कारी; दावा, इजारा।

पीरे कनूअँ (پیرو کنگو) फा अ पु-हज़रत या कूब, जो हज़रत यूसुफ के पिता थे।

पीरे ख़रावात (سحر حرات) फा पु-मदिरालय का बूढ़ा प्रवधक।

पीरे ज़मीगीर (سحر و معین کبیر) फा पु-जिसकी कमर बुढ़ापे के कारण इतनी झुक गयी हो कि उसका सिर पृथ्वी से लग गया हो।

पीरे तरीकत (سیر طوبقت) फा पु-धर्मगुरु, मुशिद।

पीरे नाबालिग (سحر نابالغ) फा अ पु-बह बूढ़ा जो बच्चों-जैसे काम करे।

पीरे फलक (سحر ملک) फा अ पु-शनि ग्रह, जुहल, पुराना आकाश।

पीरे फर्तूत (سیر فوتوت) फा पु-वह व्यक्ति जिसकी बुद्धि बुढ़ापे के कारण नष्ट हो गयी हो, बहुत बूढ़ा, जर्जर, जराजीर्ण।

पीरे मुग़ों (سیر معان) फा पु-दे 'पीरे ख़रावात', आतग-परस्तों का धर्मगुरु।

पीरे हरम (سحر حرم) फा अ पु-का'बे की सेवा करनेवाला बूढ़ा व्यक्ति, पूज्य व्यक्ति।

पीरोज़: (سحرورزه) फा पु-दे 'फीरोज', उर्दू में वही बोलते हैं।

पीरोमुशिद (سحر و مرشد) फा अ पु-धर्मगुरु के लिए बोला जानेवाला शब्द, किसी प्रतिष्ठित और वृद्ध व्यक्ति के लिए सर्वोच्च का शब्द।

पील. (پیل) फा पु-रेशम का कीड़ा, रेशम का कोया, पलक, दूगचल, शत्रु का एक मोहरा, पील।

पील.वर (پیل و ر) फा वि-शीशगर, कंचकार, अत्तार, गवकार, रेशम का व्यापारी, औपधियाँ बेचनेवाला।

पील (پیل) फा पु-हस्ती, मिधुर, गज, करि, पील, हाथी, शत्रु का एक मोहरा, पील, दे 'फील', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलतन (پیلتن) फा वि-हाथी-जैसे डील-डोलवाला, रस्तम की उपाधि।

पीलनशों (پیلنشین) फा वि-जिमके द्वार पर हाथी झमता हो।

पीलपा (پیلپا) फा पु-पाँव सूज जाने का एक रोग, श्लीपद, पादगंडीर।

पीलपाय (پیلپایه) फा पु-मत्थर या चने का सभा।

पीलपेंकार (پیلپیکر) फा. वि-दे 'पीलतन'।

पीलवद (پیل واد) फा पु-शत्रु का एक खेल, जिममें दोनों

पील दो-दो पियादों के जोर पर होते हैं और सब घर बंद कर लेते हैं।

पीलबाग (پیل باغ) फा पु-पटका, पेटी, कमरपट्टी।

पीलवान (پیل بان) फा वि-हाथीवान, हस्तिपक, अंकुश-ग्रह, दे 'फीलवान', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलबानी (پیل بانی) फा स्त्री-हाथीवानी, हाथी चलाने का काम, उर्दू उच्चारण 'फीलबानी' है, दे 'फीलवानी'।

पीलबाला (پیل بالا) फा वि-हाथी के बराबर ऊँचे डील का।

पीलमाल (پیل مال) फा वि-हाथी के पाँव के नीचे मसला हुआ, हाथी के पाँव-तले मसलवाना।

पीलमुर्ग (پیل مرغ) फा पु-एक कल्पित पक्षी जो हाथी को चगुल में उठा ले जाता है।

पीलस्त: (پیلست) फा पु-हाथीदाँत।

पीले गर्दू (پیل گردوں) फा पु-हाथी रूपी आकाश, जो सबको अपने पाँव-तले रीदता है।

पीले दमाँ (پیل دمان) फा पु-गुस्से में विफरा हुआ और चिधाडता हुआ हाथी।

पीले माल (پیل مال) फा पु-इतना धन जो एक हाथी पर चले, बहुत अधिक धन।

पीह (پیه) फा स्त्री-चर्वी, मेदा, वसा।

पीहे खूक (پیه حوک) फा स्त्री-मुअर की चर्वी।

पीहे गूक (پیه عوک) फा स्त्री-मेढक की चर्वी।

पीहे बत (پیه بط) फा स्त्री-बताव की चर्वी।

पीहे बुज़ (پیه بر) फा स्त्री-बकरी की चर्वी।

पीहे मार (پیه مار) फा स्त्री-साँप की चर्वी।

पीहे मुर्ग (پیه مرغ) फा स्त्री-मुर्गों की चर्वी।

पीहे शेर (پیه شیر) फा स्त्री-सिंह की चर्वी।

पीहे सूसमार (پیه سوسمار) फा स्त्री-गोह की चर्वी।

पु

पुंव: (پوند) फा पु-कपास, रुई, दे, 'पव', वही अधिक बोला जाता है।

पुंव दान (پوندان) फा पु-कपास का बीज, विनौला, दे 'पव दान', वह अधिक बोला जाता है।

पुल (پول) तु पु-मल, बिच्छा, पुरीप, गू।

पुस्त: (پوست) फा वि-दूढ़, मजबूत, परिपक्व, पका हुआ, चूना, गन या मीमेट से जुड़ा हुआ, स्थिर, पाएदार, टिकाऊ; नियत, तैयुद।

पुस्त-असल (پوسته اصل) फा अ वि-जिनकी यमज़-यूज़ परत हो, स्थिरबुद्धि, परिपक्वमति।

पुस्त कार (سختکار) फा वि-जिस काम का अनुभव हो, कृतकार।
 पुस्त मरज (سخت مزرع) फा अ वि-→ 'पुस्त अकल'।
 पुस्त मिजाज (سخت مزاج) फा अ वि-जो किसी बात पर जटल रहे स्थिरचित्त दबनश्चय।
 पुस्त मिजाजी (سخت مزاجی) फा अ स्त्री-किंगी बात पर जमा रहना, चल विचल न हाना।
 पुस्त राए (سخت راه) फा अ वि-जिसकी सलाह उचित और मुद्द होती हो जो ठीक राय देता हा।
 पुस्त (سخت) फा स्त्री-पकने की क्रिया पकाव खाना पचाने का वाय।
 पुस्तगी (سختگی) फा स्त्री-पक्कापन दबता, परिपक्वता पचने का भाव।
 पुस्तनी (سختلی) फा वि-पकने योग्य पकाने योग्य।
 पुस्तो (سختو) फा स्त्री-अफगानिया की भाषा, पुस्तो।
 पुस्तोन (سختون) फा पु-पुस्ता भाषापोलेनेवाला।
 पुस्तोनिस्तान (سختونستان) फा पु-वह देग जहा पुस्तो भाषा बोणे जाती हा।
 पुक्त (سختک) फा पु-लोहा कूटने का हथौटा घन।
 पुफ (سفت) फा स्त्री-फूव पूव मारना।
 पुर (پور) फा वि-भरा हुआ पूण भरपूर पूरा।
 पुरअबोह (پورابده) फा वि-दुसपूण कश्पूण मुमावत स भरा हुआ।
 पुरअमन (پورامن) फा अ वि-शांतिपूण शांतिमय।
 पुरअलम (پورالم) फा अ वि-→ पुरजलहा।
 पुरअदक (پوراسک) फा वि-आमुआ से भरी हुई आल आद नयन।
 पुरआब (پوراب) फा वि-पानी से भरा हुआ आमुआ से भरा हुआ।
 पुरआबल (پورابله) फा वि-छाला से भरा हुआ जिसम बहुत-से छाने हा।
 पुरआबू (پورابو) फा वि-जिसके मन म बहुत-सी अभिलाषाए हा।
 पुरआगोव (پورابوگ) फा वि-घटनाआ और आपत्तियो से भरा हुआ।
 पुरउम्मोद (پورامد) फा वि-जिसके मन में अभिलाषा हो जिसे किसी काम के हो जाने की आशा हो।
 पुरफार (پورفار) फा वि-चालाक मक्कार चतुर होशियार।
 पुरफी (پورفی) फा वि-जिमके मन में द्वय हो जा गुप्त गमला रहे।

पुरखतर (پورختر) फा अ वि-आपत्तिया और खतरा से भरा हुआ, बहुविध भयानक, भीषण खतराना।
 पुरअम (پورحم) फा वि-टेडा तिरछा, घूबरवाला (बाल), लक्ष में इवारत आराई, शग्नाइवर।
 पुरअार (پورخار) फा वि-नाँटा स भरा हुआ, कक सकुल, वह जगल जालि जहा बहुत काटे हो।
 पुरअमार (پورحصار) फा अ वि-नशे में चूर मस्त।
 पुरअू (پورخو) फा वि-खून स भरा हुआ रक्तपूण गुस्मे से भरी हुई आल।
 पुरगम (پورغم) फा अ वि-रज से भरा हुआ, गोवपूण मुसीबत से भरा हुआ, टुखपूण।
 पुरगुहर (پورغور) फा अ वि-घम म भरा हुआ, अभिमानी, मगूर।
 पुरगो (پورگو) फा वि-बातूनी वाचाल बहुत कविता करनेवाला, बहुत शेर बहनेवाला।
 पुरगोई (پورگویی) फा स्त्री-वाचालता बक्वास, बहुत कविता करना।
 पुरखी (پورخیں) फा वि-बल पटा हुआ (माया आदि) शुरी पटा हुआ (खात्र)।
 पुरखर (پورخر) फा वि-रफया से भरा हुआ घन-नापट गौत से पुर।
 पुरजोण (پورخوس) फा वि-जाशीण जोरा से भरा हुआ आवेगपूण जोरदार उत्साहपूण जमग स भरा हुआ।
 पुरतरल्लफ (پورتللف) फा अ वि-जिसमें बहुत खल्ल किया गया हो।
 पुरताब (پورتاب) फा वि-रागन प्रकाशमय कर्तित शाली ताकतवर।
 पुरदखल (پوردهل) फा वि-→ पुरदया।
 पुरदया (پوردها) फा वि-छली, फरेबी घूत चागा।
 पुरदद (پوردد) फा वि-दुखपूण शमनाच।
 पुरदिल (پوردل) फा वि-शूर वीर बहादुर उत्साही साहसी हिम्मतवर।
 पुरदम (پوردم) फा वि-गोला भीगा आंगुओ से भरी हुई जाल।
 पुरदूर (پوردور) फा अ वि-ज्योतिमय, प्रकाशमान राशन।
 पुरपेच (پورپع) फा वि-पेचकार टल मेड़ा बलदार पुरगिनन।
 पुरपेचोवम (پورپعحم) फा वि-जिसमें बहुत दड़ म हा जा बहुत जल्ल और पेचोण हा।
 पुरफन (پورفن) फा अ वि-घूत बचक छनी मक्कार।

पुरफरेव (پورفریہ) फा वि-दे 'पुरदगा'।
 पुरफिजा (پورفصا) फा अ वि-खुला हुआ, हवादार, सर-
 सज्ज और विस्तृत स्थान।
 पुरवजिद (پوروجد) फा अ वि-तत्पर, कटिबद्ध, तैयार।
 पुरवहार (پورہار) फा वि-फूलों से लदा हुआ सुंदर स्थान,
 हवादार, खुला हुआ और रमणीक स्थान।
 पुरवाद (پوراد) फा वि-हवा से भरा हुआ, फूला हुआ,
 गर्व से भरा हुआ, अभिमानी।
 पुरवार (پورار) फा वि-चौर अथवा फल से लदा हुआ
 पेड़, गर्भवती स्त्री, गुविणी।
 पुरवास (پورواس) फा वि-दुःखपूर्ण, कष्टपूर्ण, शोकपूर्ण,
 खेदपूर्ण।
 पुरमज्ज (پورمجز) फा अ वि-सारगर्भ, तत्त्वपूर्ण।
 पुरमजाक (پورمزاك) फा अ वि-विनोदप्रिय, जिदादिल,
 हँसी और विनोद में भरी हुई बात।
 पुरमलाल (پورمالال) फा अ वि-दुःखपूर्ण, रज से भरा
 हुआ, खिन्न, मलिन, उदास।
 पुरमिजाह (پورمزاج) फा अ वि-ठठोलिया, विनोदी;
 हँसी की बात।
 पुरमिहन (پورمحن) फा अ वि-मुसीबतो में भरा हुआ,
 कष्ट-मकुल।
 पुरमेवः (پورميوه) फा वि-मेवो से लदी हुई डाली, मेवो
 से भरा हुआ पात्र।
 पुररौनक (پوررونق) फा वि-जहाँ बहुत रौनक हो।
 पुरशिकन (پورشكن) फा वि-झुरियाँ पडी हुई खाल या
 देह, बल पडे हुए वाल।
 पुरशिकम (پورشكم) फा वि-जिसका पेट भरा हो, जो
 अफरा हो, उदरपूर्ण।
 पुरशिकोह (پورشكوه) फा वि-भीषण, भयानक, डरावना।
 पुरशुजर (پورشعور) फा वि-तमीजदार, शिष्ट, बुद्धिमान,
 अक्लमद।
 पुरशुकोह (پورشكوه) फा वि-वैभवशाली, विभवसंपन्न,
 शानो-शौकतवाला।
 पुरशोर (پورشور) फा वि-शोरोगुल से भरा हुआ, कोलाहल-
 पूर्ण, नमक से भरा हुआ, बहुत अधिक नमकीन।
 पुरशौकत (پورشوكت) फा वि-वैभवशाली, शानदार।
 पुरशुकून (پورشكون) फा अ वि-शातिमय, शातिपूर्ण,
 मुतयइन, सारे झड़टो से पाक।
 पुरसोज (پورسور) फा वि-जलन और तपन से भरा हुआ।
 पुरहजत (پورحسرت) फा अ वि-निराशापूर्ण, नाउमेदी
 से भरा हुआ।

पुरहीलः (پورحيله) फा अ वि-बहान वाज, बहाना
 करनेवाला, छली।
 पुरहैवत (پورهيوت) फा अ वि-डरावना, भयानक।
 पुरहौल (پورهل) फा अ वि-भीषण, भयंकर,
 डरावना।
 पुरहौसलः (پورحوصله) फा अ वि-उत्साही, साहसी,
 हौसल'मद।
 पुरिदः (پوريد) फा वि-भरनेवाला।
 पुरी (پورى) फा स्त्री-भराव, भरा हुआ पन।
 पुरीदः (پوريد) फा वि-भरा हुआ, परिपूर्ण।
 पुरीदनी (پوريدنى) फा वि-भरने योग्य।
 पुरजः (پورج) फा पु-खड, टुकड़ा, पर्च, कागज का टुकड़ा,
 मगीन का कोई खड।
 पुरज (پورج) फा पु-रोम, लोम, रोआँ, ओढनी, दुपट्टा,
 दवात में डालने का लत्ता।
 पुरसः (پورسه) फा पु-मृत्यु हो जाने पर किसी के यहाँ शोक
 प्रकट करने और सहानुभूति दिखाने के लिए जाना।
 पुरसं (پورس) फा प्रत्य-पूछनेवाला, जैसे—'हालपुरसं' दशा
 पूछनेवाला, (स्त्री) पूछ-ताछ, पूछ।
 पुरसां (پورسان) फा वि-पूछनेवाला, पृच्छक, जिज्ञासु।
 पुरसाने हाल (پورسان حال) अ फा वि-हाल पूछनेवाला,
 खबर लेनेवाला।
 पुरसिंदः (پورسند) फा वि-पूछनेवाला, पृच्छक।
 पुरसिश (پورسش) फा स्त्री-पूछ-ताछ, आदर-सत्कार,
 इज्जत।
 पुरसिंदः (پورسند) फा वि-पूछा हुआ, जिज्ञासित।
 पुरसिंदनी (پورسندنى) फा वि-पूछनेयोग्य।
 पुल (پول) फा पुं-सेतु, नदी आदि के उतरने का साधन,
 मछली का सिन्ना।
 पुल (پول) तु पु-पैसा।
 पुलची (پولچى) तु वि-पैसे बेचनेवाला।
 पुलाव (پلاؤ) फा पु-एक प्रसिद्ध खाद्य जो गोश्त और
 चावल से बनता है, इसका शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परतु
 उर्दू में पुलाव ही बोलते हैं।
 पुलुपतः (پولپت) फा पु-स्फुलिंग, अग्निकण, चिनगारी।
 पुश्क (پسك) फा पु-मेगनी।
 पुश्क (پسك) तु स्त्री-विल्ली, मार्जारी।
 पुश्तः (پسته) फा पु-टीला, ढूह; वह मिट्टी या कंकड़
 चूना आदि जो दीवार को मजबूत करने के लिए उसकी जड़
 में लगाते हैं, वह मिट्टी का बंद या दीवार जो नदी के किनारे
 चढ़ाव का पानी रोकने को बनाते हैं।

पुतबदी (سنتکلی) का स्त्रा-गवार का पुता
लगाता मग का बर बांधता।

पुत (شت) का स्त्रा-गच्छ पीठ पिछादी, पाछा,
सहायता मग बग नस्त।

पुतक (سنتک) का स्त्रा-घारे की टुत्ती।

पुतकम (سنتکم) का वि-कुबग कुत्र।

पुतखार (سنتخار) का पु-माठ खुजगने का पजा।

पुतगमी (سنتگرمی) का स्त्री-सहायता मग पछ
पापण हिमायत।

पुत दर पुत (سنت در شت) का अय्य-माग दर
पीने नस्त दर नस्त।

पुतपनाह (سنتپناه) का वि-सहायक मग्यार
पछपापक हिमायती।

पुतपनाही (سنتپناهی) का स्त्री-सहायता मग
पछ-पापण हिमायत।

पुत बदीवार (سنت بدوار) का वि-निस्तय चकित
हरान।

पुत ब पुत (سنت نه شت) का अय्य- पुत दर
पुत।

पुतमाही (سنت ماعی) का स्त्री-रात्रि रात निगा।

पुतवार (سنتواره) का पु- पुतार।

पुतार (سنتاره) का पु-पुतवार का लपु इतना
बाझ जा पीठ पर उठया जा सक पाठ बाज गच्छर।

पुती (سنتی) का स्त्रा-सहायता मग समयन
ताश् पात्रन-पापण पत्ररिया।

पुतीवान (سنتی وان) का वि-सहायक मग्यार टेक
चूना आत।

पुतीबानी (سنتی بانی) का स्त्री-सहायता मग सहारा
टक।

पुते दस्त (سنت دست) का स्त्रा-हथेली की पीठ
कपपछ।

पुते पा (سنت پا) का स्त्री-तलब का उपरा भाग।

पुतो (سنتو) का स्त्रा- पुतो।

पुन (سنت) का स्त्री-पुन तनय आरमज लटका बेटा।

पू

पूच (سنتوچ) का वि-पूच गुद्ध पूच ह परतु प्रचलित
पाच' ह।

पू (سنتو) का पु-बाना कपड का गुनाई में जव म पाने
बाग छार।

पूर (سنتو) का पु-द 'पूर' गाना गुद्ध है।

पूर (سنتو) का पु-मुत्र बेग आत्मज तनय।

पूरे पुगम (سنتو پوگم) का पु-पुगम का पुत्र अरविचार।

पूरे सीना (سنتو سینا) का ज पु-हनाम व अनी साता।

पूरे हाजिर (سنتو حاضر) का ज प-हचत इम्मान पत्रर।

पे

पेस्त (سنته) का पु-मग बाराक आटा।

पेगार (سنتوگار) का पु-पगार दाना गुद्ध है।

पेच (سنته) का पु-जमरखेल जावाना वल।

पेच (سنته) का पु-गुमाव चक्कर बल स्पष्ट पवा
दगी जलित्ता छल चाल घाभा बल मीन कलित्ता

दुगवारा विज बाधा कुत्ता हक।

पेचक (سنتک) का स्त्रा-बटे हुए महीन मूत्र की गाना
हर लिपग हूई वस्तु।

पेचक (سنتک) का पु-निवरा जाति खालन और
कमने का यत्र।

पेच दर पेच (سنت در پچ) का वि-त्रिममें पच क अर
पच हा वत्र अधिक जलिल बहुत पेचीग।

पेचदार (سنتو دار) का वि-त्रिममें पच हा त्रिममें द
हा जलिल पचीग उलथा हुआ।

पेचरित्त (سنته ریتت) का पु-अटा पिन्या चर्रों से
निवली हुई मूत्र का बलिया।

पेचा (سنتان) का वि-पचगर बचगर लिपग हुआ
उलथा हुआ।

पेचाक (سنتاکی) का पु-बल शिवन टद बचवा
जलक कुत्र तुर कलगी पाषा।

पेचानीद (سنتانید) का वि-रुपग हुआ।

पेचिग (سنتکشی) का स्त्री-जाना की एटन के साव बा
वार पाषाणे जाने का राग मराड।

पेचीद (سنته د) का वि-पचगर जलिल कनि
मुक्किल लिपग हुआ।

पेचीद दस्त (سنته د دست) का वि-नित्र कमदार।

पेचीगी (سنته گی) का स्त्री-जलित्ता उच्छाव
कठिनता मुक्किल गप लिपगपन।

पेचीदनी (سنته نی) का वि-लिपगने क याय रुपव
के याय।

पेचीछम (سنته خم) का पु-टे-म चक्कर जलित्ता
टगवारी अंच नीच मारपन।

पेचीताव (سنته تاب) का पु-चाप गुम्ना मनस्ताव निगे
कलिया।

पेचन (سنتون) का स्त्री-छानने की वस्तु छना।

पेशीदः (پیشیدہ) फा वि—छाना हुआ।
 पेरा (پیرا) फा प्रत्य-दे 'पैरा', दो शु है, परन्तु बोला वही जाता है।
 पेराइश (پیرائش) फा स्त्री—दे 'पैराइश', दो शु है, परन्तु व्यवहृत वही है।
 पैरामुन (پیرامون) फा पु—दे 'पैरामुन', दो शु है, परन्तु प्रचलित वही है।
 पैरामून (پیرامون) फा पु—दे 'पैरामून', दो शु है, परन्तु बोलते वही है।
 पैरास्तः (پیراستہ) फा. वि—दे 'पैरास्त', दो शु. है, परन्तु बोला वही जाता है।
 पैशः (پیشہ) फा पु—व्यवसाय, धन्धा, उद्योग, उद्यम, रोजगार; वेश्या-वृत्ति, कमाई।
 पैशःवर (پیشہ ور) फा वि—उद्यमी, रोजगारी, जिसने किसी कार्य-विशेष को अपनी जीविका का साधन बना लिया हो, जैसे—पेश वर शाइर।
 पैशःवरानः (پیشہ ورانہ) फा वि—पेश वरो, जैसा, जो पेश वरो का ढग है वैसा ढग।
 पैशःवरी (پیشہ وری) फा स्त्री—उद्यम करना, रोजगार करना।
 पैश (پیش) फा पु—समुख, सामने, प्रथम, पहले; अगला भाग, उर्दू में 'उ' की मात्रा।
 पैशअदेश (پیش اندیش) फा वि—दे 'पेशवी'।
 पैशअदेशी (پیش اندیشی) फा स्त्री—दे 'पेशवीनी'।
 पैशअंदाज (پیش انداز) फा पु—खाना खाते समय घुटनो पर डाला जानेवाला कपडा।
 पैशआमद (پیش آمد) फा स्त्री—दे 'पेशामद', वह उच्चारण फसीह है।
 पैशआहंग (پیش آہنگ) फा पु—दे 'पेशाहंग', वह उच्चारण फसीह है।
 पैशकदमी (پیش قدمی) फा अ स्त्री—पहल, सवकत, सेना का आक्रमण के लिए आगे बढ़ना।
 पैशकब्ज (پیش قبض) फा पु—भुजाली, जम्बिया, छोटी कटार।
 पैशकश (پیش کش) फा. स्त्री—पुरस्कार, भेट, नजराना, प्रस्ताव, तजवीज; प्रार्थना, इत्तिजा।
 पैशकार (پیشکار) फा पु—किसी हाकिम की पेशी में काम करनेवाला।
 पैशकारी (پیشکاری) फा स्त्री—पेशकार का पद, पेशकार का कर्तव्य या काम।
 पैशखानः (پیش خانہ) फा पु.—घर-गिरस्ती का सामान।

पेशखिद्मत (پیش خدمت) फा अ पु—सेवक, नौकर, प्राइवेट सेक्रेटरी।
 पैशखुर्द (پیش خورد) फा पु—सवेरे का नाश्ता, प्रातराशन; खाने का नमक चखना।
 पैशखोज (پیش حیر) फा पु—तेज और फूर्तीला नौकर, राग, नगम।
 पैशखैमः (پیش حیستہ) फा अ पु—किसी होनेवाले काम की तम्हीद, वह खैमा जो अगले पडाव पर पहले से लगा दिया जाता है, ताकि दौरे के पदाधिकारियों को कष्ट न हो, वह खैमा जो फौज में सबसे आग लगाया जाता है।
 पैशखवाँ (پیش حواں) फा वि.—वह व्यक्तित्व जो सभा की काररवाई प्रारम्भ होने से पहले कविता आदि पढता है।
 पैशख्वानी (پیش حوائی) फा स्त्री.—सभा के प्रारम्भ में कविता आदि पढने का कार्य।
 पैशगाह (پیش گاہ) फा स्त्री—वह फर्श जो बादशाहो के तख्त और मस्नद के आगे बिछाया जाता है, सभापति, सद्रे मज्लिस, अजिर, आंगन।
 पैशगी (پیشگی) फा स्त्री—वैआन, अग्रिम धन, पहले से।
 पैशगीर (پیشگیر) फा पु—मुंह पोछने का रुमाल।
 पैशगो (پیش گو) फा वि—दे 'पेशीगो'।
 पैशगोई (پیش گوئی) फा स्त्री—दे 'पेशीगोई'।
 पैशतख्तः (پیش تختہ) फा पु—डेस्क, ढलवा सद्क।
 पैशतर (پیشتر) फा वि—पहले, आगे।
 पैशतरक (پیشتری) फा वि—बहुत पहले।
 पैशताक (پیش طاق) फा पु—अजिर, आंगन, अमीरो और राजाओ के महल का बडा दरवाजा, दरवाजे के सामने का आंगन।
 पैशदंदाँ (پیش دندان) फा. पु—सवेरे का जलपान, प्रातराशन, नाश्ता।
 पैशदस्त (پیش دست) फा वि—पेशकार, प्रतिनिधि, नाइब, सहायक, मददगार, पहल करनेवाला, विजेता, गालिव।
 पैशदस्ती (پیش دستی) फा स्त्री—पेशकारी, सहायता; पहले-पहले हाथ उठाना, छेड़खानी करना।
 पैशदाद (پیش داد) फा स्त्री—किसी कार्य-विशेष के लिए पहले दिया हुआ धन, साई।
 पैशदादी (پیش دانی) फा वि—'होशग' का वशज।
 पैशदामन (پیش دامن) फा पु—सेवक, नौकर।
 पैशानशी (پیش نشی) फा वि—जो सभा आदि में सवमें आगे बिठाया जाय, अग्रासन।
 पैशनिहाद (پیش نہاد) फा पु—इच्छा, इरादा, कामना, मन्मद।

पेगबद (پهش بلك) का पु—घाड़ का जन्म ।
 पेगबदी (پهش بلكى) का स्त्री—निर्भी काम की पद्यों
 तथा गाविका, पद्यम ।
 पेगबाब (پهش باز) का पु—स्वागत इस्तिमाल, स्वागत
 करनेवाला ।
 पेगबो (پهش بون) का वि—आगे की बात माननेवाला,
 दृग्भ्रम बुद्धिमान अवस्था ।
 पेगबोनी (پهش بونى) का स्त्री—आगे की बात मानना
 दृग्भ्रमी बुद्धिमत्ता, जवम्पनी ।
 पेगबावर (پهش باز) का पु—पत्तार ।
 पेगरस्त (پهش رست) का स्त्री—आगे बढ़ना, तरफ़्त
 करना का जोर डालना ।
 पेगरवी (پهش روى) का स्त्री—आगे चलना, अग्रगमन
 रहनुमाद करना पय प्रत्यान ।
 पेगरस (پهش رس) का पु—बहु पत्र जो पत्र में सबसे
 पहले पड़े ।
 पेगरसी (پهش رسى) का स्त्री—पत्र का अपनी जाति का
 पत्र में सबसे पहले पटना ।
 पेगरी (پهش رو) का वि—आगे चम्नेवाग अग्रगामी
 पत्ता पय प्रदायक ।
 पेगवा (پهشوا) का वि—अग्रज नेता लीनर ।
 पेगवाई (پهشواى) का स्त्री—निर्भी आनवाते का आग
 बन्धर इस्तिमाल ।
 पेगवाए म्लक (پهشواک ملک) का अ पु—आकाशता ।
 पेगवाब (پهشواز) का पु—विशवाब द पिगाराब ।
 पेगवा (پهشواى) का स्त्री—आगे भाग माया भावा
 हाजहार भाय किस्मत ।
 पेगाब (پهشاب) का प—मूल मूल प्रयाव ।
 पेगाबद (پهش امد) का पु—अनुकवा दया पुत्र रमा
 रिआयत छूट ।
 पेगाह (پهش اهدک) का प—मेता जन्वा यानीका
 आगे चम्नेवाग व्यक्ति ।
 पेगी (پهشوين) का वि—पहला प्रथम पुराना प्राचान
 पहलवाग सबसे पहला ।
 पेगीगो (پهشوين گو) का वि—आगे की बात बतानेवाग
 भविष्यवक्ता जागमपानी ।
 पेगीगोई (پهشوين گوئى) का स्त्री—आगे की बात बताना
 आगमनान भविष्यवाद ।
 पेगि (پهشى) का स्त्री—आगे आने का भाव मुकामे
 आदि म शक्ति का सामने पग हारे ग भाव ।
 पेगीन (پهشینه) का वि—आगे पहला पुरातन पुराना ।

पेगीनगो (پهشوين گو) का वि—पिगाया ।
 पेगीनगोई (پهشوين گوئى) का स्त्री—पिगायाई ।
 पेगीनी (پهشوينى) का पु—पहला आग पूर्व ।
 पेगे मवर (پهش نظر) का अ पु—दृष्टि का सामने जीमों
 के सामने, ध्यान में, मचाल में ।
 पेगे निगाह (پهش نگاه) का पु—पिगाह ।
 पेगोस (پهش وس) का पु—आगाशाज अनमम
 तदनुव ।
 पेस (پهسه) का पु—त्रिम गरार में सफ़ दाया का ग
 हा मिष्ठा मूस ।
 पेस (پهس) का पु—सफ़ का बरम, निम का
 का का गमा मिष्ठी ।

पं

प (پ) का पु—स्नापु पड़ा प चिह्न पाव का
 निगान पीडा तजाब वार दया गक्ति बर नि
 चामे प्रति पड़े के रेने जो धनुग आदि पर चित्तान
 जान ह पाव चरण ।
 पक (پک) का पु—पत्रवाहक चिगीरनी हवाग
 पियाग दून कामि एनी ।
 पकर (پکرو) का पु—दृष्ट, गरीर आदिति गतल ।
 पकी (پکى) का पु—पकार का पु द पकान ।
 पकान (پکيان) का पु—आग की गोव बरछी का अनी ।
 पकाना (پکائى) का वि—एक प्रकार का पत्रगान अपत
 लाल एक प्रकार का मोगार एक प्रकार का मात ।
 पकार (پکار) का पु—युद्ध समर लार्क गग ।
 पक अजल (پک اجل) का अ पु—अमदून मोत का पयासी ।
 पके तयाल (پک حلال) का अ पु—बलगा हपी दून
 जा हर स्थान पर पहुँच सकता ह ।
 पके निगाह (پک نگاه) का पु—दृष्टि का दून मा दून स्त्री
 दृष्टि ।
 पशवर (پهشवर) का प—अदून अवतार पशवर ।
 पशवरी (پهشورى) का स्त्री—अदून का प अदून
 का कतय अदून वाग ।
 पशाम (پهشام) का पु—अदून सेना पयाम सम्भार
 लार लार्क की ओर से लडकीवाग स सगई की बातनीत ।
 पशामवर (پهشامبر) का वि—अदून ल जानेवाला दून
 कामि वातावह सम्भवाहक ।
 पशामवरी (پهشامبرى) का स्त्री—अदून ल जान का काम
 वातावतन ।
 पशामरसाँ (پهشام رسال) का वि—पशामवर ।

पैगामरसानी (पैगामरسانی) फा स्त्री—दे 'पैगामवरी'।
 पैगामरसी (पैगामرسی) फा स्त्री—सदेश पहुँचना, पयाम जाना।
 पैगामे जवानी (पैगामे زبانی) फा पु—वह खबर जो किसी कारण लिखकर नहीं बल्कि जवानी कही जाय।
 पैगार: (پيغامدار) फा पु—भर्त्सना, डाँट-फटकार; कटाक्ष, ताना।
 पैगार (پيگار) फा पु—दे 'पैकार', दोनो शुद्ध है, परंतु यह अप्रचलित है।
 पैगूल: (پيغول) फा पु—'पैगूल' का लघु, दे 'पैगूल'।
 पैगूल: (پيغوله) फा पु—कोना, एकात, गोश।
 पैजार (پيजार) फा स्त्री—जूता, पादुका।
 पै दर पै (پے در پے) फा अव्य—लगातार, निरंतर; बार-बार, बारवार।
 पैदा (پیدا) फा वि—उत्पन्न, प्रसूत, जाईद, आविर्भूत, व्यक्त, जाहिर, प्राप्त, हासिल, (पु) प्राप्ति, हुसूल।
 पैदाइश (پیدايش) फा स्त्री—उत्पत्ति, जन्म, आविर्भाव, जुहूर, प्राप्ति, लाभ, प्रारभ, शुरूआत, उपज, जमना।
 पैदाइशी (پیدايشی) फा वि—प्राकृत, फित्री, जन्मसिद्ध, जो उत्पन्न होते समय से प्राप्त हो।
 पैदावार (پیداوار) फा स्त्री—खेती की उपज, व्यवसाय की आयु, माल की उत्पत्ति।
 पैदावारी (پیداواری) फा स्त्री—दे 'पैदावार'।
 पै व पै (پے و پے) फा अव्य—दे 'पै दर पै'।
 पैमाँ (پیمان) फा पु—'पैमान' का लघु, दे 'पैमान'।
 पैमाँगुसिल (پیمانگوسل) फा वि—प्रतिज्ञा भंग करनेवाला, कौल से हट जानेवाला, वचनभेदी।
 पैमाँशिकन (پیمان شکن) फा वि—वचन-भजक, प्रतिज्ञाभेदी, कौल तोड़ देनेवाला।
 पैमाँशिकनी (پیمان شکنی) फा स्त्री—वादे से फिर जाना, वचन भंग कर देना।
 पैमा (پیمان) फा प्रत्य—नापनेवाला, जैसे—कोह पैमा, पहाड नापनेवाला, पीनेवाला, जैसे—'वाद पैमा', शराब पीनेवाला, फिरनेवाला, जैसे—'दशत पैमा', जंगल में फिरनेवाला।
 पैमाइंद: (پیمانده) फा वि—नापनेवाला।
 पैमाइश (پیمانده) फा स्त्री—नाप, किसी क्षेत्र के रकबे की नाप, किसी स्थान की लवाई-चौडाई आदि की नाप।
 पैमान: (پیمان) फा पु—लवाई नापने का यंत्र, इस्केल, तरल पदार्थ नापने का यंत्र; शराब का गिलास, पान-पात्र।
 पैमान.कश (پیمان کاش) फा वि—शराब पीनेवाला, मद्यप, रसानी।

पैमान.कशी (پیمان کاشی) फा स्त्री—शराब पीना, मदिरा-पान, मद्यपान, रसाशन।
 पैमान:वकफ (پیمان کف) फा वि—हाथ में मदिरापूरण गिलास लिये हुए, चपकपाणि।
 पैमान:बदस्त (پیمان بدست) फा वि—दे. 'पैमान.वकफ'।
 पैमान:शिकन (پیمان شکن) फा वि—शराब का गिलास तोड़ देनेवाला, अर्थात् मद्यनिपेधक, मुह्तसिव।
 पैमान (پیمان) फा पु—प्रतिज्ञा, वादा, वचन, कौल, शपथा-शपथी, कसमा-कसमी।
 पैमानए गम (پیمانۀ غم) फा अ.पु—प्रेम की मदिरा का प्याला।
 पैमानए मय (پیمانۀ می) फा पु—शराब का प्याला, पानपात्र।
 पैमूद: (پیموده) फा वि—नापा हुआ।
 पैमूदनी (پیمودنی) फा वि—नापने योग्य।
 पैमून: (پیمونه) फा पु—पैमाना।
 पैरवी (پیروی) फा स्त्री—अनुकरण, अनुसरण, तक्लीद, किसी की ओर से किसी मुकदमे आदि की पैरोकारी।
 पैरहन (پیرهن) फा पु—कुर्ता, कमीस, वस्त्र, वसन, लिवास।
 पैरा (پیرا) फा प्रत्य—सजाने और सँवारनेवाला, जैसे—'चमनपैरा' वाग को सजानेवाला।
 पैराइंद: (پیرانده) फा वि—सजानेवाला, सुसज्जित करनेवाला।
 पैराइश (پیرایش) फा स्त्री—सजावट, सज्जा, आराइश; काट-छाँट करके सजाना।
 पैरामन (پیرامن) फा पु—दे 'पैरामून'।
 पैरामुन (پیرامون) फा पु—'पैरामून' का लघु, दे 'पैरामून'।
 पैरामून (پیرامون) फा पु—चारो ओर, इर्द-गिर्द, दौर, गिर्दागिर्द, कपडे का दामन।
 पैराय: (پیرایه) फा पु—शैली, पद्धति, तर्ज; सजावट, जीनत, वस्त्र, लिवास, आभूषण, जेवर।
 पैरास्त: (پیراسته) फा वि—सजा हुआ, सुसज्जित।
 पैरास्तगी (پیراستگی) फा स्त्री—सजावट, आरास्तगी।
 पैरास्तनी (پیراستگی) फा वि—सजाने योग्य।
 पैराहन (پیراهن) फा पु—दे 'पैरहन'।
 पैरो (پیره) फा वि—अनुयायी, अनुसरणकर्ता, पैरवी करनेवाला।
 पैवंद (پیوند) फा पु—जोड़, थिगली, रिस्तेदारी, खून का तअल्लुक, वृक्ष की कलम।
 पैवंदी (پیوندی) फा वि—जिममें पैवंद लगा हो; जो कलमी हो (फल)।

पवस्त (پوسته) का वि-सटा हुआ मिला हुआ, निरतर लगातार गत गुजरा हुआ सबग हमसा।
 पवस्त (پوست) का वि-मिला हुआ, जुडा हुआ, अतर घुमा हुआ।
 पवस्तगो (پوستگونی) का स्त्रा-सटा हुआ (होना) निरतरता लगातारन नित्यता, हमंगी अदर घुसने या पवस्त होने का भाव।
 पवस्तनी (پوستنی) का वि-पवस्त होने योग्य।
 पस (پسته) का पु-ताबे का निक्का तीन पाद की मुद्रा।
 पसिपुर (پسپور) का वि-पददलित, परी तल कुचला हुआ।
 पसिपुरी (پسپوری) का स्त्री-पामागी, परातले कुचाना।
 पसुराक (پسراک) तु पु-पचर अदबतर।
 पहम (پہم) का वि-निरतर लगातार बारबार बार बार — 'हम जवए-पहम के तलवगार कहीं ह ?' — हमरत मोहनी।

पो

पोर (پوری) का पु-खती का अन्न।
 पोच (پوچھ) का स्त्री-जोन, रक्तपा जलीका।
 पोच (پوچھ) का वि-अधम नीच व्यथ फुजूल निक्कमा नाकार अरगीठ फोहश निरथर वमानी अतुलीन बन्नसल रूप लोकर वह वस्तु जा निरकुल ही व्यथ हा।
 पोचगो (پوچگو) का वि-अनयवानी व्यथभापी फुजूल की बातें करनेवाला।
 पोचगोई (پوچگوئی) का स्त्री-वक्वास मिथ्यावात।
 पोचबाक (پوچباب) का वि-पाचमा।
 पोचबाकी (پوچبائی) का स्त्री-पाचमा।
 पोचबी (پوچبے) का वि-अनुचितलिष्ट तगनजर।
 पोचबीनी (پوچبےنی) का स्त्री-तगनजरी लिष्ट-भक्वाच।
 पोख (پوچھ) का पु-पाठ।
 पोखबद (پوچھبد) का पु-पोखर।
 पोख (پوچھ) का पु-यून यूननी पगुआ का मुन नयन ममन।
 पोखबद (پوچھبد) का प-पगुआ क मुह पर चदान का छीसा मगीता।
 पोखमाल (پوچھمال) का पु-यूनना म डालन का पत्ता।
 पोखनि (پوچھنی) का स्त्री-पाठिन।
 पोखिन (پوچھین) का स्त्रा-उय विरगता मरबूनी।
 पोखिनखोर (پوچھینخویر) का वि-उय माननवाग विरगता पर ध्यान देकर क्षमा करनेवाग।

पोखीद (پوچھید) का वि-जिसने अपना विरगता प्ररत की हो जिसने उय किया हो।
 पोत (پوت) का पु-भालागार, मरुजन, रगान माल गुजारी गजस्व।
 पोत (پوت) का पु-गट जीर सीने में जा कुछ हो जा निल्ली जिगर हृदय आदि।
 पोदीन (پودینہ) का पु-एक सुगन्धित पत्ती प्रयाग।
 पोय (پوی) का पु-घाडे की एक चाल।
 पोया (پویا) का वि-नीन्ता हुआ।
 पोया (پویا) का वि-दीन्ता हुआ दीनेगाया।
 पोल (پول) का पु-विगडा और पया हुआ पत्र।
 पोल (پول) का पु-पसा ताव का निक्का।
 पोलाद (پولاد) का पु-पोलाद।
 पोलाव (پولاب) का वि-जो दिखाई पड दृष्टिगोचर मरई।
 पोलावी (پولابی) का वि-अनुभव हलवागे वस्तु हिन्नी।
 पोले सफेद (پول سفید) का पु-पया चांगी का निक्का।
 पोले सिपाह (پول سپاہ) का प-पसा तीर का निक्का।
 पोण (پون) का प्रत्य-छिपानेवाग अम-एवाग शप छिपानेवाला।
 पोणाक (پوناک) का स्त्री-पहनने के कप वसन परिच्छत।
 पोणिक (پونیکہ) का वि-पहननेवाला छिपानेवाला।
 पोशिया (پوشیہ) का स्त्री-वस्त्र निवास पटना।
 पोणित (پونیتہ) का वि-पहनाया हुआ छिपाया हुआ गत विलजत गिवागी का जाल।
 पोणोदगो (پونودگی) का स्त्रा-छिपाव दुराव पहनाव।
 पोणोदनी (پونودنی) का वि-पहनान माय, पहन क कप छिपाने योग्य।
 पोसीद (پوسیدہ) का वि-पुराना हातर पिना पिना जीण जजर गीण।
 पोस्त (پوستہ) का पु-डारखाना पास्ट आणिय।
 पोस्त (پوست) का पु-गान त्वचा जिस् वेई की छान पिगुनता गीरत।
 पोस्तकद (پوستکدہ) का वि-सगल विगुठ मर गुग हुआ।
 पोस्ततलत (پوستتلب) का पु-गापभा का बिलीता म रिन या गर की गाग का हा।
 पोस्तमाल (پوستمال) का प-बमहा मडा हुई वस्तु।
 पोम्नी (پومنی) का स्त्री-पाम्नीन का लप ३ पाम्नीन।

पोस्तीदोज (پوستی دوز) फा वि-पोस्तीन सीनेवाला, अर्थात् बनानेवाला।

पोस्ती (پوستی) फा वि-अफीम खानेवाला, मदक पीनेवाला, मदकची।

पोस्तीखान: (پوستی خانہ) फा पु-मदकखान।

पोस्तीन (پوستین) फा स्त्री-लोमड़ी, समूर, सिजाव आदि खेदात् जतुओ की खाल से बनाया हुआ कोट जो शीत-प्रधान देशों में पहना जाता है, इसके रूएँ भीतर और खाल ऊपर रहती है।

पोस्तीने गुर्ग (پوستین گورگ) फा स्त्री-भेड़िए की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने रोवाह (پوستین رواسه) फा स्त्री-लोमड़ी की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने शेर (پوستین شیر) फा स्त्री-शेर की खाल या उसका पोस्तीन।

फ

फंजनोश (فنجنوش) फा पु-लोहे का मेल, मडूर, खुन्सुल हदीद।

फंद (فند) अ पु-छल, कपट, मक्र, फरेव।

फअआल (فعال) अ वि-बहुत काम करनेवाला।

फक (فک) अ वि-त्रेहरे की रगत का विकार या उड जाना।

फक [कक] (فک) अ पु-जवडा, कल्ला, मोचन, छूटना।

फकत (فقط) अ वि-ब्रस, खत्म, समाप्त, केवल, सिर्फ; इतिथी, तम्मत।

फकार (فکار) अ पु-'फिक्र' का बहु, पीठ के गुरिए।

फकाह (فکاه) अ स्त्री-बुद्धिमत्ता, मेधा, दानाई।

फकाहत (فکاهت) अ स्त्री-बुद्धिमत्ता, मनीपा, मेधा, अकलमदी।

फकीअ (فکعی) अ स्त्री-जौ की शराव।

फकीद (فکیدی) अ वि-अप्राप्य, नायाव।

फकीदुन्नजीर (فکیدی الذبیر) अ वि-जिसके समान दूसरा न हो, अद्वितीय, अनुपम, लाजवाव।

फकीदुलमिसाल (فکیدی السال) अ वि-दे 'फकीदुन्नजीर'।

फकीदुलमिस्ल (فکیدی السئل) अ वि-दे 'फकीदुन्नजीर'।

फकीर (فکیر) अ वि-भिक्षुक, मँगता, भिखमगा, सन्यासी, दरवेश, आसक्त, आशिक, नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने की भी कहता है।

फकीरदोस्त (فکیر دوست) अ फा वि-साधु-सतो में भक्ति भाव रखनेवाला।

फकीरमनिश (فکیر منیش) अ फा वि-साधुओ-जैसे सीधे-सादे आचार-व्यवहारवाला।

फकीरान: (فکیرانہ) अ फा वि-फकीरो और साधुओ-जैसा।

फकीरी (فکیری) अ स्त्री-साधुता, दरवेशी, भिखमगा-पन, मँगताई।

फकीह (فکیدی) अ वि-धर्मशास्त्र का विद्वान्, मुस्लिम धर्मशास्त्र को पूर्णरूपेण जाननेवाला।

फकीहाँ (فکیدیہاں) अ फा पु-'फकीह' का बहु, फकीह लोग।

फकैफ (فکیدیف) अ अव्य-पस, क्योकर।

फकुर्रह्न (فک الوهن) अ पु-बधक-मोचन, रेहन से चीज का छूटना।

फक्के अस्फल (فک اسفل) अ पु-नीचे का जवडा।

फक्के आ'ला (فک اعلى) अ पु-ऊपर का जवडा।

फक्के रह्न (فک دهن) अ पु-बधन-मोचन।

फक्र (فکر) अ पु-दरिद्रता, कगाली, साधुता, दरवेशी।

फखामत (فکاهت) अ स्त्री-प्रतिष्ठा, इज्जत, श्रेष्ठता, वुजुर्गी, आदर, कद्र, मोटापन।

फखिज (فکخ) अ स्त्री-जाँघ, रान।

फखीम (فکخیم) अ वि-प्रतिष्ठावान्, जी इज्जत।

फख्त (فکخ) अ स्त्री-रान, जाँघ, दे 'फखिज', दो शु है।

फख्र (فکخر) अ पु-गर्व, गौरव, नाज, अभिमान, अहकार, घमड, शेखी, डींग।

फख्रआमेज (فکخر آمیز) फा अ वि-गर्वपूर्ण, फखिय।

फख्रन (فکخر) अ अव्य-गर्वसहित, घमड के साथ।

फख्रिय: (فکخوی) अ अव्य-गर्व के तौर पर, घमड से।

फख्री (فکخوی) अ वि-एक किसम का अगूर, शाह फख्रुद्दीन के सिलसिले का मुरीद।

फख्रक़ौम (فکخر قوم) अ पु-वह व्यक्ति जिस पर राष्ट्र गर्व करे।

फख्र खानदान (فکخر خاندان) अ फा पु-जिससे कुल की मर्यादा बढे, वह व्यक्ति, कुलभूषण।

फख्र मितलत (فکخر ملت) अ पु-दे 'फख्र क़ौम'।

फख्र मुल्क (فکخر ملک) अ पु-देश के लिए गर्व का कारण व्यक्ति।

फख्र वतन (فکخر وطن) अ पु-दे 'फख्र मुल्क'।

फग (فغ) फा पु-मूर्ति, प्रतिभा, वुत।

फगफूर (فغفور) अ पु-चीन के शासको की उपाधि।

फज [जज] (فج) अ पु-दो पहाडों के बीच का चौडा रास्ता।

फजर (فکزر) अ पु-फाजिर का बहु, व्यभिचारी लोग, कदाचारी लोग।

फका (فرك) अ पु-भय वास, डर।
 फका (فكا) अ स्त्री-खुली हुई जगह मदान वानावरण
 माहौल, शोभा, रौनक बहार, खुली हुई हरियालीदार जगह।
 फकाइल (فكائل) अ पु-फकाइलत का बहु अच्छाईयाँ,
 सूबिया।
 फकाई (فكاي) अ वि-फका स सम्बंधित।
 फकाए चख (فكاه خرج) अ पा स्त्री-वह खाली स्थान
 जा आवास और पथी के बीच में हू जतरिक्ष सूय।
 फकाए जह जालद (فكاه بهر الود) अ पा स्त्री-दूषित
 वातावरण जहराला माहौल।
 फकाहत (فكاهت) अ स्त्री-फकीहत।
 फकीअत (فكاهت) अ स्त्री-पीडा वेना, द, आपत्ति
 विपदा मुसीबत।
 फकीलत (فكاهت) अ स्त्री-प्रतिष्ठा श्रेष्ठता, बजुर्गी
 प्रधानता, तर्जीह।
 फकीलतमआव (فكاهت مآव) अ वि-प्रतिष्ठावान।
 फकीह (فكاه) अ वि-निहित रसबा अपमानित
 अनान्त जलील।
 फकीहत (فكاهت) अ स्त्री-निदा अपयश, रुनवाई,
 अपमान जिल्लत।
 फजूर (فكاه) अ वि-व्यभिचारी लप, हरामकार
 दुराचारी कदाचारी बद आ माल।
 फजूर (فكاه) अ वि-बहुत अधिक दुराचारी और लपट।
 फजू (فكاه) अ स्त्री-प्रात काल, भोर सबेरा सबरे
 की नमाज।
 फकी (فكاه) अ वि-एक प्रकार का कलमी आम।
 फरल (فكاه) अ पु-रूपा दया मेहबानी प्रतिष्ठा,
 श्रेष्ठता बजुर्गी विद्वता फजालत।
 फरले इलाही (فكاه الہی) अ पु-ईश्वर की दया, दवी
 अनुकया।
 फरले खुदा (فكاه حداء) अ पा पु-ईश्वर की कृपा।
 फरले मौला (فكاه مولاء) अ पु-दे फरले खुग फकीरा
 की दुआ जिमका अर्थ है तुम पर खुदा का साया रह।
 फरले रबी (فكاه ربي) अ प-दे फरल खुग।
 फरने हक (فكاه حق) अ पु-फरले खुग।
 फजह (فكاه) अ स्त्री-फकीहत निग रमवाँ।
 फता (فكاه) अ पु-युवा युवक तरण जवान मः।
 फतात (فكاه) अ स्त्री-युवता नवला तरणी जवान स्त्री।
 फतानत (فكاه) अ स्त्री-बुद्धिमत्ता मया जवतमः।
 फनिन (فكاه) अ वि-बुद्धिमान मयावी अकमः,
 चतुर हाणियार प्रतिभागागी जहीन।

फतीन (فكاه) अ वि-बुद्धिमान, अकलमः प्रतिभावान
 तज्वाज, चतुर, हाणियार।
 फतीर (فكاه) अ वि-खमीर का उलटा, पतला गुयाहुआ
 आटा जिसकी चपाती पक्की ह।
 फतील (فكاه) अ पु-चिराग का बती भून जीर
 जिन उतारनेवाला की बती जिसे बह चिराग में जलार
 प्रतवाधा-अस्त को लिखाने ह।
 फतीरलोख (فكاه لوكه) अ पा पु-चौमुखा धीवट।
 फक्त (فكاه) अ पु-आत उतरन का रोग अवबद्धि।
 फक्ता (فكاه) अ वि-फिल पदा करनेवाला।
 फक्ताह (فكاه) अ वि-बालनेवाला ईश्वर।
 फक्ता (فكاه) अ पु-किसी धार्मिक विषय में धमागात्र
 वेत्ता का लिखित आदेश धर्मांश, व्यवस्था।
 फरह (فكاه) अ पु-उठ में अ का मात्रा उबर (—)
 फरह (فكاه) अ स्त्री-विजय जय जीत मफलता
 कामयाबी।
 फरहनाम (فكاه نامہ) अ फा पु-वह गद्य या पद्य का
 लेख जो किना विजय व सुअवरम पर लिखा जाय।
 फरहमद (فكاه مند) अ पा वि-विजय प्राप्त विजता।
 फरहमनार (فكاه منار) अ पु-वह स्तन जो किसी विषय का
 निशानी के रूप में बनाया जाय जयस्तभ।
 फरहयाव (فكاه ياب) अ पा वि-जिम्मे विजय प्राप्त की
 हा विजेता।
 फरहयाबी (فكاه يابی) अ फा स्त्री-विजय प्राप्त जीत
 हासिल करना जीतना।
 फरहे मुधीन (فكاه مدين) अ स्त्री-खुली हुई और स्पष्ट जीत।
 फरहोखर (فكاه وخر) अ स्त्री-विजय जीत।
 फरहोशिवस्त (فكاه وشكست) अ पा स्त्री-जीत और हार
 निजय और पराजय।
 फवक (فكاه) अ पु-एक गाव जिममें हयत महमः
 साहिब का लजूरा का बाग था।
 फदामत (فكاه مات) अ स्त्री-अनीति जायाय जम उद्दगा
 अकलडपन।
 फन (فكاه) अ पु-कग, आठ हस्तगत्य दस्तकारी
 छल फरय इद्रजाल, बाजीगरी गुण हुनर विद्या की
 पाई गाखा जस-निब का फन अर्थात् चिहिलगागात्र।
 फनकार (فكاه كار) अ फा पु-कगवार कगवान।
 फनकारान (فكاه كارانه) अ फा अत्र-बलापूण।
 फनकारी (فكاه كاری) अ पा स्त्री-कगकारी।
 फनदाँ (فكاه داء) अ पा वि-कगविष, कग मयन
 कला निपुण।

फनदानी (فن دانی) अ फा स्त्री.—कला जानना, कला का मर्म जानना ।
 फना (فنا) अ स्त्री—मृत्यु, मरण, मौत, लुप्त, गाइव, नष्ट, वरवाद ।
 फनाअंजाम (مذا انصام) अ फा—जिसका परिणाम मृत्यु हो ।
 फनाआमादः (مذا آماد) अ फा. वि—जो नष्ट होने के लिए तैयार हो, नाशोन्मुख ।
 फनाईयत (مذائیت) अ स्त्री—फना हो जाना, आत्मसात् हो जाना, विलीन हो जाना ।
 फनापिजौर (فنا پیور) अ फा वि.—जिसे अत मे नाश होना हो, मरणधर्मा ।
 फनाफिल्लाह (مذافی اللہ) अ वि—वह जो ईश्वर मे लीन हो गया हो, ब्रह्मलीन ।
 फनाफिशशैख (مذافی الشیخ) अ वि—जो अपने पीर मे लीन हो ।
 फन्नी (فنی) अ वि—किसी फन से सम्बन्धित ।
 फन्ने कितावत (فن کتابت) अ पु—कापीनवीसी की कला, लिपि-कला ।
 फन्ने जर्राही (فن حراحی) अ पु—चीर-फाड अर्थात् गत्य-चिकित्सा की कला ।
 फन्ने ता'मीर (فن تعمیر) अ. पु—वास्तुकला, वास्तुविद्या ।
 फन्ने तीरदाजी (فن تیراندازی) अ फा पु—धनुर्वेद, धनुर्विद्या ।
 फन्ने मुसन्विरी (فن مصوری) अ पु—चित्रकला, चित्रविद्या ।
 फन्ने मूसीकी (فن موسیقی) अ पु—गानकला, सगीत-कला, सगीतविद्या, गानविद्या ।
 फन्ने लतीफ (فن لطیف) अ पु.—ललित कला, सत्कला ।
 फविहा (فہا) अ अव्य—ठीक, खूब ।
 फम (فم) अ पु—मुख, मुंह ।
 फमे मेदः (فم معد) अ पु—आमाशय का मुंह या द्वार ।
 फमे रहिम (فم رحم) अ पु—गर्भाशय का मुंह ।
 फव्याज (فہیاض) अ पु—दे 'फैयाज' ।
 फरग (فرگ) फा पु—दे 'फरगिस्तान' ।
 फरगिस्तान (فرگستان) फा पु—फरगियों का देश, इंग्लैंड ।
 फरंगी (فرنگی) फा पु—फरगिस्तान का निवासी, अंग्रेज ।
 फर (فر) फा स्त्री—वैभव, शानोशीकत, ज्योति, प्रकाश, चमक, प्रतिविव, अक्स ।
 फरज. (فرج) अ पु—दरिद्रता और तंगी से छुटकारा पाना, दशा का उन्नतिशील होना ।
 फरज (فرج) अ स्त्री—सुगमता, आसानी, सुख, चैन, आराम ।

फरफरः (فر فر) फा स्त्री—फिरकी ।
 फरफर (فر فر) फा अव्य—जल्दी-जल्दी ।
 फरस (فرس) अ पु—अश्व, घोडा ।
 फरह (فرح) अ पु—हर्ष, आनंद, खुशी, फर्हत ।
 फरहवाश (فرح بخش) अ फा वि—खुशी देनेवाला, फर्हत देनेवाला, आनन्ददाता ।
 फरहमंद (فرح مند) अ फा—हर्षित, आनंदित, खुश ।
 फराइज (فرأیج) अ पु—'फरीज' का बहु, कर्तव्य ।
 फराइजे कौमी (فرایض قومی) अ पु—वह कर्तव्य जो राष्ट्र की ओर से आवश्यक हो ।
 फराइजे मंसवी (فرأیض منصہی) अ पु—वह कर्तव्य जो नौकरी के लिए जरूरी हो, वह कर्तव्य जो मानवता के नाते लाजिमी हो ।
 फराइजे मिल्ली (فرأیض ملی) अ पु—दे 'फराइजे कौमी' ।
 फराइजे मुल्की (فرأیض ملکی) अ पु—वह कर्तव्य जो एक देशवासी के लिए अनिवार्य है ।
 फराइद (فرأید) अ पु—'फरीद.' का बहु, अकेले लोग, अद्वितीय वस्तुएँ ।
 फराइनः (فرأینہ) अ पु—'फिर्ऑन' का बहु, मिस्र के प्राचीन शासक जिनके शव अहाम मे मिलते हैं ।
 फराख (فراخ) फा वि—विस्तृत, वसीअ, चौडा-चकला ।
 फराखअन्नू (فراخ انرو) फा वि.—हँसमुख, जिद दिल ।
 फराखआस्ती (فراخ آستین) फा वि—मुक्तहस्त, दानी, सखी ।
 फराखचश्म (فراخ چشم) फा वि—खूब खर्च करनेवाला, दिल खोलकर खाने-खिलानेवाला ।
 फराखदस्त (فراخ دست) फा वि—खूब देने-लेनेवाला; दौलतमद, सपन्न ।
 फराखदामन (فراخ دامن) फा वि—धनसपन्न, समृद्ध, दौलतमद ।
 फराखदिल (فراخ دل) फा वि—दे 'फराखचश्म' ।
 फराखपेशानी (فراخ پشانی) फा वि—चौडी पेशानीवाला, भागवान्, हँसमुख, शीलवान् ।
 फराखसीनः (فراخ سینہ) फा वि—चौडे सीनेवाला, बहादुर ।
 फराखहौसलः (فراخ حوصلہ) फा अ वि—बडे हौसलेवाला, उच्चोत्साही ।
 फराखहौसलगी (فراخ حوصلگی) फा अ स्त्री—हिम्मत बडी होना ।
 फराखी (فراخی) फा स्त्री—विस्तार, फैलाव, कुशादगी ।
 फराखुर (فراخور) फा पु—योग्य, पात्र, लाइक ।
 फराग (فراغ) अ प—दे 'फरागत' ।

फराघत (فراغت) अ स्त्री-अवकाश छट्टी फमत छुटकारा, मुक्ति, नजात समझि दौलतमदा, मुक्त, आराम सताप इत्मानान।

फराघवाल (فراغ وال) अ फा वि-सताप और मुक्त के साथ जावन व्यतीत करनेवाला।

फराघवाली (فراغ वाली) अ फा स्त्री-मुक्त और बेकिसी स जीवन गुजारता।

फरागे कुली (فراغ کلی) अ पू-पूणमतोप पूरा इत्मानान। फरागे छातिर (فراغ خاطر) अ पू-मन का मतोप वित की एकाग्रता।

फरागे दिल (فراغ دل) अ फा पू-फरागे छातिर।

फरागे बालिन (فراغ باطن) अ पू-फरागे छातिर।

फराज (فراز) फा पू-ऊंचाई बलदी।

फराजद (فرازند) फा वि-उठानेवाला ऊचा करे वाग उतावक।

फराजोनिशब (فرازو نسب) फा पू-ऊंच नीच उतार चलाव।

फराजोस (فرازوس) अ पू-फिरोस का बहु स्वय-समूह।

फराजोन (فرازون) फा पू-फराजोस का बहु राजादा।

फराजोश (فرازوش) फा वि-फराजोस का लघु दे फराजोस भूला हुआ विस्मृत।

फराजोशी (فرازوشی) फा स्त्री-फराजोस का लघु दे फराजोस भूल।

फराजोश (فرازوش) फा वि-भूला हुआ विस्मृत (प्रत्य) भूल जानेवाला जस-बाद फराजोस वाग करे भूल जानवाला।

फराजोशकार (فرازوش کار) फा वि-भुलक बहुत भूलनवाला।

फराजोशारी (فرازوش کاری) फा स्त्री-उठन भलना।

फराजोशी (فرازوشی) फा स्त्री-मूठ भूलन का भाव।

फराज (فراز) फा प-प्रायन भागना छुप जाना प्रायो दे फिरार परतु उ म फराज ही बालत ह।

फराज (فراز) अ प-पराज प्रायन पवाना।

फराजोस (فرازوش) अ पू-फराज का बहु।

फराजत (فراغت) अ स्त्री-वृद्धि की तीव्रता बतुरता हांगियाग घात की अच्छा चाल।

फराजत (فراغت) फा वि-एकत्र इकट्ठा एक जगह।

फराजोमी (فرازومی) फा स्त्री-एकत्र हुना इकट्ठा हुना।

फराज (فراز) अ प-गण पागें मरत वागें और प्रतिज्ञा।

फराके मुतालिक (فراک متعالف) अ पू-विरापी पा या दण।

फराके मूतवासिम (فراک متخاصم) अ प-साप का लम्बेवाला पक्ष।

फराके सानी (فراک سانی) अ पू-दूमरे पन अर्थात विराण दण का व्यक्ति।

फराकेन (فراکین) अ पू-उभय पन दाना पायिया।

फराके (فراک) अ प-वतम पक्ष नमाज।

फराकेए मजहबी (فراکة مذهبی) अ प-प्रायिक इल जस-नमाज, रोजा हज आदि।

फराके (فراک) अ वि-एकाकी अवला अतिनाथ बमिना।

फराकेइलअस (فراکة العسل) अ वि-जा अपने समय में अहम हो अद्वितीय अनुपम बमिनाल।

फराकेत (فراکة) फा वि-शुद्ध उच्चारण स्तिरा ह परतु उ म फराकेत बालते ह मुग्न आसकत आदि छलित धावा साया हुआ।

फराकेब (فراکب) फा पू-छट कपट धावा मिय नि वहाता इमका गद उच्चारण फिरब ह परतु उ म फराकेब (प्रत्य) छटनेवाता, जस-गिल फराकेब मरक छलनेवाला।

फराकेकार (فراک کار) फा वि-छली कपटो धोणवाता।

फराकेबुद (فراک بوند) फा वि-छलित वचित टा हुआ फराके साया हुआ।

फराकेबुदगी (فراک بوندگی) फा स्त्री-छटा जाना फरे खाना धावे म आ जाना।

फराकेबदाद (فراک بونداد) फा वि-जिस धावा मिय गया ह।

फराकेबविहिद (فراک بوندبند) फा वि-पाना देवना छट करनेवाता।

फराकेबिही (فراک بوندی) फा स्त्री-धाता दना छट करना।

फराकेबी (فراکبی) फा वि-धानेबाज छली।

फराकेअकल (فراک عکلی) फा अ पू-बुद्धिभ्रम आन का धावा बुद्धि का धोणे म पड जाना।

फराकेअकल (فراک بصر) फा अ पू-दृष्टिभ्रम निगाह का धावा दृष्टि का धावे में पड जाना।

फराकेअकल (فراک عکلی) फा वि-बेचा हुआ फायो फिरलेन है परतु उ म यही है।

फराकेअकल (فراک عکلی) फा स्त्री-बिचो।

फराकेअकली (فراک عکلی) फा स्त्री-बिचो बचन का फराकेअकली (فراک عکلی) फा पू-प्रजाग जयानि रात्री जस

तरकी गामा रोना मर ता फराके है परतु

उर्दू में 'फ़रोग' ही है। जैसे—“जितना फ़रोग शोलए-हुस्ने-सनम मे है, उतनी तपिश कहाँ है, दिले बेकरार मे।”

फ़रोगुजाश्त (فروغواشت) फ़ा. स्त्री-दे 'फ़रोगुजाश्त', वही शुद्ध है।

फ़रोज़ाँ (فروजाँ) फ़ा वि.-दे 'फ़ुरोज़ाँ', वह शुद्ध है।

फ़रोदगाह (فروگاه) फ़ा स्त्री-वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति, पथिक के रूप में थोड़े दिन ठहरे, शुद्ध 'फ़रोद' है परतु उर्दू में 'फ़रोद' भी है।

फ़रोश (فروش) फ़ा प्रत्य-बेचनेवाला, जैसे—'मेव फ़रोश', मेवा बेचनेवाला।

फ़रोशीदः (فروشیده) फ़ा 'वि-बेचनेवाला।

फ़रोशीदः (فروشیده) फ़ा वि-बेचा हुआ, बेची हुई वस्तु।

फ़रोशीदनी (فروشیدنی) फ़ा अव्य-बेचने के योग्य, जो वस्तु बेची जा सके।

फ़र्अ (فروع) अ स्त्री-शाखा, डाली, किसी मूल का कोई अंश।

फ़र्ई (فروعی) अ वि-जो मूल में से निकला हो।

फ़र्क (فروق) अ पु-शिर, सिर, सर, अतर, भेद, दो सख्याओं का शेष, दूरी, फ़ासिला; पृथक्ता, जुदाई; मतभेद, इख़्तिलाफ़, ह्यास, कमी।

फ़र्कदैन (فروقدین) अ पु-दो तारे जो उत्तरी ध्रुव में हैं और शाम से सवेरे तक बराबर दिखाई पड़ते हैं, कमी छिपते नहीं।

फ़र्खुदः (فروخنده) फ़ा वि-दे 'फ़र्खुद', दोनों, शुद्ध है।

फ़र्खुदः (فروخنده) फ़ा वि-शुभान्वित, कल्याणकारी, म्बवारक।

फ़र्खुदःखू (فروخندهخو) फ़ा वि-अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति।

फ़र्खुदःताले' (فروخنده طالع) फ़ा अ वि-भाग्यशाली, सौभाग्यवान्।

फ़र्खुदःपै (فروخنده پ) फ़ा वि-जिसका कही आना शुभान्वित हो, म्बवारक कदम।

फ़र्खुदःफ़ाल (فروخنده فال) फ़ा वि-भाग्यवान्, खुशानसीब।

फ़र्खुदःवस्त (فروخنده صفت) फ़ा वि-दे 'फ़र्खुद ताले'।

फ़र्खुदःराय (فروخنده رای) फ़ा अ वि-जिसका परामर्श और जिसकी सलाह बहुत अच्छी होती हो।

फ़र्खुदःसिफ़ात (فروخنده صفات) फ़ा अ वि-अच्छे गुणों-वाला, सद्गुण-संपन्न।

फ़गुल (فروغول) (فروغول) फ़ा उभ-रुईदार लवादा, रुईदार चुगा, वह रुईदार छोटा कोट जो बच्चों को पहनाते हैं और जिममें टोपी भी लगी रहती है।

फ़र्जः (فروجه) अ पु-खोलना,, खुलना।

फ़र्जद (فروزند) फ़ा पु-आत्मज, तनय, पुत्र, बेटा, लडका।

फ़र्जदी (فروزندی) फ़ा वि-बेटापन, पुत्रत्व, बाप-बेटे का नाता।

फ़र्जदे अर्जमद (فروزند ارجمند) फ़ा पु-सपूत, होनहार बेटा, भव्य पुत्र।

फ़र्जदे नरीनः (فروزند نرینه) फ़ा पु-बेटा, पुत्र।

फ़र्ज (فروح) अ स्त्री-दो चीजों के बीच की दरार; गिगाफ, फटन, विवर, छेद, योनि, भंग।

फ़र्ज (فروض) अ पु-कर्तव्य, ड्यूटी, ईश्वर की ओर से लगाया हुआ धार्मिक कृत्यों का आदेश, अनिवार्य, जरूरी, जिम्मेदारी, वह नमाज जिसका कुरान में आदेश है।

फ़र्जजः (فرورجه) अ पु-दवा में भिगोकर योनि या गुदाद्वार में रखने का कपडा।

फ़र्जज (فروضاً) अ अव्य-कर्तव्य द्वारा फ़र्ज की रू से।

फ़र्जशनास (فروض شناس) अ फ़ा वि-जो अपने कर्तव्य को कर्तव्य समझकर करे, कर्तव्य-पालक।

फ़र्जशनासी (فروض شناسی) अ फ़ा स्त्री-अपनी ड्यूटी को कर्तव्य समझकर अजाम देना।

फ़र्जाद (فروحاد) फ़ा वि-बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।

फ़र्जानः (فروزانه) फ़ा वि-बुद्धिमान्, अक्लमद; चतुर, होशियार, कुशल, दक्ष।

फ़र्जानःखू (فروزانهخو) फ़ा वि-बुद्धिमान्, चतुर।

फ़र्जानगी (فروزانگی) फ़ा स्त्री-बुद्धिमत्ता, अक्लमदी, चतुरता, होशियारी, दक्षता, काविलीयत।

फ़र्जाम (فروحام) फ़ा पु-अत, अखीर, परिणाम, नतीजा, (प्रत्य) अत या परिणामवाला, जैसे—'नेकफ़र्जाम' जिसका अत या परिणाम सुंदर हो।

फ़र्जाँ (فروزین) फ़ा पु-शत्रु का एक मोह्ला, वजीर।

फ़र्जाँ (فروضی) अ वि-जिमकी केवल कल्पना हो, मूल में न हो, काल्पनिक, कियासी।

फ़र्जाँ (فروضی) फ़ा स्त्री-बिना घुड़ी तुक्मे की कवा जो कपडों के ऊपर पहनी जाती है, गाउन।

फ़र्जाँ ऐन (فروض عین) अ पु-मूल कर्तव्य, मंही ड्यूटी।

फ़र्जाँ किफ़ाय (فروض کفایه) अ पु-वह फ़र्ज जो एक आदमी के अदा करने से सब की ओर में अदा हो जाय, जैसे—किमी सभा में किमी के मलाम का जवाब एक आदमी दे दे तो सब की ओर से हो जाता है।

फ़र्जाँ मंसवी (فروض منصی) अ पु-वह कर्तव्य जो किमी के लिए मुकर्रर हो, जैसे—मुलिन के लिए रक्षा का।

फर्से मुहाल (فرض محال) अ पू -एगा वान मान रना या फर् कर रना जा हा ही न मन ।
 फल (फल) अ पू -अधिकाता वादुय, इफात ।
 फर्त (फर्त) फा रि -वदूत बूग ।
 फर्त ऐग (فرض ऐغ) अ पू -भाग विलाग जीर धन-जीरन वा बाहुल्य ।
 फर्त घब (فرض غب) अ पू -प्रात का आवग वाप का प्राप ।
 फर्त घम (فرض غم) अ पू -गान जीर टग का जाधिय ।
 फर्त मसरत (فرض مسرت) अ पू -हृय और आन का प्रचुरता ह्यानिरेत ।
 फर्त महबत (فرض محبت) अ पू -प्रम की शात प्रेम का जावग ।
 फर्त गाबी (فرض غابی) अ फा पू - फर्त मगरत ।
 फर्त गौक (فرض غोक) अ पू -अभियाग का जाग ।
 फद (فرد) अ पू -एक व्यक्ति एक गरम, एवाकी अकग अदियाय वमिगड टग रजा चान्द ।
 फद (فرد) फा स्त्री -हिमाव का रजिगटर हुकमनामा निमत्रण का मूचीपत्र ।
 फदन फदन (فرداً فرداً) अ अय -एक एक बग्ने हर व्यक्ति का अय-अय ।
 फर्द (فردا) फा पू -मानवाला बल ।
 फर्द कियामत (فردا كيامت) फा अ पू -प्रथय का त्ति जब सय व हिमाव किताव हामे ।
 फर्द ए महार (فردا محسور) फा अ पू -दे फ्नाए कियामत ।
 फर्द ए हार (فردا محسور) फा अ पू - फ्नाए कियामत ।
 फर्द आ माल (فردا اعمال) अ फा स्त्री -नमपन आ माल नाम ।
 फर्द करारवादे जुम (فردا كرادك حرم) अ फा स्त्री -अभियागपन चाजगाट ।
 फर्द जुम (فردا حرم) फा अ स्त्री -अभियाग-पत्र फर्द करारवादे जुम ।
 फर्द बगर (فردا سر) अ पू -एक व्यक्ति एक आत्मी ।
 फर्द बातिल (فردا باطل) फा अ स्त्री -हिमाव का गलत वागड वह वागड जा बटा-फटा हो जीर माना न ता सय निरामी चाड ।
 फर्द बाहिद (فردا واحد) अ पू -एक आत्मा एक व्यक्ति ।
 फर्द हिमाव (فردا حساب) फा अ स्त्री -हिमाव का वागड चिन्टा वाजक वह वागड जिम पर का रजिगटन वा हिमाव जताग गया हो ।

फर्दियून (فردیون) अ स्त्री -यह का मुताया हुआ दूप जा दमा व वाम आता है ।
 फर्दियही (فردیهی) फा स्त्री -माताया मातापन स्वीया ।
 फर्दह (فرده) फा वि -माग-ताजा लहीम-शहीम स्वी ।
 फर्दह अगम (فردا اعمام) फा वि -स्वीरवाय माग तावे गरारवाग ।
 फर्मा (فرومان) फा पू -आगा शाहीदुबम राजाग द फर्मान ।
 फर्मागुदार (فرومان گوار) फा वि -शामक, हाविम राजा यागगाह ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा स्त्री -गासन हुकमत, राय ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा स्त्री -गासन, हुकमत राय ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा रि - फर्मागुदारी ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा वि -गासक हुकम बलानवाला राज बरनेवाला ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा वि -आगाकारी ब्राता पालन तावे दार ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा स्त्री -आगापालन हुकम मानना ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा वि -गासक, राजा बागगाह ।
 फर्मागुदारी (فرومان گوارى) फा स्त्री -गासन राज हुकमत ।
 फर्मा (فروما) फा प्रथय -फरमानवाला जस - हुकमपना हुकम फमानवाला आनादाता ।
 फर्माग (فرومانس) फा स्त्री -भागना तलब बरना किसी काम या किमी चाउ के लिए बहना वास्तान या दुनान के माल का आन ।
 फर्मागिनी (فرومانسى) फा वि -जिमकी फर्मान की गयी हो जा फमाग द्वारा किया गया हा यचित ।
 फर्मान (فرومان) फा पू -राजागेश गाही हुकम आगा आगग हुकम ।
 फर्माद (فرومودة) फा वि -उक्त वहा हुआ फमाया हुआ ।
 फर्माद (فروماد) फा स्त्री -सहायता के लिए पुकार दुहाई नालिग याय-याचना इस्तिगाम निवापत परिवार अनुयाय आतनाद दुख की जावाड ।
 फर्माद (فروماد) फा वि -नालिगी याय-याचक ।
 फर्माद (فروماد) फा स्त्री -याय-याचना जम का गान्ती चाहना ।
 फर्माद (فروماد) फा वि -फर्माद मुननवाक यायपती ।
 फर्माद (فروماد) फा स्त्री -याय करना फर्मा मुना ।

फर्यादशनवा (فريادشنوا) फा वि—फर्याद सुननेवाला।
 फरार (فرار) अ वि—पलायन, भागना, शुद्ध उच्चारण
 'फिरार' है, परंतु उर्दू में 'फरार' ही है।
 फर्राश (فراش) अ वि—वह व्यक्ति जिसके जिम्मे
 दरवार या मज्लिस आदि में फर्श आदि विछाने और
 रोशनी आदि करने का प्रबंध हो।
 फर्राशखानः (فراشخانه) अ फा पु—वह मकान जिसमें
 फर्श वगैरह रखे जाते हैं।
 फर्राशी (فراشی) अ वि—फर्राश का काम।
 फरख (فرخ) फा. वि—शुभ, कल्याणकारी, सुन्दर, अच्छा।
 फरखकदम (فرخقدم) फा अ वि—जिसका आना
 शुभान्वित हो, मुवारक पै।
 फरखतबार (فرختبار) फा वि—कुलीन, अच्छे खानदान
 वाला, आर्यभद्र।
 फरखनिहाद (فرخنیهاد) फा वि—सत्प्रकृतिवाला।
 फरवरदीन (فروردین) फा पु—पहला ईरानी महीना।
 फर्श (فرش) अ पु—विछौना, विछाने की चीज, बडी
 जगह में विछायी जानेवाली बडी दरी, समतल भूमि, हमवार
 जमीन, चौरस गच या सीमेंट से पक्की की हुई जमीन,
 पृथ्वीतल, जमीन की सतह।
 फर्शी (فرشی) अ वि—फर्श पर रखी जानेवाली चीज, जैसे
 फर्शी हुक्का, फर्श से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।
 फर्शे आव (فرش آب) अ फा. पु—समुद्र या नदी का तल।
 फर्शे खाक (فرش خاکی) अ फा पु—पृथ्वी का तल, सत्हे
 जमीन।
 फर्शे गुल (فرش گل) अ फा पु—फूलों का फर्श।
 फर्शे जमी (فرش زمینی) अ फा पु—दे 'फर्शे खाक'।
 फर्शे राह (فرش راه) अ फा पु—जमीन में विछा हुआ,
 रास्ते में विछी हुई, विनम्र, विनीत,—“पाँव रखता हूँ जब
 मुहव्वत में, बेकसी फर्शे राह होती है।”—जिगर।
 फर्सेग (فرسنگ) फा पु—दे 'फर्सेख'।
 फर्से (فرص) अ पु—काटना, फाडना, चीरना।
 फर्सेख (فرسخ) अ पु—४००० गज की दूरी, अग्रेजी
 मील के हिसाब से लगभग सवा दो मील।
 फर्सा (فرسا) फा प्रत्य—घटानेवाला, जैसे—'रूहफर्सा'
 रूह का कम करनेवाला, घिसनेवाला, जैसे—'जवीफर्सा'
 माथा रगड़नेवाला।
 फर्सूदः (فرسوده) फा वि—घिसा हुआ, पुराना, कम,
 शीर्षा, जीर्ण।
 फर्सूदःहाल (فرسودہحال) फा वि—पतले हालेवाला,
 जिसकी दशा बहुत खराब हो, क्षीण दशावाला।

फर्सूदगी (فرسودگی) फा स्त्री—घिसा-पिसा होना, फटा-
 पुराना होना।
 फर्सूदनी (فرسودنی) फा वि—घिसने के योग्य।
 फर्हंग (فرهنگ) फा स्त्री—बुद्धि, विवेक, शूऊर, अक्ल;
 शब्दकोश, लुगात।
 फर्हाद (فرهاد) फा पु—शीरी का प्रेमी जिसने शीरी की
 आज्ञा से पहाड काटा था और एक कुटनी के धोखा देने से
 उसने अपना सर फोड लिया और मर गया।
 फलक (فلک) अ पु—आकाश, गगन, अवर, व्योम,
 आस्मान।
 फलक (فلق) अ स्त्री—सवेरे का उजाला, उपा।
 फलक असास (فلق اساس) अ वि—बहुत मजबूत और
 बहुत बलद।
 फलकफदर (فلک قدر) अ वि—बहुत बड़े स्तव और पदवी-
 वाला।
 फलकजदः (فلک زده) अ फा वि—आपत्ति में फँसा हुआ,
 दशाचक्रग्रस्त।
 फलकजनाव (فلک جناب) अ वि—जिसके मकान की
 चौखट आकाश हो, बहुत बड़े मरतवेवाला।
 फलकताज (فلک تاج) अ फा वि—आकाश पर धावा
 बोलनेवाला, बहुत बडा साहसी।
 फलकनवर्द (فلک نورد) अ फा वि—आस्मान पर
 घूमनेवाला, गगनचारी।
 फलकपरवाज (فلک پرواز) अ फा वि—आकाश पर
 उड़नेवाला, नभश्चर।
 फलकपायः (فلک پایه) अ फा वि—आकाश जैसी महान्
 प्रतिष्ठावाला।
 फलकपैमा (فلک پیمان) अ फा वि—वह व्यक्ति या मडली
 जो किसी पहाड की चोटी तक पहुँचने के लिए प्रयत्नशील
 हो, पर्वतारोही।
 फलकफर्सा (فلک فرسا) अ फा वि—दे 'फलकपरवाज'।
 फलकवारगाह (فلک واردگاه) अ फा वि—दे 'फलक
 जनाव'।
 फलकबोस (فلک بوس) अ फा वि—आकाश को चूमने-
 वाला, आकाश को छूनेवाला, गगनचुवी, नभ स्पर्शी।
 फलकमआव (فلک معاب) अ वि—बहुत बडी प्रतिष्ठा-
 वाला।
 फलकमकाम (فلک مقام) अ वि—दे 'फलकमआव'।
 फलकमर्तबः (فلک مرتبه) अ वि—अकाश-जैसी प्रतिष्ठा-
 वाला, बहुत बड़े मरतवेवाला।
 फलकरसा (فلک رسا) अ फा वि—दे 'फलकबोस'।

फलकवियाव (फलकविय) अ पा वि - फलकविय ।
 फलकवियअत (फलकविय) अ वि - 'फलकविय' ।
 फलकवियन (फलकविय) अ पा वि - फलकविय ।
 फलकवियन (फलकविय) अ पा वि - आराग या
 छ डालनवाला गणाभग ।
 फलकवियर (फलकविय) अ वि - 'फलकविय' जिनका
 सिद्धांतन समय जनाग ह ।
 फलकवियर (फलकविय) अ वि - फलकवियराज ।
 फलकी (फलकी) अ वि - आवागवाय आस्मानी ।
 फलकीयात (फलकीयात) अ स्त्री - आस्माना या इत्म,
 अतिरिक्त विमान इत्मुल जपलाव ।
 फलकुलअपराक (फलकुलअपराक) अ पु - गत्र आस्माना
 स ऊंचा जयात सय आस्माना व ऊअस्वाला आग्मा
 नरी आवाग ।
 फलकवे अतलस (फलकवे) अ पु - सय स ऊअर वा
 आवास जा अतलय की भाँति विलकुट साग है ।
 फलके आ'शम (फलके) अ पु - 'फलकुलअपराक' ।
 फलकानत (फलक) अ स्त्री - दरिद्रता निधनता मरानी
 सुफलसी ।
 फलाकतअद (फलाकतअद) अ पा वि - जगाग वा मारा
 हुआ बुदगाग्रस्त ।
 फलाकतअदगी (फलाकतअदगी) अ पा स्त्री - जगाली
 बुदगा दरिद्रता मरीवी ।
 फलाखन (फलाखन) अ पु - गाफन जिसम रयकर डेला
 फता जनाग है ।
 फलाखून (फलाखून) अ प - अफलाखून वा लघु दे
 अफलाखून ।
 फलासम (फलासम) अ पु - फलाखन गाफन बानन
 वन जगल रियायान ।
 फलासिक (फलासिक) अ प - फलकी का बहु दानिक
 गण बदानिकगण नयायिकगण ।
 फलाह (फलाह) अ स्त्री - भलाई बल्याण उपकार नबी,
 माहा निगात ।
 फलाहूत (फलाहूत) अ स्त्री - खती वा'तनारी ।
 फलाहूतपेस (फलाहूतपेस) अ पा वि - किमान कृपक
 खतिहर कास्तकार ।
 फलाहे वारन (फलाहे) अ स्त्री - मसार और परलार
 मोना लोवा की भलाई ।
 फलिहूवा (फलिहूवा) अ जप - बस इय काग्न ।
 फलोत (फलोत) अ पु - मूल गत्र पनील उदू में
 बेगडे लाग फीत भी बालते ह ।

फल (फल) अ पु - गमा तीन पा' वा विद्या,
 गछरी वा निगा, राय गवल ।
 फलसफ (फलसफ) अ पु - दानगाग्र विमानासत
 वापागासत, ता दगल मनिज विमान, हियम ।
 फलाप डी (फलापडी) अ पा पु - फगफ जाननवाला ।
 फलसफ'बानी (फलसफ'बानी) अ पा स्त्री - फगफ जानना ।
 फलसफियात (फलसफियात) अ अघ्य - फगफिया-जना ।
 फलसफी (फलसफी) अ वि - फगफ जाननवाला ।
 फलसे माही (फलसे) अ पा प - मगलका निज
 गक राय ।
 फलसे हूत (फलसे) अ पु - फलस माहा ।
 फयाइव (फयाइव) अ पु - फा'र का व बहन से सग ।
 फयावेह (फयावेह) अ पु - फा'र का बहु, मरा ।
 फयाहिन (फयाहिन) अ प - फा'र का बहु दुतावा
 बुरे काम ।
 फयार (फयार) अ पु - गानो उछालने वा एव वन
 धागयन, जलयन पुरारा ।
 फयार (फयार) अ पु - निचा'ना भाषना दवाना
 गुदे का वत्र की जमीन वा भीचना, मुसलमाना व फम
 अनुसार पापी मनुष्य का वत्रे बने जोर स भीचनी है ।
 फयारे शत्र (फयारे) अ पु - फयार'न र
 फयुब (फयुब) अ वि - निचाडा हुआ ।
 फयुबनी (फयुबनी) अ अघ्य - निचाउन व लाइक ।
 फयसक (फयसक) अ पु - फासिक का बहु दुगाबारी सग
 फसद (फसद) अ पु - फासिक का बहु, फसद करलरा
 यत्वा' शरारती ।
 फसा' (फसा') अ पु - यह फयार गित पर सान र
 जाता है दे फसा', दाना गुद ह ।
 फसाद (फसाद) अ पु - गगा उपख बलव विक्र
 खराबा विज्न बाधा राल' साम्प्रदायिक गणना विक
 वारान मारवाट ।
 फसादअगत्र (फसादअगत्र) अ पा वि - उपख मदानवाला
 फसादअगत्रो (फसादअगत्रो) अ पा स्त्री - उपख वग्ना ।
 फसादअद (फसादअद) अ पा वि - यह गत्र अथवा सग
 जहा वा' दगा या बलव हो गया हा बलव या दग ।
 हानि उठानवाला ।
 फसादअदगी (फसादअदगी) अ पा स्त्री - वय या दग
 प्रभावित हाना नुकसान उठाना अथवा मारा जना ।
 फसादी (फसादी) अ वि - फसाद करलवाला उपखवनी
 फसादे खून (फसादे) अ पा पु - खत की सपकी
 खन बाप ।

फसादे में'दः (فساد معدة) अ पु—पेट का चिकार, हाजिमे की खराबी, मदाग्नि।

फसादे ह्रस्व (فساد هضم) अ पु—हाजिमे अथवा पाचन-शक्ति की खराबी, अजीर्ण, अपच।

फसानः (فسانه) फा पु—कहानी, कथा, उपन्यास, नाविल, वृत्तात, हाल।

फसान.स्वॉ (فسانه حواء) फा वि—कहानी कहनेवाला।

फसान.गो (فسانه گو) फा वि—दे 'फसान स्वॉ'।

फसान.नवीस (فسانه نویس) फा वि—कहानियाँ लिखने-वाला, उपन्यासकार।

फसान निगार (فسانه نگار) फा वि—दे 'फसान नवीस'।

फसानए इश्क (فسانه عشق) फा अ पु—प्रेम की कहानी, प्रेम में अपने ऊपर बीता हुआ वृत्तात।

फसानए गम (فسانه غم) फा अ पु—गम अर्थात्, प्रेम के गम की कथा।

फसानए दिल (فسانه دل) फा पु—प्रेम में मन की व्यथा का वृत्तान्त।

फसाहत (فصاحت) अ स्त्री—वह लेखन-शैली जिसमें रोजमर्रा के सरल और हलके-फुलके शब्दों का प्रयोग हो और अलंकार आदि या तो विलकुल न हो और हो भी तो बहुत कम और सुन्दर हो।

फसील (فصیل) अ स्त्री—वह दीवार जो नगर के चारों ओर बनायी जाय, वह दीवार जो किले के चारों ओर खीची जाय।

फसीह (فصیح) अ वि—जिसमें फसाहत हो, ऐसा कलाम, जो फसाहत के साथ वातचित करे, ऐसा व्यक्ति।

फसीहलवयान (فصیح العیان) अ वि—मँजी हुई सरल और सुन्दर भाषा बोलनेवाला।

फसुर्दः (فسرد) फा वि—अपसुर्द का लघु, खिन्न, मलिन, उदास, मुरझाया हुआ, ठिठुरा हुआ।

फसुर्द खातिर (فسرد خاطر) फा अ वि—जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, मलिनचित्त।

फसुर्दःदिल (فسرد دل) फा वि—दे 'फसुर्द खातिर'।

फसुर्दःख (فسرد رخ) फा वि—जिसका चेहरा कुम्हलाया हुआ हो, मलिनमुख।

फसुर्दगी (فسردگی) फा स्त्री—खिन्नता, मलिनता, उदासी, कुम्हलाहट, ठिठुरन।

फस्व (فصبح) अ वि—निश्चय बदल देना, तोड़ देना।

फस्वे अत्मीमत (فصبح عریضت) अ पु—निश्चय बदल देना, निश्चय-भंग, इरादे को तबदीली।

फस्वे निकाह (فصبح نکاح) अ पु—विवाह-विच्छेद, विवाह टूट जाना।

फस्वे ब्रँअ (فصبح برع) अ पु—मोल ली हुई चीज का वापस हो जाना।

फस्द (فصد) अ स्त्री—रगों से खून निकालना, रक्त-मोचन, रक्त-मोक्षण।

फस्दजन (فصدان) अ फा वि—रगों से फस्द के द्वारा खून निकालनेवाला, रक्त-मोक्षक।

फस्ल (فصل) अ स्त्री—ऋतु, समय, मौसिम, किताब का वाव, परिच्छेद, अंतर, दूरी, पैदावार, किसी चीज के पैदा होने का समय।

फस्ल वफस्ल (فصل بفصل) अ फा अव्य—हूर फस्ल में।

फस्लानः (فصلان) अ. फा पु—फस्ल पर दिया जानेवाला हक या नज्दान।

फस्ली (فصلی) अ वि—फस्ल से सम्बन्ध, फस्ल का; किसानों का साल।

फस्ले अंबः (فصل اینه) अ फा स्त्री—आमों की फस्ल।

फस्ले इस्तादः (فصل استاد) अ फा स्त्री—खडी फस्ल जो अभी काटी न गयी हो।

फस्ले खरीफ (فصل خریف) अ स्त्री—हिन्दुस्तान की वह फस्ल जिसमें मक्का, ज्वार, वाजरा और धान आदि उत्पन्न होता है, कतकिहाई।

फस्ले खिजाँ (فصل خزاں) अ फा स्त्री—पतझड़ की ऋतु।

फस्ले गर्मा (فصل گرما) अ फा स्त्री—गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।

फस्ले गुल (فصل گل) अ फा स्त्री—वसत ऋतु, वहार का मौसिम।

फस्ले वहार (فصل بهار) अ फा स्त्री—दे 'फस्ले गुल'।

फस्ले वाराँ (فصل باران) अ फा स्त्री—बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।

फस्ले रबीअ (فصل ربیع) अ स्त्री—वह फसल जिसमें गेहूँ, जौ, चना आदि उत्पन्न होता है, रब्बी।

फस्ले शिता (فصل شتا) अ फा स्त्री—जाड़े का मौसिम।

फस्ले सर्मा (فصل سرما) अ फा स्त्री—जाड़े का मौसिम, हिमऋतु, शिशिर, शीतकाल।

फस्साद (فصاد) अ पु—रक्त-मोक्षक, रगों से खून निकालने-वाला।

फह्रीम (فهریم) अ वि—बुद्धिमान्, अकलमद, समझदार, विवेकी।

फहुवलमुराद (فهلوالمراد) अ वा—तो ठीक है, तो गनीमत है, अगर ऐसा हुआ के बाद यह वाक्य आता है और इस वाक्य के बाद वरन. के साथ कोई वाक्य आता है, जैसे—

अगर जसने रफया द लिया फहुवलमुरात, वरज मुखे नालिग
करनी पडेगी।

फहम (فهم) अ पु-नायला।

फहम (فهم) अ स्त्री-बुद्धि, समय, विवेक तमाज।

फहमाइग (فهمائش) फा स्त्री-चेतावनी, हिदायत,
तनाह, जागाही।

फहमीद (فهميد) फा वि-समझा हुआ।

फहमीद (فهميد) फा स्त्री-समय बुद्धि विवेक।

फहमादनी (فهميدني) फा अय-समयने के योग्य।

फहमे नाक्स (فهم ناقص) अ स्त्री-बच्ची समय,
नाममया।

फहमे सहोह (فهم صحیح) अ स्त्री-ठीक समझ।

फहल (فعل) अ पु-नर पुल्लिग।

फहहाग (فحاش) अ वि-अश्लील वान करनेवाग।

फहहागी (فحاشي) अ फा स्त्री-अश्लीलता।

फात्र (فان) अ वि-श्रेष्ठ उत्तम बलिया जो
प्रधान हो जिस तर्जिह दी जा सके।

फात्रतर (فانقير) अ फा वि-सबसे बलिया सर्वोपरि
गर्वोच्च।

फाइद (فانر) अ वि-सफर कामयाब पहुँचनेवाला।

फाउ (فانص) अ वि-फज देनेवाला लाभप्रदा।

फाइबुमाराम (فانبرالمارام) अ वि-सफरमनारच, मवग
में कामयाब।

फाइद (فانعة) अ पु-लाभ नफा प्राप्ति हुसूत
निष्पन्न नतीज गुण तागीर रागमुक्ति सहत।

फाइदबदन (فاندمصنر) अ फा वि-लाभगायक मुफीत।

फाइदमद (فاندملد) अ फा वि-फाइद बदन।

फाइदरता (فاندمان) अ फा वि-फाइद बदन।

फाइदरमाने (فاندمناسي) अ फा स्त्री-लाभकारिता
तमा पहुँचाना।

फाल (فانل) अ वि-नाम करनेवाला व्याकरण का
ना। गुणमया-ना।

फालात (فانلث) अ स्त्री-फाइद होना।

फाइले मुत्तार (فانل مفضلار) अ फ-ब-वायवर्ता जिग
पूर अधिार प्राप्त हो।

फाले हकीमी (فانل حقيمي) अ पु-ब-र अरग काम
करनाया।

फाल (فانة) अ फ-आगम निरागर उपाय कुउ न
गात बीमार की निवाका ब-होना।

फालकश (فانلکش) अ फा वि-फाउ करनेवाग
भूमा मानवाग।

फाउ बशी (فانلکشي) अ फा स्त्री-फाउ करना भरी
रहना।

फाउ अब (فانلکشي) अ फा वि-भूत का माग हुआ।

फाउमस्त (فانلکشي) अ फा वि-आ फाउा में नो
मस्त रहे।

फाउमस्ती (فانلکشي) अ फा स्त्री-फावा में बर
करना।

फाउशिकनी (فانلکشي) अ फा स्त्री-फाउा तोगा
कुछ खाना।

फाउ (فان) तु पु-सूफार अघात तीर का चन्की फावा
का पर, जिधर से तीर धनुष में रखने ह।

फाकिद (فانل) अ वि-सोनेवाला जाकारि चाव सादे।

फाकिदुनवर (فانل النوار) अ वि-अदृष्टिहीन अग वा
अपनी अदृष्टि था चुवा हा।

फाकिदुलबसर (فانل البصر) अ वि-नेवविहाग अग
जा अपनी अंग सौ चुवा हा।

फाकेह (فانلکهي) अ पु-सवा, हरा मवा अस-सेव अग
अगूर जाति।

फाकेहात (فانلکهي) अ पु-फाविह का बहु, भवे।

फाकित (فانلکهي) अ स्त्री-फाल, उदू में बनी
वालने ह।

फाखिर (فانلکهي) अ वि-अ-छी और बरिया फाउ बड़
मुय वस्तु।

फाखिर (فانلکهي) अ वि-फाल करनेवाला बड़ मुय कीद।

फालत (فانلکهي) फा स्त्री-एव प्रसिद्ध पनी पडव।

फालतई (فانلکشي) अ फा वि-फाला उन रफ का
बरतु।

फाउ (فانل) फा पु-जैभा^र मुस-व्यागन, जूभा अगल^र।

फाउकश (فانلکشي) फा वि-जैभा^र गवाग अगल^र
एनेवाला।

फाउह (فانلکهي) फा पु-फाउह।

फाजिर (فانلکهي) अ स्त्री-फालाकारिणी रवरिणी, सु-गिग
ब-चअन अगत।

फाजिर (فانلکهي) अ पु-दुगावारी दु-वरिग ब-चअन न।

फाजिल (فانل) अ वि-जिसने पूरी रिदा पा हो ह
स्नातक फारिमुत्तमोल अतिरिक्त फालू अति
रियाग बचा हुआ बाती।

फाजिलत (فانلث) अ पु-फाजिल गता अना-गके
वा-बाती बचा हुआ रफना।

फाजिले अल (فانل) अ वि-बढ़ा बना फाल^र,
पूरपर रिगनु प्रगाउ वलित।

फ़ातहः (فاتحه) अ उभ—दे 'फ़ातिह' उर्दू में दोनों तरह बोलते हैं।

फ़ातिन (فاتين) अ वि—चतुर, दक्ष, कुशल, दाना, बुद्धिमान्, अक्लमंद।

फ़ातिम. (فاطمه) अ स्त्री—वह स्त्री जो दो बरस के बच्चे का दूध छुटा दे, हज़रत मुहम्मद माहिब की सुपुत्री और हज़रत इमाम हुसैन की माता जी।

फ़ातिर (فاتر) अ वि—मद, मुस्त; गुनगुना पानी, विकृत, दूषित, जिसमें फ़ुतूर हो।

फ़ातिर (فاتر) अ वि—सृष्टिकर्ता, ईश्वर।

फ़ातिरुलअक़ल (فاترالعقل) अ वि—पागल, विकृतमस्तिष्क।

फ़ातिरुस्सावात (فاترالسواوات) अ वि—आकाशों की सृष्टि करनेवाला।

फ़ातिह (فاتحه) अ उभ—कुरान की पहली सूरात, मुद्दे की नियाज।

फ़ातिह (فاتح) अ वि—विजेता, जेता, जीतनेवाला, खोलनेवाला।

फ़ातिहए ख़ैर (فاتحه خير) अ फ़ा उभ—फ़ातिह, तिलाजलि।

फ़ातिहान (فاتحانه) अ फ़ा. अव्य—जीतनेवालों की तरह, विजयपूर्ण।

फ़ातिहे आ'ज़म (فاتح اعظم) अ वि—मव से बड़ा विजेता, महाजयी, दिग्विजयी।

फ़ातिहे आ'लम (فاتح عالم) अ वि—समार को जीत लेनेवाला, विश्वविजयी।

फ़ातिहे कुल (فاتح كل) अ वि—सब को जीत लेनेवाला, सर्वविजयी।

फ़ातिहे नफ़स (فاتح نفس) अ वि—अपनी इद्रियों को जीत लेनेवाला, जितेन्द्रिय, इद्रियजयी।

फ़ादज़ह (فادجهر) फ़ा पु—एक ओपधि जो हर प्रकार के विषों की नाशक है, विपहर।

फ़ानी (فانى) अ वि—नश्वर, नाशवान्, मिट जानेवाला, न रहनेवाला।

फ़ानीज़ (فانيد) अ पु—सफ़ेद शकर, दाना चीनी।

फ़ानूस (فانوس) फ़ा पु—लैम्प की चिमनी, जिसमें से रोशनी छनती है, वह काँच का प्याला-जैसा पात्र जिसमें मोमवती जलती है, आलोचक, निदक, बड़ी किदौल, कडील।

फ़ानूसे ख़याल (فانوس خيال) फ़ा अ पु—एक प्रकार का कागजी कडील जिसमें हाथी-धोडे आदि की तस्वीरे घूमती हैं।

फ़ानूसे ख़याली (فانوس خيالي) फ़ा अ. पु—दे 'फ़ानूसे ख़याल'।

फ़ानूसे गर्दा (فانوس گردان) फ़ा पु—दे 'फ़ानूसे ख़याल'।

फ़ाम (فام) फ़ा पु.—रग, समान, मिस्ल, (प्रत्य.) रग-वाला, जैसे—'सव्ज फ़ाम' हरे रगवाला, ममान, जैसे—गुल फ़ाम, फूल-जैसा।

फ़ारः (فاره) अ पु—एक चूहा, मूपक।

फ़ार (فار) अ पु—'फ़ार' का बहु, बहुत से चूहे।

फ़ाराँ (فاران) अ पु—'फ़ारान' का लघु, दे 'फ़ारान'।

फ़ारान (فاران) अ पु—एक पहाड़।

फ़ारिक (فارق) अ वि—दो चीजों को अलग करनेवाला।

फ़ारिग (فارغ) अ. वि—मुक्त, आजाद, निश्चिन्त, बेफ़िक्र, अवकाशप्राप्त, सावकाश, फुर्मंत पाया हुआ, जो अपना काम कर चुका हो।

फ़ारिख़ती (فارغ حطی) अ फ़ा. स्त्री—रूपया अदा होने की रसीद, ऋणमुक्तिपत्र, तलाकनामा।

फ़ारिगुत्तहसील (فارغ التحصيل) अ वि.—स्नातक, पारगत, निष्णान, फ़ाजिल, जिमने सबसे ऊँची डिग्री पा ली हो।

फ़ारिगुलख़िदमत (فارغ الخدمت) अ वि—सेवा-मुक्त, जो बुढ़ापे या किसी और कारणवश पेशन पा गया हो।

फ़ारिगुलवाल (فارغ السال) अ वि—निश्चिन्त, बेफ़िक्र, जिमे कोई चिन्ता न हो, समृद्ध, सम्पन्न, आसूद हाल।

फ़ारिस (فارس) अ वि—घुडसवार, अग्वारोही।

फ़ारूक (فاروق) अ वि—सच और झूठ में फर्क करनेवाला, सत्य को असत्य से अलग करनेवाला, दे 'फ़ारूके आ'ज़म'।

फ़ारूकी (فاروقی) अ. वि—शेखों की एक जाति जो हज़रत फ़ारूक के वंशज हैं, फ़ारूकी शेख।

फ़ारूके आ'ज़म (فاروق اعظم) अ वि—दूसरे खलीफ़ा हज़रत उमर की उपाधि।

फ़ारस (فارس) फ़ा पु—ईरान, पारसीक।

फ़ारसी (فارسی) फ़ा स्त्री—ईरान की भाषा।

फ़ारसीख़वाँ (فارسی حوا) फ़ा वि—फ़ारसी बोलनेवाला; फ़ारसी पढ़नेवाला, फ़ारसी पढा हुआ।

फ़ारसीगो (فارسی گو) फ़ा वि—फ़ारसी में कविता करनेवाला।

फ़ारसीदाँ (فارسی دان) फ़ा. वि—फ़ारसी भाषा जाननेवाला।

फ़ाल (فال) अ स्त्री—सगुन, शकुन।

फ़ालगो (فال گو) अ फ़ा वि—शकुन-विचारक, शकुन बतानेवाला।

फ़ालगोई (فال گوئی) अ फ़ा स्त्री—शकुन बताना।

फ़ालनामः (فال نامه) अ फ़ा पु—वह किताब जिससे फ़ाल देखी जाती है।

फालिज (فالح) अ पु—एक राग जिसमें आधा शरीर बेबाम हो जाना है पक्षाघात अर्धांग लकवा।

फालिजजद (فالح وجد) अ फा वि—जिसे फालिज मार गया है, अदांगी।

फालूद (فالوده) फा पु—एक प्रमिद शबत के साथ पी जातेवाला चीज।

फालेज (فالج) फा स्त्री—तबूज या खीरे-ककड़ी का मेल।

फाले नेक (فال نيك) अ फा स्त्री—अच्छा गबुन, अच्छी अग्रमत अच्छे लक्षण।

फाले बद (فال بد) अ फा स्त्री—बुरा शतुन बुरी अलगमत बुर लक्षण।

फालम (فالمه) फा पु—एक प्रकार का खट्टा और छोटा फल, फरफक।

फाम (فام) फा वि—व्यवत जाहिर प्रग स्पष्ट, मुला हुना।

फामगी (فام گوی) फा वि—स्पष्ट बक्ता माफ-माफ कहनेवाला लगी लिपटी न रखनेवाला।

फामगोई (فام گویی) फा स्त्री—वात साफ-माफ कह देना, काइ सिद्ध न करना।

फासिक (فاسکه) अ स्त्री—पापिनी जमाखी व्यभिचारिणी कुलटा।

फासिक (فامس) अ वि—पापी गुनाहगार व्यभारि दुराचारी हारमकार।

फासिक (فاسخ) अ वि—नराव और नष्ट करनेवाला नष्ट और विद्वत होनेवाला।

फासिक (فاسد) अ वि—दूषित विद्वत खराब विगम हुआ।

फासिकुलअकीद (فاسد العیة) अ वि—जिसका धर्म विद्वान विगम गया हो।

फासिल (فاسله) अ पु—अंतर दूरी, भेद पत्र।

फासिल (فاسل) अ वि—अंतर डारनवाग अंग बननेवाला।

फासिलए बराज (فاسله دراز) अ फा पु—दूरी दूरी म्या फामिग।

फाहिन (فاحه) अ स्त्री—व्यभिचारिणी पुस्चनी स्वरिणी जपनचपग फामुग कुन्टा बधकी अगता जाग्नी धरिणी भ्रष्टा उन्वा बपुरा।

फाहिन (فاحش) अ वि—बहुत अधिक दुग लजाजनन।

फि

फिजान (فيلجان) अ स्त्री—नेट्रा पीन की बीन की छापी गियागी।

फिजुक (فيلجك) अ स्त्री—फूदुक।

फिजदान (فيلجان) अ पु—अभाव, नायाबी बहुत अधिक बनी।

फिज (فيلج) अ पु—बाक्य, जुम्ला छल की बात बहाना मिप, रीठ का गुरिया तज व्यग, बटाग।

फिजतराज (فيلج تراس) अ फा वि—छल की बात करनेवाला।

फिजबद (فيلج بد) अ फा वि—दुखवत।

फिजबदी (فيلج بدی) अ फा स्त्री—दुखवत।

फिजबाज (فيلج بار) अ फा वि—फिज कमानेवाला नयाग करनेवाला।

फिजबाजी (فيلج بازی) अ फा स्त्री—फिज कमाना न करना।

फिज (فيلج) अ उभ—चिन्ता सोच, विचार ध्यान, गता गुवहा खटका अदेना, दुग रज और विचार उपाय तदवीर पना चिन्ता देख रेख खयाल, ध्यान दुबिया, एहतिमाल।

फिजत (فيلج ت) अ स्त्री—फिज।

फिजमद (فيلج مد) अ फा वि—जिसे विनी बात न खटका हो चिन्तित।

फिजमदी (فيلج مدی) अ फा स्त्री—चिन्ता होव खटका।

फिजात (فيلج ات) अ पु—फिज का बहु, जुम्मे बाग गमूह रीठ के गुरिए।

फिजे इमरोज (فيلج امروز) अ फा स्त्री—आज की चिन्ता हाल की फिज।

फिजे उबवा (فيلج عقوبت) अ स्त्री—परगोक की चिन्ता।

फिजे फर्वा (فيلج فوار) अ फा स्त्री—बल की चिन्ता बात वाले ममय की फिज।

फिजे मआग (فيلج معاش) अ स्त्री—जीविका की चिन्ता रोगी बमाने की फिज।

फिजे मईगत (فيلج معیست) अ स्त्री—फिज मआग।

फिजे ग'र (فيلج سر) अ स्त्री—बकिता कला काय खपना में तमयना।

फिजे मुयन (فيلج مستن) अ फा स्त्री—फिज गर।

फिजह (فيلج ه) अ स्त्री—इस्लामा धमगासब।

फिजही (فيلج هی) अ वि—इस्लामा धमगासब ममगाप।

फिजह (فيلج ه) अ वि—आगा का लपु भाग हुआ छाडा हुआ लपवाया हुआ।

फिजान (فيلج ان) अ प्रत्य—डारनवाग, लपानवाग पडानवाग जग—जन्म फिजान।

फिगार (فگار) फा. वि.—घायल, आहत, जखमी, (प्रत्य) जत्न खाया हुआ, आहत, जैसे—'दिलफिगार' जिसका दिल घायल हो अर्थात् प्रेमी।
 फिगारी (فگاریں) फा. वि.—आहत, जखमी।
 फिजा (فوزا) फा. प्रत्य—'अपजा' का लघु, बढ़ानेवाला, जैसे—'जाँफिजा' जिदगी बढ़ानेवाला।
 फिजाइंदः (فوزائنده) फा वि—बढ़ानेवाला।
 फिजाइश (فوزائش) फा स्त्री—अपजाइश, बढोत्तरी।
 फिजाजत (مباحثت) अ स्त्री—कच्चापन, तामी।
 फिज्ज (فصد) अ. स्त्री—रजत, चाँदी।
 फितन (فتن) अ पु—'फितल' का बहु, फितने, दगे, गडवडियाँ, हलचले।
 फित्तीन (فتین) अ वि—धूर्त, मक्कार, चालाक, वचक।
 फितल (فتله) अ पु—उपद्रव, दगा, फमाद, विद्रोह, वगावत, बहुत ही नटखट, बहुत ही शरीर, एक इत्र, लगाई-बुझाई करनेवाला, पिशुन, हर्फों का बना हुआ।
 फितलःअंगेज (فتله انگریز) अ फा वि—उपद्रव कराने-वाला, लोगो को भडकाकर दगा करा देनेवाला, इधर की उधर लगानेवाला, पड्यत्री, साजिशि।
 फितलःअगेजी (فتله انگریزی) अ फा. स्त्री—लोगों को भडकाकर आपस में लडा देना, इधर की उधर लगाना, कोई पड्यत्र खडा करना।
 फितलःअंदाज (فتله انداز) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलःअदाजी (فتله اندازی) अ फा स्त्री—दे 'फितल अगेजी'।
 फितलःकद (فتله قد) अ वि—बहुत छोटे डील-डील का माशूक।
 फितलःखू (فتله خو) अ फा वि—जिसका स्वभाव ही फितल खडा कर देना हो।
 फितल खेज (فتله خیر) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलःगर (فتله گور) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलःगरी (فتله گری) अ फा स्त्री—दे 'फितल अगेजी'।
 फितलःजा (فتله را) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलःजू (فتله جو) अ फा वि—फितने तलाश करनेवाला, उपद्रव और पड्यत्र के लिए वहाने हूँडनेवाला।
 फितल परदाज (فتله بردار) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलःपरदाजी (فتله برداری) अ फा. स्त्री—दे 'फितल अगेजी'।
 फितल पर्वर (فتله پرور) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलःशिआर (فتله شاعر) अ वि—दे 'फितल खू'।
 फितल सज (فتله سنج) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।

फितलःसामाँ (فتله سامیان) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलःसामानी (فتله سامانی) अ फा. स्त्री—दे. 'फितल-अगेजी'।
 फितलःसिगाल (فتله سگال) अ फा वि—दे 'फितल अगेज'।
 फितलए आलम (فتله عالم) अ पु—सारे ससार मे उपद्रव मचानेवाला, अर्थात् मा'शूक।
 फितलए ख्वावीदः (فتله خواسیده) अ फा पु—सोया हुआ फितल, वह विपत्ति जो अभी आयी न हो।
 फितलए दौराँ (فتله دوران) अ पु—दे 'फितलए आलम'।
 फितलए रोजगार (فتله روزگار) अ फा पु—दे 'फितलए आलम'।
 फितलत (فطلت) अ. स्त्री.—दक्षता, चतुरता, होशियारी; बुद्धिमत्ता, अक़लमदी।
 फित्रः (فطره) अ पु—वह दान या खैरात जो ईद मे नमाज से पहले अदा हो।
 फित्र (فطر) अ. पु—लोगो का रोजा खुलवाना, रोजा खोलनेवाले लोग।
 फित्रत (فطرت) अ. स्त्री—प्रकृति, नेचर, स्वभाव, आदत, उत्पत्ति, पैदाइश, धूर्तता, चालाकी, शरारत।
 फित्रतन (فطرتاً) अ अव्य—स्वभावत, आदतन।
 फित्रती (فطرتی) उ. वि—चालाक, धूर्त, शरीर, उत्पाती, वातूनी, झूठी वाते बनानेवाला, प्राकृतिक के अर्थ मे फित्रती है।
 फित्रते सानियः (فطرت سانیه) अ स्त्री.—किसी चीज की आदत।
 फित्राक (فطراک) फा उभ—वह डोरी जो घाँटे की जीन मे दोनो ओर शिकार या दूसरी चीज वाँधने के लिए लगाते है।
 फित्री (فطری) अ वि—प्राकृतिक, नैसर्गिक, नेचुरल।
 फिदा (فدا) अ वि—मुग्ध, आसक्त, आशिक; न्योछावर, निसार।
 फिदाई (فدائی) अ फा वि—भक्त, वफादार, आशिक, जाँनिसार।
 फिदाए कौस (فداے قوم) अ वि—जाति या राष्ट्र के लिए सब कुछ न्योछावर कर देनेवाला, तन, मन, धन से जाति या राष्ट्र की सेवा करनेवाला।
 फिदाए मिल्लत (فداے ملیت) अ वि—राष्ट्र की सेवा मे तन, मन, धन सब कुछ क़ुबान कर देनेवाला।
 फिदाए हक़ (فداے حق) अ वि—सत्यता के लिए सब कुछ त्याग देनेवाला, सच्चाई पर बलिदान हो जानेवाला।
 फिदाकार (فداکار) अ फा वि—फिदाई, भक्त।

फिदय (فیدیه) अ पु-वह धन जा किसी कदी का मुक्ति के लिए दिया गया वह व्यक्ति जो किसी व्यक्ति के बदले में अपनी जान दे, वह धन जा हिंसक से किसी खून के बदले में दिलाया जाय लियत ईद के दिन की खरात, फित्र ।

फिदवी (فیدی) अ वि-भक्त जानिसार प्रार्थी अपने प्राथनापन में गुन का भी लिखता है ।

फिनार (فی النار) अ अत्य-नरक में जाय जब कोई दुष्ट व्यक्ति मरता है ता कटन ह ।

फिरक (فوق) अ पु-फिक' का बहु, फिक' ।

फिराक (فراک) अ पु-पथकता जलाहिगी विभाग, जुदाई ध्यान धुन खयाल ।

फिरार (فراز) अ पु-पगयन भागना दे फरार, शुद्ध फिरार है परन्तु उन्म फरार ही बोलत ह ।

फिरावा (فراوان) फा वि-बहुत अधिक प्रचुर ।

फिरावानो (فراوانی) फा स्त्री-प्रचुरता बहुलता, अधिकता इफात ।

फिरास (فراوس) अ पु-साने का फश या विस्तार सोने के कपडे ।

फिरासत (فراوس) अ स्त्री-दक्षता प्रवीणता चतुरता चातुरी गनाई किसी बात को देख या मुनकर फौरन ताड जाना कियाफ सामुद्रिक ।

फिरासतज्ञानस (فراوستشناس) अ फा वि-कियाफ गनास सामुद्रिक ।

फिरासतुलयद (فراوسالهد) अ स्त्री-हाय की रेखाज की विद्या हस्त सामुद्रिक विद्या ।

फिरस्त (فیرسته) फा पु-दवता मुर फिरस्त बहुत ही सज्जन और भरल स्वभाव का व्यक्ति ।

फिरस्त वस्तत (فیرستهصفت) फा अ वि-वताआ जमा पुनीत और पावन प्रकृति वाला व्यक्ति दवतात्मा देवता ।

फिरस्त खितात (فیرستهخصال) फा अ वि-फिरस्त वस्तत ।

फिरस्त खू (فیرستهخو) फा वि-फिरस्त वस्तत' ।

फिरस्त सिकत (فیرستهصفت) फा अ वि-जिममें देवताआ जम गण हो ।

फिरस्त सौरत (فیرستهسورت) फा अ वि-फिरस्त वस्तत ।

फिरस्त सूत (فیرستهسورت) फा अ वि-जिमकी सूत देवताआ-जगी मुर और तेजस्वी हा देवता-स्वरूप ।

फिरस्ता (فیرستادو) फा वि-भेज हुआ प्रेषित ।

फिरस्तादनी (فیرستادنی) फा अव्य-भजन माफ प्रेष्य ।

फिरिस्तद (فیرستاده) फा वि-भेजनवाला प्रप ।

फिरेपत (فیرستاده) फा वि-मुग्ध आसक्त जाति जो किसी काम में बहुत ही रचि रने ।

फिरेब (فیرسب) फा पु-गुद्ध उच्चारण यही है परन्तु उ में 'फरेब' बालत ह दे फरेब ।

फिरोकश (فیروکش) फा वि-ठहरा हुआ मकीम अम्याय रूप में किसी जगह ठहरनेवाला ।

फिरोहत (فیروحده) फा वि-वेचा हुआ शुद्ध फिरान ही है परन्तु उद्ग में फरोहत है ।

फिरोहत (فیروحده) फा स्त्री-विनी विचवाली विधत बिका हुआ ।

फिरोहतगी (فیروحدهگی) फा स्त्री-विनी फराह ।

फिरोगवास्त (فیروگر-است) फा स्त्री-अल इफान पदि कमी कोताही ।

फिरोत (فیروس) फा वि-विनीत विनम्र आबिद खावगार ।

फिरोतनी (فیرولنی) फा स्त्री-विनम्रता प्रवट बरता खावसारी बरतना ।

फिरोतर (فیروب) फा वि-बहुत नीचे विमतर ।

फिरोद (فیرود) फा वि-निम्न नीचा उद्ग में फरो' भी है ।

फिरोदगाह (فیرودگاه) फा स्त्री-पथिक व रूप में बोड नि ठहरने का स्थान ।

फिरोदस्त (فیرودست) फा वि-अधान मातहत जरम्भ ।

फिरोदास्त (فیروداست) फा वि-अत नमापि अवार ।

फिरोमाद (فیروماده) फा वि-राचार विवस दलिद पामाल गिधिल अपमुग ।

फिरोमादगी (فیرومادگی) फा स्त्री-राचार, विवगता दलितापन पामाली गिधिलता अपमुगगी ।

फिरोमाय (فیروماده) फा वि-अयम नीच कमीना अकृनीन ।

फिरोमायगी (فیرومادگی) फा पु-फिरोमाय का बू नीच लोग ।

फिरोमायगी (فیرومادگی) फा स्त्री-अयमता नीचता कमीनगी ।

फिर्ज़ान (فیرعوان) अ पु-मिस का मरेजा जा बडा अयायगी या और जो हचन मूसा के शाप में मरा या बन्त ही अहवारी ।

फिर्ज़ान मिर्ज़ा (فیرعوان مراح) अ वि-जा फिर्ज़ान की तरट अहवारी और कमरी हा ।

फिऑनियत (فرعونييت) अ स्त्री-फिऑनी-जैसा अभि-
मानी होना ।

फिऑने वेसामां (فرعون ۛ سامان) अ फा. पु-ऐसा व्यक्ति
जिमके पास कुछ न हो, परन्तु अभिमान बहुत हो ।

फिक्रः (فوقه) अ पु-दल, जमाअत, पार्टी, पक्ष, फरीक,
सम्प्रदाय, मजह्व, जाति, कौम ।

फिक्रः परस्त (فوقه پرست) अ फा. वि-साम्प्रदायिकता
रखनेवाला, मजह्वी तबस्सुव रखनेवाला, साम्प्रदायिक
भेदभाव फैलाकर आपस में लड़ानेवाला ।

फिक्रः परस्ती (فوقه پرستی) अ. फा स्त्री-धार्मिक भेद-
भाव फैलाकर आपस में लड़ाना ।

फिक्रः वंद (فوقه بند) अ फा वि-जो गुटवद हो, दलवद,
पार्टीवद, जो धार्मिक आधारों पर दलवदी करे ।

फिक्रः वदी (فوقه بندی) अ फा स्त्री-दलवंदी, गुटवंदी,
धार्मिक आधार पर गुटवदी ।

फिक्रः वारान (فوقه وارانه) अ फा अव्य-साम्प्रदायिक,
धार्मिक, मजह्वी, जैसे-‘फिक्र वाराना’ झगडा ।

फिक्रः वारी (فوقه वारी) अ फा वि-दलवदी, गुटवदी,
धार्मिक आधार पर गुटवदी ।

फिक्रः वारीयत (فوقه वारीत) अ फा स्त्री-दे ‘फिक्र वारी’ ।

फिऑनीन (فردین) अ पु-अतरज का एक मोहरा, वजीर ।

फिऑस (فردوس) अ पु-स्वर्ग, नाक, विहित ।

फिऑस आश्यां (فردوس آشیان) अ फा वि-स्वर्गस्थ,
स्वर्गीय ।

फिऑसमंजलत (فردوس منجالت) अ वि-वह स्थान जो
सजावट में फिऑस की तरह हो ।

फिऑसमकां (فردوس مکن) अ वि-दे ‘फिऑस आश्यां’ ।

फिऑसी (فردوسی) अ वि-फिऑस का निवासी, ईरान
का एक प्राचीन और महान् कवि जिसने शाहनामा लिखा
है, जो फार्सी साहित्य में सबसे बड़ा और महत्त्वपूर्ण महा-
काव्य है ।

फिऑसैवरीं (فردوس بیری) अ फा पु-सबसे ऊपर का
स्वर्ग ।

फिऑनी (فردی) फा स्त्री-दूध और चावल के आटे की
विशेष खीर ।

फिलिज्ज (فلیج) अ पु-धातु, सोना, चाँदी, लोहा, ताँवा
आदि ।

फिलिज्जात (فلیجات) अ उभ-‘फिलिज्ज’ का बहु,
धातुएँ ।

फिलिज्जी (فلیجی) अ वि-धातु से बना हुआ, खान से
निकला हुआ ।

फिलअस्ल (فی الاصل) अ. अव्य-मूलत, यथार्थत,
हकीकत में, सचमुच ।

फिलजुम्लः (فی الجمله) अ अव्य-कुछ-कुछ, थोडा-बहुत;
सबमें से कुछ ।

फिलफिल (فیلل) अ. स्त्री-मरिच, मिर्च ।

फिलफिलगिदं (فیلل گود) अ फा स्त्री-गोल मिर्च,
काली मिर्च ।

फिलफिल मोयः (فیلل مویه) अ फा स्त्री-एक ओपधि,
पीपलामूल ।

फिलफिल सफेद (فیلل سفید) अ फा स्त्री-सफेद काली
मिर्च ।

फिलफिल सियाह (فیلل سیاه) अ फा स्त्री-काली मिर्च ।

फिलफिल सुर्ख (فیلل سرخ) अ फा स्त्री-लाल मिर्च ।

फिलफौर (فی الفور) अ अव्य-तुरत, त्वरित, शीघ्र,
फौरन ।

फिलवदीह (فی العدیة) अ वि-विना सोचे कही हुई कोई
बात जो बहुत ही ठीक, सुंदर और चमत्कारपूर्ण हो,
वरजस्त ।

फिलवदीह गो (فی العدیة گو) अ फा वि-तुरत विना
सोचे कविता करनेवाला, आशुकवि, विना सोचे बोलने-
वाला, उपस्थित वक्ता ।

फिलमसल (فی المسل) अ अव्य-सदृश, समान; ऐसा,
इस प्रकार का ।

फिलवक्त (فی الوقت) अ वि-तत्क्षण, तत्काल, उमी
समय, फौरन ।

फिलवाक (فی الواقع) अ वि-दे ‘फिलअस्ल’ ।

फिलहकीकत (فی الحقیقت) अ वि-दे ‘फिलअस्ल’ ।

फिलहाल (فی الحال) अ वि-इस समय, सरेदस्त ।

फिशॉ (فشار) फा प्रत्य-छिडकनेवाला, विखेरनेवाला,
जैसे-‘जरफिशॉ’ सोना विखेरनेवाला ।

फिशॉद (فشاده) फा वि-छिडका हुआ, बखेरा हुआ ।

फिशॉदनी (فشادنی) फा वि-छिडकने के काबिल ।

फिशार (فشار) फा. पु-दे ‘फिशार’, दोनों शुद्ध हैं ।

फिशारदः (فشارد) फा वि-निचोडा हुआ, चुभोया
हुआ ।

फिशारदनी (فشاردنی) फा वि-निचोडने योग्य, चुभोने
योग्य ।

फिसां (فسان) फा पु-दे ‘फिसां’, दोनों शुद्ध हैं ।

फिसाल (فصال) अ पु-बच्चे का दूध छुड़ाना; वियोग,
जुदाई; पृथक्ता, अलाहिदगी, ‘फसील’ का बहु, ‘फसीले’ ।

फिसोस (فسوس) फा पु-खेल, क्रीडा, परिहास, दितलगी,

मनादिना मनादान तभीह, फक्कडपन गार्क, दस, अफनाम ।
 फिस्त्र (فيسق) अ पु—दुराचार बदाचार दुष्कर्म वन्ना मानी मच्चाई और सत्य को ठाड देना ।
 फिस्तीफज़र (فيسق وفسق) अ पु—दुराचार दुष्कर्म बन्वल्नी ।
 फिस्त्र (فيسق) अ पु—'फुस्त्र', दाना गुद्दह फिस्त्रा जा एक प्रसिद्ध मेवा है ।

फी

फी (فی) का स्त्री—छल करेव भेन रहस्य, गुटि गल्नी ।
 फी (فی) अ अन्व—में बीच जम—फी मानने दोना के वाच में ।
 फीअमानिल्लाह (فی امان الله) अ वा—ईश्वर की रक्षा में अयात ईश्वर रखा कर बिनी को बिना करत समय कहेने ह ।
 फ़ीअमानिना (فی زماننا) अ वा—हमारे समय में अयात इन उपस्थित समय में साम्प्रत ।
 फीत (فیته) का पु—कपटे की उबी और पतली पट्टी ।
 फीनफिस्तीही (فی نسیه) अ वि—वह स्वयं वह अपनी जात से जम—वह फा नफसिहा बहुत अच्छा है, अयात वह स्वयं बहुत अच्छा है ।
 फामायन (فی مانس) अ अन्व—गाना क वाच में ।
 फाराब (فوارب) का प—एक प्रसिद्ध रत्न हरित मणि ।
 फीरोब (فیور) का वि—अपलभनार्थ कामयाब गुमावित बन्वाणकारी मुबारक ।
 फीरोबबान (فیور وکعب) का वि—मौमाग्याली मुग़ा डिस्मन ।
 फीरोबबानी (فیور وکعبی) का स्त्री—भाग्य की सफलता मुग़ा डिस्मना ।
 फीरोबमद (فیوملد) का वि—सकलकाम कामरी मौमाग्यवान मुग़ानमाव ।
 फीरोबमही (فیور وکعبی) का स्त्री—कामना का सफलता कामयाबा भाग्य की मुग़ना मुग़ानमीबा ।
 फीरोबी (فیوری) का वि—जीराब के रंग का सरलता कामयाबा ।
 फील (فیله) का प—साज का एक मोह्हा पीर ।
 फील (فیله) का पु—हाया करि हम्नी मत्र निपुण बाल पाक ।
 फीलफाम (فیله فاس) का अ वि—हायी-अस दीर दीर का ।

फ़ालखान (फलخانه) का पु—हस्तिधाला हाथधाला ।
 फ़ालतन (फलتن) का वि—हाया-अस भारी भक्कन गरीरवाला विगल देहवाला ।
 फ़ालददा (फलندان) का पु—हाया-अस हातावाला ।
 फ़ालनगी (फलنگی) का वि—जिसके दरवाज पर हायी बंधा हो जा हायी पर चडता हा पहल समय में महे बा इज्जत की चीज थी ।
 फ़ालपा (फलپا) का पु—एक राग जिमें पाँच सुरकर बहुत माटे हा जात ह स्लीप गिलीप फाम्परि ।
 फ़ालपाय (फलپایه) का पु—चूने या मामेट या पत्र का मोटा और बडा स्तम ख़ाम ।
 फ़ालबान (फलبان) का पु—हाया चलानवाला हस्ति अकुसप्रह निपानी ।
 फ़ालबारा (फलباران) का पु—बरसात का अन्तिम ब (हायिया या हस्त नमक) ।
 फ़ालमूथ (फल موع) का पु—अमरीका हा एक बहुत पनी जो पीर के राष्ट्र में पाया जाता है ।
 फ़ालसवार (फल سوار) का वि—हायी पर बग़ हूम हस्त्याहद ।
 फ़ोमद (فی مد) का वि—दे वामनी ।
 फ़ोसदी (فی صدی) का वि—प्रतिगन फ़ोम अउ-अप फ़ोसदी याना सी में वाम ।
 फ़ोसबील्लिहा (فی سیل الله) अ वा—ईश्वर की ग में ईश्वर क नाम पर ईश्वर क लिए ।

फ़ु

फ़ुदु (فولدن) अ स्त्री—छाते वर के बग़वर हा २० का एक मेवा ।
 फ़ुआक (فول) अ स्त्री—हिवकी का राग हिता ।
 फ़ुआव (فوان) अ पु—हूम फ़ि ।
 फ़ुअरा (فورا) अ पु—'फ़कीर' का बहु, फ़कीर रानी ।
 फ़ुअहा (فوها) अ पु—'फ़कीर' का बहु बल से फ़कीर ।
 फ़ुआअ (فواغ) अ स्त्री—वारला की मन्ता जो नग लानी है एक नग न लानवाची शगव बागा फ़िना कूड मुल्बुला हवाव ।
 फ़ुआहत (فواهب) अ स्त्री—मनोविनी अन्व फ़िलबहाव मग़ावई ।
 फ़ुअान (فولان) अ पु—अभाव बिन्बुल न प्राउ हान बदन कामा द फ़िगान, दाना मउ ह्ये ।
 फ़ुअराने परत (فولان عورت) अ पु—अभाव की स्त्री या अभाव निग़रता ।

फुवदाने हया (مقدان حيا) अ. पु—लज्जा का अभाव, निर्लज्जता।

फुग (مغ) फा पु—मूर्ति, प्रतिमा, वृत, दे 'फग', दोनो शुद्ध हे।

फुगाँ (مغان) फा स्त्री—आर्तनाद, नाला, दुहाई।

फुगानी (مغانی) फा वि—दुहाई देनेवाला, चिल्लानेवाला; नाला करनेवाला, एक ईरानी शाइर।

फुगला (مغلا) अ. पु—'फाजिल' का बहु, विद्वज्जन, पंडित लोग।

फुगूँ (مورون) फा वि—अपजूँ का लघु, अधिक, प्रचुर, बहुत, जियादा।

फुगदः (مروده) फा वि—'अपजूद' का लघु, अधिक किया हुआ, वदाया हुआ।

फुगनी (مورنی) फा स्त्री—'अपजूनी' का लघु, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात।

फुजर (مجزور) अ पु—पाप, गुनाह, व्यभिचार, दुराचार, हरामकारी।

फुजूल (مفضل) अ वि—व्यर्थ, बेकार, निरर्थक, बेमतलब, निकम्मा, फिजूल।

फुजूलखर्च (مفضل خرج) अ फा वि—बेकार मे रुपया खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

फुजूलखर्ची (مفضل خرچی) अ फा स्त्री—बेकार मे रुपया खर्च करना, अपव्ययी।

फुजूलगो (مفضل گو) अ फा वि—बेकार की वाते बनानेवाला, वाचाल, मिथ्यावादी, चित्रजल्पी।

फुजूलगोई (مفضل گوئی) अ फा. स्त्री—बेकार की वाते बनाना, वाचालता, मिथ्यावाद, चित्रजल्प।

फुजूली (مغسولی) अ वि—वह व्यक्ति जो बेकार के काम करता फिरे, मिथ्याभापी, फुजूल आदमी।

फुजूलीयात (مغسولیات) अ पु—फुजूल और निरर्थक वाते।

फुज्जार (مصادار) अ पु—'फाजिर' का बहु, पापी लोग, व्यभिचारी लोग।

फुज्जल (مغسله) अ पु—जूठन, बचा हुआ खाना, विष्ठा, पुरीप, गू, फोक, वह चीज जो किसी पदार्थ से रस आदि निकाल लेने पर बचती है, जैसे—मूली के पत्तों का अरक निकालकर उसका फोक या फुज्जल।

फुज्जलात (مغسلات) अ पु—'फुज्जल' का बहु, 'फुज्जले'।

फुतादः (مغذاه) फा वि—गिरा हुआ, पडा हुआ।

फुतादगी (مغذائی) फा स्त्री—गिरा हुआ होना, पडा हुआ होना।

फुतादनी (مغذائی) फा वि—गिरने के योग्य।

फुतुव्वत (فتوت) अ. स्त्री—वीरता, शूरता, बहादुरी; शील, मुखव्वत।

फुतूर (مغزور) अ पु—विकार, दोष, खराबी, शरारत, उत्पात।

फुतूरे अक्ल (مغزور عقل) अ. पु—बुद्धि-विकार, अक्ल की खराबी।

फुतूरे दिमाग (مغزور دماغ) अ पु—मस्तिष्क-दोष, दिमाग की खराबी, बुद्धि-दोष, अक्ल की खराबी।

फुतूरे हस्म (مغزور هضم) अ पु—मदाग्नि, हाजिम का विगाड।

फुतूह (مغزوح) अ. स्त्री—प्राप्ति, लाभ, फाइदा, हुसूल; समृद्धि, उन्नति, कुशाइश, ऊपर की आय, 'फतूह' का बहु, जीते।

फुतूहात (مغزوحات) अ स्त्री—'फुतूह' का बहु, प्राप्तियाँ, लाभ फुतूही (مغزوحی) उ स्त्री—विना आस्तीनो की बडी।

फुनून (مغنون) अ पु—'फन' का बहु, 'कलाएँ'।

फुनूने लतीफः (مغنون لطیفة) अ पु—ललित कलाएँ।

फुयूज (میدوض) अ पु—'फैज' का बहु, फैयाजियाँ, वख्शिशे।

फुरात (مغرات) फा स्त्री—इराक की नदी जिसके किनारे हज्रत इमाम हुसैन कर्बला मे गहोद हुए।

फुरादः (مغزاول) अ वि—'फ्रद' का बहु, एक-एक करके, अलग-अलग।

फुरुश (مغوش) अ पु—'फिराश' का बहु, विछौने, विस्तरे।

फुरूअ (مغروع) अ. स्त्री—'फअ' का बहु, शाखाएँ, मूल वस्तु से निकली हुई वस्तुएँ।

फुरूक (مغروق) अ पु—दो वस्तुओं मे फर्क करना।

फुरूज (مغروح) अ स्त्री—'फर्ज' का बहु, भग, योनियाँ।

फुरूश (مغروس) अ पु—'फर्श' का बहु, बहुत से फर्श।

फुरोग (مغورغ) फा पु—दे 'फरोग', शुद्ध 'फुरोग' है, परंतु उर्दू मे 'फरोग' भी बोलते हैं।

'फुरोज (مغور) फा प्रत्य—रौशन करनेवाला, जैसे—'दिल फुरोज' दिल को रौशनी देनेवाला।

फुरोजाँ (مغورواں) फा वि—प्रकाशमान्, रौशन।

फुरोजिदः (مغروزنده) फा वि—प्रकाशक, उज्ज्वल करनेवाला, चमकानेवाला।

फुरोद (مغرود) फा. वि—निम्न, नीचे।

फुरोदगाह (مغرودگاه) फा स्त्री—दे 'फरोदगाह', उर्दू मे वही बोलते हैं।

फुकत (مغوقت) अ स्त्री—वियोग, विरह, जुदाई, फिराक।

फुकतजदः (مغوقت زده) अ फा वि—विरहग्रस्त, वियोगी, विरह-पीडित।

शुद्धतन्त्रीय (شخص) अ वि-जिसके भाग्य में जीवन भर वियाह ही वियाह हा।

फुर्जान (فوزان) अ पु-फुर्जान।

फुज (فوج) अ पु-अवकाग छुट्टा फुमत गिगाफ फटन।

फुजजू (فوججو) अ पा वि-फुमत दूदनेवाला छुट्टी का वक्त तलाग करनेवाला।

फुसन (فوسن) अ स्त्री-जबकाग छुट्टी सताप इल्मीनान मुक्ति नजान निबटारा फराफत।

फुमततलब (فوسمتطلب) अ वि-जिमके लिए फुमत का जरूरत हा जा फुमत में इल्मीनान से हो सक।

फुमते जोस्त (فوسمت رست) अ पा स्त्री-जीवन-काल त्रिगो का उमाना।

फुला (فول) अ पु-अमुक फलाना।

फुल्ल (فولل) अ पु-फुल्ल का बहु पम।

फुल्ल (فولل) अ पु-बहों के तका में लगाया जानेवाली चमड़े की गाल टिकिया खेम के बॉमो में लगायी जानेवाली गाठ टिकली।

फुल्ल (فولل) अ स्त्री-नाव नौका किन्नी।

फुल्ल (فول) पा पु-मजरीठ एक लवडी जो रग व काम आती है।

फुगुद (فوغود) पा वि-निचाटा हुआ अफगुद का लपु।

फुगुदनी (فوغودنی) पा वि-निचाटन योग्य निचोडे जान के लाइक।

फुसहा (فوصحا) अ पु-फमोह का बहु फमाह लाग।

फुमहाए बरन (فوصحاهرب) अ पु-अपने समय व गार फमोह व्यक्ति।

फुम् (فوم) पा पु-अपने का लपु जाइ माया-वम इदजाल साव-बाबा।

फुम्गार (فومگار) पा वि-फुम्गार।

फुम्गार (فومگار) पा वि-जादूगर मायावी।

फुम्गाराब (فومگاراب) पा वि-फुम्गार।

फुम्गाराब (فومگاراب) पा वि-फुम्गार।

फुमुल (فومول) अ स्त्री-मसल का बहु कतुए पुम्नर व परिल्ले।

फुमोत (فوموس) पा पु-अगमाल का लपु साव अगमाल इन फजारा फाचाताप।

फुम्ता (فومتا) अ प-गिम्ता का एक प्रसिद्ध मन्त्र है।

फुम्ता (فومता) अ प-जगिज का बर दुगचार।

फुम्ता (فومता) अ स्त्री-मजान का लवाई-बोवाई विचार बगबन।

फू

फूल (فول) अ पु-तौलिया, अंगोछा।

फूल (فول) अ स्त्री-सुपारी छालिया द फौजन, दोना गुड ह।

फूलतराग (فولل تراغ) अ पा पु-सुपारी कटने का यत्र सरोता।

फूम (فوم) अ पु-लहसुन लपुन, गेहू गाधूम।

फे

फेल (فعل) अ पु-नाय काम किया बर इत काम जमल बुरी हरवत बुरा काम।

फेलन (فعلن) अ अय-अमल और काम से कमगा।

फेले अबस (فعل عبت) अ पु-व्यथ का काम निरख काय जिस काम में कोई लाभ न हो।

फेले जाइब (فعل جائب) अ पु-अच्छा काम ठीक काम जिसके करने में न कोई हानि हो न किसी को आर्षति।

फेले नाकिस (فعل ناقص) अ पु-अपूय किया।

फेले नाजाइब (فعل ناجائز) अ पु-बह काम जो जर्ज न हो जिसके करने में हानि भी हो और आर्षति भी

हरामकारी व्यभिचार।

फेले नागाइस्त (فعل ناگاسته) अ पा पु-अज्ञ और फुगु काम व्यभिचार हरामकारी।

फेले बर (فعل بر) अ पा पु-बुरा काम दुगचार व्यभिचार हरामकारी।

फेले मधूह (فعل مكره) अ पु-बह काम जिमके बरन में तवाभत पिन करे।

फेले मधूहल (فعل مكرهول) अ प-बह किया किया बता गात न हो।

फेले मा'रक (فعل معرک) अ प-बह किया किया बता गात हो।

फेले मुतअही (فعل متعنى) अ पु-अमम किया।

फेले लाकिम (فعل لوم) अ पु-अमम किया।

फेले गनोअ (فعل منع) अ पु-अमम किया।

फेले रिस्ते मजामोन (فعل رست مضامون) अ स्त्री-गुणा गुणा किया के गार मजामोन की गुणा।

फे

फेज (فهب) अ प-अनगोला पगरी नाम का उरवार मन्त्र का कीर्ति।

फौजगुस्तर (فیض گستر) अ फा वि—यशस्वी, कीर्तिमान्; वदान्य, फैयाज, मुक्तहस्त।

फौजतलब (فیض طلب) अ. वि.—जो किसी से यश की याचना करता हो, यशोलिप्सु, यशस्काम।

फौजबख्श (فیض بخش) अ फा वि—यश देनेवाला, दान देनेवाला, बख्शिश करनेवाला।

फौजमआब (فیض م آب) अ. वि.—यशस्वी, कीर्तिमान्, फैयाज, वदान्य।

फौजयाब (فیض یاب) अ. फा वि—जिसने फौज पाया हो, प्राप्त-यग, प्राप्त-लाभ।

फौजयावी (فیض یابی) अ फा स्त्री—फौज पाना, यश पाना, लाभ उठाना।

फौजरसाँ (فیض رساں) अ फा वि—दे 'फौजबख्श'।

फौजरसानी (فیض رسائی) अ फा स्त्री—फौज पहुँचाना, यग देना।

फौजरसी (فیض رسی) अ फा स्त्री—यश देना।

फौजान (فیضان) अ पु—दे 'फौज'।

फौजे आम (فیض عام) अ. पु—ऐसी बख्शिश और ऐसा यश जो सर्वसाधारण के लिए हो।

फौजाज (فیاض) अ वि—बहुत देनेवाला, सखी, दाता, मुक्तहस्त, वदान्य।

फौजाजतरिन (فیاض ترین) अ. फा वि—सब से अधिक बख्शिश करनेवाला, वदान्यतम।

फौजाजी (فیاضی) अ. स्त्री—बख्शिश, दानशीलता, सखावत।

फौलसूफ (فیلسوف) अ पु—त्रैज्ञानिक, विद्वान्; धूर्त, छली, वचक।

फौसल: (فیصله) अ पु.—निर्णय, तै, समझौता, तस्फिया, अत, खातिमा, न्याय, इसाफ।

फौसल.तलब (فیصله طلب) अ वि—जिसका फौसला होना जरूरी हो, जिसका निर्णय होना वाकी हो।

फौसल (فیصل) अ. वि—निर्णीत, तै, निर्णय, फौसला।

फौ

फौत. (فوتہ-فوطہ) फा. पु—लगान, महसूल, भूमि-कर, अटकौश, पीता।

फौत खान (فوتہ خانہ) फा पु—कोपागार, लगान का रूपया रखने का घर।

फौत:दार (فوتہ دار) फा. पु—खजानची, तहसीलदार, पीतदार।

फौ

फौक (فوق) अ वि—ऊपर, सिरे पर, प्रधानता, तरजीह।

फौकस्जिक्क (فوق الزکر) अ वि—जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो, उपर्युक्त।

फौकलआदत (فوق العادت) अ वि—प्रकृति के विरुद्ध।

फौकानी (فوقانی) अ वि—ऊपर नुक्ते रखनेवाला अरबी-फार्सी या उर्दू का अक्षर।

फौकियत (فوقیت) अ स्त्री—प्रधानता, तरजीह, श्रेष्ठता, उत्तमता, बडप्पन।

फौकी (فوقی) अ वि—ऊपरवाला, ऊपरी।

फौज (فوج) अ स्त्री—सेना, बल, वाहिनी, अनीकिनी, बरूथिनी, चमू, अनीक, लश्कर।

फौज (فوز) अ पु—कल्याण, भलाई, सफलता, कामयाबी।

फौजकशी (فوج کسی) अ. फा स्त्री—दुश्मन के मुत्क पर चढाई, युद्धयात्रा।

फौजदारी (فوج داری) अ. फा स्त्री—बह न्यायालय जिसमे लडाई-झगडे और कत्ल, खून के केस हो, मारपीट, लाठी या हथियार की लडाई।

फौजी (فوجی) अ वि—फौज का जवान, सैनिक, फौज का, सेना का, सेना से सम्बद्ध।

फौजे अजीम (فوز عظیم) अ. पु—बहुत बडी सफलता।

फौजे वरीं (فوج نری) अ स्त्री—बह सेना जो जमीन पर लडे।

फौजे बह्नी (فوج بحری) अ स्त्री—बह सेना जो समुद्र मे जहाजों की लडाई लडे, जलसेना।

फौजे हवाई (فوج هوائی) अ फा स्त्री—बह सेना जो वायु-यानों द्वारा लडे, वायुसेना।

फौजोफलाह (فوز و فلاح) अ स्त्री—उन्नति और भलाई।

फौत (فوت) अ वि—मरण, मृत्यु, मौत, मृत, मरा हुआ।

फौती (فوتی) अ वि—मरने से सम्बन्ध रखनेवाला।

फौतीनाम: (فوتی نامہ) अ फा—बह रजिस्टर जिसमे मरनेवालों का नाम, उम्र, तारीख आदि लिखी जाती ह।

फौफल (فوفل) अ. स्त्री—सुपारी, छालिया, दे 'फूफल', दोनो शुद्ध है।

फौर (فورا) अ वि—फौरन, तुरत, उर्दू मे अकेला नही बोला जाता, 'फिल फौर' बोलते है।

फौरन (موراً) अ वि—तुरत, तत्क्षण, त्वरित, शीघ्र, मद्य., उमी क्षण, उमी ममय।

फौरान (موران) अ पु—आवेग, जोश, तीव्रता, तेजी।

फौरी (فوری) अ वि-गात्र त्वरित फौरन, अग्र, अतिपाना।

फौलाद (فولاد) अ पु-अस्ली लोहा लाहमार कातिमार।

फौलादी (فولادی) अ वि-फौलाद का बना हुआ, लोहमय फौलाद का लौहिक।

ब

बग (بگ) फा स्त्री-भाग भग विजया एक प्रसिद्ध मातृक वूटी।

बगनोग (بگنوش) फा वि-भाग पीनेवाला भगन।

बगफुरोग (بگفروش) फा पु-भाग बेचनेवाला भग का ठेकेदार।

बगिग (بگیش) फा पु-गठनों की एक जाति विगिग।

बज (بجم) अ स्त्री-अजवाइन सुगसानो एक दवा।

बद (بد) फा पु-गम गुगम अरीन वगीभूत तात्रे मनुष्य आत्मी भक्त पिदाई आनाकारा उपासक इबादत करनेवाला नम्रता दिलाने के लिए वक्ता अपने लिए भी कहता ह।

बद जाद (بدجادی) फा पु-अपना लड्डवा बडे आत्मी से अपने लड्डवे के लिए कहते ह।

बद नवाज (بدنواز) फा वि-अपने सेवका और भक्ता पर दया करनेवाला भक्त वस्तु।

बदनवाजी (بدنوازی) फा स्त्री-अपन सधका और भक्ता पर हुपादष्टि।

बदपवर (بدپور) फा वि-दे बदनवाज।

बदपवरी (بدپوری) फा स्त्री-दे बद नवाजी।

बद (بد) फा पु-अग का जाड कारावाम कद फग पाश मड पुस्ता पेघ दाव राक र्कावट गाठ गिरिह ग्रथि बद किया हुआ डाका हुआ कविता म मुसहस या मुक्म्मस की एक कडी जिसमें छ अथवा पाँच मिस होने ह तर्जीबवद या तर्जीअबद का एक भाग जिसम कई गेर होने ह (प्रत्य) बंधा जैसे-पावद जिसके पाव बर हो बांधनवाग जैसे-नालबद नाल बांधनेवाला।

बदए आबाद (بدآباد) फा पु-वह सेवक जो सवा मुक्त कर दिया गया हो।

बदए आजिब (بدعاجز) फा अ पु-वक्ता अपने त्रिए कहता ह अर्थात् बरत ही विनात और विवश सेवन।

बदए इवक (بدعسوی) फा अ पु-अम का वग प्रेमिका का भक्त।

बदए छुदा (بدحد) फा पु-ईस्वर का वग ईनर का उपासन मनुष्य, व्यक्ति।

बदए डर (بدزر) फा पु-रफये का वग पनायासक।

बदए दरगाह (بددرگاه) फा पु-विशो महान व्यक्ति का परम भक्त।

बदए विरम (بدایرم) फा पु-बदए डर।

बदए नाचीख (بدناحیر) फा पु-बदए आत्रिब।

बदए बखर (بدبخار) फा पु-बहु भक्त या दास या किला छारीने ही भवन या दाम हो।

बदए बेवाम (بدبوام) फा पु-बद व्यक्ति जो परम भक्त हो अर्थात् बखर कते और जाल के ही प्रमगावद।

बदए मिसकीं (بدمسکین) फा अ पु-बदए आत्रिब।

बदए मुहलस (بدمطلص) फा अ पु-बद भक्त जो बहुत ही श्रद्धापूर्वक सेवा करे।

बदए गिक्म (بدشکم) फा पु-नेट का बदा पद का बुत्ता डर वृमि।

बदए हल्क बगोग (بدحلقهگوش) फा अ पु-बद दास जिसके काना में दासता का कुडल पना हा।

बदगी (بدگی) फा स्त्री-प्रणाम सलाम दासता गुलामा उपेमा इजतिनाब, विनम्रता र्किसारा पूजा उपासना, इबादत आपापालन।

बद बद (بدبد) फा पु-गरीर का एक एक जाग।

बदर (بددر) अ पु-समुत्तट साहिल बरगाह पाट।

बदिग (بدیش) फा स्त्री-ग्रथि गात्र गिरिह पदवप साजिग पशरदा पुरस्चरण रोक र्कावट प्रथिव मनाही वावट सास्त, बाधन का काम।

बदिसे अल्फाज (بدیش العاظ) फा अ स्त्री-गद या पद में शदा का यथास्थान उपयोग तथा गुड और चमत्कारपूर्ण वियास।

बदिश इबारात (بدیش عمارت) फा अ स्त्री-बर्ग अल्फाज।

बदिगे भरमून (بدیش भरمن) फा अ स्त्री-किसा प्रबन् या म मून का नसगिक और मन को लगनवाला बयान।

बदी (بدی) फा वि-बदी कारावासा।

बनीखान (بدنیخان) फा पु-बदनामा कारावाम।

बदूक (بدوک) अ स्त्री-माली चलान का प्रसिद्ध वग गतप्ती।

बदूकची (بدوکچی) अ फा पु-बदूक चलानवाला निगानची निगान वाज लक्ष्यभदी।

बदूकसाख (بدوکساز) अ फा पु-बदूक बनानवाला बदूक की मरम्मत करनेवाला।

बंदे कवा (بند کوا) फा. ज. पु.—कवा या कुर्ने की घुड़ी, चोली की घुड़ी, "गुल्ची मे कहियो आये चमन मे पुकार के, बंदे कवा गुले हूँ उर मे बहार के।"
 बंदे शम (بند شام) फा. अ. पु.—दुःख का फंदा; प्रेम का फंदा।
 बंदे दस्त (بند دست) फा. पु.—पहुँचा, हाथ और कलाई के बीच का जोड़।
 बंदे दाम (بند دام) फा. पु.—जाल का फंदा।
 बंदे निकाब (بند نكاب) फा. अ. पु.—कुर्ने की गिरिह।
 बंदोकुशाद (بندوكشاد) फा. पु.—सौलना और बंद करना, अर्थात् प्रवच, व्यवस्था, इतिजाम।
 बंदोवस्त (بندوبست) फा. पु.—प्रथम, व्यवस्था, इतिजाम; खेतों की हदबंदी, उनकी मालगुजारी का निर्णय और उनके नंबर आदि की व्यवस्था जो नये सिरे से हो।
 बंदोवस्ते आरिखी (بندوبست عارضی) फा. अ. पु.—गृधि सम्बन्धी वह बंदोवस्त जो चंद वर्षों के लिए हो, स्थायी नहीं।
 बंदोवस्ते इस्तिमारी (بندوبست استمراری) फा. अ. पु.—दे 'बंदोवस्ते दवामी'।
 बंदोवस्ते दवामी (بندوبست دوامی) फा. अ. पु.—खेतों और जमीनों का वह बंदोवस्त जो एक बार ही जाय और फिर कभी न बदले, जैसे—बगाल का बंदोवस्त।
 ब अयसात (بند اقساط) फा. अ. अव्य.—किसतों में करके, थोड़ा-थोड़ा करके, कई बार में।
 ब अबद (بند ادب) फा. अ. अव्य.—नग्नता और आदर के साथ, आदरपूर्वक।
 ब अलफाजे दीगर (بند الفاظ دیگر) फा. अ. अव्य.—दूसरे शब्दों में, दूसरे प्रकार से।
 ब अहसने वजूह (بند احسن وجوه) फा. अ. अव्य.—बहुत अच्छे प्रकार से, मुदर रूप से।
 ब आबादी (بند آبادی) फा. अव्य.—स्वतंत्रता के साथ, खुले रूप से।
 ब आबोताब (بند آب و تاب) फा. अव्य.—चमक-दमक के साथ, शानो-शौकत के साथ।
 ब आराम (بند آرام) फा. अव्य.—आराम से, इत्मीनान से, सुख-चैन से, सुगमता से, सरलता से।
 ब आसाइश (بند آسائش) फा. अव्य.—दे 'ब आराम'।
 ब आसानो (بند آسانی) फा. अव्य.—सुगमतापूर्वक, सरलता से, आसानी से।
 ब आसूदगी (بند آسودگی) फा. अव्य.—सुख-चैन से, ऐंगो-आराम से, आराम से, सुगमता से।
 ब इत्तिपारे खुद (بند احتیاج خود) फा. अव्य.—अपने अधिकार में।

ब इत्तिसार (بند اختصار) फा. अ. अव्य.—संक्षेप में, नक्षिप्त रूप से।
 ब इत्तजती एहतिराम (بند عت و احترام) फा. अ. अव्य.—पूरे समान के साथ, पूरे आदर-सत्कार के साथ, पूर्ण प्रतिष्ठा तथा सम्मान-नक्षिप्त।
 ब इत्तिफाके राय (بند اتفاق رای) फा. अ. अव्य.—सचकी सहमति से, सर्वसम्मति में।
 ब इत्मीनान (بند اطمینان) फा. अ. अव्य.—दे 'ब आराम'।
 ब इफ़ात (بند افراط) फा. अ. अव्य.—अत्यधिक, बहुत जियादा, अरस्त और जावशकता से अधिक।
 ब इवज़ (بند عوض) फा. अ. अव्य.—बदले में, उबज़ में।
 ब ईर (بند عیور) अ. पु.—उष्ट्र, ऊँट।
 ब उजलत (بند عجلت) फा. अ. अव्य.—शीघ्रतापूर्वक, जल्दी से।
 ब एहतियात (بند احتیاط) फा. अ. अव्य.—गावधानतापूर्वक, एहतियात के साथ।
 ब कद (بند قدر) फा. अ. अव्य.—अनुसार, मुताधिक; मात्रा में, मिक्दार में।
 ब कद्रे जफ़ (بند قدر ظرف) फा. अ. अव्य.—जितना बर्तन हो उतना, जितनी योग्यता हो उतनी, जितना सामर्थ्य हो उतना।
 ब कद्रे जुस्रत (بند قدر ضرورت) फा. अ. अव्य.—जितनी आवश्यकता हो उतनी।
 ब कद्रे वुसूअत (بند قدر وسعت) फा. अ. अव्य.—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितनी समाई हो उतनी।
 ब कद्रे शौक (بند قدر شوق) फा. अ. अव्य.—जितनी अभिलाषा हो उतनी।
 ब कद्रे हैसियत (بند قدر حیثیت) फा. अ. अव्य.—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितना धन हो उतना।
 ब कद्रे हौसलः (بند قدر حوصله) फा. अ. अव्य.—जितना राहस हो उतना।
 ब कररः (بند بقره) अ. स्त्री—एक गाय, एक बैल।
 ब कर (بند بقر) अ. पु.—गाँ, गाय, वृषभ, बैल।
 ब कर ईद (بند بقر عید) अ. स्त्री—मुसलमानों की वह ईद जो जीहिज्जा की दसवी तारीख को होती है।
 ब कराहत (بند کراهت) फा. अ. अव्य.—घिन के साथ, नफ़त के साथ, जी न चाहने के साथ, मजबूरी से।
 ब करोंफर (بند کروفز) फा. अ. अव्य.—तडक-भडक के साथ।
 ब कलमे खुद (بند کلام خود) फा. अ. अव्य.—अपने कलम से, स्वयं अपने हाथ की लिखावट से।

अस्मित्व बुज्ज जीवन जिन्गी, रसा हिमावत,
गंगामती।

बकाए दवाम (بکاء د اَم) अ रसा-नित्यता अनस्वरता।
बकाए सात्रिह (بکاء صابح) अ रसी-अच्छा चीज का
वाकी रहता।

बकाय (بکاء) अ पु-गेप बका हुआ बची हुई रक्तम
रक्तम मच र बची हुई रक्तम।

बकारत (بکارت) अ रसी-कीमाय बुंआरापन, यानि
पट्ट का भान न जाना अगतत्व अगत यानि यह शब्द
विकारत अथवा बकारत नहीं ह।

बकावल (بکاول) अ पु-गाटी रमाईघर का अध्ययन
दे बुकावल राना गुद ह।

ब कदे ह्यात (بکده حیات) का अ अन्य-जीवन-यास
म आवद जीवित जिदा।

ब कोले गहते (بکوله گهته) का अ अन्य-त्रिसी त्रिगेय
व्यक्ति क कयनानुमार।

बकाल (بکال) अ पु-म-ज्जारोग बुज्जडा यणिक
वनिया आटा-दाठ बचनवाग परबुनिया।

बकतर (بکتر) का पु-कवच त्रिह।
बकतरगर (بکترگر) का पु-बच बवानवाला कवचकार।

बकतरपोग (بکترپوش) का वि-बचबधारी बकतर
पहन हुए।

बकतरबद (بکتربد) का वि-बकतर पहन हुए बचबधारी
बकतर से मग हुई गानिया आदि।

बकतरसाज (بکترساز) का वि-बकतरगर।
बकात (بکرات) अ पु-एक प्रमिद यूनानी बानिक
जो ह्यत रसा स ४६० वष पूव पग हुआ था।

बकाल (بکال) अ पु-कृपण बद्धमुष्टि तदन व्यय
कुट कज्जम।

बकाली (بکالی) अ रसी-कृपणता व्ययबुठता बज्जसी।
बखदा (بکدا) का अ अन्य-ईस्वर के लिए खुदा के लिए
ईस्वर की सौगय सग की कसम।

ब बुशी (بکوشی) का अ अन्य-युगी के साथ प्रसन्नता
पूवक मानद सहप।

ब बुची (بکوشی) का अ अन्य-पूण रूप से पूणतया पूणत।
बबूर (بکبور) अ पु-धनी लाबान आदि सुलगाकर
उमकी सुगध पगना दवाभा की धनी लेना।

बबूरवान (بکبوردان) अ का प-बह पात्र जिसम धूप
आदि सुलगायी जाय धूपगानी ऊददानी।

ब बर (بکبر) का अ अन्य-सकुगल अच्छी तरह
स्वस्थ वनदुस्त।

ब धरोआपियत (بکده حایب) का अ अन्य-कु-
पूवक आनदपूवक।

ब धरोपुयी (بکده حویلی) का अ अन्य-आनपूवक
कुगलपूवक बहन अच्छी तरह स।

बहत (بکته) का पु-भाय प्रारध अस्थ दव अण्ट
किस्मत।

बहतआखमाई (بکته آزمائی) का रसा-भाय-नरीग
त्रिसी काम म पटना यह दखना कि अमुक काम म भाय
साथ दता ह या नहीं अर्थात यह हाता है या नह।

बहतआवर (بکته آبر) का वि-दे बन्नावर।
बहतबरगात (بکته برگسته) का वि-त्रिसका भाय
उमक विरद हा हतभाय अभाय।

बहतपार (بکته پار) का वि-त्रिसका भाय उमता
मिग हा सीभायवान।

बहतवर (بکته ور) का वि-सीभायगानी भायवान
प्रारधी सुगानसीव।

बहतवरी (بکته وری) का रसी-भाय की अण्ट
भायगोलता सुगनसीवी।

बहतावर (بکته آوار) का वि-भागवतली भायवा
प्रारधी किस्मतवर।

बहते सुफत (بکته حاکمه) का वि-सोता हुआ नगा
अभायपन।

बहते जवा (بکته حوان) का पु-बह भाय जो उर्जा
शील और समदिवान हो।

बहते तोर (بکته توره) का पु-अधर किस्मत प
किस्मती दुर्भाग्य।

बहते ना फजॉम (بکته نا فوجام) का प-खाटी तकनी
दुर्भाग्य।

बहते नारसा (بکته نارسا) का पु-अधरी किस्मत अ
भाय।

बहते नासाबगार (بکته ناسازگی) का प-प्रतिप
भाय मुसालिक किस्मत।

बहते बरगस्त (بکته برگسته) का पु-किरा ह
नगीवा विरद और प्रतिपू भाय।

बहत् बलद (بکته بلند) का पु-ऊवा नसीव
सीभाय।

बहत्ते बदार (بکته بدار) का पु-जागता हुआ नगीव
उन्नतशील भाय।

बहत्ते रसा (بکته رسا) का पु-अछा और पूग नगीव
सीभाय।

बहत्ते सख (بکته سخر) का पु-अच्छा नगीवा सीभाय

वृत्तोद्दिष्टिकाक (بخت و اتقان) फा अ पु—भाग्य और दैवयोग ।

ब्रह्म्यः (مخيه) फा पु.—एक प्रकार की मज्बूत सिलाई ।

ब्रह्म्यःगर (مخيه گر) फा वि.—ब्रह्म्य करनेवाला, सीनेवाला ।

ब्रह्म्यःगरी (مخيه گری) फा स्त्री.—ब्रह्म्य करना, सीना ।

बटर (بدر) अ.पु.—दुर्गंध, वास, मुंह की वास ।

बटुलफम (بخرالعم) अ.पु.—एक रोग जिममें मुंह से वास आती है ।

बटश (بعض) फा.पु.—असा, खंड, जुज, भाग्य, हिस्सा, (प्रत्य.) देनेवाला, जैसे—'जांबटश' प्राण प्रदान करनेवाला; बटशनेवाला, जैसे—'खताबटश' अपराध क्षमा करनेवाला ।

बटशाइश (بعضائش) फा स्त्री—मुक्ति, मोक्ष, बटिशग ।

बटिशंदः (بعضلند) फा वि.—बटशनेवाला, देनेवाला, दाता, मोक्ष देनेवाला ।

बटिशश (بعضش) फा. स्त्री—दान, सैरात, पुरस्कार, इनयाम, अनुदान, अतीय; प्रदान, देना ।

बटिशशनामः (بعضشنامه) फा. पु.—'दानपत्र', वह कागज जिसमें कुछ प्रदान करने की लिखा-पढी हो ।

बटशी (بعضشی) फा पु.—सैनिकों को वेतन वांटनेवाला; कस्बों में टैक्स बुसूल करनेवाला ।

बटशीदः (بعضشیده) फा. वि.—ब्रया हुआ, दिया हुआ; क्षमा किया हुआ, मोक्ष दिया हुआ ।

बटशीदः (بعضشوده) फा. वि.—बटशा हुआ, दिया हुआ ।

बगल (بعل) फा स्त्री—कुक्षि, काँख, पार्श्व, पहलू, छोर, किनारा; एक ओर, एक तरफ, कुर्ते या अंगे आदि में बगल के नीचे लगनेवाला कपडा ।

बगलगौर (بغل گور) फा वि.—आलिंगित, जो गले मिला हो, पार्श्ववर्ती, पार्श्वस्थ ।

बगली (بغلی) फा वि.—बगल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, बगल का, कन्न का वह गढा जो जमीन काटकर एक पहलू में बनाते हैं ।

बगावत (بغاوت) अ स्त्री—द्रोह, सरकगी, सैन्य-द्रोह, फौजी गद्द, अशांति, वद अम्नी, अवज्ञा, हुकम उदूली ।

बगी (بغی) अ वि.—अवज्ञाकारी, नाफरमान, उद्द, सरकश ।

बगीर (بغیر) फा अ अव्य—बिना, वे ।

बगीर (بغیر) फा अ अव्य—गीर से, समीक्षापूर्वक ।

बघततन (بغتنان) अ अव्य—अचानक, आकस्मिक, सहसा ।

बग्दाद (بغداد) फा पु.—इराक की राजधानी, एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर ।

बगल (بغا) अ प—बख्तर अकततर नेम ।

बगलक (بغلک) फा स्त्री—बगल का एक फोडा, कर्बारी । वचः (بچه) फा पु.—दे. 'वच्च.', दोनों शुद्ध हैं, परंतु उर्दू में 'वच्च' बोलते हैं ।

व चश्मे अश्कवार (چشم اشکدار) फा अव्य—रोती हुई आँखों के साथ, अर्थात् रोते हुए ।

व चश्मे तर (چشم تر) फा अव्य.—भीगी हुई आँखों के साथ, अर्थात् आँखों में आँसू भरे हुए ।

व चश्मे नम (چشم نم) फा अव्य—दे 'व चश्मे तर' ।

वच्चः (بچه) फा.पु.—बालक, शिशु, अवयस्क, नावालिग; छोकरा, लडका, पुत्र, बेटा, हरक प्राणी का शिशु, नासमज, अवोध ।

वच्चःकश (بچه کس) फा. स्त्री—वह स्त्री जो बहुत से बच्चों की माँ हो, बटप्रभूता ।

वच्चःदान (بچه دان) फा पु.—गर्भाशय, रहिम ।

वच्चःबाज (بچه باز) फा वि—गुदमैथुनिक, इग्लामी ।

वच्च बाजी (بچه بازی) फा स्त्री.—गुदमैथुन, इग्लाम ।

वच्चए आहू (بچه آهو) फा पु—हिरन का वच्चा, मृग-शावक ।

वच्चए नौ (بچه نو) फा पु—नयी घटना, नया वाकिया, नवजात शिशु ।

वच्चए फ़ौल (بچه فیل) फा अ पु—हाथी का वच्चा, हस्ति-शावक ।

वच्चए मीना (بچه میلا) फा पु—मदिरा, शराब ।

वच्चए शतुर (بچه شتر) फा पु—ऊँट का वच्चा, उष्ट्र-शावक ।

व जन्न (بجن) अ फा अव्य—बलात्, जबरदस्ती, बलपूर्वक ।

वजाँ (بجان) फा वि—हृदय से, प्रसन्नतापूर्वक (प्रत्य), प्राणों में लिये हुए, जैसे—'आतशवजाँ' आग प्राणों में लिये हुए अर्थात् प्राण तपता हुआ ।

वजाँ आमदः (بجان آمده) फा अव्य—जान से तग आया हुआ ।

वजा (بجا) फा वि—उचित, मुनासिब, सत्य, ठीक, सच, शुद्ध, दुस्त ।

वजाआवरी (بجا آوری) फा स्त्री—आज्ञा-पालन, हुकम पूरा करना ।

वजाए खुद (بجاے خود) फा अव्य—अपनी जगह पर, स्वय, खुद ।

वजानोदिल (بجان ودل) फा अव्य—हृदय और प्राण से अर्थात् पूरी तरह से, पूर्णरूपेण ।

व जा'मे ख्वेश (بچه رغم حویش) फा अ अव्य—अपने गलत विचार में ।

बजिद (بجيد) का अ अज्य - हल्लूवक हटात, जिद व साथ।
 बजुव (بجور) का अ अज्य - अतिरिक्त अलावा।
 बजोर (بجور) का अज्य - बजोर।
 बरवाज (برواز) अ पु - कपड़े का ध्यापारी बरतन-वणिक।
 बरवाजगान (بروارحانه) अ का पु - बाजार में कपड़ों की
 मंडी बट स्थान जहाँ कपड़े की दुकानें हैं।
 बरवाजी (بروازی) अ स्त्री - कपड़े का रातगार, कपड़ा
 बेचने का काम।
 बरम (برم) का स्त्री - सभा गांठी महफिल उतर -
 'बरम म वक' नजर ह सद तमना-आफा, लिल में ह महफिल
 कोई या लिल मरा महफिल में ह।
 बरमआरा (برم آرا) का वि - सभा का गोमा बतानेवाला,
 सभा में विराजमान।
 बरमगाह (برم گاه) का स्त्री - सभा का स्थान।
 बरमनती (برم نشین) का वि - सभापति सत्रे मज्गम।
 बरमे अरसी (برم عروسی) का अ स्त्री - विवाह की
 महफिल।
 बरमे एग (برم عش) का अ स्त्री - राग रग और खुशी
 का जलसा।
 बरमे फदह (برم فده) का अ स्त्री - पान गोष्ठी गराव
 की महफिल।
 बरमे नागत (برم ساط) का स्त्री - बरमे एग।
 बरमे नाज (برم ساز) का स्त्री - प्रेमिका की गांठी।
 बरमे भव (برم مے) का स्त्री - शराब की महफिल पान
 गांठी।
 बरमे भातम (برم مائتم) का स्त्री - गाव सभा मरनेवाते
 व गाव में हानवाली सभा।
 बरमे मुगाअर (برم مساعره) का अ स्त्री - कवि-सम्मलन
 मुगाअरे की महफिल।
 बरमे रवत (برم رصو) का अ स्त्री - नाच-गाने का जलसा।
 बरमे गादी (برم سالی) का स्त्री - विवाह का जलसा।
 बरमे गर (برم شعر) का अ स्त्री - कविगोष्ठी मुगाअर।
 बरमे सुजन (برم سجن) का स्त्री - बरम गर।
 बरमे सुहर (برم سور) का अ स्त्री - बरम एग दे
 बरम मय।
 बरमोररम (برم اورم) का स्त्री - नाच रग की गोष्ठी भी
 और रगभूमि अयाज सुद्ध-सत्र भी।
 बरय (بريد) अ पु - हल्लू वह बीज आ चन स छाटा ह।
 बरल (بريد) का पु - मनारजन विना हँसा-मशोक।
 बरल गो (بريد گو) का वि - विनामि परिहासक हसी
 मजाक की बाने करनवाला।

बरल-गोई (بريد گوئی) का स्त्री - विना परिहास हसी
 मजाक की बाने करना।
 बरल-सज (بريد سنج) का वि - बरल गा।
 बरल-सजी (بريد سنجی) का स्त्री - बरल गाई।
 बरल (بريد) अ पु - दानगीलता फयाबा।
 बरलोजद (بريد و جد) अ पु - दानगीलता बर्गिग।
 बरलोसजा (بريد و سجا) अ पु - दे 'बरल जू'।
 बत[त्त] (بیت) अ पु - काटना तरागना विल्ल सग्न।
 बत (بیت) का स्त्री - हंस बतय।
 ब तत्रम्मूल (بیت نامول) का अ अज्य - माच विचार के
 धीरे स।
 ब तत्रल्लुक (بیت لک) का अ अज्य - तत्रल्लुक के साव
 सवाच व साथ।
 ब तत्रोव (بیت ثوب) का अ अज्य - अवसर पर अम-
 बतश्रीव गादी विवाह व अवसर पर।
 ब तत्रोज (بیت تروم) का अ अज्य - बरमग, तरावरे
 गन सन धीरे धीरे।
 बतर (بیت) का वि - बदतर' का लघु, निहृष्ट छराव।
 ब तराजिए तरकव (بیت تراکی طرک) का अ अज्य
 दाना दलो की रजामदी से।
 ब तरीके अदावत (بیت عداوت) का अ अज्य - दाक
 व रूप में।
 ब तरीके दोस्ती (بیت دوستی) का अ अज्य - मित्र
 के रूप में।
 ब तरीके मावुरत (بیت مسرور) का अ अज्य -
 परामग व रूप में।
 बतल (بیت) अ वि - शूर वीर, बहादुर।
 बतले हुरीयम (بیت حریت) अ वि - स्वातन्त्र्यगूर जबा
 व सप्राय म बीरता दिखानेवाग।
 ब तवस्तुत (بیت توست) का अ अज्य - द्वारा, उराएते।
 ब तवस्तुल (بیت توستل) का अ अज्य - बतस्तुत'।
 ब तारद (بیت تارید) का अ अज्य - सहायता से समथर से।
 ब ता'जौल (بیت تاجول) का अ अज्य - शीघ्रता स जन्दी से
 बताहत (بیت طالب) अ स्त्री - बेकार अयात कायहीन हाना
 छुट्टी में होता।
 बतौ (بیت) अ वि - मद सुस्त देव करनेवाला विल्ल
 नती।
 बतौउलअतर (بیت اول اتر) अ वि - जा अपना गुण अर्था
 क्षामीर दर म गिहाय आ दवा देर म अमर कर।
 बतौउलहरकत (بیت التحرک) अ वि - जा बहुत धीरे
 धीरे बने मग्गामी।

ब तीवे खातिर (ب तीب خاطر) फा अ अव्य-हर्षपूर्वक, प्रसन्नता के साथ ।

बतूल (بتول) अ वि-सासारिक मोह और माया के बधनों को तोड़ फेंकनेवाला (वाली); हज़रत फातिमा की उपाधि ।

ब तीए खातिर (ب तीوع خاطر) फा अ अव्य-दे 'ब तीवे खातिर' ।

ब तीरे खुद (ب तीر خود) फा अ अव्य-अपने तीर पर, निजी तरीके से, अपनी राय से, अपनी तरफ से ।

ब तीरे मिलाह (ب तीر مراه) फा अ अव्य-हँसी के तीर पर, मनोरजन के लिए ।

बत्ताल (ب تال) अ वि-निकम्मा, निरर्थक, मिथ्यावादी, झूठा, शूर, वीर, बहादुर ।

बत्न (ب تان) अ पु-उदर, पेट, जठर ।

बत्न वाद बत्निन (ب تاناً بعد ب تاناً) अ अव्य-पुस्त दर पुस्त, नस्ल दर नस्ल, वशानुगत ।

बत्ने मादर (ب تان مادار) अ फा पु-माँ का पेट ।

बत्सा (ب تسان) अ स्त्री-कडा पडना, मस्ती करना; आक्रमण, हम्ला ।

बत्हा (ب تها) अ स्त्री-मक्के की एक घाटी, मक्कों, वह चौड़ी जगह जहाँ पानी बहता हो और जहाँ पत्थर बहुत हो ।

बद (ب د) फा वि-निकृष्ट, खराब, उत्पाती, शरीर; उपद्रवी, फसादी, निकम्मा, नाकिस, अशुभ, मनुहूस, दुराचारी, बदचलन ।

बदअंजाम (ب د انجام) फा वि-जिसका परिणाम अशुभ हो, जो अत मे विपत्ति का कारण हो ।

बदअंवेश (ب د انवेश) फा वि-बुरा सोचनेवाला, दुश्चितक, बदस्वाह ।

बदअंदेशी (ب د انديشى) फा स्त्री-बुरा सोचना, बदस्वाही ।

बदअकौदः (ب د عقيدة) फा अ वि-जिसका धर्म-विश्वास ठीक न हो, अनास्थ, जिसे किसी व्यक्ति विशेष में जो सब का श्रद्धापात्र हो, श्रद्धा न हो ।

बदअकौदगी (ب د عقيدگى) फा अ स्त्री-धर्म-विश्वास का ठीक न होना, ऐसे व्यक्ति में श्रद्धा न होना जिस पर प्राय सभी श्रद्धा रखते हैं, बुरा विश्वास, गलत चीज पर विश्वास करना ।

बदअकूल (ب د عمل) फा अ वि-हलबुद्धि, मूर्ख, बेवकूफ ।

बदअस्तर (ب د اختر) फा वि-अभागा, कुभागीन, बदकिस्मत ।

बदअखलाक (ب د اخلاق) फा अ वि-दुःशील, बेमुर्खवत, दुर्व्यवहार, जिसका व्यवहार अच्छा न हो ।

बदअत्वार (ب د اطوار) फा अ वि-दुराचारी, दुश्चरित, बदआ'माल ।

बदअफ्आल (ب د افعال) फा अ वि-दे 'बदअत्वार' ।

बदअमल (ب د عمل) फा अ वि-दुष्कर्म, दुष्कृत्य-कर्ता, जिसका अमल अच्छा न हो ।

बदअम्नी (ب د امنى) फा अ स्त्री-अशांति, गडबड; उपद्रव, दगा, विद्रोह, बगावत ।

बदअस्ल (ب د اصل) फा अ वि-अकुलीन, गैरशरीफ ।

बदअह्द (ب د عهد) फा अ वि-वादे पर क़ाइम न रहने-वाला, वचन-भंजक ।

बदअह्दी (ب د عهدي) फा अ स्त्री-वादे पर अटल न रहना, वचन-भंजन ।

बदआईन (ب د آئين) फा वि-जिसका कोई नियम न हो, बेउसूला ।

बदआईनी (ب د آينى) फा स्त्री-सिद्धान्तहीनता, कोई नियम न होना ।

बदआशाज (ب د آزار) फा वि-जिसकी शुरुआत अच्छी न हो, जिसका प्रारंभ ही अनिष्टकर हो ।

बदअ'माल (ب د اعمال) फा अ वि-बुरे आचार-विचार वाला, दुराचारी ।

बदआ'माली (ب د اعمالى) फा अ स्त्री-दुराचार ।

बदआमोज (ب د آموز) फा वि-जिसको बुरी शिक्षा मिली हो ।

बदआमोजी (ب د آموزى) फा स्त्री-बुरी शिक्षा मिलना ।

बदइतिजामी (ب د انتظامى) फा अ स्त्री-प्रवध की खराबी, कुव्यवस्था, कुप्रवन्ध ।

बदउन्वानी (ب د عنوانى) फा अ स्त्री-बे कायदगी, नियम-विरुद्धता ।

बदउसूल (ب د اصول) फा अ वि-दे 'बदआईन' ।

बदउसूलूब (ب د اسلوب) फा अ वि-बेदगा, बदनुमा, कदाकार, दुराचारी, कुकर्म, बदअमल ।

बदएतिक़ाद (ب د اعتقاد) फा अ वि-दे 'बदअक़ीद' ।

बदएतिकादी (ب د اعتقادى) फा अ स्त्री-दे 'बदअक़ी-दगी' ।

बदएतिमाद (ب د اعتساد) फा अ वि-अविश्वस्त, गैर मात-वर ।

बदएतिमादी (ب د اعتسادي) फा अ स्त्री-बेएतिवारी, अविश्वास ।

बदऔसान (ب د اوسان) अ वि-बदहवास, घबडाया हुआ ।

बदकत्अ (ب د قطع) फा अ वि-कदाकार, कुसूप, बदमूरत ।

बदकदम (ب د قدم) फा अ वि-जिसका आना अनिष्टकर हो, अशुभचरण ।

बदवर्दीर (بدکردار) फा वि-दुराचारी, बदाचारा, व्यभिचारी हारामकार।

बदवर्दीरी (بدکرداری) फा स्त्री-दुराचार बन्धाचार दुष्टाचार व्यभिचार वामुकता, लपटना।

बदक्लाम (بدکلام) फा अ वि-बदक्लामी बर्नेवाला, गालियाँ बर्नेवाला गुस्ताखास बात बर्नेवाला।

बदकार (بدکار) फा वि-दुराचारा दुष्कर्मा बुरे चाल चलनवाला।

बदकिर्दार (بدکردار) फा वि-बुरे काम करनेवाला बदाचारी।

बदकिस्मत (بدقسمت) फा अ वि-दुभाग्यवान, बुरी तकलीफवाला भाग्यहीन, हतभाग्य।

बदकिस्मती (بدقسمتی) फा अ स्त्री-सकौर फा साटापन, दुर्भाग्य।

बदकुमाण (بدکماں) फा वि-बन्धवार।

बदकुवार (بدکوار) फा वि-बुरी मूरतवाता बदाहृति, कुहप।

बदकुश (بدکوش) फा वि-दुष्प्रकृति, दुष्टात्मा बुरे स्वभाववाला।

बदकौम (بدکوم) फा अ वि-अकुलीन बगोना, नीच।

बदखत (بدخط) फा वि-जिसकी लिखावट अच्छी न हो कुलेख कल्शर बुरा लिखा हुआ।

बदखती (بدخطی) फा स्त्री-बुरा लिखना कुग्म।

बदखस्तल (بدخصلت) फा अ वि-बुरी प्रकृतिवाला, दुष्ट स्वभाववाला नाच प्रकृति।

बदखस्तली (بدخصلتی) फा अ स्त्री-प्रकृति वा खातापन, स्वभाव की नीचता।

बदखिसाल (بدخصال) फा अ वि-बुरे 'बदखस्तल'।

बदखलक (بدخلک) फा अ वि-बदखस्तलक'।

बदखलकी (بدخلگی) फा अ स्त्री-बदखस्तलकी दुर्गोला बमुरखती दुराचार बदाभा माली।

बदखू (بدخو) फा वि-बुरे और कडुए स्वभाववाला फ्या दुशील।

बदखूई (بدخوی) फा स्त्री-स्वभाव का रखा जोर बन्धापन।

बदखुामी (بدخوامی) फा स्त्री-ठीक तौर से नी-न आना नी-न का बार-बार उचटना फिलकु-नीद न जाना नी-न न जाने का राग अनिद्रा।

बदखुवाह (بدخواهی) फा वि-अतिरिक्त दुर्दिचतव बुराई चाहनवाला।

बदखुवाही (بدخواهی) फा स्त्री-बदी चाहना हित न चाहना अभि चाहना।

बदखुवा (بدخو) फा पु-बदखुवा का लप द बन्धा।

बदखुवा (بدخو) फा पु-अफगानिस्तान का एक प्राय जहाँ का लाल (पन्मराग) बहुत बहुमय हाता है।

बदखुशानी (بدخوشانی) फा वि-जा बन्धा का हो वा बन्धा से सम्बन्ध रखता है।

बदखुशो (بدخوشی) फा वि-बदरशानी।

बदखुगल (بدگل) फा वि-कुष्प बन्धुत बन्धाकार।

बदखुमान (بدکماں) फा वि-जा किसी की आर से बर् धारणा रखे।

बदखुमानी (بدکمانی) फा स्त्री-किसी की ओर से बर् सयाल कुधारणा।

बदखुहर (بدکهر) फा वि-अकुलीन कुल का ह्य ब सकर, दागला।

बदगो (بدگور) फा वि-बदगाई करनेवाला, गालियाँ बर्न वाला पिगुन चुगल निष्क युरी बुराई करनेवाला।

बदगोई (بدگویی) फा स्त्री-गाली-गलौज अफाद पिगुना चुगलखारी निष्क, बदनामी।

बदगोत (بدگوست) फा प-बहु अतिरिक्त मान वा शरीर के किसी अंग में रोग के तौर पर उत्पन हो जाता है।

बदगौहर (بدگوهر) फा वि-अकुलीन बन्धुस्त।

बदचश्म (بدحشم) फा वि-जिमकी नजर तुरत लागी हो दुरा इफ्याल मत्सरी हासिद।

बदखन (بدظن) फा अ वि-जो किसी का ओर से बर् विचार रखे बदखुमान।

बदखनी (بدظنی) फा अ स्त्री-किसी की आर से बर् विचार कुधारणा बदखुमानी।

बदखानक (بدخانک) फा अ वि-जा स्वा-में अ-न हा नीरस नि स्वाद कुस्वा-दु स्वादु।

बदखानत (بدخان) फा अ वि-नीच अथम बगोता, छ-नी ठग घूत फितीन दुष्टाचारी खबीस।

बदखानती (بدخانگی) फा अ स्त्री-नीचता अथमता छ-कपट धूतता मक्कारी दुष्टाचार खबागत।

बदखिलौ (بدخلو) फा तु वि-बहु घाडा जो बहू-नी मुहआर हो।

बदखेब (بدرب) फा वि-भदा बन्धामा धीहीन।

बदखहन (بدخهن) फा अ वि-जिसका बहन बन्धा न हो मन्प्रतिभ।

बदखहनी (بدخهنی) फा अ स्त्री-बहन का अ-छ-न होना बदि का तेज न हाता।

बदखौक (بدخوک) फा अ वि-जो पन् लिखन म-दि

न लगाये, जो किसी विशेष काम करने में दिलचस्पी न ले,
जो काव्य-रसिक न हो।

वदजौकी (بدوتی) फा अ स्त्री—पढ़ने-लिखने में दिल न
लगाना, किसी विशेष कार्य में रुचि न रखना, कलारसिक
न होना।

वदतवार (بدتوار) फा. वि—अकुलीन, बुरे वश का।

वदतमीज (بدتیسیر) फा अ वि—अशिष्ट, असभ्य; उद्द,
उजड्ड, फूहड, वदसलीक, धृष्ट, गुस्ताख, वदजवान।

वदतमीजी (بدتیسیری) फा अ स्त्री—अशिष्टता, उद्दडता,
फूहडपन; धृष्टता; अपशब्द, वदजवानी।

वदतर (بدتر) फा वि—बुरे से बुरा, बहुत खराब।

वदतरीन (بدترین) फा. वि—सब से बुरा, सब से खराब।

वदतहजीव (بدتهذیب) फा अ वि—अशिष्ट, असभ्य,
उद्दड, उजड्ड, धृष्ट, गुस्ताख, अपशब्दी, वदजवान।

वदतहजीवी (بدتهذیبی) फा अ स्त्री—अशिष्टता,
उद्दडता, धृष्टता, अपशब्द।

वदतीनत (بدطینت) फा अ वि—दुष्प्रकृति, अत कुटिल,
वदवातिन।

वदतीनती (بدطینتی) फा अ स्त्री—प्रकृति की निकृष्टता,
स्वभाव की अधमता।

वददिमाग (بددماغ) फा अ वि—अहकारी, अभिमानी,
धमडी, जरा-सी बात पर बुरा मान जानेवाला, नाजूक
दिमाग।

वददिमागी (بددماعی) फा अ स्त्री—अहकार, गुरुर, जरा
जरा-सी बात पर विगड जाने की आदत, नाजूक दिमागी।

वददियानत (بددیانت) फा अ वि—जो अमानत में
खियानत करे, बेईमान।

वददियानती (بددیانتی) फा अ स्त्री—अमानत में खिया-
नत करना, बेईमानी।

वददिल (بددل) फा वि—निराश, नाउम्मेद, मलिनचित्त,
अपसुर्द, उदाम, गमगीन।

वददिली (بددلی) फा स्त्री—निराशा, नाउम्मेदी; चित्त
की मलिनता, उदासी।

वददुआ (بددعا) फा अ. स्त्री.—शाप, श्राप, अनिष्ट का
वचन, कोसना, बुरा कहना।

वदन (بدن) अ पु—शरीर, देह, जिस्म, योनि, भग, फुर्ज।

वदनजर (بدنجر) फा अ वि—जिमकी नजर जल्द लग
जाती हो, जो दूसरों को बुरी नजर अर्थात् पाप की दृष्टि से
देखता हो।

वदनजरो (بدنجر) फा अ. स्त्री—पाप की दृष्टि से देखा,
बुरी नजर का असर होना।

वदनजाद (بدنجان) फा वि—अकुलीन, अज्ञात वश का,
तुच्छ वश का।

वदनजमी (بدنجمی) फा अ स्त्री—कुव्यवस्था, कुप्रवन्ध,
वदइतिजामी।

वदनतीज (بدنتیجه) फा अ वि—दे 'वदअजाम'।

वदनपस (بدنفس) फा अ वि—दे 'वदवातिन'।

वदनपसी (بدنفسی) फा अ स्त्री—मनकी निकृष्टता, अत-
कौटिल्य।

वदनसीव (بدنصیب) फा अ वि—अभागा, मंद भाग्य,
वदकिस्मत।

वदनसीवी (بدنصیبی) फा अ स्त्री—भाग्य का खोटापन,
तकदीर की खराबी, वदकिस्मती।

वदनस्ल (بدنسل) फा अ वि—अकुलीन, वशहीन, तुच्छ
वशीय।

वदनाम (بدنام) फा वि—कुख्यात, जिसकी शोहरत बुरे
रूप में हो।

वदनामी (بدنامی) फा स्त्री—कुख्याति, वदशोहती,
अपयश, कुकीर्ति, निंदा, रूखाई।

वदनिगाह (بدنگاه) फा वि—दे 'वदनजर'।

वदनिहाद (بدنهاد) फा वि—दे 'वदनजाद'।

वदनी (بدنی) अ वि—शरीर सम्बन्धी, शरीर का; शरीर
जनित।

वदनीयत (بدنییت) फा अ वि—बेईमान, वददियानत;
लोभी, लालची।

वदनीयती (بدنییتی) फा अ स्त्री—बेईमानी, वददियानती,
लोभ, लालच।

वदनुमा (بدنسا) फा वि—कुरूप, वदशकल; दुर्दर्शन,
दुर्दृश्य, भौदा।

वदनुमाई (بدنسائی) फा स्त्री—कुरूपता, वदशकली,
भौडा, भद्दा।

वदनुमूद (بدنسود) फा वि—दे 'वदनुमा'।

वदपरहेज (بدپرھیز) फा वि—वह बीमार जो परहेज
न करता हो, वद एहतियात।

वदपरहेजी (بدپرھیزی) फा स्त्री—बीमार का खाने-पीने
में परहेज न करना।

वदफर्जाम (بدفروچام) फा वि—दे 'वदअजाम'।

वदफेली (بدفعلی) फा अ स्त्री—बुरा काम, व्यभि-
चार, लपटता।

वदफुआत (بدفوعات) फा अ जव्य—थोडा-थोड़ा करके,
कई बार में।

वदवस्त (بدنصت) फा वि—वदकिस्मत, अभागा।

बदवहती (بدصحتی) का स्त्री-भाग्य की खराबी अभाग्यपन बदकिस्मती।
 बदवला (بدلا) का स्त्री-चुड़ल डाइन पापा खबीस।
 बदवातिन (بدناظن) का अ स्त्री-बुरी प्रकृतिवाला दुरात्मा, खबीस।
 बदवीं (بدسن) का वि-बुराई देखनेवाला छिद्रावेपी।
 बदवीनी (بدسنلی) का स्त्री-बुराई देखना छिद्रावेपण।
 बदवू (بدو) का वि-जिममें बुरी मद्क हो दुग्धयुक्त बुरी वास दुग्ध।
 बदवूदार (بدبودار) का वि-दुग्धयुक्त जिममें बुरी वास हो।
 बदमखर (بدملطر) का अ वि-जा देखने में बुरा और भद्दा हा दुश्चन कुदय।
 बदमआल (بدمال) का अ वि-दे 'बदअजाम'।
 बदमआण (بدمعاش) का अ वि-लुच्चा शाह दा गुडा लोफर जिमकी जीविका बुरे कामा से बले चार उठाई गीरा हुट।
 बदमआणी (بدمعاسی) का अ स्त्री-लुच्चापन गुडापन बुरे कामा से जीविका चलाना चोरी उठाई गीरापन आदि।
 बदमअ (بدمره) का वि-बुस्वात् जिममें मजा न हा खिन मलिन जगस अपसुद।
 बदमअगी (بدمرگی) का स्त्री-स्वाद का न होना मन की अप्रमनता उदागी बेलुकी किसी काम में मजा न आना।
 बदमअम (بدمسئله) का अ वि-वह व्यक्ति जिस पर किसी अपराध का गुवहा हा।
 बदमअहब (بدمشعب) का अ वि-जिसने अपना घम त्याग दिया हो जा विघर्षी हो गया हो नास्तिक।
 बदमअहबीयत (بدمشغيب) का अ स्त्री-अपना घम त्याग देना नास्तिक हो जाना।
 बदमअस्त (بدمشيب) का वि-जो गराव आदि के कारण बहुत अधिक ज्वेत हो मग्नेमस।
 बदमअती (بدمشکتی) का स्त्री-गराव जातिके नग में मस्त होना।
 बदमिआज (بدمزاج) का अ वि-बिचिन्ने मिआज वा बुरी प्रकृति वा गुस्मा कुडात्मा।
 बदमिआनी (بدمزاجی) का अ स्त्री-बिचिन्नापन बुरा स्वभाव स्वभाव वा गस्मात् होना।
 बदमिह (بدمهجر) का वि-बैकपा विदवागपानी।
 बदमआमल (بدمعامله) का अ वि-जा न-नेन म माफ न हा व्यरहार कुटि जा मिन-जुन्ने म अजा न हा।

बदमआमलगी (بدمعاملگی) का अ स्त्री-न-नेन के सम्बन्ध में व्यवहार की खराबी मिन जलन में व्यवहार की खराबी।
 बदमह (بدمهجر) का वि-सुअर गूकर।
 बदयकीन (بدمنسن) का अ वि-ब'एनिफ़ा'।
 बदयुन (بدمنسن) का अ वि-आम अनिष्टता अवल्यागनारी मनहम।
 बदयुनी (بدمنسی) का अ स्त्री-अनिष्ट आम अवल्याग नुहसन।
 बदरग (بدروگ) का वि-बुरे रग का, जिसका रग पीठा हा गया हो खोटा खराब ताग में रग के विरुद्ध पता।
 बदरगी (بدروگی) का स्त्री-बुरे रग का हाग रग का फोकापन खाटापन ताग में रग का पता न होना।
 बदर (بدرو) का वि-बाहर।
 बदरग (بدروگ) का वि-अकुलीन सकर दागला।
 बदररी (بدروزی) का स्त्री-पानी निकलन की गंगा मीरी।
 बदरवी (بدرووی) का स्त्री-बुरी राह चलना कुमाय मनन।
 बदरवय (بدرویه) का अ वि-भराव व्यवहारवाला जिसका रवया अच्छा न हो।
 बदराह (بدرواه) का वि-बुरी राह चलनवाला कुमाय गामी।
 बदरिफाव (بدروکلا) का वि-वह घोण जो सवारी के बन्ना गरास्त बरे।
 बदर (بدرو) का वि-बुरी मूरतवाला कुरूप बगदाद दुमुख।
 बदरी (بدروزی) का वि-बदराबगार।
 बदरीबगार (بدروزیگر) का वि-जो तिनों के कर में पसा हो कालचनग्रस्त ब'क्रिस्मत् हतमाय दु'।
 बदरी (بدرو) का वि-बुरे रस्ते पर चलनवाला बग्राह कुमायगामी।
 बदरीनक (بدرونی) का वि-हत्ती भलभी बिन कोई रीनक न हो उगाड।
 बदरीनकी (بدرونیکی) का स्त्री-गाभा नहाना उगाडन।
 बदरज (بدرحیات) का अ प-बहुत अधिक अत्यधिक बहुत जियाण।
 बदरज मबूरी (بدرحیاتی) का अ पु-बद काई न रहे अर विबगना हो मजूरी की हाला में।
 बदरहा (بدرحها) का अ वि-बई गुना बटु अधिक।
 बदल (بدل) अ पु-प्रतिहार वला सतिगिन मशरवा बले में दो ह' वन्नु तुय गमान मिन।

वदलगाम (دلالگام) फा. वि—मुँहजोर घोडा; मुहफट आदमी।

वदलहज्जः (دلهججه) फा अ वि—जिसके पढने का ढग अच्छा न हो, जिसकी आवाज खराब हो।

वदलिहाज (دلحاج) फा अ वि—दु शील, घेमुखवत, धृष्ट, गुस्ताख, जिसे किसी का लिहाज न हो, निर्लज्ज।

वदले इशितराक (دل اشترای) अ पु—समाचार पत्र का मूल्य, अथवा वापिक या मासिक मूल्य।

वदले मायतहल्लल (دل مایهتلال) अ पु—जो छीज जाय या कम हो जाय उसकी पूर्ति।

वदवजाहत (دو جاهت) फा अ वि—चो चेहरे से रोवदार न जँवे।

वदवज्जअ (دو جمع) फा अ वि—जिसकी वेप-भूपा अच्छी न हो, जिसका शील-स्वभाव शिष्ट न हो।

वदवतीरः (دو طیر) फा वि—दे 'वदखू'।

वदवी (دوی) अ वि—बुद्ध, जंगली, गँवार।

वदशकल (دشکل) फा अ वि—कदाकार, कुरूप, बुरी सूरत, वदसूरत का।

वदशकली (دشکلی) फा अ स्त्री—कुरूपता, सूरत की खराबी, वदसूरती।

वदशिआर (دشعار) फा अ वि—दे 'वदतीनत'।

वदशुऊर (دشعور) फा अ वि—अशिष्ट, बेतमीज, मूर्ख, नादान।

वदशुऊरी (دشعوری) फा अ स्त्री—अशिष्टता, बेतमीजी, मूर्खता, नादानी।

वदशुगन (دشگون) फा वि—मन्हूस, अशुभ।

वदशुगुनी (دشگونوی) फा स्त्री—नुहसत, शगुन का खराब होना।

वदशोक (دشوق) फा अ वि—जिसे पढने-लिखने में दिलचस्पी न हो।

वदशोक्ती (دشوقی) फा अ स्त्री—पढने-लिखने में रुचि का अभाव।

वदसरजाम (دسرانجام) फा वि—जिस कार्य की पूर्ति खराब तरह में हुई हो, जिसका अजाम अच्छा न हो।

वदसरअजामी (دسرانجامی) फा स्त्री—किसी कार्य की पूर्ति बुरे प्रकार से होना, किसी कार्य का परिणाम बुरा होना।

वदसलीकः (دسلیقه) फा अ वि—जिसमें शिष्टता न हो, बेतमीज, जिसे अच्छी तरह काम करने का ढग न आता हो, वदगुऊर, फूहड़।

वदसलीकगी (دسلیقگی) अ फा स्त्री—शिष्टता का अभाव, अच्छी तरह काम करने के ढग का अभाव, वदगुऊरी।

वदसिगाल (دسگال) फा वि—अशुभचिन्तक, दुश्मन।

वदसिगाली (دسگالی) फा स्त्री—बुराई सोचना, दुश्मनी।

वदसिरिस्त (دسیرست) फा वि—दे 'वदतीनत'।

वदसीरत (دسیرت) फा अ वि—दे 'वदखसलत'।

वदसीरती (دسیرتی) फा अ स्त्री—दे 'वदखसलती'।

वदसुलूकी (دسلوکی) फा अ स्त्री—बुरा वर्तव, दुर्व्यवहार।

वदसूरत (دسورت) फा अ वि—दे 'वदशकल'।

वदसूरती (دسورتی) फा अ स्त्री—दे 'वदशकली'।

वदसोहवती (دسوهکتی) फा अ स्त्री—बुरी सोहवत, बुरे लोगो में उठना-बैठना, कुसगति।

वदस्तयारी (دسستاری) फा अव्य—सहायता से, मदद से।

वदस्तूर (دستور) फा वि—पहले की तरह, जैसा पहले था वैसा ही, यथावत्, यथापूर्व।

वदहज्जमी (دهججه می) फा अ स्त्री—खाना पूरी तरह न पचना, मदाग्नि, अजीर्ण।

वदहवास (دهواس) फा अ वि—जिसकी अक्ल मारी गयी हो, हतबुद्धि, जो बौखलाया हुआ हो, उद्विग्न।

वदहवासी (دهواسی) फा अ स्त्री—बुद्धि मारी जाना, बौखलाहट, उद्विग्नता।

वदहाल (دهال) फा अ वि—दुर्दशाग्रस्त, बुरे हालो, कगाल, रोग-पीडित, रोग से बेहाल।

वदहाली (دهالی) फा अ स्त्री—दुर्दशा, कगाली, बीमारी से दशा की खराबी।

वदहीयात (دهیاب) अ स्त्री—दे 'वदीहीयात', दोनों शुद्ध हैं, वदहैअत (دهیگات) फा अ वि—कुरूप, कदाकार, वदसूरत।

वदहैसियत (دهیسیت) फा अ वि—अकुलीन, गैर शरीफ, निर्धन, कगाल, नीच, लोफर।

वदाँ (دهاں) फा अव्य—बद का बहु, बुरे लोग।

वदाएँ (دهاँع) अ पु—'वदीअ' का बहु, नयी-नयी चीजें।

वदाहत (دهاht) अ स्त्री—ऐसी स्पष्टता जिसमें प्रमाण की आवश्यकता न हो, किसी बात या चीज का अचानक आना।

वदाहाल (دهال) फा अ अव्य—बुरी दशा, बुरा हाल।

वदिवकत (دهکت) फा अ अव्य—कठिनाई के साथ, मुश्किल में, कठिनतापूर्वक।

वदिलोजाँ (دهالوحان) फा अव्य—प्राण और हृदय में, तन-मन-धन से, पूरी तरह से।

वदीँ (دهیوں) फा अव्य—इसमें।

वदीगरज (دهیعرص) फा अ अव्य—इस उद्देश में, इस आशा से, डम गरज से।

बदालिहाज (بدل لى لى) फा अ अव्य-यह विचार करने इस विचार में इस बात को ध्यान में रखने हुए।
 बदौविजह (بدل وى) फा अ अव्य-इस कारण से इस कारण का ध्यान म राने हुए।
 बदौसबब (بدل وى) फा अ अव्य-इस कारण से, इस सबब से।
 बदी (بدى) फा स्त्री-पाप गुनाह, दोष ऐब अपराध, कुमूर निगा गादत बुराई खराबी अपकार नुकमान, बदल्वाही कृत्घ्नता।
 बदीअ (بدع) अ वि-अनुपम अभूत पूव जबावागरीव नयो बात अनोखी बस्तु।
 बदीउज्जमई (بدع ايمان) अ वि-सारे मसार म अद्वितीय अपने समय म सबम अतावा।
 बदीउल जमाल (بدع الصال) अ वि-जिसके रूप और मौदय का जवाब न हों।
 बदीउल मिसाल (بدع السال) अ वि-जिसका दूसरा नापद हो जिसके जसा दूसरा न हा अनुपम अद्वितीय।
 बदीउल मुल्क (بدع الملك) अ वि-सारे दग म जिसकी तुना न हो।
 बदीद (بدد) फा वि-दे पना दोना गुद ह परतु उदू में पनीद ह।
 बदील (بدل) अ वि-किसी चीज के बदल में मिग हुई दूसरी चीज।
 बदीह (بدية) अ वि-बिना सोचे किसी बात का मन में आना बिना माचे तुरत कहा हुआ गर आदि।
 बदीहगो (بدية گو) अ फा वि-बिना बिचारे किसी विषय पर तुरत बालनेवाला उपस्थित बचना बिना सोचे।
 बदीहगोई (بدية گوئی) अ फा स्त्री-बिना बिचारे तुरत भाषण रना बिना बिचारे तुरत कविता करन वाला।
 बदीही (بدی) अ वि-स्पष्ट साफ जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हा।
 बदीहीपात (بدیهیات) अ स्त्री-बन्दी का बहु के वान जा स्पष्ट ह जीर जिनके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हा।
 बद्द (بدو) अ पु-अरब का खानाबदान व्यक्ति जगल और गाँव म रहनेवाला अरब।
 बदीलत (بدلت) फा अ अव्य-कारण से सबब से द्वारा सुल म।
 ब नबरे इस्लाह (بعضر اصلاح) फा अ अव्य-मुधार और दुम्ना की दृष्टि से।
 ब नबरे तअम्मुह (بعضر تمسك) फा अ अव्य-गहरा नबरे त मूम दृष्टि से बड़ शौर म।

ब नबरे तहकीक (بعضر تحکیم) फा अ अव्य-बाब से दृष्टि से, मवेपणा की दृष्टि से।
 ब नबरे तहसीन (بعضر تحسین) फा अ अव्य-वृत्तम की दृष्टि से सराहनीय तौर पर।
 ब नबरे फिरासत (بعضر فراسات) फा अ अव्य-गानवगान दृष्टि से जेहन से।
 ब नबरे हिकारत (بعضر حکارت) अ फा अव्य-निरस्ता की दृष्टि से धृणापूवक।
 बनपण (بنامه) फा पु-करमार का एक पीग बा दा के काम आता है।
 बनपण चार (بنامه چار) फा पु-बह स्थान जहाँ बनपण ही बनपणा हा।
 ब नाचारी (بنامه چاری) फा अव्य-विवातापूवक मबरत से लाचारा की हालत म।
 ब नात (بنات) अ स्त्री-बित का बहु लक्ष्मिणी।
 ब नातुना'ग (بنات العیش) अ स्त्री-वे सात ठारे अ प्र के मिग घूमने ह सत्पवि।
 ब नादिर (بنادیر) अ पु-'बन्द' का बहु मम के ह' समन्द के साहिल।
 ब नान (بنانه) अ स्त्री-पीव की उगली।
 ब निगाहे इताब (بنگاهه ایتاب) फा अ अव्य-त्रोष की दृष्टि से गुस्ता भरो आँखा से।
 ब निगाहे करम (بنگاهه کریم) फा अ अव्य-दया की दृष्टि से महरवानी वा नजर से।
 ब निगाहे गम (بنگاهه گم) फा अव्य-तज-तेज आँगा से काथ की दृष्टि से।
 ब निगाहे शख (بنگاهه شخ) फा अ अव्य-बे निगाहे इताब।
 ब निगाहे तेज (بنگاهه تیز) फा अव्य-बे निगाहे गम।
 ब निगाहे मेह (بنگاهه مهر) फा अव्य-बे निगाहे करम।
 ब निगाहे रह म (بنگاهه رحیم) फा अ अव्य-बरणा की दृष्टि से तरम खान हुए।
 ब निगाहे सुल्फ (بنگاهه سلف) फा अ अव्य-बे निगाहे करम।
 ब निगाहे गीर (بنگاهه گوی) फा अ अव्य-उपना और खाल्मा की दृष्टि से गीर की आँखो से।
 ब निगाहे हयत (بنگاهه حسرت) फा अ अव्य-दुगत बंधी दृष्टि से एमी दृष्टि से जगम निरागा न साप दवा और करणा की माँग हा।
 बनोअम (بنی ام) अ पु-बचा ब लखने पनरे माँ।

बनीआदम (بنی آدم) अ पु—मनुजात, मनुष्य, मानव, आदमी ।
 बनीइसाईल (بنی اسرائیل) अ पु—यहूदी, यहूदियों की उपाधि ।
 बनीजान (بنی حان) अ पु—जित्तों की जाति ।
 बनुफ़श (بنفش) अ वि—नीले रंग का, कबूदी ।
 बनीनौअ (بنی نوع) अ पु—जाति, किसी जाति के लडके ।
 बनीनौए इंसान (بنی نوع انسان) अ पु—मानव जाति, मनुष्यों की जाति, मानव समष्टि ।
 बनीनौए बशर (بنی نوع سیر) अ पु—दे 'बनीनौए इंसान' ।
 बपा (بیا) फा. वि—उपस्थित, काडम ।
 ब पासे खातिर (بنیاس خاطر) फा अ अव्य—दिल रखने के लिए ।
 ब फरले एजदी (بفصل ایزدی) फा अ अव्य—ईश्वर की कृपा से, भगवान् की दया से ।
 ब फरागत (بفراغت) फा अ अव्य—सतोपपूर्वक, इत्मीनान से, सुगमतापूर्वक, आसानी से ।
 बफा (بفا) उ स्त्री—सर में पड जानेवाली भूसी ।
 ब फ़िरासत (بفراست) फा अ अव्य—ताडनेवाले अनुभव से ।
 ब फौर (بفورا) फा अ अव्य—चुरत, तत्क्षण, शीघ्र ही, फौरन ।
 बवर (ببر) अ पु—दे 'बन्न' दोनो शुद्ध हैं, परंतु 'बन्न' अधिक बोलते हैं ।
 ब वागे डुहुल (بباگ دهل) फा अव्य—ढोल बजाते हुए (कहना) जोर-जोर से सबके सामने (कहना) ।
 ब वागे बलंद (بباگ بلند) फा अव्य—चिल्लाकर, जोर-जोर से (कहना) उद्धोष ।
 बन्न (ببر) अ पु—एक जंतु जो विल्ली के बराबर होता है, जिसके पूँछ नहीं होती और जो शेर को मार डालता है, शेर की एक जाति, यह शब्द शेर के साथ उसके विशेषण के रूप में अधिक आता है ।
 बम (بم) फा पु—यपण्ड, चाँटा, ऊँचा स्वर ।
 ब मजिल (بمجل) फा अ अव्य—दशा में, हालत में ।
 ब मदारिज (بمدارج) फा अ अव्य.—कई दरजे, कई गुना ।
 ब मरातिव (بمرااتب) फा अ अव्य—दे 'मदारिज' ।
 ब मिस्ताक (بمصادق) फा अ अव्य.—अनुसार, मुताबिक ।
 ब मुक्तजा (بمقتضا) फा. अ अव्य—कारण से, के नाते ।
 ब मुश्किल (بمشکل) फा अ अव्य—कठिनाई से, कठिनातापूर्वक, मुश्किल में ।
 ब मूजिव (بموجب) फा अ अव्य—अनुसार, मुताबिक ।

बमूजिवे हुक्म (بموجب حکم) फा अ अव्य—आज्ञानुसार, आदेशानुसार, फरमाने के मुताबिक ।
 ब यक बक़्त (بیک وقت) फा अ अव्य—एक समय में, एक वक़्त में, एक साथ ।
 बयाज (بیاض) अ स्त्री—श्वेतता, सफेदी, कविता की कापी जो हाथ की लिखी हो ।
 बयामे शेर (بیاض شعر) अ स्त्री—कविता का हस्त-लिखित संग्रह जो साथ रह सके ।
 ब यादगार (بیادگار) फा अव्य—स्मरण में, यादगारी में ।
 बयान (بیان) अ पु—वात-चीत, वार्तालाप, भाषण, व्याख्यान, लेक्चर, तकीर, चर्चा, जिव, सूचना, इत्तिलाअ, परिच्छेद, वाव (पुस्तक का), अलकार-विद्या, मुकदमे में वादी-प्रतिवादी या साथी का इजहार ।
 बयानात (بیانات) अ पु—'बयान' का बहु ।
 बयावान (بیابان) फा पु—दे 'बियावान', शुद्ध दोनो हैं, परंतु वह अधिक शुद्ध और व्यवहृत है ।
 बयार. (بیاره) फा पु—बेलदार पेड, जैसे—लौकी या ककड़ी का ।
 बरगेस्त (برگبخته) फा वि—क्रोध में भरा हुआ, क्रुद्ध, कुपित, उकसाया हुआ ।
 बरंदाज (برندار) फा वि—नष्ट करनेवाला, उजाडने-वाला ।
 बर (بر) फा अव्य—पर, ऊपर, (उप) किसी शब्द पर आकर विशेष अर्थ देता है, जैसे—'आमदन' आना, 'वर आमदन' निकलना, प्रकट होना ।
 बरअंगेखतः (برگبخته) फा अव्य—दे 'बरगेस्त', शुद्ध उच्चारण वही है ।
 बरअंदाज (برندار) फा वि—दे 'वरदाज', शुद्ध उच्चारण वही है ।
 बरअबस (برعکس) फा अ वि—विसदृश, प्रतिकूल, खिलाफ, प्रत्युत, बरखिलाफ ।
 बरअफ़ोस्त. (برافروخته) फा वि—दे 'बरफोस्त', शुद्ध उच्चारण वही है ।
 बरआवद (برآورد) फा वि—दे 'बरावद' शुद्ध उच्चारण वही है ।
 बरआशुफ़तः (برآشفته) फा वि—दे 'बराशुफ़त', शुद्ध उच्चारण वही है ।
 बरउफ़ताद. (برافتاده)—दे 'बरफ़ताद', शुद्ध उच्चारण वही है ।
 बरकदः (برکند) फा वि—उन्मूलित, जड में उखेडा हुआ, उखेडकर फेंका हुआ ।

वरकत (برکت) ज स्त्रा-बहनी, बगतीरि जियादती
 प्रचुरता इफात सौभाग्य सुगन्धिस्मयी कयाण बहुल
 चर को आरम गुणरूप में घन आति की बगतीरि ।
 वरकरार (برقار) फा अ वि-स्थिर भावित जावित
 विर द अच कान्द बहाल पुननिमुक्त ।
 वरकात (بركات) ज उ भा-वरकत का बहु वरकतें ।
 वरखास्त (برخاسته) फा वि-उठा हुआ ।
 वरखास्तखातिर (برخاستهخاطر) फा अ वि-उच्चाटन
 निमम मन उचट गया हा बगति ।
 वरखास्तखिल (برخاستهخيل) फा वि-द 'वरखास्त
 खातिर' ।
 वरखास्त (برخاست) फा वि-समाप्त सतम पदच्युत
 वरतरफ पुयक ।
 वरखास्तगो (برخاستگي) फा स्त्री-समाप्ति जत
 खानिम पच्युति वरतरफी नोकरा से हटना ।
 वरखिलाफ (برخلاف) फा अ वि-प्रतिकूल उलटा
 विरद मुखालिफ प्रत्युत वरअक्रम ।
 वरखुलत (برخعلط) फा अ वि-जा अपने को कम
 हाने हुए बहन अधिक समनता हा ।
 वरखुद (برخورد) फा वि-सफलता कामयाबी सौभाग्य
 सुगन्धिस्मयी ।
 वरखुर्दार (برخوردار) फा वि-सौभाग्यगारा सुगनसौव
 मफ मनगिय कामरा वेग पुत्र मपन फला फूला ।
 वरखुर्दारी (برخورداری) फा स्त्रा-सौभाग्य सुगन्धिस्मयी
 मफला कामयाबी सपनता फरना फूलना ।
 वरगन्त (برگشته) फा वि-फिरा हुआ प्रतिकूल
 जवनाकारा उठ सरकग ।
 वरगन्तएवाम (برگشتهءام) फा अ वि-त्रिमके दिन
 प्रतिक हा हनभाग्य ।
 वरगन्त किस्मत (برگشتهءسمت) फा अ वि-जिमका
 भाग्य उठा हा गया हा अभाग्य ।
 वरगन्तताले (برگشتهءطالع) फा अ वि-वरगन्त
 किस्मत ।
 वरगन्तबोलत (برگشتهءبولت) फा अ वि-जिमकी
 मनुदि उनम मफर गयी हा दुगागीरिफित ।
 वरगन्तनसीव (برگشتهءنصیب) फा अ वि-वर
 गन्त किस्मत ।
 वरगन्तबन्ध (برگشتهءبند) फा वि-वरगन्त
 किस्मत ।
 वरगन्तसार (برگشتهءسار) फा वि-गर फिरा पायग ।
 वरगुवार (برگنده) फा वि-छाटा हुआ घुना हुआ

मनानीत पक्षदी पुनीतात्मा मुकद्दस ।
 वरगुबोदगी (برگندهگی) फा स्त्री-मुनातडा तबदु
 छाटना चुनना पम करना ।
 वरचीद (برخنده) फा वि-बुना हुआ छाँगत्रा ।
 वरजबा (برجان) फा वि-जो जवाना या हा जोग
 हुआ हा बठय मुवाफ ।
 वरजस्त (برجسته) फा वि-तडाक म तुरत फोन
 आगु उपस्थित ।
 वरजस्त गो (برجستهگوي) फा वि-उपस्थित वना फि
 माचे किमी विपय प भापण ने सक्नेवाला उपस्थान्ति
 जातुरत कविता कर मके हाखिरजबाव बचनभ प्र
 वरजस्त गोई (برجستهگویی) फा स्त्रा-तुरत किना वि
 पर बालना तुरत कविता करना हाखिरजबाव ।
 वरजा (برجا) फा वि-एक स्थान पर ।
 व रजाओरषबत (برجاءوعرب) फा अ अन्य-प्रम
 ओर रचिपूवक राजी खूगी से ।
 व रजामदी (برجاءمندی) फा अ अन्य-प्रम
 सत्य, राजा व साथ ।
 वरजामाद (برجاءماده) फा वि-एक जगह पर टहा
 स्त्रा हुआ ।
 वरतवदीर (بروتده) फा अ अन्य-भाग्यवग वनी
 वरतवक (برطون) फा अ अन्य-अमार मनाकि
 तुरत फौरन ।
 वरतर (برتر) फा वि-थेठ उतम आला ऊंचा ब
 वरतरफ (برطرف) फा अ वि-पच्यन बरमागु ।
 वरतरफी (برطرفی) फा अ स्त्री-पच्यन मफकी
 वरखास्तगा ।
 वरतरी (برتری) फा स्त्री-थेठना उतमता बगान
 ऊंचाई वदी ।
 वरद (برد) अ पु-आला हिमाग ।
 वरदार (بردار) फा प्रत्य-उगतेवाला जमे-बबर
 दार' नाज उठानवाग ।
 वरदात (برداسته) फा वि-उगाया हुआ ।
 वरदातखातिर (برداستهءخاطر) फा वि-त्रिम अ
 मन किमी चीज त उठा लिया हा वजअक फि
 गिन उगम ।
 वरदातखिल (برداستهءخيل) फा वि-वरगन्त
 वरदात (برداسته) फा स्त्री-मरुगीगा तम
 सहन बाम उगना ।
 वरदातखान (برداستهءخان) फा प-मामन सन का
 मया गागम ।

वरदोस्तः (بر دوست) फा वि—सिला हुआ, जुड़ा हुआ।
 वररूप धार (بر روی یار) फा वि—प्रिय-मुख पर, प्रिय-
 आनन पर।
 वरदोश (بر دوش) फा अव्य—कधे पर, कधे पर उठाये हुए,
 जैसे—'जनाज वरदोश' कधे पर अरथी धरे हुए।
 वरपा (بر پا) फा वि—उपस्थित, काइम, खडा हुआ।
 वरफौर (بر فور) फा अ वि—नुरत, गीघ्रतर, फौरत।
 वरफ़ोस्तः (بر فوختن) फा वि—क्रोध से भरा हुआ, कुपित।
 वरवस्त (بر دست) फा वि—नियम, काइदा, विधान,
 कानून, शैली, तर्ज।
 वरवाद (بر باد) फा वि—ध्वस्त, तबाह, नष्ट, वेनामो-
 निशान, निर्जन, वीरान, विकृत, खराब, जाए, नष्ट।
 वरवादकुन (بر باد کن) फा वि—वरवाद करनेवाला।
 वरवादी (بر وادی) फा स्त्री—विनाश, खातिम, ध्वस,
 तवाही, विकृत, खराबी।
 वरविना (بر وینا) फा अ अव्य—के नाते, के कारण।
 वरविनाए अदावत (بر وینا عداوت) फा अ अव्य—शत्रुता
 क कारण, अदावत के नाते।
 वरविनाए इह्लास (بر وینا ا خلاص) फा अ अव्य—मित्रता
 के नाते, सच्चे प्रेम के कारण।
 वरविनाए खुलूस (بر وینا ا خلوص) फा अ अव्य—दे 'वर
 विनाए इह्लास'।
 वरविनाए महव्वत (بر وینا ا مصکت) फा अ अव्य—प्रेम
 के नाते, प्रेम के कारण।
 वरविनाए मुलाकात (بر وینا ا ملاقات) फा अ अव्य—मेल-
 जोल के कारण।
 वरमला (بر ملا) फा वि—मुँह पर, सामने, खुल्लम-
 खुल्ला।
 वरमहल (بر مهل) फा अ वि—ठीक मौके पर, ठीक समय
 पर, उचित, मौजू, वरजस्त, मुँह तोड।
 वररू (بر رو) फा वि—मुँह पर, सामने।
 वररूपकार (بر روی کار) फा अव्य—कार्यान्वित, अमल मे
 आया हुआ।
 वरवक्त (بر وقت) फा अ वि—ठीक समय पर।
 वरस (بر ص) अ पु—सफेद कोड, चित्र कुण्ट, सिद्ध, श्वेत्र।
 वरसवील (بر وسیل) फा अ अव्य—के तीर पर, के रूप में,
 के प्रसंग में।
 वरसवीले जिक्र (بر وسیل ذکر) फा अ अव्य—चर्चा चलने
 पर, चर्चा के तीर पर, चर्चा के प्रसंग में।
 वरसवीले तजिकर (بر وسیل تذکره) फा अ अव्य—दे 'वर-
 सवीले जिक्र'।

वरसवीले दवाम (بر وسیل دوام) फा अ अव्य—हमैद
 लिए, नित्य के लिए।
 वरसवीले शिकायत (بر وسیل شکایت) फा अ अव्य—
 हने के रूप में।
 वरसरे आम (بر سرعام) फा अ वि—सबके सामने,
 लोगो के सामने, खुल्लम खुल्ला।
 वरसरे कार (بر سرکار) फा वि—काम पर लगा हुआ, बाक
 वरसरे की (بر سرکین) फा वि—दे 'वरसरेकीन'।
 वरसरे कीनः (بر سرکیننه) फा वि—अदावत पर आम
 मरने-मारने पर तैयार।
 वरसरे ख़ुद (بر سرخود) फा वि—'वरसरे ख़ेश'।
 वरसरेख़ेश (بر سرخویش) फा वि—स्वेच्छाच
 स्वच्छन्द, खुदराए।
 वरसरे जग (بر سرحدگ) फा वि—लडने-मरने पर तैय
 लडाई करने के लिए आमादा।
 वरसरे बाजार (بر سربازار) फा अव्य—बाजार में, स
 जनता के सामने।
 वरसरे मत्लब (بر سر مطلب) फा अ अव्य—अस्ली मत
 पर।
 वरसरे मौका (بر سر موقعه) फा अ अव्य—ठीक मौके।
 घटनास्थल पर।
 वरसे अव्यज (بر ص ا بیض) अ पु—वह 'वरस' जो स
 हों, जिसके धव्वे सफेद हों, धवल कुण्ट, श्वेत कुण्ट।
 वरसे असवद (بر ص ا سود) अ पु—वह श्वेत कुण्ट जि
 धव्वे काले हों।
 वरहम (بر هم) फा वि—तितर-वितर, अस्त-व्यस्त, ख
 उलजा हुआ, क्रुद्ध, नाराज, अप्रसन्न।
 वरहमी (بر همی) फा स्त्री—क्रोध, गुस्सा, अप्रसन्नत
 नाराजी, अस्त-व्यस्तता, तितर-वितरपना—“निय
 इस्क में कोई कमी मालूम होती है, तुम्हारी वरह
 क्यो वरहमी मालूम होती है ?”—मजजुब।
 वरहम (بر همله) फा वि—तग्न, नगा, जो कपडे न पहने
 दिगवर।
 वरहम गो (بر همله گو) फा वि—साफ-साफ कहनेवा
 लगी-लिपटी न रखनेवाला, स्पष्टवक्ता।
 वरहम गोई (بر همله گوئی) फा स्त्री—साफ-साफ कह
 लगी-लिपटी न रखना, स्पष्ट कथन।
 वरहम पा (بر همله پا) फा वि—नग्न पग, नगे पाँव, जिस
 पाँव में जूता आदि न हों।
 वरहम पाई (بر همله پائی) फा स्त्री—नगे पाँव होना, न
 पाँव चलना।

बरहूनसर (برهونسر) का वि-नगे सर जिसने मर पर टोपा आदि न हो नगनिर।
 बरहूनगी (برهونگی) का स्त्री-जानता, नगापन।
 बरहूम (برهوم) का वि-अन्न-व्यस्त तितर वितर पुंड्र नाराज अग्रिमत्र तथा उल्ला हुआ।
 बरहूमन (برهومن) का पु-ब्राह्मण, हिंदुआ में सर्वोच्च जाति।
 बरहूमोबरहूम (برهومبرهوم) का पु-नितर वितर परोमान तमका नमीव रोज बनाना हो जुफ का। अपना तो हाल बरहूमोबरहूम बहुत है या।
 बराअत (بروات) अ स्त्री-बरीयत।
 बराए (براء) का अन्व-लिए प्रति वास्ते।
 बराए ह्रुदा (براءحداد) का जव्य-ईश्वर क लिए।
 बराए छदे (براءحدید) का अन्व-बाजी दर क लिए।
 बराए नाम (براءنام) का अव्य-जाममात्रको कहनभर का।
 बराए बत (براءبنت) का अ अव्य-स्त्री बराए नाम, व्यय फुजून गेर की पूतिक लिए भती।
 बराअ (برواز) अ प-द गड उच्चारण विराज।
 बरात (بروات) अ स्त्री-आत्मा-पत्र हुकमनामा वह पत्र जितने खजान स स्पथा मिले चेक।
 बराबर (برابر) का पु-ध्रात भाई।
 बराबरकुंग (برابرکوش) का वि-भाई को मार डालने वाला मां को नुकसान पहुंचाकर अपना भला करने वाला।
 बराबरकुंगी (برابرکوشی) का स्त्री-भाईको मारगलना भाई का नुकसान पहुंचाकर अपना भला करना।
 बराबरबाद (برابرداد) का वि-भाई का लडका भतीजा भ्रात मुन।
 बराबरबादागी (برابردادگی) का स्त्री-भाई का लका हाने का नाता।
 बराबरान (برابردان) का अव्य-भाइयो जसा।
 बरादरी (برادری) का स्त्री-एक जाति एक जाति का व्यक्ति भाई-बंदी।
 बरादरे अखयाकती (برادریاحکاتی) का अ पु-वह भाई जिनका बाप एक ही और माए अलग-अलग हो सीनेल भाई।
 बरादरे अल्लाती (برادریعربی) का अ पु-वह भाई जिनकी मां एक ही और बाप अलग-अलग है।
 बरादरे कला (برادریکلی) का पु-बडा भाई पूनज।
 बरादरे खद (برادریخرد) का प-छाया भाई अनुज।
 बरादरे हवाद (برادریحوادث) का पु-जिस भाइ बना ल मुह योग भाई।
 बरादरे तौअम (برادریتوأم) का अ पु-एक साथ पदा हान

वागे भाई आ एन यानि स एक समय में तले ऊपर पदा हा युम, यमल।
 बरादरे निस्वती (برادریسنتی) का अ पु-साला बोवा का भाई।
 बरादरे बत्नी (برادریبنتی) का अ पु-सहोत्र एक पेट स पदा सगा भाई।
 बरादरे बुदुग (برادریبودگ) का पु-दे 'बरादरे बला।
 बरादरे रिजाई (برادریرضائی) का अ-वे दो व्यक्ति जिन्हाने किसी एक स्त्री का दूध पिया हो।
 बरादरे सुल्बी (برادریسولبی) का अ प-दे 'बरादरे दली।
 बरादरे हकीकी (برادریحکیتی) का अ पु-सहोत्र सगा भाई।
 बराबर (برابر) का वि-सामान तुय यकसो, मन्म मिस्त एक साथ, इकठ्ठे शपवज मिलसिलेवा निरतर लगातार पाम समीप बारम्बार, बार-बार समत हमवार।
 बराबर बराबर (برابربرابر) का वि-पाम-पाल करी करीव जाना-आधा।
 बराबरी (برابری) का स्त्री-समता यकताना घुटत गुस्ताली मुकाबला सामना उद्दता सरकारी।
 बरामत (برآمدہ) का पु-मकान के आग बगर दरवाजे के कोठा गलान गुलाम रागि।
 बरामद (برآمد) का वि-बाहर आया हुआ वाह जानेवाग माल नियति।
 बरामदगी (برآمدگی) का स्त्री-बाहर आना बराम होना माये माउ का किसी के पाम निकलना माल क दस के बाहर जाना।
 बरामिक (برامیک) अ पु-बमक का बड़, बमक बग ब व्यक्ति जो बड़े प्रतिष्ठित और दानगीत य।
 बराया (برایا) अ स्त्री-बरीय का बहु मानव जाति मनुष्य बग।
 बरावद (براواد) का वि-बाहर लाया हुआ एक म ने निवा कर दूसरी म म गता हुआ।
 बरावद (براواد) का स्त्री-ता-हाहाह का बिल खच क हिसाब का पर्चा तहमीने का पद।
 बरावेहत (براوایسته) का वि-लटकाया हुआ।
 बरावुक्त (براوایکت) का वि-कुंड बुपित गुस्त में भरा हुआ।
 बराहिम (براهیم) अ प-बरामन का बहु ब्राह्मण लोग।
 बराहीन (براهین) अ स्त्री-'बुझनि' का वह दलोने।

बराहे अदब (براه ادد) फा अ अव्य—आदर और सम्मान के विचार से, अदब के साथ, शिष्टतापूर्वक।

बराहे आश्ती (براه آشتی) फा अव्य—मित्रता के विचार से।

बराहे इंसफ (براه انصاف) फा अ अव्य—इसाफ और न्याय की दृष्टि से।

बराहे एहत्तियात (براه احتیاط) फा अ अव्य—सावधानता के विचार से।

बराहे करम (براه کرم) फा अ अव्य—कृपया, कृपा करके।

बराहे नवाजिश (براه نوازش) फा अव्य—कृपा की दृष्टि से, कृपया, कृपा करके।

बराहे रास्त (براه راست) फा वि—सीधे तौर पर, जिससे काम हो सीधा उसी से, किसी दूसरे को बीच में डाले बिना।

बरीबिना (برای بنی) फा अव्य—इस कारण से, इस आधार पर, इसलिए, अतः।

बरी (برای) अ वि—मुक्त, आजाद, रिहा, बधनमुक्त, निर्दोष, बेकुसूर, पृथक, अलग।

बरी उक्लिम्मः (برای الذمه) अ वि—जो किसी उत्तरदायित्व से अलग हो, भारमुक्त।

बरीद (برید) अ पु—पत्रवाहक, कासिद, दूत, एलची, डाक।

बरीय (بریه) अ स्त्री—प्राणी, जानदार, मखलूक।

बरीयत (بریوت) अ स्त्री—दे 'बरीय', बरी होना, मुक्त होना, निरपराध होना, बेकुसूरी।

बरुफताद (بروفتاده) फा वि—नष्ट, ध्वस्त, नाबूद, दूर किया हुआ, निर्बल, पराजित।

बरुफतादगी (بروفتادگی) फा स्त्री—विनाश, ध्वंस, नाबूदगी, दूर होना, अलग होना, निर्बलता, कमजोरी, पराजय, हार।

बरुफकार (بروفکار) फा अव्य—दे 'बरुफकार'।

बरोमद (برومند) फा वि—लाभान्वित, मुस्तफीज, सफल, कामयाब, सौभाग्यशाली, खुशकिस्मत।

बरोमंदी (برومندی) फा स्त्री—लाभ उठाना, सफल होना, सौभाग्य।

बरुंसाअ (بروساعه) अ पु—वह दवा जो एक क्षण के अन्दर रोग से मुक्त कर दे।

बर्कदाज (برق انداز) उ वि—चपरासी, सिपाही, हर्कारा, बंदूकची, तोपची।

बर्कदाजी (برق اندازی) उ स्त्री—चपरामी, सिपाही या हर्कारे का काम, तोप या बंदूक चलाना।

बर्क (برق) अ स्त्री—चपला, तडित, चचला, बिजली; विद्युत्, प्रयोग में आनेवाली बिजली, इलेक्ट्रिसिटी।

बर्कअंदाज (برق انداز) अ फा वि—दे 'बर्कदाज'।

बर्कअंदाजी (برق اندازی) अ फा स्त्री—दे 'बर्कदाजी'।

बर्कअफगन (برق افکن) अ फा वि—बिजली गिरानेवाला, बिजलियाँ गिराकर तबाह करनेवाला, दे 'बर्कफगन'।

बर्कआसा (برق آسا) अ फा वि—दे 'बर्कासा', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्कआहंग (برق آهنگ) अ फा वि—दे 'बर्काहंग', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्कइनाँ (برق عنان) अ फा वि—बिजली के साथ चलने वाला, अर्थात् बहुत ही चंचल और चपल।

बर्कखिराम (برق خرام) अ फा वि—बिजली की भाँति बहुत ही शीघ्र गतिवाला।

बर्कगाम (برق گام) अ फा वि—दे 'बर्कखिराम'।

बर्कजदः (برق زد) अ फा वि—जिसे बिजली मार गयी हो, जिसे बिजली का शाक लग गया हो, जिस पर बिजली गिरे।

बर्कजदगी (برق زدگی) अ फा स्त्री—बिजली का मार जाना।

बर्कजौलॉ (برق حوالاں) अ फा वि—दे 'बर्कखिराम'।

बर्कताज (برق تار) अ फा वि—बिजली की तरह गिरनेवाला।

बर्कताव (برق تار) अ फा वि—बिजली की तरह चमकनेवाला।

बर्कदम (برق دم) अ फा वि—बहुत ही तीक्ष्ण, बहुत ही धारदार।

बर्कनिगाह (برق نگاه) अ फा वि—जिसकी आँखों में बिजलियाँ हो, जिसकी आँखें बिजलियाँ गिराती हो।

बर्कनुमा (برق نسا) अ फा पु—एक यंत्र जिससे बिजली का हाल जाना जाता है।

बर्कफगन (برق افکن) अ फा वि—बिजलियाँ गिरानेवाला।

बर्करफतार (برق رفتار) अ फा वि—दे 'बर्कखिराम'।

बर्करफतारी (برق رفتاری) अ फा स्त्री—बिजली की भाँति जल्द चलना।

बर्कहवा (برق هوا) अ फा वि—बिजली का कडकटर, बिजली उतारनेवाला।

बर्कवश (برق وش) अ फा वि—बिजली की भाँति चंचल, चपल और तेज।

बर्कशिताव (برق شتاب) अ फा वि—बिजली की तरह तेजी से काम करनेवाला।

बर्कसामाँ (برق سامان) अ फा वि—बिजली की चपलता, चंचलता और उसका प्रकाश आदि रखनेवाला।

बर्कासा (برق آسا) अ फा वि—दे 'बर्कवश'।

बर्कौहम (برق آهنگ) अ पा वि-विजला जसी बडक वाला ।
 बर्किय (برق) अ पु-तार टेलाप्राफ ।
 बर्की (برقی) अ वि-विजली का बिजली स मन्त्रप रखनवाला ।
 बर्कौ छातिकफ (برق حافظ) अ स्त्री-वह विजली जा आला में चकाचाव कर द ।
 बर्कौ खिमनसोख (برق حرمس) अ पा स्त्री-वह विजली जो खलियान की जला डाल ।
 बर्कौ जिह्द (برق جهنم) अ पा स्त्री-तपनवाली बिजली ।
 बर्कौ तर्वा (برق تدان) अ पा स्त्री-तडपनवाली बिजली ।
 बर्कौ दमा (برق دمان) अ पा स्त्री-कुपित बिजली ।
 बर्कौ नाज (برق ناز) अ पा स्त्री-नाजाअदा की बिजली बिजली की भाति जला देनेवाले नात्रोअन ।
 बर्कौ नजर (برق نظر) अ पा स्त्री-निगाह की बिजली प्रयमी का कटाभपात- वगम म बर्कौ नजर ट सत्तमना आफा दिल म है महिफल कोई या गिल मरा महिफल म ह ।
 बर्कौ निगाह (برق نگاه) अ पा स्त्री-निगाहा की बिजली ।
 बर्कौ बअर्मा (برق بے ارمان) अ पा स्त्री-वह बिजली जिसस बचाव न हो सके जा अवय ही गिरकर जान ले ।
 बर्कौ बकिनहार (برق بے بهار) अ पा स्त्री-दे बर्कौ बअर्मा ।
 बर्क (برق) अ पा पु-अग भाग हिस्सा टुकडा ।
 बग (برگ) अ पा पु-दल पत्ता पत्ता ।
 बगरेख (برگ بر) अ वि-विडा का मोसिम पतझट ।
 बगुस्तुवा (برگسودان) अ पा पु-जीन पर डालन का कपडा पानर ।
 बर्गौ खर्वा (برگ خراں) अ पा पु-वह पत्ता जा पतझट क कारण पत्ता पड गया हो या पड से गिर गया ह ।
 बर्गौ खर्वावेद (برگ خراں بهد) अ पा पु-पतझट म गिरा हुआ पत्ता ।
 बर्गौ खर्वावेद (برگ خراں بهد) अ पा पु-वह पत्ता जिनका पतझट न पीला कर लिया ह ।
 बर्गौ गुल (برگ گل) अ पा पु-गुलाव की पत्ता ।
 बर्गौ नो (برگ نو) अ पा पु-नया पत्ता किसलय ।
 बर्गौ सज (برگ سبز) अ पा पु-हय पत्ता ।
 बर्गौ नवा (برگ نوا) अ पा पु-नवान-नीन की सामग्री जीवन ध्यनात करन के साधन ।
 बर्गौवार (برگ وار) अ पा पु-पल और पत पल-कूल ।
 बर्गौसाज (برگ ساز) अ पा पु-साजनामान ।

बज (بر) अ पा पु-वृषि खती बिगअत मुदरता गाभा जना ।
 बजल (برج) अ पा पु-परस्पर विषद रखनेवाली दा चीजा के बीच की तीसरी चीज जो दोना स सपक खे जने-थर जा मनुष्या और हैवानो क बीच बजल ह ।
 बजगर (برگر) अ पा पु-वृषक किसान ।
 बजगरी (برگری) अ पा स्त्री-वृषि खती किसानो कास्तकारी ।
 बजन (برن) अ पा पु-गनी वीथी कूचा ।
 बद (برده) अ पा पु-दास गुलाम दानी कनीज दाय धाय ।
 बद फरोश (برده فروش) अ पा वि-आत्मिया की खरीद पराम्त करनेवाला ।
 बद फरोशी (برده فروشی) अ पा स्त्री-आत्मियो का खरां पराम्त करना ।
 बद (برد) अ पा पु-गीत जान ठड ।
 बर्दे अजूद (برد عذوب) अ पा पु-फागुन के आगिरा दिन का जाटा जब वह बूडा हा जाता ह ।
 बर्दे अत्राफ (برد اطراف) अ पा पु-बीभार के अंतिम समय में उसके हाथ पाव का ठडा हा जाना ।
 बर्दे लयाली (برد لیلی) अ पा पु-जाडे की राता की ठ ।
 बर्दा (بردا) अ पा वि-तर्पण युवा जवान ।
 बर्दाई (بردائی) अ पा स्त्री-तरणता युवावस्था जवानी ।
 बक (برک) अ पा उम-जमा हुआ पानी जो मनीन मे बनले ह और पाना ठडा करने के काम जाता है हिम, पाना तुगार बहुत अधिक ठडा ।
 बकपबद (برک پورده) अ पा वि-जो बक में उगानर डडा किया गया हो ।
 बकपोश (برک پوش) अ पा वि-जा बक से ढंका हो हिमाच्छादिन जस-बकपोश पहाड ।
 बकफरोश (برک فروش) अ पा वि-बक बचनवाला ।
 बकबारी (برک باری) अ पा स्त्री-बक गिरना पाया पडना ।
 बर्कानो (برقانی) अ पा वि-बक से सम्बन्ध रखनवाली वस्तु, वफ जमी ठडो बर्कौली ।
 बर्कबि (برک باب) अ पा पु-बक म ठडा किया हुआ पानी ।
 बर्कस्तान (برکستان) अ पा पु-बट स्थान जहाँ बक हो बक हा जहाँ बहुत बक पत्तो हो ।
 बर्की (برقی) अ पा स्त्री-एक प्रसिद्ध मिठाई काकबद ।
 बबत (بروت) अ पा पु-एक बाजा जो सितार की तरह हाता ह परन्तु उमकी तुवा बडी और लम्बाई कम हाता है ।
 बबतनबाज (بروت نواز) अ पा पु-बबत बजानेवाला ।

बर्बर (بربر) अ पु -अफ्रीका का एक प्रदेश, इस प्रदेश के निवासी ।

बर्बरीयत (بربریت) अ स्त्री -अत्याचार, अन्याय, जुलम; पशुता, हैवानियत ।

बर्भः (برم) फा.पु -लकड़ी में छेद करने का यंत्र, भेदीमार ।

बर्भक (برمک) फा. पु -एक जातगपरस्त जो बलब के जातगकदे का अग्निहोत्री था, इसकी नतान बड़े-बड़े पदों पर पहुँची और अपनी विद्वत्ता और दानशीलता के कारण बहुत प्रतिष्ठित हुई, इस सतान के व्यक्ति बर्भक नाम के कारण 'बराभिक' कहलाये ।

बर्भकाल (برمشال) फा पु -बरसात, वर्षाकाल ।

बर्भाम (برسام) फा पु, स्त्री -मीने का शोध, जातुलजव, उरोग्रह, पड़रसी ।

बर्भमन (برهمن) फा. पु -दे. 'बरहमन', दोनों शुद्ध हैं, ब्राह्मण, विप्र ।

बर्भमनजाद. (برهمن جاد) फा पु -बर्हमन का लड़का, ब्राह्मणपुत्र ।

बर्भमनवचः (برهمن بچه) फा पु -दे 'बर्हमनजाद' ।

बर्भक (براق) अ. वि -उज्ज्वल, शुभ्र, बहुत सफेद, धवल ।

बर्भद (براق) अ. पु -ठठा करनेवाला, चायवानी ।

बर्भद (بلد) फा वि -उच्च, ऊँचा, प्रतिष्ठित, मुअवजज; महान्, अजीम, लंबा, दराज, अधिक, बहुत ।

बर्भदअक्षर (بلد اक्षر) फा वि -जिसके ग्रह उन्नत हो, प्रतापी, तेजस्वी, इक्वालमद ।

बर्भदआवाज (بلد آواز) फा वि -जिसकी आवाज ऊँची अथवा जोरदार हो, जोर से बोलनेवाला, जोरदार बात कहनेवाला ।

बर्भदआशुर्था (بلد آشیان) फा वि -जिसका घासला बहुत ऊँचा हो, अर्थात् बलद स्तुवेवाला ।

बर्भदआहग (بلد آهنگ) फा वि -जोर से बोलनेवाला, जोरदार बात कहनेवाला, अर्थात् बड़ा दाँवा करनेवाला ।

बर्भदइक्वाल (بلد اقبال) फा अ वि -प्रतापवान्, तेजस्वी, इक्वालमद ।

बर्भदइक्वाली (بلد اقدالی) फा अ स्त्री -प्रताप, तेज, इक्वाल ।

बर्भदकामत (بلد قامت) फा अ वि -लवा-तडगा, दीर्घकाय ।

बर्भदखयाल (بلد خیال) फा अ वि -उच्चाशय, विशाल हृदय, फराखदिल ।

बर्भदखयाली (بلد خیالی) फा अ स्त्री -फराखदिली ।

बर्भदक्षर (بلد کثر) फा वि -बहुत ऊँचा, उच्चतर ।

बर्भदक्षरीन (بلد کثرین) फा वि -सबसे ऊँचा, उच्चतम ।

बर्भदक्षर (بلد کثر) फा अ. वि -उच्चदर्शी, उच्चाशय, बहुत ऊँची नजर रखनेवाला ।

बर्भदक्षरी (بلد کثری) फा अ स्त्री -दृष्टि का ऊँचा होना, केवल बड़ी चीजों और बड़े उद्देश्यों पर नजर रखना ।

बर्भदनिगाह (بلد نگاه) फा वि -दे 'बर्भदक्षर' ।

बर्भदनिगाही (بلد نگاهی) फा स्त्री -दे 'बर्भदक्षरी' ।

बर्भदपरवाज (بلد پرواز) फा वि -ऊँचा उड़नेवाला; बलदखयाल, उच्चाशय ।

बर्भदपरवाजी (بلد پروازی) फा स्त्री - फा स्त्री -ऊँची उड़ान, आशय का उच्च होना ।

बर्भदपायः (بلد پایه) फा. वि -बड़े पदवाला, बड़ी प्रतिष्ठा वाला ।

बर्भदपायगी (بلد پایگی) फा स्त्री -पद और प्रतिष्ठा का महान् होना ।

बर्भदफित्रत (بلد فطرت) फा अ वि -जिमकी प्रकृति उच्च दर्जिनी हो ।

बर्भदवदत (بلد دست) फा वि -बड़े भाग्यवाला, सीभाग्य-शाली, भाग्यवान् ।

बर्भदवांग (بلد داغ) फा वि -जोर से बोलनेवाला, जोरदार दाँवा करनेवाला ।

बर्भदवाला (بلد دالا) फा वि -दे. 'बर्भदकामत' ।

बर्भदवी (بلد وی) फा वि -उच्चदर्शी, बलदक्षर, केवल बड़े उद्देश्यों पर दृष्टि रखनेवाला ।

बर्भदवीनी (بلد وینی) फा स्त्री -उच्चदर्शिता, बलदक्षरी ।

बर्भदमर्तवः (بلد مرتبه) फा अ वि -दे 'बर्भदपाय' ।

बर्भदसीरत (بلد سیرت) फा अ वि -दे 'बर्भदफित्रत' ।

बर्भदहिम्मत (بلد همت) फा अ वि -बड़ी हिम्मत, बला, उच्चोत्साही ।

बर्भदहीसलः (بلد حوصله) फा अ वि -दे 'बर्भदहि मत्' ।

बर्भदी (بلدی) फा स्त्री -उत्तुगता, उँचाई, महत्त्व, अजमत, श्रेष्ठता, बडाई ।

बर्भदोपस्त (بلد پوست) फा पु -ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच ।

बर्भदख (بلخ) फा पु -अफगानिस्तान का एक प्राचीन नगर जो इस समय एक छोटा-सा गाव है ।

बर्भदजाजत (بلد جاجت) फा अ अव्य -नम्रतापूर्वक, आजिजी के साथ, गिउगिडाते हुए, विनती करते हुए ।

बर्भदलाइफुल हियल (بلد لائف الحصل) फा अ अव्य -अच्छे-अच्छे वहानों के साथ, नये-नये वहाने बनाकर ।

बर्भद (بلد) अ पु -नगर, शहर (शहर) ।

बर्भद (بلد) फा पु -पथ-प्रदर्शक, राहनुमा, नेता, लीडर ।

बला (بلا) अ अव्य -हाँ, अवश्य, जरूर ।

बला (بلا) अ स्त्रा—विपत्ति आपत्ति मुनीवत स्त्री आपत्ति आस्माना मुनीवत प्रवधा आसेव, दुष्ट गरीर धून मवीम भयानक खोफनाक बहुत अधिक कुशल चालाक—ऐसे यगडे मरा बला जाने म कहा वह कहा खुदा तान।

बलाए अजीम (بلا عظم) अ स्त्रा—बहुन बडी आपत्ति। बलाए आस्मानो (بلا اسماني) अ फा स्त्री—दवी आपत्ति शवी मुसावत अजावे इलाही।

बलाए जाँ (بلا حار) फा स्त्री—प्राणा क लिए आपत्ति का कारण जान का जजाल।

बलाए नागहानी (بلا ناگهانی) फा स्त्री—आकस्मिक विपत्ति अचानक आनेवाला मुसावत।

बलाए बेदमाँ (بلا بدماँ) अ फा स्त्रा—ऐसा आपत्ति जिमका कोई तान नहा जो टल न सके।

बलाए मुजससम (بلا مصعب) अ स्त्रा—माकार विपत्ति वह व्यक्ति जा सभ से पाव तक मुसावत ही मुनीवत हा।

बलाए रोझगार (بلا روزگار) अ फा स्त्री—उमान के लिए विपत्ति का कारण।

बलाकश (بلا کشر) अ फा वि—विपत्तियाँ सहनेवाला आफन बेसनवाप।

बलाप (بلا) अ पु—पहुँचाना भोजना।

बलापत (بلاط) अ स्त्री—गद्य या पद्य की वह शली जिसम अकारादि का प्रयाग चमत्कारपूर्वक किया जाय साहित्य की आल्कारिक शली।

बलापत आईन (بلاط اسیر) अ फा वि—बलागत स मरा हुआ बन्दी।

बलापत आमेज (بلاط امیر) अ फा वि—जिस लेख में बलागत हा।

बलापदी (بلاط داری) अ फा वि—वह जा बलि बड़ा दिया गया हा।

बलापद (بلاط داری) अ फा वि—विपत्तिप्रस्त मुनीवत का मारा।

बलापदत (بلاط داری) अ स्त्री—कुञ्जैतनो बुद्धि की मन्ता प्रतिभा की कमा।

बलापते खेहन (بلاط داری) अ स्त्री—खेहन का बुदपन प्रतिभा का कल्पितव।

बलादुर (بلاط) अ पु—मिर्गवाँ भल्लातक।

बलानसोब (بلاط صیب) अ वि—जिसके भाग्य में आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हा।

बलानोश (بلاطوش) अ फा वि—यन्त अविफ पीनेवाला गान्धी।

बलानोशी (بلاطوشی) अ फा स्त्री—बहुत अधिक गाराव पीना। बलाया (بلا) अ स्त्री—बलीय का बहु, विपत्तियाँ।

बलाहत (بلاहत) अ स्त्री—व्यावहारिक विषया में पान की कमी मूलता नादानी से बलाहत दानो गुड हा।

बलोप (بلاط) अ वि—जा बलागत का पाता हो जो खे बलागत से पूण हो अलवार गान्धी।

बलोद (بلاط) अ वि—जिसका जेहन मद हा, कुठित बुद्धि मन्प्रतिभ मन्दमति।

बलोदुखेहन (بلاط دهر) अ वि—मदप्रतिभ, गुप्त बुद्धि कुद जेहन।

बलीय (بلیه) अ पु—विपत्ति आपत्ति मुनीवत। बलीयत (بلیت) अ स्त्री—आपत्ति विपत्ति मुनीवत।

बलीयात (بلیات) अ स्त्री—बलीयत का बहु, विपत्तियाँ आपत्तियाँ बन्नाए।

बलूत (بلاط) अ प—बलूत बरी गुड हा। बलूर (بلور) फा अ पु—बलूर का लपु दे बलूर।

बलेल (بلاط) अ पु—बहेडा एक प्रसिद्ध फल जा विफला का अंश हा।

बलअमेवाँजर (بلاط امیر) अ पु—एक वाक सिद्ध यूही सत जिकके धाप से हरयत मूसा चालीस साल बना में भटकते फिरे बाऊर उसका वाप था।

बल्कान (بلاط) अ पु—यूरोप का एक प्रायद्वीप जिसम रोमानिया बलारिया मविया मक्दूनिया अल्बानिया, युनात और रोम सम्मिलित हा।

बल्कि (بلاط) अ फा अव्य—वर्ण बरच अपितु। बल्पम (بلاط) अ पु—एक धातु स्लेष्मा।

बल्पमी (بلاط) अ वि—श्लेष्मा सम्बन्धी। बल्ब (بلاط) अ पु—नगर पुरी गह्व २१वाँ नगर उत्तरापान।

बल्दिय (بلاط) अ स्त्री—नगरपालिका म्यूनिसिपल्टी। बलूर (بلور) अ पु—एक मूल्यवान शीशा स्पटिकर्मण।

बलवा (بلاط) अ पु—उपवन इगा फसाद, विगैह बघावत आगति बन्नामी।

बल्साँ (بلاط) अ पु—एक पेड़ जिसके पत्ती स तल निकलता हा जिम रीगन बल्साँ बहते हा यह पे अरब ओर मिस आदि म पना होता हा।

बवजहे अहसन (بلاط احسر) फा अ अव्य—बहुत अच्छी तरह स।

बवजहे हलाल (بلاط) फा अ अव्य—हलाल की कमाई मे।

बधाति (بلاط) अ पु—धाति का बहु हृदयगमूह।

बवादी (بوادی) अ पु - 'बादी' का बहु., 'घाटियाँ' ।
 बवारिक (بوارق) अ स्त्री - 'वारिक' का बहु., विजलियाँ ।
 बवासिर (بواسیر) अ स्त्री - 'वापूर' का बहु., एक रोग, अर्ध ।
 बव्वाव (بواب) अ वि - द्वारपाल, उमोढीवान, दरवान ।
 बव्वाल (بوال) अ वि - बहुत पेशाव करनेवाला, मुत्तोटा ।
 बवार: (بشوة) अ पु - त्वचा, त्वक्, जिल्द, ऊपरी चमडा ।
 बशर (بشر) अ पु - मनुष्य, मानव, आदमी ।
 बशरी (بشری) अ वि - मानुषिक, आदमी का; मनुष्य सम्बन्धी ।
 बशरोपत (بشرویت) अ स्त्री - मानवता, इंसानीयत ।
 बशरते कि (بشرطه که) फा. अ. अव्य. - शर्त यह है कि, उस शर्त के साथ कि ।
 ब शहँ सदर (بشرح صدر) फा अ अव्य - जैसा लिखा है उसी के अनुसार ।
 बशाशत (بشاشت) अ. स्त्री - प्रसन्नता, खुशी; आनंद, उल्लास, मसरत, प्रफुल्लता, शगुपतगी ।
 बशाशते कल्ब (بشاشت قلب) अ स्त्री - हृदय की प्रफुल्लता ।
 बशाशते रूह (بشاشت روح) अ स्त्री - आत्मा की प्रसन्नता ।
 बशोर (بشیر) अ वि - बुशारत देनेवाला, शुभ सूचना सुनानेवाला ।
 बशीरोनजोर (بشیر و نور) अ वि - शुभ सूचना देनेवाला और डरानेवाला, स्वर्ग की सूचना देनेवाला और नरक से डरानेवाला, पैगवर ।
 बशकाल (بشکال) फा स्त्री - वर्षा ऋतु, बरसात ।
 बशशाश (بشاش) अ वि - हर्षित, आनंदित, खुश ।
 बसंद (بسد) फा वि - पर्याप्त, काफी, प्रचुर, बहुत ।
 बस (بس) फा वि - पर्याप्त, काफी, अधिक, बहुत, समाप्त, सत्तम, केवल, सिर्फ ।
 बसकि (بسکه) फा अव्य - चूँकि ।
 बसदउम्मोद (بصد امید) फा अव्य - सँकडो आशाओ के साथ ।
 बसदमुश्किल (بصد مشکل) अ फा अव्य - सँकडो कठिना-नाइयों के साथ ।
 बसवव (بصص) फा अ अव्य - कारण से ।
 बसवीले जिक्क (بصیل ذکر) फा अ अव्य - जिक्क अथवा चर्चा चलने पर ।
 बसवीले तजिकर. (بصیل تذکره) अ फा अव्य - दे 'बसवीले जिक्क' ।
 बसवीले इवाम (بصیل دوام) अ अव्य - हमेगा के लिए ।
 बसर (بصر) अ स्त्री - दृष्टि, नजर ।
 बसर (بسر) फा स्त्री - गुजार, गुजर, जीवन-निर्वाह ।

बसरजौक़ात (بسر اوقات) फा अ स्त्री - जिदगी काटना, गुजाग करना ।
 बसराहत (بصراحت) फा अ अव्य - स्पष्टता पूर्वक ।
 बसरी (بصری) अ वि - दृष्टि-सम्बन्धी ।
 बसरे औकात (بسر اوقات) फा अ स्त्री - जीवन-यापन, जिदगी गुजारना, जीविका चलाना, रोजी कमाना ।
 बसरो चश्म (بسر و چشم) फा अव्य - नर आँखों पर, सहर्ष, खुशी के साथ ।
 बसाँ (بساں) फा वि - तुल्य, समान, मिस्ल ।
 बसा (بسا) फा वि - प्राय, बहुधा, अक्सर, बहुत, अधिक ।
 बसाअते सईद (بسعادت سعید) फा अ अव्य - शुभ मुहूर्त में, अच्छी घड़ी में ।
 बसाइत (بسايط) अ पु - 'बसोत' का बहु ।
 बसाओकात (بسا اوقات) फा अ अव्य - बहुधा, प्राय, अक्सर ।
 बसातोत (بساتین) फा पु - 'बुस्तान' का बहु, बागात ।
 बसारत (بصارت) अ स्त्री - दृष्टि, नजर ।
 बसालत (بسالت) अ स्त्री - गूगता, वीरता, बहादुरी ।
 बसीगए राज (بصیغہ راز) फा अ अव्य - जो बात या पत्र गोपनीय हो ।
 बसीत् (بسیط) अ वि - विद्याल, विस्तृत, चौडा चकला, वह पदार्थ या तत्त्व जो अमिश्रित और निष्केवल हो ।
 बसीर (بصیر) अ वि - देखनेवाला, द्रष्टा, दिव्य दृष्टि-वाला, ईश्वर ।
 बसीम (بسیم) अ वि - मुस्कुरानेवाला ।
 बसीरत (بصیرت) अ स्त्री - दिलकी नजर, प्रतिभा, चातुर्य, बुद्धिमत्ता, दानाई ।
 बसुअत (بسرعت) फा अ वि - गीघ्रता से, तेजी से; जल्दी से, शीघ्र, तुरत, जल्द ।
 बसूरते दीगर (بصورت دیگر) फा अ अव्य - दूसरी अवस्था में, अन्यथा, वरना ।
 बस्त. (بسته) फा वि - बँधा हुआ, जमा हुआ, तह किया हुआ, गाँठ, अचल, कितावे या कागज बाँधने का कपडा (प्रत्य) बाँधे हुए, जैसे - कमरबस्त, कमर कसे हुए, दस्तबस्त, हाथ बाँधे हुए ।
 बस्त:आवाज (بسته آواز) फा वि - जिसकी आवाज बँध गयी है ।
 बस्त:कमर (بسته کمر) फा. वि - कमर बाँधे हुए ।
 बस्त:दहन (بسته دهن) फा वि - जिसका मुँह बंद हो, मौन, खामोश, चुप, जी बोल न सके ।

वस्तु पा (استهنا) पा वि-निमक पाव बध हा। पाव
मन्दूर विवना।
वस्तु मू (استهمو) पा वि-निमक वाव बंध हा।
वस्तुलब (استهلب) पा वि-जिवक जोठ बध हा जा
वाल न सवे चुप जवाक।
वस्तु (است) पा वि-यदिग बघाई गांठ।
वस्तु (است) अ प-विस्तार फलाव कुगादगा विवरण
तन्मील।
वस्तुए जजोर (استجرى) पा वि-जजोर म बघा हुआ
शृङ्खलित।
वस्तुए वाम (استدا) पा वि-जाल म फमा हुआ रस्मी
म बघा हुआ।
वस्तुए रसान (استرس) पा वि-रस्मी म बघा हुआ।
वस्तुमी (استمى) पा स्त्री-जवाहाना लपाव तअल्लुका।
वस्तुन (استن) अ स्त्री-विस्तार फलाव लवाई-बौडाइ।
वस्तुवज (استونصر) अ पु-फलाव और सुकाना
गम-नाग (नज) का।
वस्तुकुगान (استرکسان) अ पु-बद होना जोर खुगना
वा-वाप अयात प्रबध इतिहास।
वस्तुबद (استبلد) पा प-बदावस्तु प्रबध इतिहास।
वस्तुल (استله) अ पु-विमिल्लाह (पूरी) बहना।
वस्तु (است) अ पु-त्वका के हलक धन्व छाप साइ।
वस्तुवार विवजत (استوار) पा अ अन्व-महया आ
पतिरा क म य हूडारा कठिनाइया क पन्चात।
वस्तुवार कुगवारी (استوارى) पा अ अन्व-वहवार
किन्नत।
वस्तुवार कुगवारी (استوارى) पा अ अन्व-वह
जार किन्ना।
वस्तुवार मुसातत (استوارى) पा अ अन्व-हूडारा
आपनिया अ विगनिया शर कर हूडारा मुमीनता क
गाय।
वस्तुवार गीर (استوارى) पा अ अन्व-गाह्या अभिगाया
आ क गाय बूटा क उकटा क गाय।
वस्तु (استوارى) पा अ अन्व-ग हू तर यहाँ ता
इतना।
वस्तु (استوارى) पा अ अन्व-यहाँ तक वि इतना
वि इतना तक हुआ वि।
वस्तुवज (استوارى) पा अ अन्व-पूर तोरपर
गांगुग प्रवया।
वस्तुवज (استوارى) पा अ अन्व-गउ तयनप बहान
तन्ना काना।
वस्तुवज (استوارى) पा अ अन्व-वहान वू।

बहम (استوارى) पा वि-बाहम का लघु परस्पर आपस
म मिलकर साथ होकर एक साथ।
बहमवीगर (استوارى) पा वि-एक-दूसरे क साथ परस्पर।
बहमरसानो (استوارى) पा स्त्री-एकन करना इकट्ठा
करना ठठान करव लाना।
बहमरसोद (استوارى) पा वि-तलाग करव लाया हुआ
एकत्र किया हुआ।
बहुरजवान (استوارى) पा अ अन्व-हूर प्रकार से अने
वन तसे पूरे तोर से पूणतया।
बहुरजा (استوارى) पा अ अन्व-हूर जगह हूर स्थान पर
जिम जगह जहा।
बहुरतवदीर (استوارى) पा अ अन्व-हूर प्रकार स हूर
अवस्था म।
बहुरतोर (استوارى) पा अ अन्व-बहुरहा हूर
प्रकार म।
बहुरसूरत (استوارى) पा अ अन्व-बहुरहाल हूर
तरह स-बहुरसूरत मरे निबो परगानी नग जाती।
-जिगर।
बहुरहाल (استوارى) पा अ अन्व-हूरहाल म हूर अवस्था
म हूर प्रकार स जस बन बस।
बहा (استوارى) पा पु-मत्य कामन उतमना अछाई
गामा रोनक प्रकाम रोगनी।
बहाइम (استوارى) अ पु-बहान का बहु बोपाव मवगा
पगु।
बहाए पू (استوارى) पा प-बूवहा बहु धत जा रिमी
व्यक्ति क मार डारे जान पर ह्यारे से निबवाया जाय।
बहाडुर (استوارى) तु वि-गर बीग गूरमा।
बहाडुरान (استوارى) तु पा वि-बहाग जगा वार वि।
बहाडुरी (استوارى) तु वि-गरवा बीरता का श्रवण।
बहान (استوارى) पा प-मिप व्याज होला छत्र धामा
ऊरय टालमाल हाल हवाल अवगद मोडा एगो
बाठ जिमको भाड म बाई काम बन राक।
बहानपू (استवारى) पा वि-जिमका हरभाव बहान
बाठा का हा।
बहानगर (استवारى) पा वि-बहान बाठ।
बहानगरी (استवारى) पा स्त्री-बहान बाठा।
बहानजू (استवारى) पा वि-नी दुई-द्वार बहान
तन्ना करे।
बहानजूई (استवारى) पा स्त्री-गउ तयनप बहान
तन्ना काना।
बहानतलब (استवारى) पा अ अन्व-बहान वू।

बहानवाज (بہانہ وار) का वि-बहाने करने वाला ।
 बहानवाजी (بہانہ بازی) का स्त्री-बहाने बनाना ।
 बहानवाज (بہانہ ساز) का वि-दे 'बहाने वाला' ।
 बहानवाजी (بہانہ سازی) का स्त्री-दे 'बहाने वाली' ।
 बहार (بہار) का स्त्री-वसंत ऋतु, पुष्पफलयुक्त, फूलों का मौसम, मोसम, रौनक, मनोनिर्माण, वर्षा, वसंतुक नमाया; प्रानंद, लक्ष्म, जीवन-उत्थान, अन्तर्गत अन्तर्भाव, पानिहास, विलम्बी ।
 बहारवागी (بہار آغوی) का वि-पृथ्वी; शोभायमान; पुष्पित, आनन्दपूर्ण, वसुधैवकुटुम्बम् ।
 बहार व बार्मा (بہار و برما) का वि-शामल में बहार की शोभाएँ लिये हुए अपने नाम बहार की प्रथाएँ लिये हुए ।
 बहाराँ (بہاراں) का पु-अन्त ऋतु बहार ।
 बहारिस्तान (بہارستان) का पु-बहाराँ का स्थान, जहाँ बहार ही बहार हो ।
 बहाराँ (بہاریں) का वि-बहाराँ का, वसंत ऋतु का, बहार सम्वन्धी ।
 बहारे बेखजाँ (بہارے بے خزاں) का स्त्री-यह बहाराँ जिनमें खिजाँ (पतन्त) न हो ।
 बहाल (بہال) का अ वि-नीरोग रोगमुक्त, पुनर्नियुक्त, मुक्तली ने मुक्त, स्वस्थ-नन्दुग्स्त, आनन्दित, सुख ।
 बहालते परीशाँ (بہالتے پریشاں) का अ वि-बुरे हालों में, बुरी अवस्था में, बगारों में ।
 बहालते मौजूद (بہالتے موجود) का अ वि-उपरिचय अवस्था में, इस समय, इस हालत में ।
 बहालते मौजूद (بہالتے موجود) का अ वि-उस समय के हालत देयते हुए, इन दशाओं में ।
 बहाली (بہالی) का अ वि-नीरोगिता, रोगमुक्ति, पुनर्नियुक्ति, मुक्तली में मुक्ति, स्वस्थ, तन्दुग्न्ती, आनंद, प्रसन्नता, सुशी, मुखच्छटा, चेहरे की रौनक ।
 बहाले अन्तर (بہالے اندر) का अ वि-बुरे हाल में, फटे हालों, दरिद्रता की दशा में ।
 बहाले कि (بہالے کی) का अ अव्य-इस अवस्था में कि, ऐसे हाल में कि ।
 बहाले खराब (بہالے خراب) का अ वि-दे 'बहाले अन्तर' ।
 बहाले छस्त (بہالے خستہ) का अ वि-फटे हालों में, दरिद्रता की दशा में ।
 बहाले परीशाँ (بہالے پریشاں) का अ वि-दे 'बहालते परीशाँ' ।
 बहाले बद् (بہالے بد) का अ वि-दे 'बहाले अन्तर' ।
 बहिकाजत (بہیکا جت) का अ वि-हिकाजत के साथ ।

बहिमए मुत्तावी (بہیمہ آئی) का अ वि-बराबर-बराबर के भाग में, बराबर बराबर ।
 बहीज (بہیج) का वि-रहित, गमगित भागों ।
 बहीत (بہیت) का वि-यम, तपाया, भेदी ।
 बहीमान (بہیمان) अ अन्त-यम-भेदी, उट्टतापूर्ण, कानिधान ।
 बहीन (بہین) अ पु-उत्तम, छोटा समुद्र, उत्तम मत्त उच्चारण 'बहीन' का परन्तु उर्दू में 'बहीन' बोलती है ।
 बहीरए जाजर (بہیر آجڑ) अ पु-दे 'बहो अरजर' ।
 बहीरए अवयज (بہیر آصغر) अ पु-दे 'बहो अवयज' ।
 बहीरए अन्वद (بہیر آند) अ पु-दे 'बहो अन्वद' ।
 बहीरए कालुम (بہیر آکلم) अ पु-दे 'बहो कुरकुम' ।
 बहयम (بہکم) का अ अव्य-आजानुमार, आदेशानुमार, हयम में ।
 बहोच (بہوچ) का अव्य-व्यर्थ, निरर्थक ।
 बहोते मज्मई (بہوتے مجمعی) का अ अव्य-पूर्णगण, पूरे तीर पर ।
 बहजत (بہجت) अ स्त्री-प्रसन्नता, आनंद, हर्ष, सुशी; हराभरापन, मरसन्धी, शोभा, छटा, जेवाई ।
 बहजाद (بہراد) का पु-दे शुद्ध उच्चारण 'विहजाद' ।
 बहत (بہت) अ वि-त्रेमल, निर्मल, निपेवल ।
 बहबूद (بہبود) का स्त्री-शुद्ध उच्चारण 'विहबूद' है, परन्तु उर्दू में यही है, उतति, भलाई, कल्याण ।
 बहमन (بہمن) का पु-ईरानी म्यारतुवाँ महीना जो खजा का महीना है, जो हिट्मत्तानी फागुन होता है, एक कद जो दवा में काम आता है और लाल-सफेद होता है, इस्फाद-यार का पुत्र ।
 बहः (بہ) का पु-भाग, अद्य, हिरसा ।
 बहःमद (بہرہ آمد) का वि-शोभायशाली, सुशानसीव ।
 बहयाव (بہریات) का वि-जिसने अपना भाग पा लिया हो, भाग्यवान्, सुशकिस्मत ।
 बहवर (بہور) का वि-दे 'बह मद' ।
 बह (छद) (بہر) अ स्त्री-शे'र का वज्ज, वृत्त, छद ।
 बह [भू.] (بہر) अ पु-समुद्र, सागर, ओशन, महासागर ।
 बह (بہ) का अव्य-लिए, वास्ते, प्रति ।
 बहए वाफिर (بہرہ وافر) का अ-बड़ा भाग, बड़ा हिस्सा, दूसरी से अधिक भाग ।
 बहाम (بہام) का पु-मगल राशि, मिरिख, एक ईरानी नरेश ।
 बहामगोर (بہام گور) का पु-ईरान के शामक यज्जुर्द

का लडवा सन ४२० ई० म गद्दी पर बठा गारखर क
शिफार का शीकीन था इस कारण बहामे गोर बहलाया ।

बहामे चोबी (بهرام حوض) फा पु - ईरान के चतुथ हुमु ज
का सनापति था उमे गद्दा स उतावर आप नरेश वन बठा
(सन ई ५९०) और आठ महीने पश्चात खसो परबज से
हारकर भाग गया ।

बहरिय (بحرية) अ पु - जलमना जगी बेडा ।

बहरी (بحري) अ वि - समुद्राय समुद्रकी समुद्र सम्बधी ।

बहलजलूम (بحر العلوم) अ पु - विद्याओ का समुद्र
अर्थात् बहुत बडा और प्रचंड विद्वान्, विद्यासागर ।

बहलकाहिल [भू] (بحر الكاهل) अ पु - शात महासागर ।

बहसीन (بحر الصين) अ पु - चीन का समुद्र ।

बहो जखर [भू] (بحر اखتر) अ पु - कसपियन (समुद्र) ।

बहो अरक [भू] (بحر اरण) अ पु - नील नदी की पूर्वी
गावा जा नौ सी मील लंबी आकाश आस्मान ।

बहो अवयब [भू] (بحر ابيض) अ पु - हस क उत्तर म
एक छोटा समुद्र इवेतमागर ।

बहो अल्मात [भू] (بحر الماس) अ पु - बह समुद्र जिसक
दोपो म बहमूल्य रत्ना की खान हा ।

बहो असम [छ] (بحر اسام) अ स्त्री - एक वत जा उद्
म प्रचलित नती ह (ररमय ५१५ ५१५ ५१५ ५१५) पूरे शेर
में दावार ।

बहो असवद [भू] (بحر اسود) अ पु - दृणसागर लक
सी रुस के दक्षिण और अनातोलिया के उत्तर का समुद्र ।

बहो अह मर [भू] (بحر احمر) अ पु - दे बह कुलुम ।

बहो आ जम [भू] (بحر اعظم) अ पु - महासागर ओगन ।

बहो ओकियानूस [भू] (بحر اوقيانوس) अ पु - अतलानक
मगसागर ।

बहो उम्मान [भू] (بحر عمان) अ पु - पूर्वी दक्षिणी अरब
का समुद्र ।

बहो कबीर [छ] (بحر كعب) अ स्त्री - व्यवहृत गही
(म + म + तगु = ५५५ + ५५५ + ५५५) - द्वा बार ।

बहो कबीर [छ] (بحر قعب) अ स्त्री - उद् में व्यवहृत
नही है (म + म + र + र = ५५५ + ५५५ + ५५५) ने र म
दा बार ।

बहो कलीब [छ] (بحر قليب) अ स्त्री - उद् म प्रचलित
नती ह (रगु + रगु + पगु = ५१५ + ५१५ + ५१५) ए ग र
म दा बार ।

बहो कामिल [छ] (بحر كامل) अ स्त्री - उद् की प्रचलित
बह (म + गु ॥ १५) ए ग र म आठ बार ।

बहो काहिल [भू] (بحر كاهل) अ पु - प्रगत महासागर ।

बहो कुलुम [भू] (بحر قلم) अ पु - अरब और अफ्रीडा
के बीच का समुद्र लासागर ।

बहो खफीक [छ] (بحر خفيف) अ स्त्री - इसकी शाखाए
प्रचलित ह (सगु + जगु + सगु = ११५ ५ + १५१ ५ + ११५ ५) शर
में ११ बार ।

बहो खुदा (بحر خدا) फा अव्य - ईश्वर ले लिए ।

बहो चीन [भू] (بحر چین) अ फा पु - चीनी समुद्र ।

बहो जग [भू] (بحر جگ) अ फा - बह समुद्र जो हवा
के पूव में ह ।

बहो जदीद [छ] (بحر جديد) अ स्त्री - इसकी शाखाए
प्रचलित ह (सगु + सगु + जगु = ११५ ५ + ११५, + १५१ ५) दो
बार ।

बहो जुलमात (بحر طلماत) अ पु - बहो ओकियानूस ।

बहो तबोल [छ] (بحر طول) अ पु - यह और इगरी
शाखाए प्रचलित ह (य य गु + य, य गु - ११५ ५ +
११५ ५) शेर म दो बार ।

बहो मदामत (بحر مدام) अ पु - राजा का समुद्र, बहुत
अधिक लज्जा ।

बहो फना (بحر فنا) अ पु - मृत्यु का समुद्र ।

बहो मसोत [छ] (بحر مسقط) अ स्त्री - नम व्यवहृत है
इसकी शाखाए चलती ह (तगु + र + तगु + र = ५१५ ५ + ५१५
५१५ ५ + ५१५) दो बार ।

बहो बेकरा [भू] (بحر بکر) अ फा पु - बह समुद्र जिसका
किनारा न हा ।

बहो बेपामा (بحر بپامان) अ फा पु - बह समुद्र जितना
किनारा न हा वह समुद्र जो अयाह हा ।

बहो मीयब [भू] (بحر ميعرب) अ पु - यूरोप का समुद्र ।

बहो मदीद [छ] (بحر مديد) अ स्त्री - नम व्यवहृत ह
शाखाए व्यवहृत ह (रगु + र + रगु + र = ५१५ ५ + ५१५ + ५१५
५१५) दो बार ।

बहो मधवाज (بحر مودج) अ पु - मीजें मारता हुआ समुद्र ।

बहो मुजनिद [भू] (بحر ملجنيد) अ पु - बह समुद्र
जिसका पानी जमा हुआ हा ।

बहो मुजनिद जनुवी [भू] (بحر ملجنيد حلوي) अ पु -
क्षिणीय ध्रुव क आस-पास का समुद्र जा बहुत अधिक
ठंड के कारण जमा हुआ ह ।

बहो मुजनिद गिमात्री (بحر ملجنيد سالي) अ
पु - उत्तरीय ध्रुव का समुद्र जा बहुत अधिक ठंड क
कारण जमा हुआ ह ।

बहो मसरेह [छ] (بحر مسره) अ स्त्री - बहुत व्यवहृत ह
इगरी शाखाए भी (सगु + र = ११५ + ५१५) चार बार ।

बह्वे मुक्तजिव [छं.] (نحر مقتضب) अ. स्त्री-प्रचलित
(रल + भगु = 515,1 + 511,5) चार वार ।

बह्वे मुजारे' [छं.] (نحر مضارع) अ. स्त्री-प्रचलित है,
शाखाएँ भी (यल + रल = 155,1 + 515,1) चार वार ।

बह्वे मुजील [छं.] (نحر مدیل) अ. स्त्री-प्रचलित नहीं है,
(रगु = 515,5) छै वार ।

बह्वे मुजास [छं.] (نحر مجتث) अ. स्त्री-बहुत चालू है,
शाखाएँ भी (जगु + सगु = 151,5 + 115,5) चार वार ।

बह्वे मुतकारिव [छं.] (نحر متقارب) अ. स्त्री-बहुत
चालू है, (य = 155) आठ वार भुजंगप्रयात ।

बह्वे मुतवारिक [छं.] (نحر متداری) अ. स्त्री-बहुत
चालू है (र = 515) आठ वार ।

बह्वे मुर्वार [भू.] (نحر مردار) अ. फा पु-डेड सी, मृत-
सागर ।

बह्वे मुशाकिल [छं.] (نحر مشاكل) अ. स्त्री-चालू नहीं,
(रल + यगु + यगु = 515,1 + 155,5 + 155,5) दो वार, इसकी
शाखाएँ भी बहुत चालू है ।

बह्वे रजज [छं.] (نحر رجر) अ. स्त्री-बहुत चालू है, इसकी
शाखाएँ भी बहुत चालू है, (तगु = 551,5) आठ वार ।

बह्वे रमल [छं.] (نحر رمل) अ. स्त्री-यह और इसकी
शाखाएँ बहुत चालू है, (रगु = 515,5) आठ वार ।

बह्वे रवाँ [नकर दवाँ] अ. फा पु-नीका, नाव, किशती ।

बह्वे रूम [भू.] (نحر روم) अ. पु-रूमसागर ।

बह्वे वाफिर [छं.] (نحر وافر) अ. स्त्री-इसकी शाखाएँ
चालू है, स्वयं बहुत कम है (जलगु = 151,1,5) आठ वार ।

बह्वे सगीर [छं.] (نحر صغیر) अ. स्त्री-चालू नहीं (तगु +
रगु + तगु = 551,5 + 515,5 + 551,5) दो वार ।

बह्वे सरीअ [छं.] (نحر سریر) अ. स्त्री-बहुत चालू है
(भगु + भगु + रल = 515,5 + 515,5 + 515,1) दो वार ।

बह्वे सरीम [छं.] (نحر صریم) अ. स्त्री-चालू नहीं (यगु +
रगु + रगु = 155,5 + 515,5 + 515,5) दो वार ।

बह्वे सलीम [छं.] (نحر سلیم) अ. स्त्री-चालू नहीं (तगु +
मल + मल = 551,5 + 555,1 + 555,1) दो वार ।

बह्वे हजज [छं.] (نحر هرج) अ. स्त्री-बहुत चालू, इसकी
शाखाएँ भी बहुत चालू है, रुवाई इसी से निकली है (यगु =
155,5) आठ वार ।

बह्वे हमीद [छं.] (نحر حمید) अ. स्त्री-चालू नहीं (मल +
तगु + मल = 555,1 + 551,5 + 555,1) दो वार ।

बह्वे हमीम [छं.] (نحر حمیم) अ. स्त्री-चालू नहीं (रगु +
तगु + तगु = 515,5 + 551,5 + 551,5) दो वार ।

बह्वे न [भू.] (نحر نین) पु-श्वेतसागर और कृष्णसागर,

कृष्णसागर और रूमसागर, फारिस की खाड़ी जहाँ से
मोती निकलता है ।

बह्वस (نحر صحت) अ. स्त्री-वादविवाद, मुवाहस, वाक्कलह,
लफजीजंग, मुकदमे में सुवूत और सफाई आदि के वाद
वकीलो का हाकिम के सामने तर्क-वितर्क ।

बह्वसतलव (نحر صطلب) अ. वि-जिसमें तर्क-वितर्क की
आवश्यकता हो ।

बह्वसोतम्हीस (نحر صتسکویص) अ. स्त्री-तर्क-वितर्क,
वादविवाद ।

बह्वसोमुवाहस: (نحر صومباحنه) अ. पु-दे 'बह्वसो
तम्हीस' ।

बह्वहास (نحر صحت) अ. वि-बहुत अधिक वाद-विवाद करने-
वाला, वादरत ।

वा

वाँग (وانگ) फा स्त्री-स्वर, ध्वनि, नाद, आवाज;
नमाज की अजान, मुर्गे की बोली ।

वाँगे अजाँ (وانگ اذان) फा अ. स्त्री-अजान की आवाज,
अजान ।

वाँगे जरस (وانگ حرس) फा स्त्री-काफिले में वजनेवाले
घटे की आवाज ।

वाँगे विरा (وانگ دروا) फा स्त्री-दे 'वाँगे जरस' ।

वा (وا) फा उप-शब्द शुरूआत में आकर, साथ, वाला,
पूर्ण, आदि का अर्थ देता है, जैसे—'वा आवो ताव', चमक-
दमक के साथ, बाईमान, ईमानवाला, वाअसर, प्रभावपूर्ण ।

वाआरुलाक (واارلاق) फा अ. वि-अच्छे शील-स्वभाव-
वाला, सुशील, शिष्ट ।

वाअदब (واادب) फा अ. वि-तमीजदार, शिष्ट ।

वाअसर (وااسر) फा अ. वि-प्रभावशाली, असरवाला ।

वाआँकि (واانک) फा अव्य-इसके वादुजूद ।

वाआवरू (وااوبرو) फा वि-प्रतिष्ठित, इज्जतदार ।

वाआवो ताव (وااوتاب) फा वि-चमक-दमक के साथ,
ज्ञान के साथ ।

वाइक्तिदार (وااكتدار) फा अ. वि-जिसके हाथ में सत्ता
हो, सत्तावान् ।

वाइखितियार (وااخييار) फा अ. वि-जिसके हाथ में
अधिकार हो, प्राप्ताधिकार ।

वाइरुलास (واارلاص) फा अ. वि-जिसमें खुलूस और
निष्कपटता हो ।

वाइत्मीनान (وااطميميدان) फा अ. वि-विश्वस्त, मौ'तवर,
विश्वासपात्र, ईमानदार ।

बाइस (بیس) अ पु-बाण हउ निमित्त सबब
मूत्र कारण बुनयात् ।

बाइम इकिनाउ (بایم ایکنای) अ पु-ज्जा का कारण
पचापाप का कारण ।

बाइम इकिनाउ (بایم ایکنای) अ पु-कू का कारण ।

बाइम इकिनाउ (بایم ایکنای) अ पु-हृय का कारण ।

बाइम इकिनाउ (بایم ایکنای) अ पु-उत्तवता का
कारण ।

बाइम खुशी (بایم خوشی) अ फा पु-हृय का कारण ।

बाइम तफावर (بایم تافاوار) अ पु-व या मान का
कारण ।

बाइम तबाह (بایم تباہی) अ फा पु-बरबाण अथवा
नाग का कारण ।

बाइम दिरण (بایم دیرنگ) अ फा पु-बाल जीर दर
का कारण ।

बाइम नगामन (بایم نغامن) अ पु-वाइते
इकिनाउ ।

बाइते निफाउ (بایم نیفای) अ पु-कू का कारण ।

बाइते परवरिण (بایم پوروش) अ फा पु-हृया का
कारण ।

बाइते क्रुष्ट (بایم کروش) अ पु-व का कारण ।

बाइते मफ्रजन (بایم مفرجن) अ पु-लाम का
कारण मलाइ का कारण ।

बाइते महमन (بایم محبت) अ पु-जनुवपा और
दया का कारण ।

बाइते ममरत (بایم ممرت) अ पु-हृय जीर जानद का
कारण ।

बाइम महररबा (بایم مکرری) अ फा पु-वमनस्य
का कारण ।

बाइम गम (بایم گام) अ फा पु-जा का कारण ।

बाइम गुक (بایم گک) अ पु-वयवाद का कारण ।

बाइम (بایم) फा वि-बाण टाउ उतम बतर ।

बाइमिनप्रत (بایم مین پرت) अ वि-मनस्य फण्य
धनवान माणर ।

बाइमिनदाद (بایم مین داد) फा अ वि-विगन पडित
बाओ पा-लिया ।

बाइमिन (بایم مین) फा अ वि-जता साष्वा इम्मत
मथाव ।

बाइम (بایم) फा अत्य-इन मव वाताक वावुजद ।

बाइमान (بایم مین) फा अ वि-वमनिठ इमान का
पयसा विननगर इमानगर ।

बाइसार (بایسار) फा अ वि-व्यामगील ।

बाए (बाए) अ वि-वचनेवाला विनेता ।

बाएनिबाद (بایسار) फा अ वि-प्रदावान मातरिण
अच्छ एतिकावाण ।

बाएनिवार (بایسار) फा अ वि-विबम्भ मातर ।

बाएनिमाद (بایسار) फा अ वि-विबम्भ मातर ।

बाएहृतिपात्र (بایسار) फा अ वि-अरुतरम मुग्गाव ।

बाएहृतिपात्र (بایسار) फा अ वि-मावधान सावधानी
स रमनवाला एहृतिपात्र करनवाला ।

बाएहृसास (بایسار) फा अ वि-स्वामिमानो
मुग्गाव ।

बाओलाद (بایس) फा अ वि-मगानवाला ।

बाक (बाक) फा पु-मय डर छौन लज्जा धम मका
पनाया आणका जेम्ता ।

बाकोदो काविण (बाकोदो) फा अत्य-मूरा दौड धूप ।

बाकाइर (बाकाइर) वि फा-काइर स करीने स
स बाकावित ।

बाकमाल (बाकमाल) फा अ वि-मुगवान हुनरम कि
नाम हा हुनर में बहुत बनी महाल रमनेवाला ।

बाकार (बाकार) फा वि-जा काम में लगा हा विन
अटाएमजाण मीजू हो साधनपत्र ।

बाक्रियात (बाक्रियात) अ उभ पु-बाकी वची हुई वलाण ।

बाक्रियातुस्सालिहात (बाक्रियातुस्सालिहात) अ स्त्री
अच्छ काम विनन नाम बाकी रह अच्छी ओला ।

बाक्रिर (बाक्रिर) अ स्त्री-इमारा अथवा विन ब्याह
लका दागान ।

बाक्रिर (बाक्रिर) अ पु-मिह ब्याघ्र गर विगन बाकि
फाविल ।

बाक्रिल्ल (बाक्रिल्ल) अ पु-मगर ।

बाही (बाही) अ स्त्री-गप वचा हुआ अमर जनवर
हमना एखेवाण जा रकम अण हानकी हा स्वरक
एक नाम ।

बाही (बाही) अ वि-रानवाला ।

बाहीदार (बाहीदार) अ फा वि-विमने बिम्मे डव बाह
हा विम कुछ दना ख गया हो ।

बाहामाद (बाहामाद) अ फा वि-बाहा दवा हुना ।

बाह (बाह) पु पु-कठवा कच्छप कुम ।

बाहवर (बाहवर) फा अ वि-नवर मत्त हाणियर
अभिन बाडिज नादा, जानकार ।

बाहवरी (बाहवरी) फा अ स्त्री-मनता हाणियर
जमिन्ता बाडिजमत ज्ञान जानकार ।

बाख़िर: (باخرة) अ स्त्री—स्टीमर, अग्निबोट ।
 बाख़िरद (باخرد) फा वि—बुद्धिमान्, मेधावी, मनीषी, अकलमद ।
 बाबुदा (باحد) फा. वि—सदात्मा, पुण्यात्मा, खुदा-रसीद ।
 बाख़र (باخیر) फा अ वि—दानशील, फैयाज, जो सबके साथ भलाई करता हो ।
 बावत: (باخته) फा. वि—हारा हुआ, जुए के दाँव पर हारा हुआ, (प्रत्य०) इन्ही अर्थों में, जैसे—'दिलवास्त' प्रेम में मन हारा हुआ ।
 बावतनी (باختنی) फा. अव्य—हारनेयोग्य ।
 बावतर (باختر) फा पु—पूर्व, मद्यिक, कभी पश्चिम के लिए भी आता है, खुरासान ।
 बाग (باغ) फा पु—उद्यान, आराम, वाटिका, गुलिस्ताँ ।
 बागच: (باغچه) फा पु—छोटा बाग, फुलवारी ।
 बागपेरा (باغپیرا) फा वि—माली, उद्यानपाल ।
 बागवाग (باغواغ) फा वि—बहुत खुश, अति आनन्दित ।
 बागवान (باغوان) फा पु—उद्यानपाल, बाग की रख-वाली करनेवाला, माली ।
 बागवानी (باغوانی) फा स्त्री—माली का काम, बाग में पौधे और फूल उगाने और उनकी देख-रेख का काम ।
 बागवाने अजल (باغوان اول) फा अ पु—ईश्वर ।
 बागियान: (باغیانہ) अ फा अव्य—विद्रोहियों-जैसा, बागियों-जैसा ।
 बागी (باغی) अ वि—विद्रोही, बगावत करनेवाला, अवज्ञाकारी, सरकश ।
 बागे अदन (باغ عدن) फा अ पु—स्वर्ग, विहिस्त ।
 बागे आम (باغ عام) फा अ पु—कपनीबाग, पुरोद्यान ।
 बागे इरम (باغ ارم) फा पु—वह बाग जो शहाद ने बनाया था, जन्ते शहाद ।
 बागे कुदुस (باغ کدوس) फा अ पु—स्वर्ग, विहिस्त ।
 बागे खुल्द (باغ حلد) फा अ पु—स्वर्ग, विहिस्त ।
 बागेविहिस्त (باغ بهشت) फा अ पु—स्वर्ग,—'बागे विहिस्त से मुझे हुकम सफर दिया था क्यों? कारे जहाँ दरज है अब मेरा इतिजार कर ।"—इकवाल ।
 बागे जिर्न (باغ حنن) फा अ पु—स्वर्ग, विहिस्त ।
 बागे रिख्वाँ (باغ رضوان) फा अ पु—स्वर्ग, जिहिस्त ।
 बागे वहश (باغ وحش) फा अ पु—अजाइव घर जिसमें हर प्रकार के जीव जंतु हो, जंतुशाला ।
 बागे शहाद (باغ شهادت) फा अ पु—वह कृत्रिम स्वर्ग जो

शहाद ने बनाया था, और जिसमें प्रवेश करते समय, वह घोड़े में गिरकर मर गया ।
 बागैरत (باغیرت) फा अ वि—स्वाभिमानी, खुददार; लज्जावान्, वाह्या ।
 बागोवहार (باغ و بهار) फा स्त्री—शोभायमान्, वारीनक ।
 वाचश्मेतर (باچشمهتر) फा अव्य—आँखों में आँसू डवडवाते हुए, रोते हुए ।
 वाचश्मेनम (باچشمه نم) फा अव्य—दे 'वा चश्मेतर' ।
 वाज (واج) फा पु—खिराज, चीथ ।
 वाज़ (واژ) फा पु—एक प्रसिद्ध पक्षी, श्येन, पुन, फिर, (प्रत्य०) ।
 वा'ज़ (بعض) अ वि—कतिपय, चद; कोई-कोई ।
 वाज़ख्वास्त (واژخواست) फा स्त्री—खोज, तलाश, वापस माँगना ।
 वाज़ख्वाह (واژخواه) फा वि—वापस माँगनेवाला ।
 वाज़ख्वाही (واژخواهی) फा स्त्री—वापस माँगना ।
 वाज़गश्त (واژگشت) फा स्त्री—वापसी, लौटना ।
 वाज़गीर (واژگیر) फा वि—खिराज लेनेवाला ।
 वाज़गुज़ार (واژگزار) फा वि—खिराज देनेवाला ।
 वाज़दार (واژدار) फा वि—दे 'वाज़गीर' ।
 वाज़दा'वा (واژدهوی) फा. अ पु—दावे से दस्तवरदार होना, नालिश वापस लेना ।
 वाज़दीद (واژدید) फा स्त्री—जवाबी मुलाकात, किसी के मिलने के लिए आने पर उसकी मुलाकात को उसके घर जाना ।
 वाज़पसी (واژپسی) फा वि—आखिरी वक़्त, मरने का समय, अतिम काल ।
 वाज़पुरस (واژپورس) फा स्त्री—पूछगछ, मूआखज ।
 वाज़माअत (واجماعت) फा अ वि—जमाअत के साथ नमाज, मस्जिद में सबके साथ की नमाज ।
 वाज़मानत (واجمانت) फा अ वि—जमानत के साथ जिसके साथ जमानत भी देना पड़े ।
 वाज़माल (واجمال) फा अ वि—रूपवान्, मुदर, मनोहर, हसीन ।
 वाज़याप्त: (وازیافتہ) फा वि—फिर पाया हुआ ।
 वाज़याप्तगी (وازیافتگی) फा. स्त्री—फिर से पाना, गयी हुई चीज का मिल जाना ।
 वाज़यावी (وازیایی) फा स्त्री—दे 'वाज़याप्तगी' ।
 वाज़रगाँ (واژرگانی) फा पु—'वाज़ारगाँ' का लघु, मीदागर, व्यापारी, वणिक् ।
 वाज़रगानी (واژرگانی) फा पु—व्यापार, सीदागरी ।

बाइराल (बाइराल) का अ वि-जिमन पाग साधन हा जो बनी रहता हो।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-स्वाण्ड मजेगर मुस्वा।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-बानूनी तीर पर नियमपूरन नियमरुद माराद।
 बाइराल (बाइराल) का पु-ह्राट बजार।
 बाइराल (बाइराल) का प-बणिक व्यापारी।
 बाइराल (बाइराल) का वि-बाइराल का बाइरालसम्भव रहनेवाला एकर बनीना अगर स्त्री ने लिए हा ता वेया।
 बाइराल (बाइराल) का अ पु-बचन रडीवाना वह स्थान जहाँ बहुत-सा रूपवता रिक्ता एकर हा।
 बाइराल (बाइराल) का वि-पून चागक एयार बच छत्रा विलास विलास।
 बाइराल (बाइराल) का स्त्री-पूनता भक्वारा बच बना छल विलाडीपन।
 बाइराल (बाइराल) अ वि-बनय दानपाल मत्ता फयाड।
 बाइराल (बाइराल) का वि-बाज देनेवाला विराज मनवाला।
 बाइराल (बाइराल) तु स्त्री-बडी बहन आपा अतिवा।
 बाइराल (बाइराल) का स्त्री-बौतुह तमाशा खेल पात पण गत पर लगाया हुआ रपया धाता छल ताग मत्रज जादि का एक वार का खेल छल मस्वरपन।
 बाइराल (बाइराल) का वि-बौतुकी तमाशा करनेवाला मायावी गाव बाइ।
 बाइराल (बाइराल) का स्त्री-बौतुक विधाना खेल तमाशा करना गोवद बाइरी करना माया-कम।
 बाइराल (बाइराल) का स्त्री-खेलने की जगह श्रीग स्थर कौतुक-स्थान।
 बाइराल (बाइराल) का स्त्री-खिलाडी शरीर चचल चपल वह रक्ता जो खिलाडी लडकी की आवाज पर कान लगाये रहे।
 बाइराल (बाइराल) का पु-वित्रीता जिसमे बच खेल खेल तमाशा श्रीडा कौतुक।
 बाइराल (बाइराल) का अ पु-बच्चा का विलाडी बच्चा का मेन।
 बाइराल (बाइराल) का प-भुजा बाहु बांह चिडियो के इन जिनम पल लगने ह सहायता मन्द बल जोर मवए के साथ स्वर मिलानेवाला।
 बाइराल (बाइराल) का पु-अग वेयूर विजायठ भुजमद।

बाइराल (बाइराल) का वि-शक्तिगाली, बाइराल।
 बाइराल (बाइराल) का वि-जिमनी भजाए टूट गयी हा भमराह वेबग एकाए टूटी।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-रमिब, सहद सुवनगानाम।
 बाइराल (बाइराल) का वि-प्रवीण कुल हागियार, हर काम का ढग म करनेवाला, मुदधिर।
 बाइराल (बाइराल) का वि-जो तनस्वाह एकर काम करता हो जिम बतन लिया जाता हा।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-जा सारे काम मुगनापूरक करे तमीरगार गिष्ट सम्भ मुहरबव गानस्ता।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-गभार सबी प्रति टिन मुहरबव।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-जिम मूल पुस्तक क साथ उमका अनुवा भी हा सगीक सानुवा।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-जम से लगा हुआ प्रम वद श्रुति।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-रगातार अनवरत अविच्छिन्न, प्रम-वद सर्वाव स।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-मग्य शिष्ट मन्त्रव।
 बाइराल (बाइराल) अ पु-मन हृदय दिल अदर भीतर अरुनी हालत।
 बाइराल (बाइराल) अ वि-मानसिक दिली अतिरत अदरनी।
 बाइराल (बाइराल) अ पु-मुसलमाना का एक सम्प्रदाय।
 बाइराल (बाइराल) अ वि-असत्य शूठ वृत्त खनि एर व्यय वकार निक्कमा बेअसर।
 बाइराल (बाइराल) अ पा वि-जो सत्यता का पालन न करके असत्यता का अपना ध्येय बनाय।
 बाइराल (बाइराल) अ पा-जो असत्य का छडन करे सत्यवान।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-प्रतिष्ठित सम्मानित पूज्य।
 बाइराल (बाइराल) का अ वि-सापन समद धनी समय वामकरत।
 बाइराल (बाइराल) का पु-जगन भटाकी भौटा।
 बाइराल (बाइराल) का स्त्री-मदिरा मद्य वाहणी बाइराली हाला माधुरी सुरा शराव।
 बाइराल (बाइराल) का वि-शराव पीनवाला पानकर्ता मद्यप रसाशी पानप।
 बाइराल (बाइराल) का स्त्री-शराव पीनी मद्यपान।

वाद कृत (وادكوش) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद कशी (وادكشى) का स्त्री—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद खोर (وادخور) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद जोरो (وادجورى) का वि—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद खार (وادخوار) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद खवारी (وادخوارى) का स्त्री—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद गुस्तार (وادگستار) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद गुस्तारी (وادگستارى) का स्त्री—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद चश (وادچش) का वि—यौनी-मौ धगव पीनेवाला,
 केन्द्र मुँह का स्वाद बदलने को जगनी पीनेवाला ।
 वाद चसी (وادچسى) का स्त्री—मुँह का मजा बदलने
 को जगनी शराब पीना ।
 वाद मोश (वादبروش) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद मोशी (वादभोशी) का स्त्री—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद परस्त (वादبرस्त) का वि—बहुत अधिक पाने-
 वाला, मदिराभवन, पानरत ।
 वाद परस्ती (वादभ्रस्ती) का स्त्री—मदिरा-प्रेम, बहुत
 पीना ।
 वाद पैमा (वादपैमा) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद पैमाई (वादपैमाई) का स्त्री—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद फरोश (वादफरोश) का वि—शराब बेचनेवाला,
 गुराजीवी, कान्यपाल, गौंडिक, मद्यवणिक् ।
 वाद फरोशी (वादफरोशी) का स्त्री—शराब बेचना, मद्य-
 व्यवसाय ।
 वाद फर्सा (वादफर्सा) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद फर्साई (वादफर्साई) का स्त्री—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद बजाम (वादबजाम) का वि—पियाले में शराब
 भरे हुए ।
 वाद बलब (वादबलब) का वि—मुँह से शराब का
 पियाला लगाये हुए ।
 वाद सज (वादसलज) का वि—दे 'वाद आशाम' ।
 वाद संजो (वादसलजो) का स्त्री—दे 'वाद आशामी' ।
 वाद साज (वादसार) का वि—शराब बनानेवाला,
 गुराकार ।
 वाद साजी (वादसारो) का स्त्री—शराब बनाना, मद्य
 सधान ।
 वाद (वाद) का वि—वात, वायु, हवा; घमड, 'ववाद'
 का लघु, हो, आशीर्वाद,—(प्रत्य) हो, रहो, या शाप के
 लिए शब्द के अंत में आता है, जैसे—'जिद वाद' जीवित
 रहो अथवा 'मुद वाद' नष्ट हो ।
 वाद (वाद) थ वि—पश्चात्, उपरांत, पीछे ।

वाद अंगेज (वादانگه) का वि—पान यानी तीसरा पैदा
 करनेवाला ।
 वाद अजा (वादازان) का वि—नत्पद्यान्, उनके बाद ।
 वाद अक्राह (वादअक्रاه) का पु.—यह उच्चारण अशुद्ध है,
 दे 'वादाग्रह' ।
 वाद आवद (वादآورد) का पु.—गर्भो पर्येज का लगाना,
 एक यनीगति ।
 वादए अंगूर (वादअنگور) का स्त्री—जगरी शराब, मालिका,
 द्राक्षामय ।
 वादए अंगवी (वादअंगبین) का स्त्री—जगूर की शराब,
 गांधवी ।
 वादए अर्गवानो (वादअروغوانى) का स्त्री—गुरा शराब ।
 वादए अहमरी (वादअحمري) का अ स्त्री—लाग रंग की
 मदिरा ।
 वादए आतशी (वादअاتشى) का स्त्री—आग के रंग की
 मदिरा, अग्निवर्षा ।
 वादए इनवी (वादअعلى) का अ स्त्री—जगूनी शराब,
 द्राक्षामय ।
 वादए इश्क (वादअعشق) का अ स्त्री—श्रम-मदिरा, मुह्व्यत
 की शराब ।
 वादए कुहन: (वादअكهنه) का स्त्री—पुरानी मदिरा, जो
 बहुत तेज होती है ।
 वादए गुलफाम (वादअگلغام) का स्त्री—गुलाब के रंग-जैगी
 शराब, गुलाबी शराब ।
 वादए गुलरंग (वादअگلرنگ) का स्त्री—दे 'वादए
 गुलफाम' ।
 वादए तलख (वादअتلخ) का स्त्री—कडवी शराब, पुरानी
 शराब, बहुत तेज और अच्छी शराब ।
 वादए तहूर (वादअطهور) का अ स्त्री—पवित्र मदिरा, स्वर्ग
 में मिलनेवाली मदिरा ।
 वादए तुंद (वादअتلد) का स्त्री—तेज शराब ।
 वादए दोशीन: (वादअدوشينه) का स्त्री—रात की रखी हुई
 शराब, रात को पी हुई शराब ।
 वादए नाब (वादअناب) का स्त्री—बहुत बढ़िया शराब,
 खालिस और वेमेल शराब ।
 वादए नैशकर (वादअنیشگر) का स्त्री—गन्ने की शराब,
 गुड की शराब, ठर्रा, सीधु ।
 वादए नोशी (वादअنوشين) का स्त्री—आवेहयात मिली हुई
 शराब, अमृत-जैसी शराब ।
 वादए पसखुदे: (वादअپسخورده) का स्त्री—पीने से बची
 हुई शराब ।

बादए रहानी (بادء رحمانى) का अ स्त्री—एक धाराव जा बहुत सारे पूजा मयन्तीह जीर बडी स्वाच्छि और मुगधित हाता ह ।

बादए लालफाम (بادء لال فام) का स्त्री—लाल—जम रग की बहुत ही सुख गाराव ।

बादए गबीन (بادء غبينه) का स्त्री—रात का पी हुई गाराव ।

बादए गौक (بادء غوك) का अ स्त्री—प्रेम की मन्त्रि ।

बादए साफी (بادء صافى) का अ स्त्री—स्वच्छ और निमन्त्रि ।

बादकश (بادكش) का पु—छत का पत्ता धौकती ।

बादक्याय (بادكياه) का पु—फोने वरने का मरख, जत्र बदि ।

बादहबा (بادحوران) का वि—डीगिया गेयाग्राज चाटु वार मगामनी भाज मर्ई करनेवाला ।

बादगीर (بادگير) का स्त्री—हवागार खिडकी, गवाण वातायन ।

बादजन (بادجن) का पु—पसा व्यजन हाय का पसा ।

बादबस्त (بادبست) का वि—फुजुठ खच अपव्ययी त्रिद्र बगाल ।

बादवस्ती (باددستى) का स्त्री—फजूलवर्षी अपव्यय दरिद्रता बगाली ।

बादनुमा (باد نما) का पु—बापु का वेग बतानेवाला यत्र ।

बादपर्रा (باد پرا) का वि—डीगिया हवा बांधनेवाला ।

बादपर्वा (باد پرو) का पु—वातायन गवाण हवा आने की खिडकी ।

बादपा (باد پا) का वि—गोम्रगति बहुत तेज चलने वाला प्राय घोडे के लिए आता ह ।

बादपसा (باد پسا) का वि—गोम्रगति तेज रफतार मिथ्यावादी बकवामी जगलामे फिरनेवाला वनचर ।

बादपमाई (باد پمائي) का अ स्त्री—तेज चलना बक वास जगलामे फिरता ।

बादकर (بادکر) का स्त्री—फिरकी ।

बादकराह (بادکراه) का पु—पापण्ट गुनाही सजा प्रत्युपकार बुराई का बदला ।

बादकरोश (باد کروش) का वि—बातूनी कपो चाटुकार खुगामण गेखी सारा टागिया ।

बादकरोमी (باد کرومى) का स्त्री—बकवास खुगामद गेला ।

बादबाकी (باد باكى) का अ स्त्री—राकठ तहवीठ ।

बादबान (بادبان) का पु—जहाज म लगाया जानवाला

पना जिममें हवा भरकर जहाज चलता है पातपत्र, मरतप । बादबानी (بادبانى) का वि—बाग्बान द्वारा चलनेवाला पात बाग्बान से सम्बन्ध रखनेवाला ।

बादबाने अख्दर (بادبان اخضر) का अ पु—आवाग आस्मान ।

बादबेदन (بادبدن) का पु—पर्णीपना ।

बादब्द (بادبد) का वि—जिमका दग्बा बहुत ही ।

बादमे नखद (بادم نكد) का अ वि—एवाकी अकेला, तन तनहा ।

बादमे सब (بادم سرد) का वि—ठण आह भरकर ।

बादमोहर (باد مهوره) का पु—साँप का पन सपमणि एक विष नागक पत्थर ।

बादयान (بادعان) का स्त्री—मौक गत पुगा ।

बादयाने छताई (بادعان خطائى) का स्त्री—एक दवा ।

बादरजबोय (باد رجبويه) का प—एक दवा विलाई लणन ।

बादरफतार (باد رفعتار) का वि—हवा की भाँत गोम्र गति वाला वायुवेग ।

बादरफतारी (باد رفعتارى) का स्त्री—हवा की नाति तत्र चरना ।

बादरोश (بادروش) का वि—अभिमान अहंकार घमंड ।

बादलममात (بادل ممتاب) अ अव्य—मौत के बाद मरण पश्चान ।

बादगाह (بادگاه) का पु—बादगाह का लपु, दे बाग्गाह ।

बादगाह (بادگاه) का प—शासक नरेग राजा ।

बादगाही (بادگاهى) का स्त्री—शासन राज हुकूमत राष्ट्र राय सलतनत ।

बादसज (بادسج) का वि—व्यय क काम करनेवाला यथकारा लालप लाभो लालची ।

बादसर (بادسير) का अ वि—द बादपा ।

बादहवाई (باد هوائى) का स्त्री—यप वाचालता यम का बकवाद ।

बाबा (بابا) का अव्य—हा ।

बाबाकराह (باد کراه) का पु—पापद्व गुनाह की सजा प्रत्युपकार बदी का बाला ।

बाबाम (بادام) का पु—एक प्रसिद्ध मेवा बाताम बनगम ।

बाबामी (بادامى) का वि—बादाम का रग हलका पीला जो सफदी लिय ही ।

बादिवजान (بادبستان) का प—बगन द बाग्जान दोनो गुद्ध ह ।

बादिय (باديه) अ पु—वन कानन विपिन जगल ।

वाहियः (واهیہ) तु पु.—बड़ा पियाला ।
 वाहियःगर्द (واهیہ گرد) अ फा वि—जंगलो में मारा-मारा
 फिरनेवाला, वनभ्रमी, वनचारी ।
 वाहियःनशाँ (واهیہ نشانی) अ फा वि—जंगल में रहने-
 वाला, जगली, खान वदोश ।
 वाहियःपैमा (واهیہ پیمانہ) अ फा वि—दे. 'वाहिय गर्द' ।
 वाहियःपैमाई (واهیہ پیمانہ) अ फा स्त्री.—जंगलों में
 मारा-मारा फिरना ।
 वाहियुन्नजर (واهیہ النظار) अ. स्त्री.—पहली दृष्टि, ऊपरी
 दृष्टि ।
 वादिरयि (وادی الری) अ स्त्री—ऊपरी विचार ।
 वादिले खारखार (وادیله خارخار) फा अव्य—दुखी मन से,
 विवशता से, बहुत ही दु ख से ।
 वादिले जार (وادیله زار) फा अव्य—रोते हुए दिल से, दुखी
 हृदय से ।
 वादिले ना ह्वास्तः (وادیله ناخواسته) फा अव्य—इच्छा के
 विरुद्ध, मन न चाहते हुए, विवशता से ।
 वादी (وادی) अ वि—प्रारंभकर्ता, गुरूअ करनेवाला, आरंभ,
 इस्तिदा, व्यवत, जाहिर ।
 वादी (वादी) फा वि—वायु से सम्बन्धित, हवाई ।
 वादीदए तर (وادیله دے تر) फा अव्य—भीगी आँखों के साथ,
 अर्थात् रोते हुए, बहुत ही दु ख के साथ ।
 वादीदए नम (وادیله دے نم) फा. अव्य—दे 'वादीदए तर' ।
 वादे ईसा (وادیله عیسی) फा. अ स्त्री—हज़रत ईसा की फूँक,
 जिससे मुँदें जी उठते थे ।
 वादे खर्जाँ (وادیله خراج) फा. स्त्री—पतझड़ की ऋतु की हवा ।
 वादे जम्हरीर (وادیله زمهریر) फा स्त्री—शीतकाल की बहुत
 ही ठंडी वायु, जिससे हाथ-पाँव ठिठुर जाते हैं ।
 वादे तुंद (وادیله تند) फा स्त्री—तेज वायु, झंझावात, झक्कड ।
 वादे नसीम (وادیله نسیم) फा अ. स्त्री—शीतल, मद और
 सुगंधित समीर ।
 वादे फत्क (وادیله فتق) फा अ स्त्री—अन्न-वृद्धि, फोते का
 वह जाना ।
 वादे फरग (وادیله فرگ) फा स्त्री—उपदश, आतशक, गर्मी रोग ।
 वादे बहार (وادیله بهار) फा स्त्री—वसंत ऋतु की सुगंधित
 और शीतल वायु ।
 वादे बहारी (وادیله بهاری) फा स्त्री—दे 'वादे बहार' ।
 वादे बहारी (وادیله بهاری) फा स्त्री—दे 'वादे बहार',
 "न छेड ऐ नकहते वादे बहारी राह लग अपनी ।
 तुझे अठखेलियाँ सूझी है, हम बेजार बैठे हैं ।"
 वादे मुआफिक (وادیله موافق) फा अ स्त्री.—वह वायु जो

नाव के रख पर चले, जिससे नाव शीघ्र और ठीक चले ।
 वादे मुआलिक (وادیله مخالف) फा अ स्त्री—वह वायु जो
 नाव की विरुद्ध दिशा में चले, जिससे नाव न चल सके ।
 वादे मुराद (وادیله مراد) फा स्त्री—दे. 'वादे मुआफिक' ।
 वादे शुर्त (وادیله مشروط) फा अ स्त्री—दे 'वादे मुआफिक' ।
 वादे सवा (وادیله سوا) फा स्त्री—सवैरे की पूर्वा हवा ।
 वादे समूम (وادیله سموم) फा अ स्त्री—कड़ी और घातक लपट,
 वह वायु जिसमें विष पैदा हो गया हो ।
 वादे ससर (وادیله صصر) फा स्त्री—झंझावात, झक्कड ।
 वादे सहर (وادیله سحر) फा अ स्त्री—सवैरे के वक्त पूर्व से
 चलनेवाली शीतल और मद वायु ।
 वानः (وانه) फा पु.—उपस्थ, पेड़, नाभि के नीचेवालों का
 स्थान ।
 वान (وان) फा प्रत्य—वाला, जैसे—'शुतुरवान', ऊँट-
 वाला, (पु) वर्ण, रंग ।
 वान (وان) अ पु—एक पेड़ जिसके फल का तेल दवा में
 काम आता है ।
 वानवा (وانوا) फा. वि—समृद्ध, धनवान्, मालदार ।
 वानसीव (وانسیب) फा अ वि—भाग्यवान्, भाग्यशाली,
 खुशकिस्मत ।
 वानिए कार (وانیله کار) अ फा पु—किसी कार्य का प्रवर्तक,
 किसी काम का प्रथम करने वाला ।
 वानिए जफा (وانیله جفا) अ वि—अत्याचार करनेवाला ।
 वानिए जुल्म (وانیله ظلم) अ वि—दे 'वानिए जफा' ।
 वानिए जीर (وانیله جور) अ वि—दे 'वानिए जफा' ।
 वानिए फसाद (وانیله فساد) अ फा वि—झगडे की जड,
 झगडा करानेवाला, जिसके कारण कोई झगडा हुआ हो ।
 वानिए फिल्लः (وانیله فتنه) अ फा वि—दे 'वानिए फसाद' ।
 वानिए फिरेव (وانیله فریب) अ फा वि—धोखा देनेवाला,
 वचक, ठग ।
 वानिए बेदाद (وانیله بیداد) अ फा वि—दे 'वानिए जफा' ।
 वानिए शर (وانیله شر) अ वि—दे 'वानिए फसाद' ।
 वानिए सितम (وانیله ستم) अ फा वि—दे 'वानिए जफा' ।
 वानी (وانی) अ वि—किसी काम की शुरुआत करनेवाला ।
 वानीकार (وانیله کار) फा वि—बहुत ही धूर्त और फिस्तीन ।
 वानीमवानी (وانیله معانی) अ फा वि—मूल कारण,
 अस्ल जड ।
 वा पहुँच (واپهوه) फा वि—परहेज करनेवाला, बीमारी
 की दशा में खाने-पीने में ठीक-ठीक रहनेवाला ।
 वाफ (واف) फा प्रत्य—बुननेवाला, जैसे—'शालवाफ' शाल
 बुननेवाला ।

वाफकार (وافاکار) का वि-दुननेवाग जुलाहा।
 वाफरागत (وافراغت) का अ वि-सतापपुवन, इत्मीनात
 से मुगमतापुवक आमानी से।
 वाफिद (وافيد) का वि-दुननेवाला वायक कुविद।
 वाफिदगी (وافيدگی) का स्त्री-बपडा दुनने का काम।
 वाफत (وافت) का वि-बुना हुआ।
 वाफत (وافت) का स्त्री-बुनाई दुनने का काम, बिनावट
 बुनत।
 वाब (واب) का पु-योग्य लाइक सम्बन्ध वार।
 वाब (واب) अ पु-द्वार दरवाजा परिच्छेद, फल
 (पुस्तक का)।
 वाबक (وابک) का पु-सत्यनिष्ठ अमीन ईरान का
 एक प्राचीन नासक।
 वाबदन (وابدن) का स्त्री-बवाब सक्ने की लाहे की सीख।
 वाबत (وابت) का स्त्री-बास्ते लिए सम्बन्ध में वारे में।
 वाबर (وابر) तु पु-तुर्की में यह शब्द बाबुर ह परतु उदू
 म बाबर हा गया प्रसिद्ध नरेश जा हुमायू का बाप था।
 वाबवार (وابوار) अ पा वि-पुस्तक के परिच्छेदा के
 हिमाव स।
 वाबा (بابا) अ पु-पिता बाप दादा नाना सरदार।
 वाबिल (بابل) अ पु-इराक का एक प्राचीन नगर जो
 र्ना मे दो हजार बप पूव इराक की राजधानी था अब
 खडहर ह। बगदाद म ६० मील दूर फरात के किनारे था।
 बाबी (بابی) का पु-एक धम जा मयदअली मुहम्मद
 ईराना ने निकाला था इस धम का अनुयायी।
 बाबुल (بابل) अ पु-दे गुड उच्चारण बाबिल यह
 असाधु ह।
 बाबुस्सामा (بابو الساما) अ पु-ओफान-मगा।
 बाबून (بابونه) का पु-एन पत्ती जा दवा क काम आती ह।
 बाबूर (بابور) अ पु-स्टीमर मशीन से चरनेवाली बड़ी
 नाव।
 बाबे अदम (باب اعدم) अ पु-यमलोक का द्वार यमलोक।
 बाबे इजाबत (باب اجابت) अ पु-जुआ या प्राथना का
 स्वीकृति का द्वार।
 बाबे इलम (باب علم) अ पु-विद्यालयी घर का द्वार।
 बाबे इबूल (باب قبول) अ पु-बाब इजाबत।
 बाम (ام) का पु-छल जटारी — जा निकार एव उगा
 दी ती क भी ग्या दी उ हर निगाह के विन काई वाम
 तक न पहुँचे।
 बामगाह (امگاه) का स्त्री-प्रात का तका सवेरा।
 बामउ (امروزه) का वि-स्वादिष्ट सुस्वा मजदार।

बामदाक (بامدادان) का अ वि-साहय रमिक, परिहास
 प्रिय, विनादी दिल्लीवात्र।
 बामदाद (بامدادان) का पु-तक सरे प्रात काल।
 बामदादा (بامدادان) का पु-दे बामगाह।
 बामपू परीसा (بامپوے پرسیا) का अर्थ-बाल विखरे हुए।
 बामे अश (نام عرش) का अ पु-अश की चाटी बटु
 उँचा स्थान।
 बामे गदू (نام گردوں) का पु-आकाश का छल, गथान्
 आकाश।
 बामे दुनया (نام دنیا) का अ-ससार की छत अयात
 पामीर जो मय एशिया का एक देश ह।
 बामे नहुम (نام نهم) का पु-नवा थाकाग अयात अग
 जग ईश्वर का सिहासन ह।
 बामे मसीह (نام مسیح) का अ पु-चौथा आकाग जहाँ
 ह्रात ईसा रहने ह।
 बायद (باد) का क्रि-चाहिए।
 बायदोशायाद (بادد شاد) का वि-अभुन विधिप
 अनोखा।
 बायस्त (باستانه) का वि-योग्य, लाइक, उत्तम थथ
 अला।
 बायस्तागी (باستانگی) का स्त्री-उत्तमता उमदी बायना
 लियकत।
 बायस्तनी (باستانلی) का वि-होने क वाय, जिसका हाता
 चाहिए आवश्यक जरूरी।
 बार (بار) का पु-बेरा इहाता प्राचीर, बार दफा
 मन्वध मुआमला।
 बार (بار) का स्त्री-बोय भार आना इजाबत पट्ट
 रमाई दफा भरतवा, गभ हम्मल कृण, कज (प्रत्य)
 बरमानेवाग जम-अशवार आसू बरसानवाला।
 बारअदाब (باراداد) का पु-उहलता उतरता, वही
 वियाम करना।
 बारआबर (باراور) का वि-पदाद, जिसमें फल लय ह।
 गभवती हामिग नतीज खेज सफल।
 बारकल्लाह (بارک الله) अ पु-ईश्वर बरखत अर्थात्
 समदि और कल्याण प्रदान कर।
 बारकश (بارکش) का नि-बाल ठालवाला हम्मल,
 भारवाग लदू जानवर।
 बारकसी (بارکسی) का स्त्री-बाप होता भारवाहन।
 बारजान (بارجانہ) का पु-सामान रखने का मकान
 गोनाम।
 बारगाह (بارگاه) का स्त्री-बारगाह का लपू दे बारगाह।

बारगाह (بارگاه) का स्त्री—दरवार, राजसभा, राजमहल, शाही मकान, कचहरी।
 बारगी (بارگی) का पु—अश्व, घोड़ा।
 बारगीर (بارگیر) का वि—साईस, अश्वपाल; अश्व, घोड़ा, उष्ट्र, जैट, बैल, वृषभ।
 बारतग (بارتگ) का स्त्री—एक दाना जो दवा में चलता है।
 बारदान: (بارदान) का पु—दे 'वारदान'।
 बारदान (بارदान) का पु—वह चीज जिसमें बोझ अर्थात् सामान रखे, खुर्ची, बोरा आदि।
 बारदार (باردار) का वि—फला हुआ, फलित, गर्भवती, हामिला।
 बारद्वोकद (باردوكد) का अ. अव्य.—बड़ी हुज्जतों के साथ, वाद-विवाद होकर।
 बारफरोश (بارفروش) का वि—थोक सीदा बेचनेवाला।
 बारवद (بارد) का पु—एक गवैया, जो खुस्ती परवेज के दरवार में था।
 बारवर (بارور) का वि—बोझ ले जानेवाला, बोझ ढोनेवाला।
 बारवरदार (باروردار) का वि—बोझ उठानेवाला, भार-वाहक।
 बारवरदारी (بارورداري) का स्त्री—बोझ उठाना, भार-वहन।
 बारयाव (بارياب) का वि—जिसे किसी बड़ी जगह पहुँचने की आज्ञा मिल गयी हो, जो पहुँच गया हो।
 बारयावी (باريائي) का स्त्री—रसाई, पहुँच, किसी बड़े और प्रतिष्ठित आदमी के पास पहुँच।
 बारवर (بارور) का वि—फलित, फल आया हुआ, सफल, कामयाब, सतानवान्, औलादवाला।
 बारहा (بارها) का वि—बहुधा, प्राय, अक्सर, बारबार, बार-बार।
 वारां (باران) का पु—वर्षा, बरसात; वर्षाजल, बरसात का पानी, वर्षाऋतु, बरसात का मौसम।
 वारांगीर (بارانگیر) का पु—घर या मकान का छज्जा, सायवान।
 वारांगीर (بارانگیر) का पु—दे 'वारांगीर'।
 वारांबीद: (بارانديد) का वि.—जिस पर मेह पड़ चुका हो, अनुभवही, तज्जिव कार।
 वारांबार (بارانبار) का पु—वर्षा प्रधान देश, वह देश जहाँ पानी बहुत बरसता हो।
 वारानी (باراني) का स्त्री—बरसाती कोट आदि, वह भूमि जो केवल वर्षा के सहारे हो।

वाराने रहमत (باران رحمت) का अ. पु—वर्षा, बारिश, ऐसी वर्षा जो लाभ दायक हो, अनिष्ट न करे।
 वारिक: (باريقه) अ पु—विजली, तड़ित, चमकनेवाली चीज; तलवार।
 वारिक (باريق) अ वि—प्रज्वलित, प्रकाशमान, नूरानी, चमकदार।
 वारिज (بارز) अ वि—प्रकट, व्यक्त, जाहिर, स्पष्ट, वाजिह, आविर्भूत, उत्पन्न।
 वारिद (بارد) अ वि—ठंडा, सर्द; निस्वाद, नीरस, बेमजा।
 वारिया (باريا) का वि—पाखंडी, धर्मध्वजी।
 वारियाहत (بارياصت) का अ वि—तपस्वी, योगी।
 वारिश (بارش) का स्त्री—वर्षा, बरसात, वर्षाकाल, बरसात का मौसम, वर्षाजल, बरसात का पानी।
 वारिशी (بارشي) का वि—वर्षा सम्बन्धी, वर्षाका, बरसाती।
 वारिशे खूँ (بارش خون) का स्त्री—रक्तवर्षा, खून बरसना।
 वारिशे गुल (بارش گل) का स्त्री—पुष्पवर्षा, फूल बरसना।
 वारिशेजर (بارش زرد) का स्त्री—स्वर्णवर्षा, सोना अर्थात् धन बरसना, धन का बाहुल्य।
 वारी (باري) अ पु—स्रष्टा, पैदा करनेवाला, ईश्वर।
 वारी (باري) का स्त्री—नीवत, पारी, जैसे—बुखार की वारी।
 वारीक (باریک) का वि—महीन, पतला, सूक्ष्म, लतीफ, गूढ, दकीक।
 वारीकखयाल (باریک خیال) का अ वि—नाजुक खयाल, सूक्ष्म विचार।
 वारीकनजर (باریک نظر) का अ वि—वारीकी देखनेवाला, किसी चीज के गुण-दोष पहचाननेवाला, मर्मज्ञ।
 वारीकनिगाह (باریک نگاہ) का वि—दे 'वारीकनजर'।
 वारीकवीं (باریک بین) का वि—सूक्ष्मदर्शी, वारीक नजर।
 वारीकवीनी (باریک بینی) का स्त्री—सूक्ष्मदर्शिता, वारीकी देख लेना।
 वारीकमियाँ (باریک میان) का वि—जिसकी कमर पतली हो, कुशोदरी।
 वारीकरौ (باریک رو) का वि—किफायत शिखार, मितव्ययी।
 वारीकी (باریکي) का वि—पतलापन, सूक्ष्मता, लताफत; गूढता, जटिलता, वात की वारीकी।
 वारिद: (باريد) का वि—वर्षित, बरसा हुआ।
 वारीदनी (باريدنی) का अव्य—वर्षणीय, बरसने योग्य।
 वारुत (باروت) का स्त्री—दे 'वारुद'।
 वारुद (بارود) का स्त्री—जोरा, श्वेतधार, गंधक और शोरे का मिश्रण, अग्निचूर्ण।

बाहदी (بارودي) का वि—बाहद सम्बन्धी, बाहद की बाहद बिजो हुई जैसे—बाहदी सुरग।
 बारे (بارے) का अर्थ—अस्तु खर अतत, जाखिरकार।
 बारे असीम (بارعظیم) का अर्थ—वहुत बड़ा बोझ बहूत बनी जिम्मेदारी।
 बारे अमानत (بارامانت) का अर्थ—अमानत या धरोहर की जिम्मेदारी।
 बारे अलम (بارالم) का अर्थ—दुख का भार प्रेमने दुख का भार।
 बारे आम (بارعام) का अर्थ—सब की पहुँच, सब को जाने जाने की आना।
 बारे आलम (बारالام) का अर्थ—मुसीबत के पहाड, अचा मुसीबतें।
 बारे कफालत (बारकफालत) का अर्थ—जायदाद पर ऐसा क़ब्र जिसके बदले में जायदाद रहन का गयी हो।
 बारे क़ब्ज़ (बारक़ब्ज़) का अर्थ—श्रण का बोन।
 बारे छातिर (बारहातिर) का अर्थ—सबोमत का बोन, एसी बात या ऐसा काम जिसे मन न चाहे।
 बारे गर्रा (बारग़र्रा) का अर्थ—भारी बोझ जा उठ न सके या जिसके उठाने में कष्ट हो बड़ी जिम्मेदारी।
 बारे गुनाह (बारग़नाह) का अर्थ—गुनाहा का बाण पाप भार।
 बारे दिगर (बारदिगर) का अर्थ—मुन फिर दूसरी बार।
 बारे ब (बारब) का अर्थ—राजा दाबवाला व्यक्ति।
 बाल (بال) अर्थ—प्राण, जान वसा हाल समझि दौलत पैश मुस श्रेष्ठता बडप्पन बभव गान।
 बाल (بال) का अर्थ—कवे से उगलिया तक पूरा हाथ बिडियो बाडना जिसमें पर लगने ह बाजू पर पण पत।
 बाल (بال) अर्थ—पति भर्ता खाबिद गौहर अरब की एक मूर्ति जिसकी पूजा हाती थी।
 बालअफ़ाँ (बारअफ़ाँ) का अर्थ—पर फ़ाये हुए पर झानता हुआ पर फ़फ़ानता हुना।
 बालअफ़ानो (बारअफ़ानो) का अर्थ—पर शाडना पर फ़फ़ानता पर तालना।
 बालकुशा (बारकुशा) का अर्थ—पर खोले हुए।
 बालजुबानी (बारजुबानी) का अर्थ—पर फ़फ़ानता पर फ़फ़ानता
 बालकिशा (बारकिशा) का अर्थ—बालअफ़ाँ।
 बाला (بالا) का अर्थ—ऊचा बल शरीर देह आग गामन प्रयान थेट जिसे धरतीह ऊपर ऊपर।
 बालाई (बारो) का अर्थ—ऊपरवाला ऊपर का अन्ल के अगवा मूल के अतिरिक्त धोरणार भगई।

बालाए ताक (बारोएताक) का अर्थ—ताक पर, पूथक अलग जिनम कोई सम्बन्ध न हो।
 बालाए बाम (बारोएबाम) का अर्थ—अटारी पर, छत पर आखिरे गवनाद के बाबिल थी बिस्मिल की तल्प।
 सुबह दम कोई अगर बालाए बाम आया ता क्या ?
 बालाओपस्त (बारोओपस्त) का अर्थ—ऊँच नीच नीचा-ऊचा।
 बालाखान (बारोखान) का अर्थ—अट्टालिका छत के ऊपर का मकान।
 बालातर (बारोतर) का अर्थ—बहुत ऊँचा, किसी विशेष चीज से ऊँचा।
 बालादवी (बारोदवी) का अर्थ—भीघ गति तेजी, जल्दी।
 बालादस्त (बारोदस्त) का अर्थ—थेट, प्रतिष्ठित उच्च आँला, जवस्त, अपजल बुलद मतवा।
 बालानमी (बारोअनमी) का अर्थ—माय पूष्य, प्रतिष्ठित सभापति सः।
 बालापेश (बारोअपेश) का अर्थ—सब कपडा स ऊपर पहनन का कपडा उत्तरीयक निबोल।
 बालाबलद (बारोअबलद) का अर्थ—लवे कद का, लवे गरार वाला उबे शरीर की नायिका।
 बालावपस्त (बारोअवपस्त) का अर्थ—ऊचा नीचा ऊच-नीच आवाज और पस्वी।
 बालिमू (बारोअलिमू) का अर्थ—एक दाने जो दवा में काम आते ह।
 बालिया (बारोअलिया) अर्थ—बह लम्बा या लम्बी जो गुना बस्था का प्राप्त हा चुकी हो वयस्व वय प्राप्त।
 बालियनवर (बारोअलियनवर) अर्थ—अनुभव, परिपक्व, तत्रिब कार ममन दोपगुण का पारवी।
 बालियनवरी (बारोअलियनवरी) अर्थ—अनुभव तत्रिब दोपगुण की परल ममानत।
 बालियनिगार (बारोअलियनिगार) अर्थ—जिसका रचना सार गमित और मनपूण हो।
 बालियनिगारी (बारोअलियनिगारी) अर्थ—रचना में गूढ़ता और सूक्ष्मता हुना।
 बालियनिगाह (बारोअलियनिगाह) अर्थ—बालियनवर।
 बालियनिगाही (बारोअलियनिगाही) अर्थ—रनी—रै बालियनवरी।
 बालियन (बारोअलियन) का अर्थ—तकिया उपधान धरिण मसन मिरहाता।
 बालिये पर (बारोअलिये पर) का अर्थ—परा का तकिया बह तकिया जिसे भीतर पर भरे ह।
 बालित (बारोअलित) का अर्थ—उपधान तकिया विकरित रिती नो दूष की नाप।

बालिशतक (बालिशतक) फा पु—आल्पीने खोसने की गद्दी, पिन-कुशन ।
 बाली (बाली) फा स्त्री—तकिया, उपधान, सिरहाना, शिरोहण ।
 बालीपरस्त (बालीपरस्त) फा वि—पलग पर पडा रहने-वाला, आरामतलव ।
 बालीपरस्ती (बालीपरस्ती) फा स्त्री—पलग पर पडा रहना, आरामतलवी ।
 बालीदः (बालीदः) फा वि—बढा हुआ, विकसित ।
 बालीदगी (बालीदगी) फा स्त्री—विकास, बढाव ।
 बालूअः (बालूअः) अ पु—कुडी, जिसमे बरसात या घर का खराब पानी जाता हो ।
 बालून (बालून) अ पु—गुंवारा, वागोल; अभ्रपथ ।
 बाले जिब्रील (बाले जिब्रील) फा अ. पु—जिब्रील के पर, जिब्रील की उडान ।
 बाले हुमा (बाले हुमा) फा पु.—हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाईं पडने से मनुष्य राजा हो जाता है ।
 बालोपर (बालोपर) फा पु—पर और वाजू, शक्ति, बल, सामर्थ्य ।
 बालोपर शिकस्त (बालोपर शिकस्त) फा वि—जिसके वाजू और पर टूट गये हों, अर्थात् विवश, लाचार ।
 बावकार (बावकार) फा अ वि—प्रतिष्ठित, सम्मानित, श्रेष्ठ, सुअज्जज ।
 बावकअत (बावकअत) फा अ वि—दे 'बावकार' ।
 बावक (बावक) फा अ वि—दे 'बावकार' ।
 बावजूअ (बावजूअ) फा अ. वि—वजूअदार, जो अपनी वजूअ का पावद हो ।
 बावफा (बावफा) फा अ वि—नमक हलाल, स्वामिभक्त, आज्ञानुयायी, फर्मावरदार ।
 बावर (बावर) फा पु.—विश्वास, प्रत्यय, एतिवार ।
 बावरचौ (बावरचौ) फा पु—खाना पकानेवाला, सूपकार, पाचक, रसोइया ।
 बावरचौखानः (बावरचौखानः) फा पु—खाना पकाने का स्थान, महानस, पाकशाला ।
 बावरचौगरी (बावरचौगरी) फा स्त्री—रसोइया का काम, खाना पकाना, रसोइया का पेशा ।
 बावस्क (बावस्क) फा अ अव्य—बावजूअ, यद्यपि, सत्यपि ।
 बावजूअ (बावजूअ) फा अ अव्य—बावस्क, यद्यपि, सत्यपि ।
 बावजूअे कि (बावजूअे कि) फा अ अव्य—यद्यपि, अगरचे ।
 बाशः (बाशः) फा पु—एक शिकारी पक्षी, शिक ।

बाश (बाश) फा प्रत्य—रहनेवाला, जैसे—'हाजिरबाश' उपस्थित रहनेवाला ।
 बाशद (बाशद) फा क्रि—हो, शायद ।
 बाशदहोमद (बाशदहोमद) फा अ अव्य—जोर-जोर के साथ, धूमधाम के साथ, साहस और उमग के साथ, दा'वे के साथ ।
 बाशा (बाशा) तु पु—एक बडा खिताब, पाशा ।
 बाशदः (बाशदः) फा पु—निवासी, रहनेवाला ।
 बाशी (बाशी) तु पु.—नायक, सरदार ।
 बाशूअर (बाशूअर) फा अ वि—बुद्धिमान, अक्लमद, शिष्ट, तमीजदार ।
 बा'स (बा'स) अ पु—जगाना, उठाना, कियामत, महा-प्रलय ।
 बासक (बासक) फा स्त्री—जँभाई, जूंभा ।
 बासलीकः (बासलीकः) फा अ वि—तमीजदार, शिष्ट; जिसे चीजों को ढग से रखने और काम को शिष्टता पूर्वक करने की आदत हो ।
 बासलीक (बासलीक) अ स्त्री—हाथ की एक रग जो फस्द के लिए खोली जाती है ।
 बासलीकून (बासलीकून) अ स्त्री—मसी, सियाही, कालिमा, कालापन ।
 बासित (बासित) अ वि—उन्नति और विकास देनेवाला, ईश्वर का एक नाम ।
 बासिर (बासिर) अ स्त्री—दृष्टि, नजर, नेत्रशक्ति, कुव्वते वासिर ।
 बासिलसिलः (बासिलसिलः) फा अ अव्य—क्रमबद्ध, सिल-सिलेवार ।
 बासुकून (बासुकून) फा अ अव्य—शांतिमय, सतोपपूर्ण ।
 बासूर (बासूर) अ स्त्री—एक बीमारी, बवासीर, अर्श, नाक का बढा हुआ मास ।
 बासूरी (बासूरी) अ वि—बासूरसम्बन्धी ।
 बासूरे दमवीं (बासूरे दमवीं) अ स्त्री—खूनी बवासीर, रक्तार्श ।
 बासूरे रियाही (बासूरे रियाही) अ स्त्री—बादी बवासीर, वातार्श ।
 बा'सोनशर (बा'सोनशर) अ पु—कियामत का दिन, जिस दिन सब लोग उठेंगे और चारों तरफ फैल जायेंगे ।
 बास्ताँ (बास्ताँ) फा वि—प्राचीन, पुरातन, पुराना, इस शब्द का पास्ताँ कहना अशुद्ध है ।
 बाह (बाह) अ स्त्री—कामशक्ति, मैथुनशक्ति ।
 वाहम. ओ वेहमः (वाहम. ओ वेहमः) फा अव्य—सबके साथ, और किसीके साथ न हो, ऐसा व्यक्ति जो भलाई में सबके साथ हो, और बुराई में किसी के साथ न हो ।

बाहम (بَاهِم) फा वि-परस्पर, अयाय, आपस में, एक साथ मिलकर।

बाहमदियर (بَاهِمِدِيَر) फा वि-परस्पर, एक-दूसरे से मिलकर।

बाहमी (بَاهِمِي) फा वि-पारस्परिक आपस का।

बाहमीयत (بَاهِمِيَّات) फा अ वि-स्वाभिमाना, खुदगार लज्जावान, हयागार।

बाहमा (بَاهِمَا) फा अ वि-जिसमें लज्जा बहुत हो गर्मीला गरम लज्जावान।

बाह्यास (بَاهِيَّاس) फा अ वि-जा हावाहवास में हा सवेत।

बाहिर (بَاهِر) अ वि-स्पष्ट व्यक्त बाहिर प्रकाशमान रोग।

बाहूर (بَاهُوْر) अ पु-अत्यंत गर्मी ग्रीष्म ऋतु के आठ दिन जो बहुत गर्म होते हैं और असात व्रत में पतत है।

बाहसियत (بَاهِسِيَّات) फा अ वि-प्रतिष्ठित सम्मानित, इश्वरगार समर्थ समद्व मालदार।

बाहोतल (بَاهُوْتَل) फा अ वि-हिम्मतवाला, उत्साहा।

वि

बित (بِت) अ स्त्री-लटकी पुत्री सुता दुहिता तनया।

बितुलअम्म (بِتُوْلْاَمِّم) अ स्त्री-घषा की लकी।

बितुलइनव (بِتُوْلْاَلِنَب) अ स्त्री-अगूर की लडकी जहाँ अगूर की शराय द्राशासव मन्त्रिा मुता।

बितुलउह्त (بِتُوْلْاَلْحَب) अ स्त्री-बहन की लकी, भानत्री भगिनीमुता भगिनयी।

बितुलकम्म (بِتُوْلْاَلْكَرْم) अ स्त्री-बितुलइनव।

बितुलगाक (بِتُوْلْاَلْغَاك) अ स्त्री-बाप की परी बाके गिया निवामिनी।

बितुलबह (بِتُوْلْاَلْبَحْر) अ स्त्री-समुद्र मुता जन्परी लकी।

बिते आदम (بِتْاَلْاَدَم) अ स्त्री-आत्म की लकी जहाँत स्त्रीवय स्त्री नारी जीरत।

बिते इनव (بِتْاَلْاِنَب) अ स्त्री-गराब मदिरा।

बिते ह्वा (بِتْاَلْاَحْوَا) अ स्त्री-ह्वा की पुत्री अथवा स्त्रीवय स्त्री नारी।

बितर (بِتْر) अ स्त्री-दूसरी छाने जंगली अनामिका।

त्रि अल्हा विदी (بِتْرِاَلْاَلْهَاد) अ अर्थ-अपने मारे अ काम का साथ जिस विगो व नाम के साथ बहुत-सी उपार्थियाँ लगती हो उ हँ न शिकर केवक यन् गल्ह लिख देते हैं।

बिआद (بِعَاْد) अ स्त्री-दूग फामिला।

बिक (بِك) तु पु-विग।

बिकबागी (بِكْبَاغِي) तु पु-विगवागा।

बिक (بِكْر) अ स्त्री-कुमारी, दोगीज (वि) ऐसा काम जा पहले न हुआ हो।

बिकनिगाह (بِكْرِنِيْغَاْه) अ फा स्त्री-बह नायिका जिसे अभी हाव भाव न आते हैं।

बिग (بِكْ) तु पु-वेग' बालू मायक सरदार।

बिगताग (بِكْتَاغ) तु पु-जिमक बहुत स दास-गमियाँ हैं जो एक ही स्वामी व दास हैं आजातग।

बिगबागी (بِكْتَاغِي) तु पु-फौज का मजर सनातायक।

बिगयाक (بِكْيَاك) तु पु-एक स्वामी व दास स्वाज तास।

बिजन (بِن) फा पु-वध कल (क्रि) मार, जान से मार डाल।

बिजनगाह (بِنْغَاْه) फा स्त्री-वधस्थल, मकल कलगाह।

बिजाअत (بِنْجَاْءَت) अ स्त्री-नामथ्य मकदूर, पूजी सरमाय।

बिजातिही (بِنْجَاْتِيْهِي) अ अर्थ-अपने दम स स्वय आप।

बिजिसिही (بِنْجِسِيْهِي) अ अर्थ-बिलबुल बसा ही तूफ तदाकार तत्सम।

बिजअ (بِنْج) अ पु-तीन स नीतव की सख्या इनक बाव की वार्द सख्या।

बिजुहर (بِنْجُوْر) अ अर्थ-अवश्य जुहर जुहर।

बिजुकरत (بِنْجُوْرَت) अ अर्थ-आवश्यकता पडने पर, जुहरत पर।

बितमामिही (بِتْمَاْمِيْهِي) अ अर्थ-पूणतया पूर तीर पर सबका सब कुल सपूण।

बितालत (بِتَالْت) अ स्त्री-सूरता बीरता बहादुरी।

बितबदीर (بِتْبَدِيْر) अ अर्थ-भायबग किस्मत त।

बितससीस (بِتْسَسِيْس) अ अर्थ-विश्रपत यासतीर पर।

बितससील (بِتْسَسِيْل) अ अर्थ-विस्तारपूवक तफमील के साथ।

बितसअ (بِتْسَطْع) अ वि-स्वभावत स्वभाव से तबीअत स दिल से।

बितसमाम (بِتْسَمَاْم) अ वि-सबका सब पूर का पूरा।

बिततीव (بِتْتِيْوَب) अ वि-क्रम के साथ ततीव के साथ एक के बाद एक, सिंसिलेवार।

बितश्रीह (بِتْشْرِيْه) अ वि-व्याख्या क साथ तसीह के साथ विस्तार के साथ तफमील के साथ।

बितलीह (بِتْلِيْه) अ वि-विस्तारपूवक तफमील के साथ स्पष्टतया वजाहत के साथ।

वित्तहकीक (بالتحقيق) अ. वि—निश्चयपूर्वक।
 वित्तोत्र (نطیخ) अ. पु—तरबूजा।
 वित्तीखे अरुजर (نطیخ احضر) अ. पु—तरबूज।
 वित्त्यार: (نطیخ) फा. पु—आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत, बला,
 देवी आपत्ति, अभिचार, जादू; छल, फरेब; देव, पिशाच।
 विन्नोक (نطریق) अ. पु—पादरी, किलीसाई।
 विदाअत (نداأت) अ. स्त्री—आरम्भ, प्रारम्भ, अनुष्ठान
 शुरुआत।
 विदिस्त (نديست) फा. स्त्री—वालिस्त, वित्ती, वित्ता,
 वित्तिस्त।
 विद्दन (ندين) अ. अव्य—विना, वगैर।
 विद्अत (نديست) अ. स्त्री—नयी वात, नवीनता, धर्म मे
 नयी वात, इस्लाम धर्म मे वह वात जो रसूल के समय में
 न हो।
 विद्अती (ندينى) अ. वि—धर्म मे व्यवस्था करनेवाला।
 विद्आत (نديست) अ. स्त्री—'विद्अत' का बहु विद्अते,
 धर्म मे नयी वाते।
 विद्राम (نديرام) फा. वि—दे 'पिद्राम', वही शुद्ध है।
 विद्रद (نديرون) फा. स्त्री—विद्या करना, रखसत करना,
 त्याग करना, छोडना।
 विना (ننا) अ. स्त्री—नीव, आधार, बुनियाद, कारण,
 सबब।
 विना अन अल्लेह (نناءاً علىه) अ. वि—इस कारण से, इस
 बुनियाद पर।
 विनाए जुलम (نناءاً ظلم) अ. स्त्री—अत्याचार की शुरु-
 आत।
 विनाए दा'वा (نناءاً دعوا) अ. स्त्री—दावे के बुन्याद,
 वादाधार।
 विनाए मुवासमत (نناءاً مخاصمت) अ. स्त्री—झगड़े की
 जड, फसाद की बुन्याद, वाद का मूल आधार।
 विनावर (نناءار) अ. फा. अव्य.—इस कारण, इसलिए।
 विनोय: (ننيه) अ. स्त्री—दे. 'बुनीय', दोनो शुद्ध है।
 विफजिलही (نصفله) अ. वि—उसके (ईश्वर के) फजल से,
 ईश्वर की कृपा से।
 विमिन्निही (نصفه) अ. वि—उसकी (ईश्वर की) दया
 से, ईश्वर की अनुकपा से।
 वियावाँ (نيدان) फा. पु—'वियावान' का लघु, दे.
 'वियावान'।
 वियावाँगर्दे (نيدان گرد) फा. वि—काननचारी, वनध्रमी,
 जंगल मे फिरनेवाला।
 वियावाँनचर्दे (نيدان نورد) फा. वि—दे 'वियावाँगर्दे'।

वियावाँनशी (نيدان شين) फा. वि—जंगल मे रहनेवाला,
 वनवासी।
 वियावान (نيدان) फा. पु—वन, कानन, विपिन, अरण्य,
 जंगल।
 वियावानी (نيدانى) फा. वि—जंगल का, जंगली, जंगल
 सम्बन्धी।
 वियावाने कुद्स (نيدان قدس) फा. अ. पु—वंतुल मुकद्स
 (यरोशलम) का जंगल।
 विरंज (نرنج) फा. पु—चावल, तडुल।
 विर [रं] (نر) अ. पु—उपकार, भलाई, यश, पुण्य,
 दान, वलिजश।
 विरजीस (نرچيس) अ. पु—बृहस्पति, मुश्तरी, दे 'विर्जीस'।
 विरजीसकद्र (نرچيس قد) अ. वि—बहुत बड़ी प्रतिष्ठावाला।
 विरजीसशियस (نرچيس شيم) अ. वि—बृहस्पति—जैसी
 बुद्धिवाला, बहुत बडा बुद्धिमान्।
 विरंज (نرنج) अ. पु—पीतल, पित्तल, जस्ता और ताँबे
 के योग से बनी हुई एक धातु।
 विरंजासफ (نرچيس سف) अ. पु—एक पत्ती जो दवा के
 काम आती है।
 विरिस्त: (نرشته) फा. वि—भुना हुआ, भूट।
 विरिस्त:कत्व (نرشته قلب) फा. अ. वि—जिसका हृदय
 प्रेमाग्नि मे जलभुन गया हो, अर्थात् प्रेमी।
 विरिस्त:जिगर (نرشته جگر) फा. वि—दे 'विरिस्त.
 कत्व'।
 विरिस्त:दिल (نرشته دل) फा. वि—दे 'विरिस्त कत्व'।
 विर्जीस (نرچيس) अ. पु—बृहस्पति, मुश्तरी।
 विर्या (نريان) फा. वि—भुना हुआ, भूट।
 विर्यानी (نريانى) फा. स्त्री—एक प्रकार का पुलाव जिसमे
 गोश्त भूनकर पडता है।
 विलअवस (نوالعكس) अ. वि—विरुद्ध, प्रत्युत, बरखिलाफ।
 विलआखिर (نوالاخر) अ. वि—अतत, आखिरकार।
 विलइज्माअ (نوالاحماع) अ. वि—सम्मतिपूर्वक, सबके
 मतवय से।
 विलइज्माल (نوالاحمال) अ. वि—संक्षेपत, संक्षेप मे।
 विलइत्तिफाक (نوالاتفاق) अ. वि—सबकी समति से, सबकी
 सलाह से।
 विलइन्फिराद (نوالانفرد) अ. वि—एक-एक करके, इन्फि-
 रादी तौर पर, व्यक्तिगत।
 विलइराद: (نوالانفرد) अ. वि—निश्चयपूर्वक, इरादे से।
 विलइलितजाम (نوالالتزام) अ. वि—निश्चित रूप से, लाजिमी
 तौर पर।

विलइतिराक (بالاستدراک) अ वि-माझे में शिकत में ।
विलउमूम (بالعموم) अ वि-प्राय, बहुधा, आमतौर पर
अकमर ।

विलएलान (بالاعلان) अ वि-सबके सामने अलानिया
तौर पर डके की चाट ।

विलकस्द (بالاصد) अ वि-जान बूसकर जानते हुए
विलइराद ।

विलकिनाय (بالکناية) अ वि-इंगारे म ।

विलकुल (بالکمال) अ वि-निनात सबथा सब समस्त
पूणतया पूरेतौर पर ।

विलकुल्लिय (بالکلیه) अ वि-सागापाग पूणतया पूरे
तौर पर ।

विलखासियत (بالخاصية) अ अव्य-विलखास ।

विलखास (بالخاصة) अ अव्य-अपने गुण के प्रभाव से ।

विलखुमूस (بالخصوص) अ अव्य-मुख्यत खास तौर पर ।

विलजन्न (بالجنن) अ वि-बलपूर्वक बलान जन्नन ।

विलजुल्ल (بالجمله) अ अव्य-विचहुना किस्म मुल्ल
सर प्राय अमूमन सबथा विलकुल ।

विलमर (بالمره) अ वि-नित्य प्रति रोजाना हमगा ।

विलमाना (بالمعلی) अ अव्य-सत्यत हकीकत में,
गुप्त रूप म हमरे जय में ।

विलमुक़ाबिल (بالمقابل) अ अव्य-समुख आमने-सामने,
मुक़ाबिले म ।

विलमुमता (بالاستطاع) अ वि-अल् हिमाव हिमाव किये
विना दो हुं रकम ।

विलमुजाअफ (بالصاعف) अ अव्य-दूना द्विगुण
दुचन ।

विलमुनासफ (بالانصاف) अ अव्य-आधा-आधा, दा
भाग म बराबर-बराबर ।

विलमुवाजह (بالمواجهه) अ वि-मुक़ावि में समुख
सागने ।

विलमुगाफह (بالمساهفه) अ अव्य-विमुवाजह ।

विलमुगाहद (بالمساهده) अ अव्य-विलमुवाजह ।

विलयनीन (بالیقین) अ अव्य-निरचयपूर्वक यकीनन ।

विलयजह (بالوجه) अ अव्य-कारणवा कारण स सब
के गाय सब की विना पर ।

विलवास्ति (بالواسته) अ अव्य-निगी क द्वारा किगी
वा बाव में टाकर ।

विला (بال) अ अव्य-विना बधर विन ।

विला अदेग (بالادعیه) अ फा अव्य-विलातरद्दु ।

विला इराद (بالارادیه) अ अव्य-विना इराद क ।

विला इशियाह (بالاستداه) अ वि-विना सदह के,
नि सदेह बेसक ।

विला इस्तिला (بالاستملا) अ अव्य-विना किसी को
अलग किये हुए ।

विला उरा (بالعور) अ अव्य-विना किसी उख के ।

विला क़द (بالقد) अ अव्य-विना किसी पापदी के
विना किसी गत के ।

विला जमानत (بالصانحة) अ अव्य-विना जमानत का,
जिसकी जमानत न हो सक ।

विला तक्लुक (بالکلیف) अ अव्य-विना किसी तक्लुक
के, विना किसी सकोच के विना किमा चिन्ता के विना
किमी विचार के ।

विला तरबुद (بالتردد) अ अव्य-नि शक विना चित्त
और फिज के ।

विला तबक्कुफ (بالکوکف) अ वि-विना विलक के, विना
दर किये तुरत फौरन ।

विला तद्वीह (بالسدیه) अ अव्य-विना उपमा ठिय विना
बराबरी किये ।

विला तश्रीह (بالشریح) अ अव्य-विना टीका टिप्पणी
के विना गारुष्या किये ।

विला तसल्लो (بالصلح) अ अव्य-विना बनावट के विना
किमी हेरफर क ।

विला तहासा (بالتکاسا) अ अव्य-अवाधुष बरत
अधिक के साथ समने विना रहे ।

विलाद (بالاد) अ पु-बलन का बहु नगर ममू राडू
समूह ।

विला दिक्कत (بالدکته) अ अव्य-विना किमी कठिनाई
के सुगमतापूर्वक ।

विला दिरेय (بالدیریع) अ फा अव्य-विला
तहागा ।

विलादे इस्लामिय (بالاسلامیه) अ पु-वह दग जिनमें
मुसलमान गामक का राज है ।

विलादे मीगिब (بالمدینة المعرب) अ पु-यूरोप के राडू ।

विलादे मशिक् (بالمدینة المسرق) अ पु-पूर्वी राडू एगिया
देश ।

विलादे हिद (بالهدیه) अ फा पु-भारत क प्रवेश भारत
क देग ।

विला नाय (بالناهی) अ तु अव्य-एक दिन नाया दिव
विना नित्य प्रति राखाना ।

विला पद (بالدیه) अ फा अव्य-विना किमी आद के
विना मुंह डाने विना गुप्त रूप के ।

बिला पसोपेश (بلا سوسو پيش) अ फा. अव्य.—विना मकोच, विना कुछ सोचे-विचारे, विना किसी दुविधा के।
 बिला फसल (بلا فصل) अ अव्य.—विना अतर के, विना दूरी के।
 बिला फाइद (بلا فائده) अ. वि.—बेफाइद व्यर्थ, बेकार।
 बिला फासिल: (بلا فاصله) अ वि.—अंतर के विना।
 बिला रुओ रिआयत (بلا روي و رعایت) अ. फा. वि.—विना किसी शील-सकोच के, विना किसी पक्षपात के।
 बिला वज्ह (بلا وجه) अ. अव्य.—अकारण, बेमवव।
 बिला वासित: (بلا واسطه) अ अव्य.—बराहें रास्त, सीधा, डाइरेक्ट।
 बिला शक (بلا شك) अ. वि.—नि मदेह, नि सशय, नि शक, वेगक, वेगुव्ह।
 बिला शुव्ह (بلا شبهه) अ वि.—दे विला शक।
 बिला सवव (بلا سبب) अ. अव्य.—दे 'बिला वज्ह', अकारण, विला सवव।
 बिलाहत (بلاहत) अ स्त्री—मासारिक विषयो में बुद्धि की कमी।
 बिलौर (بلور) अ पु.—विल्लौर का लघु, दे 'विल्लौर'।
 बिल्लौर (بلور) अ पु.—एक कीमती शीशा, स्फटिक मणि।
 बिशारत (بشارت) अ स्त्री—खुशाखबरी, शुभ समाचार, सुख-सवाद, दे 'बुशारत', दोनो शुद्ध हैं।
 विसात (بساط) अ स्त्री—फर्श, विछीना, स्तर, सतह, साहस, हिम्मत, सामर्थ्य, मकदरत; शतरज का तख्ता; पूंजी, सरमाय, हैसियत, पहुँच, दस्तरस।
 विसातखान: (بساطخانه) अ फा पु.—विसाती का सामान, विसाती की दुकान।
 विसाती (بساطی) अ पु.—विसातखाने का सामान बेचने-वाला, जनरल मर्चेंट।
 विसाते स्राक (بساطحای) अ फा स्त्री—पृथ्वीतल, जमीन की सतह।
 विसाते नई (بساطبرد) अ फा स्त्री—चौसर खेलने का तख्ता।
 विसाते शत्रंज (بساطشطرنج) अ फा स्त्री—शत्रंज खेलने का तख्ता, चेसबोर्ड।
 विसत (بست) फा वि.—बीस की सख्या, बीस।
 विसतर (بستر) फा पु.—शय्या, विछीना।
 विसतरवद (بستر و بد) फा पु.—विसतर बाँधने की पेट्टी आदि, होलडाल।
 विसताम (بسطام) फा पु.—ईरान में खुरासान के प्रदेश का एक प्रसिद्ध नगर, जो महात्मा 'वायजीद' का स्थान था।

विस्तुम (بستم) फा वि.—बीसवाँ।
 विस्मिल (بسمیل) फा. वि.—आहत, क्षत, घायल, जखमी।
 विस्मिलगाह (بسمیلگاه) फा स्त्री.—वधस्थल, कल्लगाह।
 विस्मिल्लाह (بسمیلا) अ वा—कुरान की एक आयत, जिसका अर्थ है 'मैं ईश्वर के नाम में प्रारम्भ करता हूँ जो बड़ा दयालु और महा कृपालु है।'
 विस्यार (بسیار) फा वि.—अधिक, प्रचुर, बहुल, बहुत।
 विस्यारखोर (بسیارخور) फा वि.—बहुत खानेवाला, बहुभोजी।
 विस्यारखोरी (بسیارخوری) फा. स्त्री—बहुत खाना, थूरना।
 विस्यारगो (بسیارگو) फा वि.—बहुत बोलनेवाला, बहुभाषी, फुजूलगो, मिथ्याभाषी।
 विस्यारगोई (بسیارگوئی) फा स्त्री—बहुत बोलना, फुजूल वाते करना।
 विसयारी (بسیاری) फा वि.—अधिकता, बाहुल्य, कन्नत।
 विह (بیه) फा वि.—उत्तम, बढ़िया, अच्छा।
 विहिल (بھیل) फा वि.—मुआफ।
 विहिश्त (بہشت) फा पु.—स्वर्ग, फिर्दौस, जन्नत—“विहिश्त एक नाम है शायद उसी पाकीजा गोबे का।”
 विहिश्ती (بہشتی) फा वि.—स्वर्गीय, स्वर्ग का, स्वर्ग सम्बन्धी, स्वर्ग का निवासी।
 विहिश्ते बरी (بہست بریں) फा पु.—सबसे ऊँचा स्वर्ग।
 विहिश्ते शदा (بہست شداد) फा अ पु.—वह स्वर्ग जो शदाद ने बनाया था।

बी

बी (بین) फा प्रत्य—देखनेवाला, जैसे—'दूरवी' दूर का देखनेवाला।
 बीच: (بیچہ) फा पु.—'बीबी' का लघु, प्रेमपात्र, मा'शूक, (स्त्री) नायिका, प्रेमिका, महबूब।
 बीज (بیج) स्त्री—'बीजा' का बहु, गोरी चिट्ठी औरस्ते; पूरी चाँदनीवाली राते।
 बीना (بینا) फा वि.—देखनेवाला, जिसके आँखे हो।
 बीनाई (بینائی) फा. स्त्री—आँखो की ज्योति, दृष्टि, नजर।
 बीनादिल (بینادل) फा वि.—रौशन जमीर, अतर्यामी।
 बीनिद (بیننده) फा वि.—देखनेवाला, दर्शक।
 बीनिश (بینش) फा स्त्री—दृष्टि, नजर, देkhना।
 बीनी (بینی) फा. स्त्री—नासा, नासिका, नाक।
 बीम (بیم) फा पु.—भय, त्रास, डर, निराशा, नाउम्मेदी।

बीमार (بیمار) का वि-रागा रूग्ण, अस्वस्थ याचित मरीज ।

बीमारखान (بیمارخانه) का पु-छणालय, अस्पताल ।
बीमारदार (بیماردار) का वि-रागी की देखभाल करने वाला परिचारक उपचारक ।

बीमारदारी (بیمارداری) का स्त्री-रागी की देखभाल उपचार परिचार ।

बीमारखुसी (بیمارخوئی) का स्त्री-रागी का हाल पूजना ।
बीमारिस्तान (بیمارستان) का पु-दे बीमारखान ।
बीमारी (بیماری) का स्त्री-राग, व्याधि, मन्त्र कोई बुरी लत ।

बीमारो इन्न (بیماروسن) का अ पु-प्रम के रोग का रागी नायक आशिक ।

बीमारो रम (بیماروم) का पु-दे 'बीमार इस्क' ।
बीमारो फिराक (بیمارودان) का अ पु-विह के रोग से पाटित जा मन्त्र वियाया रह ।

बीमोजा (بیموجان) का पु-प्राणभय जान का खतरा ।
बीमोरजा (بیمورجا) का अ पु-निराग और आगा उम्मेद और नाउम्मेदा ।

बीमोहिदास (بیمورهداس) का प-मौफ और निरागा ।
बीर (بیر) अ पु-कुर्आ कूप ।

बीष (بیش) का स्त्री-मिषिया माठा तेलिया ।

बु

बुदुक (بلدک) अ पु-गानी बटक की गोली ।

बुदुग (بلدگ) अ पु-मिट्टी की गानी गुल्ला ।

बुरा (بورا) अ स्त्री-रौना रोदन ।

बुराबुल (بورا بول) का पु-गाही वावरचीखाने का दारागा दे बराबत दोना गुद ह ।

बुल (بول) अ स्त्री-बकल का बह सजिया तरवारिया गागपात ।

बुलक (بلک) अ पु-पर मना स्थान जगह ।

बुलकूर नूर (بلک کور نور) अ पु-यह पर या स्थान जहाँ बहून रोगी हो ।

बुलुन (بللن) अ प-बगीचा का बहू बजूम लोग ।

बुलार (بیلار) का पु-वाग भाग जवर ताप धप वाप मुग्गा दप वाड ।

बुलारा (بیلارا) का पु-रुगा बुकिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर का बुरी की राजधानी भा है यहाँ का गी-म प्रसिद्ध है ।

बुलाराब (بیلاراب) का प-बुलार का बुर भाग ।

बुलारी (بیلاری) का वि-मग गम्बभी भार डारा

चानेवाला यन बुलारा का रहनेवाला नाज खतन की कोठानुमा खती ।

बुलूर (بلور) अ पु-धुनी धूप आदि की धुनी, दयाभा की धुना जो किसी विनेप जग को दी जाय ।

बुलूरदान (بلورदान) अ पा प-जिस बान म शहर या लावन जालि मुलगाया जाय धूपदान अमरदान ।

बुलूनस्तर (بلوونستر) का पु-बाबुठ के १२ वें खानगाव का नरग (१२०० ई० पू०), बाबुल के १९ वें खानगाव का दूसरा नरेश जो ६०४ ई० पू० में गद्दी पर बठा बने दबब का गासक या बाबुल का बहुत उन्नत किया ।

बुल्ल (بلل) अ पु-उपगता बजूसी ।

बुलप (بلپ) का प-छाटी पाटली जो बगल में दबायी जा सके ।

बुलद (بلد) अ पु-बहु बर जा मन ही मन म बग्या जाय और प्रकट न किया जाय द्वेष, वीन ।

बुल (بل) का स्त्री-अजा, बकरी ।

बुलकदम (بلکدم) का वि-दुबलता के कारण धीरे धीरे चलनेवाला मुच्छ ।

बुलगर (بلگر) का पु-मैंडा लडानवाला ।

बुलगाल (بلگال) का पु-बकरी का बच्चा अजा गावक पहाड़ी बकरी ।

बुलगीर (بلگیر) का वि-छली मक्कार तस्कर, चोर ।

बुलजिगर (بلجیگر) का वि-भयभीत भोर डरपात ।

बुलदिल (بلدل) का वि-भीर डरपीव बुलजिगर ।

बुलदिली (بلدلی) का स्त्री-भीरता डरपीकन ।

बुलबाड (بلباد) का वि-बवरी और बदर का खत करनेवाला ।

बुलबाडी (بلبادی) का स्त्री-बवरी और बवर का खेल ।

बुलबाक (بلبابک) अ पु-मुयराव रात बूक ।

बुलग (بلگ) का पु-थल प्रतिष्ठित मुजबुठ चयावुड रूडा पूवज वापगादे महात्मा गुल्पासा बडी मुगली (धग) घूत उलागी, गरीर यन्मजाग ।

बुलगवार (بلگوار) का पु-बुलग का रचना ।

बुलगबात (بلگد بات) का स्त्री-बुलगों की आर ग छाग पर अक्का और न्या ।

बुलगमति (بلگمتر) का वि-मगरमा पुनीत्रामा मगान् ध्यािया त्री आचरणवाला ।
बुलगवार (بلگ) का पु-बुलग माय माय अपने म बड़ा क किए परा में गिने ह ।

बुद्धगंसाल (बुद्धगंसाल) फा वि—बड़ी उम्रवाला, वयोवृद्ध, जल्द।
 बुद्धगान: (बुद्धगान) फा. वि—बुजुर्गों-जैमा।
 बुद्धगो (बुद्धगो) फा स्त्री—प्रतिष्ठा, मान, बडाई; समान, इज्जत, महात्मापन।
 बुद्धगो कौम (बुद्धगो) फा. अ पुं—जाति या राष्ट्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति।
 बुद्धगो खानदां (बुद्धगो) फा. पु—बंध और कुल का प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति।
 बुद्धर (बुद्धर) अ पु—'बज्र' का वह, तरकारियों आदि के बीज।
 बुद्धरी (बुद्धरी) अ वि—बीजोवाला; बीजों में बना हुआ, एक अवत जो बीजों से बनता है।
 बुद्धे अरफश (बुद्धे) फा अ पु.—ऐसा व्यक्ति जो लाख समझाने पर भी कुछ न समझे, महामूर्ख।
 बुद्ध (बुद्ध) फा पु—मूर्ति, प्रतिमा, प्रतिकृति, मुजस्सम, यह मूर्ति जिंराकी पूजा होती है, देवमूर्ति; नायिका माशूक।
 बुद्धकद: (बुद्धकद) फा पु—मंदिर, मूर्तिगृह, बुद्धखाना जहाँ मूर्तिपूजा की जाती हो।
 बुद्धखान (बुद्धखान) फा पु—दे. 'बुद्धकद'।
 बुद्धतराश (बुद्धतराश) फा वि—मूर्तिकार, पत्थर की मूर्तियाँ बनानेवाला।
 बुद्धतराशी (बुद्धतराशी) फा स्त्री—मूर्तियाँ बनाने का काम, मूर्तियाँ बनाकर बेचने का पेशा, मूर्ति बनाने की विद्या, मूर्तिकला।
 बुद्धतरस्त (बुद्धतरस्त) फा वि—मूर्तियों की पूजा करनेवाला, मूर्तिपूजक, साकारोपासक।
 बुद्धतरस्ती (बुद्धतरस्ती) फा. स्त्री—मूर्तिपूजा, बुद्धों की इबादत।
 बुद्धफरोश (बुद्धफरोश) फा वि—मूर्तियाँ बेचनेवाला, मूर्ति-व्यवसायी।
 बुद्धशिकन (बुद्धशिकन) फा वि—मूर्तियों को तोड़नेवाला, मूर्तिभजक।
 बुद्धशिकनी (बुद्धशिकनी) फा स्त्री—मूर्तियों को तोड़ना, मूर्ति-खंडन।
 बुद्धाने आजरी (बुद्धाने) फा पु—आजर (हजरत इब्राहीम के पिता) की बनायी हुई मूर्तियाँ, जो बड़ी कलापूर्ण होती थी।
 बुद्धन (बुद्धन) अ पु—'बल्ल' का वह, पेट, गुप्ति, छिपाव, पीथीदगी।

बुद्धे पुरफन (बुद्धे) फा पु—बहुत ही चालवाज नायिका।
 बुद्धे वेपीर (बुद्धे) फा पु—बड़ी निर्दय और कठोर मन की नायिका।
 बुद्धेन (बुद्धेन) अ पु—दूनरा नक्षत्र, भरणी।
 बुद्धलान (बुद्धलान) अ पु—नज़्ज, काट, तर्दीद, नाज, जाए हाना।
 बुद्ध [द] (बुद्ध) अ पु—उपचार, उपाय, तद्दीर।
 बुद्ध (बुद्ध) फा कि—'बुद्ध' का लघु, था।
 बुद्धर (बुद्धर) अ. पु.—'बद्ध' का वह, चाँदहवी रात का चाँद।
 बुद्धरह (बुद्धरह) अ वि—ईश्वर का एक नाम।
 बुद्धन (बुद्धन) फा पु—उपकरण, सामान।
 बुद्धन (बुद्धन) फा स्त्री—बृक्ष, पेट, पेट की जड, मूल, हर चीज का अन्त, अखीर, कहवा के बीज, जिन्हें भून और पीसकर कहवा बनाते हैं।
 बुद्धगह (बुद्धगह) फा स्त्री—'बुद्धगह' का लघु, दे 'बुद्धगह'।
 बुद्धगह (बुद्धगह) फा स्त्री—कुठार, वह कोठा जहाँ सामान रहता है।
 बुद्धागोश (बुद्धागोश) फा स्त्री—कान की ठी, कर्णलता।
 बुद्धनीय: (बुद्धनीय) अ स्त्री—आधार, बुद्ध्याद, प्रकृति, स्वभाव, सृष्टि, तस्लीक, अस्तित्व, बुद्ध्याद।
 बुद्धनेरान (बुद्धनेरान) फा स्त्री—रान की जड, चिड्ढा।
 बुद्धनेरान (बुद्धनेरान) फा स्त्री—खुर्चन, वे चावल जो देगचे की तली में लग जाते हैं।
 बुद्धन्याद (बुद्धन्याद) फा स्त्री—आधार, नीव, सामर्थ्य, मक्दूर, सृष्टि, खिल्कत, अस्तित्व, बुद्ध्याद, अनुष्ठान, आरम्भ, इन्तिदा, मूल, जड।
 बुद्धन्यादी (बुद्धन्यादी) फा वि—आधार भूत, अस्ली, प्रारम्भिक, इन्तिदाई।
 बुद्धन्यान (बुद्धन्यान) अ स्त्री—नीव, आधार, बुद्धन्याद।
 बुद्धन्याने मरूस (बुद्धन्याने) अ स्त्री—इमारत की ऐसी नीव जिसमें सीसे से जुड़ाई हुई हो, बहुत ही मजबूत नीव।
 बुद्धयूत (बुद्धयूत) अ पु—'बैत' का वह, घरों का समूह, बहुत से घर।
 बुद्धराक (बुद्धराक) अ पु—मुसलमानों के मतानुसार वह घोडा जिस पर उनके रसूल आस्मानो पर गये थे।
 बुद्धराद: (बुद्धराद) फा पु—लकड़ी या धातु की छीलन, जो खरादने या आरे से चीरने में गिरती है।
 बुद्धरादए आज (बुद्धरादए) फा अ पु—हाथी-दाँत का बुरादा जो दवा में चलता है।
 बुद्धरादए आवनुस (बुद्धरादए) फा पु—आवनुस का बुरादा जो दवा के काम आता है।

वृत्ति (بريد) का वि-काटनेवाला।
वृत्ति (برش) का स्त्री-काट धार तादृशता।
वृत्ति (بريد) का वि-काटा हुआ वटा हुआ विच्छिन्न।
वृत्तिगण (بريدگوش) का वि-जिसके बान बटे हा, ननकटा।
वृत्तिदस्त (بريدلاست) का वि-जिसके हाथ बटे हा।
वृत्तिदपा (بريددها) का वि-जिसने पाव बटे हा।
वृत्तिदबीनी (بريدبيني) का वि-जिसकी नाक कटी हा।
वृत्तिदभू (بريدبهر) का वि-जिसके बाल बटे हा।
वृत्तिदगाम (بريددهساح) का वि-जिसकी बाँसों काट दी गयी हा।
वृत्तिदसर (بريددهسار) का वि-जिसका सर काट डाला गया हा जिसका सर घट स अलग हा।
वृत्तिद (بريد) का स्त्री-काट बटन बटाव।
वृत्तिदगी (بريدگي) का स्त्री-काट बटाव।
वृत्तिदनी (بريدني) का वि-काटन योग्य जा काटने के लायक हा।
वृत्ति (بريد) का वि-बेरे का लघु बाहर दे विह दाना गुद ह।
वृत्ति (بريد) अ प-बुज का बहु रागिया।
वृत्ति (بريد) अ प-प्रकट हुना निकलना।
वृत्ति (بريد) अ स्त्री-मूछ मुच्छ।
वृत्तिद (بريدد) अ स्त्री-भीतरता ठटक ठट।
वृत्तिददान (بريددانه) का वि-घर के बाहर।
वृत्तिददर (بريددور) का वि-दरवाजे क बाहर।
वृत्ति (بريد) अ प-मुह छिपाने का एक सर से पाव तक का चुपानुमा वस्त्र निजाव मुखपट।
वृत्तिपोष (بريدپوش) अ का वि-बुकां पहन हुए।
वृत्ति (بريد) अ प-गुबर, मटप रागि दाइरतुल बुरुज का चारदवा अर।
वृत्ति अक्रब (بريدعكرب) अ प-वदिक रागि आठवां बुज।
वृत्ति असद (بريداسد) अ प-मिहरागि पाचवा बुज।
वृत्ति अतारी (بريداتاري) अ प-अजित तत्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन रागिया मप सिंह धनु।
वृत्ति आबी (بريدابي) अ का प-जउ तत्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन रागिया कक वचिक मीन।
वृत्ति कवूतर (بريدكوتور) अ का प-कवूतरा का दरवा कावुक।
वृत्ति कौस (بريدكوس) अ प-धनु रागि नवा बुज।
वृत्ति छाकी (بريدخاكي) अ का प-पधातल म सम्बन्ध रखनेवाली तीन रागिया मप कया मकर।

वृत्ति जदी (بريدجدي) अ प-मकर रागि दसवां बुज।
वृत्ति जौवा (بريدجورا) अ प-मिथुन रागि तीसरा बुज।
वृत्ति दलब (بريددللو) अ प-कुमरागि ग्याहवां बुज।
वृत्ति बावी (بريدباصي) अ का प-वायुतत्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन रागिया, मिथुन तुला कुम्ब।
वृत्ति मीवान (بريدميروان) अ प-बुलारागि सातवां बुज।
वृत्ति सबल (بريدسبله) अ प-वचारागि छठा बुज।
वृत्ति सतान (بريدسرطان) अ प-वचारागि चौथा बुज।
वृत्ति सौर (بريدسور) अ प-वचारागि, दूसरा बुज।
वृत्ति हमल (بريدحمل) अ प-मपरागि पहला बुज।
वृत्ति हूत (بريدحوت) अ प-मानरागि चारदवां बुज।
वृत्ति (بريدطلة) अ प-टापी।
वृत्ति (بريد) अ स्त्री-ले जाया हुआ।
वृत्ति (بريد) का स्त्री-गत्रज की बट बाजो जिनमें आधी भात मानी जाती ह और जिसमें हारनेकाले के पाग बान्गाई क सिवा बाई मोहरा नहा रहता नववी चान्ग।
वृत्तिवार (بريدवार) का वि-गभीर नाचचित्त मनन सहनगोल हलाम।
वृत्तिवारी (بريدवاري) का स्त्री-गभीरता महता महत गीरता तहम्मूल बरान्त।
वृत्ति यमानो (بريديماني) अ स्त्री-यमन की एक विगप बहुमूय चादर।
वृत्ति (بريد) का वि-काटता हुआ धारदार, तादृश।
वृत्ति (بريد) का स्त्री-काट धार तीदृशता।
वृत्ति (بريد) अ प-तक दलील पमाण सुदूत।
वृत्ति (بريد) का वि-यह उच्चारण भी गुद है परतु बल अधिक गुद और अधिक साधु है द बलद।
वृत्ति (بريد) अ प-बलीग का बहु, वे लोग तिनके बालने और लिखन में बलागत होती है।
वृत्ति (بريد) तु स्त्री-नाक के बीच की हड्डी नामापट इनमें पहने जानवाली छोटी-सी नय।
वृत्ति (بريد) अ प-युवावस्था जबानी जबानी की अवस्था की प्राप्ति।
वृत्तिअजब (بريداجب) अ वि-अभूत विलक्षण विचित्र (व्यवित)।
वृत्तिफुजल (بريدفوجل) अ वि-फुजल की बानें बरनेवाली मुतर बक्का फुजल के काम बरनेवाला।
वृत्तिफन (بريدفان) अ वि-बहुत-स गुण जाननेवाग वगुण वता (व्यग) धूत छली वचक।
वृत्ति (بريد) का अ-एक सुप्रसिद्ध मानवागि चिडिया भावत्तर।

बुलबुले शीराज (بلسل شيراز) का पु.—शीराज का बुलबुल,
 गंत्र सादी की उपाधि जो फारसी के बहुत बड़े कवि थे।
 बुलबुले हज़ारदास्तां (بلسل هزارداستان) का. पु.—बहुत
 प्रकार के गाने गानेवाली, बुलबुल।
 बुलहवस (بوالهوس) अ फा वि—लोलुप, लिप्सु, लोभी,
 लालची।
 बुशकाव (بشقاب) तु स्त्री—बड़ी काव, परात, थाल।
 बुशारत (بشارت) अ. स्त्री—शुभ सवाद, शुगखबरी।
 बुशः (بشرة) अ पु.—चेह्ना, मुग्धाकृति, हृल्य।
 बुशा (بشوى) अ पु.—शुभ सवाद, बुशारत।
 बुमुद (بسد) अ पु.—मूंगा, प्रवाल, विद्रुम, मर्जा, दे 'बुमुद'
 दोनों शुद्ध हैं।
 बुस्तां (بستان) का पु.—उद्यान, आराम, वाटिका, वाग।
 बुस्तांअफ़ोज (بستان افروز) का पु.—एक फूल, मुर्गकिस।
 बुस्तांपरा (بستان پيرا) का पु.—वाग को मजानेवाला,
 माली, उद्यानपाल।
 बुस्तांसरा (بستان سرا) का पु.—खान वाग, गृहोद्यान।
 बुस्तानी (بستاني) का वि—वाग का, वाग में पैदा होने-
 वाला, खेत में काश्त किया जानेवाला।
 बुस्तुद (بسد) अ पु.—मूंगा, प्रवाल, विद्रुम, दे 'बुमुद'
 दोनों शुद्ध हैं।
 बुहूर (بهور) अ पु.—'बह' [छद] का बहु, वृत्तसमूह।
 बुहूर. (بهيوره) अ पु.—छोटा समुद्र, सी।
 बुहतत (بहतت) अ स्त्री—आश्चर्य, विस्मय, निस्तब्धता, हैरत।
 बुहतान (بहतان) अ पु.—आरोग, झूठा इल्जाम, तुहमत।
 बुहतानतराशी (بहतان تراشى) अ फा—झूठा इल्जाम
 लगाना, मिथ्यारोपण।
 बुहान (بهران) अ पु.—सघर्ष, कशमकश, रोग में अचानक
 परिवर्तन, कमी की ओर हो चाहे बढ़ती की ओर, और यह
 प्रकृति और रोग के परस्पर सघर्ष से होता है। अगर प्रकृति
 जीत गयी तो रोग का जोर टूट जाता है, अगर रोग विजयी
 हुआ तो प्रकृति हार जाती है और रोग का प्रकोप बढ़
 जाता है (यूनानी तिव)।
 बुहलूल (بهلول) अ पु.—हँसमुख व्यक्ति, जाति का
 सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, एक महात्मा।
 बुहहवुसौत (بسته الصوب) अ स्त्री—आवाज बँट जाने
 का रोग, स्वरभंग।

बू

बू (بو) का स्त्री—नाथ, महँक, बदवू, बुरी गंध, लक्षण,
 आसार, भेद, सुकसुक।

बूए अफ़ाज (بوک افراز) का पु—गर्म मसाला।
 बूए ख़ुश (بوک خوش) का स्त्री—अच्छी महँक, सुगंध।
 बूए तेज़ (بوک تند) का स्त्री—तेज बू, तीव्र गंध।
 बूए बद (بوک بد) का स्त्री—बुरी बू, बदवू, दुर्गंध।
 बूए महव्वत (بوک مستحبت) का अ स्त्री—प्रेम की सुगंध।
 बूक (بوک) का पु—नरसिंघा, तुरुही।
 बूकलमू (بوکلسون) का वि—चित्र-विचित्र, रगविरग,
 अद्भुत, विलक्षण, अजीबोगरीब, एक रेशमी कपडा जो
 क्षण-क्षण पर रंग बदलता है।
 बूकलमूनी (بوکله موی) का स्त्री—विचित्रता, बुलअजबी;
 रग-विरगापन।
 बूज़: (بوز) का स्त्री—जों की शराब, वियर।
 बूज़.खान. (بوزخانه) का पु—शराबखान, मदिरालय,
 शराब बनाने की जगह, भट्ठी।
 बूज़िन. (بوزنه) का पु—'बूज़िन' का लघु, कपि, मर्कट,
 वानर, शाखा-मृग, बदर।
 बूज़िन:चश्म (بوزنه چشم) का वि—बदर-जैसी आँखोवाला,
 जरा-सी देर में आँखें फेर लेनेवाला, वेमुरव्वत, दुःशील।
 बूज़िन:बश (بوزنه وش) का वि—बदर-जैसी प्रकृतिवाला,
 वेमुरव्वत, शरीर, नटखट।
 बूज़ीदान (بوزیدان) का स्त्री—एक लकड़ी जो दवा के
 काम आती है।
 बूज़ीन: (بوزیدله) का पु—वानर, मर्कट, कपि, बदर,
 वलिमुख।
 बूज़: (بوزنه) का पु—मुनारों की चाँदी-सोना गलाने की
 घरिया, बीत, दे 'बीत', दोनों शुद्ध हैं, वह वृक्ष जो बड़ा
 न हो।
 बूज़ए खाक (بوزنه حای) का पु—मानव-शरीर, आदमी
 का जिस्म।
 बूज़ए ज़र (بوزنه زر) का पु—सोना गलाने की घरिया।
 बूज़ीमार (بوزنیسار) का पु—बक, बगला।
 बूज़ुराब (بوزراب) अ पु—हज़त अली की उपाधि।
 बूद: (بودنه) का क्रि—था।
 बूद (بود) का क्रि—था, (स्त्री) अस्तित्व, हस्ती,
 हेसियत, मर्यादा।
 बूदगी (بودگی) का स्त्री—होना, हस्ती, अस्तित्व, हैसियत,
 मर्यादा।
 बूदनी (بودنی) का अव्य—होने योग्य।
 बूदमे बेदाल (بودمه بدال) का पु—बूम, उल्लू, (बूदमे
 शब्द से बाल अक्षर अर्थात् 'द' निकल जाय तो 'बूम' रह
 जाता है)।

बूदार (بودار) का वि-बदबूदार, दुग्धमुक्त।
 बूदोबाग (بودوناش) का स्त्री-रहन-महन रहाइंग।
 बुदन (بودنه) का पु-दे गुद्ध उच्चारण, 'बान्न'।
 बूवक (بوك) ज पु-अबूवक का लघु, हयन अबूवक
 सिद्दीक पहले मलीका।
 बूम (بوم) का पु-उल्लू पचक उल्लू, वजर भमि
 प्रकृति स्वभाव भूख बेवकूफ।
 बूमवस्लत (بومحصلت) का अ वि-उल्लू-जस स्वभाव
 वाग जहा रह वहा बीरान बना दे।
 बूमतिला (بومطلا) का वि-वह चीज जमकी जमीन
 मुनहरी हो जीर बलबूटे दूसरे रग के।
 बूमसिफत (بومصفت) का अ वि-दे बूमवस्लत।
 बूमो (بومی) का वि-गेगाय देमी देघवामी, ह्म
 बतन।
 बूया (بویا) का वि-मुग्ध देनेवाली वस्तु खुगबूदार
 मुग्धवित।
 बूमोद (بوموده) का वि-सूधा हुआ।
 बूर (بوره) का पु-मुझागा।
 बूरए अमनो (بوره ارماني) का पु-एक प्रकार का नमक
 एज प्रवाग का सोडा।
 बूरक (بوت) ज पु-बचलान।
 बूरानी (بورانی) का स्त्री-बगन का राइता।

बे

बेअदाब (بے ادابه) का वि-बहुत अधिक जिसका अंगुडा
 न हा सवे।
 बेअवाम (بے ابدام) का वि-धष्ट गुस्ताख अशिष्ट
 बन्तमीड।
 बेअवल (بے عقل) का अ वि-निबुद्धि मूल बेधकर।
 बेअदब (بے ادب) का अ वि-धष्ट गुस्ताख अशिष्ट
 बन्तमीड उद्द उजटठ असम्य बन्तहूबीव।
 बेअदवो (بے ادبی) का अ स्त्री-धष्टता गुस्तागी
 अशिष्टता बन्तमीडी उद्दता उजडडपन असम्यता
 बन्तहूबीवी।
 बेअमल (بے عمل) का अ वि-जो जानता हा मगर उसके
 जतुगार व्यवहार न करता हो इकमथ निक्ममा।
 बेअसर (بے اسر) का अ वि-निष्फल बेनतीजा अगुण
 कर जा तामीर न दिखाये (दवा आदि)।
 बेअसल (بے اصل) का वि-निमूल निराधार वस्तुगुण
 बेबुनियात।
 बेआजार (بے آزار) का वि-जा किसी को बन्त न दे।

बेआबह (بے آبرو) का वि-अपमानित तिरस्त्रित।
 बेआबोदान (بے آبرودانه) का वि-बेकुछ टाय पिय अज
 जलहीन।
 बेआबोरग (بے آبروبگ) का वि-निश्री बरोनक।
 बेआराम (بے آرام) का वि-बेचन अशान्त व्याकुल
 निरानन, विमुक्त गर मस्तर।
 बेआरामी (بے آرامی) का स्त्री-बेचनी, व्याकुलता
 आनदाभाव, तकलीफ।
 बेइतिहा (بے ایتها) का अ वि-अमीम अपार बह।
 बेइस्तिपार (بے احتیاج) का अ वि-महसा, बेतहागा
 अधिकारहीन-गरा को आज बरम में उमवी रला दिया
 बेइस्तिपार नालण बेइस्तिपार न-दाग।
 बेइस्तिपारान (بے احتیاجانه) का ज अय-बतहागा
 सहसा।
 बेइस्तिपारी (بے احتیاجی) का अ स्त्री-विवागत
 मजनूरा।
 बेइखत (بے خبر) का अ वि-अपमानित, तिरस्त्रित
 निदिन गहिंन रमवा।
 बेइखती (بے خبری) का अ स्त्री-अपमान तिरस्कार,
 निदा रुसवाई।
 बेइल्म (بے علم) का अ वि-विज्ञहीन, इल्म से सानी
 निरक्षर, बपडा लिखा, जाहिं।
 बेइल्मी (بے علمی) का अ स्त्री-विद्याभाव, इल्म न हाना,
 निरक्षरता जहालत।
 बेइस्तिबाह (بے استاده) का अ वि-निसनेह निशक,
 बेगुबह।
 बेईमान (بے ایمان) का अ वि-बन्तियानत।
 बेईमानी (بے ایمانی) का अ स्त्री-बन्तदियानती।
 बेउर (بے عمل) का अ वि-जिसे किसी काम के करन में
 आपत्ति न हो वह जिसम जो कुछ कहा जाय उसे
 चुरत करे।
 बेउसूल (بے اصول) का अ वि-जिस यवित का वाई नियम
 न हा।
 बेएतिबाली (بے اعتدالی) का अ स्त्री-किसी काम में
 ह" से जागे बड जाना, बन्परहूकी।
 बेएतिनाई (بے اعتدالی) का अ स्त्री-तबज्जुह न करना
 ध्यान न देना उपेक्षा।
 बेएतिबार (بے اعتبار) का अ वि-अविश्वस्त, अविश्व
 समीय नापो तवर।
 बेएतिबारी (بے اعتباری) का अ स्त्री-अविश्वाग एति
 बार न होना।

वेग (वेग) फा अ वि—निर्दोष, निर्मल, जिसमें कोई खोट न हो।
 वेओलाद (वेओलान) फा अ वि—जिसके कोई सतान न हो, अनपत्य, नि सतान।
 वेकद्र (वेकद्र) फा अ वि—अप्रतिष्ठित, अनादृत, वेइज्जत, अपमानित, जलील।
 वेकद्री (वेकद्री) फा अ स्त्री—अप्रतिष्ठा, वेइज्जती, अपमान, जिल्लत।
 वेकमोकास्त (वेकमोकास्त) फा वि—दे 'वेकमोवेश'।
 वेकमोवेश (वेकमोवेश) फा वि—घटाये-बढाये बगैर, ज्यो-का-स्यो, यथावत्।
 वेकरां (वेकरां) फा वि—जिसका किनारा न हो, अपार, असीम।
 वेकरान: (वेकरान:) फा वि—दे 'वेकरां'।
 वेकरार (वेकरार) फा अ वि—व्याकुल, आतुर, वेचैन, घबडाया हुआ, उद्विग्न।
 वेकरारी (वेकरारी) फा अ स्त्री—व्याकुलता, वेचैनी, घबराहट, बदहवासी।
 वेकरोन: (वेकरोन:) फा अ वि—वेतर्तीव, क्रमहीन, असबद्ध; अशिष्ट, वेतमीज।
 वेकस (वेकस) फा वि—दु खित, दुखी, कष्टग्रस्त, पीडित, तकलीफजद, निस्सहाय, निराश्रय, बेयारो मददगार।
 वेकसी (वेकसी) फा स्त्री—दु ख, कष्ट, वित्ति, तकलीफ; नि सहायता, वेवसी।
 वेकाइद (वेकाइद) फा अ वि—वेर्तीव, असबद्ध, नियम-विरुद्ध, वेजावित।
 वेकाइदगी (वेकाइदगी) फा अ स्त्री—असबद्धता, वेतर्तीवी, नियम-विरोध, वेजावितगी।
 वेकाबू (वेकाबू) फा वि—जो काबू में न आ सके, निरकुश, उच्छासन।
 वेकार (वेकार) फा वि—जो काम में न लगा हो, निरुद्यम, व्यर्थ, निरर्थक फुजूल, निकम्मा, अपाहज, प्रयोगहीन, नाकाविले इस्तेमाल।
 वेकारी (वेकारी) फा स्त्री—काम का अभाव, व्यर्थपन, निकम्मापन, प्रयोगहीनता।
 वेकियास (वेकियास) फा अ वि—बेहिसाब, अत्यधिक।
 वेकसूर (वेकसूर) फा अ वि—निरपराध, निर्दोष, वेगनाह।
 वेकंद (वेकंद) फा अ वि—विला शर्त, विला पावदी के।
 वेकफोरम (वेकफोरम) फा अ वि—ठीक-ठीक, यथार्थ।

वेखकन (वेखकन) फा वि—जड खोदनेवाला, नाश करने-वाला।
 वेखकनी (वेखकनी) फा स्त्री—उन्मूलन, जड खोदना, नाश करना।
 वेखतर (वेखतर) फा अ वि—निडर होकर, निर्भय होकर, जिससे अनिष्ट की आशका न हो।
 वेखता (वेखता) फा अ वि—अमोघ, कारगर, अचूक।
 वेखवर (वेखवर) फा अ वि—संज्ञाहीन, वेहोश, सूचना-हीन, जिसे इत्तिलाअ न हो, अज्ञात, नावाकिक।
 वेखवरी (वेखवरी) फा अ स्त्री—संज्ञाहीनता, वेसुधपन, सूचना न होना, नावाकफीयत।
 वेखानोमां (वेखानोमां) फा वि—जिसका घर-वार नष्ट हो गया हो।
 वेखार (वेखार) फा वि—जिस में कांटे न हो, निष्कटक।
 वेखिरद (वेखिरद) फा वि—बुद्धिहीन, वेअकल।
 वेखुद (वेखुद) फा वि—अचेत, निश्चेष्ट, वेसुध।
 वेखुदी (वेखुदी) फा स्त्री—अचैतन्य, वेखवरी।
 वेखुरोख्वाव (वेखुरोख्वाव) फा वि—बगैर खाये और सोये, बगैर आराम के।
 वेखेश (वेखेश) फा वि—जिसका कोई अपना न हो।
 वेखोबुन (वेखोबुन) फा स्त्री—जडबुन्याद।
 वेखत: (वेखत:) फा वि—छाना हुआ।
 वेख्तगी (वेख्तगी) फा स्त्री—छानन।
 वेख्तनी (वेख्तनी) फा वि—छानने के काविल।
 वेख्वाव (वेख्वाव) फा वि—जिसे नीद न आये, अनिद्र।
 वेख्वावी (वेख्वावी) फा स्त्री—नीद न आना, नीद न आने का रोग, अनिद्रा।
 वेख्वास्त (वेख्वास्त) फा वि—बे बुलाया हुआ, अनियंत्रित, विना चिंता और तलाश के स्वय आया हुआ।
 वेख्वाहिशी (वेख्वाहिशी) फा स्त्री—इच्छा का अभाव, इच्छा न होना, निस्पृहता, अनिच्छा।
 वेग (वेग) तु पु—नायक, अध्यक्ष, सरदार, मुगलों का कौमी लकव।
 वेगम (वेगम) तु स्त्री—दे 'वेगम'।
 वेगम (वेगम) फा अ वि—जिमें कोई चिंता न हो, निश्चित।
 वेगम (वेगम) तु स्त्री—श्रीमती, महोदया, पत्नी, बीवी, शुद्ध उच्चारण 'वेगिम' है, परन्तु उर्दू में 'वेगम' ही व्यवहृत है।
 वेगमात (वेगमात) तु फा स्त्री—'वेगम' का बहु, वेगमें, महिलाएँ।

बेघरख (بے غرض) का अ वि-नि स्वाथ जिसका कोई स्वाथ न हा।
 बेघरजान (بے عرصانه) का अ अथ-नि स्वाथतापूर्वक।
 बेघरखी (بے عرصی) का अ स्त्री-नि स्वाथता, खलूस।
 बेगान (بے گانه) का वि-अस्वजन पराया गर आदमी अपरिचित अनजान।
 बेगान खू (بے گانه خو) का वि-बेगानी-असा यवहार करनेवाला मेल-जाल न रखनेवाला।
 बेगान बस (بے گانه برس) का वि-बगाना की तरह रहने वाला मेलजोल न रखनेवाला।
 बेगान बसी (بے گانه بسی) का स्त्री-बेगाना की भांति रहना मेलजोल न रखना।
 बेगान वार (بے گانه وار) का वि-बेगाना की तरह अस कभी की जान पहचान ही न हा।
 बेगान सिफत (بے گانه صفت) का अ वि-बगान वार।
 बेगानगी (بے گانه گی) का स्त्री-अस्वजनता परायापन अपरिचय अनजानपन जान वान होना बेइल्मी।
 बेगायत (بے عا) का अ वि-बेहू अत्यत अत्यधिक बहन जियाता।
 बेगार (بے گار) का स्त्री-वह काम जो जवरदस्ती लिया जाय और मजूरा न दा जाय निटि वह काम जो दिल लगाकर न किया जाय।
 बेगारी (بے گاری) का वि-बगार में काम पर पकटा हुआ उचात्मन स काम करनेवाला।
 बेगाह (بے گاه) का वि-नावक्त गाम का वक्त मायकाठ।
 बेगाही (بے گاهان) का वि-द बेगाह।
 बेगिलोमिश (بے عمل و عیش) का अ वि-बिना खटके निश्चित।
 बेगुनाह (بے گناه) का वि-निर्दोष निष्पाप बेकुसूर।
 बेगुनाही (بے گناهی) का स्त्री-निर्दोषता बेकुसूरी।
 बेगुमां (بے گمان) का वि-सहसा, अचानक नि सदेह बेगुवहा।
 बेघरत (بے عذر) का अ वि-निर्ज बेहया अस्वामि मानी गर सुदगर।
 बेघरती (بے عذری) का अ स्त्री-निलज्जता बहयाई अस्वामिमान खुदारी न हाना।
 बेगोरोकन (بے گورکن) का अ वि-वह मृत व्यक्ति जिम न कफन मिला हा न दान हुआ हो।
 बेचार (بے چاره) का वि-स्त्री नि गणय निरपगय बकम दरिद्र बगाल।
 बेचारगी (بے چارگی) का स्त्री-नीनता हानता बेकगी दरिद्रता मुफ्तगी।

बचिराण (بے حراغ) का वि-जिसके घर म चिराण न हा दरिद्र, जिसके औलाद न हो नि सतान।
 बेचू (بے حوں) का वि-अद्वितीय, अनुपम बमिस्ल।
 बेचूनीचरा (بے حوں و حرا) का वि-य कुछ बहे सुने, बिना किसी उज्र के बिना कान हिलाये।
 बेचूनीचिन् (بے حوں و حگوں) का वि-बचूनाचरा।
 बेच (بے ح) का प्रत्य-छाननेवाला फलानवाला अम-मुक्त्वज मुक्त्व की मुगध फलानवाला।
 बेचवान (بے حوان) का वि-जा कुछ कहना न जानता हो जो किसी बात की शिकायत न करता हो।
 बेचवानो (بے حوانی) का स्त्री-बुप रहना, कोई शिकायत आदि न करना।
 बेचर (بے ح) का वि-निधन धनहीन बगाल मुफलिम।
 बेचरर (بے حرر) का अ वि-जिमस कोई हानि न पहुने।
 बेचरी (بے حری) का स्त्री-निधनता बगानी।
 बेजा (بے جا) का वि-अनुचित नामुनासिब, अमगज, बेतुफा।
 बेजान (بے جان) का वि-निर्जीव, निष्प्राण बेहू।
 बेजार (بے زار) का वि-पराङ्मुख विमुख मुह फेर हुए बूढ अग्रसन नाबुश।
 बेजारी (بے زاری) का स्त्री-पराङ्मुखता विमपता मुह फेरना बेप कोप नामुगी।
 बेजगर (بے حگر) का वि-निटर, निभय बखीप (फार्सी में डरपोक भीर)।
 बेजगरी (بے حگری) का स्त्री-निभयना निडरण बेदोपी (फार्सी म भीरता डरपोकपन)।
 बेजिनहार (بے زار) का वि-बेपनाह जिससे बचान न हा सब घातक।
 बेजिहत (بے حیت) का अ वि-अकारण बिला सबब।
 बेजुम (بے حرم) का अ वि-निर्दोष निष्पाप बकुसूर।
 बेजुमी (بے حرمی) का अ स्त्री-निर्दोषता निरपराधता बेकुसूरी।
 बेतअम्मल (بے نامل) का अ वि-नि सकोच बपटदे।
 बेतअल्लक (بے عملی) का अ वि-बेल्गाव जिस कोई लगाव न हा किमी प्रकार का सम्बन्ध न हो जा दल्ल न दे।
 बेतअल्लुकी (بے تعلقی) का अ स्त्री-सम्बन्ध वान हाना लगाव न हाना।
 बेतअसुब (بے تعصب) का अ वि-जिमम धार्मिक पगपान न हा।
 बेतअसुबो (بے تعصبی) का अ स्त्री-पम-सम्बन्धी पगपान न हाना।

बेतकल्लुफ (بے تکلف) फा. अ. वि.—घनिष्ठ, अतरंग, गहरा; नि सकोच, बेखटके, सतोपपूर्वक, आराम से।

बेतकल्लुफी (بے تکلفی) फा अ स्त्री—घनिष्ठता, गहराई; सकोच न होना, झक न होना।

बेतकान (بے تکان) फा वि—विना थके हुए; निरंतर, लगातार।

बेतमा (بے طمع) फा अ वि—जिसे कोई लालच न हो, नि स्पृह, बेनियाज।

बेतमीज़ (بے تمیز) फा अ वि—अशिष्ट, बेसलीक, असभ्य, नामुहज्जब, उद्दंड, सरकश, धृष्ट, गुस्ताख।

बेतमीज़ी (بے تمیزی) फा अ स्त्री—अशिष्टता, असभ्यता; उद्दंडता, धृष्टता।

बेतरदुद (بے تردد) फा अ वि.—बेखटके, निश्चित, बे जोती बोई जमीन।

बेतरह (بے طرح) फा अ वि—बुरी तरह, खूब-खूब, बहुत अधिक।

बेतर्ताब (بے ترتیب) फा अ वि—जिसमें कोई क्रम न हो, असबद्ध, क्रमहीन।

बेतर्ताबी (بے ترتیبی) फा अ स्त्री—कोई क्रम न होना, असबद्धता।

बेतलब (بے طلب) फा अ वि—विना मांगे हुए, विना बुलाये हुए।

बेतहाशा (بے تحاشا) फा अ वि—अचानक, अकस्मात्; सहसा, यकायक, अघाघुध, बहुत अधिक।

बेताकत (بے طاقت) फा अ वि—निर्बल, अशक्त, बेजोर।

बेताकती (بے طاقتی) फा अ स्त्री—निर्बलता, अशक्ति, बेजोरी।

बेताब (بے تاب) फा वि—व्याकुल, बेचैन, अधीर, बेसन्न; उत्कण्ठित, मुश्ताक, अगव्त, नाताकत।

बेतावान: (بے تابانه) फा अव्य.—बेताबी के साथ, अधैर्य-पूर्वक, उत्कण्ठ के साथ।

बेताबी (بے تابی) फा स्त्री—व्याकुलता, वैचैनी, अधैर्य, बेसत्री, उत्कण्ठा, इकितयाक, अशक्ति, बेजोरी।

बेतासीर (بے تاثیر) फा अ वि—जिसमें असर न हो, अभावकारी।

बेतौकीर (بے توقیر) फा अ वि—बेइज्जत, अपमानित, तिरस्कृत।

बेद (بے د) फा पु—एक प्रकार की लचीली लकड़ी, वेत्र, वेत।

बेदंजोर (بے دنجور) फा पु—अरड, अडी।

बेदल (بے دخل) फा अ वि.—जिसका कब्जा हट गया हो, अधिकार-च्युत।

बेदल्ली (بے دल्ली) फा अ स्त्री—कब्जा हट जाना।

बेदेवाफ (بے دوائف) फा पु—बेत की बुनाई का काम करने-वाला।

बेदेम (بے دم) फा वि—अशक्त, निर्बल, बेजोर।

बेदेद (بے دد) फा वि—जिसमें दर्द न हो, निर्दय, बेरहम, पापाण-हृदय, सगदिल।

बेदेदी (بے ددی) फा स्त्री—दर्द का अभाव, निर्दयता।

बेदेस्तोपा (بے دست و پا) फा वि—जिसके हाथ-पाँव न हो, नि सहाय, निराश्रय।

बेदेस्तोपाई (بے دست و پائی) फा स्त्री—हाथ-पाँव न होना, आश्रय न होना, सहारा न होना।

बेदेहन (بے دهن) फा वि—दे 'बेजवाँ'।

बेदेरा (بے داغ) फा वि—जिसमें दाग धब्बा न हो, निर्दोष, बेऐव।

बेदेद (بے دد) फा स्त्री—अत्याचार, अनीति, जुल्म।

बेदेदखू (بے ددخو) फा वि—जिसका स्वभाव अत्याचार करना हो।

बेदेदगर (بے ددگر) फा वि.—अत्याचार करनेवाला, अत्याचारी।

बेदेदगरी (بے ددگری) फा स्त्री.—अत्याचार, अनीति, जुल्म।

बेदेदपेश: (بے ددپیشه) फा वि—दे 'बेदेदगर'।

बेदेदफन (بے ددفن) फा वि—दे 'बेदेदगर'।

बेदेदान: (بے ددانه) फा. वि—जिसके अदर बीज न हो, जैसे—बेदेदाना अमरुद।

बेदेदनिश (بے ددانش) फा वि—बेइल्म, विद्याहीन, बुद्धिहीन, मूर्ख।

बेदेदनिशी (بے ددانشی) फा स्त्री—विद्या का अभाव; बुद्धिहीनता।

बेदेदर (بے ددار) फा वि—जाग्रत, सचेत, सोने से उठा हुआ।

बेदेदरदिल (بے دد دل) फा वि—जिसका दिल जागता रहता हो, जाग्रतात्मा, महात्मा।

बेदेदरदिल (بے دد دل) फा वि—हर बात की ऊँच-नीच समझकर उसी के अनुसार काम करनेवाला, बुद्धि-कुशल।

बेदेदरमरज़ी (بے دد مرغری) फा स्त्री—समय के अनुसार काम करना।

बेदेदारी (بے دداری) फा स्त्री—जाग्रति, जागरण।

बेदेदशत (بے دد اشت) फा वि—बेपर्वा, निश्चित।

बेदेदमाग (بے دد ماع) फा अ वि—वदमिजाज, चिडचिड़ा, अप्रसन्न, नाराज।

बेदेदिरंग (بے دد رنگ) फा वि—विना विलव के, तुरत, शीघ्र, तत्क्षण, फौरन।

वेदिरण (वेदिरण) का वि-व माव-ममत्त अधाधुव
 बट्ट अथिक् विना सवाक् व।
 वेदिल (वेदिल) का वि-उगम वित्र जपम् मनउचाट
 बन्ति।
 वेदिली (वेदिली) का स्त्री-उगमा मनउचाट हाना।
 वेदीन (वेदीन) का अ वि-नास्तिव मचरी विधर्मी
 पमरहित ला मबह्व।
 वेदानो (वेदानी) का अ स्त्री-नाम्निकता मचरायत
 पमहानता ला मबह्व।
 वेदे मजर्तू (वेदमजर्तू) का अ पु-एक प्रकार
 का व।
 वेदे मुक् (वेदमुक्) का पु-एक प्रकार का व जिससे
 पता च अउ ये व मुक् बनता है।
 वेदे साह (वेदसाह) का पु-विना सुगुवाला वे
 जो दना म चलता है।
 वेदोन्नी (वेदोन्नी) का अ स्त्री-व इववांग प्रताप
 हानता निपतता मुफिगी।
 वेदानाम् (वेदानाम्) का अ वि-त्रिम न अपनी
 और न अपन व के मर्जा का लाहा है निरुद्ध।
 वेदवार (वेदवार) का अ वि-अज्ञात अनुपम धमिह।
 वेदमह (वेदमह) त्रिम नमर न हा (पाता) त्रिमने
 मारव्य त हा त्रा मुक् न हा।
 वेदमहा (वेदमहा) का स्त्री-गात्र म नमक न हाना
 यत्रागप्रता धमनाय रत्रिम मडा विरविता होना
 बन्ती।
 वेदवा (वेदवा) का वि-त्रिम पाग ज्ञावनपात की वाई
 गान्ती त हा दित बणत।
 वेदवाई (वेदवाई) का स्त्री-विना बगनी।
 वेदवाय (वेदवाय) का अ वि-ब-विगत म-भग-
 भगान्त।
 वेदवायी (वेदवायी) का अ स्त्री-ब-विगतता भाग्य
 हुंता।
 वेदवाम (वेदवाम) का वि-त्रिम क क माव न हा
 अनामक।
 वेदवायिन (वेदवायिन) का वि त्रिमवा का अ-भग-
 न भगान्त।
 वेदवामर (वेदवामर) का वि-व-वामर-
 वेदवामर (वेदवामर) का वि-त्रिम वि त्रिम न ही
 भगान्त विना भगान्त अ-भग-
 वेदवाम (वेदवाम) का वि-व-वामर-
 वेदवामर (वेदवामर) का वि-त्रिम वि त्रिम न ही
 भगान्त विना भगान्त अ-भग-

वेदियाली (वेदियाली) का स्त्री-निस्पृहा विनी पीड की
 इच्छा न हाना वपवाई उगमा।
 वेदिहायत (वेदिहायत) का अ वि-अपथिक् अग
 अगाम विना अत न हो।
 वेदिकत (वेदिकत) का अ वि-दाला पर मुक्ने न हा एमा
 इवारत बट्टन अधिक् गालागलोत्र।
 वेदिले मराम (वेदिले मराम) का अ अल्प-उ-य म मा-उ-
 वे विना अमक म्नारप नावाम।
 वेदनाह (वेदनाह) का वि-त्रिम रता न हो मने
 बजमान।
 वेदर (वेदर) का वि-त्रिमने पर न हा विना लापार
 नि महाय वम-।
 वेदरोवाल (वेदरोवाल) का वि-त्रिमने पर और बाज न
 हा विना लापार निराधय वगहारा।
 वेदरोवाली (वेदरोवाली) का स्त्री-विनाता लापारी
 नि महायता वगहारापन।
 वेदव (वेदव) का वि-विना आ के गु-म-मु-
 एण्ट वावट विना मुका बाइ हूए (रनी)।
 वेदवगी (वेदवगी) का स्त्री-स्त्री वा प म न रता
 म्रिया का अज पुण क सामन हाना।
 वेदवर्मा (वेदवर्मा) का वि-निदिचत बट्टर, निपूट धिनाय
 अमय निदर।
 वेदवाई (वेदवाई) का स्त्री-निदिचतता निराहता
 भयहीता।
 वेदवाई (वेदवाई) का वि-त्रिमका अत न हा अगोम
 वा-।
 वेदीर (वेदीर) का वि-त्रिमका वाई मुक् न हा वि-
 निर-विमि।
 वेदीर (वेदीर) का अ वि-अप वदा वदत वत्रम
 विना प्रयात्र का निर-विमि रही।
 वेदिक (वेदिक) का अ वि-निदिचत वेदीर अदुर-
 नाभा-विमि की अमय निदर।
 वेदिकी (वेदिकी) का अ स्त्री-निदिचतता अदुर-
 निर-विमि निर्भेता।
 वेदिक (वेदिक) का अ वि-अदुर-
 निर-विमि की अमय निदर।
 वेदिक (वेदिक) का अ वि-अदुर-
 निर-विमि की अमय निदर।
 वेदिक (वेदिक) का अ वि-अदुर-
 निर-विमि की अमय निदर।

वेर्गानवा (بزرگ ونوا) फा. वि.—वेसाजो सामान, निर्धन; निराश्रय, नि सहाय, बेकस।
 वेर्गानवार (بزرگ وبار) फा वि—त्रेफलफूल का अर्थात् वे बोलद, नि मंतान, निर्धन, कंगाल।
 वेवसर (بے نصرت) फा. अ. वि.—दृष्टिहीन, अधा।
 वेवहा (بے دہا) फा. वि—अमूल्य, बहुमूल्य, वेशकीमत।
 वेवहः (بے دہ) फा वि.—वचित, मल्लूम, अभागा, वद-किस्मत।
 वेवाक (بے باق) फा अ वि—जिसके जिम्मे ऋण आदि का वकाया न रहा हो, परिशुद्ध, ऋणमुक्त।
 वेवाक (بے رای) फा वि—धृष्ट, गुस्ताख, निर्लज्ज, वेहया, अभय, निडर, मुक्तकंठ, मुंहफट।
 वेवाकानः (بے ساکن) फा. अव्य—धृष्टतापूर्वक, निर्लज्जता-पूर्वक, निडरता के साथ, मुंहतोड।
 वेवाकी (بے ساقی) फा अ स्त्री—ऋण आदि की चुकती, परिशोधन।
 वेवाकी (بے ساقی) फा स्त्री.—धृष्टता, निर्लज्जता, निडरपन, मुंहफटपना।
 वेवाल्लेपर (بے سال وپور) फा. वि—नि सहाय, निराश्रय, बेकस, वेवस, निर्धन, कंगाल, जिसके पास जीविका का कोई साधन न हों।
 वेविल्लअत (بے رضاعت) फा. अ. वि—जिसके पास पूंजी न हो, निर्धन, जो असमर्थ हो; जो कमइल्म हो।
 वेवून्याद (بے نلیاد) फा वि—निराधार, वेअस्ल, मिथ्या, झूठ।
 वेवन्दूर (بے مقدور) फा अ वि—असमर्थ, वेमक्दरत, अप्रतिष्ठित, वेइज्जत।
 वेवमघ (بے مغر) फा अ वि—निर्वुद्धि, वेअज़ल, पोच, तुच्छ, लचर, नि सार, खोखला।
 वेवमज़ (بے مژه) फा वि—निस्वाद, नीरस, फीका, आनद-रहित, वेलुत्फ।
 वेवमज़गी (بے مژگی) फा स्त्री—नीरसता फीकापन, स्वाद की खराबी, आनद का अभाव, वेलुत्फी।
 वेवमज़फ (بے مصرف) फा अ. वि—निरर्थक, बेकार, निष्प्र-योजन, नाकार आमद।
 वेवमहल (بے مهل) फा अ. वि—वेमीका, अवसर के विरुद्ध, वेवक्त, अनुचित, नामुनासिव।
 वेवमहावा (بے مسکان) फा वि—वेधडक, सकोच के बिना, तडातड, वेतहाशा, बेपर्दा, खुले मुंह।
 वेवमाना (بے معنی) फा अ वि—निरर्थक, जिसका कोई अर्थ न हो, व्यर्थ, बेकार, फुज़ूल, निष्फल, बेनतीजा।

वेमानिद (بے ساند) फा वि—जिमकी कोई तुलना न हो, अद्वितीय, अनुपम, वेमिस्ल।
 वेमानि (بے معنی) फा. अ. वि—दे 'वेमाना'।
 वेमायः (بے ساری) फा वि—जिमके पास पूंजी न हो, निर्धन, जिमके पास विद्या रूपी पूंजी न हो, वेइल्म।
 वेमायगी (بے ساریگی) फा. स्त्री—दरिद्रता, निर्धनता, विद्या-हीनता, वेइल्मी, अपाडित्य।
 वेमिक्दार (بے مقدار) फा अ वि—अपमानित, तिरस्कृत, वेइज्जत, अधम, नीच, कमीना।
 वेमिन्नते गैरे (بے سملت غیری) फा. अ अव्य—दूसरे की खुशा-मद किये बिना, दूसरे का एहसान लिये बिना।
 वेमिसाल (بے مثال) फा अ वि—अनुपम, असमान, अतुल्य, वेनजीर, लाजवाब।
 वेमिस्ल (بے مثل) फा अ वि—दे 'वेमिसाल'।
 वेमिहार (بے سہار) फा वि—जिसकी नाक मे नकेल न हो, अर्थात् निरंकुश, स्वच्छंद, आजाद, बेलगाम।
 वेमुरच्चत (بے مروت) फा अ वि—जिसमे शील सकोच न हो, दु शील, तोताचम, अस्वड, उजड्ड, निष्टुर, वेरहम।
 वेमुरच्चती (بے مروتی) फा अ स्त्री—दु शीलता, तोता-चरमी, अस्वाडपन, निर्दयता, वेरह्मी।
 वेमेहर (بے مہر) फा अ वि—निर्मम, जिसमे ममता न हो, निर्दय, निष्टुर, वेरह्म।
 वेमेह्री (بے مہری) फा अ. स्त्री—निर्ममता, निर्दयता।
 वेमीका (بے مویک) फा अ वि—दे 'वेमहल'।
 वेमीसिम (بے موسم) फा अ वि—बिना ऋतु का (फल आदि)।
 वेयारोमददगार (بے یار و مددگار) फा. वि.—जिसका कोई सहायक और खबरगीर न हों, निराश्रय, नि सहाय, बेकस।
 वेरंग (بے رنگ) फा वि—जिसका कोई रंग न हो, अवर्ण; जिसका रंग उतर गया हो, वदरग, कुवर्ण।
 वेरंग (بے رنگ) फा वि—निर्लज्ज, वेगैरत।
 वेरव्त (بے ربط) फा अ वि—असबद्ध, गैर मवूत, बेडगा, वेमेल।
 वेरवती (بے ربطی) फा अ स्त्री—असबद्धता, बेडगापन, बेजोडपन।
 वेरहम (بے رحم) फा अ वि—निष्टुर, निर्दय, जालिम।
 वेरहमी (بے رحمی) फा अ स्त्री—निर्दयता, निष्टुरता, जुल्म।
 वेराह (بے راه) फा वि—पथभ्रष्ट, कुमार्गी, गुमराह।
 वेराहरवी (بے راهروی) फा स्त्री—बुरी राह चलना, कुमार्ग-गमन।
 वेराहररी (بے راهروی) फा वि—कुमार्गी, पथभ्रष्ट, बुरी राह चलनेवाला, पापाचरण करनेवाला।

बेरिया (بريا) का वि-निरडल, मुनलिया, आडवर हीन पाखड न करनेवाला ।
 बेरियाई (برياई) का स्त्री-निश्छलता निष्पटता, आडवरहीनता ।
 बेरीश (بريش) का पु-बेरीश ।
 बेरीण (بريण) का वि-जिसके दाढ़ी न निकली हो, जो अभी पूरी उम्र का न हो, लका, अमरद ।
 बेरखी (برخي) का स्त्री-वतवज्जही, उपश्या घेमुखता दु गीलता मूह फेरना विमुखता ।
 बेर (بر) का वि-बाहर ।
 बेरजात (برجات) का पु-नगर के बाहर की वस्तियाँ, मुफस्सलात ।
 बेर (بر) का वि-बेमुखत, दु गील ।
 बेरओरिआयत (برواریات) का अ वि-विना विमा के पक्षपात और रियायत किये ।
 बेरेश (برेश) का वि-जिसम शुषड या रोग न हो, जैसे-बेरेश आम ।
 बेरवोरिया (برواریا) का वि-विना छल और कपट के ठीक ठीक सीधा सीधा ।
 बेरोजगार (برواری) का वि-जिसके पास धन न हो अनुसुमी-थवसायहीन बवार ।
 बेरोजगारी (برواری) का स्त्री-राजगार न हाना लागो का काम न मिलना बनारी ।
 बेरीनत्र (برینتر) का वि-जिसम कोई शोभा न हो, शोभायुय श्रीहीन जहा चहल-महल न हो सूना, उजाड, जिसम प्रफुल्लता न हो अपसुद ।
 बेरीनकी (برینکی) का स्त्री-गोभा न होना, चहल पहल न होना प्रफुल्लता न होना ।
 बेर (بر) का पु-बेलचा फावडा पतवार, नाव खन का डाड ।
 बेलकश (برلکش) का वि-फावडा चलानवाला ।
 बेलगाम (برلگام) का वि-जिसके मुह म लगाम न हो निरकुश स्वच्छ मूहफट बदलगाम ।
 बेलच (برلحه) का पु-फावडा फावडे क आकर का एक घाटने का यंत्र जिसका दस्ता सीधा होता ह ।
 बेलचकार (برلحکار) का वि-बेलचे से खोनाइ करने वाला, फावडा चलानवाला ।
 बेलचक (برلحک) का पु-बेलचा फावडा ।
 बेलखन (برلخن) का वि-फावडा चलानवाला किसान कृषक ।
 बेरुफ (برلطف) का अ वि-निरानद बेमडा, जिसम

वाई लिचस्पा न हा ।
 बेलुकी (برلکی) का अ स्त्री-आनद का न हाना मज न आना, लिचस्पी न होना ।
 बेलौत (برلوت) का अ वि-निस्थाथ मुवलिस जिसपर काई लाछन न हो जो पान-साफ हो ।
 बेलोसी (برلوسی) का अ स्त्री-निस्थाथता, इस्लास निलिप्तता बेतअल्लुका ।
 बेय (بري) का स्त्री-विधना, अधवा, वह स्त्री त्रिमता पति मर गया हो रां ।
 बेवकार (بروکار) का अ वि-दे 'बेवकअत, निनन बेपूंजी ।
 बेवकअत (بروکعت) का अ-जिसकी कोई इरबत न हो तिरस्वत जा माना न जाय, अमाय ।
 बेवकअती (بروکتی) का अ स्त्री-अपमान तिरस्कार, बेइरबती तुच्छता नीचता, जलालत ।
 बेवकत (بروکت) का अ वि-मुसमय जकाल नावकन ।
 बेवक (بروک) का अ वि-बेवकअत ।
 बेवकी (بروکی) का अ स्त्री-बेवकअती ।
 बेवगी (بروگی) का स्त्री-बेवा हाने की अवस्था, विरवा पन विधवात्व वधव्य, रेठापा ।
 बेवजह (بروچه) का अ वि-अकारण विला वजह ।
 बेवफा (بروفا) का अ वि-जिसमें वफा न हो कृतघ्न दगावाज जा वाजे का पक्का न हो ।
 बेवफाई (بروفاई) का अ स्त्री-कृतघ्नता दगावाजा, वादाखिलाफी वचन भंग ।
 बेवासित (برواسطه) का अ वि-अकारण, बसबद, विगावास्त इन डाइरेक् ।
 बेवकूफ (بروکوف) का अ वि-बुद्धिहीन निबुद्धि मूख नादान ।
 बेवकूफी (بروکوفی) का अ स्त्री-मूलता बद्धिहानता, मूलता नादानी ।
 बेस (برس) का पु-शर के रहने की भाद कठार वन जग ।
 बेश-नशी (برسین) का वि-जगल म रहनवाला तपस्या के लिए जगल म रहनेवाला ।
 बेग (برغ) का वि-अधिक जियाण मीठा तलिया, सिधिया ।
 बेग अन्न बेग (برغ ارض) का वि-अधिक धिव, जियाण से जियादा ।
 बेग अन्न बेग (برغ ارض) का वि-पहल की अनेगा अधिक पहले से जियाण ।

वेशक (لَشَك) फा अ वि-नि सदेह, नि शक, वेशुवह,
 अवय, जुरुर ।
 वेशकरार (لِيشِ قَرَار) फा अ वि-पर्याप्त, काफी,
 अत्यधिक, बहुत ।
 वेशकीमत (لِيشِ قِيمَت) फा अ वि-बहुमूल्य, बडे दामो
 की वस्तु ।
 वेशकौशुवह (لَشَكْ وَشَدَه) फा अ वि-नि सदेह,
 नि शक, विना किसी शका और सदेह के ।
 वेशतर (لِيشِ تَر) फा वि-अधिकतर, प्राय, बहुधा,
 अमूमन ।
 वेशवहा (لِيشِ دِهَا) फा वि-दे 'वेशकीमत' ।
 वेशम (لِيشِ م) फा अ वि-निलज्ज, वेह्या; वेगैरत,
 स्वाभिमानरहित ।
 वेशमी (لِيشِ مِي) फा अ स्त्री-निलज्जता, वेह्याई,
 अस्वाभाविमान, वेगैरती ।
 वेशइव: (لِيشِ اِصْ) फा अ वि-नि सदेह, यकीनन ।
 वेशी (لِيشِ ي) फा स्त्री-अधिकता, जियादती; इजाफा,
 वढती, वृद्धि ।
 वेशीराज: (لِيشِ رَا) फा वि-असवद्ध, वेतर्तीव ।
 वेशुऊर (لِيشِ عُر) फा अ वि-निर्वृद्धि, वेअक्ल, अशिष्ट,
 नाशाइस्त, अविवेकी, अच्छे-बुरे की तमीज न रखनेवाला ।
 वेशुऊरी (لِيشِ عُرِي) फा अ स्त्री-बुद्धिहीनता, वेअक्ली,
 वेतमीजी, अविवेक ।
 वेशुवह: (لِيشِ وَه) फा अ वि-नि सदेह, नि शक, वेशक ।
 वेशुमार (لِيشِ مَار) फा अ वि-असख्य, अनगिनत, जिनकी
 गिनती न हो सके, बहुत अधिक ।
 वेशोकम (لِيشِ وَكْم) फा वि-थोडा-बहुत ।
 वेशत्री (لِيشِ تْرِي) फा अ स्त्री-वे पर्दगी, पर्दा न होना,
 कपडे का शरीर पर से हट जाना या न होना ।
 वेशव (لِيشِ وَ) फा अ वि-विना कारण, अकारण,
 वेवजह ।
 वेशवव आजार (لِيشِ وَ وَ آزار) फा अ वि-विना कारण
 के कष्ट देनेवाला, अकारण-द्रोही ।
 वेशन्न (لِيشِ ن) फा अ वि-अधीर, आतुर, जिसे धीरज
 न हो, जल्दवाज ।
 वेशत्री (لِيشِ تْرِي) फा अ स्त्री-अधीरता, आतुरता,
 जल्दवाजी ।
 वेशरोपा (لِيشِ رُوبَا) फा वि-वे सर और पैर का, जिसका
 सिर-पैर कुछ न हो, झूठा, निराधार ।
 वेशर्फ (لِيشِ رَف) फा अ वि-व्यर्थ, निरर्थक, बेकार ।
 वेशलीक: (لِيشِ لِيَك) फा अ वि-जिसे किसी काम करने

का ढग न आता हो, जो गिष्ट न हो, असभ्य ।
 वेशलीकगी (لِيشِ لِيَكْغِي) फा अ स्त्री-काम का ढग न
 आना, अशिष्टता, असभ्यता ।
 वेशवा (لِيشِ وَ) फा स्त्री-वेध्या, गणिका, तवाइफ ।
 वेशवाद (لِيشِ وَاد) फा अ वि-निश्री, वेरीनक, निरक्षर,
 जाहिल, मूर्ख ।
 वेशास्त: (لِيشِ اسْت) फा वि-सहसा, वेतहाशा, तुरत;
 जो वना-सँवरा न हो, सादा, वे सोचे हुए, फिलवदीह ।
 वेशास्तगी (لِيشِ اسْتْغِي) फा स्त्री-वेतहाशापन, शीघ्रता,
 वनाव-सिगार न होना, वरजस्तगी ।
 वेशाजोवर्ग (لِيشِ اسْزَوْرْغ) फा वि-दे 'वेवर्गोन्वा' ।
 वेशिक्क: (لِيشِ كْ) फा वि-तुच्छ, नीच, जलील, अपमानित,
 तिरस्कृत ।
 वेशियाकोसिवाक (لِيشِ يَا وَ سِيَاك) फा अ वि-विना
 पूर्वापर सम्बन्ध के, (सियाक (अर्वी) = चलाना, रविग)
 सिवाक-अ वि = आगे दौडनेवाला, फार्सी और उर्दू मे
 'सियाक' और 'सिवाक' समानार्थक शब्द है ।
 वेशुकून (لِيشِ كُون) फा अ वि-अशान्ति, जिसे शान्ति न
 मिले, उद्विग्न, परीशान, चचल, चपल, शोख ।
 वेशुतून (لِيشِ تُون) फा पु-वह पहाड जिसे फर्हाद ने
 काटा था ।
 वेशुद (لِيشِ د) फा वि-निरर्थक, व्यर्थ, बेकार; निष्फल,
 वेनतीज ।
 वेशुंगाम (لِيشِ هِنْغَام) फा वि-कुसमय, नावक्त ।
 वेहकीकत (لِيشِ حَقِيْقَت) फा अ वि-तुच्छ, जलील, असत्य,
 झूठ, निराधार, वेबुनियाद ।
 वेहद (لِيشِ د) फा अ वि-असीम, अपार वेहिसाव,
 अत्यधिक, बहुत जियादा ।
 वेहहोहिसाव (لِيشِ وَ حِسَاب) फा अ वि-जो गिनती और
 हिसाव से बाहर हो, असख्य, अपार ।
 वेहमओबाहम: (لِيشِ وَ مَاهِم) फा वि-किसी के साथ
 नहीं और सबके साथ, सबसे अलग और सबके साथ,
 अच्छाई मे सबके साथ, बुराई मे सबसे अलग ।
 वेहमगी (لِيشِ مْغِي) फा स्त्री-किसी के साथ न होना,
 सबसे अलग होना ।
 वेहमता (لِيشِ مْتَا) फा वि-अनुपम, वेमिसाल ।
 वेहमाल (لِيشِ مَال) फा वि-अद्वितीय, अनुपम, वेमिस्ल ।
 वेहमीयत (لِيشِ مِيْت) फा अ वि-वेगैरत, निलज्ज ।
 वेहमीयती (لِيشِ مِيْتِي) फा अ स्त्री-निलज्जता, वेगैरती ।
 वेह्या (لِيشِ يَا) फा अ वि-निलज्ज, लज्जा-शून्य, अपत्रप,
 निस्त्रप, क्षणक, वेह्या ।

बेह्याई (بِهْيَاي) का अ स्त्री—रज्जाहीनता निलम्बता
बेगामी।
बेहाल (بِهَال) का अ वि—अचेत, बेखर सनाहीन
मरणामृत मरने के करीब दुःसाग्रस्त बहान।
बेहासिल (بِهَاصِل) का अ वि—व्यय निरयक बेकार
निष्पन्न बेनतीजा।
बेहिजाब (بِهِيْجَاب) का अ वि—बेपर्ना खुलना घूघट
खोले हुए।
बेहिजाबान (بِهِيْجَابَان) का अ वि—पर्ना उठाव हुए
घूघट हटाने हुए मुह खाले हुए बेपर्ना।
बेहिजाबी (بِهِيْجَابِي) का अ स्त्री—बेपर्ना घूघट उठा
दना खुलना फिरना (स्त्री का)।
बेहिफाहत (بِهِيْفَاهَت) का अ वि—जिसकी रक्षा न हो
अरक्षित।
बेहिफाहतो (بِهِيْفَاهَتِي) का अ स्त्री—रक्षा का अभाव
अरक्षा।
बेहिम्मत (بِهِيْمَمَت) का अ वि—निरस्माही हवात्माहा
जिसकी हिम्मत टूट गया हो जिसमें हिम्मत न हो।
बेहिम्मती (بِهِيْمَمَتِي) का अ स्त्री—उत्साह की कमी
उत्साह का अभाव।
बेहिस [सस] (بِهِيْس) अ वि—जिम परसामन हो जिसमें
स्वाभिमान न हो चतनागुय शाफिल सुन जड़ीभूत।
बेहिसाब (بِهِيْسَاب) का अ वि—अमह्य बेगुमार।
बेहिसी (بِهِيْسِي) का अ स्त्री—एहनास का अभाव
चतना का अभाव सुन हो जाना।
बेहिसी (بِهِيْسِي) का अ स्त्री—बहिमी दानो
गुद ह।
बेहिसीहकत (بِهِيْسِيْهَكْت) का अ वि—जो गति और
चेतना दोनों स गुय हो जडवन निस्तच।
बेहिसूर (بِهِيْسُوْر) का अ वि—अनुपरिचित नामोजूद
लुप्त गाइव।
बेहिसुरी (بِهِيْسُوْرِي) का अ स्त्री—अनुपरिचित गर
मोजूना लप गाइव होना।
बेहद (بِهِيْد) का वि—बहद का लघु दे बहद।
बेहदर (بِهِيْدَر) का अ वि—जिसमें कोई हुनर न हो
निगुण गुयहान।
बेहदरी (بِهِيْدَرِي) का अ स्त्री—गुण का न होना निगुणता
वगुण्य।
बेहदमत (بِهِيْدَمَت) का अ वि—अपमानित तिरस्कृत
बेदम्बत गहित निमित्त रसवा।
बेहदमती (بِهِيْدَمَتِي) का अ स्त्री—अपमान बेवकअती

गर्हा निदा रसवाई।

बेहद (بِهِيْد) का वि—व्यय अलय, बेकार निप्रयोजन
निरस्मा, अमह्य, अगिष्ट वतमीज दुगोल व
अल्लाक अलील, फुहग दुश्चरित, आबारा।
बेहदकलाम (بِهِيْدَكَلَام) का अ वि—बहदगी।
बेहदगी (بِهِيْدَغِي) का वि—व्ययवाणी, पूजु बाने करन
वाला अशरील वक्ता फुहागा।
बेहदगोई (بِهِيْدَغُوِي) का स्त्री—व्यय का बववास
अरलाल बाने।
बेहदमिजाज (بِهِيْدَمِيْجَاْج) का अ वि—अमह्य अगिष्ट
वतमीज उज्जड अम्बड।
बेहदगिजार (بِهِيْدَغِيْجَاْر) का अ वि—बहद
मिजाज।
बेहदसिरित (بِهِيْدَسِيْرِيْت) का वि—बहद
मिजाज।
बेहदगी (بِهِيْدَغِي) का स्त्री—अशरीलता फुहापन
असम्पत्ता अगिष्टता वतमीजी।
बेहसियत (بِهِيْسِيْيَت) का अ वि—अप्रतिष्ठित बहदबत
निघन मुफिलस।
बेहसियती (بِهِيْسِيْيَتِي) का अ स्त्री—प्रतिष्ठा न होना
अप्रतिष्ठा निघनता।
बेहोग (بِهِيْوْغ) का वि—निश्चेष्ट, अकत गाफिल
उमत्त बदमस्त।
बेहोगी (بِهِيْوْغِي) का स्त्री—निश्चेष्टता गफिल
उमत्तता बदमस्ती।
बेहोगोहवास (بِهِيْوْغُوْهَاص) का अ वि—जिसकी न
अकल ठिकाने हो न हाग बहुत ही गाफिल।
बेहोसल (بِهِيْوْسَل) का अ वि—बहिम्मत।
बेहोसलगी (بِهِيْوْسَلْغِي) का अ स्त्री—बहिम्मत।

बे

बअ (بَع) अ स्त्री—बेचना फरास्त करना।
बअत (بَعْت) अ स्त्री—किसी पीर क हाथ पर उमवा
मुरी—हाना।
बअनाम (بَعْنَام) अ फा पु—बेचीनामा विवय-पत्र,
बेचने की कानूनी तहरीर।
बअन (بَعَان) अ फा पु—बह धन जो मूल्य तय हो जाव
पर खरीदार बेचनेवाले को इसलिए देता ह कि बात
पक्की हो जाय।
बओगिरा (بَعُوْرَا) अ स्त्री—खरीद फरोस्त, फय
विनय।

बंजः (بَيْضَة) अ पु—अडा, अड; अडकोप, फोता, सिपाहियों का खोद, लोहे की टोपी, पूरे सर का एक दर्द ।
 बंज (بَيْض) अ पु—'बंज' का वह, अडे ।
 बंजएमाकियाँ (بَيْضَة مَاكِيَا) अ फा पु—मुर्गी का अडा ।
 बंजएमार (بَيْضَة مَار) अ फा पु—साँप का अडा ।
 बंजएमुर्ग (بَيْضَة مَرْغ) अ फा पु—मुर्गी का अडा ।
 बंजएमोर (بَيْضَة مَوْر) अ फा पु—चूँटी का अडा ।
 बंजक (بَيْضَق) अ पु—दे. 'वैदक', दोनो शुद्ध है ।
 बंजवी (بَيْضَوِي) अ वि—अण्डे के आकार का, अडाकार ।
 बंजा (بَيْضَا) अ वि—प्रकाशमान्, उज्ज्वल, रीशन, श्वेत, सफेद, सूर्य, सूरज, ईरान का एक नगर ।
 बंजावी (بَيْضَاوِي) अ. वि—वैजा (ईरान का एक नगर), से सम्बन्ध रखनेवाला ।
 बैत (بَيْت) अ पु—घर, गृह, मकान, स्थान, जगह, (स्त्री) एक शेर, दो मिले ।
 बैतवहसी (بَيْت بَحْسِي) अ स्त्री—दे 'वैतवाजी' अन्त्याक्षरी ।
 बैतवाजी (بَيْت بَاوِي) अ फा स्त्री—लडको का एक इल्मी मशगल जिसमे एक लडका एक शेर पढता है और दूसरा लडका उस शेर के अन्तिम अक्षर से प्रारम्भ होनेवाला दूसरा शेर पढता है या उसी विषय पर दूसरी उक्ति पढता है ।
 बैतार (بَيْطَار) अ पु—पशुओं की चिकित्सा करनेवाला, अश्व-चिकित्सक ।
 बैतुन्नतफ (بَيْتُ النَّطْفِ) अ पु—चकला, वेद्यालय ।
 बैतुलअतीक (بَيْتُ الْعَتِيْقِ) अ पु—पुराना घर; का'व, खानए का'व ।
 बैतुलअरस (بَيْتُ الْعَوْرَسِ) अ पु—हुल्हन का कम्रा, खानए का'व ।
 बैतुलउलूम (بَيْتُ الْعُلُوْمِ) अ. पु—यूनीवर्सिटी, विश्व-विद्यालय ।
 बैतुलखला (بَيْتُ الْخَلَا) अ. पु—शौचालय, पाखाना ।
 बैतुलगजल (بَيْتُ الْغُرْلِ) अ स्त्री—गजल का सबसे अच्छा शेर ।
 बैतुलमाँसूर (بَيْتُ الْمَعْمُورِ) अ पु—चौथे आस्मान पर बनी हुई मस्जिद जो खानए का'व के ठीक ऊपर है ।
 बैतुलमाल (بَيْتُ الْمَالِ) अ पु—वह कोप जिसका धन सार्वजनिक कामों में खर्च हो ।
 बैतुलमुकद्दस (بَيْتُ الْمُقَدَّسِ) अ पु—यरोशलम ।
 बैतुल्लाह (بَيْتُ الْاِلهِ) अ. पु—खानए का'व, ईश्वर का घर ।

बैतुलहजान (بَيْتُ الْحَزَانِ) अ पु—शोकगृह, गमी का घर, नायक का घर ।

बैतुलहमल (بَيْتُ الْحَمَلِ) अ पु—मेघराशि, पहला वुर्ज ।

बैतुलहराम (بَيْتُ الْحَرَامِ) अ पु—खानए का'व ।

बैतुलहुरन (بَيْتُ الْحُرْنِ) अ पु—दे. 'वैतुलहजन', दोनो शुद्ध है ।

बैतुशशरफ (بَيْتُ الشَّرْفِ) अ पु—वह राशि जिसमे किसी ग्रह की उन्नति हो ।

बैतुस्सकर (بَيْتُ السُّكْرِ) अ पु—नरक, दोजख ।

बैतुस्सनम (بَيْتُ السَّنَمِ) अ पु—त्रुतखाना, मूर्तिगृह, मंदिर ।

बैतुस्सिलाह (بَيْتُ السَّلَاحِ) अ पु—शस्त्रागार, अस्लिह खान, मैगजीन ।

बैदक (بَيْدَق) अ पु—शत्रु का पियादा ।

बैदा (بَيْدَا) अ पु—वन, कानन, जगल, दशत ।

बैन (بَيْن) अ वि—बीच, मध्य, दरमियान ।

बैनलअक्वाम (بَيْنُ الْاَقْوَامِ) अ. वि—अन्तर्रा ।

बैनलअक्वामी (بَيْنُ الْاَقْوَامِي) अ वि—अन्तर्राष्ट्रीय ।

बैनलमिल्ली (بَيْنُ الْمَلِي) अ वि—अन्तर्राष्ट्रीय ।

बैनलमुल्की (بَيْنُ الْمُلْكِي) अ वि—अन्तर्देशीय ।

बैनस्सुतूर (بَيْنُ السُّطُورِ) अ पु—दो सत्रों के बीच में छोड़ी हुई जगह ।

बैयाअ (بَيْاع) अ वि—वेचनेवाला, विक्रेता; अभिकर्ता, दल्लाल ।

बैयिन (بَيْنِي) अ वि—स्पष्ट, वाजेह, ज्वलन्त ।

बैरक (بَيْرَق) तु पु—छोटा झडा, झडी, वह झडा जो जमीन पर कब्जा करने या आत्राद करने के निशान के लिए गाडते है ।

बो

बोईदः (بُوَيْدَة) फा वि—सूँधा हुआ ।

बोत. (بُوتَة) फा पु—सुनारों की घरिया, कुठाली, बूत ।

बोदनः (بُودَنَة) तु पु—बटेर ।

बोया (بُويَا) फा वि—सुगंधित, सुवासित, खुशबूदार ।

बोरिया (بُورِيَا) फा पु—चटाई, खजूर की चटाई, मटुरा ।

बोरियानशी (بُورِيَا نَشِي) फा वि—चटाई पर बैठनेवाला, फकीर ।

बोरियांबाफ (بُورِيَا بَا ف) फा वि—चटाइयाँ, बुननेवाला ।

बोरियाबाफी (بُورِيَا بَا فِي) फा स्त्री—चटाइयाँ बुननेका काम ।

बोस (بُوس) फा. प्रत्य—चूमनेवाला, जैसे—'फलकबोस' आस्मान चूमनेवाला, गगनचुवी ।

बोसः (بُوسَة) फा पु—चुवन, चूमा ।

बोतगाह (بوسگاه) का स्त्री-वह स्थान जिन चूमा जाय।
 बोतखन (بوسخان) का वि-बूमनेवाला चुबक।
 बोतखबगाम (بوسخانهعام) का वि-दूसरे के बगिए अगने
 मरुमद को पा लेना - बासिद क हाय चूम लिये मने लेजे
 घत म एव तरह का वास व पगाम हा गया।
 बोतबाबो (بوسكاروی) का स्त्री-चुवाबुवा एव-दूमरे
 वा चूमना।
 बोतोद (بوسدود) का वि-बुधित चूमा हुआ मग-मग
 फग पुराना।
 बोसोदगी (بوسدگی) का स्त्री-मग गलापन फग
 पुरानापन।
 बोसोदनी (بوسدنی) का वि-चूमने क गइक चुवन
 माय चुवनीय।
 बोस्ता (بوستان) का पु-उद्यान मग आराम वाटिका।
 बोस्तापरा (بوسدانپارا) का वि-माली उद्यानपाल।

बों

बोंबर (بوری) का स्त्री-फकी इबना।
 बोंल (بول) अ पु-मू प्रभाव पभाव मम।
 बोंगाह (بولگاه) अ फा स्त्री-मूवालय पगाव करने
 की जगह यूरिनल।
 बोंलान (بولدان) अ फा पु-गगाव का वरतन मोगिया
 का मून पात्र यूरिन-पात्र।
 बोंलकिर्तफराग (بولکی آفرای) अ पु-एक राग जिसमें
 रागा सोन हुए पग पर पगान कर देता है प्राय यह राग
 दस बारह बरस व बच्चा का होता है गध्यापूत्र।

म

मबर (مطر) अ पु-उदय नरवार मुवाइति चह्ल
 कौतुकस्थान तमागागाह भीडास्थल सरगाह दष्टि का
 अत हन नख।
 मबरे आम (مطرعام) अ पु-पुला जगह जहा सब लोप
 आ-जा राक गावजनिक स्था।
 मब्रिक (مبیل) अ स्त्री-उत्तरन की जगह पडाव
 जहा जाना हा मत्तय एक दिन की भावा मकान का
 ए मग नगन चाद का पर लंबी याना।
 मब्रिगाह (مبیلگاه) अ फा स्त्री-जहाँ जाकर ठहरना ही।
 मब्रिलत (مبالت) अ स्त्री-आइर खलार इखत
 पन्वी दरजा।
 मब्रिले अखल (مبیل اول) अ स्त्री-कब गगान जन
 मनुष्य मरत पर पटना वार जाता है।
 मब्रिले इमर (مبیل عمر) अ स्त्री-जगन चा क रास्ते में

पहनेवा २० स्थाना में मे एव (द मनाजिक इमर)।
 मब्रिले मरसुद (مبیل مرشد) अ स्त्री-वह स्थान जहाँ
 पहुँचना है आगय उद्देश्य।
 मब्रिले हस्तरे (مبیل حسنی) अ फा स्त्री-नीवायाना
 आयु उम्र।
 मब्रूम (مبروم) अ वि-निशाला हुआ, किमी चीउर में
 से अलग किया हुआ।
 मब्रूम (مبظوم) अ वि-पदात्मक छात्रद नरय की
 सूत्र में लाया हुआ छद के रूप में परिवर्तित किया
 हुआ।
 मब्रूमाल (مبظومال) अ स्त्री-नर्यों का सग्रह वह
 सग्रह जिसमें गर न हा करल नरम हा।
 मब्रूर (مبظور) अ वि-दृष्टिगत दृष्टिमापर जा दला
 जाय स्वीकृत तम्हीम हबिबर पयगाद।
 मब्रूर नर (مبظورنر) अ वि-श्रिय प्यारा रुपाव
 जिस पर किमी की कृपा टि हा जाता को पसद।
 मब (مب) का प्रत्य-वाला, जय-जुहरतम अर
 वाला।
 मबल (مبذل) का पु-धरा, इहाता मडल।
 मबव (مبذوبه) अ स्त्री-इंलीग्रेट स्त्री प्रतिनिधि महिला
 मबूव (مبذوب) अ पु-इंलीग्रेट प्रतिनिधि।
 मबूवीन (مبذوبین) अ पु-मबूव का बहु प्रतिनिधि
 मडल बहुत-से प्रतिनिधि।
 मबवा (مبذوع) अ पु-खेल चरमा जगन मधर।
 मबवित (مبذوبت) अ पु-उगने का स्थान जहा का
 पाँव उगे।
 मभा (مبشا) अ पु-उद्देश्य जागय मबसद अय मतलब
 इजरा हाटिंग वारण हेतु सबब मनाकामना मनरिय
 दिली मकसद।
 मभाए इलाही (مبشاه آلهی) अ पु-ईश्वरेच्छा सग
 की मर्ती।
 मभाए दिली (مبشاه دلی) अ फा पु-मनोरथ मनी
 कामना दिली आगु।
 मभाए मशीअत (مبشاه مشیت) अ पु-मशाए
 इलही।
 मभूर (مبهور) अ प-अस्न-यस्त तितर वितर बिपरा
 हुआ राजाग शहीफर्मान।
 मसक (مبسک) अ पु-वह स्थान जहाँ पूजा की जाय
 उपामना-गद क स्थान जहाँ कुर्बानी वा जाय।
 मसब (مبسب) अ पु-य उहना बड़ी पन्वी
 अधिकार हक बनय फज।

सत्रदार (منصبدار) अ फा. वि—पदाधिकारी, उहदे-
दार, पीढी दर पीढी वजीफा पानेवाला ।
संसवी (منصوبی) अ. वि—मंसववाला, पद-सम्बन्धी,
जैसे—‘कारे मसवी’, अपना पद-सम्बन्धी काम ।
मसूख (مسنوخ) अ वि—खारिज, रह, निरस्त ।
मसूखी (منسوخی) अ वि—मसूख होना, निरसन, रह
होना ।
मंसूवः (منصوره) अ पु—सकल्प, इरादा, योजना, स्कीम,
पड्यत्र, साजिश; इच्छा, स्वाहिश ।
मंसूवबंधी (منصوره بندگی) अ फा स्त्री—मसूवा गॉठना,
इरादा करना, योजना बनाना, स्कीम बनाना ।
मंसूव (منسوب) अ वि—सम्बन्धित, जिसकी किसी की
ओर निस्वत की गयी हो, जिसकी कही मँगनी की गयी हो ।
मंसूव (منسوب) अ वि—वह अक्षर जिस पर जवर हो ।
मंसूवइलह (منسوب ائله) अ वि—जिसकी ओर निस्वत
की गयी हो, जिसकी मँगनी की गयी हो ।
मंसूर (منصور) अ वि—गद्यात्मक लेख, नसू का कलाम,
अनविधा मोती, तितर-वितर, विखरा हुआ ।
मंसूर (منصور) अ वि—विजेता, विजयी, फातेह, एक
वली जिन्होंने “अनलहक” कहा था और इस अपराध मे
उनकी गरदन काटी गयी थी ।
मंसूरोमुजफपर (منصور ومظفر) अ वि—जो बडी शान
से जीता हो, प्रशसनीय विजयी ।
मंसूस (منصورص) अ वि—गवेपणा को प्राप्त, तहकीक-
शुद, वह बात जो कुरान की स्पष्ट आयतो से प्रमाणित हो ।
मसन (معنا) अ वि—सहसा, अकस्मात्, अचानक, तुरत,
फौरन, तत्क्षण ।
मआइव (معائب) अ पु—‘मईव’ का बहु दोप-समूह ।
आखिज (معاخر) अ पु—‘आखज’ का बहु, वे किताबें
जिनसे मवाद लेकर कोई किताब लिखी गयी हो ।
आख (معاد) अ वि—रक्षास्थान, पनाह की जगह ।
आखल्लाह (معاد الله) अ वा—खुदा की पनाह, ईश्वर
बचाये ।
मआजीन (معاجين) अ स्त्री—‘मा’जून’ का बहु, मा’जूने,
अवलेह ।
मआद (معاد) अ पु—लौटकर जाने की जगह, यमलोक ।
मआदिन (معادن) अ पु—‘मा’दिन’ का बहु, खाने ।
मआनी (معانی) अ पु—‘मा’ना’ का बहु, अर्थसमूह ।
मआव (معاب) अ प्रत्य—युक्त, जैसे—‘फजीलत मआव’
विद्वत्ता से युक्त ।
मआविद (مآبد) अ पु—‘मा’वद’ का बहु, उपासना के

स्थान, मंदिर, मस्जिदे, गिर्जा ।
मआविर (معابر) अ पु—‘मा’वर’ का बहु, नदियो का
घाट या पुल ।
मआरिक (معاری) अ पु—‘मा’रिक’ का बहु, लडाई के
मैदान, युद्धक्षेत्र, लडाइयाँ, युद्ध ।
मआरिज (معارج) अ पु—‘मे’राज’ का बहु, सीढिया ।
मआरिफ (معارف) अ पु—‘मा’रफ’ का बहु, पहचानने
के स्थान, परिचय, पहचान, ‘मा’रिफ’ का बहु, परि-
चित लोग, दोस्त लोग, मित्रगण, विद्वज्जन, इल्मवाले ।
मआल (مآل) अ पु—परिणाम, निष्कर्ष, नतीजा, अत,
खातिमा, फल, प्रतिकार, बदल,—“मआलेसोजे गमहाए
निहानी देखते जाओ”—फानी ।
मआलअदेश (مآل اندیش) अ फा वि—परिणामदर्शी,
नतीजा सोचकर काम करनेवाला ।
मआलअदेशी (مآل اندیشی) अ फा स्त्री—परिणाम-
दर्शिता, नतीजा सोचकर काम करना ।
मआलनाअदेश (مآل نا اندیش) अ फा वि—जो नतीजा
न सोचे और काम कर डाले, अपरिणामशोची ।
मआलनाअदेशी (مآل نا اندیشی) अ फा स्त्री—नतीजा
सोचे बिना काम कर डालना, अपरिणामदर्शिता ।
मआलवी (مآل بین) अ फा वि—दे ‘मआल अदेश’ ।
मआलवीनी (معال بینی) अ फा स्त्री—दे, ‘मआल
अदेशी’ ।
मआली (معالی) अ पु—‘मा’ली’ का बहु, ऊँचाइयाँ,
वलदियाँ ।
मआले कार (مآل کار) अ फा पु—काम का, नतीजा,
कार्यपरिणाम ।
मआले वद (مآل بد) अ फा पु—बुरा नतीजा, कुफल,
दुष्परिणाम ।
मआश (معاش) अ स्त्री—जीविका, रोजी; जमीन
या जागीर जो किसी काम के इन्आम स्वरूप मिले ।
मआशदार (معاش دار) अ फा पु—वह व्यक्ति जिसे कोई
जमीन या जागीर ‘मआश’ के रूप मे मिली हो ।
मआशी (معاشی) अ वि—जीविका-सम्बन्धी, अर्थ-सम्बन्धी,
आर्थिक, इकितसादी ।
मआशीयात (معاشیات) अ स्त्री—अर्थशास्त्र, इल्मे
इकितसादीयात ।
मआसिर (مآسیر) अ पु—‘मासुर’ का बहु, अच्छी
निशानियाँ, अच्छे स्मृति-चिह्न, अच्छे काम, सुकृतियाँ ।
मआसी (معاصی) अ पु—‘मा’सियत’ का बहु, पाप-समूह,
गुनाह ।

मईब (معيب) अ पु -दोष अवगुण दूषण ऐब ।

मईयत (معيبت) अ स्त्री -माय हमराहा ।

मईगत (معيب) अ स्त्री -जीवन जिनगी जाविका,
गजाग वह चीज जा प्रावन का सहारा हा ।

मऊनत (معويت) अ स्त्री -सहायता मदद ।

मऊल (معول) अ वि -भरासा किया हुआ विश्वस्त ।

मए अगूर (مراغو) पा स्त्री -अगूर स बनायी हुई मदिरा
द्रायासव ।

मए अगुनी (مراغوني) पा स्त्री -गहू की गराव माधवा ।

मए आतगी (مراغيني) पा स्त्री -आग-जमी तेज और
लाल मदिरा जमिनवर्षा ।

मए ऐग (مراغيش) पा अ स्त्री -भाग विलामरूपी मदिरा ।

मए हुस्त (مراغس) पा अ स्त्री -सौंदर्य-मुरा रूप-मद
जब मए-हुस्त म है कफे परामागी भी नामिहा काम नहीं
अब तरे समझाने वा ।

मए कौत्तर (مراغير) पा अ स्त्री -स्वग की मन्त्रि ।

मए गुलगू (مراغلي) पा स्त्री -गुलाब के फूल-जमी
मुगधित और गुगुनी मदिरा ।

मए गुलराम (مراغلي) पा स्त्री -> मए गुलगू ।

मए गुलरग (مراغلي) पा स्त्री -> मए गुलगू ।

मए तहूर (مراغير) पा अ स्त्री -यवित्र मन्त्रि वाह
मन्त्रि जा स्वग म मिलगी ।

मए तुद (مراغيد) पा स्त्री -तज नगवाली मन्त्रि ।

मए हुआतग (مراغيش) पा स्त्री -> चार विचो हुई
गराव बहून तज गराव ।

मए दोगीन (مراغين) पा स्त्री -रात की बची हुई
वामी गराव ।

मए नाब (مراغاب) पा स्त्री -निमल और श्वासि मदिरा ।

मए नी (مراغون) पा स्त्री -हाल की विचो हुई गराव ।

मए पिंनार (مراغين) पा स्त्री -अहवार की मदिरा
अ-वाररूपी मन्त्रि ।

मए मुगान (مراغان) पा स्त्री -आतगपरस्ता की गराव ।

मए रगी (مراغين) पा स्त्री -रग विरपी गराव ।

मए बसल (مراغيل) पा अ स्त्री -गभोग भयुन नायिका
का मन्त्राम ।

मए गदीन (مراغيد) पा स्त्री -रात की बची हुई गराव ।

मए गीराब (مراغير) पा स्त्री -वह मन्त्रि जो गीराब
की बातों में हा हाफिज गीराबी की कविता ।

मए गीर (مراغين) पा अ स्त्री -प्रेम की मन्त्रि ।

मए हुराम (مراغير) पा अ स्त्री -यह मन्त्रि जिनका
पात धम में निषिद्ध ह ।

मए हलाल (مراغيل) पा अ स्त्री -वह मदिरा जिसका
पात धम में विहित है स्वग की मन्त्रि ।

मकर[र] (مراغير) अ प -उहरने का स्थान, अडडा पडाव ।

मकरलखिलाफत (مراغيل) अ पु -शासनकेंद्र राज
धानी ।

मकरलहुकूमत (مراغيل) अ पु -राजधानी ।

मकरसलतनत (مراغيل) अ पु -राजधानी ।

मकर खिलाफत (مراغيل) अ पु -'राजधानी' ।

मक्सर[स्स] (مراغير) अ पु -काटने का स्थान दणित
स्थल ।

मकाइद (مراغيد) अ पु -मकीद का बहु छल और परदे
पाथड ऐयारिया ।

मकाइद (مراغيد) अ पु -मकअद का बहु, बटन व
स्थान ।

मकातिब (مراغيب) अ पु -मकतब का बहु प्रारम्भ
पाठगालाए ।

मकाबिते इत्तिबाई (مراغيب) अ पु -प्रारम्भ
पाठगालाए जिनम शुरूआत की गिशा दी जाय ।

मकातीब (مراغيب) अ पु -मकतब का बहु चिटिया
पत्र-समूह खतून ।

मकादीर (مراغير) अ स्त्री -मिक्कार का बहु अदाब
अनुमान बरन सख्याए आवाद ।

मकादीरे मजहूल (مراغير) अ स्त्री -वे सख्याए
जो तात न हो (गणित) ।

मकादीरे मालूम (مراغير) अ स्त्री -व सख्याए
जा तात हा (गणित) ।

मकान (مراغين) अ पु -गह गेह आवाम, निवेदन, भवन
सदन सभ घर बेम स्थान जगह ।

मकानदार (مراغين) अ पा वि -घर वा नालिक गृह
स्वामी ।

मकानात (مراغاب) अ पु -मकान का बहु बहुत-से घर ।

मकाने मस्कून (مراغين) अ पु -रहन का मकान
जिस मकान म कोई रहता हा ।

मकाबिर (مراغير) अ पु -मकबर का बहु, बड़े मकबरे,
मजारत ।

मकाम (مراغين) अ पु -स्थान जगह टहरने का स्थान,
घर मकान मखिल पत्राव अवगार मीठा प्रविष्टा
इरबत । 'मकाम' भी प्रचलित है ।

मकामात (مراغاب) अ पु -मकाम का बहु बहुत-से
स्थान ।

मकामो (مراغين) अ वि -स्थानीय लोकल ।

मकारिम (مكاريم) अ. पु—'मक्रुमत' का बहु, कृपाएँ, इनायते।

मकारह (مكاره) अ पु—'मुक्र' का बहु।

मकाल: (مقاله) अ पु—निवध, लेख, किसी विशेष विषय पर गवेषणापूर्ण लेख, रेखागणित का कोई साध्य।

मकाल:नवीस (مقاله نویسن) अ फा वि—निवधकार।

मकाल:निगार (مقاله نگار) अ फा वि—दे 'मकाल' नवीस'।

मकाल:निगारी (مقاله نگاری) अ फा स्त्री—निवध लिखना, प्रबन्ध रचना।

मकाल (مقال) अ पु—वार्तालाप, वातचीत, गुप्तगू।

मकालात (مقالات) अ पु—'मकाल' का बहु, गुप्तगू, वातचीते, मकाले, निवध।

मकालीद (مقالید) अ पु—'मिकलीद' का बहु, कुजियाँ।

मकासिद (مقاصید) अ. पु—'मकिसद' का बहु, उद्देश्य समूह, मशाएँ।

मकासिब (مسابب) अ पु—'कस्ब' का बहु, पेशे, उद्योग।

मकीन (مکین) अ वि—मकान का रहनेवाला, निवासी।

मकूल: (مقوله) अ पु—कथन, वात, कौल, कही हुई वात।

मकूलात (مقولات) अ पु—'मकूल' का बहु, कौल, वाते।

मकूअद (مقعد) अ स्त्री—मलद्वार, गुदा, मन्त्रज।

मक्क: (مکه) अ पु—हज्रत मुहम्मद साहिब का जन्म-स्थान, अरब की राजधानी, यही मुसलमान हज के लिए एकत्र होते हैं, का'व इसी में है।

मक्कार: (مکاره) अ स्त्री—धूर्ता, मायाविनी, वचिका, हरीफ, बहुत ही चालाक स्त्री।

मक्कार (مکار) अ वि—धूर्त, छली, बहुत ही चालाक।

मक्कारी (مکاری) अ स्त्री—धूर्तता, फितीनी, चालाकी।

मक्तव (مکتب) अ पु—पाठशाला, विद्यागृह, बच्चों का स्कूल, मदरसा।

मक्तवखान: (مکتب خانه) अ फा पु—इस शब्द में 'खान' अधिक है, क्योंकि मक्तव का अर्थ खुद ही पढाई की जगह है, परन्तु कुछ लोग लिख देते हैं, न लिखना अधिक उचित है।

मक्तवगाह (مکتب گاه) अ फा स्त्री—दे 'मक्तवखान' इसमें भी 'गाह' स्थान के अर्थ में है और वह अशुद्ध है।

मक्तव इश्क (مکتب عشق) अ पु—प्रेम-पाठशाला।

मक्तल (مقتل) अ पु—कत्ल करने की जगह, वधस्थान, वधभूमि।

मक्तूअ (مقتوع) अ वि—विच्छिन्न, कटा हुआ।

मक्तूअस्ल (مقتوع السلسل) अ वि—जिसका वंश समाप्त हो गया हो, जिसकी सतान में कोई न रहा हो, नष्टवंश।

मक्तूअस्ली (مقتوع السلسلی) अ वि—जिसका वंश समाप्त हो गया हो, जिसकी सतान में कोई न रहा हो, नष्टवंश।

हो, विकल पाणिक, विच्छिन्न हस्त।

मक्तूब (مکتوب) अ पु—लिखित, लिखा हुआ; पत्र, चिट्ठी।

मक्तूबइलैह (مکتوب الیه) अ वि—जिसको पत्र लिखा जाय।

मक्तूम (مکتوم) अ वि—गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ।

मक्तूल (مقتول) अ. वि—जिसे कत्ल कर दिया गया हो, हत, निहत, वधित।

मक्तूलीन (مقتولین) अ पु—'मक्तूल' का बहु, मारे गये लोग।

मक्तूलो मज्रूह (مقتول ومجروح) अ पु—जो कत्ल हुए और जो घायल हुए, हताहत।

मक्विदरत (مقدرات) अ स्त्री—दे 'मक्दूर'।

मक्दूनिय: (مقدونیہ) अ पु—'वलकान' का एक प्रदेश जो पहले तुर्कों के पास था, सिकदर यही राज करता था।

मक्दूर (مقدور) अ पु—शक्ति, बल, जोर, सामर्थ्य, मक्विदरत, साहस, हिम्मत, समाई, गुजाइश, धन, दौलत, वस, काबू।

मक्ना' (مقنع) अ पु—वह महीन कपडा जो निकाह के समय दूल्हा को पिन्हाते हैं, इसका शुद्ध उच्चारण 'मिकना' है, परन्तु उर्दू में 'मक्ना' भी प्रचलित है।

मक्नातीस (مقناطیس) अ पु—वह पत्थर जो लोहे को खींचता है, चुबक, अयस्कात, आकर्ष, वज्रलोहक, दे. 'मिकनातीस', दोनो शुद्ध हैं।

मक्नून (مکنون) अ वि—छिपाया हुआ, दिया हुआ, भेद, रहस्य, मन की वात, मशा।

मक्नूने खातिर (مکنون خاطر) अ वि—मन में छिपायी हुई वात, दिल का भेद।

मक्फूफ (مکفوف) अ वि—कपडा लपेटा हुआ, उर्दू छद में से सप्त अक्षरीयगण (मुस्तफअलुन्, मफाईलुन्, फाइलातुन् में से अन्तिम अक्षर कम करके मुस्तफअलु, मफाईलु, फाइलातु बनाना)।

मक्फूल (مکفول) अ वि—रेहन रखा हुआ, गिरी, बंधक।

मक्बर: (مقبیره) अ पु—वह कब्र जिस पर इमारत या गुदद हो।

मक्बूअ: (مقبوضه) अ वि—जो चीज कब्जे में हो, मिल्कियत।

मक्बूल (مقبول) अ वि—सर्वप्रिय, हरदिल अजीज, स्वीकृत, मजूर, रुचिकर, पसदीद।

मक्बूलियत (مقبولیت) अ स्त्री—सर्वप्रियता, हरदिल-अजीजी पसदीदगी. रुचि।

मन्त्रबलदुआ (مَنْتَرُ بَلِّدُ أُوَا) अ वि-जिसका दुआ तुरत झूल होनी हा वारसिद्ध ।
 मन्त्रबले बारगाह (مَنْتَرُ بَارِغَا) अ फा वि-ईश्वर वा प्यारा जिनी बटे आदमी के यहा बहुत समानित व्यक्ति ।
 मन्त्र (مَنْتَر) अ पु-छल घाला वचना, ठगी मीप वहाना, घूतता चालकी ।
 मन्त्रमत (مَنْتَرِ مَت) अ स्त्री-कृपा दया अनुकपा ममान प्रतिष्ठा वकार ।
 मन्त्रमतनाम (مَنْتَرِ مَتِ نَام) अ फा पु-कृपापत्र ।
 मन्त्र (مَنْتَر) तु वि-वह माल जा कुरक हा गया हो आसजित ।
 मन्त्र (مَنْتَر) अ वि-कृपा कउदार ।
 मन्त्र (مَنْتَر) अ वि-मनीप पाम नबदीक मिलाया हुआ पाम किया हुआ ।
 मन्त्र (مَنْتَر) अ वि-खित गमगीन गाक-सतप्त ।
 मन्त्र (مَنْतَر) अ वि-घणित जिम देखकर घिन आय भदा वदनुमा इस्लाम धम में वह चीज जिमका खाना अच्छा न हा परन्तु वह हराम न हो ।
 मन्त्रहात (مَنْتَرِ هَات) अ पु-मन्त्र हा बहु घणित वस्तुएँ व्यय क काम ।
 मन्त्रहाते दुनयबी (مَنْتَرِ هَاتِ دُونِی) अ पु-मसार के चपट जीवन की बाधाएँ दुनिया क अंग ।
 मन्त्रे तहनीमी (مَنْتَرِ تَهْنِی) अ पु-इस्लाम धम के अनुसार एसा मन्त्र हा साट पदाय जा हराम के लगभग पहुँच गया हो ।
 मन्त्र (مَنْتَر) अ वि-उल्टा हुआ ।
 मन्त्रबलइजापत (مَنْتَرِ بَلِّدِ اِجَابَت) अ पु-वह ममाव गत गद जिमकी इजापत उलट गयी हा जस-खानए खुदा वा खुदाखान ।
 मन्त्रबे कुल (مَنْتَرِ بِلْ كَل) अ पु-वह गद जा धम स बिलकुल उल्ट गया हा जम-कमर से रमज ।
 मन्त्रबे बाँज (مَنْتَرِ بَعْج) अ पु-वह गद जिसमें अगर धम मन उल्टे जस-कमर से खम ।
 मन्त्रबे मुस्तबी (مَنْتَرِ بِلْ مُسْتَبِی) अ पु-वह गदममूह या इबारत जा धम में बिलकुल उलट गयी हा ।
 मन्त्रक (مَنْتَرِ ك) अ वि-प्रवट व्यक्त जाहिर जा खाना गया हा ।
 मन्त्रद (مَنْتَرِ د) अ पु-गुद उच्चारण मकियु है परन्तु उदु म मन्त्र ही बाग्य ह उद्देश्य आगय मगा इच्छा स्वाहिन ।

उदु म मन्त्रद बोलन और लिखने ह ।
 मन्त्रसूब (مَنْتَرِ سُوْب) अ वि-गला की हुँ कमायी हुई जाइला आदि ।
 मन्त्रसूब (مَنْتَرِ سُوْب) अ वि-कमाया हुआ गला किया हुआ ।
 मन्त्रसूद (مَنْتَرِ سُوْد) अ वि-उद्देश्य आगय मगा इच्छा स्वाहिन ।
 मन्त्रसूबिस्वात (مَنْتَرِ سُوْبِ اِصْطَات) अ वि-वह वस्तु जिसकी वास्तविक में इच्छा हो ।
 मन्त्रसूदमिनह (مَنْتَرِ سُوْدِ مِیْنِ ه) अ वि-जिससे मतलब हो ।
 मन्त्रसूम (مَنْتَرِ سُوْم) अ वि-विभाजित बाग्य हुआ भाग्य जिम्मत भाग हिस्सा यह सख्या जो बाटी जाय, भाय ।
 मन्त्रसूम अल्ह (مَنْتَرِ سُوْمِ اَلْه) अ पु-वह सख्या जिमने किमी सख्या में भाग दें भाजक हारक ।
 मन्त्रसूमअल्हे आँजम (مَنْتَرِ سُوْمِ اَلْهِ اَاجِم) अ पु-वह बडी म बडी सख्या जा कइ सख्याआ वा पूरा बाट दे जम ६ जा १२ १८ २४ ३० ३६ ४२ ४८ को पूरा-पूरा बाँट देती है ।
 मन्त्रसूर (مَنْتَرِ سُوْر) अ वि-छाटा किया गया जो कम या छाटा किया गया हा कम छोटा हल्व ।
 मन्त्रसूर (مَنْتَرِ سُوْر) अ वि-भग्न गिकल जित अजर पर 'जेर' दिया गया हा ।
 मन्त्रसूर (مَنْتَرِ سُوْر) अ वि-जित पर वाप हा जो काप वा पाव हा जिम पर खुग वा कल्ल हा दक्क-अस्त ।
 मन्त्र (مَنْتَر) फा प्रत्य-मोलन लिया जानवाला जस-हेचमखर जिने कोई दो कोनी में ना मोल न ए तुए नाचीज ।
 मन्त्राबिन (مَنْتَرِ اَبِیْن) अ पु-मन्त्रन वा बहु, खदान डर ।
 मन्त्रादीम (مَنْتَرِ اَدِیْم) अ पु-मन्त्रन वा बहु स्वामि गय प्रतिष्ठितजन ।
 मन्त्राफ (مَنْتَرِ اَف) अ पु-भय का स्थान सत्र की जाह ।
 मन्त्राफत (مَنْتَرِ اَفَات) अ स्त्री-भय नाम डर घाव, घिता फिर ।
 मन्त्रारिज (مَنْتَرِ اَرِیْج) अ पु-मन्त्र का बहु, निजलन के स्थान गद उच्चारण क स्थान ।
 मन्त्राविन (مَنْتَرِ اَبِیْن) अ पु-मन्त्रन वा बहु, भय के स्थान खोज की जगह ।
 मन्त्रोद (مَنْتَرِ اُوْد) अ पु-छाछ मन्त्र ।
 मन्त्रन (مَنْتَرِ ن) अ पु-भाजागर, बाढागार गागम, खानि कान बापागार, खदाना दास्तागार, मयडीन ।
 मन्त्रन (مَنْتَرِ ن) अ वि-मन्त्रने में एसा हुआ छिटा

महजूल (مجدول) अ वि—अपमानित, तिरस्कृत, जलील, स्वार।
 महजूल (مخطوطه) अ पुं—प्राचीन हस्तलिखित पत्र आदि।
 महजूलता (مخطوطات) अ पु.—‘महजूल’ का बहु, प्राचीन हस्तलिखित पत्रममूह।
 महजूल (مجتون) अ वि—जिस मनुष्य के सत्ने हो गये हों।
 महजूल (مخطوبه) अ स्त्री—जिस लड़की की मगाई हो गयी हो, मंगेतर।
 महजूल (مختوم) अ वि—मोह लगा हुआ, मुद्राकित, बंद किया हुआ।
 महजूल (مختور) अ वि—वह विचार जो मन में उत्पन्न हो, जान जोखिम में जाला हुआ।
 महजूल (مختورات) अ पु—दिल में उत्पन्न होनेवाली विचार धाराएँ।
 महजूल (مختوم) अ स्त्री—स्वामिनी, मालिक, श्रीमती, महोदया, देवी (सवोवन में)।
 महजूल (مختوم) अ वि—स्वामी, आका, प्रतिष्ठित व्यक्ति, माग्य, पूज्य।
 महजूल (مختومي) अ वि—(सवोवन में) हे स्वामी, हे मालिक, (शब्दार्थ) भेरे स्वामी।
 महजूल (مختوب) अ वि—भयसकुल, पुर खतर, भयानक, डरावना, घूर्त, धोखेवाज, जिसके मन में शकाएँ हो।
 महजूल (مختوب) अ वि—जिसका गला घोटकर मारा गया हो, गला मरोड़ा हुआ।
 महजूल (مختوب) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ।
 महजूल (مختوب) अ वि—खत्री, जिसका दिमाग खराब हो, विकृत-मस्तिष्क।
 महजूल (مختوب) अ वि—जिसके होशो-हवास जाते रहे हो, विकृत मस्तिष्क, वातुल, पागल।
 महजूल (مختوب) अ स्त्री—एक प्रकार का रगीन और मूलाडम रण्दोर कपडा।
 महजूल (مختوب) अ वि—महमल का बना हुआ, महमल मढा हुआ, महमल-जैसा।
 महजूल (مختوب) अ पु—वखेडा, झझट, झमेला, चिंता, फिक्र, भय, डर।
 महजूल (مختوب) अ पु—वखेडे, जजाल, झझट।
 महजूल (مختوب) अ वि—नशे में चर, उन्मत्त, मदोन्मत्त।
 महजूल (مختوب) अ पु—निकलने की जगह, उद्गम, नदी के निकलने का स्थान, अक्षर के उच्चारण का स्थान, कठ आदि।
 महजूल (مختوب) अ वि—खराद किया हुआ, छीला हुआ,

वह पदार्थ जो गाजर की भाँति एक ओर मोटा और दूसरी ओर पतला हो, शुडाकार।
 महजूल (مختوب) अ वि—शुडाकार, अकवाकार, गाजर की तरह एक ओर मोटा और एक ओर पतला।
 महजूल (مختوب) अ स्त्री—वधनमुवित, छुटकारा, रहाई, इस अर्थ में ‘मुस्लिमी’ अनुद्ध है।
 महजूल (مختوب) अ वि—बाहर लाया हुआ, निकारा हुआ।
 महजूल (مختوب) अ स्त्री—उत्पन्न, जनित, ससार, जगत्, दुन्या, दुन्यावाले, मनुष्य, लोग।
 महजूल (مختوب) अ स्त्री—वे सब चीजें जो नमाज में हैं।
 महजूल (مختوب) अ वि—मिश्रित, मिला-जुगा, गड्ढ-बड्ढ।
 महजूल (مختوب) अ वि—जिसके बश में गटवट हो, जिसमें दूसरा रक्त भी सम्मिलित हो।
 महजूल (مختوب) अ वि—प्रमुख, प्रधान, साग।
 महजूल (مختوب) अ अव्य—सास तोर पर, मुख्यत, प्रधानत।
 महजूल (مختوب) अ वि—गभीर, गहरा, छोटी नदी।
 महजूल (مختوب) अ अव्य—परतु, लेकिन।
 महजूल (مختوب) अ स्त्री—मक्षिका, मकखी।
 महजूल (مختوب) अ वि—मकखी पकडनेवाला, (स्त्री) मकडी, लूता।
 महजूल (مختوب) अ वि—चँवर, मोरछल, मक्खियाँ उडानेवाला।
 महजूल (مختوب) अ स्त्री—मक्खियाँ उडाना, मोरछल झलना।
 महजूल (مختوب) अ वि—मक्खी के रग का, मटमैला।
 महजूल (مختوب) अ पु—गर्त, गढा, गड्ढा।
 महजूल (مختوب) अ पु—‘मग्जा’ का बहु, वह किताब जिसमें गाजियों के कारनामों का वर्णन हो।
 महजूल (مختوب) अ पु—पहाड की खोह, गुफा, कदरा, लूट-मार का स्थान।
 महजूल (مختوب) अ पु—गोह, गुफा, कदरा, पहाड की खोह।
 महजूल (مختوب) अ पु—‘मग्निव’ का बहु, सूरज डूबने की जगह।
 महजूल (مختوب) अ पु—मस्तिष्क, भेजा, गिरी, गूदा, सार, तत्त्व, बुद्धि, अकल, निष्कर्ष, नतीजा।
 महजूल (مختوب) अ वि—जिस पर कोप हो, कोप का पात्र।
 महजूल (مختوب) अ पु—हड्डी का गूदा, मज्जा।
 महजूल (مختوب) अ पु—भेजा, मस्तिष्क।

मात्रे मुखन (معروض) फा पु—वात का मार्ग वात की तरह वात का सुलामा लुब्धे दुबाव, माराग।
 मगफिरत (مغفرت) अ स्त्री—माफ़ मुक्ति नजान कहते हैं आज जौड़ जहा से गुजर गया वग मूब आदमी था खुदा मगफिरत कर।—जौब।
 मगफूर (مغفور) अ वि—जिमका माफ़ हो गया हा जो माफ़ का प्राप्त हा गया हा।
 मात्रत (معتوب) अ वि—जिम पर दूसरे लोग ईर्ष्या करें।
 मगून (مغنون) अ वि—जिम हानि पहुँचायी गयी हो जिसका मरन किया गया हा।
 मामूज (مضموع) अ वि—जिस पर आराध लयाया गया हा दूषित विवृण मायब।
 मामूम (مضموم) अ वि—दु लित अनुत्पन्न कर्मिण रजावा।
 माशिव (معرب) अ पु—मरज डूबने की जगह अस्ताचल पश्चिम मश्रिफ़।
 माशिवबद (معرب) अ फा वि—जा रहन सत्तन म यूरोपाय लया का अनुकरण करने का गव करता हा।
 माशिवबदगी (معرب) अ फा स्त्री—रहन सहा और बेप भूपा में यूरोप का अनुकरण।
 माशिवपरस्त (معرب) अ फा वि—जा हर बात में यूरोप का ही मायता देता हो।
 माशिवपरस्ती (معرب) अ फा स्त्री—हर बात में यूरोप का ही अच्छा और अनुकूलनीय जानना।
 माशिवी (معربی) अ वि—पश्चिमा हिस्स का यूरोप का पाचार्य।
 माशिवीयत (معربی) अ स्त्री—यूरोप का अरार शीन मन्पता का प्रभाव।
 माशूर (معور) अ वि—अहकारी घमडी।
 मालत (معلّطه) अ पु—वह स्थान जहाँ बाई व्यरित भ्रम में पर जाय।
 मातू (معلوق) अ वि—वह दरवाजा जिम विना बंद हा।
 मातूब (معلوب) अ वि—परजित परमत्त हारा हुआ अधान कर दुख।
 मातूबकटव (معلوب) अ वि—बद व्यरित अ वाप म आग म बाहर हा जाय।
 मातूबकटवत (معلوب) अ वि—वह व्यरित जो काम मरिा न वग में हा।
 मातूब (معلوب) अ वि—शुभकर्मिण जिमर म म मजा का गौर परा हा।
 मातूब (معلوب) अ वि—निगमना का चार मट मट

वस्तु जिसम कुछ अ कुछ वस्तु मिली हो।
 मास (معصر) अ स्त्री—मराठ पेचिा।
 मासूल (معسول) अ वि—महलाया हुआ, यह दवा जो किसी अरक आदि में राख करके महीन की गया हा जस—लाजबद मसूल स्नात माजित।
 मज (مرد) फा पु—स्वाद, जाकका आन लुफ़, तमाशा सर ल सजा।
 मजदार (مردار) फा वि—स्वादिष्ठ लजीब, मनारजफ़ दिलचस्प उल्लासपूर्ण पुरलुफ़।
 मजद (مطله) अ पु—दे गु मजिद।
 मजम्मत (مذموم) अ स्त्री—तिरस्वार बइखती निग रमवाई वुराई हजव।
 मजरत (مصر) अ स्त्री—हानि नुकमान।
 मजरतविही (مصر) अ फा स्त्री—हानि पहुँचाना नुकमान देना।
 मजरतदेह (مصر) अ फा वि—हानिभाव हानि चारक नुकमान देनेवाला।
 मजरतरसा (مصر) अ फा वि—मजरत देह।
 मजरतरसानी (مصر) अ फा स्त्री—दे मजरत निही।
 मजरतरसी (مصر) अ फा स्त्री—हानि पहुँचाना।
 मजल (مطله) अ पु—पश्चिमा रिमाला अन्वार, समाचारपत्र।
 मजलत (مطله) अ स्त्री—तिरस्वार दिलचस्प निग वनामी।
 मजलत (مطله) अ स्त्री—पाँव पिगलने का स्थान चूतन का मोका।
 मजत [مست] (مست) अ स्त्री—जब पर हाप एतन की जगह दे मिजम लोनी सुद्ध हा।
 मज (مضرب) अ वि—मुजरा गत।
 मजा (مذاب) अ पु—मरिाग लिलगी मरिोविनो उपरि रतिक्ता जो मुरचि मट्टयता।
 मजाअन (مذاب) अ जव्य—लिलगा में मजाअन क तोर पर।
 मजाअनपमद (مذاب) अ फा वि—जिसे मजाअन में मजाअन बन, लिलगीराज मरिागमिय विापी प्रमाणी।
 मजाअनिय (مذاب) अ वि—मजाअन परिरागपूर्ण पुग्गवाज।
 मजाअन अरब (مذاب) अ पु—मरिाग रमिक्ता।
 मजाअन (مذاب) अ पु—मरिाग रमिक्ता।
 मजाअन (مذاب) अ फा पु—मरिाग रमिक्ता।

मजाह (مجاز) अ पु.—जो वास्तविक न हो, भ्रम, लक्षण, ईश्वर के अतिरिक्त सारा ससार।
 मजाहन (مجاهن) अ अव्य—लाक्षणक अर्थ में।
 मजाही (مجاهی) अ वि—जो हकीकी न हो, भौतिक।
 मजाहीब (مجاهیب) अ पु.—‘मज्जूब’ का बहु, मज्जूब लोग।
 मजानोन (مجانین) अ पु.—‘मज्जून’ का बहु, पागल लोग।
 मजा मा मजा (مضی ماضی) अ वा—जो हो चुका सो हो चुका।
 मजामीन (مضامین) अ पु.—‘मज्मून’ का बहु, लेख-समूह।
 मजानीर (مراجیر) अ पु.—‘मिज्मार’ का बहु, वाँसुरियाँ, वसियाँ, वजानेवाले सब वाजे।
 मजार (مزار) फा पु—दर्शन का स्थान, किसी पीर फकीर की कब्र।
 मजार [रं] (مزار) अ पु.—‘मजरत’ का बहु, हानियाँ, नुकसानात।
 मजारत (مزارات) अ पु.—‘मजार’ का बहु, बुजुर्गों के मजार।
 मजारो (مजारی) अ पु.—‘मज्जा’ का बहु, निकलने के स्थान, चालू रस्ते।
 मजाल (مجال) अ स्त्री—शक्ति, बल, साहस, हिम्मत; सामर्थ्य, मज्दूर।
 मजालिम (مطالم) अ पु.—‘मज्जलम’ का बहु, अत्याचार, जियादतियाँ, जुल्म।
 मजालिस (مجالس) अ स्त्री—‘मज्लिस’ का बहु, सभाएँ, मुहर्रम की मज्लिसें।
 मजाले दमघदन (مجال دمزدن) अ फा स्त्री—उफ करने की ताकत, दम मारने का साहस।
 मजाले मुखन (مجال سخن) अ फा स्त्री—बात करने का साहस।
 मजाहिब (مجاهب) अ पु.—‘मज्हब’ का बहु, धर्मसमूह।
 मजाहिर (مجاهر) अ पु.—‘मज्हर’ का बहु, प्रकट होने के स्थान।
 मजिह (مجله) अ पु.—जिस पर शक किया जा सके, शक का स्थान।
 मजिल्लत (مجلات) अ स्त्री—फिसलना, फिमलन।
 मजिल्लत (مجلات) अ स्त्री—रस्ता भटकने का स्थान, वह स्थान जहाँ रस्ता गुम हो गया हो।
 मजो (مجلی) अ स्त्री—एक लेस जो काम वेग के समय निकलता है।
 मजोद (مجدد) अ वि—पूज्य, मान्य, प्रतिष्ठित।

मजोद (مجدد) अ. वि—अतिरिक्त, फालतू, अधिक, जियादा; और भी।
 मजोदअलैह (مجدد علیہ) अ वि—जिस पर कुछ बढ़ाया हो।
 मजोदबराँ (مجدد بران) अ फा वि—इसके अतिरिक्त।
 मजोदी (مجددی) अ स्त्री—अरब का एक सिक्का।
 मजूस (مجدوس) अ पु—अग्निपूजक लोग, आतशपरस्त लोग, पार्सी लोग, चाँद या सूरज के पूजनेवाला।
 मजूसी (مجدوسی) अ पु—अग्निपूजक, आतशपरस्त, सूर्य-पूजक, अथवा चद्रपूजक, सूरज या चाँद को पूजनेवाला।
 मज्जूम (مردوم) अ वि—विचारा हुआ, सोचा हुआ।
 मज्कूरः (مذكور) अ वि—कही हुई, कही हुई बात।
 मज्कूर (مذكور) अ वि—कहा हुआ, चर्चा, जिक्र।
 मज्कूरएबाला (مذكورہ بالا) अ फा वि—जिसकी चर्चा ऊपर की इवारत में हो चुकी हो, उपर्युक्त।
 मज्कूरए सदर (مذكورہ صدر) अ वि—उपर्युक्त, पूर्ववत्, जिसकी चर्चा ऊपर या पहले हो चुकी हो।
 मज्कूरी (مذکورگی) अ पु—चपरासी, पियादा, सम्मन आदि की ताँमील करनेवाला चपरासी।
 मज्ग (مذغ) अ पु—चवाना, चर्वण।
 मज्जूब (مجدوب) अ वि—वह फकीर जो देखनेवालों की दृष्टि में वावला हो, परन्तु ब्रह्मलीन हो,—“तेरा मज्जूब जो महरूम पिजीराई है, क्या जुनूँ में अभी आमेजिश्-दानाई है।”
 मज्जूबसिफत (مجدوب صفت) अ वि—जिसमें मज्जूबो-जैसी वाते हो।
 मज्जूबानः (مجدوبانہ) अ फा अव्य—मज्जूबो की भाँति, मज्जूबो-जैसा (काम आदि)।
 मज्जूबियत (مجدوبیت) अ स्त्री—जज्व, मज्जूब का भाव, तन्मयता, तल्लीनता।
 मज्जूम (مجدوم) अ वि—जिसे कोढ़ हो, कुण्ठी।
 मज्जूम (مجدوم) अ वि—निश्चित, यकीनी, विच्छिन्न, काटा हुआ, हलन्त, वह अक्षर जिस पर ‘जज्म’ हो, हल्।
 मज्जूर (مجدور) अ वि—वह सख्या जो दो सख्याओं के गुणन से प्राप्त हो, घात, गुणनफल, हासिले जर्व।
 मज्जूर (مجدور) अ वि—जिसे झिडकियाँ दी गयी हो, जिसे डाँट-डपट की गयी हो।
 मज्द (مجد) अ पु—श्रेष्ठता, पवित्रता, पुनीतता, बुजुर्गी।
 मज्दूद (مجدود) अ पु—पुनीतात्मा, श्रेष्ठ, बुजुर्ग।
 मज्दूर (مجدور) अ फा पु—मज्दूरी करनेवाला, श्रमिक।
 मज्दूरी (مجدوری) फा स्त्री—हाथ-पाँव की मेहनत से जीविका पैदा करना, मेहनत, श्रम।

मजनु (مجنون) अ वि—वातुल विक्षिप्त पायल ।
 मजनून (مجنون) अ वि—जिसकी तरफ किसी बात का गुनहा हो ।
 मजबल (مربله) अ पु—वह स्थान जहा ठूडा ररकट और मला आलि डाला जाय ।
 मजबल खान (مربلهخانه) अ फा पु—गदगी डालने का स्थान इस शब्द म खान अविहह क्यावि 'मजबल म स्थान का अर्थ मीजून ह ।
 मजबह (مذبح) अ पु—जवह विये जाने की जगह वधमूमि, वधस्थल ।
 मजबूत (مضبوط) अ वि—पक्का, निश्चित, यकीनी शक्तिशाली तावतवर तगडा अविह जारवाला, स्थाया, देखा ।
 मजबूती (مضبوطی) अ स्त्री—दस्ता पवरापन निश्चय यकीन शक्ति जार तगडापा, स्थायित्व ।
 मजूर (مجدور) अ वि—विद्युग लाचार धाय पावल नि महाय निराश्रय दरिद्र बगाल ।
 मजूर (مجدور) अ वि—उबत कहा हुआ उल्लिखित लिखा हुआ प्राकृत कथित ।
 मजूर (مجدور) अ वि—उकत कहा हुआ लिखित लिखा हुआ ।
 मजूरत (مجدور) अ अय—विद्युगतापूर्वक विद्युग होकर अतत आखिरकार ।
 मजबूरी (مجبوری) अ वि—विद्युगता लाचारी नि सहायता बेबसा ।
 मजबूल (مجدول) अ वि—प्राकृतिक किना प्रकृति पर उत्पन किया हुआ ।
 मजबूह (مذبوح) अ वि—जवह किया हुआ वधित ।
 मज्जउल्लमा (مجمع العلماء) अ पु—विद्वज्जना का गोष्ठी अकादमी ।
 मज्जउल्लमादर (مجمع المدرسين) अ पु—द्वीपसमूह समुद्र का वह स्थान जहाँ पास-पास बहुत स द्वीप ह ।
 मज्जए आम (مجمع عام) अ पु—साधारण लागा का जमाव ।
 मज्जए तिलाफे बानून (مجمع حائضات) अ पु—ऐस एला का जमाव जिनस बिमी दगड की सभावना हा अवध समुदाय ।
 मज्जए (مجمع) अ पु—गुरगी करना आचमन दवात्रा के पानो स कुली करना ।
 मज्जा (مجمع) अ पु—भाड जमाव सभा मष्ठी ।
 मज्जा (مجمع) अ पु—ब-यागा का समूह, सभाहार समष्टि या मा कथिताना का सात्त सवह ।

मज्जुअ (مجموع) अ वि—एकत्र, इकठ्ठा समस्त कुल ।
 मज्जुई (مجموعی) अ वि—सामूहिक कुल मिलाकर ।
 मज्जून (مضمون) अ पु—निबंध मकाल 'अय विषय स 'जेक' मुआमला, दशा ।
 मज्जूननवीस (مضمون نویس) अ फा वि—रूपक निबंधकार ।
 मज्जूननवीसी (مضمون نویسی) अ फा स्त्री—रूपक निबंध लिखने का काम ।
 मज्जूननगार (مضمون نگار) अ फा रि—'मज्जूननवीस ।
 मज्जूननगारी (مضمون نگاری) अ स्त्री—'मज्जून नवागी ।
 मज्जूम (مضموم) अ वि—वह अक्षर जिस पर पश ('उ की मात्रा) हो ।
 मज्जूम (مضموم) अ वि—अरबील पुहश दूगिन सातन निमित्त कबीह ।
 मज्जए आखिरत (مزرعة آخرت) अ पु—परगत की स्त्री अर्थात पाप और पुण्य ।
 मज्जा (مزدی) अ पु—तारीहाने की जगह वहने का स्थान ।
 मज्जा (مزرعة) अ पु—सता सेत छाटा गाव ।
 मज्जा (مزرعة) अ स्त्री—जोती बाकी हुफ जमीन ।
 मज्जा (مزرعة) अ वि—ताता-बाया हया ।
 मज्जा (مزرعة) अ वि—जिस पीटा गया हा निम दुस्मनी म माग गया हा जिस सख्या को गणा किया गया हा ।
 मज्जा बकीहि (مزرعة بکيه) अ पु—वह सख्या जिसमें गुणा किया गया हा गुण्य अस—बास का पाँच स गुणा किया हाता बीस मज्जा बफाह ह ।
 मज्जा बमिनहु (مزرعة بکيه) अ पु—जित सख्या से गणा किया जाय गुणक अस—२० का ६ स गुणा किया हा ता ६ मज्जा बमिनहु ह ।
 मज्जा (مزرعة) अ पु—यह वस्तु जा वरतन म हा ।
 मज्जा (مزرعة) अ वि—वह वला रनिम जर (६ की मात्रा) दिया गया हा ।
 मज्जा (مزرعة) अ वि—पायल शत धाट्ट जल्मी वह वयान जो जरह में विग गया हा (याप) ।
 मज्जाहीन (مزدور حین) अ पु—बहुत से पायल ।
 मज्जा (مطلبة) अ पु—दाख्वाहा यापयाचारत यायाचार और अनौति का पाप बवाल ।
 मज्जा (مطلبة) अ प—अधरा जगह अधकारतय स्थान ।
 मज्जा (مجلس) अ स्त्री—सभा अनुमत गाष्ठी महफिज समिति कस्टी मध एगोगीएयान करतय व हाता की गारनभा ।

मजिलसी (مجلسی) अ वि—जो मजिलस मे सम्मिलित हो ।
 मजिलसे अदब (مجلس ادب) अ स्त्री—साहित्य-गोष्ठी,
 अदबी जलसा ।
 मजिलसे आमिलः (مجلس عاملة) अ स्त्री—कार्यकारिणी
 समिति, विषय निर्वाचिनी समिति ।
 मजिलसे उदबा (مجلس ادبا) अ स्त्री—साहित्यगोष्ठी,
 कवि-गोष्ठी ।
 मजिलसे उसूमी (مجلس عسومی) अ स्त्री—दे 'दाखल
 अवाम' ।
 मजिलसे कानूनसाज (مجلس قانون ساز) अ फा स्त्री—
 विधानसभा, कानून बनानेवाली एसेम्बली ।
 मजिलसे तहकीकात (مجلس تحقیقات) अ स्त्री—परि-
 पृच्छा समिति ।
 मजिलसे ता'मीरात (مجلس تعمیرات) अ स्त्री—लोक-
 कर्म-समिति ।
 मजिलसे मातम (مجلس ماتم) अ फा स्त्री—शोकसभा ।
 मजिलसे मुंतजिमः (مجلس منظمه) अ स्त्री—अतरग
 सभा, व्यवस्थापिका ।
 मजिलसे मै (مجلس می) अ फा स्त्री—पानगोष्ठी ।
 मजिलसे रक्सी सरुद (مجلس رقص سرود) अ फा स्त्री—
 नाच-रग की महफिल ।
 मजिलसे वा'ज (مجلس وعظ) अ स्त्री—उपदेश सभा,
 धर्मापदेशसभा ।
 मजिलसे शुअरा (مجلس شعرا) अ स्त्री—कविगोष्ठी ।
 मजिलसे शूरा (مجلس شوری) अ स्त्री—मन्त्रपालय ।
 मजिलसे शेर (مجلس شعر) अ स्त्री—साहित्यगोष्ठी, कवि-
 गोष्ठी ।
 मजिलसे मुखन (مجلس سخن) अ फा स्त्री—दे. 'नजिलसे
 अेर' ।
 मजलूम (مظلوم) अ वि—जिस पर जुल्म हुआ हो ।
 मजलूमियत (مظلومیت) अ स्त्री—मजलूम होने का भाव ।
 मजलूमी (مظلومی) अ वि—दे 'मजलूमियत' ।
 मजहक (مضحک) अ पु—हँसी, ठट्ठा, परिहास, निंदा,
 रम्बाई, हजो ।
 मजहक अगेज (مضحک انگیز) अ फा वि—जिस पर
 हँसी आये, जो परिहास का विषय हो ।
 मजहक आमेज (مضحک آمیز) अ फा वि—परिहासपूर्ण,
 जिसमे हँसी-ठठोल शामिल हों ।
 मजहक छेज (مضحک خیز) अ फा वि—दे. 'मजहक
 अगेज' ।
 मजहब (مذهب) अ पु—धर्म, दीन, मत, अकीद' ।

मजहबी (مذهبی) अ वि—धार्मिक, दीनी, धर्मसम्बन्धी ।
 मजहबीयत (مذهبت) अ स्त्री—धर्म में निष्ठा, धर्मत्व ।
 मजहर (مطهر) अ पु—प्रकट होने का स्थान, जहाँ या जिसमे
 कोई चीज प्रकट हो, जैसे—“वह खुदा के नूर का मजहर
 है” अर्थात् उसके रूप मे ईश्वर की ज्योति प्रकट हुई है ।
 मजहल अजाइव (مطهر العجايب) अ पु—अद्भुत और
 विचित्र वाते जाहिर होने का स्थान ।
 मजहूल (مجهول) अ वि—जो ज्ञात न हो, अज्ञात,
 नामालूम, आलसी, सुस्त, काहिल ।
 मजहुलुअसब (مجهول النسب) अ वि—अज्ञात कुल,
 जिसके वंश का अता-पता न हो ।
 मजहुलुलइस्म (مجهول الاسم) अ वि—अज्ञात नाम,
 जिसका नाम न मालूम हो ।
 मजहुलुलहाल (مجهول الحال) अ वि—जिसका हाल न
 ज्ञात हो कि वह कैसा व्यक्ति है और किस प्रकार का है,
 अज्ञातशील ।
 मतब (مطب) अ पु—वह स्थान जहाँ चिकित्सक रोगियों
 के रोग का निदान करता है ।
 मतर (مطر) अ पु—वर्षा, बरसात ।
 मताअ' (متماع) अ उभ—पूँजी, सरमाया, सामान, माल-
 अस्वाब, उदा—“किसी के काम आयेगा मताए रायगाँ
 होकर, कहाँ जाता है धारब, दिल मेरा अश्करेवाँ होकर ।”
 मताइन (مطاعین) अ पु—'ता'न', का बहु, ता'ने ।
 मताइव (متماع) अ पु—'तअव' का बहु ; दुख-समूह,
 रजोगम, थकान ।
 मताए आखिरत (متماع آخرت) अ उभ—परलोक के लिए
 पूँजी, पुण्य, अच्छे काम ।
 मताए दिल (متماع دل) अ फा उभ—दिल रूपी पूँजी ।
 मताए दो (دو) जहाँ (متماع دو دهاں) अ फा उभ—संसार
 और यमलोक दोनो लोको के लिए पूँजी, यश, पुण्य ।
 मतानत (مبتانت) अ स्त्री—गभीरता, धीरता, सजीदगी ।
 मताफ (مطاف) अ पु—परिक्रमा करने का स्थान ।
 मतावे' (متماع) अ पु—'मत्वा' का बहु, मुद्रालय समूह ।
 मतार (مطار) अ पु—उठने की जगह, जहाँ उडा जाय,
 जहाँ से उडा जाय ।
 मतालिब (مطالب) अ पु—'मत्लब' का बहु, अर्थममूह ।
 मतीन (متین) अ वि—जिसमे मतानत हो, गभीर, धीर,
 ज्ञातचित्त, सजीद ।
 मतीर (مطیر) अ वि—वरमनेवाला (वादल) ।
 मत्कन (مطعون) अ वि—कुत्सात, बदनाम, निन्दित, गर्हित,
 कुत्सित, रम्बा ।

मनऊने प्रलाइक (مطعمون حلق) अ वि-मन म व
नाम हा चर्कानिष्ठि ।

मनऊम (مصعوم) अ वि-मान वा चाउ माउ जा चाउ
मायी जाय ।

मनऊमात (مطعمات) अ प-मनऊम वा बहु सान
की चाउ माउ-पनाय ।

मन (متن) अ प-मुन्तव वा मन लव जिमना टाग की
जाय बीच मध्य गा या ग्ना आनि वा बहु भाग जा
हाणिग ने वाउ म हाता ह ।

मनय (مطبخ) अ पु-रउधर पाकगाग मनाम
वायचानाना ।

मनयी (مطبخي) अ वि-ग्गाइया सुधर वावरवी ।

मनय (مطبخ) अ प-वह स्थान जर्ग निवाय जाति छपना
ह मद्रणगाग यनाय्य ।

मनय (مكتوب) अ वि-जिगवा अनुकरण किया नाय
अनुगणाय ।

मनय (مطروحة) अ वि-मुनि छपा हुई ।

मनय (مطروحات) अ वि-मनि छपा हुआ ठचिरर
पना मनावाछिउ ।

मनय (مصنوع) अ प-किगा प्रम या नायाय व
वार म छपा हुआ पुस्तक ।

मनय (مطبخ) अ वि-जाग पर परा हुई चीउ गाग
दी हुई स्वा भागा कुराय काई ।

मनय (مطبخ) अ प-ऊवा स्थान जिग पर छि प
दरिठ पन्न वा गग ।

मनय (مطبخ بطور) अ प-दृष्टि पन्न वा ऊवा
पग आग उय ममग ।

मनय (مط) अ वि-वहिष्टन निवाग हुआ भगाया
हुआ री ।

मनय (مطلب) अ वि-उय मगा अथ माना
प्रयाजन वान्ना उठा टराहिग वाग परउ या
वान्ना ? स्वाय गग ।

मनय (مطلب أسئلة) अ पा वि-स्वार्थी
मनयग ।

मनय (مطلب سب) अ पा वि-गों वा या
स्वायपरायण ।

मनय (مطلب درسي) अ पा वि-स्वायमायक
स्वार्थी ।

मनय (مطلب درستي) अ पा स्वा-अपनी
गग निरागना स्वायपरायणता ।

मनय (مطلب دروي) अ पा स्त्री-स्वाय सिद्ध

कना गग निरागना ।

मनय (مطلبی) अ वि-स्वार्थी स्वायपरायण ।

मनय (مطلع) अ प-गग वा पना गग जिमक दाना
मिये मानप्राग हात ह ।

मनय (مطلوبه) अ वि-वाछि वस्त्र प्रमिवा ।

मनय (مطلوب) अ वि-वाछि गगनाउ जिमवा
इच्छा की जाय प्रमपन्न माग ।

मनय (مطوي) अ वि-लिपटा हुआ ।

मनय (مطوي) अ वि-जिम तिगा वा राग हा निववा
निगा वग गयी हा ।

मनय (مد) अ पु-अधि व ऊपर वनाय जानवागे
गोर जिमग वलवा करव पदा नाताह म्मु व पाता
वा चदाय जवार (स्त्रा) बहु लवा गार जा वहा म
लीचरर उगा नीव मिन्न मिन रकम लिखतह जय-
खच की म पग ।

मनय (مد) स्वा-महाया इमाद फपपात हिमायत
आयय गगा राज म्दुरा का वाम ।

मनय (مدحوا) अ पा वि-महायता मांगवाग ।

मनय (مدد) अ पा वि-महायक म्म वरनवाग
पनापना तरफार पठपापक हिमायता आयाग
महाय दनवाग ।

मनय (مدح) अ पा वि-वह धन जा म्मायता क
रप म लव वा निया जाय ।

मनय (مدد معاش) अ स्वा-गुडारे व गिए
सहायता पणिग वजीपा बहु जागार जो गुडारे व गिए
दी जाय ।

मनय (مدني) अ वि-मगान वा निवासी नागरिक गहा ।

मनय (مدني) अ वि-वह जा वल से
आनिया व साथ मि-जुलकर रतन वा अम्यस्त हा ।

मनय (مداسم) अ पु-मनीह वा बहु प्रगसाए तासक ।

मनय (مداحل) अ प-मल्ल वा बहु आम
दनीयो लगान ।

मनय (مدار) अ पु-पुरा कीनी निभरता इनहिमार ।

मनय (مدار عوهد) अ प-जिम पर कोई चीउ
निभर हा आवार वस्त्र आषय ।

मनय (مدار) अ पु-मदन वा बहु प दज छतव ।

मनय (مدارس) अ पु-मग वा बहु पाठगागए ।

मनय (مدارسها) अ प-प्रधान मनी वजीरे
आडम ।

मनय (مدار) अ पा पु-नायमार काय की
निभरता ।

मदारे जीस्त (مدار زیست) अ. फा. पु.—जीवन की निर्भरता, जिंदगी का इन्हिसार।

मदीद (مدید) अ वि—दीर्घ, लवा, दे 'बहे मदीद'।

मदीनः (مدینة) अ पु—नगर, शहर, अरब का एक प्रसिद्ध नगर।

मदीह (مدیحه) अ वि—प्रशंसा, तारीफ, स्तुति, हम्दोसना।

मदीऊ (مدعو) अ वि—नियंत्रित, बुलाया हुआ, दा'वत में बुलाया हुआ।

मदीकूकः (مدقوقه) अ स्त्री—तपेदिक की रोगिणी।

मदीकूक (مدقوق) अ वि—तपेदिक का रोगी।

मदीसनः (مدخله) अ स्त्री—धुवाँ निकलने का स्थान, चिमनी।

मदील (مدخل) अ पु—दाखिल होने का स्थान, प्रवेश-द्वार, आय, आमदनी।

मदीलूः (مدحوله) अ स्त्री—वह स्त्री जो डाल ली हो, रखेली, उपपत्नी।

मदीलू (مدخول) अ वि—दाखिल किया गया, भीतर किया गया।

मदील्लूह (مدظله) अ वा—उनकी परछाई लयी हो अर्थात् उनकी उम्र बडी हो।

मदीह (مداح) अ वि—प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ करने-वाला, स्तुतिकर्ता, हम्दोसना करनेवाला।

मदीही (مداحی) अ. स्त्री—प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ, स्तुति, वदना, हम्दोसना।

मदीहे रसूल (مداح رسول) अ वि—रसूल की प्रशंसा और स्तुति करनेवाला, ना'त लिखनेवाला, ना'त गो शाइर,

मदीहमानत (مد امانت) अ स्त्री—धरोहर की मद का, धरोहर के तौर पर।

मदीनजर (مد نظر) अ वि.—जो दृष्टि के सामने हो, दृष्टिगत, मनोवाञ्छित, दिली मक्सूद, चित्त पर चढा हुआ, मन में बसा हुआ।

मदीफाजिल (مد فاضل) अ स्त्री—फालतू मद, व्यर्थ, निःप्रयोजन, निकम्मा।

मदीमुकाविल (مد مقابل) अ पु—प्रतिद्वंद्वी, रकीव, बराबर का जोड, बराबर की चोट, विपक्ष, हरीफ, शत्रु, दुश्मन।

मदीसुमं. (مد سرمه) अ फा स्त्री—सुरमे की लकीर, जो कनपटी की तरफ खीच दी जाती है।

मदीजदर (مد جدر) अ पु—समुद्र के पानी का चढ़ाव-उतार, ज्वार-भाटा।

मदीफन (مدفن) अ पु—मुर्दे के दफन होने की जगह,

कब्र, समाधि-भवन।

मदीफूअ (مدفوع) अ वि—दफ्अ किया हुआ, हटाया हुआ, निवारित।

मदीफन (مدفون) अ. वि—भूनिहित, दफन किया हुआ, जमीन में गाडा हुआ, (आदमी या धन आदि), गुप्त, गुह्य, पोगीदा।

मदीदूग (مددوغ) अ वि—कमाया हुआ चमडा।

मदीयून (مدیون) अ वि—ऋणी, कर्जदार, अधमर्ण।

मदीरिसः (مدریسه) अ पु—पढने-पढाने का स्थान, पाठ-शाला, विद्यालय।

मदीलूल (مدلول) अ वि—जिसके लिए दलील दी गयी हो, तर्कित।

मदीह (مدح) अ स्त्री—प्रशंसा, श्लाघा, ता'रीफ, स्तुति, वदना, हम्दोसना।

मदीहख्वां (مدح خوان) अ फा वि—प्रशंसक, मदीह।

मदीहख्वानी (مدح خوانی) अ फा स्त्री—प्रशंसा करना, ता'रीफ करना।

मदीहगो (مدح گو) अ फा वि—दे 'मदीहख्वां'।

मदीहगोई (مدح گوئی) अ फा स्त्री—दे 'मदीहख्वानी'।

मदीहसंज (مدح سنج) अ. फा वि—दे 'मदीहख्वां'।

मदीहसरा (مدح سرا) अ फा वि—दे 'मदीहख्वां'।

मदीहसराई (مدح سرائی) अ फा स्त्री—दे 'मदीहख्वानी'।

मदीहश (مدحوش) अ वि—दे 'मदीहोश' उर्दू में वही बोलते हैं।

मदीहे बेजा (مدح بجا) अ. फा स्त्री.—झूठी, प्रशंसा, गलत ता'रीफ।

मदीहे वाकिई (مدح واقعی) अ स्त्री—सच्ची ता'रीफ, सच्ची प्रशंसा।

मदीहोश (مدحوش) फा वि—निश्चेष्ट, बेसुध, गाफिल; उन्मत्त, अटागफील, नशे में चूर।

मदीहोशी (مدحوشی) फा स्त्री—बेसुधपन, निश्चेष्टता; उन्मत्तता, मतवालापन।

मन (من) फा पु—दो रतल का एक प्रमाण, सेर, चालीस सेर का प्रमाण, (सर्वनाम) में, अहम्।

मन [न्न] (من) अ पु—कौन, एक प्रकार का मीठा पदार्थ जो पौधों पर जम जाता है और खाया जाता है, शीर खिरत।

मनस्सः (منصه) अ पु—प्रकट होने का स्थान, जलव गाह, वह मच जिस पर विवाह के पश्चात् दुल्हन को बिठाकर सबको दिखाते हैं।

मनस्सए शुहद (منصه شهود) अ पु—वह स्थान जहाँ ईश्वर की महिमा प्रकट हो।

मनाइर (مناير) अ प - मनार का बहु मानारें ।
मनाकिब (مناكب) अ पु - मकर का बहु, धामिक
महात्माओं का योगान ।

मनाखिर (مناخير) अ पु - मखर का बहु दृश्यसमूह ।
मनाजिल (منازل) अ स्त्री - मजिल का बहु मजिलें,
मरहले ।

मनाखिले कमर (منازل وكمر) अ स्त्री - नयत्र जिनकी संख्या
२७ है । १ अश्विनी (गुर्जन-नतह) २ भरणी (बुलन)
३ वृश्चिका (सुरया) ४ रोहिणी (दरगत) ५ मगशिरा
(हृक्-अ) ६ आर्द्रा (हनअ) ७ पुनर्वसु (जिराअ)
८ पुष्य (नय) ९ श्लेषा (तफ) १० मघा (जवह)
११ पूर्वाफाल्गुनी (जुत्र) १२ उत्तराफाल्गुनी (सफ)
१३ हस्त (अन्ना) १४ चित्रा (सिमाक) १५ स्वाती
(अफर) १६ विशाखा (जुवाना) १७ अनुराधा
(इक्रील) १८ ज्येष्ठा (कर्व) १९ मूल (गौत्र)
२० पूर्वाषाढा (नआदम) २१ उत्तराषाढा (कद)
२२ श्रवण (सा त्रैजावेह) २३ धनिष्ठा (बुला),
२४ गतभिधा (आबविय) २५ पूर्वाभाद्रपद (सऊ)
२६ उत्तराभाद्रपद (मुकद्दम) २७ रेवती (मुअल्लार) कुछ
लोग २८ मानन ह उसका नाम अभिजित (बतु-हूत) ह ।

मनात (مناات) अ पु - अरब की एक पतिष्ठित मति
जा इस्लाम से पूर्व प्रयी जाता थी ।

मनावील (مناويل) अ पु - मिनात का बहु सर से
बांधने के समान कमर से बांधने के पट्टे ।

मनाफिज (منافج) अ पु - मफज का बहु छेन् सुराख
छिद्र समूह ।

मनाफ (مناف) अ पु - मफजत का बहु लाम प्राप्ति या
नफे काइन् ।

मनाब (منااب) अ पु - गट हान का स्थान किसी दूसरे
के स्थान पर रखा होना स्थानापन्नता ।

मनाबिर (مناابير) अ पु - मिबर का बहु बहून स
मिबर ।

मनाम (مناام) अ प - माने का स्थान गयनागर सला
स्वाप ।

मनार (مناار) अ पु - मीनार बहुत ऊंचा सभा रीगनी
का मीनार दापलम ।

मनार (مناار) अ पु - मनार ।

मनाल (مناال) अ पु - धन संपत्ति रकम जायलान ।

मनामिक (منااميك) अ प - मगत का बहु हाजिया की
द्वान्त की जगत् के वृत्तियाँ और संस्कार जा हज करत
यात्रा की मगत म करन पन्ते ह ।

मनासिज (منااصب) अ पु - मसब का बहु, पदभिया, दर्जे ।
मनाहिज (منااصح) अ पु - मिहाज और मिनाहाज का
बहु, रास्त माग, सले हुए और सीवे माग ।

मनाही (منااهي) अ पु - मनही का बहु वह काम जिनमे
रोका गया है (धम म) ।

मनिश (منااش) फा स्त्री - प्रवृत्ति स्वभाव, तबोजत ।
(प्रत्य) प्रवृत्तिवाला, जैसे—आजात मनिग, स्वच्छ
प्रवृत्तिवाला ।

मनी (مناي) अ स्त्री - वीथ गुन धातु ।

मनी (مناي) फा वि - ममत्व मेरापन अहकार, अभिमा
खुदी ।

मनीअ (مناايع) अ वि - राकनवाला ह्मनेवाला, दद
मन्नूत ।

मनीयत (منااي) अ स्त्री - मत्सु मरण मोन ।

मनूब (مناوب) अ वि - जिमका प्रतिनिधित्व किया जाय ।

मनूबअनहु (مناوبعنه) अ वि - प्रतिनिधि नाइन् ।

मनअ (منااع) अ पु - राकना मना करना निषेध मनाही
अविहित नाजाइज निषिद्ध, मना किया हुआ ।

मनएम (مناامع) अ फा पु - मद्य निषेध गराव का
मनाही ।

मन्बत (منااب) अ स्त्री - शान्तसीद लया का
गुणगाथा महात्माओं का योगान अहलेवत गौरअमहाव
की गुणगाथा ।

मन्कल (مناकल) अ स्त्री - गीठी अगारपानी गरमी ।

मन्किबत (مناكيب) अ स्त्री - परस्पर विराय,
नवाअ खडव ता ।

मन्किस्त (مناكيب) अ स्त्री - नकस हास, गुनग
कमी दोष ऐव निदा हजव तिरस्तार, अपमान
वइज्जती ।

मन्कूत (مناكوت) अ रि - यह अण्ड जिस पर मुक्त हा
जने— ش د ح ب ت आदि ।

मन्कूत (مناكوت) अ वि - मकूत ।

मन्कूब (مناكوب) अ वि - दरिद्र कयाउ दुःखप्रस्त ।

मन्कूल (مناكول) अ वि - एक स्थान से दूसरे स्थान पर
ल जायी हुई चीज नक की हुई प्रतिलिपित ।

मन्कूल (مناكول) अ वि - एक स्थान म ह्मबर दूसरो
जगत् पदुचाया हुआ नक किया हुआ प्रतिलिपित
एव से मुनकर दूसरे स कहा हुआ याय की क पाया
जिगम वेकल उहा प्रयाणा पर तक हो जो गारगान में
लिपित ह ।

मन्कूल अनहु (مناكولعنه) अ वि - वह व्यक्ति जिनमे म

से मुनी हुई बात कही गयी हो, वह असल कागज जिराकी प्रतिलिपि की गयी हो।

मन्कूलात (مَنْكُولَات) अ. पु. -वे पुस्तके जिनमें 'मन्कूल' का वर्णन हो, (दे मन्कूल नं० ४)।

मन्कूश (مَنْكُوش) अ. वि. -चित्रित, नक्शोनिगार घना हुआ; अंकित, गहरा लिखा हुआ।

मन्कूशे छातिर (مَنْكُوشِ خَاطِر) अ. वि. -हृदयगम, जेहनशी।

मन्कूस (مَنْكُوس) अ. वि. -जिसमें कमाई की गई हो, हिसित।

मन्कूहः (مَنْكُوه) अ. स्त्री -विवाहित, व्याही हुई स्त्री।

मन्कूह (مَنْكُوه) अ. पुं. -विवाहित, व्याहा हुआ पुरुष।

मन्खिर (مَنْخِر) अ. पु. -नथना, नासा विवर, दे 'मिन्खर' दोनों शुद्ध हैं।

मन्नाअ (مَنْنَاع) अ. वि. -निषेधक, प्रतिरोधक, मना करनेवाला, रोकनेवाला।

मन्नान (مَنْنَان) अ. वि. -बहुत अधिक उपकार करनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

मन्नेसलवा (مَنْنِيسَلْوَا) अ. पु. -मन (शीरखिरत) और मन्वा (वटेर) ये दोनों चीजे हज्जत मूसा की उस समय ईश्वर की ओर से मिली जब उनकी सेनाएँ भूखी थी और बराबर मिलती रही।

मन्फअत (مَنْنِيسَلْوَا) अ. स्त्री -लाभ, फाइद, फल, नतीजा।

मन्फअ (مَنْنِيسَلْوَا) अ. पु. -विवर, छिद्र, सूराख, मार्ग, राह, रास्ता।

मन्फो (مَنْنِيسَلْوَا) अ. वि. -नष्ट किया हुआ, मिटाया हुआ, रद्द किया हुआ, वह क्रिया जिसमें काम का न होना पाया जाय, ऋण, घटाना।

मन्फूश (مَنْنِيسَلْوَا) अ. वि. -धुनकी हुई रुई या और कोई वस्तु।

मन्ही (مَنْنِيسَلْوَا) अ. वि. -वजित, रोका हुआ, अविहित, निषिद्ध।

मन्हीयात (مَنْنِيسَلْوَا) अ. स्त्री -वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म से वजित हो, वे कर्म जो धर्म में वजित हो।

मन्हस (مَنْنِيسَلْوَا) अ. वि. -अशुभ, अनिष्ट, अकल्याणकारी, बद्, अभागा, दुर्भाग्यवान्, बद्किस्मत।

मन्हससूरत (مَنْنِيسَلْوَا) अ. वि. -जिसकी सूरत देखना आनन्दकर हो, जिसे सवेरे-सवेरे देखने में मुसीबतें पड़े।

मफर [रं] (مَفْر) अ. पु. -भागने का स्थान, वह स्थान जहाँ भागकर छिपा जा सके, रक्षा, बचाव, उपाय, तद्बीर।

मफाखिर (مَفَاخِر) अ. पु. -'मफखर' का बहु, बुजुर्गियाँ, बडाउयाँ।

मफाफ (مَفَاغ) अ. पुं. -पहुँच का स्थान, गतव्य, मजिल, मकाम।

मफातीह (مَفَاتِيح) अ. स्त्री -'मिफताह' का बहु, कुंजियाँ, चावियाँ।

मफाद (مَفَاد) अ. पु. -लाभ, फाइदा, नफा।

मफादात (مَفَادَات) अ. पु. -फाइदे, लाभ।

मफादे आम्मः (مَفَادِ عَامَّة) अ. पु. -लोकहित, सर्वार्थ, सब की भलाई के काम।

मफादे कौमी (مَفَادِ قَوْمِي) अ. पु. -जातिकी भलाई, जाति-हित, राष्ट्र की भलाई, देशहित।

मफादे खलाइक (مَفَادِ خَلَائِق) अ. पु. -दे 'मफादे आम्मः'।

मफादे जाती (مَفَادِ ذَاتِي) अ. पुं. -स्वार्थ, अपनी भलाई, आत्महित।

मफादे मिल्की (مَفَادِ مَلِكِي) अ. पु. -राष्ट्रहित, देश की भलाई।

मफादे मुल्की (مَفَادِ مَلِكِي) अ. पु. -देशहित, मुल्क की भलाई।

मफादे वतन (مَفَادِ وَطَن) अ. पु. -देशहित, वतन अथवा मुल्क की भलाई।

मफासिद (مَفَاسِد) अ. पु. -'मफिसद' का बहु, शरारते, उत्पात, दगे, उपद्रव, बुराईयाँ, दोष।

मफासिल (مَفَاصِل) अ. पु. -'मस्फिल' का बहु, शरीर के जोड़, गाँठे।

मफ्जल (مَفْجَل) अ. वि. - (व्या) कर्म, जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े, दूसरा कारक, वह पुरुष जिसे गुदादान का व्यसन हो, छद् का एक वज्ज, हिंदी 'तगण' (SS1)।

मफ्जलफीह (مَفْجَلِ فَيْه) अ. पु. -सातवाँ कारक, अधिकरण।

मफ्जलवेह (مَفْجَلِ وَه) अ. पु. -तीसरा कारक, करण।
मफ्जल मालम युसम्म.फाइलुह (مَفْجَلِ مَالِمِ يُوْسَمِّمِ فَايْلُوْه) अ. पु. -वह कर्म जिसका कर्ता अज्ञात हो।

मफ्जल माह (مَفْجَلِ مَعَه) अ. पु. -जिसके साथ कोई काम हो।

मफ्जल मिन्हु (مَفْجَلِ مِيْنِهُ) अ. पु. -पाँचवाँ कारक, अपादान।

मफ्जललह (مَفْجَلِ لَه) अ. पु. -चौथा कारक, सप्रदान।

मफ्जले मुत्लक (مَفْجَلِ مُطْلَق) अ. पु. -सामान्य कर्म, मफ्जल।

मरुजले सानो (معلول سانی) अ पु-किमी बिया वा दूमरा कम द्वितीय कम।

मरुकूद (مقود) अ वि-अप्राप्य नायाव अनात नामा लूम खाया हुआ गुम अतर्दान गाइव।

मरुकुदुल खबर (مقود-خبر) अ वि-जिसका खबर न मिने तो ग्राइव हा गया हो।

मरुतू (مقوت) अ वि-मुग्य मोहित, फिरेफ्त जा आपत्तिया में डाल लिया गया हा।

मरुतून (مقوت) अ वि-मरुतू, उदू में वहा वागत हा।

मरुतूह (مقوت) अ वि-जा खोला गया हा जो विजित किया गया हो जिम अन्तर पर खबर हा।

मरुतू (مقوت) अ वि-वह मरुतू जो किया बडी सख्या म स घटाया गयी हा बियाय पथक बिया गया जलग बिया गया।

मरुतूमिनह (مقوت-منه) अ वि-वह बडी सख्या जिसमें स कोई छोटा सख्या घटायी गयी हा बियाजक।

मरुतू (مقوت) अ पु-नात्यनिक वान पत्र की हुई बात भ्रम वहम।

मरुतू (مقوت) अ वि-काल्पनिक पत्री ईश्वर की आर से पत्र की गयी वान जिसका करना अनिवाय हो।

मरुतूवान (مقوت-वान) अ पु-मरुतू का बहु, कल्पनाएँ नीर के तुक्के।

मरुतू (مقوت) अ वि-परायित भागा हुआ कोई अपराध करके भागा हुआ चारटी।

मरुतू (مقوت) अ वि-विछा हुआ जा विछाया गया हा फग मिठीना।

मरुतू (مقوت) अ वि-गाग्रस्त दखि मुफिलस।

मरुतूकूहाल (مقوت-كحال) अ वि-दुःगाग्रस्त वगाग रिना क म्बक यह तर्क अगुड हा।

मरुतूज (مقوت) अ वि-जिस पर फालिज गिरा हा पगाधानी अदीगा लखा मारा हुना।

मरुतूजहिमाग (مقوت-احماج) अ वि-जिसक रिमाघ पर फालिज गिरा हा अ हुड गाघ-ममय न मरना हा।

मरुतू (مقوت) अ प-उत्पात गरागत उपव दगा पमगा।

मरुतूपरदाउ (مقوت-دار) अ प-वि-गागुमाग कगनवाग मरुतूगन वरानवाग लगाई-बताई करके आत्म म लगतवाग।

मरुतूपरदाउ (مقوت-دار) अ प-गागुमाग कराना लगाई-बताई करके आत्म म लगतवाग।

मरुतूद-पवर (مقود-پور) अ फा वि-मरुतूद परदाउ।

मरुतूद-पवरी (مقود-پوری) अ फा रना-दे मरुतूद परदाउ।

मरुतूद (مقود) अ पु-सारीर के अग का जा अगसाघ।

मरुतूद (مقود) अ पु-अस्ली मल्लव, भाव, मगा उद्गय, अय ताल्प।

मरुतूद (مقود) फा वा-द मरुतूद।

मरुतूद (مقود) फा वा-ऐसा न हा।

मरुतूदियात (مقود-يات) अ पु-मरुतूद का बहु, गुन की वे बातें जो किमी बिया पडने स पहले सोखी जाती हैं और जिनके जाने बिना वह बिया नही आती।

मरुतूदी (مقودی) अ पु-मरुतूद का बहु किया बिया स सम्बन्धित उसकी प्रारम्भिक बातें जिनके जान बिना वह बिया नहा आ सकती।

मरुतूद (مقود) अ पु-मूर्देशिय पेगाव का मकाम।

मरुतूद (مقود) अ स्त्री-बिकी हुई चीज सरानी हुई चीज।

मरुतूद (مقود) अ वि-बिका हुआ बेचा हुआ बिकीत माल लिया हुआ, नीत।

मरुतूद (مقود) अ वि-अवतरित जिसने अवगार लिया हो जो ईश्वर का आर स भजा गया हा।

मरुतूद (مقود) अ वि-जिसम ड्रप हा मरुतू बरी।

मरुतूद (مقود) अ वि-लिया गया, बरुया गया आगुट प्रवत रनुअ।

मरुतूद (مقود) अ पु-प्रारम्भ करने का स्थान प्रवट होने की जगह।

मरुतूदी (مقودی) अ वि-जिसकी नीव रमा गयी हा, निभर मूनहसिर निघारित वह गगु जिगावा अधिरी अन्तर बिना कारक में नी न वने अग्रय।

मरुतूद (مقود) अ पु-मल्लार गुग मरुतूद।

मरुतूद (مقود) अ वि-जिस पर ईश्वर की दवा हा जो ईश्वर की ओर से मरुतूदित किया गया हा पापमुक्त माग प्राप्त।

मरुतूद (مقود) अ वि-जिस वत का हो मिम विधा।

मरुतूद (مقود) अ प-नामा हा अग अग्रय माव मिन्तार मरुतूद सागु।

मरुतूद इत्म (مقود-علم) अ प-बिधा की माता इत्म की मिन्तार रिना दनीपड।

मन्सूत (ممنسوت) अ. वि.—विस्तार के साथ कहा हुआ, विस्तृत।

मन्हूत (ممنهت) अ. वि.—वकित, स्तब्ध, जशदर।

ममर [रं] (ممر) अ. पु.—गुजरने का स्थान, मार्ग, रास्ता, कारण, सबव।

ममात (مماत) अ. स्त्री—मृत्यु, मरण, निधन, मीत।

ममालिक (ممالک) अ. पु.—'मम्मुकत' का वह, बहुत-से देग, बहुत-से राष्ट्र।

ममालिके इस्लामियः (ممالک اسلامیه) अ. पु.—वे राष्ट्र जिनमें मुसलमान शासक हैं।

ममालिके गैर (ممالک غیر) अ. पु.—अन्य देश, दूसरे राष्ट्र।

ममालिके मफतूहः (ممالک مفتوحه) अ. पु.—वह देश जो लड़ाई में जीते गये हों।

ममालिके मुत्तहदः (ممالک متحده) अ. पु.—वह देश जो मिलकर एक हो गये हों, संयुक्त देश।

ममालिके मुफव्वजः (ممالک معوضه) अ. पु.—वह देश जो उसके शासक की ओर से किसी को प्रवध के लिए दे दिये गये हों।

ममालिके महरूसः (ممالک محروسه) अ. पु.—वे देश जो किसी अन्य देशीय शासक के अधीन हों।

ममालिके हरीफः (ممالک حریفه) अ. पु.—वह राष्ट्र जो दूसरे राष्ट्र के विरोधी दल में हों।

ममालिके हलीफ (ممالک حلیفه) अ. पु.—वह राष्ट्र जो एक-दूसरे के मित्र और सहायक हों।

ममालीक (ممالیک) अ. पु.—'मम्लूक' का वह, गुलाम लोग।

ममूज (ممروج) अ. वि.—मिश्रित, मिला हुआ।

ममूदः (ممرود) अ. वि.—वह अलिफ जिस पर 'मद' हो और खीचकर पड़ा जाय।

ममूद (ممرود) अ. वि.—खीचा गया, बढ़ाया गया, लबा किया गया।

ममूहः (ممروحه) अ. स्त्री—वह स्त्री जिसकी तारीफ की जाय, प्रशंसिता।

ममूह (ممروح) अ. वि.—जिसकी मद्दह की गयी हो, प्रशंसित।

ममूअ (ممروع) अ. वि.—निपिद्ध, वजित, मना, जिससे रोका गया हो, धर्म में वजित वस्तु।

ममूअ अनहू (ممروع عنه) अ. वि.—जिस बात से रोका गया हो।

ममूआत (ممروعات) अ. पु.—वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म के अनुसार वजित है।

मम्नून (ممنون) अ. वि.—कृतज्ञ, आभारी, अनुगृहीत, शुक्रगुजार, मस्कूर।

मम्नूनीयत (ممنونیت) अ. स्त्री.—कृतज्ञता, शुक्रगुजारी।

मम्लकत (مملکت) अ. स्त्री—दे 'मम्मुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लिकत (مملکت) अ. स्त्री—दे 'मम्मुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लुकत (مملکت) अ. स्त्री—राष्ट्र, राज्य, सल्तनत, दे 'मम्लकत' और 'मम्लिकत' यह दोनों भी शुद्ध हैं, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लू (مملو) अ. वि.—पूर्ण, परिपूर्ण, भरा हुआ, लवरेज।

मम्लूकः (مملوک) अ. वि.—वह वस्तु जो मित्तिकयत में हों।

मम्लूक (مملوک) अ. वि.—दास, गुलाम।

मम्लूह (مملوح) अ. वि.—नमक मिलाया हुआ, नमकीन, लवणमय।

मयामिन (ميامین) अ. पु.—'मैमनत' का वह, वरकते, सआफते, कत्याण, समृद्धियाँ, 'मैमन' का वह, शरीर की सीधी ओर के अंग।

मरंजांमरंज (ممرنجان ممرنج) फा. वि.—वह व्यक्ति जो खुद भी दुखित न हो और दूसरों को भी दुखी न करे।

मरजोमरंजाँ (ممرنج وممرنجان) फा. वि.—दे 'मरजॉ मरज'।

मरज (مروح) अ. पु.—काम का विगाड, नाश, तवाही।

मरज (مرض) अ. पु.—रोग, आमय, व्याधि, बीमारी; लत, व्यसन, बुरी आदत।

मरजुलमौत (مرض الموت) अ. पु.—वह रोग जो मृत्यु का कारण बने।

मरजो मुतअही (مرض متعدی) अ. पु.—छूतवाला रोग, उडकर लगनेवाली बीमारी, सक्रामक रोग।

मरजो मोहलिक (مرض مهلك) अ. पु.—वह रोग जो प्राण लेकर पीछा छोड़े, घातक रोग।

मरम्मत (ممرمت) अ. स्त्री—जीर्णोद्धार, टूटी-फूटी चीज की दुस्तती, जैसे—मकान या जूते की मरम्मत।

मरम्मततलब (ممرمت طلب) अ. वि.—जिसमें मरम्मत की आवश्यकता हो।

मराफिज (ممرکز) अ. पु.—'मर्कज' का वह, बहुत-से मर्कज, बहुत से केन्द्र।

मराफिज (ممرکز) अ. पु.—'मर्कब' का वह, सवारियाँ, घोटे।

मराफिज (ممرکز) अ. पु.—अफ्रीका की एक प्रसिद्ध प्रदेश, मराको।

मराजे (مراجع) अ पु - मजा का बहु किरने के स्थान लोटने के स्थान सबनाम तिनकी ओर फिरें।

मरातिब (مراتب) अ पु - मन्व का बहु मन्वे दने।

मराबित (مرابط) अ पु - मिवत का बहु बधन रस्मियाँ डारें मवत का बहु चौपाए बाँधने के बाड़े।

मराभ (مراभ) अ पु - दच्छा आशा मनोवामना स्वाहिया।

मराभ (مراب) अ पु - पित्त पित्ताग्य पित्ते का पानी।

मराभत (مرابت) अ स्त्री - बन्वाहट बटुता।

मराभिम (مراسم) अ पु - रस्म का बहु मल-जोल पेम व्यवहार।

मराहिम (مراهيم) अ पु - महम का बहु बहुत-म महम।

मराहिम (مراحم) अ पु - महमन का बहु अनुकपाएँ कृपाएँ।

मराहिमे छुखवान (مراحم حسوانه) अ पा पु - शासकीय कृपाएँ गाही महबानिया।

मराहिल (مراحل) अ पु - महल का बहु मजिले पनाव।

मरोब (مرصه) अ स्त्री - बीमार स्त्री रागिणी व्यावित।

मरोब (مرص) अ पु - रागी याधित रण बीमार।

मरोद (مرود) अ वि - अदनाकारी उद्द सरका अहकारी अभिमाना घमडी।

मरई (مرعي) अ वि - जितका लिहाज या ध्यान रखा जाय।

मरऊ (مرعوب) अ वि - राव में जाया हुआ आतकित दबा हुआ डरा हुआ।

मरऊ (مرुक) अ पु - बन्द परिधि के बीच का बिन्दु सद् मुकाम मुस्नाय राजधानी दारस्सलतनत।

मरऊ (مرکوبی) अ वि - तैत्रीय मरऊ का मरऊ से सम्बन्धित।

मरऊ सिबल (مرکوب مثل) अ पु - गरुव-बन्द।

मरऊ (مرکود) अ पु - समधि भवन बन्द।

मरऊ (مرکوب) अ पु - बहल सवारी जश्न घान।

मरऊ (مرکو) अ वि - कित्त एक मरऊ पर लाया हुआ जमाया हुआ दू किया हुआ।

मरऊ खातिर (مرکو خاطر) अ वि - हल्यगम दिना में बटा हुआ।

मरऊ (مرکوب) अ वि - जिना पर सवारी की जाय।

मरऊ (مرکوبه) अ वि - कित्त जिना हुआ।

मरऊ (مرکوب) अ वि - कित्त जिना हुआ।

मरऊ (مرکوبه) अ वि - निम्न-लिखा जो नीचे लिखा है जिमका अर्थ वात कोना।

मरऊ (مرکوبه) अ पा वि - उपयुक्त उपर

लिखा हुआ जिमकी चर्चा ऊपर हो चुकी है।

मरग (مرگ) का स्त्री - मरगु, मरण मौत।

मरग (مرغ) का पु - दूब पास दूबा।

मरगदार (مرغدار) का पु - बह मदान जहा दूब बहुत है, सख डार चरागाह गाचग।

मरगवेच (مرگवेچ) का पु - पगडा बाधने का एक विधान जो इस बात का चिह्न होता है कि पगडी बाधनेवाला प्राण देने पर आमाता है।

मरगमगी (مرگمگی) का स्त्री - महाभारी बवा।

मरगुब (مرغوب) अ वि - आ मन को पना हो मनाती रचिकर मनीवाहित पसदी।

मरगुब तयज (مرغوب طبع) अ वि - जो मन को अच्छे लगे मनावाहित मनाती।

मरगुल (مرغول) अ पु - टेडा-भटा पचदार, धुए का छाला, बल साये हुए धुएवाले बाल आवाज की गिकिरी।

मरगु जवानान (مرگحوایان) का स्त्री - जवानी की मरग।

मरगु तरई (مرگطبع) का अ स्त्री - बह मरगु जो डीक समय पर आये ना आयु पूरी होने पर आये प्राकृतिक मरगु।

मरगु नागहूँ (مرگ ناگهان) का स्त्री - बह मरगु जो अचानक आ जाये जैसे- हलफेले होने से या दूब जाने आदि से।

मरगु नी (مرگ نو) का स्त्री - नयी घटना नया हादिसा।

मरगु मुअल्लक (مرگ معلق) का अ स्त्री - मरगु नागहूँ।

मरगु मुफाजात (مرگ مفاجات) अ पा स्त्री - मरगु नागहूँ।

मरगु मुबम (مرگ مبم) का अ स्त्री - बह मरगु जो अर हो जो प्राण लकर टले।

मरगु मोज (مرگ موش) का स्त्री - एक बनीपधि।

मरगु (مرر) का प - खेती की भूमि एसा भूमि जित पर खेती हो सके सरह सीमात बियारी उद्यान बाघ मूयक चूहा।

मरगु (مرح) अ पु - रक्षा-स्थान बचाव की जगह पनाहागाह बहसना जिमकी ओर कोई सबनाम फिर।

मरगुवाक (مرغان) का वि - कृपन कुपिचार विमान वातकार।

मरगुवानी (مرغوانی) का स्त्री - कृपि वम खती नियनर वातकारो।

मरगुवम (مرغوب) का स्त्री - जमममि पना हान का स्थान, देग वात।

मरगु (مرغان) अ पु - मरगु।

मरगु (مرغوب) अ पु - मरगु का दूबी बीमार रानी लाग।

मर्जान (مرحان) अ पु -प्रवाल, विद्रुम, मूंगा ।
 मर्जी (مرصی) अ स्त्री -इच्छा, स्वाहिस, स्वीकृति, रजा-
 मदी, आज्ञा, इजाजत, आदेश, हुकम ।
 मर्जूअः (مرجوعه) अ पु -रुजूअ, आकर्षण, किसी व्यक्ति
 को ओर किसी कार्य विशेष के लिए लोगों का जुकाव ।
 मर्जूअ (مرجوع) अ वि -रुजूअ किया हुआ, लौटाया हुआ,
 वह व्यक्ति जिमकी ओर लोग झुके, अर्थात् रुजूअ हो ।
 मर्जूम (مرجوم) अ वि -जिसे पत्थरो से मारा जाय, जिसका
 बहिष्कार किया जाय ।
 मर्जूह (مرحوج) अ वि -पराजित, हारा हुआ, मगलूव ।
 मर्तवः (مرتبه) अ पु -पद, दर्जा, वर्ग, तबका, श्रेणी,
 जमाअत, वार, दफा; प्रतिष्ठा, इज्जत ।
 मर्तव.दाँ (مرتبه‌هاى) अ फा वि -इज्जत पहचाननेवाला ।
 मर्तव.दानी (مرتبه‌دانى) अ फा स्त्री -इज्जत पहचानना ।
 मर्तवःशनास (مرتبه‌شناس) अ फा वि -दे 'मर्तव दाँ' ।
 मर्तवत (مرتبت) अ स्त्री -प्रतिष्ठा, इज्जत, पद, उह्दा ।
 मर्तव (مرتوب) अ वि -आर्द्र, तर, भीगा, गीला, वह
 ओषधि जिसमे वादी का गुण हो, वादी-गुण रखनेवाली
 चीज, जैसे -'मर्तव आंवोहवा' ।
 मर्द. (مرد) फा वि -वीर, शूर, बहादुर, साहसी, उत्साही
 हिम्मती ।
 मर्द (مرد) फा पु -मनुष्य, आदमी, पुरुष, नर, पति,
 शौहर, शूर, बहादुर, साहसी, हिम्मतवर ।
 मर्दअफगन (مردافغان) फा वि -शक्तिशाली, जोरावर,
 पहलवानो को पछाड देनेवाला, दे 'मर्दफगन' वह उच्चारण
 अधिक शुद्ध है ।
 मर्दआरमा (مردارما) फा वि -दे 'मर्दअफगन', दे 'मर्दाज्मा',
 वह उच्चारण अधिक शुद्ध है ।
 मर्दक (مردى) फा वि -तुच्छ व्यक्ति, अधम, नीच, जलील ।
 मर्दफगन (مردافغان) फा वि -बहादुर, बलवान्, योद्धाओ
 को पछाड देनेवाला, बहुत बडा योद्धा, महारथी ।
 मर्दवचः (مردوچ) फा वि -आदमी का वच्चा अर्थात्
 आदमी, मनुष्य, बहादुर, शूर ।
 मर्दवच्चः (مردوچه) फा वि -दे 'मर्दवच', अच्छे-बुरे व्यक्ति
 को परख रखनेवाला ।
 मर्दशनास (مردشناس) फा वि -मनुष्य को पहचाननेवाला ।
 मर्दारमा (مردارما) फा वि -दे 'मर्दफगन' ।
 मर्दानः (مردانه) फा वि -मर्दों की तरह; मर्दों-जैसा,
 जैसे -मर्दाना लिवास, मर्दों-जैसे, मर्दाना दर्जा ।
 मर्दान.वार (مردانه‌وار) फा. वि -मर्दों की तरह, साहस-
 पूर्णक, बहादुराना ।

मर्दानगी (مردانگى) फा स्त्री -मर्दानापन, पुरुषत्व, साहस,
 हिम्मत, शूरता, बहादुरी ।
 मर्दाने खुदा (مردان خدا) फा पु -महात्मा लोग, औलिया
 अल्लाह ।
 मर्दाँ (مردى) फा वि -गानव्रता, इसानियत, शूरता,
 बहादुरी, कामशक्ति, कुव्वतेवाह ।
 मर्दुम (مردم) फा पु -मनुष्य, आदमी, सम्य, मुहज्जव;
 आँख की पुतली, कनीनिका ।
 मर्दुमआजार (مردم آزار) फा वि -लोगो को सतानेवाला,
 अत्याचारी, जालिम, सर्वदु खद ।
 मर्दुमआमेज (مردم آميز) फा वि -लोगो मे घुल-मिलकर
 रहनेवाला ।
 मर्दुमआजारी (مردم آزارى) फा स्त्री -लोगो को सताना,
 अत्याचार, जुल्म ।
 मर्दुमक (مردمک) फा स्त्री -आँख की पुतली, कनीनी,
 कनीनिका, नयनी ।
 मर्दुमकुश (مردمکشی) फा वि -मनुष्य को मार डालने-
 वाला, नरहिसक ।
 मर्दुमकुशी (مردمکشى) फा स्त्री -मनुष्य को मार डालना,
 नरहिसा ।
 मर्दुमकेदीदः (مردمک دیده) फा स्त्री -आँख की पुतली,
 नयनी, कनीनिका, कनीनी ।
 मर्दुमखेज (مردمکخیز) फा वि -वह स्थान जहाँ से प्रतिभा-
 शाली, प्रतिष्ठित और विद्वज्जन उत्पन्न होते हो ।
 मर्दुमखोर (مردمخور) फा वि -मनुष्य को खा जानेवाला,
 नरभक्षी, नराशी, पुरुषाशी ।
 मर्दुमखोरी (مردمخوری) फा स्त्री -मनुष्य को खा जाना,
 नरभक्षण ।
 मर्दुमखवार (مردمخوار) फा वि -दे 'मर्दुमखोर' ।
 मर्दुमगिया (مردمگیا) फा स्त्री -एक जड जो आदमी की
 आकृति की होती है, लख्मिनी, यब्रूह ।
 मर्दुमज्जन (مردمزن) फा वि -वधिक, जल्लाद ।
 मर्दुमज्जाद (مردمزد) फा पु -मनुजात, आदमी, मनुष्य,
 मानुष ।
 मर्दुमदर (مردمدر) फा वि -मनुष्य को फाड़ खानेवाला,
 विदारक, श्वापद, व्याघ्र ।
 मर्दुमदारी (مردمدرارى) फा स्त्री -सुशीलता, सद्ब्यवहार,
 खुश अल्लाकी ।
 मर्दुमदेवार (مردم‌دوار) फा वि -वह व्यक्ति जो मनुष्यो
 के साथ बैठने-उठने से घबराता हो ।
 मर्दुमशनास (مردمشناس) फा वि -अच्छे-बुरे आदमी

का पम्बर रहनवाला जच्छ अदमा का बद्र परनवा ।
 मनुमगनासी (मनुमसाली) का स्त्री-जच्छ-बुर आदमा
 का परल जच्छ जाग्गी का बद्र ।
 मनुमगमारी (मनुमशमारी) का स्त्री-किमा दस के
 विवाहिया की गाना जाग्गिया नियत समय पर हुआ करती
 है न-नाग्गा ।
 मनुमी (मनुमी) का स्त्री-मानवता इसानियत पुस्पत्व
 पुस्प कामगक्त वीरता बहादुरी सुगीयता सहृदयता
 संग जन्मका ।
 मनुमे आरी (मनुमी) का पु-समुद्र म रहनवाला मनुष्य
 जल-मन्य ।
 मनुमे वीद (मनुमी) का पु-आख का पुतली
 कनीनिका ।
 मनुद (मनुद) अ वि-बहिष्कृत बाहर निकाला हुआ
 तिरस्कृत बद्रजत अस्वीकृत नामकवृत् ।
 मनुदुगगहात (मनुदुगगहात) अ वि-वह व्यक्ति
 जिमकी गवाही मानी न जा सके ।
 मनुदे बारगाह (मनुदे बारगाह) का वि-वह व्यक्ति जा किसी
 बड स्थान म निकाल दिया गया हो ।
 मनुदे आखिरी (मनुदे आखिरी) का वि-वह व्यक्ति जा
 परिणाम देखकर कोई काम करे ।
 मनुदे आदमी (मनुदे आदमी) का वि-सज्जन व्यक्ति भला
 मानन गरीब आत्मी ।
 मनुदे कार (मनुदे कार) का पु-काम का आदमी अनुभवो
 गुर साहसी बहादुर ।
 मनुदे खुदा (मनुदे खुदा) का प-सागरमा पुनीतामा मुग्गा
 रसीद ईश्वरमक्त ईश्वरभीष ।
 मनुदे माकल (मनुदे माकल) का अ पु-सम्य गिण्ट और
 सज्जन व्यक्ति ।
 मनुदे मदी (मनुदे मदी) का पु-महारथी रण-सात्र म बड
 बडा के मुह फर देनेवाला ।
 मनुदे ह्हाआगाह (मनुदे ह्हाआगाह) का अ पु-ईश्वर अथवा
 सत्य का पटवाननवाग व्यक्ति ।
 मनुदुअ (मनुदुअ) अ वि-ऊचा विया हुआ उठाया हुआ
 पा (उ) की मात्रा दिया हुआ अणर ।
 मनुदुअकलम (मनुदुअकलम) अ वि-जिग पर मे काम उठा
 लिया गया हो जिमस सम्बन्ध म कुछ चिन्सा न जा गवे ।
 अयाल पागल बावग ।
 मनुदे मदी (मनुदे मदी) अ वि-कामबद मम-म-प्रमगयुका
 योगिगिग (गुलगु) ।
 मनुदे (मनुदे) का पु-एक विगन सज्जन तथा रत प्रस्तर ।

मनुदे (मनुदे) का वि-ममर का बना हुआ ममर
 तसा ।
 मनुद (मनुद) अ वि-जिगकी जार दगिन या इगारा विया
 गया ह राज गीर इगारे म कही हुई वात ।
 मनुजात (मनुजात) अ पु-इगारा म कही हुई वात
 इगारा म लिख हए खत या मुस्म आदि ।
 मनुम (मनुम) अ स्त्री-रहन तसा की मानागी ।
 मनुमपज (मनुमपज) अ का पु-एक घास जो प्रसव
 वेनाप्रस्ता स्त्री की पाडा दूर करन के लिए व्यवहृत है ।
 मनु (मनु) अ पु-मक्के की एक पहाडी ।
 मनु (मनु) का प-पुरासान के इलाक का एक प्रशिद्ध
 नगर एक सुगधित घास ।
 मनुवीरद (मनुवीरद) का पु-मुक्ता मुक्ताहल मौकिक
 मोती ।
 मनुवीदेना सुपत (मनुवीदेना सुपत) का पु-अनग्गिा
 माती ।
 मनुवी (मनुवी) अ वि-रिवायत किया गया दूसर का सत
 हुआ कहा गया ।
 मनुब (मनुब) अ वि-तली में बडा हुआ तल्लट गाद ।
 मनुम (मनुम) अ वि-विधान किया हुआ कानून बनाया
 हुआ रोज का या महीन का वेतन चिह्न विया हुआ
 चिह्नित ।
 मनुस (मनुस) अ वि-नीय में भीसा पिलया हुआ
 अक्षरी तरह मखून विया हुआ ।
 मनुव (मनुव) अ पु-सुला हुआ स्थान ।
 मनुवा (मनुवा) अ स्त्री-धय सापु बहुत खूब गावाग ।
 मनुम (मनुम) का प-घाव पर लगान का लेप स्तह-लेप ।
 मनुमत (मनुमत) अ स्त्री-या कृपा अनुकपा अनग्रह
 महवानी अनुदान वगिगिग ।
 मनुमे कारूर (मनुमे कारूर) का प-बपूर मे बना हुआ महम
 जो घाव म ठडक पहुँचाता है ।
 मनुमे जगार (मनुमे जगार) का पु-जगार से बाा हुआ महम
 जो घाव को काट दता है ।
 मनुहल (मनुहल) अ पु-गन्ध उतरने का स्था मजिल
 बी याथा बना काम क्तिन काम ।
 मनुन (मनुन) अ वि-वह वस्तु जा गिरी रागी हो ।
 मनुन मिन्नत (मनुन मिन्नत) अ वि-इत्तन आभारी
 मनुन पुनयुदार ।
 मनुम (मनुम) अ स्त्री-य स्त्री जो मर गयी है
 चिह्नता स्वगामिनी स्वर्गीया ।
 मनुम (मनुम) अ प-गिनात स्वर्गीय व्रततागी ।

मलग (ملاگ) का पु.—आजाद फकीर, निश्चित व्यक्ति, वैकिरा।
 मलक (ملك) अ पु.—अभ्यास, हस्तकीयक, महारत, प्रकृति, मृष्टि, फिन्नत, गीक, रचि।
 मलक (ملك) अ पु.—देवता, फिरिज्ना।
 मलकजमाल (ملك جمال) अ वि.—देवताओं-जैमी मुदरता रखनेवाला।
 मलकनिहाद (ملك نهاد) अ फा वि.—देवताओं-जैमी प्रकृतिवाला, देवात्मा।
 मलकसिफात (ملك صفات) अ वि.—फिरिज्ना-जैमी सिफतोवाला, दैवीगुणसपन्न।
 मलकसिरिश्त (ملك سرشت) अ. फा वि.—दे 'मलक निहाद'।
 मलकसीरत (ملك سيرت) अ वि दे.—'मलकनिहाद'।
 मलकसूरत (ملك صورت) अ वि.—जिसकी आकृति फिरिज्ना-जैमी हो, देवता-स्वरूप।
 मलकात (ملكات) अ पु.—'मलक' का बहु, प्रकृतियाँ, प्रकृति के गुण।
 मलकाते फाजिल: (ملكات فاضله) अ पु.—सत्त्व गुण।
 मलकाते रदीय. (ملكات رديه) अ पु.—रजोगुण।
 मलकाते मज्जमूम (ملكات مذموم) अ पु.—तमोगुण।
 मलकी (ملكی) अ वि.—देवताओं का, फिरिश्ते का, देवता-सम्बन्धी।
 मलकीसिफात (ملكی صفات) अ वि.—देवताओं के गुण रखनेवाला व्यक्ति।
 मलकुलमीत (ملك السوت) अ पु.—मीत का फिरिश्ता, यमराज, धर्मराज, प्राणातक।
 मलकूत (ملكوت) अ पु.—सत्ता, राज्य, शासन, हुकमरानी, देवलोक, फिरिश्तो का मकाम; फिरिश्ते, देवता-समूह।
 मलकूती (ملكوتی) अ वि.—देवताओंवाला।
 मलकूतीसिफात (ملكوتی صفات) अ वि.—देवताओं के गुणवाला, देवताओं-जैसा।
 मलख (ملاخ) फा स्त्री—टीटी, टिड्डी, शलभ।
 मला (ملا) अ पु.—सज्जन और श्रेष्ठ लोगों की मडली।
 मलाइक: (ملائكة) अ पु.—'मलक' का बहु, देवतागण, फिरिश्ते।
 मलाइक (ملائك) अ पु.—दे 'मलाइक'।
 मलाइक फिरिब (ملائك فريب) अ फा वि.—देवताओं को मुग्ध करनेवाला, फिरिश्तो को लुभानेवाला, प्राय हुस्न (सौंदर्य) की सिफत के लिए आता है।
 मलाइन. (ملائعنه) अ. पु.—'मलऊन' का बहु, दुष्ट और

पापाचारी व्यक्ति।

मलाइन (ملائعنه) अ पु.—'मलूधनत' का बहु, वे चीजे जो निदिन जीर निररकृत हो।
 मलाइव (ملايغ) अ पु.—'लडव' का बहु, रोल-कूद।
 मलाइनि (ملايغين) अ पु.—'मलाऊन'।
 मलाए आ'ला (ملاو اعلى) अ पु.—देवलोक के रहनेवाले, देवता, फिरिश्ते।
 मलाज (ملاز) अ पु.—रक्षा-स्थान, पनाह की जगह।
 मलाविस (ملايس) अ पु.—'मितवम' का बहु, पहनने के कपडे।
 मलाम (ملام) अ पु.—दे. 'मलामत'।
 मलामत (ملامت) अ स्त्री—झिडकी, टोट-टपट, भर्त्सना, निंदा, कुत्सा।
 मलामती (ملامتی) अ वि.—जिसकी मलामत की गयी हो।
 मलाल (ملاال) अ पु.—दुख, रज, वैमनस्य, रजिज, पञ्चात्ताप, अपसोम, कष्ट, तयलीफ।
 मलालत (ملاالت) अ स्त्री—दे 'मलाल'।
 मलासत (ملاست) अ. स्त्री—नम्रता, विनय, नर्मी, स्वच्छता, सफाई, समता, बराबरी।
 मलाहत (ملاحت) अ स्त्री—लावण्य, नमकीनी, सौंदर्य, हुस्न।
 मलाहिद: (ملاحده) अ. पु.—'मुल्हिद' का बहु, नास्तिक लोग, वेदीन लोग, विधर्मी लोग।
 मलाही (ملاهی) अ. पु.—'लहव' का बहु, खेल-कूद, अच्छे कामों से रोकनेवाली चीजे।
 मलिक: (ملكه) अ स्त्री—रानी, राज्ञी, महारानी, बाद-शाह की वेगम।
 मलिक (ملك) अ पु.—बादशाह, राजा, शासक, नरेश, सम्राट, नृपाल।
 मलिकजाद: (ملك زاده) अ फा पु.—बादशाह का लडका।
 मलिकुत्तुज्जार (ملك التعداد) अ पु.—व्यापारियों का सरदार, सबसे बड़ा व्यापारी, वणिगराज।
 मलिकुशशुअरा (ملك الشعرا) अ पु.—एक उपाधि जो दरबार के सर्वश्रेष्ठ कवि को मिलती थी, कविसम्राट।
 मलीक (ملايک) अ पु.—स्वामी, पति, मालिक।
 मलीद: (ملايیده) अ पु.—'मालीद' उर्दू, मे 'मलीद:' ही व्यवहृत है, चूरमा।
 मलीह (ملايغ) अ वि.—जिसमे लवण यानी नमक हो, नमकीन, सौंवाला, सलोना।
 मलूम (ملاوم) अ वि.—निदिन, गहिद, भर्त्सित, जिस पर मलामत की गयी हो।

मल्ल (ملول) अ वि—उदास खित अपमुद दु खित रजनी।

मलमय (ملعب) अ पु—खेल का स्थान, नीरस्थान तभीहूगाह।

मलमज (ملعون) अ वि—जिस पर लानत की गयी हो, भिन्नहृत्त दुष्टात्मा मनीम तिरस्कृत।

मलगोवा (ملغونا) तु पु—बहुत-सी माली चीजो का समाहार।

मलजा (ملجنا) अ पु—रमा स्थान जान बचाने या सुरक्षित रहन की जगह।

मलजाओमावा (ملجاواوا) अ पु—जहा सब कुछ हो जिम जगह का बडा सहारा हो जहा से हर प्रकार की महायता आदि मिल।

मलजूम (ملزوم) अ वि—जिस पर कोई चीज लाजिम कर दी गयी हा, जो वस्तु अलग न हो सके सबद्ध।

मलफूज (ملفوض) अ वि—वाला हुआ कहा हुआ।

मलफूज (ملفوض) अ वि—बोला हुआ कहा हुआ उच्चरित प्रतिष्ठित जना और महात्माओं के प्रवचन।

मलफूजात (ملفوضات) अ पु—मलफूज का बहु महात्माओं आदि के प्रवचन वह पुस्तक जिममें इन प्रवचनो का संग्रह हो।

मलफूजी (ملفوضی) अ वि—मलफूज सम्बन्धी।

मलफूफ (ملفوف) अ वि—लपटा हुआ कपडा या कागज बढाया हुआ लिपारे म बंद बिया हुआ लिपारे में बंद खत।

मलबूस (ملبوس) अ पु—वस्त्र बसन लिवास।

मलबूसत (ملبوسات) अ पु—महनने के कपडे वसन।

मलमस (ملمس) अ पु—त्वचा जिल्द शरीर के खाल का वह ऊपरी तल जो छुआ जाता है।

मल्लाह (ملاح) अ पु—नाविक नौचालक कणधार खेदनहार कस्तीवान नमक बनानेवाला।

मलहम (ملحمه) अ पु—बहुत बडा उपनव बहुत बडी हलचल बहुत बडा युद्ध बहुत बडी लड़ाई लड़ाई का मदान रणभूमि।

मलहूज (ملحوظ) अ वि—जिसका ध्यान रमा जाय ध्यान म रखा हुआ।

मलहूजे छातिर (ملحوظ خاطر) अ पु—जा बात ध्यान में हा जिस बात का ख्याल हो।

मवहत (موجت) अ स्त्री—मित्रता मत्री मस्ती।

मवाइज (مواجع) अ पु—मौइजत का बहु धम-समय की उपान और नमीहल।

मवाइद (موايد) अ पु—मौइज का बहु, वान के समय, वा दे की जगह।

मवाइद (موايد) अ पु—मौआत का बहु आपस क कौल-करार।

मवाक़िफ (مواكف) अ पु—मौक़िफ का बहु खने हान के स्थान जगह स्थान।

मवाक़िब (مواكب) अ पु—मौक़िब का बहु मवारा की फौज सवारा के झुंड।

मवाक़ीत (مواقيت) अ स्त्री—मौक़ात का बहु वापे के स्थान काम क समय।

मवाक़े (مواقع) अ पु—मौक का बहु मौक अवसर।

मवाजिब (مواجب) अ पु—मौजिब का बहु तनव्याह वेतन।

मवाजीन (موازين) अ स्त्री—मौजान का बहु तराजू तुलाए।

मवाजे (مواجع) अ पु—मौजा का बहु ग्राम ममद बहुत-से गाव।

मवात (موات) अ वि—निष्प्राण बेजान (स्त्री) ऊसर भूमि ऐसी भूमि जिसमें कुछ उपजन सके।

मवातिन (مواطين) अ पु—मौतिन का बहु, जम भूमिया बतन।

मवाद (مواذ) अ पु—सामग्री मसाला पीप और खून का धाव या फोडे स निकने सकूत प्रमाण।

मवादे फासिद (مواذ فاسد) अ पु—सडा हुआ मवाद या खून और पाप शरीर के अन्दर की दूषित धातुए।

मवान (مواص) अ पु—माने का बहु, बाधाए विघ्न खावटें।

मवाली (مواली) अ पु—मौला का बहु यार-दोस्त सगी-भाथी गुडा बन्माग।

मवालीद (موااليد) अ पु—मौरूद का बहु लडके बच्चे।

मवालीदे सलास (موااليد سلاسه) अ पं—सष्टि के तीनो वग—प्राणी वनस्पति जड पदाय।

मवाशी (مواشى) अ पु—माशिय का बहु चौपाए, मवशी।

मवासीक (مواشيك) अ पु—मौसाक का बहु आपस के कौल करार।

मवाहिय (مواهي) अ पु—मौहिय का बहु दृगाए दयाए मेहरबानियाँ वदिसाएँ।

मवीज (مورج) अ पु—मौवा हुआ अगूर गुल्जगण मुनक्का।

मवीजे मुनक्का (مورج ملق) अ पु—वह मवीज जिमके पीज निवाना डाने गय हा, मुनक्का का अय है—

पेट साफ किया हुआ, चूँकि मुनक्के के बीज निकालने से उसका पेट साफ हो जाता है, इस कारण उसे मुनक्का कहते हैं, मगर अब मुनक्का उसका नाम ही पड गया है।

मन्वाज (واج) अ वि—मौजे मारता हुआ, जोर की लहरे लेता हुआ।

मन्वाकत (ممنكت) अ स्त्री—कष्ट, दुःख, तकलीफ; श्रम, मेहनत, मजदूरी, परिश्रम, दौड-धूप, तपस्या, रियाजत।

मन्वाइख (مساخ) अ पु—'शैख' का बहु, पीर लोग, सूफी लोग।

मन्वासे (مسام) अ पु—'मशम्म' का बहु, परतु एकवचन के अर्थ में व्यवहृत है, मस्तिष्क, दिमाग, वह स्थान जहाँ सूँघने की शक्ति रहती है।

मन्वासे जाँ (مسام حان) अ फा पु.—आत्मा का मस्तिष्क अर्थात् आत्मा।

मन्वारिक (مसारق) अ पु—'मश्रिक' का बहु, सूर्योदय के स्थान।

मन्वारिब (مشارب) अ पुं—'मश्रव' का बहु, पानी पीने के स्थान।

मन्वाहिद (مشاهد) अ पु—'मशहद' का बहु, कब्रिस्तान।

मन्वाहीर (مसाहिर) अ पु—'मशहूर' का बहु, महान् व्यक्ति, नामवर लोग।

मन्वाहीरे आलम (مसाहिर عالم) अ पु—ससार के महान् व्यक्ति, बड़े-बड़े लोग।

मन्वाहीरे वक़्त (مसाहिर وقت) अ पु—अपने समय के बड़े-बड़े लोग।

मन्वासी (مسي) अ पु—चलना; टहलना।

मन्वाखत (مسيحت) अ स्त्री—बुजुर्गी, बडप्पन, डींग, जेजी।

मन्वाखतपनाह (مسيحت ناه) अ फा वि—दे 'मन्वाखत-मन्वाव'।

मन्वाखतमन्वाव (مسيحت ماب) अ वि—शेखीखोर, जंगिया।

मन्वासे (مسيه) अ पु—वह झिल्ली जो उत्पत्ति के समय गिर्न के ऊपर लिपटी रहती है, आँख का छटा पर्दा।

मन्वासेत (مسيهت) अ स्त्री—ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्जी, देवशक्ति, कुदरत।

मन्वासे (مسيه) अ वि—दे 'मशज्म', दोनो शुद्ध है, अशुभ, अनिष्ट, मनुहूस।

मन्वासे (مسيه) अ पु—परामर्ग, सलाह, दे 'मश्वुर' दोनो शुद्ध है।

मन्वासे (مسيه) अ पु—दे 'मशअल'।

मन्वाअल (مسيعل) अ स्त्री—एक लवी लकड़ी में कपडा लपेटकर और उसे तेल में तर करके जलाते हैं, यही 'मन्वाअल' है, मशाल।

मन्वाअलची (مسيعلچی) अ फा पु—मन्वाअल लेकर आगे चलनेवाला, मन्वाअल दिखानेवाला, मशालची।

मन्वाअफ (مسيعلف) अ वि—मुग्ध, आसक्त, गेपत।

मन्वाअम (مسيعلوم) अ वि—दे 'मन्वाअम', दोनो शुद्ध है, अनिष्ट, अशुभ, मनुहूस।

मन्वाअ (مسيعل) अ स्त्री—अभ्यास, किसी काम को वार-वार करना, हस्त-कौशल, महारत, टेव, आदत।

मन्वाअ (مسيعل) फा स्त्री—परवाल, पानी भरने की चमडे की खाल।

मन्वाअक़्त (مسيعلکته) अ पु—छोटी मश्क।

मन्वाअकूक (مسيعلکک) अ वि—जिसमें शक हो, सदिग्ध; जिसे शक हो, शकित।

मन्वाअकूर (مسيعلکور) अ वि—जिसका गुत्रिया अदा किया जाय, प्रशसित।

मन्वाअक़े आव (مسيعلکک آب) फा स्त्री—पानी से भरी हुई मश्क।

मन्वाअक़े सुखन (مسيعلکک سخن) अ फा स्त्री—कान्य-रचना का अभ्यास।

मन्वाअक़े (مسيعلکک) फा पु—मूर्तिगृह, वुतखाना; अत पुर, हरमसरा।

मन्वाअक़ल (مسيعلکله) अ. पु.—व्यापार, शुगल; व्यवसाय, उद्यम, रोजगार, कार्य, काम।

मन्वाअक़ूल (مسيعلککول) अ वि—संलग्न, प्रवृत्त, लीन, मुनहमिक।

मन्वाअक़ूलियत (مسيعلککولیت) अ स्त्री—सलग्नता, तल्लीनता, प्रवृत्ति, इनहिमाक।

मन्वाअक़ूम (مسيعلککوم) अ वि—सूँघा हुआ।

मन्वाअक़मल (مسيعلککامل) अ वि—शामिल किया हुआ, सम्मिलित।

मन्वाअक़व (مسيعلککوب) अ पु—पानी पीने का स्थान, मेत, अकीद।

मन्वाअक़िक (مسيعلککوق) अ पु—पूर्व, पूरव, सूर्य निकलने का स्थान, उदयाचल।

मन्वाअक़िकी (مسيعلککوقی) अ वि—पूर्वीय, पूरव का, हिंदुस्तानी, देशी, जो यूरोपीय न हो, वल्कि एशियाई ही।

मन्वाअक़िकीयात (مسيعلککوقیات) अ स्त्री—एशियाई मस्कृति और सभ्यता से सम्बन्धित विज्ञान।

मन्वाअक़िकैन (مسيعلککوقین) अ. पु—दोनों पूर्व, अर्थात् पूरव और पच्छिम।

मन्वाअक़िअ (مسيعلککوقع) अ वि—शास्त्र के अनुसार किया हुआ, इस्लामी धर्मशास्त्र के अनुसार किया हुआ।

मन्वाअक़िअ (مسيعلککوقع) अ वि.—जो किसी शर्त पर निर्धारित हो।

मसूय (مسوب) अ वि-मावेवाणी वस्तु, पानीय, पेय, पिया हुआ, पीत ।

मसूयात (مسوبات) अ पु-पीनेवाली वस्तुएँ पेय ।

मसूह (مسوح) अ वि-विवरण और विस्तार के साथ कहा हुआ ।

मसूहन (مسوحاً) अ अन्व-विस्तारपूर्वक पूरा तपशील से स्पष्टतया ।

मावुर (مأور) अ पु-गुद्ध उच्चारण 'मावुर' ह परतु उद्गम मसवर ही वालते ह परामग, सलाह ।

मशवी (مشوی) अ वि-भूता हुआ, भ्रष्ट, बिया ।

मावुर (مأور) अ पु-दे मावुर 'गुद्ध मावुर ही ह परतु उद्गम 'मावुर' वालते ह परामग मशया, सलाह ।

मशवुरत (مشورب) अ स्त्री-मावुर ।

मावुरतखान (مأورخانه) अ फा पु-मशयागार, दाखल गुरा ।

मासाई (مسانی) अ वि-मसाईत' में वा एक-यकित ।

मासाईत (مسانع) अ पु-व्यापिक विद्याना का वह सप्रदाय जो एक दूसरे के पास जाकर पठन पाठन करते थे बखिदाफ इशाकान के जो आत्मसक्ति द्वारा पठन पाठन कम करते थे ।

मासाक (مساك) अ वि-किमी विपय वाम का बहुत अच्छा जानकार दख कुशल विज्ञेयन ।

मासाक्री (مسانی) अ स्त्री-दक्षता कुशाता प्रवाणता ।

मासात (مساكته) अ स्त्री-श्रिया का बनाव सिंगार करनेवाली स्त्री प्रसाधिका ।

मासातली (مسطکی) अ स्त्री-स्त्रियों का बनाव सिंगार करने का काम प्रसाधन ।

मासहद (مسهد) अ पु-उपस्थित होने का स्थान गहीद होने का स्थान शहादतपाह गहीदा का बनिस्तान इराक का एक नगर जिसे हूम भा कहत ह ।

मासहद (مسوب) अ वि-जो उपस्थित किया गया हो जिस पर शवाही दी गयी हो ध्येय मकसूत ।

मासहन (مسحون) अ वि-जो मरा गया हो परिपूअ ।

मासहूर (مسهور) अ वि-ख्याति प्राप्त गुहृत पाया हुआ प्रसिद्ध, विख्यात ।

मासहरोमा'रक (مسهور ومعروب) अ वि-बहुत अधिन प्रसिद्ध जिसे प्राय सभी जानते हो सुप्रसिद्ध बहुख्यान ।

मस [स्त] (مس) अ पु-स्पर्श छना रचि रगवत ।

मस [स्त] (مس) अ पु-चूसना, धूपण ।

मसरत (مسرب) अ स्त्री-टप, थानद खुगी ।

मसरतअगन (مسرب انگر) अ फा वि-हाचद्वय, छाग बढ़ानेवाला ।

मसरतअगदा (مسرب انرا) अ फा वि-दे मसरतअगन' ।

मसरतआमेज (مسرب امير) अ फा वि-हृयपुय आन'म' सुगी से मरा हुआ ।

मसरते कल्बी (مسرت قلبی) अ स्त्री-हा'वि आन' दिली सुगी ।

मसरते बहद (مسرت بحد) अ फा स्त्री-अत्यधिक हय, बहुत जिमादा सुगी ।

मसरते क्हातो (مسرت روحانی) अ स्त्री-दे 'मनते कल्बी ।

मसल (مسل) ध स्त्री-उत्तमकित, क्हावत, समान तुल्य, मिसल ।

मसलन (مسلك) अ जय-जसे माना उगाहरणाय ।

मसलतुमसलन (مسلك مسلك) अ वि-में एन उगाहर धती हें, जसे मानो मसलन ।

मसाइव (مصائب) अ पु-मुसीबन वा बहु, मुसाब आपत्तियाँ कठिनाइया, दुखवारियाँ ।

मसाइल (مسائل) अ पु-मसअल का वह मसल समस्याएँ ।

मसाई (مسانی) अ स्त्री-मसआत वा बहु, काशि प्रयत्न ।

मसाकिन (مساكين) अ पु-'मस्किन वा बहु, बहुतसे प बहुत सी जगहें ।

मसाकिन (مساكين) अ पु-मिस्कीन का बहु शर लोग भंगता लोग ।

मसाजिद (مساجد) अ स्त्री-'मस्जिद' का बहु, मस्जिदें

मसादिर (مصادر) अ पु-'मस्दर वा बहु बहुतसे मस' धातुएँ ।

मसा (مسانه) अ पु-पशव का धरती मूपाय, मूवत

मसाक (مصائب) अ पु-गुद्ध समर, जय-गई ।

मसाकत (مساك) अ स्त्री-दा स्थाना के बीच की दूर फासिल, दूरी, रास्ते की दूरी यात्रा सफर ।

मसाफते बदाव (مصائب نده) अ स्त्री-लकी यात्रे दूर की यात्रा लबा सफर ।

मसाम (مسام) अ पु-रोमकूप रोमगत लामदू-मविवर रोमछिद्र ।

मसामात (مسامات) अ पु-मसाम वा बहु 'गरीर' रोम-रूप ।

मसार्किक (مصارف) अ पु-मसिक वा बहु, इध्यागत उच्च-यय ।

मत्सरिके खानगी (مصارف خانگی) अ. फा. पु. -घर का खर्च, जाती खर्च ।

मत्सरिके पुरोनोश (مصارف پورنویش) अ. फा. पु. -खाने-पीने का खर्च ।

मत्सरिके बारबरदारी (مصارف باربرداری) अ. फा. पु. -सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का खर्च, गाड़ी-भाजा आदि ।

मत्सरिके बेजा (مصارف بجا) अ. फा. पु. -अनुचित व्यय, गलत खर्च ।

मत्सरिके सफर (مصارف سفر) अ. पु. -यात्रा-व्यय, सफर का खर्च, मार्ग-व्यय ।

मत्सालिक (مسالك) अ. पुं. -'मस्तक' का बहु, रास्ते, मार्ग, पथ ।

मत्सालेह (مصالح) अ. पु. -'मस्तहल' का बहु, दूरजदेगिया ।

मत्सालीक (مسارویک) अ. पु. -'मिस्वाक' का बहु, दाँत साफ करने की मिस्वाक, दातून, दतधावन ।

मत्सास (مساس) अ. पु. -मैथुन के समय स्त्री के अंगों का मदन, दे 'मिसास', गूढ वही है, परन्तु उर्दू में 'मसास' ही है ।

मत्सास (مساور) अ. पु. -गमन, जाना ।

मत्सास (مصاور) अ. पु. -लौटना, प्रत्यागमन, लौटने का स्थान ।

मत्सील (مسیل) अ. वि. -समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल ।

मत्सीह (مسیح) अ. पु. -हजरत ईसा, ख्रीष्ट ।

मत्सीहनफस (مسیح نفس) अ. पु. -वह व्यक्ति जिसकी फूँक में हजरत ईसा की फूँक का गुण हो, जो मुर्दों को जिला देती थी ।

मत्सीहा (مسیحا) अ. पु. -दे 'मसीह' ।

मत्सीहाई (مسیحائی) अ. वि. -ईसा का काम करना, अर्थात् मुँदे जिलाना, उदा - "तू जो चाहे तो मरीजे गमे उल्फत वच जाय, तेरी रहमत में निर्हाशाने मत्सीहाई है ।"

मत्सीहादम (مسیحادام) अ. फा. वि. -दे 'मत्सीहनफस' ।

मत्सीहानफस (مسیحانفس) अ. वि. -दे 'मत्सीहनफस' ।

मत्सीहासिफत (مسیحاصفت) अ. वि. -मत्सीह के गुण रखनेवाला, मुँदे जिलानेवाला ।

मत्सीहावश (مسیحواش) अ. फा. वि. -दे 'मत्सीहासिफत', मत्सीह की भाँति ।

मत्सीही (مسیحی) अ. वि. -हजरत मत्सीह को माननेवाला, ईसाई, ख्रिष्टीय ।

मत्सून (مصون) अ. वि. -सुरक्षित, महफूज ।

मत्सजद (مسجد) अ. पु. -समस्या, पेचीदा मुआमला, विषय, मौजूअ, धर्मशास्त्र सम्बन्धी हुकम ।

मत्सजलत (مسئلت) अ. स्त्री -पूछना, प्रश्न करना ।

मत्सजद (مسجد) अ. वि. -इष्ट, कल्याणकर, शुभ, नेक, सुधारक ।

मत्सजन (مصजन) अ. वि. -दे शुद्ध उच्चारण 'मसून', यह उच्चारण अगुद्ध है ।

मत्सजल (مسئل) अ. वि. -जो पूछा जाय, जिससे जवाब लिया जाय, जवाबदेह, जिम्मादार, उत्तरदायी ।

मस्त: (مسك) फा. पु. -मक्कान, नवनीत, क्षीरसार ।

मस्तक (مسكط) अ. पु. -अरब की एक खुद मुत्तार छोटी-सी रियासत; उस रियासत की राजधानी ।

मस्तक (مسكن) अ. पु. -रहने का स्थान, घर, गृह, मकान ।

मस्तकनत (مسكنات) अ. स्त्री -नम्रता, विनय, विनीत, आजिजी; निर्धनता, दरिद्रता, कगाली ।

मस्तिक (مسكط) अ. पु. -गिरने का स्थान ।

मस्तिकतुरास (مسكط التراس) अ. पु. -रार गिरने का स्थान, चूँकि जन्म लेते समय पहले सर जमीन पर आता है, इसलिए पैदा होने के स्थान को कहते हैं, जन्मभूमि ।

मस्तकुक (مسكوك) अ. वि. -ठप्पा लगाया हुआ, टकसाल में गडा हुआ, टकसाल में बनाया हुआ ।

मस्तकून (مسكونه) अ. वि. -जिसमें रहाइग हो, आवाद ।

मस्तकून (مسكون) अ. वि. -आवाद, वसित ।

मस्तकूल (مصقول) अ. वि. -सैकल किया हुआ, माँजा हुआ, उज्वल, चमकदार; प्रकाशमान, रौशन ।

मस्तज (مسح) अ. वि. -विकार, अच्छी से बुरी सूरत हो जाना; विकृत, विगडे हुए रूपवाला ।

मस्तार: (مسندرة) अ. पु. -हँसोट, हँसी ठट्ठेवाला आदमी, भाँड, नक्लें करनेवाला, नक्काल, विद्वपक ।

मस्तखरगी (مسندرگی) अ. फा. स्त्री -हँसी-ठट्ठा, मस्तखरा-पन, विद्वपकता ।

मस्तजशुद: (مسند شدة) अ. फा. वि. -विकृत, रूपांतरित, रूप-भ्रष्ट, जो विगडकर कुछ का कुछ हो गया हो ।

मस्तजद (مسجد) अ. स्त्री -नमाज पढने की जगह, मसीत ।

मस्तजदे जामे' (مسجد جامع) अ. स्त्री -वह मस्तजद जिसमें शुक्रवार की बड़ी नमाज होती है, बड़ी मसीत ।

मस्तजद (مسجد) अ. वि. -जिसको सज्दा किया जाय, जिसके लिए पूजा में सर झुकाया जाय, ईश्वर ।

मस्तजूदे मलाइक (مسجد ملائک) अ. वि. -'हजरते आदम' जिनको फिरिस्तो ने सज्दा किया था ।

मस्त (مست) फा. वि. -नशे में चूर, मदोन्मत्त, उन्मत्त, मतवाला, कामातुर, पुरशहवत; निश्चेष्ट, अचेत, बेखवर, बेमुब, बहुत अधिक प्रसन्न; लाजवाली, वेपवा, निस्पृह ।

मस्तगी (مصطغی) का स्त्री—एक वृत्त का गात्र अरबी
 गण मुस्तका ह।
 मस्तब (مصطبة) अ पु—मधुगात्र मदिरालय
 गराबनामा द मस्तब दोना गूढ ह।
 मस्तान (مستانه) का वि—मस्ताना का उरह मस्ताना
 जमा मस्त मस्त।
 मस्ता (مستی) का स्त्री—उमात्र नगा काम-वैग जोणे
 गह्वत निरवपटना वेववरी इवर-प्रेम का आविषय
 वेवुग।
 मस्तूर (مستور) अ वि—छिपी हुई वस्तु।
 मस्तूर (مستور) अ वि—छिपा हुआ भुक्त पाणीगी।
 मस्तूर (مستور) अ वि—छिपा हुआ लिखित।
 मस्तूरत (مستورات) अ स्त्री—मस्तूर का वस्त्र, महिलाए
 स्थिया।
 मस्तूरी (مستوی) अ वि—छिपाव डुराव पाणीगी।
 मस्तूल (مستول) का पु—बहाउ का बहुलवा शभा जिमम
 धात्रवान (मस्तूल जडा) बाँधा ताता है।
 मस्ते अस्त (مستى) का अ वि—जा प्रकृति स मस्त
 हा जा हर समय मस्त रहता हा बहुमस्त जा ब्रह्मलीन हा।
 मस्तेम (مستم) का वि—गराव के नगे में चूर
 भदिरामस्त मदा मस्त।
 मस्ते राह (مستى) का अ वि—गराव के नगे में मस्त
 मदा मस्त।
 मस्ते गबाव (مستى) का अ वि—जवाना के नगे में
 चूर।
 मस्ते गराव (مستى) का अ वि—दे मस्तम।
 मस्तर (مستور) अ पु—उत्तम उत्पत्तिस्यान वह गण
 जिमने क्रियाए और कता धातु-कर्म आदि बनते ह।
 मस्तेदे गरवउई (مستى) अ पु—वह मस्तर जा
 किया डूमरी भाषा के गण से बनाया जाय जैसे—
 जाउमाना।
 मस्तेदे मुनजहा (مستى) अ पु—वह मस्तर जिमम
 मकमक क्रियाए वने।
 मस्तेदे लाहिम (مستى) अ पु—वह मस्तर जिमम
 क्रियाए अवमक हा।
 मस्तेदे वज्ज (مستى) अ पु—वह मस्तर जा उसी
 भाषा का हा।
 मस्तूद (مستور) अ वि—गका हुआ बट किया हुआ अथ
 रूढ निरुद्ध।
 मस्तद (مستد) अ पु—तकिया लगाकर बठने का जगह
 बहुकण जिम पर प्रतिष्ठित जन बठना ह बडा तकिया।

मस्तदबारा (مستدبار) अ फर वि—मस्त की गोमा
 वानेवाला अथात मस्त पर बठनेवाग।
 मस्तबनगी (مستبنگی) अ फा वि—मस्त पर बठने
 वाला गद्दीनगीन तम्बनगान।
 मस्तबनगीनी (مستبنگی) अ फा स्त्री—मस्त पर
 बठना किया गातु या फकीर का गद्दी पर बठना,
 गणमिहामन पर बठना।
 मस्तबी (مستوی) अ स्त्री—उदू पत्र की एक किम्म जिममें
 चाई कहाना या उपगण एक ही वक्त में हाता है और उमना
 हर ने र डूमरे ने र से रनीक कापिए में नहा मिलता और
 हर ने र व दोना मिसें सानुप्राग हाते हैं।
 मस्तूअ (مستوی) अ वि—बना हुआ वस्तु कारीगर के हाथ
 का बना हुई वस्तु।
 मस्तूअ (مستوی) अ वि—बना हुआ निर्मित।
 मस्तूअत (مستویات) अ स्त्री—किमी देग या रान
 का बना हुआ चीजों के चाँजे किमी देग विपेपका
 कारागरी हा।
 मस्तूई (مستوی) अ वि—कृत्रिम बनावटा मिष्ठा
 गूठा जमाइतिय अस्वाभाविक चानेचुरल।
 मस्तूफ (مستوی) अ वि—वृत्त पिना हुआ।
 मस्तूक (مستوی) अ वि—पहले गुजरा हुआ पट्टे जया
 हुआ।
 मस्तूकविशक (مستوی) अ वि—जिमकी चर्चा पट्ट
 हा चुकी हा पूर्वकथित पूर्वोक्त।
 मस्तूय (مستوی) अ वि—रेंगा हुआ रगीन रजित।
 मस्तूअ (مستوی) अ वि—सुना हुआ श्रुत।
 मस्तूम (مستوی) अ वि—उहर मिला हुआ जहरीला
 विपाक।
 मस्तूम (مستوی) अ पु—व्यय करने का जगह प्रयाजन
 इस्तमाल।
 मस्तूअ (مستوی) अ वि—जिम भिलगी की बीमारी हो
 अपस्मारा।
 मस्तूक (مستوی) अ वि—चुराया हुआ चोरा का।
 मस्तूक (مستوی) अ वि—चुराया हुआ चारी किया
 हुआ।
 मस्तूक (مستوی) अ वि—नाम में लगा हुआ निरत प्रवत
 मलग्न मंगूल जिमें फुसत न हा अवकाशीन अदीमुल
 फुसत।
 मस्तूकियत (مستوی) अ स्त्री—संगतता मंगूली
 अवकाशीनता अदीमुल फुसती।
 मन्नूर (مستوی) अ वि—प्रसन प्रफुल हृषित आनदित

सुख, उल्लसित, उदा०—“बिस्ती का सामने आना मेरा मखूर हो जाना, निगाहे मस्त का मिलना मेरा मरमूर हो जाना।”
 मस्लक (مسلک) अ. पु.—पथ, रास्ता, पंथ, मत, अकीद, पद्धति, तरीका।
 मस्लख (مسلخ) अ. पु.—जहाँ पशुओं का बंध करके उनकी खाल उतारी जाती है, कमेला, बूचखाना।
 मस्लहत (مصالحات) अ. स्त्री—परामर्श, नलाह, भेद, राज, हित, भलाई, अपने बनाव या विगाट का ध्यान रखते हुए कोई काम करना।
 मस्लहतअवेश (مصالحات اندیش) अ. फा. वि.—भला-बुरा सोचकर काम करनेवाला।
 मस्लहतआमेज (مصالحات آمیز) अ. फा. वि.—जिसमें कोई मस्लहत हो।
 मस्लहतब्राह (مصالحات حوا) अ. फा. वि.—दे. ‘मस्लहत-पतद’।
 मस्लहतत (مصالحاتاً) अ. वि.—मस्लहत में, कारणवश।
 मस्लहतपसद (مصالحات پسند) अ. फा. वि.—आतिप्रिय, सुकहजू, सुभेच्छु, खैरस्वाह, अच्छा-बुरा समझकर काम करनेवाला।
 मस्लहतवी (مصالحات بین) अ. फा. वि.—दे. ‘मस्लहत-अदेश’।
 मस्लहतवीनी (مصالحات بینی) अ. फा. स्त्री—बुरा-भला समझकर काम करना।
 मस्लहते वक़्त (مصالحات وقت) अ. स्त्री—समय की पुकार।
 मस्लूक (مسلوک) अ. वि.—जिसके साथ उपकार किया जाय, गया हुआ।
 मस्लूब (مصلوب) अ. वि.—जिसे सूली पर चढ़ाया गया है।
 मस्लूब (مصلوب) अ. वि.—जो सत्व कर लिया गया हो, जो छीन लिया गया हो, हत, विनष्ट।
 मस्लूबअक़ल (مسلوب العقل) अ. वि.—जिसकी बुद्धि सत्व हो गयी हो, हतबुद्धि।
 मस्लूबअहवास (مسلوب الكوأس) अ. वि.—जिसके होशो-हवास सत्व हो गये हो, हतसज।
 मस्लूल (مسلول) अ. वि.—जिसे सिल की वीमारी हो, जिसके फेफड़ों से खून आता हो, रक्तकाशी।
 मस्ताह (مستاح) अ. वि.—पैमाइश करनेवाला।
 मस्तह (مستح) अ. पु.—बजूके समय सर पर गीला हाथ फेरना।
 मस्तहक (مستحک) अ. वि.—पिसा हुआ, रगडा हुआ।
 मस्तहब (مصسوب) अ. वि.—साथी, हमराही।
 मस्तहूर (مستحور) अ. वि.—जिस पर जादू किया गया हो, मंत्रभुव।

मह (مه) फा. पु.—‘माह’ का लघु, नष्ट, रोम, चांद।
 महक [मक] (محك) अ. स्त्री.—कसीटी का पत्थर, कसीटी, निकप, कस्तवटी।
 महताब (مهتاب) फा. पु.—‘माहताब’ का लघु, चंद्रमा, चांद, कौमुदी, चांदनी।
 महतावी (مهتابی) फा. वि.—एक प्रकार की आतशबाजी, जिसे छुटाने से चांदनी-सी छिटक जाती है; जरबपत, वादला, कमरनाव, जरी, वह अट्टा जिसे कोठे की सीढियों के ऊपर बनाते हैं।
 महफक: (محفک) अ. पु.—दे. ‘मुहाफ.’।
 महद्वत (محدث) अ. स्त्री—प्रेम, स्नेह, प्यार, इश्क, मित्रता, मैत्री, दोस्ती, यारी, ममता, मामता, माँ-बाप का प्यार; कृपा, दया, मेह्वानी।
 महद्वतआमेज (محدث آمیز) अ. फा. वि.—जिसमें प्रेम टपकता हो, प्रेमपूर्ण।
 महद्वतनाम: (محدث نام) अ. फा. पु.—प्रेमपत्र, आशिकान खत, कृपापत्र, नवाजिगनामा।
 महव [म्म], मुहिम (مهم) अ. पु.—चिंता, फिक्र, बड़ा और महत्वपूर्ण काम।
 महमाअस्कन (مهمسا اسکن) अ. वा.—जब तक हो सके, जहाँ तक मुम्किन हो।
 महल [ल्ल] (محل) अ. पु.—मकान, घर, स्थान, जगह, अवसर, मौका, प्रासाद, हवेली, बीबी, पत्नी।
 महलसरा (محل سرا) अ. फा. पु.—अत पुर, रनवास, बड़े लोगों का जनानखाना।
 महलल: (محلل) अ. पु.—नगर का एक भाग, टोला।
 महललदार (محلل دار) अ. फा. पु.—महल्ले का चौधरी या मुखिया।
 महललात (محللات) अ. पु.—‘महल’ का बहु, अवसर, मौके, बड़े लोगों की स्त्रियाँ, हरम।
 महल्ले खतर (محل خطر) अ. पु.—जानजोखिम का स्थान, खत्रे की जगह।
 महल्ले नज़र (محل نظر) अ. पु.—शक या एतिराज का स्थान, जहाँ कोई शका या आपत्ति उत्पन्न हो।
 महवश (مهموس) फा. वि.—चाँद-जैसी आभा और आकृति वाला (वाली)।
 महाकिम (محاكم) अ. पु.—‘महकम’ का बहु, महकमे, विभाग।
 महाज (محاد) अ. पु.—मुकावले या लड़ाई का स्थान।
 महाज्ञे जंग (محاد جنگ) अ. फा. पु.—युद्ध-क्षेत्र, रगभूमि, रणस्थल, मैदाने जग।

महाकिल (مکمل) अ पु - 'महकिल का बहु, गाठिया, तनाएँ।
 महाब (مهاب) अ पु - भय का स्थान डरावनी जगह।
 महाबत (مهابت) अ स्त्री - अतिक, रोव, भय, घास, डर, श्रेष्ठता बुजुर्गी।
 महाम [म्म] मुहाम (مهم) अ पु - 'महम का बहु, वने और महत्त्वपूर्ण काम।
 महामिद (مکامد) अ पु - 'महमदत का बहु, कीनियाँ, गुणसमूह।
 महार (مهار) का स्त्री - 'जेंट की नवेल, द 'मिहार', दाना पुद्ध ह।
 महारत (مهارات) अ स्त्री - निपुणता चतुरता कावि लीयत अम्यास मरद हस्त-कौशल, चाबुक-स्त्री उस्तानी, वारीयरी।
 महारिम (مهاريم) अ पु - 'महम का बहु, राजार लाग।
 महारीब (مهاريب) अ स्त्री - 'मिह्राव का बहु म्हावे।
 महाल (مکاله) अ पु - उपाय यत्न तदवीर।
 महाल [ल] (مکال) अ पु - 'महल का बहु जगहें स्थान।
 महल (مهل) अ वि - भयानक भीषण छौफनाक।
 महालिक (مکالک) अ पु - महल का बहु जान जोखिम के स्थान।
 महासिन (مکاسين) अ पु - 'हुग्न' का बहु अरुआइया, डानी सम्यु।
 महासिल (مکاصل) अ पु - आय आमदनी रास्व मालगुजारी भूमिपर लगान।
 महासिले छाम (مکاصلح) अ फा पु - बची निवामी गीय की दुल आमदनी जिसम मालगुजारी और नफा सन शामिल ह।
 महोद (مکود) अ स्त्री - स्त्री के रजस्वला होने की दगा, हारना हैड।
 महोन (مکون) फा पु - 'माहान' का लपु साट वा १२ वीं गन माग।
 महोन (مهن) अ वि - याग कमखार जीग शपा मुच्छ भीर।
 महाय (مهياب) अ वि - भीरग भयानक बगल दिरर डरावना त्रिते तारर डर लग।
 महीबुलकल (مهيوبکال) अ वि - 'मुनेनुगाक'।
 महीबुलत (مهيوبت) अ वि - 'महाबुलत'।
 महीबुलत (مهيوبت) अ वि - 'विगा' अ 'मौर नाक'। विरगा, भीरगा।

महीबुलकाम (مهيوبکام) अ वि - 'महानुल जुस्त।
 महीबुलजुस्त (مهيوبکجست) अ वि - जिसका डालडोल भयानक हो, भागकाय।
 महीबुलजह (مهيوبکجهد) अ वि - 'महाबुगसल'।
 महीबुलसकल (مهيوبکسکال) अ वि - जिसकी सूरत डरावनी हो, विकट मूर्ति विकटानन।
 महीबुलसूरत (مهيوبکسورت) अ वि - 'महीबुगसल'।
 महीबुलसौत (مهيوبکسوت) अ वि - जिसकी आवाज भयानक हो, भरव।
 महील (مهيال) अ वि - भय का स्थान, छोक भी जगह।
 महकम (مککام) अ पु - बचहरी, जदारत 'यायालय, विभाग सीया डिपार्टमेंट।
 महकम-जात (مککامجات) अ फा पु - बहुत से महकम अय विभाग।
 महकमए बाबकारी (مککامعبابکاری) अ फा पु - 'माक' विभाग।
 महकमए बावपागी (مککامعباوपाگی) अ फा पु - 'मिचन विभाग सिचाई विभाग।
 महकमए बावदकारी (مککامعبادکاری) अ फा पु - पुनर्वात विभाग।
 महकमए इताफ (مککامعइटاف) अ पु - न्याय विभाग।
 महकमए कवा (مککامعکوا) अ पु - न्याय विभाग।
 महकमए कानून (مککامعکانون) अ पु - न्याय विभाग।
 महकमए जिरागत (مککامعجیراगत) अ पु - ट्रिबि विभाग।
 महकमए ता'भीर (مککامعتا'भीر) अ पु - निर्माण विभाग।
 महकमए ता'लीम (مککامعتا'लीم) अ पु - गिगा विभाग।
 महकमए तोसए ता'लीम (مککامعتوسع'تا'लीم) अ पु - गिगा प्रसार विभाग।
 महकमए दिफाज (مککامعدیفاج) अ पु - रगा विभाग।
 महकमए तयोइगागत (مککامعتیوइगागत) अ पु - पवार विभाग।
 महकमए वीज (مککامعویج) अ पु - राय विभाग।
 महकमए माक (مککامعمال) अ पु - राय विभाग अर विभाग।
 महकमए भरन (مککامعبرن) अ पु - राय विभाग।
 महकमए सा'प्रोहिफत (مککامعسأ'پروھیت) अ पु - उजाग तथा गिन-विभाग।

महकमए सेहत (مكتة صحت) अ. पु -स्वास्थ्य-विभाग ।
 महकमए हिमकानेसेहत (مكتة سلطان صحت) अ. पु -
 स्वास्थ्य-विभाग, स्वास्थ्य-रक्षा-विभाग ।
 महकूक (مكوك) अ. वि -डीला हुआ, कटा-फटा ।
 महकूम (مكوم) अ. वि -यरोभूत, अधीन, जेरहुकम,
 प्रजा, रियाया, दास, गुलाम ।
 महकूनी (مكوني) अ. स्त्री -दारता, गुलामी, परा-
 धीनता, नामुस्तारी ।
 महक (مك) अ. वि -केवल, सिर्फ; निर्मल, खालिस ।
 महकूर (مكور) अ. पु -उपस्थित होने का स्थान, दे
 'महकूरनामः' ।
 महकूरनामः (مكور نامه) अ. फा. पु -वह प्रार्थनापत्र जो
 वतन-से आदिमियों की ओर से दिया जाय, वह प्रमाणपत्र
 जिस पर बहुत-से व्यक्तियों के तस्वीकी हस्ताक्षर हों ।
 महकूर्ण (مكورن) अ. वि -शोकान्वित, गमगीन, कष्टग्रस्त,
 तकलीफजद ।
 महकूख (مكوك) अ. वि -हृषित, आनन्दित, प्रसन्न, खुश ।
 महकून (مكون) अ. वि -दे 'महकूर्ण' ।
 महकूनी (مكوني) अ. स्त्री -शोक, गम, दुःख, तकलीफ ।
 महकूफ (مكوف) अ. वि -वह अक्षर जो लुप्त हो, वह
 शब्द जो लुप्त हो ।
 महकूव (مكوب) अ. वि -लज्जित, शर्मिन्दा ।
 महकूम (مكوم) अ. वि -पराजित, परास्त, हारा हुआ ।
 महकूम (مكوم) अ. वि -पन्नित, जो हज्म हो गया हो ।
 महकूर (مكور) अ. वि -विरहग्रस्त, वियोगी, फिराकजद ।
 महकूरी (مكوري) अ. स्त्री -विरह, वियोग, जुदाई,
 फिराक ।
 महकूल (مكول) अ. वि -दुबला-पतला, क्षीण, जीर्ण ।
 महद (مكد) अ. पु -हिंडोला, पालना, गहवार ।
 महदी (مكدي) अ. वि -दीक्षित, जिसे हिदायत मिली हो,
 वमनेता, हादी, गीआ सप्रदाय के १२ वे इमाम जिनके
 प्रति उनका विश्वास है कि वह कियामत के करीब फिर
 आस्मान से आयेगे ।
 महदूर (مكدور) अ. वि -सीमित, हद के भीतर; कतिपय,
 थोड़े, चद, विरा हुआ ।
 महदूर (مكدور) अ. वि -व्वस्त, नष्ट, मुन्हदिम ।
 महदे उल्या (مكد عليا) अ. स्त्री -बादशाह, राजा या
 नवाब आदि की वह पत्नी जो युवराज की माँ हो ।
 महकिञ्ज (مكعنه) अ. पु -याददास्त की कापी, नोटबुक ।
 महकिल (مكول) अ. स्त्री -सभा, गोष्ठी, मजिलस,
 जलसा ।

महकिले रकस (مكسل رقص) अ. स्त्री -नाच-गाने का
 जलसा ।
 महकिले वा'ज (مكسل وعظ) अ. स्त्री -वर्मापदेज की
 सभा ।
 महकिले शेर (مكسل شعر) अ. स्त्री -जे'रो गाइरी का
 जलसा, कवि-गोष्ठी ।
 महकूज (مكعظ) अ. वि -निरापद, सहीह-सलामत,
 आवश्यकता के लिए बचाकर रखी हुई चीज, सुरक्षित;
 कठ, मुराग्र, बरजवाँ ।
 सहकस (مكس) अ. पु -कारागार, कैदखाना, जेल ।
 महकित (مكيط) अ. पु -जिस जगह कोई बड़ा व्यक्ति
 उतरता हो अर्थात् ठहरता हो ।
 महकिल (مكيل) अ. स्त्री -भग का मुँह, योनिद्वार, योनि-
 मुख ।
 महकूवः (مكولة) अ. स्त्री -प्रेयसी, प्रेमिका, मा'शूक ।
 महकूव (مكوب) अ. पु -प्रेमपात्र, मा'शूक, बहुत अधिक
 प्यारा, अजीजतरीन ।
 महकूवी (مكوي) अ. वि -मा'शूकपन, मा'शूकियत ।
 महकूस (مكوس) अ. वि -कैद में पड़ा हुआ, कारावासी,
 बंदी ।
 महकित (مكيت) अ. स्त्री -गुण-गाथा, कीर्ति-वर्णन,
 यशोगान, प्रगप्ता, सिताइज ।
 महकिल (مكيل) अ. पु -ऊँट पर वाँधने का कजावा
 जिसमें स्त्रियाँ बैठती हैं ।
 महकिलनशी (مكيل نسيل) अ. फा. वि -महकिल में
 बैठनेवाली, अर्थात् मजन्नू की प्रेमिका, लैला ।
 महकूज (مكعظ) अ. वि -विकृत, दूषित, नाकिस;
 अरबी का वह शब्द जिसके अक्षरों में से एक अक्षर
 अलिफ हो ।
 महकूदः (مكود) अ. स्त्री -प्रशसिता, जिसकी तारीफ
 की गयी हो, सुकमूनिया, एक दवा ।
 महकूद (مكود) अ. वि -प्रशंसित, जिसकी तारीफ हो,
 श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा, शुभ, इष्ट, मुबारक ।
 महकूदी (مكودي) अ. स्त्री -एक प्रकार की वारीक
 मलमल, महकूद सम्बन्धी ।
 महकूम (مكوم) अ. वि -जिसे बुखार हो, ज्वरित, जिसका
 शरीर गर्म हो ।
 महकूम (مكوم) अ. वि -दुःखित, शोकान्वित, संतप्त,
 गमगीन ।
 महकूलः (مكولة) अ. वि -लादी गयी वस्तु, कल्पना
 की ढई वात, कल्पित वात ।

महमूल (محصول) अ वि—जा छाटा गया हो जिसकी कपना की गयी हो।

मह (مهم) पा पु—वह रकम जो निवाह के समय दुल्हन को दिये जाने के लिए स हाती है।

महम (مهموم) अ पु—जाननेवाला राजदार मित्र दोस्त परिचित जान पहचान का वह व्यक्ति जिससे विवाह जाइज न हो।

महमे राज (مهموم) अ फा पु—भद जाननेवाला, गमन।

महवज (مهاج) फा वि—चाँ जसी सूतवाला (वाली) चद्रमूखी, जर्वात नायिका।

महल (مهل) फा वि—दे 'महल्ल'।

महल्ल (مهلل) अ वि—जला हुआ दग्ध।

महल्लम (مهللم) अ वि—सम्बन्धित जिसे न मिया हुआ, निराश नाउम्मेद अभागा बरकिसमत असफ ना कामयाब।

महल्लमियत (مهللمية) अ स्त्री—दे महल्लमी।

महल्लमी (مهللمية) अ वि—दुभाग्य बदकिस्मती निराशा नाउम्मेदी असफलता नाकामी वचित रचना कपना प्राप्त न होना उगा—किससे महल्लमीए किस्मत की शिकायत कीजे हमने चाहा था कि भर जायें सो वो भी न हुआ।—गालिब।

महल्लर (مهللر) अ वि—तप्त, लपा हुआ गम गम मिजाजवाला।

महल्लरमिजाज (مهللر) अ वि—जिसके स्वभाव में तोष अधिक हो जिस शोध अदी आता हो।

महल्लस (مهللس) अ वि—अधीन वस्तु वह वस्तु या देश आदि जो किसी की निगरानी या नियन्त्रण में हो।

महल्लस (مهللس) अ वि—नियंत्रित जरे निगरानी, कट्टाल म आया हुआ।

महल्लक (مهللك) अ पु—जान जाखिम का स्थान जान जासिम।

महल्लल (مهللل) अ वि—बुला हुआ, हल किया हुआ विलीन।

महव (مهاو) अ वि—मिटाना हटाना तमय तल्लीन मुस्तग्रक।

महवियत (مهاوية) अ स्त्री—तल्लीनता इन्हिमाक ब्रह्मलीनता खदा में इस्तिप्राक।

महवीयत (مهاوية) अ स्त्री—दे 'महवियत'।

महवीयते हल्ल (مهاوية) अ स्त्री—खुदा में तन, मन और धन से महवियत ब्रह्मलीनता।

महवेजात (مهاوية) अ वि—जो ईश्वर में लीन हो ब्रह्मलीन।

महवे बीदार (مهاوية) अ पा वि—जा प्रमिया क दशन में तल्लीन हो।

महवे मरवार (مهاوية) अ वि—'महवे दानार'।

महवे हल्ल (مهاوية) अ वि—'महव खात'।

महल्लर (مهاوية) अ पु—महाप्रलय, नियामत, कियामत का दिन, कियामत का मदान।

महल्लरअगेज (مهاوية) अ फा वि—कियामत उठान वाला।

महल्लरखिराम (مهاوية) अ फा वि—जा अपनी चा से दुनिया में कियामत मचा दे।

महल्लरखिरामी (مهاوية) अ फा स्त्री—ऐसी चाल जिसम कियामत जा जाय।

महल्लरखा (مهاوية) अ फा वि—'महल्लरअगेज'।

महल्लरस्तान (مهاوية) अ फा पु—कियामत का मदान।

महल्लर (مهاوية) अ वि—कियामत के लिन उठया गया जो कियामत के लिन छिदा किया जाय।

महल्लस (مهاوية) अ वि—जो लोगो की हसद का निगारन हो, जिससे लाग इत्या करें ईपित।

महल्लस (مهاوية) अ वि—लिसाब में जाया हुआ, हिमाब म से मिनहा किया हुआ।

महल्लर (مهاوية) अ वि—धिरा हुआ घेरे में आया हुआ, दुस्मन के घेरे में आया हुआ।

महल्ल (مهاوية) अ पु—वह रकम जो माल भजन या मगाने में उसकी मजदूरी में दी जाय निरया भाग।

महल्लमी (مهاوية) अ वि—वह भूमि जिन पर गगन दना पडता हो वह चीज जिस पर महल्ल (टक्स) आ।

महल्लस (مهاوية) अ वि—वह चीज जो इत्या द्वारा जानी जाय अनुभूत नात मा लूस स्पष्ट प्रकट जाहिर।

महल्लसात (مهاوية) अ पु—महल्लस की हुई चीज अनुभूतिया।

मा

मा (ما) अ अय—नही क्या जोकि इसवे।

मा (مان) फा स्त्री—माता जम्मा।

माद (ماده) फा वि—निधिल बगत आत बरा हुआ बचा हुआ छाडा हुआ रहा हुआ (प्रय)—रहा हुआ छोडा हुआ।

माद (ماده) फा वि—रहा हुआ बचा हुआ।

मांदगी (ماندگی) फा स्त्री—बन्गलि निधियता बकाब आरख मुस्ती रोग बीमारी।

मांदोबूद (مائدوبود) फा. स्त्री - रहने-सहने का ढंग, रहन-सहन ।

मा (ما) अ. पु - जल, पानी, अरक ।

माइद (مائد) अ पु - खाने से भरा हुआ खान ।

माइल (مائل) अ वि - आर्कपित, सज्ज, प्रवृत्त, मुत-वज्जेह, आभक्त, आशिक, झुकाव रखनेवाला, झुका हुआ, आमादा ।

माइल व उहज (مائل به عروج) अ फा वि - उन्नति की ओर आकृष्ट, धीरे-धीरे उन्नति और तरक्की करने-वाला ।

माइल व ओज (مائل به اوج) अ फा वि - ऊपर की ओर आर्कपित, धीरे-धीरे ऊपर की ओर चढ़नेवाला ।

माइल व करम (مائل به करم) अ फा. वि - दया वी ओर प्रवृत्त, मेह्वानी करनेपर आमादा ।

माइल व जदी (مائل به جدی) अ फा वि - कुछ-कुछ पीलापन लिये हुए ।

माइल व जवाल (مائل به جوال) अ. फा. वि - अवनति की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख, नीचे को जाता हुआ ।

माइल व पस्ती (مائل به پستی) अ फा वि. - दे 'माइल व जवाल' ।

माइल व फना (مائل به فنا) अ फा वि - नाश की ओर जानेवाला, विनाशोन्मुख ।

माइल व सफेदी (مائل به سفیدی) अ फा वि - कुछ कुछ श्वेतता लिये हुए, हलकी सफेदी लिये हुए ।

माइल व सज्जी (مائل به سجدی) अ फा वि - हलका हरा-पन लिये हुए, हरिताभ ।

माइल व सियाही (مائل به سیاهی) अ. फा वि - हलका कालापन लिये हुए ।

माइल व मुखी (مائل به سرخی) अ फा वि - हलकी लालिमा लिये हुए ।

माई (مائی) अ वि - पानी का ।

माईयत (مائدیت) अ स्त्री - पानीपन, तरी ।

माउलक़र्ब (مادالقرع) अ पु - लौकी का पानी ।

माउलजूवन (مادالجودن) अ पु - फटे हुए दूध का पानी, जो बीमारों को दिया जाता है ।

माउललहम (ماداللاحم) अ पु - दवाओं में गोश्त डालकर खींचा हुआ एक पुष्टिकर अरक ।

माउलवद (مادالورد) अ पु - गुलाब-जल, गुलाब का अरक ।

माउलहयात (مادالحیاتی) अ पु - अमृत-जल, अमृत, आवे-हयात, कीमियागरी की परिभाषा में घी, शहद और

सुहागे का मिश्रण, जिसके द्वारा हरेक भस्म धातु फिर से जी उठती है ।

माऊफ (مادوف) अ वि - विकृत, दूषित, विगडा हुआ ।

माऊफुद्दिमाग (مادوف الدماغ) अ वि - विकृतमस्तिष्क, जिसके दिमाग में खलल हो ।

माए (مائع) अ पु. - हूर बहनेवाला पदार्थ, द्रव, तरल ।

माए जारी (ماد جاری) अ पु - बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल, जैसे - नदी का पानी ।

माए साकिन (ماد ساکن) अ पु - ठहरा हुआ पानी, स्थिर जल, जैसे - तालाब का जल ।

माकदिर (مادکرد) अ वि - जो मैला हो, अस्वच्छ, अशुद्ध, मैला, गदला ।

माकवल (مادقل) अ वि - जो पहले हो, जो दूसरे से पहले हो, वह शब्द जो दूसरे शब्द से पहले हो ।

माकवलकिन्नक (مادقل الذکر) अ वि - वह, जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित ।

माकियान (مادکيان) फा स्त्री - कुक्कुटी, मुर्गी, कुक्कुट, मुर्गा ।

माकिर (مادکر) अ वि - छल करनेवाला, छली ।

माकूद (مادقود) अ वि - ग्रथित, गाठ लगा हुआ, विवाहित, व्याह किया हुआ ।

मा'कूल (مادقول) अ वि - उचित, मुनासिब, उत्तम, उम्दा, सम्य, शिष्ट, शाइस्ता, शुद्ध ।

माकूल (مادقول) अ. वि - खाया हुआ, खायी हुई चीज, खाने की वस्तु, खाद्य-पदार्थ, खुराक, भिजा ।

मा'कूलात (مادمعولات) अ स्त्री. - न्यायशास्त्र और विज्ञान की पुस्तकें अथवा कोर्स ।

माकूलात (مادکولاب) अ. पु - खाने की चीजे, वह पदार्थ जो मनुष्य खाता है ।

मा'कूली (مادمعولیه) अ पु - न्यायशास्त्र का पंडित, नैयायिक ।

मा'कूलीयत (مادمعولیهت) अ स्त्री - औचित्य, वाजिबीयत, उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफत ।

मा'कूस (مادمعکوس) अ वि - उलटा, औधा, अधोमुख, विपरीत, वरअक्स ।

माखस (مادخذ) अ पु - लेने का स्थान, वह पुस्तक जिससे किसी लेख या पुस्तक में मवाद लिया जाय ।

माखस (مادخود) अ वि - लिया हुआ, गृहीत, पकडा हुआ, गिरिपतार ।

माखूलिया (مادخولیا) अ पु - मालीखूलिया, अथवा मालन-खूलिया का लघु, मिराक, खन्त ।

माचीन (مادچین) फा पु - चीन के दक्षिण और भारत के पूर्व में एक देश, इंडोचाइना, हिन्दचीन ।

माजरा (ماجدرا) अ पु—हाल बतान घटना वाक्या ।
 माजराए विज (ماجدراة دل) अ पा पु—हृदय की व्याप,
 प्रेम की बहानी ।
 माजिज (ماجدج) अ स्त्री—माधवी, गुदचरिणा, सगा
 चारिणी युजुग स्त्री ।
 माजिजि (ماجدج) अ वि—मुनीन अत गुद पवित्रारमा,
 युजुग ।
 माजिय (ماجدية) अ वि—गत गुारी हुई ।
 माजिरत (ماجدرة) अ स्त्री—उच्च विवगाता मजदूरी ।
 माजी (ماجدى) अ पु—गुबरा हुआ विगत, भूतकाल,
 जमानए माजी ।
 माजी इस्तिमारी (ماجدى استماری) अ पु—वह माजी
 जिसमें काम का बराबर होना पाया जाय, जैसे—वह
 करना था ।
 माजी एहतिमाली (ماجدى احتमالي) अ पु—वह माजी
 जिसमें काम के हाने में गका पायी जाय जस—किया होगा ।
 माजी इरीव (ماجدى یریب) अ पु—वह माजी जिसमें
 काम अभी खम होना पाया जाय जस—किया है ।
 माजी तमझई (ماجدى تملذی) अ पु—जिसमें किसी काम
 करने की इच्छा पायी जाय, जैसे—वरता ।
 माजी नातमास (ماجدى نامله) अ पा पु—दे माजी
 इस्तिमारी ।
 माजी बईद (ماجدى بید) अ पु—वह माजी जिसमें काम
 समाप्त हुए दर हा चुकी हो जस—किया था ।
 माजी मातूफ (ماجدى معطوف) अ पु—बदो माजिया जिनके
 बीच न और गये जैसे—खाया और गया या खाकर गया ।
 माजी मुत्तक (ماجدى مطلق) अ पु—आम माजी सामाय
 भूत जस—किया राया आदि ।
 माजी गक्की (ماجدى سکی) अ पु—दे माजी एहतिमाली ।
 माजी गती (ماجدى سوطی) अ पु—जिस माजी में गल पायी
 जाय जैसे—अगर वह गया था या है या होता ।
 माजू (ماجدو) अ पा पु—एक गाल फल जा दवा म चलने हैं
 माजूफल ।
 माजून (ماجدون) अ स्त्री—ठुटी हुई त्वाया का गहन या
 गहरक निवाम मिलाकर धनाया हुआ अवलेह इसने लिए
 यह आवश्यक नहा है कि वह स्वानिष्ठ भी हो जसी अवा
 रिण शक्ती है ।
 माजूर (ماجدور) अ वि—जिवश लाचार अपाटज चलने
 फिरने म यत्नमय ।
 माजूर (ماجدور) अ वि—जिने किसी थम या सेवा का फल
 दिया गया हा प्रतिफलित ।

माजूलविदमत (معد الخدمات) अ वि—जा गम
 करने के जयोग्य हा चुका हा, जिससे सजा न हा सने ।
 माजूल (معدول) अ वि—जा पद से हटा लिया गया हा,
 पदच्युत अपहस्य ।
 माजूली (معدولی) अ स्त्री—पल से हटाया जाना पत्रति ।
 मात (مات) अ पु—गणाय 'मर गया' गज की बाग
 की हार हार गिक्ल ।
 मातमदम (ماتدم) अ वि—वह चीज जा पट्ट हा
 चुकी हा ।
 मातम (ماتم) अ पा पु—मरनेवाले का गम मृत्यु गोल ।
 मातमअगेंज (ماتم اگند) अ वि—शाकजन्म ग्रमअगेंज ।
 मातमअद (ماتم اد) अ पा पु—मानममान ।
 मातमआन (ماتم ادان) अ पा पु—जहाँ किया मरनवा
 का गक मनाया जा रहा हो गोल गह ।
 मातमअद (ماتم اد) अ वि—जा जिसा मरनेवाले का
 गक मना रहा हो गोलप्रस्त गावरीडित ।
 मातमदार (ماتم ادان) अ वि—गोक मनानेवाला शात
 प्रस्त गोक सागवार ।
 मातमवारी (ماتم ادی) अ स्त्री—मरनेवाले का गोक
 मनाना शोक मनाने की दशा ।
 मातमनशी (ماتم سنش) अ वि—जो किसी के शक में
 बठा हो और कहा आता-जाता न हो ।
 मातमपुसी (ماتم پوسی) अ स्त्री—किसी के मरने पर
 सहानुभूति प्रकट करने के लिए उत्तक धरवाला के पास
 आना ।
 मातमसरा (ماتم سررا) अ स्त्री—दे 'मातमखान ।
 मातमी (ماتمی) अ वि—शाकमध्वी जैसे—मातमी
 लिबाम मातम करनेवाला सोगवार शोकी ।
 मातहत (ماتحت) अ पु—अधीन राणाधीन चेर हुक्म
 राहयक एसिस्टेंट पराधीन गुलाम अस्वतंत्र ।
 मातूफ (معتوف) अ वि—वह गद जो किसी दूसरे धा
 के साथ जिंकर बोला जाय । जैसे—राम और लज्जन
 इनमें राम गद मातूफ है ।
 मातूफअलह (معتوف اهل) अ वि—वह धा जो किसी
 दूसरे गद के साथ मिलकर गये जस—राम और लज्जन
 में लज्जन ।
 मातूफ (معتوف) अ वि—जिस पर काप हो काप भाज
 काप पात्र ।
 मातहतती (ماتحتتی) अ स्त्री—अधीनता, जेरफररी,
 पराधीनता अस्वतंत्रता गुलामी ।
 माद (ما) अ स्त्री—नरका इल्टा, स्त्री प्राणी ।

मादः (ماد) फा. वि—वह व्यक्ति जिसके दाढी-मूँछे न हों, लडका, वह व्यक्ति जिसकी दाढी-मूँछे मूडी गयी हों, जनाना; हिजडा ।

मादए अस (مادع اس) फा स्त्री—घोड़ी, अश्विनी ।

मादए आहू (مادع أهو) फा स्त्री—हरनी, मृगागना, हरिणी ।

मादए खर (مادع خر) फा स्त्री—गधी, गर्दभी ।

मादए धूक (مادع خوي) फा स्त्री—सुअरनी, शूकरी, बराही ।

मादए गाव (مادع كاو) फा. स्त्री—गो, गाय ।

मादए ताऊत (مادع طاموس) फा स्त्री—मोरनी, भयूरी, शिखावली ।

मादए फील (مادع فيل) अ फा स्त्री—हयनी, गजपत्नी, हस्तिनी, मनाका ।

मादए शूतुर (مادع شوتر) फा स्त्री—ऊँटनी, उट्टिका, उट्टी ।

मादए सग (مادع سگ) फा स्त्री—कुतिया, गुनी, कुकुरी ।

मादए रांदर (مادع راندر) फा स्त्री—उपमाता, सौतेली माँ ।

मादर (مادر) फा स्त्री—माता, जननी, माँ, अम्माँ ।

मादरजन (مادر زن) फा स्त्री—सास, श्वश्रू ।

मादरजाद (مادر جان) फा वि—जन्मजात, पैदाइशी, जन्म का, जन्म से, जन्मजात, जैसे—'मादरजाद अंधा', नितात, विलकुल, जैसे—'मादरजाद नगा' ।

मादर बखता (مادر بختا) फा वि—एक गाली, हुरामी, दोगला ।

मादरानः (مادرانه) फा अव्य—माता-जैसा, ममतापूर्वक, माँ का, माता का ।

मादरी (مادری) फा वि—माता-सम्बन्धी, माता का, पैदाइशी, जो माँ की गोद में पाया हो ।

मादरे अल्लाती (مادر علائتی) फा अ स्त्री—सौतेली माँ, उपमाता ।

मादरे नेती (مادر نگینی) फा स्त्री—मातृभूमि, प्यारी जमीन ।

मादरे रिजाई (مادر رضائی) फा स्त्री—दूध पिलानेवाली, अना, धात्री ।

मादरे वतन (مادر وطن) फा स्त्री—मातृभूमि, प्यारा वतन ।

मादरे हकीकी (مادر حقیقی) फा स्त्री—अस्ली माँ, मातृ, जननी, माता ।

मादाम (مادام) अ वि—सर्वदा, सदा, हमेशा ।

मादामलहयात (مادام الکافات) अ वि—जिंदगी भर, सारी उम्र, आजन्म, यावज्जीवन ।

मादिन (معدن) अ पु—खनि, खान, कान ।

मादिनी (معدنی) अ वि—खान से निकला हुआ, खनिज ।

मादिनीयात (معدنیات) अ स्त्री—खान से निकली हुई चीजे, खनिज पदार्थ; खनिज विज्ञान, इल्मेजिमादात ।

मादिल (معدل) अ पु—दे 'मुअदिल' ।

मादिलत (معدلت) अ स्त्री—न्याय, इसाफ ।

मादिलतगुस्तर (معدلت گستر) अ फा वि—न्यायशील, न्यायनिष्ठ, मुसिफ मिञ्जाज ।

मादिलतपर्वर (معدلت پور) फा वि—दे 'मादिलत गुस्तर' ।

मादिलुन्नहार (معدل ان بار) अ पु—दे सुद्ध शब्द 'मुअदिलुन्नहार', उर्दू में कुछ लोगो ने इसका यह उच्चारण असुद्ध लिख दिया हे ।

मादिह (مادح) अ वि—प्रशसक, श्लाघी, ता'रीफ करने-वाला, स्तुति-पाठक, हम्दोसना करनेवाला ।

मादीन (مادین) फा स्त्री—मादा, स्त्री प्राणी ।

मादूद (معدود) अ वि—कतिपय, थोड़े, चंद, इने-गिने ।

मादूदे चंद (معدودے چند) अ फा वि—बहुत थोड़े, इने-गिने ।

मादून (مادون) अ अव्य—अतिरिक्त, सिवाव, अलावा ।

मादूम (معدوم) अ वि—नष्ट, विनष्ट, बरबाद, ज़ाए, अतद्धान, गाइव ।

मादूमुलवसर (معدوم المصدر) अ वि—नेत्रहीन, नष्ट दृष्टि, अधा, नावीना ।

मादूमि (معدومی) अ वि—विनाश, तबाही, बरबादी ।

मादूः (مادو) अ पु—वह मूल पदार्थ जिससे कोई चीज बने, योग्यता, पात्रता, सलाहियत, मूल, जड, वुनियाद, विवेक, तमीज, बोध, ज्ञान, समझ, पीप, मवाद, वे तत्त्व जिनसे मिलकर सृष्टि की रचना हुई है, प्रकृति, नेचर ।

मादूः परस्त (مادو پرست) अ फा वि—बस्तुवादी, नेचरी ।

मादूः परस्ती (مادو پرستی) अ फा स्त्री—बस्तुवाद, प्रकृति-वाद, नेचरीयत ।

मादूए फासिदः (مادو واسد) अ पु—शरीर की दूषित धातु जो बीमारी पैदा करती है, फोडे आदि का खराब मवाद ।

मादूए मनवीय (مادو ماوہ) अ पु—वीर्य, शुक्र, रेतस्, मनी ।

मादूए रदीयः (مادو رديہ) अ पु—दे 'मादूए फासिद' ।

माद्वी (مادوی) अ वि—मादू से सम्बन्धित, मादू का, भौतिक, जो आत्मिक न हो ।

माद्वयित (مادویت) अ स्त्री—मादू का भाव ।

मानद (ماند) फा वि-गुद उच्चारण यही है परन्तु उन्में 'मानि' से 'मानिद' ।

मानन (معدا) अ वि-अथ क विचार ने मनलय की रूस ।

मानवी (معدوي) अ वि-अयनाग जय का भीतरा, आतरिख आम्पतरिख ।

मानवीयत (معدوب) अ स्त्री-अयवी गभीरता ।

माना (معدى) अ पु-अथ मनलय आगय मगा वारण मवद अतर वातिन वटपान के अप में भी गाना है ।

माना (माना) फा वि-समान गुय मिरल ।

मानिद (ماند) फा वि-समान सद्ग तुलय मिरल ।

मानो (معدى) अ प-माना परन्तु यह वटुवचन में व्यवहृत नहीं है ।

मानो (مانى) फा पु-एक बहुत ही प्रसिद्ध चित्रकार । यह ८२ ई० म वाविल (ईरान) में पन्ना हुआ । मन्दाइन में पना जवाह्नाकर इमन नवी हाने का दावा किया जिससे गग इसका उन्मन हुआ गये और यह चीन और तुर्किस्तान का आर चला गया । बास साक बाद वापस लौटा । ८८९ ई० म जय इसकी आयु ५८ साल का थी, बहुराम ने इसे मार डाला । इनने एक नया धम भी चलाया था और बहुत-सी पुस्तक भी लिखी या ।

मांभीआशीनी (مانى اشينى) अ फा स्त्री-नायक में अथ का चमत्कार लिखाना कविता करना ।

मानस (مانوس) अ वि-हिंसा हुआ जिसकी धवराहट दूर हा गयी हो मुन्त्यत करनेवाला ।

माने (مانع) अ वि-राहनेवाग निवारण खरुत डालनेवाला वाथक दृक्अदाका करनेवाका हस्तभेपक ।

माफात (مافات) अ पु-जा जाना रहा हो जा गुजर चुका हो ।

माफिरबमार (مافى اصبر) अ पु-मन की बात जा कुछ दिल म हो आगय मगा ।

माफिरवेहन (مافى احصى) अ पु-जो कुछ विभाग में हो जा कुछ याद हो ।

माफीहा (مافها) अ पु-जो कुछ उसम है यह दण दुनिया के साथ आता है अर्थात् ससार और जो कुछ ससार के भीतर है वह सब ।

माफौक (مافوى) अ पु-ऊपर ।

माफीकिल्क (مافوى احلك) अ पु-जिसका त्रिज पहले हो चुका है पूर्वकथित ।

माफीकलआवत (مافوى العادب) अ पु-जो बात प्रकृति

क ऊपर अर्थात् प्रकृति क विरुद्ध है अप्राकृतिक, असभव । माफीकलअवत (مافوى الغطرت) अ पु-माफीकल आतन ।

माफीकलबगर (مافوى البشر) अ पु-वह चाब या मनप्य की शक्ति क बाहर है ।

मावका (مافكا) अ पु-जो वाका रह गया हा वकाय, नेप ।

मावद (معدد) अ पु-उपामना-मह इवान्त-माह ।

मावद (معدر) अ पु-नदी आदि को पार करने का स्या घाट तट ।

मावा'द (مراعد) अ पु-जो पाछे आये पीठेपाल, बा' का, पिछला ।

मावा'दसबीनात (مراعد احطبعاب) अ पु-वे वस्तु जा प्राकृतिक वस्तुओं के अतिरिक्तह ब्रह्मपान आनि ।

माविहिप्रिदाअ (مراة الابع) अ पु-वह वस्तु जा मगद का वारण हा तिमके विषय में बाद विवाद हो ।

माविहिलइमियाअ (مراة الامتدار) अ पु-जा स्या मग बात दो चीडा में भेद बनाये अर्थात् उनका एक बनाम चिह्न निगान ।

माविहिलएहृतिपाअ (مراة الاحتجاج) अ पु-निन वस्तुम की आवश्यकता हा खरुती बातें ।

मा'बूद (معبود) अ वि-जिसका पूजा जाय इस्वर ।

मा'बूदियत (معبودوب) अ स्त्री-ईश्वरत्व ।

माबून (مابون) अ वि-निम गुणान का व्यनन हा जिते इश्लाम कराने की उत हो अवसिया ।

माबन (مابن) अ पु-बीच में दरमियान म बीच दरमियान ।

माबने तहकीबात (مابن تصعبات) अ पु-जाच क वाच में जाच होने समय ।

माबने फरीसन (مابن فرسبن) अ पु-गाना पना के बीच में ।

माभका (مابكوى) अ वा-जा बीत गया जा हो चुका गुजरा हुआ बीता हुआ पहलेवाला ।

माभन (مابن) अ पु-रस्ता का स्थान बनाव की नगह सहारे और आसरे का स्थान ।

माभा (مابا) अ स्त्री-पर का कामकाज करतवाणी स्त्री परिचारिका दासी ।

माभीरान (مابى اركان) फा पु-मगीरा जो एक खड होती है और बीतो की दवा में पडती है ।

माभीसा (مابسا) अ स्त्री-एक बनस्पति जो दवा में चलती है, इस दवा का उसारा या सत प्रयुक्त होता है ।

नामून (نامون) अ वि—सुरक्षित, महफूज, अमन मे ।

नामूरः (معمور) अ पु—वस्ती, आवादी ।

नामूर (معمور) अ वि—वसा हुआ, आवाद, भरा हुआ, परिपूर्ण, लवरेज, वद, मुकफफल, अदिमियो से भरा हुआ, सचासच ।

नामूर (معمور) अ वि—जिसे आदेग दिया गया हो, आदे-शित, जिसे कही मुकरर किया गया हो, नियुक्त ।

नामूर सिनल्लाह (معمور من اللاه) अ पु—किसी विजेप काम के लिए ईश्वर की ओर से नियुक्त ।

नामूरी (معموری) अ स्त्री—भरा पूरा होना, आवाद होना, मकान का वद होना ।

नामूलः (معمول) अ वि—जो स्त्री अभिचार द्वारा वेसुध की जाय, रोज का काम ।

नामूल (معمول) अ वि—वह बात जो रोज की जाय, दस्तूर, नित्य नियम, वह व्यक्ति जिसे अभिचार द्वारा वेसुध किया जाय, जिस पर अमल किया जाय ।

नामूल (معمول) अ वि—आगान्वित, पुरउम्मीद, वह चीज जिसकी आशा हो ।

नामूलात (معمولات) अ पु—रोजमर्राके काम, नित्य-काम ।

नामूलाते रोजमर्राः (معمولات روزمره) अ फा पु—वह काम जो रोज के वेंघे हुए हो, जैसे—सबेरे उठकर नमाज, फिर कुरान, फिर वजीफ, फिर नाश्ता, फिर अखवार पढना, फिर लोगों से मिलना आदि ।

नामूली (معمولی) अ वि—रोजमर्रा का, साधारण, नाकाविले तवज्जुह, रस्मी, जिसका रवाज हो ।

नामूले मजहवी (معمول مدهوی) अ पु—धार्मिक कृति, मजहवी काम, जो नियत समय पर हो ।

नायः (مایه) फा पु—घन, दौलत, पूंजी, अस्लजर, उपकरण, सामान; योग्यता, काविलीयत ।

नायदार (مایدار) फा वि—पूंजीवाला, धनी, मालदार ।

नायए नाज (مایه ناز) फा पु—जिस पर गर्व किया जा सके ।

नायतहलल (مایه ناکل) अ पु—जो हल हो गया हो, जो तहलील होकर कम हो गया हो, जो नष्ट और जाए हो गया हो ।

नायतहाज (مایه احتیاج) अ पु—आवश्यक वस्तु, जिसकी मनुष्य को जरूरत हो, जीवन-साधन की वस्तु ।

नायुन्न (مایه نیر) अ वि—जो पढा जा सके, ऐसा लिखा हुना जो पढने में आ सके ।

नायूब (معیوب) अ वि—निकृष्ट, दूषित, सराब, बुरा,

लज्जाजनक, काविले शर्म, ऐद से भरा, दौ-पूर्ण ।

मायूस (مایوس) अ. वि—निराग, हताश, नाउम्मेद ।

मायूसकुन (مایوس کن) अ फा वि—निराश करनेवाला निरागाजनक ।

मायूसानः (مایوسانه) अ फा अव्य—निराशापूर्ण, मायूसी के साथ ।

मायूसी (مایوسی) अ स्त्री—निरागा, नाउम्मेदी ।

मार (مار) फा पु—सर्प, अहि, भुजग, भुजग, नाग, साँप ।

मारगजीदः (مارگردید) फा वि—साँप का डसा हुआ, सर्प-दशित ।

मारगीर (مارگیر) फा वि—साँप पकडनेवाला, सँपेरा ।

माररज (معرض) अ पु—दे 'मारिज', दोनो शुद्ध है ।

मारगुर्जः (مارگردزه) फा पु—फनवाला साँप, काला साँप, नाग ।

मारपेच (مارپیچ) फा वि—टेढा, वक्र, वह चित्र जिसमें कई साँप परस्पर गुंथे हो ।

मारमाही (مارماهی) फा स्त्री—वाम मछली, सर्प मीन ।

मारमुहरः (مارمهر) फा पु—साँप का मन, मणि ।

मारिकः (معرکه) अ पु—मैदान, क्षेत्र, युद्ध, सग्राम, लडाई; वाद-विवाद, वहस, धूम-धाम, हगामा; उपद्रव, फसाद ।

मारिकःआरा (معرکه آرا) अ फा वि—लड़नेवाला, योद्धा ।

मारिकःआराई (معرکه آرائی) अ. फा स्त्री—लड़ाई, युद्ध, जग ।

मारिकःगाह (معرکه گاه) अ फा स्त्री—लड़ाई का स्थान, युद्ध-क्षेत्र, समराङ्गण, मैदानजग ।

मारिज (معرض) अ पु—जाहिर होने की जगह, प्रकट होने का स्थान, दौरान, दरमियान, के लिए ।

मारिजे इलित्वा (معرض الیوا) अ पु—स्थगित होने के लिए, अर्थात् स्थगित, दे 'मारिज' दोनो शुद्ध है, यह 'मे' के साथ घोला जाता है जैसे—मारिजे इलित्वा मे ।

मारिजे खतर (معرض خطر) अ पु—खत्रे के बीच में अर्थात् खत्रे में (मे के साथ घोला जाता है, जैसे—मारिजे खतर मे) ।

मारिकः (معرکه) अ पु—व्यक्तिवाचक सज्ञा, किसी खास चीज का नाम, जैसे—राम, अली आदि ।

मारिकफत (معرکه فت) अ स्त्री—द्वारा, हस्ते, जरिये से; अध्यात्म, तसव्वुफ; परिचय, जान-पहचान ।

मारुजः (معرضه) अ पु.—प्रार्थना, गुजारिज, प्रार्थना-पत्र, अर्जी ।

मारुज (معرض) अ वि—वह वान जो कहीं गयी हो, कथित, उक्त ।

मा'हजात (معراج) अ स्त्री-प्राथनाएँ मुजारिसे ।
 माहस्त (मारुस्त) अ पु-एष फिरिना जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्धि है कि वह दूसरे फिरिने 'हारत के माय 'बाविल' के कुएँ में बंद है और लागा का जादू सिनाता है ।
 मा'हफ (महरुफ) अ जि-प्रसिद्ध स्वात, माहूर, वह जिना जिमका कर्ता नात हो ।
 मारे आस्तीं (मार استعین) का पु-आस्तीन का साप वह दुदमन को पाग रहता है ।
 मारे दुबर्वा (मारदुर्वान) का पु-दा जीभावाला साँप वह व्यक्ति जो इधर कुछ बहै और उधर कुछ दिजिह्व बुग'जार मुनाकिब ।
 मारे सियाह (मार सद'ह) का पु-बाला साप नाग ।
 माल (माल) का प्रत्य-मल-दला हुआ जय-पामाल परा से मला-दला हुआ ।
 माल (माल) अ पु-उन स्वम दौग्न अच्छे-अच्छे खाने बहुमूल्य वस्तु महत्व ह्कात्रव ।
 माल'वाल (माल'वाल) अ का पु-मा' रखने का मकान गानम कोपागार खजाना कल'ररी आदि का वह राखारा मकान निमन तलागी से मिया हुआ या इसा प्रकार काद सागान रखा जाता है ।
 मा'गुडार (माल'गुडार) अ का वि-मा'गुडारी अण कलवाला खमीनार ।
 माल'गुडारी (माल'गुडारी) अ का स्त्री-खमान का व' कर जा गकार को रिया जाता है ।
 मा'गुडारी (माल'गुडारी) अ स्त्री-माल की कुर्की और उग पर गखारा ब्रह्मा ।
 माल'गुडारी (माल'गुडारी) अ का पु-रडा का लडका बेरवा पुत्र ।
 माल'गुडारी (माल'गुडारी) अ का स्त्री-ब'या-मुना धनि धारिना एव गानी ।
 माल'गुडारी (माल'गुडारी) अ पु-ए' व्यक्ति जो डग बाउ वः जानत करे कि वहि जमन व्यक्ति भाग प्रायता या गणा न जाकर माग ता उगरे ब'र म' ल' क' ग ।
 मा'गुडारी (माल'गुडारी) अ का वि-पती पावता समद (माल'गुडारी) ।
 मा'गुडारी (माल'गुडारी) अ पु-ए' उगारण का ।
 मा'गुडारी (माल'गुडारी) अ पु-ए' का धार धार ।
 मा'गुडारी (माल'गुडारी) अ का वि-दिवर (माल'गुडारी) अ पु-ए' अण' ब'गारी ।

मालामाल (माल'माल) अ का वि-गमद सम्पन्न, जि पास बहुत माल हो, भरपूर, बहुत अधिक ।
 माला यनहल (माल'यनहल) अ वि-वह रगस्था जा न हो सके असाध्य ।
 मालायातक (माल'यातक) अ वि-जिमकी गक्ति न ऐसा काम, बस से बाहर का काम वह काम जा न हा सके
 मालिक (माल'क) अ स्त्री-स्वामिनी मालिक स्त्री ।
 मालिक (माल'क) अ पु-स्वामी, आका पति, गौह ईश्वर खुदा उपभावता कादिज अधिकारी, मुग्धा पनाधिकारी जपनर अध्यक्ष सरदार नरक का जय देवता ।
 मालिकान (माल'कान) अ का अव्य-मालिका-असा मिति यन का ।
 मालिकुलमूलक (माल'किलमूलक) अ पु-मु'क या मालि दग का स्वामी, नरैग, ईश्वर ।
 मालिकु हकीरी (माल'किलहकीरी) अ पु-साचा रसा अयान ईश्वर ।
 मालिय (माल'किल) अ पु-राख, लगान ।
 मालियत (माल'किलियत) अ स्त्री-यन-गौगत कुल क्रौम पूरा मूल्य ।
 मालियात (माल'किलियात) अ स्त्री-मालियत का अ' मालियतें सम्पतिया ।
 मालियान (माल'किलियान) अ का अव्य-राखर, लगान मालिया ।
 मालिन (माल'किलिन) का स्त्री-मागद, मनन, मननी २ मालाना ।
 मालीद (माल'किलीद) का पु-मला हुआ मनि ।
 माली (माल'किली) अ वि-मा'ग-सम्बधी मा'ग'ता ।
 मालीधूलिया (माल'किलीधूलिया) अ पु-मिराज सन्त उमा मरिजण विरुति एव राय विगय ।
 मालीधुगोश (माल'किलीधुगोश) का वि-जिमा कान उम गने हा चौरभा, पीछम हागिणार ।
 मालीधुगोश (माल'किलीधुगोश) का वि-माल'किलीधुगोश का फीर ।
 मालीधुगोश (माल'किलीधुगोश) अ वि-जिगय प्रम हा प्यार अयार अण-बतने मा'ग' ।
 मा'लुम (माल'किलुम) अ वि-पाव जना हुआ राख पाव' प्रा' बादि अगनव मा'ग'रिना ।
 मा'लुमा (माल'किलुमा) अ उम-पानकारी, एम हा' अणुन राखिवा पाखिय मालिना ।
 मा'लुम (माल'किलुम) अ वि-ए' पीछ जिगता काई बाण हो बाण ह'ग' ।

माले अम्वात (مال اموات) अ. पु.—मुर्दों का माल, लावारिसी माल ।
 माले कासिद (مال كاسد) अ पु.—खोटा माल, खोटा सोना-चाँदी इत्यादि ।
 माले गनीमत (مال غنيمت) अ पु.—युद्ध में शत्रु के देश से लूटा हुआ माल ।
 माले गैरसन्कूलः (مال غير منقول) अ. पु.—वह संपत्ति जो एक जगह से दूसरी जगह न जा सके, जैसे—मकान आदि, अचल संपत्ति ।
 माले तैयिव (مال طيب) अ. पु.—हलाल की कमाई, पसीने को कमाई, पवित्र धन ।
 माले मन्नूक (مال منقوك) अ तु पु.—कुर्की किया हुआ माल, वह माल जो कुर्क हो गया हो ।
 माले मन्नूकः (مال منقوكه) अ पुं.—वह धन और संपत्ति जिसे मृत व्यक्ति ने छोड़ी हो, दाय ।
 माले सन्कूलः (مال منقول) वह संपत्ति जो हटायी जा सके, जैसे—रुपया, मवेशी आदि, चल संपत्ति ।
 माले महमूलः (مال متصولة) अ पु.—वह माल जो किसी सवारी पर लदा हो, जैसे—गाड़ी पर, रेल पर या जहाज पर ।
 माले मुफ्त (مال ممت) अ. फा. पु.—वह धन जो विना परिश्रम के फोकट में मिला हो ।
 माले लावारिस (مال لاراب) अ. पु.—वह धन या संपत्ति जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो ।
 माले वक्फ (مال وقف) अ. पु.—वह धन या संपत्ति जो किसी कार्य-विशेष के लिए समर्पित हो ।
 माले साइर (مال سائر) अ पु.—मालगुजारी के अतिरिक्त दूसरी आमदनी से प्राप्त धन, जैसे—कस्टम आदि से ।
 मालेह (مالع) अ वि.—नमकीन, लवणयुक्त, सुन्दर, लावण्य ।
 माले हराम (مال حرام) अ पु.—वह धन जो अविहित उपायो से कमाया गया हो, बुरी कमाई, अविनीत संपत्ति ।
 माले हलाल (مال حلال) अ. पु.—दे. 'माले तैयिव' ।
 मालोजर (مال زور) अ फा. पु.—धन-दौलत, रुपया-पैसा ।
 मालोमताअ (مال مذاع) अ फा पु.—धन और दूसरा सामान ।
 मालोमनाल (مال منال) अ पु.—दे 'मालोमताअ' ।
 मावजय (ماوحي) अ वि.—जो उचित हो, जैसा मुना-सिव हो, यथोचित ।
 मावरा (ماورا) अ वि.—परे. पर, अतीत, अतिरिक्त,

मावराउन्नह (ماوراو اليندر) अ. पु.—नदी के उग पार का इलाका, चूँकि तूरान (तुर्किस्तान) जैहून नदी के उस पार था, इसलिए ईरानियों ने उसे 'मावराउन्नह' कहा ।
 मावराए अक्ल (ماوراو اعقل) अ वि.—बुद्धि की पहुँच से आगे, बुद्धि से परे, दुर्बोध ।
 मावराए तखैयुल (ماوراو اع تصيل) अ वि.—खयाल की पहुँच से परे, कल्पनातीत, जहाँ खयाल न पहुँच सके ।
 मावराए नजर (ماوراو اع نظر) अ वि.—नजर की पहुँच से आगे, जहा तक दृष्टि न पहुँच सके, दृष्टि से परे अचक्षु-विषय ।
 मावराए फ़हम (ماوراو اع فهم) अ वि.—समझ से बाहर, ज्ञानातीत, अज्ञेय, बोधागम्य ।
 मावराए हिस् (ماوراو اع حس) अ वि.—इन्द्रियों की पहुँच से आगे, इन्द्रियों से परे, अतीन्द्रिय ।
 मावा (ماوا) अ. पु.—रक्षा-स्थान, पनाह की जगह, मामन ।
 माशः (ماشه) फा. पु.—आठ रत्ती का एक भार, आठ रत्ती की तोल, तोले का बारहवा भाग ।
 माश (مس) फा. पु.—उरद, माप, एक गल्ला ।
 मा'शर (معسر) अ पु.—मित्रों और परिजनो की मडली, दोस्तों और अजीबों की जमाअत, दल, समुदाय, जमाअत ।
 माशाअल्लाह (ماشاء اللاه) अ वा—साधु-साधु, वाह-वाह; ईश्वर नजर लगने से वचाये, (व्या), वाह-वाह, खूब-खूब, जैसे—माशाअल्लाह आपने अच्छा इसाफ किया (जब अन्याय किया हो) ।
 माशितः (ماشيطه) अ स्त्री—स्त्रियों या दुल्हनो की कधी-चोटी करनेवाली, नाइन, प्रसाधिका, मशशात ।
 माशियः (ماشيه) अ पु.—चौपाया, पशु, मवेशी ।
 माशी (ماشئ) अ वि.—पैरो से चलनेवाला, चुगुलखोर, पिशुन ।
 मा'शूकः (معسوقه) अ स्त्री.—वह स्त्री जिससे इश्क हो, प्रेमिका, प्रेयसी, प्रणयिनी, प्रेमास्पदा, प्रियतमा, प्रिया, काता, वल्लभा, महव्व ।
 मा'शूक (معسوق) अ वि.—प्रेमपात्र, प्रियतम, प्रिय ।
 मा'शूकानः (معسوقانه) अ फा. अव्य—मा'शूको-जैसा, मा'शूकियत लिये हुए, नाजोअदाज से भरा हुआ ।
 मा'शूकियत (معسوقت) अ स्त्री—मा'शूकपन, नाजो-अंदाज, हाव-भाव ।
 माशूके मजाजी (معسوق مستأري) अ पु.—वह मा'शूक जो मानवजाति से सम्बन्ध रखता हो, आदमी ।
 माशूके हकीकी (معسوق حقيقي) अ पु.—वह मा'शूक

मासफा (ماسف) अ वि-य चोत्र जा स्वच्छ और पवित्र
हा साफ और अच्छा चीज।

मासक (ماسك) अ वि-जो पड़े गुजर चुका हा
पारवाला पूर्वकथित पहलू बन्ना हुआ।

मासलफ (ماسلف) अ वि-गुरा रजा, विगत बीना
हजा।

मासिर (ماسك) अ स्वा-वह गन्नि जा आमाणय म
गिजा का रोकनी है सामाणय की ग्राह्यगन्नि।

मासियत (معصيت) अ स्त्री-पाप पातक गुनाह
अवना नाफरमानी उद्धता सरकगी।

मासियतगिजार (معصيتشعار) अ वि-यापी पानकी
चिसना काम ही पाप करना हो।

मासिवल्लाह (مساووالا) अ वि-ईस्वर के अतिरिक्त
गैप और सन कुछ सासारिक वस्तुएँ।

मासिवा (مساوا) अ वि-मासिवल्लाह का लघु, दे
मासिवरनाह।

मासूम (معصوم) अ वि-जिसने पाप न किया हा
निष्पाप वह व्यक्ति जो ईस्वर के दया से निष्पाप
जाया हो।

मासूमसिफत (معصوم صفت) अ वि-मासूमता जसा
नोग भाला निर्दोष।

मासूमियत (معصوميت) अ स्त्री-मासूमपन भोलापन
सिवात।

मासूमो (معصومي) अ वि-मासूमियत।

मास्त (ماسب) का पु-दही दधि।

मान्तबद (ماسبند) का पु-पतार बनानेवाला।

माह (ماء) का पु-चंद्र चंद्रमा शशि द्रद्र विमु सोम
चाद गणाक।

माहूच (ماهضة) का पु-वह चान जो टोपी जानि म या
नडे के सिरे पर लगाते हु।

माहजबी (ماهجنس) का वि-चाद जसा उरुवल माया
रखनेवाग (वात्री) चंद्रभा।

माहवर (ماحصر) अ पु-जो कुछ उपस्थित है गो मौजद
है वह खाना जो भर में तयार है वैतकल्लुफी का खाना
रखा सूखा जो कुछ है व।

माहलअत (ماطلعب) का अ वि-जो देखने म
बिलकुल चाद जान पड़े अत्यंत सुंदर (सुंदरी)
चंद्रानना।

माहताब (ماعداب) का पु-चंद्र चंद्रमा चान ज्योस्ता
चंद्रात चंद्रिका चादनी मयिफे का बकीर एक आतश
बाबा महताब।

माहताबी (ماهدامی) का स्त्री-एक प्रकार की अता
बाबी, महताब वह छोटी च्मारत जो बाग के हौज पर
चादा की सर के लिए बनी हा।

माहदरपनय (ماهدرمنوب) का अ वि-चंद्रमा का वृद्धिक
राशि में प्रवेश जो बहुत अगुम हाता है।

माहनाम (ماهدنام) का पु-वह पंगिना जा महाने म
एक बार निकले, मासिकपन।

माहपार (ماهدار) का वि-चाँद का दुबग चान जसा
आइतनाला (वाली)।

माहपकर (ماهدك) का वि-पान जैसे सुंदर बीनौल
वाला (वाली)।

माह म माह (ماهدماه) का वि-हर महीने मास प्रति
मास।

माहएख (ماهدخ) का वि-चाँद-जम मुहवाला (वाली)
चंद्रवदन चंद्रवन्ता चंद्रमुख चंद्रमुखी।

माहए (ماهدو) का वि-माहएख।

माहलिका (ماهلکا) का अ वि-माहएअत।

माहवज (ماهدس) का वि-चात्रजसा (अता)।

माहवार (ماهدوار) का वि-हर महाने मासिक।

माहवारी (ماهدواری) का वि-माहवार, (स्त्री)
मासिक धम हैज।

माहगमाइल (ماهدسائل) का अ वि-माहएअत।

माहसल (ماهدصل) अ पु-जो कुछ मिला हो जो हासिल
हुआ हा निष्पय नतीज सारास सुलासा।

माहसीमा (ماهدسما) का अ वि-माहएजी।

माहसूरत (ماهدسورت) का अ वि-माहएन।

माहान (ماهدانه) का अब्य-हर महीने का माहवार
प्रतिमास।

माहिए बेआब (ماهدئي بے آب) का स्त्री-बिना पानी
की भछली जलहान मीन अर्थात बहुत डुली बहुत
व्याकुल।

माहियाण (ماهديان) का पु-वैतन तनस्वाह माहवारी
तनस्वाह माहवारी महीने का मासिक।

माहिर (ماهدر) अ वि-दश कुल होगियार अम्यत्
भरनाज।

माहिरे बामिल (ماهدرامل) अ वि-किसी फन का पूर
माहिर पारगत।

माहिरे छूसी (ماهدر حصوي) अ वि-किसी विगैप का
का विशेष पाता विगैप बगधिक।

माहिरे फन (ماهدر فن) अ वि-फन का पाता, कलामम
कलाकार।

माही (ماهی) अ वि-मह्य करनेवाला, मिटानेवाला, नष्टकर्ता ।
 माही (ماهی) फा पु-मीन, मत्स्य, माछी, मछली ।
 माहीगीर (ماهیگیر) फा वि-मछली पकड़नेवाला, मछलियों का रोजगार करनेवाला, मत्स्यजीवी ।
 माहीचः (ماهیچہ) फा. स्त्री-निर्वियां ।
 माहीखोर (ماهیخور) फा वि-मछली खानेवाला, मत्स्य-भोजी ।
 माहीनः (ماہینہ) फा अव्य-महीना, मास ।
 माहीपुस्त (ماہی پست) फा वि-वह जो बीच में ऊँचा वोर डवर-उधर नीचा हो, उन्नतोदर, मुहद्व ।
 माहीफरोश (ماہی فروش) फा वि-मछली बेचनेवाला, मत्स्य-वणिक, मीन-व्यवसायी ।
 माहीमरातिव (ماہی مراتب) फा. अ पु-मछली आदि के आकार के वह निगानात जो वादशाहों की सवागी के आगे हाथियों पर चलते हैं ।
 माहीपत (ماہی پت) अ स्त्री-वास्तविकता, हकीकत, गुण, सासियत, क्या है, कैसा है, किस प्रकार का है, यह सब विवरण ।
 माहूद (ماہود) अ वि-वह वात जो दिल में वैठी हो ।
 माहूदानः (ماہودانہ) फा. पु-जमालगोटा ।
 माहूदे खारिजी (ماہود خارجی) अ पु-वह जातिवाचक सज्ञा जो कारण-विशेष से व्यक्तिवाचक बन जाय, जैसे-‘खलील’ जो जातिवाचक है, परन्तु हज़रत इब्राहीम के लिए बोला जाता है ।
 माहूदे जेहनी (ماہود جہنی) अ वि-वह सज्ञा जो हों तो जातिवाचक, परन्तु किसी के जेहन में व्यक्तिवाचक हों, जैसे-शत्रु जातिवाचक है, परन्तु कोई शत्रु कहकर, मन में उससे ‘व्यक्ति-विशेष’ को समझता है ।
 माहे कनुआँ (ماہہ کنواں) फा अ पु-हज़रत यूसुफ ।
 माहे कमरी (ماہہ قمری) फा अ पु-चाँद का महीना, चान्द्र-मास, जिस महीने का हिसाब चाँद की घटा-बढी से हो ।
 माहे कामिल (ماہہ کامل) फा अ.पु.-चौदहवीं का चाँद, पूरा चाँद, पूर्णचंद्र, राकेश ।
 माहे खानगी (ماہہ خانگی) फा स्त्री-घर गिरिस्तनी, जिससे इश्क किया जाय, जो वाजारी स्त्री न हो ।
 माहे गिरिपतः (ماہہ گری پتہ) फा पु-ग्रस्त (ग्रहण लगा) हुआ चाँद ।
 माहे चारदहुम (ماہہ چار دھم) फा पु-चौदहवीं रात का चाँद, पूर्णचंद्र ।
 माहे तावाँ (ماہہ تاراں) फा पु-चमकता हुआ चाँद, पूरा

चाँद, प्रेयनी का चन्द्रानन ।
 माहे बुहपतः (ماہہ بڑھ پتہ) फा पु-चौदहवीं का चाँद, राकेश ।
 माहे नखशव (ماہہ نخشب) फा पु-वह चाँद जिसे हकीम इन्ने मुकद्दा ने बनाया था ।
 माहे नी (ماہہ نی) फा अ पु-नया चाँद, नवचंद्र, वालेदु ।
 माहे मित्त्र (ماہہ مینتر) फा अ-हज़रत यूसुफ ।
 माहे मुनीर (ماہہ منیر) फा अ.पु-चमकनेवाला चाँद, पूरा चाँद ।
 माहे मुवारक (ماہہ مبارک) फा अ पु-रम्जान शरीफ का महीना, रोजों का चाँद ।
 माहे शम्सी (ماہہ شمسی) फा अ पु-वह महीना जिसका हिमाव सूर्य के चक्कर से होता है, ईसवी महीना ।
 माहे शिफस्तः (ماہہ شمس پست) फा पु-नया चाँद, नवचंद्र ।
 माहे सियाम (ماہہ سیام) फा अ पु-दे ‘माहे मुवारक’ ।

मि

मिजल (میدجل) अ. स्त्री-खेत काटने का हँसिया, दराती ।
 मितकः (میتک) अ पु-कटिवध, सर्दी-गर्मी आदि के दृष्टि-कोण से पृथ्वी के खड, हर खड एक मितका कहलाता है, पटका, कमर में बाँधने की पेटो ।
 मितक (میتک) अ पु-पटका, पेटो, कटिवध ।
 मितकए वारिदः (میتک آواریدہ) अ पु-शीत कटिवध, वह मितका जो बहुत अधिक ठंडा है ।
 मितकए मा'तदिलः (میتک آتدیل) अ.पु.-सम शीतोष्ण कटिवध, वह मितका जहाँ न बहुत ठंड है न गर्म ।
 मितकए मोह्रकः (میتک آموہرک) अ पु.-दे. ‘मितकए हारः’ ।
 मितकए हारः (میتک آہار) अ पु-उष्ण कटिवध, वह मितका जो बहुत गर्म है ।
 मितकतुल वुरूज (میتک توج) अ पु-राशिचक्र, भचक्र ।
 मितक़ात (میتک آت) अ पु-‘मितक’ का बहु, मितके ।
 मिदील (میدیل) अ पु-कमर में बाँधने का विशेष रुमाल; सर पर बाँधने का विशेष रुमाल ।
 मिबर (میدر) अ पु-मस्जिद में वह ऊँचा स्थान जहाँ इमाम खुत्वा पढता है ।
 मिशफ (میشف) अ पु-तौलिया, जिस्म पोछने का अंगोछा ।
 मिशार (میشار) अ पु-आरा, लकड़ी चीरने का यंत्र, खवर फँलाने का यंत्र ।

मितसफ (میتسه) अ पु—बहुपांच शाखावाली लकड़ी जिससे रालियान का लौक ऊपर-नीच करते ह पचा।

मिआ (معا) अ स्त्री—अन्न आंत।

मिआए मुस्तकीम (معا مستقیم) अ स्त्री—सोपी आंत गरार की एक आंत।

मिक्स [स्स] (میسر) अ स्त्री—वह रस्मी जिससे दुहते समय जानवर के पाँव बाँधे जाते ह।

मिक्तल (مکتل) अ पु—बल करने का आला।

मिक्ताल (مکتال) अ पु—बच करने का यंत्र छुरा।

मिक्दार (مقدار) अ स्त्री—मात्रा वजन ताल अनुमिति अन्ना (तोला का)।

मिक्नास (مکتسه) अ स्त्री—घाड़ू माजनी।

मिक्ना (مکتع) अ पु—दूहा क आलने का महीन कपडा जिम पर सहपा रहता है स्त्रिया के ओढ़ने की महान चादर आठनी।

मिक्नातीस (مکتطیس) अ पु—बुम्बक पत्यर दे मक्ना तीस दोनो शुद्ध ह।

मिक्नास (مکتس) अ पु—दे मिक्नस।

मिक्वाल (مکتال) अ पु—सूयी वस्तु नापने का बतन।

मिक्वास (مکتاس) अ पु—मानयत्र नापने का आला अनुमान का यंत्र।

मिक्वासुलमतर (مکتاس الحطر) अ पु—वर्षा का जल नापने का यंत्र वर्षामान।

मिक्वासुलमा (مکتاس اما) अ पु—पानी का हलका भारीपन जानने का यंत्र।

मिक्वासुलमोसिम (مکتاس الموسم) अ पु—मौसम का हाल जानने का यंत्र।

मिक्वासुललवन (مکتاس لعن) अ पु—दूध की मिलावट जानने का यंत्र।

मिक्वासुलहरार (مکتاس الحدرار) अ पु—शरीर की गर्मी बुगार नापने का यंत्र थर्मामीटर तापमापक।

मिक्वासुलहवा (مکتاس الهوا) अ पु—हवा का वेग जानने का यंत्र वायुयंत्र।

मिक्वाज (مکتار) अ स्त्री—कच्ची कर्त्री कतरी कतनी।

मिक्वाज (مکتول) अ पु—जवान जीम जिह्वा।

मिक्वा (مکتول) अ पु—दपनी पटठा वह चाज जिससे कोई वस्तु पुष्ट की जाय।

मिक्वात (مکتوات) अ स्त्री—गरीर क वागने का यंत्र कपडा पर करने की इस्त्री।

मिक्हल (مکتل) अ स्त्री—सुमा ऋगाने की मलाई अजन गलाका।

मिक्लात (مکتلاب) अ पु—घाड़े का तोवडा जिसमें उने दाना रिलाया जाता है।

मिक्फर (مکتور) अ पु—खोन्, गिरस्त्राण लोह की फोड़ी टोपी।

मिक्फर (مکتور) अ पु—कोई चमचा कफगार।

मिक्जस (مکتس) अ पु—नाज पर हरीम के हाथ रखने का स्थान, नाडी देखने का स्थान।

मिक्जाज (مکتاج) अ प—स्वभाव आदत गुण छामियत प्रकृति तबोजत, अभिमान घमड नाज-नहया जा मन।

मिक्जादी (مکتاج دای) अ फा वि—जा किमी की प्रकृति से परिचिन हा जा स्वभाव पहचानकर उसी क अनुसार बात करता हो।

मिक्जादानी (مکتاج دانی) अ फा स्त्री—मिक्जाज प चानना स्वभाव के अनुसार बात करना हाँ म हा मिलान

मिक्जाजपुरसी (مکتاج پورسی) अ फा स्त्री—रागी को दूँ और उसे तिलासा देने के लिए जाना साधारण जितनी मिलने जाना।

मिक्जाजनास (مکتاج سلس) अ फा वि—मिक्जाज

मिक्जाजनासी (مکتاج سلسی) अ फा स्त्री—मिक्जाज

दानी।

मिक्जाजे आली (مکتاج عالی) अ पु—दे मिक्जाज मुबारक

मिक्जाजे मुबारक (مکتاج مبارک) अ पु—आपका मिक्जाज

कसा है? मुलाक़ात के वकन कहते ह।

मिक्जाजे शरीफ (مکتاج شریف) अ पु—दे मिक्जाजे मुबारक

मिक्जाफ (مکتاف) अ पु—वह तिकोनी चौड़ी लकड़ी जे नाव में बाँधते ह और उससे नाव को चलाने ह डाड।

मिक्मार (مکتور) अ पु—एक राजा बबत, बासुरी मुरगी।

मिक्मार (مکتور) अ स्त्री—धूपदानी अगरदानी जगीनी अगरदानी गारसी।

मिक्मार (مکتور) अ पु—घोडा को सपाने क लिए दौड़ाने का भदान।

मिक्मार (مکتور) अ स्त्री—बासुरी बसी बगी मुरली।

मिक्क (مکتور) अ पु—हथौडा जिससे निहाई पर लोहा कटते ह घन।

मितहन (مکتحن) अ स्त्री—आटा पीसने की चककी पेपणी।

मिदाद (مکتاد) अ स्त्री—ममि सिपाही रौशनार्दी।

मिदफा (مکتع) अ प—ताप।

मिदहत (مکتحت) अ स्त्री—प्रगना क्लाधा ता रीफ स्तुति कीतन हुम्बोसना।

मिहत्सरा (محدثسرا) अ फा. वि—प्रगसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला; स्तुतिपाठक, हम्दोसना करनेवाला।

मिन (من) अ अव्य—से।

मिन अब्वलिही इला आखिर ही (من اولی آخره) अ वा—शुरु से आखीर तक, आद्योपान्त।

मिन कुल्लिलबुजूह (من كل الوحده) अ वा—हर प्रकार से, पूरे तौर पर, सब तरह से।

मिनखल (منخل) अ. स्त्री.—चालनी, चलनी।

मिनजानिव (من جانب) अ अव्य—ओर से, तरफ से।

मिनजानिविल्लाह (من جانب الله) अ वा—ईश्वर की ओर से, ईश्वर की महिमा से।

मिनजुम्लः (من جمله) अ अव्य—सब मे से।

मिना (منا) अ पु—मक्के का एक स्थान जहाँ हज के दूसरे दिन हाजी लोग कुर्वानी करते और हजामत बनवाते हैं।

मिनोजन (من زعن) अ वि—पूरा-पूरा, साफ-साफ, जैसा का तैसा, ज्यों का त्यों, अक्षरग।

मिन्कार (منقار) अ स्त्री—चोंच, चबु।

मिनवजहिनः (من وجه) अ. अव्य—एक प्रकार से, एक तरह से, एक सूरत से।

मिनहा (مها) अ. वि—उन सब मे से, निकाला हुआ, कम किया हुआ, घटाया हुआ, तफरीक किया हुआ।

मिनहाई (مهائی) अ. स्त्री—कमी, कटौती, तफरीक, व्यवकलन।

मिन्हाज (مدهاج) अ स्त्री—मार्ग, पथ, रास्ता, राजमार्ग, सडक।

मिपुताह (مداح) अ स्त्री—कुजी, ताली, कुचिका।

मिन्वाक (منواك) अ पु—उगालदान, थूकने का पात्र।

मियाँ (میان) फा वि—'मियान' का लघु, दे 'मियान'।

मियाजी (میانجی) फा पु.—एलची, दूत, एलचीगरी, दूत-कर्म, दौत्य।

मियाँतिही (میان تہی) फा वि.—जिसका बीच खाली हो, वह विस्तर जिसके बीच मे रूई न हो।

मियाँबंद (میان بند) फा. पु—पटका, कमर की पेटो, कटिव्य।

मियाँबाला (میان بالا) फा वि—दरमियानी कद का, न ठिगना न टंवा।

मियान. (میان) फा पु—एक प्रकार की पालकी, (वि) दरमियानी, बीच का, माध्यमिक।

मियान कद (میان کد) फा अ वि—बीच के कद का, न लम्बा न ठिगना।

मियानःकामत (میان کامت) फा अ. वि—दे. 'मियान' कद'।

मियानःगीर (میان گیر) फा वि—बीच की चीज लेनेवाला, हर काम मे एतिदाल बरतनेवाला।

मियानःरवी (میان روی) फा. स्त्री—बीच की चाल, सरलाचार।

मियानःरौ (میان روی) फा वि.—बीच की चाल चलनेवाला, सरलाचारी।

मियान (میان) फा. वि—मध्य, बीच (स्त्री), तलवार की मियान, कोप, कमर, कटि।

मियाने राह (میان راه) फा. पु.—रास्ते के बीच मे, रास्ते मे; रास्ते का बीचोबीच।

मियाने शह (میان شهر) फा. पु—नगर मे, नगर का बीच।

मिराक (مراق) अ पु—खव्त, पागलपन।

मिराकी (مراقی) अ वि—खवती, पागल।

मिर्जात (میرات) अ पु—आईन, दर्पण, मुकुर, शीशा।

मिर्जात (میرات) अ पु—सोपान, सीढी, जीना।

मिर्जा (میرا) फा पु.—मीर्जा का लघु, दे. 'मीर्जा'।

मिर्जाइयत (میرائییت) फा. स्त्री.—मिर्जापन, कादिया-नियत।

मिर्फाक (میرفک) अ. स्त्री.—कुहनी।

मिर्वहः (مروحه) अ. पु.—पखा, व्यजन।

मिर्साद (میرصاد) अ. पु—चौडा रास्ता, राजमार्ग, सड़क।

मिल्ह (میلح) अ पु.—नमक, लवण।

मिश्क (میسک) फा. पु—दे 'मुश्क'।

मिश्कात (میسکوات) अ. स्त्री.—वह बड़ा ताक जिसमे चिराग, फानूस या किंदील रखा जाय।

मिश्की (میسکیں) फा. वि.—दे. 'मुश्की'।

मिश्की मू (میسکیں مو) फा वि—दे 'मुश्की मू'।

मिश्त (میشط) अ. स्त्री—कधी, प्रसाधनी।

मिस (میس) फा. पु—एक प्रसिद्ध धातु, ताँवा, ताम्र।

मिसगर (میسگر) फा वि—ताँवे का काम करनेवाला, ठठेरा।

मिसाल (مثال) अ स्त्री—उदाहरण, नजीर, समान, बराबर, चित्र, तस्वीर, आदेशपत्र, पर्वाना, आदर्श, नमूना।

मिसालन (مثالاً) अ अव्य—उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

मिसाली (مثالی) अ वि—आदर्श, नमूने के तौर पर, नमूने का।

मिस्री (مسی) का स्त्री-ताँबे का एक मजदूर जिसे स्त्रिया वनौर सिंगार के इस्तमाल करती है मिस्री।
 मिस्रीमालीक (مسی مالک) का वि-मिस्री मले हुए हाड।
 मिस्रक (مسک) अ स्त्री-द मुक।
 मिस्रकल (مصلک) अ पु-जोहे का एक यंत्र जिससे तलवार आदि चमकाये जाने हैं।
 मिस्रकल (مصل) अ पु-हथियारा का चमकाने का यंत्र मिस्रकल।
 मिस्रकाल (مصال) अ पु-साढे चार भागों की एक तौल।
 मिस्रकौ (مسکین) अ वि-दीन असहाय आजिज दरिद्र मुपिल्स विनम्र साकसार भोला भाला सीधा साधा सरल।
 मिस्रकौतब (مسکین طبع) अ वि-बहुत ही सीधा साधा सरल स्वभाव।
 मिस्रकौनवाज (مسکین نواز) अ फा वि-दीना दुखियों का मटारा देनेवाला दीन-योपक।
 मिस्रकौसूरत (مسکین صوت) अ वि-जिमकी सूरत से मिथाई जीर नम्रता टपकती हो।
 मिस्रकौन (مسکین) अ वि-दे मिस्रा।
 मिस्रकव (مسکین مصطلح) अ वि-मदिरालय गराव खाना दे मस्तब दोना गुद्ध ह।
 मिस्रकतर (مسکین) अ पु-वाग्रज की दफती जिसपर मोटा बागसतरा का पमाइका लगा देने ह और वरक को उस पर रखकर दवाने ह जिससे कागज पर सतरे बन जाती ह।
 मिस्रकक (مصدق) अ वि-वह जिस पर कोई बात ठाक ठीक घटित हो चरित्राय।
 मिस्रकह (مصداق) अ पु-गप दोपक चिराय लिया।
 मिस्रकार (مسار) अ वि-नोट ध्वस्त मुनहदिम सलान भाव।
 मिस्र (مصر) अ पु-एक प्रसिद्ध राष्ट्र जो अफ्रीका में है।
 मिस्रए तरह (مصرح طرح) अ पु-वह मिस्रा' का रदीफ काफिया और वजन बनाने के लिए मुताबरे में लिया जाता है।
 मिस्रा' (مصرع) अ पु-आधार गैर एक चरण।
 मिस्रा'अ (مصراع) अ पु-मिस्रा।
 मिस्री (مصری) अ पु-मिस्र देश का निवासी (स्त्री)
 मिस्र देश की भाषा कूज या धाक में जमी हुई गहर।
 मिस्रबाज (مصری) अ स्त्री-नैन माफ करने की रोगीर लकड़ी तबपावन दतीन।
 मिस्र (مصر) का वि-बड़ा मग्न मुक।
 मिस्रवर (مصر) का वि-महनम बहन बड़ा सरल

नायक, भनी मला उठानेवाला।
 मिहार (مهار) अ स्त्री-अँट की नकेल दे महार, दोना गुड ह।
 मिहतरी (مہتری) का स्त्री-महत्त्व बड़ाई सरलरी अध्यपता।
 मिह (مہ) का स्त्री-सूय रवि भानु मूरज प्रेम दोस्ती।
 ममता मामता, कृपा, दया।
 मिहपवर (مہ پور) का वि-मिहवान।
 मिहवान (مہروان) का वि-न्यावान कृपालु मित्र दोल।
 मिहवानो (مہروانی) का स्त्री-कृपा दया अनग्रह अनुकपा, करम।
 मिहवर (مہور) का वि-दे मिहवान।

मो

मोअ (معا) अ पु-सलारस एक गाड़ी दवा मोअए साइला।
 मोअए साइल (معا سائل) अ पु-मलारस।
 मोआद (معاذ) अ स्त्री-समय काल वक्त निश्चित काल मुकरर वकत वादा करार अवधि मुहत्त (हिन्दी में नियत इसी अर्थ में प्रचलित है।)
 मोआदगाह (معاذ گاہ) अ फा स्त्री-वह स्था जहाँ मिलन का वाग्य हा जहाँ मिलना नियत हो।
 मोआदी (معاذی) अ वि-मोआदवाला जो किसी नियत समय तक रहे जन्मे-मोआदी युधार।
 मोआदे मुऐयिन (معاذ معین) अ स्त्री-नियत समय निश्चित समय।
 मोआदे मुकरर (معاذ مکرر) अ स्त्री-दे 'मोआदे मुऐयिन।
 मोकल (مکول) अ स्त्री-हँडी देगची।
 मोकाईल (مکامل) अ पु-रोडी का किरिया।
 मोकात (مکات) अ स्त्री-वादे का स्थान हजरियों के एहराम वीधने का स्थान।
 मोकाल (مکال) अ पु-मोकाईल।
 मोकन (مکنة) अ पु-मस्जिद में अज्ञान देने का स्थान।
 मोवान (موا) अ स्त्री-तराज तुला कई सस्ताया का जाड योगफल।
 मोवानिय (موا نی) अ पु-वजह आयज्ययक, आयज्यय का सरकारी अनुमान।
 मोवाने अवल (مواصل) अ स्त्री-नग्नो तराज जिनमें फेर न हो यह तराजू जिनमें कियामत के बिना अछे-सुरे कम तुलेंगे।

मीरमैदाँ अमल (मीरान عمل) अ स्त्री-दे. 'मीराने अद्ल' ।
मीरबाव (मीरबाव) अ पु-वह परनाला जिससे छनकर पानी आये ।
मीना (मीना) फा पुं-शराब का जग, शराब का बड़ा कंटर; वह रगीत शीशा जिससे चाँदी-सोने पर नक्कागी होती है ।
मीनाई (मीनाई) फा. वि-शराब के पीने से सम्बन्धित; एक वंश, शाहमीना का वंशज ।
मीनाए मय (मीनाए मय) फा पुं-शराब का बड़ा कंटर, करावा ।
मीनाए लाजवर्द (मीनाए लाजवर्द) फा पु-आकाश, आस्मान ।
मीनाकार (मीनाकार) फा. वि-जडाऊ काम करनेवाला, जिस पर जडाऊ काम हो ।
मीनाकारी (मीनाकारी) फा स्त्री-जडाऊ काम, चाँदी-सोने पर मुस्सासाजी ।
मीनाखान: (मीनाखान) फा. पु-जहाँ शीशे हो ।
मीना दर बगल (मीना दर बगल) फा वि-बगल में शराब की बोतल दबाये हुए ।
मीनाफाम (मीनाफाम) फा वि-नीले रगवाला ।
मीनावदस्त (मीनावदस्त) फा वि-हाथ में शराब का शीशा लिये हुए ।
मीनावदोश (मीनावदोश) फा वि-कंधे पर शराब का कंटर रखे हुए ।
मीनावाजार (मीनावाजार) फा पु-वह बाजार जिसमें केवल स्त्रियाँ क्रय-विक्रय करे, जिसे अकबर ने प्रचलित किया था ।
मीनारंग (मीनारंग) फा वि-दे. 'मीनाफाम' ।
मीनार (मीनार) अ पु-लवी लाट, मनार, वह ऊँची जगह जहाँ रोशनी करे ।
मीनू (मीनू) फा पु-स्वर्ग, विहित; नीले रग का; वह शीशा जो जेबरो पर जडा जाता है, मीना ।
मीनूअसास (मीनूअसास) फा अ वि-स्वर्ग-जैसा सुन्दर और शोभित ।
मीनूसचाद (मीनूसचाद) फा अ वि-दे 'मीनूअसास' ।
मीनूसिरिस्त (मीनूसिरिस्त) फा वि-दे 'मीनूअसास' ।
मीम (मीम) अ. पु-उर्दू एक अक्षर जो 'म' की आवाज देता है, नायिका के मुँह के देहाने से इसकी उपमा दी जाती है ।
मीर (मीर) अ पु-'अमीर' का लघु, अग्रगण्य, सरआमद, अध्यक्ष, नायक, सरदार, आगे बढ़ जानेवाला; सैय्यदों की उपाधि ।

मीरअर्ज (मीरअर्ज) अ. पु.-वह व्यक्ति जो लोगों के प्रार्थनापत्र वादशाह के सामने उपस्थित करता है ।
मीरआखुर (मीरआखुर) अ फा पु-अश्वशाला का निरीक्षक, दारोगा अस्तब्ल ।
मीरआखुरवाशी (मीरआखुरवाशी) तु पु-अश्वशाला के दारोगाओं का अध्यक्ष ।
मीरआतश (मीरआतश) अ फा. पु-तोपखाने का अध्यक्ष ।
मीरआव (मीरआव) अ फा पु.-जलसेना का नायक ।
मीरइमारत (मीरइमारत) अ. पु.-शाही इमारतों की देख-रेख करनेवाला, चीफ इंजीनियर ।
मीरकाफिल: (मीरकाफिल) अ पु-काफिले का सरदार ।
मीरकार्वा (मीरकार्वा) अ फा. पु.-दे. 'मीरे काफिल' ।
मीरजा (मीरजा) फा. पु-शाही खानदान के लोगों की उपाधि, मुगल जाति का व्यक्ति ।
मीरजाई (मीरजाई) फा वि-मीरजापन, सरदारी; शहजादगी ।
मीरजाद: (मीरजाद:) फा पु-मीर का लडका, शहजादा ।
मीरजामनिश (मीरजामनिश) अ. फा. वि-भलामानस, शरीफ ।
मीरतुजुक (मीरतुजुक) अ तु पु-सेना का प्रवध करनेवाला, सेनानायक ।
मीरफर्श (मीरफर्श) अ पु-वह भारी पत्थर जो फर्श को दवाने के लिए चारों कोनों पर रखे जाते हैं, वह व्यक्ति जो अपने स्थान से हिले-डुले नहीं ।
मीरवहशी (मीरवहशी) अ फा पु-वेतन घाँटनेवाला अपसर ।
मीरबह (मीरबह) अ. पु-जलसेना का अध्यक्ष ।
मीरमजिल (मीरमजिल) अ. पु-वह व्यक्ति जो सेना के आगे चलकर पडाव का प्रवध करता है ।
मीरमत्वख (मीरमत्वख) अ पु-बाबरचीखाने का दारोगा ।
मीरमहफिल (मीरमहफिल) अ. पु-सभापति, सदरे मजिलस ।
मीरमहल्ल: (मीरमहल्ल:) अ. पु-महल्ले का चौधरी या मुख्या (मुखिया) ।
मीरमुंशी (मीरमुंशी) अ. पु.-दफतर के तमाम क्लर्कों का नायक ।
मीरमुशाअर. (मीरमुशाअर.) अ पु.-कवि-सम्मेलन का सभापति ।
मीरमैदाँ (मीरमैदाँ) अ फा पु-योद्धा, जगज, वीर, सरदार ।

मीरानगीर (میرانگیر) अ फा पु - साहू कोतवाल रात में गन्त करनेवाला ।

मीरसामी (میرسامان) अ फा पु - खानसामी ।

मीरी (میران) फा पु - मीर का बड़ बड़े लोग ।

मीरास (میراث) अ स्त्री - गम तरिका, बहु जमीन जाति आ विनी का गुजारे के लिए दी गयी हो नानकार ।

मीरासी (میراسی) अ वि - मुसलमाना की एक जाति विगप वा गाने-बजाने का काम करती है ।

मीरी (میری) अ वि - अमीरा सरदारी सत्रम अदल जानेवाला ।

मीरे अज (میرعوض) अ पु - वादागाह के सामने प्राधनापत्र पत्र करनेवाला (पत्रकार) ।

मीरे गिबार (میرشکار) अ फा पु - वादागाह के गिबार गाह का प्रवच करनेवाला ।

मील (میل) अ पु - मुर्मा लगाने की सलाई अजन गलाका १०६० गज का फासिला यह दूरी बतातवाला पत्थर ।

मीलाद (میلاد) अ पु - जन्म का समय हज्रत मुहम्मद के क्या की समा ।

मीलाददरवा (میلاددروان) अ फा वि - मीलार पढनेवाला हज्रत मुहम्मद साहब का गुणगान करनेवाला ।

मीलादी (میلادی) अ वि - हज्रत मुहम्मद साहब के जन्म तिथि से प्रारम्भ होतवाला साल ।

मीलादे मबारक (میلاد مبارک) अ पु - मीलान का जन्म ।

मीलात्र (میلان) अ प - प्रीतना अहद वाग अमि वचन ।

मु

मुज्रिह (موجر) अ वि - जबर होनेवाला लीन हातवाग ।

मुज्रिर (موجر) अ वि - अलग रचनावाला धाज रहन गान ।

मुज्रिम (موجم) अ वि - जमा हुआ ठड ने वमी हुई वस्तु ।

मुज्र (موج) अ वि - निरवा हुआ परिवर्तित ।

मुज (موج) अ वि - नीर उतरता हुआ हानवात्री ।

मुजली (موجلی) अ वि - प्रशासमान रोगन उग्गल वागग रान धाज देग स बाहर जानवाग जला क्या हानेवाला ।

मुजबी (موجبی) अ वि - गगार ग दिनक होकर एकांग म रानवाला ।

मुजिज (موجج) अ पु - गगारावाला बहु क्या जो इरिज

घातुआ को पकाकर इस का बिल करे कि जुल्लव देन पर सुगमता से निकल जाये ।

मुजिद (موجد) अ वि - सहायक, मददगार ।

मुजिर (موجر) अ वि - डरानेवाला ।

मुजिल (موجل) नीचे उतरनेवाला, बीषपात करनेवाला ।

मुजित (موجت) वि - अपवित्र करनेवाला ।

मुजी (موجی) अ वि - नजात दिलानेवाला ।

मुतकल [कल] (موتکل) अ वि - एक स्थान से दूसरे स्थान का गया हुआ एक स्थान से दूसरे स्थान को हटाया हुआ ।

मुतकल इल्ह (موتکل اللہ) अ वि - जिसकी आर मुतकिल किया गया हो जिसका नाम कोई वस्तु लिखी हो या दो हो ।

मुतकिम (موتکم) अ वि - बग का बदला लेतवाला प्रत्यपकारी ।

मुतकिल (موتکل) अ वि - एक स्थान से दूसरे स्थान का जानेवाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को हटनेवाली वस्तु एक स्थान से दूसरे स्थान को तवाग पर जानवाला नीर ।

मुतकिली (موتکلی) अ वि - एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, एक तरह की चीज का दूसरी जगह जाना नीर का तवाग ।

मुतकब (موتکب) अ वि - छाँटा हुआ चुना हुआ सकलित चुना हुआ कलाम या मजमून निर्वाचित चुना हुआ आदर्भ ।

मुतकवात (موتکوبات) अ पु - मुस्तक के रूप में चुने हुए गय और पय का मसह ।

मुतकर (موتکر) अ वि - जिनकी प्रतीया देगी जा रही हा प्रतीय ।

मुतकिम (موتکیم) अ स्त्री - प्रवचवाग्धी इतिजाम करनेवाली ।

मुतकिम (موتکیم) अ वि - प्रवचक व्यवस्थापक इति जाम करतवाग ।

मुतकिम (موتکیم) अ वि - प्रशासमान दीप्त रान ।

मुतकिर (موتکیر) अ वि - प्रशासक इतिजाम करतवाग ।

मुतक (موتک) अ वि - उगमनेवाग अरन-व्यत हाने वाला ।

मुतकी (موتکی) अ वि - नष्ट हानवाला ।

मुतकी (موتکی) अ वि - यसानेवाला कुनवात्री आग मा बुसानवाला विराय आदि ।

मुतक (موتک) अ वि - गम उगमवाला लाम्बानिग ।

मुतकिज (موتکج) अ वि - अरिवाय टाक-डीक पट्टि हानवाला ।

मुतबे (موتب) अ वि - छानवाला अरिज होतवाग ।

मृताशिर (مُتَشِير) अ वि.-अस्त-व्यस्त, तित्तर-वित्तर; उद्दिग्, परेशान।
 मृतासिब (مُتَسِيب) अ वि.-सम्बन्ध रखनेवाला, सम्बद्ध।
 मृताहा (مُتَهَا) अ वि.-पराकाष्ठा, अंतिम सीमा, आखिरी हद; जो पराकाष्ठा को प्राप्त हो।
 मृताही (مُتَهِي) अ वि.-पराकाष्ठा या अंत को पहुँचनेवाला; विद्या में पारंगत होनेवाला, स्नातक।
 मृतिज (مُتِج) अ वि.-फल देनेवाला, परिणाम देनेवाला।
 मृतिन (مُتِن) अ वि.-वदयूदार, दुर्गन्धयुक्त।
 मृदके (مُتَدَك) अ वि.-निवारित, निराकृत, जो दफा हो गया हो।
 मृदामिल (مُتَدَمِل) अ वि.-वह घाव जो भर आया हो, रोपित।
 मृदरिज (مُتَدَرِج) अ वि.-लिखित, दर्ज, प्रविष्ट, अंकित।
 मृदरिजे जैल (مُتَدَرِجَة جَيْل) अ वि.-निम्नलिखित, नीचे लिखा हुआ।
 मृदरिस (مُتَدَرِس) अ वि.-फटा-पुराना, कपडा, जीर्ण-शीर्ण।
 मृदहत (مُتَدَهْت) अ वि.-उठनेवाला।
 मृदसित (مُتَدَسِط) अ वि.-प्रसन्न, हर्षित, खुश।
 मृशबात (مُتَشَبَات) अ पु.-खतो या मज्मूनो का सग्रह।
 मृशइव (مُتَشِئِب) अ वि.-शाखों में बटा हुआ, तित्तर-वित्तर, मृतशिर।
 मृशक[क] (مُتَشَكِّك) अ वि.-फटा हुआ, जो फट गया हो, विदीर्ण।
 मृशरेह (مُتَشَرِه) अ वि.-खुलनेवाला, खुला हुआ।
 मृशिद (مُتَشِد) अ वि.-शेर पढनेवाला।
 मृशियान (مُتَشِيَان) अ फा अव्य-मुशियो-जैसा, जैसे-‘मुशियान खत’।
 मृशी (مُتَشِي) अ वि.-गद्य लेखक, अदीव, लिपिक, कलक, वकील का मुहॉरिर, कचहरी में अर्जियाँ लिखनेवाला; जिसकी लिखावट अच्छी हो।
 मृशीखान (مُتَشِي خَان) अ फा पु-मुशियो के बैठने का स्थान, उर्दू का दफ्तर।
 मृशीगरी (مُتَشِي كَرِي) अ फा. स्त्री-लिखने का काम, मुहॉरिरी।
 मृशीए फलक (مُتَشِي فِلَك) अ पु-बुध ग्रह, उतारिद।
 मृसव[ह] (مُتَسَد) अ वि.-रूका हुआ, अवरुद्ध, जिसका इस्तिदाद कर दिया गया हो।
 मृसविद्य (مُتَسَوِغ) अ वि.-रंजित, रंगा हुआ।
 मृसरिक (مُتَسَرِيك) अ वि.-रंजित, रंगा हुआ।

परिवर्तित होनेवाला, व्याकरण में अरबी का वह शब्द जो कारक से प्रभावित होकर अपने अंतिम अक्षर पर जेर, जवर, पेशा दे, अनव्यय।
 मुंसरिम (مُنَسَرِم) अ. पु.-प्रवध, इतिजाम करनेवाला, दीवानी का एक उहदेदार।
 मुंसलिक (مُنَسَلِك) अ पु-पिरोया हुआ, लडी में डाला हुआ, सूत्रित, नत्थी।
 गुंसिफ (مُنَسِيف) अ वि.-न्यायकर्ता, इंसोफ करनेवाला, दीवानी का एक उच्च पदाधिकारी, न्यायधिकर्ता।
 मुंसिफमिजाज (مُنَسِيف مِرَاج) अ. वि.-जिसके स्वभाव में न्याय-प्रियता हो, न्यायनिष्ठ।
 मुंसिफानः (مُنَسِيفَان) अ. फा अव्य.-मुंसिफो-जैसा, न्याय-पूर्ण, न्यायोचित।
 मुंसिफी (مُنَسِيفِي) अ. स्त्री-न्याय, इंसोफ, मुंसिफ की कचहरी, मुंसिफ का पद।
 मुअवर (مُعَاوِر) अ वि-अवर की सुगध में वसा हुआ; अवर-जैसी सुगध देनेवाला।
 मुअवरों (مُعَاوِرِين) अ. फा. वि-दे ‘मुअवर’।
 मुअवरुद (مُعَاوِرِد) अ. वि-ग्रथित, गठीला, जिस इवारत में ताकीद का दोष हो।
 मुअवरुद (مُعَاوِرِد) अ. वि.-प्रतिष्ठित, पूज्य, काविले एहति-राम, जिम्मेदार, मान्य।
 मुअविकद (مُعَاوِد) अ. वि-गाँठ लगानेवाला।
 मुअज्जज (مُعَاوِج) अ वि-प्रतिष्ठित, जी इज्जत; समानित, मोहतरम।
 मुअज्जमः (مُعَاوِجَة) अ वि-पूज्य स्त्री, पूज्य स्थान, जैसे-मक्काए मुअज्जम’।
 मुअज्जम (مُعَاوِج) अ. वि-प्रतिष्ठित, इज्जतदार, श्रेष्ठ, वुजुर्ग।
 मुअज्जल (مُعَاوِجِل) अ वि-शीघ्रित, जल्दी किया हुआ।
 मुअज्जिन (مُعَاوِجِن) अ पु-मस्जिद में अजान देनेवाला।
 मुअज्जिब (مُعَاوِجِب) अ वि-सख्त कष्ट देनेवाला, अजाव यानी पापदंड देनेवाला।
 मुअज्जल (مُعَاوِجِل) अ वि-जल्दी करनेवाला, उतावला।
 मुअत्तर (مُعَاوِطَر) अ वि-सुगंधित, सुवासित, खुशबू में वसा हुआ।
 मुअत्तल (مُعَاوِطَل) अ वि-जो काम करने से रोक दिया गया हो, जिसके पास काम न हो, बेकार, जो सस्था अपना काम न कर रही हो, सस्वेण्ड।
 मुअत्तिश (مُعَاوِطِش) अ. वि-प्यास, लगानेवाली चीज,

मुअबद (مُعَبَّد) अ वि-तीर प्रवृत्तिवाला कटु स्वभाव वाला बदलू लडाका कल्प्रिय।
 मुअदिल (مُعَدِّل) अ वि-दो बराबर भाग में बाटनेवाला।
 मुअदिलुसहार (مُعَدِّلُ السَّهَارِ) अ पु-बह वक्त जिन पर सूर्य के पहुचने से दिन रात बराबर होने ह नाबीवक्त।
 मुअद्दी (مُعَدِّي) अ वि-पहुचानवाला भेजनेवाला प्रपक्।
 मुअवन (مُعْوَن) अ वि-किसी के नाम समर्पित की गयी पुस्तक।
 मुअद्द (مُعَدَّد) अ वि-गणित गिना हुआ, गुमार किया हुआ।
 मुअद्द (مُعَدَّد) अ वि-शिष्ट मम्म तमीज्जर अदब क साथ शिष्टतापूर्ण।
 मुअद्दी (مُعَدِّي) अ वि-गना किया हुआ, बबाक शोधित।
 मुअदस (مُعَدَّس) अ स्त्री-स्त्रालिम।
 मुअम्मर (مُعَمَّر) अ वि-बढी आयुवाला बूढा बयावद्ध।
 मुअम्मा (مُعَمَّمَا) अ पु-प्रतियागिता।
 मुअधियद (مُعَدِّد) अ वि-ताई करनेवाला, हा में हा मिलानेवाला समथक।
 मुअय्यन (مُعَيَّن) अ वि-निश्चित नियत, मुकरर।
 मुअरब (مُعْرَب) अ वि-अय भाषा का शब्द जो अरबी बना लिया जाय।
 मुअर्रा (مُعْرَا) अ वि-विहीन रिक्त खाली वह पुस्तक जिसकी टीका न हो वह गद्य जो बिल्कुल साग हो।
 मुअरिक् (مُعْرِق) अ वि-पमीना लानवाली दवा।
 मुअरिख (مُعْرِخ) अ वि-इतिहास लेखक तारीखदा।
 मुअरिखान (مُعْرِيخَانَة) अ पा अब्य-इतिहाम लेखको जना।
 मुअरिखे बक्त (مُعْرِيخَة وَب) अ पु-समयरूपी इतिहास लेखक।
 मअरिक् (مُعْرِب) अ वि-प्रणयक ता रीफ करनेवाला।
 मअरल्क (مُعْرَلَة) अ वि-बीच म लटकी हुई चीज, बीच में लटकी हुई स्त्री जिससे पति न ता छाड न अपन पाम रखे।
 मुअल्लक (مُعْرَلَق) अ वि-अधर में लटका हुआ हवा में टहरा हुआ वह मत्स्य जो टल जाय वह काम जो बीच में र्वा हो।
 मुअल्लक (مُعْرَلَة) अ वि-तालीफ की हुई पुस्तक सपादित पुस्तक।
 मुअल्लर (مُعْرَلَف) अ वि-सपादित, रचित तागीक विधा हुआ।

मुअल्लफात (مُعْرَلَفَات) अ पु-सपादित पुस्तकें लिखी हुई किताबें।
 मुअल्ला (مُعْرَلَى) अ वि-उल्ह उत्तुग ऊचा थपठ, उत्तम आला।
 मुअल्ला अल्काब (مُعْرَلَى الْكَاَب) अ वि-बड अल्काबा वाला, अथात थपठ यक्ति।
 मुअल्लिक (مُعْرَلِيَة) अ स्त्री-सपादिका तालाफ करन वाली पुस्तक सपादित करनेवाली।
 मुअल्लिक (مُعْرَلِي) अ पु-सपात्क, सकरन करनेवाला।
 मुअल्लिम (مُعْرَلِيَة) अ स्त्री-अध्यापिका पढानेवाली।
 मुअल्लिम (مُعْرَلِي) अ पु-अध्यापक पढानेवाला।
 मुअल्लिमूल मलकूत (مُعْرَلِي الْمَلَكُوت) अ पु-फिरिस्तो की पढानेवाला गतान।
 मुअल्लिमूल मलाइक (مُعْرَلِي الْمَلَايِكَة) अ पु-मुअल्लि मूल मलकूत।
 मुअव्यज (مُعْرَج) अ वि-टेडा वन, खमीद।
 मुअस्फर (مُعْصِر) अ पु-कुसुम का पेठ कुसुम।
 मुअस्सिर (مُعْصِر) अ वि-असर डालनेवाला, तानीर लिखानेवाला गुणकारी।
 मुअस्सिस (مُعْصِس) अ वि-नीव रखनवाला शिला यासकर्ता।
 मुआबबत (مُعْصَبَة) अ स्त्री-कष्ट पढुचाना पीडा दना।
 मुआबलत (مُعْصَلَبَة) अ स्त्री-माथ-माथ खाना खाना।
 मुआबिब (مُعْصَب) अ वि-पीग देनेवाला कष्टदायी।
 मुआबज (مُعْصَبَة) अ पु-पकड गिरिपन भूड या अपराध की पकड प्रतिवार बदला।
 मुआबजत (مُعْصَبَات) अ स्त्री-भाईचारा बचत्व भाई विरादरीपन।
 मुआबज (مُعْصَب) अ वि-मुआबज करनेवाला दोष या अपराध पर कनी पकड करनेवाला।
 मुआबवत (مُعْصَبَة) अ स्त्री-सहायता पुष्टि हिमायत।
 मुआबन (مُعْصَبَة) अ पु-मुल्ना ममानता बराबरी।
 मुआबिद (مُعْصَب) अ वि-महायक हिमायती।
 मुआतफत (مُعْصَافَة) अ स्त्री-कृपा अनुग्रह दया, मेह्र बागी।
 मुआतवत (مُعْصَبَة) अ स्त्री-परस्पर श्रोप करना एन हुमरे पर गुस्ता होना।
 मुआतात (مُعْصَابَات) अ स्त्री-दना अथा करना।
 मुआतिर (مُعْصَاف) अ वि-कृपा करनवाला दयालु।
 मुआतिब (مُعْصَب) अ वि-श्रोप करनवाला श्रोपी।
 मुआवलत (مُعْصَلَبَة) अ स्त्री-याय, नीति इत्ताक।

मुआदा (مُعَادَا) अ. पु.—‘मुआदात’ का लघु, दे. ‘मुआदात’ ।
 मुआदात (مُعَادَات) अ स्त्री—परस्पर शत्रुता, आपसी वैर ।
 मुआदिल (مُعَادِل) अ वि.—न्याय-कर्ता, मुसिफ; बराबर
 के दो टुकड़े करनेवाला ।
 मुआनकः (مُعَانِكَة) अ पु—गले मिलना, एक का दूसरे
 से गले मिलना, आलिंगन, बगलगीरी ।
 मुआनदत (مُعَانِدَات) अ स्त्री—परस्पर द्वेष, आपसी वैर ।
 मुआनसत (مُعَوَانِسَات) अ स्त्री—परस्पर मैत्री, दोस्ती,
 मित्रता ।
 मुआनिक (مُعَانِيق) अ वि—गले मिलनेवाला, बगलगीर
 होनेवाला ।
 मुआनिद (مُعَانِد) अ वि—शत्रु, वैरी, दुश्मन ।
 मुआनिदीन (مُعَانِدِيْن) अ पु—‘मुआनिद’ का बहु, विरोधी
 लोग, द्वेष रखनेवाले ।
 मुआनिस (مُعَوَانِس) अ वि—मित्र, सखा, दोस्त ।
 मुआफ (مُعَوَاف) अ वि—क्षमा प्राप्त, क्षमित ।
 मुआफकत (مُعَوَافِقَات) अ स्त्री—समानता, एकसानियत;
 अनुकूलता, इत्तिफाक, मैत्री, दोस्ती ।
 मुआफिक (مُعَوَافِيق) अ वि—अनुकूल, मुत्तफिक, मित्र, दोस्त ।
 मुआफिकीन (مُعَوَافِيقِيْن) अ पु—‘मुआफिक’ का बहु,
 अनुकूल लोग ।
 मुआफी (مُعَوَافِي) अ स्त्री—क्षमा, बख्शिश ।
 मुआफीदार (مُعَوَافِي دَار) अ फा वि—जिसे मुआफी की
 जमीन या जागीर मिली हो ।
 मुआफीनामः (مُعَوَافِي نَامَة) अ फा पु—वह पत्र जिसमें
 कोई व्यक्ति अपने अपराध-क्षमा की लिखित तह्लीर दे,
 क्षमापत्र ।
 मुआमरत (مُعَوَامِرَات) अ स्त्री—परस्पर सलाह मशवुर,
 विचार-विनिमय, परामर्श ।
 मुआमलः (مُعَامَلَة) अ पु—परस्पर मिलकर कोई काम
 करना, व्यवसाय, कारोवार, लेन-देन, घटना, हादिसा,
 समझौता, तस्फिया, कलह, झगडा, विषय, सम्बन्ध,
 मुकद्दमा, बरताव, साविका ।
 मुआमलःअदेश (مُعَامَلَة اِنْدِيْش) अ फा वि—मुआमले
 को सोचकर काम करनेवाला ।
 मुआमलःअदेशी (مُعَامَلَة اِنْدِيْشِي) अ फा स्त्री—मुआ-
 मला सोच-समझकर काम करना ।
 मुआमलःदाँ (مُعَامَلَة دَان) अ फा वि—मुआमले को सम-
 झनेवाला, दूरदर्शी, बात की तह को समझनेवाला; अनु-
 भवी, तज्जवाकार ।
 मुआमलःदानी (مُعَامَلَة دَانِي) अ फा स्त्री—

समझकर काम करना, बात की तह को पहुँचना, तज्जवा-
 कारी ।
 मुआमलःनादाँ (مُعَامَلَة دَانَان) अ फा वि—जो मुआमला
 न समझे, मूर्ख, बेवकूफ ।
 मुआमलःपसंद (مُعَامَلَة پَسَنْد) अ फा. वि—मुआमले की
 बात को पसंद करनेवाला ।
 मुआमलःपसदी (مُعَامَلَة پَسَنْدِي) अ फा स्त्री—मुआमले
 की बात पसंद करना, मुआमले की बात मानना ।
 मुआमलःफह्म (مُعَامَلَة وَفْهْم) अ वि—दे ‘मुआमल. दाँ’ ।
 मुआमलःफह्मी (مُعَامَلَة وَفْهْمِي) अ स्त्री—दे. ‘मुआमल
 दानी’ ।
 मुआमलःबंद (مُعَامَلَة بَنْد) अ फा वि—मुआमल बंदी
 करनेवाला ।
 मुआमलःबंदी (مُعَامَلَة بَنْدِي) अ फा. स्त्री—जे’र अर्थात्
 कविता में नायक और नायिका के प्रेम के मुआमलो को इस
 प्रकार बाँधना कि उनका प्राकृतिक चित्र आँखों के सामने
 फिर जाय ।
 मुआमलःवी (مُعَامَلَة وِي) अ फा वि—दे ‘मुआमल-
 अदेश’ ।
 मुआमलःवीनी (مُعَامَلَة وِيْنِي) अ फा वि—दे ‘मुआ-
 मल अदेशी’ ।
 मुआमलःशनास (مُعَامَلَة شَنْدَاس) अ फा. वि—दे ‘मुआ-
 मल दाँ’ ।
 मुआमल शनासी (مُعَامَلَة شَنْدَاسِي) अ फा स्त्री—दे
 ‘मुआमल दानी’ ।
 मुआमलःसंज (مُعَامَلَة سَنْج) अ फा वि—दे. ‘मुआ-
 मल दाँ’ ।
 मुआमलःसजी (مُعَامَلَة سَنْجِي) अ फा स्त्री—दे
 ‘मुआमल दानी’ ।
 मुआमलत (مُعَامَلَات) अ स्त्री—वाहमी मुआमल, पारस्प-
 रिक व्यवहार ।
 मुआमलात (مُعَامَلَات) अ पु—‘मुआमल’ का बहु, काम,
 उमूर, तअल्लुकात, सम्बन्ध, व्यवहार, तर्जअमल,
 मुकद्दमे ।
 मुआमलाते कौमी (مُعَامَلَات قَوْمِي) अ पु—राष्ट्र के राज-
 नीतिक मुआमले, जातीय समस्याएँ, जाति और विरादरी
 के मुआमले ।
 मुआमलाते खानगी (مُعَامَلَات خَانْغِي) अ फा पु—घरेलू
 झगडे, घरेलू और निजी मुआमले ।
 मुआमलाते खूपयः (مُعَامَلَات خُفْطِي) अ फा पु—वह
 मुआमले जो कहे न जा सके, गुप्त बातें, रहस्य ।

मुआमलाते खाती (معاملات داری) अ पु—निजी मुआमले, घरेलू समस्याएँ, वैयक्तिक समस्याएँ ।

मुआमलाते मुल्की (معاملات ملکى) अ पु—राष्ट्र की समस्याएँ राजनीतिक उलझनें, सियासी मुआमले ।

मुआमलाते शहसी (معاملات شخصی) अ पु—'मुआमिले खाती' ।

मुआमलाते सल्तनत (معاملات سلطنت) अ पु—राज्य की समस्याएँ राजनीति की उलझनें या मुआमले ।

मुआमलाते हुकूमत (معاملات حکومت) अ पु—दे मुआमलाते सल्तनत ।

मुआमिल (معامل) अ वि—मुआमला करनेवाला ।

मुआमपन (معاملت) अ पु—किसी चाञ्च या विषय में पूरा गौर करना पयवेक्षण किसी कार्यालय आदि के कामों की जाच पड़ताल करना निरीक्षण ।

मुआरज (معارضة) अ पु—कलह शगडा, टटा वाद विवाद बहस ।

मुआरिज (معارض) अ वि—कलह और शगडा करने वाला वाद विवाद करनेवाला प्रतिद्वन्द्वी हरीफ विरोधी मुखालिफ ।

मुआलज (معالجة) अ पु—चिकित्सा उपचार इलाज यत्न तन्वीर उपाय ।

मुआलजात (معالجات) अ पु—मुआलज का बहु इलाज उपचार बहु ग्रथ जो चिकित्सा के सम्बन्ध में हा नुस्खों की किताबें किसी बड़े हकीम के मतब के नुस्खों का संग्रह ।

मुआलफत (مروالفت) अ स्त्री—पस्पर मन्त्री प्रेम-व्यवहार दोस्ती मित्रता ।

मुआला (مولا) अ पु—मुआलात का लघु दे 'मुआलात' ।

मुआलात (مواالاب) अ स्त्री—परस्पर मित्रता और सहायता दोस्ती और एक दूसरे की मदद ।

मुआलिज (معالج) अ पु—इलाज करनेवाला चिकित्सक धर भिषक ।

मुआवज (معاوضه) अ पु—किसी वस्तु का मूल्य जो वस्तु के बदले में दिया जाय मूल्य वह धन जो किसी क्षति के बदले में दिया जाय क्षति-पूति के लिए धन देना ।

मुआवदत (معاوالت) अ स्त्री—प्रत्यागमन लौटना वापसी ।

मुआवत (معاوالت) अ स्त्री—एक दूसरे की सहायता, सहायता मदद ।

मुआविन (معاون) अ वि—महायक मददगार वह नगी जो किसी बड़ी नदी में मिन्ने सहायक नदी पनापाती पठ पोपक, हिमायनी ।

मुआविने ज़ुम (معاون حرم) अ वि—जो किसी अपराध या पथयत्र में किसी का सहायक हो ।

मुआशरत (معاشره) अ पु—मुआशरत ।

मुआशरत (معاشرت) अ स्त्री—बहुत-से लोग का एक स्थान पर रहकर मेल-जोल और एक दूसरे को सहायता देकर जीवन व्यतीत करना नागरिकता सत्यता तहजीब ।

मुआशिर (معاشر) अ वि—मुआशरत करनेवाला नागरिक मित्र, सखा दोस्त हमतम ।

मुआसरत (معاشرین) अ स्त्री—या या अधिक व्यक्तियों का समकालीन होना ।

मुआसा (مواسا) अ पु—'मुआसात का लघु दे मुआसात ।

मुआसात (مواسات) अ स्त्री—सहायता मदद, सहान भूति, गमलवारी गील मुरवत ।

मुआसिर (معاير) अ वि—एक समय में होनेवाला, एक समय में होनेवाले व्यक्ति समकालीन ।

मुआसिरीन (معاشرین) अ पु—'मुआसिर' का बहु सम वाणीत लोग ।

मुआहद (معااهدة) अ पु—परस्पर झोलझटार आपस में किसी बात की प्रतिना, ऐश्रीमद सप्रतिना ।

मुआहदत (معاهدت) अ स्त्री—दे 'मुआहद' ।

मुआहिद (معاهد) अ वि—प्रतिना करनेवाला ऐश्रीमद करनेवाला ।

मुइज (معد) अ वि—समान प्रतिष्ठा देनेवाला ईस्वर का एक नाम ।

मुइज [ह] (معد) अ वि—कटिबद्ध और तयार करनवाला ।

मुइब (معد) अ वि—फिसी काय का बारबार करनेवाला ।

मुईन (معین) अ वि—सहायक मददगार पठ-पोपक, हिमायनी ।

मुऐयन (معهنة) अ वि—नियत मुकरर, जसे—तारीख मुअयन ।

मुऐयन (معین) अ वि—नियत निश्चित मुकरर दे मुअयन ।

मुऐयिद (مؤيد) अ वि—सामथक ताईद और पुष्टि करन वाला द मुअयिथ ।

मुक़रर (مكرد) अ वि—जिसकी बात को झूठ बताया या साबित किया गया हा जा बात झूठ गाबित की गयी हो ।

मुक़रर (مكرد) अ वि—किसी को झूठा बतानवाला किसी की बात को झूठ साबित करनेवाला ।

मुक़त्तर (مقطر) अ वि—बूत-बूद करक टपकाया हुआ कबूदबीक में खींचा हुआ निधार ऊपर का साफ पानी या दवा आदि ।

मुकत्ता (مقطع) अ. वि.—छाँटा तराशा हुआ; शिष्ट, संस्कृत, शाइस्ता; जिसकी डाढी तर्शाई हुई हो।

मुकद्दमः (مقدم) अ. पु.—वाद, नालिश, दावा, किताब की भूमिका, प्रस्तावना, प्राक्कथन, पेश लफ्ज; विषय, मुआमला; कार्य, काम।

मुकद्दमःवाला (مقدمه دار) अ. फा वि—जो बहुत मुकदमे लडता हो, जो जरा-जरा-सी बात पर मुकदमे कर देता हो, जो मुकदमावाजी में बहुत होशियार हो।

मुकद्दम (مقدم) अ. वि.—प्रधान, मुरज्जह, मुख्य, खास; (पु.) गाँव का मुखिया, अगला हिस्सा।

मुकद्दर (مقدر) अ. पु.—प्रारब्ध, भाग्य, अदृष्ट, तक्दीर, भाग, किस्मत, वह शब्द जो इवारत में न हो परंतु अर्थ में लिया जाय, लुप्त।

मुकद्दर (مقدر) अ. वि—मलिन, मैला, गदला, अप्रसन्न, नाखुश।

मुकद्दरआरमाई (مقدمه آرمائی) अ. फा. स्त्री—भाग्य-परीक्षा, तक्दीर की आजमाइश, किसी काम में हाथ डालना और यह देखना कि होता है या नहीं।

मुकद्दरात (مقدمه رات) अ. पु—तकदीर की बातें, भाग्य में लिखे हुए मुआमलात।

मुकद्दसः (مقدمه س) अ. वि—पवित्र, पाक चीज।

मुकद्दस (مقدمه س) अ. वि—पवित्र, पाक, पुनीतात्मा, वुजुर्गी।

मुकद्दिमः (مقدمه ديم) अ. वि.—आगे चलनेवाली।

मुकद्दिमतुलजैश (مقدمه ديمه الجيش) अ. पु—वह थोड़ी सेना जो बड़ी सेना के आगे चलकर उसके पडाव आदि का प्रबंध करती या शत्रु की सेना के समाचार प्राप्त करती है, हिराबुल, नायक, सरदार, नेता, लीडर।

मुकन्नितः (مقننه) अ. स्त्री—विधानसभा, लेजिस्लेटिव एसेम्बली।

मुकन्नित (مقننه) अ. वि—कानून जाननेवाला, कानून-पेश वकील; कानून बनानेवाला, विधायक।

मुकफफल (مكفफल) अ. वि—जिसमें कुफुल पडा हो, यवित, जैसे—'मुकफफल संदूक'।

मुकफफा (مكفف) अ. वि—वह गद्य जो अनुप्रासात्मक हो।

मुकब्बर (مكبر) अ. पु—मस्जिद में वह ऊँचा स्थान जहाँ तक्वीर कहनेवाला खडा होता है—यह स्थान केवल बहुत बड़ी मस्जिदों में होता है।

मुकब्बिर (مكبر) अ. वि—तक्वीर कहनेवाला, वह जो मुकब्बर पर चढकर नमाज में तक्वीरे कहे ताकि दूर के नमाजी सुन लें।

मुकम्मल (مكمل) अ. वि—सपूर्ण, कामिल, समाप्त, खत्म, सर्वांगपूर्ण, हर तरह से मुकम्मल।

मुकम्मिल (مكمل) अ. वि.—पूर्ति करनेवाला, समाप्ति करनेवाला।

मुकय्यद (مكيد) अ. वि—जो कैद में हो, बंदी, कैदी, जिसमें कोई शर्त लगा दी गयी हो।

मुकय्यश (مكيش) अ. वि—सोने-चाँदी के तारों का बना हुआ कपडा, दे 'मुकैश', उर्दू में अधिकतर यूँ ही बोलते हैं।

मुकर्रस (مكروس) अ. वि.—बड़ी और भव्य इमारत, चित्रित, मुनक्कश, पाड जिस पर बैठकर राज इमारत बनाता है।

मुक्कुर्रज (مكروض) अ. वि—जिसे कैची से काटकर महीन किया गया हो।

मुकर्रब (مكروب) अ. वि—समीपवर्ती, निकटस्थ, हमनशी, पास का बैठनेवाला, सभासद्।

मुकर्रबीन (مكروبين) अ. पु—'मुकर्रब' का बहु, सभासद्जन, मुसाहिब लोग।

मुकर्रम (مكروم) अ. वि—प्रतिष्ठित, पूज्य, मोहतरम।

मुक्कररः (مكروه) अ. वि—नियत, निश्चित।

मुक्करर (مكرو) अ. वि—नियत, निश्चित, मुअय्यन, नियुक्त, मुअय्यन, अवश्य, यकीनी।

मुक्करर (مكرو) अ. वि—पुन, फिर, दुबारा।

मुक्कररात (مكرو رات) अ. पु—वे वाते जो किसी लेख में बार-बार आयी हो।

मुक्करर (مكرو) अ. वि—तक्कीर करनेवाला, वक्ता, भाषण देनेवाला।

मुक्कररीन (مكرويين) अ. पु—'मुक्करर' का बहु, भाषण देनेवाले, वक्तागण।

मुक्कल्लफ (مكلف) अ. वि—जिसमें तकल्लुफ किया गया हो, पुर तकल्लुफ, जो खूब सजाया गया हो, सुसज्जित।

मुक्कल्लफात (مكلفات) अ. पु—पुर तकल्लुफ चीजें।

मुक्कल्ल (مكلف) अ. वि—ताज पहने हुए; टोपीदार, छत्तेदार, चमकता हुआ, मुल्म्मा किया हुआ।

मुक्कल्लस (مكلس) अ. वि—जलाकर चूना बनाया हुआ।

मुक्कल्लिद (مكلد) अ. वि—तक्कलीद करनेवाला, अनुकारी, अनुकरण करनेवाला, अनुयायी, पंरौ, शिष्य, चेला, मुरीद, मुसल्मानों का वह समुदाय जो खुदा और रसूल के अतिरिक्त चारों इमामों को भी मानता है।

मुक्कल्लिदीन (مكليدين) अ. पु—वे मुसल्मान जो हनफ्री शाफिई आदि मतों को माननेवाले हैं।

मुक्कल्लिक (مكلى) अ. वि—कपटदाता, तक्कलीफ देने-

वाला निमन्त्रण दाता चूबि वह अपने घर बुलाने का कष्ट
दाता है, इसलिए स्वयं को मुक्कल्लिब कहता है।

मुक्कल्लिब (مكّلب) अ वि-मलट देनेवाला, उलटा कर
दनेवाला फर देनेवाला।

मुक्कल्लिबुल कुलुब (مكّلب الطوب) अ वि-दिला का
बदल देनेवाला दुरा का अच्छा बना देनेवाला दिला में
दयाभाव उत्पन्न कर देनेवाला ईश्वर की स्तिपत।

मुक्कवस (مكّوس) अ वि-वह चाञ्च जो धनुष की भांति
ढेबा हा मुका हुआ, नमित।

मुक्कवी (مكّوي) अ वि-गक्ति देनेवाला बलवद्धक
काम गक्ति बगानेवाला पुष्टिकर कामवद्धक।

मुक्कवीए आसाव (مكّوي اصاب) अ वि-रगा और पट्टो
को गक्ति देनेवाली दवा।

मुक्कवीए याह (مكّوي ياه) अ वि-मयुनवल और काम
गक्ति को बगानेवागी ओपधि कामवद्धक।

मुक्कगार (مكّسر) अ वि-छिलना उतरा हुआ।

मुक्कस्तर (مكّسر) अ वि-कम किया हुआ छाटा किया हुआ।

मुक्कस्तर (مكّسر) अ वि-टूटा हुआ टुकड़-टुकड़े किया हुआ।

मुक्कस्तर (مكّسر) अ वि-अधिक विचा हुआ दा असमान
सख्याओं का गुणफल।

मुक्कस्तर (مكّسر) अ वि-ताडनेवाला टुकड़े-टुकड़े करने
वाला।

मुक्कस्तर (مكّسر) अ वि-क्रम करनेवागा छाटा करने
वाला घुटि करनेवाला गल्पी करनेवागा।

मुक्कहहल (مكّهل) अ वि-आसा में गुमा लगीये हुए
गुमा लगी हुई आँखें।

मुक्कअर (مكّهر) अ वि-बाहरा अबाह गन गडा
भीवरी सल का सावगा हो।

मुक्कातअ (مكّاطع) अ पु-बाटना खडन करना।

मुक्कातवत (مكّات) अ स्त्री-परस्पर पत्र व्यवहार आपस
को सनाकिनावत।

मुक्कातल (مكّات) अ पु-एक-दूसरे को बंध करना
परस्पर मारकाट युद्ध सभ्रान जग।

मुक्कातिड (مكّاتيل) अ वि-बधिक हियक इत्ल करनेवाला।

मुक्काते (مكّاطع) अ वि-बाटनेवाला बिच्छदेक ठका
लनेवागा ठकेगर।

मुक्काक़ात (مكّاقات) अ स्त्री-बुराई का बला प्रत्य
पकार पागण्ड गुनाह की सबा।

मुक्कावर (مكّاور) अ पु-परस्पर अपने को दूसरे ध बडा
बडाना या साबित करना, कलह, युद्ध लड़ाई।

मुक्काबल (مكّابله) अ पु-आमना-सामना, समुसदा,

सामानता, बराबरी उद्दता सरवगी सम्बधा कम्पी
टीशन प्रतियोगिता, पाच का मुकाबला, नकल का अस्त
पुस्तक या लेख से मिलान।

मुक्काबलतन (مكّابله) अ अर्थ-मुकाबले में अपेक्षा।

मुक्काबिल (مكّابيل) अ वि-प्रत्यक्ष समुख, सामने समान
बराबर सदाग मिसल विराधी धरी, प्रतिगडा ग़ीब।

मुक्काम (مكّام) अ पु-दर तक ठहराव, क्रियाम।

मुक्कामी (مكّامي) अ वि-मुक्काम से सम्बध रखनवागा।

मुक्कारनत (مكّارنت) अ स्त्री-एक स्थान पर एकत्र होना
इकठठा होना दोग्रहा का एक रागि में एकत्र होना।

मुक्कारबत (مكّارنت) अ स्त्री-शरीव होना समीप होना,
समीपता नज्दीकी।

मुक्कारिन (مكّارين) अ वि-एकत्र इकठठा एक जगह।

मुक्कारिव (مكّاروب) अ वि-समीप होनेवाला।

मुक्कालम (مكّالمة) अ पु-वातालाप परस्पर बातचीत
सवाद कथापकथन, डायलाग।

मुक्कालमनवीस (مكّالمة موسي) अ फा वि-नाटक आर्गि
म डायगग लिखनवाला सवाद लेखक।

मुक्कालमनवीसी (مكّالمة موسي) अ फा स्त्री-सवाद
लिखना।

मुक्कावमत (مكّارومت) अ स्त्री-किसी के साथ बराबर
करना।

मुक्कावल (مكّاوله) अ पु-परस्पर कौल-करार, मुआह
डेका।

मुक्कागफ (مكّاعف) अ पु-आत्मगक्ति द्वारा वह कु
देखना, जो दूसरे नहीं देख सकते, खुल तौर पर शरव
करना खुलमखुल्ला लड़ाई लडना।

मुक्कागफ़ात (مكّاعفات) अ पु-मुक्कागफ का बह, शि
दुष्टि के गान।

मुक्कागहत (مكّاعفت) अ स्त्री-विराध वर रागता।

मुक्कासमत (مكّاعفت) अ स्त्री-परस्पर बटवारा बला
आपस में बाटना।

मुक्कासात (مكّاعفات) अ स्त्री-दुरा उठाना कष्ट शरना।

मुक्किय [ख] (مكّيك) अ वि-मुह के बल आंगा मिल
अथवा गिरानेवाला।

मुक्किय [र] (مكّير) अ वि-इकार करनेवाला बचन देव
वाला वादा करनेवागा।

मुक्किल [स्त] (مكّيل) अ वि-भिगुव मपना बम
करनेवाला।

मुक्की (مكّي) अ वि-वह आपधि जिसने साने रा क हो
बधि।

मुकीत (مكيت) अ वि—अन्नदाता, रोजी देनेवाला, वलवान्, ताकतवर, रक्षक, रखवाला; साक्षी, गवाह, साक्षी, उपस्थित, हाजिर।
 मुकीद (مكيد) अ वि—छली, वचक, फरेवी।
 मुकीम (مقيم) अ वि—थोड़े दिनों के लिए कहीं ठहरा हुआ, निवासी, रहनेवाला।
 मुकीयद (مكيد) अ वि—ब्रंदा, कैदी।
 मुकीयश (مقيش) अ पु—दे 'मुकैश'।
 मुकीकब (مكوكب) अ वि—वह चीज जिस पर सितारे जड़े हो, वह चीज जिस पर सुनह्ल या रुपहले चाँद-तारे वने हो, जिसमें सोने-चाँदी की सलाखे गड़ी हो।
 मुकैश (مقيش) फा पु—चाँदी-सोने के चौड़े तार, इन तारों का बना हुआ कपडा।
 मुकैशी (مقيسي) फा वि—बादले का; जरी का, सोने-चाँदी के तारों का।
 मुक्तजब (مقصد) अ वि—फाटा हुआ, दे 'वह्ले मुक्तजब'।
 मुक्तजा (مقصد) अ वि—तकाजा, माँग, इच्छा।
 मुक्तजाए उम्र (مقصد) अ वि—आयु की माँग, उम्र का तकाजा।
 मुक्तजाए फिन्नत (مقصد) अ वि—स्वभाव का तकाजा।
 मुक्तजाए वक्त (مقصد) अ वि—समय की माँग, समय का आदेश।
 मुक्तजाए शराफत (مقصد) अ वि—सज्जनता का तकाजा।
 मुक्तजाए सिन (مقصد) अ वि—दे. 'तकाजाए उम्र'।
 मुक्तजिव (مقصد) अ पु—काटनेवाला।
 मुक्तजी (مقصد) अ वि—माँग करनेवाला, तकाजा करनेवाला, स्वाहाँ, इच्छुक।
 मुक्ततम (مقصد) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।
 मुक्तवर (مقصد) अ वि—अधीन, वशीभूत।
 मुक्तदा (مقصد) अ वि—जिसका सब लोग अनुकरण करे, अग्रसर, नेता, पूज्य, श्रेष्ठ।
 मुक्तदाए कौम (مقصد) अ पु—राष्ट्र का नेता, कौम का रहनुमा।
 मुक्तदिर (مقصد) अ वि—सत्तावान्, इन्तितदारवाला।
 मुक्तदी (مقصد) अ वि—जो अनुकरण करे, अनुयायी, अनुकर्ता।
 मुक्तनिफ (مقصد) अ वि—एकातवासी, निवृत्त, रक्षा

का स्थान हूँटनेवाला।

मुक्तनिस (مقصد) अ वि—गिकार करनेवाला, वदी बनानेवाला, कमानेवाला।
 मुक्तफी (مقصد) अ वि—पर्याप्त, काफी, पूरा।
 मुक्तफ्री (مقصد) अ वि—पीछे से आनेवाला।
 मुक्तर [र] (مقتر) अ वि—दरिद्र, कगाल, भिक्षुक, फकीर।
 मुक्तसब (مقصد) अ वि—कमाया हुआ, उपार्जित।
 मुक्तसिव (مقصد) अ वि—कमानेवाला, उपार्जन करने वाला।
 मुक्तसिर (مقصد) अ वि—कम करनेवाला।
 मुक्तसी (مقصد) अ वि—कवल ओढ़नेवाला, कवल वगल में रखनेवाला, कपड़े पहननेवाला।
 मुक्तहिम (مقصد) अ वि—अत्याचारी, जालिम, विजेता, गालिव; धारण करनेवाला।
 मुक्नत (مقصد) अ स्त्री—शक्ति, ताकत, धनाढ्यता, मालदारी; सामर्थ्य, कुद्वत।
 मुक्विल (مقصد) अ वि—स्वीकार करनेवाला, किसी की ओर मुँह करनेवाला, भाग्यशाली, समृद्ध।
 मुक्फी (مقصد) अ वि—काफी, पर्याप्त।
 मुक्की (مقصد) अ वि—पढानेवाला, अध्यापक।
 मुक्ल: (مقصد) अ पु—आँख का ढेला गोलक।
 मुक्ल (مقصد) अ स्त्री—गूगल, एक प्रसिद्ध गोद।
 मुक् [खल] (مقصد) अ पु—मज्जा, हड्डी का गूदा, मस्तिष्क, भेजा, सार, तत्त्व, खुलासा।
 मुक्जब (مقصد) अ वि—जिसने खिजाव किया हो।
 मुक्त्त (مقصد) अ वि—धारीदार, जिस पर धारियाँ हो, वह चेहरा जिस पर दाढ़ी के बाल निकल आये हो।
 मुक्दर: (مقصد) अ वि—पर्दे में रहनेवाली स्त्री।
 मुक्दर (مقصد) अ वि—जो सुन्न हो गया हो।
 मुक्दरात (مقصد) अ स्त्री—पर्दे में रहनेवाली महिलाएँ, बड़े घर की पर्दा नशीन औरते।
 मुक्दिर (مقصد) अ वि—सुन्न कर देनेवाली दवा।
 मुक्न्नस (مقصد) अ पु—जो न मर्द हो न स्त्री; नरद्वारा, नपुंसक, हीजडा।
 मुक्पफ (مقصد) अ वि—जिसमें तहफीफ अर्थात् कमी हुई हो, वह शब्द जिसमें कुछ अक्षर कम कर दिये गये हो, जैसे—'माह' का 'मह'।
 मुक्म्मर (مقصد) अ वि—जिसका खमीर उठाया गया हो, खमीर उठा हुआ।
 मुक्म्मस (مقصد) अ पु—वह नज्म जिसमें हर वद में पाँच-पाँच मिले हो।

मुलम्यल (مضامین) अ पु-साचा हुआ विचार हुआ, कपना किया हुआ कल्पित मस्तिष्क दिमाग।
 मुलम्यिर (مصدر) अ वि-मुकनहस्त बनाय, दानगिल, सखा फयान।
 मुलम्यिल (مضيلة) अ स्त्री-विचार गक्ति सयाल का कुन्वत कल्पना गक्ति कुन्वत मुतखयिल।
 मुलरब (مصرف) अ वि-ध्वस्त गट्ट बरवाद।
 मुलरिब (مصرف) अ वि-ध्वस्तकारी बरवा करणे वाला।
 मुलरिबे अल्लाक (مصرف احراق) अ वि-अल्लाक और आचरण को खराब करनेवाला।
 मुलरिबे आ'माल (مصرف اعمال) अ वि-आचरण को दूषित करनेवाला बुरा काम।
 मुललखल (مخلخل) अ वि-बहु धीज जिसने टुकटे परस्पर मिने और जुडे हुए न हा जिनके बीच म कुछ अंतर हो।
 मुललद (مخلد) अ वि-नित्य हमेगा नश्वर दवाभी।
 मुलला (مخلع) अ वि-जिसे खिलअत दी गयी हो।
 मुलला (مخلی) अ वि-रिक्त किया हुआ खाली किया हुआ स्वच्छद छोडा हुआ स्वतन।
 मुललाकित्तब (مخلی بالطلع) अ वि-जिसे उसके मन पर स्वच्छद छोड दिया गाय वेतकल्लुफ।
 मुलवक (مصرف) अ वि-भयभीत डरा हुआ डराया हुआ।
 मुलाविक (مصرف) अ वि-डरानेवाला नासक।
 मुलसस (محصص) अ वि-मम्सूस निसके साथ कोई खुसूसियत बरती गयी हो प्रधान।
 मुलात (مضاत) अ स्त्री-नाता-सख नाक।
 मुलातब (مضاطنة) अ पु-सम्बोधन कित्ती का जोर मह करणे उससे बात करना।
 मुलातब (مضاطب) अ वि-सम्बोधित जिससे बात की जाय।
 मुलातबात (مضاطات) अ पु-मुलातब का बहु परस्पर बात-नीत पनव्यवहार खतावितावत।
 मुलातर (مضاطورة) अ पु-भय गका खत्रा।
 मुलातिब (مضاطب) अ वि-सम्बोधन कर्ता वाग्ने वाला बात करनेवाला।
 मुलादअत (مضاد) अ स्त्री-छल मन धान्वा।
 मुलादे (مضادع) अ वि-छगी बचक फरेवा।
 मुलाफतत (مضادتب) अ स्त्री-धारे धीर पढना।
 मुलाती (مضاطی) अ वि-अराध करनवाला खताकार

विगडा हुआ बलगम जा नाक के रेट व समान हो जाता है।
 मुला'आत (مضامات) अ पु-'मुला'अत' का ब' छल, धाने फरेव।
 मुलालतत (مضالطت) अ स्त्री-यनिष्ठता, बहुत अधिक मल जाल, प्रेम-व्यवहार।
 मुलालफत (مضالفت) अ स्त्री-विराध इस्तिगाफ गयुता दुस्मनी, हठ खिद, कमनस्य कगोगा।
 मुलालिफ (مضاليف) अ वि-विराधा प्रतिकूल मुलालफत करनेवाला शत्रु दुस्मन।
 मुलालिफोन (مضاليفون) अ पु-'मुलालिफ' का बहु विरोध करनेवाले विरोधी गण शत्रुगण दुस्मन लोग।
 मुलासमत (مضاممت) अ स्त्री-परस्पर खगण करना गयुता दुस्मनी परस्पर द्वेष रखना द्वेष कीना।
 मुलासिम (مضاميم) अ वि-शत्रु दुस्मन द्वेषी बुद्ध रखनेवाला।
 मुलासिमोन (مضاميمون) अ पु-'मुलासिम' का बहु, शत्रुता का दल।
 मुखिल (مخيل) अ वि-वायक खलल डालनवाला हस्तनेपी मुजाहिम।
 मुहततम (مختتم) अ वि-समाप्त खत्म आखिरी तोर पर खत्म निर्णीत।
 मुहतकी (مختعی) अ वि-मुप्त छिपा हुआ पागादा।
 मुहतम [म्म] (مختم) अ वि-मुल्लागा हुआ, महब', कुफुल लगा हुआ कुफुल व'।
 मुहतरआत (مختراعات) अ पु-'मुहतर' का बहु, आविष्कृत वस्तुए।
 मुहतर' (مختراع) अ पु-आविष्कृत ईजाद की हुई चीज।
 मुहतरै (مختراعی) अ वि-आविष्कारक मूजिद कारि नयी उपज करनेवाला नयी बात निकालनेवाला।
 मुहतर [स्ल] (مختل) अ वि-दूषित बिहृत विगडा हुआ अस्त-व्यस्त गटबड।
 मुहतरत (مختلط) अ वि-जिसके साथ प्रम-व्यवहार हो मिलाजुला गडमड।
 मुहतरफ (مختلف) अ वि-जिससे विरोध हो।
 मुहतरफकीह (مختلفه) अ वि-जिस विषय में मतभद हो विवादयस्त।
 मुहतरलित (مختلط) अ वि-मेल जाल रखनेवाला।
 मुहतरलिफ (مختلف) अ वि-विभिन्न दूहरे प्रकार का अय दूसरा पयक जलग।
 मुहतरलिफ मिबाज (مختلف مباح) अ वि-मुल्लिफ मिबाज।

मुहल्लिफुत्तवाए' (مختلف الطوائع) अ वि-विभिन्न प्रकृतियोंवाले, विभिन्न स्वभावोंवाले।
 मुहल्लिफुत्तमद्दुन (مختلف التمدن) अ. वि-जिनकी सस्कृतियाँ भिन्न-भिन्न हों, जिनका रहन-सहन एक-जैसा न हो।
 मुहल्लिफुत्तहबीब (مختلف التهذيب) अ. वि-जिनकी सम्यताएँ अलग-अलग हों।
 मुहल्लिफुत्तस्ल (مختلف النسل) अ वि-भिन्न-भिन्न नस्लों के, भिन्न-भिन्न जातियों के।
 मुहल्लिफुत्तौअ (مختلف النوع) अ वि-जिनके प्रकार अलग-अलग हों, जो एक-जैसे न हों।
 मुहल्लिफुत्तअकाइद (مختلف العقائد) अ वि-जिनके मत और विचार जुदा-जुदा हों, जिनके धर्म विचार एक न हों।
 मुहल्लिफुत्तअकाल (مختلف الأشكال) अ. वि-जिनकी आकृतियाँ विभिन्न हों।
 मुहल्लिफुत्तमिजाज (مختلف السراجه) अ वि-जिनके स्वभाव एक-दूसरे से अलग हों।
 मुहल्लिफुत्तहवास (مختلف الحواس) अ वि-जिसका मस्तिष्क दूषित हो, विक्षिप्त, पागल, खन्तुलहवास।
 मुहल्लि [स] (محصن) अ. वि.-खास, मखसूस, विशेष।
 मुहल्लिसर (محصن) अ वि-सक्षिप्त, सार रूप, खुलासा, न्यून, थोड़ा।
 मुहल्लिसरन (محصن) अ. वि-सक्षिप्त रूप में, संक्षेपत।
 मुहल्लिसरनवीस (محصن رويس) अ. फा. वि-सक्षिप्त लिपिक, सकेत लिपिक।
 मुहल्लिसरनवीसी (محصن رويسى) अ फा स्त्री-सक्षिप्त लिपि, सकेत लिपि, शार्टहूड।
 मुहल्लिस्तुलमक़ाम (محصن السقام) अ वि-किसी विशेष स्थान पर आसीन, प्रतिष्ठित, पूज्य।
 मुहल्लितार (مختار) अ वि-स्वतंत्र, आजाद, स्वच्छद, खुद-राय, अधिकर्ता, एजेंट, कलक़ट्टी में वकील से कम दर्जे का वकील, किसी जागीर आदि का व्यवस्थापक।
 मुहल्लितारनामः (مختار نامه) अ फा पु-वह पत्र जिसमें निगों को मुहल्लितार बनाने का लिखित प्रमाण हो।
 मुहल्लितारी (مختارى) अ. स्त्री-कलक़ट्टी और तहसील में वकालत का काम, जो वकील के दर्जे से कम होता है।
 मुहल्लितारे आम (مختار عام) अ पु-वह मुहल्लितार जिसे किसी रिवाजत में नारे अधिकार प्राप्त हों।
 मुहल्लितारे फार (مختار كاره) अ फा वि-काम करने का अधिकारी, कर्मचारी, कारिदा।

मुहल्लितारे कुल (مختار كل) अ पु-दे 'मुहल्लितारे आम'।
 मुहल्लितारे खास (مختار خاص) अ पु-वह मुहल्लितार जिसे केवल किसी विशेष काम के लिए रखा गया हो।
 मुहल्लितारे मुल्लक (مختار مطلق) अ पु-दे 'मुहल्लितारे आम'।
 मुहल्लिताल (مختال) अ वि-अभिमानी, अहकारी, घमडी।
 मुहल्लिती (مختلى) अ वि-अपराधी, दोषी, कुसूरवार।
 मुहल्लिनक़ (مختق) अ वि-जिसका गला घोंटा गया हो, गला घोटकर मारा हुआ।
 मुहल्लिबर (مختبر) अ पु-किसी विशेष बात की खबर देने-वाला: गुप्तचर, जासूस।
 मुहल्लिबरी (مختبرى) अ स्त्री-जासूसी, गुप्त चर्या, सूची-कर्म।
 मुहल्लिबरे सादिक (مختبر صادق) अ पु-सच्ची खबर देने-वाला, रसूल की उपाधि।
 मुहल्लिज (مخترج) अ वि-निकालनेवाला, निष्कासक।
 मुहल्लिस (مختص) अ वि-जिसमें कोई वनावट न हो, निश्छल, सद्भावक।
 मुहल्लिसानः (مختصانه) अ फा वि.-निश्छलतापूर्ण, सच्चाई के साथ।
 मुहल्लिसी (مختصى) अ. स्त्री.-निश्छलता, इखलास, छुट-कारा और मुक्ति के अर्थ में यह शब्द बोलना अशुद्ध है, वह 'मखलसी' है, दे 'मखलसी'।
 मुग (مغ) फा पु-अग्नि-पूजक, आतशपरस्त, शराव पिलानेवाला, साकी।
 मुगन्नियः (مغنيه) अ स्त्री-गानेवाली, गायिका, गायकी।
 मुगान्नी (مغنى) अ पु-गानेवाला, रागी, गायक।
 मुगबचः (مغ بچه) फा पु-उर्दू साहित्य में साकी का वह सुंदर लडका जो शराव पिलाता है।
 मुगय्यर (مغير) अ वि-परिवर्तित, बदला हुआ।
 मुगय्यिर (مغير) अ वि-परिवर्तन कर्ता, बदलनेवाला।
 मुगर्रा (مغرا) अ वि-जो अचभे में पड गया हो, चकित, निस्तब्ध, जो सरेस से चिपकाया गया हो।
 मुगल (مغل) तु पु-तुर्किस्तान का निवासी, तुर्क, इसका शब्द उच्चारण 'मुगुल' है, परतु उर्दू में यही है।
 मुगलजादः (مغل زاده) तु फा पु-तुर्क का लडका; तुर्की, मुगुल।
 मुगल्लज (مغلط) अ वि-गाढा, गलीज, गदी गाली।
 मुगल्लजात (مغلطات) अ स्त्री-गदी गालियाँ।
 मुगल्लिज (مغلط) अ वि-गाढा करनेवाला, धातु को गाढा करनेवाली दवा।

मुगल्लिजात (مغلطاب) अ स्त्री - वै दवाएँ जा धातु को गाता करती है।
 मुगल्लिजे मनी (مغلط مनी) अ पु - वीय का गाढा करने वाली ओपधि।
 मुगल्लिजे माह (مغلط مراه) अ पु -> मुगल्लिजे मनी।
 मुग्रा (مغرا) फा पु - अग्निपूजक आतंगपरस्त शराब पिानेवाला साकी।
 मुग्राइर (مغراير) अ वि - प्रतिकूल मुखालिफ, वेगाना अनजान।
 मुग्रावरत (مغراوير) अ स्त्री - एक-दूमरे के साथ वेवफाई और नूरता का व्यवहार करना नूरता वेवफाई।
 मुग्रादिर (مغراير) अ वि - नूरता और वेवफाई करनेवाला।
 मुग्राण (مغراण) फा वि - आतंगपरस्तो जसा मा शूक जसा।
 मुग्रावरत (مغراوير) अ स्त्री - बगानापन अनजानपन गरियत प्रतिकृता नामुआफकत।
 मुगालत (مغالطه) अ पु - बोला, छल फरेव भ्रम वहम श्रुति भूल सदेह गुमहा।
 मुगालत विही (مغالطه في) अ फा स्त्री - धोया देना, बचना छपी।
 मुगौल (مغول) अ पु - द मुगाला।
 मुगौल (مغول) अ पु - बरूल का पेड़ बीकर।
 मुगौस (مغوس) अ वि - कर्पा सुनोवाला दुटाई मुनने वाग सायनता।
 मुगुल (مغول) तु प - तुक तुकिस्तान का निवासी मुगल उम मुगल बालते है।
 मुगुर (مغور) अ वि - उटनेवाला गारत करनेवाला, दस्यु डाकू।
 मुगुतबी (مغولتي) अ वि - बुराक पानेवाग।
 मुगुतनम (مغولتنام) अ स्त्री - गनीमत स्त्री बाचक गताफ गि।
 मुगुतनम (مغولتنام) अ वि - गनीमत जा सब म स अच्छा है। यद्यपि बहुत अच्छा न है परंतु बान्म में बान्म अच्छा व स्थान पर ही बाग्त है।
 मुगुतनमात (مغلطاب) अ वि - वै लाग जा बच हुए लोग म स धनीमल है।
 मुगुनी (مغولتي) अ वि - गमुदि और गपप्रता देनेवाला इतर का एक नाम।
 मुगुबर (ر) (مغور) अ वि - मगमला गाकी रग का पुमण।
 मुगुल (مغول) अ वि - यह पर जिन दस्ताव ब है।

वह कलाम जिसका समझना मुश्किल है, गूठ कट।
 मुगुलिम (مغوليم) अ वि - गुतामयुनिक बच्चवाज।
 मुगुबिय (مغوليه) अ स्त्री - कुमाम पर ल जानेवाली, म कानवागी, इगवा करनेवाली।
 मुगुबियाण (مغوليه) अ वि - इगवा करनेवाला जमा।
 मुगुबी (مغولي) अ वि - इगवा करनेवाला बहकानेवाला।
 मुगुसिल (مغوليل) अ वि - नहलानेवाला स्नान कराने वाला।
 मुचल्वा (محلوا) तु पु - वह प्रतिनापत्र जा अपराधी को ओर से इस बात के लिए हो कि यदि वह फिर अपराध करेगा तो इतने रुपये देगा।
 मुजअअद (مجدد) अ पु - चौटी बाध हुए मुध हुए बाउ।
 मुजबकर (مجدكر) अ वि - नर पुएण प्राणी पुलिग मेल।
 मुजबका (مجدكي) अ वि - वह माल जिसकी जवात निकल गयी हो पवित्र पाक मुद्ध।
 मुजछफ (مجدوف) अ पु - वह सूटी बात जा सब जान पडे बनावट की बात बकवात अनयक गप।
 मुजछफात (مجدوفات) अ प्रत्य - मुजछफ का बहु शग वातें बकवास।
 मुजज्जा (مجدرا) अ वि - जुज जुज किया हुआ, टुकड़-टुकड़ किया हुआ।
 मुजहिद (مجدد) अ पु - सुरानी चीज का नय सिरे स बनाने वाला सुधार करनेवाला सुधारक, रिफार्मर, वह ध्यति जो इस्लाम धर्म में सुधार करे।
 मुजहिदन (مجددا) अ वि - नय सिरे स, फिर स।
 मुजफफ (مجدف) अ वि - गुवाया हुआ खान किया हुआ।
 मुजफर (مجدفر) अ वि - विजेता विजित, जीता हुआ।
 मुजफिफ (مجدف) अ वि - मुकानेवाला, मुक बल वाला।
 मुजगदब (مجدب) अ वि - प्रविषा में पडा हुआ टाँबाडाँ अनिधायित।
 मुजगम (مجدم) अ पु - वह रस्मी जो पात्रे की पिछाटी क गाय बंधने है डोट डफ गामाती।
 मुजय्यन (مجدون) अ वि - गुगतित्र श्रुगारित आरास्ता।
 मुजय्यह (مجدب) फा वि - गुगुर, गाभिन गुन दवन जवा।
 मुजय्यन (مجدون) अ वि - गगानवाग आरास्ता करनवाला।
 मुजरद (مجدرد) अ वि - सकारी अनेला अधिपति शर शागीण बट फकार जो विवाह न करे वह बगु त्रिगवा सम्बन्ध पच भूत न न है।

मुजर्र (مجرر) अ. वि—वह बात जो आजमायी जा चुकी हो, अनुभूत, परीक्षित, वह दवा जो परीक्षित हो।
 मुजर्रवात (مجررات) अ. पु—आजमाई हुई दवाएँ या नुस्ते, अनुभूत योग।
 मुजल्लद (مجلد) अ. वि—जिल्द बँधी हुई पुरतक, सजिल्द।
 मुजल्लफ (مجلف) फा. वि—जुतफोवाला, जुफे बिखरे हुए।
 मुजल्ला (مجلل) अ. वि—प्रकाशमान, दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन; जिसे माँजकर या सैकल करके चमकाया गया हो।
 मुजल्ली (مجللي) अ. वि—रौशन करनेवाला, प्रकाशक।
 मुजव्वजः (مجدور) अ. वि—निश्चित, तँ किया हुआ, निर्णयित।
 मुजव्वज (مجدور) अ. वि—दे 'मुजव्वज'।
 मुजव्वफ (مجدوف) अ. वि—अन्दर से खाली, खोखला, सुपिर।
 मुजव्विज (مجدور) अ. वि—तज्ज्वीज करनेवाला, निर्णय करनेवाला, निर्णयता।
 मुजव्विजीन (مجدورين) अ. पु—निर्णय करनेवालो की मडली, निर्णायक-मंडल।
 मुजव्विजे कानून (مجدورقانون) अ. पु—कानून बनानेवाला, विधायक।
 मुजस्तम (مجدسم) अ. पु—प्रतिमा, मूर्ति, स्टेचू; रूप, आकृति, शकल।
 मुजस्तम (مجدسم) अ. वि—साकार, मूर्तिमान्, साक्षात्, (शरीर के साथ)।
 मुजहहब (مجدهب) अ. वि—सोने का काम किया हुआ, सोना मढा हुआ, सोने का पानी चढा हुआ।
 मुजाअफ (مضايف) अ. वि—दूना, दोचद, द्विगुण।
 मुजाकरः (مداكره) अ. पु—आपस की बातचीत, वार्तालाप, चर्चा, जिक्क।
 मुजाकरात (مداكرات) अ. पु—'मुजाकर' का वह, आपस की बातचीत।
 मुजाज (مجاار) अ. वि—जिसे इजाजत प्राप्त हो, जो कोई काम करने का अधिकारी हो, प्राधिकारी, अथार्टी।
 मुजादलः (مجادله) अ. पु—युद्ध, लड़ाई, वाद-विवाद, मुवाहसा।
 मुजादिल (مجادل) अ. वि—युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
 मुजानसत (مجانست) अ. स्त्री—एक जिस का होना, जैसे—आदमी होना या पशु होना।
 मुजानिस (مجانيس) अ. वि—हमजिस, हमकौम।
 मुजाफ (مجااف) अ. वि—जोडा गया, मिलाया गया, निस्वत किया गया।
 मुजाफ इल्लह (مجااف اليه) अ. पु—जिससे जोडा या मिलाया

गया, जिसकी ओर निस्वत की जाय, जैसे—रमेज का घोडा, इसमे घोडे की निस्वत रमेज की ओर है, इसलिए रमेज 'मुजाफ इल्लह' है, और घोडा 'मुजाफ' है।
 मुजा'फर (مجرر) अ. पु—एक प्रकार का मीठा पुलाव जिसमे केनर पडता है।
 मुजाफात (مضافات) अ. पु—'मुजाफ' का वह, निस्वते, नगर आदि का आस-पास का इलाका।
 मुजाफाते शह (مضافات شهر) अ. पु—नगर के आस-पास का इलाका।
 मुजाव (مدااب) अ. वि—पिघला हुआ।
 मुजाव (مجااب) अ. वि—जवाव दिया हुआ, उत्तरित।
 मुजामअत (مجامعت) अ. स्त्री—मभोग, सहवास, मैथुन, रति, हमविस्तरी।
 मुजामे (مجامع) अ. वि—मैथुन करनेवाला, रति-क्रीटक।
 मुजायकः (مضايقه) अ. पु—आपत्ति, कवाहत्, हानि, हरज, समय की तगी।
 मुजारवत (مجاوريت) अ. स्त्री—किसी को व्यवसाय के लिए इस शर्त पर माल देना कि लाभ में साझा रहेगा।
 मुजारे' (مضاوع) अ. वि—सदृश, मिस्त; साक्षी, शरीक, वह क्रिया जिसमे वर्तमान और भविष्य दोनों काल पाये जायँ।
 मुजारे' (مزارع) अ. वि—कृषक, किसान, काश्तकार।
 मुजालसत (مجالست) अ. स्त्री—परस्पर एक जगह बैठना, साथ-साथ बैठना।
 मुजावजत (مجاورحت) अ. स्त्री—विवाह, निकाह, व्याह।
 मुजावरत (مجاورب) अ. स्त्री—पड़ोस, प्रतिवास, हम-सायगी।
 मुजावलत (مجاورلت) अ. स्त्री—किसी काम को बराबर करना, मस्क, अम्यास।
 मुजाविर (مجاور) अ. वि—प्रतिवेशी, पडोसी, किसी दरगाह आदि का खिदमतगी।
 मुजाविरी (مجاوري) अ. वि—मुजाविर का पेशा, दरगाह आदि की सेवा।
 मुजाहकः (مضاحكه) अ. वि—आपस में हँसी-दिल्लगी करना।
 मुजाहदः (مجاوده) अ. पु—तपस्या, इवादत, इद्रिय-निग्रह, नपसकुशी, पराक्रम, जाँफिशानी।
 मुजाहमत (مجاومت) अ. स्त्री—हस्तक्षेप, दखलअदाजी, रोक-टोक, मनाही।
 मुजाहरः (مجاهره) अ. पु—राज से किसी माँग के लिए लोगो का सामूहिक रूप में नारे आदि लगाना और जुलूस निकालना, प्रदर्शन करना।

मुजाहिद (مجاهد) अ वि—पराक्रमी प्रयत्नशील, कोशिश करनेवाला, विधर्मियों से युद्ध करनेवाला।
 मुजाहिदान (مجاهدين) अ वि—मुजाहिदा की तरह।
 मुजाहिदीन (مجاهدين) अ पु—मुजाहिद का बहु, विधर्मिया से लड़नेवाले याद।
 मुजाहिम (مجاهم) अ वि—मुजाहमत करनेवाला, हस्तक्षेप करनेवाला रोक-टोक करनेवाला।
 मुजिर [र] (مُجِر) अ वि—हानिकर, नुकसानदेह।
 मुजिर सेहत (مُجِر صِحَّة) अ पु—स्वास्थ्य के लिए हानिकारक अनारोग्य अपय्य।
 मुजिल [ल] (مُجِل) अ वि—गुमराह करनेवाला।
 मुजीअ (مُجِيع) अ वि—नष्ट करनेवाला बरबाद करने वाला विनाशक।
 मुजीब (مُجِيب) अ वि—जवाब देनेवाला उत्तरदाता स्वीकार करनेवाला।
 मुजीब (مُجِيب) अ वि—पिघलानेवाला।
 मुजीबुद्दाघात (مُجِيبُ الدَّاهِيَاتِ) अ पु—दुआएँ स्वीकार करनेवाला ईश्वर।
 मुजील (مُجِيل) अ वि—झाड़ल करनेवाला निवारक नष्टकर्ता।
 मुजयन (مُجَيْن) अ वि—सुसज्जित शृंगारित आरास्ता।
 मुजइफ (مُجِيف) अ वि—कमजोर करनेवाला शक्तिहीन करनेवाला।
 मुजइफे बाह (مُجِيفَةُ الْبَاهِ) अ वि—कामाग्नि को कम करनेवाली दवा या गिजा।
 मुजरा (مُجْرَا) अ पु—लोथडा मासपिंड।
 मुजराए गोप्त (مُجْرَاةُ الْغَوِثِ) अ फा पु—मासपिंड शस्त का लोथडा।
 मुज्रामिल (مُجْرَامِل) अ वि—कुरान की एक सूरात।
 मुजरात (مُجْرَابَات) अ पु—थाग अल्प यून।
 मुजतवा (مُجْتَبَا) अ वि—सम्मानित प्रतिष्ठित बुजुग।
 मुजतमा (مُجْتَمَع) अ वि—एकत्र इकट्ठा एक जगह।
 मुजतम (مُجْتَمِع) अ वि—एकत्र करनेवाला इकट्ठा करनेवाला इकट्ठा होनेवाला।
 मुजतर [र] (مُجْتَر) अ वि—व्यातुल वेचन बेबम शपार।
 मुजतरिब (مُجْتَرِب) अ वि—व्यातुल आतुर वचन अधीर बमत्र घबराया हुआ।
 मुजतरिबान (مُجْتَرِبَان) अ फा वि—व्यातुल जमा व्यातुलतापूण।
 मुजतरिबुलहाल (مُجْتَرِبُ الْحَالِ) अ वि—घबराया हुआ उन्मिन्न परेगान।

मुज्तस [स] (مُجْتَس) अ वि—उमूलित जड़ से उताडा हुआ, दे 'बह्ने मुज्तस।
 मुज्तहिद (مُجْتَهِد) अ पु—परिश्रमी, वाशिश करनेवाला, धार्मिक विषयो में विवेकपूण निगय करनेवाला, शीखा सम्प्रदाय का खालिम।
 मुजद (مُجْد) फा पु—गुम सूचना गमसवाद सुगावबरी।
 मुजद बाद (مُجْد بَاد) फा वा—मुबारक हो घयवा।
 मुजद (مُجْد) फा स्त्री—पारिश्रमिक, मजदूरी, भूति।
 मुजदगानी (مُجْدِغَانِي) फा स्त्री—सुगावबरी लाने का पुरस्कार।
 मुजदवर (مُجْدِبَر) फा वि—कमकार श्रमिक, मजदूर।
 मुजदहम (مُجْدِهْم) अ वि—जीड के रूप में आया हुआ।
 मुजदहिम (مُجْدِهْم) अ वि—भीड करनेवाला।
 मुजदूर (مُجْدُور) फा पु—श्रमिक, कमकार भूतिक मजूर।
 मुजदूरी (مُجْدُورِي) फा वि—भूति पारिश्रमिक।
 मुज्जिब (مُجْجِب) अ वि—पापी पातकी गुनाहगार।
 मुज्वत (مُجْجِط) अ पु—मेमारियल, प्रायनापत्र।
 मुज्जर (مُجْجِر) अ वि—गुप्त छिपा हुआ, पाशीग।
 मुज्जल (مُجْجَل) अ वि—सक्षिप्त साररूप, मन्तसर।
 मुज्जहिल (مُجْجِئِل) अ वि—कलात थान्त गिषिल अपसुद।
 मुज्जामलह (مُجْجَامِلِه) अ वि—वह बात जिस पर सब सहमत हा सवमाय।
 मुजिमन (مُجْجِمِن) अ वि—दर का वसा हुआ पुराना, बहूत दिनी का।
 मुजिर (مُجْجِر) अ वि—छिपानेवाला, शापक।
 मुज्रा (مُجْجِرَا) अ पु—जारी किया हुआ बहाया हुआ, शीर यकिया का बडे आदमिया को प्रणाम मिनहा बडा, रडी का वह गाना जो बठकर हो।
 मुज्राई (مُجْجِرَائِي) अ फा वि—मुजरा करनेवाला सलाम करनेवाला।
 मुजिम (مُجْجِم) अ वि—अपराधी दोषी कुसूरवार।
 मुजिमान (مُجْجِمَان) अ फा वि—अपराधिया बडा अपराधपूण।
 मुजिम आदी (مُجْجِمِ عَادِي) अ पु—वह अपराधी जो अपराध करने का व्यसनी हा।
 मुजिल्ल (مُجْجِلِل) अ वि—फिस्लानवात्रा।
 मुजिलम (مُجْجِلِم) अ वि—अंधियारा तारोक समिल।
 मुजहिक (مُجْجِهِك) अ वि—हँसानेवाला उपहासक।
 मुजहिहात (مُجْجِهِيَات) अ स्त्री—हँसानेवाणी बीर जिह मुजवर होगी आये।

मुत्कहिर (مطهر) अ वि—जाहिर करनेवाला, प्रकट करनेवाला, कचहरी में डङ्गहार देनेवाला, गवाह, साक्षी, साखी ।

मुत्तंजन (متنجن) फा. पु.—इक किस्म का मीठा पुलाव जिसमें खटाई भी डाली जाती है, मुत्तंजन-तुरंज (नीबू) मिश्रित मीठा पुलाव ।

मुत्तअल्लिखर (مناحر) अ वि—पीछे आनेवाला, जो वाद में हुआ हों, पहले से वादवाला ।

मुत्तअल्लिखरीन (مناحرين) अ पु—वादवाले समय के लोग, पहलेवालों के वाद होनेवाले लोग ।

मुत्तअल्लिख (متعصب) अ वि.—आश्चर्य में पडा हुआ, आश्चर्यित, चकित ।

मुत्तअल्लिख (معتد) अ वि—स्वादिष्ठ, मजेदार, रोचक, दिलचस्प ।

मुत्तअल्लिखर (معتذر) अ वि—कठिन, दुष्कर, मुष्किल ।

मुत्तअल्लिखी (متناهي) अ वि—कष्टग्रस्त, क्लेश पानेवाला ।

मुत्तअल्लिख (متعدد) अ वि—बहुत, बहुत-से, अधिक, कतिपय, चद, थोड़े ।

मुत्तअल्लिखी (معتلى) अ वि—अपनी सीमा से आगे बढ़ जानेवाला, छूतदार वीमारी, सक्रामक रोग ।

मुत्तअल्लिख (معتد) अ वि—द्वेषी, शत्रु, वैरी, दुश्मन ।

मुत्तअल्लिख (متعفن) अ वि.—दुर्गंधयुक्त, बदबूदार, सडा हुआ ।

मुत्तअल्लिख (معتد) अ वि—आराधना करनेवाला; वनावटी आराधना करनेवाला ।

मुत्तअल्लिख (متامل) अ वि—असमजस में पडा हुआ, सकुचित ।

मुत्तअल्लिख (معرض) अ वि.—घटित होनेवाला, पेश आनेवाला, अर्ज करनेवाला, माँगनेवाला, याचक ।

मुत्तअल्लिख (معلقة) अ वि—सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, सपकें रखनेवाली चीज ।

मुत्तअल्लिख (متعلق) अ वि—सम्बन्धित, सवद्ध, वावस्ता, वारे में, विषय में, सम्बन्ध में; नौकर, मुलाजिम ।

मुत्तअल्लिख (متعلقات) अ पु.—सम्बन्धित वाते, वे वाते जिनका किसी विषय से सम्बन्ध हो ।

मुत्तअल्लिखीन (متعلقين) अ पु.—घरवाले, बाल-बच्चे ।

मुत्तअल्लिख (متعلم) अ पु—पाठक, पढनेवाला, छात्र ।

मुत्तअल्लिख (متعلم) अ वि—पीड़ित, दुःखित, दर्द में मुक्त्ला ।

मुत्तअल्लिख (معتود) अ वि.—व्यमनी, आदी, रूगर ।

मुत्तअल्लिख (متأسف) अ वि—अपसोस करनेवाला, पश्चात्तापी ।

मुत्तअल्लिख (متعصب) अ वि—धर्म सम्बन्धी पक्षपात करनेवाला, तगनजर, लघुचेता, जातपात या प्रांतीय पक्षपात करनेवाला ।

मुत्तअल्लिख (مناظر) अ वि.—प्रभावित, जिस पर किसी बात का असर हुआ हो ।

मुत्तअल्लिख (ممنوع) अ वि—कठिन, दुष्कर, मुष्किल ।

मुत्तअल्लिख (متعهد) अ वि.—प्रतिज्ञा करनेवाला; परिचारक, तीमारदार; जिम्मेदार, उत्तरदायी ।

मुत्तअल्लिख (مناهل) अ वि—बाल-बच्चोंवाला, विवाहित, व्याहा हुआ, वीवीवाला ।

मुत्तअल्लिख (متعاقد) अ वि—आपस में कौल-करार करनेवाला ।

मुत्तअल्लिख (متعاقدین) अ पु—वे दो व्यक्ति जिनमें परस्पर कोई कौल-करार हुआ हो ।

मुत्तअल्लिख (متعاقب) अ वि.—पीछे दौड़नेवाला, पीछा करनेवाला; पीछे से आनेवाला ।

मुत्तअल्लिख (متعارض) अ वि—एक-दूसरे का विरोध करनेवाला; ऐसी बात जो दूसरे के विरुद्ध हो ।

मुत्तअल्लिख (معداري) अ वि—कान उभेठनेवाला, मिटानेवाला; कामना पूरी करनेवाला; सफल होनेवाला; युद्ध करनेवाला; छीला हुआ ।

मुत्तअल्लिख (متعارف) अ वि—परिचित, पहचाननेवाला; शनासा ।

मुत्तअल्लिख (معال) अ वि.—ऊँचा होनेवाला, पूज्य, संमानित, प्रतिष्ठित ।

मुत्तअल्लिख (معتين) अ वि—निश्चित, मुकर्रर, नियुक्त, तईनात ।

मुत्तअल्लिख (معتد) अ वि—पहले होनेवाला, पहलेवाला ।

मुत्तअल्लिख (متقدمين) अ पु—वे लोग जो पहले गुजर चुके हैं, 'मुत्तअल्लिखरीन' का उलटा, पुराने लोग ।

मुत्तअल्लिख (مكفل) अ वि.—प्रतिभू, जामिन, पालनपोषण करनेवाला ।

मुत्तअल्लिख (متكبر) अ वि—अहंकारी, अभिमानी, घमटी, मयूर ।

मुत्तअल्लिख (متكلف) अ वि—तकल्लुफ करनेवाला ।

मुत्तअल्लिख (متكلم) अ वि.—कलाम करनेवाला, वार्तालाप करनेवाला; इल्मेकलाम जाननेवाला, मीमांसक ।

मुत्तअल्लिख (متكون) अ वि.—पंदा होनेवाला, रूप धारण करनेवाला ।

मृतकल्लिमोन (مکتلمون) अ पृ-मीमासा जाननेवाले विद्वज्जन, मीमांसक ।
 मृतकस्तार (مکتسار) अ वि-टूटनेवाला, टूटा हुआ, भंग, खटित ।
 मृतकाची (مکتاسی) अ वि-तकाजा करनेवाला मौग उपस्थित करनेवाला ।
 मृतकाविल (مکتائل) अ वि-आमने-सामने, प्रत्यक्ष, सामान ।
 मृतकारिब (مکتاریب) अ वि-समीप होनेवाला, समीप बराब द बहू मृतकारिब' ।
 मृतकासिक (مکتاسف) अ वि-ठोस, दमीज गाण, शराज ।
 मृतकव्यल (مکتفله) अ पृ-माचने का स्थान, मस्तिष्क, निमाण ।
 मृतकव्यिल (مکتفله) अ वि-विचार गक्ति, सोचने की कथ्यत कल्पना शक्ति वाहिमा ।
 मृतकवल्ल (مکتکवल) अ वि-शासला पाला सुपिर ।
 मृतकवल्लि (مکتکवल) अ वि-सुगोल सद्बत्त सदाचारी कुमुकुम्ब ।
 मृतकवल्लि (مکتکवल) अ वि-विघ्न डारनेवाला ।
 मृतकवल्लि (مکتکवल) अ वि-तखल्लुस रखनेवाला सत्कल्पमवाला ।
 मृतकवात्तिम (مکتکاصم) अ वि-गद्गु बरी दुःखन ।
 मृतकवात्तिमीन (مکتکاصمن) अ पृ-सद्गुगण बरी लोम दुःखन ।
 मृतकविद्यल (مکتکویل) अ वि-वेचल गजल करनेवाग शाइर जा गजल अधिक बहता हो और दूमरी चीजें बहुत कम ।
 मृतकविदलीन (مکتکویلین) अ पृ-गजल बहनेवाले शाइर ।
 मृतकव्यिर (مکتک) अ वि-परिवर्तित बाला हुआ विभूत विगदा हुआ ।
 मृतकवाइर (مکتکوار) अ वि-पृथक अलग जुग एक दूगरे क विरद बरअकृम ।
 मृतकव्यिर (مکتکوار) अ वि-→ 'मृतकव्यिर' ।
 मृतकव्यिर (مکتکوار) अ वि-विज किया हुआ बधिग बधिग बरा हुआ ।
 मृतकव्यिरए बाला (مکتکوار یا) अ का वि-ऊर बग हुआ पूरा बरा बधिग ।
 मृतकव्यिर (مکتکوار) अ वि-अगमब्रम म पण हुआ दुःखम म पण हुआ शाण्यमान ।

मृतकम्मिन (مکتکمن) अ वि-सम्मिलित गानिल ।
 मृतकवरर (مکتکवरر) अ वि-जिने हानि पहुंचायी गयी हो, हानिप्रस्त ।
 मृतकवरर (مکتکवरر) अ वि-हानि पहुंचानेवाला, हानि कारक ।
 मृतकवर (مکتکवर) अ वि-पूटनेवाला, निबलनेवाला, जद में से शाखा के रूप में निकलनेवाला ।
 मृतकवल्लि (مکتکویل) अ वि-हिलने-डोलनेवाला कपायमान ।
 मृतकवली (مکتکویل) अ वि-चमकनेवाला प्रकाशित होनेवाला प्रकाशमान ।
 मृतकवस्तिस (مکتکवستیس) अ वि-खोजी, जिज्ञासु तगण करनेवाला, गवेपक ।
 मृतकवाद (مکتکواد) अ वि-एक-दूसरे के विरद कयन आनि (व्यक्ति नहीं) ।
 मृतकवाविद (مکتکوار) अ वि-दूरे बड़ जानवाला, उर घन करनेवाला ।
 मृतकव्यिन (مکتک) अ वि-नियानतगर ईमानतार अमानत में नियानत न करनेवाला ।
 मृतकवारिक (مکتکواریک) अ वि-गोई हुई वस्तु पानेवाला, दे बहू मृतकारिक' ।
 मृतकवाविल (مکتکواریل) अ वि-एक स दूगरे के पाम पहुंचने वाला एक हाथ स दूगरे हाथ म फिरनेवाला, अर्थात् प्रप तित राज ।
 मृतकविकर (مکتکوار) अ वि-पुण्य करनेवाला, भागन वाला अलग रहनेवाला ।
 मृतकविकर (مکتکوار) अ वि-गांग देनवाला, अर्थात् प्राणी मनुष्य आत्मी ।
 मृतकव्यी (مکتکویل) अ वि-सूडा नवी बननेवाग नवी होन का दावा करनेवाग अरथ का एक प्रतिद बधि ।
 मृतकव्यह (مکتکویه) अ वि-गोबग सबरतार तावपान हाणियार ।
 मृतकव्ये (مکتکویع) अ वि-भाति भाति का होनवाग विचित्र अजीबो शरीब ।
 मृतकवाइम (مکتکوايم) अ वि-साइयार में पलनवाग ।
 मृतकव्यिर (مکتکوار) अ वि-एक दूगरे के विपरीत एक दूगरे का उरग ।
 मृतकव्यिर (مکتکوار) अ वि-त्रिग बाल के लिए बर दिया हो ।
 मृतकवाइ (مکتکوار) अ वि-त्रिग बाल (बिन्द) कर्ता शगदा हा ।

मूतनाजा'फीह (متلازعة ميهه) अ वि-जिस वात में सगडा हो, विवादगस्त ।
 मूतनाजे (متنازع) अ वि-वाद-विवाद करनेवाला ।
 मूतनाफिर (متنافر) अ वि-परस्पर घृणा करनेवाला, घृणा करनेवाला ।
 मूतनासिब (متناسب) अ वि-जिसमें हर चीज सही तनामुब से हो, समानुपातिक ।
 मूतनासिबुल आ'जा (متناسب اعضا) अ वि-जिसके शरीर के तमाम अंग जैसे सुडोल होने चाहिए वैसे हो ।
 मूतनाही (متناهي) अ वि-अन्त को पहुँचा हुआ, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा ।
 मूतफकिर (متفكر) अ वि-चिंतित, चिंताकुल, सचित, किसी विषय फिक्र से परेशान ।
 मूतफनिन (متفنين) अ वि-बहुत से फन जाननेवाला ।
 मूतफनो (متفنى) अ वि-वचक, धूर्त, ठग, चालाक ।
 मूतफरिफ (متفريق) अ वि-विविध, विभिन्न, मुह्तलफिफ; पृथक्, जुदा, अस्त-व्यस्त, तितर-घितर, फुटकर जो इकट्ठा न हो, जैसे-मूतफरिफ खर्च ।
 मूतफरिकात (متفرقات) अ पु-‘मूतफरिफ’ का बहु, विभिन्न वस्तुएँ; हिसाब की भिन्न-भिन्न रकमें ।
 मूतफर' (متفرع) अ वि-मूल में से निकलनेवाली शाखा ।
 मूतफाइल (متفاضل) अ वि-शगुन लेनेवाला, इस शब्द को ‘मतफाविल’ नहीं कहना चाहिए न ‘वाव’ से लिखना ही चाहिए ।
 मूतवन्ना (متناول) अ पु-गोद लिया हुआ लडका, लेपालक, दत्तक पुत्र ।
 मूतवार्कि (متبرى) अ वि-पवित्र, पुनीत, पाक, प्रतिष्ठित, पुण्यात्मा, वुजुर्ग ।
 मूतवस्सिम (متسسم) अ वि-मुस्कुरानेवाला, सुस्मित ।
 मूतवहिहर (متدهر) अ वि-विद्या का समुद्र, प्रचंड विद्वान्, विद्वत्तम, कृतमुख ।
 मूतवाइन (متناين) अ वि-एक-दूसरे के विलकुल विरुद्ध, विलकुल उलटा ।
 मूतवाविर (متداير) अ वि-जल्दी हृदयंगम होनेवाला, गुरत समझ में आ जानेवाला ।
 मूतवाविल (متدايل) अ वि-अदल-बदल होनेवाला ।
 मूतमविकन (متسكن) अ वि-ठहरा हुआ, जगह पकड़नेवाला, स्थिर ।
 मूतमत्ते (متمتع) अ वि-लाभ पानेवाला, लाभान्वित ।
 मूतमद्दिन (متسدن) अ वि-नागरिक, शहरी, सम्य, शिष्ट, मुहज्जब ।

मूतमत्ता (متسذلى) अ वि-अभिलपित, इच्छित, जिसकी तमन्ना हो ।
 मूतमन्नी (متسنى) अ वि-उत्सुक, अभिलाषी, इच्छुक, आकाक्षी, तमन्ना करनेवाला ।
 मूतमवियज (متسيز) अ वि-पृथक् होनेवाला, पहचाना जानेवाला ।
 मूतमरिद (متسرد) अ वि-उद्द, सरकश, विद्रोही, वागी; अवज्ञाकारी, नाफरमान ।
 मूतमल्लिक (متسلق) अ वि-खुशामदी, चाटुकार, चापलूस ।
 मूतमवियज (متسوح) अ वि-मीर्जे मारता हुआ, लहरे लेता हुआ, तरंगित ।
 मूतमविवल (متسول) अ वि-घनाढ्य, धनी, मालदार ।
 मूतमादी (متسالى) अ वि-लवा, दराज, जिसमें तमादी आरिज हो, जिसका नियत समय बीत चुका हो ।
 मूतमासिल (متسائل) अ वि-समान, तुल्य, एक-सा, एकरूप, समरूप, समाकार ।
 मूतम्मिम (متسيم) अ वि-समाप्त करनेवाला, खत्म करनेवाला; पूर्ण करनेवाला, खत्म करनेवाला ।
 मूतयवक्कन (متيقن) अ वि-निश्चित, यकीनी; दृढ़, मज्बूत ।
 मूतयक्किन (متيقن) अ वि-विश्वास करनेवाला, विश्वासी ।
 मूतयम्मिन (متيسين) अ वि-शुभान्वित, वा वरकत, कल्याणकारी ।
 मूतययन (متيبن) अ वि-मिट्टी से पोता हुआ, मिट्टी चढाया हुआ ।
 मूतययव (متييب) अ वि-खुशबू में बसा हुआ, सुगन्धित, सुगन्धयुक्त ।
 मूतययव (متييب) अ वि-खुशबूदार करनेवाला, खुशबू फैलानेवाला ।
 मूतरक्कव: (متروقه) अ वि-बहु वस्तु जिसके मिलने की उम्मीद लगी हो, जिसके आने का इतिजार हो ।
 मूतरक्कव (متروقه) अ वि-जिसकी आस हो, जिसकी प्रतीक्षा हो ।
 मूतरक्किव (متروقه) अ वि-आस लगानेवाला, प्रतीक्षा देखनेवाला ।
 मूतजल्लिम (متظلم) अ वि-जुल्म की फर्याद करनेवाला, दादख्वाह, न्याययाचक ।
 मूतरत्तिव (مترتب) अ वि-क्रमबद्ध, क्रमागत, तर्तीव से लगा हुआ ।

मूत्रद्विद (مزدد) अ वि-चितित, पित्रमद सोच में पना हुआ।

मूत्रप्रिम (مترم) अ वि-गानेवाला गायक जिममें तरनुम हा सुरीग (आवाज)।

मूत्ररागह (مترسم) अ वि-रुपवनेवाला, रिमनेवाला अयान प्रकट हानेवाला।

मूत्ररसिद (مترمد) अ वि-इच्छुक अमिलापी उम्मेदवार।

मूत्ररसिल (مترسل) अ वि-पत्र भाजनेवाला।

मूत्रराकिब (مترکب) अ वि-परस्पर बठनेवाला।

मूत्रराकिम (مترکم) अ वि-भीट करनेवाला।

मूत्रराकी (مترکی) अ वि-जादू-टाना करनेवाला जादूवार।

मूत्ररादिफ (مترادب) अ वि-एक बे पीछे एक सवार हानेवाला निरतर बराबर, समानायक पयायवाची।

मूत्ररादिफुलमा'ना (مترادب-المعلی) अ वि-यह गद आ एक ही अथ रमन हा समानायक पयायवाची।

मूत्रम (مترحمه) अ वि-अनुवाग की हुई पुस्तक अनूदित।

मूत्रम (مترحم) अ वि-अनुवाग्नि भापातरित अनूदिन तनुमा किया हुआ।

मूत्रजिम (مترجم) अ वि-अनुवादकता अनुवादकार भापातरकार अनुवादक तजमा करनेवाला।

मूत्रलक (مترکلی) अ वि-जिसस मुलाकात की गयी हो।

मूत्रलकही (مترکلی) अ वि-मुगाकात करनेवाला।

मूत्रलख्खद (مترکد) अ वि-आनद उठानेवाला लख्खत उठानवाला।

मूत्रलत्तफ (مترکف) अ वि-कृपा करनेवाला इन्तिफात करनेवाग।

मूत्रलविन (مترکلیون) अ वि-रग वलनेवाला घडी म कुठ घनी म कुठ हानवाला।

मूत्रलविन तयअ (مترکلیون طبع) अ वि-मुत्रलविन मिजाज।

मूत्रलविन मिजाज (مترکلیون مزاج) अ वि-जिमका चित्त स्थिर न रहे कभी कुठ मोचे कभी कुठ अनियतारमा चचल चित्त विपयगील।

मूत्रलविन मिजाजी (مترکلیون مزاجی) अ स्त्री-मुं मिजाज'।

मूत्रलातिम (مترکلیون) अ वि-एक-दूसरे को धपेडे मारने वाला मौज मारनेवाली नगी।

मूत्रलाणी (مترکلیون) अ वि-ध्वस्त, गष्ट बरवान यह शब्द तलाग करनेवाल के अय में अगुद है।

मूत्रलाणी (مترکلیون) तु वि-दूँनेवाला छात्रा तलाग करनेवाला।

मूत्रलक (مترکلیون) अ वि-यह स्त्री जिस दलाज देवी गयी हो।

मूत्रलला (مترکلی) अ वि-जिम पर साने का काम हो।

मूत्रवकिफ (مترکلیون) अ वि-उहनेवाला, दर लगान वाला।

मूत्रविकल (مترکلیون) अ वि-सुग पर भरोसा रखनेवाला जिसकी कोई निश्चित आम न हा ऐसा सापु या फजीर।

मूत्रविकलन अलललाह (مترکلیون علی الله) अ वि-ईस्वर के भरोसा पर ईश्वर का भरोसा करक।

मूत्रविकलान (مترکلیون) अ फा वि-मूत्रविकलान-असा फकीराना।

मूत्रवक्के' (مترکلیون) अ वि-आगा रखनेवाला आगाविन।

मूत्रवक्के' (مترکلیون) अ वि-अस्त-व्यस्त, नितर वितर, उद्विन परेगान।

मूत्रवज्जेह (مترکلیون) अ वि-ध्यान देनेवाला खयाल करनेवाला, मुह करनेवाला रम मिलानवाला।

मूत्रवक्तिन (مترکلیون) अ वि-निवासी, साविन।

मूत्रवफ्फी (مترکلیون) अ वि-मूत्र मतक निवगत स्वर्गीय मरहम।

मूत्रवरिम (مترکلیون) अ वि-मूजा हुआ गोयित।

मूत्रवरें (مترکلیون) अ वि-मयमी इद्रिय निग्रही परहेज गार।

मूत्रवलिद (مترکلیون) अ वि-उत्पन होनवाला जात उत्पन।

मूत्रवली (مترکلیون) अ वि-किगी वक्फ जाइदाद की देख रेल करनेवाग अधिष्ठाता।

मूत्रवस्ति (مترکلیون) अ वि-न बडा न छाटा बीच का मध्यम माध्यम।

मूत्रवस्ति तुलकामत (مترکلیون عامب) अ वि-न बहुत लम्बा न बहुत ठिमना बीच के डी-डोल का।

मूत्रवस्ति तुलहाल (مترکلیون الحصال) अ वि-न बहुत अमीर न बहुत गरीब दरमियानी जिदगा गुजारनेवाला, मध्यवर्गीय।

मूत्रवस्ति (مترکلیون) अ वि-आथय दूडनेवाग सहाप पकडनेवाला जो किसी के सहारे पर हो अवलंबित आश्रित।

मूत्रवस्ति लीन (مترکلیون) अ वि-आश्रित जन के लोग जा सगरे पर हा।

मूत्रविह्वल (مترکلیون) अ वि-बहमी भ्रमी भ्रात।

मृतबहिहेश (منوحس) अ वि-घबराया हुआ, उद्विग्न ।
 मृतवाजिन (مردوازين) जिसका वजन दोनो ओर बराबर हो,
 गुला हुआ, सतुलित, मोतदिल ।
 मृतवाजी (مردوازي) अ. वि-एक-दूसरे के बराबर चलने-
 वाला, एक-दूसरे से बराबर अन्तर रखनेवाला; वह रेखा जो
 किसी रेखा के बराबर अन्तर पर चले, समानान्तर ।
 मृतवाचें (مردواصع) अ वि.-आवभगत और खातिरदारी
 करनेवाला, विनम्रता और विनीतता का व्यवहार करने-
 वाला ।
 मृतवातिर (مردواتر) अ वि.-निरन्तर, अनवरत, सतत,
 लगातार, बराबर ।
 मृतवारिद (مردواريد) अ वि.-साथ-साथ उतरनेवाला, वह
 मज्मून जो साथ-साथ दो शाइरो के ध्यान मे आये, जिसे दो
 शाइर वाँचे ।
 मृतवारी (مردواري) अ वि-छिपनेवाला; गुप्त, दिया हुआ ।
 मृतवाली (مردوالي) अ वि.-बारबार आनेवाला, लगा-
 तार होनेवाला ।
 मृतव्वक (مردواق) अ वि.-जिसके गले मे तौक पडा हो,
 जिसके गले मे कैदियो का तौक हो, अर्थात् जो कैद मे हो ।
 मृतव्वज (مردواج) अ वि-जिसे ताज पहनाया गया हो ।
 मृतव्वल (مردوال) अ वि-लम्बा, दीर्घ, तवील, जो लम्बा
 किया गया हो ।
 मृतव्विक (مردوايق) अ वि.-परिक्रमण करनेवाला, किसी के
 चारो ओर फिरनेवाला ।
 मृतव्विल (مردوايل) अ वि-लवा करनेवाला ।
 मृतवाविकर (مردواوير) अ वि-कृतज्ञता प्रकट करनेवाला,
 शुक्रिय अदा करनेवाला, कृतज्ञ, आभारी, मम्नून ।
 मृतवाविकल (مردواويل) अ वि-साकार, साक्षात्, किसी
 रूप मे परिवर्तित ।
 मृतवावकी (مردواويكي) अ वि-सदेह करनेवाला, शक
 करनेवाला ।
 मृतवावित (مردواويت) अ वि-अस्त-व्यस्त, गडबड, तितर-
 वितर, उद्विग्न, परीशान ।
 मृतवाहिद (مردواويد) अ वि-सख्ती करनेवाला, अत्याचार
 करनेवाला ।
 मृतवाहिदान (مردواويدان) अ फा वि-तशद्दुद आमेज,
 अत्याचारपूर्ण, हिंसात्मक ।
 मृतवाहिज (مردواويدج) अ वि.-अकडनेवाला, ऐंठनेवाला,
 जिसमें ऐंठन न हो ।
 मृतवाहरे (مردواويدره) अ वि-शर्भ पर चलनेवाला, शास्त्र-
 विहित आचरण करनेवाला ।

मृतशाइर (مردوشاير) अ. वि-झूठ-मूठ का शाइर बननेवाला,
 जो शाइर न हो मगर शाइर बनता हो ।
 मृतशाविहात (مردوشاويهاات) अ. स्त्री.-कुरान के वे वाक्य
 जिनका अर्थ स्पष्ट न हो, प्रत्युत 'मुहकमात' ।
 मृतशावेह (مردوشاويه) अ. वि.-समान, सदृश, तुल्य ।
 मृतसद्दी (مردوسادي) अ वि.-प्रबधक, मुतजिम, हिसाब-
 किताब रखनेवाला, अभिकर्ता, गुमाश्ता, पेशकार, लिपिक,
 मुहरीर ।
 मृतसद्दे (مردوساديع) अ. वि.-कष्टदाता, तकलीफ देनेवाला ।
 मृतसद्ने (مردوساديع) अ वि-बनावट करनेवाला ।
 मृतसर्किफ (مردوسركيف) अ वि.-तसर्हफ करनेवाला, अधिकार
 जमानेवाला ।
 मृतसल्लत (مردوسالط) अ. वि-जिस पर तसल्लुत किया जाय,
 वशीभूत, अधिकृत ।
 मृतसल्लित (مردوسالط) अ वि-तसल्लुत करनेवाला, विजेता,
 अधिकार प्राप्त करनेवाला ।
 मृतसल्ली (مردوسالي) अ वि-सान्त्वना पानेवाला, जिसकी
 तसल्ली हो गयी हो ।
 मृतसव्वर (مردوساور) अ वि-जिसका ध्यान किया जाय,
 जिसका तसव्वर किया जाय ।
 मृतसव्विर (مردوساور) अ वि-ध्यान करनेवाला ।
 मृतसाइद (مردوساعد) अ. वि.-ऊपर चढनेवाला, ऊपर
 पहुँचनेवाला ।
 मृतसादिम (مردوسادم) अ वि-एक-दूसरे से टकराने-
 वाला ।
 मृतसावियुज्जवाया (مردوساويروايا) अ. पु-वह शकल
 जिसके कोण बराबर हो ।
 मृतसावियुलअफ्लाअ (مردوساويالاضلاع) अ पु-वह शकल
 जिसकी भुजाएँ बराबर हो ।
 मृतसावियुस्साकैन (مردوساويساकिन) अ पु-वह त्रिभुज
 जिसकी दोनो भुजाएँ बराबर हो, समद्विबाहुक त्रिभुज ।
 मृतसावी (مردوساوي) अ वि.-सम, बराबर, एक-दूसरे
 के बराबर ।
 मृतहव्विकक (مردوهويكك) अ वि.-निश्चित, यकीनी, प्रमा-
 णित, दुरुस्त ।
 मृतहज्जिर (مردوهويجير) अ. वि.-पत्थर बन जानेवाला,
 पत्थर की तरह कडा पड जानेवाला ।
 मृतहज्जी (مردوهويجي) अ. वि.-सफल, भाग्यवान्, किसी
 चीज का आनन्द लेनेवाला ।
 मृतहम्मिल (مردوهويميل) अ. वि.-तहम्मूल करनेवाला,
 सहिष्णु, सहनशील ।

मुत्तहियर (متحصر) अ वि-हैरत में पडा हुआ, स्त घ चर्चित ।

मुत्तहिरक (متحصري) अ वि-हिकन-डुलनेपाला गति नीक गतिमान चलनेवाला ।

मुत्तहल्ली (متكلى) अ वि-भूपण और वस्त्र म सुगन्धित ।

मुत्तहस्तिन (متكصص) अ वि-किले में बंद बहुराजा जा गनु की मना के भय से दुगस्थ हो गया हा ।

मुत्तहारिब (متحارب) अ वि-परस्पर युद्ध करनेवाला, आपस म लड़नवाला ।

मुत्तहाविन (متهاون) अ वि-तिरस्वृत, अपमानित, जंगल जालस्य करनेवाला ।

मुत्तहैयिर (متحصر) अ वि-मुत्तहियर ।

मुत्तहहर (متهدر) अ वि-पवित्र शुद्ध पाक ।

मुत्तहिरहर (متهدر) अ वि-पवित्र करनेवाला ।

मुत्ताअ (مطاح) अ वि-जिसका ह्वम माना जाय जिमकी इताअत की जाय ।

मुत्ताजर (متاحره) अ पु-आपस म व्यवसाय करना, परस्पर रोग देन करना ।

मुत्ताजरत (متاحروث) अ स्त्री-दे मुत्ताजर ।

मुत्ताबअत (متابعت) अ स्त्री-आनापालन हुक्म मानना अनुकरण तकलीद ।

मुत्ताबअत (متابعت) अ स्त्री-सद्गता अनुष्पता मुत्ता बअत समाभिना, धकसानियत अनुकूलता मुत्ताबअत ।

मुत्ताबिक (مطابق) अ वि-सद्ग मित्त समान बराबर अनुसार बमजिव ।

मुत्तायव (مطام) अ पु-परस्पर भाविबोध करना, आपस म हँसी मजाक करना, हँसी-मजाक मनोरजन मनोविनो ।

मुत्तायबात (مطامبات) अ पु-मुत्तायव का बहु मनो विनोद की बात परस्पर दिल बहलाव की बात ।

मुत्तारह (مطارحه) अ पु-परस्पर तरह पर गजब फहना परामग करना बार्तालाप करना सुशामत करना ।

मुत्तारहात (مطارحاه) अ वि-तरह पर हानेवाजे मुत्ताअर आपस की बात-बोत ।

मुत्ताअ (مطامعه) अ पु-किमी चीज की पुरो जानकारी के लिए और से दखना समीना निरीक्षण पाठ को शूह से दकने के पूव स्वय पढा ताकि गढ़ पढा जा सके ।

मुत्ताअब (مطامع) अ पु-तलब करना माँगना माग तकाजा अपने हुक अर्थान सत्य की माग बकाया रकम जो अना करना है प्राथना इत्तिजा ।

मुत्तालबात (مطامبات) अ पु-मुत्तालब का बहु, माँग ।

मुत्ताबअत (مطابعت) अ स्त्री-आनापालन, फर्मावरलाती ।

मुत्ताब' (مطابوع) अ वि-आनापालक, फर्मावरदार ।

मुत्तिम [म्म] (متم) अ वि-पूरा करनेवाला समाप्त करनेवाग अधूरे काम को पूरा करनेवाला ।

मुत्तीअ (مطلع) अ वि-आनाकारी, फर्मावरदार, जतयाया परो अधीन मातहत ।

मुत्तीओमुक्राद (مطلع ومنقاد) अ वि-जो पूरी तरह अधीन और बसीभूत हा ।

मुत्तका (متكول) अ वि-जिस चाञ्च का सहारा लिया जाय सहारा आशय ।

मुत्तकी (متكلى) अ वि-सयमी इशियनिग्रही, पार्सी ।

मुत्तकी (متكلى) अ वि-महारा लेनेवाला ।

मुत्तफक (متكف) अ वि-द 'मुत्तफक ।

मुत्तफक (متكف) अ वि-जिस बात या विषय या कथ से इतिपाक किया जाय ।

मुत्तफक अलह (متكف عليه) अ वि-जिम पर सबका इतिपाक हा सवमाय, सवसमत ।

मुत्तफिक (متكف) अ वि-इतिपाक करनेवाला सहमत ।

मुत्तफिकुराय (متكف الراي) अ वि-राय से इतिपाक करेवाला सहमत ।

मुत्तफिकुलपद (متكف اللفظ) अ वि-सहमत, रमजबान ।

मुत्तला (مطلع) अ वि-सूचित जिसे सूचना दी गयी हा ।

मुत्तलिब (مطلب) अ वि-हअत मुहम्मद साहब के दाद का गुभनाम ढडनेवाला ।

मुत्तले (مطلع) अ वि-सूचना देनेवाला सूचक ।

मुत्तसफ (مصنف) अ वि-जिमकी ताराफ की गयी हा, प्रशसित ।

मुत्तसम (متسم) अ वि-दागा हुआ दण अर्कित निगल लगाया हुआ ।

मुत्तसिफ (متصف) अ वि-प्रशसक तारीफ करनेवाग ।

मुत्तसिम (متسم) अ वि-गाउनवाला अर्कित कल वाला ।

मुत्तसिल (متصل) अ वि-समीपवर्ती बरोबी समी' बरोब निरंतर लगातार मिग हुआ ।

मुत्तसिलन (متصلة) अ वि-समीप कराव ।

मुत्तहह (متحصه) अ वि-मयुक्त मिग हुआ ।

मुत्तहह (متحد) अ वि-सयुक्त मिला हुआ, सहमत हमराय ।

मुत्तहहुराय (متحد الراي) अ वि-सहमत एकताय ।

मुत्तहुल अकौद (متخذ العكود) अ वि-सहधर्मो सह मत एक मयबवाले ।

मुत्तहुलउन्न (متخذ العسر) अ वि.—समवयस्क, एक आयु-वाले, बराबर की आयुवाले।

मुत्तहुलज्जवाल (متخذ الحवाल) अ वि.—एक-से विचार रखनेवाले।

मुत्तहुलवत्न (متخذ العطن) अ वि.—एक पेट से उत्पन्न होनेवाले, सहोदर।

मुत्तहुलमसहव (متخذ السهव) अ वि.—एक धर्म रखने-वाले, सहवर्मी।

मुत्तहुलमफहूम (متخذ المسهروم) अ वि.—एक भाव-वाला, जिनका भावार्थ एक हो।

मुत्तहुलमार्ना (متخذ المعنى) अ वि.—एक अर्थवाले, समानार्थक।

मुत्तहुलवतन (متخذ الوطن) अ वि.—एक देश के रहने-वाले, सहदेगीय।

मुत्तहुलशकल (متخذ الشكل) अ वि.—एक-जैसी आकृति-वाले, सहरूप, समाकृति।

मुत्तहफ (متحصف) अ वि.—जिसे भेंट या उपहार दिया गया हो, उपहृत, पुरस्कृत।

मुत्तहम (متهم) अ वि.—जिस पर झूठा आरोप लगाया गया हो, आरोपित।

मुत्तहिद (متخذ) अ वि.—मेल-मिलाप रखनेवाला।

मुत्तहिफ (متحصف) अ वि.—उपहार देनेवाला।

मुत्तहिम (متهم) अ वि.—आरोप लगानेवाला।

मुत्तिव (مطلب) अ वि.—लवी बात करनेवाला, वकवादी, बढ़ानेवाला, लवा करनेवाला।

मुत्फी (مطفى) अ वि.—आग बुझानेवाला, चिराग बुझाने-वाला।

मुत्मइन (مطمئن) अ वि.—संतुष्ट, जिसे इत्मीनान हो, निश्चिन्त, वैफिक, आनन्दपूर्वक, खुशहाल।

मुत्त्रिवः (مطرب) अ स्त्री—गानेवाली स्त्री, गायिका, गायकी।

मुत्त्रिव (مطرب) अ पृ.—गानेवाला, गायक, रागी।

मुत्लक (مطلق) अ वि.—स्वच्छद, निरकुण, आजाद, नितान्त, विलकुल, सामान्य, मामूली, जैसे—'माजी मुत्लक' सामान्य भूत।

मुत्लकन (مطلقاً) अ वि.—नितान्त, विलकुल।

मुत्लकलइनान (مطلق العنان) अ वि.—स्वच्छद, निरकुण, वेमहार।

मुत्लकलइनानी (مطلق العناني) अ स्त्री—स्वच्छदता, निरकुशता, वेलगामी।

मुत्लिफ (مئلف) अ वि.—नष्ट करनेवाला, बरवाद करने-वाला, खराब करनेवाला, विगाडनेवाला। ;

मुदक्किक (مدقق) अ वि.—वाल की साल निकालनेवाला।
मुदन (مدان) अ. पु.—'मदीन.' का बहु, नगरसमूह, बहुत से गह।

मुदक्विर (مدبر) अ वि.—वह ओपधि जो यथाविधि शुद्ध कर ली गयी हो, ताकि हानि न करे।

मुदक्विर (مدبر) अ वि.—प्रवधकुशल, इतिजाम मे निपुण, दूरदर्शी, पेशवी, बुद्धिमान्, अवलमद; राजनीति में निपुण, राजनीतिज्ञ।

मुदक्विराने कौम (مدبران قوم) अ. पु.—राष्ट्र के नेता, कौम के लीडर।

मुदम्मिग (مدمغ) अ. वि.—अहकारी, अभिमानी, घमडी, मगूर।

मुदम्मिल (مدمل) अ वि.—घाव को भरनेवाला, वह दवा जो घाव को भर दे।

मुदरिस (مدرس) अ. पु.—पढ़ानेवाला, अध्यापक।

मुदरिस्ती (مدرسي) अ स्त्री—पढ़ाने का काम, अध्यापन।

मुदल्ल (مدلل) अ वि.—जो तर्क से परिपुष्ट हो, युक्ति-सगत, युक्तियुक्त।

मुदव्वन (مدون) अ. वि.—संगृहीत, सपादित, संकलित, इतिखाव और तर्तीव के साथ जमा किया हुआ।

मुदव्वर (مدور) अ. वि.—गोलाकार, वृत्ताकार, गोल।

मुदव्विन (مدون) अ वि.—संपादक, तर्तीव देनेवाला।

मुदहज (مدحرج) अ वि.—गोल, वर्तुलाकार।

मुदाअवत (مداعت) अ स्त्री—मनोरजन, आमोद-प्रमोद, हँसी-मजाक; क्रीडा, खेलकूद, तफ्रीह।

मुदाखलत (مداخلت) अ स्त्री—विघ्न, बाधा; हस्तक्षेप, दखलअंदाजी, दखल देना, बीच में टोकना, कब्जा, अधिकार।

मुदाखलते वेजा (مداخلت لجا) अ फा स्त्री—ऐसा हस्तक्षेप जो कानून के खिलाफ हो।

मुदाफअत (مدافعت) अ स्त्री—हमले की रोक, बचाव, निवारण, इजाल, हटाना, अलग करना।

मुदाफे' (مدافع) अ वि.—हटानेवाला; हमले को रोकने-वाला।

मुदाम (مدام) अ वि.—नित्य, सदा, हमेशा, निरन्तर, लगातार; मदिरा, शराब।

मुदामी (مدامی) फा स्त्री—नित्यता, हमेशगी।

मुदारा (مدارا) अ पु.—'मुदारात' का लवु., दे 'मुदारात'।

मुदारा (مداروی) अ वि.—जिसकी मुदारात की गयी हो, जिसकी आवभगत की गयी हो।

मुदारात (مدارات) अ स्त्री—'खातिर तवाजी', आवभगत, समान, आदर, एजाज।

मुदावमत (مداویم) अ स्त्री-नित्यता, हमेशागो किसी काम को हमेशा करना।
 मुदावा (مداوا) अ पु-मुदावात का लघु, दे मुदावात।
 मुदावात (مداوات) अ स्त्री-चिकित्सा उपचार, दवा-दात इलाज।
 मुदाहत (مداहत) अ स्त्री-दिल में कुछ जोर खान पर कुछ हाना चापलूसी, चाटुकारिता, रोगने काज मलना।
 मुदाहिन (مداهين) अ वि-मुनाफिक जिसके मन में कुछ हां और मूह पर कुछ चाटुकार, खुशामदी।
 मुदिर [ر] (مدير) अ वि-पेशाव अधिक लानेवाली दवा।
 मुदिरात (مديرات) अ स्त्री-वे दवाए जा पेशाव अधिक लाए जा रजसाव अधिक करे।
 मुदीर (مديرة) अ स्त्री-सपादक महिला, सपादिका।
 मुदीर (مدير) अ पु-सपादक अख्बार का इडीटर।
 मुदीरे आला (مديرة اعلی) अ पु-प्रधान सपादक।
 मुदीर मसजल (مدير مسجل) अ पु-वह सपादक जो अख्बार के मज्मूनों का उत्तरदायीहा समाचार सपादक।
 मुदीरे मुआविन (مدير معاون) अ पु-साहायक सपादक उपसपादक।
 मुदुन (مدین) अ पु-मदीन ' का बहु, बहुत-से नगर।
 मुदगम (مدغم) अ वि-मिला हुआ समन्वित मिले हुए मिश्र एक-जैसे दो अक्षर।
 मुद्आ (مدعى) अ पु-दावा किया गया अथ मतलब आयाय उद्देश मशा स्वाथ गरज सात्य खुलासा।
 मुद्आअलह (مدعى اعلی) अ पु-जिस पर दावा किया गया हा प्रतिवादी।
 मुद्आअलहा (مدعى اعلیها) अ स्त्री-वह स्त्री जिस पर दावा किया गया हो प्रतिवादिनी।
 मुद्आअबिहा (مدعى ابلها) अ वि-वह वस्तु जिसके लिए वाद उपस्थित किया गया हो जिस चीज का दावा हो।
 मुद्ई (مدعی) अ पु-दावा करनेवाला वादी नालिगी।
 मुद्ईय (مدعیه) अ स्त्री-दावा करनेवाली स्त्री वादिनी।
 मुद्त (مدت) अ स्त्री-अवधि भीमाद समय काल वक्त किल्व देर अर्था।
 मुद्ते मदीद (مدت مدید) अ स्त्री-रवा अर्था रवा समय।
 मुद्ते हयात (مدت حیات) अ स्त्री-जीवनकाल जीने का समय पूरी आयु।
 मुद्र (مدرك) अ स्त्री-उमीज की कुव्वत विवेक-शक्ति।
 मुद्र (مدری) अ वि-विवेकी बुद्धिमान समझदार भले-बुरे की पहचान रखनवाला।

मुद्रिकात (مدکات) अ वि-मुद्रिक का बहु, विवेक की शक्तियाँ।
 मुनक्कश (منكش) अ वि-चित्रित, जिस पर बेलबूट हो, अंकित जिस पर लिखा हो।
 मुनक्कह (منكح) अ वि-वह बात जिसे पूठ से पाक कर दिया गया हा, सच्ची बात, शुद्ध और निमल जो विपय या मुआमला छानबीन करके स्पष्ट कर दिया गया हो।
 मुनक्का (منكی) अ वि-जिसका पेट साफ कर दिया गया हो सूखा अगूर, दाव इस मुनक्का इसलिए कहते ह कि इसक बीज निकालकर इनका पट साफ कर दिया जाता है जो शुद्ध किया गया हो शुद्ध निमल।
 मुनक्कद (منكد) अ वि-आलोचक तन्वीद करनवाला छोटा-सरा बतानेवाला।
 मुनक्कस (منكس) अ वि-अपमान करनेवाला तिरस्कर्ता कम करनेवाला।
 मुनक्की (منكی) अ वि-पट साफ करनेवाला, पेट साफ करनेवाली दवा साफ करनेवाला शुद्धकर्ता।
 मुनक्केह (منكح) अ वि-तन्वीद करनेवाला सच को पूठ से अलग करनेवाला मुआमले की जाच करके सच और झूठ निकालनेवाला।
 मुनगस (منكص) अ वि-मलिन भला, मुक्दर अप्रमन खिल रजोद।
 मुनगस (منكص) अ वि-मला करनवाला, अप्रसद करनेवाला।
 मुनखम (منكظم) अ वि-क्रमबद्ध क्रियागत बातर्तब सघटित वे लाग जा विसा उद्देश्य से एक और मजबूत होकर कोई काम कर।
 मुनखल (منكول) अ वि-नाचे उतारा हुआ।
 मुनखह (منكح) अ वि-पवित्र पाक दाया और मुटिया ने पाक।
 मुनखिम (منكیم) अ वि-यातिपी नुजूमो।
 मुनखिम (منكیم) अ वि-सघटन करनेवाला लागो की किनी काय विशेषे के लिए एकत्र करने उहें नियमो पर चगनवाला।
 मुनखिल (منكول) अ वि-नीचे उतारनेवाला।
 मुनबत (منكب) अ वि-वे बेल-बूटे जो उभरे हुए हो कपडे पर हा या लकड़ी आदि पर।
 मुनखतकारी (منكبکاری) अ फा स्त्री-बल-बूटो का वह काम जो लकड़ी आदि पर किया जाता है।
 मुनखर (منكو) अ वि-उज्वल प्रकाशमान, दीप, रोशन।

मुनश्री (منشی) अ वि.—नशा पैदा करनेवाली चीज, मादक।

मुनश्रीयात (منشیات) अ स्त्री.—नशे की चीजे, जैसे— शराब, अफीम, गाँजा, भाँग आदि।

मुनाकज: (مذاقضه) अ पु.—एक-दूसरे की वात को काटना, वाकलह, झगडा, दगा, कलह, फसाद; द्वेष, वैर, मुखा-लफत, दुश्मनी।

मुनाकजत (مذاقضت) अ स्त्री—दे 'मुनाकज'।

मुनाकवत (مذاकبت) अ स्त्री—अचानक देखना; मन्कवत करना, रसूल के घरानेवालो का स्तुतिगान।

मुनाकश (مذاکسه) अ. पु.—आपस का लडाई-झगडा; झगडा, कलह, फसाद।

मुनाकसत (مذاکست) अ स्त्री.—परस्पर एक-दूसरे की बुराई करना।

मुनाकहत (مذاکحت) अ स्त्री—स्त्री और पुरुष का आपस में विवाह करना, विवाह, पाणिग्रहण, शादी।

मुनाकित्त (مذاکض) अ वि.—मुखालिफ, अबु दुश्मन, झगडा डालनेवाला।

मुनाकित्त (مذاکبت) अ. वि—अचानक देखनेवाला, मन्कवत करनेवाला, गुणगान और कीर्तिगान करनेवाला।

मुनाजअ: (مذاجعه) अ पु.—कलह, झगडा, फसाद, वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस।

मुनाजअत (مذاجعت) अ. स्त्री.—दे. 'मुनाजअ'।

मुनाजअम: (مذاجعه) अ पु.—परस्पर नज्मे सुनाना, वह मुशा-अर जिसमे गजलो की जगह नज्मे पढी जायें।

मुनाजअर: (مذاجره) अ पु.—किसी विषय पर और विशेषत धार्मिक विषय पर दो विरोधी दलो का शास्त्रार्थ; वह विद्या जिसमे तर्कशास्त्र के नियम और उसके विषय में ज्ञान बढ़ानेवाली बातों का वर्णन हो।

मुनाजात (مذاجات) अ स्त्री—ईश-प्रार्थना, खुदा की हम्दो-सना, ऐसा स्तुति गान जिसमे अपने लिए कुछ प्रार्थना भी हो।

मुनाजाती (مذاجاتی) अ. वि—मुनाजात करनेवाला, स्तुतिगान-कर्ता।

मुनाजातीही (مذاجاتی‌هی) अ. वि—वह चीज जिस के विषय में परस्पर झगडा हो, झगडेवाली चीज।

मुनाजिर (مذاجر) अ वि—मुनाजर करनेवाला, शास्त्रार्थ-कर्ता।

मुनाजिरीन (مذاجرین) अ पु.—'मुनाजिर' का वह, शास्त्रार्थ करनेवाले।

मुनाजै (مذاج) अ वि—झगडा करनेवाला, झगडालू, विवादी।

मुनादमत (مذادمت) अ स्त्री—पास बैठना, हाजिर वाश रहना।

मुनादा (مذادی) अ वि—जिसे पुकारा जाय, सम्बोधित, आहूत।

मुनादी (مذادی) अ. वि.—पुकारनेवाला, एलान करने-वाला, घोषणा करनेवाला, एलान, घोषणा।

मुनादीनवाज (مذادی‌رواز) अ. फा. वि.—एलान करने के लिए दुग्गी पीटनेवाला।

मुनाफअ: (مذافعه) अ पु—लाभ, प्राप्ति, फाइदा, व्यवसाय और रोजगार का लाभ; फल, नतीजा।

मुनाफअत (مذافعت) अ स्त्री—लाभ होना, प्राप्ति।

मुनाफकत (مذافقت) अ स्त्री—दिल में कुछ होना और जवान पर कुछ, मिथ्याचार, कूटाचार।

मुनाफरत (مذاورت) अ स्त्री—घृणा, नफरत।

मुनाफस: (مذافسته) अ पु—किसी चीज में बराबरी चाहना, ईर्ष्या करना, हसद करना, बराबरी करना, तुलना करना।

मुनाफात (مذافات) अ स्त्री—एक-दूसरे को बरवाद और नट्ट करना, एक-दूसरे को अलग करना।

मुनाफिक (مذافق) अ स्त्री.—मुनाफकत करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट पर कुछ, बहुमुख।

मुनाफिर (مذافر) अ वि.—घृणा करनेवाला।

मुनाफी (مذافی) अ वि.—विरुद्ध, प्रतिकूल, उलटा, मुखालिफ।

मुनाफे (مذافع) अ वि.—लाभ देनेवाला, लाभदायक।

मुनासअ: (مذاستکه) अ पु—एक काइदा जिसके द्वारा दाय भाग होता है।

मुनासअत (مذاستت) अ स्त्री—सम्बन्ध, लगाव, अनु-कूलता, मुआफकत, अनुपात, निस्वत।

मुनासर: (مذاثره) अ. पु—गद्य के लेखको की गोष्ठी, एक जगह बैठकर परस्पर गद्य के लेख सुनाना।

मुनासरत (مذاصوب) अ स्त्री—परस्पर एक-दूसरे की सहा-यता करना, सहयोग।

मुनासिब (مذااسب) अ वि—उचित, ठीक; योग्य, काबिल, पात्र, अहल, यथेष्ट, काफी, सतुलित, मौजू।

मुनासिबे मौता (مذااسب‌موتعه) अ पु.—अबसर के अनु-सार, समय के अनुसार।

मुनासिबे वकत (مذااسب‌وقت) अ. पु.—समय के अनुसार, समयोचित।

मुनासिबे हाल (مذااسب‌حال) अ. पु—दशा के अनुसार, दशानुकूल, हालत के मुनासिब।

मुनीफ (مُنِيف) अ वि-पवित्र पाक श्रेष्ठ बुजुग उच्च, बलद अधिक, शियादा।
 मुनीब (مُنِيب) अ वि-प्रतिनिधि नुमाइन्, अभिक्ता, एजेंट, गुमास्ता।
 मुनीर (مُنِير) अ वि-उज्वल प्रकाशमान दीप्त।
 मुनअफ़िद (مُنْعَفِد) अ वि-उपस्थित होनेवाला होने वाला प्रायः जल्दो या सभा के लिए आता है।
 मुनअक्सि (مُنْعَسِي) अ वि-प्रतिविवित छाया या प्रतिबिम्ब पना हुआ।
 मुनअतिफ (مُنْعَطَف) अ वि-फिरनेवाला आकृष्ट होने वाला आकृष्ट हुआ चित्त।
 मुनअदिम (مُنْعَدِم) अ वि-नष्ट होनेवाला, नष्ट, ध्वस्त, नाबद।
 मुनइम (مُنْعِم) अ वि-दानआम देनेवाला नेमतें देने वाला पुरस्कारदाता समद्व घनाढ्य मालदार।
 मुनइमे हकीकी (مُنْعِم حَكِيكِي) अ पु-सच्ची नेमतें देने वाला ईश्वर।
 मुन्क़ी (مُنْقِي) अ वि-मुञ्जनेवाला सनाप्त परम।
 मुक़ते (مُنْقَطِع) अ वि-वडित विच्छिन्न कटा हुआ।
 मुक़दिर (مُنْقَدِر) अ वि-गदला मलिन मला धुंधला नासाफ।
 मुक़ने (مُنْقَنِع) अ वि-नि स्पह निवत्त काने सतुष्ट।
 मुक़बिद (مُنْقَبِذ) अ वि-अप्रसन्न पित्त (मित्रान)।
 मुक़र (مُنْقَر) अ वि-पणित मन्हूह निहृष्ट, छराय।
 मुक़रनकीर (مُنْقَرِنَكِيَر) अ पु-ग़ा फिरिस्त जा मुसल माना व मतानसार इत्र म मुदा स पूछताछ करते ह।
 मुक़सिब (مُنْقَسِب) अ वि-नलटा हुआ औषा अस्त व्यस्त उय-गुथल।
 मुक़लिबात (مُنْقَلِبَات) अ पु-त्रय क्व तुला और मकर ये चार राशिया क्वाकि इनम वाम उलटा हाता है।
 मुक़ले (مُنْقَلِع) अ वि-उत्पन्नेवाला उत्पन्न हुआ।
 मुक़सिफ (مُنْقَسِف) अ वि-प्रकट व्यक्त जाहिर।
 मुक़सिम (مُنْقَسِم) अ वि-विभाजित तकमीम, बँटने वाला।
 मुक़सिर (مُنْقَسِر) अ वि-भान टूटा हुआ नम्र विनीत साफ़नार गान्दाव धुप अलगाय।
 मुक़सिर मित्रान (مُنْقَسِر مِثْرَان) अ वि-मुक़सिरल मित्रान।
 मुक़सिरल मित्रान (مُنْقَسِر ل مِثْرَان) अ वि-विनाशकारमा विनम्र स्वभाव धाकनारी भरतनवाला।

मुक़ाद (مُنْقَاد) अ वि-आनाकारी प्रमाविरलार, अवीन वगीभूत तारे।
 मुक़िर (مُنْقِر) अ वि-इकार करनेवाला कृतघ्न एन्सान परामोग।
 मुक़िराने खुदा (مُنْقِرَانِ خُودَا) अ फा पु-खुदा को न माननेवाले नास्तिक लोग।
 मुक़िरे कियामत (مُنْقِرِ قِيَامَت) अ वि-त्रियामत पर विश्वास न रखनेवाला नास्तिक, नेचरी (मुसलमान)।
 मुक़िरे खुदा (مُنْقِرِ خُودَا) अ फा वि-ईश्वर को न मानने वाला नास्तिक अनीश्वरवादी।
 मुक़िरे नेमत (مُنْقِرِ نِعْمَت) अ फा वि-नाशका कृतघ्न नमक़हराम।
 मुक़ुल (مُنْقُل) अ स्त्री-जगाठी अगारधानी।
 मुक़ुल (مُنْقُل) अ स्त्री-दे 'मुक़ुल', दे मन्क़ल।
 मुक़फिद (مُنْقَفِذ) अ वि-गडे में पडा हुआ नी जानेवाला पस्त, अवनत।
 मुक़मसि (مُنْقَمَسِي) अ वि-जलमग्न, पानी में डब हुआ शरीक़ निमग्न।
 मुक़इल (مُنْقِئِل) अ वि-रुज्जित गमिदा सतुचित पसेमान, प्रमाव कबूल करनेवाला।
 मुक़फ [क] (مُنْقَك) अ वि-अलग होनेवाला, पया अलग मोचित मुक़्त छूटा हुआ।
 मुक़जिर (مُنْقَجِر) अ वि-बहनेवाला सोत।
 मुक़तिर (مُنْقَطِر) अ वि-विदीग पटा हुआ, गिपाठ पडा हुआ।
 मुक़रिज (مُنْقَرِج) अ वि-चौग चक्ला वह कोण जा ९० अश से अधिक हो अधिक कोण।
 मुक़रिज (مُنْقَرِج) अ वि-विस्तृत विताल चौग चक्ला गुष्ट समुद्र आसूदा।
 मुक़रिद (مُنْقَرِد) अ वि-एकानी, अक्का अतिथ वजोड।
 मुक़रेह (مُنْقَرِه) अ वि-हृषित, आनदित प्रसन्न छग।
 मुक़सिख (مُنْقَسِخ) अ वि-दूषित विहृत गराम।
 मुक़सिल (مُنْقَسِل) अ वि-पृथक् अलग गुण निर्गित फयल।
 मुनयत (مُنْقَيَات) अ स्त्री-उद्दस्य आगय, मक्का मगा।
 मुनगाइब (مُنْقَغَيْب) अ वि-साय-साय होनेवाला मूल में स घालाए बनकर फन्नवाला।
 मुनहज़िब (مُنْقَهْزِب) अ वि-परानजित परारन विजिठ हारा हुआ।
 मुनहज़िम (مُنْقَهْزِم) अ वि-पचित, जो हरम हो गया हो।

मुनहतिक (مذتک) अ वि—पर्दा फटनेवाला, जिसका पर्दा फट जाय, जिसका दोष प्रकट हो जाय, अपमानित, तिरस्कृत।
 मुनहदिम (مذدیم) अ वि—ध्वस्त, नष्ट, बरबाद (इमारत आदि)।
 मुनहदिर (مذدیر) अ. वि—ऊपर से नीचे उतरनेवाला।
 मुनहनी (مذکنی) अ वि—दुबला-पतला, कमजोर, क्षीण, क्षाम, कृणाग।
 मुनहनी अदाम (مذکنی اندام) अ फा. वि.—डे 'मुनहनी जिस्म'।
 मुनहनी जिस्म (مذکنی جسم) अ वि—क्षीणकाय, कृणाग, दुबले-पतले शरीरवाला।
 मुनहमिक (مذمیک) अ वि.—तन्मय, तल्लीन, दत्तचित्त, तत्पर, सलग्न, बहुत अधिक मशगूल।
 मुनहरिफ (مذحرف) अ वि.—विमुव, बरगस्त; अवज्ञाकारी, नाफरमान; उद्दंड, सरकश।
 मुनहल (مذلل) अ वि—विस्तृत, चौड़ा, चकला, कुगादा।
 मुनहसिर (مذحصیر) अ वि—निर्भर, निर्धारित, मौकूफ।
 मुनहसिर अलह (مذحصیر علیہ) अ. वि—जिस पर कोई मुआमला निर्भर हो, आवेय, पच, जो दो व्यक्तियों के बीच में उनका झगडा तै करने के लिए मध्यस्थ बना दिया जाय।
 मुफकिर (مفکر) अ वि.—विचारक, सोचनेवाला।
 मुफकिरीन (مفکرین) अ पु—'मुफकिर' का बहु।
 मुफदखम (مفخدم) अ वि.—प्रतिष्ठित, समानित, वुजुर्ग।
 मुफदखर (مفدخر) अ. वि—जिस पर सब गर्व करे, ऐसा व्यक्ति, प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य।
 मुफदखरे सौजूदात (مفدخر موجودات) अ वि—संसार के लिए गर्व का विषय, संसार में सबसे बडा आदमी।
 मुफजल (مفجل) अ. वि—अधिक किया हुआ, बढाया हुआ, प्रधानता दिया हुआ, तर्जोह पाया हुआ।
 मुफतिन (مفتین) अ वि—उपद्रवकारी, झगडे खड़े करनेवाला, बूर्त, फित्तीन।
 मुफतिन (مفتش) अ. वि.—तफतीश करनेवाला, खोज लगानेवाला; हूँदनेवाला, तलाश करनेवाला।
 मुफतेहे (مفتح) अ. वि—खोलनेवाला।
 मुफरिहल कुलूब (مفرح العلوب) अ. वि—दिलो को आनन्द और उल्लास देनेवाला।
 मुफरहे (مفرح) अ वि—मन मे उमग और उल्लास उत्पन्न करनेवाला, वह औपध जो हृदय को आनन्दित करे।
 मुफरहात (مفرحات) अ स्त्री—वे दवाएँ जो हृदय मे आनन्द और विकास की वृद्धि करें।

मुफव्वज: (مفوض) अ वि—सिपुर्द की हुर्से वस्तु।
 मुफव्वज (مفوض) अ. वि.—सिपुर्द किया हुआ, हस्तातरित।
 मुफव्वज (مفوض) अ. वि—हस्तातरण करनेवाला, प्रदान करनेवाला, सिपुर्द करनेवाला।
 मुफत्सल: (مفصله) अ वि.—विवरण किया हुआ।
 मुफत्सल (مفصل) अ वि—विस्तारपूर्ण, सविस्तार, विस्तृत, स्पष्ट, वाजेह, मुशर्रह।
 मुफत्सलए जल (مفصله دلیل) अ वि—जिसका विवरण नीचे दिया गया हो, निम्नांकित।
 मुफत्सलात (مفصلات) अ. पु—किमी नगर के आस-पास की छोटी आवादियाँ।
 मुफत्सिर (مفسر) अ पु—तपसीर करनेवाला, भाष्यकार, इस्लाम मे हदीसों की तपसीर करनेवाला।
 मुफत्सिरीन (مفسرین) अ पु—'मुफत्सिर' का बहु, हदीस की व्याख्या करनेवाले विद्वज्जन।
 मुफत्सिल (مفصل) अ. वि—स्पष्टीकरण करनेवाला, तपसील वतानेवाला।
 मुफाकह: (مفاهه) अ पु—परस्पर आमोद-प्रमोद करना; मनोरजन, मनोविनोद।
 मुफाखरत (مفاحرت) अ स्त्री—परस्पर गर्व करना; गर्व, गौरव, डीग, शेखी।
 मुफाखिर (مفاحیر) अ वि—गर्व करनेवाला, डीग मारनेवाला, अभिमानी।
 मुफाजा (مفاحا) अ पु—'मुफाजात' का लघु, दे 'मुफाजात'।
 मुफाजात (مفاحات) अ स्त्री—आकस्मिक, सहसा, एका-एक, आचानक, एकवारगी।
 मुफारकत (مفارقت) अ स्त्री—पृथक्ता, अलाहिदगी, वियोग, जुदाई, तलाक, विवाह-विच्छेद।
 मुफारिक (مفارق) अ वि—जुदा होनेवाला, अलग होनेवाला, पृथक्, जुदा।
 मुफावज: (مفاوضه) अ पु—वह पत्र जो बडे की ओर से छोटे को लिखा जाय, पत्र, चिट्ठी, बरावरी, समानता।
 मुफावजत (مفاوضت) अ स्त्री—एक-दूसरे का सिपुर्द करना, साक्षा करना, बरावरी करना, मैथुन करना।
 मुफावजात (مفاوضات) अ पु—'मुफावज' का बहु, खतो-कितावत के कागजात जो बडे की तरफ से छोटे को हो।
 मुफाहमत (معاہمت) अ स्त्री—एक-दूसरे को समझाना, समझौता, फँसला।
 मुफिर (مفر) अ वि—भागनेवाला, पलायक।
 मुफोज (مفویص) अ वि—फँज पहुँचानेवाला, यश देनेवाला।

मुफोदे जिदगी (معدريدگی) अ फा वि—जीवनोपयोगा जिदगी में काम आनेवाला।

मुफोद (مفند) अ वि—उपयोगी, वार आमद लाभकारी फाइनामद हितवर।

मुफोदे आम (معدعام) अ वि—मक्के लिए लाभकारी सर्वोपकारी।

मुफोदे मरलब (مفندمطلب) अ वि—अपने उद्देश्य के लिए फाइनामद प्रयोजनानुकूल।

मुफत (مفت) फा वि—वेदाम व्यथ बेवार नष्ट जाए अकारण बेसवब बिना परिश्रम बेमहनत।

मुफतकिर (مفتکیر) अ वि—खरिद कगाल निम्नारी मगता।

मुफतवर (مفتکدر) अ वि—मवाविबत जिस पर फर्र हा।

मुफतखिर (مفتکخر) अ वि—नाब करनेवाला, फर्र करने वाला मयूर।

मुफतखोर (مفتکخر) फा वि—जो दूमर के सिर पडा हा जा मेहनत न करे और खाना चाहे दूमरो का माल मारनेवाला।

मुफनबोरो (مفتکوری) फा स्त्री—दूसरे के सिर रहना, बमहनत किये खाना चाहना दूमरो का माल मारना।

मुफततन (مفتتن) अ वि—फितने म डाला हुआ।

मुफतवर (مفتن) फा वि—दूमरो का माल मारनेवाला।

मुफनबरो (مفتنوری) फा स्त्री—दूमरो का माल मारना।

मुफतरजात (مفتکرات) अ पु—बलपित बाते, खयाला मसूबे।

मुफतरिख (مفتکرون) अ वि—फक डारनेवाला फूट डालने बाग दो दोला के बीच में दुरमगी पदा करा देनेवाला।

मुफतरो (مفتنوری) अ वि—धूत गरीर झूठा इल्हाम लगाने वाला आरोपक।

मुफतरे (مفتنوع) अ वि—शाखाए निकारनेवाला।

मुफतसितान (مفتستان) फा वि—मुफत छीननेवाला बेगम दिये लेनेवाला।

मुफतसितानी (مفتسدانی) फा स्त्री—वेदाम दिये चीज का छीन लेना।

मुफ्तिए आबाम (مفتی اعظم) अ पु—सबसे बडा मुफनी।

मुफनी (مفتی) अ पु—गतवा देनेवाला मुसतमाना का वह धमगाब्रबेता मौलवी जो धार्मिक समस्याआ का समाधान प्रश्नोत्तर के रूप में करता है।

मुफ (مفرد) अ वि—एक अकेला।

मुफदात (مفدرات) अ स्त्री—वे अक्षर जा अग-अग लिखे जायें जन्—अ व स ये दवाएँ जो मिश्रित न हा बकि पूवक रूप में हा। वह विजाब जिसम मुफद दवाआ का बपन हो।

मुफित (مفرد) अ वि—अत्यधिक बहुत विद्या, प्रचुर।

मुफिलस (مفلس) अ वि—खरिद निपन, धनहीन कया गरीर।

मुफिलसो (مفلسی) अ स्त्री—खरिदता, निपनता कगाली गरीबी।

मुफिसद (مفسد) अ वि—उपद्रवी क्रिया, फूट डलवान वाला उत्पाती, गरीर, दूषित करनेवाला विद्यानेवाला पून छनी।

मुफिसदान (مفسدانه) अ वि—मुफिसा जसा गरात और उपद्रव स भरा हुआ।

मुफिसदेअल्लात (مفسداحلاط) अ वि—गरीर की धानुओं को दूषित करनेवाला।

मुफिसदे खून (مفسدخون) अ फा वि—रक्तदूषण खून को खराब करनेवाला।

मुबस्तिर (مبتدر) अ वि—व्यथ और अधिक मच करन बाग अपव्ययी।

मुबइल (مبتدل) अ वि—बदला हुआ परिवर्तित।

मुबइक (مبتد) अ वि—मधप्रदगक मागदाक रो गुमा रास्ता बतानेवाला।

मुबव्यज (مبتصه) अ वि—मधे किया हुआ।

मुबव्यन (مبتله) अ वि—वयान किया हुआ कटा हुआ कथित उक्त।

मुबव्यन (مبتن) अ वि—वयान करनेवाला कहनेवाला

मुबवरी (مبترا) अ वि—बरी किया हुआ मुक्त पवि पाक पयक अलग दूर बेतजल्क विरक्त निस्मज

मुबवरीद (مبترد) अ वि—ठडा करनेवाला ठडक पहुंचानेवाला वह दवा जो ठडक पहुंचाये।

मुबवरीदात (مبترا) अ पु—ठडक पहुंचानेवाली औपबिया

मुबवसम (مبتروسم) अ वि—जा ध्यन्तित बसाम राग पोडित हा।

मुबवहन (مبتروهن) अ वि—जो बात पमाण से पूरेतौर प साबित की गयी हो प्रमाणित युक्तिसगत।

मुबवलिख (مبتلخ) अ वि—प्रचार करनेवाला प्रचार विनेपत धमप्रचारक।

मुबवव (مبتوب) अ वि—अध्याया और परिच्छेदों में बर्त हुई पुस्तक संगबद्ध।

मुबवशर (مبتشر) अ वि—गुम सूचना देनेवाला हाण खबरी सुनानेवाला गुमसूचक।

मुबवस्तिर (مبتستر) अ वि—गारवी परब रखनेवाला अल्ब बुरे की तपोज रखनेवाला, ममन।

मुबहही (مُبَاهِي) अ वि.—काम-शक्ति बढ़ानेवाला, काम-वर्द्धक, वाजीकरण रसायन ।

मुवादरत (مُؤَادِرَات) अ स्त्री—फुरती दिखाना, जल्दी करना, वीरता दिखाना, फूर्ती, गीघ्रता, वीरता ।

मुवादलः (مُؤَادِلَة) अ. पु.—अदल-वदल, एक चीज देकर दूसरी लेना, आदान-प्रदान ।

मुवादिर (مُؤَادِر) अ वि—फूर्ती करनेवाला, वीरता दिखानेवाला ।

मुवादिल (مُؤَادِل) अ वि—एक चीज को दूसरी चीज से बदलनेवाला ।

मुवारक (مُؤَادِر) अ. वि.—शुभान्वित, कल्याणकारी, वावरकत, भाग्यशील, खुशकिस्मत; शुभसूचना, खुशखबरी; किसी खुशी के मौके पर कहा जानेवाला शब्द, धन्यवाद, वधाई, मांगलिक ।

मुवारकअंजाम (مُؤَادِرِ اِنْجَام) अ फा. वि.—जिसका परिणाम कल्याणकर हो ।

मुवारककदम (مُؤَادِرِ قَدِيم) अ. वि—जिसका आगमन शुभदायक हो ।

मुवारकदम (مُؤَادِرِ قَدِيم) अ. फा. वि—जिसकी फूँक से वीमार अच्छे हो; जिसके आशीर्वाद से लोगो का कल्याण हो ।

मुवारकवाद (مُؤَادِرِ مَاد) अ फा. वि—मुवारक हो, कल्याण हो, यह वाक्य प्रायः खुशी के अवसर पर एक-दूसरे से कहते हैं, शुभ सूचना, खुशखबरी ।

मुवारक सलामत (مُؤَادِرِ سَلَامَت) अ स्त्री—एक दूसरे को मुवारकवाद देना और उनकी सलामती अर्थात् चिरंजीव हान की दुआ करना ।

मुवारजत (مُؤَادِرَات) अ स्त्री—सग्राम, युद्ध, समर, लडाई, जग, युद्ध क्षेत्र में दोनों ओर से एक-एक योद्धा का निकलकर लडना, यह अरब का प्राचीन नियम था ।

मुवारात (مُؤَادِرَات) अ स्त्री.—किसीके साथ झगडा करना, किसीके साथ युद्ध में पक्ष करना ।

मुवारिज (مُؤَادِر) अ वि—योद्धा, लडाकू, लडनेवाला वीर, एक योद्धा से दूसरे पक्ष का लडनेवाला योद्धा ।

मुवालगः (مُؤَادِلَة) अ. पु.—वात को बढा-चढाकर कहना, अत्युक्ति, अतिरजना ।

मुवालगःआमेज (مُؤَادِلَة اَمِيْر) अ. फा. वि—मुवालगे से भरा हुआ, अतिरंजित ।

मुवालगःआमेची (مُؤَادِلَة اَمِيْرِي) अ. फा. स्त्री—सच्ची वात में अपनी ओर से और कुछ मिलाकर उसे बहुत बढा देना ।

मुवालत (مُؤَادِلَات) अ स्त्री.—किसी वात की शका करना,

किसी वात से डरना ।

मुवाशरत (مُؤَادِرَات) अ. स्त्री—सहवास, संभोग, रतिक्रीडा, मैथुन, हमविस्तरी ।

मुवाशिर (مُؤَادِر) अ. वि—मैथुनकर्ता, सहवास करनेवाला ।

मुवाह (مُؤَادِح) अ. वि—विहित, जाइज, जिसका खाना जाइज हो ।

मुवाहलः (مُؤَادِلَة) अ. पु.—एक-दूसरे को शाप देना, एक-दूसरे को कोसना ।

मुवाहसः (مُؤَادِحَة) अ. पु.—वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहसो-तम्हीस ।

मुवाहात (مُؤَادِهَات) अ स्त्री.—गर्व, फलर, डीग, शेखी, अभिमान, घमंड ।

मुवाहात (مُؤَادِهَات) अ. पु.—वे चीजे जिनका खानपान धर्मशास्त्रानुसार वर्जित न हो ।

मुवीन (مُؤَادِل) अ. वि.—स्पष्ट, व्यक्त, वाजेह, साफ ।

मुवैयनः (مُؤَادِلَة) वयान किया हुआ, कथित ।

मुवैयन (مُؤَادِل) अ वि—दे 'मुवैयन ।

मुवैयिन (مُؤَادِل) अ वि—वयान करनेवाला, कहनेवाला, वक्ता ।

मुव्तजल (مُؤَادِل) अ वि—अपमानित, तिरस्कृत, वेडज्जत; अधम, नीच, लोफर ।

मुव्तदा (مُؤَادِل) अ वि.—शुरू किया गया, प्रारम्भित, जुम्लए इस्मिय. का पहला अंग ।

मुव्तदी (مُؤَادِل) अ वि—शुरू करनेवाला, प्रारम्भिक, शुरू की पुस्तके पढनेवाला, पारगत का उलटा; नौसिखिआ, नौमश्क, जिसे अभी अच्छा अभ्यास न हो ।

मुव्तदे (مُؤَادِل) अ वि—विद्अती, दीन अर्थात् धर्म में नयी वात निकालनेवाला ।

मुव्तला (مُؤَادِل) अ वि—ग्रस्त, पकडा हुआ, फँसा हुआ; मुग्ध, फिरेपत, आसक्त, आशिक, जो परीक्षार्थ आपत्तियों में फँसाया गया हो ।

मुव्तलाए अजाव (مُؤَادِلَة اَعْرَاب) अ वि—पापदंड से पीडित, आपत्तिग्रस्त ।

मुव्तलाए अलम (مُؤَادِلَة اَلْم) अ वि—दे. 'मुव्तलाए गम' ।

मुव्तलाए आफत (مُؤَادِلَة اَفَات) अ. फा. वि—आफतो में फँसा हुआ, सकटापन्न, विपद्ग्रस्त क्लेशग्रस्त ।

मुव्तलाए आलाम (مُؤَادِلَة اَلَام) अ वि—भिन्न-भिन्न आपत्तियों में ग्रस्त, तरह-तरह के दुखो से पीडित ।

मुव्तलाए इश्क (مُؤَادِلَة اَشَق) अ वि—प्रेम के कष्ट में फँसा हुआ, प्रेमावद्ध ।

मुस्ताए घम (مستلا ع) अ वि-गात्र म गिरिपतात्र
गात्रप्रस्त गात्रपीठित प्रेमायुद्ध, प्रेमस्रस्त।

मुस्ताए मुसौयत (مستة مصدت) अ वि-मुस्ताए
आपतं।

मुस्तली (مستلى) अ वि-आजमाद्द के लिए आपत्तिपा
म फेंमानेवाला।

मुस्तासिम (مستسم) अ वि-मुस्तुरानेवाला तिलनेवाला।

मुस्ताहिज (مستهب) अ वि-प्रमन आनन्ति हूपित मसूर।

मुस्तिल (مستل) अ वि-वधन करनेवाला काट करने
वाला मठा ठहरनेवाला।

मुदल (مستل) अ वि-बल्ला हुआ परिवर्तित वह गद
ता किमी दूसरे गद से बल्ला गया हो।

मुदलमिनह (مستل منه) अ पु-जिस गद से बदला
गया वह गद।

मुग्दा (مستد) अ पु-प्रकट करने का स्थान, आरम्भ
करने का स्थान ईश्वर।

मुदिफ कयाख (مستد كفاخ) अ पु-बहुत अधिक फ़ज
पहुचानेवाला अयात ईश्वर।

मुदे (مستد) अ वि-अपने मन स काई निकालनेवाला।

मुदे (مستد) अ वि-आरम्भ करनेवाला प्रकट करने
वाग सष्टि करनेवाला ईश्वर।

मुद्रम (مستوم) अ वि-दंड मजबूत अट्ट अवश्यभायी।

मुल्घ (مستغ) अ वि-भेजा हुआ प्रेय्य एरा जो म्वाटा
न हा रूपके साथ लयाया जानेवाला शब्द जिसका अय
यह है कि भेजनेवाला छरा रुपया भज रहा है।

मुल्ग्या (مستغ) अ वि-भेजनेवाग।

मुवहम (مستهم) अ वि-गरवाजेह अस्पुट जस्पुट निगूड
मगलक।

मुमक्कन (مستن) अ वि-ठहराया हुआ स्थिर किया हुआ।

मुमक्कन (مستن) अ वि-ठहरानेवाग स्थिर करने
वाला।

मुमग्गद (مستد) अ वि-प्रतिष्ठित समानित पूजित बुजुग।

मुमहद (مستد) अ वि-जो खाचा गया हो।

मुमहिद (مستد) अ वि-खाचनेवाला एक दद जिसमें
गरीर खिचता है।

मुमय्यद (مستد) अ वि-दूसरे से पथक किया गया छाट
कर अग किया गया अच्छा जानकर छाँटा गया।

मुमय्यद (مستد) अ वि-डाँकर अलग करनेवाला बुर
भग म अतर जोर भेद करनेवाला।

मुमस्तिल (مستله) अ स्त्री-अभिननी ऐकस अन्कार
स्था।

मुमस्तिल (مستله) अ पु-अभिनता ऐकर अन्कार।
मुमानअत (مساعت) अ स्त्री-निपेध, प्रतिपेध मनाही,
रोक।

मुमारस्त (مسارست) अ स्त्री-अभ्याम मन्त्र, अनुभव
तय्यिब वाम में कोणिग और महनत।

मुमारात (مساراب) अ स्त्री-किसी के साथ जाना गत्रता
करना युद्ध करना।

मुमारिस्त (مساروس) अ वि-वाम में कोणिग करनेवाला
अभ्यस्त मग्धाव, अनुभवा, तय्यिवाकार।

मुमास्त (مساس) अ वि-धिसा हुआ, धिसनेवाला धिसन
की जगह।

मुमास्तहत (مساستحت) अ स्त्री-अच्छी सूत को बुरी
सूत में परिवर्तित कर देना।

मुमासलत (مسالت) अ स्त्री-एक-जसा हाना, सद्घता
एकरूपता, हमगडली समानता, बराबरी।

मुमासिख (مساسخ) अ वि-अच्छे रूप का कुरूपता में
परिवर्तित कर देनेवाला।

मुमासिल (مسائل) अ वि-सद्ग एकरूप, हमगल,
समान बराबर।

मुमिद [द] (مسد) अ वि-सहायक मन्गार पनपाती
हिमायनी आथयदाता सहारा देनेवाला।

मुमिर [र] (مسر) अ वि-मुजरनेवाला जानेवाला।

मुम्किन (مسكن) अ वि-हा सक्नेवाली बात सभव
शक्य सभाव्य शक्ति ताकत सामय्य मसूर।

मुम्किनात (مسكيات) अ पु-मुम्किन का बहु वे बात
जिनका हाना सभव हो।

मुम्किनुलअमल (مسكن العمل) अ वि-जिस पर अमल
करना सभव हो।

मुम्किनुलइलाज (مسكن العلاج) अ वि-जिसकी चिकित्ता
(इलाज) सभव हो।

मुम्किनुलवुजूद (مسكن الوجود) अ वि-जिसका होना
और न होना दोना अनावायक हो अर्थात् मानवजाति।

मुम्बिनुलहसूल (مسكن الحصول) अ वि-जिसका मिलना
सभव हा प्राप्य।

मुस्तद (مستد) अ वि-खाचा हुआ लम्बा दराज।

मुस्तने (مستنع) अ वि-निषेधक रोकनेवाला।

मुस्तली (مستلى) अ वि-भरा हुआ पूण।

मुस्ताहन (مستحن) अ वि-जिसकी परीभा ली जाय
परीमित आजमाया हुआ।

मुतहन (مستهن) अ वि-तिरस्कृत अपमानित निम्न
बदरजत।

मुस्ताहिन (مستنكى) अ वि—इम्तिहान लेनेवाला, परीक्षक ।
 मुस्ताज (مستاز) अ. वि—बहुतो मे से चुनकर अलग किया हुआ, प्रतिष्ठित, समानित, मुअज्जज, मुख्य, विशिष्ट, खास ।
 मुस्तिर (مسطر) अ वि—बरसनेवाला वादल ।
 मुस्सिक (ممسك) निकलने से रोकनेवाला, कृपण, कजूस, वखील ।
 मुर [रं] (مر) अ. वि.—कडवा, कटु, तल्ल, मुरमवकी, एक गोद जो दवा मे चलता है ।
 मुरक्कव (مركب) अ. वि—मिश्रित, मिला हुआ; वह दवा जो कई दवाओ से मिलकर बनी हो ।
 मुरक्कवात (مركمات) अ पु—'मुरक्कव' का बहु, मुरक्कव दवाएँ ।
 मुरक्कम (مرقم) अ वि—लिखित, लिखा हुआ ।
 मुरक्का (مرقع) अ. पु.—चित्र, तस्वीर, तस्वीरो का अत्वम, चित्रावली ।
 मुरदलम (مرحم) अ वि—मुलाइम किया हुआ, वह शब्द जिसका अन्तिम अक्षर हटा दिया गया हो ।
 मुरदलस (مرحص) अ. वि—रखसत किया गया, जिसे जाने की आज्ञा दे दी गयी हो, जो विदा कर दिया गया हो ।
 मुरगान (مرعن) फा. वि.—तेल या घी मे तरतराता हुआ, घी मे तरवतर ।
 मुरज्ज (مرجر) अ वि—वह गद्य जिसके वाक्य परस्पर सतुलित और सानुप्रास हो ।
 मुरज्जब (مرحب) अ. वि.—प्रतिष्ठित, संमानित ।
 मुरत्तव (مرتب) अ. वि—क्रमवद्ध किया हुआ, सिलसिले से लगाया हुआ क्रमागत, सपादित, समाहृत, संगृहीत ।
 मुरत्तव (مرطب) अ वि—जिसको तर किया हो, जिसे तरी पहुँचायी गयी हो ।
 मुरत्तिव (مرتب) अ वि—क्रमवद्ध करनेवाला, सग्रह करनेवाला ।
 मुरत्तिव (مرطب) अ. वि—ठड पहुँचानेवाला, तरी पहुँचानेवाला ।
 मुरद्द (مردد) अ वि—जिसका खडन किया गया हो ।
 मुरद्दफ (مردف) अ वि—रदीफ के हिसाब बनाया हुआ, रदीफवार किया हुआ ।
 मुरद्दिह (مردد) अ. वि—खडन करनेवाला, तर्दीद करनेवाला ।
 मुरप्फह (مرفه) अ वि—सम्पन्न, समृद्ध, आसूदा ।
 मुरप्फहहाल (مرفه حال) अ. वि—धनाढ्य, मालदार, धनी, सम्पन्न ।

गलाकर शक्कर के किवाम मे रखा गया हो ।
 मुरव्वा' (مورع) अ. वि—वह समकोण चतुर्भुज जिसकी सब रेखाएँ बराबर हो, वर्गाकार, चौखूँटा ।
 मुरव्वी (مورسى) अ वि—पालनेवाला, सरपरस्त, अभिभावक ।
 मुरसयकी (مورمكى) अ. स्त्री.—एक गोद जो दवा के काम आता है ।
 मुरम्मम: (مورمست) अ वि—संगोधित, तर्मीम किया हुआ ।
 मुरम्मम (مورم) अ. वि.—दे. 'मुरम्मम.' ।
 मुरम्मिम (مورم) अ वि—संशोधनकर्ता, तर्मीम करनेवाला ।
 मुरव्वक (موروق) अ वि.—किसी वनस्पति के पत्तो आदि का कोट का निकाला हुआ अरक जिसे आग पर पकाकर उसकी हरियाली दूर कर दी गयी हो ।
 मुरव्वज: (موروجه) अ वि—प्रचलित, राज, जिसका रवाज या चलन हो ।
 मुरव्वज (موروج) अ. वि—दे 'मुरव्वज.' ।
 मुरव्वत (موروت) अ. स्त्री.—शुद्ध उच्चारण 'मुरुव्वत' है, परन्तु उर्दू मे 'मुरव्वत' ही बोलते हैं, शील संकोच, लिहाज; रियायत ।
 मुरव्वतकेश (موروت كيش) अ. फा वि—जिसमे मुरव्वत बहुत हो ।
 मुरव्वतन (موروتاً) अ वि.—मुरव्वत के खयाल से, मुरव्वत मे ।
 मुरव्वतशिआर (موروت شعار) अ वि—जिसके स्वभाव मे मुरव्वत हो ।
 मुरव्विज (موروج) अ वि—रवाज देनेवाला, प्रचार करनेवाला, राज करनेवाला ।
 मुरव्विह (موروج) अ. वि—आनन्द देनेवाला, रत्नजटित, सुगध फैलानेवाला ।
 मुरस्सा (مورصع) अ वि—जडाऊ, जटित, सुसज्जित, आरास्त, सस्कृत, शुस्त ।
 मुरस्साकार (مورصع كار) अ फा वि—जेवर मे नगीने और जवाहिर जडनेवाला, जडिया, नगीने जडा हुआ, रत्नजटित, जटित, खचित ।
 मुरस्साकारी (مورصع كارى) अ फा स्त्री—जेवरो मे नगीने जडने का काम ।
 मुरस्सा गजल (مورصع غزل) अ फा—सुसज्जिता गजल, सपूर्ण अलंकृता गजल ।
 मुरस्सा'निगार (مورصع نغار) अ फा वि.—जिसका लिखना बहुत अच्छा हो, जो लिखने मे नगीने से जडता हो; जडाऊ, जटित ।

मुरस्ता'निगारी (مورصع ننگاری) अ फा स्त्री—खुशानवीसा।
 मुरस्तासाज (مورصع ساج) अ फा वि—दे 'मुरस्ताकार'।
 मुराआत (موراعاات) अ स्त्री—रक्षा, देख रख रिआयत
 मुर वत कनसियो मे देखना।
 मुराआतुप्रखौर (موراعاات الطغور) अ स्त्री—एक शान्त
 लकार जिसम एक चीज के वगन में उससे सबद और
 चाजा की भी लाया जाय जस—घनुप के साथ बाण
 निपग अथवा प्रत्यचा आदि का उल्लेख हा।
 मुराई (موراعی) अ वि—रिआयत करनेवाला देख रख
 करनेवाला चरानेवाला।
 मुराकब (موراعه) अ पु—ससार से हटकर ईश्वर में ध्यान
 लगाना, समाधि अवधान, योग धारणा।
 मुराकिब (موراكب) अ वि—समाधिस्य मुराकबे में गया
 हुआ, अतर्लीन।
 मुरावत (موراحته) फा पु—परस्पर रेस्ता में क्लाम
 गुनाना रेले का मुशाअरा।
 मुराअवत (موراعب) अ स्त्री—इच्छा अभिलाषा, स्वाहिस,
 रुचि रगवत।
 मुराअवत (موراعب) अ स्त्री—वापस आना प्रत्यागमन।
 मुराअवत (موراعب) अ स्त्री—दूसरे के बालक को दूध
 पिलाना।
 मुराजे (موراجع) अ वि—वापस आनेवाला त्रोटनेवाला
 प्रत्यागामी।
 मुराद (موراد) अ स्त्री—इच्छा कामना अभिलाषा आजू
 आग्य उद्देश्य मकसद मन्त मानता।
 मुरादिफ (مورادف) अ वि—जिसी के पीछे वठनेवाला
 वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द का समानाथक हो।
 मुरादिफुलमाना (مورادف السمعین) अ वि—पर्यायवाची
 समानाथक।
 मुरादी (مورادی) अ वि—आग्य के अनुकूल बाल्पनिक
 क्रियामी आना के साथ लगनवाला शब्द जैसे—'मुरादी
 आठ आना'।
 मुराफअ (موراعه) अ पु—अपी पुनर्विचार प्राधना
 पुनर्प्राय प्राधना।
 मुराफअत (موراعب) अ स्त्री—सहचारिता हमराही
 मना दोस्ता।
 मुराफअ (مورادف) अ वि—महजर साथी मित्र दोस्त।
 मुराफे (موراعف) अ वि—अपील करनेवाला पुनर्वानी
 पुनरावेक।
 मुरावत (موراعب) अ स्त्री—राम उठाकर किसी घस्तु
 का बेचना।

मुरासल (موراسله) अ पु—पत्र चिठी खत।
 मुरासलत (موراسلت) अ स्त्री—पत्र-व्यवहार सती
 कितावत।
 मुरासलात (موراسلاات) अ पु—मुरामलत का बहु, आपनी
 पत्र-व्यवहार के कागजात।
 मुराहिक (موراهك) अ पु—वह लका जो बालिग होन के
 करीब हो अकुरित यौवन।
 मुरुवत (موروت) अ स्त्री—शील सकोच, लिहाज रिआयत
 आन्तर इरजत गूढ उच्चारण यही है परनु उदू में मुरुवत
 अधिक बालने ह।
 मुरीद (مورید) अ वि—शिष्य चेला घमगुह का अनुयायी।
 मुरीदी (موریدی) अ स्त्री—मुरीद का पत्नी मरीद का
 कतब्य।
 मुरर (مورر) अ पु—जाना, गमन करना व्यतीत होना,
 वीतना।
 मुररे ऐयाम (مورر ایام) अ पु—समय वीतना वक
 गुजरना।
 मुर (مورع) फा पु—पत्नी खग विहग गवुत अ
 चिटिया कुकट्ट मुर्गा।
 मुरअदाव (مورع ابدار) फा पु—वह निवाला (कौर) f
 विना चबाये निगल लिया जाय।
 मुरबाव (مورع نار) अ फा वि—जो मुर्गों की पाली का
 उहें लटाता है।
 मुरबावी (مورع ناری) फा स्त्री—मुर्गों की पाली :
 लडाना।
 मुर्से आतसहवार (مورع اش حوادر) फा पु—आग छा
 वाली चिडिया, चकौर समन्तर।
 मुर्से कफस (مورع كفس) फा पु—वह चिडिया जो पिं
 में बंद हो।
 मुर्से किल नुमा (مورع كيلة نسا) फा अ प—कृतुवनुमा
 सुई।
 मुर्से गिरिफ्तार (مورع گرفتار) फा पु—वह चिडिया जिस
 पाव म डारा बंधा हो या जो पिंजे में कद हो।
 मुर्से दस्तआमीड (مورع دست آمیڈ) फा वि—वह चिडि
 जा हाथ पर सधायी जाती है।
 मुर्से नामबर (مورع نامبر) फा पु—खन से जानेवाले
 चिडिया कवुतर हूहूह।
 मुर्से गानसर (مورع گانسر) फा पु—नार पर कॅल्फ
 रखनेवाली चिडिया हूहूह।
 मुर्से सहर (مورع سحر) फा अ पु—गवेरे बोलनेवाली
 चिडिया कुकट्ट वुलवुल।

मूर्जिनः (مورجین) अ. स्त्री.—दूध पिलानेवाली स्त्री, घाय, घायी ।
 मूर्तंश (مورتنش) अ. वि.—कपायमान, हिलता हुआ, स्पन्दमाना ।
 मूर्तकिन्व (مورتنک) अ वि.—पाप या दोष का करनेवाला ।
 मूर्तचवी (مورتنوی) अ वि.—मूर्तजा अर्थात् हृज्जतअली से सम्बन्धित, हृज्जतअली का ।
 मूर्तजा (مورتنجی) अ वि.—रोचक, मनोवाञ्छित, पसंदीद ; हृज्जत अली की उपाधि, हृज्जतअली ।
 मूर्तद [द] (مورتند) अ वि.—जो अपना धर्म छोड़कर दूसरे के धर्म में चला जाय, विधर्मी ।
 मूर्तफे (مورتنفع) अ वि.—उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, बलद ।
 मूर्तशी (مورتنشی) अ वि.—रिशवत लेनेवाला, उत्कोचक ।
 मूर्तसम (مورتنسم) अ वि.—अकित, नक्श ।
 मूर्तसिम (مورتنسیم) अ वि.—नक्श कबूल करनेवाला ।
 मूर्तबि (مورتنص) अ वि.—तपस्वी, इवादत करनेवाला, इद्रियनिग्रही, नपसकुश ।
 मूर्दः (مورده) फा पु.—मृत, निष्प्राण, मरा हुआ, मृतक, मरा हुआ आदमी या प्राणी; दुर्बल, अशक्त, कमजोर, मरयल, बहुत अधिक बूढा; बूझी हुई आग या चिराग; खिन्न, अपसुर्द, शव, लाश ।
 मूर्दःखोर (موردهخور) फा वि.—मुर्दारखवार, मृतागी, मृत-भोजी ।
 मूर्दःदिल (موردهدل) जिसका मन बहुत ही उचाट और गीरस हो, मृतहृदय, हतमानस, हतचित्र ।
 मूर्दःदिली (موردهدلی) फा स्त्री—मन का खिन्न और मलिन होना ।
 मूर्दःशो (موردهشو) फा वि.—मृतक शरीर को स्नान कराने-वाला, मृतस्नापक ।
 मूर्दःसग (موردهسنگ) फा पु.—एक पत्थर जो दवा के काम आता है, मुर्दासख ।
 मूर्दंगा (موردهنگل) फा पु.—'मूर्द' का वह, मरे हुए लोग ।
 मूर्दनी (موردهنی) फा वि.—मृत्यु के चिह्न जो मरते समय मृत्यु के मुर पर प्रकट होते हैं, मृत्यु, मरण, मौत ।
 मूर्दाद (موردهاد) फा पु.—ईरानी पाँचवाँ महीना, जो हिंदी के भादों से मिलता है ।
 मूर्दार (موردهار) फा वि.—वह पशु जो अपनी मौत से मर गया हो, मृत पशु, अपवित्र, नापाक, मृतक, निष्प्राण (पशु आदि); कुलटा, व्यभिचारिणी, फाहिशा, एक तिरस्कार का शब्द जो क्रोध के समय स्त्री के लिए बोला जाता है ।

मुर्दारखवार (موردهارخوار) फा वि.—मरे हुए जीव को खाने-वाला, मृतागी ।
 मुर्दारसंग (موردهارسنگ) फा पु.—एक पत्थर—जैसा पदार्थ जो दवा में काम आता है, मुर्दासख, लघुतिक्त ।
 मुर्शिद (مورسد) अ. वि.—धर्म-गुरु, पीर, (व्यग) वृत्त, वचक, चालाक ।
 मुर्शिदजादः (مورسدجاد) अ. फा. पु.—धर्मगुरु का पुत्र, पीर का बेटा ।
 मुर्शिदे कामिल (مورسدکامل) अ पु.—पहुँचा हुआ पीर, बहुत बडा वली, महायोगी ।
 मुर्सलः (مورسله) अ. वि.—भेजी हुई वस्तु, प्रेषित ।
 मुर्सल (مورسل) अ वि.—भोजा हुआ, वह पैगवर जिस पर कोई इलहामी किताब उतरी हो ।
 मुर्सलइलैह (مورسلالیه) अ वि.—जिसको भेजा जाय, जिसको कोई चीज भेजी गयी हो ।
 मुर्सलीन (مورسلین) अ. पु.—'मुर्सल' का वह, वह रसूल जिन पर दिव्य गंथ उतरे हो ।
 मुर्सिल (مورسل) अ. वि.—भेजनेवाला, प्रेषक, इसल (प्रेषण) करनेवाला ।
 मुल (مل) फा स्त्री.—मदिरा, सुरा, शराव ।
 मुलककय (ملقب) अ. वि.—उपाधित, लकव दिया गया ।
 मुलदलस (ملخص) अ वि.—सक्षिप्त, खुलासा, तत्त्व, सार ।
 मुलजिज्ज (ملذون) अ वि.—आनंद देनेवाला, वह दवा जो लिगेद्रिय पर लगा लेने से सहवास का आनंद बढा दे ।
 मुलत्तिफ (ملطف) अ वि.—वह औपध जो दूषित धातुओं को पतला कर दे ।
 मुलम्मा' (ملمعه) अ पु.—गिलिट किया हुआ, चाँदी या सोने का पानी चढाया हुआ, कलई ।
 मुलम्मा'कार (ملمعهکار) अ फा वि.—मुलम्मो का काम करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट में कुछ, चाप-लूस, चाटुकार ।
 मुलम्माकारी (ملمعهکاری) अ फा स्त्री—मुलम्मो का काम बनाना, चाटुकारी, चापलूसी ।
 मुलम्मागर (ملمعهگر) अ फा वि.—मुलम्मो का काम बनाने-वाला ।
 मुलम्मा'साज (ملمعهساز) अ फा वि.—दे. 'मुलम्मागर' ।
 मुलम्मा'साजी (ملمعهسازی) अ. फा स्त्री—मुलम्मो का काम बनाना ।
 मुलथियन (ملمین) अ वि.—नर्मी पैदा करनेवाला, वह दवा जो पेट को नर्म करके असानी से पाखाना लाये, हल्की रेचक दवा ।

मुल्लघन (ملون) अ वि-रग किया हुआ, रजित रग विरगी, चित्र विचित्र।

मुल्लघस (ملوغ) अ वि-लियडा हुआ, सना हुआ, किसी पाप या अपराध में भागीदार।

मुल्लघन (ملون) अ वि-रगनेवाला, रजक।

मुलाअबत (ملاعت) अ स्त्री-खेल-कूद क्रीडा, मनो विनोद आमोद प्रमाद तफ्हीह चूमा चाटी प्यार का खेल।

मुलाअमत (ملاست) अ स्त्री-नर्मी, कोमलता, दो चीजों का इकट्ठा करना दे मुलायमत।

मुलाइब (ملايب) अ वि-खेलनेवाला क्रीडा करनेवाला।

मुलाइम (ملايم) अ वि-नम कोमल नाजुक महुल लनीफ सूख, मपुर, गीरी धीमा ठडा।

मुलाकात (ملاوات) अ स्त्री-एक दूसरे से मिलना भेंट साक्षात्कार परिचय जान पहचान भेल मिलाप मनी, प्रेम व्यवहार सहवास हमबिस्तरी।

मुलाकाती (ملاواتی) अ वि-मेल-जोल का व्यक्ति, मित्र जा प्राय मिलने जाता रहता हो।

मुलाकाते बाबदीद (ملاوات بارديت) अ फा स्त्री-किसी के मिलने के लिए आने पर उस के घर मिलने जाना।

मुलाक़ी (ملاقی) अ वि-मिलनेवाला सयुक्त, मित्र दोस्त मुलाकाती।

मुलाअमत (ملاومت) अ स्त्री-किसी के पास बराबर रहना सवा नौकरी बडे व्यक्ति की मुलाकात।

मुलाअमतपेग (ملاومت پيگ) अ फा वि-जिसकी गुजर बसर का साहारा नौकरी हो।

मुलाअिम (ملاومت) अ स्त्री-नौकरानी दासी परि चारिका।

मुलाअिम (ملاومت) अ पु-दास खिदमतगार सेवक नौकर।

मुलातफ (ملاطفه) अ पु-हृषा दया अनुग्रह नम्रता विनीति साकसारी कोमलता नर्मी हुगापत्र इनायत नामा।

मुलातफत (ملاطفت) अ स्त्री-हृषा दया नम्रता आजिजी कोमलता नर्मी।

मुलाबसत (ملاست) अ स्त्री-एक दूसरे के सवृण होना एकरूपता।

मुलायमत (ملايست) अ स्त्री-कोमलता नर्मी दो चीजों का एक जगह करना।

मुलाहब (ملاحه) अ पु-सना गौर करना अनुशीलन हिहाब सम्मूय सामने।

मुल्लक (مدرك) अ पु-मलिक का बहु बाल्याद श्रेय।

मुल्लान (مدركه) अ फा वि-बाल्यादा-जगा धाही।

मुल्लघिन (ملين) अ वि-दे मुल्लघिन'।

मुल्लक (ملك) अ पु-श राष्ट्र, सलतनत, जमभूमि बतन शेष, इलाका।

मुल्लगोरी (ملك گوري) अ फा स्त्री-दूसरे देशा को जीतना दूसरे देशा को अपने अधीन करना।

मुल्लरानी (ملك رانی) अ फा स्त्री-राज करनी, शासन करना, हुकूमत करना।

मुल्लसितानी (ملك سیتانی) अ फा स्त्री-मुल्लगोरी' मुल्लकी (ملکی) अ वि-श्रीय, देश का, देशनिवासी देश का रहनेवाला, देशो नेटिव।

मुल्ले अदम (ملك عدم) अ पु-यमलोक परलोक, जहाँ मरकर जाते ह।

मुल्ले खमोशी (ملك حوشان) अ फा पु-मुनों का देश श्मशान भूमि कब्रिस्तान।

मुल्ले फना (ملك فنا) अ पु-नस्वर जगत ससार, दुनिया।

मुल्ले बका (ملك بقا) अ पु-वह जगत जहाँ हमगा रहना ह परलोक।

मुल्लजम (ملجوم) अ स्त्री-अपराधिनी जुम करनवाली स्त्री।

मुल्लजम (ملجوم) अ पु-अपराधी अभियोगी कुसूरवार जिस पर अपराध लगाया गया हो।

मुल्लजम (ملجوم) अ वि-इजाम या अपराध लगानवाला, किसी चीज को अपने ऊपर लाजिम करनवाला।

मुल्लक़त (ملکطه) अ वि-धीना हुआ, चुना हुआ, उठया हुआ रफू किया हुआ।

मुल्लक़ित (ملکطت) अ वि-चुननवाला रफू करनवाला, उठानवाला।

मुल्लअिम (ملکوم) अ वि-अपने ऊपर लाजिम या बुक़ी करनेवाला।

मुल्लजो (ملکجوی) अ वि-प्राथना करनवाला, निवेक प्रार्थी कहनेवाला, अड करनेवाला, इच्छुन चाहियाम'।

मुल्लक़ित (ملکطت) अ वि-आकृष्ट प्रवृत्त रुज।

मुल्लवसत (ملکست) अ वि-जो छिपाया गया हो जिस पर गुनहा किया गया हो।

मुल्लमिस (ملکست) अ वि-प्राथना करनवाला निवे दक कहनेवाला।

मुल्लवी (ملکوی) अ वि-रुक्नेवाला, रुका हुआ स्थिति।

मुल्लहब (ملکيب) अ वि-महवा हुआ।

मुल्लहम (ملکتم) अ वि-भरा हुआ धाव, बहु खरम जो अच्छा हो गया हो।

मुल्तहिय (ملتهيب) अ. वि.—रूपटे देनेवाली आग, वह आग जिसमें से लपटे निकल रही हों।

मुल्तहिमः (ملتهيم) अ. स्त्री.—आँस का एक पर्दा, चक्षु-पटल।

मुल्ला (ملا) अ.पु.—मौलवी, फाजिल; मस्जिद में अजान देनेवाला, मकतब में छोटे बच्चों को पढानेवाला।

मुल्लाए मकतबो (ملاي مکتبی) अ.पु.—मकतब में छोटे-छोटे बच्चों को पढानेवाला अर्थात् यम इत्म।

मुल्हक (ملحق) अ. वि.—चिपका हुआ, जुड़ा हुआ, मिला हुआ।

मुल्हिक (ملحق) अ. वि.—जुटनेवाला; मिलनेवाला; वह चीज जो किसी चीज के आखिर में जोड़ दी जाय।

मुल्हिकत (ملحقات) अ.पु.—'मुल्हिक' का बहु., आखीर में जोड़ी हुई चीजें।

मुल्हिद (ملحد) अ. वि.—नास्तिक, विधर्मी, अनौद्वारवादी, खुदा पर यकीन न रखनेवाला।

मुल्हिदानः (ملحدان) अ. वि.—मुल्हिदों-जैसा, विधर्मियों-जैसा, धर्म के विरुद्ध।

मुल्हिम (ملهم) अ. वि.—हृदय में वात डालनेवाला, वह देवी शक्ति जो मन को सचेत करती है, कान्जेन्स।

मुल्हिमैयब (ملهم عیب) अ.पु.—हृदय में शैब से वात डालने-बोलनेवाला, भविष्य की बात से सूचित करनेवाला।

मुवक्कर (موقر) अ. वि.—प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज्जज।

मुवक्कल (موکل) अ.पु.—देवता, हर काम के लिए नियुक्त एक फिरस्ता, वकील का असामी, जो अपना मुकद्मा वकील को देता है; वह रह जिसे आमिल वश में करता है।

मुवज्जल (موجل) अ. वि.—ब्रह्म मूह जो तुरत न अदा किया जाय।

मुवज्जह (موجه) अ. वि.—उचित, मुनासिब, यथार्थ, ठीक, प्रमाणित, तर्क संगत, मुदल्लल।

मुवद्दत (مؤدت) अ. स्त्री.—दे. शुद्ध उच्चारण 'मवद्दत' यह उच्चारण विलकुल गलत है।

मुवस्ता (موصی) अ. वि.—जिसे वसीयत की गयी हो।

मुवस्ती (موصی) ग. वि.—वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र-कर्ता, उत्तर साधक।

मुवह्हिद [मुवह्हिद] (موحد) अ. वि.—ईश्वर को एक माननेवाला; एक सम्प्रदाय जो केवल ईश्वर को मानता है, उसके सब अवतारों को या किताबों आदि को नहीं मानता।

मुवह्हिदानः (موحدان) अ. फा. वि.—मुवह्हिदों-जैसा।

मुवह्हिहा (موحس) अ. वि.—भगानेवाला।

मुवाअजः (مواخذة) अ.पु.—दे. 'मुआअज', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाआत (مواخات) अ. स्त्री.—दे 'मुआमुआत', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाअनः (موازنه) अ.पु.—दे 'मुआअन', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाअवत (مواطعت) अ. स्त्री.—काम में लगा रहना, किसी काम को नित्यप्रति करते रहना।

मुवाअरत (موازرت) अ. स्त्री.—मंत्री का पद ग्रहण करना, मंत्री बनना, मंत्री का काम करना, बख़ोरी।

मुवाअहः (مواجه) अ.पु.—समुदा होना, आमने-सामने होना।

मुवाआत (موازات) अ.स्त्री.—मुकाबला, बराबरी, नमानता।

मुवाजी (موازی) अ. वि.—मुकाबिल, बराबर, बराबर-बराबर।

मुवातात (مواطات) अ. स्त्री—अनुकूलता, मुआफकत।

मुवावअत (مواذعت) अ. स्त्री.—एक-दूसरे से विदा होना; विदा करना।

मुवानसत (موانست) अ. स्त्री.—दे. 'मुआनसत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफकत (موافقت) अ. स्त्री—दे 'मुआफकत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफिक (موافق) अ. वि.—दे. 'मुआफिक', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवामरत (موامرت) अ. स्त्री.—दे. 'मुआमरत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाला (مواالا) अ.पु.—'मुवालात' का लघु, दे. 'मुवालात'।

मुवालात (مواالات) अ. स्त्री.—परस्पर मैत्री; परस्पर सहयोग, दे. 'मुआलात', दोनों शुद्ध है।

मुवासलत (مواصلت) अ. स्त्री—मुलाकात, मेल; सहवास, हमविस्ती।

मुवासा (مواسا) अ.पु.—दे. 'मुआसा', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवासात (مواسات) अ. स्त्री—दे. 'मुआसात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाहनत (مواهنات) अ. स्त्री.—आलस्य, सुस्ती, काहिली।

मुवाहवत (مواهدت) अ. स्त्री.—दान, प्रदान, बख़िश।

मुवाहिन (مواهن) अ. वि.—आलसी, काहिल, सुस्त।

मुवाहिव (مواهب) अ. वि.—प्रदाता, बख़िश करनेवाला।

मुशंग (مشنگ) फा.पु.—डाकू, लुटेरा, दस्यु; एक अनाज।

मुदाबकल (مشکل) अ. वि.—साकार, साक्षात्, किसी विशेष शकल में आया हुआ।

मुगलबस (مشغور) अ वि-परीक्षित जाचा हुआ, अनुमानित अदावा किया हुआ, तगलीम ज्यात रोग निदान किया हुआ।

मुगलजर (مستدر) अ वि-बेल-बूटे बना हुआ एक बेल बूटेदार कपडा एक पत्थर जिस पर प्राय वृक्षों के चित्र बने होते हैं।

मुगलतत (مشئت) अ वि-अस्त-व्यस्त परागण चिन्तित, फिन्मद उद्विग्न परेगान।

मुगलद (مشد) अ वि-बह अमर जिस पर तगलीद हो, जा दो बार पडा जाय।

मुगलबक (مسك) अ वि-आलीदार जिसमें बहुत स छेद ह।

मुगलबह (مشده) अ पु-बह वस्तु जिसे किसी दूसरी वस्तु स उपमा दा जाय उपमेय। जस-मुल की उपमा चद्र से दी जाय तो मुल मुगलबह अयान उपमेय ह।

मुगलबहविही (مشده) अ पु-बह वस्तु जिससे किसी वस्तु की उपमा की जाय उपमान उपमित, जसे-मुल की उपमा चद्र स दी जाय तो चद्र 'मुगलबहविही' अर्थात् उपमान ह।

मुगलब्येह (مسنه) अ वि-उपमा देनेवाला।

मुगलस्यन (مسن) अ वि-शानगर रोव-दाबवाला रूप यान सुदर।

मुगलरफ (مسرور) अ वि-प्रतिष्ठित समानित इरजत दिया गया।

मुगलरह (مسرور) अ वि-जिनकी व्याख्या हो गयी हो व्याख्यात विस्तत भाष्य।

मुगलरहे (مسرور) अ वि-व्याख्या करनेवाला व्याख्याता भाष्यकार।

मुगलबग (موش) अ वि-घबराया हुआ उद्विग्न परे गान।

मुगलवा (مرو) अ वि-भूना हुआ भूष्ट।

मुगलबग (موش) अ वि-घबरा देनेवाला परेगान कलवाग।

मुगलदर (مستدر) अ वि-चवित निस्त-प गगनर।

मुगलदर (مستدر) अ वि-जिनकी गोहत हो कातिवान यास्वा नवनाम दो बहुत प्रसिद्ध हा सुप्रसिद्ध विख्यात।

मुगलही (مستدر) अ वि-भूल लगानेवाली देवा।

मुगलप्रर (مساعره) अ पु-बहुत-से कविया का एक जगह बटकर परस्पर कविता सुनाना, कवि-भाष्टी कवि-सम्मेलन बहूत-ग आशिया। क समूह कविता सुनाना।

मुशाकलत (مسالك) अ स्त्री-एक रूपता, सद्गता एक जसी शकल होना।

मुशाकिल (مسائل) अ वि-महश्प सद्ग, हम शकल दे बहो मुशाकिल।

मुशाजर (مساحره) अ पु-मुशाजरत।

मुशाजरत (مساحرب) अ स्त्री-प्रतिबुलता मुवाल्फत विरोध।

मुशातमत (مساميه) अ स्त्री-एक दूमर का गाली गलीज करना।

मुशाफह (مشافهه) अ पु-समुलता आमना-सामना।

मुशाबद (مسهود) अ वि-जिस चीज का गावना गिया जाय।

मुशाबहत (مساميه) अ वि-एक रूपता हमसकता, समानता, बराबरी।

मुशाबिद (مشعند) अ वि-बाजीगर मायावा छपी फिरवी लीलावार कौतुकी।

मुशाबेह (مسائه) अ वि-एकरूप, सद्ग हम गल तुप समान, बराबर।

मुशाबयत (مشاعبه) अ स्त्री-किसी की विदा क समय थोड़ी दूर उससे साथ चलना जनाज के साथ जाना।

मुशाार (مشار) अ वि-जिसकी ओर सवेत किया जाय सकतित।

मुशाारकत (مساركت) अ स्त्री-सागा भागादारी शिरत।

मुशाारन इलह (مسارالع) अ वि-जिसकी ओर सवेत किया जाय उक्त कथित उपलक्षित मगबुर।

मुशाारत (مساروت) अ स्त्री-परस्पर परामश और विचार विनियम करना परामा, मसबुर।

मुशाारि (مسارر) अ वि-परामागतता मगबुर करत वाला।

मुशाागा (مسعع) अ वि-नीप्त ज्यातिमय रोग।

मुशााहद (مساهده) अ पु-निरागण दान दत्ता, अनुभव सत्रिवा।

मुशााहात (مساهدات) अ पु-मुशाह का बहु, देखी हुई बस्तुए सत्रिवात।

मुशााहर (مشاعره) अ पु-माहवारी ततरवाह मातिर वेतन।

मुशााहिद (مساعد) अ पु-मुशाहना करतवाला, देन वाला किसी विगेय काय का देगने और उसने शक्य में गवाही देनेवाला ध्यक्ति आवबकर।

मुशााहिदीन (مساعدين) अ पु-मुशाह करवावाली की जमाअत आवबकय।

मुशीर (مشير) अ. वि.—परामर्शदाता, मश्वुरा देनेवाला, सलाहकार।

मुशीयन (مشين) अ. वि.—दे 'मुशाय्यन'।

मुश्क (مشك) फा. पुं.—कस्तूरी, कस्तूरिका, मिशक।

मुश्कअफशां (مشك افشان) फा. वि.—मुश्क छिड़कनेवाला अर्थात् अत्यंत सुगंधित।

मुश्कआहू (مشك اهو) फा. पु.—वह हिरन जिसकी नाभि से कस्तूरी निकलती है, कस्तूरी मृग, पुष्कालक।

मुश्कनाफः (مشك نافه) फा. पु.—कस्तूरी की थैली, मृग-नाभि।

मुश्कपादा (مشك پاش) फा. वि.—दे 'मुश्कवार'।

मुश्कफाम (مشك فام) फा. वि.—कृष्ण वर्ण, काले रंग का।

मुश्कफिशारां (مشك فشان) फा. वि.—दे 'मुश्कअफशां'।

मुश्कवार (مشك وار) फा. वि.—सुगंध वर्णक, मुश्क—जैसी सुगंध फैलानेवाला, अर्थात् बहुत खुशबूदार।

मुश्कबू (مشك بو) फा. वि.—कस्तूरी—जैसी सुगंध रखनेवाला।

मुश्कबेब (مشك بيب) फा. वि.—दे 'मुश्कवार'।

मुश्कबेद (مشك بيد) फा. पु.—वेद की एक जाति जो बहुत सुगंधित होता है और जिसके पत्तों का अरक 'वेद मुश्क' कहलाता है।

मुश्करंग (مشك رنگ) फा. वि.—मुश्क—जैसे रंग का।

मुश्कसा (مشك سا) फा. वि.—मुश्क—जैसा खुशबूदार।

मुश्कसार (مشك سار) फा. वि.—दे 'मुश्कसा'।

मुश्काव (مشك اب) तु. स्त्री.—बड़ी रिकामी, काव, दे 'बुशकाव'।

मुश्कल (مشك ل) अ. स्त्री—कठिनता, कठिनाई, जटिलता, पेचीदागी; गूढ़ता, दकीकपन, सूक्ष्मता, बारीकी, (वि) कठिन, दुष्कर, जटिल, पेचीदा, गूढ़, दकीक; सूक्ष्म, बारीक।

मुश्की (مشك ي) फा. वि.—मुश्क—जैसा सियाह, मुश्क—जैसा सुगंधित।

मुश्कीइचार (مشك ي عرار) फा. अ. वि.—जिसके गाल पर काला तिल हो।

मुश्कीकमंद (مشك ي كسند) फा. वि.—काली और सुगंधित जुल्फो वाला (वाली)।

मुश्कीकुलाह (مشك ي كلاه) फा. वि.—काली टोपी लगाने वाला।

मुश्कीखत (مشك ي خط) फा. वि.—सब्ज आगाज, वह सुंदर लडका जिसकी मूँछ दाढ़ी के बाल निकलने शुरू हो गये हैं।

मुश्कीमू (مشك ي مو) फा. वि.—काले और सुगंधित बालों-वाला (वाली)।

मुश्कीमोहरः (مشك ي مهر) फा. वि.—धरती, पृथ्वी, जमीन।

मुश्कीरंग (مشك ي رنگ) फा. वि.—मुश्क के रंग का, काला, कृष्ण।

मुश्कीसमंद (مشك ي سسند) फा. वि.—काले घोड़े पर चढ़नेवाला, मा'शूक।

मुश्की (مشك ي) फा. वि.—मुश्क—जैसा काला; काले रंग का घोड़ा।

मुश्के अज्फर (مشك ازفر) फा. अ. पु.—तेज बूवाला मुश्क।

मुश्के खता (مشك خطا) फा. पु.—दे 'मुश्केची'।

मुश्के खतन (مشك ختن) फा. पु.—चीन या तिब्बत का मुश्क जो सबसे अच्छा होता है।

मुश्के चीं (مشك چين) फा. पु.—चीन की कस्तूरी, खालिस मुश्क।

मुश्के तर (مشك تر) फा. पु.—ताजी और निर्मल कस्तूरी।

मुश्के नाव (مشك ناب) फा. पु.—शुद्ध और बेमेल की कस्तूरी।

मुश्के सारा (مشك سارا) फा. पु.—खालिस मुश्क।

मुश्कोए (مشك و) फा. पु.—अत पुर, हरमसारा, रनवास, गृह उद्यान, पाई बाग, बड़े व्यक्तियों का निवासस्थान, प्रासाद, महल।

मुश्कोए मुअल्ला (مشك و معالي) अ. पु.—शाही जनान-खाना, रनवास।

मुश्त (مشك ت) फा. स्त्री—मुट्ठी, मुष्टिका, धूसा, मुष्टी; मुट्ठी भर चीज।

मुश्तइल (مشك ت ايل) अ. वि.—उत्तेजित, गुस्से में आया हुआ, प्रज्वलित, भडकता हुआ।

मुश्तगिल (مشك ت اغيل) अ. वि.—लग्न, तन्मय, लीन, मुन्हमिक।

मुश्तक [क्लक] (مشك ت ك) अ. पु.—वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से बना हो, वह शब्द जो मस्तर से निकलता हो।

मुश्तजान (مشك ت جان) फा. वि.—पहलवान, मल्ल, हस्त मैथुन करनेवाला।

मुश्तजानी (مشك ت زني) फा. स्त्री—पहलवानी; हस्तमैथुन, हथलस, हैंडप्रेक्टिस।

मुश्तपर (مشك ت پر) फा. पु.—एक मुट्ठी पर, बहुत जरा-सी जानवाला पक्षी।

मुश्तवह (مشك ت وه) अ. वि.—सदिग्ध, सदेहयुक्त, मश्कूक, अनिश्चित, गैर यकीनी।

मुश्तवेह (مشك ت وه) अ. वि.—सदेह में डालनेवाला।

सुन्तमाल (مسئال) फा वि-सन्ना-दलना भसलना पहचाना का एक-दूगरे के शरीर को जार-जार स मलना ताकि पुष्ट और बजार हा ।

सुन्तमाली (مسئالی) फा स्त्री-द सुन्तमाल ।

सुन्तमिल (مسئل) अ वि-सम्मिलित गामिल व्यापक हावी ।

सुन्तरक (مسئركه) ज वि-साय का मित्र हुआ ।

सुन्तरक (مسئركى) अ वि-सुन्तरक ।

सुन्तरकन (مسئركان) अ वि-साय म ।

सुन्तरी (مسئرى) अ वि-सुरीगर श्रता बहस्पति विजीमि ।

सुन्तवार (مسئوار) फा प-मुठठी भर मुठठी भर जो या गहू की बाल ।

सुन्तरस (مسئرس) फा वि-चुरापी हुई चीज मुठठी म आया हुई वस्तु मुठठी भर वस्तु ।

सुन्तहर (مسئهر) ज वि-जिसका इतिहास हो प्रसिद्ध ।

सुन्तहरी (مسئهرى) अ वि-इतिहास द्वारा प्रचार ।

सुन्तहिर (مسئهير) अ वि-इतिहास दनवाला विनापक ।

सुन्तही (مسئهى) अ वि-इच्छा करनेवाला इच्छुन यह गन्त भूत बजानवाले क अय म अगुद्ध ह ।

सुन्ताज (مسئجن) अ वि-उत्कटित अभिलाषी उत्सुक जाबू मद ।

सुन्ताजान (مسئجان) अ फा वि-अभिधापायूण गौक के साथ ।

सुन्ताज जमाल (مسئجن جمال) ज वि-सुन्ताज दा ।

सुन्ताज बी (مسئجن بد) अ फा वि-गानाभिधापा अयन का आबू म ।

सुन्ने उत्सुखी (مسئسكولى) फा पु-मुठठी भर हिया अर्थात् बढ़त ही दुबग-अयन और कमबार व्यक्ति ।

सुन्ने छाक (مسئحك) फा स्त्री-मुठठी भर छाक मनुष्य आत्मी ।

सुन्ने छाकितर (مسئحكتر) फा स्त्री-बहु मुठठी भर राग जा माभा क जलन पर धात्री रानी है ।

सुन्ने गिल (مسئكل) फा स्त्री-मुठठी भाव ।

सुन्ने घुम्बर (مسئمبار) फा वि-सुन्ने छाक बहु एक मन्त्री पुत्र जो हवा म उदादा अय भरे हुए व्यक्ति का छाक ।

सुन्ने पर (مسئبر) फा प-मुठठी भर पर का किमी पनी का मारकर मिलाउ ह ।

सुन्किरक (مسئكى) अ वि-कृता करनेवाला दयालु विच वाला दयानशील प्राणक ।

सुन्फिकान (مسئفكان) अ वि-मित्रतायूण कृपायूण दास्ताना ।

सुन्फ (مسئف) अ वि-ऊचा-स्थान बल जगह ।

सुन्धिक (مسئدك) अ स्त्री-बहु स्त्री जा सुन्धिक हा जा बहुद-से ईश्वर मानती हा ।

सुन्धिक (مسئدك) अ वि-बपकनवाला ज्यातिमय साथ सारिका उडु ।

सुन्धिक (مسئدى) अ वि-बहु व्यक्ति जा ईश्वर को एक नही मानना बल्कि उनके गुणा म औरा को भी सम्मिलित करता है ।

सुन्धिक्रात (مسئدكات) अ पु-सुन्धिक का बहु तार उडुगण ।

सुन्धिक्रात (مسئدكاتب) अ स्त्री-सुन्धिक का बहु मधिक हिया जा ईश्वर का एक न मानती हा ।

सुन्धिक्रात (مسئدكاتبه) अ फा वि-सुन्धिक जता नास्तिर जसा ।

सुन्धिक्रीन (مسئدكرين) अ पु-सुन्धिक का बहु मधिक लोग बहुत म ईश्वर मानना बाउ ।

सुन्धिक (مسئدك) अ वि-उत्तुय ऊचा बल पाठा जानकार बडा मुनीम बडा मुनी हड मुहरीर किा अच्छी या बुरी घटना का आनवाते निवृत्त समय म मर्ग होना ।

सुन्दल (مسئدل) अ वि-वदन की सुगंध म बाग हुआ ।

सुन्सभ्रद (مسئصد) अ वि-हा हृदिया या मकार म विधि अनुसार उदाया हुआ देवा का जोहर ।

सुन्सकफ (مسئسكف) अ वि-गरी हुई छत छतवाला तिमवी छत पटी हो ।

सुन्सकिन (مسئسكين) अ वि-आराम दनवाण चाति पन्वान वाला वह देवा आ राय विनाय म गाति मनु गाव ।

सुन्सकिनात (مسئسكيات) अ पु-सुन्सकिन का ब जायिया जा किना राय विनाय म चाति पनु बाय ।

सुन्सन्ध (مسئسند) अ वि-विक्रित जोगा हुआ बगभूत जानू म आया हुआ सुगंध छिरेण ।

सुन्सन्ध (مسئسندر) अ वि-विक्रता श्रान्त काम करने वाला सुगंध बरवावाला ।

सुन्सन्ध (مسئسندر) अ वि-शाग किया हुआ मनुष्य ।

सुन्सन्ध (مسئسند) अ वि-सुगन्ध आगस्त मोंह किया हुआ सुगन्ध रसिरी किया हुआ पकीवित ।

सुन्सन्ध (مسئسند) अ वि-बहु बात जो कानिया म हो सानुदाय मनुष्यता (पु) एक सन्धकार विनाय धीरे के बार टुकड़ करक तीन टुकड़ सानुदाय कर विनाय है ।

जैसे—“जब वह जमाले दिल फरोज, सूरते मे हनेनीमरोज,
आप ही हो नजार. सोज, पदों में मुंह छुपाये क्यों”—गालिब ।
इममे फरोज, रोज और सोज के काफिए हैं ।

मुसतर (مستتر) अ. वि.—लकीरे किया हुआ, सत्रोदार ।

मुसतर (مستتر) अ. वि.—गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ, पोषीदा ।

मुसतह (مسطح) अ. वि.—समतल, चौरस, हमवार ।

मुसद्कः (مصدق) अ. वि.—प्रमाणित ।

मुसद्क (مصدق) अ. वि.—तस्दीक किया गया, तज्जिवा
किया गया ।

मुसद्स (مستس) अ. वि.—छः पहलूवाला, (पु.)
छ फाइर का तमचा; नज्म की एक किस्म जिसमें चार
मिस्त्रे एक काफियो में और दो मिस्त्रे अलग दूसरे काफिए में
होते हैं, और यह छ मिस्त्रों का एक वद कहलाता है ।
ऐसे बहुत-से वदों का समूह मुसद्स होता है । प्रायः मुसद्स में
कोई उपदेश या किसी घटना का वर्णन होता है, अगर इस
मुसद्स में करबला की शहादत का वर्णन हो तो ‘मरसिय’
कहलाता है, अगर अपने प्रेम के त्याग का वर्णन हो तो
‘वासोस्त’ होता है और नायिका के नखशिख का वर्णन हो
तो ‘सारापा’ होता है, मुसद्स के किसी वंद का अंतिम अर्थात्
तीसरा शेर ‘टीप’ कही जाती है ।

मुसद्क (مصدق) अ. वि.—प्रमाणित करनेवाला, तस्दीक
करनेवाला ।

मुसन्नफः (مصنف) अ. वि.—सपादित पुस्तक, रचित, प्रणीत ।

मुसन्नफ (مصنف) अ. वि.—सपादित, रचित, प्रणीत ।

मुसन्नफात (مصنفات) अ. वि.—‘मुसन्नफ.’ का बहु, रचित
पुस्तकें ।

मुसन्ना (مثنوی) अ. वि.—दो किया हुआ, दो टुकड़े किया
हुआ, दो परत का कागज, जैसे—रसीद, प्रतिलिपि, नकल ।

मुसन्ना विही (مثنوی له) अ. वि.—जिससे प्रतिलिपित हो,
मूल, असल ।

मुसन्निकः (مصنعه) अ. स्त्री—किसी पुस्तक आदि की
लेखिका, प्रणेत्री ।

मुसन्निक (مصنف) अ. पु.—ग्रथकार, लेखक, रचयिता,
तस्नीफ करनेवाला ।

मुसप्फा (مصقول) अ. वि.—साफ किया हुआ, शुद्ध,
उज्वल, चमकदार; निथरा हुआ, कलई किया हुआ,
विविपूर्वक शुद्ध की हुई दवा ।

मुसप्फाए खून (مصفی خون) अ. पु.—दूषित खून को साफ
करनेवाली दवा, रक्तशोधक ।

मुसप्फयात (مصفیات) अ. पु.—‘मुसप्फी’ का बहु, वे
बोपधियाँ जो खून को शुद्ध करती हैं ।

मुसप्फी (مصفی) अ. वि.—साफ करनेवाला, शोधक ।

मुसव्वव (مصعب) अ. वि.—कारण किया गया, कारण, सबब ।

मुसव्वर (مصبر) अ. पु.—एक ओपधि, एलुवा ।

मुसव्वा' (مصعب) अ. पु.—सात भाग किया हुआ; सात
भुजाओं का क्षेत्र; वह नज्म जिसमें सात मिस्त्रे हों, अर्थात्
हर तीन शेर के बाद एक मिस्त्रा आया करे, चाहे वह मिस्त्रा
एक ही हो, या हर वार नया मिस्त्रा हो ।

मुसव्विव (مصعب) अ. वि.—हारण पैदा करनेवाला, साधन
उपस्थित करनेवाला ।

मुसव्विवुलअस्वाव (مصعب الاسباب) अ. वि.—कारण और
साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर ।

मुसव्विवे हफीकी (مصعب حقیقی) अ. वि.—सच्चा साधन
उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर ।

मुसव्विवः (مصعبه) अ. स्त्री—अँगूठे के पासवाली उँगली,
तर्जनी, ईश्वर का नाम जपनेवाली स्त्री ।

मुसव्वेह (مصعب) अ. वि.—तस्वीह पढनेवाला, ईश्वर का
गुणगान करनेवाला ।

मुसम्मत (مصمط) अ. पु.—लडी में पिरोया हुआ, मोतियो
की लडी, मुक्तावली, नज्म की एक किस्म, जिसमें चंद मिस्त्रे
एक काफिए में कहकर, एक या दो मिस्त्रे दूसरे काफिए के
लाये जाते हैं, ‘मुसम्मस’ और ‘मुसद्म’ आदि इसी की
किस्में हैं ।

मुसम्मन (مصممن) अ. वि.—आठ पहलूवाला, जिसमें
आठ कोने हों, अष्टकोण ।

मुसम्मन (مصممن) अ. वि.—चर्वीला किया हुआ, मोटा
ताजा बनाया हुआ, खिला-पिलाकर चर्वी चढाया हुआ ।

मुसम्मम (مصمم) अ. वि.—दृढ़, मजबूत, निश्चित, यकीनी ।

मुसम्मर (مصمر) अ. वि.—कीलो से जडा हुआ, कीले
ठोका हुआ, कीलित ।

मुसम्मा (مصمولى) अ. वि.—नाम रखा हुआ, नामधारी,
पुरुषों के नाम के पहले लगाया जानेवाला शब्द जो विशेषत
सरकारी कागजों में लगाया जाता है ।

मुसम्मात (مصمساء) अ. स्त्री—नाम रखी हुई, नामधारिणी,
स्त्रियों के नाम से पहले लगाया जानेवाला शब्द, जो प्रायः
सरकारी और अदालती कागजों में लगाया जाता है, श्रीमती ।

मुसम्मिम (مصمم) अ. वि.—निश्चय करनेवाला ।

मुसरह (مصرح) अ. वि.—स्पष्ट कहा हुआ, व्याख्यात ।

मुसरह (مصرح) अ. वि.—स्पष्ट वक्ता, साफगो, व्याख्या
करनेवाला, तस्रीह करनेवाला ।

मुसल्मान (مسلمان) अ. पु.—इस्लाम धर्म का अनुयायी,
अम्लाम ।

मुसलमानो (مسلمانی) अ स्त्री—मुसमान का धम, मुसलमान का कतब्य, खला सुनत।

मुसल्लत (مسلط) अ वि—चारो आर स छाया हुआ, आच्छादित, विवश किया हुआ।

मुसल्लम (مسلمة) अ वि—जा बात सब को तस्लीम हा, सबमाय, जा साबित हा प्रमाणित, असल्ट, सपूण।

मुसल्लम (مسلم) अ वि—सबमाय तस्लीम गुदा, समग्र, सपूण, समूचा, प्रमाणित मुसल्लम।

मुसल्लमात (مسلمات) अ पु—मुसल्लम का बहु वे बातें जो सबमाय हा।

मुसल्लमुशशहादत (مسلم الشهادت) अ वि—वह व्यक्ति जिसकी साक्षी माय हो जो सामीं द्वारा प्रमाणित हो।

मुसल्लमुसल्लत (مسلم الغيوب) अ वि—जो सुबूत से साबित हो प्रमाणसिद्ध साधनक्षम प्रत्यक्षसिद्ध।

मुसल्लह (مسلم) अ वि—हथियार बंद सशस्त्र अस्त्र सज सज्जित।

मुसल्ला (مسلة) अ पु—नमाज पत्नेकी चटाई अथवा दरी।

मुसल्ली (مصلی) अ वि—नमाज पत्नेवाला।

मुसल्लसल (مسلسل) अ वि—लगातार निरंतर अनवरत जजीर म बँधा हुआ, कद, श्रुत्वलित चमबद्ध प्रमाणित, बाततवीब बारबार धारबार।

मुसल्लवद (مسود) अ पु—कित्ती खेल् का प्रारम्भिक रूप, पाडुलिपि प्रारूप।

मुसल्लवदात (مسودات) अ पु—मुसल्लवद का बहु, मुसल्लवदे, पाडुलिपिया।

मुसल्लवर (مصور) अ वि—मुसल्लवर।

मुसल्लवर (مصور) अ वि—सचित्र तस्वीरगार चित्रित नक्शीन तस्वीर बना हुआ।

मुसल्लखिद (مسود) अ वि—मुसल्लवदा लिखनेवाला, पाडु लिपिक।

मुसल्लखिर (مصور) अ वि—तस्वीर बनानेवाली स्त्री चित्रकारिणी।

मुसल्लखिर (مصور) अ वि—तस्वीर बनानेवाला चित्रकार चित्रशिल्पी चितेरा।

मुसल्लखरी (مصوری) अ स्त्री—तस्वीर बनाने का काम चित्र काम तस्वीर बनाने का पत्र चित्रकला।

मुसल्लहद (مسهد) अ वि—जगयाया हुआ जापत किया हुआ।

मुसल्लहहे (مصمم) अ वि—दुस्त करनेवाला गुद्ध करने वाला बहु यकित जो प्रेस के पत्थर की किताबत को ठीक करता है।

मुसाअदत (مساعد) अ स्त्री—सहायता करना मत् करना, सहायता मत्।

मुसाअद (مساعد) अ वि—सहायक, मत्दगार अतबूल, मुआफिक।

मुसाअदमत (مصداقت) अ स्त्री—एक दूसरे को कष्ट देना।

मुसाअदरत (مصادرت) अ स्त्री—प्रत्यागमन वापस लौटना।

मुसाअफरत (مصارف) अ स्त्री—यात्रा करना सफर करना यात्रा, सफर यात्राकी अवस्था सफरकी हालत।

मुसाअफह (مصاحفة) अ पु—मुलाकात के समय हाथ मिलाना।

मुसाअफह (مصاحفة) अ पु—व्यभिचार, दुराचार पाप कम।

मुसाअफत (مصافات) अ स्त्री—मन्त्री दोस्ती निष्कपटता, इहतास।

मुसाअफिर (مصارف) अ पु—यात्री पथिव, राहगीर बढोही, गरीब मुसाअफिर।

मुसाअफिरखान (مصارفخانه) अ पा पु—मुसाअफिर के ठहरने का स्थान पथिकाधम, धमगाला।

मुसाअफिरान (مصارفان) अ पा वि—मुसाअफिरों—जसा, सफर की अवस्था म।

मुसाअव (مصاف) अ वि—दु खित बलेपित रजीग।

मुसाअबकत (مصائب) अ स्त्री—महुरे करना आग बढ जाना।

मुसाअबरत (مصائب) अ स्त्री—धीरज धरना सगाप करना सब करना।

मुसाअमरत (مصائب) अ स्त्री—एक दूसरे को बिस्से मुनाना।

मुसाअमरत (مصائب) अ स्त्री—किसी नाम को आसान समझकर उसका और ध्यान न बना मनी दास्ती।

मुसाअरत (مصائب) अ स्त्री—एक दूसरे का जमीन पर डाल कर रगडना परस्पर कुस्ती लडना।

मुसाअलमत (مصائب) अ स्त्री—परस्पर सवि करना, मित्रता दोस्ती।

मुसाअलहत (مصائب) अ स्त्री—परस्पर सवि करना सवि समझौता तस्फिय राजीनामा फसला।

मुसाअलहतनाम (مصائب) अ पा पु—राजी नामा समझौते का मागज।

मुसाअबमन (مصائب) अ स्त्री—किसी चीज के बेवने में डेर करना इस विचार से कि दाम बत् जायग।

मुसाअबात (مصائب) अ स्त्री—सामानता बराबरी सवती एक जमे अधिकार मिलने का मिदात।

मुसाअविपुखवाया (مصائب) अ पु—वह शिम्बद चतुर्मुख जिसके आपने—आमने के काण बराबर हो।

मुसावियुलअबलाअ (مساوی الاصلاح) अ पु.—वह शकल जिसकी सब भुजाएँ बराबर हों, समभुज क्षेत्र।

मुसावियानः (مساویانہ) अ फा. वि.—बराबर बराबर, एक-जैसा।

मुसावी (مساوی) अ. वि.—समान, तुल्य, बराबर।

मुसाहकः (مساحقہ) अ पु.—चपटी, स्त्रियों का आपस में चपटी लडाना।

मुसाहवत (مصاحبت) अ स्त्री.—किसी बड़े व्यक्ति के यहाँ हाजिर वाशी, बड़े व्यक्ति के यहाँ सोहबत बरतना, उठना-बैठना।

मुसाहमत (مساہمت) अ स्त्री—भागीदारी, साझा, शिर्कत।

मुसाहलत (مساہلت) अ स्त्री—आलस्य, ढील, सुस्ती।

मुसाहिव (مصاحب) अ पु.—किसी बड़े आदमी के पास उठने-बैठनेवाला, पार्षद।

मुसाहिम (مساہم) अ वि.—भागीदार, साझीदार, शरीक।

मुसीन [न्न] (مسن) अ वि.—बूढ़ा, वयोवृद्ध।

मुसिर [रं] (مصر) अ वि.—जिद करनेवाला, बारबार किसी काम के लिए कहनेवाला।

मुसीब (مصیب) अ वि.—किसी बात की तह को पहुँचने वाला; ठीक पानेवाला, तलस्पर्शी।

मुसीवत (مصیبت) अ स्त्री—दुःघ, झुंझ, कष्ट, तकलीफ, खेद, सताप, विपाद, गम, दुर्घटना, सानिह, कठिनता, मुश्किल, दुर्दशा, नुहूसत, कालचक्र, गर्दिश, विपत्ति, आफत।

मुसीवतअंगेज (مصیبت انگیز) अ. फा. वि.—कष्टजनक, दुःखदायी, मुसीवत देनेवाला।

मुसीवतजद (مصیبت زدہ) अ. फा. वि.—मुसीवत में मुत्तला, कष्टग्रस्त, विपन्न, दुरागत।

मुसीवतनाक (مصیبت ناک) अ. फा. वि.—दे 'मुसीवतजद'।

मुसीवते नागहानी (مصیبت ناگہانی) अ फा. स्त्री.—आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली आफत।

मुसकल (مصیقل) अ वि.—सकल किया हुआ, चमकदार, झपकाफ।

मुसैतिर (مسیطر) अ. वि.—नियुक्त, मुकर्रर।

मुसकत (مسیقت) अ वि.—गिरानेवाला, वात में त्रुटि करनेवाला।

मुसकत (مسکت) अ वि.—चुप कर देनावाला, काइल कर देनेवाला।

मुस्किर (مسکیر) अ वि.—नशा पैदा करनेवाली चीज, मादक।

मुस्किरात (مسکرات) अ. वि.—'मुस्किर' का बहु, नशे की चीजे।

मुस्तंजिम (مستندجم) अ वि.—प्रकाशमान, प्रज्वलित, दीप्त, रौशन, प्रकाश चाहनेवाला।

मुस्तंबत (مستندب) अ वि.—निकाला हुआ; नतीजा निकाला हुआ।

मुस्तंबित (مستندب) अ वि.—नतीजा निकालनेवाला।

मुस्तंसर (مستنصر) अ वि.—जिसकी मदद की गयी हो।

मुस्तंसिर (مستنصر) अ. वि.—मदद माँगनेवाला।

मुस्तआन (مستعان) अ वि.—जिससे सहायता माँगी जाय।

मुस्तआर (مستعار) अ वि.—माँगी हुई चीज, थोड़े दिनों के लिए माँगा हुआ।

मुस्तइद [द] (مستعد) अ वि.—तत्पर, सन्नद्ध, कटिवद्ध, तैयार, निरालस, सचेष्ट, जिसमें सुस्ती और काहिली न हो, तेज, फूर्तीला, चाबुकदस्त।

मुस्तइही (مستعدی) अ स्त्री—तत्परता, तैयारी; निरालस्य, तेजी, फूर्ती।

मुस्तईन (مستعین) अ वि.—सहायता चाहनेवाला, मदद माँगनेवाला।

मुस्तईर (مستعیر) अ वि.—रिआयत चाहनेवाला।

मुस्तकर [रं] (مستقر) अ पु.—ठहरने का स्थान, ठिकाना।

मुस्तकरहलखिलाफत (مستقر الخلافت) अ पु.—राजधानी, शासन-केन्द्र।

मुस्तकरहलहुकूमत (مستقر الحکومت) अ पु.—दे 'मुस्तकरहल खिलाफत'।

मुस्तकिल [ल्ल] (مستقل) अ वि.—अटल, दृढ, मुस्तहकम; दृढ, निश्चय, सावित कदम, चिरस्थायी, पाइदार; वह मुलाजिम जो अस्थायी न हो, स्थायी, निरतर, लगातार।

मुस्तकिल मिजाज (مستقل مزاج) अ वि.—जो एक बात तै करके उस पर जमा रहे, दृढ चित्त, स्थिरनिश्चयी।

मुस्तकिल मिजाजी (مستقل مزاجی) अ स्त्री—एक बात तै करके उस पर डटा रहना, निश्चय की स्थिरता।

मुस्तकिललन (مستقلاً) अ वि.—स्थिर रूप में, अटल तीर पर, निरतर, बराबर।

मुस्तकीम (مستقیم) अ वि.—सीधा, सरल, ऋजु, जो टेढा न हो।

मुस्तकीमुलअज्लाअ' (مستقیم الاصلاح) अ पु.—वह शकल जिसकी सब रेखाएँ सीधी हों, सरल रेखाओवाला।

मुस्तविबर (مستکبر) अ वि.—अहकारी, अभिमानी,

मुस्तबिल (مستبيل) अ पु—आग आनेवाला आगामी, भविष्य, आदम जमाना।
 मुस्तब्रीक (مستبرك) अ वि—भयभीत पक्ष दग हुआ भीरवा, भयानक घोषणा।
 मुस्तबिहम (مستبهم) अ वि—दूगरा स गिम्नन चाहने वाला।
 मुस्तबिखत (مستبخت) अ वि—आडवा चाहनेवाला बघन मुक्ति का इच्छा निमल करनेवाला।
 मुस्तब्याम (مستبعم) अ वि—जिनक पाग इतिहासा जायै निगम पाय पाचना करे दबाधिकाग मजिस्ट्रट।
 मुस्तब्रीस (مستبريس) अ वि—इतिहासा करनेवाग स्वा पाय चाहनेवाला कौबगरा में गया करनेवागी।
 मुस्तब्रीस (مستبعب) अ वि—इतिहासा करनेवाला, अभिवाकता, प्रोत्सासा में गया दाइर करनेवाग।
 मुस्तबनी (مستبلى) अ वि—त्रिय किया बाल का इच्छा न हा निस्पह जनी अनार्य, गिराह।
 मुस्तबनी मियाज (مستبلى مراح) अ वि—जिनक मन में वाई गन्ध या इच्छा न हा निवृत्तचित्त।
 मुस्तबकिर (مستبكر) अ वि—दरबर स पाषा का क्षमा चाहनेवाला मुक्ति चाहनेवाला।
 मुस्तब्र (مستبر) अ वि—इबा हुआ मग्न, मजिज, निमजिजत मुनहमिक तालान समय दत्तचित्त।
 मुस्तबगर (مستبراد) अ वि—बढ़िया हुआ अतिरिक्त फालतू नरम की एक क्रिम जिसमें किसी गजब में उसके हर मिल् के अत में एक टुकड़ा बना देन ह।
 मुस्तबाब (مستعب) अ वि—स्वीकृत मजूर किया हुआ कबूल किया हुआ।
 मुस्तबाहुवात (مستعبات احمواب) अ वि—वह निद्ध व्यक्ति जिसकी हर बात दरबर के यहाँ कबू हो जाय वाकनिद्ध।
 मुस्तबाहुदुआ (مستعبات الدعا) अ वि—'मुस्तबा बुद्दावान'।
 मुस्तबाद (مستعباد) अ वि—जिससे रक्षा का प्रायना की जाय जिससे बचाने को कहा जाय पनाह देनेवाला प्राण दाता रक्षक।
 मुस्तबीब (مستعيب) अ वि—बढ़ूत करनेवाग स्वीकार करनेवाला प्रायना स्वाकार करनेवाला।
 मुस्तबीर (مستعبر) अ वि—पनाह चाहनेवाला रक्षा का इच्छुक रक्षा का स्थान दूनेवाला कही-कही पनाह देने बाल के अथ में भा आया है।
 मुस्तमजिस्त्रात (مستصع الصمات) अ वि—जिसमें

बहुतभी छिपने एका हा, बहुमुनमपत्र।
 मुस्तग्मा (مستغ) अ वि—एकन इच्छा।
 मुस्तग्मे (مستغ) अ वि—एकन करनेवाला इच्छा करनेवाला।
 मुस्तताभ (مستطاع) अ वि—आतागो, प्रमाविरदार।
 मुस्तताब (مستطاب) अ वि—शुभावित कथागकार मुवारक, स्वाग्नि बामक।
 मुस्ततिर (مستغر) अ वि—गुप्त छिपा हुआ, पागान।
 मुस्ततीअ (مستطوع) अ वि—मुमद बनाइय मात्तगर समय कागिर।
 मुस्तनील (مستطيل) अ पु—वह पक्ष या र्वार् चोगर् में बराबर न हो और उसके चारा कोण बराबर ह। सम कोण चतुर्भुज आयत।
 मुस्तवाम (مستد) अ वि—नियता, हमगी चाहन याग नित्य हमगा गवदा, सग।
 मुस्तवीर (مستدر) अ वि—मालाकार, वतुलाकार गाल मुत्थर।
 मुस्तदई (مستدعي) अ वि—प्रायना करनेवाला, दरस्ताइ करनेवाला कहेनेवाला।
 मुस्तनर (مستند) अ वि—प्रमाणित, लकीकगुग, विश्वल मातबर जिसने किसी चीज की सन पायी हा।
 मुस्तनीर (مستند) अ वि—प्रकाशमान दीप्त रौशन।
 मुस्तकिर (مستلكر) अ वि—निदृष्ट दूषित क रुरूप अप्रियगान, अितरु।
 मुस्तकवी (مصطفى) अ वि—मुस्तफा से सम्बन्ध रखन वाला, मुस्तफा का।
 मुस्तफा (مصطفى) अ वि—पवित्र पुनीत बरगवाग, निम गुद स्वच्छ साकीगफफ हयत महम्म साहिब का निताब।
 मुस्तफाई (مصطفاي) अ वि—'मुस्तफा' का मस्तफा स सम्बन्ध रखनेवाला।
 मुस्तफाद (مستفاد) अ वि—प्राप्त रूप हासिल।
 मुस्तफीद (مستفد) अ वि—फज चाहनेवाला, नफा उठानेवाला लाभप्राप्तकर्ता।
 मुस्तफीद (مستفيد) अ वि—फाइदा चाहनेवाला लाभ उठानेवाला शुभावित लाभच्छुकर।
 मुस्तफती (مستفتي) अ वि—फतवा पूछनेवाला फतवे का जवान चाहनेवाला।
 मुस्तफिसर (مستفسر) अ पु—पूछनवाला पच्छक प्रश्न कर्ता।
 मुस्तबिद [इ] (مستند) अ वि—किसी काम पर अकेला

खडा हो जानेवाला, किसी चीज पर अकेला हक जताने-
वाला; अनीति और बग्याय करनेवाला; अत्याचारी,
जालिम।
मुस्तब्द (مستعد) अ. वि.—जो बात कियास में न आ
सके, कल्पनातीत; दुष्कर, कठिन, दुगवार; दूर, बर्द।
मुस्तबद्द (مستعد) अ. वि.—पृथक्ता चाहनेवाला, दूरी
का इच्छुक।
मुस्तब्सिर (مستصبر) अ. पु.—दिव्य दृष्टि रखनेवाला,
रोगिन जमीर।
मुस्तमंद (مستمند) फा वि.—इच्छुक, अभिलाषी, स्वाहिग-
मद, दुःखित, गमगीन, जिसे किसी बात की आवश्यकता
हो, जरूरतमंद।
मुस्तमा (مستمع) अ. वि.—सुना हुआ, श्रुत।
मुस्तमिद [इ] (مستمد) अ. वि.—मदद चाहनेवाला,
सहाय्येच्छु।
मुस्तमिर [रं] (مستمر) अ. वि.—हमेशा रहनेवाला, स्थिर,
नित्य, अनवरत; स्थायी, चिरस्थायी, पायदार।
मुस्तमिरः (مستمر) अ. वि.—दे 'मुस्तमिर', स्त्री लिंग
शब्दों के साथ, सदैव रहनेवाली।
मुस्तमे (مستمع) अ. वि.—सुननेवाला, श्रोता।
मुस्तमक (مسترق) अ. वि.—चुराया हुआ, चुराया हुआ
माल।
मुस्तमक [क] (مسترق) अ. वि.—बंदी बनाया हुआ, कैद
किया हुआ।
मुस्तमद [इ] (مسترد) अ. वि.—लौटा हुआ, वापस दिया
हुआ, खारिज किया हुआ, रद्द किया हुआ।
मुस्तमह (مستراح) अ. पु.—आराम करने की जगह, विश्राम
स्थान, शीतगृह, सडास, पाखाना।
मुस्तमही (مسترحى) अ. वि.—हीला, शिथिल।
मुस्तमिद (مسترشد) अ. वि.—सच्चा रास्ता चाहनेवाला,
समागच्छुक, चेला, धर्मशिष्य, मुरीद।
मुस्तमहः (مصطلح) अ. वि.—वह शब्द जो पारिभाषिक
रूप में आ गया हो, पारिभाषिक।
मुस्तमह (مصطلح) अ. वि.—दे 'मुस्तमह'।
मुस्तमहत (مصطلحات) अ. पु.—पारिभाषिक शब्दावली।
मुस्तमिज [ज] (مستلذ) अ. वि.—स्वाद लेनेवाला, मजा
चवानेवाला, आनंदित, लज्जतयाव।
मुस्तमकी (مستلقى) अ. वि.—चित्त लेटा हुआ, जिसकी
पीठ जमीन पर हो और पेट ऊपर।
मुस्तमिजम (مستلزم) अ. वि.—कोई चीज अपने ऊपर

मुस्तमिजम (مستلزم السرا) अ. वि.—दे 'मुस्तमिजमे
सजा'।
मुस्तमिजमे सजा (مستلزم سرا) अ. वि.—सजा के योग्य,
दंडनीय।
मुस्तमवी (مستوى) अ. वि.—समतल, हमवार, सम, समान,
वरावर।
मुस्तमशार (مستشار) अ. वि.—जिससे सलाह ली जाय
परामर्शदाता, सलाह ली हुई बात, परामर्शित।
मुस्तमशीर (مستشیر) अ. वि.—सलाह लेनेवाला, परामर्शकर्ता।
मुस्तमशफा (مستشفى) अ. वि.—अस्पताल, चिकित्सालय,
रुग्णालय, गिफाखाना।
मुस्तमशफी (مستشفى) अ. वि.—रोग मुक्ति चाहनेवाला।
मुस्तमशिक (مستشرق) अ. वि.—दीप्त, ज्वलत, प्रकाशित,
रीयन, वह गैर एशियाई व्यक्ति जिसे एशियाई भाषाओं
अथवा विद्याओं का पूरा-पूरा ज्ञान हो और उसने इन
विषयों पर काफी अनुसंधान और गवेषणा की हो।
मुस्तमशिकीन (مستشرقین) अ. पु.—'मुस्तमशिक' का बहु,
वह गैर एशियाई लोग जिन्होंने एशियाई भाषा, विद्या
अथवा दूसरी विद्याओं में पूरी जानकारी प्राप्त की हो।
मुस्तमस्की (مستسقى) अ. वि.—जिसे जलोदर का रोग हो,
जलोदरी; बहुत अधिक पानी माँगनेवाला।
मुस्तमसनयात (مستسنيات) अ. पु.—'मुस्तमस्ना' का बहु, वे
चीजे या व्यक्ति जो मुस्तमस्ना हो।
मुस्तमस्ना (مستسنى) अ. वि.—जिस पर से कोई शर्त, कानून
या पावदी उठा ली गयी हो, मुक्त, जिस पर कोई कानून-
विशेष लागू न होता हो, जो किसी शर्त या पावदी के भीतर
न आता हो, चुना हुआ, प्रतिष्ठित, अपवादित, एकजेम्प्टेड।
मुस्तमस्नामिनुह (مستثنى منہ) अ. वि.—वे चीजे या
व्यक्ति जिनमें से 'मुस्तमस्ना' को अलग किया गया हो।
मुस्तमहक [क] (مستحق) अ. वि.—हक रखनेवाला,
स्वत्वाधिकारी; योग्य, पात्र, लाइक, सहायता के योग्य,
जरूरतमंद।
मुस्तमहककीन (مستحقين) अ. वि.—'मुस्तमहक' का बहु,
मुस्तमहक लोग; हकदार लोग, योग्य लोग; जरूरतमंद
लोग।
मुस्तमहककेतरिक (مستحق ترکه) अ. पु.—जो तरिके का
हकदार हो, दाय्याधिकारी, दाय्यबधु।
मुस्तमहकके नवाजिश (مستحق نوازش) अ. फा पुं—कृपा
का पात्र, दया के योग्य।
मुस्तमहकके रहम (مستحق رحم) अ. पु.—दया किये जाने
का हकदार, जो दया का मन्तव्य पात्र हो करुणापात्र।

मुस्तहबके सहीह (مستحب صحیح) अ पू-मबम उचित हवनार सत्यापन।

मुस्तहब [व्य] (مستحب) अ वि-अच्छा जाना हुआ, प्रिय पुनीत यह कृत्य निश्चय करने से पुण्य की प्राप्ति हो और न करने पर कोई दाप न लगे, यह इबादात जिम हज्जत मुहम्मद साहब ने स्वयं किया है, उमका अ छाईयाँ बतायी है। परंतु उसने करने का स्पष्ट रूप भेन न बता हो।

मुस्तहान (مستحان) अ वि-अपमानित तिरस्त्रुत जलील दूसरा की दृष्टि में निम्न और गह्रित।

मुस्तहाम (مستहाम) अ वि-उद्दिग्ग्न व्यग्र परेगान चकित निस्त्र च हरान।

मुस्तहोल (مستهل) अ वि-अनभव अणवय, नामुम्किन बहानानाअ छली एक अवस्था से दूसरी अवस्था में परिवर्तित।

मुस्तहकम (مستحکم) अ वि-निश्चल अटल लाजुब दू मन्वूत चिरस्थायी पाइदार निश्चित अटल यकीनी।

मुस्तहकमतरीन (مستحکم ترین) अ पा वि-बहुत अधिक मन्वूत सुदृढतम।

मुस्तहकमुलअकीद (مستحکم العتد) अ वि-जिगका धमविश्वास अटल हा।

मुस्तहकमुलअदावत (مستحکم العداوت) अ वि-जिस्ने चित्त म किसी की गन्नुता धर कर गयी है बढवर।

मुस्तहकमलअहद (مستحکم العهد) अ वि-अपने वाद का पक्का सत्यप्रतिग दत्तकल्प वचनबद्ध।

मुस्तहकमुलइराद (مستحکم الراد) अ वि-जो अपने इरादे म अटल हो बद्ध निश्चय सत्य सकल्प।

मुस्तहबर (مستحبر) अ वि-जो दिमाग में हर समय गुरभित रहे जो हर समय याल रहे।

मुस्तहबी (مستحبی) अ वि-हृती उडानेवाला उपहास कर्ता।

मुस्तहकब (مستحکب) अ वि-सुरक्षित महफूज जिस्की दल रख और निगरानी की गयी है।

मुस्तहकक (مستحکک) अ वि-हृत बधित मारा हुआ गष्ट बरवाद।

मुस्तहसन (مستحسن) अ वि-उत्तम धष्ट उम्दा पुनीग पवित्र नेक।

मुस्ताजिर (مستاجر) अ वि-उन्वेदार एकाधिकारी।

मुस्ताजिरान (مستاجران) अ पा वि-उन्वेदारा-जमा।

मुस्ताजिरी (مستاجری) अ वि-उन्वेदारी एकाधिकार।

मुस्ताजिल (مستعجل) अ वि-अधीर धातुर जल्द

वाड उतायला।
मुस्तानिम (مستأنس) अ वि-प्रेम रमनवाला रवि रसन वाला अम्यस्त, व्यसनी, आनी।

मुस्ताफी (مستغلی) अ वि-स्यागपत्र देनेवाला इस्लामा देनवाला।

मुस्तामन (مستامن) अ वि-रशा या पनाह चाहा हुआ रक्षित।

मुस्तामर (مستعمر) अ वि-नोआवादी उपनिवेश।

मुस्तामर (مستعمر) अ वि-नया बसा हुआ नोआवा, नववसित।

मुस्तामरात (مستعمرات) अ पू-मुस्ता मर वा बहु नोआवादीयाँ उपनिवेश-नमूह।

मुस्तामल (مستعمل) अ वि-काम में लया हुआ प्रयुक्त व्यवहृत प्रचलित व्यवहृत मूल्ज।

मुस्तामिन (مستامن) अ वि-अमन और रशा चाहने वाला, शान्तीच्छु।

मुस्तासल (مستاصل) अ वि-उमूलित जड से उपा पेंका हुआ समूल विनष्ट।

मुस्तासिल (مستاصل) अ वि-उमूलन करनवाला जड से उखाड पंचनेवाला।

मुस्तकिब (مستکيب) अ वि-जागता हुआ सजग जाग्रत जागृक, सजागर बेदार।

मुस्ततिर (مستیسر) अ वि-तत्पर और कटिबद्ध होनेवाला तयार होनेवाला।

मुस्तीकिद (مستوکید) अ वि-आग भडकानेवाला।

मुस्तीजिब (مسترحب) अ वि-योग्यपात्र लाइक।

मुस्तीजिबे सबा (مستوحسرا) अ वि-सजा क लाइक दहनीय।

मुस्तीफी (مستوفی) अ वि-व्यापक गहीत हेड मनीग हेड एकाउटट।

मुस्तीली (مستولی) अ वि-छा जानवाला डाक लेन वाला, आच्छादक किसी पर विजय पा लेनेवाला कार्र में कर लेनेवाला।

मुस्तीता (مستوسع) अ वि-विस्तृत विगाल फराख, कुशादा।

मुस्ते (مصدع) अ वि-मधक-मूधक करनेवाला, सर में पीडा उत्पन्न करनेवाला।

मुस्नद (مسند) अ वि-बाल समय दत्तक पुत्र सेपालक जारज दीगला यह कीज जिस् पर सहारा लें (व्या) खबर।

मुस्नदइलह (مسندالنه) अ वि-(व्या) मुस्तदा जसे-

'राम अच्छा है' में 'राम' मुस्तदइलैह है और 'अच्छा', 'मुस्तद'।

मुत्वतः (مستند) अ वि-सावित की हुई चीज।

मुत्वत (مستند) अ वि-सावित किया हुआ, प्रमाणित, जो मफ़ी न हो।

मुस्मन (مستمن) अ वि.-पैदाइशी मोटा-ताजा।

मुस्त्रिफ (مسترف) अ वि-बहुत अधिक खर्च करनेवाला, बहुव्ययी, फुजूल खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुस्त्रिफ (مسترف) अ वि-व्यय करनेवाला।

मुस्त्रिफ़ीन (مسترفين) अ पु-'मुस्त्रिफ' का बहु, फुजूल खर्च करनेवाले।

मुस्त्रि (مسترع) अ वि.-जल्दी काम करनेवाला, शीघ्र-कारी; तेज़ चलनेवाला पत्रवाहक।

मुस्त्रिमः (مسترس) अ स्त्री.-मुसल्मान स्त्री।

मुस्त्रिम (مسلم) अ पु-मुसल्मान पुरुष, मुसल्मान।

मुस्त्रिमात (مسترسات) अ स्त्री.-'मुस्त्रिम' का बहु, 'मुसल्मान स्त्रियाँ'।

मुस्त्रिमौन (مسترسين) अ पु-'मुस्त्रिम' का बहु, मुसल्मान मर्द।

मुस्त्रिहौन (مسترسين) अ पु.-'मुस्त्रिह' का बहु, सुधार करनेवाले, सुधारक, रिफार्मर्स।

मुस्त्रिह (مسترس) अ वि-राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक आदि सुधार करनेवाला, सुधारक, शरीर की धातुओं का दोष दूर करनेवाली दवा, शोधक।

मुस्त्रिहोम (مسترس قوم) अ पु-जातीय सुधार करनेवाला, जाति-विशेष का सुधारक, राष्ट्र का सुधारक, देश सुधारक।

मुस्त्रिहिल (مسترسيل) अ पु-दस्त लानेवाली औपध, रेचक, विरेचक, मलभेदक।

मुस्त्रिहिलात (مسترسيلات) अ पु-'मुस्त्रिहिल' का बहु, रेचक औपधियाँ।

मुस्त्रिहिस (مسترسيس) अ पु-गणितज्ञ, रियाजीदाँ, इजिनियर।

मुस्त्रिहिकक (مسترسق) अ वि-प्रमाणित, मुसल्लम, गवेपित, जाँचा हुआ।

मुस्त्रिहिकर (مسترسق) अ वि-तुच्छ, अधम, जलील, कम कोमत, हकीर।

मुस्त्रिहिकक (مسترسق) अ वि-किसी बात की वैज्ञानिक जाँच-पड़ताल करनेवाला, गवेपी, अन्वेषक, अनुसंधाता; वैज्ञानिक, फिलास्फर; वह व्यक्ति जो किसी बात को प्रमाण से सिद्ध करे।

मुस्त्रिहिककौन (مسترسقين) अ पु-'मुस्त्रिहिकक' का बहु,

गवेपणा और अनुसंधान करनेवाले।

मुहक्ज़व (مسترف) अ वि-सभ्य, शिष्ट, तमीजदार, नागरिक, शही, शिक्षित, ता'लीमयाफ़ता; अदब काइदे का खयाल रखनेवाला, शाइस्ता, शिष्ट; सुशील, विनीत, खुशखुल्क; संस्कृत, आरास्ता।

मुहद्दिस (مستدس) अ पु-हदीस का विद्वान्, हदीसों की पूरी जानकारी रखनेवाला, यह जाननेवाला कि कौन-सी हदीस सहीह और कौन-सी गलत, किस हदीस को किसने बयान किया है और बयान करनेवाला किस श्रेणी का है, आदि आदि।

मुहद्दिसीन (مستدسين) अ पु-'मुहद्दिस' का बहु, हदीस के आलिम।

मुहब्द (مستبد) अ वि-वह शब्द जो किसी दूसरी भाषा का हो, परन्तु उसे हिदी कर लिया गया हो जैसे-'जारूब' से झाड़ू; 'आवखोरह' का अमखोरा आदि, हिद् के लोहे की बनी हुई तलवार जो काट में प्रसिद्ध होती थी।

मुहम्मद (مستمد) अ वि-प्रगसित, स्तुत, सराहा हुआ, हज़रत पैगंबर साहब का शुभ नाम।

मुहम्दी (مستمدى) अ पु-मुहम्मद का, मुहम्मद से सम्बन्ध रखनेवाला; मुसल्मान।

मुहर्रफ (مسترف) अ वि.-टेढा किया हुआ, वकित, वक्र, फेरी हुई बात या इवारत, मूल अर्थ से हटाया हुआ।

मुहर्रम (مسترم) अ वि-हराम अर्थात् निषिद्ध किया हुआ, पहला इस्लामी महीना, चूँकि इस्लाम से पहले अरब में इस महीने में रक्तपात धार्मिक रूप में हराम था, इसलिए इस महीने का यह नाम पडा।

मुहर्रा (مسترا) अ वि-अच्छी तरह पकाया हुआ, वह चीज जो आग पर अच्छी तरह गला ली जाय।

मुहर्रिक (مسترى) अ वि-गति देनेवाला, चलानेवाला; उत्तेजना देनेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजक, सभा या कमेटी में कोई सुझाव रखनेवाला, प्रस्तावक।

मुहर्रिफ (مسترف) अ वि-टेढा करनेवाला; बात को कुछ का कुछ बनानेवाला।

मुहर्रिर (مسترد) अ वि-लेखक, लिखनेवाला, लिपिक, क्लर्क; वकील आदि का मुशी।

मुहर्रिरी (مستردى) अ वि-मुहर्रिर का पेशा, मुहर्रिर का काम।

मुहर्रिरीन (مستردين) अ पु-'मुहर्रिर' का बहु, मुहर्रिर लोग।

मुहल्लल (مستلل) अ वि-तहलील किया हुआ।

मुहल्लिल (مستلل) अ वि-तहलील करनेवाला।

मुहल्लिलात (محللات) अ पु-मुहल्लिल का बहु, तहनी करनेवाणी दबाए।

मुहबत (محبوبه) अ पु-काई चीज मुरात रखने का स्थान घेरने का स्थान एकत्र करने का स्थान।

मुहबल (محبوله) अ वि-मिपु की गयी चीज, हवाला दा गयी वस्तु।

मुहबल (محبول) अ वि-सिपु किया गया हवाला दिया गया।

मुहबलए बाला (محبولة) अ पा वि-जिसका हवाला ऊपर दिया गया हो जिनका उल्लेख ऊपर हो चुका है।

मुहबलए हागिय (محبولة الحاسنة) अ वि-जिसका हवाला हागिए पर दिया गया है जा फुनाट या टिप्पणी में लिखा गया है टिप्पणाङ्कित, माजिनली नाटेड।

मुहबिस (مهبوس) पा वि-कीमियागर रसायनविद रसायनी।

मुहबिसी (مهبوسى) पा स्त्री-कीमियागरी रसायन विद्या धातुवाद।

मुहबिसीन (مهبوسين) पा पु-मुहबिस का बहु कीमियागर लोग।

मुहगशा (محبشلى) अ वि-हागियावनाया हुआ हागिए पर लिखा हुआ टिप्पणी-सहित।

मुहगशी (محبشى) अ वि-हागिया वनानेवाला टिप्पणा लिखनेवाला।

मुहाकम (محاكمه) अ पु-हाकिम के पास याय को जाना बीच में पडकर याय करना नागय फसला।

मुहाका (محاكا) अ पु-मुहाकात का लघु दे मुहाकात।

मुहाकात (محاكات) अ स्त्री-बातलाप बातचीत एक दूसरे का कहानी सुनाना कथनोपकथन।

मुहाजरत (مهاجر) अ स्त्री-देस छोकर विदेश में रहना घरबार छाडकर परदेस में रहना।

मुहाजात (مهاجرات) अ स्त्री-एक-दूसरे के आमने सामने होना एक चीज का दूसरी चीज के बराबर होना।

मुहाजात (مهاجات) अ स्त्री-एक-दूसरे की निंदा करना एक दूसरे की हजो में कविता लिखना।

मुहाजिर (مهاجره) अ स्त्री-घरबार छोकर परदेस म रहनवाली स्त्री गणायिनी।

मुहाजिर (مهاجر) अ पु-घरबार त्याग कर परदेस म रहनेवाला पुरपार्थी शरणार्थी।

मुहाजिरात (مهاجرات) अ स्त्री-मुहाजिर का बहु मुहाजिर औरों।

मुहाजिरीन (مهاجرين) अ पु-मुहाजिर का बहु

शरणार्थी लोग।

मुहावी (محاوى) अ वि-गममूस सामने, बराबर।

मुहाफ (محافه) पा वि-बड़ी पदंगार होनी अरबों में मत्पफ या फारसी में मुहाफ हो गया।

मुहाफजत (محافظ) अ स्त्री-रखा हिफाजत दफ रेव नियरानी पालन-भाषण पवरिण।

मुहाफिज (محافظ) अ वि-रगव हिफाजत करनेवाला निरासक नियरों, अभिभावक, सरपरस्त।

मुहाफिजीन (محافظين) अ पु-मुहाफिज का बहु, हिफाजत करनेवाला।

मुहावा (محاوا) अ पु-मुहावात का लघु भय वास डर सबोध पनावेन चित्ता फिज उठ में प्राय बमहावा बोला जाता है।

मुहावात (محاوات) अ स्त्री-दे मुहावा।

मुहारब (مهاربه) अ पु-गरस्पर युद्ध युद्ध सधाम लडाई।

मुहारबात (مهاربات) अ पु-मुहारब का बहु, लडाइया जगें।

मुहारिब (مهارب) अ वि-लडनेवाला योद्धा।

मुहाल (مخال) अ वि-अमभव नामुमकिन हुकर कठिन।

मुहाल्फ (مخالفة) अ पु-आपस में क्रमाक्रममा परस्पर किसी बात के लिए शपथ रना।

मुहालबिखदात (مخال بالذات) अ वि-जिसका जग होना अमभव हो।

मुहालिफ (مخالف) अ वि-किसी के साथ किना प्रतिज्ञा पर शपथ देनेवाला।

मुहाले कतई (مخال طعى) अ वि-जो बिल्कुल असभव हो।

मुहाले मुत्लक (مخال مطلق) अ वि-मुहाले कतई।

मुहावर (مهاور) अ पु-रोडमर, बालचाड किसी भाषा के वाक्यों का बहु प्रयोग जो उस भाषा के बालनवाले कत ह और जिसका अर्थ अभिप्रेय अर्थ से पथ हाता है जैसे-लात खाना या आल बाना क्योंकि लात रागी की तरह खायी नहीं जाता और आल सकर नहीं कती बनना अर्थ है लात का मार सहना और आँखों म पीना होना यही मुहावर है।

मुहावरत (مهاورات) अ स्त्री-आपस म बातचात करना।

मुहारबात (مهاوربات) अ पु-मुहावर का बहु मुहावरे।

मुहासब (مهااسبه) अ पु-एक-दूसरे से हम्न या ईर्ष्या करना ईर्ष्या डाह हसत।

मुहासदः (مكاسد) अ पु.—हिंसाव समझना, हिंसाव-किताव, पूछ-गच्छ, पूछ-ताछ, वाजपुरम ।

मुहासरः (مكاسر) अ पु.—घेरा डालना, चारों ओर से घेरना, हदबदी, सीमित करना, घेरा, हल्का ।

मुहासिद (مكاسد) अ वि.—हमद करनेवाला, ईर्षालु, डाही ।

मुहासिब (مكاسب) अ वि.—हिंसाव करनेवाला, हिंसावर्दा, गणितज्ञ, पूछ-गॉछ करनेवाला ।

मुहासिर (مكاسر) अ वि.—घेरा डालनेवाला, किसी को घेरे में लेनेवाला ।

मुहासिरीन (مكاسرين) अ वि.—'मुहासिर' का बहु, घेरे डालनेवाले लोग ।

मुहिव [व्व] (محب) अ वि.—मित्र, सत्ता, दोस्त; प्रेमी, आशिक ।

मुहिव्वीन (محبين) अ.पु.—'मुहिव' का बहु, मित्रगण, दोस्त बहवाव ।

मुहिम [म्म] (مهم) अ स्त्री—मोई बडा काम, कठिन काम, युद्ध, सग्राम, लडाई ।

मुहिम्मात (مهمات) अ स्त्री—'मुहिम' का बहु, बडे-बडे काम, युद्ध, लडाइयाँ ।

मुही (محي) अ वि.—जिंदा करनेवाला, जिलानेवाला, प्राणदाता ।

मुहीज (محيج) अ वि.—उठानेवाला, बढानेवाला, गर्द उढानेवाला ।

मुहीत (محيط) अ वि.—आच्छादित, छाया हुआ, व्यापक, फैला हुआ, नदी, दरया ।

मुहीन (محين) अ वि.—तिरस्कार करनेवाला, अपमानी, तिरस्कर्ता, जलील करनेवाला ।

मुहीब (محيب) अ वि.—दे शुद्ध उच्चारण 'महीव' ।

मुहीलः (محيلا) अ स्त्री—छली, स्त्री, मायाविनी, धूर्ता, वचिका ।

मुहील (محيلا) अ वि.—बोखेवाज, छली, कपटी, धूर्त, वचक ।

मुही (محي) अ वि.—जीवित करनवाला, जिंदा करनेवाला, पुन प्राण देनेवाला ।

मुहीया (محييا) अ वि.—एकत्र, इकट्ठा, फराहम, उपस्थित, मौजूद, उपाजित, जखीरा; तत्पर, तैयार, उपलब्ध ।

मुहीपाकुन (محيپاكن) अ फा वि.—एकत्र करनेवाला, फराहम करनेवाला, देनवाला, दाता ।

मुहीपिर (محيپير) अ वि.—अचभे मे डाल देनेवाला ।

मुहीयिरलजकूल (محيپيرالعقول) अ वि.—अक्लो को अचभे

मे डाल देनेवाला, ऐसी वात जो अचभे मे डाल दे, आश्चर्य-जनक, चित्रमति ।

मुहीयिरजकूल (محيپيرالعقول) अ वि.—दे 'मुहीयिरलजकूल' ।

मुहकम (مككم) अ वि.—दृढ़, मजबूत, चिरस्थायी, पाए-दार, टिकाऊ; निश्चित, अटल, यकीनी, नि सदेह, गैर मुशतबह ।

मुहकमतरीन (مككم ترين) अ फा वि.—बहुत अधिक मजबूत, सुदृढ़ ।

मुहकमात (مككمات) अ स्त्री—कुगन के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट हो, 'प्रत्युत', 'मुतगाविहात' ।

मुहकफिन (مككمين) अ वि.—अनीमा देनेवाला ।

मुहकफिर (مككمير) अ वि.—इस आशा पर अन्न सचित करनेवाला कि भाव तेज होने पर बचेगा ।

मुहकजिव (مككمجيب) अ वि.—छिपनेवाला, छिपा हुआ, गुप्त ।

मुहकदा (مككمدا) अ वि.—जिसे हिदायत या सदुपदेश मिला हो, दीक्षित ।

मुहकदी (مككمدي) अ वि.—हिदायत या सदुपदेश देनेवाला ।

मुहकतम [म्म] (مككمتم) अ वि.—जिसका एहतिमाम किया गया हो, व्यवस्थित, क्रमागत ।

मुहकतमविशान (مككمتم بالشان) अ वि.—जिसका प्रबंध बहुत शान से किया गया हो, शानदार, भव्य, विजाल, बृहत् ।

मुहकतमल (مككمتمل) अ वि.—जिसमे सदेह हो, सदिग्ध, शकित, मुशाबह ।

मुहकतमिम (مككمتميم) अ वि.—प्रबधकर्ता, सचालनकर्ता, सचालक, व्यवस्थापक ।

मुहकतरमः (مككمترم) अ स्त्री—श्रीमती, महोदया, देवी, मान्या, थडेया, वरिष्ठा, भट्टारिका ।

मुहकतरम (مككمترم) अ वि.—श्रीमान्, महोदय, पूज्य, श्रद्धेय, प्रतिष्ठित, महानुभाव, मुअज्जज, मान्य, पूज्य, श्रेष्ठ वुजुर्ग ।

मुहकतरमात (مككمترمات) अ स्त्री—'मुहकतरम' का बहु, देवियाँ ।

मुहकतरमीन (مككمترميين) अ पु—'मुहकतरम' का बहु, प्रतिष्ठित जन ।

मुहकतरिक (مككمترق) अ वि.—जलनेवाला, जला हुआ, दग्ध, तप्त, ज्वलित ।

मुहकतरिज (مككمترر) अ वि.—बचनेवाला, दूर रहनेवाला, परहेज करनेवाला ।

मुहकतरिफ (مككمترن) अ वि.—एक-सा पेशा करनेवाला, सहव्यवसायी ।

मूहतलिम (محتلم) अ वि-जिमका स्वप्नताप हा जाय (एनलाम, स्वप्नदाप) स बना गऱ् ।
 मूहतवी (محتوی) अ वि-व्यापा, घेरे हुए आच्छादित बक हुए ।
 मूहतगिम (محتسم) अ वि-नौकर-चाकरवाला शाना गौरववाला ।
 मूहतसिब (محتسب) अ वि-हिमाव रनेवाला पूठ-साठ करनेवाला बहु कमचारी जो लागा को गराव पाने स राक और गराववाना की निगराना करे ।
 मूहमल (مهله) अ पु-बहु उदू अदार जिस पर बिंदी न हा जम-मीन ह दाल आलि ।
 मूहमल (مهمل) अ वि-जयहीन बेईमाना ध्यय बवार बहु व्यक्ति जिसका कोई एतबार न हो ।
 मूहमल गो (مهمل گو) अ फा वि-अनगलवादा बकवागी, फुजूल की बातें बनानेवाला ।
 मूहमलात (مهملات) अ पु-'मूहमल का बहु फुजूल बातें फुजूल काम ।
 मूहमलीयत (مهملت) अ स्त्री-अथहीनता अनगलता बकवात फुजूलपन ।
 मूह (مهرا) फा पु-एक पत्थर जिसस साँप का विप दूर करत ह माप का मन मणि शत्रुज की गोठ कौनी माप या घापा पाठ या गलन का मुरिया ।
 मूह चीं (مهرا حین) फा वि-छोटी घून ठग ।
 मूह बा (مهرا بار) फा वि-घून छोटी घायवाड ।
 मूहघाडी (مهرا های) फा स्त्री-छल घूनता ठगी ।
 मूह (مهرا) फा स्त्री-मुद्रिका अँगूठी ठपा अगरीची स्वामनऱ अक्क माल माहर ।
 मूहएजौगर (مهرا حاندار) फा पु-साप का मन मणि ।
 मूहएमार (مهرا ما) फा पु-साँप का मन मणि ।
 मूहएसकब (مهرا سعکد) फा पु-मस दर दास ।
 मूहए (مهرا) अ वि-जगनवाला टाँफ़ाइह ज्वर ।
 मूहए (مهرا) अ वि-जग हुआ भस्म भरमीनत ।
 मूहएन (مهرا ن) फा वि-मूह सानवाग ।
 मूहएबलब (مهرا بلب) फा वि-मीन धारण विप हुए पुं मीन सामीग ।
 मूहएछामोग (مهرا حاموسی) फा स्त्री-मीन चुपौ सामीग ।
 मूहएगुहन (مهرا گون) फा अ स्त्री-मुं सामीगी ।
 मूहएल (مهرا ل) अ स्त्री-अवकाग सग फगत बिलब दास र समय बाला ।
 मूहएलनब (مهرا لنب) अ वि-सगी बाहनवाग ।

ऐसा काम जिमके लिए समय और फुमत की आवश्यकता हा ।
 मूहएलिक (مهرا لیک) अ स्त्री-मार डालनेवाली, धातिका जानलेवा ।
 मूहएलिक (مهرا لیک) अ वि-धातक प्राणधातक जानलेवा ।
 मूहएसिन (مهرا سین) अ स्त्री-उपकार करनेवाली स्त्री ।
 मूहएसिन (مهرا سین) अ वि-उपकार करनेवाला उपकार भलाई करनवाला आडे वक्त पर काम जानवाला सहायक हामा ।
 मूहएसिनकुश (مهرا سین کوش) अ फा वि-वृत्तप अदृत्त नमकहराम ।
 मूहएसिनकुशी (مهرا سین کوشی) अ फा स्त्री-वृत्तपता नमकहरामा ।
 मूहएसिनात (مهرا سین ات) अ स्त्री-'मूहसिन का बहु उपकार करनेवाली स्त्रिया ।
 मूहएसिनीन (مهرا سینین) अ पु-'मूहसिन' का बहु, उन कारी लाग ।

मू

मू (مو) फा पु-बाल बच, कुतल लोम रोम रोझी सर के बाल केग ।
 मूईन (موئنه) फा पु-बालानारखाल का पहनन का बन्ध पास्तीन चमचेल ।
 मूए आतगदीव (موه اش مدده) फा वि-आगमेंतापा हुआ बाउ जो टेढ़ा पऱ जाता है ।
 मूए बिहार (موه بهار) फा अ पु-नामि के नावे के बान पऱ क बाल ।
 मूएलम (موهلم) फा अ पु-वित्रकारकी बूँची कर्षा ।
 मूकसां (موکسان) फा वि-बाल साधन हुए ।
 मूचीन (موچینه) फा प-बाल उरताइन की विपनी माधना ।
 मूजव (موجر) अ वि-सार रूप सामाना मति घुनघर ।
 मूजिब (موجد) अ वि-ईना करनेवाग आदिपारक ।
 मूजिब (موجبه) अ स्त्री-आवयन वस्तु बहु हुए तिमता बल पऱगऱ में मिऱ ।
 मूजिब (موجب) अ पु-कारण हुनु साव, द्वारा, उरि ।
 मूजिबात (موجمات) अ पु-'मूजिब का बट्ट, कास समऱ चुजु ।
 मूजिबे इल (موجب نین) अ पु-सऱ का कार ।
 मूडी (مودی) अ वि-कट दावाला दुत दनवाला, अथपारी जालिम गर्बीग मगर ।

मूजे' (موجع) अ वि—पीडा उत्पन्न करनेवाला, दर्द पैदा करनेवाला ।
 मूजेह (موصح) अ वि—स्पष्ट करनेवाला, साफ करनेवाला ।
 मूतमिन (موتمين) अ वि—जिसके पास धरोहर रखी जाय, अमानतदार ।
 मूतमिर (موتسیر) अ वि—आज्ञाकारी, फर्मावरदार, परामर्श करनेवाला ।
 मूतरावा (موتراس) फा वि.—वाल बनाने का उस्तुरा, छरा, क्षुर ।
 मूदे' (مودع) अ वि—रूखसत करनेवाला ।
 मूनिस (مونس) अ. वि—मित्र, दोस्त, साथी, रफीक ।
 मूपरीशा' (مودريشان) फा वि—जिसके वाल विखरे हुए हो, वाल विखरे हुए ।
 मूवद (موند) फा पु—दे. 'मूविद', दोनो शुद्ध है ।
 मूवमू (موندمو) फा वि—अक्षरश, हर्फ व हर्फ, जरा-जरा, जरा जरा ।
 मूवाफ (مونداف) फा पु—चोटी गूंधने का फीता ।
 मूविद (موند) फा पु—अग्नि पूजको का पुरोहित, अग्नि-होनी, पारसियो का मुल्ला; वैज्ञानिक, फलास्फर, बुद्धि-मान्, दाना, ज्ञानी, पंडित, आलिम, शराव बेचनेवाला, दे 'मूवद' दोनो शुद्ध है ।
 मूमा (مومى) अ वि—जिसकी ओर सकेत किया जाय, साकेतिक ।
 मूमा इल्लैह (مومى اليه) अ वि—जिसकी ओर सकेत किया जाय, उपलक्षित ।
 मूमी (مومى) अ वि—सकेत करनेवाला, साकेतिक ।
 मूरिस (مورث) अ वि—पूर्वज, वापदादा, वश प्रवर्तक, वाणिज्य खानदान; उत्पन्न करनेवाला ।
 मूरिसे अब्वल (مورث اول) अ वि.—खानदान का सबसे पहला आदमी, जिससे वश चला हो, वश प्रवर्तक, मूल पुरुष ।
 मूरिसे आ'ला (مورث اعلى) अ पु—दे 'मूरिसे अब्वल' ।
 मूरिसे जुजाम (مورث حوام) अ पु—कोठ पैदा करनेवाला, कुष्ठोत्पादक ।
 मूरिसे फासिद (مورث فاسد) अ पु—नाना, मातामह ।
 मूलिम (مولم) अ. वि.—पीडा पैदा करनेवाला, दर्द उत्पन्न करनेवाला ।
 मूस (موش) फा पु—मूपक, चूहा, उदुर, आखु ।
 मूसक (موشك) फा स्त्री—चुहिया, छोटा चूहा, छछूंदर ।
 मूसकदवानी (موشك دوانى) फा स्त्री—लगाई-बुझाई, लूतरापन ।
 मूशिगाफ (موشگاف) फा. वि—वाल की खाल निकालने-

वाला, दीद रेजी करनेवाला, वाल चीरनेवाला, सूक्ष्मदर्शी, आलोचक ।
 मूशिगाफी (موشگافى) फा स्त्री—वाल की खाल निकालना, दीद रेजी करना, छिद्रान्वेषण, सूक्ष्मालोचना ।
 मूशे कोर (موش كور) फा पु—छछूंदर, पूति मूपिका, वेरम-नकुल ।
 मूशे जुर्मा (موش خرما) फा स्त्री—गिलहरी ।
 मूसे दश्ती (موش دشنى) फा पु—जगली चूहा जो खेत खा जाता है ।
 मूशे पर्रा (موش دران) फा पु—चमगादड, चर्मचटक, जन्तु ।
 मूशे सल्लैह (موش سكرائى) फा पु—दे 'मूशे दश्ती', गिलहरी ।
 मूसवी (موسوى) फा वि—हज्रत मूसा से सम्बन्ध रखने-वाला, हज्रत मूसा का ।
 मूसा (موسى) अ पु—एक पैगवर जिन्होंने फिरअौन को मारा था ।
 मूसा (موصى) अ वि—वसीयत किया गया, जिसके नाम रिक्थपत्र लिखा गया हो ।
 मूसा इल्लैह (موصى اليه) अ वि—जिसके नाम वसीयत लिखी गयी हो ।
 मूसार्ई (موسائى) अ वि—हज्रत मूसा का अनुयायी यहूदी ।
 मूसार्विहि (موصى اليه) अ वि—दे 'मूसार्इल्लैह' ।
 मूसालहू (موصى اليه) अ वि—दे 'मूसार्इल्लैह' ।
 मूसिय: (موصيه) अ स्त्री—वसीयत लिखनेवाली स्त्री ।
 मूसिर (موشير) अ पु—स्वार्थ त्याग करनेवाला, ईसार करनेवाला ।
 मूसिर (موسير) अ. वि—शक्तिशाली, ताकतवर, धनाढ्य, दौलतमंद ।
 मूसिल (موسيل) अ वि—पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रपक ।
 मूसी (موسى) अ. वि—वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र कर्ता ।
 मूसीकार (موسيفار) अ. वि—गान विद्या का अच्छा जानने-वाला, संगीतज्ञ, संगीत कलाकार ।
 मूसीकी (موسيقى) अ स्त्री.—गानविद्या, संगीतकला, गाने का फन; गाना, नगम ।
 मूहिन (موهن) अ. पु—अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, वैद्वज्जती करनेवाला, तौहीन करनेवाला ।
 मूहिम (موهم) अ वि—भ्रम मे डालनेवाला, भ्रम उत्पन्न करनेवाला, भ्रमजनक ।
 मूहिश (موحش) अ वि—दुरा पहुँचानेवाला, गेदजनक ।

मे

- मेल (میل) का स्त्री—नील, शकु, छूटी।
 मेलकोब (مدیح کوب) का स्त्री—छूटी ठाकने की मूंगरी।
 मेलचू (مدیح حو) उ स्त्री—छूटी ठोकने की मूंगरी।
 मेलदोब (مدیح دور) का वि—ओ चल फिर न सके, एक जगह बठा रहे जो निक्कमा हो, बस बठा रहना जानता हा।
 मेग (مغ) का पु—मेघ, वाल लाला बादल, घटा वाला।
 मेड (مد) का स्त्री—गवत का सामान, भोज—सामग्री, वह चीकी जिस पर रखकर खाना खाने हु। (टेबिल के अथ म यह शब्द पुतगाली है)।
 मेडवान (مدوان) का वि—मेहमानी करनेवाला अतिथि पूजक दावत या भोज करानेवाला, आतिथेय।
 मेडवानी (مدوانی) का स्त्री—मेहमानदारी, आतिथ्य भोज दावत।
 मेव (مویه) का पु—फल प्राय सूखे फल, जैसे—बादाम पिस्ता आदि।
 मेवखोर (مدوخور) का वि—मेवा खानेवाला फलाहारी।
 मेवजात (مدوخلات) का पु—मेव का बड़, मेवे फल।
 मेवदार (مدودار) का वि—वह पेड जिसमें मेवा लगा हो फलदार फला हुआ, फलित।
 मेवफरोश (مدووفروش) का वि—मेवा बचनेवाला, फल विक्रता सजी बेचनेवाला कूजडा शाफविक्रेता।
 मेग (مغش) का स्त्री—मड मेप।
 मेगचश्म (مدش حشم) का वि—जिसकी आंखें भेड-जसी काली हो बहुत काली आंखवाला।
 मेहमाँ (مهمان) का पु—अतिथि आगत गृहागत मिहमान।
 मेहमाँदार (مهمان دار) का वि—जिसके यहा कोई मेह मान हो अतिथिपूजक मेहमाननवाज।
 मेहमाँदारी (مهمان داری) का स्त्री—अतिथिपूजा आतिथ्य मेहमाननवाजी।
 मेहमाँनवाज (مهمان نواز) का वि—जा मेहमानी की आवभगत बहुत करता हो अतिथिपूजक आतिथेय।
 मेहमाँनवाजी (مهمان نوازی) का स्त्री—मेहमानदारी अतिथिपूजा आतिथ्य।
 मेहमान (مهمان) का पु—दे मेहमाँ दोनो प्रकार से गुड है अथवा बालने म महमान अधिक गुड है।
 मेहमानी (مهمانی) का स्त्री—मेहमानदारी।

- मेहमेद (مهمبر) का स्त्री—एड, वह लोहे की बील जो सवार अपने जूते की एनी में लगाते हु।
 मेह (مهر) का स्त्री—प्रेम, मुहज्वत प्यार ममता गामता, दया, गणकत रहम, कृष्णा तरल।
 मेहवाँ (مهران) का वि—मेहवान का लघु, दे मेहवान।
 मेहवान (مهران) का वि—ग्या करनेवाला दया कृष्णा करनेवाला सक्श मित्र, दास्त।
 मेहवानी (مهرانی) का स्त्री—दृपा दया कृष्णा तरस ममता, शफकत।

मे

- म (مے) का स्त्री—सुरा, हाला इरा वाष्णी बान्धवी माधुरी, मदिरा मद्य गराव।
 मआशाम (مے اسام) का वि—शराब पीनेवाला मद्य रखाडी सुराद।
 मकद (مکده) का पु—दे 'मखान'
 मकन (مکش) का वि—म पीनवाला, मद्य सुरागी शराबी।
 मखान (مخانه) का पु—जहाँ गराव विकती है मग शाला मदिरालय।
 मखुग (مے خوش) का वि—खटमिटठा।
 मख्वार (مے حواری) का वि—दे मकद।
 मगुसार (مے گسار) का वि—दे मकद।
 मगूँ (مے گوں) का वि—शराब-जसा लाल रंग लिये हुए सुर्धी माइल रक्ताभ पियाजी।
 मत (مته) अ पु—मरा हुआ मत्क मुद।
 मद (مدده) का पु—धारीक छना हुआ आटा समिता।
 मदान (مدان) का पु—काफी खुला हुई और लवी चौडी जगह जहा पेड आदि न हो घोडा दौगन का स्थान। काम करने का हल्का कायक्षेत्र समतल भूमि चौरस जगह युद्धक्षेत्र लडाई का मदान।
 मदानी (مدانی) का वि—मदान का मदान से सम्बद्ध बोधगार मकान में लगायी जानेवाली बडी लागन।
 मदाने अमल (مدان عمل) का अ पु—नाम का हल्क काय क्षेत्र।
 मदाने इलम (مدان علم) का पु—कलम का उतना हिस्सा जो तरागा जाता है।
 मदाने कारखार (مدان کارواد) का पु—दे मदाने जग।
 मदाने जग (مدان جنگ) का प—युद्धक्षेत्र, रणभूमि समरागण रणमद्य रणस्थल युद्धाग्निर सडिवा, समरक्षत्र रणाग्निर लडाई का मदान।

मैदाने हश (میدانِ حش) फा. अ. पु.—कियामत का मैदान
जहाँ मुसलमानों के मतानुसार सबका हिमाय-फिताय होगा।
मैनाश (مے نوش) फा. वि.—गराव पीनेवाला, मद्यप।
मैनाशो (مے نوشی) फा. स्त्री.—गराववांगी, मदिरापान।
मैपरस्त (مے پرست) फा. वि.—बहुत अधिक गराव पीने-
वाला, मदिराभक्त, मद्य मंत्रेण।
मैपरस्ती (مے پرستی) फा. स्त्री.—बहुत गराव पीना।
मैफरोश (مے فروش) फा. वि.—गराव देनेवाला, मद्य-
व्यवसायी, दौष्टिक, पानिक।
मैफरोशी (مے فروشی) फा. स्त्री.—गराव का कारोबार,
मद्यव्यवसाय, कन्यपाल।
मैमनः (میسمنه) अ. पु.—वह मेना जो दाएँ ओर रहती है।
मैमन्त (میسمنت) अ. स्त्री.—कल्याण, भलाई, वरकत।
मैमनतलुजूम (میسمنت لزوم) अ. वि.—कल्याणकर,
गुमान्वित।
मैमिन (میسمن) अ. वि.—वह स्थान जहाँ वरकत और
कल्याण मिले।
मैमून (میسون) अ. वि.—शुभ, कल्याण, सुवारक।
मैमूनः (میسونہ) फा. पु.—नदर, वानर, कपि।
मैमित (میسیت) अ. स्त्री.—मृतक, मरा हुआ आदमी।
मैल (میل) अ. पु.—रचि, रगवत, आकर्षण, तवज्जुह;
प्रवृत्ति, रजहान।
मैलान (میلان) अ. पु.—दे 'मैल'।
मैलाने तव्अ (میلان طبع) अ. पु.—अभिरुचि, दिली स्वाहिस,
तवीयत का झुकाव।
मैले खातिर (میل خاطر) अ. पु.—दे 'मैलानेतव्अ'।
मैसरः (میسرہ) अ. पु.—वह सेना जो उलटे हाथ को रहे।
मैसाब (مے سار) फा. वि.—शराव खीचनेवाला, सुराकार।
मैसाबी (مے ساری) फा. स्त्री.—शराव बनाना, सुरा-कर्म।
मैसूर (میسور) अ. वि.—सुगम, सरल, आसान, सम्पन्न,
भरापुरा, हराभरा, सरमन्त्र।
मैव. (میرہ) फा. पु.—दे 'मैवः', दोनो उच्चारण शुद्ध हैं।

मो

मोलः (مورہ) फा. पु.—पाँव में पहनने का जुरवि।
मोल.गोर (مورہ گور) फा. पु.—वह घोडा जो सवार के पाँव को
पकड़े या काटे।
मौ'जमः (معصمه) अ. वि.—वह उर्दू अक्षर जिस पर विंदी
है, जैसे—जीम, शीन, ये, आदि।
मौ'जिजः (معصومہ) अ. पु.—वह चमत्कार जो पैगवर
दिवाये, वह काम जो मानव-शक्ति से परे हो।

मौ'जिज (معصومہ) अ. वि.—अज्ञान को आश्चर्य में डालने-
वाला, मौजिज।
मौ'जिजनिगार (معصومہ نگار) अ. फा. वि.—ऐसा अच्छा
शेखर जो आश्चर्य में डाल दे।
मौ'जिजनुमा (معصومہ نما) अ. फा. वि.—मौ'जिज-दिराने
वाला, नमरहारी।
मौ'जिजनुमाई (معصومہ نمائی) अ. फा. स्त्री.—मौ'जिज-
दिग्गना।
मौ'जिजवर्षी (معصومہ ریشی) अ. फा. वि.—बहुत अच्छा बोलने-
वाला।
मौ'जिजघयानी (معصومہ ریشی) अ. फा. स्त्री.—बहुत अच्छी
तरीर या भाषण।
मौ'जिजात (معصومات) अ. पु.—'मौ'जिज' का लघु,
मौ'जिजे।
मौ'जिव (معصوم) अ. वि.—आभिमानी, घमंडी।
मौ'ताकद (معتمد) अ. वि.—एतिकाद रग हुआ, वह बात
जिमका एतिकाद या विश्वास हो।
मौ'ताकदात (معتمدات) अ. पु.—'मौ'तकद' का बहु, वे
बातें जिनका विश्वास हो, अफीदे।
मौ'तकिद (معتمد) अ. वि.—धर्म विश्वास या एतिकाद
रखनेवाला, श्रद्धालु, श्रद्धावान्।
मौ'तकिफ (معتكف) अ. वि.—एक कोने में बैठकर ईश्वरावना
करनेवाला; नवसे अलग होकर एकान्तवासी हो जाने-
वाला।
मौ'तजलः (معقولہ) अ. पु.—एक सप्रदाय जो कहता है कि
ईश्वर दिवाई नहीं दे सकता, और आदमी जो कुछ करता
है स्वयं करता है ईश्वर कुछ नहीं कराता।
मौ'तजिली (معقولی) अ. वि.—मौ'तजल. सप्रदाय का
अनुयायी।
मौ'तद [ह] (معتمد) अ. वि.—गिना हुआ, शुमार किया
हुआ।
मौ'तदविहि (معتمدہ) अ. वि.—काफी, पर्याप्त; अत्यधिक,
बहुत।
मौ'तदिल (معادل) अ. वि.—जिसमें गर्मी-सर्दी बराबर हो,
समशीतोष्ण, जिसमें कोई बात आवश्यकता से कम या
अधिक न हो, सतुलित; दरमियानी, मध्यम।
मौ'तवर (معتمد) अ. वि.—जिसका एतिवार हो, विश्वस्त।
मौ'तमद (معتمد) अ. वि.—जिस पर भरोसा हो, विश्वास-
पात्र, विश्वासी।
मौ'तमद अलैह (معتمد علیہ) अ. वि.—जिस पर भरोसा
हो, विश्वासी, विश्वस्त।

मो'तरजात (معترضات) अ पु—एतिराज का वानें ।
 मो'तरिख (معترض) अ वि—एतिराज करनेवाला आपत्ति
 कता ।
 मो'तरिफ (معترف) अ वि—एतिराज करनेवाला स्वीकार
 करनेवाला इशार करनेवाला ।
 मो'ताद (معتاد) अ वि—मात्रा मिक्कर पूरी खुराक
 पूरी मात्रा जाना व्यसनी ।
 मो'ती (معتی) अ वि—अता करनेवाला, दाता प्रजाता
 अनुदाता ईश्वर का एक नाम ।
 मोम (موم) फा पु—मिक्थ मधुगण्ड मातिज ।
 मोमजाम (مومحामه) फा पु—बह कपना जो माम में तर
 कर लिया गया हा मोम चनाया हुआ कपडा ।
 मोमरोजन (مومروغن) फा पु—तेल में मोम मिक्कर बनाया
 हुआ तल ।
 मोमिन (مومنه) अ स्त्री—मुसल्मान स्त्री ।
 मोमिन (مومر) अ पु—मुसल्मान मद ।
 मोमिनात (مومينات) अ स्त्री—मोमिन का बहु, मुसल्मान
 स्त्रियाँ ।
 मोमियायी (موميايى) अ स्त्री—पत्थर से टपकनेवाला एक
 मद औषध शिलाजतु, सलाजीत गिलाजीत ।
 मोर (مو) फा स्त्री—पिपीलीका च्यूटी च्यूटा चाटा ।
 मोरच (مورح) फा पु—जय मल मल ।
 मोरचाल (مورحال) फा पु—बह गण जिसमें बढकर गनु
 पर गोली चलत ह मोरचा ।
 मोरे जर्दफ (مورصعديف) फा अ स्त्री—बमबोर च्यूटा
 जयान असमय और दीन व्यक्ति ।
 मोरे नातुर्वा (مور نادان) फा स्त्री—मोरे जर्दफ ।
 मोरोमलख (موروملخ) फा पु—चोटी और टिड्डी अयात
 छाने-छाने प्राणी ।
 मोहमल (مومهل) अ वि—निरयक बमानी व्यय बेकार
 रफ्या बएतिवार बकवास ।
 मोहमलमो (مومهل مو) अ वि—बकबासी फुजूल की बातें
 करनेवाला ।
 मोहमलमोई (مومهل مومئى) अ फा स्त्री—बकवास फुजूल
 का बातें करना ।
 मोहलत (مومهل) अ स्त्री—अवकाश फुमत छुट्टी
 ता'तेल समय बचन बिलब डील देर ।

मो

मो'इबत (مومعتب) अ स्त्री—मदुपनेन हितापदना पद
 नसाहत ।

मो'इबत (مومعتب) अ स्त्री—प्रतिभा, बचन, वाग
 अहल ।
 मो'जूद (مومجود) अ वि—बह चीज जिसका वाग किया
 गया हा जिसका बचन लिया गया हा ।
 मो'का' (مومك) अ पु—अवमर, ठीक समय ममय बक्त
 घटनास्थल, जाए युक्क, स्थान जगह ।
 मो'किफ (مومكيف) अ पु—पडे हाने की जगह स्थान, जग
 निरवय तहैय ।
 मो'किब (مومكيب) अ पु—मना फीज सवारो का समूह ।
 मो'कूफ (مومكوف) अ वि—स्वगित मुत्तवी पन्धर
 बरखास्त त्यक्त छाग हुआ निभर मुनहमिर बह हल
 अक्षर जिमन पडेवाला अक्षर भी हल हो ।
 मो'ज (مومج) अ पु—'मोज' लहर उमग तरग ।
 मो'ज (مومج) अ स्त्री—तरग वीचि हिल्लोन लह उत्याह,
 उमग बलबल धुन खयाल आनद सुगी ।
 मो'ज (مومج) अ पु—बेला, बदली, रम्भा ।
 मो'जएतबस्सुम (مومجعتب سوسم) अ पु—मु'कुराहट की लहर ।
 मो'जखेद (مومجخيد) अ फा वि—नदी दया ।
 मो'जबन (مومجون) अ फा वि—मोजें मारता हुआ
 तरगित हिल्लालित ।
 मो'डा' (مومدع) अ पु—स्थान जगह ग्राम गाव ।
 मो'जू (مومजू) अ वि—उचित मुनासिब योग्य लाइक,
 पाव अहल, यथोचित बाजिव, तुला हुआ सतुलित बह
 नेर जिसका बचन ठीक हो जचा-तुला ठीक-ओद ।
 मो'जूतब (مومजूتبع) अ वि—जो कविता कर लेता हो
 जा शेर बचन क अदर कहता हो ।
 मो'जूअ (مومजूع) अ वि—रखा हुआ विषय सबजेक ।
 मो'जूद (مومجود) अ वि—आधुनिक हाग का उपस्थित
 हाजिर जो इम समय मो'जूद है वतमान ।
 मो'जूद (مومجود) अ वि—उपस्थित हाजिर सम्मुख सामन
 जीवित जिग तत्पर तयार कटिबड मुस्तइज उन
 लख दस्तयाव ।
 मो'जूदफिल्लो'रिब (مومجودى الفيللاريب) अ पु—जो ससारा
 में होता हा काल्पनिक न हो ।
 मो'जूदात (مومجودات) अ स्त्री—मो'जूद का बहु, ससारा
 की सब चीजें सारा सामान गुमार गिनती हाजिरी ।
 मो'जून (مومजूن) अ वि—मो'जू ।
 मो'जूनियत (مومجونييت) अ स्त्री—मो'जू होन का भाव
 औचित्य मुनासबत तबीअल का ठीक होना गर का
 बलबे अदर होना योग्यता क्राविलीयत ।
 मो'जूनी (مومजूنى) अ वि—'मो'जूनियत ।

मौजे आव (موج آب) अ फा. स्त्री.—नदी की तरंग, पानी की लह।
 मौजे कौसर (موج کوثر) अ. स्त्री.—स्वर्ग के पानी की लह।
 मौजे तवस्सुम (موج تسم) अ. स्त्री—मुस्कराहट की लह।
 मौजे नसीम (موج نسيم) अ. स्त्री—सवेरे की हवा का झोका, समीर की लह।
 मौजे बला (موج بلا) अ. फा. स्त्री—आपत्तियों की लहरो के थपेड़े।
 मौजे वोरया (موج وريا) अ फा स्त्री—चटाई विछाने से बनी हुई लकीरे, लकीरो की चटाई।
 मौजे रेग (موج ريگ) अ फा. स्त्री—दे. 'मौजे सराव'।
 मौजे सन्न (موج سدر) अ. फा स्त्री—वह लह जो हवा चलने से सज्जे में पैदा होती है।
 मौजे सराव (موج سراب) अ फा स्त्री—रेत की लह्ने जो दूर से पानी जान पडती है।
 मौजे हवा (موج هوا) अ स्त्री.—हवा की लह, हवा का सर्द झोका।
 मौत (موت) अ स्त्री—मृत्यु, निधन, मरण, वफात, विनाश, वरवादी, गायत, दुर्दशा।
 मौता (موتى) अ पु—'मैयित' का बहु, मरे हुए लोग।
 मौतिन (موطن) अ पु—जन्मभूमि, वतन।
 मौफूर (موفور) अ. वि—प्रचुर, अधिक, बहुत।
 मौरिद (مورود) अ वि—उतरने का स्थान, ठहरने का स्थान, योग्य, पात्र, अहल।
 मौरिदे इनायत (مورود عناية) अ पु—कृपापात्र, जिस पर कृपा हो।
 मौरिदे इन्'आम (مورود انعام) अ पु—पुरस्कार के योग्य, इन्'आम का मुस्तहक।
 मौलवी (مولوى) अ पु—इस्लाम धर्म का विद्वान्, वच्चो को पढानेवाला, विद्वान्, आलिम।
 मौला (مولا) अ पु—स्वामी, मालिक, ईश्वर, परमेश्वर; वह दास जिसे मुक्ति मिल गयी हो।
 मौलाई (مولاى) अ वि—सरदारी, अध्यक्षता, प्रतिष्ठा, वृत्तियों को लिखने का एक शब्द।
 मौलाना (مولانا) अ पु—आलिमो का एजाजी खिताब।
 मौलद (مولد) अ वि—जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, वतन।
 मौलूद (مولود) अ. पु—बालक, शिशु, नवजात वच्चा, मौलाद।
 मौसम (موسم) अ. पु—शुद्ध उच्चारण 'मौसिम' हे, परन्तु जर्दू में दोनों प्रकार से बोला जाता है।

मौसिम (موسم) अ पु—ऋतु, फसल, समय, वक्त।
 मौसिमे गर्मा (موسم گرما) अ फा पु—गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।
 मौसिमे खजा (موسم خزاں) अ फा पु—पतझड की ऋतु, शिशिर ऋतु।
 मौसिमे गुल (موسم گل) अ फा पु—बसत ऋतु, वहार का समय।
 मौसिमे बहार (موسم بهار) अ फा. पु—बसत ऋतु।
 मौसिमे वाराँ (موسم باران) अ फा पु.—बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।
 मौसिमे सर्मा (موسم سرما) अ फा पु—ठडी ऋतु, जाड़े का समय।
 मौसूफ (موسوف) अ वि—जिसकी प्रशंसा की जाय, प्रशंसित, (व्या) विशेष्य, जिस शब्द के साथ कोई विशेषण हो।
 मौसूम: (موسومہ) अ वि—नाम रखा हुआ।
 मौसूम (موسوم) अ वि—नाम रखा हुआ, नामधारी।
 मौहव (موهوه) अ. वि—वख्शिश की गयी चीज, दी हुई चीज।
 मौहव (موهوب) अ वि—हिवा किया गया, वरुशा गया।
 मौहवइलैह (موهوب اليه) अ वि—जिसके नाम हिवा हो।
 मौहवलह (موهوب له) अ वि—जिसके नाम हिवा किया जाय।
 मौहूम (موهوم) अ वि—भ्रममूलक, भ्रमात्मक, जो केवल भ्रम ही भ्रम हो, उसका अस्तित्व न हो।

य

यग (يگ) फा पु—विधान, कानून, परंपरा, रिवाज (वि) प्रकाशमान्, रौशन, समान, तुल्य।
 यंगा (يگلا) फा स्त्री—भाई की पत्नी, भाभी, चचा की पत्नी, चची, विवाहिता, गृहस्वामिनी, नाइन, मश्यात।
 यंबूअ (يبنوع) अ पु—नदी, दर्या, सरिता, चश्मा; स्रोत, सोता।
 यआफीर (يعافير) अ. पु—'या'फूर' का बहु, बहुत-से हिरन।
 यआवीव (يعايب) अ पु—'या'वूव' का बहु, तेज चलने-वाले घोड़े, तेज बहनेवाली नदियों के धारे।
 यआमिल (يعامل) अ पु.—'या' मल' का बहु, खूब काम करनेवाले ऊँट।
 यआमीर (يعامير) अ पुं—'या'मूर' का बहु, बकरी के बच्चे।
 यआलील (يعاليل) अ. पुं—'या' लूल' का बहु, पानी के बलबूले, मनुष्यों के लिंग।

यथासीव (بعاسیب) अ पु—'या मूव वा बहु, घट्ट
की मखिलयोके राजा, जाति क मन्थेष्ट व्यक्ति।
यऊक (عوك) अ पु—घाडे क आकार की एक मूर्ति जिम
हज्जत नूह' के अनुयायियो ने पूजा था।
यऊस (مكوس) अ वि—निराग हताश नाउम्मी।
यक (مك) फा वि—एक की सख्या एक वस्तु।
यकअस्य (مك اسه) फा वि—दे यकस्य वह उच्चारण
अधिक गुद है एक घाटा।
यकआताश (مك آتاش) फा वि—ये यकाताग, यह उच्चारण
अधिक फनीह है एक आग।
यकक (مك ك) अ वि—बहुत अधिक सफेद।
यककलम (مك كلم) अ फा वि—खिरसे नितात बिलकुल।
यकगून (مك گونہ) फा अ वि—किचित किसी कदर थाडा।
यकचद (مك چد) फा वि—किचित थाटा।
यकचदम (مك چد م) फा वि—काण काना, सूय सूरज
सबको एक आँल से देखनेवाला समदर्शी।
यकचदमी (مك چد می) फा स्त्री—बानापन, समदर्शिता।
यकचोव (مك چوہ) फा पु—वह छोटा गामियाना जो
एक कडी पर खडा होता है।
यकच (مك چ) अ पु—जाप्रति जागरण बेगरी नीद न
आने का रोग अनिद्रा।
यकज (مك ج) अ वि—दे यकज' दोनो गुदह एक से।
यकजदो (مك چدنی) फा अ वि—एक दाग का एक
दाग की सतान।
यकजबा (مك چربا) फा वि—सहमत एक राय।
यकजबानी (مك چربانی) फा स्त्री—सहमति इतिफाक।
यकजा (مك چا) फा वि—घनिष्ठ लिली।
यकजा (مك چا) फा वि—एक जगह एकच इकठ्ठा
सम्मिलित गामिल।
यकजाई (مك چائی) फा स्त्री—इकठ्ठापन एकत्रता।
यकजिली (مك چلی) फा स्त्री—एक ही वग या नस्ल
का हाना एक उम्र का होना एक प्रकृति का होना।
यकजिलो (مك چلو) फा वि—नेत्र चलनवाला घोडा।
यकजित्त (مك چیت) फा अ वि—सहमत मुत्तफिक
मित्र दोस्त।
यकजित्ती (مك چیتی) फा अ स्त्री—सहमति इतिफाक
मित्रता दोस्ती।
यकतन (مك تنہ) फा स्त्री—जकेला एवाकी तन्हा।
यकतन (مك تن) फा वि—एक व्यक्ति एक भनुष्य।
यकतरफ (مك طرفہ) फा अ वि—एक ओर का एक कतार
का दाहिना या बायाँ एक ओर का पनापात लिय हुए।

यकतही (مك تہی) फा वि—जिमम एक परत हो, गरमियो
का हल्ला लिबास।
यकता (مك تہ) फा वि—अद्वितीय अनुपम बमिस्त।
यकताई (مك تہائی) फा स्त्री—अद्वत अकेलापन, ऐमिन्नी—
'रमे-यकताई भला इतना तो पदा करने अपनी तस्वीर म
हरदम मुहें देखा करने।'
यकताए अन्न (مك تہاے عسیر) फा अ वि—अपन समय का
सबथेष्ट व्यक्ति (किमी बला या विद्या म)।
यकताए अहद (مك تہاے عہد) फा अ वि—ये यकताए
अन्न।
यकताए फन (مك تہاے فن) फा अ वि—किमी बला किप
में अद्वितीय ओर अनुपम।
यकताज (مك تہا چ) फा वि—ये यक ताज।
यकतार (مك تہا چ) फा पु—एक तारवाला बाजा इकतारा।
यकतार (مك تہا چ) फा वि—किचित इपत थाडा।
यकचदान (مك چد دانہ) फा वि—एक सा समान बराबर।
यकचक (مك چد ك) फा वि—बहुण गुनुगुना।
यकदस्त (مك چد دست) फा वि—समस्त मपुण सब समान
यकसा।
यकदस्ती (مك چد دستی) फा स्त्री—मपुणता समस्तता समा
नता, एकसानियत।
यकदिगर (مك چد گور) फा वि—परस्पर आपन में बाह्य।
यकदिल (مك چد دلہ) फा वि—शूर वीर, बहादुर सहपत
मुत्तफिक।
यकदिल (مك چد دل) फा वि—सयुक्त सघटित मुत्तह' मित्र
दोस्त सहमत मत्तफिक।
यकदिली (مك چد دلی) फा स्त्री—एकता इतिहाद मित्रता
दास्ती सहमति, इतिफाक।
यकदिश (مك چد دیش) फा वि—सवर जारज दागला।
यकदोगर (مك چد دگر) फा वि—परस्पर आपन में बाह्य।
यकनफ्त (مك چد نفت) अ फा वि—क्षण भर धाडी देर
मह्वर साथी मित्र दोस्त।
यकनफ्ती (مك چد نفتی) फा अ स्त्री—मित्रता दास्ती
सहचरता साथ।
यकना'ल (مك چد نال) फा अ वि—बडी मात्रा में बहुत
अधिक, बडभात।
यकनिगस्त (مك چد نیگست) फा वि—साथ उठने बठनवाला
हमनगा।
यकपा (مك چا) फा वि—एक पाँववाला एक प'।
यकपाय (مك چا پا) फा वि—जिसम केवल एक पाभा ही
एक असे प'वाले समप' समान पद।

यकपिदरी (یک پداری) फा वि—एक पिता की सतान, एक पिता की सपत्ति आदि ।
 यकफनी (یک فنی) फा वि—किसी कला विशेष में निपुण, अनुपम, वैनजीर ।
 यकफर्दी (یک فردی) फा वि—एक व्यक्तिवाला, जिसे एक व्यक्ति कर सके, जो एक व्यक्ति के योग्य हो ।
 यकफस्ली (یک فصلی) फा अ वि—वह भूमि जिसमें केवल एक फसल पैदा होती हो ।
 यकफोसदी (یک فایصلی) फा अ वि—सौ में एक, सौ में एक के अनुपात से, एक प्रतिशत ।
 यकवगल (یک واصل) फा वि—बहुत बड़ी मात्रा में, बहुत अधिक ।
 यक व यक (یک و یک) फा. वि—सहसा, अचानक, अनायास, अकस्मात् ।
 यकदारः (یک داری) फा. वि—अचानक, सहसा, आकस्मिक ।
 यकवार (یک بار) फा वि—दे 'यकवार' ।
 यकवारगी (یک بارگی) फा वि—अचानक, अकस्मात्, वे शानोगुमान ।
 यकमंजिलः (یک منجیل) फा. अ वि—वह मकान जिसमें केवल एक ही माता हो, अर्थात् उस पर इमारत न हो ।
 यकमनी (یک منی) फा वि—एक-से खुदी पसंद, एक-से तकबु रवाले, एक-से गुरुरवाले, एक नुस्के के, एक बीज के ।
 यकमंतवः (یک مرتبه) फा अ. वि—एक-जैसा श्रेणी और पदवाले, समानपद, समवर्ग ।
 यकमादरी (یک مادری) फा वि—एक माता की सतान ।
 यकमुश्त (یک مشت) फा वि—इकट्ठा, सब का सब, जो थोड़ा-थोड़ा अथवा किस्तों में न हो, बल्कि सब हो ।
 यकरंग (یک رنگ) फा अ वि—एक-जैसे रगवाले, निश्चल, मुहिलस, जो सदा एक-जैसा रहे ।
 यकरंगी (یک رنگی) फा. स्त्री—एक रंग का होना, निश्चलता, खुलूस, सदा एक-जैसा रहना ।
 यकरकीब (یک کبیب) फा पु—ईश्वर, खुदा ।
 यकरह (یک ره) फा वि—समस्त, समग्र, सब, एक वार, एक दफा, निश्चल, बेरिया ।
 यकराँ (یک ران) फा पु—अस्ली और कुलीन घोड़ा ।
 यकराई (یک رایی) फा स्त्री—एक मत होना, मकतैय, सहमति ।
 यकराए (یک رای) फा वि—सहमत, एकमत, मुत्तफिक ।
 यकरिकाबी (یک رکابی) फा स्त्री—कार्य में सलग्नता, औद्योगिकता, जल्दी, कीतल घोड़ा, कार्यतत्परता, कार्यसलग्नता, मुस्तइही ।

यकरिश्तः (یک رسنده) फा वि—अनुकूल, मुआफिक ।
 यकरखी (یک رخی) फा वि.—एक पक्षीय, एक तरफ का, जिसमें किसी पक्ष की तरफदारी हो, जैसे—'यकरखी फैसल' ।
 यकरर (یک رر) फा वि—एक दिल, घनिष्ठ, सच्चा दोस्त ।
 यकरहई (یک روهی) फा स्त्री—घनिष्ठता, सच्ची दोस्ती ।
 यकरोजः (یک روز) फा वि.—वह कार्य जो एक दिन में समाप्त हो जाय; जो एक दिन के लिए हो ।
 यकालस्त (یک لست) फा वि—सिरे से, नितात, विलकुल, आकस्मिक, अचानक ।
 यकवरकः (یک ورکه) फा अ वि—जिसमें केवल एक पत्रा हो, एक वरक का लेख ।
 यकशंबः (یک شنبه) फा पु—रविवार, इतवार ।
 यकशबः (یک شبه) फा वि—जो रातभर में समाप्त हो जाय, जो रात भर का हो ।
 यकशिस्त (یک شست) फा. वि—सहचर, साथी, सभासद, मुसाहिव ।
 यकसरः (یک سره) फा वि—सिरे से, सब, नितात, विलकुल ।
 यकसर (یک سر) फा वि—नितात, विलकुल; समग्र, समस्त, सब, एक सिरे से दूसरे सिरे तक ।
 यकसवारः (یک سواره) फा वि—अकेला, एकाकी, तन्हा ।
 यकसाँ (یک سانس) फा वि—समान, बराबर, सदृश, मिस्ल, चौरस, समतल ।
 यकसानियत (یک سانییت) फा स्त्री—समता, साम्य, मुसावात, सदृशता, तुल्यता, बराबरी, चौरसपन ।
 यकसालः (یک ساله) फा वि—एक साल की आयुवाला, एक वर्ष में एक वार होनेवाला, एक वर्ष में समाप्त होनेवाला ।
 यकसू (یک سو) फा. वि—एक ओर, एक तरफ, निश्चित, बेफिक्र, एकाग्रचित्त, मुन्हमिक, अवकाश प्राप्त, फारिग ।
 यकसूई (یک سوئی) फा स्त्री—निश्चितता, बेफिक्री, अवकाश, फुसंत, सारे झझटों से निवृत्ति, एकात, तन्हाई ।
 यकस्प. (یک اسپه) फा वि—धीरे-धीरे साधारण चाल से चलनेवाला सवार, एक-एक मजिल पर रुकनेवाला सवार; अकेला, एकाकी ।
 यकताशः (یک آتسه) फा वि—बहुत मदिरा अथवा अरक जो एक वार खीचा गया हो ।
 यकायक (یکایک) फा वि—आकस्मिक, अचानक, सहसा, तुरत, शीघ्र, फौरन ।
 यक्रिक (یک رقیق) अ पु—बहुत अधिक सफेद; दे 'यकक', दोनो शुद्ध है ।

यक़िज़ (مقط) अ वि-मजग, जागन्क, सावधान, जाग्रत, जागता हुआ, बदार।
 यकीनी (مکینا) का पु-विनाक अ-यापक, पढानेवाला।
 यकीन (مکین) अ पु-विश्वास एतवार, श्रद्धा एतिकाद, मदेह का अमान गुमहान होना।
 यकीनन (مکینان) अ वि-सम्भव अवश्यमेव यकीनी नि मदेह बिना शुबहा।
 यकीनी (مکینى) अ वि-इ 'यकीनन।
 यकीनी कामिल (مکینان کامل) अ पु-बहु विश्वास पूरा भरासा पूरा यकान अल घम विश्वास पूरा ईमान।
 यकीने माहकम (مکینان محکم) अ पु-इ 'यकानि कामिल।
 यकीने वासिक (مکینان وائى) अ पु-इ 'यकान कामिल।
 यक़ज़ (مقط) अ वि-दे यक़िज़ दोना मुद ह सजग मचेष्ट सावधारा।
 यक़ुम (مکم) का वि-अथम पहला पहला तारीख।
 यके (مکى) का वि-एक एव यकित कोई एक, कोई एक व्यापित।
 यके वा बशारे (مکى بعدد مگرب) का अ वि-एक के पश्चात दूसरा उमरातर।
 यकक (مکک) का वि-अरेला तनहा अनुपम बेमिस्ल एकका एक घोडे से चरनेवाली गाड़ी विसप, इक्का।
 यककतार (مکک تار) का वि-अरेला बहुता से उरनेवाला मटारथी।
 यककतावी (مکک تاروى) का स्त्री-अरे उ बहुता मल्लगा।
 यककवान (مکک وان) का प-इक्का हाकनेवाला।
 यककशौचनहा (مکک شها) का वि-विलकुल अरेला।
 यककान (مکک ان) अ वि-शायत जागएक जागता हुआ बेगार।
 यककीन (مککین) अ स्त्री-हर वह जेल जो जमीन पर फलनाह जैसे-श्रीकी कदू आदि की।
 यक (مک) का पु-उठ सजमा हुआ पानी बफ हिम।
 यकखरिद (مکخورد) का वि-उरेगा बरनेवाला व तन मुही बरतनवाला।
 यकखुद (مکخورد) का वि-उपेक्षित जिमने साथ ब सव-रहा की गया हो।
 यकयक (مکک) का पु-नाग हिमाफल।
 यकयदविहित (مکک یس) का अ पु-एक प्रकार का फलना।
 यकयदान (مکک دان) का प-नागा रखने की अलमारी बक का याना रखने का मडूक यकीरटन।
 यकयवद (مکک ورد) का वि-जो बक में लगाकर ठंडा

किया गया हो।

यकबस्त (مکبست) का वि-जो ठंड से जम गया हो।
 यकबाव (مکباح) अ पु-हृग्रम ईमा का बित्र जा यिरजा में रखा जाता है।
 यकत (مکتب) का पु-वह नाम जिस पर नदी में सर करवाह और अपनी निजी होनी है।
 यकनी (مکنى) का स्त्री-अथ या धन जा जावश्यकता पढने पर काम आने के लिए सचित किया जाय उछीरा गोशन का गावा जिसम मसाला न डाला गया हो और जो रोमिया को दिया जाता है।
 यकसी (مکسى) तु वि-मुगर प्रियलगात, खानुमा, गुम कल्याण कर मुबारक उत्तम उमदा।
 यका (مکان) का वि-अकला, एकाकी जनीला अनपम, मनुय लोग सामाय जन आम लोग।
 यका यका (مکان مکان) का वि-एक एक बरने, एक के बाद दूसरा।
 यकान (مکان) का वि-स्वजन आरमीय अजीब अनीय ला जबाब एकाकी अकता।
 यकान मो (مکان موی) का वि-सत्यवादी सच्चा सप जालनेवाला।
 यकान-गोई (مکان گویى) का स्त्री-मत्य बोलता सच्चाई।
 यकानगत (مکان گت) उ स्त्री-इ 'यकानगी।
 यकानगी (مکان گى) का स्त्री-स्वजाता रिन्दारी, सट मति इतिफाएराय अनेहापन।
 यकाम (مکام) का पु-गू-बियावानी जगल में फिर वाले भूत प्रेत।
 यकस (مکس) अ पु-सिंह के आकार की एक मूनि जिमकी पूजा इस्लाम में पूज-जव में होती थी।
 यकमा (مکما) तु पु-लुटमार लुटन उचवना यकना टोनना रूट में प्राप्त माल।
 यकमाई (مکماى) तु वि-जा लुटा गया हो।
 यकक (مکک) तु पु-मेना का अग्र भाग जा आय चलता और शनु की सना व समाचार देता है सगाप्र सना फीत्र।
 यककदार (مکک دار) तु पा पु-आगे चलनेवाली सना का सेनापति।
 यकीद (مکيد) अ पु-अमीर मुआविय का लडका जो बडा ही बदचन शरपावा और अत्याचारी था और जिमन हास हमाम हुमन को गहीद करपाया था यकानि यह इमके दासन के विरुद्ध था।
 यकीदी (مکيدى) अ वि-बहु ध्यनिज जा यकीनी असा निपुण अत्याचारी और अभिमानी हो यकीनी-तम्ब थी यकीनी-का।

यबोदे वक्षत (यबोद وقت) अ पु.—अपने समय का बहुत ही अत्याचारी, अभिमानी और अनौति पर चलनेवाला शासक।

यब्द (यब्द) फा पु—जीराज के प्रात का एक नगर।

यब्दा (यब्दा) फा. पु.—‘यज्दान’ का लघु, दे. ‘यज्दान’।

यब्दापरस्त (यब्दापरस्त) फा. वि.—ईश्वरवादी, आस्तिक, खुदा को माननेवाला।

यब्दापरस्ती (यब्दापरस्ती) फा. स्त्री.—ईश्वर को मानना, आस्तिकता।

यब्दाशानास (यब्दाशानास) फा वि.—दे ‘यज्दापरस्त’, ईश्वर को पहचान कर सत्य और मन्मार्ग पर चलनेवाला।

यब्दाशानासी (यब्दाशानासी) फा स्त्री—दे. ‘यज्दापरस्ती’; सत्य और मन्मार्ग पर चलना, धर्मनिष्ठा।

यब्दान (यब्दान) फा पु—आतशपरस्ती (ईरान के पुराने अग्निपूजक जो जरदुस्त के अनुयायी थे) के मतानुसार, नेकौ का खुदा, वे लोग दो खुदा मानते हैं, एक नेकी का दूसरा वदी का जिसे ‘अहूरमन’ कहते हैं।

यब्दानी (यब्दानी) फा वि—ईश्वरीय, खुदाई।

यब्दी (यब्दी) फा वि—‘यज्द’ का निवासी।

यब्न (यब्न) फा पु—ब्रह्म का पति, बहनोई।

यत्ताक (यत्ताक) तु पु—पहरा, चौकी, देखभाल, निगरानी।

यत्ताकी (यत्ताकी) तु वि—पहरेदार, चौकीदार।

यतामा (यतामा) अ पु—‘यतीम’ का बहु, वे बच्चे जिनके पिता मर गये हों, अनाथ।

यतीम (यतीम) अ वि.—वह बालक जिसका पिता मर गया हो, अनाथ।

यतीमखानः (यतीमखानः) अ फा पु—यतीम बालको के पालन-पोषण का स्थान जो किसी सस्था की देख-रेख में हो, अनाथालय।

यतीमी (यतीमी) अ स्त्री—अनाथपन, वे बाप का हो जाना।

यतीमीयसौर (यतीमीयसौर) अ पु—वह बालक जिसके माता-पिता दोनों मर गये हों, यह शब्द उर्दूवालो ने बनाया है।

यतूअ (यतूअ) अ पु—दे ‘यतूअ’।

यतूअ (यतूअ) अ पु—वह पेड जिसमें दूध होता है, जैसे—आक, यूहड आदि।

यत्न (यत्न) अ पु—वह बालक जो उलटा उत्पन्न हुआ हो, जिसके पाँव पहले निकले हों।

यद (यद) अ पु—हाथ, कर, हस्त।

यदक (यदक) फा पु—कोतल घोड़ा।

यदुल्लाह (यदुल्लाह) अ पु—ईश्वर का हाथ, अर्थात् ईश्वर की सहायता।

यदे कुद्वत (यदे कुद्वत) अ. पु—कुद्वत का हाथ अर्थात् दैवी माया, दैवी शक्ति।

यदे तूला (यदे तूला) अ पु—ब्रडा लवा हाथ, अर्थात् किसी कार्य विशेष में बहुत अधिक कुशलता।

यदे ब्रंजा (यदे ब्रंजा) अ पु—चमकता हुआ हाथ, हज्रत मूना का हाथ, जिसे खोल देने से प्रकाश फैल जाता था।

यदेन (यदेन) अ. पु—दोनों हाथ।

यनप्लू (यनप्लू) फा स्त्री.—मट्टी, जहाँ चारों ओर से माल विकने आता है, यात्रीदल, काफिला।

यनावीअ (यनावीअ) ज. पु—‘यवूअ’ का बहु, नदियाँ, चर्म, नौने।

यनूफ (यनूफ) अ पु—ऊँचा-नीचा टीला।

यपलू (यपलू) फा स्त्री—दे ‘यनूफ’, दोनों शुद्ध हैं।

यफन (यफन) अ पु—बहुत बूढा व्यक्ति जो सड़ा गया हो, पीरे फर्तन।

यफाअ (यफाअ) अ पु—ऊँचा टीला, टीकरा, पहाडी।

यफ्तः (यफ्तः) फा पु—साइनबोर्ड, नाम पट्टिका।

यव (यव) फा वि—बूढा, वृद्ध।

यवस (यवस) अ. पु—सूखना, गुष्क होना।

यवाव (यवाव) अ वि—ध्वस्त, बरबाद।

यवूह (यवूह) अ स्त्री—दे ‘यवूहस्सनम’।

यवूहस्सनम (यवूहस्सनम) अ स्त्री—एक वनौपधि, लक्ष्मी, लखमनी, गर्दुमगिया।

यव्स (यव्स) अ पु—सूखना, खुश्क होना।

यम. (यम.) फा पु—वह खुराक या धन जो किसी को रोज दिया जाय।

यम (यम) फा. पु—नदी, तरगिणी, दर्या।

यमक (यमक) फा पु—एक नगर जहा का सौदर्य प्रसिद्ध है।

यमन (यमन) अ पु—अरब का एक देश, जहाँ का लाल और याकूत सारे ससार से अच्छा होता है।

यमनी (यमनी) अ वि—यमन का निवासी; यमन सम्बन्धी, यमन की वस्तु।

यमान (यमान) अ वि—यमन से सम्बन्ध रखनेवाला।

यमानी (यमानी) अ वि—यमन का, यमन-सम्बन्धी।

यमाम. (यमाम.) अ पु—कवूतर, जगली कवूतर, कवूतरी; अरब की एक नीली आँखोवाली स्त्री जो मैदान में ४०-५० मील तक की वस्तु देख लेती थी।

यमाम (यमाम) अ पु—जंगली कवूतर, वनकपोत।

यमीनः (यमीनः) अ पु—आमाशय, पक्वाशय, मेदा।

यमीन (यमीन) अ वि—दाहनी ओर, दाहना, शपथ, सीगन्ध; बल, शक्ति; श्रेष्ठता, वज्रुर्ग।

यमीनोयसार (سمن و سار) अ पु—दाहनी और बाया आर, दाना आर।
 यमूम (موم) अ पु—यम का बहु नदिया।
 यम्म (ملمه) अ पु—माघ हाथ की ओर।
 यम्मू (مسمو) तु पु—बाहूद अग्निचूष।
 यर (ر) तु पु—गर्धवी जमीन भूमि।
 यरकां (رمان) अ पु—यस्कान का लघु, दे यरकान।
 यरकाजद (رمان د) अ फा वि—जिस यरकान का राग हो कमलरागी।
 यरकान (رمان) अ पु—एक राग जिसम सारा गरीर विगपत आवें पीली पड़ जाती ह कमलरोग।
 यरकानी (رمانی) अ वि—यरकान का मरीज कमल राग प्रस्त कमलरागी।
 यरा (را) फा स्ना—झुरीं बल सिलवट गिकन।
 यराअ (رواعه) अ पु—बलम बनाने का नरक वजाने की वास्तुरी जुगनू खदान।
 यराअ (رواع) अ पु—यराअ।
 यराक (رول) तु पु—अस्त्र गस्त्र अस्तिह हृयियार उपकरण सामान युद्ध सामग्री सामाने जग।
 यराग (رواع) तु पु—डाक का घोडा।
 यराबीज (روابع) अ पु—यबूअ का बहु, जगली चूँ दो पाववाले चूँहे।
 यगमाल (ر سال) तु पु—बहु राजवग का यक्ति जा विनी राज की आर से दूसरे राज को जमानत म दिया जाय ताकि वह राज अपनी प्रतिभा भग न कर सके।
 यर्गा (رغا) तु पु—नज घाग तज चलनेवाला व्यक्ति जात्रमग हमला।
 यरू (رعو) तु स्ना—राजताति शियासत दब मजा।
 यरिश (ريس) फा वि—एक गाव या नगरके रहनेवाले।
 यबूअ (رروع) अ पु—जगती चूँहा एक चूँहा जा दो पाँव का हाता है।
 यमलून (رملون) अ पु—अरबी के छ जसरा का समाहार जब हल न (न) के भाग इनमें से कोई अणर आता है ता वह न बही अणर बन जाता है, जैसे—मिन रबी' का मिररबी' मिनल्वन' का मिल्लवन हो गया।
 यर्मा (رمع) अ पु—सफे और चमकदार पत्थर।
 यमूर्गा (رمغان) तु पु—अमूर्गा।
 यल (له) फा प—मुक्त किया हुआ रहा गुदा छाडा हुआ त्यक्त बरूक या तोष छोनी हुई दौन्ता हुआ आक्रमण करता हुआ (स्त्री) व्यभिचारिणी फाहिगा।
 यल (له) फा पु—धूर, वीर बहादुर मल पहलवान।

यलक (لق) अ पु—हर वह वस्तु जो सफदहा।
 यलदगज (لدگر) फा पु—क्रिजिल अमली कपिता।
 यलब (ملنه) अ पु—चमडे का ढाल, चमड का कवच।
 यलव (ملب) अ पु—यलव।
 यलवज (لوح) तु पु—ईग-दूत पत्रवर।
 यलाक (لق) तु पु—एक तुर्की बादशाह का नाम मूठी का टूटा हुआ बरतन।
 यलामिक (لامن) अ पु—यलमक का बहु कणन।
 यलूज (لوح) तु पु—दे गुड उच्चारण यलवज।
 यलअ (لمع) अ पु—वह जगल जिसमें दूर-दूर तक वग और पानी नहा वियावान मगनप्या मरीचिका सराव।
 यल्यर (لمعر) तु स्त्री—यल्यार', दोनो गुड ह परतु इसका उच्चारण अधिक गुड है।
 मल्यार (لمار) तु स्त्री—आत्रमण चर्नाई धावा गड उच्चारण यल्यार' ह।
 यल्यर (لمعر) तु वि—अकेला एकाकी तनहा।
 यलदा (لدا) फा स्त्री—एक रात 'पो साल में सब रात स अधिक लबी हाती है जब मूय धनुराशिके ११ वें आ पर पहुचता है (पूसमें) तो यह रात पन्ती है और उसर सबस छाना दिन हाता है यह रात अशुभ माना जाती ह।
 यलम (لمسه) फा पु—जवा दाहेर कपणे का लवा चुगा।
 यलमक (لملق) अ पु—दे यलम।
 यलमान (لमान) फा पु—सलवार खडग।
 यलसब (لمسب) अ पु—बहु व्यक्ति जा विवाह-सम्ब सार सस्वार की पूति करे।
 यललले (للله) फा अव्य—वह धा जो मस्ती और मू क समय बोतेह जैसे—अहाहा उहाहो।
 यवाकीत (واکت) अ पु—याकूत का बहु, बहुय याकूत।
 यक (سک) फा पु—नुकीले और बड दात हाथी वाहर निकले हुए दात 'र आगि के लव दात कुत नुकील दात।
 यशकुर (شکو) अ पु—एक पगवर का नाम।
 यश (سب) अ पु—एक हुरा और कठोर पत्थर जो दव म चलता है और दिल पडकने की बीमारी में लाभ देता ह।
 यशम (سمة) अ पु—कच्चा चमडा कच्ची छाल।
 यशम (سم) फा पु—दे यरव, दाना गुड ह।
 यशमाक (سमान) तु पु—स्त्रिया के सर का हमाल।
 यसर (سره) अ पु—ब लिपियाँ जो उत्र हाथ की आर से लिखी जाती ह जैसे—हिन्दी अंग्रेज आगि।
 यसल (سل) अ पु—सना का पकित, फोज की इतार।

यसाक (يساق) तु पु.—लडाई की तैयारी, सैन्य-सज्जा, दरवार, राजसभा ।
 यसार (يسار) अ. वि.—बायी ओर, वामपक्ष; धनाढ्यता, अमीरी, उलटा हाथ ।
 यसारत (يسارت) अ स्त्री.—धनाढ्यता, मालदारी ।
 यसाल (يسال) अ पु.—दे 'यगल', दोनों गुद्ध हैं ।
 यसावुल (يسارل) तु पु.—चोबदार, दडधारी, दरवार, सेना अथवा सभा का प्रबंध करनेवाला, बंदी, नफीव ।
 यसिर (يسير) अ वि.—सुगम, सरल, आसान, सहज ।
 यसीर (يسير) अ. वि.—सुगम, सरल, सहज, न्यून, थोडा, वह बालक जिसकी माँ न हो, (इस अर्थ में उर्दू है) ।
 यसर (يسره) अ पु.—उलटी ओर, बायी तरफ, वामपक्ष ।
 यस्त्र (يسر) अ पुं.—ऊँट हलाल करना; दान देना, बरगना ।
 यस्त्रिव (يسر) अ पु.—मदीन., अरब का एक प्रसिद्ध नगर ।
 यहव (يهود) अ पु.—'यहूदी' का बहु, यहूदी लोग ।
 यहदा (يهودا) अ पु.—हज़रत यूसुफ के बड़े भाई ।
 यहूदी (يهودي) अ पु.—हज़रत मूसा के धर्म का अनुयायी, इसाईली; जलिल किस्म का सरमायादार, वन पिशाच ।
 यहफूफ (يهفوف) अ वि.—दक्ष, प्रवीण, जीरक, तीव्र बुद्धि, तेज अक्ल, उदास, मलिन, वद दिल ।
 यहमूम (يهصوم) अ पु.—काला धुवाँ; काली रात, रस्ती बटना ।
 यहमूर (يهصور) अ पु.—जगली गधा, वनगर्दभ, गोरखर ।
 यह्या (يهيولى) अ. पु.—एक पैगवर ।

या

या (يا) फा अव्य.—सबोधन का शब्द, हे, ऐ, ओ, अरे, अथवा, ह्वाह ।

याजसाफा (يااسمى) अ. वा.—हाए अफसोस ।

याए तहतानी (يا تكتانى) अ स्त्री—वह 'ये' जिसके नीचे नुक्ते हैं, चूँकि फार्सी में 'ता' और 'या' एक से लिखे जाते हैं, केवल ऊपर और नीचे के नुक्तों का फर्क है, इसलिए तहतानी लिखने से 'ये' ही समझा जायगा, यह उस समय के लिए था जब कितावे कलमी लिखी जाती थी और बहुत गलतियाँ होती थी ।

याए फार्सी (يا فارسى) अ फा स्त्री—दे 'याए मजहूल' ।

याए मजहूल (يا مجهول) अ स्त्री—वह 'ये' जो लबी लिखी जाती है, और 'ए' की आवाज देती है ।

याए मा'कूस (يا معكوس) अ स्त्री—दे 'याए मजहूल' ।

याए मा'रुफ (يا معروف) अ स्त्री—वह 'ये' जो गोल लिखी जाती है और 'ई' की आवाज देती है ।

याक: (ياقه) तु पु.—कमीस का कालर, कुर्ते का गला ।

याक (ياق) अ पु.—कगन ।

याकिस्मत (ياقسمت) फा अ वा—हाए रे बुरे भाग्य ।

याकूत (ياقوت) अ पु.—एक प्रसिद्ध रत्न, पुलक, एक बहुत बडा सुधानवीस ।

याकूत रक़म (ياقوت رقم) अ वि.—याकूत खुशनवीस-जैसा लिगनेवाला, अर्थात् बहुत अच्छा लिपिकार ।

याकूती (ياقوتى) अ स्त्री—एक यूनानी दवा जिसमें याकूत पडता है ।

याकूते जिगरी (ياقوت حكرى) अ फा पु—कलेजी के रग का याकूत ।

याकूते रवाँ (ياقوت روان) अ फा पु—तरल और बहता हुआ याकूत अर्थात् लाल मदिरा ।

याकूते रम्मानी (ياقوت رمانى) अ पु—अनार के दानो-जैसा गुलाबी याकूत ।

याकूते सध्याल (ياقوت سيال) अ पु—बहता हुआ याकूत, अर्थात् लाल शराब ।

या'कूव (يعقوب) अ पु.—हज़रत यूसुफ के पूज्य पिता जो उनके विरह में अंधे हो गये थे, चकोर ।

यास्तत: (ياسته) फा वि—जाहिर किया हुआ, प्रकटित, बाहर निकाला हुआ, बहिष्कृत, किसी काम के करने के लिए बढा हुआ ।

यास्ततनी (ياستلى) फा वि—प्रकट करने योग्य, बाहर निकालने योग्य, काम के लिए बढने योग्य ।

याग (ياغ) तु पु—तेल, स्नेह, तैल, रौगन ।

यासिस्तान (يااستان) फा पु—अफगानिस्तान का एक इलाका ।

यागी (ياغى) तु वि—विद्रोही, राजद्रोही, वागी ।

याज: (ياره) फा पु—कैपकैपी, थरथरी, कप, लर्ज ।

याज (يار) फा पु—इच्छा, ह्वाहिश, सकल्प, इरादा ।

याजद: (يارده) फा वि—दे 'याजद' ।

याजाँ (يازان) फा वि—आक्रमण करता हुआ, हाथ बढाता हुआ ।

याजिद: (يارده) फा. वि—इच्छा करनेवाला, इच्छुक, किसी काम के लिए हाथ बढानेवाला ।

याजिश (يارس) फा स्त्री—इच्छा, इरादा, काम के लिए बढना, हस्तक्षेप, दस्तदाजी ।

याजिद: (ياريده) फा वि—जिस वस्तु की इच्छा की गयी हो; जिस कार्य के लिए हाथ बढाया गया हो ।

याजूज (ياحوج) अ पु—एक प्राचीन जाति जिसका वर्णन कुरान में है ।

याम्जोमाज्ज (ماجوج و ماجوج) अ पु - याम्जुन और माज्जुन दा प्राचीन जातियाँ जिनक आक्रमण स बचने के लिए दीवारें चीन में बनी था।

यासद (سازد) फा वि - स्याद एवात्मा।

यासदहुम (سازدهم) फा वि - स्यादहृवा एवात्मा।

याद (ياد) फा पु - स्मरण गति बुबने हाक्रिडा।

याद (ياد) फा स्त्री - स्मृति याददात्त स्मरण गति हाक्रिडा ध्यान खयाल, जेठन प्रतिभा चित्त, मन अनुधान तसतुर स्मारक यत्नार।

यादआवरी (ياد آوري) फा स्त्री - यादावरी, वह अधिक पमीह है।

यादगार (يادگار) फा स्त्री - निगानो स्मृति चित्त स्मारक यादगारी वा कोई विगप विह्ल जम - मोनार आदि पुन वेदा।

यादगारी (يادگاري) फा स्त्री - यादगार।

यादगारे खमान (يادگار و خانه) फा स्त्री - ऐसा व्यक्ति वा सबके लिए स्मृति का कारण हो।

याददात्त (ياد دادات) फा स्त्री - स्मरण गति हाक्रिडा चापन मेमारडम।

याददेहानी (ياد دهاني) फा स्त्री - भूली हुई बात का स्मृति में लाना याद दिलाना स्मरण करना।

यादफतामोश (ياد فता موش) फा वि - जिस बात याद न रहनी हो जो किसी व्यक्ति को याद न रखता हो स्मृति विस्मारक।

यादफमई (ياد فمائي) फा स्त्री - याद करना पास बुलाना।

यादबूद (ياد بود) फा स्त्री - स्मृति चित्त निगाना।

यादर (يادار) फा पु - हर ईराना महीने की बारहवा शारोस।

यादश बखर (يادش بखار) फा अ वा - किसी व्यक्ति की चर्चा चलने पर उसके लिए बालत हु उसकी या अचठी रहे।

यादावरी (ياد آوري) फा स्त्री - याद करना पास बुलाना।

यादे ह्याम (ياد هيام) फा अ स्त्री - पिछले अच्छे दिनों का स्मरण।

यान (يانه) तु पु - आर तरफ गिना जानिव।

यान (يان) फा पु - बकवास मिथ्यायाद बीमारी की बकवास ह्ययान।

यानसीब (يانشيب) फा अ वा - याकिस्मत्।

यानो (ياعني) अ अर्थ - मत यह कि जयति।

यानोचे (ياعني) अ फा अर्थ - मका क्या अर्थ है ऐसा क्याहू इनके क्या मानी ?

याने' (ياعني) अ पु - वह पा अथवा मना जा पक गयाहा और ताने के याम्य हो।

याफ (يافه) फा वि - दा माव, दाना गुदह।

याफ बिरा (ياف بيرا) फा वि - अनथवागी घृण वर वामी बाबाल, डोगिया, गमीत्तारा।

याफ बिराई (ياف بيرايي) फा स्त्री - यूठ बोल्ना बकवास करना डाग मारना।

याफर (يافر) फा पु - यौतुकी बाडीगर चिदकार मुमत्तिर।

याफूव (يافو) अ पु - तालू तालव।

याफर (ياعفو) अ पु - मृग हरिण हरिन।

याफे' (ياعف) अ पु - लंबे डील डील का जवान।

याफ्त (يافت) फा वि - याया हुआ अिस मिला हो दूसरे पा के साथ मिलकर आता है, अनेरा नही बोला जाता जैसे - वितावयाफ्त सनयापत यदि।

याफ्त (يافت) फा स्त्री - लाभ, प्राप्ति नफा, आय आमदनी उत्कीच रिगतत।

याफ्तनी (يافتني) फा वि - याने याम्य मिलन योग्य, जो किसी से मिलना हा (घन)।

याव (ياد) फा प्रत्य - प्राप्त होनेवाला मिलनवाला जैसे - वमयाव वम प्राप्त होनेवाला।

यावान (يادان) अ पु - जापान एक प्रसिद्ध देश।

याबिद (ياديد) फा वि - यानेवाला प्राप्त करनवाला।

याबिदगी (ياديدگي) फा स्त्री - याना प्राप्ति।

याबिस (ياديس) अ वि - सुख सूखा हुआ गुफक मित्राज में सुखी पदा करलेवाला।

याबू (يادو) तु पु - टट्टू छोटा घोडा लददू घाग जिस पर बोट हावते हु।

याबूब (يادوب) अ पु - तेज चलनेवाला घाग तेव बहनवाली नदी की धारा।

याम (يامة) फा पु - डाक की चीकी महला।

याम (يام) अ पु - नूह का एक पुन।

यामर (يامره) अ पु - बकरा जो सिंह के गिजार के लिए बाधा जाय।

यामल (يامله) अ स्त्री - सगडा जीग लददू जैनी।

यामल (يامل) अ पु - तगडा और लददू ऊट।

यामिन (يامين) अ पु - साधी ओर दायी तरफ।

यामी (يامي) फा वि - रागी बीमार।

यामूर (يامور) अ पु - बकरी या भड का बच्चा।

याया (يادا) फा अर्थ - गिजारी चिगिया।

यार (يار) फा पु - कान बकण घाव जरम कर महमूल्।

यार (يار) फा पु.—मित्र, दोस्त, सहायक, मददगार, प्रेमपात्र, मा'धूक; शब्द के अंत में 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'होगयार'।

यारकंद (ياركند) तु पुं—चीनी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर।

यारक (يارى) फा स्त्री—बच्चादानी, गर्भाशय, रहिम।

यारक (يارق) अ पु—कगन, कलाई में पहनने का एक आभूषण, बंकण।

यारगी (يارگی) फा स्त्री—बल, शक्ति, जोर; सामर्थ्य, मक्दूर।

यारनाम (يارنامه) फा पु.—पुण्य और यज्ञ का काम नैकनामी का काम।

यारफरोश (يارفروس) फा. वि.—मित्र की प्रशंसा करने-वाला।

यारफरोशी (يارفروشی) फा. स्त्री—मित्र की प्रशंसा करना।

यारवाज (يارواز) फा वि—दे 'यारवान'।

यारवास (يارवास) फा वि—मित्रों में घुल-मिलकर रहने वाला, मित्रों में अधिक समय व्यतीत करनेवाला।

यारवासी (يارواسی) फा स्त्री—मित्रों में खूब घुल-मिलकर रहना।

यारमंद (يارمند) फा वि.—दोस्ती निवाहनेवाला, सच्चा दोस्त, सहायक, मददगार।

यारमदी (يارمندی) फा स्त्री—दोस्ती मैत्री, सहायता, मदद।

यारस (يارس) फा वि.—सहायक, मददगार।

यारस्त (يارسته) फा. पु.—शक्तिशाली, ताकतवर।

याराँ (ياران) फा पु—'यार' का बहु, मित्रगण, मित्रमंडली।

यारा (يارا) फा पु—बल, शक्ति, जोर, सामर्थ्य, मक्दूर, सहनशीलता, तहम्मूल।

याराई (يارائی) फा स्त्री—सहायता, मदद, उपचार, इलाज।

याराए सन्न (ياراے صنت) फा अ पु—सहन करने की शक्ति, सहनशीलता।

याराए सन्न (ياراے صبر) फा अ पु—धैर्यशक्ति, धीरज धरने की शक्ति।

यारान (يارانه) फा पु—मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

याराने अदम (ياران عدم) फा अ पु—मरे हुए मित्र, यम-लोक निवासी, मरनेवाले।

याराने कदीम (ياران قدیم) फा अ पु—पुराने मित्र, लँगोटिया यार।

याराने रफ्त (ياران رفعت) फा पु—दे 'याराने अदम'।

यारी (یاری) फा स्त्री—मित्रता, दोस्ती, सहायता, मदद।

यारीगर (يارىگر) फा वि—सहायक, मददगार।

यारीगरी (يارىگرى) फा. स्त्री—सहायता, मदद।

यारे अजीज (يارعزیز) फा अ. पु.—बहुत ही घनिष्ठ मित्र, बहुत ही प्यारा मानक।

यारे गार (يار عار) फा. अ. पु.—सच्चा और घनिष्ठ मित्र, यह हज़रत अबूबक्र सिद्दीक की ओर सकेत है, जो हज़रत मुहम्मद गाह्व के गार में छिपने के समय उनके साथ थे।

यारे जानी (يارحاسی) फा पु—प्राणों की भाँति प्यारा मित्र, बहुत ही घनिष्ठ मित्र।

यारे शातिर (يارشاطر) फा अ पु—ऐसा मित्र जो दुःख और चिंता में मन बहलाए।

याल: (یال) फा पु—विपाण, शृंग, सींग।

याल (یال) तु पु—गला, गर्दन, घोड़े के गले के वाल।

यालगूपाल (یال کوپال) फा पु—स्थूलता, मुटापा; वैभव, शानोशीकत।

याँलूल (یاعلول) अ पु—पानी का बुलबुला, शिश्न, लिंग।

याव: (یاو) तु वि.—अनर्थ, अनर्गल, बेहूदा, अप्राप्य, नापँद।

याव.कार (یاوکار) तु फा वि—अनर्थ के कार्य करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई फल न हो, मिथ्याकार।

याव:कारी (یاوکاری) तु. फा स्त्री—व्यर्थ के कार्य करना, मिथ्या कर्म।

याव:गो (یاوگو) तु फा वि.—अनर्थवादी, झूठा, वाचाल, बकवासी, डींगिया, शेखीखोर।

याव:गोई (یاوگوئی) तु फा स्त्री—अनर्थवाद, झूठ बोलना, वाचालता, बकवास करना; डींग मारना।

याव:दिरा (یاودر) तु फा वि—दे 'याव गो'।

याव:दिराई (یاودرائی) तु फा स्त्री—दे 'याव गोई'।

याव:सरा (یاوسرا) तु फा वि—दे 'याव गो'।

याव:सराई (یاوسرائی) तु फा. स्त्री—दे 'याव गोई'।

यावंद (يارند) फा पु—राजा, बादशाह, प्राप्तकाम, सफल मनोरथ।

यावर (يارر) फा वि—सहायक, पोपक, मददगार।

यावरी (ياروری) फा स्त्री—सहायता, मदद।

यास: (یاسه) फा पु—इच्छा, अभिलाषा, आर्जू, आदेश, हुकम, राजनीति, सियासत, विधान, कानून।

यास (یاس) फा स्त्री—चमेली, नव मल्लिका।

यास (یاس) अ स्त्री—निराशा, नैराध्य, नाउम्मेदी।

यासअंगेज (یاس انگریز) अ फा वि—निराशा उत्पन्न करनेवाला, निराशाजनक।

यासआमेज (ياس امير) अ फा वि—निराशापूर्ण जिसम नाउम्मेग हो।

यासअ (ياسخ) फा पु—वह बाण जिसम फल हो बाण का फा जिसम दुहरी धार हा भाग बरछा दुखी की हय।

यासमन (ياسمن) अ स्वा—दे यासमीन।

यासमी (ياسمين) अ स्त्री—यासमान का लघु द यासमीन।

यासमाइजार (ياسمنو عذار) अ वि—जिसके गाल फूल जने कामल मदुर और सफेद हा।

यासमाँबू (ياسمنو بو) अ फा वि—चमली—जमी सुगध रखनवाला (वाली)।

यामसीख (ياسمنو) अ फा वि—'यामसी इजार

यामसीख (ياسمنو) अ फा वि—यासमाइजार।

यासमीन (ياسمن) अ स्त्री—चमेली का फूल नव मल्लिका।

यासमीन (ياسمن) अ स्त्री—याममीन।

यासा (ياسا) तु पु—मतशोक भातम वध हिमा कल कूसार प्रतिहिमा खून का बटल।

यासान (ياسان) फा पु—याम्य पात्र लाइक।

यामिम (ياسم) अ स्त्री—यासमीन।

यासीन (ياسين) अ स्त्री—कुरान की एक मूरत जा मरत समय मुसलमान का सुनायी जाती ह।

यासीनहवाँ (ياسين حوان) अ फा वि—यासीन पत्नेवाला मरत समय यामीन सुनाने वांग।

या सुब (ياسوب) अ प—शहद की मक्खिया का राजा अपनी जाति का सबभेद व्यक्ति जिसकी आधा का पान्न सत्र करें।

याह याह (ياها) अ अव्य—ऊट हाकने समय बोला जाने वाला शब्द।

याह (ياهو) फा पु—एक कवूतर जो याह याह चालता है।

वि

यिम (يم) तु स्वा—भाजन खुरान।

यिबीष (يربع) तु पु—राजादग राजाका पमान।

यी

यील (يل) तु पु—वप बल्ग माल।

यीसाक (يلك) तु प—याम काट में रतन का ठंडा रवान

यीलान (يلان) तु पु—गप राप।

यु

युक (يوك) तु वि—यमीप, निकट नरुफ।

युला (يولا) अ पु—तलने की छोटी बडाही फार्पन।

युबूसत (يوسوت) अ स्त्री—गुपता खुस्की सूनापन मिजाज की खुस्की तासीर की खुन्वी।

युस (يوس) अ पु—द 'युबूसत'।

युस्मेबन (يوسنطن) अ पु—यट की खुस्की जवात कोट प्रदता क-ड।

युस्किन (يوسكن) अ वि—संभव है मुम्किन है।

युम्न (يوس) अ पु—कल्याण गुभ वारिता सजात।

युम्ना (يوسن) अ स्वा—सीधे आर की, साथे पप की।

युराश (يراس) फा पु—प्रस्थान कूच, खानगी ध्यान खयाल तबज्जोह।

युरुश (يوروش) तु स्त्री—आक्रमण धावा चगाई युद्ध में जाने के लिए घोड़े पर चढ़ना शीघ्रता करना।

युत (يرت) तु स्वा—मडाव, ठहराव मजिल आवाह क्रियामगाह गह धर भवान।

युतग (يورگه) तु पु—घर रोह, भवान चौकी प महला।

युल (يول) तु पु—पय माग राह रस्ता।

युलवी (يولحي) तु वि—पयप्रदाक राहवर पय मुसाफिर हरकारा क्रासिद रस्त में बठकर भीस मांग वाला।

युल्म (يلم) तु पु—पगुओ को नाँ में खिलायी जा वाली वस्तु सानी।

युवाग (واش) तु पु—सपाया हुआ मडु चाक चल वाश घोडा जो बल लागी की सवारी के योग्य हो।

युसुर (يسر) अ पु—सुगम होना आसान होना अ खेलना छत-कम।

युस्ख (يسر) अ पु—सुगमता सरलता आसानी अ खेलना क्रियारवाजी।

यू

यूक (يوك) फा स्त्री—वह पाटली जिस पर नान रस्त तनूर म लगाने ह।

यूज (يوج) फा पु—जूं विदु जत्रा।

यूड (يور) फा पु—नेड का तना पकी स्तप।

यूड (يور) फा पु—चीता एक प्रमिद गियक जनु मोव जिगासा लगान।

यूड (يور) तु वि—एक सी घत।

यूजक (یوزک) फा पु—छोटा चीता, चीते का बच्चा, एक शिकारी कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसका पीछा करता है।

यूजवाशी (یوزباشی) तु पु—सौ सवारों का अध्यक्ष।

यूजोदः (یوزود) फा वि—ढूँडा हुआ, तलाश किया हुआ, जिजासित, बुलाया हुआ, आहूत।

यूनान (یونان) अ पु—यूरोप का एक प्रसिद्ध देश जहाँ के वैज्ञानिक लोग सारे ससार के मान्य हुए हैं, और आज साइंस की जितनी उन्नति है, इसकी पहली ज्योति वही जगी थी, अब से तीन हजार वर्ष पूर्व यह स्थान विद्या का घर था।

यूनानी (یونانی) अ वि—यूनान का निवासी, यूनान की भाषा, एक चिकित्सा पद्धति।

यूनस (یونس) अ पु—एक पैगम्बर, यह शब्द 'यूनस' और 'यूनिस' भी है।

यूफो (یوشی) फा वि—ब्रकवासी, वाचाल, मुखर।

यूसुफ (یوسف) अ पु—एक पैगम्बर जो अत्यंत सुन्दर थे।

यूसुफजर्वी (یوسفجربی) अ वि—यूसुफ-जैसा माथा रखनेवाला (वाली) अर्थात् बहुत ही सुंदर।

यूसुफजमाल (یوسفجمال) अ वि—यूसुफ-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

यूसुफतलअत (یوسفطلعت) अ वि—दे. 'यूसुफजमाल'।

यूसुफतम्माल (یوسفتمثال) अ वि—दे. 'यूसुफजमाल'।

यूसुफशमाइल (یوسفشمائل) अ वि—यूसुफ-जैसे स्वभाव-वाला

यूसुफसिफात (یوسفصفا) अ वि—यूसुफ-जैसे शुणोवाला।

यूसुफे सानी (یوسفثانی) अ पु—जो देखने में विलकुल

यूसुफ जान पड़े, अत्यंत सुन्दर, यूसुफ का जोड़।

यूह (یوح) अ. पु—सूर्य, रवि, सूरज।

यो

योग (یوغ) फा पु—बैल की गर्दन पर रखा जानेवाला जुआ।

योगः (یوگی) फा पु—इच्छा, इरादा, सकल्प, अज्म।

यौ

यौम (یوم) अ पु—दिन, दिवस, दिवा।

यौमन फ यौमन (یومانیوم) अ अव्य—दिन प्रतिदिन,

रोजब रोज, धीरे-धीरे, क्रमश

यौमियः (یومی) अ वि—दैनिक, रोजाना, हररोज,

प्रतिदिन, रोजीना, रोज मिलनेवाला धन या खुराक।

यौमीयः (یومی) अ वि—दे 'यौमिय', शुद्ध उच्चारण

यही है, परंतु बहुत कम बोला जाता है।

यौमुत्तनाद (یومالتناد) अ. पु—दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुन्नशूर (یومالانشور) अ पु—दे. 'यौमुलकियामत'।

यौमुलअर्वआ (یومالاربعاء) अ पु—बुधवार।

यौमुलअहद (یومالاحد) अ पु—रविवार, इतवार।

यौमुल इस्नैन (یومالائتین) अ पु—सोमवार, पीर।

यौमुलकियामत (یومالقیامت) अ. पु—कियामत का दिन,

जब मुद् कब्रों से निकलकर उठ खड़े होंगे, वह सब एक बड़े मैदान में एकत्र होंगे और उनके कर्मों का हिसाब-किताब होगा, और दंड अथवा पुरस्कार दिया जायगा।

यौमुलखमीस (یومالخمیس) अ पु—बृहस्पतिवार, जुमेरात।

यौमुलजजा (یومالحد) अ. पु—दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलवाहर (یومالواحد) अ पु—'बोहरान' का दिन,

यूनानी चिकित्सा में इस सिद्धांत के अनुसार युद्धवाला दिन। इस दिन प्रकृति और रोग में युद्ध होता है, जब प्रकृति जीत जाती है तो रोग नष्ट हो जाता है और रोग जीत जाता है तो मृत्यु हो जाती है। इस युद्ध को 'बोहरान' कहते हैं।

यौमुलहश्र (یومالکشر) अ पु—दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलहिसाब (یومالحساب) अ पु—दे. 'यौमुल-

कियामत'।

यौमुस्सवत (یومالسبت) अ पु—शनिवार, शनीश्चर।

यौमुस्सल्सा (یومالثلثا) अ पु—मंगलवार, मंगल।

यौमे आजादी (یوم آزادی) अ फा. पु—स्वतंत्रता दिवस।

यौमे वफात (یوم وفات) अ पु—मरने का दिन।

यौमे विलादत (یوم ولادت) अ पु—जन्म लेने का दिन, जिस

दिन जन्म हो, जन्म-दिन।

यौमे हुसैन (یوم حسین) अ पु—हज्रत हमाम हुसैन की

शहादत के दिन का उत्सव।

र

रंग (رنگ) फा पु—चीजो का रंग, वर्ण, रंगने का मसाला,

रंग, आनंद, लुत्फ, हर्षं खुशी, शोभा, रौनक, पद्धति, तर्ज, भोग-विलास, ऐश; आचार व्यवहार, रंग-ढग, होली का अवीर और गुलाल आदि, वदन या चेहरे की

रगत, वर्ण, विचित्र स्थिति या हालत,—“वह रंग होगा हृश्र को मुश्ताके यार का, जैसे कि ईद को हो रूखे रोजा-दार सुर्खे।

रंगअंदाज (رنگ انداز) फा वि—रंग डालनेवाला, रंग

छिड़कनेवाला (वाली)।

रंगअंदाजी (رنگ اندازی) फा स्त्री—रंग छिड़कना।

रंगअपशर्शा (رنگ افشان) फा वि—रंग फैलानेवाला (वाली)

रगप्रधानी (रग/اشاشی) का स्त्री-रग विलेखना, रग फलना।
 रगअमेज (रग/امجد) का वि-रग भरनेवाला, अर्थात् चित्रकार नक्शाग।
 रगअमेजी (रग/امجدی) का स्त्री-चित्र-काम, नक्शाग, अतिरजन अल्पविक्र, मुवालय।
 रगत (रग/ت) अ स्त्री-रग वण दगा, हालत, तीर तरीजा रग-दग, गाभा, रौनक आनद दुख मडा बदन या धहरे का रग वण।
 रगत (रग/ت) का पु-सतरा माठी नारगी।
 रगदार (रग/دار) का वि-रगा हुआ रजित।
 रगपरोद (रग/پروده) का वि-उडे हुए रगवाला, पीके रगवाला जिसका रग भय या लज्जा से उड गया हो।
 रगपरीदगी (रग/پریدگی) का स्त्री-रग का पीका पड जाना लज्जा या भय से चेहर का रग उड जाना।
 रगपाग (रग/پاش) का वि-रग छिडकनेवाला (वागी)।
 रगपागी (रग/پاشی) का स्त्री-रग छिडकना होनी आदि धुगी के अक्सर पर एक-दूसरे पर रग डालना।
 रगफरोग (रग/فروش) का वि-रग बेचनेवाला।
 रगफरोगी (रग/فروسی) का स्त्री-रग बेचने का काम।
 रगफर्गा (रग/فرغان) का वि-रगप्रर्णा का लघु दे रगप्रर्णा।
 रगफिगानी (रग/فغانی) का स्त्री-रग अफगानी का लघु दे रगप्रधानी।
 रगवरण (रग/वरنگ) का वि-चित्र विचित्र रगारग।
 रगवस्त (रग/صفت) का वि-यक्ता रग।
 रगवार (रग/वार) का वि-रगपाग।
 रगवारी (रग/واری) का स्त्री-दे रगपागी।
 रगमहल (रग/محل) का अ पु-व-लोमा के भाग विलास का स्थान एगगाह।
 रगरख (रग/رک) का वि-रगनेवाला कपडे रगनेवाला, रगरेख।
 रगरख (रग/رک) का वि-चित्रकार चितेरा रगनेवाला रगरख कपडे रगनेवाला।
 रगनिवस्त (रग/نصفت) का वि-जिसका रग पीका पड गया हा उतरे हुए रगवाला।
 रगसाज (रग/ساز) का वि-रग बनानेवाला रगने वाला पटर।
 रगसाजी (रग/سازی) का स्त्री-रग बनाने का काम रगने का काम पेटरी।
 रगरग (रग/رنگ) का वि-रग-रगी चित्र विचित्र।

रगी (रग/رنگین) का वि-रगान का लघु, रगान।
 रगीप्रदाम (रग/رنگین امدام) का वि-गारे गरीरवाग गौरयण।
 रगीजवा (रग/رنگین ادا) का वि-मुदर अगवावाला (वाली)।
 रगीजवाई (रग/رنگین ادائی) का स्त्री-प्रेमिना का मन् अगजा का भाव।
 रगीइवार (रग/رنگین عذار) का अ वि-मुव गालावाला, (वागी)।
 रगीइवारी (रग/رنگین عذاری) का अ स्त्री-गारणन गगी की सुत्री।
 रगीकामत (रग/رنگین دامت) का वि-रगीप्रगम।
 रगीचेह (रग/رنگین چهره) का अ वि-रगवान, सुदर मुखवाला (वाली)।
 रगीजमाल (रग/رنگین جمال) का अ वि-गारे रगवाला, गौरवपूण।
 रगीतखल्लूम (रग/رنگین کلیم) का अ वि-जिनकी बातचीत बहुत ही सुदर और श्रुतिप्रिय हा।
 रगीतखसूम (रग/رنگین نسیم) का अ वि-जितकी मुस्तुप हट म मुह से फूल पडते हो।
 रगीतबअ (रग/رنگین نبع) का अ वि-रगामिजाव जिद दिल, विनोद रसिक ऐयाग या गरावा।
 रगीतरद्रम (रग/رنگین دریم) का अ वि-जिसका गला बहूत ही सुदर हो।
 रगीनगम (रग/رنگین نعمت) का वि-मधुर स्वरवाला (वाली) कलकठ।
 रगीनखर (रग/رنگین خط) का अ वि-जिनकी दष्टि केवल अच्छी चीजा पर पने तो सौंदर्य को देखता हो।
 रगीनखरी (रग/رنگین خطی) का अ स्त्री-सौंदर्य को देखना अच्छी चीजा पर नजर डालना।
 रगीनवा (रग/رنگین بوا) का वि-अच्छी आवाजवाला (वाली) कलकठ मधुरस्वर।
 रगीनवाई (रग/رنگین بواسی) का स्त्री-आवाज अच्छी होना कलकठता स्वरमाधुय।
 रगीनिगाह (रग/رنگین نگاه) का वि-रगानखर।
 रगीनिगाही (रग/رنگین نگاہی) का स्त्री-दे रगी नखरी।
 रगीमधब (रग/رنگین مدب) का अ वि-ऐयागी और गरावनीग करनेवाग रगीला रसिया।
 रगीमिवाज (रग/رنگین مزاج) का अ वि-हुलपरस्त अच्छी सुरता का कदान गरावनीग रगीगी।

रंगीमिजाजी (رنگین مزاجی) फा अ स्त्री.—हुस्नपरस्ती; शरावनीशी ।
 रंगीख़ल (رنگین رخ) फा. वि.—रूपवान्, सुदर, हसीन (पुरुष अथवा स्त्री) ।
 रंगीलव (رنگین لب) फा. वि.—लाल होठोवाली, सुदर होठोवाली नायिका ।
 रंगीलाल (رنگین لال) फा वि.—दे. 'रंगीलव' ।
 रंगीलिवास (رنگین لباس) फा. अ. वि.—रंग-वरगी कपडे पहननेवाला (वाली) ।
 रंगीलिवासी (رنگین لباسی) फा अ स्त्री.—रंग-वरंगी कपडों का शौक ।
 रंगीन (رنگین) फा वि.—रंगा हुआ, रंजित; विनोदप्रिय, खुशमिजाज; चित्रित, मुनक्कश; शोभित, खुशनुमा; चपल, चुलवुला, शोख, शराव-कवाव और भोग विलास का शौकीन, विलासप्रिय ।
 रंगीनिए अदा (رنگینئی ادا) फा स्त्री.—अदाओं का सौंदर्य ।
 रंगीनिए शाब्ब (رنگینئی عاثره) फा स्त्री.—मुख पर मलने के पाउडर का रंग ।
 रंगीनिए जमाल (رنگینئی جمال) फा. अ. स्त्री—सुंदरता की विचित्रता रूप का सौंदर्य ।
 रंगीनिए तकल्लुम (رنگینئی تکلم) फा. अ. स्त्री.—वातचीत का माधुर्य, बातलाप का रस ।
 रंगीनिए तख़ातुब (رنگینئی تصاطب) फा. अ. स्त्री.—सवोधन का माधुर्य, प्रेयसी का प्रेमी की ओर मुखातव होने का माधुर्य ।
 रंगीनिए तवस्सुम (رنگینئی تسم) फा अ. स्त्री—मुस्कान का माधुर्य और सौंदर्य ।
 रंगीनिए नज़र (رنگینئی نظر) फा. अ. स्त्री—दृष्टि का अच्छी चीज़ पर पडने का भाव ।
 रंगीनिए निगाह (رنگینئی نگاه) फा स्त्री—दे 'रंगीनिए नज़र' ।
 रंगीनिए बहार (رنگینئی بهار) फा स्त्री—वसंत ऋतु की छटा और शोभा, बहार की रंगा-रंगी ।
 रंगीनिए माहौल (رنگینئی ماحول) फा अ स्त्री—वातावरण का सौंदर्य, आस-मास का रूप और सुंदरता का वातावरण ।
 रंगीनिए ख़ (رنگینئی رخ) फा स्त्री.—मुखच्छटा, चेहरे का सौंदर्य और गुलाबीपन ।
 रंगीनिए लव (رنگینئی لب) फा. स्त्री—होठों की लाली, होठों का रस ।
 रंगीनिए लिवास (رنگینئی لباس) फा. अ. स्त्री.—कपडों

की रंगीनी और सुंदरता ।
 रंगीनिए शबाव (رنگینئی شاداب) फा. अ स्त्री.—यौवन का सौंदर्य, यौवन का निखार, यौवन का जोश ।
 रंगीनिए शराव (رنگینئی شراب) फा. अ स्त्री.—शराव की रंगीनी; शराव का नशा; शराव की मस्ती ।
 रंगीनिए सहवा (رنگینئی صہا) फा. स्त्री.—दे. 'रंगीनिए शराव' ।
 रंगीनिए हया (رنگینئی حیا) फा. अ. स्त्री—लज्जा का सौंदर्य, प्रेमिका के मुँह छिपाने या आँखें नीची करने की छटा ।
 रंगीनिए हयात (رنگینئی حیات) फा. अ. स्त्री—जीवन का रूप और सौंदर्य या भोग-विलास के बीचमें गुजरना ।
 रंगीनिए हुस्न (رنگینئی حسن) फा. अ स्त्री.—सुंदरता की विचित्रता और रंगीनी ।
 रंगीनी (رنگینی) फा वि.—रंगा हुआ होना; मस्ती, उन्माद; शोभा, छटा; ऐश, भोग-विलास ।
 रंगे गुल (رنگ گل) फा पुं—फूल का रंग, गुलाब की लाली; फूल की ताज़गी और हरा-भरापन, वसंत ऋतु की रंगीनी ।
 रंगे परीदः (رنگ پریدہ) फा पु—उडा हुआ रंग, उतरा हुआ रंग, फीका रंग ।
 रंगे बहार (رنگ بہار) फा. पुं.—वसंत ऋतु की छटा, हर तरफ फूलों की शोभा ।
 रंगे बादः (رنگ بادہ) फा. पु.—दे. 'रंगे शराव' ।
 रंगे भीना (رنگ مینا) फा. पु—शराव के शीशे का सुंदर रंग जो शराव के कारण हो जाता है ।
 रंगे में (رنگ میں) फा पु—दे. 'रंगे शराव' ।
 रंगे शिकस्तः (رنگ شکستہ) फा. पु—हलका रंग, उतरा हुआ रंग, फीका रंग ।
 रंगे शीशः (رنگ شیشه) फा. पु.—शराव की बोतल का रंग जो शराव के कारण हो जाता है ।
 रंगे हुस्न (رنگ حسن) फा. अ. पुं—हुस्न की शोभा और छटा ।
 रंगो वू (رنگ بو) फा पु.—फूलों का रंग और उनकी सुगंध ।
 रंगोरौगन (رنگ روشن) फा. पु—रूप और छटा, हुस्न और आवोताव; लकड़ी आदि का रंग और वारनिज ।
 रंजः (رنجہ) फा पु—कष्ट, क्लेश, तकलीफ, दु ख, शोक, गम ।
 रंजःखातिर (رنجہ خاطر) फा. अ. वि—दु खित हृदय, मनस्तप्त, खिन्न, रंजीदा दिल ।
 रंज (رنج) फा पु—कष्ट, तकलीफ; दु ख, रज, विपत्ति, मुसीबत; आघात, सद्म, पीडा, दर्द; शोक, गम; मृत-शोक, मातम ।
 रंजे उल्फ़त (رنجہ العفت) फा. स्त्री.—प्रेम-वेदना, प्रणय-मीठा,

उदा — रजे उत्कृत में भी हंस-हंस के सहूर करते हैं हम हैं वह फूल जो काँटा में बसर करते हैं।

रजअपवा (رَجْأَوا) फा वि—दुःख बघानेवाला, कष्टवद्धक।

रजआगों (رَجْأَوا) फा वि—दुःख से भरा हुआ दुःखपूर्ण।

रजआना (رَجْأَوا) फा वि—दे 'रजाना'।

रजकगीव (رَجْأَوا) फा वि—जिसने दुःख उठाया हो जा दुःख उठा चुका हो।

रजदा (رَجْأَوا) फा वि—दुःख पदा करनेवाला कष्टजनक, दुःखात्मानक।

रजदीहद (رَجْأَوا) फा वि—कष्ट देनेवाला कष्ट दायक दुःखदायी।

रजदोद (رَجْأَوا) फा वि—जिसने कष्ट और दुःख उठाया हा उत्पत्त।

रजदेह (رَجْأَوا) फा वि—कष्टदायक दुःखदायी रज देने वाला।

रजफिगा (رَجْأَوا) फा वि—'रजअपवा' का लघु द 'रजअपवा'।

रजाना (رَجْأَوا) फा वि—दे 'रजदील'।

रजिा (رَجْأَوا) फा स्त्री—वमनस्य मनामालिय मन मुटाव नाराजी अप्रसन्नता, खफगी।

रजिने बेजा (رَجْأَوا) फा स्त्री—बिना कारण वा वमनस्य, अकारण क्रोध फुजूल की खरगी।

रजोद (رَجْأَوا) फा वि—दुःखित, सतप्त गमगीन।

रजोदखतिर (رَجْأَوا) फा अ वि—दुःखित हृदय मनस्तप्त गमगीन।

रजोददिल (رَجْأَوا) फा वि—दुःखित हृदय गमगीन।

रजोददिली (رَجْأَوا) फा स्त्री—हृदय का दुःखित होना गमगीनी।

रजोदगी (رَجْأَوا) फा स्त्री—मताप दुःख रज गम।

रजोदनी (رَجْأَوا) फा वि—दुःख मनाने योग्य दुःखित हान माय्य।

रजूर (رَجْأَوا) फा वि—दुःखित गमगीन रुण रोग बीमार।

रजूरी (رَجْأَوا) फा स्त्री—दुःख कष्ट गम आमय रोग बीमारी।

रजोअलम (رَجْأَوا) फा अ पु—शाक और दुःख बहुत अधिक चीज।

रजोअम (رَجْأَوا) फा अ पु—कष्ट और दुःख हर प्रकार के कष्ट।

रजोअम (رَجْأَوا) फा अ पु—कष्ट और वकन परिपम और बचावट।

रजोमिहन (رَجْأَوا) फा अ पु—कष्ट और प्रयास महनत और रज।

रद (رَدَوا) फा पु—बर्झका लकनी पर रदा करने का मत।

रदाया (رَدَا) अ स्त्री—रईयत का बहुत, प्रजा जनता पालक।

रदायापवर (رَدَا) अ फा वि—रईयत को पालन वाला प्रजापालक अर्थात् राजा नरेश।

रईयत (رَدَا) अ स्त्री—प्रजा रियाया जनता अवाम। रईयतनवाज (رَدَا) अ फा वि—प्रजा पर दया करन वाला प्रजाप्रोपक।

रईयतपवर (رَدَا) अ फा वि—प्रजा को पालन और परवरण करनेवाला, प्रजापाल।

रईस (رَدَا) अ वि—अध्यक्ष सरलार शासक पना खा, घनाढय, मालगार।

रईसबाद (رَدَا) अ फा पु—रईस का लडका।

रईसे आ'अम (رَدَا) अ पु—सबसे बड़ा रईस।

रऊऊ (رَدَا) अ वि—बहुत अधिक दया और अनुकृपा करनेवाला, (पु) ईश्वर का एक नाम।

रकब (رَدَا) अ पु—गदन प्रीवा।

रकम (رَدَا) अ स्त्री—लिखना मन्त्र अक, हफानाफ, घन माल, (प्रत्य) लिखनेवाला जैसे—'बूदरकम' अर्थात् तेज लिखनेवाला।

रकमअन (رَدَا) लेखक लिखनेवाला लिपिक। रकमतराज (رَدَا) अ फा वि—दे 'रकमअन'।

रकमपिखीर (رَدَا) अ फा वि—लिखित लिखा हुआ।

रकमसज (رَدَا) अ फा वि—दे 'रकमअन'।

रकमी (رَدَا) अ वि—लिखित लिखा हुआ, अर्थात् निशान किया हुआ।

रकाइम (رَدَا) अ पु—रकीम' का बहुत लिखित पत्र।

रकाकत (رَدَا) अ स्त्री—अभयता, तुच्छता कमानगी तिरस्कार वैदरखनी।

रकाकत (رَدَا) अ स्त्री—एक नायिका व दो प्रथिवा की परस्पर लाग-गिट एक पुरष की दा चाहनेवालीया में परस्पर डाह।

रकीक (رَدَا) अ वि—पतला सरल, कोमल मुलायम, प्रवीभूत पिपला हुआ।

रकीक (رَدَا) अ वि—अपम तुच्छ कमीना।

रकीकूलख (رَدَا) अ वि—जिसका हृदय बहुत ही कामल हा जो दूसरा के दुःख पर मुरत ही पिपल जाय।

रकीकूलख (رَدَا) अ वि—जो बहुत तुच्छ प्रहृति का हा और ओछे काम करे।

- रकीन (رکین) अ. वि.—दृढ़, मन्त्रत ।
- रकीव (رکوب) अ. स्त्री—वह स्त्री जो किसी पुरुष में प्रेम रखने के सम्बन्ध में दूगरी स्त्री में जाह रहती हो ।
- रकीब (رکيب) अ. पुं.—किसी स्त्री से प्रेम करनेवाले दो व्यक्ति परस्पर रकीव होते हैं ।
- रकीम (رکيمه) अ. वि.—ललित कागज, पत्र, पत्र ।
- रकीम (رکيم) अ. वि.—लिखित, लिखा हुआ ।
- रकीमए नियाब (رکيمه نياز) अ. फा वि.—आनेदनपत्र, विनयपत्र, आज्ञिचानापत्र ।
- रकीन (رکعت) अ. स्त्री.—नमाज में एक कयाम (नमाज होना) एक रकूज (शुक्रना) और दो सज्दो (जमीन पर माथा टेकना) का मज्मूअ ।
- रकाम (رکامه) अ. स्त्री—नर्तकी, लासिका, नाचनेवाली ।
- रकाम (رکام) अ. पु—नर्तक, नाचनेवाला, ताउवी ।
- रकामे फ़लक (رکامه فلک) अ. पु—युक्त ग्रह, जोहरा ।
- रकव (رکبه) अ. पु—जमीन की नाप, क्षेत्रफल; क्षेत्र, इलाका ।
- रकव (رکبه) अ. पु—ताउव, मर्द का नाच, लास्य, स्त्री का नाच, नृत्य, नर्तन, आम नाच ।
- रकवकुना (رکص کنا) अ. फा वि—नाचता हुआ ।
- रकवजान (رکص خانه) अ. फा. पु.—दे 'रकमगाह' ।
- रकवगाह (رکص گاه) अ. फा. स्त्री.—नाट्यशाला, नाचघर ।
- रकवपसद (رکص پساد) अ. फा. वि.—जिसे नाचना पसद हो, जिसे नाच देखना पसद हो ।
- रकसा (رکصان) अ. फा वि.—नाचता हुआ, नृत्य करता हुआ ।
- रकसंद (رکصنده) अ. फा वि—नाचनेवाला, नर्तन-कर्ता ।
- रकसीद (رکصيده) अ. फा. वि.—नाचा हुआ, जिसने नाच किया हो, जो नाचा हो ।
- रकसीदनी (رکصيدنی) अ. फा वि—नाचने के लाइक, जिसका नाचना अच्छा हो ।
- रकसे ताऊस (رکص طاروس) अ. फा पु—एक नाच, मोर-नाच ।
- रकसे पैहम (رکص بيهم) अ. फा. पु—बराबर नाच, ऐसा नाच जो खत्म न हो ।
- रकसे फानूस (رکص فانوس) अ. फा. पु—कदील के अंदर तस्वीरो का नाच ।
- रकसे विस्मल (رکص بسمل) अ. फा पु—आधा बंध किया हुआ प्राणी का जमीन पर तड़पना और लोटना ।
- रकसे मुसलसल (رکص مسلسل) अ. पु.—दे. 'रकसे पैहम' ।
- रकसोसुरोद (رکص وسورود) अ. फा. पु.—नाचगाना, नाचरग ।

- ररापत (رراوت) अ. स्त्री—जिथिलता, टीलापन; मंदता, मुस्ती ।
- ररीम (رکيم) अ. वि.—जिसका स्वर धीमा हो, नर्म आवाजवाला; संयमी, निग्रही, जाहिद ।
- ररीस (رکيب) अ. वि—मंदा, सस्ता, कम दामों का ।
- ररत (رخت) फा. पु.—अस्वात्र, उपकरण, सामान; वसन, वस्त्र, लिवास ।
- ररतकन (رخت کهن) फा. वि.—अस्वाव उठानेवाला, अस्वाव लेकर चलनेवाला, जय्यात् मुमाफिर, पथिक ।
- ररते सफर (رخت سفر) फा अ. पु—याथा के लिए आवश्यक सामान और अस्वाव ।
- ररतः (رخله) फा पु.—छिद्र, मूराज, दोष, ऐव, हस्तक्षेप, मुजाहमत, बाधा, रोक; झगडा, टंटा, कलह; उपद्रव, फनाद ।
- ररतःअंदाज (رخله انداز) फा वि.—हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा जालनेवाला ।
- ररतःअंदाजी (رخله اندازی) फा. स्त्री.—हस्तक्षेप करना, बाधा जालना, अइचन पैदा करना ।
- ररतःवंदी (رخله بندگی) फा स्त्री.—छेद बंद करना; झगड़ा खत्म करना; बाधा हटाना ।
- ररश (رخشه) फा पु—आग की लपट, अग्निवाला, अग्नि-थिरा ।
- ररश (رخشه) फा पु—घोडा, अदव; किरण, शुभाअ, प्रभा, चमक ।
- ररशा (رخشان) फा. वि.—चमकता हुआ, दीप्त, प्रकाशमान ।
- ररिशदः (رخشنده) फा. वि.—चमकनेवाला ।
- ररिशंदगी (رخشندگی) फा. स्त्री.—चमक, आभा, प्रभा, प्रकाश ।
- ररशीदः (رخشیده) फा वि.—दीप्त, प्रकाशित, प्रज्वलित, चमका हुआ ।
- रग (رگ) फा स्त्री.—स्नायु, नस, नाडी, शिरा, खन की नाली ।
- रगजन (رگزن) फा. पु—फस्द खोलनेवाला, निश्तर से खून निकालनेवाला, फस्साद, रक्तमोचक ।
- रगजनी (رگربی) फा स्त्री—फस्द खोलना, रगो से खून निकालना, रक्तमोक्षण ।
- रगबंद (رگبند) फा वि.—पट्टी, जखम पर बांधने का कपडा आदि ।
- रगीफ (رغيف) अ. स्त्री—बटी, टिकिया; रोटी, रोटीका ।
- रगीव (رغيب) अ. वि.—लोभी, लोलुप, लालची; इच्छुक, स्वाहिशमंद ।

रगे अत्र (رگ ابر) का स्त्री-वाल् की स्याह धारी ।
 रगे गवन (رگ گردن) का स्त्री-गलनवागी छून की रग,
 अहकार अभिमान घमड ।
 रगे धरत (رگ عدوب) का अ स्त्री-स्वाभिमान, खुदगरी ।
 रगे जाँ (رگ حان) का स्त्री-सबसे बड़ी छून की रग जो
 दिल में जाना ह ।
 रगे तबूर (رگ تبلور) का स्त्री-सितार का तार ।
 रगोप (رگ برک) का पु-सारा गरीर, नस और पट्टे ।
 रगोरेण (رگ برهنگ) का पु-स्वभाव, प्रकृति, भीतरी
 हालात ।
 रगबत (رگ عبت) अ स्त्री-इच्छा अभिलाषा, चाह रचि,
 अभिरुचि, दिलचस्पा ।
 राम (رعم) अ पु-विपरीत, उलटा ।
 रज (رجه) का स्त्री-अलगनी, बपट्टे आदि टागने
 की रस्सी ।
 रज () का पु-दाना अगूर (प्रत्य) रंगनेवाला जैसे-
 रगरज ।
 रजब (رجب) अ स्त्री-युद्ध-क्षेत्र में अपने कुल की गूरता
 और धेष्ठता का वणन दे बहने रजब ।
 रजब (رجم) अ पु-इस्लामा सातवाँ महीना ।
 रजा (رحا) अ स्त्री-आगा आस उम्मेद ।
 रजाअत (رحا اءت) अ स्त्री-दूध के दूध पीने की अवस्था ।
 रजाई (رحاى) अ वि-आज्ञावाणी जिनके घम में निराग
 होना पाप हो ।
 रजाल (رحا ل) अ पु-अधम नीच लपट लीकर रजाल ।
 रजालत (رحا لءت) अ स्त्री-अधमता नीचता कमीनापन ।
 रजिद (رحا د) का वि-रंगनेवाला रजक ।
 रजी (رحى) अ वि-रचिकर मनानीत मनोनाछित,
 पमदा ।
 रजीअ (رحمءه) अ स्त्री-दूध धारीक बहिन ।
 रजीअ (رحم) अ पु-दूध गरीक भाई ।
 रजीअ (رحم) अ पु-फेंकी हुई चीब हटायी हुई वस्तु
 बिष्ठा मल गू ।
 रजीद (رحا د) का वि-रंगहुआ रजित ।
 रजीदनी (رحا دنى) का वि-रंगने के लाइक रजनीय ।
 रजीम (رحم) अ वि-जिस पत्थर मारे गये ह। जो
 भगाया गया हो, जो बिनहूत हो ।
 रजीय (رحه) अ स्त्री-राजी की गयी प्रसन्न की गयी ।
 रजीय (رحه) अ स्त्री-विपत्ति आपत्ति मुसाबत ।
 रजोल (رحل) अ वि-अधम नीच कमीना ।
 रजूल (رحل) अ पु-मनुष्य मनुज, मानव आदमी ।

रजूम (رحوم) अ वि-पत्थर मारकर भगनेवाला ।
 रजअत (رحمت) अ स्त्री-वापस लौटना प्रत्यापन ।
 रजअतपरस्त (رحمت نءست) अ फा वि-रजअत
 पगद ।
 रजअतपरस्ती (رحمت نءستى) अ फा स्त्री-दे रजअत
 पसनी ।
 रजअतपसद (رحمت نءسد) अ फा वि-प्रतिक्रियावाणी
 जिस तर्ककी पसद विचार न आते ह।
 रजअतपसदी (رحمت نءسدى) अ फा स्त्री-प्रतिक्रिया
 वाणी विचारा में प्रगतिशीलता का अभाव ।
 रजअते इहकरी (رحمت نءهبرى) अ स्त्री-उलट पौर
 वापस लौटना जहा से चले थे वहा लौट आना अनन्ति ।
 रजबत (رحا ل) अ वि-जाना देनेवाला अग्रगता, फे
 भलनेवाला ।
 रजबतकी (رحا لى) अ स्त्री-खाना देना, अन्न दान करना
 भूषा का पट भरना ।
 रजबतके मूलक (رحا ل مءلءك) अ पु-वास्तविक में सबका
 पट भरनेवाला ईश्वर ।
 रजक (رحك) अ पु-भूषक, भूषाल उलजल ।
 रजक (رحك) अ पु-दे रजक ।
 रजम (رحمءه) का पु-गठरी पोटली, बुच ।
 रजम (رحم) अ पु-पत्थरारव करना पत्थर मारना
 पत्थर से भार-भारकर भार डालना ।
 रजम (رحم) का स्त्री-युद्ध समर रण जग लडाई ।
 रजमआरा (رحم آرا) का वि-युद्धकर्ता लडनेवाला ।
 रजमआराई (رحم آراى) का स्त्री-युद्धकम लडना ।
 रजमहवाह (رحم حواه) का वि-युद्ध चाहनेवाला लडाई
 का इच्छुक ।
 रजमगाह (رحم گاه) का स्त्री-लडाई का मगान मुदपन
 रजमूमि रणस्थल समरागण ।
 रजमपसद (رحم نءسد) का वि-जिते गाने अच्छी लग
 जो चाहता हो कि जग रहे ।
 रजमल लिल घब (رحمءا لىءب) अ अल्प-तीर का
 तुपका अकल के गद्दे अटकलपचू ।
 रजिमय (رحمءه) का वि-युद्ध सम्बधी ।
 रजमी (رحمى) का वि-युद्ध सम्बधी ।
 रजम श्यातीन (رحم شىاطن) अ पु-शायताना को पत्थर
 मारना हज का एक सुस्वार ।
 रतीब (رحب) अ पु-तावा सजूर ।
 रतूबत (رحوب) अ स्त्री-तरी आगता गीलापन
 धारीकी कोई धातु धारीक भीतरकी तरी, लसीका ।

रतून्ते अस्लीयः (رطونت اصلية) अ. स्त्री-शरीर के भीतर की अस्ली तरी।
 रक्त (رقت) अ. पु-र्वाधान, बंधन।
 रत्व (رطب) अ वि-ताप, तर।
 रत्बुल्लिसान (رطب اللسان) अ. वि-प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला।
 रत्वोयाविस (رطب و يادس) अ. पु-तर और सुग्ग, गीला और सूखा, अर्थात्, सब, समस्त।
 रत्त (رطل) अ पु.-एक पींड का भार, शराब पीने का प्याला।
 रत्तेगरां (رطل گران) अ. फा. पु-बड़ा प्याला जिसमें बहुत शराब आती है।
 रदः (رد) फा. पु.-दीवार पर रखा जानेवाला रद्दा।
 रद(हे) (رد) अ. पु.-फेरना, वापस करना; खारिज करना, नापसद करना।
 रदाव (رداع) अ पु.-कीचड़, कदम, जलकल्क, जवाल।
 रदावत (رداءت) अ. स्त्री.-खराबी, विकार, दोष।
 रदी (ردى) अ वि-विकृत, दूषित।
 रदीउलकैमूस (ردى الكيسوس) अ. पु.-वह अन्न जिससे आमाशय में अच्छा रस न वने।
 रदीउलहाल (ردى الحال) अ. पु-दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बड़ी रद्दी हो।
 रदीफ (ردیف) अ वि-पीछे चलनेवाली; (स्त्री) गजल में काफिए के वाद आनेवाला शब्द या शब्द-समूह।
 रदीफवार (ردیف وار) अ फा. वि-वह दीवान जो रदीफ के हिसाब से क्रमबद्ध किया गया हो।
 रदीफोकाफियः (ردیف و کافیه) अ पु-गजल का काफिय और उसके वाद की रदीफ।
 रद्दः (رد) अ पु.-दीवार का रद्दा।
 रद्दे अमल (رد عمل) अ पु-प्रतिक्रिया, किसी कार्य के फलस्वरूप दूसरी ओर से होनेवाला जवाबी कार्य।
 रद्दे कबह (رد کدح) अ पु-शराब का पियाला न लेना, लौटा देना।
 रद्दे खलक (رد خلق) अ वि-तमाम ससार का ठुकराया और रद्द किया हुआ।
 रद्दे दावत (رد دعوت) अ. स्त्री-किसी का भोज निमंत्रण स्वीकार न करना।
 रद्दे बला (رد بلا) अ. पु.-आपत्ति का निवारण, आधी हुई बला का टल जाना।
 रद्दे सलाम (رد سلام) अ पु.-सलाम का उत्तर न देना।
 रद्दे सवाल (رد سوال) अ. पु.-किसी की माँग ठुकरा देना,

भिद्दुक के सवाल पर कुछ न देना।
 रद्दोकद (رد و کد) अ. उभ.-वाद-विवाद, कहा-सुनी, वहस-मुवाहसा।
 रद्दोक्दह (رد و کدح) अ. उभ.-दे. 'रद्दोकद'।
 रद्दोक्बूल (رد و قبول) अ. उभ.-स्वीकार करना या अस्वीकार करना, लेना या लौटा देना।
 रद्दोवदल (رد و بدل) अ उभ.-परिवर्तन, तब्दीली।
 रफ (رف) अ. पु-मचान, मंच; दरवाजे का बड़ा ताक।
 रफाफत (رفافت) अ. स्त्री-मैत्री, दोस्ती; सहचरता, साथ, सगत, सीहवत; सहकारिता, एक साथ मिलकर काम करना।
 रफाफते सफर (رفافت سفر) अ. स्त्री.-यात्रा या पर्यटन में साथ रहना।
 रफाहत (رفاهت) अ. स्त्री.-सुख, चैन, आराम; कल्याण, वहवूद।
 रफाहीयत (رفاهیت) अ. स्त्री.-दे. 'रफाहत'।
 रफीअ' (رفیع) अ. वि.-उच्च, उत्तुग, बलद; श्रेष्ठ, विशिष्ट, उत्तम, शरीफ।
 रफीउद्हरजात (رفیع الدرجات) अ. वि.-दे. 'रफी-उश्शान'।
 रफीउलकद्र (رفیع القدر) अ. वि.-दे. 'रफीउश्शान'।
 रफीउलमंजलत (رفیع المنزلات) अ वि-दे. 'रफीउश्शान'।
 रफीउश्शान (رفیع الشان) अ वि-बहुत बड़ी शान, प्रतिष्ठा और इज्जत वाला।
 रफीकः (رفیق) अ स्त्री.-मित्र स्त्री, सहचरी, सखी।
 रफीक (رفیق) अ. पु-मित्र, सखा, दोस्त; सहचर, हमराही।
 रफीकए जीस्त (رفیقہ زیست) दे. 'रफीकए हयात'।
 रफीकए हयात (رفیقہ حیات) अ. स्त्री.-जीवन-सगिनी, अर्धागिनी, भार्या, पत्नी, वीवी।
 रफीके राह (رفیق راہ) अ फा पु-दे 'रफीके सफर'।
 रफीके सफर (رفیق سفر) अ. पु-यात्रा का साथी, सहयात्री, सहचर।
 रफू (رفو) फा उभ-एक प्रकार की सिलाई, जिसमें कटा हुआ कपड़ा बेजोड़ हो जाता है; सिलाई।
 रफूगर (رفوگر) फा पु-रफू का काम करनेवाला।
 रफूअः (رفعه) अ पु-'उ' की मात्रा, 'पेश' की हरकत।
 रफूअ (رفع) अ पु.-उठाना, ऊँचा करना; 'उ' की मात्रा, पेश।
 रफू कलम (رفع قلم) अ पु.-किसी पर से कलम उठा लेना, अर्थात् उसके सम्बन्ध में कुछ न लिखना, उसका इस

कावित्र न रहना जिसके विषय म कुछ लिखा जाय, ऐसा व्यक्ति मफूउल कलम कहलाता है।
 रफए निब्राय (رفع نبراع) अ पु -नगडा त हो जाना परस्पर विरोध मिट जाना।
 रफए फमाद (رفع فساد) अ पु -लडाई खत्म हो जाना, नगडा तय हो जाना।
 रफए यदन (رفع يدن) अ पु -दोना हाथ उठाना, इमाम नाकिई के अनुयायियों का नमाज पढते समय हर तकबीर परदाना हाथ बाना तन उठाना जिसे अय मुसलमान जाइज नहीं समझन।
 रफए गक (رفع شك) अ पु -गका समाधान शक दूर होना।
 रफए शर (رفع شر) अ पु -लडाई-खगडा खत्म होना विरोध का दूर होना।
 रफओजर (رفع وجر) अ पु -नेग और खेर उ और ई की मानाए।
 रफज (رفع) अ पु -अपने स्वामी का परित्याग जान जाहिम के समय स्वामी को छात्र कर भाग जाना।
 रफत (رفع) अ वि -गया हुआ गत, विगत, मरा हुआ मत।
 रफत रफत (رفع رفع) अ वि -शन-शन धीरे धीरे ब्याहिस्त-ब्याहिस्त।
 रफत होग (رفع هوش) अ वि -जिसके हाग जाते रहे हो हतमन बेहोग निश्चेष्ट सनाहीन।
 रफतगा (رفع گان) अ पु -रफन का बहु गये हुए जोग अर्थात् मरे हुए व्यक्ति।
 रफतगाने छाक (رفع گان حاک) अ पु -जमीन के अंदर गये हुए लोग अर्थात् मुर्दे।
 रफतनी (رفع نئی) अ वि -जाने के योग्य जिसका जाना उचित हा नो जानेवाला हो।
 रफतार (رفع تار) अ पु -चाल गति ढग तरीका आचरण अमर आचार व्यवहार तर्ज अमल प्रगति (तरक्की) या जवननि (तनज्जुल) की ओर गमन दगा हलन।
 रफतारे कदीम (رفع تار قدیم) अ अ स्त्री -पुरानी चाल पुरानी रविग पुराना तरीका।
 रफतारे खमान (رفع تار خمان) अ अ स्त्री -सासारिक दगा दुनिया की हालत।
 रफतारे यकत (رفع تار وقت) अ अ स्त्री -समय की गति समय की दगा वनमान समय की मौग।
 रफतारे हालात (رفع تار حالات) अ अ स्त्री -अपने हालात का रुब अथवा सासारिक दगाओं की परिस्थिति।

रफतारो करदार (رفع تار کردار) अ पु -आचार और व्यंहार चाल-बाल।
 रफतारो गुफतार (رفع تار گفتار) अ स्त्री -चाल-गाल और वातचीत।
 रफतो गुयुस्त (رفع وقت گشت) अ वि -गया बीता हुआ गया-गुजरा समाप्त खत्म।
 रफफ (رفع) अ पु -एक बहुत तेज चाल का घोडा बुराक।
 रफफ (رفع) अ पु -गुरुरमुग उष्ट पनी।
 रफह (رفع) अ पु -हित मलाई, सुख, आराम, द रिफह दाना गुड ह।
 रब [ب] (رب) अ पु -स्वामी पति मालिक बडा भाई अभिभावक सरपरस्त, ईश्वर, परमात्मा, सग।
 रबात (رباط) अ स्त्री -मुनाफिरखान सराय पथिकाग्रय।
 रबाब (رباب) अ पु -मितार के प्रकार का एक वाजा।
 रबाबी (ربابی) अ वि -रबाब बजानवाला।
 रबीअ (ربیع) अ स्त्री -वसत ऋतु बहार का मौसिम।
 रबीई (ربعی) अ वि -वसत ऋतु सम्बधी बहार का।
 रबीउल अ बल (ربیع الزل) अ पु -इस्लामी तीसरा महीना।
 रबीउल आखिर (ربیع الآخر) अ पु -इस्लामी चौथा महीना।
 रबीउत्सानी (ربیع الدانی) अ पु -रबीउल आखिर।
 रबीव (ربیع) अ स्त्री -नीतली लडकी वह लडकी जो दूसरे वाप से हा पहले याह की लडकी।
 रबीव (ربیب) अ पु -सौनेला लडका वह लडका जो दूसरे वाप से हो पहले ब्याह का लडका।
 रबून (ربون) अ पु -वजाना अग्रिम धन, वियाना।
 रबूबीयत (ربوبیة) अ स्त्री -स्वामित्व मालिकीयत ईश्वरत्व खुदावनी।
 रत (رط) अ पु -लगाव सम्बध तअत्क, मेल-जोल मनी दोस्ती।
 रत्ते बाहम (رط باهم) अ पु -परस्पर मेल-जोल और दाम्ती।
 रत्तो खत (رط وسط) अ पु -आपस का मेल मिलाव बठना-उठना, मित्रता दोस्ती।
 रब्बानियत (ربوبیة) अ स्त्री -ईश्वरत्व, खुदाई।
 रब्बानी (ربانی) अ वि -ईश्वरीय दबी, खुदा की तरफ से। गबी आस्मानी आरस्मिक।
 रब्बी (ربی) अ वि -ईश्वरीय ईश्वर का खुदा की तरफ से।
 रब्बुसौअ (رب السوع) अ पु -देवता फिरखत।
 रब्बूलअबाद (رب الارباب) अ पु -मारे स्वामिया का स्वामी अर्थात् ईश्वर।

रब्बुलआलमीन (رب العالمين) अ पु.—सारे ब्रह्मांड का (जिसमे बहुत-से जगत् हैं) स्वामी, ईश्वर।
 रब्बुलमलाइकः (رب الملائكة) अ पु.—सारे फिरिस्तो का स्वामी, ईश्वर।
 रब्बुस्समावात (رب السماوات) अ पु.—सारे आकाशो का स्वामी, ईश्वर।
 रब्ब (رب) अ. पु.—वामन, ठिगना, छोटे डील-डील का आदमी।
 रमः (رم) फा पु.—भेड-वकरी का गल्ल, रेवड।
 रम (رم) फा पु.—भगदड, भागना।
 रमक (رمق) अ स्त्री—अत्यल्प, बहुत थोडा, अंतिम प्राण, थोड़ी-सी जान।
 रमकदः (رمكود) फा वि.—भागा हुआ, पलायित।
 रमके (رمق) अ फा वि.—बहुत थोड़ी मात्रा मे, जरा-सा।
 रमखुदः (رمخود) फा वि.—भागा हुआ, पलायित।
 रमशान (رمضان) अ. पु.—इस्लामी नवाँ महीना जिसमे मुसलमान दिन भर रोजा रखते और रात मे तरावीह पढते हैं, जिसमे महीने भर मे पूरा कुरान सुनते हैं।
 रमद (رم) अ पु.—आँख आना, आयी हुई आँख, आशोवे चश्म, नेत्राभिष्यद।
 रमदीदः (رمديد) फा वि.—भागा हुआ, पलायित, रम-खुद।
 रमदे चश्म (رمد چشم) अ फा पु.—आशोवे चश्म, नेत्राभिष्यद, आयी हुई आँख।
 रमल (رمل) अ स्त्री—एक विद्या जिससे भविष्य मे होने-वाली घटनाएँ बता दी जाती हैं, इस विद्या का मूलाधार नुक्ते (नून्य) या विदियाँ हैं।
 रमाद (رماد) अ स्त्री—राख, चूल्हे की राख, जले हुए ईंधन की राख, भस्म।
 रमानोदः (رمانيده) फा वि.—भगाया हुआ।
 रामदः (رمدة) फा वि.—भागनेवाला, पलायक।
 रामिश (رمش) फा स्त्री—भागने का अमल, भगदड।
 रमोदः (رميد) फा वि.—भागा हुआ, पलायित।
 रमोदगी (رميدگی) फा स्त्री—भगदड, पलायन।
 रमोम (رميم) अ. वि.—पुराना, पुरातन, जीर्ण, शीर्ण, कोहन।
 रम्क. (رمك) अ. स्त्री—बोडी, अश्विनी।
 रम्ब (رم) अ. पु.—सकेत, इशारा; रहस्य, भेद, राज।
 रम्बआगाह (رمزآگاه) अ फा. वि.—दे. 'रम्जआशना'।
 रम्बआशना (رمزآشنا) अ. फा. वि.—भेद जाननेवाला, भेद से वाकिफ, मर्मज्ञ, रहस्यवेत्ता।

रम्जआशना (رمزآشنا) अ. फा वि.—दे 'रम्जआशना'।
 रम्नः (رمن) फा पु.—गल्ल चराने का मैदान, चरागाह, गोचर।
 रम्माज (رمار) अ वि.—गुप्तचर, भेदिया, भेद जाननेवाला, भेद वतानेवाला।
 रम्माल (رمال) अ वि.—'रमल' का इल्म जाननेवाला, रमलवेत्ता।
 रम्माह (رماح) अ वि.—वरछा चलानेवाला, वरछेवाज।
 रम्म (رمل) अ पु.—रेत, बालुका, बालू, रेग।
 रवाँ (روان) फा वि.—प्रवाहित, बहता हुआ, तीक्ष्ण, धारदार, (स्त्री.) प्राण, प्राण वायु, जान, रूह।
 रवाँ दवाँ (روان دوان) फा वि.—जोर से बहता हुआ, तेजी से जाता हुआ।
 रवा (روا) फा वि.—उचित, वाजिब, विहित, हलाल, (प्रत्य) पूरा करनेवाला, जैसे—'हाजतरवा' इच्छा पूरी करनेवाला।
 रवाई (روائی) फा स्त्री—पूरी होना (आशा), रौनक, शोभा, चलन, रवाज, प्रथा, परपरा।
 रवाएह (روائح) अ पु.—'राइह' का बहु, सुगंधियाँ, खुशबूएँ।
 रवाक (رواق) अ पु.—मकान के ऊपर बना हुआ मकान, अट्टालिका, दे 'रवाक', और 'रिवाक'।
 रवाज (رواج) अ. पु.—प्रथा, रुढि, परपरा, परिपाटी, तरीका, दस्तूर, दे 'रिवाज', दोनो शुद्ध हैं।
 रवाजिन (رواين) अ. पु.—'रौजन' का बहु, सूराख, छेद।
 रवाजे खानदानी (رواج خاندانی) अ फा पु.—वश-परपरा से चला आनेवाला दस्तूर, वश-परम्परा, पुरुषानुक्रम, रुढि।
 रवादार (روادار) फा वि.—जो इस बात का बहुत खयाल रखता हो कि इसकी बात से किसी का दिल न दुखे, उदार-चेता, सहन करनेवाला, बरदाश्त करनेवाला।
 रवादारी (رواداری) फा. स्त्री.—किसी का दिल न दुखे यह भावना, सहृदयता, उदारता।
 रवादारानः (روادارانه) फा. वि.—रवादारो-जैसा, रवा-दारी का।
 रवानः (روان) फा. वि.—जो कहीं से चल पडा हो, प्रस्थित, प्रयात, भेजा हुआ, प्रेषित।
 रवानःकुनिदः (روان کوند) फा वि.—भेजनेवाला, प्रेषक।
 रवानगी (روانگی) फा. स्त्री.—प्रस्थान, प्रयाण, कूच, प्रेषण, भेजना।
 रवानी (روانی) फा स्त्री.—प्रवाह, बहाव; तीव्रता, धार, तेजी, किताव आदि के पढ़ने मे कही न अटकना; भाषण

दने या बात करने में बहाना न रखना और गुद्द और ठीक बोलना ।

रवाफिज (روافض) अ पृ - 'राफिजी' का बहु, समय पढ़ने पर अपने स्वामी को छोड़ भागनेवाले ।

रवावित (روايط) अ पृ - रावित का बहु, मेल-जोल मेल मिलाप ।

रवारवी (رواری) फा स्त्री - गरसरी, जल्दी शीघ्रता, चलाव कूच की जग्री ।

रवारी (رواری) फा स्त्री - यातायात, जाना-जाना, चला फिरी ।

रवाहिल (رواحل) अ पृ - 'राहिल का बहु, सवारी के जानवर ऊट घोड़े आदि ।

रवाहाल (رواحال) अ पृ - नेज चलनेवाली सवारी, तज ऊँट या भाजा ।

रविद (روید) फा वि - जानेवाला प्रस्थान करनेवाला ।

रविग (روغ) फा स्त्री - आचार-व्यवहार तर्जोतरीफा, पद्धति गली तज आचरण चाल-चलन वाग के अदर के पाले रास्ते ।

रविगेआम (روشعام) फा अ स्त्री - आम लोग का तरीफा ।

रविगेआस (روشخاص) फा अ स्त्री - खास लोगो का तरीफा ।

रवी (روی) अ स्त्री - नाफिए का अस्त्री हफ, जिसमे पट्ट हफ का माथा का एक हीना आवश्यक है । अस - नबर और कबर म र हर्ष रवी है और म और ज दानी अफार ह ।

रवीम (رویم) अ पृ - आचार व्यवहार तज अमल आचरण रविग मुक्त व्यवहार निधम क्रादता दस्तूर ।

रवाद (رواد) अ वि - दीक्षा पीर की हिदायत समाग सीधा और अच्छा रास्ता दे 'रसद', दाना गुद्द ह ।

रवाकत (روادک) अ स्त्री - शरीर का मुडील और मुदर पन खणकामनी ।

रवाद (روادک) अ पृ - एक दवा तरानेजक हालीन समाग सदाचार नेकदिली ।

रवादत (روادت) अ स्त्री - धर्मदीक्षा मुदिद की तल्लीन समाग राहे रास्त सदाचार नेक कदरी ।

रवास (رواسه) अ पृ - फुहार छीट साव बहाव ।

रवास (رواس) अ पृ - दे रावास ।

रवाद (رواد) अ वि - समाग प्रदाक सीधा रास्ता निवानेवाला समागप्राप्त सीधा रास्ता पानेवाला जिसने गुद की सेवा और उसने प्रसाद से किसी बिद्या या

कला विरोप में पूरी कुशलता प्राप्त कर ली हो ।

रस (رسق) अ पृ - तीर चलाना, बाण चलाना, धन बिद्या ।

रसक (رشک) फा पृ - किसी का हानि पहुँचाव बिना उस जसा बनने की भावना यह जब्ब वि अयुक्त व्यक्ति एसा है हम क्या नहा ह, हमें भी क्या हाना चाहिए 'रस' और 'हमद' में यही फरक है, 'हसद' में केवल व्यक्ति अपन लिए चाहता है दूसरे को नहीं देख सकता ।

रसआमेज (رسکآمرد) फा वि - रसक से भर हुआ, जिसमें रसक ह ।

रसकी (رسکون) फा वि - रसक करनेवाला ।

रसकेपरी (رسکپری) फा वि - परी के सौंदर्य को लज्जित करनेवाली नायिका ।

रसकेसाह (رسکساده) फा स्त्री - चाँद की प्रभा को मन्द कर देनेवाले मुखवाली नायिका ।

रसकेसेह (رسکسده) फा स्त्री - मूय की चमक-रमक को पीका कर देनेवाले मुखवाली प्रियमा ।

रसकेसुसुक (رسکسوسف) फा अ स्त्री - सुसुक की सुन्दरता का लज्जानेवाली मुदरी ।

रसकेरिखवाँ (رسکرضوان) अ पृ - स्वर्ग के अद्यम को लज्जित करनेवाला मकान अर्थात् बहुत ही सुसज्जित और शृंगारित भवन ।

रसकेहूर (رسکحور) अ फा स्त्री - स्वर्गायिनाजा के सौंदर्य का लज्जित करनेवाली प्रेमिका ।

रसफ (رسف) अ पृ - बूसना चूपण ।

रसमौड (رسکسودر) फा स्त्री - दीमक बग्गी बल्मी, उत्पादिका रसह (رسکسده) अ पृ - विदु बूद कत्र, साव टपकना, टपकन रिसाव ।

रसह (رسکسده) अ पृ - प्रतिशयाय, शीत शुकाम, रिसाव रेखिण ।

रसहएकलम (رسکسکلم) अ पृ - शयना की टपकन अथात् लेख निबध अथवा कविता ।

रसहएफिक (رسکسکفر) अ पृ - विचार का साव अर्थात् लेख आदि विनोपत कविता ।

रसहात (رسکسحاب) अ पृ - रसह का बहु टपकन रेखिण ।

रस (رس) फा प्रत्य - पहुँचनेवाला जैसे - 'फलक रस' आकाश तक पहुँचनेवाला ।

रसद (رسد) अ स्त्री - अज हिस्सा खाव सामग्री खाव पाने का सामान ।

रसद (رسد) अ स्त्री - दख माल का स्थान, जहाँ किसी चीज को ठाका जाय ।

रसदगाह (رصدگاه) अ. फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ से ग्रहों और तारों की गति आदि का निरीक्षण किया जाता है, वेधशाला, मानशाला, यत्रशाला।

रसदी (رصدی) अ. वि.—भाग के अनुसार, हिस्से के मुताबिक।

रसन (رسن) फा स्त्री—रज्जू, पाश, रस्सी।

रसनवाज (رسنواز) फा. वि.—रस्सी पर कलावाजियाँ बानेवाला, नट, वक्ता, छली, मक्कार।

रसनवाजी (رسنوازی) फा. स्त्री.—नट का काम, छल, फिरेव, धूर्तता।

रसनवाफ़ (رسنواف) फा. वि.—रस्सी बटनेवाला, रज्जुकार।

रसनवाफी (رسنوافی) फा. स्त्री.—रस्सी बटने का काम, या पेक्षा।

रसाँ (رسان) फा. प्रत्य.—पहुँचानेवाला, जैसे—‘नाम रसाँ खत पहुँचानेवाला।

रसा (رسا) फा. वि.—पहुँचनेवाला, जिसकी किसी जगह पहुँच हो, जो हर जगह पहुँच जाता हो या पहुँचने की राह निकाल लेता हो।

रसाइल (رسانل) अ पु.—‘रिसाल’ का बहु, पत्रिकाएँ, रिसाले।

रसाई (رسانی) फा स्त्री—पहुँच, प्रवेश।

रसानत (رسانت) अ स्त्री—दृढ़ता, मजबूती।

रसानन्द (رساننده) फा वि—पहुँचानेवाला, भेजनेवाला।

रसास (رصاص) अ पु—सीसा, सीसक, एक प्रतिद्ध धातु जिसके बूक की गोलियाँ बनती हैं, राँग, राँगा।

रसाद (رسانده) फा वि.—पहुँचनेवाला।

रसाद (رسانده) फा वि—पहुँचा हुआ।

रसाद (رساند) फा स्त्री—रूपये आदि की वसूली का कागज, प्राप्तिपत्र, पहुँच, प्राप्ति, वसूली।

रसादगी (رساندی) फा. स्त्री.—पहुँच।

रसादगी (رساندی) फा. वि.—पहुँचने योग्य।

रसूम (رسموم) अ पु—कर, शुल्क, फीस।

रसूल (رسول) अ. पु.—ईशदूत, ईश्वरावतार, नबी।

रसूलुल्लाह (رسول اللہ) अ पु—ईशदूत, ईश्वर की ओर से सर्वसाधारण के सुधार के लिए भेजा हुआ व्यक्ति।

रस्ता (رسته) फा. वि.—व्रधनमुक्त, छूटा हुआ, पक्ति, कतार; हुकानों की कतार; पथ, राह।

रस्तागार (رستگار) फा वि—व्रधनमुक्त, छूटा हुआ, आजाद।

रस्तागारी (رستگاری) फा स्त्री—मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।

रस्ताखेज (رستاخیز) फा. स्त्री—महाप्रलय, कियामत।

रस्ताखेज (رستاخیز) फा स्त्री.—दे ‘रस्ताखेज’।

रस्ताखेज (رستاخیز) फा. स्त्री—दे. ‘रस्ताखेज’।

रस्तागार (رستگار) फा वि.—व्रधनमुक्त, आजाद, छुटकारा पाया हुआ।

रस्तागारी (رستگاری) फा स्त्री.—व्रधन-मुक्ति, रिहाई, छुटकारा।

रस्तम (رستم) अ स्त्री.—परम्परा, रूढ़ि, रवाज; नियम, दस्तूर, कर, महसूल, वेतन, तनख्वाह; कोई काइदा जो बहुत दिनों से किसी खानदान, वस्ती या देश में चला आता हो, सस्कार, तकीव।

रस्तम (رستم) अ. वि.—परपरानुसार, रिवाज की मुताबिक, रस्मी तौर पर, छुछा उतारने को, यूँ ही।

रस्मी (رسمی) अ वि—परपरा सम्बन्धी, जो वाकाइदा न हो, प्राईवेट, मामूली, साधारण।

रस्मुलखत (رسم الخط) अ पु—लिपि, अक्षर लिखने की प्रणाली, जैसे—‘उर्दू रस्मुलखत’ या ‘हिंदी रस्मुलखत’।

रस्मे निकाह (رسم نکاح) अ स्त्री—विवाह-सस्कार, व्याह की तरकीब।

रस्मे बद (رسم بد) अ स्त्री—बुरी परपरा, बुरा दस्तूर।

रस्मे मुल्क (رسم ملک) अ स्त्री—किसी देश की परपरा, किसी मुल्क का रिवाज।

रस्मोराह (رسم و راه) अ. फा स्त्री—मेल-जोल, मेल-मिलाप।

रस्मोरिवाज (رسم و رواج) अ स्त्री.—रूढ़ि और परपरा, दस्तूर और काइदे।

रस्ल (رسل) अ पु—खबर भेजना, सूचना पहुँचाना; धीमी चाल।

रस्ताम (رستم) अ. वि—चित्रकार, चितेरा, नक्काश, मुसव्विर।

रह (ره) फा. स्त्री—‘राह’ का लघु, रस्ता, रास्ता, मार्ग, पथ।

रहभावई (ره آورد) फा पु—दे ‘रहावई’।

रहगौर (ره گیز) फा वि—दे ‘रहरौ’।

रहगुजर (ره گزر) फा स्त्री—‘राहगुजर’ का लघु, आम रास्ता, राजमार्ग, सडक।

रहजन (ره جن) फा पु—‘राहजन’ का लघु, वाटमार, लुटेरा।

रहजनी (ره زنی) फा. स्त्री—‘राहजनी’ का लघु, लुटेरा-पन, रास्ते में पथिकों को लूटने का काम।

रहनशी (ره نشین) फा वि—‘राहनशी’ का लघु. पथस्थ, मार्गस्थ, रास्ते में बैठा हुआ।

रहनुमा (ره نما) फा वि—‘राहनुमा’ का लघु, पथ-प्रदर्शक, रस्ता बतानेवाला, आगे-आगे चलनेवाला।

रहनुमाई (رهنامای) का स्त्री - 'रहनुमाई' का लघु, पय प्रथमन रास्ता बताना आगे आगे चलना।

रहनुमू (رهمنو) का वि - रहनुमा।

रहबर (رهبر) का वि - 'राहबर' का लघु, दे रहनुमा'।

रहबरी (رهبری) का स्त्री - 'रहनुमाई'।

रहखी (رهخی) का स्त्री - 'राहखी' का लघु, रास्ता चलना, यात्रा करना मुमाफिरत।

रहखी (رهخی) का वि - 'राहखी' का लघु, रास्ता चलने वाला पथिक, बंदोही मुमाफिर।

रहवार (رهوار) का पु - अश्व, हय घागा।

रहा (رهی) अ पु - चक्की का एक पाट।

रहा (رهی) का वि - मुक्त बंधन मुक्त छूटा हुआ खलास।

रहाई (رهایی) का स्त्री - बंधन मुक्ति छूटकारा खलासी।

रहाबद (رهارد) का पु - वह उपहार जो यात्रा में जाने वाला यन्त्रि बाहर से लाकर दे।

रहिम (رحم) अ पु - गमागय जरामु, बच्चादानी।

रही (رهی) का पु - गमन सबक गुलाम, दे रहीं, रोना गुद ह।

रहीक (رحمن) अ स्त्री - मदिरा सुरा गरव।

रहीजाद (رهیژاد) का पु - दानी-गुत्र गुताम-बच्चा।

रहीन (رهین) अ वि - गिरती रखी हुई वस्तु बचक।

रहीने घम (رحمن عم) अ वि - 'गोकप्रस्त दुखप्रस्त पाडा अस्त रज या मुनीवत में पँसा हुआ।

रहीने मिन्नत (رحمن ملت) अ वि - इतन जाभारी मन्मून।

रहीने सितम (رحمن ستم) अ वि - अत्याचारपीडित जो किसी के अत्याचार स दुवित हो।

रहीब (رحیب) अ वि - बहुत खानेवाजा पेदू बहुभक्षी अमितागी घस्मर।

रहीम (رحیم) अ वि - दयालु कृपालु महत्यालु ईश्वर का एक नाम।

रहील (رحیل) अ वि - प्रस्थान प्रमाण कूच चलाव।

रहत (رهط) अ पु - जनसमूह भीड समुदाय यूथ गिरोह।

रहन (رهن) अ पु - बचक गिरवी।

रहन दर रहन (رهن در رهن) अ का पु - ऐसी जायदाद जो वा जगह रेहन है जिसे मुतहिन ने किसी जीर के पास रेहन रख दिया है।

रहननाम (رهن نامه) अ का पु - बचकपत्र रेहन की नहरी।

रहनबिलकब (رهن بالکعب) अ पु - ऐसा रेहन जिसमें मुतहिन का बचक पर कब्जा दिला दिया गया हो और वह

उसमे लाम उदाता हो, भाग-बचक।

रहनबिलकब (رهن بالکعب) अ पु - वह रेहन जिसमें नियत समय पर रूपया न अना हाने पर वह बचक मुतहिन का हो जाय।

रहनबिलकब (رهن بالکعب) अ पु - वह रेहन जिस पर मुतहिन का कब्जा न है, दृष्टबचक।

रहने दरनी (رهن درنی) अ पु - ऐसा रेहन जिस पर मुतहिन का कब्जा हो और वह जमीन या जायदाद का नफा अपने मूद में बसूल करता हो।

रहने बिलादकल (رهن بلاکحل) अ पु - ऐसा रेहन जिसमें मुतहिन का जमीन या जायदाद पर कब्जा न हासिल है केवल उमके पास रेहन हो।

रहयानियत (رهانیه) अ स्त्री - सारी उन्न ब्रह्मचारी रहना जीर अच्छे खाने छोड देना, कामवासना से बचन व लिए लिए कर्ना देना और सबसे अलग-अलग रहना।

रहम (رحم) अ पु - कृपा तरम दया महमत कृपा मेहबानी।

रहमआगी (رحم آگهی) अ का वि - कृपा और दया से भरा हुआ, कर्पापूण।

रहमत (رحمت) अ स्त्री - दया कृपा रहम कृपा तरम।

रहमते आलम (رحمت عالم) अ स्त्री - ससार के लिए सापाण कृपा और दया, हज्जत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

रहमदिल (رحمدیل) अ का वि - जिमका हृदय बहुत ही दयामय और कृपापूण हो सत्य।

रहमदिली (رحمدیلی) अ का स्त्री - हृत्प म दया और कृपा का भाव होना।

रहमान (رحمان) अ वि - दयालु कृपालु मह वान ईश्वर का एक नाम।

रहमानो (رحمانی) अ वि - ईश्वरीय, ईश्वर ना, ईश्वर सम्बन्धी।

रा

रा (را) का प्रत्ये - चलानेवाला जसे - हुक्मरी साहन चलानेवाला।

राद (راد) का वि - हाका हुआ भगाया हुआ निकाला हुआ बहिष्कृत।

रादए दरगाह (رادۀ درگاہ) का वि - किसी बडी जगह सरकार या दरबार न बहिष्कृत।

रा (را) का अर्थ - लिए बास्ते को।

राइक (رای) अ वि - अनाहार अनशन महार मुँह साक और स्वच्छ वस्तु।

राइज (رائج) अ वि—प्रचलित, चालू, जिसका चलन हो।
 राइज (رائص) अ. वि—चावुक सवार, घोडा फेरनेवाला।
 राइजुलवक्त (رائج الوقت) अ वि—समय के चलन के अनुसार, जो किसी समय विशेष में प्रचलित हो।
 राइद (رايد) अ वि—जिसके जिम्मे मकानों का प्रबंध हो, मीरमंजिल।
 राइलइवाद (راعى العداك) अ. पु—प्रजापाल, जनता की देखरेख करनेवाला।
 राई (راى) अ वि—चरवाहा, गड़रिया, शामक, नरेश, वादशाह।
 राए (راى) अ स्त्री—विचार, खयाल; मत, वोट, परामर्श, मग्वर।
 राएआम्म: (راى عامه) अ स्त्री—सारी जनता की राय।
 राएगां (راىگان) फा वि—नष्ट, वरवाद; निष्फल, बेनतीजा; बेकार, व्यर्थ।
 राएजन: (راى زن) अ. फा वि—विचार प्रकट करनेवाला; परामर्शदाता।
 राएजनी (راى زنى) अ फा. स्त्री—अपने विचार प्रकट करना, परामर्श देना।
 राएतलबी (راى طلبى) अ. स्त्री—राय लेना, सलाह चाहना, वोट माँगना।
 राएदिहिंद: (راى دهنده) अ फा. वि—राए देनेवाला, वोट देनेवाला, मतदाता।
 राएदिहिंदगी (راى دهنده گى) अ फा स्त्री—राय देना, वोट देना, मतदान।
 राएदिही (راى دهنى) अ फा स्त्री—दे 'राएदिहिंदगी'।
 राएशुमारो (راى شمارى) अ फा. स्त्री—वोटों की गिनती, मत-गणना।
 राएह. (راىحه) अ. पु—बू, वास, गंध।
 राएह (رائح) अ वि—बूदार, वासवाली वस्तु।
 राफिद (رايد) अ वि—सोनेवाला, स्वापक।
 राफिद (رايد) अ वि—बद पानी, वह पानी जो ठहरा हुआ हो, प्रवाहित न हो।
 राफिब (رايب) अ. वि—प्रतीक्षक, मुतजिर, आशान्वित, पुरउम्मीद।
 राफिब (رايب) अ वि—सवार होनेवाला, सवार, घुड़-सवार, अस्वारोही।
 राफिम: (راقمه) अ स्त्री—लिखनेवाली, चिट्ठी लिखनेवाली।
 राफिम (راقم) अ. पु—लेखक, लिखनेवाला, पत्र लिखनेवाला।

राकिमुलहुरूफ (راقم السدروف) अ वि.—पत्र-लेखक, चिट्ठी लिखनेवाला।
 राकी (راكى) अ पु—अभिचारक, जत्र-मत्र करनेवाला।
 राकै' (راكع) अ वि—नमाज में झुकनेवाला, नमाज पढ़नेवाला।
 राकै' (راقع) अ वि—कपड़ों में थिगली सीनेवाला, पैवद सीनेवाला, चकती लगानेवाला।
 राग (راغ) फा. पु—वन, जगल, सब्ज जार, हरा-भरा मैदान; पहाड़ की तराई।
 रागिब (راغب) अ वि—आकर्षित, मुतवज्जेह, दिलचस्पी रखने या लेनेवाला।
 राज (راز) फा. पु.—रहस्य, भेद, मर्म, मूल, तत्त्व, सार।
 राजभागाह (راز آده) फा वि—दे 'राजआश्ना'।
 राजआश्ना (راز آشنا) फा वि—जो किसी भेद से वाकिफ हो, रहस्यवेत्ता।
 राजदा' (راز داں) फा वि—भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ, रहस्यज्ञ।
 राजदार (راز دار) फा वि—दे. 'राजदा'।
 राजयान: (راز يانه) फा स्त्री—सीफ, शतपुष्पा, वादियान।
 राजिअ: (راضعه) अ स्त्री—दूध पीनेवाली बच्ची, स्तन-पायिनी।
 राजिक: (رازقه) अ पु.—अन्नदात्री, अन्नपूर्णा, जीविका, वृत्ति, रोजी।
 राजिक: (رازق) अ वि—अन्नदाता, खाना देनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।
 राजी (راحى) अ वि—आशान्वित, पुरउम्मीद।
 राजी (راصى) अ वि—प्रसन्न, हर्षित, खुश, सतुष्ट, मुत्मइन; अगीकृत, रिजामद।
 राजी (راى) फा वि—'रै' नगर का निवासी, 'रै' ईरान में खुरासान प्रान्त का एक प्राचीन नगर है।
 राजीनाम: (راصى نامه) अ फा पु—सधिपत्र, सुलहनामा, मुकदमे के दोनों पक्षों में सधि का लिखित पत्र।
 राजीबरजा (راصى برضا) अ फा वि—किसी की मरजी पर राजी, अमुक व्यक्ति जो कर दे उसी पर संतुष्ट।
 राजे' (راجع) अ वि—आकर्षित, मुत्तफित, प्रत्यागामी, वापस लौटनेवाला।
 राजे' (راضع) अ वि—दूध पीनेवाला बालक, स्तनपायी।
 राजे सरवस्त: (راز سر و سسته) फा पु—ऐसा भेद जो किसी को तनिक भी मालूम न हो।
 राजेह (راحم) अ वि.—आकर्षित, रागिब, उत्तम, बेहतर; प्रधान, तर्जोहवाला।

राखे हयात (دار حیات) का अ. पु. -त्रिग्या का भेद जीवन मम।

राखोनिघाब (زار و سار) का पु. -ग्रेम की गुप्त बातें।

राखिर (رايب) अ. पु. -रोज की खुराक तनम्बाह कुत्ते या घोड़े की खुराक।

राखिबखोर (رايبخور) अ. फा. वि. -राखिब खानेवाला रोज की खुराक पानेवाला।

रा'द (رعد) अ. पु. -विजली का कब्क।

राद [इ] (راد) अ. वि. -रद करनेवाला लौटानेवाला।

रा'दआसा (رعداسا) अ. फा. वि. -विजली की कडक जसा।

रादिआत (راذعات) अ. स्त्री - राद' का बहु, वे दवाएँ जो खराब माँदे का हटा दें।

रादे' (راذع) अ. वि. -हटानेवाला रोमनेवाला वह दवा जो विकृत माँदे को अंग विरोध से हटा दे।

रा'न (ران) का स्त्रा -त्रया जाघ।

रा'ना (رنا) का वि. -सुन्दर रूपवान हसान डीठ डोल का बहुत सुदर।

रा'नाइए खयाल (رناي خيال) का अ. स्त्री -विचार का सौंदर्य खयाल की विचित्रता।

रा'नाई (رناي) का स्त्रा -सुन्दरता छटा हुस।

रा'पत (راپت) अ. स्त्री -कृपा दया अनुकपा महबानी।

राफि'द (رافد) अ. पु. -वे त्रोग जा अपने स्वामी को विपत्ति पडने पर छा' भागें।

राफि'द (رافد) अ. वि. -वह व्यक्ति जो अपने स्वामी का कष्ट पीडित दखकर भाग जाय।

राफि'दी (رافدي) अ. वि. -राफि'द से सम्बन्धित व्यक्ति।

राफि'द (رافد) अ. वि. -दाता प्रजाता देनेवाला सहायक मदद करनेवाला।

राफे' (رافع) अ. वि. -ऊपर उठानेवाला उनायक ऊँचा करनेवाला उकी मात्रा (पेग) धरनेवाला।

राफे' (رافع) अ. वि. -सुख का जीवन व्यतीत करनेवाला।

राबि'त्र (رابع) अ. स्त्री -चौथी एक बहुत हा तपस्विनी और साध्वी स्त्री।

राबित (رابط) अ. पु. -सम्बन्ध लगाव सपक वासिता मल-जोल प्रेम-व्यवहार।

राबित (رابط) अ. वि. -मिलानेवाला सयोजक।

राबिय (رابي) अ. स्त्री -ऊँची भूमि।

राब (راع) अ. वि. -चौथा चतुथ।

राबे' (رابع) अ. वि. -व्याज खानेवाला कुसी-जीवी व्याजखोर।

राम (رام) का वि. -वर्गीभूत अधीन, तावे।

रामिक (رامك) अ. वि. -जाल में बधा हुआ।

रामि'ग (رامش) का स्त्री -गान गाना नग्ना।

रामि'गार (رامشگر) का वि. -गायक, गवया, गानवाला।

रामि'गाह (رامشگاه) का स्त्री -गाने का स्थान, गायक गाला।

रामि'गी (رامشي) का वि. -दे रामि'गार'।

रामी' (رامين) का वि. -एक आगिक का नाम एक चा बजानेवाले का नाम।

रामी' (رامي) अ. वि. -धनुष, तीरअण्ड अ'राप रणाने वाला।

रामे'ह (رامع) अ. वि. -बरछा चलानेवाला दरछावाह।

राप (راپ) अ. स्त्री -'राए।

राप'गी (راپگان) का वि. -'राएगा।

राप'वन (راپون) अ. फा. वि. -दे 'राएवन'।

राप'त (راپت) अ. पु. -मताका ध्वजा, चडा पचम।

राप'त (راپات) अ. पु. -राप'त का बहु पडे।

राय'ल ऐन (راي العين) अ. क्रि. -आँखा स देखना प्रत्यक्ष दान करना।

राय'द (راوند) का स्त्री -एक जड रवेद चाना।

राय'क (راويق) का स्त्री -शराब छानने की साँपी, मरिच मद्य गराव।

रायी' (رايي) अ. वि. -किसी से कोई बात सुनकर ज्या की लो दूगरे से कहनेवाला इस्लामी परिभाषा में हजत मुहम्म' साहिब स मुने हुए प्रवचना को उन्हीं के ग'ल में दूसरे से

कहनेवाला।

रा'ग' (رغسة) अ. पु. -गरीर के अंगों क कापने का रोग कपराग कौपकपी।

रा'ग' (راغ) का अ. -अल का डेर रास रागि।

राशि'द (راشد) अ. वि. -जिसने गुरु से दीक्षा प्राप्त की हो, मु'गि'द से हिदायत पानेवाला।

रागी' (راسي) अ. वि. -रिखत देनेवाला बहुत-से लोप रिगवत लेनेवाले के लिए बोलते हैं यह अगुद है।

रागे'ह (راسيح) अ. वि. -रिखनेवाला धारे-धीरे टपकन वाला।

रास (راس) अ. पु. -गिर तर, मक्की की ठाढा क लिए जसे—एक रास बल' अर्थात् एक बल राहु भूह।

रास (راس) का स्त्रा -माग पय रास्ता राह।

रासि'ख (راسيخ) अ. वि. -अटल दृढ पक्का।

रासि'खलज्जीव (راسيخ العبد) अ. वि. -जिसका धम विरवास अट' हो।

रासिखुलएतिकाद (راسخ|لاعتقاد) अ वि.-दे 'रासिखुल-अकीद' ।
 रासिद (راسد) अ वि.-ज्योतिषी, नुजुमी, प्रहरी, चीकी-दार, पहरेदार ।
 रासिव (راسب) अ. वि.-नीचे बैठ जानेवाला; गाद, तलछट ।
 रासियः (راسيه) अ वि.-मजबूत पहाड ।
 रासियत (راسيات) अ. पुं.-'रासिय.' का बहु, मजबूत पहाडों का समूह ।
 रामुलजदी (راس|الجدى) अ. पु.-राशिचक्र में मकर राशि पर वह विन्दु जहाँ वाईस दिसंबर को सूर्य पहुँचता है और सबसे छोटा दिन होता है ।
 रामुलमाल (راس|السال) अ पु.-मूलघन, अस्ल जर ।
 रामुलसतान (راس|السرطان) अ. पु.-राशिचक्र में कर्क राशि पर वह विन्दु जहाँ २१ जून को सूर्य पहुँचता है, और साल में सबसे बड़ा दिन होता है ।
 रासू (راسو) फा पु.-नेवला, नकुल, ह्रीक ।
 रासोजनव (راس|وزن) अ. पु.-राहु और केतु ।
 रास्तः (راسته) फा पु.-मार्ग, पथ, राह, रास्ता ।
 रास्त (راست) फा वि.-दाहिना, सीधी तरफ का दक्षिण; सरल, सीधा, सत्य, सच ।
 रास्तकिर्दार (راست|کردار) फा वि.-सरलाचारी, सदा-चारी, नेकचलन, सद्वृत्त ।
 रास्तकिर्दारी (راست|کرداری) फा स्त्री-सरलाचार, सदा-चार, नेकचलनी ।
 रास्तगुप्तार (راست|گفتار) फा. वि.-दे 'रास्तगो' ।
 रास्तगुप्तारी (راست|گفتاری) फा. स्त्री.-दे 'रास्तगोई' ।
 रास्तगो (راستگو) फा. वि.-सच बोलनेवाला, सत्यवादी, यथार्थवादी, अनृतभाषी ।
 रास्तगोई (راست|گوئی) फा स्त्री-सच बोलना, सत्यवाद ।
 रास्तबाज (راست|باز) फा वि.-सच्चा, सत्यनिष्ठ, व्यवहार-कुशल, लेन-देन में साफ, ईमानदार; सदाचारी, नेकचलन ।
 रास्तबाजी (راست|بازی) फा स्त्री-सच्चाई; ईमानदारी, सदाचार ।
 रास्तिजाज (راست|مزاج) फा अ वि.-सरल स्वभाव, नेकदिल, सत्यनिष्ठ, ईमानदार ।
 रास्तिजाजी (راست|مزاجی) फा अ स्त्री-स्वभाव की सरलता, सत्यनिष्ठता, ईमानदारी ।
 रास्तमुआमलः (راست|معامله) फा अ वि.-लेन-देन और आचार-व्यवहार में ईमानदार ।
 रास्तमुआमली (راست|معاملگی) फा अ स्त्री-लेन-

देन और आचार-व्यवहार में ईमानदारी ।
 रास्तरवी (راست|روی) फा. स्त्री.-सीधी राह चलना, सदा-साचार, धर्मनिष्ठा ।
 रास्तरौ (راست|رو) फा. वि.-सीधी राह चलनेवाला, सन्मार्गी, सदाचारी, धर्मनिष्ठ ।
 रास्तशिआर (راست|شعار) फा. अ. वि.-दे. 'रास्तमुआमल' ।
 रास्ती (راستی) फा स्त्री-सरलता, सीधापन; सत्यता, सच्चाई; सदाचार, नेककिर्दारी ।
 रास्तीआश्ना (راستی|آشنا) फा वि.-धर्मनिष्ठ, सदाचारी, नेक आ'माल ।
 रास्तीपसंद (راستی|پسند) फा. वि.-जिसे सत्यता और धर्मनिष्ठा पसंद हो ।
 रास्तीपसंदी (راستی|پسندی) फा. स्त्री-सत्यता और धर्मनिष्ठा को पसंद करना ।
 रास्तीशिआर (راستی|شعار) फा अ वि.-जिसका आचरण सत्यता और धर्मनिष्ठा पर निर्भर हो ।
 रास्तीशिआरी (راستی|شعاری) फा. अ. स्त्री-सत्यता और धर्मनिष्ठा को ग्रहण करना और उसी पर चलना ।
 राहः (راه) अ. स्त्री.-हथेली, करतल ।
 राह (راه) फा. स्त्री-मार्ग, पथ, रास्ता; ढग, तरीका; युक्ति, तर्कवि, यत्न, प्रतीक्षा, इंतिजार; आशा, आस, उम्मीद ।
 राह (راه) अ. स्त्री-हर्ष, खुशी, मदिरा, शराव ।
 राहखर्च (راه|خرد) फा पुं-रास्ते में होनेवाला खर्च, मार्ग-व्यय ।
 राहगीर (راه|گیر) फा. वि.-बटोही, पथिक, मुसाफिर ।
 राहगुजर (راه|گذر) फा स्त्री-मार्ग, पथ, रास्ता ।
 राहजान (راه|دان) फा वि-बाटमार, रास्ते में लूटनेवाला, पथघ्न ।
 राहजनी (راه|دانی) फा स्त्री-बाटमारी, रास्ते में लूटना, यात्री का घन छीनना ।
 राहत (راحت) अ स्त्री-सुख, चैन, आराम; सुगमता, आसानी, शान्ति, सुकून; रोग या पीडा में कमी ।
 राहतअंजाम (راحت|انجام) अ. फा वि-जिस कार्य का परिणाम शान्ति अथवा सुख हो ।
 राहतअफ़्जा (راحت|افرا) अ फा वि-शान्ति और सुख बढ़ानेवाला ।
 राहतकदः (راحت|کده) अ फा पुं-राहत और सुख का घर, जहाँ सुख और शान्ति प्राप्त हो, शयनागार, श्वावगाहा ।
 राहतगाह (راحت|گاه) अ. फा. स्त्री-दे. 'राहतकद' ।

राहततलब (راحت طلب) अ वि—जा सुख चाहता हो, जा काम आदि करने से घबराता हा जारामतलब कामचार।
 राहततलबी (راحت طلبی) अ स्त्री—सुख चाहना काम घवा न करना केवल बठे-बठे खाने की इच्छा।
 राहतपरस्त (راحت پرست) अ फा वि—पलंग पर पदा रहनेवाला काम से जी चुरानेवाला निकम्मा।
 रास्तपरस्ती (راحت پرستی) ज फा स्त्री—काम से जी चुराना निकम्मापन कामचारा।
 राहतअफजा (راحت افزا) अ फा वि—राहतअफजा का लघु दे राहतअफजा।
 राहतरसा (راحت رسان) अ फा वि—सुख देनेवाला आराम पहुचानेवाला सुखदायी।
 राहतरसानी (راحت سانی) अ फा स्त्री—सुख दनर, आराम पहुचाना।
 राहती (راحتی) अ स्त्री—वह चौका जा धामार के पलंग के पास चौचादि के लिए लगा दते ह।
 राहते जा (راحت جان) अ फा स्त्री—प्राणा का सुख प्राणा धार विनोपत्र लडके के लिए और साहित्य में प्रेमिका के लिए आता है।
 राहते दिल (راحت دل) अ फा स्त्री—राहते जा।
 राहते हह (راحت روح) अ स्त्री—प्राणा का सुख आत्मा का चन अयात नायिका प्रेयसी।
 राहदार (راهدار) फा वि—प्रहरी चौकीदार धारीदार कपना।
 राहदारी (راهداری) फा स्त्री—पारसत्र पासपोट चौकी दारी।
 राहनगी (راهنگی) फा वि—रास्ते में बड़ा हुआ पयस्य भागस्य।
 राहनबद (راهن بد) फा वि—राहगीर पथिक मुसाफिर।
 राहनबदी (راهن بدی) फा स्त्री—राहगीरी राह चलना।
 राहनुमा (راهن نما) फा वि—नय प्रदानक माग-दानक रास्ता बतानेवाला नायक नेता लीडर।
 राहनुमाई (راهن نمایی) फा स्त्री—नय प्रदानक रास्ता बताना नेतृत्व नेतापन लीडरी।
 राहपमा (راه نما) फा वि—रास्ता नापनेवाला राह चन्नेवाला पथिक यात्री।
 राहपमाई (راهن نمایی) फा स्त्री—रास्ता नापना अयात चलना यात्रा मकर।
 राहवर (راهن ور) फा वि—राहनुमा।
 राहवरी (راهن وری) फा स्त्री—राहनुमाई।
 राहवी (راه وی) फा स्त्री—राहनवरी।

राहरी (راه روی) फा वि—राहनवरी।
 राहवार (راهوار) फा पु—अरब घाडा कन्म चाल चलने वाला घोडा।
 राहवारी (راهواری) फा स्त्री—घोडे की कन्म चाल।
 राहिन (راهین) अ वि—किसा के पास अपनी चौड़ गिरी रखनेवाला बधककता आधायक।
 राहिन (راهینه) अ स्त्री—वह ईसाई स्त्री ता सासातिक वामनाजा को छोड चुकी हा।
 राहिन (راهین) अ पु—वह ईसाई पुस्य जा सासातिक सुता से निवत हा चुका हो।
 राहिन (راحم) अ वि—दया करनेवाला, दयालु।
 राहिल (راحمه) अ पु—सवारी का जानवर, वाहन।
 राहिल (راحل) अ वि—बदल चलनेवाला पराठिन पदचर।
 राही (راهی) फा वि—पथिक बटाहो राहगार मुसाफिर।
 राह जहन्म (راه جهنم) फा अ पु—नरक का माग कदाचार दुराचार बदबलनी।
 राह नजात (راه نجات) फा अ पु—मुक्तिपथ मासमाग बहिनग का जरिया मुक्ति-साधन।
 राह बुरीद (راه برید) फा पु—वह माग जिस पर चलना बर हा जिस पर लूटमार का भय हो।
 राह रास्त (راه راست) फा पु—सीधा रास्ता धम का माग सत्य का माग।
 राह सक्त (راه سخت) फा पु—कठिन और दुष्कर माग, वह रास्ता जिस पर चलना कठिन हो अर्थात धम का माग बर रास्ता जिस पर जान जोखिम या लुटने का डर हो।
 राहोरव (راه ورط) फा अ पु—मेल-जोल, मेल-मिलाप प्रेम-व्यवहार।
 राहोरविग (راه ورشی) फा स्त्री—आचार-व्यवहार बाल बाल रप-वग।
 राहोरसम (راه رسم) फा अ स्त्री—राहारव्य।

रि

रिद (رید) फा पु—मद्य परावी रसिया रगाल निरिचत बेकिश लपट औवाग भस्त उमत धार्मिक बधना स मुक्त।
 रिदतबज (رید تلج) फा अ वि—जा बहुत ही बकिश सुगमिबोज और मनमौजी हा।
 रिदयेग (ریدیشه) फा वि—बहुत अधिका रासावा धरावी मद्य रमानी।
 रिदमकह (رید مکتب) फा अ वि—रिदयेग।

रिश्मशब्द (رشد مسرب) फा अ. वि-दे 'रिश्मपेश'।
 रिश्मिआर (رشد شعار) फा. अ. वि.-दे 'रिश्मपेश'।
 रिश्मोव: (رشد شیوه) फा. वि-दे 'रिश्मपेश'।
 रिश्मान: (رشد ان) फा वि-रिश्मो-जैसा, मतवालो-जैसा,
 अजादो-जैसा।
 रिश्मी (رشدی) फा स्त्री-शराबीपन, लपटता, रंगीला-
 पन; मनमौजीपन, मस्ती।
 रिश्मे खुशऔकत (رشد خوش اوقات) फा अ पु-वह
 शराबी जिसका अधिक समय पीने-पिलाने में गुजरे।
 रिश्मे पासर् (رشد دارسا) फा पु-वह शराबी जो रिश्म होने
 के साथ-साथ सयमी और निग्रही हो।
 रिश्मे बलानोश (رشد بلائوس) फा पु-बहुत अधिक और हर
 प्रकार की शराव पीनेवाला।
 रिश्मे बासफा (رشد باصفا) फा अ पु-वह शराबी जो बहुत
 ही सदाचारी और स्वच्छहृदय हो।
 रिश्मे लाउवाली (رشد لا اوالی) फा अ पु-वह शराबी जो
 बहुत ही बेफिक्रा और मनमौजी हो।
 रिश्मे शाहिदबाज (رشد شاهدسار) फा. अ. पु-वह शराबी जो
 अच्छी स्त्रियों का भक्त भी हो।
 रिश्मे सालेह (رشد صالح) फा अ पु-दे 'रिश्मे पासर्'।
 रिश्मायत (رعایت) अ स्त्री-व्यवहार में कोमलता, मूल्य
 आदि में कमी, विचार, ध्यान, खयाल।
 रिश्मायती (رعائتی) अ वि-रिश्मायतवाला, रिश्मायती
 दामोवाला।
 रिश्मायते बेजा (رعایت لے جا) अ फा स्त्री-गलत
 रिश्मायत, ऐसी रिश्मायत जो उचित न हो।
 रिश्मायते भा'नवी (رعایت ممنوی) अ स्त्री-वह अर्था-
 प्रकार जिसमें किसी शेर आदि में किसी एक अर्थ से
 सम्बन्धित और भी समानार्थक शब्द लाये जायें।
 रायते लफ्जी (رعایت لفظی) अ स्त्री-वह शब्दालकार
 जिसमें किसी शेर आदि में एक शब्द के अनुकूल और भी
 शब्द लाये जायें, जैसे-नदी के साथ, नाव, कर्णधार,
 पतवार आदि के शब्द।
 रिश्क [श्क] (رشق) अ स्त्री-दासता, परिचर्या, सेवा गुलामी,
 खिदमत।
 रिश्काअ (رشقاع) अ पु-रूकअ (रूक) का वह, 'चिट्ठियाँ।
 रिश्काअ (رشقار) अ पु-दफोना, भूगमित धन, भूनिहित धन-
 संपत्ति।
 रिश्काब (رشقاب) अ पु-'रूकब' का वह, गले, गरदन;
 दासगण, लौंडी गुलाम।
 रिश्काब (رشقاب) अ स्त्री-घोड़े की काठी का पायदान

जिसमें पाँव रखकर चढ़ते हैं, सवारी के ऊँट।
 रिश्काब (رشقاب) फा स्त्री-नौका, नाव, किश्ती, आठ
 पहलू का प्याला।
 रिश्कावदार (رشقادر) फा. वि-घोड़े पर सवार कराने-
 वाला नौकर; खाना उतारनेवाला, खानसामाँ; मिठाई
 और हलवे बनानेवाला।
 रिश्काबी (رشقابی) फा स्त्री-प्लेट, तश्तरी, रकाबी।
 रिश्केब (رشقیب) फा स्त्री-दे 'रिश्काब'।
 रिश्कत (رشقت) अ. स्त्री-आर्द्रता, गीलापन, नम्रता,
 नमी, रोदन, रोना।
 रिश्कते कल्ब (رشقت قلب) अ. स्त्री-हृदय की आर्द्रता
 चित्त की कोमलता, दयाभाव, दिल की नमी।
 रिश्कते मनी (رشقت منی) अ स्त्री-वीर्य का पतलापन
 जो किसी विकार के कारण होता है।
 रिश्कव: (رشقوة) अ पु-छागल, बहुत छोटी मसक।
 रिश्कव: (رشقوة) अ पु-ढीलापन, शिथिलता, रिश्कत
 एक दर्द।
 रिश्कव (رشقو) अ. पु-ढीला, शिथिल।
 रिश्कवत (رشقوت) अ स्त्री-ढीलापन, शिथिलता।
 रिश्गव: (رشقوة) अ पु-ज्ञाग, फेन, कफ।
 रिश्गव (رشقو) अ. वि-ज्ञाग, फेन।
 रिश्जा (رشقا) अ स्त्री-स्वीकृति, मंजूरी, आज्ञा, इजाजत
 प्रसन्नता, खुशानूदी, इमाम अली मूसा रिश्जा।
 रिश्जाअ (رشقاع) अ स्त्री-वालक के दूध पीने की अवस्था
 रिश्जाई (رشقاعی) अ वि-जो किसी दूसरी स्त्री के दूध में
 शरीक हो, जैसे-'रिश्जाई भाई' या 'रिश्जाई वहन'।
 रिश्जाकार (رشقاکار) अ फा पु-स्वयसेवक, स्वेच्छासे
 विना वेतन के किसी कार्य-विशेष में सेवाभाव से
 लेनेवाला।
 रिश्जाकारान: (رشقاکارانه) अ फा वि-स्वयसेवको-
 विना वेतन के कार्यसिद्धि में सहायता।
 रिश्जामंद (رشقامند) अ फा. वि-अगीकृत, राजी, सह
 हम खयाल।
 रिश्जामंदी (رشقامندی) अ फा. स्त्री-अगीकार, कबूल
 सहमति, आज्ञा।
 रिश्जाल (رشقجال) अ पु-'रश्जुल' का वह, मनुष्य-
 बहुत-से आदमी।
 रिश्जालुलौब (رشقجال العیب) अ पु-गैब के अ
 देवता, फिरिज्ते, अलौकिक शक्तियाँ।
 रिश्जाले मईयत (رشقجال معیت) अ पु-परमनल स्टा
 रिश्क (رشق) अ पु-अन्न, निजा, जीविका, रोजी।

रिज्ज (رِجْز) अ स्त्री—अलगनी, कपड़े टांगने की रस्ती ।
 रिज्जल (رِجْزَل) अ पु—पाव, पाद पद, चरण पर ।
 रिज्जलन (رِجْزَلَان) अ पु—दाना पाव उभय पद ।
 रिज्जवा (رِجْزَوَان) अ पु—रिजवान' काल्पु दे रिजवान' ।
 रिज्जवान (رِجْزَوَان) अ पु—जनत का दारोगा, स्वर्गाध्यक्ष ।
 रिज्जवी (رِجْزَوِي) अ वि—इमाम अली मूसा रिजा' का अनुयायी या उनका वंशज ।
 रिज्स (رِجْس) अ पु—अपवित्रता, अशुद्धता अशौच, गदगो, मापाकी ।
 रिज्ल (رِجْل) अ पु—दे 'रज्ज' उजू में 'रज्ज' ही बालने ह, गुद्द दोनो ह ।
 रिवा (رِوَا) अ स्त्री—जोड़ने की चादर प्रच्छादन ।
 रिवाए कुहन (رِوَاةُ كُهْن) अ फा स्त्री—फटी पुराना चादर गुदड़ ।
 रिवापोन (رِوَاپُون) अ वि—चादर ओलनेवाला ।
 रिवाक (رِوَاك) अ पु—'रफीक का बहु मिनगण दास्त लोग सहचरमण साथे लाग ।
 रिवाद (رِوَادَة) अ पु—घाव पर बाधने की पट्टी ।
 रिवाह (رِوَاه) अ स्त्री—रफह या रिफह का बहु हित भलाइया सुख आराम ।
 रिवाहे आम (رِوَاهِ عَام) अ स्त्री—लोकहित, जनहित जनता की भलाई और सुख ।
 रिवाहे आमम (رِوَاهِ عَامَم) अ स्त्री—दे रिवाहे आम ।
 रिवाहे खलाइक (رِوَاهِ خَلَائِق) अ स्त्री—रिवाहे आम' ।
 रिवाहे खलक (رِوَاهِ خَلْق) अ स्त्री—दे रिवाहे आम ।
 रिफअत (رِفْع) अ स्त्री—उच्चता उत्तुगता बलदी उन्नति सरक्की ।
 रिफक (رِفْك) अ स्त्री—नम्रता महुलता कोमलता नमी ।
 रिफह (رِفْه) अ पु—हित भलाई सुख आराम दे रफह' दोनो गुद्द ह ।
 रिवा (رِوَا) अ पु—ब्यान कुसीद मूल ।
 रिवाज (رِوَاج) अ पु—चौथ दिन आनेवाला ज्वर चौथिया ।
 रिस्त (رِطْفَة) अ पु—नकटाई ।
 रिबह (رِبْع) अ पु—तिजारती सुद या तिवारती लाभ ।
 रिमाक (رِمَاك) अ पु—धनुविद्या तीरअदाजी तीर चलाना बाण मारना ।
 रिमाल (رِمَال) अ पु—रज्ज का बहु रेत के जरे बाट्ट के कण ।
 रिमाह (رِمَاه) अ पु—'रुह' का बहु धरछे धक्किया नये ।
 रिप (رِپ) अ पु—बेफडा पूफुन गुण ।

रिया (رِیَا) अ स्त्री—पाखंड आडवर निवावा नुमाइश ।
 रियाई (رِیَائِي) अ फा स्त्री—नुमाइशी दिवावे का, पाखंडवाला ।
 रियाकार (رِیَاكَار) अ फा वि—पाखंडी आडवरी धम ध्वजी आयरप छली, बचक, ठग ।
 रियाकारी (رِیَاكَارِي) अ फा स्त्री—पाखंड ठग धमध्वजनी ।
 रियाख (رِیَاخ) अ पु—रौख का व, बहुत से बाग, कष्ट परिश्रम महुनन अम्यास मरक तपस्या इवान्त ।
 रियाखत (رِیَاخَت) अ स्त्री—परिश्रम उद्यम प्रयास महुनत व्यायाम बरखिदा, कसत तपस्या, जप-तप इवान्त व्रत आदि के द्वारा इद्रिया का दमन नपसकुगी अम्याम मरक ।
 रियाखतकश (رِیَاخَتَكَش) अ फा वि—जप, तप और व्रत आदि क द्वारा इद्रिय निग्रह करनेवाला कठोर तपस्या करनेवाला ।
 रियाखतकशी (رِیَاخَتَكَشِي) अ फा स्त्री—जप-तप और व्रत आदि कठोर तपस्या ।
 रियाखतगाह (رِیَاخَتِگَاه) अ फा स्त्री—तपोवन जप-तप करने का स्थान ।
 रियाखती (رِیَاخَتِي) अ वि—कसरती, बरखिगी सयमा जप-तप करनेवाला ।
 रियाखते शाकक (رِیَاخَتِ سَاكَك) अ स्त्री—बहुत बड़ा परिश्रम बहुत बड़ी तपस्या ।
 रियाजी (رِیَاجِي) अ स्त्री—गणित बीजगणित गणित विद्या इल्मुल हिसाब गणमटिकस ।
 रियाजीदी (رِیَاجِي دَان) अ फा वि—बीजगणित जानन वाला गणितन ।
 रियाजीदानी (رِیَاجِي دَانِي) अ फा स्त्री—गणित विद्या जानना हिसाब जानना ।
 रियाल (رِیَال) अ पु—एक सिक्का ।
 रियास्त (رِیَاسَت) अ स्त्री—अध्यक्षता स्वामित्व सरगरी सत्ता ग़ासन हुकूमत बड़ा जमीनारी जागीरदारी जागार इलाका ।
 रियाह (رِیَاه) अ प—रौह का बहु इवाए अपान बाप अथावापु गात्र ।
 रियाही (رِیَاهِي) अ वि—रियाह अर्थात वापु-सम्बधी, वात क विकार से उत्पन्न राग आदि ।
 रियाक (رِیَاك) अ प—मवान के ऊपर बना हुआ मदान अट्टािका गन्दी क रवाज' और 'रवाक ।
 रियाज (رِیَاج) अ पु—प्रयास रुढ़ि परंपरा चलन दे 'रवाब' दोनो गुद्द ह ।

रिवायत (روایت) अ. स्त्री—किन्नी के मुँह से सुनी हुई बात ज्यों की त्यों किसी से कहना, इस्लामी परिभाषा में हज़रत पैगम्बर साहब के मुख से सुनी हुई बात दूसरे को उन्हीं के शब्दों में सुनाना, हदीस वयान करना।

रिवायतन (روایتان) अ. वि—किसी दूसरे से सुनने के तौर पर।

रिवायात (روایات) अ. स्त्री—‘रिवायत’ का बहु, रिवायते।
रिवायाती (روایاتی) अ. वि—रिवायात सम्बन्धी, दूसरों से सुने हुए।

रिशा (ریشا) अ. स्त्री—छत्रीसर्वां नक्षत्र, उत्तरा भाद्रपद।
रिस्त (رشته) फा पु—काता हुआ, डोरा, तागा; सम्बन्ध, नाता, करावत; नारु रोग, वह कीड़ा जो डोरे की तरह विशेषतः पाँव से निकलता है।

रिस्तःदार (رشته‌دار) फा पु—सम्बन्धी, स्वजन, नातेदार, वंशज, परिजन।

रिस्तःदारी (رشته‌داری) फा स्त्री—अजीजदारी, नातेदारी, स्वजनता, सजातीयता।

रिस्तःवपा (رشته‌بیا) फा वि.—दे ‘रिस्त वरपा’।

रिस्तःवरपा (رشته‌بردا) फा वि—वह पक्षी जिसके पाँव में डोरा बँधा हो और उड़ न सकता हो।

रिस्तए आवाज (رشته‌آواز) फा. पु—आवाज का डोरा।

रिस्तए उन्न (رشته‌عسر) अ. पु—सालगिरह की गाँठ जो डोरे में दी जाती है।

रिस्तए सूँ (رشته‌حون) अ. फा पु—खून का सिलसिला रक्त-सम्बन्ध, एक वंश या खानदान का होना।

रिस्तए जाँ (رشته‌حان) फा पु—प्राणसूत्र, जीवन-सूत्र, श्वासा, साँस।

रिस्तए पैचाँ (رشته‌کپچان) फा पु—बल खानेवाला साँप।

रिस्तए हलवा (رشته‌کحلوا) फा अ. पु—सिबैयाँ।

रिस्तनी (رشته‌نی) फा. वि—कातने योग्य, जो काता जा सके।

रिश्वत (رشوت) अ. स्त्री—उत्कोच, उपदान, कौशलिक, अम्युपायन, उपदा, घूस।

रिश्वतखोर (رشوت‌خورد) अ. फा. वि—रिश्वत खानेवाला, उत्कोचभुक्, उत्कोचप्राही।

रिश्वतखोरी (رشوت‌خوری) अ. फा स्त्री—रिश्वत खाना, उत्कोच लेना, घूसखोरी।

रिश्वतविहदः (رشوت‌دهید) अ. फा वि—रिश्वत देनेवाला, उत्कोचदाता।

रिश्वतविही (رشوت‌دهی) अ. फा स्त्री—रिश्वत देना, उत्कोच दान।

रिश्वतसितानी (رشوت‌سدانی) अ. फा. स्त्री—रिश्वत लेना, उत्कोच ग्रहण।

रिसालः (رساله) अ. पु.—वह पत्रिका जो पुस्तक के रूप में किसी नियत समय पर प्रकाशित हो, किसी विषय पर छोटी-सी पुस्तक, सैनिकों की टुकड़ी, सवारों का दस्ता।

रिसालःदार (رساله‌دار) अ. फा पु—सवारों के एक रिसाले का नायक।

रिसालःदारी (رساله‌داری) अ. फा स्त्री—सवारों के एक रिसाले की अध्यक्षता।

रिसालत (رسالت) अ. स्त्री—सदेश, सँदेश, खबर; दूतकर्म, मिफारत, ईगदूतता, पैगंबर।

रिसालत पनाह (رسالت‌بنده) अ. फा. वि—रसूल, पैगंबर, ईश दूत।

रिसालतमआव (رسالت‌معاد) अ. वि—ईगदूत, पैगंबर।

रिहान (رهان) अ. पु—गिरौ करना, बंधक रखना, घुड़-दौड़ में शर्त लगाना; ‘रहन’ का बहु, शर्तें।

रिहाल (رحال) अ. पु—‘रहल’ का बहु, कूच, प्रस्थान।
रिही (رهی) फा पु—दास, गुलाम, दे ‘रही’, दोनों शुद्ध है।

रिहमः (رشمه) अ. पु.—हलकी वर्पा, फुहार।

रिहल (رحل) अ. स्त्री—किताब रखने का विशेष प्रकार का लकड़ी का यंत्र।

री

रीक (ریک) अ. पु—थूक, मुखसाव।

रीख (ریخ) फा स्त्री—पक्षियों की वीट; पतला पाखान, दस्त।

रीचार (ریچار) फा पु—अचार, मुरब्बा, जाम।

रीचाल (ریچال) फा पु—दे ‘रीचार’, दो शु है।

रीवः (ریبه) अ. पु—सदेह में डालनेवाली वस्तु; आरोप, लाछन, तुहमत।

रीम (ریم) फा स्त्री—घाव में से निकला हुआ मवाद, पीप, धातुओं का मैल।

रीमगी (ریم‌گیں) फा वि—पीप से भरा हुआ।

रीमिया (ریمیا) अ. स्त्री—एक विद्या जिसके द्वारा मनुष्य जहाँ भी चाहे क्षण भर में पहुँच सकता है।

रीमियादाँ (ریمیادان) अ. फा. वि—रीमिया की विद्या जाननेवाला।

रीमे आहन (ریم‌آهن) फा पु—लोहे का मैल, मडूर, खुम्सुल हदीद।

रीवाज (ریواج) फा पु—दे ‘रीवास’

रीवास (ریواس) फा प—एक खटमिटठा मेवा।

रिचम (ریمہ) अ स्त्री—अलगनी, बपडे टांगने की रस्ती ।
 रिजल (رحل) अ पु—पाँव पाद पद, चरण पर ।
 रिजलन (رحلین) अ पु—पाना पाँव उभय पद ।
 रिजवाँ (رحوان) अ पु—रिजवान बालपु द रिजवान ।
 रिजवान (رحوان) अ पु—अप्रत वा दारोघा स्वर्गाध्यत ।
 रिजवी (رحوی) अ वि—इमाम अली मूसा रिजा' वा
 अनुयायी या उनका बगज ।
 रिजस (رحس) अ पु—अपवित्रता, अगुदता अगोच,
 गदगी नापावी ।
 रिजल (رحل) अ पु—रत्ल उदू में 'रत्ल ही बालने ह
 गुद दोना ह ।
 रिदा (ردا) अ स्त्री—ओढ़ने की चादर प्रच्छादन ।
 रिदाए कुहन (ردای کهنه) अ फा स्त्री—पत्नी पुरानी
 चादर गुदड ।
 रिदापोश (رداپوش) अ वि—चादर ओढ़नेवाला ।
 रिफाक (رفاق) अ पु—रफीक' का बहु मित्रगण
 दोस्त लाग सहचरण साधा लाग ।
 रिफाद (رفادہ) अ पु—पाव पर बांधने की पट्टी ।
 रिफाह (رفاه) अ स्त्री—'रफह' या रिफह' का बहु
 हिन भलाइया सुख आराम ।
 रिफाहे आम (رفاه عام) अ स्त्री—लोकहित जनहित
 जनता की भलाई और सुख ।
 रिफाहे आमम (رفاه عامه) अ स्त्री—रिफाहे आम ।
 रिफाहे छलाइक (رفاه خلق) अ स्त्री—दे रिफाहे आम' ।
 रिफाहे छलक (رفاه خلق) अ स्त्री—दे रिफाहे आम ।
 रिफअत (رفعت) अ स्त्री—उच्चता उत्तुगता बल्दी
 उन्नति तरक्की ।
 रिफक (رفق) अ स्त्री—नम्रता मडुलता कोमलता नमी ।
 रिफह (رفه) अ पु—हित भलाई सुख आराम दे
 रफह' दोनो गुद ह ।
 रिवा (رہوا) अ पु—व्याज कुसी' सूद ।
 रिवाअ' (رہع) अ पु—जौथे दिन जानेवाला ज्वर चौधिया ।
 रिव्त (رہطه) अ पु—नेकटाई ।
 रिवाह (رہع) अ पु—तिजारती सूद या निजारती लाग ।
 रिमाय' (رہانہ) अ पु—धनुविद्या तीरअदाजी तीर
 चलाना वाण मारना ।
 रिमाल (رہمال) अ पु—रम्प का बहु रेत के जरें बाल
 के बण ।
 रिमाह (رہماح) अ पु—'रफह का बहु बरछे गिनिया
 नवे ।
 रिप (رہہ) अ पु—फफडा पुष्पुस गुग ।

रिया (ریا) अ म्वा—पागड आडवर, निवावा नुमाश ।
 रियाई (ریائی) अ फा स्त्री—नुमाश'नी निवाप वा
 पातडवाला ।
 रियाहार (ریاگار) अ फा वि—पागडी आडवरी, धम
 धवा आयरप छली बचक, ठग ।
 रियाकारी (ریاکاری) अ फा स्त्री—पागड ढाग, धमध्वजना ।
 रियाज (ریاض) अ पु—रीज का बहु, बटुन से बाघ
 कष्ट परिश्रम महेतत अम्यास मक्क तपस्या, इबान ।
 रियाजत (ریاضت) अ स्त्री—परिश्रम, उद्यम प्रयाग
 मेहेतत व्यायाम, बरजिन, कसत, तपस्या, जप-रप
 इबान वत आदि के द्वारा इद्रिया का दमन नपसदुशी
 अम्यास मक्क ।
 रियाजतक' (ریاضت کش) अ फा वि—जप, तप और वत
 आदि के द्वारा इद्रिय नियह करनेवाला बठार तपस्या
 करनेवाला ।
 रियाजतक'गी (ریاضت گسی) अ फा स्त्री—जप-तप और
 वत आदि कठोर तपस्या ।
 रियाजतगाह (ریاضت گاہ) अ फा स्त्री—तपोवन जप-रप
 करने का स्थान ।
 रियाजती (ریاضتی) अ वि—जसखती बरजिगी सयमी
 जप-रप करनेवाला ।
 रियाजते गाक' (ریاضت گاہ) अ स्त्री—बहुत बग
 परिश्रम बहुत बडी तपस्या ।
 रियाजी (ریاضی) अ स्त्री—गणित बीजगणित गणित
 विद्या इल्मुल हिसाब मथमटिक्स ।
 रियाजीवी (ریاضی دان) अ फा वि—बीजगणित जानत
 वाला गणितन ।
 रियाजीवानी (ریاضی دانسی) अ फा स्त्री—गणित विद्या
 जानना हिसाब जानना ।
 रियाज (ریاض) अ पु—एक सिक्का ।
 रियासत (ریاست) अ स्त्री—अध्यक्षता स्वामित्व सरदारी
 सत्ता पासन हुकूमत बडी जमादारी जामीरगारी
 जामीर इलाका ।
 रियाह (ریاض) अ पु—रीह का बहु हवाए असान बाप
 अधावायु गाब ।
 रियाही (ریاضی) अ वि—रियाह अर्थात वायु-सम्बधी,
 वात क विकार से उत्पन्न राग जादि ।
 रिवाक (ریاک) अ पु—मकान के ऊपर बना हुआ मकान,
 अट्टालिका गलरी दे रवाक' जीर 'ध्याक' ।
 रिवाज (ریاض) अ पु—प्रथा रुढ़ि परंपरा धम्म दे
 रवाक' दोना गुद ह ।

खजूए खलक (خجوع خلاق) अ.स्त्री.—जनता का किसी की ओर आकर्षण, जैसे—किसी साधु की ओर या किसी वैद्य की ओर।

खजूम (خجوم) अ.पु.—पथराव करना, किसी को पत्थर मारना।

खजूलत (خجولت) अ.स्त्री—पुस्त्व, पौरुष, मर्दुमी, मर्दपन, कामशक्ति।

खजूलियत (خجولیت) अ.स्त्री—दे 'खजूलत'।

खजुहान (خجوان) अ.पु.—प्रवृत्ति, खजूआत; खचि, खग्वत, आकर्षण, झुकाव, हृदय का किसी ओर विशेष रूप से आकर्षण।

खतब (خطب) अ.पु.—तर छुहारा, पिंड खजूर।

खतुबत (خطوبت) अ.स्त्री.—तरी, आर्द्रता, शरीर में धातुओं की तरी, लसीका।

खत्व: (ختبه) अ.पुं—पद, दर्जा, पदवी, उहदा; उपाधि, खिताब; श्रेष्ठता, वुजुर्गी, महत्ता, बडाई।

खत्व:दाँ (ختبه دان) अ.फा.वि—किसी के बडप्पन को ठीक-ठीक समझनेवाला।

खत्व:शनास (ختبه شناس) अ.फा.वि.—किसी के पद और बडप्पन को पहचानने और उसकी कद्र करनेवाला।

खत्वए बलंद (ختبه بلند) अ.फा.पु—बडा खत्वा, बडी पदवी, बडा दरजा।

खफका (خفقا) अ.पु—'रफीक' का बहु, रफीक लोग, साथी लोग।

खफात (خفات) अ.वि.—भग्न, खडित, टूटा हुआ, टुकडे-टुकडे, चूर-चूर।

खफक: (خفقه) अ.पु—साथ-साथ यात्रा करनेवाला, साथियों की टोली।

खफत: (خفته) फा.वि—झाडा हुआ, झाडू से साफ किया हुआ।

खफत (خفت) फा.स्त्री—झाड-मोछ, सफाई।

खफतनी (خفتنی) फा.वि—झाडने के काविल।

खव (خاب) अ.पु—फलो का पकाया हुआ रस जो गाढा हो गया हो।

खवा (خا) फा.प्रत्य.—ले भागनेवाला, उडा ले जानेवाला, जैसे—'दिल खवा' दिल उडा ले जानेवाला अर्थात् माशूक।

खवादद: (خوابداده) फा.वि—उडा ले जानेवाला, उचक ले जानेवाला, उचक्का।

खवाई (خوامعی) अ.स्त्री—उर्दू और फार्सी का एक छद-विशेष जिसका मूल वज्ज १ तगण १ यगण एक सगण और एक मगण होता है (SSI, ISS, IIS, SSS), इसके पहले दूसरे और चौथे पद में काफिया होता है, कभी-कभी चारो ही

सानुप्रास होते हैं, परन्तु अच्छा यही है कि चौथा सानुप्रास न हो।

खवाईद: (خوابداده) फा.वि—उचक ले जाया हुआ।

खवाईयात (خوابدات) अ.स्त्री—'खवाई' का बहु, खवाइयाँ।

खवूद: (خبوده) फा.वि—ले जाया हुआ, उचका हुआ।

खवूदगी (خبودگی) फा.स्त्री—उचक्कापन।

खवूवीयत (خبودیت) अ.स्त्री—ईश्वरत्व, परवर्दगारी।

खमूज (خموز) अ.पुं.—'रम्ज' का बहु, बहुत से भेद।

खमूजे इश्क (خموز عشق) अ.पु.—प्रेम के भेद, प्रेम की गहराइयाँ।

खमूजे मम्मलुकत (خموز مسالکت) अ.पु.—राजनीति के भेद, उसकी गहराइयाँ।

खम्मान (خمان) अ.पु.—अनार, दाडिम।

खम्मानी (خمانی) अ.वि—अनार-जैसे रंग का, बहुत ही सुखं रंगवाला।

खम्ह (خامح) अ.पु—वरछा, भाला।

खवाक (خواق) अ.पु.—मकान के ऊपर का खड, अट्टा, गैलरी, दे 'रिवाक' और 'खाक'।

खवात (خوات) अ.पु—'रावी' का बहु, रावी लोग, रिवायत करनेवाले।

खशद (خشد) अ.पु.—गुरु की शिक्षा और दीक्षा, पीर की हिदायत।

खशदोहिदायत (خشد وهدایت) अ.स्त्री—दीक्षा और मंत्र आदि।

खसुग (خسغ) अ.पु—कलाई, पहुँचा।

खसुल (خسل) अ.पुं—'रसूल' का बहु, रसूल और नवी।

खसूख (خسوخ) अ.पु—प्रवेश, पहुँच, रसाई, पैठ; प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, जानकारी, दक्षता, कुशलता, महारत।

खसूब (خسوب) अ.पु—नीचे बैठे हुई गाद; पेशाब में नीचे बैठे हुआ मल आदि (कारुरे की शीशी में)।

खसूम (خسوم) अ.पु—'रस्म' का बहु, रस्मे, रुढ़ियाँ, परम्पराएँ।

खसूग: (خسغه) अ.पु—पहुँचा, कलाई।

खसूग (خسغ) अ.पु—दे 'खसूग', दोनो शुद्ध है।

खस्त: (خسته) फा.वि—उगा हुआ, अकुरित।

खस्तखेज (خستکیز) फा.स्त्री—दे 'खस्तखेज' दोनों शुद्ध है।

खस्तगार (خستگار) फा.वि—दे शुद्ध उच्चारण 'खस्तगार'।

खस्तगी (خستگی) फा.स्त्री—उगाव, उपज, रोईदगी।

खस्तनी (خستنی) फा.स्त्री—तरकारी, शाक, (वि) उगने योग्य, उपज के काविल।

खस्तम (خستم) फा.पु—ईरान का एक प्राचीन योद्धा

रोग (ریش) का स्त्री—आस्यलाम, श्मश्रु डाडी।
 रोगावद (ریش حلد) का पु—उठाल, मस्तरापन।
 रोगावा (ریش ۳) का वि—मूत्र मूत्र अहमक गावदी।
 रोगावा (ریش خم) का पु—वह फोडा जो आपरेशन से अच्छा न हो।

रोगपुरवाद (ریش پوران) का पु—अहकार अभिमान घमड गुफर।

रोगवाबा (ریش بابا) का पु—अगूर की एक किस्म।
 रोगमाल (ریش مال) का वि—वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो भाग्यहीन भगमशी दयस।

रोगमाली (ریش مالی) का स्त्री—दयूसा अपनी स्त्री का दूसरा के पास भेजकर उसकी कमाई खाना।

रोगे काबी (ریش ماصی) का अ स्त्री—गराव छानने की छत्री।

रोगे मुसल (ریش مرسل) का अ स्त्री—रबी डाली।
 रोह (ریمح) अ स्त्री—बायु हवा गध बास अपान बायु अधोवायु गात्र।

रोही (ریمی) अ वि—वात के कापस होनेवाला रोग बादी।
 रोहल बवासीर (ریمح العواسیر) अ स्त्री—आदी बवासीर।

र

रअसा (رؤسا) अ पु—रईस का बहु रईस राग।
 रआत (رعاء) अ पु—राई का बहु चरवाहे।
 रआफ (رعاء) अ स्त्री—नऊसीर नाक से सूत आने की बीमारी।

रअनत (رعنوت) अ स्त्री—अहकार अभिमान घमड उदडता मरकगी।

रअनतपसद (رعموت اسند) अ फा वि—अहकारी अति मानी घमडी।

रअस (رؤسا) अ पु—रास का बहु मर।
 रअबा (رمدنا) अ पु—रबीव का बहु रबीव लोग प्रतिद्वन्द्वी जन।

रअबा (رمدان) अ स्त्री—निद्रा नीद।
 रअब (رکوع) अ पु—नमाज में शुकन का अवस्था।

रअब (رکوب) अ पु—नाता नाद लेना।
 रअब (رکوب) अ पु—सवार होना चढ़ना।

रअब (رکوع) अ पु—गर्ज कागज का टुकड़ा बिट्टी, पत्री मग।

रअब (رکوع) अ पु—रअ परतु उदु म रअब हा बालन हो।

रअब (رکوع) अ पु—रअब मभा मय्य सभ्य मन्वर।

रअबाबाद (رکون اباد) का पु—ईरान में शीराज के पास बहनेवाली नदी।

रअबे आ'अम (رکون اعظم) अ पु—सबसे बड़ा मभा बिस पर इमारत का अधिक बोझ रहता है, खास सभ्य।

रअबे मजलिस (رکون مصلح) अ पु—बिनी सभा या सभा का सदस्य।

रअबे रकीव (رکون رکین) अ पु—मुख्य मन्स्य खास मन्वर।
 रअबे सलतनत (رکون سلطنت) अ पु—राष्ट्र का प्रमथ अधिकारी।

रअबे हुकूमत (رکون حکومت) अ पु—रअब सलतनत।
 रअब (رکون) अ पु—जानु पुटना।

रअब (رکون) का पु—कपोल गाल आकृति, शकल, मुहा कृति, चेहरा मग तरफ, पारव, पहलू शत्रव का एक मोहरा।

रअम (رحام) अ पु—सगे मरमर स्फटिक श्वेत प्रस्तर।
 रअमी (رحسان) का वि—दीप्त प्रकाशमान रोग चमकदार उज्वल।

रअसद (رحسندة) का वि—चमकनेवाला श्वेत, प्रकाशित, रौशन।

रअसदी (رحسندگی) का स्त्री—दीप्ति, प्रकाश दूर चमक-दमक उज्वलता।

रअसत (رحصت) अ स्त्री—विदा विदाई आज्ञा, इजाजत अवकाश फुमत, विधामावकाश ता'ताल, दुल्हन का दूल्हा के घर जाना।

रअसतलब (رحصطلب) अ वि—जाने की आज्ञा मागनेवाला।

रअसतान (رحصتانه) अ फा पु—रअसत के मय्य गिया जानेवाला हक, दस्तूर या पुरस्कार आदि।

रअसती (رحصتی) अ स्त्री—दुल्हन का दूल्हा के घर जान का सस्कार विगाई।

रअसतार (رحصارة) का पु—कपोल गडस्थल गाल आरिज।
 रअसतार (رحصارة) का पु—कपोल गाल।

रअज (رحوع) अ स्त्री—आवपण, प्रवृत्ति रअज आत आहृष्ट प्रवत राजे।

रअजइल्लाह (رحوع الى الله) अ स्त्री—रअब का ओर प्रवति अर्थात् मना का लगाव जप-सप आदि की ओर वित का आवपण।

रअज (رحوع) अ स्त्री—रअज का बहु, परतु एक वचन के अर्थ में व्यवहृत है, दे रअज।

रअज (رحوع) अ स्त्री—रअज का विगी ओर आवपण।

रजूए खलक (رجوع خلق) अ स्त्री.—जनता का किसी की ओर आकर्षण, जैसे—किसी साधु की ओर या किसी वैद्य की ओर।
रजूम (رجوم) अ. पु.—पथराव करना, किसी को पत्थर मारना।

रजूलत (رجولت) अ स्त्री—पुस्त्व, पौरुष, मर्दमी, मर्दपन, कामगमिता।

रजूलियत (رجولیت) अ. स्त्री—दे. 'रजूलत'।

रजूहान (رجحان) अ पु.—प्रवृत्ति, रजूआत; रूचि, रग्वत, आकर्षण, सुकाव, हृदय का किसी ओर विशेष रूप से आकर्षण।

रूतव (رطب) अ. पु.—तर छुहारा, पिंड सजूर।

रूतवत (رطوبت) अ स्त्री—तरी, आद्रता; शरीर में धानुवों की तरी, लसीका।

रूतवः (رته) अ पु.—पद, दर्जा; पदवी, उहदा, उपाधि, खिताब, श्रेष्ठता, वजुर्गी, महत्ता, बडाई।

रूतवःदां (رته‌دان) अ. फा. वि.—किसी के बढप्पन को ठीक-ठीक समझनेवाला।

रूतवःशनास (رته‌شناس) अ. फा. वि.—किसी के पद और बढप्पन को पहचानने और उसकी क्रम करनेवाला।

रूतवए वलंद (رته‌لند) अ. फा पु.—बडा रूत्वा, बडी पदवी, बडा दरजा।

रूफका (رفقا) अ पु.—'रफीक' का बहु, रफीक लोग, साथी लोग।

रूफात (رفات) अ वि.—भग्न, खडित, टूटा हुआ; टुकड़े-टुकड़े, चूर-चूर।

रूफकः (رفقه) अ पु.—साथ-साथ यात्रा करनेवाला, साथियों की टोली।

रूफतः (رفته) फा. वि.—झाडा हुआ, झाड़ू से साफ किया हुआ।

रूफत (رفت) फा स्त्री—झाड-मोछ, सफाई।

रूफतनी (رفتنی) फा वि—झाड़ने के काविल।

रूव (رَب) अ. पु.—फलों का पकाया हुआ रस जो गाढा हो गया हो।

रूवा (رِبا) फा प्रत्य—ले भागनेवाला, उडा ले जानेवाला, जैसे—'दिल रूवा' दिल उडा ले जानेवाला अर्थात् माशूक।

रूवाइदः (رِبايئده) फा वि—उडा ले जानेवाला, उचक ले जानेवाला, उचक्का।

रूवाई (رِباي) अ स्त्री—उर्दू और फार्सी का एक छद-विशेष जिसका मूल वज्ज १ तगण १ यगण एक सगण और एक मगण होता है (SSI, ISS, IIS, SSS), इसके पहले दूसरे और चौथे पद में काफिया होता है, कभी-कभी चारों ही

सानुप्रास होते हैं, परंतु अच्छा यही है कि चौथा सानुप्रास न हो।

रूवाईदः (رِبايئده) फा. वि—उचक ले जाया हुआ।

रूवाईयात (رِباييات) अ. स्त्री.—'रूवाई' का बहु, रूवाईया।

रूयूदः (رِبووده) फा. वि—ले जाया हुआ, उचका हुआ।

रूयूदगी (رِبوودگی) फा स्त्री.—उचक्कापन।

रूयूवीयात (رِبوویات) अ स्त्री.—ईश्वरत्व, परवर्दगारी।

रूमूज (رِمووز) अ. पुं.—'रूमज' का बहु, बहुत से भेद।

रूमूजे इश्क (رِمووز عشق) अ पु.—प्रेम के भेद, प्रेम की गहराइयां।

रूमूजे मम्मलुकत (رِمووز مملکت) अ. पु.—राजनीति के भेद, उसकी गहराइयां।

रूममान (رِمان) अ पु—अनार, दाडिम।

रूममानी (رِمائی) अ. वि.—अनार-जैसे रंग का, बहुत ही सुखं रंगवाला।

रूमह (رِمیح) अ. पु.—वरछा, भाला।

रूवाक (رِواق) अ. पु—मकान के ऊपर का खड, अट्टा, गैलरी, दे 'रिवाक' और 'खाक'।

रूवात (رِواة) अ. पु.—'रावी' का बहु, रावी लोग, रिवायत करनेवाले।

रूशद (رِشد) अ. पु.—गुरु की शिक्षा और दीक्षा, पीर की हिदायत।

रूशदीहिदायत (رِشدوهدایت) अ. स्त्री.—दीक्षा और मंत्र आदि।

रूसुग (رِسغ) अ पुं—कलाई, पहुँचा।

रूसुल (رِسل) अ पु—'रसूल' का बहु, रसूल और नबी।

रूसुख (رِسونخ) अ. पु—प्रवेश, पहुँच, रसाई, पैठ, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, जानकारी, दक्षता, कुशलता, महारत।

रूसुव (رِسوب) अ पु.—नीचे बैठी हुई गाद, पेशाब में नीचे बैठा हुआ मल आदि (कारूरे की शीशी में)।

रूसूम (رِسوم) अ पु—'रस्म' का बहु, रस्मे, रूढ़ियाँ, परम्पराएँ।

रूसूराः (رِسغنه) अ पु.—पहुँचा, कलाई।

रूसूग (رِسغ) अ. पु—दे 'रूसूग', दोनो शुद्ध हैं।

रूसूतः (رِسته) फा वि—उगा हुआ, अकुरित।

रूसूतखेज (رِستخیز) फा स्त्री—दे 'रूसूतखेज' दोनो शुद्ध हैं।

रूसूतगार (رِستگار) फा वि—दे शुद्ध उच्चारण 'रूसूतगार'।

रूसूतगी (رِستگی) फा. स्त्री.—उगाव, उपज, रोईदगी।

रूसूतनी (رِستنی) फा. स्त्री—तरकारी, शाक, (वि) उगने योग्य, उपज के काविल।

रूसूतम (رِستم) फा पु—ईरान का एक प्राचीन योद्धा

जीर पहलवान जिसका जल्लेख फिरदीमी ने गहनाम
म किया है बहुत बड़ा गूर जीर वीर ।

हस्तमे जमा (हस्तम) का अ पु -अपने समय का सबसे
बड़ा यादा ।

हस्ताखेज (हस्ताखेज) का स्त्री दे 'रस्ताखेज' दोना गुद्ध ह ।

हस्ती (हस्ती) का स्त्री -सुख, चन जीविका रोड़ी,
समझि, ऐश ।

हस्तोखेज (हस्त) का स्त्री -दे रस्तोखेज, दोना
गुद्ध ह ।

हस्त (हस्त) अ पु -रसू का बहु पगवर लाग, द
रसूल दोना गुद्ध ह ।

हसवा (हसवा) का वि -जो बहुत बन्नाम हा निदित,
गहित ।

हसवाई (हसवाई) का स्त्री -बन्नामी निना अपयग
बुझ्याति - यादे ऐयाम किया तर्के गिनेवाई था । हर
गली कूचा मुझे कूचए रसवाई था ।

हसवाए आम (हसवाए आम) का अ वि -सारे में बदनाम,
सर्वनिदित ।

हहमा (हहमा) अ पु -रहीम का बहु दयातु लोग ।

हहवान (हहवान) अ पु -राहिव' का बहु वह ईमाइ साथ
जो सासारिक विषय भासनाआ का त्याग कर चुका हो ।

रु

रु (रु) का पु -मुखावृत्ति चेहरा मुख मुह कारण, सबव ।

रुअत (रुअत) अ स्त्री -हृदय लिल बुद्धि अवन ।

रुए कित्तवी (रुए कित्तवी) का अ पु -किसी बदर लवातरा
चेहरा ।

रुएजमों (रुएजमों) का स्त्री -घरातल पथ्वी की सतह ।

रुएदाव (रुएदान) का स्त्री -वृत्तात कया, कायवाही
काररवाई ।

रुएबद (रुएबद) का प -दे रुव ।

रुए सुखन (रुए सुखन) का पु -बात का लम्ब जिमे ल य
करवे बात की जाय सबोधन मुखतितव ।

रुओरिआयत (रुओरिआयत) का अ स्त्री -मुरजत और
लिहाज गोल और सकोव ।

रुकन (रुकन) का वि -लज्जित गमिदा, समुल,
मुकाविल प्रतिद्विदा हरीफ ।

रुकनी (रुकनी) का स्त्री -लज्जा गम समुखता
सामना प्रतिद्विदिता रकावत ।

रुकार (रुकार) का स्त्री -मवान के सामनवाला भाग
सामने का रुक ।

रुगदां (रुगदां) का वि -परामुख विमुख, मुह फरे
हुए अचनाचारी हुवन उठू ल ।

रुगदांनो (रुगदांनो) का स्त्री -विमुखता, मुंह फरना
जागो लपन हुकम उठू नी ।

रु वर रु (रु वर रु) का वि -आमन-सामने, मुह दर मह ।

रुदाव (रुदान) का स्त्री -वृत्तात, हाल, कया, कहाना,
कायवाही, काररवाई ।

रुदावे एम (रुदान) का अ स्त्री -प्रेमव्यया वा वत्तात
इस्क की कहानी ।

रुदार (रुदा) का वि -प्रतिष्ठित, समानित मुअरजज पूज्य ।

रुदारी (रुदारी) का स्त्री -प्रतिष्ठा मायता, इज्जत ।

रुनास (रुनास) का स्त्री -मजोठ एक लकड़ी जो दवा
में चलती जीर रग के काम आती है ।

रनुमा (रनुमा) का वि -मु-दिखानेवाला ।

रनुमाई (रनुमाई) का स्त्री -मुह दिखाई ।

रुपाक (रुपाक) का पु -रुमाल मुह पीठने का कपडा ।

रुपोश (रुपोश) का वि -जो मुह छिपाये हो जो भाग
हआ हो मफर ।

रुपोशी (रुपोशी) जा स्त्री -मुह छिपाना, फिरार होना
मफरी ।

रुबद (रुबद) का पु -मुंह पर डालने का कपडा, बुर्का
मुखपट धूषट ।

रुबआस्मां (रुबआस्मां) जापाश की आर मुंह विय हुए,
ऊपर मुंह उठाये हुए ।

रुबज्जा (रुबज्जा) का अ वि -मीछे मुह विय हुए ।

रुबकार (रुबकार) का वि -काम म लिल लगाये हुए दत
चित्त दे 'रोवकार ।

रुबबवाल (रुबबवाल) का अ वि -पतन की जाद प्रवत्त
पतनो मुख ।

रुबदीवार (रुबदीवार) का वि -स्तथ चकित हराव ।

रुबराह (रुबराह) का वि -ठीक रस्ते पर ठीक-ठीक ।

रुबह (रुबह) का वि -समुम, आमने-सामने प्रत्यग
मुकाविल ।

रुबसेहत (रुबसेहत) का अ वि -वह रोगी जो स्वास्थ
की आर जा रहा हो ।

रुबहवा (रुबहवा) का अ वि -हवा के रुब पर ।

रुम (रुम) अ पु -एक देश ।

रुमाल (रुमाल) का पु -हाथ-मुंह पीठने का जब में राने
वाला कपडा कपट रुमाल ।

रुमी (रुमी) अ वि -रुम का निवासी रुम की भाषा ।

रुयत (रुयत) अ स्त्री -दान, देवता ।

स्यते हिलाल (رويت هلال) अ. स्त्री.—चंद्रदर्शन, नव चंद्र-
दर्शन, नया चाँद देखना ।
स्य (سوى) अ. पु.—स्वप्न, स्याव; निद्रा, नीद ।
स्यए सादिकः (رواية صادق) अ. पु.—नच्चा स्याव, वह
स्वप्न जिनका फल स्वप्न में देखी हुई बात के अनुकूल हो ।
स्यनास (روية ناس) फा. वि.—सूरत भर पहचाननेवाला,
बहुत कम परिचित; परिचित, वाफिक ।
स्यनासी (روية ناسی) फा. स्त्री.—केवल सूरत भर पहचानना,
बहुत कम परिचय ।
स्यखान (روية سخان) फा. पु.—जला हुआ ताँवा जो विशेषत
खिजाव में काम देता है ।
स्यपी (روية پی) फा. स्त्री—असती, पृथ्वी, भ्रष्टा,
क्राहिया ।
स्यफेद (روية سفید) फा. वि.—नेकनाम, यगस्वी, शिष्टा-
चारी, नेक कर्दार ।
स्यियाह (روية سیاہ) फा. वि.—कदाचारी, पापात्मा, बद-
चलन, पापी, गुनाहगार ।
स्यियाही (روية سیاہی) फा. स्त्री.—कदाचार, बदचलनी,
पाप, गुनाह ।
स्यता (روية تاء) फा. पु.—ग्राम, गाँव, देहात ।
स्यताई (روية تائی) फा. वि.—ग्राम निवासी, देहाती, कृषक,
किसान, उजड़, अखड, असम्य, गँवार ।
स्यताषादः (روية تاشاد) फा. पु.—गाँव का लडका, देहाती
लडका ।
स्य (روح) अ. स्त्री.—प्राण-वायु, जान, सत, जीहर;
कई वार का खीचा हुआ अरक, कई वार का बहुत अधिक
फूले से बनाया हुआ इत्र ।
स्यअफज्जा (روح افرا) अ. फा. वि.—प्राणवर्द्धक, जीवन बढ़ाने-
वाला ।
स्यअश्वर (روح اسور) अ. फा. वि.—प्राणों को पालने और
उनकी रक्षा करनेवाला ।
स्यअफर्सा (روح اسفا) अ. फा. वि.—प्राणों को छीलनेवाला,
अर्थात् हृदय को अत्यंत खेद पहुँचानेवाला ।
स्यानियाँ (روحانیاں) अ. फा. पु.—देवतागण, फिरिश्ते ।
स्यानियात (روحانیات) अ. फा. स्त्री—अध्यात्मवाद, इलाही-
यात ।
स्यानी (روحانی) अ. वि.—आत्मिक, रूह सम्बन्धी, हार्दिक,
दिली ।
स्यानियात (روحانیت) अ. स्त्री.—आत्मवाद, अध्यात्मवाद,
तसव्वुफ ।
स्यही (روحی) अ. वि.—आत्मिक, आत्मिक, आत्मिक ।

स्यलअमीन (روح الامین) अ. पु.—हज्रतजिब्रील ।
स्यलफुदुस (روح القدس) अ. पु.—हज्रत जिब्रील ।
स्यल्लाह (روح الله) अ. पु.—हज्रत ईसा ।
स्येआ'जम (روح اعظم) अ. पु.—जिब्रील ।
स्ये तदई (روح طاعی) अ. स्त्री.—प्राणवायु का वह अंश
जो यकृत में रहकर खाद्य पदार्थों को पचाता और शरीर के
सारे अंगों को गिजा पहुँचाता है, (यूनानी तिव) ।
स्ये त्तिया (روح توتیا) अ. फा. स्त्री.—जस्ता, एक धातु ।
स्ये नफ्तानी (روح نفسانی) अ. स्त्री—प्राणवायु का वह अंश
जो मस्तिष्क में रहता और इन्द्रियों का संचालन करता तथा
उन्हे शक्ति प्रदान करता है (यूनानी तिव) ।
स्ये नवाती (روح نواتی) अ. स्त्री—वनस्पति के अंदर संचार
करनेवाला प्राणवायु या उसकी जीवन-शक्ति ।
स्ये मुअर्रम (روح معلم) अ. पु.—हज्रत जिब्रील ।
स्ये मुकरम (روح مکرم) अ. पु.—हज्रत जिब्रील ।
स्ये मुजरद (روح مسترد) अ. पु.—दे. 'रूहे मुल्लक' ।
स्ये मुल्लक (روح مطلق) अ. पु.—ईश्वर, परमात्मा ।
स्ये रवाँ (روح روان) अ. फा. स्त्री—प्राणवायु, वह रूह जो
रगों में संचरित रहती है ।
स्ये हैवानी (روح حیوانی) अ. स्त्री.—वह प्राणवायु जो शिराबी
के द्वारा सारे शरीर में संचार करता है, और यकृत में जाकर
अन्न पचाता और वाँटता और मस्तिष्क में जाकर इन्द्रियों को
शक्ति देता और सारे अंगों को जीवन प्रदान करता,
उन्हे पालता और विकसित करता और उनकी शक्ति
बढ़ाता है ।

रे

रेग (ریگ) फा. उभ—वाल्का, रेत, बालू ।
रेगज्जार (ریگزار) फा. पु.—मरुस्थल, रेगिस्तान ।
रेगदान (ریگدان) फा. पु.—रेत रखने का पात्र जो विशेषत
वही-खाते की स्याही सुखाने के काम आता है ।
रेगबूम (ریگبوم) फा. स्त्री.—रेतेली जमीन जिसमें कुछ
पैदा न हो, रेगिस्तान ।
रेगमाल (ریگمال) फा. पु.—एक प्रकार का खुरदरा
कागज, जो लकड़ी आदि को साफ करने के काम आता है ।
रेगमाही (ریگماهی) फा. स्त्री—एक प्रकार की मछली
जो रेत में पैदा होती है और दबा में चलती है, सकनूर ।
रेगशो (ریگشو) मिट्टी साफ करके उससे सोना निकालने
वाला, न्यारिया ।
रेगशोई (ریگشویی) फा. स्त्री.—मिट्टी से सोना-चाँदी
निकालने का काम, न्यारा ।

रेगिस्तान (ريگستان) का पु -मरुस्थल, मरुभूमि, रेगिस्तानी इलाका।
 रेगिस्तानी (ريگستاني) का वि -रेगिस्तान का निवासी रेगिस्तान में उपज होनेवाला।
 रेगे गुद (ريگ گود) का स्त्री -गुदोंम पडनेवाली पथरी।
 रेगे मगान (ريگ مسانه) का अ स्त्री -मूत्राणव में पडने वाली पथरी।
 रेगे रबाँ (ريگ ران) का स्त्री -हमेशा यतिमान रहने वाला रज।
 रेह्त (ريخته) का पु -गिरा पत्रा बिलखा हुआ उदू भाषा का पुराना नाम जो उस एक शताब्दी पहल प्राप्त था।
 रेह्तगर (ريخته گز) का वि -धानु के बरतन ढाङ्गनेवाला।
 रेह्त गरी (ريخته گری) का स्त्री -धानु के बरतन ढाङ्गना।
 रेह्त गो (ريخته گوی) रस्मा की भाषा में कविता करनेवाला।
 रेह्त गोई (ريخته گویی) का स्त्री -रस्मा में कविता करना।
 रेह्तम (ريخته دم) का वि -धार उतरा हुआ भाषरा।
 रेह्तपा (ريخته پا) का वि -तीव्र गति तब रफतार कापवेग।
 रेह्तपाई (ريخته پائي) का स्त्री -नेत्र चलना तीव्र गमन।
 रेह्तमू (ريخته موی) जिससे बाल झड गये हैं।
 रेह्नी (ريختگی) का स्त्री -रेस्ना की वह क्रिम जिसमें स्त्रिया की भाषा में (स्त्रण) कविता की जाती थी।
 रेज (ريز) का पु -कण जरी कतरन निरख वटून छोटा टबडा रवा।
 रेज कार (ريز کار) का वि -बहुत महीन काम करनेवाला।
 रेजकारी (ريز کاری) का स्त्री -बहुत महीन काम बनाना।
 रेजखी (ريزخوان) का वि -गातावाग गायक रज का उत्तम-चढ़ान।
 रेजखानी (ريزخوانی) का स्त्री -गाता गम गायक।
 रेजखी (ريزخوان) का वि -गिरी पत्रा पीठ बीननवाग दस्तगात का शान्त गातावाग रिदा आदि का गान प्राप्त करनेवाला।
 रेजखीनी (ريزخوانی) का स्त्री -गिरी पत्री पाठे बीनता शान्त गाता रिदा आदि प्राप्त करना।
 रेजरेज (ريز ريز) का वि -पूर पूर गान-जड जरी जरी।
 रेजरा (ريزه) का वि -जरा गाता गानवाला।
 रेजराई (ريزه راي) का स्त्री -जरा गाता गाना।
 रेज (ريز) का शब्द -विषयवाला ५८४ -गुदरेज का विशेषण।
 रेजगारी (ريزگاری) का स्त्री -गव की मरीज नरल मुरी।

रेजगी (ريزگی) का स्त्री -छोटा सिक्का रजगारा कण जरी, छोटा टुकड़ा।
 रेजाँ (ريزان) का वि -बिलेखता हुआ, बरसाता हुआ, डालता हुआ।
 रेजिद (ريزیده) का वि -बिलेखनेवाला बरसातेवाला गिरानेवाला।
 रेजिदअरक (ريزیده اشک) का वि -आमू बहानेवाला रानेवाला।
 रेजिग (ريزگی) का स्त्री -बिलखन फलाव बहाव नरने के कारण नाक बहना।
 रेजद (ريزد) का स्त्री -एक दवा रेजदनाई।
 रेजदखताई (ريزدخانی) का स्त्री -एक जड जो जिनर के लिए बहुत अच्छी जापवि है।
 रेजदखीनी (ريزدخانی) का स्त्री -रेजदनाई, परतु रेजदखीनी के नाम से एक दूसरा दवा बलती है।
 रेज (ريز) का पु -उर कण मरु किरिये।
 रेजकार (ريزکار) का वि -छली कपटी बचक मरुतार।
 रेजफन (ريزفن) का वि -जो छल में बडा नियुण हा धून फितीन।
 रेज (ريز) का पु -कडी का पतल मूत तनु शुषका।
 रेजखती (ريزخانی) का स्त्री -एक दवा राना की जड (वि) मूष, ट, किरिया।
 रेजखानी (ريزخوانی) का स्त्री -मुआदारा, बिराी काम के लिए गुप्त रूप से वाणिग।
 रेजखार (ريزخار) का वि -जिसमें रेज है।
 रेज (ريز) का पु -गान कण घाव उन्म।
 रेजए इलम (ريزه علم) का अ पु -कण्य के भीतर रज वाग मूत।
 रेजए न (ريزه ن) का पु -नरज के भीतर का मूत।
 रेजम (ريزم) का पु -गान एक प्रसिद्ध गीत ना एक रीज म प्राप्त होता है और जिय। रानी कण्य बनता है।
 रेजमी (ريزمی) का वि -रेजम का, रेजम का बना हुआ रेजम सम्बन्धी।
 रेजमी (ريزمی) का वि -रेजमी।
 रेजिद (ريزیده) का वि -बहानेवाला।
 रेजिद (ريزیده) का वि -नाडा हुआ।
 रेजमी (ريزمی) का स्त्री -रेजम का लघु रेजम।
 रेजमीनाज (ريزمینار) का वि -जरा बारीपर।
 रेजमीबाडी (ريزمی بادی) का स्त्री -जरा का कण बाहागरी।
 रेजमान (ريزمنان) का स्त्री -जोर जोरी रानी रज्जु।

रै

- रैखान (ریمان) अ. पु.—अनुष्ठान, उठान; यौवनारंभ, उठती जवानी ।
 रैखाने जवानी (ریمان جوانی) अ फा पु—जवानी की गुरूआत, यौवनारंभ ।
 रैखाने शवाव (ریمان شداف) अ.पु—दे 'रैखाने जवानी' ।
 रैख (ریم) अ पु—संदेह, आशका, शक, शुबहा, दुर्घटना, हादिसा ।
 रैखलमनून (ریمبالسولون) अ पु—सासारिक दुर्घटनाएँ, दुनयावी हादिसे ।
 रैहां (ریمان) अ.पु—'रैखान' का लघु, दे 'रैखान' ।
 रैखान: (ریمانان) अ स्त्री—रैखान बोने की जमीन ।
 रैखान (ریمان) अ पु—एक खुशबूदार घास ।
 रैखानी (ریمانی) अ वि—जिसमे रैखान की सुगंध हो, जो रैखान से बनी हो ।

रो

- रोई (روئیل) फा वि—कांसे का बना हुआ ।
 रोईतन (روئیتن) फा वि—जिसका शरीर धातु का बना हो, अर्थात् बहुत मजबूत शरीरवाला, लौहपुरुष ।
 रोईद: (روئید) फा. वि—उगा हुआ, जमा हुआ, अकुरित ।
 रोईदगो (روئیدگی) फा स्त्री—उगाव, उत्पत्ति जमावट, बनस्पति, घास आदि ।
 रोईदनी (روئیدنی) फा वि—उगने योग्य, अकुरित होने योग ।
 रोख: (روخ) फा पु.—व्रत, उपवास, उपोषण, (प्रत्य) दिनोंवाला, जैसे—'हफ्त रोज' सात दिनोंवाला ।
 रोख.कुवाई (روخکوشائی) फा स्त्री—रोखेदारो को रोजा खोलने के लिए इप्तारी भेजना या अपने घर खिलाना ।
 रोख: खोर (روخخورد) फा वि—जो रोजा न रखता हो, रोख. या जानेवाला ।
 रोख:दार (روخدار) फा. वि.—जो रोजे से हो, व्रतधारी ।
 रोख:निमनी (روخشکنی) फा स्त्री.—रोजा समय से पहले तोट देना ।
 रोख (روخ) फा पु—दिवस, दिन, दिवा ।
 रोख:अफूँ (روخافرو) फा वि—जो हर दिन बढ़ता रहे, वृद्धिमान् ।
 रोख:कोर (روخکور) फा. वि—वह व्यक्ति जिसे दिन मे न दिखाई देने का रोग हो, दिनाघ ।
 रोख:कोरी (روخکوری) फा स्त्री—दिन में न दिखाई देने का रोग ।

- रोखगार (روخگار) फा पु—उद्योग, व्यवसाय, पेशा, काल, समय, वक्त, युग, अद्द ।
 रोखगारपेश: (روخگارپیشه) फा. वि—उद्योगी, व्यवसायी, तिजारत करनेवाला ।
 रोखन (روخن) फा पु.—छिद्र, विवर, सूराख ।
 रोखनाम: (روخنامه) फा पु.—दैनिक पत्र, रोज निकलनेवाला अख्बार, डेली पेपर ।
 रोखनामच: (روخنامچه) फा पु—रोज का हाल लिखने की किताब, दैनिकी, डाइरी, पुलिस की रोज की काररवाई का रजिस्टर, रोज के हिसाब की बही ।
 रोख व रोज (روخ و رोज) फा वि—हर रोज, दिन प्रतिदिन ।
 रोखमर: (روخمر) अ फा पु—प्रतिदिन, हर रोज, नित्य-प्रति ।
 रोज रोज (روزروز) फा. वि—हर रोज, विला नागा, नित्य प्रति, नित्यश ।
 रोजान: (روزانه) फा वि—हररोज, प्रतिदिन, डेली, नित्यश ।
 रोजी (روزی) फा. स्त्री.—जीविका, आजीविका, वृत्ति ।
 रोजीन: (روزینه) फा पु—हर रोज की तनख्वाह, एक दिन के हिसाब से मजदूरी ।
 रोजीन:दार (روزیندار) फा पु—हर रोज की तनख्वाह पानेवाला, एक दिन के हिसाब से मजदूरी पानेवाला ।
 रोजीदींहद: (روزیدهنده) फा वि—रिज्क देनेवाला, अन्न-दाता ।
 रोजीरसाँ (روزی رसान) फा वि—रोजी देनेवाला, अन्नदाता ।
 रोजीरसानी (روزی رسانی) फा. स्त्री—रोजी देना, अन्नदान ।
 रोजे कियामत (روز قیامت) फा अ. पु—कियामत का दिन जब अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब-किताब होगा ।
 रोजे जंग (روز جنگ) फा पु—युद्ध का दिन, लडाई का दिन ।
 रोजे जज्जा (روز جزا) फा. अ पु—दे 'रोजे कियामत' ।
 रोजे पसी (روز پستی) फा. पु—मरने का दिन ।
 रोजे वद (روز بد) फा. पु—बुरा दिन, मनहूस और अशुभ दिन, जिस दिन कोई बुरी घटना हुई हो ।
 रोजे वाजख्वास्त (روز بازخواست) फा पु—दे 'रोजे कियामत' ।
 रोजे महशर (روز محسور) फा. अ पु—दे 'रोजे कियामत' ।
 रोजे मेदाँ (روز میدان) फा पुं.—दे 'रोजे जंग' ।
 रोजे विलादत (روز ولادت) फा अ. पु—'पँदा होने का दिन' ।
 रोजे रौशन (روز روشن) फा. पु—साफ और उज्ज्वल दिन, जिस दिन बादल या कोहरा आदि न हो ।
 रोजे शुमार (روز شمار) फा अ. पु—दे 'रोजे कियामत' ।
 रोजे सियाह (روز سیاه) फा पु—दे 'रोजे वद' ।
 रोजे हश्च (روز حشر) फा. अ पुं—दे 'रोजे कियामत' ।

रोजे हिसाब (روزه حساب) फा अ पु—दे 'रोजे कियामत'।
 रोजोगब (روزه) फा पु—रातदिन, अर्हानिस।
 रोद (روزه) फा पु—सात ततु आत, अत्र।
 रोद (روزه) फा पु—नदा आपगा तरगिणी, तदिनी दर्या।
 रोदखान (روزه خانه) फा पु—ननी दया वह भूमि जा प्राय नना की बाड स नलमन रहनी हों।
 रोदखेज (روزه خیز) फा स्त्री—माना की रौ।
 रोदखार (روزه خار) फा पु—जहाँ बहुत-से नदा नाले हा।
 रोव (روزه) फा स्त्री—रावाह का लघु, लामनी लामगा।
 रोव-बाजी (روزه بازی) फा स्त्री—मक्कारा धूतता, छल, कपट बचगा।
 रोव (روزه) फा प्रत्य—वानेवाला, जस—'राकाराव' मिट्टा वानेवाला।
 रौव (رويه) अ पु—आतक दाब प्रताप तेज इबवाल धाक डर।
 रोवकार (روزه کار) फा पु—सरकारा कापुत्र आलसपत्र हुकमनामा।
 रोवकारी (روزه کاری) फा स्था—कारवाइ मुकदम आलि की पगी।
 रौबदार (رويه دار) अ फा वि—जिसकी धाक बठी हा जियका चहरा रानीला हो।
 रोबर (روزه بر) फा वि—आमने-सामन सम्मुख प्रत्यन।
 रावाह (روزه راه) फा स्त्री—लामदी लामगा लोमगी छिकर लामालिका गुधडवा।
 रोमाहलस्त (روزه لاهلست) फा अ वि—मक्कार छली धून, बचक ठग।
 रोवाहबाजी (روزه بازی) फा स्त्री—मक्कारी छल कपट, धूनता।
 रोवाहमिदाब (روزه مباح) फा अ वि—जिसकी प्रहति में छल और धूनता हा।
 रोवाहसिफ्त (روزه سفید) फा अ वि—मक्कार छगी ठग धायवाड।
 रोबीद (روزه بد) फा वि—वादा हुआ मर्जिन साफ।
 रो बीदाब (روزه بداب) अ पु—धाक और आतक भय और शाम।
 रोपत (روزه پت) अ स्त्री—मना दान।
 रोपते हिलाल (روزه پته هلال) अ स्त्री—नवचंद्र-मान नया चांद दयना।
 रोपा (روزه پا) अ पु—मक्कन खाव।
 रोपाए सादिद (روزه پاه سدید) अ पु—मक्का खन जिसका फल सच्चा निकल।

रोशन (روشن) फा वि—गुप्त प्रकाशमान मुनवर स्पष्ट, वाजेह, उज्वल, साफ।
 रोसपी (روسته پی) फा स्त्री—व्यभिचारिणी, अखनी, कुरटा फाहिशा।

रौ

रौअत (روزه آب) अ स्त्री—भय श्रास, डर।
 रौअन (روزه ان) अ पु—तेल, तल स्नेह चिकनाई, घी घन।
 रौअनगर (روزه انگر) अ फा वि—तल परनेवाला तनी तलकार तलिक।
 रौअन जबानी (روزه زبانی) अ फा स्त्री—चाटुकारिता गुणामद वाचालता, चपलता चव जबानी।
 रौअन जोग (روزه حوش) अ फा वि—एक प्रकार का पका हुआ गात।
 रौअन दाघ (روزه داغ) अ फा वि—घी से बघारा हुआ छोंका हुआ।
 रौअनफरोग (روزه فروغ) अ फा पु—तल बेचनेवाला।
 रौअनी (روزه انی) फा वि—तल में बना हुआ, तल रंगा हुआ चिकना।
 रौअने क्राड (روزه مار) अ फा पु—चापलसी चाटुकारिता गुणामद।
 रौअने कुजद (روزه کلهبد) अ फा पु—तिल का तेल तल।
 रौअने गाब (روزه گاب) अ फा पु—गाय का घी गापुत।
 रौअने खद (روزه ردد) अ फा पु—घी, घृत।
 रौअने तल्ल (روزه تلخ) अ फा पु—मरसा का तेल बन्दा तेल सपय तल।
 रौअने गीरी (روزه سیرس) अ फा पु—तिल का तल तल।
 रौअने सगक (روزه سرف) अ फा पु—मरसा का तेल।
 रौअने सियाह (روزه سیاه) अ फा पु—मरसा का तेल।
 रौअ (روزه) अ पु—उद्यान आराम वाटिका बाघ म-इ जार गादर हरा भरा भदान किसी बड़े दरवेश का मक्कार।
 रौअ-हवा (روزه هوا) अ फा वि—मिम्बर पर बन्दर बचला की दुघटनावा का व्याख्यान करनेवाला।
 रौअ-हवानी (روزه هواپی) अ फा स्त्री—द्राम हुसन की घाटान का हान मिम्बर पर बन्दर बयान करना।
 रौअ (روزه) अ पु—रौअ का बहु बहुत हा बाघ, उद्यान समूह।
 रौअए अन्नत (روزه حله) अ पु—स्वगवानिका जन्नत का बाघ।
 रौअए म्बाराक (روزه مبارک) अ पु—गविन और पुनीज रोबा।

रौबए रयाहोन (رؤبىء رىاحمن) अ. पु.—स्वर्ग, जन्नत ।
 रौबए रिबवाँ (رؤبىء رىواون) अ. पु.—स्वर्ग, बहिस्त ।
 रौबन (رؤبن) अ. पु.—छिद्र, छेद, विवर, सुराख ।
 रौबने दर (رؤبنىء در) अ. फा. पु.—दीवार का छेद, दरवाजा ।
 रौबने दोवार (رؤبنىء دووار) अ. फा. पु.—दीवार का छेद ।
 रौबनात (رؤبنات) अ. पु.—‘रौजा’ का वहु, उद्यान-समूह, बागात ।
 रौनक (رؤنق) फा. स्त्री—शोभा, छटा, सुहानापन, दीप्ति, प्रकाश, चमक-दमक, तडक-भडक; प्रसन्नता और हर्ष की लहर ।
 रौनकअफजा (رؤنق افزا) फा. वि.—शोभा बढ़ानेवाला, उपस्थित, मौजूद, तशरीफ फर्मा ।
 रौनकअफजाई (رؤنق افزائى) फा. स्त्री—शोभा बढ़ाना, उपस्थित ।
 रौनकअफोज (رؤنق افروز) फा. वि.—दे ‘रौनकअफजा’ ।
 रौनकअफोजी (رؤنق افروزي) फा. स्त्री—दे ‘रौनकअफजाई’ ।
 रौनकअथारा (رؤنق اثارا) फा. वि.—दे ‘रौनकअफजा’ ।
 रौनकअफजा (رؤنق افزا) फा. वि.—‘रौनकअफजा’ का लघु, दे ‘रौनकअफजा’ ।
 रौनके खाना (رؤنق خانه) फा. स्त्री—घर की रौनक, गृह-दीप्ति, पत्नी, भार्या, बीवी ।
 रौनके चेहरः (رؤنق چهره) फा. स्त्री—चेहरे की शोभा, मुखश्री, मुखरश्मि, मुखकाति ।
 रौनके वरम (رؤنق برم) फा. स्त्री—सभा की रौनक, सभा-भूषण ।
 रौनके मजिलस (رؤنق مجلس) फा. अ. स्त्री—दे ‘रौनके वरम’ ।
 रौनके महाफल (رؤنق محفل) फा. अ. स्त्री—दे ‘रौनके वरम’ ।
 रौशन (رؤشن) अ. वि.—दीप्त, प्रकाशित, मुनब्वर, उज्वल, धवल, शफफा, स्पष्ट, ज्वलत, वाजेह, चमकदार, ज्योतिर्मय, तावाँ ।
 रौशनगुहर (رؤشن گهر) फा. वि.—कुलीन, वशप्रदीप, आलीखानदान ।
 रौशनजबी (رؤشن جبين) फा. वि.—चमकदार माथेवाला, उज्वलललाट ।
 रौशनजमीर (رؤشن صمير) फा. अ. वि.—जो दूसरो के हृदय की बात जानता हो, अन्तर्यामी ।
 रौशनजमीरी (رؤشن صميرى) फा. अ. स्त्री—दूसरो के हृदय की बात जानना ।
 रौशनतवब (رؤشن طبع) अ. वि.—तीव्र बुद्धि, तेज फहम ।

रौशनतर (رؤشن تر) अ. फा. वि.—बहुत अधिक चमकदार ।
 रौशनदान (رؤشن ددان) फा. पु.—मकान में रौगनी आने का सुराख ।
 रौशनदिमाग (رؤشن دماغ) अ. वि.—दीप्तप्रज्ञ, तीक्ष्ण-बुद्धि, तेज अकल; नाक में सूंधने का हुलास ।
 रौशनदिमागी (رؤشن دماغى) अ. फा. स्त्री—बुद्धि की तेजी, जहानत, प्रतिभा ।
 रौशनदिल (رؤشن دل) अ. फा. वि.—दे ‘रौशनजमीर’ ।
 रौशनदिली (رؤشن دلى) अ. फा. स्त्री.—दे ‘रौशनजमीरी’ ।
 रौशननिगाह (رؤشن نگاه) अ. फा. वि.—दूरदर्शी, तेज निगाह ।
 रौशननिहाद (رؤشن نيهاد) अ. फा. वि.—दे ‘रौशनजमीर’ ।
 रौशनराए (رؤشن راي) अ. वि.—जिसकी राय बहुत अच्छी हो; जिसकी सलाह बहुत बढ़िया हो, जो कूटनीति में निपुण हो ।
 रौशनसवाद (رؤشن سواد) अ. वि.—जो अच्छी तरह लिख-पढ सके, शिक्षित ।
 रौशनाई (رؤشنائى) फा. स्त्री—उजाला, प्रकाश, आँख की तेजी, नजर की दूरबीनी; सियाही, मसि ।
 रौशनी (رؤشنى) फा. स्त्री—प्रकाश, नूर, आभा, चमक ।
 रौह (روح) अ. स्त्री—सुगंध, खुशबू, प्रफुल्लता, ताजगी, सुख, आराम ।
 रौहात (روحان) अ. स्त्री—‘रौह’ का वहु, सुगंधियाँ; सुख-चैन; ठडी हवाएँ ।

ल

लंग (لنگ) फा. पु.—लँगड़ा, पगुल, पगु; लँगड़ापन, पंगुता; मेहन, शिग्न, लिंग ।
 लंगर (لنگر) फा. पु.—अपाहिजो और कगालो को दिया जानेवाला भोजन, जो प्रतिदिन दिया जाय, सदाव्रत, समुद्र में जहाज को ठहरानेवाला भारी बोझ ।
 लंगरअंदास्तः (لنگر انداخته) फा. वि.—ठहरा हुआ, एक स्थान पर रुका हुआ ।
 लंगरअंदाज (لنگر انداز) फा. वि.—समुद्र में ठहरा हुआ जहाज ।
 लंगरअंदाजी (لنگر اندازى) फा. स्त्री.—लंगर द्वारा समुद्र में जहाज का पडाव ।
 लंगरखानः (لنگر خانه) फा. पु.—वह स्थान जहाँ गरीबों को प्रतिदिन खाना बाँटा जाता है, अन्न-सत्र ।
 लंगरगाह (لنگر گاه) फा. स्त्री.—वह स्थान जहाँ जहाज लंगर से ठहराये जाते हैं (बीच समुद्र में) ।

लगरपञ्जीर (لنگرپنجر) फा वि-दे 'लगरअदाज'।
 लगरी (لنگری) फा पु-लगर से सम्बंधित एक प्रकार का बग प्याला, बड़ा थाली, परात तश्त।
 लंगिद (لنگنده) फा वि-लंगानगर चलनेवाला।
 लंगीद (لنگنده) फा वि-लंगदावर चला हुआ।
 लगेपा (لنگ پا) फा पु-पाँव का लंगडापन लगडाहट।
 लग (لنگ) फा पु-अठलाकर चलना चटक मटक दिखाते हुए चलना।
 लवर (لندره) हु पु-लदन इंग्लड की राजधानी।
 लवक (لنگک) फा अ-बहरामगोर का भिक्षुी जो बड़ा अतिथि पूजक और दानगील था।
 लगल [लल] (لعل) अ अय-शायद स्यात वदाचित।
 लगस (لغس) अ पु-होठो की लालिमा।
 लगाली (لغالی) अ पु-'रूयू का बहु मुक्तावली बहुत स माता।
 लगभाव (لغاب) अ वि-बाजोगर मदारी, कौतुकी।
 लइब (لعب) अ पु-खेल क्रीडा खेल-बूद।
 लईक (لکین) अ वि-योप्य काविल शिष्ट तमीजदार।
 लईन (لغین) अ वि-जिस पर ला नस भेजी गयी हो धिक्कृत।
 लईम (لغیم) अ वि-वह कजूस व्यक्ति जो न स्वय खा सके न दूसरे को खिला सके।
 लईमुसवय (لغیم الطمع) अ वि-जिसकी प्रकृति बहुत ही तुच्छ हो जो स्वभाव से न स्वय खा सके न किसी को खिला सके।
 लउअक (لغوری) अ अय-शायक का एक प्रकार तुम्हारे पाणा की शपथ।
 लऊक (لغور) अ प-एसी औपथ जो चाटकर खायी जाय चटती अवलह।
 लक [कक] (لک) अ पु-कूटना चूरा करना मारना पीटना।
 लक (لک) फा पु-मूब वेवकफ लाक्षा ठास एक प्रसिद्ध गाद।
 लक [कक] (لک) अ पु-बे वाला का सपाचट।
 लकत (لکط) अ वि-भूमि पर पड़ी हुई वस्तु उठाई हुई चीनी दुइ चुनी हुई।
 लकद (لکد) फा स्त्री-लाट दुकती।
 लकद (لکد) अ पु-मल जमना किसी स्थान वा मला होना।
 लकदकोव (لکدکوی) फा वि-दुलती मारनेवाग हटयाव करनेवाला।

लकदकोवी (لکدکوی) फा स्त्री-लतयाव करना दुलती शाडना।
 लकदखत (لکدخون) फा वि-दे 'लकदकोव'।
 लकदखनी (لکدخی) फा स्त्री-दे लकदकोवी।
 लकम (لکن) अ पु-हकलापन, हकलाकर बात करना।
 लकफ (لکف) अ पु-दीवार का गिरना, हीज की दीवार का गिर जाना, जिससे उसका मुँह चौड़ा हो जाय।
 लकब (لکب) अ पु-उपाधि यिताव ऐसा नाम जिसमें उस व्यक्ति के गुणो का पता चले।
 लकम (لکم) अ पु-माग का बीच।
 लक्स (لکس) अ पु-हृदय की व्याकुलता और पबडाहट, नास, तवाही।
 लकह (لکھ) अ पु-गभ होना, गभवनी हाना।
 लका (لکا) अ पु-मयुन सहगास।
 लकिन (لکن) अ वि-किसी बात की तह को शीघ्र ही पहुँच जानेवाला प्रतिभावान्।
 लकिन (لکن) अ वि-हकलाकर बोलनेवाला।
 लकिस (لکس) अ वि-आपस में फूट डलवानवाला।
 लकीत (لکیت) अ वि-वह बालक जो रास्ते में जमीन पर पग हुआ मिले, और जिसे पाला जाय।
 लकीत (لکیت) अ पु-लकीत।
 लकोदक (لکودک) फा वि-चटयल मदान ऐसा जगल जिसमें कोसो न छाया हो न पानी मूल शान लगोग्य है।
 लकअ (لکع) अ पु-आख झपकाना पलक मारना, निमेष।
 लकअ (لکع) अ पु-शरीर पर मल जमना साँप वा डसना पशु गावक का दूध पीते समय धनो को सिर का हूरा दना।
 लककोदक (لکودک) अ पु-दे 'लकोदक'।
 लकब (لکرو) अ पु-छाती पर लात मारना।
 लकत (لکط) अ पु-गिरी हुई वस्तु वा भूमि से उठाना चीनता चुनना।
 लकम (لکن) अ पु-ताडना, परखना समझना।
 लकम (لکم) अ पु-चूसा मारना मुक्केबाजी करना।
 लकम (لکم) अ पु-माग बंद कर देना रास्ते का मुँह बंद कर देना।
 लकलक (لکلتک) अ पु-लकलक पानी की जारदार आवाज।
 लकलक (لکان) अ पु-एक जलीय पानी जो साँप और मछली खाता है सारस पक्षी उदान जिहा।
 लकलक (لکک) फा पु-दे लकलक'।

लक्कार (لقلق) अ पु.—लक्कलक पक्षी; लक्कलक पक्षी का स्वर ।
 लक्कवः (لقوه) अ पु.—एक रोग जिसमें मुँह एक ओर को फिर जाता है, भजनक, वरुणग्रह ।
 लक्कवःजदः (لقوه رده) अ. फा वि.—जिसे लक्कवा मार गया हो, वरुणग्रही ।
 लक्कन (لعن) अ. पु.—मैला होना, गदा होना ।
 लक्कवः (لصحه) फा पु.—स्फुलिंग, चिनगारी; अगार, अगारा; ज्वाला, शौल ।
 लक्कजः (لصحه) फा पु.—दे 'लक्कवः' ।
 लक्कतः (لصته) फा पु.—दे 'लक्कत' ।
 लक्कत (لصت) फा पु.—खड, टुकड़ा; अल्प, न्यून, थोडा; लोहे का गुर्ज ।
 लक्कते (لصته) फा. वि.—थोड़ा-सा, जरा-सा ।
 लक्कते जिगर (لصت حكر) फा. पु.—जिगर का टुकड़ा, पुत्र के लिए बोलते हैं ।
 लक्कते दर (لصت در) फा. पु.—द्वारपट, दरवाजे के किवाड़ ।
 लक्कते दिल (لصت دل) फा पु.—दे 'लक्कते जिगर' ।
 लक्कलक्कः (لصحه) अ. पु.—सूँघने का एक सुगंधित मिश्रण ।
 लक्कशः (لصته) फा पु.—दे 'लक्कवः' ।
 लक्कशाँ (لصشان) फा. वि.—रपटता हुआ, फिसलता हुआ, वह वस्तु जिस पर पाँव फिसले ।
 लक्कशदः (لصسد) फा वि.—रपटनेवाला, फिसलनेवाला ।
 लक्कशीदः (لصسیده) फा अ वि.—रपटा हुआ, फिसला हुआ ।
 लक्कत (لصط) अ पु.—कोलाहल, शोर, आवाज, पुकार ।
 लक्कन (لصن) फा स्त्री—हाथ धोने का तश्त-विशेष, पीतल का दीवट, चौमुखा, अँगोठी ।
 लक्काम (لصام) फा स्त्री.—कविका, दत्तालिका ।
 लक्कानः (لصونه) फा पु.—मुखचूर्ण, गुलगून ।
 लक्कौदग (لصردغ) फा पु.—दे 'लक्कोदक', शुद्ध शब्द यही है, परंतु प्रचलित नहीं है ।
 लक्कजा (لصجان) फा वि.—फिसलता हुआ, रपटता हुआ ।
 लक्कौददः (لصردنه) फा वि.—फिसलनेवाला, रपटनेवाला ।
 लक्कजश (لصجش) फा स्त्री—फिसलन, रपट, त्रुटि, भूल, गलती, अपराध, कुसूर ।
 लक्कजशे पा (لصجش با) फा. स्त्री—पाँव फिसलना, डगमगा जाना, विचलित हो जाना, पदकंप ।
 लक्कजशे वेजा (لصجش بجا) फा. स्त्री—अनुचित भूल या गलती ।
 लक्कजीदः (لصجیده) फा. वि.—फिसला हुआ, रपटा हुआ ।

लक्कम (لصم) अ. पु.—किसी को ऐसी बात बताना, जिसका उसे विश्वास न हो ।
 लक्कव (لصغو) अ. वि.—अनर्थ, फुजूल; असत्य, झूठ ।
 लक्कवकार (لصغوکار) अ फा वि.—अनर्थकारी, व्यर्थ के काम करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई परिणाम न हो ।
 लक्कवकारी (لصغوکاری) अ. फा. स्त्री—व्यर्थ के कार्य करना ।
 लक्कवगो (لصغوگو) अ. फा. वि.—अनर्गलवादी, बकवासी, मिथ्यावादी, अनृतभापी, झूठा ।
 लक्कवगोई (لصغوگوئی) अ फा. स्त्री.—भुखरता, वाचालता, बकवास, मिथ्या कथन, झूठ बोलना ।
 लक्कववयाँ (لصغوویان) अ. वि.—दे 'लक्कवगो' ।
 लक्कववयानी (لصغوویانی) अ. स्त्री.—दे 'लक्कवगोई' ।
 लक्कवियत (لصغوویت) अ स्त्री—अनर्थता, फुजूलपन, असत्यता, झूठपन; शरारत, शूहदपन ।
 लक्कवियतपसंद (لصغوویت پسند) अ फा. वि.—जिसे व्यर्थ की बातें पसंद हैं ।
 लक्कवियत (لصغوویات) अ. स्त्री.—'लक्कवियत' का बहु, अनर्गल बातें, झूठ बातें, शरारत की बातें ।
 लक्कक (لصک) तु पु.—कामदार ओढनी या रुमाल ।
 लक्कजन (لصجن) अ पु.—बहुत-से व्यक्तियों का पानी भरने के लिए कुएँ पर इकट्ठा होना, किसी काम के लिए बहुत-से मनुष्यों का जुटना ।
 लक्कजन (لصرن) फा. स्त्री—कीचड ।
 लक्कजफ (لصجف) अ. पु.—कुएँ के पास का गढा जिसमें पशु पानी पीते हैं ।
 लक्कजम (لصرم) अ पु.—किसी वस्तु के लिए किसी चीज का आवश्यक होना, किसी वस्तु का किसी व्यक्ति को अचभे में डालना ।
 लक्कजा (لصطی) अ. स्त्री—नरक, दोख; भडकनेवाली अग्नि, अग्नि-ज्वाला ।
 लक्कजाइज (لصدائد) अ पु.—'लक्कजत' का बहु, लक्कजते, मजे, स्वाद ।
 लक्कजाइजे दुनयावी (لصدائد دنیوی) अ पु.—संसार के स्वाद, सासारिक सुख ।
 लक्कजाइजे नफ्सानी (لصدائد نفسانی) अ पु.—शारीरिक सुख, ऐंद्रिय स्वाद, भोग-विलास ।
 लक्कजाइजे ल्हानी (لصدائد روحانی) अ पु.—आत्मा को सुख देनेवाले स्वाद, जप-तप आदि से प्राप्त सुख, मानसिक सुख ।
 लक्कजाज (لصجاج) अ पु.—युद्ध, समर, लड़ाई, जग ।
 लक्कजाजत (لصجاجت) अ स्त्री—युद्ध करना, लड़ना, बढा-

चडाकर वात करना, गिन्गिडाना, हाहा खाना गुणामद
के लिए शत्रु निकालना नम्रता विनीति, आजिजी।

लजाजतआम्रेष (لجاجة) अ फा वि-गिन्गिहाट
और लजाजत के साथ।

लजिज (لجج) अ वि-चिपकनेवाली वस्तु।

लजिव (لج) अ वि-चिपकनेवाला।

लजोख (لج) अ वि-स्वादित्त सुस्वात् मञ्जेतर।

लजूज (لجوج) अ वि-युद्ध करनेवाला लज्जेवाला।

लज्ज (لج) अ पु-चिन्ग जलन साजिग।

लज्ज (لج) अ पु-ध्वनि शत्रु आवाज कालाहल
शारागुल।

लज्ज (لج) अ पु-चिपकना फियाना।

लज्जत (لجت) अ स्त्री-स्वात् मजा आनन्द तुल्फ,
मनोविनोय तफाह।

लज्जतआम्रेष (لجت مبر) अ फा वि-जिसमें स्वात्
हो स्वादयुवत।

लज्जतआम्रेष (لجت اسما) अ फा वि-ना किसा पदाय के
स्वाद स परिचित हो स्थि अनुभव मजा चखा हुआ।

लज्जतचष (لجت حش) अ फा वि-स्वाद चखनेवाला
आनन्द देनेवाला।

लज्जतचषी (لجت حشى) अ फा स्त्री-स्वाद चखना,
आनन्द देना।

लज्जतपसद (لجت اسند) अ फा वि-जिस स्वादित्त
भोजन पसद हो चटोरा जिह्वा लाल्प।

लज्जतपसदी (لجت اسندى) अ फा स्त्री-चटोरापन
स्वादिष्ठ भाजन प्रिय लगना।

लज्जततशीर (لجت عسبر) अ स्त्री-वातचीत की मधुरता
वाता माधुय।

लज्जबाज (لج) अ वि-जलन डालनेवाला साजिग
पदा करनेवाला।

लज्जबाज (لج) अ वि-लज्जत का बहु लज्जने मजे।

लज्जबाज (لج) अ वि-बहुत चिपकनेवाला।

लज्जान (لج) अ वि-जो अटक-अटक कर बात कर,
हफ्ता।

लज्जान (لج) अ वि-मय प्रमाण में निपुण।

लज्जवान (لج) अ वि-लौमी लालची पेट
बहुभषी।

लज्जवान (لج) अ वि-लज्जवान।

लज्ज (لج) अ पु-चिपकना किसी का हक न देना
कोई बाप लगातार करना।

लज्ज (لج) अ पु-जान पीव उतर पर टुकड़ा खट

अलमी के तार का कपड़ा।

लज्जवान (لج) अ वि-लज्जवान।

लज्जवान (لج) अ वि-लज्जवान।

लज्जत (لج) अ पु-वात गिरना दाना का इतना चिप
जाना कि खट रह जायें।

लज्जत (لج) अ पु-उपकार करना भलाइ करना,
दान, वस्त्रियां पुरस्कार तोहफा।

लज्जत (لج) अ पु-लज्जत का बहु तमावे धपप।

लज्जत (لج) अ स्त्री-भूख क्षुधा, दुभुषा।

लज्जत (لج) अ पु-लज्जत का बहु लज्जत हनी
की बातें।

लज्जत (لج) अ पु-ऐसे बहाने जो
बहाने न जान पड़ें।

लज्जत (لج) अ पु-व लज्जत प्रकार जो
गुदातमाया के हृदय-मटल पर पड़ते हैं।

लज्जत (لج) अ पु-हैसानेवाला
और लज्जत बहलनेवाली बातें।

लज्जत (لج) अ स्त्री-कामलता, नमी मदुलता
नजाकत सूक्ष्मता बारीकी गुदाता पाकीजगी नवी
नता, ताजगी भाव की गमीरता।

लज्जत (لج) अ स्त्री-हृदय की कोमलता
और मदुलता।

लज्जत (لج) अ स्त्री-स्वभाव की
पवित्रता और कामलता।

लज्जत (لج) अ पु-चुटकुला, हास्यक अद्भुत
और अनोखी बात।

लज्जत (لج) अ फा वि-चुटकुले सुनानवाला,
चुटकुले सुनाकर हैसानेवाला।

लज्जत (لج) अ फा स्त्री-चुटकुले कहना
चुटकुले सुनाकर हैसाना।

लज्जत (لج) अ फा वि-दे लज्जत पा।

लज्जत (لج) अ फा स्त्री-दे लज्जत
गोप।

लज्जत (لج) अ वि-बौमल नम मदुल नाजक
सूक्ष्म बारीक गुदा पवित्र पात्रनाफ नवीन नूतन
वाज्य बहुत ही हाना पुल्का।

लज्जत (لج) अ वि-लज्जत मित्राज।

लज्जत (لج) अ वि-बौमल और मदुल
स्वभाववाला जिससे मित्राज में सफाई और शुद्धता का
मयाल बहुत हो।

लज्जत (لج) अ वि-लज्जत अद्भुत।

लतीफुलमिजाज (لطف|السراج) अ वि. - दे. 'लतीफ मिजाज'।
लतीफुस्सीत (لطيف|الصبوب) अ वि - जिसका स्वर मधुर, कोमल और मृदुल हो।
लतौम (لطيم) अ. वि - यप्पड साया हुआ, जिसे चाँटा मारा गया हो।
लतूज (لطوح) अ पु. - मलनेवाली औषध, मालिश की दवा।
लतूअ (لطع) अ. पु. - चाटना, लेहन, पीठ पर ठोकर मारना।
लतूज (لطح) अ पु. - लिप्त होना, बुराई में डालना; दोष लगाना।
लतम: (لطمة) अ पु. - थप्पड, चाँटा, तलप्रहार।
लतम (لطام) अ पु. - थप्पड मारना, चाँटा लगाना।
लतम (لتم) अ. पु. - छाती पर मारना।
लतस (لطس) अ पु. - पाँव से खूब मलना।
लतूह (لطح) अ पु. - पीठ थपथपाना, किसी वस्तु को जमीन पर पटकना।
लद [ह] (لد) अ पु. - युद्ध करना, लडना, शत्रुता करना, दुग्मनी करना।
लदद (لدن) अ. पु. - बहुत अधिक शत्रुता होना।
लदम (لدم) अ. पु. - 'लादिम' का बहु., पैद लगाने-वालो, स्वजन, रिश्तेदार; वे व्यक्ति जिनसे स्त्रियाँ पर्दा नहीं करती।
लदीता (لديغ) अ वि - जिसे साँप ने काटा हो, सर्प-दशित।
लदीद (لديد) अ. पु. - घाटी का किनारा; मुँह और होठों पर बुरकनेवाली औषध।
लदीम (لديم) अ पु. - पैवद लगा हुआ वस्त्र।
लदुन (لدن) अ पु. - हलका भाला, हर वह वस्तु जो कोमल हो, समीप, पास।
लदुनी (لديني) अ वि - बिना प्रयास और साधन के मिली हुई वस्तु, ईश्वरदत्त।
लदूद (لدود) अ वि - झगडालू, बखेडिया, लडनेवाला, फसादी; मुँह पर छिडकने की दवा, लदीद।
लद्ग. (لده) अ. पु. - डक, दश, डंक मारना।
लद्ग (لدع) अ पु. - दे 'लद्ग'।
लद्म (لدم) अ पु. - धमाका, भारी वस्तु के गिरने का शब्द, कपडे या जूते में पैवद लगाना, स्त्री का किसी के शोक में छाती पीटना।
लनतरानी (لن تراني) अ वा - 'तू मुझे नहीं देख सकता',

यह उस आकाशवाणी के शब्द है जब हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखने की प्रार्थना की थी, अब डींग और ग्लोबी के अर्थ में बोला जाता है।
लफंग (لنگ) फा वि. - अधम, नीच, लफंगा।
लफ [फर] (لف) अ. पु. - लपेटना, तह करना।
लफीफ (لفيف) अ पु. - लिपटी हुई वस्तु; मित्र, दोस्त, वह अरबी शब्द जिसमें दो हर्फें झल्लत हो।
लफच: (لح) फा. पु. - ब्रेहडडी का माम।
लफच (لح) फा. पु. - ब्रेहडडी का मास, मोटा होठ, हाँठ, अघर।
लफचन (لحن) फा पु. - वह व्यक्ति जिसके होठ बड़े-बड़े और मोटे हो।
लफज (لفظ) अ. पु. - शब्द, बोल, वात, वचन।
लफजान (لفظاً) अ वि - शब्द द्वारा, शब्दों से।
लफजान लफजान (لفظاً لفظاً) अ. वि - एक-एक शब्द करके, अक्षरशः; सारा, सब।
लफजफरोश (لفظفروش) अ फा.; वि. - वातूनी, वाचाल, मुखचपल।
लफज व लफज (لفظاً لفظاً) अ. वि - दे 'लफजान लफजान'।
लफजी (لفظي) अ. वि - शब्द सम्बन्धी, शब्द का।
लफजे इस्तिलाही (لفظ اصطلاحی) अ. पु. - पारिभाषिक शब्द, टर्म।
लफजे वामानी (لفظاً معنی) अ फा पु - वह शब्द जो सार्थक हो, व्यक्त।
लफजे वेमानी (لفظاً معنی) अ. फा. पु. - वह शब्द जो निरर्थक हो, अव्यक्त।
लफजे मुफद (لفظاً معرون) अ पु. - वह शब्द जो किसी शब्द से बना न हो, न उससे कोई शब्द बने।
लफजे मुरक्कब (لفظاً مرکب) अ पु. - वह शब्द जो दो या अधिक शब्दों से मिलकर बना हो, यौगिक।
लफत (لفت) अ. पु. - घुमाना और फिराना।
लफतर: (لفتره) फा वि - अधम, नीच, कमीना।
लफफाज (لفاظ) अ वि - बहुभाषी, मुखचपल, वावदूक, मुखर, वातूनी।
लफफाजी (لفاظی) अ स्त्री - वाचालता, मुखरता, लस्सानी।
लफ्फोनथ (لففونسر) अ. पु. - एक शब्दालकार जिसमें पहले कुछ वस्तुएँ उपमेय के रूप में कही जाती हैं, फिर उन वस्तुओं के लिए उनके उपमान लाते हैं, जैसे-पहले 'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' लाये फिर चाँद, मोती और 'कमल'।
लफ्फोनथ्रे गैर मुरत्तव (لففونسر غير مرتب) यदि लफ्फो-नथ्र में उपमेय और उपमान क्रम से न आयें तो वह गैर

मुग्त्व अथात त्रम विरुद्ध है, जस—'मुल्' दात और नेत्र' के साथ मोना चद्र और कमल ।

लफ़ोनश्रे मुरतब (لفونشتر) अ पु—यदि लफ़ा नद्य में उपमेय और उपमान त्रम से आये ता वह मुरतब अथात त्रमवद्ध है जस—मुख दात और नेत्र के साथ चाद मानी और कमल ।

लफ़ह (لعم) अ पु—आग, लपट या गर्मी से जलना, तलवार मारना ।

लब (لب) फा पु—अवर जाण्ड हाठ तट कूल विनारा ।

लबकुशा (لبكشا) फा वि—बात करनेवाला बात करता हुआ ।

लबकुशाई (لبكشائي) फा स्त्री—बात करने के लिए आठ खोलना ।

लबखा (لبخا) फा वि—चिड़चिड़ा चण ।

लबखुक् (لبخك) फा वि—जिसक हाठ प्यास के कारण सूख गये हो बहुत प्यासा ।

लबखिब (لبكبد) फा वि—पछानेवाला कुपित होनेवाला ।

लबखीद (لبكرد) फा वि—ना पछताया हा जा कुपित हा ।

लबगीर (لبكدر) फा पु—तम्बाकू पीने का पाइप ।

लबचरा (لبجرا) फा पु—बह मवा और चने जादि जो मित्र त्रग परस्पर बातें करत समय उठा-उठाकर बात जान ह ।

लबचण (لبحش) फा पु—स्वाण चमना वह चानी जा स्वाद क लिए चपी जाय ।

लबबद (لببد) फा वि—चुप मौन खामोश बोलने वाला बातें करनेवाला ।

लबतण (لبستنه) फा वि—लबखुक् ।

लबन (لبن) अ पु—नीर दुग्ध दूध ।

लबनीय (لبني) अ पु—नीर नीर विरज ।

लबबद (لببد) फा वि—चुप मौन खामोश बहुत अधिक् मित्राववाली वस्तु ।

लब ब लब (لبلب) फा वि—हाठ पर हाठ रमे हुए एव-दूमेर के हाठ चूमन हुए ।

लबबस्त (لبسته) फा वि—मौन चुप सामाग ।

लबबेद (لبد) फा वि—गगन मुर्गमुर्ग ऊपर तर भर हाठ परिरूपण ।

लबबेदे मय (لببدم) फा वि—शराय म मग इया मश्रा म लबालब ।

लबाच (لباچه) फा पु—हुतें आलि के ऊपर पहनने का वस्त्र विशेष, अवा ।

लबाद (لباده) फा पु—आडा में पहनने का रईगर चुग फगुल ।

लबादपोण (لبادپوش) फा वि—लबाण पहने हुए लबाण पहननेवाला ।

लबाद (لبان) फा पु—बरसाती बरसात में पहनन का कोट ।

लबान (لبان) अ पु—वक्ष स्थल सीना छाती कुदर याद इवान ।

लबाबत (لبابت) अ स्त्री—चतुर हाना दण होना बुद्धि मान होना ।

लबालब (لبالب) फा वि—लबरेज मुहामूह ।

लबाण (لبانه) फा पु—द 'लबेग' ।

लबिन (لبين) अ स्त्री—बच्ची इट ।

लबीड (لبين) अ वि—बुद्धिमान अकलमद प्रतिभावान जहीन वाचाल लस्सान ।

लबीद (لبيد) अ स्त्री—छागे गोन जिस पर नाज अर्ग भरकर टटट पर लदने ह ।

लबीन (لبين) अ वि—दूध पिलाकर पाला हुआ पापित पवर्दा ।

लबीव (لبيب) अ वि—बुद्धिमान मेधावी अकलम दण कुल हाशियार ।

लबन (لبون) अ वि—दूध देनेवाला दुधार ।

लबस (لبوس) अ पु—नवच खिरह वस्त्र त्रिवास ।

लबे खुक (لبخك) फा पु—मूले हुए हाठ प्यास हाठ ।

लबे गोया (لبگونا) फा पु—बात करनेवाले हाठ बाल्य हुए हाठ ।

लबे गौर (لبگور) फा पु—कुर्र का विनारा कुर्र के पाठ ।

लबे जू (لبجو) फा पु—ननी का विनारा ननी-तट ।

लबे तर (لبت) फा पु—गोले हाठ पानी पिय हुए हाठ ।

लबे ना (لبان) फा पु—रोटी का विनारा रोटी की कार ।

लबे नोशी (لبنوشين) फा पु—वह हाठ जिनसे रम टपकता हो ।

लबे फ़र्याद (لبفردان) फा पु—अत्याचार पर दुगई देने वाले हार ।

लबे फा (لبفوش) फा पु—गना आदि में बिछे हुए फा का विनारा ।

लबे लाली (لبلعلي) फा अ पु—रने नागि ।

लबेग (لبه) फा पु—एक रली का पना जा लबडी में

लगा होता है, शरीर घोड़े के ऊपरवाले होठ में डालकर उसे घुमाते हैं, जिससे घोड़ा घबड़ाकर शरारत भूल जाता है।
 लव् शीरों (لصيرين) फा पु—वह होठ जिनसे रस (श्वरामृत) टपकता हो।
 लवोददां (لصوددان) फा पु—योग्यता, काविलीयत, विद्वत्ता।
 लवोलहजः (لصولحج) फा अ पु—बात करने का ढग, टोन।
 लक् (لغ) अ वि—दे 'लवीक'।
 लक् (لغ) अ पु—घोलना, मिलाना, मिश्रण।
 लन्न (لن) अ पु—दूध पिलाना,, छडी से मारना।
 लवान (لوان) अ वि—ईंटे पाथनेवाला।
 लवैक (لصيك) अ वा—'मैं उपस्थित हूँ' मालिक के पुकारने पर दास की ओर से दिया जानेवाला उत्तर।
 लस् (لس) अ पु—कपडे पहनना।
 लस् (لست) अ पु—देर करना, विलंब करना, देर, ढील, विलंब।
 लामभात (لسمات) अ पु—'लम्अ.' का बहु., रौशनियाँ, प्रकाशपुज।
 लमहात (لسمحاب) अ पु—'लम्ह' का बहु., बहुत-से क्षण।
 लमाक (لساق) अ वि—थोड़ी वस्तु।
 लमाज (لساط) अ वि—थोड़ी-सी वस्तु।
 लम्अः (لسمه) अ पु—प्रकाश, तेज, रौशनी, आलोक, ज्योति।
 लम्अ (لسع) अ पु—चमकना, प्रकाशित होना।
 लम्आन (لسمان) अ पु—चमकना, रौशन होना, चमक, प्रकाश, नूर।
 लम्क (لغ) अ पु—शुद्ध करना, साफ करना, आँखें मलना।
 लम्क (لغ) अ पु—दोष करना, ऐव करना, आँख का संकेत करना, जलाना, मारना।
 लम्तुर (لستور) फा वि—मोटा-ताजा, हृष्ट-पुष्ट।
 लम्मा (لسا) अ अव्य—जब, चूँकि, परंतु, मगर।
 लम्माज (لساز) अ वि—ऐव करनेवाला, अपराधक, आँख से संकेत करनेवाला।
 लम्पजल (لسميرول) अ वि—अनश्वर, अविनाशी, लाज-वाल।
 लम्स (لسمس) अ पु—स्पर्श, छूना, मँथुन, सहवास।
 लम्हः (لسمه) अ पु—क्षण, पल, बहुत थोड़ा समय।
 लम्ह-व लम्हः (لسمه لسمه) अ फा वि—क्षण प्रति क्षण, थोड़ी-थोड़ी देर वाद।
 लमान (لमान) अ पु—सुख, चैन, आराम, समृद्धि, वैभव, फरागत।

लयाली (ليالى) अ. स्त्री.—'लैल' का बहु., रात्रियाँ, राते।
 लयूस (ليوس) अ वि.—तिरस्कृत, अपमानित, वेइज्जत।
 लय्यान (ليمان) अ. पु.—लपटना।
 लयिन (لین) अ वि—नर्म, कोमल, मुलाइम।
 लर (لر) तु अव्य—एक विभक्ति जो एक वचनवाली सज्ञा के अन्त में आकर उसे बहु वचन बना देती है।
 लर्जः (لرزه) फा. पु—कँपकँपी, थरथरी, कप, कँपकँपी के साथ ज्वर, जूडी, कपज्वर, हलचल, हौल, घबराहट। शरीर के रोगटो का खडा होना, रोमाच।
 लर्जःअंगेज (لرزه انگيز) फा. वि—दे 'लर्जं खेज'।
 लर्जःखेज (لرزه خير) फा वि—शरीर के रोगटे खडे कर देनेवाला, अर्थात् बहुत भीषण और भयानक।
 लर्जःवरंदास (لرزه برانداس) फा वि—जिसका शरीर भय के कारण काँप रहा हो।
 लर्जःवरअंदासकुन (لرزه بر اندام کون) फा वि—शरीर में कँपकँपी उत्पन्न कर देनेवाला।
 लर्जाँ (لرزاں) फा. वि—काँपता हुआ, थरथराता हुआ, भय के मारे काँपता हुआ।
 लर्जिंदः (لرزه) फा वि—काँपनेवाला, थरथरानेवाला।
 लर्जिश (لرزش) फा. स्त्री—कँपकँपी, थरथराहट।
 लर्जाँदः (لرزه) फा वि—काँपा हुआ, थरथरा हुआ।
 लर्जाँदनी (لرزه دانی) फा वि—काँपने योग्य, थरथराने योग्य।
 लवाइज (لوايج) अ पु—'लाइज' का बहु., जलने, टपकने।
 लवाएह (لوايح) अ पु.—'लाइह' का बहु., रौशनियाँ, प्रकाशपुज।
 लवाक (لواق) अ वि—थोड़ी वस्तु, किचिन्मात्र।
 लवाकेह (لوايح) अ. स्त्री—'लाकेह' का बहु., गर्भवती मादाएँ, 'मुल्केह' का बहु., नर।
 लवाजिमः (لوازمه) अ. पु—दे 'लवाजिम', यह शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू में बोलते हैं, बल्कि इसका बहु 'लवाजिमात' भी बना लेते हैं, जो बिल्कुल गलत है।
 लवाजिम (لوازم) अ पु—'लाजिम' का बहु., किसी कार्य अथवा उद्योग से सम्बन्धित वस्तुएँ।
 लवातत (لواطت) अ स्त्री—गाद-मँथुन, वाल-मँथुन, इरलाम, दे 'लवातत', दोनों शुद्ध हैं।
 लवामे (لوامع) अ. पु—'लामिअ', का बहु., चमकदार वस्तुएँ।
 लवाश (لواش) तु. स्त्री—गोहूँ की पतली रोटी, फुलका, चपाती।
 लवास (لواش) अ पु—चखने योग्य, आस्वाय।

लवास (لواص) अ पु-पलेघन, खुदकी।
 लवाहिक (لواحيك) अ पु-लाहिक का बहु, किसी मूल पदार्थ के अतम लगाया जानेवाली वस्तुएँ।
 लवाहिकीन (لواحيين) अ पु-लाहिक के बहु का बहु, जो काइदे से अगुद्ध है परंतु उदू म बालने ह लेकिन कम पड़े लोग।
 लवाहिख (لواحيك) अ प-लाहिख का बहु आखा के किनारे बनखियो स देखनेवाले।
 लवाहिब (لواحيب) अ पु-अहिब का बहु, भडकी हुई आग।
 लवीश (لويشه) फा पु-दे ल्वेश दोना गुड ह।
 लवस (لورس) अ वि-चक्ला हुआ।
 लवेद (لويدي) फा पु-खुले मुख का बडा पतीला डेगचा देग।
 लवाम (لوازم) अ पु-बुरी वाता पर डाट फरकार करने वाला एक मानसिक शक्ति जा बुरे कर्मों अथवा पापो पर मनुष्य की निंदा करती और उनसे रोकती है।
 लवाम (لوازم) अ वि-निन्दा करनेवाला भत्तना करनेवाला मलामत करनेवाला।
 लश्कर (لشكر) फा पु-सेना वाहिनी बखिनी अतीक चमू बल फौज भीउ बहुत स व्यक्तिता का समूह।
 लश्करआरा (لشكروارا) फा वि-सेना की सज्जा करने वाला सेना लेकर मुकाबिले पर आनेवाला।
 लश्करआराई (لشكروارائي) फा स्त्री-सेना को लडने के लिए सजाना सेना लेकर मुकाबला करना।
 लश्करकशी (لشكركشي) फा स्त्री-चलाई धावा सय याया आश्रमण।
 लश्करगाह (لشكروگاه) फा स्त्री-सेनावास छावनी।
 लश्करी (لشكري) फा वि-मनिक असिजीवी सिपाही।
 लस [लस] (لوس) अ पु-घोड का घास खाना।
 लसक (لوسك) अ पु-गीला होना गीलापन आद्रता।
 लसक (لوسك) अ पु-चिपकना।
 लसद (لوسد) अ पु-दूध चूसना बच्चे का दूध पीना गहू चाटना।
 लसन (لوسن) अ पु-भापानपुण्य जवाआवरी काम लता पसाहूत।
 लसन (لوسن) अ पु-दोना का पास-याम होना बुध की जालिया का घना होना।
 लसिक (لوسيك) अ पु-एक प्रकार का ज्वर।
 लसिन (لوسين) अ वि-भागवि भाग विपान में निपुण बन्त गड और मरल भाग बोधयाम।

लसअ (لوسع) अ पु-डसना काटना, दशन।
 लसअ (لوسع) अ पु-लसअ।
 लसउल हैय (لوسع التحده) अ पु-साप का डसना, सप दशन।
 लसअ (لوسع) अ पु-'र को ल जीग चीन' को सि कहना गुतलाना।
 लसअ (لوسع) अ स्त्री-तोतरी स्त्री।
 लसद (لوسد) अ पु-लसद।
 लसम (لوسم) अ पु-चूमना चवुन, मुँह में मुसीका लगाना।
 लस (لوس) अ पु-मसूबा दतपाली दे लिस्स और लुस्स चीना गुड ह।
 लसमाअ (لوسماع) अ वि-डसनेवाला काटनेवाला विपना कीडा।
 लसमान (لوسان) अ वि-बातुनी, वाबदूक वाचा, मुखचपल लफफाज।
 लसानी (لوساني) अ स्त्री-मुखरता मुखचपलता वाचालता, लफफाजी।
 लहक (لحكه) अ पु-लाहिक का बहु पीछे स पटुचन वाले अत में मिलाय जावेवाल।
 लहक (لحكن) अ वि-जा अपने पहुँचावे से मिले, जो किसी के अतम जाडा जाय।
 लहज (لحج) अ पु-लालची होना मुग्ध होना बरपलाना भडवाना बहकाना।
 लहद (لحد) अ स्त्री-बगलीवाली कन्न वन्न गोर समाधि।
 लहन (لحن) अ पु-प्रतिभा, कुशलता बहानत, चातुय हीगारी।
 लहफ (لحف) अ पु-पछताना अपसोत करना दुमित होना रजींग होना।
 लहब (لهب) अ पु-आग की लपट, अग्निगिता, अग्नि ज्वाला शोआ।
 लहाक (لحاك) अ पु-महुचना, जाना ताटना समझना।
 लहाब (لحاط) अ पु-अलि का काना।
 लहाबिम (لهاويم) अ पु-गह्वम का बहु जसड की हड्डियाँ बनपटी की हड्डियाँ।
 लहात (لهاط) अ प-गड का कौआ।
 लहास (لحاس) अ पु-आपसि भाग्य कष्ट मुगीबत रनी भागसि बग।
 लहिम (لحم) अ वि-मास भाग मांसनोर।
 लहीद (لهد) अ वि-यना हुआ उर।

लहोफ (لَهْف) अ वि-पछतानेवाला, परचात्ताग करने-
वाला, नि महाय, दीन, वेचारा ।

लहोव (لَهْو) अ पु.-अग्नि-ज्वाला, लपट, जोला ।

लहोम (لَهْم) अ वि.-जिसके शरीर में मांस बहुत हो,
मासल, पीन ।

लहोम (لَهْم) अ स्त्री-आपत्ति, मुमीवत, दरिद्रता, गरीबी,
कगाली ।

लहोमुलजुस्तः (لَهْمُ الْجُوسْتِ) अ वि-मोंटा-ताजा, हष्ट-
पुट, स्थूलकाय ।

लहोमोशहोम (لَهْمُ الْمَوْشَاهِمِ) अ वि-जिसके शरीर में मांस
और चर्वों दोनों अधिक हों ।

लहोस (لَهْس) अ वि-तग, सकीर्ण ।

लहूम (لَهْم) अ पु-बहुत बड़ी सेना ।

लह्व (لَهْو) अ पु-घात करने का ढग, टोन, पढने
का ढग, स्वर, आवाज (गाने की) ।

लह्वः (لَهْو) अ पु-क्षण, पल, लम्ह ।

लह्वः व लह्वः (لَهْوٌ لَهْوٌ) अ फा वि-क्षण-क्षण,
क्षण-प्रतिक्षण, हरलम्ह, जरा जरा-सी ढेर के वाद ।

लह्व (لَهْو) अ पु-एक वार मिली हुई वस्तु की फिर-
फिर इच्छा; कुत्ते का वरतन चाटना ।

लह्व (لَهْو) अ पु-कनखियों से देखना ।

लह्व (لَهْو) अ पु-छाती पर धूँसा मारना, मिलाना,
बछड़े का दूध पीते समय थनों को सिर का हूरा देना ।

लह्वए तलख (لَهْوٌ تَلَخَ) अ पु-पु-स्वर की कठोरता,
कटुता से कही हुई बात ।

लह्वमः (لَهْوَم) अ पु-कनपटों की हड्डी, जबड़े की हड्डी ।

लह्वन (لَهْوَن) अ पु-स्वर, आवाज, गानेवाला स्वर, धुन ।

लह्वन दाऊदी (لَهْوَن دَاوُدِي) अ पु-हज़रत दाऊद पैगम्बर-
जैसी आवाज, जो बहुत ही मधुर और मुग्धकर थी ।

लह्वमः (لَهْوَم) अ पु-मासपिंड, लोथडा, छोटा बच्चा,
गिशु, मास की बोटी ।

लह्वम (لَهْم) अ पु-मास, आमिष, गोश्त ।

लह्वमी (لَهْوَمِي) अ वि-मास सम्बन्धी, मास का, एक
प्रकार का जलधर ।

लह्व (لَهْو) अ पु-लकड़ी का बकला छुड़ाना, एक
वस्तु से दूसरी वस्तु अलग करना ।

लह्व (لَهْو) अ पु-खेल-कूद, मनबहलाव, क्रीडा, वह
बात जो धार्मिक कामों से रोके ।

लह्वल हदीस (لَهْوُ الْحَدِيثِ) अ पु-किस्सा-कहानी,
नाचरग ।

लह्वो लह्व (لَهْوٌ لَهْوٌ) अ पु-खेल-कूद ।

लह्वहाम (لَهْوُ الْهَامِ) अ वि-मास-विक्रेता, गोश्त बेचनेवाला,
कमाई ।

ला

ला (لَا) अ अव्य-नहीं, न ।

ला (لَا) फा पु-तह, परत, दे 'लाए' ।

ला आलम (لَا أَعْلَمُ) अ वा-मैं नहीं जानता, मुझे नहीं
पता, मुझे खबर नहीं ।

लाइदः (لَا يُدْعَى) फा वि-वकवास करनेवाला, व्यर्थभापी,
व्यर्थवादी ।

लाइफ (لَا يُفَى) अ वि-योग्य, विद्वान्, पात्र, मुस्तहक ।

लाइजः (لَا يُجْعَلُ) अ वि-जलानेवाला ।

लाइच (لَا يُعَبُّ) अ वि-खेलनेवाला, सिलाजी ।

लाइमः (لَا يُؤْمَدُ) अ वि-निंदा, भर्त्सना, टांट-फटकार ।

लाइम (لَا يُؤْم) अ वि-चुरे कामों पर टांट-फटकार करने-
वाला, भर्त्सना करनेवाला ।

लाइमः (لَا يُؤْمَدُ) अ पु-थूहड के प्रकार का एक वृक्ष जिसका
दूध बहुत ही विपेला और घातक होता है ।

लाइलाज (لَا يُعْلَجُ) अ वि-जिसकी चिकित्सा न हो सके,
अचिकित्स्य, असाध्य, जिसका कोई उपाय न हो, हुप्कर ।

लाइलम (لَا يُعْلَمُ) अ वि-अपरिचित, नावाकफ, अज्ञात,
जाहिल, अशिक्षित, बेपढा-लिखा ।

लाइल्मी (لَا يُعْلَمِي) अ स्त्री-परचिय न होना, ना वाकि-
फोयत; अज्ञान, न जानना, भूल, वृष्टि ।

लाइह (لَا يُحْكَ) अ पु-दे 'लाएह' ।

लाइदः (لَا يُدْعَى) फा वि-डीग मारा हुआ, जिसने डीग
मारी हो, जिसने व्यर्थ बात कही हो ।

लाइदनी (لَا يُدْعَى) फा वि-घात करने योग्य, डीग मारने
योग्य ।

लाउवाली (لَا أُوَالِي) अ वि-निश्चित, बेफिक्र, बेपर्वा,
नि स्पृह, अनीह, बेनियाज ।

लाए (لَا) फा स्त्री-गाद, तलछट ।

लाएह (لَا يُعْجَلُ) अ पु-चमकनेवाली वस्तु, प्रोग्राम, कार्य-
क्रम, सूची, फेहरिस्त ।

लाएह (لَا يُعْجَلُ) अ वि-चमकनेवाला, उत्पन्न होनेवाला ।

लाएहए अमल (لَا يُعْجَلُ عَمَلٌ) अ पु-किसी कार्य विशेष का
प्रोग्राम (कार्यक्रम) ।

लाओनअम (لَا أُوَدِّعُ) अ स्त्री-नहीं और हों, अस्वीकृति
और स्वीकृति ।

लाओहसी (لَا أُوَحِّسِي) अ वा-यह कुरान के एक पूरे
वाक्य का टुकड़ा है, जिसका अर्थ है कि ईश्वर मैं तेरे गुणों को
सीमित नहीं कर सकता ।

लक (لک) फा पु—लकड़ी का पियाला।
 लक (لک) अ पु—चाटना, लेहन।
 लकपुस्त (لکپوست) फा पु—बच्छप, कूम बछुआ।
 लकलाम (لکلام) अ वि—नि सदह नि गक, बेगक, अवसय
 निरचयपूण, यकीनी।
 लकनि (لکني) अ अव्य—लेकिन परतु, किंतु।
 लकिस (لکيس) ज वि—दोष करतवाला अपकर्ता।
 लकस (لکس) अ पु—एक पिशाच जो नमाज पढने
 समय लोग के हृदय में अनेक प्रकार के विचार उत्पन्न
 करता है।
 लकहे (لکھ) अ वि—गम होना भादा जिससे नर जूपनी
 करे वह खजूर जिससे दूधरे खजूर का भभदं।
 लकख (لکھ) फा पु—धुनकी हुई हुई हुई का गाला।
 लकब (لکب) फा पु—स्थान जगह यह गद्व अकेला नहा
 आता दूसरे गद्व स मिलकर आता है जैसे—सगलाख
 पयरीला स्थान।
 लकहराज (لکھراج) अ वि—वह भूमि जिसका लपान न
 देना पड़े।
 लक (لک) फा प—परिहास ठोस मजाक।
 लकदर (لکدر) फा वि—क्षीण क्षीम कृपा दुबला-पतला।
 लकदरअवाम (لکدرآوآم) अ वि—जिसका गरीर दुबला
 पतला हो कृपाय, क्षीणकाम।
 लकदरी (لکدري) फा स्त्री—क्षीणता कृपाता दुबलापन।
 लकगिय (لکگي) फा पु—एक क्षुप जो बहुत गम और दूष
 वाला हावा है।
 लकगिय (لکگي) अ स्त्री—बकी स्त्री अनगल वादिनी
 ईग मारनेवाली स्त्री अहवागिनी।
 लकगी (لکگي) अ वि—मिथ्यावादी झूठा क्षीणिया गमी
 घोर।
 लकघोन (لکگھن) तु पु—बाज पत्नी यन।
 लकजरम (لکجرم) अ वि—अवय यज्ञीनी नि सदेह बेगुवद
 अमाध्य लकटराज।
 लकजवाब (لکجواب) अ वि—जा जवाब न दे सके निरुत्तर
 मज्जित गमि सकुचित भादिम अदिनाय बेमिस्ल।
 लकजवाल (لکجوال) अ वि—जिसका नाग न हो अनवर
 अविनागी गारवन।
 लकजिब (لکجيب) अ वि—विपन्न वाली वस्तु (स्त्री)।
 लकजिब (لکجيب) अ वि—विपन्नवाला।
 लकजिब (لکجيب) अ वि—विपन्ननेवाला चिट्टे टाड जा
 बाग।
 लकजिम (لکجيم) अ वि—आपन्न वस्तु गुण गाला

अनिवाय लकजिम।
 लकजिम (لکجيم) ज वि—आवश्यक जरूरी, अनिवाय लकजिम
 उचित मुनासिब निरिचित यकीनी सदा हुआ, मिला हुआ
 अवकम क्रिया, फेले लकजिम।
 लकजिमन (لکجيمان) अ वि—निरिचित रूप स यकीनन।
 लकजिमो (لکجيمو) अ वि—आवश्यक जरूरी अनिवाय
 लावुद उचित मुनासिब निरिचित, यकीनी।
 लकजिमो मस्तबूम (لکجيمو مستبوم) अ वि—एक की दूसर के
 साथ अनिवायता समावय।
 लकजिल [लक] (لکجيل) अ वि—वह साना जिसमें जरा
 भी साट न हो।
 लकजुअ (لکجوعه) अ वि—जो घूट घूट १ पिया जाकर एक
 साथ पिया गया हो डगडगाकर पिया हुआ।
 लकजे (لکجے) अ वि—जलन उत्पन्न करनेवाला साजिग
 पदा करनेवाला।
 लकज्वद (لکجود) फा पु—एक बहुमूल्य पत्थर लकजावन
 आवत मणि।
 लकज्वदी (لکجودي) फा वि—लकज्वद के रंग का नीला।
 लकत (لکت) अ पु—एक मूर्ति जिसे हयत 'गुएव' क
 अनुयायिया ने पूजा था।
 लकतवर (لکتر) अ वि—न छोड़।
 लकताइल (لکطائيل) अव्य बेकार।
 लकता'दाद (لکتآدآد) अ वि—अमरुय अगणित, अगम
 अपरिमित बेगुमार।
 लकतिब (لکتب) अ वि—विपन्ननेवाला एक स्थान पर
 टिका हुआ, डटा हुआ दूध मखबूत।
 लकतीनी (لکطيلني) अ स्त्री—रमिया का प्राचीन भाया
 लटिन।
 लकतुअद (لکتعاد) अ वि—जो गिला न जा सके, अगणित
 अगल्य।
 लकतीहसा (لکتعصبي) अ वि—जो घेरान जा सके जो
 सीमाबद्ध न हो सके अगीम।
 लकद (لکد) फा पु—मूय अनानी बनल।
 लकद (لکد) फा पु—दीवार की घुनाई का एक रइ।
 लकदन (لکدنه) फा पु—सन राग सन का देह दे
 लानि दोता गुदह।
 लकदन (لکدني) फा प—एक प्रकार की सुगंध अरीम का अर्क।
 लकदया (لکدوآ) अ वि—जिसका उगवार न हो सके अताम्य
 निरुत्तर जिमहा प्रयत्न न हो सके।
 लकदा'बा (لکدوآب) अ वि—जो बाप बागम दे १५ दरर
 बरतार।

लाविण (لاڤين) अ वि.—उसनेवाला; एक पीड़ा, जिसमें ऐसा अनुभव होता है कि त्वचा को कोई काट रहा है।
 लादिन: (لاڊين) फा पु.—सन; सन का पेड़।
 लादिम (لاڊيم) अ वि.—यैवद लगाने वाला, थिंगली लगाने-वाला, चकती लगानेवाला।
 लान: (لاڻ) फा. पु.—शहद का छत्ता जिममें शहद न हो; घोंसला, कुलाय, सोस।
 लान (لان) फा. पु.—आखर वाईखान का एक पहाड़, जहाँ के कुत्ते बहुत ही सुंदर होते हैं।
 लान (لعن) अ स्त्री.—धिककार, ला'नत।
 लानत (لعنت) अ स्त्री.—धिककार, फटकार।
 लानतजद: (لعنتجذ) अ फा. वि.—जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत।
 लानुसल्लिम (لاسلیم) अ. क्रि.—भैं नहीं मानता, यह मेरे लिए मान्य नहीं है।
 लाफ (لاف) फा. स्त्री.—डींगे, शेखी, गप, जल्प, धिक्कृत्य।
 लाफगो (لافگو) फा वि.—डींगिया, अहंवादी, गप्पी, बकवादी, जल्पी।
 लाफगोई (لافگوئی) फा स्त्री.—डींग मारना; गप उड़ाना, बकवास।
 लाफजन (لافجن) फा वि.—दे 'लाफगो'।
 लाफजनी (لافجنى) फा स्त्री—दे 'लाफगोई'।
 लाफानी (لافانى) अ वि.—अनश्वर, अविनाशी, जो कभी नष्ट न हो, शाश्वत।
 लाफिद: (لافيد) फा वि.—गप्पी, बकवासी, डींगिया, शेखीखोर।
 लाफिज: (لافيد) अ स्त्री—नदी, दर्या, बकरी, अजा; चकती, पेपणी; कुक्कुटी, मुर्गी।
 लाफीद: (لافيد) फा. वि.—गप हाँका हुआ, जो बात गप हो, डींग मारा हुआ, जो बात डींगे हो।
 लाफीदनी (لافيدنى) फा. वि.—गप मारने योग्य, डींग मारने योग्य।
 लाफेह (لافه) अ वि.—आग, गर्मी या लपट से जलनेवाला।
 लाफोगुजाफ (لافوگراف) फा स्त्री.—व्यर्थ की और बधर-उधर की गपवाजी, खुराफात, बकवास।
 लाव: (لاڻ) फा. पु.—चाटुकारिता, खुशामद; छल, कपट, बचना, फरेव।
 लाव: (لاڻ) अ. पु.—पहाड़ी भूमि, पथरीला स्थान।
 लाव.कार (لاڻڪار) फा. वि.—चापलूस, चाटुकार।
 लाव.गो (لاڻگو) फा वि.—चापलूस, चाटुकार।
 ला'ब (لعب) अ पु.—राल बहना, राल टकपना।

रावरा ला (لاڻڙا) फा वि.—तहाँपर तह, परत पर परत
 लाविन (لاڤين) अ वि.—दूध पिलानेवाला; दूधवाला।
 लाविस (لاڻيٺ) अ. वि.—त्रेर करनेवाला, ढील डालनेवाला।
 लावुद (لاڻوڊ) अ. वि.—आवश्यक, जरूरी; अनिवार्य, लाजिमी।
 रावुदो (لاڻوڊو) अ वि.—दे 'लावुद'।
 लाम: (لامه) अ पु.—लोहे की कटियोंवाला कवच, जिरीह।
 लाम (لام) अ पु.—'लाम' का बहु., कवच-समूह, एक अक्षर, 'ल'; अलक, जुल्फ।
 लाम (لام) फा पु.—ऊन की एक मोटी टोपी जो विशेषतः मार्गनेवाले ओढ़ते हैं।
 लामकान (لامکان) अ पु.—वह स्थान जो घर न हो; वह जो मकान से परे हो, ईश्वर।
 लामकाफ (لامکاف) अ पु.—गाली-नालोज, अपवाद।
 लामजुहव (لامجهت) अ वि.—जिसका कोई धर्म न हो नास्तिक, धर्मविमुख।
 लामजुहवीयत (لامجهتيت) अ. स्त्री.—नास्तिकता, धर्म-विमुखता।
 लामहाल: (لامحالہ) अ. वि.—अतत, आखिरकार; विवशतापूर्वक, लाचारी से।
 लामहदूद (لامحدود) अ. वि.—जिसकी कोई हद न हो, असीमित; जो घेरा न जा सके, जिसकी सीमाएँ निश्चित न हों, बेहद।
 लामान (لامان) फा. पु.—छल, कपट, फरेव; कृतघ्नता, वेवफाई, समूह, अंबोह, गढा, गर्त।
 लामानी (لامانى) फा वि.—छलपूर्वक, पुरफरेव; मिथ्या, झूठ, कवच पहने हुए।
 लामिस: (لامسه) अ स्त्री.—छूनेवाली; स्पर्शशक्ति, छूने की कुव्वत।
 लामिस (لامس) अ. वि.—छूनेवाला, स्पर्शी; मैथुनकरने-वाला, संभोगकर्ता।
 लामुतनाही (لامتناهى) अ. वि.—जिसका ओर-छोर न हो, अपार, असीम, बेहद।
 लामे' (لامع) अ. वि.—चमकनेवाला, चमकीला; प्रकाश-मान, रीशन।
 लामेअ: (لامعه) अ. वि.—चमकनेवाली वस्तु (स्त्री.)।
 लाय: (لايه) फा. पु.—बीवार का रद्दा; कपडे की तह; एक प्रकार का कागज।
 लायवगी (لايڻڱي) अ. वि.—अनावश्यक, गैरजरूरी; अनुचित, नामुनासिब।
 लायकून (لايڪون) अ. अव्य.—शायद, स्यात्।

सायबाल (بال) अ वि-जा नष्ट न हा अन्वर अधिनामी अर्थान ईरर ।
 सायफक [क] (سيفك) अ वि-जा अग्य न हा मर अविच्छिन्न ।
 सायनहल (سائل) अ वि-जो हल न हो जो जल्लि हा (समस्या) ।
 सायमूत (سيموت) अ वि-जा मर नहा अमर ।
 सायफिल (سعمل) अ वि-जा कुछ न समता हा निवृद्ध ज्ञानी मूल ।
 सायानो (ساعلى) अ वि-जिमका अय नहा अन्वय वेमनलव व्यय पूजूर ।
 सायामलम (ساعلم) अ वि-जा कुछ नहा जानता अन् मिन अज्ञानी ।
 सायूमिन (سومين) अ वि-जा मुम्बिन नहो अमभव ।
 सायब (سايب) अ वि-निगन्त, बगुवहा ।
 सायबफोह (سايبفوه) अ वा-इम वान में कोह सन्त नही ह एसा अवयव है ।
 साल (سال) फा पु-एक लाख फू पोस्त का फूल अहि गुण्य ।
 सालफू (سالفو) फा वि-साला के फू जसा रक्तवण मुव ।
 सालबार (سالبار) फा प-साला के फूल का खेत अफाम का खेत ।
 सालफाम (سالفام) फा वि-दे साल फाम ।
 सालरग (سالرگ) फा वि-साल फूल ।
 सालरख (سالرख) फा वि-साला के फूल जम मुव और कोमन् शाखावाला (यागी) ।
 सालसाँ (سالساँ) फा वि-साला के फूल जसा सुव गल ।
 सालसार (سالसार) फा वि-साल बार ।
 सालग (سالگ) फा वि-बचा हुआ खाना उच्छिष्ट भुक्तानेप ।
 साल (سال) तु वि-मूक गूमा ।
 साल (سال) फा वि-रक्त सुव एक रक्त पद्म राग ।
 साल (سال) अ पु-साल (फा) का अरबी रूप पद्म राग, एक बहुमूल्य रत्न ।
 सालए सहाराई (سالصحرایی) फा अ पु-जंगल म उल्लन होनवाग लाला का फूल ।
 सालमू (سالمू) अ फा वि-पद्मराग-जसे रक्त वण का रक्तवण ।
 सालफाम (سالفام) अ फा वि-साल फूल ।

साला (سال) फा पु-गम गुणम सबक, मगाडिम चमन्तर उग्वल (माना) ।
 सालाए चम (سالاحسم) फा पु-अन का पुतली कनीना कनीनिवा ।
 साली (سالى) अ फा वि-साल-जमे रगवाला ।
 साली लब (سالىلب) अ फा वि-साल और सुन् हाठा वाली सुन्री ।
 साले बदलानी (سالبدلانی) अ फा पु-बन्हा (जयानिस्तान) में पन्हाने वाला पद्मराग ।
 साले मुदाब (سالمداب) अ पु-पिपटा हुआ पद्मराग अयान लाल मदिरा ।
 साले रम्मानो (سالرماني) अ पु-अन्तर व दाना-जया गुलाबा पद्मराग ।
 साले लब (ساللب) अ फा पु पद्मराग-जस गुलाबी अथर अथर रूपी पद्मराग ।
 साले शरबार (سالشربار) अ फा पु-मौठा अमत् जल टपकानेवाह जवर ।
 साले शब बिराण (سالشبراع) अ फा पु-पद्मराग विभेप जा अथर मदीपक की भाँति प्रकाश दना है ।
 साव (ساي) फा पु-बच्चा का एक लाल गिल्ला-डडा ।
 साव (ساي) फा पु-पडोल मट्टा जितस धर पीना जाता है ।
 सावलद (سالولد) अ वि-जिसके कोई सताल नहा निवण अनपम नि सतान ।
 सावारिस (سالارس) अ वि-जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो ।
 लाग (سال) फा वि-बहुत ही दुबल और शीघ्र दुबल गथा अथवा धोना गथा गन्ध (पु) लाग गव ।
 लाग (سال) तु स्त्री-मूतक दह गव लास ।
 लाशए बेगोरोकफन (سالکهورکفن) फा पु-ऐसा शव जिसे न कफन मिला हा न कन्न ।
 लास (سال) फा पु-बहुत ही खराब किस्म का रोगम ।
 लासानी (سالانی) अ वि-अद्वितीय वमिस्ल अनुपम ।
 लासिम (سالسم) अ वि-धूमनेवाग चुबक वह व्यक्ति जो अपना मुँह बंद रखता हा मितभापी ।
 लाह (سال) अ पु-शिवर अल्लाह ।
 लाह (سال) फा पु-बच्चा रोगम, खराब किस्म का रोगम ।
 लाहल [ल] (سالل) अ वि-ना हल नहो सके जिम समस्या का समाधान नहा सके ।
 लाहासिल (سالاحاصل) अ वि-निष्कन्ध व्यय बकार नि सार वेनतीजा ।
 लाहिक (سالاحه) अ पु-बहु अथर या शर विभेप जो

किसी शब्द के अत मे अर्थ-परिवर्तन के लिए लाया जाता है, प्रत्यय ।

लाहिक (لاحق) अ वि -मिलनेवाला, युक्त होनेवाला ।

लाहिक (لاحظ) अ. वि -कनखियो से देखनेवाला ।

लाहिय (لاهب) अ वि -लपट मारनेवाला, धधकनेवाला ।

लाहिम (لاحم) अ वि -गोशत (मास) खिलानेवाला, गोशत बचनेवाला ।

लाही (لاهي) अ. वि -अचेत, बेसुध, बेहोश, जिसे ध्यान न रहे, असावधान, गाफिल, खेलनेवाला, क्रीडक ।

लाहूत (لاهوत) अ पु -ससार, मर्त्यलोक, दुनिया, ब्रह्म-लीनता की अवस्था ।

लाहूती (لاهوती) अ वि -ससार का निवासी, प्राणी, ब्रह्मलीन, फना फिल्लाह ।

लाहोर: (لاهوره) फा पु -फाँक, काश ।

लाहौल (لاحول) अ स्त्री -घृणा और उपेक्षा-सूचक एक वाक्य ।

लि

लिया: (لياء) फा पु -पूरी टाँग, पाँव की उँगलियों से रान की जड तक का अवयव ।

लिया (لياء) फा पु -पिंडली, पूरी टाँग, रान ।

लियावर: (لياءبره) फा पु -एक खाद्य, गेहूँ के आटे की रस्ती-सी बटकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े करके धी में भूनकर गोशत में पकाये जाते हैं ।

लियान (ليان) अ पु -एक दूसरे को धिक्कारना, परस्पर ला'नत भेजना ।

लिया (ليا) अ स्त्री -दर्शन, दीदार, साक्षात्कार, भेट, मुलाकात ।

लियाह (لياح) अ. पु -गर्भ धारण करना, हामिल होना ।

लियाफ (لياف) अ पु -सफेद और पतले पत्थर ।

लियाम (ليام) अ पु -पशुओं के मुँह बंद करने की जाली, मुनीका ।

लियान (ليان) फा पु -दे 'लिया' ।

लियाम (ليام) अ स्त्री -लियाम, कविका ।

लियाम (ليام) अ पु -एक दूसरे को तमाँचे मारना ।

लियाम (ليام) अ पु -कपडे में पैवंद लगाना, जूते में थिगली गाँटना ।

लिया [ليا] अ. पु -वह पेड़ जो दूसरे पेड़ में गुथा हो ।

लियाज (لياج) अ पु -चादर ।

लियाफ: (لياف) अ पु -ऊपर लपेटने की वस्तु, रात भेजने का छोल, पत्रवेष्टन, मुर्दे का कफन ।

लियाफ (لياف) अ पु -मुद के सबसे ऊपरवाला कपडा, कफन ।

लियाफ (لياف) अ. पु. -छोर, किनारा; दराज, दरार, दर्ज ।

लियाफ (لياف) अ पु. -शलजम, एक शाक ।

लिया [ليا] अ. पु. -वह व्यक्ति जो कोई कार्य बराबर करता हो, किसी कार्य-विशेष का पाबद ।

लिया (ليا) अ स्त्री. -प्योसी, खीस ।

लियास (لياس) अ पु -वस्त्र, वसन, पोशाक ।

लियासात (لياسات) अ पु -चापलूसी, खुशामद, चाटु-कारिता ।

लियासे अहूसी (لياسه عروسى) अ. पु. -विवाह में दूल्हा और दुल्हन के पहनने के कपडे ।

लियासे तक्वा (لياسه تقوى) अ पु -लज्जा, ब्रीडा, लाज, शर्म, साधुओं के पहनने के वस्त्र ।

लियासे रियाई (لياسه رياءى) अ पु -धोखा देनेवाले वस्त्र, धोखा देने वाला भेष, छद्मवेश ।

लियासे शवखवाबी (لياسه شبخوابى) अ पु. -रात में सोते समय पहनने के कपडे, नाइट ड्रेस, रात्रिवस्त्र ।

लियाव: (لياء) अ स्त्री -कच्ची ईंट, वह ईंट जो पकायी न गयी हो, एक ईंट ।

लियाव (لياء) अ स्त्री. -'लियाव' का बहु, कच्ची ईंटे ।

लियाव (لياء) अ स्त्री -एक वेल, इश्क पेचों ।

लियाव (لياء) अ पु -वस्त्र, वसन, लियास ।

लिया [ليا] अ स्त्री. -कारण, सबब, (अव्य.) क्यों, किस लिए ।

लियाव: (لياء) अ पु -वे वाल जो कनपटी के नीचे लटक आये ।

लियाव (لياء) अ वि -न्याय-परिभाषा में एक तर्क, ऐसा किस कारण है ।

लियावत (لياءت) अ स्त्री -योग्यता, काविलीयत, पात्रता, इस्तेहकाक, विद्वत्ता, इल्मीयत, उत्साह, हौसला, सामर्थ्य, मज्दरत ।

लियाव (لياء) अ. पु. -आश्रय लेना, पनाह हूँदना ।

लियाम (ليام) अ पु -'लियाम' का बहु, मक्सीचूस लोग ।

लियामत (ليامت) अ स्त्री -भत्सना, निंदा, मलामत ।

लियास (لياس) अ वि -जो अपनी स्त्री की कमाई साता हो, भायाँट, दर्यूम ।

लियाह (لياح) अ वि -सफेद, धवल श्वेत, (स्त्री) जगली गाय ।

लिल्लहिल हम्द (لله الحمد) अ वा -नारी स्तुतियाँ केवल ईश्वर के लिए हैं; ईश्वर को धन्यवाद, तुदा का शुक ।

लिहाह (لهاه) अ अज्य-इसर व लिए ईसर व नाप पर ईसरापण ।

लिहाहिल्लाह (لوحه الله) अ अज्य-ईसरके लिए ।

लिवा (لوا) अ पु-पताता, घटा शब्दा ।

लिवाए हक (لوا حق) अ पु-मायता का शब्दा ।

लिवाठ (لوان) अ पु-एक दूसरे की रक्षा करना एक दूसरे का पना दना ।

लिवातत (لواطت) अ स्त्री-मुहमदुन पुन-मदुन, इस्लाम, द लवातत, दाना मुह ह ।

लिवा (لص) अ वि-चार स्तन तस्वर ।

लितान (لسان) अ स्त्री-विज्ञा रचना, जीम भाषा वाली जमान ।

लितानी (لساني) अ वि-भाषा-सम्बधी ।

लितानीयात (لسانيات) अ स्त्री-भाषा विज्ञान भाषाया या इम ।

लितानुलअज (لسان العصب) अ पु-अपने समय का तजुमान ।

लितानुलकुम (لسان العلوم) अ पु-अपने राष्ट्र का तजुमान अना आति का तजुमान ।

लितानुलएब (لسان العيب) अ पु-भविष्य की बातें जाननेवाला ।

लितानुलमुल्क (لسان الملک) अ पु-अपने देश या राष्ट्र का तजुमान ।

लितानुलहमल (لسان الحصل) अ स्त्री-एक पनोपधि वारताय ।

लिताम (لغام) अ पु-पगुआ के मुह बाघने की ताली मुलीका ।

लित्त (لعم) अ पु-ममूना दतमास ने रस्त और लूम तीना मुह ह ।

लिहा (لها) अ स्त्री-बतन छात्र बरला ।

लिहाब (لحباط) अ पु-आर खया गा मुरज्वत गा गम स्वाभिमान वरत भय डर ध्यान खयात नकोच नतामत ।

लिहाजा (لهذا) अ अज्य-अत मुतराम इमलिए ।

लिहाफ (لحاف) अ पु-भाठी रणई ।

लिहय (لحمه) अ स्त्री-लेहिय ।

लिहयान (لحيان) अ वि-दे लहयान ।

ली

लीक (لعمه) अ पु-दवात में डालन का लता ।

लीक (لعم) अ पु-दे लीक ।

लाय (لعم) का वि-उगास मलिन, बनिक ।

लीन (لعمه) अ पु-नजूरक पठ का तना, मजूर की रमा साठ ।

लीन (لعم) अ स्त्री-बामलता, नमी ।

लीनत (لعمت) अ स्त्री-नामलता नमी, मुलायमन ।

लीक (لعمه) अ पु-मजूर का बकला, रोगा तनु ।

लीफ (لعمف) अ स्त्री-लीफ ।

लीसुरएस (لعمس) अ पु-एक प्रकार का सनिपाठ ।

लु

लुग (لعمگ) का पु-लुगा तहम जौधिया रोगा ।

लुगक (لعمگک) का पु-छापी-या लुगा अंगीठा जौधिया ।

लुज (لعمج) का पु-हाठ अथर आठ ।

लजाब (لعمب) अ पु-बप हम, राल लाला हमगर दवाआ का गाग पानी ।

लुआबदार (لعمدا) अ का वि-बह वस्तु जिसमें चेप हो, हमगर ।

लुआबे दहन (لعمداهن) अ का पु-यूक मुखसाब, राल लाला ।

लुक (لعمک) तु वि-मोटी भारी और बेडगो वस्तु ।

लुकात (لعماطه) अ वि-बहुत ही घटिया वस्तु ।

लुक (لعمک) का पु-पथवा दाग टुकड़ा सठ ।

लुकएअन्न (لعمان) का पु-बाल का टुकड़ा, अन्नखंड ।

लुकहाएअन्न (لعمعانه) का पु-बाला के टुकड़े ।

लुककाअ (لعماعه) अ वि-बहुत ही यादूनी चक्की हाजिरजवाब तीघोतर प्रत्युत्पनमति ।

लुकत (لعمطه) अ पु-भूमि पर पनी हुई हुई वस्तु जो उठा ली गयी हा पुराना लता ।

लुकनत (لعمکت) अ स्त्री-हवलापन हकलाहट ।

लुकनतआमेज (لعمکت امر) अ का वि-हकलाहट के साथ हकान हुए ।

लुकम (لعمه) अ पु-प्रास कबज निवाला ।

लुकमखोर (لعمعخور) अ का वि-निवाला चानेवाला ।

लुकमएअजल (لعمه اجل) अ पु-मस्यु कमुह का निवाला मस्युकवल मत मूर्त ।

लुकमए गोर (لعمه گور) अ का पु-कन्न के मुह का निवाला मा मूर्त ।

लुकमए चब (لعمه حرب) अ का पु-तर निवाला तरमाल बडिया-बडिया चाने अच्छी प्राप्ति काफी आम ।

लुकमए तर (لعمه تر) अ का पु-दे लुकमए पत्र ।

लुम्हए हराम (لحم حرام) अ पु—हराम की कमाई, दूसरे का माल जो वेईमानी से झटका जाय।

लुम्हए हलाल (لحم حلال) अ पु—हलालकी कमाई, मेहनत से कमाया हुआ धन।

लुम्हान (لحمان) अ पु—एक बहुत बड़े वैद्य और वैज्ञानिक जिनकी चर्चा कुरान में है।

लुम्हाने वक़्त (لحمان وقت) अ. पु—अपने समय का बहुत बड़ा वैज्ञानिक और चिकित्सक।

लुम्हयः (لحمية) अ पु.—साक्षात्कार, भेट, मुलाकात, दर्शन, दीदार।

लुम्ह (لحم) फा. पु—पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइयाँ बनती हैं।

लुम्ह (لحم) अ स्त्री—प्रहेलिका, पहेली, मुअम्मा; जगली चूहे का विल जो बहुत टेढ़ा-मेढ़ा होता है।

लुम्हत (لحمات) अ पु—गव्द, लपज़, शब्दकोश, लुगात।

लुम्हत वाँ (لحمات دان) अ फा वि—किसी भाषा-विशेष के बहुत अधिक शब्द जाननेवाला।

लुम्हतनबीस (لحمات نوبيس) अ फा वि—शब्दकोष लिखनेवाला।

लुम्हवी (لحموي) अ. वि—लुगत सम्बन्धी, लुगत के अनुसार।

लुम्हात (لحمات) अ पु—‘लुगत’ का बहु, शब्दावली, ख़ज़ीरए अल्फाज, कोष-समूह, बहुत-से लुगत, लुगत इस अर्थ में एक वचन है।

लुम्हव (لحموب) अ पु—दुःख, क्लेश, तकलीफ, खेद, शोक, गम, रोग, वीमारी।

लुम्ह (لحم) तु वि—नग्न, नगा, भेगा, ऐचा ताना, लपट, लोफर।

लुम्हन (لحمون) तु वि—कुलटा व्यभिचारिणी, फाहिशा।

लुम्हज (لحمج) अ पु—‘लज्ज’ का बहु, गहरी नदियाँ, नदियों की गहराइयाँ, भँवर, गिर्दाव।

लुम्हक (لحمق) अ पु—चिपकना।

लुम्हजत (لحمجوت) अ स्त्री—चिपक, लेस, चिपकाहट।

लुम्हम (لحمم) अ पु—अनिवार्यता, लाजिम होना।

लुम्हन (لحمون) अ स्त्री—खरी चाँदी।

लुम्हजः (لحمج) अ पु—नदी का बीच, नदी का सबसे गहरा स्थान, भँवर, जलावर्त।

लुम्हजी (لحمجي) अ पु—बड़ी-बड़ी नदी, लवालव नदी।

लुम्हवान (لحمवान) फा वि—दे ‘लतवान’, दोनो शुद्ध है पर वह अधिक प्रचलित है।

लुम्हवार (لحمवार) फा वि—दे ‘लतवार’, दोनो शुद्ध है, परतु वह अधिक व्यवहृत है।

लुम्ह (لطف) अ पु—करुणा, तरस, दया, रहम; अनुकपा, मेह्वानी, आनंद, मज़ा; मनोविनोद, तफ़ीह; दानशीलता, फ़ैयाजी, अनुदान, वख़िश।

लुम्हकी (لطفی) अ पु.—दत्तक, लेपालक, मुतवन्ना।

लुम्हमः (لطفه) अ पु—तमाँचा, थप्पड, तल-प्रहार, थपेडा।

लुम्हः (لطفه) फा वि—इधर की उधर लगानेवाला, लगाई-बुझाई करनेवाला।

लुम्ह [ह] (لذ) पु—‘अलद’ का बहु, युद्ध करनेवाले, लड़नेवाले, झगडा करनेवाले।

लुम्हाजः (لطفه) अ पु.—वह वस्तु जो मुँह से उगली जाय, मुँह से निकली हुई वस्तु।

लुम्हफाह (لطفاح) अ स्त्री—एक बूटी, यबूह, लक्ष्मण।

लुम्ह [व्व] (لص) अ पु—बुद्धि, अक्ल, सार, तत्त्व, विशुद्ध, खालिस, मीग, मग्ज।

लुम्हाद (لذاد) अ पु—वैल के कंधे पर रखने का जुआ।

लुम्हान (لذान) अ. पु—कुदुर गोद।

लुम्हाव (لذاب) अ पु—सार, तत्त्व, मग्ज।

लुम्हव (لذوب) अ पु—एक कामशक्तिवर्द्धक पाक जिसमें मीगे पडती हैं, और जो ‘लव्व कबीर’ और ‘लव्व सगीर’ के नाम से अत्तारो के यहाँ मिलता है।

लुम्हान (لذमान) अ पु—शाम का एक पर्वत।

लुम्हवेलुवाव (لذاب لذاب) अ पु—सार, तत्त्व, निचोड, खुलासा।

लुम्हस (لذس) अ पु—कपडे पहनना, वस्त्र धारण करना।

लुम्हास (لذاس) अ स्त्री—कामना, इच्छा, हाजत।

लुम्हअ (لذوع) अ पु—चमकना, प्रकाशित होना, ‘लम्अ’ का बहु, प्रकाशपुज, रौशनियाँ।

लुम्हअः (لذعه) अ पु—मनुष्यों का समूह, सिर की सफेदी, किसी अंग का वह खड जो बूज में सूखा रह जाय।

लुम्ह (لذ) फा वि—मूर्ख, बुद्ध, घामड।

लुम्हास (لذاس) अ पु—नयी उगी हुई घास।

लुम्हस (لذسن) अ पु—‘लसिन’ का बहु, भाषा-विशेष के विद्वान् लोग, बहुत ही मधुर, सुदर और कोमल भाषा बोलनेवाले।

लुम्हक (لذسوق-لذسوق) अ पु—चिपकना।

लुम्हस (لذصوص) अ. पु—‘लिस’ का बहु, चोर लोग।

लुम्हस (لذسن) अ पु—‘अलसन’ का बहु, अर्थ के लिए दे ‘लुम्हस’।

लुम्हस्तः (لذسته) अ पु.—मसूदा, दे ‘लस्त’ और ‘लिस्त,’ तीनों शुद्ध है।

लुम्हा (لذها) अ स्त्री.—‘लेहयः’ का बहु, डाढ़ियाँ।

लुहाम (لحم) अ पू - लहम का बहु बहुत-से मास ।
 लुहाम (لهم) अ पू - बहुत बड़ी सेना ।
 लुहक (لحوق) अ पू - पीछे स मिलना या जड़ना दा या
 अतिक बन्तुओं का परस्पर मिलना ।
 लुहून (لحون) अ पू - लहन का बहु जावाज स्वर-समूह ।
 लुहूम (لحوم) अ पू - लहूम का बहु, मासपिंड-समूह
 बहुत-से गोस्त ।
 लुहमान (لحمان) अ पू - दे 'लुहूम' ।

लू

लूक (لوك) अ पू - ताजा धी ताजा मकन ।
 लूका (لوكا) अ पू - यूनान का एक प्रसिद्ध वानिक ।
 लूज (لوج) का पू - गाती के विनादे उत्पन्न होनेवाली एक
 धाम जिसकी चटाईया बननी ह दे लुव ।
 लूज (لوج) तु वि - नग्न तथा भगा ल लुव ।
 लूत (لوت) का वि - नगा नग्न ।
 लूत (لوط) अ पू - एक पगवर जिनके अयानुयियों ने
 गुन मथुनको धम विहित मान लिया था जिसके कारण उन
 पर अज्ञाव (याना) आया और वह सब नष्ट हा गये ।
 लूती (لوطي) अ वि - गुद मथुन करनेवाला धर्म ढीठ
 बंध्या स्वच्छंद जो धमाधम का ध्यान न रखता हो ।
 लूब (لوب) अ पू - पथरीय भूमि पहाड़ी इलाका वह
 पहाटी क्षेत्र जहा पानी का अभाव हा ।
 लूब (لوب) अ पू - लूब का बहु ऐसे पहाड़ी क्षेत्र जहा
 पानी न मिलता हो ।
 लूबू (لوبو) अ पू - मुक्ता मोती ।
 लूबूएलाल (لوبول) अ पू - बहुत बलिया और चमक
 दा लूबी ।
 लूगा (لوجا) अ पू - एक यूनानी वचानिक ।

ले

लक (لك) का अर्थ - शक्ति का रूप दे लकिन ।
 लकिन (لكين) का अर्थ - शक्ति का पार्श्व रूप परतु ।
 लंबम (لدم) का स्त्री - व्यामाम कर्न का एक विशेष
 प्रकार का धनुष ।
 लम् (لسمون) का प - नीवू निवू निवूक जमीर ।
 लम्नो (لسموني) का वि - जो नीवू के रस से बना हो जिनमें
 नीवू का रस पडा हो नीवू स सम्बन्धित ।
 लस (لس) का प्रत्य - चाटनेवाला जैसे - कास-पेय
 रिक्तावी चाटनेवाग ।
 लसती (لساتى) का वि - चाटता हुआ ।

लेंसिद (لسنده) का वि - चाटनेवाला लक ।
 लेंसिद (لسنده) का वि - चाटा हुआ लहित ।
 लेंसिदनी (لسندنى) का वि - चाटन योग्य लेंहनीय लह ।
 लेंह्य (لسنه) अ स्त्री - डागै श्मशु राग ।
 लेंह्यान (لسنهان) अ वि - लंबी डाडावाला रोगाईल ।
 लेंहयानी (لسنهانى) अ वि - तीसाईल जिमकी डाड़ी बहुत
 लंबा हो ।

लं

ल (ل) अ पू - बटना, रस्सी आदि बटना लपटना,
 जवान का लपसडाना, जाल में फडफटना ।
 लअ (للع) अ पू - डरना भय खाना जी उचाट होना
 बंद दिल होना ।
 लत (لت) अ अर्थ - ईश्वर पेमा करता ।
 लतक (لتك) का पू - दासी-पुत्र लौंडी-बच्चा ।
 लतोलअल [ल] (لتول) अ स्त्री - डालमटोल
 हेराफेरा आजकल बहानाबाजी ।
 लन (لن) अ वि - दे लयिन, दाभा गुडह ।
 लमून (لسمون) अ पू - नावू निवूक लेमू, जभार ।
 लमूनी (لسموني) अ वि - नीवू से बना हुआ जिममें
 नीवू पडा हो नीवू-सम्बन्धी वस्तु ।
 लयान (لون) अ पू - लपेटना ।
 लयिन (لین) अ वि - मडुल, वामल नम (पू) खरूर
 या छुहारे के पेड का तना ।
 लल (لله) अ स्त्री - रात्रि निशा रात दाव ।
 लल (لل) अ स्त्री - रात्रि, यामिनी निनीयिनी दापा
 दाव - छाई हुई हू यम की घटाए चहारलू क्या पक रह
 गया मेरे ललानिहार में ।
 ललतुलअसरा (للتلهالاسرى) अ स्त्री - दे ललतुलअसरा ।
 ललतुलअदर (للتلهالادرى) अ स्त्री - रमडान क महीन की
 एक रात्रि जिसमें जग-राप करना बहुत अच्छा माना गया है ।
 ललतुलअदर (للتلهالادرى) अ स्त्री - चाँद की चौहकी रात्रि
 पूर्णिमा पूणमासी ।
 ललतुलअबरात (للتلهالابرأت) अ स्त्री - दावबरात दावरात
 रातवान मास की चौहकी रात्रि ।
 ललतुलअमेरात (للتلهالامرات) अ स्त्री - वह रात त्रिममें
 भुसकना । क मत्तानुमार हजरत मुहम्मद साहिब आ पर
 ग्य ।
 लला (للىلى) अ स्त्री - कृष की प्रविषा जिसके इन्क
 म यह पागल हा गया था और सब उन म'नून (पागल)
 कटने लग ये ।

लैली (لایلی) अ स्त्री -'दे. 'लैला' ।

लैले (لایله) फा स्त्री -'दे 'लैला', यह शब्द केवल फार्सी
पद्य में प्रयुक्त हुआ है ।

लैस (لایس) अ पु. -सिंह, शेर ।

लैह (لایه) अ पु. -छिप कर जाना ।

लो

लोक (لوی) फा पु -लहू ऊँट, जो दुर्बलता और रोग के
कारण घिसट-घिसटकर चले, जैसे—वच्चे चलते हैं, दीन,
असहाय, लाचार ।

लोकॉ (لوكان) फा वि -घुटनों के बल चलता हुआ,
घुटनों के बल चलनेवाला ।

लोकैदः (لوكيد) फा वि -घुटनों के बल चलनेवाला ।

लोकैदः (لوكيد) फा वि -जो घुटनों के बल चला हो ।

लोकैदनी (لوكيدنی) फा वि -घुटनों के बल चलने योग्य ।

लोट (لوت) फा पु -अच्छे-अच्छे खाने, बिना दाढ़ी-मूँछ
का लडका ।

लोटपोत (لوتپوت) फा पु -अच्छे-अच्छे स्वादिष्ट खाने ।

लोदी (لودی) फा पु -पठानों की एक जाति ।

लौबत (لعبت) अ स्त्री -खिलौना, गुडिया, पुतलिका ।

लौबतेचों (لعبتچین) अ फा स्त्री -चीनी गुडिया,
चीनी सुदरी ।

लोवान (لوان) फा पु -एक सुगन्धित गोद ।

लोर (لور) फा पु -धुनकने की कमान, वह भूमि जो
वाढ के पानी से कट जाय, एक नाव-विशेष ।

लोरकंद (لورکند) फा पु -वह गढा जो वाढ के पानी से
वन जाय ।

लोरा (لورا) फा पु -पतली लपसी, दलिया, हर पतली
वस्तु ।

लोरियाँ (لوریاں) फा पु -'लोरी' का बहु, कमीने और
अधम लोग ।

लोरी (لوری) फा पु -एक जगली और असभ्य जाति
जो नाचने-गाने का पेशा करती है, कजर, नीच, लोफर,
कमीना ।

लोलः (لول) फा पु -भुने हुए अन्न का आटा, सत्तू ।

लोलपेच (لولپچ) फा पु -हर वह कपडा जिसका
थान दपती में लपेटा जाय और ऊपर कागज चढाया जाय ।

लोल (لول) फा वि -चपल, चंचल, शोख, निर्लज्ज,
घृष्ट, बेहया, ढीठ ।

लोलए आवरेज (لوله آوریج) फा पु -टोटी, नलकी ।

लोलियाँ (لولیاں) फा स्त्री -'लोली' का बहु, रडियाँ ।

लोली (لولی) फा स्त्री -रडी, तवाइफ ।

लोश (لوس) फा वि -कीचड, पक, ग्वाव, अचेत, बेखबर,
टेढे मुँहवाला, कोढी ।

लोशाक (لوشاک) फा वि -कीचड मिला हुआ, गदला ।

लोस (لوس) फा पु -चापलूसी, चाटुकारिता ।

लोसानः (لوسان) फा पु -चापलूसी, खुशामद, विनीति,
विनय, खाकसारी ।

लोहजः (لوهج) अ पु -प्रातराश, नाश्ता, सवेरे का जलपान ।

लोहनः (لوهن) अ पु -नाश्ता, प्रातराश; वह थोडा खाना
जो मेहमान के सामने रख दिया जाय ताकि खाना तैयार
होने तक का आधार हो जाय ।

लोहम (لوهم) अ पु -वाज के शिकार का गोश्त, कपडे
की चौड़ाई का तार, बाना ।

लोहमान (لوهمان) अ पु -'लहम' का बहु, मास-पिंड-
समूह ।

लौ

लौ (لو) फा पुं -पुश्ता, उँचाई, पित्त, सफ़ा ।

लौअ (لوع) अ स्त्री -प्रेम की व्याकुलता और जलन ।

लौअत (لوعت) अ स्त्री -प्रेम की तपन, जलन और
व्याकुलता, दे 'लौअ' ।

लौआत (لوعاب) अ स्त्री -'लौअत' का बहु, प्रेम की जलने ।

लौक (لوی) अ पु -बचाना, चर्बण, खाना, खान ।

लौजः (لوزج) अ पु -बादाम, एक प्रसिद्ध मेवा, कौआ,
गले का कौआ, कठकाक ।

लौज (لور) अ पु -'लौज' का बहु, बहुत-से बादाम ।

लौज (لوز) अ पु -बचाव के लिए पनाह ढूँढना, घाटी
का किनारा ।

लौजई (لوعی) अ वि -बुद्धिमान्, मेधावी, दाना, प्रतिभा-
शाली, जहीन ।

लौजनान (لورجان) फा पु -हल्क का कौआ, कठकाक ।

लौजियात (لوریاات) फा पु -'लौज' का बहु, परंतु एक
वचन में व्यवहृत है ।

लौजीनः (لوزین) फा पु -बादाम का हल्वा ।

लौनः (لونه) अ पु -मुँह पर मलने का पाउडर, मुखचूर्ण,
गाजा ।

लौन (لون) अ पु -रग, वर्ण ।

लौने गामिक (لونعامق) अ पु -गहरा रग ।

लौने फातेह (لونفاتح) अ पु -हल्का रग ।

लौने मा'तम (لونمعتم) अ पु -शोख रग, खुलता हुआ रग,
न बहुत गहरा न हल्का ।

लौम (لوم) अ पु-मलना निग मलामन वृषाता बनूना।

लौमन (لومन) अ स्त्री-लौम'।

लौमेने लाइम (لومنت) अ स्त्री-निग करनेवाल का निग।

लौमिगम (लोलुमिग) अ पु-एक फल विगेप।

लौत (لوت) अ पु-लगान मुपक टनल्लुड लयना हागा, नरा हागा।

लौसे दुनपा (लौसेना) अ पु-सामागि वचन मायाजाल लिप्ति, अनुराग।

लौह (لوح) अ स्त्री-बच्चा के लिखने का पागे तन्नी पट्टिका पत्तर का टुकटा निग पर लिखवर कत्र आदि पर लगान ह।

लौहान्लाह (लौहान्लाह) अ वा-ला औहान्लाह' का फार्मी रूप आदर प्रदान या आचय प्रकटन के ममन वाचन ह।

लौहे कत्र (لوح كتر) अ स्त्री-लौह मजार'।

लौहे तबी (لوح حس) अ स्त्री-गौह पगाना'।

लौहे तिलिस्म (لوح طلسم) अ स्त्री-जिसी जादूक मकान म रखा हूद वह तन्ना निग पर जादू ताने की विधि लिखा हाती ह।

लौहे नाहबा' (لوح ناخواه) अ स्त्री-इवरलत विद्या इम लुना द लौह महपू'।

लौहे पेगानी (لوح نشانی) अ फा स्त्री-ललाटपटल माया भाग्य तन्नीर।

लौहे मजार (لوح مزار) अ स्त्री-वह पत्तर की तन्नी या किनी मरनेवाल का कत्र पर लगान ह और उनमें उसके मरने का तागीज जादि लिखन ह।

लौहे महपू' (لوح محفوظ) अ स्त्री-जग पर एक स्थान जग ससार में होनेवाली सारा घटनाजा का जल्हे ह और जिन का' पद नहा सकता।

लौहो'लम (لوح رسم) अ पु-तन्ना जीर उन पर लिखने का कत्रम जयान वह तन्ना निग पर अभिय म होनेवाली सारा घटनाएँ लिखा हूद ह जीर वह लेखना निगने यह सज कुठ ईवर की आभा से लिखा ह।

व

वहला (وا) अ अय-नहा ता अयया वर्ता।

व'द (वाद) अ स्त्री-मजा का पाग तडका घमकी।

वक्राए' (वक्राए) अ पु-वक्राज का बहु घटनाए समाचार, खबरें।

वक्राए' नवीम (वक्राए नवीम) अ फा वि-इतिहासकार मुजरिस्त समाचारलेखक, सवाचार।

वक्राए' नवीसी (वक्राए नवीसी) अ फा स्त्री-इतिहास लिखना, सवाद देना।

वक्राए' निगार (वक्राए निगार) अ फा वि-वक्राए नवीस'।

वक्राए निगारी (वक्राए निगारी) अ फा स्त्री-वक्राए नवीसी'।

वक्रार (वक्रार) अ पु-भार मरकसपन मुख्य प्रतिष्ठा इचत्रत गभीरता मतानत, मान-भर्यागि एहरिगम।

वक्रालत (वक्रालत) अ स्त्री-वकील का काम अभिभाषण अभिवचन।

वक्रालतन (वक्रालतन) अ फा वि-वकील क द्वारा वक्राल के जराये।

वक्रालतनाम (वक्रालतनाम) अ फा पु-वकील बनाने का तहरार अभिभाषण पत्र।

वक्रालतपेग (वक्रालतपेग) अ फा वि-जो वक्रालत करता हो अभिभाषण-व्यवसाया।

वक्राह (वक्राह) अ वि-निलज्ज बेशम घट दाठ उड़ उड़ह।

वक्राहत (वक्राहत) अ स्त्री-निलज्जता बेहमाइ घटता, गुस्ताबी।

वकीय (वकीय) अ वि-दड मजबूत।

वकीज (वकीज) अ वि-प्रतिष्ठित जेठ इखतगर उच्च उचा बल।

वकीमत (वकीमत) अ स्त्री-निग कुस्ता बन्गीई युद लगीई।

वकीद (वकीद) अ पु-मतला इघन निमस जाग मुल्गामी जानी ह।

वकीन (वकीन) अ वि-वक्रालत करनेवाला अभिभाषण, जमिनकता।

वकीले मुल्ल (वकीले मुल्ल) अ पु-ऐसा वकील जिने मुज विवर की आर से पूर अधिकार प्राप्त हो।

वकीले सरकार (वकीले सरकार) अ फा पु-सरकारी मुकाम में परवी करनेवाला वकाल।

वकीह (वकीह) अ वि-निलज्ज बेहया, घट डीठ।

वकीद (वकीद) अ पु-इघन जताने का लफ्नी आलि।

वकीर (वकीर) अ वि-प्रतिष्ठित आइरजन।

वकील (वकील) अ वि-वह लाचार व्यक्ति जा अपना नाम दूनरा पर धो दे।

वकीह (वकीह) अ वि-द वकीह'।

वक्त (وقع) अ पु—प्रतिष्ठा, इज्जत (स्त्री) ऊँचा स्थान, ऊँची जगह।
 वक्त (وقع) अ स्त्री.—प्रतिष्ठा, इज्जत; महत्त्व, बहम्मीयत, आदर, एहतिराम; उच्चता, बलदी।
 वक्त (وكر) अ पु—बूँसा मारना, मुक्केवाजी करना।
 वक्त (وقان) अ वि—बहुत तेज जलनेवाला, रोले फेकनेवाला, दीप्त, ज्वलत, रौशन।
 वक्त (وقت) अ पु—समय, काम, जमाना; अवसर, मौका, ऋतु, मौसिम, बिलब, देर।
 वक्तगुजारी (وقتگزاری) अ फा स्त्री—समय काटना, कालयापन, बुरे-भले जीवन व्यतीत करना।
 वक्तनफ वक्तन (وقتاً ووقتاً) अ वि—यदा कदा, कभी-कभी।
 वक्त व वक्त (وقت بوقت) अ फा वि—दे 'वक्तन फ वक्तन'।
 वक्त वे वक्त (وقت بوقت) अ फा वि—अच्छे और बुरे समय पर, सुख-दुःख में, जरूरत के वक्त।
 वक्ती (وقتی) अ. वि—सामयिक, समय-सम्बन्धी, क्षण-स्थायी, थोड़ी देर का, अस्थायी, आरिजी, (प्रत्य) समय का, जैसे—'पजवक्ती नमाज' पाँच वक्त की नमाज।
 वक्ते अजल (وقت اجل) अ पु—मृत्यु-समय, मरने का समय।
 वक्ते आखिर (وقت آخر) अ पु—अंतिम समय, मृत्यु-काल।
 वक्ते इआनत (وقت اعانت) अ पु—सहायता का अवसर, मदद का समय।
 वक्ते इम्दाद (وقت امدان) अ. पु.—दे 'वक्ते इआनत'।
 वक्ते एहसान (وقت احسان) अ पु—उपकार का समय या अवसर।
 वक्ते इबाव (وقت خواب) अ फा पु—सोने का समय।
 वक्ते जुहरत (وقت ضرورت) अ पु—आश्वयकता का अवसर, सहायता का अवसर।
 वक्ते नाजुक (وقت نازی) अ. फा पु—आपत्तिकाल, मुसीबत का समय, सावधान रहने और सँभलकर चलने का समय।
 वक्ते फरागत (وقت فراغت) अ. पुं—छुट्टी का समय; समृद्धि का समय; कार्यनिवृत्ति का समय।
 वक्ते फुसंत (وقت فرصت) अ पु—दे 'वक्ते फरागत'।
 वक्ते वद (وقت ود) अ फा. पुं—आपत्तिकाल, मुसीबत का समय, गुडागर्दी का समय।
 वक्ते मदद (وقت مدن) अ पु—वक्ते इम्दाद, सहायता

वक्ते मर्दानगी (وقت مردانگی) अ फा पु.—साहस दिखाने का अवसर; युद्ध में कूद पडने का अवसर।
 वक्ते मुलाकात (وقت ملاقات) अ. पु.—मिलने का समय; मिलने के समय।
 वक्ते मुसीबत (وقت مصیبت) अ. पु.—आपत्तिकाल, विपत्ति-पडने के समय।
 वक्ते रवानगी (وقت روانگی) अ फा पु—प्रस्थान के समय, चलते समय, रवाना होते समय।
 वक्ते रक्त (وقت رحمت) अ. पु.—विदा होते समय, जाते समय, चलते वक्त।
 वक्ते वापसी (وقت واپسی) अ. फा पु—मरते समय, अंतिम समय।
 वक्ते शिकायत (وقت شکایت) अ पु—शिकायत का समय; शिकायत करते समय।
 वक्ते हिम्मत (وقت همت) अ. पु.—दे 'वक्ते मर्दानगी'।
 वक्फ: (وقفه) अ पु—दो कामों के बीच में ठहराव का समय, विराम, इटरवल टाइम, कालान्तर; देर, बिलब; ठहराव, सुकून।
 वक्फ (وقف) अ पु—ईश्वरार्पण, देवोत्तर, उत्सर्ग, खुदा के नाम पर दान की हुई वस्तु या संपत्ति आदि, किसी पुरुष-विशेष के लिए रखी हुई या अलग की हुई वस्तु।
 वक्फ (وقف) अ पु—बरसात में छत आदि का टपकना; किसी चीज से पानी टपकना।
 वक्फ अलल औलाद (وقف علی الاولاد) अ. पु—वह संपत्ति जो अपनी सतान के लिए वक्फ हो।
 वक्फ अलल्लाह (وقف علی الله) अ पु—वह संपत्ति जो धार्मिक कार्यों के लिए वक्फ हो।
 वक्फनाम: (وقف نامه) अ फा. पु—वक्फ की दस्तावेज, उत्सर्गपत्र, दानपत्र।
 वगर (وگر) फा अव्य—अगर, यदि, अब उर्दू में नहीं बोलते।
 वगरन: (وگرنه) फा अव्य—अन्यथा, वरना, नहीं तो।
 वगा (وگا) अ स्त्री—युद्ध, समर, जग, लड़ाई।
 वगैर: (وغيره) अ. अव्य—आदि, इत्यादि, प्रभृति, प्रमुख।
 वद (وعد) अ वि—अधम, नीच, कुपात्र, कमीना, अयोग्य, नाकाबिल।
 वज (وج) अ स्त्री.—वचा, वच, एक लकड़ी जो दवा में चलती है।
 वजजलकत्व (و جمع التلب) अ पु—हृदय की पीड़ा, दिल का दर्द, हृत्पीडा।
 वजजलमफासिल (و جمع السائل) अ पु—जोंग का दर्द, -सिखाय संगमर्ष मन्त्रिया।

वज्रजलमेद (رحم الجعدة) अ पु-गेर का दू उर
पीडा।

वज्रजलवर्षिक (رحم الجورى) अ पु-चूतड का दू थोण
पीणा।

वज्रज (رحم) अ प-मैंडव मडूव श्रवलास गिरगट,
गुह्याधिना छिपवली।

वज्रज (رحم) अ पु-द वज्रज।

वज्रज (رحم) अ पु-वारह अगुल का नाप वितस्ति
वित्ती बालित।

वज्रज (رحم) अ पु-भय त्राम डर।

वज्रा (رحم) अ पु-पीणा व्यथा वेदना दू।

वज्रा (رحم) अ पु-भय त्राम डर छोक।

वज्राअत (رحم) अ स्त्री-भवित्रता पावाजगी
सुन्दरता खूबमूरती निर्णय ब्रेवी।

वज्राअत (رحم) अ स्त्री-अग्रमता नीचता लोपरपन।

वज्राअफ (رحم) अ पु-वज्राफ का बहु छात्र
वक्तिया मत्रजाप आदि।

वज्राहत (رحم) अ स्त्री-विस्तार फलाव स्पष्टता
विधरण तपसील।

वज्राहत (رحم) अ स्त्री-मुग्धगी मुक्कवाति चहरे
की जावोताब प्रतिष्ठा मायता इरजत।

वज्राहततलब (رحم) अ वि-जिस बाल का
स्पष्टीकरण आवश्यक हो।

वज्राहतपरस्त (رحم) अ वि-जा बड लोगो की
हो जोर आदृष्ट रहता हो।

वज्राहत (رحم) अ वि-वहनेवाला वायु चलनवाली
हवा।

वज्राहत (رحم) अ वि-डरनेवाग प्रस्त भयभात।

वज्राहत (رحم) अ वि-जो भम के कारण डरे डरने
वाला।

वज्राहत (رحم) अ स्त्री-हवा की सरसरारहट हवा चलने
की हालत।

वज्राहत (رحم) अ वि-नष्टप्रस्त पीडित ददनाक।

वज्राहत (رحم) अ वि-अधम नीच कमीना।

वज्राहतगीरीक (رحم) अ पु-बमीने और
भेभानस लाग अर्थात अच्छे-बुरे सब।

वज्राहत (رحم) अ वि-ह्रस्व छोटा तक्षिप्त मुक्तसर।

वज्राहत (رحم) अ वि-बगी हुई हवा वहा हुई वायु
चला हुआ पवन।

वज्राहत (رحم) अ वि-चलने के बाबिल हवा।

वज्राहत (رحم) अ पु-छात्रवृत्ति स्कॉलरशिप वृत्ति

पवगिण अ-गउस निवृत्तिवतन पनगन, किमी मत्र आदि
या कुरान क वाक्यादि का जप।

वज्रीक एवा (رحم الجوز) अ फा वि-मत्र आदि पन्न
वाला यशोगान करनेवाला।

वज्रीक हवाती (رحم الجوى) अ फा स्त्री-मत्र आदि का
उच्चारण योगमान।

वज्रीक हवार (رحم الجوى) अ फा वि-नेवगन पान
वाला वृत्तिभाक्ता।

वज्रीक हवाह (رحم الجوى) अ फा वि-वज्रीका चाहन
वाला।

वज्रीक गो (رحم الجوى) अ फा वि-बहाफा पन्नवाला,
यशोगान करनेवाला।

वज्रीक गोई (رحم الجوى) अ फा स्त्री-वज्रीका फना
गुणगान करना।

वज्रीक दार (رحم الجوى) अ फा वि-वज्रीका पानवाला।

वज्रीक पाव (رحم الجوى) अ फा वि-वज्रीका पाया
हुआ, जिमने वज्रीका पा लिया हो।

वज्रीकए जौजियत (رحم الجوى) अ पु-स्त्री प्रमग
सहवास मयन।

वज्रीकए तालीम (رحم الجوى) अ पु-छात्रवृत्ति
स्कॉलरशिप।

वज्रीकए भाहान (رحم الجوى) अ फा पु-मासिक
यति हर महीने मिलनेवाला वज्रीका।

वज्रीम (رحم) अ पु-गुरस्कार उपहार भेंट हदिगा।

वज्रीर (رحم) अ पु-अमात्य मंत्री सचिव।

वज्रीरेअवल (رحم) अ पु-वज्रीरे इसाफ।

वज्रीरे जा'जम (رحم) अ पु-प्रधानमन्त्री महामन्त्री
महामात्य।

वज्रीरे धावकारो (رحم) अ फा पु-आजकारी मन्त्री।

वज्रीरे आबपाती (رحم) अ फा पु-सिचनमन्त्री।

वज्रीरे आवाहकारो (رحم) अ फा पु-मुनवाँत
मन्त्री।

वज्रीरे आ'ला (رحم) अ पु-मुख्यमन्त्री।

वज्रीरे इसाफ (رحم) अ पु-न्यायमन्त्री।

वज्रीरे इतिलाआत (رحم) अ पु-सूचनामन्त्री।

वज्रीरे उमूरे छारिख (رحم) अ पु-दे
वज्रीरे छारिख।

वज्रीरे उमूरे दाखिल (رحم) अ पु-दे वज्रीरे
दाखिल।

वज्रीरे उमूरे मख्हवी (رحم) अ पु-
पध-मन्त्री।

वजीरे कानून (وزیر قانون) अ. पु. -दे. 'वजीरे इनाफ' ।
 वजीरे खारिजः (وزیر خارجہ) अ. पु. -परराष्ट्र मंत्री ।
 वजीरे खिजा (وزیر عیاشی) अ. पु. -ताश्चमत्री ।
 वजीरे जग (وزیر جنگ) अ. फा. पु. -युद्धमत्री ।
 वजीरे जिवायत (وزیر زراعت) अ. पु. -कृषिमत्री ।
 वजीरे तरकीयात (وزیر ترقیات) अ. पु. -विकासमत्री ।
 वजीरे ता'नीरात (وزیر تعمیرات) अ. पु. -निर्माणमत्री ।
 वजीरे ता'लीन (وزیر تعلیم) अ. पु. -शिक्षामत्री ।
 वजीरे तिजारत (وزیر تجارت) अ. पु. -व्यापारमत्री ।
 वजीरे ताखिलः (وزیر داخلہ) अ. पु. -गृहमत्री ।
 वजीरे दिफाय (وزیر دفاع) अ. पु. -रक्षामत्री ।
 वजीरे नौआ बादियात (وزیر نوآبادیات) अ. फा. पुं. -उप-
 निवेशमत्री ।
 वजीरे फौज (وزیر فوج) अ. पु. -दे. 'वजीरे जग' ।
 वजीरे वल्दीयात (وزیر ولدیات) अ. पु. -स्थानीय स्वशासन-
 मत्री ।
 वजीरे महालीयात (وزیر بحالیات) अ. पु. -पुनर्वासिमत्री ।
 वजीरे मफादे आम्मः (وزیر مفاہد عامہ) अ. पु. -लोकहित
 मत्री ।
 वजीरे माल (وزیر مال) अ. पु. -अर्थमत्री, मालमत्री ।
 वजीरे मुवात्सलत (وزیر مواصلات) अ. पु. -दे. 'वजीरे
 रस्ले रसाइल' ।
 वजीरे मेहनत (وزیر محنت) अ. पुं. -श्रममत्री ।
 वजीरे रस्ले रसाइल (وزیر مسائل و مسائل) अ. पु. -यातायात-
 मत्री ।
 वजीरे सन्वतो हिफत (وزیر صنعت و حرفت) अ. पु. -
 शोणमत्री ।
 तरे सेहत (وزیر صحت) अ. पुं. -स्वास्थ्यमत्री ।
 तरे हब (وزیر حرب) अ. पु. -दे. 'वजीरे जग' ।
 तरे हुकूमत (وزیر حکومت) अ. पु. -राज्यमत्री ।
 तीहः (وزیر) अ. वि. -श्रीमुख, जिसका चेहरा
 जेवदार हो ।
 तीह (وزیر) अ. वि. -दूढ़, मजबूत ।
 तू (وزیر) अ. पु. -नमाज के लिए बज्ज करने का पानी,
 तू शब्द बज्ज करने के अर्थ में अशुद्ध है ।
 तूर (وزیر) अ. पुं. -गले के भीतर टपकानेवाली पतली
 र्वा ।
 त्थ (وزیر) अ. स्त्री -रखना, बनाना, करना, जनना,
 र्वा, हालत, वेशभूषा, वजाकता, पद्धति, शैली, ढंग,
 हिस्साव में से किसी रकम की कमी, कटौती, मिनहाई, सदैव
 एक प्रकार से रहना और जिससे जैसा व्यवहार हो, उमे

जाखीर तक वीमे ही निवाहना ।
 वज्जभदार (وزیر جمع) अ. फा. वि. -जो अपनी वजा का पावद
 ही, सदा एता-ना रहे, धीर जिसमे जो व्यवहार हो आखीर
 तक निवाहे ।
 वज्जभदारी (وزیر جمع) अ. फा. स्त्री -हमेगा अपनी वजा
 पर कायम रहना धीर जिस तरह जिमने मिलना या काम
 करना हो उमे उरी तरह निवाहना ।
 वज्जई (وزیر جمع) अ. वि. -बनाया हुआ, गटा हुआ ।
 वज्जउलहम्मल (وزیر جمع) अ. पु. -दे. 'वज्जए हम्मल',
 वच्चा पैदा करना ।
 वज्जए आजादानः (وزیر آزادانہ) अ. फा. स्त्री -आजाद लोगो
 का-सा वेशभूषा ।
 वज्जए आमियानः (وزیر عامیانہ) अ. फा. स्त्री -साधारण
 लोगो-जैसी चाल-ढाल या वेशभूषा ।
 वज्जए दरवेशानः (وزیر درویشانہ) अ. फा. स्त्री -साधुओं-
 जैसी वेशभूषा ।
 वज्जए शरीफानः (وزیر شریفانہ) अ. फा. स्त्री -सज्जन
 लोगो-जैसा आचरण और उन्ही-जैसी वेशभूषा ।
 वज्जए सादः (وزیر سادہ) अ. फा. स्त्री -सादी वेशभूषा
 जिसमे कोई वनावट न हो, साधारण चाल-ढाल ।
 वज्जए हम्मल (وزیر حمل) अ. पु. -वच्चा जनना, प्रसव,
 जनन, प्रसूति ।
 वज्जधो कत्थ (وزیر قطع) अ. स्त्री -वेशभूषा, आकार-
 प्रकार, सज-धज, वजाकता ।
 वज्ज्जाअ (وزیر) अ. वि. -बनानेवाला, गढनेवाला ।
 वज्ज्जान (وزیر) अ. वि. -बहुत अधिक तोलनेवाला ।
 वज्ज्जाह (وزیر) अ. वि. -सफेद कोढ़ का रोगी, गोरा चट्टा,
 गौर वर्ण ।
 वज्जद (وزیر) अ. पु. -आनदाधिक्य से आत्म विस्मृति, काव्य
 या सगीत की रसानुभूति से होनेवाली आत्म-विस्मृति ;
 आनदातिरेक से झूमनेवाला ।
 वज्जदअंगेज (وزیر انگیز) अ. फा. वि. -दे. 'वज्जदआफ्री' ।
 वज्जदआफ्री (وزیر آفرین) अ. फा. वि. -वज्जद में लानेवाला,
 आनदातिरेक से मुग्ध कर देनेवाला ।
 वज्जदकुना (وزیر کفان) अ. फा. वि. -झूमता हुआ, आनद-
 बाहुल्य से वज्जद करता हुआ ।
 वज्जदे सिमाअ (وزیر حساسات) अ. पु. -गाना सुनकर होनेवाला
 वज्जद ।
 वज्जदोहाल (وزیر وحال) अ. पु. -गाने में आनदातिरेक से
 मस्त हो जाना और झूमना ।
 वज्जजः (وزیر) अ. पु. -कपोल, गाल, रस्सार ।

बन्त (بنت) अ पु-भापने का पमाना बाह्य भाषा का पमाना ।
 बन्त (بنت) अ पु-मार बाप तालने का वाट महत्व अहमीयत छेद बत बहू तालना काय्य पन् के अन्तरा का गमा का भासाज, मिलाकर बराबर करना ।
 बन्तकष (بنت کش) अ फा वि-नालनेवाला तीला ।
 बन्तकशी (بنت کشی) अ फा स्त्री-तालना तालने का काम तालन का पना ।
 बन्ती (بنتی) अ वि-माती बानल ।
 बन्ते गोर (بنتی گور) अ पु-गोर का बहू या बत गोर का बन्ताअ ।
 बजह (بجھ) अ स्त्री-कारण ह्यु सबब (पु) मुख मुताबूत मुसमटल चररा ।
 बजहे अदाबत (بجھ ادب) अ स्त्री-शनुता का कारण ।
 बजहे अहसन (بجھ احسن) अ पु-सुन्दर, मुख अच्छी मूरत (स्त्री) अ ठा कारण माकूल वाह ।
 बजहे बची (بجھ بچی) अ स्त्री-बची बजह उचित कारण माकूल सबब ।
 बजहे काफी (بجھ کافی) अ स्त्री-उचित कारण बडा कारण ।
 बजह खसूमत (بجھ خصوصیت) अ स्त्री-द्वेष का कारण रजिग का सबब ।
 बजहे खसूमती (بجھ خصوصیتی) अ स्त्री-मुख्य कारण खास सबब ।
 बजहे खसूमत (بجھ خصوصیت) अ स्त्री-निश्चित नाम हाने का कारण अमुक वस्तु का यन् नाम क्या पना ? इतका कारण ।
 बजहे खहूक (بجھ بھک) अ स्त्री-बर्बा चलाने या वात उठाणे का कारण प्रस्ताव रखने का कारण ।
 बजहे मजाग (بجھ معاش) अ स्त्री-जीवन निर्वाह का साधन जाबिका ।
 बजहे भईगत (بجھ معاش) अ स्त्री-बजह मजाग ।
 बजहे भाइत (بجھ معقول) अ स्त्री-उचित कारण ठीक सबब ।
 बजहे मुताल्लत (بجھ متعلق) अ स्त्री-विराष का कारण ।
 बजहे मुतात्मत (بجھ متعلق) अ स्त्री-गणा का कारण ह्यु का कारण ।
 बजहे मूरजत (بجھ موحه) अ स्त्री-विराष का कारण माकूल सबब ।
 बजहे रजिग (بجھ رجحان) अ फा स्त्री-मतमूलाअ और

नाराजी का कारण ।
 बजहे राहत (بجھ راحت) अ स्त्री-सुत का माधन प्रसन्नता का कारण ।
 बजहे बहुगत (بجھ وجہ) अ स्त्री-भापने और पण्य रहने अथवा घणा करणे का कारण ।
 बजहे शक (بجھ شک) अ स्त्री-गमा करने का कारण ।
 बजहे शिकायत (بجھ شکایت) अ स्त्री-उत्तम का कारण गवा करने का सबब ।
 बजहे हकाल (بجھ حلال) अ स्त्री-विहित और उचित साधन (जाबिका का) ।
 बजहे हुसन (بجھ حسن) अ स्त्री-माकूल सबब उत्तम कारण (पु) सुन्दर मुख अच्छी मूरत ।
 बजहे हसीन (بجھ حسین) अ स्त्री-सुन्दर मुख प्यार चेहरा ।
 बतद (بند) अ पु-सूटा मेख तान अथवा बाला पन् ।
 बतदे मकून (بند مکون) अ पु-बहु तान अथवा बाला पन् जिसका अन्तिम अन्तर हल हो जसे-बमन ।
 बतदे मन्मूअ (بند منموع) अ पु-बत मकून ।
 बतदे मन्मूक (بند منموق) अ पु-बहुतीन अथवा बाला पन् जिसके बीच का अन्तर हल है जम-जम ।
 बतन (بند) अ पु-स्वदेश जम भूमि-यह गार गरीबा पे बहती है हसरत, कि अस्ती बना है यहा बेकसी का ।
 बतनकुग (بند کش) अ फा वि-देशद्रोही बतन क साम गदारी करनेवाला ।
 बतनकुनी (بند کشی) अ फा स्त्री-देशद्रोह बतन के गदारी ।
 बतनगोस्त (بند گوست) अ फा वि-गिरीमी जना बतन से स्नेह करनेवाला ।
 बतनबोस्ती (بند دوستی) अ फा स्त्री-गिरीम बतन की महम्बत ।
 बतनपरस्त (بند پرست) अ फा वि-गिरीमी जना का सर्वोत्तम जाननेवाला ।
 बतनपरस्ती (بند پرستی) अ फा स्त्री-गिरीम बतन का अर्थात् गिरीम ।
 बतनफुश (بند فوش) अ फा वि-गिरीम जना गिरीमी बतन का गदारी ।
 बतनफुशी (بند فوشی) अ फा स्त्री-गिरीम बतन की गदारी के साथ बतन ।
 बतनी (بنتی) अ वि-बतन का बतन-भाषणी बतन बाला ।

वतनीयत (وطنیت) अ स्त्री—देशभक्ति, वतनपरस्ती।
 वतने आवई (وطن آدائی) अ पुं—चाप-दादा का देश,
 पुराना वतन।
 वतने कदीम (وطن قدیم) अ पुं—पुराना वतन, पुरखो का
 देश, पूर्वजो का देश।
 वतने जदीद (وطن جدید) अ पु—नया वतन, जहाँ हाल मे
 रहना आरम किया हो।
 वतने मालूफ (وطن مالوف) अ पुं—वह वतन जिससे
 प्रेम हो।
 वतर (وتر) अ पुं—प्रत्यचा, धनुष की डोरी, वाजे का तार।
 वती (وطی) अ स्त्री—सहवास, समोग, मसलना, रौदना,
 कुचलना।
 वतीर (وتیر) अ पुं—ढंग, पद्धति, तरीका, आचरण,
 व्यवहार, तर्जोअमल।
 वत्वात (وطنات) अ स्त्री—अवावील, भाडीक।
 वतश (وتش) अ वि—विनाश, बरवादी, ध्वस्त, तवाह,
 खराब।
 वतह (وتح) अ वि—कृपण, कंजूस, निकृष्ट, खराब।
 वदा' (ودع) अ पु—शख, कवु, सख।
 वदाअ (وداع) अ स्त्री—रुखसत, विदा, गमन, जाना।
 वदाए' (ودائع) अ पु—'वदीअत' का बहु, अमानते।
 वदाए जाँ (ودائع حان) अ फा स्त्री—प्राणो का कूच,
 मरण, मरना।
 वदाए रह (ودائع روح) अ स्त्री—आत्मा का गमन, मरण,
 मृत्यु, मरना।
 वदाद (وداد) अ पु—इच्छा, चाह, तलब, मनोकामना,
 आकाक्षा, मुराद।
 वदीअ (ودیع) अ वि—रुखसत करनेवाला।
 वदीअत (ودیعت) अ स्त्री—अमानत, बरोहर, थाती,
 न्यास, निक्षेप, आधान, प्राधि, आधि।
 वदीद (ودید) अ वि—मित्र, सखा, दोस्त।
 वदूद (ودود) अ वि—मित्र, दोस्त।
 वफा (وفا) अ स्त्री—प्रतिज्ञा पालन, भक्ति, वफादारी,
 निर्वाह, निवाह, स्वामी या मित्र के साथ तन, मन, धन से
 निवाहना और कडे से कडे समय पर उसका साथ देना।
 वफाअदेश (وفاءدیش) अ फा वि—दे 'वफादार'।
 वफाआमोज (وفاءآموز) अ फा वि—वफा सिखानेवाला।
 वफाआवना (وفاءآشنا) अ फा वि—वफा से परिचित
 अर्थात् वफादार।
 वफाए अहद (وفاءعہد) अ स्त्री—प्रतिज्ञा का पालन,
 वादा पूरा करना।

वफाए इश्क (وفاءعشق) अ स्त्री—प्रेम करके उसे
 निवाहना, किसी अवस्था मे भी प्रेम न छोडना।
 वफाए कसम (وفاءقسم) अ स्त्री—खायी हुई कसम का
 पालन करना, कही हुई बात निवाहना, शपथपालन।
 वफाए कौल (وفاءقول) अ स्त्री—कही हुई बात निवाहना,
 प्रतिज्ञा का पालन।
 वफाए वा'दः (وفاءوعده) अ स्त्री—दे 'वफाए अहद'।
 वफाओजफा (وفاءوحفا) अ स्त्री—वफादारी और अत्या-
 चार, प्रेमिका की ओर से जुलम और प्रेमी की ओर से वफा
 अर्थात् प्रेम-निर्वाह।
 वफाकेश (وفاءکیش) अ फा. वि—दे 'वफादार'।
 वफाकेशी (وفاءکیشی) अ फा. स्त्री—दे 'वफादारी'।
 वफाकोश (وفاءکوش) अ फा वि—प्रेम निर्वाह की कोशिश
 करनेवाला, वफादार रहने की कोशिश करनेवाला, अर्थात्
 प्रेमी, आशिक।
 वफाकोशी (وفاءکوشی) अ फा. स्त्री—प्रेम-निर्वाह मे
 कोशिश करना।
 वफाखमीर (وفاءخمیر) अ वि—जिसकी प्रकृति मे वफा का
 मादा हो, जो स्वभाव से वफादार हो, प्रेमी।
 वफाखाम (وفاءخام) अ फा वि—जो वफा मे कच्चा हो,
 जो समय पडने पर धोखा दे सके।
 वफागुस्तर (وفاءگستر) अ फा वि—दे 'वफादार'।
 वफात (وفاء) अ स्त्री—मृत्यु, मरण, मौत।
 वफातयाफतः (وفاءتیا فتنه) अ फा वि—मृत, मरा हुआ।
 वफादार (وفاءدار) अ फा वि—जो स्वामी या मित्र का
 तन, मन, धन से भक्त हो।
 वफादारी (وفاءداری) अ फा स्त्री—स्वामी या मित्र का
 तन, मन, धन से साथ देना।
 वफादोस्त (وفاءدوست) अ फा वि—जो वफा को अपना
 सर्वस्व समझता हो, अर्थात् आशिक।
 वफादोस्ती (وفاءدوستی) अ फा स्त्री—वफा को अपना सब
 कुछ जानना।
 वफादुश्मन (وفاءدشمن) अ फा वि—जो वफा का वैरी हो
 अर्थात् जिसे वफा से चिड हो, बेवफा, कृतघ्न, माशूक,
 प्रेयसी।
 वफादुश्मनी (وفاءدشمنی) अ फा स्त्री—वफा से चिड,
 वफा से वैर।
 वफानाआवना (وفاءآشنا) अ फा वि—जो वफा करना
 न जानता हो, अर्थात् माशूक।
 वफानाकर्मः (وفاءکرمه) अ फा वि—जिसने कभी वफा
 न की हो, अर्थात् माशूक।

वफानाशनास (وفاناسناس) अ फा वि—दे वफा नाशनास ।
 वफापरस्त (वफापरस्त) अ फा वि—जो वफा की कद्र करता है जा बहुत ही वफादार हो अयात जाशिक्र ।
 वफापरस्ती (वफापरस्ती) अ फा स्त्री—वफा की कद्र करना बहुत ही वफादार होना ।
 वफापुस्त (वफापुस्त) अ फा वि—जो वफा में बहुत ही पुस्ता हो, जिसकी आर से कभी बेवफाई न हो, अयात आशिक्र ।
 वफापुस्तगी (वफापुस्तगी) अ फा स्त्री—वफा में दद और मजबूत होना ।
 वफापेग (वफापेग) अ फा वि—जिसका नाम हू वफा करना हो अर्थात् प्रेमी ।
 वफापेगामी (वफापेगामी) अ फा स्त्री—वफा करने का काम ।
 वफावेगान (वफावेगान) अ फा वि—दे वफा नाशनास ।
 वफावेगानगी (वफावेगानगी) अ फा स्त्री—वफा करना न जानना ।
 वफामजहब (वफामजहब) अ वि—जिसका धम वफा करना हो अर्थात् प्रेमी ।
 वफामधव (वफामधव) अ वि—जिसका धम विस्वास वफा पर हो ।
 वफानाम (वफानाम) अ फा वि—वफा को पहचानने वाला अर्थात् प्रेमी ।
 वफानासा (वफानासा) अ फा स्त्री—वफा को पहचानना ।
 वफानिआर (वफानिआर) अ वि—दे वफापेग ।
 वफानिआरी (वफानिआरी) अ स्त्री—दे वफापेगामी ।
 वफानिबन (वफानिबन) अ फा वि—जो वफा की प्रतिपा करते ताड दे ववफा ।
 वफी (वफी) अ वि—सपूण समग्र समस्त सब ।
 वफ्र (वफ्र) अ प—अनुकूल म्आपिक ।
 वफद (वफद) अ प—प्रतिनिधि मन्त्र डिपुटान ।
 वफर (वफर) अ प—वाल ऊत ।
 वफा (वफा) अ स्त्री—महामारी रक्षण वह राग जा मरी ने ह्य में परा हो ।
 वफाई (वफाई) अ वि—वफा सम्बन्धी क्वा के रूप में पण हुआ ।
 वफाए भाग (वफाए भाग) अ स्त्री—महामारी सब में पनी हू वफा ।
 वफाल (वफाल) अ प—आर्ति विपण मुगीवन दुष बष्ट

तकलीफ जजाल, पशट, वह मुसीबत जा दुनिवार्य हो ।
 वबाले गदन (वबाले गदन) अ फा पु—गन के लिए बीच गदन पर रखा हुआ बोस, अषान पाप ।
 वबाले जी (वबाले जी) अ फा पु—प्राणो के लिए मुमीबत जान वा जजाल ।
 वबाले दोश (वबाले दोश) अ फा पु—दे वबाले गदन ।
 वब (वब) अ पु—बिल्ली के बराबर एक जतु जो गर के आग चलता है ।
 वबा (वबा) फा अव्य—अथवा या, अब उदू में नहा बाला जाता ।
 वब (वब) फा प्रत्य—बाला जैसे—'ताकववर' शक्तिवाला (अव्य) यदि, अगर और अगर, (पु) वक्ष स्थल सीना (स्त्री) ताप, गर्मी ।
 वबक (वबक) अ पु—पत्र, दल, पत्ता टिकिट, प्रयोग पत्र ।
 वबक (वबक) अ पु—मूठ पत्ता पेज, दल पत्र पत्ता ।
 वबकगर्बानी (वबकगर्बानी) अ फा स्त्री—विताव के वरक उलटना-मलटना पुस्तक पठना तरी केवल उसे इधर उधर से वरक उलटकर देखना ।
 वबकदाए (वबकदाए) अ फा वि—विताव के पत्र पर लिखा जानेवाला बक (सक्ष्य) ।
 वबकसाब (वबकसाब) अ फा वि—चाँगी-सोने के वरक बनानेवाला ।
 वबकसाबी (वबकसाबी) अ फा स्त्री—चाँदी-सोने के वरक बनाने का काम ।
 वबकी (वबकी) अ वि—वरक-जसा वारीक ।
 वबकूलखयाल (वबकूलखयाल) अ पु—विजया, भग भग, भाँग ।
 वबकूलहमीण (वबकूलहमीण) अ पु—भाँग के पत्ते, भाँग का पत्ता ।
 वबके कानात (वबके कानात) अ पु—विश्वपटल वरकरूपी विवर ।
 वबके खाम (वबके खाम) अ फा पु—वच्चा चिटठा, बदस्ती हालत क-ची बही ।
 वबक गुल (वबक गुल) अ फा पु—फूल की पैरारी ।
 वबक (वबक) अ पु—गीघ सूजन ।
 वबके शिगर (वबके शिगर) अ फा पु—मृत्त-शोष, त्रिगर का वरक ।
 वबक (वबक) अ पु—गोह यापिक ।
 वबक (वबक) अ प—बारिल का बट्ट उत्तराधिकारी नाग वारिग साग ।

वरा (ورا) अ. वि-परे, पीछे, आगे, दूर, अतिरिक्त, अलावा (पु) ससार, जगत्, विश्व।
 वराए नजर (وراے نظر) अ. पु-दृष्टि के परे।
 वराज (ورار) अ. पुं.-शूकर, वराह, कोल, सुअर।
 वरासत (وراست) अ स्त्री-दायाधिकार, उत्तराधिकार, तरिका पाना।
 वरासतन (وراستان) अ. वि-वरासत की रू से, वरासत में, उत्तराधिकार के रूप में।
 वरासतनाम. (وراست نامہ) अ फा पु.-उत्तराधिकारपत्र, वरासत की कानूनी दस्तावेज।
 वरिफ (وری) अ पु-श्रोणि, नितंब, कटिदेश, चूतड़।
 वरीद (ورید) अ स्त्री-शरीर की वे रंगे जिनमें रक्त दौड़ता है, रक्तवाहिनी, धमनी।
 वरे (ورع) अ वि.-सयमी, निग्रही, यतात्मा, यतव्रत, परहेजगार।
 वर्ष (ورع) अ स्त्री.-सयम, इद्रियनिग्रह, परहेजगारी, दे 'वरा', दोनो बुद्ध है।
 वर्का (ورکا) अ स्त्री-फास्ता, पड़क।
 वर्काक (ورکاک) अ पु-लुब्धक, चिड़ीमार, बहेलिया, एक मृतभोजी चिड़िया।
 वर्गालानिदः (ورعلائیدہ) फा वि-बहकानेवाला, फुसलाने-वाला, कुमंत्रणा देनेवाला, गलत राह चलानेवाला।
 वर्गालानिदः (ورعلائیدہ) फा वि-फुसलाया हुआ, बहकाया हुआ, जिसे कुमंत्रणा दी गयी हो।
 वर्जिदः (ورجدہ) फा वि-कबूल करनेवाला, अभ्यास करनेवाला।
 वर्जिश (ورجش) फा स्त्री-अभ्यास, मश्क, व्यायाम, कसत; ग्रहण, इस्तियार।
 वर्जिशगाह (ورجش گاہ) फा स्त्री-व्यायामशाला, कसत करने का स्थान, अखाडा।
 वर्जिशखानः (ورجش خانہ) फा पु-दे 'वर्जिशगाह'।
 वर्जिशी (ورجشی) फा वि-जो व्यायाम का अभ्यस्त हो, कसत का आदी, कसत से बनाया हुआ शरीर।
 वर्जिशे जिस्मानी (ورجش جسمانی) अ स्त्री-दैहिक परिश्रम, व्यायाम, कसत।
 वर्जिदः (ورجدہ) फा वि-ग्रहण किया हुआ, कबूल किया हुआ, मश्क किया हुआ, अभ्यस्त।
 वर्जिदनी (ورجدنی) फा वि.-ग्रहणीय, काविले कबूल, काविले मश्क, अभ्यास के योग्य, अभ्यसनीय।
 वर्तः (ورطہ) अ पु.-भँवर, जलावर्त; जान जोखिम का स्थान, प्राणघातक स्थल।

वर्तए हलाफत (ورطہ ہلاکت) अ पु-ऐसा भँवर जिसमें पडकर मरने से छुटकारा न हो सके।
 वर्तीज (ورتیج) अ पु-बटेर, वार्तक, वाना।
 वर्द (ورد) अ. पु-गुलाव, गुलाव का फूल।
 वर्दी (وردی) अ. वि-गुलाव के फूल-जैसा; गुलाव सम्बन्धी।
 वर्दूक (وردوی) फा पु.-छप्पर, फूस और बाँस की बनी हुई प्रसिद्ध छाजन।
 वर्दे मुरब्बा (ورد مرابو) अ पु.-गुलकद, शकर और गुलाव के फूलों का मिश्रण।
 वर्नः (ورنہ) फा. अव्य.-अन्यथा, नहीं तो, वगर्ना।
 वर्राक (ورراق) अ पु.-पुस्तकालयों में कीड़ों से बचाने के लिए पुस्तकों के पन्ने लौटने-पलटनेवाला व्यक्ति।
 वरीद (ورید) अ वि-भाली, बागवान, गुलाव के फूलों से अरक या गुलकद बनानेवाला।
 वर्सः (ورسہ) अ पु-रिक्थ, दाय, मीरास, पैतृक संपत्ति, पुठ्तैनी चली आनेवाली माफी आदि।
 वलदेज (ولدیج) अ पु-हालैंड, यूरोप का एक राष्ट्र।
 वलद (ولد) अ पु-पुत्र, तनय, सूनु, बेटा, लडका।
 वलदीयत (ولدییت) अ स्त्री-लडकेवाला होना, बाप का नाम आदि।
 वलदुज्जिना (ولد الجینا) अ पु-हरामी लडका, जारज, सकर, दोगला।
 वलदुलजारिय (ولد الجاریہ) अ. पु.-दासी-पुत्र, लौंडी-वच्चा।
 वलदुलहराम (ولد الحرām) अ. पु-दे 'वलदुज्जिना'।
 वलह (ولہ) अ स्त्री-आसक्ति, मोह, इश्क।
 वला (ولع) अ पु-लोभ, लालच, आसक्ति, फिरेफतगी।
 वली (ولی) अ. वि.-उत्तराधिकारी, वारिस, सहायक, मददगार, मित्र, दोस्त, महात्मा, ऋषि।
 वलीअहद (ولی عہد) अ पु-बादशाह के बाद होनेवाला जानशीन, युवराज, राजकुमार।
 वलीजः (ولیتجہ) अ वि.-घनिष्ठ मित्र, गहरा दोस्त।
 वलीद (ولید) अ पु-छोकरा, खिदमतगार लडका।
 वली नेमत (ولی نعمت) अ पु-स्वामी, मालिक, अभिभावक, सरपरस्त।
 वलीमः (ولیمہ) अ पु-निकाह के बाद दूल्हा की ओर से दिया जानेवाला खाना, विवाह-भोज।
 वलीयः (ولیتہ) अ स्त्री-उत्तराधिकारिणी, वारिना, महात्मा स्त्री, खुदा रसीदा, घोड़े का पालान।
 वलीयुल्लाह (ولی اللہ) अ पु-ईश्वर का मित्र अर्थात् पहुँचा हुआ साबु, महात्मा, महर्षि।

वलूद (ولود) अ स्त्री—बहुत अधिक सतान उत्पन्न करने वाली स्त्री, बहुप्रसवा।
 वले (ولے) फा अव्य—'वलेकिन' का लघु, 'वे' 'वलेकिन'।
 वलेक (ولیک) फा अव्य—'वलेकिन' का लघु, 'दे' 'वलेकिन'।
 वलेकिन (ولیکن) फा अव्य—लेकिन, परंतु, मगर।
 वल्लाह (والله) अ वा—ईश्वर की शपथ खुदा की कसम।
 वल्वल (ولولے) अ पु—उत्साह उमग जावेग, जाग, आत्मविस्मयित बेलुदी उगा०—जब वल्वल सादिक हाता है जब अरबे मुसम्म होता है तकमील का सामा गव से खुद उस वक्त फराहम हाता है।
 वलवल अगेद (ولولے اگدر) अ फा वि—उत्साहवद्धक, उमग बतानवाला, जोश पदा करनेवाला।
 वलवल खेज (ولولے خج) अ फा वि—दे वल्वल अगज।
 वश (وش) फा प्रत्य—समान तुल्य, जैसे—माहवश वाद के समान।
 वसख (وسخ) अ पु—मल कुचल मलापन मल, मलिनता, मला मलिन।
 वसन (وسن) अ पु—मूर्ति प्रतिमा, वृत।
 वसनी (وسنی) अ वि—मूर्तिपूजक वृतपरस्त।
 वसाइक (وسایک) अ पु—वसीक का बहु, वसीके।
 वसाइत (وسائط) अ पु—'वासित' का बहु, वासिते।
 वसाइद (وسائد) अ पु—विसाद का बहु, मसनें तकिए।
 वसाइल (وسائل) अ पु—वसील का बहु, साधन, जरिए।
 वसातत (وساطت) अ स्त्री—माध्यम जरीया।
 वसायत (وصایت) अ स्त्री—अभिभावकता गाजियनशिप।
 वसाया (وصایا) अ पु—वसीयत का बहु वसीयतें।
 वसालत (وسالمت) अ स्त्री—वसील खराब माध्यम।
 वसाविस (وساویس) अ पु—वसवस का बहु बुरे विचार पशाचिक विचार।
 वासिख (وسخ) अ वि—मला गदा मलिन मला-कुचला मलयुवन।
 वसी (وصی) अ वि—जिसके लिए वसीयत की गयी हा रिक्वाथिकारी।
 वसीअ (وسع) अ वि—विस्तृत फला हुआ चौडा-चकला।
 वसीउतत्रिब (وسع العتدرب) अ वि—जिसका तख्तिदा वहन दगा हुआ हो बहुदनुभव।
 वसीउतालीम (وسع المعلم) अ वि—जिसकी शिक्षा बहुत अधिक हो जो बहुत पत्रा लिखा हो।
 वसीउतत्रर (وسع العتار) अ वि—जिसकी दृष्टि दूर तक देख सकना हो जसगोची दूरदर्शी बुद्धिमान अनुभवमपन्न।

वसीउतत्रररी (وسع العتاری) अ स्त्री—दूरदशिता, बद्धि मत्ता।
 वसीउलअरलाक (وسع الاحلاق) अ वि—जिसकी शिष्टता और गौरवता बहुत बनी हुई हो बहुच्छील।
 वसीउलअरत्व (وسع العتلب) अ वि—जिसके हृदय में बनी गुणाइग हा, बहुत ही उत्तर उत्तान हृदय, उत्तराशय।
 वसीउलअरशव (وسع العترب) अ वि—जा हरेल धनपर आस्था रखे और किसी का दिल न दुखाय।
 वसीइ (وسیة) अ पु—लेखपत्र व्यवस्था पत्र दस्तावेज, प्रतिनापत्र अहन्नामा बहु पेंशन जो किसी जायनाद आदि की जता के बाद मिले।
 वसीक वार (وسعदार) अ फा वि—वसीका अथात पेंशन पानेवाला।
 वसीकनवीस (وسیة نویس) अ फा पु—दस्तावेज लिखने वाला मकाना की बिनी की दस्तावेजें लिखनवाला।
 वसीत (وسیط) अ वि—जा कुल में उच्च धेणी का न हो परंतु पत्र में उच्च धेणी का हो।
 वसीम (وسیم) अ वि—मुत्तर गोभित खूबसूरत, जकित चिह्नित निशान किया हुआ।
 वसीयत (وصیت) अ स्त्री—मरनेवाले का अंतिम वचन मरते समय अपनी जाइदाद और संपत्ति क प्रबंध जयवा 'यय' के लिए अंतिम आदेश प्ररिक्व।
 वसीयतनाम (وصیتنامه) अ फा पु—वसीयत की कानूनी दस्तावेज इच्छापत्र, रिक्थपत्र दायपत्र मस्युलेख।
 वसील (وسیلة) अ पु—माधन उपकरण जरीया माध्यम विचौलिया।
 वसीलए खफर (وسیلة طفر) अ पु—सफलता वा साधन उन्नति का जरीया।
 वसीलए नजात (وسیلة نجات) अ पु—मक्ति का साधन मोक्ष का जरीया छुटकारे का उपाय बचने का तरीका।
 वस्क (وسن) अ पु—विश्वास भरोसा एतिसाद यकीन।
 वस्ख (وسخ) अ पु—मैल-कुचल मलिनता गदगी।
 वस्त (وسط) अ वि—बीच मध्य दरमियान।
 वस्ती (وسیة) अ वि—बीच वा माध्यमिक, दरमियानी।
 वस्ते माह (وسط ماه) अ फा पु—महीने का बीच।
 वस्नी (وسنی) फा स्त्री—सीन वह दो स्थियां जिनवा एक पति हो परस्पर वस्नी ह।
 वस्क (وصف) अ पु—गुण सिपन प्रगटा तारीक अच्छा उगगी।
 वस्के इजासी (وصف اضاوی) अ प—बहु गुण जा स्वाभाविक न हो बीच म पत्र हो गया हा।

वस्मः (وسمه) फा. पु.—नील की पत्ती जिमका पहले खिजाव वनता था।
 वल्ल (وعل) अ पु.—जोड़, मिलान; प्रेमी और प्रेमिका का संयोग, मिलन।
 वल्लवः (وصلجه) अ. फा पु.—छोटी वस्त्री।
 वल्ली (وصلی) अ स्त्री.—मोटे और चिकने कागज के घुटे हुए तल्ले जिन पर लिखने का अभ्यास किया जाता है।
 वल्लोहिज्र (وصل وهجر) अ. पु.—मिलन और वियोग, नायक और नायिका का आपस में मिलना और विट्टुडना।
 वल्लसः (وسوسه) अ पुं.—त्रुरा खयाल, बुरी शंका, अनिष्ट की शंका, वह धर्म विरुद्ध विचार जो शैतान उत्पन्न करता है; भ्रम, वहम।
 वल्लास (وسواس) अ. पु.—दे 'वस्वस'।
 वल्लासी (وسواسی) अ. वि.—भ्रमी, वहमी।
 वहक (وهق) अ पु.—कमद, जिससे ऊपर चढ़ते हैं, पाश, रस्ती, फटा।
 वहल (وخل) अ. स्त्री.—क्रीचड, कदम, जवाल, जलकल्क, लल्लाव।
 वही (وحی) अ स्त्री—दे 'वह' परन्तु बोलचाल में 'वही' ही बोलते हैं।
 वहइ (وحی) अ. स्त्री—ईश्वर की ओर से आया हुआ पैगम्बर के लिए आदेश, वही।
 वहए मुञ्जल (وحی منزل) अ. स्त्री—ईश्वर प्रेषित आदेश, खुदा की ओर से आया हुआ हुकम।
 वहदः (وهده) अ. स्त्री—नीची जमीन जहाँ पानी भरे।
 वहदत (وحدت) अ स्त्री—एकत्व, एकता, इत्तिहाद, अद्वैत भाव, वहदानियत, ईश्वर को एक मानना।
 वहदतपरस्त (وحدت پرست) अ फा वि—अद्वैतवादी, ईश्वर को एक माननेवाला।
 वहदतपरस्ती (وحدت پرستی) अ फा स्त्री—अद्वैतवाद, ईश्वर को एक मानना।
 वहदतुलबुल (وحدت لودون) अ स्त्री—यह सिद्धान्त कि ससार में केवल एक ईश्वर के सिवा और कुछ नहीं है, ब्रह्मवाद।
 वहदते इरादी (وحدت ارادی) अ स्त्री—अपनी मर्जी से सबका मिलकर एक होना।
 वहदते कल्ली (وحدت قهری) अ स्त्री—जबरदस्ती सब को एक करना, जो हृदय और विचारों की एकता न हो।
 वहदते नौई (وحدت نوعی) अ स्त्री—एक प्रकार की वस्तुओं की एकता।
 वहदते लिसानी (وحدت لسانی) अ स्त्री.—भाषा के दृष्टि-

कोण से एकता, सब की भाषा का एक होना।
 वहदते सहीहः (وحدت صحیحه) अ स्त्री.—सच्ची एकता, वास्तविक में एकता।
 वहदानियत (وحدانیت) अ. स्त्री—एकत्व, एकता, अकेलापन, अद्वैतवाद, ईश्वर के एक होने का सिद्धान्त।
 वहदानी (وحدانی) अ वि.—एकवाला, एक से सम्बन्ध रखनेवाला।
 यहन (وهن) अ स्त्री.—शिथिलता, ढीलापन, आलस्य, अकर्मण्यता, मुस्ती।
 वहय (وهب) अ. स्त्री.—देन, पुरस्कार, वस्त्रिण, दान, ईश्वर की देन।
 वहयी (وهی) अ. वि—ईश्वर का दिया हुआ, ईश्वरदत्त।
 वहम (وهم) अ. पु.—भ्रम, भ्राति, वाहिम, भय, डर, शका, सदेह, शक।
 वहमअसास (وهم اساس) अ वि—जिसका आवार भ्रम पर हो, भ्रममूलक।
 वहमनाक (وهم ناک) अ. फा. वि.—भ्रमपूर्ण, भ्रातिसंकुल, वहम से भरा हुआ।
 वहमी (وهمی) अ. वि.—भ्रमी, सशयात्मक, शक्की मिजाज।
 वहलः (وهله) अ पु—भय, त्रास, डर; वारी, दफा।
 वहल (وهل) अ. पु.—ध्यान बँटना, ध्यान का दूसरी ओर चला जाना।
 वहश (وحش) अ. पु.—'वहशी' का बहु, जगली जानवर जो आदमी से भडकते हो।
 वहशत (وحشت) अ. स्त्री—आदमियों से भडकना, विदक, भय, त्रास, डर, सब से अलग रहना, पागलपन, मिराक।
 वहशतअगेज (وحشت انگیز) अ. फा वि—मन में वहशत-पैदा करनेवाला, भयजनक, भीषण, डरावना, भयानक।
 वहशतअफजा (وحشت افزا) अ फा वि.—दे. 'वहशत अगेज'।
 वहशतअसर (وحشت اثر) अ वि—दे 'वहशतअगेज'।
 वहशतआसार (وحشت آسار) अ वि—दे 'वहशतअगेज'।
 वहशतकदः (وحشت کده) अ फा. पु—वह स्थान जहाँ से भागने को जी चाहे, जो सुनसान और उजाड हो।
 वहशतखेज (وحشت خیر) अ फा वि—दे 'वहशतअगेज'।
 वहशतगाह (وحشت گاه) अ फा स्त्री—दे 'वहशतकद'।
 वहशतजवः (وحشت زده) अ. फा वि—भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ; जो वहशत में हो, आतुर, उद्विग्न।
 वहशतजदगी (وحشت زدگی) अ फा स्त्री.—भयभीत होना; वहशत में होना, उद्विग्नता।

वहगतवा (واو حسبت) अ पा वि - वहगतवागड ।
 वहगततराज (واو حسبت) अ पा वि - वहगत
 ओज ।

वहगतनसीब (واو حسبت) अ वि - जिसने भाग्य में
 वहात ही वहगत हो ।

वहगतनाक (واو حسبت) अ पा वि - भयानक भीषण,
 डरावना गुसान निज्ज और डरावना स्थान ।

वहगतसरा (واو حسبت) अ पा स्त्री - वहगतक ।
 वहगियान (واو حسبت) अ पा वि - वहगिया-जसा

पागला-जसा नि-या जसा वेरहमान ।

वहगो (واو حسبت) अ वि - जगली पगु जो मनुष्यामे भागे
 वह व्यक्ति जा मनुष्या के समागम स बच और अकल
 रहना पसन्द करे पागल मिराडा ।

यहशोतबज (واو حسبت) अ वि - 'वहगा' मिजाज ।

यहशोमनिग (واو حسبت) अ पा वि - दे वहा
 मिजाज ।

वहशोमिजाज (واو حسبت) अ वि - जा जगली जानवरा
 की तरह बादमियो से मागे ।

वहशोसिफत (واو حسبت) अ वि - जगली जानवरा
 जसा वहसियो की तरह ।

वहशोतर (واو حسبت) अ पु - जगली जानवर और जगली
 घिटिया ।

वहहाज (واو حسبت) अ वि - ज्योतिमय प्रकाशना चमकीग ।

वहहाब (واو حسبت) अ वि - बहुत अधिक दान करनेवाला
 वदाय ई-र का एक नाम ।

धा

वा (وا) पा वि - बुला हुआ कुराणा पुन फिर (अव्य)
 हाय हाय आह ।

वा अजवाह (واو حسبت) अ वा - कितनी आश्चर्य की बात है ।

वा अस्तफा (واو حسبت) अ वा - हाय हाय हाय रे ।

वाइज (واو حسبت) अ वि - धर्मोपदेशक वा उकहावाला ।

वाई (واو حسبت) अ वि - निरीक्षक निगहवान याद रख
 वाला ।

वाए (واو حسبت) पा स्त्री - हाय हाय हाय वाय ।

वाए किस्मत (واو حسبت) अ पा स्त्री - हाय रे भाग्य
 हाय रे लकरी ।

वाए तबदीर (واو حسبت) पा अ स्त्री - दे वाए किस्मत ।

वाए नसीब (واو حسبت) पा अ स्त्री - दे वाए किस्मत ।

वाए बरहाल (واو حسبت) पा स्त्री - हालत पर अपसोस ।
 वाकिअ (واو حسبت) अ पु - घटना हादिसा वताव हाल

समाचार, मबर, दुपटना, सानिहा ।
 वाकिअतलब (واو حسبت) अ वि - जिसका सारा वृत्त
 जानना आवश्यक है, एमी घटना ।

वाकिअनवीस (واو حسبت) अ पा वि - मवा-कार,
 घटना लिखनेवाला इतिहासकार मुअरिख ।

वाकिअ निगार (واو حسبت) अ पा वि - वाकिअ
 नवास ।

वाकिअए हायिल (واو حسبت) अ पु - बहुत हा प्रचंड
 दुपटना ।

वाकिअतन (واو حسبت) अ वि - वास्तविक में वस्तुत
 दरहकीकत ।

वाकिआत (واو حسبت) अ पु - वाकिअ का बहु, घटनाए ।

वाकिआती (واو حسبت) अ वि - घटनाआ मे मन्माघत

ठीक-ठीक सच्चा-सच्चा, घटना व मुताबिक ।

वाकिआते नयमुलअघी (واو حسبت) अ प -

ठीक-ठीक हालात जस घटित हुए ह बस वतात ।

वाकिआते हाबिद (واو حسبت) अ पु - वतमान समय
 की घटनाए वतमान समय की राजनीतिक घटनाए ।

वाकिआते हाहाल (واو حسبت) अ पु - घटनाए और
 उनका विस्तारपूर्वक बषण ।

वाकिई (واو حسبت) अ वि - यथाथत, वास्तविक में, सचमुच ।

वाकिईयत (واو حسبت) अ स्त्री - यथायता वास्तविकता
 अस्लीयत मरयता ।

वाकिफ (واو حسبت) अ वि - अभिन जानकार आगाह
 परिचित घनासा अनुभवी तद्विवाकार विसा जाइएद
 मा सपत्ति को किमी काय विशेष के लिए दान करनेवाला
 उत्सवकर्ता समपणवर्ता ।

वाकिफे कार (واو حسبت) अ पा वि - काय नियेप का जान
 कार अनुभवी तद्विवाकार ।

वाकिफे हाल (واو حسبت) अ वि - किमी की दगा मे
 ठीक-ठीक परिचित किसी घटना विगण का वतात
 जाननेवाला ।

वाकिफे हालात (واو حسبت) अ वि - सारी घटनाआ
 और घटना के सारे वतात का जानकार ।

वाकी (واو حسبت) अ वि - निरीषक निगरानी करनेवाला ।

वाके (واو حسبت) अ वि - घटित होनेवाला घटित जा हा
 चुका हो ।

वाकिअ (واو حسبت) पा वि - पुनकनेवाला ।

वाखीब (واو حسبت) पा वि - धुनका हुआ धुनकी हुई वस्तु ।

वाखुद (واو حسبت) पा वि - जिसने मुलाकात का हा
 सादाकलत ।

वाटवास्त (واخواست) फा पु—हिंसाव समझना, माँगना; फिर चाहना, वापस लेना ।

वागीर (واگیر) फा पु.—पहलवानों की जोर करने की एक पद्धति जिसमे वह दोनों हाथ दीवार से टेककर एक एक हाथ की ओर छाती पर जोर देते हैं, इस तरह छाती चौड़ी होती है ।

वागुजस्त (واگرشت) फा. वि.—छूटा हुआ ।

वागुजास्त (واگراشته) फा वि.—छूटा हुआ ।

वागुजास्त (واگراشته) फा स्त्री—छूट, मुक्ति, आजाद, जो छूट गयी हो (जाइदाद आदि) ।

वागुजार (واگزار) फा वि—छोड़नेवाला ।

वागुजारी (واگزارى) फा स्त्री—छूट, मुक्ति (जाइदाद आदि की) ।

वागीय (واگویه) फा पु—चातचीत, वार्तालाप; चर्चा, जिस अर्थात् सुनी हुई बात को कहना ।

वाचीद (واچیده) फा. वि—चुना हुआ, बीना हुआ, जमीन से बीनकर उठाया हुआ ।

वा'ज (وعط) अ पु—धर्मोपदेश, मजहबी नसीहतें, उपदेश, सीख, नसीहत ।

वाज (وار) फा वि.—स्पष्ट, व्यक्त, प्रकट, खुला हुआ ।

वाजदवा' (واعطخوان) फा वि—दे. 'वाजगो' ।

वाजगू' (واژگون) फा वि—आँधा, अधोमुखं, अवाङ्मुख; अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस ।

वाजगून: (واژگونه) फा वि—दे. 'वाजगू' ।

वा'जगो (واعطگو) अ फा वि—धर्मोपदेशक, वा'ज कहनेवाला ।

वाजिआने कानून (واضعان قانون) अ पु—विधान बनाने-वाले, विधायकगण ।

वाजिआने इस्तूर (واضعان دستور) अ. पु—विधान बनाने-वाले, विधायकगण ।

वाजिए कानून (واصح قانون) अ पु—कानून बनानेवाला, विधायक ।

वाजिद (واحد) अ वि—प्राप्तकर्ता, पानेवाला, आवि-ष्कारक, नयी बात निकालनेवाला ।

वाजिव (واحب) अ वि—उचित, मुनासिब, आवश्यक, जरूरी, अनिवार्य, लाजिमी; योग्य, लाइक, इस्लाम की परिभाषा में 'फज्र' से दूसरे दर्जे की इबादत ।

वाजिवात (واحدان) अ पु—'वाजिव' का बहु, वाजिव बातें, वाजिव इबादतें ।

वाजिवी (واحبى) अ वि—उचित, मौजू, ठीक, जितना जरूरी था उतना, किसी कदर कम ।

वाजिवीयत (واحبیت) अ. स्त्री.—औचित्य, मुनासि-

वाजिवुज्जियारत (واحب الیاریت) अ वि.—दर्शन करने योग्य, देखने योग्य, जिसके दर्शन परम पुनीत हो ।

वाजिवुत्त-नीम (واحب التکریم) अ. वि.—आदर थीरसमान करने योग्य, मान्य, पूज्य ।

वाजिवुत्त-दीद (واحب التردد) अ. वि—खडन के योग्य, खडनीय, तर्दीद के काविल, जिसका खडन आवश्यक हो ।

वाजिवुत्त-लव (واحب الطلب) अ. वि.—बुलाने के योग्य, जिसका बुलाना अनिवार्य हो ।

वाजिवुत्त-स्लीम (واحب التسليم) अ. वि.—मानने के योग्य, मान्य, स्वीकार्य ।

वाजिवुत्ता'जीम (واحب التعظیم) अ. वि—आदर के योग्य, प्रतिष्ठित, मान्य, आदरणीय ।

वाजिवुत्ता'जीर (واحب التعزیر) अ. वि.—सजा देने के योग्य, दडनीय ।

वाजिवुत्ता'मील (واحب التعمیل) अ. वि.—पालन करने योग्य (हुकम), गवाह आदि को देने योग्य (सम्मन) ।

वाजिवुर्-हम (واحب الرحم) अ. वि.—रहम खाने योग्य, दयनीय ।

वाजिवार'आयत (واحب الرعايت) अ. वि—रिआयत करने योग्य; दया करने योग्य ।

वाजिवुलअदा (واحب الاان) अ वि.—देने या अदा करने योग्य, देय ।

वाजिवुलअमल (واحب العمل) अ. वि—करने योग्य, करणीय, जिसका करना परम आवश्यक हो ।

वाजिवुलअर्ज (واحب العرض) अ. वि.—कहने योग्य, प्रार्थना करने योग्य, किसान और जमींदार के बीच में तै शुदा अधिकार ।

वाजिवुलइआनत (واحب الاعانت) अ. वि.—सहायता के योग्य, मदद करने योग्य ।

वाजिवुलइज्हार (واحب الاظهار) अ वि—जिसका कहना और जाहिर करना आवश्यक हो ।

वाजिवुलइताअत (واحب الاطاعت) अ वि—जिसकी आज्ञा का पालन जरूरी हो, जिसकी सेवा करना अनिवार्य हो ।

वाजिवुलइत्तिवाअ (واحب الاتباع) अ वि—जिसका अनु-करण आवश्यक हो ।

वाजिवुलइम्तिसाल (واحب الامتثال) अ वि.—जिसकी आज्ञा मानना जरूरी हो ।

वाजिवुलइम्तिहान (واحب الامتنان) अ वि—जिसकी परीक्षा आवश्यक हो ।

वाजिवुलइम्दाद (واحب الامداد) अ वि.—जिसकी सहायता जरूरी हो ।

वाजिबुलइस्लाह (واجب الاصلاح) अ वि-जिसका सुधार आवश्यक हो।

वाजिबुलईफा (واجب الامانة) अ वि-जिसका पालन आवश्यक हो (वात)।

वाजिबुलकतअ (واجب القطع) अ वि-जिसका काटना जरूरी हो।

वाजिबुलकत्ल (واجب القتل) अ वि-जिसका बध आवश्यक हा।

वाजिबुलखिदमत (واجب الخدمت) अ वि-जिसकी सेवा करना आवश्यक हा।

वाजिबुलखबा (واجب العوا) अ वि-जिसम धर्म पुद्ध करना जरूरी हो।

वाजिबुलमदह (واجب المدح) अ वि-जिसकी प्रशंसा करना अनिवाय हो।

वाजिबुलन (واجب النعم) अ वि-जिसको विकृत करना अनिवाय हो, जिस पर लानत भजना जरूरी हा।

वाजिबुलनौम (واجب النور) अ वि-जिसको भ्रमना और निंदा जरूरी हो।

वाजिबुलवजूद (واجب الوحد) अ वि-जिसका अस्तित्व दूसरे के सहारे न हो अर्थात् ईश्वर जिसका अस्तित्व दूसरे के अधीन नहीं है, यानी वह स्वयंभू है।

वाजिबुलवसूल (واجب الوصول) अ वि-जिसका प्राप्त होना आवश्यक हो जो किसी से वसूल किया जाय प्राप्त।

वाजिबुलहम्द (واجب الحمد) अ वि-जिसकी स्तुति जरूरी हो।

वाजिबुलहसूल (واجب الحصول) अ वि-जिसका मिलना या जिसका उपाजन जरूरी हो।

वाजिबुलसना (واجب السناد) अ वि-जिसकी प्रशंसा आवश्यक हा।

वाजिबुलसिफत (واجب الصفت) अ वि-जिसका गुणगान आवश्यक हो।

वाजू (واژون) फा वि-आया अथामुस विलकु उम्मा।

वाजुनसाय (واژون نصب) अ फा रि-जिसकी तस्वीर जीवी हा, हतभाग।

वाजूवहत (واژون نصب) फा वि-हतभाग उलटे नगीचा वाला ओधी तस्वीरवाला।

वाजूमूहूर (واژون ملذو) फा अ वि-वाजूवन्त'।

वाजे (واجمع) अ वि-बनानवाला रचनवाला रचनवाग, करनेवाला।

वाजेह (واجمع) अ वि-स्पष्ट, ज्वलत वगैर ही साइ।

वाजेपह (واجمع) अ फा पु-सरह-सरह की नहींहते।

वा'द (وعد) अ पु-प्रतिभा, वचन अहद, सविना इकार।

वा'द खिलाफ (وعد خلاف) अ वि-प्रतिभा भग कर देन वाला वाग्य न पूरा करनेवाला।

वा'द खिलाफी (وعد خلافی) अ स्त्री-प्रतिभा भग करना वचन पूरा न करना।

वा'द गाह (وعد غاه) अ फा स्त्री-जहा का वाग्य हो जहा मिलने का करार हो।

वा'द फरामोश (وعد فراموش) अ फा वि-प्रतिभा करके भूल जानेवाला वचन दवर याग न रखनेवाला।

वा'द फरामोशी (وعد فراموشی) अ फा स्त्री-वचन दवर याग न रखना, वाग्य करके भूल जाना।

वा'द फर्मा (وعد فرما) अ फा वि-वचन देनेवाला वादा करने वाला।

वा'द फर्माई (وعد فرمائی) अ फा स्त्री-वचन देना प्रतिभा करना।

वा'द वफा (وعد وفا) अ वि-वचन पूरा करनेवाला वाद कहकर पूरी करनेवाला।

वा'द वफाई (وعد وفائی) अ स्त्री-वात कहकर निवाहना प्रतिभा पूरी करना।

वाद निबन (وعد نیکون) अ फा वि-प्रतिभा भग करन वाला वात कहकर पालन न करनेवाला।

वा द-गिकनी (وعد گیکنی) अ फा स्त्री-प्रतिभा भग कर देना वात कहकर पूरी न करना।

वा'द (وعد) अ पु-उभ समाचार खुग खबरी।

वादए दौद (وعد دود) अ फा पु-मान देने का करार, मुँह खिलाने और मिलने का वाग्य।

वा दए फर्दा (وعد فردا) अ फा-का क मिलने का वाग्य जो कभी पूरा नहीं हाता।

वा'दए मङ्गार (وعد محسوس) अ पु-जिज्यामत में मिन्न का वचन अयात न मिन्ने की वात।

वा'दए वसल (وعد وصل) अ पु-मिन्न का करार साथ साने का करार।

वा'दए गव (وعد غيب) अ फा पु-रात में आन का करार।

वा'दए हय (وعد حصر) अ पु-वाग्य 'वाग्य महान'।

वादिए एमन (وادی امن) अ स्त्री-वह पाठो जहाँ हरयन मूसा में ईश्वर का प्रकाश देना था।

वादिए शूर (وادی طور) अ स्त्री-शूर पहाड का पागे जहाँ हरयन मूसा में ईश्वर की शालक दली थी।

वादी (وادی) अ उम-पानी पहाड क नीच का मान, अगल जानन वन।

वादीगर्द (واڊی گرد) अ. फा. वि.—घाटियों में मारा-मारा फिरनेवाला, जगलो में फिरनेवाला ।

वादीद (واڊید) फा. स्त्री—वाजदीद, मुलाकात करनेवाले की मुलाकात ।

वादीनवर्द (واڊی نورد) अ. फा. वि.—दे 'वादीगर्द' ।

वादीनशी (واڊی نشی) अ. फा. वि.—जगल में रहनेवाला, वनस्थ ।

वादीपमा (واڊی دیسا) अ. फा. वि.—दे 'वादीगर्द' ।

वाल (وان) फा. प्रत्य.—वाला, जैसे—'दरवान' अर्थात् दरवान ।

वालमूदः (وانسوده) फा. वि.—प्रकट किया हुआ, दिखाया हुआ ।

वापस (واپس) फा. वि.—प्रत्यागत, लौटा हुआ, वापस आया हुआ, प्रतिदत्त, वापस दिया हुआ, अथवा छिपा हुआ ।

वापसआमदः (واپس آمده) फा.—वापस लौटा हुआ, प्रत्यागत ।

वापिस वादः (واپس دانه) फा. वि.—वापस दिया हुआ, प्रतिदत्त ।

वापसी (واپسی) फा. वि.—अंतिम, आखिरी ।

वापसी (واپسی) फा. स्त्री.—प्रत्यागत, लौटना, प्रतिदान, लौटाना, फेरना, वापस देना ।

वाफिद (وافید) अ. पु.—प्रतिनिधि, मुमाइदा, दूत, एलची; पत्रवाहक, कासिद ।

वाफिर (وافر) अ. वि.—प्रचुर, बहुत, अत्यधिक, बहुत जियादा ।

वाफिल हस्वा [हसब] (وافی الحسب) अ. वि.—जो व्यक्ति, विद्या और दूसरे गुणों से संपन्न हो ।

वाफी (وافی) अ. वि.—संपूर्ण, समग्र, पूरा, तमाम, प्रचुर, अत्यधिक, काफी ।

वावस्तः (واسته) फा. वि.—आवद्ध, बँधा हुआ, सवद्ध, सम्बन्धित, मुतअल्लिक, सलग्न, सूत्रित, नयी, स्वजन, आत्मीय, रिश्तेदार ।

वावस्तए इश्क (واسته عشق) फा. अ. वि.—प्रेमावद्ध, प्रेम-पाश में बँधा हुआ, मुग्ध, मोहित ।

वावस्तए जुल्फे (واسته زلف) फा. वि.—प्रेमिका की अलक पाय में बँधा हुआ अर्थात्, मुग्ध, आसक्त ।

वावस्तगाँ (واستگان) फा. पु.—'वावस्त' का बहु, बँधे हुए लोग ।

वावस्तगाने सहच्चत (واستگان مستحبت) फा. अ. पु.—प्रेम पाश में बँधे हुए प्रेमी ।

वावस्तगी (واستگی) फा. वि.—बँधाव, बन्धन, संपर्क; सम्बन्ध, प्रेम, स्वजनता, अपनापन ।

वाम (وام) फा. पु.—ऋण, कर्ज, वर्ण, रग ।

वामाव्वाह (وام خواه) फा. वि.—ऋण-ग्राही, अधमर्ण, कर्जदार ।

वामांदः (وامانده) फा. वि.—थका हुआ, थककर पीछे रहा हुआ, दीन, दुखी, लाचार ।

वामांदए राह (وامانده راه) फा. वि.—रस्ते में थककर बैठता हुआ, रस्ते में थकन के कारण अपने साथियों से छूटा हुआ ।

वामांदगी (وامانده گی) फा. स्त्री—थकावट, राह में थककर रह जाना, दीनता, नि सहायता, लाचारी ।

वामिक (وامیق) अ. पु.—चाहनेवाला, प्यार करनेवाला; अरब का एक प्रेमी जो 'अज्ना' पर आशिक था ।

वामुसीवता (وامصیبتا) अ. वा.—हाय री मुसीबत, हाय मुसीबत, किसी विपत्ति के समय बोलते हैं ।

वायः (وايه) फा. पु.—मनोकामना, मुराद; अफीम आदि की रोज की बँधी हुई खुराक, मात्रा, मिक्दार ।

वारः (وار) फा. वि.—समान, तुल्य, स्वभाव, ऋतु, स्वामी ।

वार (وار) फा. पु.—आघात, चोट, जर्ब, आक्रमण, हम्ला; योग्य, पात्र, लाइक, पद्धति, रविग, (प्रत्य) करनेवाला या वाला—जैसे 'सोगवार' या 'तक्तीरवार' ।

वारपतः (وارفته) फा. वि.—खोया हुआ, आत्मविस्मृत, बेसुध, बेखुद, शिथिल, निठाल ।

वारपतःतब्अ (وارفته طبع) अ. फा. वि.—दे 'वा० मिजाज' ।

वारपतःमिजाज (وارفته مزاج) फा. अ. वि.—जो खोया खोया-सा रहता हो, ऊलजलूल, लाउवाली ।

वारपतःमिजाजी (وارفته مزاجی) फा. अ. स्त्री—खोया खोया-सा रहना, उलजलूलपन ।

वारपतगाँ (وارفته گان) फा. पु.—'वारपत' का बहु, प्रेम में खोये हुए लोग ।

वारपतगी (وارفته گی) फा. स्त्री—खोया-खोयापन, आत्म-विस्मृति, ऊलजलूलपन ।

वारसीदः (وارسیده) फा. वि.—पहुँचा हुआ, विगत, सूचित, मुत्तला ।

वारसीदगी (وارسیده گی) फा. स्त्री—पहुँचना, खबर पाना ।

वारस्त. (وارسته) फा. वि.—स्वच्छंद, निर्धित्त, वैफिक, आजाद ।

वारस्तःमिजाज (وارسته مزاج) फा. अ. वि.—स्वच्छंद प्रकृति, आजाद मिजाज, मनमौजी ।

वारस्तःमिजाजी (وارسته مزاجی) फा. अ. स्त्री—प्रकृति की स्वच्छंदता, आजाद मिजाजी, मन की मौज ।

वारस्तगी (وارستگی) फा. स्त्री—स्वच्छंदता, निर्धित्तता, आजादी, मन मौजीपन ।

वारिद (واريد) अ वि-जानेवाला, जागामी, आया हुआ
गगत, दूत कासिन।

वारिदात (واريدات) अ स्त्री-वारिद का बहु आनेवाले
अथात घटित होनेवाला यह शब्द उद में एक वचन के लिए
यवहृत है वहीनेह 'वारिदान हो गया' घटना, वाकिजा।
वारिदाते करब (واريدات كرتب) अ पु-हृदय में आनेवाली
विचार धाराएँ महात्माओं के हृदय पर पन्नेवाले द्रव्य
प्रकाश।

वारिस (وارث) अ वि-उत्तराधिकारी वसी रिक्वा
धिकारा अभिभावक सरपरस्त।

वारिसे तल्लोताज (وارثتت و تاج) अ फा पु-युवराज,
राजकुमार शाहजादा बली अह-।

वारिसे तालोनाज (وارثتت و تاج) अ फा पु-द वारिस
तल्लोनाज।

वाल (والد) फा पु-एक रेसमी वारीक कपडा।

वाफ (والف) फा स्त्री-एक सिनेदार मछली।

वाला (والا) फा वि-प्रतिष्ठित माय, उच्च उत्तम
मगन मन्स्वपूण श्रेष्ठ उत्तम।

वालाकद (والاكدر) फा अ वि-उत्तम प्रतिष्ठित बडी
इजतवाला।

वालागुहर (والاگهر) फा वि-उत्तम कुल कुलीनतम
बहुत प्रतिष्ठित कुलवाला।

वालाजाह (والاجاه) फा वि-दे वालाकद।

वालाजुदमा (والاجردمان) फा वि-वालागुहर।

वालानजाद (والانجاد) फा वि-वालागुहर।

वालानाम (والانامه) फा पु-आरपत्र कृपापत्र बडे
व्यक्ति का पत्र।

वात्रमतबत (والامرتب) फा अ वि-दे वालाकद।

वालानान (والانان) फा अ वि-दे वालाकद।

वात्रासिफत (والاصفات) फा अ वि-उत्तम गुण बहुत
अच्छे और प्रतिष्ठित गुणावाला।

वालाहिमम (والاحم) फा अ वि-उच्चारणाही बडी
हिम्मतवाला।

वात्राहिमत (والاحमत) फा अ वि-बडी हिम्मतवाला
बहु महात्मावाला महोरमाह महासाहस।

वालिए अरब (والى عرب) अ पु-मगराह जो बुद्धि
राशि का स्वामी है।

वालिए तल्लोताज (والى نصيب و تاج) अ फा वि-युवराज
वनी अहद।

वालिए मुल्क (والى ملك) अ पु-बिगी राष्ट्र का सामक
राजा, बादशाह।

वालिए रियासत (والى رياست) अ प-किमी रियासत
का स्वामी रहैस राजा।

वालिद (واليد) अ स्त्री-माता मात, जननी प्रमवित्री,
जबिका बवा।

वालिद (واليد) अ पु-पिता, पित, जनक अब जबक
प्रसवी।

वालिदए मोहतरम (واليد محترم) अ स्त्री-मुख्य माता।

वालिदे माजिद (واليد ماجد) अ पु-पूय पिता।

वालिदन (واليدان) अ पु-मात पिता पितरौ मातर
पितरौ मातापितरौ।

वालिहान (واليهان) अ फा वि-प्रमिथा-जसा प्रमपूवक।

वाली (والى) अ पु-मित्र दोस्त, दासक हाकिम।

वालेह (واله) अ वि-मुख्य आसक्त फिरेपता जो प्रम म
गुध-बुध खी चुका हो।

वावला (والا) फा वा-हाय जम्मास, बालाहल गरी
गुल हाहाकार, कोटराम।

वाशिगाफ (واشگاف) फा वि-प्रकट, स्पष्ट खला हुआ।

वाशी (واشى) अ वि-मध्यावादी असत्यभापी घूठा,
निक चुगुलतोर, छिद्रावेपी एवेची।

वाशुद (واشد) फा वि-प्रफुल्ल विकसित रिशत हुआ
शिगुपता।

वाशुद (واشد) फा स्त्री-खिलावट प्रफुल्लता, शिगुपता।

वाशुदगी (واشدگی) फा स्त्री-शिगुपता प्रफुल्लता
विकास खिलावट।

वाशुदनी (واشدنی) फा वि-विकसित होने योग्य सिन्द
योग्य शिगुपतनी।

वासिक (واين) अ वि-दू मखूत नटूटनेवाला।

वासित (واستاد) अ पु-माध्यम दरमियानी सपक,
सम्बन्ध सअदक।

वासित (واستاد) अ वि-बीचवाला, मध्यवर्ती, इराक में
बसे और शब्दाद के बीच एक नगर जहाँ का कलम बहुत
अच्छा होता है।

वासिती (واستطی) अ वि-वासिन नगर का, विनोप
काम के लिए आता है।

वासिफ (واصف) अ वि-प्रशंसक तारीफ करनेवाला।

वासिल (واصل) अ वि-मिलनेवाला, मुलाकात बरन
वाला, सटा हुआ समुक्त।

वासिलबहक (واصل بهحق) अ फा वि-सक के मिलन
वाला शिगुपता।

वासिलबात्री (واصل بائى) अ वि-बुगुल और यात्री का
शिगुपता।

वातिलवाकी नवीस (واصل راتى نوبس) अ फा. पु.—तान-
हो का एक मुहूर्तर जो आय-व्यय का हिसाब रगता है।
वातिलात (واصلات) अ. स्त्री—हुल आय का जोड, आमदनी
का मोजान।

वासें (واسع) अ. वि.—फैलानेवाला, विस्तार करनेवाला;
विस्तृत, वसीअ; ईश्वर का एक नाम।

वासोस्तः (واسوخته) फा. वि.—जला हुआ विदग्ध; कुटा
हुना, बेजार।

वासोस्त (वासوخته) फा. पुं—उर्दू पद्य की एक किस्म जो
सुन्दर के रूप में होता है और जिसमें प्रेमिका के व्यवहार में
नागज होकर प्रेम छोड देने और प्रेमिका को त्वागने का
वर्णन होता है।

वासोस्तगी (वासोختهगी) फा. स्त्री.—जलन, तपन; बेजारी,
नाराजी।

वाह (وا) फा. अव्य—खूब, साधु, धन्य।

वाह वाह (واوا) फा. वि. धन्य-धन्य, साधु-साधु, खूब-खूब।

वाहलता (واحسرتا) हाय अपसोस, शोक के समय पर
बोलते हैं।

वाहिवः (واحد) अ पु.—इकाई, यूनिट।

वाहिव (واحد) अ वि.—एक, यक, ईश्वर का एक नाम।

वाहिदुलएन (واحد العين) अ वि.—एक आँखवाला, एकाक्ष,
कारण, कामा।

वाहिव (واهب) अ. वि.—देनेवाला, प्रदान करनेवाला,
दाता।

वाहिवननिअम (واهب النعم) अ पु.—दे 'वाहिवुलअताया'
वाहिवुलअताया (واهب العطايا) अ. पु.—पुरस्कार और

उत्तम वस्तुएँ देनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

वाहिम. (واهمه) अ. पु.—भ्रम, भ्रांति, वह्म, कल्पना
शक्ति।

वाहिम (واهم) अ वि.—भ्रमी, वह्म करनेवाला, वहमी,
शक्की।

वाहियात (واهدات) अ स्त्री—'वाही' का बहु, निरर्थक
और व्यर्थ वाते।

वाही (واهي) वि.—शिथिल, सुस्त, व्यर्थ, अनर्गल, फुजूल।

वि

विआ (ويعا) अ पु.—पात्र, वरतन, जर्फ'।

विकाअ (ويعا) अ पु.—शुद्ध, लडाई, मैथुन, सहवास,
मुवाचरत।

विकामः (ويعا) अ पु.—रक्षा, देख-रेख, हिफाजत,
जिससे किसी चीज की रक्षा करे।

विकायत (ويعا) अ. स्त्री—देय-भाल, रक्षा, हिफाजत।
विकार (ويعا) अ पु.—दे. 'वकार' गुद्ध वही है, परंतु
फार्मीवाले बहुत जगह खबर को जेर पटते हैं, उमी में से
वह भी है।

विकालत (ويعا) अ. स्त्री—दे. 'वकालत', दोनों गुद्ध है।

विजार (ويعا) अ पु.—विज्जू, भेटिया, वृक।

विजारत (ويعا) अ. स्त्री.—मन्त्री का पद, मन्त्रित्व, मन्त्री का
काम।

विजारतखानः (ويعا) अ. फा. पु.—मन्त्रालय, वजीर
का दफतर।

विजारते उरमा (ويعا) अ. स्त्री.—प्रधानमन्त्री का
पद।

विजारते खारिज. (ويعا) अ. स्त्री—विदेशी कामों
की देख-रेख करनेवाली विजारत, परराष्ट्र-मन्त्रित्व।

विजारते दाखिलः (ويعا) अ स्त्री—देश के भीतरी
विषयों की देख-रेख करनेवाली विजारत, गृहमन्त्रित्व।

विजद (ويعا) अ पु.—शक्तिशाली होना, धनवान् होना;
प्राप्त होना।

विजदान (ويعا) अ पु.—सोये हुए को पाना, जानना;
खोजना, काव्य रसज्ञता, सहृदयता, जौक।

विजदाने सहीह (ويعا) अ पु.—शुद्ध काव्य
रसज्ञता, सच्चा जौक।

विज्जः (ويعا) अ पु.—कपोल, गाल, दे. 'वज्ज.' और
'वुज्ज', सब शुद्ध है।

विज्ज (ويعا) अ पु.—भार, बोछ, पीठ पर लदने भर का
बोझ, पाप, गुनाह, उपकरण, औजार।

विज्ज (ويعا) अ पु.—एक, अकेला, वह सख्या जो दो पर
न बटे, विपम।

विदाअ (ويعا) अ स्त्री—दे 'वदाअ', शुद्ध उच्चारण वही
है, फार्सी में 'विदाअ' हो गया है।

विदाद (ويعا) अ स्त्री—मित्रता, दोस्ती।

विफाक (ويعا) अ पु. अनुकूलता, मुआफकत, मैत्री,
दोस्ती, कई राष्ट्रों का सयुक्त मोरचा।

विफाकत (ويعا) अ. स्त्री—अनुकूलता, मुआफकत,
मित्रता, दोस्ती।

विफाकी (ويعا) अ वि.—विफाक सम्बन्धी, सयुक्त मोरचे
वाला (वाली)।

विरासत (ويعا) अ स्त्री—दायाधिकार, रिक्थाधिकार,
उत्तराधिकार, मीरास पाना।

विद्वं (ويعا) अ पु.—किसी बात को बार-बार कहना या
करना।

विला (وِیلا) अ स्त्री-प्रेम मुहूर्तवत आस्था धरदा भक्ति पूय जना का प्रेम ।

विलायत (وِیلايَت) अ स्त्री-उत्पत्ति जम पनाइग ।

विलायत (وِیلايَت) अ स्त्री-परराष्ट्र अय देग, पहले ईरान और तुर्किस्तान आदि का कहा जाता था, अब युराप और बिगेपकर इंग्लड का कहन ह, बनी मा त्रपि हाने का भाव अथवा उनना पन ।

विलायती (وِیلايَتِي) अ वि-विलायत का विलायत वाला विलायत स बाया हुआ ।

विसाद (وِیساَد) अ पु-बग दकिया, मस्तन ।

विसाल (وِیساَل) अ पु-मिस्तन मल, प्रमी और प्रमिका का मयाग किनी बामिक और पूय व्यक्ति का निघन या दवनाक गमन ।

वी

वीरा (وِیرا) का वि-वीरान काल्पु द वीरान ।

वीरान (وِیراَن) का वि-वीरान करनेवाला, घस कारी सटहर बना देनेवाला बरवाद कर देनेवाला ।

वीरान (وِیراَن) का वि-वीरान करनेवाला घस कारी डाकू लुटेरा ।

वीरासरा (وِیراَسرا) का स्त्री-वीरान स्थान अर्थात् मसार ।

वीरान (وِیراَن) का पु-वीरान निजन स्थान बन कानन जगल ।

वीरानमों (وِیراَنَمों) का वि-वीरान में रहनेवाला जगत्तम रहनेवाला ।

वीरान पसद (وِیراَن_پسَد) का वि-जिम वीराने में रहना अच्छा लगता हा ।

वीरान (وِیراَن) का वि-निजन स्थान जहा आदमा नहा जगल बन जिस स्थान की दमारत गिर गयी हा तो मकान आदि सटहर हा गया हो ।

वीरानी (وِیراَنِي) का स्त्री-निजनना भग्न का भाव जगलपन सटहरपन बेरौनका ।

वु

वुअ'आब (وِعاَب) अ पु-बादज' का बहु बादज गेम धर्मापदेशक गण ।

वुऊद (وِعوَد) अ पु-वाद का बहु वाद प्रतिनाएँ ।

वुकूअ (وِکُوَا) अ पु-घटना, दुघटना वाकिआ हादिसा ।

वुकूअ (وِکُوَا) अ पु-प्रकट होना पटित हाना वाक होना घटना वाकिआ ।

वुकूए जूम (وِکُوَا_جُوم) अ पु-किमी अपराध का पटित हाना अपराध होना ।

वुकूए सानिह (وِکُوَا_سانِه) अ पु-किसा घटना का पटित होना वाकिआ जाहिर हाना ।

वुकूए हादिस (وِکُوَا_حادِثَة) अ पु-विस्ती दुघटना का पटित हाना, वाइ बुरी घटना हाना ।

वुकूद (وِکُوَد) अ पु-आग जलना या जलना ।

वुकूफ (وِکُوَف) अ पु-ज्ञान जानकारी परिचय ।

वुअरा (وِاَرا) अ पु-बजोर' का बहु बजार लग मनिगण ।

वुअ (وِا) अ पु-साफ चेहर का होना, चेहरे का सफाई और स्वच्छता नमाज के लिए नियमपूर्वक हाथ-पाँव और मुँह आदि धोना ।

वुअद (وِاَد) अ पु-अस्तित्व हस्ती उपस्थिति मौजूदगा देह, निस्म ।

वुअदअदम (وِاَد_اَدَم) अ पु-हाना और नहोना हस्ती और नेस्ती अस्तित्व और अनस्तित्व ।

वुअब (وِاَب) अ पु-वाजिब हाना आवन्पक हाना अनिवाय हाना ।

वुअगिकन (وِاَغِيكَان) अ वि-बुअ ताइ देनेवाला दप भग कर देनेवाला (विशेषत सौत्य) ।

वुअह (وِاَه) अ पु-वहज का बहु कारण-समूह ।

वुअ (وِا) अ पु-कपाल गाल द विज्ज और वज्ज तीना गुद ह ।

वुअ (وِا) अ पु-वफ' का बहु, प्रतिनिधि मन्त्र समूह गिष्ट मडला का समूह ।

वुअ (وِا) अ पु-आधिक्य प्राच्य दाहुल्य इफात ।

वुअरे इस्तिराब (وِاَرَة_اِصْطِرَاب) अ पु-धवराहट की अधिकता ।

वुअरे राम (وِاَرَة_رَم) अ पु-शोक अथवा दुःख का बाहुय गाकाधिक्य ।

वुअरे गौक (وِاَرَة_گَوک) अ पु-लालसा और अभिलाषा की बहुतायत उल्ला ।

वुअद (وِاَد) अ पु-आगमन आना प्रवेश दासिआ ।

वुअदे मसऊद (وِاَد_مَسْعُود) अ पु-सुभागमन किसी बक और पूय व्यक्ति का पनापण ।

वुअदे मुबारक (وِاَد_مُبَارَك) अ पु-वु मसऊद ।

वुआत (وِاَت) अ पु-वाली' का बहु स्वामिगण ।

वुआ (وِا) अ पु-लाम निस्सा त्राच लोभ होना लाच होना ।

बुद्ध (بُودِ) अ पु—कुत्ते का चपट-चपट करके पानी पीना, कुत्ते का पानी में मुँह डालना ।

बुद्ध (بُودِ) अ पु.—एक चीज का दूसरे में प्रवेग ।

बुद्धाक (بُودِ) तु. पु.—डोकरा, ऐसा खिदमतगार लज्जा निमनी जाही-मुँह न निकाली हो ।

बुद्धात (بُودِ) अ. पु.—‘वायी’ का बहु, निदक लोग, छिद्रावेयी लोग, झूठे लोग ।

बुद्धात (بُودِ) फा. पु.—पासियों के धर्म ग्रंथ ‘जंद’ का महा-भाष्य, उस्ता ।

बुद्धल (بُودِ) अ. पु.—पहुँचना, जाना, प्राप्त होना, मिलना; प्राप्ति, बुद्धली ।

बुद्धलवाकी (بُودِ) अ. पु.—जो आया जीर जो वाकी रहा ।

बुद्धलयाव (بُودِ) अ. फा. वि.—प्राप्त, लब्ध, बुद्धल ।

बुद्धलयावी (بُودِ) अ. फा. स्त्री—प्राप्ति, बुद्धली ।

बुद्धली (بُودِ) अ. वि.—प्राप्ति, बुद्धलयावी ।

बुद्धल (بُودِ) अ. स्त्री—विस्तार, लवाई-चौडाई, शक्ति, जोर, मामर्थ्य, मक्दिरत ।

बुद्धल (بُودِ) अ. स्त्री—लवाई-चौडाई, विस्तार, सामर्थ्य, मक्दूर, शक्ति, ताकत ।

बुद्धलतलब (بُودِ) अ. वि.—जिमके लिए विस्तार की आवश्यकता हो ।

बुद्धलतपिजौर (بُودِ) अ. फा. वि.—विस्तृत, विशाल, लवाई-चौड़ा ।

बुद्धलते अहलाक (بُودِ) अ. स्त्री—शिष्टता और सुगीलता के व्यवहार का आधिक्य ।

बुद्धलते करम (بُودِ) अ. स्त्री—दानगीलता और वदान्यता का प्राचुर्य ।

बुद्धलते कलब (بُودِ) अ. स्त्री—हृदय का विस्तार, उदारता ।

बुद्धलते शौक (بُودِ) अ. स्त्री—अमिलापा की तीव्रता ।

बुद्धलते सह्रा (بُودِ) अ. स्त्री—जंगल का विस्तार ।

बुद्धलते हीसल: (بُودِ) अ. स्त्री—साहस का आधिक्य ।

बुद्धल (بُودِ) अ. वि.—दरमियानी, बीच की, बीच की उँगली, मध्यमा ।

बुद्धल (بُودِ) अ. स्त्री—पैवद, जोड़; स्वजनता, रिश्ते-दारी, संयोग, मिलन, बसल ।

बुद्धल (بُودِ) अ. प.—‘बद्रश’ का बद्र जगली लानत ।

बुद्धलतुयूर (بُودِ) अ. पु—जगली जानवर और जगली चिड़ियाँ ।

वै

वैल (وَيْلِ) अ. पु—हाय, हा, अफ़सोस; गनुता, दुग्मनी, आपत्ति, कष्ट; आपत्ति के समय रोना-धोना; दोखत का एक तल ।

वैलकश (وَيْلِ) अ. फा. वि.—गनुता निवाहनेवाला, वदी का बदला देनेवाला ।

वैस (وَيْسِ) अ. पु—धक्कार, लानत ।

वैह (وَيْحِ) अ. पु—साधु, अहो, सूब; हाय, हा हत, डाट-फटकार ।

वैहकल्लाह (وَيْحِ) अ. वा.—ईश्वर तुझे खराब करे ।

श

शंग (شِغِ) फा. वि.—चपल, चंचल, गोख, लुठक, लुटेरा, बटमार; तस्कर, चोर ।

शंगफ (شِغِ) फा. पु.—इंगुर, एक प्रसिद्ध पदार्थ ।

शंगुल (شِغِ) फा. वि—चपल, चचल, शोख, छली, चालाक; लुटेरा, बटमार ।

शंगूल (شِغِ) फा. वि—दे. ‘शंगुल’ ।

शंगुल (شِغِ) फा. पु—दे. ‘शंगुल’ ।

शंब: (شِغِ) फा. पु—वार, दिन; गनेश्चर, सनीचर, फार्सी उच्चारण ‘शवेह’ है ।

शअफ (شِعِ) अ. पु—प्रेम, स्नेह, अनुराग, महव्वत ।

शआइर (شِعِ) अ. पु—‘शईर’ का बहु, आराधनाएँ, इबादत; पशुओ की बलि, कुर्वानियाँ ।

शआफ (شِعِ) अ. पु—उन्माद, सिडीपन, पागलपन, मिराक शईर: (شِعِ) अ. स्त्री—पशुबलि, कुर्वानी, आराधना, इबादत; आँख की गुहाँजनी ।

शईर (شِعِ) अ. पु—जौ, यव, एक प्रसिद्ध अन्न ।

शए जाइद (شِعِ) अ. स्त्री—वह वस्तु जो अधिक हो, जो आवश्यकता से जाइद हो, फालतू ।

शए मक्फूल (شِعِ) अ. स्त्री—वह वस्तु जो गिरवी हो, बंधक ।

शए मवीअ: (شِعِ) अ. स्त्री—ब्रेची हुई वस्तु, बिकी हुई चीज, विक्रीत ।

शए सुतनाजिअ: (شِعِ) अ. स्त्री—झगडेवाली चीज, जिस पर झगडा हो ।

शए लतीफ (شِعِ) अ. स्त्री—प्रतिभा, जिहानत, दक्षता, कशलता, चतराई ।

गक [वक] (سك) अ पु -गका आगका, सप्तेह गुवहा
 भ्रम भ्राति वहम।
 गद [वक] (سقى) अ पु -गदना विनारण पटा हुआ,
 विनीण।
 गकआफ़ी (ساقى) अ पा वि -गकपना करनेवाला
 गकाजनक।
 गकर (سك) का स्त्री -खाड गकरा चीनी।
 गकरआव (سكروان) का स्त्री -द गकराव।
 गकरकद (سككند) का स्त्री -गकप्रसिद्ध क गकरकदी।
 गकरखद (سككندة) का पु -दे गकरखत।
 गकरखद (سككند) का पु -मीठी हंगी मुस्कुगहट।
 गकरखग (سككحش) का पु -नमूना बानगी निदान।
 गकरखा (سككا) का वि -शकर चवानेवाला मधुर-
 भाषा मिष्टवाणी।
 गकरखोर (سككحور) का वि -गकरखानेवाला।
 गकरखवाब (سككحواب) का पु -मीठी नीट सुपुष्टि
 सवेरे की नीट।
 गकरखवार (سككحوار) का वि -गकर खानेवाला
 रस देनेवाला आनदप्राही।
 गकरखुफ़तार (سككخوفتار) का वि -मीठी बात करनेवाला
 मधुरभाषी गीरीडवा।
 गकरखुफ़्तारी (سككخوفتارى) का स्त्री -मीठी मीठी बातें
 करना गीरीडवानी।
 गकरखस (سككحس) का पु -गकरखानेवाला नमूना
 बानगा रस देनेवाला।
 गकरखार (سككروز) का पु -जहा गकर ही गकर हो
 जहा मिठास बहुत हो।
 गकरतरबी (سككروى) का स्त्री -सफ़ेद शकर चीनी दाना।
 गकरदान (سككدال) का पु -गकर रखने का बरतन
 खडवात।
 गकरपा (سككا) का वि -गगना जिसके एक पाव
 टे हो पगु।
 गकरपार (سككروان) का पु -एक प्रकार की मिठाई
 सुदर अगओवाली प्रेमिका।
 गकरपूर (سككپور) का पु -मीठा समोसा गुचिया
 पिराक।
 गकरपेच (سككپچ) का पु -मिठाई पर लिपटा हुआ
 बाग़ज शकर बंधने की पुडिया।
 गकरफ़रोग (سككفروش) का वि -गकर बेचनेवाग
 मधुरभाषी गीरीगुफ़तार।
 गकरफ़रोगी (سككفروسى) का स्त्री -शकर धवने का

काम मीठी बात करना।

गकरवार (سككروان) का वि -गकर बरमानवाला अर्थात्
 बहुत मीठा मिष्टभाषी, गीरीमुक्ता।

गकरवारी (سككروان) का स्त्री -शकर बरमाना मीठी
 बात कर्ता।

गकरखूब (سككپور) का पु -पिराक, गचिया, मीठा
 समासा।

गकररग (سككرونگ) का वि -मुरमाए रगवाला पीला
 पडा हुआ अप्रसन्न, नाराज।

गकररगी (سككرونگى) का स्त्री -अप्रसन्नता नारागी
 बदनस्य मनमुटाव।

गकररज (سككرونج) का वि -अप्रसन्न नाराज।

गकररजी (سككرونجى) का स्त्री -अप्रसन्नता नाराजी।

गकररेख (سككروبر) का पु -न्योजावर, वह वस्तु जो
 ब्याह के दिन दुल्हन और दुल्हा के सरपर से खोजावर करते
 ह खुगी का राना।

गकररेवी (سككروبى) का स्त्री -दुल्हा और दुल्हन पर
 खोजावर करना, शकर बरसाना।

गकररल्य (سككرولنگ) का वि -हलकी लेंगडाहट।

गकररलब (سككرولب) का वि -मीठे आठावाला मिष्ट
 भाषा कटे होठवाग।

गकररलबी (سككرولبى) का स्त्री -होठों को मिठास
 बाता की मिठास हाठ कटा होना।

गकररहफ (سككروحرف) का अ वि -मिष्टभाषी, गारी
 गुफ़तार।

शकराव (سككرواب) का स्त्री -हलकी रजिग भनोमालिय
 मनमुटाव।

शकरिस्तान (سككروسمان) का पु -गने का खेत शकर की
 फक्टरी खडसाल जहाँ शकर बहुत हा।

शकरौ (سككروى) का वि -मीठा मधुर गकर-सम्बधी।

शकरी (سككروى) का वि -शकर का शकर-सम्बधा।

शकस्त (سككسب) का स्त्री -दे शकस्त वही उचारण
 गुद है।

शक़ाइज़ (سككدي) अ पु -गुलेलाग अटिपुष्प, गकीक
 का बहु कनपटिया।

शक़ाकूल (سككسائل) अ स्त्री -एक गाँठ जो दवा म काम
 आता है शक़ाकूल मिवी।

शक़ावत (سككسار) अ स्त्री -हृदय की बढोरता निष्टुरता
 निश्चयता भाग्य की विमुक्तता ककिसम्पती।

शक़ावते क़त्बी (سككسار و كلى) अ स्त्री -हृदय की निश्चयता
 सगदिली।

शकावते बातिनी (شقاوت باطنی) अ. स्त्री -दे. 'श. कल्बी'।
 शकिर (شکر) फा पु. -जंगली लाले का फूल।
 शकी (شقی) अ वि -निष्ठुर, निर्दय, पापाण हृदय, रांग-
 दिल, भाग्यहीन, अभागा।
 शकीउतवअ (شقی الطبع) अ. वि -दे 'शकीउलकत्व'।
 शकीउलकत्व (شقی القلب) अ. वि. -जिसका हृदय बहुत
 ही कठोर हो, पापाण हृदय।
 शकीउलवातिन (شقی الدان) अ. वि -दे 'शकीउल
 कत्व'।
 शकीकः (شقیة) अ पु -कनपटो, गडस्थल, आधा सीसी
 का दर्द।
 शकीक (شقیق) अ पुं -खंड, टुकड़ा, सगा भाई, सहोदर
 भ्राता।
 शकीलः (شکیلہ) अ. स्त्री. -सुन्दरी, रूपवती, हसीना।
 शकील (شکیل) अ. वि -सुन्दर, रूपवान्, भद्रमुख, श्रीमुख,
 सुत्प, हसीन।
 शकीस (شقیص) अ वि. -साझीदार, भागीदार, शरीफ;
 अच्छी चालवाला घोड़ा।
 शकीह (شقیح) अ वि -निकृष्ट, कुरूप, भटा, बुरा।
 शकीक (شکوی) अ वि -शकती, शब्द करनेवाला, बहुत
 अधिक शक करनेवाला।
 शकूर (شکور) अ वि -शुक करनेवाला, आभारी, कृतज्ञ,
 धन्यवाद देनेवाला, बधाई देनेवाला।
 शकर (شکر) फा स्त्री -शकर, खड शर्करा, चीनी।
 शकरअपशाँ (شکور افسان) फा वि -मधुरभापी, मिष्ट-
 वादी, शीरीमुखन; शकर छिडकनेवाला।
 शकरअपशानी (شکور افسانی) फा. स्त्री -मीठी-मीठी वाते
 करना, मधुर भाषण।
 शकरदहूँ (شکوردهاں) फा वि -मीठी-मीठी वाते करने-
 वाला, मिष्टभापी।
 शकरदहानी (شکوردهانی) फा स्त्री -मीठी-मीठी वाते
 करना, प्रिय बोलना।
 शकरफिशाँ (شکورفشان) फा वि -'शक्करअपशाँ' का
 लघु, दे 'अ अपशाँ'।
 शकरफिशानी (شکورفشانی) फा स्त्री -'शक्करअपशानी'
 का लघु, दे. 'श. अपशानी'।
 शकरमकाल (شکورمقال) फा अ वि -मिष्टभापी, मधुर-
 वादी, शीरीगुप्तार।
 शकरमकाली (شکورمقالی) फा अ स्त्री -मिष्ट भाषण,
 मीठी वाते करना, शीरीगुप्तारी।
 शकरशिकन (شکورسکن) फा वि -शक्कर चवानेवाला

अर्थात् रस लेनेवाला, काव्य रसानुभव करनेवाला, मिष्ट-
 भापी, शीरीगुप्तार।
 शकरशिकनी (شکورسکنی) फा स्त्री -शक्कर चवाना,
 रसानुभव करना; मीठी वाते करना।
 शक्करसुखन (شکورسکھن) फा वि -मिष्टभापी, मधुरभापी,
 शीरीकलाम।
 शक्करसुखनी (شکورسکھنی) फा स्त्री -मीठी वाते करना,
 शीरीकलामी।
 शक्करिस्ताँ (شکورستان) फा पु -'शक्करिस्तान' का लघु,
 दे 'शक्करिस्तान'।
 शक्करिस्तान (شکورسدان) फा पु -जहाँ शकर बहुत हो,
 शकर का कारखाना, खडसाल।
 शक्करी (شکوریں) फा वि -शक्कर का, शक्कर सम्बन्धी,
 शक्कर का वना हुआ।
 शक्करीगुप्तार (شکوریں گھمار) फा वि -मिष्टभापी, शीरी-
 सुखन।
 शक्करीलव (شکوریں لب) फा. वि. -मिष्टभापी, शीरी
 लव, मीठे अधरामृतवाली प्रेमिका।
 शक्करी लाल (شکوریں لعل) फा वि -दे. 'शक्करीलव'।
 शक्की (شکی) अ वि -जिसके मिजाज में शक बहुत हो,
 वहमी, भ्रमी।
 शक्कुलकमर (سق القمر) अ पु -चाँद का दो टुकड़े हो
 जाना, हज्रत मुहम्मद साहिब का इक मो'जिज. अपने चाँद
 के दो टुकड़े कर दिये थे।
 शक्ल (شکل) अ. स्त्री -आकृति, रूप, डील-डौल, मुखाकृति,
 मुखमंडल, चेहरा, आकार-प्रकार, वजाकता, दशा, अवस्था,
 परिस्थिति, हालत।
 शक्लोशवाहत (شکل رشدها) अ. स्त्री. -डील-डौल,
 आकार-प्रकार।
 शक्लोशमाइल (شکل و شمائل) अ स्त्री. -रूप और गुण,
 आकृति और स्वभाव।
 शक्लोसुरत (شکل و صورت) अ स्त्री -दे 'शक्लोशवाहत'।
 शक्वः (شکوہ) अ पु -दे शुद्ध रूप 'शक्वा', परन्तु उर्दू में
 'शक्व' भी बोलते हैं।
 शक्वाएजौर (شکوہ حور) अ पु -अनीति और अत्याचार
 की शिकायत।
 शक्वा (شکوئی) अ पु -उपालभ, उलाहना; परिवाद,
 अनुयोग, शिकायत।
 शक्वागुजार (شکوگزار) अ फा वि -शिकायत करनेवाला,
 उलाहना देनेवाला।
 शक्वातराज (شکو اطراد) अ. फा वि -दे 'शक्वागुजार'।

शववापवर (سكوه زور) अ वि-→ शववागुजार ।

शववासज (سكوه اسلج) अ फा वि-→ शववागुजार' ।

शख (سخ) फा वि-मुष्ट, दंड मजबूत (पु), पहाड धरती पहाड का दामन (स्ना) 'गात्र' का लघु डाली, गात्रा ।

शवकमाँ (سكاه كمان) फा वि-गक्तिगाली खारावर जिसका धनुष दूसरा न चला सने ।

शखालीद (سكاه ليد) फा वि-ठीला हुआ खराचा हुआ चुभाया हुआ ।

शखीद (سكاه يد) फा वि-फिसला हुआ रपटा हुआ ।

शखूद (سكاه د) फा वि-नख स खराचा हुआ, नख द्वारा घाव किया हुआ ।

शख्स (شخص) अ पु-व्यक्ति फन् मनुष्य जन्मा ।

शख्सी (شخصي) अ वि-व्यक्तिगत जाती, इफिरादी ।

शख्सेगर (شخصي عسر) अ पु-अय पुरुष दूसरा व्यक्ति अयवद्ध गर मृतअतिल्क अपरिचित अस्वजन ।

शख्सेवाहिद (شخصي واحد) अ पु-एक आदमी एकाकी अनेला मनुष्य ।

शय (سع) फा पु-जानवर वा सीग जा वीच स खाली हो ।

शयफ (سعي) अ पु-रुचि तिल्कस्पी तलीनता इनहिमाक ।

शयब (سعي) अ पु-कालाहल शोरगुल ।

शयगर (سگر) फा पु-काला भिड जिसका विप तेज हाता है ।

शयल (سعل) अ पु-→ शयल या शुगल सब गुद्ध ह परतु गल और शुगल व्यवहृत ह ।

शय्याद (سعاد) फा पु-रस्तम का भाई जिसने उस धाखे मे कुए म गिराकर मारा था ।

शय्याफ (سعاء) अ पु-हृदय के ऊपर की पिल्ली हृदय का काला तिल ।

शय्याल (سعال) फा पु-शृगाल सियार गीलड ।

शय्यालतबअ (سعال طبع) फा अ वि-→ शय्यालतीनत' ।

शय्यालतीनत (سعال طينت) फा अ वि-सूत वचक ठग मक्कार छली ।

शय्यालफित्रत (سعال مطرب) फा अ वि-दे शय्याल तीनत' ।

शय्याद (سعد) अ पु-गरीर की वह खांड अ अधिक करत से खुररी वाली और मोटी पन् जाय (वि) अय मानित तिरस्कृत अलील ।

शय्याल (سعل) अ पु-बाप काम घधा उद्यम जीव बहलाने का काम मरगा ।

शय्याल (سعل) अ फा पु-गराव पीन का मरगल मरपान ।

शय्याअ (سعد) अ पु-शय्याअ' का बहु धार लोग बहादुर लाग ।

शय्यान (سعدن) अ पु-गोक दुख रज शवदस्परता जुहरत इच्छा चाह द शान, दोनो गुद्ध ह ।

शय्याजर (سعدر) अ पु-पड वक्ष, विटप ड्रम दरलत ।

शय्याजरी (سعدري) अ वि-पेड के आकार का, पन्बाला पेन् सम्बधी ।

शय्याजे कलीम (سعدر كليم) अ पु-बहु पेड जिम पर हजत मुसा को ईश्वर का प्रकाश त्खाई पन्ग था ।

शय्याजे तूर (سعدر طور) अ पु-→ शय्याजे कलीम ।

शय्याजे मन्नुअ (سعدر منلوغ) अ पु-गहू का पड जिसे ईश्वर ने आदम के लिए निषिद्ध कर लिया था एसी चीज जिसके पास जाना बुरा हो ।

शय्याजाअ (سعداء) अ वि-बीर बहादुर दे 'गुजाअ' और शिजाअ तीनों उच्चारण गुद्ध ह परतु 'गुजाअ अधिक व्यवहृत है ।

शय्याजाअत (سعداء) अ स्त्री-शूरता बीरता बहादुरी रणकौशल जग आजमूदगी ।

शय्याया (سلمان) अ पु-'गजीय' का बहु, ददान टुकड़े रेणे ।

शय्यायाअ (سلمان) अ वि-शूर बीर बहादुर ।

शय्यायाय (سلمان) अ पु-दाना टुकटा रेसा ।

शय्याय (سعدن) अ पु-दे शय्याय दाना गुद्ध ह ।

शय्याय (سعدر) अ पु-वगवदा वशावली नसबनामा ।

शय्याय (سعدن) अ स्त्री-बहुतात अयिकता 'शतीत का बहु, तितर वितर चीज ।

शय्याय (سعدن) अ वि-धम विरुद्ध बातें कहनेवाला ।

शय्याय (سعدن) अ पु-अपशद गाली गलीज बुरा मन्ग कहना ।

शय्याय (سعدن) फा स्त्री-एक प्रसिद्ध खेल जो भारतवर्ष का प्राचीन आविष्कार है और जिससे अच्छा कोई खेल आज तक ससार में नहीं हा मका न उसका खेलनेवाला यह दावा कर सकता है कि वह सबसे अच्छा खेलता है ।

शय्यायबाअ (سعدن بار) फा वि-शय्याय खेलनेवाला शय्याय का धनी शय्याय का अच्छा विलारी ।

शय्यायबी (سعدن بي) फा स्त्री-शय्याय की वसात के पाना बी तरह का बुना हुआ कपड़े का पन्ग (वि) शय्यायबाअ ।

शय्यायहीयात (سعدن هايات) फा स्त्री-शय्याय का बहु धम विरुद्ध बातें अनागल और ध्यय की बातें जल्प ।

शद [ह] (شد) अ पु—बृद्ध करना, मजबूत करना, स्वर का ऊंचा करना, स्वर का उतार-चढ़ाव।
 शदाइद (شدائد) अ पु—'शदीदा' का बहु, कठिनाइयाँ, बाधाएँ, अडचने, रुकावटें, आपत्तियाँ, मुसीबतें।
 शदीदः (شديده) अ. स्त्री—कठिन, दुष्कर, मुश्किल, आपत्ति, विपदा, मुसीबत।
 शदीद (شديد) अ वि—प्रचंड, तीव्र, तेज, दुष्कर, कठिन, उल्टी करनेवाला।
 शदीदुलअदावत (شديد العداوت) अ. वि—जो किसी से बहुत अधिक शत्रुता रखे, वद्व वैर।
 शदीदुलअमल (شديد العمل) अ वि—जो करने में कठिन हो, दु साध्य, दुष्कर।
 शदीदुलकुव्वत (شديد القلوب) अ. वि—शक्तिशाली, महाबल, खौरावर।
 शदः (شدة) अ पु—झडा, पताका, अलम; मुहर्रम में उठनेवाला अलम।
 शदाइद (شدان) अ पु—बहुत अधिक अत्याचार करनेवाला, एक प्राचीन वादशाह जो अपने को ईश्वर कहलवाता था, उसने एक कृत्रिम स्वर्ग बनवाया था, परंतु उसमें प्रवेश करते समय घोड़े से गिरकर मर गया।
 शदे मुखालिफ (شد معالف) अ पु—ललकार, चुनौती, शत्रु को मुकाबले पर आने के लिए जोर से पुकारना।
 शदरिहाल (شدرحال) अ. पु—यात्रा, सफर, लबा सफर।
 शदीमद (شديومد) अ. पु—जोर जोर, धूमवाम।
 शनवा (شلوا) फा वि—सुननेवाला।
 शनाअत (شداعت) अ स्त्री—बुराई, वदी, निकृष्टता।
 शनाए' (شنائع) अ पु—'शनीअ.' का बहु, बुराइयाँ।
 शनाअतः (شناخته) फा वि—पहचाना हुआ, जाना हुआ।
 शनाअत (شناخت) फा. स्त्री—पहचान, पहचानने का चहल, निगानी, लक्षण, अलामत।
 शनाअतकुनिदः (شناخت كنيده) फा वि—पहचाननेवाला।
 शनात (شدات) अ. पु—'शानी' का बहु, शत्रुगण, दुश्मन लोग, वैरी जन।
 शनास (شناس) फा. प्रत्य—पहचाननेवाला, जैसे—'मर्दुम-ननास'।
 शनासा (شناسا) फा. वि—पहचाननेवाला, जानकार, परिचित, चाकिफ।
 शनासाई (شناسائي) फा. स्त्री—जान-पहचान, तबारफ, परिचय।
 शनार्सादः (شناسده) फा वि—पहचाननेवाला, जानकार।

शनासीदः (شناسيده) फा वि—पहचाना हुआ, जाना हुआ, परिचित।

शनासीदनी (شناسيدني) फा वि—पहचानने योग्य, जिसको पहचानना जरूरी हो।

शनीअः (شنيعة) अ स्त्री—बुरी, खराब।

शनीअ (شنيع) अ वि—बुरा, खराब, निकृष्ट।

शनीदः (شنيده) फा. वि—सुना हुआ, श्रुत।

शनीद (شند) फा स्त्री—सुनवाई, समाअत।

शनीदनी (شنيديني) फा. वि—सुनने के काविल, दिलचस्प, सुनने में मजेदार।

शपुश (شيش) फा स्त्री—कपड़े और सर में पहनेवाला छोटा कीडा, जूँ, स्वेदज, लोमयूक, दे 'शुपुश' और 'शिपिश'।

शप्परः (شبرة) फा पु—चमगादड, वातुलि, जतुका, अजिनपत्र।

शप्परःचश्म (شبرة چشم) फा. वि—जिसे चमगादड की तरह दिन में न दिखाई दे।

शप्पर (شبر) फा पु—दो 'शप्पर' दोनों शुद्ध हैं।

शप्पलक (شبلق) तु. पु—तमांचा, चाँटा, थप्पड।

शप्पलदः (شبلد) फा. वि—निचोड़नेवाला।

शप्पलीदः (شليلده) फा वि—निचोड़ा हुआ।

शफक (شعق) अ स्त्री—ऊपा, उपा, सवरे या शाम की लालिमा जो क्षितिज पर होती है।

शफकगू' (شفق گوی) अ फा वि—शफक-जैसे रंग का, उपा वर्ण।

शफकजार (شفق زار) अ फा. पु—जहा शफक बहुत हो।

शफकत (شفقت) अ स्त्री—कृपा, दया, मेह्लवानी, सहानुभूति, हमदर्दी; बड़ी की ओर से छोटी पर दया दृष्टि, ममता, आत्मीयता।

शफकी (شفقي) अ वि—शफक का, शफक के रंग का; ऊपा-सम्बन्धी।

शफत (شفت) अ पु—अधर, ओंठ, हीठ, लव।

शफतैन (شفعتين) अ वि—दोनों हीठ।

शफवी (شفوي) अ. वि—हीठवाला, हीठ के सहारे उच्चरित होनेवाला अक्षर।

शफह (شفه) अ पु—होठ, अधर, ओंठ।

शफही (شفهوي) अ वि—हीठवाला, हीठ द्वारा उच्चरित अक्षर।

शफा (شفا) अ पु—तट, कूल, किनारा, हर चीज का किनारा, जीवन का अंतिम भाग।

शफाअत (شفاءات) अ स्त्री—अनिस्ताव, मुफारिया, ईश्वर ने अपने अनुयायियों के मोक्ष को मुफारिया।

दाक्राजतगर (دکرا) अ फा वि—कियामत म अपने
 अनुयायिया के मोक्ष की सुफारिश करनेवाला पद्यबर।
 गफाजतकर्मा (گفاجت کرم) अ फा वि—'गफाजतगर'।
 शफाजुक (شفا جوك) अ पु—नदा आदि का तट, किनारा।
 गफीज (گفیع) अ वि—सुफारिशी, कियामत के दिन
 मान लियेनेवाला गुफा का दावा करनेवाला।
 गफीए छलौत (گفیع خلوت) अ पु—साशे की जमीन पर
 गुफा का दावा करनेवाला।
 गफीए जार (گفیع جاز) अ पु—गडाम की जमान या मवान
 पर गुफा करनेवाला।
 शफीक (شفیق) अ वि—दृपाठु, दयालु महरवान
 मित्र सवा दास्त।
 गफत (گفت) अ स्त्री—द 'गफत', उदू में दाना
 प्रकार स बोलन ह वल्कि अधिक यही वाल्त ह।
 गफ्तालू (گفتالو) फा पु—एक फल, आडू।
 गफफाफ (گفافت) अ वि—स्वच्छ उजबल, चमकदार,
 निमल गुद्ध साफ कलाई किया हुआ।
 गफफाफी (گفافتی) अ स्त्री—स्वच्छता निमलता,
 कर्ई का चमक।
 गब (گب) फा पु—छाटे छाटे मोली पाल पाता।
 गब (گب) फा स्त्री—निगा रजनी यामिना गवरी
 तमस्विनी विभावरी यामिका रात्रि रात।
 गब (گب) अ स्त्री—फरकरी पत्निकर (वि) मुद्
 गई तारथ्य जवाना उच्चता भाग जलाना।
 गब अदर रोख (گب اندر روخ) फा पु—एक कपडा।
 गबअयोख (گب انوروخ) फा पु—वह जखपन जितकी जमीन
 गप्टा हो।
 गबआहग (گب آهنگ) फा पु—'गनाहग' की
 उच्चारण गदतम है अगद यह भी नहा है।
 गबक (گبک) अ प—जाफ पाग बघन दावार का जाले
 ला आदि की जागे जो मरना में लगायी जाता है।
 गबक (گبک) अ पु—'गबक'।
 गबकत (گبکت) अ पु—'गबक' का बहु जाल और
 जपन मरान की जालिदी।
 गबकोर (گبکور) फा वि—जिम रत्तीपी आनी हा रत्तीपी
 का रानी निगाध राख्यप।
 गबकोरा (گبکورای) फा स्त्री—रात में न निगाध पदन
 का रात निगाध।
 गबकू (گبکوی) फा पु—'गबकू' का लय 'गबकू'।
 गबकू (گبکوی) फा पु—येना का रात क अंधरे म रात
 क दस पर अन्तारक भागम'।

शबखेख (شبخه) फा वि—रात रहे जाग जानवाला
 रात्रि में उठकर जप-तप करनेवाला।
 गबखेखी (شبخه‌خوی) फा स्त्री—रात रहे जागना, रात
 में उठना रात में जप-तप करना।
 गबखी (شبخه‌خوار) फा पु—हुल्बुल्, एव प्रसिद्ध गान
 वाला चिडिया।
 शबखेखी (شبخه‌خوار) फा स्त्री—रात म साने समय
 पहनने के वस्त्र।
 गबख (گبک) फा स्त्री—बोडी दर की व्यथा शक्ति
 कष्ट।
 शबख (شبخه‌گوند) फा वि—रात म फिरकर पहरा देन
 वाला, कीतवाल धानेदार।
 गबखदी (شبخه‌گونی) फा स्त्री—रात में पहरा देना रात
 में फिरना।
 गबखन्त (گبکس) फा वि—'खबख'।
 शबखाह (شبخه‌آه) फा स्त्री—रात का समय, रात के समय।
 गबखोर (گبکور) फा वि—पिछली रात को उठनवाला या
 जप-तप करनेवाला पिछली रात आधी रात क वा का
 समय।
 गबखू (گبکون) फा वि—काले रंग का कृष्ण वग।
 गबखूनी (گبکونی) फा स्त्री—नाउरेग का होना
 कालापन।
 गबखिराफ (شبخه‌خارج) फा पु—एक यष्टमूल्य रत जा राउ
 में दीपक की तरह प्रकाश देता है (वि) रात्रि-शोषण राउ
 का विराम अर्थात् चरमा।
 गबखिरावार (گبکس‌خوار) फा वि—रात भर जागने और
 जप-तप करनेवाला।
 गबखिर शारी (گبکس‌خوار) फा स्त्री—राउभर जाग
 कर जा-तप और इवास्त।
 शबखार (شبخه‌آزار) फा वि—रात में आनमन करीशान,
 रात के अंधर में छाया मारनेवाला।
 गबखारी (گبکس‌خوار) फा स्त्री—रात्रि म जब तपु छात्रिण
 हा उम पर अचानक आनमन।
 गबखार (گبکس‌خوار) फा वि—रात का चमकानेवाला राउ
 का प्रकाशित करनेवाला चामा यान।
 गबखारी (گبکس‌خوار) फा स्त्री—रात का चमकाना रात्रि
 को चमकाना बताता।
 शबखेख (گبک) फा स्त्री—यह लकी जा रात भर
 पकाना जाय।
 शबखेख (گبک) फा पु—मस्की घासा।
 शबखेख (گبک) फा स्त्री—शोषण अन्तारक-जग।

शबनमी (شمسلي) फा स्त्री.—ओस से बचाव के लिए ताना जानेवाला कपड़ा; मच्छरदानी।

शबनमी (شب نشین) फा वि.—रात-रात भर सभाओ और जलसों में बैठनेवाला, रात-रात भर जलसों में बैठना।

शबपरः (شبره) फा पु.—चमगादड़, चर्मचटक।

शबपोश (شب پوش) फा पु.—रात्रि में पहनने के कपड़े।

शबखँवर (شب بخیر) फा अ.वि.—एक वाक्य, जो रात में दो मित्र परस्पर विदा होते समय कहते हैं, अर्थ यह है कि आप की रात सुख और शांति से बीते।

शबबरात (شبراب) फा. अ. स्त्री.—मुसलमानों का एक त्योहार, शबरात।

शबबाश (شب باش) फा वि.—रात में ठहरनेवाला, सहवास करनेवाला।

शबबाशी (شب باشی) फा स्त्री.—रात भर के लिए कही ठहरना; स्त्रीप्रसंग करना।

शबबू (شبو) फा पु.—एक फूल जो रात में खिलता और महकता है।

शबबेदार (شب بیدار) फा वि.—रात भर जागकर जप-तप करनेवाला, रात भर जागनेवाला।

शबबेदारी (شب بیداری) फा स्त्री.—रात भर जागना, रात भर जागकर तपस्या करना।

शबबो (شب بو) फा पु.—दे. 'शबबू'।

शबम (شم) अ पु.—जाड़ा, शीत, ठंड, शरद् ऋतु, सर्मा।

शबमादः (شب ماده) फा वि.—रात गुजरा हुआ, रात का रखा हुआ, वासी।

शबमुर्दः (شب مرده) फा वि.—रात-रात भर सोनेवाला, सारी रात सोनेवाला।

शबमुर्दग़ाँ (شب مردگان) फा. पु.—'शबमुर्द' का बहु., सारी रात सोनेवाले।

शबमार (شمسار) फा पु.—एक दवा, एलुआ, जो रात में पेट साफ करने के लिए खायी जाती है।

शबरंग (شب رنگ) फा वि.—काले रंग का, कृष्ण वर्ण।

शबरवी (شب روی) फा स्त्री.—रात में घूमना-फिरना, रात में यात्रा करना, चोरी, तस्करता।

शबराँ (شبران) फा वि.—दे. 'शबताज'।

शबरो (شبرو) फा वि.—रात में घूमने-फिरने या यात्रा करनेवाला, रात में जप-तप करनेवाला; चोर, तस्कर।

शबह (شبه) अ. पु.—एक धातु, पीतल।

शबह (شبه) अ पु.—शरीर, काय, देह, जिस्म।

शबान (شبان) फा पु.—'शवान' का लघु, दे. 'शवान'।

शबॉगाह (شبانگاه) फा स्त्री.—सध्या समय, सायकाल, शाम।

शवानः (شدهان) फा वि.—रात का, रातवाला, रात से सम्बन्धित, वासी, पर्युपित।

शवानःरोज (شدهان روز) फा वि.—रातदिन, अर्हनिश, शबो-रोज।

शवान (شدهان) फा पु.—चरवाहा, ढोर चरानेवाला, चौपिया।

शबानी (شبانى) फा. स्त्री.—जगल में चौपायों की देखभाल, चरवाही।

शबाब (شدهاب) फा पु.—तारुण्य, युवावस्था, जवानी, किसी चीज की अन्तत और उत्तम अवस्था।

शबाब आवर (شدهاب آور) अ फा. वि.—फिर से जवान बना देनेवाला।

शबारोज (شباروز) फा वि.—अर्हनिश, रात-दिन, सदा, शबोरोज।

शबाशब (شدهاشب) फा वि.—रातोरत, रात ही रात में, एक ही रात में।

शबाहंग (شدهانگ) फा. पुं.—बुलबुल, गोवत्सक, एक उज्ज्वल तारा जो शाम को चमकता है।

शबाहत (شدهاهت) अ स्त्री.—आकृति, शकल, सदृशता, समता, एकसानियत; एकरूपता, हमशक्ली।

शबित (شدهبت) अ पु.—सोया, एक शाक, दे 'शिवित', दोनों शुद्ध हैं।

शबिस्तों (شدهسنان) फा पु.—रात में रहने का स्थान; शयनागार, श्वावराह।

शबीनः (شدهبینه) फा वि.—रात की बची हुई वस्तु, वासी, पर्युपित, रात का, रात्रीय, रमजान के महीने में कुरान का वह पाठ जो एक रात में खत्म हो जाता है।

शबीह (شدهبیه) फा. स्त्री.—चित्र, तस्वीर, छायाचित्र, फोटो, सदृश, समान, मिसल।

शबे आशूरः (شدهعاشوره) फा अ स्त्री.—मुहर्रम के महीने की दसवी तारीख की रात।

शबे क़द्र (شدهقدر) फा अ स्त्री.—रजब के महीने की २७वी तारीख, शबे मे'राज, इस रात की इबादत का बड़ा पुण्य है।

शबे चक (شدهچک) फा स्त्री.—दे 'शबे वरात'।

शबे जवानी (شدهجوانى) फा स्त्री.—रात्रि रूपी तारुण्य, युवावस्था का उत्साह।

शबे जिफाफ़ (شدهجفاف) फा अ स्त्री.—दुल्हन की दूल्हा के पास जाने की पहली रात, मुहागरान।

शबे तार (شب تار) का स्त्री-नितात अँघेरो रात तमस्विनी, तमिस्रा कुहनिशा।

शबे दजूर (شب دجور) का अ स्त्री-अमावास्या अमावस की रात निपट काली रात, कालनिशा तमिस्रा।

शबे फिराक (شب فیراڪ) का अ स्त्री-द शबे हिच'।

शबे बरात (شب بارات) का अ स्त्री-द 'शबबरात', दाना गुद ह।

शबे माह (شب ماه) का स्त्री-चादनी रात रावा, ज्याम्ना मज्यारत्ना।

शबे मे राज (شب معراج) का अ स्त्री-वह रात जिसम हज्जन पगवर साहिब अंग पर ईश्वर से मिलने गये थे।

शबे मल्दा (شب ملدا) का स्त्री-शे 'शबे दजूर'।

शबे बस्ल (شب وصل) का अ स्त्री-नायक और नायिका के मिलने की रात, मिलनरात्रि विरहरात्रि वा उल्टा।

शबे बाँद (شب باند) का अ स्त्री-जिस रात को नायिका अपन नायक से मिलने का वादा करे, वह रात।

शबे हिच (شب هتير) का अ स्त्री-विरहरात्रि नायिका क निमाग का रात।

शबे हिजा (شب هجران) का अ स्त्री-शे 'शबे हिच'।

शबोरोख (شب دروځ) का पु-रातनि अहनिश हर समय निरंतर लगातार।

शबभान (شب بمان) अ वि-पेट भरा हुआ अफरा हुआ परिप्ल।

शब्बर (شب) अ प-हज्जत इमाम हुगन।

शब्बाक (شبای) अ वि-छे करनेवाला।

शब्बीर (شبیر) अ पु-हज्जत इमाम हुगन जो इमाम हुगन क बर् भाई थ।

शब्बूर (شبور) अ पु-तुही जो पील की बनायी जाती है।

शम [شم] अ प-अँपना प्राण।

शमा (شمع) अ स्त्री-मांम निषय मामयनी।

शमाहम (شمام) अ पु-दामीम का बट गुणधिया मगगुण।

शमाइल (شمائل) अ प-दामा का बट, प्रहृष्टिनी स्वभाव आंग।

शमान (شمان) अ स्त्री-बिगी की हाति या अर्थात् पर प्रमद हाता।

शमास (شماسه) अ प-मुगय मज्ज मगगु।

शमायब (شمایب) अ का पु-अँपने का गुणधिया मगगु।

शमीर (شمیر) का वि-अँपा हुआ मलित बहात गुणधिया मगगु।

शमीम (شمیم) अ स्त्री-अँपन का मगगु।

शमीम (شمیم) अ पु-मुगय महक, सगवू।

शमील (شمیل) अ स्त्री-स्वभाव प्रकृति आंग, सल्लव।

शमज (شمع) अ स्त्री-मांम, सिक्क, मामवती, दापक, चिराग।

शमअदान (شمع اداان) अ का पु-जिसम मामवता रगत जलत ह।

शमअरल (شمع ارل) अ का वि-द 'गमअर'।

शमअरू (شمع ارر) अ का वि-दीप, जसे-उज्वल और दापत मुलवाली मुगु।

शमअसाब (شمع اساب) अ का वि-मामवती बनानवाला।

शमई (شمعی) अ वि-मोम का, मोम का बना हुआ।

शमए आलमताब (شمع عالم تاب) अ का स्त्री-मू, मूख मानु भांवर।

शमए ऐमन (شمع امن) अ स्त्री-वह प्रवाग जा हज्जत मूमा का निचाई पडा था।

शमए कुन्त (شمع کنته) अ का स्त्री-बुधा हुआ दीप, वह गमअ जो बुग गयी हा मूतग।

शमए छाभोग (شمع خاموش) अ का स्त्री-बुधा हुआ चिराग या गमअ।

शमए खे बामा (شمع روبراه) अ का स्त्री-शामत का आंग में हवा से बचावर जन्नेवाला चिराग।

शमए तूर (شمع طور) अ स्त्री-शे 'गमए ऐमन'।

शमए यदम (شمع دم) अ का स्त्री-मांम म जलवांग चिराग, प्राय प्रेमिता की गाछा का चिराग।

शमए बाली (شمع بالی) अ का स्त्री-शिरहात जल यांग चिराग प्राय रामी प्रेमी के विरहाने का चिराग।

शमए मबार (شمع مزار) अ स्त्री-अत्र पर जगना जल वाला चिराग प्राय प्रेमी की कत्र का चिराग।

शमए महकिन् (شمع محکین) अ स्त्री-शे 'दामए बरम'।

शमए मव (شمع مریب) अ का स्त्री-शे 'दामए सामी'।

शमए मोमी (شمع مومی) अ का स्त्री-मामवती।

शमए शबअरोख (شمع شب اراوځ) अ का स्त्री-अमा चा'।

शमए शहर (شمع شهر) अ स्त्री-गहरे का चिराग जो बुग्ने का हाता है या अहित निगती धातु धींग मगगी हा।

शमए ह्याक (شمع حوځ) अ स्त्री-दामम का पीलत या जल क गाव मज्जा आता है।

शमम (شمه) अ पु-बहा बोला शिबगमन।

शमाम (شمامه) अ पु-शमी हाति कपरा छा या का गुणधिया हांगे है।

शमामा (شماس) अ वि-अँपन का मगगु।

शन्लः (شله) अ पु—पगजे का सिरा जो पीछे लटकता है, एक छोटी माल जिसे लपेटते हैं।

शम्शाद (شمشاد) फा पु—सर्व का पेट, जो सीधा होता है और जिसे नायिका के डील की उपमा दी जाती है।

शम्शादकद (شمشادکد) फा अ वि—सर्व-जैसे सुडील और लंबे डीलवाला (वाली)।

शम्शादकामत (شمشادکامت) फा अ वि—दे 'शम्शाद कद'।

शम्शादवाला (شمشادبالا) फा वि—दे. 'शम्शादकद'।

शम्शोर (شمشیر) फा स्त्री—असि, कृपाण, खड्ग, तलवार।

शम्शोरजन (شمشیرजन) फा. वि—असिपीवी, सिपाही।

शम्शोरजानी (شمشیرزنی) फा स्त्री—सिपाही का पेशा।

शम्शोरदम (شمشیردم) फा वि—तलवार-जैसी तेज धार-वाला।

शम्शोरवक्फ (شمشیرکف) फा. वि—हाथ में तलवार लिये हुए, गस्त्रपाणि; वध करने को तत्पर।

शम्शोरे अजल (شمشیراجل) फा अ स्त्री—मौत की तलवार।

शम्शोरे आवदार (شمشیر آنداز) फा स्त्री—काट करने-वाली तलवार, तेज धारवाली।

शम्शोरे दुदम (شمشیر دو دم) फा स्त्री—दुधारी तलवार, वह तलवार जिसके दोनों ओर धार हो।

शम्शोरे वरहनः (شمشیر برهنه) फा. स्त्री—म्यान से निकली हुई तलवार, स्पष्ट वक्ता, लगी-लपटी न रखनेवाला।

शम्शोरे हिलाली (شمشیر هلالی) फा अ स्त्री—नव चंद्र रूपी तलवार, टेढ़ी तलवार।

शम्शोरोसिनां (شمشیر و سنان) फा स्त्री—तीर और तल-वार; युद्ध-सामग्री।

शम्सः (شمس) अ पु—रोशनदान।

शम्स (شمس) अ पु—अर्क, मिहिर, मार्तण्ड, अरुण, तरणि, भानु, सूर्य, रवि, सूरज।

शम्सी (شمسی) अ वि—सूर्य का, सूर्य-सम्बन्धी, सूर्य के चक्र के हिसाब से सम्बन्धित, जैसे—'शम्सी साल' सौर वर्ष।

शम्सीयः (شمسیه) अ स्त्री—छतरी, धूप से बचने का छाता।

शम्मुलउलमा (شمس العلیما) अ पु—विद्वानो में सूर्य के समान, एक उपाधि जो अंग्रेजी समय में मुस्लिम आलिमों को सम्मानार्थ दी जाती थी।

शय (شے) अ स्त्री—वस्तु, द्रव्य, पदार्थ, चीज।

शयातीन (شیاطین) अ पु—'शैतान' का बहु, शैतानों का निरोह, पिशाच-भडली।

शय्याद (شیاد) अ वि—धूर्त, छली, वचक, मक्कार।

शरंगेज (شرونگیج) फा वि.—आपस में फूट डालनेवाला, झगडा-फसाद सड़ा कर देनवाला, उपद्रवी।

शरंगेजी (شرونگیجی) अ फा. स्त्री—उपद्रव मचाना, झगडा करना; आपस में लड़ाना, फूट डालना।

शर[रं] (شر) अ. पु—बदी, बुराई, उपद्रव, फसाद, फूट, निफाक।

शरअंगेज (شرونگیج) अ. फा. वि—दे. 'शरगेज', अधिक बही बोला जाता है।

शरअंगेजी (شرونگیجی) अ फा स्त्री—दे. 'शरगेजी', अधिक बही बोला जाता है।

शरतैन (شرطین) अ. स्त्री—पहला नक्षत्र, अश्विनी।

शरपसंद (شروپسند) अ. फा वि—जो झगडा टंटा पसंद करता हो, झगडालू, कलहप्रिय।

शरपसंदी (شروپسندی) अ. फा स्त्री—झगडा पसंद करना, झगडालूपन।

शरफ (شرف) अ. पु—श्रेष्ठता, उत्तमता, वुजुर्गी; सम्मान, सत्कार, इज्जत; उत्तुंगता, बलदी, कुलीनता, शराफत।

शरफयाव (شرفیاب) अ फा. वि.—सफल, कामयाव।

शरफयावी (شرفیابی) अ फा स्त्री.—सफलता, कामयाबी।

शरफे जियारत (شرف زیارت) अ. पु—देखने का सौभाग्य।

शरफे मुलाकात (شرف ملاقات) अ पु—साक्षात्कार का सौभाग्य, दर्शनो का सौभाग्य।

शरफे मुलाजमत (شرف ملازمت) अ पु—पास बैठने-उठने का सौभाग्य।

शरफे हज्जोजियारत (شرف حج زیارت) अ पु—हज करने और मदीना जाने का सौभाग्य।

शरर (شورر) अ पु—अग्निकण, स्फुल्लिग, चिनगारी।

शररअंगेज (شورر انگیج) अ. फा वि—चिंगारियाँ फैलाने-वाला, शुरें छोड़नेवाला, उपद्रवी।

शररअपशां (شورر افشاں) अ फा वि.—दे. 'शररअगेज'; दे. शररअपशां।

शररफिशां (شورر فشاں) अ फा वि—दे 'शररअगेज' 'शररअपशां' का लघु।

शररपशां (شورر افشاں) अ फा वि—दे 'शररअगेज'।

शररवार (شورر وار) अ फा वि—आग बरसानेवाला, जिससे आग निकले, अग्निवर्षक।

शररवारी (شورر واری) अ. फा. स्त्री—आग बरसाना, आग निकलना, अग्निवर्षा।

शरा (شرو) अ. स्त्री.—पित्ती, एक रोग जिसमें सारे शरीर पर लाल दाने पड़ जाते हैं।

शराइत (شرايط) अ पु.—'शरति' का बहु, शर्तें।

गराईन (سراين) अ स्त्री-गिवान का बहु, फन्के वाली रंग बमनिया नाटिया।

गराए' (سرايع) अ पु-शरीरत का बट्ट, घमशास्त्र।

गराकत (سراكس) उ स्त्री-भागीनारी, साक्षा।

गराकतनाम (سراكسنامه) अ फा पु-भागीनारी या सावे की दस्तावेज।

गराब (سراب) अ पु-मदिरा, वारणी, हाल, सुरा इरा कविनी हलिप्रिया।

गराबकश (سرابكش) अ फा वि-मद्यप, पानकर्ता रसाशा सुराशा, गरावी।

गराबकशी (سرابكشي) अ फा स्त्री-मद्यपान शरार पीना।

गराबखान (سرابخانه) अ फा पु-मदिरालय मनुगाला

सुरावेसम पानागार मदिरागृह भखाना।

गराबखोर (سرابخورد) अ फा वि-मद्यप रसाशी, सुरा

पायी पानकर्ता शरार पीनेवाला।

गराबखोरो (سرابخوري) अ फा स्त्री-मद्यपान, गराव

पीना।

गराबखवार (سرابخوار) अ फा वि-शराबखार।

गराबखव (سرابखود) फा वि-शराव के नशे म चूर,

मदो मत्त।

शराबखदमी (سرابخودمي) फा स्त्री-गराव का गहरा

नशा मन्गेमात्।

गराबफरोग (سرابفروس) अ फा वि-गराव का ठेगार

गौडिक कल्पपाल सुराजीवी।

गराबफरोशी (سرابفروسي) फा स्त्री-गराव धेचना,

शराव की ठेगेनारी।

गराबमाड (سرابسار) अ फा वि-गरावपी करने

वाग सुरागार।

गराबसाखी (سرابساري) अ फा स्त्री-गराव बनाना

गराव कगी करना सुराकम।

गरावी (سراوي) अ वि-मद्यप गराव पानेवाला।

गरावे अगुरी (سرابانگوري) अ फा स्त्री-अगूरमदना

हुई गराव द्राभेरा मात्का।

गरावे अतली (سرابعسلي) अ स्त्री-गह्व की शराव

माधवी।

शरावे अणवानो (سرابازوانی) अ फा स्त्री-राल रंग

की शराव।

गरावे आतगरा (سرابانگورنگ) अ फा स्त्री-आग

अग रंग की राल शराव अग्निवण।

गरावे बोहन (سرابكهنه) अ फा स्त्री-गुराना गराव

त्रिमका नगा साज हाना है।

शरावे खान खराब (سرابخانهخواب) अ फा स्त्री-धर

उजाड देनेवाली गराव दरिद्र बना देनेवाली शराव।

गरावे खान साज (سرابخانهساز) अ फा स्त्री-धर में

बनायी हुई गराव।

शरावे जी (سرابجو) अ फा स्त्री-जी की शराव, वह

शराव जो कचब जी स बनती है, भवेरा वियर।

शरावे तहूर (سرابطهور) अ स्त्री-स्वग म पी जानवाली

गराव।

शरावे दुआतश (سرابدوآتاش) अ फा स्त्री-आवार की

तिची हुई गराव तेज शराव।

शरावे दोशीन (سرابدوشين) अ फा स्त्री-रात की

बची हुई शराव।

गरावे मुक्तर (سرابمقتر) अ स्त्री-नियरी हुई और

साफ गराव पहले जास की बढ़िया शराव।

शराफत (سرافت) अ स्त्री-गुनीनता, वस की गुदता

सुगालता अग्राव सज्जता।

गराफते नसबी (سرافتسبي) अ स्त्री-कुल का थूठ

और निर्णय हाना।

शरार (سراار) अ पु-स्फुलिंग अग्निवण पतिगा चिनगारी।

शरार-खेर (سراارخبر) अ वि-जिससे चिगारियाँ निकलें।

शरार वार (سرااروار) फा वि-अग्निवणक आग बरमान

वाला।

शरार (سراار) अ पु-चिनगारा पतिगा स्फुलिंग अग्नि

स्तीक गरर।

गरारत (سراارت) अ स्त्री-दुष्टृत्य बनी बुराई उपरव

पनात्, कचलता चपगता धाक्की, विद्वान के लिए बार्द

काम।

गरारत आमेज (سراارتامير) अ फा वि-गरारत सभरा

हुआ नुकसान पढ़वाने की बुरा नीयत से विद्या हुआ।

गरारतन (سراارتان) अ वि-शरारत स, बुरा नीयत से

चिगाने के लिए तग करने के लिए।

गरारतपसद (سراارتپسد) अ फा वि-जिससे मिडाड

म गरारत हो उपरव प्रिय पशानी, जा छेन के जिग

गरारतें बहून करता हा।

गरारतीफ (سراارتيف) अ स्त्री-दरगूफ का बहु नीव

वागी छाटा पस्तर्या।

गरीजत (سراارجت) अ स्त्री-मुग हुआ और चौड़ा रान्ना

रात्रमाग घमगाएव धामिन कानूत्।

गरीफ (سراارگ) अ वि-गाशीनर भागी हिसगार

मिलकर बार्द काम करनेवाल गम्मिनन धामिन।

गरीफवार (سراارگوار) अ फा वि-गाशीनर भागी।

शरीरके खानदान (शुरीक खानदान) अ. फा. वि.—जो किसी वंश के अंतर्गत हो; जो किसी वंश में सम्मिलित हो।

शरीरके शालिब (शुरीक आलिब) अ. फा. वि.—भागीदारों में सबसे बड़ा भाग रखनेवाला।

शरीरके चिदानी (शुरीक चिदानी) अ. फा. वि.—अर्वांगिनी, जीवन सगिनी, जिंदगी की साथी, अर्थात् पत्नी, भार्या।

शरीरके जुम (शुरीक जुम) अ. वि.—जो किसी अपराध में अपराधी का सहायक हो।

शरीरके दई (शुरीक दई) अ. फा. वि.—जो विपत्ति में साथ देनेवाला और सहानुभूति रखनेवाला हो।

शरीरके रजोराहत (शुरीक रजोराहत) अ. फा. वि.—हर्ष और विपत्ति दोनों का शरीक, हर समय पर साथ देनेवाला, धनिष्ठ।

शरीरके राए (शुरीक राए) अ. वि.—जो किसी सलाह और परामर्श में सम्मिलित हो।

शरीरके सोहवत (शुरीक सोहवत) अ. वि.—पास बैठने-उठनेवाला, सोहवत में रहनेवाला।

शरीरके हाल (शुरीक हाल) अ. वि.—साथी, सगी, हर अवस्था में साथ रहनेवाला।

शरीरके हयात (शुरीक हयात) अ. वि.—जीवनसगिनी, पत्नी, भार्या, पति, स्वामी।

शरीरके शुरीफ (शुरीफ) अ. फा. वि.—कवूतरो का दरवा, कावुक।

शरीरके शुरीफ (शुरीफ) अ. वि.—कुलीन, खानदानी, सज्जन, सुशील, खुशअस्लाक, सम्म, शिष्ट, वातमीज, निश्छल, निष्कपट, सरल स्वभाव।

शरीरके शुरीफाद (शुरीफाद) अ. फा. वि.—शरीफ का लडका, आर्यपुत्र, कुल-पुरुष।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—स्वभाव से सज्जन और शिष्ट।

शरीरके शुरीफतनिश (शुरीफतनिश) अ. फा. वि.—दे. 'शरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफमिजाज (शुरीफमिजाज) अ. वि.—दे 'शरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफसूरत (शुरीफसूरत) अ. वि.—देखने में शरीफ, जिसकी सूरत से सज्जनता और कुलीनता टपकती हो।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—स्वभावतः सज्जन, शिष्ट और निश्छल।

शरीरके शुरीफतसब (शुरीफतसब) अ. वि.—उत्तम कुल, महा कुल, जिसके वंश में कोई दोष न हो।

शरीरके शुरीफतसब (शुरीफतसब) अ. वि.—जिसकी जाति शुद्ध रक्तवाली हो, उत्तम वर्ण, कुलीन।

शरीर (शुरीक) अ. वि.—बंदी करनेवाला, हुट, उपद्रवी, फसादी; चंचल, चपल, गोख; चिदाने के लिए छेड़नेवाला, पिशुन, चुगुल, लगाई-बुझाई करनेवाला, आपरा में दगा-फसाद करानेवाला।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—जिसके स्वभाव में शरारत हो, धूर्त, फसादी; जो चिदाने के लिए शरारत करता हो।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

शरीरके शुरीफतवअ (शुरीफतवअ) अ. वि.—दे 'शरीरके शुरीफतवअ'।

गम (गम) का स्त्री-लज्जा काज लज तथा ह्या पचात्ताप पठतावा।
 गमआलूद (गम) का वि-गमगी।
 गमगाह (गम) का स्त्री-गुह्येन्द्रिय लिग, भग।
 गमगी (गम) का वि-गमिग लज्जित।
 गमनाक (गम) का वि-लज्जाजनक धिनावनना वेह्याइ का।
 गमसार (गम) का वि-लज्जित, गमिग पचात्तापी पठतानेवाला।
 गमसारी (गम) का स्त्री-लज्जा गम पठतावा पचात्ताप।
 गमिग (गम) का वि-लज्जित गममार।
 गमिदए इसयाँ (गम) का अ वि-पापास लज्जित।
 गमिदए एहसान (गम) का अ वि-आभारी कृत मन्नुन।
 गमिदए मानो (गम) का अ वि-सायक वामानी।
 गमिदगी (गम) का स्त्री-लज्जा काज, गम पचात्ताप पठतावा।
 गमै बसवाई (गम) का स्त्री-वन्तानी की लज्जा।
 गमै ह्वरी (गम) का अ स्त्री-मामने होने या पाम आने की मुरब्बत आले चार हाने का लिहाइ।
 गमोहया (गम) का अ स्त्री-राज जीर गम लज्जा शीडा।
 गह (गह) अ पु-खड टुकना।
 गह गह (गह) अ वि-टुक-टुकने।
 गह (गह) अ स्त्री-व्याख्या तथीह स्पष्टता बजाएत विस्तार तफ्सील टीका विनी मूल ग्रथ का विस्तारगूवक बगन।
 गहनवीस (गह) अ का वि-विमा मूल ग्रथ का टीका लिपिनी बर्नवाना टीकारा भाग्यरार।
 गहनिगार (गह) अ का वि-गहनवीस।
 गह माआनी (गह) अ स्त्री-किल्ट गह का अच।
 गह मतानिब (गह) अ स्त्री-किल्ट भाषा का व्याख्या।
 गह सूब (गह) अ का स्त्री-व्याज की दर।
 गहोबत (गह) अ का स्त्री-विस्तार व्याख्या बजाएत।
 गह (गह) का स्त्री-उगी उछाल कू।
 गह (गह) अ वि-अराहिन विरके हाए-नाब

काम न दें बाहिल आल्मी, गिधिल डाला।
 गलघम (गल) का पु-गलजम, एब तरकारी।
 गलघम (गल) अ पु-एक प्रतिद्वंद्वी तरकारी गलघम।
 गलताक (गल) तु पु-मुद्द लगाइ कल्ह झगडा।
 गल्लूक (गल) का पु-धान चावल भूमी सहित वाली।
 गलक (गल) का स्त्री-व्यभिचारिणी कुलटा पुस्बला, पाहिगा।
 गल्लक (गल) तु पु-कावे या छडा न मारता बपला बचल, गाख, बपड मारता।
 गलवार (गल) का स्त्री-एक प्रकार का डाला पाजामा।
 गवाइब (गल) अ पु-गादव का बहु मिलावठे आमजिगे।
 गवागिल (गल) अ पु-गल का बहु, मागल कामबधे।
 गवाक (गल) अ पु-गाकिई का बहु, गाकिई पय के अनुयायी मुसलमान।
 गवारिक (गल) अ पु-गारिक का बहु, दीप्त बस्तुए सूय का किरणें।
 गवारे (गल) अ पु-गार का बहु, बडे माग मुल रास्त, विस्तृत पय।
 गवाहिद (गल) अ पु-गाहि का बहु, गवाह लाग साणीगण।
 गवाहिक (गल) अ पु-ऊची इमारत बलद इमारत।
 गधवाल (गल) अ पु-इस्लामी दगवा महीना।
 गग (गग) का पु-गवाल महान के पहा छ निज जिनमें रोइ रखे जाने ह।
 गग (गग) का वि-छ पट फव पप।
 गगजित (गग) का अ स्त्री-अत्रा तछ चारा निगाएँ और ऊपर और नावे की दो निगाएँ।
 गगदर (गग) का वि-छ दरवाजा की इमारत मरणम्यान हगरी का जगह हुना-बजागना हगरी।
 गगदर (गग) का वि-चरित स्थाप निरलय, हका बकरा आचर्यावित।
 गगदांग (गग) का वि-गगजित।
 गगदर (गग) का वि-छ गगनाग पठना।
 गग (गग) का वि-छ पाववाग पठना वरत।
 गगपाय (गग) का वि-जिग इमारत में छ गगहा।
 गगमाह (गग) का वि-छ मंगने की भाव का।
 गगमाही (गग) का वि-छ महान में एक बार हा।
 वाया गगमाहिक अचर्यावित।

शशासरी (شش‌سری) फा. पुं—वह सोना जिसमें तनिक भी मँल या मिलावट न हो, कुदम।

शशम (ششم) फा वि—छठवाँ, पण्ड।

शशोयंज (شش‌وینج) फा. पु—सकोच, उवड-बुन।

शस्त (شصت) फा वि—साठ, पण्ड।

शस्त (شست) फा वि—साठ, पण्ड (पु) शल्य, निस्तर, फदा, मिज्राव, (स्त्री.) निशाना, ताक, मछली पकड़ने की लची डोर जिसमें छड नहीं होती।

शस्तक (شستک) फा. पु—गुदा मँथुन करानेवाले व्यक्तियों का एक लिंग की आकृति का अस्त्र, जिससे वह अपनी मुजली मिटाते हैं, लिंग, मेहन, शिश्न।

शस्तगीर (شست‌گیر) फा वि—धनुर्धर, तीरअदाज।

शस्तमीर (شست‌میر) फा वि—धनुर्विद्या में निपुण, लक्ष्य-भेदी।

शस्तुम (شستم, شصم) फा वि—साठवाँ।

शहशाह (شهبان‌شاه) फा पु—वह वादशाह जिसके अधीन कई वादशाह हों, सम्राट, चक्रवर्ती, राजाधिराज।

शहशाही (شهبان‌شاهی) फा. स्त्री—साम्राज्य, वादशाहों पर वादशाही।

शह (شہ) फा पु—'शाह' का लघु, दे 'शाह', बढावा, हुशकारी, शतरज की किस्त।

शहखर्च (شہ‌خارج) फा वि—बहुत अधिक खर्च करनेवाला, मुवतहस्त।

शहबाद (شہ‌باد) फा पुं—राजकुमार, राजपुत्र, वाद-शाह का लडका, युवराज, बली अहद।

शहबादगी (شہ‌باد‌گی) फा स्त्री—राजकुमारता, वादशाह का लडका होना।

शहचोर (شہ‌چور) फा वि—शक्तिशाली, बलवान्।

शहचोरी (شہ‌چوری) फा स्त्री—शक्तिशालिता, बली होना।

शहतौर (شہ‌تیر) फा पु—शीशम या बाल आदि की सीधी और चौकोर लकड़ी जो छत पाटने के काम आती है, लट्टा।

शहतूत (شہ‌توت) फा पु—एक प्रसिद्ध छोटा फल, तूत।

शहकुन्द (شہ‌کوند) फा पु—शातिर चोर, पश्यतोहर।

शहनशी (شہ‌نشیں) फा स्त्री—बँठने की ऊँची इमारत।

शहनाई (شہ‌نائی) फा स्त्री—एक बाजा, नफीरी।

शहनाज (شہ‌ناز) फा वि—डुल्हन, नव विवाहिता।

शहपर (شہ‌پر) फा पु—'शाहपर' का लघु, पक्षी का बाजू, डँना।

शहबाज (شہ‌باز) फा पु—'शाहबाज' का लघु, बड़ा बाज, शिकारी बाज, श्येन।

शहरग (شہ‌رگ) फा स्त्री—'शाहरग' का लघु., शरीर की सबसे बड़ी रग जो हृदय में मिलती है।

शहसवार (شہ‌سوار) फा वि—घोड़े की बहुत अच्छी सवारी करनेवाला।

शहसवारी (شہ‌سواری) फा स्त्री—घोड़े पर बहुत अच्छा बँठना।

शहा (شہا) फा अव्य—हे राजा! ऐ वादशाह! शाह का सम्बोधन।

शहादत (شہادت) अ. स्त्री—साक्षी, गवाही, धर्म या देग आदि के लिए वलिदान; धर्म-युद्ध में वध।

शहादतकदः (شہادت‌کده) अ फा पु—दे 'शहादतगाह'।

शहादतगाह (شہادت‌گاہ) अ फा स्त्री—शहीद होने का स्थान, वलिदान होने या किये जाने की जगह।

शहादतनामः (شہادت‌نامه) अ फा पु—प्रमाणपत्र, सनद; वह गथ जिसमें किसी के शहीद होने का वर्णन हो।

शहादते इमाम (شہادت‌امام) अ स्त्री—हज्रत इमाम हुसैन की शहादत।

शहादते उज्मा (شہادت‌عظمی) अ स्त्री—बहुत बड़ी शहादत, सबसे बड़ा वलिदान, हज्रत इमाम हुसैन का वध।

शहादते कुन्ना (شہادت‌کندی) अ स्त्री—दे. 'शहादते उज्मा'।

शहादते हक्कः (شہادت‌حقتہ) अ स्त्री—सच्ची गवाही, सत्य के लिए वलिदान; सच्चा वलिदान।

शहानः (شہانہ) अ फा वि—'शाहान' का लघु, शाहो-जैसा, राज्योचित।

शहाब (شہاب) अ पु—कुत्ते का पिल्ला, वह दूध जिसमें दो भाग पानी मिला हो।

शहाब (شہاب) फा पु—लाल रग।

शहाबी (شہابی) फा वि—लाल, सुख, रक्त, शोणित।

शहामत (شہامت) अ स्त्री—श्रेष्ठता, बडाई, शूरता, बहादुरी, शक्ति, जोर, प्रसन्नता, सुग्री, फुर्ती।

शही (شہی) फा स्त्री—'शाही' का लघु, राजाओं का, राजाओं-जैसा।

शहीक (شہیق) अ स्त्री—गधे की वह भारी आवाज जो अत में निकलती है, गधे की शुरू की आवाज "जफीर" है।

शहीद (شہید) अ वि—जो धर्मयुद्ध में शत्रु से लडता हुआ मारा गया हो, जिसने धर्म, देश या किसी लोक-हित के लिए वलिदान किया हो, हुतात्मा, ईश्वर का एक नाम।

शहीदे आ'जम (شہید اعظم) अ पु—सबसे बड़ा शहीद, हज्रत इमाम हुसैन की उपाधि।

शहीदे इश्क (شہید عشق) अ पु—प्रेम के मार्ग में जान देने-वाला, प्रेमिका को प्राण अर्पण करनेवाला।

गह्वीदे शबला (سهند کرنا) अ फा पु -बबला के युद्ध में सत्य के लिए बलि देनेवाले, हरजत इमाम हुसन ।

गह्वीदे बतन (سهند وطن) अ पु -बतन का आजागी और उन्नति के लिए युद्ध या परिश्रम में मरनेवाला ।

गह्वीम (سحدم) अ वि -जिसके गराय में चर्मी बहुत हो, भेदुर ।

गह्वीर (سهند) अ वि -प्रसिद्ध ख्यातिप्राप्त मगहूर ।

गह्वीह (سهند ح) अ वि -वृषण कजूम वज्रोल ।

गह्वीन (سحنون) अ वि -गकिनगाला जोरावर, पूय, श्रेष्ठ वसुध ।

गह्वद (سهد) फा पु -मधु जम्बा ।

गह्वदआमेज (سهد امرو) फा वि -जिसम गह्व मिला हा मधुर, माठा ।

गह्वदगुप्तार (سهندگمثار) फा वि -जिसकी धारें मोटी हा मिष्टभाषी मधुरवाता ।

गह्वदगुप्तारी (سهندگمثارى) फा स्त्री -याता की मिठास ।

गह्वदमकाल (سهدمقال) फा अ वि - 'गह्वदगुप्तार'

गह्वदमकाली (سهدمقالى) फा अ स्त्री - 'गह्वद गुप्तारी ।

गह्वन (سحن) अ पु -भरना पुर करना हाकना चलाना दूर करना हटाना ।

गह्वब (سهند) फा स्त्री -बूढ़ी स्त्री बद्धा जरिता ।

गह्ववर (شهره) फा स्त्री -बूढ़ी स्त्री बद्धा ।

शहवा (سهدا) अ स्त्री -बहु घोड़ी या ऊँची जिमका रग सफेनी मिला वाला हो जीर सफेनी अधिक हा ।

गह्वम (شكسه) अ प -थोनी ती चर्मी वान की गी ।

गह्वम (سحدم) अ स्त्री -बना मग चर्मी ।

गह्वमे हबल (سحدم حطال) अ पु -इत्रायण एक प्रसिद्ध कडवा फल जो कफ का रोकक ह ।

शह (سهر) अ पु -नाम महाना क चाद प्रकटन जुहर ।

गह (سهر) फा पु -नगर पुरा बड़ी बस्ती जो कस्ब स बड़ी हो ।

गह आशोब (سهور اشوب) फा पु -नाम की एक किस्म जिसम राय की कुव्यवस्था नासक की हीनता और प्रजा की दुर्गति का वर्णन होता है ।

गह्वताग (سهور تاس) फा तु वि -एक ही नगर के निवासी हम वर्तन ।

गह्वदर गह्व (سهور در سهر) फा वि -नगर-नगर म हर नगर में एक नगर से दूसरे नगर में ।

गह्वपनाह (سهور پناه) फा स्त्री -नगर के चारों ओर रक्षा

बनाया हुई पक्की और ऊंची दीवार प्राचीर, परकला पगील ।

गह्वद (سهر د) फा वि -दुग, वाट, जिला कारागार, कदमाना जिस राजा की ओर से बाहर जान का ज्ञान न हो, जिगी मुअवसर पर नगर की सजावट ।

गह्वददर (سهر ددر) फा वि -नगर से निकाला हुआ जिने राय की ओर से नगर से निकाल दिया गया हो, नगर बहिष्कृत ।

गह्वयार (سهور يار) फा वि -गासक नयाल, राजा, सम्राट बादशाह ।

गह्वयारी (سهور يارى) फा स्त्री -राय गासन वाला गह्वी ।

गह्ववा (سهوروا) फा पु -बहु सिक्का जो किसी नगर विशेष म चलता हो दूसरी जगह न चलता हो ।

गह्वी (شهرى) फा वि -शह का निवासी, नगर निवासी, सम्य, गिष्ट तमीजदार जिस किसी देश में वहाँ की प्रजा हाने का अधिकार प्राप्त हा नागरिक ।

गह्वीयत (شهرست) फा स्त्री -सम्पत्ता गिष्टता, नागरिकता, सिटीजनशिप ।

गह्वे खमोशा (سهرخوشان) फा पु -सूक लागे का नगर अर्थात् कब्रिस्तान समाधिस्थान ।

गह्वे यरीबा (سهر عريان) फा पु -यरलेसिया का नगर, जहाँ कोई एक दूसरे का पहचानता न हा ।

गह्वे नावीना (سهر ناصدا) फा पु -अधा का नगर जहाँ कोई कुछ खेन सक्तता हो जहाँ गुण-दाय परखनेवाला न हो ।

गह्वेवर (سهور ور) फा पु -ईरा का एक महाना जो हिंदी हिस्सा से कुआर में पटता ह ।

शहल (سهند) फा स्त्री -बूढ़ा स्त्री बुलिया ।

शहला (شهلا) अ वि -बागी आँसोवाली स्त्री वह नमिस जिसके भीतर पी-ग्राह की जगह वालिना होती है और आस से बहुत मिलती-जुलती ह ।

शहवत (سهور) अ स्त्री -इच्छा जमिलाया खार्गि दुधा मूल इतिहा कामवेग कामातुरता स्त्री प्रसंग की प्रबल इच्छा ।

शहवतअगज (سهور اشگر) अ फा वि -कामबद्धक काम गकित-बद्धक शहवत बढानेवाला ।

शहवतअगजी (سهور اشگرى) अ फा स्त्री -कामगकित की प्रबलता शहवत का जोश ।

शहवतअगजा (سهور اشجرا) अ फा वि -शहवत बढाने वाला कामबद्धक ।

शहवतकुश (سهور كوش) अ फा वि -शहवत का मारन वाला, इन्धियदन ।

शहवतकुशी (شہوت کُشی) अ. फा. स्त्री—शहवत् को मारना, इन्द्रिय दमन करना ।

शहवतखैर (شہوت خیر) फा. अ वि—दे. 'शहवतअंगेज' ।

शहवतखैशी (شہوت خِش) अ फा स्त्री.—दे. 'श अंगेजी' ।

शहवतपरस्त (شہوت پرست) अ फा. वि.—इच्छाओं का दास, भोग-विलास का रसिया, व्यभिचारी, लंपट ।

शहवतपरस्ती (شہوت پرستی) अ फा. स्त्री.—इच्छाओं की पूजा, लिप्ता, कामवासना की रसिकता, व्यभिचार ।

शहवतरां (شہوت راں) अ फा वि.—दे 'शहवतपरस्त' ।

शहवतरानी (شہوت رانی) अ फा. स्त्री—दे 'श परस्ती' ।

शहवते कल्बी (شہوت کلبی) अ. स्त्री—एक रोग जिसमें मूल बहुत बढ जाती है, और कितना भी खाया जाय तृप्ति नहीं होती ।

शहवत (شہوات) अ स्त्री.—'शहवत' का बहु, शहवते, इच्छाएँ, काम वासनाएँ ।

शहवानो (شہوانی) अ. वि—इच्छा का; काम वासना का, इच्छा सम्बन्धी, कामवासना-सम्बन्धी ।

शहवानीयत (شہوانیت) अ स्त्री—शहवत, काम वासना, स्त्री-प्रसंग की इच्छा ।

शहवो (شہوی) अ वि—दे. 'शहवानी' ।

शा

शाब्दः (شائبد) फा वि—सोलह, षोडश ।

शाब्दहूम (شائبدھوم) फा वि—सोलहवाँ ।

शाब्दक (شائبدک) अ वि—इच्छुक, अभिलाषी, उत्कण्ठित, मुग्धाक, व्यसनी, शीकीन ।

शाब्दक (شائبدک) अ वि—काँटोवाला, काँटोदार ।

शाब्दक (شائبدک) अ पु—लवलेज, किंचिन्मात्र, बहुत थोडा, मियण, मिलावट ।

शाब्दक (شائبدک) अ स्त्री—कवि स्त्री, कवयित्री ।

शाब्दक (شائبدک) अ पु—कवि, शाब्दक करनेवाला ।

शाब्दक (شائبدک) अ स्त्री—'शाब्दक' का बहु, शाब्दक स्त्रियाँ ।

शाब्दक (شائبدک) अ फा वि—शाब्दक-जैमा ।

शाब्दक (شائبدک) अ स्त्री—कविता, शेर कहना; काव्य, शेर का पन; अत्योमित, मुवालग ।

शाब्दक (شائبدک) अ. पु—'शाब्दक' का बहु, कविगुण, शाब्दक गुण ।

शाब्दक (شائبدک) फा. वि—नाम्य, शिष्ट, मुहज्जब; नाम्य, काविय, पात्र, मुस्नाहक; नस्कृत, माजित, मुजसला, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा ।

शाब्दक (شائبدک) फा अ वि.—सदाचारी, शिष्टाचारी, नेक अतवार ।

शाब्दक (شائبدک) फा अ वि—तमीज की वात-चीत करनेवाला, सम्यतापूर्वक वातचीत करनेवाला ।

शाब्दक (شائبدک) फा वि—जिसकी वातचीत सम्यता और शिष्टता लिये हुए हो ।

शाब्दक (شائبدک) फा. वि—दे. 'शाब्दक-मिजाज' ।

शाब्दक (شائبدک) फा. अ वि.—सम्य, शिष्ट, मुहज्जब ।

शाब्दक (شائبدک) फा अ पु—वह व्यक्ति जिससे वातचीत की जा सके, जो वात करने के योग्य हो ।

शाब्दक (شائبدک) फा स्त्री—सम्यता, तहजीब; शिष्टता, तमीज, योग्यता, काविलीयत, पात्रता, इस्ते-हकाक; सस्कृति, सफाई, उत्तमता, उम्दगी ।

शाब्दक (شائبدک) अ वि—व्यक्त, प्रकट, जाहिर, प्रकाशित, छपा हुआ, प्रसारित, नग्न ।

शाब्दक (شائبدک) अ फा वि—प्रकाशित किया हुआ, छपा हुआ ।

शाब्दक (شائبدک) अ फा वि—प्रकाशक, छापने-वाला ।

शाब्दक (شائبدک) फा वि.—उत्तम, उम्दा, विस्तृत, चौड़ा, 'पर्वज' का एक खजाना, विष्टि, वेगार, काफ़िए का एक दोष, ईता ।

शाब्दक (شائبدک) अ वि—असह्य, नाकाविले वरदायत, कठिन, दुष्कर, मुश्किल, अरुचिकर, नागवार ।

शाब्दक (شائبدک) अ पु—सैनिक, सिपाही, सगस्त्र, मुसलह, शक करनेवाला ।

शाब्दक (شائبدک) अ पु—अनीति और अत्याचार की शिकायत करनेवाला ।

शाब्दक (شائبدک) अ पु—दे 'शाब्दक जौर' ।

शाब्दक (شائبدک) अ पु—दे 'शाब्दक जौर' ।

शाब्दक (شائبدک) अ स्त्री—शुक्र करनेवाली स्त्री ।

शाब्दक (شائبدک) अ पु—शुक्र करनेवाला, ईश्वर को धन्य-वाद देनेवाला ।

शाब्दक (شائبدک) अ. पु—ईश्वर की दी हुई नै'मतों पर उसको धन्यवाद देनेवाला, छतत्र ।

शाब्दक (شائبدک) अ वि—शिकायत करनेवाला, परिवारी ।

शाब्दक (شائبدک) अ. स्त्री—गर्जों की महापल जिम्मे वर दीवार की गोघ नापते हैं ।

शाब्दक (شائبدک) अ. वि—बहुत कमी, बहुत कठिन ।

शादगून. (شادگون) फा. स्त्री—नानेवाली स्त्री, गायिका, बोंमनी, विछाने का गद्दा, तोशक ।
 शादसौ (شادری) फा वा—दे. 'शादवाश' ।
 शादनः (شادنه) फा. पुं—एक पत्थर जो छोटे दानों की गवळ में होता है, और दवा में चलता है ।
 शादनज (شادنج) अ. पु—दे 'शादन.' ।
 शादवह (شادवर) फा वि—सीभाग्यशाली, सुशकिसमत, ममूड, खुशहाल ।
 शादवाद (شادواد) फा वा—दे 'शादवाश' ।
 शादवाश (شادवास) फा वा—खुश रहो, चैन से जीवन व्यतीत करो, एक आशीर्वाद, शावाश, धन्यवाद ।
 शादमाँ (شادمان) फा वि—प्रसन्नचित्त, हर्षित, आनंदित ।
 शादमाँदिल (شادमान دل) फा वि—प्रसन्नहृदय, प्रफुल्ल-मनस्क ।
 शादमाँह (شادमान رو) फा वि—प्रफुल्लवदन, जिसके चेहरे पर शिगुपतगी हो ।
 शादमानो (شادمانی) फा. स्त्री—प्रसन्नता, हर्ष, खुशी ।
 शादवर्द (شادورد) फा पु—चंद्रमंडल, चंद्रविष, हाल ।
 शादाँ (شادان) फा वि—दे 'शादमाँ' ।
 शादाव (شاداب) फा वि—हरा-भरा, सरसज्ज, सिन्धी हुई काश्त, प्रफुल्ल, शिगुपत ।
 शादावी (شادایی) फा स्त्री—हराभरापन, तरोताजगी, प्रफुल्लता, शिगुपतगी ।
 शादिन (شادین) फा पु—मृग-शावक, हिरन का बच्चा ।
 शादियानः (شادیانه) फा पु—बधाई, खुशी के समय बजनेवाला वाजा ।
 शादी (شادی) फा स्त्री—हर्ष, आनंद, विवाह, व्याह ।
 शादीचः (شادیچه) फा पु—ऊपर पहनने का कपडा, उपरना, वालापोश ।
 शादीमर्ग (شادی مرگ) फा वि—वह व्यक्ति जो हर्षाधिक्य के कारण मर जाय ।
 शादुर्वान (شادروان) फा पु—शामियाना; पर्दा, फर्श, छाजन, साइवान ।
 शादीआवाद (شادوآباد) फा वि—जो प्रसन्न भी हो और समृद्ध भी ।
 शादीखुर्रम (شادوخرم) फा वि—प्रसन्न और आनंदित ।
 शान. (شانه) फा पु—कथा, कथा, स्कंध, जुलाहों की राह, जुलाहों की कुँची, एक शस्त्र ।
 शान-कश (شانه کش) फा वि—कथा करनेवाला ।
 शान-कशी (شانه کشی) फा. स्त्री—कथा करना, वालों को कथे से सुलझाना ।

शान-कार (شانه کار) फा. वि.—कंधा बनानेवाला ।
 शानःगर्दानी (شانه گردانی) फा स्त्री—उपेक्षा, वेतवज्जुही ।
 शानःबवान. (شانه بشان) फा वि—कथे से कथा मिलाकर, मिलकर, जुडकर ।
 शानःबहा (شانه بدها) फा पु—बहुत थोडा मूल्य ।
 शान-घी (شانه بیی) फा वि—सगुन विचारनेवाला, यह सगुन बकरी की सींग से लिया जाता है ।
 शानःवीनी (شانه بینی) फा. स्त्री—सगुन विचारना ।
 शानःसर (شانه سر) फा पु—एक पक्षी, हुदहुद ।
 शान (شان) अ. स्त्री—वैभव, विभव, शान-शौकत, प्रताप, इक्वाल, तेज, जलाल, श्रेष्ठता, वुजुर्गी ।
 शानदार (شانداز) अ. फा वि—ठाटदार, उत्तम, बढिया, विगाल, भारी ।
 शानी (شانی) अ वि—शत्रु, वैरी, दुश्मन ।
 शाने नुजूल (شان نزول) अ स्त्री—आने का कारण, उपस्थिति का सबब, किसी आकाशवाणी का कारण, किसी आकाशीय ग्रथ या उसके किसी खंड-विशेष के उतरने का कारण ।
 शानोशौकत (شان وشوکت) अ स्त्री—ठाट-वाट, तडक-भडक, वैभव, विभव, जाहोहशम ।
 शाफः (شافه) अ पु—गुदा में रखने का दवा में भीगा हुआ कपडा आदि ।
 शाफिअः (شافعه) अ स्त्री—सुफारिश करनेवाली स्त्री ।
 शाफिई (شافعی) अ वि—इमाम शाफिई का नाम, इमाम शाफिई का अनुयायी मुसलमान ।
 शाफिअ मुत्लक (شافعی مطلق) अ पु—सच्ची नीरोगिता प्रदान करनेवाला, ईश्वर ।
 शाफी (شافی) अ. वि.—रोगमुक्त करनेवाला, शिफा देने-वाला ।
 शाफे' (شافع) अ. वि—सुफारिश करनेवाला, ईश्वर से सुफारिश करके मोक्ष दिलानेवाला ।
 शाव [व्व] (شاب) अ वि—युवा, तरुण, जवान ।
 शा'व (شعب) अ पु—गर्त, गढ़ा, खोह, कदरा, गुफा, दरार, दर्ज, कुल, खानदान ।
 शा'वदः (شعده) अ पु.—इद्रजाल, जादू, दृष्टिवध, नजर-बंदी, टोना-टोटका, नयी और अनोखी बात, चमत्कार, छल, फरेव ।
 शा'वदःगर (شعده گر) अ फा वि—दृष्टिवधक, मायावी, जादूगर, छली, फरेवी ।
 शा'वदःगरी (شعده گری) अ फा स्त्री—मायाकर्म, इद्रजाल, जादूगरी, छली, फरेव ।
 शा'वदःवाच (شعده سار) अ फा वि—दे. 'शावद गर' ।

गा'बद बाबी (سعدی باوی) का अ स्त्री → गा'बद गरी'।
 गा'बद सज (سعدی سنج) अ फा वि-दे गा'बद गरी'।
 गा'बद सजी (سعدی سستی) अ फा म्ना-दे गा'बद गरी'।
 गा'बदात (سعدی اب) अ पु-गा'बद का बहु, गा'ब'।
 गा'वान (سعدی ان) अ पु-इस्लामी जाटवा महीना।
 गावाग (سعدی اش) फा स्त्री-गावाग काल्पु प्रोत्साहन देने और हिम्मत दानेवाग एक गब्द जो बड़े लोग छोटा क अच्छा काम करने पर कहते ह।
 गावागी (سعدی سی) उ स्त्री-गावाग देना गावाग।
 गाम (سعدی ام) अ पु-एक दग सीरिया।
 गाम (سعدی ام) फा स्त्री-सध्या सायकाल।
 गामगाह (سعدی گاه) फा स्त्री-सायकाल सध्यावेला।
 गामत (سعدی ام) अ स्त्री-अकत्याग नुहंसत दुभाग्य बदकिस्मती फिरने के लच्छन।
 गामते अमल (سعدی عمل) अ स्त्री-कम का खोटापन बुरे कम का बुरा फल।
 गामते आंमाल (سعدی امسال) अ स्त्री-बुरे बर्मां का फल, पापा का नतीजा।
 गामियान (سعدی ان) फा पु-वितान छाया के लिए ताना जानेवाग विगेष कपडा।
 गामिल (سعدی مل) अ वि-सम्मिलित एकत्र एक जगह जगत भावरी सम्बन्धत समुक्त मुक्तहृद भागीदार, साना गरीब सहकारी मददगार।
 गामिले हाल (سعدی حال) अ वि-सम्मिलित गामिल।
 गामी (سعدی می) अ वि-गाम का निवासी गामकी भाषा।
 गामे अबद (سعدی ابد) फा अ स्त्री-वह समय जब सट्टि विलकुल नष्ट जायदा सुबह अजल का उलटा।
 गामे एरीबा (سعدی عربا) फा अ स्त्री-परसिया की गाम परलग की गाम जो बड़ी उन्नत हाती है।
 गामे एनुत (سعدی اوت) फा अ स्त्री-परदस की गाम।
 गामे जवानी (سعدی جوانی) फा स्त्री-मुवावत्या की शाम जहा म मनुष्य पाप के जगत में पाव रखता है।
 गामोवगाह (سعدی وگاہ) फा स्त्री-रात दिन अर्निग, जवान हर समय संग।
 गामोसहर (سعدی شهر) फा अ स्त्री-गामोवगाह'।
 गाम्म (سعدی م) अ स्त्री-ध्राणगिक मूषने की कुञ्जत।
 गाम्गी (سعدی گی) फा वि-गांणी।
 गाम्द (سعدی د) फा वि-नगचिन कगचन स्थान।
 गाम्दोबायद (سعدی د با) फा वि-अनुभूत अनुपम अत्रावागरीब।

शायस्त (سعدی است) फा वि-दे शाइस्त।
 शायस्तगी (سعدی شایستگی) फा स्त्री-दे शाइस्तागी।
 शायी (سعدی ی) फा वि-उचित समुचित, मौजू मुनासिब।
 शायाने गान (سعدی شان) फा अ वि-किसा की हसियत के मुनासिब, जो व्यक्ति जसाहा उसने लिए वसा हा।
 शार (سعدی ار) फा पु-बस्त्र कपडा पगडी, सागी मारी।
 शार (سعدی ار) फा स्त्री-नगर बस्ती सारी साबी (प्रत्येक स्थान ऐसा स्थान जहा एक ही वस्तु प्रचुर हो जस-कोहसार पहाडी स्थान।
 शार (سعدی ار) अ पु-बाल कच, नेग।
 शारक (سعدی ار) फा स्त्री-मना पक्षी सारिका।
 शारमार (سعدی مار) फा पु-अजगर, बडा साप।
 शारसां (سعدی اسان) फा पु-नगर शहर जहा बहुतसा वस्तिवा हा।
 शारिक (سعدی ار) अ वि-भागनेवाला।
 शारिद (سعدی ار) अ वि-चमकनेवाला।
 शारिब (سعدی ار) अ वि-पीनेवाला पापी।
 शारिस्तान (سعدی استان) फा पु-वह बस्ती जिसके चार आर बाग हा।
 शार्लजिन (سعدی لجن) अ पु-हूसराज एक घात जा दवा म चलती है, परसियावगान।
 शारें (سعدی ار) अ वि-इस्लामी गरीबत बनानेवाला अर्थात् हरबत पगबर साहिब, शरीबत का आलिम।
 शारहे (سعدی ار) अ वि-आध्यकार टीकाकार गृह लिखने वाला।
 शालग (سعدی لگ) फा स्त्री-वह व्यक्ति जा किसी भाग हुए (मफूर) ध्वजित की जगह पकडा जाय।
 शाल (سعدی ال) फा स्त्री-एक ऊनी कामदार चादर।
 शालदोब (سعدی دور) फा वि-शाल बनानेवाला।
 शालबाक (سعدی باق) फा वि-दे शालदोब।
 शालहंग (سعدی هنگ) फा पु-अत्याचार कुलम बच रहन छल कपट करेब।
 शाली (سعدی لی) फा पु-धान भूमी सहित चाबूत।
 शाल (سعدی ش) फा पु-मूज प्रसाव पेगाव।
 शाल (سعدی ش) फा पु-दे चाबू' दे गाम।
 शालज (سعدی ج) अ पु-विरण अगु रसिम दार्शनिक मूक आग धूप अचि।
 शालदान (سعدی دان) फा पु-पेगाव करन का बतन रागिया का मूत्रपात्र।
 शालिद (سعدی د) फा वि-नगर बरतवाग।
 शालीद (سعدی د) फा वि-मूता हुआ पगाव किया

हुआ, जा पेशाव कर चुका हो; जिस चीज पर पेशाव किया गया हो।

शाहीदनी (شاهیدنی) फा वि-पेशाव करने के योग्य, जिस पर पेशाव करना उचित हो, त्यक्त और तिरस्कृत वस्तु।

शाहंशह (شاهنشاه) फा वि-'शाहशाह' का लघु, नग्राट, चक्रवर्ती।

शाहंशाही (شاهنشاهی) फा स्त्री-साम्राज्य, शहंशाहियत।
शाहंशाह (شاهنشاه) फा वि-सम्राट, चक्रवर्ती, शाहो के ऊपर बादशाह, जिसके अधीन अन्य राज्य हो।

शाहंशाही (شاهنشاهی) फा स्त्री-साम्राज्य, शहंशाहियत।

शाह (شاه) फा पु-बादशाह, शासक, नरेश, नृप, राजा।

शाहकार (شاهکار) फा पु-किसी कलाकार की सर्वोत्तम कला, अत्युत्तम कृति।

शाहगाम (شاهگام) फा स्त्री-घोड़े की एक चाल।

शाहबाद (شاهرواد) फा पु-युवराज, राजकुमार, शहजादा।

शाहजादगी (شاهروادگی) फा स्त्री-राजकुमारता, युवराजपन, शहजादगी की अवस्था।

शाहतर: (شاهتدر) फा पु-एक घास जो दवा में चलती है।

शाहदर: (شاهدر) फा पु-राजमार्ग, आमरास्ता।

शाहदान: (شاهدانه) फा पु-एक वीज जो दवा में काम आते हैं।

शाहनशी (شاهانسیون) फा स्त्री-वैठने की ऊँची जगह।

शाहनाम: (شاهنامه) फा पु-वह महाकाव्य जिसमें किसी राज्य विशेष के बादशाहों का वर्णन हो।

शाहपर (شاهپر) फा पु-पक्षियों का डैना, जिसमें पर होते हैं।

शाहपसंद (شاهپسند) फा वि-बादशाहों के लाडक जिसे राजा और महाराजा पसंद करे।

शाहवल्लूत (شاهلولوت) फा पु-एक पेड़, जिसे ईसाई पवित्र मानते हैं।

शाहवाज (شاهوار) फा पु-बड़ा वाज, शहवाज, शूर, वीर, योद्धा, बहादुर।

शाहवाजी (شاهمازی) फा स्त्री-वीरता, शूरता, बहादुरी।

शाहवैत (شاهدیت) फा अ स्त्री-नाजल का वह शेर जो सबसे अच्छा हो।

शाहरग (شاهرگ) फा स्त्री-एक बड़ी खून फेकनेवाली रग जो हृदय में जाती है, शहरग।

शाहराह (شاهراه) फा स्त्री-बड़ा रास्ता, राजमार्ग।

शाहवार (شاهوار) फा वि-बादशाहों और राजाओं के योग्य अर्थात् बहुमूल्य।

शाहसवार (شاهسوار) फा वि-घोड़े का बहुत अच्छा सवार, शरीर से शरीर घोड़े पर सवारी करनेवाला।

शाहिक (شاهق) अ वि-उत्तुग, उच्च, श्रेष्ठ, बलद, ऊँचा, प्रासाद, भवन, महल।

शाहिद (شاهد) अ वि-साक्षी, गवाह, नायिका, मा'शूक, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा।

शाहिदपरस्त (شاهدپرست) अ फा वि-दे 'शाहिद-वाज'।

शाहिदवाज (شاهدوار) अ फा वि-सुंदर स्त्रियों का गौकीन, हुस्नपरस्त, रडीवाज, वैश्यागामी।

शाहिदान: (شاهدانه) अ फा वि-मा'शूको-जैसा, नाजो-अदाज और हाव-भावों से भरा हुआ।

शाहिदी (شاهدی) अ वि-साक्षी, गवाही, साक्ष्य, नायिकापन, मा'शूकीयत।

शाहिदीयत (شاهدیت) अ स्त्री-साक्ष्य, गवाही, माशूकीयत, नायिकापन।

शाहिदे आदिल (شاهد عادل) अ वि-सच्चा गवाह, सत्य साक्षी।

शाहिदे गैव (شاهد عیب) अ वि-परोक्ष ज्ञाता, अर्थात् ईश्वर।

शाहिदे बाजारी (شاهد بازاری) अ फा स्त्री-गणिका, रूपजीविनी, पण्यस्त्री, ग्रामनायिका, वैश्या, तवाइफ, रडी।

शाहिदे मन्नसूद (شاهد مقصود) अ वि-मनोकामना, मनोरथ, नायिका रूपी सुंदर मनोरथ।

शाहिदे रोज (شاهد روز) अ फा पु-सूर्य, सूरज।

शाहिदे शब (شاهد شب) अ फा पु-चंद्रमा, राकेश, चाँद।

शाहिदे हाल (شاهد حال) अ वि-घटना का प्रत्यक्ष गवाह।

शाहीं (شاهین) फा पु-श्येन, पालंगक, विहगाराति, बाज पक्षी, तराजू की डडी, तुलादड।

शाहीं हुजद (شاهین دزد) फा पु-डडी मारनेवाला, तोल में अधिक या कम तोलनेवाला।

शाहीं दुस्वी (شاهین دزلی) फा स्त्री-डडी मारना, कम या अधिक तोलना।

शाहीं बच्चा: (شاهین بچه) फा पु-बाज का बच्चा, शूर व्यक्ति का पुत्र, वीरपुत्र।

शाही (شاهی) फा स्त्री-राजकीय, सरकारी, राज से सम्बन्धित, राज्य, सत्ता, हुकूमत; राष्ट्र, सल्तनत।

शाहीन (شاهین) फा पु-दे. 'शाही'।
शाहे छावर (شاه حاور) फा पु-पूर्व का बादशाह अर्थात् सूर्य, सूरज।
शाहे नजफ़ (شاه نجف) अ फा पु-हज़रत अली।

शाह महल (ساحه ساحل) का अ पु -साह की मकिया का वादसाह या सुव ।

शाहे मशिय (شاه معرب) अ फा पु -चद्रमा, चाँद ।

शाहे मथिक (ساحه مسرق) फा अ पु -गुप मूरज ।

शाहे रोज (ساحه روز) फा प -सूय रवि मूरज ।

शाहे ववत (ساحه وقت) फा अ पु -वनमानकालीन गायक मौजूदा समय म राज करनेवाला बादशाह ।

शाहे हिजाज (ساحه حصار) फा अ पु -मक्के और मदीने का गायक हजरत मुहम्मद साहिब ।

शि

शिजार (سجار) अ पु -स्वभाव, आदत व्यवहार तर्ज अमल आचरण चाल चलन ढंग तरीका नियम कायदा चिह्न निशान ।

शिकज (سكندج) फा पु -दवाने और कसने का यत्र काटने के लिए कागज या किताब दवाने का यत्र एक काठ का यत्र जिसम दवाकर सजा दी जाता थी ।

शिकज (سكج) फा स्त्री -बल गिनन सुरीं सिकुडन सिलवट चुन्की चट्टा ।

शिकव (سكند) फा पु -पक्वाशय पेट व भीतर वह यली जिसम जाकर अन्न पक्ता और पक्ता है ।

शिक [कक] (سق) अ स्त्री -पक्ष और तरफ खड टुकड़ा पक्ष बाधा अडचन ।

शिकदार (سندار) अ फा पु -किसा क्षत्र विशेष का पलायिकारी ।

शिकन (سكن) फा स्त्री -पुरीं सिलवट सिकुडन, बल ।

शिकन दर शिकन (سكن در سكن) फा वि -जिसमें बहुते बल हो बहुत जलसा हुआ धुंधरात बाल ।

शिकनिंद (سكندج) फा वि -तोडनवाला भयक भयवता ।

शिकम (شكم) फा पु -उदर काष्ठ उदर पट पक्वाशय आमाशय पाकस्थली मेदा ।

शिकमछार (سكمدارة) फा वि -भूखा क्षुधातुर ।

शिकमपरस्त (سكمدروست) फा वि -उदर पिशाच उदर सबस्य जिसे पट ही सब कुछ हा अपने लिए ही सब कुछ करनेवाला ।

शिकमपरस्ती (سكمدروستی) फा स्त्री -पटपूजा अपने पट का ही सब कुछ समनता ।

शिकमपवर (سكمدورور) फा वि -द शिकमपरस्त ।

शिकमपवरी (سكمدوروی) फा स्त्री -शिकमपरस्ती ।

शिकमपुर (سكمدور) फा वि -जिसका पट भरा हो भाजन तपा, भाजन-सतुष्ट ।

शिकमपुरी (سكمدوری) फा स्त्री -पट भरा हुआ होना, तपित भरी ।

शिकमवद (سكمدلده) फा वि -पेट का वना पटपूजा की चिंता म ही रहनेवाला ।

शिकमउदगी (سكمدلدي) फा स्त्री -पेट का पूजा पेट की ही फिर म रहना ।

शिकमसेर (شكمدستر) फा वि -जिसका पेट भरा हो अकप हुआ भोजनतप्त ।

शिकमसेरी (شكمدستری) फा स्त्री -पेट भरा हाना अकप हाना तपित ।

शिकमी (سکمی) फा वि -पट का भातरी बड पेट वाला ।

शिकमे मादर (سكمد مادر) फा पु -मा का पट मातृपानि ।

शिकर (سکر) फा पु -एक शिकारी चिडिया ।

शिकस्त (سکست) फा वि -टूटा हुआ, भग्न खटित शीष, एक लितावट, घसीट ।

शिकस्त अहद (سکست عهد) फा अ वि -जिमकी प्रतिज्ञा भग हो गयी हो भग्नव्रत भग्नप्रतिप ।

शिकस्त उम्मीद (سکست امید) फा वि -जिसका उम्मीद टूट गयी हो हताश, भगना ।

शिकस्त कमर (سکست کمر) फा वि -जिमकी कमर टूट गयी हा ।

शिकस्त कीमत (سکست قیمت) फा अ वि -जिसके दाम गिर गये हा ।

शिकस्त छातिर (سکست خاطر) फा अ वि -जिसका दिल टूट गया हो भग्नहृदय ।

शिकस्त युहर (سکست ضرور) फा अ वि -जिसका घमड मिट गया हो, गलितगव भग्नदप ।

शिकस्त उबर् (سکست زبان) फा वि -टूटला तातला आ अटव-अटवकर बोल जो शुद्ध भाषा न बाने ।

शिकस्त जोर (سکست زور) फा वि -जिसकी शक्ति टूट गयी हो अघात पट गयी हो नप्यशक्ति हतशक्ति ।

शिकस्त दिल (سکست دل) फा वि -टूटा हुआ मित्र, हताश नाउम्मीद भग्नहृदय, दुःखी, नप्यत्साह, भग्न साहस परतहिम्मत ।

शिकस्त दिली (سکست دلی) फा स्त्री -मित्र टूट जाना उम्मीद नप्य हो जाना साहस टूट जाना दुःखी हाना ।

शिकस्त नबीती (سکست نبوتی) फा वि -घनीत कियने वाला ।

शिकस्त नबीती (سکست نبوتی) फा स्त्री -घसीट लिपना अस्पष्ट लितावट ।

शिकस्तःनाखून (شکسته ناخون) फा. वि.—जिसके नाखून टूट गये हों, उपायहीन, लाचार, वेवस।
 शिकस्तःपर (شکسته بر) फा. वि.—जिसके पर टूट गये हों, निराश्रय, असहाय, भग्नपक्ष।
 शिकस्तःपा (شکسته پا) फा. वि.—जिसके पाँव टूट गये हों; अपाहिज, नि.सहाय, असमर्थ, दीन।
 शिकस्तःपाई (شکسته پائی) फा. स्त्री.—पाँव टूट जाना; अपाहिज हो जाना; लाचार हो जाना।
 शिकस्तःबाजू (شکسته بازو) फा. वि.—जिसकी बांह टूट गयी हो, भग्नबाहु, जिसका बराबर का साथी न रहा हो।
 शिकस्तःवाल (شکسته وال) फा. वि.—दे 'शिकस्त.पर'।
 शिकस्तःरंग (شکسته رنگ) फा. वि.—जिसका रंग मंद पड़ गया हो, मंदवर्ण।
 शिकस्तःहाल (شکسته حال) अ. फा. वि.—जिसकी आर्थिक दशा खराब हो गयी हो।
 शिकस्तःहाली (شکسته حالی) अ. फा. स्त्री.—आर्थिक दशा का खराब हो जाना, गरीबी।
 शिकस्तःहिम्मत (شکسته همت) फा. अ. वि.—जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, हतोत्साह, भग्नसाहस।
 शिकस्त (شکست) फा. स्त्री.—पराजय, पराभव, हार, टूट-फूट, शिकस्तगी।
 शिकस्तकुर्निदः (شکست کورنید) फा. वि.—तोड़नेवाला, भजक।
 शिकस्तखुर्दः (شکست خورد) फा. वि.—हारा हुआ, पराजित, परास्त, पराभूत, विजित।
 शिकस्तखुर्दगी (شکست خوردگی) फा. स्त्री.—हार जाना, पराभव, पराजय।
 शिकस्तगी (شکستگی) फा. स्त्री.—टूटा-फूटा होना; टूट-फूट।
 शिकस्ते अहद (شکستت عهد) फा. अ. स्त्री.—प्रतिज्ञा का टूट जाना।
 शिकस्ते क्रीमत (شکستت قیمت) फा. अ. स्त्री.—दाम गिर जाना, मोल कम हो जाना।
 शिकस्ते ख्वाब (شکست خواب) फा. स्त्री.—नींद उचट जाना, सोते हुए जाग जाना।
 शिकस्ते फ़ावा (شکست فاش) फा. स्त्री.—खुली हुई हार, ऐसी हार जिसमें सदेह न हो, बहुत बुरी और अपमानजनक हार।
 शिकस्ते फाहिश (شکست فاحش) फा. अ. स्त्री.—अपमानजनक हार, बहुत बुरी हार।
 शिकस्ते रंग (شکست رنگ) फा. स्त्री.—रंग का हलका पड़ जाना।

शिकस्ते सख्त (شکست سخت) फा. स्त्री.—दे 'शिकस्ते फाहिश'।
 शिकस्ते रेहत (شکست و ریخت) फा. स्त्री.—गिरना और बनना, मकान आदि का गिर जाना और फिर बनना।
 शिका (شقا) अ. स्त्री.—दुर्भाग्य, बदकिस्मती; कालचक्र, नुहुसत।
 शिकाक (شفاق) अ. पु.—विपरीतता, मुखालफत, शत्रुता, दुश्मनी; वैमनस्य, रजिज।
 शिकायत (شکایت) अ. स्त्री.—चुगली, पिशुनता; निंदा, बुराई; उपालंभ, उलाहना; किसी गलत काम की उसके मालिक या अफसर को सूचना, अनुयोग, परिवाद; रोग, वीमारी।
 शिकायतकुर्ना (شکایت کورنا) अ. फा. वि.—शिकायत करता हुआ, शिकायत करती हुई अवस्था में।
 शिकायतकुर्निदः (شکایت کورنید) अ. फा. वि.—परिवादी, अनुयोगी, शिकायत करनेवाला।
 शिकायतगर (شکایت گور) अ. फा. वि.—शिकायत करनेवाला, अनुयोक्ता।
 शिकायतन (شکایت نام) अ. वि.—शिकायत के रूप में।
 शिकायतनामः (شکایت نامه) अ. फा. पु.—वह पुस्तक जिसमें शिकायतें लिखी जाती हों, परिवाद पुस्तक, कम्प्लैट बुक।
 शिकायतपेशः (شکایت پیشه) अ. फा. वि.—जिसका काम केवल शिकायत करना हो।
 शिकायात (شکایات) अ. स्त्री.—'शिकायत' का बहुं, शिकायते।
 शिकार (شکار) फा. पु.—जगली जानवरो का वध, मृगया, आखेट, अहेर, वह जानवर जो शिकार किया जाय, फँसा हुआ, ग्रस्त, वह व्यक्ति जिसके बातों में फँस जाने से काफी लाभ और प्राप्ति हो।
 शिकारगाह (شکارگاه) फा. स्त्री.—शिकार खेलने की जगह, आखेटस्थल, मृगयावन।
 शिकारवंद (شکار بند) फा. पु.—वह डोर या रस्सी जिसमें शिकार को बाँधे।
 शिकारी (شکاری) फा. वि.—आखेटक, लुब्धक, व्याव।
 शिकारे जौर (شکار حور) फा. अ. पु.—जिस पर बहुत अत्याचार हुआ हो।
 शिकारे तगाफुल (شکار تعافل) फा. अ. पु.—जिसकी ओर से बहुत अधिक बेपरवाई बरती गयी हो।
 शिकारे सितम (شکار ستم) फा. अ. पु.—दे 'शिकारे जौर'।
 शिकाल (شکال) फा. पु.—छल, धोखा, मक्क, फरेव
 शिकूफः (شکوفه) फा. पु.—दे. 'शिकूफः'।

गिकेल (سکيل) का पु—छल, कपट, फरेव।

गिकेब (سکيب) का पु—वय, धीरज सत्र सहनगोलता सहिष्णुता तहम्मूल।

गिकेबा (سکينا) का वि—बार साविर सहिष्णु मुतहम्मिल।

गिकेबाई (سکيناي) का स्त्री—वय धीरज सत्र सहिष्णुता तहम्मूल।

गिकेह (سکوه) का पु—भय, नास, डर, दूसर जय के लिए दे गुकाह'।

गिखाब (سکخاب) अ पु—ताजा निकला हुआ दूध।

गिखार (سکخار) का स्त्री—खार सज्जी।

गिखोलीद (سکخوليد) का वि—कुम्हलाया हुआ, विभ्र पञ्चमुद।

गिगफ (سکوف) का वि—मोटा स्थूल पुष्ट मजबूत बभव गानोगीकत।

गिगाफ (سکاه) का पु—मिच्चाव सितार बजाने का छल्ला जो उँगली में पहनत ह बीषा-नादन।

गिगाफ (سکاف) का पु—दरार दरार दज (प्रत्य) दरार डालनेवाग जैसे—खारगिगाफ पत्थर म दरार डालनेवाला।

गिगाफबद (سکافبد) का वि—जिसम दरार पडी हा दारित।

गिगफिद (سکافيد) का वि—गिगाफ डालनेवाला चीरनेवाला फाटनेवाला।

गिगाफत (سکافت) का वि—दरार पडा हुआ, फटा हुआ विदीण।

गिगाफतनी (سکافتني) का वि—दरार पडन योग्य फटने योग्य।

गिगाल (سکال) का पु—गौदड सियार शृगाल।

गिगिफ्त (سکيفت) का पु—आश्चय अचभा हेरत।

गिगुफ्त (سکيفت) का वि—मुकुलित विकसित खिला हुआ प्रसन्न हृषित मसूर।

गिगुफ्त खातिर (سکيفتخاطر) का अ वि—प्रमप्रचित प्रहृष्ट खुगदिल।

गिगुफ्त खातिरी (سکيفتخاطري) का अ स्त्री—चित्त की प्रमप्रता खुगदिली।

गिगुफ्त तबअ (سکيفتطبع) का अ वि—दे गिगुफ्त खातिर।

गिगुफ्त तबई (سکيفتطبعي) का अ स्त्री—गिगुफ्त खातिर।

गिगुफ्तदिल (سکيفتدل) का वि—प्रमप्रमता प्रफुल्लता।

गिगुफ्त दिली (سکيفتدلي) का स्त्री—मन की प्रमप्रता प्रफुल्लता।

गिगुफ्त पेशानी (سکيفتدلساني) का वि—हैसमुख प्रफुल्लमुख, सुगोल, चाहगोल, खुगअल्लात्र।

गिगुफ्त मिच्चाज (سکيفتدمراج) का अ वि—दे गिगुफ्त खातिर।

गिगुफ्त मिच्चाजी (سکيفتدمراجي) का अ स्त्री—दे गिगुफ्त खातिरी।

गिगुफ्तरू (سکيفتدرو) का वि—हैसमुख, प्रसन्नमुख।

गिगुफ्त रूई (سکيفتدروبي) का स्त्री—मुख की प्रसन्नता मुख प्रमात्।

गिगुफ्त (سکيفت) का स्त्री—विलावट विबाग।

गिगुफ्तगी (سکيفتگي) का स्त्री—विलावट।

गिगूफ (سکوفه) का पु—कली, कलिया गुनच बेल-बूटा, नयी वात अचभे की वात।

गिगूफ कारी (سکوفهکاري) का स्त्री—बेल-बूटे बनान का काम।

गिगूफतरागी (سکوفهتراغي) का स्त्री—नवगोनिगार बेल-बूटे बनाना।

गिगूफएनी (سکوفهتوني) का पु—नयी कली नयी पटना।

गिजाअ (سکخاع) अ वि—वीर, योद्धा, बहादुर, उदू म 'गुजाअ' ही बोलते ह परतु गुद्ध शिजाअ और शजाअ भी ह।

गिजाअन (سکخاعان) अ पु—गुजाअ का बहू, वीर लोग।

गिता (سکنا) अ पु—गरद ऋतु जाडे का मौसिम गीतफाल।

शिताफ्त (سکافت) का वि—दौग हुआ।

गिताब (سکتاب) का वि—शीघ्र जल्द तीव्र तेज (स्त्री) शीघ्रता जल्दी।

शिताबकार (سکتابکار) का वि—जन्दी मचानेवाला जनावला।

गिताबकारी (سکتابکاري) का स्त्री—उतावलापन जन्दी मचाने का काम।

गिताबी (سکتابان) का वि—जल्दी करता हुआ, दीडगा हुआ।

गिताबिद (سکتابيد) का वि—दीडनेवाला।

गिताबी (سکتابي) का स्त्री—गीप्रता तेजी।

गिताबीर (سکتابيد) का वि—शीघ्रता बिया हुआ।

गिताफ्त (سکافت) का पु—टतता गट्टा।

गितुरगू (سکرو) तु पु—एग बाजा।

गिता (سکنا) का स्त्री—तरल का काम।

शिनावर (شناور) फा पु—तैरनेवाला, तैराक।
 शिनावरी (شناوری) फा. स्त्री—तैरने का काम, पैराकी।
 शिनाह (شده) फा स्त्री—तैराकी, पैरने का काम।
 शिन्स: (شسوسه) फा पु—छीक।
 शिपिशा (شدهش) फा. स्त्री—जूं, बालो में पडनेवाला कीडा, दे. 'शुपुश' और 'शपुश', तीनों शुद्ध है।
 शिलीद: (شلهیده) फा वि.—निचोडा हुआ।
 शिफा (شفا) अ स्त्री—रोगमुक्ति, रोग के बाद स्वास्थ्य।
 शिफाए कामिल (شفاة کامل) अ. स्त्री—पूरे तौर से रोग-मुक्ति।
 शिफाखान: (شفاحانه) अ फा पु—हृणालय, चिकित्सालय, अस्पताल।
 शिफाखवाह (شفاخواه) अ फा वि—रोगमुक्ति का इच्छुक।
 शिफागाह (شفگاه) अ फा स्त्री—रोगमुक्त होने का स्थान, स्वास्थ्य-सदन।
 शिफायब (شفایاب) अ फा. वि—जिसने मरज से छुट-कारा पा लिया हो, रोगमुक्त।
 शिफायबी (شفايایی) अ. फा. स्त्री—रोग से छुटकारा पा जाना, रोगमुक्ति।
 शिफाह (شفاه) अ पु—'शफत' का बहु, होठ।
 शिव [شب] (شب) अ. स्त्री—'फिटकरी', दे. 'शब', दोनो शुद्ध है।
 शिवह (شبهه) अ. वि.—समान, तुल्य, सदृश, मिसल, दे 'शिवह', दोनो शुद्ध है।
 शिवित (شیت) अ पु.—एक प्रसिद्ध साग, सोया।
 शिल्क (شک) अ पु—चरखे का तकला, तकले की टिकली।
 शिन्न (شبر) अ स्त्री—वारह अगुल की नाप, वित्ती, बालिशत, वित्तिस्त।
 शिन्ल (شئل) अ पु—व्याघ्र-शावक, शेर का वच्चा।
 शिल्लो (شلی) अ पु—एक बहुत बड़े मुसलमान महात्मा।
 शिव्ह (شدهه) अ वि—दे 'शिवह', दोनो शुद्ध है।
 शिम: (شمة) फा स्त्री—मलाई, बालाई, क्षीरसार।
 शिमाल (شمال) अ पु—उत्तर, उदीची, शुमाल भी प्रचलित।
 शिमालख्य: (شمال رویه) अ. फा. वि—जिसका मुंह उत्तर की ओर हो।
 शिमाली (شمالی) अ. वि—उत्तरीय, उत्तर का।
 शिम्म: (شمة) अ. पु.—दे शुद्ध उच्चारण 'शम्म', यह उच्चारण अशुद्ध है।
 शिन्न (شبر) अ. पु.—हज़रत इमाम हुनैन के शहीद करने-

वाले का नाम।

शिमशाद (شمسداد) फा पु—दे. 'शमशाद', दोनों शुद्ध है, परतु उर्दू में 'शमशाद' ही बोलते हैं, एक सुन्दर वृक्ष जिससे माशूक के कद की उपमा देते हैं।
 शियम (شیم) अ स्त्री—'शीम' का बहु, स्वभाव, आदते।
 शियाफ (شیاف) अ. पु—'शाफ' का बहु, परतु एकवचन में व्यवहृत है, जौ के आकार की एक बटी जो आंखों में घिस-कर लगाते हैं।
 शिरा (شیرا) अ पु.—मोल लेना, क्रयण; बेचना, विक्रयण।
 शिराअ (شیراع) अ पु—नाव का पाल, वादवान, मरुत्पट।
 शिराक (شیرای) अ पु—चप्पल, जूते या खडाऊँ की डोरी।
 शिराके ना'लैन (شیرای نعلین) अ पु—जोतो का तस्मा।
 शिर्क (شیرک) अ. पु—ईश्वरत्व में ईश्वर के सिवा और को भी सम्मिलित करना, अनेकेश्वरवादी होना।
 शिर्कत (شیرکت) अ स्त्री—सम्मिलन, शुमूल, सहयोग, तथाबुन, साझा, भागीदारी।
 शिर्कतनाम: (شیرکت نامه) अ फा पु—साझेदारी का लिखित पत्र, भागपत्र।
 शिर्कते गम (شیرکت عم) अ स्त्री—दु ख में शरीक होना।
 शिर्के खफी (شیرک خفی) अ पु—ऐसा शिर्क जो देखने में शिर्क न जान पड़े।
 शिर्के जली (شیرک حلی) अ पु—ऐसा शिर्क जो स्पष्ट रूप में शिर्क हो, जैसे—मूर्तिपूजा।
 शिर्यान (شیریان) अ स्त्री—वह रग जिसमें शुद्ध रक्त और प्राणवायु बहता है, शिरा, नाडी।
 शिरवान (شیروان) फा. पु—ईरान का एक नगर।
 शिरवानी (شیروانی) फा वि—शिरवान का निवासी, शिरवान से सम्बन्ध रखनेवाला।
 शिल्लिक (شلیک) तु. पु.—बहुत-सी बंदूको या तोपी का एक साथ दगना, वाद।
 शिवा (شوا) फा वि—भुना हुआ, भूष्ट।
 शिहाव (شهاب) अ पु—उज्ज्वल और चमकदार तारा; अग्निज्वाला, टूटनेवाला तारा, उल्का।
 शिहावेसाफिव (شهاب ثاقب) अ. पु—टूटनेवाला तारा, उल्का।
 शिह्न: (شحنه) अ पु.—कोतवाल, गद्द की कोतवाली का निरीक्षक और मचालक।
 शिहन्गी (شحنگی) अ. फा स्त्री—कोतवाल का पद, कोतवाल का काम, कोतवाली।

श्री

- ग्रीक (سعد) अ पु—मुसलमाना का एक सम्प्रदाय जो हज्रत अली के अतिरिक्त चाक्री खलीफाओं को नहीं मानता।
- ग्रीई (سعی) अ वि—ग्रीक सम्प्रदाय का व्यक्ति ग्रीक।
- ग्रीदी (سیدی) अ पु—हंगी हुवा का रहनेवाला।
- ग्रीम (شیم) अ स्त्री—प्रकृति स्वभाव आन्तः।
- ग्रीम (شم) अ स्त्री—नीरी मछली।
- ग्रीरदाज (شورادار) अ पु—मनुष्य या पशु का स्तन जिसमें दूध भरा हो।
- ग्रीर (سدر) अ पु—पत्रा का निचागा हुआ रस दवाआ का पीसकर निकाला हुआ रस गकर की चाशनी।
- ग्रीर (سدر) अ पु—दूध क्षार दुग्ध पेड या पत्ता का दूध की गवळ का रस।
- ग्रीरजदाज (شورادار) अ पु—द शारदाज।
- ग्रीरअफदा (شورافدا) अ वि—दूध बनानेवाग यह आपधि जिसका सेवन म दूध अधिक उत्पन्न हो क्षारबद्धक।
- ग्रीरछान (شورخانه) अ पु—मनुष्याला मरिखालय शराब खाना दुग्धालय, पयशाला।
- ग्रीरछिन्न (شورخش) अ स्त्री—एक गाँव जो दवा के काम आता और अच्छा रेशक है।
- ग्रीरखुर्मा (شورخرما) अ पु—दूध में भागे हुए छूहारे।
- ग्रीरखवार (شورخوار) अ वि—दूध पीनेवाला गिगु स्तनपायी।
- ग्रीरखवार (شورخوار) अ वि—दुग्धमूहा स्तनपायी।
- ग्रीरखवारगी (شورखوارگی) अ स्त्री—बच्चे की दूध पीने की आपु।
- ग्रीरगम (شورگرم) अ वि—गुनगुना नामगम कटुण्ण।
- ग्रीरदान (شورदान) अ पु—दूध देनेवाला पशु का दूध की थली एन दूध रखने का बरतन दुग्धपात्र।
- ग्रीरफरोग (شورفروس) अ वि—दूध बेचनवाला।
- ग्रीरबा (شوربا) अ स्त्री—दार गारबिरज।
- ग्रीरबिरज (شوربرج) अ स्त्री—दूध में पके हुए चावल क्षार।
- ग्रीरमस्त (شورمست) अ वि—गुल्लें करनेवाग अच्छा।
- ग्रीरमाज (شورمال) अ स्त्री—एक रोगनी राग जा दूध में आटा भूँसकर बनता है।
- ग्रीराज (شوراج) अ पु—गान्त का दाना मगमाय खगमाय का ग्रीर।

- ग्रीराज (شوراج) अ पु—क्रम तर्क, विचार को जब बदी सघटन तर्कम—'ग्रीराज खल गया है चमन की किताब का।'
- ग्रीराजबदी (شوراجبندی) अ स्त्री—सघटन तर्कम, पुस्तक की खूबबनी।
- ग्रीराज (شوراج) अ पु—ईरान का एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर जहाँ बहुत बड़े-बड़े कवि हुए हैं हाफिज और सादी वहाँ के सर्वोत्तम कवि हैं।
- ग्रीरी (شورری) अ वि—मधुर मोठा, सरस बानस, इतिहास प्रसिद्ध फरहाद की प्रियसी।
- ग्रीरीअदा (شورریادا) अ वि—जिसकी आण लि लुभानेवाली हो।
- ग्रीरीअदाइ (شورریادائی) अ स्त्री—अग्रा का दिल को लुभाना।
- ग्रीरीकिलाम (شورریکلام) अ वि—'ग्रीराजवाँ।
- ग्रीरीकिलामी (شورریکلامی) अ स्त्री—'गार खवानी'।
- ग्रीरीकार (شورریکار) अ वि—ग्रीरोअग शिष्ट सम्प पुरमवाक विनाग।
- ग्रीरीगुस्तार (شورریگستار) अ वि—'ग्रीरीजवाँ।
- ग्रीरीगुस्तारी (شورریگستاری) अ स्त्री—'दे ग्रीरी खवानी'।
- ग्रीरीजवाँ (شورریجان) अ वि—जिसकी बातचीत में मिठास और रस हो प्रियवद मधुरभाषी भजुषी।
- ग्रीरीजवानी (شورریجوانی) अ स्त्री—बातचीत की मिठास।
- ग्रीरीवहाँ (شورریدهان) अ वि—'गारीजवाँ।
- ग्रीरीवहानी (شورریدهانی) अ स्त्री—'दे ग्रीरी खवानी'।
- ग्रीरीदहन (شورریدهن) अ वि—'ग्रीरीजवाँ।
- ग्रीरीदहनी (شورریدهنی) अ स्त्री—'ग्रीरीजवानी।
- ग्रीरीनफम (شوررینفس) अ अ वि—'शाराजवाँ।
- ग्रीरीनफसी (شوررینفسی) अ अ स्त्री—'ग्रीरी खवानी'।
- ग्रीरीमकाल (شورریمقال) अ अ वि—'ग्रीराजवाँ।
- ग्रीरीमकाली (شورریمقالی) अ अ स्त्री—'ग्रीरी खवानी'।
- ग्रीरीलय (شورریلای) अ वि—जिसके हाठ मोठे हैं अर्थात् नायिका।
- ग्रीरीलबी (شورریلبی) अ स्त्री—हाँडों की मिठास, नायिकापन।

शौरासुखन (شیریں سخن) फा. वि-दे 'शीरीजवाँ' ।

शौरासुखनी (شیریں سخن) फा. स्त्री-दे. 'शीरी-जवानो' ।

शौराहरकात (شیریں حرکات) फा अ.वि-दे. 'शीरीअदा' ।

शौराहरकाती (شیریں حرکاتی) फा. अ. स्त्री-दे. 'शीरी-अदाई' ।

शौरोनक (शिरिन्क) फा. पु-मुहासा ।

शौराणिए गुफतार (شیرینگی گفتار) फा स्त्री-वातचीत की मिठास, वातालाप का रस ।

शौराणिए तकीर (شیرینگی تقریر) फा अ स्त्री-दे. 'शीरी-णिए गुफतार' ।

शौराणिए लव (شیرینگی لب) फा स्त्री-अवरामृत, होठो की मिठास ।

शौराणिए सुखन (شیرینگی سخن) फा स्त्री-दे 'शीरीणिए गुफतार' ।

शौराणी (शिरिणी) फा स्त्री-मिठास, माधुर्य, घुलावट; मिठाई, मिष्टान्न ।

शारे गर्म (शिरि گرم) फा पु-गर्म दूध ।

शारे ज़फूम (शिरि زقوم) फा. अ पु-थूहड का दूध ।

शारे मादर (शिरि مادر) फा पु-माँ का दूध, मातृक्षीर ।

शारे मुर्र (शिरि مرغ) फा पु-ऐसी चीज जिसका मिलना अगम्य हो ।

शारे लुआब (शिरि لعاب) फा अ पुं.-मधु, शहद ।

शारो शकर (शिरि شکر) फा. वि-बहुत अधिक मेलजोल, पनिष्ठता, धनिष्ठ, बहुत मेली ।

शोश. (शिश) फा पु-काँच, कंच, वोतल, दर्पण, आँसू, काँच की बहुत बारीक सुराही-जैसी बड़े पेट और तग मुँह की वोतल जो पहले चलती थी, शराव और गुलाबजल भरने के काम आती थी ।

शोशगर (शिश) फा वि-काँच का सामान बनाने-माला, शीसगर ।

शोशगरी (शिश) फा स्त्री-काँच का सामान बनाना ।

शोशजाँ (शिश) फा वि-दे 'शोशदिल' ।

शोशदिल (शिश) फा वि-जिनका दिल बहुत ही नाजुक हो ।

शोशचाब (शिश) फा वि.-धूतं, छत्री, मक्कार, मगरी, बाजीगर ।

शोशचाजी (शिश) फा स्त्री.-तूतता, चालाकी, मगरी का नाल, बाजीगरी ।

शोशाए दिल (शिश) फा. पु.-शोश की तरह मट्टा ही

शौ नाजुक दिल ।

शोशाए मै (शिश) फा. पु-शराव की वोतल ।

शोशाए साअत (शिश) फा अ. पु-वालू की घडी ।

शोशाक (शिश) फा पु-चार तार की वीणा या रवाव; साल भर का बकरा या बकरी ।

शोस (शिश) अ. पु-एक पैगम्बर ।

शोह: (शिश) फा. पुं-घोडे की हिनहिनाहट ।

शोहए अस्प (शिश) फा पु-घोडे की हिनहिनाहट ।

शु

शुअरा (شعرا) अ पु-'गाइर' का बहु, शाइर लोग, कविगण ।

शुआअ (شعاع) अ स्त्री-रश्मि, मयूख, दीधिति, अशु, किरण, ज्योति, प्रकाश, आलोक, नूर ।

शुआई (شعاعی) अ वि-किरणो का, किरणों से सम्बन्धित ।

शुआए माह (شعاع ماه) अ फा स्त्री-ज्योत्स्ना, चाँदनी; चद्रकिरण, चाँद की किरण ।

शुआए मेह (شعاع مہر) अ फा स्त्री.-सूरज की किरण, सूर्यरश्मि, अर्चि; आतप, बूप ।

शुऊब (شعوب) अ पु-'शा'व' का बहु, गढे, गार; कदराएँ, गुफाएँ ।

शुऊर (شعور) अ पु-सज्ञा, होश, विवेक, समझ, अच्छे वुरे की पहचान; शिष्टता, सलीक, सम्यता, तमीज, जानकारी, वाकिफीयत ।

शुऐव (شعیب) अ पु-एक पैगम्बर ।

शुकूक (شقوق) अ. पु-विपादिका, विवाड, पाँव फटने का रोग, 'शक' का बहु, दरारें, दरारे, शिगाफ ।

शुकूक (شکوک) अ पु-'शक' का बहु, जकाएँ, शुक्हात ।

शुकोह (شکوه) फा स्त्री-शानोगीह्त, रोबदाव, करीफर ।

शुकोहे अलफाज (شکوه الفاظ) फा अ स्त्री-लेख में भारी-भारी शब्दों का प्रयोग, शब्दाडवर, उत्कण्ठिता ।

शुक (شک) अ पु-पना, कागज का टुकड़ा, पत्र, रत्न, चिट्ठी, आदेशपत्र, हुकमनामा ।

शुक (شکر) अ पु-कृतजता, शुगगुजारी, धन्यवाद, शुक्रिय ।

शुक्रगुजार (شکرگزار) अ फा. वि.-शुक्र, आभारी, नमून ।

शुक्रगुजारी (شکرگزار) अ.फा स्त्री-शुक्रजता, शुक्रनीयत ।

शुक्र (شکر) अ स्त्री—लालिमा लिये हुए पीला रंग, लालिमा लिये हुए काला रंग।
 शुक्रान (شکران) अ फा पु—किसी काम की सफलता पर प्रयास करनेवाले को सम्मानाद्य दिया जानेवाला धन, शुक्रिया।
 शुक्रिय (شکریه) अ पु—धनवाद, एक शब्द जो कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बोलते हैं शकस।
 शुक्रिय (شکریه) अ पु—दे शुक्रिय, उद् म वही प्रचलित है, यद्यपि शुद्ध यही है।
 शुक्रे नेमत (شکر نعمت) अ पु—उपकार और प्रदान जादि का शुक्रिय।
 शुगून (شگون) फा पु—शुगून शकुन।
 शुगुल (شعل) अ पु—दे शुगुल या गगल, वही प्रचलित है परतु शुद्ध यह भी है।
 शुगून (شگون) फा पु—शकुन, फाल।
 शुगुल (شعل) अ पु—काम में लगना, मसूफियत, व्यवसाय घधा, काम मशगल।
 शुगुले बाद (شعل باد) अ फा पु—शराब पीने का मशगल।
 शुगुले म (شعل ميه) अ फा पु—दे शुगुलेवाद।
 शुजाअ (شجاع) अ वि—वीर, दूर याददा बहादुर।
 शुजाअान (شجاعان) अ फा वि—वीरो जमा बहादुरो जसा वीरतापूर्ण बहादुरी का।
 शुतुर (شتر) फा पु—उष्ट्र बेमिल ऊँ।
 शुतुरअदाम (شتر ادم) फा वि—ऊँट-जमे लम्ब डील डौल का उष्ट्राग।
 शुतुरअराब (شتر ارب) फा पु—ऊँटयाटी उष्ट्रयान।
 शुतुरकौन (شتر کينه) फा पु—बह यक्ति जो दिल में द्वेष रखता है और बरगो भी न भूँता है।
 शुतुरखान (شتر خان) फा पु—ऊँट रहने का स्थान उष्ट्र धाल।
 शुतुरखार (شتر خار) फा पु—एक झाड़ी जिसमें काटे होने ह और ऊँट बहुत खाता है ऊँटकारा।
 शुतुरखम्ब (شتر عمود) फा अ पु—व्यय का तवरता वृत्तये क हाव भाव।
 शुतुरगाव (شتر گاو) फा पु—ऊँट की आकृति की एक गाय।
 शुतुरगुव (شتر گویه) फा पु—नाव्य का एक दाव जिगमें चढ़ी एक वचन हो और उसी के लिए दूसरी जगह बहुवचन।
 शुतुरदिल (شتر دل) फा वि—डरपौन शुन्दिला भीष बुद्धिलि।

शुतुरदिली (شتر دلی) फा स्त्री—डरपोकपन, भीष्टा, बुद्धदिली।
 शुतुरनाल (شتر نال) तु स्त्री—एक ताप जो ऊँट पर लादी जाती थी।
 शुतुरपा (شتر پا) फा वि—ऊँट-असे पाववाला, उष्ट्र पद, सूरजमुखी का फूल।
 शुतुरबान (شتر بان) फा वि—ऊँटपालनवाला उष्ट्रपाल।
 शुतुरमुष्ट (شتر موش) फा पु—एक बहुत बड़ा पक्षी जो अफ्रीका में होता है उष्ट्र पक्षी।
 शुतुरसवार (شتر سوار) फा वि—ऊँट पर चढ़नवाला।
 शुतुरे बेमिहार (شتر بيمهار) फा पु—बे नवेल का ऊँट अथात स्वेच्छाचारी निरकुश सुदराय।
 शुतुलुम (شتر لوم) अ पु—अत्याचार अयाय गुम।
 शुद शुद (شتر سوسده) फा वि—गन शन, धीरे धीरे एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे की इसी तरह आग।
 शुदनी (شتر سدنی) फा स्त्री—हानहार होना, अवश्यभावी, भवितव्य दुनिवाय।
 शुदयार (شتر سدیار) फा स्त्री—जोती हुई तयार जमीन।
 शुनअत (شتر سعت) अ स्त्री—बदी, बुराई।
 शुकार (شتر سکار) अ पु—एक शिकारी चिड़िया।
 शुपुग (شتر شش) फा स्त्री—बालों में पडनवाला बीज जू लोमयूक वारवीट स्वेज।
 शुफअ (شتر سفعة) अ पु—पडोस के मवान या जमीन पर विकते समय होनेवाला हव हक्के हममायपी।
 शुफआ (شتر سعا) अ पु—शफीअ का वह सुफारिण करने वाले।
 शुवान (شتر سوان) अ पु—भड-बनरी चरानेवाला गरिया अजाजीवी मेपपाल।
 शुव्यान (شتر سوان) अ पु—शव का बहु, जवान लोग।
 शुवाव (شتر سوان) अ पु—गाव का बहु जवान लोग।
 शुवह (شتر سهه) अ पु—आसका सदेह शका शव भ्रम, बहम।
 शुवहात (شتر سهات) अ पु—शुवह का बहु, शकाए शुवह।
 शुमार (شتر سماره) फा पु—गिनती शुमार नबर सख्या।
 शुमार (شتر سمار) फा पु—गिनती, गिनता अन्, सख्या, हिसाब गिनती जोर मोजान।
 शुमारकुनिद (شتر سمار کونيد) फा वि—गिननेवांग हिस्साव लगानवाला, गणक।
 शुमारिद (شتر سماريد) फा वि—शुमार करनेवाला, गिनन वाला हिस्साव लगानवाला।

शुमारी (شمارى) फा. प्रत्य-शुमार करने का काम, जैसे—'मदुमशुमारी' जनगणना।
 शुमुदः (شورده) फा. वि-गणित, गिना हुआ।
 शुमुदनी (شورذنى) फा. वि-गिनने के योग्य; हिसाब लगाने के योग्य; जोड़ने के योग्य।
 शुमुअ (شروع) अ. स्त्री-‘शुमअ’ का बहु, शुमएँ, दिए, चिराग।
 शुमुम (شوموم) अ स्त्री-सूँघने की चीज।
 शुमूल (شورول) अ स्त्री-समिलन, शामिल होना।
 शुमूलीयत (شوروليت) अ स्त्री-दे ‘शुमूल’।
 शुमुस (شوروس) अ पु-‘शुम्स’ का बहु, बहुत-से सूरज, बहुत-सी किरणे।
 शुमुअ (شروع) अ पु-प्रकटन होना जाहिर होना, सवमे फलना, प्रसार।
 शुमुख (شوروخ) अ पु-‘शुख’ का बहु., बूढ़े लोग, अपने गोत्र के बड़े लोग।
 शुमुका (شوركا) अ पु-‘शरीक’ का बहु, साझेदार लोग; किसी काम के करने में शामिल लोग।
 शुमुकाए कार (شوركاه كار) अ फा पु-किसी काम के करने में शरीक, किसी काम में परस्पर एक दूसरे के सहायक।
 शुमुकाए तिजारत (شوركاه تجارث) अ.पु.-व्यवसाय के भागीदार।
 शुमुफा (شورفا) अ पु-‘शरीफ’ का बहु; कुलीन लोग; सज्जन लोग।
 शुमुफाए वक़्त (شورفاه وقت) अ पु-अपने समय के प्रतिष्ठित लोग।
 शुमुफाए शह्र (شورفاه شهر) अ फा पु-नगर के प्रतिष्ठित और सम्मानित लोग।
 शुमुफाए ज़माँ (شورفاه زمان) अ फा पु-शुमुफाए वक़्त, अपने समय के प्रतिष्ठित जन।
 शुमुअ (شروع) अ वि-प्रारम्भ, अनुष्ठान, इन्तिदा, आगाज, आदि, शुरुआत।
 शुमुआत (شوروعاب) अ स्त्री-आरम्भ, आगाज।
 शुमुए कार (شوروع كار) अ फा पु-काम की शुरुआत, अनुष्ठान।
 शुमुए शवाव (شوروع شهاب) अ पु.-युवावस्था का प्रारम्भ-काल, यौवनारम्भ।
 शुमुक (شوروق) अ.पु.-आगा, प्रकाश, रौगनी; सूर्योदय, सूरज का उदय।
 शुमुत (شوروط) अ स्त्री-‘शुत’ का बहु, दातें।
 शुमुदर (شورودر) अ पु.-‘शर’ का बहु, शरगन्ते।

शुरूह (شوروح) अ स्त्री-‘शरह’ का बहु, शर्ह, टीकाएँ।
 शुर्तः (شورطه) अ.पु-पुलिस का आदमी, आरक्षी; चिह्न, निशान, नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।
 शुर्त (شورط) अ पु.-नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।
 शुर्फः (شورفه) फा. पु.-कँगूरा, मंडप।
 शुर्व (شورب) अ पु-पीना, पान, शराब पीना, मद्यपान।
 शुर्वलयहूद (شورباليهود) अ पु-सबसे छिपाकर शराब पीना।
 शुर्व मुदाम (شورب مدام) अ पु.-शराब पीना, मद्यपान; हमेशा शराब पीना।
 शुलः (شورله) फा.पु-एक प्रकार का खाना जिसमें चावल गोश्त में हरीसे की तरह पकाये जाते हैं, पुलाव।
 शुल (شورل) फा पु-एक फल, वेल, बेलुआ।
 शुल्लः (شورله) फा. स्त्री-भग, योनि, मासिक रक्त का लत्ता, गली में गद्दी चीजे और कूड़ा डालने का स्थान।
 शुवाज़ (شورواظ) अ पु-अग्नि, वह्नि, आग; अग्निज्वाला, अग्निशिखा, लपट।
 शुवात (شوروات) फा पु-चक्रवा पक्षी, सुखीव।
 शुश (شورش) फा पु-फेफडा, फुफ्फुस, क्लोम।
 शुस्तः (شورسته) फा. वि-माजित, शुद्ध, धुला हुआ, स्वच्छ, साफ, सम्य, शिष्ट, बातमीज, शिक्षित, पढा-लिखा, सस्कृत, मुजल्ला, सज्जन, शरीफ।
 शुस्त ओ रूपतः (شورسته و رفتنه) फा वि-स्वच्छ और शुद्ध, पाक और साफ।
 शुस्तःरु (شورسته رو) फा वि-मुँह धोये हुए।
 शुस्त (شورسب) फा. स्त्री-धुलाई, सफाई।
 शुस्तगी (شورسنگی) फा स्त्री-शुद्धता, सफाई, सम्यता, तहजीव, शिक्षित होना, सज्जनता।
 शुस्तो शू (شورسته و شور) फा स्त्री-धुलाई, मँजाई, सफाई।
 शुहुव (شورهب) अ पुं-‘शहाव’ का बहु, टूटनेवाले तारे, उल्कागण।
 शुहुद (شورهد) अ पु-‘शाहिद’ का बहु, माक्षिगण, गवाह लोग, उपस्थिति, मौजूदगी, प्रत्यक्षता, आमना-सामना।
 शुहूर (شورهور) अ पु-‘शह्र’ का बहु, महीने,।
 शुह्र (شوربر) अ पु-व्याति, प्रसिद्धि, शुह्रत, कीर्ति, नामवनी, यश, फँज।
 शुह्र आफ़ाक (شوربره افق) अ. वि-जो नारे सगर में प्रसिद्ध हो, विषयविस्तार।
 शुह्र:वर (شوربره و در) अ फा वि-व्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध, विस्तार, मगहूर।

गुह्य अनाम (سهره انام) अ वि-दे 'गुह्य आफक'।
गुह्य आकाक (سهره اكاك) अ वि-विश्व विख्यात,
जगत्प्रसिद्ध।

गुह्यत (سهرت) अ स्त्री-प्रसिद्धि, ख्याति शूह, कीर्ति
यस नामवती किसी विशेष काम या कला में प्रवीणता
और हस्त कौशल की प्रसिद्धि।

गुह्यततलब (سهرت طلب) अ वि-अपनी कीर्ति और यश
की कयाएँ दूसरों तक पहुँचाने का अभिलाषी।

गुह्यततलबी (سهرت طلبی) अ स्त्री-अपनी प्रसिद्धि
और ख्याति की चाह।

गुह्यतपरस्त (سهرت پرست) अ फा वि-गुह्यत का भूषा
अपनी नामवती की चर्चा सुनने के लिए उत्कण्ठि।

गुह्यतपरस्ती (سهرت پرستی) अ फा स्त्री-अपनी कीर्ति
गान सुनने की उत्कण्ठा।

गुह्यतपसद (سهرت پسند) अ फा वि-जो चाहता है
कि उसका यशमान सब में हो।

गुह्यतपसदी (سهرت پسندی) अ फा स्त्री-अपने यश
गान को सर्वमें फजने की छालसा।

गुह्यतयाफत (سهرت یافت) अ फा वि-प्रसिद्ध, माहूर
ख्यातिप्राप्त।

गुह्यतयाब (سهرت یافت) अ फा वि-ख्यातिप्राप्त प्रसिद्ध।

शू

शू (شو) फा पु-मल कुचल मल गदगी।

शूखी (شوخ) फा वि-मला गदा मलिन।

शूलीड (شولیڈ) फा पु-बलोंकी प्याज का बीज।

शूम (شوم) फा वि-अशुभ अनिष्टकर मनहूस,
अव-यागहर तामुवारक दृषण मखलीबम।

शूमजम (شوم جم) फा अ वि-जिमका आगमन
अनिष्टकर हो।

शूमताले (شوم طالع) फा अ वि-हृत्भाय्य भाग्यहीन
बलकिस्मत।

शूमिए आभाक (شومی ابدال) फा अ स्त्री-बसों की
निदृष्टता पापाचार।

शूमिए किस्मत (شومی قسمت) फा अ स्त्री-भाग्य की
निदृष्टता भाग्य का छोटापा।

शूमिए तारी (شومی تار) फा अ स्त्री-शूमिए
किस्मत।

शूमिए ताले (شومی طالع) फा अ स्त्री-शूमिए
किस्मत।

शूमिए बाल (شومی بخت) फा स्त्री-शूमिए
किस्मत।

शूमो (شومی) फा वि-अनिष्ट अशुभ, अवस्थाण, मुहसत,
दृषणता, कजूसी, खोट बुराई।

शूरा (شور) अ पु-परामश, सलाह विचार विनिमय,
तबादलए खयालात हिलापदेश, नसीहत।

शूरागाह (شورگاه) अ फा स्त्री-आपस में परामश करने
का स्थान, मन्थपालय, प्रेमागार।

शो

शोखी (شوخی) पु स्त्री-भाग्य, लाक हेक्की, गान,
दे शकी।

शोयत (شولت) फा वि-शुभ, आसक्त आसिक्।

शोयती (شویستی) फा स्त्री-शोय, आसक्ति क्रिपेयण

शोब (شوب) फा वि-निचाई निगेद।

शोरदाम (شور دام) फा वि-वह व्यक्ति जो शर के छार
का हों, वह व्यक्ति जिसका सीना चौड़ा, बमर पतली औ
साहसी हो।

शोर (شور) अ पु-शे मियो का समाहार, बत।

शोर (شور) फा पु-व्याघ्र, सिंह पशुवन केसरी बाघ

शोरअदाम (شور ادم) फा वि-दे शोरदाम।

शोरअकण (شور اکن) फा वि-शेर को परास्त करने
वाला व्याघ्रविजेता।

शोरजागोब (شور جاغوب) अ फा वि-वह पद्य जिसमें
वाक्यबली की अनाडिया के हाथों दुर्गति का बणन हो।

शोरखी (شورخوان) अ फा वि-शेर पढ़नेवाला।

शोरखानी (شورخوانی) अ फा स्त्री-शेर पढ़ना एक
जगह बठकर परस्पर शेर सुनना-सुनाना।

शोरगार (شور گار) फा वि-आ व्यक्ति अधिन शराब
पीकर भी बहोश न हो प्रतिष्ठित व्यक्ति, मनेमत्त,
मस्त।

शोरगी (شورگو) अ फा वि-शेर बहनेवाला बकि
शाइर।

शोरगी (شورگو) अ फा स्त्री-शेर बहना, बकिता
करना।

शोरहरी (شورहर) फा वि-जिमका मुँह शेर-जगा है,
व्याघ्रमुग।

शोरहिल (شوریل) फा वि-जिमका रूप शेर-जगा बीज
हो बड़ा बड़ा वीर।

शोरहम (شورهم) अ वि-शेर क मुग-गार हमसने
बाग रण शूर्य काय्य ममत्त।

शोरहमी (شورهمی) अ स्त्री-शेर कागना, काय्य
ममत्ता काय्य निगुता।

शेरबच: (شیربچہ) फा. पु.—शेर का बच्चा, सिंह-शावक।
 शेरमर्द (شیرمرد) फा. वि.—शेर-जैसे दिल गुर्दे का मनुष्य, दुख-केसरी।
 शेरमाही (شیرماهی) फा. स्त्री.—एक बहुत बड़ी मछली।
 शेरसवार (شیرسوار) फा. वि.—शेर पर चढ़नेवाला, सिंहवाहन, सिंहयान।
 शेरान: (شیران) फा. वि.—शेरो-जैसा; वीरो-जैसा, वीरो-चित।
 शेरो (شعری) अ. वि.—शे'र का, काव्य का; काव्य-सम्बन्धी।
 शेरीपत (شعریات) अ. स्त्री.—शे'रपन, काव्यकला का रस।
 शेरे आवी (شیر آبی) फा. पुं.—पानी का शेर, जलव्याघ्र।
 शेरे कालीं (شیر قالیں) फा. पुं.—कालीन पर बना हुआ शेर जो कोई अनिष्ट नहीं कर सकता।
 शेरे खुदा (شیر خدا) फा. पु.—हजरत अली की उपाधि, असदुल्लाह।
 शेरे खुशक (شعر خشک) अ. फा. पु.—ऐसा शे'र जिसमें कोई रस न हो।
 शेरे चियां (شیر چیاں) फा. पुं.—फाड़ खानेवाला शेर।
 शेरे तर (شعر تر) अ. फा. पु.—काव्यकलापूर्ण शे'र, सरस शे'र।
 शेरे नयस्तां (شیر نیستان) फा. पु.—जंगल में रहनेवाला शेर।
 शेरे चक्र (شیر بدر) फा. पु.—एक प्रकार का शेर जो सबसे अधिक भयानक होता है, सिंह।
 शेरे घर्वां (شیر گردان) फा. पु.—दे 'शेरे खुदा'।
 शे'रो अबदव (شعروادب) अ. पु.—दे. 'शेरो सुखन'।
 शे'रो सुखन (شعرو سوخن) अ. फा. पु.—कविता, काव्य, साहित्य, अदव।
 शेव: (شیوہ) फा. पु.—शैली, पद्धति, परिपाटी, ढग, तर्ज, तरीका।
 शेवए सुल्म (شیوہ طلم) फा. अ. पु.—अत्याचार का ढग।
 शेवए बेदाद (شیوہ بیداد) फा. पु.—अनीति और अत्याचार का तरीका।
 शेवए लुफ (شیوہ لطف) फा. अ. पु.—कृपा और दया का तरीका।
 शेवन (شیرین) फा. पु.—रोदन, विलाप, रोना-पीटना; मातम, मृतशोक।
 शेवनगर (شیرین گار) फा. वि.—विलाप करनेवाला, रोते-पीटनेवाला।
 शेवा (شیروا) फा. वि.—भाषण-पटु, कलापूर्ण भाषा में बातचीत करनेवाला।

शेवाजवां (شیروزبان) फा. वि.—दे 'शेवावयां'।
 शेवाजवानी (شیروزبانی) फा. स्त्री.—दे 'शेवावयानी'।
 शेवावयां (شیروایان) फा. अ. वि.—जिसकी बातचीत बहुत ही सुन्दर और कलापूर्ण हो।
 शेवावयानी (شیروایانی) फा. अ. स्त्री.—बातचीत की पटुता और सुन्दरता।

शै

शै (شے) फा. स्त्री.—वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज।
 शैए मक्फूल: (شے مکفولہ) अ. स्त्री.—वह चीज जो गिरवी हो, बंधक; वह जायदाद जो रुपये के बदले रेहनदार के कब्जे में हो।
 शैए मल्लूव: (شے مطلوبہ) अ. स्त्री.—वह चीज जिसकी आवश्यकता हो।
 शैए मरहून: (شے مرہونہ) अ. स्त्री.—वह चीज जो रेहन अर्थात् बंधक हो।
 शैए लतीफ (شے لطیف) अ. स्त्री.—प्रतिभा, जहानत।
 शैए (شیرخ) अ. पु.—बूढ़ा, वृद्ध, अघ्यक्ष, सरदार; प्रति-ष्ठित, श्रेष्ठ, वुजुर्ग, कुल का नायक।
 शैखुत्तरीकत (شیرخ الطریقہ) अ. पु.—धर्मगुरु, पीर, मुशिद।
 शैखुत्ताइफ: (شیرخ الطائفہ) अ. पु.—अपने गोत्र या पार्टी का अध्यक्ष, दलपति।
 शैखुरईस (شیرخ الرئیس) अ. पु.—रईसों का सरदार; वू अली सीना की उपाधि।
 शैखुल इस्लाम (شیرخ الاسلام) अ. पु.—इस्लामी धर्मशास्त्र का सबसे बड़ा विद्वान्।
 शैखुल जामिअ: (شیرخ الجامعہ) अ. पु.—यूनीवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चांसलर, कुलपति।
 शैखुशुशुयूख (شیرخ الشیوخ) अ. पु.—तमाम धर्मगुरुओं का गुरु, सबसे बड़ा धर्मगुरु, प्रमुख धर्माचार्य।
 शैखुखत (شیرخوخت) अ. स्त्री.—बृद्धावस्था, बुढ़ापा।
 शैखे कामिल (شیرخ کامل) अ. पु.—पहुँचा हुआ पीर, ब्रह्म-लीन धर्मगुरु, पूर्ण धर्माचार्य।
 शैखे वक़्त (شیرخ وقت) अ. पु.—अपने समय का सबसे बड़ा धर्मगुरु।
 शैखोशाव (شیرخ وشاب) अ. पु.—बूढ़े और जवान, अर्थात् सब लोग।
 शैतनत (شیطنت) अ. स्त्री.—शैतानपन, शरारत, उपद्रव; चपलता, शोखी; दुष्टता, कमीनगी।
 शैतनतपसंद (شیطنت پسند) अ. फा. वि.—जो बड़ा शरारती या उपद्रवी हो, जो बड़ा दुष्ट हो।

घतान (سقطان) अ पु—एक फिरात जिमने ईश्वराजा का उल्लंघन किया और बहिष्कृत हुआ और तब से वह मनुष्य। को पाप की ओर प्रवृत्त करता है इसी प्रकार का मनुष्य जा दुगरा का अनिष्ट चाहे उपद्रवी, गराती।

घतानसौरत (سقطان سورت) अ वि—जिसनी प्रवृत्ति गतान—जसी हो महादुष्ट।

घतान सूरत (سقطان سورت) अ वि—जिमकी आदृति गतान जमी हो।

घतानी (سقطانی) अ वि—गतान का, गतान सम्बन्धी, निवृष्ट बुरा पापमय गुणाह का।

घताने मुजस्सम (سقطان محسوم) अ पु—जो सर स पाव तब गतान हो जिसने आचरण पगाचिक हा।

घताने लई (سقطان لعین) अ पु—धिवृत्त और बहिष्कृत गतान।

गद (سد) अ पु—उल, घोषा फरेव।

गदा (سد) फा वि—मुग्व माहित फिरेफन आसक्त आगिक उमस पागल उद्विन आतुर, परेगान, किची चाउ का बहुत अधिक इच्छुक।

गदाई (سداری) फा वि—गदा प्रेमी—एक यह दिल ह जो सो जान स गदाई ह एक तुम हो कि न मिलने की कसम खापी है।

गदाए इस्म (سدایه سلم) फा अ वि—विद्या प्राप्त करन का अत्याधिक अभिलाषी।

गदाए वतन (سدایه وطن) फा अ वि—देशभक्त दग प्रेम म अनुक्त।

गदाए हुस्न (سدایه حسن) फा अ वि—गुणता को हर चीज स अधिक पसंद करनेवाग।

गदी (سدی) अ वि—धूत वचक छली।

गन (سن) फा पु—दिलाप रोना धोना दोष ऐव।

गपूर (سپور) फा पु—विगुल नफोरी।

गव (سبت) अ पु—गवत।

गव (سبت) अ पु—बुगपा बड़ावस्था जरा।

शवत (سبت) अ स्त्री—बड़ावस्था जरा बुगपा।

शो

शो (سو) फा प्रत्य—धानेवाला जसे—मुग गा मुग को धोन या नहानेवाग (पु) शोहर पति भर्ता नाथ स्वामी।

शोए (سوے) फा पु—शोहर भर्ता पति (प्रत्य) धाने वाला जस—रगगाए यारिया।

शोख (شوخ) फा वि—चचल चपल चुलबुला गरीर गहरा (रग) घट्ट ढाठ उगड गुस्ताान अवगाकारी नाफमान असम्य वतमीड।

शोखनी (شوخن) फा वि—मला गग इस अय में शूखनी अधिक उचित ह।

शोखचम (شوخ چشم) फा वि—बेहया, वगम निलज्ज घट्ट, गुस्ताान।

शोखचामी (شوخ حسی) फा स्त्री—बेहयाई निलज्जता, ढोठपन घट्टता, गुस्ताानी।

शोखबारी (شوख زبان) फा वि—मुंहघट मुक्तकठ, बकी मुख चपल वाचाल।

शोखबानी (شوख زبانی) फा स्त्री—मुहफटपन मुख कठता बकवास मुख चपलता वाचालता।

शोखतबअ (شوख طبع) फा अ वि—जिममें चचलता बहुत हो चुलबुला जो विनोप्रिम हो खुनामिजाज।

शोखतबई (شوख طبعی) फा अ स्त्री—प्रवृत्ति का चुल बुलापन मनाविनाह हसी दिलगी।

शोखतरीन (شوख ترین) फा वि—बहुत अधिक चुलबुला बहुत गहरा (रग)।

शोखदीद (شوख دید) फा वि—दे 'शाखचदम'।

शोखदीदगी (شوख دیدگی) फा स्त्री—शाखचदमी।

शोखमिजाज (شوख مزاج) फा अ वि—दे शोखतबअ।

शोखमिजाजी (شوख مزاجی) फा अ स्त्री—दे 'शाख तबई'।

शोखिए अल्पाब (شوخی الما) फा अ स्त्री—नेख या भाषण में ऐसे शब्दा का प्रयोग जो हास्यरमावित ह।

शोखिए तफोर (شوخی مفر) फा अ स्त्री—भाषण में शाख और विनोदमय शब्दा का प्रयोग।

शोखिए तबअ (شوخی طبع) फा अ स्त्री—प्रवृत्ति की चचलता और विनोप्रियता।

शोखिए तबदीर (شوخی تند) फा अ स्त्री—भाष की चचलता अर्थात अभागापन बदकिस्मती।

शोखिए तहरोर (شوخی تحری) फा अ स्त्री—नेख म ऐसे शब्दा का प्रयोग जो शोख ह।

शोखी (شوخی) फा स्त्री—चपलता चुलबुलाहट घट्टता, गुस्ताखी अशिष्टता बदतमीडा गहरापन (रग)।

शोखी गग (شوخی سلگ) फा वि—वह व्यक्ति जो बहुत ही चुलबुला चतुर और सतर हो।

शोनीड (شوند) फा स्त्री—बलौजी प्याज के बीज दे 'शोनीड' धोना गुड ह।

शोब (سبت) अ पु—शाखा शाख डाली विभाग महकमा स टुकडा।

शोब (سوت) फा प्रत्य—धानवाला धुगई धाने का का भाव धुलक धोव धोना उष्णीप, पगरी।

शोबए तस्नीफो तालोफ (شعبه تصنیف و تالیف) अ पु -
वह विभाग जिसका सम्बन्ध पुस्तकें लिखने और संपादन
करने से हो।
शोबीर (شوبیر) फा वि - धोया हुआ।
शोर (شوره) फा. पु - एक खार जिससे वास्तु बनती है,
खेत क्षार।
शोरगर (شوره‌گر) फा. वि. - शोरा बनानेवाला।
शोरपुस्त (شوره‌دشت) फा. वि. - उदुड, अक्खड, मुंहफट,
बदतमीज; झगडालू, फसादी, अवज्ञाकारी, निरकुश,
जो कहे में न हो।
शोरबूम (شوره‌بوم) फा स्त्री - ऊसर, वह जमीन जिसमें
रहे हो, जहाँ कुछ पैदा न हो सके।
शोरसाज (شوره‌ساز) फा. वि. - दे 'शोर गर'।
शोर (شور) फा. वि. - खारी, नमकीन; कोलाहल, गुल,
शोहत, नामवरी, उन्माद, पागलपन।
शोरअंगेज (شوره‌انگیز) फा. वि. - गुल मचानेवाला, पागल-
पन बढ़ानेवाला।
शोरअंगेजी (شوره‌انگیزی) फा स्त्री - गुल मचाना,
पागलपन बढ़ाना।
शोरजागों (شوره‌آگین) फा वि - उन्माद और पागलपन से
भरा हुआ।
शोरगार (شوره‌غار) फा स्त्री - फिटकरी, स्फटिक।
शोरचश्म (شوره‌چشم) फा. वि. - जिसकी नजर लग
जाती हो।
शोरचश्मी (شوره‌چشمی) फा स्त्री - नजर लगना।
शोरपा (شورپا) फा. वि. - जिसके पाँव चलते समय टकराते
हो, दोनों पाँव परस्पर लड़ते हो।
शोरपुस्त (شوره‌دشت) फा वि - उदुड, अक्खड, मुंहजोर,
निरकुश, वेमहार, धृष्ट, गुस्ताख।
शोरपुस्तो (شوره‌دستی) फा स्त्री - उदुडता, अक्खडपन,
निरकुशता, वेमहारी, धृष्टता, गुस्ताखी।
शोरबख्त (شوره‌بخت) फा वि - हृतभाग्य, अभाग, वद-
किस्मत।
शोरबख्ती (شوره‌بختی) फा स्त्री - भाग्य की निकृष्टता,
दुभाग्य, वदनसीबी।
शोरबा (شوره‌با) फा पु - गोस्त का पका हुआ रस, पक्व-
मासरस।
शोरमोर (شوره‌مور) फा स्त्री - बहुत छोटी चीटी, क्षुद्र
पिपीलिका, अशुभ, मनहूस, अनिष्टकर।
शोराव (شوره‌آب) फा पु - खारा पानी, नमक मिला हुआ
पानी।

शोराव (شوره‌آب) फा. पु. - दे 'शोराव'।
शोरिंद (شوره‌رند) फा. वि. - शोर करनेवाला, गुल मचाने-
वाला।
शोरियत (شوریت) फा. स्त्री - खारीपन, नमकीनी।
शोरिश (شوریش) फा स्त्री - उपद्रव, दगा, फसाद, सैन्य-
द्रोह, वगावत, विद्रोह; खारीपन, नमकीनी, उन्माद,
पागलपन।
शोरिशअंगेज (شوره‌ش‌انگیز) फा. वि. - उपद्रव और फसाद
फैलानेवाला पदार्थ।
शोरिशअंगेजी (شوره‌ش‌انگیزی) अ. स्त्री - उपद्रव और
फसाद फैलाना।
शोरिशकद (شوره‌ش‌کده) फा पु - उपद्रव का स्थान, फसाद
की जगह, वह स्थान जहाँ फसाद या वगावत हो।
शोरिशकुनिद (شوره‌ش‌کننده) फा. वि. - फसाद पैदा
करनेवाला, उपद्रवी।
शोरिशगाह (شوره‌ش‌گاه) फा स्त्री - 'शोरिशकद'।
शोरिशपसंद (شوره‌ش‌پسند) फा वि. - जो चाहता हो कि
कोई न कोई फसाद या उपद्रव खडा हो रहे।
शोरिशपसंदी (شوره‌ش‌پسندی) फा स्त्री - उपद्रव चाहना।
शोरिशी (شوره‌ش‌شی) फा. वि. - फसाद या उपद्रव फैलानेवाला।
शोरीद (شوره‌رید) फा. वि. - आतुर, उद्विग्न, परेशान;
उन्मत्त, मस्त, दीवाना।
शोरीदःखातिर (شوره‌رید‌آخاطر) फा अ वि. - जिसका दिल
परेशान हो, खिन्नमना, दु खित, रजीदा।
शोरीदःदिमाग (شوره‌رید‌آدمع) फा अ वि. - विकृतमस्तिष्क,
पागल, खत्ती, मिराकी।
शोरीदःबख्त (شوره‌رید‌آبخت) फा वि - हृतभाग्य, वद-
नसीब, वदकिस्मत, अभाग।
शोरीदःमिजाज (شوره‌رید‌آمراجه) फा अ वि - खिन्नमनस्क,
उद्विग्नचित्त, परेशाँदिल, पागल, खत्ती।
शोरीदःसर (شوره‌رید‌آسر) फा वि - पागल, दीवाना, विकृत-
मस्तिष्क।
शोरीदःसरी (شوره‌رید‌آسری) फा स्त्री - पागलपन, दीवानगी।
शोरीदःहाल (شوره‌رید‌آحال) फा अ वि - दुर्दशाग्रस्त, परीशाँ-
हाल, उद्विग्न।
शोरीदःहाली (شوره‌رید‌آحالی) फा अ स्त्री - परीशाँहाली,
दुर्दशा।
शोरीदगी (شوره‌رید‌آگی) फा स्त्री - उद्विग्नता, परीशानी;
दीवानगी, पागलपन।
शोरे कियामत (شوره‌کیامت) फा अ. पु. - महाप्रलय के
समय का कोलाहल, बहुत अधिक शोरोगुल।

गोरेब (شورب) का स्या—वेती के ब्राविल जमान।

गोरे तहमीन (سو تھمین) का अ पु—वाह-वाह का शार प्रथमा और धयवाद का गार।

गोरे नुगूर (سو نغور) का अ पु—विषयमत के लिन लोग के उठने का गार।

गोरे महवा (سو مرھنا) का अ पु—ययवाद और वाह-वाह का गार।

गोरे मसरत (سو مسرت) का अ पु—खुशी का गोर हपना।

गोरे महार (شور مھار) का अ पु—'गारे विषयमत'।

गोरे भातम (سو ماتم) का पु—किमी के मरने पर राते घोने का गार।

गोरो गुल (سو غول) का पु—'शारा शगव'।

गोरोगाव (سو وشع) अ फा पु—बहुत अधिक को ग्रहल और शारागुल।

गोरोगर (سو ورو) का अ पु—गोर और फसाद हगामा बग्रावत और फसाद का हगाम।

गोल (سوله) अ पु—अग्निज्वाला लपट, उदा०—एक गोल सा उठा गीने से पमाने में ला किरन फूटी सजेरा हुआ भखाने में—सुमार'।

गोल अगेब (سوله انگب) अ फा वि—'गाल अफगन'।

गोल अदाम (سوله ادام) अ फा वि—जिसका गरीर अग्नि जसा उज्वल और दीप्त हो।

गोल अफगन (سوله افغن) अ फा वि—'गाल बखोरनेवाला आग बरसानवाला अग्निवपक'।

गोल अफगा (سوله افسان) अ फा वि—'गोल अफगन'।

गोल आबाब (سوله ابااب) अ फा वि—जिमकी आबाब में दद हो बहुत अच्छा मानेवाला।

गाल इजार (سوله عذار) अ वि—आग-जसे उज्वल गाला वाला (वाली), बहुत ही मुदर।

गोल जामत (سوله اامت) अ वि—'गोल अदाम'।

गोल खू (سوله خو) अ फा वि—'गोल मिजाज'।

गोल खन (سوله خن) अ फा वि—गोल फकनेवाला बहुत तब जलनेवाली आग।

गोल खमी (سوله خمیا) अ फा वि—बहुत ही तब बालने वाग धुंधांधार भाषण देनेवाला।

गोल खार (سوله خار) अ फा वि—अग्नि से उत्पन्न एक यानि विस्रेय देव परी जिन गैतान।

गोल खार (سوله خار) अ फा पु—जहाँ छोले हा पोले हा जहाँ आग ही आग हा।

गोल खोदार (سوله خودار) अ फा वि—'गाल ख'।

गोल नाक (سوله ناک) अ फा वि—गालास मरा हुआ।

गोल फाम (سوله فام) अ फा वि—शाल-जसे लाल और दाप्त रगवाला (वाली) अग्निवपक।

गोल फिफन (سوله ففن) अ फा वि—'गोल अफगन'।

गोल फिगी (سوله فغیا) अ फा वि—'गाल अफगन'।

गोल बार (سوله بار) अ फा वि—आग बरसानवाला अग्निवपक।

गोल बारी (سوله باری) अ फा स्त्री—आग बरसानवाला अग्निवर्षा।

गोल मिजाज (سوله میجاز) अ वि—बहुत तीव्र और कड़े स्वभाव का बहुत अधिक गुस्सल।

गोल रग (سوله رنگ) अ फा वि—'शाल फाम'।

गोल ख (سوله رخ) अ फा वि—अग्नि-अध सुन और उज्वल गालवाला (वाली) परवाने का अपन सूखे घाम। अय शाला खू न दिल जलाउ।

गोल खससार (سوله خسار) अ फा वि—'गोल ख'।

गोल रू (سوله رو) अ फा वि—'गोल ख'।

गोल सा (سوله سا) अ फा वि—'गोल जसा आग जसा'।

गोल सिफत (سوله صفت) अ वि—शोल जसा आग की तरह रोगन और लाल।

गोल ए जवाल (سوله حواله) अ पु—आग का बह धप जो लकड़ी के दानो मिरा को जलाकर धुमाने से बतते हैं आलात चक्र।

गोल ए जोला (سوله حولا) अ फा पु—चलने फिरल वाला गाल अर्थात् नायिका।

गोल ए ताक (سوله تاق) अ फा पु—अगूरी गरव द्राधेरा द्रासासव, मालिका।

गोल ए बीदार (سوله به دادر) अ फा पु—अग्निवा के दाना की आग।

गोल ए खसार (سوله خسار) अ फा पु—गाले की दीपित और चमक जो शोल जान पड़ती है।

गोलै (سوله) अ फा वि—अग्नि-वाला-सम्बन्धी लफ दार लपटवाला लपट निकलना हुआ।

गोलोद (سوله اولد) अ फा वि—स्त्रप समित हपन, उद्विल व्याकुल परेगान।

गोग (سوله) अ फा पु—सब टुकड़ा चीन या चीन (अगर) का दशन सोने या चाँदी का डला।

शो

गो (سو) का प—घोहर का लपु घोहर पति स्वामा।

शोकः (شوكه) अ. पु.—काँटा, कंटक ।

शोक (شوق) अ. पु.—अभिलाषा, उत्कंठा, अधिक चाह, रगत, व्यसन, टेव, आदत ।

शोकित (شوكت) अ. स्त्री—आतंक, दब्दव.; वैभव, ऐदवयं, शान्तिगीवत ।

शोकितुलभरुव (شوكته|عقرب) अ. पुं—विच्छू का उंक ।

शोकितकफाज (شوكت الفاط) अ. स्त्री—लेख में बड़े-बड़े और क्लिष्ट शब्दों की व्यवस्था, शब्दाडंबर ।

शोकिते शाही (شوكت شاهی) अ. फा. स्त्री—बादशाहों का गठ-वाट ।

शोकरो (شوكرا) अ. पु.—एक वनौपधि जो दवा में प्रचलित है ।

शोकियः (شوقیه) अ. वि—शोक के तौर पर, केवल मन-बहलाव के लिए ।

शोकान (شوقین) उ. वि—व्यसनी, वती, आदी, किसी कार्य-विशेष में बहुत अधिक रुचि रखनेवाला ।

शोके आराइश (شوق آرایش) अ. फा. पु.—बनने-सँवरने का शोक, खुद को बना-रना रखने का शोक ।

शोके इबादत (شوق عبادت) अ. पु.—जप-तप का शोक, ईश्वराराधना की लगन ।

शोके चीनत (شوق زینت) अ. पुं—दे 'शोके आराइश' ।

शोके तख्ईन (شوق ترکیب) अ. पु—दे 'शोके आराइश' ।

शोके वेपार्या (شوق یردایاں) अ. फा. पु—बहुत अधिक शोक, हृद से बढी हुई उत्कठा ।

शोके लिवास (شوق لباس) अ. पु—कपडों का शोक, अच्छे-बच्छे कपडे पहिने का शोक ।

शोकौशोक (شوق و ذوق) अ. पु—बहुत अधिक रुचि, बहुत अधिक शोक ।

शोल. (شوله) अ. पुं.—जन्नीसवाँ नक्षत्र, मूल ।

शौहर (شوهر) फा. पु—पति, भर्तार, स्वामी, भर्तृ, खाविद ।

शौहरकुश (شوهرکوش) फा. स्त्री—पति को मार डालने-वाली स्त्री, पतिघातिनी ।

शौहररचाह (شوهرخواست) फा. स्त्री.—पति की इच्छा करने-वाली स्त्री, पतिकामा ।

शौहरपरस्त (شوهرپرست) फा. स्त्री.—पति को ईश्वर की तरह पूजनेवाली स्त्री, पतिव्रता, पति-परायणा ।

स

संग (سنگ) फा. पु—प्रस्तर, पापाण, पत्थर ।

संगअंदाज (سنگ انداز) फा. पु—पत्थर फँकनेवाला, किले के सुराख जिनसे बद्दक चलायी जाती है, गोफन,

जिससे डेला फँकते हैं ।

संगखुर्दः (سنگ خورد) फा. वि—जिसे पत्थर की चोट आयी हो, पत्थर से धायल ।

संगचः (سنگچه) फा. पु—ओला, घनोपल ।

संगजदः (سنگ زد) फा. वि.—जिसे पत्थर से मारा गया हो ।

संगजान (سنگ زن) फा. वि.—वह तराजू जिसमें पासग हो, जो कम तोले ।

संगजार (سنگ زر) फा. पु—कसीटी, कसवटी, निकप ।

संगजराहत (سنگ جراحت) एक सफ़ेद पत्थर जो घाव भरने के काम आता है; सिंघा, सेलखरी, मरहम बनाने में प्रयुक्त होती है ।

संगजाँ (سنگ جان) फा. वि—जिसके प्राण मुश्किल से निकले, सस्तजाँ, निर्दय, बेरहम ।

संगजार (سنگ زار) फा. पु—पथरीला स्थान, जहाँ पत्थर ही पत्थर हैं ।

संगजानी (سنگ جانی) फा. स्त्री—प्राण कठिनता से निकलना; निर्दयता, सगदिली ।

संगतरः (سنگ تیره) फा. पु—संतरा, मीठी नारंगी ।

संगतराश (سنگ تراش) फा. वि.—पत्थर का काम करने-वाला, पापाण-भेदक ।

संगतराशी (سنگ تراشی) फा. स्त्री—पत्थर का काम करना ।

संगदस्त (سنگ دست) फा. वि—दे 'सगीदस्त' ।

संगदस्ती (سنگ دستی) फा. स्त्री—दे 'संगीदस्ती' ।

संगदानः (سنگ دانه) फा. पुं—दे 'सगदान' ।

संगदान (سنگ دان) फा. पु—विडिया का पोट्टा ।

संगदिल (سنگ دل) फा. वि—निर्दय, वज्रहृदय, बेरहम, सस्तदिल ।

संगदिली (سنگ دلی) फा. स्त्री—निर्दयता, बेरहमी, क्रूरता, हृदय का पत्थरपन ।

संगपा (سنگ پا) फा. पु—झाँवाँ, पाँव माँजने का पत्थर, दे. 'संगेपा' ।

संगपुशत (سنگ پشته) अ. पु—कच्छप, कूर्म, कछवा ।

संगबकफ (سنگ بکف) फा. वि—हाथ में पत्थर लिये हुए, मारने के लिए पत्थर जटाये हुए ।

संग वदामन (سنگ بدامن) फा. वि—वामन में पत्थर भरे हुए ।

संगवस्तः (سنگ بسته) फा. वि—सुदृढ, काफी मजबूत ।

संगवस्त (سنگ بست) फा. वि—दृढ, मजबूत; वह मेवा जो अभी पक्का न हो, गढा हो ।

संगरु (سنگ رو) फा. वि—निलज्ज, बेहया, वेशम ।

सगरैज (سگ رے) का पु—कवडा, पत्थर का छाटा-सा टुकड़ा।

सगलाज (سگ لاج) का पु—दे 'सगलाज'।

सगलाज (سگ لاج) का वि—पथरीली जमान जहा पत्थर बहुत हा जहा से सात्कर ककर निवाटे जायें।

सगसाज (سگ سار) का वि—लौयो प्रेस में पत्थर पर नुटिया गुद्ध करनेवाला।

सगसाजा (سگ ساری) का स्त्री—लीया प्रेस म पत्थर पर की गलनिया गुद्ध करना।

सगसाज (سگ سار) का वि—जिसे पत्थर मार-मार कर मार डाला गया हा पथराव पथराव करके किसी व्यक्ति को मार डालना एक सजा जो कडे अपराधिया को दी जाती थी उस कमर तक जमीन में गाडकर उस पर इतने पत्थर बरसात थे कि वह मर जाय।

सगसारी (سگ ساری) का स्त्री—दे 'सगसार', न २ ३।

सगिस्तान (سگستان) का पु—पथरीली जगह पहाडी जगह।

सगों (سگس) का वि—'सगोन का लघु जो यौगिक शब्दा में व्यवहृत अय के लिए दे सगोन।

सगोंजिगर (سگس جگر) का वि—निदय कठोरहृदय बेरहमतरीन।

सगोंजिगरी (سگس جگری) का स्त्री—बहुत अधिक निदयता इतिहाई बेरहमी।

सगोंदस्त (سگس دست) का वि—जा काम करने में बहुत सुस्त हो काहिल कामचार दीक्ष्मत्रा।

सगोंदस्ती (سگس دستی) का स्त्री—कामचोरी आलस्य काहिशे।

सगोंदिल (سگس دل) का वि—बहुत ही कठोर हृदय का बडा ही बेरहम प्रस्तर हृदय।

सगोंदिली (سگس دلی) का स्त्री—हृत्प का अत्यत कठोर हाना सख्त बेरहमी।

सगी (سگی) का वि—पत्थर का बना पत्थर से सम्बन्धित पत्थर का।

सगोन (سگس) का वि—सख्त बडा कठोर गाटा गऊ (षपण) बडा दुष्कर जये—मगोत काम।

सगोन (سگس) उ स्त्री—एक स्त्री और पतली बरछी जो बडूक क सिरे पर लगायी जाती है।

सगोनी (سگنی) का स्त्री—पत्थर का बना हुआ होना।

सगे असाबद (سگ اسود) का अ पु—काला पत्थर कृष्ण प्रस्तर का पत्थर जो बाँब में रंगा है और जिम देगने के लिए हर साल मुसा मान मरने जाते हैं जिम हज करते ह।

सगे आस्ता (سگ آستان) का पु—देहलीज का पत्थर वह पत्थर जिसमें चौगट वाज जडा जाता है ईरान में देहलीज में रकडी नही होनी।

सगे आस्तान (سگ آستان) का पु—दे 'सग आस्ता'।

सगे आहूनरवा (سگ آهن ردا) का पु—चुम्बक चम्बक पत्थर।

सगे कनाअत (سگ کناعت) का अ पु—वह पत्थर जो भूत को जलन कम करने के लिए पेट पर बाघते ह यह अरब का रवाज है।

सगे कला (سگ کلا) का पु—नाई बहुमूल्य रत्न कीमती जोहर।

सगे सारा (سگ سارا) का पु—एक प्रकार का सुरदरा और लाली लिये हुए पत्थर जो बहुत कडा हाता है।

सगे गुद (سگ گود) का पु—गुदों में पड जानेवाली पत्थरी किडनी स्टोन बुक अश्मरा।

सगे जराहत (سگ جراحی) का अ पु—एक सफेद और कोमल पत्थर जो घाव भरने के काम आता ह सिधा।

सगे जाल (سگ زاله) का पु—आला हिमोपल वयिला।

सगे तराजू (سگ ترازو) का पु—तोलने का बाँट।

सगे तिल्ली (سگ طلی) का अ पु—वह पत्थर जो लठके दावाना यानो पागला का मारते ह।

सगे तुबत (سگ توبت) का अ पु—वह पत्थर जो क्रूर के सिरहाने लगाते ह और जिसमें मत पुरुष का नाम और तारीख आदि लिखते ह।

सगे नसू (سگ نسو) का पु—सग मरमर श्वेत प्रस्तर।

सगे ना (سگ نا) का पु—साँवा, जिससे पाँव का मऊ छुडाते ह।

सगे फलाखन (سگ لاجن) का पु—वह पत्थर जो गोपन में रखकर फँकते ह।

सगे फस्त (سگ فاست) का पु—वह पत्थर जिस पर छुरी बाकू आदि की धार तेज करते ह छान।

सगे बसरी (سگ بصری) का अ पु—एक पत्थर जो आँखा की दवा में काम आता ह मपरिया।

सगे बारी (سگ باران) का पु—ओला हिमापल।

सगे बालिन (سگ بالین) का पु—वह पत्थर जो सर क नीच ठकिए की जगह रसा जाता है प्रायः साधु और दरवेग रखते ह।

सगे बाली (سگ بالی) का पु—सग बालिन'।

सग धनयाप (سگ بلعاد) का पु—वह पत्थर जो किगा इमारत का नीच में रंगा जाता ह आपार तिला नीच, चुम्बक।

सगे बनेन (سنگ بنون) फा पु—कुत्ता, कुक्कुर, पाजी वीर दुष्ट आदमी, उर्दू के शब्द 'सग' में से नून निकल जाय तो 'सग' रह जाता है।

सगे मवतल (سنگ مقفل) फा. अ. पुं.—वह पत्थर जिस पर बंध किया जाता है, बधशिला।

सगे मजाअत (سنگ محاسن) फा अ पु—भूख में पेट पर बाँधा जानेवाला पत्थर, अरब का रवाज है।

सगे मजनातीस (سنگ مقدس) फा अ पु—चुवक, चुम्बक पत्थर, आख, पापाण।

सगे मजार (سنگ مزار) फा अ पु—दे 'सगे तुर्वत'।

सगे मर्मर (سنگ مرمر) फा पु—एक मशहूर पत्थर, श्वेत प्रस्तर।

सगे मसान: (سنگ مسانه) फा अ पु—वह पथरी जो मूत्राशय में पड़ जाती है।

सगे महक (बक) (سنگ محक) फा. अ पु—कसौटी का पत्थर, कसौटी, कप'वटी, कपपट्टिका, निकप।

सगे माही (سنگ ماهی) फा पु—दे 'सगे सरे माही'।

सगे मील (سنگ میل) फा अ पु—वह पत्थर जो रास्ते में दूरी जानने के लिए एक-एक मील पर लगा देते हैं।

सगे मूसा (سنگ موسی) फा अ पु—काला पत्थर, एक प्रकार का विशेष काला पत्थर।

सगे यमन (سنگ یمن) फा अ पु—पद्मराग, ला'ल।

सगे यशव (سنگ یشب) फा अ पु—एक हरा पत्थर जो दवा में काम आता है।

सगे यशम (سنگ یشم) फा अ पु—दे 'सगे यशव'।

सगे राह (سنگ راه) फा पु—वह पत्थर जो रास्ते में पड़ा हो और राहगीरो को रास्ता न चलने दे, वह व्यक्ति जो किसी काम में रुकावट डाले।

सगे रजाम (سنگ رحام) फा पु—सगे मरमर।

सगे शजरी (سنگ شجری) फा अ. पु—एक प्रकार का मूंगा, विद्रुम।

सगे शिहाव (سنگ شهاب) फा. अ पु—वह पत्थर जो गिहावे साकिव के गिरने से बन जाता है, उल्का-पापाण।

सगे संदलता (سنگ صندل) फा. पु—वह सिल जिस पर चंदन रगड़ते हैं।

सगे समाक (سنگ سمرق) फा अ पु—एक पत्थर जो सारे पत्थरों में अधिक सख्त होता है और बिलकुल घिसता नहीं है, उसके खरल बनते हैं, जो बहुत कीमती होते हैं और वह मोती आदि हमारे जवाहरात पीमने के काम आता है।

सगे सराच: (سنگ سراج) फा पु—दे 'मंगे आस्ता'।

सगे सरेमाही (سنگ سوماهی) फा पु—एक प्रकार का पत्थर जो बड़ी मछली के सर से निकलता है और दवा के काम आता है।

सगे सिलाय: (سنگ صلاية) फा अ पुं—दवा आदि घिसने का पत्थर।

सगे सुख (سنگ سوخ) फा पु—लाल पत्थर जिससे इमारते बनती हैं और मकानों में लगाया जाता है।

सगे सुर्म: (سنگ سورمه) फा पु—वह पत्थर जिसका सुर्मा बनाते हैं।

सगे सुलैमानी (سنگ سلیسمانی) फा अ पु—एक नग जो प्रायः दुरगा या धारीदार होता है और जिसकी तस्वीह फकीर लोग गले में डालते हैं।

संज: (سنگ) फा पु—तोलने का वॉट।

संज (سنگ) फा प्रत्य—तोलनेवाला, जैसे—'सुखनसज' वात को तोलनेवाला, (पु) झाँझ, मजीरा काँसे की दो कटोरियाँ जो बजायी जाती हैं।

संजाव (سنگ جاب) फा स्त्री—एक जानवर जो घूस के बराबर होता है, उसकी खाल का पोस्तीन बनता है जो बहुत अच्छा होता है।

संजिद: (سنگ جید) फा वि—तोलनेवाला।

संजीद: (سنگ جید) फा वि—तोला हुआ, सतुलित, गभीर, मतीन; शात, पुरअमन, सहिष्णु, बुर्दवार; हर वात को ध्यानपूर्वक सुनने और गौर करनेवाला।

संजीद:गुफ्तार (سنگ جید گفتار) फा वि—जिसकी वात चीत में गभीरता हो, शातवादी।

संजीद:गुफ्तारी (سنگ جید گفتاری) फा स्त्री—वातचीत की गभीरता।

संजीद:तव्व (سنگ جید طبع) फा. अ वि—जिसकी प्रकृति गंभीर हो।

संजीद:तव्वई (سنگ جید طبعی) फा. अ स्त्री—प्रकृति की गभीरता।

संजीद:मिजाज (سنگ جید مزاج) फा अ वि—जिसके मिजाज में शाति और गभीरता हो।

संजीद:मिजाजी (سنگ جید مزاجی) फा अ स्त्री—मिजाज की शाति और गभीरता।

संजीद:रफ्तार (سنگ جید رفتار) फा वि.—व्यवहार और आचरण की गभीरता।

संजीदगी (سنگ جیدگی) फा स्त्री—गंभीरता, मतानत; धित्त की शाति, सहिष्णुता, तहम्मूल।

संजुक (سنگ جک) तु पु—पताका, ध्वजा, फेनु, झंडा; कमरबंद, कटिबंध।

सदहस (سدرس) फा पु -राजन जा एक प्रसिद्ध गाँव है
दे सुदहस, दाना गुद्द ह।

सदल (سدل) अ पु -एक सुप्रसिद्ध सुगंधित लकड़ी,
चदन।

सदलसा (سدلسا) फा वि -चदन घिसने की मिल।

सदली (سدلی) फा वि -सदल का सदल की लकड़ी
का बना हुआ।

सदली (سدلی) फा स्त्री -सदल का सदल का लकड़ी
का कुर्सी।

सदास (سداس) फा पु -पाखाना सडास।

सदूक (سدك) अ पु -लकड़ी या टीन की बड़ी पटी
जिसमें कपड़े जादि रते जाते ह।

सदूकच (سدكچه) छाटा सदूक।

सदूकनुमा (سدك نما) अ फा वि -सदूक की गल्ल का।

सदूकसाब (سدك سار) अ फा वि -सदूक बनानेवाला।

सदूकही (سدكही) अ वि -सदूक-जसा सदूक की आकृति
का सदूकनुमा कन्न जिसमें बगली नहीं हाती।

सदूकहे मुद (سدك مردق) अ फा पु -सावूत गव रखने
का लकड़ा का सदूकनुमा पात्र।

सअत (سعت) अ स्त्री -विस्तार फलाव पराछी
गुजाइस।

सआदत (سعادت) अ स्त्री -प्रताप तेज इक्वाल कल्याण
मलाइ बरकत, मुबारकी गुभाकारिता।

सआदतआमार (سعادت امار) अ वि -जिसके लक्षण ऐसे
ह। कि जागे चलकर वह गुभावित होगा।

सआदतके (سعادت کس) अ फा वि -दे सआतमद।

सआदतपरबोह (سعادت پرور) अ फा वि -सआतमद।

सआदतपनाह (سعادت ناه) अ फा वि -नेजस्वी प्रनापी
इक्वालमद।

सआदतमद (سعادت مد) अ फा वि -भायगाले ननीवे
वर तजोमय इक्वालमद आपाकारी फमाबिरदार।

सआदतमदी (سعادت مدنی) अ फा स्त्री -सआतमद
होना।

सआदतवर (سعادت ور) अ फा वि -सआदतमद।

सआदतवरी (سعادت وری) अ फा स्त्री -सआतमद।

सआदतगिआर (سعادت گیار) अ वि -सआतमद।

सआदतसन्न (سعادت سنج) अ फा वि -दे सआतमद।

सआलिय (سعالی) अ पु -साल्व का बहु आमडिया।

सआलोल (سعالول) अ पु -सूए का बहु भरस
भिग्निया।

सई (سعی) अ पु -प्रयत्न, परात्रम कीगिअ-

'तयकीने दिले महज न हुई वह सईए करम परमा भी गये
इस सईए करम को क्या कहिए बहला भी गये तपा भी गये।'

सईव (سعد) अ पु -मत्तिका, मिट्टी पथ्वी, जमीन।

सईद (سعد) अ वि -तेजस्वा इक्वालमद, भायगाली,
सुधानसीब कल्याणकारी मुबारक।

सईर (سعدر) अ पु -अग्नि वाला आग का लफ, नरक
का एक तल।

सईस (سکس) अ पु -घोड़े की दल रेत करनवाला
अरबी के गज साइस का विगडा हुआ रूप।

सऊद (سعود) अ पु -उँचाई बलदी यातना, पीमा
अजाब ऊपर चढ़नेवाला।

सऊवत (سعودت) अ स्त्री -गुद् उच्चारण 'सुऊवत'।

सऊल (سؤل) अ वि -बहुत पूछनेवाला, बहुव प्रश्न
करनेवाला।

सक्त (سکت) अ पु -लिखने की भूल हिमाव की भूल,
गिरी-गडी चीज अपाद गाली निदा बदपोई।

सक्तगो (سکتگو) अ फा वि -गाली देनेवाला गाली
गलीज करनेवाला, निदा करनेवाला बदगो।

सक्तची (سکتچی) अ फा वि -गिरी पनी चीजें बानने
वाला रेजे जीर टुकड़े चुनने वाला।

सक्तफरोश (سکت فروش) अ फा वि -गिरी-गडी चीजें
जसे-गिरे-पडे फल आदि बेचनेवाला, बेहदा बातें दकने
वाला अनगलबानी।

सक्तो (سکتی) अ वि -गिरी पनी चीज बेचनवाला,
कवाडी।

सकन (سکن) अ पु -साविन का बहु, रहनेवाले
निवासी।

सकूर (سکور) अ पु -माँड के प्रकार का परतु उत्पे
छोटा एक जानवर जिसका मांस बहुत हा कामबदक ह।

सकम (سکم) अ पु -रोग बीमारी, मुटि, दाप दे
सुकम दोना गुद्द ह।

सकर (سکر) अ पु -नरक दोबल।

सकरात (سکرات) अ स्त्री -निदनेप्टता बेहोमी, प्राण
निक्लते समय का कष्ट चद्रा।

सकरान (سکران) अ वि -उमत्त, मतवाला, छराव
के गने में चूर।

सकल (سکلی) अ पु -दो वग अपात मनुष्य का और
जिजा का।

सकलत (سکالت) अ स्त्री -अपानमद हाणा, हवा
हाणा तेज सिर्षा।

सकाम (سکام) अ पु -रोग व्याधि, बीमारी।

सकारा (سكارا) अ पु—'सकरान' का बहु, मस्त और मतवाले लोग, दे 'सुकारा', दोनो शुद्ध है।

सकालत (ثقالت) अ स्त्री—बोझ, गुन्व, भारीपन।

सकाहत (ثقاहत) अ स्त्री—श्रेष्ठता, वजुर्गी; विश्व-स्तता, मो'तवरी।

सकिरलात (سفرالات) तु पु.—ऊनी वानात, सिक्लत।

सकोन: (سكينه) अ स्त्री—'सकीनत' हज़रत इमाम हुसैन को सुपुत्री जो बड़ी बहादुर थी और जिन्होंने हज़रत इमाम को शहादत के बाद यजीद के विरुद्ध बहुत बड़ा प्रचार किया।

सकीनत (سكينت) अ स्त्री—आराम, चैन, सुख; मदता, धीरज, आहिस्तगी।

सकोफ: (سقيمه) अ. पु.—झूठी बात, बकवाद, आरोप, इतिहास; परामर्ग, सलाह।

सकोम (سقيم) अ. वि—रोगी, बीमार, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

सकीमूलहाल (سقيم الحال) अ. वि.—जिसकी आर्थिक दशा खराब हो, दरिद्र, निर्धन, दुर्दशाग्रस्त।

सकोल (ثقیل) अ वि—गुरु, भारी, बोझल।

सकुा (سقا) अ. पु.—पानी पिलानेवाला; पानी भरने-वाला, विहिस्ती।

सककाई (سقائي) अ. स्त्री—पानी पिलाने का काम, पानी भरने का काम, भिश्तीगरी।

सककाफ (سكاف) अ वि—लौहकार, लुहार; सिक्के पर ठप्पा लगानेवाला।

सकत: (سكته) अ पु—एक रोग जिसमें आंदमी विलकुल मरे हुए प्राणी के समान हों जाता है, मूर्छा रोग; शेर में किसी शब्द या अक्षर का कम होना, छदोभग, यति-भग।

सकृत (سقط) अ पु.—पशु का मरना।

सकमूनिया (سكسونيا) अ स्त्री—एक दवा, जो रेचक होती है, दे. 'सुकमूनिया', दोनो शुद्ध है।

सकनात (سقراط) अ पु—यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो हज़रत ईसा से पाँच सौ साल पहले था।

सकत (سكط) अ पु—क्रोध, रोष, गुस्सा, दे 'सुकल', वह भी शुद्ध है।

सका (سكا) अ स्त्री.—दानशीलता, बदान्यता, सखावत।

सकाफत (سكافات) अ स्त्री—तुच्छता, अधमता, कमीनगी, निर्वुद्धिता, वेअक्ली; हलकापन, ओछापन।

सखी (سحى) अ वि—मुक्तहस्त, बदान्य, दाता, फैयाज, दानशील, दानी।

सखीन (سحین) अ. वि—गाढा, गफ, दृढ, मजबूत, पुष्ट; कठोर, सख्त।

सखीफ (سحيف) अ वि—हलका, सबुक, शिझरा चुना हुआ कपडा; तग जर्फ, छिछोरा, लघुचेता, अनुदार।

सखून (سحن) फा पु—दे 'सुखन', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू में अधिक व्यवहृत 'सुखन' ही है।

सख्त (سخت) फा वि—कठोर, कड़ा; अत्यधिक, बहुत जियाद; तीव्र, प्रचंड, तेज, दु गील, वेमुरव्वत, निर्दय, वेरहम, दुष्कर, मुश्किल, कठिन; बहुत बड़ा।

सख्तकमान (سخت کمان) फा वि—योद्धा, पहलवान, तीरदाज, धनुर्धर; शक्तिशाली, गहजोर।

सख्तकोश (سخت کوش) फा. वि—बहुत अधिक पराक्रमी।

सख्तगीर (سخت گیر) फा वि—भूल-चूक पर कडा पकड़ने-वाला, रिआयत न करनेवाला, पूरी सजा देने वाला।

सख्तगीरी (سخت گیری) फा स्त्री—गलती या भूल या अपराध पर रिआयत न करनेवाला।

सख्तचावीद: (سخت چاويده) फा वि—'तुच्छ, अधम, पामर, नीच, पीच।

सख्तजाँ (سخت جان) फा वि—जिसके प्राण कठिनता से निकले, निर्लज्जता का जीवन व्यतीत करनेवाला, बहुत बड़ा पराक्रमी, सख्त मेहनती।

सख्तजानी (سخت جانی) फा स्त्री—निर्लज्जता का जीवन, कठोर पराक्रम।

सख्तजेहे (سخت جہ) फा वि—दे 'सख्तकमान'।

सख्तदिल (سخت دل) फा वि.—निर्दय, जिसके हृदय में दयाभाव न हो, सगदिल।

सख्तदिली (سخت دلی) फा. स्त्री—निर्दयता, वेरहमी।

सख्तवाषू (سخت بازو) फा. वि—बहुत मशक्कत करने-वाला, बहुपराक्रम, अति परिश्रमी।

सख्तमीर (سخت میر) फा. वि.—मुश्किल से मरने वाला, जिसके प्राण कठिनता से निकले।

सख्तसा (سخت سا) फा पु—पहलवानों का विस्सा।

सख्तियाम (سختی ایام) फा अ स्त्री—दिनों का कष्ट, भाग्य की निष्ठुरता, गर्दिश।

सख्तिय नखब (سختی نزع) फा अ स्त्री—यम-यातना, चद्रा, मरते समय का कष्ट।

सख्ती (سختی) फा स्त्री—कठोरता, कटापन, दु शीलता, बेहयाई, कठिनता, मुश्किल, निर्दयता, वेरहमी, तीव्रता, तेजी, शिद्दत।

सख्तीकश (سختی کش) फा वि—मुभीवते झेलनेवाला, विपत्तियों में जीवन व्यतीत करनेवाला।

सग (سگ) फा पु—कुक्कुर, बवान, शुनि, शुनक, कुत्ता, कुकुर।

सगखस्त (سگ خست) फा अ वि—कुत्ते-जसा स्वभाव रमनेवाला श्वानप्रकृति।

सगखोद (سگ خود) फा वि—जिसे कुत्ते ने काटा हो।

सगखोदगी (سگ خودگی) फा स्त्री—कुत्ते का बाटना।

सगजा (سگ جان) फा वि—लालची, लोभी नित्य बेरहम।

सगजानी (سگ جانی) फा स्त्री—लोभे लालच नित्यता बेरहमी।

सगवान (سگ وان) फा वि—कुत्ते पालनेवाला कुत्ते की सेवा करनेवाला नौकर।

सगवानी (سگ وانی) फा स्त्री—कुत्ते पालना, कुत्ता का नौकर श्वानसेवक।

सगसार (سگ سار) फा वि—कुत्ते जसा अपवित्र और निवृष्ट व्यक्तित्व।

सगीर (سگیر) अ वि—छोटी कम उम्र की (पु) छोटा पाप लघु पातक।

सगीर (سگیر) अ वि—छोटा लघु दे 'बहसेगीर'।

सगीरसिन (سگیر سین) अ वि—छोटी भायूवाला, अल्प वयस्क ब्यावाला।

सगीरसिनी (سگیر سینی) अ स्त्री—छोटी उम्र बाल्या वस्था अल्प वय।

सगीरो कवीर (سگیر و کبیر) अ पु—छोटा और बग छोटो-बड़ सब आदमी सब लोग अवाम।

सगे छामोगीर (سگ خاموشی گیر) फा पु—वह कुत्ता जो बिना भूके और गुरगिं काट डे।

सगे ताबी (سگ تابی) फा अ पु—गिबारी कुत्ता जो जरबी नस्ल में हो।

सगे दीवान (سگ دیوانه) फा पु—पागल कुत्ता बाबल कुत्ता।

सगे दुबाल गीर (سگ دساع گیر) फा पु—पाछे से पाव पचठ नैनावा कुत्ता भूँकरपीडे दीडनवाला कुत्ता।

सगे बाजारी (سگ بازاری) फा पु—गलिया में मारा फिरनेवाला कुत्ता।

सजा (سج) अ पु—प्राप्त अनुप्राप्त अत्यानप्राप्त बुव मुनात विभी इवारत के दो बाक्या क अतिम गना का एक जसा हाना। इसके तीन प्रकार ह—अगर उनका बचन बराबर ह और सानप्राप्त ह तो वह सजा मुतबाजी हागा जस—गुल और मु या बहार और मजार अगर वह सानुप्राप्त ह मगर बचन बराबर नहा है ता मुतरफ हागा जस माल और मना या बार और बहार अगर बचन में बराबर ह मगर सानुप्राप्त नही ह तो वह सजा

मुतबाजिन हागा जस—हाल और बाल, या नदर और सबक कोई बाक्य या पन् इस तरह कहना कि उसमें किसी का नाम बड़ी सुदरता के साथ आ जाय।

सजा (سزا) फा स्त्री—जुरे काम का राज्य की ओर ने दंड प्रत्यकार बुराई का बरला तावान अचण्ट योग्य पाय, लाइक।

सजाए आ'माल (سزای اعمال) फा अ स्त्री—जमी का दंड कमफल।

सजाए कल्ल (سزای قتل) फा अ स्त्री—प्राणण्ड मृत्युद फाँसी का सजा।

सजाए कद (سزای کد) फा अ स्त्री—नारावास का दंड जेल की सजा।

सजाए ताबयान (سزای تاراج) फा स्त्री—कोड मारल वा दंड।

सजाए महब (سزای محض) फा अ स्त्री—सादी क जिसम महनत न बरनी पडे।

सजाए मौत (سزای موت) फा अ स्त्री—प्राणण्ड फासी।

सजाए सगा (سزای سنگین) फा स्त्री—दे सजाए सहत।

सजाए सहत (سزای سخت) फा स्त्री—बह कारावास जिसमें कनी महनत ली जाय।

सजाए साद (سزای ساده) फा स्त्री—दे सजाए मजब।

सजा'गो (سزای گو) अ फा वि—जो सजा कहता हो जो सजा कहकर उसम नाम आदि निकालता हो।

सजाया (سزایا) अ पु—सजीय का बह स्वभाव आवतें प्रकृतिया।

सजायापत (سزایا پت) फा वि—जिसने पठन किसी अपराध में सजा पायी हा प्राप्तड।

सजायापतगी (سزایا پتگی) फा स्त्री—सजा पाय हुए होना।

सजायाब (سزایا ب) फा वि—जिसे सजा हो गयी हो दंडित।

सजायाबी (سزایا بی) फा स्त्री—सजा होना सजा पाना।

सजावार (سزایا وار) फा वि—याग्य पात्र लाइक।

सजावल (سزایا ول) तु वि—उपाहनवाला वुसूल करन वाग।

सजोद (سزایا د) फा वि—याग्य पात्र लाइक मुस्तहक।

सजीय (سجی) अ पु—स्वभाव प्रकृति आण्ट।

सजीयात (سجیات) अ प—सजीय का बह, आदतें, स्वभाव।

सजअ (سج) अ प—सजा गुड उच्चारण यही है परतु सजा ही बोखते ह।

सजअगो (سجای گو) अ फा वि—दे सजा'गो।

सज्जाद (سجاده) अ पु -किसी बड़े फकीर की गद्दी; जानमाज, मुसल्ला।

सज्जादःनशी (سجاده نशी) अ वि -गद्दी नशीन, जो किसी बड़े फकीर या महात्मा के बाद उसकी गद्दी ग्रहण करे।

सज्जादःनशीनी (سجاده نशीنی) अ फा स्त्री -किसी बड़े फकीर या महात्मा के निधन पर उसकी गद्दी पर बैठने का कर्म।

सज्जाद (سجاده) अ वि -बहुत अधिक सज्दे करनेवाला, बहुत बड़ा आराधक।

सज्जादगी (سجادی) अ फा स्त्री -गद्दीनशीनी, सज्जाद -नशीनी।

सज्दः (سجده) फा पु -माया टेकना, सर झुकाना; जमीन पर सर रखकर ईश्वर को प्रणाम करना, नमाज पढते हुए सज्दे में जाना, दे 'सिज्द', वह भी शुद्ध है, परन्तु अधिक शुद्ध 'सज्द' है।

सज्दःगाह (سجده گاه) अ फा स्त्री -सज्द करने का स्थान, गौओं के सज्द करने की टिकिया।

सज्दःगुजार (سجده گزار) अ वि -सज्द करनेवाला, नमाज पढनेवाला।

सज्दःगुजारी (سجده گزاری) अ फा स्त्री -सज्द करना, नमाज पढना।

सज्दःरेज (سجده ریز) फा वि -दे 'सज्द गुजार'।

सज्दःरेजी (سجده ریزی) अ फा स्त्री -दे 'सज्द गुजारी'।

सज्दए रियायी (سجده ریائی) अ फा पु -झूठा सज्द, दिलावे की नमाज।

सज्दए शुक (سجده شکر) अ पु -कृतज्ञता का सज्द, कोई काम सम्पन्न होने पर ईश्वर को धन्यवाद का सज्द।

सतर (ستر) फा पु -'अस्तर' का लघु, खच्चर, अश्वतर।

सतरवन (سدرवन) फा स्त्री -वाँझ स्त्री, निप्फला, वन्ध्या।

सतार (ستار) अ वि -पदों से ढाँकनेवाला; दोप छिपानेवाला, ईश्वर का एक नाम।

सत्र (سטר) अ स्त्री -कापी या किताब की लकीर, रेखा, पक्ति, लकीर।

सत्र (ستر) अ पु -छिपा, छिपाव।

सत्रवंदी (سטר بندی) अ फा स्त्री -लकीरे करना।

सत्रे औरत (ستر عورت) अ पु -शरीर के वह भाग जिनका छिपाना आवश्यक है।

सत्त्वत (سقوط) अ स्त्री -धाक, आतंक, दयददा, प्रताप, तेज, जलाल।

सत्हः (سطح) अ पु -हर चीज का ऊपरी भाग, तल, मत्ह।

सत्ह (سطح) अ पु -हर चीज का ऊपरी भाग, तल, जैसे— सत्हे आव, जलतल।

सत्ही (سطحی) अ वि -ऊपरी, जिस पर गौर न हुआ हो, जो ऊपरी मन से हो, जो निश्चयपूर्वक न हो।

सत्हे आव (سطح آب) अ फा. स्त्री -पानी की सत्ह, जलतल, समुद्रतल।

सत्हे जमी (سطح زمین) अ फा स्त्री -जमीन की सत्ह, धरातल।

सत्हे माइल (سطح مائل) अ स्त्री -झुकी हुई सत्ह, असमतल, सत्हे नाहमवार, वक्रतल।

सत्हे मुतवाजिन (سطح منوازن) अ स्त्री -समानान्तर सत्ह या तल, सफस।

सत्हे मुस्तवी (سطح مستوی) अ स्त्री -सत्हे हमवार, सत्हे वरावर, समतल।

सद (سد) फा वि -एक सौ, शत।

सद [द्] (سد) अ.-रोक, आड, रूकावट, बाधा।

सदआफ्री (صد آفرین) फा वि -सौ-सौ धन्यवाद, बहुत बहुत सराहना।

सदफः (صدقه) अ पु -दान, खैरात; सर से कोई चीज खैरात करने के लिए उतारना।

सदकात (صدقات) अ पु -'सदक' का बहु, सदके की चीजे।

सदचाक (صد چاک) फा वि -जो बहुत जगह से फटा हो, जो टुकड़े-टुकड़े हो।

सदपारः (صد باره) फा वि -दे 'सदचाक'।

सदफ (صدف) अ स्त्री -सीपी, शुकित, सीप-—"चंद्रमे तर अशक से दामन मेरा भर देती है, कैसे-कैसे यह सदफ मुझको गृह देती है।"

सदफे पैचाक (صدف بیچاک) अ फा पु.-धोधा।

सदफे मर्वारीद (صدف مروارید) अ फा. स्त्री -दे 'सदफे सादिक', मुक्ता-शुकित, जिस सीपी में मोती निकलता है।

सदफे सादिक (صدف صادق) अ स्त्री -सच्ची सीपी, वह सीपी जिसमें मोती होता है।

सदवर्ग (صد برگ) फा पु -सौ पत्तियोवाला, शतदल, शतपत्र, गेदे का फूल, गोदा।

सदवार (صد بار) फा स्त्री -शतधा, सौ दफा, सौ वार।

सदमहंवा (صد مرحبا) फा अ. स्त्री -दे 'सदआफ्री'।

सदयक (صد یک) फा वि -एक प्रतिशत, एक फी सैकडा।

सदर (سدر) अ पु -आखों का धुन्ध।

सदरहमत (سدر حسنت) फा. अ वि -ईश्वर की बहुत-बहुत कृपाएँ आवाज शान्त।

सदगुण (صد گون) फा अ वि-बहुत-बहुत गुणिया ईश्वर की बहुत-बहुत धयवादा यह प्राय ईश्वर के लिए आता है।

सदगुणिया (صد گونیا) फा अ वि-बहुत-बहुत धय वा यह प्राय मनुष्य के लिए आता है।

सदसाल (صد ساله) फा वि-मौ वरम का गतवर्षीय सौ वरमवाला।

सदा (صد) अ स्त्री-आवाज ध्वनि नाद प्रकीर की आवाज।

सदाए अग (صدای عش) अ स्त्री-अग की आवाज ईश्वर का आवाज, आकाशवाणी।

सदाए गुवाद (صدای گوند) अ फा स्त्री-दे सदाए वाज गत, प्रतिध्वनि।

सदाए गव (صدای غب) अ स्त्री-अनागवाण, ग्रम आवाज।

सदाए बर नदास्त (صدای بر نداشت) फा वा-बाई आवाज नहा उठा (गतय) मौन, छामोगी सन्नाटा।

सदाए बाज गत (صدای بازگشت) अ फा स्त्री-प्रति ध्वनि प्रतिगत प्रतिवाद, अनुस्वन अनुनाद प्रतिधृति।

सदाए बेहगाम (صدای بهنگام) अ फा स्त्री-बैवकन की आवाज जा अच्छी नये कुसमय का बात जा भाये नहा।

सदाए हक (صدای حق) अ स्त्री-सच्ची बात इराफ का बात जैवा-मुली बात।

सदाइत (صدایت) अ स्त्री-सच्चा सत्यता यथायथा वाक्त्रियत।

सदाइतकेग (صدایت گش) अ फा वि-मत्यनिष्ठ सत्यपाल सच्चाई को हाथ से न जाने देनेवाला।

सदाइतपरस्त (صدایت پرست) अ फा वि-सत्यता पर दूद सच्चाई का भक्त।

सदाइतपरस्ती (صدایت پرستی) अ फा स्त्री-सच्चाई का पालन सच्चाई पर दया।

सदाइतपरवोह (صدایت پرور) अ फा वि-द सदाइत केग।

सदाइतपसद (صدایت پسند) अ फा वि-सच्चाई का पसन्द करनेवाला।

सदाइतपसदी (صدایت پسندی) अ फा स्त्री-सच्चाई का पसन्द करना।

सदाइतमग्राय (صدایت مگرای) अ वि-बहुत हा मन्चा ओर धमनिष्ठ व्यक्ति।

सदाइतमदार (صدایت مدار) अ फा वि-द सदाइत पालन।

सदाइतगिआर (صدایت شمار) अ वि-द सदाइत पसद।

सदाइत (صدایت) अ स्त्री-समापनित्व अयसता।

सदाइती (صدایتی) अ वि-समापति से सम्बन्धित, समा पति वा, सदाइत का।

सदाइते अजमन (صدایت اجمن) अ फा स्त्री-निस्ती समिति या सस्था आदि का समापनित्व।

सदाइते जलस (صدایت جلسه) अ स्त्री-किसी सभा को अध्ययता।

सदाइत (صدایت) अ फा वि-वह स्थान जहाँ तब आवाज पहुँचे।

सदिर (سد) अ वि-जिसकी आँखें अचभे से खुली की मुली रह गयी हो चकित निस्तप।

सदी (سدی) फा वि-मौ वप का समय गताप्ती गती।

सदी (سدی) अ स्त्री-स्तन पयोधर छाती पूचा, गुद उच्चारण सद् है परतु सदा बाल्ते है।

सदीक (سدیق) अ वि-दोस्त मित्र सुहृद, सला।

सदीद (سدید) अ वि-सरल शीघ्र यथाय, ठीक, दृढ मजबूत स्थायी पाएगर।

सदीद (سدید) अ पु-धाव से निकलनेवाला मवा, पीप जदवि।

सदी (سدی) अ स्त्री-स्तन छाता, मनुष्य का हो या स्त्री का शुद्ध उच्चारण यही है दे सिद्ध।

सद् (سد) अ पु-ईरानिया का एक महात्त्व जो बहुमन मास की दगमी को होता है।

सद् शव (سد شام) अ पु-राक निषेध, निवारण।

सद् रमा (سد رمی) अ वि-किचिमात्र बहुत ठनिक, बिलकुल जरा-छा।

सद् राह (سد راه) अ फा स्त्री-रास्ते को रोड मली या रास्ते क बीच का पत्थर जो रास्ते रोड देता है काम में रुकावट डालनेवाला, बाधक।

सहै सिद्धर (سد سکندر) अ स्त्री-बहो है वि सिद्धर ने एक बहुत बड़ी और मजबूत दावार बनवाया थी परन्तु अब यह बात असत्य सिद्ध हो गयी है। कुछ लोग उस बहुत बड़ी पत्थर की मूर्ति को बजाय ह जो जिम्माटर की दा पहाड़ियों के बीच समान में सडी है और इनने बहुत आकार की है कि उनके बीच स जहाज निकल जाते ह। कुछ लोग दीवारों पीन का बतान है परन्तु यह बात पटो की सिद्ध है। पुरी है। कुछ लोग मूराल पहाड और अगार पहाड़ के बीच में बटो ह जा जगन हसीमो और मदीलिपन डीमा व

एवारिज्मवालो को बचाने के लिए बनवायी थी, परंतु उसका कोई चिह्न नहीं है। कुछ हो, फारसी और उर्दू साहित्य में तो अब भी यह एक अजेय और अटूट दीवार है और रहेगी।

सदमः (صدمه) अ. पु.—आघात, चोट; दुःख, तकलीफ; गोक, अफसोस; पश्चात्ताप, पछतावा, मृतगोक, मरनेवाले का रज, पीडा, दर्द; यातना, अजाव।

सदमए जाँकाह (صدمه حانكاه) अ. फा. पु.—जानलेवा दुःख या गोक, प्राणो को धुला देनेवाली पीडा या दुःख।

सदमए फिराक (صدمه فراق) अ. पु.—विरह-व्लेश, वियोग सताप, नायिका से विछुडने का शोक।

सदमए मौत (صدمه موت) अ. पु.—किसी के निधन का गोक।

सदमए हिज्र (صدمه هجر) अ. पु.—दे. 'सदमए फिराक'।

सदमात (صدمات) अ. पु.—'सदम' का बहु, सदमे।

सद्र (صدر) अ. पु.—सभापति, अध्यक्ष, मीरे मज्लिस; केन्द्रीय स्थान, सद्र मुकाम, मुख्य, खास; वक्ष स्थल, छाती, सीना, महा, बड़ा, जैसे—सद्र अस्पताल, सद्र डाकखाना।

सद्रदफ़तर (صدردفتر) अ. पु.—वह बड़ा दफ़तर जिसके अधीन कई और दफ़तर हो।

सद्रनशी (صدرنشین) अ. वि.—सभापति, मीरे मज्लिस, प्रतिष्ठित, अग्रगण्य, सरामद।

सद्रवाज़ार (صدربازار) अ. फा. पु.—छावनी का बाजार, उर्दू बाजार, बड़ा बाजार, खास बाज़ार।

सद्रमकाम (صدرمقام) अ. पु.—किसी उच्च पदाधिकारी का हेड क्वार्टर, मुख्यालय, शासन-केन्द्र, राजधानी।

सद्रमदरिस (صدرمدرس) अ. पु.—सब अध्यापको का नायक, मुख्याध्यापक, हेड मास्टर।

सद्रमुहासिव (صدرمحاسب) अ. पु.—सबसे बड़ा एकाउंटेंट, महालेखापाल, गणनाध्यक्ष।

सद्री (صدری) अ. वि.—सीने का, छाती का, सीने में छिपा हुआ, (स्त्री) सीने पर पहनने की बडी, निचोलक।

सद्रुस्सुद्दर (صدرالصدور) अ. पु.—चीफ जस्टिस, सबसे बड़ा जज, शाही हरमसरा का संरक्षक, अत पुरिक।

सद्रे अमीन (صدرامین) अ. पु.—दूसरे दर्जे का जज, सवाडिनेट जज।

सद्रे आ'जम (صدراعظم) अ. पु.—महामंत्री, वज़ीरे आ'जम, प्रधान मंत्री।

सद्रे आ'ला (صدراعلى) अ. पु.—अव्वल दर्जे का जज, सेशन जज, दौरा जज, सत्र-न्यायाधीश।

सद्रे जामिअः (صدرجامعه) अ. पु.—यूनिवर्सिटी (विश्व-विद्यालय) का चांसलर, कुलपति।

सद्रे दीवान (صدردیوان) अ. फा. पु.—मुख्य मंत्री, प्रधान मंत्री, वज़ीरे खास, वज़ीरे आजम; शाही खज़ाने का बडा अफसर, महाकोषाध्यक्ष।

सद्रे वल्म (صدرولم) अ. फा. पु.—दे. 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मज्लिस (صدرمجلس) अ. पु.—सभापति, सभाध्यक्ष, मीरे महफिल।

सद्रे महफिल (صدرمفصل) अ. पुं.—दे 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मुशाअरः (صدرمشاعر) अ. पु.—कवि-सम्मेलन का सभापति, मीरे मुशाअर।

सनः (سنه) अ. पु.—वत्सर, सवत्, साल, सन।

सन (سن) अ. पु.—वत्सर, साल, वरस, वर्ष।

सनद (سند) अ. स्त्री—प्रमाण, सुवूत; प्रमाणपत्र, सर्टी-फिकेट, आश्रय, सहारा, विश्वास, एतिवार नमूना, मिसाल, निदर्शन, आदर्श, उदाहरण, मिसाल, उपाधि, डिग्री।

सनदन (سنداً) अ. वि.—उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर, प्रमाणार्थ, सुवूत के रूप में।

सनदयापूतः (سندبافتہ) अ. फा. वि.—उपाधिप्राप्त, जिसने डिग्री पा ली हो।

सनदात (سندبات) अ. स्त्री.—'सनद' का बहु, सनदे।

सनदी (سندی) अ. वि.—प्रमाणित, मुसल्लम।

सनदे फ़ज़ीलत (سندفضیلت) अ. स्त्री.—किसी विषय में पारंगत होने की उपाधि।

सनदे फ़रागत (سندفراغت) अ. स्त्री.—दे. 'सनदे फज़ीलत'।

सनदे मुआफ़ी (سندمعافی) अ. स्त्री.—किसी को मुआफी जमीन दिये जाने का प्रमाणपत्र।

सनदे विरासत (سندوراثت) अ. स्त्री.—किसी के स्थान पर उपस्थित होने या उत्तराधिकारी होने का प्रमाणपत्र।

सनदे हिक्मत (سندحکمت) अ. स्त्री—(तबावत में) स्नात होने की उपाधि।

सनम (صنم) अ. पु.—मूर्ति, प्रतिमा, वुत, प्रिया, प्रेमिका, प्रेयसी, माशूक।

सनमकदः (صنمکده) अ. फा. पु.—मूर्तिगृह, मंदिर, वुत-खाना।

सनमखानः (صنمخانه) अ. फा. पुं.—वुतखाना, मंदिर, मूर्तिगृह।

सनमपरस्त (صنمپرست) अ. फा. वि.—मूर्तिपूजक, वुतो को पूजनेवाला, साकारोपासक।

सनमपरस्ती (صنمپرستی) अ. फा. स्त्री.—मूर्तिपूजा, वुतपरस्ती।

सनवात (سنوات) अ. पुं.—'सन' का बहु, वरसों, सालों।

सन्धी (سنڌي) अ वि-मन्जाल वष का, वार्षिक, सालाना।

सन्धा (سندا) स्त्री-स्मृति बदना हुम्द प्रदसा, श्लाघा, शरीफ इस्लामी परिभाषा म हजत मुहम्मद साहब की गुणगाथा।

सन्धा (سندا) फा स्त्री-एक रेचक पत्नी सनाय स्वण पत्नी।

सन्धाए (صناعات) अ पु-सन्धत का बहु, मन्जतें, वारी गरिया जकाराति, जया सन्धतें।

सन्धाए मक्की (صناعة مكي) फा अ स्त्री-सन्धा की पत्नी जा मक्क स आती है। यह सन्धा बन्त हा अब्दी हाता है।

सन्धाए भातवी (صناعة معली) अ पु-अर्थालकार वर अल्कार जिनस जय की विगपसा प्रकट की जाय और जय का चमत्कार दिगामा जाय।

सन्धाए लफ्जी (صناعة لفظي) अ पु-गालकार वह अन्कार जिनके द्वारा शब्द म साहित्यिक चमत्कार पदा किया जाय गि अन्कारा का सम्बन्ध क्वल शब्दा स हो।

सन्धावीद (صناديد) अ पु-सिदाद का बहु, प्रतिष्ठित और महान व्यक्ति।

सन्धाया (سندايا) अ पु-सन्धा का बहु अगले चार दांत दो ऊपर के और दो नीचे के।

सन्धी (سنڌي) अ वि-सन्धीय।

सन्धीन (سنڌين) अ पु-सन्ध का बहु, बहुत से वरस का साल।

सन्धीय (سنڌي) अ पु-आग का एर दात अगला एर नित ऊपर का हो या नीचे का।

सन्धत (سنڌو) अ पु-सन्धा का मजन अन्ध-मजन।

सन्धत इस्वी (سن عسوي) अ पु-यह सबत्सर जो हज्रत ईसा के जमाने में चलता है।

सन्धत मरत (سن واد) अ पु-मरत का साल जिनमा विगी व्यक्ति का निधन हुआ है।

सन्धत विलदत (سن واد) अ पु-सन्धा होने का शब्द।

सन्धत हिदी (سن عسوي) अ पु-सन्धत वरस का हज्रत मुहम्मद साहब का मरना छोडकर मरना जाने के गि स चलता है इस्लामी साल।

सन्धीकर (سنڌو) फा पु-बोरा का पद जो सन्धा और मुन्ध होता है।

सन्धीकरद (سنڌو) फा वि-त्रिपत्ता नदी सन्धाए के पेट की तरह सन्धा और मुन्ध है।

सन्धीकरामत (سنڌو) फा वि-सन्धाकर का पु-सन्धा का पद जो सन्धा और मुन्ध होता है।

सन्धत (صنعت) अ स्त्री-इस गाल का गुड उच्चारण सुनघत है परंतु उद् म सन्धत ही प्रचलित है। साए यही गड है कला, पन, शिरफ कारीगरी अन्कार।

सन्धतगर (صنعتگر) अ फा वि-शिल्पकार शिल्पा, कारागर उद्योगजीवी पेशावर।

सन्धतगरी (صنعتگري) अ फा स्त्री-शिल्पकला, शिल्प सिद्धि कारीगरी उद्योग कम पना।

सन्धतगाह (صنعتگاه) अ फा स्त्री-शिल्पशाला उद्योगशाला।

सन्धतती (صنعتي) अ वि-सन्धत स सम्बन्धत आध्यात्मिक शिल्पक।

सन्धतते शब्द (صنعت كنار) गार (صنعت كنار) अ फा स्त्री-ईश्वर की कारीगरी, प्रार्थितव सीप्य।

सन्धतते सजाद (صنعت رضان) अ स्त्री-वह शब्दाकार जिसमें दो या कई परस्पर निराधी चांच हाया जाय।

सन्धतते पबदगार (صنعت درونگر) अ फा स्त्री-दे सन्धतें का गार।

सन्धतते मक्लब (صنعت مقلوب) अ स्त्री-बह शालकार जिसमें किसी शब्द के अन्तर उच्चारण कोई दूसरा शब्द बनाकर चमत्कार पदा किया जाय।

क्या कर म लुफ वादीकशा हा सहाब म, बारिा से सारे हफ मिले ह गराब के। वारिा का उल्टो तो गन्ध के अन्तर मिलत है।

सन्धतते नेरी (صنعت سغري) अ स्त्री-अल्कार, पाय ग।

सन्धाअ (صناعة) अ वि-शिल्पकार शिल्पी कारीगर कलाकार, पत्रकार।

सन्धाई (صناعي) अ स्त्री-शिल्पकम कारीगरी, वारा कम पनकारी टाय का वारीक काम।

सन्धाए शब्दत (صناعة درون) अ पु-प्रकृति शिल्प नेकर।

सन्धत (سند) फा पु-कारा साय जा नकर गुजर के लिए जलाया जाता है अ गिपद, दाता गुड ह।

सन्धत (سندان) फा वि-सन्धत।

सन्धत (سند) फा वि-सन्धत।

सन्धत (سند) फा वि-सन्धत।

सन्धत (سند) फा वि-सन्धत।

सन्धत (سند) अ स्त्री-शिल्प अथवा इतर देता शरीर स्त्री बनाए नयाद या इबादत में मनुष्य की स्त्री सादत।

सफ़ाआरा (صفاآرا) अ फा. वि.—युद्ध में सम्मुख आया हुआ दल।

सफ़ाआराई (صفاآराई) अ. फा. स्त्री.—युद्ध के लिए दो दलों का आमने-सामने होना।

सफ़कशी (صفاکشی) अ फा स्त्री—फौजकशी, सैन्य-यात्रा, चढ़ाई।

सफ़दर (صفادر) अ फा. वि.—युद्ध में वँधी पंक्तियों को तोड़ देनेवाला, महारथी, रणशूर, हज़त अली की उपाधि।

सफ़न (صفان) अ पु.—मछली या मगर का खुरदरा चमड़ा जो तलवार की मूठ पर लगाते हैं ताकि पकड़ मजबूत रहे, बसूला।

सफ़बंदी (صفابندی) अ फा स्त्री—पक्तिवद्ध होना, कतारें बाँधना, लाइन लगाना।

सफ़व सफ़ (صفا و صفا) अ फा. वि.—पक्तिवद्ध, कतारें बाँधे हुए, कई पक्तियों में बँटकर खड़े हुए।

सफ़वस्तः (صفا و صفا) अ. फा. वि.—पक्तिवद्ध, कतारें बाँधे हुए।

सफ़र (صفا) अ पु—यात्रा, मुमाफरत, प्रस्थान, कूच, पर्यटन, सियाहत, गमन, जाना।

सफ़र (صفا) अ पु—इस्लामी दूसरा महीना।

सफ़रखर्च (صفا و صفا) अ फा. पु—मार्ग-व्यय, आने-जाने का सफ़।

सफ़रजल (صفا و صفا) अ. पु—विही, एक प्रसिद्ध मेवा।

सफ़रनामः (صفا و صفا) अ फा पुं—वह पुस्तक जिसमें कोई व्यक्ति अपने देश-विदेश पर्यटन करने का विस्तारपूर्वक वृत्तान्त लिखे, भ्रमण-कथा।

सफ़री (صفا) अ वि.—सफ़र का, सफ़र से सम्बन्धित।

सफ़रे आखिरत (صفا و صفا) अ पु—अंतिम यात्रा, महा-प्रस्थान, परलोक-यात्रा, मरना, मरण।

सफ़रे बह्री (صفا و صفا) अ. पु—समुद्र के रास्ते पर्यटन, जहाज का सफ़र।

सफ़रे हवाई (صفا و صفا) अ पु—वायुयान द्वारा सफ़र।

सफ़वी (صفا) अ. वि—शाह 'सफी' से सम्बन्धित, जो बड़े महात्मा थे और जिनकी सतान ईरान की शासक हुई।

सफ़वीयः (صفا) अ वि—शाह सफी की सतानवाले।

सफ़शिकन (صفا و صفا) अ फा. वि—युद्ध में पक्तिवद्ध सेना को चीर डालनेवाला, महारथी।

सफ़शिकनी (صفا و صفا) अ फा स्त्री—सेना की पक्तियों में दरार डाल देना।

सफ़ह (صفا) अ स्त्री—मूर्खता, निर्वुद्धित्व, बेअकली।

सफ़ा (صفا) अ स्त्री—स्वच्छता, विगुद्धता, सफ़ाई, चमक-

दमक, आवोताव; मक्के की एक पहाड़ी, (वि) साफ़तौर से, स्पष्ट रूप से।

सफ़ाइन (صفاين) अ. पु.—'सफीनः' का बहु, नौकाएँ, नावे, कश्तियाँ।

सफ़ाई (صفاई) अ. स्त्री.—स्वच्छता, शुभ्रता, उजलापन, विशुद्धता, निर्मलता, खालिसपन, पवित्रता, पाकीजगी, निर्दोषता, बेएनी, मुकदमे में दोष के सुवृत के बाद निर्दोष का सुवृत (फौजदारी में)।

सफ़ाए क़ल्ब (صفا و صفا) अ. स्त्री—हृदय की शुद्धि, चित्त की पवित्रता, अत.शुद्धि, मन सस्कार।

सफ़ाए वातिन (صفا و صفا) अ. स्त्री—दे 'स. कल्ब'।

सफ़ाकेश (صفاکيش) अ फा. वि—शुद्धात्मा, पाक-वातिन, सदाचारी, नेकअत्वार।

सफ़ामश्रव (صفا و صفا) अ वि—दे. 'सफ़ाकेश'।

सफ़ारा (صفاآرا) अ. फा वि—दे. 'सफ़ाआरा'।

सफ़ाराई (صفاآراई) अ फा स्त्री—दे 'सफ़ाआराई'।

सफ़ाहत (صفا و صفا) अ. स्त्री—कमीनापन, अधमता, नीचता, पामरता।

सफ़िलः (صفا) अ पु—'सिपल.' का बहु, सिपले, नीच लोग, कमीने।

सफ़ी (صفا) अ वि—स्वच्छ, धवल, साफ, स्वच्छात्मा, पाकीज मिजाज, मित्र, सखा, दोस्त, हज़त आदम का लकव।

सफ़ीउल्लाह (صفا و صفا) अ. पु—ईश्वर का मित्र, हज़त आदम।

सफ़ीनः (صفاين) अ पु—नीका, नाव, कश्ती, परवाना, आदेशपत्र, कविता की किताव।

सफ़ीयः (صفا) अ स्त्री.—शुद्ध अत करणवाली; हज़त मुहम्मद साहिब की एक सुपत्नी का शुभ नाम।

सफ़ीर (صفا) अ स्त्री—सीटी जो मुँह की आवाज से बजायी जाय, पक्षियों की बोली।

सफ़ीर (صفاير) अ पु—पत्रवाहक, चिट्ठी ले जानेवाला; सदेशवाहक, पैगाम पहुँचानेवाला, दूत, राजदूत।

सफ़ीह (صفا و صفا) अ. वि—अधम, नीच, कमीना, निर्वुद्धि, मूर्ख, नादान।

सफ़ूफ़ (صفا و صفا) अ पु.—पिसी हुई चीज, चूर्ण।

सफ़े जंग (صفا و صفا) अ फा स्त्री—फौज की कतार, सेना-पक्ति।

सफ़ेदः (صفا) अ पु—फूँका हुआ जस्त, जिन्क आक्साइड; सफ़ेदी, श्वेतता।

सफ़ेद (صفايد) अ वि—शुभ्र, उजला, श्वेत, सफ़ेद।

सफेदए सहर (سفید سحر) फा अ पु—प्रातःकाल का हल्का प्रकाश।

सफेदबश्म (سفید بشم) फा वि—निश्चय वेहया।

सफेदपोश (سفید پوش) फा वि—सफेद कपड़े पहननेवाला, श्वेतावर भलामानस, राजन वह व्यक्तित्व जो कम आमन्त्रो पर भी शिष्टता से जीवन बिबिह कर।

सफेदबहत (سفید بहत) फा वि—भागवान, सुशानसीब।

सफेदी (سفیدی) फा वि—श्वेतता, सफेदी, गुभना, उजलापत।

सफेदीसियाह (سفیدی سیاه) फा पु—बाला जीर सफेद श्वेत-वृष्ण सिवासित।

सफे निआल (صف نعال) अ स्त्री—समा मे वहरथान जहा जूने रवे जात ह, जत रखने का स्थान, सबसे नीचा स्थान।

सफे मातम (صف ماتم) अ फा स्त्री—वह फश जिस पर मत्पुशोक प्रवट करने के लिए लाग एका ह।

सफे लशकर (صف لسکو) अ फा स्त्री—दे 'सफे जग।

सफक (سفک) अ पु—रकनपात हिंसा, खुरेजी।

सफके दिमा (سفک دما) अ पु—खून बहाना, हिंसा करना, रक्तपात।

सफकाफ (سفکاف) अ वि—रक्तपाती खून बहानेवाला, निष्ठुर बेरहम, अत्याचारी जालिम।

सफफाकी (سففاکی) अ स्त्री—रकनपात, खुरेजी निष्ठुरता, मगलिली अत्याचार ज़ुलम।

सफ (سفره) अ पु—दस्तरखान वह चीज जिस पर खाना रखकर खाते ह इसका मूल उच्चारण 'सुफ' है, दे 'सुफ'।

सफरची (سفره چی) अ फा वि—दस्तरखान का बचा हुआ खानेवाला।

सफरची (سفره چی) अ फा पु—खानसामा खाना खिलाने वाला बटा।

सफा (سفره) अ पु—एक धातु पित्त कटुता कडवाहट, पीने रग वी चीज धनुप।

सफाबी (سفره ای) अ वि—सफा का पित्त का पित्त से सम्बन्धित पित्त के दोष स उत्पत्त।

सफागिन (سفره گین) अ फा वि—पित्तनाशक, पित्त को खतम करनेवाली दवा।

सफला (سفره ای) अ वि—निम्नतम बहुत नीचा बहुत अपम लापर।

सफरत (سفره) अ स्त्री—श्रेष्ठता बुजुर्गी निमलता सफाई सतिष्ठ खलासा निमल, सफ यह शब्द सिपवत और सुपरत भी है।

सफह (سفره) अ पु—गुप्त पत्रा पेज तल सतन।

सफहए आस्मा' (صفحه آسمان) अ फा पु—आकाश पटल, तल्ला रूपी आकाश।

सफहए कागज (صفحه کاغذ) अ पु—कागज का पन्ना, पत्र का एक जोर।

सफहए कितसि (صفحه و طاس) अ पु—सफहए कागज।

सफहए जमी' (صفحه زمین) अ फा पु—पृथ्वी का चौरस तल, धरातल।

सफहए हस्ती (صفحه هستی) अ फा पु—पत्ररूपीस्कार, पटरूपी जीवन, जीवन-पटल।

सव [ص] (ص) अ पु—पानी फलना, पानी बहना आशिक, आसकत।

सव [ص] (ص) अ स्त्री—माला-मलीज अपना दे।

सवक (سوک) अ पु—पाठ जितना एक दिन में मुख से पना जाय शिक्षा, सीख, नसीहत, इब्रत अनुभव तथिब।

सवकआमोज (سوک آموز) अ फा वि—सवक सिखाने वाला, पढानेवाला नसीहत करनेवाला, उपदग देनेवाला।

सवकत (سوکت) अ स्त्री—आगे निकल जाना, बढ़ जाना अ-वल आना, सबसे आधिब नबर पाना।

सवद (سود) फा स्त्री—टोकरी, डलिया।

सवदे गुल (سود گل) फा स्त्री—फूलो की टाकरी माली की फूलो से भरी डलिया।

सवव (سود) अ पु—कारण, हेतु वजह मूल कारण, वह दो अक्षरी शब्द जिनम एक हल् हो या दोना अत्र।

सवव (ص) अ पु—नीची भूमि निशेवी जमीन, आशिक हाना।

सवाल (سوال) अ पु—परवाल, वह बाल जा आँवा में पदा हो जाते ह और बहुत कष्ट देते ह और जिनसे आँव खराब हो जाती ह।

सवालत (سوالت) अ स्त्री—मूँछ।

सवा (سوا) अ पु—यमन का एक शहर जा हज्जत मुलमान को दहेज में मिला था अ-डुला का बाप यह वहा अ-डुला है जो इने सवा के नाम से प्रसिद्ध है और जितन एक नया धम बनाकर लागा को ठगा था।

सवा (صبا) अ स्त्री—मुर्बा हवा, ठडी मडुल और मधुर हवा समीर मद समीर।

सवाक (سواک) अ पु—दे मुद्ध उच्चारण सिबात।

सवाजिराम (صبا حرام) अ फा वि—सवा की तरह अठगबर धीरे धीरे खानेवाला (वाली) मुडुगामिनी।

सवात (صبات) अ पु—दुडुना म्थिरता, मडुवना विर स्वायित्व पायगरी।

सवाते अक्ल (ثبات عقل) अ. पु.—बुद्धि की स्थिरता और पुष्टगी, वृद्धि का दोष रहित होना।

सवाते राय (ثبات رای) अ पु—राय और विचार की मुद्दता, खयाल की पुष्टगी, राय का ठीक होना।

सवाते होशोहवास (ثبات هوش وحواس) अ फा पु—होश और सज्ञा का ठीक होना, होश में होना।

सवारफतार (صاففتار) अ फा वि.—दे. 'सवाखिराम'।

सबाह (صباح) अ. स्त्री.—प्रातः काल, प्रभात, तडका, गोरा, सुन्दर, ह्यवान्।

सबाहत (صباحت) अ स्त्री.—गोरापन, रंग की सफेदी, सुन्दरता, रूप, हुस्न।

सबाहत (صباحت) अ. स्त्री.—पैराकी, पानी में तैरना, दे. 'सबाहत', दोनो शुद्ध हैं।

सबाहे ईद (صباح عید) अ स्त्री.—ईद के दिन का सवेरा; खुशी और आनन्द का उदय।

सबर (صبر) अ पु—एलुआ, इस अर्थ में 'सन्न' और 'सिन्न' भी है।

सबी (صدی) अ. पु—दूध पीता बालक, शिशु, दुधमुँहा।

सबीय: (صبیة) अ. स्त्री.—दूध पीती बच्ची।

सबील (سبیل) अ स्त्री—मार्ग, रास्ता, उपाय, यत्न, तदवीर, पद्धति, शैली, तर्ज; पानी पिलाने का स्थान, पियाऊ, मुहर्रम में शर्वत पिलाने का स्थान।

सबीह (صباح) अ वि—गोरा-चट्टा, जिसका रंग खूब साफ हो, गौरवर्ण, सुन्दर, हसीन।

सबुई (سعی) अ वि—दे 'सबुईयत'।

सबुईयत (سعیت) अ स्त्री—भेड़ियापन, दरिदगी, निर्दयता, बेरहमी।

सबुक (سبک) फा वि—अगुरु, हलका, अधम, नीच, लोफर, चुस्त, फुर्तीला, शीघ्रता, जल्दी, 'सुबक' भी प्रचलित।

सबुकइनाँ (سبک‌انان) फा वि—शीघ्रगति, शीघ्रगामी, तेजरफतार।

सबुकखिराम (سبک‌خیرام) फा वि—तेज चलनेवाला, शीघ्रगति।

सबुकखेख (سبک‌خیز) फा वि—सबेरे बहुत तडके उठनेवाला।

सबुकगाम (سبک‌گام) फा वि—शीघ्रगति, तेज चलनेवाला; मृदुलगामी, हलकी चाल से चलनेवाला।

सबुकगामी (سبک‌گامی) फा स्त्री.—तेज चलना, हलकी चाल से चलना।

सबुकजौलाँ (سبک‌جولان) फा. वि.—शीघ्रगामी, तेजरी।

सबुकतिगी (سبک‌تگی) तु. पु—सुलतान महमूद के बाप का नाम, दे 'सुबुकतिगी', दोनो शुद्ध हैं।

सबुकदस्त (سبک‌دست) फा वि.—जिसका हाथ किसी काम पर सधा हो, जो तेजी से काम करे, चालाक।

सबुकदस्ती (سبک‌دستی) फा. स्त्री—किसी काम पर हाथ का सधा होना, तेजी से काम करना।

सबुकदोश (سبک‌دوش) फा वि—भारयुक्त, जिम्मेदारी से अलग, पिशिनयापत, अवकाशप्राप्त।

सबुकदोशी (سبک‌دوشی) फा स्त्री—जिम्मेदारी से अला-हिदगी, पिशिन, निवृत्ति।

सबुकपरवाज (سبک‌پرواز) फा वि.—तेज उड़नेवाला; ऊँचा उड़नेवाला।

सबुकपरवाजी (سبک‌پروازی) फा स्त्री.—तेज उड़ना; ऊँचा उड़ना।

सबुकपा (سبک‌پا) फा वि—शीघ्रगति, तेजकदम।

सबुकपाई (سبک‌پائی) फा स्त्री—तेज चलना, शीघ्र-गमन, तेजकदमी।

सबुकवार (سبک‌وار) फा वि—जिसके सर से बोज उतर गया हो, भारमुक्त, निवृत्त।

सबुकवाल (سبک‌سال) फा वि—तेज उड़नेवाला।

सबुकमराज (سبک‌مراز) फा वि—मदबुद्धि, अल्पबुद्धि, कमअक्ल, तिरस्कृत, अपमानित, बेइज्जत।

सबुकमराजी (سبک‌مرازی) फा स्त्री—बुद्धि की मदता, बेअक्ली; तिरस्कार, निंदा, बेइज्जती।

सबुकरफतार (سبک‌رفتار) फा वि—शीघ्रगति, आशु-गामी, तजेरौ।

सबुकरफतारी (سبک‌رفتاری) फा स्त्री—तेज चलना, शीघ्र गमन।

सबुकरची (سبک‌روی) फा स्त्री—तेज रफतारी, तेज चलना।

सबुकखूह (سبک‌روح) फा अ वि—हँसमुख, जरीफ, निवृत्त, बेतअल्लुक, हर काम में हौगियार, जो किसी में द्वेष, वैर आदि न रखे।

सबुकखूही (سبک‌روخی) फा अ. स्त्री—हँसमुख होना, निवृत्ति, बेतअल्लुकी, फुरती, तेजी, किसी से कोई द्वेष आदि न रखना।

सबुकरौ (سبک‌رو) फा वि—दे 'सबुकरफतार'।

सबुकसंग (سبک‌سنگ) फा वि.—अधम, नीच, कमीना।

सबुकसर (سبک‌سر) फा वि—अधम, बोछा, लोफर, जो अपना धैर्य और गभीरता छोडकर अपनी जगह से नीचे उतर आये।

सबुक्सरी (سبکسری) का स्त्री—ओछापन, अर्थात् मर्यादा का त्याग अपने दरजे से नीचे उतरना।

सबुक्सार (سبکساز) का वि—जा सामारिक बंधना से निवृत्त है, फारिगत बाल।

सबुक्सर (سبکسرد) का वि—दे 'सबुक्सरपतार'।

सबुक्सरी (سبکسیری) का अस्त्री—'सबुक्सरपतारी'।

सबुक्सहिम्मत (سبکسهمت) का अ वि—हतात्माह मर्णा रसाह अल्पसाहम कमहीमला।

सबुक्सहिम्मती (سبکسهمتی) का अ स्त्री—उत्साह और साहस को कमा कमहिम्मती।

सबुकी (سبکی) का स्त्री—हल्कापन लज्जा, विपन्न नीचता कमीनगी।

सबू (سبو) का पु—घडा घट कुभ गराव की मटकी, मटघट सुबू भा प्रचलित—किया ह भरत जिन्हें तेरी चगमे भगूने वह किस न्ये ह्वम सागरी सबू करते।

सबूएम (سبویم) का पु—गराव का घण्टा, मटघट।

सबूकग (سبوکش) का वि—जो पूरा मटका गराव पी जाय पक्ता शराबी।

सबूकगी (سبوکسی) का स्त्री—गरावनागी मटपान।

सबूच (سبوچه) का पु—छोटा घडा मटकी।

सबूदान (سبودان) का पु—घडा रखने की तिरपाई धादि।

सबूर (صبور) अ वि—धयवान धीरज धरनेवाला सन्न करनेवाला।

सबूरी (صبری) अ स्त्री—धय धीरज सन्न।

सबूस (صبرس) का स्त्री—भूसी तुप।

सबूसार (صبرسار) का वि—कुभकार कुम्हार।

सबूसे अस्पगोल (صبرس اسفغول) का स्त्री—दमवगोल की भूसी।

सबूह (صبوھ) अ वि—सबूरे तडके पी जानेवाली गराव।

सबूही (صبوھی) अ स्त्री—सबूहें।

सबूहीकग (صبوھی کس) अ का वि—सबूरे की शराव पानवात्रा।

सबअ (سبعه) अ वि—मात सप्त एक सख्या।

सबअ (سبع) अ वि—मात सात की सख्या।

सबअ (صبع) अ पु—रगना रग करना रजन।

सबअ (سبوعه) का पु—हरी घास हरियाली सज रग का घाडा।

सबअआपज (سبوعه اصرار) का वि—जिमकी मूछ-गडी के बाल निकलने गुरू हो गये हैं अकुरितयोवा।

सबअछत (سبوعه خط) का वि—जिसकी मूछ-गडी के बाल नयेनये निकले हैं।

सबअखेज (سبوعه خج) का वि—हरा गरा हरियाली से परिपूण।

सबअखार (سبوعه خار) का पु—जहाँ हरियाली ही हरियाली है, घास का मगन।

सबअरग (سبوعه رگ) का वि—हरे रग का मगीह नमकीन सावला सलाना।

सबअरत (سبوعه رت) का वि—'सज मत'।

सबअर (سبوعه ر) का वि—'सज वत'।

सबअखेज (سبوعه خج) का वि—हरा हरा रग हरे रग से रेंगा हुआ।

सबअए खुवरो (سبوعه خوروه) का पु—अपन आप जमन वागी घास।

सबअए नोखेज (سبوعه نوخج) का पु—नया उगी हुई घास नयी निकली हुई दानी दानी-मूछ क नये वाल।

सबअक (سبوعه ک) का पु—नीलकंठ चाप।

सबअकदम (سبوعه قدم) का अ वि—जिसका जाना अनिष्ट कर हा मनुहसकलम अगुमचरण।

सबअकदमी (سبوعه قدمی) का अ स्त्री—जाना अगम होना।

सबअकार (سبوعه کار) का वि—जिसके हाथ से काम अजी तरह निकलें, जो हर काम सफलतापूर्वक कर।

सबअपा (سبوعه پا) का वि—दे 'सजकदम'।

सबअपाई (سبوعه پائی) का स्त्री—'सजकदमा'।

सबअपोग (سبوعه پوش) का वि—हरे रग क बपडे पहनन वाला हरितावर।

सबअपोगी (سبوعه پوشی) का स्त्री—हरे बपडे पहनना।

सबअफाम (سبوعه فام) का वि—हरे रगवाला हरिताग।

सबअकामी (سبوعه کامی) का स्त्री—हरा रग हाना गरीर का रग हरा होना।

सबअवख्त (سبوعه خت) का वि—आगवान सुगकिस्मत तेजस्वी प्रतापी इक्वालमद।

सबअवहती (سبوعه هتی) का स्त्री—आगवानी प्रताप इक्वाल।

सबअरग (سبوعه رگ) का वि—हरे रग का सजोना सावला मलीह।

सबअरगी (سبوعه رگی) का स्त्री—हरा रग हाना सलोना पन सावत्रापन।

सबअने चमन (سبوعه چمن) का पु—वाग के पेड वाग कं यध।

सबअी (سبوعه ی) का स्त्री—हरापन हरियालापन घास, सज घाव भाजी तरकारी भग भांग।

सन्दीखोर (سندى خور) फा. वि.—शाकाहारी, सागपात खानेवाला।
 सन्दीनः (سندین) फा पु—साँवले रंग का भाँशुक।
 सन्दीफरोश (سندى فروش) फा. वि—साग-तरकारी बेचने-वाला, कुंजडा।
 सन्त (سنت) अ स्त्री—छुटे हुए वाल, खुले हुए वाल, वाल जिनका जूडा न बँधा हो।
 सन्त (سنت) अ वि—अकन, लिखना, अंकित, लिखित, लिखा हुआ।
 सन्त (سنت) अ पु—शनिवार, शव, सनीचर।
 सन्नाक (سناک) अ वि.—स्वर्णकार, सुनार।
 सन्नाग (سناغ) अ वि—रँगनेवाला, रजक, रगरेज।
 सन्नागी (سناغی) अ स्त्री—रँगने का काम।
 सन्नागे जमी (سناغ زمين) अ फा पु—रवि, सूरज, क्योंकि पृथ्वी के तमाम प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और धातुवर्ग को रग सूरज से ही मिलता है।
 सन्नावः (سناوه) अ स्त्री—तर्जनी, अँगूठे के पास की उँगली।
 सन्नाह (سناح) अ वि—तँरनेवाला, नदी आदि का तँराक।
 सन्नाह (سناوح) अ पु—स्तुति करनेवाला, प्रगसा करने-वाला।
 सन्ना शत्म (سناوشتم) अ. पु—गाली-गलौज।
 सन्न (صبر) अ पु—धैर्य, धीरज, सवूरी, एलुआ, इस अर्थ में 'सिन्न' और 'सविर' भी है।
 सन्नआज्मा (صبرآزما) अ फा वि—वह काम जो सन्न की आजमाइश करे अर्थात् देर में हो।
 सन्नतलव (صبرطلب) अ वि—जिसमें सन्न और 'धैर्य' की आवश्यकता हो।
 सन्ने ऐयूब (صبر ایوب) अ पु—'हज्रत ऐयूब'—जैसा सन्न और धैर्य।
 सन्नो शुक्र (صبرو شکر) अ पु—हर काम में धीरज धरना और ईश्वर को धन्यवाद देना।
 समद (سند) फा पु—अद्व, धोडा।
 समंदर (سندر) फा पु—'सामंदर' का लघु, अग्निकीट, आग का कीडा, एक कीडा जिसकी उत्पत्ति अग्नि से है।
 समंदल (سندل) फा. पु—दे 'समंदर'।
 सम [म्म] (سم) अ पु—विप, गरल, जह्ल, सुई का नाका।
 समक (سمک) अ स्त्री—मीन, मत्स्य, मछली, वह मछली जिसकी पीठ पर पृथ्वी स्थिर है।

समकीयाँ (سکياں) अ फा पु—मर्त्यवाले, ससारवाले।
 समद (سند) अ वि—श्रेष्ठ, पूज्य, वुजुर्ग, अनीह, नि स्पृह, बेनियाज, नित्य, अनश्वर, दाइम, वह व्यक्ति जो भूखा-प्यासा न हो, ईश्वर।
 समदीयत (سندیت) अ स्त्री—श्रेष्ठता, वुजुर्गी, नि स्पृहता, बेनियाजी, हर प्रकार की इच्छायों से रहित होना।
 समन (سمن) अ पु.—मूल्य, दाम, कीमत।
 समन (سمن) अ स्त्री—चमेली का फूल।
 समनअंदाम (سمن اندام) फा वि—चमेली के फूल—जैसे गुध्र और सुगंधित अथवा मृदुल शरीरवाला (वाली)।
 समनइजार (سمن عذار) फा. अ वि.—जिसके गाल चमेली के फूल की तरह मृदुल, कोमल और शुभ्र हो।
 समनखद (سمن خد) फा. वि—दे 'समनइजार'।
 समनजार (سمن زار) फा पु—जहाँ चमेली ही चमेली हो, चमेली का वन या वाग।
 समनवार (سمن وار) फा वि—फूल बरसानेवाला (वाली)
 समनवू (سمن بو) फा वि—फूल—जैसे सुगंधवाला।
 समनरू (سمن رو) फा वि—चमेली के फूल—जैसा धवल और उज्ज्वल मुख रखनेवाला (वाली)।
 समनसाक (سمن ساق) फा वि—चमेली—जैसी सफेद पिंड-लियोवाली सुन्दरी।
 समनसीमा (سمن سیمان) फा वि—चमेली—जैसे माथेवाला (वाली)।
 समम (سمن) अ पु—बहरापन, वधिरता।
 समरः (سمره) अ पु—फल, मेवा, प्रतिकार, बदला, परिणाम, नतीजा।
 समर (سمر) अ पु—कथा, किस्सा, कहानी, कथन, वात।
 समर (سمر) अ पु—फल, मेवा, प्रतिकार, बदला; परिणाम, नतीजा।
 समरात (سمرات) अ पु—'समर' का बहु, फल, मेवे, परिणाम, नतीजे।
 समा (سما) अ पु—आकाश, अवर, गगन, आस्मान।
 समाँ (سمان) अ मजर, नज्जारा, दृश्य।
 समाअ (سماع) अ पु—श्रवण, सुनना, गाना-वजाना, वज्र करना, झूमना।
 समाअत (سماعت) अ स्त्री.—श्रवण, सुनना, श्रवण-शक्ति, सुनने की कृत्वत।
 समाई (سماعی) अ. स्त्री—सुना हुआ, सुनी हुई वात।
 समाक (سماک) अ पु—एक बहुत ही कडा पत्थर, जिसके खरल बहुत कीमती होते हैं।

समानत (ساحب) अ स्त्री-निदृष्टता, सग्रा
मिननी, विनय, सुगाम गिगिवाहट।
समानिय (ساعة) अ वि-जपट आठ।
समानोन (ساعات) अ वि-अस्मी।
समाघात (ساعات) अ पु-नमा' का बहु, आकाश-समूह,
बहुत-सा आस्मान।
समावार (سوار) फा पु-चायपकाने या पानो गम करने
वा टकानूमा बनन जिसमें टाटी हा।
समावी (سواوی) अ वि-आस्मानी आकाशाय दवा
दवी।
समाह (ساح) अ पु-समाहृत'।
समाहृत (ساحت) अ स्त्री-दानगीलता, फयात्र।
समी (سی) अ वि-महताम एक नामवाल तुय,
समान मिरल।
समीअ (سبع) अ वि-मुनेवाला स्ववर का एक नाम।
समीअ (سبر) अ स्त्री-मने की मफेदे राती।
समीद (سعد) फा स्त्री-समाज।
समीन (سمن) अ वि-माटा, चर्बीला।
समीन (سمن) अ वि-मूल्यवान ब्रीमनी।
समीम (سمنه) अ वि-निमल मालिस हृदय का भीतरी
भाग वधिर बहरा।
समीमे क्लब (سمنه) अ वि-हृदय का भीतरी
भाग तहल्लि निध्वंशता सुम।
समीर (سور) अ वि-फल्लर फलवाला वह पेड जिसमें
फल लगे हा।
समूद (سود) अ पु-हजत नूह की चौथी पुत्र में एक व्यक्ति
का नाम था। उसके बगज बनी समूद कहलाते थे और
हजत साहे' व अनुयाया थे। इन्होंने हजत सालेह के
साथ गुस्ताखी की था जिससे सब तबाह हा गये थे।
समूम (سوم) अ स्त्री-कनी जपट जहूगी हवा।
समूर (سور) अ वि-एक जानवर जिसकी माल से बन्पिा
पास्तीन बनती है।
समूरी (سوری) अ स्त्री-समूर की खाल का बना हुआ।
समअ (سبع) अ स्त्री-श्रवण सुनना श्रवण गक्ति
समाजन।
समअखराग (سبع حراش) अ फा वि-बान खानेवाला
बकबक करने वाला को कपट देनेवाला।
समअखरागी (سبع حراسی) अ फा स्त्री-बकबक से
काना को कपट देना।
समअ (صع) अ पु-गाल नियाम।
समअ अरबी (صع عربي) अ पु-अवूठ का गाद।

समत (سط) अ पु-मानी मुफता ने सिन्द, गना
गुद ह।
सम्त (صت) अ पु-शाति, चुकून मौन सामागी।
सम्त (صت) अ स्त्री-लिया, तरेख सगाचार, नक
चलनी सरल माग सीधा रास्ता आहृति शक इराफा,
सकल्प, मानस बम।
सम्तुरीत (صت الراس) अ स्त्री-आकाश का व विदु
जा मनुष्य के चंद्रमा के ठाक सामने पद, गपविदु
आकाश विदु समध्य।
सम्ते जनुद (صت حلوب) अ स्त्री-दक्षिण की लिंगा
दक्षिण दक्षिण।
सम्ते मशिब (صت معرب) अ स्त्री-पश्चिम की लिंगा
पश्चिम, प्रत्यक्।
सम्ते मशिक (صت مشرق) अ स्त्री-मूव का लिंगा,
पूव प्राक।
सम्ते मुखालिफ (صت مخالف) अ स्त्री-बामपन
विराधी दल।
सम्ते गिमात (صت سال) अ स्त्री-उत्तर की लिंगा,
उत्तर, उदक।
समन (سمن) अ स्त्री-धी घत, रोगन।
सम्मी (سمی) अ वि-विपणुत, जह्जआदूद जिसमें जह
अथवा विप हो।
सम्मीयत (صمت) अ स्त्री-विपत्त जह्जपन विप जह
विप का अमर।
सम्मे कातिल (صم قاتل) अ पु-बहुत ही सरल विप
जिसके खा लेने से मनुष्य किसी प्रकार न बचे।
सम्साम (صصام) अ स्त्री-तख तलवार काटदार
तलवार।
सम्याद (صناد) अ वि-गिफारी आखेटक कुपन व्याध
जिरीमार चिडिया पकडनेवाला गातुनिक।
सम्यादी (صنادی) अ वि-गिफार का पेगा निदयता
सगदिली।
सम्यादे अजल (صناد اجل) अ पु-मौत का गिफारी
मत्यरुपी व्याध।
सम्याक (صناد) अ वि-तलवार चलानेवाला जल्ला
वधिक।
सम्याल (صنادل) अ वि-तरल बहनेवाला पदार्थ।
सम्यार (صنار) अ पु-तारा जडु ग्रह सितारा भर
करनेवाला।
सम्यार (صنار) अ वि-पुमनेवाला सर करनेवाला
बह तारा जो धूमता है, स्थिर नहीं रहता ग्रह।

सियास (سیاس) अ. वि.—राजनीति मे निपुण, राज-
नीतिज्ञ, सियासतदाँ।

सियाह (سیاح) अ. पु.—पर्यटक, सियाहत करनेवाला, देश-
विदेश घूमनेवाला।

सियाही (سیاحی) अ. स्त्री.—पर्यटन, देशाटन, देश-विदेश
घूमना, सियाहत करना।

सरगुस्त (سرگشت) फा स्त्री—उँगली का पोरा, उँगली
का सिरा।

सरजाम (سرانجام) फा पु—अन्त, अखीर, पूर्ति, तकमील;
परिणाम, नतीजा; प्रवध, बंदोबस्त, उपकरण, सामग्री,
सामान।

सर (سر) फा वि—निर्मल, निष्केवल, बेमेल, खालिस;
खरा रूपया और सिक्का।

सर (سر) फा पु.—शिर, सिर, मुँड, श्रेष्ठ, उत्तम, ध्यान,
खयाल, सिरा, अगला भाग, (उप.) श्रेष्ठता, उच्चता,
सिरा, आदि के अर्थ मे आता है।

सरअंगुस्त (سرانگشت) फा स्त्री—दे. 'सरगुस्त' उच्चारण
वही अधिक शुद्ध है।

सरअजाम (سرانجام) फा. पु.—दे 'सरजाम', उच्चारण
वही अधिक शुद्ध है।

सरअफगंद (سرافگند) फा वि—दे. 'सरफगंद', उच्चारण
वही अधिक शुद्ध है।

सरआमद (سرآمد) फा वि—दे 'सरामद', उच्चारण वही
अधिक शुद्ध है।

सरकतार (سرقطار) फा. अ वि—मुखिया, अगुआ, लीडर,
नेता।

सरकदंब (سرکرد) फा वि—अगुआ, सरगना, मुखिया।

सरकदंती (سرکردگی) फा स्त्री—अगुआपन, नेतृत्व।

सरकल्यान (سرکلیان) फा. स्त्री—चिलम, तमाकू
पीने की चिलम।

सरकश (سرکش) फा वि—अवज्ञाकारी, नाफमान, विद्रोही,
वागी, उहंड, उजड्ड, अशिष्ट, नामुहज्जब, मुंहफट,
बदलगाम, स्वेच्छाचारी, खुदराय।

सरकशी (سرکشی) फा स्त्री—अवज्ञा, हुकमउदूली, विद्रोह,
बगावत; उहडता, उजड्डपन, बदलगामी, मुंहफट होना।

सरकार (سرکار) फा. स्त्री—राज्य, हुकूमत, यामक,
शासन; गण्ट, नमूकत, बडे व्यक्तियों के लिए गवोधन
का शब्द, कचहरी, न्यायालय; दरबार, राजसभा।

सरकारी (سرکاری) फा वि—गजवीय, हुकूमती, सरकार का।

सरफोचवी (سرکوبچی) फा स्त्री—अभंगता, नीचता,
फामरता, कमीनगी।

सरकोब (سرکوب) फा. वि.—सर कुचलनेवाला, दमन
करनेवाला, दमदम।

सरकोबी (سرکوبی) फा. स्त्री—सर कुचलना, दमन करना।

सरखत (سرخط) फा. पुं.—तनख्वाह आदि के हिसाब का
कागज, दस्तखती तहरीर, स्टाम्प, तमस्सुक।

सरखुश (سرخوش) फा. वि.—हलके नशे मे मस्त।

सरखुशी (سرخوشی) फा स्त्री—हलका नशा।

सरखैल (سرخیل) फा वि—अपने दल का नायक, सरदार।

सरगन: (سرغن) फा वि—मुखिया, सरदार।

सरगदाँ (سرگردان) फा वि—दे 'सरगश्त'।

सरगर्म (سرگرم) फा वि—तन्मय, तल्लीन, महुव, तत्पर,
कटिवद्ध, मुस्तइद।

सरगर्मी (سرگرمی) फा स्त्री.—तन्मयता, सलग्नता,
मुस्तइदी, तत्परता।

सरगर्मेकार (سرگرمکار) फा वि.—किसी काम मे पूरी
तन्मयता से लगा हुआ।

सरगश्त: (سرگشته) फा वि.—हैरान, उद्विग्न, परीशान,
रास्ते मे भटका हुआ, राह भूला हुआ।

सरगश्तगी (سرگستگی) फा स्त्री—उद्विग्नता, हैरानी,
राह भूल जाना, भटकते फिरना।

सरगर्दानी (سرگردانی) फा स्त्री—दे 'सरगश्तगी'।

सरगिराँ (سرگزان) फा वि—रुष्ट, अप्रसन्न, नाखुश, खफा।

सरगिरानी (سرگزانی) फा स्त्री—रोप, अप्रसन्नता,
खफगी।

सरगजश्त (سرگوشته) फा स्त्री—वृत्तान्त, हाल, घटना,
वाकिया।

सरगुम (سرگرم) फा. वि—जिसका आदि और अन्त न हो,
जिसकी इत्तिदा और इन्तिहा न हो।

सरगुरोह (سرگروه) फा वि—मुखिया, नायक, अपने दल
का सरदार।

सररोशी (سرگوشی) फा स्त्री—कान से मुँह मिलाकर
चुपके-चुपके बातें करना, कानाफूसी।

सरचंग (سرچنگ) फा पु—थपड़, चाटा, तल-प्रहार।

सरचश्म: (سرچشسته) फा पु.—स्रोत, सोत, सोता, उद्गम,
मखुज।

सरचस्पाँ (سرچسپان) फा. पु—दोतल या टिन्ने आदि
पर चिपकाने का लेविल।

सरजंग (سرچنگ) फा पु—मेनापनि, निपहमाखार।

सरजद: (سرزد) फा वि—निरुपेष्ट, मजाहीन, बेखबर।

सरजद (سرزد) फा वि—प्रतिन, नाके'।

सरखन (سرزن) फा वि—जयज्ञाकारी, उद्द, नरन्म।

सरखनिग (سرخون) फा स्त्री-डाट पटकार भत्तना तबीह ।

सरखनी (سرخی) फा स्त्री-अवना, नाफमानी ।

सरखमी (سرخمن) फा स्त्री-पथी जमीन नेश, मुल्क ।

सरखूक (سرخونه) फा पु-सरखुराह ।

सरखोर (سرخور) फा वि-विद्रोही बागी अवनाकारी नाफमनि ।

सरखोरी (سرخوری) फा स्त्री-विद्रोह बगावत, अवना, नाफमानी ।

सरखोस (سرخوس) फा वि-हर वह चीज जा दग से पहले जोग में उतारी जाय सार नत जोहर ।

सरखराग (سرخرای) फा वि-नापित नाई सर छीलने वाला, शोरकमकार ।

सरखराशी (سرخراسی) फा स्त्री-नापित-कम नाई का काम नाईपन ।

सरखराज (سرراج) फा वि-शिरोमणि सबसे अच्छा, पति गौहर स्वामी मालिक नायक सरदार ।

सरखान (سرطان) अ पु-सर्तान ।

सरखाना (سرمانا) फा वि-सर स पाव तक आपान मस्तक आधापात गुरु स आविर तक ।

सरखानबदम (سرمانبدم) फा अ वि-दे सरखाना ।

सरखानी (سرمانی) फा स्त्री-अवना हुकमउठूनी, उड़दता सरखानी ।

सरखानसर (سرمانسر) फा वि-जादि से जत तक गुरु स अगीर तक ।

सरखेब (سرمد) फा पु-मगान लवी पतली छुरी ।

सरखेब (سرمد) फा वि-लडानू जगजू नाबदार ।

सरखेतर (سرمدگر) फा वि-हृक्क दपतर का इनबाज ।

सर दर गिरीबा (سر در گریبان) फा वि-मोच में पना हुआ ।

सरखेद (سرمد) फा पु-सिर की पोछा सर वा द शगट जजाल बनेग थम मेटनव ।

सरखेवी (سرمدنی) फा स्त्री-सरख ।

सरखेस्त (سرمد) फा वि-पाच आण बकर कच्छरा क हाय म रान की खाना ।

सरखार (سرمد) फा पु-नायक अध्याय स्वामी पति ।

सरखारी (سرمداری) फा स्त्री-अध्याता स्वामिय ।

सरखानिस्त (سرمدیست) फा स्त्री-भाय्यत सरखीर वा लिंगा वस्तु शान ।

सरखाना (سرمانه) फा पु-गज का अनायो भाग ।

सरखानाम (سرمانام) फा पु-प्रसिद्ध मसहूर मसकी नामवर ।

सरखानिगू (سرمنگون) फा वि-सर ववाये हुए औषा अधामुल लज्जित, शमिदा ।

सरखानिहाद (سرمنهاد) फा वि-सर टक हुए सर इनाय हुए ।

सरखज (سرمنج) फा वि-हाय कापजा प्रहस्त अलबप गनितचाली ताकतवर अत्याचारी, जालिम ।

सरखजगी (سرمنجگی) फा स्त्री-गनित चार अत्याचार जालिम ।

सरखपरस्त (سرمنرست) फा वि-जा किसी की देल रेल और पालन-पोषण करे, पोषक, सरक्षक गाजियत अभिभावक पक्षपाती हिमायती ।

सरखपरस्ती (سرمنرستی) फा स्त्री-पालन-पोषण देल ल गाजियत-गण, अभिभावकता पक्षपात तरफगारी ।

सरखपेच (سرمنبع) फा पु-पगडी में बाँधन का एक आभूषण ।

सरखपोश (سرمنوش) फा पु-डबकन ।

सरखपोशीद (سرمنوشیده) फा स्त्री-कुवारी लका, दुमारी ।

सरखफराज (سرمنرراج) फा वि-द सरफराज ।

सरखफराजी (سرمنررایی) फा स्त्री-दे सरफराजी ।

सरखफरोश (سرمنرروس) फा वि-जान की बाजी लगा देल वाला जानिसार ।

सरखफरोगी (سرمنرروسی) फा स्त्री-जान की बाजी लगाना, जानिसारी ।

सरखफराद (سرمنرکلده) फा वि-दे सरफराद ।

सरफराद (سرمنرکلده) फा वि-गर इनाये हुए ।

सरखद (سرمد) फा पु-जिसका मुँह बहा सर बमहा ।

सरखकक (سرمنرکک) फा वि-हाय पर सर रख हुए जयान् मले पर उद्यत ।

सरखकक (سرمنرکک) फा पु-किसी वस्तु क कई भाग में से सबसे बड़ा भाग ।

सर ख गिरीबा (سر در گریبان) फा वि-दे सर दर गिरीबा ।

सर खवान (سر در بانو) फा वि-पुटमा में गर हाक हुए उगम विनिग ।

सर ख मुह (سر در موه) फा वि-माहू किया हुआ ब किया हुआ और मु पर माहू किया हुआ ।

सरखर (سرمد) फा वि-सरख ।

सरखरमाख (سرمد آرد) फा वि-सरखरमाख ।

सरखरहन (سرمد رهن) फा वि-जग सर सर खान हुए ।

सरबरावदः (सरबरावद) फा वि—प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति, बड़ा आदमी, मुखिया।

सरबराह (सरबराह) फा. वि.—प्रवधक, मुतेंजिम।

सरबराहकार (सरबराहकार) फा पु—कारकुन, कारिदा, एजेंट, अभिकर्ता।

सरबराहकारी (सरबराहकारी) फा स्त्री.—कारिदगरी, एजेंटी।

सरबराही (सरबराही) फा स्त्री—प्रवध, इतिजाम।

सरबलद (सरबलद) फा वि—प्रतिष्ठित, मुअज्जज।

सरबलदी (सरबलदी) फा. स्त्री—प्रतिष्ठा, इज्जतदारी, जयान, तरक्की।

सरबसर (सरबसर) फा वि—नितान्त, विल्कुल।

सरबसहरा (सरबसहरा) फा. अ वि—जगल में मारा-मारा फिरनेवाला।

सरबस्तः (सरबस्त) फा वि—मुंहबद, सर व मोह, गुप्त, पोशीद।

सरबस्त (सरबस्त) फा पु—पहेली, प्रहेलिका।

सरबहा (सरबहा) फा पु—खूँवहा, खून की कीमत।

सरबाज (सरबाज) फा. वि—सिपाही, सैनिक, योद्धा, वहादुर।

सरबाजारी (सरबाजारी) फा वि—अधम, नीच, लोफर, गोहद।

सरबाजी (सरबाजी) फा स्त्री—शूरता, वीरता, वहादुरी।

सरदार (सरदार) फा पु—सर का बोझ।

सरबारी (सरबारी) फा स्त्री—वह छोटा बोझ जो बड़े बोझ के ऊपर सिर पर रखते हैं।

सरबाला (सरबाला) फा. वि—ऊँचे सर का, सरदार।

सरबुरीदः (सरबुरीद) फा. वि—जिसका सर काट लिया गया हो।

सरमद (सरमद) फा वि—नित्य, अनश्वर, लाजवाल।

सरमदी (सरमदी) फा वि—नित्यता, लाजवाली।

सरमश्क (सरमश्क) फा अ पु—तल्ली, मश्क करने की तल्ली, खुशानवीस का लिखा हुआ कता' जिसे देखकर खुशखती की मश्क की जाती है।

सरमस्त (सरमस्त) फा वि—उन्मत्त, मदोन्मत्त, बेसुध।

सरमस्ती (सरमस्ती) फा स्त्री—उन्माद, वदमस्ती।

सरमायः (सरमाय) फा पु—पूँजी, अस्लजर; धन, दौलत।

सरमायःदार (सरमायःदार) फा वि—पूँजीपति, कैपिटलिस्ट, धनवान्, मालदार।

सरमायःद्वारानः (सरमायःद्वारानः) फा वि.—पूँजीपतियों-जैसा, धनियों की तरह।

सरमाय दारी (सरमायःदारी) फा स्त्री—पूँजीवाद, रुपया

लगाकर गरीबों की मेहनत से नाजाइज नफा कमाना।

सरयान (सरयान) फा पु—एक चीज का दूसरी चीज में प्रवेश।

सररिस्तः (सररिस्त) फा पु—विभाग, महकमा, योग्यता, काविलीयत, इच्छा, स्वाहिश, अधिकार, इस्तियार, सूत्र, डोरा।

सरलश्कर (सरलश्कर) फा वि.—सेनापति, सेनाध्यक्ष, सिपहसालार।

सरलौह (सरलौह) फा अ स्त्री—वह चित्रादि जो किताव के मुखपृष्ठ पर बनाये जाते हैं।

सरवर (सरवर) फा. वि—सरदार, सर्वश्रेष्ठ, नायक, प्रधान।

सरवरक (सरवरक) फा अ पु.—मुखपृष्ठ, पुस्तक का ऊपर का पन्ना जिसमें किताव का नाम आदि होता है।

सरवरी (सरवरी) फा स्त्री—नायकत्व, अध्यक्षता, सरदारी।

सरवरे कौनैन (सरवरे कौनैन) फा अ पु—दोनों लोक के सरदार, हज्रत साहिब की उपाधि।

सरशार (सरशार) फा वि—ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण, लवरेज, छलकता हुआ, उन्मत्त, मस्त।

सरशीर (सरशीर) फा. स्त्री—दूध की मलाई, दुग्धाग्र, क्षीरसार, बालाई।

सरशेव (सरशेव) फा वि—औंधा, अधोमुख।

सरशो (सरशो) फा वि—सर धोने की मिट्टी, जिस चीज से सर धोया जाय।

सरसबद (सरसबद) फा वि—फूलों की टोकरी में सबसे सुन्दर और सबसे उत्तम फूल।

सरसब्ज (सरसब्ज) फा वि—हरा-भरा, शादल, समृद्ध, मालदार, सफल, कामयाब, उन्नतिशील, तरक्कीयाप्त, आवाद, वीरान का उलटा, उपजाऊ, जरखेज।

सरसब्जी (सरसब्जी) फा स्त्री—हरा-भरापन, उपजाऊ-पन, उन्नति, आवादी, सफलता; समृद्धि।

सरसरी (सरसरी) फा. वि.—त्रेदिली और बेतवज्जुही का काम, जल्दी का काम, उचटती हुई नजर डालने का काम।

सरसोजन (सरसोजन) फा पु—सुई का नाका, सूची-अग्र।

सरहंग (सरहंग) फा पु—सैनिक, सिपाही, कोतवाल, सेनानायक, फौज का सरदार, अवज्ञाकारी, उड्ड, सरकश।

सरहंगजादः (सरहंगजादः) फा पु—सैनिक-पुत्र, सिपाही का लड़का।

सरहद (सरहद) फा स्त्री—सीमा, हद, सीमान्त, आखिरी हद, किसी देश की वह सीमा जो किसी दूसरे देश से मिली हो।

सरहदी (سرحدی) का म्नी-गरह का सरहद के पाम का सीमांत का निवामा।

सरहम्माम (سرهمام) का ज पु-हम्माम का गम बमरा जिममें उहाया जाना है।

सरहल (سرخلت) का वि-सरदार जघ्यग।

सरहिसाव (سرחסاب) का अ वि-सूचित आगाह परिचिन वाकिफ मचेत हागिया।

सरा (سرا) का स्त्री-मवान घर गुण पयिवाथय मुसाफिरखाना स्थान जगह (प्र) मानवाला, जसे- 'नम्मसरा गीत गानेवाला।

सरा (سرا) अ पु-जमीन का नीचे का तल, पाताल, गीली मिट्टी।

सराइद (سرايد) का वि-गानेवाला, गायक।

सराईद (سرايد) का वि-माया हुआ, गीत।

सराए फानो (سراے فانی) का अ स्त्री-नदर स्थान अर्थात् सप्तर मत्युत्रोक मत्युला।

सरापोग (سراپوگ) का पु-सर के बाल सँवारने जीर बाधने की जाली गेमुपोग।

सराच (سراچه) का पु-छोटा घर बड़ा खम एक बाना।

सरापद (سراپد) का पु-पदवाला मवान हरमसरा, बड़ा खम।

सरापा (سراپا) का पु-आपादमस्तक सरस पाव तक, नितात बिलकुल नायिका के नख शिष्य का पद्यात्मक वणन उदा- अल्ला रे हुस्नेदार की सरमस्तिपा का रम डूने हुए हैं आज सरापा गराव म।

सरापाखलूस (سراپاخلوس) का अ वि-बहुत अविन मुहिलस यकित।

सरापागियाद (سراپاگياساز) का वि-बहुत अधिक विनम्र जीर विनीत बहुत बड़ा भवन।

सरापारहमत (سراپارحمت) का अ वि-सरसे पाव तक उफ़ा जीर दरग ही दरग दरग और उफ़ा की उफ़ादर सूहित।

सरापत (سراپت) अ स्त्री-सिके या चाणी-सोने आदि का खरा होना कवय्य निष्पृष्टता।

सराफोल (سرافول) का पु-इसाफी का लघु बहु फिरित्त जो कियामत के दिन तुरही फूड़ेगा निमसे सारा ब्रह्मांड गट्ट हा जायगा।

सराब (سراب) का पु-बह रेत जा गर्मिया म दूर से पानी की तरह चमकता हुआ खिलीई पडता है और प्याम जले पानी नामसवर उसकी जीर दीवत हू मगतप्या।

सरा बुस्ता (سرا بستان) का पु-पादबाग बहु बाग जा

महल या वाठी के साम हा महादान गहवात्वा।

सरामत (سرامت) अ स्त्री-शूरता बहादुरी थोख्ता, बुजुर्गी विच्छे वाटना, फुर्ती, तेजी।

सरासद (سراسد) का वि-मवथप्ट सबसे उत्तम अध्याग, पति सरदार।

सरायत (سرايات) का स्त्री-एक चीख का दूमरी में प्रवाग, सरयान प्रभाव, असर।

सराख (سراخ) का स्त्री-एक बनी रग जिमकी फ्रम ली जाती है सराख, कीफाल।

सरासर (سراسر) का वि-नितात बिलकुल एक निरेस।

सरासोम (سراسوم) का वि-उद्विग्न आतुर, व्याकुल, परीरान बदहवास।

सरासोमगी (سراسومگی) का स्त्री-उद्विग्नता व्याकुलता परीरानी बदहवासी।

सराहत (سراحت) अ स्त्री-स्पष्टीकरण बजाह्व, सविस्तर विवरण तफसील।

सराहतन (سراحتن) अ वि-सराहत के साथ विस्तार पूर्वक, सविस्तर।

सरिक (سریک) अ पु-चोरी चौय, स्तय तस्करता, दुर्गी।

सरिकत (سریک) अ स्त्री-सरिक'।

सरिस्त (سرست) का पु-सररिस्त का विगण हुआ रूप विभाग महकमा, डिपाटमेट।

सरिस्तदार (سرستدار) का वि-एक कमचारी।

सरिस्तदारी (سرستداری) का स्त्री-सरिस्त नर का पद उक्त पद का काम।

सरी (سری) का वि-सरदारी अध्यक्षता।

सरीअ (سریع) अ वि-नीघ्र तेज।

सरीउखवाल (سریع الخوال) अ वि-जा नीघ्र ही नाग हो जाय जो अधिक देर न रहे क्षणभंगुर।

सरीउत्तासीर (سریع التاسیر) अ वि-जो अपना प्रभाव नीघ्र ही हिकमते कीदरकारी अंगु प्रभावकारा खरित गुणामी।

सरीउल्लमल (سریع المل) अ वि-बह दवा जो अपना असर जल करे।

सरीउल्लअसर (سریع الاثر) अ वि-जल प्रभाव दिवाने वाला नीघ्र गणकारी।

सरीउल्लइवाल (سریع الاوال) अ वि-जा पुरूप मयुन व समय अधिक न ठहर सके नीघ्रपतम।

सरीउल्लविमाल (سریع الهمال) अ वि-बह पाव जो नीघ्र भर जाय।

सरीजलइबालः (سریع الارالہ) अ वि.—जिसकी हानि-पूर्ति जल्द हो जाय।

सरीजलइन्हिजाम (سریع الاہضام) अ. वि.—जो जल्दी ह्यम हो जाय, लघुपाक।

सरीजलइल्लिहाव (سریع اللہباب) अ. वि.—जो शीघ्र ही जलने लगे, जरा-सी गर्मी में आग पकड़ ले, ज्वलनशील, विस्फोटक।

सरीजलएहसास (سریع الاحساس) अ. वि.—जो किसी बात का जल्द असर ले।

सरीजलकवूल (سریع القبول) अ वि.—जो किसी बात या गुण-दोष से जल्द प्रभावित होकर उसे ग्रहण कर ले।

सरीजलगजव (سریع الغضب) अ. वि.—जिसे जल्दी ही गुस्सा आ जाता हो, शीघ्रकोपी।

सरीजलफहम (سریع الفہم) अ. वि.—जो हर बात तुरत ही समझ जाता हो, शीघ्रबुद्धि, प्रतिभाशाली।

सरीजलहजम (سریع الہضم) अ वि.—दे. 'सरीजल इन्-हिजाम'।

सरीजलहरकत (سریع الحركات) अ वि.—तेज चलनेवाला, शीघ्रगति।

सरीजसैर (سریع السیر) अ वि.—तेज चलनेवाला, शीघ्र-गामी।

सरीचः (سریچہ) फा पु.—ममोला पक्षी।

सरीद (سرید) अ पु.—गोरखे में चूर की हुई रोटी।

सरीयः (سرییہ) अ पु.—काम छोड़ बैठना, हड़ताल।

सरीयः (سرییہ) अ पु.—पैगम्बर साहब के समय की वे लडाइयाँ जिनमें आप सम्मिलित न थे।

सरीर (سریر) अ पु.—सिंहासन, तख्त।

सरीर (سریر) अ स्त्री.—लिखते समय कलम की चिर-चिराहट, चलते समय मनुष्य के पैर की चाप।

सरीरबारा (سریرآرا) अ फा वि.—सिंहासनारूढ, सत्त-नगी, शासक, हुकमराँ।

सरीरत (سریروت) अ स्त्री.—भेद, रहस्य, मर्म, राज।

सरीरे कलम (سریروقلم) अ स्त्री.—कलम की चिरचिराहट जो लिखते समय होती है।

सरीह (سریح) अ वि.—स्पष्ट, व्यक्त, साफ, वाजेह, खुल्लम-खुल्ला।

सरीहन (سریحاً) अ. वि.—खुल्लम खुल्ला, स्पष्ट रूप से, साफ-साफ।

सरी (سروں) फा पु.—सींग, शृंग, विपाण।

सरीगाह (سروں گاہ) फा स्त्री.—कनपटी, पशु के सींग निकलने का स्थान।

सरीही (سریحی) अ वि.—दे. 'सरीहन'।

सरे जुल्फ (سر زلف) फा पु.—अलक, जुल्फ, हावभाव, नाजोबदा।

सरे तन्हा (سر تہا) फा. पु.—अकेला, एकांकी।

सरे दस्त (سر دست) फा वि.—तत्काल, इस समय, फिल-हाल, सम्प्रति।

सरे नी (سر نو) फा वि.—नये सिरे से, फिर से, पुनः।

सरे पा (سر پا) फा स्त्री.—ठोकर, (पु) पाँव का सिरा, पजा।

सरे पिस्ताँ (سر پستان) फा. पु.—स्तन की घुडी, भिटनी, स्तनवृन्त, नर्मठ।

सरे पै (سر پے) फा स्त्री.—ठोकर, (पु) पाँव का अगला भाग, पजा।

सरे वज्म (سر جرم) फा पु.—भरी सभा में, सबके सामने।

सरे बाजार (سر بازار) फा. पु.—बीच बाजार में, सबके सामने, खुल्लमखुल्ला।

सरे वाम (سر نام) फा पु.—अटारी पर, छत पर।

सरे वालों (سر بالوں) फा पु.—सिरहाने।

सरेमू (سر موم) फा पु.—वाल की नोक के बराबर, जरा-सा भी, किंचिन्मात्र।

सरे रहगुजर (سر رہگزر) फा. पु.—दे 'सरे राह'।

सरे राह (سر راہ) फा. पु.—रास्ते में, रास्ता चलते हुए।

सरे श (سریش) फा स्त्री.—देखे गुड उच्चारण 'सिरेश'।

सरे शाम (سر شام) फा पु.—सूरज डूबते समय, सध्यामुख।

सरे शीरीदः (سر شورید) फा पु.—वह सर जिसमें प्रेम का पागलपन भरा हो, पागल व्यक्ति का मस्तिष्क।

सरीकार (سرکار) फा पु.—प्रयोजन, वास्ता, सम्बन्ध, तथल्लुक।

सरीद (سررد) फा. पु.—दे. शु. उ 'सुरीद' या 'सुरुद'।

सरीपा (سرپا) फा पु.—सर-पैर, प्रायः 'वे' के साथ बोला जाता है।

सरीवंद (سر و بند) फा पु.—समय, काल, वक़्त, जमाना।

सरीवर्ग (سر و برگ) फा पु.—व्यान, खयाल।

सरीबुन (سر و بن) फा पु.—सरीपा, सर-पैर, आदि-अंत, शुरु और अखीर।

सरीरु (سرور) फा स्त्री.—एक रग, दे. 'सराह'।

सरीश (سریش) फा पु.—दे शु. उ. 'सुरीश'।

सरीसामान (سر و سامان) फा पु.—उपकरण, सामग्री, सामान; जिदगी का ज़हरी सामान।

सरी (سرع) अ स्त्री.—अपस्मार, मिर्गी रोग।

सर्तान (سرطان) अ. पु.—कर्क, कर्कट, केकड़ा, विषघ्ना, कर्कराशि, बुजें सर्तान।

सद (سرد) फा वि—गीतल ठडा, मर धामा नि श्री
वेरीनक नपुसक होजडा।
सदलुक (سرد خشک) फा वि—वह दवा या चिजा जिसमें
गर्दों के साथ खुकी भा हा।
सदतर (سردتر) फा वि—बहुत अधिक सन्, वह दवा जा
सद के साथ तर भी हो।
सदबाबारी (سرد بازاری) फा स्त्री—वेरीनकी श्रीहीनता,
बाजार भाव का मदा होना नाबन्नी पूछ-साछ न होना।
सदमिबाज (سرد مزاج) फा अ वि—जिसकी प्रकृति गीतल
हा शात प्रकृति।
सदमेह (سرد ميه) फा वि—नि शील धेमुख्वत कठोर
वेरहम जो वेदिली से मिले।
सदमेही (سرد ميهی) फा स्त्री—दु गीलता वेमुख्वती
कठारता वेरहमी वेदिली, कमतवज्जुही।
सदसेर (سرد سير) फा वि—वह स्थान जहा की जावो
हवा सद हो।
सदवा (سرد آبه) फा पु—तहखान तलगह।
सदों (سردی) फा स्त्री—गीतता ठडक ठड का मौसिम
हेमत ऋतु जुकाम प्रतिश्याय।
सदोंगम (سرد گرم) फा वि—गम और ठडा दुनिया का
अच्छा जोर बुरा।
सदोंगम चगीद (سرد گرم حسنه) फा वि—गम और
ठडा चला हुआ अर्थात अनुभवी।
सफ (سرفه) फा पु—लाभ नफा व्यय खच बारहवा
नक्षन उत्तराफाल्गुनी कृपणता कजूसी अधिकता जिया
दती 'याय इसाफ'।
सफ (سرف) अ पु—व्यय खच उपमोग इस्ने माल
व्याकरण की एक शाखा पदव्याख्या।
सफों (سرفی) अ वि—जो व्याकरणमें सफ का नाता हा।
सफॉनहव (سرفه نگو) अ स्त्री—व्याकरण कबादद पन्
व्याख्या और वाक्य विरूपण।
सव (سوب) अ पु—चर्बी की भारीच चादर जो उदर आदि
पर चढी रहती है।
समक (سومک) अ पु—बयुआ एक साग।
सर्मा (سوما) फा पु—जाडे का मौसिम गीतकाल।
सर्माई (سوماي) फा वि—जाडे के मौसिम का जा के
पहनने के कपडे।
सर्माए गुल (سوماه گل) फा पु—गुलाबी जाडा गुल् बहार
का जाग हलका जाडा।
सर्माए तलख (سوماه تلخ) फा पु—कग जाडा चिले का

सर्माबद (سوما بده) फा वि—जिम पाला मार गया हो।
सर्मासोहत (سوما سوخته) फा वि—वह पेड जिसे पाला
मार गया हो जो पाले से जल गया हो।
सर्माफ (سوراف) अ पु—सराफा का बाजार, जहाँ चाँगी
सोना बेचनेवालो की मडी हो।
सर्माफ (سوراف) अ वि—चाँगी-सोना बेचनेवाला।
सर्माफी (سورافی) अ स्त्री—चागी साता बचने का काम।
सर्वदाम (سورودام) फा वि—सब-जस सीधे और सुदर
गरीरवाला।
सव (سور) अ पु—एक प्रसिद्ध पेड, सरो जा सीधा और
सुदर होता है।
सवअदाम (سورودام) फा वि—'सवनाम'।
सवकद (سورود) फा वि—दे 'सवनाम'।
सवकामत (سورودامت) फा अ वि—'सवदाम'।
सवत (سوروب) अ स्त्री—थनाडघता, समझि मालदारी
ऐशवय ऐश फरागत।
सववाला (سورودالا) फा वि—'सवदाम'।
सर्वे आजाद (سور آزاد) फा पु—वह सब जिममें शाई और
फल न हो।
सर्वे खिरामां (سور حرامان) फा पु—बलने फिरनवाला सब
अर्थात मा शुक।
सर्वे चमन (سور حمن) फा पु—बाग का सब का पेड।
सर्वे चिरामां (سور حرامان) फा पु—सब क वस के आकार
का कौच का शाड जिसमें भामवर्तिमां जलती है।
सर्वे नाज (سور ناز) फा पु—वह सब जिसकी गाम् शुक
कर आपस में मिल गयी हा।
सर्वे बाला (سور ناز) फा पु—रवा सब।
सर्वे सिही (سور سهی) फा पु—विलकुल सीधा सब।
सशफ (سور سف) फा स्त्री—सरसो एक प्रसिद्ध दाना
जिसका तेल कन्वे तल के नाम से खाने के काम आता है।
ससर (سور سر) फा स्त्री—सककड गम हवा के झाने
कवा तेज हवा के झाने उदा०—यह भी अय सप्या है
जौरे फलव। कद हो हम बाग में सर सर कले।
ससाम (سور سام) अ पु—दिमाग के बरम की एक बीमारी
सतिपात।
ससामी (سور سامی) अ वि—ससाम का रोगी।
ससफ (سور سف) अ पु—ससफ का बहू पुराने लाग
पूवज।
ससलफ (سور سف) अ पु—पूवज पुराने आग।
सलवात (سور لوات) अ स्त्री—सगात का बहू, नमाई

सला' (صالح) अ पु—वालो का एक रोग, गज ।
 सला (صلا) अ. स्त्री—आवाज देना, बुलाना ।
 सलाए आम (صلاए आम) अ स्त्री—सबका बुलावा, सबकी दाँवत, सार्वजनिक निमंत्रण ।
 सलाक (سلاک) फा स्त्री—सोने-चाँदी की सलाख ।
 सलाख (سلاخ) तु स्त्री—सलाई, शलाका; लोहे की छड़; लकीर ।
 सलात (صلاة) अ. स्त्री—नमाज, दुहूद ।
 सलातीन (سلاطين) अ. पु.—'सुल्तान' का बहु, वादशाह लोग, शासकगण ।
 सलावत (صلاوات) अ. स्त्री—कठोरता, सख्ती ।
 सलाम (سلام) अ पु.—प्रणाम, तस्लीम, शान्ति, सलामती, नौहें की एक किस्म; घृणा और बेजारी के लिए भी बोलेते हैं ।
 सलामत (سلامت) अ स्त्री—सुरक्षित, महफूज; जीवित, जिंदा, पूर्ण, पूरा, स्वस्थ, तन्दुरुस्त ।
 सलामत वाशेद (سلامت ناشيد) अ फा. वा.—जीवित रहो, जिंदा रहो ।
 सलामतरबी (سلامتاروی) अ फा. स्त्री—सबसे हेल-मेल से रहना; खर्च आदि में किरायात वरतना ।
 सलामती (سلامتی) अ स्त्री—शान्ति, अमन, रक्षा; स्वास्थ्य, तन्दुरुस्ती ।
 सलामी (سلامی) अ वि.—किसी बड़े आदमी के आने पर तोपी के फेर ।
 सलामुन अल्लकुम (سلام و علیکم) अ वा—तुम पर सलामती हो, मुसल्मानों का सलाम जो वह एक दूसरे से कहते हैं ।
 सलामो अल्लकुम (سلام و علیکم) अ वा—दे 'सलामुन अल्लकुम' ।
 सलामो पयाम (سلام و پیام) अ फा पु—किसी का सलाम के साथ कोई सँदेश आना, किसी को सलाम के साथ कोई सँदेशा भेजना, लडके या लडकीवालो की ओर से विवाह या सगाई की बातचीत चलना ।
 सलासत (سلاست) अ स्त्री—सरलता, रवानी, सलीस-पन; नम्रता, नमी; हलके-फुलके और सुंदर शब्दों का व्यवहार जिसमें कोई क्लिष्ट शब्द न हो और न ऐसे शब्द हों जिनसे जवान को तोडना मरोडना पड़े ।
 सलासते जवान (سلاست جوان) अ. फा स्त्री—भापा की मृदुलता, शब्दों का माधुर्य; गद्य या पद्य में कोमल, मृदुल और सरल उच्चारणवाले शब्दों का प्रयोग, फसाहत ।
 सलासते बयान (سلاست بیان) अ. स्त्री—बातचीत की मधुरता ।

सलासिल (سلاسل) अ स्त्री—'सिल्सिल.' का बहु., जजीरे, वेडियाँ ।

सलाह (صلاح) अ स्त्री—अच्छाई, भलाई; परामर्श, मशवुर; उद्देश्य, मशा, मंसूब, राय, तजवीज ।

सलाहअंदेश (صلاح اندیش) अ. फा वि—नेकअदेग, खैर-रुवाह, शुभचिंतक, हितैपी ।

सलाहकार (صلاح کار) अ फा वि—सदाचारी, नेकअमल; परामर्शदाता, मशवुर देनेवाला; सद्पदेशक, नासेह ।

सलाहिफ (صلاحیف) अ पु—'सुलहफात' का बहु, 'कछवे' ।

सलाहीयत (صلاحيات) अ. स्त्री—भलाई, अच्छाई, खूबी; सदाचार, सयम, इद्रिय-निग्रह, पारसाई, योग्यता, पात्रता, अहलीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, गभीरता, मतानत, मुसा-फिरो का पुलिस के रजिस्टर में इदिराज ।

सलाहे कार (صلاح کار) अ. फा स्त्री—काम की काबिलीयत, कार्य-क्षमता ।

सलाहे नेक (صلاح نیک) अ फा स्त्री—अच्छी सलाह, सत्-परामर्श ।

सलाहे बंद (صلاح بند) अ फा स्त्री—बुरी सलाह, दुस्संमति ।
 सलाहे बक़्त (صلاح وقت) अ स्त्री—समय के अनुसार सलाह, समय की माँग ।

सलिघुल बौल (سلسله البول) अ पु—एक मूत्ररोग जिसमें पेशाब बार-बार आता है, बहुमूत्र ।

सलीक: (سلیقه) अ पु—शिष्टता, तमीज, शुऊर; क्रम, तर्तीव; योग्यता, हुनरमदी, सुघडपा, सुघडया; हर चीज को उसके मुनासिब मौका रखने की तमीज, सभ्यता, तहजीव ।

सलीक:मंद (سلیقه مند) अ. फा वि—शिष्ट, वाशुऊर; सुघड, हुनरमंद; सम्य, मुहज्जव ।

सलीक:मंदी (سلیقه مندی) अ फा. स्त्री—शिष्टता, तमीजदारी; सुघडपन, सभ्यता, तहजीव ।

सलीक:शिआर (سلیقه شاعر) अ. वि—दे 'सलीक मद' ।
 सलीक:शिआरी (سلیقه شعاری) अ. स्त्री—दे. 'सलीक-मदी' ।

सलीक (سلیک) अ वि—पिरोई हुई चीज, गुथिल, नत्थी, मुसलिक, सलग्न ।

सलीब (سلیب) अ स्त्री—सूली, दार, हज्रत ईसा को सूली देने की टिकठी जो चौपारे की आकार की थी, वह चौपारे का चिह्न जो ईसाइयों का धार्मिक चिह्न है, कास ।

सलीबी (سلیبی) अ वि—सलीब का; सलीब की शकल का; ईसाई धर्म सम्बन्धी ।
 सलीम (سليم) अ वि—गभीर, शात, मतीन; सहनशील,

बुदवार शातिप्रिय, जिस गारागर या रानई दगा पमद न हो स्वस्य चगा, तनदुस्त ।

सलीमुसवअ (سلم المصطفى) अ वि-जिनका स्वभाव बहुत ही शातिप्रिय हो सौम्य ।

सलीमुलमिजाज (سلم المراج) अ वि-दे सलामुसवअ ।

सलीस (سلس) अ वि-नम बामल मदुल सरल मुगम आसान सुबान आमफहम बालबाध सम्य गिष्ट समीखदार, वह गय या पय जो बहुत ही सरल और कोमल हो, कोमल ।

सलअ (سليم) अ पु-वग मस्ता, वनीने मासाबु ।

सलव (سلخ) अ पु-नाल खीचना खाल उतारना कृष्णपत्र की अंतिम तिथि ।

सज (سج) अ पु-हिम बफ ।

सलजम (سلاجم) अ पु-गजम एक प्रसिद्ध तरकारी ।

सलजूक (سلجوك) तु पु-एक व्यक्ति जिसेसे सलजूकी बग चला है इमी की चौथी पुन में तुगुल बग सलजक नाम का गासक हुआ है ।

सलजूकी (سلجوكي) तु पु-सलजूक का बगज ।

सलतनत (سلطنة) अ स्त्री-राज्य राष्ट्र मूल्क गानन सत्ता हुकूमत ।

सलतनेत जुमहूरी (سلطنة جمهورية) अ स्त्री-जनता का राज गणतंत्र जनतंत्र ।

सलतनेत गलती (سلطنة شخصي) अ फा स्त्री-व्यक्तिगत राय साम्राय ।

सलब (سلب) अ पु-निवारण दफाअ विनाग छातिमा छीन नेना जख कर लेना ।

सलवे मरख (سلب مرض) अ पु-किसी के रोग को आरम गक्ति द्वारा नष्ट कर देना ।

सलम (سلم) अ स्त्री-बच्चों के लिखने की तस्नी पाटी, पट्टिका दे सिलम' बोना गढ़ ह ।

सलमान (سلمان) अ पु-पगवर साहब के एक मिहावी सलमान फारिमी ईरान का एक शाइर सलमान सावजी ।

सल्लाख (سلخ) अ पु-नाल उतारनेवाला अल्लाद फामी देनेवाला (दरती सल्लाखी) ।

सल्लाखी (سلاخي) अ स्त्री-गाल उतारना पुरान जमाने में एक राजा यह भी थी कि जिदा आदमी की खाउ उतार दी जाती था और इस तरह वह बग कष्ट से मारा जाता था यह काम सगामी कहलाता था ।

सलवा (سلاوي) अ स्त्री-बटेर एक फमी वातक वाना ।

सलमबोल (سلسبول) अ स्त्री-स्वयं का एक चरमा नम और मुगयन चीख मदिरा शराब ।

सलसाल (صلصال) अ स्त्री-कच्ची और सूखा मिट्टी जिससे हयत आम की सप्टि हुई ।

सवा (سوا) अ वि-नमता बराबरी, समान बराबर ।

सवाइक (سوايک) अ पु-साइक' का बहु, बाल जमान पर गिरनेवाली बिजलियाँ ।

सवाकिन (سواکين) अ पु-साकिन' का बहु, निवाम लोग रहनेवाले ।

सवाक़िब (سواکيب) अ पु-साक़िब का बहु रोगीया चीन्हे ।

सवाते (سواطع) अ पु-सातिअ का बहु जेबे स्थान ।

सवाद (سوان) अ प-कालिमा सियाही बालो बिग जा हृदय पर हातोह आम-पासकी भूमि हवाली प्रतिमा जहानत ।

सवादे आंजम (سوان اعظم) अ पु-बड़ा नगर बड़ा बस्ती ।

सवादे कुफ़ (سوان کفر) अ पु-नास्तिकों की बस्ती नास्तिकता का वातावरण ।

सवानिहे उख (سوانع عمر) अ पु-सवानिहे हयात ।

सवानिहे हयात (سوانع حیات) अ पु-जीवनी जीवन चरित किसी के जीवन का सविस्तर लख ।

सवानेह (سوانع) अ पु-मानिह का बहु, घटनाए वाक़िआत दुघटनाए हासिआत ।

सवानेहनवीस (سوانع نوبس) अ फा वि-समाचार लेखक वाक़िअ निगार इतिहासकार जीवनी-लेखक ।

सवानेहनवीसी (سوانع نوبسي) अ फा स्त्री-समाचार लिखना इतिहास लिखना जीवनी लिखना ।

सवानेहनियार (سوانع نگار) अ फा वि-दे सवानह नवीस' ।

सवानेहनियारी (سوانع نگاري) अ फा स्त्री-सवानह नवीसी ।

सवाद (سوا) अ वि-यथाय ठीक दुस्त उत्तम श्रेष्ठ उम्द वास्तविकता हकीकत ।

सवाब (سوا) अ पु-बहु फल जो किसी सलम करन पर परलोक में मिले पुष्प ।

सवाबअदेस (سوا-اندش) अ फा वि-ठाक-ठाक सोचने वाला अच्छी राय देनेवाला गुर्भावित खरम्बाह ।

सवाबदीद (سوابدید) अ फा स्त्री-सलाह मगदुर अ-जे राय अच्छी तजवीज ।

सवाबिक (سوايک) अ पु-साबिक का बहु पढ़ेवाले गुजरे हुए ।

सवाबित (سوايک) अ पु-साबिन' का बहु वे सारे जो गतिनी नहा टहरे हुए सारे उदुगण ।

सवाबितो संघार (ثوابت وسيا) अ. पुं—नातिमान् और बचल सब प्रकार के तारे ।

सवामे (سوامع) अ. पु—'सामिथ' का बहु, सुनने की गन्तियाँ, सुननेवाले लोग ।

सवार (سوار) फा वि—जो किसी सवारी पर बंठा हुआ हो, आस्ट, अश्वारोही, घुडसवार ।

सवारिक (سوارق) अ पु—'सारिक' का बहु, चोर लोग ।

सवारिम (سوارم) अ पु—'सारिम.' का बहु, धारदार तलवारें ।

सवाल (سوال) अ. पु—शुद्ध उच्चारण 'सुआल' है, परंतु जर्म में 'सवाल' ही बोलते हैं, प्रश्न पूछना, प्रार्थना, इत्तिजा, इच्छा, आकाक्षा, आर्जू, भीख की प्रार्थना; प्रार्थनापत्र, अर्जी ।

सवालखानी (سवाल خوانی) अ फा स्त्री—अदालत में आम अर्जियाँ लेने की पुकार ।

सवालनामः (سवाल نامه) अ फा पु—प्रश्नावलीपत्र, वह पर्चा जिसमें किसी सभा आदि में पूछने के सवाल लिखे हों ।

सवालात (سवालوات) अ पु—'सवाल' का बहु, बहुत से सवाल, प्रश्नावली ।

सवालफ (سوالف) अ पुं—'सालिफ' का बहु, गुजरे हुए लोग, पूर्वज ।

सवाली (سوالی) अ वि—याचक, माँगनेवाला, भिक्षुक, भिक्षमगा ।

सवाले वस्ल (سवाल وصل) अ पु—नायक की ओर से नायिका से मिलने की इच्छा का इजहार ।

सवालोजवाव (سवाल و جواب) अ पु—प्रश्न और उसका उत्तर, प्रश्नोत्तर, वाद-विवाद, कथनोपकथन, वहस ।

सवाहिल (سواحل) अ पु—'साहिल' का बहु, बंदरगाहे, समुद्रतट ।

सहरः (سحرة) अ. पु—'साहिर' का बहु, जादूगर लोग ।

सहर (سحر) अ स्त्री—प्रातः काल, प्रातः, प्रभात, भोर, तडका, सहरी, सहरगही ।

सहरखद (سحر خد) अ फा वि—ऐसी मुस्कराहट जिसमें दाँत खुल जायँ, इतना उज्ज्वल जो प्रभात की सफेदी पर हूँसे ।

सहरखेज (سحر خیر) अ. फा वि—बहुत तडके उठने का अभ्यस्त, तडके सोकर उठनेवाला ।

सहरखेजी (سحر خیری) अ फा स्त्री—तडके उठने का अभ्यास, सोकर तडके उठना ।

सहरगह (سحرگاه) अ. फा. स्त्री.—'सहरगाह' का लघु, दे 'सहरगाह' ।

सहरगही (سحرگاهي) अ. फा स्त्री.—'सहरगाही' का लघु, दे. 'सहरगाही'; रोजो के दिनो में पिछली रात का खाना ।

सहरगाह (سحرگاه) अ. फा. स्त्री.—बहुत तडके, गजरदम, प्रातः काल, गोविसर्ग, उप काल ।

सहरगाहां (سحرگاهان) अ फा स्त्री—दे 'सहरगाह' ।

सहरगाही (سحرگاهي) अ फा स्त्री—सवेरे तडके की, प्रातःकाल का; प्रातः काल सम्बन्धी ।

सहरदम (سحر دم) अ फा पु—सवेरे-मवेरे, बहुत तडके, गजरदम ।

सहरी (سحری) अ. वि—प्रातः काल का, रमजान के दिनो में कुछ रात रहे का खाना, जिसे खाकर रोजा रखा जाता है, सहरगही ।

सहरोशाम (سحر و شام) अ फा पु—सुबह और शाम, सवेरे और सध्या के समय ।

सहाइफ (صحائف) अ पु.—'सहीफ' का बहु; पुस्तके, ग्रंथ, आकाश से उतरी हुई पुस्तके, धर्मग्रंथ ।

सहावः (صحاہ) अ. पु—मित्रता करना, मित्रगण ।

सहावत (صحابت) अ स्त्री—मित्रता करना; सहायता करना ।

सहारा (صحارای) अ पु—'सह्रा' का बहु, जंगल, बडे-बडे जंगल ।

सहारी (صحاری) अ पु—'सह्रा' का बहु, बहुत से जंगल, वन-समूह ।

सहाह (صحاح) अ वि—स्वस्थ, तनदुरुस्त, निर्दोष, बेपेव, (स्त्री) स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती, पवित्रता, पाकी ।

सही (سہی) फा वि—सरल, सीधा, जो लवाई में सीधा हो, सर्व का सीधा पेड, यह शब्द अकेला सीधे के अर्थ में बोला नहीं जाता, दूसरे शब्द से मिलकर बोला जाता है जैसे—'सहीकद' या 'सर्वेसही' ।

सहीकः (سحیقه) अ पु—पिसी हुई चीज, चूर्ण, सुफूफ ।

सहीक (سحیق) अ वि—पिसा हुआ, चूर्णित, चूर्ण, सफूफ ।

सहीकद (سہی قد) फा वि—सीधे और लवे आकार का ।

सहीकामत (سہی قامت) फा अ वि.—दे 'सहीकद' ।

सही वाला (سہی نالا) फा वि—दे 'सहीकद' ।

सहीफः (صحیفه) अ पु—पुस्तक, किताब, धर्मग्रंथ, मजहबी किताब ।

सहीफए आस्मानो (صحیفه آسمانی) अ. फा पु—आस्मान से उतरी हुई किताब जो किसी पैगवर पर उतरी हो ।

सहोम (مهم) अ वि—भागीदार हिस्सेदार ।
 सहोह (صحيح) अ वि—सत्य, सच यथाथ ठीक, निर्दोष
 बेधेव स्वस्थ, चगा पूण, पूरा, साबित समूचा (पु)
 वे अरबी अशर जो 'अलिफ, वाव और ये के अतिरिक्त न ह ।
 सहोहुर्रहेहन (صحيح الرهن) अ वि—जिसका जेहन ठीक
 हो जिसकी बुद्धि ठीक हो जिसके विचार ठीक ह ।
 सहोहुर्रदिमाय (صحيح الدماغ) अ वि—जिसका मस्तिष्क
 ठीक हो जिसकी अक्ल ठीक काम करती हो, जो पागल
 न हो ।
 सहोहुर्रनसब (صحيح النسب) अ वि—जिसका वंश निमल
 हो गुदरवत (मनुष्य) ।
 सहोहुर्रनसल (صحيح النسل) अ वि—जो अच्छे वंश का
 हो जिसकी जाति अच्छी ह (पनु) ।
 सहोहुर्रनुनक (صحيح النطق) अ वि—दे सहीहुर्रनसब' ।
 सहोहुर्रराय (صحيح الرأى) अ वि—जिसकी राय ठीक होती
 हो बुद्धिमान ।
 सहोहुर्रअवल (صحيح العقل) अ वि—जिसम बुद्धिदोष
 न हो गुदबुद्धि ।
 सहोहुर्रअहम (صحيح العهم) अ वि—जो बात को जल्द
 समझता हो प्रमाता ।
 सहोहुर्रअमिवाज (صحيح السراج) अ वि—स्वस्थ नीरोग
 तनदुरस्त गुदरामा नेकतबअ ।
 सहोहुर्रअसुअर (صحيح السعور) अ वि—जिसकी विवेचन
 शक्ति शुद्ध हो ।
 सहोहुर्रअसालिम (صحيح وسالم) अ वि—सुरक्षित महफूज
 स्वस्थ तदुरस्त जीवित जिना ।
 सहूर (سحور) अ स्त्री—सहरी सहरगही राखे के दिनो में
 सवरे का खाना जिसके बाद रोज होता है ।
 सहक (سكن) अ पु—रगना पीमना स्त्रिया का
 परस्पर चपटी लडाना ।
 सहक (سكن) अ स्त्री—मरोए जीव जीता की मिलन ।
 सहन (صحن) अ पु—अजिर जांगन अगनाई एक
 रोगी कपडा ।
 सहनक (صحنك) फा स्त्री—छोटा तबान रिक्ती
 तनरी हयत फातिमा की नियाज का खाना ।
 सहनकी (صحنكى) फा स्त्री—गलान के अगल-अगल की
 कोरिया ।
 सहने अमन (صحن حسن) अ फा पु—आप के भीतर का
 सरस-उ तहदा ।
 सहने बाय (صحن باع) अ फा पु—सहने अमन' ।
 सहने बुस्ता (صحن بستان) अ फा पु—सहन अमन' ।

सहने मवा (صحن مكان) अ पु—घर का आगन अजिर
 अगण ।
 सहने लामका (صحن لاماكان) अ पु—अतरिश, छला ।
 सहब (صحب) अ पु—साह्वि का बहु, मित्रगण दोस्त ।
 सहबा (صهدا) अ स्त्री—मदिरा मद्य गराव, लाल रंग
 की गराव ।
 सहबाई (صهداى) अ फा वि—मद्य सुरागी शराबी ।
 सहबान (صحنان) अ पु—अरब का एक बहुत बन्ना गादर ।
 सहम (مهم) अ पु—कमान से छूटा हुआ तीर भाग,
 अश हिस्सा ।
 सहम (مهم) फा पु—अम आस डर खौक ।
 सहमगी (صهم گى) फा वि—अभयभीत, प्रस्त, डरा हुआ,
 खौफज ।
 सहमनाक (صهم ناك) फा वि—अभयकर, भयानक डरा
 बना अभयात, खौफज ।
 सहमूलअब (صهم العنب) अ पु—जमपनी में भाग्य के
 गुम प्रहो का योग ।
 सहमूलमौत (صهم الموت) अ पु—मौत का तीर, वाग
 स्त्री मत्यु, मृत्युस्त्री वाग ।
 सहा (صحرأ) अ पु—कानन अरण्य, वन, जंगल,
 चटयल मगान, बियाबान ।
 सहाई (صحرأى) अ फा वि—जंगली जंगल का जंगल
 सम्यधी असम्य उजड़ हूय ।
 सहाए आअम (صحرأ اعلم) अ पु—अकीका का खेतिला
 मदान जो दुनिया में सबसे बड़ा जंगल है ।
 सहाए कियामत (صحرأ و امسا) अ पु—नियामत का
 मदान जिसमें सारे मूदे एकत्र होंगे ।
 सहाए महगर (صحرأ مبحر) अ पु—सहाए
 कियामत ।
 सहाए लककोदक (صحرأ لكرى) अ पु—कयल मदान,
 जिसमें न वृक्ष हो न पानी ।
 सहाएव (صحرأ گرد) अ फा वि—जंगला-जंगलो मारा फिरन
 वाला वनघर काननचारी ।
 सहाएवदी (صحرأ كردى) अ फा स्त्री—जंगलो में मारा-मारा
 फिरना ।
 सहानअबद (صحرأ ابود) अ फा वि—जंगला की छानवीन
 करनेवाला जंगली के जखीरे सोजनेवाला दे राग' ।
 सहानअबदी (صحرأ ابودى) अ फा स्त्री—जंगलो में छानवीन
 करना जंगला-जंगलो मारा फिरना ।
 सहानानी (صحرأ اسنى) अ फा वि—जंगल में रहनेवाला,
 जंगल का निवासी ।

सहानशीनी (صحورانشینى) अ. फा स्त्री—जंगल में रहने-
चलने करना, जंगल में रहना ।

सहानियोस (صحورانبوش) अ. फा. वि.—दे 'सह्लागद' ।

सहलंगार (سهل انگار) अ. फा. वि.—सुगमता ढूँढनेवाला,
बालती, काहिल, सुस्त ।

सहलंगारी (سهل انگارى) अ. फा. स्त्री—सुगमता ढूँढना,
बालस, काहिली ।

सहल (سهل) अ. वि.—सरस, सुगम, सहज, आसान ।

सहलंगार (سهل انگار) अ. फा. वि.—दे. 'सहलंगार' ।

सहलंगारी (سهل انگارى) अ. फा. स्त्री.—दे. 'सहलंगारी' ।

सहलुअमल (سهل العمل) अ. वि.—वह काम जो सुगमता-
पूर्वक हो जाय, सुसाध्य, सुखसाध्य ।

सहलुवुसूल (سهل الوصول) अ. वि.—जो सहज में वुसूल
हो जाय ।

सहलुवुसूल (سهل الحصول) अ. वि.—जो सुगमतापूर्वक
प्राप्त हो जाय ।

सहले मुम्तना (سهل مستنع) अ. वि.—ऐसा शेर जो बहुत
सरल जान पड़े परतु बैसा कहना असंभव हो ।

सहव (صحو) अ. पु.—सचेष्टता, होशयारी ।

सहव (صحو) अ. पु.—विस्मरण, प्रमाद, भूल; त्रुटि,
भ्रान्ति, गलती ।

सहवन (صواب) अ. वि.—विस्मृतिवश, भूल में; अज्ञानत.,
अनजान में ।

सहवे कलम (صواب قلم) अ. पु.—कलम से कुछ का कुछ लिख
जाना, लेखनी-भ्रम ।

सहवे कितावत (صواب كتابت) अ. पु.—लिखने की त्रुटि, भूल
में कुछ का कुछ लिख जाना ।

सहवे सज्दः (صواب سجده) अ. पु.—तमाज में यह याद न रहना
कि एक सज्द किया है या दो ।

सहहास (صواب) अ. वि.—तीरदाज, धनुर्धारी ।

सा

सा (سا) फा. वि.—समान, तुल्य, मिस्ल ।

सा (سا) फा. वि.—समान, मानिंद, (प्रत्य) घिसनेवाला,
जैसे 'जबीसा' माथा रगड़नेवाला ।

साअः (ساعة) अ. पु.—दे 'साअत', घड़ी ।

साअ (صاع) अ. पु.—नीची जमीन, २ सेर १४ छटाँक और
४ तोले का वजन ।

साअत (ساعة) अ. स्त्री—ढाई घड़ी का समय, एक घंटा;
मुहूर्त, अच्छी या बुरी घड़ी, क्षण, लम्हा; समय, वक्त,
क्रियामत का दिन ।

साअते उमूमी (ساعة عسومي) अ. स्त्री—घटाघर ।

साअते नह्स (ساعة نحس) अ. स्त्री—बुरी घड़ी, अशुभ
मुहूर्त, जिसमें कोई काम करना उचित न हो ।

साअते नेक (ساعة نيك) अ. फा. स्त्री.—अच्छी घड़ी, शुभ
मुहूर्त, जिसमें कोई काम करना लाभकर हो ।

साअते वद (ساعة بد) अ. फा. स्त्री—दे. 'साअते नह्स' ।

साअते मज्लिसी (ساعة مجلسي) अ. स्त्री.—दीवार की
घड़ी, बलाक ।

साअते मनुह्स (ساعة منكوس) अ. स्त्री.—दे. 'साअते
नह्स' ।

साअते संगी (ساعة سنگين) अ. फा. स्त्री—कठिन वक्त,
आपत्ति-काल, मुसीबत का समय ।

साअते सईद (ساعة سعيد) अ. स्त्री.—दे. 'साअते नेक' ।

साआत (ساعات) अ. स्त्री—'साअत' का बहु, मुहूर्त,
घड़ियाँ, क्षण ।

साइंदः (ساينده) फा. वि.—घिसनेवाला, रगड़नेवाला,
पीसनेवाला, घर्षक ।

साइकः (صاعقة) अ. स्त्री.—गिरनेवाली विजली; तडित,
विद्युत्, विजली ।

साइकःअफगन (صاعقة افغن) अ. फा. वि.—विजलियाँ
गिरानेवाला (वाली), वह दृष्टि जो विजलियाँ गिराये ।

साइकःजा (صاعقة جا) अ. फा. वि.—विजलियाँ पैदा करने-
वाला (वाली), वह दृष्टि जिससे विजलियाँ पैदा हो ।

साइकःफिगन (صاعقة فغن) अ. फा. वि.—दे 'साइकःअफगन' ।

साइकःवार (صاعقة وار) अ. फा. वि.—विजलियाँ बरसाने
वाला (वाली), वह दृष्टि जो विजलियों की वारिश करे ।

साइकः (سائق) अ. वि.—अंधे को पीछे से सहारा देकर
आगे बढ़ानेवाला, जैसा कि 'काइद' अंधे को आगे से सहारा
देता है ।

साइग (صائغ) अ. वि.—स्वर्णकार, सुनार ।

साइद (ساعد) अ. पु.—पहुँचा, कलाई ।

साइद (صاعد) अ. वि.—ऊपर चढ़नेवाला ।

साइव (صائب) अ. वि.—पहुँचनेवाला, रसा, शुद्ध, सही ।

साइवान (صائبان) फा. पु.—मकान का छज्जा, छाजन,
छप्पर आदि जो धूप की आड़ को हो ।

साइवुराय (صائب الرأى) अ. वि.—जिसकी राय बहुत
ठोस और शुद्ध हो ।

साइबुलअकल (صائب العقل) अ. वि.—जिसकी बुद्धि
ठीक सोचती हो ।

साइमः (صائمه) अ. स्त्री—रोज दार स्त्री, वह स्त्री जो
रोजे से हो ।

साइम (صام) अ पु-राज गार म, राजा रखनेवाला
पत्नी।

साइमुद्दह (صائم المدح) अ पु-हमारा राजा रखनवाला
नित्यव्रता।

साइमुल्ल (صائم الليل) अ पु-रात का रात रखने
वाला।

साइरा (سارورة) अ स्त्री-धूमन फिरनेवाली।

साइरा (سارور) अ वि-धूमने फिरने वाग मय समाम,
गैप वात्रा चुगी का महमूल।

साइल (سائلة) अ स्त्री-मागनवागे भित्तिारिन सवाल
करनेवाली।

साइल (سائل) अ पु-सवाल करनेवाग पूछनेवाग
भिगुन भियममा प्रायी दरवास्त देनेवाला उम्मीदवार
आमरा गगानेवाला।

साइल बकफ (سائل بكف) अ पा वि-हाय में मागने
वाला जिसके पास मागने का वतन नहा केवल हाय हा।

साइस (سائس) अ पु-मईस पाटे का रखवाला।

साई (ساعي) अ वि-बागिंग करनेवाला प्रयत्नगील।

साईद (سائيدو) पा वि-पिसा हुआ चूणित।

साईदनी (سائيدنى) पा वि-मीसने के लायक।

साए (سائ) पा प्रत्य - साँ।

साएवान (سائوان) पा पु - साइवान।

सात्र (سائنه) अ पु-सेना का वह भाग जो पीछे रहता है
चिवाबुल।

सात्र (سائ) अ स्त्री-पिल्ला।

सात्रिए कमनिगाह (سائغى كمنگاه) अ पा पु-वह सात्रा
जो पीनेवाग का जार ध्यान न दे।

सात्रिए कौमर (سائى كور) अ पु-कौमर की गराव
पिलानेवाला माका अथवा हज्जत मुहम्मद।

सात्रिए दर्यादिल (سائى دريائى) अ पा पु-ओ खूबदिल
खालकर पिलाये।

सात्रिए महगर (سائغى محصر) अ पु-नियामत का विन
विहित की गराव पिलानेवाग पयवर साहब।

सात्रित (سائط) अ वि-गिरनेवाग जाना रहनवाला
गिरा हुआ त्यागा हुआ।

सात्रित (سائب) अ वि-मीन चुप खामोश गतिहीन
निश्चल ब्रे हरकत।

सात्रितुलएतिवार (سائط اعتمار) अ वि-जिमका विश्वास
उठ गया हा अविवाणी।

सात्रितुलमिलियत (سائط الملكات) अ स्त्री-जिस

सात्रितोतामित (سائط صامت) अ वि-जा न बोले न
हिं डुं नहवत निम्तय।

सात्रिन (سائى) अ वि-स्थिर ठहुरा इश्रा जियमें
हरकत नहा निवामी, रहनेवाला वागिना किया ग
का वह अदर जा हल्लो।

सात्रिनलभक्वल (سائى اول) अ वि-बहु शत्रु जिसका
पहला अदर हल्ल हा, अरनी या फार्नी में एसा ग
नहीं
हाना।

सात्रिनलआखिर (سائى آخر) अ वि-बहु ग
जिनका
अतिम अदर हल्ल हा हल्लत।

सात्रिनलऔसत (سائى وسط) अ वि-बहु गद जिसका
बाचवाला अदर हल्ल हो।

सात्रिव (سائب) अ पु-चमकनेवाग प्रनागमान
एक व
जिसमें ऐमा कद हाता है अत काई गरीर में छ
कर रहा हो।

सात्रिय (سائيه) अ स्त्री-शराव पिलानेवाणी स्त्री
छाटा नती रह्ट।

सात्रिया (سائيا) अ पा पु-ऐ साक्रा।

सात्री (سائى) अ वि-शराव पिलानवाला।

सात्रे विल्ली (سائق بلوى) अ पा स्त्री-विल्लूर जरी
सफे और उज्वल पिटलिया।

सात्रे सीमी (سائى سائى) अ पा स्त्री-बनी जरी
मफे और चमकदार पिटलिया।

साकन (سائقن) अ स्त्री-दाना पिडलिया।

साकत (سائكة) पा वि-बनाया हुआ निमित वृत्तिम
मननू कूट नवनी जाली।

साकत परदाहन (سائحه برداحنه) पा वि-बनाया
शंकारा पालायासा किया-बराया।

साकतह (سائحه) पा वि-रज्जा से मुह बनाय हुए
मुह को पीटर और लिपिस्टव आदि से सवार हुए।

साकत (سائب) पा स्त्री-बनावट गल्ल वृत्तिमता
मननूईपन का तराग मिय बहाना।

साकतगी (سائكه كغى) पा स्त्री-बनावट।

सागर (سائ) पा पु-शराव का प्याला चपक पानपाव।

सागरक (سائركش) पा वि-मद्य गरावी।

सागरनेग (سائرونوش) पा वि-सागरक।

सागरपमा (سائرونما) पा वि-दे सागरक।

सागर बकफ (سائرونه بكف) पा वि-हाय म गराव का
पमाना किये हुए।

सागर बवत (سائرونه بيب) पा वि-दे सागरक।

सागरे में (ساعر مع) फा. पु.—शराब का प्याला, पानपात्र ।
सागरे सरशार (ساعر سوشار) फा पु.—शराब से लवालव
प्याला, मुँह तक भरा हुआ प्याला ।

साचक (ساقچق) तु स्त्री—व्याह से एक दिन पहले की रस्म
जिसमें दूह के घर से बरी का सामान मेहदी, सुहाग पुड़ा,
तेल-इत्र, मेवा-मिस्त्री आदि कुछ आदमियों के साथ दुल्हन के
घर जाता है । (इस शब्द का शुद्ध रूप 'साचिक' है ।)

साचिक (ساقچق) तु स्त्री—'साचक' का शुद्ध रूप, परंतु
उर्दू में 'साचक' ही बोलते हैं ।

साचूमः (ساقچمه) तु पु—छरों की थैली, मोटे छरों या पैसों
की थैली जो तोप में छुड़ाई जाती है, जिससे एक साथ बहुत
से लोग मरते हैं ।

साज (ساج) अ पु—साखू का पेड़, साल ।

साज (سار) फा पु—उपकरण, सामान, प्रवध, इतिजाम,
वाजा, वाद्य, मेल-जोल, रत्न-जवत्, अनुकूलता, मुआफकत;
घोड़े का सामान, जैसे जीन, लगाम, काठी आदि (प्रत्य.) ।

साजगर (سازگر) फा वि—वाजा बनानेवाला, वाद्यकार ।

साजगरी (سازگری) फा स्त्री.—वाजे बनाने का काम,
वाद्यकर्म ।

साजगार (سازگار) फा वि—अनुकूल, मुआफिक, शुभा-
न्वित, सुवारक, जो बात रास आ जाय ।

साजगारी (سازگاری) फा स्त्री—अनुकूलता, मुआफकत,
शुभकारिता, कल्याण, किसी बात का रास आ जाना ।

साजज (ساجج) अ वि—सामान्य, सादा, एक दवा, तेजपात ।

साजवाज (سازवार) अ स्त्री—गठजोड़, साजिश; किसी
गलत काम के लिए कुछ लोगों का मतैक्य ।

साजमद (سازمند) फा. वि—सुसज्जित, आरास्ता,
अनुकूल, साजगार ।

साजमंदी (سازمندی) फा. स्त्री—सुसज्जा, सजावट,
अनुकूलता, साजगारी ।

साजिदः (سازنده) फा. वि.—साज बजानेवाला वादक,
तंत्री, नाच में सारंगी बजानेवाला ।

साजिदगी (سازندگی) फा स्त्री—साज बजाने का काम,
वादकर्म; नाच में सारंगी बजाना ।

साजिद (ساجد) अ वि—सज्द. करनेवाला, ईश्वर के
आगे झुकनेवाला ।

साजिश (سازش) फा. स्त्री.—किसी को हानि पहुँचाने
या अवैधानिक रूप में किसी से कुछ प्राप्त करने के लिए
कुछ लोगों का गुप्त रूप में गठजोड़, षड्यंत्र, कुचक्र ।

साजिशकुनिदः (سازشकुनिده) फा वि—षड्यंत्री, कुचक्री,
मिस्त्री ।

साजिशी (سازشی) फा. वि—चक्रातकारी, कुचक्री,
षड्यंत्री, साजिश करनेवाला ।

साजो ऐश (ساز عیش) फा. अ. पु—भोग-विलास का
सामान; खुशी के शादयाने ।

साजो सफर (ساز سفر) फा. अ. पु—सफर में साथ जाने का
जरूरी सामान, यात्रोपकरण ।

साजो बर्ग (سازو برگ) फा पु—दे. 'साजो सामान', धन-
दौलत ।

साजो सामान (سازو سامان) फा पु—उपकरण, सामान;
किसी काम की जरूरी सामग्री, सामान के तैयारी ।

सा'तर (صعتور) अ. स्त्री—एक घास जो दवा में काम आती है ।

सा'तरवाज (صعتورवार) अ फा स्त्री—चपटी लडानेवाली
स्त्री ।

सातरौ (صعتوری) अ फा स्त्री—चपटी लडानेवाली स्त्री ।

सातिर (ساتر) अ वि—छिपानेवाला, गोपक ।

सातूर (ساطور) अ पु—बडी और धारदार छुरी ।

साते' (ساطع) अ वि—उत्तुग, ऊँचा, बलद, उज्ज्वल,
धवल, गणफाफ, दीप्त, रौशन ।

सातूगी (ساتگی) तु पु—प्रेयसी, नायिका, मागूक, शराब
का प्याला, पानपात्र, चपक ।

सादः (ساده) फा. वि—कोरा, वेदाग, भोला-भाला,
सीधा; वेडाढी मूँछ का; निर्मल, खालिस, निश्छल, साफ
दिल; मूर्ख, बेवकूफ, वे लिखा कागज, या बिना काम बना
हुआ कपड़ा आदि ।

सादःकार (ساده کار) फा. वि.—सादा और हलका काम
बनानेवाला; वह सुनार जो जेवरों पर बहुत अच्छा काम
बनाये ।

सादःकारी (ساده کاری) फा. स्त्री—साद कार का काम,
जेवरों पर बहुत सवुक और वारीक काम बनाना ।

सादःतव्व (ساده طبع) फा अ. वि.—भोला-भाला, सीधा-
सादा, सरलस्वभाव ।

साद तव्वई (ساده طبعی) फा. अ. स्त्री—भोला-भाला
पन, सीधा-सादापन ।

साद.तौर (ساده طور) फा अ वि—सीधे-सादे आचरण-
वाला, जिसमें टीपटाप न हो ।

साद दिल (ساده دل) फा. वि—निश्छल, निष्कपट, साफ
दिलवाला, भोला-भाला, बुद्ध, मूर्ग ।

साद दिली (ساده دلی) फा. स्त्री—निरच्छलता, साफ-
दिली; भोला-भालापन, बुद्धपन ।

सादःपुरकार (ساده پورکار) फा वि—जो देखने में सीधा-
और छनी हो ।

साहचर्य (ساحرى) का अर्थ - जल में भाग
 भाग्य होता परंतु बड़ा छोटा होता।
 साह मित्राज (ساحب) का अर्थ - 'साह सीर'।
 साह मित्राज (ساحب) का अर्थ - रचना-रचना की
 भाषा।
 साह शत्रु (ساحب) का अर्थ - 'साह सीर'।
 साह शत्रु (ساحب) का अर्थ - जिनके दाढ़ा-मूँछें न निकले
 हैं। परंतु जवानी पर पहुँच गया हो अकुरित्योक्त।
 साह लोह (ساحل) का अर्थ - भाग्य भाग्य, निष्ठा,
 बुद्धि मग।
 साह लोह (ساحل) का अर्थ - स्त्री-भाग्य भाग्य
 बुद्धि मग।
 साह वक्र (ساحب) का अर्थ - 'साह सीर' वेग
 भूषा में टापटाप का फल न बरलेका।
 साह बर्ह (ساحب) का अर्थ - स्त्री-वेग भूषा की
 सल्लो मित्राज की भाषा।
 साह (ساح) का अर्थ - गुम, मुबारक, थोड़ा, पुनीत
 एक बार्दवर्षा नग्न श्रवण।
 साह (ساح) का अर्थ - अरबी का चौहवाँ अक्षर ठीक
 होने पर बनाया जानेवाला चिह्न (ص) अक्षर।
 साहवी (ساحبي) का अर्थ - वाराणस भोग्य निरु-
 र्णा विद्य मूलतः चिह्न, चित्र या वाक्य बना होना।
 साहवी मित्राज (ساحبي) का अर्थ - स्वभाव
 की सरलता सीधा-भाषण।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - साहव' थोड़ा जन बुगुण
 लय मयद साहवत बल्लेग।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - सत्यवाणी सच्चा 'यायनित्य
 मुक्ति स्वामिभक्त वफादार चरित्राय चर्या।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - जिसकी सलाह और
 राय सच्चा होती है।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - जो वाद का पक्का
 हो बुद्धिप्रति सत्यमकल्प।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - जिसका
 पक्ष विचार्य जटिल हो।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - बात का पूरा कौल
 का पक्का सत्यप्रत सत्यमकल्प।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - साहवत
 अर्थ।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - न निकलनेवाला चाल होने
 का अर्थ जोरों होनेवाला।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - निष्ठा, चकित गण्य

उद्दिष्ट, आनुर परेमान।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - उच्छा, छठवाँ पद्य।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - बर्ह मुन्तरी,
 चौबीसवाँ नग्न शत्रुमिया।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - बर्ह मुन्तरी।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - एक भाषा नागरभाषा
 भूमिस्त।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - बार्दवर्षा नग्न श्रवण।
 साहवत (ساحب) का अर्थ - शून्य और बर्हानी के दाह्य,
 जाल और मुन्तरी।
 साहवत (ساح) का अर्थ - बार्ह या छुरा भाषा पर धार रण
 का पक्ष, पाण।
 साहवत (ساح) का अर्थ - साह रचना हुआ भाषा।
 साहवत (ساح) का अर्थ - द्वितीय द्वारा द्वारे से सम्ब
 धित द्वारकाल।
 साहवत (ساح) का अर्थ - विषयकार रणो
 प्रवृत्ति, श्रवण, स्रष्टा।
 साहवत (ساح) का अर्थ - ईश्वर मूलस्रष्टा,
 अरुणी बनानेवाला।
 साहवत (ساح) का अर्थ - साहवत मूलक'।
 साहवत (ساح) का अर्थ - दुपटना हासिम भाषा
 भूमिभक्त, बार्ह बुरे समाचार किसी के भरण भाषा की
 छवण।
 साहवत (ساح) का अर्थ - किसी क
 करने की दुपटना।
 साहवत (ساح) का अर्थ - मित्रा १।६० पद्य सध,
 लमरा, द्वारक।
 साहवत (ساح) का अर्थ - दुवारा पुन द्वारे यह वि।
 साहवत (ساح) का अर्थ - द्वारक वक्त द्वारक
 समय।
 साहवत (ساح) का अर्थ - द्वितीय द्वारक अर्थ द्वारक।
 साहवत (ساح) का अर्थ - निमिता बनानेवाला रचयिता
 स्रष्टा वारोगण।
 साहवत (ساح) का अर्थ - पक्षी गिरोवेष्टा उष्णीप।
 साहवत (ساح) का अर्थ - स्रष्ट वारह पवित्र पाव
 स्वच्छ शफाफ निमल खालिम निर्दोष वेदव सुगम
 सरत भासान कारा वेदाय विवना स्रष्टा।
 साहवत (ساح) का अर्थ - लगा निपनी न ररने
 वाला स्रष्टवारी मुहफ्ट बवाक।
 साहवत (ساح) का अर्थ - नच्ची बात कठ दवा,
 लगी निपटी न ररना यो दूक वाक्य करना।

साफ़बोरी (صافبوری) अ. वि.—जिसका मन साफ़ हो,
जिसके अंत करण में पाप न हो, अतः शुद्ध ।

साफ़तबूअ (صافطبع) अ. वि.—दे 'साफ़तीनत' ।

साफ़तीनत (صافتینت) अ. वि.—अंत शुद्ध, पवित्रमनस्क,
पाकवातिन ।

साफ़दिल (صافدل) अ. फा. वि.—दे 'साफ़तीनत';
किन्नी की ओर से मन में द्वेष न रखनेवाला ।

साफ़दिली (صافدلی) अ. फा. स्त्री.—अंत शुद्धि, चित्त
का निर्मल और निष्पाप होना; किसी की ओर से दिल में
द्वेष या वैरभाव न होना ।

साफ़बयान (صافیان) अ. वि.—दे 'साफ़गो' ।

साफ़बयानी (صافیانی) अ. स्त्री.—दे 'भाफ़गोई' ।

साफ़वातिन (صافوطن) अ. वि.—शुद्ध अन्त करणवाला,
शुद्धात्मा ।

साफ़वातिनी (صافیان) अ. स्त्री—आत्मा की शुद्धि,
मन की सफ़ाई ।

साफ़िए सय (صافی سے) अ. फा. स्त्री.—शराव छानने का
कपडा, छत्रा ।

साफ़िन (صافین) अ. स्त्री—पिंडली की एक रग ।

साफ़िल (صافیل) अ. वि.—निकृष्ट, नीच, नीचा, पस्त,
नीचेवाला ।

साफ़ी (صافی) अ. वि.—शुद्ध करनेवाला, शुद्धता, सफ़ाई;
छानने का कपडा, छत्रा ।

साफ़ी मनिश (صافی منش) अ. फा. वि.—सदाचारी, अच्छे
स्वभाव और व्यवहारवाला ।

साफ़ो शयफ़ाफ़ (صافو شعاف) अ. वि.—बहुत ही निर्मल
और स्वच्छ, बहुत चमक-दमकवाला ।

सा'ब (صعب) अ. वि.—कठिन, दुष्कर, मुश्किल; अवज्ञा-
कारी, सरकश, उद्द ।

सा'बतर (صعبتر) अ. फा. वि.—अत्यंत कठिन, बहुत
ही मुश्किल ।

साविक्रः (صافقہ) अ. वि.—अगलेवाली, पहली, सम्बन्ध
रावित, प्रयोजन, वासित, पिछली जान-पहचान, काम,
मुआमल, वह अक्षर या अक्षर-समूह जो किसी शब्द
के पहले लाया जाय, उपसर्ग ।

साविक्र (صافق) अ. वि.—पिछला, गुजरा हुआ, आगे
वढ जानेवाला ।

साविक्रुज्जिक्र (صافق الذکر) अ. वि.—जिसका जिक्र पहले
हो चुका हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त ।

साविक्रुलमज्जूर (صافق المذکور) अ. वि.—दे 'साविक्रुज्जिक्र' ।

साविक्रु दस्तूर (صافق دستور) अ. वि.—पहले की तरह,

पूर्ववत्, जैसा पहले था वैसा ही, यथापूर्व ।

साविय (صافغ) अ. वि.—रैगनेवाला ।

सावित (صافغ) अ. वि.—स्थिर, नाकिन; प्रमाणित,
मुसल्लम; समग्र, सब, पूरा, समूचा, दृढ़, मजबूत ।

सावितकदम (صافغ قدم) अ. वि.—जो अपने इरादे पर अटल
रहे, दृढ़निश्चय—जो अपने कौल और वात पर अटल रहे,
दृढ़ प्रतिज्ञ ।

सावित कदमी (صافغ قدمی) अ. स्त्री.—इरादे की दृढ़ता;
कौल और वादे की दृढ़ता ।

साविरः (صافغ) अ. स्त्री—हरेक अवस्था में ईश्वर
पर निर्भर रहनेवाली स्त्री ।

साविर (صافغ) अ. पु.—हर हाल में ईश्वरेच्छा चाहने-
वाला व्यक्ति, सहिष्णु, सहनशील, मुतहम्मिल ।

साविरो शाकिर (صافغ شاکر) अ. वि.—जो हर साल हाल में
सन्न करे और ईश्वर का धन्यवाद दे ।

सावी (صافی) अ. वि.—धर्म-परिवर्तन करनेवाला,
विवर्मी ।

सावुन (صافین) अ. पु.—दे 'सावून', परंतु उर्दू में 'सावुन'
ही बोलते हैं ।

सावुनफरोश (صافین فروش) अ. फा. वि.—सावुन बेचने-
वाला ।

सावुनसाज (صافین ساز) अ. फा. वि.—सावुन बनानेवाला ।

सावून (صافیون) अ. पु.—दे 'सावुन' ।

सावुनी (صافیونی) अ. वि.—एक प्रकार की मिठाई ।

साबे' (صافیع) अ. वि.—सातवाँ, सप्तम ।

सामदर (صافیاندر) फा. पु.—सामदर, वह कीडा जो आग में
रहता है ।

साम (صافیان) फा. पु.—शोथ, वरम, सूजन, पीडा, दर्द;
अग्नि, आग, रुस्तम के वाप का नाम ।

साम (صافیان) अ. स्त्री—मृत्यु, मरण, मौत, हनन, हलाकी;
हृद्यत नूह का एक लडका ।

सामअंदर (صافیاندر) फा. पु.—दे 'सामदर' ।

सामान (صافیان) फा. पु.—उपकरण, सामग्री, मसाला,
किसी काम के लिए उसकी आवश्यक वस्तुएँ, सजावट,
आरास्ती, बंदोबस्त, प्रबन्ध, अस्वाब, चीज वस्त ।

सामाने ऐश (صافیان عیش) फा. अ. पु.—सुख और
भोग-विलास की सामग्री, उपभोग, सुख-सामग्री ।

सामाने खान-दारी (صافیان خانه داری) फा. पु.—घर-
गिरस्ती की आवश्यक वस्तुएँ, गृहीपकरण ।

सामाने खुरोनीश (صافیان خوروش) फा. पु.—खाने-
पीने की चीजे, खाद्य-सामग्री ।

सामाने खीनत (سامان ریخت) का अ पु -अपना सजावट का सामान प्रभावण जगह आदि की सजावट का सामग्री। सामाने खुट्टी (سامان صوری) का अ पु -आवश्यक वस्तुएँ उपकल्प।

सामाने मईगत (سامان معیشت) का अ पु -जीवन निवाह के लिए आवश्यक वस्तुएँ।

सामाने राहत (سامان راحت) का अ पु -> सामाने ऐंग'।

सामाने सफर (سامان سفر) का अ पु -यात्रा में साथ ले जानेवाला आवश्यक वस्तुएँ।

सामिअ (سامع) अ स्त्री -श्रवण शक्ति कृत्वे समाजत।

सामिअ-खुराग (سامع خوراک) अ फा वि -जा बात बाना का अप्रिय लगे कणकट श्रुत्यप्रिय।

सामिअ नवाअ (سامع نواز) अ फा वि -जो बात बाना का अच्छी लगे कणप्रिय कण-सुवद।

सामिईन (سامعین) अ पु -सुननेवाला श्रातामण धोन मडली।

सामिन (سامین) अ वि -मीन चुप सामाग।

सामिन (سامین) अ वि -आठवा अष्टम।

सामिरी (سامری) अ पु -सामिरा नगर का रहनेवाला एक जाहूगर जिमन ह्यत मूमा का उम्मत में गाय की पूजा प्रचलित की।

सामिरी फन (سامری فن) अ वि -जाहूगर मायावी छनी बचक मक्कार।

सामिरीयत (سامریت) अ स्त्री -मायाकम इद्रजाल जाहूगरी।

सामी (سامی) फा वि -उच्च उत्तुग बल्द ऊचा श्रेष्ठ पूज्य वुतुग।

सामे (سامع) अ वि -सुननेवाला श्राता।

सामे अरस (سام ارس) अ स्त्री -गहगाथा छिपकना गा गाथा।

साम (سام) फा प -छाया परछाइ प्रतिबिम्ब अकस अत्रबाधा आमब आशय गरण पनाह फपात पृष्ठ पापण हिमापत प्रभाव अमर।

साम-अफगन (سام افغن) फा वि -माया टालनेवाला रणा और कृपा करनेवाला।

साम-गाह (سام گاه) फा स्त्री -मुग्गा रथात इमीनात की जगह पनाहगाह।

साम-गुस्तर (سام گستر) फा वि -> साम अफगन'।

साम-हाद (سام هاد) फा वि -जिगरी आग से मारा।

साम-दार (سام دادر) फा वि -जिममें साया हो जिमक साथे में लाग बठें।

साम-पवर (سام پور) फा वि -> साम-पवद।

साम-पवद (سام پود) फा वि -लाइ-प्यार में पला हुआ मुहुमार घर पाला हुआ नमक का पला हुआ, किसी की कृपा से पला हुआ।

साम-फिगन (سام فغن) फा वि -> साम-अफगन।

साम-रस्त (سام رست) फा वि -लाइ-प्यार में पला हुआ नाजपवद।

साम-ए आतिफत (سام عاطفت) फा अ पु -अनुकंपा और दया की छाव अर्थात कृपा और दया।

साम-ए तेय (سام تع) फा पु -तलवारों की छांव तलवारों के तले।

साम-ए दस्त (سام دست) फा पु -सहायता, मन् सुरदा हिफाजत।

सार (سار) फा पु -एक प्रकार की चान्द, आइ, ओ, परदा उत्कोच रिखत।

सार (سار) फा पु -एक चिडिया उड़ ऊँट (प्रत्य) वाला जैसे-गममार' बहुनात जैसे-काहछार' समान जम-देवमार'।

सारवान (सारवान) फा वि -उजवाग उट्टपाल।

सारा (سارا) फा वि -निध्वेषल सालिम बेमल अहमिम गरमस्नूई।

सारिअ (ساريف) अ स्त्री -चोर स्त्री।

सारिक (ساریک) अ पु -चोर तरतर।

सारिक (ساریک) अ वि -बच करनेवाला बसपुमर फेरनेवाला कालचक्र गणिग।

सारिम (ساریم) अ स्त्री -बहुत तेज तलवार चान्दर तलवार।

सारो (ساری) अ वि -मरायत करनेवाला प्रण बरल वाला।

साल (سال) फा प्रत्य -मालबाला, जम-यमाल' एग मालबान।

साल (سال) फा पु -बसम वय बसम।

साल-पर (سال پور) फा वि -बयोवद जल वृद्ध।

साल-जुद (سال جود) फा वि -बुद्ध जरायल मुद्दा।

साल-निहट (سال نيهت) फा स्त्री -जगति जमनिधि हर माल जमदिन पर मनाया जाओबाला उजग।

साल-नाम (سال نامه) फा प -अह विगिगीत या की' पतिवा

साल (سالى) अ स्त्री.—लोमड़ी, लोखड़ी, गोमशा, लोमयी, लोमालिका।
 साल बसाल (سال بسال) फा. वि.—हर साल, वर्ष प्रति वर्ष, प्रतिवर्ष।
 सालहा साल (سالها سال) फा वि—वरसहा वरस, वरसो, मुहता, बहुत अधिक समय तक।
 सालानः (سالانه) फा वि—वार्षिक, आन्विक, वात्सरिक, साल का।
 सालार (سالار) फा पु—सेनापति, सिपहसालार, अध्यक्ष, नायक, सरदार।
 सालारी (سالاری) फा स्त्री—सेनापतित्व, सिपहसालारी, अध्यक्षता, सरदारी।
 सालारे काफिलः (سالار کافله) फा अ. पु—काफिले अर्थात् यात्रीदल का मुखिया।
 सालारे कार्वी (سالار کاروان) फा पु—दे 'सालारे काफिल'।
 सालारे कौम (سالار قوم) फा अ पु.—राष्ट्र का नेता, मुल्क का लीडर, किसी जाति-विशेष का नेता।
 सालारे जंग (سالار جنگ) फा पु—सेनापति, फौज का सरदार।
 सालिक (سالک) अ वि—पथिक, बटोही, रस्त गीर; वह व्यक्ति जो गृहस्थाश्रम में रहते हुए बहुत बड़ा साधक हो।
 सालिफ (سالف) अ वि—आगे गया हुआ, गुजरा हुआ, पूर्वज।
 सालिकः (سالقة) अ स्त्री—कवच, जिरिह।
 सालिब (سالب) अ वि—सत्व करनेवाला, निवारक।
 सालिम (ساليم) अ. वि—सपूर्ण, समग्र, समूचा; स्वस्थ, तन्दुरुस्त, सुरक्षित, महफूज; यथावत्, ज्यो का त्यो।
 सालिमन (سالمان) अ वि—पूरे तौर पर, पूर्णतया; सुरक्षता-पूर्वक, बहिफाजत।
 सालियाँ (ساليان) फा. पु—'साल' का बहु, वरस।
 सालियानः (ساليانه) फा वि—वार्षिक, सालाना, पु वह हक या इन्धाम जो प्रतिवर्ष दिया जाता हो।
 सालिस (سالک) अ. वि—तीसरा, तृतीय, मध्यस्थ, पच, विचौलिया, हुकम।
 सालिस विलखैर (سالک بالکھير) अ पु—वह पच जो किसी का पक्षपात किये बिना अपना निर्णय दे।
 सालिसी (سالنی) अ स्त्री.—पचायत, पचायत द्वारा किसी झगड़े का निर्णय।
 सालिहः (سالحة) अ स्त्री—साध्वी, सच्चरित्रा, नेक और

चरित्र, नेक और परहेजगार, दे 'सालेह'।
 सालिहात (سالحة) अ स्त्री.—'सालिह' का बहु, साध्वी स्त्रियाँ, परहेजगार औरते।
 सालिहलकैमूस (سالحة الكيسوس) अ वि—वह भोजन जिससे अच्छा रस बने जो शुद्ध रक्त बना सके।
 साली (سالی) फा. वि—पुराना, जीर्ण, (प्रत्य) साल, जैसे 'खुष्कसाली' कहत का साल।
 सालूक (سالوی) अ वि.—बहुत अधिक चलनेवाला।
 सालूस (سالوس) फा अ वि—चापलूस, चाटुकार, खुशामदी, छली, वचक, मक्कार।
 सालूसी (سالوسی) फा स्त्री—चाटुकारिता, खुशामद; छल, धूर्तता, फिरेव।
 साले आइंदः (سال آينه) फा पु—आगामी वर्ष, आने-वाला, साल, अगला साल।
 साले ईसवी (سال عیسوی) फा अ. पु—वह संवत्सर जो हज्रत ईसा के फाँसी पाने के समय से चला है।
 साले कबीसः (سال کبیسه) फा. अ पु—लौद का साल, वह साल जिसमें लौद का महीना पडे, वह ईसवी साल जिसमें फरवरी २९ दिन का हो।
 साले कमरी (سال قمري) फा अ. पु—वह साल जिसके महीनो का हिसाब चाँद की घटावढी से हो।
 साले गुजश्तः (سال گزشته) फा पु—गत वर्ष, बीता हुआ साल।
 साले जलाली (سال حلالی) फा अ पु—जलालुद्दीन मलिक शाहे सलजूकी का चलाया हुआ साल जो ३६५ दिन और ६ घटो का होता था, और अब तक वही हिसाब राइज है।
 साले तमाम (سال تمام) फा अ पु—पूर्ण वर्ष, सारा साल।
 साले नववी (سال نبوی) फा. अ पु—दे. साले हिज्री।
 साले पैवस्तः (سال پیوسته) फा. पु—गुजरा हुआ साल, गत वर्ष।
 साले फस्ली (سال فصلی) फा अ पु—किसानो का साल, जिसके हिसाब से वह लगान देते है।
 साले विक्रमो (سال بکرمی) फा अ पु—राजा विक्रमादित्य का चलाया हुआ सवत् जो हिन्दुस्तान का मुख्य सवत्सर है।
 साले माल (سال مال) फा अ पु—साले फस्ली, किसानो का साल।
 साले रवाँ (سال روان) फा. पु—चालू साल, वह साल जो इस समय चल रहा है, प्रस्तुत वर्ष।
 साले शम्सी (سال شمسی) फा अ पु.—वह साल जिसमें सूर्य के गिर्द पृथ्वी का चक्कर पूरा होने पर दिन-रात का हिमाव

हाता है और ३६५ दिन स कुछ अधिक समय का पूरा वष गिना जाता है।

सालेह (صالح) अ वि-सन्तानकारी गुदचरित्र, पुष्पात्मा नेक और परहेजवार।

साले हिज्री (سال هجري) फा अ पु-मुसलमाना का साल आ ह्यत मुहम्मद साहब क भक्ता छान्दकर मदाने जाने की तारीख स गुरुज हाता है और जिसका हिसाब बाद का घटा-वगी से है और जा गममी साल स १० ११ दिन छान्द होता है।

सालो माह (سالى ماه) फा पु-वष और महीने।

साँव (صعود) अ स्त्री-इक छाटा पक्षी ममाला।

सास (سائس) फा पु-घटमल मत्कुण।

सासान (سائسان) फा पु-वहमन का लडका जो अपनी बहन के डर से भाग गया था और स-यास धारण कर लिया था सासानो उसी के वग के लाय ह।

सासानो (سائسانى) फा वि-सासान के वगज।

साहत (ساحب) अ स्त्री-विस्तार विचालता फलाव कुगादगी चारा और की झुली हुई जगह।

साहब (صاحب) अ वि-दे 'साहित्य', उदू में दोना प्रकार से बोलते ह परतु अंग्रेज या बड अफतार के अथ म साहब ही कहते ह।

साहबआलम (صاحب عالم) अ पु-हली के साहजगदा का लकव।

साहबबहादुर (صاحببهار) अ फा पु-अंग्रेजा का लकव वह यकिन जो अंगरेजी चाल-दाल में डल गया हो।

साहित्य (صاحبه) अ स्त्री-धीमती जी महोण्या महिग स्त्री जसे-एक साहित्य आई ह।

साहित्य (صاحب) अ पु-एक सम्मान भूषक गद जो नाम के अत में लगया जाता है स्वामी मालिक, मित्र दोस्त सहायक साथी वाला जसे-साहित्ये इल्म इल्मवाला।

साहित्य आलम (صاحب عالم) अ पु-साहब आलम।

साहित्य कमाल (صاحب كمال) अ वि-हुनरमद गुणवान्।

साहित्य किरा (صاحب كيران) अ वि-तेजस्वी प्रतापी जिसक भाग्य ने शुभ ग्रह किमी अच्छी राशि में एकत्र हो। सिक्दरे आ जम की उपाधि।

साहित्यदान (صاحب دانه) अ फा पु-धर का मालिक गहस्वामी।

साहित्य घरब (صاحب घरص) अ वि-गरबमन जिसका कोई काम बटका हो स्वार्थी सुदारब।

साहित्यदाद (صاحب دانه) अ फा पु-सुपुत्र अमानस का भला लका।

साहित्य दिल (صاحب دل) अ फा वि-मुहद, महत्प मनस्वी जो दिल रखता हो जो मनुष्य को परख सके और वा का समय सने पुष्पात्मा महात्मा कुतागताम।

साहित्य नबर (صاحب نبر) अ वि-नबरवाला, परखने वाला, पारखी, कत्रगन दष्टिकत।

साहित्यनसीब (صاحب نصيب) अ वि-भाग्यशाली भाग्यवान, सुसप्तनीब।

साहित्यान (صاحبان) अ पु-साहित्य का बहु, लोग, मनुष्य जमे-सब साहित्यान वाल, जस-साहित्याने कमाऊ।

साहित्यी (صاحی) अ वि-सरदारी, अध्याता स्वामित्व मालिकीयत।

साहित्यबुरखमा (صاحب البرما) अ वि-ह्यत इमाम मेहरी का लकव।

साहित्यबुरीय (صاحب البری) अ वि-असती राय उम् और सीद ही।

साहित्यबलनरीद (صاحب البدرید) अ प-असवार का मालिक।

साहित्ये अबल (صاحب عقل) अ वि-बुद्धिमान अबल मन्।

साहित्ये अहलाक (صاحب اهلک) अ वि-जिसका व्यवहार अच्छा हो सखीगल, गीलवान।

साहित्ये अमल (صاحب عمل) अ वि-जा सिफ कर्ता ही न हो बतिक करता भी हो कमठ।

साहित्ये इबितवार (صاحب ابتدار) अ वि-जिसके हाथ में सत्ता हो।

साहित्ये इबवाल (صاحب اقبال) अ वि-प्रतापी तेजस्वा इबवालमद भाग्यशाली, सुदस्तनीब।

साहित्ये इहितपार (صاحب ایتبار) अ वि-जिसको अधि वार प्राप्त हो अधिकार-सपन्न अधिकारी।

साहित्ये ऐतिवार (صاحب ایتبار) अ वि-विश्वस्त मांतवर।

साहित्ये औसाफे हमीद (صاحب اوسافه حمید) अ वि-सदगुण-सपन अच्छे गुणो से परिपुण।

साहित्ये कमाल (صاحب كمال) अ वि-साहित्ये हुनर गुणवान।

साहित्ये कलम (صاحب قلم) अ वि-जो अच्छे विस्म का लेखक हो जिसकी लेखना में जोर हो।

साहित्ये किस्मत (صاحب قسمت) अ वि-भाग्यशाली भाग्यवान, मखीबेवर।

साहित्ये कुप्रत (صاحب کوبرت) अ वि-समय सामध्यवान्

साहित्ये कूर्आन (صاحب قرآن) अ पु—मुहम्मद साहित्य, जिन पर कुरान उतरा है।
 साहित्ये कुव्वत (صاحب قوت) अ. वि.—शक्तिशाली, बलवान्, जोरदार।
 साहित्ये खानः (صاحب خانه) अ. फा वि—गृहस्वामी, घर का मालिक।
 साहित्ये खैर (صاحب خير) अ वि—दानशील, जो अच्छे कामों में सपया खर्च करता हो।
 साहित्ये गरज (صاحب غرض) अ वि—जिसकी कोई गरज अटकी हो; जो अपनी गरज का यार हो, स्वार्थी।
 साहित्ये जवाँ (صاحب زبان) अ फा वि—जो किसी भाषा का पैदाइशी जानकार हो, अहले जवान।
 साहित्ये जमाल (صاحب جمال) अ. वि.—रूपवान्, सुन्दर, हसीन।
 साहित्ये जर (صاحب زر) अ फा वि—धनवान्, मालदार।
 साहित्ये जलाल (صاحب جلال) अ. वि.—तेजस्वी, तेजवान्; क्रुद्धात्मा, गुस्स वर, उग्रतेजा।
 साहित्ये जाएदाद (صاحب حائد) अ. फा वि—संपत्तिवान्, जिसके पास जायदाद हो।
 साहित्ये जागीर (صاحب हाگیر) अ फा वि—भूसंपत्तिवान्, जिसके पास बहुत से गाँव हो।
 साहित्ये जिला (صاحب ضلع) अ. पु—जिलाधीश, जिले का हाकिम, कलक्टर।
 साहित्ये जुका (صاحب دكا) अ वि—जिसकी बुद्धि तेज हो, कुशाग्रबुद्धि, प्रतिभावान्।
 साहित्ये जौक (صاحب دوق) अ. वि—रसिक, सहृदय, काव्यमर्मज्ञ, जिसे साहित्य का प्रेम और उसके गुण-दोष की परख हो।
 साहित्ये तख्त (صاحب تخت) अ. फा. वि—शासक, नरेश, राजा, वादशाह।
 साहित्ये तख्तोताज (صاحب تخت و تاج) अ. फा वि.—नरेश, वादशाह।
 साहित्ये तदवीर (صاحب تدبير) अ. वि—नीतिज्ञ, सियासत-दाँ, बुद्धिमान्, अक्लमंद।
 साहित्ये तमीज (صاحب تسير) अ वि—सम्य, शिष्ट, सलीक-मंद।
 साहित्ये ताज (صاحب تاج) अ. फा वि—शासक, नरेश, वादशाह, मुकुटधारी।
 साहित्ये ताजोतख्त (صاحب تاج و تخت) अ फा वि—नरेश, वादशाह।
 साहित्ये वदँ (صاحب درن) अ फा वि.—दयालु, दयावान्,

रहमदिल; जो दूसरे का दुःख-दर्द पहचाने।
 साहित्ये दानिश (صاحب دانش) अ. फा. वि—बुद्धिमान्, अक्लमंद; दूरदर्शी, दूरदेश।
 साहित्ये दिमाग (صاحب دماغ) अ. वि.—अहंकारी, घमंडी; बुद्धिमान्, अक्लवर, नकचिटा, मिजाज।
 साहित्ये दिल (صاحب دل) अ. फा. वि—महात्मा, तत्त्व-ज्ञानी, आरिफ; दयालु, रहमदिल।
 साहित्ये दीवान (صاحب دیوان) अ. वि.—वह शाइर जिसका दीवान पूरा हो गया हो या छप गया हो।
 साहित्ये दीलत (صاحب دولت) अ. वि.—धनाढ्य, धनवान्, मालदार।
 साहित्ये नजर (صاحب نظر) अ. वि.—दोष-गुण को पहचानने-वाला, दृष्टिवान्।
 साहित्ये नसीब (صاحب نصیب) अ. वि.—भाग्यशाली, खुशकिस्मत।
 साहित्ये निगाह (صاحب نگاه) अ. फा वि—दे. 'साहित्ये नजर'।
 साहित्ये नियाज (صاحب نیاز) अ फा वि—नियाजमद, भक्त।
 साहित्ये निस्वत (صاحب نسبت) अ वि—किसी बड़े दर-वेश से सम्बन्ध रखनेवाला, किसी बड़े खानदान का सुरीद।
 साहित्ये नुफूज (صاحب نفوذ) अ. वि—जिसकी कही पैठ हो, रसाईवाला।
 साहित्ये फिराश (صاحب فرائش) अ वि—बीमार, रगण, रोगी, पलंग पर पड़ा रहनेवाला बीमार, जो चल-फिर न सके, रगणशय्याग्रस्त।
 साहित्ये सकद्वर (صاحب مقدور) अ. वि—धनवान्, रुपये-वाला, मालदार।
 साहित्ये मज्लिस (صاحب مجلس) अ वि—सभापति, मीर मज्लिस; मज्लिस करनेवाला, जिसके घर मज्लिस हो।
 साहित्ये महफिल (صاحب محفل) अ वि—दे. 'साहित्ये मज्लिस'।
 साहित्ये महबस (صاحب محبس) अ. वि—कारागार-वासी, कैदी।
 साहित्ये माल (صاحب مال) अ. वि—धनवान्, दीलतमंद; जिसकी कोई चीज हो, माल का मालिक।
 साहित्ये मुरव्वत (صاحب مروت) अ वि—मुशील, मुरव्वत-वाला।
 साहित्ये राज (صاحب دار) अ फा. वि—जिसका कोई भेद हो; जो भेद जानता हो, मर्मज्ञ।

साहित्ये राय (صاحب راي) अ वि-जिमकी राय गुड और ठीक हा।

साहित्ये रीण (صاحب ريش) अ पा वि-शाणवाला जिमके ठानी हो श्मशुल।

साहित्ये रेण (صاحب ريش) अ पा वि-जिमके शरीर में बोट घाव हो भाववाला।

साहित्ये लौलाक (صاحب لولي) अ पु-हजत मुहम्मद साहित्य का लकब।

साहित्ये विलायत (صاحب وليت) अ वि-बहुत बडा बनी जिसद अधीन कई इलाका हा जिमकी रक्षा वह अपनी आत्मगति द्वारा करता हो।

साहित्ये शौक (صاحب سوك) अ वि-शौकीन, किसी बात का शौक रखनेवाला।

साहित्ये सज्जाद (صاحب سجاده) अ पु-सज्जाद नागीन गनीनगीन किमी पकार का जानगीन।

साहित्ये सलीक (صاحب سليقة) अ वि-नागीक मन् सुपड ढग के साथ काम करनेवाला (वाली)।

साहित्ये ह्या (صاحب حيا) अ वि-जिसके स्वभाव में गर्मीलापन हो।

साहित्ये हिम्मत (صاحب همت) अ वि-साहसवाला, साहसी जल्माही।

साहित्ये हसियत (صاحب حسيت) अ वि-इज्जत वाला प्रतिष्ठित मालगार, धनी।

साहित्ये होसल (صاحب حوصله) अ वि-साहित्ये हिम्मत।

सि

सिगर (سنگر) पा पु-छोटा नेत्र।

सिजाब (سجواب) पा पु-एक जानवर जिसकी छाल की पोलीन बनती ह उस जानवर की छाल।

सिददाद (سدان) पा पु-टवी अजब की लिखी हुई एक किताब जिसमें उपदेश ह।

सिदान (سدان) पा स्त्री-निहाई अहरन वह राहा जिम पर रखवर लाहा पाटा जाता है।

सिदोद (سدود) अ पु-अपने वन का प्रतिष्ठित और महान व्यक्ति किमी नेग का बग और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सिजत (سبت) अ स्त्री-विस्तार लबाई चौगट फाव।

सिजायत (سعات) अ स्त्री-पिपुनता भुगलपारी जिम बगोर्द।

सिक्कीर (سکیر) पा स्त्री-सिक्क मिला हुआ नोनु का घावत या दधामें काम भागा है नीचु का घावत जो

गर्मी में पाते ह।

सिक्कर (سکندر) पा पु-यूनान का एक प्रसिद्ध और प्रताप नरेण जा मक्दूनिया के नरेण फलकूस का बग और अरस्तु का गार्गि या।

सिक्कर सौलत (سکندر صولت) पा अ वि-सिक्कर-जसा रोव-नाव रखनेवाला।

सिक्करहाम (سکندر حشم) पा अ वि-सिक्कर-जसी गाना गीकत और बडाई रखनेवाला।

सिक्कररी (سکندری) पा वि-सिक्कर का सिक्कर से सम्बन्धित घांटे की ठोकर।

सिक्करे आ'जम (سکندر اعظم) पा अ पु-सिक्कर हमी की जपाधि सिक्करे जुलकरनव।

सिक्क (سکه) अ वि-एक व्यक्ति जो देवने में शरीर आचरण में गुड और विश्वस्त हो।

सिक्क (سک) पा पु-सिक्का।

सिक्का (سکنا) पा पु-एक खाना जो गेहू के दलिये और भादन में सिक्का और किगभिण आदि डालकर बनता है।

सिक्कात (سقات) अ पु-सिक्क का बहु घेष्ट और विश्वस्त साम।

सिक्काम (سکام) अ पु-सिक्काम का बहु रागी लोग।

सिक्काम (سکانه) अ पु-पानी का होइ या टवी जो मस्जि आदि में होती ह और जिसे चलती से लोग सडाव कहते ह।

सिक्कामत (سکامت) अ स्त्री-पानी पिलाना।

सिक्कालिग (سکالين) पा स्त्री-ध्यान गवाल चिता फिक परामग, मागुर।

सिक्कीड (سکده) पा पु-छलांग मारना, घूटना, रात चलाना डुलती मारना।

सिक्क (سکه) अ पु-रूपया-बसा, मुग छाप मुह पाव रोव पदति तब।

सिक्क-अन (سکون) अ पा वि-सिक्का डानववाला टकमालिया।

सिक्क-जात (سکجات) अ पा पु-सिक्का का बहु मित्रो।

सिक्कए बलब (سکه قلب) अ पु-सिक्कए कासि।

सिक्कए कासि (سکه کاسد) अ पु-जागी सिक्का बटमुग वह सिक्का या टकमाली न हो सोटा।

सिक्कए राइन (سکه رايغ) अ पु-बह सिक्का जिगगा एन-दन हो, या ध्ववहन हो।

सिक्कीर (سکیر) अ स्त्री-सिक्कीर बडा पाव।

सिक्कीर (سکیر) अ वि-जो हर समय गर्मी में मुग रह।

सिन (سین) अ प. -मरा नजा इन्ना पंश होना, मरा हुआ इन्ना।
 सिनात (سینات) नु पु. -सक कीभर्ना उनी दानात, गोगलात।
 सिने वन (سینل) अ प. -मेट ता भारीपन, अपन, वरु-मो।
 सिने समाअत (سینت سماعت) अ.प. -वर्भगता, वङ्गपन।
 सिन (سین) अ.प. -मोटाटे, दल, पदावत।
 सिन (سین) अ.प. -घुता छोटाटे, म्वा।
 सिनसिन (سینسین) अ.प. -अन्यपलक, मयावाउ वमउअ।
 सिनसिनी (سینسنی) अ स्त्री. -अल्पवयस्काता, बाल्या-वस्का, कमउअ।
 सिनार (سینار) अ पु. -'गमोर' ता बहु, छोटी उअ के लके लोग, 'मुया' का बहु, छोटी उअ की म्बिया, वदकिया।
 सिनारो किवार (سینارو کیدار) अ पु. -छोटे और बडे, वरुने थोर जवान और बूटी, छोटे-बडे म।
 सिगाल (سگال) का स्त्री -चिन्ता, फिकर; ध्यान, मोंच, खयाल, विचार, (प्रत्य.) सोचनेवाला, जैसे—'तेरगिगाल' भलाई सोचनेवाला।
 सिगालिद: (سگالیده) का. वि -सोचनेवाला।
 सिगालिश (سگالش) का स्त्री -चिन्ता, फिकर, विचार, खयाल।
 सिगालीद: (سگالییده) का वि -सोचा हुआ, विचारा हुआ।
 सिगालीदनी (سگالییدنی) का वि -सोचने योग्य, विचारने योग्य।
 सिग् (سغر) अ पु. -दे शुद्ध उच्चारण 'सिगर', 'सिग्' शब्दत है।
 सिजजल (سججزل) अ पु. -दर्पण, मुकुट, आईना।
 सिजाक (سججک) का. स्त्री -कपडे के चारो ओर लगायी जानेवाली मोट, सजाफ।
 सिजिल [ल] (سجیل) अ वि -दस्तावेज जो रजिस्ट्रार की मुहू और दस्तखत आदि से ठीक हो गयी हो, बैनामा, विक्रयलेख।
 सिज्जीन (سججین) अ स्त्री -भयानक कारागार; एक नरक, दुरे आचरणवालो का रजिस्टर।
 सिज्जील (سججیل) अ पु. -एक पत्थर, कच्चा पत्थर, ककर।
 सिज्द: (سجده) अ पु. -ईश्वर के लिए सर झुकाना, नमाज में जमीन पर सर रखना।

सिज्द:रेज (سجده ریز) अ पा. वि -नग्ना करनेवाला।
 सिज्द:रेजी (سجده ریزی) अ पा स्त्री -नग्ना करना, नग्ने में गिरना।
 सिज्द (سجده) अ पु. -जैन्दगाना, कारागार।
 सिज्द: (سجده) का. पु. -दुरी और उराउनी बकर, स्वप्न में उरनेवाला भूत।
 सिज्द (سجده) का स्त्री -जेना, शिन, यह यअर अकेला नहीं चाला जाता, 'दाद' के साथ मिलाकर 'दादासिज्द' चालते है।
 सिज्द (سجده) का वि -मोटा दस्तार, स्त्रीज।
 सिज्म (سجتم) का पु. -अत्याचार, अनिति, पुल्म, धिरोप, गजब, जवर्दस्ती, हठ; बहुत अधिक, बहुत, अधेर।
 सिज्मईजाव (سجتم ایجاو) का. अ वि -बहुत बडा अत्याचारी, जो नये-नये अत्याचार ईजाव करता हो।
 सिज्मकश (سجتم کش) का. वि -सिज्म उठानेवाला अत्याचार गहनेवाला।
 सिज्मकशी (سجتم کشی) का स्त्री. -अत्याचार सहना, सिज्म चरदाएत करना।
 सिज्मकशीद: (سجتم کشیده) का वि -सिज्म उठाये हुए, अत्याचार महा हुआ, मज्लूम, पीडित।
 सिज्मकुश्त: (سجتم کشته) का. वि -जो किसी के अत्याचार ने मारा गया हो।
 सिज्मकेश (سجتم کیش) का वि -जिसका स्वभाव ही अत्याचार करना हो, बहुत बडा अन्यायी।
 सिज्मगर (سجتم گار) का. वि -सिज्म करनेवाला, अत्याचारी—'मैने चाहा था कि अनदोहे जफा से छूटूँ। वह सिज्मगर मेरे मरने पे भी राजी न हुआ।'
 सिज्मगरी (سجتم گری) का स्त्री. -अत्याचार करना।
 सिज्मगार (سجتم گار) का वि. -दे 'सिज्मगर'।
 सिज्मगारी (سجتم گاری) का स्त्री -दे 'सिज्मगरी'।
 सिज्मगिर्वोद: (سجتم گرویده) का वि -जो किसी के अत्याचारो पर मुग्ध हो, जो चाहता हो कि उस पर अत्याचार होते ही रहे अर्थात् प्रेमी।
 सिज्मगिर्वोदगी (سجتم گرویدگی) का स्त्री -अत्याचार पर मुग्ध होना, यह चाहना कि अत्याचार होते रहे।
 सिज्मजद: (سجتم ده) का वि -अत्याचारप्रस्त, जिस पर सिज्म हो, मज्लूम, पीडित।
 सिज्मजदगी (سجتم دهگی) का. स्त्री -सिज्मजद होना।
 सिज्मजरीफ (سجتم ظریف) का अ वि -जो हँसी-हँसी में अत्याचार करे, हँसते-हँसते मार खनेवाला।

सितमञ्जरीकी (सितमञ्जरी) का अ स्त्री-हूँमी के पदों में अत्याचार करना ।

सितमदीव (सितमदीव) का वि-सितमञ्जरीदीव ।

सितमपवद (सितमपवद) का वि-जिमका जीवन सितम महन बीता हा ।

सितमपेग (सितमपेग) का वि-सितमपेग ।

सितमपेशगी (सितमपेशगी) का स्त्री-सितमपेश होना ।

सितमरसीव (सितमरसीव) का वि-सितमरसीव ।

सितमरानी (सितमरानी) का स्त्री-सितम करना, पीना देना ।

सितमगिआर (सितमगिआर) का वि-सितमगिआर ।

सितमगिआरी (सितमगिआरी) का अ स्त्री-सितमगिआर हाना स्वभाव म अत्याचार हाना ।

सित्तौ (सित्तौ) का प्रत्य-लेनेवाला जैसे-जौसित्तौ प्राण लेनेवाला ।

सित्ता (सित्ता) का प्रत्य-प्रशमा करनेवाला जैसे-खुद मित्ता अपनी प्रशमा करनेवाला ।

सित्ताइद (सित्ताइद) का वि-प्रशमन तारीफ करनेवाला ।

सित्ताइग (सित्ताइग) का स्त्री-प्रशसा श्लाघा तारीफ स्तुति हम्दोसना ।

सित्ताइशगर (सित्ताइशगर) का वि-प्रशमक तारीफ करने वाला स्तुतिकर्ता हम्द करनेवाला ।

सित्ताईद (सित्ताईद) का वि-प्रशस्त तारीफ किया हुआ ।

सित्ताउन (सित्ताउन) का वि-गितार बजानेवाला तनी ।

सित्ताद (सित्ताद) का वि-इस्ताद का लघु खडा हुआ ।

सित्तानिद (सित्तानिद) का वि-लेनेवाला ग्राहक ।

सित्तार (सित्तार) का पु-सारा उड्डु ब्रह्म सयार भाग्य तकनीर ।

सित्तार जबी (सित्तारजबी) का वि-सित्तार पगानी ।

सित्तार रई (सित्ताररई) का वि-ज्योतिषी नुजूमि ।

सित्तार परस्त (सित्तारपरस्त) का वि-तारी की पूजा करनेवाला ।

सित्तारपेशानी (सित्तारपेशानी) का वि-बहु घाडा जिसके माय पर सफेद छोटो चिह्न हो एसा घाण अगुभ समया जाता है ।

सित्तारबी (सित्तारबी) का वि-ज्योतिषी नुजूमि ।

सित्तारबीनी (सित्तारबीनी) का स्त्री-ग्रहो क द्वारा गुभा गुभ फल का ज्ञान ।

सित्तारगनास (सित्तारगनास) का वि-ज्योतिषी नुजूमि ।

सित्तार (सित्तार) का पु-एक बाजा तनी ।

सित्तारउन (सित्तारउन) का वि-सित्तार बजानेवाला तनी ।

सित्ताम (सित्ताम) का पु-घाडे का आभूषण ।

सित्ती (सित्ती) का स्त्री-साध्वी सती पाया स्त्री ।

सित्तूद (सित्तूद) का वि-प्रसस्त, तारीफ किया हुआ ।

सित्तूद औताफ (सित्तूदऔताफ) अ का वि-दे सित्तू सिफात ।

सित्तूद कार (सित्तूदकार) का वि-जिसका काम कावित्त तारीफ हा ।

सित्तूदखसाइल (सित्तूदखसाइल) का अ वि-जिसकी जादों तारीफ के योग्य हा अच्छे स्वभाववाला ।

सित्तूद सिफात (सित्तूदसिफात) का अ वि-जिसका गुण प्रशंसनीय हो अच्छ गुणावाला ।

सित्तेव (सित्तेव) का पु-युद्ध लडाई जग ।

सित्तेव (सित्तेव) का प-युद्ध जग लडाई सत्रता दुस्मना प्रतिकूलता नामुजाफकत ।

सित्तेवाँ (सित्तेवाँ) का वि-युद्ध करता हुआ लफ्फा हुआ ।

सित्तेवद (सित्तेवद) का वि-लडनवाग योद्धा ।

सित्तेहिग (सित्तेहिग) का स्त्री-लडाई झगडा यद्ध ।

सित्त (सित्त) अ वि-छ पट ।

सित्त अगर (सित्तअगर) अ वि-मागह पीडस ।

सित्त (सित्त) अ पु-कोट बना कोट ।

सित्त (सित्त) अ पु-यर्दा छिपाव धूँफट ।

सित्ती (सित्ती) अ स्त्री-स्तन पिस्तौ मद का होया रू का दे सदी ।

सिद्ध (सिद्ध) अ स्त्री-सिद्धी का गद्द उच्चारण य है स्तन बूची दे सद्द ।

सिद्धक (सिद्धक) अ पु-सत्यता सच्चाई यथायत वाकिर्पत निरछलता खुलूस ।

सिद्धकविली (सिद्धकविली) अ पा स्त्री-निरछलता निष्कपटता स्वभाव का सरलता खुलूस ।

सिद्धकमकाल (सिद्धकमकाल) अ वि-बात का पक्का जाक दे उस अवश्य करनवाला सत्यपुति सत्यबचन, सत्य वाणी मच बालनबाग ।

सिद्धकमकाली (सिद्धकमकाली) अ स्त्री-बात कहकर जौ निबाहता बचन की दलता मच बागना ।

सिद्धकशिआर (सिद्धकशिआर) अ वि-गत्यनिष्ठ सचाई का हाय म म देनवाला ।

सिद्धकशिआरी (सिद्धकशिआरी) अ स्त्री-सचचाई पर दकता

हिंदूके आँमाल (مصدق اعمال) अ पु—आचरण की शुद्धि, किसी अच्छे फल की कामना के विना धर्म करना।

हिंदूके नीयत (مصدق نیت) अ. पु—अंत शुद्धि, मन की पवित्रता, किसी की चीज की ओर नजर न करना, ईमान-दारी।

हिंदूके (مصدق) अ वि—बहुत ही सच्चा और जानिसार वस्तु जिस पर किसी अवस्था में भी भरोना किया जा सके।

हिंदूके अववर (مصدق اکر) अ पु—इस्लाम के पहले नबीका हज़रत अबूवक्र की उपाधि।

सिद्ध (مصدق) अ पु—स्वर्ग के सबसे ऊँचे मकान पर एक बेर का पेड़।

सिद्धमुलमुतहा (مصدق المنة) अ पु—बेरे का एक पेट जो सातवें आस्मान पर है, और जहाँ तक किसी की पहुँच नहीं है, केवल 'जिब्रील' जा सकते हैं, उससे आगे कोई नहीं जा सकता।

सिद्ध [त्र] (سین) अ पु—आयु, उम्र, साल, दत्त, दशन, दात।

सिद्धरसीदः (سین رسیده) अ फा. वि—त्रयोवृद्ध, गतायु, वृद्ध।

सिद्धरसीदगी (سین رسیده گی) अ फा स्त्री—वृद्धावस्था, वृद्धापा।

सिद्धाँ (سدان) फा स्त्री—घाण की नोक, अनी, बरछा, माला, कुत्त, शक्ति, बरछी की नोक।

सिद्धाँकश (سدان کش) फा वि—तौरदाज, धनुर्धर।

सिद्धाँहत (سدان هت) अ स्त्री—व्यवसाय, उपजीविका, पेशा, शिल्प, दस्तकारी, कारीगरी।

सिद्धान (سدان) स्त्री—दे 'सिद्धाँ'।

सिद्धानोन (سدانین) अ पु—'सिद्धाँ' का बहु, वरस, साल।

सिद्धाने माजियः (سدان ماصیه) अ पु—गुजरे हुए वरस, बीते हुए साल।

सिद्धाने मुस्तविवल (سدانین مسعوله) अ पु—आनेवाला साल, आगामी वरस।

सिद्धे तमीज (سدان تیسیر) अ पु—अच्छे-बुरे में विवेक कर सकने की आयु, प्रौढावस्था।

सिद्धे बुलूग (سدان بلوغ) अ पु—बालिग होने की उम्र, युवावस्था।

सिद्धे शवाब (سدان شباب) अ पु—जवानी की उम्र, युवावस्था।

सिद्धे शुकर (سدان شعور) अ पु—दे 'सिद्धे तमीज'।

सिद्धे शूलखत (سدان سلوخت) अ.पु—जरावस्था, वृद्धापा, वृद्धापे की आयु।

सिद्धे शौर (سدان شاور) अ स्त्री—विल्ली, मार्जारी।

सिद्धे (صنف) अ स्त्री—जाति, जिम, वर्ग, तबक, वंश, नस्ल।

सिद्धे नाजुक (صنف ناری) अ स्त्री—स्त्रीवर्ग, महिलाएँ, स्त्रियाँ, औरतें।

सिद्धे लतीफ (صنف لطیف) अ स्त्री—दे 'सिद्धे नाजुक'।

सिद्धे (سینج) फा पु—थोड़े दिन, चंद दिन।

सिद्धे (سینجی) फा वि—थोड़े दिन का, चंदरोज, क्षणस्थायी।

सिद्धे (سند) फा पु—काला दाना जो नजर उतारने को जलाया जाता है, दे. 'सपद', दोनो शुद्ध हैं।

सिद्धे (سیندان) फा पु—दे. 'सिद्धे'।

सिद्धे (سین) फा स्त्री—तलवार रोकने के अस्त्र, ढाल, चर्म, कवच।

सिद्धे अदाख्तः (سین اداخت) फा. वि—जिसने लड़ाई में हार मान ली हो, हार मानकर अपनी ढाल-तलवार रख दी हो।

सिद्धे अंदाजी (سین اداچی) फा स्त्री—हार मान लेना।

सिद्धे गम (سین غم) फा पु—एक वनोपधि, मरुआ, रैहाँ।

सिद्धे (سینوی) फा. वि—समाप्त, खत्म।

सिद्धे (سینس) फा वि—तत्पश्चात्, उसके बाद।

सिद्धे (سینده) फा स्त्री—'सिद्धाह' का लघु, सेना, बल, फौज।

सिद्धे गरी (سینده گری) फा स्त्री—सिद्धाहीन, फौज की नोकरी, झूरता, बहादुरी।

सिद्धे दार (سینده دار) फा पु—सेनानायक, फौज का अफसर।

सिद्धे वद (سینده د) फा पु—दे 'सिद्धे सालार'।

सिद्धे वुद (سینده د) फा. पु—दे 'सिद्धे सालार'।

सिद्धे सालार (سینده سالار) फा पु—सेनापति, सेनानी, सेनाध्यक्ष, कमांडर।

सिद्धे सालारी (سینده سالاری) फा स्त्री—सेनापतित्य, सेनापति का पद।

सिद्धे साल (سینده سال) फा स्त्री—एक साग, पालक।

सिद्धे रद (سینده رده) फा वि—सौपनेवाला, हस्तान्तरण करनेवाला।

सिद्धे री (سینده ری) फा स्त्री—पान में खाई जानेवाली डली, छालिया, सुपारी।

सिद्धे स (سینده س) फा स्त्री—कृतज्ञता, एहसानमदी, धन्यवाद, शुक्रिय, स्तुति, गुणगान, हम्दोसना, प्रशंसा, तारीफ।

सिद्धे सगुजार (سینده سگوار) फा वि—कृतज्ञता, एहसानमदी, स्तुति-पाठक, हम्दस्वर्षा, प्रशंसक, तारीफ करनेवाला।

सिपासगुजारी (سپاس گزاري) का स्त्री—कृतगता, स्तुति पाठ प्रणसा।

सिपासगो (سپاس گو) का वि—मिपासगुजार।

सिपासनाम (سپاس نامه) का पु—अभिनदनपत्र मान पत्र प्रतिष्ठापत्र।

सिपाह (سپاه) का स्त्री—मना बल फौज।

सिपाहगरी (سپاه گري) का स्त्री—मिपाही का पना

पूरता बहादुरी मिपाही का पन।

सिपाही (سپاهان) का पु—ईरान का एक प्रसिद्ध नगर इस्फहान।

सिपाहियान (سپاهيان) का वि—मिपाहिया—जमा वीरतापूण बहादुराना।

सिपाही (سپاهي) का पु—फौजा मलिक फौज का जवान बहादुर और पराक्रमी व्यक्ति।

सिपाहीबच (سپاهي بچه) का पु—मिपाही का लका मलिक पुत्र जिसके बग में और लाग सिपाही हा।

सिपिस्त (سپستان) का स्त्री—रहगोडा लसोडा।

सिपिह (سپهر) का पु—आकाश, गणा आस्मान।

सिपिहें गदी (سپهر گدائي) का पु—धूमनेवाला आकाश।

सिपिहें बरी (سپهر بوس) का पु—सबसे ऊंचा आकाश नवा आस्मान।

सिपुद (سپود) का वि—सौंपा हुआ, हस्तातरित किया हुआ।

सिपुद (سپود) का वि—सौंपा हुआ हवा हस्तगत सौंपना न्ना हवाले करना।

सिपुदगी (سپودگي) का स्त्री—सौंप हवाली हवालात तिरामत।

सिपुदनी (سپودني) का वि—सौंपने योग्य हस्तातरित करने योग्य।

सिपुदारी (سپوداري) का पु—जिसके सिपुद कोइ माल किया जाय विशेषत कुर्की का माल।

सिपुदारी (سپوداري) का स्त्री—सिपुदगी में माल देना किमी को सिपुदारी बनाना।

सिपेद (سپيد) का पु—सफेदी।

सिपेददम (سپيد دم) का पु—यजरम बहुत लडक।

सिपेद (سپيد) का वि—सफेद।

सिपेदए गफक (سپيد عرق) का अ पु—सबरे की सफेदी।

सिपेदए मुवह (سپيد صبح) का अ पु—सबरे की सफेदी जो निकलने से पहले आकाश पर फल जानी है।

सिपेदी (سپيدي) का स्त्री—श्वेतता शुभ्रता सफेदी।

सिपोहत (سپوخته) का वि—सिपाहीद।

सिपोहीद (سپورده) का वि—एक चीज म दूसरी

चाज पुनेडी हुई एक चीज में स दूसरी चाज निकाली हुई। सिपोहीदगी (سپورده گي) का स्त्री—अर घुमेना बाहर निचालना।

सिफत (سيفت) अ स्त्री—प्रसादा ताराफ गुण बम्क उत्तमता, उत्तमो, प्रभाव तामार, समान तुल्य जैसे—मगसिफन कुत्ते जसा (व्या) विगपण किमी चीज का गुण।

सिफान (سيفان) अ स्त्री—आता पर चग हुई एक बाराफ गिल्ली।

सिफत (سيفت) अ उभ—सिफत का बहु, मिफनें। सिफती (سيفتي) अ वि—बहु दाप या गुण जो निसा क स्वभाव में न हो अस्यायी रूप से हो।

सिफते जाती (سيفت دالي) अ उभ—बहु अ टाईयां जो किमी के स्वभाव म हा बनावटी न हो।

सिफते हसन (سيفت حسنه) अ उभ—अच्छे गुण सूबियां।

सिफद (سيفدان) अ स्त्री—बेनी और हयकडा।

सिफानत (سيفانست) अ स्त्री—जहाज बनाने का काम नावे बनाने का पन।

सिफारत (سيفارت) अ स्त्री—गफीर का काम दूतवम एलचीगरी।

सिफारतघान (سيفارتخانه) अ फा पु—सफीरके रहत और उसके दफतर का स्थान दूतावास।

सिफारिग (سيفارش) का स्त्री—गु उ मुफारिग है, परतु उद् म मिफारिग ही है अभिस्ताव अनुगता।

सिफाल (سيفال) का स्त्री—मिट्टी का बरतन मिट्टी का ठीकरा।

सिफालगर (سيفالگر) का वि—कुम्हार कुम्हार मिट्टी के बरतन बनानेवाला।

सिफाली (سيفالين) का वि—मिट्टी का बना हुआ मण्य।

सिफाह (سيفاح) अ स्त्री—अभिचार बुरा काम हउम जिना।

सिफत (سيفت) का वि—हर मोटी और गफ चीज मोटा कपडा।

सिफ (سيف) अ पु—विडु युकाय गूय छापी। सिफल (سيفله) अ वि—अधम नीच कमीना लोकर।

सिफलकार (سيفلكار) अ फा वि—जिसके काम बहुत ही गिरे हुए हो।

सिफलखू (سيفلخو) अ फा वि—जिसका स्वभाव बहुत ही कमीना हो क्षत्रप्रकृति।

सिफलनबाज (سيفلنواز) अ फा वि—कमीना का बडावा देने और उनका पक्षपात करनेवाला।

सिपल:निहाद (سپله نيهاد) अ. फा. वि.—दे. 'सिपल:ख'।
 सिपल:मिजाज (سپله مزاج) अ. वि.—दे. 'सिपल खू'।
 सिपल:पर्वर (سپله پورور) अ. फा. वि.—दे. 'सिपलनवाज'।
 सिपल:धंरी (سپله پوروی) अ. फा. स्त्री.—नीच और लोफर लोगो को प्रोत्साहन देना, शरीरों के मुकाबले में उनकी हिमायत करना।
 सिपल:मजाक (سپله مذاق) अ. वि.—पस्तमजाक, जिसकी साहित्य-रमजता निम्न कोटि की हो।
 सिपल:शिआर (سپله شعار) अ. वि.—नीच स्वभाववाला, क्षुद्रप्रकृति।
 सिपल (سپل) अ. पु.—निचाई, निम्नता, पस्ती।
 सिपलगी (سپلگی) अ. स्त्री.—अधमता, नीचता, कमीनगी, लोफरपन, छिछोरापन, ओछापन।
 सिपलौ (سپلی) अ. स्त्री.—निम्न कोटि का, घटिया; भूत-प्रेतवाला अमल।
 सिफ़त (صفت) अ. स्त्री—श्रेष्ठता, उत्तमता, वुजुर्गी; पवित्रता, पाकी, (वि) पवित्र, निर्मल, साफ, श्रेष्ठ, उत्तम, वुजुर्ग, सार, तत्त्व, खुलासा।
 सिवाल (سواع) अ. पु.—'सव' का बहु, फाड खानेवाले जानवर, दरिंदे।
 सिवाक (سواق) अ. पु.—दौड में आगे बढ जाना।
 सिवाल (سوال) अ. स्त्री.—'सवलत' का बहु, मूँछे।
 सिवाहत (سواحت) अ. स्त्री—तैरना, पैरना, तैराकी, दे 'सवाहत', दोनो शुद्ध है।
 सिव्ग: (صدغه) अ. पु—वर्ण, रग; धर्म, दीन।
 सिव्ग (صغ) अ. पु—वर्ण, रग।
 सिव्गनुल्लाह (صدغنه الله) अ. पु—इस्लाम धर्म।
 सिव्त (سبط) अ. पु—लडकी का लडका, दौहित्र, दुहिता-सुत, नाती, नवासा।
 सिवते नवी (سبط نبی) अ. पु—पैगवर साहिब का नवासा, हज़रत फातिमा का लडका।
 सिव्तेन (سبطین) अ. पु—दोनों नाती, अर्थात् नवासे, हज़रत मुहम्मद साहिब के दोनो नवासे, हसनैन।
 सिन्न (صنر) अ. पु—एक प्रसिद्ध ओपधि, एलुआ, दे 'सन्न' और 'सविर', तीनों शुद्ध है।
 सिमाअ (سواع) अ. पु—गाना सुनना, वज्द और हाल आना।
 सिमाक (سماک) अ. पु—चौदहवां नक्षत्र, चित्रा।
 सिमाके आंजल (سماک اعزل) अ. पु—चौदहवे नक्षत्र का एक सितारा, जिसके पास दूसरा तारा नहीं है।
 सिमाके रामेह (سماک رامع) अ. पु—चौदहवे नक्षत्र का एक तारा, जिसके पास एक तारा और है।

सिमाख (سماخ صصاخ) अ. पु—कान का छेद, श्रवण-रध्र, कर्ण-विवर।
 सिमात (سماط) अ. स्त्री.—चटाई, दस्तरख्वान, पंक्ति, कतार।
 सिमात (سمات) अ. पु.—'सम्त' का बहु, दिगाएँ, 'सिमत' का बहु, बहुत से दाग या निशान।
 सिमाम (صمام) अ. पु—मुंहवद वोटल।
 सिम्त (سمت) अ. स्त्री.—दे. 'सम्त' शुद्ध वही है, परंतु उर्दू में 'सिम्त' भी बोल देते हैं, दिगा, तरफ।
 सिम्त (سمط) अ. स्त्री.—मोती, मुक्ता,, मौकितक, दे 'सम्त' दोनो शुद्ध है।
 सिमिसम (سمسم) अ. स्त्री—तिल्ली, एक प्रसिद्ध बीज, तिल।
 सियर (سیر) अ. स्त्री.—'सीरत' का बहु, सीरते, जीवन-चरित।
 सियह (سیه) फा. वि.—'सियाह' का लघु, दे 'सियाह'।
 सियहकार (سیه کار) फा. वि.—दे 'सियाहकार'।
 सियहकारी (سیه کاری) फा. स्त्री—दे 'सियाहकारी'।
 सियहकास: (سیه کاسه) फा. वि.—दे. 'सियाहकास'।
 सियहकासगी (سیه کاسگی) फा. स्त्री—दे 'सियाह-कासगी'।
 सियहखान: (سیه خانه) फा. वि.—दे 'सियाहखान'।
 सियहचर्द: (سیه چرد) फा. वि.—दे 'सियाहचर्द'।
 सियहचश्म (سیه چشم) फा. वि.—दे 'सियाहचश्म'।
 सियहचश्मी (سیه چشمی) फा. स्त्री—दे 'सियाहचश्मी'।
 सियहजवान (سیه زبان) फा. वि.—दे 'सियाहजवान'।
 सियहजवानी (سیه زبانی) फा. स्त्री—दे 'सियाहजवानी'।
 सियहजर्द: (سیه چرد) फा. वि.—काले चमडेवाला, जिसका रग काला हो, हवशी।
 सियहताव (سیه تاپ) फा. वि.—दे 'सियाहताव'।
 सियहताले' (سیه طالع) फा. अ. वि.—दे 'सियाहताले'।
 सियहदस्त (سیه دست) फा. वि.—दे 'सियाहदस्त'।
 सियहदिल (سیه دل) फा. वि.—दे 'सियाहदिल'।
 सियहदिली (سیه دلی) फा. स्त्री—दे 'सियाहदिली'।
 सियहनाम: (سیه نامه) फा. वि.—दे 'सियाहनाम'।
 सियहपिस्ताँ (سیه بیستان) फा. वि.—दे 'सियाहपिस्ताँ'।
 सियहपोश (سیه پوش) फा. वि.—दे 'सियाहपोश'।
 सियहपोशी (سیه پوشی) फा. स्त्री—दे 'सियाहपोशी'।
 सियहफाम (سیه فام) फा. वि.—दे 'सियाहफाम'।
 सियहफामी (سیه نامی) फा. स्त्री—दे 'सियाहफामी'।
 सियहवख्त (سیه صحبت) फा. वि.—दे 'सियाहवख्त'।

सिमहबहारी (سمنده بھاری) का स्त्रो-सियाहबहारी ।
 सिमहबहार (سمنده بہار) का वि-सियाहबहार ।
 सियहबातिन (سمنده باطن) का अ-त्रि-सियाहातिन ।
 सियहबातिनी (سمنده باطنی) का अ-स्त्री-सियाह
 बातिनी ।
 सियहबाबाम (سمنده بابام) का वि-वह सुन्दर स्त्री जिसकी
 आँखें काली हों काली आँखें ।
 सियहमस्त (سمنده مست) का वि-सियाहमस्त ।
 सियहमस्ती (سمنده مستی) का स्त्री-सियाहमस्ती ।
 सियहहू (سمنده هو) का वि-सियाहहू ।
 सियहहूई (سمنده هوئی) का स्त्रो-सियाहहूई ।
 सियहहुरोज (سمنده روز) का वि-सियाहराज ।
 सियहहुरोजगार (سمنده روزگار) का वि-सियाह राज
 गार ।
 सियहहुरोजी (سمنده روزی) का वि-सियाहराजी ।
 सियहहाल (سمنده حال) का वि-सियाहहाल ।
 सियाब (سنان) अ-पु-हाकना चमत्ता बाज फणी क
 पाँव की डोर गणित हिसाब ।
 सियाके इबारत (سنان عبارت) अ-पु-इबारत का ढग
 जैसे-सियाके इबारत से पता चलता है कि आपकी रुपये
 की आवश्यकता १ ।
 सियाके बयान (سنان بیان) अ-पु-वात का ढग तबीर
 का अदाज नम-सियाके बयान से मालूम होता है कि
 आप का एतिराज है ।
 सियाकी सियाब (سنان و سنان) अ-पु-अगला पिठला
 इबारत का अगला पिठला भाग जिमने किसी बात का
 अन्का हो ।
 सियादत (سنادت) अ-स्त्री-प्रतिष्ठा बुजुर्गी अ-कमता
 मरदारी मयित होना ।
 सियादत (سنادت) अ-स्त्री-मरुण गिहदानो निगरानी ।
 सियाब (سنان) अ-प-सियाब का बर कपन ।
 सियाम (سنام) अ-पु-राजा के तिन रोता का महीना
 राजे ।
 सियासत (سناست) अ-स्त्री-राजनीति नीति पालिटिकम
 छ-फरेड मन्कारी राष्ट्र का प्रथम मन्त्र का इतिजाम
 डाँट डफट तबीह दड सजा ।
 सियासतगार (سناستگار) अ-फा-वि-मन्त्रा देनेवाला ।
 सियासतगाह (سناستگاه) का स्त्री-सजा देने का स्थान
 ऐसी जगह जहाँ कठनीति और मन्कारी चलनी हो ।
 सियासतदारी (سناستدان) अ-फा-वि-राजनीति जानन
 वाला, मानिस ।

सियासतदानी (سناستدانی) अ-फा-स्त्री-राजनीति
 जानना ।
 सियासते मुदन (سناست مدن) अ-स्त्री-नगर का
 प्रथम ।
 सियासी (سناسی) अ-फा-वि-राजनीति का राजनीति
 में सम्बद्ध राजनाति जाननेवाला ।
 सियासीयात (سناستاب) अ-स्त्री-सियासत की बातें,
 सियासतें ।
 सियाह (سناہ) का पु-माल के दफनर की बच्ची बहो
 जिसमें नाज या नकने लिखा जाता है ।
 सियाह नवीस (سناہ نویس) का पु-सियाह का
 रजिस्टर लिखनेवाला ।
 सियाह (سناہ) का वि-कृण अस्तित् काला ।
 सियाह (سناہ) अ-पु-जगर की आवाज ना चोत्र पुनार
 फर्यात वाजग राना-पीटना ।
 सियाहकलम (سناہ کلام) का अ-स्त्री-वह चित्र अ
 विलकुल कागज बनाया जाय साँवले रंग का मातु ।
 सियाहकलब (سناہ کلب) का अ-वि-गापात्मा पत्ता
 कठोरहृदय बरहम ।
 सियाहकाम (سناہ کلام) का वि-असफल मनोरथ नाकाम
 यात्र अभागा, बन्किस्मत ।
 सियाहकार (سناہ کار) का वि-दुश्चरित पापाचारी,
 पापी गुनाहगार ।
 सियाहकारी (سناہ کاری) का स्त्री-पापवम यनाह ।
 सियाहकास (سناہ کاسه) का वि-उपण कजूस कपी ।
 सियाहखान (سناہ خانہ) का प-मुसीबत का घर आप
 त्तियों और कन्वावाग घर कलताना कारागार जिसका
 घर बार उज्ज गया हो मान बीरी अभागा बन्किस्मत ।
 सियाह गिलीम (سناہ گليم) का वि-अभागा बन्किस्मत
 निघन कगार ।
 सियाहगोश (سناہ گوش) का प-एक मुत्ते के बराबर
 जानवर जिमसे गर डरता है ।
 सियाहहबद (سناہ حردہ) का वि-नाचे चमचे का काग
 रगवाग हसी ।
 सियाहहम (سناہ هم) का वि-निमकी आँखें काग
 हा काली आँखावागी सुन्दरी जा बहुत बछी होनी
 है गिहारी चिन्धिया ।
 सियाहहामी (سناہ حسنی) का स्त्री-ओग का काग
 होना ।
 सियाहबहाल (سناہ بحال) का वि-अपना कुर्जी जिममें पहुँ
 चने वाले थे ।

सियाहजर्बा (سیاہ زربا) फा वि-जिसका कोसना तुरन्त लग जाय, शापसिद्ध ।

सियाहजर्बानी (سیاہ زربانی) फा स्त्री-कोसना तुरन्त लगना ।

सियाहजर्द (سیاہ جرد) फा वि-दे 'सियाहजर्द' ।

सियाहत (سیاحت) अ स्त्री-देश-देश घूमना, पर्यटन; सफर, यात्रा ।

सियाहाताब (سیاہ تاپ) फा वि-वह रग जो साफ किये हुए लोहे पर नीवू लगाकर आग में तपाने से हो जाता है ।

सियाहाताले (سیاہ طالع) फा अ. वि.-बुरे भागीवाला, अभाग, बदकिस्मत ।

सियाहदरूँ (سیاہ درون) फा वि-जिसका दिल काला हो, पापी, निष्ठुर, बेरहम ।

सियाहदस्त (سیاہ دست) फा वि-कृपण, कजूस, बखील ।

सियाहदस्ती (سیاہ دستی) फा स्त्री-कृपणता, कजूसी, बखीली ।

सियाहदान (سیاہ دان) फा पु-कलौजी, प्याज का बीज; इस्पंद, जो जलाया जाता है ।

सियाहदिल (سیاہ دل) फा. वि-पापी, गुनाहगार, निष्ठुर, बेरहम ।

सियाहदिली (سیاہ دلی) फा स्त्री-पापकर्म, गुनाहगारी, हृदय की कठोरता, सगदिली ।

सियाहनामः (سیاہ نامہ) फा वि-बदनामाल, पापी ।

सियाहपिस्ताँ (سیاہ پستان) फा. स्त्री-वह स्त्री जिसकी सतान न जीती हो ।

सियाहपीर (سیاہ پیر) फा पु-वह दास जो बूढा हो गया हो, पुराना खिदमती, स्वामिभक्त ।

सियाहपोश (سیاہ پوش) फा. वि-काले कपडे, पहनिने-वाला, सितावर, मृतलोकग्रस्त, मातमदार ।

सियाहपोशी (سیاہ پوشی) फा स्त्री-काले कपडे पहनना, किमी का शोक मनाना ।

सियाहफाम (سیاہ فام) फा वि-काले रग का, कृष्णाग ।

सियाहफामी (سیاہ فامی) फा स्त्री-काला रग होना, ह्वगी होना ।

सियाहवख्त (سیاہ بخت) फा वि-काले भागोवाला, बुरे भाग्यवाला, हतभाग्य ।

सियाहवखती (سیاہ بختی) फा स्त्री-भाग्य का बुरा होना, अभागापन ।

सियाहवहार (سیاہ بہار) फा वि-वह हरियाली जो शीत-प्रधान देगो में बर्फ के नीचे दबकर गर्मियों में निकलनी है और बहुत हरी होती है ।

सियाहवातिन (سیاہ باطن) फा अ वि.-काले अत-करणवाला, पापात्मा, दुराचारी, खबीस ।

सियाहवातिनी (سیاہ باطنی) फा. अ स्त्री-अत करण का काला होना ।

सियाहमस्त (سیاہ مست) फा वि.-बहुत अधिक मस्त ।

सियाहमस्ती (سیاہ مستی) फा स्त्री-बहुत अधिक मस्ती ।

सियाहमू (سیاہ مو) फा वि-जिसके बाल काले हो, जो अभी जवान हो ।

सियाहरंग (سیاہ رنگ) फा वि-काले रगवाला, कृष्ण-वर्ण ।

सियाहरू (سیاہ رو) फा वि-पापी, दुराचारी, मसिमुख, बदकार, जिसका मुँह काला हो, कृष्णमुख ।

सियाहरूई (سیاہ روئی) फा स्त्री-पाप, दुराचार, बदकारी, मुँह का रग काला होना, ह्वशीपन ।

सियाहरोज (سیاہ روز) फा वि-जिसके दिन खराब हो, जो गर्दिश का शिकार हो, कालचक्रग्रस्त ।

सियाहरोजगार (سیاہ روزگار) फा वि-कालचक्रग्रस्त, मुसीबत में गिरफतार, बदकिस्मत, भाग्यहीन ।

सियाहरोजी (سیاہ روزی) फा. स्त्री-बदकिस्मती, दिनों का फेर, गर्दिश, कालचक्र ।

सियाहसंग (سیاہ سنگ) फा वि-जुरजान का एक गाँव ।

सियाहसर (سیاہ سر) फा वि-मगरमच्छ, घडियाल ।

सियाहसाल (سیاہ سال) फा वि-दुर्भिक्ष का समय, दुर्भिक्ष का वर्ष, कहतसाली का साल ।

सियाहसोख्त (سیاہ سوختہ) फा वि-बहुत अधिक जला हुआ, विलकुल जला हुआ ।

सियाही (سیاہی) फा स्त्री-कालिमा, असितता, कालौच, अधकार, तिमिर, अँधेरा, काजल, कज्जल; कलक, दोप, बदनामी का टीका, मसि, रीशानाई ।

सियाहोसफेद (سیاہ و سفید) फा पु-काला और सफेद, सितासित, सपूर्ण, सब, पूरा, जैसे-सियाहोसफेद का मालिक ।

सिर [रं] (سر) अ पुं-मर्म, भेद, राज, रहस्य ।

सिराज (سراج) अ पु-दीप, दीपक, दिया, चिराग ।

सिरात (صراط) अ. स्त्री-मार्ग, पथ, रास्ता ।

सिराते मुस्तकीम (صراط مستقیم) अ. स्त्री-मरल मार्ग, सीधा रास्ता, धर्मपथ, सन्मार्ग, सच्चाई का रास्ता ।

सिरिश्क (سروشک) फा पु-नेत्रजल, अश्रु, आँसू, अश्रुविदु, आँसू की बूँद; विन्दु, बूँद, कत्र ।

सिरिद्ध (سروشده) फा पु-गूँधा हुआ ।

सिरिद्ध (سروشده) फा स्त्री-स्वभाव, प्रकृति, खसलत,

गुण, खवास घम खमीर जिससे कोई वस्तु बनाया जाय (प्रत्य) स्वभाववाला जैसे—इफकतसिरिस्त स्वभाव म पतिव्रता ।

सिरेश (سورهش) फा स्त्री—एक चिपकनेवाला पत्ताय, जो जूट गाय भस आदि के कच चमड़े में बतता और लकड़ी आदि जोड़ने के काम आता है सरेम ।

सिरेगम (سورسم) फा पु—दे मिरेगम माही द सिरेग ।

सिरेगम माही (سورسم ماهی) फा पु—एक विंगप मछली का बना हुआ सिरेग जो दवा के काम आता है और राजरोग अर्थात् तपदिक की बहुत अच्छी दवा है ।

सिक (سركه) फा पु—फल गन्ने या ताड़ा आदि का रस या धूप म रखकर खट्टा किया जाता है ।

सिक जबी (سركه جبین) फा वि—डुंगील बदलू बिडबिडा गुराह ।

सिक पेगानी (سركه پنهانی) फा वि—दे सिक जबी ।

सिक फरोश (سركه فروش) फा वि—सिका बेषनेवाला रूखी और बेमुरवती बानें करनेवाला ।

सिक (سرف) अ वि—निक्केवल परिपुद्ध खालिस केवल फकत एकाकी अबेला निरा सब ।

सिबाल (سربال) अ पु—बस्त्र लिबास बसन पहनने की चीज ।

सिर पिहान (سربلهان) अ फा पु—गुप्त भेद गूढ मम ऐसा राज जो कहां न जा सके ।

सिहनि (سرحان) अ पु—वृक्ष भडिया ।

सिल (سله) अ पु—प्रतिपकार बदग प्रत्यपकार बुराई का बन्ग प्रत्युपकार भलाई का बदला पुरस्कार इनआम उपहार तोहफा किमी परिश्रम का फल या बदला धन के रूप में हो या किमी दूसरे रूप में ।

सिल (سل) अ स्त्री—पेंफडा का जसम रक्नकास यह तोहफा नहीं होती परंतु इसकी बिक्रिमा न हान पर बन जाती है ।

सिलए रहिम (سله رحم) अ पु—अपन परिवारवागो म प्रग रखना और यथागति उनकी सहायता करना ।

सिलह (سله) अ पु—अस्त्र आयुध हथियार ।

सिलहखान (سلهخانه) अ फा पु—जहाँ हथियार रहते हैं ।

सिलहवस्त (سله دست) अ फा वि—हाथ में हथियार लिये हुए खडगपाणि साहज ।

सिलहदार (سله دار) अ फा वि—हथियारबद दासत्रपारी योद्धा, सिपाही दासत्रपारी ।

सिलहदारी (سله داری) अ फा स्त्री—हथियारब होना, सिपाहीपन, सिपाही का पेगा ।

सिलहपोग (سله پوش) अ फा वि—हथियारब दासत्रपारी ।

सिलहगोर (سله شور) अ फा वि—दे सिलहदार ।

सिलात (صلاب) अ पु—सिल का बहु सिले, बल पुरस्कार वदिगग ।

सिलाय (صلابه) अ पु—रगड़ने या घिसने का बट्टा जिस पर कोई चीज घिसी या पीसी जाय, सिल ।

सिलाह (سلاح) अ पु—अस्त्र अस्त्र, आयुध हथियार ।

सिलाह (سلاح) अ पु—गधि मुसालहत मित्रता दास्ती, शांति सुकन ।

सिलाहवस्त (سله دست) अ फा वि—हथियारब हाथ में हथियार लिये हुए खडगपाणि ।

सिलाहवस्ती (سله دستی) अ फा स्त्री—हथियारबदी हाथ म हथियार होना ।

सिलाहगोर (سله شور) अ फा वि—हथियारब दासत्रपारी सनिक ।

सिलाहगोरी (سله سوری) अ फा स्त्री—हथियारबदी, महासत्रता सिपाहीपन सनिकता ।

सिलाही (سلاحی) अ वि—सनिक सिपाही पौत्री ।

सिलक (سلك) अ उभ—तनु डारा तागा वह डारा जिसमें मानी विरोये हा तार धातु का तार ।

सिलकी (سلكی) अ वि—डारे का डोरे से सम्बंधित, तार का तार स सम्बंधित ।

सिलके कहुहवाई (سلكه كهروای) अ उभ—बिजली का तार बिजली के तार की लाइन ।

सिलके सर्बारीद (سلكه سروارید) अ स्त्री—मातिया का लट्टी ।

सिल्त (سالت) अ पु—तेज तीव्र लबा दीध ।

सिल्तम (سالم) अ स्त्री—लत्की के लिखने की तल्ली पठिका दे मत्तम दोना गुड ह ।

सिल्तिल (سلسله) अ पु—शृंखला जमीर पक्ति बतार, जैसे—पडाडो का सिलसिला कुल वग गान वस वस पाय किमी बड महारमा व गिद्यों का अनुक्रम क्रम तर्तीव ।

सिल्तिल बुबानी (سلسله بیدانی) अ फा वि—किना बातको उठानवाला कोई प्रगम छडनवाग कोई तहरीक करने वाला ।

सिल्तिल बुबानी (سلسله بیدانی) अ फा स्त्री—किनी बात को उठाना किनी बात की तहरीक करना ।

तिल्लिल.वंदी (سلسله بندی) अ फा स्त्री-क्रमवद्धता, वातर्तीवी, पक्तिवद्धता, कतारवदी ।

तिल्लिल.वार (سلسله وار) अ फा वि-क्रम से, क्रमश, तर्तीव से; एक-एक करके, एक के बाद एक ।

तिल्लिलए कलाम (سلسله کلام) अ पु-वातों का सिल-सिला ।

तिल्लिलए कोह (سلسله کوه) अ फा पु-पहाड़ों का सिलसिला, पर्वतमाला ।

तिल्लिलए खयालात (سلسله خیالات) अ. पु-विचार-नम, खयालों का तार ।

तिल्लिलए नसब (سلسله نسب) अ पु-वंशानुक्रम, वंशावली, नसबनाम ।

तिल्लिलए हादिसात (سلسله احداثات) अ पु-एक के बाद दूसरी घटना का सिलसिला, घटनाचक्र, घटनाक्रम ।

तिवा (سوا) फा अव्य-अतिरिक्त, अलावा; बिना, वगैर; अन्य, दूसरा, फालतू, फाजिल ।

तिनुम (سوم) फा वि-तृतीय, तीसरा, मुसलमान मरने-वाले के तीजे का फातह ।

तिह (سه) फा. वि-तीन, त्रय ।

तिहगुन: (سه گونه) फा वि-तीनगुना, त्रिगुण, तिगुना ।

तिहगोवा. (سه گوشه) फा वि-तीन कोनोवाला, त्रिकोण ।

तिहचंद (سه چند) फा वि-तीनगुना, त्रिगुण ।

तिहजमानी (سه زمانی) फा अ वि-तीनों कालों से सम्बन्ध रखनेवाला, त्रैकालिक ।

तिहनिकाती (سه نکاتی) फा अ वि-तीन उल्लोवाला फ्रामूला, त्रिमूर्ती ।

तिहपहलू (سه پهلوی) फा वि-तीन कोनोवाला, त्रिकोण, त्रिपादक ।

तिहमंजिल. (سه منزلت) फा अ वि-तीन खंडोवाला घर, जिममें तले-ऊपर तीन दर्जे हों ।

तिहमाह. (سه ماهه) फा वि-तीन महीने में होनेवाला, त्रैमासिक, तीन महीने की आयु का ।

तिहरगी (سه رنگی) फा वि-तीन रंगोवाला, त्रैवर्णिक ।

तिहशब. (سه شنبه) फा पु-मंगलवार, मंगल का दिन ।

तिहसात (سه ساله) फा वि-तीन वर्षों में होने या पढ़ने-वाला, त्रैवार्षिक; तीन वर्ष की आयु का ।

तिहसाम (سهام) अ. पु-‘नहम’ का बहु, बहन में वाण, तिन्ने, अम, भाग ।

तिहए (سه حاج) अ पु-‘महीर’ का बहु, न्यरय जीन-नोगेन मोग, (नगी.) त्रीन का एए मुप्रमित्त त्रय ।

तिहए. (سه) अ. पु-मंग-मंग प्राग तिनायमें, अत्रिचर;

शावद वाजी, मायाकर्म, इंद्रजाल, टोना, टोटका; तिल्लिस्म, माया और छल से रचित स्थान, चमत्कार, अचभे में डालनेवाली बात ।

तिहअंगेज (سحر انگیز) अ फा. वि-जादू का असर रखनेवाला, आश्चर्यजनक ।

तिहअंगेजी (سحر انگیزی) अ. फा स्त्री-जादू के असर का होना ।

तिहआफ्री (سحر آفرین) अ फा वि-जादू पैदा करने-वाला, चमत्कार दिखानेवाला ।

तिहआफ्रीनी (سحر آفرینی) अ फा स्त्री-जादू पैदा करना, अचभे में डालना ।

तिहआमेज (سحر آمند) अ फा वि-जिसमें जादू मिला हो अर्थात् आश्चर्यजनक ।

तिहआमेजी (سحر آمیزی) अ फा स्त्री-जादू मिला होना ।

तिहकलाम (سحر کلام) अ वि-जिसकी वातों में जादू हो ।

तिहकलामी (سحر کلامی) अ. स्त्री-वातों में जादू का असर होना ।

तिहकार (سحر کار) अ फा वि-जादूगर, मायावी, इंद्र-जाली, मायाकार ।

तिहतराज (سحر طراز) अ फा वि-जादूगर, इंद्रजाली ।

तिहतराजी (سحر طرازی) अ फा स्त्री-जादूगरी, माया-कर्म ।

तिहफन (سحر فون) अ वि-जादूगर, इंद्रजालिक, तांत्रिक, मायाकार ।

तिहवयान (سحر لیان) अ. वि.-दे ‘सिहकलाम’ ।

तिहवयानी (سحر لیانی) अ. स्त्री-दे ‘सिहकलामी’ ।

तिहवाज (سحر ساز) अ फा वि-दे ‘सिहकार’ ।

तिहवाजी (سحر سازی) अ फा स्त्री-सिहकारी, जादू-गरी, मायाकर्म ।

तिहवार (سحر وارد) अ फा वि-जादू फैलानेवाला, चमत्कार करना ।

तिहवारी (سحر واردی) अ फा वि-स्त्री, जादू फैलाना, चमत्कार करना ।

तिहसंज (سحر سنج) अ फा वि-जादूगर, इंद्रजाली, मायाकार ।

तिहसंजी (سحر سنجدی) अ फा स्त्री-जादूगरी, माया-कर्म, इंद्रजाल ।

तिहमाज (سحر مز) अ. फा. वि-दे ‘तिहकार’ ।

तिहमाजी (سحر سازی) अ फा. स्त्री-तिहकारी, माया-कर्म ।

सिद्धे सामिरी (سحر سامری) अ पु-सामिरा वा जाऊ
जिमने घातु क वछडे म प्राण डाल लिये थे बहुत
बग जाइ।

सिद्धे हलाल (سحر حلال) अ पु-वह जाऊ जिमका करना
घम में विहित है कविता का जाऊ।

सिद्धहत (صحت) अ स्त्री-स्वास्थ्य तनदुरस्ती गुद्धि
दुरस्ती।

सिद्धहतअफडा (صحت افدا) अ फा वि-स्वास्थ्यवद्धक
तनदुरस्ती बजनेवाला।

सिद्धहतखान (صحتخانه) अ फा पु-गोचालय सडाम
पावान।

सिद्धहतनाम (صحتنامه) अ फा पु-गुद्धिपत्र किमी
पुस्तक के माय लगाया जानवाग तटियाका गुद्धि का पत्र।

सिद्धहतबटा (صحتبतर) अ फा वि-स्वास्थ्यगवक
तनदुरस्ती बनेवाला रागमुक्त करनवाला।

सिद्धहतमद (صحتمد) अ फा वि-स्वस्थ तनदुरस्त
जिममें को दाय न हा बनिया उत्तम।

सो

सो (سی) फा वि-सीस टीम को मख्या विशत।

सोक्नक (سکنک) तु वि-आहिस्त घीरे होले।

सोकी (سکی) फा स्त्री-गराब जिम दतना औगया
जाय कि वह तिहाद रह जाय।

सोव (سوخ) फा स्त्री-जह की सलाव गलावा।

सोवब (سوخب) फा प-गटा मीम जटो सगव।

सोवपर (سوخپر) फा प-चिनिया का वह बच्चा पिये
पर जमी अभा निकट हा मुमावी म छाटा एक आवा पर।

सोवपा (سوخپا) फा वि-पिटपग पर सडा हुआ पोग।

सोवजे जारोब (سوخ جاروب) फा स्त्री-खाडि का माफ।

सोवमे (سوخمه) अ प-गाजाका याह विभाग मटकम।

सोवए शाब (سوخ عاب) अ प-प्रथम पुरा जिमके
विषय म बात का जाय (स्या)।

सोवए सुतहलिलम (سوخه متکلم) अ प-उत्तम पुरा जो
बात बगनवाग है (स्या)।

सोवए राब (سوخه راب) अ फा पु-गुह्य गापनाय टियाई
जानेवाग बात।

सोवए हाबिर (سوخه حاصر) अ पु-मध्यमपुरा जिमम
ममम हाबर बात की जाय (स्या)।

सोव (صوب) अ स्त्री-बवा डिक् ब्यानि गातरत।

सोव (صوبه) फा पु-बहाएल अगम गता रतन
पयापर बूची।

सोन अफगार (سونه افگار) फा वि-जिमका हृय फट
गया हो विनीगहृय भगनहृय।

सोनकावी (سونه کوی) फा स्त्री-कग परिधम कडा
प्रयाम।

सोनकोवी (سونه کوی) फा स्त्री-छाती पीटना, सोना
कूटना मातम करना मातम घम्मार।

सोनकाक (سونه کاک) फा वि-जिमका छाता फा गई
हा अर्थान जिसका बोई बहुत बग गाव सहना पडा हा।

सोन बन (سونه بن) फा वि-मीना कूटनवाला अर्थान
मातम करनेवाला।

सोन बनो (سونه بنوی) फा स्त्री-छाती कूटना अर्थान
मातम करना।

सोनबोर (سونه بور) फा वि-अत्याचारी जालिम
विद्रोही बागी उड़इ मरकग।

सोन बोरी (سونه بوری) फा स्त्री-अत्याचार विगह
उड़इता।

सोनदरसोन (سونه در سونه) फा वि-मीन बमीन।

सोनदरी (سونه دربی) फा स्त्री-माना चाव करना गफ
में अस्त-व्यस्त हाना।

सोनपोग (سونه پوش) फा पु-छाती टाकनवाला कपडा
सोन बद उरस्थान उररछा।

सोनफिगार (سونه فگار) फा वि-भगनहृय जिमकी
छाती फा गई हो जिमका बाई बहुत हा बग गोक सहना
पग हो।

सोनबद (سونه بخد) फा पु-अंगिया, चाली छाती गम
रखनवाला एक बस्य बच्चा की राल टपकन का कपडा
जा सोने पर बोधन ह।

सोनबसोन (سونه بسونه) फा वि-छाती म छाती
मिलाय हुए वह बात जा किरा बग में एक दूसरे की
बनाई हुई चली आती हा।

सोनबाब (سونه باد) फा वि-पुने सोन का बो सोन
वाग।

सोनरेग (سونه رس) फा वि-जिमका हृय घामर
हा प्रमी जागित गाव-मतप गमज।

सोनगिगाफ (سونه گگاف) फा वि-मानपाव।

सोनसाफ (سونه صاف) फा अ वि-निछा बरपा
माफ लिल का खडहृय।

सोनसिपर (سونه سپر) फा वि-इकर मुडाबल पर
आया हुआ मीन गापन बरक लइनवाग।

सोनसिपाह (سونه سپاه) फा वि-जिमका लिल काग हा
अथानु जा बडा वारी हो पागाला बगहृय मरगिल।

सीन सोस्त: (سین سوخته) फा. वि -दग्धहृदय, तप्त-हृदय, मुसीबत का मारा, आफतजद ।
 सीन (سین) अ पु -अरबी का १२वाँ, फारसी का १५वाँ, उर्दू का १८वाँ और हिदी का ३०वाँ अक्षर ।
 सीन (سین) अ पु -चीन, एक प्रसिद्ध देश ।
 सीपार: (سی پاره) फा पु -तीस टुकड़ों में बँटा हुआ, कुरान के तीस खंडों में से एक ।
 सीना (سینا) अ पु -शाम (अरब) का एक पहाड़, कोह तूर, बूअली का दाप, जिसके सम्बन्ध से वह 'बूअली सीना' कहलाता है ।
 सीम (سیم) फा स्त्री -रजत, चाँदी, नुक्र, धन, दौलत, परतु दूसरे अर्थ में 'जर' के साथ 'सीमो जर' आता है ।
 सीमअंदांम (سیم اندام) फा वि -जिसका शरीर चाँदी-जैसा धवल और उज्ज्वल हो, रजतागना, गौरवर्णा ।
 सीमकार (سیم کار) फा वि -अच्छी अदाओवाला (वाली) ।
 सीमकारी (سیم کاری) फा स्त्री -हाव-भाव, नाजो अदाज ।
 सीमकुश (سیم کس) फा वि -फुजूलखर्च, अपव्ययी ।
 सीमकुशी (سیم کشی) फा स्त्री -फुजूलखर्ची, अपव्ययी ।
 सीमगिल (سیم گل) फा स्त्री -पोतने की मिट्टी, पडोल, गोरा चट्टा, सफेद चमडे का ।
 सीमजकन (سیم جکن) फा वि -जिसकी ठोडी पर वाल न हो और वह साफ हो, नौखेज लडका, अम्रद ।
 सीमतन (سیم تن) फा वि -चाँदी-जैसे सफेद शरीरवाला, गौरवर्ण, रजताग (पु), गौरवर्णा, रजतागना (स्त्री) ।
 सीमवर (سیم بر) फा वि -चाँदी-जैसी गोरी और सख्त वक्ष स्थलवाली नायिका ।
 सीमसाक (سیم ساق) फा वि -जिसकी पिडलियाँ चाँदी-जैसी गोरी और सख्त हो ।
 सीमसुरी (سیم سوری) फा वि -सुन्दर नितम्बवाली नायिका, नितविनी ।
 सीमा (سیمیا) फा स्त्री -ललाट, भाल, माथा, पेशानी, ऐमा चिह्न जिससे किसी चीज की पहचान हो सके ।
 सीमाव (سیمات) फा पु -पारद, पारा, एक धातु ।
 सीमावगूँ (سیمات گون) फा वि -पारे के रगवाला, पारे जैसा सफेद ।
 सीमाव दरगोश (سیمات درگوش) फा वि -बधिर, बहिरा, जो ऊँचा सुने ।
 सीमावदिल (سیماب دل) फा वि -अधीर, आतुर, उतावला, बेसव्रा ।
 सीमाववार (سیمات وار) फा वि -पारे की तरह व्याकुल या चंचल, अस्थिर ।

सीमावसिफत (سیمات صفت) फा अ वि -पारे-जैसा चंचल, व्याकुल, जिसे एक जगह करार न हो ।
 सीमावियत (سیمات یات) फा स्त्री -पारा-जैसा चंचल या व्याकुल होना, अस्थिरता ।
 सीमावी (سیمانی) फा वि -पारे का, पारे का बना हुआ, पारे से सवधित ।
 सीमावे कुस्त: (سیمات کسته) फा पु -मरा हुआ पारा, पारे का कुस्त, पारद-भस्म ।
 सीमिया (سیمیا) अ स्त्री -वह विद्या जिससे मनुष्य अपना शरीर छोडकर दूसरे के शरीर में दाखिल हो जाता है, पर-काय-प्रवेश-विद्या, ऐसी वस्तुओं को देखना जो वास्तविक में न हों ।
 सीमी (سیمیں) फा वि -चाँदी का, चाँदी का बना हुआ, चाँदी-जैसा ।
 सीमीअंदांम (سیمیں اندام) फा वि -रजताग, चाँदी-जैसे उज्ज्वल शरीरवाला (पु), रजतागना (स्त्री) ।
 सीमीआरिज (سیمیں عارض) फा अ वि -दे 'सीमीइजार' ।
 सीमीइजार (سیمیں عذار) फा अ वि -चाँदी-जैसे सफेद और दीप्त गालोवाला, रजतकपोल (पु), रजतकपोला (स्त्री) ।
 सीमीजकन (سیمیں جکن) फा अ वि -जिसकी ठोडी पर वाल न आये हो, सुन्दर लडका ।
 सीमीतन (سیمیں تن) फा वि -चाँदी-जैसे धवल और उज्ज्वल अगोवाला (वाली) ।
 सीमीबदन (سیمیں بدن) फा वि -दे 'सीमीतन' ।
 सीमीरख (سیمیں رخ) फा वि -दे 'सीमीइजार' ।
 सीमीसाक (سیمیں ساق) फा वि -उज्ज्वल और कठोर पिडलियोवाली नायिका ।
 सीमुर्ग (سیم مرغ) फा पु -एक बहुत बडा पक्षी, जो काफ पहाड़ में रहनेवाला माना गया है ।
 सीमे खाम (سیم حام) फा स्त्री -खालिम और वेमेल चाँदी ।
 सीमे खालिस (سیم خالص) फा अ स्त्री -खरी और निर्मल चाँदी ।
 सीमे नाब (سیم ناب) फा स्त्री -दे 'सीमे खालिम' ।
 सीमे सोस्त: (سیم سوخته) फा स्त्री -खालिस चाँदी, खरी चाँदी, लाजवर्द, एक रत्न, राजावर्त ।
 सीमे हलाल (سیم حلال) फा अ स्त्री -खालिम चाँदी ।
 सीमो जर (سیم زر) फा पु -सीना और चाँदी आर्थात् धन-दौलत, माल, दौलत ।
 सीर (سیر) फा. पु. -लहसुन, लयुन ।

सीरत (سيرت) अ स्त्री-स्वभाव प्रकृति आदत जीवन चरित खानेहुवन्नी अन्त्यक मौजय ।

सीरतन (سيرت) अ वि-स्वाभावत आदत में स्वभावसे ।

सीरते खूब (سيرت خوب) अ फा स्त्री-अच्छा स्वभाव अच्छी आतें ।

सीरते पाक (سيرت پاک) अ फा स्त्री-पवित्र स्वभाव, पवित्र जीवनचरित्र ।

सीली (سلي) फा स्त्री-बारा उंगलिया का खडा करव किमी की गदन पर मारना पहले यह एक सजा भी था ।

सीस्तान (سیستان) फा पु-दक्षिणी ईरान का एक प्रसिद्ध प्रान्त ।

सु

सुदहस (سودروس) फा पु-राजन एक प्रसिद्ध गाँव द सदहस्य ।

सुदुस (سودس) अ पु-एक बहुत ही महान और बहू मूल्य रोगी कपडा ।

सुदूक (سودق) अ पु-गुद उच्चारण यही है परन्तु उदू म सुदूक कहते ह दे सुदूक ।

सुय (سوء) फा पु-गहमें छत्र करने का लोहे का छाना सा औजार लकड़ में मुराब करव का औजार बरमा ।

सुवक (سودک) फा स्त्री-छाटा नाव जा बड़ी नाव के साथ रहती है ।

सुबल (سودل) अ प-गहों की बाल बयारानि बुजें सबल ।

सुबल (سودل) अ स्त्री-गहों या जो की बाउ एर सुगंधित बनीयधि बालछड आक जुफ ।

सुबलुत्तौब (سودل الطيب) अ स्त्री-बालछड जटा मोगी ।

सुभाव (سواد) अ स्त्री-अरब की एक मुन्तरी ।

सुमाल (سومال) अ स्त्री-मोगी काम ।

सुमाल (سؤال) अ प-प्रश्न सवा-इमका शुद्ध उच्चारण यहा है परन्तु उदू में सवाउ हो है ।

सुमर (سومر) अ पु-ऊपर जाना ऊपर उठना ऊपर आना ।

सुमर (سومر) अ पु-ताँद का बहू शुभ घट, जस-अन्त्यनि शुभ और क ।

सुमरबन (سومر بن) अ स्त्री-बनित्ता बउट दुगवारी म्प्या पोश सजनीक ।

सुमर [बन] (سومر بن) अ प-एक सुगंधित पत्ताय जा क सुगंधित पत्तायों में मिश्रकर बनता है ।

सुकारा (سுகارا) अ पु-सकरान का बउ मतवाते नग में चर लाग, भस्त लाग ।

सुख (سுக) अ पु-'सुख का बहू, मुराव (बहुत स), छिद्र-मामूह ।

सुखर (سுகور) अ पु-मिट्टी का छाटा प्याला कुल्हड ।

सुकूत (سுகوت) अ पु-गिरना पात, पतन ।

सुकूत (سுகوت) अ पु-मीन चुप्पी सामोरी सभान-मेरे सुकूत यास पे इतना न हो मलूल। सुखरो सुदा न स्वास्ता तुवसे गिला नही । (फिराक)

सुकूते कामिल (سுகوت کامل) अ पु-पूरा सभाटा बिलकुन सामागी ।

सुकूते महड (سுகوت مخصص) अ पु-पूरा सभाटा ।

सुदून (سுகون) अ पु-सभाटा सामागी गान्ति अन्न बीमारी में कमी ठहराव करार, विराम आराम इत्मीनान सताप इत्मीनान धय सत्र जी ठग हाना अपर का हउ होना ।

सुकूत (سுகوت) अ स्त्री-निवान कियाम बभाव ।

सुकूततयिदोर (سுகوت تيديور) अ फा वि-निवाला बागि ।

सुकूतली (سுகوتلي) अ वि-रहने वा, रहने माय्य जसे-सुकूतली मवान ।

सुकूने अबबी (سுகون اببي) अ पु-मौत मरण हमगा क लिए सुकूने और शक्ति ।

सुकूने आरिबी (سுகون عاصي) अ पु-याद निवा का इत्मीनान अस्थापी सतोप ।

सुकूने कामिल (سுகون كامل) अ पु-पूरी सामागी पूरा सताप मौत की सामागी ।

सुकूने दाइमी (سுகون دایمي) अ पु-सुकूने अबबी ।

सुकूने मुत्लक (سுகون مطلق) अ पु-सुकूने कामिल ।

सुकूने (سுகونه) अ स्त्री-हयत सबीन का शुभ नाम जा हयत इमामदुमन की सुपुत्री था ।

सुखर (سுகور) अ स्त्री-चीनी दाकर दाकरा ।

सुखान (سுகان) अ पु-माविन का बहू रानबाउ निवागी ।

सुखाने समावात (سுகان سماوات) अ पु-आस्मान के रहनेवाउ किरिरी ।

सुखान (سுகانه) अ पु-किगी पीठ का गिरा हुआ टुकड़ा, बाल का टुकड़ा ।

सुखाना (سுகان) अ स्त्री-निवाग बगना निवागी बगनवाला ।

सुखर (سுகره) अ पु-छत्र विवर छत्र मुराव ।

सुख (سُخْب) अ पु—'सुख' का बहु, छिद्र-समूह, छेद, दे 'सुकुव', दोनो शुद्ध है।

सुखए इन्वीयः (سُخْبَةُ عَمِيه) अ. पु.—आँख का एक पर्दा, एक चक्षुपटल।

सुखम (سُخْم) अ पु—रोग, बीमारी।

सुखमूनिया (سُخْمُونِيَا) अ स्त्री—एक विरेचक गोद जो बहुत अच्छी दवा है।

सुख (سُكْر) अ पु—मद, अभिमान, मदकता, नशा।

सुखन (سُخْن) फा पु—वार्ता, वात, कथन, शब्द, ध्वनि, वार्तालाप, वातचीत, सविदा, वादा, कौल, कविता, काव्य, शेर, शाइरी, प्रवचन, मकूल., दे 'सखुन', दोनो शुद्ध है।

सुखनआफ़ी (سُخْنِ آفِي) फा वि—कवि, शाइर।

सुखनआफ़ीनी (سُخْنِ آفِيْنِي) फा स्त्री—कविता, काव्य-रचना, शाइरी।

सुखनआरा (سُخْنِ آرَا) फा वि—कवि, शाइर।

सुखनआराई (سُخْنِ آرَايِي) फा. स्त्री—काव्य-रचना, शाइरी।

सुखनगुस्तर (سُخْنِ گُسْتَر) फा वि—कवि, शाइर, काव्य-मर्मज्ञ, शेरशास।

सुखनगुस्तर्री (سُخْنِ گُسْتَرِي) फा. स्त्री—कविता कहना, कविता का गुण-दोष समझना।

सुखनगो (سُخْنِ گُو) फा. वि—कवि, शाइर।

सुखनगोई (سُخْنِ گُوِي) फा. स्त्री—कविता, शाइरी।

सुखनगोया (سُخْنِ گُوِيَا) फा वि—सुखनगो, शाइर, कवि।

सुखनचो (سُخْنِ چِي) फा. वि—छिद्रान्वेपी, ऐवची, पिशुन, चुगुलखोर; निन्दक, लुतरा।

सुखनचोनी (سُخْنِ چِيْنِي) फा स्त्री.—ऐव ढूँढना, पिशुनता, लुतरापन।

सुखनतकियः (سُخْنِ تَكِيه) फा अ पु—वह शब्द या वाक्य जो किसी की जवान पर चढ़ जाय और बातों में उसका प्रयोग बार-बार करे, चाहे उसकी आवश्यकता हो या न हो।

सुखन तराज (سُخْنِ طَرَاژ) फा वि—कवि, शाइर।

सुखनतराजी (سُخْنِ طَرَاژِي) फा स्त्री—कविता, शाइरी।

सुखनदाँ (سُخْنِ دَا) फा वि—शाइर, कवि, सुखनफहम, काव्य-मर्मज्ञ।

सुखनदानी (سُخْنِ دَايِي) फा स्त्री—शाइरी, काव्य-रचना, कविता की परख।

सुखननवाज (سُخْنِ نَوَاز) फा वि—कवियों और शाइरों की कद्र करनेवाला, काव्यप्रेमी।

सुखननवाजी (سُخْنِ نَوَازِي) फा. स्त्री—कविता की कद्र,

कवियों का आदर।

सुखनपरदाज (سُخْنِ پَرْدَاژ) फा वि—कवि, शाइर।

सुखनपरदाजी (سُخْنِ پَرْدَاژِي) फा स्त्री—कविता, शाइरी।

सुखनपर्वर (سُخْنِ پَرْوَر) फा वि—कवि, शाइर; अपनी

वात की पच करनेवाला, गलत या सही जो कह दिया उस पर अडा रहनेवाला, हठधर्म, हठी।

सुखनपर्वरी (سُخْنِ پَرْوَرِي) फा स्त्री—कविता; वात की पच, हठधर्मी।

सुखनफरामोश (سُخْنِ فَرَامُوش) फा वि.—वात कहकर भूल जानेवाला, वादा याद न रखनेवाला।

सुखनफरामोशी (سُخْنِ فَرَامُوشِي) फा स्त्री.—वात भूल जाना, वादा याद न रखना।

सुखनफहम (سُخْنِ فِهْم) फा अ वि—कविता का गुणदोष समझनेवाला, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ, वात की तह को पहुँच जानेवाला।

सुखनफहमी (سُخْنِ فِهْمِي) फा अ स्त्री—कविता का गुण-दोष समझना, काव्य-मर्मज्ञता, जल्द वात की तह को पहुँचना।

सुखनवाफ (سُخْنِ نَاف) फा वि—वातूनी, वाचाल, मुखर।

सुखनवाफी (سُخْنِ نَافِي) फा स्त्री—वाचालता, मुखरता, वातूचीपन।

सुखनरस (سُخْنِ رَس) फा वि—दे 'सुखनफहम'।

सुखनरसी (سُخْنِ رَسِي) फा स्त्री—दे 'सुखनफहमी'।

सुखनवर (سُخْنِ وَر) फा वि—कवि, शाइर।

सुखनवरी (سُخْنِ وَرِي) फा स्त्री—कविता, शाइरी।

सुखनशानास (سُخْنِ شَانَاَس) फा. वि—दे 'सुखनफहम'।

सुखनशानासी (سُخْنِ شَانَاَسِي) फा. स्त्री.—दे 'सुखनफहमी'।

सुखनशनौ (سُخْنِ شَنُو) फा वि—वात सुननेवाला, वात समझनेवाला, वात की कद्र करनेवाला।

सुखनसंज (سُخْنِ سَنَج) फा वि.—दे 'सुखनफहम'; दे 'सुखनवर'।

सुखनसंजी (سُخْنِ سَنَجِي) फा स्त्री—काव्य-मर्मज्ञ, कवि।

सुखनसरा (سُخْنِ سَرَا) फा वि—कवि, शाइर, तरनुम से शेर पढ़नेवाला।

सुखनसराई (سُخْنِ سَرَايِي) फा स्त्री—कविता, शाइरी, तरनुम से शेर पढ़ना।

सुखनसाज (سُخْنِ سَاژ) फा वि—कवि, शाइर, बातों का चालाक, छली, मक्कार।

सुखनसाजी (سُخْنِ سَاژِي) फा स्त्री—कविता, शाइरी, बातों की चालाकी, जमान साजी, छल, फरेव।

मुग्धने गम (مغصن گرم) फा पु - नख वात - गुस्से की बात गस्त दिलानेवाणी बात ।

मुग्धने तल्ल (مغصن ملح) फा पु - बुरा वात, मच्ची और गरा वात बुराजवाना मुग्ध बपलता ।

मुग्धुन (مغصن) फा पु - मुग्ध मुग्ध यह भा है परतु मुग्धन बहुत अरिस्त मुग्ध है ।

मुग्धूनत (مغصوب) अ स्त्री - गम हाना उष्ण हाना, उष्णता उष्णमा गर्मी ।

मुग्धन (مغصنه) फा वि - नाश हुआ मुक्ति ।

मुग्धत (مغصط) अ पु - नोप भाष गुस्स दे सस्त, दाना मुग्ध हा ।

मुग्धतनी (مغصتلى) फा वि - नान्न के योग्य जिस ताला जा सके ।

मुग्ध (مغصه) फा स्त्री - बेगार बिना मजदूरी का काम विष्टि ।

मुग्धर (مغصره) अ पु - मनाविना म ननारजन, सुगतबई जिस पर योग हस्त हास्यास्पद उपरहित मस्वर विद्वपक ।

मुग्धत (مغصرب) अ स्त्री - परिहास उपहास हमी उजाना मनारजन तफीह ।

मुग्धी (مغصرى) अ वि - पश्चात्ताप अफमास ।

मुग्धीय (مغصرى) अ पु - मनाविनो तफीह ठठाठ फक्कडपन मस्वर पन विद्वपकता ।

मुग्धाच (مغصاحه) फा पु - काबूल रोग जिसम स्वप्न में एसा जान पडता है कि कोई काला दव गरा दबरा रहा है ।

मुग्धाद (مغصاد) फा स्त्री - नीची जमीन जहा बरसात का पानी इकटठा हाता है समरकंद क पास एक नगर ।

मुग्धादी (مغصادى) फा स्त्री - ईरान की सात भाषाया में स एक ।

मुग्धा (مغصولى) अ स्त्री - छाटी स्त्रा हर छाटी चीज जा स्त्रीलिंग हो ।

मुग्धाक (مغصوان) मु पु - बड़ा प्याला वादिय ।

मुग्धाद (مغصود) अ पु - प्रथम करना सर झुकाना ईस्वर के आगे सर झुकाना नमाज म साद करना ।

मुग्धाग (مغصوگ) फा वि - पथ बड़ा पथ अज्ञाम ।

मुग्धाद (مغصود) फा वि - भड़ा हुआ मज्जित ।

मुग्धात (مغصولات) फा प - बड़ा और तारा जालि के नापने का यंत्र ।

मुग्धा (مغصوع) अ प - बड़ा हाना ऊचा हाना ।

मुग्धा (مغصود) फा वि - प्रामित मरता हुआ जिकरी तारीफ की गयी हो ।

मुग्धाकार (مغصودكار) फा वि - जिसक काम वाकिल तारीफ हा ।

मुग्धासिफत (مغصودصفت) फा अ वि - अठ गया बाला अच्छे जाचार व्यवहारवाला ।

मुग्धादा (مغصودان) फा पु - आतापरस्ता अर्थात् पानिया का समाधिस्थान या कब्रिस्तान ।

मुग्धात (مغصون) फा पु - रूयण खमा मीनार सट रतम ।

मुग्धातने जराहब (مغصون حراذ) फा अ प - अम्बार का बालम स्तम ।

मुग्धात (مغصور) अ स्त्री - सव का बहु सने लकीर पकितया ।

मुग्धातने जल (مغصور دمل) अ स्त्री - लय क नीच की पकितया ।

मुग्धातने वाला (مغصور سالا) अ फा स्त्री - लेख के ऊपर की पकितया ।

मुग्धात (مغصوح) अ स्त्री - सतह का बहु, सतहें ।

मुग्धात (مغصور) फा पु - गो बप बर उष्, थमल, ऊँट अश्व वाजि घाडा ।

मुग्धात (مغصوه) फा वि - लग जाया हुआ जाजिज, दुखित पीनित रजो नि सवय बलगाव बाज ।

मुग्धात (مغصود) अ पु - मुद्दे का बट्ट, मुद्दे ब्रियया गाँठ म या मवा की गाँठ ।

मुग्धात (مغصاع) अ प - सरदद गिर पीडा ।

मुग्धात (مغصاد) अ पु - एक रोग है जिसमें नाक और सात क रास्ते बंद हो जात हा ।

मुग्धात (مغصان) फा स्त्री - एक क्षुप जिसकी पत्ता जोषधि म काम आती है, तिहली ।

मुग्धात (مغصن) अ वि - छटा पट छटा ।

मुग्धात (مغصور) अ पु - जारी हाता निकलना ।

मुग्धात (مغصنه) अ पु - कनपटा ।

मुग्धात (مغصع) अ पु - कनपटी ।

मुग्धात (مغصتلى) अ पु - दोनो कनपटिया ।

मुग्धात (مغصه) अ पु - मधान की गाँठ जो आँता या रगाम प जाती है ।

मुग्धात (مغصن) अ वि - छटा पट ।

मुग्धात (مغصن) अ स्त्री - मुग्धन का बहु मुग्धन ।

मुग्धात (مغصلى) अ वि - दो अक्षरवाला शब्द आगे के दा दात ऊपर क हा या नीचे क ।

मुग्धात (مغصان) अ स्त्री - बगान की दुग्ध एक राग जिसम बगान स व आती है ।

मुग्धात (مغصع) अ स्त्री - बनाना पदा करना तारीफरी नित्य ।

सुनए परवर्दंगार (صنع دروونگار) अ फा स्त्री—ईश्वर की कारीगरी ।

सुकुर (سكور) तु पु.—एक शिकारी पक्षी जो बाज की किस्म का होता है, और भारत में गर्मी के कारण ज़िद नहीं रहता ।

सुनः (سنة) अ पु—दे 'सुन्नत' ।

सुन्नत (سنت) अ स्त्री—नियम, काइद, पद्धति, तरीक, मार्ग, रास्ता, प्रकृति, फ़िन्नत, स्वभाव, आदत, वह काम जो पैगवर साहिब ने किया हो, ख़तन, मुसलमानी ।

सुन्नते आवा (سنت آوا) अ स्त्री—वापदादा का दस्तूर, खानदान का रवाज ।

सुन्नते पैगवरी (سنت پيغوري) अ फा स्त्री—पैगवर साहिब का किया हुआ अमल, जिसके करने से सवाब मिलता है ।

सुन्नते रसूल (سنت رسول) अ स्त्री—दे 'सुन्नते पैगवरी' ।
सुन्नी (سني) अ पु—सुन्नत का अनुयायी, सुन्नी मुसलमान, मुसलमानों का एक समुदाय ।

सुपार (سپار) फा प्रत्य—सौपनेवाला, जैसे—'जाँसुपार' जान सौपनेवाला ।

सुपारिश (سپارش) फा स्त्री—दे 'सिफारिश' ।

सुपुर्ज (سپرز) फा स्त्री—प्लीहा, तिल्ली, एक विशेष अवयव ।

सुपुर्दः (سپرده) फा वि—सौपा हुआ, दिया हुआ ।

सुपुर्द (سپرد) फा वि—सौपा हुआ, दिया हुआ ।

सुपुर्दंगी (سپردنگی) फा स्त्री—सुपुर्द करना, किसी को देना ।

सुपुर्दार (سپردار) फा पु—वह व्यक्ति जिसके सुपुर्द किसी कर्कों का माल हो ।

सुपुश (سپش) फा स्त्री—जूँ, वह कीड़ा जो बालों में पड़ जाता है, स्वेदज लोम-यूक ।

सुफरा (سفرا) अ पु—'सफीर' का वह, दूत लोग, देशों के सफीर ।

सुफहा (سفه) अ पु—'सफीह' का वह, अथम लोग, कमीने ।

सुफारिश (سپارش) फा स्त्री—शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु उर्दू में सिफारिश ही बोलते हैं, इसलिए उर्दू में सिफारिश ही शुद्ध है, दे अर्थ के लिए 'सिफारिश' ।

सुफाल (سفال) फा पु—मिट्टी का बरतन, ठीकना, दे 'सिफाल' वह भी शुद्ध है ।

सुफाली (سفالین) फा वि—मिट्टी का बना हुआ, माँगा ।

सुफुन (سفن) अ पु—'नफीन' का बट, नौगाएँ, नावें, फ़स्तिया ।

सुफूल (سفول) अ पु—निचाई, निम्नता, पस्ती, नीचे उतरना, नीचे आना ।

सुफतः (سفته) फा वि—छेद किया हुआ, एक बाण, पिरोया हुआ ।

सुफतःगोश (سفته گوش) फा वि—जिसके कान छिदे हो, दास, गुलाम, आज्ञापालक, मुत्तीअ' ।

सुफत (سفت) फा पु—छेद, विवर, छिद्र, सूराख ।

सुफतजः (سفته ج) फा स्त्री—हुडी, चेक, धनादेश ।

सुफतनी (سفتنی) फा वि—पिरोने योग्य, छेद करने योग्य ।

सुफतीदः (سفتیده) फा वि—पिरोया हुआ, विधा हुआ ।

सुफफः (سفه) अ पु—पटाव का मकान, साय दार जगह; छज्जा, साइवान ।

सुफ़यान (سفيان) अ पु—पाक, साफ, परहेजगीर ।

सुफ़ः (سفوه) फा पु—गुदा, मलद्वार, मक्दद ।

सुफ़ः (سفوه) अ पु—वह कपडा जिस पर खाना खाते हैं, दस्तख़वान, तोशदान, टिफिन कैरियर, चूँकि सुफ़ का अर्थ फारसी में मलद्वार है, इसलिए अरबी के शब्द सुफ़ को 'सफ़' पढ़ने लगे हैं, दें सफ़ ।

सुफ़ःची (سفوه حین) फा वि—दस्तख़वान का जूटा खानेवाला, अर्थात् दास, गुलाम ।

सुफ़ःची (سفرحی) फा पु—खानसामा बैरा, खाना खिलानेवाला ।

सुफ़त (سفوت) अ स्त्री—पीलापन, पीतिमा, जर्दी, पीलाहट ।

सुफल (سفل) अ पु—निचाई, निम्नता, मस्ती, दे 'सिफल', वह भी शुद्ध है ।

सुफ़ला (سفلای) अ स्त्री—'अस्फल' का स्त्री—बहुत नीची, निकृष्टा, अधमा ।

सुफ़ली (سفلی) अ वि—नीचे का, नीचेवाला, नीचे से संबंधित, दे 'सिफ़ली' ।

सुबाई (سباعی) अ स्त्री—एक नज्म जिसमें सात मिल्ते होते हैं, सप्त ग्रहों का समूह, नाता आकाश ।

सुवात (سوانات) अ पु—नमय, काल, स्वप्न, छाव, नीद, एक रोग जिनमें रोगी बहुत मोता है ।

सुवकतिगी (سوکتگی) तु पु.—मुत्तान महमूद के वाप का नाम, दे 'सुवकतिगी', वह भी शुद्ध है ।

सुवू (سوو) फा पु—गानी ज़ादि का घटा, घट, मटवा, कुभ ।

सुवूय (سویه) फा पु—पेटा घटा, टिफिया, नागर मटकी ।

मुवत (موت) अ पु-प्रमाण तक, दलील उदाहरण मिसाल।

मुवदान (موتدان) फा पु-घडा रखने की टिकनी।
मुवह (موت) अ स्त्री-प्रातःकाल तन्का सवेरे की गराव पीना।

मुवह (موت) अ वि-अत्यंत पवित्र बहुत पाक ईश्वर का एक नाम।

मुवह (موت) अ पु-जपमात्रा मुमरन तस्वीह।
मुवह दवा (موتدوا) अ फा वि-तस्वीह पन्नेवाला जप करनेवाला जायक।

मुवह खानी (موتخانی) अ फा स्त्री-मुवह गर्दानी।

मुवह गर्दानी (موتگردانی) अ फा स्त्री-तस्वीह फेरना तस्वीह पढना माला फेरना जप करना।

मुवहरानी (موتهرانی) अ फा स्त्री-मुवह गर्दानी।
मुवह (موت) अ स्त्री-प्रातःकाल प्रभात प्रात मोर, तन्का।

मुवहब्द (موتحد) अ फा पु-ऐसी मुखुराहट जिसमें दात दिखाई दे जायें दे महरब्द नं० २।

मुवहब्बेज (موتحجر) अ फा वि-जिस तन्के उठने की आदत हो।

मुवहगाह (موتگاه) फा पु-प्रातःकाल तडक गजरदम, गोविसय वासर सग।

मुवहगाही (موتگاهی) फा स्त्री-प्रातःकाल का सवेरे का (की) प्रातःकाल तडका सवेरा।

मुवहदम (موتدوم) अ फा पु-बहुत तडक गजरदम।
मुवह अजल (موتازل) अ स्त्री-जब सफ्टि की रचना हुई वह समय।

मुवहे अलस्त (موتالست) अ स्त्री-सफ्टि रचना काल।

मुवहे आखिर (موتآخر) अ स्त्री-मुवहे सावित्र।

मुवहे उम्मोद (موتامد) अ फा स्त्री-आगरूपी प्रभात।

मुवहे काविब (موتکاتب) अ स्त्री-मूला सवरा वह रोगनी निमके बाद फिर अघेरा हो जाता है।

मुवह क्रियामत (موتکریما) अ स्त्री-क्रियामत के लिन का सवरा वह सवेरा जिन लिन क्रियामत हागी और मव लाग जी उठग और अपना निमाव देन के लिए एक बड़ मगन में एकत्र हागे।

मुवहे अद्दा (موتحر) अ स्त्री-उम लिन का सवरा जिन रोड क्रियामत में पाप-पुण्य का हिसाब विनाब हागा।

मुवहे हुदुम (موتدوم) अ प

मुवहे नुखुस्ती (موتنخستن) अ फा स्त्री-मुवह अजल।

मुवहे बहार (موتبهار) अ फा स्त्री-बसत ऋतु का गुरात पुप-समय का प्रारंभ।

मुवहे महगर (موتمحر) अ स्त्री-दे मुवहे क्रियामत।

मुवहे रस्तबेज (موترستبه) अ फा स्त्री-दे मुवह क्रियामत।

मुवहे सादिक (موتصادق) अ स्त्री-सच्चा सवेरा आ मधमुच सवेरा हा प्रात प्रभात तन्का।

मुवहे सानी (موتسانی) अ स्त्री-मुवहे सादिक।

मुवहे हथ (موتحسر) अ स्त्री-दे मुवह क्रियामत।

मुवहोमसा (موتومسا) अ स्त्री-रातनि अर्हानि हर समय।

मुवहोगाम (موتوشام) अ फा स्त्री-रातनि, हर समय।

मुम (موم) फा पु-चोपाए का सुर घोडे की टाप।

मुमअफाद (موتافاد) फा वि-चलने में असमय लगना पगु।

मुमुन (مومن) अ वि-आठवां अंग।

मुमुव [व] (مومو) अ पु-उंचाई बल्दी, उच्चता उत्तुगता।

मुमूत (موت) अ पु-चुप रहना सामान रहना मोत सामान।

मुमअ (موت) अ पु-मुमअत।

मुमअत (موت) अ स्त्री-अपनी अच्छा वानें दूसरा का मुनवाना ताकि लाग अच्छा समझें रियाकारी पाखंड आडवर।

मुमच (موت) फा पु-जमीन क अदर की गुफा तहखाना, तलगह।

मुमन (موت) फा पु-एक मेवा चिरोनी।

मुमन (مومن) अ वि-आठवां अंग ? दे मुमन।

मुमन (مومن) अ वि-फिर मुन।

मुमनाक (موتناسان) अ पु-एक खट्टा फल जा दवा में काम आता है।

मुमुफ (موتوف) अ पु-सफ का बहु तलवारें।

मुमुराक (موتوراک) अ पु-चारी का माल करण वग (अरब) का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति।

मुमुराय (موتورای) अ पु-याव का चिह्न खोज पना निगान ठिकाना अवमधान जिनासा तगग।

मुमुरापरती (موتورائرسان) अ फा वि-याव ग्यानवाग

- सुराग्रस्तानी (سوراء رستانی) नु. फा. स्त्री.—तोज लगाना, कमन करना; गुप्तचरों, जासूसों।
- सुराग्रस्तानी (سوراء رستانی) नु फा स्त्री—'सुराग्रस्तानी'।
- सुराकि (سوراكى) अ.पु.—वज्रतन्त्र, वज्र रज्जु; श्यामियान, वितान।
- सुराकिात (سوراقيات) अ पु.—'सुराशिक' का बहु; बटे-बटे घुंम, श्यामियाने।
- सुरह (سوراح) अ वि—मार, तस्व, तुलात.; निष्कार, निचोट; एक अरबी शब्दतोप।
- सुरही (سوراحی) अ. स्त्री.—पानी रगने का एक विशेष प्रकार का मिट्टी का पात्र, जल की गुंभी।
- सुराहीवार (سوراحی دار) अ. फा. वि.—'सुराहीनुमा'।
- सुराहीनुमा (سوراحی سا) अ फा वि.—सुराही के आकार का, सुराही जैसा।
- सुरी (سورین) फा. स्त्री.—'सुरीन' का लघु., दे. 'सुरीन'।
- सुरीन (سورین) फा स्त्री.—नितव, चूतड़।
- सुरव (سورب) अ. पु.—एक धातु, सीस., नीमक।
- सुरे (سورون) फा स्त्री—'सुरेन'।
- सुरेद (سورود) फा. पु—गाना, नगम; राग, गीत. एक वाजा।
- सुरेन (سورون) फा स्त्री—नितव, उपस्थ, सुरीन।
- सुरुर (سورور) अ पु—हर्ष, खुशी, आनंद, लज्जत, हलका नगा।
- सुरुरअंगेज (سورور انگیز) अ फा वि—नशा पैदा करनेवाला, मादक, हर्ष देनेवाला, आनंदवर्द्धक।
- सुरुरअफजा (سورور افزا) अ फा. वि—आनंद बढ़ानेवाला, हर्षवर्धक।
- सुरुरखेज (سورور خیز) दे 'सुरुरअफजा'।
- सुरुरपरवर (سورور پرور) अ. फा वि—दे 'सुरुरअफजा'।
- सुरुरफजा (سورور فزا) अ फा वि—दे 'सुरुरअफजा'।
- सुरुरेइवादत (سورور عبادت) अ पु—ईश्वर की आराधना का आनंद, भजनानंद।
- सुरुरे कत्व (سورور قلب) अ पु—हृदय का आनंद, चित्त-प्रसाद।
- सुरुरे वाइमी (سورور دائمی) अ पु—हमेश रहनेवाला आनंद।
- सुरुरेया (سوریریا) अ स्त्री—तीसरा नक्षत्र, कृत्तिका, कान मे पहनने का झुमका, रौशनी का झाड़।
- सुरुरेयावाम (سوریریا دام) अ वि—जिसकी अटारी सुरुरेया जितनी ऊंची हो, जहाँ किसी की पहुँच न हो सके।
- सुरुरेय (سوریریا) फा. प—गाना, गान. गीत।

- सुरुरेदरांज (سورور سدنج) फा. वि—गायक, गानेवाला, गाने के फन का उत्पाद।
- सुरुरेदी (سوروریدی) फा वि—गायक, गवैया।
- सुरुरेदे मन्ता (سورور مستان) फा पु—नये में चूर लोगों का गाना।
- सुरुरेय (سورورعی) फा पु—जिरील, फिरिन्त, हर वह फिरिन्त जो अन्जी खबर जीर जुभ नदेश लाये।
- सुरुरेये गैव (سورورعی غیب) फा अ पु—नैवी फिरिन्त, आकाशगामी करनेवाला।
- सुरुरेत (سورورعت) अ स्त्री—नोत्रता, नेजी, जर्ज, उतावला-पन, आतुरता, फुन्नी, चन्ती।
- सुरुरेत इंचाल (سورورعت انزال) अ. स्त्री—नभोग के समय शीघ्र वीर्यपात हो जाने का रोग।
- सुरुरे. (سورورعه) फा वि—आंख में निकलनेवाली गुहाजी।
- सुरुरे (سورورخ) फा वि.—लाल रंग, लाल रंगा हुआ, घुँवकी, एक रत्ती का बखन।
- सुरुरेअंदाम (سورور اندام) फा वि.—लाल रंग का, जिसका शरीर लाल हो, रक्ताग।
- सुरुरेअंगू (سورور انگو) फा. वि—लाल रंग का, जिसका रंग लाल हो।
- सुरुरेअंच (سورورچه) फा पु—खस, छोटी चेचक जो प्रायः छोटे बालकों को निकल आती है।
- सुरुरेअंशम (سورور چشم) फा वि.—जिमकी आंखें लाल हो, रक्ताक्षु।
- सुरुरेअपोश (سورور پوش) फा. वि—लाल कपड़े पहननेवाला, रक्तावर।
- सुरुरेअपोशी (سورور پوشی) फा स्त्री—लाल कपड़े पहनना।
- सुरुरेअफाम (سورور فام) फा वि—जिमके शरीर का रंग लाल हो, रक्ताग।
- सुरुरेअवाद: (سورور داده) फा पु—लाल दाने या दाग जो रक्त के प्रकोप से बच्चों के शरीर पर हो जाते हैं।
- सुरुरेअमू (سورور مو) फा वि—जिसके सर और डाढी के बाल लाल हो, रक्तकेशी।
- सुरुरेअरंग (سورور رنگ) फा वि—लाल रंगवाला, रक्तवर्ण।
- सुरुरेअरू (سورور رو) फा वि—सम्मानित, इज्जत किया गया; सफल, कामयाब,—'सुरुरेअरू होता है इसी ठोकरे खाने के बाद, रंग लाती है हिना पत्थर पे पिस जाने के बाद।'
- सुरुरेअरूई (سورور روئی) फा स्त्री—सम्मान, इज्जत; सफलता, कामयाबी।
- सुरुरेअलव (سورور لب) फा वि—जिसके होठ लाल हो, जो होठ पान या लिपिस्टिक से लाल हो।

मुसलमानी (سولماني) का स्त्री-हाडा का लाल हाना।
 मुसब (سرحاب) का पु-एक जलपान, चक्का जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इनका जाग रात में गुनाहा जाता है और दिन भर साथ साथ रहता है।
 मुस्रिए घरम (سرحی حسم) का स्त्री-आंग की लाला।
 मुस्रिएम (سرحی م) का स्त्री-गगवक नगेकी लाग गराव क रंग का लाली।
 मुस्रिए लब (سرحی لب) का स्त्री-हाडा की लाला।
 मुस्रिए गरक (سرحی سر) का अ स्त्री-उपा की लालिमा सबेरे या गाम का गरक की मुर्ती।
 मुस्री (سرحی) का वि-लाली लालिमा।
 मुर्ना (سرن) का पु-सूरनाए का लघु, गहनाई जो गानी क मोके पर बजती है।
 मुर्नावी (سرحی) का वि-गहनाई बतानवाला।
 मुफ (سرف) का पु-पाता कास।
 मुफि (سرفه) का वि-बामनवाला।
 मुफौद (سرفه) का वि-जिसने खाँसा हा खाँसा हुआ।
 मुम (سوم) का पु-एक पत्थर जो पीसकर जाला में लगाया जाता है जाला में लगाने की सूखी और वाराक पिगी हुई दवा रसाजन।
 मुमआगी (سوم آگی) का वि-मुम लगी हुई जाल अजित अजनसार।
 मुम आलूद (سوم لود) का वि-मुम आगा।
 मुमआवाज (سوم آواز) का वि-जा बान न सफ।
 मुमखुद (سوم خورده) का वि-जिसन मुम खाया हा जा बोले न सकता हो।
 मुमचम (سوم حسم) का वि-आला म मुम लगाय हुए अजनसार।
 मुमचोब (سوم خوب) का स्त्री-मुम लगाने की सलाई अजन शलाका।
 मुम दरगुल (سوم درگو) का वि-डे मुम खुद।
 मुमदान (سوم دان) का पु-मुम रखन की गीगी आदि सुमोना।
 मुमफरोश (سوم فروش) का पु-जा मुम बेचता हो जो कई प्रकार के सुमों बनाकर बचता हा।
 मुमसा (سوم سا) का वि-मुमों की तरह विकुल बारीक पिसा हुआ, रेज रज चूर चूर।
 मुम (سوم) अ पु-आत का मुह जिसस मल निकलता है मन्दार।
 मुमए चम (سوم آ حسم) का पु-आला म लगान का मुर्ती।

मुमए दुबालदार (سوم آ دجالدار) का प-आला में लगा हुआ वह मुम जिसकी लगीर थाँस स बाहर बनपटा की आरतक बकी हुई हा।
 मुमगी (سوم گیس) का वि-अजनसार, अजित मुम लगी हुई आँस।
 मुर (سور) का स्त्री-नामि नाक तुडा टुडी।
 मुर (سور) अ पु-यकी स्पचा-यसा रखने की धली, पाटली, छाटी पाटली।
 मुरबस्त (سور بست) अ पा वि-वह दवा जो पोटीली में बांधकर आँटाई जाय।
 मुलहफात (ساختنات) अ पु-कठवा कूम कच्छप।
 मुलहा (صلحتا) अ पु-सालेह का बहु मयमनिष्ठ और सगाचारी लाग।
 मुलाक (سول) अ पु-एक रोग जिसमें पलके लाल और भारी हो जाती ह।
 मुलामिघात (سولامیغ) अ पु-वह स्थान जहाँ नाहन जमत ह नखस्थान।
 मुलाल (سولال) अ पु-किसी चीज से खाँचा हुआ सार निष्कप निचाप, नवजात गिगु।
 मुलालात (سولال) अ पु-मुलाल का बहु चीडा के निचोड, सार-समूह नवजात बच्चे गिगुगण।
 मुलस (سولس) अ वि-ततीयाग तीसरा हिस्सा, दे मुलस दोना गुड ह।
 मुलुक (سولوک) अ पु-रास्ता चलना व्यवहार तर्जअमल गरीबा और दुखियारा को रुपय-पसे से सहायता ईस्वर की खोज।
 मुलुके नेक (سولوک نیک) अ पा पु-अच्छा बरताव स व्यवहार।
 मुलुके बद (سولوک بد) अ पा पु-बुरा बरताव कुव्यवहार, कुव्यवहार।
 मुलुज (سولوج) अ पु-सलज का बहु बरफ का समूह, पाला पन्ना तुपार पडना बफवारी।
 मुल्ल (سولل) अ प-जो यव एक प्रसिद्ध नाज।
 मुल्लान (سولطان) अ पु-पासक नरेस बादगाह राजा।
 मुल्लानी (سولطانی) अ वि-शासन राज बादगाही।
 मुल्ल (سولل) अ पु-सबेरे का हलका खाना नाता नहारी उपाहार जलपान।
 मुल्ल (سولل) अ पु-गीठ न मुस्रिए अस्ति थपउ न सवन द सलय मुल्ल कीप।
 मुल्लवी (سوللی) अ वि-ओरस एक मुल्ल से सहोतर, हकीकी।

सुन्द्रीय (سوندی) अ पु—आंग का मानवां पदां ।
 सुल्म (سلم) अ. पु—नि नेपी, नोपान, नौदी ।
 सुल्त (ثالث) अ. वि.—नीमरा हिस्सा, तृतीयमा, दे
 'सुल्त', वह भी मूढ है ।
 सुल्त (صلصل) अ. स्त्री—परुकी, फारत, हीज का बचा
 हुआ पानी; घोड़े के माथे के बाल ।
 सुल्ह (صلح) अ. स्त्री—मेल, मिलाप, आगती, रंधि,
 मुआहहत, मैत्री, दोस्ती; दो व्यक्तियों में परस्पर
 विरोध के बाद आपस में मेल ।
 सुल्हकुल (صلح كل) अ. वि.—जो सबके साथ दोस्ती रखते,
 जो किसी से झगडा न करे ।
 सुल्हखु (صلح خو) अ. फा. वि.—जिसके स्वभाव में मेल-जोल
 से रहना हो ।
 सुल्हखु (صلح خو) अ. फा. वि—मेल-जोल से रहनेवाला,
 झगडे-टटे को नापसंद करनेवाला ।
 सुल्हखुई (صلح خوئی) अ. फा. स्त्री—परस्पर मेल-जोल में
 रहना ।
 सुल्हदोस्त (صلح دوست) अ. फा. वि—जो मेल-जोल पसंद
 करनेवाला हो, शान्तिप्रिय ।
 सुल्हदोस्ती (صلح دوستی) अ. फा. स्त्री—मेल-जोल से
 रहना पसंद करना ।
 सुल्हपसंद (صلح پسند) अ. फा. वि—दे 'सुल्हदोस्त' ।
 सुल्हपसंदी (صلح پسندی) अ. फा. स्त्री—दे 'सुल्ह-
 दोस्ती' ।
 सुल्हशिकन (صلح شکن) अ. फा. वि—मेल-जोल को तोड़ने-
 वाला, आपस की सधि को तोड़नेवाला ।
 सुल्हशिकनी (صلح شکنی) अ. फा. स्त्री—मेल-जोल को
 खत्म कर देना; परस्पर सधि के नियमों का उल्लंघन ।
 सुल्हसामां (صلح سامان) अ. फा. वि—दे 'सुल्हदोस्त' ।
 सुल्हसामानी (صلح سامانی) अ. फा. स्त्री—दे 'सुल्ह-
 दोस्ती' ।
 सुल्हहोजंग (صلح و جنگ) अ. फा. स्त्री—लड़ाई और मेल,
 युद्ध और सधि ।
 सुवर (صور) अ. स्त्री—'सूरत' का बहु, सूरते, शकले ।
 सुवाल (سوال) अ. पु—दे 'सवाल' ।
 सुवंदा (سويدا) अ. वि—वह काला तिल जो हृदय पर
 होता है ।
 सुस्त (سست) अ. वि—अशक्त, कमजोर, मद, धीमा,
 जो फूर्तीला न हो, स्फूर्तिहीन, शिथिल, ढीला, खिन्न,
 मलिन, अपसुर्द, आलसी, काहिल, जिसमें काम-शक्ति
 कम हो, मदकाम, मदगति, धीरे चलनेवाला, दीर्घ-

नूरी, धीरे-धीरे काम करनेवाला ।
 सुस्तअहद (سست اهد) अ. वि—दे 'सुस्तपैमां' ।
 सुस्तएतिक्राव (سست اکتاد) अ. वि—जिसका धर्म-
 विश्वास अटल न हो, जिसे विरगी विरोध महात्मा आदि से
 धम न हो ।
 सुस्तएतिक्रावी (سست اکتادی) अ. स्त्री—धर्म-
 विश्वास की कमी, अश्रद्धा ।
 सुस्ताफदम (سست قدم) अ. वि—धीरे-धीरे चलनेवाला,
 मदगति, मदगामी ।
 सुस्ताफदमी (سست قدمی) अ. स्त्री—धीरे-धीरे चलना,
 मद गति ।
 सुस्तागाम (سست گام) अ. वि—दे 'सुस्ताफदम' ।
 सुस्तागामी (سست گامی) अ. स्त्री—दे 'सुस्ताफदमी' ।
 सुस्तागो (سست گو) अ. वि—धीरे-धीरे बातें करनेवाला;
 बहुत धीरे-धीरे नोचकार और देर में जैर कहनेवाला ।
 सुस्तातवब (سست طبع) अ. अ. वि—सुस्त, काहिल,
 आलसी, जिमकी तबीअत में आलस हो ।
 सुस्तातरीन (سست ترین) अ. वि—सबसे अधिक धीमा;
 सबसे अधिक काहिल ।
 सुस्तादिमाग (سست دماغ) अ. अ. वि—कमअकल, मद-
 बुद्धि ।
 सुस्तापरवाज (سست پرواز) अ. वि—धीमे-धीमे उड़ने-
 वाला, कम उड़नेवाला ।
 सुस्तापैमां (سست پیمان) अ. वि—वादे का कच्चा, वादा
 करके न निवाहनेवाला, मदप्रतिज्ञ ।
 सुस्ताघुन्याद (سست نیناد) अ. वि—जिसकी बुनियाद
 कमजोर हो ।
 सुस्तापरतार (سست رفتار) अ. वि—दे 'सुस्ताकदम' ।
 सुस्तापरतारी (سست رفتاری) अ. स्त्री—दे 'सुस्ताकदमी' ।
 सुस्तारवी (سست روی) अ. स्त्री—दे 'सुस्ताकदमी' ।
 सुस्ताराए (سست راه) अ. अ. वि—जिसकी राय, ठीक न
 होती हो मदगति, जिसकी बुद्धि कमजोर हो, मदबुद्धि ।
 सुस्तारीश (سست ریش) अ. वि—मूर्ख, मूढ, अज्ञान,
 अहमक ।
 सुस्तारी (سست روی) अ. वि—दे 'सुस्ताकदम' ।
 सुस्तावफा (سست وفا) अ. अ. वि—दे 'सुस्तापैमां' ।
 सुस्ता (سستی) अ. स्त्री—आलस्य, काहिली, शिथिलता,
 ढीलापन, कामशक्ति की मदता, फूर्ती न होना, अस्फूर्ति,
 दीर्घसूत्रिता, काम धीरे-धीरे करना ।
 सुहा (سها) अ. पु—एक बहुत छोटा तारा जो सा र्पि-
 मडल के तीन तारों में से बीच का है ।

सुहाम (سوام) अ पु-अधकार अधरा रूपविकार चहरे का खराब हो जाता दुबला हो जाता।
 सुहवत (صهوت) अ स्त्री-पीलाहट लिये हुए लाल रंग गुलाबी रंग बालापन लिये हुए लालरंग बहरंग जो लाल बालो का होता है।
 सुहलन (سولان) अ स्त्री-सुगमता सरलता आसानी।
 सुहैब (صهيب) अ पु-एक सिहाबी जो रुम स आकर मुसलमान हुए थे।
 सुहैज (سهل) अ पु-एक प्रसिद्ध तारा जो यमन देश में लियाई देना है उसके प्रभाव से चमड में सुगंध पदा होती है और कीड़े मर जाते ह।
 सुहबत (صحب) अ स्त्री-सगत पास बठना मित्रता दास्नी मोठी छोटी महफिल सहवास मयून हम बिस्तरी।
 सुहबतदारी (صحبنداری) अ पा स्त्री-मधुन सहवास हमविस्तरी।
 सुहबते सालहे (صحبت طالع) अ स्त्री-दुष्टजनो की सगत बुरी सुहवत कुमग।
 सुहबते सालहे (صحبت صالح) अ स्त्री-अच्छ जादमिया का सगत सत्सय।
 सुह (سوه) अ पु-एक राग जिसमें नीद उ जाती है अनिद्रा।
 सुहबदी (سوددی) फा वि-सुहबद (हराक) का निवामी।
 सुहाब (سواراب) फा पु-रस्तम का लडवा जिसे रस्तम न अनजानपन में मार दिया और बाल को पहचानकर बहुत परवाताप किया।

सू

सू (سو) तु स्त्री-मदिरा गराब (पु) पानी जठ।
 सू (سو) फा स्त्री-आर तरफ छाई हुई ह गम की पटाएँ चहार सू।
 सू (سو) अ वि-निकष्ट क्षुधित गराब।
 सूए अरब (سوء ارب) अ पु-पुष्टता गुम्नागी।
 सूए अमत (سوء امت) अ पु-दुराचार बन्धनी।
 सूए इतिफाह (سوء ايتاف) अ प-प्रीण कुपाग युग इतिफाह।
 सूए एतिफाह (سوء اعتقاد) अ पु-विगी की धडा ग एना अन्दा।
 सूए एतिफाह (سوء اعتقاد) अ पु-यानिदारी अविवाग।
 सूए एह (سوء هل) अ पु-दु-गीलजा बन्धनी

शिशुपिता बन्धनी।
 सूए चख (سوء حوج) फा स्त्री-आवाग को ओर आस्मान की तरफ।
 सूए जन (سوء جن) अ पु-किमी की आर स बुरा खयाल कुधारणा।
 सूए जमी (سوء زمين) फा स्त्री-पृथ्वी की ओर जमीन की तरफ।
 सूए तदबीर (سوء تدبير) अ स्त्री-प्रयत्न या उपाय की खराबी ठीक उपाय या कागिस या इलाज न होना।
 सूए तनपहुस (سوء تنهوس) अ पु-मास का विकार साँस का ठीक न चलना साँस का उबड जाना।
 सूए तगीक (سوء طریق) अ पु-भाग की खराबी रास्ते का उबड-खावड होना।
 सूए दिमाग (سوء دماغ) अ पु-दिमाग की खराबी बदि विक्षप पागपन।
 सूए मिबाज (سوء مزاج) अ पु-शरीर की घातुओ का विकार किसी अग या शरार के मिजाज का विकार राग बीमारा।
 सूए ह्रम (سوء هضم) अ प-हाडिमे को खराबा अपच अजीण।
 सूए (سوء) अ पु-बाजार हट पण सान का बहु गालाएँ बाध।
 सूकियात (سوء كيامه) अ फा वि-बाजार बाजारी लोकरा जता।
 सूकी (سوءی) अ वि-बाजारी बाजार का निवृष्ट नीच।
 सूची (سوءی) तु पु-पाना पिलानवाला मदिरा बचने वाला।
 सूवीमान (سوءی حاء) तु फा-मन्त्रालय धाराबछान।
 सूए (سوءه) फा वि-पिगा हुआ एगा हुआ मन्त्र चूर चूण सुपूय पिंगन।
 सूए (سوءن) फा पु-गम नफा कुगीय याज।
 सूए (سوءن) अ पु-अन्ध का बटु बाले रंग की पीठ।
 सूए अलमास (سوءه اسانس) फा पु-हार का पिंगन हीर का सगन।
 सूएरोर (سوءحور) फा पु-व्याज गारेवांग कुगी जीवी पीगी।
 सूएरोरी (سوءحوری) फा स्त्री-खयाल वाना सू का बारावार करता।
 सूएत (سوءت) अ स्त्री-अपमाना सगनरा धेष्टता बन्धी।

सूद दर सूद (سود در سود) फा. पु.—व्याजकी एक किस्म जिनमे व्याज मूलधन मे मिलकर उस पर व्याज चलता है, चक्रवृद्धि।

सूदवालाए सूद (سود دالای سود) फा पु.—दे. 'सूद दर सूद'।

सूदमंद (سود مند) फा. वि.—लाभकारी, फाइद मद।

सूदमंदी (سود مندگی) फा स्त्री.—लाभकारिता, फाइद-मदी।

सूदान (سودان) अ पु.—अफ्रीका का एक देग, मूडान।

सूदी (سودی) फा. वि.—सूद का, व्याज का; सूद से सवधित।

सूदोच्चियाँ (سود وریاں) फा. पु.—लाभ और हानि, नफा और नुकमान।

सूनिश (سوزش) फा. स्त्री.—घात का बुराद जो रेतो से गिरे, लोहे, ताँबे या हीरे का बुराद।

सूफ (صوف) अ पु.—ऊन, ऊर्ण, एक प्रकार का ऊनी कपडा, बकरी या भेड के बाल।

सूफ (سوف) अ स्त्री.—विज्ञान, हिकमत।

सूफार (سوفار) फा पु.—तीर का मुह, वाण का वह भाग जिसे धनुष की ताँत पर रखकर छोडते है।

सूफिया (صوفیا) अ पु.—'सूफी' का बहु, सूफी लोग।

सूफियानः (سوفیانه) अ. फा वि.—सूफियो जैसा, अच्छी बजा का, हलके रग का।

सूफिस्ता (سوفیستای) अ स्त्री—एक मत जिसमे सारी चीजो को कल्पनात्मक समझते है।

सूफिस्ताई (سوفیستائی) अ वि.—सूफिस्ता मत को मानने-वाला, यह माननेवाला कि सारा जगत् केवल एक कल्पना है और इसकी हर चीज कल्पित है।

सूफी (صوفی) अ पु.—ब्रह्मज्ञानी, अध्यात्मवादी, तसब्बुफ का अनुयायी, सारे धर्मों से प्रेम करनेवाला।

सूफीमनिश (صوفی منشی) अ फा पु.—जो किसी धर्म से वैर न रखे, सबको एक आँख से देखनेवाला।

सूवः (صوفه) अ. पु.—प्रान्त, प्रदेश, किसी राष्ट्र का वह भाग जिसमे बहुत से जिले हो और एक गवर्नर के शासन मे हो।

सूवःजात (صوفه داب) अ. पु.—सूव का बहु, सूवे, प्रान्त-समूह।

सूवःदार (صوفه دار) अ फा पु.—सूवे का शासक, गवर्नर, राज्यपाल, सिपाही से बडा एक ओहद।

सूवःदारी (صوفه داری) अ. फा. स्त्री.—राज्यपाल का पद, गवर्नरी, सूवेदार का ओहद, जमादारी।

सूवःपरस्ती (صوفه پرستی) अ फा स्त्री—अपने प्रान्त का पक्षपात, अपने प्रान्त मे रहनेवाले के साथ रियायत करना और उसे अनुचित बढावा देना।

सूवःवारान. (صوفه وارانه) अ फा वि—प्रान्तों के हिसाब से।
सूवसू (صوفه سو) फा वि—चारो ओर, हर तरफ, हर ओर, जगह-जगह, ठौर-ठौर।

सूवाई (صوفائی) अ वि—प्रान्तीय, सूवे का।

सूम (ثوم) अ पु.—लहसुन, लजुन।

सूरः (سور) अ पु.—कुरआन की सूरत, कुरान मे कुल ११४ सूरते हैं, सबसे बडी सूरत पूरे कुरान का ५^१ अंग हे और सबसे छोटी केवल दो पक्तियों की है।

सूर (صور) अ पु.—वह तुरही जो कियामत के दिन हज्रत इस्लामील फूकंगे।

सूरए इख्लास (سورة اخلص) अ स्त्री.—कुरान की एक सूरत।
सूरए फातिहः (سورة فاتحه) अ स्त्री—कुरान की सर्वप्रथम सूरत।

सूरए यासीन (سورة ياسين) अ. स्त्री—कुरान की एक सूरत जो मरने समय सुनाई जाती है।

सूरत (سورث) अ. स्त्री—दे. 'सूर'।

सूरत (صورث) अ स्त्री—रूप, आकृति, शकल, मुख्याकृति, चेहरा, दशा, हालत; चित्र, तस्वीर, उपाय, तदवीर, समान, मिसल, खाक, रूपरेखा।

सूरतआश्ना (صورث آشنای) अ. फा वि—जो केवल सूरत पहचानता हो और कोई बात (नाम आदि) न जानता हो।

सूरतगर (صورث گر) अ. फा. वि—सूरत बनानेवाला, ईश्वर; चित्रकार मुसव्विर।

सूरतगरी (صورث گری) अ फा स्त्री—सूरत बनाना, तस्वीर बनाना, चित्रकारी।

सूरत पजौर (صورث پزیر) अ फा वि—चित्रित, तस्वीर खिंचा हुआ।

सूरतपजौरी (صورث پزیری) अ फा स्त्री—चित्रण, सूरत या तस्वीर बनाना।

सूरतपरस्त (صورث پرست) अ. फा वि.—ऊपरी टीपटाप देखनेवाला, मूर्तिपूजक, बुतपरस्त, अच्छे रूप का पुजारी, हुस्न का पुजारी।

सूरतपरस्ती (صورث پرستی) अ फा. स्त्री.—ऊपरी टीपटाप देखना, मूर्ति पूजना, अच्छे रूप को पूजना।

सूरतबाज (صورث باز) अ फा वि—बहुरूपिया, नक्काल।
सूरतबाजी (صورث بازی) अ फा. स्त्री—बहुरूपियापन, नक्काली।

सूरतहराम (صورث حرام) अ वि—जो बिलकुल निकम्मा हों, कोई काम आदि न करे।

सूरते हाल (صورث حال) अ स्त्री—मौजूद हालत।
सूराख (سوراخ) फा पु—छिद्र, विवर, रंध्र, छेद।

- सुराखदार (سوراج دار) फा वि-छिद्रित छदार।
 सुराखे गोग (سوراج گوش) फा पु-बान वा छ' ध्वज रत्न।
 सुराखे बीनी (سوراج بلی) फा पु-नाक वा छ' नामा
 विवर।
 सूरिजान (سورستان) फा पु-मिघाड के आवार की एक
 जोषधि।
 सूरिया (سوریا) अ पु-शाम दग (अरब)।
 सूरी (سوری) अ वि-एक लाल फूल हर लाल फूल।
 सूरी (سوری) अ वि-मूलन का, मुन का मूलन मसरथित
 ऊपरी जाहिरी बाह्य।
 सुलूल (سولول) अ पु-स्तनवन स्तनाग्र भिन्नी मग्गा।
 सुस (سوس) अ पु-रेगम के कपन को सा जानवाला
 कीडा मुलठी का पड।
 सुसमार (سوسمار) फा पु-गाट गाना एक प्रमिद अतु।

से

- सेबद (سبده) फा वि-तरह।
 सेबदहुम (سبردهم) फा वि-नेरहवा।
 सेब (سب) फा पु-एक प्रसिद्ध फल उल्लोल सेब।
 सेबे जवन (سبب دهن) फा पु-सब के जाकार की ठुडडी।
 सेबे जवनखर्चो (سبب و بحدان) फा पु-सबे जवन।
 सेर (سبر) फा वि-तप्त जिमका पट भरा हा नि स्पह
 जिम काई कामना न हा अयावा हुआ भरा पूरा।
 सेरआहग (سبراهنگ) फा वि-जिसरी आवाज कड़ी और
 भारी हा।
 सेरखोर (سبرخور) फा वि-वेत भरकर खानेवाला।
 सेरचश्म (سبرچشم) फा वि-पिलाने पिलाने म दिल
 बाला जो परितप्त हो अघाधा हुआ।
 सेरचश्मी (سبرچشمی) फा स्त्री-खिलाने पिगाने म
 चिन्वाला हाना मन का सतुष्ट हाना।
 सेरहासिल (سبرحاصل) अ फा वि-वह जमीन जो
 उपजाऊ हो उकरा वट वान जो सारगभित हो।
 सेराब (سبراب) फा वि-पानी स माचा हुआ खूब पानी
 पिये हुए तृप्त।
 सेराबी (سبرابی) फा वि-सिंचा हुआ होना प्याम न
 हाना सतोष इमोनान।
 सेली (سلی) फा स्त्री-यप्य' तगाचा चाटा।
 सेहत (صحت) अ स्त्री-स्वास्थ्य तदुम्स्ती गुडि वृदि
 न होना।
 सेहतमद (صحتمد) अ फा वि-स्वस्थ्य तदुस्त
 उत्तम, भेष्ट बेहतर।

सै

- सकल (صکلی) अ स्त्री-तलवार आदि का रगडकर उसम
 चमक पदा करना।
 सकलगर (صکلیگر) अ फा वि-तलवार या दूसरे अस्त्र
 की चमकदार बनानेवाला बरतना पर क्लई करनवाला।
 सकली (صکلی) अ फा स्त्री-सान वह पत्थर जिस पर
 रगडकर तलवार आदि में धार पदा करते ह।
 सद (صدد) अ पु-मगया, आखेट अहर, गिकार शिकार
 किया हुआ जानवर।
 सद (صدد) अ पु-सयित का लघु, दे सयित।
 सदअपान (صددانگن) अ फा वि-आवेटक, लुषक,
 व्याध, गिकारी।
 सदअपगनी (صددانگنی) अ फा स्त्री-शिकार खरना
 आखेट मगया।
 सदकुन (صددکن) अ फा वि-शिकार करतवाला
 आखेटक।
 सदकुनी (صددکنان) अ फा वि-गिकार करता हुआ
 शिकार खेलता हुआ।
 सदपाह (صدداه) अ फा स्त्री-वह जगल गहा गिकार
 खेला जाय मगयावन आखेट-स्थल।
 सदधीर (صددگیر) अ फा स्त्री-गिकार पकडनवाला
 जाल या कुत्ते से गिकार खेलनवाला।
 सदा (صدا) अ पु-वन वानन, जगल बाहड।
 सदे खजू (صددوین) अ फा प-बहुत ही छटा शिकार
 जिससे किसी का पेट न भर।
 सदे रमीद (صدد و معدله) अ फा पु-गोली लाकर मागा
 हुआ शिकार।
 सदे हरम (صدد حرم) अ पु-वह जानवर जो मक्के के आस
 पास पूर्व-पश्चिम २४ बास जीर उखर-उत्किन ३६ दोस के
 भीतर रहते ह जीर जिनका वध धर्मानुसार हराम है।
 सफ (صفت) अ प-जित्दसादा का वह ओखर जिमसे
 वह कागज काटते ह।
 सफ (صفت) अ स्त्री-तलवार खडग वृपाण तप।
 सफ (صفت) अ पु-गर्मी का मौसिम ग्रीम ऋतु।
 सफखर्बा (صفتبان) अ फा वि-जिसकी खबान में
 तलवार जमी काट हो जा बहुत तज बाते जा हूय की
 काटनेवा की वान करे।
 सफखरानी (صفتبرانی) अ फा स्त्री-तेज और जोरगर
 भाषण देना हूय का इम पहचानेवाकी बातें
 करना।

सैफी (سيفى) अ. स्त्री.—एक अभिचार जिससे वायु का मारण करते हैं।

सैफी (صيفى) अ वि.—ग्रीष्मकाल का, गर्मी के मौसिम का।

सैफूर (سيفور) फा. पु.—एक काला बहुमूल्य रेशमी कपड़ा।

सैफो कलम (سيفو قلم) अ पु.—तलवार और कलम, सिपाहीपन और कलाकारी।

सैयाग (صياغ) अ. पुं—स्वर्णकार, सुनार।

सैयाद (صياد) अ पु.—हिरन आदि का शिकार करनेवाला, मृग-लुब्धक, चिडिया पकड़नेवाला, शकृतिक, बहेलिया।

सैयादफित्रत (صيادفطرت) अ वि.—जो दूसरो को जाल में फँसाना खूब जानता हो, निर्दय, कठोरहृदय, जालिम।

सैयादसीरत (صياदسيروت) अ वि.—दे 'सैयादफित्रत'।

सैयादी (صيادى) अ स्त्री—सैयाद का काम, निर्दयता, बेरहमी।

सैयादे अजल (صياد اجل) अ. पु.—मौत का शिकारी, यमराज, मलकुल मौत।

सैयाफ (صياف) अ वि.—खड्गजीवी, तलवार से रोजी कमानेवाला, जल्लाद, वधिक।

सैयाफी (صيافى) अ स्त्री.—तलवार चलाना, काट-मार करना, तलवार से कत्ल करना, जल्लादी।

सैयार: (سيار) अ पु.—वह तारा जो एक जगह न रहे बल्कि गतिमान हो, ग्रह, तारा, सितारा।

सैयार:दाँ (سيارادان) अ फा. वि.—ज्योतिषी, नुजूमि।

सैयार:दी (سيارادى) अ फा. वि.—दे 'सैयार दाँ'।

सैयार:शनास (سياروشناس) अ फा वि.—दे 'सैयार दाँ'।

सैयार (سدار) अ वि.—बहुत चलने-फिरनेवाला, सैयगर, ग्रह।

सैयारात (سيارات) अ 'पु—'सैयार' का बहु, सैयारे, सितारे, ग्रह-समूह।

सैयाह (سياح) अ वि.—यात्री, मुसाफिर, पर्यटक, देश-देश फिरनेवाला।

सैयाही (سياحى) अ स्त्री—यात्रा, सफर, देश-देश की सैर करना और वहाँ के हालात देखना।

सैयिअ: (سياه) अ स्त्री—बुराई, खराबी, वदी।

सैयिआत (سياهات) अ स्त्री—'सैयिअ' का बहु, बुराइयाँ, खराबियाँ।

सैयिद: (سيد) अ स्त्री—सय्यिद खानदान की स्त्री, हज्रत इमाम हुसैन की वंशजा।

सैयिद (سيد) अ पु—सय्यिद खानदान का व्यक्ति, हज्रत इमाम हुसैन की औलाद का वंशज।

सैयिदजाद: (سيدراد) अ. फा. पु—सय्यिद का लडका।

सैयिदैन (سيدن) अ पु—दोनो सैय्यिद अर्थात् इमाम हसन और हज्रत इमाम हुसैन।

सैयिद (سيد) अ वि—वह स्त्री या पुरुष जो कुँवारा न हो।

सैर (سدر) अ. स्त्री—पर्यटन, सियाहूत; मनोविनोद, तफ्तीह, धूमना-फिरना, सैर-सपाटा, चिहिलकदमी, वायु-सेवन, हवाखोरी, कौतुक, तमाशा।

सैरकुनाँ (سيدرکذاں) अ. फा वि—धूमने-फिरते हुए, देखते-भालते हुए।

सैरगाह (سيدرگاه) अ फा स्त्री—सैर करने का स्थान।

सैर पसंद (سيدرپسند) अ फा वि—बहुत अधिक धूमने-फिरनेवाला।

सैरफी (سيدرفى) अ वि—सराफि, खोटा खरा सिक्का परखनेवाला।

सैरान (سيران) अ. पु—सैर करना, धूमना-फिरना।

सैरे अपलाक (سيدر اولاک) अ स्त्री—आस्मानो में धूमना, आकाश-भ्रमण।

सैरे कमेर (سيدر قمر) अ स्त्री—चाँद की सैर, चाँद तक पहुँचना, चंद्रलोक की सैर करना।

सैरे मिर्रीख (سيدر مريخ) अ स्त्री—मंगल ग्रह की सैर, मंगल ग्रह तक पहुँच।

सैरो तफ्तीह (سيدر تفریح) अ स्त्री—धूमना और दिल बहलाना, दिल बहलाने के लिए धूमना।

सैरो शिकार (سيدر وشکار) अ फा पु—जंगल में धूमना और शिकार खेलना।

सैल (سئل) अ पु—पानी का बहाव, प्लावन, सैलाव।

सैलान (سئلان) अ पु—झाव, बहाव।

सैलानी (سئلانى) अ वि—बहाव से सवधित, जिसे सैरो तफ्तीह बहुत पसंद हो।

सैलानुरहिम (سئلان الروح) अ पु—एक रोग जिसमें गर्भाशय से पानी बहता है, रक्त प्रदर।

सैलाव (سئلاب) अ फा पु—जल-प्लावन, नदी आदि के पानी की बाढ़।

सैलावजद: (سئلاب زد) फा वि—वह जमीन जो नदी की बाढ़ से डूब गई हो या उसकी खेती खराब हो गई हो।

सैलावजदगी (سئلاب زدگى) फा स्त्री—नदी की बाढ़ से जमीन या काश्त का खराब होना।

सैलावदीद: (سئلاب ديد) फा वि—जिस जमीन पर से बाढ़ का पानी गुजरा हो।

सैलावी (سئلابى) फा वि—बाढ़ का, बाढ़ से सम्बन्धित।

सले अरिम (سئل عرم) अ पु—आर का वाट प्रचड वाट ।
 सले अरक (سئل اسك) अ पा पु—आमुआ की वाट ।
 सले ह्वादिस (سئل حواديس) अ ० पु ०—दुघटनाआ जीर
 आपतिया की वाड आपति रपा नगी की वाट ।
 सह (صحنه) अ पु—चीन चात्कार आर की आवाज ।
 सहन (سنتور) अ पु—दराव की एक नगी ।
 सहनियत (صندوق) अ स्त्री—यूनीपन ।

सो

सोब (سوب) पा पु—आग दुन विपाद रज ।
 सोहन (سوحته) पा वि—जरा हुआ दग्न ।
 सोहट किस्मत (سوحته किسمت) पा अ वि—हतभाग्य
 बदकिस्मत ।
 सोहल कौरब (سوحته كوكب) पा वि—जिसन सीभाग्य क
 ग्रह जल गये हा बदकिस्मत अभागा ।
 सोहल जाँ (سوحته جان) पा वि—अपहृत्य दिलजला
 अयान प्रेमी ।
 सोहल जिगर (سوحته جگر) पा वि—सोहल दिल ।
 सोहल विल (سوحته دل) पा वि—दग्यहृदय दिलजला
 प्रेमी ।
 सोहल पा (سوحته پا) पा वि—जिसके पाव जल गये हा
 जा कहा आने-जाने में असमय हा अयान बेवस ।
 सोहल बहत (سوحته نصيب) पा वि—सोहल किस्मत ।
 सोहल बाल (سوحته بال) पा वि—जिसने पर जल गये
 हा जा उड न सने बवम लाचार दीन-हान ।
 सोहल (سوحته) पा वि—जान चलावट नष्ट बरबाद ।
 सोहलगी (سوحته گي) पा स्त्री—जलन जगधट ।
 सोहलगी (سوحته گي) पा वि—जलाने के कावि जसे—
 साम्नी लवण ।
 सोग (سوغ) पा पु—किया के मरने का रज गोक मत
 गोक मातम ।
 सोगनाम (سوغ نام) पा प—गाकपन मानमपुर्मी का
 वत ।
 सोगमार (سوغ مار) पा वि—आनप्रस्त ।
 सोगवारी (سوغواري) पा स्त्री—किसी के मरने पर गोक
 में होना ।
 सोघात (سوغات) तु स्त्री—उपहार उपायन तोष्क
 सोघात' दीना गद ह ।
 सोगियान (سوغيانه) पा वि—मानमी तिवास गानवद ।
 सोगी (سوغی) पा वि—आनप्रस्त गाक भवनेवाग ।
 सोद (سود) पा प्रय—जग

जान का जलानेवाला, (पु) जलन तपिन, ताप, मुहरम
 में पढ़ा जानेवाली एक प्रकार की नम, 'एय हुसन अता
 के दीवाने तू राखे मगीयत क्या जान । बे गाव ठमनाआ
 स दुआ महरूम असर हा गानी है। —वज्र ।

सोजखवाँ (سوزخوار) पा वि—मुहरम में 'साब' पत्ते
 वाला ।

साबन्वानी (سوزخوایی) पा स्त्री—मुहरम में 'साब'
 पत्ता ।

सोजन (سوزن) पा स्त्री—मुद्द सूची ।

सोजनकारी (سوزن کاری) पा स्त्री—मुद्द स बनाया हुआ
 कपड़े पर बारीक काम ।

सोजन खद (سوزن خد) पा वि—मुद्द चुभोभा हुआ, जिसे
 मुद्द चुभाई गई हो ।

सोजनाक (سوزناک) पा वि—दग्ध जग हुआ ।

सोजनी (سوزنی) पा स्त्री—सोजनकारा किया हुआ कपण
 पलग पर बिठाने का एक कपडा ।

सोजा (سوزان) पा वि—जलता हुआ ज्वलित ।

सोजाक (سوزاک) पा पु—एक वामारी गकट्ट मूत्र
 कृच्छ गवारिया मूत्राधात ।

सोजिद (سوزنده) पा वि—जलानवाला ।

सोजिश (سوزش) पा स्त्री—जलन प्रवाह ।

सोजिगे डुरु (سوزش درو) पा स्त्री—हृदय की जलन,
 प्रेम की आग ।

सोस (سوسه) पा पु—गेहूँ का कीटा घुन ।

सोहान (سوهان) पा पु—रेतने का अन्न, रेली ।

सौ

सौगद (سوغند) पा स्त्री—गणय बसम ।

सौघात (سوغات) तु स्त्री—उपहार भट ताहक उपायन ।

सौत (صوب) अ स्त्री—बनि आवाज नाद ।

सौत (سوط) अ पु—कपा काण चानुक ।

सौती (صوبی) अ वि—अनिस सददित ध्वनि का ।

सौने हूपीर (صوب حسد) अ स्त्री—अपे की रँक ।

सौदा (سودا) अ पु—गरीर की एक धातु वान मस्तक
 विचार विभय पागपन प्रेम इड वागी स्त्री,
 बचने का सामान ।

सौदाई (سودایی) अ वि—विसिप्त पागल प्रमी
 आंगिक बधरक सती उपा०—जिसने बने में हुटा
 आय ह दुनियाए निगात—बह मस्तिष्क में छिपाये तरा
 गोत्र है ।

सौदाई (سودایی) अ वि—आनप्रस्त मिराज ।

श्रीदागर (शुदागर) फा पु—सौदा बेचनेवाला, बणिक ।
 श्रीदागरी (शुदागरी) फा स्त्री—सौदा बेचना, वाणिज्य ।
 श्रीदाजदः (शुदाजद) अ. फा. वि.—पागल, मिराकी, प्रेमी,
 अनुरागी ।
 श्रीदाजदगी (शुदाजदगी) अ. फा. स्त्री—पागलपन, प्रेम
 का पागलपन ।
 श्रीदान (शुदान) अ. पु.—काले रंग के मनुष्य ।
 श्रीदावियत (शुदावियत) अ. स्त्री.—वात का विकार;
 पागलपन ।
 श्रीदावी (शुदावी) अ. वि.—वात के कोप से उत्पन्न रोग;
 वात सम्बन्धी ।
 श्रीव (शुव) अ. स्त्री—ओर, तरफ; दिशा, सिम्त ।
 श्रीव (शुव) अ. पु.—पहनने का कपडा, वस्त्र ।
 श्रीवान (शुवान) अ. पु.—प्रत्यागमन, वापस लौटना,
 फिरना ।
 श्रीम (शुम) अ. पु.—व्रत, रोजा ।
 श्रीम (शुम) अ. पु.—मँहगा करके बेचना; भाव चुकाना ।
 श्रीमः (शुम) अ. पु.—आराधनालय, उपासना-गृह,
 इबादतखाना ।
 श्रीमोसलवात (शुमोसलवात) अ. स्त्री.—रोजा नमाज, धर्म-
 निष्ठा ।
 श्रीरः (शुर) अ. पु.—उपद्रव, विद्रोह, राजद्रोह, सैन्यद्रोह,
 वगावत ।
 श्रीर (शुर) अ. पु.—वृष, वृषभ, बलीवर्द, बैल, साँड ।
 श्रीरत (शुरत) अ. स्त्री.—तीव्रता, प्रचंडता, तेजी ।
 श्रीरान (शुरान) अ. पु.—खून का जोश, रक्तकोप, उपद्रव,
 दगा, फसाद ।
 श्रीरत (शुरत) अ. स्त्री.—आतंक, रौं, दब्बा ।
 श्रीरतपनाह (शुरतपनाह) अ. फा. वि.—बहुत बड़े
 आतंकवाला, प्रतापी, रोवोदाववाला ।
 श्रीरते शाही (शुरतेशाही) अ. फा. स्त्री—राज्यातक,
 शाही दबदबा ।
 श्रीसन (शुसन) फा. स्त्री—एक नीला फूल जिसकी पंखुड़ी
 खदान-जैसी होती है ।
 श्रीसनी (शुसनी) फा. वि.—सोसन के रंग का, नीले
 रंग का ।
 श्रीहान (शुहान) फा. पु.—रेती, धातु रेतने का यंत्र ।
 श्रीहानगीर (शुहानगीर) फा. वि.—नम्र, नर्म, मुलाइम ।
 श्रीहानजदः (शुहानजद) फा. वि.—रेता हुआ ।
 श्रीहाने रह (शुहाने रह) फा. अ. पु.—हूँ के लिए रेती के
 समान धर्मात् कटदावन ।

ह

हंगामः (हंगाम) फा. पुं.—उपद्रव, फसाद; विप्लव,
 क्रांति, उथल-पुथल, विद्रोह, वगावत, कोलाहल,
 उत्क्रोश, शोरोगुल; भीड, सदोह, सकुल; मारपीट, दगा;
 युद्ध, समर, जंग ।
 हंगामःआरा (हंगामेआरा) फा. वि.—उपद्रव करनेवाला,
 फसाद मचानेवाला; युद्ध करनेवाला, लडनेवाला ।
 हंगामःआराई (हंगामेआराई) फा. स्त्री.—उपद्रव करना,
 फसाद मचाना, युद्ध करना, लडना ।
 हंगामःखेज (हंगामेखेज) फा. वि.—उपद्रव और क्रांति
 उत्पन्न करनेवाली वात, क्रांति-उत्पादक ।
 हंगामःखेजी (हंगामेखेजी) फा. स्त्री—उपद्रव और
 क्रांति ।
 हंगामःगर्मकुन (हंगामेगर्मकुन) फा. वि.—शोर-गुल और
 उपद्रव करनेवाला ।
 हंगामःगीर (हंगामेगीर) फा. वि.—भीड इकट्ठी करने-
 वाला, मज्मा' लगानेवाला ।
 हंगाम गीरी (हंगामेगीरी) फा. स्त्री—भीड इकट्ठी करना,
 मज्मा इकट्ठा करना ।
 हंगामःपदजि (हंगामेपदजि) फा. वि.—उपद्रव खडा करने
 वाला, फसाद पैदा करनेवाला ।
 हंगामःपदजिी (हंगामेपदजिी) फा. स्त्री—उपद्रव खडा
 करना, फसाद मचाना ।
 हंगामःपर्वर (हंगामेपर्वर) फा. वि.—दे. 'हंगाम पदजि' ।
 हंगामःपर्वरी (हंगामेपर्वरी) फा. स्त्री—दे 'हंगाम-
 पदजि' ।
 हंगामःपसंद (हंगामेपसंद) फा. वि.—जो चाहता हो कि
 हंगामे होते रहें, अगडे-वखेडो का शौकीन ।
 हंगामःपसंदी (हंगामेपसंदी) फा. स्त्री—हंगामे पसंद
 करना ।
 हंगाम घन्दी (हंगामेघन्दी) फा. स्त्री—दिखावा, सडक-
 भटक ।
 हंगाम (हंगाम) फा. पुं—समय, काल, वक्त, ऋतु,
 मौसम ।
 हंगामए कारजार (हंगामेकारजार) फा. पुं—लडाई का
 हंगामा, युद्ध, लडाई ।
 हंगामए कियामत (हंगामेकियामत) फा. अ. पुं.—कियामत
 की भीडभाड, कियामत का शोरो-गुल ।
 हंगामए वगावत (हंगामेवगावत) फा. अ. पुं.—राजद्रोह
 का हंगामा ।

हंगामए मग (هنگامه مرگ) फा पु-मौन का गारागुल ।
हंगामए ह्य (هنگامه حسر) फा अ पु-द 'हंगामए
वियामत ।

हंगामो (هنگامی) फा वि-सामयिक वक्ती अस्थायी
धारिबा क्षणिक जरा सी देर का आनयक जरूरी
जस-हंगामो इज्लास' ।

हंगामे नजअ (هنگامه نزع) फा अ पु-प्राण निरालने का
समय चद्रा, जाकती ।

हंगामत (هنگامت) फा वि-माटा स्थूल गफ, दबीज
दलनर ।

हजर (حضور) अ पु-बठ, गला जहा स आवाज
निक्लती है ।

हजर (حضور) अ पु-हजर ।

हजल (حامل) अ पु-एक कडवा फल इद्रायन ।

हजार (هزار) फा पु-मदति शली दग तज माग पय
रास्ता नियम काइदा ।

हदस (هدسه) अ पु-हिंस दोनो गुडह परतु उदू
में वही प्रचलित है ।

हक [क] (حق) अ पु-सत्य सच यथाय वाकई
यथोचित मुआसिब स्वत्व इस्तहकाक अधिवार
इस्लियार पारिश्रमिक महनाना उत्काच रिस्वत
ईश्वर ।

हक [क] (حک) अ पु-खुरचना छीलना काटना
कलमजद करना ।

हकअदेन (حکایت) अ फा वि-सच्ची बात सोचने
वाला भलाई चाहनवाला ।

हकअ (حکمه) अ पु-पाचवा नकन मगधिरा ।

हकआगाह (حکایت) अ फा वि-सत्यनिष्ठ बाइमान
महात्मा बलीअल्लाह ।

हकगो (حکوه) अ फा वि-सत्यभापी सच्ची बात कहने
वाग ।

हकगोई (حکوهی) अ फा स्त्री-सच्ची बात कहना,
सत्यवादिता ।

हक तआला (حک تعالی) अ पु-ईश्वर परमात्मा ।

हकतलफी (حکایتی) अ स्त्री-किमी का हक या अधिवार
मार जाना स्वत्व श्वादि ।

हकदार (حکدار) अ फा वि-अधिकारी मुस्तार पात्र
मुस्तहड्क दाय्याधिकारी, तरिक पाने का मुस्तहक ।

हकानानास (حکایتاناس) अ फा वि-जो खुग का न
पहचाने जो मत्य को न पहचाने शनज्ज एहसान
फ्रगमो ।

हकानानासी (حکایتاناسی) अ फा स्त्री-खुग को न
पहचानना, सत्य को न पहचानना इतध्रता एहसान
फरामाग ।

हकनियोग (حکایتی) अ फा वि-सच्ची बात मुनन
वाला ।

हकनियोशी (حکایتی) अ फा स्त्री-सच्ची बात सुनना ।

हकपरस्त (حکیرست) अ फा वि-सत्यनिष्ठ सत्य का
पुजारी ईश्वर का पुजारी धर्मात्मा ।

हकपरस्ती (حکیرستی) अ फा स्त्री-सत्यनिष्ठता सत्य
को पूजा, ईश्वर को पूजा धमपरायणता ।

हकपसद (حکیرسد) अ फा वि-जिसे सत्य पस है,
सत्यनिष्ठ ।

हकपसवी (حکیرسدی) अ फा स्त्री-सत्य को पसद
करना सत्यप्रियता ।

हकफरामोग (حکیراموش) अ फा वि-कृतघ्न, एहसान
न माननेवाला एहसान और उपकार भूल जानवाला
नमकहराम ।

हकफरामोगी (حکیراموشی) अ फा स्त्री-कृतघ्नता
एहसान भूठ जाना नमकहरामी ।

हक बजातिब (حکیرتساب) अ फा वि-जिसकी ओर
सच्चाई हो जो सत्य के पग म हो जो अपनी बात में
सच्चा हा ।

हकबी (حکیرتی) अ फा वि-नेवल सत्य का देखनेवाला
सत्यनिष्ठ सत्यपरायण ।

हकबीमी (حکیرتبی) अ फा स्त्री-सत्य को देवना सत्य
का पक्ष लेना, सत्यनिष्ठा ।

हकम (حکم) अ वि-वह व्यक्ति जो दा आनमिया के बीच
में पदकर उनका शगडा खत्म करा द, पच सरपच मधस्थ ।

हकमफाल (حکومقال) अ वि-दे हकग ।

हकमकाली (حکومقالی) अ स्त्री-हकगाई ।

हकरसानी (حکیرسانی) अ फा स्त्री-किमी का हक
उमको पहचाना किमी का हक टिलाना ।

हकरसी (حکیرسی) अ फा स्त्री-किमी का हक पहचाना,
किमी का हकनार हाना ।

हकानास (حکایتاناس) अ फा वि-मत्य को पहचान
वाला ईश्वर का पहचानेवाग ।

हकानासी (حکایتاناسی) अ फा स्त्री-मत्य का पहचानना
ईश्वर को पहचानना ।

हकगिआर (حکیرمدار) अ वि-हकपग ।
हकगिआरी (حکیرمداری) अ स्त्री-हकपगमी ।
हकाइक (حکایت) अ पु-हकीकत का मनु द्दीनमें ।

हकाइकपसंद (حقائق پسند) अ. फा. वि—हकीकत अर्थात् यथार्थता को पसंद करनेवाला ।

हकाइकबो (حقائق بون) अ. फा. वि.—हकीकत या यथार्थता देखनेवाला ।

हकाइकरानास (حقائق شناس) अ. फा. वि—हकीकत या यथार्थता को पहचाननेवाला ।

हकाइकरत (حقارت) अ. स्त्री.—तिरस्कार, अपमान, बेइज्जती ।
हकाइकरतआमेज (حقارت آميد) अ. फा. वि.—तिरस्कारपूर्ण, जिल्लतआमेज ।

हकाइकत (حقيقت) अ. स्त्री—यथार्थता, वाकईयत, सत्यता, सच्चाई; मर्यादा, हैसियत ।

हकाइकतआगाह (حقيقت آگاه) अ. फा. वि—यथार्थता और सच्चाई क्या है इससे वाकिफ ।

हकाइकतआश्ना (حقيقت آشنا) अ. फा. वि—दे 'हकीकत-आगाह' ।

हकाइकतन (حقيقتاً) अ. वि—यथार्थत, वातस्व में, वाकई, सबमुच्च ।

हकाइकतपसंद (حقيقت پسند) अ. फा. वि—यथार्थता और सत्यता को पसंद करनेवाला ।

हकाइकतवयानी (حقيقت بواني) अ. स्त्री—सच्ची बात कहना, हकीकत वयान करना ।

हकाइकतबो (حقيقت بون) अ. फा. वि—हर बात में यथार्थता और सच्चाई को देखनेवाला ।

हकाइकतशनास (حقيقت شناس) अ. फा. वि—यथार्थता को जाननेवाला ।

हकाइकते नफसुलअमर (حقيقت نفس الامر) अ. स्त्री—किमी घटना की यथार्थता ।

हकाइकते हाल (حقيقت حال) अ. स्त्री—सच्चा हाल, अस्तित्वयत, यथार्थता, वास्तविकता ।

हकाइकी (حقيقتي) अ. वि—सच्चा, अस्ली, वास्तविक, यथार्थ ।

हकाइकीम (حكيم) अ. वि—बुद्ध, तबीव, चिकित्सक, मुआलिज, वैज्ञानिक, साइसदा, सीमासक, फलासफर ।

हकाइकीमान: (حكيمانه) अ. फा. वि—विज्ञानपूर्ण, फलासफरो-जंसा, विद्वज्जनो-जंसा, अकलमदान ।

हकाइकीर (حقيير) अ. वि—तुच्छ, क्षुद्र, कमीना, अत्यल्प, बहुत छोटा, अति न्यून, बहुत थोड़ा ।

हकाइकीरतीन (حقيير تيرين) अ. फा. वि—बहुत ही तुच्छ, बहुत ही कमीना, बहुत ही थोड़ा, बहुत ही छोटा ।

हक्का (حقا) अ. फा. वि—ईश्वर की शपथ, खुदा की कसम ।

हक्काक (حكاك) अ. पुं.—खुरचनेवाला, छीलनेवाला, नगीना आदि तराजनेवाला ।

हक्कानी (حقاني) अ. वि—ईश्वरीय, खुदाई; कोई ऐसा गाना जिसमें खुदा और रसूल का जिक्र हो ।

हक्कानीयत (حقانيت) अ. स्त्री—मत्यता, सच्चाई; यथा-र्थता, वाकईयत ।

हक्कुल्जहमत (حق الرحمت) अ. पु.—किसी काम में तकलीफ और परिश्रम करने का हक, कमीशन, पारिश्रमिक ।

हक्कुलइवाद (حق العباد) अ. पु.—आम लोगों का हक, जनता का हक, जिसका छीन लेना कानून में भी और ईश्वर के यहाँ भी पाप है ।

हक्कुलमेहनत (حق السحت) अ. पु.—पारिश्रमिक, कमीशन ।

हक्कुलयकीन (حق اليقين) अ. पु.—पूरा यकीन, कामिल यकीन, अटल विश्वास ।

हक्कुल्लाह (حق الله) अ. पु.—ईश्वर का हक जो जनता पर है, जैसे—पूजा, व्रत और दूसरे धार्मिक कर्म ।

हक्के आसाइश (حق آسائش) अ. फा. पु.—वह हक जो एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को देने के लिए वाध्य है, सुखाधिकार ।

हक्के जौजीयत (حق زوجيت) अ. पु.—वह हक जो पत्नी को अपने पति पर प्राप्त है, सहवास, मैथुन, स्त्री-प्रसंग ।

हक्के नमक (حق نمك) अ. फा. पु.—किसी के नमक खाने का हक, नमक हलाल करना, कृतज्ञता ।

हक्के मुरुर (حق مرور) अ. पु.—तिकलने-पैठने और आने-जाने का हक जो हर व्यक्ति को प्राप्त है ।

हक्के शुफैअ: (حق شفعة) अ. पु.—पड़ोस की जमीन या मकान पर वह हक जो उसके विकते समय पड़ोसी को प्राप्त रहता है कि वह जमीन या मकान सबसे पहले उसे मिले ।

हक्कोइस्लाह (حق اصلاح) अ. स्त्री—किमी लेख में काट-छांट और सशोधन ।

हक्को सदाकत (حق صداقت) अ. स्त्री—सत्यता और यथार्थता ।

हज [حج] अ. पु.—मुसलमानों का एक धार्मिक कृत्य जो मक्के (अरब) में जाकर अदा करना पड़ता है और धनाढ्य लोगों को उम्र में एक बार उसके करने का हुक्म है ।

हज [حج] अ. पु.—आनंद, मजा, सुख, राहत, हर्ष, खुशी, भाग, हिस्सा ।

हजज (حجج) अ. पुं—सुरीली आवाज, दे 'बह्ने हजज' ।

हजद (حرد) अ. फा. पु.—एक पानी का जानवर, ऊद ।
हजान (حران) अ. पु.—दुख, क्लेश, कष्ट, मुमीवत, शोक, खेद, गम ।

हजयान (هدایان) अ पु - वह वकवाम जो रागी बेहासी की अवस्था में करता है बडबडाहट वकवास सुरापात दे हजयान दोना गुड ह।

हजर (حذر) अ पु - वचाव उपेक्षा परहज भय त्राम डर।

हजर (حضر) अ पु - घर में रहना उपस्थिति मौजूदगी सफर का उल्लास।

हजर (حضر) अ पु - नापाण प्रस्तर पत्थर।

हजरी (حجری) अ वि - पत्थर का पत्थर का बना हुआ।

हजरीयत (حجریات) अ स्त्री - पत्थरपन पथरीलापन।

हजलबकर (حجورالغیر) अ पु - मोरोचन एक पथर जा गाय या बल क मूत्रागय में पड जाता है।

हजलमहद (حجورالمهد) अ पु - एक पत्थर जो दवा म काम आता है।

हजरे अमवाद (حجور اسود) अ पु - वह काला पत्थर जो मन्ने में है और जिसकी परिणामा हज में की जाती है।

हजल (حجلة) अ पु - दुल्हा का कमरा दुल्हन का छपरकट दे हज दाना गुड ह।

हजाइर (حجائیر) अ पु - हजीर का बहु वाड।

हजाइत (حجائب) अ स्त्री - श्रुता प्रवीणता कुशला महातर विस्तार निपुणता चातुर्य दानाई।

हजाइतमआव (حجائبمعانی) अ वि - बहुत ही दम और कुशल बहुत ही विद्वान और निपुण।

हजाइ (حजार) अ स्त्री - बका सर की भूती।

हजाजिर (حجاجیر) अ पु - बिज्जू हुबार एक मतांगी जनु जा विगपत कश्मिस्तान म मुन् खाता है।

हजामत (حجامة) अ स्त्री - बाल बनाता बाल बनवाना > हिजामत।

हजामत (حجامة) अ स्त्री - गता कुशला प्रवीणता हाजियारी।

हजार (هزاره) अ पु - एक पूर पोषा का पानी देने का एक पात्र जिमकी टांगी म पथार हाता है।

हजार (هزار) अ वि - दम गी की सभ्या सट्य दम गी का एक (१) बुलबुल तुम सलामत रहीं हबार बरग। हर बरग म हा तिन पचाय हबार। - शालिब।

हजारआवाइ (هزار آواز) अ वि - बहुत म स्वर निबालन वाता (१) बुलबुल गावगाय।

हजारआन (هزار آناه) अ पु - बररा या भडकी ओगडा पट की पाण पचागय।

हजारआई (هزار آید) अ स्त्री - बरू हा ध्यभिनारिणा अरि बुग्गा।

हजारचद (هزار حلد) अ वि - हजारगुना बहुत अधिक।

हजारचदम (هزار حسد) अ पु - बैकडा कफट कमर का रोग अदीठ सर्तान।

हजारचदम (هزار حسد) अ वि - हजार आंवाताला सहल नेत्र।

हजारदान (هزارदान) अ पु - एक पोषा हजार मनका की माला।

हजारदास्ता (هزار دانستان) अ पु - बुलबुल एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया।

हजारपा (هزار پا) अ पु - कनलगुरा पातपात्र चिडगी (वि) सहलपा हजार पाविवात्रा।

हजारपाय (هزار پای) अ पु - > हबारपा।

हजारमेय (هزار مبع) अ पु - गुग्गी कया।

हजारसुतून (هزار ستون) अ पु - वह भवन या इमारत जिसमें हजार खम्भे हा।

हजारहा (هزارها) अ वि - हजारा सह्या।

हजारहैफ (هزار حیف) अ वि - बहुत-बहुत पदचाताप।

हजारी (هزاران) अ वि - हजारा सह्या।

हजारी हबार (هزاران هزار) अ वि - हजारा सह्या।

हजारी (هزاران) अ वि - एक हजारावाला एक हबार स सम्बन्धित।

हजिक (حذیق) अ वि - बद्धिमान अकामद म कुशला होजियार प्रतिभागाला जहीन।

हजिन (حزین) अ वि - उमित गावावित रजा।

हजिर (حذر) अ वि - डरनेवाला भयभीत चौप्रा सतक।

हजी (حزین) अ वि - हजीन का म्पु, दे 'हजीन।

हजीड (حجفیس) अ स्त्री - गता निचा पस्ती अवनति जवाल।

हजीड (حجفیس) अ वि - मान विचित्र सन्धि टंग हुया।

हजीन (حزین) अ वि - मी स्त्री कर्गिता पीडिता।

हजीन (حزین) अ पु - मीबी बच्चा का सप-अप गव काय सजाना (वि) तिरय हमगा।

हजीन (حزین) अ वि - उमित कर्गिता पांडिता रजी।

हजीन (حزین) अ वि - अयम नाप कमीता बगवत दागला।

हजीप (حزیمه) अ पु - मीन का माना।

हजायन (حزین) अ स्त्री - गतावप हात निचल हाकतगुना का डरर विवर हा आता।

हज्जामत (هجميت) अ. स्त्री—अत्याचार, अनीति, जुल्म, नोध, कोप, गुस्सा ।
हज्जामतखुर्दः (هجومت خورده) अ. फा वि—पराजित, परास्त, हारा हुआ ।
हज्जोरः (حظيرة) अ. पु—चाड़ा, चौपायों के रहने का घेरा ।
हज्जोर (هجر) अ. स्त्री—दोपहर की गर्मी, दोपहर की कड़ी धूप, (पु) बड़ा हौज ।
हज्जोर (حذير) अ. वि.—डरपोक, भीरु, त्रस्त, भयभीत, छाडफ ।
हज्जोर (هزير) बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद ।
हज्जून (هجون) अ. वि—आलसी, काहिल, सुस्त ।
हज्जूर (حذير) अ. वि—डरनेवाला, भय खानेवाला; त्रस्त, डरा हुआ, भीरु, डरपोक ।
हज्जूल (هجول) अ. वि—व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिश ।
हज्जुत (هت) अ. स्त्री—आनद, ऐश, भोग-विलास ।
हज्जुज (حجاج) अ. वि—बहुत अधिक वाककलह करने-वाला, हुज्जती ।
हज्जाम (حجام) अ. पु—नापित, क्षौरिक, नाई, पछने लगानेवाला, सिची लगानेवाला ।
हज्जाल (هوال) अ. वि—बहुत अधिक निन्दाजनक वाते करनेवाला ।
हज्जे अक्वर (هجة اكبر) अ. पु.—वह हज्ज जिसमे हज्ज के दिन शुक्रवार पड़े ।
हज्जे नफ्सानी (حط نفساني) अ. पु—इन्द्रियो का सुख, भोग-विलास आदि का आनद, जीवन-सुख ।
हज्जे रुहानी (حط روحاني) अ. पु—आत्मा सम्बन्धी सुख, जप-तप आराधना आदि का आनद ।
हज्जदः (هزده - هجدده) फा वि—अट्ठारह, अष्टादश ।
हज्जदःहजार (هزده هزار) फा वि—अट्ठारह हजार ।
हज्जदहूम (هزدهم) फा वि—अट्ठारहवाँ ।
हज्जन (هجن) अ. पु—बच्चों का पालन-पोषण, चिडियों का अडे सेना ।
हज्जफ (حذف) अ. पु—विच्छेद, अलग कर देना, किसी शब्द से एक अक्षर कम कर देना ।
हज्जम. (هجمه) अ. पु—चालीस जैटों से अधिक का गल्ला ।
हज्जम (حجم) अ. पु—मोटाई, दल, स्थूलता ।
हज्जम (حرم) अ. पु—दक्षता, कुशलता, होशियारी, सावधानी, सतर्कता, चौकनी, दूरदर्शिता, दूरबीनी ।
हज्जम (هزم) अ. पु—सेना का तितर-वितर हो जाना, परास्त होकर सेना का भागना ।
हज्जम (هضم) अ. पुं—पक्वाशय में भोजन का पकना, पाक,

पचन, पाचन-शक्ति, हाजिम ।

हज्जे कामिल (هضم كامل) अ. पु—पक्वाशय में अन्न का पूर्ण रूप से पच जाना ।

हज्जे गिजा (هضم عذرا) अ. फा पु—पक्वाशय में अन्न का पचना, अन्नपाक ।

हज्जे जखीम (هضم صخيم) अ. पु—बहुत काफी मोटाई ।

हज्जे नाकिस (هضم ناقص) अ. पु—पक्वाशय में अन्न का पूर्ण रूप से न पकना ।

हज्जे सहीह (هضم صحيح) अ. पु—दे. 'हज्जे कामिल' ।

हज्जो एहतियात (هجوم احتياطي) अ—सावधानी और दूरदर्शिता ।

हज्जो शिकस्त (هجوم شکست) अ. फा स्त्री.—सेना की हार और भगदड़ ।

हज्ज (هجر) अ. पु—वकवास, वाचालता, मुखरता, जल्प ।

हज्ज (حجر) अ. पु—कुक्ष, बगल, क्रोड, गोद, आगोश ।

हज्ज (هجر) अ. पु—वियोग, जुदाई; मध्याह्न, दोपहर, रोगी की वकवास, हजयान ।

हज्ज (حجر) अ. पु—खेत में खड़े हुए नाज का अंदाज, कूत; पेड में लगे हुए फलों का अनुमान ।

हज्जत (حصرت) अ. पु.—किसी बड़े व्यक्ति के नाम से पहले सम्मानार्थ लगाया जानेवाला शब्द, कोई प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति; (व्यग) धूर्त, चालाक, पाखंडी, ऐयार, बदमाश ।

हज्जत सलामत (حصرت سلامت) अ. पु—प्रतिष्ठित जनो के लिए सवोधन का शब्द ।

हज्जते अक्दस (حصرت اقدس) अ. पु—पूज्य और पवित्र व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द ।

हज्जते आली (حصرت عالی) अ. पुं—दे 'हज्जते अक्दस' ।

हज्जते मोहतरम (حصرت محترم) अ. पु—दे 'हज्जते अक्दस' ।

हज्जते वाइज (حصرت واعظ) अ. पु—उर्दू साहित्य में वह धर्मोपदेशक व्यक्ति जो शराब न पीने के लिए वाध्य करता और इसके विरुद्ध धार्मिक दलीले बयान करता है ।

हज्जते वाला (حضر والا) अ. पु—दे 'हज्जते अक्दस' ।

हज्जते शैख (حضر شيخ) अ. पु.—उर्दू साहित्य में वह धार्मिक व्यक्ति जो बुरे कामों से रोकता, शराब से मना करता और नमाज आदि की पाबंदी के लिये समझाता है ।

हज्जत (حصرات) अ. पु—'हज्जत' का बहु, व्यक्तियाँ लोग ।

हज्जलः (حجله) अ. पु—डूल्हन का मजा हुआ कोठा या छपररट, दे 'हजल', दोनो शुद्ध है ।

हरल (حل) अ पु—अलालता पत्ररूपन, अलीक कविता।
 हल (هل) अ पु—महाडा व वाच की नीची भूमि।
 हलए अरसी (حمله عروسی) अ पु—नवविवाहिता का सजा हुआ हुआ छपरसट या बाटा।
 हरलगो (هل گو) अ फा वि—अरबीक और हसानेवाली कविता करनेवाला।
 हरलगोई (هل گوئی) अ फा स्त्री—अलाल कविता करना।
 हरल्पसद (هل بسند) अ फा वि—जिसे पत्ररूपन अठा लये जा अलीक कविता पमल करे।
 हल्लीयात (هللیات) अ स्त्री—अलीक काव्य-सग्रह।
 हल्लीतफद्दन (هل و فلدن) अ पु—पत्ररूपन और मजाक।
 हख (حد) अ पु—दो वस्तुओ का परस्पर बराबर करना।
 हख (حدو) अ स्त्री—निगा तिरस्कार, अपमान ऐसी कविता जिसमें किसी की निगा की जाय।
 हखगो (حدگو) अ फा वि—वह कवि जा अपनी कविता में लागा की निगा करता हो।
 हखगोई (حدگوئی) अ फा स्त्री—कविता म दूसरा की निदा करना।
 हखीयात (حدو اب) अ स्त्री—दूसरा की निदा में की गयी कविताया का सग्रह।
 हखे मलोह (حدو ملهم) अ स्त्री—ऐसी निगा जो दखने में प्रगासा जान पड़े व्याजनिदा।
 हखे सरोह (حدو صرح) अ स्त्री—स्पष्ट निदा साफ-साफ निदा जिसमें कोई दुराव न हो।
 हखहाव (حدو هار) अ पु—बुलाना पुकारना।
 हख (حظ) अ स्त्री—जलाने की लकड़ी इधन।
 हखिम (حظم) अ वि—भग्न विच्छिन्न टूटा हुआ गिबस्त।
 हखिल (حطل) अ वि—बहुत बरसनेवाली घटा।
 हखीम (حظیم) अ पु—भग्न खडित टूटा हुआ का ब की पच्छिमी धावार।
 हख (حک) अ पु—गोट कर चलना भागना।
 हख (حک) अ स्त्री—अपमान तिरस्कार बइखबती।
 हखे इखत (حک عرب) अ स्त्री—मानहानि इखत पर हम्ला तोहीन।
 हखलइम्बान (حلی مکان) अ वि—जहाँ तक मुम्किन है यथामभव।
 हखल इस्तिताअत (حلی سطاغ) अ वि—जहाँ तक मक्दूर है यथासामध्य।

हखलमक्दूर (حلی السدور) अ वि—जहाँ तक गक्ति ह, यथागक्ति यथागत्य यथामाध्य।
 हखलवसत्र (حلی الوصع) अ वि—'हखलमक्दूर'।
 हखता (حکلی) अ वि—जब तक, जहाँ तक यावत यथा।
 हखताक (حکلی) अ वि—अपमान करनेवाला, टिगावैपी।
 हखतात (حکات) अ वि—वक्तासत मुमर वाचाल, पुर्नीला वुस्त चालाव।
 हखताव (حطاب) अ पु—एकहाग एकवियाँ बचनवाला।
 हख (حکن) अ पु—गर्मी की तेजी।
 हख (حکف) अ पु—मत्य मरथ निबन मोत।
 हख (حکف) अ पु—आवाज स्वर गल।
 हख (حکم) अ पु—दुवता मजबूती पुखनी।
 हखमन (حکما) अ वि—हखी।
 हखमी (حکمی) अ वि—निश्चित रूप से पुख तौर पर यकीनी।
 हख (حکلی) अ पु—मँह का बराबर बरसना झडा लगना, जामुजों की यडी।
 हद [ह] (حد) अ स्त्री—पराकाष्ठा विनारा अछी सीमा छोर, ओट आड।
 हदक (حدنه) अ पु—औल का कालापन, पुतली, बनीती।
 हदक (حلی) अ पु—हदक का बहु औल की पुतलियाँ औल की सियाहियाँ बगन भौटा।
 हदक (حد) अ पु—लघ्य निगाना ऊँचा पुस्ता व गोलाइ जिस पर निगाना सीखने के लिए गालियाँ मारने ह।
 हदके तीर (حد کتر) अ फा पु—तीर का निगाना मारने का स्थान लघ्य जिस पर तीर मारे जाय।
 हदके मलामत (حد ملامت) अ पु—जिस पर चारा ओ स धिक्कार पड़े जिसकी सब निदा बरें।
 हदबदी (حد بدلی) अ फा स्त्री—जीजी या जमीनी के बीच में ऐसा चिह्न जो दोना की सीमा निश्चित करे।
 हदब (حدنه) अ पु—बूबड कुबडापन कुज।
 हदब (حدب) अ पु—कुबडापन कुज टीला उठी हुई जमीन।
 हदर (حدر) अ पु—किसी का वय जाइज हो जाना खन मुआफ हो जाना।
 हदस (حدب) अ पु—वह चीज जिससे बज टूट जाय।
 हदसात (حدباب) अ स्त्री—हदस का बहु युवा स्त्रियाँ जवान औरतें।
 हदाइक (حدایی) अ पु—हकीक का बहु बगीच बाग।
 हदाया (هدایا) अ पु—हकीक का बहु तोहफे भेंटें मजाने।

हदासत (حدائت) अ स्त्री.—नृतनता, नयापन, आरम्भ, गुरुजात।
हदासते सिन (حدائت سن) अ स्त्री—त्रात्यावस्था, वचन।
हदीक: (حدیة) अ पु—वह वाग जिसके चारों ओर दोवार हो।
हदीद (حدید) अ पु—लोहा, लौह, फौलाद; तेज और धारदार पदार्थ।
हदीय: (هدیه) अ पु—पुरस्कार, उपहार, भेंट, नज़, दे 'हदीय', दोनो शुद्ध है।
हदीस (حدیث) अ स्त्री—नयी बात, नयी खबर; पैगवर साहित्य की फरमाई हुई बात।
हदक: (حدقة) अ पु.—आँस की गोलाई, आँख का हल्का।
हदाद (حداد) अ वि—जोहकार, लुहार; कारा-रक्षक, बधनपाल, जेलर।
हदावी (حدائی) अ स्त्री—लुहार का काम।
हदई अदव (حد ادب) अ स्त्री—आदर और लिहाज़ की अंतिम सीमा, जहाँ तक आदर किया जा सके।
हदई फासिल (حد فاصل) अ स्त्री—दो पदार्थों के बीच में अंतर डालनेवाली वस्तु, ओट, आड।
हदई शरई (حد شرعی) अ स्त्री—वह सजा जो इस्लाम धर्म के अनुसार दी जाय।
हदवा (حدوا) अ स्त्री—कुब्जा, कुवडी स्त्री।
हदम (هدم) अ पु—ढाना, गिराना, तोड़-फोड़ करना, निर्जनता, वीरानी।
हदय: (هدیه) अ पु—उपहार, भेंट, तोहफा, दे. 'हदीय', दोनो शुद्ध है।
हदर (هدر) अ पु.—दे 'हदर', दोनो शुद्ध है।
हदस: (حدثة) अ स्त्री—युवा स्त्री, जवान औरत।
हदस (حدس) अ पु—प्रतिभा, चातुर्य, जहानत; बुद्धि-मत्ता, मेधा, अक्लमदी।
हनक (حنک) अ पु—तालू, तालू।
हनक (حنق) अ पु.—ट्रेप, कौन, वृग्ज; शत्रुता वैर, दुश्मनी।
हनकी (حنکی) अ वि—वह अक्षर जो 'तालू' से उच्चरित हो, तालव्य।
हनफी (حنفی) अ वि—इमाम अबू हनीफ के अनुयायी मुसलमान।
हनी (هنی) अ वि—पाचक, हाजिम, स्वादिष्ठ, लजीज; सुगम, सहज।

हनीन (حنین) अ पु—विलाप, रीना-पीटना, कामना, चाह, इच्छा।
हनीफ (حنیف) अ वि.—धर्मपरायण, रात्यनिष्ठ, धर्म में पनका, हज़त इब्राहीम के धर्म का अनुयायी।
हनीफी (حنیفی) अ वि—धर्मनिष्ठ, धर्म में अटल, हज़त इब्राहीम के धर्म को माननेवाला।
हनूत (حنوط) अ पु—वह मुगधित पदार्थ जो मृतक शरीर पर मला जाय।
हनूद (هدود) अ पु.—'हिदू' का बहु, हिदू लोग।
हनोज (هلور) फा अव्य—अभी तक, अब भी, अब तक, अद्यापि।
हनात (حذات) अ वि—गोहूँ बचनेवाला, मुगध बचनेवाला, गधी।
हनान: (حنانه) अ वि—बहुत रोनेवाला।
हनान (حنان) अ वि—मोक्ष देनेवाला, कृपा करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।
हफद (حمد) अ पु—'हाफिद' का बहु, सहायक जन, मदद-गार लोग।
हफनज़र (حفظ نظر) अ वा—ईश्वर दुरी दृष्टि के प्रभाव से रक्षा करे।
हफवत (هفوب) अ स्त्री—अपवाद, वकवास, अनर्गल प्रलाप।
हफवात (هفوا) अ स्त्री—'हफवत' का बहु, अनर्गल और व्यर्थ की वाते।
हफादत (حماد) अ स्त्री—कृपा, अनुकृपा, दया, मेह-वानी, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी, दे 'हिफादत', दोनो शुद्ध है।
हफीज़ (حمیظ) अ वि—रक्षक, सरक्षक, देख-रेख करने-वाला; ईश्वर का एक नाम।
हफीर (حمیر) अ वि—गर्त, गढा, कन्न, गोर।
हफत: (هفته) फा पु—सात दिनों का समय, सप्ताह; शनिवार, सनीचर।
हफत.वार (هفته وار) फा वि—साप्ताहिक, हफते में एक वार होनेवाला।
हफत दोस्त (هفته دوست) फा वि—वह व्यक्ति जिससे दूर की जान-पहचान हो।
हफत:वारी (هفته زاری) फा स्त्री—दे. 'हफत वार'।
हफत (هفت) फा वि—सात की संख्या, सात।
हफतअदाम (هفت اندام) फा स्त्री.—एक वडी रग जिसकी फस्द खोली जाती है।
हफतअख्तर (هفت اختر) फा पु—सातो सितारे, सातो ग्रह, सप्तग्रह।

हफतइबलीम (هفتاد و یکم) का अ स्त्री-साता महाद्वीप अयात सारी दुनया ।

हफतऔरग (هفتاد و دو) का पु-सप्तार्थि, वनागुना श ।

हफतकलम (هفتاد و سه) का अ वि-अरवा फारसी की साता लिपिया लिखनेवाला ।

हफतकिश्वर (هفتاد و چهار) का पु-दे हफतइबलीम' ।

हफतकुलुबुम (هفتاد و پنج) का अ पु-साता महासागर अयात सारे समुद्र ।

हफतखवा (هفتاد و شش) का पु-बह साता मखिले जो रस्तम की त बरनी पनी थी ।

हफतमुबद (هفتاد و هفت) का पु-नातो आकाश ।

हफतखवा (هفتاد و هشت) का वि-जो सात भापाएँ जानता हो ।

हफतजोश (هفتاد و نه) का पु-सातो धानुओ का याग ।

हफतबक (هفتاد و ده) का अ पु-पश्चा के सातो तल ।

हस्तदर्या (هفتاد و یازده) का पु-हाफतकुलुबुम' ।

हफतदह (هفتاد و چهارده) का वि-सत्रह सप्तदश ।

हस्तदोबख (هفتاد و پانزده) का पु-नरक के साता भाग ।

हफतपद (هفتاد و شانزده) का पु-साता आकाश ।

हफतपुस्त (هفتاد و هجده) का स्त्री-सात पीडिया, पुस्त दर पुस्त ।

हफतपकर (هفتاد و نوزده) का पु-नातो सितारे सप्तग्रह ।

हफतमखिल (هفتاد و بیست) का अ स्त्री-गाती तल सात मालाभा का भवन ।

हफतरग (هفتاد و بیست و یک) का वि-मात रगावाला ।

हफतरोज (هفتاد و بیست و دو) का वि-साप्ताहिक सात दिन में पत्ने या होनेवाला साप्ताहिक पत्र हफत वार अबद्वार ।

हफतसाल (هفتاد و بیست و سه) का वि-सप्तावर्षीय सात बरस वाला ।

हफतहवारी (هفتاد و چهار) का पु-मुग़ल राजकाल की एक प्रतिष्ठित पन्वी श्म पन्वी का अधिकारी ।

हफतहैकल (هفتاد و پنج) का अ स्त्री-जीवरसा की मात हुआएँ ।

हफताद (هفتاد و شش) का वि-सातर ।

हफतादोवी (هفتاد و هفت) का वि-बहतर सतर और दो ।

हफनुम (هفتاد و هشت) का वि-गातवाँ मत्तम ।

हफनुमी (هفتاد و نه) का वि-मातवाँ ।

हफत (هفتاد و ده) का वि-हफतह कालपु सतरह सप्तदश ।

हफत (هفتاد و یازده) का वि-मातरहवाँ ।

हफ (هفتاد و شانزده) अ पु-जमीन की सुगई ।

हफल (حمل) अ पु-भीड गमाव जन समूह, एवत्र करना, इत्फा करना ।

हफस (حفظ) अ प-गेर का धक्का, व्याघ्र शावक ।

हवा [वा] (حبه) अ स्त्री-माली बटिका बनी ।

हवक (هک) अ स्त्री-हथेली करतल ।

हवसक (هکله) अ वि-मूख, वीडम बुद्ध ।

हवा (حمه) अ पु-दे 'हवा' ।

हवस (حمش) अ पु-अपीका का एक प्रसिद्ध देश हवस ।

हवगी (حمسی) अ वि-हवस का निवासी ।

हवाव (حمات) का पु-बुलबुल, बुदबुद ।

हवावआसा (حمات آسا) का वि-बुलबुले-जसा बहुत ही नाजुक क्षणभंगुर ।

हवावी (حمایی) का वि-बुलबुल की तरह नाजुक और क्षण भंगुर ।

हवीब (حبیب) अ वि-मित्र सत्ता दोस्त प्रेमपात्र, मा'शूक ।

हवूत (هبوط) अ वि-नीच उतरनेवाला ।

हवूब (هبوب) अ पु-चापु का धक्का, धूल मिला हुई तेज हवा ।

हव्व (حمه) अ पु-गना बीज, रस्ती भर, आठ चाबल का भार बहुत थोड़ा जरा सा ।

हव्वसा (حمدا) अ अय-नाहवाह धय धय चापु चापु ।

हव्वसलम (حمالرم) अ पु-जलम' एव औपय द्रव्य द्वारा निमित्त बटी जलम की गोली ।

हव्वरिशाद (حمالروسان) अ पु-हालीन एक दाना जो बवा में चलता है ।

हव्वलकुल (حمالکطن) अ पु-कपास का बीज बिनोला ।

हव्वलपुराव (حمالمراب) अ पु-कुचला, एक विपला दाना विपमुटि विपनुदक ।

हव्वलमुलक (حمالمرک) अ पु-जमालगोटा दतिका ।

हव्वस्तम (حمالسلنه) अ पु-बिरीजी एक प्रसिद्ध भाव ।

हव्वस्तलातीन (حمالسلطین) अ पु-जमालगोटा अजयपाल दतिका ।

हवल (حمل) अ स्त्री-रस्ती रज्जु रोरा तार, रण धमनी ।

हवलखिराज (حمالذراع) अ स्त्री-हाथ की एक रण ।

हव्वलमतीन (حمالعتین) अ स्त्री-दूड रस्ती ।

हव्वलवरीद (حمالورید) अ स्त्री-गान की एक रण ।

हम (حمس) अ. पु.—उपग्रह, कारावास, कैद, उमस, बरसात में हवा बढ़ होने की अवस्था, अवरोध, रुकाव ।
हमसात (حمسات) अ स्त्री—कैद के समय की बातें या कविता आदि, कारागार सम्बन्धी चीजें ।
हमसे तमस (حمس طمست) अ पु.—मासिक धर्म का बंद हो जाना ।
हमसे दम (حمس دم) अ फा पु—साँस रुकना, दम घुटना, श्वासरोध; साँस रोककर की जानेवाली एक तपस्या, कुम्भक प्राणायाम ।
हमसे दवाम (حمس دوام) अ पु—आजन्म कारावास, उम्र भर की कैद ।
हमसे बेजा (حمس بیجا) अ पुं—अवैध रूप से किसी को बंद रखना ।
हमसे बौल (حمس بول) अ पु—पेशाब का रुक जाना, मूत्र-निरोध, मूत्राघात ।
हमसे रियाह (حمس ریاح) अ पु—पेट में वायु का रुक जाना ।
हम (هم) फा वि—सर्व, सब, कुल, समस्त, समग्र, समूचा; पूर्ण, पूरा ।
हम उम्र (هم عمر) फा. अ वि—सारी उम्र, आजीवन, जीवनभर ।
हम औक़ात (هم اوقات) फा अ. वि—हर समय, हर वक्त ।
हम खोर (هم خور) फा. वि—सब कुछ खा जानेवाला, सर्वभक्षी, जिसे खाने में धर्माधर्म का विचार न हो ।
हम जोरी (هم جوری) फा. स्त्री—सब कुछ खा जाना, धर्माधर्म का विचार किये बिना जो पाना वह खा जाना ।
हम गौर (هم گیر) फा. वि.—जो हर तरफ फैला और छाया हुआ हो, सर्वव्यापी, सार्वभौम ।
हम गौरी (هم گیری) फा. स्त्री—हर ओर फैला और छाया होना, सर्वव्यापित ।
हम तन (هم تن) फा वि—सारे शरीर के साथ, अर्थात् पूरी तल्लीनता के साथ ।
हम तन गोश (هم تن گوش) फा वि—जो सर से पाँच तक फान वन गया हो, अर्थात् जो किसी बात के सुनने के लिए बहुत अधिक उत्कण्ठित हो, उत्कर्ण ।
हम दाँ (هم داندان) फा वि—सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, बहुत बड़ा विद्वान् ।
हम दानी (هم دانسی) फा. स्त्री—सब कुछ जानना, गर्वज्ञता, विद्वत्ता ।
हम दुदमन (هم دمنشن) फा वि—जो सबका जन्म हो, जिसके सब जन्म हों ।

हम दोस्त (هم دوست) फा वि—जो सबका दोस्त हो, जिसके सब दोस्त हो ।
हम ने'मत (هم نعمت) फा अ स्त्री—सारी ने'मते, हर प्रकार की सुख-सामग्री ।
हम वक्त (هم وقت) अ फा वि—हर समय, हर वक्त, हर दशा में, हर हालत में ।
हम सम्त (هم سمت) फा अ वि.—चारों ओर, चतुर्दिक्, चहुँपास, हर तरफ, सब ओर ।
हम साअत (هم ساعت) फा. अ. वि—प्रतिक्षण, हर लम्ह; हर समय, हर वक्त ।
हम सिफ़त (هم صفت) फा अ वि—सारे गुणोंवाला, सारी सिफतोंवाला ।
हम सिफ़त मौसुफ (هم صفت موصوف) फा अ वि.—सारे गुणों से भरा हुआ, जिसमें सारी खूबियाँ हों, सर्वगुणसंपन्न ।
हम सू (هم سو) फा वि—हर ओर, हर तरफ, चतुर्दिक्, चहुँओर ।
हम (هم) फा उप—साथवाला, जैसे—'हम उम्र', बराबर-वाला, जैसे—'हमकीमत' आदि, (अव्य) भी, अपि, नीज ।
हम [म्म] (هم) अ पु—दुःख, खेद, रज, ताप, गम (जिसके आने का भय हो), रोग का शरीर को घुला देना, बच्चे को लोरी से सुलाना ।
हम (هم) अ. पु—सुसराल के रिश्तेवाला, सुसराली रिश्तेदार ।
हम अकीद (هم عقیده) फा अ वि—किसी एक पथ के माननेवाले, सबमानुयायी, किसी एक बात पर विश्वास रखनेवाले ।
हम अलामत (هم علامت) फा. अ वि—एक-जैसे लक्षणोंवाले, एक-जैसे चिह्नोंवाले ।
हम अल (هم عصر) फा अ वि.—एक समय में होनेवाले व्यक्ति, समकालीन ।
हम अहद (هم عهد) फा अ वि—दे 'हम अल' ।
हम अगोश (هم اغوش) फा. वि—एक दूसरे को गोद में लिये हुए, आलिंगित, बगलगौर ।
हम अगोशी (هم اغوشی) फा. स्त्री—आलिंगन, बगलगौरी, एक दूसरे को गोद में लेना ।
हम आवद (هم آورد) फा वि—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ, मुकाविल, सहव्यवसायी, हमपेश ।
हम आवाज (هم آواز) फा वि—जिनकी आवाज एक-ही हो, जो किसी विषय में सहमत हों ।
हम आहंग (هم آهنگ) फा वि—एक-ही आवाजवाटे, एक-से दरादेवाले, एक-ही रायवाले ।

हमआहंगी (هم آهنگی) का स्त्री-एक-सा आवाज, एक-सा इरादा एक-सी राय।

हमइना (هم عنان) का अ वि-साथ चलनेवाला सहचर सद्गुण समान।

हमइयार (هم عیار) का अ वि-सदग समान सहपद हमदज।

हमउध (هم عهد) का अ वि-एक-सी आयुवाले, सम वयस्क, सममामयिक वयस्य।

हमउम्री (هم عمری) का अ स्त्री-आयु म बराबरी, सम वयस्कता, समावस्था वयस्य भाव।

हमओसाफ (هم اوصاف) का अ वि-गुणामें एक-जस व्यक्ति, एकगण।

हमइद (هم يد) का अ वि-एक जस डालवाला समकाम।

हमकदम (هم قدم) का अ वि-साथ-साथ चलनेवाले, सहचर।

हमकदमी (هم قدمی) का अ स्त्री-साथ साथ चलना।

हमकदह (هم کدح) का अ वि-एक प्याले में गरब पीने वाले बहुत ही घनिष्ठ गराबी दास्त।

हमकदर (هم کدر) का अ वि-एक-जमी प्रतिष्ठावाले एक जसी इज्जतवाले।

हमकरों (هم کرون) का अ वि-शुद्ध उच्चारण 'हमकिरा

हमकलम (هم کلام) का अ वि-एक दफतर में काम करने वाला एक दफतर के कलक।

हमकलाम (هم کلام) का अ वि-किसी के साथ बात करने वाला या बात करता हुआ।

हमकलामी (هم کلامی) का अ स्त्री-आपस की बातचीत दो 'यक्तिया का परस्पर वार्तालाप।

हमकलार (هم کار) का अ वि-एक सा काम करनेवाले।

हमकलस (هم کلس) का अ वि-एक प्याले म साथ-साथ खानेवाले अर्थात् घनिष्ठ मित्र।

हमकितार (هم کتار) का अ वि-एक हा पकित म खड़े हुए एक ही बगवाले।

हमकितार (هم کتار) का अ वि-हमशाग्रेस।

हमकितारी (هم کتاری) का स्त्री-हमआगागी।

हमकिरी (هم کیران) का अ वि-साथ बठनेवाला मित्र, दोस्त सभासद मुसाहिब।

हमकिरानी (هم کیرانی) का अ स्त्री-साथ उठना-बठना मत्री मुसाहबत।

हमकीमत (هم کیمت) का अ वि-बराबर मूल्यवाला एक जमे माल व।

हमकुपुव (هم کمو) का अ वि-एक मात्रवार एक गति वाले, समवण, सहयोग सजातीय।

हमकौम (هم قوم) का अ वि-एक जातिवाले, सजानाव, एक राष्ट्रवाले, सहराष्ट्र।

हमक्याल (هم کحالی) का अ वि-एक रायवाले सहमत एक धम विश्वासवाले।

हमक्याली (هم کحالی) का अ स्त्री-राय वा एक हागा, धम विश्वास अर्थात् जफान की यक्तानियत।

हमक्यास (هم کحواس) का अ वि-एक-जसा गुणवाली आपधिया।

हमक्यासी (هم کحواسی) का अ स्त्री-एक जमे गुण हागा।

हमक्यान (هم کحانه) का अ वि-एक घर में रहनेवाले, सहनिवासी।

हमक्यानदान (هم کحاندان) का अ वि-एक वरवाले एक वशीय।

हमक्यास्त (هم کحاصه) का अ वि-दे हमक्याम।

हमक्यू (هم کحو) का अ वि-एक से स्वभाववाले।

हमक्यूरी (هم کحوری) का स्त्री-स्वभाव का एक होना।

हमक्याव (هم کحوانه) का स्त्री-माथ खानेवाली अर्थात् पत्नी, भार्या, वीवी।

हमक्याव (هم کحواب) का अ वि-साथ सोनेवाला, सत्पायी अकशामी।

हमक्यावी (هم کحواسی) का अ स्त्री-साथ-साथ सोना सहग्या।

हमक्याम (هم کعم) का अ वि-हमक्याद, सहानुभूति करनेवाला।

हमक्यामी (هم کعمی) का स्त्री-सहानुभूति, हमक्यामी।

हमक्याग (هم کغان) का अ वि-सब सब।

हमक्याना (هم کندان) का अ वि-सब सब, सब आदमी।

हमक्यानी (هم ککنی) का अ वि-सब सब तमाम।

हमक्यागी (هم کگی) का अ वि-हमक्यागी।

हमक्याग्री (هم کگریه) का अ वि-एक दलवाले यौपिक।

हमक्याग्री (هم کگریه) का अ वि-हमक्याग्री पदोशी, हमक्याग्री मिन दोस्त।

हमक्याम (هم کحسم) का अ वि-बराबरवाला मित्र दोस्त।

हमक्यामा (هم کحشمی) का अ स्त्री-मित्रता, दोस्ती, बराबरी।

हमक्यानी (هم کحان) का अ वि-दतना, उसी तरह उगा कदर।

हमक्यानी (هم کحلیس) का अ वि-दतना इस कदर।

हमक्यानी (هم کحو) का अ वि-ममान सत्ग तुल्य मित्र।

हमक्यानी (هم کحیره) का अ वि-व्यापिक विचार, शतानी यक्तसे।

हमपहलू (همپهلو) का वि—पाववर्ती पहलू में बठने वाला ।

हमपा (همپا) का वि—साथी, हमराही ।

हमपाय (همپای) का वि—हमपल्ल ।

हमपायाल (همپایال) का वि—एक प्याले में खाने पीनेवाले ।

हमपुस्त (همپوست) का वि—सहायक मददगार ।

हमपेग (همپهنگ) का वि—एक ही व्यवसाय करनेवाले सहवृत्ति सहव्यवसायी ।

हमपमा (همپیمان) का वि—एक प्रतिभा में बंधे हुए ।

हमपमान (همپیمان) का वि—एक प्याल में गरवा पानेवाले घनिष्ठ मित्र गरवाबी ।

हमवपल्ल (همپهل) का वि—आलिंगित बगलगीर पासक में बठनेवाला ।

हमवर्म (همپرم) का वि—एक सभा में जाने-जानेवाले एक मन्त्रा के सदस्य ।

हमबाज (همپاژ) का वि—गराक साधा भागीदार ।

हमबिस्तर (همپستد) का वि—एक गय्या पर सानेवाला (किना के साथ) सहवास करनेवाला ।

हमबिस्तरी (همپستری) का स्त्री—किमी के साथ एक गय्या पर सोना मद्युन करना सहवास ।

हममन्त (همپمنت) का अ वि—जो एक मन्तव में साथ-साथ पड़े हा सहायी सहाध्यायी ।

हममजहब (همپمذهب) का अ वि—एक धम के मानने वाले सहधर्मी ।

हममजहबीयत (همپمذهبت) का अ स्त्री—एक धर्माव लयी हाता ।

हममजब (همپمركز) का अ वि—जिन सबका एक केन्द्र हा सहकेन्द्र ।

हममजबीयत (همپمركزت) का अ स्त्री—एक मकडी हाता एक केन्द्र से सम्बन्धित ।

हममजब (همپمسرب) का अ वि—एक पथ क अनुयायी एक आचार विचारवाले ।

हममजबीयत (همپمشوربت) का अ स्त्री—एक पथ का अनुकरण करना एक आचार विचार का हाता ।

हममाना (همپمعلی) का अ वि—एक अथवा गण पयायवाची समानाथक एकार्थी ।

हममर्गद (همپمرد) का अ वि—एक धमगुरु के मानने वाले ।

हमम्लक (همپملک) का अ वि—एक दग के निवासी सजनपद ।

हमरग (همرگ) का वि—एक-जस बणवाले समवण एकवण, एक जैसे आचार विचारवाले ।

हमरगी (همرگی) का स्त्री—एक जस रग का हाता एक जस आचार विचार का हाता ।

हमरहिम (همرهم) का अ वि—मया सहान्तर सादराय हवाकी ।

हमराए (همراره) का वि—जिनका राय एक हा सहमत ।

हमराज (همرار) का वि—जा किमी का गुप्त भू जानता हा ममन मित्र दोस्त ।

हमराह (همراه) का वि—रास्ते का साथ साथ चले वाला सहपथी, साथ ।

हमराही (همراهی) का पु—रास्ते में साथ चलनवाला, सहपथी रस्ते में साथ चलना ।

हमराहे रिकाव (همراهه ريكاب) का वि—घुडसवार के साथ चलनेवाला साथ चलनेवाला ।

हमरिकाव (همريكاب) का वि—द हमराहे रिकाव ।

हमरिकाबी (همريكابی) का स्त्री—साथ चलना ।

हमरिस्त (همپرسته) का वि—एक डारे में पिराई हुई चीजें रिस्तेगर स्वजन सूत्रित सलन नत्थी मुसलिक ।

हमरिस्तगी (همپرستگی) का स्त्री—एक डारे म पिराया हुआ होना रिस्तेगारी नत्थी होना सलन होना ।

हमरुब (همرینه) का अ वि—एक-जस पन्वाले एक श्रेणीवाले ।

हमरोज (همروز) का वि—उगी गिन उगी राज उगी दिन का ।

हमल (همل) अ पु—भेड साबकी का बच्चा भेप रागि बुजे हमल ।

हमबदन (همروزن) का अ वि—सौल म बराबर सम तुलित छदकी मानात्रा क हिसाब से बराबर समान तुल्य भिम्ल ।

हमवतन (هموطن) का अ वि—एक नगर के रहनेवाले एक देश के रहनेवाले ।

हमवतनी (هموطنی) अ का स्त्री—एक नगर या देश का निवास ।

हमवार (همواره) का वि—सदा सवदा हमेगा निर तर लगातार ।

हमवार (هموار) का वि—समवत चोरस जगीरत राजी ।

हमगबल (همگسل) का अ वि—एक-जसी दकलवाने एकदप अनुकप तूप समाचार ।

हमगली (همگلی) का अ स्त्री—रूप की समानता एक जमा होना एकदपता तूपता रूप-सादृश्य ।

हमशबीह (همشبهه) फा अ. वि.—दे 'हमशकल' ।
हमशीर: (همشیر) फा. स्त्री.—भगिनी, सहोदरा, स्वसा,
वहन ।
हमशीर (همشیر) फा स्त्री.—दे. 'हमशीर.' ।
हमशीरजाद: (همشیرزاده) फा. पु.—ब्रह्म का लडका,
भानजा, भगिनीसुत, भागिनिय ।
हमशोए (همشوع) फा. स्त्री—एक शीहरवाली स्त्रियाँ,
वह स्त्रियाँ जिनका पति एक हो ।
हमशोए (همشوع) फा स्त्री—दे 'हमशोए' ।
हमसंग (همسنگ) फा वि—हम वज्ज, बराबर, तुल्य,
समान ।
हमसफर (همسفر) फा. अ वि—यात्रा का साथी, सहपथी,
सहप्रयायी ।
हमसफरी (همسفری) फा. अ. स्त्री.—यात्रा में साथ होना,
सफर का साथ ।
हमसफीर (همصغیر) फा अ वि.—घाग में साथ चहचहाने-
वाली चिडियाँ, मित्र, दोस्त ।
हमसफ़ (همسفرة) फा. अ वि—एक ही दस्तरखवान् पर
खाना खानेवाले, धनिष्ठ मित्र ।
हमसवक (همصنق) फा अ वि—साथ पढनेवाले, सहपाठी ।
हमसर (همسر) फा वि—बराबर, समान ।
हमसरी (همسری) फा स्त्री—समानता, बराबरी, उद्दता,
अक्सडपन ।
हमसाज़ (همسار) फा. वि—मित्र, दोस्त ।
हमसाय: (همسایه) फा पु—प्रतिवासी, पडोसी, प्रतिवेशी ।
हमसायगी (همسایگی) फा स्त्री—पडोस, प्रतिवास ।
हमसाल (همسال) फा वि—एक ही सन की पैदाइश, सम-
सामायिक, हमउम्र ।
हमसिन (همسین) फा. अ वि—समवयस्क, वय स्थ, सम-
सामयिक, एक उम्रवाले ।
हमसिनी (همسنی) फा अ स्त्री—उम्र की बराबरी, स-
वयस्कता ।
हमसिल्क (همسلك) फा अ पु—समधी, डूल्हा और डुल्हन
के वाप आपस में ।
हमसुखन (همسختن) फा. वि—साथ-साथ वाते करनेवाले,
साथ-साथ कविता करनेवाले ।
हमसुखनी (همسختنی) फा स्त्री—परस्परवातालाप करना;
साथ-साथ कविता करना ।
हमसुहवत (همصحتت) फा अ वि—सहवास करने-
वाला, हमविस्तर, पास बैठने-उठनेवाला, सभासद ।
हमसूरत (همصورت) फा अ वि—दे 'हमशकल' ।

हमसीत (همصوب) फा. अ. वि.—जिनकी आवाज एक-सी
हो, हमआवाज ।
हमहम: (همهمه) फा. पु.—शेर की दहाड, सिंह-गर्जन;
आतक, धाक; जोर-शोर, धूमधाम ।
हमाँ (همان) फा वि.—वही; वह ।
हमाँदम (هماندم) फा. अव्य—उसी समय, तत्क्षण, उसी
वक्त ।
हमाइद (حمائد) अ पु.—'हमीद.' का बहु, अच्छाइयाँ,
सूवियाँ ।
हमाइल (حمائل) अ. स्त्री—वगल में लटकाने की चीज;
छोटा कुरान; गरदन में पडा हुआ हाथ ।
हमाकत (حماقات) अ स्त्री.—मूर्खता, मूढता, निर्बुद्धता,
वेवकूफी, अज्ञान, जहालत ।
हमाकतआगी (حماقات آگین) अ फा वि—मूर्खतापूर्ण,
वेवकूफी से भरा हुआ ।
हमाकतआमेज़ (حماقات آمیز) अ. फा वि—दे 'हमाकत-
आगी' ।
हमाकतमआव (حماقات معاب) अ वि—बहुत बडा मूर्ख,
जिसकी सारी वाते ही वेवकूफी की होती हो ।
हमाकतशआर (حماقات شعار) अ. वि—महामूर्ख, बहुत
बडा वेवकूफ ।
हमाना (همانا) फा अव्य.—निश्चित, यक़ीनी, कदाचित्,
शायद, मानो, गोया, जैसे ।
हमाम: (حمامه) अ पु—हर वह पक्षी जिसके गले में कठी
हो, कबूतर, कपोत ।
हमाम (حمام) अ पु—कपोत, पारावत, कबूतर ।
हमार: (هماره) फा पु—अनुमान, अदाजा; सतत, सदा,
हमेशा ।
हमासत (حماست) अ. स्त्री.—वीरता, शूरता, शौर्य,
बहादुरी ।
हमाल (همال) अ वि—सदृश, समान, तुल्य, मिसल ।
हमाँ (همین) फा वि—यही, यह ।
हमीद: (حمیده) अ वि—साध्वी, पुनीता, पवित्रा, पूज्या,
श्रेष्ठा और उत्तमा स्त्री ।
हमीद (حمید) अ. वि—पुनीत, सदाचारी; प्रशसित,
सराहनीय ।
हमीम (حمیم) अ वि—गर्म, उष्ण, गर्म पानी, उष्ण जल;
स्वजन, रिश्तेदार; जिसे ज्वर हो ।
हमीयत (حمیت) अ स्त्री—लज्जा, लाज, गैरत; स्वाभि-
मान, खुददारी ।
हमीर (همیر) अ पुं—'हिमार' का बहु, गधे ।

हमपहलू (هم پهلوه) का वि-माववर्ती पहलू में बठने वाला।

हमपा (همپا) का वि-साथी हमराही।

हमपाय (همپای) का वि-है 'हमपा'।

हमपायाल (همپایال) का वि-एक प्याले में खाने पीनेवाले।

हमपुत (همپوش) का वि-सहायक मन्दगार।

हमपेश (همپیشه) का वि-एक ही व्यवसाय करनेवाले, सटवृत्ति सटव्यवसायी।

हमपमाँ (همپیمان) का वि-एक प्रतिना म बधे हुए।

हमपमान (همپیمان) का वि-एक प्याळ म शराव पानवाले घनिष्ठ मित्र गरानी।

हमवगल (هموغل) का वि-आलिंगित वगलगीर पाद्व में बठनेवाला।

हमवम (هموم) का वि-एक सभा में जाने-आनेवाले एक सभा के सदस्य।

हमबाज (همبار) का वि-गरीक साक्षा, भागीदार।

हमबिस्तर (همبستر) का वि-एक गय्या पर सोनेवाला (किमी के साथ) सहवास करनेवाला।

हमबिस्तरी (همبستری) का स्त्री-किमी के साथ एक गय्या पर सोना मयुत करना सहवास।

हममवतब (هممکتب) का अ वि-जो एक मक्तब में साथ-साथ पडे हा सहापाठी सहाध्यायी।

हममजहब (هممذهب) का अ वि-एक धम के मानने वाले सहधर्मी।

हममजहबीयत (هممذهبت) का अ स्त्री-एक धर्माविवा होना।

हममकब (هممکر) का अ वि-जिन सबका एक केन्द्र हो सहकेंद्र।

हममकबीयत (هممکرت) का अ स्त्री-एक मकबी होना एक केन्द्र स मन्वयित।

हममशब (هممسرب) का अ वि-एक पय के अनुयायी एक आचार विचारवाला।

हममशबीयत (هممسربت) का अ स्त्री-एक पय का अनुकरण करना एक आचार विचार का हाना।

हममाँना (هممعلی) का अ वि-एक अथवाल गप पर्यायवाची समानाथक एकाधी।

हममगुन्द (همموسند) का अ वि-एक धमगुन के मानने वाले।

हममुल्क (همملک) का अ वि-एक देग के निवासी धनपद।

हमरग (همرنگ) का वि-एक-जस वगवाले समवण एकवण, एक-जस आचार विचारवाले।

हमरगी (همرنگی) का स्त्री-एक जस रम का हाना, एक जसे आचार विचार का होना।

हमरहिम (همرحیم) का अ वि-सगा सहार सोदरीय हकीवी।

हमराए (همراز) का वि-जिनकी राय एक हा सहमत।

हमराब (همراز) का वि-जो विगा का गुप्त भद जानता हा ममन मित्र, दास्त।

हमराह (همراه) का वि-रास्ते का साथी साथ चलने वाग सहपथी, साथ।

हमराही (همراهی) का पु-रास्ते में साथ चलनवाला सहपथी रस्ते में साथ चलना।

हमराहे रिक्वाव (همراهه ریکوای) का वि-घुडसवार के साथ चलनेवाला साथ चलनेवाला।

हमरिकाव (همریکاب) का वि-दे हमराहे रिक्वाव।

हमरकाबी (همرکابی) का स्त्री-साथ चलना।

हमरिस्त (همرست) का वि-एक डारे में पिराई हुई चीजे रिस्तेदार स्वजन सूचित सलग नत्वी मुसलिक।

हमरिस्तगी (همرستگی) का स्त्री-एक डारे में पिराव हुआ होना रिस्तेगारी नत्वी हाना सलग होना।

हमरुतब (همرشد) का अ वि-एक-जस पन्वाले एक श्रेणीवाले।

हमरोज (همروزه) का वि-उसी दिन, उसी रोज उमा दिन का।

हमल (همل) अ पु-भेड या बकरी का बच्चा मय राणि कुजे हमल।

हमवदन (هموون) का अ वि-तौल म बराबर सम तुकित छद की मात्राया के हिसाब स बराबर समान तुल्य मिसल।

हमवतन (هموطن) का अ वि-एक नगर क रहनेवाले एक देश के रहनेवाले।

हमवतनी (هموطنی) अ फा स्त्री-एक नगर या देश का निवास।

हमवार (هموار) का वि-सदा सबदा, हमेगा निर तर लगातार।

हमवार (هموار) का वि-समतल धौरस जगीकृत राबी।

हमावल (همسکلی) का अ वि-एक-जसी गलवा एक रूप अनरूप तूप समावार।

हमावली (همسکلی) का अ स्त्री-रूप का समानता

हमशबोह (همشبوہ) फा अ. वि.—दे 'हमशकल'।
 हमशीर: (همشیر) फा स्त्री.—भगिनी, सहोदरा, स्वसा,
 वहन।
 हमशीर (همشیر) फा स्त्री.—दे 'हमशीर'।
 हमशीरजाद: (همشیرزادہ) फा पु.—बहन का लटका,
 भागजा, भगिनीसुत, भार्गिनिय।
 हमशोए (همشوع) फा स्त्री.—एक शौहरवाली स्त्रियाँ,
 वह स्त्रियाँ जिनका पति एक हो।
 हमशीहर (همشہر) फा स्त्री.—दे 'हमशोए'।
 हमसंग (همسنگ) फा वि.—हम वज्ज, बराबर, तुल्य,
 समान।
 हमसफर (همسفر) फा अ. वि.—यात्रा का साथी, सहपथी,
 सहप्रयायी।
 हमसफरी (همسفری) फा. अ. स्त्री.—यात्रा में साथ होना,
 सफर का साथ।
 हमसफीर (همصغیر) फा अ वि.—बाग में साथ चहचहाने-
 वाली चिडियाँ; मित्र, दोस्त।
 हमसफ़: (همسفر) फा. अ. वि.—एक ही दस्तरखवान् पर
 जाना खानेवाले, घनिष्ठ मित्र।
 हमसबक (همسبق) फा अ. वि.—साथ पढनेवाले, सहपाठी।
 हमसर (همسر) फा वि.—बराबर, समान।
 हमसरी (همسری) फा स्त्री.—समानता, बराबरी, उद्दंडता,
 अक्खडपन।
 हमसाज़ (همسار) फा वि.—मित्र, दोस्त।
 हमसाय: (همسایہ) फा पु.—प्रतिवासी, पडोसी, प्रतिवेशी।
 हमसायगी (همسایگی) फा स्त्री.—पडोस, प्रतिवास।
 हमसाल (همسال) फा वि.—एक ही सन की पैदाइश, सम-
 सामायिक, हमउम्र।
 हमसिन (همسن) फा अ वि.—समवयस्क, वय स्थ, सम-
 सामयिक, एक उम्रवाले।
 हमसिनी (همسینی) फा अ स्त्री.—उम्र की बराबरी, स-
 वयस्कता।
 हमसिल्क (همسایک) फा अ पु.—समघी, दूल्हा और दुल्हन
 के बाप आपस में।
 हमसुखन (همسختن) फा. वि.—साथ-साथ बातें करनेवाले,
 साथ-साथ कविता करनेवाले।
 हमसुखनी (همسختنی) फा स्त्री.—परस्परवार्तालाप करना,
 साथ-साथ कविता करना।
 हमसुहबत (همصحبت) फा अ वि.—सहवास करने-
 वाला, हमविस्तर, पास बैठने-उठनेवाला, सभासद।
 हमसूरत (همصورت) फा अ वि.—दे 'हमशकल'।

हमसौत (همصوت) फा अ. वि.—जिनकी आवाज एक-सी
 हो, हमआवाज।
 हमहम: (همهمه) फा. पु.—शेर की दहाड़, सिंह-गर्जन;
 आतंक, धाक; जोर-जोर, धूमवाम।
 हमाँ (همان) फा वि.—वही; वह।
 हमामंदस (هماندم) फा. अव्य.—उसी समय, तत्क्षण, उसी
 वक्त।
 हमाइद (همائید) अ पु.—'हमीद' का बहु, अच्छाइयाँ,
 खूबियाँ।
 हमाइल (همائل) अ. स्त्री.—वगल में लटकाने की चीज;
 छोटा कुरान; गरदन में पड़ा हुआ हाथ।
 हमाकत (هماکت) अ स्त्री.—मूर्खता, मूढता, निर्बुद्धता,
 बेवकूफी, अज्ञान, जहालत।
 हमाकतआगी (هماکت آگین) अ फा वि.—मूर्खतापूर्ण,
 बेवकूफी से भरा हुआ।
 हमाकतआमेज़ (هماکت آمیز) अ. फा वि.—दे. 'हमाकत-
 आगी'।
 हमाकतमआव (هماکت معاب) अ वि.—बहुत बड़ा मूर्ख,
 जिसकी सारी बातें ही बेवकूफी की होती हो।
 हमाकतशिआर (هماکت شععار) अ. वि.—महामूर्ख, बहुत
 बड़ा बेवकूफ।
 हमाना (همانا) फा अव्य.—निश्चित, यकीनी, कदाचित्,
 शायद, मानो, गोया, जैसे।
 हमाम: (همامه) अ. पु.—हर वह पक्षी जिसके गले में कठी
 हो, कवूतर, कपोत।
 हमाम (همام) अ पु.—कपोत, पारावत, कवूतर।
 हमार: (همار) फा पु.—अनुमान, अदाजा; सतत, सदा,
 हमेशा।
 हमामत (هماست) अ स्त्री.—वीरता, शूरता, शौर्य,
 बहादुरी।
 हमाल (همال) अ वि.—सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।
 हमी (همیں) फा वि.—यही, यह।
 हमीद: (همید) अ वि.—साध्वी, पुनीता, पवित्रा, पूज्या,
 श्रेष्ठा और उत्तमा स्त्री।
 हमीद (همید) अ वि.—पुनीत, सदाचारी, प्रशंसित,
 सराहनीय।
 हमीम (همیم) अ वि.—गर्म, उष्ण, गर्म पानी, उष्ण जल;
 स्वजन, रिश्तेदार; जिसे ज्वर हो।
 हमीयत (همیئت) अ स्त्री.—लज्जा, लाज, गैरत, स्वाभि-
 मान, खुददारी।
 हमीर (همیر) अ पु.—'हिमार' का बहु, गधे।

हमशा (همشه) फा वि-सबदा, मन्त्र निय, हरकन,
निरतर लगातर अधिकतर प्राय ।

हमेग फा वि-हमगा रहनेवाला
वारहमामा ।

हमेगागी (همسگی) फा स्त्री-निपना निरतरता
सदवता ।

हम्ब (حمو) अ प-गेर गिह व्याघ्र ।

हम्ब (حمو) अ स्त्री-अरबी का अलिफ तिस पर खबर
खेर या पग हा ।

हम्ब (عمر) अ पु-निचाडना आस मारना ।

हम्ब (حمد) अ स्त्री-प्रासा तारीफ, ईस्वरकी स्तुति
खुना की तारीफ ।

हम्बगी (حمدگو) अ फा-इस्वर की बदना और स्तुति
करनेवाला ।

हम्बसरा (حمسرا) अ फा वि-इस्वर का गुणगान करने
वाला स्तुति-पाठक ।

हम्बसराई (حمسرای) अ फा स्त्री-ईस्वर का स्तुति
करना ।

हम्बून (حمرون) फा पु-कपि मकट, वानर वनर ।

हम्बून (حمدن) फा पु-निदान मेहल लिंग केर ।

हम्माम (حمام) अ पु-स्नागार गुस्लखाना वह गुस्ल
खाना जिममें गम कमरे हा और नहलानेवाले गरीर मलन
और मल छुडात हा ।

हम्मामी (حمامي) अ वि-गम हम्माम के अंदर नहलाने
और देन मग्नेवाला ।

हम्माल (حمال) अ पु-बाइ डोनेवाला भार-वाहक ।

हम्माली (حمالی) अ स्त्री-बोव डोन का काम
मजूरी ।

हम्ना (حمرا) अ वि-लाल रंग की स्त्री मूव गोरी स्त्री ।

हम्न (حملة) अ पु-आघात चाट वार जानमण
सना का हम्न चन्ग युद्धयाना ।

हम्न आवर (حملة اور) अ फा वि-जानमणकारी हम्न
करनेवाला आशामक ।

हम्न आवरी (حملة اوری) अ फा स्त्री-जानमण करना
चन्ग कग्ना धावा बोल्ना ।

हम्नगोरी (حملة گبری) अ फा स्त्री-गवु के आशमण
को सहन करना हम्न बदस्त करता ।

हम्नवर (حملة) अ फा वि-हम्न आवर ।

हम्नवरी (حملة وری) अ फा स्त्री-हम्न आवरी ।

हम्न (حمل) अ पु-बोड उठाना, बोव भार विचार
सवाल, भारत, मडमल गम पेट ।

हम्स (همس) अ स्त्री-नम आवाज, कोमठ और मडुल
ध्वनि ।

ह्या (حنا) अ स्त्री-रज्जा बाइ गम ।

ह्यात (حنات) अ स्त्री-आवन जिदगी ।

ह्यातीन (حنائین) अ पु-विटमिन जावति ।

ह्याते फानी (حنات فانی) अ स्त्री-नष्ट होनेवाला जीवन
नखर प्राण ।

ह्याते मुस्तजार (حنات مستعار) अ स्त्री-थोड टिना का
जीवन जस्यो जिन्गी ।

ह्यातोममात (حنات ممان) अ स्त्री-आवन-भरण मोत
और जिन्गी ।

ह्यादार (حنادار) अ फा वि-जिसमें रज्जा हो,
रज्जागील, रज्जागालीन ।

ह्यापवर (حنانور) अ फा वि-रज्जावान रज्जागील,
ह्यादार ।

ह्यारफ्त (حیاریه) अ फा वि-विगतलज्ज बहया
जिसकी रज्जा चला गयी हो ।

ह्यातोब (حیاسور) अ फा वि-लज्जाजनक, पृणित
घिनावना ।

हर [र] (حر) अ स्त्री-भारी उष्णता ताप हररत ।

हर (هر) फा वि-सब कोई हरेक ।

हर आंकि (هرآنکه) फा अर्थ-जो को जो व्यक्ति ।

हर आचे (هرآنکه) फा अर्थ-जो चीज ।

हर आइन (هرآنکه) फा अर्थ-अवयव खतर विवगत
पूख नाचार निमेट्टे बेगल ।

हरक (حرا) अ पु-अनि आग आतग ।

हरकत (حرکت) अ स्त्री-गति चाल, घुरा वाम व
मझगी ।

हरकते मच्चूही (حرکت مدبوحی) अ स्त्री-घुरी हलत
नुकमान पहुचानेवागी हरकत ।

हरकत (حرکت) अ स्त्री-हरकत का बहु हरकत ।

हल्लार (حرارة) फा पु-गक ले जानेवाला एक जगह
स दूसरी जगह चिटठी आनि पहुचानेवाला धावक ।

हर कतो नाकस (هرکس و ناکس) फा वि-हर को
छाट-बड़े सब अल्ले-घुरे सब ।

हर कुजा (هرکجا) फा वि-हर जगह, हर स्थान पर
जिस जगह जग ।

हरगह (هرگه) फा वि-हरगाह काल्पु दे हरगाह ।

हरगाह (هرگاه) फा वि-हर समय जिस समय ।

हरगिब (هرگز) फा अर्थ-नदायि कभी नहीं ।

हरखद (هرخند) फा अर्थ-जिठना कुछ जिस इतर

कितना ही, कितना भी, मयपि, अगरचे, उदा०—“हे वह
गुहरे हुन्न से वेगानए वफा । हरचद उसके पास दिटे
हजगनास है ।”-गालिय ।

हरचे (هرچه) फा अव्य-जो कुछ ।

हरचे बादावाव (هرچه بادا باد) फा वा-जो हों नो हों ।

हएज (هرج) अ पुं.-हानि, नुकसान; उपद्रव, गज्वड़ ।

हर जा (هرجا) फा. वि-हर जगह, हर स्थान पर ।

हरनाई (هرحائی) फा वि.-हर जगह पहुँचनेवाला
(वाली), हरेक के पान रहनेवाली स्त्री, कुलटा, व्यभि-
चारिणी ।

हरम (هرم) फा. वि-हर समय, हर वक्त; निरंतर,
लगातार; नित्य, हमेजा ।

हरमप्रयाल (هرم خيال) फा वि-ऐसा आदमी जो समय-
समय पर अपनी राय बदले, विपमजील, अनेकचित्त ।

हरदिलअजीज (هردل عزیز) फा. अ वि-जिसे सब पसंद
करे, सर्वप्रिय, लोकप्रिय ।

हरदो (هردو) फा. वि-दोनों, उभय ।

हरदोसरा (هردوسرا) फा स्त्री-उभयलोक, ससार और
परलोक ।

हरनफस (هرنفس) फा अ वि-हरदम, हरवक्त ।

हरनोई (هرنوعی) फा. अ. वि.-हर प्रकार का, हर
तरह का ।

हरव (هرب) अ पुं-बहुत अधिक दुख, पलायन, भागना ।

हरखाबी (هرखابی) फा. वि-सर्वज्ञ, सब कुछ जाननेवाला ।

हरवार (هرवार) फा वि-हर दफा, हर मर्तवा ।

हरम (هرم) अ. पुं-काँवा, खुदा का घर, मक्के के
बासपास का क्षेत्र जिसके अंदर किसी प्राणी की हिंसा करना
महापाप है, श्रेष्ठ जनों के घर की स्त्रियाँ, अत.पुर,
जनानखाना, वह बाँदी जिसे पत्नी बना लिया गया हो ।

हरम (هرم) अ पुं-प्राचीन इमारत, गुबद; बुढापा, जरा ।

हरमखानः (هرمخانه) अ फा पुं-दे. 'हरम सरा' ।

हरमगाह (هرمگاه) अ फा स्त्री-दे 'हरम सरा' ।

हरम सरा (هرم سرا) अ फा स्त्री-बड़े आदमियों का जनान-
खाना, अत पुर ।

हरमाहः (هرماهه) फा. वि-हर महीने होनेवाला ।

हरमैन (هرميين) अ पुं-दोनों हरम अर्थात् मक्का और
मदीना ।

हरयक (هریک) फा वि-हर एक, हर कोई ।

हररोजः (هرروزه) फा वि-हर दिन होनेवाला, हर
दिन का ।

हरलमूहः (هرلسکته) फा अ वि-हर क्षण, प्रति क्षण ।

हरवक्त (هروقت) फा अ वि-हर समय, हर दम;
निरंतर, लगातार ।

हररावः (هررسته) फा. वि.-हर रात का; हर रात को
होनेवाला ।

हरस (هرس) अ पुं-शाही जनानखाने का सरक्षक,
अत पुरिक; बहुत अधिक नमय ।

हरसालः (هرساله) फा. वि-हर वर्ष होने या पानेवाला,
हर साल का ।

हरसू (هرسو) फा वि.-हर तरफ, चारो ओर, चहुँओर,
चारो तरफ ।

हररूपत (هررہفت) प्रा स्त्री.-औरतो के सिंगार की सात
वस्तुएँ (ईरानी); वरय.; मेहदी, गूलगून, सफेदाव,
जरक, गालिय, मुर्म; -हिंदी; वस्त्र, आभूषण;
मेहदी, सुर्मा, पान, मिस्ती, वालो की सजावट ।

हराज (هراج) अ पुं-नीलाम ।

हराम (هرام) अ पुं-जिसका खान-पान धर्म में वर्जित हो,
अविहित, व्यभिचार, परस्त्री अथवा परपुरुष गमन, जिना;
प्रतिष्ठित, पूज्य, मुकद्दस ।

हरामकार (هرامکار) अ फा वि-व्यभिचारी, लंपट,
परस्त्रीगामी, जानी ।

हरामकारी (هرامکاری) अ. फा स्त्री.-व्यभिचार, परस्त्री-
गमन, जिना ।

हरामखोर (هرامخور) अ फा. वि.-मेहनत न करके मुफ्त
का खानेवाला; कामचोर, कृतघ्न, नमकहराम ।

हरामखोरी (هرامخوری) अ फा स्त्री-मुफ्त का खाना,
कामचोरी करता; कृतघ्नता, नमकहरामी ।

हरामजादः (هرامزاده) अ. फा वि-हराम का बच्चा,
दोगला, जारज, वर्ण-संकर, धूर्त, खवीस ।

हरामजादगी (هرامزادگی) अ फा. स्त्री-दोगलापन;
धूर्तता, खवासत ।

हरामतोशः (هرامتوشه) अ फा. वि-नमकहराम, कृतघ्न ।

हराममसज (هراممسجر) अ पुं.-रीठ की हड्डी का गूदा ।

हरामसूरत (هرامصورت) अ वि-सूरतहराम, जो कुछ करे
धरे नहीं और मुफ्त में खाना चाहे, पाजी, कमीना ।

हरामी (هرامی) अ वि.-दोगला, जारज, संकर ।

हरामुहहर (هراموهر) अ वि-खवीस, दुष्टात्मा, बहुत
ही पाजी, धूर्त, एक गाली ।

हरारः (هراره) अ पुं-दे 'हरारत' ।

हरारत (هرارت) अ स्त्री-उष्णता, गर्मी, हलका ज्वर,
हलका बुखार ।

हरारते गरीजी (هرارت غریبی) अ स्त्री.-शरीर के भीतर

बी वह गर्मा जिसस शरार क सारे बल पुर्जे ठाक ठीक काम करने ह प्राणानि ।
 हरारते गरीबी (حرارة عرسى) अ स्त्री-दे 'हरारत' परतवई ।
 हरारते घरतवई (حرارة عطريعى) अ स्त्री-शरीर क भीतर की अप्राकृतिक गर्मी जिस-ज्वर आदि की गर्मी ।
 हरारते तवई (حرارة طبعى) अ स्त्री-दे 'हरारत' गयेजी प्राकृतिक गर्मी ।
 हरिक (حرق) अ वि-दग्ध जला हुआ जलन, तपन ।
 हरिम (حرم) अ पू-जस्त बद्ध बूदा ।
 हरीक (حرق) अ वि-दग्ध जला हुआ ताप, जलन ।
 हरीफ (حرف) अ पू-जिसस मुकाबला हा, प्रतिद्वन्दा शत्रु दुश्मन जिसस लाग डोट हो, रकीव एक नायिका के दा प्रेमी परस्पर प्रतिनायक ।
 हरीफान (حرفان) अ फा वि-हरीफो जसा प्रति द्वंद्विया जमा शत्रुजा जसा, रकीवा जसा ।
 हरीफे मुकाबिल (حرف مقابل) अ पू-जिसस मुकाबला हा जिससे हाठ हो जिससे लडाई हो ।
 हरीम (حرم) अ पू-घर की चारदीवारी प्राचीर घर मकान भवन प्रासाद ।
 हरीमे किन्निया (حرم كبرى) अ पू-अश, वह स्थान जहा ईश्वर का गिहासन ह ।
 हरीमे मुदस (حرم مقدس) अ पू-अग ।
 हरीमे नाज (حرم ناز) अ फा पू-हरीमे यार ।
 हरीमे यार (حرم ناز) अ फा पू-प्रमिका का घर ।
 हरीर (حر) अ प-एक मीठा पेय आटा शकर मेवा और घा से बना हुआ पतला लपटा ।
 हरीर (حر) अ पू-एक देरमी और बारीक कपडा ।
 हरीश (حرش) अ स्त्री-एक पतला चीना बनसलाई ।
 हरीस (حرسة) अ पू-एक प्रकार का पतला लपटा ।
 हरीस (حرمى) अ वि-ओटुप उामी सिप्सु लाकची ।
 हक (حرق) अ पू-जानना ।
 हकत (حرق) अ स्त्री-हकत गुद वही है परतु गट भी बालन ह ।
 हज (حرجه) फा पू-तावान क्षतिपूर्ण हरजाना ।
 हज (حرجه) फा पू-व्यथ अनगल बेहूदा ।
 हजकार (حرجة) फा वि-व्यथ के और फुडूल के काम करनेवाला व्यथकारी ।
 हजकारी (حرجة) फा स्त्री-व्यथ क काम करना ।
 हज गद (حرجة) फा वि-व्यथ में इधर उधर मारा मारा करनेवाला व्यथ भ्रमी ।

हज गर्वी (حرجة) फा स्त्री-व्यथ और बेकार में घूमना फिरना ।
 हज गो (حرجة) फा वि-व्यथ की और नि सार बात करनेवाला अनगलवादी ।
 हज गोई (حرجة) फा स्त्री-व्यथ की बात करना ।
 हज गोश (حرجة) फा वि-व्यथ की बातें सुन में समय गंवानेवाला ।
 हज चान (حرجة) फा वि-दे 'हज गो' ।
 हज दबी (حرجة) फा स्त्री-व्यथ में इधर उधर भागना व्यथ का प्रयास करना ।
 हज विरा (حرجة) फा वि-दे 'हज गा' ।
 हज विराई (حرجة) फा स्त्री-दे 'हज गाई' ।
 हज ला (حرجة) फा वि-दे 'हज गो' ।
 हज सर (حرجة) फा वि-दे 'हज गो' ।
 हज सराई (حرجة) फा स्त्री-दे 'हज गाई' ।
 हजमज (حرجة) फा पू-उपद्रव, गन्वड दगा ।
 हजान (حرجة) फा पू-वद धन जो किसी हानि की पूर्ति के लिए लिया जाय तावान ।
 हफ (حرف) अ पू-अगर, वष, वात शब्द, दाप ऐव, बुराई (ब्या) अव्यय ।
 हफअबाव (حرف ابدار) अ फा वि-धूत पषक, चालाक ।
 हफअबावी (حرف ابدار) अ फा स्त्री-धूतता छल, चालाकी फरेव ।
 हफआशाना (حرف آسانا) अ फा वि-बहुत कम पढ़ा लिखा जो अटक-अटक कर उल्टा साधा पलनवाला ।
 हफगीर (حرف گير) अ फा वि-आशोचना करनेवाला, ऐव निचालनेवाला छिद्रा बेपी ।
 हफगीरी (حرف گيرى) अ फा स्त्री-आशोचना एव जो छिद्रा बेपण ।
 हफजन (حرف جن) अ फा वि-धान करनेवाला, बात करता हुआ ।
 हफजनों (حرف جنسى) अ फा स्त्री-बाँवरेला बार्नलपन करना ।
 हफन हफन (حرفاً حرفاً) अ वि-अगर एव एव हफ करके पूरा-पूरा विस्तारपूर्वक ।
 हफनाआना (حرف آسانا) अ फा वि-असिद्धि के पढ़ा लिगा ।
 हफ बहक (حرف بھک) अ फा वि-दे 'हफन हफन' ।
 हफनास (حرف ناس) अ फा वि-बेबल अगर जानने वाला

हर्षनाती (حرف شناسی) अ. फा स्त्री—केवल अक्षरों का ज्ञान, बहुत कम पढा होना ।

हर्षी (حرفی) अ. वि.—अक्षरवाला; अक्षर का; अक्षर-सम्बन्धी ।

हर्षक (حرف عطف) अ. पु.—वह अक्षर जो दो शब्दों को परस्पर मिलाने के लिए उनके बीच में आये, जैसे—
रोजोव (रोज व शव) में 'वाव' ।

हर्षाखिर (حرف آخر) अ. पु.—आखिरी बात, अन्तिम निर्णय, अटल बात, पक्की बात ।

हर्षाफत (حرف إضामت) अ. पु.—दो शब्दों के सम्बन्ध के लिए बीच में आनेवाला अव्यय, जैसे—'राम का घोड़ा' में 'का' ।

हर्ष इल्लत (حرف علت) अ. पु.—उर्दू में अलिफ, वाव और ये, हिंदी में 'स्वर', इंगलिश में 'वावेल' ।

हर्ष इस्तिद्वाक (حرف استدراک) अ. पु.—वह अव्यय जो प्रश्नवाचक हो ।

हर्ष इस्तिस्ना (حرف استئنا) अ. पु.—वह अव्यय जिससे कोई मुस्तस्ना बनता हो, जैसे—"सब आ गए मगर राम" में मगर ।

हर्ष कमरी (حرف قمری) अ. पु.—दे. 'हुरफे कमरी' ।

हर्ष गलत (حرف غلط) अ. पु.—वह अक्षर जो अशुद्ध हो और जिसका मिटाना अनिवार्य हो, जैसे—हर्ष-गलत की तर्ह मुझे क्यों मिटा दिया? झूठी बात ।

हर्ष जर (حرف جر) अ. पु.—इजाफत देनेवाला अव्यय ।

हर्ष तंबीह (حرف تشبیه) अ. पु.—चेतावनी देनेवाली बात ।

हर्ष तदीद (حرف تردید) अ. पु.—खडन करनेवाला कथन ।

हर्ष तशबीह (حرف تشبیه) अ. पु.—वह शब्द जो उपमा के लिए आये, जैसे—समान, तुल्य, सदृश ।

हर्ष ताकीद (حرف تاکید) अ. पु.—दे. 'हर्ष तंबीह' ।

हर्ष नफी (حرف نفی) अ. पु.—वह शब्द जो 'न' के अर्थ में आये ।

हर्ष निदा (حرف نداء) अ. पु.—वह शब्द जिससे सम्बोधन किया जाय ।

हर्ष नुद्बः (حرف نداء) अ. पु.—वह शब्द या अव्यय जो विलाप के लिए बोला जाय, जैसे—हाय, आह ।

हर्ष मतलब (حرف مطلب) अ. पु.—मतलब की बात, उद्देश्य, आशय ।

हर्ष मुकरर (حرف مکرر) अ. पु.—दुबारा आया हुआ शब्द, दो बार कही हुई बात ।

हर्ष वसल (حرف وصل) अ. पु.—दो शब्दों को जोड़नेवाला अक्षर ।

हर्ष शम्सी (حرف شمسی) अ. पु.—दे 'हुरफे शम्सी' ।

हर्ष सहीह (حرف صحیح) अ. पु.—सच्ची बात, व्यजन, वह अक्षर जो स्वर न हो, वह हर्ष जो हर्ष इल्लत न हो ।

हर्षोहिकाफत (حرف وحکایت) अ. स्त्री—कथोपकथन, वार्तालाप, बातचीत ।

हर्षः (حرف) अ. पु.—अस्त्र, गस्त्र, हथियार, आक्रमण, आघात, वार; मार्ग, शक्ति ।

हर्ष (حرف) अ. पु.—युद्ध, संगम, समर, लड़ाई, जग ।

हर्षगाह (حرف گاه) अ. फा. स्त्री.—युद्धक्षेत्र, रणस्थल, मैदाने जग ।

हर्षी (حرفی) अ. वि.—युद्ध सम्बन्धी, सैनिक, जगी ।

हर्षोखरब (حرف وخراب) अ. पु.—मारकाट, लडाई-झगडा, खून-खराबा ।

हर्षाफः (حرف اف) अ. स्त्री—बहुत अधिक बातूनी स्त्री; कुलटा, भ्रष्टा, असाध्वी, धूर्ता ।

हर्षाफ (حرف اف) अ. वि.—वाचाल, मुस्वर, बातूनी, लस्सान; धूर्त, चालाक ।

हर्षास (حرف اس) अ. वि—कृषक, किसान, काश्तकार ।

हर्ष (حرف) अ. पु.—कृषि, खेती, काश्त ।

हर्ष (حرف) अ. पु.—हिरासत, पकड, निगरानी ।

हल [ल] (حल) अ. पु.—समाधान, सुलझाव, धूल जाना, विलयन, मुअम्मे के रिक्त स्थानों की पूर्ति, सुगमता, सरलता, आसानी ।

हलकः (هلاک) हालिक का बहु., मरनेवाले, हत होनेवाले, हलाक होनेवाले ।

हलक (حلاک) अ. स्त्री—गहरी कालिमा, गहरी मियाही ।

हलव (حلب) अ. पु.—ताजा दुहा हुआ दूध; एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का दर्पण प्रसिद्ध है (शाम) ।

हलवी (حلبی) अ. वि—हलव का निवासी, हलव सम्बन्धी, हलव का बना हुआ ।

हलमः (حلمه) अ. स्त्री—भिटनी, वृत्त, स्तनवृत्त, स्तनाग्र, पुरश्छद ।

हलाइल (حلال) अ. स्त्री—'हलील' का बहु., व्याहता पत्नियाँ ।

हलाक (هلاک) फा वि—हत, मक्तूल, वधित, किसी घटना में मरा हुआ, जैसे—रेल की टक्कर में या महामारी में ।

हलाकखोर (هلاک خور) फा वि—मृतपशु का मांस खाने-वाला ।

हलाकत (هلاکت) फा. स्त्री—किसी घटना में मरना, कत्ल होना, वध ।

हलाकू (هلاکو) तु पु—दे 'हुलाकू', वही बुद्ध है ।

हलालः (حلاله) अ. पु.—तलाक की एक किस्म जिसमें

स्त्रा का दूसर व्यक्ति से व्याह करना पन्ता है और उक्त तलाक़ देने पर पहर पक्षि से व्याह कर सता है।

हलाल (حلال) अ वि-विहित जाइज जिसका खाना और पीना धर्म में बर्जित न हो। अर्थात् किया हुआ ज़वीत।

हलालतोर (حلال‌تور) अ फा पु-महतर, नगा।

हलालजान (حلال‌جان) अ फा पु-ना गुद जोरम से हो कुलान।

हलावत (حلاوت) अ स्त्रा-माधुय मिठाम गारीनी जाहिरा बेग़नी है स्वाव में छुपकर मित्रना-बया हलावत से भरा तज़ है उठपाने का।

हलावतबाग़ (حلاوت‌باغ) अ फा वि-मिठास चयनेवाला, स्वाद खेवाग़ जाण उठानेवाला।

हलायतपसद (حلاوت‌پسند) अ फा वि-जिम मिठास भिय खनी हा मिठाई अधिच खानेवाला।

हलावते जबा (حلاوت‌بان) अ फा स्त्री-बाता का रस भाषा की मन्ग़ता कविता का रस और घुलावट।

हलावते मुतन (حلاوت‌مستن) अ फा स्त्री-बाना की मिठाम बतरम बाना माधुय काय्य-माधुय गाइरा का रस।

हलाहिल (حلاهل) अ वि-कात्कूट हलाहल बहुत हा तीर और प्रचड विप।

हलीफ (حلیف) अ वि-जिमने किसी के साथ किसी बात की गपय ला हो मित्र दोस्त।

हलीब (حلیب) अ पु-ताज़ा दूध कच्चा दूध।

हलीम (حلیمه) अ स्त्री-महनीला गभीर स्त्री यह जिसने हयत मुहम्मद साहब को दूध पिलाया था।

हलीम (حليم) अ वि-सहनील गभीर मतीन बुदवार एक खाना खिचडी।

हलीमुत्तबअ (حليم‌الطبع) अ वि-जो प्रकृति से सहिष्णु और गभीर हो।

हलील (حلیله) अ स्त्री-विवाहिता पत्नी भाषा।

हलील (حلیل) अ प-गति स्वामी गीहर प्रतिवासा पडामी एक हा घर म रहनेवाग़ सहनिवासी।

हलल (حلیل) अ पु-हड हरातकी एक फर जो दवा म काम आता है।

हल्ल (حلیله) अ पु-परिधि महल, घरा मडली समुदाय जमाअत क्षेत्र प्रक्षेत्र इलाक़ा।

हल्ल नुमा (حلیله‌نما) अ फा वि-गोलाकार गोठ।

हल्लदरसीग (حلیله‌درکوش) अ फा वि-हल्ल बगोण

हल्लबगोण (حلیله‌بگوش) अ फा वि-जिसके काम में दामना का कुडल पडा हो दास भक्त थडाउ अनुयायी बहुत अधिक थडा रखनेवाला।

हल्ल (حلیله) अ पु-गठ, गला, बाल मुन्ना, मुन्ना। हल्लए बइरब (حلیله‌امرو) अ पु-रिगारा की पनाउत बबुवग।

हल्लए अठ बाव (حلیله‌احباب) अ प-दोना का हल्लग, मित्र-मडली मित्रवग, मित्रगण।

हल्लए आघोण (حلیله‌اموش) अ फा पु-हाया से वनाय हुआ आलियन के लिए घेरा, मुज बपन।

हल्लए इरादत (حلیله‌ارادت) अ प-अनुराधियों का मडली भवगण।

हल्लए गिदाब (حلیله‌گوداب) अ फा पु-भवद, जलावट।

हल्लए घाम (حلیله‌حسم) अ फा पु-औन का घरा नेत्र-मडल नेत्र-गालक।

हल्लए जजोर (حلیله‌رجزور) अ फा पु-जजोर की कनी, गुमला का छल्ला।

हल्लए दर (حلیله‌در) अ फा पु-खवाजे की कुण निवाडा की जवार।

हल्लए मकअद (حلیله‌مقعد) अ पु-मुदावन गुमदर, मद्रज का मुह।

हल्लए माह (حلیله‌ماه) अ फा पु-चाद के कारा और पडनेवाला घेरा, चद्रमडल परिवप, तेजमडल।

हल्लए मेह (حلیله‌مهر) अ फा पु-सूख के चारा और पडनेवाला घरा खिमडल खिविब।

हल्लची (حلیله‌چئی) अ फा स्त्री-जल्बा एक प्रसिड मिठाई।

हल्लकान (حلیله‌کان) पु वि-परास्त, चूर चूर कला आठ, अपमुआ।

हल्लकी (حلیله‌کئی) अ वि-बठ का कठ सम्बधी कठ से उच्चरित (असर)।

हल्लकूम (حلیله‌کوم) अ पु-कठ गला हल्लक।

हल्लक रास (حلیله‌راس) अ पु-सर मुडाना मडन।

हल्लकूर (حلیله‌کور) अ पु-अनुक दर गल सल।

हल्लक (حلیله‌ک) अ पु-गपय मोगध कसम।

हल्लकदरोसी (حلیله‌کدروسی) अ फा स्त्री-अदाला म चूठा हल्लक केना छठी शपय उठाना।

हल्लकन (حلیله‌کنا) अ वि-कसम से शपयपूवक।

हल्लकनाम (حلیله‌کنام) अ फा पु-शपयप इत बात की तहदार कि अनुक बाग शपयपूवक कहा गयी है।

हल्लकी (حلیله‌کئی) अ वि-हल्लक के साथ गपयपूवक।

हल्लकी गरई (حلیله‌کری) अ पु-धमगास्त्र के अनुसार उठाई हुई गपय।

हल्लक (حلیله‌ک) अ पु-दूध दुहना।

हलाक (حلاق) अ. वि.—मूँडनेवाला, क्षौरिक, नापित, नाई।
हलाकी (حلاقى) अ स्त्री—क्षौरकर्म, मूँडने का काम।
हल्लाज (حلالج) अ पु—रुई धुननेवाला, धुनिया।
हल्लाफ (حلاف) अ वि—वह व्यक्ति जो शपथ लेने का बादी हो।
हल्लाल (حلال) अ. वि.—प्रथि खोलनेवाला, समाधान करनेवाला।
हल्ले मुश्किल (حل مشکل) अ. पु—जटिल समस्याओं या कठिनाइयों को हल करना।
हल्लो अबद (حل وعقد) अ. पु—खोलना और बाँधना, प्रवच, व्यवस्था।
हल्ला (حلو) अ. पु—मीठी चीज, घी शकर मेवा और आटा आदि से बना हुआ खाद्य पदार्थ, संयाव।
हल्लवाई (حلوایى) अ. पु—हल्ला या मिठाई बनाने और बेचनेवाला।
हल्लाए तर (حلوای تر) अ. फा. पु—घी से तरवतर हल्ला।
हल्लाए वेदूद (حلوای لودون) अ फा पु—वह हल्ला जो ऐसी भाग पर पका हो जिसमें धुँवाँ न हो, अर्थात् मूँज की गर्मी से पके हुए फल।
हल्लाखोर (حلوآخور) अ फा वि—हल्ला खानेवाला।
हल्लाखोरोश (حلوآخوروش) अ फा वि—हल्ला बेचनेवाला।
हल्लक (حقوق) उ. वि—बुद्ध, बीडम, गावदी।
हल्ल (حول) अ वि—भेगापन, ऐचातानापन।
हल्लस (هوس) अ स्त्री—उत्कठा, लालसा, बढा हुआ शौक, लोभ, लालच।
हल्लसकार (هوسكار) अ फा वि—लोलुप, लोभी, लालची।
हल्लसकारी (هوسكارى) अ फा स्त्री—लालच करना, लोभ करना।
हल्लसनाक (هوسناك) अ फा वि—दे 'हल्लसपरस्त'।
हल्लसनाकी (هوسناكى) अ फा स्त्री—दे 'हल्लसपरस्ती'।
हल्लसपरस्त (هوسپرست) फा वि—लोभी, लालची, जो बहुत बडा लोभी हो।
हल्लसपरस्ती (هوسپرستى) फा स्त्री—लोभ, लालच।
हल्लसपेश (هوسپيشه) फा. वि—दे 'हल्लसपरस्त'।
हल्लसपेशगी (هوسپيشگى) फा स्त्री—दे 'हल्लसपरस्ती'।
हल्लसर (هوسران) फा. वि.—दे. 'हल्लसपरस्त'।
हल्लसरानी (هوسرانى) फा. स्त्री—दे 'हल्लसपरस्ती'।
हवा (هوا) अ स्त्री—इच्छा, आकाशा, ह्वाहिशा, लिप्ता, लोभ, लालच; धाक, रोव; वात, वायु, हवा।

हवाइज (حوایج) अ. पु—'हाजत' का बहु, आवश्यकताएँ।
हवाइजे जुहुरी (حوایج ضرورى) अ पु—प्रात.कर्म, गौचादि-कर्म, पेशाव पाखाना वगैर।
हवाइजे सित्तः (حوایج سیتت) अ. पु—जीवन के लिए छ मुख्य आवश्यकताएँ; पेशाव-पाखाना, खाना-पीना, सोना-जागना, चलना-फिरना, साँस लेना, खुशी और गम।
हवाई (هوائى) अ वि—वायु-सम्बन्धी, वायु का, एक आतशवाजी, वान।
हवाए गर्म (هوائے گرم) अ. फा स्त्री—गर्म हवा, तप्त वायु, लपट, लू।
हवाए तुंद (هوائے تند) अ फा स्त्री—तेज हवा, झकड़।
हवाए समूम (هوائے समوم) अ स्त्री.—जह्नीली हवा, विपाकत वायु।
हवाए सर्द (هوائے سرد) अ फा स्त्री—ठडी हवा, शीतल वायु।
हवाए सर्सर (هوائے سرسر) अ स्त्री—झकड़, आँधी, तेज हवा।
हवाखेजी (هواخیزى) अ. फा स्त्री—हवा उखडना, बँधी हुई वात विगडना, जमी हुई धाक का उखडना।
हवा खोर (هواخور) अ फा वि—सवेरे तडके खुली हवा में टहलनेवाला, वायु सेवन करनेवाला।
हवाखोरी (هواخورى) अ फा स्त्री—सवेरे तडके खुली हवा में टहलना, वायु-सेवन।
हवाल्वाह (هواخواه) अ फा वि—शुभचिंतक, भलाई चाहनेवाला, खैरस्वाह।
हवाल्वाही (هواخواهى) अ फा स्त्री.—भलाई चाहना, खैरस्वाही।
हवादार (هوادار) अ फा. वि—शुभचिंतक, विहीस्वाह; मित्र, दोस्त, एक खुली हुई पालकी।
हवादारी (هوادارى) अ फा. स्त्री—हितचिंतन, खैरस्वाही; मैत्री, दोस्ती।
हवादिज (هوادج) अ पु—'हीदज' का बहु, हाथी के हाँदे।
हवादिस (حواديس) अ पु—'हादिस' का बहु, हादिसे, दुर्घटनाएँ।
हवादिसभावना (حواديس/شننا) अ फा वि—जो दुर्घटनाएँ सहने का आदी हो।
हवादिसखेज (حواديس/خیر) अ फा वि—हादिसे और दुर्घटनाएँ उठानेवाला।
हवादिसे जमानः (حواديس/زمانه) अ पु—दे. 'हवादिसे रोजगार'।

हवादिसे रोजगार (حوادث و روزگار) अ फा पु—ता'चन, समय की उलट-गलट ।

हवान (هوان) अ स्त्री—जपमान, तिरस्कार बेइस्वती ।

हवापरस्त (هواپرست) अ फा वि—मौकापरस्त, अवसर वादी जिधर की हवा दखे उधर चलनेवाला ।

हवापरस्ती (هواپرستی) अ फा स्त्री—मौकापरस्ती, अवसरवादिता, जिधर की हवा हा उधर चलना ।

हवाबाज (هوا باز) अ फा वि—हवाई जहाज उड़ानेवाला, वायुयान चालक पाइलट ।

हवाबाजी (هوا بازی) अ फा स्त्री—हवाई जहाज चलाना, हवाबाज का पग या पद ।

हवाम (هوام) अ पु—जमान के भीतर रहनवाले प्राणी, जसे—साप विच्छू और बूह च्यूटी, कीउ मकोड़े आदि ।

हवामिल (حوامل) अ स्त्री—हामिल का बहु गभवती स्त्रिया ।

हवारफतार (هوارفتار) अ फा वि—हवा की भीति तज चलनेवाला वायुवेग ।

हवारफतारी (هوارفتاری) अ फा स्त्री—हवा की तरह तज चलना ।

हवारो (حواری) अ पु—प्रतिष्ठित मुख्य बुजुग, सहायक मददगार हजरत इमा का सहचर ।

हवाल (حواله) अ पु—सिपुन्गी हस्तांतरण नजीर, अवतरण ।

हवालजात (حوالجات) अ पु—हवाल का बहु हवाले अवतरण समूह अनूकाग समूह ।

हवालगत (حوالगत) अ स्त्री—हवाल का बहु मुकद्दमा त होने से पहले अपराधिया को रखने का स्थान ।

हवालगती (حوالی) अ वि—ता हवालगत में व' हो ।

हवालए गढ़ (حوالی گڑ) अ फा पु—नगर के आस पास का इलाका ।

हवाली (حوالی) अ पु—आस-पास चहुपास चहुओर ।

हवापी (حواسی) अ पु—हाशिय का बहु टिप्पणिया फुटनोटस ।

हवास [स्त] (حواس) अ पु—हास का बहु इद्रिया ।

हवासगुम (حواس گم) अ फा वि—हवासबाख्त ।

हवास बरजा (حواس برجا) अ फा वि—जिसके हीरो हवास ठीक हा दस्तन ।

हवासबाख्त (حواس باخت) अ फा वि—जिसके हीगा हवास ठीक न हा हतसत ।

हवासिल (حوامل) अ पु—होसल का बहु पणिया क पाटे एक जल्पशी जिसका पाटा बड़ा हाता है ।

हवासे छम्स (حواس حسه) अ पु—पांचा इन्द्रिया, पचंद्रिय ।

हवासे जाहिरी (حواس ظاهری) अ पु—बाहरी जवान दिखाई देनेवाली इद्रिया स्था, श्रवण घ्राण, स्वाद दृष्टि ।

हवासे वातिनी (حواس باطنی) अ पु—भीतरी इद्रिया स्मरण विचार कल्पना ।

हवेली (حوالی) फा स्त्री—हवाली का इमाल, पक्का और बड़ा मकान, भवन ।

हशफ (حشفه) अ पु—लिंगेनिय की सुपारी लिंगान दे हशफ' दाना गूद ह ।

हशम (حشم) अ पु—हाशिम का बहु, वह नौकर जो स्वामा के लिए लड़े नौकर चाकर ।

हशमत (حسمت) अ पु—नौकर चाकर, दूसरे अर्थ के लिए दे हिरमत ।

हशमोखदम (حسوحدم) अ पु—नौकर-चाकर, लाल लशकर, नौकरो की भीड़ भाड़ ।

हशर (حسره) अ पु—रेंगनेवाला कीड़ा ।

हशरत (حسرات) अ पु—हशर का बहु, कीड़े-मांडे ।

हशरतुअब (حشورات ارض) अ पु—जमान पर रेंगने वाले काड़े मकोड़े ।

हशा (حشا) अ पु—जो कुछ पेट और सीने के भीतर ह आत पीते आदि ।

हशाइग (حشاش) अ पु—हशीश का बहु, भूखी धाँसे भाँगे ।

हशाशत (هشاش) अ स्त्री—प्रकुल्लता, प्रसन्नता सग तगई ।

हशीग (حشیش) अ पु—सूखी धास भग, विजया ।

हस्तगुस्त (هست گشت) फा वि—आठ जगुल लंबा, आठ अंगलियावाला ।

हस्त (هست) फा वि—आठ अष्ट ।

हस्त अगुस्त (هست انگشت) फा वि—हस्तगु'त ।

हस्तगज (هست گنج) फा पु—नुस्त्री पर्वेज का आठ नियिया ।

हस्तगोग (هست گوسه) फा वि—आठ कोनावाला, अष्टकोण ।

हस्तनिकाती (هست نكای) फा अ वि—आठ उमूलो वाला अष्टसूत्री ।

हस्तपहलू (هست پهلوی) फा वि—आठ पाशवाला अष्ट सूत्री हस्तनिकाती ।

हस्तबिहित (هست بيهت) फा स्त्री—आठो स्था ।

हस्तबुस्ता (هشتبستان) फा पु—आठो वाग अर्थात् आठो स्वर्ग।
 हस्तमंजर (هشتمنظر) फा अ.पु—आठो स्वर्ग।
 हस्तमावा (هشتماوا) फा अ पु—आठो स्वर्ग।
 हस्तसद (هشتسعد) फा वि—आठ सौ।
 हस्ताद (هشتاد) फा वि—अस्सी, चालीस का दूना।
 हस्तादसालः (هشتادساله) फा. वि—अस्सी बरस का, अस्सी बरस में होनेवाला, अस्सी वर्ष का बूढा।
 हस्तुम (هستم) फा वि—आठवाँ, अष्टम्।
 हस्तुमी (هستمین) फा. वि—आठवाँ।
 हश्फ. (هشفه) अ पु—दे 'हश्फ.' दोनो शब्द हैं।
 हश्फ. (هش) अ पु—कियामत, महा प्रलय, कियामत में मरे हुए लोगो का उठना; आपत्ति, विपदा, मुसीबत।
 हश्फ. (هش) अ फा. वि—कियामत उठानेवाला, हलचल और हगामा मचा देनेवाला, उपद्रवकारी, प्रलयकर।
 हश्फ. (هش) अ फा स्त्री—उपद्रव और हलचल खडीकर देना, हगामा मचाना।
 हश्फ. (هش) अ वि—प्रेयसी, प्रेमिका।
 हश्फ. (هش) अ फा. वि—अपनी चाल से कियामत उठानेवाला, ऐसी चाल चलनेवाला जिससे ससार उथल-पुथल हो जाय।
 हश्फ. (هش) अ फा स्त्री—चाल से ससार को उलट-पलट देना।
 हश्फ. (هش) अ फा वि—दे 'हश्फ. अगेज'।
 हश्फ. (هش) अ फा स्त्री—दे 'हश्फ. अगेज'।
 हश्फ. (هش) अ फा वि—दे 'हश्फ. अगेज'।
 हश्फ. (هش) अ फा. स्त्री—दे 'हश्फ. अगेज'।
 हश्फ. (هش) अ फा. वि—उपद्रवो और हगामो की पर्वरिज करनेवाला।
 हश्फ. (هش) अ फा वि—उथल-पुथल और हगामो का सामान साथ रखनेवाला या सामान करनेवाला।
 हश्फ. (هش) अ फा स्त्री—उथल-पुथल करना, कियामत उठाना, ससार को अस्त-व्यस्त करना।
 हश्फ. (هش) अ पु—महाप्रलय, कियामत, मुदों का जी उठना और हर तरफ फैल जाना।
 हश्फ. (هش) अ पु—भरती की चीज, अदर भरी जानेवाली चीज, साहित्य में वह शब्द या वाक्य जिसके बिना भी अर्थ में कमी न आवे; उर्दू छंद में पद के आदि

हश्फ. (هش) अ. वि—भगड, भग पीनेवाला।
 हश्फ. (هش) अ. वि—हृष्ट, हर्षित, प्रसन्न, प्रफुल्ल, खुश।
 हश्फ. (هش) अ. वि—जो बहुत ही प्रसन्न और प्रफुल्ल हो; जो बहुत ही स्वस्थ हो।
 हश्फ. (هش) फा पु.—सूप, छाज, नाज फटकने का यंत्र।
 हश्फ. (هش) अ पु—गुखरू, गोखरू, विकटक, लोहे के गुखरूनुमा काँटे जो लडाईं में शत्रु के रास्ते में विछा दिये जाते थे।
 हश्फ. (هش) अ पु.—ईर्ष्या, मत्सर, डाह, जलन।
 हश्फ. (هش) अ पु.—भली चीज, सुंदर वस्तु, भलाई, नेकी।
 हश्फ. (هش) अ वि—रूपवान्, सुंदर, खूबसूरत, प्रियदर्शन, खुशनुमा, उत्तम, श्रेष्ठ, बढ़िया; हश्फ. अली के बड़े लडके, इमाम हुसैन के बड़े भाई।
 हश्फ. (هش) अ पु—'हसन' का बहु., भलाईयाँ, नेकियाँ, सुकृतियाँ।
 हश्फ. (هش) अ वि—इमाम हसन से सम्बन्ध रखनेवाला, उनका अनुयायी, उनका वंशज।
 हश्फ. (هش) अ पु.—दो 'हसन' अर्थात् हसन और हुसैन।
 हश्फ. (هش) अ. पु—खस्र., छोटे-छोटे लाल दाने जो बच्चो को निकल आते हैं, दे. 'हुस्व.' दोनो शब्द हैं।
 हश्फ. (هش) अ. पु—गणना, शुमार, अनुमान, अदाज; श्रेष्ठता, बडाई।
 हश्फ. (هش) अ स्त्री.—ईधन, जलाने की लकडी आदि।
 हश्फ. (هش) अ पु—कुलीनता और श्रेष्ठता, वंश और प्रतिष्ठा, खानदानी हालत।
 हश्फ. (هش) अ पु.—'हसात' का बहु., ककरियाँ, सगरेजे।
 हश्फ. (هش) अ स्त्री.—ककर, पत्थर, ककरी, ठीकरी; गुदों या मूत्राशय में वननेवाली पथरी, अन्मरी।
 हश्फ. (هش) अ. स्त्री.—बुद्धि परिपक्वता, अक्ल की पुस्तगी; सवेदनशीलता, तन्त्रिवाकारी।
 हश्फ. (هش) अ वि—काटा हुआ खेत, काटी हुई खेती।
 हश्फ. (هش) अ स्त्री—सुन्दर स्त्री, सुन्दरी, रूपवती, वरारोहा, शोभना, वरागता।
 हश्फ. (هش) अ वि—दृढ़ और मजबूत चीज।
 हश्फ. (هش) अ वि—सुंदर, रूपवान्, नुरूप, खूबसूरत; प्रियदर्शन, शोभन, सुगनुमा।
 हश्फ. (هش) अ वि—मुदृढ़, नुत्पिर, अविचल, मुस्तहकम।

हसीनतरीन (حسن تریں) अ वा वि-बहुत अधिक रूपवान सुदृग्म।

हसीनूलवह (حسن اوله) अ वि-अच्छी सूरतवाला रूपवान मरूप।

हसीब (حسب) अ वि-हियाव करनवाला पूय भाय बुजुग इन्वर का एक नाम।

हसीर (حصير) अ स्त्री-खजूर की चटाई।

हसीर (حسیر) अ वि-द खित तप्त कानि रजाना श्रात कगत गिबिल मादा।

हसूर (حسوی) अ वि-काटानार सक्कक निवृष्ट उपद्रवा गारार।

हसूद (حسو) अ वि-बहुत अधिक डाँ करनवाला।

हसून (حسور) अ वि-सयमी इद्रिय निग्रही परदेखगार जाहिद।

हसूर (حسو) अ वि-वह पुरूप आ स्त्री का ओर आकृष्ट न होता हो यद्यपि वह नपसक न हो।

हस्त (هست) का अब्य-है अस्ति (स्त्री) अस्तिय वजूद उपस्थिति मौजूग्या।

हस्तिए सरोख (هستی و خلدور) का स्त्री-या निना का गवन अस्थाया तीर शणिक जिग्गी।

हस्तिए जाविदा (هستی و جاوید) का स्त्री-एसा जीवन या कमा नाग न हा।

हस्तिए बुरोख (هستی و بد) का स्त्री-ह चदराज।

हस्तिए नापाएदार (هستی و ناپادار) का स्त्री-वह जीवन या स्थायी ओर द न हा नवर जीवन।

हस्तिए फली (هستی و فالی) का अ स्त्री-ह नापाएदार।

हस्तिए मुस्तभार (هستی و مستحار) का अ स्त्री-या निना के लिए प्राप्त जीवन या निना रहनवाला सगार।

हस्तिए मोहम (هستی و موهوم) का अ स्त्री-बह जीवन या दगन म ती जीवन हो परंतु उसना कोई अस्तिय न हा।

हस्ती (هستی) का स्त्री-अस्तिय वजूद जीवन प्राण जिग्गी ससार दुनिया प्राणावग महकूत मामय मकूर।

हस्तोस्त (هست هست) का अ स्त्री-उत्पत्ति ओर विना पना हाता ओर मरना हाता ओर न हाता पूय मय नय माम अग-हस्तोस्त का गिनार।

हस्तानुद (هستونود) का स्त्री-ह जीर पा।

हस्ता (هست) अ स्त्री-उत्पत्ति अस्तिय वजूद जीर उत्पत्ति वजूद या हा

हस्व (حسب) अ वि-अनुसार वमूजिब मुआफिक।

हस्वा (حسوا) अ स्त्री-ककरी ठावरी सरेज।

हस्वुत्तलव (حسب اعلی) अ वि-दुलान के अनुसार तलवा के वमूजिब मान के अनुसार।

हस्वुत्तहरीर (حسب ابد) अ वि-लिप्त क अनु सार हुकम के मुताबिक आगानुसार।

हस्वुत्तअम्र (حسب امر) अ वि-वहन के वगजिब कयानुसार हुकम के मुताबिक जादेगानुसार।

हस्वुत्तहुकम (حسب حکم) अ वि-हुकम के वमूजिब आगानुसार आदगानुसार यथानिदिष्ट।

हस्व अवल (حسب نقل) अ वि-बुद्धि के अनुसार समान व मुताबिक यथामति।

हस्व आवत (حسب عادت) अ वि-स्वभाव के अनुसार आगत के मुताबिक निय नियमानुसार राबमरी के मुताबिक।

हस्व इसाफ (حسب اصف) अ वि-याय की रू से यथा याय यथानुसार यथमत यथानुकूल यथानाति।

हस्व इजावत (حسب اجازت) अ वि-आगतमार अनुमति के वमूजिब इजावत के मुताबिक।

हस्व इतिफाक (حسب ايعان) अ वि-इतिफाकी तीर पर इतिफाकिया अकस्मात दययागन।

हस्व इर्गव (حسب ارمان) अ वि-वहन व मुताबिक कथनानुसार यथोक्त।

हस्व इस्तिताअत (حسب استطاعت) अ वि-अपन मकूर भर यथासामय यथागति।

हस्व ईमा (حسب ايمان) अ वि-इगार व मुताबिक सवेतानुसार हुकम के वमूजिब आगानुसार।

हस्व ए'लान (حسب اعلان) अ वि-घाषणा के अनुसार एलान के मुताबिक।

हस्व इादद (حسب اءدء) अ वि-नियमानुसार इाद व मुताबिक विधि के अनुसार कानून व मुताबिक।

हस्व कानून (حسب قانون) अ वि-विधि व अनुगा कानून के मुताबिक।

हस्व गिरमत (حسب حسب) अ वि-याय व मुताबिक जिनरी जिनती सवा हा उगत टिगाव स।

हस्व टगाटिग (حسب دو اعش) अ वा वि-अनुसार जिनरी जिनती हा उगत जिनरी जिनती हा।

हस्व डफ (حسب ذرف) अ वा वि-अनुसार यथागति व मुताबिक यथागति व मुताबिक।

हस्व वाकित (حسب वाكيت) अ वा वि-अनुसार यथागति व मुताबिक।

हखे जुस्तः (حسب حسب) अ वि-डील-डील के मुताबिक, यथाकाम।
 हखे जैल (حسب ذليل) अ वि-जो नीचे दिया गया हो, जितका चारा नीचे लिखा हो, निम्नलिखित।
 हखे तंबोह (حسب تندوبه) अ वि.-चेतावनी के अनुसार, हिरायत के मुताबिक।
 हखे तम्बोज (حسب تجور) अ वि-राय के मुताबिक, निर्णय के मुताबिक।
 हखे तर्तव (حسب ترتیب) अ वि-सिलसिले के मुताबिक, क्रमानुसार, यथाक्रम।
 हखे तलब (حسب طلب) अ वि.-दे. 'हखुत्तलब' दोनो शुद्ध हैं।
 हखे तहरीर (حسب تحریر) अ वि.-दे. 'हखुत्तहरीर' दोनो शुद्ध हैं।
 हखे तौफीक (حسب توفیق) अ वि.-दे. 'हखे इस्तिताअत'।
 हखे दस्तूर (حسب دستور) अ वि.-दस्तूर के मुताबिक, यथाविधि, विधिपूर्वक, यथानियम, काइदे के बमूजिव।
 हखे दिलवाह (حسب دلخواه) अ फा. वि-मनोवाछित, मनमाना, जैसा चाहिए था वैसा, इच्छानुसार।
 हखे फराइज (حسب فرأض) अ वि-डचूटी और फर्ज के मुताबिक, यथाकर्तव्य।
 हखे फर्माइश (حسب فرمائش) अ फा. वि.-कहने के मुताबिक, कथनानुसार; आज्ञा के बमूजिव, आज्ञानुसार।
 हखे फहमाइश (حسب فهمائش) अ फा. वि-दे 'हखे तबीह'।
 हखे वरदास्त (حسب برداشت) अ फा वि-जहाँ तक सहा जा सके, जितना उठ सके, सहनानुसार।
 हखे विसात (حسب بساط) अ वि-दे 'हखे मकदूर'।
 हखे मंवा (حسب منسا) अ वि-दे 'हखे ख्वाहिश'।
 हखे मक्दूर (حسب مقدر) अ वि-बस भर, शक्ति भर, सामर्थ्य भर, इस्तिताअत भर।
 हखे मक्कूर (حسب مذكور) अ वि-कहे हुए के मुताबिक, ऊपर लिखे हुए के अनुसार।
 हखे मुराद (حسب مراد) अ वि-मशा के मुताबिक, यथेच्छ, यथेष्ट, यथाकाम।
 हखे मौका (حسب موعده) अ वि-समय के मुताबिक, यथा समय, कालानुसार, जगह के मुताबिक, यथास्थान।
 हखे रफ्तार (حسب رفتار) अ फा वि-चाल के मुताबिक, रवाज के मुताबिक।
 हखे रवाज (حسب رواج) अ वि-रवाज और रस्म के मुताबिक, यथाप्रथा, यथारोति, यथानुपूर्वक।

हखे रिवायात (حسب روایات) अ वि-रिवायतो अर्थात् रवाजो और प्रथाओ के अनुसार, पुराने वश परंपराओं के अनुसार, खानदान में होनेवाले तौर-तरीकों के अनुसार।
 हखे साबिक (حسب سابق) अ वि.-पहले की तरह, यथापूर्व।
 हखे हाल (حسب حال) अ वि-हालत और दशा के अनुसार, जैसी दशा हो वैसा।
 हखे हिसस (حسب حصص) अ वि-हिस्ते और भाग के अनुसार, यथाभाग, विभागत।
 हखे हुक्म (حسب حکم) अ वि.-दे 'हखुल हुक्म' दोनो शुद्ध हैं।
 हखे हैसियत (حسب حیثیت) अ वि-हैसियत के मुताबिक, शक्ति के मुताबिक; सामर्थ्य के मुताबिक।
 हखे हौसलः (حسب حوصله) अ वि-हिम्मत के मुताबिक, उत्साह के अनुसार, जितनी हिम्मत हो उतना।
 हखे हस्म (حسب) अ पु-विच्छेद, काटना।
 हखे हखर (حصر) अ पु-निर्भरता, इन्हिसार, अवलबन, सहारा, वाद निर्णय के लिए किसी पर निर्भरता।
 हखत (حسرت) अ स्त्री-निराशा, नाउम्मेदी, दुःख, कष्ट, मुसीबत; अभिलाषा, लालसा, इच्छा, पश्चात्ताप, अपसोस उदा०—"दिल को नियाजे हखते दीदार कर चुके। देखा तो हममें ताकते दीदार भी नहीं।"—गालिव।
 हखतअंगेज (حسرت انگیز) अ फा वि-निराशा बढ़ाने-वाला, निराशा पैदा करनेवाला।
 हखतअंजाम (حسرت انجام) अ फा. वि.-जिस कार्य का अत निराशा हो, दुःखात, जिस काम के करने से बाद को पश्चात्ताप हो।
 हखत आगी (حسرت آگین) अ फा वि-नाउम्मेदी से भरा हुआ, निराशापूर्ण।
 हखत आफ्री (حسرت آفرین) अ फा. वि-नाउम्मेदी पैदा करनेवाला, निराशाजनक।
 हखत इंतिमा (حسرت انتما) अ वि-निराशा बढ़ानेवाला, दुःख बढ़ानेवाला।
 हखत कदः (حسرت کده) अ फा पु-निराशा का घर, दुःख का घर, अर्थात् नायक का घर।
 हखत खेज (حسرت خیز) अ फा वि-दे. 'हखत अंगेज'।
 हखतगाह (حسرت گاه) अ फा स्त्री-निराशा का स्थान, जहाँ निराशा ही निराशा हो।
 हखतजबदः (حسرت زبده) अ फा वि-निगगाप्रस्त, नाउम्मेदी का मारा हुआ।

हस्ततन्त्र (अ) अ फा वि-निरागापना करनेवाला, दुःख घटानेवाला।

हस्ततन्त्र (अ) अ वि-जा निराशा की कामना करता हो, जो आशावित न हो।

हस्तदीव (अ) अ फा वि-हस्ततन्त्र।

हस्तनमोव (अ) अ वि-जिमके भाग्य में निरागा ही निरागा और दुःख ही दुःख है।

हस्तनाक (अ) अ फा वि-दुःखावित निराशावित निराशापूर्ण दुःखपूर्ण।

हस्तपरस्व (अ) अ फा वि-निरागा की पूजा करनेवाला, निराशावादी।

हस्तपसव (अ) अ फा वि-निरागा और दुःख की त्रिभुज आननेवाला निराशावित।

हस्तमद (अ) अ फा वि-निरागावित निराशावादी निरागा हतास, मायूस अभिलाषा इच्छा, स्वाहिमाद।

हस्तमआव (अ) अ वि-निराशावादी जा निरागा हा को सब कुछ समझता है, अर्थात् नायक।

हस्तमायूस (अ) अ वि-जिसकी रक्ति निराशा पर हो जो निराशा को दोस्त रखता हो।

हस्ततरीद (अ) अ फा वि-दे हस्ततन्त्र।

हस्तशिकार (अ) अ फा वि-जिस निराशा ने मारा हो।

हस्तसज (अ) अ फा वि-हस्ततन्त्र।

हस्तसरा (अ) अ फा स्त्री-द हस्ततन्त्र।

हस्तसामां (अ) अ फा वि-जिसके पास ल देकर केवल निराशा ही निराशा है।

हस्तती (अ) अ वि-निराश हतास मायूस अभिलाषी इच्छा आत्रुमद।

हस्तते दीव (अ) अ फा स्त्री-दे हस्तते दीवार।

हस्तते दीवार (अ) अ फा स्त्री-दखाना की इच्छा देखने की अभिलाषा।

हस्तते मूलकाल (अ) अ स्त्री-देखने और मिलने की इच्छा।

हस्तते वर (अ) अ स्त्री-नायिका के मिलने का अभिलाषा।

हस्ततोअनी (अ) अ फा प-दृष्टाए जीव अभिलाषाए।

हस्ताद (अ) अ वि-चेता काटनवाजा।

हस्तान (अ) अ प-बहुत मुंदर बहुत खेबमुरत अति उत्तम वृत्त अच्छा।

हस्तास (अ) अ वि-स्वाभिमानी, खुददार सबक नील शिवाला।

हहस्ता (अ) अ प-हिला हिलावर भना।

हा

हॉ (हॉ) फा अव्य-सावधान। खबरनार। देवो। हासायार।

हा (हा) फा प्रत्य-गुरु का अंत म आकर बहुवचन बनाता है, जैसे-दरस्तहा' वग-समूह प्राय निष्पाप वस्तुआ के लिए आता है एक अमर है, हिंदी 'ह'।

हाइक (हाक) अ प-कपडा बननेवाला वापक बुविद।

हाइक (हाऊ) अ स्त्री-वह स्त्री जो महीने से हा पुष्पिणी, ऋतुमती, उन्क्या मलिष्ठा आश्रयी रखती, स्त्रीपमिषा अतवर्ती रखता।

हाइक (हास) अ स्त्री-वह स्त्री जा बालिया हो गयी हो और हैड आने के काबिल हो।

हाइक (हास) अ स्त्री-आत भित दीवार।

हाइक (हास) अ वि-डरनेवाला।

हाइक (हास) अ वि-आसक्त प्रम मग्न बहुत प्यासा।

हाइक (हास) अ वि-स्त-थ चकित, उद्विग्न हेरान

डुबल क्षीण बुक्ता-मतला भंवर वत, जलावा, शिवाव वह स्थान जहाँ हृष्यत इमाम हुसम सहाद हुए प।

हाइक (हाल) अ वि-हाइल।

हाइक (हाल) अ वि-बीच में आनवाला आड बननेवाला।

हाइक (हाल) अ वि-भयकर भीषण भयानक विकराट खीपनाक।

हाए (हाए) फा-फराह की आवाज आह हा।

हाए मल्लूत (हाए मल्लूत) अ स्त्री-वह है जो दूसर का दम मिलाकर पढी जाये उसे-कुम्हार की है।

हाए मुक्तकी (हाए मुक्तकी) अ स्त्री-वह है जा जिवी जाय मगर पढी न जाय और केवल यह जाहिर करने के लिए आये कि अतिम अक्षर हल नहीं है, जैसे-परवान।

हाए मुक्तहर (हाए मुक्तहर) अ स्त्री-वह है जो जाहिर हो जाने-जगह की है।

हाए मुक्तक (हाए मुक्तक) अ स्त्री-दा चरमी (हा)।

हाए हव्वक (हाए हव्वक) अ स्त्री-छाटा है (हा)।

हाए हुत्ती (हाए हुत्ती) अ स्त्री-वटी है (हा)।

हाक (हाक) अ वि-बीषोबीष मध्य दरमियाण।

हाकिम (हाकिम) अ वि-पनाधिकारी वफसर स्वामा, माकि नासक कमारिवा मरेग राजा, बादशाह अध्या सरदार।

हाकिमानः (حاكمانه) अ. फा वि—अफसरो-जैसा ।
 हाकिमी (حاكمی) अ वि—पदाधिकार, अपसरी; स्वामित्व, मालिकी, शासन, राज, राजशाही, अध्यक्षता, सरदारी ।
 हाकिमे आ'ला (حاكم اعلى) अ पु—उच्चाधिकारी, बड़ा अपसर ।
 हाकिमे बाला (حاكم بلاد) अ फा पु.—दे. 'हाकिमे आला', किसी अपसर से ऊपर का अपसर ।
 हाकिमे वक़्त (حاكم وقت) अ पु—वर्तमान समय का शासक ।
 हाकिमे हकीकी (حاكم حقیقی) अ पु—ईश्वर, परमात्मा ।
 हाकी (حاکی) अ वि.—वार्तालाप करनेवाला, बातचीत करनेवाला, कहानी सुनानेवाला ।
 हाक़कः (حاकف) अ स्त्री—महाप्रलय, कियामत ।
 हाज [ज] (حاج) अ वि—हज करनेवाला, हाजी ।
 हाज (حاج) अ स्त्री—'हाजत' का बहु, हाजते, इच्छाएँ ।
 हाजत (حاجت) अ स्त्री—इच्छा, अभिलाषा, स्वाहिश; मनोकामना, मनोवाछा, दिली मक्सद ।
 हाजतहवाह (حاجت حواह) अ फा वि—कामनापूर्ति चाहनेवाला ।
 हाजतगाह (حاجت گاه) अ. फा स्त्री—वह स्थान जहाँ से कामनापूर्ति की इच्छा हो ।
 हाजतबरायी (حاجت براری) अ फा स्त्री—इच्छा पूरी करना, कामना पूरी करना ।
 हाजतमद (حاجت मद) अ फा वि—इच्छुक, अभिलाषी, स्वाहिशमद, निर्धन, मोहताज ।
 हाजतमदी (حاجت مندی) अ फा स्त्री—इच्छा, चाह, तलब, निर्धनता, मोहताजी ।
 हाजतरवा (حاجت روا) अ फा वि—इच्छा और कामना पूरी करनेवाला ।
 हाजतरवाई (حاجت روانی) अ फा. स्त्री—इच्छा और कामना पूरी करना ।
 हाजती (حاجتی) अ वि—इच्छुक, अभिलाषी, (स्त्री) वह चीकी जो रोगी के पलंग के पास लगा दी जाती है ताकि पेशाव-पाखाने में उसे कष्ट न हो ।
 हाजर (هاجر) अ स्त्री—हज़रत इस्माईल की माता का नाम ।
 हाजिज़ (حاجق) अ वि—दक्ष, प्रवीण, कुशल, माहिर, वह चिकित्सक जो अपने फन में बहुत ही निपुण हो ।
 हाजिज़ (حاجر) अ वि—बीच में पर्दे की तरह आ जानेवाला, वक्ष स्थल और उदर के बीच की एक झिल्ली ।
 हाजिच (حاجب) अ वि—द्वारपाल, प्रहरी, दरवान; चोव-

हाजिन (هاجن) अ. स्त्री—वह नावालिग स्त्री जिसका व्याह हो गया हो; हर जानवर का मादा वच्चा ।
 हाजिमः (هاصم) अ पु—पाचन शक्ति, कुव्वते हज़म ।
 हाजिम (حارم) अ. वि—दूरदर्शी, अग्रगोची, दूरदेश; बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद ।
 हाजिम (ه'ضم) अ वि—पाचक, खाना हज़म करनेवाला ।
 हाजिमे तआम (هاضم طعام) अ पु—अन्नपाचक, खाना हज़म करनेवाली दवा ।
 हाजिरः (هاجره) अ स्त्री—हिज़रत करनेवाली स्त्री, घरवार छोड़कर परदेश में आनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी, बहुत गर्म और तपनेवाली दोपहर ।
 हाजिर (هاجر) अ वि—घर-बार छोड़नेवाला, मुहाजिर, परदेसी, शरणार्थी ।।
 हाजिर (حاجر) अ वि—रोकनेवाला, मना करनेवाला, निषेधक, ऊँची भूमि, नदी की कगार ।
 हाजिर (حاصر) अ. वि—उपस्थित, मौजूद, विद्यमान, किसी न्यायालय में वारंट या सम्मन के द्वारा लाया गया या तारीख मुकद्दमा में आया हुआ, स्कूल या कारखाने के रजिस्टर में हाजिरी की प्रविष्टि के समय उपस्थित ।
 हाजिर जवाव (حاصر جواب) अ वि—जो तुरत ही किसी बात का उचित और चमत्कारपूर्ण उत्तर दे, प्रगल्भ, प्रत्युत्पन्न-मति ।
 हाजिरजवावी (حاصر جوابی) अ स्त्री—किसी बात का तुरत ही उचित और मीज़ूँ जवाव देना, प्रगल्भता ।
 हाजिरजामिन (حاصر ضمانت) अ वि—किसी अभियुक्त की न्यायालय में उपस्थिति की जिम्मेदारी लेनेवाला ।
 हाजिरजामिनी (حاضر ضمانتی) अ स्त्री—किसी अभियुक्त की न्यायालय में उपस्थिति की जमानत ।
 हाजिरदिमाग (حاضر دماغ) अ वि—जो कोई बात फौरन ही ठीक समझ ले और ठीक ही राय दे सके ।
 हाजिरदिमागी (حاضر دماغی) अ स्त्री—बात की तह को फौरन ही पहुँचकर ठीक राय देना ।
 हाजिरबाश (حاضر باش) अ फा वि—किसी वटे आदमी के पास हर वक्त का बैठने-उठनेवाला ।
 हाजिरबाशी (حاضر باشی) अ फा स्त्री—किसी वटे आदमी के पास हर वक्त बैठना-उठना ।
 हाजिरात (حاضر ات) अ स्त्री—'हाजिर' का बहु, 'उपस्थित' स्त्रियाँ, जिन्हें अथवा भूतो को बुलाने का अमल, जिससे वे किसी पर बुलाये जाते हैं, और सवालों का जवाव देने दे ।

हाबिराती (حاصری) अ पू -जिना भूता को विना पुरुष या स्त्री पर बुलानेवाला आमिले जिन, आता।

हाबिरी (حاصری) अ स्त्री -उपस्थिति भोजदगी मजदूरी या विद्याधिया की गिनती विद्यमानता, बुजद हाना यायालय में वारट या सम्मन द्वारा प्रतिवार्ती तथा गवाहा आदि की उपस्थिति।

हाबिरीन (حاصری) अ पू -हाबिर का बहु, हाबिर लाग उपस्थित गण।

हाबिरीने जलस (حاصری جلسه) अ पू -किमी सभामें उपस्थित लाग।

हाबिरीने मजिलस (حاصری مجلس) अ पू -किमी गोष्ठी म मम्मिलित लाग।

हाबिरीनाबिर (حاصری نا بزر) अ पू -जा किमी स्थान पर उपस्थित भी हा और सारी घटनाएँ देखता भी हो ईश्वर परमात्मा।

हासिल (هاصل) अ वि -पक्क बकनेवाला अरगील बालनेवाला हस्त की कविता करनेवाला।

हाजी (حاجی) अ पू -हज करनेवाला (अरबी शब्द 'हज' है)।

हाजी (حاجی) अ वि -निष्ठा करनेवाला हजव करने वाला हिज्जे करनेवाला।

हाडूम (هاصوم) अ वि -अन्नपाचक औपधि माना हरम करनेवाली दवा।

हाज (حاجه) अ स्त्री -हज करनेवाली स्त्री, हजव। हातम (حائمه) अ पू -यमन का एक सरदार जो बड़ा उदार और दानगील या बनीतब' के शोध में हानि के कारण ताई' बहलाता है दे हातिमना'।

हातिम (هاشمی) अ पू -जन्मनेवाला दाल।

हातिफ (عاطف) अ वि -पुकारनेवाला बुलानेवाला।

हातिफे शब (عاطف شب) अ पू -बहु देवता जा निल में बात डालता या आकाशवाणी बालता है।

हातिब (عاطب) अ वि -लकड़ी बचनवाला लकड़ियाँ लानवाला लकड़गा।

हातिब (حائمه) अ पू -न्यायाधीन जज काबी एक बग बच्चा द हानम दाना मुड है।

हातिमताई (حائمه طائی) अ पू -हातम।

हातिमे बहत (حائمه وقت) अ पू -अपन समय का बहुत ही दानगीन और अतिपूजक ध्यक्नि।

हातिल (عاطل) अ वि -बहु घटा जा बहुत जोर से बरस धनपार घना।

हाद [ह] (هاند) अ पू -बहु बालपर आवाज जो नगी

या समुद्र स उठता और बनार पर मुनाई देती है।

हाद [ह] (هاند) अ वि -तीव्र प्रचंड तेज सल।

हादिए मुत्लक (هاندی محلی) अ वि -सच्चा समाज दगाक अर्थात् ईश्वर।

हादिम (هادم) अ वि -नष्ट करनेवाला ध्वंसकारी।

हादिमुत्लखवात (هادم ادرات) अ पू -यमराज यमदत धमराज मोत का फिरिता।

हादिर (هادر) अ पू -बहु दूध जा उपर से जमकर दही बन गया हो और नीचे पतला पानी हा।

हादिस (هاندی) अ पू -दुपटना साविह नया वाजिआ नयी घटना विपत्ति मुसीबत।

हादिस (حادث) अ वि -नयी पदा होनेवाली वस्तु जो सत्ता से न हो जो कभी न हो माद भूत।

हादिसए फाजिअ (هاندی فاجعه) अ पू -बहुत ही भयानक दुपटना, मृत्यु आदि की घटना।

हावी (حالی) अ पू -सारवान उठेवाला उट्टपाल।

हावी (هالی) अ वि -पथभ्रमक रास्ता खिचानेवाला नेता लीडर।

हावी अगर (حالی عسر) अ वि -म्यारहवीं।

हाद (حالد) अ वि -तीव्र प्रचंड तेज (स्त्रीलिंग घना के साथ)।

हानम (هانم) तु स्त्री -खानम खानून महान्या धीमती।

हानिस (حاسب) अ वि -गणय ताडनवाला।

हानूत (حائوب) अ स्त्री -दुकान पध्याला घरार की दुकान।

हाफिअ (حافظه) अ पू -याददात की कुवत स्मरण शक्ति।

हाफिअ (حافظ) अ पू -जिमकी याददात अच्छी हो जिम कुरान कठ हा रसक बचानवाला।

हाफिअे कुअिन (حافظ قرآن) अ पू -जिम पूरा कुरान जवाना याद हा।

हाफिअे हकीमी (حافظ حکمی) अ पू -मन्वी रसा बरन घाना अर्थात् ईश्वर।

हाफिद (حائده) अ स्त्री -मोनी लखे की लखी नवागी लखी की लखी।

हाफिद (حائده) अ वि -मिन्न दाल सेवक, मिन्नी पाठा लखे का लखना नवागा लखी का लखा।

हाफिर (حائره) अ वि -गद्दा मोनवाला कुओ मोन बाला घोडे की टाय।

हाफी (حالی) अ वि -नये पीव फिरनवाला न्यायकर्ता काबी।

हाबित (هايط) अ वि-नीचे उतरनेवाला, ऊपर से नीचे आनेवाला ।
 हाबिस: (حائسة) अ स्त्री-रोकनेवाली, रोधिका ।
 हाबिस (حائس) अ. वि-रोकनेवाला, रोधक, शरीर से रक्त आदि को निकलने से रोकनेवाली ओपधि ।
 हाबिसात (حائسات) अ स्त्री-हाबिस का बहु, वह ओपधियाँ जो शरीर से निकलनेवाली धातुओं को रोके ।
 हाबिसे इसहाल (حائس اسهال) अ वि-दस्तों को रोकनेवाली ओपधि ।
 हाबिसे खून (حائس خون) अ फा वि-रक्त-प्रवाह को रोकनेवाली दवा, रक्तावरोधक ।
 हाबिसे तमस (حائس طمس) अ. वि-रज स्राव को रोकनेवाली ओपधि ।
 हाबिसे दम (حائس دم) अ वि-रक्तावरोधक, खून को निकलने से रोकनेवाली दवा ।
 हाबी (هابي) अ स्त्री-कन्न की मिट्टी ।
 हाबील (هاويل) अ पु-आदम का पुत्र, जिसे काबील ने मार डाला था ।
 हाभ: (هامه) अ स्त्री-कपाल, खोपड़ी, ललाट, माथा; अपने गोत्र या जाति का नायक ।
 हाभ (حام) अ पु-नूह का एक लडका ।
 हाभान (هامان) अ. पु-फिराँन का वजीर जो बड़ा अत्याचारी था ।
 हाभिल (حامص) अ वि-खट्टा, अम्ल, तुफ़्त ।
 हाभिल (هامد) अ. पु-सूखी घास, पुराना वस्त्र ।
 हाभिल (هامر) अ वि-निंदा करनेवाला, आँख से सकेत करनेवाला ।
 हाभिल (حامد) अ. वि-प्रशमक, तारीफ करनेवाला ।
 हाभिल: (حامله) अ स्त्री-वह स्त्री जिसके पेट में बच्चा हो, गर्भिणी, अंतर्वन्ती, गुविणी, सगर्भा, आपन्नमत्त्वा, अनवन्ती, अत मत्त्वा, द्विहृदया, गर्भगुर्वी, गर्भवती, बौद्ध उठानेवाली ।
 हाभिल (هامل) अ पु-वह ऊँट जो बिना रगत्राले के प्रगगाह में छोड़ दिया गया हो ।
 हाभिल (حامل) अ. वि-बॉन उठानेवाला, धारण करने-वाला, रगत्रालेवाला ।
 हाभिले अरीस. (حامل عريصه) अ पु-निदड़ी अपने पान नानेपाश, जो किनी के पाम अपने काम के लिए या किनी के लिए निदड़ी के जाल ।
 हाभिले मस्त (حامل مثن) अ वि-वह पुस्तक जिनमें दोरा के नाम उगता मल भी है ।

हाभिले वही (حامل وحى) अ पु-ईश्वरादेश ग्रहण करने-वाला, ईशदूत, पंगवर ।
 हाभिश (هامش) अ. पु-हाशिया, किनारा ।
 हाभी (هامی) अ वि-चकित, निस्तब्ध, हैरान, आतुर, व्याकुल, परीशान ।
 हाभी (حامی) अ वि-पक्षपाती, सहायक, मददगार; मित्र, दोस्त, पृष्ठ-पोषक, हिम्मत बढ़ानेवाला ।
 हाभून (هامن) फा अ पु-'हाभून' का लघु, दे 'हाभून' ।
 हाभू (هامون) फा पु-'हाभून' का लघु, दे 'हाभून' ।
 हाभूंगदं (هامون گرد) फा. वि-जगलो में मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी ।
 हाभूंगदं (هامون نورد) फा वि-दे 'हाभूंगदं' ।
 हाभून (هامون) फा पु-बड़ा मैदान, वन, जंगल, मरुभूमि, रेगिस्तान ।
 हाभूम (هاموم) अ पु-पिघली हुई चर्वी; ऊँट का कोहान ।
 हाः (حار) फा पु-किसी नगर या कस्बे का महल्ला, टोला ।
 हाः [रं] (حار) अ. वि-उष्ण, तप्त, गर्म, गर्म खासियत रखनेवाला स्वभाव या ओपधि, उष्णवीर्य ।
 हाः (हार) फा पु.-माला, फूलों या मोतियों आदि की माला ।
 हाः (हार) अ वि-गिरा हुआ, नष्ट, ध्वस्त ।
 हाःरिज (हारح) अ वि-उपद्रवकारी, गडबडी फैलाने-वाला ।
 हाःरिज (हारح) अ वि-हानिकर, नुकसान करनेवाला ।
 हाःरिब (हारب) अ वि-भागनेवाला, पलायक ।
 हाःरिश (हारش) फा स्त्री-अपने को वना-ठना दिवाने का शौक ।
 हाःरिस (हारث) अ पु-व्याघ्र, शेर, कृपीवल, कृपक, किमान ।
 हाःरिस (हारث) अ वि-गंरक्षक, देरा-रेज करनेवाला, निगहवान ।
 हाःरिस (हारص) अ. वि.-ओलूप, लोभी, लालची ।
 हाःरे (हारون) अ पु-'हारन' का लघु, दे 'हारन' ।
 हाःरत (हारوت) अ पु.-एक फिजिन जिनके लिए कहा जाता है कि 'मास्त' के नाय वाविल के मुएँ में बंद है और लोगों को जादू सिगाना है ।
 हाःरतफन (हारوت فن) अ फा. वि-जादूगर, इंद्रजाती, मायावी, इंद्रजातिक ।
 हाःरती (हारوتی) अ. वि-जादू का नाम, मायाकर्म, इंद्रजात ।

हारन (هارن) अ पु-दूत, कासिद, राजदूत, सप्री, सरदाक, पासवान।

हारनी (हारونی) अ वि-दूतकम कासिनी, राजदूत का काम या प सिफारत, रक्षा, हिफाजत।

हार (حار) अ वि-गम तप्त (स्त्रीलिंग वस्तु), खेनी की जमीन बाये हुए खेत।

हाल (هال) का पु-बाद या सूरज के गिद पडनेवाग घेरा मडल परिवेप।

हाल (حال) अ पु-दगा हालत, वत्तात कफियत, व-दूमना।

हालए माह (هال ماه) का पु-चंद्रमडल चंद्राव व शनि मडल।

हालए मेह (هال مه) अ पु-रविमडल रविचिंद्र मयमडल।

हालए शम्स (هال شمس) का अ पु-हालए मेह'।

हाल (حال) अ पु-वत्तात बयान दगा हालत वतमान काल, जमागए हाल समाचार, खबर।

हाल (هال) का पु-सफे इलाइचा मुय चन नत नाच चौगान की गद।

हालगाह (हال گاه) का स्त्री-चौगान खेलने का मगान।

हालत (حالت) अ स्त्री-दगा अवस्था वत्तात, हाल घटना वाक़िअ समाचार, खबर।

हालते इस्तिबार (حالت استبار) अ स्त्री-प्रताया की अवस्था किता के राह देखने की वेचनी।

हालते नज्द (حالت نزع) अ स्त्री-मरते समय की दगा जाकनी, चद्रा।

हालते मौजूद (حالت موجوده) अ स्त्री-आधुनिक अवस्था उपस्थित अवस्था।

हालात (حالات) अ का अव्य-यद्यपि अगरच।

हालात (حالات) अ पु-हात' का बहु हालतें दगाएँ।

हालाते मौजूद (حالات موجوده) अ पु-आजकल क समा चार ताजा खबरें मौजूद समय की सियासी हलचलें उपस्थित समय का उचल-मुचल।

हालिक (حالك) अ वि-बहुत अधिक काल।

हालिक (حالك) अ वि-प्राण लेनवाला पातक।

हालिब (حالب) अ वि-दूष दुहनेवाला दोहक रान की एक रग।

हालिय (حاليه) अ वि-आधुनिक, उपस्थित समय का ताजा नया।

हाली (حالی) अ वि-हाल का आधुनिक, आमूयित श्रुगारित खेवर स आरास्त।

हावन (هاون) का पु-लकड़ी की बोनली उरूखल, लाह का दवा आदि बूटने का ओखल जसा पात्र।

हावनदस्त (هاون دسته) का पु-लोह का थावनी बीग बूटने का मूसल।

हाविय (هاوي) अ पु-नरक का सातवाँ तल।

हावी (حاي) अ वि-छाया हुआ, आच्छादित जिसने किसी चीज का ढाँक लिया हो 'जो अपना चतुर्ग' गति या छल स किसी पर झाकू रखता हा।

हावून (هاوون) अ पु-हावन।

हाग लिस्लाह (حاس الاه) अ वा-सुग ऐसान कर एम, कमान हा, इस गजब का हागालिलिएट पन्ना चलत है, जसा अक्षर कमइलम छाप बालने या लिखने ह।

हागा (حاسا) अ वि-व्यापि हरगिअ, शहि, पना पविधता, पाकी एम समय बालन ह जब विसा बात से अपनी बिल्कुल ही अज्ञानता या निष्पथता प्रवट कती होनी है।

हागाथ कल्ला (حاساوكلا) अ वि-कदापि नहा जरा भी नहा जब किसी (विनोपत बुरी) बात से अपना निष्पथता और वे तअ लुकी जाहिर करनी होती है ता कहन ह।

हासा मुम्म हागा (حاسا محاسا) अ वि-दे हासा व कल्ला।

हागिम (هايم) अ वि-हजत मुहम्मद साहब के वग प्रबन्क पियाले म रोटा मरनेवाला।

हागिमी (هايمي) अ वि-हागिम व वसज।

हागिय (حاسه) अ पु-बादर या सारी आदि के विनारे की गा' या बेलबूटे विनारा किसी पुस्तक के नीच दी हुई टाका लिप्या।

हागिय नगीनी (حاسه نسلي) अ का वि-दरवार आदि में मडलाकार बठनेवाले सभास' विनी बडे आदमी के पास उठने-बठनेवाला मुसाहिब।

हागिय नगीनी (حاسه نسلي) स्त्री० दरवारदारी किसी बडे आदमी की सेवा में प्राय उपस्थिति।

हागिर (حاسر) अ पु-हजत मुहम्मद साहब का एक नाम।

हासिद (حاسد) अ वि-हसद करनेवाला डाही शर्यालु मत्सरी।

हासिबीन (حاسبين) अ पु-हासि' का बहु डाह वल काल लोग जलने और हगद करनवाला।

हासिब (حاسب) अ पु-वह आधी जिसम ककड पत्यर हा वह बादर जो अले बरसाये।

हासि (حاصر) अ वि-गिननवाग गुमार करनेवाग, निगर रखनवाला दख करनेवाला।

हासिर (حاسر) अ वि—पश्चात्ताप करनेवाला, हस्त करने-
वाला, अफसोस करनेवाला ।

हासिल (حاصل) अ. वि.—प्राप्त, वसूल, उपलब्ध, दस्त-
याव; आय, आमदनी, राजस्व, जमीन की आमदनी;
निष्कर्ष, नतीजा ।

हासिलखेज (حاصل خیر) अ फा वि—उर्वरा, उपजाऊ,
जरखेज ।

हासिलवसूल (حاصل وصول) अ पु—लाभ, नफा; परिणाम,
नतीजा ।

हासिलात (حاصلات) अ स्त्री—'हासिल' का बहु., गाँव
की आमदनी, जमीनी और खेतों का लगान ।

हासिले कलाम (حاصل كلام) अ. पु—वात का निचोड़,
गुप्तगू का सार या निष्कर्ष ।

हासिले किस्मत (حاصل قسمت) अ. पु—दे. 'हासिले
तक्सीम' ।

हासिले जम्अ (حاصل جمع) अ पु—जोड़, योगफल,
मीजान ।

हासिले जर्व (حاصل صوب) अ पु—दो सख्याओं को परस्पर
गुणा करने से प्राप्त सख्या, घात, गुणनफल ।

हासिले तक्सीम (حاصل تقسیم) अ पु—बड़ी सख्या को
छोटी सख्या में भाग देने से प्राप्त सख्या, लब्धाक,
भजनफल, भागफल, लब्धि ।

हासिले तफ़्रीक (حاصل تعریق) अ. पु—बड़े अदद में से
छोटे अदद को घटाने से प्राप्त अदद, शेष ।

हासिले बाज़ार (حاصل بازار) अ फा. पु—बाजार की
आमदनी ।

हासिले मत्लब (حاصل مطلب) अ पु—साराश, खुलासा,
निष्कर्ष, नतीजा ।

हि

हित: (حیطة) अ. पु—नोहूँ, गोधूम ।

हिंद (هند) फा पु—भारत, हिंदुस्तान ।

हिंदवा (هندوا) फा स्त्री—कासनी, एक वनीषधि जो दवा
के काम आती है ।

हिंदस: (هندسه) अ पु—सख्या, अदद, गणित, रियाजी ।

हिंदस:दाँ (هندسه دان) अ. फा वि—रियाजी का माहिर,
गणितज्ञ ।

हिंदस:दानी (هندسه دانى) अ फा स्त्री—रियाजी जानना,
गणितज्ञता ।

हिंदी (هندى) फा स्त्री—दे. नागरी भाषा, नागरी, (पु)
भारत का निवासी, हिंदुस्तानी ।

हिंदीजवाँ (هندى زبان) फा. वि—हिंदीभाषा-भाषी,
जिसकी मातृभाषा हिंदी हो ।

हिंदीदाँ (هندى دان) फा वि.—हिंदी भाषा जाननेवाला, जो
हिंदी लिखना-पढ़ना जानता हो ।

हिंदीदानी (هندى دانى) फा. स्त्री—हिंदी लिखना-पढ़ना
जानना ।

हिंदी नज़ाद (هندى نراد) फा वि—जो व्यक्ति हिंदुस्तान
में पैदा हुआ हो, हिंदी, भारतीय ।

हिंदुआन: (هندوانه) फा पु—तरबूज, कलीदा, मासफल,
चित्रफल, फलराज ।

हिंदुस्ताँ (هندستان) फा पु—'हिंदुस्तान' का लघु, दे.
'हिंदुस्तान' ।

हिंदुस्तान (هندستان) फा. पु—भारत, भारतवर्ष, इंडिया,
हिंद ।

हिंदुस्तानी (هندستانی) फा. पु—भारत का निवासी,
भारतीय, (स्त्री) हिंदुस्तान की भाषा, एक भाषा जो हिंदी-
उर्दू के मिश्रण से बनी है ।

हिंदू (هندو) फा. पु—हिंदुस्तान का वह व्यक्ति जो मूर्ति-
पूजा करता और वैदिक धर्मावलंबी है ।

हिंदुए चर्ख (هندوے چرخ) फा. पु—शनि.ग्रह, जुहल ।

हिंदुए चश्म (هندوے چشم) फा. पु—आँख की पुतली,
कनीनी ।

हिंदुए फ़लक (هندوے فلک) फा. अ. पु—दे. 'हि.
चर्ख' ।

हिंदू कश (هندو کس) फा. पु—एक पहाड़ ।

हिंदूकोह (هندو کوه) फा पु—दे 'हिंदूकश' ।

हिंदूजान (هندوزن) फा. स्त्री—हिंदू स्त्री जो पतिव्रता और
साध्वी होती और अपने धर्म कर्तव्य का पालन करने की
चेष्टा करती है ।

हिंदूजाद (هندو دانه) फा. पु—हिंदू का लडका ।

हिंदूमज्हब (هندو مذهب) फा. अ. वि—हिंदूधर्म रखने-
वाला ।

हिंदोस्ताँ (هندوستان) फा पु—'हिंदोस्तान' का लघु, दे.
'हिंदोस्तान' ।

हिंदोस्ताँजाद (هندوستان زاد) फा पु—हिंदुस्तान में पैदा
होनेवाला, हिंदुस्तानी ।

हिंदोस्तान (هندوستان) फा पु—भारत, हिंदुस्तान ।

हिंदोस्तानी (هندوستانی) फा पु—भारतीय, हिंदुस्तानी,
(स्त्री) एक भाषा हिंदुस्तानी ।

हिफम (حکم) अ. स्त्री—'हिफमत' का बहु, हिफाते, ज्ञान
की बातें ।

हिक्मायत (حکایت) अ स्त्री-कथा कहानी, वार्ता, बात, वृत्तान्त हाल।

हिक्मायतगर (حکایتگر) अ फा वि-कहानी कहनेवाला किस्सा सुनानेवाला, वृत्तान्त बतानेवाला हाल कहनेवाला।

हिक्मायतन (حکایتان) अ वि-कहानी के तौर पर, मुनी सुनायी बात के रूप में।

हिक्क (حکک) अ स्त्री-मुजली मजू, बड़।

हिक्द (حمد) अ पु-श्रेण, बीना गुवार गनुसा, वर दुदमनी।

हिक्मत (حکمت) अ स्त्री-विगत साइस आयुवैत निव बुद्धिमत्ता दानाई युक्ति तर्क।

हिक्मतआईन (حکمت‌این) अ फा वि-हिक्मत और युक्ति से पूण बुद्धि और विवेक मे पूण।

हिक्मतजागी (حکمت‌جان) अ फा वि-हिक्मत आईन।

हिक्मतजामेज (حکمت‌آمیز) अ फा वि-युक्तिपूण बुद्धिपूण दानाई और तन्त्र से भरा हुआ।

हिक्मतआमोज (حکمت‌آمو) अ फा वि-बुद्धि और मनीया सिखानेवाला।

हिक्मतआरा (حکمت‌آرا) अ फा वि-बुद्धिमान विवेकी मनीया दाना।

हिक्मते अमली (حکمت‌عملي) अ स्त्री-कूटीति पालिसी।

हिक्मते इलाही (حکمت‌الهی) अ स्त्री-ईश्वरच्छा मृदा की मर्जी।

हिक्मते बालिया (حکمت‌بालیه) अ स्त्री-बहुत बड़ी किमत पूरी चतुराई और बुद्धिमत्ता।

हिक्मते मुवनी (حکمت‌مدنی) अ स्त्री-नगर का प्रवच परस्पर रहन-सहन के उमूत।

हिज्र (هجر) अ पु-व्याघ्र सिंह घेर।

हिजा (هجا) अ स्त्री-निग, अपवाग अपकीति बुराई अगरा का मात्राआ के साथ उच्चारण।

हिजाअ (هراج) अ पु-बुवल और जगन व्यक्ति उगसन सिध बनल।

हिजाअ (حجاز) अ पु-अरब का वह प्रदेश जिसमें मक्का और मदीना है।

हिजाअ (حصان) अ पु-आठ पाई ओट लजा लाज गम सक्नेच विपक टिक्किचाटल।

हिजाअत (حکایت) अ स्त्री-गोरपाल का नाम उजागीनारी।

हिजाअत (حکایت) अ स्त्री-पछने या सिधी लगवाना

पछने या सिधी गाना।

हिजार (حصار) अ पु-मत्थर प्रस्तर पापाग।

हिजार (حدار) अ पु-भय त्राम डर।

हिजाल (حجال) अ पु-हजल का बहु, दुहनी के कमरे दुहना की सजें।

हिज्ज (حجک) अ पु-बप, साल, एक बार हज करना।

हिज्जोर (حجور) अ स्त्री-स्वभाव प्रकृति आदत।

हिज्ज (حزب) अ पु-पग दल पार्टी, जमाअत, गुरोह।

हिज्जल अहजार (حزب‌الاحزاب) अ पु-आशा मन्वरा की पार्टी श्रेष्ठ पार्टी स्वतंत्र दल।

हिज्जल इकितवार (حزب‌الاکتدار) अ पु-शामन-पग हुकूमत की पार्टी।

हिज्जलइकितवार (حزب‌الاکتدار) अ पु-दे 'हिज्जल इकितवार'।

हिज्जलइकितलाफ (حزب‌الاحتلاف) अ प-मुखालिफ मन्वरा की पार्टी विरोधी दल।

हिज्जलउम्माल (حزب‌العامل) अ पु-मन्वरा की पार्टी देवरपार्टी धमिकत।

हिज्जलमुस्ताबिदीन (حزب‌المستبدین) अ पु-कजर वेदिव पार्टी अनुदार दल।

हिज्जल्लाह (حزب‌الله) अ पु-महात्माओ की जमाअत।

हिज्जे इकितवार (حزب‌اکتدار) अ पु-हिज्जल इकितवार।

हिज्जे इकितलाफ (حزب‌احتلاف) अ पु-विरोधी पग खिलाफ पार्टी।

हिज्जे मुआफिक (حزب‌موائی) अ पु-सत्पण एकपणीय।

हिज्जे मुखालिफ (حزب‌مخالف) अ पु-विरोधी पग मुखालिफ पार्टी विपक्ष।

हिज्ज (هجر) अ पु-विमोग विरह जुदाइ फिराक।

हिज्ज (هجرت) अ स्त्री-श्रेण की जग बनना छोटना परनेस में बसना प्रवास।

हिज्जानसीब (هجرت‌سب) अ वि-जिसकी क्रिमत म विमोग ही विमोग हो।

हिज्जान (هجرات) अ फा पु-हिज्ज वियाग जुदाई।

हिज्जानबद (هجرت‌بند) अ फा वि-विमोग का सताया हुआ, विरहप्रस्त।

हिज्जानबीद (هجرت‌بید) अ फा वि-जिसने विरह का दुःख दसा और सह्य हो।

हिज्जानसीब (هجرت‌سب) अ वि-जिसने माय्य में सग ही विरहप्रस्त होना लिगा हो।

हिज्री (هجری) अ वि—हिज्रतवाला; इस्लामी सवत्सर जो हज्रत मुहम्मद साहिब की हिज्रत से प्रारंभ होता है।

हिजलाज (هجلاج) अ पु—वृक, भेडिया, (वि.) फुर्तीला, चुस्त।

हिदायत (هدایت) अ स्त्री—शिक्षा, सीख, आदेश हुकम; अमुक कार्य में ऐसा-ऐसा करना है, यह सूझ निदेश, अनुदेश, सन्मार्ग दिखाना, रहनुमाई करना, गुरुदीक्षा, पीर की तत्कीन।

हिदायतआमेज (هدایت آمیز) अ. फा वि—हिदायतो से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण।

हिदायतआमोज (هدایت آموز) अ फा वि—हिदायते सिखानेवाला, सीख देनेवाला।

हिदायतकार (هدایت کار) अ फा. वि—हिदायत देनेवाला, निर्देशक, अनुदेशक, निर्देष्टा।

हिदायतनामः (هدایت نامه) अ फा पु—वह पत्र जिसमें हिदायतो का विवरण हो, अनुदेशपत्र।

हिदत (حذت) अ स्त्री—तीव्रता, उग्रता, तेजी, उष्णता, गर्मी, हरातर, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, शरीर की धातु में तीव्रता।

हिदते मिजाज (حذت مزاج) अ स्त्री—स्वभाव में क्रोध होना, मिजाज में गुस्सा होना।

हिदते सफ़्रा (حذت صفرا) अ स्त्री—पित्त का प्रकोप, सफ़्रे की तेजी।

हिना (حنا) फा. स्त्री—एक पत्ती जिससे हाथ-पाँव रंगे जाते हैं, रक्तगर्भा, रक्त रंगा, मेहदी।

हिनाई (حنائی) अ. वि.—मेहदी लगा हुआ, मेहदी लगाकर लाल किया हुआ।

हिनावंद (حنالند) फा वि—मेहदी लगानेवाला।

हिनावंदी (حنالندی) फा स्त्री—मेहदी लगाना।

हिनावस्तः (حنالسته) फा वि—मेहदी लगा हुआ, हाथ या पाँव जिसमें मेहदी लगी हो।

हिफाजत (حفاظت) अ स्त्री—रक्षा, बचाव, देख-रेख, निरीक्षण, सतर्कता, होशियारी, सावधानी।

हिफाजती (حفاظتی) अ वि—जो रक्षा के लिए हो, जैसे—'हिफाजती दस्त'।

हिफाजते खुदइख्तियारी (حفاظت خود اکتیاری) अ फा स्त्री—आत्मरक्षा।

हिफाजते जानोमाल (حفاظت جان و مال) अ फा स्त्री—प्राण अथवा धन की रक्षा, पूरी रक्षा।

हिफादत (حفاطت) अ स्त्री—अनुकंपा, दया, मेहवानी; हर्ष, प्रसन्नता. खशी. दे 'इफादत' देखें।

हिफज (حفظ) अ. पु.—रक्षा, हिफाजत, कठ, मुखाग्र, बरजवाँ।

हिफजान (حفظان) अ. पु.—रक्षा, हिफाजत, सरक्षण।

हिफजाने सेहत (حفظان صحت) अ. पु.—तन्दुरुस्ती की हिफाजत, स्वास्थ्य-रक्षा; सेहत का महकमा, स्वास्थ्य-विभाग।

हिफजे अमन (حفظ امن) अ. पु.—अमन की हिफाजत, शान्तिरक्षा।

हिफजे मरातिव (حفظ مراتب) अ. पु.—हैसियत और दज का लिहाज।

हिफजे मातकदम (حفظ ماتقدم) अ. पु.—अनिष्ट से बचने के लिए पहले से किया जानेवाला उपाय।

हिफजे शबाव (حفظ شباव) अ. पु.—जवानी की हिफाजत, यौवनरक्षा।

हिबः (هبة) अ. पु.—दान, अनुदान, वलिशहा, पुरस्कार, पारितोषिक, इनाम।

हिबःकुनिदः (هبة کونید) अ. फा. वि—दान करनेवाला, अनुदाता, पुरस्कारदाता, इनाम में कोई चीज लिखनेवाला।

हिबः नामः (هبة نامه) अ. फा. पु.—दानपत्र, वलिशगनामा।

हिमम (همم) अ. स्त्री.—'हिम्मत' का बहु., हिम्मते, उदारताएँ।

हिमायत (حمایت) अ. स्त्री—पक्षपात, तरफदारी, सहायता, मदद, पृष्ठपोषण, थपकी, पीठ ठोककर हिम्मत बढ़ाना, मत्री, दोस्ती।

हिमायतगर (حمایت گار) अ. फा. वि—पक्षपाती, तरफदार, सहायक, मददगार; पृष्ठपोषक, थपकी देनेवाला।

हिमायती (حمایتی) अ. वि—पक्षपाती, सहायक, पृष्ठपोषक, मित्र।

हिमारः (حمارة) अ. स्त्री—गर्दभी, रासभी, गधी, मादा खर।

हिमार (حصار) अ. पु.—गर्दभ, रासभ, वासत, गधा, खर।

हिम्मत (همت) अ. स्त्री—साहस, जुअंत, उत्साह, हौसला, धृष्टता, ढीठपन।

हिम्मतअपज़ा (همت افزا) अ. फा. वि—हौसला बढ़ानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हिम्मतअपज़ाई (همت افزائی) अ. फा.—हौसला बढ़ाना, प्रोत्साहन देना।

हिम्मतवर (همت ور) अ. फा. स्त्री—हिम्मतवाला, साहसी, उत्साही।

हिम्मतवरी (همت وری) अ. फा. स्त्री—हिम्मती होना, साहसी होना।

हिम्मतशिकन (همت شکن) अ. फा. वि—हौसला तोड़नेवाला, उत्साह भंग करनेवाला।

हिम्मतशिकनो (हस्तसक्ली) अ फा स्त्री-हौसला
 चान्ना, उत्साहभेदन।
 हिम्मत (حميم) अ पु-चना, चणक एव प्रसिद्ध अन्न।
 हियल (حجل) अ पु-हाल का बहु होले बहाने छल।
 हियातत (حياطت) अ स्त्री-सरक्षण निगहवाना
 चौकसी सावधाना सतकता, एहतिपात।
 हिरकल (هركل) अ पु-प्राचीन रोम के गासका की उपाधि।
 हिरा (حرا) अ पु-मकने के पास एक पहाड़ जिसमें हचत
 मुहम्मद साहब ईश्वर का ध्यान किया करते थे।
 हिरात (هراत) फा पु-अफगानिस्तान का एक नगर।
 हिरावल (هراول) तु पु-सेना का वह भाग जो आगे
 चलता है, सनाग्र।
 हिरास (هراسه) फा पु-वह कृत्रिम मनुष्य जो खेत आदि
 में जगती जानवरों का डराने के लिए बना देते हैं।
 हिरास (هرايس) फा पु-भय प्राप्त डर, शका, आगका
 खत्रा निराशा नाउम्भेदी।
 हिरास आमेद (هرايس امعو) फा वि-निराशापूण,
 नाउम्मीदान भयपूण खौफ से भरा हुआ।
 हिरासत (حراست) अ स्त्री-निरीक्षण, निगरानी, ऐसी
 निगरानी जिसमें आदमी कहीं जा-आ न सके न किसी से
 बात कर सके न खुला रह सके हवालात।
 हिरासत (حراست) अ स्त्री-खेतीबाड़ी इपिकम
 वास्तुकारी।
 हिरासती (حراستی) अ वि-हिरासत में लिया हुआ।
 हिरासाँ (هراسان) फा वि-भयभीत डरा हुआ खाइफ
 निराश हतास नाउम्भेदी।
 हिरासिद (هرايسلده) फा वि-डरानेवाला खौफ दिलाने
 वाला।
 हिरासोद (هرايسده) फा वि-डराया हुआ भयभीत
 किया हुआ।
 हिरिकल (هركل) अ पु-हिरकल दोनों गुड़ ह।
 हिय (حدر) अ पु-तांबीज रंगा कवच दद स्थान मजबूत
 जगह।
 हियून (حدرون) अ स्त्री-छिपकरी मोथिका गहगोधा
 अजरा।
 हियेँ जेँ (حدرحان) अ फा पु-प्राणा की रंगा का कवच
 बहुत ही प्रिय वस्तु।
 हियेँ (هريس) फा स्त्री-हल्दी हरिद्रा जदकोव।
 हिक (حرفه) अ पु-उद्यम रोजगार व्यवसाय पैगा।
 हिकत (حرفت) अ स्त्री-उद्यम रोजगार व्यवसाय
 पैगा, गिल्य दस्तकारी घृतवा, चालाकी छल करेव।

हिकती (حرفتی) उ वि-उद्यम सम्बन्धी, घृत वचव, ठग।
 हियाँ (حرا) फा पु-गिरगिट, इकलास, सट्ट, डुराहक।
 हिम (حرم) अ वि-वह पदाथ जिसका खान-पान धम
 में यजित है।
 हिमाँ (حروان) अ पु-निरागा नरास्य, नाउम्भेदी,
 दुर्भाग्य, यदविस्मनी।
 हिमाँबद (حروان بد) अ फा वि-निराशाग्रस्त ना
 उम्मीद, अभागा, बदनसीव।
 हिमाँनसीव (حروان نصيب) अ वि-जिसके भाग में
 निरागा ही निरागा हो।
 हिमाँपसद (حروان پسند) अ फा वि-जिसका निरागा
 ही जीवन हो निरागावादी।
 हिमाँस (حروان) अ पु-व्याघ्र, केसरी सिंह, गर।
 हिर (هرو) अ स्त्री-मार्जारी बिल्ली।
 हिरोँफ (حروفا) अ वि-जिसका स्वाद चरपरा है।
 हिस (حوص) अ स्त्री-लोभ लिप्सा लालच, हनस।
 हिसाँ आब (حوص و آب) अ फा स्त्री-लोभ और लालच,
 लालच की प्यास।
 हिसाँ हवस (حوص و هوس) अ फा स्त्री-दे हिसाँ आब।
 हिसाँ हया (حوص و هوا) अ फा स्त्री-लोभ और लालच,
 बनी हुई हिस।
 हिलाल (هلال) अ पु-नवचंद्र नया चाँद बालेंदु
 बालचंद्र।
 हिलालनुमा (هلال نما) अ फा वि-नये चाँद के आकार का।
 हिलाली (هلالی) अ वि-नये चाँद-जमा नव चंद्रावार,
 टेला वक्र छमीद।
 हिलाले ईद (هلال عيد) अ पु-ईद का चाँद।
 हिलाले नौ (هلال نو) अ फा पु-नया चाँद, नवचंद्र,
 बालेंदु।
 हिल्लीत (حليط) अ स्त्री-हींग एव प्रसिद्ध गाद हिंग।
 हिल्म (حلم) अ पु-गभीरता धीरता गाति मतानत
 महिष्णुता सहनशीलता तहम्मुत्।
 हिल्मशिआर (حلم شمار) अ वि-गभीर धीर शांत
 मतीन, सहिष्णु सहनशील बुदबार।
 हिलय (حليط) अ पु-मुसाकृति जेहरा नगणिल
 सरपा वामुषण, जेवर।
 हिल्यून (حلمون) अ पु-एक दाने जो दवा में काम आते हैं।
 हिल्ल (حله) अ पु-स्थान जगह गतव्य मबिल सभा,
 मजिलस।
 हिल्लत (حلت) अ स्त्री-खान-पान का धम के अनुसार
 ठीक होना, विहित होना हलाक होना।

हिल्लतो हुर्मंत (حلت و حرمات) अ. स्त्री-धर्म के अनुकूल या धर्म के प्रतिकूल होना, विहित या वर्जित होना, हरामो हलाल।

हिल्ल (حلس) अ. पु-मोटी कमली, मोटा घुस्सा।

हिल्लतः (هشنته) फा वि-छोडा हुआ।

हिल्लतनी (هشتنی) फा वि-छोड़ने योग्य।

हिल्लफ (حسب) अ. स्त्री-आहट, सुक सुक।

हिल्लमत (حسنت) अ स्त्री-आतक, रोव, तेज, प्रताप, इश्याल; लज्जा, शर्म, श्रेष्ठता, वुजर्गी, क्रोध।

हिल्ल [स्स] (حس) अ स्त्री-संवेदन, अनुभव, एहसास; संवेदन गन्तित, कुव्वते हिल्ल।

हिल्लस (حصر) अ. पु.-'हिल्लस' का बहु, हिल्लसे, टुकडे, खड, अश।

हिल्लसान (حصان) अ पु.-अश्व, घोडा, सांड घोडा।

हिल्लसानत (حصانت) अ स्त्री-दृढता, पुष्टि, पाइदारी, मञ्जवृत्ती।

हिल्लसाव (حساب) अ. पु.-गणना, शुमार, गणित, रियाजी, लेन-देन, व्यवहार, दर, शर्ह, निरख, दी जाने या ली जानेवाली रकम, कियामत के दिन नेकी-बदी का हिसाव।

हिल्लसावदाँ (حسابدان) अ फा वि-गणितज्ञ, रियाजीदाँ, हिल्लसाव जाननेवाला।

हिल्लसावदानी (حسابدانی) अ फा. स्त्री-गणितज्ञता, रियाजी जानना।

हिल्लसावफहमी (حسابفهمی) अ फा स्त्री-लेन-देन का परस्पर हिल्लसाव समझना।

हिल्लसावी (حسابی) अ वि.-हिल्लसाव सम्बन्धी, हिल्लसाव का अच्छा जाननेवाला।

हिल्लसावे दोस्ताँ (حسابدوستان) अ फा पु-मित्रो का हिल्लसाव, जिसमें कमी-बदी का सवाल नही होता।

हिल्लसावे किताब (حسابو کتاب) अ पु-लेन-देन का हिल्लसाव, वहीखाते का हिल्लसाव।

हिल्लसार (حصار) अ पु-परिधि, घेरा, इहाता, दुर्ग, गढ, किला, मत्र द्वारा बनाया हुआ वह घेरा जिसमें कोई आपत्ति प्रवेश नही कर सकती, कुडली, चक्र।

हिल्लसारबन्द (حصار بند) अ फा. वि-जो किले में बंद होकर बैठ जाय, वह व्यक्ति जो मत्र द्वारा बनाये हुए कुडल में आपत्तियो से सुरक्षित बैठ हो।

हिल्लसारबंदी (حصار بندی) अ. फा स्त्री-किले में बंद होकर बैठ जाना, कुडली में बैठना।

हिल्लसावे आफियत (حصار عامیت) अ पु-रक्षा का स्थान,

जहाँ कोई जान जोखिम न हो।

हिल्लसेव (حسب) फा. पु-'हिल्लसाव' का इमाल, दे 'हिल्लसाव'।

हिल्लस्न (حصن) अ पु.-रक्षास्थान, बचाव की जगह; दुर्ग, गढ, किला।

हिल्लस्ने मुअल्लक (حصن معلق) अ. पु-आकाश, अंबर, आस्मान।

हिल्लस्ने हसीन (حصن حسین) अ पु-ऐसा दुर्ग जो न तो जीता जा सके, न टूट सके, न उसमें शत्रु प्रवेश कर सके, बहुत ही दृढ और मञ्जवूत किला या रक्षास्थान।

हिल्लस्निम (حصرم) अ पु.-कच्चे अगूरो का गुच्छ।

हिल्लस्सः (حصه) अ पु-खड, भाग, टुकड़ा, व्यवसाय में साझे का भाग, अश; वाँट में आनेवाला भाग; कथा, मीलाद या व्याह-शादी के अवसर पर मिलनेवाली मिठाई आदि।

हिल्लस्सःकशी (حصه کسی) अ. फा. स्त्री-हिल्लसे लगाना, भाग करना, हिल्लसो के हिल्लसाव से वाँटना।

हिल्लस्सःख्वाह (حصه خواه) अ फा वि-अपना भाग चाहने-वाला।

हिल्लस्सःदार (حصه دار) अ फा वि-जो हिल्लसा पाने का अधिकारी हो, जो हिल्लसे का मालिक हो, अशी, साझी।

हिल्लस्सःदारी (حصه داری) अ फा. स्त्री-साझा, भागीदारी।

हिल्लस्सःबाखः (حصه بخاره) अ. पु-टुकडवाँट, टुकडे-टुकडे करके वाँटना।

हिल्लस्सए मुसावी (حصه مساوی) अ पु-बराबर का भाग, समानाग, समाश।

हिल्लस्सए रसदी (حصه رسانی) अ पु-जिसको जितना चाहिए उसके हिल्लसाव से हिल्लसा, यथाश।

हिल्लस्सी (حسی) अ. वि.-इन्द्रिय-सम्बन्धी।

हिल्लस्सीयात (حسیات) अ. स्त्री-इन्द्रिय से सम्बन्ध रखने-वाली वस्तुएँ।

हिल्लस्से जाहिरी (حس طاهری) अ स्त्री-बाह्येन्द्रिय।

हिल्लस्से वातिनी (حس باطنی) अ स्त्री-अतरिन्द्रिय।

हिल्लस्से मुशतरक (حس مسترک) अ. स्त्री-वह शक्ति जिसके द्वारा सारी इन्द्रियाँ (बाहरी इन्द्रियाँ) अपना अपना काम करती और उससे शक्ति प्राप्त करती हैं।

हिल्लस्सोहरकत (حس و حرکت) अ. स्त्री-गति और संवदन, एहसास और हरकत, चलना-फिरना, हिल्लना-डुलना।

ही

हीज (هیز) फा वि-फलीव, नपुसक, नामर्द।

हीतः (حیطه) अ पु-परिधि, घेरा, इहाता; सीमा, हद्द।

होतए इक्तिदार (حیطة اعدادار) अ पु -सत्ता और प्रभुत्व की सामा।

होतए इक्तिदार (حیطة احوदार) अ पु -अधिकार की सीमा।

होतए इकदत (حیطة مدرت) अ पु -मामूय और गक्ति का सीमा।

होतान (حیطان) अ पु -हाइत का बहु, दीवारें।

होतान (حیطان) अ स्त्री -हून का बहु मछलियाँ।

होन (حمن) अ अव्य -समय काल वक्त।

होनहयात (حمن حیوات) अ वि -आजावन यावजावन आजम जिगीमर जीतजी।

होमिया (همیایا) अ स्त्री -इद्रजाल मायाकम तिलिस्म जादू।

होमियागर (همیایاگر) अ फा वि -होमियाग।

होमियादा (همیایادان) अ फा वि -इल्मे तिलिस्म जानने वाला ऐंद्रजालिक, मायावी।

होरिय (همریه) अ स्त्री -बफा सर का भूमी।

होल (حیله) अ पु -छल कपट मत्र फरेव मिय ब्याज बहाना मिध्या, अनय झूठ टरवाना, आजकल करना।

होलकार (حیله کار) अ फा वि -दे होलगर।

होलकारी (حیله کاری) अ फा स्त्री -दे होलगरी।

होलगर (حیله گر) अ फा वि -बहाने बनानेवाला चाल बाज धाखबाज, छनी।

होलगरी (حیله گری) अ फा स्त्री -चालबाजी बहान बनाना घालाबाजी, छल।

होलतराग (حیله تراش) अ फा वि -नये-नये बहान गढ़नेवाला।

होलतरागी (حیله تراشی) अ फा स्त्री -नये-नय बहाने गढ़ना।

होलपवर (حیله پور) अ फा वि -होलगर।

होलपवरी (حیله پوری) अ फा स्त्री -होलगरा।

होलपसद (حیله سلد) अ फा वि -जिग बहानाबाजी अच्छा लगती है।

होलपतारी (حیله سلتی) अ फा स्त्री -बहानाबाजी अच्छी लगना।

होलबाज (حیله باز) अ फा वि -होलगर।

होलबाजी (حیله بازی) अ फा स्त्री -होलगरा।

होलनिहार (حیله سمدار) अ वि -जिगका काम ही बहान बनाना है।

होलनिहारी (حیله سمداری) अ स्त्री -बहान बनान का प्रकृति।

होलसाज (حیله سزا) अ फा वि -दे होलगर।

होलसाजी (حیله سزایی) अ फा स्त्री -दे होलगरी

होलसामा (حیله سامان) अ फा वि -होलगर।

होलसामानी (حیله سامانی) अ फा स्त्री -होलगरा

होल (هول) फा स्त्री -इलाइची।

होलान (هولان) अ पु -जमपत्री जमकुडली जाइवा।

होले कला (هول کلا) फा स्त्री -बगे इलाइची।

होले खूद (هول خورد) फा स्त्री -छाटा इलाइची।

होले सफेद (هول سفید) फा स्त्री -छाटा इलाइवा।

हु

हुकमा (حکما) अ पु -हकीम का बहु, वानातिवजन फलसफे हकीम लग बज लग।

हुकमाए वक्त (حکماء وقت) अ पु -किसी समय में उस समय क वानातिव लग या बज लोग।

हुकूक (حقوق) अ पु -हक का बहु अधिकार समूह।

हुकूके इतानियत (حقوق اساسیت) अ पु -बहु अधिकार जो मानवजाति का प्राप्त ह बहु अधिकार जो दूसरे जीव धारिया क मानवजाति पर ह।

हुकूके जौजीयत (حقوق زوجیت) अ पु -बह अधिकार जो पत्नी को पति पर प्राप्त ह।

हुकूके निस्वानी (حقوق نسوانی) अ पु -बह अधिकार जो स्त्री वग को मनुष्या पर प्राप्त ह।

हुकूके गहरीयत (حقوق شهرت) अ फा पु -बह अधिकार जो नगरवासियों का प्राप्त ह नागरिकता।

हुकूके गौहरीयत (حقوق شهرت) अ फा पु -बह अधिकार जो पति क पत्नी पर प्राप्त ह।

हुकूमत (حکومت) अ स्त्री -शासन, सत्ता राज, राज्य राष्ट्र चलतवत अत्याचार, जुम, जबरमस्ती, सरकार राज।

हुकूमते आइने (حکومت اسلامی) अ स्त्री -बह राज प्रजा विधान द्वारा चलाया जाय।

हुकूमते इलाही (حکومت الهی) अ स्त्री -ई-वरीय सत्ता, भगीपज।

हुकूमते खुबइलियारी (حکومت خو احتقاری) अ फा स्त्री -बह राज जिगमें किगी की परगपिनता न है। राजसत्ता पागल।

हुकूमते घरआइनी (حکومت فوری) अ फा स्त्री -बह राज जिगम का विधान न ही।

हुकूमते जमपदरी (حکومت جمهروری) अ स्त्री -बह राज

हुकूमते शरहशी (حکومت شخصی) अ स्त्री-वह राज जिसमें व्यक्ति अपनी राय से राज्य करे।

हुकूमते शैतानी (حکومت شیطانی) अ स्त्री-अनीति, अत्याचार और अन्याय की हुकूमत।

हुकूमतः (حکومت) फा. स्त्री-हिचकी, हिक्का।

हुकूमतः (حکومت) अ पु-पिटारी, टोकरी, इत्र या आभूषण रखने का डब्बा, गुड़गुडी, चिलम पीने का हुक्का।

हुकूमतः वाज (حکومت وار) अ फा वि-मदारी, पिटारी में से गावदे दिखानेवाला, छली, ठग, मक्कार।

हुकूमतः वाजी (حکومت واری) अ फा स्त्री-मदारीपन, खेल तमाशे दिखाना, छल करना, ठगई, फरेवकारी।

हुकूमतः काम (حکومت کام) अ पु-‘हाकिम’ का बहु., हाकिम लोग, पदाधिकारी वर्ग।

हुकूमतः मरस (حکومت مرس) अ फा वि-जो हाकिमो से मेल-जोल रखता और उन पर अपना प्रभाव डाल सकता हो।

हुकूमतः मरसी (حکومت مرسی) अ फा. स्त्री-हाकिमो से मेल-जोल।

हुकूमतः माला (حکومت مالا) अ फा पु-किसी पदाधिकारी के ऊपरी अपसरान।

हुकूमतः मयत (حکومت موقت) अ पु-वर्तमानकाल के पदाधिकारी लोग।

हुकूमतः (حکومت) फा स्त्री-हिचकी, हिक्का।

हुकूमतः (حکومت) अ पु-स्नेह वस्ति, अनीमा, डूश।

हुकूमतः (حکومت) अ पु-आज्ञा, इजाजत; आदेश, फरमान, राजादेश, हुकूमनामा।

हुकूमतः अंदाज (حکومت انداز) अ. फा वि-निशाने पर ठीक गोली लगानेवाला, लक्ष्य-भेदी।

हुकूमतः अंदाजी (حکومت اندازی) अ फा. स्त्री-ठीक निशाना मारना, लक्ष्य-भेद।

हुकूमतः अहूल (حکومت اهل) अ. वि-अवज्ञाकारी, आज्ञापालन न करनेवाला, उद्द, सरकश, अवज्ञ।

हुकूमतः अहूली (حکومت اهلوی) अ स्त्री-आज्ञापालन न करना, उद्दता, सरकशी।

हुकूमतः (حکومت) अ वि-हुकूम से, आदेश द्वारा।

हुकूमतः नामः (حکومت نام) अ फा पु-आदेशपत्र, वह कागज जिस पर कोई हुकूम हो।

हुकूमतः बरदार (حکومت بردار) अ फा वि-दे ‘हुकूम राँ’।

हुकूमतः बरदारी (حکومت برداری) अ फा वि-दे. ‘हुकूम-रानी’।

हुकूमतः राँ (حکومت ران) अ फा वि-शासन चलानेवाला, शासक, हाकिम।

हुकूमतरानी (حکومت رانی) अ फा स्त्री-शासन चलाना, हुकूमत करना।

हुकूमती (حکومتی) अ वि-निश्चित, यकीनी, अचूक, अमोघ, खता न करनेवाला, (दवा या निशाना)।

हुकूमते आखिर (حکومت آخر) अ. पु-दे ‘हुकूमते कर्तई’।

हुकूमते इम्तिनाई (حکومت امتدائی) अ पु-वह हुकूम जो मुकद्दमे के बीच में किसी कार्य विशेष को रोकने के लिए दिया जाय, निपेधादेश।

हुकूमते कजा (حکومت قضا) अ. पु-ईश्वरीय आदेश, खुदा का हुकूम, होनहार, भावी, शुदनी।

हुकूमते कजाओफदर (حکومت قضا و قدر) अ. पु-भावी और होनहार, ईश्वरेच्छा, मगीयत।

हुकूमते कर्तई (حکومت قطعی) अ. पु-आखिरी और अटल हुकूम, अंतिम निर्णय, अंतिमादेश।

हुकूमते गश्ती (حکومت گشتی) अ फा पु-विभागो में भेजा जानेवाला हुकूम, परिपत्र, सरकुलर।

हुकूमते जह्नी (حکومت طاری) अ. पु-वह आदेश जो प्रार्थनापत्र की पुस्त पर लिखा जाता है।

हुकूमते नातिक (حکومت ناطق) अ पु-दे. ‘हुकूमते कर्तई’।

हुकूमते मशीयत (حکومت مسیبت) अ पु-दे ‘हुकूमते कजा’।

हुकूमते रब्बी (حکومت ربی) अ पु-ईश्वरादेश, खुदा का हुकूम, अवश्यभावी, मशीयत, शुदनी।

हुकूमते हाकिम (حکومت حاکم) अ पु-हाकिम का हुकूम, राज्यादेश।

हुकूमतः हुक् (حکومت) फा स्त्री-हिचका, हिचकी।

हुकूमतः हुज (حکومت) अ स्त्री-हुज्जत का बहु, हुज्जते।

हुकूमतः हुवाल (حکومت) अ पु-दुबलापन, कमजोरी, तपेदिक का एक दरजा।

हुकूमतः हुजुज (حکومت) अ स्त्री-रसीत, एक प्रसिद्ध औपधि।

हुकूमतः हुजूव (حکومت) अ पु-‘हिजाव’ का बहु, पदें, आडे।

हुकूमतः हुजूअ (حکومت) अ पु-निद्रा, नीद, स्वाप, ख्वाव; गाति, सुकून, सुख, आराम।

हुकूमतः हुजूद (حکومت) अ पु-रात को जागना।

हुकूमतः हुजूम (حکومت) अ. पु-जन-समूह, भीड, मज्मा, किसी चीज की भीड, उदा०-“बस हुजूमे ना उमीदी खाक में मिल जायगी। यह जो एक लज्जत हमारी सईए ला हासिल में है।”—गालिव।

हुकूमतः हुजूर (حکومت) अ पु-उपस्थिति, हाजिरी, विद्यमानता, मौजूदगी, साक्षात्, आमना-सामना; सम्बोधन के लिए एक आदरसूचक शब्द।

हुकूमतः हुजूरी (حکومت) अ स्त्री-उपस्थिति, हाजिरी, विद्यमानता, मौजूदगी, समुखता, सामना।

हजुरे यार (حضور یار) अ फा पु—नायिका के सामने, मा गक के समान ।
हजुरेवाला (حضور والا) अ फा पु—बड़े जादमी के लिए प्रतिष्ठासूचक सम्बोधन का गद्य ।
हजुरेयव (حضور عیب) अ पु—प्रत्यक्ष और परोक्ष सामना और पीठ पाछा ।
हजुरे (حدره) अ पु—भगवर साहिव के एक सिंहावी ।
हजुरत (حکمت) अ स्त्री—तक दलील प्रमाण, सुबूत कलह भगडा वादविवाद वहम तू-तू म म ।
हजुरती (حکمتی) अ वि—हजुरत करनेवाला तू-तू म म करनवाला याद विवात करनेवाला ।
हजुरतुल्लाह (حکمتک الله) अ स्त्री—ईश्वर के सत्य होने का प्रमाण ।
हजुरतेकाने (حکمت ماطع) अ स्त्री—युक्ति युक्त दलील जटल प्रमाण ।
हजुरते गोया (حکمت گویا) अ फा स्त्री—वाल्ती हुई दलील, तक संगत प्रमाण ।
हजुरते मुवज्जह (حکمت موجهه) अ स्त्री—दे हजुरते काने ।
हजुरते मोहकम (حکمت محکم) अ पु—मजबूत दलील महमल का यह लिंगस्त्री यत्र तिसे एक स्त्री अपनी कमर म बाबकर दूमरी स्त्री से चपटी लडाती ह ।
हजुरजाज (حجاج) अ पु—हाज का बहु, हाजी लाग ।
हजुरजाव (حجاب) अ पु—हाजिव का बहु ड्यूवीनार लोग ।
हजुरजार (حصار) अ पु—हाजिर का बहु उपस्थितजन हाजिरीन ।
हजुरज (حرج) अ पु—दुख, खेद गोक सताप म म रज ।
हजुरनीय (حرمه) अ पु—वह खेल या ड्रामा जिसका जत दुख पर हो डुवात ।
हजुरम (حرمه) अ पु—मुठ्ठा पूला ।
हजुरम (حطمه) अ स्त्री—प्रचामिन बहुत ही तेज आग नरक का तीसरा तल ।
हजुरम (حطام) अ पु—याडा अश जरा सा ।
हजुरती (حطی) अ स्त्री—अ-रद के हिनाव से हे तो और ये जिनके अक प्रमा ८ ९ १० ह ।
हजुर (هدیه) फा पु—सत्य ठीक अभ फाहदा ।
हजुर (حدی) अ पु—अरब के ऊँटवाग का विशेष माना जो बहु ऊट चलने समय गाते ह ।
हजुर (هدی) अ पु—सरल माग सीधा रास्ता सत्यता सच्चाई ।
हजुरात (هدایت) अ पु—रानी का बहु हिनायत करने

वाले सच्चा माग निवानेवाल ।

हजुरद (حدود) अ उम—हृद का बहु सीमाएँ ह ।

हजुरदे अबअ (حدود اربعه) अ पु—चौहद्दी, किना स्थान या मवान से मिले हुए चारो ओर के मकान या जमीन ।

हजुरदे गरई (حدود سرعی) अ पु—धमगासन की सीमाएँ, धर्मानसार दिये जानेवाले दंड ।

हजुरस (حدوث) अ पु—नवीनता नयापन किसी वस्तु का नया पदा हाना ।

हजुरसो किदम (حدوث قدم) अ पु—नयापन और पुराना पन, नित्यता और नश्वरता ।

हजुरविय (حدیسه) अ स्त्री—अरब का एक स्थान ।

हजुरवहद (هدهد) अ पु—एक कलगीनार पक्षी ।

हजुर (هجر) फा प—गित्य दस्तकारी कला फन गुण खूबी हाय की सफाई चालाकी, विद्या, इत्तम ।

हजुरआश्ना (هجر اشنا) फा वि—हजुर जाननेवाला गुणी ।

हजुरनाआश्ना (هجرنا اشنا) फा वि—जा कोई हजुर न जानता हो गुणहीन, कलाहीन ।

हजुरनाआश्नास (هجرنا اشناس) फा वि—जा हजुर न जानता हो जा हजुर का कद न पहचानता ह ।

हजुरमद (هجرمد) फा वि—हजुर जाननेवाला, गुणवान कलाकार, शिल्पकार गुणी ।

हजुरमदी (هجرمدی) फा स्त्री—हजुर जानना, गुनी हाना ।

हजुरमदर (هجرمدر) फा वि—दे हजुरमद ।

हजुररनास (هجرناس) फा वि—हजुर जाननेवाला, हजुर की कद पहचाननेवाला ।

हजुररनासी (هجرناسی) फा स्त्री—हजुर जानना, हजुर की कद पहचानना ।

हजुरन (حفظه) अ पु—अजलि, करपुट, लप ।

हजुरफाज (حفاظ) अ पु—हाफिज का बहु यह लोग जिहें कुरान कठ हो ।

हजुर (حفره) अ पु—गत गग छिद्र मूरात ।

हजुर [व्य] (حمت) अ स्त्री—प्रेम स्नेह महवत ।

हजुरवल (حبل) अ पु—अरब की एक मूर्ति जो इस्लाम से पूव का बे सं थी ।

हजुरवाज (حباب) अ पु—मित्रता दास्ती बरि साँप पिगाव देव ।

हजुरवाला (حبالی) अ स्त्री—हुबला का बहु गभवती स्त्रियाँ ।

हजुरवाहिव (حباب) अ प—जुगनू राचोत ।

हजुरवत (حبوط) अ पु—नीचे उतरना मूल्य गिरना निचनी भूमि हुबलापन ।

हजुरवत (حبوط) अ पु—गुब्बा और सतकमों का विनाग ।

हुबूब (حبوب) अ स्त्री.—'हब' का बहु., गोलियाँ ।
हुबूब (هبوب) अ. पु.—वायु का बहना, हवा का चलना ।
हुबूर (حبر) अ पु.—'हिब्र' का बहु., बुद्धिमान् लोग ।
हर्ष, प्रसन्नता, खुशी ।
हुबूलवतन (حب الوطن) अ. पु.—स्वदेशप्रेम, देशभक्ति, इसके वतन ।
हुबूला (حبال) अ स्त्री—गर्भवती, अंतर्वली, हामिला ।
हुमका (حمقا) अ पु.—'अहमक' का बहु, मूर्ख लोग ।
हुमा (هما) फा. पु.—उर्दू और फार्सी साहित्य का एक कल्पित पक्षी, जिसकी छाया पड जाने से मनुष्य राजा हो जाता है, वह पक्षी केवल हड्डियाँ खाता है ।
हुमायूँ (همايون) फा वि—शुभ, मंगलमय, मुवारक, (पु.) एक मुगल शासक जो 'अकबर' का पिता था ।
हुमायूँबख्त (همايون بخت) फा वि—सौभाग्यशाली, बलद इकवाल ।
हुमुक (حق) अ पु—मूर्खता, अज्ञानता, नादानी, जहालत ।
हुमुर (حمر) अ. पु.—'हिमार' का बहु, गधे ।
हुमुजत (حموضت) अ स्त्री—खट्टापन, खटास, अम्लता ।
हुमूल (حمول) अ. पु.—योनि के भीतर रखने की ओपधि ।
हुमका (حميقا) अ. स्त्री.—मूर्ख स्त्री, बेवकूफ औरत ।
हुमेरा (حميرا) अ स्त्री—लाल रंग की स्त्री, गोरी चिट्ठी स्त्री ।
हुम्क (حمق) अ पु.—मूर्खता, नादानी, अज्ञान, हुमुक ।
हुम्मस (حمص) अ पु.—चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न ।
हुम्सा (حمى) अ. पु.—ज्वर, ताप, बुखार ।
हुम्माए दमवी (حماء دموى) अ. पु.—वह ज्वर जो रक्त के कोप से आये ।
हुम्माए नाइव: (حماء نائية) अ. पु.—वह ज्वर जो वारी से आये ।
हुम्माए बलामी (حماء بلغمى) अ पुं—कफ के प्रकोप से आनेवाला ज्वर, कफ ज्वर ।
हुम्माए मुजिन: (حماء مرمجة) अ. पु.—वसा हुआ बुखार, सतत ज्वर ।
हुम्माए मोह्रिक: (حماء مخرقة) अ पु—टाई फाइड बुखार ।
हुम्माएराविअ: (حماء رايعة) अ पुं—चौथिया' बुखार, चतुर्थक ।
हुम्माए सफावी (حماء صفراوى) अ पु—पित्त के कोप से आनेवाला ज्वर, पित्तज्वर ।
हुम्माए सौदावी (حماء سوداوى) अ पुं.—वात के दोष

से आनेवाला वर, वातज्वर ।

हुम्माज (حماض) अ. पु—एक खट्टी घास, चूका साग ।
हुम्न: (حمرة) अ. पु—शरीर में लाल रंग के दाने निकलने का रोग, मुख बवादा ।
हुम्नत (حمرت) अ स्त्री.—रखतता, लालिमा, सुर्ती ।
हुम्नी (حمري) अ. वि—सुर्ख, रंग का ।
हुम[र] (حمر) अ. वि—स्वतंत्र, आजाद, प्रतिष्ठित, मुअज्जज, वह दास जो सेवा-मुक्त हो गया हो ।
हुमसा (حمصا) अ पु.—'हरीस' का बहु, लालची लोग ।
हुमूम (حرم) अ पु—एहराम बाँधे हुए लोग ।
हुमूफ (حروف) अ पु—'हर्फ' का बहु, अक्षर माला ।
हुमूफ शनास (حروف شناس) अ फा वि—केवल अक्षर ज्ञान रखनेवाला, कम पढा-लिखा ।
हुमूफे क्कमरी (حروف قمرى) अ पु—अरबी में वे अक्षर जिनमें 'ल' मिलता नहीं है, जैसे—'अल कमर' और वे अक्षर हैं—
ه ي و م ك ق ف غ ع ح ح ح ت
हुमूफे शम्सी (حروف شمسي) अ पु—अरबी के वे अक्षर जिनमें 'ल' मिलकर वही अक्षर बन जाता है जिससे वह मिलता है, जैसे—अश्वगम्स (अल शम्स) वे अक्षर हैं—
ن ل ط ط ص ص ش س ز د د ث ت
हुमूब (حروب) अ पु.—'हर्व' का बहु, लडाइयाँ, जगे ।
हुमूबे सलीवी (حروب صليبي) अ. पु.—वह प्राचीन लडाइयाँ जो तुर्कों और ईसाइयों में हुई ।
हुमूर (حورود) अ. पु—गर्मी, उष्णता ।
हुमूर: (هورود) अ स्त्री—छोटी और खूबसूरत विल्ली ।
हुमूकत (حرقه) अ स्त्री—जलन, रोजिश, (विशेषत पेशाब की) ।
हुमूकते वौल (حرقه لول) अ स्त्री—पेशाब की जलन ।
हुमूफ (حرف) अ पु—एक दाने जो दवा में चलते हैं, चसुर, हालौन ।
हुमूत (حرمه) अ स्त्री—प्रतिष्ठा, संमान, इज्जत, मर्यादा, नामूस, सतीत्व, इस्मत; किसी वस्तु के खान-पान का धर्म में वजित होना, निषेध, मनाही ।
हुमूत बहा (حرمه بها) अ फा पु—वह धन जो किसी की मानहानि के बदले में दिलाया जाय ।
हुमूतान (حرومان) अ. पु.—बुद्धि, मेधा, अकल ।
हुमूस (حرومات) फा पु—पासियों का बुराई का खुदा, अहमन, शैतान ।
हुमूज (حروم) फा. पुं.—'हुमूज्द' का लघु, दे 'हुमूज्द'; एक द्वीप, खलीज फारिस ।

हुमुन्द (هموند) का पु -वहस्पति, मुगतरि, दे हार
मुन्द दाना गुड ह।

हुर (حور) अ स्त्री-स्नान स्थी वह दासी जा सेवा
मुक्त कर दी गई हो।

हुरी (هرا) का पु -बालाहल गार भयाङ्क गन्द,
डरावनी आवाज।

हुरीस (حرايب) अ पु -हारिस का बहु, किसान लग,
दृष्य वग।

हुरीयत (حرويت) अ स्त्री-स्वतन्त्रता स्वाधीनता आजाने।

हुरीयतपरस्त (حرويت پرست) अ का वि-जो परत
धीनता के बधना स मुक्ति चाहता हो। और इसके लिए हर
कुर्बानी को तयार हो।

हुरपा (حرفا) अ पु -हलाफ का बहु वह लग या राष्ट्र
जिन्होंने परस्पर मित्र रहने की शपथ की हो।

हुरल (حلال) अ पु -हलल का बहु स्वयं बचस्वाभूषण।

हुराकू (هراکو) तु पु -एक बहुत ही अल्पाचारी तुर्की
परेग या चिन्त खा का पाना था।

हुरूम (حلم) अ पु -स्वप्न स्वाव > हुरूम दानो
गुड ह।

हुरूक (هراوى) अ पु -बिनाग बरवानी हना वध
वत्त।

हुरूल (حلول) अ पु -आंतर ममाना प्रया एक आराम
का दूसर गरीर में प्रवा।

हुरूक (هراک) अ पु -बिनाग बरवानी वध कल
हत्या।

हुरूक (حلمه) अ पु -मयी एक प्रसिद्ध गाक।

हुरूम (حلمه) अ पु -स्वप्न स्वाव द हुरूम दाना गुड ह।

हुरुप (حلمه) अ पु -आभूषण जवर किमी जास्मी
या पापु की तलगा के लिए न्यि आनवाके गरीर क विल्ल।

हुरूल (حله) अ पु -वह कपड जा स्वयं में लिय जात ह।

हुरूलान (حلس) अ पु -मैड या बकरी का छाटा बच्चा
हलवान।

हुरूलाम (حلمه) अ पु -भड या बकरा का बच्चा।

हुरुष (حلو) अ वि-मधुर मीठा।

हुरूक (هراوى) अ अय-अगरण हुर व हुर रू का।
त जमा था वगा ही।

हुरूलाह (هراوى) अ का -बही ईकर ह।

हुरवा (هرودا) का वि-प्रकट ध्वज जगिर।

हुरावार (هراوار) का वि-हागावार का सपु = हागावार।

हुरावारी (هراوى) का स्त्री-हागावारी का लय द
हागावारी।

हुरावार (هراوار) का वि-हागावार।

हुरागा (هراغاه) अ पु -बच हुए जराअ प्राण।

हुरातान (هراغان) अ वि-स्ववान सुदर, हमीन व्यक्ति।

हुरातान (هراغان) अ पु -बडग, दृषाण, तलवार।

हुरसूव (هراوى) अ पु -हासिद का बहु ईपाल व्यक्ति या
डाहा जोग।

हुरसन (هراوى) अ पु -हिन का बहु हिने पु,
रसा क स्या।

हुरसूल (هراوى) अ पु -प्राप्ति लब्धि मिलना लाभ
मफा आय आमदनी परिणाम, फड निष्प
नतीजा।

हुरसूले इकितदार (هراوى) अ पु -सत्ता का प्राप्ति।

हुरसूले इत्म (هراوى) अ पु -इत्म की प्राप्ति, विषा
लाभ।

हुरसूले कामयाबी (هراوى) अ का पु -सफलता
प्राप्ति किसी काम में सफल होना।

हुरसूले तालीम (هراوى) अ पु -विद्यालयन गिगा
काम पगार हासिल करना।

हुरसूले नजात (هراوى) अ पु -मुक्ति लाभ बर्हिगा
हासिल हाना।

हुरसूले निपाज (هراوى) अ का पु -मुलाक़ात हाना
भट हाना।

हुरसूले फड (هراوى) अ पु -कीर्तिलभ यगन्म,
अयलाभ।

हुरसूले बरकत (هراوى) अ पु -प्रसादलाभ।

हुरसूले विहिस्त (هراوى) अ का पु -स्वकाम,
विहिस्त मिलना।

हुरसूले मकसद (هراوى) अ पु -आगा की प्राप्ति,
मवीकामता की प्राप्ति।

हुरसूले मल्लव (هراوى) अ पु -अपसिद्धि मल्लव
का प्राप्ति।

हुरसूले मुद्आ (هراوى) अ पु -ह मल्लव।

हुरसूले मुराद (هراوى) अ पु -मकाम और मवीकामता
में सफलता अवाकाशित वस्तु की प्राप्ति।

हुरसूले मे राज (هراوى) अ पु -उप्राप्ति की अतिम
गामा पर पहुच जाता।

हुरसूले सिफा (هراوى) अ पु -राजमुक्ति स्वास्व
प्राप्ति।

हुरसूले गुलत (هراوى) अ पु -गुलत और स्वानि का
प्राप्त हाना किमी काय या कलागियम प्रसिद्धि।

हुरसूले सभारत (هراوى) अ पु -किमी पुत्र स्थिति

की मेवा का सौभाग्य प्राप्त होना, किसी उपकार का यग मिलना ।

हुसुले सेहत (حصول صحت) अ पु—स्वारस्य प्राप्ति, रोग मुक्ति, मरज में शिफा ।

हुसन (حسين) अ पु—हृदयतअग्नी के छोटे मुपुत्र का नाम जिन्होंने यजीद का शासन स्वीकार नहीं किया था और इसके कारण उनको गद्दीद किया गया ।

हुसन (حسن) अ. पु.—सौंदर्य, सुदरता, सुवसूत्रता; शोभा, छटा, रौनक, उदा०—“हुसन गमजा की कजाफरा मे छुटा मेरे वाद, वारे आराम से है अहले जफा मेरे वाद ।”—गालिव

हुसन (حسن) अ स्त्री.—मतीत्व, उपकृत ।

हुसनअफजा (حسن افرا) अ फा वि—सुदरता बढ़ानेवाला, स्पवर्द्धक ।

हुसनआरा (حسن آرا) अ फा वि—सुदर, रूपवान्, अच्छी शकलवाला (वाली), सुदरता का शृंगारित करनेवाला ।

हुसनआराई (حسن آرائی) अ.फा स्त्री—सुदरता को आभूषित और शृंगारित करना अर्थात् बहुत सुदर होना ।

हुसनखेज (حسن خیز) अ फा वि—वह स्थान जहाँ के लोग सुंदर होते हों, सुदरता की उत्पत्ति करनेवाला ।

हुसनखेजी (حسن خیزی) अ.फा स्त्री—सुंदरता की उत्पत्ति, सौंदर्य की बहुतायत ।

हुसनपरस्त (حسن پرست) अ. फा. वि—सौंदर्य की पूजा करनेवाला, सुदर स्त्रियों को चाहनेवाला, सुदर वस्तुओं पर लट्टू रहनेवाला ।

हुसनपरस्ती (حسن پرستی) अ फा स्त्री.—सुदर स्त्रियों की कद्रवानी, सुदर चीजों पर मुग्धता ।

हुसनपसंद (حسن پسند) अ. फा वि—अच्छी चीजें पसंद करनेवाला, अच्छी स्त्रियों से मेल-जोल रखने और उन्हें चाहनेवाला ।

हुसनपसंदी (حسن پسندی) अ फा स्त्री—सुदर वस्तुओं को पसंद करना; अच्छी शकलवालों को चाहना ।

हुसनफरोश (حسن فروش) अ फा स्त्री—गणिका, बेव्या, तबाइफ, रूप बेचनेवाली ।

हुसनबखश (حسن بخش) अ. फा. वि—सुदरता प्रदान करनेवाला अर्थात् रूप देनेवाला, सुदर बनानेवाला ।

हुसना (حسنا) अ स्त्री—अति सुदर स्त्री, बहुत ही हसीन औरत, रूपवती, लावण्यप्रभा ।

हुसनियात (حسنيات) अ स्त्री—‘हुसना’ का बहु, सुदर और रूपवती स्त्रियाँ ।

हुस्ने अंजाम (حسن انجام) अ फा पु—किसी कार्य का फल और परिणाम अच्छा होना ।

हुस्ने अकीदत (حسن عقیدت) अ. पु—किसी की ओर अत्यधिक श्रद्धा ।

हुस्ने अल्लाफ (حسن اخلاق) अ. पु—गुणीयता, आचार व्यवहार में मद्दृष्टि ।

हुस्ने अदा (حسن ادا) अ फा पु.—वात कहने का अच्छा ढंग, लिखने की अच्छी शैली ।

हुस्ने आगाज (حسن آغار) अ. फा पु—कार्यारंभ में अच्छे शगुन और सुविधाओं की प्राप्ति ।

हुस्ने इत्तिजाम (حسن استطام) अ पु—कार्य विघेप के प्रवन्ध की सुदरता, मुप्रबंध ।

हुस्ने इंसिराम (حسن انصرام) अ पु.—दे ‘हु इत्तिजाम’ ।

हुस्ने इत्तिफाक (حسن انفاق) अ पु—किसी वात का अचानक तौर पर अच्छा हो जाना, देवयोग ।

हुस्ने एत्तिफाद (حسن اعتقاد) अ पु—दे ‘हु अकीदत’ ।

हुस्ने एत्तिमाद (حسن اعتقاد) अ पु.—किसी पर अत्यधिक विश्वास ।

हुस्ने कबूल (حسن قبول) अ पु.—किसी मिली हुई चीज को अच्छे प्रकार से कबूल करना, किसी दी जानेवाली वस्तु का भली-भाँति स्वीकार किया जाना ।

हुस्ने खिताब (حسن خطاب) अ पु—अच्छे प्रकार से सम्बोधित करना ।

हुस्ने खुदावाद (حسن خداवाद) अ फा पु—ईश्वर का दिया हुआ सौंदर्य, अर्थात् प्राकृतिक सुदरता, ईश्वरदत्त सौंदर्य ।

हुस्ने खुलक (حسن خلق) अ पु—दे ‘हु अस्लाक’ ।

हुस्ने गंदुमगू (حسن گندمگون) अ. फा पु—गेहुएँ रंग का सौंदर्य ।

हुस्ने गंदुमी (حسن گندمی) अ फा. पु—दे ‘हु गंदुमगू’ ।

हुस्ने गुप्तार (حسن گفتار) अ. फा पु—बोल-चाल की शिष्टता और माधुर्य ।

हुस्ने गुलसोज (حسن گلوسوز) अ फा पु—साँवलापन, मलाहत ।

हुस्ने जान (حسن جان) अ पु—किसी की ओर से अच्छा खयाल, सुधारणा ।

हुस्ने तक्कीर (حسن تقریر) अ पु—भाषण या बातचीत की सुदरता और मधुरता ।

हुस्ने तद्बीर (حسن تدبیر) अ पु—प्रयत्न की पटुता, युक्ति-चातुर्य, प्रवध की कुशलता, कूटनीति, पालीसी ।

हुस्ने तलब (حسن طلب) अ पु—माँगने का अच्छा ढंग, ऐसे ढंग से चीज माँगना कि देनेवाला देते हुए खुशी महसूस करे ।

हुस्ने तांलील (حسن تعلیل) अ पु—एक अर्थालकार ।

हुस्ने नजर (حسن نظر) अ पु—दृष्टि की अच्छे चुरे की परख,

वाँटि वा कबल अच्छी चीजा वा राना और उही की ओर जाना ।

हुस्ने नामर्षी (حسن سکن) अ पा पु-साँवला हुस्न नामर्षीनी मलाहत ।

हुस्ने फिरग (حسن فرنگ) अ पा पु-दुर्गलिस्तान वा सौन्दर्य जिसमें दिवालयन तमादा हाता है ।

हुस्ने बिरिस्त (حسن برسته) अ पा पु-साँवला हुस्न, मलाहत ।

हुस्ने मल्ला (حسن مطلع) अ पु-शबल म पहले गेर (मनला) के बाटवाला गेर ।

हुस्ने मलोह (حسن ملبه) अ पु-साँवलापन, मलाहत, नामर्षीनी ।

हुस्ने मरफिल (حسن مرفیل) अ पु-जिससे सभा की रोकक हा ऐसा व्यक्ति ।

हुस्ने मुकयद (حسن مفید) अ वि-सात्कारिक सौदय, परिमित सुदरता ।

हुस्ने मुजत्सम (حسن متصم) अ पु-जा सर स पाँव तक हुस्न हा हुस्न हो बहुत अधिक सुदर ।

हुस्ने मुल्लक (حسن مطلق) अ पु-ईश्वरीय सौन्दर्य, जमाल सुभावदी ।

हुस्ने यूसुफ (حسن يوسف) अ पु-यूसुफ वा सौन्दर्य जा सामारिक रुपा में सबश्रेष्ठ माना जाता है ।

हुस्ने लाजवाला (حسن لوزال) अ पु-दे हुस्न मुल्लक ।

हुस्ने सबीह (حسن صبه) अ पु-मारापन गुभ्रता ।

हुस्ने सब्ब (حسن سد) अ पा पु-हुस्ने मनीह ।

हुस्ने समाअत (حسن سماعت) अ पु-बात अच्छे प्रकार स ध्यानपूर्वक सुनना अच्छी आवाज और अच्छी बात सुनना ।

हुस्ने सादत (حسن سادته) अ पा पु-अप्राकृतिक रूप बनावटा हुस्न अकार और आभूषण द्वारा सजाया हुआ हुस्न ।

हुस्ने साद (حسن سادته) अ पा पु-बिल्कुल साधारण और सरल रूप जिसम बनावट की तनिक भी दखल न हो ।

हुस्ने सावगी (حسن سادگی) अ पा पु-स्वभाव की सरलता और भोलापन ।

हुस्ने सिमाअ (حسن سماع) अ पु-गाने वा सौन्दर्य श्रवण रस ।

हुस्ने सुलुक (حسن سلوک) अ पु-व्यवहार की निष्ठता दीन दुनिया की जायिक सहायता ।

हुस्नीइक (حسن عین) अ पु-सुदरता और प्रेम, नायक और नायिका ।

हुस्नाजमाल (حسن و جمال) अ पु-रूप और सौन्दर्य ।

हुस्न (حصنه) अ पु-मिस, हली की चक्क, द ईश्वर, दाना गुद ह ।

हुस्नान (حسنان) अ पु-गणना, गुमार, अनुमान, अंग, गिनता, गिनना ।

हुस्साव (حسان) अ पु-हासिद का बहु, ईर्ष्या वरत वाला राग, डाह बरनेवाळ व्यक्ति ।

हृ

हृ (هون) पा अव्य-सावधानी सूचक गल, 'हृ' पणा सूचक वाद नहा ।

हृ (هو) पा उभ-ब्रह्म ईश्वर गूय, छला, सुदान, छाली ।

हृत (حوب) अ स्त्री-मत्स्य, मछली, मीन राशि, बारहवाँ वृष, बुझे हृव ।

हृन (هون) अ पु-विरस्कार, अपमान बइस्बता ।

हृब (حوب) अ पु-यह व्यक्ति जो न भलाई कर सके न बुराई दखि वाल-बच्चे ।

हृय (حوب) अ पु-याप गुनाह हत्या हलाकत ।

हृयह (هو هو) पा वि-एक-जता बिल्कुल एव-सा सदा समान तुल्य मिसल ।

हृर (حور) अ स्त्री-होरा वा बहु, परतु उदू और फ्राँसी में एव बचन वालेने ह वट स्त्री जिसके वाल और आँखें बहुत स्याह हा और गरीर बहुत गोरा हो स्वग में रहने वाली सुदर स्त्री स्वर्गिनी स्वग वधु ।

हृर (حور) अ पु-हत्या हलाकत हानि नकसान ।

हृर जमाल (حور جمال) अ वि-जिसका रूप स्वर्गिनी जसा हो अयात बहुत ही सुदर स्त्री ।

हृर तलजत (حور طلعت) अ वि-दे हृर जमाल ।

हृर शमाइल (حور سامل) अ वि-स्वर्गिनीजा-जसे हाव भाववाणी स्त्री ।

हृराने विहित (حوران نهب) अ पा स्त्री-स्वग में रहनेवाली स्त्रियाँ स्वर्गिनीएँ ।

हृरलईन (حور العين) अ स्त्री-सुदर आँसोवाली हृर ।

हृरई (حور عين) अ पा स्त्री-दे हृरलईन ।

हृरौकुसूर (حور و صورت) अ पु-स्वग और स्वर्गिनी विहित और हृर ।

हृश (هوس) पा वि-जगती जानवर उजड़ु गवार ।

हृक (هو ك) अ स्त्री-हा हा हृ-हृ धारमाल चहल पहल अवाधानी ।

हे

हेच (هیح) फा. वि—तुच्छ, पोच; व्यर्थ, बेकार; कोई, कश्चित् ।

हेचकस (هیح کس) फा. वि.—अधम, नीच कमीना, कोई व्यक्ति ।

हेचकार (هیح کار) फा. वि—निकम्मा, काहिल, जिसके किये-धरे कुछ न हो ।

हेचगून: (هیح گونہ) फा. वि—किसी तरह, कैसे भी ।

हेचमदाँ (هیح مدان) फा. वि—कुछ न जाननेवाला, निपट मूर्ख ।

हेचमदानी (هیح مدانی) फा. स्त्री—कुछ न जानना, मूर्खता, अज्ञान ।

हेचमयज़ (هیح میرز) फा. वि—जिसका कोई मूल्य न हो, बेकर, तुच्छ ।

हेचमई (هیح مراد) फा. वि—दीन और दुःखी व्यक्ति ।

हेम (هیم) फा. स्त्री—'हेमिय' का लघु, जलाने की लकड़ी, ईंधन ।

हेमिय: (هیمیه) फा. स्त्री—ईंधन, जलाने की लकड़ी ।

हेल: (هیلہ) फा. पु.—'हलैल' का लघु, हड, हरीतकी ।

है

हैअत (هیتت) अ स्त्री—रूप, आकृति, शकल, ज्योतिर्विद्या, नजूम, आकाशीय पदार्थों की विद्या, खगोल विद्या ।

हैअतदाँ (هیتت دان) अ फा. वि—खगोल विद्या का जाननेवाला, ज्योतिषी ।

हैअते कज़ाई (هیتت کدائی) अ स्त्री—त्रेपभूषा, सूरत शकल, ऐसी धज जिसमें कोई हँसी का पहलू हो ।

हैअते मज्मूई (هیتت مجبوعی) अ. स्त्री—कोई वस्तु अपने सारे अंगों के साथ ।

हैकल (هیکل) अ स्त्री—प्रसाद, भवन, बड़ी इमारत; हार, गले की माला; आकृति, रूप, वेशभूषा, सजधज, मूर्तिगृह, मंदिर; कवच, ता'वीज ।

हैअ: (هیضه) अ पु.—कं दस्त का घातक रोग, विसूचिका ।

हैअ (حیض) अ. पु—आतं व, पुष्प, रज, ऋतु, कुसुम, स्त्री का मासिक धर्म का खून ।

हैअएववाई (هیضه و بوائی) अ पु—वह हैजा जो महामारी की शकल में फैला हो ।

हैअ (حیضه) अ स्त्री—रजस्वला, पुष्पवती, जिस औरत को मासिक धर्म हो रहा हो ।

हैअ (هیجا) अ पु.—युद्ध, समर, जग, लड़ाई ।

हैअन (هيجان) अ पु—अशाति, गडबड़ी, आवेश, जोश; कोलाहल, शोर, वेचैनी, इज्जतराव ।

हैअनअंगेज (هيجان انگيز) अ फा. वि—गडबड़ी मचानेवाला, अशाति फैलानेवाला, वेचैनी फैलानेवाला ।

हैअन खेज (هيجان خير) अ फा. वि—दे 'हैअनअंगेज' ।

हैअनी (هيجانی) अ वि—अशाति और वेचैनी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु ।

हैअम (هیرم) फा. स्त्री—जलाने की लकड़ी, ईंधन ।

हैअमकश (هیرم کش) फा. वि—लकड़हारा, लगाई-बुझाई करनेवाला ।

हैअमकशी (هیرم کشی) फा. स्त्री—लकड़हारे का काम; लगाई-बुझाई ।

हैअमफरोश (هیرم فروش) अ फा. वि—ईंधन बेचनेवाला, जलाने की लकड़ी का व्यापारी ।

हैअमफरोशी (هیرم فروشی) फा. स्त्री—ईंधन बेचने का पेशा ।

हैअरिजाल (حیض الرجال) अ पु—गीवत, चुगली, पिशु-नता, निदा ।

हैअन (هیتان) अ पु—अकृत, असत्य, झूठ ।

हैअर (حیدر) अ पु—शेर, सिंह, व्याघ्र, हज़त अली की उपाधि ।

हैअरे करार (حیدر کرار) अ. पु—हज़त अली की उपाधि, बारवार शत्रु की सेना पर टूटनेवाला ।

हैअ (حیف) अ पु—हा, आह, हाय-हाय, अपसोस ।

हैअ (هیعا) अ स्त्री—कृशोदरी, पतली कमरवाली ।

हैअत (هیتت) अ स्त्री—आतक, रो'व, धाक, भय, त्रास, डर, तेज, जलाल, प्रताप, इक्वाल ।

हैअतअंगेज (هیتت انگیز) अ फा. वि—भय उत्पन्न करनेवाला, भयकारक, त्रासजनक ।

हैअतअंगेजी (هیتت انگیزی) अ फा. स्त्री—भय उत्पन्न करना, त्रासजनक होना ।

हैअतअद: (هیتت زدہ) अ फा. वि—त्रस्त, भयभीत, डरा हुआ ।

हैअतअदगी (هیتت زدگی) अ फा. स्त्री—त्रास, भयभीत होना ।

हैअतअजा (هیتت زار) अ. फा. वि—दे. 'हैअतअंगेज' ।

हैअतनाक (هیتت ناک) अ. फा. वि—भयकर, रौद्र, भयानक, खौफनाक ।

हैअतनाकी (هیتت ناکی) अ फा. स्त्री—भयानक होना, खौफनाकी ।

हैअ (هیسا) अ पु—बे पानी का जगल, वियावान ।

हैमीय (همی) का स्त्री-जगने की भूमि लवडा।
 हैम (حمه) अ पु-अहि मप माप।
 हैमात (حمات) अ पु-हय का बहु बहुत से साप।
 हैमाल (حمال) अ वि-बहुत बना छगी बहुत बडा पूत,
 बहुत बना मवार।
 हैमिअ (حم) अ प-घान जगह छार, विनारा।
 हैमिजे फाकी (حمحकी) अ फा पु-मय तक ससार
 दुनिया।
 हैमलकालम (حمى العالم) अ पु-एक नूरी जो मग हरी
 भरी रत्ना है।
 हैरत (حدت) अ स्त्री-आचय विरमय तअनुब
 जचभा निस्त घता चकितता भीचकापन।
 हैरतअगेज (حدت ابرو) अ फा वि-आचयजक
 अजवा अजीबोगरीब।
 हैरतअगेबी (حدت ابروی) अ फा स्त्री-अजूबापन
 आचयजनकता।
 हैरतअपजा (حدت ابرو) अ फा वि-आचयवदक अचभा
 बगानेवाला।
 हैरतकद (حدت کده) अ फा पु-अहाँ हरवाल आश्चयजनक
 ही जहा हर तरफ अचभेवाली वानें हा।
 हैरतजान (حدت جان) अ फा पु-हे है क।
 हैरतजब (حدت خبر) अ फा वि-हे अपजा।
 हैरतजद (حدت زده) अ फा वि-चकित विस्मत
 निस्त अचम में पडा हुआ।
 हैरतजदगी (حدت زده گی) अ फा स्त्री-अचभे में पडा
 हुआ हाता।
 हैरतजा (حدت زار) अ फा पु-हेरतअजजा।
 हैरतजाक (حدت زاک) अ फा वि-हे है अजज'।
 हैरत फजा (حدت زار) अ फा वि-हैरतअपजा' का ठपु
 दे हैरत अपजा।
 हैरतसरा (حدت سارا) अ फा स्त्री-हे है कद।
 हैरतसामा (حدت سامان) अ फा वि-दे है अगेज'।
 हैरती (حدتی) अ वि-आचय में पडा हुआ चकित
 निस्त प।
 हैरते जलव (حدت جلود) अ स्त्री-प्रमिका के दान ने
 उत्पन निस्त पता।
 हैरते हुस्न (حدت حسن) अ स्त्री-सुरता के अनुभव से
 उत्पन हानवाली हैरत।
 हैरान (حدران) अ वि-चकित निस्त प हक्का-बक्का।
 हैरानी (حدرانی) अ स्त्री-विरमय आचय तअनुब
 हैरत।

हेल (حلل) अ स्त्री-गमित बल जार ताजत।
 हेल्ल (حیلولة) अ पु-आड ओट, आवरण, पग।
 हैवान (حیوان) अ पु-पगु चौपाया, वन-पगु जतु जगली
 जानवर हर वह बीज जो प्राण रत्ना हो जतवारी।
 हैवानात (حیوانات) अ प-हैवान' का बहु, पागल
 चौपाण मवगा।
 हैवानी (حیوانی) अ वि-पगु-सम्बधी पगुओं का
 पगुआ जमा।
 हैवानीयत (حیوانیة) अ स्त्री-पागल पागव अमान
 वता निस्तता कठोरता।
 हैवाने जाहिव (حیوان صاحبک) अ पु-हसनवाला प्राणी
 अथान बंदर।
 हैवाने नातिक (حیوان ناطق) अ पु-बानवाला प्राणी
 अथान मनुष्य।
 हैवाने मुल्क (حیوان مطلق) अ पु-निरापगु विस्तुल
 जानवर।
 हैस (حص) अ स्त्री-युद्ध बलह लणई कुमाग गति
 बराही।
 हैसबस (حصص بس) अ स्त्री-वाकबलह वाक्विव' वू-तू
 म-म।
 हैसियत (حیست) अ स्त्री-प्रतिष्ठित इज्जत अधिक
 अवस्था मागी हालत।
 हैसियतदार (حیستدار) अ फा वि-प्रतिष्ठित बी
 इज्जत धनवान मालगार।
 हैसियतमद (حیستمد) अ फा वि-हे दार।
 हैसियते उफा (حیست عربی) अ स्त्री-सबमें माना हुई
 प्रतिष्ठा।
 हैहात (همهات) अ स्त्री-हा हत हाय अपसोस हाय-राय।

हो

होज (هو) फा वि-चकित हैरान प्रस्त खोज'।
 होजा (هوران) फा वि-पफुल विवसित निगपन
 (स्त्री) नगिस का पू'।
 होर (هو) फा पु-रवि मूय मूरज।
 होरहा (هورحس) फा पु-मूय रवि मूरज।
 होरमुद (هو مرد) फा पु-बहुस्पति मुतरा एव
 प्रसिद्ध रह।
 होग (هورنگ) फा पु-रान का एक प्राचीन नरग।
 होग (هوش) फा पु-बुद्धि समस्त अवज सग जेतना
 खबरदारी विवेक तमीज अच्छे-बुरे के फक की बुद्धि
 नने के उतार की अवस्था।

होशबास्त: (هوش با حته) फा वि -जिसका दिमाग ठिकाने न हो, हतसंज्ञ।

होशमंद (هوش ملند) फा. वि.-बुद्धिमान्, अक्लमंद; सचेत, होशियार।

होशमंदी (هوش ملندی) फा. स्त्री -बुद्धिमत्ता, अक्लमंदी; चेतना, होशियारी।

होशियार (هوش یار) फा वि -बुद्धिमान्, अक्लमंद, चतुर, चालाक, सचेत, हवास में, छली, ठग; दक्ष, कुशल, माहिर।

होशियारी (هوش یاری) फा स्त्री -बुद्धिमत्ता; चातुर्य; चेतना, छल; धूर्तता; कुशलता।

होशरबा (هوش ربا) फा. वि -होग उडा देनेवाला, संज्ञा-हीन कर देनेवाला।

होशोखिरद (هوش و خرد) फा पु -संज्ञा और बुद्धि, अक्ल और तमीज।

होशोहवास (هوش و حواس) फा अ पु -दे. 'होशोखिरद'।

हौ

हौज: (حوصه) अ. पु -छोटा हौज।

हौज: (حوراه) अ पुं -राज का केंद्र, राजधानी; छोर कनारा, भग, योनि।

हौज (هوح) अ स्त्री -अज्ञानता, नासमझी; आतुरता, अधीरता, जट्टवाजी।

हौज (حوض) अ पु -पानी का पक्का कुड जो मस्जिदों या वगीचों में होता है।

हौदज (هودج) अ पु -ऊँट या हाथी की पीठ पर रखी जाने वाली अम्बारी, हौदा।

हौन (هون) फा पु -खेत की जमीन जिसमें ढेले बहुत हो।

हौन (هون) अ पु -सुख, शान्ति, प्रतिष्ठा, वकार, विनय, नम्रता, हलकापन।

हौव: (حوصه) अ पु -ननिहाल।

हौव (حوب) अ पु -पाप करना, गुनाह करना, इच्छा, ख्वाहिश, घबराहट, दुख, रज।

हौवत (حوبت) अ. स्त्री -पाप-कर्म, गुनाहगारी।

हौवा (حوا) अ. स्त्री -मुखेच्छा, आरामतलबी, आलस्य, काहिली।

हौम: (حومه) अ. पु -महायुद्ध, बहुत बड़ा जंग, हर बड़ी वस्तु।

हौरा (حورا) अ. स्त्री -गौरी स्त्री जिसके बाल और आँखें स्याह हों।

हौल (حول) अ. पुं -आसपास, चौगिर्द; ग्रहित, तुवानाई।

हौल (هول) अ. पु -भय, त्रास, डर, खीफ।

हौलअंगेज (هول انگير) अ. फा. वि -भय उत्पन्न करने-वाला, भयजनक।

हौलअपूजा (هول انرا) अ. फा. वि -भय बढ़ानेवाला, भय-वर्द्धक।

हौलजद: (هول زده) अ फा वि -भयभीत, भयाकुल, त्रस्त, डरा हुआ।

हौलज्जा (حول را) अ फा वि -दे 'हौलअगेज'।

हौलनाक (هول نای) अ. फा वि -भयकर, भयानक, भीषण, डरावना, खीफनाक।

हौलिंगी (هولگی) अ फा. वि.-त्रस्त, भयभीत, खाइफ; उद्विग्न, व्याकुल, परीशान।

हौश (حوش) अ पु -घर, गृह, मकान, स्थान, जगह।

हौसल: (حوصله) अ पु -उत्साह, हिम्मत, धृष्टता, ढीठपन; साहस, जुर्बत, उदंडता, गुस्ताखी, आवेग, जोश, बल्वला।

हौसल: अपूजा (حوصله انرا) अ फा. वि -उत्साहवर्द्धक, उत्साह बढ़ानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हौसल: अपूजाई (حوصله انرائی) अ फा स्त्री -प्रोत्साहन, हिम्मत बढ़ाना।

हौसल:मंद (حوصله ملند) अ. फा वि -साहमी, उत्साही, हिम्मती।

हौसल:मंदी (حوصله ملندی) अ. फा स्त्री -उत्साह होना, जोश और बल्वला होना।

हौसल:शिकन (حوصله شکن) अ फा वि -हिम्मत तोड़ने-वाला, उत्साह भेदी, दिल तोड़ देनेवाला।

हौसल:शिकनी (حوصله شکنی) अ फा स्त्री -हिम्मत तोड़ना, प्रोत्साहन न देना, दिल तोड़ना।



